हिन्दी समिति प्रभाग ग्रन्थमाला–२१

उर्दू-हिन्दी शब्दकोश

(जिसमें अरबी, फारसी, तुर्की के वे तमाम शब्द हैं जो प्राचीन फारसी ग्रन्थों में प्रयुक्त हुए हैं और जिनमें से अधिकतर अब भी प्रचलित हैं।)

सकलनकर्ता

मुहम्मद मुस्तफा खाँ 'मद्दाह'

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान (हिन्दी समिति प्रभाग)
राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन हिन्दी भवन
महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ

प्रथम सस्करण
१९५९
द्वितीय मस्करण
१९७२
तृतीय सस्करण
१९७७

मूल्य
१८·००
अट्ठारह रुपये

मुद्रक
जी० डब्लू० लारी एण्ड कं०
ल ख न ऊ

प्रकाशकीय

उर्दू-हिन्दी शब्दकोश का यह तीसरा सस्करण अपने पाठकों के संमुख प्रस्तुत करते हुए हमे प्रसन्नता हो रही है। काफी दिनो से दूसरा संस्करण समाप्त हो जाने के कारण इसकी माँग पूरी नही हो पा रही थी।

द्विभाषीय कोश जहाँ दो भाषाओ का एक दूसरे से परिचय कराते है वही दोनो भाषा-भाषी जन-समूहों के हृदय और मस्तिष्क को प्रभावित कर उनकी सस्कृति को भी समृद्ध करते हैं। भारत की भाषा होते हुए भी ऐतिहासिक कारणो से उर्दू ने फारसी, अरबी, तुर्की आदि मध्य पूर्व की भाषाओं से पर्याप्त शब्द-सम्पदा ग्रहण की है। अत इन शब्दों के वास्तविक अर्थ से परिचय प्राप्त करने के लिए इस प्रकार के कोश की आवश्यकता स्वत स्पष्ट है।

कोश के विद्वान् लेखक स्व० मुहम्मद मुस्तफा खाँ 'मद्दाह' फारसी, अरबी, हिन्दी, उर्दू, सस्कृत, बगला आदि कई भाषाओ पर समान अधिकार रखते थे। प्रस्तुत कोश मे अरबी-फारसी के उन कठिन शब्दो का विशेष चयन किया गया है जो उर्दू के लेखको द्वारा प्राय प्रयुक्त किये जाते है किन्तु कोशो मे अधिकत अनुल्लिखित रहते हैं। साथ ही अशुद्ध, किन्तु बहुव्यवहृत शब्द अपने शुद्ध रूप के साथ तथा अन्य दृष्टि से अशुद्ध किन्तु उर्दू या फारसी में शुद्ध माने जाने वाले शब्द भी व्याख्या सहित दे दिये गये है। इस कोश मे उच्चारण की शुद्धता पर विशेष बल दिया गया हैं। उर्दू मे एक उच्चारण के कई-कई अक्षर है इस-लिए हिन्दी मे लिखने के पश्चात् शब्द उर्दू मे भी कोष्ठक मे दे दिया गया है ताकि शुद्ध उच्चारण और लेखन के सम्बन्ध मे किसी प्रकार का सन्देह न रहे।

विश्वास है, हिन्दी जगत् मे इस कोश का पूर्ववत् स्वागत होगा तथा उर्दू साहित्य मे रुचि रखने वाले हिन्दी प्रेमियो, उर्दू-हिन्दी अनुवादको तथा द्विभाषीय सामान्य पाठको के लिए यह कोश उपयोगी सिद्ध होगा।

ठाकुर प्रसाद सिंह
निदेशक
उत्तर प्रदेश हिन्दी सस्थान

प्राक्कथन

कोश लिखने का शौक मुझे पागलपन की हद तक शुरू से ही है। अब से १५-१६ वर्ष पहले इसका श्रीगणेश पाली-उर्दू शब्दकोश से हुआ। इसके पश्चात् हिन्दी-उर्दू, फिर संस्कृत-उर्दू, फिर अरबी, फ़ारसी, तुर्की-उर्दू के बड़े-बडे कोश लिखे। सन् १९५० मे मेरे जेल के साथी आदरणीय श्री नारायणप्रसादजी अरोड़ा ने कहा कि 'उर्दू साहित्य बडी तेजी से हिन्दी मे लिप्यन्तरित हो रहा है, तुम एक उर्दू-हिन्दी-कोश केवल हिन्दी जाननेवालो के लिए हिन्दी लिपि में लिख दो।' बात अच्छी थी, बहुत पसन्द आयी और मैंने लिखना प्रारम्भ कर दिया। जब मैं उसे काफी लिख चुका तो अचानक ध्यान आया कि यदि किसी समय भारत से उर्दू लिपि खत्म हो गयी तो क्या होगा? भारत का सारा प्राचीन इतिहास फ़ारसी लिपि में है और एक समय उसका अनुवाद होना अनिवार्य है। ऐसी दशा मे एक ऐसे कोश की आवश्यकता महसूस होगी, जो इस कठिनाई का समाधान कर सके, और हमे प्राचीन फ़ारसी गन्थों का अनुवाद करने मे कोई विशेष परिश्रम न करना पड़े, इसलिए मैंने फिर से अपना काम शुरू किया। अब दृष्टिकोण दूसरा था, इसलिए काम बहुत क्लिष्ट हो गया और एक वर्ष के बजाय उसमे साढे तीन साल लग गये।

अब यह पूर्ण रूप से मुकम्मल है और आशा है कि भविष्य मे इस पर कुछ विशेष बढाया न जा सकेगा।

अंग्रेजी मे संसार की सारी भाषाओं के कोश मिलते है, यहाँ तक कि उन भाषाओ के शब्दकोश भी हैं, जो बहुत कम प्रचलित है, या बहुत थोड़े क्षेत्र में बोली जाती हैं।

भारत को भी यह सब करना है। यद्यपि अभी उसे स्वतन्त्र हुए बहुत कम समय बीता है, फिर भी उसे यह करना होगा। यदि मेरे जीवन ने कुछ और साथ दिया तो एक तुर्की-हिन्दी, एक आधुनिक अरबी-हिन्दी, एक आधुनिक फ़ारसी-हिन्दी कोश और लिखूंगा। इस समय तो मै सारा जोर एक हिन्दी-हिन्दी कोश पर दे रहा हूँ, जिसकी बहुत अधिक आवश्यकता है, और वह है प्राचीन हिन्दी-शब्दों का सग्रह और उनका अर्थ जो चन्द्रबरदाई, सूर, जायसी, तुलसीदास, बिहारी और अन्य प्रमुख कवियो ने अपनी रचनाओ मे प्रयुक्त किये हैं, और जिनका कोई मुकम्मल ग्रन्थ नही है, यहाँ तक कि 'नागरी प्रचारिणी सभा' के शब्द-सागर में भी उनमे से बहुत-से शब्द नही है।

मै अपना यह साहित्यिक परिश्रम माननीय श्री डाक्टर सम्पूर्णानन्दजी की सेवा मे उपस्थित करते हुए गर्व महसूस करता हूँ, क्योकि वह हमारे प्रदेश के मुख्य मन्त्री ही नही है, बल्कि बडे साहित्य-मर्मज्ञ, विद्वान् और सहृदय व्यक्ति है। मेरी उनसे यह भी प्रार्थना है कि वह ऐसे महत्त्वपूर्ण कामो के लिए भी एक रक़म हर साल बजट में सुरक्षित कर दिया करें।

मुमकिन है, इन कामों को अभी लोग महत्त्व न दे, लेकिन समय आयेगा जब लोग इसकी कद्र करेगे। मैंने यह काम उसी समय के लिए किया है।

उच्चारण की शुद्धता

किसी भाषा का सारा महत्त्व उसके शब्दो के शुद्ध उच्चारण में है। यदि उच्चारण अशुद्ध है तो बोलनेवाला कितना ही विद्वान् हो लोग उसे जाहिल समझेगे। शुद्ध उच्चारण तभी होगा, जब हम शब्द को शुद्ध रूप से लिखेंगे। यदि हम सस्कृत के शब्द 'सम्वद्ध' को 'समवदघ' लिख दे, तो यह शब्द मजाक बन जायगा। इसी प्रकार यदि हम उर्दू के शब्द 'फुज्ल' (विष्ठा) को 'फुजला' (विद्वान् लोग) लिख दें तो कितना वडा अन्तर हो जायगा। इस कोश मे इस बात पर यथेष्ट ध्यान दिया गया है।

हिन्दी मे जो उर्दू के कोश लिखे गये है, या हिन्दी शब्दकोशो में जो उर्दू के शब्द दिये गये है, उन सबका उच्चारण प्राय अशुद्ध है क्योकि उनके लेखको ने इस ओर ध्यान नही दिया है।

शब्द-क्रम

कोश को आधुनिक ढग से लिखा गया है, और पहले अनुस्वारवाला अक्षर लिया गया है। जैसे— हिन्दी मे पहला शब्द 'अक' है। परन्तु इस कोश मे इस सम्बन्ध मे शायद कुछ लोग भ्रम मे पड जायँ कि 'अकाश्त' तो अनुस्वार से है, 'परन्तु इन्कार' अनुस्वार से नही है। बात यह है कि फारसी में 'ङ' की ध्वनि है, परन्तु अरबी मे नही है। 'इङ्कार' लिखने से 'इकार' होता और अरबी के उच्चारण के अनुसार अशुद्ध होता, क्योकि अरबी मे यह शब्द 'इन्कार' है।

शब्दो की उर्दू लिपि

कुछ लोग यह भी सोचेगे कि हिन्दी मे लिखने के पश्चात् शब्द को उर्दू अक्षरो में लिखने की आवश्यकता क्या थी ? इसके विषय मे प्रार्थना है कि यह विवशत किया गया है। उर्दू मे एक उच्चारण के कई-कई अक्षर है जैसे–'स' के लिए तीन (ث-س-ص), ज के लिए छ (ج-ذ-ز-ژ-ض-ظ), और अ, क, ग, त, ह के लिए दो-दो है। ऐसी दशा मे शब्द के साथ उर्दू हिज्जे लिखना अनिवार्य हो गया।

'असीर' शब्द उर्दू मे पाँच प्रकार से लिखा जाता है और सबका अर्थ अलग-अलग है। اسیر बन्दी, कैदी, اثیر निष्केवल, खालिस, عسیر दुष्कर, मुश्किल, عصیر अगूर का शीरा; عثیر धूलि, गर्द। यदि हर शब्द के साथ उर्दू लिपि न हो तो बडी कठिनता हो।

उच्चारण-भेद

एक दूसरी बहुत ही आवश्यक और ध्यान मे रखनेवाली बात यह है कि सस्कृत मे जहाँ एक अक्षर मे दूसरा भिन्न अक्षर मिलता है वहाँ प्राय उस अक्षर का जिसमे दूसरा अक्षर मिला है द्वित्व हो जाता है, मगर फारसी या अरबी के शब्दो मे ऐसा कभी नही होता। जैसे–'भद्र' का उच्चारण 'भद्द्र होगा, परन्तु अरबी शब्द 'बद्र' का उच्चारण 'बद्‌र' होगा। 'अन्याय' का उच्चारण अन्न्याय होगा, परन्तु दुन्या का उच्चारण 'दुन्‌या' होगा। इसी तरह 'पत्री' का उच्चारण 'पत्त्री' होगा, परन्तु फित्री' का उच्चारण 'फित्‌री' होगा। इन्ही उदाहरणो पर सारे कोश का अनुमान लगा लीजिए।

एक शब्द के कई उच्चारण

अरबी, फारसी कोश मे बहुत-से शब्द ऐसे है जिनके कई-कई उच्चारण है। इस कोश मे उन सबको दे दिया गया है। साथ ही जो शब्द अशुद्ध बोले जाते है, वह अशुद्ध शब्द भी दे दिये गये है और

वही उनके शुद्ध शब्द का हवाला दे दिया गया है । जो शब्द अशुद्ध है, परन्तु उर्दू या फारसी मे शुद्ध मान लिये गये हैं उनकी व्याख्या भी कर दी गयी है ।

एक विवशता

हिन्दी मे 'ज' के नीचे बिन्दी देकर 'ज़' बना लिया गया है और उससे ज़े, ज़ाल, ज़्वाद, ज़ो का काम ले लिया गया है, परन्तु 'फारसी जे' (के लिए कोई ऐसा चिह्न) न मिल सका जो इसके उच्चारण की पूर्ति कर देता । 'फारसी जे' का उच्चारण अंग्रेजी शब्द 'treasury' के 'ज़' की तरह है, पाठकगण उर्दू शब्द देखकर, इसका उच्चारण करे ।

अलबत्ता 'ऐन' और 'अलिफ़' का फर्क करने के लिए जहाँ 'ऐन' शब्द के बीच में आया है वहाँ (–'–) चिह्न लगाकर उसे प्रकट कर दिया है । जैसे—आ'ला (اعلیٰ), मे'यार, (معیار) मा'कूल (معقول) इत्यादि ।

मुहम्मद मुस्तफ़ा ख़ाँ 'मद्दाह' (अहमक़)

सङ्केत-तालिका

अ० फा०—अरबी फारसी
अव्य०—अव्यय
इ०—इब्रानी
उ०—उर्दू
उदा०—उदाहरण, जैसे
क्रि०—क्रिया
ती० शु० हैं—तीनो शुद्ध है
तु०—तुर्की
तु० फा०—तुर्की फारसी
दे०—देखिए
दो० शु० हैं—दोनों शुद्ध हैं
पु०—पुल्लिग
प्रत्य०—प्रत्यय
फा०—फारसी
फा० अ०—फारसी अरबी
फा० तु०—फारसी तुर्की
बहु०—बहुवचन
व्या०—व्याकरण
लघु०—लघु रूप
वा०—वाक्य
वि०—विशेषण
स्त्री०—स्त्रीलिङ्ग

उर्दू-हिन्दी शब्द-कोश

अ

अंकाश्तः (انكاشته) फा वि –दे 'अगाश्त' जो अधिक शुद्ध है।

अकिश्त (انكشت) फा पु –कोयला, जली हुई लकडी।

अकुज (انكژ) फा पु –हाथीवान का आँकुस, अकुश।

अकुस (انكس) फा पु –आँकुस, अकुश।

अगल्यून (انگليون) फा स्त्री –इजील, बाइबिल, ईसाइयो का धार्मिक ग्रथ।

अगार' (انگاره) फा पु –रेखाचित्र, खाका, अधूरा चित्र, हिसाब-किताब का रजिस्टर, उपन्यास, कहानी, लेख, निगारिश, हर अधूरी वस्तु।

अंगार (انگار) फा प्रत्य –सोचनेवाला, चाहनेवाला, जैसे 'सहल अगार' सुगमता चाहनेवाला।

अंगाश्त (انگاشته) फा वि –जाना हुआ, समझा हुआ, ज्ञात।

अगाश्तनी (انگاشتنی) फा वि –जानने योग्य, समझने योग्य।

अगिश्त (انگشت) फा पु –दे 'अकिश्त' दो शु है।

अगुज (انگوزه) फा स्त्री –हीग, एक प्रसिद्ध गोद।

अगुज (انگژ) फा पु –दे 'अकुस'।

अगुल (انگله) फा पु –कुरते आदि का तुक्म, जिसमे घुडी डाली जाती है।

अगुश्त (انگشت) फा स्त्री –उँगली, अगुलि।

अगुश्तनुमा (انگشت نما) फा वि –प्रसिद्ध, मशहूर, कुख्यात, बदनाम। उर्दू मे दूसरे अर्थ ही लिये जाते हैं।

अगुश्तनुमाई (انگشت نمائی) फा स्त्री –कुख्याति, बदनामी, अपयश, निदा।

अगुश्तपेच (انگشت پیچ) फा पु –वचन, प्रतिज्ञा, अहद, दस्तावेज।

अगुश्त बददाँ (انگشت بدندان) फा वि –जो अचभे के कारण दाँतो मे उँगली दाबकर रह गया हो, निस्तब्ध, चकित।

अगुश्तरी (انگشتری) फा स्त्री –मुद्रिका, अगूठी।

अगुश्तान (انگشتانه) फा पु –उँगली की रक्षा के लिए उस पर पहना जानेवाला धातु आदि का खोल, अगुलित्राण।

अगुश्ते जिन्हार (انگشت زنہار) फा वि –पराजित, वशीभूत, मग्लूब।

अंगुश्ते नर (انگشت نر) फा पु –अँगूठा, अगुष्ठ।

अगुश्तो (انگشتو) फा पु –घी और शक्कर डालकर चूर की हुई रोटी, मलीदा, चूरमा।

अगूर (انگور) फा पु –एक सुप्रसिद्ध फल, द्राक्षा, भरते हुए जख्म के लाल दाने।

अगूरी (انگوری) फा वि –अगूर के रग की (वस्तु), अगूर से बनी हुई, अगूर से सबध रखनेवाली (वस्तु)। लाक्षणिक अर्थ मे अगूर-निर्मित (मदिरा) भी।

अगेख्त (انگیخته) फा वि –उठाया हुआ, उत्थापित, उभारा हुआ, उत्तेजित।

अगेख्तनी (انگیختنی) फा वि –उठाने योग्य, उभारने योग्य।

अगेज' (انگیزه) फा पु –कारण, सबब।

अगेज (انگیز) फा प्रत्य –उठानेवाला, उभारनेवाला, जैसे 'दर्द-अगेज' दर्द उठाने अर्थात् उत्पन्न करनेवाला, पीडा-जनक।

अगेजिंद (انگیزنده) फा वि –उठानेवाला, उभारनेवाला, उत्तेजित करनेवाला।

अगेजीद (انگیزیده) फा वि –उठाया हुआ, उभारा हुआ, तेज किया हुआ।

अगेजीदनी (انگیزیدنی) फा वि –उठाने योग्य, उभारने योग्य, तेज करने योग्य।

अगोज (انگوزه) फा स्त्री –दे 'अगुज', शुद्ध उच्चारण वही है, परन्तु यह भी बोलते है।

अग्बी (انگبیں) फा पु –मधु, शहद।

अज (عنز) अ स्त्री –बकरी, अजा, हरिणी।

अजब (انجب) अ वि –बहुत अधिक शुद्ध रक्तवाला, कुलीनतम, दासीपुत्र, लौडी-बच्चा।

अजल (انجل) अ वि –बडी आँखोवाला, विशालनेत्र।

अजस (انجس) अ वि –बहुत अधिक अपवित्र, बहुत ही गदा।

अंज़ा' (انزع) अ वि –जिसके माथे के दोनो ओर के बाल झड गये हो।

अंजाम (انجام) फा. पु –परिणाम, फल, नतीजा, अन्त, अख़ीर, पूर्ति, तक्मील।

अंजामिदः (انجامندہ) फा वि –अंजाम पानेवाला, पूर्ण होनेवाला, समाप्त होनेवाला, ख़त्म होनेवाला।

अंजामीदः (انجامیدہ) फा वि –अंजाम पाया हुआ, पूरित, समाप्त, ख़त्मशुद।

अंज़ार (انظار) अ स्त्री –'नज़र' का बहु, दृष्टियाँ, नज़रें।

अंजास (انجاس) अ स्त्री –'नजिस' का बहु, अपवित्रताएँ, गदगियाँ।

अंजीदः (انجیدہ) फा वि –क्षत, आहत, ज़ख्मी, घायल, अभिभूत।

अंजीर (انجیر) अ पु –दे शु उच्चारण 'इंजीर'।

अंजुदान (انجدان) अ पु –हीग का पेड, हीग की लकडी जो दवा के काम आती है।

अंजुम (انجم) अ पु –'नज्म' का बहु, उडुगण, तारे।

अंजुमन (انجمن) फा स्त्री –सभा, सस्था, इदार, गोष्ठी, महफिल, समिति, कमेटी, सघ, एसोसिएशन।

अंजुमनआरा (انجمن آرا) फा वि –सभा की शोभा बढानेवाला (वाली), सभा मे अपनी उपस्थिति से श्रीवृद्धिकर्त्ता, सभा मे उपस्थित, जैसे–"वह अंजुमनआरा हैं महफिल मे रकीबो की", सभा मे सुशोभित।

अंजुमन आराई (انجمن آرائی) फा स्त्री –सभा की शोभा बढाना, सभा में उपस्थिति।

अंतर (عنتر) अ पु –एक प्रकार की बडी मक्खी, ख़रमगस।

अंद (اند) फा वि –अल्प, न्यून, थोडा, कतिपय, चद।

अंदक (اندک) फा वि –अल्प, न्यून, कम, थोडा।

अंदर (اندر) फा वि –भीतर, अतर्गत।

अंदरूँ (اندروں) फा पु –'अंदरून' का लघु दे 'अंदरून'।

अंदरून (اندرون) फा पु –भीतर, अदर, जठर, पेट।

अंदरूनी (اندرونی) फा वि –आतरिक, भीतरी, मानसिक, रूही।

अंदर्ज़ (اندرز) फा स्त्री –हितोपदेश, नसीहत।

अंदर्वा (اندروا) फा वि –लटका हुआ, अधोमुख, औंधा, उद्विग्न, परेशान, चकित, हैरान, क्षुब्ध।

अंदल (عندل) अ वि –बडे डीलडौल का ऊँट, सर्व का लबा पेट।

अंदलीब (عندلیب) अ स्त्री –एक प्रसिद्ध गानेवाली चिडिया, बुलबुल, कलिवकक, गोवत्सक।

अंदलुस (اندلس) अ पु –यूरोप का एक राष्ट्र, स्पेन।

अंदाइश (اندائش) अ स्त्री –दीवार पर किया जानेवाला लेस, लेपन, कहगिल।

अंदाख़्तः (انداختہ) फा वि –फेका हुआ, डाला हुआ।

अंदाख़्तनी (انداختنی) फा वि –फेंकने योग्य, डालने योग्य।

अंदाज़ः (اندازہ) फा पु –अनुमान, अनुमिति, तख़्मीना, अटकल, कियास, विचार, ख़याल, शक्ति, ताकत, साहस, जुर्रत, नमूना, बानगी, चिह्न, निशान, निश्चय, इरादा।

अंदाज़ (انداز) फा पु –अनुमान, अदाज़ः, अटकल, कियास, शैली, पद्धति, तर्ज़, हावभाव, नाज़ो अदाज़ा, (प्रत्य) फेंकनेवाला, जैसे 'तीर अदाज़' तीर चलानेवाला। "तीरदाज़" भी प्रयुक्त, जैसे–"तिर्छी नज़रो से न देखो आशिके दिलगीर को, कैसे 'तीरदाज' हो, सीधा तो कर लो तीर को"।

अंदाज़न (اندازاً) फा वि –अनुमानत, अदाज़े से, अटकल से, कियासन, लगभग, करीब-करीब।

अंदाम (اندام) फा पु –शरीर, देह, जिस्म।

अंदामी (اندامی) फा पु –वह सुन्दर वस्त्र जो शरीर पर बिलकुल ठीक हो।

अंदामे निहानी (اندام نہانی) फा स्त्री –स्त्री की गुह्येन्द्रिय, योनि, भग, फ़ुर्ज़, वराङ्ग, स्त्री का गुप्ताग।

अंदाय (اندایہ) फा पु –दीवारो पर लेस करने की करनी, गिल माल।

अंदार (اندار) फा पु –कहानी, आख्यायिका, किस्सा।

अंदीक (اندیک) फा अव्य –आशा है, उम्मेद है।

अंदीद (اندیدہ) फा वि –चकित, स्तब्ध, हैरान।

अंदीदनी (اندیدنی) फा वि –अचभे के योग्य।

अंदुर्ज़ (اندرز) फा स्त्री –दे 'अदर्ज़' दो शु हैं।

अंदुहाँ (اندہاں) फा वि –दु खित, खेदग्रस्त, ग़मगीन।

अंदूद (اندودہ) फा वि –लेपा हुआ, पोता हुआ, मढा हुआ, चढाया हुआ।

अंदेशः (اندیشہ) फा पु –शका, शुब्हा, भय, ख़तरा, चिंता, फ़िक्र।

अंदेशः नाक (اندیشہ ناک) फा वि –चिन्ताजनक, तश्वीशनाक, भयानक, ख़तरनाक।

अंदेश (اندیش) फा प्रत्य –सोचनेवाला जैसे 'बदअंदेश' बुराई सोचनेवाला। अभिलाषी, 'ख़ैर-अंदेश'=शुभाभिलाषी।

अंदेशिंद (اندیشندہ) फा वि –सोचनेवाला, विचारनेवाला।

अंदेशीद (اندیشیدہ) फा वि –सोचा हुआ, विचारा हुआ।

अंदेशीदनी (اندیشیدنی) फा वि –सोचने योग्य, सोचनीय।

अंदोख़्तः (اندوختہ) फा वि —कमाया हुआ, उपार्जित, जमा किया हुआ, सचित, धन, सपत्ति।

अंदोख़्तनी (اندوختنی) फा वि —कमाने योग्य, जमा करने योग्य।

अंदोह (اندوہ) फा. पु —क्लेश, दुख, कष्ट, रज।

अंदोहगीं (اندوہگیں) फा वि —दुखित, शोकान्वित, रजीदा।

अंदोहनाक (اندوہناک) फा वि —शोकपूर्ण, रज मे डूबी हुई बात, शोकान्वित, विषादपूर्ण।

अंद्जान (اندجان) फा पु —तूरान का एक नगर।

अंबः (انبہ) फा. पु —एक प्रसिद्ध फल, आम्र, आम, रसाल।

अंबज (انبج) अ पु —दे 'अंब'।

अंबर (عنبر) अ. पु —एक प्रसिद्ध बहुमूल्य सुगधित पदार्थ, जो मछली के मुख से द्रवित होता एवं दवा मे काम आता है।

अंबरचः (عنبرچہ) अ फा स्त्री —दे 'अंबरीन'।

अंबरबारीस (انبرباریس) अ स्त्री —एक खट्टा फल जो दवा मे चलता है, ज़िरिश्क।

अंबरबेज़ (عنبربیز) अ फा. वि —अंबर जैसी सुगध फैलानेवाला, अंबर छिडकनेवाला।

अंबरबेज़ी (عنبربیزی) अ फा स्त्री —अंबर छिडकना, अंबर की सुगध फैलाना।

अंबरागीं (عنبرآگیں) अ फा—वि दे 'अंबरी'।

अंबरीं (عنبریں) अ फा वि —जिसमे अंबर जैसी सुगध हो, जो अंबर की सुगध मे बसा हो; जिसमे अंबर मिला हो।

अंबरीनः (عنبرینہ) अ फा. स्त्री —स्त्रियो की गले मे पहनने की धुकधुकी।

अंबरेसारा (عنبرسارا) अ. फा पु —वह अंबर जो बिलकुल बेमेल हो, विशुद्ध अम्बर। हृदयशक्तिवर्धक औषध-द्रव्य।

अंबह (انبہ) अ वि —बहुत अधिक सूचना देनेवाला, बहुत अधिक चेतावनी देनेवाला।

अंबाग़ (انباغ) अ स्त्री —सौत, एक पुरुष की दो स्त्रियो में से कोई एक जो दूसरी की सौत होती है।

अंबाज़ (انباز) फा वि —भागीदार, साझेदार, शरीक, पार्टनर।

अंबाज़ (انباز) अ पु —'नबज़' का बहु उपाधियाँ, अल्काब।

अंबानः (انبانہ) फा पु —मश्क जैसा एक चमडे का पात्र जिसमे नाज भरा जाता है।

अंबान (انبان) फा पु —कमाया हुआ चमडा, कूम, फकीर की चमडे की झोली, छोटी मश्क, मश्कीज़.।

अंबानेनिफ़्त (انبان نفط) फा अ पु —चमड़े का कुप्पा, जिसमे बारूद अथवा मिट्टी का तेल भरकर शत्रु की सेना पर फेंकते थे।

अंबानेबाद (انبان باد) फा पु —लोहार की चमडे की धौंकनी।

अंबार (انبار) अ पु —ढेर, राशि, टाल।

अंबारख़ानः (انبارخانہ) अ. फा पु —वह गोदाम जहाँ माल का स्टाक रहता है, मालगोदाम।

अंबुरः (انبرہ) तु पु.—सडसी, जिससे लोहार गर्म लोहा पकडते हैं।

अंबुर (انبر) तु पु —दे 'अंबुर'।

अंबुह (انبہ) फा पु —'अंबोह' का लघु. दे 'अंबोह'।

अंबूबः (انبوبہ) अ पु —दे शु. उच्चारण 'उंबूब.'।

अंबोह (انبوہ) फा पु —समुदाय, समूह, भीड, जमाव, हुजूम।

असफ (انصف) फा वि —बहुत अधिक न्याय करनेवाला।

असब (انسب) अ वि —बहुत मुनासिब, अत्युचित।

अंसाब (انساب) अ पु —'नसब' का बहु, वशावलियाँ, नसबनामे।

अंसाब (انصاب) अ पु —'नसब' का बहु आपत्तियाँ, दुख-समूह, मुसीबते, मूर्तियाँ जो पूजी जाती है।

अंसार (انصار) अ पु —'नस्र' का बहु, सहायता करनेवाले, सहायकगण, मदीने के वह लोग जिन्होंने हज़रत मुहम्मद साहब को और उनके साथियो को अपने घरो में ठहराया था और उनकी सहायता की थी।

अंसारी (انصاری) अ वि —अरब की अंसार जमाअत का व्यक्ति, असार का वशज, आधुनिक समय मे जुलाहो की उपाधि।

अआज़िम (اعاظم) अ पु —'आ'ज़म' का बहु, बडे-बडे लोग।

अआजिम (اعاجم) अ पु —'आ'जम' का बहु, गूंगे लोग।

अआदी (اعادی) अ पु —'अदू' का बहु शत्रुगण, दुश्मन लोग।

अआली (اعالی) अ पु —'आ'ला' का बहु, ऊँचे और प्रतिष्ठित लोग।

अइज़्ज़ः (اعزہ) अ पु —'अज़ीज़' का बहु, वशवाले, नातेदार।

अइन्नः (اعنہ) अ पु —'इनान' का बहु, घोडो की लगामे।

अइफ़्फ़ः (اعفا) अ पु —अफीफ का बहु, इन्द्रियनिग्रही लोग, वे लोग जो पराई स्त्री की ओर आँख न उठाएँ।

अइम्मः (ائمہ) अ पु —'इमाम' का बहु, किसी कलाविशेष के आचार्य लोग।

अइम्मः (اعمہ) अ पु —'अम' का बहु, चचा लोग।

अकक (عکک) अ पु —उमस, तौंस, गर्मी, ग्रीष्म।

अकद (عقد) अ पु —बात करने मे ज़बान का लडखडाना, रस्सी मे गाँठ पडना।

अकद (عکد) अ पु –मोटा होना, स्थूल होना, चरबी चढना।

अकब (عقبہ) अ पु –कडा रास्ता, कठिनता से पहुँचने वाला स्थान, जटिल समस्या।

अकब (عقب) अ पु –परोक्ष, पीठ पीछे, पश्चात्, बाद।

अकब (عکب) अ पु –होठ या चिबुक का मोटापा।

अकर (عکر) अ पु –तेल की गाद, शराब की तलछट, हौज़ के पानी की गाद।

अकल [ल्ल] (اقل) अ वि –बहुत थोडा, अत्यल्प।

अकल्लीयत (اقلیت) अ स्त्री –किसी देश की वह जनता जो दूसरी जनता की अपेक्षा कम हो, अल्पसख्यक।

अकस (عقص) अ पु –कृपण होना, दु शील होना।

अकस (عکص) अ पु –पशु का चचल, शरीर और बुरे स्वभाव का (जसे —खना) होना।

अकाइद (عقائد) अ पु –'अकीद' का बहु, अकीदे, धर्म विश्वास।

अकाक (عقاق) अ पु –पेट का बोझ, गर्भ, पीठ का बोझ, गट्ठर।

अकाकीर (عقاقیر) अ स्त्री –'अक्कार' का बहु, जगली जडी-बूटियाँ, वनस्पतियाँ।

अकाज़ीब (اکاذیب) अ पु –'किज़ब' का बहु, झूठी और सारहीन बाते।

अकानीम (اقانیم) अ पु –'उक्नूम' का बहु, ईसाई धर्मग्रथ।

अकानीमे सलास (اقانیم ثلاثہ) अ पु –ईसाई धर्मग्रथ की तीन महत्त्वपूर्ण पुस्तके।

अकाबिर (اکابر) अ पु –'अकबर' का बहु, प्रतिष्ठित जन, बडे लोग।

अकारिब (اقارب) अ पु –'अक़ब' का बहु, समीपवाले, रिश्तेदार, स्वजन।

अकारिब (عقارب) अ पु –'अ'क्रब' का बहु, बहुत-से बिच्छू।

अकारिम (اکارم) अ पु –'अक्रम' का बहु, पूज्य व्यक्ति, श्रेष्ठ जन।

अकालीम (اقالیم) अ पु –इक्लीम का बहु, बहुत से देश, बहुत से महाद्वीप।

अकासिर (اکاسرہ) अ पु –'किस्रा' का बहु, 'किस्रा' उपाधि रखनेवाले सम्राट्।

अकासी (اقاصی) अ वि –'अक्सा' का बहु, दूरवाले।

अकिब (عقب) अ पु –एडी, बेटा, पुत्र, पोता, बेटे का बेटा।

अकिल (اکلہ) अ पु –एक बहुत ही खराब फोडा, जिसे 'आकिल' भी कहते है।

अक़ीक़ः (عقیقہ) अ पु –मुसलमान बच्चो का मुडन और नामकरण सस्कार जिसमें बकरी की कुर्बानी होती है।

अकीक (عقیق) अ पु –एक बहुमूल्य पत्थर जो कई रग का होता है। नजर बचाने के लिए माताएँ इसे बच्चो के गले में पहनाती हैं। दिल धडकने की बीमारी मे पहनने से लाभ होता है।—"अकीके-सुर्ख की तख्ती है लख्ते-दिल मेरा, गले में डाल लो इसको नज़र-गुज़र के लिए।"

अकीद (عقیدہ) अ पु –धर्म, मत, मज़्हब, श्रद्धा, ऐतिकाद, विश्वास, यकीन।

अकीद (اکید) अ वि –दृढ, मज़बूत, पुख्त।

अकीदत (عقیدت) अ स्त्री –श्रद्धा, आस्था, एतिकाद, भरोसा, एतबार, निष्ठा।

अक़ीदत केश (عقیدت کیش) अ फा वि –श्रद्धावान्, श्रद्धालु, मो'तकिद।

अकीदतमद (عقیدتمند) अ फा वि –दे 'अकीदत केश'।

अकीदत शिआर (عقیدت شعار) अ वि –दे 'अकीदत केश'।

अक़ीदत सज (عقیدت سنج) अ फा वि दे –'अक़ीदत केश'।

अकीब (عقیب) अ वि –पीछे आनेवाला, पीछे चलनेवाला, अनुगामी, अनुकर्ता, पैरो, अनुयायी।

अकीम (عقیمہ) अ स्त्री –बाँझ, बध्या, जिस स्त्री के सन्तान न होती हो।

अकीम (عقیم) अ पु –बाँझ पुरुष, जिस पुरुष के वीर्य मे सतान उत्पन्न करने के कीटाणु न हों, क्लीव, नपुसक।

अकीर (عقیر) अ वि –निराश, नाउम्मेद, बाँझ, बध्या।

अकील (اکیلہ) अ स्त्री –खाने की चीज, खाद्य पदार्थ।

अक़ील (عقیلہ) अ वि –अपनी जाति का नेता, हर अच्छी चीज, श्रेष्ठतम, बरगुज़ीद, (स्त्री) पर्दानशीन स्त्री, बुद्धिमती, आकिल।

अकील (عقیل) अ वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, ऊँट के पाँव बाँधने की रस्सी।

अकील (اکیل) अ वि –साथ खानेवाला, हमकास, सहभोजी।

अक़्बत (عقوبت) अ स्त्री –यातना, पीडा, तकलीफ, पाप, यातना, अज़ाब।

अकूर (عقور) अ वि –जिसे कुत्ते ने काट लिया हो, श्वानदशित।

अकूल (اکول) अ वि –बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।

अक़्अक़ (عقعق) अ पु –एक प्रकार का कौआ, जो बहुत तेज़ उडता है।

अक्कः (عکہ) अ पु –दे 'अक्अक'।

अक्कार (عقار) अ पु –वनस्पति, जगली जडी-बूटी।

अक्कार (اکار) अ पु –कृषक, किसान, कूपकार, कुआँ खोदनेवाला।

अक्कालः (اکالہ) अ वि –बहुत ही अधिक खानेवाला, बहुत बडा पेटू, अतिभोजी, अमिताहारी।

अक्काल (اکال) अ वि –बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।

अक्कास (عکاس) अ वि –छापाकार, फोटोग्राफर, चित्रकार, अक्स उतारनेवाला।

अक्कासी (عکاسی) अ स्त्री –छापाकर्म, फोटोग्राफी, चित्रकारी, अक्स उतारना, प्रतिलिपि, नक्ल, नकल।

अक्च. (اقچہ) तु पु –सोने-चाँदी का छोटा टुकडा।

अक्जब (اکذب) अ वि –बहुत बडा झूठा, बहुत बडा पापी।

अक्ज़ा (اقضی) अ वि –बहुत बडा हुक्म देनेवाला, बहुत बडा काम करनेवाला।

अक्ज़िय. (اقضیہ) अ पु –'कजा' का बहु, आज्ञाएँ, हुक्म।

अक्ता' (اقطع) अ वि –जिसके हाथ कटे हो।

अक्ताअ (اقطاع) अ पु –'कत्अ' का बहु, जागीरें, परगने, प्रदेश, इलाके।

अक्ताब (اقطاب) अ पु –'कुत्ब' का बहु, बडे-बडे महात्मा और वली।

अक्तार (اقطار) अ पु –'कत्र' का बहु, बूंदे, 'कुत्र' का बहु, किनारे।

अक्तार (اقتار) अ पु –'कुत्र' अथवा 'कुतुर' का बहु, किनारे, शिकारियो की ठाहे।

अक्द (عقد) अ. पु –विवाह, पाणिग्रहण, ब्याह, ग्रथि, गॉठ, वचन, प्रतिज्ञा, अह्द, निकाह।

अक्दर (اکدر) अ वि –बहुत गँदला, बहुत मैला।

अक्दस (اقدس) अ वि –बहुत पवित्र, बहुत पाक, बहुत प्रतिष्ठित, बहुत बुजुर्ग, बहुत कल्याणकारी।

अक्दह (اقدح) अ वि –बहुत खराव, निकृष्टतम, बहुत अधिक व्यग और कटाक्ष करनेवाला, बहुत दूषित।

अक्दाम (اقدام) अ पु –कदम का बहु, बहुत से पाँव, चरण-समूह।

अक्दाह (اقداح) अ पु –'कदह' का बहु पियाले।

अक्दे अनामिल (عقد انامل) अ पु –उँगलियो पर हिसाब लगाने की एक विधि।

अक्दे नमकी (عقد نمکین) अ फा पु –'मुताअ' शीयो की वह विवाह-पद्धति, जो थोडे समय के लिए होती है।

अक्दे रवाँ (عقد رواں) अ फा पु –दे 'अक्दे नमकी'।

अक्दे सानी (عقد ثانی) अ पु –दूसरा ब्याह पुनर्विवाह।

अक्नान (اکنان) अ पु –'किन' का बहु पर्दे, आडे।

अक्नाफ (اکناف) अ पु –'कन्फ' का बहु॰, किनारे, छोर; दिशाएँ, सिम्ते, त्राण-स्थान, पनाहगाहे।

अक्नूँ (اکنوں) फा अव्य०–दृढ, इस समय।

अक्फर (اکفر) अ वि –बहुत बडा काफिर, बहुत बडा नास्तिक, बहुत बडा विधर्मी।

अक्फा (اکفا) अ पु –'कुफ्व' का बहु, बहुत से गोत्र, बहुत से खानदान।

अक्फा (اکفی) अ वि –बहुत काफी, बहुत पर्याप्त।

अक्फाल (اقفال) अ पु –'कुफ्ल' का बहु, ताले।

अक्ब (عقب) अ वि –किसी के पीछे आना, अनुगमन, अनुसरण।

अक्बर (اکبر) अ वि –महान्, अजीम, सबसे बडा, (पु) एक सुप्रसिद्ध मुगल सम्राट्।

अक्बल (اقبل) अ वि –बहुत काबिल, बडा विद्वान्, भेगा, जिसे एक की दो चीज़े दिखाई देती हो।

अक्बह (اقبح) अ वि –निकृष्टतम, बहुत खराब।

अक्बाद (اکباد) अ पु –'कबिद' का बहु, जिगर।

अक्मल (اکمل) अ वि –बहुत कामिल, पूर्णतम, सर्वाङ्ग-पूर्ण।

अक्माम (اکمام) अ पु –आस्तीने, बीजो के ऊपर के गिलाफ।

अक्मिश (اقمشہ) अ पु –'कुमाश' का बहु, कपडे, वस्त्र-समूह।

अक्याल (اقیال) अ पु –प्रतिष्ठित जन, बडे लोग, पूज्य व्यक्ति, बुजुर्ग लोग।

अक्याल (اکیال) अ पु –'कैल' का बहु, नाज आदि नापने के पैमाने।

अक्र (عقر) अ पु –बाँझपन, अनपत्य दोष।

अक्रअ (اقرع) अ वि –गजा, खल्वाट।

अक्रब (اقرب) अ वि –बहुत करीब, समीपतम, अति निकट।

अक्रब (عقرب) अ पु –बिच्छू, वृश्चिक, अलि, वृश्चिक राशि, बुर्जे अक्रब।

अक्रबी (عقربی) अ वि –बिच्छू से सबध रखनेवाला, (पु) पद्मराग अर्थात् लाल का एक प्रकार, मणि विशेष, बदख्शा के लाल सुप्रसिद्ध है।

अक्रम (اکرم) अ वि –अति दानी, वदान्य, बहुत बडा सखी, अति प्रतिष्ठित बडा बुजुर्ग।

अक्राद (اقراد) अ पु –'किरद' का बहु, बदरो की टोली, बहुत-से बदर।

अक़ान (اقران) अ पु –'कर्न' का बहु, युग-समूह, लंबे ज़माने।

अक्राम (اکرام) अ पु –'करम' का बहु, कृपाएँ, दयाएँ, दान, बख़्शिशें।

अक़ास (اقراص) अ पु –'कुर्स' का बहु, रोटियाँ, टिकियाँ, चपटी आकार की बटी, टेब्लेट।

अक़्रिबा (اقربا) अ पु –'करीब' का बहु, स्वजनगण, अज़ीज़ो अकारिब।

अक्ल (اکل) अ पु –खाना, भोजन करना।

अक़्ल (عقل) अ पु –बुद्धि, धी, प्रज्ञा, मेधा, सूझ-बूझ, चतुरता, होशयारी, विवेक, तमीज़।

अक्लमंद (عقلمند) अ फा वि –बुद्धिमान्, मेधावी, तेज़ अक़्ल वाला।

अक्लमंदी (عقلمندی) अ फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, अक्ल वाला होना।

अक़्ले कुल (عقل کل) अ पु –जिब्रील फ़िरिश्त (व्यंग) घामड, मूर्ख, लाल बुझक्कड।

अक्ले सलीम (عقل سلیم) अ स्त्री –ऐसी बुद्धि जिसका निश्चय सदा ही ठीक और शांत रहता हो, सत्यनिश्चयी बुद्धि, सद्बुद्धि, संतुलित बुद्धि।

अक्व. (عقوه) अ पु –मैदान, खुला हुआ क्षेत्र, आँगन, अजिर।

अक्वा (اقوی) अ वि –सबसे बलवान्, पराक्रमी, महाबली, बडा ज़ोरावर।

अक्वात (اقوات) अ पु –'कूत' का बहु, खुराकें।

अक्वाब (اکواب) अ पु –बिना टोंटी और पेंदे के लोटे, लुटियाँ, गड्वे, (व्यंगार्थ–चंचल प्रकृति वाला, अस्थिर-बुद्धि)।

अक्वाम (اقوام) अ पु –'क़ौम' का बहु, क़ौमें, बिरादरियाँ, राष्ट्रसमूह, सल्तनतें, जातियाँ, जातें।

अक्वाल (اقوال) अ पु –'क़ौल' का बहु, किसी बडे व्यक्ति या धर्माचार्य के कहे हुए प्रवचन।

अक्वास (اقواس) अ पु –'कौस' का बहु, धनुषे, कमानें।

अक्विया (اقویاء) अ पु –'क़वी' का बहु, ज़ोरदार लोग, बलीजन, बलवान् व्यक्ति।

अक्स (عکس) अ पु –प्रतिबिंब, साया, चित्र, तसवीर, प्रत्युत, विपरीत, बरअक्स।

अक्सर (اکثر) अ वि –बहुधा, प्राय, उमूमन।

अक्सर (اقصر) अ वि –बहुत छोटा, ह्रस्वतम, अल्पतम, लघुतम।

अक्सरीयत (اکثریت) अ स्त्री –किसी देश की वह जनता जो दूसरी जनता की अपेक्षा अधिक हो, बहुसंख्यक।

अक्सरेज़ (عکس ریز) अ फा पु –एक्सरे।

अक़्सा (اقصی) अ वि –बहुत दूर, दूरवर्ती, अंत को पहुँचा हुआ।

अक्सा (اقصا) अ पु –कनारे, छोर, दूरियाँ।

अक़्साम (اقسام) अ पु –'क़िस्म' का बहु, क़िस्मे, प्रकार, 'कसम' का बहु शपथें, सौगंधें।

अक्सिम. (اقسمه) अ पु –'किस्म' का बहु, क़िस्में, प्रकार।

अक़्सियः (اقسیه) अ पु –'क़ियास' का बहु, अटकलें, अदाज़े।

अक्सोतर्द (عکس وطرد) अ पु –एक काव्यालंकार जिसमें आधे मिस्रे में जो शब्द लाये जाते हैं, बाकी आधे मिस्रे में उन्ही को उलट दिया जाता है।

अक्हल (اکحل) अ वि –वह व्यक्ति जिसकी पलकें निकलने का स्थान काला हो, जिसकी आँखें अंजनसार हो।

अख़ (اخ) अ पु –भ्राता, भाई।

अख़अख़ (اخ اخ) फा अव्य –वाह वाह, खूब खूब, उफ उफ, हा हा।

अख़फ़ [फ्फ] (اخف) अ वि –बहुत हलका, लघुतम।

अख़वात (اخوات) अ स्त्री –'उख़्त' का बहु, बहिनें।

अख़स [स्स] (اخص) वि –बहुत ही ख़ास, मुख्यतम।

अख़स [स्स] (اخس) वि –बहुत ही ख़सीस, अति कृपण, मक्खीचूस।

अख़स्सुल ख़सीस (اخس الخسیس) अ वि –सारे कृपणो मे सबसे अधिक कृपण, धनपिशाच।

अख़स्सुल ख़ास (اخص الخاص) अ वि –सबसे अधिक मुख्य, जो मुख्य है उन सब में मुख्य, मुख्यतम।

अख़िल्ला (اخلا) अ पु –'ख़लील' का बहु, मित्रगण, दोस्त लोग, यार, सुहृद्जन।

अख़िस्सा (اخسا) अ पु –'ख़सीस' का बहु, कृपणगण, कजूस लोग।

अख़ी (اخی) अ अव्य –मेरा भाई, हे भाई।

अख़ीर (اخیر) अ पु –अंत, इख़्तिताम, छोर, किनारा, मरण-काल, मौत का समय। (वि) समाप्त, ख़त्म।

अख़ुंद (اخوند) फा –शिक्षक, उस्ताद।

अख़्गर (اخگر) फा पु –स्फुलिंग, अग्निकण, पतंगा, चिनगारी–"सुन अय ! जुनूने-इश्क ! तुझे इसमे क्या मिला ? 'अख़्गर' सा तहे-ख़ाक जलाया किया मुझे।"

अख़्च (اخچه) तु पु –सोने या चाँदी का कण या टुकडा, दे 'अक्च'।

अख़्ज़ (اخذ) अ पु –ग्रहण, आदान, लेना, प्राप्ति, हुसूल, लब्धि।

अख़्ज़म (اخزم) अ पु –नर साँप।

अख़्ज़र (اخضر) अ वि –गहरे हरे रग का, हरा रँगा हुआ।

अख़्ज़रीयत (اخضریت) अ स्त्री –हरापन।

अख़्त.ख़ान· (اختخانہ) फा पु –तबेला, अश्वशाला।

अख़्तब (اخطب) अ वि –बहुत बडा वक्ता, भाषण-पटु।

अख़्तर (اختر) फा पु –तारा, सितारा, उडु, भाग्य, प्रारब्ध, किस्मत।

अख़्तरशनास (اخترشناس) फा वि –ज्योतिषी, नजूमी।

अख़्तरशुमारी (اخترشماری) फा स्त्री –तारे गिनना, तारे गिन-गिनकर रात काटना, बेचैनी मे रात काटना, जैसे–"अल्ला रे ! शबे-हिज्र की अख़्तर-शुमारियाँ !!"

अख़्तरे जौज़ा (اختر جوزا) फा अ पु –बुध ग्रह, उतारिद।

अख़्तान (اختان) अ पु –'ख़तन' का बहु, दामाद लोग।

अख़्दान (اخدان) अ पु –'ख़िद्न' का बहु, मित्र लोग, प्रेमपात्र लोग।

अख़्फ़श (اخفش) अ वि –जिसकी आँखे निर्बल हो, जो चुधा हो।

अख़्बस (اخبث) अ वि –बहुत ही ख़बीस, अत्यत दुष्ट, बहुत बडा पापी।

अख़्बार (اخبار) अ पु–'ख़बर' का बहु, ख़बरे, समाचार-पत्र।

अख़्बार नवीस (اخبار نویس) अ फा वि –पत्रकार, अख़्बार का एडीटर।

अख़्बारी (اخباری) अ वि –अख़्बार से सम्बन्धित, अख़्बार का।

अख़्मः (اخمہ) अ पु –झुर्री, शिकन, बल।

अख़्म (اخم) अ पु –माथे की शिकन, ललाट बल, भौ की शिकन, अब्रू का बल।

अख़्मस (اخمص) अ पु –तलवे का वह भाग जो भूमि से नही लगता।

अख़्मिर (اخمرہ) अ पु –'ख़िमार' का बहु, ओढनियाँ, चादरे।

अख़्याफ़ी (اخیافی) अ वि –वह भाई बहन, जिनके बाप अलग-अलग और माँ एक हो।

अख़्यार (اخیار) अ पु –'ख़ैर' का बहु, पुण्य-समूह, यश-समूह, भलाइयाँ, नेकियाँ।

अख़्रब (اخرب) अ वि –निर्जन, वीरान, उर्दू छदशास्त्र मे 'मफाईलुन्' मे से 'म' और 'न' गिराकर 'फाईल्' करके 'मफ्ऊल्' बनाना।

अख़्रम (اخرم) अ वि –जिसकी नाक कटी हो, उर्दू छद-शास्त्र मे 'मफाइलुन्' मे से 'म' गिराकर 'फाईलुन्' करके 'मफ्ऊलुन्' बनाना।

अख़्रस (اخرس) अ वि –गूँगा, जो न बोल सके न सुन सके।

अख़्लकद् (اخل کلد) फा पु –झुनझुना, बच्चो को खिलाने का झुनझुना।

अख़्लाक़ (اخلاق) अ पु –'ख़ुल्क' का बहु, परन्तु उर्दू मे एक-वचन के अर्थ में प्रयुक्त है, शिष्टाचार, ख़ुशख़ुल्की।

अख़्लाक़ी (اخلاقی) अ वि –अख़्लाक़ सम्बन्धी, शिष्टाचार-सम्बन्धी।

अख़्लाक़े आलियः (اخلاق عالیہ) अ पु –सत्त्व गुण, अच्छे अख़्लाक, उच्च कोटि का शिष्टाचार।

अख़्लाक़े ज़मीम· (اخلاق ذمیمہ) अ पु.–दे 'अख़्लाके रदीय।'

अख़्लाक़े रदीय. (اخلاق ردیہ) अ पु –तमोगुण, बुरे अख़्लाक।

अख़्लात (اخلاط) अ पु –ख़िल्त का बहु, धातुएँ, वात, पित्त, कफ और रक्त।

अख़्लाफ़ (اخلاف) अ पु –'ख़लफ़' का बहु, लडके, लडके पोते आदि।

अख़्वाल (اخوال) अ पु –'ख़ाल' का बहु, ख़ालू, बहनोई, मौसा, झडे, ध्वजाएँ।

अख़्शम (اخشم) अ वि –जिसे सुगध और दुर्गंध का अनुभव न हो।

अख़्सम (اخصم) अ वि –लबी नाकवाला।

अगर (اگر) फा अव्य –यदि, जो।

अगरचे (اگرچہ) फा अव्य –यद्यपि, गोकि।

अग़ाइद (اغائد) अ पु –'अग़ीद' का बहु, अत्यत कोमल और मृदुल अगो वाली स्त्रियाँ, तन्वङ्गी, कृशाङ्गी, कोमलाङ्गी।

अग़ानिम (اغانم) अ पु –'ग़नम' का बहु, भेड-बकरियाँ।

अग़ानी (اغانی) अ पु –'उग्निय' का बहु, वह बाजे जो फूँककर न बजाये जायँ, जैसे सितार, मृदग आदि।

अग़्ज़िय (اغذیہ) अ स्त्री –'ग़िज़ा' का बहु, ग़िज़ाएँ, खाद्य पदार्थ।

अग़्नाम (اغنام) अ पु –'ग़नम' का बहु, भेड-बकरियाँ।

अग़्निया (اغنیا) अ पु –ग़नी का बहु, धनाढ्य लोग।

अग़्फ़र (اغفر) अ वि –बडा छिपानेवाला।

अग़्बर (اغبر) अ वि –धूसर, मटीला, ख़ाकी रगवाला।

अग़्यार (اغیار) अ पु –'ग़ैर' का बहु, अस्वजन, ग़ैर लोग, प्रतिद्वद्वी जन, रक़ीब लोग।

अग्रब (اعرب) अ वि –आश्चर्यजनक, बहुत अजीब, अद्भुत, विलक्षण।
अग्राज़ (اعراض) अ पु –'गरज़' का बहु, इच्छाएँ, ख्वाहिशें, अभिप्राय, मकासिद, स्वार्थ-समूह, खुदगरज़ियाँ।
अग्लत (اغلط) अ वि –बहुत अशुद्ध, बहुत गलत, अत्यंत झूठ, बिलकुल मिथ्या।
अग्लब (اغلب) अ वि –निश्चय, यकीनी।
अग्लबन (اغلباً) अ वि –यकीनी तौर पर, करीब-करीब, अवश्य ही।
अग्लाज़े ऐमान (اغلاظ ایمان) अ पु –बुरी-बुरी कसमें।
अग्लात (اغلاط) अ पु –'गलत' का बहु, अशुद्धियाँ, गलतियाँ, त्रुटियाँ, भूलें।
अग्लाल (اغلال) अ पु –'गिल' का बहु, अपराधियों के गले में डाले जाने वाले तौक, बहते हुए पानी।
अग्सान (اغصان) अ पु –'गुस्न' का बहु, छोटी फैली शाखाएँ, डालियाँ।
अचार (اچار) फा पु –प्रसिद्ध खटास, खटाई।
अच्ची (اچی) तु पु –बड़ा भाई, अग्रज।
अज़ग (اژنگ) फा पु –झुर्री, वल, शिकन, खाल की झुर्री।
अज़ [ज़्ज़] (عض) अ पु –दाँतों से काटना।
अज़ [ज़्ज़] (عط) अ पु –ज़मीन से चिपकना।
अज़ (از) फा अव्य –से।
अज़ [ज़्ज़] (عز) अ पु –प्रभुत्व स्थापित करना, ग़्लब करना, जोर की वर्षा, तेज़ बारिश।
अज़ अव्वल ता आखिर (از اول تا آخر) फा वि –आदि से अंत तक, शुरू से अखीर तक, आद्योपांत, नितांत, बिलकुल।
अज़कार रफ्त (ازکار رفتہ) फा वि –काम से गया बीता, अपाहज, नपुसक, क्लीव, नामर्द, बेकार, व्यर्थ, निकम्मा।
अज़ खुद (از خود) फा अव्य –स्वयम्, आप से, आप ही आप, स्वतः, खुद ब खुद।
अज़खुद रफ्त (از خود رفتہ) फा वि –सज्ञाहीन, निश्चेष्ट, बेसुध, बेखबर, बेखुद।
अजफ (عجف) अ स्त्री –दुर्बलता, कमज़ोरी, दुबलापन, लागरी, कृशता, तनुता।
अजब (عجب) अ वि –विचित्र, अद्भुत, अनोखा, आश्चर्य, अचभा।
अज़ब (عزب) अ पु –वह पुरुष जो स्त्री न रखता हो।
अजबतर (عجب تر) अ वि –बहुत ही विचित्र, निहायत अजीब।
अज़बर (ازبر) फा वि –वह चीज जो जबानी याद हो, कठ, कठस्थ, मुखाग्र, बरजबाँ।
अज़बस (ازبس) फा अव्य –अत्यंत, अधिक, बहुत, चूँकि।
अजम (اجم) अ पु –'अज्म' का बहु, जगलात, बीहड, एक प्रकार का खाना खाने से घबरा जाना, शाम का एक स्थान।
अजम (عجم) अ पु –'अरब' के अतिरिक्त बाकी ससार, ईरान और तूरान, दाना, धान्य, (वि) मूक, गूँगा, जो बोल न सके।
अज़मत (عظمت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गी, बडाई, आदर, सम्मान, इज़्ज़त, यह शब्द उर्दू में 'अज़्मत' है, दे 'अज़्मत'।
अजमी (عجمی) अ वि –जो अरबी न हो, ईरानी, ईरान-निवासी।
अज़ रुए इसाफ (از روئے انصاف) फा अव्य –न्यायत, न्याय के अनुसार, इसाफ से।
अजल (اجل) अ स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत, समय, काल, वक्त।
अजल [ल्ल] (اجل) अ वि –श्रेष्ठतम, बहुत ही मुअज़्ज़ज़।
अज़ल [ल्ल] (اذل) अ वि –अति नीच, अधमतर, बहुत ही कमीना।
अज़ल (عضل) अ पु –'अज़्ल' का बहु, पट्ठे, स्नायु-समूह।
अज़ल [ल्ल] (ازل) अ पु –जिसकी जघाएँ और नितंब दुबले-पतले हो।
अज़ल (ازل) अ वि –वह समय जिसकी शुरुआत न हो, अनादि काल, वह समय जब सृष्टि की रचना हुई—"दिल, अज़ल से है, कोई आज से शैदाई है?"
अजल गिरिफ्त. (اجل گرفتہ) अ फा वि –जो मौत के मुँह में हो, मरणासन्न।
अजल रसीद (اجل رسیدہ) अ फा वि –जिसकी मौत आ गयी हो, मृतप्राय।
अज़ली (ازلی) अ वि –अनादि काल से सबद्ध, अनादि कालवाला, सृष्टि की रचना के समय का।
अज़ सर ता पा (از سر تا پا) फा वि –सिर से पाँव तक, आपादमस्तक, सर्वथा, नितांत, बिलकुल, नख से शिख तक, पूर्णत।
अज़ सरे दस्त (از سر دست) फा वि –शीघ्र, तुरत, जल्द, सहसा, नि सकोच, बेतअम्मुल, चुस्त, स्फूर्तियुक्त, फुर्तीला।
अज़ सरे नौ (از سر نو) फा वि –नये सिरे से, फिर से, पुनः।
अज़हद (ازحد) फा अ वि –असीम, अपार, बेहद, अत्यधिक, बहुत ज्यादा।
अज़ाँ (ازاں) फा अव्य –उससे।
अज़ाँ (اذاں) अ स्त्री –'अज़ान' का लघु, दे 'अज़ान'।
अज़ाँजुम्ल: (ازاں جملہ) अ फा अव्य –उन सबमें से, उनमें से।

अज़ांपेश (ازاں پیش) फा वि –उससे पहले, तत्पूर्व ।

अज़ांबाज़ (ازاں باز) फा वि –उस समय से, उस वक्त से ।

अज़ांबाद (ازاں بعد) अ फा वि –उसके बाद, उसके पश्चात्, तत्पश्चात् ।

अज़ांसू (ازاں سو) फा वि –उस ओर से, उधर से ।

अज़ा (اذا) अ स्त्री –कष्ट, दुःख, अज़ीयत, यातना ।

अज़ा (عزا) अ पु –मृत्युशोक, मातम, दैवी आपत्ति पर धैर्य और उस पर दृढ़ता ।

अजाइज़ (عجائز) अ पु –'अजूज़' का बहु, बूढ़ी स्त्रियाँ ।

अज़ाइफ़ (اضائف) अ पु –'ज़ैफ़' का बहु, मेहमान लोग, अतिथिगण ।

अजाइब (عجائب) अ पु –'अजीब' का बहु, विचित्रताएँ, अजीब बातें ।

अजाइब ख़ान: (عجائب خانه) अ. फा पु –कौतुकालय, विचित्रालय, अद्भुतालय, अजायबघर ।

अजाइबात (عجائبات) अ पु –'अजाइब' का बहु, चूँकि 'अजाइब' स्वयं बहुवचन है इसलिए इसका बहु अशुद्ध है, परन्तु उर्दू में प्रचलित है ।

अज़ाइम (عزائم) अ पु –'अज़ीमत' का बहु, वे मंत्र और पाठ जो भूत, प्रेत आदि को वश मे करने या रोकने के लिए पढ़े जाते है, बीमार के अच्छा होने के लिए पढ़ी जाने वाली दुआएँ ।

अज़ाख़ान: (عزاخانه) अ फा पु –शोकगृह, मातमख़ाना, जहाँ कोई मर गया हो और उसका शोक मनाया जा रहा हो ।

अजाज (عجاج) अ पु –धूल-मिट्टी, गर्द-गुबार ।

अज़ाज़ील (عزازيل) अ पु –शैतान का नाम, जब वह फ़िरिश्ता था ।

अज़ादार (عزادار) अ फा वि –जो किसी के मरने का शोक कर रहा हो, मातमदार, मुहर्रम मे इमाम हुसैन का मातम मनानेवाला ।

अज़ादारी (عزاداری) अ फा स्त्री –मृत्यु-शोक-काल, इमाम हुसैन का मातम मनाना, ता'ज़ियादारी ।

अज़ान (اذان) अ स्त्री –नमाज़ का बुलावा, नमाज़ की सूचना के शब्द जो ज़ोर से पुकारे जाते हैं ।

अजानिब (اجانب) अ पु –'अज्नबी' का बहु, अपरिचित लोग, बेगाने, अस्वजन, ग़ैर ।

अज़ाब (عذاب) अ पु –पापो का वह दंड जो यमलोक मे मिलता है, पापकष्ट, यातना, पीडा, दुःख, तकलीफ़ ।

अज़ाबुल क़ब्र (عذاب القبر) अ. पु –क़ब्र के भीतर का अज़ाब, जो मुसलमानो के मतानुसार 'मुन्कर नकीर' दो फ़िरिश्तो द्वारा होता है ।

अज़ाबुल्हून (عذاب الهون) अ पु –तिरस्कृत और अपमानित करने की यातना ।

अज़ाहीफ़ (ازاحيف) अ पु –'अज़्हाफ़' का बहु, जो 'ज़िहाफ़' का बहु है, उर्दू छंदो के गणों के परिवर्तन ।

अज़ाहीर (ازاهير) अ पु –'अज़्हार' का बहु, जो 'ज़हर', 'ज़ुहर' और 'ज़ुह' का बहु है, कलियाँ, बिन खिले फूल, शगूफ़े ।

अजिज़ (عجز) अ स्त्री –श्रोण, नितंब, चूतड, दे 'अजुज़', दोनो शुद्ध है ।

अजिन्न: (اجنه) अ पु –'जनीन' का बहु, वे बच्चे जो माँ के पेट मे हो, भ्रूणसमूह ।

अजिफ़ (عجف) अ वि –दुबला, लागर, कमज़ोर, कृशकाय ।

अज़िम: (ازمه) अ पु –दुर्भिक्ष का कष्ट, कहत की सख़्ती और तकलीफ़ ।

अज़िम्म: (ازمه) अ पु –'ज़िमाम' का बहु, लगामे ।

अजिल्ल: (اجله) अ पु –'जलील' का बहु, बड़े लोग, प्रतिष्ठित जन ।

अज़िल्ल: (اذله) अ पु –'ज़लील' का बहु अधम लोग, निकृष्ट लोग, कमीने लोग, नीच जन ।

अज़ीं (ازيں) फा अव्य –इससे ।

अज़ींसबब (ازيں سبب) फा अ अव्य –इस कारण से, इस सबब से ।

अजीज़ (عجيز) अ वि –नामर्द, नपुसक, क्लीब ।

अज़ीज़ (عزيز) अ वि –स्वजन, रिश्तेदार, प्रिय, प्यारा, रुचिकर, मर्ग़ूब, अप्राप्य, कामयाब, मिस्र के प्राचीन बादशाहो की उपाधि ।—"मिलने से भी अज़ीज़ है मिलने की आर्ज़ू, है वस्ल से ज़ियाद मज़ा इंतज़ार में ॥"—(प्रिय के अर्थ मे)

अज़ीज़ तरीन (عزيز ترين) अ फा वि –बहुत ही प्यारा, अज़ीज़, बहुत अधिक पसंद, प्रियतम ।

अजीन (عجين) अ वि –गुँधा हुआ, सना हुआ, ख़मीर ।

अजीब (عجيب) अ वि –विचित्र, आश्चर्यजनक, अनुपम, अद्वितीय, बेमिस्ल, अनोखा, निराला ।

अजीब तर (عجيب تر) अ फा वि –बहुत ही विचित्र, बहुत ही अनुपम, बहुत ही निराला, अति अद्भुत ।

अजीबुलख़िल्कत (عجيب الخلقت) अ वि –जिसकी आकृति और बनावट विचित्र हो, विकटमूर्ति, जो प्राकृतिक रूप से विरुद्ध हो, अप्राकृतिक ।

अजीबो ग़रीब (عجيب وغريب) अ वि –जिसमें बहुत-सी बाते ऐसी हो जो दूसरो मे न हो, बहुत ही विचित्र ।

अज़ीम (عظيم) अ वि –महान्, बहुत बड़ा, विशाल, विस्तृत ।

अज़ीमत (عزیمت) अ स्त्री –सकल्प, निश्चय, इरादा, तत्र-मत्र, अभिचार, जादू-टोना, भूतो को बुलाने और उन्हे बद करने आदि के लिए मत्र आदि का उच्चारण।

अज़ीमत ख़्वाँ (عزیمت خواں) अ फा वि –वह व्यक्ति जो अभिचार और जादू से भूत-प्रेतो को बुलाये।

अज़ीमुलजुस्स· (عظیم الجثہ) अ वि –बहुत बडे डील-डौल का, गिराडील, महाकाय।

अज़ीमुश्शान (عظیم الشان) अ वि –बहुत बडा, महान्, विशाल, महामान्य, वडे मर्तबेवाला।

अज़ीयत (اذیت) अ स्त्री –कष्ट, यातना, तकलीफ।

अज़ीयत देह (اذیت دہ) अ फा वि –कष्टदायी, दु खदायी, तकलीफ देनेवाला।

अज़ीयत रसाँ (اذیت رساں) अ फा वि –दे 'अज़ीयत देह।

अजीर (اجیر) अ वि –श्रमिक, मजदूर।

अजीर (عجیر) अ वि –क्लीव, नपुसक, नामर्द।

अजील (عجیل) अ वि –फुर्तीला, चुस्त, जल्दबाज़, आतुर।

अजुज़ (عجز) अ पु –श्रोण, नितब, कटिदेश, सुर्रान।

अज़ुद (عضد) अ पु –भुजा, बाहु, बाजू।

अजूज़ (عجوزہ) अ स्त्री –दे 'अजूज़'।

अजूज़ (عجوز) अ स्त्री –बूढी स्त्री, वृद्धा, वह वृद्धा नारी जिसमे काम-वासना का आधिक्य हो।

अजूब (عجوبہ) अ वि –अनोखी चीज, दे 'उजूब' शुद्ध वही है, परतु उर्दूवाले दोनो प्रकार से बोलते हैं।

अज़ूबत (عذوبت) अ स्त्री –मधुरता, मिठास, रसीलापन, पानी का स्वादिष्ठ होना।

अजूल (عجول) अ वि –बहुत शीघ्रता करनेवाला, स्तब्ध, चकित, हैरान, वह ऊँटनी जिसका बच्चा खो गया हो।

अज़ेरा (ازیرا) फा अव्य –'ज़ेरा' का बृहत् रूप, इसलिए, इस कारण, किसलिए, क्यो।

अज़्अफ (اضعف) अ वि –बहुत ज़ईफ, बहुत कमजोर, अति निर्बल।

अज़्आफ (اضعاف) अ पु –'ज़ेफ' का बहु, दूने, दोगुने।

अज़्का (اذکیٰ) अ वि –बहुत ही प्रतिभाशाली, बहुत ही जहीन, कुशाग्रबुद्धि, मेधावी।

अज़्का (ازکیٰ) अ वि –बहुत ही पवित्र, बहुत ही पाक।

अज़्कार (اذکار) अ पु –जिक्र का बहु, चर्चाएँ, तज़्किरे, जप-तप, वज़ीफे आदि।

अज़्किया (اذکیا) अ पु –ज़की का बहुवचन, कुशाग्र बुद्धि-वाले, प्रतिभाशाली लोग।

अज़्किया (ازکیا) अ पु –'ज़की' का बहु, अति पवित्र लोग, पुण्यात्मा लोग, बुजुर्ग लोग।

अज़्ख़र (اذخر) अ वि –बहुत ही तीव्र गधवाला, तेज़बू।

अज़्ग़ास (اضغاث) अ पु –घास के मुट्ठे जिसमें सूखी गीली घास मिली हो, अस्त-व्यस्त वस्तु।

अज़्ग़ासे अह्लाम (اضغاث احلام) अ पु –ऐसे स्वप्न जिनका स्वप्न-फल ठीक न बताया जा सके, परीशान-ख़्वाब।

अज़्ज़· (عز) अ पु –प्रभुत्व, ग़लबा।

अज़्ज़ वजल्लः (عزوجل) अ वि –जो ग़ालिब और महान हो, ईश्वर के नाम के साथ बोलते हैं।

अज़्ज़म (اجذم) अ वि –जिसके हाथ कटे हो।

अज्ज़ाए तर्कीबी (اجزاء ترکیبی) अ पु –वे मूल धातुएँ जिनसे मिलकर कोई पदार्थ बना हो, सयोजक पदार्थ, उपादान तत्त्व।

अज्ज़ा (اجزا) अ पु –'जुज़' का बहु, टुकडे, खड, किसी पदार्थ की मूल धातुएँ अथवा वस्तुएँ, किसी नुस्खे की दवाएँ।

अज़्द (اژد) फा पु –असमानता, नाहमवारी, रेती का खुरदरापन।

अज़्द (عضد) अ पु –एक राजा की दूसरे राजा की सहायता, सहायता, मदद।

अज्दअ (اجدع) अ वि –जिसकी नाक या जिसके कान कटे हो।

अज़्दर (اژدر) फा पु –अजगर, अज़्दहा, बहुत बडा साँप।

अज़्दरदहाँ (اژدردہاں) फा वि –जिसका मुँह अजगर जैसा हो, जिसके मुँह मे जाकर कोई ज़िदा न बचे, जो आग बरसाता हो।

अज़्दरहा (اژدرھا) फा –अज़्दहा, अजगर, यह शब्द एक-वचन है।

अज्देल (اجدل) अ पु –एक शिकारी चिडिया, वर्ग।

अज़्दहा (اژدہا) फा पु –अज़्दर, अजगर।

अज्दाद (اجداد) अ पु –'जद' का बहु पूर्वज, बाप-दादे, पुराने लोग, पुरखे।

अज़्दाद (اضداد) अ पु –'ज़िद' का बहु, परस्पर विरोधी चीजे।

अज्न (عجن) अ पु –गूँधना, ख़मीर करना।

अज्नब (اجنب) अ वि –दे 'अज्नबी'।

अज्नबी (اجنبی) अ वि –अपरिचित, अनजान, अस्वजन, ग़ैर।

अज्नाद (اجناد) अ पु –'जुंद' का बहु, सेनाएँ, फौजे।

अज़्नाब (اذناب) अ पु –'ज़नब' का बहु, पूंछे, दुमे।

अज्नास (اجناس) अ स्त्री –'जिंस' का बहु, जिंसे, गल्ले, अनाज, किस्म, प्रकार, चीज, असबाब, सामान।

अज्नहः (اجنحه) अ पु –'जनाह' का बहु, पक्ष, पर।
अज़्फ़ (عذف) अ पु –स्वय भूखा रहकर अपना खाना दूसरे भूखे को खिलाना, विपत्ति मे धैर्य रखना।
अज़्फ़र (اذفر) अ वि –तीव्र सुगध वाला, तेज़ बू वाला।
अज़्फ़र (اظفر) अ वि.–बडे-बडे नखोवाला।
अज्फ़ान (اجفان) अ पु –'जफ़्न' का बहु, पपोटे, पलकें।
अज़्ब (عذب) अ पु –मधुर, मीठा, स्वादिष्ठ, मजेदार, मीठा पानी।
अज़्ब (عضب) अ पु –काटना, विच्छेदन, खड्ग, तलवार।
अज़्बीयत (عضبيت) अ स्त्री –ज़बान की तेज़ी, बोलने की शक्ति, भाषण-पटुता।
अज़्बुल लिसान (عذب اللسان) अ वि –जिसकी बातो मे रसीलापन हो, मधुरभाषी।
अज़्बुल बयान (عذب البيان) अ वि –दे 'अज़्बुल लिसान'।
अज़्म (عزم) अ पु –सकल्प, निश्चय, इरादा, दृढ निश्चय, तहीद, इच्छा, ख़्वाहिश।
अज्म (عجم) अ पु –अक्षर पर बिदी रखना।
अज़्म (عظم) अ पु –हड्डी, अस्थि, श्रेष्ठता, पुनीतता, बुज़ुर्गी।
अज्मईन (اجمعين) अ वि –सब, सारे, तमाम, सपूर्ण।
अज़्मत (عظمت) अ स्त्री –माहात्म्य, महिमा, बुज़ुर्गी, महत्त्व, अहमीयत, सम्मान, आदर, इज़्ज़त।
अज़्मबिल जज़्म (عزم بالجزم) अ पु –दृढ सकल्प, दृढ निश्चय, पक्का इरादा।
अज्मल (اجمل) अ वि –बहुत अधिक रूपवान्, सुदरतम।
अज्मा (عجما) अ पु –गूँगा, मूक।
अज़्मात (عزمات) अ पु –'अज़्म' का फ़ारसी बहु, इरादे, निश्चय।
अज़्मान (ازمان) अ पु –'ज़मन' का बहु, ज़माने, युग।
अज़्मिन. (ازمنه) अ पु –'ज़मान' का बहु, काल-समूह, ज़माने।
अज़्यक़ (اضيق) अ वि –बहुत अधिक सकुचित और तग।
अज्यद (اجيد) अ वि –बहुत ही उत्तम, बहुत ही उम्दा।
अज़्या' (اضيع) अ वि –बहुत अधिक नष्ट करनेवाला, बहुत 'ज़ाये' करनेवाला, हिन्दी मे 'ज़ाया' (नष्ट, बर्बाद) बहुत प्रचलित है।
अज़्याफ़ (اضياف) अ पु –'ज़ैफ़' का बहु, मेहमान लोग, आगतुक जन।
अज़्याल (اذيال) अ पु –'ज़ैल' का बहु, दामन, बहुत से दामन।
अज्र (اجر) अ पु –प्रत्युपकार, भलाई का बदला, सत्कर्म-फल, सवाब।
अज़्रक़ (ازرق) अ वि –नीला, नीले रग का।
अज्रब (اجرب) अ वि –जिसे खाज का रोग हो।
अज़्रा (عذرا) अ स्त्री –अविवाहिता, कुमारी, सुदर गालो वाली, प्रकट, व्यक्त, कन्या राशि, बुर्जे सबुल, अरब की एक सुदरी जो 'वामिक' की प्रेमिका थी।
अज़्राब (اضراب) अ पु –'ज़र्ब' का बहु, किस्मे, प्रकार, सदृश, समान, अम्साल।
अज्राम (اجرام) अ पु –'जिर्म' का बहु, पिण्डसमूह, यह शब्द आकाशीय पदार्थों अथवा बहुमूल्य रत्नो के लिए प्रयुक्त है।
अज़्रार (اضرار) अ पु –'ज़रर' का बहु, हानियाँ, नुक्सानात।
अज़्ल. (عضله) अ पु –पुट्ठा, स्नायु, नस।
अज़्ल (عضل) अ पु –विधवा को दूसरा विवाह करने से रोकना।
अज़्ल (عزل) अ पु –पदच्युत करना, मा'ज़ूल करना, पद-च्युति, मा'ज़ूली, बेकारी, निठल्लापन, मुअत्तली।
अज़्ल (ازل) अ पु –उत्तेजित होना, उभरना।
अज्ला (اجلا) अ वि –बहुत ही चमकदार, बहुत ही साफ।
अज़्लाअ (اضلاع) अ पु –'ज़िल्अ' का बहु, ज़िले, मडल, पसलियाँ, भुजाएँ, रेखाएँ।
अज़्लाफ़ (اجلاف) अ पु –'जिल्फ़' का बहु, कमीने लोग, नीच लोग।
अज़्लाम (اظلام) अ पु –'ज़ुल्मत' का बहु, अँधेरे, अधकार-समूह।
अज़्लोनस्ब (عزل ونصب) अ पु –किसी को पद से हटाना और किसी को उसके स्थान पर नियुक्त करना।
अज़्व (عزو) अ पु –एक वस्तु को दूसरी वस्तु से सम्बन्धित करना, विपत्ति मे धैर्य रखना।
अज्वफ़ (اجوف) अ वि –जो बीच से खाली हो, सुषिर, खोखला, वह अरबी शब्द जिसके बीच का अक्षर 'अलिफ़', 'वाव' या 'ये' हो।
अज़्वाज (ازواج) अ स्त्री –'ज़ौज' का बहु, पत्नियाँ, स्त्रियाँ, भार्याएँ।
अज्विब. (اجوبه) अ पु –'जवाब' का बहु, जवाबात, उत्तर।
अज्साद (اجساد) अ पु –'जसद' का बहु, देहे, शरीर।
अज्साम (اجسام) अ पु –'जिस्म' का बहु, देहे, शरीर।
अज्सुर (اجسر) अ पु –'जस्र' का बहु, बहुत से पुल।
अज्हर (اجهر) अ वि –जिसे दिन मे न दिखाई देता हो, दिनाध, रोजकोर।
अज़्हर (ازهر) अ वि –यश और कीर्ति से मुख की उज्ज्वलता; बहुत अधिक प्रकाशमान्, रौशनतर, मिस्र का प्राचीन विश्वविद्यालय, 'जामिअए अज़्हर'।

अज़्हर (اظہر) अ वि —बहुत अधिक स्पष्ट, बहुत ही साफ।
अज़्हर मिनश्शम्स (اظہرمن‌الشمس) अ वि —सूर्य से अधिक स्पष्ट और उज्ज्वल, सर्वविदित, सबको ज़ाहिर।
अज़्हल (اجہل) अ वि —बहुत अधिक जाहिल, मूर्खतम।
अज़्हा (اضحیٰ) अ स्त्री —कुर्बानी, बलि।
अज़्हान (اذہان) अ पु —'ज़ेहन' का बहु, प्रतिभाएँ, ज़ेहन।
अतगः (اتکہ) तु पु —दाय का पति, दूध पिलानेवाली धाय का पति।
अतन (عطن) अ पु —ऊँटो के पानी पीने का स्थान।
अतब. (عتبہ) अ पु —चौखट, देहलीज़, देहलीज़ की लकडी या पत्थर, कष्ट, सख्ती, रमल की एक आकृति।
अतब (عتب) अ पु —तर्जनी और मध्यमा या मध्यमा और अनामिका उँगलियों के बीच का अतर।
अतब (عطب) अ पु —मरण, हलाकत, वध।
अतम [म्म] (اتم) अ वि —बिलकुल पूरा, मुकम्मल, सर्वांग-पूर्ण, सपूर्ण।
अतल (عطل) अ स्त्री —बिना शृगार की हुई स्त्री, बिना बिंदीवाला अक्षर।
अतश (عطش) अ स्त्री —प्यास, पिपासा, तश्नगी।
अता (اتا) तु पु —पितृ, पिता, जनक, बाप।
अता (عطا) अ स्त्री —दान, प्रदान, बख्शिश, पुरस्कार, अतीय, दिया हुआ, दत्त।
अताई (عطائی) अ वि —जिसने कोई कला या गुण नियम-पूर्वक गुरु से न सीखा हो, वरन् यों ही सुन-सुनाकर या देख-भालकर या किसी अनाडी के पास रहकर थोडा-बहुत उलटा-सीधा ज्ञान प्राप्त कर लिया हो।
अताक़ (عتاق) अ पु —दास का अपने स्वामी के बधनो से मुक्त होना।
अतान (اتان) अ स्त्री —गधी, गर्दभी, गधे की मादा।
अताबुक (اتابک) तु पु —गुरु, उस्ताद, सरदार।
अताया (عطایا) अ पु —'अतीय' का बहु, बख्शिशे।
अतालिय. (اطالیہ) अ पु —इटली, यूरोप का एक प्रसिद्ध राष्ट्र।
अतालीक़ (اتالیق) तु पु —शिक्षक, उस्ताद, शिक्षा के साथ साथ शिष्टता, सभ्यता और व्यवहार-निष्ठता आदि सिखाने-वाला और चाल-चलन की देख-रेख करनेवाला गुरु।
अतिब्बा (اطبا) अ पु —'तबीब' का बहु, चिकित्सकगण, हकीम लोग।
अतीक़ (عتیق) अ वि —पुरातन, कदीम, बधनमुक्त, आज़ाद, श्रेष्ठ, गिरामी।
अतीद (عتید) अ वि —विद्यमान, मौजूद, उपस्थित, हाज़िर, तत्पर, आमादा।
अतीफ (عطیف) अ स्त्री —वह स्त्री जिसमे नम्रता, पातिव्रत्य और आज्ञाकारिता हो।
अतीयः (عطیہ) अ पु —अनुदान, बख्शिश, प्रदान, अता, पुरस्कार, इन्आम, उपहार, तोहफा।
अतीयात (عطیات) अ पु —'अतीय' का बहु, बख्शिशें, अताएँ, इन्आमात, तोहफे।
अतील (عتیل) अ वि —प्यासा, तृषित।
अतूफ (عطوفہ) अ स्त्री —सुशील और विनम्र स्त्री।
अतूफ (عطوف) अ वि —दयालु, मेह्‌रबान, वह ऊँटनी जो अपने बच्चे से बहुत स्नेह करे, वत्सला, चिडीमार का जाल।
अतूफत (عطوفت) अ स्त्री —अनुकपा, अनुग्रह, शफकत।
अत्इम॰ (اطعمہ) अ पु —'तआम' का बहु, खाने, भोजन।
अत्क़िया (اتقیا) अ पु —'तकी' का बहु, ऋषि और मुनि लोग, सदाचारी और धर्मनिष्ठ लोग।
अत्गह (اتکہ) तु पु —शाही महल मे दूध पिलानेवाली धाय का पति।
अत्तार (عطار) अ वि —सुगधकार, इत्र बनाने बेचनेवाला, ओषधियाँ बेचनेवाला, एक मुसलमान महात्मा।
अत्तार (عتار) अ वि —साहसी, शूर, दिलेर बलिष्ठ घोडा, वह स्थान जिसमें जी न लगे।
अत्फ (عطف) अ पु —कृपा, दया, मिलाना, जोडना, फिराना, लपेटना, दो शब्दों के बीच मे 'वाव' या कोई दूसरा अक्षर या शब्द लाकर उन्हें आपस मे मिलाना।
अत्फाल (اطفال) अ पु —'तिफ्ल' का बहु, बालकगण, बच्चे, लडके।
अत्ब (عتب) अ पु —निंदा करना, क्रोध करना।
अत्बाअ (اتباع) अ पु —'तबा' का बहु अनुकारी वर्ग, पैरवी करनेवाले।
अत्मक (اتمک) तु स्त्री —रोटी, नान।
अत्यब (اطیب) अ वि —बहुत अच्छी सुगधवाला।
अत्राक (اتراک) तु पु —'तुर्क' का बहु, तुर्क लोग।
अत्राफ (اطراف) अ पु —'तरफ' का बहु, दिशाएँ, सिमतें।
अत्राब (اتراب) अ स्त्री —'तिर्ब' का बहु, समवयस्क पुरुष या स्त्रियाँ।
अत्रिय (اطریہ) अ स्त्री —सिवैयाँ।
अत्लस (اطلس) अ स्त्री —एक बहुमूल्य रेशमी वस्त्र (पु) स्वच्छ आकाश, साफ आस्मान।
अत्लाल (اطلال) अ पु —पुराने और ध्वस्त मकान आदि के चिह्न।
अत्वार (اطوار) अ पु —'तौर' का बहु, आचरण आ'माल।

अत्शान (عطشان) अ वि –प्यासा, तृषित।

अत्सः (عطسه) अ स्त्री –छींक।

अत्हर (اطهر) अ वि –बहुत ही पवित्र, अत्यन्त पाक।

अद [द्द] (عد) अ पु –गिनना, गणना करना, शुमार करना।

अदक [क्क] (ادق) अ वि –बहुत ही क्लिष्ट, बहुत ही गूढ़, रहस्यमय, बहुत ही सूक्ष्म, निहायत दक़ीक़।

अदकच (ادوقچه) तु पु –पलग पर विछाने की कामदार चादर।

अदद (عدد) अ पु –सख्या, अक, तादाद, मात्रा।

अदन (عدن) अ पु –यमन का एक द्वीप जहाँ का मोती प्रसिद्ध है।

अदब (ادب) अ पु –हर चीज का अदाज़ा और हद को दृष्टि मे रखना, शिष्टता, सभ्यता, तमीज, आदर, सत्कार, ताजीम, साहित्य, कला, लिट्रेचर, बुद्धि, विवेक।

अदब आमोज (ادب آموز) अ फा वि –अदब सिखानेवाला, अदब सीखनेवाला।

अदब नवाज (ادب نواز) अ फा पु –जो साहित्य का कद्रदान और साहित्यकारो का गुणग्राही हो।

अदबी (ادبی) अ वि –साहित्यिक, साहित्य सम्बन्धी, अदब से मुतअल्लिक़।

अदबीयत (ادبیّت) अ स्त्री –साहित्यिक प्रवाद, साहित्यिकता।

अदबीयात (ادبیات) अ स्त्री –साहित्य सम्बन्धी पुस्तके आदि।

अदम (عدم) अ पु –यमलोक, परलोक, जहाँ मनुष्य मरकर जाता है, हीन, विना, अभाव, फ़िक्दान।

अदम आबाद (عدم آباد) अ फा पु –यमलोक, परलोक, अदम की बस्ती।

अदरन (ادرنه) तु पु –एडिरयानोपिल।

अदल [ल्ल] (ادل) अ वि –बहुत ही मुदल्लल, तर्कयुक्त, तर्कनियुक्त।

अदवात (ادوات) अ पु –अदात का बहु, आले, आलात, औजार, उपकरण-समूह।

अदा (ادا) फा स्त्री –हाव-भाव, अगभगी, नाजअदाज, पद्धति, तर्ज, प्रणाली।

अदा (ادا) अ पु –बेबाक करना, देना, चुकाना, बेबाक, परिशुद्ध।

अदाइगी (ادائگی) अ फा स्त्री –बेबाक़ी, परिशुद्धि।

अदाए कर्ज (ادائے قرض) अ पु –ऋण-शुद्धि, कर्ज की बेबाक़ी।

अदाए खास (ادائے خاص) फा. अ स्त्री –पद्धति-विशेष, खास तर्ज।

अदाकार (اداکار) फा वि –अभिनेता, नट, ऐक्टर (पुरुष), अभिनेत्री, तारिका, लब्बा, ऐक्ट्रेस।

अदात (ادات) अ पु –औज़ार, आला, उपकरण।

अदानी (ادانی) अ पु –'अदना' का बहु, बहुत पासवाले, बहुत कमीने।

अदालत (عدالت) अ स्त्री –न्यायालय, कचहरी, न्याय, इसाफ।

अदालत पजोह (عدالت پژوه) अ फा वि –न्यायनिष्ठ, मुसिफमिजाज।

अदालते आलियः (عدالت عالیه) अ स्त्री –उच्च न्यायालय, हाईकोर्ट।

अदालते खफ़ीफ़ः (عدالت خفیفه) अ स्त्री –अल्पवाद न्यायालय, स्माल काज कोर्ट।

अदालते दीवानी (عدالت دیوانی) अ फा स्त्री –व्यवहारालय, लेन-देन और रुपये-पैसेवाली कचहरी, व्यवहार-न्यायालय।

अदालते फौजदारी (عدالت فوجداری) अ फा स्त्री –दड-न्यायालय, वह कचहरी जहाँ अपराधो के इस्तिगासे होते हैं।

अदालते मातहत (عدالت ماتحت) अ स्त्री –अधीन न्यायालय।

अदालते माल (عدالت مال) अ स्त्री –राजस्व न्यायालय, मालगुजारी, लगान और खेती सम्बन्धी कचहरी।

अदालते मुजाज (عدالت مجاز) अ स्त्री –अधिकृत न्यायालय, जिसे किसी मुआमले के सुनने और निर्णय करने का अधिकार हो।

अदालते मुराफ़अः (عدالت مرافعه) अ स्त्री –पुनर्विचारालय, अदालते अपील।

अदावत (عداوت) अ स्त्री –शत्रुता, वैर, दुश्मनी।

अदावतन (عداوتاً) अ वि –अदावत से, शत्रुता से।

अदावत पेश (عداوت پیشه) अ फा वि –जिसका काम हरेक से शत्रुता रखना हो, वैरवृत्त।

अदावते कल्बी (عداوت قلبی) अ स्त्री –हार्दिक वैर, दिली दुश्मनी, बहुत अधिक शत्रुता।

अदावते फित्री (عداوت فطری) अ स्त्री –पैदाइशी दुश्मनी, प्राकृतिक वैर, जैसी साँप और न्योले मे।

अदाशनास (اداشناس) फा वि –यह समझनेवाला कि इस समय उसका स्वामी क्या चाहता है, और क्या करना चाहिए, भालदर्शी।

अदिल्लः (ادلہ) अ स्त्री –'दलील' का बहु, दलीले।
अदीद (عدید) अ स्त्री –अधिक, बहुत, गणना, शुमार, सदृशता, नज़ीर।
अदीब (ادیب) अ वि –साहित्यकार, कलाकार।
अदीम (عدیم) अ वि –अप्राप्य, नायाब।
अदीम (ادیم) अ पु –कच्चा और बूदार चमडा, धरातल, ज़मीन की सतह, खाना, भोजन।
अदीमज़्ज़ुहा (ادیم الضحی) अ पु –सूर्योदय के पश्चात् का समय, चाश्त का शुरू, प्रत्यूष-आतप।
अदीमुन्नज़ीर (عدیم النظیر) अ वि –जिस जैसा दूसरा न हो, अनुपम, अद्वितीय, बेमिसाल, अनुपमेय।
अदीमुलअर्ज़ (ادیم الارض) अ पु –धरातल, जमीन की सतह।
अदीमुलफ़ुर्सत (عدیم الفرصت) अ वि –जिसके पास समय न हो, अवकाश-विहीन।
अदीमुलमिसाल (عدیم المثال) अ वि –देखिए 'अदीमुन्नज़ीर'।
अदील (عدیل) अ वि –समान, तुल्य, हमसर, दो व्यक्ति जो एक कजावे पर दोनो ओर बैठे।
अदूल (عدول) अ पु –सत्यनिष्ठ व्यक्ति, सच्चा पुरुष, सच्चा गवाह।
अदूले हुक्म (عدول حکم) अ पु –अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान।
अद्इय (ادعیہ) अ स्त्री –'दुआ' का बहु, दुआएँ।
अद्कन (ادکن) अ पु –खाकी रग, ऐसा रग जो कालिमा लिये हो।
अद्खिनः (ادخنہ) अ पु –'दुखान' का बहु, धुएँ।
अद्न (عدن) अ पु –निवास, कयास, किसी जगह हमेशा रहना, स्वर्ग के बाग।
अद्ना (ادنی) अ वि –तुच्छ, अधम, कमीना, बहुत छोटा, ज़रा सा (काम आदि), पास, समीप।
अद्नान (عدنان) अ पु –हज़रत मुहम्मद साहब के एक पूर्वज जो बडे अच्छे वक्ता थे।
अद्नास (ادناس) अ पु –'दनस' का बहु, मैल-कुचैल।
अद्मान (ادمان) अ पु –'अदम' का बहु, गदुमी रग के मनुष्य।
अद्यान (ادیان) अ पु –'दीन' का बहु, बहुत से धर्म और मज़हब।
अद्ल (عدل) अ पु –न्याय, इसाफ, न्यायकर्ता, मुसिफ, वह सच्चा व्यक्ति जो गवाही के लिए ठीक हो, सदृश, मिस्ल, एक वस्तु को दूसरी वस्तु के बराबर करना।
अद्लपर्वर (عدل پرور) अ फा वि –न्यायनिष्ठ, न्यायप्रिय, हर बात में न्याय का ख्याल रखनेवाला।
अद्लैन (عدلین) अ पु –दो सच्चे व्यक्ति जो गवाही के लिए उचित हो।
अद्वन (ادون) अ वि –अधमतर, कमीन तर, समीपतर, करीबतर।
अद्वात (ادوات) अ पु –'अदात' का बहु, औज़ार, उपकरण-समूह।
अद्वार (ادوار) अ पु –'दौर' का बहु, बारियाँ।
अद्विय (ادویہ) अ स्त्री –'दवा' का बहु, ओषधियाँ, दवाएँ।
अद्हम (ادہم) अ पु –काला, काला घोडा, काला साँप, वेंडी।
अन (عن) अ अव्य –से, अज।
अनक़रीब (عن قریب) अ अव्य –शीघ्र ही, बहुत जल्द।
अनत (عنت) अ पु –पाप, गुनाह, दोष, खराबी, हत्या, हलाकी।
अनफ़ (انف) अ स्त्री –नाक, नासा, बीनी।
अनब (انب) अ पु –बैगन, भाँटा।
अनलबर्क़ (انا البرق) अ वा –मै बिजली हूँ।
अनलबह्र (انا البحر) अ वा –मै समुद्र हूँ।
अनल्लाह (انا اللہ) अ वा –मै ईश्वर हूँ।
अनलहक़ (انا الحق) अ वा –मै सत्य हूँ, मै सदाकत हूँ, मै ब्रह्म हूँ, अहं ब्रह्मास्मि, मै खुदा हूँ।
अना (انا) अ अव्य –मै।
अना (انا) तु स्त्री –माता, जननी, माँ।
अना (عنا) अ स्त्री –कष्ट, दु ख, तकलीफ, प्रयास, मशक्कत।
अनाक़ (عناق) अ पु –बकरी की बच्ची।
अनाक़ीद (عناقید) अ पु –'उन्क़ूद' का बहु, अगूर के गुच्छे।
अनाजील (اناجیل) अ स्त्री –'इजील' का बहु, इजीले, बाइबिले।
अनात (انات) अ स्त्री –देर, विलब, दिरग।
अनातूलिय (اناطولیہ) तु पु –तुर्किस्तान का एक नगर।
अनादिल (عنادل) अ उभ –'अदलीब' का बहु, बुलबुले।
अनानीयत (انانیت) अ स्त्री –अहवाद, खुदी, यह भावना कि जो कुछ हूँ, बस मै हूँ।
अनाम (انام) अ पु –जनता, सर्वसाधारण, अवाम।
अनामिल (انامل) अ स्त्री –'अन्मिल' का बहु, उँगलियो के सिरे।
अनार (انار) फा पु –एक प्रसिद्ध फल, दाडिम।
अनारदान (اناردان) फा पु –अनार के सूखे हुए बीज जो दवा मे काम आते हैं, अनारदाना।

अनासिर (عناصر) अ पु –'उंसुर' का बहु , पंचभूत–आग, पानी, हवा, मिट्टी और आकाश ।

अनीक़ (انیق) अ वि –अद्‌भुत, आश्चर्यजनक, अजीबो-ग़रीब, सुन्दर, मनोरम, हसीन ।

अनीद (عنید) अ वि –लड़ाकू, झगड़ालू, उद्दंड, सरकश ।

अनीन (انین) अ पु –चीख़ना, चिल्लाना ।

अनीफ़ (عنیف) अ वि –तीव्र, तेज, खुरदरा, दुरुस्त, झगड़ालू, लड़ाकू ।

अनीस (انیس) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त ।

अनीसून (انیسون) अ स्त्री –एक प्रकार की सौंफ जो दवा में काम आती है ।

अन्कबूत (عنکبوت) अ स्त्री –लूता, मकड़ी ।

अन्कबूतीयः (عنکبوتیہ) अ स्त्री –आँख का चौथा पर्दा या पटल ।

अन्क़स (انقص) अ वि –बहुत ही ख़राब, अत्यन्त निकृष्ट ।

अन्क़ा (عنقا) अ पु –एक प्रसिद्ध साहित्यिक पक्षी जो केवल कल्पित है, वह वस्तु जो अप्राप्य हो, लंबी गर्दनवाली स्त्री ।

अन्क़ाब (عنقاب) अ पुं –'नक्ब' का बहु , छिद्र-समूह, बहुत से सूराख़ ।

अन्क़ास (انقاس) अ पु –'निक्स' का बहु , लिखने की स्याहियाँ ।

अन्क़ास (انقاص) अ पु –'नक़्स' का बहु , कमियाँ, त्रुटियाँ, अशुद्धियाँ, दोष, ऐब ।

अन्नाब (عناب) अ वि –अंगूर बेचनेवाला ।

अन्फ़ (عنف) अ पु –खुर्दरापन, रूखापन, रुखाई, बेरुख़ी, दे 'इन्फ़' और 'उन्फ़', तीनों शुद्ध हैं ।

अन्फ़त (انفت) अ पु –घृणा और अवहेलना करना ।

अन्फ़स (انفس) अ वि –बहुत ही नफ़ीस, बहुत ही उत्तम, अत्यधिक सुन्दर ।

अन्फ़ास (انفاس) अ पु –'नफ़स' का बहु , साँसें ।

अन्फ़िख़ (انفخ) अ पु –'नफ़्ख़' का बहु , फूँकें ।

अन्फ़िह़ (انفحہ) अ पु –पनीर माय , वह जमा दुग्ध जो नवजात शिशु-पशु को मारकर उसके मेदे से निकालते हैं ।

अन्फ़ुस (انفس) अ पु –'नफ़्स' का बहु , रूहें, आत्माएं, व्यक्तियाँ, जातें ।

अन्मल (انملہ) अ स्त्री –दे 'अन्मिल' ।

अन्मार (انمار) अ पु –'नम्र' का बहु , चीते ।

अन्मिल (انملہ) अ स्त्री –उँगली का सिरा, यह शब्द नौ प्रकार से आता है, परन्तु बोला यही जाता है, 'अलिफ़' और 'मीम' पर ज़बर, ज़ेर, पेश, तीनों आते हैं ।

अन्मुल (انملہ) अ. स्त्री –दे 'अन्मिल' ।

अन्वर (انور) अ वि –बहुत अधिक चमकदार, उज्ज्वलतम ।

अन्वाअ (انواع) अ पु –'नौअ' का बहु , प्रकार, क़िस्में ।

अन्वार (انوار) अ पु –'नूर' का बहु , प्रकाशपुंज, जगमगाहटें, रोशनियाँ ।

अन्हार (انہار) अ पु –'नह्र' का बहु , नहरें, नदियाँ, चश्मे ।

अफ़ [अ़फ़] (عف) अ पु –सतीत्व, पातिव्रत्य, इस्मत ।

अफ़न (عفن) अ पु –मलिन होना, गंदा होना ।

अफ़रना (عفرنا) अ पु –फाड़ खानेवाला शेर, व्याघ्र ।

अफ़ा (عفا) अ पु –मरना, हलाक होना, नापैद होना, आँख के पपोटों की कालिमा ।

अफ़ाई (افاعی) अ पु –'अफ़्ई' का बहु , काले साँप ।

अफ़ाग़िनः (افاغنہ) अ पु –'अफ़ग़ान' का बहु , अफ़ग़ानी लोग, काबुली ।

अफ़ाज़िल (افاضل) अ पु –'अफ़्ज़ल' का बहु , विद्वज्जन, पंडित लोग, प्रतिष्ठित जन, बड़े लोग ।

अफ़ाफ़ (عفاف) अ पु –संयम, पार्साई, सतीत्व, इस्मत ।

अफ़ारीत (عفاریت) अ पु –इफ़्रीत का बहु , पिशाच-समूह, देव लोग ।

अफ़िन (عفن) अ वि –दुर्गंधयुक्त, बदबूदार ।

अफ़िस (عفص) अ वि –कसैला, बकठा, बकठी चीज़ ।

अफ़ीफ़ः (عفیفہ) अ स्त्री –सती, साध्वी, पतिव्रता, बाइस्मत ।

अफ़ीफ़ (عفیف) अ वि –पत्नीव्रत, परस्त्रीविमुख, दूसरी स्त्री पर आँख न उठानेवाला ।

अफ़ील (افیل) अ पु –जवान ऊँट ।

अफ़्अफ़ (عفعف) अ अव्य –कुत्ते के भूँकने का शब्द ।

अफ़्आल (افعال) अ पु –'फ़ेल' का बहु , कार्य-समूह, कृतियाँ, करतूत ।

अफ़्इद (افئدہ) अ पु –'फ़ुआद' का बहु , हृदय-समूह ।

अफ़्ई (افعی) अ पु –काला साँप, नाग ।

अफ़्क़र (افقر) अ वि –बहुत ही कंगाल, बहुत ही फ़क़ीर ।

अफ़्कार (افکار) अ पु –'फ़िक्र' का बहु , फ़िक्रें, चिंताएँ, रचनाएं, तसानीफ़ ।

अफ़्गंद (افگندہ) फा वि –फेंका हुआ, गिराया हुआ ।

अफ़्गंद सुम (افگندہ سم) फा वि –लाचार, दुःखित, चलने-फिरने में विवश ।

अफ़्गंदनी (افگندنی) फा वि –फेंकने के योग्य, टालने के योग्य, गिराये जाने योग्य ।

अफ़्गाँ (افغاں) फा पु –'अफ़्ग़ान' का लघु , दे 'अफ़्ग़ान' ।

अफ़्गान (افگانہ) फा पु –भ्रूण, अधूरा बच्चा, वह बच्चा जो गर्भ महीने से पूर्व उत्पन्न हो जाय ।

अफ़ग़ान (افغان) फा पु –अफगानिस्तान का निवासी, अफगानी, काबुली।

अफ़ग़ानिस्तान (افغانستان) फा पु –काबुलियो का देश, काबुल का मुल्क, काबुल का राष्ट्र।

अफ़ग़ानी (افغانی) फा वि –काबुली, अफगान।

अफ़गार (افگار) फा वि –क्षत, घायल, (प्रत्य) जख्म खाया हुआ जैसे 'दिल अफगार' जख्मी दिलवाला।

अफ़्ज़ल (افضل) अ वि –बहुत ही बढिया, उत्तमतर, बहुत अधिक, बहुत ज्यादा।

अफ़्ज़लीयत (افضلیت) अ स्त्री –श्रेष्ठता, बडप्पन, बडाई।

अफ़्ज़ह (افضح) अ वि –बहुत ही निंदित, बहुत ही बदनाम, कुख्यात।

अफ़्ज़ा (افزا) फा प्रत्य –बढानेवाला जैसे हौसल 'अफ्जा' उत्साह बढानेवाला।

अफ़्ज़ाइश (افزائش) फा स्त्री –वृद्धि, बढती, ज्यादती।

अफ़्ज़ाइशे नस्ल (افزائش نسل) फा स्त्री –संतान-वृद्धि, वंशवृद्धि, नस्ल का बढना।

अफ़्ज़ाइशे हुस्न (افزائش حسن) फा अ स्त्री –सौंदर्य-वृद्धि, सुन्दरता का बढना।

अफ़्ज़िय (افضیه) अ स्त्री –'फजा' का बहु, खुले स्थान।

अफ़्ज़ूँ (افزوں) फा वि –अत्यधिक, प्रचुर, बहुत ज्यादा, कुल जोड, ग्राड टोटल।

अफ़्ज़ूनी (افزونی) फा स्त्री –अधिकता, प्रचुरता, बहुतायत, ज्यादती।

अफ़्दर (افدر) अ पु –भतीजा, भ्रातृ-पुत्र, भानजा, भगिनी-पुत्र।

अफ़्याल (افیال) अ पु –'फील' का बहु बहुत से हाथी।

अफ़राश्त (افراشته) फा वि –उठाया हुआ, ऊँचा किया हुआ।

अफ़राश्तनी (افراشتنی) फा वि –उठाने योग्य, ऊँचा करने योग्य।

अफ़राज़ (افراز) फा प्रत्य –'उठानेवाला' 'ऊँचा करनेवाला', जैसे 'सरअफ़राज' सिर ऊँचा करनेवाला।

अफ़राज़िंद (افرازنده) फा वि –उठानेवाला, ऊँचा करनेवाला।

अफ़राज़ीद (افرازیده) फा वि –उठाया हुआ, बलन्द किया हुआ।

अफ़राद (افراد) अ पु –'फर्द' का बहु, व्यक्तियाँ, आदमी।

अफ़राश्त (افراشته) फा वि –उठाया हुआ, ऊँचा किया हुआ, बलन्द किया हुआ।

अफ़राश्तनी (افراشتنی) फा वि –उठाने योग्य, ऊँचा करने योग्य।

अफ़रास (افراس) अ पु –'फरस' का बहु, घोडे।

अफ़रासियाब (افراسیاب) फा पु –तूरान का एक प्राचीन शासक।

अफ़रासे आब (افراس آب) फा पु –वे बुलबुले जो पानी बरसते समय उठते हैं।

अफ़रोख़्त (افروخته) फा वि –जलाया हुआ, रौशन किया हुआ, क्रुद्ध, गुस्से मे, उत्तेजित, मुश्तइल।

अफ़रोख़्तगी (افروختگی) फा स्त्री –क्रोध, रोष, उत्तेजना, उकसाहट, रौशनी।

अफ़रोख़्तनी (افروختنی) फा वि –जलाने योग्य, उत्तेजित करने योग्य, क्रुद्ध करने योग्य।

अफ़रोज़ (افروز) फा प्रत्य –जलानेवाला, रौशन करनेवाला, उज्ज्वलकारी, वृद्धिकारी, जैसे—दिल-अफ़रोज, दिल को उज्ज्वल करनेवाला, रौनक-अफ़रोज़—शोभावृद्धिकारी।

अफ़लाक (افلاک) अ पु –'फलक' का बहु, आकाश-समूह, सब आस्मान।

अफ़लाक़ (افلاق) अ पु –'फलक' का बहु, प्रातःकाल के उजाले।

अफ़्व (عفو) अ पु –क्षमा, मुआफी।

अफ़्वाज (افواج) अ स्त्री –'फौज' का बहु, फौजे, सेनाएँ।

अफ़्वाह (افواه) अ स्त्री –बहुवचन है, परन्तु एकवचन मे प्रयुक्त होता है, किंवदती, जनश्रुति, लोकोक्ति, उडती हुई शोहरत।

अफ़्वाहन् (افواهاً) अ वि –अफ़्वाह के तौर पर, उडते-उडते।

अफ़्श (عفش) अ पु –पथिक का सामान।

अफ़्शाँ (افشاں) फा स्त्री –स्त्रियो के बालो अथवा गालो पर छिडकने का सुनहला या रुपहला चूर्ण, (प्रत्य) झाडनेवाला, छिडकनेवाला, जैसे—'दस्त अफ्शाँ' हाथ झाडनेवाला।

अफ़्शार (افشار) तु पु –तुर्को मे 'किज़िलबाश' जाति का एक गोत्र।

अफ़्शुर (افشره) फा पु –दे 'अफ्शुर्द'।

अफ़्शुर्द (افشرده) फा वि –निचोडा हुआ, (पु) निचोडा हुआ अर्क आदि।

अफ़्शुर्दए अंगूर (افشردهٔ انگور) फा पु –अंगूर का निचोडा हुआ अरक, अंगूर की मदिरा।

अफ़्स (عفص) अ पु –माजू, माजूफल, एक वनौषधि।

अफ़्सर (افسر) अ पु –मुकुट, ताज, पदाधिकारी, ओहदे-दार, सरदार, अध्यक्ष।

अफ़्सरी (افسری) अ स्त्री –पदाधिकार, ओहदादारी, सत्ता, हुकूमत, अध्यक्षता, सरदारी।

अफ़सह (افصح) अ वि–बहुत फसीह, जो बडी विद्वत्ता से बातचीत करता हो और बहुत अच्छे शब्द बोलता हो।

अफ़्साँ (افساں) फा पु–धार तेज़ करने का पत्थर, शाण, सान।

अफ़्सा (افسا) फा पु–अभिचारक, मायावी, जादूगर।

अफ्सानः (افسانہ) फा पु–आख्यायिका, कहानी, उपन्यास, नाविल, लम्बा वृत्तान्त, मनगढत कहानी या हाल।

अफ्सान.गो (افسانہگو) फा वि–कहानियाँ कहनेवाला, किस्स गो।

अफ्सानः नवीस (افسانہ نویس) फा वि–कहानियाँ लिखनेवाला, उपन्यास-लेखक।

अफ्सान॰ निगार (افسانہ نگار) फा वि–दे 'अफ्सान नवीस'।

अफ्सार (افسار) फा पु–घोडे की वागडोर।

अफ्सुर्द (افسردہ) फा वि–जाडे से ठिठरा हुआ, वुझा हुआ, ठडा, खिन्न, उदास।

अफसुर्द.दिल (افسردہدل) फा वि–वुझे दिलवाला, खिन्नचित्त, उदास।

अफ्सुर्द.दिली (افسردہدلی) फा स्त्री–दिल का वुझा होना, उदासी।

अफ्सुर्दगी (افسردگی) फा स्त्री–मलिनता, खिन्नता, उदासीनता, ठिठरापन, वेरौनकी, शोभाहीनता।

अफ्सुर्दनी (افسردنی) फा वि–ठिठरने योग्य, मलिन होने योग्य।

अफ्सूँ (افسوں) फा पु–अभिचार, मायाकर्म, इन्द्रजाल, जादू।

अफ्सूँगर (افسوں گر) फा वि–अभिचारक, मायावी, जादूर।

अफ्सूँतराज़ (افسوں طراز) फा वि–दे 'अफ्सूँगर'।

अफ्सून (افسون) फा पु–दे 'अफ्सूँ'।

अफ्सूने सामिरी (افسون سامری) फा. अ पु–'सामिरी' का जादू, वहुत सख्त जादू।

अफ्सोस (افسوس) फा पु–शोक, रज, पश्चात्ताप, खेद, पशेमानी।

अफ्सोसनाक (افسوسناک) फा वि–शोकजनक, रजदेह, अशुभ, मनहूस, दयनीय, काविले रहम।

अब [द्ब] (عب) अ पु–वार-वार पानी पीना, मुँह भर-भर के खाना।

अबद (عبدہ) अ पु–'आबिद' का वहु तपस्वी लोग।

अवद (ابد) अ पु–वह समय जिसका अत न ज्ञात हो, नित्यता, हमेशगी।

अबदन (ابداً) अ वि–कदापि, हरगिज़, नित्य, हमेशा।

अवदी (ابدی) अ वि–नित्य की, हमेशा की, सार्वकालिक, दायमी।

अबदीयत (ابدیت) अ स्त्री–नित्यता, हमेशगी; अनश्वरता, लाज़वालीयत।

अबदुल आबाद (ابدال آباد) अ पु–नित्यता, हमेशगी।

अववी (ابوی) अ वि–बाप का, बाप सबधी।

अबस (عبث) अ वि–व्यर्थ, निरर्थक, फजूल, वेकार।

अवस (عبس) अ पु–रूखापन, वदमिज़ाजी, सूखा पेशाब-पाखाना।

अबा (عبا) अ पु–लवा चुगा, वस्त्र, लिबास।

अबाबील (ابابیل) अ स्त्री–एक प्रसिद्ध काली और छोटी चिडिया, जो उजड मकानो मे रहती है, भाडकी।

अविक (عبق) अ वि–सुगधित, खुशवूदार।

अबीद (عبید) अ पु–'अब्द' का बहु, ईश्वर के दास।

अबीर (عبیر) अ पु–एक प्रकार की सुगधित गुलावी वुकनी जो कपडो पर छिडकी जाती है।

अबूर (عبور) अ पु–नई वकरी या भेड, वह मनुष्य जिसका खत्ना न हुआ हो।

अबूस (عبوس) अ वि–वदमिजाज और खुर्रा व्यक्ति, रूखे स्वभाववाला।

अब्अद (ابعد) अ वि–वहुत अधिक दूर।

अब्आद (ابعاد) अ पु–'बो'द' का वहु, दूरियाँ, फासिले।

अब्आदे सलास. (ابعاد ثلاثہ) अ पु–तीन फासिले, लवाई, चौडाई और मोटाई या ऊँचाई या गहराई।

अब्इर (ابعرہ) अ पु–'वईर' का वहु, उष्ट्र-समूह, वहुत से ऊँट।

अब्कर (عبقر) अ पु–शोरा, एक क्षार जिससे वारूद वनती है।

अब्कर (عبقر) अ पु–भूत-प्रेत और जिनो आदि का एक कल्पित नगर।

अब्करी (عبقری) अ वि–वहुत वढिया और अद्भुत वस्तु जिसे मनुष्य न वना सके, वल्कि जिसे जिनो या भूतो ने वनाया हो, उम्दा और नफीस कपडा, हर उत्तम और अद्भुत वस्तु।

अब्का (ابکی) अ वि–वहुत रोनेवाला।

अब्कार (ابکار) अ पु–'विक्र' का वहु, कुआँरियाँ, वुक्र का वहु, सवेरे, प्रात काल के समय।

अब्खर (ابخرہ) अ पु–'वुखार' का वहु, धुएँ, भापे।

अब्खर (ابخر) अ वि–वह व्यक्ति जिसके मुँह मे दुर्गंध आती हो, गदादहन।

अब्खल (ابخل) अ वि —बहुत अधिक कजूस, कृपणतम।

अब्जद (ابجد) अ स्त्री —वर्णमाला, अलिफ, बे, अरबी अक्षरो का वह क्रम जिसमें हर अक्षर का मूल्य एक से हज़ार तक, क्रमश दिया गया है, और वह इस प्रकार

۴ ۳ ۲ ۱ — ۷ ۶ ۵

है, अबजद (ا ب ج د) हव्वज़ (ہ و ز) हुत्ती

۱۰ ۹ ۸ — ۵۰ ۴۰ ۳۰ ۲۰

(ح ط ی) कलिमन (ک ل م ن) सअफस

۹۰ ۸۰ ۷۰ ۶۰ — ۴۰۰ ۳۰۰ ۲۰۰ ۱۰۰

(س ع ف ص) करशत (ق ر ش ت) सख़्ख़ज

۷۰۰ ۶۰۰ ۵۰۰ — ۱۰۰۰ ۹۰۰ ۸۰۰

(ث خ ذ) ज़ज़्ज़ग (ض ظ غ) —इन अक्षरो की सहायता से लोगो के मरने और पदा होने का साल निकाला जाता है, और कुछ लोग अपने बच्चो के नाम भी इसी हिसाब से रखते हैं जिससे उनके जन्म का वर्ष मालूम हो जाता है।

अब्जदख़्वां (ابجد خواں) अ फा वि —अलिफ, बे, पढने वाला, नौसिखिया।

अब्ज़ार (ابذار) अ पु —'बज़्र' का बहु, अनाजो के बीज।

अब्ज़ार (ابزار) अ पु —'बज़्र' का बहु, तरकारियो के बीज।

अब्तर (ابتر) अ वि —अस्तव्यस्त, तितर-बितर, दुर्दशा-ग्रस्त, बदहाल।

अब्तरी (ابتری) अ स्त्री —अस्त-व्यस्तता, गडबड, कुव्य-वस्था, बदनज़्मी, राज्य-परिवर्तन, इन्क़िलाब।

अब्द (عبد) अ पु —दास, सेवक, बद, भक्त, फिदाई।

अब्दान (ابدان) अ पु —'बदन' का बहु, बहुत से शरीर।

अब्दीयत (عبدیت) अ स्त्री —दासता, सेवाभाव, बदगी, ईश्वर का दास होना।

अब्दुद्दराहिम (عبدالدراھم) अ पु —रुपये का दास, जिसका धर्म ईमान केवल रुपया हो।

अब्दुल जिन्न (عبدالجن) अ पु —कावूस रोग, जिसमे रोगी अनुभव करता है कि किसी ने उसका गला घोट दिया।

अब्दुलबत्न (عبدالبطن) अ पु —पेट का बदा, उदर-सर्वस्व, पटू।

अब्ना (ابنا) अ पु —'इब्न' का बहु, बेटे, पुत्रगण।

अब्नाए ज़मान (ابناے زمان) अ पु —ज़माने वाले, दुनियावाले, अवसरवादी लोग, दुनियासाज लोग।

अब्नाए जिंस (ابناے جنس) अ पु —एक जातिवाले, एक आयुवाले, समवयस्क।

अब्नाए वतन (ابناے وطن) अ पु —वतनवाले, देशवाले।

अंबियः (ابنیہ) अ स्त्री —'बिना' का बहु, बुनियादे,नीव।

अब्बादान (عبادان) अ पु —फारस की खाडी का एक द्वीप।

अब्बास (عباس) अ पु —रूखे स्वभाव वाला, व्याघ्र, शेर, हज़रत मुहम्मद साहब के चचा, अब्बासी ख़लीफा इन्ही से सम्बन्धित हैं।

अब्बासियां (عباسیاں) अ पु —हज़रत अब्बास की सतान-वाले।

अब्बासी (عباسی) अ वि —हज़रत अब्बास का वशज, हज़रत अब्बास से सम्बन्धित, एक फूल, गुलाबांस।

अब्यज़ (ابیض) अ वि —बहुत सफेद, धवलतम।

अब्यस (ابیس) अ वि —बहुत ख़ुश्क, बहुत ख़ुश्की पैदा करनेवाला।

अब्यात (ابیات) अ स्त्री —'बैत' का बहु, शेर।

अब्रʼ (ابرہ) अ पु —दोहरे कपडे में ऊपर वाला कपडा, अस्तर का उलटा।

अब्र (ابر) फा पु —मेघ, बलाहक, बादल।

अब्र (عبر) अ पु —स्वप्न का फल बताना, ता'बीर कहना।

अब्र आलूद (ابرآلود) फा वि —बादल से घिरा हुआ, मेघाच्छादित।

अब्रक (ابرک) फा पु —अभ्रक, एक प्रसिद्ध और बहुत ही उपयोगी पारदर्शी धातु।

अब्रक़ (ابرق) अ पु —दे 'अब्रक'।

अब्रस (ابرص) अ वि —जिसे सफेद कोढ का रोग हो, सिध्म।

अब्रार (ابرار) अ पु —'बार' का बहु, ऋषि, मुनि लोग।

अब्री (ابری) फा स्त्री —अब्र से सम्बन्धित, एक चित्रित और रगीन कागज, जो प्राय जिल्दो पर चढाया जाता है।

अब्रू (ابرو) फा स्त्री —भ्रू, भृकुटी, भौं।

अब्रूकमां (ابروکماں) फा वि —जिसकी भौहे धनुष-जैसी मेहराबदार हो, सुदर भौहोवाली हसीना।

अब्रू कशीद (ابروکشیدہ) फा वि —जिसकी भौहे तनी हो, सकुचित भ्रू।

अब्रेगलीज़ (ابرغلیظ) फा अ पु —काली घटा, घनघोर घटा।

अब्रेतीर (ابرتیرہ) फा पु —दे 'अब्रेगलीज़'।

अब्रेनैसां (ابرنیساں) फा पु —चैत के महीने का बादल, जिसके लिए प्रसिद्ध है कि उसकी हर बूंद मोती बन जाती है।

अब्रेबहार (ابربہار) फा पु —बसत ऋतु का मेघ।

अब्रेबारां (ابرباراں) अ पु —बरसता हुआ बादल, द्रोण मेघ, वर्षाकाल का बादल।

अब्लक (ابلق) अ वि—चितकबरा, काला और सफेद, चितकबरा घोडा, काला और सफेद घोडा।

अब्लह (ابلہ) अ वि—भोला भाला, मूर्ख, बेवकूफ।

अब्लहाँ (ابلہاں) अ पु—'अब्ल' का फार्सी बहु, भोले-भाले लोग, मूर्ख लोग।

अब्लही (ابلہی) अ स्त्री—भोलापन, मूर्खता, नादानी।

अब्लूज (ابلوج) फा स्त्री—सफेद शक्कर, शर्करा, मिस्री, खड शर्करा।

अब्स (عبس) अ पु—रूखापन, तुरुशरुई, एक पैरा, सीमवर।

अब्हर (ابہر) अ स्त्री—वह नर्गिस का फूल जिसके भीतर पीलापन हो, वह व्यक्ति जिसके शरीर में मास खूब हो।

अब्हा (ابہا) अ वि—सुदरतम, जेबतर, मनोरम, खुशनुमा।

अब्हार (ابحار) अ पु—'बह्र' का बहु, बहुत से समुद्र।

अम [म्म] (عم) अ पु—चचा, पितृभ्राता।

अमल (عملہ) अ पु—कर्मचारीवर्ग, किसी सस्था या कार्यालय के काम करनेवाले लोग।

अमल (عمل) अ पु—कार्य, कर्म काम, लोकाचार, तर्जे अमल, ससार में अच्छा या बुरा किया हुआ काम, कृत्य, कोई जप या वजीफा, मिस्मरेजम का अमल।

अमल (امل) अ स्त्री—आशा, आस, उम्मीद।

अमलखान (عمل خانہ) अ पु—दीवानखान।

अमलदारी (عملداری) अ फा स्त्री—शासन, सत्ता, राज्याधिकार, हुकूमत।

अमलन (عملاً) अ वि—अमल के तौर पर, कार्यान्वित करके।

अमली (عملی) अ वि—कार्य सम्बन्धी, काम का, कर्मनिष्ठ, कर्मठ, बाअमल।

अमलीयात (عملیات) अ पु—जत्र-मत्र जो भूत-प्रेत आदि के लिए प्रयुक्त होते हैं।

अमश (عمش) अ पु—दृष्टि की निर्बलता, आँख से आँसू बहना।

अमा (عمی) अ स्त्री—अधता, नाबीनाई, कुमार्ग, गुमराही, हलका बादल, गहरा बादल।

अमाइद (عمائد) अ पु—'अमीद' का बहु, बडे लोग, प्रतिष्ठित लोग, उच्च पदाधिकारी लोग।

अमाइम (عمائم) अ पु—'इमाम' का बहु, पगडियाँ, साफे।

अमाकिन (اماکن) अ पु—'मकान' का बहु, बहुत से घर, बहुत से मकान।

अमाजिद (اماجد) अ पु—'अम्जद' का बहु, प्रतिष्ठित जन, पूज्य व्यक्ति, बुजुर्ग लोग।

अमान (امان) अ स्त्री—सुरक्षा, हिफाजत, पनाह, निर्भयता, बेखौफी, शाति, सुकून।

अमानत (امانت) अ स्त्री—न्यास, थाती, धरोहर, किसी को कोई वस्तु सिपुर्द करना।

अमानतदार (امانتدار) अ फा वि—जिसके पास कोई धरोहर रखी हो, न्यासधारी, सत्यनिष्ठ, ईमानदार।

अमानी (امانی) अ पु—'उम्नीयत' का बहु, आशाएँ, आकाक्षाएँ, आर्जूएँ।

अमाम (امام) अ वि—सामने, प्रत्यक्ष।

अमारत (امارت) अ स्त्री—चिह्न, निशान, लक्षण, अलामत।

अमारात (امارات) अ स्त्री—'अमारत' का बहु, निशानात, चिह्न, अलामतें, लक्षण।

अमारिद (امارد) अ पु—'अम्रद' का बहु, वे डाढी-मूँछ के खूबसूरत लडके।

अमारी (عماری) अ स्त्री—हाथी का हौदा, अम्मारी।

अमासिल (اماثل) अ पु—'अम्सल' का बहु, उदाहरण, मिसाले।

अमीक (عمیق) अ वि—अगाध, गहन, गभीर, गहरा, डुबाऊ, सूक्ष्म, गूढ, दकीक।

अमीद (عمید) अ वि—प्रतिष्ठित, मुअज्जज, नेता, रहबर, लीडर।

अमीन (امین) अ वि—न्यासधारी, अमानतदार, सत्यनिष्ठ, ईमानदार।

अमीम (عمیم) अ वि—व्यापक, आम, जो सबके लिए हो।

अमीर (امیر) अ वि—धनाढ्य, दौलतमद, अध्यक्ष, सरदार, लीडर, नेता, शासक, हाकिम।

अमीरजाद (امیرزاد) अ फा वि—अमीर का लडका, धनीपुत्र, आर्यपुत्र, शरीफजादा।

अमीरान (امیرانہ) अ फा वि—अमीरो जैसा, रईसो की तरह।

अमीरी (امیری) अ स्त्री—श्रेष्ठता, बुजुर्गी, धनाढ्यता, मालदारी, स्वामित्व, सरदारी।

अमीरुल अस्कर (امیرالعسکر) अ पु—सेनापति, सिपहसालार, कमाडर।

अमीरुल उमरा (امیرالامرا) अ पु—शाही जमाने की एक बडी पदवी, अमीरो का अमीर, बहुत बडा अमीर।

अमीरुल बह्र (امیرالبحر) अ पु—नौ-सेनापति, समुद्री फौज का कमाडर।

अमीरे कारवाँ (امیر کارواں) अ फा पु—यात्रीदल का अध्यक्ष।

अमीरे नह्ल (امیر نحل) अ पु –हज़रत अली की उपाधि।

अमूद (عمود) अ पु –स्तंभ, खभा, वस्त्रपट, खँभ, शिश्न, लिंग, अध्यक्ष, सरदार, तराजू की मूठ, लब, वह खडी रेखा जो दूसरी पडी रेखा पर गिरकर ९० अश का कोण बनाये।

अमूदी (عمودی) अ वि –अमूद से सम्बन्धित, अमूद जैसा।

अमूम (عموم) अ वि –दे शु उच्चारण 'उमूम'।

अमूर (عمور) अ पु –दाँतो और मसूढो के बीच का मास।

अमूल (عمول) अ वि –बहुत अधिक काम करनेवाला।

अम् (عم) अ पु –चचा, बाप का भाई।

अम्अक़ (عمعق) अ पु –अरब का एक शायर।

अम्आ (امعا) अ पु –'मिआ' का बहु, आँते।

अम्किन: (امکنہ) अ पु –'मकान' का बहु, मकानात।

अम्जद (امجد) अ वि –अत्यत पवित्र, अत्यत बुजुर्ग।

अम्जाद (امجاد) अ पु –प्रतिष्ठित जन, बुजुर्ग लोग।

अम्ज़िजः (امزجہ) अ पु –'मिज़ाज' का बहु, स्वभाव, मिजाज।

अम्त (امت) अ पु –ऊँची भूमि, दीवार आदि का पुश्ता।

अम्तार (امطار) अ पु –'मतर' का बहु, बरसातें, बरसात के पानी।

अम्तिअ: (امتعہ) अ पु –'मताअ' का बहु, मालो अस्बाब।

अम्द (عمد) अ पु –सकल्प, इराद, इच्छा, ख्वाहिश।

अम्दन (عمداً) अ वि –समझते-बूझते हुए, जान-बूझकर, निश्चयपूर्वक, इरादे के साथ।

अम्न (امن) अ पु –शाति, सुकून, सुख-चैन, आराम।

अम्न पसद (امن پسند) अ फा वि –अम्न का हामी, शातिप्रिय, जो यह चाहता हो कि किसी प्रकार का झगडा न हो।

अम्न पसदी (امن پسندی) अ फा स्त्री –अम्न की हिमायत, शातिप्रियता, झगडा न चाहना।

अम्मः (عمہ) अ स्त्री –फूफी, बाप की बहन, मनुष्यो का समूह।

अम्माँ (عماں) अ पु –'अम्म' का बहु, फारसी मे।

अम्मान (عمان) अ पु –शाम का एक नगर।

अम्मार: (امارہ) अ वि –पाप की ओर प्रवृत्त करनेवाला, गुनाह की तर्गीब देनेवाला, बहुत हुक्म करनेवाला।

अम्मारः (عمارہ) अ पु –जहाजो का बेडा।

अम्मारी (عماری) अ स्त्री –हाथी का हौदा।

अम्या (عمیا) अ स्त्री –अधी स्त्री।

अम्र (امر) अ पु –आदेश, आज्ञा, हुक्म, कर्म, कार्य, काम, विषय, मुआमला, समस्या, मस्अल।

अम्रद (امرد) फा पु –बिना दाढी-मूँछ का सुदर लडका।

अम्रद परस्त (امرد پرست) फा वि –गुद्भोगी, बच्च-बाज, सुदर लडको से प्रेम करनेवाला।

अम्रद परस्ती (امرد پرستی) फा स्त्री –सुदर लडको से प्रेम करना।

अम्राज़ (امراض) अ पु –'मरज' का बहु, रोग-समूह, बहुत से रोग।

अम्ल (عمل) अ स्त्री –भलाई, उपकार, नेकी।

अम्लज (املج) अ पु –आँवला, एक प्रसिद्ध फल।

अम्लस (املس) अ वि –चिकना, मुलायम, समतल, हमवार, नर्म, साफ, मृदुल।

अम्लाक (املاک) अ पु –'मिल्क' का बहु, सम्पत्तियाँ, जायदादें।

अम्लाह (املاح) अ पु –'मिल्ह' का बहु, बहुत से नमक।

अम्वाज (امواج) अ स्त्री –'मौज' का बहु, मौजे, लहरे, तरगे।

अम्वात (اموات) अ स्त्री –'मौत' का बहु, मौते, मृत्युएँ।

अम्वाते अहमर (اموات احمر) अ स्त्री –वध होनेवाले, शहीद होनेवाले।

अम्वाल (اموال) अ पु –'माल' का बहु, सम्पत्तियाँ, धन-समूह।

अम्वाह (امواہ) अ पु –'माअ' का बहु, बहुत पानी।

अम्स (امس) अ पु –गत कल, गुज़रा हुआ कल।

अम्सल (امثل) अ वि –पूज्य, श्रेष्ठ, बुजुर्ग।

अम्सार (امصار) अ पु –'मिस्र' का बहु, बडे-बडे नगर।

अम्साल (امثال) अ पु –'मसल' का बहु, कहावते, लोकोक्तियाँ, ममले।

अम्सिल: (امثلہ) अ पु –'मिसाल' का बहु, मिसाले, उदाहरण।

अयाँ (عیاں) अ वि –स्पष्ट, जाहिर, दृष्टिगोचर, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'इयाँ' है।

अया (عیا) अ पु –ऐसी पीडा जिसकी चिकित्सा न हो सके।

अयाक (اياق) तु पु –दे 'अयाग'।

अयाग (اياغ) तु पु –प्याला, पानपात्र, चषक।

अयाज (اياز) फा पु –महमूद के गुलाम का नाम जिसे वह बहुत चाहता था,—"न वो गज़नवी मे तडप रही, न वो खम है जुल्फे-अयाज मे।" इकबाल।

अयावी (ایادی) अ पु –'यद' का बहु, बहुत-से हाथ, बहुत-सी भलाइयाँ।

अयामा (ایامیٰ) अ वि –'ऐयिम' का बहु, विना पति की स्त्रियाँ, विना स्त्रियो के पुरुष।

अयार (ایار) फा. पु –रूमियो का एक महीना जो जेठ मे पड़ता है।

अयार (عیار) अ. पु –तोलना; चाँदी-सोने को कसौटी पर कसना, परख, जाँच।

अयाल (ایال) फा पु –घोडे की गर्दन के लवे बाल, फारसी शब्द 'याल' है।

अयास (ایاس) फा. पु –'अयाज़' का असली नाम।

अय्यार (عیار) अ वि –बहुत अधिक चालाक, धूर्त, वचक, छली, दे 'ऐयार'।

अय्याश (عیاش) अ वि –भोग-विलास और अच्छे खाने-पीने का शौकीन, व्यभिचारी, दे 'ऐयाश'।

अय्यूक (عیوق) अ पु –एक तारा जो वहुत तेज़ और प्रकाशमान् होता है, दे 'ऐयूक'।

अय्यूब (ایوب) अ पु.–एक पैगम्वर जो वडे ही धैर्यवान् थे, दे 'एयूब'।

अरक़ (عرق) अ पु –जल, दवाओ का खीचा हुआ पानी, मदिरा, शराव, पसीना।

अरक [क़्क] (ارق) अ वि –वहुत अधिक पतला, वहुत रकीक, वहुत अधिक सूक्ष्म, वारीकतर।

अरक़ (ارق) अ स्त्री –अनिद्रा, वेख्वावी, जागरण, वेदारी।

अरक (ارک) तु पु –कोट, दुर्ग, किला।

अरकगीर (عرق‌گیر) अ फा पु –अरक खीचने का भभका।

अरकचीं (عرق‌چیں) अ फा पु –कुलाह जो पगडी के नीचे पहनी जाती है, पसीना पोछने का छोटा रुमाल।

अरक़रेज़ (عرق‌ریز) अ फा वि –दास, सेवक, नौकर, लज्जा देनेवाला, लज्जित करनेवाला।

अरक़ीच (عرقیچ) अ पु –पसीना पोछने का छोटा रुमाल।

अरकेवहार (عرق‌بہار) अ फा पु –मदिरा, शराब।

अरचद (ارچند) फा अव्य –हरचद, अगरचे।

अरज़ (عرض) अ पु –वह चीज जो दूसरी के सहारे कायम हो, जैसे–'रग' जो कपडे के सहारे कायम होता है, वह उपरोग जो किसी बडे रोग के कारण उत्पन्न हो जाय, जैसे–वुख़ार मे सिर का दर्द।

अरज (عرج) अ पु –लँगडापन, लग।

अरफ़ः (عرفہ) अ. पु –अरवी जिलहिज्ज महीने का नवां दिन, जिस रोज़ हज होता है।

अरफ़ात (عرفات) अ पु –मक्के से नौ कोस पर वह मैदान जहाँ हाजी लोग हज के दिन एकत्र होते और दोपहर और शाम की नमाज पढ़ते हैं।

अरव (عرب) अ पु –अरव देश; अरव का निवासी; अरव का व्यक्ति।

अरव नज़ाद (عرب نژاد) अ. वि –अरव की नस्ल का, अरवी।

अरविस्तान (عربستان) अ फा पु –अरव देश।

अरवी (عربی) अ वि –अरव का निवासी, अरव का व्यक्ति; अरव से सम्बन्ध रखनेवाला, (स्त्री) अरवी भाषा।

अरश (ارش) अ पु –कोहनी से उँगलियो तक का हाथ।

अरस (ارس) फा पु –आज़रवाईजान का एक नगर और उसकी एक नदी।

अरस्तातालीस (ارسطاطالیس) अ. पु –'अरस्तू'।

अरस्तू (ارسطو) अ पु –यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक जो ३८४-३२२ ईसा पूर्व हुआ है। यह अफलातून का शिष्य और सिकदर का गुरु था।

अरा (عرا) अ पु –चटयल मैदान, जहाँ न घास हो न पेड; दरगाह, आश्रम।

अराइक (ارائک) अ पु –'अरीक' का वहु, वहुत से तख्त, सिहासन-समूह।

अराइज़ (عرائض) अ पु –'अर्ज़ी' का बहु, अर्ज़ियाँ, प्रार्थनाएँ।

अराइज़ नवीस (عرائض نویس) अ फा वि –अर्ज़ी लिखनेवाला।

अराइब (ارائب) अ पु –'इर्ब' का बहु।

अराइस (عرائس) अ पु –अरूस का बहु, दूल्हा, दुल्हने।

अराक (اراک) अ पु –पीलू का पेड, जमीन का टुकडा।

अराजिल (اراذل) अ पु –'अर्जल' का बहु, कमीने लोग।

अराजिल (اراجل) अ पु –'रजुल' का बहु, मनुष्य लोग, वहुत से आदमी।

अराज़ी (اراضی) अ स्त्री –'अर्ज़' का बहु, ज़मीने, भूमियाँ; खेतियाँ, खेतो की ज़मीने।

अराजीफ (اراجیف) अ पु –'अर्जाफ' का वहु, व्यर्थ की वाते, वेहूदा लोग।

अरावः (ارابہ) फा पु –गाडी, शकट, छकडा।

अराव. (عرابہ) अ पु –दे 'अराव'।

अरावची (ارابچی) फा पु –गाडीवान, गाडी हाँकनेवाला।

अरामिल (ارامل) अ स्त्री –'अर्मल' का वहु, विधवा स्त्रियाँ, विना स्त्रियो के पुरुष, विना पुरुष की स्त्रियाँ।

अराया (عرایا) अ पु –खजूर के पेड जो किसी ग़रीब व्यक्ति को फल खाने के लिए दे दिये गये हों।

अरिज (ارج) अ वि –हर वस्तु जो सुगधित हो।

अरिश (اریش) अ वि –बुद्धिमान्, प्रतिभावान्, होशियार, प्रवीण, चतुर, पटु।

अरी (اری) अ पु –मधु, शहद ।

अरीक. (اریکہ) अ पु –सिंहासन, तख़्त, राजमंच ।

अरीकः (عریکہ) अ पु –अभिमान, गर्व, स्वभाव, तबीयत, ऊँट का कौहान ।

अरीज़ः (عریضہ) अ पु –प्रार्थनापत्र, दरख़्वास्त, पत्र, चिट्ठी ।

अरीज़. गुज़ार (عریضہ گزار) अ फा वि –प्रार्थना करने वाला, प्रार्थना पत्र देनेवाला, प्रार्थी, पत्र भेजनेवाला ।

अरीज़ निगार (عریضہ نگار) अ फा वि –पत्र लिखनेवाला, पत्र-लेखक

अरीज़ (عریض) अ वि –चौड़ा, चौड़ा चकला, एक साल का बकरा ।

अरीफ़ (عریف) अ वि –पहचाननेवाला ।

अरीशः (عریشہ) अ पु –झोपड़ा, छप्पर, जहाज़ का डेक ।

अरीश (عریش) अ पु –झोपड़ा, छप्पर, अंगूर की बेल चढ़ाने की टट्टी ।

अरीस (عریس) अ पु –दूल्हा, वर ।

अरुज़्ज़ (ارز) अ पु –चावल, तंडुल ।

अरूज़ (عروض) अ पु –पिंगल, छंदशास्त्र ।

अरूज़दाँ (عروض داں) अ फा वि –दे 'अरूज़ी' ।

अरूज़ी (عروضی) अ वि –जो पिंगल शास्त्र का अच्छा ज्ञाता हो ।

अरूफ़ (عروف) अ वि –बहुत पहचानने वाला, धैर्यवान्, साबिर ।

अरूब (عروب) अ स्त्री –वह स्त्री जो अपने पति को बहुत प्यार करती हो, वह स्त्री जिसे उसका पति बहुत चाहता हो, प्राणप्रिया ।

अरूस (عروس) अ अव्य –दूल्हा, वर, नोश, दुल्हन, वधू ।

अरूसक (عروسک) अ स्त्री –गुड़िया, बीर बहोटी ।

अरूसी (عروسی) अ वि –विवाह, शादी, निकाह, विवाह सम्बन्धी ।

अरूसुलबिलाद (عروس البلاد) अ पु –ऐसा नगर जो सब नगरों में दुल्हन के समान हो ।

अर्अर (عرعر) अ पु –चीड़ का पेड़ ।

अर्क़म (ارقم) अ पु –काला साँप जिसकी पीठ पर सफ़ेद चित्तियाँ होती हैं ।

अर्कान (ارکان) अ पु –'रुक्न' का बहु, खंभे, सुतून, सदस्य लोग, मेम्बर ।

अर्काने दौलत (ارکان دولت) अ पु –राज्य के प्रमुख पदाधिकारी, बड़े-बड़े ओहदेदार ।

अर्काने सल्तनत (ارکان سلطنت) अ पु –दे 'अर्काने दौलत' ।

अर्काने हुकूमत (ارکان حکومت) अ पु –दे 'अर्काने दौलत' ।

अर्क़ाम (ارقام) अ पु –पत्र-समूह, ख़तूत ।

अर्ग़न (ارغن) अ पु –अरगन बाजा ।

अर्ग़नूं (ارغنوں) अ पु –अरगन बाजा ।

अर्ग़ू (ارغن) अ पु –अरगन बाजा ।

अर्ग़वाँ (ارغواں) फा पु –'अर्ग़वान' का लघु, दे 'अर्ग़वान' ।

अर्ग़वान (ارغوان) फा पु –एक लाल फूल लानेवाला पेड़, एक लाल रंग का फूल ।

अर्ग़वानी (ارغوانی) फा वि –लाल रंग में रँगा हुआ, लाल, सुर्ख़, "पियें साक़िया क्या जवानी में पानी—मये अर्ग़वानी मये अर्ग़वानी ।"—जिगर ।

अर्ज़ंग (ارژنگ) फा पु –चीन का एक चित्रकार, मानी के चित्रों का अल्बम, मानी का नाम, मानी अर्ज़ंग ।

अर्ज़ (عرضہ) अ पु –एक बार ज़ाहिर करना, एक बार सामने रखना ।

अर्ज़ (ارضہ) अ पु –दीमक, एक कीड़ा ।

अर्ज़ (ارض) अ स्त्री –पृथ्वी, ज़मीन, भूमि, वसुन्धरा ।

अर्ज़ (عرض) अ स्त्री –प्रार्थना, गुज़ारिश, (पु) चौड़ाई, घरेलू सामान ।

अर्ज़ (ارز) फा पु –मूल्य, दाम, कीमत ।

अर्ज़ (ارج) फा पु –मूल्य, क़ीमत, पद, मर्तबा, सुगंध, ख़ुशबू, अनुमान, अटकल, निंदा, हज्व ।

अर्ज़गाह (عرض گاہ) अ फा स्त्री –सेना के गिनती करने का स्थान ।

अर्ज़ गुज़ार (عرض گزار) अ फा वि –प्रार्थना करनेवाला, प्रार्थी ।

अर्ज़दाश्त (عرضداشت) अ फा स्त्री –प्रार्थना, इल्तिजा, प्रार्थनापत्र, दरख़्वास्त ।

अर्ज़बेगी (عرض بیگی) अ फा पु –बादशाह के सामने प्रार्थनाएँ और प्रार्थियों को पेश करने वाला व्यक्ति ।

अर्ज़मंद (ارجمند) फा वि –प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज़्ज़ज़, सफल, कामयाब, प्रतापी, इक़बालमंद ।

अर्ज़ल (ارذل) अ वि –बहुत ही नीच, बहुत ही कमीना ।

अर्ज़ल (ارجل) अ वि –लंबी टाँगोंवाला व्यक्ति, वह घोड़ा जिसका एक पाँव सफ़ेद हो ।

अर्ज़ाँ (ارزاں) फा वि –सस्ता, मंदा, कम दामों का । "शिगुफ़्ता देख ले नर्गिस तो मजनूँ यह लगे कहने—चमन में चश्मे-लैला का नज़ारा कितना अर्ज़ाँ है ।"

अर्ज़ाँफ़रोश (ارزاں فروش) फा वि –सस्ता बेचनेवाला, जो बहुत कम लाभ पर सौदा बेचे ।

अर्ज़ांफरोशी (ارزاں فروشی) फा स्त्री —कम लाभ पर सौदा वेचना, सस्ता माल बेचना।

अर्ज़ानी (ارزانی) फा स्त्री —सस्तापन, मदा, बाज़ार भाव गिर जाना।

अर्ज़ाल (ارذال) अ पु —'रज़ील' का वहु, रज़ीले, नीच लोग, कमीने।

अर्ज़ी (عرضی) अ स्त्री —प्रार्थनापत्र, दरख्वास्त।

अर्ज़ी (ارضی) अ वि —भूमि सबधी, भौमिक, ज़मीन का।

अर्ज़ीदा'वा (عرضی دعوی) अ पु —वादपत्र, नालिश के ब्यौरे का कागज़।

अर्ज़ीन (ارضین) अ पु —'अर्ज़' का वहु, ज़मीने।

अर्ज़ीर (ارزیر) अ पु —राँगा, राँग, एक धातु।

अर्ज़े उम्र (عرض عمر) अ स्त्री —दे 'अर्ज़े हयात'।

अर्ज़े हयात (عرض حیات) अ स्त्री —जीवन के आनद, सासारिक सुख, सुख-चैन मे जीवन व्यतीत करना।

अर्तंग (ارتنگ) फा पु —चित्रकार का तख्ता जिस पर कागज़ रखकर वह चित्र खीचता है, मानी के चित्रो का सचय।

अर्तजक (ارتجک) फा पु —बिजली, विद्युत्, वर्क।

अर्ताल (ارطال) अ पु —'रत्ल' का वहु, आध सेर के बाँट, शराब के ग्लास।

अर्द (ارد) फा पु —क्रोध, रोष, गुस्सा।

अर्दशेर (اردشیر) फा पु —बहमन बिन इस्फद यार की उपाधि।

अर्दुबेल (اردبیل) फा पु —एक नगर।

अर्नब (ارنب) अ पु —शशक, खरहा, खरगोश।

अर्फ़ (ارف) अ पु —सुगध, खुशबू, कभी-कभी दुर्गंध के लिए भी प्रयुक्त होता है।

अर्फ़ा' (ارفع) अ वि —बहुत ऊँचा, उच्चतम।

अर्बईन (اربعین) अ वि —चालीस।

अर्बजी (عربجی) अ पु —गाडीवान, दे अराबजी।

अर्बदः (عربدہ) अ —कुस्वभाव, कुप्रकृति, आदतेवद, बुरा स्वभाव, लडाकापन, कलहप्रियता।

अर्बदः ज़ू (عربدہ جو) अ फा वि —झगडालू, जिसको स्वभाव से झगडा पसद हो, मा'शूक, प्रेमपात्र।

अर्बद जू (عربدہ جو) अ फा वि —झगडे के लिए बहाने ढूंढनेवाला, प्रेमपात्र, माशूक।

अर्बा' (اربع) अ वि —चार, चार की सख्या।

अर्बा (عربا) अ पु —शुद्ध जाति का अरब, खालिस अरब।

अर्बाअ (ارباع) अ पु —स्थान-समूह, मकामात, गृह-समूह, मकानात।

अर्बानः (عربانہ) अ पु —डफ, दाइर, बडी खँजरी।

अर्बान (عربان) अ पु —बैआन, अग्रिम धन, बयाना।

अर्बाब (ارباب) अ पु —'रब' का बहु, वाले, अहल।

अर्बाबे अक्ल (ارباب عقل) अ पुं —बुद्धिवाले, मेधावीगण, अक्लमद लोग।

अर्बाबे इल्म (ارباب علم) अ पु —विद्यावाले, विद्वज्जन, पढे-लिखे लोग।

अर्बाबे कमाल (ارباب کمال) अ पु —गुणवान् लोग, हुनरमद लोग।

अर्बाबे क़लम (ارباب قلم) अ पु —लेखकगण, लिखने-पढने का काम करनेवाले, साहित्यकार वर्ग, अदीब लोग।

अर्बाबे फन (ارباب فن) अ पु —कलाकार लोग, शिल्पकार लोग, साहित्यकार लोग, विद्वज्जन।

अर्बाबे वफा (ارباب وفا) अ पु —प्रेमीजन, आशिक लोग; भक्तगण, फिदाई।

अर्बाबे शुऊर (ارباب شعور) अ पु —शिष्टजन, तमीज़दार लोग, बुद्धिमान् जन, अक्लमद लोग।

अर्बाबे हुज्जत (ارباب حجت) अ पु —न्यायशास्त्र जानने-वाले लोग, मतिक जाननेवाले, नैयायिक, मतिक़ी, तार्किक।

अर्बाबे हुनर (ارباب هنر) अ फा पु —दे 'अर्बाबे कमाल' अथवा 'अर्बाबे फन'।

अर्मद (ارمد) अ वि —जिसकी आँखें आयी हुई हो।

अर्मन (ارمن) फा वि —एक देश, काकेशिया।

अर्मनी (ارمنی) फा वि —अर्मन का निवासी, काकेशियन।

अर्मान (ارمان) तु पु —इच्छा, ख्वाहिश, उत्कठा, इश्तियाक, लालसा, लालच।

अर्मुग़ाँ (ارمغاں) फा पु —उपहार, पुरस्कार, तोहफा।

अर्रादः (عرادہ) अ पु —एक यत्र जिससे दुर्ग पर बडे-बड़े पत्थर फेंके जाते है।

अर्वाह (ارواح) अ पु —'रूह' का वहु, आत्माएँ, रूहें, फिरिश्ते, मलाइक।

अर्शः (عرشہ) अ पु —घर की छत, जहाज़ की छत।

अर्श (عرش) अ पु —सिंहासन, तख्त, आकाश, आसमान, सब आस्मानो से ऊपर का स्थान।

अर्श (ارش) अ पु —युद्ध, लडाई, झगडा, फसाद, फितना।

अर्शद (ارشد) अ वि —सीधा रास्ता पानेवाला, वह शिष्य जिसपर गुरु ने सब से अधिक परिश्रम किया हो।

अर्शी (عرشی) अ वि —अर्श से सम्बन्ध रखनेवाला, अर्श पर रहनेवाला।

अर्शे आ'ज़म (عرش اعظم) अ पु —ईश्वर के सिंहासन का स्थान।

अर्शे सानी (عرش ثانی) अ पु –कुर्सी, वह स्थान जहाँ तारे हैं।

अर्स (عرصہ) अ पु –क्षेत्र, मैदान, समय, वक्त, अतर, फासिला, शतरज की बिसात।

अर्स गाह (عرصہگاہ) अ फा स्त्री –रणक्षेत्र, मैदाने जग।

अर्सए जग (عرصۂ جنگ) अ फा पु –रणभूमि, युद्धक्षेत्र, समरागण, मैदाने जग।

अर्सए ज़ीस्त (عرصۂ زیست) अ फा पु –जीवनकाल, ज़िदगी का जमाना।

अर्सए दराज (عرصۂ دراز) अ फा पु –लवा समय, दीर्घकाल।

अर्सए हयात (عرصۂ حیات) अ पु –दे 'अर्सएज़ीस्त'।

अर्सए हश्र (عرصۂ حشر) अ पु –कयामत का मैदान, जहाँ सब मुर्दे एकत्र हो।

अर्सलाँ (ارسلاں) तु पु –व्याघ्र, सिह, शेर, दास, गुलाम।

अर्हम (ارحم) अ वि –महादयालु, बहुत अधिक दया करनेवाला।

अलक (علق) अ स्त्री –जोक, रक्तपा, जलौका, जमा हुआ रक्त, प्रेम या शत्रुता जो छुटे नही, हर वह चीज जो चिपक जाय।

अलत्तवातुर (علی التواتر) अ वि –निरतर, लगातार, मुसल्सल।

अलद [द्द] (الد) अ वि –बहुत ही झगडालू, कलहप्रिय।

अलद्दवाम (علی الدوام) अ वि –नित्य, सर्वदा, सदा, हमेशा, सतत।

अलद्दुलख़िसाम (الد الخصام) अ पु –शत्रुओ से बहुत झगडा करनेवाला।

अलन (علن) अ वि –प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर।

अलप अर्सलाँ (الپ ارسلاں) तु पु –बहादुर शेर, तुर्की शासको की उपाधि।

अलफ (علف) अ स्त्री –घास, हरी घास, हरा चारा।

अलफ़ ज़ार (علفزار) अ फा पु –चरागाह, पशुओ के चरने का स्थान, सब्जाजार, गोचर।

अलम (الم) अ पु –दु ख, क्लेश, रज, गम।

अलम (علم) अ पु –ध्वजा, पताका, झडा, प्रसिद्ध, ख्याति-प्राप्त, पहाड।

अलमअगेज़ (الم انگیز) अ फा वि –शोकजनक, दु खप्रद, रज बढानेवाला।

अलमदार (علمدار) अ फा वि –सेना के आगे झडा लेकर चलनेवाला, ध्वजावाहक, पताकिक।

अलमनश्रह (الم نشرح) अ वि –सबमे ज़ाहिर, सर्व विदित, सबमें फैली हुई बात।

अलमनाक (الم ناک) अ फा वि –खेदजनक, कष्टप्रद, रजदेह।

अलम बरदार (علم بردار) अ फा वि –झडा उठानेवाला, सेना के आगे झडा लेकर चलनेवाला, ध्वजावाहक।

अलमीयः (المیہ) अ पु –कष्टसूचक बात, दु खात, ट्रैजिडी, वह कहानी जिसका अत शोकमय हो।

अलर्रग़्म (علی الرغم) अ वि –बरखिलाफ, बरअक्स।

अलल इत्तिसाल (علی الاتصال) अ वि –निरतर, लगातार, पैदर पै।

अलल इत्लाक़ (علی الاطلاق) अ वि –नितात, कतई, बिलकुल।

अलल ए'लान (علی الاعلان) अ वि –खुलेखज़ाने, खुल्लम-खुल्ला, सब प्रकार से।

अललख़ुसूस (علی الخصوص) अ वि –मुख्यत, खासकर।

अललहाल (علی الحال) अ वि –तत्क्षण, तत्काल, इसी समय, तुरत, फौरन, सद्य।

अलवी (علوی) अ पु –हज़रत अली की वह सतान जो हज़रत फातिमा से अतिरिक्त है।

अलस्त (الست) अ स्त्री –'अलस्तु बिरब्बिकुम काल्बला' का सक्षेप, सृष्टि की उत्पत्ति के समय ईश्वर ने कहा था "क्या मै तुम्हारा ईश्वर नही हूँ", तो सबने कहा था कि, अवश्य तू हमारा ईश्वर है। अलस्त कहकर सृष्टिकाल भी मुराद-लिया जाता है।

अलस्सबाह (علی الصباح) अ वि –प्रात काल, बहुत तडके, मुंह अँधेरे, 'अलस्सुब' भी प्रचलित है।

अलस्सवा (علی السواء) अ वि –बराबर-बराबर, एक सा, जितना एक को उतना ही सब को।

अला (الا) अ अव्य –सावधान! खबरदार! होशियार!

अला (علا) अ स्त्री –सम्मान, बुज़ुर्गी, उच्चता, बुलदी।

अला (الا) फा अव्य –सबोधन-सूचक शब्द, ऐ! आय! हे!

अला (علی) अ अव्य –ऊपर, पर।

अलाइक (علائق) अ पु –'अलाक' का बहु तअल्लुकात, सम्बन्ध।

अलाक (علاقہ) अ पु –सम्बन्ध, लगाव, प्रेम-व्यवहार, दोस्ती।

अलाच (الاچہ) तु पु –धारीदार कपडा जो दुरगा हो।

अलात (علات) अ पु –निहाई, अहरन, जिस पर रखकर गर्म लोहा कूटा जाता है।

अलानिय (علانیہ) अ वि –स्पष्ट, साफ तौर से, खुल्लम-खुल्ला प्रकार से, उद्घोषित रूप से, लाक्षणिक अर्थ म--डके की चोट से।

अलामत (علامت) अ स्त्री –चिह्न, निशान; लक्षण, पहचान।

अलामते इम्तियाज (علامت امتیاز) अ स्त्री –बिल्ला, सम्मान-सूचक चिह्न, पदक, बैज।

अलामते बुलूग़ (علامت بلوغ) अ स्त्री –जवान होने का लक्षण या चिह्न।

अलामते मर्दुमी (علامت مردمی) अ फा स्त्री –पुरुष होने का चिह्न या लक्षण।

अलालत (علالت) अ स्त्री –रोग, बीमारी।

अलाव. (علاوہ) अ अव्य –दे 'इलाव' वही शुद्ध है, परतु उर्दू मे अलाव भी बोलते है, सिवा, सिवाय, अतिरिक्त।

अलाहद: (علاحدہ) अ वि –पृथक्, अलग, जुदा।

अला हाज़ल क़ियास (علی ھذاالقیاس) अ अव्य –इस पर कियास करके, इस विचार के अनुसार।

अलिफ (الف) अ पु –उर्दू वर्णमाला का पहला अक्षर, जो अ, इ और उ का काम देता है, चिह्न।

अलिफ क़ामतां (الف قامتاں) अ पु –पलके, निगाह।

अलिफे कूफी (الف کوفی) अ पु –टेढी वस्तु।

अलिफे ताज़ियान. (الف تازیانہ) अ फा पु –शरीर पर कोडा लगने का चिह्न।

अली (علی) अ वि –उच्च, ऊँचा, ईश्वर का एक नाम, हज़रत मुहम्मद के दामाद और चौथे खलीफा।

अलीक़. (علیقہ) अ पु –घोडे को दाना खिलाने का तोबडा।

अलीफ (الیف) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त, एक जैसे स्वभाववाले, प्रेमपात्र, महबूब।

अलीम (الیم) अ. वि –कष्टजनक, दु खद, पीडा देनेवाला, दर्दनाक।

अलीम (علیم) अ वि –सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, महाज्ञानी, ईश्वर का एक नाम।

अलील (علیل) अ वि –रोगी, बीमार, रुग्ण; दूषित मा'यूब।

अलैहा (علیہا) अ अव्य –उस पर (स्त्री-वाचक)।

अलैहि (علیہ) अ अव्य –उस पर (पुरुष-वाचक)।

अलैहिम (علیہم) अ अव्य –उन सब पर (पुरुष-वाचक)।

अल्अजब (العجب) अ अव्य –आश्चर्य के समय बोलते है, कितने आश्चर्य की बात है।

अल्अजल (العجل) अ वा –जल्दी करो, शीघ्रता करो।

अल्अतश (العطش) अ अव्य –प्यास के समय बोलते है, हाय पानी, हाय पानी, हाय प्यास, हाय प्यास।

अल्अमान (الامان) अ अव्य –घबराहट के समय बोलते है, बचाओ, बचाओ, त्राहि, त्राहि।

अल्आन (الآن) अ अव्य –इस समय, इसी समय, अभी; अभी तक, अब तक।

अल्क़त (القط) अ. वि –समाप्त, इतिश्री, बस, खत्म।

अल्कन (الکن) अ वि –तोतला, तुतलाकर बोलनेवाला।

अल्काब (القاب) अ पु –'लकब' का बहु, उपाधियाँ, खिताबात, खत का अल्काब, प्रशस्ति।

अल्काहिल (الکاہل) अ पु –सुस्त, प्रशात। बहरुल्काहिल= प्रशात महासागर, पैस्फिक ओशन।

अल्किस्स. (القصہ) अ अव्य –किवहुना, किस्सा मुख्तसर, साराश यह कि।

अल्खालुक़ (الخالق) तु पु –एक विशेष वस्त्र।

अल्गरज़ (الغرض) अ अव्य –दे. 'अल्किस्स'।

अल्गयास (الغیاث) अ अव्य –दे 'अल् अमान'।

अल्च: (الجہ) तु पु –युद्ध मे शत्रु से प्राप्त माल-अस्बाब और धन आदि।

अल्जज़ाइर (الجزائر) अ पु –अल्जीरिया, अफ़्रीका का एक देश।

अल्ज़म (الزم) अ वि –बहुत ही जरूरी, अत्यावश्यक, अनिवार्य।

अल्जूअ (الجوع) अ अव्य –भूख के समय कहते है, हाय भूख, हाय भूख, हाय रोटी, हाय रोटी।

अल्तफ (الطف) अ वि –अत्यत मृदुल, कोमल और मुलायम।

अल्तमिश (التمش) तु स्त्री –आगे चलनेवाली सेना, छ. की सख्या।

अल्ताफ (الطاف) अ पु –'लुत्फ' का बहु, दयाएँ, कृपाएँ, मेहरबानियाँ।

अल्तून (التون) तु पु –सुवर्ण, सोना।

अल्प अर्सलाँ (الپ ارسلاں) तु पु –दे 'अलप अर्सलाँ', दो शु है।

अल्फ (الف) अ वि –हज़ार, सहस्र।

अल्फाफ (الفاف) अ पु –आपस मे लिपटे हुए वृक्ष।

अल्बत्त. (البتہ) अ अव्य –अवश्य, जरूर, परतु, लेकिन।

अल्बान (البان) अ पु –'लबन' का बहु, दूध, बहुत से दूध।

अल्बुर्ज़ (البرز) अ पु –एक पहाड।

अल्मई (المعی) अ वि –वह व्यक्ति जिसकी राय सदा ही ठीक होती हो, जो बहुत ही प्रवीण और प्रतिभावान् हो।

अल्मदद (المدد) अ अव्य –दु ख के समय या भय के समय कहते है, सहायता करो, बचाओ।

अल्मस्त (الست) फा वि –नशे में चूर, बहुत ही मस्त।

अल्मान (المان) अ पु –दे 'अल्मानिय'।

अल्मानिय (المانيه) अ स्त्री –जर्मनी, यूरोप का एक प्रसिद्ध देश।

अल्मास (الماس) फा पु –हीरा, एक परम मूल्यवान् रत्न।

अल् मुख़्तसर (المختصر) अ अव्य –दे 'अल्‌क़िस्सः'।

अल्य (اليه) अ स्त्री –नितंब, कटिदेश, सुरीन।

अल्यौम (اليوم) अ पु –आज, आज का दिन।

अल्लाती (علاتی) अ वि –वह भाई-बहन जो दूसरी माँ से हो, मगर बाप एक हो।

अल्लाफ़ (علاف) अ वि –घास बेचनेवाला, घसेरा, घसियारा।

अल्लामः (علامه) अ वि –बहुत बड़ा विद्वान्, महापंडित, जिसके इल्म की थाह न हो।

अल्लाम (علام) अ वि –बहुत बड़ा विद्वान्, बहुविद्य।

अल्लामी (علامی) अ वि –दे 'अल्लाम'।

अल्लाह (الله) अ पु –ईश्वर, परमात्मा, खुदा।

अल्वंद (الوند) फा पु –हमदान में ईरान का एक पहाड़।

अल्वान (الوان) अ पु –'लौन' का बहु, बहुत से रंग।

अल्वाह (الواح) अ पु –'लौह' का बहु, तख़्तियाँ, पट्टिकाएँ।

अल्विय (الويه) अ पु –'लिवा' का बहु, झंडे, ध्वजाएँ, पताकाएँ।

अल्सग़ (الثغ) अ वि –जो अक्षरों का शुद्ध उच्चारण न कर सके 'र' के स्थान पर 'ल' और 'श' के स्थान पर 'स' बोले।

अल्सिनः (السنه) अ स्त्री –'लिसान' का बहु, जीभें, जिह्वाएँ, भाषाएँ, ज़बानें।

अल्हक़्क़ (الحق) अ वि –सत्यतः, सचमुच, हक़ीक़त में।

अल्हान (الحان) अ पु –'लह्न' का बहु, आवाज़ें।

अल्हाल (الحال) अ वि –तत्क्षण, इसी समय, तुरंत, फ़ौरन।

अल्हासिल (الحاصل) अ अव्य –साराश यह कि, खुलासा यह कि।

अवा (اوا) अ पु –शृगाल, सियार, गीदड़।

अवाइक़ (عوائق) अ पु –'आइक़' का बहु, घटनाएं, बाधाएँ।

अवाइद (عوائد) अ पु –'आइद' का बहु, लौटनेवाले, फिरनेवाले, मुनाफ़े, लाभ, कृपाएँ, बदले, सिले।

अवाइल (اوائل) अ पु –'अव्वल' का बहु, शुरूआत, आरंभ-काल।

अवाक़िब (عواقب) अ पु –'आक़िब' का बहु, नतीजे, फल, परिणाम।

अवातिफ़ (عواطف) अ पु –'आतिफ़' का बहु, कृपाएँ, अनुकंपाएं, मेहरबानियाँ।

अवान (اوان) अ पु –समय, काल, वक़्त।

अवान (عوان) अ स्त्री –वह स्त्री जिसका पति जीवित हो, सुहागिन, सधवा।

अवानी (اوانی) अ पु –'आनिय' का बहु, बरतन, भाँडे।

अवाम (عوام) अ पु –'आम' का बहु, साधारण जन, सर्वसाधारण, आम लोग।

अवामिर (اوامر) अ पु –'आमिर' का बहु, आदेश, हुक्म, आज्ञा।

अवामिल (عوامل) अ पु –'आमिल' का बहु, अमल करने वाले, अरबी भाषा के कारक।

अवामुन्नास (عوام الناس) अ पु –सर्वसाधारण, जनसाधारण, जनता, अवाम।

अवारात (عوارات) अ पु –'अवार' का बहु, बुराइयाँ, दोष, ऐब।

अवारिजः (اوارجه) फा पु –हिसाब का रजिस्टर, बही।

अवारिज़ (عوارض) अ पु –'आरिज़' का बहु, बीमारियाँ, रोग-समूह।

अवारिफ़ (عوارف) अ पु –'आरिफ़' का बहु, पहचाननेवाले, उपकार करनेवाले, सुगंधियाँ, बख़्शिशें।

अवालिम (عوالم) अ पु –'आलम' का बहु, बहुत से संसार, बहुत सी दुनयाएँ या दुनियाएँ।

अवाली (عوالی) अ पु –'आलिय' का बहु, ऊँची वस्तुएँ।

अवासिफ़ (عواصف) अ पु –'आसिफ़' का बहु, तेज़ हवाएँ, आँधियाँ।

अविर (عور) अ वि –दुष्टात्मा, बदबातिन।

अवील (عويل) अ पु –रोने के साथ आवाज़।

अवीसः (عويصه) अ वि –दुष्कर, कठिन, मुश्किल।

अवीस (عويص) अ वि –कठिन, मुश्किल।

अव्वल (اول) अ वि –प्रथम, पहला, प्रमुख, ख़ास, सबसे पहले।

अव्वलन (اولاً) अ वि –पहले-पहल, सबसे पहले, सर्वप्रथम।

अव्वली (اولی) अ फा वि –प्रथम, पहला, सबसे पहले वाला, प्रमुख, ख़ास।

अव्वलीयत (اوليت) अ स्त्री –प्रथमता, पहलापन, प्रधानता, फ़ौक़ियत।

अव्वा (عوا) अ पु –बहुत भूँकनेवाला कुत्ता, बूढ़ा ऊँट, तेरहवाँ नक्षत्र।

अव्वान (عوان) अ वि –अत्याचारी, ज़ालिम, क्षमा न करनेवाला, सख़्त पकड़ करनेवाला।

अब्वारः (عوارہ) अ वि –जिसका चित्त हट गया हो, बददिल।

अब्विदा (اودا) अ पु –'वदीद' का बहु, मित्रगण, यार, दोस्त।

अशक़ [क़्क़] (اشق) अ वि –बहुत कठिन, बहुत मुश्किल।

अशक़ (عشق) अ. पु –किसी को बहुत चाहना, किसी चीज में चिपक जाना, 'इश्क' बहुप्रचलित।

अशज [ज्ज] (اشج) अ वि –जिसका सर टूट गया हो, सर फटा।

अशद [द्द] (اشد) अ वि –बहुत सख्त, प्रचड, अति तीव्र।

अशम (عشم) अ स्त्री –सूखी रोटी।

अशरः (عشرہ) अ पु –दस, दस की सख्या।

अशर [र्र] (اشر) अ वि –बहुत ही शरीर, बहुत ही धूर्त, अत्यधिक दुष्ट, बहुत ही पाजी।

अशर (عشر) अ. वि –दस, दस की सख्या।

अशरात (عشرات) अ पु –दहाइयाँ, दस-दस के थोक।

अशल [ल्ल] (اشل) अ वि –लुझा, अपाहज, जिसके हाथ-पाँव काम न दें, अपग।

अशाइर (عشائر) अ पु –'अशीर' का बहु, स्वजनगण, अजीजदार, गोत्र या कुटुम्बवाले।

अशिक़ः (عشقہ) अ पु –इश्कपेचाँ, एक प्रसिद्ध बेल।

अशिद्दा (اشدا) अ पु –'शदीद' का बहु, सख्ती और अनीति करनेवाले।

अशीक़ः (عشیقہ) अ स्त्री –प्रेमिका, प्रेयसी, मा'शूका।

अशीयत (عشیت) अ स्त्री –रात्रि, रात, निशा।

अशीरः (عشیرہ) अ पु –अजीज, स्वजन, नातेदार, घरवाले, घर के लोग, बाल-बच्चे।

अशीर (عشیر) अ. वि –अजीज, स्वजन, पडोसी, प्रतिवेशी, वह व्यक्ति जो दूसरे किसी व्यक्ति के साथ रहन-सहन करता हो।

अशूक़ (عشوق) अ वि –बहुत अधिक प्रेम करनेवाला।

अशूर (عشور) अ पु –चुगी का भाडा या शुल्क।

अशे'अः (اشعہ) अ स्त्री –'शुआअ' का बहु, किरणे, शुआएँ।

अश्अरीयः (اشعریہ) अ पु –मुसलमानो का एक सम्प्रदाय जिसका मत है कि मनुष्य अच्छा-बुरा खुद करता है, ईश्वर का इसमे कोई हाथ नही होता।

अश्‌अश (عشعش) अ अव्य.–आश्चर्य, हैरत।

अश्‌आर (اشعار) अ पु –'शेर' का बहु, बहुत-से शेर।

अश्क (اشک) फा पु –अश्रु, आँसू।

अश्क अफ़्शाँ (اشک افشاں) फा वि –दे 'अश्क फिशाँ'।

अश्क फिशाँ (اشک فشاں) फा वि –आँसू बहानेवाला, अर्थात् रोनेवाला।

अश्कबार (اشکبار) फा वि –आँसू बरसानेवाला, अर्थात् रोनेवाला, "तेरी वफा पे जब से मुझको एतबार आया, तेरा ख्याल-अश्कबार बार-बार आया।"

अश्कर (اشقر) अ वि –लाल और सफेद, घोडा जिसकी अयाल और पूँछ लाल हो, हर लाल वस्तु जिसमे पीलापन और कालापन हो।

अश्करेज (اشکریز) फा वि –दे 'अश्क फिशाँ', अश्रुवर्षक।

अश्कल (اشکل) अ वि –वह डोरी जिससे ऊँट की काठी कसते है, पशुओ के पाँव बाँधन की रस्सी।

अश्क़ा (اشقیٰ) अ वि –बहुत ही निर्दय, बहुत ही शकी।

अश्क़िया (اشقیا) अ पु –'शकी' का बहु, निर्दय और कठोर हृदयवाले।

अश्कील (اشکیل) अ पु –वह घोडा जिसका सीधा हाथ और उलटा पाँव सफेद हो।

अश्ख़ास (اشخاص) अ पु –'शख्स' का बहु, कई व्यक्ति, लोग।

अश्ख़ुस (اشخص) अ पु –'शख्स' का बहु, लोग।

अश्गर्फ (اشگرف) फा वि –प्रतिष्ठित, पूज्य, महान्, अजीद, बुजुर्ग।

अश्ग़ल (اشغل) अ वि –बहुत अधिक काम में व्यस्त, बहुत अधिक मश्गूल।

अश्ग़ाल (اشغال) अ पु –'शुग्ल' का बहु कामधधे, मश्गले।

अश्जा' (اشجع) अ वि –बहुत ही वीर, बडा ही शूर, विक्रमी, बहादुरतरीन।

अश्जार (اشجار) अ पु –'शजर' का बहु, वृक्ष-समूह, पेड।

अश्तात (اشتات) अ पु –'शतीत' का बहु, अस्त-व्यस्त और तितर-बितर चीजे।

अश्ताद (اشتاد) फा पु –ईरानी महीने की छब्बीसवी तारीख।

अश्दक़ (اشدق) अ वि –चौडे दहानेवाला, जिसके मुँह का दहाना चौडा हो।

अश्ना' (اشنع) अ वि –निकृष्टतम, बहुत ही बुरा, बहुत ही खराब।

अश्फा (اشفا) अ स्त्री–चमडा सीने की सुताली।

अश्फा' (اشفع) अ वि –बहुत अधिक सुफारिश (सिफारिश) करनेवाला।

अश्फाक़ (اشفاق) अ पु –'शफ़क़त' का बहु, अनुकपाएँ, कृपाएँ, शफकते।

अश्बाक (اشباک) अ पु –'शबक' का बहु, बहुत से जाल।

अश्बाल (اشبال) अ पु –'शिब्ल' का बहु, शेर के बच्चे।

अश्बाह (اشباه) अ पु –'शिबह' का बहु, मिसालें, उदाहरण।
अश्बाह (اشباح) अ पु –'शबह' और 'शब्ह' का बहु, अनेक व्यक्ति, लोग, बहुत से शरीर, बहुत से जिस्म।
अश्या (اشیا) अ स्त्री –'शय' का बहु, वस्तुएँ, चीजें।
अश्याअ (اشیاع) अ पु –'शीअ' का बहु, मित्रो के समूह, मित्रमडल, दोस्तो के गिरोह।
अश्रः (عشره) अ पु –दस, दहाई, मुहर्रम के दस दिन, मुहर्रम की दसवी तारीख।
अश्रफ (اشرف) अ वि –बहुत ही शरीफ, बहुत ही प्रतिष्ठित, बहुत अच्छे कुल का, कुलीनतम।
अश्रफी (اشرفی) अ स्त्री –स्वर्ण-मुद्रा, मोहर, अशर्फी।
अश्रफुल अश्राफ (اشرف الاشراف) अ वि –कुलीन जनो मे सबसे कुलीन, कुलीनतम।
अश्रफुल मख्लूक (اشرف المخلوق) अ वि –सारे प्राणि-वर्ग मे सबसे श्रेष्ठ, मनुष्य, आदमी।
अश्रम (اشرم) अ वि –नाक फटा हुआ, जिसकी नाक फटी हो।
अश्राफ (اشراف) अ पु –'शरीफ' का बहु, शरीफ लोग, सज्जन लोग, अच्छे खानदानवाले।
अश्रार (اشرار) अ पु –'शरीर' का बहु, धूर्त लोग, दुष्टात्मा लोग, बुरे लोग।
अश्रिब. (اشربه) अ पु –'शराब' का बहु, पीने की चीजें, मद्य, मदिराएँ, शराबें।
अश्व. (عشوه) अ पु –दे 'इश्व'।
अश्वक़ (اشوق) अ वि –बहुत शौकवाला, बहुत शौकीन।
अश्वाक़ (اشواق) अ पु –'शौक' का बहु।
अश्हब (اشہب) अ वि –हर काली चीज जिसमे सफेदी अधिक हो, सब्जा घोडा जिसके सफेद बालो में काले बाल अधिक हो।
अश्हर (اشہر) अ वि –बहुत अधिक प्रसिद्ध, बहुत मशहूर।
अश्हल (اشہل) अ वि –काली आँखो वाला पुरुष, पीलापन लिये हुए काला रग।
अश्हा (اشہی) अ वि –बहुत अधिक उत्कठा रखने-वाला, उत्सुक, बहुत अधिक रुचिकर, बहुत ही मर्गूब।
असद (اسده) अ स्त्री –व्याघ्री, सिंहिनी, शेरनी।
असद (اسد) अ पु –सिंह, व्याघ्र, शेर।
असदुल्लाह (اسد اللہ) अ पु –अल्लाह का शेर, हज़रत अली की उपाधि।
असफ (اسف) अ पु –बहुत अधिक खेद, सख्त रज।
असब (عصبه) अ पु –पट्ठा, स्नायु, लटके-वाले, पुत्रादि, स्वजन लोग, अज़ीज़दार।
असब (عصب) अ पु –स्नायु, पट्ठा।
असबात (عصبات) अ पु –'असब' का बहु, लडके या नातेदार (पुरुष लोग)।
असबीयत (عصبیت) अ स्त्री –दूसरो की अपेक्षा अपने लोगो को लाभ पहुँचाने की भावना, पक्षपात, तरफदारी।
असम[म्म] (اصم) अ वि –निपट बहरा, बधिर।
असर [र्र] (اسر) अ वि –बहुत ही आनदित, प्रमुदित, बहुत ही मसरूर।
असर (اثر) अ पु –प्रभाव, चिह्न, निशान, गुण, तासीर।
असरअदाज (اثرانداز) अ फा वि –असर डालनेवाला, प्रभावित करने वाला।
असरअदाजी (اثراندازی) अ फा स्त्री –असर डालना, प्रभावित करना।
असर पिजीर (اثرپذیر) अ फा वि –जिस पर असर पडा हो, जो प्रभावित हुआ हो, प्रभावित, मुतअस्सिर।
असरपिजीरी (اثرپذیری) अ फा स्त्री –प्रभाव पडना, मुतअस्सिर होना।
असल (عسل) अ पु –मधु, शहद।
असस (اسس) अ स्त्री –नीव, बुनियाद।
असस (عسس) अ पु –कोतवाल, शह्न, रात मे गश्त करनेवाला।
असह [ह्ह] (اصح) अ वि –अत्यधिक शुद्ध, बहुत ही ठीक, बहुत ही सही।
असा (عسیٰ) अ अव्य –करीब है कि ऐसा हो, यकीन, निश्चय, शायद।
असा (عصا) अ पु –हाथ मे पकडने की लकडी।
असाकिर (عساکر) अ पु –'अस्कर' का बहु, सेनाएँ, फौजें।
असागिर (اصاغر) अ पु –'असगर' का बहु, छोटे लोग, बच्चे, बालक।
असातिजः (اساتذہ) अ पु –'उस्ताज' का बहु, गुरुजन, शिक्षकगण, पढानेवाले।
असातीन (اساطین) अ पु –'उस्तुवान' का बहु, खभे, सुतून।
असातीर (اساطیر) अ पु –'उस्तूर' का बहु, कहानियाँ, कथाएँ, गाथाएँ, किस्से।
असादिक (اصادق) अ पु –'अस्दक' का बहु, बहुत ही सच्चे लोग, सत्यनिष्ठ।
असाफिल (اسافل) अ पु –'अस्फल' का बहु, नीच लोग, अधम लोग, लोफर लोग।
असाफी (اثافی) अ पु –'उस्फीय' का बहु, चूल्हे के पाये।

असाफीर (اصافیر) अ पु –'उस्फूर' का बहु , गौरैयाँ, घरेलू चिड़ियाँ, चटकगण।

असाबे' (اصابع) अ पु –'इस्बा' का बहु , उँगलियाँ।

असामी (اسامی) अ पु –'अस्मा' का बहु , नामावली, नाम, किसान, किसी दुकानदार या महाजन से लेन-देन रखनेवाला।

असामी (اثامی) अ पु –पापी लोग, गुनाहगार लोग, अपराधी लोग, मुज्रिम (मुजरिम) लोग।

असामीर (عصامیر) अ पु –'उस्मूर' का बहु , बहुत से रहट, बहुत से डोल।

असार (عسار) अ स्त्री –दरिद्रता, कगाली, फकीरी, साधूपन।

असारून (اسارون) अ स्त्री –एक इकाई।

असालत (اصالت) अ स्त्री –खरापन, असलियत, कुलीनता, शराफत।

असालतन (اصالتاً) अ –स्वय, खुद, बराहे रास्त।

असालीब (اسالیب) अ पु –'उस्लूब' का बहु , शैलियाँ, पद्धतियाँ, तर्जें।

असाविरः (اساوره) अ पु –'अस्विर' का बहु , बाजूबद, एक कौम।

असासः (اثاثه) अ पु –सामग्री, सामान, सपत्ति, धन-दौलत, पूँजी, सरमाया।

असास (اساس) अ स्त्री –नीव, बुनियाद।

असास (اثاث) अ. पु –सामान, असबाब।

असासुल बैत (اثاث البیت) अ. पु –घर का सामान, गृहस्थी का सामान।

असिर (عسر) अ. वि –कठिन, दुष्कर, दुश्वार।

असिह्हा (اصحا) अ पु –'सहीह' का बहु , स्वस्थ लोग, तनदुरुस्त लोग।

असी (اسی) अ वि –दु खित, खेदित, गमगीन, म्लान।

असीदः (عصیده) अ पु –एक प्रकार का हलवा।

असीफ (اسیف) अ वि –दु खित, खेदग्रस्त, मलूल, रजीदा।

असीब (عصیب) अ वि –पक्षपाती, तरफदार, स्वजन, आत्मीय जन, रिश्तेदार।

असीम (اثیم) अ वि –पापी, गुनाहगार।

असीर (عثیر) अ पु –धूलि, गर्द।

असीर (اثیر) अ पु –उच्च, बलद, अतरिक्ष, फजाए बसीत, आकाश, आस्मान, ईथर, निष्केवल, खालिस।

असीर (اسیر) अ वि –बदी, कैदी, कारावासी।

असीर (عصیر) अ पु –निचोडा हुआ अरक, अगूर की मदिरा।

असीर (عسیر) अ. वि.–कठिन, दुष्कर, क्लिष्ट, मुश्किल।

असील (اصیل) अ. वि –कुलीन, शरीफ, खरा, उत्तम, अच्छे लोहे का अस्त्र।

असूफ (عسوف) अ वि –कुमार्गगामी, बेराह, अनीति करनेवाला, अत्याचारी, दुराचारी, ज़ालिम।

असूफ (عصوف) अ पु.–झक्कड, अँधियाव, झझावात।

असूम (عصوم) अ वि –बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।

अस्अद (اسعد) अ वि –बहुत ही शुभ, बहुत ही मुबारक, अत्यधिक मागलिक।

अस्क़फ (اسقف) अ वि –लबा और कमर झुका पुरुष।

अस्कर (عسکر) अ पु –सेना, फौज, एक नगर का नाम।

अस्करी (عسکری) अ वि –सैनिक, सिपाही।

अस्करीयः (عسکریه) अ स्त्री –फौजी खिदमत, सैन्य-सेवा।

अस्क़ल (اثقل) अ वि –बहुत ही भारी, अति गुरु, गुरुतम।

अस्क़लान (عسقلان) अ पु –शाम का एक नगर।

अस्क़ाम (اسقام) अ पु –'सुक्म' का बहु, बुराइयाँ, त्रुटियाँ, खराबियाँ, बीमारियाँ, रोग-समूह।

अस्क़ाल (اثقال) अ पु –'सिक़्ल' का बहु , बहुत से बोझ।

अस्खिया (اسخیا) अ पु –'सखी' का बहु , सखी, दाता लोग, देनेवाले लोग।

अस्गर (اصغر) अ वि –बहुत अधिक छोटा, सगीर (छोटा) का लघुरूप, लघुतर।

अस्जद (عسجد) अ पु –सोना, चाँदी और रत्न।

अस्जाअ (اسجاع) अ पु –'सज्अ' का बहु , मुकफ्फा बाते, ऐसी बाते जिनमे तुक हो, सतुकान्त वाक्यावलि।

अस्त (است) फा क्रि –अस्ति, है।

अस्तब्ल (اصطبل) फा पु –तबेला, घुडसाल, अश्वशाला।

अस्तर (استر) फा. पु –खच्चर, अश्वतर, अब्र का उलटा, आस्तर।

अस्ता' (اسطع) अ वि –बहुत ऊँचा, लबी गरदनवाला।

अस्तार (استار) अ पु.–'सत्र' का बहु , पर्दे।

अस्तुख्वाँ (استخوان) फा स्त्री –हड्डी, अस्थि।

अस्दक़ (اصدق) अ वि –बहुत सच्चा, सत्यनिष्ठ।

अस्दाद (اسداد) अ पु –'सद' का बहु , रुकावटें, रोकें।

अस्दाफ (اصداف) अ पु –'सदफ' का बहु., सीपियाँ, शुक्तियाँ।

अस्दिक़ा (اصدقا) अ पु –'सदीक' का बहु, मित्र-समूह, सुहृद्-जन, दोस्त लोग।

अस्ना (اثنا) अ अव्य –मध्य, बीच, दरमियान।

अस्ना (اسنی) अ. वि –बहुत ऊँचा, बहुत उज्ज्वल।

अस्नाद (اسناد) अ पु –'सनद' का बहु , सनदें, प्रमाणपत्र।

अस्नान (اسنان) अ पु –'सिन्न' का बहु , दतावली, दाँत।
अस्नाफ (اصناف) अ पु –'सिन्फ' का बहु , किस्मे, प्रकार।
अस्नाम (اصنام) अ पु –'सनम' का बहु , मूर्तियाँ।
अस्निय. (اثنیہ) अ स्त्री –'सना' का बहु , स्तुतियाँ।
अस्प (اسپ) फा पु –अश्व, बाजि, हय, घोटक, घोडा।
अस्पग़ोल (اسپغول) फा पु –ईसबगोल, एक प्रकार के दाने जो दवा मे चलते हैं।
अस्पदुवानी (اسپدوانی) फा स्त्री –घुड़दौड।
अस्फ़र (اصفر) अ वि –पीला, पीत, ज़र्द।
अस्फल (اسفل) अ वि –बहुत नीचा, सबसे नीचा, बहुत अधम, कमीना।
अस्फ़लुस्साफिलीन (اسفلالسافلین) अ स्त्री –नरक का सातवाँ तबका।
अस्फा (اصفی) अ वि –बहुत स्वच्छ, बहुत साफ, निर्मल।
अस्फ़ाद (اصفاد) अ पु –'सफ़द' का बहु , कैदें, ज़ंजीरें, बख़्शिशे।
अस्फ़ार (اسفار) अ पु –'सिफ्र' का बहु , बडे ग्रथ, 'सफीर' का बहु , पथिक लोग, दूत लोग, 'सफर' का बहु , दिनो के प्रकाश।
अस्फार (اصفار) अ पु –'सिफ' का बहु , बिन्दु, बिंदियाँ, नुक्ते।
अस्फिया (اصفیا) अ पु –'सफी' का बहु , पूज्य लोग, बुज़ुर्ग लोग, ऋषि लोग, वलीअल्लाह।
अस्ब (عصب) अ पु –स्नायु, पट्ठा।
अस्बक़ (اسبق) अ वि –सबसे आगे, सबसे अव्वल।
अस्बक (اسبک) अ पु –बडा तबू, बडा खेमा।
अस्बाक़ (اسباق) अ पु – 'सबक' का बहु , पुस्तक के पाठ।
अस्बाग़ (اصباغ) अ पु –'सब्ग़' का बहु , बहुत से रग।
अस्बात (اسباط) अ पु –'सिब्त' का बहु , नाती, पोते।
अस्बाब (اسباب) अ पु –'सबब' का बहु , कारण-समूह, वजहें, उपकरण, सामान।
अस्बाबे ख़ान (اسباب خانہ) अ फा पु –घर का सामान, गृह-सामग्री।
अस्बाह (اصباح) अ पु –'सुब्ह' का बहु , प्रात काल-समूह, सुबहे।
अस्मन (اسمن) अ वि –बहुत मोटा, बहुत चर्बीला।
अस्लअ़ (اصلع) अ वि –गजा, खल्वाट, बहुत लाल।
अस्लख़ (اصلخ) अ वि –बधिर, बहरा।
अस्मर (اسمر) अ वि –गेहुएँ रगवाला।
अस्मरां (اسمراں) अ पु –गेहूँ, गदुम, गोधूम।
अस्मा (اسما) अ पु –'इस्म' का बहु , नामावली, नामो की सूची।
अस्मा' (اصمع) अ वि –छोटे कानोवाला।
अस्माअ (اسماع) अ पु –'सम्अ' का बहु , कान, बहुत से कान।
अस्मा उर्रिजाल (اسماءالرجال) अ पु –बडे-बडे लोगो का नाम और उनकी कीर्तियो का वर्णन।
अस्मान (اثمان) अ पु 'समन' का बहु , कीमतें, मूल्य।
अस्मार (اثمار) अ पु –'समर' का बहु , फल, मेवे।
अस्याफ (اسیاف) अ पु –'सैफ' का बहु , तलवारें।
अस्र (عصر) अ पु –समय, काल, वक्त, सूर्यास्त से पहले का समय, इस समय की नमाज़।
अस्र (اثر) अ पु –तलवार के लोहे की धारियाँ, मुहम्मद साहब की हदीस का वर्णन।
अस्रा' (اسرع) अ वि –बहुत शीघ्र, बहुत जल्द, बहुत तेज़।
अस्रा (اسری) अ पु –'असीर' का बहु , कैदी लोग, कारावासी।
अस्रान (عصرانہ) अ फा पु –शाम को दी जानेवाली चाय आदि की दावत, ऐट होम।
अस्रार (اسرار) अ पु –'सिर' का बहु , मर्म, भेद, राज़।
अस्रे अतीक़ (عصرعتیق) अ पु –प्राचीन काल, पुराना जमाना।
अस्रे क़दीम (عصرقدیم) अ पु –दे 'अस्रे अतीक'।
अस्रे जदीद (عصرجدید) अ पु –आधुनिक काल, नवीन काल, आजकल का मौजूदा जमाना।
अस्रे नौ (عصرنو) अ फा पु –दे 'अस्रे जदीद'।
अस्रे हाज़िर (عصر حاضر) अ पु –दे 'अस्रे जदीद।
अस्ल (اصل) अ स्त्री –मूल, जड, आधार, बुनियाद, सत्य, सच, यथार्थ, वाकई।
अस्ल (اثل) अ पु –झाऊ का पेड।
अस्लन (اصلاً) अ वि –यथार्थत , वाकई, अस्ल मे।
अस्लम (اسلم) अ वि –बहुत ही सुरक्षित, बिलकुल महफूज, बहुत ही सहिष्णु, मुतहम्मिल।
अस्लम (اصلم) अ वि –बूचा, जिसके कान कटे हो, कनकटा।
अस्लह (اصلح) अ वि –बहुत ही सदाचारी, परम शुद्ध, बहुत ही उचित।
अस्ला (اصلا) अ वि –कदापि, हरगिज़, नितात, बिलकुल, जरा भी।
अस्ला' (اصلع) अ वि –खल्वाट, गजा।
अस्लाफ (اسلاف) अ पु –'सलफ' का बहु , पूर्वज, पुराने बुज़ुर्ग, पुरखा।
अस्लाब (اصلاب) अ पु –'सुल्ब' का बहु , औरस, नुत्फे।

अस्लिहः (اسلحه) अ पु–'सिलाह' का बहु, अस्त्र-शस्त्र, हथियार।

अस्लिहः ख़ानः (اسلحه خانه) अ फा पु–शस्त्रागार, अस्त्रशाला, आयुधागार, हथियारघर।

अस्ली (اصلی) अ वि–जो नक़ली न हो, अकृत्रिम, सत्य, सच्चा, निष्केवल, खालिस, यथार्थ, वाकई।

अस्लीयत (اصلیت) अ स्त्री–यथार्थता, वाकईयत, सत्यता, सच्चाई, वास्तविकता।

अस्लुलउसूल (اصل الاصول) अ पु–सपूर्ण नियमो की जड, सबसे बडा नियम।

अस्लुस्सूस (اصل السوس) अ स्त्री–एक पेड की जड, मुलेटी।

अस्व (عصو) अ पु–छडी से मारना।

अस्वद (اسود) अ वि–बहुत काला, काला, कृष्ण।

अस्वदोअह्मर (اسودواحمر) अ पु–'हवश' और 'रूम' के देश।

अस्वब (اصوب) अ वि–बहुत ही ठीक, शुद्ध और सही।

अस्वाक़ (اسواق) अ पु–'सूक' का बहु, बाजार, बहुत से बाजार।

अस्वात (اصوات) अ स्त्री–'सौत' का बहु, आवाजे, ध्वनियाँ, स्वर-समूह।

अस्वाब (اثواب) अ पु–'सौब' का बहु, वस्त्र-समूह, कपडे।

अस्वार (اسوار) अ पु–सवार, अश्वारोही।

अस्वार (اثوار) अ पु–'सौर' का बहु, बहुत से बैल।

अस्विलः (اسولہ) अ पु–'सवाल' का बहु, बहुत से प्रश्न, प्रश्नावली, सवालात।

अस्सार (عصار) अ पु–तेलकार, तेली, रोगनगर।

अस्हल (اسهل) अ वि–बहुत ही सुगम, बहुत ही आसान।

अस्हाब (اصحاب) अ पु–'साहिब' का बहु, साहिबान, हजरत मुहम्मद साहिब के सिहाबी, वाले।

अस्हाबुर्राय (اصحاب الرائے) अ पु–शुद्ध रायवाले, जिनकी राय हर विषय मे ठीक होती हो।

अस्हाबुश्शिमाल (اصحاب الشمال) अ पु–नरकवाले।

अस्हाबे कह्फ (اصحاب کہف) अ पु–सात ईश्वरभक्त जो दक्यानूस बादशाह के अत्याचार के भय से एक गुहा मे छिप रहे थे।

अस्हाबे फह्म (اصحاب فہم) अ पु–बुद्धिमान् लोग, समझदार लोग।

अस्हाबे फ़िक्र (اصحاب فکر) अ पु–गौरो फ़िक्र करने-वाले लोग, चितनशील लोग।

अस्हाबे मिन्क़ल (اصحاب منقل) अ पु–बेतकल्लुफ दोस्त, लँगोटिया यार दोस्त, बूज़म फ्रेंड।

अस्हार (اسحار) अ पु–'सह्र' का बहु, सबेरे, प्रातःकाल।

अहक [क़्क़] (احق) अ वि–जो बहुत अधिक हकदार हो।

अहद (احد) अ वि–एक, एक की सख्या, (पु) ईश्वर, खुदा।

अहम[म्म] (اہم) अ वि–महत्वपूर्ण, ज़ोरदार, वज़नी; मुख्य, खास।

अहम्मीयत (اہمیت) अ स्त्री–महत्ता, महिमा, वज़न, मुख्यता, खुसूसियत।

अहाली (اہالی) अ पु–'अह्ल' का बहु, लोग, अनेक व्यक्ति, बडे लोग, प्रतिष्ठित जन।

अहासिन (احاسن) अ पु–'अह्सन' का बहु, अच्छे लोग, सज्जनगण, अच्छाइयाँ, खूबियाँ।

अहिब्बा (احبہ) अ पु–'हबीब' का बहु, मित्रगण, यार-दोस्त।

अहिल्ल: (اہلہ) अ पु–'हिलाल' का बहु, नये चाँद।

अह्कम (احکم) अ वि–बहुत बडा हाकिम, बहुत बडा शासक, बहुत अधिक दृढ, बहुत मज़बूत।

अह्कमुल हाकिमीन (احکم الحاکمین) अ पु–सारे हाकिमो का हाकिम, सारे शासको का शासक अर्थात् ईश्वर।

अह्क़ाद (احقاد) अ पु–'हिक्द' का बहु, द्वेष, कीने।

अह्काम (احکام) अ पु–'हुक्म' का बहु, आज्ञाएँ, आदेश।

अह्ज़म (احزم) अ वि–बहुत अधिक प्रवीण, बहुत अधिक प्रतिभावान्, अत्यन्त निपुण।

अह्ज़ान (احزان) अ पु–'हुज़्न' का बहु, खेद-समूह, बहुत से रज।

अह्ज़ाब (احزاب) अ पु–'हिज़्ब' का बहु, दल, पार्टियाँ।

अह्जार (احجار) अ पु–'हजर' का बहु, पत्थर।

अह्द (عہد) अ पु–प्रतिज्ञा, इकरार, वचन, कौल, युग, काल, जमाना, समय, वक्त।

अह्दनाम: (عہدنامہ) अ फा पु–प्रतिज्ञापत्र, इकरारनामा।

अह्दाक़ (احداق) अ पु–'हदक' का बहु, आँखो के ढेले।

अह्दी (احدی) अ वि–बहुत ही आलसी, बडा ही काहिल।

अह्देअतीक (عہدعتیق) अ पु–प्राचीन काल, पुराना जमाना।

अह्देजदीद (عہدجدید) अ पु–आधुनिक काल, नया जमाना।

अह्देज़र्री (عہدزریں) अ फा पु–स्वर्ण-युग, बहुत ही अच्छा जमाना, सुखद समय।

अह्दे सग (عہدِ سنگ) अ. फा पु –प्रस्तर-युग, वह समय जब मनुष्य पत्थर के अस्त्र प्रयोग करता था।

अह्दे हाजिर (عہدِ حاضر) अ पु –आधुनिक काल, मौजूदा जमाना, वर्तमान समय।

अह्दे हुकूमत (عہدِ حکومت) अ पु –शासन-काल, राज्य-काल, हुकूमत का जमाना।

अह्नफ़ (احنف) अ वि –जिसके घुटने एक ओर को झुके हों और चलने में टकराएँ।

अह्फ़ाद (احفاد) अ पु –'हफ़द' का बहु, नाती-पोते, नौकर-चाकर।

अह्बाब (احباب) अ पु –'हबीब' का बहु, मित्र लोग, दोस्त, अहवाब।

अह्बार (احبار) अ पु –'हिब्र' का बहु, बुद्धिमान् लोग, वैज्ञानिक लोग।

अह्मक़ (احمق) अ वि –बहुत ही मूर्ख, निपट अनाडी, मूर्ख, बेअक्ल।

अह्मज़ (احمض) अ वि –खट्टा, अम्ल।

अह्मर (احمر) अ वि –लाल, सुर्ख, रक्त।

अह्माल (احمال) अ पु –'हम्ल' का बहु, बोझ, बहुत से बोझ।

अह्यान (احیان) अ पु –'हीन' का बहु, काल-समूह, वक्त।

अह्यानन (احیاناً) अ वि –कभी-कभी, सहसा, एकाएक, इत्तिफ़ाक़न।

अह्रमन (اہرمن) फा पु –ईरान के आतशपरस्तों के मतानुसार "बदी" का खुदा।

अह्राम (احرام) अ पु –'हरिम' का बहु, बहुत बूढे लोग।

अह्रार (احرار) अ पु –'हुर' का बहु, आज़ाद लोग।

अह्रुफ़ (احرف) अ पु –'हर्फ़' का बहु, अक्षर-समूह, हुरूफ़।

अह्ल (اہل) अ वि –योग्य, पात्र, मुस्तहक़, वाले।

अह्लकार (اہلکار) अ फा पु –कर्मचारी, सरकारी दफ्तर में काम करनेवाला व्यक्ति।

अह्लमद (اہل مد) अ पु –माल, दीवानी अथवा फौजदारी न्यायालयों में काम करनेवाला एक कर्मचारी।

अह्ला (احلیٰ) अ वि –बहुत ही मीठा।

अह्लाम (احلام) अ पु –'हुलुम' या 'हुल्म' का बहु, स्वप्न-समूह, ख्वाब।

अह्लिय (اہلیہ) अ स्त्री –पत्नी, भार्या, स्त्री, जोरू।

अह्लियत (اہلیت) अ स्त्री –दे 'अहलीयत' दो, शु है।

अह्ली (اہلی) अ वि –'वहशी' का उल्टा, पालतू, पालू।

अह्लीयत (اہلیت) अ स्त्री –योग्यता, काबिलीयत, पात्रता इस्तेहक़ाक़, निपुणता, होशियारी।

अह्ले अदम (اہل عدم) अ पु –यमलोक के निवासी, मृत, वे लोग जो मर चुके हैं।

अह्ले इल्म (اہل علم) अ. पु –विद्वान् लोग, पडित जन, आलिम लोग, काफी पढे-लिखे लोग।

अह्ले खैर (اہل خیر) अ पु –वे लोग जो परोपकार में जी खोलकर खर्च करते हैं, दानशील लोग।

अह्ले ज़मीं (اہل زمیں) अ फा पु –ससारिक लोग, पृथ्वी पर बसनेवाले लोग।

अह्ले ज़िम्म (اہل ذمہ) अ पु –वह गैर मुस्लिम जो मुस्लिम राज्य मे रहते हों।

अह्ले वतन (اہل وطن) अ पु –देशवासी, वतनवाले।

अह्ले हक़ (اہل حق) अ पु –सत्यनिष्ठ लोग, ईमानदार लोग, सच्चे लोग, महात्मा लोग।

अह्वज (اہوج) अ वि –लबा-तडगा व्यक्ति, जल्दबाज़ी करनेवाला मूर्ख।

अह्वन (اہون) अ वि –बहुत आसान, बहुत सुगम।

अह्वल (احول) अ वि –भेंगा, जिसे एक वस्तु की दो वस्तुएँ दिखाई दें।

अह्वा (اہوا) अ स्त्री –'हवा' का बहु, इच्छाएँ, ख्वाहिशें।

अह्वाल (احوال) अ पु –'हाल' का बहु, घटनाएँ, हालात, समाचार, हाल, समस्याएँ, मुआमले।

अह्वाल (اہوال) अ पु –'हौल' का बहु, भय, डर, खौफ़।

अह्शा (احشا) अ पु –'हश्व' का बहु, आँतें, अँतडियाँ, पेट के भीतर की सब चीजें, जिगर, तिल्ली, पाकाशय और आँतें पीतें सब।

अह्शाम (احشام) अ पु –'हशम' का बहु, नौकर-चाकर।

अह्सत (احسنت) अ वि –साधु-साधु, धन्य-धन्य, वाह-वाह।

अह्सन (احسن) अ वि –अति सुदर, बहुत हसीन, अत्युचित, बहुत मुनासिब, अत्युत्तम, बहुत उम्दा।

अह्सने तक्वीम (احسن تقویم) अ पु –मानव शरीर, जो ईश्वर की कारीगरी का बेहतरीन नमूना है, ईश्वरीय कृति का सर्वोत्तम कलापूर्ण उदाहरण।

आ

आइद (آئندہ) फा वि –आने वाला, जो आने को हो, भविष्य, मुस्तक्बिल।

आइद (عائدہ) अ पु –परम्परा, रिवाज, शुल्क, महसूल, लाभ, नफा, उपकार, एहसान, प्रतिकार, बदला, अनुकम्पा, दवा।

आइद (عائد) अ वि —लौटनेवाला, पलटनेवाला, लागू होनेवाला, लगनेवाला।

आइनः (آئنہ) फा पु.—'आईन' का लघु दे 'आईन'।

आइन (عائن) अ वि —सहायक, मददगार।

आइलः (عائلہ) अ पु —कुल, खानदान, वंश, अभिजन।

आइल (عائل) अ वि —सन्यासी, दरवेश, फकीर।

आइस (آئس) अ वि —निराश, नाउम्मीद।

आईनः (آئنہ) फा पु —दर्पण, मुकुर, आदर्श, शीशा, (वि०) स्पष्ट, साफ।

आईनःगर (آئنہ گر) फा. वि —आईन. (आईना, शीशा) बनानेवाला, दर्पणकार।

आईनःबंदी (آئنہ بندی) फा स्त्री —किसी बडे व्यक्ति के आगमन के समय या किसी बडे उत्सव पर नगर की सडकों और बाजारों को झाड़-फ़ानूस से सजाना।

आईनःसाज़ (آئنہ ساز) फा वि —'आईनःगर'।

आईन (آئین) फा पु —विधान, कानून, नियम, कायदा, परम्परा, रवाज, व्यवहार, चलन, प्रणाली, पद्धति, तरीका, तर्ज़।

आईनदाँ (آئین داں) फा वि —कानून जाननेवाला, विधानज्ञ, वकील।

आईनबंदी (آئین بندی) फा स्त्री —कमरे में झाड आदि सजाना, फर्श मे पत्थर आदि की जुडाई।

आईनसाज़ (آئین ساز) फा वि —विधान बनानेवाला, विधायक, विधान बनानेवाली परिषद्, विधायिका।

आईनी (آئینی) फा वि —कानूनी, वैधानिक, वैध।

आक़[**क़्क़**] (عاق) अ वि —वह व्यक्ति जिसे उसकी माता या पिता ने उद्दण्डता के कारण बहिष्कृत कर दिया हो।

आक (آک) फा प्रत्य —सम्बन्ध का वाचक, जैसे 'खुराक' और 'सोज़ाक', (पु) दोष, ऐब।

आक़रक़र्हा (عاقرقرحا) अ पु —एक जगली जड जो दवा मे चलती है, अकरकरा।

आक़ा (آقا) तु पु —स्वामी, प्रभु, मालिक, अध्यक्ष, सरदार।

आका (آکا) तु पु —बडा भाई, अग्रज।

आक़ासी (آقاسی) तु पु —दीवानख़ाने का दारोगा।

आक़िद (عاقد) अ वि —ग्रंथि लगानेवाला, गाँठ देनेवाला, वचन देनेवाला, प्रतिज्ञा करनेवाला।

आकिफ़ (عاکف) अ वि —किसी जगह निवास करनेवाला, किसी चीज़ के चारों ओर फिरनेवाला, मस्जिद में तपस्या के लिए बैठनेवाला।

आक़िब (عاقب) अ वि —किसी के पीछे आनेवाला, किसी की अनुपस्थिति मे उसकी जगह काम करनेवाला।

आक़िबत (عاقبت) अ. स्त्री —यमलोक, आख़िरत; परिणाम, अंजाम, अत, अख़ीर। (आक़बत)

आक़िबत अंदेश (عاقبت اندیش) अ. फा. वि —हर काम को उसका परिणाम सोचकर करनेवाला, परिणामशोची, परिणामदर्शी।

आक़िबत नाअंदेश (عاقبت نااندیش) अ फा वि —जो कार्य के परिणाम से बेखबर (असावधान) रहकर काम करता हो, अपरिणामदर्शी।

आक़िबतबीं (عاقبت بیں) अ फा वि —दे 'आक़िबत अंदेश'।

आक़िर (عاقر) अ वि —निःसंतान पुरुष; बाँझ स्त्री, रेत का टीला जिस पर कोई चीज न होती हो।

आक़िलः (عاقلہ) अ स्त्री —बुद्धिमती स्त्री, वह शक्ति जिससे पदार्थों का ज्ञान किया जा सके।

आक़िल (عاقل) अ वि —बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमंद, पहाडों पर भागने-फिरनेवाला हरिन।

आक़्चः (آقچہ) तु पु —रुपया, अशर्फी, स्वर्णमुद्रा, मोहर।

आख़ (آخ) फा अव्य —वाह वाह, साधु साधु; (पु) शोर, कोलाहल, विलाप, रोना-धोना।

आख़िज़ (آخذ) अ वि —पकडनेवाला, लेनेवाला, ग्रहणकर्ता, उद्धरणदाता।

आख़िर (آخر) अ वि —अंत, अख़ीर, पिछला, आख़िरी, अंतत, आख़िरकार।

आख़िरत (آخرت) अ स्त्री —परलोक, यमलोक, उक्बा, अंत, अख़ीर, परिणाम, नतीजा।

आख़िरतबीं (آخرت بیں) अ फा वि —परिणामदर्शी, अंतदर्शी, दूरदर्शी, अंजाम पर दृष्टि रखनेवाला।

आख़िरी (آخری) अ वि —अंतिम, पिछला, अख़ीरी, निश्चित, क़तई।

आख़िरुल अम्र (آخرالامر) अ वि —आख़िर को, अंतत, आपाततः, आख़िरकार।

आख़िरेकार (آخرکار) अ फा वि —दे० 'आख़िरुल अम्र'।

आख़ुंद (آخوند) तु पु —शिक्षक, पढानेवाला।

आख़ुर (آخور) तु पु —अश्वशाला, मन्दुरा, तवेला, गोचर, चरागाह।

आख़ुरेसगाँ (آخورسگاں) तु फा पु —ऐसा स्थान जहाँ घास और हरियाली न हो।

आख़ोर (آخور) तु पु —'आख़ुर' का बिगड़ा हुआ रूप, कबाड़, फ़ुज़ूल सामान।

आख़्तः (آختہ) फा वि —खींचा हुआ, खस्सी, बधिया, वधि, मुष्कमुक्त।

आख्तः बेगी (آختہ بیگی) फा वि –बधिया करनेवाला।
आख्शीज (آخشیج) अ पु –दे 'आख्शेग'।
आख्शेग (آخشیگ) फा पु –विरोधी वस्तु, उंसुर, तत्त्व।
आगंदः (آگندہ) फा वि –भरा हुआ, पूर्ण।
आग़श्तः (آغشتہ) फा वि –सना हुआ, लथडा हुआ।
आग़श्तः बख़ूँ (آغشتہ بخوں) फा वि –ख़ून में लथडा हुआ, ख़ून में लतपत।
आग़श्तए ख़ूँ (آغشتۂ خوں) फा वि –दे 'आग़श्त बख़ूँ'।
आगही (آگہی) फा स्त्री –'आगाही' का लघु. रूप ज्ञान, जानकारी, सूचना, इत्तिलाअ, परिचय, पहचान।
आग़ा (آغا) तु पु –स्वामी, मालिक; भ्राता, भाई, काबुली, अफ़ग़ानी पठान।
आग़ाज़ (آغاز) फा पु –अनुष्ठान, प्रारम्भ, शुरूआत; इब्तिदा, आदि।
आग़ाज़िदः (آغازدہ) फा वि –शुरू करनेवाला, आरम्भ-कर्ता।
आग़ाज़ीदः (آغازیدہ) फा. वि –शुरू किया हुआ, प्रारब्ध।
आग़ाज़ेकार (آغازکار) फा पु –काम की शुरूआत, कार्यारंभ, सूत्रपात।
आग़ारीदः (آغاریدہ) फा. वि –गूँधा हुआ, माडा हुआ, साना हुआ।
आग़ाल (آغال) फा पु –जगल में भेड-बकरियो के सोने का सुरक्षित स्थान।
आग़ालीदः (آغالیدہ) फा वि –शत्रुता और युद्ध पर उत्तेजित किया हुआ।
आगाह (آگاہ) फा वि –ज्ञात, जाना हुआ, सूचित, मुत्तला, परिचित, वाक़िफ़।
आगाही (آگاہی) फा स्त्री –ज्ञान, जानकारी, सूचना, इत्तिलाअ, परिचय, जान-पहचान।
आग़ोश (آغوش) फा उभ –अक, क्रोड, गोद, बगल।
आग़ोशकुशा (آغوش کشا) फा वि –गोद फैलाये हुए, किसी को लिपटाने के लिए गोद खोले हुए।
आज़ंग (آژنگ) फा पु –झुर्री, बल, शिकन।
आज (عاج) अ पु –हाथीदाँत, हस्तिदत।
आज़ (آز) फा स्त्री –लोभ, लालच, हिर्स।
आज़ख़ (آزخ) फा पु –मस्सा, मोटा और उठा हुआ तिल।
आ'जज़ (اعجز) अ वि –अत्यन्त विवश, बहुत ही लाचार।
आज़मद (آزمند) फा वि –लोभी, लालची, हरीस।
आ'ज़म (اعظم) अ वि –बहुत बडा, महान्, विशाल, वसीअ।
आ'जम (اعجم) अ वि –गूँगा, मूक, जो बोल न सके।
आज़ुर्दः (آزردہ) फा वि.–सताया हुआ, पीड़ित; खिन्न, मलिन, अफ़सुर्दा, दु खित, रंजीदा, रुष्ट, नाराज़।
आज़ुर्दः पुश्त (آزردہ پشت) फा वि –कुबडा, कुब्ज, जिसकी पीठ में कूबड़ हो।
आज़ुर्द (آزرد) फा पु –बहुत खाना, बहुभक्षण।
आज़ुर्दगी (آزردگی) फा स्त्री –खिन्नता, उदासी, दु ख, रज, रोष, नाराज़गी, सताव।
आज़ुर्दनी (آزردنی) फा. वि –सताने के क़ाबिल, दु खित करने योग्य, रुष्ट करने योग्य।
आज़र्म (آزرم) फा पु –शाति, सलाह, कृपा, दया, लज्जा, धर्म, सम्मान, इज़्ज़त, प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गी।
आ'ज़ा (اعضا) अ पु –'उज़्व' का बहु, शरीर के अग, हाथ, पाँव, सिर आदि।
आज़ाए रईसः (اعضائے رئیسہ) अ पु.–शरीर के वह अवयव जो सर्वश्रेष्ठ हैं। जैसे—हृदय, जिगर, मस्तिष्क आदि।
आज़ादः (آزادہ) फा वि –स्वच्छद, स्वच्छाचारी, निरकुश, आज़ाद।
आज़ादःरवी (آزادہ روی) फा स्त्री –स्वेच्छाचार, मन की मौज।
आज़ादःरौ (آزادہ رو) फा वि –स्वेच्छाचारी, मनमौजी।
आज़ाद (آزاد) फा वि –स्वतत्र, स्वाधीन, बधनमुक्त, गुलुखलास, निरकुश, खुदराए, एक प्रकार के फ़कीर जो धर्म आदि के बधनो से मुक्त होते हैं, रिहा, कारामुक्त।
आज़ाद तबअ (آزادطبع) फा अ वि –दे 'आज़ाद मिज़ाज'।
आज़ादमनिश (آزادمنش) फा वि –दे 'आज़ाद मिज़ाज'।
आज़ाद मिज़ाज (آزادمزاج) फा अ वि –मनमौजी, स्वेच्छा-चारी, वह व्यक्ति जिसके मन में जो आये सो करे।
आज़ादानः (آزادانہ) फा वि –स्वतन्त्रतापूर्वक, आज़ादी के साथ, बे रोक-टोक।
आज़ादी (آزادی) फा स्त्री–स्वतन्त्रता, खुदमुख्तारी, निरकुशता, खुदराई, बधनमुक्ति, खलासी।
आज़ादीपसद (آزادی پسند) फा वि –जिसे स्वच्छदता पसद हो, जो निरकुश रहना चाहता हो, जो स्वतन्त्रता चाहता हो, जिसे गुलामी पसद न हो।
आज़ान (آذان) अ पु –'उज़ुन' या 'उज़्न' का बहु कान।
आजाम (آجام) अ पु –'अजम' का बहु वृक्षो के झुड, पेडो के समूह।
आज़ार (آزار) फा पु –रोग, बीमारी, आपत्ति, मुसीबत, खेद, रज, दुर्व्यसन, लत। (प्रत्य०) दु ख देनेवाला,

सतानेवाला, जैसे, 'दिल आज़ार' हृदय को दुख देनेवाला।

आज़ार तलब (آزار طلب) फा अ. वि.–जिसे कष्टो मे रहना अच्छा लगता हो, दुखप्रिय।

आज़ार देह (آزار دہ) फा वि–कष्ट देनेवाला, दुखदायी।

आज़ारिंदः (آزارندہ) फा वि.–सतानेवाला, दुख देनेवाला।

आज़ारी (آزاری) फा. वि–रोगी, बीमार, अस्वस्थ।

आज़ारीदः (آزاریدہ) फा. वि–सताया हुआ, दुख पहुँचाया हुआ, पीडित, दुखित।

आजाल (آجال) अ. पु–'अजल' का बहु. मौत के वक्त; मृत्युएँ, मौतें।

आजिज़ (عاجز) अ वि–निराश्रय, असहाय, बेबस, लाचार, ऊबा हुआ, परीशान, विनम्र, खाकसार।

आजिज़ी (عاجزی) अ. स्त्री–असहायता, बेबसी; ऊबना, विनम्रता।

आजिदः (آجدہ) फा स्त्री–तल की असमानता, सतह की नाहमवारी, रेती का खुर्दरापन।

आज़िम (عازم) अ. वि–इच्छा करनेवाला, इरादा करनेवाला।

आजिर (آجر) अ. वि–मजूरी (उजरत) देनेवाला।

आजिलः (عاجلہ) अ स्त्री–मर्त्यलोक, संसार, जिसमे विलब न हो।

आजिल (عاجل) अ. वि–जल्दी करनेवाला, जल्दबाज़, जल्दीवाली वस्तु, ससार, दुनिया।

आजिल (آجل) अ वि–जिसमे विलब और देर हो, परलोक, उक़्बा।

आज़ीनः (آزینہ) फा पु–छेनी, टाँकी, पत्थर आदि छीलने का यत्र।

आज़ीश (آذیش) फा. स्त्री–अग्नि, आग।

आज़ुक़ः (آزقہ) फा पु–दे 'आज़ूक'।

आज़ुर (آذر) फा पु.–ईरानियो का नवाँ महीना, स्फुलिंग, चिनगारी।

आजुर (آجر) फा स्त्री–पकी हुई ईंट।

आज़ुर्दः (آزردہ) फा. वि.–दे. 'आज़र्द' वही शुद्ध है।

आज़ूक़ः (آزوقہ) फा. पु–जीविका, रोज़ी, मआश, थोडी सी गिज़ा जिस से जीवन बना रहे।

आज़ूर (آزور) फा. वि–लालची, लोभी, हरीस।

आज़्दः (آزدہ) फा पु–झुर्री, बल, चीन, चिह्न, निशान, कोई नोकदार वस्तु चुभाना।

आज़्मा (آزما) फा प्रत्य–आज़मानेवाला, जैसे, 'किस्मत आज़्मा' भाग्य की परीक्षा करनेवाला।

आज़्माइंदः (آزمائندہ) फा. वि–आजमानेवाला, परीक्षा करनेवाला।

आज़्माइश (آزمائش) फा. स्त्री–परीक्षा, परख, जाँच।

आज़्मूदः (آزمودہ) फा वि–परखा हुआ, जाँचा हुआ, परीक्षित।

आज़्मूदःकार (آزمودہ کار) फा. वि.–अनुभवी, कार्यसिद्ध, बहुदर्शी, ताज़िब कार (तजरबाकार)।

आज़्मूदनी (آزمودنی) फा. वि–परीक्षा के योग्य, परीक्षणीय, परखे जाने के क़ाबिल।

आज़्मून (آزمون) फा पु–जाँच, परीक्षा, इम्तिहान।

आत (آت) तु पु–घोडा, अश्व।

आतश (آتش) फा. स्त्री–अग्नि, अनल, वह्नि, कृशानु, आग।

आतशअंगेज़ (آتش انگیز) फा वि–आग भड़कानेवाला, उत्तेजित करनेवाला, आग जलानेवाला।

आतश अफ़्गन (آتش افگن) फा. वि.–आग फेंकनेवाला, आग बरसानेवाला।

आतशक (آتشک) फा स्त्री–गरमी का रोग, उपदंश।

आतशकदः (آتش کدہ) फा पु–दे 'आतशखान'।

आतशकार (آتش کار) फा. वि–आतशबाज़, रसोइया, बावरची।

आतशख़ानः (آتش خانہ) फा पु–वह स्थान जहाँ पूजा की आग रहती है, अग्निशाला, पारसियो की अग्निशाला जहाँ की आग कभी बुझती नही है, चूल्हा, भट्ठी, वह स्थान जहाँ चूल्हा या भट्ठी जलती हो।

आतशख़्वार (آتش خوار) फा पु–आग खानेवाला, चकोर, कक्क, एक पक्षी जो चाँद का प्रेमी है।

आतशगाह (آتش گاہ) फा स्त्री–दे 'आतशखान.'।

आतशगीर (آتش گیر) फा. वि.–आग पकड़ लेनेवाला, वह वस्तु या माद्दा जो तुरत आग पकड ले, विस्फोटक, ज्वलनशील, जिस चीज़ से आग पकडी जाय, जैसे, चिमटा।

आतशज़दः (آتش زدہ) फा. वि–जिसमें आग लग गयी हो, आग लगा हुआ, आग से जला हुआ, सोख्ता।

आतशज़दगी (آتش زدگی) फा. स्त्री.–आग लगना, अग्निकाड।

आतशज़नः (آتش زنہ) फा पु–चकमक पत्थर, चुबक; जिस चीज़ से आग फोडे।

आतशज़न (آتش زن) फा वि–आग लगानेवाला; 'कुक्नुस' पक्षी, जिसके गाने से आग लग जाती है।

आतशज़नी (آتش زنی) फा स्त्री–दे 'आतशज़दगी'।

आतशजबाँ (آتش زباں) फा वि—धुआँधार भाषण देनेवाला, वावदूक, व्याख्यान मे आग बरसानेवाला।

आतश ज़ेर पा (آتش زیر پا) फा वि—जिसके पाँव के नीचे आग हो, बहुत ही बेताव, आतुर।

आतश तब्अ (آتش طبع) फा अ वि—दे 'आतश मिजाज'।

आतशताब (آتش تاب) फा वि—आग से तपा हुआ, आग जैसी चमक रखनेवाला।

आतशदस्त (آتش دست) फा वि—फुर्तीला, तेज़, चालाक।

आतशदस्ती (آتش دستی) फा स्त्री—फुर्ती, तेज़ी, चालाकी, प्रभुत्व, गलब।

आतशदान (آتش دان) फा पु—चूल्हा, अँगीठी, भट्ठी।

आतशदीदः (آتش دیدہ) फा वि—आग पर सेंका हुआ, आग पर जला हुआ।

आतशनफ़स (آتش نفس) फा अ वि—जिसकी साँस के साथ आग निकले, अर्थात् प्रेमी, दिलजला।

आतशनफ़सी (آتش نفسی) फा अ स्त्री—साँस के साथ आग निकलना, दिल का दग्ध होना, प्रेमाग्नि से हृदय का जलना।

आतशनाक (آتش ناک) फा वि—आग की तरह तमतमाता हुआ, आग से भरा हुआ।

आतशपरस्त (آتش پرست) फा वि—आग की पूजा करनेवाला, अग्नि-पूजक, ईरान का पारसी, ज़रतुश्त का अनुयायी।

आतशपरस्ती (آتش پرستی) फा स्त्री.—अग्निपूजा, आग की परस्तिश।

आतशपा (آتش پا) फा वि—दे 'आतश जेर पा'।

आतशपारः (آتش پارہ) फा पु—अग्निकण, चिनगारी, अग्निखड, अगारा।

आतशबजाँ (آتش بجاں) फा वि—जिसके अदर आग ही आग हो, अग्निगर्भ, प्रेमी, आशिक़।

आतशबाज़ (آتش باز) फा पु—आतशबाज़ी बनानेवाला, बारूद के खिलौने बनाने और बेचनेवाला।

आतशबाज़ी (آتش بازی) फा स्त्री—बारूद के खिलौने बनाने का काम, अग्निक्रीडा, बारूद के खिलौने।

आतशमिज़ाज (آتش مزاج) फा अ वि—जिसके स्वभाव में हद से अधिक रोष हो, क्रुद्धात्मा, गुस्सैल।

आतशमिज़ाजी (آتش مزاجی) फा अ स्त्री—स्वभाव का अधिक रोष।

आतशरंग (آتش رنگ) फा वि—आग जैसे रंगवाला, दहकता हुआ, खूब लाल।

आतशीं (آتشیں) फा वि—आग का, आग का बना हुआ, अग्निमय, आग जैसा लाल।

आतशींरुख़ (آتشیں رخ) फा वि—जिसका मुख आग जैसा भभूका हो, बहुत ही सुदर।

आतशीं रुख़सार (آتشیں رخسار) फा वि—जिसके गाल आग जैसे लाल हो।

आतशे अफ़्सुर्दः (آتش افسردہ) फा स्त्री—बुझी हुई आग।

आतशे ख़ामोश (آتش خاموش) फा स्त्री—बुझी हुई आग, दबी हुई आग।

आतशे जिगर (آتش جگر) फा स्त्री—हृदय की आग, प्रेमाग्नि।

आतशेतर (آتش تر) फा स्त्री—बहती हुई आग, शराब, मदिरा।

आतशे दरूँ (آتش دروں) फा स्त्री—दे 'आतशे जिगर'।

आतशे दिहक़ाँ (آتش دہقاں) फा स्त्री—वह आग जो कृषक घास-फूस जलाने के लिए खेतों में लगा देते हैं।

आतशे नुम्रूद (آتش نمرود) फा अ स्त्री—वह आग जो हज़रत इब्राहीम को जलाने के लिए नुम्रूद बादशाह ने जलवायी थी।

आतशे फ़ारिस (آتش فارس) फा स्त्री—वह आग जो ज़रतुश्त के समय से ईरान में जल रही थी, जिसे इस्लाम ने बुझाया।

आतशे बेदूद (آتش بےدود) फा स्त्री—(धूम्रहीन अग्नि) सूर्य, आफ़ताब, सूरज।

आतशे महलूल (آتش محلول) फा अ स्त्री—पानी में हलकी हुई आग, शराब, मदिरा।

आतशे सैयाल (آتش سیال) फा अ स्त्री—पिघली और बहती हुई आग, शराब, मदिरा।

आतशे मुर्दः (آتش مردہ) फा स्त्री—बुझी हुई आग।

आतिफ़ (عاطف) अ वि—कृपा करनेवाला, मेहरबान।

आतिफ़त (عاطفت) अ स्त्री—कृपा, दया, मेहरबानी।

आतिर (عاطر) अ वि—सुगधित, सुगधमय, सुगध से प्रेम करनेवाला।

आतिश (آتش) फा स्त्री.—अग्नि, आग, 'आतिश' भी शुद्ध है, मगर 'आतश' अधिक बोलते हैं।

आतूस (عاطوس) अ पु—छींक लानेवाली वस्तु, हुलास, वह पशु या पक्षी जिसका देखना अशकुन होता है।

आदत (عادت) अ स्त्री—प्रकृति, स्वभाव, ख़स्लत, व्यसन, लत, अभ्यास, मश्क़।

आदत (آدت) अ पु—अस्त्र, हथियार।

आदतन (عادتاً—عادۃً) अ वि—स्वभाव से, आदत से, स्वभावत।

आदम (آدم) अ पु –हज़्रत आदम जो सबसे पहले पुरुष थे, मूल पुरुष, मानव, मनुज, पुरुष, आदमी, इसान।

आदमक़द (آدم قد) अ. वि –दे 'क़द्देआदम'।

आदमख़ोर (آدم خور) अ फा वि –आदमी को खा जानेवाला, नरभक्षी, मानुपाशी।

आदमगर (آدم گر) अ फा वि –दयालु, कृपालु, रहमदिल।

आदमज़ाद (آدم زاد) अ फा पु –मनुष्य का पुत्र, मनुष्य, आदमी।

आदमबेज़ार (آدم بیزار) अ फा वि –वह व्यक्ति जो मनुष्यो की सगत से घबराता हो।

आदमी (آدمی) अ पु –मनुष्य, मानव, इसान, सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब।

आदमीज़ाद (آدمی زاد) अ फा पु –आदमी की सतान, मनुष्य, आदमी।

आदमीयत (آدمیت) अ स्त्री –मानवता, इसानियत, सभ्यता, शिष्टता, तमीजदारी, सुशीलता, अख़्लाक।

आदमे आबी (آدم آبی) अ फा पु –पानी मे रहनेवाला मनुष्य की आकृति का जानवर, जलमानुष।

आदमे सह्राई (آدم صحرائی) अ पु –एक बडा बदर, वनमानुष, जगली आदमी, देहाती, उजड्ड, अक्खड।

आदमे सानी (آدم ثانی) अ पु –'हज़्रत नूह', तूफान के पश्चात् इन्ही से सतान चली है।

आ'दल (اعدل) अ वि –बहुत अधिक न्याय करनेवाला।

आ'दा (اعدا) अ पु –'अदू' का बहु शत्रु लोग, दुश्मन लोग।

आदात (آدات) अ पु –'आदत' का बहु हथियार।

आदात (عادات) अ स्त्री –'आदत' का बहु आदते, स्वभाव, प्रकृतियाँ।

आ'दाद (اعداد) अ पु –'अदद' का बहु सख्याएँ, गिनतियाँ, हिंदसे।

आदाब (آداب) अ पु –'अदब' का बहु प्रणाम, नमस्कार, तस्लीम, तरीके, ढग, शिष्टाचार, तहज़ीब, सुशीलता, अख़्लाक।

आदावे फाज़िलः (آداب فاضلہ) अ पु –अच्छे स्वभाव, चार गुण—शूरता, सतीत्व, न्याय और विद्या।

आदिल (عادل) अ वि –न्यायनिष्ठ, न्यायवान्, मुन्सिफ-मिज़ाज।

आदी (عادی) अ वि –जिसे कुछ खाने या कुछ करने की रत पड गयी हो, अभ्यस्त, अनुभवी, व्यसनी।

आदीन (آدینہ) फा –शुक्रवार, जुमा'।

आदूरपश (آدرپش) फा पु –चमारो की सुतारी (सूजा)।

आन (عانہ) अ पु –उपस्थ, पेडू, ज़ेरेनाफ।

आनः (آنہ) फा प्रत्य –सम्बन्ध का वाक्य, जैसे, रोजाना, मालाना, (पु०) रुपये का सोलहवाँ भाग, एक आना।

आन (آن) अ स्त्री –क्षण, पल, लम्हा।

आन (آن) फा स्त्री –छटा, छवि, शोभा, टेक, बात, नाक, हाव-भाव, नाजोअदा।

आ'नक (اعنق) अ वि –बडी गर्दनवाला।

आनक आनक (آنک آنک) फा अव्य –वह वह दूरवर्ती।

आनन फ आनन (آناًفآناً) अ वि –तत्क्षण, तुरत, फौरन, फौरन ही, ज़रा सी देर मे, बात की बात मे, आनन फानन।

आ'नश (اعنش) अ वि –छ उँगलियोवाला, छगा।

आ'नाक (اعناق) अ स्त्री –'उनुक' का बहु, गर्दन, गले।

आनात (آنات) अ पु –'आन' का बहु बहुत से समय, काल-समूह।

आनिद (عاند) अ वि –शत्रु, दुश्मन, वैरी।

आनिफ (عانف) अ वि –वशीभूत, मुतीअ, आज्ञाकारी, फर्मांबरदार।

आनियः (آنیہ) अ पु –'इना' का बहु, बहुत से बरतन।

आनिसः (آنسہ) अ स्त्री –कुमारी, दोशीज़।

आनिस (آنس) अ वि –स्नेह करनेवाला, प्रेमी, हिल जानेवाला।

आनी (عانی) अ वि –कैदी, बदी, बहता हुआ खून।

आनी (آنی) अ वि – क्षणिक, थोडी देर का, सामयिक, तात्कालिक, वक्ती।

आनुक (آنک) फा पु –सीसा, एक धातु।

आपा (آپا) तु स्त्री –बडी बहन, जीजी।

आफ (عاف) अ वि –क्षमा करनेवाला, अपराध क्षमा करनेवाला।

आफत (آفت) फा स्त्री –आपत्ति विपदा, मुसीबत, दुख, कष्ट, तकलीफ, शामत।

आफतज़द. (آفت زدہ) फा वि –विपद्ग्रस्त, मुसीबत का मारा।

आफतनसीब (آفت نصیب) फा अ वि –जिसके भाग्य मे आपत्तियाँ ही आपत्तियाँ हो।

आफतरसीद (آفت رسیدہ) फा वि –दे 'आफतज़द'।

आफते नागहानी (آفت ناگہانی) फा स्त्री –अचानक पडनेवाली विपत्ति, दैवात्यय, दैवी घटना।

आफाक़ (آفاق) अ पु –'उफुक' का बहु उफाएँ, ममार, दुनिया।

आफाकी (آفاقی) अ वि –दुनियावाला, नागरिक।

आफाक़े माइलः (آفاق مائلہ) अ पु –पृथ्वी का वह भाग जो मुडा है।

आफात (آفات) फा स्त्री 'आफत' का बहु आपत्तियाँ, मुसीबतें।
आफिदी (آفندی) तु पु –श्रीमान्, महोदय, जनाब।
आफियत (عافیت) अ स्त्री –सुख, चैन, आराम, शांति, सुकून, नैरुज्य, स्वास्थ्य।
आफियत केश (عافیت کیش) अ फा वि –शांतिप्रिय, अम्नपसंद।
आफियत कोश (عافیت کوش) अ फा वि –शांति के लिए प्रयत्न करनेवाला।
आफियतगाह (عافیت‌گاہ) अ फा स्त्री –शांति का स्थान, जहाँ सुकून और शांति हो, एकांतवास।
आफिल (آفل) अ वि –नीचे जानेवाला, लोप होनेवाला।
आफिलीन (آفلین) अ पु –नीचे जानेवाले, लोप होनेवाले, 'आफिल' का बहु ।
आफ्ताबः (آفتابہ) फा पु –एक प्रकार का लोटा जिसमें दस्ता होता है।
आफ्ताब (آفتاب) फा पु –सूर्य, रवि, दिनकर, सूरज।
आफ्ताब आसार (آفتاب‌آثار) फा अ वि –जिसमें सूर्य का प्रताप हो, जिसमें सूर्य जैसा जलाल हो।
आफ्ताबगीर (آفتاب‌گیر) फा पु –छज्जा, साइवान, छतरी, आतपत्र, छाता, धूप रोकने के लिए ताना हुआ कपड़ा आदि।
आफ्ताबपरस्त (آفتاب‌پرست) फा वि –सूरज की पूजा करनेवाला, सूर्यपूजक, गिरगिट, कृकलास।
आफ्ताबपरस्ती (آفتاب‌پرستی) फा स्त्री –सूरज की पूजा, सूर्य-पूजा, रविभक्ति।
आफ्ताब सवार (آفتاب سوار) फा वि –बहुत तड़के उठनेवाला।
आफ्ताबी (آفتابی) फा वि –धूप में रखकर बनायी हुई औषधि आदि, सूरज का, सूरजमुखी का फूल।
आफ्ताबे लबे बाम (آفتاب لب بام) फा पु –डूबने के करीब सूरज, मरने के करीब पुरुष, मरणासन्न।
आफ्ताबे सरे शाम (آفتاب سر شام) फा पु –संध्या समय का सूर्य, डूबता हुआ सूरज, वह व्यक्ति जिसका सम्मान उठ जाय।
आफ्ताबे हश्र (آفتاب حشر) अ फा पु –महाप्रलय-काल का सूर्य, जो बहुत निकट होगा।
आफ़ीं (آفریں) फा अव्य –धन्यवाद, शाबाश, साधु साधु।
आफ़ीद (آفریدہ) फा वि –पैदा किया हुआ, उत्पादित।
आफ़ीदगार (آفریدگار) फा वि –पैदा करनेवाला, उत्पत्तिकर्ता, स्रष्टा।
आफ़ीदनी (آفریدنی) फा वि –पैदा करने योग्य।
आफ़ीनिंदः (آفرینندہ) फा वि –स्रष्टा, उत्पत्तिकर्ता, खालिक, पैदा करनेवाला।
आफ़ीनिश (آفرینش) फा स्त्री –उत्पत्ति, सृष्टि, पैदाइश।
आब (آب) फा पु –जल, वारि, सलिल, नीर, आप, पानी।
आबकाम (آبکامہ) फा पु –खट्टे पदार्थों से बनाया हुआ पानी।
आबकार (آبکار) फा वि –मदिरा बेचनेवाला, शराब का व्यवसाय करनेवाला, मद्य-व्यवसायी।
आबकारी (آبکاری) फा स्त्री –मदिरा का व्यवसाय, मदिरा का विभाग, मद्य-विभाग।
आबकोर (آبکور) अ वि –वह व्यक्ति जिसके दाने-पानी में किसी का भाग न हो, बहुत ही कृपण, मक्खीचूस।
आबख़ान (آبخانہ) फा पु –पाखान , शौचगृह।
आबख़ुर (آب خور) फा पु –दे 'आबख़ुर्द'।
आबख़ुर्द (آبخورد) फा पु –भाग्य, प्रारब्ध, किस्मत, भाग, हिस्सा, वह तालाब जहाँ मनुष्य और पशु पानी पीयें।
आबख़ेज़ (آبخیز) फा स्त्री –वह भूमि जिसे जहाँ भी खोदें, थोड़ी दूर पर पानी निकल आये, लहर, तरंग, मौज।
आबख़ोर (آبخورہ) फा पु –पानी पीने का मिट्टी का पियाला, कुल्हड़, पुरवा।
आब गर्दिश (آب گردش) फा स्त्री –जीविका, रोज़ी, वह रोग जो देश-विदेश में फिरने और पानी बदलने से उत्पन्न हो।
आबगीन (آبگینہ) फा पु –बहुत ही बारीक काँच की बड़े पेट की बोतल, जो अब से कुछ पहले शराब और गुलाब जल रखने के काम आती थी, बोतल, शीशा, बहुत ही नाज़ुक शीशा।
आबगीर (آبگیر) फा पु –छोटा तालाब, तलैया, जूहड़, क्षुद्र जलाशय।
आबजू (آبجو) फा स्त्री –नदी, नहर, चश्मा।
आबजोश (آبجوش) फा पु –शोरबा, रसा, यख़्नी, गोश्त का पानी, सोडा वाटर, सुर्ख़ मुनक्का।
आबददाँ (آبدنداں) फा पु –एक प्रकार का हलवा।
आबदरजू (آب‌درجو) फा स्त्री –सम्पत्ति, दौलत, सत्ता, हुकूमत।
आबदस्त (آبدست) फा पु –शौच कर्म के पश्चात् पानी लेना, इस्तिंजा करना।
आबदस्ताँ (آبدستاں) फा पु –आफ्ताब , हत्थेदार लोटा।
आबदार (آبدار) फा वि –चमकदार, उज्ज्वल, धारदार, पानीदार, पानी पिलानेवाला।

आवदार खान॰ (آبدار خانہ) फा. पु —वह ठडा स्थान जहाँ पिलाने के लिए पानी के घडे आदि रखे जाते हो।

आबदारी (آبداری) फा स्त्री —चमक, आभा, शोभा, छटा, रौनक।

आबदीद. (آبدیدہ) फा वि —जिसकी आँखो मे आँसू भरे हो, सजलनयन, रुआँसा।

आब दुज़्द (آب دزد) फा पु —वह रास्ता जिसके नीचे पानी हो, एक तग मुँह का बर्तन जिसकी तली मे छेद होते हैं।

आबदोज़ (آبدوز) फा वि —पानी के अदर का रास्ता, पानी के भीतर चलनेवाला पोत आदि।

आबनाए (آبنائے) फा पु —पृथ्वी का वह तग भाग जो दो समुद्रो को मिलाता हो, जलडमरूमध्य।

आबपाशी (آب پاشی) फा स्त्री —भूमि और खेती की सिंचाई, सेचन, सिचन।

आबबाज़ (آب باز) फा वि —तैरनेवाला, तैराक, पैराक।

आबबाज़ी (آب بازی) फा स्त्री —तैरना, पानी मे तैरना।

आबयानः (آبیانہ) फा_पु —सिचाई का महसूल, जलकर।

आबयारी (آبیاری) फा स्त्री —सिंचाई, आबपाशी।

आबरुख़ (آبرخ) फा स्त्री —दे 'आबरू'।

आबरू (آبرو) फा स्त्री —प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, सतीत्व, इस्मत, कीर्ति, यश, नेकनामी।

आबरूदार (آبرودار) फा वि —प्रतिष्ठित, समानित, बावक़्अत, सती, साध्वी, इस्मत मआब।

आबरूरेज़ी (آبروریزی) फा स्त्री —मानहानि, इज़्ज़त उतरना, सतीत्व-हरण, इस्मतदरी।

आबलः (آبلہ) फा पु —छाला, फफोला।

आबलए फ़िरग (آبلۂ فرنگ) अ पु —गर्मी रोग, आतशक, उपदश।

आबशनास (آب شناس) फा वि —माँझी, मल्लाह, कर्णधार, यह जाननेवाला कि समुद्र मे कहाँ कितना पानी है।

आबशार (آبشار) फा पु —झरना, निर्झर, प्रपात।

आबसाल (آبسال) फा पु —बाग, वाटिका।

आबसालाँ (آبسالاں) फा पु —दे 'आबसाल'।

आबा (آبا) अ पु —'अब' का बहु पूर्वज, बाप दादे, पुरखे।

आबाए उल्वी (آبائے علوی) अ पु —नौ आकाश, सप्तग्रह।

आबाद (آباد) फा वि —जिसमे आबादी हो, बसित, वह ज़मीन जो बोई-जोती जाती हो, जहाँ चहल-पहल हो, गुलज़ार।

आबाद (آباد) अ पु —'अबद' का बहु, हमेशगियाँ, नित्यताएँ।

आबादकार (آبادکار) फा वि —वह जो किसी वीरान (बजर) इलाके को आबाद करे, वह किसान जो किसी परती भूमि को उपजाऊ बनाये।

आबादकारी (آبادکاری) फा स्त्री —किसी वीरान इलाके या देश को आबाद करना, किसी बजर भूमि को उपजाऊ बनाना।

आबादान (آبادان) फा वि —दे 'आबाद'।

आबादानी (آبادانی) फा स्त्री —दे 'आबादी'।

आबादी (آبادی) फा स्त्री —बस्ती, बसा हुआ इलाका, चहल-पहल, रौनक।

आबान (آبان) फा पु —ईरानियो का एक महीना जो अगहन मे पडता है।

आबारः (آبارہ) फा पु —हिसाब, हिसाब-किताब।

आबार (آبار) अ पु —जला हुआ सीसा, सीसे का भस्म।

आबिद (عابدہ) अ स्त्री —तपस्विनी, इबादतगुज़ार स्त्री।

आबिद (عابد) अ वि —तपस्वी, इबादत करनेवाला पुरुष।

आबिर (عابر) अ वि —पथिक, बटोही, राहगीर, नदी या पुल आदि को पार करनेवाला।

आबिस्त (آبستہ) फा स्त्री —गर्भवती, गुर्विणी, हामिला।

आबिस्तनी (آبستنی) फा वि —गर्भवती, अतर्वत्नी, हामिला, पेट से।

आबी (آبی) फा वि —एक मेवा, बिही, जल सम्बन्धी, जल का, पानी की मोटी रोटी जो पलोथन के बिना पकती है।

आ'बुद (اعبد) अ पु 'अब्द' का बहु, सेवकगण, दास लोग।

आबे अगूर (آب انگور) फा पु —अगूर का अरक, अगूर का शीरा, अगूर की मदिरा।

आबे अनार (آب انار) फा पु —अनार का अरक, अनार के अरक जैसी लाल मदिरा।

आबे आतशरग (آب آتش رنگ) फा पु —आग के रग का पानी, अर्थात् शराब, मदिरा।

आबे आतशीं (آب آتشیں) फा पु —आग जैसा पानी, अर्थात् मदिरा, शराब।

आबे कमाँ (آب کماں) फा पु —धनुष का ज़ोर।

आबे कौसर (آب کوثر) अ फा पु —स्वर्ग के हौज़ का पानी।

आबे ख़जर (آب خنجر) फा पु —खजर की धार, छुरी की धार।

आबे ख़िज़्र (آب خضر) फा अ पु —आबेहयात, अमृतजल।

आबे ख़ुश्क (آب خشک) फा पु —बिल्लूर का पियाला।

आबे गोश्त (آب گوشت) फा पु —गोश्त की यख्नी या शोरबा।

आबे गौहर (آب گوهر) फा पु –मोतियाबिंद, आँख में पानी उतरने का रोग।
आबे जारी (آب جاری) अ फा पु –बहता हुआ पानी, प्रवाहित जल।
आबे जाविदाँ (آب جاوداں) फा पु –आबे हयात, अमृत।
आबे जुलाल (آب زلال) अ फा पु –निथरा हुआ पानी, ठंडा पानी।
आबे तरब (آب طرب) फा पु –मदिरा, शराब।
आबे बका (آب بقا) अ फा पु –आबे हयात, मदिरा।
आबे बस्तः (آب بستہ) फा पु –शीशा, काँच, जमा हुआ पानी।
आबे मर्वारीद (آب مروارید) अ फा पु –मोतियाबिंद का रोग।
आबे मुंजमिद (آب منجمد) अ फा पु –जमा हुआ पानी, बिल्लूर का पियाला।
आबे मुर्दः (آب مردہ) फा पु –ठहरा हुआ पानी, जो पानी बहता न हो, स्थिर जल।
आबे रवाँ (آب رواں) फा पु –बहता हुआ पानी, जारी पानी, एक बारीक मलमल।
आबे शोर (آب شور) फा पु –खारा पानी, काला पानी, अंडमान।
आबे सियाह (آب سیاہ) फा पु –गहरा पानी, मोतियाबिंद।
आबे हयात (آب حیات) फा अ पु –अमृतजल, सुधा।
आबे हराम (آب حرام) फा अ पु –मदिरा, शराब।
आबे हैवाँ (آب حیواں) फा अ पु –दे 'आबे हयात'।
आबोगिल (آب وگل) फा पु –मनुष्य का ढाँचा।
आबोताब (آب وتاب) फा स्त्री –चमक-दमक, ठाठ-बाट, शानोशौकत, धूमधाम।
आबोदान (آب ودانہ) फा पु –दाना-पानी, अन्न-जल, जीविका, रोज़ी।
आबोरौगन (آب وروغن) फा अ पु –बातचीत में नमक-मिर्च, चिकनी-चुपड़ी बातें।
आबोहवा (آب وہوا) फा अ स्त्री –स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से किसी स्थान का पानी और वायु, जलवायु।
आबनूस (آبنوس) फा पु –एक प्रसिद्ध काली लकड़ी जो बहुत भारी होती है।
आम (آمہ) फा स्त्री –दवात, मसिपात्र।
आम (عام) अ वि –सर्वव्यापक, हमगीर, सर्वसाधारण, आम लोग, जो मुख्य न हो, गौण।
आमद: (آمدہ) फा वि –आया हुआ, आगत।
आमद (آمد) फा स्त्री –आगमन, आमद, आय, आमदनी, वह विचार जो मस्तिष्क में बिना सोचे आया हो।
आमद आमद (آمد آمد) फा स्त्री –किसी के आगमन की धूमधाम, किसी के आने की ख़बर।
आमदनी (آمدنی) फा स्त्री –आय, आमद, कमाई, उत्पत्ति, पैदावार।
आमदोख़र्च (آمد وخرچ) फा पु –आमदनी और ख़र्चा, आय-व्यय।
आमदोरफ़्त (آمد ورفت) फा स्त्री –आना-जाना, यातायात।
आ'मा (اعمی) अ वि –अंधा, नेत्रहीन, अंध।
आ'माक़ (اعماق) अ पु –'उमुक़' का बहु लंबाइयाँ, चौड़ाइयाँ और ऊँचाइयाँ या गहराइयाँ।
आमाज (آماج) फा पु –निशाना, लक्ष्य।
आमाजगाह (آماجگاہ) फा स्त्री –वह स्थान जिसे ताककर उसपर निशान लगाया जाय, लक्ष्यस्थान, हरफ़, "क़िस्मत मेरे सिवा तुझे कोई मिला नहीं—आमाजगाहे-जौर बनाया किया मुझे।"
आमाद (آمادہ) फा वि –तत्पर, उद्यत, तैयार, अनुमत, राज़ी।
आमादगी (آمادگی) फा स्त्री –तत्परता, मुस्तैदी, अनुमति, रज़ामंदी।
आ'माम (اعمام) अ पु –'अम' का बहु चचा लोग।
आ'मार (اعمار) अ स्त्री–'उम्र' का बहु उम्रें, अवस्थाएँ।
आमाल (آمال) अ स्त्री –'अमल' का बहु आशाएँ, उम्मीदें।
आ'माल (اعمال) अ पु –'अमल' का बहु काम, कार्य-समूह, कृतियाँ, कर्म-समूह, आचार-व्यवहार, जप-तप, विर्द वज़ीफ़ा आदि।
आ'मालनाम (اعمال نامہ) अ फा पु –वह पत्र जिस पर मनुष्य के अच्छे बुरे कर्म लिखे जाते हैं, वह काग़ज़ जिसमें सरकारी नौकरों की कारगुज़ारियाँ या बद आ'मालियाँ लिखी जाती हैं।
आमास (آماس) फा पु –सूजन, शोथ।
आमास ज़द (آماس زدہ) फा वि –सूजा हुआ, शोथित।
आमासिद (آماسدہ) फा वि –सूजनेवाला।
आमासीद (آماسیدہ) फा वि –सूजा हुआ।
आमिन (آمنہ) अ स्त्री –निर्भय स्त्री, निडर स्त्री, हज़रत मुहम्मद साहब की श्री माताजी का नाम।
आमिन (آمن) अ वि –निर्भय, निडर, बेख़ौफ़, सुरक्षित, महफ़ूज़।
आमियान (عامیانہ) अ फा वि –आम लोगों जैसा, बाज़ारियों जैसा, अश्लील, अशिष्ट, नाशाइस्ता।

आमिर (عامرہ) अ पु–भरा हुआ, परिपूर्ण, आबाद करनेवाला, बसानेवाला।

आमिर (عامر) अ वि–बसानेवाला, आबाद करनेवाला, आबाद, बसा हुआ, भरा हुआ, परिपूर्ण।

आमिर (آمر) अ वि–हुक्म करनेवाला, शासक, हाकिम, डिक्टेटर, अधिनायक।

आमिरीयत (آمریت) अ. स्त्री–शासन, हुकूमत, शख्सी हुकूमत, डिक्टेटरी, अधिनायकता।

आमिल. (عاملہ) अ स्त्री–काम करनेवाली स्त्री, कार्यकारिणी, विषय निर्धारिणी, मज्लिसे आमिला।

आमिल (عامل) अ वि–शासक, हुक्मराँ, पदाधिकारी, हाकिम, जो मिस्मिरेजम आदि का अमल करता हो, जो भूतप्रेत या जिन और परी उतारता हो।

आमिल (آمل) अ वि–इच्छुक, ख्वाहिशमद, आशा करनेवाला, उम्मेदवार।

आमी (عامی) अ वि–सामान्य व्यक्ति, साधारण जन, बाजारी आदमी, लोफर, नीच।

आमीन (آمین) अ अव्य–एवमस्तु, तथास्तु।

आमुख्त (آمختہ) फा पु–दे 'आमोख्त', यह भी शुद्ध है।

आमुर्जगार (آمرزگار) फा वि–बख्शनेवाला, मोक्ष देनेवाला अर्थात् ईश्वर।

आमुर्जिद (آمرزندہ) फा वि–मोक्ष देनेवाला, बख्शनेवाला।

आमुर्जिश (آمرزش) फा स्त्री–मोक्ष, कल्याण, नजात, बख्शिश।

आमुर्जीद (آمرزیدہ) फा वि–मोक्षप्राप्त, बख्शा हुआ, नजात पाया हुआ।

आमुर्जीदनी (آمرزیدنی) फा वि–मोक्ष प्राप्त होने के योग्य, नजात पाने के काबिल।

आमुल (آملہ) अ पु–आँवला, एक फल, आमलक।

आमुल (آمل) फा पु–'माजिदरान' का एक नगर।

आमूद. (آمودہ) फा वि–भरा हुआ, पूर्ण।

आमूदनी (آمودنی) फा वि–भरने योग्य।

आमून (آمون) फा पु–ईरान और तूरान के बीच की एक नदी।

आमेख्त (آمیختہ) फा वि–मिला हुआ, मिलाया हुआ, कृत्रिम, मिलावट किया हुआ।

आमेख्तनी (آمیختنی) फा वि–मिलाने योग्य, मिलने योग्य।

आमेग (آمیغ) फा प्रत्य–दे 'आमेज'।

आमेज (آمیز) फा प्रत्य–मिलनेवाला, मिलानेवाला, जैसे, 'रग आमेज'—रग मिलानेवाला।

आमेजगार (آمیزگار) फा वि–सुशील, खुश अख्लाक।

आमेजिद (آمیزندہ) फा वि–मिलनेवाला, मिलानेवाला।

आमेजिश (آمیزش) फा स्त्री–मिलावट, उपाधि, मिलौनी।

आमेजीद. (آمیزیدہ) फा वि–मिलानेवाला।

आमोख्त (آموختہ) फा पु–पढे हुए पाठ को फिर से पढना, उद्धरणी, (वि) पठित, पढा हुआ, सीखा हुआ।

आमोख्तनी (آموختنی) फा वि–सीखने योग्य, सिखाने योग्य, पढने योग्य, पढाने योग्य।

आमोजगार (آموزگار) फा वि–शिक्षक, सिखानेवाला, शिक्षार्थी, सीखनेवाला।

आमोजिद. (آموزندہ) फा स्त्री–सिखानेवाला, सीखनेवाला।

आमोजिश (آموزش) फा स्त्री–शिक्षण, सिखाई, सीख।

आमोजीद (آموزیدہ) फा वि–सीखा हुआ, सिखाया हुआ।

आमोजीदनी (آموزیدنی) फा वि–सीखने योग्य, सिखाने योग्य।

आम्म (عامہ) अ वि–सार्वजनिक, अवामी, सब जनता की, जैसे 'राए आम्म' अर्थात् सारी जनता का मत।

आम्मतुन्नास (عامۃالناس) अ पु–सर्वसाधारण, जनसाधारण, आम जनता, अवाम।

आम्मतुलखलाइक (عامۃالخلائق) अ पु–सर्वसाधारण, अवाम, आम जनता।

आयदः (آیندہ) फा वि–आनेवाला, आगामी, भविष्य, मुस्तक्बिल, आगे चलकर, भविष्य मे।

आयदगानो रविदगाँ (آیندگان و روندگان) फा पु–आनेजानेवाले लोग।

आयत (آیت) अ स्त्री–चिह्न, निशान, कुरान का एक वाक्य, उस वाक्य के अत पर बना हुआ गोल चिह्न।

आयत (اعطل) अ वि–लबी गर्दनवाला।

आयद (عائد) अ वि–दे 'आइद', 'आयद' अशुद्ध है।

आ'यन (اعین) अ वि–बडी-बडी आँखो वाला।

आया (آیا) फा अव्य–एक प्रश्नवाचक शब्द, क्या, किम्, जैसे 'आया आप वहाँ जायँगे', क्या आप वहाँ जायँगे।

आयात (آیات) अ स्त्री–'आयत' का बहु, कुरान की आयते।

आयान (آیان) फा पु–आनेवाला, आगमनकर्ता।

आ'यान (اعیان) अ पु–'ऐन' का बहु, बडे-बडे लोग, प्रतिष्ठित जन, महान् व्यक्ति।

आयानी (آیانی) फा स्त्री–'शिष्टता, सभ्यता, सुशीलता, शाइस्तगी, सुदरता, उत्तमता, अच्छाई।

आ'यानी (اعیانی) अ वि –सगा, एक माँ-बाप का।

आ'युन (اعین) अ स्त्री –'ऐन' का बहु, आँखें।

आर (عار) अ पु –लज्जा, लाज, गैरत, घृणा, नफरत, घिन, दोष, ऐब।

आ'रज (اعرج) अ वि –लँगडा, पगु।

आरज़्म (آرزم) फा स्त्री –युद्ध, समर, लडाई, जग।

आरश (آرش) फा पु –ईरान का एक पहलवान जो धनुर्विद्या में अत्यत निपुण था।

आरा (آرا) फा प्रत्य –सँवारनेवाला, सजानेवाला, जैमे, 'जहाँ आरा'—ससार को सजाने या सँवारनेवाला अथवा वाली।

आरा (آرا) अ स्त्री –'राय' का बहु राये, मत।

आराइंद (آرائندہ) फा वि –सँवारनेवाला, सजानेवाला।

आराइश (آرائش) फा स्त्री –सजावट, सुसज्जा।

आराद (آراد) फा पु –हर ईरानी महीने की पच्चीसवीं तारीख।

आ'राफ (اعراف) अ पु –स्वर्ग और नरक के बीच का स्थान।

आ'राब (اعراب) अ पु –वे अरब लोग जो जगल में इधर-उधर घूम-फिरकर जीवन व्यतीत करते है, बद्दू लोग। (यह शब्द बहुवचन है, परतु इसका एकवचन नही है।)

आ'राबी (اعرابی) अ पु –अरब जाति का व्यक्ति, बद्दू।

आराम (آرام) अ पु –'रीम' का बहु, हिरनो के बच्चे।

आराम (آرام) फा पु –सुख, चैन, ऐश, आनद, हर्ष, खुशी, सुगमता, आसानी।

आरामकुर्सी (آرام کرسی) फा स्त्री –बडी कुर्सी जिस पर लेट सकते है, सुखासदी।

आरामख्वाह (آرام خواہ) फा वि –सुख चाहनेवाला, काम-धधो से जी चुरानेवाला।

आरामगाह (آرامگاہ) फा स्त्री –ठहरने और आराम करने का स्थान, विश्रामालय, शयनागार, सोने का स्थान, ख्वाबगाह।

आरामतलब (آرام طلب) फा अ वि –आराम चाहनेवाला, सुखेच्छु, आलसी, काहिल।

आरामतलबी (آرام طلبی) फा अ स्त्री –सुख की चाह, काहिली, आलस्य, पडे-पडे खाना और काम से जी चुराना।

आरामदेह (آرامدہ) फा वि –सुख देनेवाला, आराम पहुँचानेवाला, सुखदायी, आराम पहुँचानेवाली वस्तु या काम।

आरामपसद (آرام پسند) फा वि –दे 'आरामतलब'।

आरामरसाँ (آرام رساں) फा वि –दे 'आरामदेह'।

आरामिंदः (آرامندہ) फा वि –आराम करनेवाला।

आरामिश (آرامش) फा स्त्री –सुख, चैन, राहत।

आरामीद (آرامیدہ) फा वि –आराम किया हुआ, जिसने आराम किया हो।

आरामे जाँ (آرام جاں) फा पु –प्राणो का सुख, प्रेमिका, पुत्र।

आ'राश (اعراش) अ पु –'अर्श' का बहु, बहुत से अर्श।

आ'रास (اعراس) अ पु –'उर्स' या 'उरूस' का बहु, बहुत से उर्स।

आरास्त. (آراستہ) फा वि –सुसज्जित, सजा हुआ (घर आदि), शृगारित, आभूषित, ज़ेवर आदि से सजी हुई (स्त्री)।

आरास्त. मू (آراستہ مو) फा वि –बाल सँवारे हुए, चोटी आदि गूँथे हुए।

आरास्तगी (آراستگی) फा स्त्री –घर आदि की सजावट, स्त्री आदि का शृगार, क्रम, तर्तीब।

आरिज़ (عارضہ) अ पु –रोग, बीमारी, व्याधि, आमय, व्यसन, लत।

आरिज़ (عارض) अ पु –कपोल, गाल, रुखसार, बाधक, रुकावट डालनेवाला।

आरिज (عارج) अ वि –ऊपर की ओर जानेवाला।

आरिज़ी (عارضی) अ वि –अस्थायी, गैर मुस्तक़िल, क्षणिक, थोडी देर का।

आरिफ (عارفہ) अ स्त्री –आरिफ स्त्री, ब्रह्मज्ञानी, पहचाननेवाली।

आरिफ (عارف) अ वि –ज्ञाता, जाननेवाला, परिचित, वाकिफ, ब्रह्मज्ञानी, हक आगाह, सूफी।

आरिफ बिल्लाह (عارف باللہ) अ वि –ईश्वर को पहचाननेवाला, ब्रह्मज्ञानी, खुदा रसीद, ऋषि, मुनि, वली।

आरिफ़ान (عارفانہ) अ फा वि –आरिफो जैसा, सूफ़ियो जैसा, ब्रह्मज्ञानियो जैसा, ऋषियो जैसा।

आरियत (عاریت) अ स्त्री –अस्थायित्व, नापाइदारी, किसी वस्तु का माँगा हुआ होना।

आरियतन (عاریتاً) अ वि –थोडी देर के लिए, माँगा हुआ।

आरियती (عاریتی) अ वि –अस्थायी, अल्पकालिक, आरिज़ी, माँगी हुई वस्तु।

आरी (عاری) अ वि –नगा, नग्न, वचित, महरूम, गद्य का एक प्रकार जो सीधा-सादा होता है, और जिसमे अलकार आदि कुछ नही होते, रोज़मर्रा की नस्र।

आरे (آرے) फा स्त्री –हाँ, जी हाँ।

आरोग (آروغ) फा स्त्री –डकार, उद्गार, धूम।

आरोग़िद (آروغندہ) फा वि –डकार लेनेवाला।

आरोगे तुर्श (آروغ ترش) फा स्त्री –खट्टी डकार, अम्लोद्गार, अम्लिका।

आर्ज़ू (آرزو) फा स्त्री –इच्छा, ख़ाहिश, उत्कठा, इश्तियाक, आश्रय, सहारा, मनोकामना, दिली मुराद, आशा, उम्मीद।

आर्ज़ूए ख़ाम (آرزوے خام) फा स्त्री –वह इच्छा जो पूरी न हो सके।

आर्ज़ूए मुर्दः (آرزوے مردہ) फा स्त्री –मरी हुई आस, बुझी हुई आस, मृतेच्छा।

आर्ज़ूए मुलाक़ात (آرزوے ملاقات) फा अ स्त्री –मिलने की इच्छा, प्रेमिका से मिलन की इच्छा।

आर्ज़ूए वस्ल (آرزوے وصل) फा अ स्त्री –प्रेमिका से प्रेमी के मिलने की इच्छा।

आर्ज़ूगाह (آرزوگاہ) फा स्त्री –वह स्थान जहाँ से कोई मनोकामना सिद्ध होने की आशा हो।

आर्ज़ूमंद (آرزومند) फा वि –इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमद।

आर्ज़ूमंदी (آرزومندی) फा स्त्री –इच्छा, अभिलाषा।

आर्द (آرد) फा पु –आटा, पिसा हुआ अन्न, चून।

आर्वी (آروی) फा पु –शपतालू, एक फल।

आलग (آلنگ) तु पु –चरागाह, हरियाली का मैदान, सब्जाज़ार।

आल: (آلہ) अ पु –उपकरण, औज़ार।

आल (آل) अ स्त्री –सतान, औलाद, बाल-बच्चे, वशज, कुलवाले।

आल (آل) तु वि –लाल, सुर्ख़, रक्त।

आलएकार (آلۂ کار) अ फा पु –काम करने का यत्र, वह व्यक्ति जो किसी कार्य-सिद्धि मे माध्यम हो, वह व्यक्ति जिससे हर काम लिया जा सके।

आलए कुशावर्ज़ी (آلۂ کشاورزی) अ फा पु –खेती के औज़ार।

आलए तनासुल (آلۂ تناسل) अ पु –शिश्न, लिंग।

आलए नक़्बज़नी (آلۂ نقب زنی) अ फा पु –चोरो का सेंध लगाने का यत्र, सावर, सबरी।

आलए मोहलिक (آلۂ مہلک) अ पु –वह हथियार जिसमे हत्या हो सके, प्राणघातक शस्त्र।

आलए हर्ब (آلۂ حرب) अ पु –लडाई का हथियार, युद्धास्त्र।

आलची (آلچی) तु पु –लेनेवाला, वसूल करनेवाला।

आलत (آلت) अ पु –शिश्न, लिग।

आल तम्गा (آل تمغا) तु पु –किसी को पुश्त दर पुश्त के लिए कोई जागीर दे देना।

आ'लन (اعلن) अ वि –बहुत अधिक स्पष्ट।

आ'लम (اعلم) अ वि –बहुत अधिक जाननेवाला, सबसे अधिक जाननेवाला।

आलम (عالم) अ पु –जगत्, ससार, दुनिया, दशा, हालत।

आलम (آلم) अ वि –बहुत अधिक कष्ट देनेवाला।

आलम अफ़ोज़ (عالم افروز) अ फा वि –ससार को प्रकाशित करनेवाला।

आलम आरा (عالم آرا) अ फ़ा वि –ससार को सुसज्जित और शृगारित करनेवाला।

आलम आराई (عالم آرائی) अ फा स्त्री –ससार की सजावट और शृगार।

आलम आश्कार (عالم آشکار) अ फा वि –विश्व-विदित, ससार भर मे जाहिर।

आलम आश्कारा (عالم آشکارا) अ फा वि –दे 'आलम आश्कार'।

आलम आश्ना (عالم آشنا) अ फा वि –सारे ससार से परिचित, सब का मित्र, जिससे सारा ससार परिचित हो, सर्वप्रिय।

आलम आश्नाई (عالم آشنائی) अ फा स्त्री –सारे ससार का परिचित होना, सारे ससार से परिचित होना।

आलमगीर (عالمگیر) अ फा वि –विश्वव्यापी, ससार मे फैला हुआ, विश्वविजयी, ससार को जीतनेवाला।

आलमताब (عالمتاب) अ फा वि –सारे ससार को प्रकाशित करनेवाला।

आलम फरेब (عالم فریب) अ फा वि –विश्वमोहन, सारे ससार को मुग्ध करनेवाला।

आलमी (عالمی) अ वि –सासारिक, दुनियावी, ससार का निवासी, पूर्ण ससार का।

आलमे अज्साम (عالم اجسام) अ पु –मर्त्यलोक, भूलोक, दुनिया।

आलमे अर्वाह (عالم ارواح) अ पु –आत्माओ के रहने का लोक, परलोक, स्वर्ग।

आलमे अलवी (عالم علوی) अ पु –परलोक, स्वर्ग।

आलमे अस्बाब (عالم اسباب) अ पु –जहाँ हर कार्य के लिए कोई कारण अवश्य हो, जगत्, दुनिया।

आलमे आब (عالم آب) अ फा पु –वह स्थान जहाँ पानी ही पानी हो, मद्यपान की अवस्था।

आलमे क़ुद्स (عالم قدس) अ पु –स्वर्ग सुरलोक।

आलमे कौनोफसाद (عالم کون و فساد) अ पु –वह जगत् जहाँ चीज पैदा होती और मिटती रहें, अर्थात्-ससार।

आलमे ख़याल (عالم خیال) अ पु –कल्पना-जगत्, ऐसी दुनिया जिसे केवल तसव्वुर ने बनाया हो।

आलमे खाक (عالم خاک) अ फा पु –भूलोक, मर्त्यलोक, दुनिया।

आलमे ख्वाब (عالم خواب) अ फा पु –स्वप्न-जगत्, वह स्थान जहाँ मनुष्य स्वप्न मे पहुँच जाता है, स्वप्न की अवस्था, नीद की हालत।

आलमे ग़ैब (عالم غیب) अ फा पु –परोक्ष लोक, वह जगत् जो हमे दिखाई नही पडता, अदृश्य जगत्।

आलमे जबरूत (عالم جبروت) अ पु –ब्रह्मलोक, आलमे क़ुदुस, वह लोक जहाँ ईश्वर ही ईश्वर होता है।

आलमे जावेद (عالم جاوید) अ फा पु –नित्यलोक, जहाँ हमेशा रहना पडे, स्वर्ग।

आलमे ज़ाहिर (عالم ظاهر) अ पु –वह जगत् जो दृष्टिगत रहता है, ससार, दुनिया।

आलमे तसव्वुर (عالم تصور) अ पु –वह ससार जहाँ प्रेमी अपनी प्रेमिका के ध्यान मे पहुँच जाता है।

आलमे तस्वीर (عالم تصویر) अ पु –स्तब्धता और निश्चेष्टता की अवस्था।

आलमे नासूत (عالم ناسوت) अ पु –मर्त्यलोक, मनुष्य-लोक, इहलोक, दुनिया।

आलमे फना (عالم فنا) अ पु –दे 'आलमे फानी'।

आलमे फानी (عالم فانی) अ पु –नश्वर जगत्, वह लोक जिसे नाश होना है, अर्थात् दुनिया।

आलमे बका (عالم بقا) अ पु –वह लोक जिसका कभी नाश नही होता, देवलोक, परलोक, स्वर्ग।

आलमे बर्ज़ख़ (عالم برزخ) अ पु –वह लोक जो स्वर्ग और नरक के बीच मे है।

आलमे बाकी (عالم باقی) अ पु –दे 'आलमे बका'।

आलमे बाला (عالم بالا) अ पु –परलोक, देवलोक, आकाश, आस्मान, यमलोक, अदम।

आलमे मलकूत (عالم ملکوت) अ पु –देवलोक, जहाँ केवल फिरिश्ते रहते हैं।

आलमे मा'ना (عالم معنی) अ पु –वह अवस्था, जिसका अनुभव न किया जा सके।

आलमे मिसाल (عالم مثال) अ पु –वह जगत् जो परलोक के अतर्गत है, और जिसम ससार की हर वस्तु ज्यो की त्यो मौजूद है।

आलमे रोया (عالم رویا) अ पु –दे 'आलमे ख्वाब'।

आलमे लाहूत (عالم لاهوت) अ पु –ब्रह्मलोक, जहाँ ईश्वर के सिवा और कुछ नही होता।

आलमे लौहो कलम (عالم لوح و قلم) अ पु –अर्श, वह लोक जहाँ ईश्वर का सिहासन है।

आलमे वुजूद (عالم وجود) अ पु –जीवनावस्था, अस्तित्व।

आलमे शुहूद (عالم شهود) अ पु –वह जगत् जिसमे हम सब कुछ देख सके, मर्त्यलोक, दुनिया।

आलमे सिफ्ली (عالم سفلی) अ पु –तुच्छ जगत्, अधम-लोक अर्थात् ससार, दुनिया।

आलमे सुग़्रा (عالم صغری) अ पु –मनुष्य का शरीर, जिसमे सूक्ष्म रूप मे वह सब कुछ है जो ससार मे है।

आलमे हयूलानी (عالم هیولانی) अ पु –जगत्, ससार, मर्त्यलोक, दुनिया।

आ'ला (اعلی) अ वि –सबसे अच्छा, सर्वश्रेष्ठ, उत्तम, श्रेष्ठ, बढिया।

आलाइश (آلائش) फा स्त्री –पेट के अदर का मल, पाप, गुनाह।

आलाईद (آلائیده) फा वि –लथडा हुआ, सना हुआ।

आलात (آلات) अ पु –'आल' का बहु, औज़ार, उपकरण, हथियार, अस्त्र-शस्त्र।

आलाते जग (آلات جنگ) अ फा –लडाई के हथियार, युद्धास्त्र, आयुध।

आलाते हर्ब (آلات حرب) अ पु –दे 'आलाते जग'।

आलाफ (آلاف) अ पु –'अल्फ' का बहु, हज़ारो।

आलाफ (اعلاف) अ पु –'अलफ' का बहु, हरी घासे।

आलाम (آلام) अ पु –'अलम' का बहु, कष्ट-समूह, हर प्रकार के दुख, आपत्तियाँ, मुसीबतें।

आ'लाम (اعلام) अ पु –'अलम' का बहु, सज्ञाएँ, नामावली।

आलामे रोज़गार (آلام روزگار) अ फा पु –सासारिक कष्ट, दुनिया की आपत्तियाँ।

आलिफ (آلف) अ वि –स्नेह करनेवाला।

आलिम. (عالمه) अ स्त्री –विद्वान् स्त्री, विदुषी।

आलिम (عالم) अ वि –विद्वान्, पडित, कोविद, ज्ञाता, जाननेवाला।

आलिम (آلم) अ वि –कष्ट देनेवाला, दुखदायी।

आलिमान (عالمانه) अ फा वि –विद्वानो जैसा, आलिमो की तरह।

आलिमुलग़ैब (عالم الغیب) अ वि –अतर्यामी, परोक्षवेत्ता, ग़ैब की बात जाननेवाला।

आलिमे कुल (عالم کل) अ वि –सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, सर्वविद्।

आलिमे ग़ैब (عالم غیب) अ वि –दे 'आलिमुल ग़ैब'।

आलिमे बाअमल (عالم باعمل) अ पु –ऐसा विद्वान् जिसका आचार व्यवहार विद्वानो जैसा हो, उसने जो कुछ पढा हो उसी के अनुसार उसका आचरण भी हो।

आलिमे बे अमल (عالم بےعمل) अ फा पु —ऐसा विद्वान् जिसका आचरण विद्वानो से विरुद्ध हो, उसका आचरण पढे हुए से प्रतिकूल हो।

आली (عالی) अ वि —उच्च, बलद, श्रेष्ठ, उत्तम, बढिया, विशाल, बडा, महान्, अजीम।

आलीकद्र (عالی‌قدر) अ वि —बहुत बडे मर्तबेवाला, महामहिम।

आली खानदान (عالی خاندان) अ फा वि —बहुत ऊँचे वशवाला, उच्चकुल, कुलीनतम।

आली गुहर (عالی گہر) अ फा वि —दे 'आली खानदान'।

आली जनाब (عالی جناب) अ फा वि —अत्रभवान्¹, जनाबे आली¹, महामान्य, आलीजाह।

आली जर्फ़ (عالی ظرف) अ वि —बडे दिलवाला, जो प्रत्येक की बुरी-भली बाते सुनकर सहन करे, उच्चाशय, विशाल-हृदय, उदारमना।

आलीजाह (عالی‌جاه) अ वि —बहुत बडे रुत्बेवाला, महामान्य, बडे आदमियो का सबोधन-वाक्य।

आलीतबार (عالی‌تبار) अ फा वि —दे 'आली खानदान'।

आली दिमाग़ (عالی دماغ) अ वि —बडी सूझ-बूझवाला, महाप्रज्ञ, उच्चबुद्धि, उदारधी।

आलीनजर (عالی نظر) अ वि —उच्च दृष्टि, बलद नज़र, उदाराशय, फराख दिल।

आली नसब (عالی نسب) अ वि —दे 'आली खानदान'।

आली मकाम (عالی‌مقام) अ वि —दे आलीकद्र।

आली मनिश (عالی منش) अ फा वि —दे 'आली जर्फ़'।

आली मर्तबत (عالی مرتبت) अ वि —दे 'आलीकद्र'।

आली बकार (عالی‌وقار) अ वि —दे 'आली मर्तबत'।

आलीशान (عالی‌شان) अ वि —महान्, भव्य, अजीमुश्शान, बहुत बडे मर्तबेवाला, महामान्य।

आली हिम्मत (عالی ہمت) अ वि —बडे हौसलेवाला, दिलावर, उच्चोत्साही, महासाहसी।

आलीहौसल (عالی حوصلہ) अ वि —दे 'आली हिम्मत'।

आलुफ्त. (آلفتہ) फा वि —निरकुश, स्वच्छद, बेबाक।

आलू (آلو) फा पु —आलूबुखारा।

आलूच. (آلوچہ) फा पु —एक मीठा मेवा।

आलूद. (آلوده) फा वि —लिप्त, सना हुआ।

आलूद. दामन (آلوده دامن) फा वि —अपराधी, दोषी, जिसका किसी जुर्म मे हाथ हो।

आलूद (آلود) फा वि —दे 'आलूद'।

अलूदए इस्याँ (آلودۂ عصیاں) फा अ वि —पाप से भरा हुआ, पापमय।

आलूदए मा'सियत (آلودۂ معصیت) फा अ वि —दे 'आलूदए इस्याँ'।

आलूदगी (آلودگی) फा स्त्री —अपवित्रता, नापाकी, किसी जुर्म मे शुमूलियत, पापलिप्तता, अपराध।

आलू बुखारा (آلوبخارا) फा पु —एक मशहूर मेवा, आरूक।

आले अबा (آل عبا) अ पु —हज्रत फातिमा, हज्रत अली और इमाम हसन और हुसैन।

आवग (آونگ) फा पु —अलगनी।

आवंद (آوند) फा पु —बरतन, जर्फ़।

आव (آو) फा पु —पानी, आब।

आवख़ (آوخ) फा अव्य —आह, हाय, उफ, वाह, खूब, अजीब, अद्भुत।

आ'वज (اعوج) अ वि —टेढा, वक्र।

आ'वर (اعور) अ वि —सौतेला भाई, काना, यक चश्म, एक आँत का नाम, कौआ, काक।

आर्वारदः (آورنده) फा वि —लानेवाला, आक्रमण करनेवाला, हम्लाआवर।

आवर्दः (آورده) फा वि —लाया हुआ, (प्र) किसी का खास व्यक्ति, किसी का सिफारिशी, किसी का दलाल, एजेट।

आवर्द (آورد) फा स्त्री —'आमद' का उलटा, वह विचार जो कविता मे सोच-साच कर लाया गया हो, मस्तिष्क मे तुरत न आया हो।

आवर्दनी (آوردنی) फा वि —लाने योग्य।

आवा (آوا) फा स्त्री —'आवाज़' का लघु, स्वर, शब्द, नाद, आवाज।

आवाज़. (آوازه) फा पु —यशोध्वनि, कीर्ति की धूम, शुह्रत, नामवरी।

आवाज (آواز) फा स्त्री —स्वर, शब्द, नाद, ध्वनि, बोली।

आवाजे पा (آواز پا) फा स्त्री —पाँव की आहट, पगध्वनि।

आवाजे बाजगश्त (آواز بازگشت) फा स्त्री —प्रतिध्वनि, प्रतिशब्द, प्रतिवाद, टकराकर लौटी हुई आवाज।

आवान (آوان) अ पु —'आन' का बहु बहुत से काल।

आ'वान (اعوان) अ पु —'औन' का बहु सहायकगण, मदद करनेवाले।

आवार. (آواره) फा वि —बदचलन, कदाचारी, दुश्चरित्र; बेकार घूमनेवाला, व्यर्थ भ्रमण करनेवाला, जिसका किसी एक स्थान पर ठिकाना न हो, सचारजीवी।

आवारः गर्द (آواره گرد) फा वि —व्यर्थ में इधर-उधर मारा-मारा फिरनेवाला, व्यर्थ भ्रमणशील।

आवार गर्दी (آوارہ گردی) फा स्त्री –व्यर्थ मे इधर-उधर घूमना।

आवार मनिश (آوارہ منش) फा वि –वदचलन, कुमार्गी, व्यर्थ भ्रमण करनेवाला, आवारा गर्द।

आवारः मिज़ाज (آوارہ مزاج) फा अ वि –दे 'आवार मनिश', दुष्टप्रकृति, दुश्शील।

आवार मिज़ाजी (آوارہ مزاجی) फा स्त्री –वदचलनी, व्यर्थ भ्रमण, आवारागर्दी।

आवारः वतन (آوارہ وطن) फा अ वि –जो अपना घर-बार छोडकर परदेश मे मारा फिर रहा हो, प्रवासी, परदेशी।

आवारगी (آوارگی) फा स्त्री –वेकार इधर-उधर फिरना, दुराचार, वदचलनी।

आविन (آونہ) अ पु –'अवान' का वहु, समय और काल।

आवेख़्त (آویختہ) फा वि –लटका हुआ, लटकाया हुआ।

आवेख़्तनी (آویختنی) फा वि –लटकने योग्य, लटकाने योग्य।

आवेज़ (آویزہ) फा पु –कान का वुदा, लोलक, लटकन।

आवेज़ (آویز) फा प्रत्य –लटकन या लटकानेवाला जैसे दिलआवेज़ दिल को लटकानेवाला अर्थात सुदर।

आवेज़ए गोश (آویزۂ گوش) फा पु –कान का लटकन, वुदा, लोलक।

आवेज़िंद (آویزندہ) फा वि –लिपटनेवाला, लटकनेवाला, लिपटानेवाला, लटकानेवाला।

आवेज़िश (آویزش) फा स्त्री –लाग-डॉट, चढा-ऊपरी, गुत्यमगुत्या, हाथापाई, युद्ध, लडाई।

आश (آش) फा पु –वह पतला खाद्य पदार्थ जो पिया जा सके, पेय।

आशपुज़ (آش پز) फा वि –रसोइया, वावर्ची।

आ'शा (اعشیٰ) अ वि –रतौंधी का रोगी, रात्र्यध, शवकोर।

आशाम (آشام) फा पु –चावल की पीच, भोजन, खुराक, खीर, (प्रत्य) 'पीनेवाला', जैसे 'मय आशाम' शराव पीनेवाला, मद्यप।

आशामिंद (آشامندہ) फा वि –पीनेवाला।

आशामीदः (آشامیدہ) फा वि –पिया हुआ, जो पिया गया हो।

आशामीदनी (آشامیدنی) फा वि –पीने योग्य, पेय।

आशिक़ (عاشق) अ वि –प्रेमी, अनुरागी, मुहिव, व्यसनी, लती।

आशिक़ मिज़ाज (عاشق مزاج) अ वि –जिसके स्वभाव मे प्रेम अधिक हो, और जो हर सुदर व्यक्ति से प्रेम करने के लिए तत्पर रहता हो, प्रेमप्रवण।

आशिक़ानः (عاشقانہ) अ फा वि –प्रेमियो जैसा, प्रेमपूर्ण, प्रेम के भावो से भरा हुआ।

आशिक़ी (عاشقی) अ स्त्री –प्रेम, अनुराग, स्नेह, चाहत, इश्क।

आशिर (عاشر) अ वि –दसवाँ, दसवाँ भाग।

आशुफ़्त (آشفتہ) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-वितर, आतुर, व्याकुल, परीशान।

आशुफ़्त: ख़याल (آشفتہ خیال) फा अ वि –जिसके विचार अस्त-व्यस्त हो, व्यस्तविचारवान्, प्रेमी, आशिक।

आशुफ़्त ख़ातिर (آشفتہ خاطر) फा अ वि –जिसका मन एकाग्र न हो, उद्विग्नचित्त, जिसका दिल परेशान हो, प्रेमी।

आशुफ़्त तब्अ (آشفتہ طبع) फा अ वि –दे 'आशुफ़्त ख़ातिर'।

आशुफ़्त नवा (آشفتہ نوا) फा वि –व्यर्थ की वकवाद करनेवाला, अनर्थ भाषी, प्रेमी।

आशुफ़्त बयाँ (آشفتہ بیاں) फा अ वि –दे 'आशुफ़्त नवा'।

आशुफ़्त: मिज़ाज (آشفتہ مزاج) फा अ वि –जिसका चित परेशान हो, उद्विग्नचित्त, जिसका मन एकाग्र न हो, प्रेमी।

आशुफ़्त मू (آشفتہ مو) फा वि –वाल बिखेरे हुए, शोकग्रस्त, रजीदा, प्रेमी।

आशुफ़्त: रोज़गार (آشفتہ روزگار) फा वि –समय जिसके प्रतिकूल हो, दुखी, कालचक्र-ग्रस्त।

आशुफ़्त: सर (آشفتہ سر) फा वि –जिसका सिर फिर गया हो, विक्षिप्त, पागल, प्रेमी।

आशुफ़्त: हाल (آشفتہ حال) फा वि –कालचक्र-ग्रस्त, हतभाग्य, मुसीवत मे फँसा हुआ, प्रेमी।

आशुफ़्तगी (آشفتگی) फा स्त्री –उद्विग्नता, व्यग्रता, परेशानी, वौखलाहट, वदहवासी।

आशूर (عاشور) अ पु –दे 'आशूरा'।

आशूरा (عاشورا) अ पु –मुहर्रम की दसवी तारीख।

आशोव (آشوب) फा पु –हलचल, उथल-पुथल, उपद्रव, वलवा, विप्लव, इन्क़िलाब।

आशोव कद (آشوب کدہ) फा पु –दे 'आशोव गाह'।

आशोवगाह (آشوبگاہ) फा स्त्री –हलचल और झगडे-फसाद का स्थान, अर्थात् ससार।

आशोबिंद (آشوبندہ) फा वि –परेशान होनेवाला, मोहित होनेवाला।

आशोबीद (آشوبیدہ) फा वि –उद्विग्न, व्याकुल, परेशान, मुग्ध, आसक्त, फरेफ्त।

आशोबे आगही (آشوب آگہی) फा. पु –माया-जाल, मोह-बधन, ससार के झगड़े ।
आशोबे चश्म (آشوب چشم) फा पु –आँखे दुखने का रोग, नेत्राभिष्यद ।
आशोबेदह्र (آشوب دہر) फा. अ पु –सासारिक उथल-पुथल, इन्किलाबात ज़माना ।
आशोबे रोज़गार (آشوب روزگار) फा पु –दे 'आशोबे दह्र' भाग्यचक्र की उथल-पुथल ।
आशोरदः (آشورده) फा वि –गूँधा हुआ, मिलाया हुआ, खमीर किया हुआ ।
आश्कार (آشکار) फा वि –दे 'आश्कारा' ।
आश्कारा (آشکارا) फा वि –व्यक्त, प्रकट, ज़ाहिर, स्पष्ट; साफ ।
आश्ती (آشتی) फा स्त्री –मित्रता, दोस्ती, शाति, सुकून, सधि, सुलह ।
आश्तीकोश (آشتی کوش) फा वि –मित्रता के लिए कोशिश करनेवाला, शान्ति के लिए यत्नवान् ।
आश्ती ख़ू (آشتی خو) फा वि.–जो स्वभावत मित्रता और शाति चाहता हो, शातप्रकृति ।
आश्ती पसंद (آشتی پسند) फा वि –जिसे शाति पसंद हो, जो अमन चाहता हो, जो मित्रता और सधि पसद करता हो, शातिप्रिय, सधिप्रेमी ।
आश्ना (آشنا) फा पु –मित्र, सुहृद्, दोस्त; जार, उपपति, यार, परिचित, जानकार, वाक़िफ़ ।
आश्नाई (آشنائی) फा स्त्री –मैत्री, दोस्ती, नाजाइज़ सम्बन्ध, जारत्व ।
आश्ना फरोशी (آشنا فروشی) फा. स्त्री –मित्र की उसके मुँह पर प्रशसा करना ।
आश्ना रू (آشنا رو) फा वि –जो सूरत पहचानता हो, सूरत आश्ना, मुखचर्या-निरीक्षक ।
आश्ना सूरत (آشنا صورت) फा अ वि.–जिसकी शक्ल पहचानी हुई हो, जिसे पहले देखा हो, पर उससे परिचय न हो, परिचित-मुख ।
आश्नाह (آشناه) फा स्त्री –तैरना, पैरना, पैराकी, तैराकी , (वि) तैरनेवाला, तैराक, पैराक ।
आश्माली (آشمالی) फा स्त्री –चापलूसी, चाटुकारिता, खुशामद ।
आश्यॉं (آشیاں) फा पु –घोसला, नीड, कुलाय ।
आश्यान. (آشیانہ) फा पु –दे 'आश्यॉं' ।
आस (اس) फा स्त्री –चक्की, पेषणी, ताश, गजिफ ।
आस (آس) अ पु –एक पेड जिसके फल और पत्ते दवा मे प्रयुक्त होते है ।
आस़ [स्स] (عاس) अ पु –रात मे पहरा और गश्त देनेवाला ।
आसफ़ (آصف) अ पु –हजरत सुलेमान का वज़ीर जो बहुत ही बुद्धिमान् और निपुण था ।
आसाँ (آساں) फा वि –'आसान' का लघु , दे. आसान ।
आसा (آسا) फा. अव्य –समान, तुल्य, वत्, सज्ञा के अत मे आकर अर्थ देता है, जैसे–हबाब आसा, बुलबुले के सदृश ।
आसाइंदः (آسائنده) फा. वि. –आराम पानेवाला, सुख पानेवाला ।
आसाइश (آسائش) फा. स्त्री.–सुख, चैन, आराम; सुगमता, सुविधा, सुहूलत; समृद्धि, खुशहाली ।
आसाईदः (آسائیده) फा वि –आराम पाया हुआ, जिसे सुख मिला हो ।
आसाईदनी (آسائیدنی) फा. वि –सुख पाने योग्य ।
आसान (آسان) फा वि –सुगम, सरल, सुकर, सहज, सहल ।
आसान पसंद (آسان پسند) फा वि –जो हर काम मे सुविधा चाहता हो, परिश्रम या झझट के काम से घबरानेवाला ।
आसानी (آسانی) फा स्त्री –सुविधा, सुगमता, सरलता, सुकरता, सुहूलत ।
आसानी पसद (آسانی پسند) फा वि –दे 'आसान पसद' ।
आ'साब (اعصاب) अ पु –'असब' का बहु , पट्ठे, स्नायु-समूह ।
आसायश (آسایش) फा स्त्री –दे 'आसाइश', वही शुद्ध है ।
आसार (آثار) अ पु –'असर' का बहु , लक्षण, अलामतें, चिह्न, निशानात, दीवाल की चौडाई, पुरानी इमारतो के खडहर ।
आसारुस्सनादीद (آثارالصنادید) अ. पु –पूर्वजो की निशानियाँ ।
आसारे क़दीमः (آثار قدیمہ) अ पु –पुरानी क़ादिले यादगार इमारतो के अवशेष, भग्नावशेष ।
आसारे क़ियामत (آثارقیامت) अ पु –महाप्रलय के लक्षण, कोई बहुत ही भयानक घटना होने के लक्षण ।
आसाल (آصال) अ पु –'असील' का बहु , सध्याएँ, शाम के वक्त ।
आसास (آساس) अ पु –'असस्' का बहु , नीवे, बुनियादें ।
आसिफ़ (عاصف) अ पु –आँधी, झक्कड, लक्ष्य से हटनेवाला बाण, जिस दिन तेज़ आँधी चले, तेज़ उडने वाला शुतुरमुर्ग ।

आसिम (عاصم) अ वि –अलग रखनेवाला, बाज़ रखनेवाला, पत्नीव्रत, पाकदामन।

आसिम (آثم) अ वि –पापी, पातकी, गुनहगार।

आसिम (عاسم) अ वि –देर लगानेवाला, विलब करनेवाला, दीर्घसूत्री।

आसिय (آسیہ) अ स्त्री –फिरऔन की स्त्री का नाम।

आसिया (آسیا) फा स्त्री –चक्की, पेषणी, "सुन अयजुनूने-इश्क तुझे इसमे क्या मिला–मानिंद आसिया के घुमाया किया मुझे।"

आसियाए आब (آسیاے آب) फा स्त्री –पानी से चलनेवाली चक्की, पनचक्की, जलपेषणी।

आसियाए बाद (آسیاے باد) फा स्त्री –वायु के वेग से चलनेवाली चक्की, पवन चक्की, पवन-पेषणी।

आसिया ज़न (آسیازن) फा पु –चक्की टाँकने की छेनी।

आसियाब (آسیاب) फा स्त्री –पानी की चक्की, जलपेषणी।

आसिल (عاسل) अ वि –शहद जमा करनेवाला, शहद निकालनेवाला, (पु) ज़ोर से चलाया हुआ भाला।

आसी (آسی) अ वि –दु खित, गमगीन, वह वैद्य या हकीम जो रास्ते मे दुकान लगाता है, उर्दू के एक सुविख्यात दार्शनिक शायर।

आसी (عاسی) अ वि –बहुत ही बूढा, वृद्धतम।

आसी (عاصی) अ वि –पातकी, पापी, पापाचारी, गुनाहगार।

आसीम (آسیمہ) फा वि –स्तब्ध, चकित, शशदर, आतुर, उद्विग्न, व्याकुल, परेशान।

आसूद (آسودہ) फा वि –धनवान्, समृद्ध, खुशहाल, सतुष्ट, मुत्मइन, पेट भरा हुआ, अघाया हुआ।

आसूद. ख़ातिर (آسودہ خاطر) फा अ वि –जिसका मन भर गया हो, परितृप्त।

आसूद दिल (آسودہ دل) फा वि –जिसे पूर्ण सतोष प्राप्त हो, जिसका मन अघाया हुआ हो।

आसूद हाल (آسودہ حال) फा अ वि –धन-धान्य से परिपूर्ण।

आसूदगी (آسودگی) फा स्त्री –सतोष, तृप्ति, इत्मीनान, समृद्धि, धन-सपन्नता, खुशहाली पेट भरा होना।

आसूदनी (آسودنی) फा वि –आसूद होने के काबिल, तृप्त होने योग्य।

आसेब (آسیب) फा पु –प्रेत-बाधा, भूत-प्रेत, जिन-परी, कोई बडा अनिष्ट, ख़त्र (खतरा)।

आसेबज़द (آسیب زدہ) फा वि –जिस पर जिन या भूत का खलल हो, प्रेतबाधा-ग्रस्त, भूताविष्ट।

आसेबे बाद (آسیب باد) फा पु –बगूला, वातचक्र, चक्रवात, वातावर्त्त, बवडर।

आस्तर (آستر) फा पु –दोहरे कपडे मे नीचे वाला कपडा, अस्तर।

आस्ताँ (آستاں) फा पु –चौखट, देहलीज़, ड्योढी, किसी ऋषि का आश्रम या वली की खानकाह।

आस्तान. (آستانہ) फा पु –दे 'आस्ताँ', "नसीब हो न सकी दौलते कदमबोसी–अदब से चूम के हज़्रत का आस्तान चले।"

आस्ताने यार (آستان یار) फा पु –प्रेमिका के मकान की चौखट, प्रेमिका का निवासस्थान।

आस्तीं (آستیں) फा स्त्री –आस्तीन का लघु, दे 'आस्तीन'।

आस्तीन (آستیں) फा स्त्री –कुर्ते, अँगरखे या कोट का वह भाग, जो बाँहो को छिपाता है।

आस्माँ (آسماں) फा पु –'आस्मान' का लघु, दे 'आस्मान'।

आस्माँ कद्र (آسماں قدر) फा अ वि –बहुत ऊँची पदवीवाला, बहुत अधिक प्रतिष्ठित, सर्वोच्च प्रतिष्ठित, उच्चासनासीन।

आस्माँजाह (آسماں جاہ) फा वि –दे 'आस्माँ कद्र'।

आस्माँ रस (آسماں رس) फा वि –आकाश तक पहुँचनेवाला, गगनस्पर्शी।

आस्माँ रिफ़अत (آسماں رفعت) फा अ वि –दे 'आस्माँ कद्र'।

आस्माँ शिगाफ़ (آسماں شگاف) फा वि –आकाश को फाड देनेवाला, गगनभेदी।

आस्माँ सैर (آسماں سیر) फा अ वि –आकाश पर उडनेवाला, गगनभ्रमी, गगनचारी, आकाशगामी।

आस्मान (آسمانہ) फा पु –छत।

आस्मान (آسماں) फा पु –आकाश, गगन, अबर, नभ, व्योम, फलक, चर्ख।

आहग (آہنگ) फा पु –सकल्प, निश्चय, इरादा, गान, राग, नग्म, समय, काल, वक्त।

आहज (آهجم) अ पु –दे 'आहग'।

आह (آه) फा स्त्री –हृदय से निकलनेवाला आर्तनाद उच्छ्वास, हाय, अफ्सोस।

आहक (آهک) फा पु –चूना, जला हुआ पत्थर।

आहन (آہن) फा पु –लोह, लौह, अय, लोहा।

आहन गर (آہن گر) फा वि –लोहार, लोहकार, अयस्कार।

आहन रुबा (آهن ربا) फा पु –चुबक पत्थर, मक्नातीस।
आहनी (آهنین) फा वि –लोहे का, लोहे का बना हुआ, लोहमय, लोहे जैसा।
आहनी अज़्म (آهنین عزم) फा अ वि –लोहे की तरह अटूट निश्चयवाला, वह व्यक्ति जो अपने सकल्प पर अटल रहे।
आहनी जिगर (آهنین جگر) फा वि –लोहे जसे कठोर हृदयवाला, निर्दय, दयाशून्य, सगदिल, वीर।
आहनी (آهنی) फा वि –लोहे का, लोहे का बना हुआ।
आहर्मन (آهرمن) फा पु –'अहरमन' पारसियो का बदी का खुदा।
आहा (آها) फा अव्य –वाह-वाह, साधु-साधु।
आहाद (آحاد) अ पु –'अहद' का बहु, दवाइयाँ।
आहार (آهار) फा पु –लेई, जिससे कागज आदि चिपकाते है, खाना, भोजन।
आहिर (عاهره) अ स्त्री –व्यभिचारिणी, कुलटा, जानिय।
आहिर (عاهر) अ वि –व्यभिचारी, विपयी, जानी।
आहिल (آهل) अ पु –जहाँ किसी के बाल-बच्चे हो।
आहिल (عاهل) अ स्त्री –वे शौहरवाली स्त्री, सम्राट्, महाराज, शहशाह, जिसका कोई स्वामी न हो, जो अपना खुद मालिक हो, खुदमुख्तार।
आहिस्त. (آهسته) फा वि –मद, धीमा, शनै शनै., धीरे-धीरे।
आहिस्त.कार (آهسته‌کار) फा वि –बहुत धीरे-धीरे काम करनेवाला, दीर्घसूत्री।
आहिस्त ख़िराम (آهسته‌خرام) फा वि –धीरे-धीरे चलनेवाला, मदगामी, मृदुलगति, शनै गामी।
आहिस्त रवी (آهسته‌روی) फा स्त्री –धीरे-धीरे चलना।
आहिस्त:रौ (آهسته‌رو) फा वि –धीरे-धीरे चलनेवाला, मदगति, मदगामी।
आहिस्तगी (آهستگی) फा स्त्री –मदता, धीमापन, मृदुलता, मुलायमपन, गभीरता, धैर्य, मलानत, तहम्मुल।
आहू (آهو) फा पु –मृग, हरिण, हिरन, छिद्र, दोप, ऐब।
आहूए रम ख़ुर्द (آهوی رم خورده) फा पु –भागा हुआ हिरन।
आहूगीर (آهوگیر) फा वि –हिरन पकडनेवाला, व्याध, छिद्रान्वेषी, दोष पकडनेवाला, ऐबची।
आहूचश्म (آهوچشم) फा वि –हिरन-जैसी आँखोवाली सुन्दरी, मृगनयनी, मृगाक्षी, हिरन-जैमी आँखोवाला मनुष्य, मृगनयन।
आहूनिगाह (آهو نگاه) फा वि –दे 'आहूचश्म'।
आहूपरस्ती (آهو پرستی) फा स्त्री –हिरन पकड़ने या मारने का शौक, मृगया-प्रेम।
आहू बचः (آهو بچه) फा. पु –हिरन का बच्चा, मृग-शावक।
आहू बरः (آهو بره) फा पु –दे 'आहू बच'।
आहू शिकार (آهو شکار) फा वि –हिरन का शिकार करनेवाला, व्याध, बहेलिया, बडी-बडी आँखोवाली सुन्दरी, जो हिरनो को मुग्ध कर ले।
आहेख्तः (آهیخته) फा वि –लटकाया हुआ, खीचा हुआ।
आहेख्तनी (آهیختنی) फा वि –लटकाने के योग्य, खीचने योग्य, आकर्पणीय।
आहेजीद. (آهیجیده) फा वि.–लटकाया हुआ, खीचा हुआ।
आहे नीम कश (آه نیم‌کش) फा स्त्री.–वह आह जो बदनामी के भय से खुलकर न खीची जाय, अर्धोच्छ्वास।
आहे नीम शबी (آه نیم شبی) फा स्त्री –वह आह जो आधी रात को जब सब सोते है खीची जाय, विरह की रात मे खीची जानेवाली आह।
आहोज़ारी (آه‌وزاری) फा स्त्री –रोना-धोना, रोना-पीटना, विलाप।
आहोबुका (آه‌وبکا) फा अ स्त्री –दे 'आहोज़ारी'।

इ

इजाज़ (انجاز) अ पु –प्रतिज्ञा पूरी करना, प्रतिज्ञापूर्ति, वादा वफा करना, किसी की जरूरत पूरी करना।
इजाज (انضاج) अ पु –पकाना, फल को पाल आदि द्वारा पकाना, शरीर की दूषित धातुओ को दवाओ द्वारा पकाकर इस काबिल करना कि वे शरीर से निकाली जा सके, दवाओ द्वारा गाढे माद्दे को पतला और पतले को गाढा करना।
इज़ाम (انظام) अ पु –सजाना, सँवारना, व्यवस्थित, करना क्रम से लगाना, विभूपित करना।
इज़ार (انظار) अ पु –मोहलत देना, छुट्टी देना।
इज़ार (انزار) अ पु –डराना, त्रास देना, डरना, खौफ खाना।
इज़ाल (انزال) अ पु –नीचे उतरना, नीचे उतारना, स्त्री-प्रसग अथवा स्वप्न मे वीर्यपात होना।
इजास (انجاس) अ पु –अपवित्र करना, गदा करना।
इजाह (انجاح) अ पु –इच्छा पूरी करना, हाजतबरारी करना, इच्छा पूरी होना।
इजाहे मराम (انجاح مرام) अ पु –मनोकामना सिद्ध होना, मनोरथपूर्ति, दिली मुराद बर आना।
इजिज़ाब (انجذاب) अ पु –जज़्ब होना, आत्मसात् होना, आकृष्ट होना, खिचना।

इज़िबात (انضباط) अ पु —दृढता, मज़बूती, नियमबद्धता, बाकाइदगी।

इंजिमाद (انجماد) अ पु —जम जाना, जमकर ठोस होना, बस्त होना।

इज़िमाम (انضمام) अ पु —जुडना, सटना, युक्त होना, मिश्रित होना, मिलना।

इज़ियाग़ (انزياغ) अ पु —यथार्थ को छोडकर अनृत (झूठ, मिथ्या) की ओर झुकना।

इजिला (انجلا) अ पु —चमकना, प्रकाशमान होना, घर या देश से निकलना, बादल का छँटना, दुःख का दूर होना।

इजिज़ाब (انجذاب) अ पु —आकृष्ट होना, खिचना।

इज़िवा (انزوا) अ पु —एकान्तवासी होना, गोशनशीनी करना, एकान्त, गोश, तनहाई।

इज़िहाक़ (انزهاق) अ पु —नष्ट होना, बरबाद होना, मर जाना, हलाक होना।

इजीर (انجير) अ पु —एक प्रसिद्ध फल, अजीर। (यह उच्चारण अशुद्ध है।)

इजील (انجيل) अ स्त्री —ईसाइयो की मुख्य धार्मिक पुस्तक, बाइबिल।

इतिआश (انتعاش) अ पु —ऊपर उठना, बलद होना, समृद्ध होना, खुशहाल होना।

इंतिक़ा (انتقا) अ पु —चुनना, बीनना, स्वीकार करना, कबूल करना।

इतिक़ाअ (انتقاع) अ पु —मुँह फेर लेना, पराङ्मुख होना।

इतिक़ाज़ (انتقاض) अ पु —प्रतिज्ञा आदि भंग करना।

इतिक़ाद (انتقاد) अ पु —नक्द लेना, भुस मे से अनाज के दाने अलग करना, जाँचना, परखना, आलोचना करना, तनकीद करना, आलोचना, तनकीद।

इतिक़ाफ़ (انتقاب) अ पु —किसी वस्तु का घृणास्पद होना।

इतिक़ाम (انتقام) अ पु —दुश्मनी चुकाना, वैरशुद्धि, बदी का बदला लेना, प्रत्यपकार।

इतिक़ामान (انتقاماً) अ फा वि —इतिकाम से भरा हुआ, इतिकाम का ध्यान रखते हुए, शत्रुतापूर्ण।

इतिक़ाल (انتقال) अ पु —एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, मरना, मृत्यु, एक से दूसरे को पहुँचना।

इंतिक़ाले अराज़ी (انتقال اراضی) अ पु —ज़मीन का एक के पास से दूसरे की मिल्कियत मे चला जाना।

इतिक़ाले ज़िह्नी (انتقال ذهنی) अ पु —खयाल का एक ओर से दूसरी ओर जाना, कुछ सोचते हुए कुछ सोचने लगना।

इतिक़ाश (انتقاش) अ पु —नक़्शदार होना, गोदा

निकालना, मोचने से बाल उखेडना।

इतिकास (انتكاس) अ पु —उलटा होना, औंधा होना, उलटा, औंधा, अधोमुख।

इंतिकास (انتكاث) अ पु —वादा पूरा न करना, प्रतिज्ञा भंग करना।

इंतिकास (انتقاص) अ पु —कम करना, कम होना।

इतिख़ाब (انتخاب) अ पु —बहुतो में से थोडा-सा छाँट लेना, चुनना, बीनना, चुनाव, निर्वाचन, एलेक्शन, खतियौनी के किसी कागज की बाज़ाब्ता नकल।

इतिख़ाबे जुदागाना (انتخاب جداگانه) अ फा पु —ऐसा चुनाव जो साम्प्रदायिक आधार पर हो, अर्थात् जिसमें मुसलमान मुसलमानो को, हिन्दू हिन्दुओ को, ईसाई ईसाइयो को वोट दे, पृथक् निर्वाचन।

इतख़ाबे मख़्लूत (انتخاب مخلوط) अ पु —वह चुनाव जिसमे सब मिलकर वोट दे, सयुक्त निर्वाचन।

इतिज़ा (انتضا) अ पु —किसी को अपना भेदी बनाना।

इतिज़ाअ (انتزاع) अ पु —उखडना, अस्त-व्यस्त होना, इन्किलाब होना, विप्लव होना।

इतिज़ाए सल्तनत (انتزاع سلطنت) अ पु —राज्य का उथल-पुथल होना, मुल्क मे इन्किलाब आना, राज्यक्रांति।

इतिजाब (انتجاب) अ पु —प्रतिष्ठित होना, सम्मानित होना, श्रेष्ठ होना।

इतिज़ाम (انتظام) अ पु —काम का दुरुस्त होना, काम का दुरुस्त करना, प्रबध करना, बदोबस्त करना, प्रबध, बदोबस्त।

इतिज़ार (انتظار) अ पु —राह देखना, प्रतीक्षा करना, आस लगाना, सहारा देखना, प्रतीक्षा।

इतिताह (انتطاح) अ पु —गाय-भैंस आदि का किसी को सींग मारना।

इतिदाब (انتداب) अ पु —किसी काम के लिए बुलाना, अपना प्रतिनिधि बनाना, प्रतिनिधित्व, नियाबत।

इतिफ़ा (انتفا) अ पु —नष्ट करना, नष्ट होना।

इतिफ़ा (انطفا) अ पु —आग का बुझना, चिराग़ का गुल होना।

इतिफ़ाअ (انتفاع) अ पु —लाभ उठाना, नफ़ा हासिल करना।

इतिफ़ाख़ (انتفاخ) अ पु —पेट फूलना, अफारा होना, किसी चीज़ में हवा भरना, आनाह, आध्मान।

इतिफ़ाश (انتفاش) अ पु —मवेशियों को रात में चरागाह में छोड देना बिना चरवाहे के।

इतिबाअ (انطباع) अ पु —छपना, मुद्रित होना, कोई

चित्र या लेख दूसरी चीज पर ज्यो का त्यो उतरना, यथावत् अवतरण, यथानुरूप चित्रण।

इंतिबाक (انطباق) अ पु –एक दूसरे मे मिलना, जुडना, घटित होना, मुताबिक होना ।

इतिबाश (انتباش) अ पु –नगा करना, कपडे उतारना, कब्र मे से मुर्दे का कफन उतार लेना, कफ़न चुराना।

इतिबाह (انتباه) अ पु –चेतावनी देना, तबीह करना, चेतावनी, तबीह।

इंतिमा (انتما) अ पु –किसी से सम्बन्धित होना, विकसित होना,(प्रत्य) अधिक या विकसित करनेवाला जैसे 'सआदत इतिमा' सआदत बढानेवाला, 'लुत्फ-इतिमा' आनन्दवर्धक।

इतिमास (انطماس)अ पु –लुप्त होना, गायब होना ।

इतियाअ (انتياع) अ पु –समस्या का हल होना, वहना, प्रवाहित होना।

इतिलाक (انطلاق)अ पु –जाना, गमन करना।

इतिवा (انطوا) अ पु –लिपटा हुआ होना।

इतिशार (انتشار) अ पु –तितर-बितर होना, अस्त-व्यस्त होना, अस्त-व्यस्तता, गडवड, घबराहट, परेशानी, बेचैनी, लिंगेंद्रिय का खडा होना।

इतिसाक (انتساق)अ पु –व्यवस्था ठीक करना, प्रबंध दुरुस्त करना, क्रमबद्ध करना, तर्तीब देना, शैली, ढग, तरीका, प्रबंध, इतिज़ाम ।

इतिसाख(انتساخ)अ पु –किसी लेख आदि की नकल लेना।

इंतिसाफ (انتصاف)अ पु –न्याय पाना, न्याय के अनुसार काम होना, आधा-आधा होना, आधा पाना।

इंतिसाब (انتساب)अ पु –किसी वस्तु को किसी से सबधित करना, किसी पुस्तक आदि को किसी के नाम समर्पित करना, डेडीकेशन, समर्पण ।

इतिसाब (انتصاب) अ पु –होना, उठ खडा होना, बरपा होना।

इतिसाम (انتسام) अ पु –सुगधित पदार्थ सूंघना, सुगंध लेना, खुशबू सूंघना ।

इतिसाल (انتسال) अ पु –वश का आगे चलना, लडका उत्पन्न होना, वशवृद्धि।

इतिसाह (انتصاح)अ पु –हित की बात सुनना, नसीहत मानना।

इतिहा (انتہا) अ स्त्री–पराकाष्ठा, आखिरी हद, छोर, सिरा, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा, चरम सीमा।

इंतिहाई (انتہائی) अ वि –अत्यधिक, बहुत, आखिरी हदवाला, अन्तवाला।

इतिहाज़(انتہاز) अ पु –फुर्सत पाना, अवसर प्राप्त होना, काबू पाना, बस मे लाना।

इतिहाज (انتہاض)अ पु –कूच करना, प्रस्थान करना, कूच, प्रस्थान, उठना, खडा होना।

इतिहापसद(انتہاپسند) अ फा वि –हर काम को उसकी अन्तिम सीमा मे पसद करनेवाला, क्रान्ति और हिंसा द्वारा देश मे इन्किलाब लाने का सिद्धान्त माननेवाला।

इतिहापसदी (انتہاپسندی) अ फा स्त्री –क्रान्ति द्वारा देश मे इन्किलाब लाने का सिद्धान्त मानना, हर काम को उसकी अतिम सीमा मे पसद करना ।

इतिहाब (انتہاب) अ पु –डाके आदि मे लुट जाना, बरबाद हो जाना, गारत करना, लूटना ।

इतिहार (انبہار) अ पु –हॉपना, हाँफना।

इतिहाल (انتحال) अ पु –किसी दूसरे की कविता या लेख को अपना बताना।

इदज्ज़ुरूरत (عندالضرورت) अ वि –आवश्यकता पडने पर, जब जरूरत हो तब।

इदत्तलब(عندالطلب)अ वि –माँगने के समय, जब माँगा जाय तब, एक प्रकार का ऋणपत्र जिसमे जिस समय मागा जाय उसी समय रुपया देना जरूरी है।

इदत्तहकीक (عندالتحقیق)अ वि –जाँच के समय, जाँच के अनुसार।

इदन्नास (عندالناس)अ वि –आम जनता की राय मे, सर्वसाधारण के नजदीक।

इदल्लाह (عنداللہ)अ वि –ईश्वर के नज़दीक, खुदा के यहाँ।

इदल्हाजत (عندالحاجت) अ वि –दे 'इदज्ज़ुरूरत'।

इदार (اندار) अ पु –डालना।

इदिकाक (اندقاق) अ पु –कूटा जाना, कुटना।

इदिफाअ (اندفاع)अ पु –दूर होना, दफा होना, निराकरण होना।

इदिबाग (اندباغ) अ पु –चमडा पकाना और रँगना।

इदिमाज (اندماج) अ पु –घुसना, निकलना, किसी जगह मजबूती से खडा होना।

इदिमाल (اندمال) अ पु –घाव का भरना, क्षतपूर्ति।

इदिय (عندیہ) अ पु –अभिप्राय, उद्देश, मकसद, विचार, खयाल।

इदिराअ (اندراع) अ पु –सामने आना, घटना का उपस्थित होना।

इदिराज (اندراج) अ पु –दर्ज होना, लिखा जाना, रजिस्टर आदि मे लिखा जाना।

इदिरास (اندراس) अ पु –जीर्ण होना, पुराना होना, जीर्णता, पुरानापन, नष्ट होना।

इदिलाअ (اندلاع) अ पु.–तोंद निकल आना, पेट बढ जाना।
इंदिलाक़ (اندلاق) अ पु –उगल पडना।
इंदिलास (اندلاس) अ पु –गिर पडना।
इंदिसास (اندساس) अ पु –छुपना, छिपना, गुप्त होना, मिट्टी मे छिपना।
इंबा (انبا) अ पु –सूचना देना, ख़बर देना।
इंबात (انبات) अ पु –उगना, जमना, उगाना।
इंबार (انبار) अ पु –राशि, ढेर, गल्ला (अनाज) जमा करने का स्थान (अंबार)।
इंबाह (انباہ) अ पु –जगाना, बेदार करना, सोते से उठाना।
इंबिआस (انبعاث) अ पु –उत्थान, उठना, उत्तेजित होना, तेज़ होना।
इंबिगा (انبغا) अ पु –पात्र होना, मुस्तहक़ होना, इच्छित होना, अभिलषित।
इंबिसात (انبساط) अ पु –खुलना, शगुफ्त होना, आनद, हर्ष, खुशी, गुस्ताखी, धृष्टता।
इंबिसास (انبثاث) अ पु –तितर-बितर होना, मुतशिर होना।
इंशा (انشا) अ स्त्री –लेख लिखना, लिखना, तहरीर करना, साहित्य, अदब, उत्पन्न करना, आरभ करना।
इंशा अल्लाह (انشا اللہ) अ फा स्त्री –दे 'इन्शा अल्लाह'।
इंशाद (انشاد) अ पु –कविता सुनाना, शेर पढना।
इंशा पर्दाज़ (انشا پرداز) अ फा वि –गद्य-लेखक, निबंध-कार, नस्रनिगार, साहित्यकार, अदीब।
इंशा पर्दाज़ी (انشا پردازی) अ फा स्त्री –मज्मून निगारी, निबंध-रचना।
इंशिक़ाक़ (انشقاق) अ पु –फट जाना, तडकना, शक होना, दरकना।
इंशिराह (انشراح) अ पु –हृदय का खुल जाना, दिल का कुशाद हो जाना, चित्त की प्रसन्नता, मसर्रत।
इंशिराहे क़ल्ब (انشراح قلب) अ पु –हृदय का इस प्रकार विकसित हो जाना कि सारी परोक्ष बाते ज्ञात हो जायें, दिव्य दृष्टि प्राप्त हो जाना, दैवी ज्ञान प्राप्त होना।
इंस (انس) अ पु –लोग, मनुष्यवर्ग, यह शब्द बहुवचन के अर्थ मे आता है, परन्तु इसका एकवचन नही है।
इंसा (انسا) अ पु –भुला देना।
इंसाक़ (انساق) अ पु –नियम और दस्तूर बनाना, किसी चीज़ को कायदे के अदर लाना।
इंसान (انسان) अ पु –मनुष्य, आदमी, मानव जाति, नौए इंसानी, सभ्य, शिष्ट, मुहज्ज़ब, सज्जन, भलामानस, शरीफ।
इंसानी (انسانی) अ वि –मानवीय, आदमी का, मनुष्य जैसा, आदमी की तरह का।
इंसानीयत (انسانیت) अ स्त्री –मानवता, आदमियत, सभ्यता, शिष्टता, तमीज़दारी।
इंसानेऐन (انسان عین) अ पु –आँख की पुतली, कनीनिका।
इंसाफ़ (انصاف) अ पु –न्याय, नीति, अद्ल।
इंसाफ़न (انصافاً) अ वि –इंसाफ़ से, न्यायत, न्याय के अनुसार।
इंसाफ़ पसद (انصاف پسند) अ फा वि –न्याय की बात कहनेवाला, न्यायप्रिय, पक्षपात न करनेवाला।
इंसाफ़ पसदी (انصاف پسندی) अ फा स्त्री –न्यायप्रियता, न्याय की बात पसद करना, पक्षपात न करना।
इंसिकाब (انسكاب) अ पु –पानी गिरना, बहुत रोना।
इंसिदाअ (انصداع) अ पु –फटना, बीच मे दर्ज़ हो जाना।
इंसिदाद (انسداد) अ पु –बद होना, रुक जाना, निवारण, ख़ातिमा।
इंसिदादेजुर्म (انسداد جرم) अ पु –जुर्मों का रुक जाना, चोरियाँ डकैतियाँ आदि न होना।
इंसिबाग़ (انصباغ) अ पु –रग चढना, रगीन होना, रँगा जाना।
इंसिबाब (انصباب) अ पु –पानी या किसी पतली चीज़ का रसना या टपकना।
इंसियाक़ (انسیاق) अ पु –बहना, प्रवाहित होना, रवाँ होना।
इंसिराफ़ (انصراف) अ पु –फिरना, लौट आना।
इंसिराम (انصرام) अ पु –कटना, कटकर अलग होना, समाप्त होना, पूरा होना, प्रबध, व्यवस्था, इंतिज़ाम।
इंसिलाक (انسلاک) अ पु –एक चीज़ का दूसरी चीज़ मे प्रवेश करना, घुसना।
इंसिलाब (انسلاب) अ पु –नष्ट होना, ज़ाए जाना, खो जाना, गुम होना।
इंसिहाक़ (انسحاق) अ पु –घिसा जाना।
इंसी (انسی) अ पु –मनुष्य, आदमी, सीधी ओर, दाहिनी तरफ़, शरीर का भीतरी अवयव।
इआद॰ (اعادہ) अ पु –लौटकर आना, वापस आना, कही हुई बात को फिर से कहना, पुनरावृत्ति, दुहराना।
इआदत (عیادت) अ स्त्री –दे 'एयादत'।
इआनत (اعانت) अ स्त्री –सहायता, मदद, सहयोग, तआवुन।
इआनते मुज्रिमान (اعانت مجرمانہ) अ स्त्री –किसी अवैध कार्य मे सहायता, किसी काम मे ऐसी मदद जो जुर्म हो।

इआर (عیار) अ पु –कसौटी का कस, बानगी, चाशनी, सोना तौलने का काँटा।

इक़ाब (عقاب) अ पु –यातना, कष्ट, दुख, तकलीफ, पाप कष्ट, अज़ाब।

इकाफ (اکاف) अ पु –घोडे या गधे का पलान, (शिश्न)।

इक़ामत (اقامت) अ स्त्री –किसी स्थान पर ठहरना, रहना, बसना, कायम करना, नमाज़ के लिए तक्बीर।

इक़ामत पज़ीर (اقامت پذیر) अ फा वि –जो कही ठहरा हुआ हो, जो कही रह रहा हो।

इक़ालः (اقالہ) अ पु –बेची हुई चीज को आपस की रज़ामदी से वापस ले लेना, किसी काम का विचार छोड देना।

इक़ालत (اقالت) अ स्त्री –दे 'इकाल'।

इक़ित (اقط) अ पु –दे 'इक्त'।

इक्त (اقط) अ पु –पनीर, शुष्क दही जिसमे नमक मिलाया गया हो, दे 'इकित'। दोनो शुद्ध है।

इक़्आ (اقعا) अ पु –मनुष्य का चूतडो के बल बैठना, जिसमे दोनो पिडलियाँ खडी रहे।

इक्तिज़ा (اقتضا) अ पु –इच्छा, आकाक्षा, चाह, ख्वाहिश, समय की माँग, वक्त की जरूरत।

इक़्तिज़ाज़ (اقتضاض) अ पु –कुँआरी स्त्री के साथ सभोग।

इक्तिज़ाब (اقتضاب) अ पु –काटना, टुकडे करना।

इक्तिताफ (اقتطاف) अ पु –मेवा चुनना, फल बीनना, फल पाना, सम्र पाना।

इक्तिताब (اکتتاب) अ पु –किताब आदि मे लिखना, चदे की फेहरिस्त खोलना।

इक्तिताम (اکتتام) अ पु –छुपाना, गोपन, गुप्ति, पोशीदगी, बालो मे खिजाब लगाना।

इक्तिदार (اقتدار) अ पु –सत्ता, प्रभुत्व, ताकत, हुकूमत, राज, शासन, आतक, रोबदाब, सम्मान, इज़्ज़त।

इक़्तिदारे आ'ला (اقتدار اعلیٰ) अ पु –राज्य के सर्वोच्च पदाधिकारियो की मडली, हाई कमाड।

इक्तिदा (اقتدا) अ पु –अनुकरण करना, पैरवी करना, अनुकरण, तक्लीद, इमाम के पीछे नमाज पढना।

इक्तिना (اقتنا) अ पु –किसी काम और व्यवसाय के लिए पूँजी इकट्ठी करना।

इक्तिनाअ (اقتناع) अ पु –निस्पृह रहना, जो कुछ मिल जाय उसी पर गुजर करना, कनाअत करना।

इक्तिनाफ (اکتناف) अ पु –किसी की शरण लेना, पनाह मे आना।

इक्तिनास (اقتناص) अ पु –शिकार करना, व्यवसाय करना, जीविका कमाना।

इक्तिनाह (اکتناہ) अ पु –बात की तह-तक पहुँचना।

इक्तिफा (اکتفا) अ पु –पर्याप्त होना, काफी होना।

इक्तिफा (اقتفا) अ पु –अनुकरण, पैरवी।

इक्तिफाल (اقتفال) अ पु –कुफ्ल (ताला) मे बद होना, मुकफ्फल होना।

इक्तिबास (اقتباس) अ पु –जल उठना, आग पकड़ लेना, रौशन होना, प्रकाशमान होना, किसी पुस्तक, लेख या काव्य-सग्रह मे से आवश्यकतानुसार इबारत (वाक्य) या अश्आर अपनी किताब मे देना, उद्धरण।

इक्तिमान (اکتمان) अ पु –छुपना, छिपकर बैठना, छिपकर घात मे बैठना, छिपाना।

इक्तियाब (اکتیاب) अ पु –दुखी होना, गमगीन होना।

इक्तियास (اقتیاس) अ पु –अनुकरण करना, पैरवी करना, अनुमान करना, कियास करना।

इक्तिराज़ (اقتراض) अ पु –उधार लेना, कर्ज लेना।

इक्तिरान (اقتران) अ पु –समीप होना, निकट होना, पास-पास होना।

इक्तिराब (اقتراب) अ पु –समीप होना, करीब होना, पास आना, समीपता, नजदीकी।

इक़्तिराह (اقتراح) अ पु –पूछना, जिज्ञासा करना, प्रश्न करना, सवाल करना, इच्छा करना, चाहना।

इक्तिवा (اکتوا) अ पु –बीमारी मे किसी अग को दागना, दाग देना।

इक्तिशाफ (اکتشاف) अ पु –प्रकट होना, खुलना, जाहिर होना।

इक्तिसा (اکتسا) अ पु –कपडे पहनना।

इक्तिसाद (اقتصاد) अ पु –बीच की राह चलना, किफायतशिआरी करना, अर्थ, रुपया।

इक्तिसादी (اقتصادی) अ वि –आर्थिक, माली, रुपये-पैसे से सम्बन्धित।

इक्तिसादीयात (اقتصادیات) अ स्त्री –अर्थव्यवस्था, आर्थिक समस्याएँ, माली मसाइल, अर्थशास्त्र, अर्थ-विज्ञान, एकोनोमिक्स।

इक्तिसाब (اکتساب) अ पु –उपार्जन, कमाना, स्वय अपने प्रयत्न से प्राप्त करना।

इक्तिसाबे इल्म (اکتساب علم) अ पु –विद्योपार्जन, ज्ञान प्राप्त करना, इल्म हासिल करना।

इक्तिसाबे ज़र (اکتساب زر) अ फा पु –धनोपार्जन रुपया कमाना।

इक्तिसाबे फन (اکتساب فن) अ पु—कोई शिल्प या हुनर प्राप्त करना, फन सीखना।

इक्तिसाबे माल (اکتساب مال) अ पु—दे 'इक्तिसाबे ज़र'।

इक्तिसाम (اقتسام) अ पु—बाँटना, तक्सीम करना।

इक़्तिसार (اقتسار) अ पु—ज़बर्दस्ती किसी से कोई काम लेना, ज़बर्दस्ती।

इक्तिसार (اقتصار) अ पु—कम करना, छोटा करना, एक चीज़ पर खडा होना, ऐसी इबारत लिखना जिसमें शब्द बहुत हो और अर्थ कम हो।

इक्तिसास (اقتصاص) अ पु—खून का बदला लेना, प्रतिहिंसा करना।

इक्तिहाम (اقتحام) अ पु—इख्तियार करना, धारण करना, किसी चीज़ मे घुसना अत्याचार करना, अपमानित करना ज़लील करना।

इक्तिहाल (اکتحال) अ पु—आँखो को अजनसार करना, सुरमा लगाना।

इक्दाम (اقدام) अ पु—किसी काम करने के इरादे से आगे बढना, पेशकदमी करना, अग्रसरता, पेशकदमी।

इक़्दामे क़त्ल (اقدام قتل) अ पु—मार डालने के लिए आगे बढना, कत्ल के लिए तैयारी करना।

इक्दाह (اقداح) अ पु—ऐब करना, बुराई करना, निन्दा करना, निंदा, बदगोई।

इक्दिश (اکدش) तु पु—प्रिया, प्रेयसी, महबूब, वह व्यक्ति जिसकी माँ हिन्दुस्तानी और बाप तुर्की हो, वह घोडा जिसकी माँ तुर्की और बाप अरबी हो।

इक़्ना (اقنا) अ पु—किसी व्यवसाय मे पूँजी लगाना, व्यवसाय करना, धन कमाना।

इक्रान (اقران) अ पु—समीप आना, पास पहुँचना, पास-पास होना।

इक्राम (اکرام) अ पु—सम्मान, सत्कार, आव-भगत, प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

इक्फा (اکفا) अ पु—क़ाफिए का एक दोष जिसमे दो ऐसे अक्षरो का काफिया होता है जो उच्चारण मे समीपवर्ती होते है, जैसे 'सबाह' (صباح) और सिपाह (سپاه) इनमे एक 'बडी हे' है और एक 'छोटी हे'।

इक्फार (اکفار) अ पु—किसी आस्तिक को नास्तिक बताना, काफिर कहना।

इक्बाब (اکباب) अ पु—औंधे मुँह गिरना, मुँह के बल गिरना।

इक़्बाल (اقبال) अ पु—प्रताप, तेज, जलाल, सौभाग्य, खुशकिस्मती, समृद्धि, फरागत, स्वीकृति, इक़्रार (इकरार)।

इक़्बालमंद (اقبال مند) अ फा वि—प्रतापवान्, तेजस्वी, जिसका इक़्बाल जोरो पर हो।

इक़्बालमंदी (اقبال مندی) अ फा स्त्री—इक़्बाल का ज़ोर, तेज की प्रबलता।

इक़्बाली (اقبالی) अ वि—इकरार करनेवाला, इक़्रारी, जो अपराधी अपने अपराध को स्वीकार करे।

इक़्बालेजुर्म (اقبال جرم) अ पु—अपराध करने और दोषी होने का इकरार, स्वीकारोक्ति।

इक्बाह (اقباح) अ पु—किसी वस्तु को बिगाडकर भोंडा कर देना।

इक्माअ (اقماع) अ पु—तोडना, खड-खड करना।

इक्माल (اکمال) अ पु—पूरा करना, समाप्त करना, खत्म करना।

इक्मास (اقماس) अ पु—गोता लगाना, डुबकी मारना, निमज्जन।

इक्माह (اقماح) अ पु—आकाश की ओर इस प्रकार सिर उठाना कि आँखें पृथ्वी की ओर रहें।

इक़्राअ (اقراع) अ पु—लाटरी डालना, पाँसा फेंकना।

इक़्राज़ (اقراض) अ पु—उधार लेना, कर्ज लेना।

इक़्रार (اقرار) अ पु—प्रतिज्ञा, अह्द, वचन, वादा, स्वीकृति, इक़्बाल, संविदा, ऐग्रीमेंट।

इक़्रारनाम (اقرارنامہ) अ फा पु—प्रतिज्ञापत्र, अह्दनामा, संविदा, ऐग्रीमेंट।

इक़्रारे सालेह (اقرار صالح) अ पु—वह प्रतिज्ञा जो सच्चे दिल से की गयी हो, पक्का निश्चय, दृढ प्रतिज्ञा।

इक़्राश (اقراش) अ पु—निंदा करना, बदगोई करना, निंदा, बुराई।

इक्राह (اکراہ) अ पु—घृणा, नफरत, घिन, कराहत।

इक्लाअ (اقلاع) अ पु—उखेडना, जड से उखेडना, नष्ट करना, बरबाद करना, सफाया करना।

इक्लीद (اقلید) अ स्त्री—'किलीद' का मुअर्रब (अरबीकृत), कुंजी, ताली।

इक्लीदिस [दस] (اقلیدس) अ स्त्री—ज्यामिति, रेखागणित, ज्यामेट्री।

इक्लीम (اقلیم) अ स्त्री—महाद्वीप, बर्रेआ'ज़म, देश, मुल्क, प्रदेश, इलाका।

इक्लीमिया (اقلیمیا) अ स्त्री—रूपामक्खी, चाँदी का मैल, सोनामक्खी, सोने का मैल।

इक्लीमियाए जहबी (اقلیمیاے ذھبی) अ स्त्री—सोने का मैल, सोनामक्खी।

इक्लीमियाए फिज्जी (اقلیمیاء فضی) अ स्त्री–चाँदी का मैल, रूपामक्खी।

इक्लील (اکلیل) अ पु–मुकुट, ताज, टोपी।

इक्लीलुलमलिक (اکلیل الملک) अ पु–एक वनस्पति, पुरग, अस्परक।

इक्वा (اقوا) अ पु–काफिए का एक दोष जिसमें से रवी से पहले के अक्षर की मात्रा एक-सी न हो। जैसे–गुल और दिल का काफिया, इसमें 'ग' पर पेश है और 'द' पर ज़ेर।

इक्सा (اقسا) अ पु–हृदय का कठोर होना, निर्दय होना।

इक्सा (اقصا) अ पु–अलग करना, हटाना, दूर करना, किनारे पहुँचाना।

इक्साब (اقصاب) अ पु–काटना, टुकडे करना।

इक़्साम (اقسام) अ पु–हिस्से करना, शपथ लेना, कसम खाना।

इक्सार (اکثار) अ–बहुत कहना, बहुत करना, बहुत खाना, अधिकता, इफ्रात (इफरात)।

इक्सास (اقصاص) अ पु–खून के बदले मे जान लेना, हिंसा के बदले हिंसा, प्रतिहिंसा।

इक्सीर (اکسیر) अ स्त्री–रसायन, कीमिया, (वि) अमोघ, अचूक, जैसे दमे के लिए इक्सीर (अकसीर)।

इक्सीरी (اکسیری) अ वि–कीमियागर, रसायन बनानेवाला।

इक्सून (اکسون) फा स्त्री–एक काला रेशमी कपडा।

इख़ाज़ (اخاذه) अ पु–तडाग, तालाब, जलाशय।

इख़ाज़ (اخاذ) अ पु–लेना, ग्रहण करना, वह तालाब जो जगल मे हो, वह जमीन जो राजा अपने लिए अलग कर ले।

इख़्तार (اخطار) अ पु–अपने को जान जोखिम मे डालना, खतरे मे फँसाना।

इख़्तिज़ाब (اختضاب) अ पु–बालो मे खिजाब लगाना।

इख़्तिताफ़ (اختطاف) अ पु–उचक लेना, उडा लेना।

इख़्तिताम (اختتام) अ पु–समाप्त होना, खत्म होना, अन्त, समाप्ति।

इख़्तिनाक़ (اختناق) अ पु–गला बद होना, गला घुटना।

इख़्तिनाक़ुर्रहिम (اختناق الرحم) अ पु–स्त्रियो का मूर्छा रोग, हिस्टीरिया।

इख़्तिफ़ा (اختفا) अ पु–गोपन, छिपाना, पोशीदा करना।

इख़्तिफ़ार (اخفار) अ पु–प्रतिज्ञा भग करना।

इख़्तिबार (اختبار) अ पु–खबर लेना, परीक्षा करना, परीक्षा, इम्तिहान।

इख़्तिमार (اختمار) अ पु–खमीर उठाना, औषधियो आदि को पानी आदि मे भिगोकर रखना ताकि सडकर उनका खमीर उठ आये।

इख़्तियान (اختیان) अ पु–अमानत मे खियानत करना।

इख़्तियार (اختیار) अ पु–अधिकार, हक, सत्ता, हुकूमत, स्वामित्व, मालिकीयत।

इख़्तियारी (اختیاری) अ वि–जो अनिवार्य न हो, जो लाज़िमी न हो।

इख़्तियारे समाअत (اختیار سماعت) अ पु–मुकदमा सुनने का अधिकार।

इख़्तियाल (اختیال) अ पु–अवज्ञा, नाफर्मानी, उद्दडता, सरकशी, ध्यान रखना, खयाल करना।

इख़्तिराअ (اختراع) अ पु–ऐसी चीज बनाना जो पहले न हो, आविष्कार, ईजाद।

इख़्तिराआत (اختراعات) अ पु–नयी नयी ईजादे, नये नये आविष्कार।

इख़्तिराई (اختراعی) अ वि–ईजाद से सम्बन्धित, मनगढत, फर्जी, कल्पित।

इख़्तिराक़ (اختراق) अ पु–फटना, विदीर्ण होना, फाडना, विदीर्ण करना।

इख़्तिलाज (اختلاج) अ पु–दिल की धडकन, हौलदिल।

इख़्तिलाजे क़ल्ब (اختلاج قلب) अ पु–दिल की धडकन, हृत्कम्प।

इख़्तिलात (اختلاط) अ पु–मैत्री, दोस्ती, प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल, चुबनालिगन, चूमाचाटी।

इख़्तिलाफ़ (اختلاف) अ पु–मतभेद, राय का इख़्तिलाफ़, वैमनस्य, रजिश, फूट, नाइत्तिफाकी, भिन्नता, अलग-अलग होना।

इख़्तिलाल (اختلال) अ पु–विघ्न, विकार, खलल, कुव्यवस्था, अस्त-व्यस्तता, गडबडी।

इख़्तिलाले दिमाग़ (اختلال دماغ) अ पु–दे 'इख़्तिलाले हवास'।

इख़्तिलाले हवास (اختلال حواس) अ पु–बुद्धि-विकार, मतिभ्रम, पागलपन, बुद्धि-विक्षेप।

इख़्तिलास (اختلاس) अ पु–उचक ले जाना।

इख़्तिसाम (اختصام) अ पु–शत्रुता करना, दुश्मन होना।

इख़्तिसार (اختصار) अ पु–सक्षिप्त करना, कम करना, सक्षेप, कमी, बडे मज़्मून को काट-छाँटकर छोटा करना।

इख़्तिसास (اختصاص) अ पु–विशेषता, मुख्यता, खुसूसियत।

इख़्दाम (اخدام) अ पु–सेवा करना, खिद्मत करना।

इख़्फ़ा (اخفا) अ पु–छिपाना, प्रकट न करना।

इख़्फ़ाए जुर्म (اخفائے جرم) अ पु—अपराध करके उसे छिपाना, जुर्म ज़ाहिर न करना।

इख़्फ़ाए राज़ (اخفاے راز) अ फा पु—भेद छिपाना।

इख़्फ़ाए वारिदात (اخفاے واردات) अ पु—दे, 'इख़्फ़ाए जुर्म'।

इख़्फ़ाफ़ (اخفاف) अ पु—दूसरो की दृष्टि मे हलका होना, खफीफ होना।

इख़्बार (اخبار) अ पु—खबर देना, सूचना देना, जासूसी करना, भेद बताना।

इख़्मार (اخمار) अ पु—आग बुझाना।

इख़्राज (اخراج) अ पु—खारिज करना, निकाल देना, बहिष्कार, खर्च, व्यय।

इख़्राजात (اخراجات) अ पु—व्यय, खर्च।

इख़्राब (اخراب) अ पु—वीरान करना, सुनसान करना, निर्जन करना, नष्ट करना, मिटाना, खराव करना।

इख़्लाक़ (اخلاق) अ पु—पुराना करना, पुराना होना, पुरानापन।

इख़्लास (اخلاص) अ पु—निश्छलता, निष्कपटता, खुलूस, सच्चा और निष्कपट प्रेम।

इख़्लासमंद (اخلاص مند) अ फा वि—सच्चा और स्वार्थहीन मित्र, खालिस प्रेमी।

इख़्लासमंदी (اخلاص مندی) अ फा स्त्री—नि स्वार्थ मित्रता, सच्चा प्रेम।

इख़्वान (اخوان) अ पु—'अख' का बहु, भाई-बधु, बधुवर्ग।

इख़्वानुश्शयातीन (اخوان الشیاطین) अ पु—शैतानो के भाई-बधु, खल और धूर्त लोग।

इख़्वानुस्सफ़ा (اخوان الصفا) अ पु—सज्जन लोग, भलेमानस।

इख़्सा (اخصا) अ पु—अडकोष निकालना, खस्सी करना।

इग़ारत (اغارت) अ स्त्री—लूटना, गारत करना, दौडना, भागना, पीछे दौडना, तआकुब करना।

इग़ासत (اغاثت) अ स्त्री—किसी दुखी की फर्याद सुनना, किसी अन्याय का न्याय करना।

इग़्ज़ा (اغزا) अ पु—किसी को लडाई पर उकसाना, किसीको वरगलाना, वहकाना।

इग़्ज़ा (اغضا) अ पु—चश्मपोशी करना, किसी की ग़लती पर नोटिस न लेना, ध्यान न देना।

इग़्ज़ाल (اغزال) अ पु—चर्खा कातना, सूत कातना।

इग़्तिज़ाब (اغتضاب) अ पु—किसी को गुस्से मे लाना, गुस्सा दिलाना।

इग़्तिज़ाल (اغتزال) अ पु—सूत कातना।

इग़्तिफ़ार (اغتفار) अ पु—मोक्ष, मुक्ति, मग्फिरत।

इग़्तिमास (اغتماس) अ पु—डुबकी लगाना, गोता मारना, निमज्जन।

इग़्तियाब (اغتیاب) अ पु—गीबत करना, पीठ पीछे बुराई करना, पिशुनता, चुगुलखोरी।

इग़्तिराब (اغتراب) अ पु—परदेसी होना, मुसाफिर होना, अपने कुल से अलग स्त्री से ब्याह करना।

इग़्तिराफ़ (اغتراف) अ पु—ओक से पानी आदि पीना, चुल्लू बनाना।

इग़्तिशाश (اغتشاش) अ पु—हलचल, आदोलन।

इग़्तिसाब (اغتصاب) अ पु—किसी का माल गायब करना, जबरदस्ती छीन लेना, गस्ब, अपहरण, मोषण।

इग़्तिसाल (اغتسال) अ पु—स्नान करना, नहाना, शुद्ध करना, धोना, स्नान, गुसल।

इग़्ना (اغنا) अ पु—मालदार बनाना, समृद्धिशाली करना, नि स्पृह करना, बेनियाज़ बनाना।

इग़्नान (اغنان) अ पु—मक्खी आदि का भिनभिनाना।

इग़्मा (اغما) अ पु—वेहोश करना, अचेत कर देना, वेहोशी, सज्ञाहीनता।

इग़्माज़ (اغماض) अ पु—किसी का कुसूर देखते हुए टाल जाना, चश्मपोशी करना, दर गुज़र, चश्मपोशी।

इग़्माज़ (اغماز) अ पु—निंदा, तिरस्कार, बेहुर्मती, पिशुनता, चुगली।

इग़्माम (اغمام) अ पु—बादल घिरकर आना, घटा छाना।

इग़्रा (اغرا) अ पु—उत्तेजित करना, भडकाना, उभारना, बहकाना, बरगलाना।

इग़्राक़ (اغراق) अ पु—बात बहुत बढा-चढाकर कहना, अतिशयोक्ति, मुबालगा, ऐसी बात जिसका होना बुद्धि के अनुसार सभव हो, पर कभी हुई न हो, डुबाना, गर्क करना, कमान ज़ोर से खीचना।

इग़्राज़ (اغراض) अ पु—सताना, दु खी करना, उत्पीडित करना।

इग़्राब (اغراب) अ पु—अनोखी चीज़ लाना, नयी बात करना, परदेशी होना, मुसाफिर होना, पानी से मश्क भरना।

इग़्राम (اغرام) अ पु—मार डालना, लालच करना, तावान लेना, हर्जाना वसूल करना।

इग़्ला (اغلا) अ पु—भाव बढाना, मँहगा खरीदना।

इग़्लाक़ (اغلاق) अ पु—दरवाज़ा बद करना, मुश्किल बनाना, कठिन, मुश्किल।

इलात (اغلاط) अ पु –गलती करना, अशुद्धि करना, अशुद्धि, त्रुटि, गलती।

इलाम (اغلام) अ पु –गुदमैथुन करना, गुदमैथुन, पुमैंथुन, बालमैथुन, बच्चःबाज़ी।

इलाल (اغلال) अ पु –अमानत मे खियानत करना, द्वेष रखना, खियानत, द्वेष, कीना।

इवा (اغوا) अ पु –बहकाना, वरगलाना, बहकाकर भगा ले जाना, विशेषत स्त्री को।

इशा (اغشا) अ. पु –पर्दा डालना, आड करना, अधा करना, आँखे फोडना।

इसा (اغسا) अ पु –रात का नियत अँधियारा होना।

इज़ा (ازا) अ पु –आमना-सामना, मुकाबला, समान, बराबर।

इज़ा (اذا) अ अव्य –जब, जिस समय, आकस्मिक, अचानक।

इज़ाअत (اضاعت) अ. स्त्री –नष्ट करना, बरबाद करना, नाश, बरबादी।

इज़ाअत (اضائت) अ स्त्री –चमकाना, रौशन करना, सुशोभित करना, खुशनुमा करना, खुशनुमाई।

इजाज़त (اجازت) अ स्त्री –अनुमति, आज्ञा, परवानगी। आदेश, निर्देश, हुक्म।

इजाज़तनाम: (اجازت نامہ) अ फा पु –आज्ञापत्र, अनुमति-पत्र, इस बात की लिखित आज्ञा कि अमुक व्यक्ति को अमुक काम करने का हक है।

इज़ाफ़: (اضافہ) अ पु –वृद्धि, बढोतरी, उन्नति, तरक्की।

इज़ाफ़त (اضافت) अ स्त्री –सम्बन्ध, निस्बत, फार्सी शब्दो के नीचे ज़ेर की मात्रा, फार्सी मे छठे कारक का चिह्न।

इजाबत (اجابت) अ स्त्री –स्वीकृति, कुबूलियत, शौच, दस्त, पाखाना।

इज़ाबत (اذابت) अ स्त्री –पिघलाना, पिघलाकर नर्म करना, धातु आदि को पिघलाना।

इजाबते दुआ (اجابت دعا) अ स्त्री –ईश्वर से जो प्रार्थना की जाय उसका स्वीकृत होना, दुआ का कबूल होना।

इज़ाम (عظام) अ स्त्री –'अज़्म' का बहु, हड्डियाँ, (पु) बडे लोग, प्रतिष्ठित जन।

इजार: (اجارہ) अ पु –ठेका, एकाधिकार, ज़ोर, हक, सत्त्व।

इजार:दार (اجارہدار) अ फा. वि –ठेकेदार, एकाधिकारी।

इजार दारी (اجارہداری) अ फा स्त्री –ठेकेदारी।

इज़ार (ازار) फा. स्त्री –पाजामा।

इज़ार (عذار) अ पु –गाल, कपोल, रुखसार।

इज़ारबंद (ازاربند) फा पु –कमरबंद, नारा, पाजामा बाँधने का फीता आदि।

इजाल: (عجالہ) अ पु –हर वह चीज़ जो बहुत जल्द लायी गयी हो, शीघ्रता, जल्दी।

इज़ाल (ازالہ) अ पु –निवारण, निराकरण, दफीआ, क्षतिपूर्ति, तलाफी।

इज़ालए मरज़ (ازالۂ مرض) अ पु –रोग-निवारण, बीमारी का चला जाना।

इज़ालए हैसियते उर्फी (ازالۂ حیثیت عرفی) अ पु –मानहानि, हत्के इज़्ज़त।

इज़ालत (ازالت) अ स्त्री –दे 'इज़ाल'।

इजालत (عجالت) अ स्त्री –दे 'इजाल'।

इजालत (اجالت) अ स्त्री –घुमाना, फिराना, चक्कर देना, आग की बनेठी फिराना।

इज़ाहत (ازاحت) अ स्त्री –दूर करना, हटाना।

इज़् (ज़्ज़) (عز) अ स्त्री –इज़्ज़त, सम्मान, सत्कार।

इज़्आज (ازعاج) अ पु –हिलाना, निकालना, उठाना, लालची बनाना, किसी पर पाप लगाना।

इज़्आन (اذعان) अ पु –आज्ञा-पालन, हुक्म मानना।

इज़्आफ़ (اضعاف) अ पु –दूना करना, निर्बल करना।

इज़्कार (اذکار) अ पु –ज़िक्र करना, चर्चा चलाना, किसी के बारे मे बातचीत करना।

इज़्ख़र (اذخر) अ पु –एक ओषधि, सिरकडे की जड।

इज्ज़ (عجز) अ पु –नम्रता, विनीति, आजिजी, असमर्थता, बेबसी, कमजोरी, नाताकती।

इज़्ज़त (عزت) अ स्त्री –सम्मान, आदर, आवभगत, प्रतिष्ठा, मान-मर्यादा, आबरू, सतीत्व, इस्मत, पद, पदवी, दर्जा।

इज़्ज़त तलब (عزت طلب) अ वि –जो हर व्यक्ति से अपनी इज़्ज़त कराना चाहता हो, मानेच्छुक।

इज़्ज़तदार (عزتدار) अ फा वि –प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़, कुलीन, शरीफ, सती, बाइस्मत।

इज्ज़ा (اجزا) अ पु –जिज्या देना, बदला देना (नेकी का), निःस्पृह करना, बेनियाज़ करना।

इज्जास (اجاص) अ पु –आलू बुखारा, एक प्रसिद्ध फल जो दवा के काम आता है।

इज़्लिआब (ازلعاب) अ पु –ऊँट का बहुत ज़ोर से बलबलाना।

इज़्तिजाम (اضطجاع) अ पु –करवट से सोना।

इज्तिना (اجتنا) अ पु –फल बीनना, मेवा चुनना।

इज्तिनाब (اجتناب) अ पु –दूर रहना, घृणा करना; घृणा, उपेक्षा, नफरत।

इज्तिबा (اجتبا) अ पु —छाँटना, चुनना, पवित्र करना; पसद की चीजो मे से सबसे अच्छी चीज को अलग करना।

इज्तिमाअ (اجتماع) अ पु —सम्मेलन,कान्फरेंस, जनसमूह, भीड, चद्र और सूर्य का एक राशि मे होना, जिसमे चाँद दिखाई नही पडता और यह समय अशुभ माना जाता है।

इज्तिमाई (اجتماعی) अ वि —सबका मिला-जुला, सामूहिक।

इज्तिमाए ज़िद्दैन (اجتماع ضدین) अ पु —दो परस्पर विरोधी चीजो का एक जगह जमा हो जाना, यह असभव है, मिथ्या योग।

इज्तिमाए नकीज़ैन (اجتماع نقیضین) अ पु —दे 'इज्तिमाए ज़िद्दैन'।

इज़्तिराब (اضطراب) अ पु —व्याकुलता, बेचैनी, बेताबी, आतुरता, जल्दी, जल्दबाज़ी, व्यग्रता, "यह इज़्तिराबे-शौक तो बुलबुल का देखिए—जी चाहता है गोद मे ले ले बहार को।"

इज़्तिराम (اضطرام) अ पु —लपटे उठना, शोले बलद होना।

इज़्तिरार (اضطرار) अ पु —आतुरता, जल्दी, बे इख़्तियारी।

इज़्तिरारी (اضطراری) अ वि —बेइख़्तियाराना, आतुरता मे।

इज्तिहाद (اجتہاد) अ पु —प्रयत्न करना, कोशिश करना, रास्ता ढूंढना, जहाँ कुरान और हदीस का आदेश साफ न हो वहाँ अपनी राय से उचित रास्ता निकालना।

इज़्दियाद (ازدیاد) अ पु —आधिक्य, बाहुल्य, इफ़रात, ज़ियादती।

इज़्दिराद (ازدراد) अ पु —निगलना, गले के नीचे उतारना।

इज़्दिवाज (ازدواج) अ पु —विवाह, निकाह, पाणिग्रहण।

इज़्दिहाम (ازدحام) अ पु —भीड, जन-समूह, जमाव।

इज़्नाब (اذناب) अ पु —पाप करना, गुनाह करना।

इज्नाब (اجناب) अ पु —स्नान न किये होना, मैथुन के पश्चात् स्नान न करना।

इज़्फ़ार (اظفار) अ पु —विजय प्राप्त करना, जीतना, विजय, फ़तेह।

इज्बार (اجبار) अ पु —किसी से ज़बरदस्ती कोई काम लेना।

इज्माअ (اجماع) अ पु —किसी एक बात पर बहुमत होना।

इज्माए उम्मत (اجماع امت) अ पु —सारी जनता का बहुमत, मुसलमानो का किसी धार्मिक समस्या मे बहुमत।

इज्माम (اجمام) अ पु —घोडे को सवारी के लिए सजाना।

इज़्मार (اضمار) अ पु —किसी वाक्य मे नाम के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग।

इज़्मार क़ब्ल ज़िक्र (اضمار قبل ذکر) अ पु —नाम आने से पहले सर्वनाम लाना, यह दोष है।

इज्माल (اجمال) अ पु —सक्षेप, इख़्तिसार, किसी लबे वृत्तात में से मुख्य-मुख्य बातें लेकर उसे बहुत कम कर देना, बात खोलकर न कहना।

इज्मालन (اجمالاً) अ वि —सक्षिप्त रूप में, मुख़्तसर करके।

इज्माली (اجمالی) अ वि —सक्षेप मे, सक्षिप्त, मुख़्तसर।

इज़्मील (ازمیل) अ पु —चमडा काटने का यत्र, राँपी।

इज़्मीर (ازمیر) तु पु —तुर्किस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, इस्मरना, समरना।

इज़्मेहलाल (اضمحلال) अ पु —शिथिलता, खिन्नता, श्राति, ग्लानि, अफ्सुर्दगी।

इज़्यूत (عزیوط) अ पु —वह व्यक्ति जिसे मैथुन के समय पाखाना हो जाने का रोग हो।

इज्रा (اجرا) अ पु —सचालन, अनुष्ठान, शुरूआत, जारी करना, भेजना।

इज़्राईल (عزرائیل) अ पु —यमराज, धर्मराज, यमदूत, प्राणातक, मौत का फ़िरिश्ता, मलकुलमौत।

इज्राए कार (اجرائے کار) अ फा पु —किसी कार्य का सूत्रपात (आरम्भ), अनुष्ठान, काम की शुरूआत।

इज़्राब (اضراب) अ पु —अवज्ञा करना, हुक्म न मानना, एक स्थान पर ठहरना, सर झुकाना, नर का मादा पर छोडना, तृप्त करना, अघाना, किसी का सदृश न होना, बेमिस्ल होना, अनुपम होना।

इज़्राम (اضرام) अ पु —आग जलाना।

इज़्रार (اضرار) अ पु —हानि पहुँचाना, नुक़सान देना, आघात करना, चोट पहुँचाना।

इज्ल (عجل) अ पु —गाय का बच्चा, बछडा।

इज्लत (عجلت) अ स्त्री —शीघ्रता, जल्दी, आतुरता, जल्दबाज़ी (उजलत)।

इज़्लाक़ (ازلاق) अ पु —फिसलना, फिसलाना।

इज्लाफ़ (اجلاف) अ पु —अत्याचार करनेवाला, ख़ाली घडा, हर वह वस्तु जो भीतर से खाली हो।

इज़्लाम (اظلام) अ पु —अधकारमय होना, तारीक होना।

इज्लाल (اجلال) अ पु —श्रेष्ठता, उत्तमता, बुज़ुर्गी, वैभव, शानो शौकत।

इज़्लाल (ازلال) अ पु —किसी को डगमगाना।

इज़्लाल (اضلال) अ पु —किसी को कुमार्ग पर चलाना, गुमराह करना।

इज़्लाल (اظلال) अ पु —छाया डालना।

इज्लास (اجلاس) अ पु —बिठाना, बैठालना, न्यायालय में

हाकिम के बैठने का स्थान, हिंदी में इजलास प्रचलित, कोर्ट, अदालत।

इज़्हाक़ (اضحاک) अ पु —छलकना, घास जमना; हँसाना, ऐसी बात कहना जिससे हँसी आये।

इज़्हात (عزهات) अ पु —नपुंसक, क्लीव, नामर्द।

इह्साफ़ (احصاف) अ पु —नुकसान करना, कोई वस्तु उड़ा लेना; पास आना, किसी के काम में शरीक होना।

इज़्हाब (اذهاب) अ पु —ले जाना तेज़ करना, रवाँ करना, ऊपर से सोना चढ़ाना, मुलम्मा करना।

इज़्हाम (احصام) अ. पु —रोकना, मना करना, मरने के करीब होना, मृतप्राय होना।

इज़्हार (اظہار) अ पु —प्रकट होना या करना, न्यायालय में वादी-प्रतिवादी या साक्षी आदि का बयान।

इज़्हार (ازهار) अ पु —दीपक जलाना, चिराग रौशन करना।

इज्हार (اجهار) अ पु —ज़ोर से बोलना, व्यक्त करना, ज़ाहिर करना।

इज़्हाल (ازهال) अ पु —ग़ाफ़िल होना, सतर्क न होना, बेखबर होना।

इताअत (اطاعت) अ स्त्री —आज्ञा-पालन, फर्माबरदारी, सेवा, खिदमत।

इताअत गुज़ार (اطاعت گزار) अ फा वि —आज्ञाकारी, फर्माबरदार।

इताअतमंद (اطاعت مند) अ फा वि —दे 'इताअत गुज़ार'।

इताअत शिआर (اطاعت شعار) अ वि —दे 'इताअत गुज़ार'।

इताद (عتاد) अ पु —सामान, उपकरण, तैयारी।

इताब (عتاب) अ पु —कोप, क्रोध, गुस्सा, प्रकोप, ग़ज़ब, "जाने क्या लिख गया था उन्हें मैं इताब में, क़ासिद की लाश आयी है ख़त के जवाब में।"

इताबत (اطابت) अ स्त्री —सुगंधित करना, शौच में पानी लेना, शरीर को पवित्र करना, खुश करना, प्रसन्न करना।

इताबनामः (عتاب نامه) अ फा पु —वह पत्र जिसमें क्रोध प्रकट किया गया हो, कोप-पत्र।

इतारत (اطارت) अ स्त्री —चिड़िया आदि को उड़ाना।

इतार (اطار) अ पु —दे 'इतारत'।

इतालत (اطالت) अ स्त्री —लंबा करना, तवील करना।

इतालत (عطالت) अ स्त्री —निठल्लापन, बेकारी।

इताहत (اطاحت) अ स्त्री —मार डालना, हलाक करना, डालना, भीतर करना।

इत्आम (اطعام) अ पु —खाना खिलाना, भोजन देना।

इत्तिआद (اتعاد) अ पु —वचन देना, वादा करना।

इत्तिआब (اتعاب) अ पु —दुख में डालना, मुसीबत में फाँसना।

इत्तिक़ा (اتقا) अ पु —संयम, इंद्रिय-निग्रह, पारसाई।

इत्तिका (اتکا) अ पुं.—भरोसा करना, सहारा ढूँढ़ना, भरोसा, सहारा।

इत्तिक़ान (اتقان) अ पु —दृढ़ता करना, मज़बूती करना।

इत्तिकार (اتکار) अ पु —घोंसला बनाना।

इत्तिकाल (اتکال) अ पु —भरोसा करना, सहारा पकड़ना।

इत्तिख़ाज़ (اتخاذ) अ पु —ग्रहण करना, लेना।

इत्तिजार (اتجار) अ पु —व्यवसाय करना, व्यापार करना, तिजारती कारोबार करना।

इत्तिज़ाह (اتضاح) अ पु —प्रकाशित होना, रौशन होना।

इत्तिफ़ाक़ (اتفاق) अ पु —संयोग, दैवयोग, अचानकपन, मैत्री, दोस्ती, एकता, इत्तिहाद, सहमति, राय का एक होना।

इत्तिफ़ाक़न (اتفاقاً) अ वि —सहसा, अचानक, अकस्मात् यदृच्छया, दववशात्, अचानक।

इत्तिफ़ाक़ात (اتفاقات) अ पु —आकस्मिक होनेवाली घटनाएँ।

इत्तिफ़ाक़िय. (اتفاقیه) अ वि —दे 'इत्तिफ़ाक़न'।

इत्तिफ़ाक़ी (اتفاقی) अ वि —आकस्मिक, नागहानी, संयुक्त, मिला-जुला, मुत्तहिदा।

इत्तिबाअ (اتباع) अ पु —अनुकरण, पैरवी, धर्म या पंथ का अनुसरण, मतानुगमन।

इत्तिलाअ (اطلاع) अ स्त्री —सूचना खबर, इत्तिला, इत्तला।

इत्तिलाअन (اطلاعاً) अ वि —इत्तिलाअ के लिए, सूचनार्थ।

इत्तिलाअनामः (اطلاع نامه) अ फा पु —वह पर्चा जिसमें इत्तिलाअ दर्ज हो, सूचनापत्र।

इत्तिलाई (اطلاعی) अ वि —सूचना से संबद्ध।

इत्तिसाअ (اتساع) अ पु —चौड़ा होना, विस्तृत होना, आँख का एक रोग।

इत्तिसाक़ (اتساق) अ पु —क्रमबद्ध करना, तर्तीब देना, इकट्ठा होना, एकत्र होना, ठीक होना।

इत्तिसाख़ (اتساخ) अ पु —मैला होना, दूषित होना।

इत्तिसाफ़ (اتصاف) अ पु —प्रशंसा करना, तारीफ़ करना, किसी विशेष गुण का अधिकारी समझा जाना।

इत्तिसाम (اتسام) अ पु —चिह्न लगाना, निशान करना, अंकित करना, [illegible] करना।

इत्तिसाल (اتصال) अ पु —मिलना, एक साथ होना, बराबर होना, लगातार होना, मेल-मिलाप, निरन्तरता [illegible]।

इत्तिहाद (اتحاد) अ पु—एकत्व, एकता, मेल-मिलाप, मैत्री, दोस्ती।

इत्तिहादी (اتحادی) अ वि—परस्पर एकता और मैत्री रखनेवाले, वह राज्य जो परस्पर मित्र हो।

इत्तिहाफ़ (اتحاف) अ पु—भेंट देना, तोहफ़ा देना, उपहार, भेंट, पुरस्कार, तोहफ़ा।

इत्तिहाब (اتہاب) अ पु—किसी के नाम हिबा करना, बख़्शना, बख़्शिश स्वीकार करना।

इत्तिहाम (اتہام) अ पु—आरोप लगाना, इल्ज़ाम देना, आरोप, लाछन, दोष, तोहमत।

इत्नाब (اطناب) अ पु—लंबा करना, बढाना, बात लंबी-चौडी करना।

इत्फ़ा (اطفا) अ पु—आग बुझाना, चिराग़ गुल करना।

इत्फ़ाल (اطفال) अ पु—छोटा बच्चा होना, शिशु होना।

इत्बाअ (اتباع) अ पु—अनुयायी होना, पैरो होना।

इत्बाक़ (اطباق) अ पु—दरवाज़ा भेडना, किवाड बंद करना।

इत्बाख़ (اطباخ) अ पु—खाना पकाना, बावरचीगरी करना।

इत्बाल (اتبال) अ पु—शत्रुता रखना, दुश्मनी रखना, द्वेष, वैर, शत्रुता, अदावत, मित्रता भग करना।

इत्माअ (اطماع) अ पु—किसी को लालच में डालना, प्रलोभन देना।

इत्माम (اتمام) अ पु—समाप्त करना, ख़त्म करना, समाप्ति, पूर्ति।

इत्मामे हुज्जत (اتمام حجت) अ पु—किसी को आख़िरी तौर पर बुराई-भलाई समझा देना, ताकि फिर अगर वह काम करे तो उसकी जिम्मेदारी दूसरे पर न हो।

इत्मीनान (اطمینان) अ पु—तुष्टि, संतुष्टि, सब्र, विश्वास, प्रत्यय, यक़ीन, सात्वना, तसल्ली।

इत्मीनानी (اطمینانی) अ वि—इत्मीनानवाला व्यक्ति, निश्चिन्त, इत्मीनानवाली बात।

इत्यान (اتیان) अ पु—प्रवेश करना, भीतर जाना, प्रवेश, दाख़िला।

इत्र (عطر) अ पु—सुगंध, सुगंध, पुष्पसार, फूलों का इत्र।

इत्र आगीं (عطر آگیں) अ फा वि—इत्र मे बसा हुआ।

इत्रत (عترت) अ स्त्री—सतान, औलाद, स्वजन, अजीज।

इत्रदान (عطردان) अ फा पु—इत्र रखने की डिबिया।

इत्रबेज़ (عطربیز) अ फा वि—इत्र की महक फैलानेवाला, सुगंध फैलानेवाला।

इत्रा (اطرا) अ पु—किसी की प्रशसा बढा-चढाकर करना।

इत्राद (اطراد) अ पु—अविरत बहना, नाश करना।

इत्राब (اتراب) अ पु—मट्टी में मिलाना, मट्टी से भर जाना, मालदार होना।

इत्रास (اتراص) अ पु—दृढ करना, मजबूत बनाना, बराबर करना।

इत्राह (اطراح) अ पु—नीव रखना, बुनियाद डालना, डालना।

इत्रीफ़ (عطریف) अ पु—शूर, वीर, बहादुर, महारथी, सफ़ शिक।

इत्रीफ़ल (اطریفل) अ पु—एक यूनानी अवलेह जिसमें हड, बहेडा, आँवला होता है, 'त्रिफला' का मुअर्रब।

इत्रीय (اطریہ) अ पु—सिवैयाँ।

इत्रीयत (عطریت) अ स्त्री—सुगध, ख़ुशबू, इत्रपन।

इत्लाक़ (اطلاق) अ पु—बधनमुक्त करना, खोलना, कहना, जारी करना, दस्त आना, चरितार्थ होना, मुताबिक होना।

इत्लाफ़ (اتلاف) अ पु—नष्ट होना, बरबाद होना, हत होना, मारा जाना।

इत्लाफ़े जाँ (اتلاف جاں) अ फा पु—प्राणो का नाश, प्राणियों का घात।

इत्वाल (اطوال) अ पु—लंबा करना, बढाना।

इत्हार (اطہار) अ पु—पवित्र करना, पाक करना।

इदाम (ادام) अ पु—सालन, जिससे रोटी खायी जाती है, व्यंजन।

इदामत (ادامت) अ स्त्री—नित्यता, शाश्वतता, हमेशगी।

इदारः (ادارہ) अ पु—सस्था, सभा, अजुमन, कार्यालय, दफ़्तर, विभाग, महकमा।

इदारए निज़ामी (ادارۂ نظامی) अ पु—सैन्य विभाग, फौजी महकमा।

इदारत (ادارت) अ स्त्री—सपादन, एडीटरी।

इदारिय (اداریہ) अ पु—सपादकीय लेख, एडीटोरियल।

इद्क़ाक़ (ادقاق) अ पु—बारीक करना, कूटकर चूर्ण करना।

इद्खान (ادخان) अ पु—अलग होना, पृथक् होना।

इद्ख़ाल (ادخال) अ पु—प्रवेश करना, दाख़िल करना, अंदर ले जाना, रुपया आदि जमा करना।

इद्ग़ाम (ادغام) अ पु—किसी चीज़ को बे चबाये खाना, घोडे के मुँह मे लगाम देना, किसी अक्षर का दूसरे अक्षर मे मिलकर एक होना, आदेश।

इद्जान (ادجان) अ पु—ज़ोर की वर्षा होना, मह्‌ की झडी लगना।

इद्दत (عدت) अ स्त्री—गणना, गिनती, मुसलमानों में पति के मरने या तलाक़ देने के बाद का वह समय जिसमें स्त्री

पुनर्विवाह नही कर सकती, वह समय सौ दिन का होता है।

इद्दिआ (ادعا) अ पु –दावा करना, इच्छा करना, दावा।

इद्दिआम (ادعام) अ पु –तकिया लगाना, सहारा लेना।

इद्दिकार (ادکار) अ पु –याद करना, नसीहत पकडना।

इद्दिख़ार (ادخار) अ पु –जमा करना, जखीरा करना।

इद्दिलाज (ادلاج) अ पु –रात्रि का पिछला भाग वीतना।

इद्दिहान (ادهان) अ पु –तेल चुपडना।

इद्‌नाफ (ادناف) अ पु –सूरज (सूर्य) का अस्त होने के करीब होना।

इद्‌वाज (ادواج) अ पु –किसी वस्तु को लपेटना।

इद्‌बार (ادبار) अ पु –दरिद्रता, निर्धनता, कगाली, तवाही, दुर्दशा।

इद्‌मान (ادمان) अ पु –लोहूलुहान होना, खून मे तर होना।

इद्राक (ادراک) अ पु –अगोचर वस्तुओ का अनुभव, गैर-महसूस चीजो की दर्याफ्त, ज्ञान, वोध, समझ-वूझ।

इद्राज (ادراج) अ पु –परस्पर लिपटना।

इद्रार (ادرار) अ पु –जारी होना, तेज़ वर्षा होना, वृत्ति, वजीफा, वार-वार पेशाव करना, वार-वार पुरस्कार और वखशिश देना।

इद्‌लाज (ادلاج) अ पु –रात मे सैर करना, रात की सैर, रात्रि का पहला भाग वीतना।

इद्‌हान (ادهان) अ पु –खियानत करना, खियानत, फूट डालना।

इद्‌हाम (ادهام) अ पु –काला होना, सियाह होना।

इनब (عنب) अ पु –अगूर, द्राक्षा।

इनबीये. (عنبیہ) अ पु –आँख का एक पर्दा।

इनबुस्सा'लब (عنب الثعلب) अ पु –मकोय, एक प्रसिद्ध वनौषधि।

इनाँ (عناں) फा स्त्री –'इनान' का लघु, दे 'इनान', लगाम, वागडोर, अश्वपरिचालक सूत्र।

इनाँ गर्दिश (عناں گردش) फा स्त्री –घोडे का कावा।

इनाँगीर (عناں گیر) फा वि –लगाम पकडकर सवार को रोक लेनेवाला, आगे वढने न देनेवाला, चलते हुए काम मे वाधा डालनेवाला, वाधक, मुजाहिम, निरोधक।

इनाँ गुसिस्त. (عناں گسستہ) फा वि –जिस घोडे की लगाम टूट गयी हो और वह इधर-उधर मारा-मारा फिर रहा हो, स्वच्छद, निरकुश, मुत्लकुल इनाँ।

इनाँ ताव (عناں تاب) फा वि –वह सधा हुआ घोडा जो लगाम के इशारे पर चले।

इना (انا) अ पु –वरतन, जर्फ़।

इनाअत (اناءت) अ स्त्री —विलब, देर, ढील, सुस्ती, आहिस्तगी, धीमापन।

इनाद (عناد) अ पु –शत्रुता, वैर, दुश्मनी, द्वेष, कीना।

इनान (عنان) अ स्त्री –घोडे की लगाम, कविका।

इनाने हुकूमत (عنان حکومت) अ स्त्री –हुकूमत की वागडोर, शासनसूत्र, शासन-तत्र।

इनावत (انابت) अ स्त्री –ईश्वर की ओर फिरना, बुरे कामो से अलग हो जाना, तौबा करना।

इनायत (عنایت) अ स्त्री –कृपा, दया, अनुकपा, मेह्‌रवानी, इरादा करना, दुख उठाना किसी के लिए।

इनायतनाम (عنایت نامہ) अ फा पु –कृपापत्र, किसी दोस्त या बडे आदमी के पत्र के लिए बोलते हैं।

इनारत (انارت) अ स्त्री –आग जलाना, जलाना, प्रकाशित करना।

इनास (اناث) अ स्त्री –'उसा' का वहु, स्त्रियाँ, महिलाएँ, औरते।

इन्आम (انعام) अ पु –पुरस्कार, वख्शिश, किसी काम के लिए उजरत के अलावा रुपया।

इन्इकाद (انعقاد) अ पु –आयोजन, सभा आदि की व्यवस्था, होना, मुन्अकिद होना, आयोजित होना।

इन्इकास (انعکاس) अ पु –परछाई पडना, प्रतिविंबित होना, अक्स, प्रतिविंव।

इन्इताफ (انعطاف) अ पु –लौटना, फिरना, प्रवृत्त होना, रुजू होना, झुकना।

इन्इदाम (انعدام) अ पु –नष्ट होना, ध्वस्त होना, मिट जाना।

इन्का (انقا) अ पु –चुनना, वीनना।

इन्काज (انقاذ) अ पु –छुडाना, मुक्त कराना।

इन्कार (انکار) अ पु –अस्वीकृति, न मानना, नामजूरी।

इनकास (انکاس) अ पु –औधा करना, उलटा करना, खोलना।

इन्कास (انقاص) अ पु –कम करना, घटाना, नाकिस करना, अपूर्ण कर देना।

इन्किज़ा (انقضا) अ पु –समय पूरा हो जाना, नियत समय का वीत जाना।

इन्क़िज़ाज़ (انقضاض) अ पु –ऊपर गिर पडना।

इन्किताअ (انقطاع) अ पु –कटना, विच्छिन्न होना, अलग-अलग होना।

इन्किबाज़ (انقباض) अ पु –सिकुडना, मिचना, चित्त का मलिन और उदासीन होना, खिन्नता, अफ़सुर्दगी।

इन्किबाब (انکباب) अ पु –मुँह के बल गिरना, ओपधियों की घूनी लेना।
इन्क़िमाअ (انقماع) अ पु –अपमानित और तिरस्कृत होना, ज़लीलो ख्वार होना।
इन्क़ियाद (انقیاد) अ पु –वशीभूत होना, अधीन होना, तावे' होना।
इन्क़िराज़ (انقراض) अ पु –कटना, टुकडे होना, समय का खत्म होना, मुद्दत पूरी होना।
इन्क़िलाअ (انقلاع) अ पु –उखडा हुआ होना, उखडना।
इन्क़िलाब (انقلاب) अ पु –उलट-पलट, परिवर्तन, कालचक्र, समय का उलट-फेर, राज्य-परिवर्तन, क्रान्ति, शासन की तब्दीली।
इन्क़िलाबात (انقلابات) अ पु –लगातार इन्क़िलाब।
इन्क़िलाबी (انقلابی) अ वि –इन्क़िलाब लानेवाला, वह व्यक्ति जो किसी बडे इन्क़िलाब लाने की साजिश में शरीक हो।
इन्क़िशाअ (انقشاع) अ पु –बादल खुल जाना, अब्र छट जाना।
इन्किशाफ (انکشاف) अ पु –प्रकट होना, जाहिर होना, खुलना, पता चलना, गवेषणा, तहकीक।
इन्किसाफ (انکساف) अ पु –सूरज को ग्रहण लगना, सूर्यग्रहण होना।
इन्क़िसाम (انقسام) अ पु –बँटना, विभक्त होना, तक्सीम होना, तक्सीम, विभाजन, बँटवारा।
इन्क़िसाम (انقصام) अ पु –टूटकर टुकडे-टुकडे होना।
इन्किसार (انکسار) अ पु –टूटना, टुकडे होना, नम्रता, विनय, खाकसारी।
इन्ख़िज़ाअ (انخزاع) अ पु –कटना, विच्छिन्न होना।
इन्ख़िदाअ (انخداع) अ पु –धोखा खाना, फरेब मे आ जाना।
इन्ख़िफाज़ (انخفاض) अ पु –किसी शब्द के नीचे 'ज़ेर' होना, नीचे गिर पडना।
इन्ख़िफाफ (انخفاف) अ पु –सकुचित होना, लज्जित होना, लज्जा, सकोच, खिफ्फत।
इन्ख़िराक़ (انخراق) अ पु –फटना, तडकना।
इन्ख़िरात (انخراط) अ पु –आदमियो मे जाना, किसी चीज़ में घुसना, सुई मे डोरा डालना, डोरे मे पिरोया जाना।
इन्ख़िराम (انخرام) अ पु –छीजना, कम हो जाना।
इन्ख़िलाअ (انخلاع) अ पु –नष्ट होना, बरबाद होना, बँधी हुई हवा का उखडना।
इन्ख़िलाक़ (انخلاق) अ पु –बँधना, बाँधा जाना।
इन्ख़िलाल (انحلال) अ पु –नष्ट होना, तबाह होना, नाश, तबाही।
इन्ग़िमाम (انغمام) अ पु –दुःखित होना, खेद मे होना, गमगीन होना।
इन्ग़िमास (انغماس) अ पु –डुबकी मारना, गोता लगाना, निमज्जन।
इन्ग़िरास (انغراس) अ पु –वृक्ष लगाना, पेड लगाना।
इन्नीन (عنّین) अ वि –क्लीब, नपुसक, नामर्द।
इन्फह' (انفحہ) अ पु –पनीर माय, दे 'पनीर माय'।
इन्फ़ाक़ (انفاق) अ पु –व्यय करना, खर्च करना, जीविका देना, रोज़ी देना।
इन्फ़ाज़ (انفاذ) अ पु –जारी करना, भेजना, प्रेषण, रवाना करना, तलवार मारना।
इन्फ़ाल (انفال) अ पु –लडाई में लूट का माल बाँधना।
इन्फ़िआल (انفعال) अ पु –लज्जित होना, शर्मिदा होना, किसी असर से प्रभावित होना, लज्जा, सकोच, शर्म।
इन्फ़िकाक (انفکاک) अ पु –मुक्त होना, अदा होना, छूटना, अलग-अलग होना।
इन्फ़िजार (انفجار) अ पु –रिसना, टपकना, निकलना, प्रकट होना, पीप बहना।
इन्फ़िताक़ (انفتاق) अ पु –बादल छट जाना, फट जाना।
इन्फ़ितार (انفطار) अ पु –टुकडे-टुकडे होना, उत्पन्न करना, पैदा करना।
इन्फ़िताह (انفتاح) अ पु –खुलना, विस्तृत होना, कुशादा होना।
इन्फ़िराक़ (انفراق) अ पु –फटना, शिगाफ्त होना।
इन्फ़िराद (انفراد) अ पु –अकेला होना, तनहा होना।
इन्फ़िरादी (انفرادی) अ वि –एक आदमी का, व्यक्तिगत, वैयक्तिक, शख्सी।
इन्फ़िरादीयत (انفرادیت) अ स्त्री –अकेलापन, बेमिस्ली।
इन्फ़िलाक़ (انفلاق) अ पु –फटना, फट जाना।
इन्फ़िसाम (انفصام) अ पु –टूट जाना।
इन्फ़िसाल (انفصال) अ पु –वाद का निर्णय होना, फ़ैसला होना, निर्णय, फ़ैसला।
इन्मास (انماس) अ पु –शिकारी का शिकार के लिए आड मे छिपना, छिपना, लुप्त होना।
इन्मिलाक (انملاق) अ पु –मित्रता, दोस्ती, चापलूसी, चाटुकारिता, अनुकपा, दया, मुक्ति पाना, छुटकारा, बराबर होना, एक-सा होना।
इन्हा (انحا) अ पु –जारी करना, फिराना।
इन्हा (انہا) अ पु –खबर पहुँचाना, सूचना देना।

इन्हाब (انہاب) अ पु –लूटना, गारत करना।
इन्हिज़ाज़ (انہضاض) अ पु –टूटना, शिकस्त होना।
इन्हिज़ाम (انہضام) अ पु –पचना, हजम होना।
इन्हिज़ाम (انہزام) अ पु –पराजय होना, हारना, पराजय, शिकस्त।
इन्हितात (انحطاط) अ पु –ह्रास होना, घटना, कमी, ह्रास।
इन्हितात (انحتات) अ पु –पतझड, खिज़ाँ।
इन्हितास (انحطام) अ पु –शिकस्त होना, टूटना।
इन्हिदाब (انحداب) अ पु –कुबडा होना, कुब्ज, कूबड।
इन्हिदाम (انہدام) अ पु –मकान आदि का ध्वस्त होना, गिरना, बरबाद होना, वीरान होना, ध्वस, बरबादी।
इन्हिना (انحنا) अ पु –टेढा होना, झुकना, टेढ, झुकाव, कुब्जपन, कुबडापन।
इन्हिमाक (انہماک) अ पु –तन्मयता, सलग्नता, तल्लीनता, तनदिही, किसी कार्य मे दत्तचित्त होना।
इन्हिमाम (انہمام) अ पु –गलना, घुलना, पिघलना।
इन्हिराफ़ (انحراف) अ पु –एक ओर को फिर जाना, किसी की ओर से फिर जाना, अवज्ञाकारी हो जाना, अवहेलना, अनाज्ञा, अवज्ञा, नाफर्मानी।
इन्हिलाल (انحلال) अ पु –विस्तृत होना, नष्ट होना, नापैद होना, तुच्छ होना, नाचीज होना।
इन्हिल्लाल (انہلال) अ पु –बहुत अधिक वर्षा होना, मूसलाधार पानी बरसना।
इन्हिसार (انحصار) अ पु –निर्भर होना, आश्रित होना, मुनहसिर होना, निर्भरता, दारोमदार।
इन्हिसार (انحسار) अ पु –बाल झड जाना।
इफाक़ (افاقہ) अ पु –रोग का स्वास्थ्य की ओर परिवर्तन, आरोग्य-लाभ, फिर से होश मे आना, सँभाल लेना, आरोग्योन्मुखना।
इफाकत (افاقت) अ स्त्री –दे 'इफाक़'।
इफाज (افاطہ) अ पु –मार डालना, हलाक करना।
इफाज़ (افاضہ) अ पु –यश पहुँचाना, फेज पहुँचाना, बहुत अधिक दान करना।
इफाज़त (افاضت) अ पु –दे 'इफाज़'।
इफाद (افادہ) अ पु –लाभ पहुँचाना (विद्या आदि का, धन का नही)।
इफादत (افادت) अ स्त्री –दे 'इफाद'।
इफादी (افادی) अ वि –ऐसी चीज़ जिसमे ज्ञान की वृद्धि हो।
इफादीयत (افادیت) अ स्त्री –लाभकारिता, उपादेयता, फाइदामदी।

इफ़्क (افک) अ पु –झूठ, मृषा, मिथ्या, असत्य, आरोप, लाछन, बोहतान, झूठा इल्ज़ाम।
इफ़्क़ार (افقار) अ पु –बिना दाना-पानी के होना, फ़ाक़े से होना, निर्जल व्रत रहना।
इफ़्ज़ाअ (افزاع) अ पु –डराना, भय-प्रदर्शन, ख़ौफ दिलाना।
इफ़्ज़ाल (افضال) अ पु –कृपा, दया, अनुकपा, करम, बढाना, वृद्धि करना।
इफ़्ज़ाह (افضاح) अ पु –निन्दा करना, बदनाम करना; भर्त्सना करना, फजीहत करना।
इफ़्ता (افتا) अ पु –'फत्वा' देना, यह बताना कि धर्म के अनुसार अमुक काम कैसा है।
इफ़्तार (افطار) अ पु –रोज़ा खोलना, रोज़ा खोलने के लिए कुछ खाना या पीना।
इफ़्तारी (افطاری) अ स्त्री –रोज़ा खोलने की खाद्य सामग्री।
इफ़्तिआल (افتعال) अ पु –आरोप, मिथ्या लाछन, बोहतान।
इफ़्तिकाक (افتکاک) अ पु –पृथक् होना, अलग होना, जुदा होना, पृथक्ता, अलाहिदगी।
इफ़्तिक़ाद (افتقاد) अ पु –अनुकपा करना, मेहरबानी करना, अनुपस्थित करना, खो देना, खोजना, तलाश करना, खोई हुई वस्तु को ढूँढना, अन्वेषण।
इफ़्तिक़ार (افتقار) अ पु –दरिद्रता, कगाली, फकीरी, साधुता, विनीति, आजिज़ी, तिरस्कृति, ख्वारी।
इफ़्तिख़ार (افتخار) अ पु –गर्व, गौरव, मान, फ़ख्र।
इफ़्तिज़ाह (افتضاح) अ पु –फजीहत करना, निन्दा करना, भर्त्सना करना, निन्दा, भर्त्सना, रुसूवाई।
इफ़्तितान (افتتان) अ पु –झगड़ा खडा करना, बवडर बनाना, झगड़े मे डाल देना।
इफ़्तिताश (افتتاش) अ पु –तफ़्तीश करना, जाँच-पड़ताल करना, खोज लगाना।
इफ़्तिताह (افتتاح) अ पु –उद्घाटन, अनुष्ठान, शुरूआत; खोलना, खुलना, प्रारम्भ करना।
इफ़्तिताहीय (افتتاحیہ) अ पु –सपादकीय लेख, अग्र लेख, एडीटोरियल।
इफ़्तिदा (افتدا) अ पु –प्राणो के बदले माल देना, किसी के प्राण ले लेने पर उसके वारिसो को धन देकर राज़ी कर लेना।
इफ़्तिरा (افترا) अ पु –आरोप, लाछन, तोहमत।
इफ़्तिराक़ (افتراق) अ पु –परस्पर एक दूसरे को अलग-अलग कर देना फूट डालना, फूट, वैमनस्य।
इफ़्तिरा पर्दाज़ (افترا پرداز) अ फा वि –झूठा आरोप लगाने-

वाला, झूठा आरोप लगाकर झगडा खडा कर देनेवाला।

इफ़्तिरार (افترار) अ पु –दाँत निकालना, दाँत चमकाना।

इफ्तिराश (افتراش) अ पु –निन्दा करना, बदगोई करना, खोज लेना, टोह लगाना।

इफ्तिरास (افتراس) अ पु –किसी चिह्न से किसी वस्तु को पहचानना, घोडे पर चढना, गर्दन तोडना, मार डालना।

इफ्तिराह (افتراح) अ पु –हर्षित होना, खुश होना, खुशी मनाना।

इफ़ना (افنا) अ पु –नाश करना, नष्ट करना, फना करना।

इफ्नान (افنان) अ पु –थोडा-थोडा लाना।

इफ्फत (عفت) अ स्त्री –सतीत्व, पातिव्रत्य, इस्मत, अस्मत।

इफ्फतमआब (عفت مآب) अ वि –सती, पतिव्रता, बाइस्मत।

इफ्रंज (افرنج) अ पु –फ़िरंगिस्तान, यूरोप, इंग्लिस्तान।

इफ्रंजी (افرنجی) अ. वि –अंग्रेज, यूरोपियन।

इफ्रात (افراط) अ स्त्री –प्राचुर्य, बाहुल्य, बहुतात कस्रत।

इफ्राती तफ्रीत (افراط وتفریط) अ स्त्री –आधिक्य एव न्यूनता, कमोबेश, थोडा-बहुत, तारतम्य, न्यूनाधिक।

इफ्राश (افراش) अ पु –अधिकता और न्यूनता, जियादती और कमी।

इफ़्राह (افراح) अ पु –हर्षित करना, प्रसन्न करना, खुश करना।

इफ्रीत (عفریت) अ पु –राक्षस, देव।

इफ्लाज (افلاج) अ पु –किसी अग का सुन्न हो जाना, फालिज गिरना।

इफ्लास (افلاس) अ पु –धनहीनता, कगाली, मुफ़लिसी।

इफ्लासजद (افلاس زدہ) अ फा वि –दरिद्र, निर्धन, मुफलिस, दरिद्रता से पीडित, निर्धनता से दुखी।

इफ्लासजदगी (افلاس زدگی) अ फा स्त्री –दरिद्रता, निर्धनता, मुफलिसी।

इफ्लाह (افلاح) अ पु –हित करना, भलाई करना, समृद्धि, खुशहाली, मुक्ति, मोक्ष।

इफ्शा (افشا) अ पु –प्रकट करना, जाहिर करना।

इफ्शाएराज (افشاے راز) अ फा पु –रहस्य का प्रकट हो जाना, भेद खुल जाना।

इफ्साद (افساد) अ पु –उपद्रव करना, फसाद करना, नष्ट करना, तबाह करना।

इफ्हाम (افہام) अ पु –समझाना, अच्छी तरह बताना, बोध कराना।

इफ्हाम (افحام) अ पु –किसी को वाद-विवाद में तर्क द्वारा चुप कर देना।

इफ्हामो तफ्हीम (افہام وتفہیم) अ पु –स्वय समझना और दूसरे को समझाना, विचार-विनिमय, समझौते की बातचीत।

इफ्हाश (افحاش) अ पु –अश्लील बाते बकना, फ़ुहश बकना, अवाच्यवाद।

इबा (ابا) अ स्त्री –अस्वीकृति, इन्कार, घृणा, नफरत, घिन।

इबाद (عباد) अ पु –'अब्द' का बहु, सेवकगण, दास लोग, गुलाम।

इबादत (عبادت) अ स्त्री –उपासना, आराधना, पूजा, बदगी, तप, तपस्या।

इबादतखान (عبادت خانہ) अ फा पु –इबादत करने का स्थान, उपासना गृह, मसजिद, मदिर, गिर्जा आदि।

इबादतगाह (عبادت گاہ) अ फा स्त्री –दे 'इबादतखान'।

इबादतगुजार (عبادت گزار) अ फा वि –बहुत अधिक इबादत करनेवाला, तपस्वी, तप शील।

इबारत (عبارت) अ स्त्री –अक्षर-विन्यास, पदावली, इबारत, श्रुत लेख, अनुलेख, इम्ला, लेख, तहरीर।

इबारत आराई (عبارت آرائی) अ फा स्त्री –शब्दाडबर, इबारत मे बना-बनाकर शब्द लाना, लेख को अलकारादि से सुसज्जित करना, इबारत को पुरतकल्लुफ बनाना, लेख लिखना।

इबाहत (اباحت) अ स्त्री –किसी खान-पान अथवा कार्य का धर्म के अनुसार विहित होना, मुबाह होना।

इबिल (ابل) अ पु –ऊँट, उष्ट्र, यह शब्द बहुवचन है, इसका एकवचन नही है।

इब्आद (ابعاد) अ पु –दूर करना, हटाना, दूर फेंकना।

इब्का (ابقا) अ पु –बाकी रखना, बचा लेना।

इब्का (ابکا) अ पु –रुलाना, रुदित करना।

इब्कार (ابکار) अ पु –प्रात काल, प्रभात, सबेरा, सुबह।

इब्त (ابط) अ स्त्री –बगल, कक्ष।

इब्ता (ابطا) अ पु –देर करना, विलम्ब करना, ढील डालना।

इब्ताल (ابطال) अ पु –झुठलाना, गलत ठहराना, खडन करना, तर्दीद करना, खडन, तर्दीद।

इब्तिआद (ابتعاد) अ पु –दूर होना, पक्ष से हटना।

इब्तिकार (ابتکار) अ पु –नया करना, नवीन करना।

इब्तिगा (ابتغا) अ पु –इच्छा करना, चाहना, चाह, इच्छा, ख़ाहिश।

इब्तिजाल (ابتذال) अ पु –अपव्यय, फुजूलखर्ची, अश्लीलता, फूहडपन, फक्कडपन।

इब्तिदा (ابتدا) अ स्त्री –प्रारम्भ, आरम्भ, शुरुआत, आदिकाल, इब्तिदाए जमाना।

इब्तिदाअन् (ابتداءً) अ वि —आरम्भ मे, पहले-पहल, शुरू-शुरू मे ।
इब्तिदाई (ابتدائی) अ वि —प्रारम्भिक, प्राथमिक, आदिम, शुरू का, पहला ।
इब्तिला (ابتلا) अ पु —परीक्षा, आजमाइश, दुख मे डालना, दुख, कष्ट, मुसीबत ।
इब्तिलाअ (ابتلاع) अ पु —निगलना, हलक मे उतारना ।
इब्तिलाल (ابتلال) अ पु —भीगना, तर होना ।
इब्तिसाम (ابتسام) अ पु —खिलना, प्रफुल्ल होना, हँसना, मुस्कराना ।
इब्तिहाज (ابتهاج) अ पु —आनन्द, हर्ष, प्रसन्नता, खुशी ।
इब्तिहाल (ابتهال) अ पु —रोना-धोना, रोना, गिडगिडाना ।
इब्दा (ابدا) अ पु —प्रकट करना, जाहिर करना, उत्पन्न करना, पैदा करना ।
इब्दाअ (ابداع) अ पु —ऐसी वस्तु बनाना जो बिलकुल नयी और अनोखी हो, आविष्कार करना ।
इब्दाल (ابدال) अ पु —बदलना, एक अक्षर को दूसरे अक्षर से बदलना ।
इब्न (ابن) अ पु —पुत्र, बेटा ।
इब्न (ابنه) अ स्त्री —पुत्री, बेटी ।
इब्ना (ابنا) अ पु —नीव डालना, बनाना ।
इब्नुल अख़ (ابن الاخ) अ पु —भतीजा, भाई का लडका ।
इब्नुल इर्स (ابن العرس) अ पु —नेवला, एक जगली जन्तु ।
इब्नुल उख़्त (ابن الاخت) अ पु —भानजा, बहन का लडका ।
इब्नुल ग़ैब (ابن الغیب) अ पु —वह लडका जिसके पिता का पता नही, जारज, दोगला, अज्ञातकुलशील ।
इब्नुल लबून (ابن اللبون) अ पु —ऊँट का दूध पीता बच्चा ।
इब्नुल वक्त (ابن الوقت) अ पु —वह व्यक्ति जो अपने को समय के अनुसार ढाल ले, अवसरवादी ।
इब्नुस्सबील (ابن السبیل) अ पु —पथिक, मुसाफिर, राहगीर ।
इब्ने आवा (ابن آوی) अ पु —शृगाल, गीदड, सियार ।
इब्ने सुब्ह (ابن صبح) अ पु —सूर्य, सूरज ।
इब्र (عبره) अ पु —नाव या जहाज का महसूल, राहदारी का महसूल, नदी पार करना, खिराज ।
इब्र (ابره) अ स्त्री —सुई, सूची ।
इब्रत (عبرت) अ स्त्री —वह मानसिक खेद जो किसी बडे आदमी को बुरी अवस्था मे या किसी अपराधी को कडी सजा या ऐसे कष्ट मे देखकर होता है ।
इब्रत अगेज़ (عبرت انگیز) अ फा वि —इब्रत पैदा करनेवाली बात ।
इब्रतखेज़ (عبرت خیز) अ फा. वि —ऐसी बात जिससे इब्रत पैदा हो ।
इब्रतनाक (عبرت ناک) अ फा वि —इब्रत अगेज़; भयानक, भयकर, बहुत सख्त ।
इब्रा (ابرا) अ पु —बेज़ारी, उपेक्षा, रोगमुक्ति, शिफा, अदा करना, चुकता करना, पवित्र होना, शुद्ध होना, पाक होना ।
इब्राक़ (ابراق) अ पु —बिजली गिराना, बिजली का शाक लगना ।
इब्राज़ (ابراز) अ पु —प्रकट करना, ज़ाहिर करना ।
इब्रानी (عبرانی) अ स्त्री —मुल्क शाम की एक प्राचीन भाषा, इब्री ।
इब्राम (ابرام) अ पु —दृढ करना, मजबूत करना, कष्ट देना, दुखित करना, रस्सी बटना ।
इब्रार (ابرار) अ पु —भलाई करना, बख्शिश करना, यश देना ।
इब्राहीम (ابراهیم) अ पु —एक पैगम्बर जिन्हे नम्रूद ने आग मे जलाना चाहा था, परन्तु वह आग का समुद्र उनके लिए बाग बन गया ।
इब्री (عبری) अ स्त्री —दे 'इब्रानी' ।
इब्रीक़ (ابریق) अ पु —एक प्रकार का चमडे का टोंटीदार लोटा, शराब का जग ।
इब्रीज़ (ابریز) अ पु —खरा सोना और चाँदी ।
इब्रीज (ابریج) अ स्त्री —छाछ बिलोने की रई, मथानी ।
इब्रेशम (ابریشم) अ पु —रेशम, कौशेय, कच्चा रेशम, रेशम का कोया ।
इब्ल (ابل) अ पु —ऊँट, उष्ट्र, दे 'इबिल', दोनो शुद्ध है ।
इब्लाग़ (ابلاغ) अ पु —पहुँचाना, भेजना ।
इब्लीस (ابلیس) अ पु —जो ईश्वर की दया से निराश हो, शैतान, दैत्य ।
इब्सार (ابصار) अ पु —देखना, आलोकन अवलोकन ।
इब्हाम (ابہام) अ पु —चुपके से कहना, चुपके से छोड देना, द्वार बन्द करना, अँगूठा, निगूढता, क्लिष्टता, इग्लाक़ ।
इमा (اما) अ स्त्री —'अमत' का बहु, लौडियाँ, दासियाँ, कनीजे ।
इमाद (عماده) अ पु —स्तम्भ, सुतून ।
इमाद (عماد) अ पु —इमाद का बहु, खभे, सुतून ।
इमाम. (عمامه) अ पु —पगडी, उष्णीष, साफा ।
इमाम (امام) अ पु —नेता, अग्रसर, पेशवा, नमाज़ पढानेवाला, जो नमाज मे इमामत करे ।

इमामत (امامت) अ स्त्री –नेतृत्व, नेतापन, पेशवाई; नमाज़ पढाना, नमाज़ पढाने की नौकरी।

इमामतपेशः (امامت پیشه) अ फा वि –वह व्यक्ति जो किसी मसजिद में नमाज़ पढाकर जीविका चलाता हो।

इमामियः (امامیه) अ वि –शीआ मुसलमान।

इमामे नातिक़ (امام ناطق) अ पु –हज़रत इमाम जा'फ़रे सादिक़, अभिभाषक-इमाम, उपदेशक–धर्मगुरु।

इमारत (امارت) अ स्त्री –धनाढ्यता, मालदारी, शासन, राज्य, हुकूमत, हिन्दी में अमारत प्रचलित 'अमीर' से भाववाचक सज्ञा बनी।

इमारत (عمارت) अ स्त्री –मकान, बिल्डिंग।

इमाल' (اماله) अ पु –फ़ार्सी अथवा अरबी में किसी शब्द के 'अलिफ' को 'ये' बना देना जैसे 'किताब' को 'कितेब' कर देना।

इमुआन (امعان) अ पु –गहरी दृष्टि डालना, गौर से देखना, खूब गौर करना, गहरा सोचना।

इमुआने नज़र (امعان نظر) अ पु –गहरी दृष्टि, गाइर नज़र, सूक्ष्म दृष्टि।

इम्कान (امکان) अ पु –सभावना, मुमकिन होना, हो सकने का भाव।

इम्ज़ा (امضا) अ पु –आदेश जारी करना, किसी कागज़ पर मोहर और हस्ताक्षर करना।

इम्ताअ (امتاع) अ पु –लाभ पहुँचाना।

इम्तार (امطار) अ पु –पानी बरसना, वर्षा होना।

इम्तिक़ाअ (امتقاع) अ पु –रग उतर जाना, रग फीका पड जाना।

इम्तिख़ाख़ (امتخاخ) अ पु –हड्डी से गूदा निकालना।

इम्तिज़ाज (امتزاج) अ पु –मिलाना, मिश्रित करना, मिश्रण, मिलावट।

इम्तिदाद (امتداد) अ पु –खिंचा हुआ होना, दीर्घता, लम्बाई, विस्तार।

इम्तिदादे ज़मान (امتداد زمانه) अ पु –अधिक समय बीत जाना, दीर्घकालीनता।

इम्तिनाअ (امتناع) अ पु –निषेध, प्रतिबध, मनाही।

इम्तिनाए शराब (امتناع شراب) अ पु –मद्य-निषेध, शराबबदी।

इम्तिनान (امتنان) अ पु –अच्छी-अच्छी नेमते देना, एहसान रखना, कृतज्ञ करना।

इम्तियाज़ (امتیاز) अ पु –दो एक-सी चीज़ो मे भेद करना, विवेक, तमीज़, मुख्यता, खुसूसियत, एक को दूसरे पर तर्जीह, परीक्षा में विद्यार्थियो को अच्छे नम्बर लाने के फलस्वरूप डिस्टिंक्शन, विशेष योग्यता।

इम्तियाज़नाम' (امتیازنامه) अ फा पु –लाइसेस।

इम्तियाज़ी (امتیازی) अ वि –मुख्य, खुसूसी, विशेष।

इम्तिराश (امتراش) अ पु –उचक लेना, छीनकर भागना।

इम्तिला (امتلا) अ पु –पेट में अन्न का अधिक हो जाना, बदहज़मी, अजीर्ण, भर जाना, आध्मान, अफारा।

इम्तिशात (امتشاط) अ पु –बालो में कघी करना।

इम्तिसाल (امتثال) अ पु –आज्ञा-पालन, फर्माबरदारी।

इम्तिसाले अम्र (امتثال امر) अ पु –हुक्म मानना, आज्ञा-पालन करना।

इम्तिसाले हुक्म (امتثال حکم) अ पु –दे इम्तिसाले अम्र।

इम्तिसास (امتصاص) अ पु –चूसना, चूषण।

इम्तिहात (امتخاط) अ पु –नाक साफ़ करना।

इम्तिहान (امتحان) अ पु –परीक्षा, जाँच, परख, विद्यार्थियो की परीक्षा, पढाई की जाँच।

इम्तिहान (امتهان) अ पु –अपमानित रखना।

इम्तिहाल (امتهال) अ पु –मोहलत देना, छुट्टी देना।

इम्दाद (امداد) अ स्त्री –सहायता, मदद, सहयोग।

इम्दादे बाहमी (امداد باهمی) अ फा स्त्री –मिल-जुलकर काम करना, सहकारिता।

इम्रा (امرا) अ पु –पेट में अन्न का पचना, खाना हज़म होना।

इम्रान (عمران) अ पु –आबादी, जनसख्या।

इम्रार (امرار) अ पु –गुज़ारना, गुज़रवाना।

इम्रोज़' (امروزه) फा वि –आज का, आज के दिन का।

इम्रोज़ (امروز) फा पु –आज, अद्य, आज का दिन।

इम्ल (عمله) अ पु –काम, मजदूरी।

इम्ला (املا) अ स्त्री –अक्षर-विन्यास, इबारत, श्रुतलेख, अनुलेख, वह इबारत जो बच्चो को पुस्तक दिखाये बिना लिखायी जाती है, भरना।

इम्लाक़ (املاق) अ पु –दरिद्रता, कगाली, फकीरी, साधुता।

इम्लाक (املاک) अ पु –किसी को किसी वस्तु का स्वामी बनाना, मालिक करना।

इम्लाल (املال) अ पु –दु खित करना, मुलूल करना।

इम्लास (املاص) अ पु –पेट गिराना, भ्रूणपात।

इम्लाह (املاح) अ पु –नमकीन करना, नमक मिलाना।

इम्शब (امشب) फा स्त्री –आज की रात, आज रात।

इम्सा (امسا) अ पु –रात कर देना, हाल बदल जाना, अवस्था का परिवर्तित होना।

इम्साल (امسال) फा पु –इस साल, मौजूदा साल।

इम्साल (امثال) अ पु –कान-नाक काटना।

इम्सास (امساس) अ पु –स्पर्श करना, छूना, मर्दन, मसलना।

इम्हाल (امہال) अ पु –मोहलत देना, समय देना।

इयाँ (عیاں) अ. पु –प्रकट, व्यक्त, स्पष्ट, ज़ाहिर (अयाँ)।

इयाज़ (عیاذ) अ स्त्री –त्राण, रक्षा पनाह।

इयादत (عیادت) अ स्त्री –रोगी का हाल पूछने और उसे ढारस देने के लिए उसके पास जाना।

इयाब (ایاب) अ पु –वापस आना, लौटना, प्रत्यागमन।

इयाबोज़हाब (ایاب وذہاب) अ पु –आना-जाना, यातायात।

इयारिज (ایارج) अ पु –एलुआ, गुआरपाठा (घीकुआर) का सुखाया हुआ रस।

इयाल (عیال) अ पु –बाल-बच्चे (अयाल)।

इयालत (ایالت) अ स्त्री –रखवाली करना, निरीक्षण, दड देना, सजा देना, डाँट-फटकार करना।

इयालत (عیالت) अ स्त्री –बाल-बच्चोवाला होना।

इयास (ایاس) अ पु –निराश होना, नाउम्मीद होना।

इरम (ارم) अ पु –'आद' नाम की कौम का नगर, 'आद' नामक व्यक्ति का पिता; वह कृत्रिम स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था, स्वर्ग, बिहिश्त।

इराअत (ارائت) अ स्त्री–दिखाना, नुमाइश करना।

इराक़ (اراقہ) अ पु –पानी या कोई दूसरी पतली चीज़ गिराना।

इराक़ (عراق) अ पु –पूर्वी अरब का एक देश, जिसकी राजधानी 'बगदाद' है

इराक़त (اراقت) अ स्त्री –दे 'इराक़'।

इराग़ (اراغہ) अ पु –दे 'इराग़त'।

इराग़त (اراغت) अ पु –माँगना, तलब करना।

इराद (ارادہ) अ पु –सकल्प, कस्द, निश्चय, तहैय, इच्छा, ख्वाहिश।

इरादत (ارادت) अ स्त्री –श्रद्धा, आस्था, एतिक़ाद।

इरादत केश (ارادت کیش) अ फा वि –श्रद्धावान्, श्रद्धालु, मो'तक़िद, भक्त, नियाज़मद।

इरादतन (ارادۃً) अ वि –जान-बूझकर, कस्दन।

इरादतमद (ارادت مند) अ फा वि –दे, 'इरादतकेश'।

इरादी (ارادی) अ वि –इरादे का, इरादे से सम्बन्धित।

इराबत (ارابت) अ स्त्री –शक करना, सदेह करना, किसी को सदेह मे डालना।

इराहत (اراحت) अ स्त्री –मरना, किसी चीज की बू सूँघना, अपवित्र होना, सुख देना तृप्त होना।

इर्आश (ارعاش) अ पु –दूसरे को कँपाना।

इर्क़ (عرق) अ स्त्री –स्नायु, पट्ठा, रग।

इर्काज़ (ارکاض) अ पु –बच्चे का पेट मे फिरना।

इर्क़ाम (ارقام) अ पु –लेखन, लिखना।

इर्क़ास (ارقاص) अ पु –उछालना, बच्चे को खेल में लगाना, ऊँट को भगाना।

इर्क़ुन्नसा (عرق النسا) अ स्त्री –वह दर्द जो चूतड़ से एड़ी तक उठता है, कुलग, गृध्रसी स्नायु-शूल, साइटिका, नर्वस पेन।

इर्ख़ा (ارخا) अ पु –ढीला करना, शिथिल करना, छोड देना।

इर्ख़ास (ارخاص) अ पु –सस्ता करना, भाव गिराना।

इर्ग़ाम (ارغام) अ पु –अपमानित करना, ज़लील करना, नाक रगड़वाना।

इर्जा (ارجا) अ पु –आशान्वित करना, फेंकना, रास्ते का खत्म के करीब आना।

इर्ज़ा (ارضا) अ पु –मनाना, राज़ी करना।

इर्जाअ (ارجاع) अ पु –रुजूअ करना, आकृष्ट करना, मुतवज्जेह करना।

इर्ज़ाअ (ارضاع) अ पु –स्त्री का बच्चे को दूध पिलाना।

इर्तिआद (ارتعاد) अ पु –कपन, कँपकँपाहट, थरथरी, लर्जिश।

इर्तिआश (ارتعاش) अ पु –कँपकँपी, कपन, लर्ज़ा, काँपना, थरथराना।

इर्तिकाज़ (ارتکاز) अ पु –रगड़ना, मर्दन, भरोसा करना।

इर्तिकाज़ (ارتکاض) अ पु –पेट में डोलना, बच्चे का पेट मे हरकत करना।

इर्तिकाब (ارتکاب) अ पु –पाप करना, किसी बुरे काम की शुरुआत करना किसी चीज़ पर सवार होना।

इर्तिक़ाब (ارتقاب) अ पु –आशा रखना, उम्मेद रखना।

इर्तिकाबे गुनाह (ارتکاب گناہ) अ फा पु –पाप करना, गुनाह करना।

इर्तिकाबे जुर्म (ارتکاب جرم) अ पु –अपराध करना, कुसूर करना।

इर्तिख़ास (ارتخاص) अ पु –सस्ता खरीदना, भाव गिराकर मोल लेना।

इर्तिजा (ارتجا) अ पु –आशा रखना, आशान्वित होना।

इर्तिज़ा (ارتضا) अ पु –राज़ी होना, प्रसन्न होना, पसद करना।

इर्तिजाअ (ارتجاع) अ पु –लौटाना, फिराना।

इर्तिज़ाअ (ارتضاع) अ पु –बच्चे का स्त्री का दूध पीना।

इर्तिजाज (ارتجاج) अ पु –हिलना, डोलना, कँपकँपाना, थरथराना।

इर्तिजाल (ارتجال) अ पु –बिना सोचे तुरन्त ही किसी विषय पर बोलने लगना; बिना सोचे तुरन्त ही कविता करना; किसी काम को तुरन्त ही कर देना।

इर्तिजालन् (ارتجالاً) अ वि–इर्तिजाल के तौर पर, फिलबदीह, आशु गति से।
इर्तिताम (ارتطام) अ पु–दलदल मे फँसना, गिरफ्तार होना, नीचे जाना, कीचड मे कोई चीज़ फेकना।
इर्तिदा (ارتدا) अ पु–चादर ओढना।
इर्तिदाद (ارتداد) अ पु–धर्म-परिवर्तन, अपना धर्म छोड-कर दूसरे धर्म मे चला जाना।
इर्तिफाअ (ارتفاع) अ पु–ऊँचा उठना, कही से निकलना, गल्ला उठाना, लगान, देश की आय, ऊँचाई।
इर्तिफाक़ (ارتفاق) अ पु–साथ देना, दोस्ती निबाहना, कोहनी का तकिया लगाना, कोहनी पर टेक लगाना।
इर्तिबात (ارتباط) अ पु–एक चीज को दूसरी से बाँधना, मेल-मिलाप, मैत्री, दोस्ती।
इर्तिबाह (ارتباح) अ पु–व्यापार मे ब्याज लेना।
इर्तियाद (ارتیاد) अ पु–माँगना, तलब करना, ढूंढना, खोज लगाना।
इर्तियाब (ارتیاب) अ पु–शक मे डालना, शका मे डालना।
इर्तियाश (ارتیاش) अ पु–अवस्था का अच्छा होना।
इर्तियाह (ارتیاح) अ पु–प्रसन्न होना, हर्षित होना, खुश होना।
इर्तिशा (ارتشا) अ पु–रिश्वत लेना, घूस लेना, उत्कोच ग्रहण।
इर्तिशाफ (ارتشاف) अ पु–चूसना।
इर्तिसाम (ارتسام) अ पु–चित्रित करना, चित्र बनाना।
इर्तिहान (ارتهان) अ पु–रेहन की वस्तु अपने पास धरना, गिरौ रखना।
इर्तिहाल (ارتحال) अ पु–किसी वस्तु को एक जगह से उठाना, कही जाना, प्रस्थान करना, कूच करना।
इर्दगिर्द (اردگرد) फा वि–चारो ओर, चहुपास, चारो तरफ, आस-पास।
इर्दा (اردا) अ पु–मार डालना।
इर्फ़ान (عرفان) अ पु–विवेक, ज्ञान, तमीज, ब्रह्मज्ञान, मा'रिफत।
इर्ब (ارب) अ स्त्री–आवश्यकता, जरूरत।
इर्मन (ارمن) अ पु–एक देश, काकेशिया।
इर्मनी (ارمنی) अ वि–इर्मन का निवासी, काकेशियन।
इर्माग़ (ارماغ) अ पु–हग मारना, पाखाना निकल जाना।
इर्माज़ (ارماض) अ पु–गर्म रेत से जलना।
इर्वा (اروا) अ पु–पानी देना, सेराब करना, तृप्त करना।
इर्शाद (ارشاد) अ पु–सीधा रास्ता दिखाना, आज्ञा देना, हुक्म करना, दीक्षा देना, हिदायत करना, आज्ञा, हुक्म, दीक्षा, पीर की हिदायत, धर्मगुरु का उपदेश।
इर्शाश (ارشاش) अ पु–फुहार पडना, धीमी वर्षा होना, आँसू गिरना, खून टपकना।
इर्स (ارث) अ स्त्री–किसी काम का पुश्त दर पुश्त चलना, मीरास, मूल, असल, राख, बाकी बची हुई वस्तु, परम्परा, पूर्व-प्रचलित मान्यता।
इर्साद (ارصاد) अ पु–निरीक्षण, निगरानी करना, देखभाल करना।
इर्साल (ارسال) अ पु–प्रेषण, भेजना, भूलना, उपहार, भेंट, तोहफा।
इलल आन (الی الآن) अ अव्य–अब तक, इस समय तक, अब भी, अद्यापि।
इला (الا) अ स्त्री–भलाई, अच्छाई, नेकी, नेमत, दिव्य पदार्थ।
इलाक़ (علاقہ) अ पु–क्षेत्र, सर्किल, देश, मुल्क, प्रदेश, खित्त।
इलाज (علاج) अ पु–उपचार, चिकित्सा, दवा-दारू, उपाय, प्रयत्न, तदबीर।
इलाज पिज़ीर (علاج پذیر) अ फा वि–जो दवा के काबिल हो, साध्य।
इलाव (علاوہ) अ अव्य–अतिरिक्त, सिवाय। हिन्दी मे अलावा प्रचलित है। (अलावा)।
इलाह (الہ) अ पु–ईश्वर, अल्लाह, खुदा।
इलाहा (الہا) अ अव्य–हे ईश्वर, ए खुदा।
इलाही (الہی) अ अव्य–मेरा ईश्वर, मेरा खुदा, ईश्वर, खुदा।
इलाहीयात (الہیات) अ स्त्री–ब्रह्मज्ञान से सम्बन्धित शास्त्रादि।
इल्आब (الداب) अ पु–खेलना, क्रीडा करना।
इल्का (القا) अ पु–पहुँचाना, टालना, दैवी शक्ति द्वारा अनायास मन मे कोई विचार उत्पन्न होना, जिससे अनिष्ट से बचाव अथवा इष्ट के ग्रहण की ओर सकेत हो।
इल्गा (الغا) अ पु–डालना, फेकना, हटाना, निवारण करना, झुठलाना।
इल्जा (الجا) अ पु–बुराई और पाप मे बचना, अपने काम को ईश्वरेच्छा पर निर्भर कर देना।
इल्ज़ाक़ (الزاق) अ पु–चिपकना, चिपकाना।
इल्जाम (الجام) अ पु–घोडे के मुंह मे लगाम देना।
इल्ज़ाम (الزام) अ पु–दोष, अपराध, जुर्म, कोई बात अपने ऊपर या दूसरे पर लाज़िम कर देना।
इल्ज़ामात (الزامات) अ पु–'इल्ज़ाम' का बहु, दोष-समूह, बहुत से अपराध, जराइम।

इल्ताफ़ (الطاف) अ पु –कृपा करना, दया करना, करम करना (लुत्फ़ का बहुवचन अल्ताफ़)।
इल्तिक़ा (التقا) अ पु –इकट्ठा होना, एक दूसरे मे घुसना, एक दूसरे को देखना।
इल्तिक़ात (التقاط) अ पु –चुनना, बीनना, चुनकर इकट्ठा करना।
इल्तिक़ाम (التقام) अ पु –कौर करना, निवाला करना।
इल्तिजा (التجا) अ स्त्री –प्रार्थना करना, दरख़ास्त करना, प्रार्थना, दरख़ास्त, दुहाई देना।
इल्तिज़ाक़ (التزاق) अ पु –चिपकना, सटना।
इल्तिजाज (التجاج) अ पु –लडना, युद्ध करना।
इल्तिज़ाज़ (التذاذ) अ पु –स्वाद लेना, मज़ा चखना, आनद लेना, लुत्फ़ उठाना।
इल्तिज़ाम (التزام) अ पु –किसी कार्य को अपने ऊपर लाज़िम और अनिवार्य कर लेना।
इल्तिफ़ात (التفات) अ पु –कनखियो से देखना, कृपा, दया, तवज्जुह, प्रवृत्ति, प्रणय-कटाक्ष, कृपाकोर।
इल्तिबास (التباس) अ पु –एक-सा होना, सदृश होना, सदृशता, मुशाबहत।
इल्तिमाअ (التماع) अ पु –चमकना, प्रकाशमान् होना।
इल्तिमास (التماس) अ स्त्री –प्रार्थना करना, सवाल करना, प्रार्थना, सवाल।
इल्तियाअ (التياع) अ पु –प्रेम की अग्नि से हृदय का दाह।
इल्तियात (التياط) अ पु –चिपकाना, मिलाना, जोडना।
इल्तियाम (التيام) अ पु –घाव का भरना, ज़ख़्म का अच्छा होना, परस्पर पैवस्त होना।
इल्तिवा (التوا) अ पु –लिपटना, मुल्तवी होना, रुक जाना।
इल्तिसाक़ (التساق, التصاق) अ पु –चिपकना।
इल्तिसाम (التثام) अ पु –किसी चीज़ को चूमना।
इल्तिहा (التحا) अ पु –दाढी निकलना।
इल्तिहाफ़ (التحاف) अ पु –सिर से कपड़ा ओढना।
इल्तिहाब (التهاب) अ पु –आग का भडकना, आग का लपटें मारना।
इल्फ़ (الف) अ पु –अभ्यस्त होना, आदत पड जाना।
इल्फ़ाफ़ (الفاف) अ पु –लपेटना।
इल्बाब (الباب) अ पु –बसना, ठहरना, मुक़ीम होना।
इल्बास (الباس) अ पु –कपडे पहनना।
इल्म (علم) अ पु –विद्या, विज्ञान, ज्ञान, जानकारी, शिल्प, दस्तकारी, कला, फ़न, बुद्धि, अक़्ल; विवेक, शऊर, शिक्षा, तालीम।
इल्मदाँ (علم‌داں) अ फ़ा वि. –विद्वान्, पडित, आलिम, फ़ाज़िल।
इल्मदोस्त (علم‌دوست) अ फ़ा वि –विद्या से प्रेम करने-वाला, विद्वज्जनो की क़द्र करनेवाला, गुणग्राही।
इल्मी (علمی) अ वि –इल्म से सम्बन्धित, इल्म का, विद्वत्तापूर्ण, क़ाबिलाना।
इल्मीयत (علمیت) अ स्त्री –विद्वत्ता, पाडित्य, क़ाबि-लीयत, योग्यता।
इल्मुत्तवारीख़ (علم‌التواریخ) अ पु –इतिहास विज्ञान, तारीख़ का इल्म।
इल्मुन्निसा (علم‌النسا) अ पु –कोकशास्त्र, कामशास्त्र।
इल्मुल अख़्लाक़ (علم‌الاخلاق) अ पु –नीतिशास्त्र।
इल्मुल अग़्ज़ियः (علم‌الاغذیۃ) अ पु –आहार-विज्ञान, भोजन-विज्ञान।
इल्मुल अज्साम (علم‌الاجسام) अ पु –शरीर-विज्ञान।
इल्मुल अद्वियः (علم‌الادویۃ) अ पु –औषधि-विज्ञान, वनस्पतिशास्त्र,।
इल्मुल अफ़्लाक (علم‌الافلاک) अ पु –अतरिक्ष-विज्ञान।
इल्मुल अब्दान (علم‌الابدان) अ पु –दे 'इल्मुलअज्साम'।
इल्मुल अम्राज़ (علم‌الامراض) अ पु –रोग-निदान-शास्त्र।
इल्मुल अर्वाह़ (علم‌الارواح) अ पु –प्रेतविद्या।
इल्मुल अल्सिनः (علم‌الالسنۃ) अ पु –भाषा-विज्ञान।
इल्मुल अश्जार (علم‌الاشجار) अ पु –वृक्षायुर्वेद, वनस्पति-शास्त्र, निघण्टु-विज्ञान।
इल्मुल आ'ज़ा (علم‌الاعضا) अ पु –शरीर-रचना-शास्त्र।
इल्मुल इक़्तिसाद (علم‌الاقتصاد) अ पु –अर्थशास्त्र।
इल्मुल इर्तिक़ा (علم‌الارتقا) अ. पु –विकास-विज्ञान।
इल्मुल इलाज (علم‌العلاج) अ पु –चिकित्सा- शास्त्र।
इल्मुल क़ाबिलः (علم‌القابلۃ) अ पु –धात्रीविद्या, दाय-गरी, रोगीपरिचर्या-विज्ञान।
इल्मुल जराहत (علم‌الجراحت) अ पु –शल्यशास्त्र, शल्यविद्या।
इल्मुल मिसाहत (علم‌المساحت) अ पु –ज्यामिति, क्षेत्रगणित, रेखागणित।
इल्मुल हयात (علم‌الحیات) अ पु –जीव-विज्ञान।
इल्मुल हैवान (علم‌الحیوان) अ पु –प्राणिशास्त्र।
इल्मे अदब (علم‌ادب) अ पु –साहित्य-शास्त्र।
इल्मे अरूज़ (علم عروض) अ पु –पिगल, छद शास्त्र।
इल्मे इंशा (علم انشا) अ पु –गद्य-रचना-शास्त्र।
इल्मे इंसाफ़ (علم انصاف) अ पु –व्यवहार-शास्त्र।
इल्मे इलाज (علم علاج) अ पु –दे 'इल्मुलइलाज'।

इल्मे इलाहीयात (علم الٰہیات) अ पु.—दर्शन-शास्त्र।
इल्मे कलाम (علم کلام) अ पुं—मीमासा, तर्कशास्त्र।
इल्मे क़ाफ़िय: (علم قافیہ) अ. पु.—अनुप्रास-शास्त्र।
इल्मे क़ियाफ़: (علم قیافہ) अ पु—सामुद्रिक-शास्त्र, अगविद्या।
इल्मे कीमिया (علم کیمیا) अ पु—रसायन-शास्त्र।
इल्मे ग़ैब (علم غیب) अ पु—परोक्ष-विद्या, भविष्य-ज्ञान, परोक्ष-ज्ञान।
इल्मे जरासीम (علم جراثیم) अ पु—कीटविद्या, कैटिकी, कीटाणु-विज्ञान।
इल्मे जिमादात (علم جمادات) अ पु—खनिज-विज्ञान, धातु-विद्या।
इल्मे तख़्लीक़ (علم تخلیق) अ पु—सृष्टि-विज्ञान।
इल्मे तबक़ातुलअर्ज़ (علم طبقات الارض) अ पु—भूगर्भ-शास्त्र, भौमिकी, भूगर्भ-विद्या।
इल्मे तबईयात (علم طبعیات) अ पु—प्रकृति-विज्ञान, विज्ञान-शास्त्र।
इल्मे तमद्दुन (علم تمدن) अ पु—नागरिक-शास्त्र।
इल्मे तसव्वुफ़ (علم تصوف) अ पु—अध्यात्म, ब्रह्मविद्या।
इल्मे तस्ख़ीर (علم تسخیر) अ पु—वशीकरण-शास्त्र।
इल्मे तारीख़ (علم تاریخ) अ पु—दे 'इल्मुत्तवारीख़'।
इल्मे तिजारत (علم تجارت) अ पु—वाणिज्य-शास्त्र।
इल्मे तिलिस्म (علم طلسم) अ पु—ओजविद्या, इन्द्रजाल।
इल्मे दस्तबीनी (علم دست بینی) अ फा पु—हस्त-सामुद्रिक विद्या।
इल्मे दीन (علم دین) अ पु—धर्मशास्त्र।
इल्मे नफ़्सीयात (علم نفسیات) अ पु—मनोविज्ञानशास्त्र, मानसशास्त्र।
इल्मे नबातात (علم نباتات) अ पु—वनस्पति-शास्त्र, उद्भिज्ज-शास्त्र।
इल्मे नुजूम (علم نجوم) अ पु—फलित ज्योतिष, ज्योतिष-विज्ञान।
इल्मे फ़ल्सफ़ा (علم فلسفہ) अ पु—विज्ञान, साइंस, पदार्थ-विज्ञान, दर्शनशास्त्र, वेदान्त, ब्रह्मविद्या।
इल्मे बयान (علم بیاں) अ पु—फ़साहतो बलागत का इल्म वणन-पटुता, भाषण-कौशल।
इल्मे मंतिक़ (علم منطق) अ पु—न्यायशास्त्र, तर्कशास्त्र, तर्कविद्या।
इल्मे मा'कूल (علم معقول) अ पु—दर्शनशास्त्र, तर्कशास्त्र।
इल्मे मा'दनीयात (علم معدنیات) अ पु—खनिज-विज्ञान।
इल्मे मा'रिफ़त (علم معرفت) अ पु—अध्यात्म-ज्ञान।
इल्मे मुआशरत (علم معاشرت) अ पु—समाज-शास्त्र।
इल्मे मुनाज़र: (علم مناظرہ) अ. पु—शास्त्रार्थ-विज्ञान।
इल्मे मूसीक़ी (علم موسیقی) अ पु—सगीतशास्त्र, गान-विद्या, नादशास्त्र।
इल्मे मौजूदात (علم موجودات) अ पु—सृष्टि-विज्ञान।
इल्मे रियाज़त (علم ریاضت) अ पु—योगशास्त्र।
इल्मे रियाज़ी (علم ریاضی) अ पु—गणितशास्त्र।
इल्मे रीमिया (علم ریمیا) अ पु—इन्द्रजाल, जादूगरी।
इल्मे लदुन्नी (علم لدنی) अ पु—ईश्वरदत्त ज्ञान।
इल्मे लिसानीयात (علم لسانیات) अ पु—दे 'इल्मुल अल्सिन'।
इल्मे शे'र (علم شعر) अ पु—काव्यशास्त्र।
इल्मे सनाअत (علم صناعت) अ पु—शिल्प-शास्त्र।
इल्मे सनाए (علم صنائع) अ पु—अलकारादि-शास्त्र।
इल्मे सिफ़्ली (علم سفلی) अ पु—पिशाचविद्या, भूत-विद्या।
इल्मे सियासत (علم سیاست) अ पु—राजनीति-शास्त्र।
इल्मे सीमिया (علم سیمیا) अ पु—परकाय-प्रवेश-विद्या।
इल्मे सेहत (علم صحت) अ पु—स्वास्थ्य-विज्ञान।
इल्मे हिंदिसा (علم ہندسہ) अ पु—गणितशास्त्र, अकशास्त्र।
इल्मे हैअत (علم ہیئت) अ पु—खगोल-विज्ञान।
इल्यास (الیاس) अ पु—एक पैगम्बर जो सदा जीवित रहेंगे, यह समुद्रों के सरक्षक हैं।
इल्ल (ال) अ पु—वचन, प्रतिज्ञा, पैमान, शरण, अमान, शपथ, सौगद।
इल्लत (علت) अ स्त्री—कारण, हेतु, सबब, रोग, बीमारी, दुर्व्यसन, बुरीलत, झझट।
इल्लतुल इलल (علت العلل) अ स्त्री—मूल कारण, निदान, सारे कारणों का कारण, ईश्वर, ख़ुदा।
इल्लतुल मशाइख़ (علت المشائخ) अ स्त्री—बूढ़े लोगों वाला दुर्व्यसन, गुदादान व्यसन, बुरा काम कराने की लत, भवेसिया।
इल्लते आफ़्ताब (علت آفتاب) अ स्त्री—कमल रोग, यरकान।
इल्लते उबन. (علت ابنہ) अ स्त्री—दे 'इल्लतुल मशाइख़'।
इल्लते ग़ाई (علت غائی) अ स्त्री—मूल कारण, निदान, अस्ल सबब, जिस कारण के लिए कोई काम किया जाय।
इल्लते ताम्म: (علت تامہ) अ स्त्री—पूरा कारण, कामिल सबब।
इल्लते फ़ाइली (علت فاعلی) अ स्त्री—किसी काय का कारण, जैसे—मकान के लिए राज।

इल्लते सूरी (علت صوری) अ. स्त्री.—ज़ाहिरी इल्लत, जैसे —मकान का आकार।
इल्ला (الا) अ अव्य —मगर, परन्तु, नही तो, वरना।
इलसाक़ (الصاق, السلق) अ पु —चिपकाना।
इल्हा (الحا) अ पु —झगडे मे डालना।
इल्हाक़ (الحاق) पु —मिलाना, जोडना, मूल पुस्तक मे ऊपर से कुछ जोड देना, क्षेपक।
इल्हाद (الحاد) अ पु —नास्तिकता, बेदीनी।
इल्हान (الحان) अ पु —स्वर-माधुर्य, खुशआवाजी; गान, नग्म, अच्छी आवाज़, कठ-माधुर्य।
इल्हाब (الهاب) अ पु —आग भडकना, शोले उठना।
इल्हाम (الہام) अ पु.—ईश्वर की ओर से हृदय मे आयी हुई बात, देववाणी, आकाशवाणी।
इल्हाह (الحاح) अ पु —गिडगिडाना, आजिजी करना, घिघियाना, खुशामद, विनती, गिडगिडाहट।
इलहाहोज़ारी (الحاح وزاری) अ फा स्त्री —रोना और गिडगिडाना।
इवान (ایوان) फा पु —ईवान, प्रासाद, महल।
इशक (اشک) तु पु —गधा, गदहा, खर।
इशा (عشا) अ. स्त्री —रात्रि, रात, रात का अँधेरा, रात की नमाज़।
इशाअत (اشاعت) अ स्त्री —प्रचार, प्रसार, मुश्तहरी, सस्करण, एडीशन; प्रकटन, ज़ुहूर।
इशाकत (اشاکت) अ स्त्री —गडाना, चुभोना।
इशादत (اشادت) अ स्त्री —ऊँचे स्वर से पढना।
इशारः (اشاره) अ पु —सकेत, इगित, ईमा, तात्पर्य, मतलब।
इशारःबाज़ी (اشاره بازی) अ फा स्त्री —आपस मे इशारे करना, सकेत करना।
इशारत (اشارت) अ स्त्री —दे 'इशार'।
इशारतन् (اشارتاً) अ वि —सकेत से, इशारे मे, सकेत करके।
इशारात (اشارات) अ पु —इशार का बहु, इशारे।
इश्आर (اشعار) अ पु —सन्केत करना, सूचना देना, आगाह करना।
इश्आल (اشعال) अ पु —आग भडकाना।
इश्क़ (عشق) अ पु —प्रेम, अनुराग, आसक्ति, मोह, महब्बत, दुर्व्यसन, लत।
इश्कनः (اشکنه) अ पु —बढई का बर्मा।
इश्क़बाज़ (عشق باز) अ फा वि —इश्क करनेवाला, प्रेमी।
इश्क़बाज़ी (عشق بازی) अ फा स्त्री —प्रेम-व्यवहार, इश्क करना।

इश्काल (اشکال) अ पु —कठिनता, दुष्करता, दुश्वारी, कठिनाई।
इश्कूज़ (اشکوج) अ. पु —ठोकर; फिसलन।
इश्क़े पेचाँ (عشق پیچاں) अ फा. पु —एक बेल, जो पेड़ो पर लिपट जाती है।
इश्क़े मजाज़ी (عشق مجازی) अ पु —मानव-प्रेम, भौतिक प्रेम, प्राणियो से प्रेम, सासारिक प्रेम।
इश्क़े हकीक़ी (عشق حقیقی) अ. पु —ईश्वर-प्रेम, ईश्वर-भक्ति, इश्के इलाही।
इश्तात (اشتات) अ पु —तितर-बितर करना।
इश्तिआल (اشتعال) अ पु —उत्तेजना, भडकाना; जोश दिलाकर मारकाट पर आमादा करना, लपट मारना, भडकना।
इश्तिका (اشتکا) अ पु —उलाहना देना, गिला करना।
इश्तिकाक़ (اشتقاق) अ पु —लकड़ी आदि का चीरना, एक शब्द से दूसरा शब्द बनाना।
इश्तिकार (اشتکار) अ पु —शिकायत करना, गिला करना।
इश्तिग़ाल (اشتغال) अ पु —काम में लगना, मश्गूल होना; तन्मयता, सलग्नता, मुँह फेरना, बेज़ार होना।
इश्तिदाद (اشتداد) अ पु —तीव्रता, प्रचडता, तेज़ी, अत्याचार, जुल्म।
इश्तिबाक (اشتباک) अ पु —दोनो हाथो की उँगलियाँ एक दूसरे मे पैवस्त करना, पेड की डालियो का एक दूसरे मे गुँथना।
इश्तिबाह (اشتباه) अ पु —सदेह, शका, शक।
इश्तिमाल (اشتمال) अ पु —कई चीज़ो को मिलाकर एक करना।
इश्तिमालीयत (اشتمالیت) अ स्त्री —मिलाकर एक करने का सिद्धात।
इश्तिमाले आराज़ी (اشتمال اراضی) अ पु —विभिन्न खेतो की भूमि को मिलाकर एक कर देना, चकबदी।
इश्तियाक़ (اشتیاق) अ पु —बहुत अधिक शौक़, उत्कठा, लालसा।
इश्तियाके मालायुताक़ (اشتیاق مالا یطاق) अ पु —ऐसी बढी हुई उत्कठा जो रोकी न जा सके, बहुत ही अधिक लालसा, अभिलाषा।
इश्तियाफ (اشتیاف) अ पु —सम्मानित करना, सर बलद रखना।
इश्तिरा (اشترا) अ पु —मोल लेना, खरीदना।
इश्तिराक (اشتراک) अ पु —भागीदारी, साझा, समानता, मुसावात, साम्यवाद, कम्यूनिज्म।

इश्तिराकी (اشتراکی) अ वि –वह सिद्धात माननेवाला कि देश के धन में सब बराबर के भागीदार है, साम्यवादी। इश्तिराकीयत (اشتراکیت) अ स्त्री –साम्यवाद, कम्यूनिज्म।

इश्तिरात (اشتراط) अ पु –बाज़ी बदना, शर्त लगाना।

इश्तिहा (اشتہا) अ स्त्री –क्षुधा, भूख, इच्छा, ख्वाहिश, रुचि, रग्बत।

इश्तिहाए काजिब (اشتہاے کاذب) अ स्त्री –झूठी भूख।

इश्तिहाए सादिक (اشتہاے صادق) अ स्त्री –सच्ची भूख, तेज़ भूख।

इश्तिहार (اشتہار) अ पु –प्रचार, प्रसार, प्रोपेगडा, विज्ञापन, मुश्तहरी का पर्चा, मुनादी, घोषणा :

इश्तिहारी (اشتہاری) अ वि –इश्तिहार द्वारा प्रसारित, जैसे–इश्तिहारी दवा, वह अपराधी जो भागा हुआ हो और जिसके पकडने के लिए इश्तिहार जारी हो, इश्तिहार से सम्बन्धित।

इश्नूस (اشنوسہ) फा स्त्री –छीक, विक्षाव।

इश्फाक (اشفاق) अ पु –कृपा करना, दया करना, कृपादृष्टि, त्रास, डराना, 'अश्फाक' भी प्रचलित।

इश्बाअ (اشباع) अ पु –पेट भर खिलाना, 'ज़बर', 'ज़ेर' और 'पेश' को इतना बढाना कि वह अलिफ, ये और वाव हो जाय, जैसे 'खर' मे 'ख' के ज़बर को बढा दे तो 'खार' हो जाय।

इश्बाल (اشبال) अ पु –विधवा का अपने बच्चो के कारण पुनर्विवाह न करना, कृपा करना, मेहरबानी करना।

इश्बाह (اشباہ) अ पु –सदृश होना, तुल्य होना, एक-सा होना।

इश्बेस्त (اشبیختہ) फा वि –छिडका हुआ, बखेरा हुआ।

इश्माअ (اشماع) अ पु –चिराग की लौ का बढ जाना, चिराग का तेज जलना।

इश्माम (اشمام) अ पु –सूंघना, सुंघाना।

इश्रत (عشرت) अ स्त्री –सुख, आनद, चैन, आराम, भोग-विलास का सुख, ऐयाशी, हर्ष, खुशी।

इश्रत अजाम (عشرت انجام) अ फा वि –वह कार्य जिसका अत आनदमय हो।

इश्रतकद (عشرتکدہ) अ फा पु –रगभवन, रगशाला, ऐशमहल।

इश्रतखाना (عشرتخانہ) अ फा पु –दे 'इश्रतकद'।

इश्रतगाह (عشرتگاہ) अ फा स्त्री –दे 'इश्रतकद'।

इश्रते इम्रोज (عشرت امروز) अ फा स्त्री –वह सुख जो आज प्राप्त हो, अर्थात् सासारिक सुख।

इश्रते फर्दा (عشرت فردا) अ फा स्त्री –वह सुख जो कल मिलेगा, अर्थात् पारलौकिक सुख।

इश्रते फानी (عشرت فانی) अ स्त्री –वह सुख जो क्षणिक हो, थोडे दिनो का सुख, अर्थात् सासारिक सुख।

इश्राक (اشراق) अ पु –चमकना, उज्ज्वल होना, सूर्योदय के पश्चात् का समय।

इश्राकी (اشراقی) अ वि –प्राचीन वैज्ञानिको का वह दल अथवा व्यक्ति जो आत्मशक्ति द्वारा दूर बैठे हुए पठन-पाठन करता था। ये लोग यूनान देश के थे।

इश्राफ (اشراف) अ पु –ऊँचा होना, ऊँचे पर बैठना, किसी चीज की चोटी पर बैठना, वाकिफ होना, ऊपर से देखना।

इश्रीन (عشرین) अ पु –बीस।

इश्व (عشوہ) अ पु –सुदर स्त्रियो का हाव-भाव।

इश्व कार (عشوہکار) अ फा वि –दे इश्व गर।

इश्व कारी (عشوہکاری) अ फा स्त्री –दे 'इश्व गरी'।

इश्व गर (عشوہگر) अ फा वि –हाव-भाव से दिल मोह लेनेवाला (वाली), नाज़ो अदाज़ दिखानेवाला (वाली)।

इश्व गरी (عشوہگری) अ फा स्त्री –हाव-भाव दिखाने का भाव।

इश्व तराज (عشوہطراز) अ फा वि –दे 'इश्व गर'।

इश्व तराजी (عشوہطرازی) अ फा स्त्री –दे 'इश्व गरी'।

इश्व सज (عشوہسنج) अ फा वि –'इश्व गर'।

इश्व सजी (عشوہسنجی) अ फा स्त्री –दे 'इश्व गरी'।

इसा (اسا) अ पु –अपने साथ बुराई करना।

इसाअ (اساعہ) अ पु –नष्ट करना, ज़ाए करना, त्यागना, छोडना।

इसाअत (اساءت) अ स्त्री –बुराई, बदी, पाप, गुनाह।

इसाखत (اصاخت) अ स्त्री –सुनने के लिए कान लगाना।

इसाद (اسادہ) अ पु –तकिया, बालिश, उपधान।

इसाब (اصابہ) अ पु –हैजे मे मुब्तला होना, हैज़ा हो जाना।

इसाब (عصابہ) अ पु –सर बाँधने की पट्टी।

इसाब (عصاب) अ पु –पट्टी।

इसाबत (اصابت) अ स्त्री –पहुँच, रसाई, ठीक पाना, यथाथता, हकीकत।

इसाबते राए (اصابت راے) अ स्त्री –राय का ठीक और शुद्ध होना।

इसाम (عصام) अ पु –मश्क उठाने का तस्मा, वेद मुश्क।

इस्आद (اسعاد) अ पु –शुभान्वित करना, मगलकारी बनाना, मैत्री, दोस्ती।

इस्आफ (اسعاف) अ पु –इच्छा पूरी करना, काम निकाल देना, किसी का काम उसकी मशा के अनुसार कर देना।

इस्कदर (اسکندر) अ पु –सिकदर, यूनान का प्राचीन शासक।

इस्कदरीय· (اسکندریہ) अ स्त्री –मिस्र देश का प्रसिद्ध बदरगाह जिसे सिकदर ने बनाया था।

इस्कदार (اسکدار) फा पु –डाकिया, हरकारा, डाक की चौकी।

इस्का (اسقا) अ पु –पानी या शराब आदि पिलाना।

इस्क़ात (اسقاط) अ पु –गिरना, डालना, पेट से बच्चा गिरना या गिराना।

इस्कात (اسکات) अ पु –चुप कर देना, चुप कर देनेवाली बात करना।

इस्काते हम्ल (اسقاط حمل) अ पु –स्त्री के पेट से बच्चा गिरना, गर्भपात, गर्भक्षय, गर्भस्राव।

इस्कान (اسکان) अ पु –शाति, सुकून, अक्षर को हल् करना।

इस्काफ (اسکاف) अ पु –जूता बनानेवाला, मोची।

इस्काल (اثقال) अ पु –भारी होना।

इस्किन. (اسکنہ) अ पु –छेद करने का बरमा।

इस्कीज. (اسکیزہ) अ पु -घोडे की दुलत्ती।

इस्कील (اسقیل) अ पु –जगली पियाज।

इस्गा (اصغا) अ पु --बात सुनने के लिए कान झुकाना।

इस्गाब (اسغاب) अ पु –भूखा होना।

इस्जाअ (اسجاع) अ पु –बातो मे तुक वाले शब्द बोलना, मुकफ्फा इबारत बोलना, सतुकान्त भाषण।

इस्तबोल (استنبول) तु पु –यूरोपीय तुर्की की राजधानी, कुस्तुतीनिया।

इस्त (است) अ पु –मलद्वार, गुदाद्वार, मक्अद का सूराख।

इस्तख़र (استخر-اصطخر) अ पु –तडाग, तालाब, ईरान का एक दुर्ग।

इस्तब्रक़ (استبرق) अ पु–एक बहुमूल्य रेशमी कपडा।

इस्तब्ल (اصطبل) अ पु –अश्वशाला, घुडसाल, तबेला, 'अस्तबल' भी प्रचलित है। (अस्तब्ल)।

इस्तम (استم) अ पु –अत्याचार, सितम।

इस्ता (استا) फा स्त्री –प्रशसा, तारीफ।

इस्ताज (استاج) अ पु –सूत लपेटने का अटेरन।

इस्ताद (استادہ) फा वि –सीधा खडा हुआ।

इस्तादगी (استادگی) फा स्त्री –खडे होने का भाव, खडापन, लिगेंद्रिय का उत्थान।

इस्तादनी (استادنی) फा वि –खडे होने योग्य।

इस्तार (اسطارہ) अ पु –दे 'उस्तूर'।

इस्तार (استار) अ पु –छिपाना, गोपन, साढे चार मिस्काल या २०½ माशे का एक भार।

इस्तिंजा (استنجا) अ पु –मूत्र या शौच के पश्चात् पानी लेना, आबदस्त।

इस्तिताक़ (استنطاق) अ पु –बात पूछना, प्रश्न करना; बोलने की शक्ति चाहना।

इस्तिंबात (استنباط) अ पु –बात में से बात निकालना, किसी बात से कोई निष्कर्ष निकालना।

इस्तिबाह (استنباہ) अ पु –चेतावनी चाहना, सतर्कता ढूंढना।

इस्तिशाक (استنشاق) अ पु –नाक से हवा या पानी खीचना, नाक से दवा सुडकना, "नोज़-स्पञ्ज"।

इस्तिसार (استنثار) अ पु –नाक छिनकना, नाक साफ करना, तितर-बितर करना।

इस्तिसार (استنصار) अ पु –सहायता चाहना, मदद माँगना।

इस्तिआज़त (استعاذت) अ स्त्री –त्राण चाहना, पनाह ढूंढना, शरणागति।

इस्तिआदत (استعادت) अ स्त्री –लौटाने की इच्छा करना।

इस्तिआनत (استعانت) अ स्त्री –सहायता चाहना, मदद माँगना।

इस्तिआर. (استعارہ) अ पु –उधार लेना, शाइरी की परिभाषा मे किसी अगोचर वस्तु को साकार मानकर उस से काम लेना जैसे–'सरे होश' होश का सिर और 'पाए फ़िक्र' फ़िक्र के पाँव, इसमे होश और फ़िक्र को आदमी मानकर उसके सिर और पैर बनाये है। 'काव्य मे अमूर्त्त का मानवीकरण', रूपक।

इस्तिकाक (اصطکاک) अ पु –दो कड़ी वस्तुओ की रगड से पैदा होनेवाली आवाज़।

इस्तिकानत (استکانت) अ स्त्री –नम्रता दिखाना, तिरस्कार करना, विनति, नम्रता, आजिज़ी।

इस्तिकामत (استقامت) अ स्त्री –सीधा होना, दृढ होना, सिधाई, सरलता, दृढता, मजबूती।

इस्तिक्ताब (استکتاب) अ पु –लिखना, लेखन, किसी चीज़ के लिखने को कहना।

इस्तिक्दाम (استقدام) अ पु –स्वागत करना, पेशवाई करना, आगे होना।

इस्तिक्फाफ (استکفاف) अ पु –हाथ फैलाना।

इस्तिक्बार (استکبار) अ पु –अपने को महान् जानना, अवज्ञा करना, आगे होने के लिए कहना।

इस्तिक़बाल (استقبال) अ. पु —आगे बढ़कर लेना, स्वागत करना; स्वागत के लिए आगे जाना, चाँद-सूरज का आमने-सामने होना, यह पूर्णमासी की रात को होता है; भविष्य, मुस्तक़्बिल

इस्तिक़्रा (استقرا) अ पु —गवेषणा करना, तलाश करना, अनुसरण करना, पैरवी करना, कुछ बातों से कोई निष्कर्ष निकालना।

इस्तिक़्राज़ (استقراض) अ पु —उधार माँगना, क़र्ज़ चाहना, ऋण लेना।

इस्तिक़्रार (استقرار) अ पु —ठहरना, रुकना, शात होना, प्रमाणित होना।

इस्तिक्रार (استکرار) अ पु —बार-बार माँगना।

इस्तिक़्रारे हक़्क़ (استقرار حق) अ पु —अपना हक (स्वत्व, अधिकार) माँगना, हक साबित करना।

इस्तिक्राह (استکراه) अ पु —घृणा करना, नफरत, नापसद करना।

इस्तिक़्लाल (استقلال) अ पु —अपने सहारे खडा होना, थोडा जानना, दृढता, मज़बूती, किसी बात पर अटल रहना।

इस्तिक़्सा (استقصا) अ पु —किसी चीज़ के अत को पहुँचना, बहुत अधिक इच्छा करना, कृपणता, कजूसी, प्रयत्न, आयास, कोशिश।

इस्तिक्साब (استکساب) अ पु —अपनी ज़ाती (निजी) कोशिश से कोई चीज़ या गुण प्राप्त करना।

इस्तिक़्साम (استقسام) अ पु —भाग करवाना, बटवारे की इच्छा करना, शपथ लेना, कसम खिलवाना।

इस्तिक़्सार (استقصار) अ पु —कम करने की इच्छा करना, कम करना।

इस्तिक्सार (استکثار) अ पु —अधिकता चाहना।

इस्तिख़ार (استخاره) अ पु —किसी कार्य मे दैवी सहायता चाहना, परोक्ष ज्ञान की इच्छा करना, किसी धार्मिक कृति द्वारा यह जानना कि अमुक काम शुभ है या अशुभ।

इस्तिख़्दाम (استخدام) अ पु —सेवा करने की इच्छा करना, नौकरी चाहना।

इस्तिख़्फ़ाफ़ (استخفاف) अ पु —लज्जा, शर्म, सकोच, नदामत, तिरस्कार, तह्क़ीर।

इस्तिख़्राज (استخراج) अ पु —बाहर निकालना, निष्कासन, निकालने की इच्छा करना।

इस्तिख़्लास (استخلاص) अ पु —बधनमुक्त करना, छोड़ देना।

इस्तिग़ासः (استغاثه) अ पु —वाद, नालिश, फौजदारी का दावा, मदद की पुकार।

इस्तिग़ासत (استغاثت) अ. स्त्री —दे 'इस्तिग़ास.'।

इस्तिग़ना (استغنا) अ पु —निस्पृहता, अनिच्छा, बेनियाज़ी।

इस्तिग़्फ़ार (استغفار) अ पु —ईश्वर से पापो की क्षमा चाहना; मुक्ति चाहना, मोक्ष-प्राप्ति की इच्छा करना।

इस्तिग़्राक़ (استغراق) अ पु —अपनी दशा में ऐसा मग्न होना कि किसी का पता न चले, तन्मयता, तल्लीनता, सलग्नता, इन्हियाक, महवियत।

इस्तिग़्राब (استغراب) अ. पु —आश्चर्य मे डालना, अनोखी बात करना, बहुत अधिक प्रशसा करना, आश्चर्य, हैरत।

इस्तिज़ा (استضا) अ पु —रौशनी पकडना, प्रकाशित होना।

इस्तिजाज़: (استجازه) अ पु —आज्ञा माँगना, इजाज़त चाहना।

इस्तिजाबत (استجابت) अ स्त्री —प्रश्न का उत्तर देना, प्रार्थना स्वीकार करना।

इस्तिज्बार (استجبار) अ पु —अभिमान करना, अवज्ञा और उद्दडता करना।

इस्तिज्ला (استجلا) अ पु —प्रकाशमान करना, रौशन करना।

इस्तिज़्लाक़ (استزلاق) अ पु —फिसलाना।

इस्तिज्लाब (استجلاب) अ पु —अपनी ओर खीचना, कोई वस्तु प्राप्त करना।

इस्तिज़्लाल (استظلال) अ पु —छाया ढूंढना, छाया मे आना, किसी की रक्षा मे आना।

इस्तिज़्हार (استظهار) अ पु —सहायता चाहना, किसी का सहायक होना, बलवान् होना, कठ पढना।

इस्तिताअत (استطاعت) अ स्त्री —सामर्थ्य, शक्ति, मक्दरत, ज़ोर, बल, कुव्वत।

इस्तिताबत (استتابت) अ स्त्री —पाप न करने की दृढ प्रतिज्ञा करना, तौबा करना।

इस्तिताबत (استطابت) अ स्त्री —पवित्र करना, सुगधित करना, आनद करना।

इस्तितार (استتار) अ पु —पर्दे मे छिप जाना, ग़ायब हो जाना।

इस्तित्राद (استطراد) अ पु —किसी के बाहर आने की इच्छा करना, किसी को भगाने की इच्छा करना, काम की तेज़ी।

इस्तित्लाअ (استطلاع) अ पु —सूचना चाहना, आगाही पाने की इच्छा करना, सूचना, इत्तिलाअ।

इस्तित्लाक़ (استطلاق) अ. पु —बधन-मुक्त करना, क़ैद से छोड़ना, रिहा करना।

इस्तिदामत (استدامت) अ. स्त्री –नित्यता चाहना, किसी कार्य के हमेशा होने की इच्छा करना।

इस्तिदारत (استدارت) अ. स्त्री.–वृत्त होना, गिर्द होना।

इस्तिद्‌आ (استدعا) अ पु –प्रार्थना, निवेदन, दरख़्वास्त, 'इस्तिदुआ' भी प्रचलित।

इस्तिद्‌फ़ाअ (استدفاع) अ पुं –अपने से अलग करना, एक चीज़ को दूसरी चीज़ से अलग करना।

इस्तिद्राक (استدراک) अ पु –समझने की इच्छा करना।

इस्तिद्राज (استدراج) अ पु –वह करामात या चमत्कार जो किसी नास्तिक द्वारा प्रकट हो।

इस्तिद्‌लाल (استدلال) अ पु –प्रमाण चाहना, सुबूत माँगना; गवाह माँगना, दलील देना, तर्क करना, तर्क, दलील, प्रमाण, सुबूत।

इस्तिनाअ (اصطناع) अ पु –भलाई करना, नेकी करना, फिरना, घूमना।

इस्तिनाद (استناد) अ पु –सहारा लगाना, सनद (प्रमाणपत्र) चाहना, प्रमाणित होना।

इस्तिनाबत (استنابت) अ स्त्री –किसी का प्रतिनिधित्व चाहना, नियाबत चाहना।

इस्तिनारत (استنارت) अ स्त्री –प्रकाशमान होना, दूसरे प्रकाशित पदार्थ से प्रकाश ग्रहण करना।

इस्तिन्क़ाअ (استنقاع) अ पु –सूखे मेवों आदि को पानी में भिगोकर और हाथ से मलकर, निचोड़कर उनका रस लेना, नुक़ूअ ग्रहण करना।

इस्तिन्काफ़ (استنکاف) अ पु –बुरा जानना, घृणा करना।

इस्तिन्फ़ाज़ (استنفاض) अ पु –किसी के कपड़ों की तलाशी लेना, झाड़ा लेना, जामातलाशी।

इस्तिन्फ़ास (استنفاس) अ पु –जीवन की इच्छा करना, ख़ून निकलना।

इस्तिफ़ा (اصطفا) अ पु –प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गी, स्वीकार करना, लेना।

इस्तिफ़ाज़ (استفاضہ) अ पु –किसी का यश चाहना, फ़ैज़ तलब करना।

इस्तिफ़ाज़त (استفاضت) अ स्त्री –दे 'इस्तिफ़ाज़'।

इस्तिफ़ाद (استفادہ) अ पु –किसी से लाभान्वित होना, नफ़ा उठाना।

इस्तिफ़ादत (استفادت) अ स्त्री –दे 'इस्तिफ़ाद'।

इस्तिफ़ाफ़ (اصطفاف) अ पु –पंक्तिबद्ध होना, सफ़ बाँधना।

इस्तिफ़ाफ़ (استفاف) अ पु –फंकी फाँकना।

इस्तिफ़्ता (استفتا) अ पु.–मुफ़्ती से फ़त्वा माँगना।

इस्तिफ़्राग़ (استفراغ) अ. पु.–वमन करना, क़ै करना, उलटी करना; वमन, क़ै, उलटी; फ़स्द चाहना।

इस्तिफ़्सार (استفسار) अ पु.–प्रश्न, सवाल; जिज्ञासा, पूछताछ, दरयाफ़्त।

इस्तिफ़्हाम (استفہام) अ पु –किसी चीज़ को समझना चाहना, समझने की इच्छा करना; पूछना, सवाल करना।

इस्तिफ़्हामे इन्कारी (استفہام انکاری) अ. पु –ऐसा प्रश्न जिससे किसी बात की अस्वीकृति प्रकट हो।

इस्तिफ़्हामे इक़्रारी (استفہام اقراری) अ. पु –ऐसा प्रश्न जिससे किसी बात की स्वीकृति प्रकट हो।

इस्तिबाग़ (اصطباغ) अ पु –चमड़ा रँगना, पानी में ग़ोता देना; ईसाई धर्म में बपतिस्मा देना।

इस्तिबार (اصطبار) अ पु –धैर्य धरना, सब्र करना।

इस्तिबाह (اصطباح) अ पु –सबेरे की शराब पीना।

इस्तिबाहत (استباحت) अ स्त्री –धर्म विहित करना, उचित करना, हलाल करना, जायज़ करना, मुबाह करना।

इस्तिब्‌आद (استبعاد) अ पु –दूर हटना, अलग होना, दूर जानना।

इस्तिब्क़ा (استبقا) अ पु –बाक़ी रखना, बाक़ी बचाना, शेष छोड़ देना।

इस्तिब्ता (استبطا) अ पु –देर करना, ढील करना, विलंब करना।

इस्तिब्दाद (استبداد) अ पु –अकेले किसी काम में लगना और किसी की बात न मानना, अत्याचार, ज़ुल्म।

इस्तिब्रा (استبرا) अ पु –दोष से अलग रहने की इच्छा, पवित्रता, शुद्धि।

इस्तिब्शार (استبشار) अ पु –अच्छी ख़बर पूछना, शुभ समाचार सुनने की इच्छा।

इस्तिब्सार (استبصار) अ पु –दिव्य दृष्टि, बीनाई, बसारत; बुद्धिमत्ता, दानाई।

इस्तिमाअ (استماع) अ पु –सुनना, श्रवण।

इस्तिमालत (استمالت) अ स्त्री –अपनी ओर आकृष्ट करना, अपने से राज़ी करना।

इस्तिम्ज़ाज (استمزاج) अ पु –अनुमति लेना, राय पूछना, आज्ञा, इजाज़त, मर्ज़ी, अनुमति।

इस्तिम्ताअ (استمتاع) अ पु –लाभ-प्राप्ति की इच्छा करना, नफ़ा चाहना, नफ़े की तलाश।

इस्तिम्दाद (استمداد) अ पु –सहायता चाहना, मदद माँगना, सहायता, मदद।

इस्तिम्ना (استمنا) अ पु—वीर्यपात करने की इच्छा, मनी खारिज करना।

इस्तिम्ना बिलयद (استمنا بالید) अ पु—हाथ से इंद्रिय-संचालन करके वीर्यपात करना, हस्तमैथुन, हथलस।

इस्तिम्रार (استمرار) अ पु—नित्यता, हमेशगी, निरंतरता, लगातारपन, तसल्सुल।

इस्तिम्रारी (استمراری) अ वि—जो सदा के लिए हो, स्थायी, माजी अर्थात् भूतकाल का एक प्रकार, 'इस्तमरारी' भी प्रचलित।

इस्तिम्साक (استمساک) अ पु—रोकने की इच्छा करना, रोकना, रोक, निरोध, रुकावट, चंगुल मारना।

इस्तियाद (اصطیاد) अ पु—शिकार मारना, शिकार खेलना, शिकार, आखेट।

इस्तिराक (استراق) अ पु—चोरी से छिपकर किसी की बातें सुनना, कनसुए लेना।

इस्तिराद (استراده) अ पु—फिरना, पलटना।

इस्तिराहत (استراحت) अ स्त्री—सुख चाहना, आराम की इच्छा करना, सुख, चैन, विश्राम, आराम।

इस्तिर्खा (استرخا) अ पु—ढीला हो जाना, शरीर के किसी अंग का ढीला और शिथिल हो जाना, ढीलापन।

इस्तिर्खाए आ'साब (استرخاے اعصاب) अ पु—पट्ठों का ढीला पड़ जाना।

इस्तिर्खास (استرخاص) अ पु—जाने की आज्ञा लेना, विदा लेना, सस्ता मोल लेना।

इस्तिर्जा (استرضا) अ पु—अनुमति लेना, मर्जी पूछना, राय, अनुमति, मर्जी।

इस्तिर्जाअ (استرجاع) अ पु—दी हुई चीज वापस माँगना, 'इन्ना लिल्लाह' पढ़ना।

इस्तिर्दाद (استرداد) अ पु—लौटा लेना, वापस माँग लेना।

इस्तिर्हाब (استرهاب) अ पु—डराना, भयभीत करना।

इस्तिलाम (استلام) अ पु हाथ या मुँह से पत्थर चूमना।

इस्तिलाम (اصطلام) अ पु—जड़ से उखेड़ना, उन्मूलन।

इस्तिलाह (اصطلاح) अ स्त्री—परस्पर संधि करना, किसी शब्द का वह अर्थ जो किसी शास्त्र विशेष में किसी निर्दिष्ट भाव या उद्देश्य के लिए संकेत मान लिया गया हो, परिभाषा।

इस्तिलाहात (اصطلاحات) अ स्त्री—परिभाषिक शब्दावली, इस्तिलाही लफ्जों का मजमूआ।

इस्तिलाही (اصطلاحی) अ वि—पारिभाषिक, परिभाषा-वाला शब्द।

इस्तिल्का (استلقا) अ पु—पेट के बल लेटना, चित लेटना।

इस्तिल्जाज (استلذاذ) अ पु—स्वाद ग्रहण करना, मजा लेना, आनंद लेना, लुत्फ उठाना।

इस्तिवा (استوا) अ पु—समानता, बराबरी, दोपहर का समय, मध्याह्न, विषुवत रेखा, भूमध्य रेखा, खते इस्तिवा।

इस्तिव्जार (استوزار) अ पु—विजारत चाहना, मंत्री के पद की इच्छा करना।

इस्तिशार (استشاره) अ पु—परामर्श करना, सलाह-मशवरा करना।

इस्तिशारत (استشارت) अ स्त्री—दे॰ 'इस्तिशार'।

इस्तिश्आर (استشعار) अ पु—मन ही मन में डरना।

इस्तिश्फाअ (استشفاع) अ पु—सिफारिश चाहना, अनु-शंसा-याचना।

इस्तिश्माम (استشمام) अ पु—सूँघना।

इस्तिश्हाद (استشهاد) अ पु—गवाही चाहना, गवाह माँगना, साक्षी-याचना।

इस्तिश्हादनामः (استشهادنامه) अ फा पु—प्रमाणपत्र, सनद, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट।

इस्तिसा (استصحا) अ पु—स्वास्थ्य चाहना।

इस्तिस्आद (استسعاد) अ पु—कल्याण चाहना, भलाई चाहना, सहायता चाहना, मदद चाहना।

इस्तिस्का (استسقا) अ पु—पानी माँगना, तृष्णा, पिपासा, प्यास, वर्षा चाहना, जलधर, जलोदर।

इस्तिस्काए जिक्की (استسقاے زقی) अ पु—वह जलधर जिसमें सारा शरीर सूजकर मश्क जैसा हो जाता है।

इस्तिस्काए तब्ली (استسقاے طبلی) अ पु—वह जलधर जिसमें केवल पेट नक्कारे की भाँति फूल जाता है।

इस्तिस्ना (استثنا) अ पु—बहुत में से किसी वस्तु को अलग कर देना, किसी व्यापक नियम में से किसी की मुक्ति, अपवाद।

इस्तिस्मार (استثمار) अ पु—पेड़ के नीचे से मेवा चुनना, फल चाहना।

इस्तिस्लाम (استسلام) अ पु—शांति चाहना, क्षमा चाहना, गर्दन झुकाना, आज्ञा मानना।

इस्तिस्लाह (استصلاح) अ पु—परामर्श लेना, सलाह पूछना।

इस्तिस्वाब (استصواب) अ पु—यथार्थता की तलाश, ठीक-ठीक बात जानने की इच्छा, स्वीकृति लेना।

इस्तिस्वाबे राए (استصواب رائے) अ पु—किसी विषय में ठीक-ठीक राय जानना चाहना, राय लेना, वोट लेना, मतदान।

इस्तिहाज़ (استحاضه) अ पु—मासिक धर्म अधिक मात्रा मे आने का रोग, अति रजस्राव, अत्यार्तव।

इस्तिहानत (استہانت) अ स्त्री—अपमानित और तिरस्कृत जानना।

इस्तिहाल: (استحالہ) अ पु—किसी वस्तु की प्राप्ति असभव होना, एक दशा से दूसरी दशा मे जाना, बहाना करना।

इस्तिहालत (استحالت) अ स्त्री—दे 'इस्तिहाल'।

इस्तीआब (استیعاب) अ पु—आदि से अत तक सब ले लेना, किसी पुस्तक को आदि से अत तक पढना, जड से उखेडना, उन्मूलन।

इस्तीजाब (استیجاب) अ पु—योग्य होना, पात्र होना, अधिकारी होना, मुस्तहक होना।

इस्तीनाफ (استیناف) अ पु—नये सिरे से आरभ करना, शुरू से लेना, अपील।

इस्तीनास (استیناس) अ पु—किसी से प्रेम-व्यवहार करना, प्रेम, मुहब्बत, किसी बात की आदत पड जाना।

इस्तीफा (استیفا) अ पु—सब ले लेना अपना पूरा हक लेना। दे० 'इस्तेफा'।

इस्तीला (استلا) अ पु—किसी पर विजय पाना, किसी पर गालिब होना।

इस्तीलाद (استیلاد) अ पु—सतान होने की इच्छा करना।

इस्तीलाफ (استیلاف) अ पु—किसी से प्रेम की इच्छा करना।

इस्तीसाक (استیثاق) अ पु—दृढता चाहना, मज़बूत बनाने की इच्छा करना।

इस्तीसाल (استیصال) अ पु—जड से उखेड फेकना, उन्मूलन, समूल विनाश।

इस्ते'जाब (استعجاب) अ पु—आश्चर्य प्रकट करना, तअज्जुब करना, आश्चर्य, तअज्जुब।

इस्ते'जाल (استعجال) अ पु—किसी बात मे शीघ्रता चाहना, दौडना, भागना, जल्दी करना।

इस्ते'ताफ (استعطاف) अ पु—दयादृष्टि चाहना, मेहरबानी चाहना, किसी का दिल मुट्ठी मे लेना।

इस्ते'दाद (استعداد) अ पु—योग्यता, पात्रता, काबिलीयत, विद्वत्ता, इल्मीयत, किसी चीज़ से प्रभावित होने की योग्यता।

इस्ते'फा (استعفا) अ पु—क्षमा चाहना, नौकरी का त्याग; त्यागपत्र, टर्मिनेशन आफ सर्विस।

इस्ते'बाद (استعباد) अ पु—दास बनाना, गुलामी मे लेना।

इस्ते'माल (استعمال) अ पु—प्रयोग करना, बरतना; औषध आदि खाना, सेवन करना।

इस्ते'माश (استعماش) अ पु—दृष्टि कम हो जाना, आँख से कम नजर आना।

इस्ते'ला (استعلا) अ पु—ऊँचा होना, बलद होना, प्रतिष्ठित होना, बडा होना।

इस्ते'लाज (استعلاج) अ पु—चिकित्सा कराना, इलाज कराना, खाल का कडा हो जाना।

इस्ते'लाम (استعلام) अ पु—सूचना चाहना, जानने की ख्वाहिश।

इस्तेहक़ाक (استحقاق) अ पु—अपना हक़ माँगना, जाइज़ हक चाहना, हक साबित करना, हक, स्वत्व।

इस्तेहकाम (استحکام) अ पु—दृढता, मजबूती, स्थिरता, पायदारी।

इस्तेहक़ार (استحقار) अ पु—अपमान करना, हकीर जानना, अपमान, हकारत, निदा, बुराई।

इस्तेहज़ा (استہزا) अ पु—हँसी उडाना, ठठोल करना, हँसी, मजाक, खिल्ली, मख़ौल।

इस्तेहज़ार (استحضار) अ पु—याद रखना, स्मरण रखना, किसी के सामने रहने की इच्छा, किसी को सामने रखने की इच्छा।

इस्तेहफाज़ (استحفاظ) अ पु—निरीक्षण करना, निगरानी करना, निगरानी, निरीक्षण।

इस्तेहबाब (استحباب) अ पु—अच्छा जानना, पसद करना।

इस्तेहमाम (استحمام) अ पु—हम्माम मे नहाना, किसी चीज़ की भाप लेना।

इस्तेहलाफ (استحلاف) अ पु—शपथ लेना, कसम खिलाना।

इस्तेहलाल (استہلال) अ पु—नया चाँद देखना, बच्चे का पैदा होते समय रोना, व्यक्त होना, ज़ाहिर होना।

इस्तेहसा (استحصا) अ पु—गिनना, शुमार करना, क्रमबद्ध करना, तर्तीब से लगाना।

इस्तेहसान (استحسان) अ. पु—अच्छा जानना, पसद करना, उपकार, भलाई।

इस्तेहसार (استحصار) अ पु—निर्भर करना, मुनहसिर करना, गिनना, हिसाब करना।

इस्तेहसाल (استحصال) अ पु—प्राप्त करना, लेना, हासिल करना।

इस्तेहसाल बिलजब्र (استحصال بالجبر) अ. पु—जबरदस्ती छीनना, बलात् अपहरण।

इस्दाक़ (اصداق) अ. पुं.—किसी की बात की तस्दीक करना।

इस्ना अशर (اثنا عشر) अ. वि.—बारह, द्वादश; बारह इमाम।

इस्ना अशरी (اثنا عشری) अ. वि—बारह इमामो को माननेवाला, शीआ।

इस्नाद (اسناد) अ पुं—एक चीज़ को दूसरी चीज़ का सहारा देना; एक चीज़ का दूसरी चीज़ से सम्बन्ध जोडना, सनद देना।

इस्नान (اصنان) अ पु—बग़ल से दुर्गंध आने का रोग, गदा बग़ल।

इस्पंज (اسفنج) फा पु—एक मरा हुआ समुद्री कीडा जो पानी सोखने के काम आता है।

इस्पंद (اسپند) फा पु—एक तरह के दाने जो दवा में चलते हे और नज़र उतारने के लिए जलाये जाते हैं, काला दाना।

इस्परक (اسپرک) फा पु—एक घास जिससे कपडा रँगा जाता था, स्पृक्का।

इस्पह्बद (اسپہبد) फा पु—सेनापति, सिपहसालार।

इस्पानाख़ (اسپاناخ) फा पु—पालक का साग।

इस्फ़ञः (اسفنجہ) अ पु—दे 'इस्पज'।

इस्फ़ञ (اسفنج) अ पु—दे 'इस्पज'।

इस्फ़ंदयार (اسفندیار) फा पु—ईरान का एक बहुत बहादुर बादशाह जिसे रुस्तम ने अंधा करके मारा था।

इस्फ़ंदार (اسفندار) फा पु—ईरानी बारहवाँ महीना।

इस्फ़हान (اصفہان) फा पु—ईरान का एक प्राचीन और प्रसिद्ध नगर।

इस्फ़ानाख़ (اسفاناخ) अ पु—पालक का साग, दे 'इस्पानाख़'।

इस्फ़ार (اسفار) अ पु—प्रकाशित होना, रौशन होना।

इस्फ़ार (اصفار) अ पु—दरिद्र होना, कगाल होना।

इस्फ़ाह (اصفاح) अ पु—याचक के प्रश्न को टाल जाना, माँगनेवाले को कुछ न देना, किसी वस्तु को फैलाना।

इस्फ़िरार (اصفرار) अ पु—पीला होना, पीलापन।

इस्फ़ेदबाज (اسفیدباج) अ. पु—मरीज़ो के लिए बे मसाले के गोश्त का शोरबा।

इस्फ़ेदाज (اسفیداج) अ पु—सफेदा काशगरी।

इस्बा' (اصبع) अ पु—अँगुली, उँगली।

इस्बाग़ (اسباغ) अ पु—पूरा करना, पूर्ति करना, समाप्त करना, खत्म करना।

इस्बात (اثبات) अ पु—प्रमाणित करना, साबित करना।

इस्बाते जुर्म (اثبات جرم) अ पु—अपराध साबित करना।

इस्बाल (اسبال) अ पु—कपडे उतारना, जारी करना।

इस्बाह (اصباح) अ. पुं.—सवेरा करना, एक दशा से दूसरी दशा में परिवर्तित होना; सबेरे (तड़के) जाना।

इस्म (اثم) अ. पुं.—पाप, पातक, गुनाह; बदी, बुराई।

इस्म (اسم) अ. पु—नाम, सज्ञा।

इस्मत (عصمت) अ. स्त्री—सतीत्व, पातिव्रत्य, पाक, दामनी, नामूस, 'अस्मत' भी प्रचलित।

इस्मतदर (عصمت‌در) अ. फ़ा वि—सतीत्व हरण करनेवाला, बलात्कारी।

इस्मतदरी (عصمت‌دری) अ फ़ा स्त्री—सतीत्व-हरण, बलात्कार, आबरूरेज़ी।

इस्मत फ़रोश (عصمت‌فروش) अ फ़ा. वि—अपना सतीत्व बेचनेवाली—पुश्चली, फ़ाहिशा, गणिका, वेश्या, वारागना।

इस्मत फ़रोशी (عصمت‌فروشی) अ फ़ा स्त्री—रुपया. लेकर सतीत्व बेचना, वेश्याकर्म, पेशा।

इस्मत मआब (عصمت‌مآب) अ वि—अपने सतीत्व की रक्षा करनेवाली, सती, साध्वी।

इस्मत मआबी (عصمت‌مآبی) अ स्त्री—अपने सतीत्व की रक्षा, सतीत्व-पालन।

इस्मा' (اسماع) अ पु—सुनाना, गाली बकना, गाना गाना।

इस्मार (اثمار) अ पु—फल लाना।

इस्मिद (اثمد) अ पु—सुरमा, एक पत्थर जिसका अजन बनता है।

इस्मे आज़म (اسم اعظم) अ पु—महामत्र।

इस्मे जामिद (اسم جامد) अ पु—वह सज्ञा जो किसी से बनी न हो रूढि।

इस्मे नकिरः (اسم نکرہ) अ पु—जातिवाचक सज्ञा।

इस्मे मा'रिफ़ (اسم معرفہ) अ पु—व्यक्तिवाचक सज्ञा।

इस्याँ (عصیاں) अ पु—इसयान् का लघु रूप, दे 'इस्यान', पाप, "मेरे इस्याँ से जियादह रहमतो मे जोश है, मैं नदामत-पेश हूँ, मौला नदामत-पोश है।"

इस्याँकार (عصیاں‌کار) अ फ़ा वि—पापजीवी, पाप में जीवन व्यतीत करनेवाला, पातकी।

इस्याँ शिआर (عصیاں‌شعار) अ फ़ा वि—दे 'इस्याँकार'।

इस्यान (عصیان) अ पु—पाप, अघ, पातक, गुनाह, अवज्ञा, नाफ़र्मानी।

इस्रा (اسرا) अ पु—रात्रि में यात्रा करना, रात में रस्ता चलना।

इस्राईल (اسرائیل) अ पु—हज़रत यूसुफ़ के पूज्य पिता हज़रत याकूब का नाम।

इस्राईली (اسرائیلی) अ. वि.—हज़रत याक़ूब के मत का अनुयायी, यहूदी।

इस्राफ़ (اسراف) अ पुं—आवश्यकता से अधिक व्यय, अपव्यय, फ़ुज़ूलख़र्ची।

इस्राफ़ (اصراف) अ पुं—व्यय करना, ख़र्च करना; व्यय, ख़र्च।

इस्राफ़ील (اسرافیل) अ पु—वह फ़िरिश्ता जो क़यामत में सूर फूँकेगा।

इस्रार (اسرار) अ पु—छिपाना, गुप्त करना; भेद बताना, भेद, राज़।

इस्रार (اصرار) अ पु—बार-बार कहना, हठ करना, ज़िद करना, हठ, ज़िद।

इस्लाख़ (اسلاخ) अ पु—खाल उतारना, खाल खींचना।

इस्लाफ़ (اسلاف) अ पु—आगे भेजना।

इस्लाम (اسلام) अ पु—शांति चाहना, ईश्वराज्ञा के आगे सर झुकाना; इसलाम धर्म।

इस्लामी (اسلامی) अ वि—इसलाम धर्म सम्बन्धी, मुसलमानो का।

इस्लामीयात (اسلامیات) अ स्त्री—इसलामी साहित्य।

इस्लाल (اسلال) अ पु—घूँस देना, रिशवत देना, चोरी करना।

इस्लाह (اصلاح) अ स्त्री—बिगडी हुई अवस्था का सुधार, त्रुटियाँ दूर करना, शुद्धि, सशोधन, तर्मीम, काव्य या लेख की त्रुटियो की शुद्धि।

इस्लाहात (اصلاحات) अ स्त्री—'इस्लाह' का बहु, 'इस्लाहे'।

इस्लाही (اصلاحی) अ वि—सुधार सम्बन्धी, शुद्ध किया हुआ।

इस्हाक़ (اسحاق) अ पु—एक पैग़म्बर, जो हज़रत इब्राहीम के सुपुत्र थे।

इस्हाब (اسہاب) अ पु—बहुत बोलना, जगल में फिरना।

इस्हाल (اسہال) अ पु—दस्त, शौच, पतला, पाख़ाना, दस्तो की बीमारी, अतिसार।

इहात (احاطہ) अ पु—घर, वेष्ठन, चारदीवारी, प्राचीर, प्रदेश, इलाका, क्षेत्र, हल्का (अहाता)।

इहानत (اہانت) अ स्त्री—अपमान, तिरस्कार, अनादर, बेइज़्ज़ती, मानहानि, हत्के इज़्ज़त।

ई

ईं (این) फा अव्य—यह, यह वस्तु, यह व्यक्ति।

ईंचुनी (این چنین) फा अव्य—इस प्रकार, ऐसे।

ईंना (اینان) फा अव्य—यह सब, 'ईं' का बहु।

ईंहा (اینہا) फा अव्य—यह सब, ईं का बहु।

ईआज़ (ایعاز) अ पु—संकेत करना, इशारा करना, आदेश देना, हुक्म करना।

ईआद (ایعاد) अ. पु—वचन देना, वादा करना।

ईक़ाअ (ایقاع) अ. पु—घटित करना, वाक़े' करना; युद्ध में घसीटना।

ईक़ाज़ (ایقاظ) अ. पुं—नीद से उठाना, जगाना।

ईक़ाद (ایقاد) अ पु—चिराग़ जलाना, दिया बारना।

ईक़ान (ایقان) अ पु—निश्चय, यक़ीन, किसी बात पर दृढ विश्वास।

ईक़ाफ़ (ایقاف) अ पु—ठहराना, रोकना; पदच्युत करना, मुअत्तल करना।

ईक़ार (ایقار) अ पु—बोझ लादना; भारी करना।

ईकाल (ایکال) अ पु—खाना खिलाना, आलोचना करना।

ईक़ास (ایقاص) अ पु—जड से उखेडना।

ईख़ाश (ایخاش) अ पु—ख़राब होना, दूषित होना।

ईग़ार (ایغار) अ पु—गरम करना, खौलाना, औंटाना।

ईज़ा (ایذا) अ स्त्री—कष्ट देना, दुःख देना, कष्ट, पीड़ा, यातना, तकलीफ़।

ईजाज़ (ایجاز) अ पु—सक्षिप्त करना; सक्षेप, इख़्तिसार; बडे लेख को छोटा करना।

ईजाद (ایجاد) अ स्त्री—नयी बात पैदा करना, आविष्कार, इख़्तिराअ।

ईज़ाद (ایزاد) अ पु—अधिकता, ज़ियादती (यह शब्द इस अर्थ मे अशुद्ध है)।

ईजादेबंद (ایجادبند) अ फा स्त्री—मनगढंत, कपोल-कल्पित।

ईज़ादेही (ایذادہی) अ फा स्त्री—कष्ट देना, दुःख पहुँचाना।

ईज़ान (ایذان) अ पु—सूचना देना, चेतावनी देना, आगाह करना, ख़बरदार करना।

ईजाब (ایجاب) अ पु अनिवार्य करना, वाजिब करना।

ईजाबोक़बूल (ایجاب و قبول) अ पु—निकाह के समय, दूल्हा दुल्हन का एक दूसरे को स्वीकार करना।

ईजार (ایجار) अ पु—किराए पर उठाना।

ईज़ारसाँ (ایذارساں) अ फा वि—कष्ट देनेवाला, दुःखदायी।

ईज़ारसानी (ایذارسانی) अ फा स्त्री—कष्ट देना, दुःख देना, तकलीफ़ पहुँचाना।

ईजाल (ایجال) अ पु—डराना, दहलाना, भयभीत करना।

ईजास (ایجاس) अ पु—मन मे डरना, भयभीत होना।

ईज़ाह (ایضاح) अ पु—प्रकाशित करना, रौशन करना, स्पष्ट करना, ज़ाहिर करना।

ईता (ایطا) अ पु –पाँव तले रौंदना, क़ाफ़िए का एक दोष, जिसमें दो शब्दो को जो सानुप्रास न हो कोई अक्षर या शब्द बढाकर क़ाफ़िया बनाना, जैसे—'उठ' और 'गिर' से 'उठा' और 'गिरा' बनाना।

ईताअ (ایتاع) अ पु –फल का वृक्ष मे पकना।

ईताए ख़फ़ी (ایطاےخفی) अ पु –ईता की वह क़िस्म जिसमें उसका दोष हलका हो, जैसा कि ऊपर के उदाहरण में दिये गये 'उठा' और 'गिरा' के क़ाफ़िए।

ईताए जली (ایطاےجلی) अ पु –ईता की वह क़िस्म जिसमे उसका दोष भारी हो, जैसे 'ख़ुशतर' और 'बेहतर' के क़ाफ़िए जिनमें 'ख़ुश' और 'बेह' पर जो सानुप्रास नही है 'तर' बढाया गया है।

ईतान (ایتان) अ पु –आगमन, आना।

ईतान (ایطان) अ पु –किसी दूसरी जगह को अपना वतन बनाना, प्रवास।

ईतिनाफ़ (ایتناف) अ पु –नये सिरे से कोई काम करना।

ईतिमान (ایتمان) अ पु –अमानतदार बनाना।

ईतिमार (ایتمار) अ पु –परस्पर परामर्श करना आज्ञा-पालन करना, काम बनाना।

ईतिलाक़ (ایتلاق) अ पु –चमकना, प्रकाशमान होना, रौग़न होना।

ईतिलाफ़ (ایتلاف) अ पु –एकत्र होना, एक जगह होना, मेल-जोल होना, मित्रता, दोस्ती।

ईद (عید) अ स्त्री –हर्ष, आनद, ख़ुशी, मुसलमानो का एक त्योहार। यह शब्द ऊद (عود) से बना है, अर्थात् प्रतिवर्ष आनेवाला।

ईदगाह (عیدگاه) अ फा स्त्री –ईद की नमाज़ पढने का स्थान।

ईदर (ایدر) फा अव्य –इधर, अब, यहाँ।

ईदी (عیدی) अ स्त्री –ईद से सम्बन्धित, पढ़ानेवाले मुल्ला को ईद का इनआम।

ईदुल अज़्हा (عیدالاضحی) अ स्त्री –दे 'ईदे क़ुर्बां' जो मास (ذوالحجه) की दस तारीख को होती है।

ईदुल फ़ित्र (عیدالفطر) अ स्त्री –वह ईद जो रोज़े पूरे होने की खुशी में मनायी जाती है और जिसमे सिवैंयाँ पकती है। यह तारीख़ पहली शव्वाल को होती है।

ईदे अज़्हा (عید اضحی) अ स्त्री –दे 'ईदे क़ुर्बां'।

ईदे क़ुर्बां (عید قربان) अ स्त्री –वह ईद जो हज की खुशी मे मनायी जाती है और जिसमे क़ुर्बानी होती है, बक़रीद।

ईदे रमज़ां (عید رمضان) अ स्त्री –दे 'ईदुल फ़ित्र'।

ईदैन (عیدین) अ स्त्री –दोनो ईदें, ईद और बकरीद।

ईन (عین) अ स्त्री –'ऐना' का बहु, काली आँखो वाली स्त्रियाँ।

ईनक (اینک) अ अव्य –यह, समीपवर्ती।

ईनत (اینت) फा अव्य –साधु-साधु, वाह-वाह, ओहो, बहुत अजीब।

ईनाँ (اینان) फा अव्य –दे 'ईनां'।

ईनास (ایناس) अ पु –अभ्यस्त होना, आदत पड जाना, जानना, सुनना, देखना।

ईफ़ा (ایفا) अ पु –वचन पूरा करना, प्रतिज्ञा-पालन।

ईफ़ाअ (ایفاع) अ पु –लडके का बालिग होना, ऊँचा होना, उठना।

ईफ़ाए अह्द (ایفاے عہد) अ पु –वचन या प्रतिज्ञा का पालन।

ईफ़ाए क़ौल (ایفاے قول) अ पु –बात का पालन।

ईफ़ाए वा'द (ایفاےوعده) अ पु –प्रतिज्ञा का पालन, बात निबाहना।

ईफ़ाग़ (ایفاغ) अ पु –दे 'ऐफ़ाग़'।

ईफ़ाल (ایفال) अ पु –रोगमुक्त होना, जल्दी जाना।

ईबा (ایبا) अ पु –सकेत, इशारा।

ईबास (ایباس) अ पु –सुखाना, ख़ुश्क करना।

ईमाँ (ایماں) अ पु –ईमान का लघु दे 'ईमान'।

ईमाँ फ़रोश (ایماں فروش) अ फा वि –बेईमानी करनेवाला, ईमान बेचनेवाला।

ईमाँ फ़रोशी (ایماں فروشی) अ फा स्त्री –ईमान बेचना, बेईमानी करना।

ईमा (ایما) अ पु –सकेत, इगित, इशारा।

ईमान (ایمان) अ पु –धर्म पर दृढ विश्वास, धर्म, मज़हब, विश्वास, यक़ीन, पथ, पथ, अक़ीदा।

ईमानदार (ایمان دار) अ फा वि –जो धर्म में पक्का हो, धर्मनिष्ठ, जो लेन-देन मे सच्चा हो, व्यवहारनिष्ठ।

ईमानदाराना (ایمان دارانه) अ फा वि –ईमानदारो जैसा, ईमानदारी का।

ईमानदारी (ایمان داری) अ फा स्त्री –धर्मनिष्ठता, व्यवहारनिष्ठता।

ईमान फ़रोश (ایمان فروش) अ फा वि –जो अपना ईमान बेच दे, बेईमान, गद्दार।

ईमान फ़रोशी (ایمان فروشی) अ फा स्त्री –ईमान बेच देना, बेईमानी करना, बेईमानी, गद्दारी।

ईमान बिलग़ैब (ایمان بالغیب) अ पु –बिना देखे किसी बात पर विश्वास, अनदेखे ईश्वर पर निष्ठा।

ईमाने कामिल (ایمان کامل) अ पु—पक्का ईमान, पूर्ण धर्मविश्वास।

ईयल (ایل) अ. पु—बारहसिंगा, हरिण की एक जाति।

ईयास (ایاس) अ पु—निराश करना, नाउम्मीद करना।

ईर (عیر) अ पुं—यात्रीदल, काफिला, हर जानवर जिस पर नाज लादा जाय।

ईराँ (ایراں) फा पु—'ईरान' का लघु॰, दे 'ईरान'।

ईरा (ایرا) अ पु—आग जलाना, चिमटे से आग निकालना।

ईराक (ایراق) अ पु—वृक्ष में से हरे पत्ते फूटना, कोपल निकलना।

ईराद (ایراد) अ पु—लागू करना, वारिद करना, आपत्ति उपस्थित करना, एतराज करना।

ईरान (ایران) फा पु—एशिया का एक प्रसिद्ध देश, फार्स, फारस।

ईरानी (ایرانی) फा वि—ईरान का निवासी, ईरान से सम्बन्धित।

ईरास (ایراس) अ पु—पेड के पत्ते पीले होना।

ईरास (ایراث) अ पु—अपना उत्तराधिकारी बनाना, दाय (रिक्थ) देना, तरिक पहुँचाना, किसी को शेष वस्तु देना।

ईर्मान (ایرمان) अ पु—जो बे बुलाये किसी दूसरे निमत्रित व्यक्ति के साथ दावत में जाय, तुफैली, लज्जा, शर्म, पश्चात्ताप, अफसोस।

ईर्सा (ایرسا) अ स्त्री—इन्द्रधनुष, धनक, सौसन की जड जो दवा में चलती है।

ईल (ایل) तु पु—वर्ष, साल, वशीभूत, ताब'दार, मित्र, दोस्त, अनुकूल, मुआफिक।

ईल (ایل) मु पु—ईश्वर, खुदा।

ईला (ایلا) अ पु—दान देना, बख्शना, पास होना, शपथ खाना।

ईलाक़ात (ایلاقات) तु पु—तुर्कों के रहने के मकानात और उनकी खेतो की जमीन आदि।

ईलाज (ایلاج) अ पु—एक वस्तु को दूसरी वस्तु के अन्दर घुसेडना।

ईलाद (ایلاد) अ पु—बच्चा पैदा करना, जनना।

ईलाफ (ایلاف) अ. पु—अभ्यस्त होना, आदी होना, रुष्ट होना, बेजार होना।

ईलाम (ایلام) अ पु—दुखित करना, कष्ट देना।

ईलिया (ایلیا) सु पु—बहुत सच्चा।

ईवा (ایوا) अ पु—बसाना, आबाद करना, स्थान देना, जगह देना।

ईवान (ایوان) फा पु—प्रासाद, भवन, महल, परिषद्, कौंसिल।

ईवाने ज़ेरीं (ایوان زیریں) फा पु—निम्न सदन, लोअर हाउस।

ईवाने बाला (ایوان بالا) फा पु—उच्च सदन, अपर हाउस।

ईवाने शाही (ایوان شاہی) फा. पु—राजभवन, राजद्वार, शाही महल।

ईशः (عیشہ) अ पु—चैन और सुख का जीवन।

ईश (ایش) अ पु—गुप्तचर, जासूस।

ईशाअ (ایشاع) अ पु—पेड में कलियाँ निकलना।

ईस (عیس) अ पु—सफेद ऊँट, जिनकी सफेदी में लालिमा हो।

ईस (عیص) अ पु—पेडो का झुड, भीड, अबोह।

ईसवी (عیسوی) अ वि—हजरत ईसा से सम्बन्धित वस्तु, जैसे—ईसवी सन्।

ईसा (ایصا) अ पु—उत्तराधिकारी बनाना, अपने बाद अपना वारिस बनाना, उपदेश देना, वसीयत करना।

ईसा (عیسیٰ) अ पु—हजरत ईसा, ईसा मसीह, ईसाई धर्म के सस्थापक।

ईसाई (عیسائی) अ वि—हज़रत ईसा के धर्म का अनुयायी, ख्रिष्टीय, क्रिश्चियन।

ईसाद (ایصاد) अ पु—पर्दा डालना, ढांकना, छिपाना, दरवाज़ा बन्द करना।

ईसानफस (عیسیٰ نفس) अ वि—जिसकी फूंक से मृतक प्राणी जी उठे, मुर्दो को जीवन प्रदान करनेवाला।

ईसानफसी (عیسیٰ نفسی) अ स्त्री—मृतक प्राणियो को जीवित करना, मुर्दे जिलाना।

ईसार (ایثار) अ पु—दूसरे के हित के लिए अपना हित त्याग देना, स्वार्थत्याग।

ईसार (ایسار) अ पु—मालदार होना, धनवान् होना।

ईसारपेशः (ایثار پیشہ) अ फा वि.—जो दूसरो के लिए अपना हित सदा ही त्याग देता हो।

ईसाल (ایصال) अ पु—पहुँचाना, भेजना।

ईसाले सवाब (ایصال ثواب) अ पु—मुर्दों की रूह को कुरान पढने या खाना खिलाने का सवाब पहुँचाना।

ईहाम (ایہام) अ पु—भ्रम, भ्रांति, वहम, एक अर्थालंकार जिसमें ऐसा शब्द लाते हैं जिसके दो अर्थ होते हैं और पासवाला अर्थ छोडकर दूरवाला अर्थ लगाते है।

उ

उंबूब. (انبوبہ) अ पु—टोटी, नली।

उंबूब (انبوب) अ. पुं.—उबूब का बहु., टोटियाँ, नलियाँ।
उंस (انس) अ पु—स्नेह, प्रेम, मुहब्बत; लगाव, तअल्लुक़।
उंसा (انثی) अ. स्त्री—मादा, स्त्री।
उंसीयत (انسیت) अ. स्त्री—स्नेह, मुहब्बत; लगाव, तअल्लुक
उंसुर (عنصر) अ पु—आग, पानी, हवा, मिट्टी, जिनसे आदमी का शरीर बना है, तत्त्व, भूत।
उंसुल (عنصل) अ पु—जंगली पियाज़।
उक़द (عقد) अ पु—'उक्द' का बहु, ग्रंथियाँ, गाँठें।
उक़ला (عقلا) अ पु.—'आक़िल' का बहु, बुद्धिमान् जन।
उक़ाब (عقاب) अ पु—गरुड, एक शिकारी चिड़िया।
उक़ाबीन (عقابین) अ पु—लोहे के काँटे।
उक़ाबैन (عقابین) अ पु—दो लम्बी लकडियाँ जिन पर अपराधियो को लटकाते थे।
उक़ार (عقار) अ स्त्री—मदिरा, शराब, एक प्रकार का लाल कपडा।
उकाश (عکاشہ) अ स्त्री—मकडी, लूता।
उक़ूक़ (عقوق) अ पु—माता-पिता की अवहेलना और अवज्ञा।
उक़ूल (عقول) अ स्त्री—'अक्ल' का बहु, बुद्धियाँ, अक्लें।
उक्काश (عکاش) अ पु—मकडी, लूता।
उक्द (عقدہ) अ पु—ग्रंथि, गुत्थी, गाँठ, जटिल समस्या, पेचीदा मसला।
उक्दःकुशा (عقدہ‌کشا) अ फा वि—गाँठ खोलनेवाला, समस्या हल करनेवाला; दु ख निवारण करनेवाला।
उक्दःकुशाई (عقدہ‌کشائی) अ फा स्त्री—गाँठ खोलना, समस्या हल करना, दु ख मेटना।
उक्दए ला यन्हल (عقدۂ لاینحل) अ पु—ऐसी गाँठ जो खुल न सके, ऐसी समस्या जो हल न हो सके।
उक्नूं (اکنوں) फा अव्य—अब, इस समय।
उक़्नूम (اقنوم) अ पु—मूल, जड, ईसाई धर्म की एक किताब जो तीन महान् ग्रंथो में से है।
उक्बा (عقبیٰ) अ पु—परलोक, यमलोक, आख़िरत।
उक्बान (عقبان) अ पु—'उक़ाब' का बहु, बहुत से उक़ाब, गरुड-समूह।
उक़्र (عقر) अ पु—बाँझपन।
उक्ल (عقلہ) अ पु—बंद, बाँध, रोक, रमल की एक शक्ल।
उक्लीदिस (اقلیدس) अ स्त्री—रेखागणित, ज्यामिति।
उक़्हुवान (اقحوان) अ पु—एक वनस्पति, बाबूना।
उख़्त (اخت) अ स्त्री—बहन, भगिनी।
उख़्दूद (اخدود) अ पु—ज़मीन की लम्बी-लम्बी दर्ज़ें और खोहें।
उख़्रवी (اخروی) अ वि—परलोक सम्बन्धी, आख़िरत का, आख़िर का, अन्त का।
उख़्रा (اخریٰ) अ स्त्री—आख़िरी, अंतिम।
उख़ुव्वत (اخوت) अ स्त्री—भाईचारा, बंधुत्व।
उग़ुल (اوغل) तु पु—लडका, बालक।
उग़्लूतः (اغلوطہ) अ पु—कोई वस्तु या बात जिससे दूसरा भ्रम में पड जाय, धोखा।
उजुब (اوجوب) तु वि—विस्तृत, कुशादा।
उज़मा (عظما) अ पु—अज़ीम का बहु, बडे लोग, प्रतिष्ठित जन।
उजाक़ (اوجاق) तु पु—चूल्हा, अँगीठी।
उजाग़ (اوجاغ) तु पु—दे 'उजाक़'।
उजाज (اجاج) अ पु—खारा पानी, कडवा नमक।
उज़ाद (عضاد) अ पु—दरवाज़े में बाज़ू की लकडी।
उजाब (عجاب) अ पु—आश्चर्य, विस्मय, तअज्जुब।
उज़ाम (عظام) अ पु—'अज़ीम' का बहु, बडे लोग, महान् अनेक व्यक्ति।
उजालः (عجالہ) अ पु—वह वस्तु जो तुरन्त लायी जा सके।
उजालत (عجالت) अ स्त्री—दे 'उजाल'।
उज़ुन (اذن) अ पु—कान, कर्ण।
उजूबः (اعجوبہ) अ वि—विलक्षण, विचित्र, अद्भुत, अजीबो ग़रीब।
उजूरः (اجورہ) अ पु—मज़दूरी, पारिश्रमिक।
उज्जः (عجہ) अ पु—अण्डे का खागीन, आमलेट।
उज्ज़ (عجز) अ पु—श्रोणि, कटिदेश, चूतड।
उज़्ज़ा (عزیٰ) अ पु—अरब की एक प्राचीन मूर्ति जिसकी पूजा होती थी।
उज़्ज़ाम (عظام) अ पु.—'अज़ीम' का बहु, बडे लोग।
उज़्न (اذن) अ पु—कान, कर्ण, दे 'उज़ुन' दोनो शुद्ध हैं।
उज्ब (عجب) अ पु—अहंकार, अभिमान, ग़ुरूर।
उज़्म (عزم) अ पु.—निश्चय, संकल्प, इरादा, दे 'अज़्म', दोनो शुद्ध हैं।
उज़्म (اوزم) तु पु—अंगूर, द्राक्षा।
उज़्र (عذر) अ पु—आपत्ति, एतराज़, विवशता, मजबूरी।
उज्रत (اجرت) अ स्त्री—मज़दूरी, भृति, पारिश्रमिक।
उज़्रदार (عذردار) अ फा वि—आपत्तिकर्ता, एतराज़ करनेवाला, क़ानूनी उज़्रदारी करनेवाला।
उज़्रदारी (عذرداری) अ फा स्त्री—आपत्ति करना, उज़्र लगाना, किसी दूसरे के मुक़ाबले में अपने हक की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करना।
उज्रा (اجرا) अ पु—वृत्ति, वज़ीफा।

उज़्रेज़माँ (عزرزماں) अ. फा. पुं.—मासिक धर्म, हैज़।

उज़्रेलंग (عزرلنگ) अ. फा पु —ऐसा उज़्र जिसे मानने में संदेह हो, झूठा उज़्र।

उज़्लत (عزلت) अ. स्त्री —बाल-बच्चों से विरक्त होकर ईश्वर-स्मरण में लगना; एकान्तवास करना; एकान्त, तन्हाई।

उज्लत (عجلت) अ स्त्री.—शीघ्रता, जल्दी, इसका शुद्ध उच्चारण 'इज्लत' है, परन्तु उर्दू में 'उज्लत' ही बोलते हैं।

उज़्लतगुज़ीं (عزلت‌گزیں) अ. फा वि —एकांतवासी, संसार के झगड़ों से विरक्त, गोशानशीन।

उज़्लतनशीं (عزلت‌نشیں) अ फा. वि —दे. 'उज़्लतगुज़ीं'।

उज़्व (عضو) अ. पु —अवयव, अंग, शरीर का कोई भाग।

उज़्हूकः (اضحوکہ) अ वि —वह जिस पर सब हँसें, हास्यास्पद।

उताक़ः (اتاقہ) तु —कलग़ी।

उताक़ (اتاق) तु —घर, गृह, मकान; कोठा, कमरा।

उताग़ (اتاغ) तु —दे 'उवाक़'।

उतारिद (عطارد) अ. पु —बुध ग्रह।

उताश (عطاش) अ. स्त्री —प्यास की बीमारी, वह रोग जिसमें प्यास अधिक लगे।

उतास (عطاس) अ. स्त्री —छींकें आने का रोग, छींक।

उतुल [ल्ल] (عتل) अ. पु —बहुत खानेवाला; कड़ी आवाज़-वाला; अत्याचारी; कड़ा नेज़ा, मोटा बल्लम।

उतुव्व (عتو) अ वि —अभिमान, ग़ुरूर; उद्दंडता, सरकशी, हद से गुज़र जाना; बहुत बूढ़ा हो जाना।

उती (عتی) अ. वि —दे 'उतुव्व'।

उतू (اتو) फा. पु —लोहे का ठप्पा जिसे गरम करके कपड़ा छापते हैं।

उत्बः (عتبہ) अ पु —अरब का एक व्यक्ति।

उत्वा (عتوا) अ पु —आज्ञा, मर्ज़ी।

उत्रुज (اترج) अ. पु —निम्बु, नीबू।

उत्रूबः (اطروبہ) अ पु —वह वस्तु जो आनन्द दे, बाजा-गाजा आदि मनोरंजन के साधन।

उत्रूश (اطروش) अ वि —बधिर, बहरा।

उत्लत (عطلت) अ स्त्री —निठल्लापन, बेकारी, काम का अभाव।

उदबा (ادبا) अ पु —अदीब का बहु, साहित्यसेवी लोग, अदीब लोग।

उदात (عدات) अ पु —'आदी' का बहु, शत्रु लोग।

उदूल (عدول) अ पुं —अवज्ञा, अवहेलना, नाफ़र्मानी।

उदूलहुक्मी (عدول حکمی) अ. स्त्री —आज्ञा न मानना, आज्ञोल्लंघन, नाफ़र्मानी।

उद्दत (عدت) अ. स्त्री —तत्परता, तैयारी, बनावट, साख़्त।

उद्वः (عدوہ) अ. पु —दूर का स्थान; नदी का किनारा, नदीतट।

उद्वान (عدوان) अ. पु —शत्रुता, दुश्मनी; अत्याचार, ज़ुल्म।

उनसा (انسا) अ पु —'अनीस' का बहु, मित्रगण, दोस्त, अहबाब।

उनास (اناث) अ स्त्री —'उंसा' का बहु, मादाएँ, स्त्रियाँ।

उनास (اناس) अ पु —लोग, जन-समूह (इस शब्द का एक-वचन नही है)।

उनुक़ (عنق) अ स्त्री —गर्दन, ग्रीवा, गला।

उनुस (انث) अ स्त्री.—'उंसा' का बहु, मादाएँ।

उनूद (عنود) अ पु —सत्य के प्रतिकूल कार्य करना; युद्ध करना, लड़ना।

उनूस (عنوس) अ पु —लड़की का बालिग़ होकर बिना पति के बहुत दिनों घर में बैठना।

उन्क़ (عنق) अ स्त्री —दे 'उनुक़', दोनों शुद्ध हैं।

उन्नाब (عناب) अ पु —झरबेरी की तरह के फल जो दवा में काम आते हैं।

उन्नाबी (عنابی) अ वि —उन्नाब जैसे रंगवाला, हलका बैंगनी।

उन्फ़ (عنف) अ. पु —खुर्रापन, खुरदरापन, रुखाई, बेरुख़ी।

उन्फ़ुवान (عنفوان) अ पु —प्रारम्भ, शुरूआत, युवावस्था का आरम्भ।

उन्फ़ुवाने शबाब (عنفوان شباب) अ फा पु —जवानी की उठान, यौवनारम्भ।

उन्मूज़ज (انموذج) अ पु —नमूना, बानगी।

उन्वान (عنوان) अ पु —शीर्षक, सुर्ख़ी, शैली, पद्धति, तर्ज़; प्रशस्ति, सरनामा, ख़त का अल्क़ाबो आदाब, प्रस्तावना, दीबाचा, प्रयत्न, युक्ति, तदबीर।

उफ़ (اف) अ अव्य.—हाय, ओह, आह, हा।

उफ़ुक़ (افق) अ पु —क्षितिज, वह स्थान जहाँ आकाश पृथ्वी से मिला हुआ जान पड़ता है।

उफ़ूनत (عفونت) अ स्त्री.—दुर्गन्ध, बदबू; सड़ाँध, सड़ने की दुर्गंध।

उफ़ूल (افول) अ पुं —अस्त होना, डूबना।

उफ़ूसत (عفوصت) अ स्त्री —कसैलापन, कसटापन।

उफ़्ताँ (افتاں) फा वि —गिरता-पड़ता।

उफ्ताद (اوفتاده) फा वि –गिरा हुआ, पडा हुआ, दु खित, दलित, मुसीबतजदा।
उफ्ताद (افتاد) फा स्त्री –आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत, दैवी आपत्ति, बला, कह्‌र (कहर)।
उफ्तादगी (افتادگی) फा स्त्री –गिरना, पडना, विपत्ति, आपत्ति, दु ख, विनय, आजिज़ी।
उफ्तादनी (افتادنی) फा वि –गिरने योग्य, जो गिराया जा सके, जो गिर सके।
उबाब (عباب) अ पु –छुहारे के पेड का पत्ता, पानी की प्रचड वाढ, वहुतायत, भरा होना, ऊँचाई, शुरुआत।
उबुव्वत (ابوت) अ स्त्री –वाप होना, पितृत्व।
उबूदीयत (عبودیت) अ स्त्री –दासता, बदगी।
उबूर (عبور) अ स्त्री –नदी आदि को पार करना, उतरना।
उबूसत (عبوست) अ स्त्री –तुरुश रुई, मुँह वनाना, विमुखता, उपेक्षा।
उबूहुल (ابہل) अ पु –एक वनौषधि, हाऊवेर।
उम(म्म) (ام) अ स्त्री –माता, माँ।
उमम (امم) अ स्त्री –'उम्मत' का वहु, उम्मतें, विभिन्न धर्म-समुदाय।
उमर (عمر) अ पु –मुसलमानो के दूसरे खलीफा।
उमरा (امرا) अ पु –'अमीर' का बहु, धनवान् लोग।
उमीद (امید) फा स्त्री –दे 'उम्मीद'।
उमीदवार (امیدوار) फा वि –दे 'उम्मीदवार'।
उमुक़ (عمق) अ पु –गहराई, गभीरता।
उमुद (عمد) अ पु –'अमूद' का वहु, खभे।
उमूम (عموم) अ पु –साधारण, आम।
उमूमन (عموماً) अ वि –प्राय, बहुधा, अक्सर।
उमूमी (عمومی) अ वि –सार्वजनिक, अवामी, जनसाधारण से सम्बन्ध रखनेवाला।
उमूमीय' (عمومیہ) अ स्त्री –जनता, पब्लिक।
उमूमीयत (عمومیت) अ स्त्री –साधारणता (विशेषता का उलटा)।
उमूमीयत (امومیت) अ स्त्री –माँ की ममता, वात्सल्य।
उमूर (امور) अ पु –'अम्र' का वहु, कार्य-समूह, काम, ममस्याएँ, ममले।
उमूरेआम्म. (امورعامہ) अ पुं –जनसाधारण के हित सम्बन्धी कार्य।
उम्द (عمدہ) अ वि –उत्तम, श्रेष्ठ, वढिया, सुन्दर, मनोरम, विश्वासपात्र, मा'तमद।
उम्दगी (عمدگی) अ फा स्त्री –उत्तमता, वढियापन, सुन्दरता, खुशनुमाई, श्रेष्ठता, खरापन।
उम्नीयत (امنیت) अ स्त्री –आशा, आर्जू, उम्मीद, झूठ, मिथ्या, उद्देश, मक्सद, पुस्तक का पाठ।
उम्म (ام) अ स्त्री –माता, जननी, माँ।
उम्मत (امت) अ स्त्री –किसी विशेष अवतार या पैगम्वर को माननेवाला समुदाय।
उम्महत (امہت) अ स्त्री –माता, माँ, (केवल मानव जाति की)।
उम्महात (امہات) अ स्त्री –'उम्महत' का बहु, माताएँ। यह शब्द केवल मानवजाति के लिए प्रयुक्त होता है।
उम्महातेसिफ्ली (امہات سفلی) अ स्त्री –पचभूत, अनासिर, पृथ्वी के तल।
उम्मात (امات) अ स्त्री –'उम्म' का वहु, मानवजाति के अतिरिक्त दूसरी माताएँ।
उम्मान (عمان) अ पु –अरव के शाम प्रदेश का एक नगर।
उम्माल (عمال) अ पु –आमिल का बहु, कर्मचारी वर्ग, अमला।
उम्मी (امی) अ वि –वह व्यक्ति जिसका पिता वाल्यावस्था में मर जाय और जिसके कारण वह पढ-लिख न सके, वह व्यक्ति जो लिखना-पढना न जानता हो, चाहे अपने वाप की छत्रछाया में जवान हुआ हो, मुहम्मद साहब का लकव जिन्होने किसी से पढा न था।
उम्मीद (امید) फा स्त्री –आशा, आस, उमीद; इच्छा, ख्वाहिश, उत्कठा, इश्तियाक, भरोसा, सहारा, आसरा।
उम्मीदवार (امیدوار) फा वि –आशान्वित, आस लगाये हुए, नौकरी आदि का उम्मीदवार।
उम्मुद्दिमाग़ (ام الدماغ) अ स्त्री –सर के भीतर भेजा रहने का स्थान।
उम्मुल उलूम (ام العلوم) अ स्त्री –व्याकरण।
उम्मुल किताब (ام الکتاب) अ स्त्री –कुरान की पहली सूरत, 'फातिहा'।
उम्मुल ख़वाइस (ام الخبائث) अ स्त्री –सारी बुराइयो की माँ अर्थात् शराव।
उम्मुल जराइम (ام الجرائم) अ स्त्री –सारे अपराधो की माँ, दरिद्रता, मुफिलसी।
उम्मुस्सिब्यान (ام الصبیان) अ स्त्री –वच्चो का एक रोग, जमोगा।
उम्मेग़ीला (ام غیلاں) अ स्त्री –ववूल का पेड।
उम्मेमिल्दम (ام ملدم) अ स्त्री –मौत की माँ, क्षयरोग, तपेदिक।
उम्मेवलद (ام ولد) अ स्त्री –वह दासी जिसने अपने स्वामी के सहवास से पुत्र या कन्या को जन्म दिया हो।

उम्र: (عمرہ) अ पु –हज करनेवालो की एक इबादत, मक्के से तीन कोस पर 'तन्ईम' नामक स्थान पर नमाज पढ़कर वापस आकर, का'बे का तवाफ करते है।

उम्र (عمر) अ स्त्री –आयु, अवस्था, सिन।

उयून (عیون) अ पु –'ऐन' का बहु, चश्मे, सोते, आँखे, नेत्र-समूह।

उयूब (عیوب) अ पु –'ऐब' का बहु, बहुत से दोष।

उयूल (عیول) अ स्त्री –संन्यास, दरवेशी, फकीरी, निर्धनता।

उरफा (عرفا) अ पु –आरिफ का बहु, ब्रह्मज्ञानी लोग, महात्मा लोग।

उराज़: (عراضہ) अ पु –वह वस्तु जो यात्री विदेश से लाकर उपहार के तौर पर मित्रो को दे।

उरात (عرات) अ पु –'आरी' का बहु, नग्न लोग, नगे।

उरुज (عروج) अ पु –उन्नति, तरक्की, ऊँचाई, बलदी, उत्कर्ष, उत्थान, उठान।

उरुज़्ज़ (ارز) अ पु –चावल।

उरुस (عرس) अ पु –दे 'उर्स', दोनो शुद्ध है।

उरूक (عروق) अ स्त्री –'इर्क' का बहु, रगे, नसे।

उरूज़ (عروض) अ पु –प्रकट होना, जाहिर होना, लागू होना, आरिज होना।

उरूफ (عروف) अ पु.–किसी चीज से मुँह फेर लेना, दिल सर्द हो जाना, उत्साह न रहना, लग्नाभाव।

उरेब (اریب) फा. पु –तिरछा, टेढा, तिरछापन, टेढ, वक्रता।

उर्ज़: (عرضہ) अ पु –साहस, हिम्मत, मिष, बहाना, बीच मे डाला हुआ।

उर्दक (اردک) तु स्त्री –मुर्गाबी, एक प्रसिद्ध जल पक्षी।

उर्दक परानी (اردک پرانی) तु फा स्त्री –ठठोल, उपहास, मसखरी।

उर्दी (اردی) फा पु –ईरानी दूसरा महीना, बहार का महीना।

उर्दीविहिश्त (اردی بہشت) फा पु –दे 'उर्दी'।

उर्दू (اردو) तु पु –सेनावास, छावनी, फौजी पडाव (स्त्री) उर्दू भाषा।

उर्दूए मुअल्ला (اردوۓ معلی) तु अ स्त्री –वह उर्दू जो दिल्ली के किले मे बेगमे बोलती थी, उच्च कोटि की उर्दू भाषा।

उर्दूबाजार (اردوبازار) तु फा पु –सेनावास, छावनी, सदर बाजार।

उर्फ (عرف) अ पु –मुख्य नाम के अतिरिक्त दूसरा छोटा नाम जो प्राय बचपन मे पड जाता है।

उर्फीयत (عرفیت) अ स्त्री –उर्फ होना, उर्फवाला नाम।

उर्वीय (اربیہ) अ स्त्री –जाँघ की जड, चिड्ढा।

उर्म: (ارمہ) सु पु –उर्मिया का लघु, दे 'उर्मिया'।

उर्मिया (ارمیا) सु पु –खिज्र का नाम।

उर्मुज़ (ارمز) फा पु –हर ईरानी महीने की पहली तारीख।

उर्यां (عریاں) अ वि –नग्न, नंगा, अश्लील, फोहश।

उर्यां नवीस (عریاں نویس) अ फा वि –अश्लील लेख लिखनेवाला, फोह्श निगार।

उर्यां निगार (عریاں نگار) अ फा वि –दे 'उर्यां नवीस'।

उर्यानी (عریانی) अ स्त्री –नग्नता, नगापन, अश्लीलता, फक्कडपन।

उर्यानीपसद (عریانی پسند) अ फा वि –जिसे अश्लीलता पसद हो।

उर्व: (عروہ) अ पु –हर चीज़ का किनारा, लोटे आदि का दस्ता, हत्था।

उर्वतुलवुस्का (عروۃالوثقی) अ पु –प्रमाणित, दस्तावेज़।

उर्स (عرس) अ पु –व्याह का खाना, किसी मुसलमान ऋषि का वार्षिक उत्सव।

उलग (النگ) तु पु –चरागाह, गोचर, सब्जाज़ार।

उलमा (علما) अ पु –'आलिम' का बहु, आलिम लोग, विद्वज्जन।

उला (علا) अ स्त्री –उच्चता, बलदी, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी; उत्तमता, उग्दगी।

उलाक (الاق) तु पु –गधा, गदहा, खर, रासभ।

उलाग (الاغ) तु पु –दे 'उलाक'।

उलाचुक (الاچق) तु पु –जगली आदमियो की झोपडी जो बालो से बनायी जाती है।

उलुग (الغ) तु पु –बडा, श्रेष्ठ, महान्।

उलुलअज़्म (اولوالعزم) अ वि –बडी हिम्मतवाला, साहसी, उच्चोत्साही।

उलुलअज्निह. (اولوالاجنحہ) अ पु –परोवाला, फिरिश्त:।

उलुलअम्र (اولوالامر) अ वि –शासक, हुक्मरा, युग का महापुरुप।

उलुलअल्बाब (اولوالالباب) अ वि –वुद्धिमान्, अक्लमद।

उलुवीयां (علویاں) अ फा पु –सैयद लोग, सादात।

उलुव्व (علو) अ पु –उच्चता, ऊँचाई, बलदी।

उलुश (اولوش) तु पु –अमीरो के आगे का बचा हुआ खाना जो नौकरो का हक होता है, किसी ऋषि मुनि के आगे का बचा हुआ खाना, जो प्रसाद के तौर पर खाया जाता है, तवर्रुक, प्रसाद, भोग।

उलुस (اولوس) तु पु –राष्ट्र, क़ौम, जाति, बरादरी, बिरादरी।

उलूक़ (علوق) अ पु –लटकना, मित्र रखना, गर्भाशय में भ्रूण बनने के समय पुरुष के वीर्य के साथ स्त्री के रक्त का जमना।
उलूफ़ः (علوفه) अ पु –खुराक, भोजन, खाद्य पदार्थ, खुर्दनी चीज़।
उलूफ़ (الوف) अ पु –'अल्फ़' का बहु, सहस्रों, हज़ारों।
उलूम (علوم) अ पु –इल्म का बहु, विद्याएँ, शास्त्र समूह।
उलूमेअक्ली (علوم عقلی) अ पु –वे विद्याएँ जिनका सम्बन्ध बुद्धि और तर्क से है।
उलूमेनक्ली (علوم نقلی) अ पु –वे विद्याएँ जिनका सम्बन्ध बुद्धि से नहीं है, बल्कि पुस्तक में लिखे हुए को मानने से है, जैसे—धर्म-सम्बन्धी विद्याएँ।
उल्क (الکہ) तु पु –देश, राष्ट्र।
उल्फ़त (الفت) अ स्त्री –प्रेम, स्नेह, मुहब्बत।
उल्या (علیا) अ स्त्री –'आ'ला' का स्त्रीलिंग, जैसे—पुरुष के लिए 'आ'ला हज़्रत' स्त्री के लिए 'उल्या हज़्रत'।
उवैस (اویس) अ पु –एक मुसलमान ऋषि, जो यमन देश के 'करन' गोत्र से थे।
उश(श्श) (عش) अ पु –नीड, घोंसला।
उशक़ (اشق) अ पु –एक गोंद जो दवा में काम आता है।
उशाक़ (اشاق) तु पु –बिना दाढ़ी मूँछ का सुन्दर लड़का, अम्रद।
उश्तुर (اشتر) फा पु –उष्ट्र, ऊँट।
उश्तुलुम (اشتلم) तु पु –प्रचंडता, तेज़ी; अत्याचार, ज़ुल्म, प्रभुत्व, ग़लबा।
उश्नान (اشنان) फा पु –एक घास जिससे खाद बनता है।
उश्ब (عشبہ) अ पु –एक वनौषधि जो रक्त शुद्धि के लिए प्रसिद्ध है।
उश्ब (عشب) अ पु –हरी घास।
उश्र (عشر) अ वि –दसवाँ भाग, दशम अंश, $\frac{1}{10}$।
उश्रेअशीर (عشرعشیر) अ वि –दसवें का दसवाँ भाग अर्थात् सौवाँ भाग, $\frac{1}{100}$, शतांश।
उश्व (عشوه) अ पु –आग जो रात में दूर से दिखायी पड़े, छिपाकर काम करना।
उश्शाक़ (عشاق) अ पु –'आशिक़' का बहु, प्रेमी लोग।
उस(स्स) (عس) अ पु –बड़ा पियाला, बादिय।
उसात (عصات) अ पु –'आसी' का बहु, पापी लोग।
उसाम (اسامہ) अ पु –व्याघ्र, शेर, एक सिहावी।
उसार (عصاره) अ पु –किसी पेड़ के पत्तों आदि का कुचल कर निकाला हुआ रस जो धूप या आग में जमा लिया जाता है।
उसारा (اسارا) अ पु –'असीर' का बहु, बंदीजन, क़ैदी लोग।
उसुर (عسر) अ स्त्री –दे 'उस्र, दोनों शुद्ध हैं।
उसूफ़ (عصوف) अ पु –वायु का बहुत वेग से चलना, झक्कड़ चलना।
उसूल (اصول) अ पु –'अस्ल' का बहु, जड़ें, सिद्धान्त समूह, नियम, क़ायदे।
उसूलन (اصولاً) अ वि –उसूल से, नियमानुसार।
उसूली (اصولی) अ वि –मौलिक, आधारभूत, बुनियादी।
उसैल (عسیلہ) अ पु –मैथुनानंद, हमबिस्तरी की लज़्ज़त, वीर्य, मनी।
उस्उस (عصعص) अ पु –चूतड़ों के बीच की हड्डी, दुमग़ज़ा, सुस्त और आलसी व्यक्ति।
उस्क़ुफ़ (اسقف) अ पु –ईसाइयों का धार्मिक गुरु, पादरी।
उस्क़ुफ़े आ'ज़म (اسقف اعظم) अ पु –सबसे बड़ा पादरी, लाट पादरी।
उस्कुफ्फ़ः (اسکفہ) अ पु –देहलीज़, चौखट।
उस्कुर (اسکره) अ पु –छोटा पियाला, सकोरा।
उस्कुर्जः (اسکرجہ) अ पु –दे 'उस्कुर'
उस्गर (اسغر) फा पु –सेही, एक प्रसिद्ध जन्तु।
उस्त (استہ) फा पु –खजूर की गुठली।
उस्ता (اوستا) फा पु –पारसियों का एक धार्मिक ग्रंथ।
उस्ताज़ (استاذ) अ पु –दे 'उस्ताद'।
उस्ताद (استاد) फा पु –शिक्षक, अध्यापक, कोई शिल्प आदि सिखानेवाला, चालाक, होशियार।
उस्तादानः (استادانہ) फा वि –उस्तादों जैसा, चालाकी का।
उस्तादी (استادی) फा वि –उस्ताद से सम्बन्धित (स्त्री) चालाकी, धूर्तता।
उस्तुक़ुस (اسطقس) अ पु –तत्त्व, पंचभूत, उंसुर।
उस्तुख्वाँ (استخوان) फा पु –हड्डी, अस्थि।
उस्तुख्वाँदार (استخوان دار) फा वि –दृढ़, मज़बूत, स्थिर, क़ायम।
उस्तुन (استن) अ पु –स्थूण, सुतून, खंभा।
उस्तुरः (استره) फा पु –हजामत बनाने का नाई का छुरा।
उस्तुर्दः (استرده) फा वि –मूँडा हुआ, मुंडित।
उस्तुर्लाब (اصطرلاب) अ पु –एक यंत्र जिससे ग्रहों आदि की पैमाइश होती है।
उस्तुवानः (اسطوانہ) अ पु –स्थून, सुतून, खंभ।
उस्तुवार (استوار) फा वि –दृढ़, मज़बूत, स्थायी, मुस्तकिल।
उस्तुवारी (استواری) फा वि –दृढ़ता, मज़बूती, स्थायित्व, इस्तिक्लाल।

उस्तूरः (اسطورہ) अ पु —कहानी, आख्यायिका, अफ़साना।
उस्तूल (اسطول) अ पु —युद्धपोत, जगी जहाज़।
उस्पुश (اسپش) फा पु —जूँ, स्वेदज।
उस्फ़ुर (عصفر) अ पु —कुसुम का फूल।
उस्फ़ूर (عصفور) अ पु —चटक, गौरैया, एक प्रसिद्ध घरेलू चिड़िया।
उस्बः (عصبہ) अ पु —मनुष्यो का समूह जो बीस से चालीस तक हो।
उस्बूअः (اسبوعہ) अ पु —सप्ताह, हफ्ता।
उस्बूअ (اسبوع) अ पु —सप्ताह, हफ्ता, सात वार; सात दिन।
उस्मान (عثمان) अ. पु —मुसलमानो के तीसरे खलीफा।
उस्मूर (عصفور) अ पु —पानी का रहट, डोल।
उस्रः (عسرہ) अ पु —दे 'उस्रत'।
उस्र (عسر) अ पु कठिनता, दुश्वारी।
उस्रत (عسرت) अ स्त्री —कठिनता, दुष्करता, असुगमता, दुश्वारी, दरिद्रता, कगाली।
उस्रतज़दः (عسرت زدہ) अ फा वि —दरिद्र, कगाल।
उस्रुब (اسرب) अ पु —सीसा, सीसक, एक प्रसिद्ध धातु जिसकी गोली बनती है।
उस्लूब (اسلوب) अ पु —पद्धति, शैली, ढग, आचरण, वज़ा; व्यवहार, तर्जेअमल।
उस्वः (اسوہ) अ पु —नेता, पेशवा, ऐसा आचरण जिसका अनुकरण कल्याणकर हो, जटिल समस्याओ को हल करनेवाला नेता।
उस्वएहसनः (اسوۂحسنہ) अ पु —सदाचार, अच्छा आचरण।
उहूद (عہود) अ पु —'अहद' का बहु, प्रतिज्ञाएँ, वचन, वा'दे।
उहदूसः (احدوثہ) अ पु —कहानी, आख्यान, किस्सा।
उहबत (اہبت) अ पु —हथियार और सामान।

ऊ

ऊ (او) फा अव्य —वह।
ऊक (عوق) अ पु —'ऊज' का पिता।
ऊक़िय. (اوقیہ) अ पु —आधी छटाँक से कुछ अधिक की एक तोल।
ऊक़ियानूस (اوقیانوس) अ पु —अतलातिक महासागर।
ऊज (عوج) अ पु —एक बहुत ही लम्बा व्यक्ति जो हज़रत आदम के जमाने मे पैदा हुआ और हजरत मूसा के जमाने तक रहा, साढे तीन हजार बरस की आयु पायी, इसके बाप का नाम 'ऊक' है। जो लोग 'ऊजबिन उनुक' कहते है वे गलत कहते है, 'ऊजबिन ऊक' कहना चाहिए।
ऊद (عود) अ पु —एक सुगधित लकडी, अगरु; एक बाजा, बर्बत।
ऊदनवाज़ (عودنواز) अ फा. पु —बर्बत बजानेवाला।
ऊदसाज़ (عودساز) अ फा वि —बर्बत बाजा बनानेवाला।
ऊदसोज़ (عودسوز) अ फा पु —ऊद सुलगाने का पात्र, अगरदान।
ऊर (عور) फा वि —नग्न, नगा, बरहना।
ऊरी (عوری) फा वि —नग्नता, नगापन।
ऊस (عوس) अ स्त्री —बकरी की एक जाति।

ए

ए (اے) फा अव्य —ऐ, अयि, बुलाने का सबोधन, 'ए'।
एआद. (اعادہ) अ पु —दोहराना, पुनरावृत्ति; लौटना, वापस आना।
एआदए शबाब (اعادۂ شباب) अ फा पु —युवावस्था की पुन वापसी, बूढे का जवान बनना।
एआनत (اعانت) अ स्त्री —सहायता, मदद।
एआनते मुज्रिमान. (اعانت مجرمانہ) अ फा स्त्री —अपराध करने मे सहायता, अवैध सहायता।
एज़द ((ایزد) फा पु —ईश्वर, खुदा।
एज़द परस्त (ایزد پرست) फा वि —आस्तिक, ईश्वरवादी, खुदा को माननेवाला।
एज़दी (ایزدی) फा वि —ईश्वरीय, ईश्वर का; ईश्वर-सम्बन्धी।
एजाज़ (اعجاز) अ पु —चमत्कार, करामात, —"तेरे एजाज की है धूम जमाने भर मे—मैं जो बच जाऊँ तो समझूँ कि मसीहाई है।"
ए'जाज़े ईसवी (اعجاز عیسوی) अ. पु —मृतक प्राणियो को जीवित करने का चमत्कार।
ए'जाब (اعجاب) अ पु —अभिमान करना, घमंड करना; मान, हर्ष, घमड।
ए'जाल (اعجال) अ पु —शीघ्रता करना, जल्दी करना।
एज़ाज़ (اعزاز) अ पु —सम्मान, प्रतिष्ठा, इज्जत, राज्य या किसी बडी सभा की ओर से कोई महत्वपूर्ण काम सपुर्द करके सम्मान।
एज़ाज़ी (اعزازی) अ वि —कोई काम जो सम्मान के लिए हो, अवैतनिक कार्य।
ए'ता (اعطا) अ पु —देना, प्रदान करना, अता करना; बख्शिश, पुरस्कार।

ए'ताक़ (اعتاق) अ पु –दास को मुक्त करना, अपने बंधन से छोडना।
ए'ताश (اعطاش) अ पु –प्यासा करना।
ए'तिक़ाद (اعتقاد) अ पु –श्रद्धा, आस्था, अकीद , प्रत्यय, विश्वास, यकीन।
ए'तिकाफ़ (اعتكاف) अ पु –एकान्त मे ईश्वर की तपस्या, एकान्तवास, गोशानशीनी।
ए'तिज़ाज़ (اعتزاز) अ पु –प्रिय होना, प्यारा होना, अज़ीज़ होना।
ए'तिज़ाम (اعتزام) अ पु –सकल्प करना, इरादा पक्का करना, दृढ़-प्रतिज्ञ होना।
'तिज़ार (اعتزار) अ पु –उज्र करना, विवशता प्रकट करना, उज्रदारी करना, उज्र, आपत्ति।
ए'तिज़ाल (اعتزال) अ पु –अलग होना, एकान्तवासी होना, यह अकीदा होना कि मनुष्य अच्छे बुरे कर्मों का स्वय ही कर्ता है, ईश्वरेच्छा का इसमें कोई प्रश्न नही।
ए'तिदा (اعتدا) अ पु –अनीति करना, ज़ुल्म करना।
ए'तिदाल (اعتدال) अ पु –गर्मी-सर्दी या तरी-ख़ुश्की में बराबर होना, सतुलन, बराबरी।
ए'तिना (اعتنا) अ पु –सहानुभूति करना, हमदर्दी करना, रोगी की देख-रेख करना, दया करना, सहानुभूति, तीमारदारी, दया, कृपा।
ए'तिनाक़ (اعتناق) अ पु –गले मिलना, एक दूसरे के गले में हाथ डालना।
ए'तिमाद (اعتماد) अ पु –किसी चीज़ पर पीठ टेकना, सहारा लेना, सहारा, भरोसा, विश्वास, यकीन।
ए'तिमाल (اعتمال) अ पु –काम करना।
ए'तियाक़ (اعتياق) अ पु –मना करना, बाज़ रखना, रोकना।
ए'तियाज़ (اعتياض) अ पु –बदला लेना, बदला देना।
ए'तियास (اعتياص) अ पु –किसी पर कोई कार्य कठिन होना, कठिनाई मे पडना।
ए'तिराज़ (اعتراض) अ पु –आपत्ति, उज्र, हस्तक्षेप, दस्तदाज़ी, बीच में आ जाना।
ए'तिराफ़ (اعتراف) अ पु –स्वीकृति, अगीकृति, इक़रार, अपने अपराध को स्वीकृति, इक़रारेजुर्म।
ए'तिला (اعتلا) अ पु –ऊपर उठना, ऊँचा होना, बलद होना।
ए'तिलाफ़ (اعتلاف) अ पु –पशु का घास खाना।
ए'तिलाल (اعتلال) अ पु –बीमार पडना, रोग-ग्रस्त होना।
ए'तिवार (اعتوار) अ पु –किसी वस्तु को हाथों-हाथ लेना।
ए'तिशाश (اعتشاش) अ पु –बाल-बच्चो के लिए बहुत थोडा खाना लाना।
ए'तिसाफ़ (اعتساف) अ पु –कुमार्ग पर चलना, अनीति करना, ज़ुल्म करना।
ए'तिसाम (اعتصام) अ पु –सयम, इद्रियनिग्रह, परहेज़गारी।
ए'तिसार (اعتصار) अ पु –निचोडना।
ए'तिसास (اعتساس) अ पु –रात को पहरा देना, रात को गश्त लगाना।
ए'दाम (اعدام) अ पु –ध्वस्त करना, बरबाद करना।
ए'फ़ाफ़ (اعفاف) अ पु –किसी को सयम नियम का पाबद बनाना।
एबक (ايبک) तु पु –दास, गुलाम, एलची, दूत, प्रेमपात्र, मा'शूक।
एमन (ايمن) फा वि –'आमन' का इमाल, सुरक्षित, महफ़ूज़, अभय, निडर।
एमनी (ايمنى) फा स्त्री –सुरक्षा, हिफ़ाजत, भयहीनता, निडरपन।
एमिन (ايمن) फा वि –सुरक्षित, अभय, निडर।
ए'राज़ (اعراض) अ पु –किसी की ओर से मुँह फेर लेना, विमुखता, उपेक्षा, प्रकट होना, चौडा चकला होना, बकरी के बच्चे का अडकोष निकालना, भलाई करना।
ए'राब (اعراب) अ पु –'ज़बर', 'ज़ेर' और 'पेश'।
एलची (ايلچى) तु पु –पत्रवाहक, कासिद, राजदूत, सफीर।
ए'ला (اعلا) अ पु –ऊँचा करना, उठाना, प्रसार करना, फैलाना।
ए'लान (اعلان) अ पु –घोषणा, अभिज्ञापन, मुनादी, उद्घोष।
ए'लाम (اعلام) अ पु –ज्ञान कराना, बताना, जताना।
ए'लाल (اعلال) अ पु –बीमार करना, रोगी बनाना।
ए'वास (اعواص) अ पु –शत्रु पर काम मुश्किल कर देना, शत्रु को कठिनाई मे डाल देना।
ए'विजाज (اعوجاج) अ पु –टेढा होना, टेढ,वक्रता, कजी।
एशा (ايشاں) फा अव्य –यह लोग, यह सब।
ए'शाश (اعشاش) अ पु –दूसरे के घर में इस इरादे से आ बैठना कि वह घबराकर घर छोडकर भाग जाय।
एसार (اعصار) अ पु –लडकी का बालिग होना, बादल का बरसने के करीब होना।
एस्ताद (ايستاده) फा वि –दे 'इस्ताद', दोनों शुद्ध हैं।
एस्तादगी (ايستادگى) फा स्त्री –दे 'इस्तादगी', दोनों शुद्ध हैं।

एस्तादनी (ایستادنی) फा वि –दे 'इस्तादनी', दोनो शुद्ध हैं।

एहक़ाक़ (احقاق) अ. पु –हक साबित करना, ठीक जानना।

एहक़ाक़े हक़्क़ (احقاق حق) अ पु –अपना हक साबित करना, सच्ची बात साबित करना।

एहज़ान (احزان) अ पु –दु खित करना, गम मे डालना।

एहजार (اهجار) अ पु –अश्लील बाते करना, फुहश बकना।

एहज़ार (اهذار) अ पु –बहुत बोलना, बहुत बाते करना, वाचालता, बकवास।

एहज़ार (احضار) अ पु –उपस्थित करना, हाज़िर करना, घोडे का दौडना।

एहतिकाक (اهتكاك) अ. पु.–अपमान करना, अवहेलना करना, हत्क करना।

एहतिक़ान (احتقان) अ पु –पिचकारी लगाना, इजकशन करना, हुक्न देना, इनेमा करना।

एहतिक़ार (احتقار) अ पु –तिरस्कार करना, अपमानित करना।

एहतिकार (احتكار) अ पु –इस विचार से अन्न सचित करना कि भाव तेज़ होने पर बेचा जायगा।

एहतिजाज (احتجاج) अ पु –वाद-विवाद करना, हुज्जत करना, अपने किसी अहित के लिए अहितकर्ता से रोप प्रकट करना।

एहतिज़ाज़ (احتظاظ) अ पु –आनद लेना, लुत्फ उठाना।

एहतिज़ाज़ (اهتزاز) अ पु –झूमना, झूमकर मस्त होना।

एहतिजाम (احتجام) अ पु –पछने लगवाना।

एहतिज़ार (احتضار) अ पु –सामने आना, हाजिर होना, मृत्यु का आना, नागरिक होना, घोडा दौडना।

एहतिदा (اهتدا) अ पु –सन्मार्ग पाना, सीधा रास्ता प्राप्त होना।

एहतिफाल (احتفال) अ पु –सभा करना, सभा होना।

एहतिबाल (احتبال) अ पु –जाल से शिकार पकडना।

एहतिबास (احتباس) अ पु –अवरोध, रुकना, वद होना; निरोध, अवरोध, वदिश।

एहतिबासे तम्स (احتباس طمث) अ पु –मासिकधर्म का रुक जाना।

एहतिबासे हैज़ (احتباس حیض) अ पु –दे 'एहतिबासे तम्स'।

एहतिमाम (اهتمام) अ पु –प्रयोजन, इतिज़ाम, तत्त्वावधान, देख-रेख, निरीक्षण, निगरानी, वदोवस्त, प्रवन्ध।

एहतिमाल (احتمال) अ पु –शका करना, शक करना, शका, सदेह, शुबहा।

एहतियाज (احتياج) अ स्त्री –आवश्यकता, ज़रूरत; दरिद्रता, कगाली।

एहतियाज़ (احتياز) अ पु –एकत्र होना, इकट्ठा होना, जमा होना।

एहतियात (احتياط) अ स्त्री –सावधानी, खबरदारी; चौकसी, होशयारी।

एहतियातन (احتياطاً) अ वि –एहतियात के तौर पर, सावधानी के रूप मे।

एहतियाती (احتياطی) अ वि –एहतियात सम्बन्धी, जिसमे एहतियात का ध्यान रहे।

एहतियाल (احتيال) अ पु –हीलाबाज़ी करना, बहाने बनाना।

एहतिराक़ (احتراق) अ. पु –जलना; चाँद और सूरज को छोडकर बाकी पाँच ग्रहो मे से किसी एक का छिप जाना।

एहतिराज़ (احتراز) अ पु –परहेज़ करना, बचना, अलग रहना, घृणा करना, नफरत करना।

एहतिराम (احترام) अ पु –समान करना, इज्ज़त करना; समान, आदर, इज्ज़त।

एहतिलाम (احتلام) अ पु–सोते मे वीर्यस्खलन होना; स्वप्न-दोष।

एहतिवा (احتوا) अ पु –चारो ओर से घेरना, इहाता करना।

एहतिशाम (احتشام) अ पु –लज्जा करना, बहुत से नौकर चाकर वाला होना, वैभव, शानोशौकत।

एहतिसाब (احتساب) अ पु –हिसाब करना, निषिद्ध वस्तुओ के खान-पान से रोकना।

एहदा (اهدا) अ पु –किसी को उपहार भेजना।

एहदार (اهدار) अ पु –किसी को किसी व्यक्ति की हत्या करने की आज्ञा देना, किसी का हक नष्ट करना।

एहदास (احداث) अ पु –नयी बात निकालना, जिद्दत पैदा करना, आविष्कार।

एहमाल (اهمال) अ पु –भूल से छोड जाना, भूल जाना।

एहमाल (احمال) अ पु –लादना, बोझ उठाना।

एहया (احيا) अ पु –जीवित करना, प्राण दान देना, ज़िंदा करना।

एहराक (احراق) अ पु –जलाना।

एहराम (احرام) अ पु –हाजियो का वस्त्र, दो चादरें जो बिना मिली हुई एक बाँधी और एक ओढी जाती हैं।

एहराम (اهرام) अ पु –बहुत बूढा होना, बहुत अधिक बुढापा, परमवृद्धत्व।

एहलाक (اہلاک) अ पु –प्राण ले लेना, मार डालना, हिंसा हलाक करना, वध करना।
एहलील (احلیل) अ पु –मूत्र की नली, स्त्री के दूध की नली।
एहलीलज (اھلیلج) अ पु –हलेला, हड़।
एहसा (احصا) अ पु –गणना करना, गिनना; सीमित करना, महदूद करना, गिनती, गणना, शुमार।
एहसान (احسان) अ पु –उपकार, आभार, भलाई, नेकी।
एहसान (احصان) अ पु –पुरुष का स्त्री की इच्छा करना, स्त्री का पुरुष की इच्छा करना, गर्भवती होना, सयमी होना, मजबूत करना; घेरा डालना।
एहसान नाशनास (احسان ناشناس) अ फा वि –अकृतज्ञ, कृतघ्न, नमकहराम, जो उपकार न माने।
एहसान फरामोश (احسان فراموش) अ फा वि –कृतघ्न, नमकहराम, जो किसी का उपकार भूल जाय।
एहसान फरोश (احسان فروش) अ फा वि –जो उपकार करके सबसे कहता फिरे।
एहसानमद (احسان مند) अ फा वि –कृतज्ञ, आभारी, उपकार माननेवाला।
एहसानमदी (احسان مندی) अ फा स्त्री –कृतज्ञता, उपकार मानना।
एहसान शनास (احسان شناس) अ फा वि –कृतज्ञ, उपकार को पहचाननेवाला।
एहसार (احصار) अ पु –गिनना, शुमार करना, घेरे मे लेना, खुला रखना, हज को न जाना।
एहसास (احساس) अ पु –अनुभव, सवेदन, हिस, ध्यान, खयाल, पाना, देखना।
एहसासात (احساسات) अ पु –एहसास का बहुवचन।

ऐ

ऐ (اے) अ अव्य –ए, अयि, हे।
ऐक़ (عیق) अ पु –रोके रखना, बाज रखना।
ऐजन (ایضاً) अ अव्य –जैसा पहले या ऊपर था वैसा ही।
ऐत (عیط) अ पु –गर्दन का लबा होना।
ऐताम (ایتام) अ पु –'यतीम' का बहु, अनाथ बच्चे।
ऐन (عین) अ पु –नेत्र, नयन, आँख; छोटी नदी, स्रोत, चश्म, सदृश, तुल्य, मिस्ल, यथार्थ, वास्तविक वाकई।
ऐनक (عینک) अ फा स्त्री –आँखो मे लगाने का चश्मा, उपनेत्र।
ऐना (عینا) अ स्त्री –सुदर आँखोवाली स्त्री।
ऐनुद्दीक (عین الدیک) अ स्त्री –घुघची।
ऐनुलमाल (عین المال) अ पु –मूलधन, असल पूँजी।
ऐनुलयक़ीन (عین الیقین) अ पु –वह विश्वास जो आँखो देखकर प्राप्त हो।
ऐफ़ाग़ (ایفاغ) अ पु –पिशुन, चुगल, ऊँघता हुआ, निद्रालु, धृष्ट, शोख।
ऐब (عیبہ) अ पु –चमडे का थैला, कपडे रखने का पात्र, रहस्य का स्थान।
ऐब (عیب) अ पु –दोष, बुराई, पाप, गुनाह, त्रुटि, भूल, अशुद्धि, गलती।
ऐबगो (عیب گو) अ फा वि –दोष बतानेवाला, दोष निकालनेवाला।
ऐबचीं (عیب چیں) अ फा वि –दोप ढूंढनेवाला, ऐब तलाश करनेवाला, छिद्रान्वेषी।
ऐबजू (عیب جو) अ फा वि –दोष ढूंढनेवाला, छिद्रान्वेषी।
ऐबतराश (عیب تراش) अ फा वि –ऐब लगानेवाला, दोपारोपक, ढूंढ-ढूंढकर ऐब निकालनेवाला।
ऐबदार (عیب دار) अ फा वि –दोषयुक्त, दोषी, जिसमे ऐब हो, खराब, दूषित, धूर्त, पाजी।
ऐबपोश (عیب پوش) अ फा वि –दोषो को छिपानेवाला, ऐबो पर पर्दा डालनेवाला, दोषवारक।
ऐबबीं (عیب بیں) अ फा वि –दे 'ऐबजू'।
ऐबस (اییس) अ वि –बहुत अधिक खुश्क, बहुत अधिक खुश्की बढानेवाला।
ऐम (ایم) फा अव्य –अब, इस समय, मिथ्या, अनर्थ।
ऐम (عیم) अ पु –प्यासा होना, तृप्त होने की इच्छा होना।
ऐम (ایم) अ पु –सफेद साँप।
ऐमन (ایمن) अ वि –बडा कल्याणकारी, बहुत ही शुभान्वित, दाहनी ओरवाला।
ऐमान (ایمان) अ पु –अनेक शपथ, कस्मे, ताकते, बल 'यमीन' का बहु।
ऐयाम (ایام) अ पु –'यौम' का बहु, दिन-समूह।
ऐयार (عیار) अ वि –वचक, छली, चालाक।
ऐयाराना (عیارانہ) अ फा वि –वचको जैसा, छलियो की भाँति।
ऐयारी (عیاری) अ स्त्री –वचकता, छल, चालाकी।
ऐयाश (عیاش) अ वि –व्यभिचारी, विपय-लपट, जानी, अच्छे खाने-पहनने और आराम से रहने का शौकीन।
ऐयाशाना (عیاشانہ) अ फा वि –ऐयाशो-जैसा।
ऐयाशी (عیاشی) अ स्त्री –व्यभिचार, जिना, अच्छा खाना-पहनना और आराम से रहना।

ऐयिम (ایم) अ वि –विना पति की स्त्री, विधवा, बिना स्त्री का पुरुष, रँडुआ, विधुर।
ऐयूक़ (عیوق) अ पु –एक तेज और चमकदार तारा।
ऐयूब (ایوب) अ पु –एक पैगम्बर जो बडे ही धैर्यवान् थे।
ऐर (ایر) अ पु –शिश्न, लिंग।
ऐर (عیر) अ पु –जंगली गधा, गोरखर।
ऐलः (عیلہ) अ स्त्री –सन्यास, फकीरी।
ऐवान (ایوان) फा पु –प्रासाद, भवन, महल, राजप्रासाद, शाहीमहल, परिषद्, संसद, कौंसिल।
ऐवानेज़ेरीं (ایوان زیریں) फा पु –निम्न सदन।
ऐवानेबाला (ایوان بالا) फा पु –उच्च सदन।
ऐश (عیش) अ पु –भोग विलास, विषयवासना, व्यभिचार, खाने-पीने का सुख।
ऐशतलब (عیش طلب) अ फा वि –भोग-विलास का आनंद चाहनेवाला।
ऐशतलबी (عیش طلبی) अ फा स्त्री –भोगविलास के आनंद की इच्छा।
ऐशपरस्त (عیش پرست) अ फा वि –दे 'ऐयाश'।
ऐशपरस्ती (عیش پرستی) अ फा स्त्री –दे 'ऐयाशी'।
ऐशपसंद (عیش پسند) अ फा वि –दे 'ऐशतलब'।
ऐशपसंदी (عیش پسندی) अ फा स्त्री –दे 'ऐश तलबी'।
ऐशमंज़िल (عیش منزل) अ स्त्री –रंगभवन, रंगमहल, ऐश करने की जगह।
ऐशमहफ़िल (عیش محفل) अ स्त्री –दे 'ऐशमंज़िल'।
ऐशेरफ़्त. (عیش رفتہ) अ फा पु –बीता हुआ सुख चैन, बीता हुआ सुख का समय।
ऐशोनशात (عیش و نشاط) अ पु –सुख चैन, भोगविलास, सब प्रकार के आनंद।
ऐस (عیث) अ पु –भेडिए का बकरियों के झुंड को नाश करना, विनाश, बरबादी।
ऐस (ایس) अ पु –निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी।
ऐसर (ایسر) अ वि –बहुत सुगम, अति सरल, बहुत आसान।

ओ

ओ (او) फा अव्य –वह।
ओफ़्ताद (اوفتادہ) फा वि –दे 'उफ़्ताद', दो शु हैं।
ओफ़्ताद (اوفتاد) फा स्त्री –दे 'उफ़्ताद', दो शु हैं।
ओफ़्तादगी (اوفتادگی) फा स्त्री –दे 'उफ़्तादगी', दो शु हैं।
ओफ़्तादनी (اوفتادنی) फा वि –दे 'उफ़्तादनी', दो. शुद्ध हैं।
ओस्ता (اوستا) फा पु –दे 'उस्ता'।
ओस्ताद (اوستاد) फा पु –दे 'उस्ताद', दो शु हैं।
ओस्तादानः (اوستادانہ) फा वि –दे 'उस्तादान', दो. शु हैं।
ओस्तादी (اوستادی) फा स्त्री –दे 'उस्तादी', दो शु हैं।
ओहदः (عہدہ) अ पु –पद, दर्जा, पदवी, मर्तबा, पदाधिकार, अफ़सरी।
ओहदःदार (عہدہ دار) अ फा वि –पदाधिकारी, अफ्सर।
ओहदःबरा (عہدہ برا) अ फा वि –ज़िम्मेदारी पूरी करनेवाला।
ओहदःबराई (عہدہ برائی) अ फा स्त्री –ज़िम्मेदारी की पूर्ति।

औ

औइय. (اوعیہ) अ पु –'विआ' का बहु, बरतन-भांडे।
औक़र (اوقر) अ वि –बधिर, बहरा।
औक़स (اوقص) अ वि –छोटी गर्दनवाला, ऐसा माल जिसके बढने पर ज़कात न देना पडे।
औका' (اوکع) अ वि –कृपण, कंजूस।
औक़ात (اوقات) अ पु –'वक़्त' का बहु. समयावली (स्त्री) प्रतिष्ठा, इज्जत, मान मर्यादा।
औक़ाफ़ (اوقاف) अ पु –'वक़्फ़' का बहु, वे जायदादें आदि जो समर्पित हैं, देवोत्तर सम्पत्तियाँ।
औज (اوجہ) अ पु –क्रम, कोठा।
औज (اوج) अ पु –उच्चता, ऊँचाई, बुलंदी, उन्नति, तरक्की, प्रतिष्ठा, मान, वक़अत।
औज (عوج) अ पु –वक्रता, टेढापन।
औज़ह (اوضح) अ वि –अत्यंत स्पष्ट, बिलकुल साफ।
औज़ाअ (اوزاع) अ पु –मनुष्यों के समूह।
औजाअ (اوجاع) अ पु –'वजा' का बहु पीडाएँ, दर्द।
औज़ाअ (اوضاع) अ पु –'वज़्अ' का बहु, तौर-तरीके।
औज़ान (اوزان) अ पु –'वज़्न' का बहु, तौलने के बाँट, तोले।
औज़ार (اوزار) अ पु –'विज़्र' का बहु, उपकरण समूह, आलात, कारीगरों के यंत्र।
औताद (اوتاد) अ पु –'वतद' या 'वतिद' का बहु, खूँटियाँ, मेखें, खूँटे।
औतान (اوطان) अ पु –'वतन' का बहु जन्मभूमियाँ।
औतार (اوتار) अ पु –'वतर' का बहु, धनुषों की ज्याएँ, बाजे के तार।

औद (عود) अ पु –लौटना, वापसी, पलटना।
औन (عون) अ वि –सहायक, मददगार।
औफ (عوف) अ पु –आपत्ति, आपदा, मुसीबत, कष्ट, दुःख, तकलीफ।
औफ़क़ (اوفق) अ वि –अनुकूलतम, बहुत मुआफिक।
औबाश (اوباش) अ पु –'बौश' का बहु, लपटजन, शोहदे-लोग, लोफर, दुराचारी।
औबाशी (اوباشی) अ स्त्री –धूर्तता, लपटता, शुहदपन, लोफरपन।
औरंग (اورنگ) फा पु –राजसिंहासन, तख़्तेशाही, बुद्धिमत्ता, दानाई।
औरंगज़ेब (اورنگ زیب) फा वि –राजसिंहासन की शोभा, शासक, हुक्मराँ, एक मुग़ल सम्राट की उपाधि।
औरंगनशीं (اورنگ نشیں) फा वि –सिंहासनारूढ़, तख़्तनशीं।
औरंगे जहाँ बानी (اورنگ جہاں بانی) फा पु –राजसिंहासन, शाही तख़्त, संसार का राजसिंहासन।
और (عور) अ पु –कानापन, एक आँख का होना।
औरत (عورت) अ स्त्री –स्त्री, नारी, महिला, जाया, भार्या, पत्नी, जोरू, मनुष्य या स्त्री के गुप्तांग, हर वह चीज़ जिसके देखने से लज्जा आये।
औराक़ (اوراق) अ पु –'वरक' का बहु, पुस्तक के पन्ने, किताब के वरक, पेडो के पत्ते।
औरात (عورات) अ स्त्री –'औरत' का बहु, स्त्रियाँ, औरतें, मनुष्य या स्त्री के गुह्यांग।
औराद (اوراد) अ पु –'विर्द' का बहु जपतप, विर्दवज़ीफ़।
औराम (اورام) अ पु –'वरम' का बहु, सूजनें, वरम।
औरिद (اورده) अ पु –'वरीद' का बहु, रक्तवाहिनी रगें (नाडियाँ)।
औल (عول) अ पु –पालन-पोषण करना, रोटी कपडा देना, दान, बख़्शिश।
औला (اولی) अ वि –बहुत बढ़िया, अति उत्तम, बहुत मुनासिब, परमोचित।
औलातर (اولی تر) अ फा वि –उत्तमतर, बहुत उम्दा, उचिततर, मुनासिबतर।
औलातरीन (اولی ترین) अ फा वि –बहुत ही उत्तम, बहुत ही उचित।
औलाद (اولاد) अ पु –'वलद' का बहु, संतान, बाल-बच्चे।
औलिया (اولیا) अ पु –'वली' का बहु, उत्तराधिकारीगण, वारिसीन, ऋषिगण, वली अल्लाह लोग।
औशंग (اوشنگ) फा स्त्री –अलगनी।

औस (عوص) अ पु –कठिनता, दुश्वारी, कठिनाई।
औसक़ (اوثق) अ वि –बहुत ही मज़बूत, दृढ़तम।
औसत (اوسط) अ वि –मध्य, बीच, दरमियान, माध्यम, दरमियानी, अनुपात, माध्य, एवरेज।
औसतन (اوسطاً) अ वि –औसत के हिसाब से, अनुपात के अनुसार।
औसतुल हाल (اوسط الحال) अ वि –ऐसा व्यक्ति जो न बहुत अमीर हो न बहुत गरीब, मध्यवित्त।
औसा (اوسع) अ वि –बहुत अधिक विस्तृत, वसीअतर।
औसान (اوثان) अ पु –'वसन' का बहु, मूर्तियाँ, बुत।
औसान (اوسان) अ पु –हवास, होश, सज्ञा, बुद्धि।
औसाफ (اوصاف) अ पु –'वस्फ' का बहु, गुणसमूह, खूबियाँ, अच्छाइयाँ।
औसाफ़े हमीद: (اوصاف حمیده) अ पु –अच्छे और श्लाघ्य गुण, सत्त्वगुण, प्रशसनीय शालीनता।
औसिया (اوصیا) अ पु –'वसी' का बहु, रिक्थाधिकारी, उत्तराधिकारी, वारिस लोग।
औहद (اوحد) अ वि –अद्वितीय, यगाना, अनुपम।
औहाम (اوہام) अ पु –'वह्म' का बहु, भ्रांतियाँ, मुग़ालते, धोके।

क

कंज़ (کنز) अ पु–कोश, निधि, ख़ज़ाना।
क़ंज़फ़ीर (قنذفیر) अ पु –वृद्धा स्त्री, बूढ़ी औरत।
कंज़े मख़्फ़ी (کنز مخفی) अ पु –ज़मीन के भीतर दबा हुआ ख़ज़ाना, भूनिहित निधि।
क़ंतर: (قنطره) अ पु –पुल, सेतु, बड़ी इमारत, प्रासाद।
कंतर (قنتر) अ वि –ह्रस्व, छोटा, कोताह।
कंतूर: (قنتوره) अ पु –एक प्रकार का कोट जिसके दामन छोटे होते और जिसमें काज बहुत होते हैं।
कंद: (کنده) फा वि –अंकित, खुदा हुआ, लिखित, लिखा हुआ, पत्थर आदि पर खुदा हुआ।
कंद: (کنده) फा पु –खाई, खंदक।
कंदकार (کنده کار) फा वि –चाँदी, सोने, लकड़ी अथवा पत्थर पर बेल बूटे बनाने का काम करनेवाला।
कंदकारी (کنده کاری) फा स्त्री –वे बेल बूटे जो सोने, चाँदी, लकड़ी अथवा पत्थर आदि पर बनते हैं, बेल-बूटे बनाने का काम।
क़ंद (قند) अ स्त्री –सफेद दाना दार शकर, शर्करा।
कंद (کند) तु पु –गाँव, ग्राम, देहात।
कंद (کند) फा स्त्री –कंद, शकर, शर्करा, खंड।

क़ंदख़ानः (قندخانہ) अ फा पु –खडसाल, शकर बनाने का कारखाना।

फ़ंदील (کندیل) फा स्त्री –दीपक, चिराग, दे 'क़िंदील'।

फ़दूरी (کندوری) फा पु –खाना खाने का कपडा, दस्तरख़ान।

कंबर (قنبر) अ पु –हज़रत अली का एक दास, जो उनका वडा भक्त था।

क़़स (قنص) अ पु –शिकार खेलना, जाल लगाना।

कंस (کنس) अ पु –घर आदि झाडना, झाडू देना।

कअलची (قعلچی) तु पु –मीर शिकार, वह व्यक्ति जो बादशाहों के शिकार का प्रबध करता है।

क़ईद (قعید) अ वि –साथ बैठने-उठनेवाला, सभासद्।

क़ईर (قعیر) अ पु –अथाह, गहरा, अगाध।

कऊर (قعور) अ पु –गहरा, अथाह, गभीर।

कख़ कख़ (کخ کخ) फा अव्य –छीछी, घृणावाचक शब्द, खिलखिल हँसने का शब्द।

कचः (کچہ) फा पु –छल्ला, उँगली मे पहनने की बिना नग की अँगूठी।

कचकोल (کچکول) फा पु –भीख माँगने का पियाला, भिक्षापात्र, दे 'कजकोल' और 'कश्कोल'।

कजः (کژہ) फा पु –तालू का कौआ।

कज (کج) फा वि –टेढा, वक्र, तिर्छा।

कज (کژ) फा पु –कच्चा रेशम, अबरेशम, कज, वक्र, टेढा।

कज (کژ) फा वि –दे 'कज کژ।'

कज अक़्ल (کج عقل) अ फा वि –ऐसा व्यक्ति जिससे जो कुछ कहा जाय उसका उलटा समझे, वक्रमति, विपरीतबुद्धि।

कज अख़लाक (کج اخلاق) फा अ वि –बेमुरव्वत, दुःशील, खुर्रा, रूखा।

कज अदा (کج ادا) फा वि –जिसमे शील-सकोच न हो, जो वहुत ही खुर्रा हो।

कज अदाई (کج ادائی) फा स्त्री –शील-सकोच की हीनता, खुर्रापन।

कज आज़ा (کج اعضا) फा अ वि –जिसके शरीर के अग टेढे-मेढे हो, वक्राग।

कजक (کجک) फा पु –अकुश, आँकुस, हाथीवान का यन्त्र।

कजक (کژک) फा पु –दे. 'कजक'।

कज कुलाह (کج کلاہ) फा वि –टेढी टोपी ओढनेवाला, प्रेमपात्र, मा'शूक, शासक, राजा।

कज कुलाही (کج کلاہی) फा स्त्री –बाँकापन, मा'शूकियत, राजापन।

कजकोल (کجکول) फा पु –भीख माँगने का बर्तन, भिक्षापात्र, दे 'कचकोल' और 'कश्कोल'।

कज ख़ुल्क (کج خلق) अ फा वि –दे 'कज अख़्लाक'।

कज ख़ुल्की (کج خلقی) अ फा स्त्री –दुःशीलता, खुर्रापन।

कज ज़ल्म: (کژ زحمہ) फा वि –धूर्त, दगाबाज।

कज तबअ (کج طبع) फा अ वि –दे 'कज मिज़ाज'।

कजदुम (کژدم) फा पु –बिच्छू, वृश्चिक।

कज निगाह (کج نگاہ) फा वि –भेंगा, जो टेढी आँखे करके देखता हो, गुस्सैल, क्रुद्धात्मा।

कज निगाही (کج نگاہی) फा स्त्री –भेंगापन, क्रोध।

कज निहाद (کج نہاد) फा वि –दे 'कज मिज़ाज'।

कजाफ (قذف) अ पु –चटयल मैदान, लवा-चौडा मैदान।

कज फ़ह्म (کج فہم) फा अ वि –उलटी समझवाला, मूर्ख, वक्रबुद्धि।

कज फ़ह्मी (کج فہمی) फा अ स्त्री –उलटी समझ, मूर्खता।

कज बह्स (کج بحث) फा अ वि –उलटी सीधी बहस करनेवाला, मूर्खता का वाद-विवाद करनेवाला, कुतर्की।

कज बह्सी (کج بحثی) फा अ स्त्री –उलटा सीधा वाद-विवाद, किसी की बात न मानकर केवल अपनी वात मनवाना।

कजबाज़ (کج باز) फा वि –लेन-देन मे व्यवहार-कुशलता न करनेवाला, बदनीयत।

कजबीं (کج بیں) फा वि –केवल बुराइयाँ और त्रुटियाँ देखनेवाला।

कजबीनी (کج بینی) फा स्त्री –केवल बुराइयाँ और त्रुटियाँ देखना।

क़जम (قزم) अ स्त्री –अधमता, नीचता, कमीनगी, अधम, नीच, कमीना, कमीने, नीच लोग।

कज मज (کج مج) फा वि –जिसकी जिह्वा वात करते समय लडखडाती हो, जो ठीक से वात न कर सके।

कज मज ज़बाँ (کج مج زباں) फा वि –जिसकी जीभ वाते करते समय लडखडाती हो, जिसे वात करने की तमीज़ न हो, मूर्ख।

कज मज बयाँ (کج مج بیاں) फा अ वि –दे 'कज-मज-ज़बाँ'।

कजमदारो मरेज़ (کج مدار و مریز) फा वा –'टेढा रखो और गिराओ मत'। ऐसी वात का आदेश जो असभव हो और हो न सके।

कज मिज़ाज (کج مزاج) फा अ वि –जिसके स्वभाव में टेढापन हो, जो सीधी-सादी वात मे भी शका करे।

कज रफ्तार (كج رفتار) फा वि –टेढी चाल चलनेवाला, बुरा आचरण करनेवाला, अत्याचारी, जालिम।
कजरवी (كج روی) फा स्त्री –टेढीचाल, दुराचार, अत्याचार, जुल्म।
कजरौ (كج رو) फा वि –दे 'कज रफ्तार'।
कज़ल (قزل) अ पु –लँगडापन, बहुत अधिक लँगडापन।
क़ज़ा (قضا) अ स्त्री –आदेश देना, मृत्यु, मौत, न्याय, इंसाफ, जो इबादत अपने ठीक समय पर न की गयी हो।
क़ज़ा (قذی) अ पु –तिनका, घास-फूस, आँख मे तिनका पड जाना।
कज़ाए कार (قضاے کار) अ फा वि –दे 'कज़ारा'।
क़ज़ाए मुअल्लक (قضاے معلق) अ स्त्री –वह मृत्यु जो आचनक हो, जैसे पेड से गिर के, आकस्मिक मृत्यु।
क़ज़ाए मुब्रम (قضاے مبرم) अ स्त्री –वह मृत्यु जो टल न सके, निश्चित मृत्यु।
कज़ाए हाजत (قضاے حاجت) अ स्त्री-शौचकर्म, पाखाना, आकस्मिक आवश्यकता।
कज़ाकंद (کزاکند، قزاکند) फा पु –एक प्रकार का कोट जिसमे कच्चा रेशम लपेटा जाता है, जिसमे उस पर तलवार असर नही करती।
कज़ाया (قضایا) अ पु –'कज़ीय' का बहु, हुक्म, खबरे, झगडे।
कज़ारा (قضارا) अ फा वि –अचानक, अनायास, सहसा, अकस्मात्, नागहाँ।
कजाव (کجاوه) फा पु –ऊँट का हौदा जिसमे दोनो ओर अदमी बैठते हैं।
कज़ा व कज़ो (کذا و کذا) अ अव्य –ऐसे और ऐसे, यों और यों।
कज़िब (کذب) अ वि –झूठा, मिथ्याभापी।
क़ज़िर (قذر) अ वि –अपवित्र, नापाक, मलिन, गदा।
कज़िल (قزل) अ वि –लँगडा, पगु।
कजी (کجی) फा स्त्री–टेढापन, वक्रता।
कजीन (کجین) तु पु –घोडे की पाखर।
कज़ीब (قضیب) अ पु –पेड की डाली, शिश्न, मेहन, लिग।
कज़ीम (کظیم) अ त्रि –क्रोध पी जानेवाला।
कज़ीम (قضیم) अ पु –घोडे को दिये जानेवाले जौ, क्रोध के समय क्रोध न करनेवाला, क्षमाशील।
कजीम (کجیم) तु पु –दे 'कजीन'।
क़ज़ीयः (قضیه) अ पु –आदेश, हुक्म, झगडा, आपसी झगडा, व्यवहार, मुकदमा।
क़ज़्ग़ान (قزغان) तु स्त्री –बडी डेगची, कडाही।
कज़्ज़ाक (قزاق) तु पु –लुटेरा, डाकू, दस्यु।
कज़्ज़ाक़ी (قزاقی) तु स्त्री –लूटमार, डकैती।
कज़्ज़ाब (کذاب) अ वि –बहुत बडा झूठा, अनर्गलभाषी, गप्पी, वाचाल, मुखर।
क़ज़्फ़ (قذف) अ पु –पत्थर मारना, गाली देना, किसी पर व्यभिचार या दुराचार का आरोप लगाना।
कज़्म (کزم) फा पु –काई, जो पानी के किनारे हो जाती है।
कज़्म (کظم) अ पु –गुस्सा पी जाना, क्रोध के समय क्रोध न करना।
कज़्लिक (کزلک) फा पु –छोटा चाकू।
कज़्वीन (قزوین) फा पु –इराक अजम का एक नगर।
कत (قط) अ पु –कलम की नोक, कलम की नोक बनाना।
क़तक (قتق) तु पु –वह खटाम जो आटे मे मिलाते हैं।
कतख़ुदा (کتخدا) फा वि –विवाहित अथवा विवाहिता, गृहस्वामी, घरवाला, गृहस्थ।
कतख़ुदाई (کتخدائی) फा स्त्री –विवाह, पाणिग्रहण, व्याह, शादी।
कतज़न (قطزن) अ फा पु –वह चीज़ जिस पर रखकर कलम को कत लगाते हैं।
कतन (قطن) अ पु –दोनो चूतडो के बीच की हड्डी, पक्षी की पूँछ की जड।
कतम (قطم) अ पु –कामातुरता, शहवत का ज़ोर।
कताँ (کتاں) फा पु –अलसी, अलसी का बीज, अलसी के पेड के रेशे से बना हुआ कपडा।
कता (قطا) अ पु –एक चिडिया जो पत्थर खाती है।
कताइफ (قطائف) अ पु –'कतीफ' का बहु, मखमल की चादरे, मखमली कपडे।
कताइब (کتائب) अ पु –'कतीब' का बहु, सेनाएँ, फौजे।
कताम (قتام) अ पु –धूल-मिट्टी, गर्द-गुबार।
कताम (کتام) अ पु –छिपना, गुप्त होना।
कतार (قطار) अ स्त्री –शुद्ध शब्द 'किताार' है, परतु उर्दू मे 'कतार' ही बोलते हैं, पक्ति, पाँति, पगत।
कतार दर कतार (قطار در قطار) अ फा वि –बहुत-सी पक्तियो मे, पक्तियाँ बनाकर, बहुत अधिक।
क़तारीक (قطاریق) अ पु –युद्ध मे सैनिको का कोलाहल, कोलाहल, शोर-गुल।
कतिफ (کتف) अ पु –कधा, स्कध, शाना।
कतीअ (قطیعه) अ पु –भेड-बकरी या गाय-भैसो का रेवड।
कतीअ (قطیع) अ पु –दे 'कतीअ'।

क़तीअत (قطيعت) अ. स्त्री –जुदाई, विच्छेद, पृथक्ता, अलाहदगी, काटना।

क़लीन (قليل) अ वि –कम खानेवाला, पुरुष अथवा स्त्री।

क़तीफ़ः (قطيفه) अ पु –मखमल का कपडा।

कतीबः (كتيبه) अ पु –सेना, फौज।

कतीब (كتيب) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।

कतीरः (كتيره) अ पु –एक प्रसिद्ध गोद जो दवा के काम आता है, और जिसका अधिक खाना नपुसक बना देता है।

क़तील (قتيل) अ वि –जिसे मार डाला गया हो, पुरुष हो अथवा स्त्री, हत, वधित।

कतूर (قطور) अ पु –पतली दवा जो कान या नाक मे टपकायी जाती है।

कतूर (قتور) अ वि –बखील, कजूस, कृपण।

क़त्अः (قطعه) अ पु –खड, टुकडा, जमीन का टुकडा, भूमिखड, ता'दाद, मात्रा, जैसे–चार कत्अ कपडे, उर्दू अथवा फार्सी नज्म की एक किस्म जिसमें गजल की तरह काफिए की पाबदी होती है, और जिसमे कोई एक बात कही जाती है।

क़त्अ (قطع) अ स्त्री –काटना, पृथक् करना, विच्छेद, वेषभूषा, वज़्अ, प्रकार, रग।

क़त्अन् (قطعاً) अ वि –कदापि, हरगिज़, नितात, बिलकुल।

क़त्ई (قطعی) अ वि –कदापि, हरगिज़, नितात, बिल्कुल, अटल, मजबूत, अतिम, आखिरी।

क़त्ईयत (قطعيت) अ स्त्री –अतिमता, आखिरीपन, अटलपन।

क़त्ए तअल्लुक़ (قطع تعلق) अ पु –परस्पर मेल-मिलाप का खातिमा, सम्बन्ध-विच्छेद, विवाह-विच्छेद, तलाक, "कतअ कीजिए न तअल्लुक हमसे, कुछ नही है तो अदावत ही सही।"–गालिब।

क़त्तात (قتات) अ वि –निंदक, बदगो, पिशुन, चुगुल।

क़त्ताम (قطامه) अ स्त्री –वह स्त्री जिसमें काम-वासना अधिक हो, स्त्रियो के लिए एक गाली, 'छिनाल'।

क़त्ताल. (قتاله) अ स्त्री –बहुत अधिक कतल करने-वाली, प्रेयसी, प्रेमिका, माशूका।

क़त्ताल (قتال) अ वि –बहुत अधिक कतल करनेवाला, जल्लाद, प्रेमपात्र, माशूक।

कत्फ़ (قطف) अ पु –फल आदि बीनना, मेवा चुनना।

कत्फ़ (كتف) अ पु –कधा, स्कन्ध, धीरे-धीरे चलना, दोनो हाथ पीछे बाँधना, कधे का ऊँचा होना।

कत्ब. (كتبه) अ पु –वह पत्थर जो किसी इमारत या कब्र पर लगाया जाता है, और जिसमे मकान आदि बनने का विवरण या मरनेवाले का नाम और उसके मरने की तारीख आदि दी जाती है, शिलालेख, अतर्लेख, अभिलेख।

कत्म (كتم) अ पु –छिपाव, गुप्ति, पोशीदगी।

कत्मे अदम (كتم عدم) अ पु –वह स्थान जहाँ जीवात्मा उत्पत्ति से पहले रहती है।

क़त्र. (قطره) अ पु –बिंदु, बूँद।

क़त्रःज़न (قطره زن) अ फा वि –बहुत शीघ्र चलने या दौडनेवाला, शीघ्रगामी।

क़त्रःबुर्द (قطره برد) अ फा पु –बादल, अभ्र, सूर्य, सूरज।

क़त्र (قطر) अ पु –वर्षा, बारिश।

क़त्रए अश्क (قطرۂ اشک) अ फा पु –आँसू की बूँद, अश्रुकण।

क़त्रए आब (قطرۂ آب) अ फा पु –पानी की बूँद, जलकण।

क़त्ल (قتل) अ पु –वध, हनन, हत्या, हिंसा, जान से मार डालना।

क़त्लगाह (قتل گاه) अ फा स्त्री –कत्ल करने का स्थान, वधस्थल, वधभूमि, वधगृह।

क़त्ला (قتلى) अ पु –'कतील' का बहु, कतल होनेवाले।

क़त्ले अम्द (قتل عمد) अ पु –जान-बूझकर हत्या, प्रयतित वध, वध करने के निश्चय से वध।

क़त्ले आम (قتل عام) अ पु –सर्वसाधारण का वध, अप-राधी अनपराधी छोटे-बडे पुरुष स्त्री सब की सिर से हत्या।

कद॰ (كده) फा पु –घर, गृह, मकान, प्रत्यय रूप में—मदिरा+कद =आलय (मदिरालय—मैखाना)।

कद (كد) फा पु –दे 'कद'।

क़द [द] (قد) अ पु –डील, आकार, कामत।

कद [द] (كد) अ स्त्री –वैमनस्य, रजिश, द्वेष, कीना, प्रयत्न, परिश्रम, कोशिश।

कदखुदा (كدخدا) फा वि –दे 'कतखुदा'।

कदखुदाई (كدخدائى) फा स्त्री –दे 'कत खुदाई'।

क़दग़न (قدغن) तु पु –मनाही का हुक्म, निषेधादेश, प्रतिबध, रोक, मनाही।

क़दग़नची (قدغنچى) तु पु –रोकनेवाला, मना करने-वाला, निषेधक, प्रतिबधक।

कदबानू (كدبانو) फा स्त्री –गृह-स्वामिनी, घर की मालिक, घर-गृहस्ती वाली स्त्री, महिला, खातून।

क़दम (قدم) अ पु –पद, पाँव, पैर, डग, एक कदम की दूरी।

क़दम ब क़दम (قدم بقدم) अ फा वि –कदम मे कदम मिलाकर, बराबर-बराबर, साथ-साथ।

क़दमबाज़ (قدم باز) अ फा वि—तेज चलनेवाला, शीघ्रगामी, 'क़दम बाज़' चलनेवाला घोड़ा।

क़दमबोस (قدم بوس) अ फा वि—पाँव चूमनेवाला, पदचुंबक।

क़दमबोसी (قدم بوسی) अ फा स्त्री—पाँव चूमना, पदचुंबन, बड़े व्यक्ति की मुलाक़ात।

क़दमरंजा (قدم رنجه) अ फा वि—पदार्पण करनेवाला, आनेवाला, पधारनेवाला।

क़दमरंजगी (قدم رنجگی) अ फा स्त्री—पदार्पण, आना, तशरीफ़ लाना।

क़द्र (قدر) अ स्त्री—आदेश, हुक्म, पराकाष्ठा, इंतिहा, अनुमान, अंदाजा, शक्ति, ताक़त, भाग्य, तक़दीर।

कदर (كدر) अ स्त्री—अँधेरा, तीरगी, मलिनता, मैलापन।

कदर (كدر) फा पु—केवड़े का पेड़।

क़दरअंदाज़ (قدر انداز) अ फा वि—ठीक निशाना लगानेवाला, लक्ष्यभेदी, शीघ्रभेदी।

क़दरअंदाज़ी (قدر اندازی) अ फा स्त्री—ठीक निशाना लगाना, निशाने का अचूक होना।

क़दह (قدح) अ पु—पियाला, चषक, शराब पीने का जाम, पान-पात्र, पेयपात्र, प्रत्यय रूप में—मै=मद्य+कदह=प्याला, पात्र (मधुपान, मधुप्याला)।

क़दहकश (قدح کش) अ फा वि—शराबी, मद्यप।

कदहख़्वार (قدح خوار) अ फा वि—दे 'कदहकश'।

क़दहनोश (قدح نوش) अ फा वि—दे 'कदहकश'।

कदामत (قدامت) अ स्त्री—प्राचीनता, पुरातत्त्व, पुरानापन (समय का)।

क़दामत परस्त (قدامت پرست) अ फा वि—जो पुरानी बातों को छोड़कर नयी बातें ग्रहण न करे, रूढ़िवादी, प्राचीनतावादी।

क़दामत परस्ती (قدامت پرستی) अ फा स्त्री—पुरानी बातों को छोड़कर नये खयालात का ग्रहण न करना, 'रूढ़िवाद' प्राचीनतावाद।

कदामत पसंद (قدامت پسند) अ फा वि—दे 'कदामत परस्त'।

कदामत पसंदी (قدامت پسندی) अ फा स्त्री—दे 'कदामत परस्ती'।

कदिर (كدر) अ वि—मैला, गँदला, मलिन, मटीला।

कदीद (كديد) अ स्त्री—कूटी-पीटी जमीन।

कदीद (قديد) अ पु—सुखाया हुआ माम जिसे पकाकर खाते हैं।

क़दीम (قديم) अ वि—पुरातन, पुराना, जो आदि से हो, अनादि, बहुत दिनों का।

क़दीमान (قديمانه) अ फा वि—पुराने समय का, पुराना जैसा, कदीमी।

क़दीमी (قديمی) अ वि—पुराना, पुरातन, पुराने समय का।

कदीर' (كديره) अ वि—मलिन, गदला, मटीला, गुप्त, पोशीदा।

कदीर (قدير) अ पु—शक्तिमान्, ताकतवर, समर्थ, कुद्रतवाला, सर्वशक्तिमान् ईश्वर।

क़दीस (قديس) अ पु—मुक्ता, मोती।

कदू (كدو) फा पु—लौकी, तूँबी, लौकी का खोल, जिसका पियाला आदि बनाते हैं, पियाला।

क़दूअ (قدوع) अ वि—अधम, नीच, कमीना।

कदूए हज्जाम (كدوے حجام) अ फा पु—पछने लगानेवालों का पियाला जिससे वह खून खींचते हैं, फस्द खोलनेवाले नाई का प्याला।

कदूकश (كدوكش) फा पु—लौकी आदि छीलने का यंत्र, कद्दूकश।

कदूद (كدود) अ वि—विपत्ति उठानेवाला व्यक्ति, (पु) वह कुआँ जिसमें से पानी बड़ी कठिनता से निकले।

क़दूम (قدوم) अ पु—बढ़इयों का बसूला, बार-बार आगे आनेवाला व्यक्ति।

कदूस (قدوس) अ वि—तलवार लेकर सामना करनेवाला व्यक्ति।

कदूह (قدوح) अ पु—वह कुआँ जिसमें से हाथ से पानी निकाल ले, बहुत उथला कुआँ।

कदेवर (كديور) फा पु—किसान, कृषक, गृहस्वामी, घरवाला, गाँव का मुखिया, पटेल।

कदो कामत (قد و قامت) अ पु—डील-डौल, "कदो-कामत यार का समझा अँधेरी रात में, धोके-धोके में बहुत बोसे लिए शहतीर के।"

कदो काविश (كدو كاوش) फा स्त्री—दौड़-धूप, भाग-दौड़, परिश्रम, मेहनत।

कद्दावर (قدآور) अ फा पु—लंबा-तड़गा, गिराँडील।

कद्दे आदम (قد آدم) अ वि—मनुष्य की लंबाई के बराबर लंबा।

क़द्र (قدر) अ स्त्री—आदर, सत्कार, आवभगत, सम्मान, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, मूल्य, कीमत, गुण की परख।

क़द्रदाँ (قدردان) अ फा वि—गुण की कद्र (कदर) पहचाननेवाला, गुण-ग्राहक, गुणज्ञ।

क़द्रदानी (قدردانی) अ फा स्त्री –गुण की कद्र पहचानना, गुण की परख।
क़द्रशनास (قدرشناس) अ फा वि –दे 'कद्रदाँ'।
कद्रशनासी (قدرشناسی) अ फा स्त्री –दे 'कद्रदानी'।
कद्रे (قدرے) फा. वि –थोडा, जरा-सा, किसी कदर, किंचित्, किंचन, किंचिन्मात्र।
कद्ह (قدح) अ स्त्री –निंदा, हज्व, तिरस्कार, अपमान, तहकीर।
कन (کن) फा प्रत्य –खोदनेवाला, जैसे–'कानकन', कान खोदनेवाला।
कनफ (کنف) अ पु –किनारा, तरफ, छोर, दिशा, जानिव, ओर, पनाह, रक्षा, त्राण।
कनब (کنب) अ पु –चटाई बुनने की एक घास, काम की अधिकता से हाथो के छाले; हँसी मे हाथा-पाई।
क़नवात (قنوات) अ पु –'कनात' का वहु, पटी हुई नालियाँ, भाले, पीठ के बाँसे (रीढ) की हड्डियाँ।
क़नस (قنس) अ पु –थोडी-सी क।
कनाअत (قناعت) अ स्त्री –थोडी-सी चीज पर सतोप, भाग्यतुष्टि।
क़नाअत गुज़ीं (قناعت گزیں) अ फा वि –जो कुछ मिल जाय उसी पर प्रसन्नता से जीवन व्यतीत करनेवाला, भाग्यतुष्ट।
क़नाअत शिआर (قناعت شعار) अ वि –दे 'कनाअत गुज़ीं'।
कनाइस (کنائس) अ पु –'कनीस' का वहु, ईसाइयो के गिरजे।
क़नात (قنات) अ पु –पटी हुई नाली, भाला, रीढ की हड्डी।
कनात (قنات) तु स्त्री –मोटे कपडे का पर्दा जिसकी दीवार खडी की जाती है।
क़नादील (قنادیل) अ स्त्री –'किंदील' का वहु, किंदीले।
कनान. (کنانہ) अ वि –पुराना, जीर्ण, कोह्न।
कनान (کنان) अ वि –दे 'कनान'।
कनारः (کنارہ) फा पु –तट, साहिल, छोर, सिरा, अत, अखीर, एकान्त, गोशा।
कनार.कश (کنارہکش) फा वि –पृथक्, अलग, निवृत्त, वेतअल्लुक, एकातवासी, गोशानशीन।
कनार.कशी (کنارہکشی) फा स्त्री –पृथक्ता, अलहदगी, निवृत्ति, वेतअल्लुकी, एकातवास, गोशानशीनी।
कनार (کنار) फा पु –अक, क्रोड, गोद, किनार, छोर, तट, साहिल।
कानद. (کنندہ) फा वि –खोदनेवाला।

कनिश (کنش) फा स्त्री –कीना, द्वेष; वैमनस्य, मनमुटाव।
कनीज (کنیز) फा स्त्री –दासी, सेविका, लौंडी, वाँदी।
कनीजक (کنیزک) फा स्त्री –छोटी दासी।
कनीफ (کنیف) अ पु –शौचगृह, पाखाना, तलगृह, तहखाना, स्नानागार, गुस्लखाना।
कनीसः (کنیسہ) अ पु –ईसाइयो का उपासना-गृह, गिरजा, दे 'किनीस'।
क़नीस (قنیص) अ पु –शिकार, आखेट, मृगया।
कनूत (قنوط) अ वि –निराश, हताश, नाउम्मीद।
कनूद (کنود) अ वि –कृतघ्न, अकृतज्ञ, एहसान फरामोश।
कन्आँ (کنعاں) अ पु –'कन्आन' का लघु, देखो।
कन्आन (کنعان) अ पु –हज़रत यूसुफ की जन्मभूमि।
कन्आनी (کنعانی) अ वि –'कन्आन' का निवासी, 'कन्आन' से सम्वन्धित।
क़न्नाद (قناد) अ पु –मिठाई वनानेवाला, हलवाई, शकर वनानेवाला।
क़न्नादखान. (قنادخانہ) अ फा पु –शकर का कारखाना; हल्वाई की दुकान।
कन्नास (کناس) अ पु –झाडू देनेवाला, मेहतर, भगी, फाँसी देनेवाला, जल्लाद।
कन्फ (کنف) अ पु –देख-रेख करना, निगरानी करना, सहायता करना, फिर जाना, पलट जाना।
कन्फज़ (قنفز) अ स्त्री –दे शुद्ध शब्द 'कुन्फुज़'।
कपंक (کپنک) अ पु –कम्मल।
कपी (کپی) फा पु –वदर, शाखामृग, कपि, वानर।
कप्नक (کپنک) फा पु –कम्मल, कम्बल।
कफ. (کفہ) फा पु –अधकुटी वाल जिसमे दाने हो।
कफ (کف) फा पु –फेन, झाग।
कफ [फ़फ़] (کف) अ पु –पजा, हाथ का पजा, हथेली, करतल, उर्दू छद की परिभाषा मे सात अक्षरवाले 'गण' का अतिम अक्षर गिराकर 'फाइलातुन्' से 'फाइलातु' और 'मुफाईलुन्' से 'मुफाईलु' आदि वनाना—"पहचानिए तो, किसका यह नक्शे–कफे–पा है, अक्सीर उठा लाया दुश्मन की गली से मे।"—दाग।
कफ (قف) अ स्त्री –घास या तरकारी, जो सूखी हुई हो।
कफगीर (کفگیر) फा स्त्री –चमचा, डोई, एक प्रकार का छेददार चमचा।
कफच (کفچہ) फा पु –कफगीर, डोई, चमचा, साँप का फन।
कफचए मार (کفچۂ مار) फा पु –साँप का फन, फण।
कफद (قفد) अ पु –पाँव की उँगलियो के वल चलना।

कफन (كفن) अ पु–मुर्दे को दिया जानेवाला कपडा, मृतचैल, मृतावरकवस्त्र।

कफन दुज़्द (كفن دزد) अ फा वि–ऐसा धूर्त चोर जो मुर्दे का कफन भी न छोडे, बहुत ही बेईमान, क़ब्र से कफन निकालकर उससे अपना खर्च चलानेवाला।

कफरः (كفره) अ पु–'काफिर' का बहु, काफिर लोग।

क़फर (قفر) अ पु–धन का कम होना, शरीर में मास का कम होना।

कफल (كفل) अ पु–उपस्थ, नितंब, चूतड।

क़फस (قفص ، قفس) अ पु–पिंजडा, वितस, कारागार, कैदखाना।

क़फसआश्ना (قفس آشنا) अ फा वि–जिसे पिंजडे में रहने का अभ्यास हो, जो कारागार में रह चुका हो।

क़फसे उंसुरी (قفس عنصری) अ पु–पचभूत रूपी पिंजडा, या पिंजडा रूपी पचभूत, मनुष्य का शरीर, प्राणी का शरीर।

कफा (كفا) अ पु–सिर के बल गिरना, औधा गिरना, फिराना, लौटाना।

क़फा (قفا) अ पु–गुद्दी, सिर के पीछे का भाग।

कफाफ (كفاف) अ पु–अनुमान, अदाजा, प्रतिदिन की जीविका जो गुजर भर की हो।

क़फार (قفار) अ पु–बे सालन की रोटी, विना हरियाली की भूमि।

कफालत (كفالت) अ स्त्री–प्रतिभूति, जमानत, भरण-पोषण, परवरिश।

कफालतनाम: (كفالت نامه) अ फा पु–प्रतिभूतिपत्र, ज़मानतनामा।

क़फाहीर (قفاهير) फा पु–सुदर और प्रियदर्शन मुख।

कफीद: (كفيده) फा वि–फटा हुआ, तडका हुआ, विदीर्ण।

क़फीफ (قفيف) अ पु–सूखी हुई घास।

क़फीर (قفير) अ पु–एक सौ चवालीस शर्ईगज भूमि, छियानवे रतल का पैमाना।

कफील (كفيل) अ वि–प्रतिभू, जामिन, पोषक, परवरिश कुनिंद।

कफूर (كفور) अ वि–कृतघ्न, अकृतज्ञ, नाशुक्रा।

कफे दस्त (كف دست) फा पु–हथेली, करतल।

कफे पा (كف پا) फा पु–तलवा, पदतल।

कफे मार (كف مار) फा पु–साँप का फन।

क़फ्क़ाज़ (قفقاز) फा पु–काकेशिया, यूरोपीय रूस का प्रदेश।

कफ्तः (كفته) फा वि–फटा हुआ, विदीर्ण।

कफ्तार (كفتار) फा पु–बिज्जू, बिल्ली के बराबर एक काला जंतु जो मृत मनुष्य का मास खाता है।

क़फ्फाफ (قفاف) अ पु–चाँदी-सोना।

कफ्फार: (كفاره) अ पु–किसी पाप से शुद्धि के लिए किया जानेवाला कृत्य, प्रायश्चित्त।

क़फ्फाल (قفال) अ वि–कुफ्ल बनानेवाला, ताला बनानेवाला।

कफ्फुल ख़ज़ीब (كف الخضيب) अ पु–एक तारा।

कफ्फे ख़ज़ीब (كف خضيب) अ पु–रँगा हुआ हाथ।

कफ़्र (كفر) अ पु–छिपाना, गोपन, बडा पियाला।

कफ्श (كفش) फा स्त्री जूता, पादुका, पदत्राण।

कफ्शकार (كفش كار) फा वि–जूते बनानेवाला, जूते मारनेवाला, कफ्शकारी करनेवाला।

कफ्शकारी (كفش كارى) फा स्त्री–जूते बनाने का काम, जूते मारने का काम, जूतेबाजी।

कफ्शदोज़ (كفش دوز) फा वि–जूते गाँठनेवाला, मोची।

कफ्शदोज़ी (كفش دوزى) फा स्त्री–जूते गाँठने का काम।

कफ्सबरदार (كفش بردار) फा वि–जूते उठानेवाला, बहुत बडा भक्त, बहुत बडा श्रद्धावान्।

कफ्शबरदारी (كفش بردارى) फा स्त्री–जूते उठाना, भक्ति, श्रद्धा।

क़बक़ (قبق) तु पु–लौकी, कद्दू।

कबक़अदाज़ (قبق انداز) तु फा वि–बहुत अच्छा निशानेबाज, लक्ष्यभेदी, निशानची, निशाना लगानेवाला।

क़बकअदाज़ी (قبق اندازى) तु फा स्त्री–अच्छा निशाना लगाना, निशानाबाजी, कदर अदाजी।

कबक़अफ्गन (قبق افگن) तु फा वि–दे 'कबक अदाज'।

क़बक़अफ्गनी (قبق افگنى) तु फा स्त्री–दे 'क़बक अदाजी'।

कबद (كبد) अ स्त्री कठोरता, सख्ती, कठिनाई।

क़बज़ (قبض) अ पु–पेट की ऐंठन और पीडा, 'कब्ज' भी प्रचलित।

क़बब (قبب) अ वि–पतली कमरवाला, कृशोदर, कृशकटि।

क़बस (قبس) अ पु–अगारा, अग्निखड, दहकता हुआ कोयला।

कबस (كبس) अ पु–गढे में मुँह के बल गिरना।

क़बा (قبا) अ स्त्री–दोहरा लबा अँगरखा, चोगा, गाउन।

कबाइर (كبائر) अ पु–'कबीर' का बहु, बडे-बडे पाप, महापातक।

कवाइल (قبائل) अ पु –'कवील' का वहु, कवीले, कुटुव, जरगे।

कवाइली (قبائلی) अ वि –सरहदी, अफगानिस्तान की सरहद के निवासी।

कवाएह (قبائح) अ पु –'कवीह' का वहु, वुराइयाँ, खरावियाँ।

कवाचा (قباچا) फा पु –छोटी कवा।

कवाद (کباده) फा पु –वहुत नरम धनुष, लेजुम, जिसे पहलवान हिलाते हैं।

क़बादोज़ (قبادوز) अ फा वि –कबा सीनेवाला, दर्जी।

कबाव. (کبابه) अ पु –एक प्रसिद्ध वीज, तोमर के वीज।

कवाब (کباب) अ पु –कीमे की तली हुई टिकियाँ अथवा सीख पर सेंकी हुई नलियाँ।

कवावचीनी (کباب‌چینی) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध वीज, शीतलचीनी।

कवाल. (قباله) अ पु –जमानत करना, घर की बिक्री की दस्तावेज, बिक्री का कागज़।

कवालःनवीस (قباله‌نویس) अ फा वि –कवाला लिखनेवाला, दस्तावेजे लिखनेवाला।

कवाल नवीसी (قباله‌نویسی) अ फा स्त्री –कवाले और दस्तावेजे लिखने का पेशा।

क़बाह (قباح) अ पु –निकृष्ट होना, खराब होना, वुरा होना।

कवाहत (قباحت) अ स्त्री –वुराई, खरावी, अनिष्ट, आपत्ति, कठिनता, मुश्किल, बाधा, खलल।

कविद (کبد) अ पु –जिगर, कलेजा, यकृत्।

क़बीज़ (قبیض) अ वि –बहुत तेज चलनेवाला, शीघ्रगामी।

कवीद. (کبیده) फा वि –दुखित, पीडित, रजीदा, मलिन, खिन्न, अफसुर्दः।

कबीद खातिर (کبیده‌خاطر) फा अ वि –मलिनचित्त, खिन्नमनस्क, अप्रसन्न, नाखुश, अफसुर्दः।

कवीदगी (کبیدگی) फा स्त्री –मलिनता, अफसुर्दगी, अप्रसन्नता, नाराजी।

कवीव (کبیب) अ वि –औंधे मुँह पडा हुआ, सिर के बल गिरा हुआ, अधोमुख।

कबीर (کبیره) अ पु –वडी स्त्री, वडा पाप, महापातक।

कबीर (کبیر) अ वि –वडा, महान्, श्रेष्ठ, उत्तम, आ'ला।

क़बील. (قبیله) अ पु –वश, गोत्र, खानदान, एक दल के आदमी।

क़वील (قبیل) अ पु –कवूल करनेवाला, दल, समुदाय, गिरोह।

कबीस (کبیسه) अ पु –कुआँ या नदी जो मट्टी से पट गयी हो, सिर झुकाये हुए, परीशान; मलमास, लौद का महीना।

कवीह (قبیح) अ वि –निकृष्ट, खराव, दूषित, बुरा; अप्रियदर्शन, बदनुमा।

क़बीहसूरत (قبیح صورت) अ वि –वुरी सूरत वाला, कुरूप, कदाकार।

क़बुर्ग़. (قبرغه) तु पु –पार्श्व, पहलू, बगल, पार्श्वास्थि, पहलू की हड्डी।

कबूतर (کبوتر) फा पु –एक प्रसिद्ध चिडिया, कपोत, पारावत।

कबूतरख़ानः (کبوترخانه) फा पु –कबूतरो के रहने का कावुक, ऐसा स्थान जहाँ लोग आते-जाते रहते हो।

कबूतरदम (کبوتردم) फा पु –लबा चुबन, खूब खीचकर लिया हुआ बोसा।

कबूतरपरपा (کبوتر پرپا) फा पु –एक प्रकार का कबूतर जिसके पाँव मे पर होते है और वह अच्छी तरह उड नही सकता।

कबूतरबाज़ (کبوترباز) फा वि –कबूतर उडानेवाला, कबूतर पालनेवाला।

कबूतरबाज़ी (کبوتربازی) फा स्त्री –कबूतर उडाने और पालने का काम, कपोत-क्रीडा।

कबूद (کبود) फा पु –हलका नीला रग, हलके नीले रग का।

कबूदी (کبودی) फा वि –नीले रगवाला।

कबूल (قبول) अ वि –स्वीकृत, मजूर, स्वीकृति, मजूरी, सवेरे की ठडी हवा।

कबूलसूरत (قبول‌صورت) अ वि –प्रियदर्शन, जिसकी शक्ल अच्छी हो, सुदर, हसीन, लावण्यानन, सुमुख, निर्दोषरूप।

कबूली (قبولی) अ स्त्री –चने की दाल का पुलाव या खिचडी।

कबूलीयत (قبولیت) अ स्त्री –स्वीकृति, अगाकार, मजूरी, मकानदार या ज़मीदार की तरफ से पट्टे या किराय की तसदीक की तहरीर।

कबूह (قبوح) अ वि –निकृष्ट, खराब, बुरा।

कब्क (کبک) फा पु –एक प्रसिद्ध पक्षी जो चाँद का प्रेमी है, चकोर।

क़ब्कब (قبقب) अ पु –पेट, जठर, उदर।

कब्काब (قبقاب) अ पु –लकडी का खडाऊँ, चट्टी, झूठ बोलना, स्त्री की भग जो वहुत बडी हो।

कब्के दरी (کبک دری) फा पु –पहाडी चकोर, जिसकी चाल वडी सुदर होती है।

क़ब्ज़ः (قبضه) अ पु –अधिकार, इख्तियार, वश, काबू, मूठ, दस्ता, पकड, गिरिफ्त।

क़ब्ज (قدمع) अ पु—दे 'कब्क'।

क़ब्ज (قبض) अ पु—बदहजमी, कोष्ठबद्धता; सिकुडन, खिंचाव, पकड, गिरिफ्त, आनाह, अजीर्ण।

क़ब्ज़ए क़ुद्रत (قبضۂ قدرت) अ पु—दैव शक्ति, खुदाई कुव्वत; अधिकार, काबू, इख्तियार (अख्तियार)।

क़ब्जुल वुसूल (قبض الوصول) अ पु—प्राप्तिपत्र, रसीद, वसूलयाबी का सूचक अधिकारपत्र।

क़ब्जे रूह (قبض روح) अ स्त्री—शरीर से प्राणो का निकलना।

कब्त (کبت) अ पु—अपमानित करना, तिरस्कृत करना।

कब्द (کبد) अ पु—जिगर, यकृत्, दे 'कबिद', वही अधिक बोला जाता है।

क़ब्बान (قبان) अ पु—एक पल्ले की तराजू, बडी तराजू, तक।

क़ब्र (قبر) अ स्त्री—वह गर्त जिसमे मुसलमानो के शव गाडे जाते हैं, गोर, समाधि-भवन।

क़ब्रपरस्त (قبر پرست) अ फा वि—मुसलमान महात्माओ की कब्र पर फूल चढाने, दीप जलाने, सफाई करने और चादर आदि चढानेवाला।

क़ब्रिस्तान (قبرستان) अ फा पु—जहाँ बहुत सी कब्रे हो, जहाँ मुर्दे गाडे जाते हो, समाधि-क्षेत्र।

क़ब्ल (قبل) अ वि—पूर्व, पहले।

क़ब्ल अज़ वक्त (قبل از وقت) अ फा वि—समय से पहले, नियत समय से पूर्व।

क़ब्लअज़ीं (قبل ازیں) अ फा वि—इससे पहले, अब से पहले, तत्पूर्व।

क़ब्लल्वुक़ूअ (قبل الوقوع) अ वि—घटना से पहले, वाकए से पहले।

कब्श (کبش) अ पु—मेढा, सीगोवाली नर भेड।

कब्स (کبس) अ पु—कुएँ को मिट्टी से पाटना, गर्दन नीचे लटकाना, शबखून मारना, रात में आक्रमण करना।

कमद (کمند) फा स्त्री—फदा, पाश, एक लम्बी रस्सी जिसके एक सिरे पर गोह बँधी रहती थी, उसके द्वारा ऊँची-ऊँची दीवारो पर चढा जा सकता था, गोह जहाँ चिपक जाती है फिर कितना ही ज़ोर किया जाय वहाँ से नही छूटती, "किस्मत की देखो खूबी टूटी कहाँ कमद—दो-चार हाथ जब कि लबे-बाम रह गया।"

कमद अदाज (کمنداندار) फा वि—कमद फेकनेवाला।

कमदे ज़ुल्फ (کمند زلف) फा स्त्री—बालो की कमद, केश-पाश।

कम (کم) फा वि—अल्प, न्यून, थोडा, हीन, विहीन, बिना।

कम (کم) अ वि—कितने, कितना, बहुत, अधिक।

कमअक़्ल (کم عقل) अ वि—बेवकूफ, नासमझ, अल्पधी।

कम अज़ कम (کم از کم) फा. वि—कम से कम, अधिक न हो तो इतना अवश्य।

कमअस्ल (کم اصل) फा अ वि—अकुलीन, बदनस्ल, अधम, पामर, नीच।

कमआज़ार (کم آزار) फा वि—जो अधिक न सताये, कम दुःख देनेवाला।

कमआमेज़ (کم آمیز) फा वि—जो लोगो से मिलने-जुलने मे कतराता हो, जिसे मनुष्यो की सगत पसद न हो, "रिज़र्व्ड नेचर"।

कमइख्तिलात (کم اختلاط) फा वि—दे 'कम आमेज़'।

कमइयार (کم عیار) फा अ वि—वह सोना या चाँदी जो कसौटी पर खरा न उतरे, खराब व्यक्ति।

कमइल्म (کم علم) फा अ वि—जिसे विद्या सम्बन्धी ज्ञान कम हो, कम पढा-लिखा, अल्पविद्य।

कमउम्र (کم عمر) फा अ वि—छोटी आयुवाला, वयोबाल, अल्पवयस्क, कमसिन।

कमउम्री (کم عمری) फा अ स्त्री—कमसिनी, बाल्यावस्था, अल्पवय।

कमऔक़ात (کم اوقات) फा अ वि—तिरस्कृत, अनादृत, बेकद्र।

कमक़द्र (کم قدر) फा अ वि—दे 'कम औकात'।

कमकम (کم کم) फा वि—थोडा-थोडा।

कमक़ीमत (کم قیمت) फा अ वि—थोडे मूल्यवाला, सस्ता, अल्प मूल्य।

कमखर्च (کم خرچ) फा वि—थोडा खर्च करनेवाला, अल्प-व्ययी, मितव्ययी।

कमखर्ची (کم خرچی) फा स्त्री—थोडा खर्च करना, किफायत-शिआरी बरतना, मितव्यय।

कमखाब (کمخواب) फा पु—एक प्रकार का बहुमूल्य कपडा।

कमख़ोर (کم خور) फा वि—कम खानेवाला, मिताहारी, मितभोजी, स्वल्पाहारी।

कमख़ोरी (کم خوری) फा स्त्री—कम खाना, मिताहार।

कमख्वाब (کم خواب) फा वि—कम सोनेवाला, मितस्वापी।

कमगो (کم گو) फा वि—कम बोलनेवाला, कम बातें करनेवाला, मितभाषी।

क़मची (قمچی) तु स्त्री—कोडा, चाबुक, प्रतोद, पतली छडी, साँटी।

कमजन (کم زن) फा वि—कम हिम्मतवाला, अल्पसाहसी।

कमजर्फ़ (کم ظرف) फा अ वि—ओछा, तुच्छ, कमीना, अनुदार, तग नज़र।

कमसंजी (كمسنجى) फा स्त्री —कम तोलना, डंडी मारना, तुलाकूट।

कमसिन (كمسن) फा अ वि —कम आयुवाला, छोटी उम्र का, अल्पवयस्क, अवयस्क, नाबालिग।

कमसिनी (كمسنى) फा अ स्त्री —कमउम्री, बाल्यावस्था, अल्पवय, नाबालिगी, अवयस्कता।

कमसुख़न (كمسخن) फा वि —जो बातचीत कम करे, मितभाषी, अल्पवादी, कम बोलनेवाला।

कमसुख़नी (كم سخنى) फा स्त्री —कम बोलना, कम बातें करना, मितभाषण।

कमहिम्मत (كمهمت) फा अ वि —जिसमें साहस की कमी हो, अल्पोत्साह, अल्पसाहसी।

कमहिम्मती (كمهمتى) फा अ स्त्री —साहस और हिम्मत की कमी, साहसाभाव।

कमहैसियत (كمحيثيت) फा अ वि —बेकद्र, अनादृत, अप्रतिष्ठित, जिसकी आर्थिक दशा अच्छी न हो, अकुलीन, बदनस्ल।

कमहौसल॰ (كمحوصله) फा अ वि —दे 'कमहिम्मत'।

कमहौसलगी (كمحوصلگى) फा अ स्त्री —दे 'कमहिम्मती'।

क़महृदुव॰ (قمحدوه) अ पु —खोपड़ी का पिछला भाग, गुद्दी।

कमाँ (كماں) फा स्त्री —'कमान' का लघु, दे 'कमान'।

कमाँअदाज़ (كماں انداز) फा वि —तीरदाज़, धनुर्धर।

कमाँअब्रू (كماں ابرو) फा वि —जिसकी भौहें धनुष की तरह टेढ़ी और सुन्दर हों, अंचितभ्रू, प्रेमिका, प्रेयसी, मा'शूका।

कमाँकश (كماں كش) फा वि —धनुर्धर, तीरअदाज़।

कमाँगर (كماں گر) फा वि —धनुष बनानेवाला, धनुष्कार।

कमाँगीर (كماں گير) फा वि —धनुर्धर, तीरदाज़।

कमाँगुरोह॰ (كماں گروهه) फा स्त्री —गुलेल, जिसमें गुल्ला चलाते हैं।

कमाँजोल॰ (كماں جوله) फा पु —गले में पहना जानेवाला चमड़े का तस्मा जिसमें कमान लटकायी जाती है, कमाँदान, क़र्बान।

कमाँदार (كماں دار) फा वि —धनुर्धर, तीर चलानेवाला।

कमाँपुश्त (كماں پشت) फा वि —कुबड़ा, कुब्ज।

कमाँबदस्त (كماں بدست) फा वि —हाथ में कमान लिये हुए, धनुष्पाणि।

कमाँबरदार (كماں بردار) फा वि —धनुष लेकर चलनेवाला, धनुर्धर, तीरअदाज़।

कमात (كمات) अ पु —कुकुरमुत्ता, बरसात में पैदा होनेवाली खुंबी।

कमानः (كمانه) फा पु —बढ़इयों की कमान, जिससे वह बर्मा चलाते हैं।

कमान (كمان) फा स्त्री —धनुष, धनु, धन्व, धन्वा, तीर चलाने का यंत्र, कौस।

कमानच॰ (كمانچه) फा पु —छोटी कमान, धनुही, धनुक।

कमानी (كمانى) फा स्त्री —कमान की तरह झुकी हुई चीज़ अथवा पुर्ज़ा।

कमाने शैता (كمان شيطان) फा स्त्री —इंद्रधनुष, धनक, कौसे कुज़ह।

कमामबग़ी (كماينبغى) अ वि —जैसा चाहिए वैसा, यथेष्ट, यथोचित।

क़मारी (قمارى) अ स्त्री —'कुम्री' का बहु, कुम्रियाँ।

कमाल (كمال) अ पु —गुण, खूबी, कला, फन, शिल्प, दस्तकारी, विद्वत्ता, क़ाबिलीयत, पूर्णता, पूरापन, चालाकी, धूर्तता, अधिक, बहुत।

कमालात (كمالات) अ पु —'कमाल' का बहु, बहुत-से गुण, बहुत-सी खूबियाँ, बहुत-से हुनर।

कमाले फन (كمال فن) अ पु —किसी कला की जानकारी की पराकाष्ठा, कला-नैपुण्य।

कमाही (كماهى) अ वि —पूरी-पूरी, यथेष्ट।

कमीं (كميں) अ पु —'कमीन' का लघु, दे 'कमीन'।

कमींगाह (كميںگاه) अ फा स्त्री —वह गुप्त स्थान जहाँ किसी की ताक में छिपकर बैठा जाय, आड़, शिकार की ताक में छिपकर बैठने का स्थान।

कमी (كمى) फा स्त्री —न्यूनता, थोड़ापन, दोष, नक्स, त्रुटि, गलती।

कमीनः (كمينه) फा वि —नीच, अधम, खल, धूर्त, पाजी, अकुलीन, ग़ैर शरीफ।

कमीन (كمين) अ पु —दे 'कमींगाह', (उ) कमीन।

क़मीम (قميم) अ वि —सूखी हुई तरकारी।

क़मीस (قميص) अ स्त्री —एक विशेष प्रकार का कुर्ता, कमीज़।

क़मुर्ग़ः (قمرغه) तु पु —शिकार खेलने का जंगल, आखेटस्थल, शिकारगाह।

कमून (كمون) अ पु —ज़ीरा, जीरक।

कमूनी (كمونى) अ स्त्री —एक यूनानी दवा जिसमें ज़ीरा प्रधान होता है (यथा माजून=अवलेह+कमूनी=ज़ीरे की), जीरकावलेह।

क़मूस (قموس) अ पु —बहुत गहरा कुआँ।

कमोबेश (كموبيش) फा वि —थोड़ा-बहुत, न्यूनाधिक।

क़मअ (قمع) अ पु –तोडना, तिरस्कृत करना; उमूद (लब) डालना।

क़म्क़ाम (قمقام) अ पु –वडा चाकू, छुरी, नदी, दर्या, श्रेष्ठ, मुअज़्ज़ज़।

क़म्तरीर (قمطریر) अ पु –विपत्ति और मुसीवत का दिन।

कम्मह (کمہ) अ वि –जन्माध होना, पैदाइशी अधा होना।

क़म्मास (قماس) वि –गोताखोर, डुवकी लगानेवाला।

कम्मी (کمی) अ वि –शूर, वीर, दिलावर।

कम्मीयत (کمیت) अ स्त्री –मात्रा, मिकदार।

कम्मून (کمون) अ पु –जीरा, जीरक।

क़म्रा (قمرا) अ स्त्री –एक चिडिया, चाँदनी रात, चाँद की किरन।

क़म्ल (قمل) अ स्त्री –जूँ, कपडे या वालो मे पडनेवाला कीडा।

क़य (کے) फा पु –दे 'के'।

कयाँ (کیاں) फा पु –'कय' का बहु, सम्राट्, ईरान मे चार सम्राट् हुए है–कैकाऊस, कैखुस्रौ, कैकुबाद, कैलोहास्प।

कयानी (کیانی) फा वि –'कयाँ' से सम्बन्धित, ऐसी अद्भुत वस्तु और अमूल्य वस्तु जो बडे-बडे सम्राटो के योग्य हो।

क़यामत (قیامت)–दे 'कियामत'।

क़य्यूर (قیور) अ वि –जिसके कुल का पता न हो, अज्ञातकुल, वर्णसकर, दोगला।

क़रतीनः (قرنطینہ) अ पु –रोककर टीका लगाने का अमल, समुद्र पार जाते हुए रास्ते मे रुकने और टीका लगवाने का स्थान, कोरण्टाइन।

करंब (کرنب) अ पु –करमकल्ला, एक शाक।

कर (کر) फा वि –बहिरा, वधिर, जिसे ऊँचा सुनाई देता हो।

करख़ (کرخ) फा वि –'करख़्त' का लघु, दे 'करख़्त'।

करख़्त (کرخت) फा वि –कठोर, कर्कश, सख़्त, वह अग जो सुन्न हो गया हो।

करख़्तगी (کرختگی) फा स्त्री –कठोरता, कर्कशता, सख़्ती, अग का सुन्न होना।

क़रन्फुल (قرنفل) अ स्त्री –लौग, लवग, (आभूषण विशेष, न कि मसाले की लौग) (यह शब्द सस्कृत के 'कर्णफुल्ल' से बनाया गया है, और अरब मे डेढ हजार वरस पहले से प्रचलित है, जिससे अरब और भारत के प्राचीन सम्बन्ध का पता चलता है) कान मे पहना जानेवाला पुष्पाकृति का आभूषण।

करफ़्स (کرفس) फा स्त्री –एक बीज, जो अजवाइन जैसे होते हैं और दवा मे चलते है।

करब (کرب) अ वि –बेचैन रहना; दु खित होना।

करम (کرم) अ पु –दया, कृपा, मेहरबानी; दानशीलता, बख्शिश।

करमगुस्तर (کرم‌گستر) अ फा. वि –दयालु, कृपालु, मेहरबान।

करमगुस्तरी (کرم‌گستری) अ. फा स्त्री –दया कर्म, कृपा करना।

करमफ़र्मा (کرم‌فرما) अ फा वि –दयालु, मेहरबान, मित्र, दोस्त।

करमफ़र्माई (کرم‌فرمائی) अ फा स्त्री –दया करना, कृपा करना।

करां (کراں) फा पु –छोर, किनारा, हद, सीमा; पराकाष्ठा, इतिहा।

करा' (کرع) फा पु –वर्षा का रुका हुआ पानी, तालाब आदि मे मुँह से पानी पीना, (वि) पतली पिडलियोवाला।

करा (کرو) अ पु –सोने का आरम्भ, स्वापारभ, एक पक्षी, जिसे 'दुवारा' और 'चर्ज़' कहते है, अरु का नर।

क़रा (قرا) तु पु –काला रग।

क़रा' (قرع) अ पु –सर के बाल गिरना।

क़राइन (قرائن) अ पु –'करीन' का बहु, करीने, आसार, लक्षण, सभ्यताएँ, शिष्टाचार।

क़राक़िर (قراقر) अ पु –'कर्कर' का बहु, पेट की गुडगुडाहट।

क़राक़ुरम (قراقرم) तु पु –तुर्किस्तान की एक पर्वतमाला।

करातीस (قراطیس) अ पु –'किर्तास' का बहु, कागज के तख़्ते, बहुत से कागज़।

करान. (کرانہ) फा पु –टल, किनारा, छोर, अख़ीर, हद, सीमा, इतिहा, पराकाष्ठा।

क़राबः (قرابہ) अ पु –शराब की सुराही, बहुत वडी बोतल।

क़राबःकश (قرابہ‌کش) अ. फा वि –शराबी, मद्यप, बहुत पीनेवाला, पूरी सुराही पी जानेवाला।

क़राब नोश (قرابہ‌نوش) अ फा वि –दे 'कराब कश'।

करावत (قرابت) अ स्त्री –समीपता, नज़दीकी, नातेदारी, स्वजनता।

क़राबतदार (قرابت‌دار) अ फा वि –रिश्तेदार, नातेदार, सगोत्र, स्वजन।

क़राबतेक़रीबः (قرابت قریبہ) अ स्त्री –बहुत ही करीब की रिश्तेदारी।

क़राबादीन (قرابادین), अ स्त्री –वह ग्रथ जिसमे यूनानी आयुर्वेद सम्बन्धित दवाएँ और नुस्ख़े लिखे रहते है। यूनानी

योग-सग्रह, यूनानी भेषज सकलन, जैसे—करावादीन जकाई, करावादीन शिफाई इत्यादि।

क़रावील (قراویں) तु स्त्री—एक प्रकार की तोड़ेदार बंदूक, जो अब से सौ बरस पहले तक प्रचलित थी।

करामत (کرامت) अ स्त्री—कृपा, नवाज़िश, प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गी, चमत्कार, शो'बद, मो'जिज़, अवतारों का चमत्कार।

करामतनामः (کرامت‌نامہ) अ फा पु—कृपापत्र, इनायतनामा।

करामात (کرامات) अ स्त्री—करामत का बहु, करामतें, चमत्कार, मो'जिज़े।

करामाती (کراماتی) अ वि—करामात दिखानेवाला, चमत्कारी, शो'बदेबाज़, मायावी, जादूगर, धूर्त।

क़रार (قرار) अ पु—स्थिरता, सुकून, सान्त्वना, ढाढस; प्रतिज्ञा, इकरार, चैन, आराम।

क़रारदाद (قرارداد) अ फा स्त्री—प्रस्ताव, तज्वीज़, निश्चय, तै, पहले से तै दहेज।

क़रारेवाक़ई (قرارواقعی) अ वि—यथेष्ट, पूरा-पूरा, काफी।

क़रावुल (قراول) तु पु—सैनिक, सिपाही, शिकारी, आखेटक वह फौज जो आगे चलती और शत्रु की सेना की खबर देती है।

करासीस (کراسیس) अ पु—'कुरीस' का बहु, पुस्तक के अध्याय, किताब के जुज़, कुरान के सीपारे।

क़राह (قراح) अ पु—स्वच्छ और निर्मल जल, विमल जल, साफ और खालिस पानी।

कराहत (کراهت) अ स्त्री—घृणा, घिन, नफरत, अरुचि, नापसंदीदगी, उदासीनता, बददिली।

कराहतन (کراهتاً) अ वि—कराहत के साथ, बददिली के साथ, घिन करते हुए।

कराहीयत (کراهیت) अ स्त्री—दे 'कराहत'।

करिश (کرش) अ पु—जुगाली करनेवाले पशुओं का पाकाशय, छोटे बच्चे, बाल-बच्चे, दे 'कर्श'।

क़रीं (قرس) अ वि—'करीन' का लघु, दे 'क़रीन'।

करी (کری) फा स्त्री—बहरापन, बधिरता।

क़रीअ (قریع) अ वि—प्रतिद्वंद्वी, हरीफ, तुल्य, समान, मानिंद, श्रेष्ठ, पूज्य, बुज़ुर्ग।

क़रीज़ (قریض) अ पु—पद्यात्मक वाक्य, नज़्म किया हुआ कलाम, छंदोबद्ध रचना।

क़रीनः (قرینہ) अ पु—ढंग, तर्ज़, शिष्टता, तमीज़, क्रम, तर्तीब, प्रसंग, अनुमति, अंदाज़ा।

क़रीन (قرین) अ वि—समीप, निकट, नज़दीक, सभासद, सखा, मुसाहिब।

क़रीने अक्ल (قرین عقل) अ वि—जो बात अक्ल कबूल कर ले, बुद्धिगम्य, मतिग्राह्य।

क़रीने इंसाफ (قرین انصاف) अ वि—जो बात न्याय से ठीक हो, न्यायोचित।

क़रीने क़ियास (قرین قیاس) अ वि—जो बात अटकल और अंदाज़े से ठीक हो, ज्ञानगम्य।

क़रीने मस्लहत (قرین مصلحت) अ वि—जो बात समय और अवस्था के अनुकूल होते हुए अपने हित में हो।

क़रीब (قریب) अ वि—निकट, समीप, पास, नज़दीक, उर्दू की एक बह्र, कम दूर।

क़रीबतर (قریب‌تر) अ फा वि—बहुत पास, समीपतर, बहुत कम दूरी पर, निकटतर।

क़रीबुल इख़्तिताम (قریب‌الاختتام) अ वि—ख़त्म होने के करीब, जो शीघ्र ही समाप्त होनेवाला हो, समाप्तप्राय।

क़रीबुल इन्हिदाम (قریب‌الانہدام) अ वि—गिरने और ध्वस्त होने के करीब, भग्नप्राय, नष्टप्राय।

क़रीबुलख़त्म (قریب‌الختم) अ वि—समाप्त होने के क़रीब, मरने के करीब, मरणासन्न, मृतप्राय।

क़रीबुलफ़ह्म (قریب‌الفہم) अ वि—जिसका समझना सरल हो, सुबोध।

क़रीबुलमौत (قریب‌الموت) अ वि—जो मरने के निकट हो, मृतप्राय, मरणासन्न।

क़रीबुलहज़्म (قریب‌الہضم) अ वि—जो खाया हुआ पदार्थ पचने के समीप हो, हज़म होने के करीब, पक्वप्राय।

करीम (کریم) अ वि—कृपालु, मेहरबान, दानशील, सखी, ईश्वर का एक नाम।

करीमी (کریمی) अ स्त्री—कृपा, दया, करम, ईश्वरी माया।

करीमुन्नफ़्स (کریم‌النفس) अ वि—सदाचारी, पुण्यात्मा, सदात्मा, नेकदिल।

क़रीर (قریر) अ पु—प्रसन्न, हर्षित, खुश, प्रसन्नता, हर्ष, खुशी।

क़रीस (قریس) अ पु—बहुत कड़ा जाड़ा, पुरानी और जीर्ण वस्तु।

क़रीस (قریص) अ पु—एक प्रकार का सालन।

क़रीह़ः (قریحہ) अ स्त्री—स्वभाव, प्रकृति, आदत, वह पानी जो कुएँ से पहले निकले, हर चीज़ का अग्रभाग।

करीह (کریہ) अ वि—घृणास्पद, मक्रूह, कदाकार, कुरूप, बदशक्ल, अप्रियदर्शन, कुदर्शन, बदनुमा।

क़रीह (قریح) अ वि–घायल और बेमेल वस्तु, विशुद्ध, (पु.) घाव, ज़ख़्म।

करीहुलमंज़र (کریہ المنظر) अ वि–जो देखने में भोंडा हो, जिसे देखकर घिन आये, दुर्दर्शन, घृणित रूप।

करीहुस्सूरत (کریہ الصورت) अ वि–जिसकी शक्ल बहुत बुरी हो, जो देखने में बुरा लगे, कुराकृति, कुरूप, अप्रियदर्शन।

करीहुस्सौत (کریہ الصوت) अ. वि–जिसकी आवाज़ बहुत ख़राब हो, कटुस्वर, कर्कश स्वर।

करूबी (کروبی) अ पु–फ़िरिश्ता, देवता।

क़र्अः (قرعہ) अ पु–लौकी, कद्दू।

क़र्अ (قرع) अ पु–दरवाज़ा खटखटाना, खटखट करना, लौकी।

क़र्क़ (قرق) अ पु–मुर्ग़ियों का शब्द।

क़र्क़ (قرق) तु पु–दुपा, मेरुपृष्ठ, भेट की वह झिल्ली जिसकी पृष्ठ पर चर्बी का नक्शा होता है।

क़र्क़फ़ (قرقف) अ पु–मदिरा, शराब, ईसाइयों के तीन धार्मिक पद।

कर्ग (کرگ) फ़ा पु–'कर्गदन' का लघु, देखो 'कर्गदन'।

कर्गदन (کرگدن) फ़ा पु–गैंडा, एक प्रसिद्ध जंगली जानवर जो हाथी से छोटा होता है, खड्गमृग, वज्रचर्म।

कर्गन (کرگن) फ़ा पु–अधपका जौ जिसे भूनकर खाते हैं।

कर्गस (کرگس) फ़ा पु–गीध, गिद्ध, गृध्र, एक प्रसिद्ध पक्षी।

क़र्ज़ (قرض) अ पु–ऋण, उधार, कर्ज़ा।

क़र्ज़ख़्वाह (قرض خواہ) अ फ़ा वि–क़र्ज़ देनेवाला, उत्तमर्ण।

क़र्ज़दार (قرضدار) अ फ़ा वि–जिस पर क़र्ज़ हो, ऋणी, अधमर्ण।

क़र्ज़े हसन (قرض حسنہ) अ पु–ऐसा ऋण जिस पर न कोई ब्याज हो न उसका तक़ाज़ा किया जा सके, ऋणी को जब सुविधा हो उसे अदा करे, और न अदा कर सके तो उस पर कोई भार न रहे।

क़र्तबान (قرطبان) अ पु–दय्यूस, भगभोगी, [illegible]।

क़र्ती (قرطی) अ पु–एक प्रकार का कपड़ा जो [illegible] और [illegible] रंग का होता है।

कर्द (کرد) फ़ा वि–[illegible]।

कर्द (کرد) फ़ा पु–कार्य, काम, कृति, अमल।

कर्दगार (کردگار) फ़ा वि–ईश्वर, [illegible], दे 'किर्दगार', [illegible] 'कर्दगार' शुद्ध है, परन्तु [illegible] है।

[illegible] (کردی) [illegible], [illegible]।

कर्दार (کردار) फ़ा पु–आचरण, व्यवहार, चलन, दे. 'किर्दार', व्याकरण के अनुसार शुद्ध रूप 'कर्दार' ही है, परन्तु प्रचलित 'किर्दार' है।

क़र्न (قرن) अ पु–शृंग, विषाण, सींग, बाल, केश, लम्बा समय जो ३० से १०० वर्ष तक माना जाता है।

कर्नब (کرنب) अ पु–करमकल्ला, एक प्रसिद्ध सब्ज़ी।

कर्ना (کرنا) अ पु–दे 'क़र्ना'।

क़र्ना (قرنا) अ पु–तुरही, एक प्राचीन बाजा जो फूँककर बजाया जाता है।

कर्पास (کرپاس) फ़ा पु–मोटा कपड़ा, संस्कृत 'कर्पट' का अपभ्रंश।

कर्फ़श (کرفش) फ़ा स्त्री–छिपकली, गृहगोधिका।

कर्ब (کرب) अ पु–व्याकुलता, बेचैनी, पीड़ा, यातना, दुःख।

कर्बला (کربلا) फ़ा पु–इराक़ का एक प्रसिद्ध स्थान, जहाँ हज़रत इमाम हुसैन शहीद हुए थे, और जहाँ उनकी मज़ार है।

कर्बलाई (کربلائی) फ़ा वि–कर्बला की ज़ियारत करनेवाला; एक कपड़ा।

कर्बस (کربس) फ़ा स्त्री–छिपकली, गृहगोधिका।

कर्बासू (کرباسو) फ़ा स्त्री–दे 'कर्बस, कर्फ़श'।

कर्म (کرم) अ पु–अंगूर का पेड़।

क़र्म (قرم) अ पु–व्याघ्र, शेर, अपनी जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति।

क़र्यः (قریہ) अ पु–ग्राम, गाँव, मौज़ा।

कर्रत (کرت) अ स्त्री–बार, दफ़ा।

कर्रात (کرات) अ पु–'कर्रत' का बहु, कई बार, बहुत दफ़ा।

कर्रार (کرار) अ वि–शत्रु की सेना पर बारबार आक्रमण करनेवाला, हज़रत अली की उपाधि।

कर्रूबियान (کروبیان) अ पु–'कर्रूबी' का बहु, फ़िरिश्ते।

कर्रूबी (کروبی) अ पु–फ़िरिश्ता, दे 'करूबी', [illegible] शुद्ध बोला है।

[illegible] (کرس) अ पु–[illegible] करनेवाले [illegible], [illegible], दे '[illegible]'।

[illegible] फ़ा पु–[illegible], एक प्रसिद्ध [illegible]।

[illegible] (قرچہ) [illegible]।

[illegible] (قرشنہ) तु पु–[illegible]।

[illegible] फ़ा पु–[illegible]।

[illegible]

और आज़ाद रहते हैं, मस्त और आज़ाद मनुष्य, धृष्ट, गुस्ताख़।

क़लंदरानः (قلندرانه) फा वि—कलंदरो-जैसा, आज़ादो-जैसा, गुस्ताख़ो-जैसा।

क़लंदरी (قلندری) फा पु—कलंदर का काम या पेशा, एक प्रकार का ख़ेमा, रावटी।

क़लंसुव. (قلنسوه) अ पु—टोपी, कुलाह।

कल (ल्ल) (کل) अ पु—गूँगा होना, बोल न सकना, बोझ, भार, भारी बोझ, वह व्यक्ति जिसके न बाप हो न लड़के।

कल (کل) तु वि—गंजा, खल्वाट।

कलक (کلک) फा पु—पछना, चीरा लगाने का नश्तर, शल्य, (स्त्री) आपत्ति, बला, (वि) अशुभ, मनहूस।

क़लक (قلق) अ पु—व्याकुलता, बेचैनी, दुःख, कष्ट, तकलीफ, शोक, खेद, अफ़सोस।

क़लक़अंगेज़ (قلق انگیز) अ फा वि—शोकजनक, दुःखप्रद, रंज पैदा करनेवाला।

क़लक़अफ़्ज़ा (قلق افزا) अ फा वि—दे 'क़लक अंगेज़'।

क़लक़आमेज़ (قلق آمیز) अ फा वि—शोक मिला हुआ, शोकान्वित, रंजदेह।

कलकख़ुस्प (کلک خسپ) फा वि—दरिद्र, निर्धन, कंगाल।

कलफ़ (کلف) अ पु—काले दाग जो मुँह पर पड़ जाते हैं, झाइँ।

क़लम (قلم) अ पु—लेखनी, किल्क, पेड़ की डाली जो काटकर लगायी जाती है, काटा हुआ, तराशा हुआ, कनपटी के बाल, किसी पदार्थ का पतला और लम्बा टुकड़ा।

क़लमकश (قلم کش) अ. फा वि—लिखनेवाला, कलम से काम करनेवाला, काट देनेवाला, मिटा देनेवाला।

क़लमकार (قلمکار) अ फा पु—कलम से काम करनेवाला, लिखनेवाला, एक फूलदार नक्शीन कपड़ा।

क़लमज़द (قلمزد) अ फा वि—कलम फेरा हुआ, कटा हुआ, मसूख़।

क़लमज़न (قلمزن) अ फा वि—लिखनेवाला, चित्रकार, मुसव्विर, कलमज़द करनेवाला, मसूख़ करनेवाला।

क़लम दरकशीद. (قلم درکشیده) अ फा वि—मिटाया हुआ, मह्व किया हुआ।

क़लमदस्त (قلمدست) अ फा वि—जो क़लम से काम करता हो, लिखनेवाला, चित्रकार।

क़लमदान (قلمدان) अ फा पु—क़लम-दवात रखने का पात्र, पद, पदवी, ओहदा।

क़लमदाने वज़ारत (قلمدان وزارت) अ पु—मंत्री का पद, वज़ीर का ओहदा।

क़लम पाक कुन (قلم پاک کن) अ फा पु—वह कपड़ा जिससे कलम की सियाही पोंछी जाती है।

क़लमबंद (قلم بند) अ फा. वि—जो लिखा गया हो, लिपिबद्ध, चित्रकार की कूची बनानेवाला।

क़लम बरदाश्त (قلم برداشته) अ फा वि—कलम उठाकर बिना सोचे लिखा हुआ लेख।

क़लमरौ (قلمرو) अ फा स्त्री—राष्ट्र, राज्य, हुकूमत, सल्तनत।

क़लमी (قلمی) अ वि—कलम सम्बन्धी, हस्तलिखित ग्रंथ, विशेषतः पुराने हस्तलिखित ग्रंथ, कलम लगाये हुए पेड़ का फल, लंबा और पतला पदार्थ, जैसे—'कलमी शोरा'।

क़लमे फ़ौलाद (قلم فولاد) अ फा पु—फाउण्टेन पेन, मसीगर्भ, लौह-लेखनी।

क़लमेरसास (قلم رصاص) अ पु—पेंसिल, सीसाकनी।

क़लमेसुर्ब (قلم سرب) अ पु—दे 'कलमे रसास'।

क़लमेसुर्मः (قلم سرمه) अ पु—दे 'क़लमे रसास'।

कलल (کلل) अ स्त्री—कलगी, शिरमौर।

क़लह (قلح) अ स्त्री—दाँतो का मैल और उनका पीलापन।

कलाँ (کلاں) फा वि—ज्येष्ठ, बड़ा, दीर्घ, लंबा।

क़ला (قلا) अ पु—किसी से शत्रुता करना, शत्रुता, दुश्मनी।

क़लाइद (قلائد) अ पु—'किलाद' का बहु, गले के पट्टे।

कलातः (کلاته) फा पु—छोटा गाँव, नगला।

कलात (کلات) फा पु—गाँव, ग्राम, पहाड़ी पर बना हुआ दुर्ग।

कलानी (کلانی) फा स्त्री—ज्येष्ठता, बड़ापन, दीर्घता, लम्बाई, गुरुत्व, भारीपन।

कलापेसः (کلاپیسه) फा पु—आँखो की रंगत का बदल जाना, जैसे—गुस्से में या मैथुन के समय।

कलाब (کلاب) फा पु—चर्खे पर काती जानेवाली अंटी, पिंडिया।

कलाम (کلام) अ पु—शब्द, वाणी, बोली, वार्तालाप, गुफ्तगू, आपत्ति, ए'तिराज़, मीमांसा, इल्मे कलाम।

कलामुल्लाह (کلام الله) अ पु—ख़ुदा का कलाम, ईश्वर की वाणी, कुरानशरीफ़।

कलामे मुस्तदाम (کلام مستدام) अ पु—ईश्वर की ओर से पैग़म्बर पर आनेवाला आदेश, वही।

कलालः (کلاله) अ पु—दे 'कलालात'।

कलाल (کلال) अ पु—ग्लानि, थकन, माँदगी।

कलालत (کلالت) अ स्त्री—थकन, ग्लानि, माँदगी।

कलावः (کلاوہ) फा पु —चर्खे पर काती जानेवाली पिंडिया।
क़लावुज़ी (قلاوزی) फा स्त्री —अग्रगमन, आगे चलना; मार्ग-दर्शन, रहबरी, सेना का अग्रभाग।
क़लिक़ (قلق) अ वि —व्याकुल, मुज़्तरिब, दुखित, रंजीदा।
कलिब (کلب) अ वि —दीवाना, पागल, कटखना (कुत्ता)।
कलिमः (کلمہ) अ पु —शब्द, लफ्ज़, वाक्य, जुम्ला, वचन, बात, मुसलमानो का धर्ममत्र।
कलिमःख्वाँ (کلمہخواں) अ फा वि —दे 'कलिम गो'।
कलिमःगो (کلمہگو) अ फा वि —कलिम (कलमा) पढनेवाला अर्थात् मुसलमान।
कलिम (کلم) अ पु 'कलिम' का बहु, कलिमे, जुम्ले, वाक्य-समूह।
कलिमतुलख़ैर (کلمةالخیر) अ पु —भलाई की बात, ऐसी बात जिसमें किसी का हित हो।
कलिमतुलहक़ (کلمةالحق) अ पु —सच्ची बात, बेलाग बात, इसाफ की बात, सदुक्ति।
कलिमात (کلمات) अ पु —कलिम का बहु, कलिमें, बाते, शब्द, अल्फाज़।
क़लीद (قلید) अ स्त्री —बटी हुई रस्सी।
कलीदान (کلیدان) फा पु —लकडी का कुदा जो अपराधियो के पाँव मे बाँधा जाता है।
क़लीब (قلیب) अ पु —पुराना कुआँ।
कलीम (کلیم) अ पु —बात करनेवाला, बातचीत करनेवाला; घायल, ज़ख्मी, हज़रत मूसा की उपाधि।
कलीमुल्लाह (کلیمالله) अ पु —ईश्वर से वार्तालाप करनेवाला, हज़रत मूसा की उपाधि।
क़लीयः (قلیہ) अ पु —भुना हुआ गोश्त।
क़लीलः (قلیلہ) अ पु —केलूल करने का समय, दोपहर मे थोडी देर सोने का समय।
कलील (کلیل) अ वि —शिथिल, माँदा, मद, सुस्त, गूँगा, कुद, भोथरा।
क़लील (قلیل) अ वि —अल्प, न्यून, थोडा, ह्रस्व, छोटा।
क़लील तरीन (قلیلترین) अ फा वि —बहुत ही छोटा।
क़लीलुल क़ीमत (قلیلالقیمت) अ वि —थोडी कीमतवाला, कम दामो का, सस्ता।
क़लीलुल बिज़ाअत (قلیلالبضاعت) अ वि —जिसके पास पूंजी थोडी हो, जो अप्रतिष्ठित हो, कम हैसियत।
कलीलुल मिक़दार (قلیلالمقدار) अ वि —थोडा, कम, अल्प मात्रा में।

क़लीलुस्समाअत (قلیلالسماعت) अ वि —जो कम सुनता हो, बधिर, बहरा।
क़लीस (قلیس) अ. वि —कृपण, कजूस, बख़ील।
क़लूस (قلوص) अ स्त्री —जवान ऊँटनी।
क़लौला (قلولا) अ पु —काज़, एक प्रसिद्ध पक्षी।
क़ल्अः (قلعہ) अ पु —दुर्ग, कोट, गढ, किला।
क़ल्अःगीर (قلعہگیر) अ फा वि —दुर्ग विजित करनेवाला, महारथी, बहुत बडा शूर।
क़ल्अःशिकन (قلعہشکن) अ फा वि —दुर्ग को ध्वस्त कर देनेवाला, दुर्गभेदी (तोप या कोई यत्र)।
क़ल्ई (قلعی) अ स्त्री —वग, राँग, फुंका हुआ चूना; मुलम्मा, बर्तनो पर राँगा का मुलम्मा, चूने की पुताई।
क़ल्ईगर (قلعیگر) अ फा वि —बरतनो पर राँग का मुलम्मा करनेवाला।
कल्क (کلک) फा स्त्री —कक्ष, बगल, क्रोड, गोद, आगोश।
कल्कज (کلکج) फा वि —लडनेवाला, युद्ध करनेवाला।
कल्कलः (قلقلہ) अ पु —आवाज करना, बोलना, हिलाना।
क़ल्क़ान (قلقان) तु स्त्री —ढाल, सिपर।
कल्गी (کلغی) फा स्त्री —फुँदना, तुर्रा, पक्षी के सिर का केस।
कल्त. (کلتہ) फा वि —पूँछ कटा हुआ, थोडा, न्यून, जो शुद्ध उच्चारण न कर सके, सोटा, डडा, गतका।
क़ल्तबान (قلتبان) फा पु —वह निर्लज्ज मनुष्य जो अपनी स्त्री को पर-पुरुष के पास जाने दे, भगभोजी, स्त्री की कमाई खानेवाला, भँडुआ।
क़ल्तबानी (قلتبانی) फा स्त्री —स्त्री की कमाई खाना, भँडुअई।
कल्पत्रः (کلپترہ) फा वि —मिथ्या, झूठ, अनर्गल, बेहूदा।
क़ल्पाक़ (قلپاق) तु स्त्री —टोपी, कुलाह्।
क़ल्फः (قلفہ) अ पु —खतना का न होना, बे खतना होना।
कल्फ (کلف) अ पु —मुग्ध होना, आसक्त होना, शेफ्त होना।
क़ल्ब (قلب) अ पु —हृदय, मन, दिल, मध्य, बीच; कूट, खूँटा, औधा, उलटा, १७वाँ नक्षत्र।
कल्ब (کلب) अ पु —कुक्कुर, श्वान, कुत्ता।
कल्बतान (کلبتان) अ स्त्री —लोहार की सडसी, सगसी, मोमबत्ती का गुल काटने की कैंची, गुलगीर।
कल्बतैन (کلبتین) अ स्त्री —दे 'कल्बतान'।
कल्बसाज़ (قلبساز) अ फा वि —खोटा रुपया बनानेवाला, कूटकृत।
क़ल्बसाज़ी (قلبسازی) अ फा स्त्री —जाली रुपया बनाना।

क़ल्बी (قلبی) अ वि—हार्दिक, दिली; मानसिक, रूही; हृदय-सम्बन्धी।

क़ल्बे अक्रा (قلب عوا) अ पु—बहुत भोकनेवाला कुत्ता, एक नक्षत्र।

कल्बे कलिब (کلب کلب) अ पु—कटखना और पागल कुत्ता।

क़ल्बे माहीयत (قلب ماهیت) अ स्त्री—किसी पदार्थ के धर्म और गुण का परिवर्तन, कायाकल्प।

कल्म (کلم) अ पु—घायल करना, ज़ख्मी करना।

कल्मल (کلمل) फा पु—कोलाहल, शोर-गुल।

कल्मुर्ग़ (کلمرغ) फा पु—गिद्ध की एक जाति।

क़ल्यः (قلیه) उ पु—भुना हुआ मास, शुद्ध शब्द 'कलीय' है, परन्तु प्रचलित यही है। (कलिया)

क़ल्यान (قلیان) फा पु—हुक्का, चिलम पीने का यत्र, गुडगुडी, दे 'किल्यान', दोनो शुद्ध है।

कल्ल: (کله) फा पु—जबडा, कनपटी, सिर।

कल्ल: दराज (کله دراز) फा वि—मुखर, ज़बांदराज़।

कल्ल: मनार (کله منار) फा अ पु—वह जयस्तभ जो मारे गये सैनिको के सिरो से बनाया जाता था।

कल्लए क़द (کلهٔ قند) फा पु—मिस्री का कूज़ा।

क़ल्लमा (قلما) अ वि—थोडा, किंचित्।

कल्ला (کلا) अ अव्य—सत्य है, यथार्थ है, ठीक है।

क़ल्लाब (قلاب) अ वि—छली, वचक, दग़ाबाज़।

क़ल्लाबी (قلابی) अ स्त्री—छल, दगाबाजी।

क़ल्लाश (قلاش) तु पु—नीच, कमीना, निर्धन, कगाल।

क़ल्लास (قلاس) अ पु—चढ़ी हुई नदी, बाढ पर आयी हुई नदी, समृद्ध, मालामाल।

क़ल्स (قلس) अ पु—जो एक बार मुँह से निकले, (कई बार निकले तो उसे कै कहते हैं); नाव की मोटी रस्सी।

क़वद (قود) अ पु—कसास, प्रतिहिंसा, किसी की हत्या होने पर उसके खून का बदला लेना।

कवल (کول) फा पु—कम्मल, कबल।

क़वाइद (قواعد) अ पु—'काइद' का बहु, नियमावली, ज़ाबिता, व्याकरण, सर्फ़ नह्व, सेना की परेड, परम्पराएँ, रस्मोरिवाज।

क़वाइदगाह (قواعدگاه) अ फा स्त्री—परेड करने का मैदान, सैन्य-व्यायाम-क्षेत्र।

क़वाइददाँ (قواعدداں) अ फा वि—परेड सीखा हुआ सैनिक, परेड से परिचित, किसी कार्य के नियमो से परिचित।

कवाइफ़ (کوائف) अ पु—'कैफियत' का बहु, हालात, समाचार, घटनाएँ, समस्याएँ, मसाइल।

कवाइब (کواعب) अ स्त्री—'काइब' का बहु, वे स्त्रियाँ जिनकी छातियाँ कडी हो।

कवाइबे अंजुम (کواعب انجم) अ स्त्री—सप्तर्षि-मडल, बनातुन्ना'श।

क़वाइम (قوائم) अ पु—'काइम' का बहु, मनुष्य के हाथ-पाँव, चूल्हे आदि के पाये।

कवाकिब (کواکب) अ पु—'कौकब' का बहु, तारे, उडुगण।

क़वानीन (قوانین) अ पु—'कानून' का बहु, हर प्रकार के कानून।

क़वाफ़िल (قوافل) अ पु—'काफ़िला' का बहु, यात्रियो के काफ़िले, पतली कमर के घोडे।

क़वाफ़ी (قوافی) अ पु—'काफ़िया' का बहु, काफ़िए।

क़वाम (قوام) अ पु—सत्यता, सच्चाई, सरलता, रास्ती, न्याय, इसाफ।

क़वामीस (قوامیس) अ पु—'कामूस' का बहु, बडी-बडी नदियाँ, महानद-समूह।

क़वारीर (قواریر) अ पु—'कारूर' का बहु, क़ारूरे की शीशियाँ, बोतलें, शीशियाँ।

क़वारे' (قوارع) अ पु—'कारिअ' का बहु, आपत्तियाँ, सख्तियाँ, सासारिक दुर्घटनाएँ, हादिसे।

क़वी (قوی) अ वि—बलवान्, शक्तिशाली, ज़ोरावर, ईश्वर का एक नाम।

क़वीउलजुस्स. (قوی الجثه) अ वि—मज़बूत डीलडौल का, दृढ़ाग, हृष्ट-पुष्ट, मोटा-ताज़ा।

क़वीतरीन (قوی ترین) अ फा वि—बहुत अधिक शक्तिशाली, महाबल।

क़वीदस्त (قوی دست) अ फा वि—शक्तिशाली, ज़ोरावर।

क़वीपंज: (قوی پنجه) अ फा वि—दे 'कवी बाज़ू'।

क़वीपुश्त (قوی پشت) अ फा वि—जिसे किसी महान् पुरुष का सहारा प्राप्त हो, जिसकी पीठ पर किसी बडे व्यक्ति का हाथ हो, ताक़तवर हिमायती, बलिष्ठ पक्षपाती।

क़वीबाज़ू (قوی بازو) अ फा वि—जिसकी भुजाएँ काफ़ी दृढ हो, जो अपनी भुजाओ के बल पर हर कार्य करता हो, पराक्रमी, साहसी, जफ़ाकश।

क़वीम: (قویمه) अ स्त्री—सीधी, सरल, दृढ़, पुष्ट, मज़बूत (स्त्री)।

क़वीम (قویم) अ वि—सीधा, सरल, रास्त, दृढ़, पुष्ट, मज़बूत।

कवुर्ग: (کورگه) तु पु—बडा नक्क़ार (नगाडा), धौंसा।

क़वुर्म: (قورمه) तु पु—कोर्म, शोरबेदार गोश्त, जिसमें

क़शूवर (قشور) अ स्त्री —वह स्त्री जिसे मासिक-धर्म न आता हो, नष्टार्तव।
कश्वरकुशा (کشورکشا) फा वि —शासक, हाकिम, हुक्मराँ।
कश्वर सिता (کشور ستاں) फा वि —विश्वविजयी, आलमगीर।
कश्शाफ (کشاف) अ वि —खोलनेवाला, प्रकट करनेवाला।
कस[स्स] (قص) अ पु —वक्षस्थल, सीना, छाती, सीने की हड्डी।
कस (کس) फा पु —व्यक्ति, शख्स।
क़सब' (قصبہ) अ पु —डाली, शाखा, छोटा शहर।
क़सब (قصب) अ पु —नर्कट, नर्कुल, नम, हर चीज़ जो नर्कट-जैसी भीतर से खाली हो।
कसबुज्ज़रीरः (قصب الزریرہ) अ पु —चिरायता, एक वनौषधि।
कसबुलजीब (قصب الجیب) अ पु —कांस, एक घास।
कसबुलजैब (قصب الجیب) अ पु —खत रखने का बाँस आदि का खोल, जिसमे रखकर खत भेजे जाते थे।
कसबुलहबीब (قصب الحبیب) अ पु —गन्ना, नैशकर, ऊख।
कसबुस्सबक (قصب السبق) अ पु —वह बल्लम जो दूर पर गाड दिया जाता है और कुछ सैनिक सवार घोडे दौडाकर उसकी ओर दौडते हैं, जो उसे पहले उखाड लेता है उसे इनाम दिया जाता है।
क़सम (قسم) अ स्त्री —शपथ, सौगद।
कसमपुर्सी (کسمپرسی) फा स्त्री —बेबसी, बेकसी, ऐसा जीवन जिसमे कोई पूछनेवाला न हो।
कसल (کسل) अ पु —शिथिलता, आलस्य, काहिली, क्लाति, श्रान्ति, थकावट।
कसलमद (کسل مند) अ फा वि —क्लान्त, म्लान, श्रात, थका हुआ।
क़सस (قصص) अ पु —किस्सा कहना, कहानी कहना।
कसाइद (قصائد) अ पु —'कसीद' का बहु, कसीदे।
क़साद (کساد) अ पु -सस्तापन, मदता, खरीदारो का अभाव, किसी वस्तु का प्रचलित न होना, वेरिवाजी।
कसादबाज़ारी (کسادبازاری) अ फा स्त्री —बाज़ार भाव का बहुत मदा हो जाना, बाजार में खरीद फरोख्त बहुत कम हो जाना, किसी चीज़ की पूछताछ न होना, कसमपुर्सी।
कसाफत (کثافت) अ स्त्री —मलिनता, समलता, मैलापन, अशुद्धता, गदगी।
कसारत (قصارت) अ स्त्री —कपडे धोना, धोबी का काम।
क़सालत (کسالت) अ स्त्री —दे 'कसल'।
क़सावत (قساوت) अ स्त्री —निर्दयता, बेरहमी, कठोरता, सख्ती।
कसावतेक़ल्बी (قساوت قلبی) अ स्त्री —हृदय का कठोर होना, निर्दयता।
क़सी (قسی) अ वि —निर्दय, कठोर, हृदय, बेरहम।
कसी-उल-कल्ब (قسی القلب) अ वि —कठोर हृदयवाला, पाषाणहृदय, सख्त दिल।
कसीदः (کسیدہ) अ वि —वह माल जिसकी बिक्री न हो, जिसका चलन उठ गया हो।
क़सीद' (قصیدہ) अ पु —पद्यात्मक प्रशसा, नज़्म की एक किस्म जिसमें किसी महान व्यक्ति की प्रशसा की जाती है ऐसी प्रशसा जिसमें यथार्थता कम हो, भटई।
क़सीद ख़्वाँ (قصیدہ خواں) अ फा वि —कसीदा पढने-वाला, झूठी प्रशसा करनेवाला, खुशामदी, भाट, वदी।
कसीद ख़्वानी (قصیدہ خوانی) अ फा स्त्री —कसीदा पढना, झूठी प्रशसा करना, भटई करना।
कसीद गो (قصیدہ گو) अ फा वि —कसीदा लिखनेवाला, वह शाइर जो कसीदे अधिक और अच्छे लिखता हो।
क़सीद गोई (قصیدہ گوئی) अ फा स्त्री —कसीदे लिखना।
कसीद (کسید) अ वि —वह माल जिसका चलन न रहा हो।
कसीद (قصید) अ पु —सूखा चमडा, तीन शे'रो से अधिक दस तक, टूटा हुआ, शिकस्ता।
कसीफ (کثیف) अ वि —मलिन, मैला, अपवित्र, गदा।
कसीफुत्तब्अ (کثیف الطبع) अ वि —जिसकी आत्मा अशुद्ध हो, बदबातिन।
कसीफुलबातिन (کثیف الباطن) अ वि —दे 'कसीफुत्तब्अ'।
कसीम. (قسیمہ) अ पु —मुश्क का नाफा।
क़सीम (قسیم) अ वि —भागीदार, साझीदार, शरीफ, बाँटनेवाला, विभाजक।
कसीर (قصیر) अ वि —ह्रस्व, छोटा, वामन, बौना।
कसीर (کثیر) अ वि —अधिक, प्रचुर, बहुत।
कसीर (کسیر) अ वि —टूटा हुआ, शिकस्त, खडित।
कसीरुज्जौजात (کثیرالزوجات) अ पु —जिसकी बहुत-सी पत्नियाँ हो, अनेकभार्य, बहुपत्नीक।
कसीरुत्तहम्मुल (کثیرالتحمل) अ वि —जिसमे धैर्य बहुत हो, बहुक्षम, बहुधैर्य।
कसीरुत्ता'दाद (کثیرالتعداد) अ वि —जो गिनती मे बहुत हो, बहुसख्यक, विपुल, असख्य।
कसीरुलअख़्लाक़ (کثیرالاخلاق) अ वि —जो बहुत सुशील और मिलनसार हो, बहुशील।

कसीरुलअस्लाअ (كثيرالاصلاع) अ वि –वह क्षेत्र जिसमें बहुत-सी भुजाएँ हों, बहुभुज क्षेत्र ।

कसीरुलअत्फाल (كثيرالاطفال) अ वि –वह व्यक्ति जिसकी संतान बहुत हो, बहुसंतति, वह स्त्री जिसने बहुत से बच्चे जने हों, बहुप्रसवा, बहुसू, कृमिला ।

कसीरुलअफ्कार (كثيرالافكار) अ वि –जिसे चिंताएँ बहुत हों, बहुचिंत।

कसीरुलअलाइक (كثيرالعلائق) अ वि –जो मायाजाल में पूरी तरह फँसा हो, जिसके मित्र और रिश्तेदार बहुत हों, जिसके पीछे दुनिया के बहुत से झगड़े लगे हों।

कसीरुलअश्काल (كثيرالاشكال) अ वि –जिसके बहुत से रूप हों, बहुरूप, अनेकाकार ।

कसीरुलइयाल (كثيرالعيال) अ वि –जिसके बाल-बच्चे बहुत हों, जिसकी संतति अधिक और आय कम हो ।

कसीरुलइल्म (كثيرالعلم) अ वि –जो बहुत बड़ा विद्वान् हो, बहुविद् ।

कसीरुलऔलाद (كثيرالاولاد) अ वि –दे 'कसीरुलइयाल'।

कसीरुलऔसाफ (كثيرالاوصاف) अ वि –जिसमें बहुत अधिक गुण और अच्छाइयाँ हों, बहुगुण ।

कसीरुलकलाम (كثيرالكلام) अ वि –जो बहुत बातें करता हो, वाचाल, बहुलालाप, बक्की, झक्की ।

क़सीरुलक़ामत (قصيرالقامت) अ वि –बहुत छोटे डील-डौल का, बौना, वामन, ह्रस्वांग।

कसीरुलख़ैर (كثيرالخير) अ वि –जो बहुत अधिक दानशील हो, जो अच्छे कामों में काफी खर्च करता हो, जो गरीबों की काफी सहायता करता हो।

कसीरुलमा'ना (كثيرالمعنى) अ वि –वह शब्द, वाक्य या शे'र जिसके बहुत से अर्थ हों, अनेकार्थ।

कसीरुलमाल (كثيرالمال) अ वि –जिसके पास धन बहुत हो, धनाढ्य, विपुलद्रव्य, पृथुलधन।

कसीरुलवुक़ूअ (كثيرالوقوع) अ वि –ऐसी घटना जो प्राय घटित होती रहती हो ।

कसीरुश्शा'र (كثيرالشعر) अ वि –जिसके शरीर पर बाल बहुत हों, लोमश, बहुलोमा।

कसीरुश्शह्वत (كثيرالشهوت) अ वि –जिसमें कामवासना का आधिक्य हो, बहुकाम, अतिकामी, घोर विषयी।

कसीरुस्समर (كثيرالثمر) अ वि –ऐसा वृक्ष जिसमें फल बहुत आते हों ।

क़सील (قصيل) अ पु –जौ, जो अभी पूरी तरह पके न हों, अधपका जौ ।

कसीस (كسيس) अ पु –सुखाया हुआ कीमा, छुहारे की मदिरा ।

कसीह (كسيح) अ वि –विवश, लाचार, जो एक जगह ठहरकर रह गया हो, हिल-डुल न सके।

कसूस (كثوث) अ पु –एक बेल जो वृक्षों पर फैलती है, अमर बेल।

कसे बाशद (كسے باشد) फा वा –कोई हो, चाहे कोई हो।

कसो को (كس و كو) फा पु –मित्र और स्वजन।

कसो नाकस (كس و ناكس) फा पु –अच्छा-बुरा, हर प्रकार का व्यक्ति, बड़ा-छोटा, हर आदमी ।

क़स्द (قصد) अ पु –संकल्प, निश्चय, इरादा, इच्छा, कामना, ख्वाहिश ।

क़स्दन (قصداً) अ वि –जान-बूझकर, निश्चयपूर्वक।

क़स्बः (قصبه) अ पु –शहर से छोटी और गाँव से बड़ी बस्ती।

कस्ब (كسب) अ पु –कमाई, उपार्जन, उद्यम, धंधा, रोजगार, वेश्यावृत्ति, वेश्याकर्म, रंडीपन।

क़स्ब (قصب) अ पु –काटना, छेदन।

कस्बी (كسبى) अ वि –वह विद्या जो कमाने और परिश्रम करने से प्राप्त हो, 'वह्बी' का उलटा, वेश्या, गणिका।

कस्बे इल्म (كسب علم) अ पु –विद्या प्राप्त करना, विद्योपार्जन।

कस्बे कमाल (كسب كمال) अ पु –कोई गुण प्राप्त करना, गुणोपार्जन ।

कस्बे ज़र (كسب زر) अ फा पु –रुपया कमाना, धनोपार्जन।

कस्बे हुनर (كسب هنر) अ फा पु –कोई शिल्प या कला सीखना, शिल्पोपार्जन ।

क़स्म (قسم) अ पु –बाँटना, बटन, दान करना, बख्शिश करना ।

क़स्मत (قسمت) अ स्त्री –हिस्से लगाना, हिस्से बाँटना।

कस्रः (كسره) अ पु –उर्दू में 'ज़ेर' की अलामत, ज़ेर की मात्रा।

कस्र (كسر) अ पु –ज़ेर की मात्रा, टूट, शिकस्तगी, वह संख्या जो एक से कम हो, भिन्न, जैसे, ½, ¾, ⅔, ⅘ ।

क़स्र (قسر) अ पु –किसी से बलात् कोई काम लेना, जबरदस्ती किसी काम पर लगाना ।

क़स्र (قصر) अ स्त्री –न्यूनता, कमी, त्रुटि, खामी, (पु) भवन, प्रासाद, महल ।

कस्रत (كسرت) अ स्त्री –व्यायाम, वर्ज़िश।

कस्रत (كثرت) अ स्त्री –प्राचुर्य, बाहुल्य, अधिकता, प्रचुरता, बहुतात, इफ़रात।

क़स्रतगाह (کسرتگاہ) अ फा स्त्री—कसरत करने का स्थान, व्यायामशाला।
कस्रेनफ़्सी (کسرنفسی) अ स्त्री—नम्रता, विनीति, खाकसारी।
कस्रेशान (کسرشان) अ स्त्री—शान के खिलाफ, हेठी, अपमान, वेइज्जती।
कस्लान (کسلان) अ वि—आलस, काहिल, सुस्त, आलसी।
कस्व (قسوه) अ पु—हृदय की कठोरता, सख्तदिली।
कस्वर (قسور) अ पु—व्याघ्र, सिंह, शेर।
क़स्सा (قثا) अ स्त्री—ककडी।
क़स्साव (قصاب) अ पु—गोश्त वेचनेवाला, मास-विक्रेता, पशुवध करनेवाला, कसाई।
कस्सावखान (قصاب‌خانه) अ फा पु—मास विकने का स्थान, पशुवध का स्थान, वधस्थल, कसाईखाना।
क़स्साम (قسام) अ वि—वाँटनेवाला, वितरण करनेवाला, किस्मत लिखनेवाला, भाग्य-लिपिक।
क़स्सामे अजल (قسام ازل) अ पु—मनुष्य की उत्पत्ति के समय उसके भाग्य मे उसका भाग लिखनेवाला, ईश्वर।
क़स्सार (قصار) अ वि—कपडे धोनेवाला, धोवी, रजक।
कह (کہ) फा स्त्री—'काह' का लघु, घास, तृण।
कहकशाँ (کہکشاں) फा स्त्री—आकाशगगा, छायापथ।
कहगिल (کہگل) फा स्त्री—मट्टी मे घास मिलाकर दीवारो पर लेस करने के लिए बनाया जानेवाला गारा।
कहन (کہنہ) अ पु—'काहिन' का बहु, शकुन विचारनेवाले।
कहर (کہر) फा पु—कुमैत, कुम्मैत, कुम्मैती रग।
कहरुबा (کہربا) फा पु—एक हलका पत्थर जो घास को अपनी ओर खीचता है, तृणमणि।
कहरुबाई (کہربائی) फा वि—कहरुबा से सम्बन्ध रखनेवाला, वर्की, विद्युत्सम्बन्धी।
कही (کہی) फा पु—वह सैनिक जो सेना के आगे चलकर पडाव के लिए घोडो के दाना-घास का प्रबध करते हैं।
कहूल (کہول) अ वि—खिचडी डाढीवाला, अधेड उम्रवाला।
क़हक़ाह (قہقاہ) फा पु—अट्टहास, क़हक़हा "किसी के कहकहे मे प्यार की रगीन अँगडाई, उतर आई हजारो बार दिल में, छू के गहराई।"
कहत (قحط) अ पु—दुर्भिक्ष, अकाल, अभाव, किल्लत, वहुत अधिक कमी।
क़हतज़द: (قحط‌زده) अ फा वि—अकाल का मारा हुआ, जिसे अकाल के कारण खाने को वहुत कम मिला हो, दुर्भिक्षग्रस्त।
क़हतज़दगी (قحط‌زدگی) अ. फा स्त्री—अकाल के कारण भूखो मरना।
क़हतसाली (قحط‌سالی) अ फा स्त्री—दुर्भिक्ष, अकाल; अवर्षा, पानी की कमी।
क़हतुर्रिजाल (قحط‌الرجال) अ पुं—अच्छे और सज्जन मनुष्यो का अभाव।
कह्फ़ (کہف) अ पु—गर्त, गढा, ग़ार, खोह, गुफा, कदरा।
क़ह्बः (قحبہ) अ स्त्री—दे शु उच्चारण 'कुह्व'।
क़ह्र (قہر) अ पु—क्रोध, कोप, गुस्सा, दैवी कोप, अज़ाव, दैवी आपत्ति, वलाए आस्मानी।
कह्र (کہر) अ पु—सूरज निकलना, दिन होना, चिल्लाना, शोर करना, कुपित होना, गुस्सा करना।
क़हरमान (قہرمان) तु पु—काम करनेवाला, कर्मचारी, कारकुन।
क़ह्रमान (قہرمان) फा पुं—शासक, हाकिम, शासन, हुकूमत, अत्याचार और अन्याय का शासन।
कह्ल (کہل) अ पु—अधेड आयुवाला मनुष्य।
कह्ल (کحل) अ पु—दुर्भिक्ष का समय, क़हत का साल।
क़ह्व (قہوه) अ पु—एक दाना जिसे भूनकर पीसते और उबालकर पीते हैं, काफी।
क़ह्व.ख़ानः (قہوه‌خانہ) अ फा पु—जहाँ कहवा पिया जाता है, काफी-हाउस।
क़ह्हार (قہار) अ वि—बहुत अधिक कोप करनेवाला, महाकोपी, ईश्वर का एक नाम।
कह्हाल (کحال) अ. वि—आँख के रोगो की चिकित्सा करनेवाला, सथिया, सुरमा बनाने और वेचनेवाला।

क़ा

क़ाअ' (قاع) अ पु—लबी-चौडी ज़मीन, जो समतल भी हो।
क़ाआन (قاآن) तु वि—न्यायशील राजा, आदिल बादशाह।
क़ाइदः (قاعده) अ पु—नियम, उसूल, सिद्धात, नज़रीय, विधि, पद्धति, तरीका, बच्चो के पढने की अलिफ वे की पुस्तक।
क़ाइद:दाँ (قاعده‌دان) अ फा वि—क़ाइदा जाननेवाला, जिसे नियम और विधि आदि मालूम हो, आज्ञम, वडा वैधानिक।
क़ाइद (قائد) अ वि—अधे की लाठी पकडकर उसके आगे चलनेवाला, नेता, लीडर, फौज का सरदार, सेनाध्यक्ष।
क़ाइद (قاعد) अ वि—बैठा हुआ, (स्त्री) वह स्त्री जो रजोधर्म और जनन से फ़ारिग हो, (पु) वह खजूर जिस तक हाथ पहुँच जाय।
काइद (کائد) अ वि—छली, वचक, धूर्त, मक्कार।

क़ाइदए कुल्लीयः (قاعدۂ کلیہ) अ पु —वह नियम जो एकसी चीजो मे सब पर लागू हो, व्यापक नियम।

काइन (کائن) अ वि —उपस्थित होनेवाला, उत्पन्न होनेवाला।

क़ाइन (قائن) तु पु —पति का भाई, देवर, पत्नी का भाई (साला)।

काइनात (کائنات) अ स्त्री —ब्रह्माड, खलाए आस्मानी, संसार, दुनिया, सामर्थ, हैसियत, विसात।

क़ाइफ़ (قاعف) अ पु —बहुत ही कडी वर्षा, सख्त वारिश।

क़ाइफ़ (قائف) अ वि —चेहरा देखकर हाल बता देनेवाला, कियाफ शनास, सामुद्रिक।

काइमः (قائمہ) अ पु —पाया, खभा, नव्वे अश का कोण, वह खडी लकीर जो पडी लकीर पर गिरकर नव्वे अश का कोण बनाये।

क़ाइम (قائم) अ वि —खडा होनेवाला, उल्लवित, दृढ, मज़बूत, स्थिर, पायदार (कायम)।

क़ाइम अंदाज़ (قائم انداز) अ फा वि —शतरज का बहुत बडा उस्ताद, बहुत बडा शक्तिशाली।

क़ाइम बिज़्ज़ात (قائم بالذات) अ वि —जिसका अस्तित्व विना दूसरे के सहारे के हो।

क़ाइम बिलग़ैर (قائم بالغیر) अ वि —जिसका अस्तित्व दूसरे के अस्तित्व पर अवलवित हो, जैसे—रग का अस्तित्व कपडे के सहारे।

क़ाइम मक़ाम (قائم مقام) अ वि —जो किसी दूसरे के पद या स्थान पर नियुक्त हो, स्थानापन्न (कायम मुकाम)।

क़ाइम मिज़ाज (قائم مزاج) अ वि —जो किसी निश्चय पर अटल रहे, दृढनिश्चय।

काइलः (قائلہ) अ स्त्री —कहनेवाली, बात करनेवाली, कैलूल करनेवाली।

क़ाइल (قائل) अ वि —कहनेवाला, बोलनेवाला, लाजवाब, निरुत्तर, दोपहर मे खाने के पश्चात् थोडी देर लेटनेवाला (कायल)।

काऊस (کاؤس) फा पु —कैकाऊस, ईरान का सम्राट्, रुस्तम इसी का नौकर था।

क़ाक़ (قاق) तु पु —सुखाया हुआ मास, सूखा-साखा मनुष्य।

क़ाक (قاق) अ वि —बहुत लम्बा व्यक्ति।

काक (کاک) फा स्त्री —आटे की मोटी और छोटी रोटी, टिकिया।

का'क (کعک) अ स्त्री —दे 'काक'।

काका (کاکا) तु पु —बडा भाई, अग्रज, घर का बडा बूढा नौकर।

क़ाक़ुम (قاقم) फा पु —एक जंगली जन्तु जिसकी खाल बहुत मुलायम होती है और उसका पोस्तीन बनता है, उस जानवर की खाल।

काकुमे उगुश्तनुमा (قاقم انگشت نما) फा पु —एक प्रकार का काकुम जिसके रोएँ अगुल-अगुल भर उठे होते हैं।

काकुल (قاقلہ) अ स्त्री —वडी इलाइची।

काकुल (کاکل) फा स्त्री —बालो की लट, केशपाश, अलक, जुल्फ, माथे पर के वाल।

काक़ुलतैन (قاقلتين) अ स्त्री —छोटी और वडी दोनो इलाइचियाँ।

काकुले परीशाँ (کاکل پریشاں) फा स्त्री - विखरे हुए बाल।

काकुले पेचाँ (کاکل پیچاں) फा स्त्री —घुँघरवाले बाल।

काकुले शम्अ (کاکل شمع) फा अ स्त्री —चिराग या शमा का धुवाँ।

काख़ (کاخ) फा पु —भवन, प्रासाद, महल, वर्षा, वारिश।

काग़ (کاغ) फा पु —आग, अग्नि, पशुओ की जुगाली, रोना-धोना, शोरगुल।

काग़ज़ (کاغذ) अ पु —लिखने का कागज, पत्र, दस्तावेज आदि।

काग़ज़गर (کاغذگر) अ फा वि —कागज़ बनानेवाला, कागजी।

काग़ज़गीर (کاغذگیر) अ, फा पु —खिडकी या झरोखा जिस पर कागज़ या अभ्रक मढा गया हो।

काग़ज़ात (کاغذات) अ पु —'कागज़' का बहु, वह कागज़ जो किसी विषय मे सम्बन्धित हो।

काग़ज़ी (کاغذی) अ वि —कागज से सम्बन्धित, कागज़ का, कागज़ बनानेवाला, बहुत हलके छिलके का, कागज़ का वना हुआ।

काग़ज़ेज़र (کاغذ زر) अ फा पु —प्रामेसरी नोट, पत्र मुद्रा।

काग़ज़ेबाद (کاغذ باد) अ फा पु —पतग, जो हवा मे उडाई जाती है।

काग़ज़े हल्वा (کاغذ حلوا) अ पु —मिठाई पर लपेटा जानेवाला कागज़, व्यर्थ वस्तु, जैसे—मिठाई खा लेने के वाद उसका कागज व्यर्थ हो जाता है।

काग़द (کاغد) फा पु —दे 'कागज'।

काचक (کاچک) फा पु —खोपडी की हड्डी।

काचार (کاچار) फा पु —घर का सामान, घर का असवाव, गृह-सामग्री।

काचाल (کاچال) फा पु —दे 'काचार'।

काज. (کازہ) फा पु —वह गढा जिसमे शिकारी छिपकर बैठता है और उस पर पत्ते और घास-फूस डाल लेता है।

क़ाज़ (قاز) तु पु —हस की जाति का एक पक्षी जो

दूसरे ठंडे देशों से जाड़ों में भारत आ जाता है और जाड़ों के बाद लौट जाता है।

काज (کاز) फा पु –फूस का छप्पर या झोंपड़ा, फूस का मकान।

काज (کاژ) फा अव्य –काश, ईश्वर करे, भेंगा, जिसे एक की दो चीजें दिखाई पड़ती हो।

काज (کاز) फा पु –भेंगा, अह्‌वल, सनोवर की एक जाति।

क़ाजिए चर्ख़ (قاضئ چرخ) अ फा पु –मुश्तरी, बृहस्पति ग्रह।

काजिए शह्र (قاضئ شہر) अ फा पु –वह काजी जो शह्र में निकाह पढ़ाता है।

काज़िबः (کاذبہ) अ स्त्री –झूठ बोलनेवाली, मिथ्या-वादिनी।

काज़िब (کاذب) अ वि –झूठा, मिथ्यावादी।

काज़िब (قازب) अ वि –लालची व्यापारी, जो माल पर अधिक से अधिक लाभ लेना चाहता हो।

काज़िम (کاظم) अ वि –क्रोध की बात पर क्रोध न करनेवाला, धैर्यवान्, इमाम मूसारिज़ा की उपाधि।

क़ाज़ियुल हाजात (قاضی الحاجات) अ पु –कामनाएँ पूरी करनेवाला, ईश्वर।

क़ाज़ी (قاضی) अ वि –न्यायकर्ता, मुंसिफ, निकाह पढ़ानेवाला, देनेवाला, अदा करनेवाला।

काज़ीर (کاجیرہ) फा पु –दे 'काज़ीर'

काज़ीरः (کازیرہ) फा पु –कुसुम का फूल।

क़ाज़ूर (قاذورہ) अ स्त्री –अपवित्रता, नापाकी, गंदगी, मलिनता।

क़ाज़ूरात (قاذورات) अ स्त्री –नापाकियाँ, गंदगियाँ।

कात (کات) फा पु –खुरासान का एक नगर, एक चावल, कत्था।

क़ातईन (قاطعین) अ पु –'काते' का बहु, यात्रा करनेवाले, मुसाफिर लोग, पथिकगण।

क़ातिउत्तरीक़ (قاطع الطریق) अ पु –रास्ते में लूट लेनेवाला, लुटेरा, कज़्ज़ाक़।

क़ातिएतरीक़ (قاطع طریق) अ पु –दे 'कातिउत्तरीक' दोनों शुद्ध हैं।

क़ातिएबाह (قاطع باہ) अ फा पु –वह खाद्य पदार्थ जो काम-शक्ति के लिए विनाशकर हो, वीर्यनाशक पदार्थ।

क़ातिन (قاطن) अ वि –जो किसी स्थान पर ठहरा हुआ हो, जो सफर में न हो, 'मुसाफिर' का उलटा।

क़ातिनीन (قاطنین) अ पु –ठहरे हुए लोग।

कातिब (کاتب) अ वि –लिखनेवाला, लेखक, क्लर्क, लिपिक, लीथो प्रेस पर छपने के लिए एक विशेष कागज पर विशेष सियाही से लिखने का काम करनेवाला।

क़ातिबतन (قاطبتاً) अ वि –नितान्त, बिलकुल, सर्वथा, सब, तमाम।

कातिबे अज़ल (کاتب ازل) अ पु –मनुष्य की उत्पत्ति के समय भाग्य-रचना करनेवाला, भाग्य-लेखक, ईश्वर।

कातिबे आ'माल (کاتب اعمال) अ पु –भले बुरे कर्म लिखनेवाला फ़िरिश्ता, कर्म-लेखक।

कातिबे क़िस्मत (کاتب قسمت) अ पु –भाग्य-लेखक, कातिबे अज़ल।

कातिबे कुद्रत (کاتب قدرت) अ पु –दे 'कातिबे अज़ल'।

कातिबे तक़्दीर (کاتب تقدیر) अ पु –दे कातिबे क़िस्मत।

क़ातिम (قاتم) अ वि –काला, कृष्ण, सियाह।

क़ातिर (قاطر) तु पु –अश्वतर, खच्चर।

क़ातिल (قاتل) अ वि –वध करनेवाला, मार डालनेवाला, वधक, हिंसक, वधिक।

क़ाते' (قاطع) अ वि –काटनेवाला, विच्छेदक, सफर करनेवाला, पथिक।

क़ादिम (قادم) अ वि –यात्रा करके लौटा हुआ, सफर से वापस आया हुआ।

क़ादिमुलइंसान (قادم الانسان) अ पु –मनुष्य की खोपड़ी, आदमी का सिर।

क़ादिर (قادر) अ वि –शक्तिशाली, ताकतवर, समर्थ, काबूदार, ईश्वर का एक नाम।

क़ादिर अंदाज़ (قادر انداز) अ फा वि –जँचा-तुला निशाना लगानेवाला, निशानची, लक्ष्यभेदी, शब्दभेदी।

क़ादिर अंदाज़ी (قادر اندازی) अ फा स्त्री –जँचा-तुला निशाना लगाना, लक्ष्यभेद।

क़ादिर अलल्इत्लाक़ (قادر علی الاطلاق) अ पु –सर्वशक्तिमान्, हर बात करने की शक्ति रखनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

क़ादिरदस्त (قادردست) अ फा वि –जिसका हाथ किसी काम में मँजा हुआ हो।

क़ादिरुलकलाम (قادرالکلام) अ वि –बातचीत करने या भाषण देने में निपुण, वागीश, वाक्यपटु।

क़ादिरे मुत्लक़ (قادر مطلق) अ पु –दे 'क़ादिर अलल्इत्लाक़'।

क़ादिस (قادس) अ पु –बड़ी नाव, स्टीमर।

कान (کان) फा स्त्री –खान, खनि, मख़्ज़न।

क़ान (قان) तु पु –रक्त, लोहू, खून।

कानकन (کان کن) फा वि –खान में काम करनेवाला मज़दूर, खनक।

कानकनी (کان کنی) फा स्त्री –खान में काम करना, खान में खुदाई का काम, खनि-कर्म।

काफ़ूरख्वार (کافورخوار) फा वि—नपुसक, क्लीव, नामर्द, कपूर खानेवाला।

काफ़ूरी (کافوری) फा वि—काफ़ूर के रग का, वहुत सफेद, काफ़ूर की वनी हुई वस्तु, काफ़ूर पडी हुई वस्तु, काफ़ूर का।

काफ़ेरां (کافراں) फा स्त्री—भग, योनि, फ़ुर्ज।

काफ़्तः (کافته) फा वि—फटा हुआ, विदीर्ण, शिगाफ्त।

काफ़्फ़ः (کافه) अ वि—सर्व, समस्त, कुल, तमाम।

काफ़्फ़तुन्नास (کافةالناس) अ पु—जनसाधारण, सर्वसाधारण, जनता, अवाम।

काफ्फतुल अनाम (کافةالانام) अ पु—दे 'काफ्फतुन्नास'।

का'बः (کعبه) अ पु—मक्के की एक इमारत जिसे मुसलमान ईश्वर का घर समझते है, चौकोर चीज, पाँसा।

क़ाब (قاب) फा पु—चश्मा रखने का घर, आईना रखने का केस, पाँसा।

क़ाब (قاب) तु पु—वडी रिकावी, थाल, खाने का स्वान (पात्र)।

क़ाव (قاب) अ पु—थोडी वस्तु, धनुष की मूठ और वाण रखने के स्थान का अन्तर।

क़ा'ब (قعب) अ पु—लकडी का वडा पियाला, इतना वडा पियाला जो एक आदमी के लिए हो।

का'ब (کعب) अ पु—टखना, पिडली और पाँव के पजे के बीच की हड्डी।

क़ाब ख़ान: (قاب خانه) फा पु—जुआघर, द्यूतागार, किमारखाना।

का'बतैन (کعبتین) अ पु—पाँसो की जोडी, जिससे चौसर खेलते है।

क़ाबिज़ (قابض) अ वि—जिसका अधिकार हो, जिसका कब्जा हो, कोष्ठ-ग्राहक, कब्ज करनेवाला पदार्थ।

क़ाबिज़े अर्वाह (قابض ارواح) अ पु—प्राण निकालनेवाला, यमराज, धर्मराज, मलकुल मौत।

काबिर (کابر) अ वि—प्रतिष्ठित, पूज्य, मान्य, वुजुर्ग।

क़ाबिल: (قابله) अ स्त्री—विद्यावती स्त्री, काबिल औरत, बच्चे जनानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

क़ाबिल (قابل) अ वि—विद्वान्, इल्मदाँ, योग्य, अह्लिय रखनेवाला, पात्र, मुस्तहक़, उचित, मुनासिब, कुशल, माहिर, दक्ष, निपुण, होशियार।

क़ाबिलान: (قابلانه) अ फा वि—विद्वत्तापूर्ण, आलिमाना, दक्षतापूर्ण, होशियाराना।

क़ाबिलीयत (قابلیت) अ स्त्री—विद्वत्ता, कौविद्य, इल्मीयत, योग्यता, क्षमता, अह्लीयत, पात्रता, इस्तेह्क़ाक़, कुशलता; महारत, दक्षता, निपुणता, होशियारी।

क़ाबिले अदब (قابل ادب) अ वि—मान्य, पूज्य, प्रतिष्ठित, जिसका आदर आवश्यक हो।

क़ाबिले अदा (قابل ادا) अ वि—जिसका दिया जाना आवश्यक हो, देय।

क़ाबिले आज़्माइश (قابل آزمائش) अ फा वि—जिसकी परीक्षा जरूरी हो, परीक्ष्य।

क़ाबिले इंतिक़ाल (قابل انتقال) अ वि—वह सम्पत्ति और जाइदाद जो हस्तान्तरित हो सके, जो वेची या दी जा सके।

क़ाबिले इंतिख़ाब (قابل انتخاب) अ वि—वे मजमून आदि जो किसी पुस्तक मे सम्मिलित करने के लिए चुने जा सके, उद्धरणीय, वह व्यक्ति जो किसी निर्वाचन-क्षेत्र से चुना जा सके।

क़ाबिले इख़्राज (قابل اخراج) अ वि—निकाल देने योग्य, निष्कासनीय, नाम खारिज कर देने योग्य, वरखास्त कर देने योग्य।

क़ाबिले इन्आम (قابل انعام) अ वि—पुरस्कार दिये जाने योग्य व्यक्ति, पुरस्कार के योग्य काम।

क़ाबिले इन्क़िसाम (قابل انقسام) अ वि—बँटवारे के योग्य, विभाज्य, तकसीम के लायक, वितरणीय।

क़ाबिले इन्फ़िकाक (قابل انفكاك) अ, वि—जो वस्तु वधक-मुक्त हो सकती हो, जो चीज रेहन से छूट सकती हो।

क़ाबिले इन्फ़िसाख़ (قابل انفساخ) अ वि—जो प्रतिज्ञा या वचन भग किया जा सके, जो निर्णय रद किया जा सके, मसूख हो सके।

क़ाबिले इम्तिहान (قابل امتحان) अ वि—जिसकी परीक्षा की जा सके, परीक्ष्य, जिसकी परीक्षा आवश्यक हो।

क़ाबिले इम्दाद (قابل امداد) अ वि—सहायता देने के योग्य, दुःखी, लाचार, असहाय।

क़ाबिले इल्तिफ़ात (قابل التفات) अ वि—जिसकी ओर ध्यान देना आवश्यक हो।

क़ाबिले इल्तिवा (قابل التوا) अ वि—जिस समस्या का स्थगित या मुल्तवी हो जाना आवश्यक हो, जो स्थगित किया जा सके।

क़ाबिले इश्तिवाह (قابل اشتباه) अ वि—जिस पर सदेह किया जा सके, शकनीय।

क़ाबिले इस्ते'माल (قابل استعمال) अ वि—जो प्रयोग किया जा सके, जिसका प्रयोग जरूरी हो, प्रयोज्य।

क़ाबिले उबूर (قابل عبور) अ वि—जो पार किया जा सके, जिसके आर-पार जाया जा सके।

क़ाबिले ए'तिबार (قابل اعتبار) अ वि—जिसका विश्वास किया जा सके, विश्वसनीय, मोतवर, विश्वस्त।

काबिले ए'तिमाद (قابل اعتماد) अ वि –जिस पर भरोसा किया जा सके, विश्वासपात्र, मोतबर, विश्वस्त।

काबिले ए'तिराज़ (قابل اعتراض) अ वि –जो बात एतराज के लायक हो, गलत बात, आपत्तिजनक।

काबिले एह्तिराम (قابل احترام) अ वि –जिसकी प्रतिष्ठा आवश्यक हो, पूज्य, मान्य।

काबिले एह्सास (قابل احساس) अ वि –जो बात हृदय में कोई खटक पैदा करे, दिल को जँचने योग्य, जिसका अनुभव हो सके।

काबिले कबूल (قابل قبول) अ वि –जो बात मानी जा सके, स्वीकरणीय, जो बात मन को लग सके, जिस बात को चित्त कबूल करे, ग्रहणीय, ग्राह्य, जिस वस्तु के लेने में कोई आपत्ति न हो।

काबिले गुज़ारिश (قابل گزارش) अ फा वि –जो बात कहने योग्य हो, आवेदनीय, जिसका कहा जाना आवश्यक हो, प्रार्थना के योग्य।

काबिले गौर (قابل غور) अ वि –जिस बात पर विचार करना आवश्यक हो, चिंत्य, विचार्य, जो बात अथवा समस्या, साधारण तौर पर तै कर देना उचित न हो, ध्यान देने योग्य।

क़ाबिले ज़िक्र (قابل ذکر) अ वि –जिसकी चर्चा या उल्लेख आवश्यक हो, उल्लेखनीय, वर्णनीय, कथनीय।

काबिले ज़िराअत (قابل زراعت) अ वि –ऐसी भूमि जिसे जोता-बोया जा सके, कृष्य, खेती योग्य।

क़ाबिले तंबीह (قابل تنبیہ) अ वि –ऐसा व्यक्ति जिसे किसी भूल पर डाँटना और चेतावनी देना आवश्यक हो।

काबिले तक्सीम (قابل تقسیم) अ वि –जो बाँटा जा सके, विभाज्य, जिसका बँटवारा आवश्यक हो।

क़ाबिले तज्वीज़ (قابل تجویز) अ वि –जिसका निर्णय किया जा सके, निर्णेय, जो सोचा जा सके, जिसका निर्णय आवश्यक हो।

क़ाबिले तज़्हीक (قابل تضحیک) अ वि –ऐसा विषय जो उपहास के योग्य हो, जिस पर लोग हँसें, हास्य।

क़ाबिले तब्दील (قابل تبدیل) अ वि –जो बदला जा सके, जिसमें परिवर्तन आवश्यक हो, परिवर्तनीय।

क़ाबिले तरद्दुद (قابل تردد) अ वि –जो चिन्ता के योग्य हो, चिंतनीय, जो भूमि जोतने-बोने के योग्य हो, कृष्य।

काबिले तर्क (قابل ترک) अ वि –छोड देने के योग्य, त्याज्य, जिसका त्याग आवश्यक हो।

काबिले तर्जीह (قابل ترجیح) अ वि –ऐसा व्यक्ति या विषय जिसे दूसरे व्यक्ति या विषय पर प्रधानता दी जा सके।

काबिले तर्दीद (قابل تردید) अ वि –जिसका रद्द या खडन आवश्यक हो, खंडनीय, काबिले-मसूख, रद्द करने योग्य।

काबिले तवज्जुह (قابل توجہ) अ वि –जिस पर ध्यान देना आवश्यक हो, ध्यान देने योग्य।

काबिले तस्लीम (قابل تسلیم) अ वि –जिसका मानना जरूरी हो, मान्य, ग्राह्य, स्वीकार्य।

काबिले तह्रीर (قابل تحریر) अ वि –जिसका लिखा जाना आवश्यक हो, उल्लेखनीय, जो लिखा जा सके।

काबिले तह्सीन (قابل تحسین) अ वि –जो प्रशसा के योग्य हो, श्लाघ्य, प्रशसनीय, जिसे शाबाशी दी जाय, सराहनीय।

काबिले ताईद (قابل تائید) अ वि –जिसका समर्थन किया जाना आवश्यक हो, समर्थनीय, अनुमोदनीय।

काबिले ता'रीफ (قابل تعریف) अ वि –दे 'काबिले तहसीन'।

काबिले दस्तअदाज़ी (قابل دست اندازی) अ फा वि –जिसमें हस्तक्षेप आवश्यक हो, जिसमें हस्तक्षेप किया जा सके, 'काग्‌जिनेबुल'।

काबिले दस्तमाल (قابل دست مال) अ फा वि –हाथों से मले जाने के लायक।

काबिले दस्तरस (قابل دسترس) अ फा वि –जहाँ पहुँच हो सके, जो प्राप्त हो सके, हस्तप्राप्य हस्तलभ्य।

क़ाबिले दार (قابل دار) अ फा वि –जो फाँसी की सजा के योग्य हो, प्राणदड के योग्य।

काबिले नफ़्रत (قابل نفرت) अ वि –जो घृणा के योग्य हो, वीभत्स, उपेक्ष्य, गर्हित, घृण्य।

काबिले निकाह (قابل نکاح) अ वि –वह मनुष्य या स्त्री जो व्याह के योग्य हो, जिसका विवाह कर दिया जाना उचित हो।

क़ाबिले पर्वरिश (قابل پرورش) अ फा वि –जिसका पालन-पोषण आवश्यक हो, जिस पर दया आवश्यक हो।

काबिले फत्ह (قابل فتح) अ वि –जो जीता जा सके, जेय, जेतव्य।

काबिले फना (قابل فنا) अ वि.–जो भगुर हो, जो मिट जाय, नाशवान्, नश्वर।

काबिले फह्म (قابل فہم) अ वि –जो समझा जा सके, सुवोध, बोधगम्य।

क़ाबिले बरदाश्त (قابل برداشت) अ फा वि.–जो सहा जा सके, सहनीय, जो उठाया जा सके, सहनशील, सह्य।

काबिले बाज़पुर्स (قابل بازپرس) अ फा. वि –जिससे

जवाब तलब किया जा सके, जिसे उसकी त्रुटि पर दंड दिया जा सके।

काबिले मंज़ूरी (قابل منظوری) अ वि—ऐसी बात जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक हो, ऐसा विषय जिसकी स्वीकृति दी जा सके।

काबिले मंसूख़ी (قابل منسوخی) अ वि—ऐसी बात जो रद की जा सके, ऐसा निर्णय जो रद हो सके।

काबिले मुआख़ज़ (قابل مواخذہ) अ वि—दे 'काबिले-बाज़पुर्स'।

काबिले मुआवज़ (قابل معاوضہ) अ वि—जिस वस्तु के ले लेने पर उसका मूल्य दिया जाना आवश्यक हो, जिस काम का मेहनताना दिया जाना ज़रूरी हो।

काबिले रहम (قابل رحم) अ वि—जिस पर दया की जा सके, दयनीय, दुखित, क्लेशित, बेबस, लाचार।

काबिले राज़ (قابل راز) अ फा वि—राज़ में रखने के क़ाबिल, प्रकट न करने के योग्य, गोपनीय।

क़ाबिले वुसूल (قابل وصول) अ वि—जो प्राप्त हो सके, जो वुसूल किया जा सके, प्राप्य।

क़ाबिले सज़ा (قابل سزا) अ वि—जिसे दंड दिया जा सके, जो सज़ा का पात्र हो, दंडनीय।

क़ाबिले समाअत (قابل سماعت) अ वि—जो सुना जा सके, जिसकी सुनवाई हो सके।

क़ाबिले सरज़निश (قابل سرزنش) अ फा वि—दे 'काबिले तबीह'।

काबिले सिताइश (قابل ستائش) अ फा वि—दे 'काबिले तहसीन'।

काबिले सुफ़ारिश (قابل سفارش) अ फा वि—जिसकी सुफारिश की जा सके, अनुशंस्य, अभिस्ताव्य, सिफारिश भी प्रचलित।

क़ाबिले हजव (قابل هجو) अ वि—जिसकी निन्दा की जा सके, निन्दनीय, गर्ह्य।

काबीन (کابینہ) अ पु—वज़ीरों की मजलिस, मन्त्रिमंडल, कैबिनेट।

काबीन (کابین) फा पु—निकाह में बँधनेवाला मेह्र।

काबीननामः (کابین نامہ) फा पु—निकाह में मेह्र का कागज़, मेह्रनामा।

काबीशः (کابیشہ) फा पु—कुसुम का फूल।

काबुक (کابک) फा पु—कबूतरों का दरबा, कपोत-पालिका।

काबुल (کابل) फा पु—अफ़ग़ानिस्तान की राजधानी।

काबुली (کابلی) फा वि—काबुल का निवासी, अफ़गान, सान, काबुल से सम्बन्धित।

काबू (قابو) तु पु—अवसर, फ़ुर्सत, वश, ज़ोर, अधिकार, कब्ज़ा।

काबूची (قابوچی) तु वि—स्वार्थ-साधक, ख़ुदगरज़, द्वारपाल, कापूची।

काबूस (کابوس) अ पु—एक भयानक रोग जिसमें सोते हुए ऐसा जान पड़ता है कि किसी भूत ने उसका गला दबा दिया है।

काबूस (قابوس) अ पु—दे 'काऊस'।

काम (کامہ) फा पु—कामना, इच्छा, उद्देश्य, मक्सद, खट्टा सालन, संस्कृत रूप फ़ारसी में प्रचलित।

काम (کام) फा पु—इच्छा, मनोरथ, ख़्वाहिश, तालू, मूर्द्धा, संस्कृत रूप फ़ारसी में प्रचलित।

कामगर (کامگر) फा वि—दे 'कामगार'।

कामगार (کامگار) फा वि—सफलमनोरथ, प्राप्त-काम, कामयाब।

कामत (قامت) अ पु—शरीर, देह, जिस्म, डील, लम्बा शरीर।

क़ामते ज़ेबा (قامت زیبا) अ फा पु—सुन्दर और सुडौल शरीर।

कामदार (کامدار) फा वि—कारकुन।

काम ना काम (کام نا کام) फा वि—चार नाचार, विवशता-पूर्वक, लाचार होकर, विवश होकर।

कामयाब (کامیاب) फा वि—सफल, सफलकाम, प्राप्त-मनोरथ, बामुराद, परीक्षा में उत्तीर्ण, पास, कृतार्थ, कृतकार्य।

कामयाबी (کامیابی) फा स्त्री—सफलता, कामरानी, परीक्षा में सफलता।

कामरवा (کامروا) फा वि—अटके में काम निकालने-वाला, हाजतरवाई करनेवाला।

कामरवाई (کامروائی) फा स्त्री—अटके पर काम निकालना, हाजतरवाई करना।

कामराँ (کامران) फा वि—दे 'कामयाब'।

कामरानी (کامرانی) फा स्त्री—दे 'कामयाबी'।

कामिन (کامن) अ वि—छिपनेवाला, लुप्त होनेवाला।

कामिल (کامل) अ वि—पूरा, समूचा, संपूर्ण, बिलकुल, मुकम्मल, सर्वांगपूर्ण, निपुण, दक्ष, होशियार, चमत्कारी साधु या फकीर, एक बह्र, एक उर्दू छन्द।

कामिलन (کاملاً) अ वि—पूरे तौर पर, अच्छी तरह, पूर्णतया, पूरा पूरा।

कामिलुल इयार (کامل العیار) अ वि—वह सोना और चाँदी जो कसौटी पर पूरा कस दे, खरा सोना या चाँदी।

कामिले फ़न (کامل فن) अ वि –किसी फन में या कला मे निपुण।

कामूस (قاموس) अ पु –गहरी नदी, शब्दकोष, लुगत।

कामे' (قامع) अ वि –तोड-फोड देनेवाला, विध्वसक, निरादृत करनेवाला, स्वार करनेवाला।

का'र (قعر) अ पु –गहराई, गभीरता।

कार (قار) तु पु –बर्फ, तुहिन।

कार (کار) फा पु –कार्य, काम, उद्यम, पेशा, कला, फन, विषय, मुआमला।

कार [रं] (قار) अ वि –स्थिर रहनेवाला, ठहरनेवाला, एक स्थान पर करार पकडनेवाला।

कार (قار) अ स्त्री –कीर, राल, तारकोल।

कारआगाह (کارآگاہ) फा वि –दे 'कार आज्मूद'।

कारआज्मूद (کارآزمودہ) फा वि –कार्यक्षम, कार्य-कुशल, काम मे माहिर, अभनुवी, तज्रिब कार, (तजुरवाकार)।

कारआज्मूदगी (کارآزمودگی) फा स्त्री –काम मे महारत, कार्य-क्षमता, तज्रिब कारी (तजुरबाकारी), अनुभव।

कारआमद (کار آمد) फा वि –उपयोगी, उपयुक्त, बामसरफ।

कारकर्द (کارکردہ) फा वि –दे 'कारआज्मूद'।

कारकर्दगी (کارکردگی) फा स्त्री –कार्यक्षमता, काम मे महारत, अनुभव, तज्रिब कारी।

कारकुन (کارکن) फा वि –कार्यकर्ता, काम करनेवाला, उहदेदार, कर्मचारी, गुमाश्ता, एजेंट, अभिकर्ता।

कारख़ान. (کارخانہ) फा पु –वह स्थान जहाँ चीजे वनती है, शिल्पशाला, उद्योगशाला, कार्यालय।

कारख़ान दार (کارخانہدار) फा पु –कारखाने का मालिक।

कारगर (کارگر) फा वि –गुणकारी, फाइदामद, प्रभावकर, असरअदाज।

कारगाह (کارگاہ) फा स्त्री –कार्यालय, काम करने का स्थान, कपडे बुनने का स्थान।

कारगुज़ार (کارگزار) फा वि –सुन्दरता से काम करनेवाला, कायपटु, जिसने वडे-वडे और पेचीदा काम किये हो, कार्यक्षम।

कारगुज़ारी (کارگزاری) फा स्त्री –वडे-वडे काम सरलता और सुगमता से करना, कार्य-कौशल, कारनामा, किसी महत्वपूर्ण कार्य का सरअजाम।

कारचोव (کارچوب) फा पु –लकडी का चौखटा जिसमे कपडा कसकर कसीदे का काम हो, जरदोजी।

कारचोवी (کارچوبی) फा पु –जरदोजी, कसीदाकारी।

कारज़ार (کارزار) फा. पु –युद्ध, सग्राम, लडाई, जग।

कारतलब (کارطلب) फा अ वि –शूरवीर, बहादुर, शुजाअ।

कारदाँ (کاردان) फा वि –किसी काम को अच्छे प्रकार से जाननेवाला, अनुभवी, तजुरबाकार।

कारदानी (کاردانی) फा स्त्री –कार्य-कौशल, काम की अच्छी जानकारी, अनुभव, तज्रिवाकारी।

कारदार (کاردار) फा वि –दे 'कारदाँ'।

कारदीद. (کاردیدہ) फा वि –अनुभवी, जिसके हाथ से वहुत से काम निकले हो, परिपक्व, पुख्ताकार।

कारदीदगी (کاردیدگی) फा स्त्री –अनुभव, परिपक्वता, पुख्ताकारी।

कारन (قارن) फा पु –रुस्तम के समय का एक पहलवान।

कारनाम. (کارنامہ) फा पु –ऐसा काम जो यादगार रहे, वहुत वडा काम, चित्रकारो के चित्रो का अल्बम जिसमे वह अपने कला-प्रदर्शन के लिए वढिया-वढिया चित्र रखते है।

कारपर्दाज़ (کارپرداز) फा वि –व्यवस्थापक, मुतज़िम, अभिकर्ता, कारकुन।

कारफ़र्मा (کارفرما) फा वि –काम करनेवाला, असर डालनेवाला, प्रभावकारी।

कारफ़र्माई (کارفرمائی) फा स्त्री –काम करना, असर डालना।

कारवद (کاربند) फा वि –पावद, वाध्य, विवश, मजबूर।

कारबरारी (کاربراری) फा स्त्री –कामनापूर्ति, मशा पूरी होना, स्वार्थसिद्धि, गरज निकलना।

कारमद (کارمند) फा वि –दास, नौकर, खिदमतगार।

काररवाई (کارروائی) फा स्त्री –रूदाद, कार्यवाही, कार्य, काम।

कारशनास (کارشناس) फा वि –दे 'कारआज्मूद'।

कारशनासी (کارشناسی) फा स्त्री –दे 'कारआज्मूदगी।

कारसाज़ (کارساز) फा वि –विगडे हुए कामो को वनानेवाला, अर्थात् ईश्वर।

कारसाज़ी (کارسازی) फा स्त्री –विगडे हुए कामो को वनाना, ईश्वर की माया।

कारिंद. (کارندہ) फा वि –ज़मीदार का एजेंट, कर्मचारी, कारकुन।

कारिअ (قارعہ) अ पु –दुर्घटना, हादिमा।

क़ारिज़ (قارض) अ वि –उधार देनेवाला, उत्तमर्ण, कर्ज देनेवाला, ऋणदाता।

क़ारिब (قارب) अ स्त्री –छोटी नाव जो बडी नाव के साथ चलती है।

क़ारी (قاری) अ वि –पढनेवाला, पाठक, कुरान को शुद्ध उच्चारण से पढनेवाला।

कारी (کاری) फा वि –भरपूर, पूरा-पूरा।

कारीगर (کاریگر) फा वि –शिल्पकार, शिल्पी, दस्तकार, गुणवान्, हुनरमद, दक्ष, कुशल, होशियार, छली, धूर्त।

कारीगरी (کاریگری) फा स्त्री –शिल्पकर्म, दस्तकारी, गुणज्ञान, हुनरमदी, दक्षता, होशयारी, छल, कपट, धूर्तता।

क़ारून (قارون) अ पु –एक बहुत बडा धनवान् जो अत्यन्त कृपण था, और अन्त मे अपने धन सहित पृथ्वी मे समा गया, वह व्यक्ति जो मालदार होने के साथ बहुत ही कजूस हो।

क़ारूनी (قارونی) अ वि –कारून का काम, कारून से सम्बन्धित, कृपणता, कजूसी।

क़ारूर' (قاروره) अ पु –शीशी, बोतल, बीमार का पेशाब, पेशाब की शीशी, बारूद की कुप्पी।

क़ारे' (قارع) अ वि –शकुन विचारनेवाला, शकुन-विचारक।

कारे आब (کارآب) फा पु –मद्यपान, शराबनोशी।

कारे ख़ैर (کار خیر) फा अ पु –पुण्य का काम, दूसरो की भलाई का काम।

कारेज़ (کاریز) फा पु –पटी हुई नाली, जो खेतो मे पानी देने के लिए बनायी जाती है।

कारे दस्त बस्त' (کار دست دسته) फा पु –ऐसा कठिन काम जो हरेक के बस का न हो, केवल कोई एक ही व्यक्ति कर सके, जो उसे करता रहा हो।

कारे नुमायाँ (کار نمایاں) फा पु –ऐसा काम जो सारे कामो से ऊपर हो, बहुत बडा काम, कारनामा।

कारे सवाब (کار ثواب) फा अ पु –पुण्य का काम, दूसरो की भलाई का काम, ऐसा काम जिससे परलोक मे पुण्य प्राप्त हो।

कारेह (کارح) अ वि –घृणा करनेवाला, घिन करनेवाला।

कारोबार (کاروبار) फा पु –व्यवसाय, व्यापार, तिजारत, कामकाज, कामधधा।

कार्द (کارد) फा पु –चाकू।

कार्वाँ (کاروان) फा पु –काफिला, यात्रीदल, सार्थ।

कार्वाँसरा (کاروان سرا) फा स्त्री –मुसाफिरो के ठहरने की सराय, पथिकाश्रय।

कार्वाँसालार (کاروان سالار) फा पु –काफिले का सरदार, सार्थपति, सार्थवाह।

काल (کاله) फा पु –दे 'काला', दोनो शुद्ध है, कच्चा खरबूजा, मदिरा पीने का पात्र, खेती के लिए कमायी हुई भूमि।

क़ाल (قال) अ पु –वचन, कथन, कौल, बात।

क़ालब (قالب) फा पु –दे 'कालब', दोनो शुद्ध है।

क़ालमक़ाल (قال مقال) अ स्त्री –लम्बी चौडी बातचीत, वाद-विवाद, हुज्जत।

काला (کالا) फा पु –गृहस्थी का सामान, घर का अस्बाब।

क़ालिब (قالب) अ पु –शरीर, देह, ढाँचा, साँचा।

क़ाली (قالی) तु पु –कालीन का सामान।

क़ालीच (قالیچه) तु पु –छोटा कालीन।

क़ालीद (قالیده) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-बितर।

क़ालीन (قالین) तु पु –बिछाने का एक ऊनी और रोयेदार बहुमूल्य वस्त्र, गलीचा।

कालुम (کالم) फा स्त्री –वह स्त्री जो कुमारी न हो, परन्तु जिसका पति या तो मर गया हो या दु खी हो, दिल से परित्यक्ता।

कालेव (کالیو) फा वि –निस्तब्ध, साबूत, शशदर, उद्विग्न, परेशान, पागल, विक्षिप्त रति।

कालेवगी (کالیوگی) फा स्त्री –निस्तब्धता, हैरानी, उद्विग्नता, परेशानी, पागलपन, विक्षेप, दीवानगी।

कालेह (کالح) अ वि –कटु स्वभाव का, तुरुशरू।

क़ालोक़ील (قال و قیل) अ स्त्री –वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, कहा-सुनी, हुज्जत।

क़ालोमक़ाल (قال و مقال) अ स्त्री –दे 'काल मकाल'।

काल्बुद (کالبد) फा पु –शरीर, देह, जिस्म, अस्थि-पजर, ढाँचा।

काव (کاوه) फा पु –ईरान के एक लोहार का नाम, जिसने 'जहहाक' के अत्याचारो से तग आकर उसके विरुद्ध लडाई लडी और उसको हराकर 'फिरीदूँ' को उसके स्थान पर उपस्थित किया।

कावकाव (کاو کاو) फा स्त्री –परिश्रम, प्रयास, कोशिश, मेहनत।

कावर्स (کاورسه) फा पु –हर वह वस्तु जो छुटाई मे बाजरे जैसी हो।

कावर्स (کاورس) फा पु –बाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।

कावली (کاولی) फा स्त्री –वेश्या, गणिका, रडी।

कावाक (کاواک) फा वि –खोखला, सुषिर, निस्सार, बेमग्ज।

काविद (کاونده) फा वि –खोदनेवाला।

काविश (کاوش) फा स्त्री –खोद, कुरेद, टोह, खोज, तलाश, जिज्ञासा, चिन्ता, फिक्र।

काबी (کاوی) अ वि –लोहा आदि गरम करके अंग पर दाग देनेवाला, दागनेवाला।
कावीद (کاویدہ) फा वि –खोदा हुआ।
कावीदनी (کاویدنی) फा वि –खोदने योग्य।
काश (قاس) तु स्त्री –लम्बी फाक, फाँक, खण्ड, टुकडा।
काश (کاش) फा अव्य –ईश्वर करे, खुदा करे, (पु) काँच, काच, शीशा।
काशके (کاشکے) फा अव्य –दे 'काश'।
काशान (کاشانہ) फा पु –छोटा-सा घर जिसे शीशा आलात से सजाया जाय।
काशान (کاشان) फा पु –ईरान का एक नगर।
काशिफ (کاشف) अ वि –प्रकट करनेवाला, खोलनेवाला, नगा करनेवाला, पर्दा उठानेवाला, उद्घाटक।
काशिफे अस्रार (کاشف اسرار) अ पु –भेदो को प्रकट करनेवाला, रहस्योद्घाटक।
काशिर (قاشر) अ वि –छिलका उतारनेवाला।
काशी (کاشی) फा वि –'काशान' का निवासी।
काशुक (قاشک) तु पु –छोटा चमचा, चमस।
काशूर (قاشور) अ वि –अशुभ, मनहूस, जिसका देखना अशकुन करे, बडा दुर्भिक्ष, सख्त कहत।
क़ाशोजी (قاشرریں) तु फा स्त्री –जीन के सामने का उठा हुआ भाग।
काशेह (کاشح) अ पु –वह शत्रु जो शत्रुता प्रकट न करे, मन मे ही रखे।
काश्त (کاشتہ) फा वि –जोता-बोया हुआ, कृषित।
काश्त (کاشت) फा स्त्री –कृषि, काश्तकारी, खेत की भूमि, खेती।
काश्तकार (کاشتکار) फा वि –कृषक, कृषीवल, किसान।
काश्तकारी (کاشتکاری) फा –कृषिकर्म, किसानी।
काश्तनी (کاشتنی) फा वि –जोतने-बोने योग्य, कृषि के योग्य।
कास (کاسہ) अ पु –पियाला, चषक।
कास.गर (کاسہ‌گر) अ फा वि –पियाले बनानेवाला, कसकार, मिट्टी के वर्तन बनानेवाला, कुभकार, कुम्हार।
कास.गरी (کاسہ‌گری) अ फा स्त्री –मिट्टी के पियाले बनाने का काम, मिट्टी के वरतन बनाने का काम।
कास.बाज (کاسہ‌باز) अ फा वि –छली, वचक, कपटी, धूर्त, मक्कार।
कास.बाजी (کاسہ‌بازی) अ फा स्त्री –छलकर्म, धोखेबाजी, धूर्तता, मक्कारी।
कास.लेस (کاسہ‌لیس) अ फा वि –चाटुकार, खुशामदी, चापलूस।
कास लेसी (کاسہ‌لیسی) अ फा स्त्री –खुशामद, चापलूसी, चाटुकर्म।
कास. सर निगूँ (کاسہ سر نگوں) अ फा वि –दरिद्र, कगाल, मोहताज।
कास [स्स] (قاص) अ वि –कहानी कहनेवाला, किसी के पीछे आनेवाला, सूचना देनेवाला, धर्मोपदेशक, वाइज।
कास (کاس) फा पु –बडा नगाडा, धौसा, दुदुभि, शूकर, सुअर।
कास (کاس) अ पु –मदिरा पीने का पियाला, पान-पात्र।
कासए गदाई (کاسۂ گدائی) अ फा पु –भीख माँगने का ठीकरा, भिक्षापात्र।
कासए चश्म (کاسۂ چشم) अ फा पु –वह गढा जिसमे आँखो के ढेले रहते है, चक्षु-गोलक।
कासए सर (کاسۂ سر) अ फा पु –खोपडी, कपाल।
कासमू (کاسمو) फा पु –सुअर के बाल।
कासात (کاسات) अ पु 'कास' का बहु, पियाले।
कासित (قاسط) अ वि –अत्याचारी, ज़ालिम, अन्यायी, नामुसिफ, फर्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता।
कासिद (قاصد) अ वि –इरादा करनेवाला, चिट्ठी ले जानेवाला, पत्र-वाहक, दूत, एलची।
कासिद (کاسد) अ वि –खोटा, कूट, जाली, जिसका चलन न हो, अप्रचलित।
कासिफ (کاسف) अ वि –छिपानेवाला, दुर्दशाग्रस्त, बदहाल, कडुए स्वभाववाला, तुरुशरू।
कासिब (کاسب) अ वि –कमानेवाला, उपार्जक, परिश्रम से जीविका चलानेवाला, उद्यमी।
कासिम (قاسم) अ वि –बाँटनेवाला, वितरक, बँटवारा करनेवाला, विभाजक।
कासिर (قاصر) अ वि –कमी करनेवाला, कसर रखनेवाला, असमर्थ, नाकाम।
कासिर (قاسر) अ वि –ज़बर्दस्ती किसी से कोई काम लेनेवाला।
कासिर (کاسر) अ वि –तोडनेवाला, भजक, एक दर्द।
क़ासिरातुत्तर्फ़ (قاصرات الطرف) अ स्त्री –वह पतिव्रता स्त्री जो पर-पुरुष की ओर आँख उठाना पाप समझती हो।
कासी (قاسی) अ वि –कठोर हृदयवाला, सख्तदिल।
क़ासी (قاصی) अ वि –बात की तह को पहुँच जानेवाला, दूर स्थान का रहनेवाला, दूर।
कास्त. (کاستہ) फा वि –घटा हुआ।
कास्तनी (کاستنی) फा वि –घटने योग्य, कम करने योग्य।

कास्नी (کاسنی) फा स्त्री –एक पौधा जिसकी जड और बीज दवा मे चलते है और जिसके हरे पत्तो का अरक दवा मे पिया जाता है।

काह (کاہ) फा. स्त्री –घास, तृण।

क़ाह (قاہ) अ पु –आज्ञाकारिता, फर्मांवरदारी।

काहकशाँ (کاہکشاں) फा स्त्री –आकाश गगा, कहकशाँ।

क़ाह क़ाह (قاہ قاہ) फा पु –अट्टहास, कहकहा।

काहरुबा (کاہربا) फा पु –दे 'कहरुवा'।

काहिन (کاہنہ) अ स्त्री –शकुन विचारनेवाली स्त्री।

काहिन (کاہن) अ वि –शकुन विचारनेवाला पुरुष।

काहिफ़ (قاحف) अ पु –वहुत अधिक वर्षा।

काहिर (قاہرہ) अ वि –वलवान्, जोरावर, अत्याचारी, जालिम, (प्र०) मिस्र की राजधानी।

काहिर (قاہر) अ वि –प्रकोप करनेवाला, वहुत अधिक गुस्सा करनेवाला।

काहिल (کاہل) अ वि –आलसी, अलस, सुस्त, मद।

काहिलवुजूद (کاہل وجود) अ वि –दे 'काहिलुलवुजूद'।

काहिली (کاہلی) अ स्त्री –आलस्य, सुस्ती, फुर्ती का न होना।

काहिलुलवुजूद (کاہل الوجود) अ वि –वहुत वडा आलसी, जो काम-धधा न करे, पडा रहे।

काहिश (کاہش) फा स्त्री –ह्रस्व, घटाव, कमी, क्षीणता।

काही (کاہی) फा वि –घास का वना हुआ, घास का, घास-जैसे रग का, हरा।

काहीद (کاہیدہ) फा वि –घटा हुआ, ह्रस्व, लघु रूप मे होना।

काहीद तन (کاہیدہ تن) फा वि –सूखे शरीरवाला, दुवला-पतला, क्षीणाग।

काहीद रू (کاہیدہ رو) फा वि –कुम्हलाये हुए मुँह का, उतरे हुए मुँहवाला, म्लानमुख।

काहीदगी (کاہیدگی) फा स्त्री –घटाव, कमी।

काहीदनी (کاہیدنی) फा वि –घटने योग्य।

काहू (کاہو) फा पु –एक पौधा जो दवा मे काम आता है, काहू-कद्दू-वादाम इनके बीजो के तेल मे गुलाव का तेल मिलाकर मस्तिष्क-निर्वलता मे प्रयोग करते है।

कि

किंगश (کنگش) तु पु –'किंगाश' का लघु, दे 'किंगाश'।

किंगाश (کنگاش) तु पु –परामर्श, मशविरा, सलाह।

क़िंतार (قنطار) अ पु –एक वोरी भर चाँदी या सोना।

क़िंदील (قندیل) अ स्त्री –दीप, दीपक, चिराग, दिया, एक प्रकार की कागज मढी हुई-वडी सी लालटेन, जिसमे कागज की तस्वीरे वनी होती है और वह हवा से घूमती है, कन्दील।

क़िंबील (قنبیل) अ पु –एक दवा, कमीला।

क़िज़िल (قزل) तु वि –रक्त, लाल, सुर्ख़।

क़िज़िल अर्सलान (قزل ارسلان) तु पु –लाल रग का व्याघ्र, लाल शेर, एक वादशाह की उपाधि।

क़िज़िलबाश (قزلباش) तु पु –लाल टोपीवाला सैनिक, ईरान के शाह इस्माईल सफवी ने अपनी तुर्की सेना को लाल टोपी पहनायी थी और उनका नाम किज़िलवाश रखा था।

किज़्ब (کذب) अ पु –झूठ, मिथ्या, असत्य, गप, असार वात।

क़िज़्बान (قضبان) अ पु –'कज़ीव का वहु, डालियाँ, लिंग।

किज़्लिक (کزلک) फा पु –छोटा चाकू।

क़िताफ़ (قطاف) अ पु –अगूर और दूसरे फलो के पकने का समय, जव वह तोडे जा सके।

किताब (کتابہ) अ पु –कत्व, वह शिला या तख्ती, जो इमारतो या क़ब्रो पर लगती है।

क़िताब (قطاب) अ पु –कुर्ते आदि का गला, गिरीवाँ।

किताब (کتاب) अ स्त्री –पुस्तक, ग्रथ, कापी, मियाज़।

किताबख़ान (کتابخانہ) अ फा पु –पुस्तकालय, किताबे विकने की दुकान।

किताबच (کتابچہ) अ फा पु –छोटी किताब, पुस्तिका।

किताबत (کتابت) अ स्त्री –कापीनवीसी का पेशा, लीथो प्रेस के लिए लिखाई का काम।

किताबिस्तान (کتابستان) अ फा पु –पुस्तकालय, मक्तवा।

किताबी (کتابی) अ वि –पुस्तक सम्बन्धी, पुस्तक जैसी, पुस्तक मे लिखी हुई, लवोतरा, जैसे—किताबी चेहरा।

किताबुल्लाह (کتاب اللہ) अ स्त्री –ईश्वरीय ग्रथ, इलहामी किताब, कुरान शरीफ।

किताबेरुख़ (کتاب رخ) अ फा स्त्री –प्रेमिका की पुस्तकाकार मुखाकृति, किताबी चेहरा, जिस मुख पर प्रणय-चेष्टाएँ अकित हो।

क़ितार (قطار) अ स्त्री –श्रेणी, पक्ति, लाइन, परा, सफ, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'कतार' वोलते है।

क़िताल (قتال) अ पु –रक्तपात, मार-काट, खूँरेज़ी; युद्ध, सग्राम, लडाई।

क़ित्‌अ (قطعہ) अ पु –दे 'कत्‌अ', शुद्ध यही है, परन्तु पढे-लिखे लोग अधिक वही वोलते है।

फित्फ (كتف) अ पु–कधा, स्कध, दे 'कतिफ' और 'कत्फ'। तीनों शुद्ध है।

क़ित्मान (كتمان) अ पु.–छिपाव, दुराव, गोपन।

क़ित्मीर (قطمير) अ पु–थोडी चीज़, छोटा, ह्रस्व, छुहारे मे की वारीक झिल्ली।

क़ित्र (قطر) अ पु–पिघला हुआ तांवा।

क़िदम (قدم) अ पु–प्राचीनता, पुरातत्त्व, कदामत, नित्यता, अनश्वरता, लाज़वालपन।

क़िदेवर (كديور) फा पु–कृषक, किसान, दे 'कदेवर', दोनो शुद्ध है।

क़िद्मत (قدمت) अ स्त्री –पुराना होना।

क़िद्र (قدر) अ पु–हाँडी, देगची।

क़िद्व' (قدوه) अ पु–नायक, नेता, प्रधान, सरदार।

क़िद्वतुल आरिफ़ीन (قدوة العارفين) अ पु–ब्रह्मज्ञानी, महात्माओं म सर्वश्रेष्ठ।

क़िद्वतुस्सालिकीन (قدوة السالكين) अ पु–सन्यासियों और साधुओं में सर्वश्रेष्ठ।

किनाय. (كنايه) अ पु–गुप्त सकेत, छिपा हुआ इशारा, छिपी हुई वात, उर्दू साहित्य की परिभाषा में उपमेय का वर्णन न करके, केवल उपमान का वर्णन करना, जैसे—कहा जाय कि 'नर्गिस ने मोती वरसाये' और मतलव यह हो कि प्रेयसी की आँखो से आसू गिरे। यहाँ 'नर्गिस' 'आँख' का उपमान है और 'मोती' 'आसू' का। प्रस्तुत के स्थान पर अप्रस्तुत की योजना की जाय, जैसे—"चश्मे-गिरियाँ ने लुटाये थे गुहर–रात भर रोए थे हम, शवनम नहीं।"

किनायत (كنايت) अ स्त्री–गुप्त वात, गुप्त सकेत, किनाय।

किनायतन (كنايتاً) अ वि–गुप्त रीति से, इशारे मे, सकेत मे।

किनार. (كناره) फा पु.–शुद्ध 'कनार' है, परन्तु 'किनार' भी वोलते है, तट, किनारा, साहिल।

किनार (كنار) फा पु–क्रोड, गोद, आगोश।

क़िनीन' (قنينه) अ स्त्री–शराव रखने का वर्तन, दे 'क़िन्नीन', दोनो शुद्ध है।

किनीसः (كنيسه) फा पु–ईसाइयों का गिरजा, दे 'कनीस', दोनो शुद्ध है।

किन्न (كن) अ पु–वस्त्र, लिवास, पहनने के कपडे।

क़िन्नव (قنب) अ स्त्री–भाँग, भग, विजया, एक पोस्ताक़ार पौ जानेवाली मादक पत्ती।

क़िन्नीन (قنينه) अ स्त्री–मदिरा रखने का पात्र, दे 'क़िनीन', दोनो शुद्ध है।

क़िन्य· (قنيه) अ पु–पूँजी, सरमाया।

क़िन्व (قنو) अ पु–फलो का गुच्छा, खोश।

क़िन्वान (قنوان) अ पु–गुच्छे, खोशे।

किफायत (كفايت) अ स्त्री–पर्याप्त, काफी होना, अल्प व्यय, ज़ुज़रसी।

किफायतशिआर (كفايت شعار) अ वि–कम खर्च करनेवाला, वचानेवाला, मितव्ययी, ज़ुज़रस,।

किफायतशिआरी (كفايت شعارى) अ स्त्री–खर्च मे कमी, मितव्यय, ज़ुज़रसी।

किफल (كفل) अ पु–खड, अश, टुकडा, हिस्सा, जो घोडे पर न चढ सके, घोडे की पीठ का नमदा।

क़िवाब (قباب) अ पु–'कुव्व' का वहु, छोटे गुवद, कुव्वे।

किवार (كبار) अ पु–'कवीर' का वहु, आयु मे वडे लोग, प्रतिष्ठा में वडे लोग।

क़िवाल (قبالة) अ पु–वच्चे जनाने का काम, धायकर्म, दाय गीरी, दूसरे अर्थ के लिए, दे 'कवाल'।

क़िव्चाक (قبچاق) तु पु–तुर्किस्तान और तूरान के वीच का एक जगल, जहाँ के तुर्क निर्दय और उद्दड होते है।

क़िव्ती (قبطى) अ पु–प्राचीन मिस्री जाति, जो फ़िरऔन के वशज है।

किव्र (كبر) अ स्त्री–वडाई, ज्येष्ठता, श्रेष्ठता, वुज़ुर्गी।

किव्रसिन (كبرسن) अ वि–बूढा, वयोवृद्ध, जरत्।

किव्रसिनी (كبرسنى) अ स्त्री–बुढापा, जरा, वृद्धावस्था।

किब्रिया (كبريا) अ पु–महत्ता, वडाई, ईश्वर, परमात्मा।

किब्रियाई (كبريائى) अ स्त्री–प्रतिष्ठा, वडप्पन, महत्ता, ईश्वरत्व, खुदाई।

किब्रीत (كبريت) अ स्त्री–गधक, एक ज्वलनशील पदार्थ, जिससे वारूद वनती है।

किब्रीते अहमर (كبريت احمر) अ स्त्री–लाल गधक, जो रसायन मे काम आती है, अप्राप्य वस्तु, नायाव चीज़।

क़िब्ल (قبله) अ पु–मक्के में वह स्थान जहाँ हजरे अस्वद (काला पत्थर) स्थापित है, और जिसकी ओर मुँह करके, मुसलमान नमाज़ पढते है का'व, प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्तियों के लिए सबोधन का शब्द।

क़िब्लःगाह (قبله گاه) अ फा वि–मान्य, पूज्य, श्रद्धेय।

क़िब्लःनुमा (قبله نما) अ फा पु–पश्चिम की दिशा वतानेवाला यत्र, दिग्दर्शक यत्र।

क़िब्लःपरस्त (قبله پرست) अ फा वि–मुसलमान।

क़िब्लएआलम (قبلهٔ عالم) अ पु–दे 'क़िब्ल गाह', जगत्पूज्य पीर या वुज़ुर्ग, 'वे वाते जिनको क़िब्लएआलम भी पीते है।'

क़िल्लएहाजात (قبلۂ حاجات) अ पु—आशाकेन्द्र, वह स्थान जहाँ से स्वार्थ-सिद्धि हो, वह व्यक्ति जो आशाएँ पूर्ण करे।

क़िमत्र (قمطر) अ पु—छोटे आकार का मनुष्य, मेठा, ठिगना, मोटा ऊँट, पुस्तको की पेटी।

किमम (قمم) अ स्त्री—'कुम्म' का बहु, चोटियाँ, उँचाइयाँ।

क़िमात (قماط) अ पु—वह कपडा जिसमे नवजात शिशु लपेटा जाता है।

किमाद (کماد) अ पु—दवाओ की पोटली को गर्म करके उससे किसी अग को वार-वार सेकना, टकोर।

क़िमार (قمار) अ पु—जुआ, द्यूत, कैतव, पण।

क़िमारखान (قمارخانہ) अ फा पु—जुआ खेलने का फड, अक्षवार, पणशाला, द्यूतागार, जुआघर।

क़िमारबाज (قمارباز) अ फा वि—जुआ खेलनेवाला, द्यूतकार, कितव, कैतव, जुआरी, जुएबाज।

किमारबाजी (قماربازی) अ फा स्त्री—जुए का खेल, द्यूतक्रीडा, द्यूतकर्म, कैतव, जुएबाजी।

कियम (قیم) अ स्त्री—'कीमत' का बहु, कीमते, मूल्य।

किया (کیا) फा पु—पहलवान, मल्ल, स्वामी, मालिक, पवित्र, पाकीज, स्वच्छ।

कियादत (قیادت) अ स्त्री—नेतृत्व, रहनुमाई, मार्ग-प्रदर्शन, नेतागिरी, कुरम साकी, भडुआपन, दल्लाली,।

क़ियाफ़ (قیافہ) अ पु—चेष्टा, हुलूय, चेहरे के आकार-प्रकार और उसके चिह्नो द्वारा मनुष्य के स्वभाव आदि का ज्ञान, सामुद्रिक विद्या, कयाफा भी प्रचलित, "आदमी पहचान लेते हैं कयाफा देखकर, खत का मज्मूँ भाँप लेते है लिफाफा देखकर।"

कियाफ दाँ (قیافہ داں) अ फा वि—दे 'कियाफ शनास', चेहरे को देखकर मनुष्य-स्वभाव पहचाननेवाला।

कियाफ शनास (قیافہ شناس) अ फा वि.—कियाफा पहचानने वाला, चेष्टा देखकर हाल बता देनेवाला, सामुद्रिकवेत्ता।

क़ियाफ़शनासी (قیافہ شناسی) अ फा स्त्री—कियाफा पहचनाने की विद्या, चेहरे से हाल जानना।

क़ियाम (قیام) अ पु—अस्थायी निवास, थोडे दिनो का वास, किसी सस्था आदि की नीव, स्थापना, नमाज में खडे होने की अवस्था, निश्चय, यकीन, कयाम भी प्रचलित।

क़ियामगाह (قیامگاہ) अ फा स्त्री—ठहरने का स्थान, रहने का स्थान, निवासस्थान।

क़ियामत (قیامت) अ स्त्री—महाप्रलय, सारी दुनिया का उलट-पलट, महाप्रलय-काल, हश्र का दिन, बहुत ही सुन्दर और बढिया, बलाका, अत्यन्त, बहुत (कयामत)।

कियामतअंगेज (قیامت انگیز) अ फा वि—दे 'कियामत खेज'।

क़ियामत आसार (قیامت آثار) अ वि—जिसमे कियामत के लक्षण हो, बहुत अधिक उपद्रवी, जिसमे बहुत उथल-पुथल होने की सभावना हो।

कियामतखेज (قیامت خیز) अ फा वि—कियामत उठाने-वाला, प्रलयकर, बहुत उथल-पुथल करनेवाला, विप्लवकारी।

क़ियामतखेजी (قیامت خیزی) अ फा स्त्री—कियामत उठाना, उथल-पुथल करना।

कियामपिजीर (قیام پذیر) अ फा वि—बसा हुआ, ठहरा हुआ, मुकीम।

कियास (قیاس) अ पु—विचार, खयाल, अनुमान, अटकल, अदाजा।

कियासत (کیاست) अ स्त्री—दक्षता, निपुणता, चातुरी, चतुराई, दानाई।

कियासन (قیاساً) अ वि—अटकल से, अदाजे से, अनु-मानत।

कियासी (قیاسی) अ वि—अटकलवाली बात, अललटप, कल्पित, फर्जी।

किरब (قرب) अ स्त्री—'किर्ब' का बहु, पानी की मश्के।

किरा (کرا) फा अव्य—किसको, किसे।

किरा (کرا) अ पु—किराया, भाडा।

किराअत (قرائت) अ स्त्री—दे 'किअर्त', दोनो शुद्ध हैं।

किराइद (کرائندہ) फा वि—किराए पर लेनेवाला।

किरान (قران) अ पु—समीपता, निकटता, नजदीकी, दो ग्रहो का एक राशि में होना, योग।

किरान (قران) अ पु—'कर्न' का बहु, जमाने, युग।

किरानुस्सा'दैन (قران السعدین) अ पु—दो शुभ ग्रहो का एक राशि में होना, शुभ-योग।

क़िराब (قراب) तु पु—तलवार या भुजाली आदि का नियाम, कोष, मियान।

किराब (قراب) अ पु—समीपता, नजदीकी, नापने की जरीब, (स्त्री) 'क़िर्ब' का बहु, पानी की मश्के।

किराम (کرام) अ पु—'करीम' का बहु, कृपालु जन, दयालुवर्ग, दानशील जन, फैयाज लोग, पूज्य लोग, प्रतिष्ठित लोग।

किराम (قرام) अ पु—हलका और महीन पर्दा, चित्रित और नक्शीन पर्दा।

किराय (کرایہ) अ पु—भाडा, भाटक।

किराय दार (کرایہ دار) अ फा वि—किराये पर कोई चीज प्रयोग करनेवाला, किराये पर घर आदि में रहनेवाला।

किराय'दारी (کرایہداری) अ फा स्त्री—किराये पर कोई चीज़ प्रयोग करना, किराये पर घर आदि मे रहना।

किरायःनाम. (کرایہنامہ) फा पु—किराये पर कोई वस्तु लेने का इकरारनामा, भाटकपत्र।

किरिश्मः (کرشمہ) फा पु—आँख या भौ का सकेत, सैन, हाव-भाव, नाज़ोअदा, माया, इन्द्रजाल जादू, चमत्कार, शा'बद, आश्चर्य अचम्भा (करिश्मा)।

किरिश्मःकार (کرشمہکار) फा वि—दे 'किरीश्म साज़'।

किरिश्म.कारी (کرشمہکاری) फा. स्त्री—दे. 'किरिश्म साज़ी'।

किरिश्म.साज़ (کرشمہساز) फा वि—मायावी, शो'बद-बाज़, हाव-भाववाला, नाज़ो-अदाज़वाला, जादूगर।

किरिश्म साज़ी (کرشمہسازی) फा स्त्री—मायाकर्म, शो'बद बाज़ी।

किरिश्म (کرشمہ) फा पु—दे 'किरिश्म'।

क़िर्अत (قرأت) अ स्त्री—पढने का भाव, पढाई, कुरान की शुद्ध उच्चारण के साथ पढाई।

क़िर्तबूस (قرطبوس) अ पु—बहुत बडी दैवी आपत्ति।

क़िर्तास (قرطاس) अ पु—कागज-पत्र।

क़िर्तासि अब्यज़ (قرطاس ابیض) अ पु—सफेद कागज़, श्वेत पत्र, व्हाइट पेपर।

क़िर्दः (قردہ) अ पु—बन्दर की मादा, वानरी, बदरिया।

क़िर्द (قرد) अ पु—बदर, वानर, कपि, शाखामृग।

किर्द (کرد) फा. पु—दे. 'कर्द'।

किर्दगार (کردگار) फा पु—दे 'कर्दगार', परन्तु अधिक किर्दगार ही बोलते हैं, वह यद्यपि अशुद्ध है, परन्तु फारसी और उर्दू के विद्वानो ने शुद्ध माना है।

क़िर्बः (قربہ) अ. पु—पानी भरने की मश्क, भस्त्री।

किर्बास (کرباس) अ पु—सफेद कपडा, श्वेत वस्त्र, सूती कपडा।

किर्म (کرم) फा पु—कीडा, कीट, कृमि, सस्कृत कृमि का फारसी मे प्रचलित रूप।

किर्मक (کرمک) फा पु—छोटा कीड़ा, कृमिक, कीट।

किर्मकुश (کرمکش) फा. वि—कीडो को मारनेवाली दवा, कृमिनाशक।

किर्मकेशबताब (کرمکشبتاب) फा पु—जुगनू, खद्योत, ज्योतिरिंगण, कीटमणि, ज्योतिर्बीज।

किर्मखुर्द. (کرمخوردہ) फा वि—कीडो का खाया हुआ, जिसे कीडो ने चाटकर खराब कर दिया हो।

किर्मखुर्दगी (کرمخوردگی) फा स्त्री—किसी वस्तु का कीडो का खा जाना।

किर्मपीलः (کرمپیلہ) फा पु—रेशम का कीडा।

किर्मान (کرمان) फा. पु—ईरान का एक प्रसिद्ध नगर जहाँ का ज़ीरा और फर्श प्रसिद्ध है।

क़िर्मिज़ (قرمز) अ पु—एक प्रकार के छोट-छोटे लाल कीडे जिन्हे सुखाकर उनसे रेशम रँगते है।

क़िर्मिज़ी (قرمزی) अ वि—किर्मिज़ के रग का, रक्त, लाल, सुर्ख।

किर्मे शबअफ़ोज़ (کرم شب افروز) फा पु.—दे 'किर्मे शबताब'।

किर्मे शबचिराग़ (کرم شب چراغ) फा पु—दे 'किर्मे-शबताब'।

किर्मेशबताब (کرم شب تاب) फा. पु—खद्योत, कीटमणि, ज्योतिरिंगण, ज्योतिर्बीज।

किर्मेशिकम (کرم شکم) फा पु—पेट के कीडे, उदर-कृमि।

किर्यास (کریاس) अ पु—अट्टालिका, अटारी, बाला-खाना, शौचालय या स्नानागार जो अटारी पर हो; राजभवन, राजद्वार, शाही दरबार।

क़िर्वात (قرواط) अ स्त्री—नाव, नौका, किश्ती, हवा भरी हुई मश्क, जिस पर बैठकर नदी पार करते हैं।

क़िलाअ' (قلاع) अ पु—'कल्अ' का बहु, दुर्ग-समूह, किले।

क़िलाद. (قلادہ) अ पु—गले का पट्टा, कुत्ते या ऊँट के गले का पट्टा गुलूबद।

किलाब (کلاب) अ पु—'कल्ब' का बहु, कुत्ते।

क़िलीच (قلیچ) तु. पु—तलवार, खड्ग।

किलीद (کلید) फा स्त्री—कुजी, ताली, कुचिका।

किलीदे कामरानी (کلید کامرانی) फा स्त्री—सफलता की कुजी, सफलता का गुर।

किलीदे फत्हेबाब (کلید فتح باب) फा अ स्त्री—दरवाजा खोलने की कुजी, सफलता का गुर (मूलमत्र)।

किलीदे बिहिश्त (کلید بہشت) फा. स्त्री—स्वर्ग की कुजी, पुण्यकर्म, नेक आ'माल।

किलीसा (کلیسا) फा पु—ईसाइयो का गिरजा, चर्च।

किलीसाई (کلیسائی) फा वि—ईसाई, ख्रिष्टीय।

किलेसा (کلیسا) फा. पु—दे 'किलीसा', दो शु. हैं।

किल्क (کلک) फा स्त्री—नरकट, नरसल, नरकुल, नै, एक विशेष नरकट की बनी हुई कलम, कलम, लेखनी।

क़िल्यान (قلیان) फा. पु.—हुक्का, चिलम पीने की गुडगुडी, दे 'कल्यान', दो शु है।

क़िल्लत (قلت) अ स्त्री—न्यूनता, कमी, अभाव, नायाबी।

क़िल्लते आब (قلت آب) अ फा स्त्री—पानी की कमी, जलाभाव, जलकष्ट।

क़िल्लते ग़िज़ा (قلت غذا) अ स्त्री—खाने के पदार्थों की कमी, खाद्याभाव।

क़िल्लते बारां (قلت باران) अ फा. स्त्री.–बरसात की कमी, वर्षाभाव, कहतसाली।

क़िल्लतो कस्रत (قلت و کثرت) अ पुं –कमी-वेशी, न्यूनता और अधिकता, न्यूनाधिक्य।

किल्स (کلس) अ पु–चूना।

क़िवाम (قوام) अ पु–मूल, तत्त्व, अस्ल, क्रम, तर्तीब, निजाम, शीरा, चाशनी, पक्वस्वरस।

किवेर (کویر) फा पु–समतल भूमि, बिना पानी की भूमि, मरीचिका, मृगतृष्णा, सराव।

किशावर्ज़ (کشاورز) फा वि–कृषक, किसान, दे 'कशावर्ज', दो शुद्ध है।

किशावर्ज़ी (کشاورزی) फा स्त्री–कृषिकर्म, किसानी, दे 'कशावर्ज़ी', दो शु है।

किशिक (کشک) तु पु–पहरा, चौकसी, निगहबानी, रखवानी।

किशिकची (کشکچی) तु पु–पहरेदार, रखवाला।

किशिकदार (کشکدار) तु फा पु–दे 'किशिकची'।

किश्त. (کشته) फा पु–शपतालू व ज़र्दालू आदि जिनके बीज निकालकर गूदा सुखा लेते हैं, कस्तूरी, केसर और लोबान आदि का मिश्रण जिसे गुलाब मे घिसकर टिकिया बना लेते और सुलगाते है।

किश्त (کشت) फा स्त्री–कृषि, खेती, शतरज की 'शह'।

किश्तकार (کشتکار) फा वि–कृषक, काश्तकार, किसान।

किश्तकारी (کشتکاری) फा स्त्री–कृषिकर्म, किसानी।

किश्तज़ार (کشتزار) फा पु–वह स्थान जहाँ बोये हुए खेत ही खेत हो, सब्ज़ ज़ार।

किश्ते ज़ा'फरान (کشت زعفران) फा अ स्त्री–ऐसा स्थान जहाँ केसर के खेत हो, वह स्थान जहाँ चित्त में उल्लास और आनद उत्पन्न हो।

क़िश्फ़ (قشف) अ वि–विकृत, जिसका रग-रूप बिगड गया हो, दूषित।

किश्मिश (کشمش) फा स्त्री–मुनक्के की जाति का सूखा हुआ छोटा अगूर जिसमे बीज नही होता, अबीजा।

किश्मिशी (کشمشی) फा वि–'किश्मिश' जैसे रग का, हलका हरा, जिसमे किश्मिश मिली हो, किश्मिश का।

क़िश्लाक़ (قشلاق) तु पु–वह गरम 'स्थान जहाँ जाडे गुज़ारे जायें।

किश्वर (کشور) फा स्त्री–देश, मल्क, राष्ट्र, सल्तनत, महाद्वीप, बर्रेआ'ज़म, दे 'कश्वर', दो शु है।

किश्वर कुशा (کشور کشا) फा वि–विश्वविजयी, दिग्विजयी, जहाँगीर।

किश्वर सिताँ (کشورستان) फा. वि–दे 'किश्वर कुशा'।

क़िसस (قصص) अ पु–'क़िस्स' का बहु, किस्से, कहानियाँ।

क़िसास (قصاص) अ. पु–खून के बदले में खून, प्रतिहिंसा।

क़िस्अः (قصعه) अ पु–बडा पियाला।

क़िस्त (قسط) अ स्त्री–न्याय, इसाफ, भाग, अश, हिस्सा, खड, टुकडा; अदाइगी का एक जुज़।

क़िस्तबदी (قسطبندی) अ फा स्त्री–अदाइगी के लिए किस्तो की नियति।

क़िस्तास (قسطاس) अ स्त्री–बडी तराज़ू, नक।

क़िस्म (قسم) अ स्त्री–प्रकार, भाँति, तरह, जाति, नौअ।

क़िस्मत (قسمت) अ स्त्री–विभाजन, तक्सीम, भाग्य, अदृष्ट, प्रारब्ध, तकदीर।

क़िस्मत आज़्मा (قسمت آزما) अ फा वि–भाग्य की परीक्षा करनेवाला, किसी कठिन काम का बीडा उठानेवाला, कोई कडी परीक्षा देनेवाला।

क़िस्मत आज़्माई (قسمت آزمائی) अ फा स्त्री.–भाग्य की परीक्षा, किसी कठिन काम का साहस, किसी कडी परीक्षा की तैयारी।

क़िस्मतवर (قسمتور) अ फा वि–भाग्यशाली, भाग्यवान्, खुशनसीब।

क़िस्मतवरी (قسمتوری) अ फा स्त्री.–खुशकिस्मती, भाग्यशीलता, भाग्यशालीनता।

किस्रा (کسری) अ पु–ईरान के शासको की उपाधि, नौशेरवाँ की उपाधि।

किस्वत (کسوت) अ स्त्री–वस्त्र, वसन, लिबास, पोशाक, नाई की पेटी, नापित-पेटिका।

क़िस्स (قصه) अ पु–कथा, कहानी, उपन्यास, नाविल, वृत्तात, हाल, घटना, वाकिअ, कलह, झगडा, समस्या, मस्अल।

क़िस्स कोताह (قصه کوتاه) अ फा अव्य–साराश यह कि, कि बहुना, किस्स मुख्तसर।

क़िस्स ख्वाँ (قصه‌خوان) अ फा वि–दे 'किस्स गो'।

क़िस्स गो (قصه‌گو) अ फा वि–कहानियाँ कहनेवाला, अब से कुछ पहले किस्से कहनेवालो की एक बडी सख्या सारे देश में फैली हुई थी और वह कल्पित कहानियाँ सुना-सुनाकर अपना जीवन निर्वाह करती थी, 'दास्ता गो'।

क़िस्स मुख्तसर (قصه مختصر) अ अव्य–दे 'किस्स कोताह'।

क़िस्सीस (قسیس) अ पु–ईसाइयो का धर्मगुरु, पादरी, राहिब।

किहीं (کهین) फा वि–अति क्षुद्र, बहुत छोटा।

किहीनः (کہینہ) फा वि—क्षुद्र, छोटा; आयु मे छोटा, अल्पवयस्क।

किह्‌फ (قحف) अ पु—खोपडी, कपाल।

की

कीं (کیں) फा पु—'कीन' का लघु, दे 'कीन'।

कीं (کیں) फा अव्य—कि यह।

कीन (کینہ) फा पु—वह शत्रुता जो दिल मे रहे, द्वेष, खुस, अमर्ष, "अय जहे रंजिश! कि कल्बे यारकी मंज़िल मे है। रुतवा देखो मेरे 'कीने' का कि उनके दिल मे है॥"

कीनः अदोज़ (کینہ اندوز) फा वि—दे 'कीन वर'।

कीनः अदोज़ी (کینہ اندوزی) फा स्त्री—दे 'कीन वरी'।

कीन·कश (کینہ کش) फा वि—दे 'कीन वर'।

कीन.कशी (کینہ کشی) फा स्त्री—दे 'कीन वरी।

कीन तोज़ (کینہ توز) फा वि—दे 'कीन वर'।

कीन.तोज़ी (کینہ توزی) फा. स्त्री—दे 'कीन वरी'।

कीन.पर्वर (کینہ پرور) फा वि—दे 'कीन वर'।

कीन.पर्वरी (کینہ پروری) फा स्त्री—दे 'कीन वरी।

कीन.वर (کینہ ور) फा वि—किसी की ओर से हृदय मे द्वेष रखनेवाला, जो मुँह पर तो कुछ न कहे, परतु समय पडने पर पूरी शत्रुता दिखाये।

कीन·वरी (کینہ وری) फा स्त्री—मन में द्वेष रखना और समय पडने पर शत्रुता प्रकट करना।

कीन (کین) फा पु—दे 'कीन', द्वेष, अमर्ष, खुस, रंजिश।

क़ीन (قین) अ पु—सेवक, दास, लोहार, लोहकार, लोहारी का काम, दे 'क़ैन', वही अधिक शुद्ध है।

कीपा (کیپا) तु पु—एक प्रकार का पुलाव जो बकरी की आँतो मे चावल और मसाला भरकर पकाया जाता है।

क़ीफ (قیف) फा स्त्री—बोतल आदि मे तेल आदि उँडेलने का यंत्र, कीप।

क़ीफाल (قیفال) अ स्त्री—एक बडी रक्तवाहिनी नाडी जिसकी फस्द ली जाती है, सरोरू।

क़ीमः (قیمہ) फा पु—कुटा हुआ मास, जिसके कोफ्ते या कवाव बनते हैं।

क़ीमत (قیمت) अ स्त्री—मूल्य, दाम, प्रतिष्ठा, कद्र, श्रेष्ठता, उच्चता, बडाई।

क़ीमतन् (قیمتاً) अ वि—मूल्य देकर, दामो से।

क़ीमती (قیمتی) अ वि—बहुमूल्य, मूल्यवान्, बेशकीमत।

कीमिया (کیمیا) अ स्त्री—रसायन, केमिस्ट्री, सोना-चाँदी बनाने की कला, धातुवाद।

कीमियाअसर (کیمیااثر) अ वि—अति गुणकारी, बहुत ही फायदेमद; मट्टी को सोना बना देनेवाली चीज़।

कीमियागर (کیمیاگر) अ फा वि—ताँबे आदि से सोना बनानेवाला, बहुत बडा हुनरमद।

कीमियागरी (کیمیاگری) अ फा स्त्री—ताँबे आदि से सोना बनाना, हुनरमद होना।

कीमियादाँ (کیمیاداں) अ फा वि—पारे आदि से सोना बनाना जाननेवाला।

कीमियादानी (کیمیادانی) अ फा स्त्री—पारा आदि से सोना बनाना।

कीमियासाज़ (کیمیاساز) अ फा वि—दे. 'कीमियागर'।

कीमियासाज़ी (کیمیاسازی) अ फा स्त्री—दे 'कीमियागरी'।

कीमुख़्त (کیمخت) फा पु—घोडे या गधे का कमाया हुआ चमडा।

कीर (قیر) फा पु—राल, तारकोल।

कीरगूँ (قیرگوں) फा वि—काले रग का, तारकोल जैसा।

क़ीरात (قیراط) अ स्त्री—एक तौल जो चार जौ के बराबर होती है, रत्तियो के हिसाब से तीन रत्ती।

क़ीलः (قیلہ) अ पु—अडवृद्धि, फोते बढने का रोग, दोपहर को थोडी देर लेटना, क़ैलूल।

क़ीलोक़ाल (قیل وقال) अ स्त्री—वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहस-मुबाहसा।

कीसः (کیسہ) अ पु—जेब, पाकेट, खलीता, थैली।

कीस·तराश (کیسہ تراش) अ फा वि—जेब काटनेवाला, जेबकतरा, ग्रंथिमोचक, पाकेटमार, जेबतराश।

कीसःतराशी (کیسہ تراشی) अ फा स्त्री—जेब काटने का काम, जेबकतरापन, पाकटमारी, ग्रंथिमोचन।

कीस·बुर (کیسہ بر) अ फा वि—दे 'कीस तराश', 'कीसावर' भी प्रचलित।

कीस·बुरी (کیسہ بری) अ फा स्त्री—दे. 'कीस तराशी', 'कीसावरी' भी प्रचलित।

कीस (کیس) अ पु—दे 'कीस'।

कीसे फिदा (کیس فدا) अ फा पु—शत्रुओ में घिर जाने के समय भागते हुए रुपया फेंक देना, ताकि लोग उसे बटोरने मे लग जायँ और पीछा न करें।

क़ीह (قیح) अ स्त्री—पीप, मवाद, पीव, क्षतस्राव।

कु

कुंग (کنگ) फा वि—मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट, शक्तिशाली, बलवान्, छुहारो का गुच्छा।

कुंगुर: (کنگرہ) फा पु —भवन आदि की गुमटी, छोटा गुंबद, कँगूरा।

कुंगुर (کنگر) फा पु —दे 'कुंगुर'।

कुंज (کنج) फा पु —एकांत, गोश, "दुनिया में रंजोग़म से जो फुर्सत न मिल सकी, आख़िर को थक के सो गये कुंजे मज़ार में।"

कुंजकावी (کنج کاوی) फा स्त्री —तलाश, खोज, जिज्ञासा, परिश्रम, मेहनत, ध्यानपूर्वक विचार, ग़ौर।

कुंजद (کنجد) फा स्त्री —तिल, तिल्ली, एक प्रसिद्ध बीज।

कुंजारः (کنجارہ) फा पु —तेल निकलने के पश्चात् बीज का फोक, खल, खली।

कुंजिश्क (کنجشک) फा स्त्री —वह छोटी चिड़िया जो घरों में रहती है, गौरैया, चटक।

कुंजे इंज़िवा (کنج انزوا) फा अ पु —एकांत, गोश, अकेला स्थान, निर्जनस्थल।

कुंजे उज़्लत (کنج عزلت) फा अ पु —दे 'कुंजे इंज़िवा'।

कुंजे क़फ़स (کنج قفس) फा अ पु —पिंजड़े का कोना, पिंजड़े का एकांत स्थान, कारागार, क़ैदख़ाना, जेलख़ाना।

कुंजे ख़ल्वत (کنج خلوت) फा अ पु —दे 'कुंजे इंज़िवा'।

कुंजे तन्हाई (کنج تنہائی) फा पु —दे 'कुंजे इंज़िवा'।

कुंजेदहन (کنج دہن) फा पु —मुँह का दहाना, मुँह का कोना।

कुंजेरां (کنج راں) फा पु —रान की जड़, चिड्ढा।

कुंजे लह्द (کنج لحد) फा अ पु —क़ब्र का कोना, क़ब्र का एकांत स्थान।

कुंद' (کندہ) फा पु —लकड़ी का मोटा और छोटा टुकड़ा, बंदूक़ का कुंदा।

कुंद कार (کندہ کار) फा वि —दे शु उच्चारण, 'कंद कार'।

कुंद' कारी (کندہ کاری) फा स्त्री —दे शु उच्चारण 'कंद कारी'।

कुंद (کند) फा वि —मंद, मूढ़, भोथरा, मंद, सुस्त, आलसी।

कुंदए नातराश (کندۂ ناتراش) फा पु —अक्खड़, उजड्ड, असभ्य, घामड़, बुद्धू, बिना तराशी लकड़ी का मोटा टुकड़ा, लाक्षणिक अर्थ मूर्ख।

कुंदएपा (کندۂ پا) फा पु —एक मोटी और भारी लकड़ी जिसमें कई छेद होते हैं जिनमें अपराधी के पाँव डाल दिये जाते हैं।

कुंदज़ेह्न (کندذہن) फा अ वि —जिसका ज़ेह्न तेज न हो, मंदप्रतिभ।

कुंदपीर (کندپیر) फा स्त्री —बहुत बुढ़िया स्त्री, सठियाई मूर्खा स्त्री।

कुंदाक (قنداق) तु पु —बंदूक का कुंदा।

कुंदावर (کنداور) फा पु —मेधावी, दाना, वैज्ञानिक, हकीम, पहलवान, मल्ल।

क़ुंदुज़ (قندز) अ पु —कुत्ते के प्रकार का एक जंतु, जिसकी खाल से पोस्तीन बनते हैं, उस जानवर की पोस्तीन, जल-कुक्कुर, पानी का कुत्ता।

कुंदुर (کندر) फा पु —एक गोंद जो दवा के काम आता है।

कुंदुलान (کندلان) तु पु —वह बड़ा ख़ेमा जो बादशाह के दरवाज़े पर लगाया जाता है।

कुंदुश (کندش) अ अव्य —दे कुंदुर, दे 'अक्लक'।

कुंदू (کندو) फा पु —पात्र, बरतन।

कुंदूएआब (کندوۓ آب) फा पु —पानी की टंकी या हौज़।

कुंदूएग़ल्लः (کندوۓ غلہ) फा पु —नाज का कोठार या बखारी।

क़ुऊद (قعود) अ पु —बैठने का भाव, बैठक, नमाज़ में बैठने का अमल।

क़ुक्नुस (ققنس) अ पु —एक बहुत ही मधुरस्वर चिड़िया जिससे यूनानियों ने गानविद्या सीखी, इसके गाने से आग लग जाती है।

कुख़ कुख़ (کخ کخ) फा अव्य —खाँसने का स्वर।

क़ुच (قچ) तु पु —मेढ़ा, नर भेड़ जिसके सींग होते हैं, और जो लड़ाई के काम आता है।

क़ुज़ह (قزح) अ पु —वह फ़िरिश्ता जो बादलों का प्रबंध करता है, इंद्र।

कुजा (کجا) फा अव्य —कहाँ, किस स्थान पर।

क़ुज़ाअ. (قضاعہ) अ पु —एक समुद्री जंतु जिसके अंडकोष से 'जुंदबे दस्तर' निकलता है, जो दवा में प्रयुक्त होता है।

कुज़ाज़ (کزاز) अ पु —रगों और पट्ठों के खिंचाव से उत्पन्न होनेवाली एक पीड़ा।

क़ुज़ात (قضات) अ पु —'क़ाज़ी' का बहु, निकाह पढ़ानेवाले क़ाज़ी, न्यायकर्ता क़ाज़ी।

क़ुज़ुर (قذر) अ स्त्री —अपवित्रता, गंदगी, पलीदी।

कुतल (کوتل) तु पु —ख़ास सवारी का घोड़ा, 'कोतल' भी प्रचलित।

क़ुतास (قوتاس) तु पु —पहाड़ी गाय (सुरा गाय) की पूँछ, जिससे मोरछल बनता है।

क़ुतुन (قطن) अ पु —कपास, कपास का खेत, रुई, तूल।

कुतुब (کتب) अ स्त्री —'किताब' का बहु, पुस्तकें, किताबें।

कुतुबफ़रोश (کتب فروش) अ फा वि —पुस्तकें बेचनेवाला।

कुतुबफ़रोशी (کتب فروشی) अ फा स्त्री —पुस्तकें बेचने का काम।

क़ुतूफ़ (قطوف) अ पु —'क़त्फ़' का बहु, मेवे, फल आदि।

क़ुत्क' (كتكه) तु पु –मोटा और छोटा डडा।
क़ुत्ताअ (قطاع) अ वि –'क़ाते' का बहु, काटनेवाले।
क़ुत्ता उत्तरीक़ (قطاع الطريق) अ वि –राह मे लूटनेवाले, डाकू, लुटेरे, बटमार।
क़ुत्ती (قتی) तु स्त्री –पिटारी, सदूकची।
क़ुत्न (قطن) अ पु –कपास, रुई, दे 'क़ुतुन', दो शु है।
क़ुत्नी (قطنی) अ पु –सूत का बना हुआ कपडा, रेशम और सूत मिला हुआ कपडा।
क़ुत्ब (قطب) अ पु –पृथ्वी का धुरा, ध्रुव, एक तारा जो अपने स्थान पर स्थिर रहता है, ध्रुव तारा, एक प्रकार के मुसलमान ऋषि जिनके सिपुर्द कोई बडा इलाका होता है।
क़ुत्बनुमा (قطب نما) अ फा पु –दिशा बतानेवाला यत्र, दिग्दर्शक यत्र।
क़ुत्बे जुनूबी (قطب جنوبی) अ पु –दक्षिणी ध्रुव।
क़ुत्बे शिमाली (قطب شمالی) अ पु –उत्तरी ध्रुव।
क़ुत्बैन (قطبین) अ पु –उत्तरी और दक्षिणी दोनो ध्रुव।
क़ुत्र (قطر) अ पु –वह रेखा जो किसी परिधि से गुजरती हुई, उसे दो बराबर के भागो मे बाँट दे, व्यास।
क़ुत्रुब (قطرب) अ पु –एक बहुत छोटा कीडा जो पानी पर दौडता रहता है और कभी नही थमता, पागलपन की एक किस्म, इस रोग का रोगी किसी एक स्थान पर नही ठहरता और सब से भागता है।
क़ुदमा (قدما) अ पु –'क़दीम' का बहु, पुराने लोग, प्राचीन विद्वान् लोग, प्राचीन वैज्ञानिक लोग।
क़ुदुस (قدس) अ वि –पवित्र, पाक, पवित्रता, पाकीजगी।
क़ुदूम (قدوم) अ पु –आगमन, पदार्पण, आना।
क़ुदूर (قدور) अ. स्त्री –'क़िद्र' का बहु, हाँडियाँ, डेगचियाँ।
कुदूरत (کدورت) अ स्त्री –मैल, मलिनता, गँदलापन, मनोमालिन्य, शकररजी।
क़ुद्दूस (قدوس) अ वि –अत्यत पवित्र, बहुत ही पाक, ईश्वर का एक नाम।
क़ुद्रत (قدرت) अ स्त्री –प्रकृति, निसर्ग, नेचर, फ़ित्रत, सामर्थ्य, शक्ति, मक्दूर, दैवी माया, खुदा की कुदरत, वश, ज़ोर, शक्ति, ताकत, समृद्धि, दौलतमदी।
क़ुद्रतन (قدرتاً) अ वि –कुदरती तौर पर।
क़ुद्रती (قدرتی) अ वि –प्राकृतिक, नेचुरल, ईश्वरीय, दैवी, खुदाई, कुदरत से सम्बन्धित।
क़ुद्रते हक़ (قدرت حق) अ स्त्री –ईश्वर की माया, खुदा की कुदरत।
क़ुद्स (قدس) अ पु –पवित्रता, पाकीजगी, पवित्र, पाक, यरोशलम का एक पहाड।
क़ुद्सियाँ (قدسیاں) अ. पु –'क़ुद्सी' का बहु, फ़िरिश्ते; ऋषिगण, औलिया अल्लाह।
क़ुद्सी (قدسی) अ वि –फ़िरिश्ता, देवता।
क़ुद्सी सिफ़ात (قدسی صفات) अ वि –फ़िरिश्तो जैसे गुणवाला, देवोपम, देवात्मा।
कुन (کن) फा प्रत्य –करनेवाला, जैसे 'कारकुन'–काम करनेवाला।
कुन (کن) अ क्रि –हो जा, ये शब्द ईश्वर की जबान से निकले थे, जिनसे सृष्टि की रचना हुई।
कुनाम (کنام) फा पु –पशुओ का निवासस्थान, चिडियो का घोसला, चरागाह, गोचर।
क़ुनार (قنار) अ पु –लबी लकडी या लोहे की सलाख जिस पर चिकवे बकरो की खाल उधेडकर टाँगते है।
कुनार (کنار) फा पु –बेर, बेरी, कोल, बदरी।
कुनारे दश्ती (کنار دشتی) फा पु –जगली बेर, झरबेरी।
कुनासः (کناسه) अ पु –झाडू मे बटोरा हुआ कूडा-करकट।
कुनिश्त (کنشت) फा पु –उपासनागृह, इबादतखाना, मूर्तिगृह, बुतखाना, अग्निशाला, आतशकदा।
कुनुक (قنق) तु पु –मेहमान, अतिथि, आगतुक।
क़ुनूअ (قنوع) अ पु –'क़ाने' होना, निःस्पृह होना, जो कुछ मिल जाय उसी पर सतुष्ट रहना।
कुनूज़ (کنوز) अ पु –'कज़' का बहु, खजाने, निधियाँ।
क़ुनूत (قنوت) अ पु –आज्ञापालन करना, फर्माबरदारी करना, नमाज़ मे चुप खडा होना, दुआ पढना।
क़ुनूत (قنوط) अ पु –निराशा, नाउम्मेदी।
क़ुनूती (قنوطی) अ वि –निराश, नाउम्मेद, निराशावादी, जिसका विचार हो कि उसे किसी काम मे सफलता न होगी।
क़ुनूतीयत (قنوطیت) अ. स्त्री –निराशावाद।
कुन्नियत (کنیت) अ स्त्री –दे शु उच्चारण 'कुन्यत'।
क़ुन्फ़ज़ (قنفذ) अ स्त्री –दे 'क़ुन्फ़ुज़' दो शु है।
क़ुन्फ़ुज़ (قنفذ) अ स्त्री –साही, सेहाँ, एक जतु जिसके शरीर पर काँटे होते है।
क़ुन्य. (قنیه) अ पु –पूँजी, सरमाया।
कुन्यत (کنیت) अ स्त्री –वह नाम जिसमे अरबी परपरा के अनुसार अपने पिता, माता या लडके का सम्बन्ध प्रकट किया जाय, जैसे–'अबुल्हसन' या 'उम्मेकुल्सूम', उपाधि, लकब।
कुफ़ात (کفات) अ पु –'काफ़ी' का बहु, बुद्धिमान् लोग।
क़ुफ़ुल (قفل) अ पु –ताला, द्वारयत्र, तालिका।
कुफ़ूर (کفور) अ पु –कृतघ्नता, अकृतज्ञता, नाशुक्री।
क़ुफ़्फ़ (قفه) अ पु –उच्च, ऊँचा, ऊँची भूमि, ऊँचा स्थान।

कुफ्फार (كفار) अ पु–'काफिर' का बहु, काफिर लोग, नास्तिक लोग।

कुफ़ (كفر) अ पु–अस्वीकृति, कबूल न करना, कृतघ्नता, अकृतज्ञता, नाशुक्री।

कुफ़ आश्ना (كفر آشنا) अ फा वि–जिसे कुफ़ से प्रेम हो, जो काफिरो से प्रेम करता हो, जो स्वय आधा काफिर हो, पाप-परायण।

कुफ़ान (كفران) अ पु–कृतघ्नता, एहमान फरामोशी।

कुफ़ाने ने'मत (كفران نعمت) अ पु–ईश्वर की दी हुई ने'मतो (नियामतो) की अकृतज्ञता।

कुफ़िस्तान (كفرستان) अ फा पु–काफिरो के रहने का स्थान, ऐसा स्थान जहाँ अत्याचारी लोगो के कारण न्याय और नीति का व्यवहार न हो।

कुफ़ोइल्हाद (كفروالحاد) अ पु–बेदीनी, नास्तिकता।

कुफ्ल (قفل) अ पु–ताला, द्वारयत्र, तालिका।

कुफ्ल शिकनी (قفل‌شکنی) अ फा स्त्री–घर या दुकान आदि का ताला टूटना, चोरी होना।

कुफ्ले वस्वास (قفل‌وسواس) अ पु–गोरखधधा।

क़ुबब (قبب) अ पु–'कुब्ब' का बहु, कुब्बे, गुमटियाँ, छोटे गुबद।

कुबरा (كبرا) अ पु–'कबीर' का बहु, बडे लोग, प्रतिष्ठित जन।

क़ुबुल (قبل) अ पु–'कबील' का बहु, दल, गरोह, सामने की वस्तु, सामने का रुख, सामने का शरीर।

कुबूब (قبوب) अ पु–धान का सूखना, कोलाहल करना, शोर मचाना, शत्रुता और लडाई, शरीर की खाल और मास का मुरझाना।

कुबूर (قبور) अ स्त्री–'कब्र' का बहु, कब्रे।

कुबूल (قبول) अ पु–सामने आना, उपस्थित होना।

कुब्बः (قبه) अ पु–छोटा गुबद, बुर्जी, गुमटी।

क़ुब्बर' (قبره) अ पु–अबाबील पक्षी, सुर्खाब पक्षी।

कुब्रा (كبرى) अ स्त्री–'अक्बर' का स्त्री, बहुत बडी, जैसे 'कियामते कुब्रा', बहुत बडी आपत्ति।

क़ुब्लः (قبله) अ पु–चुबन, बोसा, चूमा।

कुब्ल (قبل) अ स्त्री–भग, योनि, फर्ज।

कुबह (قبح) अ पु–दोष, ऐब, खराबी, त्रुटि, गल्ती, भोडापन।

कुम (قم) अ क्रि–'उठ बैठ', 'खडा हो जा', ये वे शब्द है जिनके उच्चारण मे हजरत ईसा मृत व्यक्ति को जीवित कर देते थे।

कुम[म्म] (كم) अ–आस्तीन।

कुमल (قمل) अ स्त्री–वह छोटा कीडा जो बालो और कपडो मे पड जाता है, जूँ।

कुमाच (كماچه) तु पु–एक प्रकार की रोटी।

कुमाम' (قمامه) अ पु–कूडा-करकट जो घर झाडने मे निकले, मनुष्यो का दल।

कुमाश (قماس) अ पु–वस्त्र, कपडा, लिबास, घर का सामान, गुण, हुनर।

कुमुक (كمك) तु स्त्री–सहायता, मदद, काम मे अथवा युद्ध म।

कुमेज (كميز) फा पु–पेशाव, मूत्र, मूत।

कुमैत (كميت) अ पु–कालिमा लिये हुए लाल घोडा, जिसकी पूँछ और अयाल के बाल काले हो, अगूर की लाल मदिरा।

कुम्कुम (قمقمه) अ पु–काँच का गोल लट्टू जो छतो की सजावट के काम आता है, बिजली का बल्व, कूजा, पियाला।

कुम्म' (قمه) अ पु–हर चीज का सिरा, हर चीज की ऊँचाई, चोटी, जनसमुदाय, गरोह।

कुम्मल (قمل) अ पु–'कुम्मल' का बहु, किलनियाँ, जो पशुओ की देह मे चिपककर उनका रक्त पीती है, टिड्डियाँ।

कुम्मस्रा (كمثرى) अ पु–अमरूद, एक प्रसिद्ध फल।

कुम्मा (قما) तु स्त्री–दासी, लौडी, कनीज।

कुम्मैत (كميت) अ पु–दे शुद्ध उच्चारण 'कुमैत'।

कुम्री (قمرى) अ स्त्री–एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी।

कुम्ल (قمل) अ पु–जूँ।

कुम्लक (كوملک) तु पु–वस्त्र, लिबास, कुर्ता, कमीस।

कयूस (كئوس) अ पु–'कास' का बहु, पियाले, कटोरे।

कुरग (كرنگ) फा पु–लाल रग का घोडा।

कुर, (كره) अ पु–वर्तुल, परिधि, घेरा, गेद, कदुक, गोला, मडल।

कुर [रं] (قر) अ पु–जाडे की ऋतु, शीतकाल।

कुरए अर्ज (كرۂ ارض) अ पु–भूगोल, भूमडल।

कुरए आतश (كرۂ آتش) अ फा पु–अग्निमडल।

कुरए आफ्ताब (كرۂ آفتاب) अ फा पु–रविमडल, सूर्यमडल।

कुरए आब (كرۂ آب) अ फा अव्य–सारी पृथ्वी पर फैला हुआ जल।

कुरए आस्माँ (كرۂ آسماں) अ फा पु–आकाशमडल, खगोल।

कुरए जमी (كرۂ زمیں) अ फा प–दे 'कुरए अर्ज'।

कुरए जम्हरीर (كرۂ زمہرير) अ फा पु–वह वायुमडल जो बहुत ही ठडा है।

कुरए नार (كرۂ نار) अ पु–अग्निमडल।

कुरए फलक (كرۂ فلك) अ पु–दे 'कुरए आसमान'।

कुरए बाद (کرۂ باد) अ फा पु —वायुमडल।
कुरए माह (کرۂماہ) अ फा पु —चद्रमडल।
कुरए शम्स (کرۂشمس) अ पु —दे 'कुरए आफताब'।
कुरए हवा (کرۂ ہوا) अ पु —दे 'कुरए बाद'।
कुरगः (کورگہ) तु पु —बडा नगाड़ा, धौसा, दुदुभि।
कुरमसाक (قرمساق) तु पु —वह निर्लज्ज व्यक्ति जो अपनी पत्नी की कमाई खाता हो।
क़ुरशी (قرشی) अ वि —कुरैशके वश से सम्बन्ध रखनेवाला, इस अर्थ मे 'कुरैशी' अशुद्ध है।
कुरा' (قرع) अ पु —'कुर्अ' का बहु, पाँसे।
कुरा (قریٰ) अ पु —'कर्य' का बहु, बहुत से गाँव, ग्राम-समूह।
कुराअ (کراع) अ पु —गाय-भैस या बकरी के पाये, पशु की पिडली, घोडो का समूह, पहाड की चोटी।
क़ुराजः (قراضہ) अ पु —वह कण जो कैंची से कटकर गिरे, चाँदी और सोने का कण।
क़ुरात (قرات) अ पु —'कारी' का बहु, कारी लोग, कुरान को शुद्ध उच्चारण से पढनेवाले हाफिज़।
क़ुराद (قراد) अ स्त्री —किलनी, पशुओ का रक्त पीनेवाला कीडा।
क़ुरान (قران) अ पु —दे 'कुर्आन', शुद्ध उच्चारण वही है, परतु फार्सीवालो ने 'कुरान' भी लिखा है, अत यह भी शुद्ध है।
कुरासः (کراسہ) अ पु —ग्रथ, पुस्तक, किताब, कुरान।
क़ुरुत (قورت) तु पु —दही, दधि।
क़ुरुती (قوروتی) तु पु —एक प्रकार का दलिया जिसमे सूखा दही डाला जाता है।
क़ुरून (قرون) अ पु —'कर्न' का बहु, बहुत से युग, बहुत से जमाने; बहुत से सीग।
क़ुरूने ऊला (قرونِ اولیٰ) अ पु —इस्लाम का प्रारभिक काल, प्रारभिक काल, इब्तिदाई जमाना।
क़ुरूने ख़ालियः (قرونِ خالیہ) अ पु —पिछले युग, गुजरे हुए जमाने।
क़ुरूनेवुस्ता (قرون وسطیٰ) अ पु —इस्लाम का मध्यवर्ती समय, मध्यवर्ती समय, दरमियानी जमाना।
कुरूब (کروب) अ पु —'कर्ब' का बहु, व्याकुलताएँ, कष्ट, पीडाएँ।
कुरूह (قروح) अ पु —'कर्ह' का बहु, बहुत से घाव।
क़ुरैश (قریش) अ पु —अरब का एक प्रतिष्ठित वश, जिसमे हजरत महम्मद साहिब उत्पन्न हुए थे।
क़ुरैशी (قریشی) अ वि —दे 'कुरशी', शुद्ध वही है, परतु उर्दू मे कुरैशी भी बोलते है।
कुरोह (کروہ) फा पु —एक कोस या दो मील का अतर, कोस, क्रोश।
क़ुर्अः (قرعہ) अ पु —पाँसा, पाशक, सारि, शारि।
कुर्अ. अदाजः (قرعہ انداز) अ फा वि —पाँसा फकनेवाला; शकुन विचारनेवाला।
क़ुर्अः अदाज़ी (قرعہ اندازی) अ फा स्त्री —पाँसा फेकना, किसी विषय मे निर्णय के लिए पाँसा फेककर समझौता करना।
कुर्अए फाल (قرعۂ فال) अ पु —शकुन विचारने के लिए पाँसा फेकना।
क़ुर्आन (قرآن) अ पु —मुसलमानो का धर्म ग्रथ, जो उनके मतानुसार आस्मानी किताब है, जिसमे तीस 'पारे', छोटी बडी एक सौ चौदह 'सूरते', ६६४० 'आयते' और ५४० 'रुकूअ' है।
कुर्क (قرق) तु पु —निषिद्ध, मना किया हुआ, रोका हुआ, वर्जित, देखभाल, निगरानी, रोकना, अलग रखना।
कुर्क़ अमीन (قرق امین) तु अ वि —दीवानी या माल का वह कर्मचारी जो डिग्री या मुतालबे मे कुर्की करता है।
क़ुर्क़ी (قرقی) तु स्त्री —किसी डिग्री आदि मे सरकारी कर्मचारी द्वारा जायदाद, माल या रुपये की जब्ती।
कुर्की (کرکی) अ पु —एक पक्षी, कुलग।
कुर्कुम (کرکم) फा पु —केसर, ज़ा'फरान।
कुर्त. (کرتہ) तु पु —पहनने का कमीस जैसा एक वस्त्र।
क़ुर्त (قرط) अ पु —कान मे पहनने का बुदा, लटकन, गोशवारा।
क़ुर्त (قورت) तु पु —दही, जुग्रात, दधि।
क़ुर्तक़ (قرطق) अ पु —दे 'कुर्त'।
क़ुर्तुम (قرطم) अ पु —कुसुम, कड।
कुर्द (کرد) तु पु —तुर्कों की एक सचारजीवी अर्थात् खाना-बदोश जाति, जो प्राय जगलो मे रहती और बडी बहादुर होती है।
कुर्दक (کردک) फा पु —बहुत मोटा-ताजा और बलवान् व्यक्ति।
कुर्दिस्तान (کردستان) तु. फ पु —कुर्द जाति के तुर्कों के रहने का प्रदेश।
कुर्नक (قورنق) तु पु —दास, नौकर, दासी, लौडी, कनीज़।
कुर्नास (قرناس) अ पु —पिशाच, राक्षस, देव, पहाड की चोटी।
कुर्नुश (کورنش) तु स्त्री —झुककर प्रणाम करना।
कुर्ब (قرب) अ पु —समीपता, निकटता, नज़दीकी।
क़ुर्बत (قربت) अ स्त्री —सामीप्य, नैकट्य, नज़दीकी; सहवास, मैथुन, सोहबत।

कुर्बत (كربت) अ स्त्री—कष्ट, क्लेश, दु ख, शोक, रज।
क़ुर्बां (قرباں) अ पु—'कुर्बान' का लघु, दे 'कुर्बान'।
कुर्बांगाह (قرباںگاہ) अ फा स्त्री—वघस्थल, कुर्बानी करने का स्थान।
कुर्बान (قربان) अ पु—वलि, सदक, न्योछावर, निसार।
कुर्बान (قربان) फा पु—गले मे पहनने की पेटी जिसमे धनुप लटकाया जाता है।
कुर्बानी (قربانی) अ स्त्री—किसी पशु का किसी देवता आदि के लिए वध, किसी वडे काम के लिए जान की भेट, त्याग, ईसार।
क़ुर्बोजुवार (قرب‌وجوار) अ पु—आसपास, चारो ओर, चहुँपास।
कुर्म (كرم) अ पु—अत्यत शोक और दु ख।
कुर्र· (قرہ) अ पु—ठडक, शीतलता, सुख, चैन, ज्योति, रौशनी।
कुर्र. (كرہ) अ पु—गधे या घोडे का वच्चा, कोडा, चावुक, प्रतोद।
क़ुर्रतुलऐन (قرۃالعین) अ पु—आँखो की ठडक, आँखो की ज्योति, इस शब्द का प्रयोग प्राय पुत्र के लिए होता है।
क़ुर्रमसाक़ (قرم ساق) तु पु—दे शु उच्चारण 'कुरम्साक'।
कुर्रास. (كراسہ) अ पु—पुस्तक का एक खड अथवा अध्याय, कुरान का एक पारा।
कुर्रास (كراث) अ पु—गदना, एक दाना जो दवा से चलता है।
कुर्रासी (كراثی) अ वि—गदने के रग का, मटमैला।
क़ुर्स (قرص) अ पु—रोटी, नान, रोटिका, टिकिया, वाटिका, दवा की चपटी गोली।
कुर्सी (كرسی) अ स्त्री—वैठने का विशेष प्रकार का आसन, आसदी, चेयर।
कुर्सीनशीं (كرسی‌نشیں) अ फा वि—पदासीन, ओहदेदार, प्रतिष्ठित, समानित, मुअज्जज़।
कुर्सीनामः (كرسی‌نامہ) अ फा पु—खानदान का शजरा, वशवृक्ष, वशतालिका, वशावली।
कुर्सीनुमा (كرسی‌نما) अ फा वि—कुर्सी के आकार-प्रकार का, कुर्सी जैसा।
क़ुर्सेरोईं (قرص‌روئیں) अ फा पु—घडियाल, जो समय वताता है।
क़ुर्ह (قرحہ) अ पु—घाव, जख्म।
कुलग (كلنگ) फा पु—एक प्रसिद्ध पक्षी, कलिग।
क़ुल. (قلہ) अ पु—'गिल्ली' जो डडे से खेली जाती है, और जिस खेल को गिल्ली-डडा कहते हैं।
कुल (كل) अ वि—सर्व, सव, तमाम।
क़ुल (قل) अ पु—किसी वुजुर्ग के उर्स में आखिरी फातह, अत, समाप्ति, खातिम, कुरान की चार छोटी सूरतें जो प्राय किसी के फातह में पढी जाती हैं।
क़ुलआऊजी (قل‌اعوذی) अ पु—दे 'कुलाऊजी'।
कुलकुल (قلقل) फा स्त्री—सुराही से शराव के निकलने की आवाज, व्यर्थ की वातचीत, "हँसी के साथ याँ रोना है मिस्ले कुलकुले-मीना"—ज़ौक।
कुलल (قلل) अ पु—'कुल्ल' का वहु, पहाडो की चोटियाँ।
कुलह (كلہ) फा स्त्री—'कुलाह' का लघु रूप, टोपी, शिश्न, लिग।
कुलाअ (كلاع) अ पु—मुँह आने का रोग, मुँहाँ।
कुलाऊजी (قلاعوذی) अ पु—कठमुल्ला, रोटियो पर मस्जिद मे पडा रहनेवाला मुल्ला, बहुत ही तुच्छ, नीच और गर्हित व्यक्ति।
क़ुलाक़ (قلاق) तु पु—कान, कर्ण, गोश।
कुलाग (كلاغ) फा पु—जगली कौआ, डोम काक।
कुलाव (قلاب) अ पु—दे 'कुल्लाव' शुद्ध वही है, परतु उर्दू मे 'कुलाव' ही वोलते हैं, किवाडो मे डालने का लोहे का हल्क, नोना खरोचने का यत्र।
कुलालः (كلالہ) फा पु—टेढे वाल, घूँघरवाले वाल, अलक, जुल्फ।
कुलाल (كلال) फा पुं—मट्टी के वरतन वनानेवाला, कुम्हार, कुभकार।
कुलाह (كلاہ) फा पु—टोपी, ताज, मुकुट।
कुली (قلی) तु पु—सेवक, दास, नौकर, स्टेशनो पर सामान ढोनेवाला व्यक्ति।
कुलीच (كلیچہ) फा पु—खमीरी टिकिया।
कुलूच (كلىچہ) फा पु—वह कुलीच जिसमे हलवा, खोया और मग्ज़ वादाम आदि भरकर घी मे पकाते हैं, पिराक, गुझिया।
कुलूख (كلوخ) फा पु—ढेला, मट्टी का टुकडा, ईंट या पत्थर का टुकडा।
कुलूखअदाज (كلوخ‌انداز) फा वि—ढेला मारनेवाला, दुर्ग में वनी हुई दराजे जिनमे से वदूक चलायी जाती है, गोफन, फला खन।
कुलूखअदाजी (كلوخ‌اندازی) फा स्त्री—ढेले मारना, किले के सूराखो से वदूक चलाना, गोफन से पत्थर फेंकना।
कुलूव (قلوب) अ पु—'कल्व' का वहु, मनुष्यो के हृदय।
कुलूम (كلوم) अ पु—'कल्म' का वहु, वहुत-से घाव, वहुत-से जख्म।

कुलो (کلو) फा वि –महान् व्यक्ति, वडा आदमी; रईस, धनवान्, महल्ले या गाँव का मुखिया।
क़ुल्कतार (قلقطار) फा पु –फिटकरी, एक ओषधि।
क़ुल्क़ास (قلقاس) फा पु –घुइयाँ, अरुई, अर्वी।
कुल्चः (کلچہ) फा पु –दे 'कुलीच'।
कुल्चाक़ (قلچاق) तु पु –लोहे का दस्ताना।
कुल्ज़ुम (قلزم) अ पु –नदी, दर्या, समुद्र, सागर।
कुल्त (قلت) फा स्त्री –मोठ, एक अन्न।
कुल्फ़ (قلفہ) अ पु –खतना न किये हुए शिश्न का अग्र-भाग, लिगाग्र।
कुल्फ़त (کلفت) अ स्त्री –कष्ट, दुःख, तकलीफ, रंज, क्षोभ, गम।
क़ुल्ब (قلبہ) फा पु –हल, लागल, खेत जोतने का यंत्र।
कुल्बः (کلبہ) फा पु –छोटा-सा घर, झोपडा, दुकान का कोना,
क़ुल्बःराँ (قلبہراں) फा वि –हल चलानेवाला, किसान, खेतिहर, कृपक।
कुल्बःरानी (قلبہرانی) फा स्त्री –हल चलाना, किसानी, कृपिकर्म।
कुल्बए अह्ज़ाँ (کلبۂ احزاں) फा अ पु –शोकगृह, गम का घर, दुखियो के रहने का घर, प्रेमी का घर।
कुल्माश (قلماش) फा पु –अनर्गल, व्यर्थ, वेहूदा।
कुल्यः (کلیہ) अ पु –शरीर का एक अग विशेप, गुर्दा।
कुल्यतैन (کلیتین) अ पु –दोनो गुर्दे।
क़ुल्लः (قلہ) अ पु –पहाड की चोटी, शृग, हर चीज़ की चोटी, वडा घडा जिसमे छ सौ रतल (७½ मन) पानी आता है, मौन, डहर, तलवार की मूठ, कब्जा।
कुल्लए कोह (قلۂ کوہ) अ फा पु –पहाड की चोटी।
कुल्लक्ची (قلقچی) तु पु –वह व्यक्ति जो नौकर तो हो, परन्तु राज्य का नौकर न हो, अधिकारी का निजी नौकर।
क़ुल्लतैन (قلتین) दो घडे पानी अर्थात् १५ मन पानी।
क़ुल्लाज (قلاج) तु पु –किसी चीज का वलपूर्वक खीचना, जैसे–धनुप का, दोनो फैले हुए हाथो की लम्वाई।
क़ुल्लाबः (قلابہ) अ पु –दे 'कुलाव', उर्दू मे वही प्रचलित है, परन्तु शुद्ध 'कुल्लाव' है, कुलाव भी प्रचलित।
क़ुल्लाब (قلاب) अ पु –लोहे का टेढा काँटा जिसमें कोई चीज लटकाई जा सके।
कुल्लिय (کلیہ) अ पु –ऐसा नियम जो एक जैसे विपय मे सव पर लागू हो सके, व्यापक नियम।
कुल्लियात (کلیات) अ पु –'कुल्लिय' का वहु, वहुत से व्यापक नियम, किसी शायर की तमाम रचनाओं का सग्रह, जिसमे गजले, मस्नवियाँ, क़त्आत, मुसद्दस, मुखम्मस, नज़्मे आदि सभी चीज़े होती है, 'दीवान' मे केवल गज़ले होती है।
कुल्ली (کلی) अ वि –कुल से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु; पूरी तौर पर, समग्र, समस्त, सब।
कुल्लूब (کلوب) अ पु –लोहारो की सँडसी।
क़ुवा (قویٰ) अ पु –'क़ुव्वत' का वहु, शक्तियाँ, ज़ोर, वल, इद्रियाँ, हवास।
क़ुवाए नफ़्सानी (قوائے نفسانی) अ पु –दृष्टि, घ्राण, श्रवण, स्पर्श, स्मरण, स्वाद और विचार आदि की शक्तियाँ।
क़ुवाए शह्वानी (قوائے شہوانی) अ पु –जननेंद्रिय।
क़ुवाए हैवानी (قوائے حیوانی) अ पु –जीवन-रक्षा करनेवाली शक्तियाँ जो हृदय की गति को सतुलित अवस्था मे रखकर, शरीर की धातुओ को दूषित होने से वचाती और शारीरिक शक्ति को वढाती है।
क़ुवारः (قوارہ) अ पु –कतरन, टुकडा, किसी वस्तु के चारो ओर से कटी हुई वस्तु।
क़ुव्वः (قوہ) अ पु –दे 'क़ुव्वत'।
कुव्व (کوہ) अ पु –दीवार का छेद, ताक़, ताखा; दरीचा।
क़ुव्वत (قوت) अ स्त्री –शक्ति, वल, ज़ोर; सामर्थ्य, ताकत, मक्दिरत, इद्रिय, हिस।
क़ुव्वते आज़्मा (قوت آزما) अ फा वि –वल दिखानेवाला, किसी कार्य मे वल लगानेवाला।
क़ुव्वते आज़्माई (قوت آزمائی) अ फा स्त्री –किसी कार्य मे वल लगाना, वल दिखाना, वल-प्रदर्शन।
क़ुव्वतबख़्श (قوت بخش) अ फा वि –ताकत देनेवाला, ताकत वढानेवाला, वलदायक, वलवर्द्धक।
क़ुव्वते आख़िज़ः (قوت آخذہ) अ स्त्री –लेने की क़ुव्वत, ग्रहण-शक्ति।
क़ुव्वते इरादी (قوت ارادی) अ स्त्री –इरादे की क़ुव्वत, सकल्प-शक्ति।
क़ुव्वते ईजाद (قوت ایجاد) अ स्त्री –नयी वात पैदा करने की शक्ति, आविष्कार-शक्ति, उद्भावना, कल्पशक्ति।
क़ुव्वते कशिश (قوت کشش) अ फा स्त्री –खीचने की क़ुव्वत, आकर्पण-शक्ति।
क़ुव्वते गोयाई (قوت گویائی) अ फा स्त्री –दे 'क़ुव्वते नातिक़'।
क़ुव्वते ज़ाइक़ (قوت ذائقہ) अ स्त्री –चखने की क़ुव्वत, स्वादेंद्रिय।
क़ुव्वते जाज़िब (قوت جاذبہ) अ स्त्री –जज़्व करने या अपनी ओर खीचने की क़ुव्वत, आकर्पण-शक्ति।

क़ुव्वते दाफ़िअः (قوت دافعه) अ स्त्री –हटाने की कुव्वत, निवारण-शक्ति, उत्क्षेपक-शक्ति।

क़ुव्वते नातिक़ः (قوت ناطقه) अ स्त्री –बोलने की कुव्वत, वाणी, वाक्‌शक्ति, वाचन-शक्ति, वाक्य-शक्ति।

क़ुव्वते नामिय (قوت نامیه) अ स्त्री –बढानेवाली शक्ति, विकास-शक्ति।

क़ुव्वते फ़िक्र (قوت فکر) अ स्त्री –विचार करने की शक्ति, विचार-शक्ति।

क़ुव्वते फ़ैसल (قوت فیصله) अ स्त्री –दो बातो मे अच्छा बुरा सोचकर अच्छी बात ग्रहण करने की शक्ति, अच्छे-बुरे मे तमीज़ करने की कुव्वत, विवेचन-शक्ति, निर्णय-शक्ति।

क़ुव्वते बरदाश्त (قوت برداشت) अ फा स्त्री –कष्ट या कडवी बात सहने की शक्ति, सँभार, सहनशीलता, सहन-शक्ति।

क़ुव्वते बर्क़ी (قوت برقی) अ स्त्री –बिजली की शक्ति, विद्युत्-शक्ति।

कुव्वते बाज़ू (قوت بازو) अ फा स्त्री –अपनी निजी मेहनत, निजी परिश्रम, बाहुबल।

कुव्वते बासिरः (قوت باصره) अ स्त्री –देखने की शक्ति, नेत्रशक्ति, दृष्टिशक्ति।

कुव्वते बाह (قوت باه) अ स्त्री –स्त्री-प्रसग की कुव्वत, रति-शक्ति, काम-शक्ति।

क़ुव्वते मर्दानगी (قوت مردانگی) अ फा स्त्री –दे 'कुव्वते बाह'।

क़ुव्वते मासिक (قوت ماسکه) अ स्त्री –सुरक्षा करनेवाली शक्ति।

क़ुव्वते मुतख़ैयिल (قوت متخیله) अ स्त्री –ख्याल करने की कुव्वत, विचार-शक्ति, कल्पना-शक्ति।

क़ुव्वते मुमैयिज़ (قوت ممیزه) अ स्त्री –दो चीज़ो मे भेद करने की शक्ति, विवेचन-शक्ति।

कुव्वते मुतसर्रिफ़ (قوت متصرفه) अ स्त्री –किफायतशारी की ताकत, मितव्यय की शक्ति, अधिकार करने की शक्ति।

कुव्वते मुद्रिक (قوت مدرکه) अ स्त्री –दे 'कुव्वते मुफ़क्किर'।

कुव्वते मुफ़क्किर (قوت مفکره) अ स्त्री –विचार करने की शक्ति, विचार-शक्ति।

कुव्वते मुशाहद (قوت مشاهده) अ स्त्री –दे 'कुव्वते बासिर'।

क़ुव्वते रुहानी (قوت روحانی) अ स्त्री –आत्मा की शक्ति, आत्मबल, मनोबल, आत्मशक्ति।

क़ुव्वते लामिस (قوت لامسه) अ स्त्री –छूने की शक्ति, स्पर्श-शक्ति।

कुव्वते वाहिम (قوت واهمه) अ स्त्री –भ्रम मे डालनेवाली शक्ति, कल्पना-शक्ति।

कुव्वते शाम्म (قوت شامه) अ स्त्री –सूंघने की शक्ति, घ्राणशक्ति।

कुव्वते सामिअ (قوت سامعه) अ स्त्री –सुनने की कुव्वत, श्रवण-शक्ति।

कुव्वते हाज़िम (قوت هاضمه) अ स्त्री –हज़म करने की शक्ति, पाचन-शक्ति।

कुव्वते हाफ़िज़ (قوت حافظه) अ स्त्री –याद रखने की शक्ति, स्मरण-शक्ति।

कुव्वते हास्स (قوت حاسه) अ स्त्री –दरयाफ्त करने की शक्ति, जैसे–श्रवण-शक्ति, स्पर्श-शक्ति आदि।

कुश (کش) फा प्रत्य –मार डालनेवाला, जैसे–'जरासीम कुश' कीडो को मार डालनेवाला।

कुश (قوش) तु पु –बाज, श्येन पक्षी।

कुशक (کوشک) फा पु –दे शु उच्चारण 'कुश्क' और 'कोशक'।

कुशा (کشا) फा प्रत्य –खोलनेवाला, जैसे–'कब्ज़कुशा' कब्ज को खोलनेवाला।

कुशाइश (کشائش) फा स्त्री –विस्तार, 'कुशादगी', वृद्धि, बढती।

कुशाद (کشاده) फा वि –चौडा चकला, फैला हुआ, विस्तृत, वसीअ।

कुशाद अब्रू (کشاده ابرو) फा वि –जिसकी दोनो भौहो के बीच काफी अन्तर हो।

कुशाद कफ़ (کشاده کف) फा वि –जिसके हाथ देने के लिए खुले रहते हो, दानशील, वदान्य, मुक्तहस्त।

कुशाद जबीं (کشاده جبیں) फा वि –हँसमुख, खुश-मिजाज।

कुशाद दस्त (کشاده دست) फा वि –दे 'कुशाद कफ़'।

कुशाद दिल (کشاده دل) फा वि –उदारचित्त, उदार-हृदय, मुक्त हृदय, फ़राख़दिल।

कुशाद नफ़स (کشاده نفس) फा अ वि –वाचाल, मुखर, बातूनी, बकवासी।

कुशाद पेशानी (کشاده پیشانی) फा वि –दे 'कुशाद जबीं'।

कुशाद रु (کشاده رو) फा वि –जिसका मुँह प्रसन्नता के कारण खिला हुआ हो, प्रफुल्लवदन।

कुशाद (کشاد) फा स्त्री –हर्ष, खुशी, प्राप्ति, लाभ, नफा, विजय, फ़तह, उद्घाटन, खुलना।

कुशादगी (کشادگی) फा स्त्री—विस्तार, फैलाव, गुंजाइश, समाई, खुलापन, प्रसन्नता, उदारता।

कुशादनी (کشادنی) फा वि—खुलने योग्य।

कुशादे कार (کشادکار) फा स्त्री—सफलता, कामयाबी, इच्छापूर्ति, मक्सद बरारी।

क़ुशा'रीरः (قشعریرہ) अ पु—शरीर के रोंगटे खडे हो जाना।

कुशिंद: (کشندہ) फा वि—मारनेवाला, वध करनेवाला।

क़ुशुन (قوشون) तु पु—सेना, फौज, लश्कर, दे 'कुशून'।

कुशूद: (کشودہ) फा वि—खुला हुआ, खोला हुआ।

कुशूद (کشود) फा स्त्री—खुलाव, खुलापन।

कुशूदे कार (کشودکار) फा स्त्री—दे 'कुशादे कार'।

क़ुशून (قوشون) तु पु—दे 'कुशुन', शुद्ध वही है, परन्तु कुशून भी बोला और लिखा जाता है।

क़ुशूर (قشور) अ पु—'कश्र' का बहु, छिलके, छाले।

कुशूस (کشوث) अ पु—एक मशहूर दाने जो दवा के काम आते हैं, तुख्मे कशूस।

कुश्क (کشک) फा पु—प्रासाद, भवन, महल, दे 'कोशक'।

कुश्तः (کشتہ) फा वि—मारा हुआ, वध किया हुआ, (पु) भस्म, फूँकी हुई धातु, आशिक, प्रेमी।

कुश्त (کشت) फा पु—मार-धाड, इस शब्द का प्रयोग खून के साथ होता है और 'कुश्तो खून' बोलते हैं।

कुश्तए इश्क (کشتۂ عشق) फा अ वि—प्रेमाग्नि में भस्म किया हुआ, इश्क का मारा हुआ, अर्थात् प्रेमी, आशिक।

कुश्तए गम (کشتہ غم) फा अ वि—दे 'कुश्तए इश्क'।

कुश्तए नाज (کشتۂ ناز) फा वि—प्रेमिका की अदाओं का मारा हुआ, प्रेमी, आशिक।

कुश्तए हिज्र (کشتۂ ھجر) फा अ वि—प्रेयसी की विरहाग्नि में जला हुआ, फिराक का मारा हुआ, विरह-विदग्ध।

कुश्ती (کشتی) फा स्त्री—दो पहलवानों का परस्पर बाहु-युद्ध, नियुद्ध, मल्लयुद्ध, व्यायाम-युद्ध, बाहुयुद्ध।

कुश्तीगीर (کشتی گیر) फा वि—कुश्ती लडनेवाला, पहलवान, मल्ल, नियोद्धा।

कुश्तीबाज (کشتی باز) फा वि—दे 'कुश्ती गीर'।

कुश्तोखून (کشت وخون) फा पु—मारकाट, कटाघनी, रक्तपात, खूँरेज़ी।

कुश्नीज (کشنیزہ) फा पु—अंगूर के फल जो प्रारम्भ में धनिए के बराबर होते हैं।

कुश्नीज (کشنیز) फा पु—धनियाँ, धान्यक, मसाले की एक वस्तु।

कुस (کس) फा स्त्री—भग, योनि, फुर्ज।

कुसूफ (کسوف) अ पु—सूर्यग्रहण, सूरज गहन।

कुसूर (قصور) अ पु—'कस्र' का बहु, बहुत से भवन, हवेलियाँ, दोष, अपराध, जुर्म, त्रुटि, गलती; न्यूनता, कमी।

कुसूर (کسور) अ स्त्री—'कस्र' का बहु, भिन्न सख्याएँ।

कुसूरवार (قصوروار) अ फा वि—अपराधी, दोषी, मुल्जिम।

कुसूरे आ'शारियः (کسور اعشاریہ) अ स्त्री—दशमलव भिन्न, कुसूर या कसर=भिन्न, आशारिया=दशमलव।

कुस्त (قسط) अ स्त्री—एक वनौषधि, कूट।

कुस्तनतीनिय (قسطنطنیہ) अ पु—यूरोपीय टर्की की राजधानी, इस्तम्बोल।

कुस्ता (قسطا) फा पु—पारसियों का एक धार्मिक ग्रथ।

कुह (کہ) फा पु—'कोह' का लघु, पहाड, पर्वत (यौगिक शब्दों में प्रयुक्त होता है, जैसे—'कुहसार')।

कुहन (کہن) फा वि—पुरातन, पुराना।

कुह नसाल (کہن سال) फा वि—वयोवृद्ध, बूढा।

कुहाब (قحاب) अ पु—खाँसी।

कुहूलत (کہولت) अ स्त्री—अधेड आयु का होना, काले और सफेद बालोंवाला होना।

कुहन (کہنہ) फा वि—पुराना, पुरातन, कदीमी, हमेशा का, बहुत दिनों का।

कुहन मश्क (کہنہ مشق) फा अ वि—जिसे किसी काम का पुराना अभ्यास हो, चिराभ्यस्त।

कुहन मश्की (کہنہ مشقی) फा अ स्त्री—किसी काम का पुराना अभ्यास, चिराभ्यास।

कुहन सोल (کہنہسال) फा वि—बूढा, जरठ, वयोवृद्ध।

कुहन'साली (کہنہسالی) फा स्त्री—बुढापा, जरा, वद्धावस्था।

कुहनगी (کہنگی) फा स्त्री—पुरानापन, प्राचीनता, जीर्णता, फटा पुरानापन, बहुत दिनों का हो जाना।

कुहब (قحبہ) अ स्त्री—व्यभिचारिणी, परपुरुषगामिनी, फाहिश, गणिका, बारमुखी, वेश्या, रडी।

कुहब खान. (قحبہ خانہ) अ फा पु—चकला, वेश्यालय, रडियों का महल्ला।

कुहाम (کہرام) अ पु—हाहाकार, वावैला, शोरोगुल।

कुह्ल (کحل) अ पु—सुरमा, रसाजन।

कुह्ली (کحلی) अ वि—सुर्मे के रंग का, सुरमई, एक काला वस्त्र जो ईरानी स्त्रियाँ पहनती हैं।

कुहलुल जवाहिर (کحل الجواھر) अ पु—ऐसा सुरमा जिसमें मोती आदि बहुमूल्य रत्न पडे हों।

कुहलुलबसर (کحل البصر) अ पु—नेत्र-ज्योति बढानेवाला सुरमा।

कुहसार (کهسار) फा पु —दे 'कोहसार', पर्वत-श्रेणियाँ, उपत्यका, पहाड़ियो का अचल।

कू

कूँ (کوں) फा स्त्री —'कून' का लघु, दे 'कून'।

कू (کو) फा. अव्य —कि वह।

कू (کو) फा पु —कूच. का लघु, दे 'कूच'।

कूए ख़राबात (کوے خرابات) फा पु —दे —'कूए मुग़ाँ'।

कूए मुग़ाँ (کوے مغاں) फा पु —मधुशाला की गली, शराबख़ाने का कूचा।

कूक (کوک) फा स्त्री —ज़ोर की आवाज़, काहू का बीज।

कूकू (کوکو) फा स्त्री —फ़ाख़्ता की बोली, (पु) एक प्रकार का पुलाव।

कूख़ (کوخ) अ पु —फूस की झोपडी जिसमे रौशनदान न हो।

कूचः (کوچہ) फा पु —दो घरो के बीच वाली तग गली, वीथी, गली।

कूचःगर्द (کوچہ‌گرد) फा वि —गलियो के चक्कर काटनेवाला, गलियो मे मारा-मारा फिरनेवाला।

कूचःगर्दी (کوچہ‌گردی) फा स्त्री —गलियो में मारा-मारा फिरना, आवारागर्दी।

कूचः दर कूचः (کوچہ در کوچہ) फा वि दे —'कूच बकूच'।

कूचःबंद (کوچہ‌بند) फा वि —ऐसी गली जिसमे रक्षार्थ फाटक आदि लगा हो, जो सकट के समय बन्द किया जा सके।

कूचःबदी (کوچہ‌بندی) फा स्त्री —गली मे हिफाजत के लिए फाटक आदि लगाना, जिससे समय पर गली की रक्षा हो सके।

कूचः बकूचः (کوچہ بکوچہ) फा वि —गली-गली, कूचे-कूचे, घर-घर, हर स्थान पर।

कूच (کوچ) फा पु —प्रस्थान, रवानगी, मरण, मौत, सेना का प्रस्थान।

कूच (قوچ) तु पु —मेंढा, नर भेड, दे 'क़ूच', दो शु हे।

कूचए इश्क़ (کوچۂ عشق) फा अ पु —प्रेम की गली।

कूचए ख़मोशाँ (کوچۂ خموشاں) फा पु —कब्रिस्तान, श्मशान।

कूचए नौ (کوچۂ نو) फा पु —चकला, वेश्यालय, रडियो का स्थान।

कूज़ः (کوزہ) फा पु —मट्टी का सकोरा, मृत्कस, कुब्ज, कुवडा।

कूज़ःक़िमार (کوزہ قمار) फा अ वि —जुआरियो को उधार देकर जुआ खिलानेवाला।

कूज़ःगर (کوزہ‌گر) फा वि —मिट्टी के सकोरे बनानेवाला, कसकार, कसगर।

कूज़ःगरी (کوزہ‌گری) फा स्त्री —मिट्टी के सकोरे बनाने का काम, कसकर्म, कसगरी।

कूज़पुश्त (کوزپشت) फा वि —कुवडा, कुब्ज।

कूज़पुश्ती (کوزپشتی) फा स्त्री —कुवडापन।

कूज़ःफ़रोश (کوزہ‌فروش) फा वि —मिट्टी के सकोरे बेचनेवाला।

कूज़ (کوز) फा वि —कुवडा, कुब्ज।

कूज़ (کوز) अ पु —कूज़ा, सकोरा।

क़ूत (قوت) अ स्त्री —भोजन, खाना, ग़िज़ा।

क़ूतबसरी (قوت بسری) अ फा स्त्री —गुज़र भर आमदनी, इतनी आमदनी जो केवल खाने भर को काफी हो सके, जीवन व्यतीत करने मे केवल भोजनमात्र की सुविधा।

क़ूते ला यमूत (قوت لایموت) अ स्त्री —इतना भोजन जिससे जीवन बना रहे, बहुत थोडा भोजन।

कूद (کود) फा पु —अन्न की राशि, अनाज का ढेर, समाहार, मजमूआ।

कून (کون) फा स्त्री —मलद्वार, गुदा, मनुष्य के पाख़ान का मुक़ाम।

कूनस्तः (کونستہ) फा पु —मनुष्य का चूतड, नितंब, कून, गुदा।

कूने ख़र (کون خر) फा स्त्री —गधे का मलद्वार, अत्यन्त मूर्ख और निकम्मे व्यक्ति के लिए बोला जाता है।

कूफ़ः (کوفہ) अ पु —ईराक का एक नगर।

कूफ़ (کوف) फा पु —उल्लू, उलूक, वायसाराति, बूम, घुग्द।

कूफ़ी (کوفی) अ वि —कूफ़े का निवासी, बहुत ही निर्दय और बेईमान व्यक्ति, क्योकि कूफ़ियो ने हज़रत इमाम हुसैन को बडे-बडे वचन देकर बुलाया था और फिर उन्हें अकेला छोडकर क़त्ल होने दिया था।

कूब्कू (کوبکو) फा वि —दे 'कूच बकूच', गली दर गली।

क़ूबा (قوبا) अ स्त्री —एक रोग, दाद, दद्रु।

कूरः (کورہ) फा पु —ईंटे पकाने का पजावा, चूना पकाने का भट्ठा।

क़ूरुत (قورت) तु पु —दही, दधि।

क़ूलंज (قولنج) अ पु —दे 'क़ूलिंज', दो शु हे, परन्तु 'क़ूलिंज' अधिक प्रचलित है।

क़ूलिंज (قولنج) अ पु —आँतो की एक पीडा जो कभी-कभी घातक सिद्ध होती है।

क़ूश (قوش) तु पु —बाज पक्षी, श्येन।

कूस (كوس) फा पु –डंका, धौंसा, दुंदुभि, नक्कार ।
कूसे रहील (كوس رحيل) फा अ पु –कूच का नक्कारः, काफिले के चलते समय बजनेवाला धौंसा ।
कूसे रेहलत (كوس رحلت) फा अ. पु दे –'कूसे रहील', प्रस्थान-वाद्य ।

के

केद (كيد) फा पु –एक अशुभ तारा, केतु ।
केर (كير) फा पु –शिश्न, मेहन, लिंग, उज़्वे तनासुल ।
केश (كيش) फा पु –धर्म, पथ, मज़्हब, आचरण, व्यवहार, अमल, तर्कश, तूणीर ।
केहाँ (كيهاں) फा पु –संसार, जगत्, दुनिया, काल, समय, ज़माना ।
क़ेह्फ़ (قحف) अ स्त्री –खोपड़ी, कपाल ।

कै

क़ै (قے) अ स्त्री –वमन, उद्गार, उलटी ।
कै (كے) फा पु –सम्राट्, शाहशाह, ईरान में चार सम्राट् हुए हैं–कैकाऊस, कैकुबाद, कैखुस्रौ, कैलोह्रास्प ।
कै (كے) अ पु –गर्म लोहे का दाग, अंग को दागकर रोग की चिकित्सा ।
कैक (كيك) फा पु –काटनेवाला एक लाल कीड़ा ।
कैकाऊस (كيكاؤس) फा पु –ईरान का एक सम्राट्, काऊस ।
कैखुस्रौ (كيخسرو) फा पु –ईरान का एक सम्राट् ।
क़ैंची (قينچى) तु स्त्री –कतरनी, कपड़ा आदि काटने का यंत्र, कर्तरी, कर्तनी ।
क़ैतून (قيطون) तु स्त्री –रेशम की गोट जो दामनों और गलों पर लगती है ।
क़ैद (قيد) अ स्त्री –गिरफ्तारी, उपग्रह, कारावास, जेल की सज़ा ।
कैद (كيد) अ स्त्री –छल, कपट, धोखा, फिरेब ।
क़ैदक (قيدك) अ फा स्त्री –नत्थी, फाइल ।
क़ैदख़ानः (قيدخانه) अ फा पु –कारागार, कारागृह, जेल, ज़िंदाँ ।
क़ैदी (قيدى) अ वि –कारावासी, जेल में क़ैद के दिन काटनेवाला, आबद्ध, गिरिफ्तार ।
क़ैदे तन्हाई (قيد تنهائى) अ फा स्त्री –ऐसी क़ैद जिसमें क़ैदी को अलग कोठरी में बंद कर दिया जाता है, वहीं उसमें मशक़्क़त ली जाती है और वहीं खाना आदि दिया जाता है ।
क़ैदे फिरंग (قيد فرنگ) अ फा स्त्री –अंग्रेज़ी क़ैद, जिसकी प्रचंडता और निर्दयता प्रसिद्ध है ।
क़ैदे बामशक़्क़त (قيد بامشقت) अ फा स्त्री –ऐसी क़ैद जिसमें मेहनत ली जाय, कठोर कारावास, असाधारण कारावास ।
क़ैदे बिला मशक़्क़त (قيد بلامشقت) अ स्त्री –जिस क़ैद में मेनहत न करना पड़े, साधारण कारावास, सामान्य कारावास ।
क़ैदे महज़ (قيد محض) अ स्त्री –साधारण कारावास, क़ैदे बिला मशक़्क़त ।
क़ैदे शदीद (قيد شديد) अ स्त्री –दे 'क़ैदे सख़्त' ।
क़ैदे सख़्त (قيد سخت) अ फा स्त्री –कठोर कारावास, असाधारण करावास, क़ैदे बा मशक़्क़त ।
क़ैन (قين) अ पु –लोहार, लोहकार ।
कैनूनत (كينونت) अ स्त्री –उत्पत्ति, पैदाइश, सृष्टि, आफ़ीनिश, होना ।
कैफ़ (كيف) अ पु –मद, नशा, आनंद, सुरूर, वज्द, हाल, "रफ़्ता रफ़्ता ये हुआ कैफ़े तसव्वुर का असर, दिल के आईन में तस्वीर उतर आयी है ।"
कैफ़दान (كيفدان) अ फा पु –नशे की वस्तु रखने की डिबिया ।
कैफ़र (كيفر) फा पु –बुराई का बदला, प्रत्यपकार ।
कैफ़रे कर्दार (كيفر كردار) फा पु –करनी की सज़ा, बुरे कर्मों का बदला, कर्म-दण्ड ।
कैफ़ी (كيفى) अ वि मत्त, मदोन्मत्त, मख़्मूर ।
कैफ़ीयत (كيفيت) अ स्त्री –समाचार, हाल, दशा, हालत; हर्ष, आनन्द, सुरूर, मस्ती, नशा, रिमार्क, नोट, वज्द, हाल, "कैफ़ीयते-चश्म उसकी मुझे याद है 'सौदा' ।"
क़ैमाक़ (قيماق) तु स्त्री –मलाई, बालाई, क्षीरसार ।
क़ैमाज़ (قيماز) फा स्त्री –दासी, सेविका, कनीज़ ।
कैमूस (كيموس) अ पु –खाये हुए अन्न का वह रस जो जिगर के दूसरे पाक में बनता है ।
कैयाद (كياد) अ वि –बहुत बड़ा छली, बहुत बड़ा धूर्त, बहुत बड़ा फरेबी ।
कैयादी (كيادى) अ स्त्री –छल करना, छल, दगाबाज़ी, कपट ।
कैयाल (كيال) अ वि –नापनेवाला, पैमानों से अनाज आदि नापनेवाला ।
क़ैयूम (قيوم) अ वि –अनश्वर, नित्य, लाज़वाल, ईश्वर का एक नाम ।
क़ैयूर (قيور) अ वि –जिसके कुल का पता न हो, अज्ञातवंश, वर्णसंकर ।
क़ैरूती (قيروطى) अ स्त्री –मोम रौग़न की भाँति, सीने आदि पर मलने की एक दवा ।

क़ैल' (کیلہ) अ पु –दे 'क़ैल'।
क़ैल (کیل) अ पु –सूखी वस्तु नापने का पैमाना।
क़ैलूलः (قیلولہ) अ पु –दोपहर मे खाना खाकर थोडी देर आराम करना।
क़ैलूस (کیلوس) अ पु –खाये हुए अन्न का पहला हज़्म जो आमाशय में होता है।
कैलोहास्प (کےلہراسپ) फा पु –ईरान के चार सम्राटो में से चौथा।
कैवाँ (کیواں) फा पु –'कैवान' का लघु दे 'कैवान'।
कैवान (کیوان) फा पु –शनिग्रह, जुहल, सातवाँ आकाश।
क़ैस (قیس) अ पु –अरब का एक प्रेमी जो लैला पर मुग्ध था। लोग उसे 'मजनूँ' कहते थे।
क़ैस (قیص) अ पु –दाँतो का जड से निकल जाना, पेट की गति।
क़ैसर (قیصر) अ पु –रूम के शासको की पदवी, बादशाह, राजा।
क़ैसरी (قیصری) अ वि –बादशाही, राज्य।
क़ैसूर (قیصور) अ पु –एक नगर जहाँ का कपूर प्रसिद्ध है।
क़ैह (قیح) अ पु –घाव की पीप अथवा कचलोहू।
कैहाँ (کیہاں) फा पु –ससार, दुनिया, काल, समय, ज़माना।

को

को (کو) फा अव्य –कि वह।
कोक (کوکہ) तु पु –वह लडका जिसने किसी दूसरे लडके के साथ एक माँ का दूध पिया हो।
कोक (کوک) फा स्त्री –बाजे के तार ठीक करना, बाजे की आवाज मे आवाज़ मिलना, खाँसी, कास।
कोकनार (کوکنار) फा पु –पोस्त, पोस्ता, पोस्ते की बोडी जिसमे दाने हो।
कोकलताश (کوکلتاش) तु पु –वह लडका जिसने किसी दाई के लड़के के साथ दूध पिया हो।
कोज़ (کوج) फा पु –ऐसा झोपडा जिसमे रौशनदान न हो, एक घास जिससे चटाई बनाते हैं, कीट, कीडा।
कोचक (کوچک) फा वि –छोटा, लघु।
कोचकदिल (کوچک دل) फा वि –थुडदिला, अनुदार, लघुचेता, तगनज़र, मृदुलहृदय, नर्मदिल।
कोचकदिली (کوچک دلی) फा स्त्री –दिल का छोटा होना, तगनज़री, दिल का नर्म होना।
कोचकी (کوچکی) फा स्त्री –छुटाई, लघुता।
कोज़ः (کوزہ) फा पु –एक फूल, जो नली-जैसा होता है।
कोज़ (کوز) अ वि –टेढापन, वक्रता, कुबडा, कुब्ज।
कोज़पुश्त (کوزپشت) फा वि –कुबडा, कुब्ज।
कोतल (کوتل) तु पु –दे शुद्ध उच्चारण 'कुतल', परन्तु उर्दू-वाले कोतल भी लिखते हैं, खास सवारी का घोडा।
कोतह (کوتہ) फा वि –'कोताह' का लघु दे 'कोताह'।
कोतहअदेश (کوتہ اندیش) फा वि –लघुचेता, अदूरदर्शी, नाअदेश, मूर्ख, बेवकूफ।
कोतहअदेशी (کوتہ اندیشی) फा स्त्री –अदूरदर्शिता, ना-अदेशी, मूर्खता, जहालत।
कोतहनज़र (کوتہ نظر) फा अ वि –नाआकिबत अदेश, अदूरदर्शी।
कोतहनज़री (کوتہ نظری) फा अ स्त्री –नाआकिबत अदेशी, अदूरदर्शिता।
कोतही (کوتہی) फा स्त्री दे –'कोताही'।
कोताह (کوتاہ) फा वि –ह्रस्व, छोटा, अल्प, थोड़ा।
कोताहअदेश (کوتاہ اندیش) फा वि –दे 'कोतहअदेश'।
कोताहअदेशी (کوتاہ اندیشی) फा स्त्री –दे 'कोतहअदेशी'।
कोताहक़द (کوتاہ قد) फा अ वि –छोटे डीलडौल का, अल्पकाय, ह्रस्वाग।
कोताहक़लम (کوتاہ قلم) फा अ वि –जो चिट्ठी-पत्री लिखने में बहुत आलसी हो।
कोताहक़लमी (کوتاہ قلمی) फा अ –चिट्ठी-पत्री लिखने मे आलस।
कोताहक़ामत (کوتاہ قامت) फा अ वि –दे 'कोताहक़द' छोटे डील-डौलवाला मनुष्य।
कोताहक़ामती (کوتاہ قامتی) फा अ स्त्री –डौल-डौल का छोटा होना।
कोताहगर्दन (کوتاہ گردن) फा वि –छोटी गर्दन का व्यक्ति, ऐसा मनुष्य चालाक होता है।
कोताहदस्त (کوتاہ دست) फा वि –जिसकी पहुँच किसी विशेष स्थान या कार्य तक न हो सके, नारसा, जिसके हाथ छोटे हो।
कोताहदस्ती (کوتاہ دستی) फा स्त्री –पहुँच न होना, हाथ की छोटाई।
कोताहदामन (کوتاہ دامن) फा वि –जिसके दामन मे गुजा-इश कम हो, कम हौसला।
कोताहदामनी (کوتاہ دامنی) फा स्त्री –दामन की छोटाई, उमग की कमी।
कोताहनज़र (کوتاہ نظر) फा वि –जो दूर तक न देख सके, जो दूर तक न सोच सके, अनुदार, तगदिल।
कोताहनज़री (کوتاہ نظری) फा अ –दूर तक न देख सकना, दूर तक न सोच सकना, अनुदारता, तगदिली।

कोताहपाचः (کوتاہ پاچہ) फा वि –दे कोताहकामत, एक जगली चौपाया।

कोताहफह्म (کوتاہ فہم) फा अ वि –जिसकी समझ भोथरी हो, मदबुद्धि।

कोताहफह्मी (کوتاہ فہمی) फा स्त्री –बात की समझ पूरी-पूरी न हो, कमसमझी, बुद्धिमाद्य।

कोताहबी (کوتاہ بیں) फा वि –दे 'कोताहनजर'।

कोताहबीनी (کوتاہ بینی) फा स्त्री –दे 'कोताहनजरी'।

कोताहहिम्मत (کوتاہ ہمت) फा अ वि –कमहिम्मत, अल्पोत्साह, मद साहस।

कोताही (کوتاہی) फा वि –लघुता, छोटाई, न्यूनता, कमी, त्रुटि, ख़ामी, भूल, गफलत।

कोद (کود) फा पु –मल, पाखाना, विष्ठा।

कोदक (کودک) फा पु –बालक, शिशु, बहुत छोटा बच्चा, बाल, किशोर, जवानी के करीब लडका।

कोदाब (کوداب) फा पु –अगूर के रस मे पकाया जानेवाला एक पेय।

कोपल (کوپلہ) फा पु –वे बुलबुले जो पानी और हरेक पतले पदार्थ मे उत्पन्न होते है।

कोफ्त (کوفتہ) फा वि –कूटा हुआ, चोट खाया हुआ, परिश्रम से थका हुआ, (पु.) वह कमाई जो भडुएपन से प्राप्त हो, कीमे की गोली, पके हुए मास का एक विशिष्ट प्रकार का सालन।

कोफ्त.बेख्त. (کوفتہ بیختہ) फा वि –कूटकर छाना हुआ, (पु) कुटी-छनी वस्तु।

कोफ्त (کوفت) फा स्त्री –मनस्ताप, दिली खलिश, दुख, कष्ट, रज, परिश्रम, प्रयास, मेहनत।

कोफ्तनी (کوفتنی) फा वि –कूटने के योग्य।

कोब (کوبہ) फा पु –मिट्टी आदि कूटने की मोगरी।

कोब.कार (کوبہ کار) फा वि –मोगरी से कूटनवाला, मार-पीट करनेवाला।

कोब कारी (کوبہ کاری) फा स्त्री –मोगरी से कुटाई, मार-पीट, मरम्मत।

कोब (کوب) फा प्रत्य –कूटनेवाला, जैसे–'पाकोब' पॉव पीटनेवाला।

कोबाँ (کوباں) फा वि –कूटता हुआ, मारता हुआ।

कोबिद (کوبدہ) फा वि –कूटनेवाला।

कोबिद (کوبیدہ) फा वि –कूटा हुआ।

कोर (کورہ) फा पु –भाग, अश, हिस्सा, ईरान देश का पाँचवाँ भाग।

कोर (قور) तु पु –अस्त्र, हथियार।

कोर (کور) फा वि –अधा, नेत्रहीन, अध, नाबीना।

कोरअक़्ल (کورعقل) फा अ वि –अक्ल का अधा, जिसकी समझ मे कुछ न आये, हतबुद्धि, अधबुद्धि, नितान्त मूर्ख।

क़ोरख़ानः (قورخانہ) तु फा पु –शस्त्रागार, हथियारघर, अस्लिह खान।

कोरचश्म (کورچشم) फा वि –नेत्रहीन, अधा।

कोरचश्मी (کورچشمی) फा स्त्री –अधापन, नेत्रहीनता।

कोरची (قورچی) तु पु –सैनिक, सिपाही, फौजी, लोहार, लोहकार, शाही दरबार का प्रबधक।

कोरदिल (کوردل) फा वि –दे कोरबातिन।

कोरदिली (کوردلی) फा स्त्री –दे 'कोरबातिनी'।

कोरदी (کوردی) फा पु –ऊन का मोटा कपडा, कम्मल, धुस्सा।

कोरदीद (کوردیدہ) फा वि –दे 'कोरचश्म'।

कोरदीदगी (کوردیدگی) फा स्त्री –दे 'कोरचश्मी'।

कोरदेह (کورده) फा पु –ऐसा गाँव जो बडी बुरी जगह बसा हो और जहाँ जरूरत की कोई वस्तु न मिले।

कोरनिश (کورنش) तु स्त्री –दे 'कुर्नुश', शुद्ध उच्चारण वही है, परन्तु उर्दू में यही अशुद्ध उच्चारण प्रचलित है, झुककर सलाम करना।

कोरबख़्त (کوربخت) फा वि –अधे भाग्यवाला, अत्यन्त दुर्भागी, हतभाग्य।

कोरबख़्ती (کوربختی) फा स्त्री –बहुत ही अभागापन।

कोरबातिन (کورباطن) फा अ वि –जिसकी आत्मा मे ज्ञान का प्रकाश न हो, अन्धात्मा, जिसमे धर्म न हो।

कोरबातिनी (کورباطنی) फा अ स्त्री –आत्मा मे ज्ञान के प्रकाश का अभाव, धर्म के प्रकाश का अभाव।

कोरबेगी (قوربیگی) तु पु –शस्त्रागार का रक्षक, अस्लिह-खाने का मुहाफिज।

कोरमग़्ज़ (کورمغز) फा अ वि –जिसकी समझ बहुत मोटी हो, कोढमग्ज, मदबुद्धि।

कोरमग्ज़ी (کورمغزی) फा अ स्त्री –समझ का अत्यन्त मोटा और भोथरापन।

कोरी (کوری) फा स्त्री –अधापन, आन्ध्य।

कोरे मादर जाद (کور مادرزاد) फा वि –जो माँ के पेट से ही अधा पैदा हुआ हो, जन्माध।

कोरे मुक़्री (کور مقری) फा अ पु –माँ के पेट से अधा, जन्माध, बच्चो को पढानेवाला, अधा हाफिज।

कोरोकर (کوروکر) फा वि –अधा और बहरा, जो न कुछ देख सके और न कुछ सुन सके।

कोल (کول) फा पु –ताल, तालाब, तडाग।

कोलाव (کولاب) फा पु —ताल, तालाव, तडाग।
कोश (کوش) फा पु —ईरानी हर महीने का चौदहवाँ दिन, दे 'गोश', दो शु हैं, (प्रत्य) कोशिश करनेवाला, जैसे 'मस्लहत कोश' हित की कोशिश करनेवाला।
कोशक (کوشک) फा पु —भवन, प्रासाद, महल, दे 'कुश्क', दोनो शुद्ध हैं।
कोशाँ (کوشاں) फा वि —कोशिश करनेवाला, प्रयत्न मे लगा हुआ, यतमान, यत्नवान्।
कोशिश (کوشش) फा स्त्री —प्रयत्न, उद्यम, प्रयास, जिद्दो-जहद, उपाय, तद्बीर, परिश्रम, मेहनत।
कोसः (کوسہ) फा पु —वह व्यक्ति जिसकी दाढी मूँछ-वयस्क होने के बहुत दिनो बाद निकले।
कोस (کوس) फा पु —नक्कार, दुदुभि, डका, धौसा।
कोस्त: (کوستہ) फा वि —कूटा हुआ।
कोस्त (کوست) फा पु —मनस्ताप, खेद, सदमा।
कोह: (کوہہ) फा पु —कोहान, ऊँट या बैल की पीठ का उभार।
कोह (کوہ) फा पु —पहाड, पर्वत, गिरि, जबल।
कोहकन (کوہکن) फा वि —पहाड काटनेवाला, पर्वतभेदी, (पु) 'शीरी' के प्रेमी 'फर्हाद' की उपाधि, जिसने शीरी की आज्ञा से पहाड काटते हुए अपने प्राण दे दिये—"कह दो यह कोहकन से कि मरना नही कमाल, मर मर के हिज्ने-यार मे जीना कमाल है।"
कोहकनी (کوہکنی) फा स्त्री —पहाड काटना, कोई बहुत कठिन काम करना।
कोहजिगर (کوہ جگر) फा वि —पहाड-जैसा अचल साहस रखनेवाला, बहुत बडा वीर, वज्र-हृदयी, वज्र-साहसी।
कोहपाय (کوہ پایہ) फा वि —पहाड-जैसी महत्ता रखने-वाला (पु) पहाड की तराई की भूमि, गिरि-सा गौरवमय।
कोहपैकर (کوہ پیکر) फा वि —पहाड-जैसा डीलडौल रखनेवाला, बहुत ही गिराडील, पर्वताकार, महाकाय, भीमकाय।
कोहपैमा (کوہ پیما) फा वि —पहाडो मे मारा-मारा फिरने-वाला, (पु) आधुनिक समय मे पहाडो की चोटियो तक पहुँचने और वहाँ का हाल जानने का प्रयत्न करनेवाला, पर्वतारोही।
कोहपैमाई (کوہ پیمائی) फा स्त्री —पहाडो मे फिरना, पहाडो की चोटियो पर चढकर वहाँ की दशा और दूसरे समाचार ज्ञात करना।
कोहवकार (کوہ وقار) फा अ वि —पर्वत-जैसा धैर्य रखनेवाला, महाधैर्य, पर्वत-जैसी प्रतिष्ठा रखनेवाला, महाप्रतिष्ठित।
कोहसार (کوہسار) फा पु —वह देश जहाँ पहाड ही पहाड हो, पहाडो का सिलसिला, पर्वतमाला, उपत्यका।
कोहान (کوہان) फा पु —ऊँट या बैल की पीठ का कूबड, ककुद।
कोहिस्तान (کوہستان) फा पु —पहाडी इलाका, पहाडी प्रदेश, पहाडी सिलसिला, पर्वतमाला।
कोहिस्तानी (کوہستانی) फा वि —पहाडी प्रदेश का निवासी, पहाडी, पहाडी इलाके से सम्बन्ध रखनेवाला।
कोही (کوہی) फा वि —पहाड से उत्पन्न, पहाड से सम्बन्धित, पहाड का।
कोहे आतशफिशाँ (کوہ آتش فشاں) फा पु —आग उगलने-वाला पहाड, ज्वालामुखी।
कोहे आदम (کوہ آدم) फा अ पु —लका के एक पहाड की चोटी।
कोहे काफ (کوہ قاف) फा अ पु —काकेशिया का पहाड जहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।
कोहे तूर (کوہ طور) फा अ पु —वह पहाड जिस पर हजरत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखा था।
कोहे नूर (کوہ نور) फा अ पु —प्रकाश का पहाड, बहुत अधिक प्रकाश, विश्व का वह सर्वश्रेष्ठ हीरा जो गोलकुडा से प्राप्त हुआ था और मुगल सम्राटो के कब्जे मे रहा, और अब ब्रिटिश सम्राट् के ताज में जडा है।
कोहे बेसुतूँ (کوہ بیستوں) फा पु —अर्मन देश का वह पहाड जिसे फर्हाद ने काटा था।
कोहे सफा (کوہ صفا) फा अ पु —मक्के की एक पहाडी, जिससे दो सौ कदम पर दूसरी पहाडी मर्व है और इन दोनो के बीच मे हाजी दौडते हैं।
कोहे सीना (کوہ سینا) फा अ पु —शाम का एक पहाड।
कोहे सैना (کوہ سینا) फा अ पु —दे 'कोहे सीना'।
कोह्न: (کہنہ) फा वि दे —'कुहन' प्राचीन, जीर्ण, पुराना।

कौ

कौंसल (قونصل) अ पु —राजदूत, सफीर।
कौंसलखान: (قونصل خانہ) अ फा पु —सफीर के रहने का स्थान, दूतावास, सिफारतखाना।
कौकब: (کوکبہ) अ पु —जनसमूह, भीड, अबोह, ठाट-बाट, शानो-शौकत, धूम-धाम, लोहे का एक चमकदार गद जो एक लबी लकडी मे जिसकी नोक टेढी होती है लटकाकर बादशाह की सवारी के आगे-आगे चलाया जाता है।
कौकब (کوکب) अ पु —बडा और तेज प्रकाश का तारा, तारा, उडु।

कौदन (کودن) अ. वि –मूर्ख, घामड, बहुत ही बेवुकूफ, लद्दू घोडा जो बहुत धीरे चलता है, कम चलनेवाला टट्टू, मठ्ठर।

कौन (کون) अ पु –ससार, जगत्, दुनिया, उत्पत्ति, सृष्टि, तक्लीफ।

कौनोमकान (کون ومکان) अ पु –ससार, जगत्, जहान।

कौनैन (کونین) अ पु –दोनो ससार, यह ससार और ऊपरी ससार अर्थात् परलोक।

कौम (قومہ) अ पु –नमाज़ मे खडे होने की अवस्था।

कौम (قوم) अ पु –जाति, वश, राष्ट्र, सल्तनत, बिरादरी, वर्ण, ब्राह्मण, क्षत्रिय या शैख, सैयिद आदि जातियाँ।

कौमी (قومی) अ वि –राष्ट्रीय, मल्की, जातीय, बिरादरी का, वर्ण-सम्बन्धी।

क़ौमीयत (قومیت) अ स्त्री –राष्ट्रीयता, नैशनलिटी, बिरादरी, वर्ण।

कौर. (کورہ) अ पु –निर्जन और वीरान स्थान।

क़ौर (قور) अ पु –पजो के बल चलना, ताकि कोई आहट न सुन सके।

कौर (کور) अ पु –वृद्धि, बढती, समृद्धि, फरागत।

क़ौल (قول) अ पु –कथन, वचन, बात, प्रवचन, मकूल, प्रतिज्ञा, इक़ार, वादा।

कौलन (قولاً) अ वि –ज़बानी, बातो से, ज़बान से, कौल से, 'फे'लन' का उलटा।

कौले सालेह (قول صالح) अ पु –सच्ची बात, ठीक बात, सच्ची राय, सही राय।

क़ौलोक़रार (قول وقرار) अ पु –आपस मे प्रतिज्ञा करना, पारस्परिक प्रतिज्ञा और वचन।

क़ौलोक़सम (قول وقسم) अ पु –परस्पर शपथ और प्रतिज्ञा, अह्दोपैमा।

कौलो फे'ल (قول وفعل) अ पु –कहना और करना, कथन और कर्म, कथनी और करनी।

क़ौस (قوس) अ स्त्री –धनुष, धनु, धन्व, कमान, धनुराशि, बुर्जे कौस।

कौसज (کوسج) अ पु –वह व्यक्ति जिसकी डाढी-मूछे बहुत समय के पश्चात् निकले, दे 'कोस'।

कौसनुमा (قوس نما) अ फा वि –कमान की शक्ल का, धनुपाकार,

कौसर (کوثر) अ पु –स्वर्ग का एक कुड या हौज।

क़ौसुन्नहार (قوس النهار) अ स्त्री –सूरज की पूर्व से पश्चिम तक की यात्रा, जो १२ घटे मे समाप्त होती है और पूरा धनुप बनाती है।

कौसुस्समा (قوس السما) अ स्त्री –आकाशमडल जो धनुष की तरह दिखाई पडता है।

क़ौसे कुज़ह (قوس قزح) अ स्त्री –इद्रधनु, धनुक।

कौसे शैतान (قوس شیطان) अ स्त्री –दे 'कौसे कुज़ह'।

क़ौसैन (قوسین) अ स्त्री –दो धनुष, दो कमाने, कोष्ठक, ब्रैकेट।

ख

ख़जर (خنجر) अ पु –छुरी, भुजाली, बडा चाकू, पेश कब्ज, क्षुरिका।

ख़जरज़न (خنجرزن) अ फा वि –खजर मारनेवाला, छुरी भोकनेवाला।

ख़ंजरज़नी (خنجرزنی) अ फा स्त्री –छुरा भोकना, खजर से घायल करना।

ख़जरबकफ (خنجر بکف) अ फा वि –हाथ मे छुरी लिए हुए, वधोद्यत।

ख़जरी (خنجری) अ स्त्री –एक प्रकार की छोटी डफली।

ख़ंदः (خندہ) फा पु –मुस्कुराहट, मुस्कान, मदहास, हँसी, जोर की हँसी, अट्टहास, कहकहा।

ख़ंदहज़न (خندہ زن) फा वि –हँसनेवाला, हँसी उडानेवाला।

ख़द:ज़नी (خندہ زنی) फा स्त्री –हँसना, मुस्कुराना, हँसी उडाना।

ख़द:दहन (خندہ دہن) फा वि –हँसमुख, जिसके मुँह पर हर समय हँसी खेलती रहती हो।

ख़ंद:पेशानी (خندہ پیشانی) फा वि –खुश अख्लाक, सुशील, जिसके चेहरे पर मुस्कुराहट रहती हो, स्मितमुख।

ख़ंद:रू (خندہ رو) फा वि –दे 'खद पेशानी'।

ख़द:रूई (خندہ روئی) फा स्त्री –चेहरे की मुस्कुराहट; सुशीलता, खुश अख्लाकी।

ख़ंद:लब (خندہ لب) फा वि –जिसके होठो पर मुस्कान रहती हो, अधर-स्मिति।

ख़ंद:लबी (خندہ لبی) फा स्त्री –होठो पर मुस्कुराहट रहना।

ख़ंदए ज़ख़्म (خندۂ زخم) फा पु –घाव का मुँह खुला होना, घाव का खुलापन।

ख़दए ज़मीं (خندۂ زمیں) फा पु –फलो और हरियालियो का भूमि से निकलना।

ख़दए जाम (خندۂ جام) फा पु –शराब उँडेलने का शब्द, शराब के प्याले की लहर।

ख़दए ज़ेरेलब (خندۂ زیرلب) फा पु –ऐसी हँसी जो होठो में ही रह जाय, मदहास, मुस्कुराहट, तबस्सुम।

खंदए दर्दां नुमा (خندهٔ دنداں نما) फा पु –ऐसी हँसी जिसमे दाँत खुल जायें, ज़ोर की हँसी।
खंदए सुब्ह (خندهٔ صبح) फा अ पु –प्रात काल की सफेदी।
खंदक़ (خندق) अ स्त्री –दुर्ग आदि के चारो ओर का गहरा गढा, खाई, गार, गर्त, गढा।
खंदरीस (خندریس) अ पु –पुरानी मदिरा, पुराना गेहूँ।
खंदां (خنداں) फा वि –हँसता हुआ।
खंस (خنث) अ पु –सुस्त होना, मद होना, दोहरा होना, झुका होना, (वि) मद, सुस्त, वक्र, टेढा।
खच्चर (خچر) तु पु –घोडे और गधे के मेल से उत्पन्न एक प्रसिद्ध पशु, अश्वतर, वेसर, गर्दभाश्व।
खज़ [**ख्ज़**] (خز) अ पु –एक रेशमी कपडा, रेशम और सूत मिला एक कपडा।
खज़ (خز) फा पु –'खज़ां' का लघु, दे 'खज़ां' (स्त्री) उच्चता, ऊँचाई, (पु) एक नगर।
खज़फ़ (خزف) अ पु –रगबिरगी खाना, सफेद मोती जो बालको के गले मे पहनाये जाते है।
खज़न (خزن) अ पु –गोश्त का सड जाना।
खज़फ़ (خزف) अ स्त्री –ठीकरा, गुट्टी, मट्टी का बरतन, सकोरा, कुल्लहड।
खज़फ़ (خذف) अ स्त्री –दे 'खज़फ़'।
खज़फ़ (خصف) अ पु –खरबूजे।
खज़फ़रेज़ (خزف ریزہ) अ फा पु –मट्टी का ठीकरा, गुट्टी।
खज़ब (خضب) अ पु –रँगना, रग करना।
खज़ब (خزب) अ पु –मूर्खता, नादानी, लबाई, दराज़ी।
खज़र (خزر) अ पु –उत्तरी तुर्किस्तान का एक प्रदेश जहाँ के निवासी बहुत ही सुन्दर होते है।
खज़ल (خجل) अ पु –दे 'खजलत'।
खजलत (خجلت) अ स्त्री –लज्जा, व्रीडा, शर्मिदगी।
खजलतज़दः (خجلت زدہ) अ फा वि –लज्जित, शर्मिदा।
खज़ां (خزاں) फा स्त्री –पतझड की ऋतु, जाडे का मौसिम, खिज़ाँ भी प्रचलित।
खज़ांआश्ना (خزاں آشنا) फा वि –वह पक्षी जिसे पतझड और ऊजड स्थान मे रहने का अभ्यास हो।
खज़ांदीद. (خزاں دیدہ) फा वि –वह पत्ता या पेड, जो पतझड का कष्ट उठा चुका हो, जो पतझड के दुख से दुखित हो।
खज़ांरसीदः (خزاں رسیدہ) फा वि –जिस पर पतझड का समय आ गया हो, जो पतझड के कारण नष्ट होनेवाला हो।
खज़ा' (خزع) अ पु –मित्रो से वचन का पालन न करना, दान करना, देना।
खज़ाइन (خزائن) अ पु –'खिज़ान' का बहु, निधियाँ, खज़ाने।
खज़ानः (خزانہ) अ पु –निधि, कोष, भडार, मख्ज़न, सरकारी खज़ाना, राजकोष, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण खिज़ान है, परतु उर्दू में खज़ान ही बोलते है।
खज़ानए आमिर. (خزانۂ عامرہ) अ पु –ऐसा खज़ाना जो भरपूर हो।
खज़ानची (خزانچی) अ फा वि –खज़ाने का हिसाब-किताब रखनेवाला, कोषाध्यक्ष।
खज़ार (خضار) अ पु –बहुत-सा पानी मिला हुआ दूध, नयी तरकारी।
खजालत (خجالت) अ स्त्री –लज्जा, व्रीडा, शर्म, पश्चात्ताप, नदामत; सकोच, पशेमानी।
खज़िम (خزم) अ वि –तेज़ तलवार, शूर व्यक्ति।
खज़िर (خضر) अ पु –हरी डाली, हरियाली, सब्ज़ी, हज़्रत खिज़्र।
खजिल (خجل) अ वि –लज्जित, शर्मिदा, पश्चात्तापी, नादिम, सकोच, पशेमानी।
खज़ी (خزی) अ वि –बदनाम, निंदित, रुस्वा।
खज़ीज़ (خضیض) अ पु –बरसात की अधिकता से भीगी हुई भूमि।
खज़ीन. (خزینہ) अ पु –दे 'खज़ान'।
खज़ीब (خضیب) अ वि –रग किया हुआ।
खज़ीर (خضیر) अ वि –उत्तम, अच्छा, रुचिकर, पसदीद।
खज़ूर (خضور) अ वि –हरा होनेवाला।
खज़ूल (خزول) अ वि –लज्जित, शर्मिदा।
खज़अ (خزعہ) अ पु –एक पाँव का लँगडापन।
खज़ख़ज़ः (خضخضہ) अ पु –हस्त-मथुन, जलक़।
खज़्न (خزن) अ पु –माल ज़मीन मे गाडना, रहस्य को छिपाना, गोश्त का सड जाना।
खज़्फ़ (خزف) –हाथ-पाँव से चलना।
खज़्फ़ (خصف) –भोजन करना, खाना खाना, जल्दी देना, दिशा, ओर, तरफ।
खज़्म (خزم) अ पु –शका करना, ऊँट, बैल आदि के नथनो मे नाथ डालना।
खज़्रज (خزرج) अ पु –अरब का एक वश।
खज़्रा (خضرا) अ पु –हरियाली, सब्ज़, हरी घास।
खज़्राए दिमन (خضرائے دمن) अ फा पु –घूर पर उगी हुई हरियाली या फूल आदि, हर चीज़ जो ऊपर से खूब सजी हुई हो, परतु भीतर से अच्छी न हो, वह स्त्री जो अकुलीना हो, परतु बहुत ही सुदर हो।
खज़्रान (خزران) अ पु –तुर्किस्तान का एक नगर।

ख़ज़्री (خزری) अ वि –'ख़ज़्रान' का निवासी, अथवा वहाँ से सम्बन्धित।

ख़जल (خجل) अ पु –लज्जा, शर्म, लाज।

ख़जलत (خجلت) अ स्त्री –लज्जा, शर्म, व्रीडा, लाज, सकोच, पशेमानी।

ख़जलतज़द (خجلت زدہ) अ फा वि –लज्जित, शर्मिदा, सकुचित, पशेमान।

ख़त [त्त] (خط) अ पु –लकीर, रेखा, पत्र, चिट्ठी, मूँछ, डाढी, लेख, तह्रीर, परवाना, राजादेश, चिह्न, निशान।

ख़तकशीद (خط کشیدہ) अ फा वि –लकीर खिचा हुआ, वह इबारत आदि जिसके नीचे ध्यान दिलाने के लिए लकीर खीची गयी हो।

ख़ततराश (خط تراش) अ फा वि –हजामत बनानेवाला, नाई, नापित।

ख़तन (ختن) अ पु –दामाद, जामाता, ससुर, श्वशुर, साला, श्यालक, हर वह पुरुष जो स्त्री का नातेदार हो।

ख़तम (ختم) अ वि –मुँह्र की हुई वस्तु, जिस चीज पर मुह्र हो, मुद्राकित।

ख़तर (خطر) अ पु –भय, त्रास, डर, शका, सदेह, शुबहा।

ख़तरनाक (خطرناک) अ फा वि –भयानक, भयकर, हौलनाक, अनिष्टकर, नुक्सानदेह।

ख़तरनाकी (خطرناکی) अ फा स्त्री –भयानकता, हौलनाकी, अनिष्ट, हानि, नुकसान।

ख़तल (خطل) अ पु –मदता, सुस्ती, हलकापन, शीघ्रता, जल्दी, आतुरता, उतावलापन, घबडाहट।

ख़ता (خطا) अ स्त्री –दोष, अपराध, पाप, गुनाह, त्रुटि, भूल।

ख़ता (ختا) फा पु –चीन का एक प्रदेश, चीन।

ख़ता (ختا) फा पु –किसी काम से रोकना, फल देना।

ख़ताकार (خطاکار) अ फा वि –दोषी, अपराधी, मुज्रिम, पापी, पातकी, गुनाहगार।

ख़ताकारी (خطاکاری) अ फा स्त्री –दोष करना, दोषी होना, पाप करना, पाप कर्म।

ख़तागर (خطاگر) अ फा वि –दे 'ख़ताकार'।

ख़तागरी (خطاگری) अ फा स्त्री –दे 'ख़ताकारी'।

ख़तापोश (خطاپوش) अ फा वि –पाप और अपराध देखते हुए उन पर पर्दा डालनेवाला।

ख़तापोशी (خطاپوشی) अ फा स्त्री –पाप और अपराध देखने हुए उन पर पर्दा डालना, उन्हे प्रकट न करना।

ख़ताफ (خطاف) अ पु –देव, राक्षस, पिशाच।

ख़ताब (خطابہ) अ पु –ख़तीवी करना, भाषण देने का काम करना।

ख़ताबख़्श (خطابخش) अ फा वि –अपराध क्षमा करनेवाला, पाप क्षमा करनेवाला, मोक्ष देनेवाला।

ख़ताबख़्शी (خطابخشی) अ फा स्त्री –अपराध क्षमा करना, पाप क्षमा करना, मोक्ष देना।

ख़ताबीं (خطابیں) अ फा वि –दोष और पापो का देखनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

ख़ताबीनी (خطابینی) अ फा स्त्री –दोष और पाप देखना।

ख़ताया (خطایا) अ पु –'ख़तीय' का बहु, बहुत से अपराध, बहुत से पाप।

ख़तावार (خطاوار) अ फा वि –अपराधी, सिद्धदोष, कुसूरवार, पापी, गुनहगार।

ख़ताशिआर (خطاشعار) अ वि –जिसका काम ही पाप करना हो, पाप करने मे धृष्ट, पापप्रवण, पापाभ्यस्त।

ख़तिल (خطل) अ वि –मूर्ख, बेवकूफ, उतावला, आतुर, जल्दबाज।

ख़तीअ (خطیعہ) अ पु –धनुष चलानेवालो की अँगूठी जो वह अँगूठे मे पहनते है।

ख़तीफ (خطیفہ) अ पु –तेज चलनेवाला ऊँट, आटे और दूध की लपसी।

ख़तीब (خطیبہ) अ स्त्री –भाषण देनेवाली स्त्री, वक्त्री।

ख़तीब (خطیب) अ वि –ख़ुत्व पढनेवाला, मस्जिद या निकाह मे ख़ुत्व पढनेवाला, भाषण देनेवाला, वक्ता, धर्मोपदेश करनेवाला, वाइज, धर्मोपदेशक।

ख़तीबान: (خطیبانہ) अ फा वि –ख़तीबो-जैसा, वाइज़ो-जैसा।

ख़तीबी (خطیبی) अ स्त्री –ख़ुत्व पढने का काम या पेशा, भाषण देने का काम।

ख़तीय (خطیہ) अ पु –पाप, अपराध, गुनाह।

ख़तीर (خطیر) अ वि –बहुत अधिक, अत्यधिक, बहुत जियादा, महान्, श्रेष्ठ, अर्जाम।

ख़ते अज़्रक (خط ازرق) अ पु –जामे जमशेद की रेखाओ मे से चौथी रेखा।

ख़ते अफ़्व (خط عفو) अ पु –मुआफीनामा, क्षमापत्र।

ख़ते अमान (خط امان) अ पु –इस बात की तह्रीर कि अमुक व्यक्ति की रक्षा की जायेगी, सरक्षणपत्र।

ख़ते अमूद (خط عمود) अ पु –वह खडी रेखा जो किसी पडी रेखा पर गिरकर ९० अश का कोण बनाये।

ख़ते आज़ादी (خط آزادی) अ फा पु –किसी को बधनमुक्त करने का लिखित प्रमाण, मुक्तिपत्र।

ख़ते इस्तिवा (خط استوا) अ पु –भूमध्य रेखा, विपुवत् रेखा, विपुव रेखा।

ख़ते ए'तिदाल (خط اعتدال) अ पु –दे 'ख़ते इस्तिवा'।

खते गुलामी (خط غلامی) अ पु—इस बात का लिखित प्रमाण कि अमुक व्यक्ति, फलाँ व्यक्ति का सदैव दास रहेगा, दासता-पत्र।

खते चलीपा (خط چلیپا) अ पु—हाशिये पर जो इबारत तिरछी लकीरो में लिखी जाती है।

खते जदी (خط جدی) अ पु—उष्ण कटिबंध की दक्षिणी रेखा, मकर-रेखा।

खते जबीं (خط جبیں) अ फा पु—दे 'खते पेशानी'।

खते जली (خط جلی) अ पु—मोटी लकीर, मोटे कलम से लिखा हुआ लेख।

खते जवाज (خط جواز) अ पु—पर्वानए राहदारी, पास्पोर्ट, परिपारपत्र।

खते तक़्दीर (خط تقدیر) अ पु—किस्मत का लिखा, भाग्यलेख, भाग्यरेखा।

खते तहरीर (خط تحریر) अ वि—खत की लिखावट, "मुद्दतो के बाद क़ासिद आज लाया है पयाम, फैसला किस्मत का जाहिर है खते तहरीर से।"

खते तक्सीम (خط تقسیم) अ पु—वह रेखा जो किसी भूमि आदि को दो भागो मे बाँट दे, विभाग-रेखा।

खते तर्सा (خط ترسا) अ फा पु—पार्सियो का लेख जो बहुत टेढा-मेढा होता है।

खते तस्दीक़ (خط تصدیق) अ पु—प्रमाणपत्र, सर्टीफिकेट।

खते तस्लीम (خط تسلیم) अ पु—सरल रेखा, सीधी लकीर।

खते दीवनी (خط دیوانی) अ फा पु—दफ्तर के मुशियो का लेख, जो बहुत घसीट होता है।

खते नस्तालीक़ (خط نستعلیق) अ पु—वह लिपि जिसमे आधुनिक उर्दू की लीथो पुस्तके छपती हैं।

खते निस्फुन्नहार (خط نصف النہار) अ पु—वह कल्पित रेखा जिस पर आकर, सूरज दिन को दो बराबर भागो मे बाँट देता है।

खते पर्कार (خط پرکار) अ फा पु—वह गोल रेखा जो पर्कार से खीची जाती है।

खते पेशानी (خط پیشانی) अ फा पु—तक्दीर का लिखा, ललाट-रेखा, भाग्य-रेखा।

खते बंदगी (خط بندگی) अ फा पु—दे 'खते गुलामी'।

खते मंडल (خط منڈل) अ पु—वह घेरा जो मंत्र द्वारा खीचा जाता है और जिसमे रहने से एक विशेष समय तक कोई अनिष्ट नही होता, अथवा भूत-प्रेत अपना प्रभाव नही डाल सकते।

खते मुख़्तसर (خط مختصر) अ पु—सक्षिप्त लिपि, सकेत-लिपि, शीघ्रलिपि, शार्टहैंड।

खते मुतवाज़ी (خط متوازی) अ पु—वह रेखा जो दूसरी रेखा से बराबर अतर पर हो, समानातर रेखा।

खते मुन्हनी (خط منحنی) अ पु—टेढी लकीर, वक्र रेखा।

खते मुमास (خط مماس) अ पु—सपात रेखा।

खते मुस्तक़ीम (خط مستقیم) अ पु—सीधी लकीर, सरल रेखा।

खते मुस्तदीर (خط مستدیر) अ पु—गोल रेखा।

खते राह (خط راہ) अ फा पु—दे 'खते जवाज'।

खते शिकस्तः (خط شکستہ) अ फा पु—वह लिखावट जो बहुत टेढी-मेढी लिखी जाय।

खते सर्तान (خط سرطان) अ पु—उष्ण कटिबंध की उत्तरीय रेखा, कर्क रेखा।

खते हिलाली (خط ہلالی) अ पु—कमान की तरह आधी गोल रेखा, धन्वाकार रेखा, अर्धवृत्ताकार रेखा, चद्राकार रेखा।

खतो किताबत (خط و کتابت) अ स्त्री—पत्रव्यवहार, चिट्ठियो का आदान-प्रदान।

खत्तार (خطار) अ वि—मुग्ध होनेवाला, फरेफ्ता होने वाला।

खत्फ (خطفہ) अ पु—एक बार इस प्रकार चमकना कि आँखो मे चकाचौध उत्पन्न कर दे।

खत्फ (خطف) अ पु—बिजली का आँखो मे चकाचौध उत्पन्न करना।

खत्म (ختم) अ वि—समाप्त, पूरा, मृत, मरा हुआ, सपूर्ण, मुकम्मल, (पु) समाप्ति, खातिम।

खत्म (خطم) अ पु—नाक मे नकेल डालना, नाथ डालने के लिए नथने छेदना।

खत्मी (خطمی) अ स्त्री—एक बीज जो दवा मे काम आता है, दे 'खिल्मी'।

खत्मी मआब (ختمی مآب) अ पु—हज़रत मुहम्मद साहिब की उपाधि।

खत्र (خطر) अ पु—मुग्ध होना, फरेफ्ता होना।

खत्ल (ختل) फा पु—बलख के निकट एक नगर, जहाँ के घोड़े बहुत अच्छे होते हैं।

खत्ल (ختل) अ पु—भेडिये का शिकार के लिए छिपना, धोखा देना, छल करना।

खत्लान (ختلان) फा पु—दे 'खत्ल', एक नगर।

खत्ली (ختلی) फा वि—वह घोडा जो 'खत्ल' अथवा 'खत्लान' से आता है।

खत्व. (خطوہ) अ पु—एक डग, एक कदम।

खदग (خدنگ) फा पु—एक विशेष पेड जिसके बाण बनते हैं, छोटा बाण, नावक।

ख़द [द्द] (خد) अ पु—कपोल, गाल, रुखसार, भूमि के भीतर की लंबी दरार या मार्ग, सुरग।
ख़दअ. (خدعہ) अ पु—छल, कपट, कूट, दगा, फरेब।
ख़दम (خدم) अ पु—'ख़ादिम' का बहु, सेवक लोग, नौकर-चाकर।
ख़दर (خدر) अ पु—आलस्य, सुस्ती; तंद्रा, गुनूनदगी।
ख़दरी (خدری) अ पु—एक पीड़ा जिससे किसी अग की हिस जाती रहती है।
ख़दाज (خداج) अ पु—दे 'खिदाज', दो शु हैं।
ख़दाद (خداد) अ पु—गाल का दाग।
ख़दिर (خدر) अ वि—सुन्न, बेहिस, मद, सुस्त।
ख़दीअ. (خدیعہ) अ पु—छल, कपट, मक्र, एक खाद्य जिसमे गोश्त और ज़ीरा होता है।
ख़दीजः (خدیجہ) अ स्त्री—हज़रत मुहम्मद साहिब की पहली पत्नी।
ख़दीज (خدیج) अ वि—वह शिशु जो समय से पहले उत्पन्न हो, परंतु सर्वागपूर्ण हो।
ख़दीन (خدین) अ वि—मित्र, दोस्त, प्रेमपात्र, मा'शूक।
ख़द्अ. (خدعہ) अ पु—छल, कपट, व्याज, मक्र।
ख़द्दाअ' (خداع) अ वि—बहुत अधिक छली, बडा मक्कार, अधम, नीच, खोटा, कूट।
ख़द्ल (خدل) अ पु—पिंडलियो और भुजाओ का भरा हुआ होना।
ख़द्शः (خدشہ) अ पु—शका, सदेह, शक, भय, डर।
ख़द्शात (خدشات) अ पु—'ख़द्श' का बहु, शकाएँ, गुबहे, डर, भय।
ख़नस (خنس) अ पु—वापस लौटना, प्रत्यागमन।
ख़नाक (خناق) अ पुं—एक रोग जिसमें रोगी को अपना गला घुटता हुआ लगता है, गला घोटने का स्थान।
ख़नाजिर (خناجر) अ पु—'खजर' का बहु, छुरियाँ, भुजालियाँ।
ख़नाज़ीर (خنازیر) अ पु—'खिंज़ीर' का बहु, बहुत से सुअर, एक गले का रोग, कठमाला।
ख़नाज़ीर (خناحیر) अ पु 'खिजीर' का बहु, जली हुई हड्डियो की गंध।
ख़नाफ़िस (خنافس) अ पु—'खुन्फसा' का बहु, गुबरीले।
ख़निक (خنق) अ वि—जिसका गला घोटा गया हो।
ख़नीक़ (خنیق) अ वि—दे 'खनिक'।
ख़नीदः (خنیده) फा वि—उत्तम, उम्दा, रुचिकर, पसदीद।
ख़नीफ़ (خنیف) अ पु—सफ़ेद अलसी।
ख़नूर (خنور) फा पु—पात्र, भाजन, वर्तन, चषक, पियाला।
ख़नूस (خنوس) अ. वि—छिपनेवाला।
ख़न्क़ (خنق) अ पु—गला घोटना, गला घोटकर मारना।
ख़न्नास (خناس) अ पु—राक्षस, देव, शैतान, पिशाच; अहकार, अभिमान, गुरूर।
ख़फ़ः (خفہ) फा. पु—गला घोटना।
ख़फ़ः (خفہ) अ पु—गला घोटना, गला घोटकर मारना; जिसको गला घोटकर मारा गया हो।
ख़फ़ (خف) फा पु—चकमक मे जलाने का फूस, वह चीज़ जिसमे चकमक से आग लगायी जाय।
ख़फ़कान (خفقان) अ पु—दिल की धडकन का रोग, हृत्कंप, इख्तिलाज, वहशत, घबराहट।
ख़फ़कानी (خفقانی) अ वि—जिसे दिल धडकने का रोग हो, जिसके स्वभाव मे घबराहट बहुत हो।
ख़फ़गी (خفگی) फा स्त्री—गला घोटने का भाव, अप्रसन्नता, वैमनस्य, नाराज़ी।
ख़फ़र (خفر) अ पु—लज्जा, लाज, शर्म, देखरेख, निगहबानी।
ख़फ़श (خفش) अ पु—दृष्टि की निर्बलता, जन्म से आँख का छोटा होना।
ख़फ़ा (خفا) अ पु—छिपाव, दुराव, पोशीदगी, (वि) क्रुद्ध, रुष्ट, नाराज,—"गर मुझसे हो ख़फ़ा तो उसे दीजिए निकाल–तुम कौन रखनेवाले हो मेरे मलाल के।"
ख़फ़ाजः (خفاجہ) अ पु—अरब का एक लुटेरा कबीला।
ख़फ़ाया (خفایا) अ पु—'ख़फ़ीय' का बहु, छिपी हुई बातें।
ख़फ़ी (خفی) अ वि—गुप्त, छिपा हुआ, प्रकट. व्यक्त, ज़ाहिर, बारीक, महीन।
ख़फ़ीक़ (خفیق) अ. पु—पानी बहने का शब्द, वायु चलने का शब्द।
ख़फ़ीफ़ः (خفیفہ) अ स्त्री—एक दीवानी न्यायालय, जिसमें छोटे केस सरसरी सुने जाते हैं, जिनकी अपील नही होती।
ख़फ़ीफ़ (خفیف) अ. वि—हलका, सबुक, थोड़ा, कम; लज्जित, शर्मिदा, अधम, कमीना, एक बह्र, वृत्त।
ख़फ़ीफ़ुत्तब्अ (خفیف الطبع) अ वि—दे. 'ख़फ़ीफ़ुल हरकात'।
ख़फ़ीफ़ुल हरकात (خفیف الحرکات) अ वि.—छिछोरी हरकते करनेवाला, टुच्चा, तुच्छप्रकृति, छिछोरा।
ख़फ़ीर (خفیر) अ वि—मार्ग-प्रदर्शक, रहनुमा, सुरक्षक, निगहबान, त्राता, पनाह देनेवाला, निकृष्ट, ज़लील।
ख़फ़्क़ान (خفقان) अ पु—दे. 'ख़फ़क़ान', परतु उर्दू में 'खफकान' भी बोलते हैं।
ख़फ़्चाक़ (خفچاق) तु पु—जगली तुर्कों की एक जाति।
ख़फ़्ज़ (خفض) अ पु—किसी को उसके पद से गिराना; हौले-हौले चलना, ऐश्वर्य, ऐश, आरामतलबी।

ख़फ़्तः (خفته) अ वि—झुका हुआ, ख़मीदा।
ख़फ़्तान (خفتان) अ पु—सिपाहियो के पहनने का एक विशेष कोट।
ख़फ़्द (خفد) अ पु—तेज़ चलना, शीघ्र गमन।
ख़फ़्फ़ाफ़ (خفاف) अ वि—जूता बनानेवाला, जूता बेचनेवाला, चमडे के मोज़े बनाने और बेचनेवाला।
ख़फ़्क़ (خفق) अ वि—निकृष्ट, अधम, बुरा, अपमानित, बेइज़्ज़त, दु:स्वभाव, बदखू।
ख़बख़्ब (خبخب) अ पु—चुबन का शब्द, बोसे की आवाज़।
ख़बज़ (خبز) अ पु—रेत, रेग, एक स्थान का नाम।
ख़बब (خبب) अ पु—नदी का मौजे मारना, घोडे का कभी इस पाँव और कभी उस पाँव पर खडा होना।
ख़बर (خبر) अ स्त्री—सूचना, सवाद, इत्तिलाअ, सदेश, सँदेसा, पैग़ाम, समाचार, हाल, मुहम्मद साहब का प्रवचन, हदीस।
ख़बरगीर (خبرگیر) अ फा वि—ख़बर लेनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला, रक्षक, देख-रेख करनेवाला।
ख़बरगीरी (خبرگیری) अ फा स्त्री—पालन-पोषण, रक्षा, देख-रेख।
ख़बरदार (خبردار) अ फा वि—सचेत, सतर्क, बाख़बर, सावधान, चेतावनी देने का शब्द, होशयार।
ख़बरदारी (خبرداری) अ फा स्त्री—सतर्कता, होशयारी।
ख़बरदिहद (خبردهنده) अ फा वि—सूचना देनेवाला, सूचक।
ख़बररसाँ (خبررساں) अ फा वि—सूचना पहुँचानेवाला, सूचना-वाहक, पत्र-वाहक।
ख़बररसानी (خبررسانی) अ फा स्त्री—सूचना पहुँचाना, ख़बर ले जाना, ख़बर लाना।
ख़बसः (خبثه) अ पु—ख़बीस का बहु, ख़बीस लोग।
ख़बस (خبث) अ स्त्री—अपवित्रता, गदगी, मलिनता, मैलापन।
ख़बा (خبا) अ पु—छिपाना, छिपाव, गुप्ति, वर्षा, बारिश, घास, सब्ज़।
ख़बाइस (خبائث) अ पु—नापाकियाँ, अपवित्रताएँ।
ख़बाया (خبایا) अ पु—'ख़बा' का बहु, छिपाव, 'ख़िबा' का बहु, ख़ेमे, रावटियाँ।
ख़बार (خبار) अ पु—मुलाइम और भुरभुरी मट्टी, अथवा भूमि।
ख़बाल (خبال) अ पु—विनाश, तबाही, कुमार्गता, गुमराही, हत्या, हलाकी, श्रांति, थकान, घातक विष।
ख़बासत (خباثت) अ स्त्री—दुष्टता, नीचता, कमीनगी, हृदय की अपवित्रता, अत मलिनता।
ख़बी (خبی) अ वि—गुप्त, पोशीदा, अतर्धान, ग़ाइब।
ख़बीर (خبیر) अ वि—जानकार, आगाह, जिसे ज्ञात हो, ईश्वर का एक नाम।
ख़बीस (خبیث) अ वि—अत कुटिल, शरीर, अत मलिन, बदबातिन, बहुत बडा पापी, बहुत बडा धूर्त, भूत-प्रेत।
ख़बीस (خبیس) अ वि—विनोदप्रिय, ज़रीफ़, मख़ोलिया, हँसमुख, ज़िंदादिल।
ख़बीस (خبیص) अ पु—घी और खजूर से बना हुआ एक भोजन।
ख़बीस तीनत (خبیث طینت) अ वि दे—'ख़बीस बातिन'।
ख़बीस बातिन (خبیث باطن) अ वि—जिसका मन बहुत ही पापी हो, जो बहुत बडा धूर्त हो, अतर्मल।
ख़बीसुल बातिन (خبیث الباطن) अ वि—दे 'ख़बीस बातिन'।
ख़ब्ज़ (خبزه) फा पु—इमली, एक खट्टा फल।
ख़ब्ज़ (خبز) अ पु—रोटी पकाना।
ख़ब्त (خبط) अ पु—बुद्धि में पागलपन की मिलावट, बुद्धि-विकार, पागलपन।
ख़ब्ती (خبطی) अ वि—विकृतबुद्धि, पागल, मिराक़ी, विकृतमस्तिष्क, दूषितबुद्धि।
ख़ब्तुल हवास (خبط الحواس) अ वि—दे 'ख़ब्ती'।
ख़ब्न (خبن) अ पु—कुर्ते या अगरखे आदि का दामन लपेटना या सीना ताकि वह छोटा हो जाय, छद शास्त्र के अनुसार किसी 'गण' का दूसरा अक्षर जो हल् हो, उसे गिरा देना, जैसे—'फ़ाइलातुन' से 'फ़इलातुन्' बनाना।
ख़ब्बाज़ (خباز) अ वि—रोटी पकानेवाला, नानबाई।
ख़ब्बाज़ी (خبازی) अ स्त्री—रोटी पकाने का काम, नानबाईपन।
ख़म (خم) फा पु—वक्रता, टेढापन, झुकाव, ख़मी, (वि) वक्र, टढा, ख़मीद।
ख़म [म्म] (خم) अ पु—मास का सड जाना, घर या कुएँ का अपवित्र हो जाना।
ख़मज़दः (خمزده) फा वि—भागा हुआ।
ख़म दर ख़म (خم در خم) फा वि—पेचीदा, जिसमें बहुत से पेच हो, जो बहुत उलझा हो।
ख़मदार (خمدار) फा वि—झुका हुआ, ख़मीदा, वक्र, टेढा।
ख़मदीदः (خمدیده) फा वि—दे 'ख़मदार'।
ख़मन (خمن) अ पु—अपवित्रता, मलिनता, गदगी।
ख़मी (خمی) फा स्त्री—वक्रता, कुटिलता, टेढापन, झुकाव।

ख़मीत (خميط) अ वि–बिना छिलके के भुनी हुई वस्तु

ख़मीदः (خميده) फा वि–झुका हुआ, ख़मदार, वक्र, टेढा।

ख़मीद कद (خميده قد) फा अ वि–जिसका शरीर झुक गया हो, विनतकाय, वक्रकाय, बहुत बूढा।

ख़मीदःकमर (خميده كمر) फा वि–जिसकी कमर झुक गयी हो, वक्रकटि, बहुत बूढा,—"कमर ख़मीदा नही बेवजह जईफी मे–जमीन ढूँढ रहा हूँ मजार के काबिल।"

ख़मीद कामत (خميده قامت) फा अ वि–दे 'ख़मीद कद'।

ख़मीद सर (خميده سر) फा वि–जिसका सर झुका हो, सर झुकाये, नतमस्तक, लज्जित, व्रीडित, शर्मिंदा।

ख़मीर. (خميره) फा पु–चाटनेवाली मीठी और स्वादिष्ठ दवा; पीने का सुगंधित तंबाकू।

ख़मीर (خمير) अ पु–ओषधियो मे पानी डालकर सडाया हुआ अरक, आटे मे सोडा और नमक डालकर बनाया हुआ खट्टा आटा जिससे ख़मीरी रोटी बनती है।

ख़मीरमाय. (خميرمايه) अ फा पु–वह वस्तु जो किसी वस्तु की बढोतरी का कारण हो।

ख़मीरी (خميرى) अ वि–ख़मीर से बनी हुई चीज, विशेषत रोटी, ख़मीर मिली हुई वस्तु, ख़मीर से सम्बन्धित।

ख़मील (خميل) अ पु–हलका भोजन, घटा, बादलो का झुंड, पैवद लगे हुए कपडे।

ख़मीस (خميس) अ पु–बृहस्पतिवार, जुमेरात, पाँच अंगोवाली सेना।

ख़मीस (خميص) अ वि–पतले पेट और कमरवाला, कृशोदर।

ख़मूश (خموش) अ पु–पिस्सू, डाँस, मशक, मच्छर।

ख़म्मोचम (خم وچم) फा पु–सुदर स्त्रियो के चलते समय के हाव-भाव।

ख़म्त (خمط) अ पु–पीलू की एक जाति जिसमे छोटे-छोटे फल होते है।

ख़म्मान (خمان) अ पु–कमजोर भाला; तुच्छ व्यक्ति।

ख़म्मार (خمار) अ वि–शराब बनानेवाला, शराब बेचनेवाला।

ख़म्मारख़ान (خمارخانه) अ फा पु–मदिरालय, शराबख़ाना।

ख़म्मूद (خمود) अ पु–वह स्थान जहाँ आग सुरक्षित रखते हो।

ख़म्याज़ः (خميازه) फा. पु–अँगडाई, नतीजा, परिणाम, जँभाई, जृंभा, भुगतमान, करनी का फल।

ख़म्याज़ःकश (خميازه كش) फा वि–अँगडाई लेनेवाला; जँभाई लेनेवाला, भुगतमान भुगतनेवाला, परिणामभोगी।

ख़मयाज़ कशी (خميازه كشى) फा स्त्री–अँगडाई लेना; जँभाई लेना, भुगतमान भुगतना, करनी का फल भोगना।

ख़मयाज़ए ख़ुश्क (خميازه خشك) फा पु–एसी इच्छा जो कभी पूरी न हो सके।

ख़म्र॰ (خمره) अ पु–'ख़मीर' का लघु, दे 'ख़मीर'।

ख़म्र (خمر) अ पु–ख़मीर करना, मदिरा, शराब।

ख़म्ल (خمل) अ पु–कपडे के तार, (वि) ख़ालिस, बेमेल।

ख़म्सः (خمسه) अ पु–पाँच वस्तुओ का समाहार, उर्दू नज्म का एक प्रकार जिसमे पाँच मिस्रे हर बद मे होते हैं; गजल के दो मिस्रो पर तीन मिस्रे बढाकर उसे भी ख़म्स किया जाता है।

ख़म्सए मुतहैयिर (خمسه متحيره) अ पु–सूर्य और चद्रमा को छोडकर बाकी पाँच ग्रह, जिनकी चाल उलटी-सीधी होती है।

ख़म्सए मुस्तशर्कः (خمسه مسترقه) अ पु–ईरानी साल मे हर मास तीस दिन का होता है, परतु 'इस्फदार' को ३५ दिन का कर देते हैं। यह पाँच दिन 'ख़म्सएमुस्तशर्क.' कहलाते हैं।

ख़यफ (خيف) अ पु–एक आँख काली और एक नीली होना।

ख़याल (خيال) अ पु–विचार, ध्यान, कल्पना, तख़ैयुल, तवज्जुह, प्रवृत्ति, भावना, जज्ब, मति, राय, स्मृति, याद, सज्ञा, होश, सलग्नता, इन्हियाक, दुर्भावना, बदगुमानी; भ्रम, वह्म, अनुमान, अदाज, एक कविता।

ख़यालआराई (خيال آرائى) अ फा स्त्री–परवाजे फिक्र, कल्पनाएँ, कविता के लिए मज्मून की तलाश।

ख़यालबंदी (خيالبندى) अ फा स्त्री–अनेक कल्पनाएँ करना, एक विशेष कविता (ख़याल) की रचना करना।

ख़यालात (خيالات) अ पु–'ख़याल' का बहु, ख़यालो का ताँना, विचारधारा।

ख़याली (خيالى) अ वि–काल्पनिक, फर्ज़ी, कपोल-कल्पित, मनगढत, ख़याल से सम्बन्धित।

ख़याले ख़ाम (خيال خام) अ फा पु–असगत और मिथ्या विचार, गलत ख़याल, भ्रम, वह्म।

ख़याले फासिद (خيال فاسد) अ पु–दे 'ख़याले ख़ाम'।

ख़याले बातिल (خيال باطل) अ पु–दे 'ख़याले ख़ाम'।

ख़यासीम (خياشيم) अ पु–'ख़ैशूम' का बहु, नथने।

ख़यू (خيو) फा पु–थूक, मुखस्राव, दे 'ख़िदू', वही शु॰ है।

ख़य्यात (خياط) अ वि–दर्ज़ी, कपड़ा सीनेवाला, सूचिक।

खय्याते अजल (خیاط ازل) अ वि—परलोक में आत्मा को शरीररूपी वस्त्र पहनानेवाला, अर्थात् ईश्वर।

खय्याब (خیاب) अ वि—निराश, नाउम्मीद, वंचित, महरूम, अभागा, बदकिस्मत।

खय्याम (خیام) अ वि—खटिया बनानेवाला, खेमे सीनेवाला, फारसी का प्रसिद्ध मधुवादी कवि, जो नैशापुर नगर का निवासी था, मधु की प्रतीकवादी पद्धति में उसकी काव्याभिव्यंजना सर्वोत्तम हुई है।

खरः (خره) फा स्त्री—तेल निकले हुए बीजों की खली, मिट्टी और धूल का ढेर।

खरः (خره) अ पु—गधा, छोटा, लघु।

खर (خر) फा पु—गधा, गर्दभ, रासभ, शराब की गाद, दे खरचोब, (वि) विशाल, महान्।

खर(र्र) (خر) अ पु—ऊपर से नीचे को पाँव फिसलना।

खरक (خرک) फा पु—दे 'खरचोब'।

खरक (خرق) अ पु—लज्जित होना, मूर्खता, हिमाकत।

खरकुस (خرکس) फा वि—मूर्ख, बुद्धू, बेवकूफ।

खरखेज (خرخیز) फा पु—चीनी तुर्किस्तान का एक प्रदेश।

खरगह (خرگه) फा पु—'खिरगाह' का लघु, दे 'खरगाह'।

खरगहेमह (خرگه‌مه) फा पु—कर्क राशि, बुर्जे सर्तान, चंद्रमंडल, चाँद में पडनेवाला घेरा, हाल।

खरगाह (خرگاه) फा पु—बडा खेमा, बडी रावटी, दे 'खिरगाह', दोनो शुद्ध हैं।

खरगोश (خرگوش) फा पु—शश, शशक, खरहा।

खरचंग (خرچنگ) फा पु—केकडा, कर्कट, सर्तान, कर्क-राशि, बुर्जे सर्तान।

खरचोब (خرچوب) फा पु—वह छोटी लकडी जो सितार या रबाब की तुंबी पर होती है और जिसमे तार जटते हैं।

खरजः (خرزه) फा पु—मोटा और लम्बा लिंग।

खरजः (خرزه) अ पु—पीठ की हड्डी की गुरिया, मोह्र।

खरज (خرز) अ पु—'खरज़' का बहु, पीठ की हड्डी के मोहरे, रीढ की गुरियाँ।

खरजन (خرزن) फा पु—चाबुक, कोडा, कशा।

खरदल (خردله) अ पु—दे 'खर्दल'।

खरदल (خردل) अ पु—दे 'खर्दल'।

खरदिल (خردل) फा वि—डरपोक, भीरु, बुज़दिल।

खरदिली (خردلی) फा स्त्री—भीरुता, डरपोकपन, बुज़दिली।

खरनफ़्स (خرنفس) फा अ वि—बहुत अधिक कामशक्ति-वाला, बहुत बडे लिंगवाला।

खरपाचः (خرپاچه) फा पु—गधे का बच्चा, खर-शावक।

खरपुश्तः (خرپشته) फा पु—बहुत बडा पुश्ता।

खरफ (خرف) अ पु—बुद्धि का विनाश, अक्ल की तबाही।

खरबंदः (خربنده) फा पु—गधे का मालिक, गधेवाला।

खरबत (خربط) फा पु—बडी बतख, राजहंस, मूर्ख, घामड।

खरबुज़ः (خربزه) फा पु—एक प्रसिद्ध फल, 'खरबूजा'।

खरमगस (خرمگس) फा पु—एक बडी मक्खी, जो घाव पर बैठती है तो उसमें कीडे पड जाते हैं।

खरमस्ती (خرمستی) फा स्त्री—ऐसी मस्ती जिसमें पुरुष बिलकुल गधा बन जाय और बेहूदा और अश्लील हरकतें करने लगे, पिशाचोन्माद।

खरमोहरः (خرمهره) फा पु—छोटा घोंघा जो तालाबों में होता है।

खरमोहरए कोचक (خرمهرهٔ کوچک) फा पु—कौडी, कपर्दिका, वराटिका।

खरमोहरए ज़र्द (خرمهرهٔ زرد) फा पु—दे 'खरमोहरए कोचक'।

खरमोहरए सफेद (خرمهرهٔ سفید) फा पु—शंख, दर, कंबु, संख।

खरवार (خروار) फा पु—एक गधे का बोझ, किसी वस्तु का गधे के बराबर ऊँचा ढेर।

खरसंग (خرسنگ) फा पु—बडा पत्थर, शिला।

खरस (خرس) अ पु—गूँगा होना, मूक होना।

खरस (خرص) अ पु—भूखा होना।

खरह (خره) अ पु—कुक्कुट, मुर्ग़ा, मुर्ग़े के आकार की सुराही।

खरा' (خرع) अ पु—आलस्य, सुस्ती, मंदता, सस्तापन, डालियों का टूटकर गिरना।

खराइद (خرائد) अ स्त्री—'खरीद' का बहु, कुँवारी स्त्रियाँ, अनबिंधे मोती, लज्जावती महिलाएँ।

खराइफ (خرائف) अ पु—'खरीफ' का बहु, खजूर के वे पेड जिनके खजूर तोड लिये गये हों।

खराज (خراج) अ पु—लगान, भूमिकर, वह रक़म जो अधीन राज बडे राज को देता है, चौथ।

खराजगुज़ार (خراج‌گزار) अ फा वि—खराज देनेवाला, अधीन राज अथवा राजा।

खरात (خراط) अ पु—लकडी पर रंदा करना, लकडी खरादना, दे 'खराद'।

खरातीन (خراطین) फा पु—केंचुआ, भूलता, महीलता, किंचुलक, भूनाग।

खरातीम (خراطیم) अ पु—'खुर्तूम' का बहु, हाथी की सूँडें, राष्ट्र अथवा जाति के महान् व्यक्ति।

खराद (خراد) फा पु—लकडी खरादने की क्रिया; लकडी खरादने का यंत्र, शुद्ध शब्द 'खरात' है, परन्तु उर्दू और फारसी में 'खराद' ही है।

खराबः (خرابہ) फा पु –निर्जन और अन्न - जल - रहित स्थान, खँडहर, वीरान, शत्रु शासक का देश।

खराबः आबाद (خرابہ آباد) फा पु –ससार, जगत्, दुनिया।

खराब (خراب) अ वि –बिगडा हुआ, विकृत, दूषित, नाकिस, अपवित्र, नापाक, निकृष्ट, बुरा, नीच, कमीना, धूर्त, बदमआश, विध्वस्त, बरबाद, निर्जन, वीरान, उन्मत्त, मतवाला, कदाचारी, बदचलन।

खराबहाल (خراب حال) अ वि –जिसकी आर्थिक दशा ख़राब हो, दुर्दशाग्रस्त, जिसकी दशा बिगडी हुई हो, पतले हालवाला।

खराबात (خرابات) फा पु –मधुशाला, मदिरालय, शराबखान, कैतवालय, अक्षवार, जुआघर।

खराबाती (خراباتی) फा वि –हर समय नशे मे मस्त रहनेवाला, जुआ खेलने का धर्ता।

खराबी (خرابی) अ स्त्री –विकार, दोष, नक्स, अनिष्ट, हानि, जरर, निकृष्टता, जिश्ती, उन्माद, मस्ती, निर्जनता, वीरानपन, विध्वस, बरबादी।

खराश (خراش) फा स्त्री –उचटता हुआ घाव, छीलन, रगड।

खराशीदः (خراشیدہ) फा वि –खरोच लगा हुआ।

खरास (خراس) फा पु –बैल आदि से चलनवाली चक्की, तेल का कोल्हू।

खरीफ (خریف) अ वि –बहुत बूढा, सठियाया हुआ।

खरिब (خرب) अ वि –निर्जन, वीरान, खराबशुदा, ध्वस्त।

खरीक (خریق) अ वि –जिसका पर्दा फट गया हो, जिसकी बुराइयाँ प्रकट हो गयी हो।

खरीज (خریج) अ पु –एक खेल जो अरब मे खेला जाता है।

खरीत. (خریطہ) अ पु –थैला, झोला, लिफाफा, सरकारी आदेशपत्र का लिफाफा।

खरीद. (خریدہ) फा वि –मोल लिया हुआ, क्रीत।

खरीद. (خریدہ) अ स्त्री –कुमारी, दोशीज, लज्जावती स्त्री (पु) अनविधा मोती।

खरीद (خرید) फा स्त्री –मोल लेने का भाव, खरीदारी।

खरीदार (خریدار) फा वि –मोल लेनेवाला, ग्राहक।

खरीदारी (خریداری) फा स्त्री –मोल लेने का काम, खरीद।

खरीदो फरोख्त (خرید و فروخت) फा स्त्री –मोल लेना और बेचना, क्रय-विक्रय।

खरीफ (خریف) अ स्त्री –फसली साल की दो ऋतुओ मे से एक, कातिक की फसल।

खरूफ (خروف) अ पु –घोडे, भेड-बकरी अथवा खरगोश का बच्चा।

खर्क (خرق) अ पु –फटना, टुकडे होना।

खर्के आदत (خرق عادت) अ पु –प्राकृतिक कार्य के विरुद्ध कार्य, चमत्कार मो'जिज।

खर्को इल्तियाम (خرق و التیام) अ पु –फटना और मिलना, अलग-अलग होकर एक हो जाना, तलवार की कटन भर जाना, घाव भर जाना।

खर्च (خرچ) फा पु –व्यय, सर्फ, उपभोग, इस्ते'माल।

खर्ज (خرج) अ पु –बाहर निकलना, व्यय, खर्च।

खर्ज (خرز) अ पु –चमडे का मोजा सीना, जूता सीना।

खर्त (خرط) अ पु –लकडी पर रदा करना, हर कटी और छिली चीज़ को चिकना करना।

खर्दल. (خردلہ) अ पु –राई का एक कण।

खर्दल (خردل) अ स्त्री –राई।

खर्फ (خرف) अ पु –फल बीनना, मेवा चुनना।

खर्बक (خربق) अ स्त्री –कुटकी, एक दवा।

खर्म (خرم) अ पु –नथना छेदना, काटकर कम करना, किसी 'गण' का पहला अक्षर गिराना, जैसे–'फऊलुन्' से ऊलुन करके 'फअ्लुन्' बनाना।

खर्मन (خرمن) फा पु –बिना दाँयँ चलाया हुआ खलियान।

खर्या' (خریع) अ पु –शश-शावक, खरगोश का बच्चा।

खर्राज (خرارہ) अ पु –ज़ोर की आवाज़ करके बहनेवाला पानी।

खर्राज (خراز) अ वि –चमडा सीनेवाला, जूता सीनवाला, मोची।

खर्रात (خراط) अ वि –खराद का काम करनेवाला, बढई।

खर्राती (خراطی) अ स्त्री –खराद का काम।

खर्राद (خراد) फा वि –खराद का काम करनेवाला, लकडी पर रदा फेरनेवाला।

खर्रादी (خرادی) फा स्त्री –खराद का काम, रदे का काम।

खर्रास (خراس) अ वि –कुम्हार, कुभकार।

खर्रास (خراص) अ वि –कूत करनेवाला, कूतनेवाला, तख़्मीन करनेवाला, झूठा, मिथ्यावादी।

खर्श (خرش) अ पु –छीलना, बच्चो के लिए रोटी कमाना, कमाई करना।

खर्स (خرس) अ पु –घडा, कुभ, मटका।

खर्स (خرص) अ पु –खडी फसल का कूत करना, झूठ बोलना।

खलज (خلج) अ पु –दे 'खदग'।

खल (خلہ) फा पु –नोकदार सीख, हर चुभनेवाली वस्तु, लम्बी लकडी जिसमे नाव चलाते हैं, पतवार।

खल[ल्ल] (خل) अ पु –सिर्का, एक प्रसिद्ध खटास।

ख़लक़ (خلق) अ. पु –कपडो का पुराना होना, पुराना वस्त्र, पुराना लिवास।
ख़लक़ान (خلقان) अ पु –पुराना लिवास, पुराना वस्त्र।
ख़लज (خلج) अ पु –काम की थकन से जोडो का दर्द, आँख या किसी अन्य अग का फडकना।
ख़लजान (خلجان) अ पु –दे 'ख़ल्जान', शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू मे 'ख़ल्जान' ही बोलते हैं।
ख़लद (خلد) अ पु –हृदय, मन, दिल, आत्मा, रूह।
ख़लफ़ (خلف) अ पु –सुपुत्र, अच्छा लडका, सपूत, (वि) पीछे आनेवाला।
ख़लफ़ुर्रशीद (خلف الرشید) अ पु –सपूत, अच्छा और नेक लडका।
ख़लफ़ुस्सिद्क़ (خلف الصدق) अ पु –दे दो 'ख़लफ़ुर्रशीद'।
ख़लल (خلل) अ पु –विघ्न, बाधा, अडचन, हस्तक्षेप, दख़्लअदाज़ी, विकार, ख़रावी।
ख़ललअदाज़ (خلل انداز) अ फा वि –गडवडी और वाधा डालनेवाला, विघ्नकर, हस्तक्षेप करनेवाला।
ख़ललअदाज़ी (خلل اندازی) अ फा स्त्री –गडवड करना, बाधा डालना, हस्तक्षेप करना।
ख़लले दिमाग़ (خلل دماغ) अ पु –दिमाग की ख़रावी, वुद्धिदोष, पागलपन।
ख़ला (خلا) अ पु –अतरिक्ष, फ़िज़ाए आस्मानी, रिक्त होना, ख़ाली होना, अकेला होना, एकाकी होना, एकान्त मे किसी के साथ आना।
ख़लाअत (خلاعت) अ स्त्री –माता-पिता की आज्ञा न मानना, वे सामान और परेशान होना, पापकर्म और दुराचार।
ख़लाइक़ (خلائق) अ स्त्री –'ख़लीक़' का वहु, जनता, जन-साधारण, अवाम।
ख़लाइफ़ (خلائف) अ पु –'ख़लीफ़' का वहु प्रतिनिधि लोग, जानशीन लोग।
ख़लाक़ (خلاق) अ पु –किसी व्यक्ति मे सद्गुणो की वहुतात।
ख़लाक़त (خلاقت) अ स्त्री –पुराना होना, जीर्णता।
ख़लाब (خلابه) अ पु दे –'ख़लाबत'।
ख़लाब (خلاب) अ स्त्री –कीचड-पानी मिली हुई मिट्टी।
ख़लाबत (خلابت) अ स्त्री –किसी को वातो से मुग्ध कर लेना।
ख़लामला (خلاملا) अ पु –गहरा मेलजोल, गहरा प्रेम-व्यवहार।
ख़लाश (خلاشه) फा पु –कूडा-करकट।
ख़लाश (خلاش) फा पु –कोलाहल, शोर-गुल।
ख़लाशाँ (خلاشاں) फा पु –'ख़लाश' का वहु, कूडा-करकट, इसका अर्थ लिया जाता है, ईर्ष्यालु और विरोधी लोग।
ख़लास (خلاص) अ पु –मुक्ति, छुटकारा, रिहाई, (वि) मुक्त, रिहा, छुटकारा पाया हुआ, रिक्त।
ख़लासी (خلاصی) तु स्त्री –मुक्ति, छुटकारा, रिहाई।
ख़लिक़ (خلق) अ पु –पुराना कपडा।
ख़लिफ़ (خلف) अ स्त्री –गाभिन ऊँटनियाँ।
ख़लिश (خلش) फा स्त्री –चुभन, चुभने का भाव, दर्द की टीस, चिन्ता, फ़िक्र, उलझन।
ख़लीअ (خلیع) अ पु –जुआरी और शिकारी जिनका दाँव ख़ाली जाय, अवज्ञाकारी और परेशान व्यक्ति, भेडिया, वृक।
ख़लीउल इज़ार (خلیع العذار) अ वि –जिसकी वागडोर टूट गयी हो, स्वच्छद, वे लगाम।
ख़लीक़ (خلیقه) अ पु –जन साधारण, जनता, ससार मे उत्पन्न हर वस्तु, स्वभाव, प्रकृति, तवीअत।
ख़लीक़ (خلیق) अ वि –सुशील, सुष्ठु, मिलनसार, मुरव्वत-वाला।
ख़लीज (خلیج) अ स्त्री –नदी आदि की शाखा, खाडी, कुक्षि, समुद्र-कुक्षि।
ख़लीत (خلیط) अ वि –किसी सपत्ति के भागीदार, पति, शौहर, चचा का लडका, चचाज़ाद भाई।
ख़लीफ़ (خلیفه) अ पु –प्रतिनिधि, नाइव, नुमाइद, किसी की अनुपस्थिति मे उसके स्थान पर काम करनेवाला, हज़रत मुहम्मद साहिव के वाद उनका जानशीन।
ख़लीफ़ (خلیف) अ पु –पीछे आनेवाला, दो पहाडो के वीच का मार्ग।
ख़लीफ़तुल मुस्लिमीन (خلیفة المسلمین) अ पु –महम्मद साहिव के ख़लीफ़ाओ की उपाधि, मुसलमान शासको की उपाधि।
ख़लीय (خلیه) अ वि –वह स्त्री जिसे तलाक दे दी गयी हो, विवाह-विच्छिन्ना, वह ऊँट जिसे छोड दिया गया हो।
ख़लील (خلیل) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त।
ख़लीलुल्लाह (خلیل الله) अ पु –ईश्वर का मित्र, 'हज़्रत इब्राहीम' की उपाधि।
ख़लीस (خلیس) अ वि –मिश्रित, मिला हुआ।
ख़लूक़ (خلوق) अ पु –सुगध, ख़ुशबू, एक प्रकार का सुगधित मिश्रण।
ख़ल्अ (خلع) अ पु –किसी अग का अपने स्थान से विचलित हो जाना, पहने हुए वस्त्र उतारना, स्थान से हटना, किसी को ख़िल्अत देना।
ख़ल्एबदन (خلع بدن) अ पु –दे 'ख़ल्एरूह'।

ख़ल्एरूह (خلع روح) अ पु –अपने प्राणो को किसी दूसरे के शरीर मे डालना, प्राण का शरीर से निकाल देना।

ख़ल्क़ (خلق) अ पु –सृष्टि करना, उत्पत्ति करना, उत्पत्ति, पैदाइश, उत्पन्न, पैदाशुद, जनता, अवाम।

ख़ल्कुल्लाह (خلق الله) अ स्त्री –ईश्वर की मख्लूक़, प्राणी-वर्ग, जानदार, मानवजाति, जन साधारण।

ख़ल्ख़ाल (خلخال) अ स्त्री –नूपुर, अदुक, पाजेब।

ख़ल्जान (خلجان) अ पु –झगडा, बखेडा, खटखट, चिन्ता, फ़िक्र, दुविधा, द्विधा, तज़ब्ज़ुब।

ख़ल्त (خلط) अ पु –मिलाना, मिश्रित करना, मिश्रण।

ख़ल्तमल्त (خلط ملط) तु पु –मिला-जुला, मिश्रित, गड्डमड्ड, एक मे मिला हुआ, प्रेम-व्यवहार, खिल्तमिल्त।

ख़ल्ते मब्हस (خلط مبحث) अ पु –किसी एक प्रसग के बीच दूसरा प्रसग छेड देना, एक काम के बीच दूसरा काम उपस्थित कर देना।

ख़ल्फ़ (خلف) अ पु –कपूत, बुरा लडका, कुपुत्र, पीछा।

ख़ल्फ़िशार (خلفشار) फा पु –गडबड, खलबली, अशाति, आपाधापी, अपनी-अपनी पडना, घबराहट।

ख़ल्लाक़ (خلاق) अ वि –बहुत अधिक उत्पन्न करनेवाला, सृष्टि को उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

ख़ल्लुज (خلج) अ पु –तुर्की का एक नगर।

ख़ल्वत (خلوت) अ स्त्री –जहाँ कोई दूसरा न हो, एकान्त, तन्हाई, स्त्री-पुरुष का एकान्तवास।

ख़ल्वतकद (خلوت کده) अ फा पु –वह स्थान जहाँ कोई दूसरा न हो।

ख़ल्वतख़ान (خلوت خانه) अ फा पु –दे 'खल्वतकद'।

ख़ल्वतगाह (خلوت گاه) अ फा स्त्री –दे 'खल्वतकद'।

ख़ल्वतगुज़ी (خلوت گزیں) अ फा वि –सबसे अलग रहकर एकात मे वास करनेवाला, एकान्तवासी।

ख़ल्वतगुज़ीनी (خلوت گزینی) अ फा स्त्री –सबसे अलग रहकर एकान्त मे रहना।

ख़ल्वतदोस्त (خلوت دوست) अ फा वि –अकेला जीवन व्यतीत करने मे आनन्द प्राप्त करनेवाला, एकातप्रिय।

ख़ल्वतनशी (خلوت نشیں) अ फा वि –दे 'खल्वतगुज़ी'।

ख़ल्वतनशीनी (خلوت نشینی) अ फा स्त्री –दे 'खल्वत-गुज़ीनी'।

ख़ल्वतपसंद (خلوت پسند) अ फा वि –दे 'खल्वत दोस्त'।

ख़ल्वतपसदी (خلوت پسندی) अ फा स्त्री –अकेला जीवन व्यतीत करने में आनन्द लेना।

ख़ल्वतसरा (خلوت سرا) अ फा स्त्री –दे 'खल्वतकद'।

ख़ल्वतियाँ (خلوتیاں) अ फा पु –'खल्वती' का बहु, एकान्त मे वास करनेवाले, किसी एकातवासी के पास आने-जानेवाले।

ख़ल्वती (خلوتی) अ वि –एकात जीवन व्यतीत करनेवाला, किसी एकात निवासी के पास आने-जानेवाला।

ख़ल्वते सहीह (خلوت صحیح) अ स्त्री –निकाह के बाद पुरुष और स्त्री का सभोगार्थ एकात मे रात काटना जहाँ कोई दूसरा प्राणी न हो।

ख़वर (خور) अ पु –आलस्य, सुस्ती, समाचार।

ख़वर्नक़ (خورنق) अ पु –वह अद्भुत भवन जो नो'मान बिन मुंज़िर ने बह्रामगोर के लिए बनवाया था।

ख़वल (خول) अ पु –'खाइल' का बहु, ईश्वर के दिये हुए नौकर-चाकर और धन-सपत्ति आदि।

ख़वाक़ीन (خواقین) अ पु –'खाकान' का बहु, सम्राट् लोग।

ख़वातिफ़ (خواطف) अ पु –'खातिफ' का बहु, उचक ले जानेवाले, उड़ा ले जानेवाले, आपत्तियाँ, मुसीबते, सद्मे।

ख़वातिम (خواتم) अ पु –'खातिम' का बहु, खातिमे।

ख़वातिर (خواطر) अ पु –'खातिर' का बहु, हृदय मे आने-वाले विचार।

ख़वातीन (خواتین) अ स्त्री –'खातून' का बहु, महिलाएँ, बडे लोगो की स्त्रियाँ।

ख़वातीम (خواتیم) अ पु –'खातम' का बहु, अँगूठियाँ, मुहर करनेवाली अँगूठियाँ।

ख़वानीन (خوانین) अ पु –'खान' का बहु, 'खान' की उपाधि रखनेवाले लोग, बडे-बडे सरदार।

ख़वाफ़ी (خوافی) अ पु –'खाफिय' का बहु, पेड के तने के पासवाली शाखाएँ, पक्षी के नीचेवाले पर।

ख़वारिक़ (خوارق) अ पु –'खारिक' का बहु, वह आचार-व्यवहार जो दूसरे व्यक्तियो के लिए आश्चर्यजनक हो।

ख़वारिज (خوارج) अ पु –'खारिजी' का बहु, 'खारिजी' सम्प्रदाय के व्यक्ति जो हज़रत अली को बुरा जानते और कहते है।

ख़वास (خواص) अ पु –'खास' का बहु, खास लोग, मुख्य लोग, 'खास्स' का बहु, गुण, धर्म, खासियते, (स्त्री) शाहीमहल की वह दासी जो बादशाह के पास एकात मे आती-जाती हो।

ख़वासी (خواصی) अ स्त्री –मुसाहिबत, खिदमतगारी, उच्च सेवाकार्य, राजसेवा।

ख़वीद (خوید) फा पु –गेहूँ या जौ का हरा पेड जिसे भूनकर दाने चबाते है।

ख़व्वान (خوان) अ वि –बहुत अधिक खियानत करनेवाला।

ख़व्वास (خواص) अ वि –थैले बनानवाला, खजूर की चटाइयाँ बनाने और बेचनेवाला।

ख़शन (خشن) फा पु –पलास, टाट, मोटा कपडा।

ख़शब (خشب) अ पु –लकडी, इमारती लकडी, इंधन, जलाने की लकडी।

ख़शम (خشم) अ पु –मास मड जाना, नाक के नथन चौडे हो जाना, नाक मे रोग से दुर्गन्ध उत्पन्न होना।

ख़शिन (خشن) अ वि –खुरदरा, खुर्रा, (पु) एक पीडा जिससे शरीर को त्वचा खुरदरी हो जाती है।

ख़शी (خشی) अ स्त्री –डरना, भय करना।

ख़शीयत (خشیت) अ स्त्री –डर, खौफ, भय, त्रास।

ख़शख़श (خشخشہ) अ पु –कागज़ अथवा नये कपडो का शब्द।

ख़शख़ाश (خشخاش) अ स्त्री –पोस्त का दाना, ख़शख़श, (वि) सशक्त व्यक्ति, मुसल्लह।

ख़श्फ (خشف) अ पु –हिलना, झूमना, पूछना, जानना, पत्थर से सर टकराना, सर फोडना।

ख़श्व (خشب) अ पु –किसी चीज मे से दूसरी चीज छाँटना, किसी चीज मे दूसरी चीज मिलाना।

ख़श्म (خشم) फा पु –क्रोध, कोप, रोष, गुस्सा, दे 'खिश्म', दोनो शुद्ध है।

ख़श्म (خشم) अ पु –नथने का टूट जाना।

ख़श्मगी (خشمگیں) अ फा वि –रोष से भरा हुआ, क्रोधातुर, प्रकुपित।

ख़श्मनाक (خشمناک) अ फा वि –दे 'ख़श्मगी'।

ख़श्शाम (خشام) अ वि –बहुत बडी नाकवाला व्यक्ति, जिसके नथने बहुत उठे हो।

ख़स (خس) फा स्त्री –सूखी घास, एक सुगधित जड, उशीर, फूस, गाडर।

ख़स [स्स] (خس) अ पु –कम करना, कजूस होना, काहू, एक पेड।

ख़सक (خسک) फा पु –गोखरु, गोक्षुर, लोहे के गोखरुनुमा काँटे।

ख़सख़ान (خس خانہ) फा पु –खस का मकान, झोपडा।

ख़सपोश (خس پوش) फा वि –घास से ढँका हुआ, घास से पाटा हुआ।

ख़साइल (خصائل) अ पु –'ख़स्लत' का बहु, अच्छे स्वभाव, कभी बुरे स्वभावो के लिए भी आता है।

ख़साइस (خسائس) अ पु –'ख़सीस' का बहु, नीचताएँ, कमीनगियाँ, बुराइयाँ, निकृष्टताएँ।

ख़साइस (خصائص) अ पु –'ख़सीस' का बहु, विशेषताएँ, खुसूसियते।

ख़सार (خسارہ) अ पु –हानि, क्षति, नुकसान।

ख़सारत (خسارت) अ स्त्री –हानि, नुकसान, हत्या, हलाकी, कुमार्ग-गमन, गुमराही।

ख़सास (خصاصہ) अ पु –दरिद्रता, कगाली, सन्यास, दरवेशी।

ख़सासत (خساست) अ स्त्री –कृपणता, कजूसी, नीचता, अधमता, कमीनगी।

ख़सीन (خصین) अ वि –छोटा, लघु, (पु) कुल्हाडी।

ख़सीफ (خسیف) अ पु –पथरीली ज़मीन मे खोदा हुआ कुवाँ, जिसका पानी कभी कम न होता हो।

ख़सीम (خصیم) अ वि –शत्रु, दुश्मन।

ख़सीस (خصیصہ) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ख़सीस (خسیسہ) अ स्त्री –अधमता, नीचता, कमीनगी, निकृष्टता, बुराई।

ख़सीस (خسیس) अ वि –कृपण, नद्धन, व्ययकुठ, बद्धमुष्टि, कजूस, पामर, अधम, नीच, कमीना।

ख़सूर (خسور) अ वि –जिसे घाटा आया हो, दिवालिया।

ख़सूस (خصوص) अ पु –दे 'ख़ुसूस', दोनो शुद्ध है।

ख़सूसीयत (خصوصیت) अ स्त्री –दे 'ख़ुसूसीयत', दोनो शुद्ध है।

ख़स्त' (خستہ) फा वि –क्षत, घायल, जख्मी, दुर्दशाग्रस्त, बदहाल, श्रान्त, क्लान्त, थका हुआ, भुरभुरा, जिसमे खस्तापन हो, (पु) गुठली, फल का बीज।

ख़स्त:ख़ान (خستہ خانہ) फा पु –ज़ख्मियो का चिकित्सालय।

ख़स्त जाँ (خستہ جاں) फा वि –दे 'ख़स्त दिल'।

ख़स्त·जानी (خستہ جانی) फा स्त्री –दे 'ख़स्त दिली'।

ख़स्त जिगर (خستہ جگر) फा वि –दे 'ख़स्त दिल'।

ख़स्त जिगरी (خستہ جگری) फा स्त्री –दे 'ख़स्त दिली'।

ख़स्त तन (خستہ تن) फा वि –जिसका तमाम शरीर घायल हो, जिसका शरीर थका हुआ हो।

ख़स्त तनी (خستہ تنی) फा स्त्री –सारे शरीर का घायल होना, शरीर का थका हुआ होना।

ख़स्त·दिल (خستہ دل) फा वि –जिसका हृदय घायल हो, क्षत-हृदय, जिसका मन दुखी हो, दुखितहृदय, प्रेमी, आशिक।

ख़स्त दिली (خستہ دلی) फा स्त्री –हृदय का घायल होना, मन का दुखी होना।

ख़स्त हाल (خستہ حال) फा अ वि –जिसका हाल दुख से पतला हो, दुखितहृदय, जिसकी आर्थिक दशा खराब हो, दरिद्र, अकिंचन।

ख़ाकसार (خاکسار) फ़ा वि –विनम्र, विनीत, आजिज, बोलनेवाला इस शब्द का प्रयोग अपने लिए भी करता है।
ख़ाकसारी (خاکساری) फ़ा स्त्री –विनम्रता, विनति, आजिजी।
ख़ाक़ान (خاقان) तु पु –सम्राट्, महाराज, शहनशाह, तुर्की शासकों की उपाधि, चीनी शासकों की उपाधि।
ख़ाकिस्तर (خاکستر) फ़ा स्त्री –राख, भस्म, जली हुई वस्तु का अवशेष।
ख़ाकिस्तरी (خاکستری) फ़ा स्त्री –मटमैला रंग, मटमैले रंग का।
ख़ाकी (خاکی) फ़ा वि –मिट्टी से सम्बन्धित, मिट्टी का बना हुआ, मृण्मय, ख़ाकी रंग।
ख़ाकी निहाद (خاکی نہاد) फ़ा वि –जिसकी रचना मिट्टी से हुई हो, प्राणिवर्ग, मनुष्य।
ख़ाके अग़्बर (خاک اغبر) फ़ा स्त्री –पृथ्वी, भूगोल।
ख़ाके जिगरगीर (خاک جگرگیر) फ़ा स्त्री –ऐसा स्थान जहा से मन कहीं और जाने को न करे।
ख़ाके पा (خاک پا) फ़ा स्त्री –पाँव की धूल, पदरज, पदार, बोलनेवाला बडे आदमी से संबोधन करते हुए अपने को भी कहता है।
ख़ाके फ़रामोशाँ (خاک فراموشاں) फ़ा स्त्री –समाधि-क्षेत्र, क़ब्रिस्तान।
ख़ाके मुरक्कब (خاک مرکب) फ़ा अ स्त्री –प्राणिवर्ग, वनस्पतिवर्ग और पाषाणवर्ग का समाहार।
ख़ाके मुर्दः (خاک مردہ) फ़ा स्त्री –ऐसी भूमि जिसमें कुछ उत्पन्न न हो, ऊसर, बंजर।
ख़ाके शिफ़ा (خاک شفا) फ़ा अ स्त्री –रोगमुक्त करनेवाली मिट्टी, किसी महात्मा या वली के द्वार की धूल, करबला की मिट्टी जिसकी मालाएँ आदि बनती है।
ख़ाके सियाह (خاک سیاہ) फ़ा स्त्री –जलकर काली राख बना हुआ, भस्मसात्, भस्मीभूत।
ख़ाग (خاگ) फ़ा पु –मुर्ग़ी का अडा।
ख़ागीन (خاگینہ) फ़ा पु –अडो का आमलेट।
ख़ाज (خازہ) फ़ा पु –सनी हुई मिट्टी जो दीवारो पर लेसी जाती है।
ख़ाज (خاج) अ स्त्री –ईसाइयो की सलीब, क्रास।
ख़ाज़न (خازنہ) फ़ा स्त्री –साली, पत्नी की बहन।
ख़ाज़िक़ (خازق) अ पु –निशाने पर लगा हुआ तीर।
ख़ाज़िन (خازن) अ वि –ख़ज़ानची, कोषाध्यक्ष।
ख़ाज़े' (خاضع) अ वि –विनम्रता और विनती करनेवाला, विनम्र, सुशील।

ख़ात (خات) फ़ा स्त्री –चील, चिल्ल, एक प्रसिद्ध पक्षी।
ख़ातम (خاتم) अ स्त्री –अँगूठी, मुद्रा, मोहर लगाने की अँगूठी।
ख़ातमकार (خاتمکار) अ फ़ा वि –वह व्यक्ति जो हाथी-दांत आदि के बेलबूटे बनाकर लकडी आदि मे जडता है।
ख़ातमकारी (خاتمکاری) अ फ़ा –हाथी-दात या दूसरी वस्तु के बेलबूटे बनाकर लकडी आदि मे जडने का काम।
ख़ातमबंद (خاتم بند) अ फ़ा दे –'ख़ातमकार'।
ख़ातमबंदी (خاتم بندی) अ फ़ा स्त्री दे –'ख़ातमकारी'।
ख़ातिफ़ (خاطف) अ वि –उचक ले जानेवाला, उडा ले जानेवाला, आँखो की ज्योति उडा ले जानेवाला।
ख़ातिब (خاطب) अ वि –वह पुरुष जो स्त्री की चाह मे हो, वह स्त्री जो पुरुष की चाह मे हो, दामाद।
ख़ातिमः (خاتمہ) अ पु –अन्त, अख़ीर, परिणाम, अंजाम, मृत्यु, मौत।
ख़ातिमः बिलख़ैर (خاتمہ بالخیر) अ पु –सद्‌गति-लाभ मोक्ष-प्राप्ति, नजात का हुसूल।
ख़ातिम (خاتم) अ वि –ख़त्म करनेवाला, समाप्त करने-वाला, सबके पीछेवाला, बादवाला।
ख़ातिर (خاطر) अ स्त्री –वह विचार जो मन मे उत्पन्न हो, हृदय, मन, दिल, सम्मान, सत्कार, तवाज़ो', लिहाज़। आदर, लिए, वास्ते, निमित्त।
ख़ातिरख़्वाह (خاطرخواہ) अ फ़ा वि –मनचाहा, मनो-वाछित।
ख़ातिरदार (خاطردار) अ फ़ा वि –आदर-सत्कार करने-वाला, आव-भगत करनेवाला।
ख़ातिरदारी (خاطرداری) अ फ़ा स्त्री –आवभगत, आदर-सत्कार, ख़ातिर-तवाज़ो।
ख़ातिरन् (خاطراً) अ वि –दिल रखने के लिए।
ख़ातिरनशाँ (خاطرنشاں) अ फ़ा वि –दे 'ख़ातिरनशीं', वही शुद्ध है।
ख़ातिरनशीं (خاطرنشیں) अ फ़ा वि –हृदय में जमनेवाली बात, बोधगम्य, हृद्यगम।
ख़ाती (خاطی) अ वि –जान-बूझकर अपराध करनेवाला।
ख़ातून (خاتون) तु स्त्री –सभ्य और शिष्ट स्त्री, महिला।
ख़ातूने अरब (خاتون عرب) तु अ स्त्री –का'बः।
ख़ातूने ख़ानः (خاتون خانہ) तु फ़ा स्त्री –घर मे रहने-वाली स्त्री, गृहिणी, गृहस्वामिनी, धर्मपत्नी, मनकूहा बीवी, चिराग़ेख़ान।
ख़ातूने फ़लक (خاتون فلک) तु अ स्त्री –सूर्य, रवि, सूरज।
ख़ातूने महफ़िल (خاتون محفل) तु अ स्त्री –सबके सामने

आनेवाली और सबसे मिलनेवाली स्त्री, सोसाइटी गर्ल, शमए-अंजुमन।

ख़ातूने यग़्मा (خاتون یغما) तु स्त्री—सूर्य, रवि, सूरज।

ख़ाद (خاد) फा स्त्री—दे 'ख़ात'।

ख़ादिमः (خادمہ) अ स्त्री—दासी, परिचारिका, नौकरानी।

ख़ादिम (خادم) अ वि—दास, सेवक, नौकर।

ख़ादिमुलख़ुद्दाम (خادم الخدام) अ वि—नौकरो का नौकर, दासानुदास, बहुत ही तुच्छ।

ख़ादे' (خادع) अ वि—धोखा देनेवाला, छली, मक्कार।

ख़ान: (خانہ) फा पु—गृह, गेह, घर, सदूक आदि का ख़ाना, रजिस्टर आदि का ख़ाना, जन्मकुडली आदि का घर, छेद, विवर।

ख़ान'आबाद (خانہ آباد) फा वा—घर आबाद रहे, एक आशीर्वाद।

ख़ान'आबादाँ (خانہ آباداں) फा अ वि—वह व्यक्ति जो बहुत अधिक परिश्रम करता हो, निडर और बेधडक आदमी।

ख़ान'आबादी (خانہ آبادی) फा स्त्री—विवाह, ब्याह, शादी।

ख़ान कन (خانہ کن) फा वि—घरबार नष्ट कर देनेवाला व्यक्ति, धन-सपत्ति उडा डालनेवाला, कुपूत, कुलघातक।

ख़ान कनी (خانہ کنی) फा स्त्री—घरबार तबाह कर देना, धन मे आग लगा देना, कपूतपन।

ख़ान ख़राब (خانہ خراب) फा वि—जिसका घरबार और धन आदि सब नष्ट हो गया हो, अभागा, भाग्यहीन, बदनसीब।

ख़ान ख़राबी (خانہ خرابی) फा अ स्त्री—घरबार और धन-दौलत का नाश, अभागापन, भाग्यहीनता, बदकिस्मती।

ख़ान.ख़्वाह (خانہ خواہ) फा वि—मुसाफिर के जान-पहचान का घर जहाँ वह उतरे।

ख़ान.जगी (خانہ جنگی) फा स्त्री—किसी देश के भीतर की आपसी लडाई, अत कलह, गृह-युद्ध।

ख़ान जाद (خانہ زاد) फा वि—घर मे उत्पन्न, घर का पैदा हुआ, घर की लौडी से उत्पन्न, दासीपुत्र, इस शब्द का प्रयोग वक्ता अपने लिए भी करता है।

ख़ान तलाशी (خانہ تلاشی) फा तु स्त्री—पुलिस आदि की ओर से घर की तलाशी।

ख़ान दामाद (خانہ داماد) फा पु—वह दामाद जो अपना घर छोडकर सुसराल मे रहे।

ख़ान' दामादी (خانہ دامادی) फा स्त्री—दामाद का अपना घर छोडकर सुसराल मे रहना, दामाद से सुसराल मे रहने की शर्त पर शादी करना।

ख़ान'दार (خانہ دار) फा वि—गृहस्थ, घरेलू जीवन व्यतीत करनेवाला, घर का स्वामी, घर का व्यक्ति, द्वारपाल, दरबान।

ख़ानःदारी (خانہ داری) फा स्त्री—घर-गृहस्थी का जंजाल, घरेलू जीवन।

ख़ान नशी (خانہ نشیں) फा वि—सासारिक विषय-वासनाओ से निवृत्त होकर एकान्त मे रहनेवाला।

ख़ान.नशीनी (خانہ نشینی) फा स्त्री—ससार के झगड़ो से मुक्त होकर एकान्त मे जीवन व्यतीत करना।

ख़ान'पुरी (خانہ پری) फा स्त्री—किसी फार्म या रजिस्टर के ख़ानो का भरना, केवल दिखाने या छूछा उतारने के लिए बेदिली से कोई कार्य करना।

ख़ान.बख़ान. (خانہ بخانہ) फा वि—घर-घर, हर घर मे।

ख़ानःबदोश (خانہ بدوش) फा वि—घर का सामान साथ रखकर, इधर-उधर जीवन बितानेवाला, खानारजीवी।

ख़ान बदोशी (خانہ بدوشی) फा स्त्री—इधर-उधर घूम-फिरकर जीवन बिताना।

ख़ान.बरदाज़ (خانہ برانداز) फा वि—घर को विनष्ट करनेवाला, गृह-घातक।

ख़ान बरअदाज़ (خانہ برانداز) फा वि—दे 'ख़ान बरदाज़', दोनो शुद्ध है।

ख़ान बरबाद (خانہ برباد) फा वि—दे 'ख़ान ख़राब'।

ख़ान बरबादी (خانہ بربادی) फा स्त्री—दे 'ख़ान ख़राबी'।

ख़ान'बाग़ (خانہ باغ) फा पु—वह बाग जो घर से मिला हो, गृहवाटिका, गृहोद्यान, पाईबाग।

ख़ान बुस्ताँ (خانہ بستاں) फा पु—दे 'ख़ान बाग़'।

ख़ान रस (خانہ رس) फा वि—घर मे पकाया हुआ फल, पाल का मेवा।

ख़ान वीराँ (خانہ ویراں) फा वि—दे 'ख़ान ख़राब'।

ख़ान वीरानी (خانہ ویرانی) फा स्त्री—दे 'ख़ान ख़राबी'।

ख़ान.शुमार (خانہ شمار) फा वि—घरो की गिनती करनेवाला।

ख़ान शुमारी (خانہ شماری) फा स्त्री—घरो की गिनती।

ख़ान साज़ (خانہ ساز) फा वि—घर का बना हुआ, घर की बनी हुई वस्तु, गृह-निर्मित।

ख़ान सियाह (خانہ سیاہ) फा वि—अभागा, बदनसीब, कृपण, कजूस।

ख़ान सोज़ (خانہ سوز) फा वि—घर की सपत्ति फूंक डालनेवाला, घर को नष्ट कर देनेवाला।

ख़ान सोज़ी (خانہ سوزی) फा स्त्री—घर की सपत्ति नष्ट कर देना, घर बरबाद कर देना।

ख़ान (خان) तु पु –अध्यक्ष, अमीर, सरदार, बहुत बडा और प्रतिष्ठित व्यक्ति।

ख़ान (خان) फा पु –'ख़ाल' का लघु, जो यौगिक शब्दो मे व्यवहृत है, जैसे—'खानमाँ', पठान, काबुली।

ख़ानए ख़ुदा (خانۂ خدا) फा पु –ईश्वर का घर, उपासनालय, मस्जिद।

ख़ानए ख़ुर्शीद (خانۂ خورشید) फा पु –सिंहराशि, बुर्जे असद।

ख़ानए चश्म (خانۂ چشم) फा पु –वह गढा जिसमे आँख का ढेला रहता है, आखरूपी घर, जिसमे प्रेमिका का निवास होता है।

ख़ानए तीर (خانۂ تیر) फा पु –मिथुन राशि, बुर्जे जौजा।

ख़ानए दिल (خانۂ دل) फा पु –हृदयरूपी घर, हृद्देश, जिसमे प्रेयसी का निवास रहता है।

ख़ानए बेतकल्लुफ़ (خانۂ بے تکلف) फा अ पु –ऐसा घर जहाँ तकल्लुफ न करना पडे।

ख़ानए माही (خانۂ ماهی) फा पु –नदी तालाब आदि, जहाँ मछलियाँ रहती हो।

ख़ानकाह (خانقاه) फा स्त्री –फकीरो और साधुओ के रहने का स्थान, आश्रम।

ख़ानगी (خانگی) फा वि –निजी, ज़ाती, घरेलू, घर-गृहस्थी सम्बन्धी, (स्त्री) वह घरेलू स्त्री जो व्यभिचारिणी हो, बिना ब्याही स्त्री जो घर मे स्त्री की तरह रख ली गयी हो, उपपत्नी, रखेली, रखैल, बैठाली स्त्री।

ख़ानदान (خاندان) फा प –वश, कुल, परिवार, घराना।

ख़ानदानी (خاندانی) फा वि –खानदान का, वश सम्बन्धी, वश का व्यक्ति, स्वजन, अज़ीज़, कुलीन, शरीफ, (व्यग) अकुलीन, दोगला।

ख़ानम (خانم) तु स्त्री –ख़ान की स्त्री, बडे घर की स्त्री, महिला।

ख़ानवाद (خانواد) फा पु –वश, कुल, खानदान।

ख़ानसामाँ (خانساماں) फा पु –खाने की मेज़ या दस्तरख्वान का प्रबध करनेवाला, बावरची, रसोइया।

ख़ानिक़ (خانق) अ वि –गला घोटनेवाला, गला घोटकर मार डालनेवाला।

ख़ानी (خانی) फा वि –छोटा हौज।

ख़ाने' (خانع) अ वि –दुराचारी, बदकार, बुरा विचार रखनेवाला, बदगुमान।

ख़ानोमाँ (خان وماں) फा पु –गृहस्थी का सामान, गृह-सामग्री।

ख़ान्माँ (خانماں) फा पु –दे 'खानोमाँ'।

ख़ान्माँख़राब (خانماں خراب) फा वि –दे 'ख़ान ख़राब'।

ख़ान्माँबरबाद (خانماں برباد) फा वि –दे 'ख़ान बरबाद'।

ख़ाफ़िक़ैन (خافقین) अ पु –पूरब और पच्छिम।

ख़ाफ़िज़ा (خافضه) अ स्त्री –वह स्त्री जो स्त्रियो के ख़त्ने करे।

ख़ाफ़िज़ (خافض) अ वि –नीचे लानेवाला, पस्त करनेवाला, अक्षर पर 'ज़ेर' देनेवाला, ईश्वर का एक नाम, जिसका अर्थ है, अत्याचारियो को अपमानित करनेवाला।

ख़ाफ़िया (خافیه) अ वि –दिया हुआ, गुप्त।

ख़ाबिय (خابیه) अ पु –सिर्का आदि रखने की मटकी, मर्तबान।

ख़ाबूर (خابور) अ पु –एक घास, एक चश्मा, एक गाँव।

ख़ाम (خامه) फा पु –लेखनी, कलम।

ख़ाम फ़र्सा (خامه فرسا) फा वि –कलम घिसनेवाला, अर्थात् लिखनेवाला, ख़ाम बर्दार, लेखक, राइटर।

ख़ाम फ़र्साई (خامه فرسائی) फा स्त्री –लिखना, तहरीर करना, ख़ाम बर्दारी, लेखन-कार्य।

ख़ाम (خام) फा वि –कच्चा, अपरिपक्व, असस्कृत, नातज्रिब कार, अनुभवहीन, ख़ालिस, निष्केवल, कच्ची शराब।

ख़ाम [म्म] (خام) अ पु –सडा हुआ मास।

ख़ामअक्ल (خام عقل) फा वि –जिसकी समझ-बूझ कच्ची हो, अपरिपक्वमति, नातज्रिब कार, अननुभवी।

ख़ामअक्ली (خام عقلی) फा अ स्त्री –समझ-बूझ का कच्चापन, नातज्रिब कारी, अनुभवहीनता।

ख़ामकार (خامکار) फा वि –मिथ्या कार्य करनेवाला, मिथ्याकारी, अननुभवी।

ख़ामकारी (خامکاری) फा स्त्री –मिथ्या काम करना, अनुभवहीनता।

ख़ामख़याल (خام خیال) फा अ –मूर्ख, बेवुकूफ, जिसकी विचारधारा ठीक न हो, जो ठीक बात को गलत समझे, कच्चा विचार, गलत विचार।

ख़ामख़याली (خام خیالی) फा अ स्त्री –मूर्खता, ठीक बात को गलत समझना, विचार ठीक न होना।

ख़ामख़ू (خام خو) फा वि –नादान, मूर्ख, नातज्रिब कार, अननुभवी।

ख़ामचर्म (خام چرم) फा वि –मनुष्य की देह, इसानी जिस्म।

ख़ामतब्अ (خام طبع) फा अ वि –नासमझ, मदमति।

ख़ामतब्ई (خام طبعی) फा अ स्त्री –नासमझी।

ख़ामतमा' (خام طمع) फा अ वि –लालची, लोभी, लोलुप।

ख़ामदस्त (خام دست) फा वि –जिसे काम का अभ्यास न हो, अनभ्यस्त, फ़जूलखर्च, अपव्ययी, अननुभवी।
ख़ामदस्ती (خام دستی) फा स्त्री –काम का अनभ्यास, अनाडीपन, फ़ुजूलखर्ची, अपव्यय, अननुभव।
ख़ामपारः (خام پارہ) फा स्त्री –(गाली) वह स्त्री जिसका कौमार्य नष्ट हो गया हो, क्षतयोनि, व्यभिचारिणी, छिनाल।
ख़ामरीश (خام ریش) फा वि –मूर्ख, घामड, बुद्धू, विदूषक, मस्खरा।
ख़ामसोज़ (خام سوز) फा वि –वह पदार्थ जो ऊपर से जल गया हो, परन्तु भीतर कच्चा हो।
ख़ामसोज़ी (خام سوزی) फा स्त्री –ऊपर से जल जाना और भीतर कच्चा रहना।
ख़ामिल (خامل) अ वि –ऐसा व्यक्ति जिसे कोई याद न करे, गुमनाम, तुच्छ।
ख़ामिस (خامس) अ वि –पाँचवाँ, पचम।
ख़ामी (خامی) फा स्त्री –कच्चापन, अपरिपक्वता, नातजिब्र कारी, अनुभवहीनता।
ख़ामुशी (خامشی) फा स्त्री –'ख़ामोशी' का लघु, दे 'ख़ामोशी'
ख़ामोश (خاموش) फा वि –चुप, निर्वाक्, नीरव, अवाक्, मौन, शान्त, साकिन।
ख़ामोशी (خاموشی) फा स्त्री –नीरवता, मौन, चुप्पी, सन्नाटा।
ख़ाय (خایہ) फा पु –अडा, अड, अडकोष, फोता।
ख़ायःबरदार (خایہ بردار) फा वि –झूठी और गिरी हुई खुशामद करनेवाला, बहुत ही तुच्छ खुशामदी, चाटुकार।
ख़ाय.बरदारी (خایہ برداری) फा स्त्री –झूठी और तुच्छ खुशामद, चाटुकर्म।
ख़ायःरेज़ (خایہ ریز) फा पु –ख़ागीन, आमलेट, अडो का चीला।
ख़ायस्क (خایسک) फा पु –सुनारो या लुहारो का हथौडा।
ख़ायिस्क (خایسک) फा पु –दे 'ख़ायस्क', दोनो शुद्ध है।
ख़ार. (خارہ) फा पु –एक बहुत ही कठोर पत्थर, ख़ारा, एक वस्त्र जो सूरज की धूप मे फट जाता है।
ख़ार (خار) फा पु –काँटा, कटक, चुभने और कष्ट देनेवाली बात, पक्षी के पाँव का काँटा।
ख़ारकश (خارکش) फा वि –लकडहारा, लकडी काटने और बेचनेवाला।
ख़ारकशी (خارکشی) फा स्त्री.–लकडहारे का काम।
ख़ारख़सक (خارخسک) फा पु –गोखरू, गोक्षुर।
ख़ारज़ार (خارزار) फा वि –सोच मे पडा हुआ, चिन्तित, उद्विग्न, परेशान, (पु) फ़िक्र, चिन्ता, लगाव, सम्बन्ध।
ख़ारचग (خارچنگ) फा पु –कर्कट, केकडा।
ख़ारचीं (خارچیں) फा पु –काँटो की बाड जो खेतो के चारो ओर लगा देते है।
ख़ारदार (خاردار) फा वि –कँटीला, काँटेदार।
ख़ारपुश्त (خارپشت) फा स्त्री –साही, शल्लकी, एक जतु जिसकी पीठ पर लबे काटे होते है।
ख़ारबद (خاربند) फा पु –दे 'ख़ारची'।
ख़ारबस्त (خاربست) फा पु –दे 'ख़ारची'।
ख़ारशुतुर (خارشتر) फा पु –एक काँटेदार झाड, जिसे ऊँट बडे प्रेम से खाता है, ऊँटकटारा।
ख़ारा (خارا) फा पु –एक बहुत ही कठोर पत्थर, ख़ार, एक रेशमी कपडा जो लहरियेदार होता है।
ख़ाराशिकन (خاراشکن) फा वि –दे 'ख़ाराशिगाफ़'।
ख़ाराशिगाफ़ (خاراشگاف) फा वि –पत्थर मे छेद कर देनेवाला, पाषाणभेदी, प्रस्तरभेदी।
ख़ारिद (خارندہ) फा वि –खुजानेवाला।
ख़ारिक (خارق) अ वि –फाडनेवाला, विदारक।
ख़ारिक़े आदात (خارق عادات) अ पु –चमत्कार, मो'जिज़ा करामात, करिश्मा।
ख़ारिज (خارجہ) अ पु –पृथक्, अलग, रसीद का दूसरा परत, विदेशी, परराष्ट्रीय।
ख़ारिज (خارج) अ वि –निकलनेवाला, निकला हुआ, रद किया हुआ, बहिष्कृत, बिरादरी से ख़ारिज।
ख़ारिज अज़ अक्ल (خارج از عقل) अ फा वि –जो बात समझ से बाहर हो, ज्ञानातीत, जो व्यक्ति बुद्धि से ख़ारिज हो, मूर्ख।
ख़ारिज अज़ आहग (خارج از آہنگ) अ फा वि –जो बात बिना इरादे के हो, जो स्वर स्थान से विचलित हो।
ख़ारिज अज़ क़ियास (خارج از قیاس) अ फा वि –अनुमान से अधिक, बहुत अधिक।
ख़ारिज अज़ बहस (خارج از بحث) अ फा वि –जो बात असगत हो, जो बात सर्वमान्य हो, निर्विवाद बात।
ख़ारिज आहगी (خارج آہنگی) अ फा स्त्री –स्वर का विचलित हो जाना।
ख़ारिज क़िस्मत (خارج قسمت) अ पु –वह सख्या जो भाग देने से प्राप्त हो, लब्धि, भजनफल, भागफल।
ख़ारिजन् (خارجا) अ वि –उडते-उडते, अविश्वस्त रूप से (सुनने के लिए प्रयुक्त होता है)।
ख़ारिजी (خارجی) अ वि –बाहरी, बाह्य, मुसलमानो का एक समुदाय जो हज़रत अली को नही मानता।

खारिजुलअक़्ल (خارج العقل) अ वि दे–'खारिज अज़ अक्ल'।

खारिजुलबलद (خارج البلد) अ वि–वतन से निकाला हुआ, देश-निष्कासित, जलावतन।

खारिफ (خارف) अ वि–खजूरो की देखरेख करनेवाला।

खारिम (خارم) अ वि–नाक काटनेवाला, नथने छेदनेवाला, शरारती, उपद्रवी।

खारिश (خارش) फा स्त्री–खुजली, कड्डू, खर्ज्, विचर्चिका, खाज।

खारिश्त (خارشت) फा स्त्री दे–'खारिश'।

खारिश्ती (خارشتی) फा वि–जिसे खाज हो, खुजली का मरीज़।

खारिशी (خارشی) फा वि दे–'खारिश्ती'।

खारिस्तान (خارستان) फा पु–काँटो का जगल, जहाँ काँटे ही काँटे हो।

खारीद: (خاریدہ) फा वि–खुजलाया हुआ।

खारीदनी (خاریدنی) फा वि–खुजलाने के लाइक।

खारे अक़रब (خار عقرب) अ फा पु–मिरीख, कज्दुम, विच्छू का डक, नामुवारक, मनहूस, अशुभ।

खारे मुग़ीलाँ (خار مغیلاں) फा पु–ववूल का काँटा, वव्वूर-कटक।

खारोखस (خاروخس) फा पु–कूडा-करकट।

खारोखसक (خاروخسک) फा पु दे–'खारखसक'।

खाल: (خالہ) अ स्त्री–माँ की वहन, मामी, मौसी, मातृष्वसा।

खाल: (خالہ) फा पु–छाला, फफोला।

खाल जाद (خالہ زاد) अ फा वि–मौसी का लडका या लडकी।

खाल (خال) अ पु–तिल, विन्दु, शरीर का काला दाग, मामूँ, माँ का भाई, श्रेष्ठता, बुजुर्गी, मेवा, वुद्धि, अक्ल, अहकार, अभिमान, गुरूर।

खाल खाल (خال خال) अ वि–कही-कही, यदा-कदा, कोई-कोई, वहुत कम।

खालिक (خالق) अ वि–उत्पत्तिकर्ता, पैदा करनेवाला, सृष्टिकर्ता, स्रष्टा, ईश्वर।

खालिके कुल (خالق کل) अ पु–ब्रह्माड की हर वस्तु उत्पन्न करनेवाला, सर्वस्रष्टा, ईश्वर।

खालिद (خالد) अ वि–हमेशा रहनेवाला, नित्य, अनश्वर, इस्लाम का एक प्रसिद्ध सेनापति।

खालिफ: (خالفہ) अ वि–वहुत अधिक प्रतिकूल पुरुष, जिससे किसी को यश न हो, रावटी का खभा।

खालिफ (خالف) अ वि–पानी खीचनेवाला, पीछे छूटा हुआ, जो पीछे रह गया हो, ऐसा व्यक्ति जो यशहीन हो।

खालिय: (خالیہ) अ वि–प्राचीन, पुरातन, कदीम, पिछला, गुजरा हुआ, गत।

खालिस (خالصہ) अ पु–राजा की निजी और ज़ाती भूमि और जायदाद, निर्मल, निष्केवल, खालिस, सिक्खो का एक सम्प्रदाय (खालसा)।

खालिस (خالص) अ वि–वेमेल, विशुद्ध, निष्केवल, निश्छल, मुख्लिस, केवल, सिर्फ।

खालिसुन्नस्ल (خالص النسل) अ वि–जिसके वश मे कोई दोष न हो, कुलीन।

खालिसुलअस्ल (خالص الاصل) अ वि दे–'खालिसुन्नस्ल'।

खाली (خالی) अ वि–जिसमे कुछ भरा न हो, रिक्त, जिसमे कोई रहता न हो, गैर आवाद, केवल, सिर्फ।

खाली अज़ अक्ल (خالی از عقل) अ फा वि–वुद्धिहीन, मूर्ख,वेवकूफ।

खाली अज़ इल्लत (خالی از علت) अ फा वि–विना वाधा का, विना दोष का।

खालू (خالو) अ पु–माँ का भाई, मामूँ, परन्तु इस समय माँ की वहन के पति को कहते है, (माँ की वहन, खाला, मौसी)।

खाले' (خالع) अ वि–वह स्त्री जिसे पति ने छोड दिया हो, वह पति जिसे स्त्री ने छोड दिया हो, खूब पका हुआ खजूर।

खाले आरिज़ (خال عارض) अ पु–गाल का तिल।

खाले रुख (خال رخ) अ फा पु–मुँह का तिल, गाल का तिल।

खावद (خاوند) फा वि–खुदावद का लघु, स्वामी, मालिक, पति, शौहर (खाविंद)।

खावदी (خاوندی) फा स्त्री–स्वामित्व, मालिकीयत, पतित्व, शौहरपन।

खावर (خاور) फा वि–पूर्व दिशा, पूरव, मश्रिक, पश्चिम दिशा, पच्छिम, मग्रिव।

खाविय (خاویہ) अ वि–रिक्त, खाली, पडा हुआ, उफ्ताद।

खाश (خاشہ) फा पु–कूडा-करकट।

खाश (خاس) फा स्त्री–सास, पति की माँ, पत्नी की माँ।

खाशाक (خاشاک) फा पु–कूडा-करकट।

खाशे' (خاشع) अ वि–विनम्र, विनीत, खाकसार।

खास (خاصہ) अ पु–राजाओ और वादशाहो का खाना।

खास (स्स) (خاص) अ वि–विशेष, मख्सूस, मुख्य, प्रधान।

खासगी (خاصگی) अ फा पु–राजाओ के पास उठने-वैठने-वाला, सेनापति, (स्त्री) वह वाँदी जिससे राजा सभोग करता हो, राजा की रखैल दासी, हर अच्छी और सुन्दर वस्तु।

ख़ासदान (خاصدان) अ फा पु –पान रखने का पात्र-विशेष।
ख़ासनवीस (خاص نویس) अ फा वि –पर्चानवीस, जो बादशाहों को हर बात की सूचना देता हो, निजी लेखक, पर्सनल असिस्टेंट।
ख़ासबरदार (خاص بردار) अ फा पु –वह नौकर जो बदूक या बल्लम लेकर मालिक के आगे चलता है।
ख़ासियत (خاصیت) अ स्त्री –गुण, सिफ्त, धर्म, गुण, मिजाज, स्वभाव, आदत।
ख़ासिरः (خاصرہ) अ स्त्री –कमर और पेडू।
ख़ासिर (خاسر) अ वि –वह व्यक्ति जो स्वय अपना नुकसान करे, जिसे माल मे घाटा आया हो।
ख़ासीयत (خاصیت) अ स्त्री दे –'ख़ासियत', दोनो शुद्ध हैं।
ख़ासोआम (خاص و عام) अ पु –छोटे-बडे सब व्यक्ति, सर्व-साधारण, अवाम।
ख़ास्स॰ (خاصہ) अ पु दे –'ख़ासियत'।
ख़ास्सीयत (خاصیت) अ स्त्री दे –'ख़ासियत', सबसे अधिक शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु प्रचलित 'ख़ासियत' ही है।
ख़ाहाँ (خاہاں) फा वि दे –'ख्वाहाँ'।
ख़ाहिश (خواہش) फा स्त्री दे –'ख्वाहिश'।

ख़ि

ख़िंग (خنگ) फा वि –श्वेत, सफ़ेद, सफ़ेद घोडा, श्वेताश्व।
ख़िंगबुत (خنگ بت) फा पु –श्वेत मूर्ति, सफ़ेद बुत, बिल्लूर का पियाला, गोरा मा'शूक।
ख़िंग मगसी (خنگ مگسی) फा पु –सफ़ेद घोडा, जिस पर काली बुँदकियाँ हों।
ख़िंजीर (خنزیر) अ पु –हड्डी सुलगने की दुर्गंध।
ख़िंजीर (خنزیر) अ पु –शूकर, वराह, सुअर।
ख़िंसर (خنصر) अ स्त्री दे –'ख़िंसिर'।
ख़िंसिर (خنصر) अ स्त्री –हाथ की सबसे छोटी उँगली, छिगुली, कनिष्ठा, कनिष्ठिका, कनीनिका।
ख़िज़र (خضر) अ पु –यह उच्चारण अशुद्ध है, केवल 'ख़िज्र' और 'ख़जिर' शुद्ध हैं।
ख़िज़ाँ (خزاں) फा स्त्री –दे शु उच्चारण 'ख़ज़ाँ'।
ख़िज़ान. (خزانہ) अ पु –दे 'ख़ज़ान', शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू मे प्रचलित 'ख़ज़ान' ही है।
ख़िज़ानगी (خزانگی) फा स्त्री –ऐसी सुन्दर और बहुमूल्य वस्तु जो राजाओ के योग्य हो।
ख़िज़ाब (خضاب) अ पु –बालो के रँगने का मसाला, रँगा हुआ हाथ, एक तारा जिसके बीच आदाक में आने पर जो दुआ माँगी जाय वह पूरी होती है।
ख़िज्र (خضر) अ पु –एक अमर पैगम्बर जिनके अधिकार मे वन हैं और जो भूले-भटको को मार्ग बताते हैं, एक समुद्र, कैस्पियन, लम्बी आयु का फरिश्ता—"गुजार दूँ तेरे गम मे जो उम्रे ख़िज्र मिले"।
ख़िज्रसूरत (خضرصورت) अ वि –जो देखने मे हज़रत ख़िज्र की भाँति सहृदय और दयालु हो।
ख़िज्रे मंज़िल (خضر منزل) अ पु –मार्गदर्शक, रहनुमा, ख़िज्र की तरह मंजिल तक रास्ता बतानेवाला,–'क्या मिला ख़िज्र से सिकंदर को—किसको अब रहनुमा करे कोई।"–ग़ालिब।
ख़िज्रे राह (خضر راہ) अ फा पु दे –'ख़िज्रेमंज़िल।
ख़िज़्लान (خذلان) अ पु –वचकता, हीनता, महरूमी, अभागापन, बदकिस्मती, मित्र की सहायता न करना।
ख़िता (خطا) अ स्त्री –शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'ख़ता' बोलते हैं, दे 'ख़ता'।
ख़ितान (ختان) अ पु –ख़त्न, लिंग के सिर की खाल काटना, लिंग का वह भाग जो काटा जाय, लिंगाग्र।
ख़िताब (خطاب) अ पु –उपाधि, लकब, सबोधन, मुख़ातब; सरकार की ओर से मिली हुई उपाधि।
ख़िताबत (خطابت) अ स्त्री –सबोधन, ख़िताब, ख़तीब का काम, भाषण देने का काम, ख़ुत्व पढने का काम।
ख़िताबयाफ़्तः (خطاب یافتہ) अ फा वि –जिसे राज की ओर से उपाधि मिली हो, प्राप्तोपाधि, राज्य-प्रदत्त पदवी पाया हुआ व्यक्ति।
ख़िताम (ختامہ) अ पु –दे 'ख़िताम'।
ख़िताम (ختام) अ पु –चपडा या मोम जिसपर मोहर की जाती है।
ख़िताम (خطام) अ पु –ऊँट की नकेल।
ख़ित्तः (خطہ) अ पु –क्षेत्र, इलाका, प्रदेश, देश, ज़मीन का प्लाट जिस पर घर बनाया जाय।,
ख़ित्ब (خطبہ) अ पु –स्त्री की चाह, व्याह की इच्छा।
ख़ित्बत (خطبت) अ स्त्री –मँगनी, सगाई, वह शब्द जो ख़तीब निकाह के समय पढता है, वह बात जो झगड़ा तै कर दे।
ख़ित्मी (خطمی) अ स्त्री –शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में ख़त्मी बोलते हैं, दे 'ख़त्मी'।
ख़िदफ़ (خدف) अ पु –कुर्ते या अँगरखे के अग।
ख़िदाअ (خداع) अ पु –छल करना, धोखा देना, फरेब करना, छल, कपट, फरेब।
ख़िदाज (خداج) अ पु –हानि, नुकसान, अपूर्ण, नातमाम; समय से पहले जनना, दे 'ख़दाज', दोनों शुद्ध हैं।

खिवारत (حدارت) अ स्त्री –स्त्री का पर्दे में रहना, पर्दानशीनी।

ख़िदेव (حديو) फा पु –राजा, बादशाह, शासक, स्वामी, पति, मालिक।

ख़िद्न (حدن) अ पु –मित्र, दोस्त, प्रेमपात्र, मा'शूक़।

ख़िद्मत (حدمت) अ स्त्री –दासता, गुलामी, सेवा, नौकरी, शुश्रूषा, कार्यक्रम।

ख़िद्मतगार (حدمتگار) अ फा वि –दास, नौकर, ख़िद्मती।

ख़िद्मतगारी (حدمتگاری) अ फा स्त्री –दासता, नौकरी, परिचर्या।

ख़िद्मतगुज़ार (حدمتگزار) अ फा वि –दिल से सेवा करनेवाला, आज्ञापालक, फर्मांबरदार।

ख़िद्मतगुज़ारी (حدمتگزاری) अ फा स्त्री –दिल से सेवा करना, आज्ञापालन करना।

ख़िद्मती (حدمتی) अ वि –सेवक, दास, ख़िद्मतगार।

ख़िद्मते ख़ल्क़ (حدمت خلق) अ स्त्री –जनता की सेवा, देशसेवा।

ख़िद्र (حدر) अ पु –सिंह के रहने की माँद, आड, पर्दा।

ख़िफ़ा (حفا) अ पु –छिपाव, दुराव, पोशीदगी।

ख़िफ़ार (حفاره) अ पु –प्रतिज्ञा-पालन का वचन देना, परस्पर कौल-करार करना, प्रतिज्ञा, वचन, कौल-करार।

ख़िफ़्फ़त (حفت) अ स्त्री –लाज, लज्जा, शर्म, संकोच, नदामत, न्यूनता, कमी।

ख़िफ़्फ़क़ (حمرق) अ वि –निकृष्ट, दूषित, ख़राब, नाक़िस।

ख़िफ़िक़ (حفرق) अ वि –दे 'ख़िफ़्फ़क़'।

ख़िफ़्रीक़ (حمریق) अ वि –दे 'ख़िफ़्फ़क़'।

ख़िबा (حبا) अ पु –ख़ैम, रावटी, तबू।

ख़िब्रत (حبرت) अ स्त्री –परीक्षा, आज़माइश, बुद्धिमत्ता, दानिश, दक्षता, चातुर्य, होशयारी।

ख़िमार (حمار) अ स्त्री –ओढनी, दुपट्टा।

ख़िम्अ (حمع) अ पु –घातक भेडिया।

ख़िम्मीर (حمير) अ वि –जो हर समय शराब में मस्त रहता हो।

ख़ियम (حيم) अ पु –'ख़ैम' का बहु, रावटियाँ, तम्बू, ख़ैमे।

ख़ियरः (حيره) अ पु –'ख़ैर' का बहु, सज्जन लोग, अच्छे और नेक लोग।

ख़ियात (حياط) अ स्त्री –सुई, सूची, सूजी, कपडा सीने की सूजी।

ख़ियातत (حياطت) पु स्त्री –कपडा सीने का काम, सिलाई, सिलाई का पेशा।

ख़ियानत (حيانت) अ स्त्री –गबन, मोपण, अपहरण।

ख़ियानते मुज्रिमानः (حيانت مجرمانه) अ फा स्त्री –निंद्य भावना से धन हथिया लेना।

ख़ियाबाँ (حيابان) फा पु –कियारी, रविश, उद्यान, बाग।

ख़ियाम (حيام) अ पु –'ख़ैम' का बहु., ख़ैमे, तम्बू।

ख़ियार (حيار) अ पु –खीरा, एक प्रसिद्ध फल।

ख़ियारक (حيارک) फा पु –रान की जड में निकलनेवाला फोडा, बद।

ख़ियारज़ (حيارزه) अ फा पु –ककडी, एक प्रसिद्ध फल।

ख़ियारशंबर (حيارشنبر) अ पु –अमलतास, आरग्वध।

ख़ियारैन (حيارين) अ पु –खीरा और ककडी दोनों।

ख़ियू (حيو) फा पु –थूक, मुखस्राव, दे 'ख़यू', दोनों शुद्ध हैं।

ख़िरगाह (حرگاه) फा पु –बडी रावटी, बडा ख़ैम, दे 'ख़रगाह', दोनों शुद्ध हैं।

ख़िरद (حرد) फा स्त्री –बुद्धि, धी, मनीषा, मेधा, अक्ल।

ख़िरदपर्वर (حردپرور) फा वि –दे 'ख़िरदमंद'।

ख़िरदमंद (حردمند) फा वि –मेधावी, मनीषी, बुद्धिमान्, अक्लमंद।

ख़िरदमंदी (حردمندی) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, अक्लमंदी।

ख़िरदवर (حردور) फा वि –दे 'ख़िरदमंद'।

ख़िराज (حراج) अ वि –दे शु उच्चारण 'ख़राज'।

ख़िरातत (حراطت) अ स्त्री –लकडी ख़रादने का काम।

ख़िराम (حرام) फा स्त्री –चाल, गति, रफ्तार, नर्म चाल, मृदुल गति, (प्रत्य) चलनेवाला, जैसे–'सबुकख़िराम' हलकी चाल चलनेवाला।

ख़िरामाँ (حرامان) फा वि –टहलते हुए, टहलनेवाला।

ख़िरामाँ ख़िरामाँ (حرامان حرامان) फा वि –धीरे-धीरे टहलते हुए, हलकी चाल से, मंद गति से।

ख़िरामेनाज़ (حرام ناز) फा स्त्री –इठलाती हुई चाल, मा'शूक़ाना चाल।

ख़िर्क़ः (حرقه) अ पु –गुदडी, फटा-पुराना लिबास, किसी ऋषि या वली के शरीर से उतरा हुआ लिबास।

ख़िर्क़पोश (حرقه‌پوش) अ फा वि –फ़क़ीरों का ख़िर्क़ पहननेवाला, फ़क़ीर, साधु।

ख़िर्क़ (حرق) अ वि –विनोदी, हँसोड, मख़ोलिया, शूर, वीर, बहादुर।

ख़िर्निक़ (حرنق) अ पु –ख़रगोश का बच्चा।

ख़िर्मन (حرمن) फा पु –वह खलियान जिस पर दाँयँ चल गयी हो, भूसा मिला हुआ अन्न, भूसा निकला हुआ अन्न का ढेर।

ख़िर्मने माह (خرمن ماه) फा पु –चाँद का घेरा, हाल, चद्रमडल।

ख़िर्सक (خرسک) फा पु –एक खेल, जिसमे एक घेरे मे एक लडका खडा होता है, और सब लडके उसे मारते है, जिस लडके के शरीर मे वह लडका पाँव मार देता है, उसे उस घेरे मे खडा होना पडता है।

ख़िल [ल्ल] (خل) अ पु –मित्र, दोस्त, सखा, यार।

ख़िलाअ (خلاع) अ स्त्री –'ख़िल्अत' का बहु, ख़िल्अते।

ख़िलाअत (خلاعت) अ स्त्री –रोग के कारण दुखी रहना।

ख़िलाक़ (خلاق) अ पु –एक प्रकार की सुगध।

ख़िलात (خلاط) अ पु –बुद्धि-विकार, अक्ल की ख़राबी, नर और मादा का मेल।

ख़िलाफ़ (خلاف) अ पु –बेन का पेड वेत्र, (वि) विरुद्ध, मुख़ालिफ़, प्रतिकूल, नामुआफ़िक़, प्रत्युत, बरअक्स, शत्रु, दुश्मन।

ख़िलाफ़त (خلافت) अ स्त्री –प्रतिनिधित्व, नुमाइदगी, स्थानापन्नता, क़ाइममक़ामी, मुहम्मद साहब के बाद उनकी जानशीनी।

ख़िलाफ़ते राशिद (خلافت راشده) अ स्त्री –हजरत मुहम्मद के चार ख़लीफ़ाओ का समय और उनकी ख़िलाफ़त।

ख़िलाफ़बयानी (خلاف‌بیانی) अ स्त्री –झूठ कहना, ग़लत बयान करना, मिथ्यावाद।

ख़िलाफ़वर्ज़ी (خلاف ورزی) अ फा स्त्री –अवज्ञा, आज्ञोल्लघन, हुक्मउदूली।

ख़िलाफ़े उम्मीद (خلاف امید) अ फा पु –आशा के ख़िलाफ़, जिसकी आशा न हो, आशा से अधिक, आशातीत।

ख़िलाफ़े क़ाइद (خلاف قاعده) अ पु –नियम के विरुद्ध, उसूल के ख़िलाफ़, क़ानून के विरुद्ध, अवैध।

ख़िलाफ़े क़ानून (خلاف قانون) अ पु –विधान के विरुद्ध, अवैध, नियम के विरुद्ध, क़ाइदे के ख़िलाफ़।

ख़िलाफ़े क़ियास (خلاف قیاس) अ पु –अनुमान के परे, ज्ञानातीत, जो सोचा हो उसके ख़िलाफ़।

ख़िलाफ़े ज़ाबित (خلاف ضابطه) अ पु –दे 'ख़िलाफ़े क़ाइद'।

ख़िलाफ़े तवक्क़ो' (خلاف توقع) अ पु –आशा के ख़िलाफ़, आशातीत।

ख़िलाफ़े तह्ज़ीब (خلاف تهذیب) अ पु –सभ्यता और शिष्टता के विरुद्ध, अश्लील।

ख़िलाफ़े दस्तूर (خلاف دستور) अ फा पु –दे 'ख़िलाफ़े क़ाइद', परपरा के विरुद्ध, रवाज के ख़िलाफ़, नियम-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मर्ज़ी (خلاف مرضی) अ पु –दे 'ख़िलाफ़े मिज़ाज' इच्छा-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मिज़ाज (خلاف مزاج) अ पु –जिस बात को जी न चाहता हो, मर्ज़ी के विरुद्ध, स्वभाव-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मौज़ूअ (خلاف موضوع) अ पु –किसी विषय के अतिरिक्त दूसरा विषय, विषयातर, जो प्रसग चल रहा हो उसके विरुद्ध दूसरा प्रसग, अप्रासगिक।

ख़िलाफ़े वज़्अ' (خلاف وضع) अ पु –अपनी परपरा और वज़ा'दारी के विरुद्ध, परपरा-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े वज़्ए फ़ित्री (خلاف وضع فطری) अ पु –अप्राकृतिक मैथुन, स्त्री के सिवा किसी और से रति-क्रीडा।

ख़िलाफ़े शान (خلاف شان) अ पु –अपनी आनबान के विरुद्ध, अपनी मर्यादा के विरुद्ध।

ख़िलाब (خلاب) अ स्त्री –कीचड, कीच, दे 'ख़लाब', दोनो शुद्ध है परन्तु वह अधिक शुद्ध है।

ख़िलाल (خلال) अ पु –मध्य, बीच, दो वस्तुओ के बीच का अन्तर, मैत्री, दोस्ती, दाँत कुरेदने का तिनका, ताश की बाजी मे मात।

ख़िलाले माइद (خلال مائده) अ पु –सिवैयाँ।

ख़िलाश (خلاش) अ पु –रास्ते की कीचड।

ख़िलास (خلاص) अ पु –ख़ालिस, निष्केवल, खरा चादी और सोना, श्रेष्ठ, उत्तम, प्रेम और सच्चाई।

ख़िल्अत (خلعت) अ स्त्री –राज की ओर से सम्मानार्थ दिये जानेवाले वस्त्र आदि, जो तीन कपडो से कम नही होते, अपने शरीर से उतारकर दूसरे को वस्त्र पहनाना।

ख़िल्अते फ़ाख़िर. (خلعت فاخره) अ स्त्री –पूरा ख़िल्अत, जिसमे सात कपडे, मोतियो की माला, रत्नजटित पगडी का जीग और तलवार आदि होते है।

ख़िल्क़त (خلقت) अ स्त्री –उत्पत्ति, सृष्टि, पैदाइश, जनता, जनसाधारण, अवाम।

ख़िल्क़ी (خلقی) अ वि –पैदाइशी, जन्मसिद्ध, प्राकृतिक, फ़ित्री।

ख़िल्त (خلطه) अ पु –मिश्रण, मिलना, किसी के साथ रहकर जीवन व्यतीत करना।

ख़िल्त (خلط) अ स्त्री –शरीर के अदर वात, पित्त, कफ आदि रस, धातु।

ख़िल्ते फ़ासिद (خلط فاسد) अ स्त्री –दूषित धातु, प्रकुपित धातु, वह वात, पित्त आदि जो बिगड गया हो।

ख़िल्ते सालेह (خلط صالح) अ स्त्री –शुद्ध धातु, वह ख़िल्त जिसमे कोई विकार न हो।

ख़िल्फ़ः (خلفه) अ पु –एक दूसरे के पीछे आना अथवा जाना, एक दूसरे के पीछे आया हुआ।
ख़िल्फ़ (خلف) अ पु –मनुष्य अथवा पशु के स्तन का सिरा, लड़ाका मनुष्य।
ख़िल्म (خلم) फा पु –नाक से निकलनेवाला रेंट।
ख़िल्म (خلم) अ पु –मित्र, सखा, दोस्त, हरिण का ठाह, उसका निवासस्थान।
ख़िश्त (خشت) फा स्त्री –ईंट, इष्टिका, छोटा नेज़ा, साँग, शक्ति।
ख़िश्तक (خشتک) फा पु –कपड़े का वह टुकड़ा जो कुर्ते आदि में बगल के नीचे लगता है, चौबगला।
ख़िश्तबारी (خشت باری) फा स्त्री –ईंटें फेंकना, ईंटों की मार, ईंटबाजी।
ख़िश्म (خشم) फा पु –क्रोध, रोष, कोप, गुस्सा, दे 'ख़श्म' दोनों शुद्ध हैं।
ख़िसादः (خساده) फा पु –दे 'ख़ेसाद,' दोनों शुद्ध हैं, परन्तु प्रचलित वही है।
ख़िसाम (خصام) अ पु –'ख़स्म' का बहु, शत्रु लोग, लड़नेवाले लोग, युद्ध करना, लड़ाई लड़ना।
ख़िसाल (خصال) अ पु –'ख़स्लत' का बहु, स्वभाव, आदतें, प्रकृतियाँ।
ख़िस्कदानः (خسکدانه) फा पु –कुसुम के बीज।
ख़िस्ब (خصب) अ पु –विभव, वैभव, समृद्धि, फ़रागत, घास और सब्जी की बहुतात, गुजान नगर।
ख़िस्सत (خست) अ स्त्री –कृपणता, कंजूसी।
ख़िस्सतमआब (خست مآب) अ वि –बहुत बड़ा कंजूस, मक्खीचूस, कृपण-प्रकृति।

ख़ी

ख़ीक (خیک) फा स्त्री –पानी भरने की मश्क, भस्त्रा।
ख़ीत (خیط) अ वि –सिला हुआ।
ख़ीते बातिल (خیط باطل) अ पु –हवा के वे कण और महीन रेशे जो मकान के सूराख में से दिखायी पड़ते हैं।
ख़ीद (خید) फा पु –गेहूँ और जौ जो पूरे पके न हों और भूनकर चबाये जायँ, दे 'ख़वीद', दोनों शुद्ध हैं।
ख़ीफ़ (خیفه) अ पु –भय, डर, ख़ौफ़।
ख़ीम (خیم) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत।
ख़ीरः (خیره) फा वि –धृष्ट, ढीठ, बेहया, जिसकी आँखों में चकाचौंध हो गयी हो, चौंधयाया हुआ, अंधकारमय, अँधियारा, चकित, हैरान, स्तब्ध, अकारण, बे सबब।
ख़ीरःकुश (خیره کش) फा वि –बिना कारण वध करने-वाला, निर्दय, पाषाण-हृदय, सगदिल।
ख़ीर कुशी (خیره کشی) फा स्त्री –बिना कारण प्राण लेने का कर्म; निर्दयता, बेरहमी।
ख़ीरःचश्म (خیره چشم) फा वि –निर्लज्ज, बेहया, धृष्ट, बेबाक, गुस्ताख़।
ख़ीरःचश्मी (خیره چشمی) फा स्त्री– निर्लज्जता, बेहयाई, धृष्टता, गुस्ताख़ी।
ख़ीर बातिन (خیره باطن) फा अ वि –जिसकी आत्मा पापमयी हो, अत मलिन, बदसिरिश्त।
ख़ीर बातिनी (خیره باطنی) फा अ स्त्री –आत्मा की अशुद्धि, अत मलिनता, बदसिरिश्ती।
ख़ीर.सर (خیره سر) फा वि –उद्दड, सरकश, अवज्ञा-कारी, नाफ़र्मान, स्वच्छद, ख़ुदराय, लोलुप, लालची।
ख़ीरःसरी (خیره سری) फा स्त्री –उद्दडता, अवज्ञा, स्वच्छदता, लोभ।
ख़ीर ख़ीर (خیر خیر) फा वि –मिथ्या, फ़ुज़ूल, बेहूद।
ख़ीरगी (خیرگی) अ स्त्री –आँखों की चकाचौंध, धृष्टता, बेहयाई, अँधेरा, स्तब्धता, हैरानी।
ख़ीरी (خیری) फा स्त्री –दे 'ख़त्मी'।
ख़ीरू (خیرو) फा स्त्री –दे 'ख़त्मी'।
ख़ीवः (خیوه) फा पु –'ख्वारज्म' (रूसी तुर्किस्तान) का एक नगर।
ख़ीवक (خیوق) अ पु –दे 'ख़ीव'।
ख़ीश (خویش) फा पु –दे 'ख़ेश'।
ख़ीस (خیس) अ पु –सिंह के रहने की माँद, कछार, पेड़ों का झुण्ड।
ख़ीस (خیص) अ स्त्री –मसि, सियाही, लिखने की रौशनाई, थोड़ी सजावट, दे 'ख़ैस', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ु

ख़ुदगार (خدگار) फा पु –'ख़ुदावदगार' का लघु, सम्राट्, शहशाह, बादशाह, शासक, 'ख्वादगार' का लघु, शिक्षक, पढ़ानेवाला, अध्यापक।
ख़ुबक (خنبک) फा पु –साज़ के साथ ताल देना, ताली बजाना, फ़क़ीरों के पहनने का एक मोटा कपड़ा, सिर और पूँछ हिलाना, कोलाहल, शोर।
ख़ुसा (خنثی) अ पु –वह पुरुष जिसमें स्त्री और पुरुष दोनों के चिह्न हों, जनाना, नरदारा, शिखण्डी।
ख़ुजद (خجند) फा पु –मावराउन्नह्र का एक छोटा नगर।
ख़ुजस्त (خجسته) फा वि –कल्याणमय, शुभान्वित, मुबारक।

खुजस्त पै (خجسته پے) फा वि –जिसका आगमन कल्याणकर हो, मुबारकक़दम।

खुजस्त राय (خجسته رائے) फा अ वि –जिसकी सलाह बहुत ठीक और शुभान्वित होती हो।

खुजाअ. (خزاعه) अ पु –किसी वस्तु से काटा हुआ खड, टुकडा, अरब का एक वश।

खुजा'बील (خزعبیل) अ वि –अनृत, असत्य, गलत, बातिल।

खुज़ार (خضاره) अ पु –नदी, दर्या।

खुज़ूअ (خضوع) अ पु –नम्रता, विनीति, खाकसारी।

खुज़ूर (خضور) अ पु –'ख़ज़र' का बहु, हरियालियाँ, सब्जियाँ।

खुज़्रत (خضرت) अ स्त्री –हरियाली, हरिमा, सब्जी।

खुज़्री (خضری) अ स्त्री –तरकारी, शाक, सब्जी।

खुज़्रीयात (خضریات) अ स्त्री –तरकारियाँ, सब्जियाँ।

खुज़्रूफ (خضروف) अ वि –युद्ध मे फुर्ती मे लडनेवाला, युद्ध-कुशला (स्त्री) चमडे की फिरकी जिसमे डोरा डालकर घुमाते है।

खुतन (ختن) फा पु –चीन का एक नगर जहाँ की कस्तूरी प्रसिद्ध है।

खुतार (خطار) अ पु –घास-फूस से खेत को साफ करना, जमे हुए खेत मे से घास आदि निकालना।

खुतुवात (خطوات) अ पु –'खुत्व' का बहु, डगे, कदम।

खुतूत (خطوط) अ पु –'खत' का बहु, लकीरे, रेखाएँ, चिट्ठियाँ।

खुतून (ختون) अ पु –दामाद बनना।

खुत्ताफ (خطاف) अ स्त्री –एक प्रसिद्ध चिडिया, अबाबील, पानी खीचने के पुर का कुडा।

खुत्ब (خطبه) अ पु –पुस्तक की भूमिका, प्राक्कथन, उपदेश, धर्मोपदेश, भाषण, बयान, नमाज या निकाह का खुत्ब।

खुत्व (خطوه) अ पु –एक डग, एक कदम, चलते समय दोनो पाँवो के बीच का अतर।

खुद (خود) फा अव्य –स्वय, आप, स्वत, अपने आप।

खुदअदोख्त (خود اندوخته) फा वि –अपने आप कमाकर इकट्ठा किया हुआ धन आदि, स्वोपार्जित।

खुदअ. (خدعه) अ वि –जो दूसरो को छले।

खुदआरा (خود آرا) फा वि –अपने को बना-सँवारकर रखनेवाला (वाली), स्वयसज्जिता, सुसज्जिता।

खुदआराई (خود آرائی) फा स्त्री –अपने आपको बनाने-सँवारने की क्रिया।

खुदइत्मीनानी (خوداطمینانی) फा अ स्त्री –अपने पर इत्मीनान होने का भाव, अपने मन को सतोष होने का भाव।

खुदए'तिमाद (خوداعتماد) फा अ वि –अपने पर भरोसा और विश्वास करनेवाला, आत्मविश्वासी।

खुदए'तिमादी (خوداعتمادی) फा अ स्त्री –अपने पर भरोसा और विश्वास करना, आत्म-विश्वास।

खुदक (خودک) फा पु –मन मे उत्पन्न होनेवाले भ्रम और विचार।

खुदकफालत (خودکفالت) फा अ स्त्री –अपना भार खुद उठाना।

खुदकफील (خودکفیل) फा अ वि –अपना भार स्वय उठानेवाला, स्वावलबी, आत्मावलबी।

खुदकाम (خودکام) फा वि –स्वच्छद, निरकुश, खुदराय।

खुदकामी (خودکامی) फा स्त्री –स्वच्छदता, निरकुशता, खुदरायी।

खुदकुश (خودکش) फा वि –आत्महत्या करनेवाला, खुद को मार डालनेवाला।

खुदकुशी (خودکشی) फा स्त्री –खुद को मार डालना, आत्महत्या।

खुदगरज (خودغرض) फा अ वि –अपने मतलब मे चौकस, केवल अपना स्वार्थ सिद्ध करनेवाला, स्वार्थी, स्वार्थपर।

खुदगरजी (خودغرضی) फा अ स्त्री –स्वार्थपरता, आत्मलाभ, स्वार्थसाधन, खुदमतलबी।

खुदद (خدد) अ पु –'खुद्द' का बहु, सुरगे, भूमि के भीतर के रास्ते।

खुददार (خوددار) फा वि –अपनी प्रतिष्ठा का ध्यान रखनेवाला, स्वाभिमानी।

खुददारी (خودداری) फा स्त्री –अपनी प्रतिष्ठा और मर्यादा की रक्षा, स्वाभिमान, आत्मगौरव, आत्मसम्मान।

खुदनविश्त (خودنوشت) फा वि –अपने कलम का लिखा हुआ, स्वय लिखे हुए अपने हालात।

खुदनुमा (خودنما) फा वि –अपने सौंदर्य अथवा वैभव आदि का प्रदर्शन करनेवाला (वाली), आत्मप्रदर्शी।

खुदनुमाई (خودنمائی) फा स्त्री –अपने हुस्न अथवा अपनी शान-शौकत का प्रदर्शन, आत्मप्रदर्शन।

खुदपरस्त (خودپرست) फा वि –हर बात मे अपना गौरव और अपनी महत्ता जतानेवाला, आत्मपूजक।

खुदपरस्ती (خودپرستی) फा स्त्री –अपने ही को सब कुछ जानने का भाव, आत्म-पूजा।

ख़ुदपसद (خودپسند) फा वि –अपने को सबसे अच्छा और बडा समझनेवाला।

ख़ुदपसदी (خودپسندی) फा स्त्री –अपने को सबसे अधिक पसद करने का भाव।

ख़ुदफ़रामोश (خودفراموش) फा वि –ऐसा अचेत जो अपने को भी भूल जाय, आत्म-विस्मारक, "अपना भी मुतज़िर हूँ तेरे इतज़ार मे"।

ख़ुदफ़रामोशी (خودفراموشی) फा स्त्री –खोया खोया रहना, बेसुध रहना, अपना होश न रहना, आत्म विस्मृति।

ख़ुदफ़रेब (خودفریب) फा वि –अपने को धोखा देनेवाला, अपने को धोखे मे रखनेवाला, आत्मवञ्चक।

ख़ुदफ़रेबी (خودفریبی) फा स्त्री –अपने को धोखे मे रखना, आत्मवञ्चना।

ख़ुदफ़रोश (خودفروش) फा वि –वह व्यक्ति जो धन या पद के लोभ मे अपने राष्ट्र या अपने स्वामी से विश्वासघात करे, आत्म-विक्रेता।

ख़ुदफ़रोशी (خودفروشی) फा स्त्री –अपने को दूसरो के हाथ बेच देना, गद्दारी करना, आत्म-विक्रय।

ख़ुदफ़िगन (خود فگن) फा वि –घोडे का अच्छा चढने-वाला।

ख़ुद ब ख़ुद (خود بخود) फा वि –अपने आप, आपसे आप, स्वत, स्वय।

ख़ुदबदौलत (خود بدولت) फा अ पु –श्रीमान्, महोदय, जनाब, स्वय, आप, आप ख़ुद।

ख़ुदबीं (خودبیں) फा वि –अपने को सब कुछ समझने-वाला, आत्मदर्शी, अहकारी, अभिमानी, मग़रूर।

ख़ुदबीनी (خودبینی) फा स्त्री –अपने को सब कुछ समझना, आत्मदर्शन, अहकार, अभिमान, ग़ुरूर।

ख़ुदमत्लब (خودمطلب) फा अ वि –दे 'ख़ुदग़रज़', स्वार्थ-साधक।

ख़ुदमत्लबी (خودمطلبی) फा अ स्त्री –दे 'ख़ुदग़रज़ी', स्वार्थ-साधन।

ख़ुदमुख़्तार (خودمختار) फा अ वि –स्वेच्छाचारी, निरकुश, मनमानी करनेवाला, स्वतत्र, स्वाधीन, आज़ाद।

ख़ुदमुख़्तारी (خودمختاری) फा अ स्त्री –स्वच्छदता, मन की मौज, स्वतत्रता, स्वाधीनता, आज़ादी।

ख़ुदरफ़्त (خودرفتہ) फा वि –जो अपने आपे मे न हो, सज्ञाहीन, निश्चेष्ट, बेसुध।

ख़ुदरफ़्तगी (خودرفتگی) फा स्त्री –अपने आप मे न होना, निश्चेष्टता।

ख़ुदराई (خودرائی) फा अ स्त्री –अपनी ही राय पर चलना, दूसरे का परामर्श न मानना, स्वेच्छाचार, स्वच्छंदता।

ख़ुदराए (خودرائے) फा अ वि –जो केवल अपने विचारो पर चले और किसी की बात न माने, स्वेच्छाचारी।

ख़ुदरुस्त (خودرستہ) फा वि –दे 'ख़ुद रो'।

ख़ुदरो (خودرو) फा वि –अपने आप उगा हुआ, जो बोया न गया हो।

ख़ुदशनास (خودشناس) फा वि –अपना हलकापन या भारीपन पहचाननेवाला, अपनी जगह पहचाननेवाला।

ख़ुदशनासी (خودشناسی) फा स्त्री –अपना हलका-भारी-पन पहचान कर वैसी ही बात करना, निजज्ञान।

ख़ुदशाँ (خودشاں) फा पु –वह सब।

ख़ुदशिकन (خودشکن) फा वि –विनम्र, विनीत, ख़ाकसार।

ख़ुदशिकनी (خودشکنی) फा स्त्री –विनम्रता, विनीति, ख़ाकसारी।

ख़ुदसना (خودثنا) फा अ वि –दे 'ख़ुदसिता'।

ख़ुदसर (خودسر) फा वि –उद्दड, उजड्ड, अक्खड, अवज्ञा-कारी, नाफ़र्मान, विद्रोही बाग़ी।

ख़ुदसरी (خودسری) फा स्त्री –उद्दडता, उजड्डपन, अवज्ञा, हुक्मउदूली, विद्रोह, बग़ावत।

ख़ुदसवार (خودسوار) फा वि –दे 'ख़ुदराए'।

ख़ुदसवारी (خودسواری) फा स्त्री –दे 'ख़ुदराई'।

ख़ुदसाख़्त (خودساختہ) फा वि –अपना बनाया हुआ, आत्म-निर्मित, मनगढत, कपोल-कल्पित।

ख़ुदसाज़ (خودساز) फा वि –अपनी बाह्य वेशभूषा को सुसज्जित रखनेवाला, अपने आचरण की शुद्धि का प्रयत्न करनेवाला।

ख़ुदसाज़ी (خودسازی) फा स्त्री –अपनी वेशभूषा को सँवारना, अपने आचरण की शुद्धि की कोशिश करना।

ख़ुदसिता (خودستا) फा वि –अपने मुँह मियाँमिट्ठू बननेवाला, आत्मश्लाघी, आत्म-प्रशसक।

ख़ुदसिताई (خودستائی) फा स्त्री –अपने मुँह से अपनी प्रशसा करना, आत्मश्लाघा, आत्मप्रशसा।

ख़ुदसुपुर्दगी (خودسپردگی) फा स्त्री –अपने को किसी के अधिकार मे दे देना, आत्मसमर्पण, अगदान।

ख़ुदा (خدا) फा पु –परमात्मा, ईश्वर, अल्लाह।

ख़ुदाई (خدائی) फा स्त्री –ससार, जगत्, दुनिया, ईश्वरत्व, ख़ुदापन, (वि) दैवी, ग़ैबी, आस्मानी।

ख़ुदातर्स (خداترس) फा वि –ईश्वर से डरनेवाला, दूसरो पर दया करनेवाला, सदय, दयावान्।

ख़ुदातर्सी (خداترسی) फा स्त्री –ईश्वर का भय, दूसरो पर दयाभाव, सदयता, दयालुता।

ख़ुदादाद (خداداد) फा. वि –ख़ुदा का दिया हुआ, ईश्वर-दत्त; जो परिश्रम और प्रयास से न प्राप्त हो बल्कि ईश्वर की कृपा से मिले।

ख़ुदा न ख़्वास्तः (خدا نخواستہ) फा अव्य –ख़ुदा न करे, ईश्वर ऐसा न करे, एक आशीर्वाद का वाक्य, जो किसी अनिष्ट की शका के समय बोलते है, जैसे—'ख़ुदा न ख़्वास्त. चोट आ गयी तो क्या होगा ?'

ख़ुदा ना कर्दः (خدانا کردہ) फा अव्य –दे 'ख़ुदा न ख़्वास्त।

ख़ुदा ना ख़्वास्तः (خدا ناخواستہ) फा अव्य –दे 'ख़ुदा न ख़्वास्त', दोनो शुद्ध है।

ख़ुदा ना तर्स (خدا نا ترس) फा वि –ईश्वर से न डरनेवाला, निर्दय, बेरहम।

ख़ुदा ना तर्सी (خدا نا ترسی) फा. स्त्री –ईश्वर का भय न होना, निर्दयता, बेरहमी।

ख़ुदापरस्त (خداپرست) फा वि –ख़ुदा को पूजनेवाला, धर्मनिष्ठ, ख़ुदा के अस्तित्व का काइल, आस्तिक, सत्य-निष्ठ, ईमानदार, ऋषि, मुनि, वली, दयावान्, रहमदिल, ईश्वर-भक्त।

ख़ुदापरस्ती (خداپرستی) फा स्त्री –धर्मनिष्ठता, आस्तिकता, सत्यता, ऋषित्व, वलीपन, दयालुता, रहमदिली, ईश्वर-भक्ति।

ख़ुदायगाँ (خدایگاں) फा पु –स्वामी, मालिक, राँजा, बादशाह।

ख़ुदाया (خدایا) फा अव्य –हे ईश्वर, ऐ ख़ुदा, हे प्रभु, प्रभो।

ख़ुदारा (خدارا) फा अव्य –ईश्वर के लिए, ख़ुदा के वास्ते।

ख़ुदावद (خداوند) फा पु –ईश्वर, ख़ुदा, स्वामी, मालिक।

ख़ुदावंदगार (خداوندگار) फा पु –दे 'ख़ुदावद'।

ख़ुदावंदा (خداوندا) फा अव्य –दे 'ख़ुदाया'।

ख़ुदावदी (خداوندی) फा स्त्री –ईश्वरत्व, ख़ुदाई।

ख़ुदाशनास (خداشناس) फा वि –ब्रह्मज्ञानी, आरिफ, दयालु, रहमदिल, न्यायवान्, मुसिफमिज़ाज।

ख़ुदाशनासी (خداشناسی) फा स्त्री –ब्रह्मज्ञान, मा'रिफत, दयालुता, रहमदिली, न्यायकर्म, इसाफपरवरी।

ख़ुदासाज़ (خداساز) फा वि –ख़ुदा का बनाया हुआ, जो अपने परिश्रम से न हो, अपने आप हो जाय।

ख़ुदाहाफ़िज़ (خدا حافظ) फा अ वा –किसी को विदा करते समय बोला जानेवाला वाक्य, अर्थात् ईश्वर आपकी रक्षा करे।

ख़ुदी (خودی) फा स्त्री –अहकार, अहवाद, यह भाव कि बस हमी हम है, गर्व, अभिमान, घमड।

ख़ुदूक (خدوک) फा पु –दे 'ख़ुदूक'।

ख़ुदू (خدو) फा पु –थूक, मुखस्राव।

ख़ुदूक (خدوک) फा पु –क्रोध, गुस्सा; लज्जा, शर्म; उद्विग्नता, परेशानी, मन के बुरे विचार, भ्रम; ईर्ष्या, रश्क।

ख़ुद्अः (خدعہ) अ पु –छल, कपट, फरेब, (वि) वह व्यक्ति जिसे दूसरे लोग छले।

ख़ुद्दः (خدہ) अ पु –भूमि के भीतर का मार्ग, सुरग।

ख़ुद्दाम (خدام) अ पु –'ख़ादिम' का बहु, नौकर लोग, सेवकगण।

ख़ुनाक़ (خناق) अ पु –दे 'ख़नाक़'।

ख़ुनुक (خنک) फा वि.–शीतल, ठडा, सुन्दर, अच्छा; क्लीब, नामर्द।

ख़ुनुकी (خنکی) फा स्त्री –शीत, शीतलता, ठडक, शीतकाल, जाडा, नपुसकता, नामर्दी।

ख़ुनूअ (خنوع) अ पु –विनम्रता दिखाना, ख़ाकसारी करना, नम्र करना, नर्म करना।

ख़ुनूस (خنوس) अ पु –पीछे रह जाना, किसी चीज़ के पीछे छिपना।

ख़ुन्फसा (خنفسا) अ पु –गुबरीला, गोबर का एक कीडा।

ख़ुन्या (خنیا) फा पु –गान, राग, नग्म, वाद्य, साज़।

ख़ुन्यागर (خنیاگر) फा वि –गानेवाला, गायक, गवैया।

ख़ुन्यागरी (خنیاگری) फा स्त्री –गाने का काम, गाने का पेशा।

ख़ुफ [फ्फ] (خف) अ पु –मोज़ा, शुतुरमुर्ग़; पाँव का तलवा, ठोस ज़मीन, बूढा ऊँट।

ख़ुफ़ाफ़ (خفاف) अ वि –हलका, अगुरु, लघु।

ख़ुफ़ारः (خفارہ) अ पु –दे 'ख़िफ़ार', दोनो शुद्ध है।

ख़ुफ़ीयः (خفیہ) अ पु –छिपा हुआ, गुप्त, पोशीदा।

ख़ुफ़ूक़ (خفوق) अ पु –तारे का डूबना; नीद की अधिकता से सिर हिलना, रात मे चलना, पक्षी का उड़ना।

ख़ुफ़ूफ़ (خفوف) अ पु –हलका होना, तेज़ चलना, कम होना।

ख़ुफ्चः (خفچہ) फा पु –पशुओ के हाँकने की छडी, जिसके सिरे पर नोकदार कील लगी होती है।

ख़ुफ्त. (خفتہ) फा वि –सोया हुआ, सुप्त।

ख़ुफ्त नसीब (خفتہ نصیب) फा अ वि –जिसका भाग्य सो रहा हो, हतभाग्य, दुर्दैव, दुर्दृष्ट।

ख़ुफ्त नसीबी (خفتہ نصیبی) फा अ स्त्री –भाग्यहीनता, बदनसीबी।

ख़ुफ्त बख़्त (خفتہ بخت) फा वि –दे 'ख़ुफ्त नसीब'।

ख़ुफ्त बख़्ती (خفتہ بختی) फा स्त्री –दे 'ख़ुफ्त नसीबी'।

ख़ुफ़्तक (خفتک) फा पु –कावूस का रोग, दे 'कावूस'।
ख़ुफ़्तगी (خفتگی) फा स्त्री –सोने का भाव, स्वप्नता।
ख़ुफ़्तनी (خفتنی) फा वि –सोने के काबिल।
ख़ुफ़्फ़ाश (خفاش) अ पु –चमगादड, चर्मचटक, वातुलि।
ख़ुफ़्यः (خفیہ) अ वि –'ख़ुफ़ीय' का उर्दू रूप, छिपा हुआ, गुप्त, रहस्यमय, राज़दारान, गुप्तचर, जासूस, (स्त्री) गुप्तचरी, जासूसी।
ख़ुफ़्य नवीस (خفیہ نویس) अ फा वि –छिपकर किसी काम को देखने और उसकी रिपोर्ट करनेवाला।
ख़ुबस (خبث) अ वि –अपवित्र, गदा, मलिन, पलीद।
ख़ुबसा (خبثا) अ पु –'ख़बीस' का वहु, ख़बीस लोग, दुष्ट लोग।
ख़ुबाल (خباط) अ स्त्री –पागलपन, वुद्धि-विक्षेप, दीवानगी।
ख़ुब्ज़ (خبز) अ स्त्री –राटी, नान, रोटिका।
ख़ुब्स (خبث) अ पु –मैलकुचैल, दुष्टता, ख़वासत, पाप, गुनाह, अन्तर्मलिनता, बदबातिनी।
ख़ुब्सुलहदीद (خبث الحدید) अ पु –लोहे का मैल, मडूर।
ख़ुब्से नफ़्स (خبث نفس) अ पु –आत्मा की मलिनता, हृदय का पापमय होना।
ख़ुब्से बातिन (خبث باطن) अ पु –दे 'ख़ुब्से नफ़्स'।
ख़ुम (خم) फा पु –घडा, मटका, शराब रखने का मटका, "ख़ुम के ख़ुम पी जाऊँगा मैं ऐसा बादानोश हूँ।"
ख़ुम[म्म] (خم) अ पु –मुर्गियो का दरबा।
ख़ुमकद (خمکدہ) फा पु –मदिरालय, सुरालय, शराबख़ाना।
ख़ुमकश (خمکش) फा वि –पूरी मटकी पी जानेवाला, धती शराबी, पान शौद।
ख़ुमख़ानः (خمخانہ) फा पु –दे 'ख़ुमकद'।
ख़ुमाअ़ (خماع) अ पु –चलते हुए झूमना, झूमते हुए चलना।
ख़ुमार (خمار) अ पु –नशे के उतार की अवस्था, जिसमे हलका सिरदर्द और हलकी ऐंठन होती है, नशा, मद, उन्माद,—"आँखो ने मए हुस्न पिलाई थी एक रोज-अँग-डाइयाँ लेता हूँ अभीतक ख़ुमार मे।"
ख़ुमारआलूद (خمارآلودہ) फा वि –नशे मे मस्त, मदोन्मत्त, प्राय प्रेमिका की आँखो के लिए आना है। "ख़ुमार-आलूद नज़रें तीरसी दिल मे उतरती है।"
ख़ुमारआलूद (خمار آلود) फा वि –दे 'ख़ुमार आलूद'।
ख़ुमारीं (خماریں) अ फा वि –दे 'ख़ुमार आलूद'।
ख़ुमाल (خمال) अ पु –गठिया का दर्द, सच्चा मित्र।
ख़ुमासी (خماسی) अ पु –अरबी का वह शब्द जिसमे पाँच अक्षर हो।
ख़ुमाहन (خم آہن) फा पु –लालिमा लिये हुए एक काला पत्थर।
ख़ुमूद (خمود) अ पु –आग का कुम्हला जाना या ख़त्म हो जाना, अर्थात् वुझ जाना।
ख़ुमूल (خمول) अ पु –गुमनामी का जीवन व्यतीत करना, अज्ञातवास, गुमनामी।
ख़ुमूश (خموش) अ पु –छीलना।
ख़ुमूस (خموص) अ पु –सूजन का उतर जाना, सूजे हुए अग का ठीक हो जाना।
ख़ुमे अफ़लातून (خم افلاطون) फा अ पु –वह मटका जिसमें अफलातून को मरते समय वद करके पहाड की खोह मे रख दिया गया था।
ख़ुमे ईसा (خم عیسیٰ) फा अ पु –वह घडा जिसमे चाहे जिस रग का कपडा डाला जाता, हज़रत ईसा की दुआ से वह सफेद या काला निकलता था।
ख़ुमे मय (خم مے) फा पु –शराब की मटकी।
ख़ुयूल (خیول) अ पु –'ख़ैल' का वहु, समूह, समुदाय, जमाअतें।
ख़ुर (خورہ) फा पु –एक रोग जिसमे वाल झडने लगते हैं।
ख़ुर (خور) फा पु –सूर्य, सूरज।
ख़ुरदाद (خرداد) फा पु –फ़ार्सी का एक महीना जो असाढ़ के लगभग पडता है।
ख़ुरशीद (خرشید) फा पु –रवि, दिनकर, दिवाकर, सूर्य, सूरज।
ख़ुरशेद (خرشید) फा पु –दे 'ख़ुरशीद', शुद्ध दोनो हैं, मगर 'ख़ुरशीद' फसीह है।
ख़ुराक (خوراک) फा स्त्री –भोजन, खाना, खाद्य, खाने की वस्तु, गिज़ा।
ख़ुराज (خراج) अ पु –फोडा, व्रण, घाव, ज़ख़्म, क्षत।
ख़ुराफ़त (خرافت) अ स्त्री –वकवास, अनर्गल प्रलाप, वेहूद गोई।
ख़ुराफ़ात (خرافات) अ स्त्री –'ख़ुराफ़त' का वहु, वेहूदा बाते, वकवासे, वेहूदा और व्यर्थ के काम।
ख़ुरिंद (خورندہ) फा वि –खानेवाला।
ख़ुरिश (خورش) फा स्त्री –ख़ुराक, भोजन, गिज़ा।
ख़ुरूज (خروج) अ पु –निकलना, नि सरण, शासन के विरुद्ध विद्रोह, वगावत।
ख़ुरूजुल मक़अद (خروج المقعد) अ पु –वच्चो को काँच निकलने का रोग, गुदभ्रंश, गुद-निर्गम।
ख़ुरूर (خرور) अ पु –गिरना, गिर पडना, सोनेवाले के गले का वोलना, खर्राटे लेना।

खुरूस (خروس) फा पु –मुर्गा, कुक्कुट।
खुरोश (خروش) फा पु –कोलाहल, शोर, हाहाकार, कोहाम।
खुर्रुजीवन (خورخدیون) फा अ –एक शैतान जो स्त्रियो से सभोग करने के लिए उनके शरीर मे प्रवेश कर जाता है।
खुर्जी (خورجین) फा पु –लद्दू गधे या घोडे की पीठ का थैला, गौन, गोण।
खुर्जी (خرجی) फा पु –दे 'खुर्जी'।
खुर्तूम (خرطوم) अ पु –हाथी की सूँड, शुड, तेज नशेवाली मदिरा, कौम का सरदार।
खुर्द. (خرده) फा वि –खाया हुआ, केवल यौगिक शब्दो के अत मे आता हे, जैसे–'ज़ख्मखुर्द' घाव खाया हुआ।
खुर्द. (خرده) फा पु –खड, टुकडा, रेज, दोष, ऐब, रेजगारी, नावाँ।
खुर्द कार (خردهکار) फा वि –काम मे बारीकी पसद करनेवाला, कठिन काम सुगमता से करनेवाला।
खुर्द कारी (خردهکاری) फा स्त्री –काम मे बारीकी पसद करना, कठिन काम सरलता से करना।
खुर्द.गीर (خردهگیر) फा वि –ऐब ढूंढनेवाला, छिद्रान्वेषी, ऐबची।
खुर्द.गीरी (خوردهگیری) फा स्त्री –दोषो की खोज, छिद्रान्वेषण, ऐबचीनी।
खुर्द:ची (خردهچیں) फा वि –दे 'खुर्द गीर'।
खुर्द:चीनी (خردهچینی) फा स्त्री –दे 'खुर्द गीरी'।
खुर्द.फरोश (خردهفروش) फा वि –फुटकर माल बेचनेवाला, थोकफरोश का उलटा।
खुर्द फरोशी (خردهفروشی) फा स्त्री –फुट माल बेचना।
खुर्द बीं (خردهبیں) फा वि –दे 'खुर्द गीर'।
खुर्द बीनी (خردهبینی) फा स्त्री –दे 'खुर्द गीरी'।
खुर्द (خورد) फा वि –छोटा, क्षुद्र, लघु, कसीर, ह्रस्व, नाकिस, कण, रेज, योग्य, लायक।
खुर्द (خورد) फा क्रि –खाया।
खुर्दनी (خوردنی) फा वि –खाने योग्य, खानेवाली वस्तु।
खुर्दबीं (خردبیں) फा वि –छोटी चीज को देखनेवाला, दे खुर्दबीन।
खुर्दबीन (خردبین) फा स्त्री –एक यत्र, जिसमे छोटे से छोटी चीज बहुत बडी दिखाई देती है।
खुर्दबीनी (خردبینی) फा स्त्री –छोटी वस्तु को देख लेना।
खुर्दबुर्द (خوردبرد) फा वि –गर्त, रबूद, नप्ट, बरबाद, गबन, अपहृत।
खुर्दसाल (خردسال) फा वि –अल्पवयस्क, वैयोबाल, कमसिन।
खुर्दसाली (خردسالی) फा स्त्री –बाल्यावस्था, अल्पवयस्कता, कमसिनी।
खुर्दी (خردی) फा स्त्री –छोटाई, लघुता।
खुर्नूब (خرنوب) अ पु –एक जगली पेड जिसका फल दवा मे काम आता है, उस पेड का फल।
खुर्फ़ (خرفه) अ पु –एक साग जिसके बीज दवा मे काम आते हैं।
खुर्मा (خرما) फा पु –छुहारा, सूखा खजूर, हरा छुहारा, पिड खजूर।
खुर्रम (خرم) फा वि –प्रसन्न, आनदित, हर्षित, खुश।
खुर्रमी (خرمی) फा स्त्री –प्रसन्नता, हर्ष, आनद, खुशी।
खुर्सद (خرسند) फा वि –दे 'खुर्रम'।
खुर्सदी (خرسندی) फा स्त्री –दे 'खुर्रमी'।
खुल [ल्ल] (خل) अ पु –मित्र, दोस्त, यार, सखा।
खुलता (خلطا) अ पु –'खलीत' का बहु, साझेदार लोग।
खुलफा (خلفا) अ पु –'खलीफ' का बहु, प्रतिनिधि लोग, स्थानापन्न लोग, हज्रत अबूबक्र आदि खलीफे, मुसलमान शासकगण।
खुलास: (خلاصه) अ पु –सार, सक्षेप, निचोड, परिणाम, नतीजा, साराश, तल्खीस।
खुलुक (خلق) अ पु –दे 'खुल्क', दो शु हैं।
खुलुब (خلب) अ पु –कचला मिट्टी, एक काली और चिपकनेवाली मिट्टी, बटी हुई रस्सी।
खुलुव्व (خلو) अ पु –दे 'खुलू'।
खुलू (خلو) अ पु –खाली होना, रिक्त होना, रिक्तता, खालीपन।
खुलूए मे'द. (خلوے معده) अ पु –आमाशय का भोजन आदि से रिक्त होना, पेट खाली होना।
खुलूज (خلوج) अ पु –आँख का या किसी दूसरे अग का फडकना।
खुलूद (خلود) अ पु –सदा रहना, हमेशा रहना, नित्यता, हमेशगी।
खुलूफ (خلوف) अ पु –'खलफ' का बहु, मृत व्यक्ति के पीछे रहनेवाले बाल-बच्चे, भोज्य पदार्थ का स्वाद बिगड जाना, पानी भरना, पुराने कपडे उतारना और नये पहनना, नाश होना, बरबाद होना।
खुलूस (خلوص) अ पु –निष्कपटता, निश्छलता, सिद्क़दिली, सत्यता, सच्चाई, गाद, तलछट।
खुलूअ (خلع) अ पु –मुसलमान स्त्री का अपने पति से तलाक चाहना।

ख़ुल्क़ (خلق) अ पु—सुशीलता, मुरव्वत, सदाचार, अख़्लाक़, स्वभाव, आदत।

ख़ुल्क़ान (خلقان) अ पु—पुरातन, पुराना, पुराना वस्त्र, पुराना लिबास।

ख़ुल्त (خلطہ) अ पु—भागीदारी, शिर्कत, साझा।

ख़ुल्त (خلت) अ पु—अच्छा स्वभाव, सत्प्रकृति।

ख़ुल्द' (خلدہ) अ पु—कान का बुंदा, लटकन, गोशवारा।

ख़ुल्द (خلد) अ पु—स्वर्ग, नाक, बिहिश्त, नित्यता, हमेशगी, (स्त्री) छछूंदर, एक जतु।

ख़ुल्द आश्याँ (خلد آشیاں) अ फा वि—जिसका घर स्वर्ग मे हो, स्वर्गवासी, दिवगत।

ख़ुल्दनशीं (خلدنشیں) अ फा वि—दे "ख़ुल्द आश्याँ"।

ख़ुल्दमका (خلدمکاں) अ वि—दे 'ख़ुल्द आश्यां'।

ख़ुल्देबरी (خلدبریں) अ फा पु—सबसे ऊँचा स्वर्ग, सातवाँ स्वर्ग।

ख़ुल्फ़ (خلف) अ पु—वचनभग, प्रतिज्ञा-भग, वादाख़िलाफ़ी।

ख़ुल्फ़े वा'द (خلف وعدہ) अ पु—प्रतिज्ञा का पालन न करना, प्रतिज्ञा-भग।

ख़ुल्लत (خلت) अ स्त्री—मैत्री, दोस्ती।

ख़ुल्लब (خلب) अ पु—वह बादल जिसमे पानी न हो।

ख़ुल्लान (خلان) अ पु—ख़लील का बहु, मित्रगण, दोस्त लोग।

ख़ुल्लास (خلاص) अ पु—घर के सूराख, घर की बुराइयाँ।

ख़ुल्स (خلسہ) अ पु—काले और सफेद बाल मिले हुए, खिचड़ी बाल, सूखी और तर घास मिली हुई।

ख़ुवार (خوار) अ पु—बैल की डाँकन।

ख़ुश (خوش) फा वि—प्रसन्न, मसरूर, शुभान्वित, मुबारक, सुदर, हसीन, प्रियदर्शन, ख़ुशनुमा, पवित्र, पाक, पुनीत, नेक, उत्तम, श्रेष्ठ, आला।

ख़ुशअजाम (خوش انجام) फा वि—जिसका परिणाम अच्छा हो वह काम, शुभ परिणाम।

ख़ुशअख़्लाक़ (خوش اخلاق) फा अ वि—सुशील, चारुशील, ख़ुशख़ुल्क़, विनम्र, विनीत, मुन्कसिर।

ख़ुशअख़्लाक़ी (خوش اخلاقی) फा अ स्त्री—सुशीलता, ख़ुशख़ुल्क़ी, विनीति, इन्किसार।

ख़ुशअत्वार (خوش اطوار) फा अ वि—अच्छे आचरण वाला, सदाचारी।

ख़ुशअदा (خوش ادا) फा वि—जिसकी अदाएँ अच्छी हो, जिसकी वर्णन-शैली अच्छी हो।

ख़ुशअमल (خوش عمل) अ फा वि—शुद्ध आचरण-वाला, सदाचारी।

ख़ुशआब (خوش آب) फा वा—अच्छी चमक-दमक वाला।

ख़ुशआमदेद (خوش آمدید) फा वि—शुभागमन, आपका आना शुभान्वित हो, एक वाक्य, जो किसी बड़े व्यक्ति के आने पर कहा जाता है।

ख़ुशआ'माल (خوش اعمال) फा अ वि—अच्छे आचार-विचारवाला, व्यवहार-शील।

ख़ुशआयद (خوش آیند) फा वि—जिसका भविष्य अच्छा हो, अच्छा, सुदर, उत्तम।

ख़ुशआवाज़ (خوش آواز) फा वि—जिसका स्वर अच्छा हो, कलरव, कलकठ, सुस्वर।

ख़ुशआवाज़ी (خوش آوازی) फा स्त्री—स्वर का अच्छा होना।

ख़ुशइतिज़ाम (خوش انتظام) फा अ वि—जो प्रबध अच्छा करता हो, प्रबध-कुशल।

ख़ुशइतिज़ामी (خوش انتظامی) फा अ स्त्री—प्रबध की अच्छाई, प्रबध-कौशल।

ख़ुशइक़्बाल (خوش اقبال) फा अ वि—प्रतापवान्, तेजोमय, तेजस्वी, भाग्यवान्, सुभागीन, भाग्यशाली।

ख़ुशइक़्बाली (خوش اقبالی) फा अ स्त्री—प्रतापवान् होना, भाग्यवान् होना।

ख़ुशइना (خوش عناں) फा अ वि—वह घोडा जो लगाम के इशारे पर चले, लगाम का सच्चा।

ख़ुशइयार (خوش عیار) फा अ वि—वह सोना अथवा चाँदी जो कसौटी पर पूरा कस दे, खरा, ख़ालिस।

ख़ुशइल्हान (خوش الحان) फा अ वि—दे 'ख़ुश आवाज़'।

ख़ुशइल्हानी (خوش الحانی) फा अ स्त्री—दे 'ख़ुश आवाज़ी'।

ख़ुशउस्लूब (خوش اسلوب) अ फा वि—जिसका तौर तरीक़ा बहुत अच्छा हो, सद्व्यवहार।

ख़ुशउस्लूबी (خوش اسلوبی) फा अ स्त्री आचार-व्यवहार की अच्छाई।

ख़ुशऔक़ात (خوش اوقات) फा अ वि—जिसका समय अच्छा बीते, जो अपना काम ठीक समय पर करता हो।

ख़ुशक़दम (خوش قدم) फा अ वि—ऐसा व्यक्ति जिसके आने से घर में बरकत और कल्याण हो।

ख़ुशक़लम (خوش قلم) फा अ वि—अच्छा लिखनेवाला, अच्छा और चिकना काग़ज़।

ख़ुशकलाम (خوش کلام) फा अ वि—मधुरभाषी, मिष्टभाषी, शीरींगुफ़्तार।

ख़ुशकलामी (خوش کلامی) फा. अ स्त्री—बातचीत का माधुर्य, शीरींगुफ़्तारी।

खुशकामत (خوش قامت) फा अ वि –जिसके शरीर की बनावट सुंदर और सुडौल हो, सुष्ठु।

खुशकामती (خوش قامتی) फा अ स्त्री –शरीर का सुडौल और सुंदरपन, सौष्ठव, तनासुबे आ'ज़ा।

खुशक़िस्मत (خوش قسمت) फा अ वि –सौभाग्यशाली, सुभागीन, भाग्यवान्, अच्छी तक्दीर वाला।

खुशक़िस्मती (خوش قسمتی) फा अ स्त्री –सौभाग्य, तक्दीर की अच्छाई।

खुशकुन (خوش کن) फा वि –खुश करनेवाला, विशेषत दूसरे शब्द के साथ आता है, जैसे–दिल खुशकुन, चित्त को प्रसन्न करनेवाला।

खुशख़त (خوش خط) फा अ वि –जिसका लिखना अच्छा हो, अच्छा लिखनेवाला, सुलेखक।

खुशख़ती (خوش خطی) फा अ स्त्री –लिखावट का अच्छा होना, अच्छी लिखावट, सुलेख।

खुशख़बरी (خوش خبری) फा अ स्त्री –अच्छा समाचार, शुभ समाचार, शुभ सवाद, ललित सूचना।

खुशख़याल (خوش خیال) फा अ वि –अच्छा विचार रखनेवाला, जिसका विचार किसी की ओर से अच्छा हो।

खुशख़रीद (خوش خرید) फा वि –नकद दामो से खरीदी हुई वस्तु।

खुशख़िराम (خوش خرام) फा वि –अच्छी चाल वाला (वाली), सुगामी, सुगामिनी, गजगामिनी।

खुशख़िरामी (خوش خرامی) फा स्त्री –सुंदर चाल।

खुशख़ुराक (خوس خوراک) फा वि –अच्छा खानेवाला, खाने का शौकीन।

खुशख़ुल्क (خوش خلق) फा अ वि –हरेक से खुश होकर मिलनेवाला, सबसे सुशीलता का व्यवहार करनेवाला, सच्छील, सद्‌वृत्त, सुशील।

खुशख़ुल्की (خوش خلقی) फा अ स्त्री –शील-सकोच, सद्‌वृत्ति, अच्छा अख़्लाक।

खुशख़ू (خوش خو) फा वि –अच्छे स्वभाववाला, सत्प्रकृति, अच्छे अख़्लाक वाला, सच्छील, सद्‌वृत्त।

खुशख़ूई (خوش خوئی) फा. स्त्री –अच्छा स्वभाव, अच्छा अख़्लाक।

खुशगप्पी (خوش گپی) फा स्त्री –हँसी-मज़ाक, वाग्विलास, रसवाद।

खुशगाम (خوش گام) फा वि –दे 'खुशखिराम'।

खुशग़िलाफ (خوش غلاف) फा वि –वह तलवार जो तुरत ही म्यान से निकल आये, अच्छी, हलकी और बाढदार तलवार, वह स्त्री जो ज़रा सी लगावट मे पर-पुरुष के साथ सहवास को तैयार हो जाय।

खुशगुज़रान (خوش گزران) फा वि –अच्छे प्रकार से जीवन व्यतीत करनेवाला, अच्छा खाने-पहननेवाला।

खुशगुफ्तार (خوش گفتار) फा वि –जिसकी बोलचाल मीठी हो, मधुरभाषी, मिष्टभाषी, अच्छा भाषण देने-वाला, सुवक्ता।

खुशगुफ़्तारी (خوش گفتاری) फा स्त्री –बोलचाल और बातचीत की मिठास, वार्ता-माधुर्य, धुआँधार भाषण देना।

खुशगुमान (خوش گمان) फा वि –जिसके विचार किसी की ओर से अच्छे हो।

खुशगुमानी (خوش گمانی) फा स्त्री –विचार का किसी की ओर से अच्छा होना।

खुशगुलू (خوش گلو) फा वि –जिसका गला सुरीला हो, कलकठ, मधुरकठ, खुशइल्हाँ।

खुशगुलूई (خوش گلوئی) फा स्त्री –गले का सुरीला होना, कठ-माधुर्य।

खुशगुवार (خوش گوار) फा वि –जो चित्त के अनुकूल हो, जो मन को अच्छा लगे, मनोवाछित, रुचिकर, सुस्वाद, खुशजाइका।

खुशगुवारी (خوش گواری) फा स्त्री –मन को पसद आने का भाव, अच्छा लगने का भाव, मजे का अच्छा होना।

खुशगो (خوش گو) फा वि –दे 'खुशगुफ्तार'।

खुशगोई (خوش گوئی) फा स्त्री –दे 'खुशगुफ्तारी'।

खुशचश्म (خوش چشم) फा वि –अच्छी आँखो वाला (वाली), सुनेत्र, सुनेत्रा, सुलोचना, चारुनेत्रा।

खुशचश्मी (خوس چشمی) फा स्त्री –आँखो की सुदरता, नेत्र-सौदर्य।

खुशचेह्‌र (خوش چہرہ) फा वि –दे 'खुशरू'।

खुशज़बाँ (خوش زباں) फा वि –दे 'खुशगुफ्तार'।

खुशजमाल (خوش جمال) फा अ वि –अच्छे सौदर्यवाला (वाली), सुदर, हसीन, सुदरी, रूपवती, सुरूप, हसीना।

खुशज़ाइक़ः (خوش ذائقہ) फा अ वि –जिसका स्वाद अच्छा हो, सुस्वाद, स्वादिष्ठ, मुखप्रिय।

खुशज़ौक (خوش ذوق) फा अ वि –जिसको कविता-सम्बन्धी गुण-दोष का अच्छा ज्ञान हो, जो काव्य-मर्मज्ञ हो, रसिक, सहृदय, रसानुभवी, जिसे दूसरी किसी कला मे रुचि हो।

खुशज़ौक़ी (خوش ذوقی) फा अ स्त्री –काव्य-मर्मज्ञता, रसिकता, सहृदयता, किसी दूसरे विषय मे अच्छी दिलचस्पी।

खुशतक़्दीर (خوش تقدیر) फा अ वि –दे 'खुश किस्मत'।

खुशतब्अ (خوش طبع) फा अ वि –दे 'खुशमिजाज'।

खुशतब्ई (خوش طبعی) फा अ स्त्री –दे 'खुशमिजाजी'।

खुशतर (خوشتر) फा वि –बहुत अच्छा, उत्तमतर।

खुशतरक (خوشترک) फा वि –बहुत ही अच्छा, अत्यधिक उत्तम।

खुशताले' (خوش طالع) फा अ वि –दे 'खुशकिस्मत'।

खुशदामन (خوش دامن) फा स्त्री –सास, श्वश्रू, चारु देवी।

खुशदिल (خوش دل) फा वि –जो हर समय प्रसन्न रहे, प्रसन्नचित्त, सुमनस्क, जो विनोदप्रिय हो, मनोरंजक, पुरमजाक।

खुशदिली (خوش دلی) फा स्त्री –हर समय प्रसन्न रहने का भाव, विनोदप्रियता, पुरमजाकी।

खुशनवीस (خوش نویس) फा वि –जिसकी लिखावट अच्छी हो, सुलेखक,. जो खुशनवीसी का पेशा करता हो, कातिब।

खुशनवीसी (خوش نویسی) फा स्त्री –अच्छा लिखना, सुलेख, खुशखती, खुशनवीसी का पेशा।

खुशनशीं (خوش نشیں) फा वि –वह व्यक्ति जिसे अगर कोई स्थान पसंद आ जाय तो वहीं का हो रहे।

खुशनशीनी (خوش نشینی) फा स्त्री –कोई स्थान पसंद आने पर वहीं का हो रहना।

खुशनसीब (خوش نصیب) फा अ वि –दे 'खुशकिस्मत'।

खुशनसीबी (خوش نصیبی) फा स्त्री –दे 'खुशकिस्मती'।

खुशनिहाद (خوش نهاد) फा वि –अच्छी प्रकृति वाला, अच्छे स्वभाव वाला, सत्प्रकृति, सदात्मा।

खुशनीयत (خوش نیت) फा अ वि –ईमानदार, व्यवहारनिष्ठ, जो यह चाहता हो कि किसी का पैसा उस पर न रहे, जो यह चाहता हो कि उसका पैसा अच्छे कामों में व्यय हो।

खुशनीयती (خوش نیتی) फा अ स्त्री –ईमानदारी, किसी का ऋणी न रहने का भाव, अच्छे कामों में पैसा खर्च करने का भाव।

खुशनुमा (خوش نما) फा वि –जो देखने में अच्छा लगे, नेत्रप्रिय, प्रियदर्शन, मनोरम, सुन्दर, हसीन।

खुशनुमाई (خوش نمائی) फा स्त्री –नेत्रप्रियता, दिलकशी, सुन्दरता, हुस्न।

खुशपोश (خوش پوش) फा वि –जो अच्छे वस्त्र पहनने का शौकीन हो, जो सदा अच्छे कपड़े पहनता हो, चारुवेष।

खुशपोशाक (خوش پوشاک) फा वि –दे 'खुशपोश'।

खुशपोशी (خوش پوشی) फा स्त्री –अच्छे वस्त्र का शौक़, सुवस्त्रप्रियता।

खुशफ़ह्म (خوش فهم) फा अ वि –शीघ्र बात समझ जानेवाला, तीव्रबुद्धि, किसी की ओर से अच्छा विचार रखनेवाला, खुशगुमान।

खुशफ़ह्मी (خوش فهمی) फा अ स्त्री –बुद्धि की तीव्रता, अक्ल की तेजी, किसी की ओर से अच्छा गुमान, सुधारणा।

खुशफ़े'ली (خوش فعلی) फा अ स्त्री –मनोरंजन, मनोविनोद, तफ़रीह, चुहल, मज़ाक।

खुशबख़्त (خوش بخت) फा वि –दे 'खुशकिस्मत'।

खुशबख़्ती (خوش بختی) फा स्त्री –दे 'खुशकिस्मती'।

खुशबयान (خوش بیان) फा अ वि –दे 'खुशगुफ्तार'।

खुशबयानी (خوش بیانی) फा स्त्री –दे 'खुशगुफ्तारी'।

खुशबाश (خوش باش) फा वि –अच्छे प्रकार से रहनेवाला, रहने के स्थान को सुसज्जित रखनेवाला, बेफ़िक्री में जीवन व्यतीत करनेवाला, (वा) एक आशीर्वाद, खुश रहो, स्वस्तु।

खुशबू (خوشبو) फा वि –सुगंधित, अच्छी सुगंधवाला, (स्त्री) सुगंध, अच्छी महक।

खुशबूदार (خوشبودار) फा वि –जिसमें सुगंध हो, सौरभित, सुगंधित।

खुशमंज़र (خوش منظر) फा अ वि –जो देखने में अच्छा लगे, प्रियदर्शन, शुभदर्शन, नेत्रप्रिय।

खुशमआश (خوش معاش) फा अ वि –'बदमआश' का उलटा, अच्छी कमाई से जीवन बितानेवाला, नेकचलन।

खुशमआशी (خوش معاشی) फा अ स्त्री –'बदमआशी' का उलटा, अच्छी कमाई से जीवन बिताना, नेकचलनी।

खुशमज़ाक़ (خوش مذاق) फा अ वि –दे 'खुशज़ौक', ज़िंदादिल, विनोद-रसिक।

खुशमज़ाक़ी (خوش مذاقی) फा अ स्त्री –दे 'खुशज़ौकी', जिंदादिली, विनोदप्रियता।

खुशमनिश (خوش منش) फा वि –दे 'खुशमिजाज', सज्जन, शरीफ।

खुशमनिशी (خوش منشی) फा स्त्री –दे 'खुशमिज़ाजी', सज्जनता, शराफत।

खुशमिज़ाज (خوش مزاج) फा अ वि –ज़िंदादिल, हासप्रिय, विनोद-रसिक, सुशील, सच्छील, खुश अख़्लाक।

खुशमिज़ाजी (خوش مزاجی) फा अ स्त्री –ज़िंदादिली, हासप्रियता, सुशीलता, खुश अख़्लाकी।

खुशमुआमल (خوش معامله) फा अ वि –लेन-देन का पाक-साफ, व्यवहारनिष्ठ, वा'दे का सच्चा, दृढ़प्रतिज्ञ।

खुशमुआमलगी (خوش معاملگی) फा अ स्त्री –लेन-देन की सफाई, व्यवहारनिष्ठता, वचनबद्धता, वा'दे की सच्चाई।

ख़ुशरंग (خوش رنگ) फा वि —अच्छे रंगवाला, सुवर्ण।
ख़ुशरंगी (خوش رنگی) फा स्त्री —रंग की सुन्दरता, वर्ण-सौन्दर्य।
ख़ुशरफ़्तार (خوش رفتار) फा वि —दे 'ख़ुशख़िराम'।
ख़ुशरफ़्तारी (خوش رفتاری) फा स्त्री —दे 'ख़ुशख़िरामी'।
ख़ुशरू (خوش رو) फा वि —रूपवान्, सुरूप, अच्छी शक्ल-वाला, रूपवती, सुरूपा, हसीना।
ख़ुशरूई (خوش روئی) फा स्त्री —मुखमंडल की सुन्दरता, चेहरे की ख़ुशनुमाई।
ख़ुशलगाम (خوش لگام) फा वि —दे 'ख़ुशइनाँ'।
ख़ुशलह्ज: (خوش لہجہ) फा अ वि —जिसका लबो लहजा (टोन) सुन्दर हो, जिसकी आवाज सुन्दर हो, कलकंठ।
ख़ुशलिबास (خوش لباس) फा अ वि —दे 'ख़ुशपोश'।
ख़ुशलिबासी (خوش لباسی) फा अ स्त्री —दे 'ख़ुशपोशी'।
ख़ुशवक़्त (خوش وقت) फा अ वि —जिसका समय अच्छा हो, समृद्ध, सपन्न, फ़ारिगुल बाल, भाग्यवान्, ख़ुश-किस्मत।
ख़ुशवक़्ती (خوش وقتی) फा अ स्त्री —समय की अनुकूलता, समृद्धि, दौलतमंदी, भाग्यशीलता, ख़ुशक़िस्मती।
ख़ुशवज़्अ (خوش وضع) फा अ वि —जो अपनी परंपरा पर दृढ़ रहे, वज़्अ'दार।
ख़ुशवज़्ई (خوش وضعی) फा अ स्त्री —परम्परा पर दृढ़ता, वज़ादारी।
ख़ुशसलीक़: (خوش سلیقہ) फा अ वि —जिसे हर बात का ढंग आता हो, व्यवहार-कुशल, जो हर वस्तु क्रम और तर्तीब से रखता हो, शिष्ट।
ख़ुशसलीक़गी (خوش سلیقگی) फा अ स्त्री —हर बात का ढंग, हर चीज को क्रम से रखने की तमीज़।
ख़ुशसवाद (خوش سواد) फा अ वि —वह नगर जिसके चारों ओर का दृश्य अच्छा हो।
ख़ुशसीरत (خوش سیرت) फा अ वि —अच्छी प्रकृतिवाला, अच्छे स्वभाववाला, शील-संकोचवाला।
ख़ुशसीरती (خوش سیرتی) फा अ स्त्री —स्वभाव की शिष्टता, सुशीलता, ख़ुश अख़्लाक़ी।
ख़ुशहाल (خوش حال) फा अ वि —जिसकी आर्थिक दशा अच्छी हो, संपन्न, समृद्ध, मालदार।
ख़ुशहाली (خوش حالی) फा अ स्त्री —संपन्नता, समृद्धि, मालदारी।
ख़ुशा (خوشا) फा अव्य —अहो, क्या ख़ूब, वाह वाह, "ख़ुशा ! नसीब ! तपिशहाए-आलमे-बेदाद, हमारे सर पे तुम्हारा हसीन साया है।"
ख़ुशाक़िस्मत (خوشا قسمت) फा अ अव्य —अहो भाग्य, वाह री तक़्दीर, वाह रे मैं।
ख़ुशानसीब (خوشا نصیب) फा अ अव्य —दे 'ख़ुशा-क़िस्मत'।
ख़ुशाम (خشام) अ पु —वह व्यक्ति जिसकी नाक ऊँची हो, वह पहाड़ जिसकी चोटी ऊँची हो।
ख़ुशामद (خوشامد) फा स्त्री —चापलूसी, चाटुकारिता, मिन्नत, समाजत, उल्लाप।
ख़ुशामदगो (خوشامدگو) फा वि —ख़ुशामद करनेवाला, चाटुकार।
ख़ुशामदपसंद (خوشامدپسند) फा वि —जिसे चापलूसी अच्छी लगती हो, जो चाहता हो कि लोग उसकी ख़ुशामद करें, चटुलालस।
ख़ुशामदशिआर (خوشامدشعار) फा अ वि —जिसे ख़ुशामद करने की आदत हो, जिसका काम ही ख़ुशामद करना हो, चाटुपटु।
ख़ुशामदी (خوشامدی) फा वि —ख़ुशामद करनेवाला, चाटु-कार, चाटुलोल, उल्लापी।
ख़ुशी (خوشی) फा स्त्री —हर्ष, आनंद, मसर्रत, इच्छा, रुचि, मर्ज़ी, बच्चे की पैदाइश, बाल-जन्म, स्वीकृति, मंजूरी, आनंदित, हर्षित, ख़ुश।
ख़ुशूअ (خشوع) अ पु —नम्रता, विनय, आजिज़ी, तारे का अस्त होने के निकट होना, नींद से आँख का बंद होना।
ख़ुशूनत (خشونت) अ स्त्री — खुरदरापन, खुरखुरापन, अक्खड़पन, रूखापन, बदमिज़ाजी।
ख़ुश्क: (خشکہ) फा पु —उबाले हुए चावल, भात।
ख़ुश्क (خشک) फा वि —सूखा हुआ, शुष्क, बिना रस का, नीरस, दु:शील, रूखा, अनुदार, तंगदिल कृपण, कंजूस।
ख़ुश्कदिमाग़ (خشک دماغ) फा अ वि —जिसके मस्तिष्क में ख़ुश्की बहुत हो, चिड़चिड़ा, बदमिज़ाज।
ख़ुश्कमग़्ज़ (خشک مغز) फा अ वि —दे 'ख़ुश्कदिमाग़'।
ख़ुश्कमिज़ाज (خشک مزاج) फा अ वि —बहुत ही रूखा फीका व्यक्ति, नीरसप्रकृति, खुर्रा।
ख़ुश्कमिज़ाजी (خشک مزاجی) फा अ स्त्री —मिज़ाज का रूखापन, खुर्रापन।
ख़ुश्कलब (خشک لب) फा वि —प्यासा, पिपासित, जिसके ओंठ प्यास के कारण सूख गये हों।
ख़ुश्कसाल (خشک سال) फा वि —दे 'ख़ुश्कसाली'।
ख़ुश्कसाली (خشک سالی) फा स्त्री —अवर्षा, बरसात का अभाव, दुर्भिक्ष, कहतसाली।

ख़ुश्कारी (خوشکاری) फा स्त्री–बे छना आटा, बंजर ज़मीन, ऊसर।
ख़ुश्की (خشکی) फा स्त्री–सूखापन, शुष्कता, बद-अख़्लाक़ी, दुःशीलता, खुर्रापन, बदमिज़ाजी, मिज़ाज की खुश्की।
ख़ुसुर (خسر) फा पु–पत्नी का बाप, ससुर, श्वशुर।
ख़ुसुरख़ानः (خسرخانہ) फा पु–सुसराल, ससुराल, श्वशुरालय।
ख़ुसूफ़ (خسوف) अ पु–चंद्रग्रहण, चाँद-गहन।
ख़ुसूमत (خصومت) अ स्त्री–द्वेष, कीना, वैर, शत्रुता, अदावत।
ख़ुसूस (خصوص) अ पु–दे 'ख़ुसूसीयत'।
ख़ुसूसन (خصوصاً) अ वि–ख़ास तौर पर, विशेष करके, मुख्यत, विशेषत।
ख़ुसूसी (خصوصی) अ वि–मुख्य, प्रधान, ख़ास।
ख़ुसूसीयत (خصوصیت) अ स्त्री–विशेषता, प्रधानता, ख़ासबात, मैत्री, दोस्ती, गाढी मैत्री।
ख़ुस्त (خوست) फा वि–मला-दला, मसला हुआ, मर्दित।
ख़ुस्य: (خصیہ) अ पु–अडकोष, मुष्क, फोता।
ख़ुस्यतैन (خصیتین) अ पु–दोनो फोते।
ख़ुस्र (خسر) अ पु–हानि करना, क्षति पहुँचाना, टोटा होना।
ख़ुस्रान (خسران) अ पु–हानि, क्षति, घाटा, टोटा, वंचकता, हीनता, मह्रूमी, अभागापन, दुर्भाग्य।
ख़ुस्रो (خسرو) फा पु–सम्राट्, शहंशाह, परवेज़ का लड़का जिसने फ़र्हाद को मरवाया था, नौशेरवाँ का लड़का, चौदहवी शताब्दी के एक भारतीय महाकवि और विद्वान् जिन्होंने सबसे पहले हिंदी भाषा का कविता मे प्रयोग किया। इनकी 'मुकरनी' हिन्दी काव्य मे बहुत विख्यात है।
ख़ुह्ल: (خوهلہ) फा वि–टेढा, वक्र।

ख़ू

ख़ू (خوں) फा पु–'ख़ून' का लघु दे 'ख़ून'।
ख़ूँआलूद (خوں آلودہ) फा वि–लोहू में लथडा हुआ, रक्ताक्त।
ख़ूँआलूद (خوں آلود) फा वि–दे 'ख़ूँआलूद', दोनो शुद्ध है।
ख़ूँआशाम (خوں آشام) फा वि–ख़ून पीनेवाला, रक्तापी, रक्तपायी, निर्दय, पाषाणहृदय, ज़ालिम।
ख़ूँआशामी (خوں آشامی) फा स्त्री–ख़ून चूसना, ख़ून पीना, निर्दयता, ज़ुल्म।
ख़ूँकर्दः (خوں کردہ) फा वि–जिसकी हत्या की गयी हो, वधित।
ख़ूँख़ुर्द (خوں خوردہ) फा वि–जिसने ख़ून पिया हो, जिसका ख़ून पिया गया हो।
ख़ूँख़्वार (خونخوار) फा वि–ख़ून पीनेवाला, रुधिराशी, रक्तपायी, प्राण ले लेनेवाला श्वापद आदि, दरिंदा, अत्याचारी, ज़ालिम, निर्दय, बेरह्म।
ख़ूँख़्वारी (خونخواری) फा स्त्री–ख़ून पीना, अत्याचार, निर्दयता।
ख़ूँख़्वाह (خونخواہ) फा वि–ख़ून का बदला चाहनेवाला, प्रतिहिंसक।
ख़ूँगर्मी (خوں گرمی) फा स्त्री–प्रेम, स्नेह, इश्क़, मैत्री, मुहब्बत।
ख़ूँगश्तः (خوں گشتہ) फा वि–जो ख़ून हो गया हो, जो पिघलकर मास आदि से ख़ून बन गया हो।
ख़ूँगिरिफ़्तः (خوں گرفتہ) फा वि–जिसकी मृत्यु समीप हो, मरणासन्न, जो वध होना चाहता हो, वधेच्छु।
ख़ूँचिकाँ (خوں چکاں) फा वि–रक्त टपकता हुआ, जिसमें से ख़ून बह रहा हो।
ख़ूँचिकानी (خوں چکانی) फा स्त्री–ख़ून टपकना, ख़ून का बहाव।
ख़ूँदार (خوندار) फा वि–वधिक, हिंसक, ख़ूनी।
ख़ूँदारी (خونداری) फा स्त्री–वध, हत्या, ख़ून।
ख़ूँनाब: (خوں نابہ) फा पु–ख़ून और पानी मिला हुआ, मिश्रण, ख़ून के आँसू।
ख़ूँनाब फ़िशाँ (خوں نابہ فشاں) फा वि–ख़ून के आँसू बहानेवाला, ख़ून रोनेवाला।
ख़ूँनाब फ़िशानी (خونابہ فشانی) फा स्त्री–ख़ून के आँसू बहाना, ख़ून रोना।
ख़ूँनाब (خوناب) फा पु–दे 'ख़ूँनाब'।
ख़ूँफ़िशाँ (خوں فشاں) फा वि–ख़ून बहाने या बरसानेवाला, जिससे ख़ून टपके।
ख़ूँफ़िशानी (خوں فشانی) फा स्त्री–ख़ून बरसाना।
ख़ूँबहा (خوں بہا) फा पु–ख़ून की कीमत, प्राणो का मूल्य, किसी की हत्या हो जाने पर उसके उत्तराधिकारियो को धन देकर राज़ी करने की क्रिया, वह धन जो प्राणो के बदले में दिया जाय, ख़ून=क़त्ल+बहा=मूल्य, प्राणो के बदले मे प्रदेय धन।
ख़ूँबार (خوں بار) फा वि–ख़ून बरसानेवाला, रक्तवर्षक।
ख़ूँबारी (خوں باری) फा स्त्री–रक्त बरसाना।
ख़ूँरेख़्त (خوں ریختہ) फा वि–जिसका ख़ून बहाया गया हो।

खूँरेज (خوں ریز) फा वि –खून बहानेवाला, हिंसक, हत्यारा, निर्दय, बेरह्म।

खूँरेजी (خوں ریزی) फा स्त्री –खून बहाना, हत्या करना, निर्दयता, बेरह्मी।

खू (خو) फा स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत।

खूएबद (خوۓ بد) फा स्त्री –बुरा स्वभाव, बुरी आदत।

खूक (خوک) फा पु –शूकर, वराह, सुअर।

खूकर्द: (خوکردہ) फा वि –दे 'खूगर'।

खूगर (خوگر) फा वि –जिसे किसी बात की आदत हो, अभ्यस्त, जिसे कोई लत हो, व्यसनी, लती।

खूत (خوط) फा पु –मृदुल शाखा, नाजुक डाली, मोटा-ताजा व्यक्ति जो फुर्तीला और हँसमुख हो।

खूद (خود) फा पु –दे 'खोद', दोनों शुद्ध हैं।

खून (خون) फा पु –रक्त, रुधिर, लोहू, वध, कत्ल, हत्या।

खूनाब' (خونابہ) फा पु –दे 'खूँनाब'।

खूनाब (خوناب) फा पु –दे 'खूँनाब'।

खूनी (خونیں) फा वि –खून में सना हुआ, रक्ताक्त, रक्त सम्बन्धी, खून का, खून मिला हुआ।

खूनीकफन (خونیں کفن) फा वि –जिसका कफन खून में लथड़ा हो, अर्थात् जिसकी हत्या प्रेम ने की हो, शहीदे इश्क।

खूनीजिगर (خونیں جگر) फा वि –जिसका जिगर (हृदय) खून में सना हो, जिसके दिल को प्रेम ने घायल किया हो, प्रेमी।

खूनींनवा (خونیں نوا) फा वि –जिसकी आवाज़ से सुनने-वालों के हृदय से खून टपकता हो, अत्यन्त द्रवी, प्रेमी, आशिक।

खूनी (خونی) फा वि –हत्या करनेवाला, वधिक, खून से सम्बन्धित।

खूने कबूतर (خون کبوتر) फा पु –लाल रंग की मदिरा।

खूने नामूस (خون ناموس) फा अ पु –मदिरा, शराब।

खूने नाहक (خون ناحق) फा अ पु –विना अपराध के हत्या, विना कुसूर किसी का कत्ल।

खूब (خوب) फा वि –सुन्दर, हसीन, उत्तम, उम्दा, स्वच्छ, साफ, शुभदर्शन, खुशनुमा, शुभ, मुबारक, (अव्य) वाह, क्या खूब।

खूबकलाँ (خوب کلاں) फा स्त्री –एक दवा, खाकशी।

खूबतर (خوبتر) फा वि –बहुत अच्छा, अत्युत्तम।

खूबतरीन (خوبترین) फा वि –बहुत ही अच्छा, उत्त-मोत्तम, सबसे बढ़िया।

खूबरू (خوبرو) फा वि –रूपवान्, रूप-विशिष्ट, खूबसूरत, सुन्दर, हसीन; माशूक, प्रियतमा।

खूबरूई (خوبروئی) फा स्त्री –सौन्दर्य, सुन्दरता, खूबसूरती।

खूबसूरत (خوبصورت) फा अ वि –दे 'खूबरू'।

खूबसूरती (خوبصورتی) फा अ स्त्री –दे 'खूबरूई'।

खूबाँ (خوباں) फा पु –'खूब' का बहु, सुन्दर स्त्रियाँ, मा'शूक लोग, प्रियतमाएँ।

खूबानी (خوبانی) फा स्त्री –एक मेवा, जर्दालू।

खूबी (خوبی) फा स्त्री –गुण, वस्फ, सुन्दरता, हुस्न, उत्तमता, उम्दगी, सज्जनता, शराफत, कला, हुनर, नवीनता, अजूबापन।

खूलिंजान (خولنجان) फा पु –एक दवा, कुलंजन, पान की जड़।

खे

खेज (خیز) फा स्त्री –पानी की लहर, मौज, हिल्लोल, नर से मिलने के समय मादा कबूतर की मस्ती, (प्रत्य.) उठानेवाला, जैसे 'तूफाँखेज' तूफान उठानेवाला, बढ़ाने-वाला, जैसे–'वहशत खेज', हौल बढ़ानेवाला।

खेजराँ (خیزراں) फा पु –बेंत का वृक्ष, वेत्र, बेंत।

खेजिश (خیزش) फा स्त्री –उठान, उत्थान, लिंगेंद्रिय की उठान, दस्तादगी।

खेजोमेज (خیز و میز) फा पु –मेलजोल, रब्तजब्त, जौक-शौक, चाव।

खेश (خویش) फा पु –स्वयं, खुद, स्वतः आप, स्वजन, अजीज, दामाद, जामाता।

खेश (خیش) फा पु –एक मोटा कपड़ा, खेस।

खेशतन (خویشتن) फा पु –स्वतः, अपने आप, स्वयं खुद।

खेशदार (خویش دار) फा वि –वह व्यक्ति जो अपने को आपत्तियों से बचाता हुआ जीवन व्यतीत करे।

खेशदारी (خویش داری) फा स्त्री –अपने को आपत्तियों से बचाते हुए जीवन व्यतीत करना।

खेशपर्वर (خویش پرور) फा वि –अपने कुन्बेवालों और मित्रों का पालन-पोषण करनेवाला, उनको रिआयत देनेवाला।

खेशपर्वरी (خویش پروری) फा स्त्री –अपने लोगों का पालन-पोषण करने और उनको अनुचित रिआयत देने की प्रवृत्ति।

खेशावंद (خویشاوند) फा पु –अपने रिश्तेदार, अजीज, अकारिब, स्वजनगण।

खेशी (خویشی) फा स्त्री –अपनायत, स्वजनता, दामादी।

खेसांद: (خیساندہ) फा पु –पानी में भीगी हुई दवाएँ जो बिना औटाये पी जायें, हेम, 'जोशांदा' में दवा औटायी जाती है, इन दोनों में यही अन्तर है।

खै

खै (خوے) फा पु–पसीना, स्वेद।
खैज़ुरान (خیزران) अ पु–'खेजरान' का अरबी रूप, बेत का वृक्ष, बेंत।
खैत (خیط) अ पु–डोरा, तागा, सूत, हराममग्ज, रीढ की हड्डी के भीतर का गूदा।
खैते अब्यज़ (خیط ابیض) अ पु–प्रातःकाल की सफेदी।
खैते अस्वद (خیط اسود) अ पु–रात की कालिमा।
खैफ (خیف) अ पु–भय, डर, समुद्र के स्तर से ऊँची और पहाड़ से नीची भूमि, पहाड़ के किनारे की हर ऊँचाई अथवा निचाई।
खैबत (خیبت) अ स्त्री–निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी, वंचकता, हीनता, महरूमी।
खैबर (خیبر) अ पु–अरब का एक दुर्ग, जिसे हज़रत अली ने जीता था।
खैम (خیمہ) अ पु–कपड़े का मकान, पटवास, खैमा, डेरा, रावटी, तम्बू।
खैम गाह (خیمہ گاہ) अ फा स्त्री–जहाँ तम्बू गड़ा हो वह स्थान।
खैम दोज़ (خیمہ دوز) अ फा वि–तम्बू बनानेवाला, ख़ैमा सीनेवाला।
खैयात (خیاط) अ पु–दर्ज़ी, सूचिक, सीनेवाला, कपड़े सीनेवाला।
खैयाती (خیاطی) अ स्त्री–कपड़ा सीने का काम या पेशा।
खयाब (خیاب) अ वि–निराश, हताश, नाउम्मेद, वंचित, हीन, महरूम।
खैयाम (خیام) अ वि–तम्बू बनानेवाला, खैमादोज, फारसी का एक सुप्रसिद्ध शाइर नैशापुर-निवासी जिसकी रुबाइयों का अनुवाद संसार की प्राय सारी भाषाओं में हो चुका है, उमर खैयाम, यह बड़ा वैज्ञानिक, वैद्य (हकीम) तथा ज्योतिषी भी था।
खैर (خیر) अ स्त्री–कुशल, मंगल, खैरियत, शुभ, श्रेष्ठ, उम्दा, उपकार, भलाई, पुण्य, सवाब, प्रदान, बख्शिश, अव्य अस्तु।
खैरअंदेश (خیر اندیش) अ फा वि–भलाई की बात सोचनेवाला, शुभचिंतक, खैरख्वाह।
खैरअंदेशी (خیر اندیشی) अ फा स्त्री–भलाई की बात सोचना, खैरख्वाही।
खैरख्वाह (خیر خواہ) अ फा वि–भलाई चाहनेवाला, शुभचिंतक, शुभेच्छु।
खैरख्वाही (خیر خواہی) अ फा स्त्री–भलाई चाहना, खैर अंदेशी, शुभेच्छा।
खैरबाद (خیرباد) अ फा वा–एक आशीर्वाद, कल्याण हो, विदा के समय का नमस्कार, गुड बाई।
खैरमक्दम (خیر مقدم) अ पु–स्वागत, इस्तिक्बाल, शुभागमन।
खैरसिगाल (خیر سگال) अ फा वि–भलाई की बात सोचनेवाला, शुभचिंतक।
खैरसिगाली (خیر سگالی) अ फा स्त्री–भलाई, खैर-अंदेशी, शुभकामना।
खैरात (خیرات) अ स्त्री–'खैर' का बहु, दान, धर्मादि।
खैरातखान (خیرات خانہ) अ फा पु–अन्नसत्र, मोहताज-खाना, जहाँ कंगालों और अपाहिजों को भोजन आदि दिया जाता हो।
खैराती (خیراتی) अ वि–दान का, खैरात का, खैरात-सम्बन्धी।
खैरियत (خیریت) अ स्त्री–कुशल, मंगल, खैरो आफियत।
खैरियतनाम (خیریت نامہ) अ फा पु–खैरियत का खत, कुशल-पत्र।
खैरोआफियत (خیرو عافیت) अ स्त्री–क्षेम-कुशल, शान्ति और कुशल, खैरियत और अमन।
खैरोबरकत (خیرو برکت) अ स्त्री–कल्याण और समृद्धि।
खैल (خیل) अ पु–समुदाय, जनसमूह, जमाअत, घोड़ों का गल्ला, सवारों का समूह, (वि) अधिक, बहुत।
खैलखान (خیل خانہ) अ फा पु–वंश, कुटुम्ब, कुनबा, खानदान।
खैलताश (خیل تاش) अ तु पु–एक स्वामी के सेवक, वे सेवक आपस में खैलताश हैं।
खैले (خیلے) फा अव्य–बहुत ज़ियादा, अत्यधिक।
खैश (خیش) अ पु–एक मोटा कपड़ा, खेस।
खैशूम (خیشوم) अ पु–नथना, नासापुट।
खैस (خیص) अ पु लिखने की सियाही, मसि, रोशनाई, थोड़ी सजावट, दे 'खीस', दोनों शुद्ध हैं।

खो

खोज़िस्तान (خوزستان) फा पु–ईरान का एक प्रदेश।
खोजी (خوزی) फा वि–खोजिस्तान का निवासी।
खोगीर (خوگیر) फा पु घोड़े का पालान, घोड़े की पीठ का नम्दा, चारजामा, ज़ीन, काठी।
खोगीरदोज़ (خوگیردوز) फा वि–पालान सीनेवाला, ज़ीन सीनेवाला।

ख़ोगीरदोज़ी (خوگیردوزی) फ़ा स्त्री –पालान सीने का काम, ज़ीन सीने का काम या पेशा।
ख़ोद (خود) फ़ा पु –लोहे की टोपी जो सिपाही ओढते है, शिरस्त्राण।
ख़ोल (خول) फ़ा पु –वेष्टन, गिलाफ, कोष, म्यान।
ख़ोश. (خوشه) फ़ा पु –गेहूँ या जौ की बाल, गुच्छा, मजरी, गुच्छ।
ख़ोश.चीं (خوشه چیں) फ़ा वि –खेती में सिला बीननेवाला, उछवृत्त, लाभ उठानेवाला।
ख़ोश चीनी (خوشه چینی) फ़ा स्त्री –सिला बीनना, उछवृत्ति, लाभ, प्राप्ति।
ख़ोशएअगूर (خوشهٔ انگور) फ़ा पु –अगूर का गुच्छा।
ख़ोशएगदुम (خوشهٔ گندم) फ़ा पु गेहूँ की बाल।
ख़ोशएचर्ख़ (خوشهٔ چرخ) फ़ा पु –कन्याराशि, बुर्जे जौज़ा।
ख़ोशएपर्वी (خوشهٔ پروین) फ़ा पु –कृत्तिका नक्षत्र।
ख़ोशीद. (خوشیده) फ़ा वि –सूखा हुआ, सुखाया हुआ।
ख़ोशीदनी (خوشیدنی) फ़ा वि.–सूखने के योग्य, सुखाने के योग्य।

ख़ौ

ख़ौ (خو) फ़ा स्त्री –लकडी की पाड, जिस पर बैठकर राज मकान बनाते है, एक घास जो खेतो मे पैदा होती है।
ख़ौक़ (خوق) अ पु –कान के कुडल का घेरा, गोशवारे का हल्का।
ख़ौख़ (خوخ) अ पु –आडू, चपता लू।
ख़ौज़ (خوز) अ पु –शत्रुता, दुश्मनी।
ख़ौज़ (خوض) अ पु –विचार, मनन, चिन्तन, ग़ौर, यह शब्द ग़ौर के साथ मिलकर आता है, अकेला नही बोला जाता।
ख़ौद (خود) अ स्त्री –कोमल, मृदुल और सुन्दर स्त्री।
ख़ौन (خون) अ पु –दृष्टि की कमी और मदता, धोखा दगा और बेवफाई करना।
ख़ौफ़ (خوف) अ पु –भय, त्रास, डर, शका, सदेह, शुबहा।
ख़ौफ़ज़द. (خوفزده) अ फ़ा वि –भयभीत, डरा हुआ।
ख़ौफ़ज़दगी (خوفزدگی) अ फ़ा स्त्री –भयभीत होना, डरना, ख़ौफ खाना।
ख़ौफ़नाक (خوفناک) अ फ़ा वि –भीषण, भयकर, डरावना, जहाँ या जिसमें प्राणो का भय हो।
ख़ौफ़नाकी (خوفناکی) अ फ़ा स्त्री –भयानकता, उरावनापन, जान जोखिम, प्राणो का भय।
ख़ौफ़ेजाँ (خوف جاں) अ फ़ा पु –जान का डर, प्राणभय, मरने का ख़ौफ।
ख़ौश (خوش) अ स्त्री –नितब, कटिदेश, चूतड, (पु) भाला मारना, ब्याह करना, लेना, पकडना।
ख़ौस (خوس) अ पु –धोखा देना, दगा करना, ख़ियानत करना, खोटा होना।
ख़ौस (خوص) अ पु –आँखो का गढे मे चला जाना।

ख़्व

ख़्वाँ (خواں) फ़ा प्रत्य –पढनेवाला, जैसे—'मीलादख़्वाँ' मीलाद पढनेवाला।
ख़्वाँ (خواں) फ़ा पु –'ख़्वान' का लघु, दे 'ख़्वान'।
ख़्वाद. (خوانده) फ़ा वि –पढाया हुआ, शिक्षित, बुलाया हुआ, निमत्रित, आहूत।
ख़्वादगी (خواندگی) फ़ा स्त्री –पढत, पढाई, परिषद् में किसी कानून की पढाई।
ख़्वादनी (خواندنی) फ़ा स्त्री –पढने योग्य, पाठ्य।
ख़्वाजः (خواجه) तु पु –स्वामी, पति, मालिक।
ख़्वाज़ (خواره) फ़ा स्त्री –इच्छा, ख़्वाहिश।
ख़्वाज़.गर (خوارهگر) फ़ा वि –इच्छुक, चाहनेवाला, ख़्वाहिश करनेवाला।
ख़्वाज.ताश (خواجه تاش) तु वि –एक स्वामी के दास, जो आपस में ख़्वाज ताश कहलाते है।
ख़्वाजःसरा (خواجه سرا) तु फ़ा पु –महल का रखवाला, जनाना, हीजडा, नरदारा, शिखण्डी।
ख़्वान (خوان) फ़ा पु –थाल, ट्रे, खाने से भरा हुआ थाल।
ख़्वानपोश (خوان پوش) फ़ा पु –ख़्वान पर ढँकने का कपडा आदि।
ख़्वाना (خوانا) फ़ा वि –बुलानेवाला, पुकारनेवाला।
ख़्वानिदः (خواننده) फ़ा वि –बुलानेवाला, पुकारनेवाला, पढानेवाला, शिक्षक।
ख़्वाब (خواب) फ़ा पु –स्वप्न, स्वाप, सोने की क्रिया, स्वप्न, जो सोते मे दिखाई दे।
ख़्वाबआवर (خواب آور) फ़ा वि –नीद लानेवाली ओषधि आदि, निद्राकर, निद्राकारक।
ख़्वाबिद: (خوابنده) फ़ा वि –सोता हुआ, सुप्त।
ख़्वाबीद (خوابیده) फ़ा स्त्री –सोने और नीद लेने का भाव, सोने की दशा।
ख़्वाबीदगी (خوابیدگی) फ़ा वि –सोने के योग्य।
ख़्वाबे ख़रगोश (خواب خرگوش) फ़ा पु –धोखा, छल, गहरी नीद।
ख़्वाबे ग़फ़्लत (خواب غفلت) फ़ा अ पु –गहरी नीद।
ख़्वाबे परीशाँ (خواب پریشاں) फ़ा पु –उचटती हुई नींद,

ऐसी नींद जो बार-बार उचट जाय; ऐसा स्वप्न जिसका स्वप्नफल न जाना जा सके।

ख्वाबे सैयाद (خواب صیاد) फा अ —बनावटी नींद, छल, धोखा, फरेब।

ख्वार (خوار) फा वि —अपमानित, तिरस्कृत, जलील, दुर्दशाग्रस्त, बदहाल।

ख्वारी (خواری) फा स्त्री —अपमान, अनादर, जिल्लत, दुर्दशा, बदहाली।

ख्वाल (خوال) फा पु —भोजन, खाना।

ख्वालगर (خوال‌گر) फा वि —रसोइया, बावरची।

ख्वालगीर (خوال‌گیر) फा वि —दे 'ख्वालगर'।

ख्वास्त (خواستہ) फा वि —चाहा हुआ, माँगा हुआ।

ख्वास्त (خواست) फा स्त्री —चाह, माँग, सवाल।

ख्वास्तगार (خواستگار) फा वि —माँगनेवाला, चाहनेवाला, इच्छुक।

ख्वास्तगारी (خواستگاری) फा स्त्री —इच्छा, चाह, मँगनी, सगाई।

ख्वास्तगी (خواستگی) फा स्त्री —इच्छा, चाह, माँग।

ख्वास्तनी (خواستنی) फा वि —चाहने योग्य, माँगने योग्य।

ख्वाह (خواہ) फा प्रत्य —चाहनेवाला, अच्छा लगनेवाला, जैसे —'दिलख्वाह' मन को अच्छा लगनेवाला, (अव्य) अथवा, या, चाहे।

ख्वाहर (خواہر) फा स्त्री —भगिनी, बहन।

ख्वाहाँ (خواہاں) फा वि —चाहनेवाला, इच्छुक, माँगनेवाला, याचक।

ख्वाहिंद (خواہندہ) फा वि —चाहनेवाला, इच्छुक, माँगनेवाला, याचक।

ख्वाहिश (خواہش) फा स्त्री —इच्छा, चाह, तलब, लालसा, उत्कंठा, इश्तियाक।

ख्वाहीद. (خواہیدہ) फा वि —चाहा हुआ, वांछित, अभीप्सित।

ख्वाहीदनी (خواہیدنی) फा वि —चाहने योग्य, माँगने योग्य।

ग

गग (گنگ) फा स्त्री —गगा नदी।

गगबरार (گنگ‌برار) फा स्त्री —गगा या दूसरी नदी की धारा के नीचे से निकली हुई (नयी) जमीन।

गगल (گنگل) फा पु —उपचार, जादू, ठठोल, मस्खरी।

गगोजमन (گنگوجمن) फा स्त्री —गगा और यमुना।

गज. (گنجہ) फा पु —एक नगर।

गज (گنج) फा पु —निधि, खजाना, कोष।

ग़ज (غنج) अ. पु —आँख अथवा भौंह का सकेत, सैन, हावभाव, नाज़ोअदाज़।

ग़ंज (غنظ) अ पु —बहुत अधिक दु ख, नित्य का शोक।

गजदान (گنج‌دان) फा पु —वह स्थान जहा धन गडा हो, खजाने का स्थान, कोपागार।

गजबख्श (گنج‌بخش) फा वि —खजाना बाँटने या देनेवाला, बहुत बडा दाता, एक मुसलमान ऋषि की उपाधि।

गजार (گلنارہ) फा पु —गुलगूना, मुखचूर्ण, मुख पर मलने का सुगधित लाल पाउडर।

ग़जार (غنار) अ पु —दे 'गजार'।

गंजिद· (گنجندہ) फा वि —समानेवाला, प्रवेश करनेवाला।

गजिफ (گنجفہ) फा पु —ताश के प्रकार का एक खेल, जो ताश से पहले प्रचलित था, ताश पत्तो का खेल।

गंजीदः (گنجیدہ) फा वि —समाया हुआ।

गजीदनी (گنجیدنی) फा वि —समाने योग्य।

गजीन (گنجینہ) फा पु —निधि, कोष, खज़ाना।

गजीनए ज़र (گنجینۂ زر) फा पु —केवल सोने का खजाना, स्वर्णनिधि।

गजूर (گنجور) फा वि —खजाने का मालिक, निधि-स्वामी, खज़ानची, कोषाध्यक्ष।

गजे इलाही (گنج الہی) फा पु —कुरान।

गजे कारून (گنج قارون) फा पु —'कारून' का खज़ाना जो चार लाख चालीस हजार बोरी भर था और जिसमे से वह एक पैसा भी ईश्वर के नाम पर व्यय नही करता था, अन्त मे हज़रत मूसा के शाप से वह अपनी निधि समेत पृथ्वी मे धँस गया।

गजे गाव (گنج گاؤ) फा पु —जमशेद की निधियो मे से एक निधि का नाम, जो एक किसान को मिला था।

गजे बादावर्द (گنج بادآورد) फा पु —दे 'गजे शायगाँ' क्योकि इस खजाने को हवा लेकर आयी थी, वायु-प्रेरित निधि, वायु-प्रदत्त निधि।

गजे रवाँ (گنج رواں) फा पु —दे 'गजे कारून' क्योकि कारून का खजाना कियामत तक ज़मीन मे धँसता चला जायगा।

गजे शहीदाँ (گنج شہیداں) फा पु —कब्रिस्तान, समाधि-क्षेत्र, जहाँ बहुत-से शहीद दफन हो।

गजे शायगाँ (گنج شایگاں) फा पु —रूम के कैसर ने पर्वेज़ के भय मे अपना धन जहाजो मे भरकर एक द्वीप मे भेजा था, हवा के प्रतिकूल होने से वह पर्वेज़ के देश मे पहुँच गया, चूँकि यह बहुत बडा खजाना था और बिना परिश्रम मिला था इस कारण इसे 'गजे शायगाँ' कहते है।

गंदः (گنده) फा वि—मलिन, मैला, अपवित्र, नापाक; दुर्गंधयुक्त, बदबूदार; दूषित, खराब; अशुद्ध, जिसमें मैल हो; गँदला, मटमैला।

गंदःदहन (گنده‌دهن) फा वि—गालियाँ बकनेवाला, दुर्भाषी, जिसको मुँह से दुर्गंध आने का रोग हो।

गंदःदहनी (گنده‌دهنی) फा स्त्री—गालियाँ बकने का रोग, मुँह से दुर्गंध आने का रोग।

गंदःबग़ल (گنده‌بغل) फा वि—जिसे बगल से दुर्गंध आने का रोग हो।

गंदःबग़ली (گنده‌بغلی) फा स्त्री—बगल से दुर्गंध आने का रोग।

गंदःमग़्ज़ (گنده‌مغز) फा वि—अहंकारी, घमंडी, डींगिया, शेख़ीख़ोर।

गंदःमग़्ज़ी (گنده‌مغزی) फा स्त्री—अहंकार, घमंड, डींग, शेख़ी।

गंद (گند) फा स्त्री—बदबू, दुर्गंध।

गंदगी (گندگی) फा स्त्री—दुर्गंध, बदबू; अपवित्रता, नापाकी, मलिनता, मैलापन, विष्ठा, गू।

गंदना (گندنا) फा पु—एक बीज जो दवा में चलता है।

गंदनागूँ (گندناگوں) फा वि—गंदने-जैसे रंगवाला, ख़ाकी रंग का, मटमैला।

गंदीद: (گندیده) फा. वि—सड़ा हुआ, दुर्गंधित।

गंदुम (گندم) फा अ पु—गेहूँ, गोधूम।

गंदुमगूँ (گندم‌گوں) फा वि—गेहुएँ रंग का।

गंदुमनुमा जौफ़रोश (گندم‌نما جوفروش) फा वि—गेहूँ दिखाकर जौ तौलनेवाला, छली, वंचक, ठग।

गंदुमी (گندمی) फा वि—गेहूँ से सम्बन्धित, गेहूँ का, गेहुएँ रंग का।

गच (گچ) फा स्त्री—चूने की टीप, चूने से पक्की की हुई जगह।

गज़ंद (گزند) फा. स्त्री—हानि, अनिष्ट, नुकसान, दुःख, कष्ट, तकलीफ़।

गज़ः (گزه) फा पु—नगाड़ा बजाने की लकड़ी, एक प्रकार का तीर।

गज़ (گز) फा पु—नापने की लकड़ी जो १६ गिरह या ३६ इंच की होती है, झाऊ का पेड़।

ग़ज़ [ज़्ज़] (غز) अ पु—घाव में पीप पड़ना और उसका घाव से बहना।

ग़ज़ [ज़्ज़] (غض) अ पु—आँखें बन्द करना, आवाज़ धीमी करना; धैर्य धरना, बुरी बात का सहन करना, हानि धरना।

गज़क (گزک) फा पु—शराब के साथ खाने की चीज़; एक मिठाई जो शकर और तिल से बनती है।

ग़ज़गाव (غژگاو) फा पु—एक जंगली गाय जिसकी पूँछ से मोरछल बनते हैं, सुरा गाय।

गज़पा (گزپا) फा पु—एक लम्बे पाँव का पक्षी, सारस।

ग़ज़न्फ़र (غضنفر) अ पु—व्याघ्र, शेर, फाड़ खानेवाला सिंह।

ग़ज़ब (غضب) अ पु—क्रोध, गुस्सा, बहुत अधिक क्रोध, प्रकोप, दैवी प्रकोप, ख़ुदाई कहर।

ग़ज़बआलूद (غضب‌آلود) अ फा वि—कोपयुक्त, गुस्सा मिला हुआ।

ग़ज़बनाक (غضبناک) फा वि—कुपित, प्रकुपित, गुस्से में भरा हुआ।

गज़बाज़ी (گزبازی) फा स्त्री—एक प्रकार का नाच।

गज़र (گزر) फा स्त्री—गाजर, एक प्रसिद्ध शाक।

ग़ज़र (غضر) अ पु—मँहगाई के पश्चात् मंदी, दरिद्रता के पश्चात् समृद्धि।

ग़ज़ल (غزل) अ स्त्री—प्रेमिका से वार्तालाप, उर्दू, फ़ार्सी कविता का एक प्रकार विशेष, जिसमें प्राय ५ से ११ शेर होते हैं। सारे शे'र एक ही रदीफ और काफ़िए में होते हैं, और हर शे'र का मज़्मून अलग होता है, पहला शे'र 'मत्ला' कहलाता है जिसके दोनों मिस्रे सानुप्रास होते हैं, और अंतिम शे'र 'मक़्ता' होता है जिसमें शाइर अपना उपनाम लाता है। ग़ज़ल के संग्रह को 'दीवान' एवं संपूर्ण प्रकार के पद्य-संग्रह को 'बयाज़' कहते हैं।

ग़ज़लगो (غزل‌گو) अ फा वि—वह शाइर जो ग़ज़ल अच्छी कहता हो, जिसकी सारी कविताओं में ग़ज़ल सर्वश्रेष्ठ हो।

ग़ज़लगोई (غزل‌گوئی) अ फा स्त्री—ग़ज़ल कहना।

ग़ज़लसरा (غزل‌سرا) अ फा वि—ग़ज़ल सुनानेवाला, ग़ज़ल पढ़नेवाला, ग़ज़ल गानेवाला।

ग़ज़लसराई (غزل‌سرائی) अ फा स्त्री—ग़ज़ल पढ़ना, ग़ज़ल गाना।

ग़ज़वात (غزوات) अ पु—'ग़ज़्व' का बहु, इस्लाम धर्म की परिभाषा में वे लड़ाइयाँ जिनमें पैग़म्बर साहिब साथ थे।

ग़ज़ा (غزا) अ पु—धर्मयुद्ध, मज़्हबी लड़ाई, दे 'ग़िज़ा', दोनों शुद्ध हैं।

गज़ा (گزا) फा प्रत्य—खानेवाला, जैसे—'जाँगज़ा' प्राणों को खा जानेवाला, हानि पहुँचानेवाला।

ग़ज़ा (غضا) अ पु—बेर-जैसा एक वृक्ष, जिसकी लकड़ी बहुत देर तक जलती रहती है।

गज़ाज़ः (غضاضة) अ पु—नवीन होना, एक पत्थर खानेवाली चिड़िया, (स्त्री) नवीनता, नयापन।

गज़ात (غضات) अ पु—'गज़ा' का बहु, बेर-जैसे पेड जिनकी आग बहुत देर तक रहती है।

ग़ज़ारः (غزارة) अ पु—दूध, पानी अथवा फल आदि का अधिक होना, बहुतात, बाहुल्य, प्राचुर्य, इफ़ात।

ग़ज़ार (غضارة) अ पु—एक चिपकनेवाली मिट्टी, कचला मिट्टी, समृद्धि, दौलतमंदी, वैभव, ऐश, मदापन, सस्तापन।

ग़ज़ार (غزار) अ पु—मकान के चारो ओर की दीवार, घर का भीतरी भाग।

ग़ज़ार (غضار) अ स्त्री—एक चिपकनेवाली मट्टी, कचला मट्टी।

ग़ज़ाल (غزالہ) अ पु—हिरन का बच्चा, मृगशावक, सूर्य, सूरज, उतूस के निकट एक गाँव, गज़ाल भी प्रचलित, जैसे—"दावा जुबाँ का लखनऊवालो के सामने, इजहारे वूए मुश्क गजालो के सामने।"

ग़ज़ाल चश्म (غزالہ چشم) अ फा वि—हिरन के बच्चो-जैसी सुन्दर और बडी-बडी आँखोवाला (वाली), मृग-शावक-नयनी।

ग़ज़ाल (غزال) अ पु—हिरन का बच्चा, मृगशावक, सूर्य, सूरज।

ग़ज़ालचश्म (غزال چشم) अ फा वि—दे 'गजाल चश्म' मृगनयनी।

ग़ज़ालचश्मी (غزال چشمی) अ फा स्त्री—हिरन के बच्चा-जैसी सुन्दर और बडी-बडी आँखे होना।

ग़ज़ाली (غزالی) अ वि—'गजाला' का निवासी।

गज़िंद (گزند) फा वि—काटनेवाला, काट खानेवाला, डसनेवाला।

ग़ज़िंद (غژند) फा वि—बच्चो की भाँति चूतरो के बल घिसट-घिसटकर चलनेवाला।

गज़िंदगी (گزندگی) फा स्त्री—काटने का भाव, डसने का भाव, डसन।

गज़ीज़ (غضيض) अ वि—नवीन, नया, ताजा, प्रफुल्ल, मृदुल और कोमल कली।

गज़ीत (گزيت) फा पु—भूमिकर, लगान, गजकर, खराज, जिजया।

गज़ीद (گزيدہ) फा वि—काटा हुआ, डसा हुआ, दंशित।

गज़ीद (گزيد) फा स्त्री—दे 'गजीत', काटा हुआ।

गज़ीदगी (گزيدگی) फा स्त्री—दे 'गजिदगी'।

गज़ीदनी (گزيدنی) फा वि—काटने योग्य, डसने योग्य।

ग़ज़ीर (غزير) अ वि—हर चीज जो बहुत हो, बहुत वर्षा, बहुत अधिक पानीवाला कुँआँ या तालाब; बहुत आँसुओवाली आँख।

ग़ज़ीर (غضير) अ वि—हर पदार्थ जो हरा और कोमल हो।

ग़ज़ूब (غضوب) अ वि—बहुत अधिक क्रुद्ध, गज़बनाक।

ग़ज़्ज़ाल (غزال) अ वि—रस्सी बनाने और बेचनेवाला।

ग़ज़्न (غزنہ) फा पु—दे 'गज़्नी'।

ग़ज़्नवी (غزنوی) फा वि—'गज्नी' का निवासी, महमूद गज्नवी।

ग़ज़्नीं (غزنين) फा पु—अफ़गानिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, 'गजनी'।

ग़ज़्बान (غضبان) अ वि—बहुत अधिक प्रकुपित, बहुत गज़बनाक, वे पत्थर जो 'मिजनीक' से दुर्ग पर फेंके जायें।

ग़ज़्म (غزم) अ पु—अंगूर का फल जो ताजा और पका हो।

गज़्म (گزم)—फा पु—झाऊ का पेड।

ग़ज़्ल (غزل) अ पु—रस्सी बटना, रस्सी, रज्जु, डोर।

गज़्लक (گزلک) फा पु—वह चाकू जिसकी नोक मुडी हो, कलम बनाने का चाकू।

ग़ज़्व (غزوہ) अ पु—धर्मयुद्ध, मजहबी लडाई, हज़रत मुहम्मद साहिब के समय का वह युद्ध जिसमे वह स्वय सम्मिलित हुए।

ग़ज़्वर (غضور) अ स्त्री—चिपकनेवाली मिट्टी, कचला।

ग़त[त्त] (غط) अ पु—पानी मे गोता देना, पानी में डुबोना।

ग़तफ़ (غطف) अ पु—आँखो की विशालता और पलको की लम्बाई।

ग़तम्तम (غطمطم) अ पु—महासागर।

ग़तात (غطاط) अ पु—एक पक्षी जो पत्थर खाता है, सग-ख्वार।

ग़तीत (غطيط) अ पु—सोते समय खर्राटो का शब्द, गला घुँटे हुए का शब्द, गला कटे हुए का शब्द।

ग़तीम (غطيم) अ पु—महासागर।

ग़तूस (غطوس) अ वि—वह शूर व्यक्ति, जो युद्ध या आपत्ति के समय सबसे आगे बढे।

ग़त्तास (غطاس) अ पु—पनडुब्बी, एक जलपक्षी।

ग़त्स (غطس) अ पु—पानी मे घुसना, पानी मे डुबाना, बर्तन मे लेकर पानी पीना।

गद (گد) फा पु—भीख माँगना दे 'गिद्य'।

ग़द (غد) अ पु—आनेवाला कल।

ग़दक़ (غدق) अ पु—बहुत अधिक पानी।

ग़दद (غدد) अ पु—महामारी, वबा, ऊँटो का ताऊन।

ग़दफ़ (غدف) अ पु—समृद्धि, सम्पन्नता, फ़राग़ी, नेमत, ईश्वर का दिया हुआ धन आदि।

ग़दर (غدر) अ पु –वह पथरीली भूमि जिसमे कोई जन्तु बिल न बना सके, रात का अँधियारा होना।
ग़दा (غدا) अ पु –आगामी कल।
गदा (گدا) फा वि –भीख मागनेवाला भिक्षुक, भिखमगा, भिखारी, मँगता।
ग़दाइर (غدائر) अ पु –'ग़दीरा' का बहु, गुँथी हुई चोटियाँ।
गदाई (گدائی) फा स्त्री –भीख माँगने का काम, भिक्षा-वृत्ति, भिक्षाकर्म।
गदागर (گداگر) फा वि –भिक्षुक, भिक्षु, भिखमगा, फकीर।
गदागरी (گداگری) फा स्त्री –भीख माँगने का काम, भिक्षावृत्ति।
ग़दात (غدات) अ स्त्री –प्रात काल, सवेरा।
गदायान (گدایانه) फा वि –भिखमगो-जैसा, भिखारियो की तरह।
ग़दीर (غديره) अ पु –गुँथी हुई चोटी, गुँथे हुए बाल।
ग़दीर (غدير) अ पु –वह पानी जो नदी मे बाढ आने से समस्त नदी से निकलकर कही जमा हो जाय, इस पानी के एकत्र होने का स्थान, जलाशय।
ग़दूर (غدور) अ वि –कृतघ्न, बेवफा, गद्दारी करनेवाला।
ग़द्दार (غدار) अ वि –कृतघ्न, नमकहराम, देशद्रोही, मुल्क का दुश्मन, बहुत बडा, विशाल (केवल नगर के लिए)।
ग़द्दारी (غداری) अ स्त्री –कृतघ्नता, बेवफाई, नमक-हरामी, देशद्रोह, मुल्क की दुश्मनी।
ग़द्फ (غدف) अ पु –बहुत अधिक दान।
ग़द्र (غدر) अ पु –विप्लव, क्रान्ति, इन्किलाब, सैन्य-द्रोह, बगावत, लूटमार, प्रबध की बहुत ही बुरी व्यवस्था।
ग़द्व (غدوه) अ पु –प्रात काल और सूर्योदय के बीच का समय।
ग़द्व (غدو) अ पु –आगामी कल, आनेवाला कल।
ग़नज (غنج) अ पु –हाव-भाव दिखाना, बूढा पुरुष।
ग़नम (غنم) अ स्त्री –भेड और बकरी।
ग़ना (غنا) अ पु –लाभ, नफ्अ, प्राप्ति।
ग़नाइम (غنائم) अ पु –'ग़नीमत' का बहु, युद्ध मे लूटे हुए माल-असबाब और धन आदि।
ग़नी (غنی) अ वि –धनवान्, मालदार, नि स्पृह, अनिच्छुक, बेनियाज।
ग़नीम (غنيم) अ वि –प्रतिद्वद्वी, हरीफ, वह राजा जो किसी दूसरे राज पर आक्रमण करे।
ग़नीमत (غنيمت) अ स्त्री –युद्ध में शत्रु की सेना से छीना हुआ माल, (वि) उत्तम, अच्छा।
ग़न्ना (غنا) अ पु –किसी चीज के ढेर होने का स्थान, किसी चीज के बहुत होने का स्थान।
गप (گپ) फा स्त्री –मिथ्यावाद, अपवाद, व्यर्थ बात, बकवास, उडती हुई बात।
गपबाज (گپ باز) फा स्त्री –गप्पी, बकवादी, डीगिया, शेखीखोर।
गपबाजी (گپ بازی) फा स्त्री –गप हाँकना, डीग मारना।
ग़फर (غفر) अ पु –सफेद बालो को खिजाब से छिपाना, छोटी घास, गर्दन और गुद्दी के बाल, डाढी के दोनो ओर के बाल।
ग़फल (غفل) अ पु –निश्चेष्टता, सज्ञाहीनता, बेखबरी, विस्मृति, भूल।
ग़फीर (غفير) अ पु –लोहे की टोपी जो सारे सिर को छिपा ले (वि) छिपानेवाला, इतनी भीड जो शुमार मे न आ सके।
ग़फूर (غفور) अ वि –बहुत अधिक क्षमावान्, मोक्षदाता, बख्शनेवाला, ईश्वर का एक नाम।
ग़फूल (غفول) अ वि –बहुत अधिक निश्चेष्ट बहुत ही बेखबर।
ग़फ्फार (غفار) अ वि –बहुत अधिक क्षमा करनेवाला, पापो को छिपानेवाला, मोक्षदाता, ईश्वर का एक नाम।
ग़फ्फारी (غفاری) अ स्त्री –पापो को छिपाने का कर्म, मोक्षदान, बख्शिश, ईश्वरत्व, खुदाई।
ग़फ़्र (غفر) अ पु –वैभव का आधिक्य, ऐश की फरावानी।
ग़फलत (غفلت) अ स्त्री –असावधानी, असतर्कता, बेखबरी, सज्ञाहीनता, निश्चेष्टता, बेहोशी, त्रुटि, भूल, चूक, उपेक्षा, बेपर्वाई, आलस्य, काहिली।
ग़फलतआश्ना (غفلت آشنا) अ फा वि –जो बहुत सुस्ती बरतता हो।
ग़फलतकद (غفلت کده) अ फा पु –गफलत और असावधानी का स्थान अर्थात् ससार।
ग़फलतजद (غفلت زده) अ फा वि –असावधान, बेखबर, सज्ञाहीन, बेहोश, आलसी, सुस्त।
ग़फलतज़दगी (غفلت زدگی) अ फा स्त्री –असावधानी, सज्ञाहीनता, बेहोशी, ध्यानहीनता, आलस्य, सुस्ती।
ग़फलतपेशः (غفلت پیشه) अ फा. वि –जिसका स्वभाव ही गफलत करने का हो, बहुत ही आलसी, असावधान।
ग़फ्लतशिआर (غفلت شعار) अ वि –दे 'गफ्लतपेशः'।
ग़फ्स (غفص) अ वि –मोटा, गफ।
ग़ब [ब्ब] (غب) अ पु –पशु का एक दिन बीच करके पानी पीना।

ग़बन (غبن) अ पु –बुद्धि और मति मे कमी, भूल जाना, विस्मृति, निश्चेष्ट करना, ग़ाफ़िल करना।

ग़बब (غبب) अ पुं –ठुड्डी के नीचे का गोश्त।

ग़बरः (غبرہ) अ पु –धूल-मिट्टी, गर्द-गुबार, बहुत पेडोवाली भूमि।

ग़बस (غبس) अ वि –मटमैले रगवाला, ख़ाकी रगवाला।

ग़बावत (غباوت) अ स्त्री –जेहन का तीव्र न होना, कुदजेहनी, बुद्धि का तेज न होना, कमअक्ली।

ग़बी (غبی) अ वि –मदबुद्धि, कुदजेहन, अतीव्रबुद्धि, कमअक्ल, मदमति।

ग़बीत (غبیط) अ पु –समतल भूमि, हमवार ज़मीन।

ग़बीन (غبین) अ वि –मदमति, जिसकी राय ठीक न होती हो।

ग़बीस. (غبیسہ) मक्खन और पनीर मिला हुआ।

ग़बूक़ (غبوق) अ स्त्री –शाम के पीने की शराब, ह्विस्की।

गब्ज़ (گبز) फा पु –मोटा, दबीज़, मोटा-ताजा, हृष्ट-पुष्ट।

ग़ब्ग़ब (غبغب) अ स्त्री –वह मास जो ठोडी के नीचे होता है, ठोडी, चिबुक, जकन।

ग़ब्त' (غبطہ) अ पु –दे 'गिब्त'।

ग़ब्त (غبط) अ पु –बकरी और दुबे की पीठ और कोख मे उँगलियाँ गडाकर यह देखना कि वह चरबीला है या दुबला।

ग़ब्न (غبن) अ पु –माल लेने-देने मे घाटा, अमानत मे ख़ियानत, पोषण, अपहरण, ख़ुर्द-बुर्द।

गब्र (گبر) फा वि –आतशपरस्त, पार्सी।

ग़ब्रा (غبرا) अ पु –वह भूमि जिसमे पेड बहुत हो, फलदार वृक्ष, भूमि, जमीन, (स्त्री) चकोर की मादा, चकोरी।

गब्रोतर्सा (گبروترسا) फा पु –आतशपरस्त और ईसाई।

ग़म[म्म] (غم) अ पु –खेद, शोक, क्षोभ, रज, कष्ट, क्लेश, दु ख, डाह, ईर्ष्या, हसद, मनस्ताप, सताप, अदरूनी ख़लिश, चिन्ता, फ़िक्र।

ग़मअगेज़ (غم انگیز) अ फा वि –ग़म बढानेवाला, शोकप्रद, खेदजनक।

ग़मआगीं (غم آگیں) अ फा वि –ग़म से भरा हुआ, दु खपूर्ण।

ग़मआलूद (غم آلود) अ फा वि –दे 'ग़मआगीं'।

ग़मक़ (غمق) अ पु –भूमि के ऊपरी भाग के पानी से भीग जाना।

ग़मकदः (غمکدہ) अ फा पु –ग़म का घर, जहाँ शोक ही शोक हो, जहाँ शोकग्रस्त लोग रहते हो, जहाँ कोई मृत्यु हो गयी हो।

ग़मकश (غمکش) अ. फा वि –दु ख सहनेवाला, क्लेश उठानेवाला, क्लेशग्रस्त।

ग़मख़ान (غمخانہ) अ फा पु –दे 'ग़मकद'।

ग़मख़ोर (غمخور) अ फा वि –ग़म खानेवाला, दु ख सहन करनेवाला, सहनशील।

ग़मख़्वार (غمخوار) अ फा वि –सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द।

ग़मख़्वारी (غمخواری) अ फा स्त्री –सहानुभूति, हमदर्दी।

ग़मगीन (غمگین) अ फा वि –दु खित, सतप्त, रजीदा।

ग़मगुसार (غمگسار) अ फा वि –दे 'ग़मख़्वार'।

ग़मगुसारी (غمگساری) अ फा स्त्री –दे 'ग़मख़्वारी'।

ग़मचशीद (غمچشیدہ) अ फा वि –दे 'ग़मज़द'।

ग़मज़ (غمز) अ पु –बुरी कमाई का धन, निकृष्ट माल, अशक्त पुरुष।

ग़मज़द (غمزدہ) अ फा वि –सतप्त, दु खित, रजीदा, शोकग्रस्त, मातमदार।

ग़मद (غمد) अ पु –कुएँ मे पानी की अधिकता, कुएँ से पानी का ख़त्म हो जाना।

ग़मदीद' (غمدیدہ) अ फा वि –दे 'ग़मगीन'।

ग़मदोस्त (غمدوست) अ फा वि –जिसे क्लेश और दु ख पसद हो, निराशावादी।

ग़मनाक (غمناک) अ फा वि –दु खपूर्ण, कष्टपूर्ण, शोकयुक्त, दु खित, रजीदा।

ग़मनाकी (غمناکی) अ फा स्त्री –दु खपूर्णता, ग़म भरा होना, दु खित होने का भाव, रजीदगी।

ग़मरसीद (غمرسیدہ) अ फा वि –जिसे दु ख पहुँचा हो, जिसे दु ख दिया गया हो, दु खित।

ग़मरात (غمرات) अ पु –ग़म्र का बहु, आपत्तियाँ, मुसीबते, मनुष्यो के समूह।

ग़मस (غمص) अ पु –आँख का मैल, आँख का मैल जो बाहर बहे।

ग़माँ (غمان) अ फा वि –दे 'ग़मनाक'।

ग़माइम (غمائم) अ पु –'ग़माम' का बहु, बादलो के समूह।

ग़मामः (غمامہ) अ पु –सफेद बादल, एक बादल, बादल का एक टुकडा।

ग़माम (غمام) अ पु –मेघ, बादल, अब्र, सफेद बादल।

ग़मार (غمار) अ पु –अधिकता, बहुतायत, समूह होना, जमघट।

ग़मारत (غمارت) अ स्त्री –मनुष्यो का जमाव, पानी की अधिकता।

ग़मिक़ (غمق) अ पु –वह तरकारी या घास जो पानी की सीलन से बिगड या सड जाय।

ग़मी (غمی) अ स्त्री –ग़म से सम्बन्धित, मृत्यु, मौत।

ग़मूस (غموص) अ पु –झूठी क़सम, एक तारा, खैबर के सात दुर्गों में से एक।

गमूस (غموس) अ पु –ऐसी शपथ जिससे किसी का हक या धन आदि मारा जाय, (वि) झूठी शपथ लेनेवाले को दड देनेवाला।

ग़मे गेती (غم گیتی) अ फा पु –सासारिक दु ख, जीवन की व्यथाएँ, जीवन-कष्ट।

ग़मे दिल (غم دل) अ फा –मनस्ताप, मन पीडा, दिल का रज।

ग़मे दौरां (غم دوراں) अ फा पु –दे 'ग़मे गेती'।

ग़मे पिन्हाँ (غم پنہاں) अ फा पु –मानसिक दु ख, मनस्ताप, प्रेम की व्यथा, इश्क का ग़म।

ग़मे रोज़गार (غم روزگار) अ फा पु –दे 'ग़मे गेती'।

ग़मोरंज (غم ورنج) अ फा पु –रंज और ग़म, कष्ट-समूह, मुसीबतें।

ग़म्ज़ः (غمزه) अ पु –आँख का सकेत, सैन, हावभाव, नाज़ोअदा।

ग़म्ज़ (غمز) अ पु –आँख का इशारा, सैन, दबाकर निचोडना, आलोचना, सुखनचीनी।

ग़म्ज़ (غمض) अ पु –नीची भूमि, गुप्त गढा, छिपा हुआ गर्त, ऐसी बात करना जो समझ में न आये, बात का समझ से परे होना।

ग़म्त (غمط) अ पु –किसी को अपमानित करना, कृतघ्नता, नाशुक्री।

ग़म्द (غمد) अ पु –तलवार को म्यान में करना, किसी का अपराध छिपाना, कुएँ का पानी बढ जाना।

ग़म्माज़ (غماز) अ वि –पिशुन, चुग़ुल, आँख के इशारे से चुग़ली खानेवाला, गुप्तचर, जासूस, दोष ढूँढनेवाला।

ग़म्र (غمر) अ पु –पानी का किसी वस्तु को छिपा लेना, बहुत पानी, उदार, सखी, शूर, जवाँमर्द।

ग़म्रुर्रिदा (غمرالردا) अ वि –बहुत ही उदार और दानशील।

ग़म्रुलवर्द (غمرالورد) अ वि –दे 'ग़मुर्रिदा'।

ग़म्श (غمش) अ पु –भूख-प्यास की तीव्रता से आँखो में अँधेरा छा जाना।

ग़म्स (غمس) अ पु –किसी को तुच्छ जानना, आलस्य करना (किसी का हक देने में), दाग़ लगाना, कृतघ्नता, नाशुक्री।

ग़यद (غید) अ पु –गर्दन का टेढा होकर एक ओर झुक जाना, शरीर का मृदुल और कोमल होना।

ग़यब (غیب) अ पु –'ग़ाइब' का बहु, ग़ाइब (ग़ायब) होनेवाले, छिपनेवाले, लोप होनेवाले।

ग़याबत (غیابت) अ स्त्री –लुप्त होना, ग़ाइब होना, कुएँ की गहराई, वह वस्तु जो किसी वस्तु को छिपा ले।

ग़यूर (غیور) अ वि –ग़ैरतमद, स्वाभिमानी।

ग़यूरान (غیورانه) अ फा वि –स्वाभिमानियों-जैसा, ग़ैरत-मदों की तरह।

ग़य्याफ़ (غیاف) अ वि –जिसकी डाढी बहुत लबी और घनी हो।

गर (گر) फा अव्य –'अगर' का लघु, यदि, जो, अगर।

ग़र (غر) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिशा।

ग़र[र्र] (غر) अ पु –वे दाने जो पक्षी चोच में लेकर अपने बच्चों को खिलाता है, चुगा, कपडे की शिकन, सिलवट, भूमि की दरारें, जमीन के भीतर पानी की नाली, मुग्ध होना।

ग़रक़ (غرق) अ पु –पानी में डूब जाना, पानी सिर से ऊँचा हो जाना।

गरगर (گرگر) फा पु –ईश्वर के नामों में से एक नाम, जिसका अर्थ है सारी निर्मित वस्तुओं का निर्माता।

ग़रज़ (غرض) अ स्त्री –इच्छा, ख्वाहिश, स्वार्थ, मतलब, आशय, मक्सद, क़िस्सहुना, क़िस्सा मुख्तसर, सम्बन्ध, तअल्लुक, प्रयोजन, मतलब।

ग़रज़ (غرز) अ पु –एक घास।

ग़रज़आश्ना (غرض آشنا) अ फा वि –मतलब का यार, स्वार्थसाधक, स्वार्थी।

ग़रज़मद (غرض مند) अ फा वि –इच्छुक, ख्वाहिशमद, जिसका कोई मतलब अटका हो।

ग़रज़मदी (غرض مندی) अ फा स्त्री –इच्छा, ख्वाहिश-मदी, मतलब अटका होना।

ग़रज़े कि (غرضے که) अ फा अव्य -साराश यह कि।

ग़रद (غرد) अ पु –गले में आवाज़ को लुढकाना।

ग़रदिल (غردل) फा वि –डरपोक, भीरु, बुज़दिल।

ग़रर (غرر) अ पु –शका, भय, डर, शर्त, पण।

ग़रब (غرب) अ पु –नरकट जिससे कलम बनाते हैं।

ग़रस (غرث) अ स्त्री –भूख, क्षुधा।

गराँ (گراں) फा वि –दे 'गिराँ', शुद्ध दोनों हैं, परन्तु वह अधिक फसीह है।

गरा (گرا) फा पु –भूमि समतल करने का यत्र।

ग़रा (غرا) अ पु –हर चिपकनेवाली चीज़, सरेस, मछली का सरेस, हर चुपडनेवाली वस्तु, शिशु, बच्चा, दुबला।

ग़राइब (غرائب) अ पु –'ग़रीब' का बहु., आश्चर्यजनक वस्तुएँ।

ग़राइर (غرائر) अ पु –'गिरार' का बहु, लादने की गोनें, खुर्जियाँ।

ग़रानिक़. (غرانق) अ पु –दे 'ग़रानीक़'।

ग़रानीक़ (غرانيق) अ पु –'ग़ुर्नूक़' का बहु, कुलंग पक्षी, सुन्दर और युवा लोग, गुँधी हुई चोटियाँ।

ग़राबीब (غرابيب) अ पु –'ग़ुर्बीब का बहु, बहुत अधिक काले।

ग़राबत (غرابت) अ स्त्री –अनोखापन, अद्‌भुतता।

ग़राम (غرام) अ पु –दुष्टता, लोभ, लालच, हत्या, हलाकत, पीडा, अज़ाब, मोह, प्रेम।

ग़रामत (غرامت) अ स्त्री –हानि उठाना, पश्चात्ताप, पशेमानी, दु ख, पीडा, अज़ाब।

ग़रार (غراره) फा पु –मुँह म पानी भरकर चलाना, ग़र्ग़र, आचमन।

ग़रार (غراره) अ पु –नातज्रिबकारी, अनाडीपन, अपरिपक्वता, धोखा खाना, छला जाना।

ग़रास (غراس) अ पु –खाने या पीनेवाली दवा का वह अंश जो गिर जाय।

ग़रिक़ (غرق) अ वि –दे 'ग़रीक़'।

ग़रीक़ (غريق) अ वि –जो पानीमे डूब गया हो, निमग्न, प्लावित, निमज्जित।

ग़रीज़ (غريض) अ. पु –नवीन, ताज़ा, नया, प्रफुल्ल, शगुफ़्ता, वर्षा का जल, नयी मदिरा, हर सफेद वस्तु, कली, शिगूफ़ा।

ग़रीज़त (غريزت) अ स्त्री –प्रकृति, स्वभाव, आदत।

ग़रीज़ी (غريزی) अ वि –स्वाभाविक, प्राकृतिक, नेचुरल, फ़ित्री, विशेषत 'हरारत' के लिए आता है, 'हरारते ग़रीज़ी' अर्थात् शरीर की प्राकृतिक गर्मी।

ग़रीब (غريب) अ वि –विदेशी, परदेसी, जो सफर मे हो, दरिद्र, दीन, कगाल, असहाय, बेचारा, लाचार, दीन, दुखी, बेबस।

ग़रीबआज़ार (غريب آزار) अ फा वि –दीन दुखी व्यक्तियो को सतानेवाला।

ग़रीबख़ान (غريب خانه) अ फा पु –ऐसा घर जिसमे सुख का कोई साधन न हो, वक्ता अपने घर को भी बोलता है।

ग़रीबज़ाद (غريب زاده) अ फा पु –वेश्यापुत्र, रडी का लडका, रडी-बच्चा।

ग़रीबनवाज़ (غريب نواز) अ फा वि –दीनो दुखियो पर करुणा करनेवाला, प्रणतपाल, दीनवत्सल।

ग़रीबनवाज़ी (غريب نوازی) अ फा. स्त्री –दीना और असहाय व्यक्तियो पर कृपादृष्टि।

ग़रीबपर्वर (غريب پرور) अ फा वि –दे 'ग़रीबनवाज़'।

ग़रीबपर्वरी (غريب پروری) अ फा स्त्री –दे 'ग़रीबनवाज़ी'।

गरीबाँ (گريباں) फा पु –दे शुद्ध उच्चारण 'गिरीबाँ'।

ग़रीबी (غريبی) अ स्त्री –घरबार से दूरी, दरिद्रता, कगाली, दीनता, लाचारी, एक बहुत बढ़िया कपडा।

ग़रीबुद्द्‌यार (غريب الديار) अ वि –दे 'ग़रीबुलवतन'।

ग़रीबुलवतन (غريب الوطن) अ वि –बेवतन, जो अपना घरबार छोड परदेश में पडा हो, प्रवासी, परदेशी।

ग़रीबेशह्‌र (غريب شهر) अ फा वि –जो नगर मे किसी को जानता पहचानता न हो और मुसाफिर की तरह पडा हो।

ग़रीम (غريم) अ वि –जिसे टोटा हुआ हो, ऋणी, कर्ज़दार, ऋणदाता, कर्ज़ख़्वाह।

ग़रीर (غرير) अ वि –वह युवक जो अनुभवी न हो, ज़ामिन, प्रतिभू, (पु) अच्छा स्वभाव, अच्छी आदत।

गरूगर (گروگر) फा पु –ईश्वर के नामो मे से एक, जिस का अर्थ है कामनाएँ पूरी करनेवाला।

ग़रूर (غرور) अ वि –छली, धोखेबाज़, (पु) वह दवाओ का पानी जिससे गरारा करे।

ग़र्क़ (غرقه) अ वि –डूबा हुआ, निमग्न।

ग़र्क़ (غرق) अ पु –पानी मे डूबना, निमज्जन, (वि) डूबा हुआ, निमग्न।

ग़र्क़ए ख़ूं (غرقهٔ خوں) अ फा वि –ख़ून मे डूबा हुआ।

ग़र्क़ाब (غرقاب) अ फा वि –डूबा हुआ, निमज्जित, (पु) डूबना, निमज्जन, डुबाऊ पानी।

ग़र्क़ी (غرقی) अ स्त्री –डूबना, बाढ, तुग़्यानी, जुलाहो के कपडा बुनने का गढा।

गर्ग (گرگ) फा पु –खुजली, खर्जूर, एक नगर।

ग़र्ग़र (غرغره) अ पु –मुँह मे पानी लेकर फिराना, गरारा करना, आचमन।

ग़र्ग़र (غرغر) अ पु –सूत लपेटने की चर्खी।

गर्गी (گرگيں) फा वि –जिसे खाज का रोग हो।

ग़र्च (غرچه) फा वि –क्लीव, नपुसक, नामर्द, मूर्ख, नादान, बुद्‌धू।

ग़र्चक (غرچک) फा वि –मूर्ख, घामड, बुद्‌धू।

गर्जमान (گرزمان) फा पु –सबसे ऊपर का आकाश।

गर्दंग (گردنگ) फा पु –स्त्री की कमाई खानेवाला, दैयूस, भगभोगी, भँडुवा।

गर्द. (گردہ) फा पु –पिसा हुआ कोयला जो सुई से छिदे हुए कागज़ पर फेरकर बेल-बूटे बनाने के काम आता है, छिदा हुआ कागज़ जिस पर बेलबूटे बने होते हैं, और जिस पर कोयला फेरा जाता है।

गर्द (گرد) फा स्त्री –रज, धूलि, खाक, नगर, शहर, सूरज, सूर्य, खेद, रज, लाभ, वफा, एक अच्छा रेशम, (प्रत्य) फिरने वाला, जैसे—'जहागर्द' संसार में फिरने वाला।

गर्दआलूद (گردآلود) फा वि –दे 'गर्दालूद'।

गर्दन (گردن) फा स्त्री –ग्रीवा, गला, कंठ, हल्क।

गर्दनकश (گردن‌کش) फा वि –अवज्ञाकारी, नाफर्मान, विद्रोही, बागी, उद्दंड, अक्खड़।

गर्दनकशी (گردن‌کشی) फा स्त्री –अवज्ञा, नाफर्मानी, विद्रोह, बगावत, उद्दंडता, अक्खड़पन।

गर्दनज़दनी (گردن‌زدنی) फा वि –जो गर्दन मारने के योग्य हो, वध्य, हतव्य।

गर्दनज़न (گردن‌زن) फा वि –गर्दन काटनेवाला, जल्लाद, वधिक, कातिल, कसाई।

गर्दनज़नी (گردن‌زنی) फा स्त्री –गर्दन काटने का काम, जल्लादी, हत्यापन, कसाईपन।

गर्दनफराज़ (گردن‌فراز) फा वि –बड़े पदवाला, बड़ी पदवीवाला, आला रुत्बा, गर्दन ऊँची करके चलनेवाला, गौरवशाली।

गर्दनबारीक (گردن‌باریک) फा वि –लाचार, बेबस, दीन, अधीन, वशीभूत, मुतीअ।

गर्दनी (گردنی) फा पु –चांटा, थप्पड़।

गर्दा (گردان) फा वि –घूमता हुआ, चक्कर खाता हुआ, घूर्णित।

गर्दान (گردان) फा स्त्री –व्याकरण में कारकों या प्रकारों को आदि से अंत तक कंठ-पुनरावृत्ति।

गर्दालूद (گردآلود) फा वि –धूलि में अटा हुआ, धूलि-धूसर, धूल मिला हुआ, धूल्यावृत।

गर्दिंद (گردندہ) फा वि –फिरनेवाला, घूमनेवाला, चक्कर खानेवाला।

गर्दिश (گردش) फा स्त्री –चक्कर, फिराव, दुर्भाग्य, बदकिस्मती, कालचक्र, आपत्ति का समय, भ्रमण, सैर-सपाटा।

गर्दिशज़द. (گردش‌زدہ) फा वि –कालचक्रग्रस्त, मुसीबत का मारा।

गर्दिशज़दगी (گردش‌زدگی) फा स्त्री –काल-चक्रग्रस्तता, मुसीबत का मारा होना।

गर्दिशे दौरां (گردش دوران) फा स्त्री –समय का चक्कर, काल-चक्र, समय का उलटफेर।

गर्दिशे पैमान. (گردش پیمانہ) फा स्त्री –मदिरा के पियाले का चक्कर, शराब का दौर।

गर्दिशे पैहम (گردش پیہم) फा स्त्री –लगातार चक्कर, लगातार आपत्तियां।

गर्दिशे रोज़गार (گردش روزگار) फा स्त्री –दे 'गर्दिशे दौरां'।

गर्दिशे लैलोनहार (گردش لیل‌ونہار) फा अ स्त्री –रात-दिन का उलट-फेर, समय का चक्कर, समय का फेर।

गर्दिशे हादिसात (گردش حادثات) फा अ स्त्री –दुर्घटनाओं का चक्कर, आपत्तियों का तांता।

गर्दीद (گردیدہ) फा वि –फिरा हुआ, घूमा हुआ, घूर्णित, लौटा हुआ, वापस आया हुआ।

गर्दीदनी (گردیدنی) फा वि –फिरने के योग्य, घूमने के योग्य, चक्कर खाने के योग्य।

गर्दूं (گردوں) फा पु –आकाश, व्योम, आस्मान, शकट, छकड़ा, गाड़ी।

गर्दूंअसास (گردوں‌اساس) फा अ वि –जिसकी नींव आकाश में हो, बहुत बड़े पदवाला।

गर्दूंइक्तिदार (گردوں اقتدار) फा अ वि –आकाश-जैसी सत्तावाला, बहुत बड़ा प्रतिष्ठित।

गर्दूंजाह (گردوں‌جاہ) फा वि –दे 'गर्दूंइक्तिदार'।

गर्दूंसरीर (گردوں‌سریر) फा अ वि –जिसका सिंहासन आकाश हो, बहुत बड़ी महत्तावाला।

गर्दे मलाल (گرد ملال) फा अ स्त्री –मन का मैल, मनोमालिन्य, रंजिश।

गर्दे सफर (گرد سفر) फा अ स्त्री –सफर की थकान।

गर्नातः (غرناطہ) अ पु –स्पेन का एक नगर।

गर्फ़ (غرفہ) अ पु –चुल्लू से एक बार पानी उठाना।

गर्ब (غرب) अ पु –पश्चिम दिशा, पश्चिम, बड़ा डोल, पुर।

गर्बलत (غربلت) अ स्त्री –चलनी में छानना, काटना, विच्छेदन, हत्या करना, हनन।

गर्बाल (غربال) अ स्त्री –आटा आदि छानने का यंत्र, चलनी, चालनी, छलनी।

गर्बी (غربی) अ वि –पश्चिम दिशा का, पश्चिमी, यूरोप का, मग्रिबी।

गर्बीब (غربیب) अ वि –बहुत अधिक काला, काला सियाह।

गर्म (گرم) फा वि –तप्त, उष्ण, जो गर्म हो, गर्म तासीर-वाला, उष्णवीर्य, तीव्र, तेज, शीघ्र, जल्द, क्रुद्ध, कुपित।

गर्म (غرم) अ पु –रात का अंधेरा होना।

गर्मइनाँ (گرم عناں) फा अ वि –तेज चलनेवाला घोडा, तेज चलनेवाला सवार।

गर्मक (گرمک) फा पु –उबाले हुए मटर, सफेद खरबूजा, सर्दे की एक जाति, (वि) कम गर्म।

गर्मखूँ (گرم خوں) फा वि –गाढा मित्र, लँगोटिया यार, दयालु, कृपालु, मेहरबान।

गर्मखू (گرم خو) फा वि –तीव्र प्रकृति, तेज मिजाज।

गर्मखेज (گرم خیز) फा वि –फुर्तीला और चालाक, हर समय काम के लिए तत्पर।

गर्म गर्म (گرم گرم) फा वि –गर्मागर्म, ताजी सिकी या भुनी हुई चीज।

गर्मजोशी (گرم جوشی) फा स्त्री –गाढे प्रेम का प्रदर्शन, सम्भ्राति, तपाक।

गर्मजौला (گرم جولاں) फा वि –द्रुतगति, शीघ्रगामी, तेज गी।

गर्मजौलानी (گرم جولانی) फा स्त्री –तेज रफ्तारी, तेज चलना, शीघ्र गमन।

गर्मतर (گرم تر) फा वि –अधिक गर्म, उष्णतर, जिस ओषधि मे गर्मी के साथ तरी हो।

गर्मतरीन (گرم تریں) फा वि –बहुत अधिक गर्म, उष्णतम, परमोष्ण।

गर्मदिमाग (گرم دماغ) फा अ वि –अहंकारी, घमडी।

गर्मदिमागी (گرم دماغی) फा अ स्त्री –अहकार, घमड।

गर्मबाजारी (گرم بازاری) फा स्त्री –भाव की तेजी, ग्राहकों की बहुतात माल की माँग।

गर्ममिजाज (گرم مزاج) फा अ वि –चिडचिडे स्वभाव-वाला, जिसे जल्दी क्रोध आ जाय, जिसकी प्रकृति गर्म हो।

गर्ममिजाजी (گرم مزاجی) फा अ स्त्री –चिडचिडापन, जल्दी क्रोध आना, प्रकृति की उष्णता।

गर्मरफ्तार (گرم رفتار) फा वि –तेज चलनेवाला, शीघ्र-गामी, गतिशील।

गर्मरफ्तारी (گرم رفتاری) फा स्त्री –तेज चलना, चाल की तेजी, शीघ्र गति।

गर्मरवी (گرم روی) फा स्त्री –दे 'गर्मरफ्तारी'।

गर्मरौ (گرم رو) फा वि –दे 'गर्मरफ्तार'।

गर्मसेर (گرم سیر) फा पु –वह स्थान जहाँ का जल-वायु गर्म हो।

गर्मा (گرما) फा पु –गर्मी का मौसम, ग्रीष्म ऋतु, गर्मी का समय, उष्ण काल।

गर्मागर्मी (گرما گرمی) फा स्त्री –धूमधाम, जोर-शोर, तेजमतेजी, बातचीत में तेजी, मौखिक युद्ध, वाग्युद्ध।

गर्माब (گرمابہ) फा पु –हम्माम जहाँ पानी गर्म मिले, स्नानागार, गर्म पानी की टकी या सकाब।

गर्मिए बाजार (گرمئی بازار) फा स्त्री –बाजार मे भाव की तेजी, ग्राहकों की बहुतायत, माल की माँग।

गर्मी (گرمی) फा स्त्री –उष्णिमा, उष्णता, हरारत, उपदंश, गर्मी रोग, बुखार, ज्वर, जोर, तीव्रता, क्रोध, रोष, गुस्सा, गर्व, अभिमान, घमड।

गर्मीदान (گرمی دانہ) फा पु –अन्हौरी, घम-चर्चिका।

गर्म सुखन (گرم سخن) फा वि –बातें करता हुआ, वार्तालाप करता हुआ।

गर्मोसर्द (گرم وسرد) फा पु –ठडा और गर्म, शीतोष्ण, सासारिक दुःख सुख, ऊँच नीच, निशेबोफराज।

गर्मोसर्द चशीद (گرم وسرد چشیدہ) फा वि –ससार की ऊँच-नीच देखे हुए, ससार के दुःख-सुख उठाये हुए, अनुभवी, बहुदर्शी।

गर्र (غرہ) अ पु –मुग्ध होना, फरेफ्ता होना, घमड, गर्व, अकड, ऐंकटी।

गर्रा (غراں) अ वि –भयानक शब्द से चीखता चिल्लाता हुआ।

गर्रा (گرا) फा पु –पछने लगाने वाला, नापित, नाई, सेवक, दास, नौकर।

गर्रा (غرا) अ स्त्री –हर स्वच्छ और उज्ज्वल वस्तु जो स्त्रीलिंग हो।

गर्व (غرو) अ पु –नरकट, जिसके कलम बनते हैं।

गर्स (غرث) अ स्त्री –भूख, क्षुधा।

गर्स (غرس) अ पु –पेड लगाना, पेड रोपना, वृक्षारोपण, लगाया हुआ पेड।

गर्सान (غرثاں) अ वि –भूखा, क्षुधित।

गल[ल्ल] (غل) अ पु –भीतर जाना, भीतर ले जाना।

गलक़ (غلق) अ पु –किवाड बद करने की लकडी, अर्गल।

गलत (غلط) अ पु –अशुद्ध, जो ठीक न हो, असत्य, झूठ, त्रुटि, भूल, अनुचित, गैरवाजिब, अशुद्धि, गलती।

गलत (غلط) अ पु –हिसाब की गलती।

गलत अदाज (غلط انداز) अ फा वि –भ्रम में डालने वाला (वाली), ऐसी दृष्टि जो हो तो किसी और की ओर परतु समझे कोई अपनी ओर, इस शब्द का प्रयोग दृष्टि के साथ ही होता है, भूलभुलैया।

गलतकार (غلط کار) अ फा वि –काम मे बहुधा चूक जाने-वाला, जान बूझकर काम खराब करनेवाला, अट-शट काम करनेवाला।

ग़लतकारी (غلط‌کاری) अ फा स्त्री –काम में चूकना, जानते हुए काम ख़राब करना, अट-शट काम करना।

ग़लतगो (غلط‌گو) अ फा वि –झूठ बोलनेवाला, मिथ्या-वादी, झूठा।

ग़लतगोई (غلط‌گوئی) अ फा स्त्री –झूठ बोलना, मिथ्यावाद।

ग़लतनाम. (غلط‌نامہ) अ फा पु –किसी पुस्तक आदि के अंत में उसकी अशुद्धियों का परिशिष्ट, शुद्धिपत्र।

ग़लतफ़ह्मी (غلط‌فہمی) अ स्त्री –कुछ का कुछ समझना, बोधभ्रम, कुधारणा, बदगुमानी।

ग़लतबयाँ (غلط‌بیاں) अ वि –दे 'ग़लतगो'।

ग़लतबयानी (غلط بیانی) अ स्त्री –दे 'ग़लतगोई'।

ग़लतबर्दार (غلط‌بردار) अ फा वि –वह रबर आदि जिससे काग़ज से अशुद्ध अक्षर मिटाया जाता है, वह काग़ज जिसपर अशुद्ध अक्षर सुगमता से बदल जाता है।

ग़लतबीं (غلط‌بیں) अ फा वि –जिसे किसी व्यक्ति के दोष ही दोष दिखाई दें, उसकी अच्छाइयाँ नज़र न आयें।

ग़लतबीनी (غلط‌بینی) अ फा स्त्री –किसी के गुणों को छोड़कर केवल उसकी बुराइयाँ ही देखने का भाव।

ग़लतुलअवाम (غلط‌العوام) अ पु –वह ग़लती जो कुपढ़ और जाहिल लोग करें।

ग़लतुल्आम (غلط‌العام) अ पु –वह ग़लती जो विद्वज्जन करें और वह शुद्ध मान ली जाय।

ग़लफ़ (غلف) अ पु –वैभव की बहुतायत, देश में अन्न की बहुतात, खला न करना।

ग़लब (غلبہ) अ पु –प्रभुत्व, सत्ता, इक़्तिदार, प्राचुर्य, बहुतायत, मत-बाहुल्य, कस्रते राय, विजय-प्राप्ति, तसल्लुत, सामूहिक झगड़ा या मार-काट।

ग़लब (غلب) अ पु –जीतना, ग़ालिब होना, अवज्ञाकारी होना, नाफ़र्मानी करना।

ग़लबात (غلبات) अ पु –'ग़लब' का बहु., 'ग़लबे'।

ग़लयान (غلیان) अ पु –उबाल, जोश।

ग़लल (غلل) अ स्त्री –पिपासा, प्यास, जलन, सोज़िश, मनस्ताप, ख़लिश।

ग़लस (غلس) अ स्त्री –रात्रि के अंत का अँधियारा।

ग़ला (غلا) अ पु –अन्न आदि का भाव तेज़ हो जाना, दुर्भिक्ष, कह्त।

ग़लिक (غلق) अ पु –वह बात जो कठिनता से समझ में आये, गूढ़, निगूढ़।

ग़लिब (غلب) अ वि –विजित, ग़ालिब, अवज्ञाकारी, सरकश।

ग़लिम (غلم) अ वि –तीव्रकाम, तेज शह्वत।

ग़लीज़ (غلیظ) अ वि –गाढ़ा, निविड, विष्ठा, मल, प्रगाढ़, सघन।

ग़लीज़ (غلیز) अ वि –प्रगाढ़, गाढ़ा।

ग़लीज़ुल क़िवाम (غلیظ‌القوام) अ वि –जिसकी चाशनी गाढ़ी हो गयी हो, जो धातु आदि दूषित होकर गाढ़ी हो गयी हो।

ग़लील (غلیل) अ वि –पिपासित, प्यासा, (पु) द्वेष, कीन, मनस्ताप, दिली रंज, प्यास की तीव्रता।

ग़लीस (غلیث) अ पु –जौ और गेहूँ मिला हुआ, गुजई, हर वह वस्तु जिसमें दूसरी वस्तु मिली हो।

ग़लूल (غلول) अ पु –वह भोजन जो बूढ़ों और रोगियों को सुगमता से पच जाय।

ग़ल्क़ (غلق) अ पु –दरवाज़ा बंद करना, भूमि में गहरे तक घुसना, घृणा, कराहियत, बंधन, बाँधना।

ग़लाल. (غلغلہ) अ पु –तेज चलना, शीघ्र गमन।

ग़ल्त (غلط) अ पु –वह नीची भूमि जो ऊबड़-खाबड़ और असमतल हो।

ग़ल्तत (غلطت) अ स्त्री –दे 'गिल्ज़त', दो शु हैं।

ग़ल्तक (غلطک) फा पु –करवट लेना, पहलू बदलना, गाड़ी का पहिया, चक्र।

ग़ल्ताँ (غلطاں) फा वि –लुढ़कता हुआ, लोटता हुआ, लुठायमान।

ग़ल्ताँ व पेचाँ (غلطاں و پیچاں) फा वि –लुढ़कता और बल खाता हुआ, असमंजस और दुविधा में पड़ा हुआ।

ग़ल्फ़ (غلف) अ पु –तलवार आदि को म्यान में करना, सर अथवा डाढ़ी के बालों में सुगंध लगाना।

ग़ल्फ़क़ (غلفق) अ पु –काई, जो पानी पर होती है, नर्म धनुष, एक पानी की घास।

ग़ल्ब' (غلبہ) अ पु –दे 'ग़लब', शुद्ध वही है, परंतु उर्दू-वाले यह भी बोलते हैं।

ग़ल्ब (غلب) अ पु –विद्रोही होना, बाग़ी होना, अवज्ञा-कारी और उद्दंड होना।

ग़ल्बा (غلبا) अ पु –वह स्थान जहाँ बहुत घने पेड़ हों, झुंड की लड़ाई, दो गोलों में आपसी मारकाट।

ग़ल्मः (غلمہ) अ पु –काम-वासना की तेज़ी, शह्वत का जोश।

ग़ल्म (غلم) अ पु –कामातुर होना, शह्वत से बेचैन होना, तेज चलना।

ग़ल्यान (غلیان) अ पु –दे 'ग़लयान' शुद्ध वही है, पर उर्दूवाले 'ल' को हल् भी कर देते हैं।

ग़ल्ल: (غله) अ पु—अन्न, अनाज, धान्य, दाना।
गल्ल: (گله) फा पु—भेड़ों, बकरियों या गायों, भैंसों का झुंड, रेवड़।
ग़ल्ल फ़रोश (غله فروش) अ फा वि—अन्न बेचनेवाला, अन्न-विक्रेता।
गल्ल:बान (گله بان) फा वि—रेवड़ की रखवाली करनेवाला, चरवाहा, गड़रिया।
गल्ल:बानी (گله بانی) फा स्त्री—रेवड़ की रखवाली का काम या पेशा, चरवाहापन।
ग़ल्लाब (غلاب) अ वि—वह व्यक्ति जो हर जगह विजय प्राप्त करता हो।
गव (گو) फा पु—गर्त, गढ़ा, नीची भूमि, योद्धा, जवाँमर्द, मल्ल, पहलवान, पूज्य, बुज़ुर्ग।
ग़वक (غوق) अ पु—गहरी और गंदी भूमि।
गवक (گوک) फा पु—गर्त, गढ़ा, छोटा गढ़ा।
गवज़ (گوز) फा पु—'गवज़्न' का लघु, दे 'गवज़्न'।
गवज़्न (گوزن) फा पु—बारहसिंघा, विकटशृंग।
गवाँ (گوان) फा पु—'गव' का बहु, पहलवान, बहुत से योद्धा, श्रेष्ठ लोग, 'गव' का बहुवचन।
ग़वाइल (غوائل) अ पु—'ग़ाइल' का बहु, आपत्तियाँ, अनिष्ट-समूह, दैवी आपत्तियाँ।
ग़वादी (غوادی) अ पु—'ग़ादिय' का बहु, प्रातःकाल के बादल।
ग़वानी (غوانی) अ स्त्री—'ग़ानिय' का बहु, वे स्त्रियाँ जिन्हें अपने सौन्दर्य और तरुणाई के कारण आभूषण आदि की आवश्यकता न हो।
ग़वाम[म्म] (غوام) अ पु—सर के बाल।
ग़वामिज़ (غوامض) अ पु—'ग़ामिज़' का बहु, बात की गहराइयाँ, गूढ़ताएँ, नुक्ते।
ग़वायत (غوایت) अ स्त्री—कुमार्गता, गुमराही।
गवार (گوار) फा प्रत्य—अच्छा लगनेवाला, जैसे—'ख़ुशगवार', शु उ 'गुवार' है, परतु उर्दू में 'गवार' ही बोलते हैं।
गवारा (گوارا) फा वि—रुचिकर, पसंदीद, सह्य, क़ाबिले बरदाश्त, शुद्ध उच्चारण 'गुवारा' है, परतु उर्दू में 'गवारा' ही बोलते हैं।
ग़वाशी (غواشی) अ पु—'ग़ाशिय' का बहु, पर्दे, आड़े, वस्त्र, लिबास, भीतरी रोग, बेसुध करनेवाले।
गवाह (گواه) फा पु—गवाही देनेवाला, साखी, साक्षी, शुद्ध उच्चारण 'गुवाह' है, परतु उर्दू में 'गवाह' बोलते हैं।
गवाही (گواهی) फा स्त्री—साक्ष्य, शहादत, गवाही देने का काम।
गवाहे ऐनी (گواه عینی) फा अ पु—वह गवाह जिसके सामने कोई घटना घटी हो, प्रत्यक्ष साक्षी, चाक्षुष साक्षी।
गवाहे हाशिय: (گواه حاشیه) फा अ पु—वह गवाह जिसके हस्ताक्षर किसी दस्तावेज के हाशिये पर हों।
ग़वी (غوی) अ वि—गुमराह, राह से भटका हुआ, भ्रष्ट-पथ, मार्गभ्रष्ट।
ग़व्वास (غواص) अ वि—ग़ोताख़ोर, मज्जनार, गोता लगाकर समुद्र से मुक्ता आदि निकालनेवाला।
ग़व्वासी (غواصی) अ स्त्री—गोताख़ोरी, गोता मारने का का काम, समुद्र में पैठ कर मोती निकालने का काम।
गश (گش) फा वि—सुंदर, हसीन, नाज़ से इठलाकर चलनेवाला (वाली) (वि), मूर्च्छित, बेहोश।
ग़श [श्श] (غش) अ पु—ख़ियानत करना, शोषण, शुभ-चिंतक न होना, जो मन में हो उसके ख़िलाफ़ कहना, अच्छी चीज़ में घटिया चीज़ मिलाना, मूर्च्छित होना।
गशन (گشن) फा वि—गुंजान, घना (पु) समूह, भीड़, जमाव, (स्त्री) अधिकता, बहुतायत।
ग़शयान (غشیان) अ पु—मूर्च्छित होना, बेहोश होना।
ग़शश (غشش) अ स्त्री—अँधेरापन अँधियारा।
ग़शाव (غشاوه) अ पु—दे 'ग़िशाव' दोनों शुद्ध हैं, परतु वह अधिक बोला जाता है।
ग़शाश (غشاش) अ पु—शीघ्रता, जल्दी।
ग़शी (غشی) अ स्त्री—बेहोशी, मूर्च्छा, ग़श।
गश्त (گشت) फा पु—चक्कर, गर्दिश, पर्यटन, दौरा, थानेवालों की रात में घूम फिर कर देखभाल।
गश्ती (گشتی) फा स्त्री—वह आदेश जो किसी विभाग के सारे कर्मचारियों के लिए हो, सर्कुलर, परिपत्र।
ग़श्न (غشن) अ पु—लकड़ी या तलवार आदि से मारना।
गश्न (گشن) फा पु—दे 'गशन'।
ग़सक़ (غسق) अ स्त्री—रात्रि का प्रारंभिक अंधेरा, शुरू रात की अँधियारी, मोटा और निकृष्ट अन्न, जैसे—कोदुन, सावाँ आदि।
ग़सक (عسک) फा पु—खटमल, मत्कुण।
ग़सफ़ (غسف) अ स्त्री—रात का अँधेरा।
ग़सयान (غثیان) अ पु—जी मतलाना, मतली।
ग़सर (غسر) अ पु—जो तिनका आदि हवा से उड़कर आँख में गिरे।
ग़सस (غصص) अ पु—निवाले का गले में अटक जाना।
ग़साक़ (غساق) अ पु—गंदी और बदबूदार चीज़, जैसे-पीप आदि।
ग़सिर (غسر) अ वि—गुप्त और शंकित काम।

ग़सील (غسیل) अ. वि –धुला हुआ, मांझा हुआ, शुद्ध।

ग़सीस (غسیس) अ पु –वे खजूर या छुहारे जो गल-सड़कर खाने के योग्य न रहे हो।

ग़सूल (غسول) अ पु –वह पानी जिससे कुछ धोया जाय, हाथ या सर धोने की वस्तु, जैसे—साबुन या खली।

ग़स्क़ (غسق) अ पु –आँख की ज्योति का चला जाना, आँख से आँसू बहना, रात का बहुत अधिक अँधियारा होना।

ग़स्ब (غصب) अ पु –जबरदस्ती किसी के माल पर कब्ज़ा कर लेना, बलाद्धरण; निर्दयता से किसी के बाल उखेडना।

ग़स्र (غسر) अ. पु –ऋणी पर अपना ऋण वुसूल करने के लिए अत्याचार करना।

ग़स्ल (غسل) अ पु –धोना।

ग़स्साक़ (غساق) अ पु –दे 'गसाक।

ग़स्साल (غسال) अ वि –नहलानेवाला, स्नापक, मुर्दे का नहलानेवाला, मृतस्नापक।

ग़स्सूल (غسول) अ पु –दे 'गसूल'।

गह (گه) फा अव्य –'गाह' का लघु, दे 'गाह'।

गहगीर (گهگیر) फा पु –वह घोडा जो अपनी पीठ पर सवार न होने दे।

ग़हब (غهب) अ स्त्री –असावधानी, गफलत, अज्ञान, अनजानपन, विस्मृति, भूल, इरादे का न होना।

गहे (گهے) फा अव्य –'गाहे' का लघु, कभी, किसी समय।

गहवारः (گہوارہ) फा पु –बच्चो के झूलने और सोने का खटोला, पालना, हिडोला, आदोलक।

गहवारः जुंबाँ (گہوارہ جنباں) फा वि –पालना झुलानेवाला (वाली)।

गहवार जुंबानी (گہوارہ جنبانی) फा स्त्री –पालना झुलाने का काम।

गा

गाँ (گاں) फा अव्य –'गान' का लघु, दे 'गान'।

ग़ाइत (غائط) अ पु –नीची और लम्बी-चौडी भूमि, विष्ठा, मल, पाखाना।

ग़ाइब (غائب) अ वि –जो नजर के सामने न हो, लुप्त, तिरोहित (गायब)।

ग़ाइबबाज़ (غائب باز) अ फा वि –शतरंज का वह खिलाडी जो सामने बिसात न रखकर शतरज खेलता हो, बहुत बडा शातिर।

ग़ाइबान (غائبانہ) अ फा वि –पीठ-पीछे, परोक्षत, अनुपस्थिति में।

ग़ाइर (غائر) अ वि –गहरा पैठनेवाला, गहराई में दूर तक जानेवाला, नीची भूमि।

ग़ाइलः (غائلہ) अ स्त्री –अनिष्ट, बदी, हानि, गज़ंद, आपत्ति, मुसीबत, अचानक दबोच लेनेवाली।

ग़ाइस (غائص) अ वि –पानी में पैठनेवाला, डुबकी मारनेवाला।

ग़ाई (غائی) अ वि –अन्तिम, आखिरी, आधारभूत, मौलिक, बुनियादी।

गाईदः (گائیدہ) फा वि –जिसके साथ मैथुन किया हो, सभोग्या।

ग़ाक़ (غاق) अ पु –जलकौआ, पनडुब्बी, कौआ, काक।

गागः (غاغہ) फा पु –पोदीना।

ग़ाग. (غاغہ) अ पु –तितर-बितर टोलियाँ, मिले-जुले लोग, जनसमूह, भीड।

गाज़. (غازہ) फा पु –मुँह पर मलने का पाउडर, मुख-चूर्ण।

गाज़ः (گازہ) फा पु –झूला, जिस पर झूलते है, शिकारी के छिपने का स्थान, फालेज़ की झोपडी, पहाड की चोटी पर का मकान।

गाज़ (گاز) फा पु –घास, हरी घास, कैंची, कतरनी, चिराग का गुल काटने की कैंची, गुलगीर।

गाज़ (گاژ) फा पु –स्थान, जगह।

ग़ाज़ [ज्ज़] (غاذ) अ पु –आँख की एक रग, जिसमे से मैल निकलने लगे तो बद नही होता।

ग़ाज़एरुख़ (غازۂ رخ) फा पु –मुख-चूर्ण, मुँह पर मलने का सुगधित और लाल पाउडर।

ग़ाज़िफ़ (غاصف) अ वि –जिसकी दशा अच्छी हो, खुशहाल, जिसका हृदय कोमल हो, नाजुकदिल।

ग़ाज़िय (غاذیہ) अ स्त्री –हज़्म करने की क़ुव्वत, पाचन-शक्ति, वह शक्ति जो आमाशय में अन्न पचाती है।

ग़ाज़िर (غاصر) अ पु –बहुत अच्छा कमाया हुआ और चित्रित किया हुआ चमडा, बहुत तडके अपने काम को निकल जानेवाला।

ग़ाज़ी (غازی) अ वि –मज़्हबी लडाई लडनेवाला, धर्मयोद्धा, धर्मवीर।

ग़ाज़ी (غازی) फा वि –नट, रस्सी पर कलाबाज़ी खानेवाला।

गाज़ी (گازی) फा पु –केवडा, एक प्रसिद्ध फूल।

गाज़ुर (گازر) फा पु –कपडा धोनेवाला, धोबी, रजक।

ग़ात्फ़र (غاتفر) फा पु –दे 'ग़ात्फ़र'।

ग़ादिफ़ (غادف) अ पु –नाव चलानेवाला, नाविक, कर्णधार, मल्लाह, माँझी।

ग़ादियः (عادیہ) अ पु–प्रात काल का बादल, प्रातकाल, सबेरा।

ग़ादिर (عادر) अ वि–कृतघ्न, नाशुक्रा, वचन-भंजक, वा'द खिलाफ, अभक्त, बेवफा।

ग़ादी (عادی) अ पु–सबेरे का बादल, सबेरे की वर्षा, सवेरा, प्रात।

ग़ादूफ (عادوف) अ पु–वे दो लकड़ियाँ जो नाव के दोनो ओर बँधी होती हैं, और जिन्हे हिलाने से नाव चलती है।

गानः (گانہ) फा प्रत्य–किसी सख्या के अन्त मे आकर 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'चहार गान' अर्थात् चार वाला, अपना, जैसे—यगान (यक+गान) अपना अर्थात् स्वजन, बेगान जो अपना न हो, अस्वजन।

गान (گان) फा प्रत्य–कर्ता अथवा कर्मवाचक फारसी शब्द जिनके अन्त मे विसर्ग हो। उनके अन्त मे आकर बहुवचन बनाता है, जैसे—कुश्त से 'कुश्तगान', कुशिद से 'कुशिदगान'।

ग़ानिज़ (عانز) अ पु–कठ, गला, कठ मे वह स्थान जहाँ से स्वर निकलता है।

ग़ानिय (عانیہ) अ स्त्री–वह स्त्री जो अपनी सुन्दरता और यौवन के कारण आभूषण आदि से बेनियाज़ हो, वह सुन्दर सदाचारिणी और जवान स्त्री जिसे पुरुष की इच्छा न हो।

ग़ानी (عانی) अ वि–जिसे कोई इच्छा न हो, समृद्ध, दौलतमद।

ग़ान्फर (عانعر) फा पु–तुर्किस्तान का एक नगर।

ग़ाफिर (عافر) अ वि–छिपानेवाला, गोपनकर्ता, पाप-नाशक, गुनाह बख़्शनेवाला।

ग़ाफिल (عافل) अ वि–सज्ञाहीन, बेहोश, असावधान, बेख़बर, आलसी, काहिल।

ग़ाफ़िस (عافث) अ स्त्री–एक वनौषधि।

ग़ाब. (عابہ) अ पु–सिंह के रहने की कछार, वन, जगल।

ग़ाब (عاب) अ पु–'ग़ाब' का बहु, सिंह की ठाहरे, वनसमूह, जगलात।

ग़ाबात (عابات) अ पु–'ग़ाब' का बहु, दे 'ग़ाब'।

ग़ाबित (عابط) अ वि–किसी की उन्नति चाहे बिना स्वय वैसा बनने की इच्छा करनेवाला।

ग़ाबिन (عابن) अ वि–काम करने मे आलसी।

ग़ाबिर (عابر) अ वि–आनेवाला, जानेवाला, बाक़ी बचा हुआ, शेष, बरसनेवाला।

गाम (گام) फा पु–डग, कदम, पग, (प्रत्य) चलनेवाला, जैसे—'तेज़गाम' तेज़ चलनेवाला,—"दो गाम न चल पाये जजीर नजर आयी।"

गामज़न (گامزن) फा वि–चलनेवाला, गमनकर्ता, चलता हुआ।

गामज़नी (گامزنی) फा स्त्री–चलना, जाना, गमन करना।

गामफर्सा (گامفرسا) फा वि–दे 'गामज़न'।

गामफर्साई (گامفرسائی) फा स्त्री–दे 'गामज़नी'।

ग़ामिज़ (عامص) अ वि–वह बात जो समझ से बाहर हो, नीची भूमि, गर्त, गढा, अज्ञात, गुमनाम, अपमानित, ज़लील।

ग़ामिद (عامد) अ पु–भरी हुई नाव, वह कुआँ जिसका पानी उबलता हो।

ग़ामिर (عامر) अ स्त्री–वह भूमि जो पानी मे डूबी रहती हो, बजर ज़मीन, (वि) वह व्यक्ति जो अपने को आपत्ति मे डाले।

ग़ामी (عامی) अ वि–निर्बल, बलहीन, कमज़ोर, असमर्थ, नातवान।

गायद (گایدہ) फा वि–मैथुन करनेवाला।

ग़ायत (عایت) अ स्त्री–उद्देश्य, मक़सद, छोर, किनारा, कारण, सबब, पराकाष्ठा, इतिहा, पताका, झडा।

ग़ायत माफिलबाब (عایت مافی الباب) अ स्त्री–किसी विषय का अंतिम निर्णय, आख़िरी बात, साराश, ख़ुलासा।

ग़ायतुलअम्र (عایتہ الامر) अ स्त्री–अतत, आख़िरकार, आपातत, अगत्या।

ग़ार (عار) अ पु–गहरा गढा, खड्ड, गर्त, गढा, पहाड की कदरा, गुफा, जतुओ के रहने का भीटा।

गार (گار) अ प्रत्य–करनेवाला, जैसे—'ख़िदमतगार', सेवा करनेवाला।

ग़ारत (عارت) अ स्त्री–नष्ट करना, बरबाद करना, लुठन, लूटना, (वि) नष्ट, बरबाद, विध्वस्त, तबाह, लुठित, लुटा-पिटा।

ग़ारतगर (عارتگر) अ फा वि–लूटनेवाला, लुटेरा, डाकू, लुठक, बरबाद करनेवाला, विनाशक।

ग़ारतगरी (عارتگری) अ फा स्त्री–लूटमार, लुटेरापन, विनाश, तबाही।

ग़ारतगाह (عارتگاہ) अ फा स्त्री–लूटमार करने का स्थान, वह स्थान जहा लोग लूट जाते हो, वह स्थान जहा लुटने का भय हो।

ग़ारतीद (عارتیدہ) फा वि–लूटमार किया हुआ, नष्ट किया हुआ, ग़ारत किया हुआ।

ग़ारिक़ (عارق) अ वि–डूबनेवाला, डूबा हुआ, निमज्जित।

गारिज़ (عارز) अ स्त्री –थोडा दूध देनेवाली ऊँटनी।
गारिब (عارب) अ वि –ऊँट की गर्दन और कोहान के बीच का भाग, ऊँट के दोनो कधो के बीच का स्थान।
गारिम (عارم) अ वि –वह ऋणी जो अपना ऋण अदा न कर सके।
गारिस (عارس) अ वि –वृक्ष लगानेवाला, पेड गोपने-वाला, वृक्षारोपक।
गारीक़ून (عاريقون) अ पु –एक ओषधि।
गाल (گال) फा पु –एक अन्न, काकुन, वाजरा, छल, फरेब, दूर, परे, शृगाल, सियार।
गाल [ल्ल] (غال) अ पु –वह नीची जमीन जिसमें पेड वहुत हो, पेड उगने का स्थान।
गालिब (غالب) अ वि –शक्तिशाली, जबरदस्त, विजेता, फातेह, उर्दू के एक श्रेष्ठ कवि का उपनाम।
गालिबन् (غالبا) अ वि –सभवत, कदाचित्, शायद, निश्चित, यकीनन।
गालिबान (غالبانه) अ फा वि –जबरदस्तो-जैसा।
गालिय (غاليه) फा पु –कई सुगधित पदार्थों को मिलाकर वनाया हुआ एक सुगधित द्रव्य।
गालियमू (غاليه مو) फा वि –सुगध लगे हुए वाल, सुगधित वाल।
गाली (غالى) अ वि –अपनी सीमा से आगे वढ जानेवाला, अति करनेवाला, भारी, वरनी, वहुमूल्य, वेशकीमत।
गालीच' (غاليچه) तु पु –छोटा कालीन।
गालीद (غاليده) फा वि –लुढका हुआ, लुढकाया हुआ।
गालीद (گاليده) फा वि –जो अलग हो गया हो, निवृत्त।
गालीन (غالين) तु पु –दे 'कालीन'।
गाव (گاو) फा पु –वैल, वृषभ, गाय, गो, धेनु, शराव का पियाला जो गाय की शक्ल का हो।
गावअवर (گاوعنبر) फा अ पु –गाय-जैसा एक समुद्री पशु, जिसका गोवर 'अवर' होता है।
गावआहन (گاوآهن) फा पु –हल का फल, फाल।
गावकुशी (گاوکشی) फा स्त्री –गाय की हत्या करना, गाय का जवह करना, गोवध।
गावकून (گاوکون) फा वि –मूर्ख, घामड, अहमक।
गावख़रास (گاوخراس) फा स्त्री –वह चक्की जो वैल आदि से चले।
गावख़ान. (گاوخانه) फा पु –मवेशियो का वाडा, कांजी-हौस, मवेशीख़ाना।
गावख़ुर्द (گاوخورد) फा वि –नष्ट, वरवाद, ख़ुर्द वुर्द, गवन, अपहृत।
गावचश्म (گاوچشم) फा वि –गाय-जैसी आंखोवाला, (पु) एक फूल।
गावज़बां (گاوزباں) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध ओषधि, भूताशुक, गोजिह्वा।
गावज़ोर (گاوزور) फा वि –वहुत वडा वलवान्, जवर-दस्ती करनेवाला।
गावज़ोरी (گاوزوری) फा स्त्री –ज़वर्दस्ती, अन्याय, शक्ति-सपन्नता, जोरमदी।
गावतकय' (گاوتکيه) फा पु –वडा तकय, मस्नद, जो पीठ के नीचे रखा जाता है।
गावताज़ी (گاوتازی) फा स्त्री –डीग, शेख़ी, मुकावले में वुज़दिली दिखाना।
गावदी (گاودی) फा वि –मूर्ख, वुद्धू, वेवकूफ, कुदज़ेहन, मदप्रभ, मन्दमति।
गाववीदः (گاوديده) फा वि –दे 'गावचश्म'।
गावदुम (گاودم) फा वि –गाय की पूंछ-जैसा ऊपर से नीचे को पतला, मख़्‌रूती, गो-पुच्छ।
गावदोश' (گاودوشه) फा पु –दूध दूहने का वर्तन, दुधाडी।
गाववोश (گاودوش) फा पु –दे 'गावदोश'।
गावपुश्त (گاوپشت) फा वि –गाय की पीठ की तरह ढालू।
गावपैकर (گاوپيکر) फा वि –वैल-जैसे डील-डौलवाला, वृषकाय।
गावमेश (گاوميش) फा स्त्री –भैंस, महिषी।
गावरस (گاورس) फा पु –वाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।
गावरीश (گاوريش) फा वि –मूर्ख, अज्ञानी, घामड, वुद्धू।
गावशीर (گاوشير) फा पु –एक तरल ओषधि, जावशीर।
गावसर (گاوسر) फा वि –वैल-जैसे सिरवाला, (पु) 'फिरीदूं' के गुर्ज़ का नाम, गावसार।
गावसार (گاوسار) फा वि –'फिरीदूं' के गुर्ज़ का नाम, गावसर।
गावेज़मी (گاوزمی) फा पु –दे 'गावे सरा'।
गावेगर्दूं (گاو گردوں) फा पु –वृषराशि, वुर्जे सौर।
गावेपर्वारी (گاوپرواری) फा पु –ख़ूव खिला-पिलाकर और धूप से वचाकर मोटा किया हुआ वैल।
गावेसरा (گاو ثرى) फा अ पु –वह गाय जिसके सींगो पर पृथ्वी सधी वतायी जाती है।
गावेसिफ़ालीं (گاو سفاليں) फा पु –शराव का मटका।
ग़ाशियः (غاشيه) फा पु –वह कपडा जो घोडे के चारजामे पर पडता है, क़ियामत, महाप्रलय, नरक की आग, भीतरी रोग।

ग़ाशियः बरदोश (غاشیہ بردوش) फा वि—दे 'ग़ाशिय बरदार'।

ग़ाशिय बर्दार (غاشیہ بردار) फा वि—सवारी के समय ज़ीनपोश लेकर चलनेवाला, साईस, नौकर, आज्ञाकारी, अनुयायी।

ग़ासिक (غاسق) अ पु—चंद्रमा, चाँद, कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी, शिश्न, लिंग।

ग़ासिब (غاصب) अ वि—जबर्दस्ती छीन लेनेवाला, ग़स्ब कर लेनेवाला, अपहारक।

ग़ासिबानः (غاصبانہ) अ वि—ग़ासिबों-जैसा, लुटेरों की तरह।

गाह (گاہ) फा अव्य—कभी, किसी समय, समय, वक्त, स्थान, जगह, सिंहासन, तख्ते शाही, खेमा, रावटी, तम्बू, जुए का दाँव।

गाह गाह (گاہ گاہ) फा वि—कभी-कभी, यदा-कदा।

गाह ब गाह (گاہ بگاہ) फा वि—दे 'गाह गाह'।

गाहे (گاہے) फा वि—किसी समय, कभी, कभी-कभी।

गाहे गाहे (گاہے گاہے) फा वि—कभी-कभी, यदा-कदा, 'सरसरी उनमे मुलाकात है गाहे-गाहे। सोहबते ग़ैर मे गाहे, सरे गाहे गाहे॥"

गाहे ब गाहे (گاہے بگاہے) फा वि—दे 'गाहे गाहे'।

गाहे माहे (گاہے ماہے) फा वि—कभी-कभी, महीने में एक बार।

गि

ग़िचक (غچک) फा स्त्री—सारंगी, एक बाजा।

ग़िज़ा (غذا) अ स्त्री—भोजन, खाद्य, ख़ुराक, अन्न, अनाज।

ग़िज़ा (غزا) अ पु—धर्मयुद्ध, मज़हबी जंग, दे 'ग़ज़ा', दोनो शुद्ध हैं।

ग़िज़ाई (غذائی) अ वि—भोजन सम्बन्धी, अन्न सम्बन्धी।

ग़िज़ाईयत (غذائیت) अ स्त्री—किसी खाद्य पदार्थ मे शरीर को पुष्टि पहुँचाने और रस बननेवाला अंश, अन्न-तत्त्व।

ग़िज़ाए रूहानी (غذاے روحانی) अ स्त्री—आत्मा का भोजन, अर्थात् अच्छी आवाज़, गाना।

ग़िज़ाए लतीफ़ (غذاے لطیف) अ स्त्री—शीघ्र पच जानेवाला भोजन, लघुपाक।

ग़िज़ाए सक़ील (غذاے ثقیل) अ स्त्री—देर मे पचनेवाला भोज्य, गरिष्ठ।

ग़िज़ाज़ (عضاض) अ पु—भीख माँगना, भिक्षाटन।

ग़िज़ाब (غضاب) अ पु—आँख मे उड़कर पड़नेवाला तिनका, शरीर पर पड़नेवाले फफोले।

गिज़्लिक (گزلک) फा पु—कलम बनाने का चाकू।

ग़िता (غطا) अ पु—पर्दा, पहनने के कपड़े, वस्त्र।

ग़ित्रीफ़ (غطریف) अ वि—कुलीन, शरीफ़, वीर, बहादुर, पूज्य, बुज़ुर्ग।

ग़ित्रीस (غطریس) अ वि—अत्याचारी, ज़ालिम, अहंकारी, मग़रूर।

ग़िद्दीर (غدیر) अ वि—बहुत अधिक कृतघ्न, नमकहराम।

गिद्‌य (گدیہ) फा स्त्री—भीख माँगना, भिक्षाटन।

ग़िना (غنی) अ पु—समृद्धि, दौलतमंदी, निस्पृहता, बेनियाज़ी।

ग़िना (غنا) अ पु—गान, गाना।

ग़िब[ब्ब] (غب) अ पु—इकतरा, एक दिन बीच देकर आनेवाला ज्वर, सीमा, हद, पराकाष्ठा, जो एक दिन आये और एक दिन न आये, सप्ताह मे एक दिन किसी से मिलने जाना।

ग़िब्त (غبطہ) अ पु—किसी के माल की इच्छा उसे हानि पहुँचाये बिना, किसी-जैसा बनने की इच्छा, उसे हानि पहुँचाये बिना।

ग़िमाम (غمامہ) अ पु—पशु के मुँह पर चढ़ाने की थैली।

गिमीज़ (گمیز) फा पु—पेशाब, मूत्र।

ग़िम्द (غمد) फा पु—तलवार अथवा छुरी या चाकू का कोष।

ग़ियार (غیار) अ पु—धर्म-चिह्न जो हर समय पास रहे, जैसे—जनेऊ, सलीब या यहूदियों का पीला कपड़ा जो वे लोग कंधे के पास कपड़े मे सिला रखते हैं।

ग़ियास (غیاث) अ पु—दुःख और आपत्ति मे सहायता करना, (वि) दुःख और कष्ट के समय सहायता करनेवाला।

ग़िर[र्र] (غر) अ वि—निश्चेष्ट व्यक्ति, बेख़बर आदमी, अनुभवहीन व्यक्ति, नातज्रिब कार आदमी।

गिरह (گرہ) फा पु—दे शुद्ध उच्चारण 'गिरिह'।

गिरां (گراں) फा वि—भारी, वज़्नी, बहुमूल्य, कीमती, महँगा, तेज़ भाववाला।

गिरांक़द्र (گراں قدر) फा अ वि—बड़े पद और रुतबेवाला, बहुमूल्य, कीमती, महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिरांक़ीमत (گراں قیمت) फा अ वि—बहुमूल्य, बेशक़ीमत।

गिरांख़ातिर (گراں خاطر) फा अ वि—बददिल, उदास, मनोमलिन, दुःखी।

गिरांख़्वाब (گراں خواب) फा वि—गहरी नींद सोनेवाला।

गिरांगोश (گراں گوش) फा वि—ऊँचा सुननेवाला, बहरा, बधिर।

गिरांजां (گرانجاں) फा. वि.—आलसी, काहिल, जो कड़ी आपत्तियाँ झेलकर भी जीवित रहे।

गिरांजानी (گرانجانی) फा स्त्री—आलस्य, काहिली, कड़ी मुसीबतों में फँसकर भी उनसे निकल जाना।

गिरांतर (گرانتر) फा वि—बहुत भारी, बहुत महँगा।

गिरांतरीन (گرانترین) फा वि—सबसे अधिक भारी, सबसे अधिक महँगा।

गिरांताब (گرانتاب) फा वि—अच्छी तरह तपाया हुआ।

गिरांपाय (گرانپایہ) फा वि—दे 'गिरांक़द्र'।

गिरांफरोश (گرانفروش) फा वि—महँगा बेचनेवाला।

गिरांफरोशी (گرانفروشی) फा स्त्री—महँगा बेचना।

गिरांबहा (گرانبہا) फा वि—बहुमूल्य, बेशकीमत, महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिरांबार (گرانبار) फा वि—बोझ के नीचे दबा हुआ, ऋण अथवा उपकार के बोझ से दबा हुआ।

गिरांबारी (گرانباری) फा स्त्री—बोझ से दबना, ऋण आदि के बोझ से दबना।

गिरांमाय (گرانمایہ) फा वि—बहुमूल्य, कीमती, महत्त्वपूर्ण, अज़ीम।

गिरांरिकाब (گرانرکاب) फा अ वि—वह घोड़ा जो चलने में सुस्त हो, वह व्यक्ति जो रणक्षेत्र में डटकर लड़े और पाँव पीछे न हटाये, धैर्यवान्, शान्ति स्वभाव, बातम्कीन।

गिरांसंग (گرانسنگ) फा वि—भारी भरकम, गंभीर, मलीन, आत्मसंतोषी, काने।

गिरांसर (گرانسر) फा वि—अभिमानी, घमंडी, रुष्ट, अप्रसन्न, नाखुश।

गिरांसाय (گرانسایہ) फा वि—दे 'गिरांक़द्र'।

गिरा (عرا) अ स्त्री—सरेश, जिसके चार पाँव न हो।

गिराइंद (گرایندہ) फा वि—चाहनेवाला, इच्छा करनेवाला, इच्छुक।

गिराइश (گرایش) फा स्त्री—रुचि, इच्छा, रग़बत, प्रवृत्ति, रुझान।

गिराईद (گرائیدہ) फा वि—चाहा हुआ, इच्छित, वांछित, अभिलषित।

गिराईदनी (گرائیدنی) फा वि—चाहने योग्य, वांछनीय।

गिरानी (گرانی) फा स्त्री—भारीपन, बोझ, महँगाई, भाव की तेजी, हज़्म की खराबी।

गिराफ(عراف)अ पु—'गुर्फ़' का बहु, गुर्फ़े, झरोखे, एक बड़ा पैमाना।

गिरामी (گرامی) फा वि—पूज्य, बुजुर्ग, महान्, अजीम, पुनीत, मुकद्दस, प्रिय, अज़ीज।

गिरामीक़द्र (گرامی قدر) फा अ पु—महोदय, महाशय, आलीजनाब, महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिरामीनामः (گرامی نامہ) फा पु—कृपापात्र, वालानामा।

गिरामीमनिश (گرامی منش) फा वि—पुनीतात्मा, पुण्यात्मा, बुजुर्ग निहाद।

गिरारः (عرارہ) अ पु—गौन, खुर्जी, गोण।

गिरार (عرار) अ पु—आचार-व्यवहार, तौरतरीका, बाजार का मंदा होना, हानि, घाटा, कमी, मूर्खता, नादानी।

गिरास (عراس) अ पु—पेड लगाने का समय, लगाया हुआ पेड।

गिरास (عراث) अ पु—'गरीस' का बहु, भूखे लोग, क्षुधातुर जन।

गिरिफ्त (گرفتہ) फा वि—लिया हुआ, पकड़ा हुआ, गृहीत, संकुचित, डीग, कटाक्ष, तंज।

गिरिफ्त ख़ातिर (گرفتہ خاطر) फा अ वि—दे 'गिरिफ्त दिल'।

गिरिफ्त जन (گرفتہ زن) फा वि—डींगिया, दूर की हाँकनेवाला, व्यंग करनेवाला, ताना देनेवाला।

गिरिफ्त ज़बां (گرفتہ زباں) फा वि—जिसकी जीभ बात करने में लड़खड़ाती हो, हकला, तोतला।

गिरिफ़्त.दिल (گرفتہ دل) फा वि—अप्रसन्न, अफ़सुर्द, उदास, दुःखित, रंजीदा।

गिरिफ्त लब (گرفتہ لب) फा वि—मौन, अवाक्, चुप, खामोश।

गिरिफ्त (گرفت) फा स्त्री—पकड़, ग्रहण, हिसाब में त्रुटि की पकड़, अपराध की पकड़, आपत्ति, ए'तिराज़, अधिकार, कब्ज़ा, चंगुल, पंजा, हस्तक, दस्ता।

गिरिफ्तगी (گرفتگی) फा स्त्री—पकड़, गिरिफ्त, पड़ जाना, बैठ जाना (आवाज़), उदासीनता, उदासी, अफ़सुर्दगी।

गिरिफ्तनी (گرفتنی) फा वि—पकड़ने के योग्य, ग्राह्य, लेने के योग्य, लभ्य।

गिरिफ्तार (گرفتار) फा वि—ग्रस्त, मुब्तला, बंदी, कैद, आसक्त, आशिक, फँसा हुआ, बँधा हुआ।

गिरिफ्तारी (گرفتاری) फा स्त्री—ग्रस्त होना, बंदी होना, बँधना, फँसना, प्रेम होना।

गिरिह (گرہ) फा स्त्री—ग्रंथि, गाँठ, समस्या, मस्अला, उलझन, परेशानी (गिरह)।

गिरिहकुशा (گرہکشا) फा वि—गाँठ खोलनेवाला, समस्या हल करनेवाला, कठिनता का निवारण करनेवाला।

गिरहिकुशाई (گرہکشائی) फा स्त्री—गाँठ खोलना, समस्या हल करना, कठिनता का निवारण।

गिरिह् बर गिरह् (گرہ برگرہ) फा वि—गाँठ पर गाँठ, कठिनाई पर कठिनाई, आपत्ति पर आपत्ति।

गिरिहबुर (گرہبر) फा वि—गाँठ काटनेवाला, जेबकतरा।

गिरीवाँ (گریباں) फा पु—'गिरीबान' का लघु, दे 'गिरीबान', कुर्ते व कमीज़ का गला, दामन, सिरा।

गिरीबागीर (گریباںگیر) फा वि—गला पकड़नेवाला, तकाज़ा करनेवाला।

गिरीबांचाक (گریباںچاک) फा वि—जिसने अपना गिरीबान फाड डाला हो, पागल, दीवाला, प्रेमी, आशिक।

गिरीबांदर (گریباںدر) फा वि—गिरीबान फाड़नेवाला, पागल, प्रेमी।

गिरीबादरीदः (گریباںدریدہ) फा वि—दे 'गिरीबाचाक'।

गिरीबान (گریبان) फा पु—ग्रीवा, गला, कुर्ते कमीज़ आदि का गला।

गिरीबाने कोह (گریبان کوہ) फा पु—पहाड का दामन, पहाड की तराई।

गिरेवाँ (گریباں) फा वि—दे 'गिरीवाँ', वही अधिक फसीह है।

गिरेव॰ (گریوہ) फा पु—टीला, ढूह, पुश्ता, पहाडी, टीकरी।

गिरेव (غریو) फा पु—कोलाहल, गुलगपाडा, शोरोगुल।

गिरेवाँ (غریواں) फा वि—शोर मचाता हुआ, चीखता और चिल्लाता हुआ।

गिरोह् (گروہ) फा पु—दे शुद्ध उच्चारण 'गुरोह'।

गिरौ (گرو) फा पु—गिरवी रखना, बधक करना। (वि) गिरवी रखी हुई वस्तु।

गिर्गिर (غرغر) अ स्त्री—जगली मुर्गी, वनकुक्कुटी।

गिर्द. (گردہ) फा पु—गोल टिकिया, अखरोट, एक प्रसिद्ध फल, अक्षरोट।

गिर्द (گرد) फा पु—घेरा, हल्का, आसपास, चारो ओर, आसपास का स्थान।

गिर्दक (گردک) फा स्त्री—रावटी, खेमा, कोठा, कमरा, पहेली, प्रहेलिका।

गिर्दगा (گردگاں) फा पु—अखरोट, अक्षरोट।

गिर्द व गिर्द (گردبگرد) फा वि—चारो ओर, चहुँपास।

गिर्दबाद (گردباد) फा पु—वातावर्त, चक्रवात, पवनचक्र, बगूला, बवडर।

गिर्दबालिश (گردبالش) फा पु—गोल छोटा तकिया जो गालो के नीचे रखा जाता है, गलतकिया, चक्राडु।

गिर्दबुर (گردبر) फा पु—बढइयो का बरमा।

गिर्दागिर्द (گرداگرد) फा वि—चारो ओर, हर तरफ, चहुँपास, चहुँओर।

गिर्दाब (گرداب) फा पु—जलावर्त, कलकुर, भँवर।

गिर्दावर (گرداور) फा वि—हर ओर गश्त लगानेवाला, दौरा करनेवाला।

गिर्दावरी (گرداوری) गश्त लगाने और दौरा करने का काम।

गिर्नीक़ (غرنوق) अ पु—दे 'गुर्नीक़'।

गिर्फ़ (غرفہ) अ पु—चुल्लू में पानी उठाना।

गिर्बान (غربان) अ पु—'गुराब' का बहु, कौए, काक-समूह।

गिर्बाल (غربال) अ स्त्री—आटा आदि छानने की छलनी, चलनी, चालनी, दे 'गर्बल' दोनो शुद्ध हैं।

गिर्बीब (غربیب) अ पु—अगूर की एक बहुत बढिया जाति।

गिर्य (گریہ) फा पु—रुदन, रोना, आँसू बहाना।

गिर्य॰आवर (گریہ آور) फा वि—आँसू लानेवाला, रुलानेवाला।

गिर्यं कुनाँ (گریہ کناں) फा वि—रोता हुआ, आँसू बहाता हुआ।

गिर्यएगम (گریۂغم) फा अ पु—दु:ख का रोना, दु:ख-विलाप, किसी की मृत्यु पर रोना, शोक-विलाप।

गिर्यएशादी (گریۂشادی) फा पु—खुशी की अधिकता मे आँखो से आँसू निकल आना।

गिर्यओजारी (گریہوزاری) फा स्त्री—रोना-धोना, हाय-हाय करना।

गिर्र (غرہ) अ स्त्री—नातजरिब कारी, अनाडीपन, अननुभव, प्रेम, स्नेह, इश्क।

गिर्वीद॰ (گرویدہ) फा वि—मुग्ध, मोहित, फरेफ्त, लट्टू, प्रेमी, आशिक।

गिर्वीदगी (گرویدگی) फा स्त्री—किसी ओर हद से बढी हुई दिलचस्पी, मोह, फरेफ्तगी।

गिर्वीदनी (گرویدنی) फा वि—मुग्ध होने योग्य।

गिर्स (غرس) अ पु—वह गाढी रतूबत जो गर्भाशय से बच्चे के साथ निकलती है, वह झिल्ली जिसमे शिशु गर्भाशय मे लिपटा रहता है।

गिल. (گلہ) फा पु—उपालभ, उलाहना, शिक्वा।

गिल गुजार (گلہگزار) फा वि—उलाहना देनेवाला, उपालभक।

गिल (گل) फा स्त्री—मिट्टी, मृत्तिका, मृत्।

गिल[ल्ल] (غل) अ पु—द्वेष, कीना, ख़ियानत, मोषण, मलिनता, गदलापन।

गिलअंदूद. (گل اندودہ) फा वि—मिट्टी से लेपा हुआ, मिट्टी चढाया हुआ।

गिलएरोजगार (گلۂروزگار) फा पु –दुर्भाग्य का रोना, कालचक्र की शिकायत।
गिलखोरः (گل‌خوره) फा पु –भूलता, केचुआ, खरातीन।
गिलज (غلظ) अ पु –गाढापन, दल, मोटाई।
गिलनाक (گل‌ناک) फा वि –गदला, मटमैला।
गिलमाल (گل‌مالہ) फा पु –राज की करनी जिससे वह प्लास्टर चढाता है।
गिलाज (غلاظ) अ पु –'गलीज' का बहु, गाढे पदार्थ, गदगियाँ; गू, विष्ठा।
गिलाजत (غلاظت) अ स्त्री –गदगी, मल, मैल, विष्ठा, मल, गू, अपवित्रता, नापाकी, गाढापन, गिल्ज।
गिलाजतखान. (غلاظت‌خانہ) अ फा पु –कूडा-करकट और गू-गोबर फेकने का स्थान।
गिलाजतखोर (غلاظت‌خور) अ फा वि –विष्ठा खानेवाला, शूकर, सुअर, बुरी कमाई खानेवाला।
गिलाफ (غلاف) अ पु –तकिए आदि का खोल, सूखे और दानेदार फल का बकला, पलक, दृगचल, तलवार आदि का कोष।
गिलाब (گلاب) फा पु –मिट्टी मे भूसा आदि मिलाकर बनाया हुआ दीवारो का लेस, लेसन, कहगिल।
गिलाल (غلالہ) अ पु –वह कुर्ता जो कवच के नीचे पहनते है।
गिली (گلین) फा वि –मिट्टी का बना हुआ, मृन्मय, मिट्टी मिला हुआ।
गिली (گلی) फा वि –दे 'गिली'।
गिलेअर्मनी (گل‌ارمنی) फा स्त्री –एक प्रकार का गेरु जो दवा मे चलता है।
गिलेचस्पाँ (گل‌چسپاں) फा स्त्री –चिपकनेवाली मिट्टी, जिससे कहगिल बनता है, कचला मिट्टी।
गिलेमख्तूम (گل‌مختوم) फा अ स्त्री –एक प्रकार का गेरू जो गिलेअर्मनी से भिन्न है।
गिलेवाज (غلیواز) फा स्त्री –चील पक्षी, चिल्ल।
गिलोगिश (غل‌وغش) अ स्त्री –मैल, मल, चिन्ता, फिक्र, बाधा, विघ्न।
गिल्म (غلمہ) अ पु –गुलाम का बहु, लडके, बालक, दास, नौकर-चाकर।
गिल्माँ (غلماں) अ पु –'गिल्मान' का बहु, दे 'गिल्मान'।
गिल्मान (غلماں) अ पु –स्वर्ग के बालक, यह शब्द 'गुलाम' का बहु है, परन्तु उर्दू और फारसी मे एक वचन म व्यवहृत है।
गिल्लीम (غلیم) अ वि –तीव्र काम-वासनावाला, तेज शहवतवाला, तीव्र वटुक-विलासी।
गिश[इश] (غش) अ स्त्री –खियानत, मोषण, अशुभ चिन्तन, बदख्वाही, द्वेष, कीना, आत्मा की दुष्टता।
गिशा (غشا) अ स्त्री –झिल्ली, महीनखाल, पर्दा, पटल; गिलाफ, उपरना, वस्त्र, लिवास।
गिशाव (غشاوہ) अ पु –पर्दा, पटल।
गिशाश (غساس) अ पु –अँधेरे का प्रारभिक और अतिम समय, शीघ्रता, जल्दी, थोडी चीज।
गिश्यान (غشیان) अ पु –मैथुन, रतिक्रीडा, जिमाअ।
गिसान (غسان) अ पु –बच्चो के पहनने का वस्त्र, विशेषत जो खाल का बनता है।
गिस्ल (غسل) अ पु –वह पानी जिससे कुछ धोया गया हो।
गिस्लीन (غسلین) अ पु –वह पानी जिससे घाव धोया जाय, वह मवाद जो नरकवासियो की देह से बहे।

गी

गीं (گیں) फा प्रत्य –'गीन' का लघु, दे 'गीन'।
गी (گی) फा प्रत्य –जिस फारसी शब्द के अन्त मे विसर्ग हो, उसके साथ लगाने से भाववाचक सज्ञा बनती है, जैसे 'खस्त' से 'खस्तगी' 'दरिद' से 'दरिदगी'।
गीज (غیص) अ पु –कली, कलिका, गुच्छा, खोशा।
गीद (گید) फा पु –चील, चिल्ल, गृध्र, गीध।
गीदी (گیدی) फा वि –भीरु, डरपोक, निर्लज्ज, वेहया।
गीन (گیں) फा प्रत्य शब्द के अन्त मे आकर 'युक्त' का अर्थ देता है, जैसे—'गमगीन', शोकयुक्त, यह शब्द आगीन का लघु है।
गीपा (گیپا) फा पु –एक प्रकार का पुलाव।
गीबत (غیبت) अ स्त्री –पिशुनता, चुगुली।
गीर (گیرہ) फा पु –लोहे का शिकजा।
गीर (گیر) फा प्रत्य –पकडनेवाला, जैसे—'माहीगीर' मछली पकडनेवाला, काटनेवाला, जैसे—'गुलगीर' चिराग का गुल काटनेवाला।
गीरख (گیرخ) फा स्त्री –पुस्तक रखने की रेहल।
गीरत (غیرت) अ स्त्री –रश्क, होड, खून के बदले मे दिया हुआ धन।
गीरमाल (گیرمال) फा वि –टूटी हुई हड्डी जोडनेवाला, उतरी हुई हड्डी चढानेवाला, शरीर की मालिश करनेवाला, अगमर्दक।
गीराई (گیرائی) फा स्त्री –गिरिफ्त, पकड।
गीरिंद. (گیرندہ) फा वि –पकडनेवाला।
गील (غیل) अ पु –वन, कानन, जगल, सिंह की कछार, पानीवाली तराई, पेडो का झुड।

ग़ीला (غیلاں) अ पु –'ग़ीलान' का लघु, दे 'ग़ीलान'।
ग़ीलान (غیلان) अ पु –'ग़ूल' का बहु भूत-प्रेत।
गीलान (گیلان) फा पु –एक नगर, जीलान।
गीली (گیلی) फा वि –गीलान का निवासी।
गीहा (گیہا) फा स्त्री –घास, गियाह्।

गु

गुंग (گنگ) फा वि –जो बोल न सकता हो, मूक, गूँगा।
गुंगमहल (گنگ محل) फा अ पु –वह मकान जिसे अकबर बादशाह ने केवल गूँगों के लिए बनवाया था, इस अनुभव के लिए कि बडे होकर इनके बाल-बच्चे कौन-सी भाषा बोलते हैं, परन्तु वह अपने माता-पिता की भाँति, गूँ-गूँ ही करते रहे।
गुंच (غنچہ) फा पु –कली, कलिका।
गुंच दहन (غنچہ دہن) फा वि –कली-जैसे सुन्दर और छोटे मुँहवाला (वाली)।
गुंच दहाँ (غنچہ دہاں) फा वि –दे 'गुंच दहन'।
गुंच लब (غنچہ لب) फा वि –कली-जैसे कोमल, मृदुल और गुलाबी ओठोंवाला (वाली)।
गुंचए नाशिगुफ्त (غنچۂ ناشگفتہ) फा पु –वह कली जो खिली न हो, मुकुल, अविकसित कलिका।
गुंचगी (غنچگی) फा स्त्री –कली होने का भाव, गुंच पन।
गुंज (غنجہ) अ पु –गुंच, कली।
गुंज (غنج) अ पु –हावभाव, नाजोअदा।
गुंजश्क (گنجشک) फा स्त्री –दे 'गुंजिश्क' दोनों शुद्ध है।
गुंजाइश (گنجائش) फा स्त्री –विस्तार, कुशादगी, सामर्थ्य, मक्दूर, समाई, जगह, प्रेम, उदारता, फराख़दिली।
गुंजान (گنجان) फा वि –घना, गहन।
गुंजिश्क (گنجشک) फा स्त्री –गौरैया, चटक।
गुंद (گندہ) फा वि –दबीज़, गफ, दलदार।
गुंद (غندہ) अ वि –लम्पट, धूर्त, लोफर, गुंडा।
गुंद (غند) फा वि –लिपटा हुआ, एकत्र, जमागुदा, जोडा हुआ, उपार्जित।
गुंदर (غندر) फा वि –मोटा-ताजा, हृष्ट-पुष्ट, गफ, दलदार, दबीज़, मृदुल, नाज़ुक, गिटगिटानेवाला।
गुंदुर (غندر) फा वि –दे 'गुंदर'।
गुंद्पीर (گندپیر) फा स्त्री –बूढ़ी स्त्री, वृद्धा।
गुंबद (گنبد) फा पु –इमारतों के ऊपर का गोल मंडप जो बडा हो, गुंबज।
गुंबदे आब (گنبدِ آب) फा पु –पानी का बुल्बुला।
गुंबदे गर्दूं (گنبدِ گردوں) फा पु –आकाश का गुंबद, आकाश-वर्तुल।
गुंबदे गुल (گنبدِ گل) फा पु –कलिका, कली।
गुंबदे चारबद (گنبدِ چارابد) फा पु –संसार, दुनिया, आकाश, आस्मान।
गुक (گوک) तु पु –आकाश, गगन, आस्मान।
गुज़र (گزر) फा स्त्री –निर्वाह, गुज़र-बसर, जीविका, रोगी, (पु) प्रवेश, पहुँच, रसाई, आगमन, आमद।
गुज़रगाह (گزرگاہ) फा स्त्री –निकलने-पैठने का स्थान, मार्ग, रास्ता, पथ।
गुज़रनाम (گزرنامہ) फा पु –राहदारी का पर्वाना, खन्ना, पासपोर्ट, पारपत्र।
गुज़रान (گزران) फा स्त्री –दे 'गुज़र'।
गुज़रिंद (گزرندہ) फा वि –गुज़रनेवाला।
गुज़श्त (گزشتہ) फा वि –गुज़रा हुआ, बीता हुआ, व्यतीत, भूतकाल, माज़ी।
गुज़श्तगा (گزشتگاں) फा पु –'गुज़श्त' का बहु, गुज़रे हुए लोग, पूर्वज।
गुज़श्तनी (گزشتنی) फा वि –गुज़रने योग्य, जहाँ से गुज़र जाना उचित हो।
गुज़ाफ (گزافہ) फा पु –जिसका कूता किया गया हो, तोला नापा न गया हो, असीम, अपार, बेहद।
गुज़ाफ (گزاف) फा स्त्री –बकवास, मिथ्यावाद, डींग, शेखी।
गुज़ाब (عصاب) अ पु –वह तिनका आदि जो आँख में पड जाय, शरीर पर पडनेवाले आबले।
गुज़ार (گزارہ) फा पु –निर्वाह, गुज़र-बसर, नदी पार करना।
गुज़ार (گزار) फा पु –दे 'गुज़र', निबाहना, बसर करना, "गुज़ार दूँ तेरे ग़म मे जो उम्रे-ख़िज़्र मिले।" (प्रत्य) करनेवाला, जैसे—'ख़िदमतगुज़ार' ख़िदमत करनेवाला।
गुज़ारिंद (گزارندہ) फा वि –गुज़ारनेवाला, अदा करनेवाला।
गुज़ारिश (گزارش) फा स्त्री –प्रार्थना, निवेदन, आवेदन, अर्ज़।
गुज़ारिशनाम (گزارش نامہ) फा पु –प्रार्थनापत्र, आवेदन-पत्र, दर्ख्वास्त।
गुज़ारिशपिज़ीर (گزارش پزیر) फा वि –प्रार्थना स्वीकार करनेवाला, बात सुनकर उसे माननेवाला।
गुज़ारिशात (گزارشات) फा स्त्री –'गुज़ारिश' का बहु, प्रार्थनाएँ, गुज़ारिशें, बातें।

गुज़ाश्त (گزاشته) फा वि –छोडा हुआ, त्यक्त ।
गुज़ाश्त (گزاشت) फ़ा स्त्री –छूट, त्याग ।
गुज़ाश्तनी (گزاشتنی) फा वि –छोडने योग्य, त्याज्य ।
गुज़ी (گزیں) फा प्रत्य –चुननेवाला, पसद करनेवाला, जैसे—'ख़ल्वत गुज़ी' एकातवास पसद करनेवाला ।
गुज़ीद· (گزیدہ) फा वि –चुना हुआ, छाँटा हुआ ।
गुज़ीदनी (گزیدنی) फा वि –चुनने योग्य, छाँटने योग्य ।
गुज़ीर· (گزیرہ) फा पु –उपचार, चिकित्सा, इलाज, उपाय, प्रयत्न, तद्‌बीर ।
गुज़ीर (گزیر) अ पु –चिकित्सा, इलाज, प्रयत्न, उपाय, चारा ।
गुज़ीरी (گزیری) फा स्त्री –चिकित्सा, उपचार इलाज ।
गुज़ूज़ः (غضوضہ) अ पु –नवीनता, नयापन, प्रफुल्लता, शिगुफ़्तगी, नया होना ।
गुज़्रूफ़ (غضروف) अ स्त्री –चपनी हड्डी, पस्लियो के सिरे, कधे की हड्डी का सिरा, हर चबाई जानेवाली हड्डी, कुर्री ।
गुतात (غطاط) अ पु –प्रात काल, सबेरा, प्रात काल की सफेदी, रात का अँधेरा ।
गुदद (غدد) अ पु –'गुद्द' का बहु, शरीर के गुद्दद, ग्रथियाँ, गिल्टियाँ ।
गुदाख़्त· (گداختہ) फा वि –पिघला हुआ, द्रवीभूत, द्रवित ।
गुदाख़्त (گداخت) फा स्त्री –दे 'गुदाख़्तगी' ।
गुदाख़्तगी (گداختگی) फा स्त्री –पिघलाव, गुदाख़्त ।
गुदाख़्तनी (گداختنی) फा वि –पिघलने योग्य, पिघलाने योग्य ।
गुदाज़ (گداز) फा पु –शरीर का मासल होना, शरीर मे खूब गोश्त होना (प्रत्य०) पिघलानेवाला, जैसे—'आहन गुदाज़' लोहे को पिघलानेवाला, 'सोज-गुदाज़' जलाकर पिघलानेवाला ।
गुदाज़ा (گدازاں) फा वि –पिघलता हुआ, पिघलाता हुआ ।
गुदाज़िंद· (گدازندہ) फा वि –पिघलनेवाला, पिघलानेवाला ।
गुदाफ़ (غداف) अ पु –काले और लबे बाल, काला कौआ, बहुत परोवाला गिद्ध ।
गुदुव (غدو) अ पु –प्रात काल, सबेरा ।
गुदूद (غدود) अ पु –शरीर के भीतर की गिल्टियाँ, ग्रथियाँ ।
गुद्दः (غدہ) अ पु –शरीर के भीतर की गिल्टी, ग्रथि ।
गुद्र (غدر) अ वि –कृतघ्न, नाशुक्रा, बेवफा ।
गुद्‌वः (غدوہ) अ पु –प्रात काल और सूर्योदय के बीच का समय ।
गुनह (گنہ) फा पु –'गुनाह' का लघु., दे 'गुनाह' ।
गुनहगार (گنہگار) फा वि –दे 'गुनाहगार' ।
गुनहगारी (گنہگاری) फा स्त्री –दे 'गुनाहगारी' ।
गुनाह (گناہ) फा पु –पाप, पातक, मासियत, दोष, अपराध, कुसूर ।
गुनाहगार (گناہگار) फा वि –पापी, पातकी, आसी, दोषी, अपराधी, कुसूरवार ।
गुनाहगारी (گناہگاری) फा स्त्री –पाप कर्म, मा'सियत, दोष करना, कुसूरवारी ।
गुनाहे कबीर (گناہِ کبیرہ) फा अ पु –बडा पाप, महापातक ।
गुनाहे सगीर· (گناہِ صغیرہ) फा अ पु –छोटा गुनाह, लघुपातक ।
गुनुज (غنج) अ पु –हावभाव, नाजोअदा ।
गुनूद (غنودہ) फा वि –जिसकी आँखो मे नीद भरी हो, ऊँघता हुआ, उन्निद्र, तद्रालु ।
गुनूदगी (غنودگی) फा स्त्री –ऊँघ, तद्रा, निद्रालस, प्रमीला ।
गुनूदनी (غنودنی) फा वि –ऊँघने के योग्य, जिसका ऊँघना आवश्यक हो ।
गुन्न (غنہ) अ पु –वह 'न' जो नाक मे पढा जाय 'अनुस्वार', वह अक्षर जिस पर अनुस्वार हो ।
गुन्यत (غنیت) अ स्त्री –धनाढ्यता, मालदारी ।
गुफार (غفار) अ पु –डाढी के दोनो ओर के बाल, गर्दन और गुद्दी के बाल, पिडली के बाल ।
गुफुर (غفر) अ पु –'गफूर' का बहु, मोक्ष देनेवाले, बख्शनेवाले ।
गुफूल (غفول) अ पु –भूलना, विस्मृति, किसी वस्तु का त्याग, निश्चेष्टता, बेखबरी ।
गुफ्तः (گفتہ) फा वि –कहा हुआ, उक्त ।
गुफ्त (گفت) फा स्त्री –कहन, कथन, बात ।
गुफ्तगू (گفتگو) फा स्त्री –बातचीत, वार्तालाप ।
गुफ्तनी (گفتنی) फा वि –कहने योग्य, जो बात कही जा सके, जिसका कहना आवश्यक हो ।
गुफ्तार (گفتار) फा स्त्री –बोली, वाणी, शब्द, आवाज, वार्तालाप, बातचीत ।
गुफ्तुगू (گفتگو) फा स्त्री –दे गुफ्तगू' दो शुद्ध है ।
गुफ्तोगू (گفت وگو) फा स्त्री –दे 'गुफ्तगू' दो शु है ।
गुफ्तोशनीद (گفت وشنید) फा स्त्री –बातचीत, गुफ्तगू, कहासुनी, वादविवाद, हुज्जत, तर्क-वितर्क ।
गुफ़्राँ (غفراں) अ पु –'गुफ़ान' का लघु , दे 'गुफ़ान' ।
गुफ़्राँमआब (غفراں مآب) अ वि –मोक्षप्राप्त, स्वर्गीय, बड़े लोगो की आत्मा के लिए बोला जाता है ।

गुफ़ान (غفران) अ पु—मोक्ष, मुक्ति, सद्‌गति, बख़्शिश, क्षमा, मुआफी।

गुफ्ल (غفل) अ वि—वह व्यक्ति जिसमे न भलाई की आशा हो, न अनिष्ट का भय हो, हर वह वस्तु जिसका कोई पता-निशान न हो, अनुभवहीन व्यक्ति, वह कवि जिसे कोई जानता न हो, वह व्यक्ति जिसका कुल अज्ञात हो।

गुब [ब्ब] (غب) अ पु—वह बाढ पर आयी हुई नदी जिसका पानी नदी से निकलकर जगलो मे बहे, नीची भूमि।

गुबार (غباره) फा पु—हवा मे उडनेवाला कागज का बडा गेद, गुब्बारा, हवाई जहाज, वायुयान, बैलून।

गुबार (غبار) अ पु—धूल, रज, धूलि, मनोमालिन्य, दिल का मैल।

गुबारआलूद (غبارآلوده) अ फा वि—धूल मे भरा हुआ, धूलिधूसर, जिस पर धूल पडी हो।

गुबारआलूद (غبارآلود) अ फा वि—दे 'गुबारआलूद'।

गुबारे ख़ातर (غبارخاطر) अ पु—मन की मलिनता, दिल का मैल, दिल का बुखार, मन की भडास, मनोमालिन्य, रजिश।

गुबूर (غبور) अ पु—बाकी रहना, शेष बचना, विलब करना, देर करना, छोड देना, क्षमा करना, आगमन, आना।

गुबैस (غبيس) अ अव्य—कदापि, हरगिज, नित्य, हमेशा।

गुब्बार (غباره) फा पु—दे 'गुबार'।

गुम (گم) फा वि—खोया हुआ, भटका हुआ, तल्लीन, मुन्हमिक, अचेत, गाफिल, आत्मविस्मृत, खुदरफ्त।

गुमकर्द (گم کرده) फा वि—खोया हुआ, जो खो गया हो, जिसने खो दिया हो, भूला हुआ।

गुमकर्द राह (گم کرده راه) फा वि—जो राह भूल गया हो, जो रास्ते से भटक गया हो, पथ-भ्रष्ट।

गुमगश्त (گم گشته) फा वि—खोया हुआ, जो खो गया हो, "लाओ देखे कही मेरा दिले गुमगश्त न हो, आप कहते है कि इक चीज पडी पायी है।"

गुमगश्तगी (گم گشتگی) फा स्त्री—खो जाना, रस्ता भूल जाना।

गुमज़द (گم زده) फा वि—दे 'गुमराह'।

गुमज़न (گم زن) फा वि—नष्ट और ध्वस्त करनेवाला, मृदुल, नाजुक।

गुमनाम (گمنام) फा वि—जिसे कोई न जानता हो, अज्ञात, अप्रसिद्ध, जिसका नाम न मालूम हो, अज्ञातनाम।

गुमनामी (گمنامی) फा स्त्री—शोहरत न होना, अख्याति।

गुमबूदगी (گم بودگی) अ स्त्री—दु खित होना।

गुमराह (گمراه) फा वि—जो मार्ग भूल गया हो, रास्ते से भटका हुआ, मार्ग-भ्रष्ट, नास्तिक, लामजहब, कदाचारी, बदचलन।

गुमराहकुन (گمراه کن) फा वि—बदगुमानी पैदा करनेवाला, भ्रमात्मक, गुनाह की ओर प्रवृत्ति करनेवाला।

गुमराही (گمراهی) फा स्त्री—मार्ग भूलना, नास्तिकता, लामज़्हबीयत, गुनाह की ओर प्रवृत्ति।

गुमशुद (گم شده) फा वि—खोया हुआ, खोई हुई वस्तु।

गुमशुदगी (گم شدگی) फा स्त्री—खो जाना, कही रह जाना, रास्ता भूल जाना।

गुमशुदनी (گم شدنی) फा वि—खोने योग्य।

गुमाँ (گماں) फा पु—'गुमान' का लघु, दे 'गुमान'।

गुमाँबरी (گماں بری) फा स्त्री—शका करना, शुबह करना, बदगुमानी करना।

गुमान (گمان) फा पु—शका, शुबह, शक, भ्रम, वह्म, बदगुमानी, कुधारणा।

गुमाने कवी (گمان قوی) फा अ पु—ऐसा शुबहा जो यकीन के दर्जे तक पहुँच जाय।

गुमाने ग़ालिब (گمان غالب) फा अ पु—दे 'गुमाने कवी'।

गुमाने बद (گمان بد) फा पु—किसी की ओर से बुरा विचार, कुधारणा।

गुमाने सहीह (گمان صحيح) फा अ पु—ऐसा गुमान जो ठीक साबित हो।

गुमाम (غمام) अ पु—जुकाम, प्रतिश्याय, प्रतिश्यान।

गुमार (غمار) अ पु—आधिक्य, प्राचुर्य, बहुतायत, जनसमूह, जमाव।

गुमारिंद (گمارنده) फा वि—नियुक्त करनेवाला, मुकर्रर करनेवाला।

गुमार्दनी (گماردنی) फा वि—नियुक्ति के योग्य, तकर्रुर के काबिल।

गुमाश्त (گماشته) फा वि—नियुक्त किया हुआ, प्रतिनिधि, नुमाइद, कारकुन, एजेट, अभिकर्ता।

गुमाश्तगी (گماشتگی) फा स्त्री—नियुक्ति, तकर्रुर, एजेटी, कारिंदागीरी।

गुमाश्तनी (گماشتنی) फा वि—नियुक्त करने योग्य, मुकर्रर करने के लायक।

गुमूज़ (غموض) अ पु—भूमि का नीचा और गढेदार होना, बात का गुप्त और समय से बाहर होना।

गुमूज़त (غموضت) अ स्त्री—बात का समझ से परे होना, गुप्त होना, छिपना, भूमि का नीचा होना।

गुमूम (غموم) अ पु—'गम' का बहु, खेद और शोक, छोटे तारे जो दिखाई न पडे।

गुम्ज: (غسمه) अ पु–जूठा पानी, पिया हुआ पानी, पिये हुए पानी का घूंट।

गुम्दान (غمدان) अ पु–यमन का अद्भुत और विचित्र भवन, ससार, दुनिया।

गुम्म. (غمه) अ पु–नदी की तह, हर चीज की तह, गुप्त काम, खेद, गम।

गुम्रक (گمرک) फा पु–चुगी, कस्टम।

गुम्रकखान. (گمرک خانه) फा पु–चुगीघर, कस्टम हाउस।

गुर[रं] (غر) अ पु–'अगर' का बहु, श्रेष्ठ लोग, प्रसिद्ध लोग, माथे की सफेदियाँ।

गुर (غر) फा पु–बढा हुआ अडकोष, गले का घेघा।

गुरफ़ (غرف) अ पु–'गुर्फ़' का बहु, झरोखे।

गुरबा (غربا) अ पु–'गरीब' का बहु, गरीब लोग, दरिद्र और दीन लोग, परदेसी लोग।

गुरबापर्वर (غربا پرور) अ फा वि–दीन और दुखियो पर दया करनेवाला।

गुरमा (غرما) अ पु–'गरीम' का बहु, ऋणी, कर्जदार लोग, ऋणदाता, कर्जख्वाह लोग, जिन्हे टोटा आया हो, वे लोग।

गुरर (غرر) अ पु–'गुर्र' का बहु, महीने की पहली तारीखे, जाति के सर्वश्रेष्ठ लोग, लौंडी गुलाम।

गुरस्न: (گرسنه) फा वि–भूखा, क्षुधातुर, क्षुधित, दे 'गुस्न' और 'गुसस्न'।

गुरस्न.चश्म (گرسنه چشم) फा वि–लोलुप, लालची, कृपण, कजूस, भिक्षुक, भिखारी।

गुरस्न चश्मी (گرسنه چشمی) फा स्त्री–लालच, कजूसी, भिखमगापन।

गुराज (گراز) फा पु–शूकर, सुअर (वि) अत्याचारी, जालिम, शूर, वीर, बहादुर।

गुराब (غراب) अ पु–कौआ, काक, काग।

गुराबुलबैन (غراب البین) अ पु–वह अशुभ भाषी कौआ जिसके बोलने पर घर के व्यक्ति अथवा मित्र लोग अलग-अलग हो जाते है।

गुरास (گراس) फा पु–कवल, ग्रास, निवाला।

गुरिज (گرنج) फा पु–धान से निकला हुआ चावल, तडुल।

गुरिश (غرس) फा स्त्री–दे 'गुरिश'।

गुरुफ़ात (غرفات) अ पु–'गुर्फ़' का बहु, झरोखे।

गुरुब (غرب) अ वि–अद्भुत, अभूतपूर्व, अजीबोगरीब।

गुरुस्न (گرسنه) फा वि–भूखा, क्षुधित, दे 'गुरस्न, गुर्स्न'।

गुरूब (غروب) अ पु–डूबना, किसी तारे का विशेषत सूरज का डूबना, अस्त होना।

गुरूर (غرور) अ. पु–अभिमान, अहकार, गर्व, घमड; शेखी, अहवाद।

गुरेख्त. (گریخته) फा वि–भागा हुआ, पलायित।

गुरेख्तगी (گریختگی) फा स्त्री–भगोडापन, पलायन।

गुरेख्तनी (گریختنی) फा वि–भागने योग्य।

गुरेज (گریز) फा पु–बचाव, उपेक्षा, बेए'तिनाई, घृणा, नफ़रत, कसीदे मे अनुष्ठान को प्रशस्य (मम्दूह) के गुण-गाथा की ओर मोड देने का अलकार।

गुरेजपा (گریزپا) फा वि–जो बहुत भाग जाता हो, भगोडा, वह नौकर जो बार-बार भाग जाता हो।

गुरेजपाई (گریزپائی) फा स्त्री–भगोडापन, बार-बार भागने की क्रिया।

गुरेजाँ (گریزاں) फा वि–भागता हुआ, भाग कर जाता हुआ, बचकर निकल जानेवाला, पास न आनेवाला।

गुरेजिंद (گریزنده) फा वि–भागनेवाला, पलायन-कर्ता, बचनेवाला, परहेज करनेवाला, उपेक्षक।

गुरेजी (گریزی) फा स्त्री–बुद्धिमत्ता, चतुराई, धूर्तता, मक्कारी।

गुरेजीद (گریزیده) फा वि–भागा हुआ, पलायित।

गुरोह (گروه) फा पु–समुदाय, जमाअत, दल, पार्टी, जनसमूह, हुजूम, झुड, गोल, हिन्दी मे 'गिरोह' प्रचलित।

गुरोह दर गुरोह (گروه در گروه) फा वि–झुड के झुड, गोल के गोल, अर्थात् बहुत अधिक (मनुष्य)।

गुरोहबद (گروه بند) फा वि–गुटबद, पार्टीबद, दलबद, प्रचलित 'गिरोहबद'।

गुरोहबदी (گروه بندی) फा स्त्री–दलबदी, गुटबदी, पार्टीबदी, प्रचलित 'गिरोहबदी'।

गुर्ग (گرگ) फा पु–भेडिया, वृक।

गुर्गजाद: (گرگ زاده) फा पु–भेडिये का बच्चा, वृक-शावक, राल पुरुष का पुत्र।

गुर्गीन. (گرگینه) फा पु–पोस्तीन, बालोदार खाल का कोट।

गुर्गुन (گرگن) फा पु–हरा अन्न जो भुना हो, चबेना, होरहा।

गुर्गेबगल (گرگ بغل) फा पु–बगल मे रहनेवाला भेडिया, बगली दुश्मन, आस्तीन का साँप।

गुर्गेबारादीद (گرگ باراں دیده) फा पु–वह भेडिया जिसने बहुत-सी बरसाते देखी हो, बहुत ही धूर्त व्यक्ति, बहुत ही अनुभवी मनुष्य।

गुर्ज़ (گرزه) फा पु–साँप का बडा और फैला हुआ फन (वि) भयानक, खौफनाक।

गुर्ज (گرز) फा पु–एक प्राचीन अस्त्र, गदा।

गुर्ज (گرج) फा पु–दे 'गुर्द'।

गुर्ज़बरदार (گرزبردار) फा वि—गुर्ज़ से लड़नेवाला, गुर्ज़ रखनेवाला, गदाधर।
गुर्जिस्तान (گرجستان) फा पु—जारजिया, एक प्रदेश।
गुर्जी (گرجی) फा वि—गुर्जिस्तान का निवासी।
गुर्ज़ूफ़ (عرصوف) अ स्त्री—दे 'गुज़्रूफ़', दो शु है।
गुर्द (گرد) फा पु—एक देश, मल्ल, पहलवान, योद्धा, बहादुर।
गुर्नोक़ (عرنیق) अ पु—कुलग पक्षी, गोरा चट्टा और मृदुलाग युवक।
गुर्नूक़ (عرنوق) अ पु—दे गुर्नोक़, घुंघरवाले बाल, गुंधी हुई चोटी।
गुर्पुज (گرپز) फा वि—दे 'गुबुंज'।
गुर्फ़ः (عرفه) अ पु—झरोखा, गवाक्ष, वातायन, अट्टालिका, बालाखाना।
गुर्फ़ःनशीं (غرفه‌نشیں) अ फा वि—झरोखे में बैठनेवाला (वाली)।
गुर्फ़ात (عرفات) अ पु—'गुर्फ़' का बहु, झरोखे।
गुर्बः (گربه) फा स्त्री—बिल्ली, मार्जारी।
गुर्बःगूँ (گربه‌گوں) फा वि—धूर्त, मक्कार, छली, वचक।
गुर्बःचश्म (گربه‌چشم) फा वि—दुःशील, बेमुरव्वत।
गुर्बएमिस्कीं (گربهٔ‌مسکیں) अ फा स्त्री—वह व्यक्ति जो देखने मे बहुत सीधा सादा हो, परतु बहुत ही धूर्त और चालाक हो।
गुर्बत (عربت) अ स्त्री—परदेशी होना, परदेश, बेवतनी, दरिद्रता, कगाली।
गुर्बतज़द (عربت‌زده) अ फा वि—घरबार छोडकर परदेश मे पडा हुआ, प्रवासी, निर्धन, कगाल।
गुर्बत ज़दगी (عربت‌زدگی) अ फा स्त्री—बेवतनी, परदेस में होना, निर्धनता, कगाली।
गुर्बतवीद (عربت‌دیده) अ फा वि—दे 'गुर्बतज़द'।
गुर्बुज (گربز) फा वि—छली, वचक, ठगिया, मक्कार।
गुर्बुज़ी (گربزی) फा स्त्री—छल, वचकता, ठगई, मक्कारी।
गुर्म (عرم) अ पु—तावान, दड।
गुर्म (عرم) फा स्त्री—पहाडी बकरी।
गुर्म (کرم) फा पु—दुःख, रज, खेद, सताप, गम, कष्ट, तक्लीफ़, मनस्ताप, दिलगीरी, इद्रधनुष।
गुर्र (عره) अ पु—चाँद के महीने की पहली तारीख, जो हिंदी हिसाब से कृष्णपक्ष की तृतीया होती है, घोडे के माथे की सफ़ेदी, हर वह वस्तु जो उत्तम हो, दास अथवा दासी।
गुर्रएशव्वाल (عرهٔ‌شوال) अ पु—शव्वाल महीने की पहली तारीख, अर्थात् ईद का दिन।
गुर्रिश (عرش) फा स्त्री—गुर्राहट, गर्जन, आतक, भय, हैबत।
गुर्स (گرس) फा स्त्री—भूख, क्षुधा, प्यास, पिपासा।
गुर्सन (گرسنه) फा वि—भूखा, क्षुधातुर, दे 'गुरस्न' और 'गुरुस्न', तीनो शुद्ध है।
गुर्सन चश्म (گرسنه‌چشم) फा वि—लालची, हरीस, कृपण, कजूस, भिक्षुक, फकीर।
गुर्सनःचश्मी (گرسنه‌چشمی) फा स्त्री—लोभ, लालच, कृपणता, कजूसपन, भिखमगापन।
गुर्सनगी (گرسنگی) फा स्त्री—भूख, क्षुधा, बुभुक्षा।
गुल [ल्ल] (عل) अ पु—लोहे का तौक जो क़ैदियो के गले में पडता है, प्यासा, सतृष्ण, प्यास की तीव्रता, मनस्ताप, हृदय की जलन।
गुल (عل) फा पु—कोलाहल, शोर, चीख, पुकार।
गुल (گل) फा पु—फूल, पुष्प, सुमन, गुलाब का फूल, चिराग़ का गुल, आँख की फूली।
गुलअंदाम (گل‌اندام) फा वि—फूल-जैसे कोमल, मृदुल, सुकुमार और सुगधित शरीरवाला (वाली), पुष्पागी, पुष्पागना।
गुलअफ़शा (گل‌افشاں) फा वि—फूल बरसानेवाला, पुष्प-वर्ष, जिससे फूल झडते है।
गुलअफ़शानी (گل‌افشانی) फा स्त्री—फूल बरसाना, फूल बरसना, मज़ेदार बातें।
गुलइज़ार (عل‌عزار) फा अ वि—गुलाब-जैसे सुकुमार और कोमल गालोवाला (वाली)।
गुलक़द (گلقند) फा पु—गुलाब के फूल और खाँट के मिश्रण से बनी हुई एक औषध।
गुलकद (گل‌کده) फा पु—वह घर जहाँ फूल ही फूल हो, पुष्पागार, कुसुमालय।
गुलकार (گلکار) फा वि—बेल-बूटे बनानेवाला।
गुलकारी (گلکاری) फा स्त्री—बेल-बूटे बनाने का काम, बेल-बूटे, नक्शोनिगार।
गुलख़न (گلخن) फा पु—भाड, भट्ठी, चूल्हा।
गुलख़ाल (گل‌خال) फा वि—चितकबरा, दागोवाला, चित्तेदार।
गुलगश्त (گل‌گشت) फा पु—बाग की सैर, सैर का स्थान, क्रीडास्थल।
गुलगीर (گل‌گیر) फा पु—चिराग या शमा का गुल कतरने की कैंची।
गुलग़ुल (غلغله) अ पु—शोर, कोलाहल, हर्षध्वनि, खुशी का शोर।

गुलगूँ (گلگوں) फा वि–गुलाब-जैसे रगवाला, लाल रग का घोडा, गौरी के घोडे का नाम।

गुलगूनः (گلگونہ) फा पु–मुँह पर मलने का सुगधित और गुलाबी पाउडर।

गुलची (گل چیں) फा वि–फूल चुननेवाला, पुष्पचायी, माली, मालाकार।

गुलचीनी (گل چینی) फा स्त्री–फूल बीनना, माली का काम।

गुलचेहर. (گل چہرہ) फा वि–दे 'गुलरुख'।

गुलजमी (گل زمیں) फा स्त्री–ऐसा स्थान जहाँ फूल बहुत पैदा होते हो, पुष्पवन, पुष्पोद्यान, फूलो से लदी हुई ज़मीन।

गुलज़ार (گلزار) फा पु–उद्यान, आराम, वाटिका, बाग, वह स्थान जहाँ खूब चहल-पहल और रौनक हो।

गुलदस्त (گل دستہ) फा पु–फूलो का गुच्छा, रग-बिरगी फूलो का मुट्ठा, पुष्पस्तवक,, पत्रिका, रिसाल ।

गुलदान (گلدان) फा पु–गुलदस्ता सजाने का पात्र।

गुलनार (گل نار) फा पु–अनार का फूल, गुले अनार, अनार की एक जाति, जिसमे फल नही आता और जिसके फूल का दवा में प्रयोग होता है।

गुलपाश (گلپاش) फा वि–फूलो की वर्षा करनेवाला, पुष्पवर्षक।

गुलपाशी (گل پاشی) फा स्त्री–फूलो की वर्षा।

गुलपैरहन (گل پیرھن) फा वि–गुलाबी कपडे पहनने वाला (वाली), गुलाब के फूल-जैसे रगीन, कोमल और सुगधित कपडे पहननेवाली नायिका।

गुलपैरहनी (گل پیرھنی) फा स्त्री–फूलो-जैसे रगीन और सुगधित कपडे पहनने का भाव।

गुलपोश (گل پوش) फा वि–फूलो से ढका हुआ, फूलो से मढा हुआ, फूलो से लदा हुआ।

गुलपोशी (گل پوشی) फा स्त्री–फूलो से ढका होना।

गुलफाम (گل فام) फा वि–दे 'गुलअदाम'।

गुलफिशा (گل فشاں) फा वि–फूल बरसानेवाला, (स्त्री) फुलझडी, एक प्रसिद्ध आतशबाजी।

गुलफिशानी (گل فشانی) फा स्त्री–फूल बरसाना।

गुलबदन (گل بدن) फा वि–फूल-जैसे कोमल और मृदुल अगोवाला (वाली) (पु) एक रेशमी कपडा।

गुलबदनी (گل بدنی) फा स्त्री–फूल-जैसे कोमल मृदुल और सुगधित शरीर का होना।

गुलबर्ग (گل برگ) फा पु–फूल का पत्ता, पुष्पदल।

गुलबाग (گل بانگ) फा स्त्री–वह शोर जो किसी के व्याह-शादी आदि के अवसर पर होता है, हर्षध्वनि; बुलबुल आदि मधुरस्वर पक्षियो की चहचहाहट।

गुलबाज़ी (گل بازی) फा स्त्री–एक दूसरे की ओर फूल फेंकने का खेल, पुष्पक्रीडा।

गुलबुन (گلبن) फा पु–गुलाब का वृक्ष।

गुलमेख (گل میخ) फा स्त्री–फुल्लीदार बडी कील जो किवाडो आदि मे लगती है।

गुलरग (گل رنگ) फा वि–गुलाब के फूल-जैसे गुलाबी रगवाली वस्तु।

गुलरुख (گل رخ) फा वि–फूल-जैसे सुदर, सुकोमल और सुकुमार मुखवाली नायिका, पुष्पमुखी।

गुलरुखसार (گل رخسار) फा वि–गुलाब के फूल-जैसे सुदर कपोलोवाली नायिका, पुष्पकपोला।

गुलरू (گلرو) फा वि–दे 'गुलरुख'।

गुलरेज़ (گل ریز) फा वि–जिससे फूल झडते हो (स्त्री) एक आतशबाज़ी, फुलझडी।

गुलल (غلل) अ पु–'गलील' का बहु, प्यासे।

गुलशकर (گل شکر) फा पु–दे 'गुलकद'।

गुलशन (گلشن) फा पु–उद्यान, वाटिका, बाग।

गुलशन आरा (گلشن آرا) फा वि–उद्यानपाल, माली; बाग को सजाने और सँवारनेवाला।

गुलाज़ (غلاظ) अ वि–मोटा, दलदार, कडा, कठोर, सख्त।

गुलात (غلات) अ पु–'गाली' का बहु, अति करनेवाले, किसी विषय मे बहुत अधिक अति करनेवाले।

गुलाब (گلاب) फा पु–एक प्रसिद्ध फूल, गुल, गुलाब-जल, गुलाब का अरक।

गुलाबपाश (گلاب پاش) फा पु–सभा आदि मे गुलाबजल छिड़कने का यत्र।

गुलाबी (گلابی) फा वि–गुलाब-जैसे रगवाली वस्तु, हलका लाल (स्त्री) शराब की रगीन काँच की सुराही।

गुलाम (غلام) अ पुं–लडका, बालक, दास, खादिम, पराधीन, महकूम।

गुलामगर्दिश (غلام گردش) अ फा स्त्री–कोठी या मकान के चारो ओर का बरामदा।

गुलामचापार (غلام چاپار) अ फा पु–डाकिया, पोस्टमैन, चिट्ठीरसाँ।

गुलामज़ाद. (غلام زادہ) अ फा पु–दासी-पुत्र, लौंडी-बच्चा, विनय प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने पुत्र के लिए भी कहता है।

गुलामानः (غلامانہ) अ फा वि–गुलामो-जैसा, दासोचित।

गुलामी (غلامی) अ स्त्री—दासता, बदगी, पराधीनता, महकूमी।

गुलाल (غلالہ) फा स्त्री—प्रेयसी की अलक, मा'शूका की जुल्फ।

गुलिस्ताँ (گلستاں) फा पु—'गुलिस्तान' का लघु, दे 'गुलिस्तान'।

गुलिस्ताँजाद (گلستاں زادہ) फा पु—पुष्प, फूल, बाग की घास, सब्जा, दासी-पुत्र, लौंडी-बच्चा।

गुलिस्तान (گلستان) फा पु—उद्यान, बाग, वाटिका, आराम।

गुलुफ (غلف) अ पु—'गिलाफ' का बहु, बहुत से गिलाफ अथवा कोष।

गुलुव (غلو) अ पु—दे 'गुलू'।

गुलू (گلو) फा पु—कठ, गला, हुल्कूम।

गुलू (غلو) अ पु—पूरा हाथ उठाना, जनसमूह, भीड, अति करना, हद से गुजर जाना, ऐसी अत्युक्ति जो न बुद्धि के अनुसार ठीक हो न प्राकृतिक हो।

गुलूखलासी (گلوخلاصی) फा स्त्री—बधनमक्ति, छुटकारा, किसी जजाल से छुटकारा।

गुलूगीर (گلوگیر) फा वि—गला पकडनेवाला (वाली), आवाज़ रुँधा देनेवाला (वाली)।

गुलूबद (گلوبند) फा पु—गले का एक आभूषण, गले और कानो मे लपेटने का मफलर।

गुलूबस्त (گلوبستہ) फा वि—जिसका स्वर बैठ गया हो।

गुलूबुरीद (گلوبریدہ) फा वि—जिसका गला कट गया हो, छिन्नग्रीव, वधित।

गुलूल (غلولہ) अ पु—जनसमूह, हुजूम, आवेग, जोश।

गुलूल (گلولہ) फा पु—गुलेल का गुल्ला, बदूक की गोली, दवा की गोली।

गुलूल (غلول) अ पु—वृक्षो के बीच मे बहता हुआ पानी, गनीमत के माल मे खियानत।

गुलूसोज़ (گلوسوز) फा वि—अति सुदर, बहुत अच्छा, बहुत मीठा, चरपरी वस्तु।

गुले अब्बास (گل عباس) फा अ पु—एक प्रसिद्ध फूल और उसका पेड, गुलाबाँस।

गुले आतशीं (گل آتشیں) फा पु—सदा गुलाब, गुलाब की एक जाति जो सदा फूलती है।

गुले आफ्ताबपरस्त (گل آفتاب پرست) फा पु—सूरजमुखी का फूल।

गुले कागजी (گل کاغذی) फा अ पु—कागज के फूल जो सजावट के काम आते है, दिखावे की वस्तु।

गुले खदाँ (گل خنداں) फा पु—खिला हुआ फूल।

गुले खुदरो (گل خودرو) फा पु—जो फूल बोया न गया हो बल्कि अपने आप उगा हो।

गुले चश्म (گل چشم) फा पु—आँख की फुल्ली, टेंट।

गुले जा'फरी (گل جعفری) फा अ पु—एक पीले रग का फूल।

गुले तुर्रः (گل طرہ) फा पु—मुर्गकेस, एक प्रसिद्ध फूल।

गुले दाऊदी (گل داؤدی) फा अ पु—एक प्रसिद्ध फूल।

गुले नाफर्मां (گل نافرماں) फा पु—एक फूल।

गुले नाशिगुफ्त (گل ناشگفتہ) फा पु—बिन खिला फूल, कली, गुंच, मुकुल, कुँवारी स्त्री, कुमारी, दोशीज़ा।

गुले पलास (گل پلاس) फा पु—टेसू का फूल, ढाक का फूल, 'पलाश' सस्कृत मे भी टेसू को कहते है, सस्कृत और फारसी के प्राचीन सम्बन्ध का परिचायक है।

गुले पियाद (گل پیادہ) फा पु—हर वह फूल जिसकी पियाली छोटी हो, अपने आप उगनेवाला फूल।

गुले बेगान. (گل بیگانہ) फा पु—दे 'गुले खुद रो'।

गुले यासमन (گل یاسمن) फा पु—चमेली का फूल, नवमल्लिका, मालती।

गुले यासमीन (گل یاسمین) फा पु—दे 'गुलेयासमन'।

गुले राना (گل رعنا) फा पु—एक दोरगा फूल जो अदर लाल और बाहर पीला होता है।

गुले लाल (گل لالہ) फा पु—एक मशहूर फूल जो बहुत प्रकार का होता है, विशेषत लाल रग का, पोस्ते का फूल, गुले खशखाश।

गुले वर्द (گل ورد) फा अ पु—गुलाब का फूल।

गुले शबअफ्रोज़ (گل شب افروز) फा पु—रात की रानी, एक प्रसिद्ध फूल, रजनीगधा।

गुले शब बो (گل شب بو) फा पुं—एक प्रसिद्ध फूल, सुगधरा, (गुल=फूल+शब=रात+बो=बू) रजनीगधा की एक जाति।

गुले शम्अ (گل شمع) फा अ पु—चिराग या मोमबत्ती का गुल।

गुले सद बर्ग (گل صد برگ) फा पु—सौ पखडियो वाला फूल, गुलाब, गुलनार, गेंदा, (विशेषत गेदे के लिए बोलते है)

गुले सर सबद (گل سرسبد) फा पु—वह फूल जो माली की टोकरी मे सबसे ऊपर रहता और सारी टोकरी मे सबसे बडा और सुगधित होता है, वह व्यक्ति जो सर्वश्रेष्ठ और सर्वोत्तम हो।

गुले सुर्ख (گل سرخ) फा पु—गुलाब का फूल।

गुले सूरी (گل سوری) फा पु—एक प्रकार का गुलाब।

गुले सौसन (گل سوسن) फा पु –एक प्रसिद्ध आसमानी रग का फूल, जिसकी पखडी जवान की तरह होती है—"सौसन ने चमन मे ज़ुबान खोली"।

गुले हज़ार. (گل هزاره) फा पु –हजारे का फूल।

गुलैम (غليم) अ पु –छोटा लडका, बहुत प्यारा और छोटा-सा बालक।

गुल्ज़त (غلظت) अ स्त्री –दे 'गिल्ज़त', दो गु हैं।

गुल्फ़ (غلف) अ पु –'गिलाफ़' का वहु, तकिये के गिलाफ, तलवार आदि के कोष।

गुल्म (غلمه) अ पु –कामातुर होना, तेज़ शहवत होना, कामातुरता, शहवत की तेजी।

गुल्ल (غله) अ पु –प्यास, पिपासा, हृदय की जलन, दिल की सोजिश, जिरिह के नीचे पहनने का कुर्ता आदि।

गुवा (گوا) फा पु –'गुवाह' का लघु, दे 'गुवाह'।

गुवार (گوار) फा वि –दे 'गुवारा'।

गुवारा (گوارا) फा वि –शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू मे 'गवारा' बोलते हैं, दे 'गवारा'।

गुवारिंद. (گوارنده) फा वि –अच्छा लगनेवाला, गवारा होनेवाला, शीघ्र पच जानेवाला।

गुवारिश (گوارش) फा स्त्री –अच्छा लगने का भाव, हज़्म होने का भाव, पचन, सुस्वाद होने का भाव, खुश-मजगी।

गुवारीदः (گواریده) फा वि –जो रुचिकर हो चुका हो, जो पच चुका हो।

गुवारीदनी (گواریدنی) फा वि –रुचिकर होने योग्य, पचने योग्य।

गुवार्दनी (گواردنی) फा वि –दे 'गुवारीदनी'।

गुवास (غوات) अ पु –फर्याद, दुहाई, न्याय-याचना, फर्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता।

गुवाह (گواه) फा पु –साक्षी, गवाह, शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दूवाले 'गवाह' बोलते हैं और यही प्रचलित है।

गुश [श्श] (غش) अ. वि –खियानत करनेवाला, मोषक, अशुभ-चितक, बदख्वाह, जिसके मन मे कुछ और मुँह पर कुछ हो।

गुशाव (غشاوه) अ पु –दे 'गिशाव'।

गुश्नी (گشنی) फा स्त्री –मैथुन, सभोग, विषय, प्रसग।

गुस [स्स] (غس) वि –अशक्त, कमजोर, दुष्टात्मा, खवीस, अधम, नीच, कमीना।

गुसन (غسن) अ पु –'गुस्न' का वहु, अशक्त जन, कमज़ोर लोग।

गुसस (غصص) अ पु –'गुस्स.' का वहु, 'गुस्से'।

गुसार (گسار) फा प्रत्य –खानेवाला, जैसे—'मयगुसार' शराब पीनेवाला, 'गमगुसार' गम खानेवाला।

गुसारिंद. (گسارنده) फा वि –खानेवाला, भक्षक, छोड़ने-वाला, त्यागी।

गुसार्द· (گسارده) फा वि –छोडा हुआ, खाया हुआ।

गुसाल (غساله) अ पु –जिस पानी से स्नान किया गया हो, धोवन।

गुसुल (غسل) अ पु –सारा शरीर धोना, नहाना, स्नान करना, गुस्ल, नखशिख-मार्जन।

गुसून (غصون) अ पु –'गुस्न' का वहु, शाखाएँ, शाखे, डालिया।

गुसूस (غثوثه) अ पु –दुर्वल होना, दुवला होना।

गुस्तर (گستر) फा प्रत्य –विछानेवाला, फैलानेवाला, जैसे 'करमगुस्तर' यश का फैलानेवाला, कृपा विस्तारक।

गुस्तरिंद· (گسترنده) फा वि –विछानेवाला, फैलानेवाला।

गुस्तर्द (گسترده) फा वि –विछाया हुआ, फैलाया हुआ।

गुस्तर्दनी (گستردنی) फा वि –विछाने योग्य, फैलाने योग्य।

गुस्ताख (گستاخ) फा वि –धृष्ट, ढीठ, दु साहसी, वेवाक, अशिष्ट, बदतमीज़।

गुस्ताखतबअ (گستاخ طبع) फा अ वि –फक्कड, मुँहफट, मुखर।

गुस्ताखदस्त (گستاخ دست) फा वि –चालाक, चतुर, तेज़, होशयार, किसी ऐसे काम के लिए हाथ बढानेवाला जो उसके साहस से परे हो, गुस्ताखी के साथ किसी की ओर हाथ बढानेवाला।

गुस्ताखान. (گستاخانه) फा वि –गुस्ताखो-जैसा, धृष्टता-पूर्वक।

गुस्ताखी (گستاخی) फा स्त्री –धृष्टता, ढीठपन, दु साहस, बेबाकी, अशिष्टता, बदतमीजी।

गुस्न (غسن) अ वि –अशक्त, निर्बल, नाताकत।

गुस्न (غصن) अ पु –शाखा, शाख, डाली।

गुस्र (غسر) अ वि अधम, नीच, कमीना।

गुस्ल (غسل) अ पु –स्नान, नहाना, धोना, माँजना।

गुस्लखान. (غسل خانه) अ फा पु –नहाने का स्थान, स्नानागार, स्नानगृह।

गुस्ले मय्यित (غسل میت) अ पु –शव का स्नान, मुर्दे को नहलाना, मृतकस्नान।

गुस्ले सेहत (غسل صحت) अ पु –वह स्नान जो रोग-मुक्ति पर किया जाता है, आरोग्य-स्नान।

गुस्सः (غصه) अ पु –क्रोध, कोप, प्रकोप, गजव, द्वेष, वुग्ज़।

गुस्स वर (غصہ ور) अ फा वि—जिसके स्वभाव मे क्रोध अधिक हो, क्रोधी।
गुहर (گہر) फा पु—'गौहर' का लघु, मुक्ता, मोती।
गुहरअफ्शा (گہرافشاں) फा वि—दे 'गौहरअफ्शा'।
गुहरअफ्शानी (گہرافشانی) फा स्त्री—दे 'गौहरअफ्शानी'।
गुहरबार (گہربار) फा वि—दे 'गौहरबार', मुक्तावर्षक, 'चश्मे गुहरबार' रोती आँख,—"दामन पे तेरे गैर के माथे का पसीना, और वह भी मेरी चश्मे गुहरबार के आगे।"
गुहरबारी (گہرباری) फा स्त्री—दे 'गौहरबारी'।
गुहररेज़ (گہرریز) फा वि—दे 'गौहररेज़'।
गुहररेज़ी (گہرریزی) फा स्त्री—दे 'गौहररेज़ी'।
गुहरशनास (گہرشناس) फा वि—दे 'गौहरशनास', मोती चुनने या परखनेवाला, विज्ञ पुरुष।
गुहरशनासी (گہرشناسی) फा स्त्री—दे 'गौहरशनासी'।

गू

गूँ (گوں) फा प्रत्य—रगवाला, जैसे—'नीलगूँ' नीले रग वाला, 'गुलगूँ' गुलाब के फूल के रगवाला।
गू (گو) फा पु—गेंद, कदुक, लडको के खेलने का गेद, पोलो खेलने का गेद।
ग़ूक (غوک) फा पु—मेढक, दुर्दुर, मडूक, दादुर।
गूगिर्द (گوگرد) फा स्त्री—गधक।
गूगिर्दे अहमर (گوگرداحمر) फा अ स्त्री—लाल गधक जिससे रसायन बनती है, ऐसा व्यक्ति, जो सर्वगुण-सपन्न हो, और जिसका मिलना दुर्लभ हो।
गूगिर्दे सुर्ख़ (گوگردسرخ) फा स्त्री—दे 'गूगिर्दे अहमर'।
ग़ूच (غوچ) तु पु—मेढा, नर भेड जिसके सीग होते हैं।
ग़ूतः (غوطہ) अ पु—गोता, डुबकी, शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू मे प्रचलित नही है, इसके स्थान पर 'गोत' बोलते हैं।
गूदः (گودہ) तु पु—शरीर, देह।
गून (گونہ) फा पु—रग, रविश, गुना, जैसे—'दोगून' दोगुना।
गून (گون) फा पु—रग, वर्ण, रगत।
गूना (گونا) फा पु—रग, वर्ण, गाज़, मुखचूर्ण, नियम, कायदा, "एक गूना बेखुदी मुझे दिन रात चाहिए।"—ग़ालिब,
गूनागून (گوناگوں) फा वि—रगबिरगी, चित्र-विचित्र।
गूनाब (گوناب) फा पु—मुखचूर्ण, गाज़, गुलगून।
गूनिया (گونیا) फा पु—एक तिकोना यत्र जिससे राज और बढई इमारत की सीध नापते है।
ग़ूल (غول) फा पु—दे 'गोल'।
ग़ूल (غول) अ पु—भूत, प्रेत, शैतान, खवीस, राक्षस, देव, दैवी आपत्ति, बला, हर वह वस्तु जिससे बुद्धि नष्ट हो जाय।
ग़ूले बियाबाँ (غول بیاباں) अ फा पु—जगल मे फिरने वाले भूत-प्रेत, मसान, वैताल आदि।
ग़ूले बियाबानी (غول بیابانی) अ फा पु—दे 'ग़ूले बियाबाँ'।

गे

गेज (گیج) फा वि—उद्विग्न, व्यस्तमना, परेशान, अस्त-व्यस्त, तितर-बितर।
गेती (گیتی) फा स्त्री—जगत्, ससार, दुनिया।
गेतीअफ़ोज़ (گیتی افروز) फा वि—ससार को ज्योतिर्मय करनेवाला।
गेतीआरा (گیتی آرا) फा वि—ससार को सजाने और सँवारनेवाला।
गेतीनवर्द (گیتی نورد) फा वि—ससार मे फिरनेवाला, विश्वभ्रमी।
गेतीपैमा (گیتی پیما) फा वि—दे 'गेतीनवर्द', विश्व-पर्यटक।
गेसू (گیسو) फा पु—अलक, जुल्फ़, लम्बे बाल जो पीठ पर रहते है, बाल, केश।
गेसूदराज़ (گیسودراز) फा वि—जिसके बाल बहुत लबे हो।
गेसूदार (گیسودار) फा वि—लौंडी-बच्चा, दासी-पुत्र, पुच्छल तारा, दुमदार सितारा।
गेसूबुरीदः (گیسوبریدہ) फा वि—जिसके बाल कटे हो; निर्लज्ज, बेहया।
गेवः (گیوہ) फा पु—एक प्रकार का जूता, किर्मिच का जूता।
गेव (گیو) फा पु—ईरान का एक बहुत बडा योद्धा, जो गौदर्ज का पुत्र था।
गेहाँ (گیہاں) फा पु—दे 'गैहाँ', दोनो शुद्ध है, परन्तु, 'गैहाँ' अधिक मान्य है।

गै

ग़ै (غی) अ पु—निराशा, नाउम्मेदी, कुमार्गता, गुमराही, नरक मे एक स्थान।
ग़ैज़. (غیضہ) अ पु—सिंह की कछार, जगल, वन।
ग़ैज़ (غیظ) अ पु—बहुत अधिक, क्रोध, प्रकोप, भीतरी क्रोध, अमर्ष।
ग़ैज़ (غیض) अ पु—अधूरे दिनो का उत्पन्न शिशु, पृथ्वी में धँसना, भाव का मदा होना।

ग़ैज़ोग़ज़ब (غیظوغضب) अ पु—बहुत ही क्रोध और गुस्सा।

ग़ैन (غین) अ पु—अभ्र, बादल, तृष्णा, प्यास, अँधेरा, तम।

ग़ैदः (غیدہ) अ पु—तूणीर, तरकश।

ग़ैब (غیب) अ पु—परोक्ष, पीठ पीछा, परलोक, देवताओ का स्थान, नियति, भाग्य,—"काम रुकने का नही अय दिले नांदा कोई, खुद बखुद ग़ैब से हो जायेगा सामाँ कोई।"

ग़ैबत (غیبت) अ स्त्री—पीठ पीछा, परोक्ष, अतर्धान होना, लोप होना, ग़ायब होना, अनुपस्थिति, ग़ैरमौजूदगी।

ग़ैबदाँ (غیبداں) अ फा वि—जो छिपी हुई बाते जाने, अतर्यामी, जो आनेवाले समय की बाते बता दे, भविष्यवेत्ता।

ग़ैबी (غیبی) अ वि—आकाशीय, आस्मानी, दवी, खुदाई, पीठ पीछे की, परोक्ष की।

ग़ैबूबत (غیبوبت) अ स्त्री—लोप, छिपाव, दुराव, वियोग, जुदाई, अनुपस्थिति, नामौजूदगी।

ग़ैम (غیم) अ पु—बादल, अभ्र, पिपासा, प्यास, आँख की भीतरी गर्मी।

ग़ैयाफ़ (غیاف) अ वि—जिसकी डाढी बहुत लम्बी और घनी हो, रीशाईल।

ग़ैर (غیر) अ पु—अन्य, दूसरा, विभिन्न, मुख़्तलिफ़, अनात्मीय, बेगाना, विरुद्ध, खिलाफ।

ग़ैरअहम (غیراہم) अ वि—जिसका कोई महत्त्व न हो, महत्त्वहीन, साधारण, मामूली।

ग़ैरआईनी (غیرآئینی) अ फा वि—जो कानून के विरुद्ध हो, अवैध।

ग़ैरआबाद (غیرآباد) अ फा वि—जो बसा न हो, निर्जन, जो खँडहर हो, वीरान।

ग़ैरइंसानी (غیرانسانی) अ वि—जो मनुष्यो-जैसा न हो, अमानुषिक।

ग़ैरक़ानूनी (غیرقانونی) अ वि—दे 'ग़ैरआईनी'।

ग़ैरकारआमद (غیرکارآمد) अ फा वि—जो उपयोग के काबिल न हो, अनुपयुक्त, जो काम न दे, बेकार।

ग़ैरजानिबदार (غیرجانبدار) अ फा वि—जो किसी का पक्षपात न करे, तटस्थ, उदासीन।

ग़ैरजानिबदारी (غیرجانبداری) अ फा स्त्री—निष्पक्षता, अतटस्थता।

ग़ैरज़िम्मःदार (غیرذمہدار) अ फा वि—जो अपनी ज़िम्मःदारी महसूस न करे, दायित्वहीन।

ग़ैरज़िम्मःदारी (غیرذمہداری) अ फा स्त्री—ज़िम्मःदारी का एहसास न होना।

ग़ैरज़ीअक़्ल (غیرذی عقل) अ वि—जिसमें बुद्धि न हो, बुद्धिहीन, जिसमे अच्छे बुरे की तमीज़ न हो, विवेकहीन।

ग़ैरज़ीरूह (غیرذی روح) अ वि—जिसमे प्राण न हो, निर्जीव, निष्प्राण।

ग़ैरज़ीशुऊर (غیرذی شعور) अ वि—जिसमे विवेक और चेतना न हो, जड।

ग़ैरज़ुरूरी (غیرضروری) अ वि—जो आवश्यक न हो, अनावश्यक।

ग़ैरत (غیرت) अ स्त्री—लज्जा, लाज, शर्म, स्वाभिमान, खुददारी।

ग़ैरतदार (غیرتدار) अ फा वि—स्वाभिमानी, खुददार।

ग़ैरतनख़्वाहदार (غیرتنخواہدار) अ फा वि—जो वेतन के बिना काम करे, अवैतनिक।

ग़ैरतमंद (غیرتمند) अ फा वि—दे 'ग़ैरतदार'।

ग़ैरतह्ज़ीबयाफ़्त (غیرتہذیب یافتہ) अ फा वि—असभ्य, अशिष्ट, नामुहज़्ज़ब।

ग़ैरता'लीमयाफ़्त (غیرتعلیم یافتہ) अ फा वि—बे पढा-लिखा, निरक्षर, अशिष्ट, असभ्य, उजड्ड।

ग़ैरपसंदीद (غیرپسندیدہ) अ फा वि—अप्रिय, अरुचिकर, अनुचित, नामुनासिब।

ग़ैरपाएदार (غیرپائدار) अ फा वि—जो टिकाऊ न हो, अदृढ।

ग़ैरपुख़्त (غیرپختہ) अ फा वि—जो कच्चा हो (फल आदि), अपक्व, जो निश्चित न हो, ग़ैरयक़ीनी (वचन आदि), जो कच्ची ईटो का बना हो।

ग़ैरफ़सीह (غیرفصیح) अ वि—जिसे साहित्यिक जन असाधु समझे (शब्द आदि), साहित्य मे अप्रचलित या अप्रयुक्त शब्द।

ग़ैरफ़ानी (غیرفانی) अ वि—जो कभी नष्ट न हो, जो कभी न मरे, अनश्वर, शाश्वत।

ग़ैरफ़ित्री (غیرفطری) अ वि—जो प्राकृतिक न हो, अनैसर्गिक, अप्राकृतिक।

ग़ैरमक़्तूअ (غیرمقطوع) अ वि—जो कटा न हो, अविच्छिन्न, अखण्डित।

ग़ैरमकफ़ूल (غیرمکفول) अ वि—वह सपत्ति आदि जो किसी ऋण आदि मे रेहन न हो, बंधकहीन।

ग़ैरमक़्बूल (غیرمقبول) अ वि—जिसे लोग पसद न करें, अप्रिय, जो माना न जाय, अमान्य, जो मजूर न हो, अस्वीकृत।

ग़ैरमक्रूह (غیرمکروہ) अ वि—जो देखने मे कुरूप न हो, शुभदर्शन, जिसका खान-पान घृणित न हो।

ग़ैरमख़्सूस (غیرمخصوص) अ वि—जो खास न हो, साधारण, सामान्य।

ग़ैरमग़शूश (غیرمغشوش) अ वि—जिसमे मिलावट न हो, अकृत्रिम।

ग़ैरमज़्रूअ. (غیرمزروعه) अ वि—वह भूमि जो बोई-जोती न जाती हो, अकृष्य।

ग़ैरमज़्रूअ (غیرمزروع) अ वि—दे 'ग़ैरमज़्रूअ'।

ग़ैरमत्बूअ' (غیرمطبوعه) अ वि—वह पुस्तक जो प्रकाशित न हुई हो, अप्रकाशित, अमुद्रित, हस्तलिखित, पाण्डुलिपि।

ग़ैरमत्बूअ (غیرمطبوع) अ वि—जो मनोवाछित न हो, अरुचिकर, नापसदीद।

ग़ैरमत्रूक' (غیرمتروکه) अ वि—वह वस्तु जो छोडी न गयी हो, वह सपत्ति आदि जो तरीके से अलग हो।

ग़ैरमत्रूक (غیرمتروک) अ वि—वह शब्द जो साहित्य मे व्यवहृत हो, वह वस्तु जो छोडी न गयी हो, अत्याज्य।

ग़ैरमत्लूब (غیرمطلوب) अ वि—जिस वस्तु की इच्छा न हो, अवाछित, अनिच्छित।

ग़ैरमद्ऊ (غیرمدعو) अ वि—जो किसी दावत आदि मे बुलाया न गया हो, अनिमन्त्रित।

ग़ैरमद्खूल (غیرمدخوله) अ वि—वह स्त्री जो रखेली न हो, जो वस्तु दाखिल की हुई न हो।

ग़ैरमन्कूल (غیرمنقوله) अ वि—वह संपत्ति जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर न जा सके, जैसे—भूमि आदि, स्थावर, अचल।

ग़ैरमन्कूल (غیرمنقول) अ वि—जो हट न सके, जिसका स्थानान्तरण न हो सके।

ग़ैरमन्कूह. (غیرمنکوحه) अ स्त्री—वह स्त्री जिसका विवाह न हुआ हो, अविवाहिता।

ग़ैरमन्कूह (غیرمنکوح) अ पु—वह पुरुप जिसका विवाह न हुआ हो, अविवाहित।

ग़ैरमफ़्तूह (غیرمفتوح) अ वि—जो जीता न गया हो, अविजित; जो जीता न जा सके, अजेय, जो हारा न हो, अपराजित।

ग़ैरमम्नूअ (غیرممنوع) अ वि—जिसकी मनाही न हो, अनिपिद्ध, जिसका खान-पान वर्जित न हो।

ग़ैरमम्नून (غیرممنون) अकृतज्ञ, अनाभारी, नाशुक्रा, ग़ैर-मश्कूर।

ग़ैरमर्ई (غیرمرئی) अ वि—जो दिखाई न पडे, अगोचर, अदृश्य।

ग़ैरमर्ऊब (غیرمرعوب) अ वि—जो रोब मे आया न हो, जो डरा न हो, बेधडक, निर्भय।

ग़ैरमर्ग़ूब (غیرمرغوب) अ वि—जो पसदीद न हो, अप्रिय, अरुचिकर।

ग़ैरमर्तूब (غیرمرطوب) अ वि—जो शीतल न हो, जो ठडा न हो, जिसका स्वभाव शीतप्रधान न हो, जिसमे नमी या तरलता न हो।

ग़ैरमर्बूत (غیرمربوط) अ वि—जो क्रमबद्ध न हो, भग्नक्रम, असबद्ध, जो अट-शट हो (बात), बेरब्त, विशृंखल।

ग़ैरमश्कूक (غیرمشکوک) अ वि—जिसमे कोई शका न हो, असदिग्ध।

ग़ैरमश्हूर (غیرمشہور) अ वि—जो प्रसिद्ध न हो, अप्रसिद्ध, अविख्यात।

ग़ैरमस्मूम (غیرمسموم) अ वि—जो विपयुक्त न हो, जो जहरीला न हो, निर्विप।

ग़ैरमा'मूली (غیرمعمولی) अ वि—जो साधारण न हो, असाधारण, महत्वपूर्ण, अहम।

ग़ैरमा'यूब (غیرمعیوب) अ वि—जिसमे दोष न हो, दोपहीन।

ग़ैरमायूस (غیرمایوس) अ वि—जो निराश न हो, निराशाहीन, आशान्वित।

ग़ैरमा'सूम (غیرمعصوم) अ वि—जो पाप रहित न हो, पापयुक्त।

ग़ैरमाहिर (غیرماہر) अ वि—जो किसी काम का अच्छा ज्ञाता न हो, अविज्ञ।

ग़ैरमुऐयन (غیرمعین) अ वि—जो निश्चित न हो, अनिश्चित।

ग़ैरमुकम्मल (غیرمکمل) अ वि—जो अधूरा हो, अपूर्ण, नाकिस।

ग़ैरमुकर्रर (غیرمقرره) अ वि—जो मुकर्रर न हो, अनिश्चित।

ग़ैरमुकर्रर (غیرمقرر) अ वि—दे 'ग़ैरमुकर्रर'।

ग़ैरमुकर्रर (غیرمکرر) अ वि—जो दोबारा न हो, जो दोहराया न गया हो, अपरिचित, अनजान।

ग़ैरमुजज़्ज़ा (غیرمجزا) अ वि—जो अलग-अलग टुकडो मे न हो, सबद्ध, जो अध्यायो और खडो मे न हो।

ग़ैरमुजस्सम (غیرمجسم) अ वि—जिसने शरीर धारण न किया हो, जिसका कोई रूप निश्चित न हो, निराकार।

ग़ैरमुजाज (غیرمجاز) अ वि—जिसको किसी कार्य-विशेप की आज्ञा न हो, अनधिकारी।

ग़ैरमुतअल्लिक (غیرمتعلق) अ वि—जो किसी विपय विशेप से सम्बन्धित न हो, असगत, असबद्ध।

ग़ैरमुतअस्सिब (غیرمتعصب) अ वि—जिसमे धार्मिक या जातीय सकीर्णता न हो, उदाराशय, बृहच्चित्त।

ग़ैरमुतअस्सिर (غیرمتاثر) अ वि—जिसने असर न लिया हो, जो प्रभावित न हुआ हो, अप्रभावित, तटस्थ, निष्पक्ष।

गैरमुतअह्हिल (غیرمتاہل) अ वि –जिसका ब्याह न हुआ हो, और जिसके बाल-बच्चे न हो।

गैरमुतगैयिर (غیرمتغیر) अ वि –जो विगडा न हो, जो खराब न हुआ हो, अविकृत, अरूपान्तरित।

गैरमुतदय्यिन (غیرمتدین) अ वि –जिसमे दियानतदारी न हो, अविश्वस्त, सत्यानिष्ठ।

गैरमुतनाही (غیرمتناہی) अ वि –अपार, असीम, जिसकी सीमा और छोर न हो।

गैरमुतमद्दिन (غیرمتمدن) अ वि –जो सभ्य और शिष्ट न हो, असभ्य, अशिष्ट, जगली, वहशी।

गैरमुतवक्के' (غیرمتوقع) अ वि –जिसकी आशा न हो, अप्रत्याशित, जो आशा से अधिक हो, आशातीत।

गैरमुतशद्दिद (غیرمتشدد) अ वि –जो हिसा पर विश्वास न रखता हो, जो हिमक न हो, अहिसक।

गैरमुतशद्दिदान (غیرمتشددانہ) अ फा वि –जिसमे हिसा का प्रयोग न हो, शान्तिमय।

गैरमुतहक्किक (غیرمتحقق) अ वि –जिसकी जाँच-पडताल न हुई हो, जिसका निश्चय न हुआ हो, अनिश्चित, सदिग्ध।

गैरमुतहम्मिल (غیرمتحمل) अ वि –जिसमे सहनशीलता न हो, असहिष्णु।

गैरमुतहर्रिक (غیرمتحرک) जो चलता-फिरता न हो, अचल, जो अपनी जगह से हिल न सके, गतिहीन।

गैरमुदल्लल (غیرمدلل) अ वि –जिसका सुबूत न हो, अप्रमाणित, जिसके लिए कोई दलील न हो, अतर्क्य, अयुक्तिसगत।

गैरमुनज्जम (غیرمنظم) अ वि –जिमका सगठन न हो, असगठित, जो क्रमबद्ध न हो, वेतर्तीब, असबद्ध।

गैरमुनासिब (غیرمناسب) अ वि –जो उचित न हो, अनुचित, अश्लीलतापूर्ण, फोहश, उद्दडतापूर्ण, नामुहज्जव।

गैरमुम्किन (غیرممکن) अ वि –जो हो न सके, असभव, अशक्य।

गैरमुरव्वज (غیرمروج) अ वि –जिसका चलन न हो, जो प्रचलित न हो, अव्यवहृत, अप्रचलित।

गैरमुवस्सक़ (غیرموثق) अ वि –जो प्रमाणित न हो, जो निश्चित न हो, जो युक्तिसगत न हो।

गैरमुशख़्ख़स (غیرمشخص) अ वि –जिसका निदान (तशखीस) न हुआ हो, जिसके वश और कुल आदि का पता न हो।

गैरमुशाबेह (غیرمشابہ) अ वि –जो एक दूसरे से मिलते-जुलते न हो, जो एक-जैसे न हो, असहरूप।

गैरमुश्तबह (غیرمشتبہ) अ वि –जिसमे सदेह न हो, असदिग्ध, अविकल्प, यकीनी।

गैरमुसद्दक़ा (غیرمصدقہ) अ वि –जिस सूचना या वार्ता के झूठ सच का निश्चय न हुआ हो, अविश्वस्त, जिमकी तसदीक न हुई हो, अप्रमाणित।

गैरमुसद्दक़ (غیرمصدق) अ वि –दे 'गैरमुसद्दक़'।

गैरमुसल्लम (غیرمسلم) अ वि –जो माना न जाय, अमान्य, जिमका सुबूत न हो, अप्रमाणित।

गैरमुसल्लह (غیرمسلح) अ वि –जो हथियारवद न हो, निरस्त्र, शस्त्रहीन।

गैरमुसल्सल (غیرمسلسل) अ वि –जो जजीर मे जकडा न हो, विश्रृंखल, जो लगातार न हो, अनिरतर।

गैरमुसावी (غیرمساوی) अ वि –जो बराबर न हो, असमान।

गैरमुस्तकिल (غیرمستقل) अ वि –जो हमेशा के लिए न हो, जो थोडे दिनो के लिए हो, अस्थायी।

गैरमुस्ततीअ (غیرمستطیع) अ वि –जिममे सामर्थ्य न हो, अशक्त, जो निर्धन हो, धनहीन, दरिद्र।

गैरमुस्तनद (غیرمستند) अ वि –जिसके पास प्रमाणपत्र न हो, जो सनदयाफ्त न हो, जिसका विश्वास न हो, अविश्वस्त।

गैरमुस्तहक (غیرمستحق) अ वि –अपात्र, अयोग्य, नाअहल, अनधिकारी, गैरहक़दार।

गैरमुस्त'मल (غیرمستعمل) अ वि –जिसका प्रयोग न हुआ हो, अप्रयुक्त, जिसका पयोग किया न जाता हो, अव्यवहृत।

गैरमुहज़्ज़ब (غیرمہذب) अ वि –दे 'गैरतह्जीबयाफ्त', अशिष्ट, दु शील, उजड्ड।

गैरमूहिम (غیرموہم) अ वि –जिसमे मदेह न हो, असदिग्ध, जो भ्रम मे न डाले।

गैरमे'यारी (غیرمعیاری) अ वि –जो आदर्श के अनुसार न हो, जो विद्वत्तापूर्ण न हो, जो दर्जे से गिरा हुआ हो।

गैरमौजूद (غیرموجود) अ वि –अनुपस्थित, गैरहाजिर, अविद्यमान, नामौजूद।

गैरमौजूदगी (غیرموجودگی) अ फा स्त्री –अनुपस्थिति, गैरहाजिरी, अविद्यमानता, नामौजूदगी।

गैरमौरूसी (غیرموروثی) अ वि –वह जमीन या जायदाद जो मौरूसी न हो, अपैतृक।

गैरवाकिई (غیرواقعی) अ वि –जो सत्य न हो, असत्य, झूठ, जो ठीक न हो, अयथार्थ, जो उचित न हो, अनुचित।

ग़ैरवाजिब (غیرواجب) अ वि—अनुचित, नामुनासिब, जिसका अदा करना आवश्यक न हो, अदेय।

ग़ैरवाज़ेह (غیرواضح) अ वि—जो साफ-साफ न हो, धुँधला, अस्फुट, जिसका स्पष्टीकरण न हुआ हो, अस्पष्ट।

ग़ैरशरीफ़ (غیرشریف) अ वि—अकुलीन, हीनयोनि, ग़ैर-खानदानी, अनार्य, असज्जन, अधम, नीच।

ग़ैरशरीफ़ान. (غیرشریفانہ) अ फा वि—नीच लोगो-जैसा, अशिष्टतापूर्ण, अनार्योचित।

ग़ैरसहीह (غیرصحیح) अ वि—जो सच न हो, असत्य, झूठ, जो शुद्ध न हो, अशुद्ध, जो तन्दुरुस्त न हो, अस्वस्थ।

ग़ैरसालह (غیرصالح) अ वि—अशुद्ध, दूषित, फ़ासिद, असज्जन, नाशरीफ।

ग़ैरहमदर्द (غیرهمدرد) अ फा वि—जिसमे सहानुभूति न हो, जो दु ख आदि मे सहायता न करे।

ग़ैरहाज़िर (غیرحاضر) अ वि—जो अपनी ड्यूटी पर हाज़िर न हो, अनुपस्थित, जो मौजूद न हो, अविद्यमान।

ग़ैरहाज़िरी (غیرحاضری) अ स्त्री—अनुपस्थिति, अविद्यमानता।

ग़ैल (غیل) अ पु—मोटा-ताज़ा शिशु, भरी हुई बाँहे, वह दूध जो स्त्री सभोग के समय शिशु को दे।

ग़ैलम (غیلم) अ स्त्री—वह लडकी जो पूरी आयु को पहुँच गयी हो और जिसमे कामेच्छा उत्पन्न हो गयी हो, कुएँ का स्रोत।

ग़ैस (غیث) अ पु—वर्षा, वृष्टि, मेह, बारिश, बरसना, बरसाना।

ग़ैसान (غیسان) अ पु—युवावस्था की तेज़ी, जवानी का जोश, युवावेग।

ग़ैहम (غیهم) अ स्त्री—तिमिर, अन्धकार, तारीकी, अँधेरा।

गैहाँ (گیہاں) फा पु—'गैहान' का लघु, दे 'गैहान'।

गैहान (گیہان) फा पु—ससार, जगत्, दुनिया।

गो

गो (گو) फा अव्य—यद्यपि, अगरचे, (प्रत्य) कहनेवाला, जैसे—'हकगो' सच्ची बात कहनेवाला।

गो (گو) फा पु—गाय, गो, धेनु, कदुक, गेद, पोलो का गेंद (सस्कृत से साम्य)।

गोइंदः (گوئندہ) फा वि—कहनेवाला, वक्ता, गुप्तचर, जासूस।

गोइया (گوئیا) फा अव्य—दे 'गोया', यह शब्द अब व्यवहृत नही है, इसके स्थान पर 'गोया' बोलते है "तुम मेरे पास होते हो गोया"—मोमिन।

गोए (گوے) फा पु—गेद, कदुक, पोलो का गेद।

गोएगरीबाँ (گوے گریباں) फा पु—गले मे लगाने की घुडी।

गोएचौगाँ (گوے چوگاں) फा पु—पोलो खेलने का गेद।

गोएबाज़ी (گوےبازی) फा स्त्री—गद-बल्ले का खेल, क्रिकेट।

ग़ोक (غوک) फा पु—मेढक, दर्दुर, मडूक।

गोज़ (گوز) फा पु—अधोवायु, अपान वायु, ग्याह।

गोज़ेशुतुर (گوز شتر) फा पु—ऊँट का अपान वायु, अर्थात् ऐसी आवाज़ जिसे कोई न सुने, मिथ्या और फ़ुज़ूल बात।

ग़ोत (غوطہ) अ पु—डुबकी, मज्जन, पानी मे पैठना, मूल शब्द 'ग़ूत' है, परन्तु वह प्रचलित नही है।

ग़ोत ख़ोर (غوطہخور) अ फा—डुबकी लगानेवाला, मज्जनार।

ग़ोत ख़ोरी (غوطہخوری) अ फा स्त्री—डुबकी लगाना, गोता मारना।

ग़ोत गाह (غوطہگاہ) अ फा स्त्री—डुबकी लगाने का स्थान।

ग़ोत ज़न (غوطہزن) अ फा वि—दे 'गोत खोर'।

ग़ोत ज़नी (غوطہزنی) अ फा स्त्री—दे 'गोत ख़ोरी'।

गोदबान (گودبان) फा पु—ऊँट का कोहान।

गोनाब (گوناب) फा पु—ग़ाज़ा, गुलगून, मुखचूर्ण, फेस पाउडर।

गोमगो (گومگو) फा वि—असमजस, ऊहापोह, दुविधा, तज़ब्ज़ुब।

गोयाँ (گویاں) फा वि—बोलता हुआ, कहता हुआ।

गोया (گویا) फा अव्य—मानो, जैसे, गोया कि (वि) बोलनेवाला, वक्ता।

गोयाई (گویائی) फा स्त्री—वाक्शक्ति, वाचन-शक्ति, बोलने की कुव्वत।

ग़ोर (غورہ) फा पु—कच्चा अगूर।

ग़ोर (غور) फा पु—अफ़गानिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर।

गोर (گور) फा स्त्री—कब्र, समाधि-भवन, जगल, कानन, गोरखर, जगली गधा विशेष।

गोरकन (گورکن) फा वि—कब्र खोदनेवाला, बिज्जू, एक प्रसिद्ध जन्तु जो कब्र खोदकर मुर्दे खाता है।

गोरकनी (گورکنی) फा स्त्री—कब्र खोदन का काम या पेशा।

गोरख़र (گورخر) फा पु—एक जगली गधा-विशेष, वन-गर्दभ।

गोरख़ान. (گورخانہ) फा पु—कब्र, समाधि-भवन।

गोरपरस्त (گورپرست) फा वि—कब्र पूजनेवाला, मुसलमानो का वह सप्रदाय जो महात्माओ की कब्रो का सम्मान करता, उन पर चिराग जलाता और फूल आदि चढाता है।

गोरपरस्ती (گورپرستی) फा स्त्री —क़ब्र पर फूल आदि चढाना और रौशनी करना ।
गोल (گولہ) फा पु —गोल पिंड, गोल चीज, तोप आदि का गोला ।
गोल अदाज़ (گولہ انداز) फा वि —तोपची, तोप का गोला चलानेवाला ।
गोल बारी (گولہ باری) फा स्त्री —तोप से गोलो की वर्षा ।
गोल (غول) फा पु —कान, कर्ण, सैनिको का दल, समूह, समुदाय, भीड, दे 'गूल' ।
गोल (غول) तु पु —वह सेना जिसके साथ सेनापति हो ।
गोल (گول) फा वि —मूर्ख, मूढ, अनाडी ।
गोलबियाबाँ (غول بیاباں) फा पु —दे 'गूले बियाबाँ' ।
गोश (گوشہ) फा पु —घर का कोना, एकान्त, जाविय , कोण ।
गोश गीर (گوشہ گیر) फा वि —दे 'गोश नशी' ।
गोश गीरी (گوشہ گیری) फा स्त्री —दे 'गोश नशीनी' ।
गोश गुज़ी (گوشہ گزیں) फा वि —दे 'गोश नशी' ।
गोश गुज़ीनी (گوشہ گزینی) फा स्त्री —दे 'गोश नशीनी' ।
गोश नशी (گوشہ نشیں) फा वि —एकान्तवासी, कोने मे बैठनेवाला, सबमे अलग-थलग अकेला रहनेवाला ।
गोश नशीनी (گوشہ نشینی) फा स्त्री —एकान्त मे रहना, सबसे अलग होकर अकेला रहना ।
गोश (گوش) फा पु —कान, श्रवण, कर्ण ।
गोशएइज़िवा (گوشۂ انزوا) फा अ पु —एकान्त, निर्जन स्थान, जहाँ कोई न हो ऐसा छोटा-सा स्थान ।
गोशएतनहाई (گوشۂ تنہائی) फा पु —एकान्त, गोशए इज़िवा,—"सैकडो हसते आबाद किये है इसको, कौन कहता है कि दिल गोशए तनहाई है ।"
गोशएकमाँ (گوشۂ کماں) फा पु —कमान का चिल्ला ।
गोशएचश्म (گوشۂ چشم) फा पु —आँख का कोना ।
गोशख़ा (گوش خا) फा स्त्री —कनमलाई, एक लबा और पतला कीडा जो कान मे घुसकर बडा कष्ट देता है ।
गोशगिराँ (گوش گراں) फा वि —जिसे ऊँचा सुनाई देता हो, बहरा, बधिर ।
गोशगुज़ार (گوش گزار) फा वि —कहा हुआ, प्रार्थित, कथित, श्रुत ।
गोशज़द (گوش زد) फा वि —कान मे पडी हुई बात, श्रुत, सुना हुआ ।
गोश ता गोश (گوش تاگوش) फा वि —इधर से उधर तक, इस सिरे से उस सिरे तक ।
गोशदार (گوش دار) फा वि —बात सुनने के लिए कान लगानेवाला, कनसुए लेनेवाला, निरीक्षक, निगहबान ।
गोशदारी (گوش داری) फा स्त्री —कनसुए लेना, निरीक्षण, देखरेख ।
गोशबरआवाज़ (گوش بر آواز) फा वि —आवाज़ की आहट पर कान लगाये हुए, उत्कर्ण ।
गोशमाल (گوش مال) फा वि —कान उमेठनेवाला, कान उमेठना ।
गोशमाली (گوش مالی) फा स्त्री —कान उमेठना, लडको अथवा छोटे नौकरो को सजा देने के लिए उनके कान मलना ।
गोशमाही (گوش ماهی) फा पु —घोघा, सीप, पियाला ।
गोशवारः (گوشوارہ) फा पु —किसी हिसाब आदि के अलग-अलग ब्योरे का कागज, कान का लटकन, बुदा ।
गोशे शुन्वा (گوش شنوا) फा पु —सुननेवाला कान, वह कान जो बात गौर से सुने, अर्थात् वह व्यक्ति जो बात पर कान धरे ।
गोशे होश (گوش هوش) फा पु —होश के कान, होशियारी और सतर्कता से बात सुनना ।
गोश्त (گوست) फा पु —मास, आमिष, माँस ।
गोश्तख़ोर (گوشت خور) फा वि —गोश्त खानेवाला, मासाहारी, जो प्रकृति से मासाहारी हो, जैसे—सिह आदि ।
गोश्तख़ोरी (گوشت خوری) फा स्त्री —गोश्त खाना, मासाहार, मासभक्षण ।
गोसाल. (گوسالہ) फा पु —गाय का बछडा, गोवत्सल ।
गोसालए फलक (گوسالۂ فلک) फा अ पु —वृषराशि, बुर्जे सौर ।
गोस्पद (گوسپند) फा स्त्री —बकरी, अजा ।
गोस्फद (گوسفند) फा स्त्री —दे 'गोस्पद' ।

ग़ौ

ग़ौग़ा (غوغا) फा पु —कोलाहल, शोर, हाहाकार, कोहराम ।
ग़ौग़ाई (غوغائی) फा वि —कोलाहल करनेवाला, शोर मचानेवाला ।
ग़ौज़ (عوز) अ पु —सकल्प, निश्चय, इरादा ।
ग़ौत (غوط) अ पु —किसी चीज़ मे घुसना, एक चीज का दूसरी चीज़ मे समाना ।
ग़ौर (غور) अ पु —चिन्तन, मनन, सोच, विचार, ध्यान, ख़याल, तन्मयता, इन्‌हिमाक, तसव्वुर, अनुध्यान, तवज्जुह, ध्यान ।
ग़ौरतलब (غورطلب) अ वि —जिस पर विचार किया जाय, विचारणीय, जिस पर विचार आवश्यक हो ।
ग़ौरोख़ौज़ (غوروخوض) अ पु —सोच-विचार, बहुत अधिक गौर ।

गौरोपर्वाख़्त (عوروپرداخت) अ फा स्त्री –देखरेख, पालन-पोषण।

गौल (غول) अ पु –दुःख, रज, हत्या, हनन, हलाक, अचानक पकड लेना।

गौस (غوث) अ पु –वह मुसलमान महात्मा जो वली से बडा पद रखता है, (वि) दुहाई सुननेवाला, न्यायकर्ता, न्याय के लिए पुकारना, दुहाई देना।

गौस (غوص) अ पु –पानी मे पैठना, गोता मारना, अचानक किसी चीज पर उतरना।

गौहर (گوهر) फा पु –मुक्ता, मुक्तक, मुक्ताहल, मोती।

गौहरअफ्शाँ (گوهرافساں) फा वि –मोती बिखेरनेवाला, ऐसी मीठी बाते करनेवाला मानो मोती बिखर रहे हो।

गौहरअफ्शानी (گوهرافشانی) फा स्त्री –मोती बिखेरना, मीठी-मीठी बाते करना।

गौहरफरोश (گوهرفروش) फा वि –मोती बेचनेवाला, जौहरी, गुणग्राहको के सामने अपने गुणो का प्रदर्शन करनेवाला।

गौहरफरोशी (گوهرفروشی) फा स्त्री –मोती बेचना, गुण-ग्राहको के सामने गुणो का प्रदर्शन।

गौहरफिशाँ (گوهرفشاں) फा वि –दे 'गौहरअफ्शाँ'।

गौहरफिशानी (گوهرفشانی) फा स्त्री –दे 'गौहरअफ्शानी'।

गौहरबार (گوهربار) फा वि –मोती बरसानेवाला, मुक्तावर्षक, रोनेवाला (विशेषत आँख)।

गौहरबारी (گوهرباری) फा स्त्री –मोती लुटाना, रोना, आँसू बहाना।

गौहररेज (گوهرریز) फा वि –दे 'गौहरबार'।

गौहररेजी (گوهرریزی) फा स्त्री –दे 'गौहरबारी'।

गौहरशनास (گوهرشناس) फा वि –मोती की परख रखनेवाला, जौहरी, गुण की परख रखनेवाला, गुणग्राही।

गौहरशनासी (گوهرشناسی) फा स्त्री –मोती की परख, गुणो की परख।

गौहरसज (گوهرسنج) फा वि –मोती तौलनेवाला, जौहरी, गुणो का परखनेवाला, अच्छी कविता करनेवाला।

गौहरसजी (گوهرسنجی) फा स्त्री –मोती तौलना, जौहरी का काम, गुणो की परख, अच्छी कविता करना।

गौहरे तावाँ (گوهر تاباں) फा पु –बहुत अच्छी चमक देने-वाला मोती।

गौहरे दंदाँ (گوهردنداں) फा पु –मोतियो-जसे दात, मोतीरूपी दाँत।

गौहरे यकता (گوهر یکتا) फा पु –वह मोती जो सीप मे एक ही होता है, इसलिए बडा और बहुमूल्य होता है।

च

चंग (چنگ) फा पु –एक टेढे आकार का बाजा, मुट्ठी, पजा, हर टेढी वस्तु।

चगनवाज (چنگ نواز) फा वि –चग बजानेवाला।

चगनवाजी (چنگ نوازی) फा स्त्री –चग बजाने का काम या पेशा।

चगलूक (چنگلوک) फा वि –जिसके हाथ-पाँव टेढे हो, लुञ्जा।

चगाल (چنگال) फा पु –दे 'चगुल'।

चगी (چنگی) फा वि –चग बजानेवाला।

चगुल (چنگل) फा पु –मनुष्य का पजा, पक्षी का पजा, शेर आदि का पजा।

चगूक (چنگوک) फा वि –दे 'चगलूक'।

चगेज (چنگیز) तु पु –दे शुद्ध उ 'चिंगेज'।

चद (چنده) फा पु –वह धन जो बहुत-से लोगो से लेकर किसी कार्य-विशेष मे व्यय किया जाता है।

चद (چند) फा वि –थोडे, कतिपय, कितने।

चदगाह (چندگاه) फा स्त्री –बहुधा, प्राय, अक्सर।

चद दर चद (چند درچند) फा वि –बहुत अधिक।

चदन (چندن) एक प्रसिद्ध सुगधित लकडी, सदल।

चदमर्द (چندمرده) फा वि –वह व्यक्ति जो अकेला कई आदमियो का काम करे।

चदरोज (چندروزه) फा वि –थोडे दिनो का, अस्थायी, जो अधिक काम न दे, बोदा, जो नाशवान् हो, नश्वर, फानी।

चदसाल (چندساله) फा वि –जो थोडी आयु का हो, जो थोडे वर्षो के लिए हो, जो थोडे वर्षो मे समाप्त हो।

चदाँ (چنداں) फा अव्य –इतना, इस कदर, कितना, किस कदर, जरा भी, कुछ भी।

चदाल (چندال) फा पु –अधम, नीच, चाडाल, चौकीदार, रखवाला।

चदीं (چندیں) फा अव्य –इतना, इस कदर, कितना, किस कदर।

चदे (چندے) फा वि –थोडे दिन, थोडी देर।

चबर (چنبر) फा वि –परिधि, मुहीत, बडी डफली, डफ, घेरा, हल्का, तौक, गले का एक आभूषण, कमद, ऊपर चढने की रस्सी, कैद, कारावास, चक्कर देना।

चबरीं (چنبریں) फा वि –गोल, मडलाकार।

चक (چک) फा पु –दस्तावेज, लेख्य, बैनामा, विक्रय-लेख, सीमा, हद, क्षेत्र, रकबा, उद्यान, बाग, आदेशपत्र,

हुक्मनामा, धुनकी की मूठ, खलियान समेटने की पाँच शाखावाली लकडी, पचा, वृत्ति, वजीफा।

चकश (چکش) फा पु –श्येन का घोसला, बाज के रहने का स्थान।

चकस (چکس) फा पु –दे 'चकश'।

चकाद (چکاد) फा स्त्री –ललाट, माथा।

चकावक (چکاوک) फा पु –चडूल, एक मधुरस्वर पक्षी, टटीरी, टिट्टिभि।

चकीद (چکیده) फा वि –टपका हुआ, गिरा हुआ।

चकीदनी (چکیدنی) फा वि –टपकने योग्य, गिरने योग्य।

चकुश (چکش) तु पु –लोहार का हथौडा।

चकोचान (چکوچانه) फा पु –योग्यता, विद्वत्ता, काबिलीयत, पात्रता, इस्ते'दाद।

चक्म (چکمه) तु पु –मोजा, जुर्राब, बूट जूता।

चक्माक (چقماق) तु पु –एक आग देनेवाला पत्थर, अग्नि प्रस्तर, व्यग, कटाक्ष, तज।

चक्रः (چکره) फा पु –बूँद-बूँद टपकना।

चक्ल (چکله) तु पु –वेश्यालय, रडियो का महल्ला।

चक्श (چکش) तु पु –लोहारो का हथौडा, दे 'चकुश', दोनो शुद्ध है।

चक्श (چکش) फा पु –बुलबुल अथवा बाज आदि के बिठाने की लकडी, अड्डा।

चक्स (چکسه) फा पु –पुडिया, जिसमे सौदा बँधा होता है।

चख (چخ) फा स्त्री –कलह, झगडा, कहा-सुनी, तू-तू, मैं-मैं।

चखश (چخش) फा स्त्री –गले की बतौडी, रसौली।

चखिद (چخیده) फा वि –लडनेवाला।

चखी (چخین) फा वि –दुखित, क्लेशित, रजीदा।

चखीद (چخیده) फा वि –लडा हुआ, जो लडा हो।

चखीदनी (چخیدنی) फा वि –लडने योग्य।

चग (چغ) फा स्त्री –मठा फेरने की रई।

चगरिश्त (چغرشته) फा पु –सूत की पिडिया, अटी।

चगार (چغار) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, फाहिशा, कुलटा, मुँहफट और वाचाल स्त्री।

चगान. (چغانه) फा पु –धुनिए की मूठ-जैसी एक लकडी मे झांझे डालकर बजाने का एक बाजा।

चगान जन (چغانه زن) फा वि –चगाना बजानेवाला।

चगिल (چگل) फा पु –दे 'चिगिल'।

चगूक (چغوک) फा पु –चटक, गौरैया पक्षी, सुर्खाब पक्षी।

चग्ज (چغز) फा पु –मेढक, दर्दुर, मडूक, वह फोडा जिसका मुँह बद हो और भीतर पीप हो।

चज (چز) फा पु –कपि, बदर, वानर।

चतूक (چتوک) फा पु –दे 'चगूक'।

चत्र (چتر) फा पु –छत्री, छाता, वह छाता जो राजाओ के सर पर लगाया जाता है।

चत्रजन (چترزن) फा वि –जमीन पर हाथ टेककर और पाँव ऊपर करके खडा होनेवाला।

चत्रपोश (چترپوش) फा वि –जो छाते से ढँका हो, जिस पर छाता लगा हो।

चत्रवश (چتروش) फा वि –छाते-जैसा, छाते की तरह गोल और सायादार।

चत्रसाँ (چترساں) फा वि –दे 'चत्रवश'।

चत्रे अबरी (چتر عنبریں) फा अ पु –रात्रि, रात, निशा।

चत्रे आबगूँ (چتر آبگوں) फा पु –आकाश, आस्मान।

चत्रे कुह्ली (چتر کحلی) फा अ पु –आकाश, आस्मान, काली घटा।

चत्रे जरनिगार (چتر زرنگار) फा पु –सोने के काम से सुसज्जित छाता, तारांओ जडा आकाश।

चत्रे नूर (چتر نور) फा अ पु –सूर्य, सूरज।

चत्रे शाही (چتر شاہی) फा पु –बादशाहो के सर पर लगाया जानेवाला बडा छाता।

चत्रे सीमाबी (چتر سیمابی) फा पु –दे 'चत्रे सीमी'।

चत्रे सीमी (چتر سیمیں) फा पु –पूरा चाँद, पूर्णचद्र।

चनाब (چناب) फा पु –रावटी की लकडी का छेद।

चनार (چنار) फा पु –एक प्रसिद्ध वृक्ष, कहते है कि रात को इसमें से चिनगारियाँ झडती है।

चप (چپ) फा वि –बायाँ, वाम, बायी ओर, उलटी तरफ।

चपअदाज (چپ انداز) फा वि –वह तीरअदाज जिसका तीर निशाने पर पडकर लौट आये, छली, ठगिया।

चपकन (چپکن) फा स्त्री –अचकन के प्रकार का एक वस्त्र, अँगरखा।

चपकुलश (چپقلش) तु स्त्री –खीचातानी, आपाधापी, भीड-भाड, जगह की तगी, झगडा, बखेडा, लडाई।

चपचल. (چپچله) फा पु –झूला, झूलने का यत्र, रपटन, फिसलन।

चपत (چپت) फा स्त्री –दे 'चपात'।

चपदाद (چپ داده) फा वि –छोडा हुआ, त्यक्त।

चपदिहद. (چپ دهنده) फा वि –छोडनेवाला, त्यागी।

चपरास (چپراس) फा स्त्री –कमर मे बाँधने की पेटी, जो चौकीदार और सरकारी पियादे लगाते है।

चपरासी (چپراسی) फा पु –चपरास बाँधनेवाला, माल के विभाग का सम्मन आदि ता'मील करनेवाला व्यक्ति।

चपात (چپات) फा स्त्री –चपत, थप्पड।

चपाती (چپاتی) फा स्त्री –पतली रोटी, जो हाथ पर बढायी गयी हो और बडी हो।
चपार (چپار) फा पु –'चापार' का लघु, डाक, डाकिया।
चपोरास्त (چپ وراست) फा पु –दायें-बायें, इधर-उधर, दोनो ओर।
चप्प॰ (چپه) फा पु –जो उलटे हाथ से सारा काम करता हो, खब्बा।
चफाल॰ (چفاله) फा पु –सेना, फौज, पक्षियो का झुड।
चफीद॰ (چفیده) फा वि –चिपका हुआ।
चफीदनी (چفیدنی) फा वि –चिपकने योग्य।
चफ़्त. (چفته) फा वि –वक्र, टेढा, धन्वाकार, ख़मीद, मिथ्यारोप, तोहमत, बकरी का सिर, सिरी।
चफ्त (چفت) फा स्त्री –अगूर आदि की टट्टी, बाँस की खपच्चियो से बनी हुई चौकोर टट्टी।
चफसीद (چفسیده) फा वि –चिपका हुआ।
चबाग़ (چباغ) फा स्त्री –एक मछली।
चबूतर (چبوتره) फा पु –दे 'चौतरा'।
चबग़ुत (چبغت) फा पु –रुई भरा हुआ पुराना कपडा।
चम (چم) फा पु –इठलाती हुई चाल, पेच।
चमगर्दिश (چم گردش) फा स्त्री –इठलाकर चलना, खिरामेनाज़।
चमन (چمن) फा पु –उद्यान, आराम, वाटिका, बाग।
चमनआरा (چمن آرا) फा वि –बाग को सँवारने और सजानेवाला, माली, उद्यानपाल।
चमनआराई (چمن آرائی) फा स्त्री –बाग के सजाने का काम।
चमनपैरा (چمن پیرا) फा वि –दे 'चमनआरा'।
चमनपैराई (چمن پیرائی) फा स्त्री –दे 'चमनआराई'।
चमनबद (چمن بند) फा वि –बाग सजानेवाला, बाग लगानेवाला।
चमनबदी (چمن بندی) फा स्त्री –बाग की सजावट, बाग के लिए पेड लगाना।
चमनिस्ताँ (چمنستاں) फा पु –'चमनिस्तान' का लघु, दे 'चमनिस्तान'।
चमनिस्तान (چمنستان) फा पु –चमन, बाग।
चमाँ (چماں) फा वि –इठलाकर चलनेवाला, चलने मे इठलाता हुआ।
चमान (چمانه) फा पु –तोबी का पियाला जिसमे खाते पीते हैं (वि) इठलाता हुआ, इठलाकर चलता हुआ।
चमान (چمان) फा पु –पेशाब-पाखाने के कीडे।
चमिंद॰ (چمنده) फा वि –इठलाते हुए टहलनेवाला।
चमिश (چمش) फा स्त्री –लचक, इठलाहट।
चमी (چمی) फा वि –जो भौतिक न हो, मानसिक, मानवी।
चमीद (چمیده) फा वि –जो इठलाकर टहला हो, टहलता या चलता हो।
चमीद (چمید) फा स्त्री –लचक, मटक, इठलाहट।
चमीदनी (چمیدنی) फा वि –लचकने योग्य, नाज़ से चलने योग्य।
चमीन (چمین) फा पु –पेशाब, पाखाना।
चमोख़म (چم وخم) फा पु –नाज़ोअदाज़, हावभाव।
चम्च॰ (چمچه) तु पु –हाँडी चलाने का पात्रविशेष, खाने का पात्रविशेष।
चरंद॰ (چرنده) फा पु –दे 'चरिंद', दो शु हैं।
चर (چر) फा प्रत्य –चरनेवाला, जैसे–'काहचर' घास चरनेवाला।
चरस (چرس) फा पु –शिकज, अडगडा, चरागाह, गोचर, भीख का माल।
चरा (چرا) फा अव्य –क्यो, किसलिए, किस कारण, (पु) चरागाह, पशुओ के चरने का स्थान, चरना।
चराग़ (چراغ) फा पु –दीप, दीपक, दिया, चरना।
चराग़दान (چراغ دان) फा पु –चराग रखने का पात्र, दीवट आदि।
चराग़पा (چراغ پا) फा पु –दीवट, चिरागदान, (वि) जो अलफ हो गया हो, जो गुस्से मे आपे से बाहर हो गया हो।
चराग़र (چراگر) फा वि –चरनेवाला।
चराग़वार॰ (چراغواره) फा पु –दीवट, चराग़दान, कदील।
चराग़ाँ (چراغاں) फा पु –जलते हुए चराग़ो की कतारे, दीपावली, पक्तियो में बहुत-से दीपक जलाने का कर्म, अपराधी को शारीरिक यातना देने की एक अमानुषिक शैली, जिसमे उसके सिर पर बहुत से घाव बनाकर हर घाव मे एक जलती हुई बत्ती रखते थे।
चरागाह (چراگاه) फा स्त्री –गो आदि के चरने का स्थान, गोचर।
चराग़ी (چراغی) फा स्त्री –किसी बुजुर्ग के मज़ार पर फातेहा दिलानेवाले से रोशनी के लिए लिया जानेवाला पैसा।
चराग़े आस्मानी (چراغ آسمانی) फा पु –विद्युत्, बिजली।
चराग़े कुश्त (چراغ کشته) फा पु –बुझा हुआ दीपक।
चराग़े तहेदामन (چراغ تہ دامن) फा पु –हवा के वेग से बचाने के लिए दामन के नीचे किया हुआ दीपक।

चरागे मज़ार (چراغ مزار) फा अ पु –क़ब्र पर जलनेवाला दिया, आशिक की क़ब्र पर जलनेवाला दीपक, यह शब्द विशेषत इन्ही अर्थो मे बोला जाता है।

चराज़न (چرازن) फा वि –चरनेवाला, घास खानेवाला, पशु, जानवर।

चरिंद॰ (چرندہ) फा वि –पशु, चौपाया, मवेशी, चरनेवाला।

चरिंद (چرند) फा पु –दे 'चरिंद'।

चरीद॰ (چریدہ) फा वि –चरा हुआ, जिसे चरा गया हो।

चरीदनी (چریدنی) फा वि –चरने योग्य।

चर्कस (چرکس) तु पु –एक तुर्की जाति।

चर्ख़ (چرخہ) फा पु –सूत या ऊन कातने का यंत्र, चर्खा।

चर्ख़ (چرخ) फा पु –चक्कर, चक्र, आकाश, आस्मान, कुम्हार का चाक, पहिया, चक्र, कडा धनुष, रहट, कुएँ से पानी निकालने का गर्रा, दामन का घेर, चारो ओर फिरना, घूमना, कुर्ते का गला।

चर्ख़अंदाज़ (چرخ انداز) फा वि –अच्छा तीर चलानेवाला, धनुर्धर।

चर्ख़क़बा (چرخ قبا) फा अ पु –एक प्रकार की अतलस।

चर्ख़ंगी (چرخگی) फा स्त्री –पहलवान का अखाडे मे जीतने के समय खुशी से नाचना-कूदना।

चर्ख़ज़न (چرخ زن) फा वि –नाचनेवाला, (वाली) नर्तक, नर्तकी, पर्यटन करनेवाला, सैयाह।

चर्ख़ज़नी (چرخ زنی) फा स्त्री –नाचना, पर्यटन करना।

चर्ख़जी (چرخچی) फा स्त्री –सेना का आगे चलनेवाला दस्ता।

चर्ख़रीसक (چرخ ریسک) फा पु –झींगुर।

चर्ख़ाब (چرخاب) फा पु –जलावर्त, भँवर, (चर्ख़=चक्कर+आब=पानी) गिर्दाब।

चर्ख़ी (چرخی) फा स्त्री –कपास ओटने का यंत्र, पतग की डोर लपेटने का हुचका, एक आतशबाज़ी, फिरकी।

चर्ख़ुश्त (چرخشت) फा पु –कोल्हू।

चर्ख़ूक़ (چرخوک) फा पु –लट्टू।

चर्ख़े कमाँ (چرخ کماں) फा पु –धनुष का घेरा।

चर्ख़े फलक (چرخ فلک) फा अ पु –सब से ऊँचा आकाश, जिस पर ईश्वर का सिंहासन है, अर्श।

चर्ख़े बरीं (چرخ بریں) फा पु –ऊँचा आकाश, सबसे ऊपरवाला आकाश।

चर्ग़ (چرغ) फा पु –श्येन, शिक्रा बाज़, शिकारी पक्षी, लकडबग्घा, चर्ग़ा।

चर्ग़द (چرغد) फा पु –झींगुर।

चर्ग़ीन॰ (چرغینہ) फा वि –नीच, कमीना, अधम।

चर्ज़ः (چرزہ) फा पु –मनुष्य अथवा पशु की खाल।

चर्ज़ (چرز) फा पु –एक पक्षी।

चर्तः (چرتہ) फा पु – दे 'चर्द'।

चर्दः (چردہ) फा पु –रग, वर्ण, परंतु यह शब्द केवल 'सियाह' के साथ बोला जाता है, और 'काले रगवाला' का अर्थ देता है।

चर्ब॰ (چربہ) फा पु –वह महीन और चिकना काग़ज़ जो दूसरे कागज पर रखकर उसके बेलबूटे उतारने के काम आता है, अक्सी कागज़, इस प्रकार उतारा हुआ कागज, ख़ाका, रेखाचित्र, नक्ल, प्रतिलिपि।

चर्ब (چرب) फा वि –चिकना, स्निग्ध, घी में चुपडा या मला हुआ, घी मे तलना, सेकना।

चर्बआख़ोर (چرب آخور) फा वि –वह व्यक्ति जो बिना परिश्रम के तर माल खाता हो, मुफ्तख़ोर।

चर्बक (چربک) फा पु –पूरी, घी मे तला हुआ फुलका, मलाई, क्षीरस्तर, वह महीन काग़ज़ जिस पर दूसरे चित्र का अक्स लिया जाता है।

चर्बक़ामत (چرب قامت) फा अ वि –अच्छे डीलडौल का, सुडौल।

चर्बज़बाँ (چرب زباں) फा वि –चापलूस, चाटुकार, खुशामदी, मुखर, वाचाल, बातूनी, खुशामद से मीठी-मीठी बातें करनेवाला।

चर्बज़बानी (چرب زبانی) फा स्त्री –चापलूसी, बातूनी होना, मीठी-मीठी बाते करना।

चर्बदस्त (چرب دست) फा वि –किसी काम मे होशियार, सिद्धहस्त, दस्तकार, शिल्पकार।

चर्बदस्ती (چرب دستی) फा स्त्री –काम मे कुशलता; दस्तकार होना।

चर्बपहलू (چرب پہلو) फा वि –चर्बीला, मोटा-ताज़ा, वह व्यक्ति जिसके पास बैठना उठना लाभदायक हो।

चर्बिद॰ (چربندہ) फा वि –जीतनेवाला, विजेता।

चर्बिदगी (چربندگی) फा स्त्री –विजय, जीत।

चर्बीद (چربیدہ) फा वि –जीता हुआ, जो जीत गया हो, प्राप्तविजय।

चर्बीदनी (چربیدنی) फा वि – जीतने योग्य, जेय।

चर्बू (چربو) फा स्त्री –चर्बी, मेदा।

चर्बोख़ुश्क (چرب و خشک) फा पु –अच्छा-बुरा, बुरा-भला, उदार और कजूस।

चर्म (چرمہ) फा पु –गोन, सुर्जी।

चर्म (چرم) फा पु –चमडा, चर्म, (सस्कृत का फार्मी में प्रचलित तत्सम रूप)।

चर्मदाँ (چرمدان) फा पु –चमडे का थैला।

चर्मदोज (چرمدوز) फा वि –चमडा सीनेवाला, मोची, चर्मकार।

चर्मदोजी (چرمدوزی) फा स्त्री –चमडा सीने का काम, मोचीपन।

चर्मी (چرمیں) फा वि –चमडे का बना हुआ।

चर्मीन (چرمینہ) फा पु –चमडे की बनी हुई वस्तु।

चर्मे आहू (چرم آھو) फा पु –हिरन का चमडा।

चर्विद (چروند) फा वि –दौडनेवाला, उपाय ढूँढने-वाला।

चर्वीद (چرویدہ) फा वि –दौडा हुआ, उपाय ढूँढा हुआ।

चलजू (چلتحو) फा वि –वह व्यक्ति जो कपडा जल्द मैला करता हो।

चलपची (چلمچی) फा स्त्री –हाथ धोने का एक विशेष-पात्र।

चलान्नी (چلالی) फा पु –छीका।

चलिंद (چلندہ) फा वि – चलनेवाला।

चलीद (چلیدہ) फा वि –चला हुआ।

चलीदनी (چلیدنی) फा वि –चलने योग्य।

चलीपा (چلیپا) फा वि –सलीब, क्रास।

चलीपाई (چلیپائی) फा वि –सलीब के आकार का।

चल्पक (چلپک) फा स्त्री –पूरी, घी मे मिकी हुई रोटी।

चल्पास (چلپاسہ) फा स्त्री –छिपकली, गृहगोधा, दे 'चिल्पास', दो शु हैं।

चल्ब (چلب) फा स्त्री –झाँझ।

चश (چسہ) फा पु –चटनी, चाटने की खट-मिट्ठी चीज, अवलेह, लऊक।

चश (چش) फा प्रत्य –चखनेवाला, जैसे—'लज्जत-चश' मजा चखनवाला।

चशाक (چشک) फा स्त्री –चखावट।

चशिद (چشندہ) फा वि –चखनेवाला।

चशीद (چسیدہ) फा वि –चखा हुआ।

चशीदनी (حسیدنی) फा वि –चखने योग्य।

चश्पर (چسپر) फा पु –पाँव का चिह्न।

चश्म (حسمہ) फा पु –सोता, स्रोत, सरिता, छोटी नदी, उपनेत्र, ऐनक, प्राकृतिक स्रोत, कुड।

चश्म गाह (چشمہگاہ)–फा स्त्री –चश्मे का स्थान।

चश्म जार (چسمہ زار) फा पु –जहाँ चश्मे ही चश्मे हो।

चश्म सार (چشمہ سار) फा पु –दे 'चश्म जार', चश्मो से भरा हुआ स्थान।

चश्म (چشم) फा पु –नेत्र, नयन, चक्षु, आँख, आशा, उम्मीद।

चश्मए आफ्ताब (چشمۂ آفتاب) फा पु –सूरज, सूर्य।

चश्मए खिज्र (چشمۂ خضر) फा अ पु –आबेहयात का चश्मा, अमृत कुड।

चश्मए गर्म (چشمۂ گرم) फा पु –वह सोता जहाँ से गर्म पानी निकलता हो।

चश्मए सीमाब (چشمۂ سیماب) फा पु –सूरज, सूर्य।

चश्मए होर (چشمۂ ھور) फा पु –सूरज, सूर्य।

चश्मए हैवाँ (چشمۂ حیواں) फा अ पु –दे 'चश्मए खिज्र'।

चश्मक (چشمک) फा स्त्री –गुप्त बात के लिए आँख का सकेत, उपनेत्र, ऐनक।

चश्मकजन (چشمک زن) फा वि –आँख से सकेत करने-वाला।

चश्मकजनी (چشمک زنی) फा स्त्री –आँख से सकेत करना।

चश्मखान (چشمخانہ) फा पु –वह गढा जिसमे आँख का ढेला रहता है, चक्षु गोलक।

चश्मगश्त (چشمگشتہ) फा वि –विषम दृष्टि, भेगा।

चश्मजख्म (چشم زخم) फा पु –बुरी दृष्टि का प्रभाव।

चश्मजद (چشم زد) फा पु –नजर लगाना, आँख का सकेत करना, डरना, पलक झपकना, पल, लमहा।

चश्मजदन (چشم زدن) फा पु –पलक झपकना, निमेष।

चश्मजाग (چشم زاغ) फा वि –निर्लज्ज, बेहया।

चश्मदरीद (چشم دریدہ) फा वि –निर्लज्ज, धृष्ट, बेहया।

चश्मदाश्त (چشم داشت) फा स्त्री –आशा, भरोसा, उम्मेद, आँख लगाना।

चश्मदीद (چشم دید) फा वि –आँख से देखा हुआ, जो आँखो के सामने घटित हुआ हो।

चश्मनुमाई (چشم نمائی) फा स्त्री –आँखें तरेरना, आँखे तरेरकर धमकी देना।

चश्मपोशी (چشم پوشی) फा स्त्री –किसी का दोष देखते हुए भी निगाह बचा जाना, दर गुजर।

चश्मबद (چشم بند) फा वि –वह मत्र या जादू जिसमे नीद उड जाती है।

चश्मबदी (چشم بندی) फा स्त्री –मत्र या जादू के द्वारा नीद का उड जाना।

चश्मबरजा (چشم برجا) फा वि –टकटकी बाँधे हुए, एक टक देखता हुआ।

चश्मबराह (چشم براہ) फा वि –रस्ते पर आँखे लगाये हुए, बेचैनी से प्रतीक्षा करनेवाला।
चश्मरसीदः (چشم رسیدہ) फा वि –जिसे नजर लग गयी हो।
चश्मरौशनी (چشم روشنی) फा स्त्री –मुबारकबाद, बधाई।
चश्महादीदः (چشم ہادیدہ) फा वि –बहुत-सी आँखे देखे हुए, अर्थात् बहुत ही अनुभवी।
चश्मारू (چشمارو) फा पु –खेत रखाने के लिए बनाया हुआ फूँस आदि का मनुष्य, धोखा।
चश्मे ख़ुरूस (چشم خروس) फा स्त्री –घुँघची, घुमचिल।
चश्मे ख़ूँआलूद (چشم خوں آلود) फा स्त्री –ऐसी आँखे जो क्रोध के वेग से लाल हो रही हो, मानो उनमे ख़ून उतर आया है।
चश्मे जाहिर (چشم ظاہر) फा अ स्त्री –साधारण आँख जिससे देखते है, चर्मचक्षु।
चश्मे नम (چشم نم) फा स्त्री –गीली आँख, जो आँसुओ से तर हो।
चश्मे नीमबाज़ (چشم نیم باز) फा स्त्री –अधखुली आँख, ऊँघते हुए की आँख, नशे मे मस्त की आँख।
चश्मे नीमवा (چشم نیم وا) फा स्त्री –दे 'चश्मे नीमबाज़।
चश्मे पुरआब (چشم پر آب) फा स्त्री –जिस आँख मे आँसू भरे हुए हो, रोनेवाली आँख, डबडबाई हुई आँख।
चश्मे पुरनम (چشم پر نم) फा स्त्री –दे 'चश्मे पुरआब'।
चश्मे फिरंगी (چشم فرنگی) फा स्त्री –उपनेत्र, चश्मा, ऐनक।
चश्मे बद (چشم بد) फा स्त्री –बुरी नजर, कुदृष्टि, लगनेवाली नज़र।
चश्मे बददूर (چشم بد دور) फा वा –एक आशीर्वाद, तुम्हे बुरी नज़र न लगे।
चश्मे बातिन (چشم باطن) फा अ स्त्री –'चश्मे जाहिर' का उलटा, दिल की आँख, अतर्दृष्टि, ज्ञानचक्षु, दिव्य दृष्टि।
चश्मे बीना (چشم بینا) फा स्त्री –देखनेवाली आँख, जिस आँख मे ज्योति हो, स्वस्थ आँख।
चश्मे बीमार (چشم بیمار) फा स्त्री –अधखुली आँख, विशेषत प्रेमिका की आँख के लिए बोलते है।
चश्मे बेआब (چشم بے آب) फा स्त्री –जिस आँख मे पानी न हो, अर्थात् निर्लज्ज।
चश्मे बेदार (چشم بیدار) फा स्त्री –जागती हुई आँख, खुली हुई आँख, सजग, सचेष्ट।
चश्मे शब (چشم شب) फा स्त्री –चद्रमा, चाँद।
चश्मे शोर (چشم شور) फा स्त्री –दे 'चश्मेबद'।
चश्मे सियाह (چشم سیاہ) फा स्त्री –इस शब्द का प्रयोग जब प्रेमिका के लिए हो तो सुन्दर आँख और जब अपने लिए हो तो अधी आँख।
चश्मे हिस्सी (چشم حسی) फा अ स्त्री –दे 'चश्मे जाहिर'।
चश्मोचराग़ (چشم و چراغ) फा पु –अपने लिए आँख और घर के लिए दीपक, अर्थात् पुत्र, बेटा।
चस्त. (چستہ) फा पु –घोडे, गधे अथवा ऊँट की खाल की बनी हुई एक वस्तु विशेष; पशु की रान का मास।
चस्तख़्वार (چستہ خوار) फा वि –मुफ्तख़ोर।
चस्पाँ (چسپاں) फा वि –चिपका हुआ, चरितार्थ, मुताबिक।
चस्पानीदः (چسپانیدہ) फा वि –चिपकाया हुआ।
चस्पिंद. (چسپندہ) फा वि –चिपकानेवाला।
चस्पीद. (چسپیدہ) चिपका हुआ।
चस्पीदगी (چسپیدگی) फा स्त्री –चिपकन, चिपक।
चस्पीदनी (چسپیدنی) फा वि –चिपकने योग्य।
चह (چہ) फा पु –'चाह' का लघु, दे 'चाह'।
चहचहः (چہچہہ) फा पु –चिडियो की चहकार, चहचहाहट।
चहार (چہار) फा वि –चार, चार की सख्या।
चहारगान (چہارگانہ) फा वि –चार से सम्बन्ध रखनेवाला, चार सूत्रवाला, चार प्रकारवाला।
चहारगाह (چہارگاہ) फा पु –गाने का एक प्रकार।
चहारचंद (چہارچند) फा वि –चौगुना।
चहारजानिब (چہار جانب) फा अ वि –चारो ओर, चारो तरफ।
चहारतारः (چہار تارہ) फा पु –एक साज जिसमे चार तार होते है।
चहारदह (چہاردہ) फा वि –चौदह, चतुर्दश।
चहारदहुम (چہاردہم) फा वि –चौदहवा, चतुर्दश, चोदहवी, चतुर्दशी।
चहारदाग़ (چہار دانگ) फा वि –चारो ओर, सब तरफ, ससार भर।
चहारपहलू (چہار پہلو) फा वि –चार कोनेवाला, चौखूटा, चतुष्कोण।
चहारमीर (چہار میر) फा अ पु –चारो ख़लीफा, अबूबक्र, उमर, उस्मान, अली।
चहार मेख़े हयात (چہار میخ حیات) फा अ स्त्री –आग, पानी, वायु, पृथ्वी, चारो तत्त्व।
चहारशब (چہارشبہ) फा पु –बुधवार, बुध का दिन।
चहारुम (چہارم) फा वि –चौथा, चतुर्थ।
चहारुमी (چہارمیں) फा वि –चौथे का, चोथावाला, चौथा।

चा

चाउश (چاوش) तु पु –दे 'चाऊश', दो शु हैं।

चाऊश (چاوش) तु पु –सेना अथवा काफिले के आगे आगे चलनेवाला चारक, नकीब।

चाक (چاق) तु वि –स्वस्थ, हृष्ट-पुष्ट, सतर्क, सचेत, चौकस, तत्पर, मुस्तइद।

चाक (چاک) फा पु –दरार, दर्ज़, शिगाफ, विदीर्ण, फटा हुआ, फटन, फटने का भाव।

चाक चाक (چاک چاک) फा वि –पुर्जे-पुर्जे, टुकडे-टुकडे, भिन्न-भिन्न।

चाक़माक (چاقماق) तु पु –बदूक का घोडा, दे 'चक्माक'।

चाकर (چاکر) फा पु –सेवक, दास, नौकर।

चाकरी (چاکری) फा स्त्री –सेवा कर्म, दासता, नौकरी।

चाकश (چاکش) फा पु –बदूक का घोडा।

चाक़ू (چاقو) फा पु –एक विशेष प्रकार की दस्तेदार छोटी छुरी।

चाके गिरीबाँ (چاک گریباں) फा पु –कुर्ते आदि के गले की फटन।

चाके जिगर (چاک جگر) फा पु –हृदय की फटन, हृदय का घाव, प्रेम का ज़ख्म।

चाके दामन (چاک دامن) फा पु –दामन की फटन, जो प्रेम के आवेग मे फाडा जाता है।

चाके राँ (چاک راں) फा पु –रान की फटन, भग, योनि।

चागर (چاغر) फा पु –चिडियो का बीट, जिसमे अन्न रहता है।

चाच (چاچ) फा पु –रूसी तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर जो अब ताशकद कहलाता है, यहाँ का धनुष बहुत बढिया होता था।

चाची (چاچی) फा वि –चाच की बनी हुई वस्तु, विशेषत धनुष, ढँढोरिया, घोषणा करनेवाला।

चाची कमाँ (چاچی کماں) फा स्त्री –चाच का बना हुआ धनुष।

चादर (چادر) फा स्त्री –ओढने का वस्त्र, प्रच्छादन, खेमा, रावटी, तख्ता, शीट।

चादरबदोश (چادربدوش) फा वि –कधे पर चादर डाले हुए, चादर ओढे हुए।

चादरे आब (چادر آب) फा स्त्री –पानी की सतह, जलस्तर।

चादरे महताब (چادر مہتاب) फा स्त्री –सफेद चादर की तरह बिछी हुई चाँदनी, चाँदनी का फर्श।

चान (چانہ) फा पु –नीचे का जबडा, नीचे जबडे की हड्डी।

चाप (چاپ) फा पु –छाप, मुद्रण, छपना, अर्धवृत्त, कौस।

चापची (چاپچی) फा वि –छापनेवाला, मुद्रक।

चापाती (چاپاتی) फा स्त्री –चपाती, पतली और बडी रोटी, जो हाथ से बढायी गयी हो।

चापार (چاپار) फा पु –डाक, पोस्ट, डाकिया, चिट्ठीरसाँ।

चाप्लूस (چاپلوس) फा वि –चाटुकार, खुशामदी।

चाप्लूसी (چاپلوسی) फा स्त्री –खुशामद, चाटूक्ति।

चाबुक़ (چابق) तु पु –चषक, पियाला।

चाबुक (چابک) फा पु –कोडा, कशा, प्रतोद, तीव्र, तेज़, निपुण, होशियार।

चाबुकख़िराम (چابک خرام) फा वि –तेज़ चलनेवाला, तीव्रगति, शीघ्रगामी।

चाबुकख़िरामी (چابک خرامی) फा स्त्री –तेज चलना, शीघ्र गति, शीघ्र गमन।

चाबुकज़न (چابک زن) फा वि –कोडा मारनेवाला।

चाबुकज़नी (چابک زنی) फा स्त्री –कोडा मारना।

चाबुकदस्त (چابک دست) फा वि –कारीगरी मे कुशल, क्षिप्रहस्त, कुशलहस्त, तेज़ काम करनेवाला।

चाबुकदस्ती (چابک دستی) फा स्त्री –कारीगरी मे कुशलता, काम की तेज़ी।

चाबुकसवार (چابک سوار) फा पु –घोडे का अच्छा चढनेवाला, वह व्यक्ति जो घोडो को सधाता और सिखाता है।

चाबुकसवारी (چابک سواری) फा स्त्री –घोडे पर अच्छा चढना, घोडो को सधाने और सिखाने का काम।

चाबुकी (چابکی) फा स्त्री –निपुणता, दीक्षता, होशियारी (पु) तेज़ घोडा।

चाम (چامہ) फा पु –कविता, काव्य, शे'र, गज़ल।

चाम गो (چامہ گو) फा वि –कविता करनेवाला, कवि, शाइर।

चाम (چام) फा पु –पहाडी की घाटी।

चामक (چامق) तु पु –दे 'चामग'।

चामग (چامغ) तु पु –गहरा कुआँ।

चामिंद (چامندہ) फा वि –मूतनेवाला, पेशाब करनेवाला।

चामीं (چامیں) फा पु –'चामीन' का लघु, दे 'चामीन'।

चामीद (چامیدہ) फा वि –जिसने पेशाब किया हो।

चामीदनी (چامیدنی) फा वि –पेशाब करने योग्य।

चामीन (چامین) फा पु –पेशाब और पाखाना, गू और मत।

चार॰ (چارہ) फा पु –उपाय, तदबीर, प्रयत्न, कोशिश, उपचार, इलाज, आश्रय, सहारा, छल, मक्र।

चार॰गर (چارہگر) फा वि –चिकित्सक, उपचारक, वैद्य, तबीब।

चार॰गरी (چارہگری) फा स्त्री –चिकित्सा, उपचार, इलाज, दवा-दारु।

चार जोई (چارہجوئی) फा स्त्री –प्रयत्न, तदबीर, दौड-भाग, कोशिश।

चार पिज़ीर (چارہپذیر) फा वि –जिसकी चिकित्सा हो सके, साध्य, जिसका उपाय हो सके।

चार पिज़ीरी (چارہپذیری) फा स्त्री –इलाज हो सकना, उपाय हो सकना।

चार साज़ (چارہساز) फा वि –दे 'चार गर'।

चार.साज़ी (چارہسازی) फा स्त्री –दे 'चार गरी'।

चार (چار) फा वि –चार की सख्या, चत्वर, जो चार हो, चिकित्सा, इलाज, उपाय, तदबीर।

चारअब्रू (چارابرو) फा पु –डाढी, मूँछ, सिर और भौह के बाल।

चारआईन. (چارآئینہ) फा पु –एक चौकोर लोहे का पत्र जो तीर आदि के बचाव के लिए कपडो के नीचे छाती पर पहना जाता था।

चारएकार (چارۂکار) फा पु –कार्य का उपाय, प्रयत्न, अतिम उपाय, आखिरी कोशिश।

चारएदर्द (چارۂدرد) फा पु –पीडा की चिकित्सा, प्रम के रोग का इलाज।

चारक (چارک) फा वि –नकीब, चोबदार।

चारकुब (چارقب) तु पु –धनवान् लोगो के पहनने का एक वस्त्र-विशेष।

चारख़म (چارخم) फा पु –पूरा, खिंचा हुआ धनुष, एक प्रकार का धनुष।

चारख़ान. (چارخانہ) फा पु –चौकोर खानोवाला कपडा, जिसमे चार खानें हो।

चारगाम (چارگامہ) फा वि –तेज़ चलनेवाला घोडा।

चारगाह (چارگاہ) फा पु – एक रागिनी, आदमी का शरीर जो आग, पानी, वायु और मिट्टी इन चार तत्त्वो से बना है।

चारजबाँ (چارزباں) फा वि –बहुत अधिक बोलनेवाला, बातूनी, वाचाल।

चारज़ानू (چارزانو) फा पु –आलती पालती (पलथी) मारकर बैठने की मुद्रा।

चारजाम: (چارجامہ) फा पु –एक प्रकार की ज़ीन, जीनपोश।

चारताक़ (چارطاق) फा पु –एक प्रकार की रावटी।

चारताक़ अफ़गन (چارطاقافگن) फा वि –रावटी गाडने और फर्श आदि बिछानेवाला, फर्राश।

चारदह (چاردہ) फा वि –चौदह, चतुर्दश।

चारदहुम (چاردہم) फा वि –चौदहवाँ, चतुर्दश।

चारदाँग॰ (چاردانگ) फा पु –चारो ओर, सब तरफ, सारा ससार।

चारदीवार (چاردیوار) फा स्त्री –रात्रि, रात, निशा।

चारदीवारी (چاردیواری) फा स्त्री –घर, कोठी, बाग या इमारत आदि के घेरे की दीवार, प्राचीर, प्राकार, इहाता।

चारपा (چارپا) फा पु –चौपाया, पशु, मवेशी।

चारपाय॰ (چارپایہ) फा पु –दे 'चारपा'।

चारपार (چارپارہ) फा पु –बदूक मे भरा जानेवाला छर्रा।

चारबर्ग (چاربرگ) फा पु –एक फूल, पहाडी लाला।

चारबाग (چارباغ) फा पु –बहुत बडा और सुदर बाग, जिसमे हर प्रकार के पेड और फूल हो।

चारबालिश (چاربالش) फा पु –बडा तकिया, मस्नद, गावतकिया।

चारबेख़ (چاربیخ) फा स्त्री –चार वनौषधियो की जड, कासनी, सौफ, करफ्स और अगूर की जड।

चारमग़्ज़ (چارمغز) फा पु –अखरोट, अक्षरोट, एक प्रसिद्ध फल, तथा चार वनस्पतियो के बीज जो दवा मे पडते है।

चारमेख़ (چارمیخ) फा स्त्री –अपराधी को सजा देने का एक तरीका, जिसमे चार खूँटियाँ गाड़कर उसमे उसके हाथ-पाँव बाँध दिये जाते थे।

चारमौज. (چارموجہ) फा. पु –भँवर, जलावर्त, गिर्दाब।

चारशब. (چارشبہ) फा पु –बुधवार, बुध।

चारशान: (چارشانہ) फा वि –मोटा ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट; बहुत बडे डीलडौल का, गिराडील।

चारसू (چارسو) फा पु –चारो ओर, हर हरतरफ, वह बाजार जिसमे चारो ओर रास्ते और दुकाने हो, चौक-बाजार।

चारुक़ (چارق) तु पु –जगली तुर्कों के पहनने की एक प्रकार की जूती।

चारुम (چارم) फा वि –चहारुम, चतुर्थ, चौथा।

चारुमीं (چارمیں) फा वि –चौथा, चतुर्थ, चौथे का।

चारोनाचार (چاروناچار) फा वि –विवशतापूर्वक, मज्बूर होकर।

चाय (چاے) फा स्त्री –पीने की एक प्रसिद्ध पत्ती, चाह।

चाल (چال) फा पु –गर्त, गढा, कुआँ, कूप, चकोर पक्षी, जुए का दाँव, वह घोडा जिसके लाल और सफेद वाल मिले हुए हो।

चालाक (چالاک) फा वि –निपुण, दक्ष, होशियार, धूर्त, वचक, छली, फुर्तीला, चुस्त, व्यवहारानिष्ठ, वेईमान, तीव्र, तेज़।

चालाकदस्त (چالاک دست) फा वि –जिसके हाथ मे वहुत फुर्ती हो, जो आँखो के सामने से चीज़ उडा ले, हाथ की सफाई दिखानेवाला।

चालाकदस्ती (چالاک دستی) फा स्त्री –काम की तेजी, हाथ की सफाई।

चालाकी (چالاکی) फा स्त्री –धूर्तता, ठगी, वेईमानी, फुर्ती, चुस्ती, दक्षता, महारत, तीव्रता, तेजी।

चालिश (چالش) फा स्त्री –आक्रमण, चम्ला, धावा, चढाई।

चालीक (چالیک) फा पु –गिल्ली-डडे का खेल।

चालीश (چالیش) फा पु –इठलाकर टहलने का भाव।

चावली (چاولی) फा पु –सूप, छाछ, जिससे नाज फटका जाता है।

चावीद (چاویده) फा वि –चवाया हुआ।

चाश (چاش) तु पु –भूसा से निकाला हुआ गल्ला।

चाश्त (چاشت) फा स्त्री –सूर्योदय से एक पहर तक का समय, इस समय का हल्का खाना, नाश्ता, जलपान, इस समय की नमाज।

चाशनी (چاشنی) फा स्त्री –शकर आदि का किवाम, चखावट, चखने का भाव।

चाशनीगीर (چاشنی گیر) फा वि –चाशनी लेनेवाला, वावरची, रसोइया।

चाह (چاه) फा पु –कुआँ, कूप, गढा, गर्त।

चाहकन (چاه کن) फा वि –कुआँ खोदनेवाला, कूपकार, दूसरे के काम मे विघ्न डालनेवाला, छली, वचक, फरेवी।

चाहकनी (چاه کنی) फा स्त्री –कुआँ खोदने का काम, दूसरे के काम मे वाधा डालना, छल करना, दगावाजी।

चाहजू (چاه جو) फा पु –कुएँ मे गिरी हुई वस्तु निकालने का काँटा।

चाहमग (چاه مغ) फा पु –गहरा कुआँ।

चाहे कन्आँ (چاه کنعاں) फा अ पु –वह अधा कुआँ जिसमे हज्रत यूसुफ को उनके भाइयो ने डाला था।

चाहे खसपोश (چاه خس پوش) फा पु –घास से ढँका हुआ कुआँ, तृणाच्छन्न कूप।

चाहे गब्गब (چاه غبغب) फा पु –दे 'चाहे ज़कन।

चाहे ज़कन (چاه ذقن) फा अ पु –वह गढा जो ढोडी के वीच मे होता है, चिवुक-कूपिका।

चाहे ज़नख (چاه زنخ) फा पु –दे 'चाहे ज़कन'।

चाहे ज़नखदाँ (چاه زنخداں) फा पु –दे 'चाहे ज़कन'।

चाहे नख़्शब (چاه نخشب) फा पु –नख़्शब (तुर्किस्तान का एक नगर) का वह गार जहाँ से उस समय के प्रसिद्ध वैज्ञानिक हकीम इब्ने मुकन्ना ने एक कृत्रिम चद्रमा उदय किया था, जो चोरो और वारह-वारह मील रौशनी देता था, और दिन को गार मे छिप जाता था।

चाहे नाफ (چاه ناف) फा पु –नाभिकूप, टुडी, तुडी।

चाहे निस्याँ (چاه نسیاں) फा अ पु –अधा कुआँ, जिसमे पानी न हो और ध्वस्त हो गया हो।

चाहे वावुल (چاه بابل) फा पु –वह कुआँ जिसमे 'हारूत' और 'मारूत' नाम के दो फिरिश्ते वद है, और जो लोगों को जादू सिखाते हैं।

चि

चिंगेज़ (چنگیز) तु पु –हुलाकू खाँ का दादा, जो वडा अत्याचारी था, वारहवी शताब्दी (ईसवी) मे।

चिंगेज़ज़ाद (چنگیز زاد) तु फा वि –उज्बुक वश के लोग।

चिंदावुल (چنداول) तु पु –सेना का वह दल जो सेना के पीछे उसकी रक्षा के लिए चलता है।

चि (چہ) फा अव्य –क्या, कि।

चिक (چق) तु –चिलमन।

चिकाँ (چکاں) फा वि –टपकता हुआ, टपकानेवाला (प्रत्य) टपकानेवाला, जैसे–'खूँचिका' खून टपकानेवाला।

चिकानिद (چکاننده) फा वि –टपकानेवाला।

चिकानीद (چکانیده) फा वि –टपकाया हुआ।

चिकार (چکاره) फा वि –निकम्मा, नाकार।

चिकिंद (چکنده) फा वि –टपकनेवाला।

चिकिन (چکن) फा स्त्री –एक प्रकार का कशीदा जो रेशम या सूत से कपड पर काढा जाता है, इस कशीदे का कपडा।

चिकिश (چکش) फा स्त्री –टपकन, टपक।

चिकीद (چکیده) फा वि –टपका हुआ।

चिकीदनी (چکیدنی) फा वि –टपकने योग्य।

चिखुश (چه خوش) फा वा –एक व्यगात्मक शब्द, क्या खूब, वहुत खूब।

चिग़ (چغ) तु स्त्री –दे 'चिक'।

चिगिल (چگل) फा पु –तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर, जहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

चिगीं (چگیں) फा पु —कढा हुआ कपडा, चिकिन।
चिगून. (چگونہ) फा अव्य —किस प्रकार, कैसे, क्योंकर।
चिगूनगी (چگونگی) फा स्त्री —क्या है, क्यो है, कैसा है, यह भाव; वृत्तात, हाल, कैफियत।
चिग़ता (چغتا) तु पु —तुर्कों की एक कौम।
चिग़ताई (چغتائی) तु वि —चिग्ता कौम का व्यक्ति।
चिज़िक (چزی) फा स्त्री —साही, एक कांटेदार जतु।
चिदार (چدار) फा स्त्री —गाडी, शकट।
चिप्लक (چپلک) फा वि —अपवित्र, नापाक, मलिन, मलिष्ठ, गदा।
चिरा (چرا) फा अव्य —क्यो, किसलिए, किस कारण।
चिराग़ (چراغ) फा पु —दे 'चराग', दो शु हैं।
चिराग़ाँ (چراغاں) फा पु —दे 'चरागाँ', दो शु हैं।
चिरिंग (چرنگ) फा पु —धमाका, चोट लगने का शब्द।
चिर्क (چرک) फा पु —मैल, गदगी, विष्ठा, गू, पीप, रीम, आँख का मैल।
चिर्कआलूद (چرک آلود) फा वि —मलयुक्त, गदा।
चिर्की (چرکیں) फा वि —'चिर्कीन' का लघु, दे 'चिर्कीन'।
चिर्कीन (چرکین) फा वि —मलिन, मलिष्ठ, गदा।
चिर्म (چرم) फा पु —दे शु उ 'चर्म', यह अशुद्ध है।
चिल (چل) फा वि —'चिहिल' का लघु, चालीस, मूर्ख, बुद्धू (पु) चीड का पेड।
चिलग़ोज़ः (چلغوزہ) फा पु —चीड का फल, जो मशहूर मेवा है।
चिलचिरा.(چلچرہ) फा पुं —चील, चिल्ल, कछुआ, कच्छप।
चिलत (چلتہ) फा पु —कवच, जिरिह।
चिलिम (چلم) फा स्त्री —तम्बाकू पीने का पात्र, जो हुक्के पर रखकर या हाथ से पिया जाता है। (चिलम)
चिलिमपोश (چلم پوش) फा पु —चिलिम पर ढांकने का ढक्कन, जिससे आग न उडे।
चिली (چلی) फा वि —मूर्ख, बेवकूफ, बुद्धू।
चिल्कद (چلتد) फा पु —कवच, जिरिह, दे चिल्कव और 'चिल्त'।
चिल्कब (چلتب) फा पु —दे 'चिल्कद' और 'चिल्त'।
चिल्त (چلتہ) फा पु —कवच, जिरिह, दे चिल्कद और 'चिल्कव'।
चिल्पास (چلپاسہ) फा स्त्री —छिपकली, गृहगोधा, दे 'चल्पास' दोनों शुद्ध हैं।
चिल्ल (چلہ) फा पु —डोरा, तांता, चालीस दिन में होनेवाला काम, चालीस दिन का समय, चालीस दिन तक लगातार पढा जानेवाला मत्र आदि।
चिल्ल कश (چلہ کش) फा वि —चालीस दिन तक नियमपूर्वक मत्र आदि पढनेवाला।
चिल्ल कशी (چلہ کشی) फा स्त्री —किसी कार्यविशेष की सिद्धि के लिए नियमपूर्वक चालीस दिन कोई जप अथवा मत्र उच्चारण करना।
चिल्लए कमाँ (چلۂ کماں) फा पु —धनुष का कोना।
चिश्त (چشت) फा पु —अफगानिस्तान का एक गाँव।
चिश्ती (چشتی) फा वि —चिश्त गाँव का निवासी, हज़रत मुईनुद्दीन चिश्ती जिनका मजार अजमेर में है, चिश्ती खानदान का मुरीद।
चिहा (چہا) फा अव्य —क्या-क्या, कैसा-कैसा, कितना कुछ क्या कुछ, बहुत कुछ।
चिहिल (چہل) फा वि —चालीस।
चिहिलकदमी (چہل قدمی) फा अ स्त्री —धीरे-धीरे टहलना, हवाखोरी करना, मन-बहलाव के लिए थोडी दूर तक टहलना। (चहलकदमी)
चिहिलत. (چہلتہ) फा पु —दे 'चिलत'।
चिहिलतन (چہلتن) फा पु —चालीस बडे महात्मा जिन पर सारे ससार का भार होता है।
चिहिल रोज (چہل روزہ) फा वि —चालीस दिन में खत्म होनेवाला काम, चालीस दिन के प्रोग्राम का काम।
चिहिलुम (چہلم) फा वि —चालीसवाँ, मुर्दे का चालीस दिन में होनेवाला सस्कार, कर्बला के शहीदो का चालीसवाँ।
चिह्. (چہرہ) फा पु —दे 'चेह्'।
चिह्र (چہر) फा पु —दे 'चेह्र'।
चिह्लुम (چہلم) फा पु —दे 'चेहलुम'।

ची

चीं (چیں) फा प्रत्य —'चीन' का लघु, दे 'चीन'।
चीं बअब्रू (چیں بابرو) फा वि —भौंह पर बल पडे हुए, भौ तनी हुई, जिसकी भौह पर अप्रसन्नता से बल पडे हो, रुष्ट।
चीं ब जबीं (چیں بجبیں) फा वि —जिसके माथे पर नाखुशी से बल पड गये हो, अप्रसन्न, रुष्ट, नाखुश।
चीं बर जबीं (چیں بر جبیں) फा वि —दे 'चीं ब जबीं'।
ची (چی) तु प्रत्य —वाला, शब्द के अन्त में आकर अर्थ देता है, जैसे—'तोपची'।
चीक चीक (چیک چیک) फा स्त्री —चिडियों की चहकार।
चीज (چیز) फा स्त्री —वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, शय।
चीज़ग़ीज (چیز میز) फा स्त्री —थोडा, न्यून, अल्प।
चीजलीज (چیز لیز) फा स्त्री —पूँजी, सरमाया, सामर्थ्य, बिसात।

चीदः (چیدہ) फा वि –चुना हुआ, छाँटा हुआ।
चीद.चीद (چیدہچیدہ) फा वि –चुने-चुने, छटे-छटे, मुख्य-मुख्य, खास-खास।
चीदनी (چیدنی) फा वि –चुनने योग्य, छाँटने योग्य।
चीन. (چینہ) फा पु –वे अन्न के दाने जो पक्षी खाते है, दीवार का रद्दा।
चीन.दान. (چینہدانہ) फा पु –पक्षी का पोटा।
चीनःदान (چینہدان) फा पु –दे 'चीन दान'।
चीन (چین) फा प्रत्य –चुननेवाला, जैसे—'गुलचीन' फूल चुननेवाला (पु) एक प्रसिद्ध देश (स्त्री) झुर्री, शिकन, बल।
चीनिंद (چینندہ) फा वि –चुननेवाला।
चीनी (چینی) फा वि –चीन का निवासी, चीन की भाषा, चीन की सफेद मिट्टी।
चीने अब्रू (چیں ابرو) फा स्त्री –भौहो का तनाव, भौ का बल, जो क्रोध का चिह्न है।
चीने जबीं (چیں جبیں) फा स्त्री –माथे का बल, जो अप्रसन्नता का चिह्न है।
चीने पेशानी (چیں پیشانی) फा स्त्री –दे 'चीने जबीं'।
चीर (چیرہ) फा वि –शक्तिशाली, ताक्तवर, विजेता, गालिब (पु) पगडी, उष्णीष।
चीर दस्त (چیرہدست) फा वि –अत्याचारी, अन्यायी, जालिम, जोरावर, जबर्दस्त।
चीर दस्ती (چیرہدستی) फा स्त्री –अत्याचार, जुल्म, जोरावरी, जबर्दस्ती।
चीर बद (چیرہبند) फा वि –पगडी बाँधनेवाला, (स्त्री) वह वेश्या-पुत्री जो अभी कुमारी हो।
चीर बदी (چیرہبندی) फा स्त्री –पगडी बाँधना।
चीरगी (چیرگی) फा स्त्री –शूरता, वीरता, बहादुरी, जबरदस्ती, अन्याय।
चीलदो (چیلدو) तु पु –इन्आम, पुरस्कार, बख्शिश।
चीस्त (چیست) फा अव्य –क्या है?
चीस्ताँ (چیستاں) फा स्त्री –पहेली, प्रहेलिका, मुअम्मा।

चु

चुग (چنگ) फा स्त्री –चोच, चचु।
चुदुर (چندر) फा पु –चुकदर, एक तरकारी।
चुबल (چنبل) फा पु –भिक्षापात्र, कमडल।
चुक़दर (چقندر) फा पु –एक तरकारी।
चुकुस (چکس) फा पु –बुलबुल आदि के बैठाने का अड्डा।
चुखा (چوخا) तु पु –एक प्रकार का कोट जो प्राय फकीर पहनते हैं, दे 'चूखा'।
चुगा (چوغا) तु पु –एक प्रकार का अँगरखा।
चुगुल (چغل) तु वि –पिशुन, चुगली खानेवाला।
चुगुलखोर (چغل خور) अ वि –काइदे से यह शब्द अशुद्ध है, क्योकि 'चुगुल' का अर्थ चुगली खानेवाले के हैं।
चुगुलखोरी (چغل خوری) अ स्त्री –चुगली खाना, पिशुनता, काइदे से यह शब्द अशुद्ध है, इसके स्थान पर 'चुगुली' शुद्ध है।
चुगुली (چغلی) तु स्त्री –चुगली खाना, पिशुनता।
चुग्ज (چغز) फा पु –मेढक, मडूक, बद फोडा, दे 'चग्ज' दो शुद्ध हैं।
चुग्द (چغد) फा पु –उलूक, पेचक, उल्लू (वि) मूर्ख बुद्धिहीन, मूढ, उल्लू।
चुग्ली (چغلی) तु स्त्री –पिशुनता, चुगुलखोरी।
चुना (چناں) फा अव्य –वैसा, उस प्रकार का, उतना, वैसा, इतना, ऐसा।
चुनाचे (چنانچہ) फा अव्य –अत, इसलिए, फलस्वरूप, नतीजे मे।
चुनाक (چناق) तु पु –दे 'चुनाग', दो शु हैं।
चुनाग (چناغ) तु पु –जीन, घोडे की काठी, पालान, नमदा।
चुनीं (چنیں) फा अव्य –ऐसा, इस प्रकार का, ऐसे, इस तरह, यूँ।
चुनीद (چنیدہ) फा वि –चुना हुआ, छाँटा हुआ।
चुनू (چنو) फा अव्य –'चूँ' का लघु, दे 'चूँ'।
चुफ्त (چفت) फा वि –मोटा-ताजा, चर्बीला, फुर्तीला, तेज, मोटा, दलदार।
चुमाक (چماق) तु पु –वह गदा जो लोहे का होता है और जिसका गोला षट्कोण होता है, शिश्न, मेहन, लिंग।
चुम्च (چمچہ) तु पु –चम्च, चमस, शु उ नही है, परतु उर्दूवाले 'चम्च' बोलते हैं, दे 'चम्च'।
चुर्बक (چربک) फा पु –असत्य, झूठ, चाटुकर्म, खुशामद, व्यग, तज, अश्लीलता, फक्कडपन, लज्जा, पहेली।
चुलाव (چلاو) तु पु –भात, खुश्क, सादे चावल।
चुलिस्ताँ (چولستاں) तु पु –वह जगल जिसमे न पेड हो न पानी।
चुली (چلی) फा स्त्री –भीरुता, कायरता, डरपोकपन, नपुसकता, क्लीवता, नामर्दी।
चुलूक (چلوک) फा स्त्री –गाडी, शटक, धतूरा, धत्तूर, एक विषैला फल।
चुवाक (چواک) फा स्त्री –पूरी, घी मे बना हुआ फुलका।
चुस (چس) फा पु –वह अपान वायु जिसमें शब्द न हो।

चुस्तः (چسته) फा पु –बकरी आदि का ऐन, खीरी।
चुस्त (چست) फा वि –फुर्तीला, मुस्तइद, दक्ष, होशियार, कसा हुआ लिवास, ठीक, फिट, दृढ, मजबूत।
चुस्ती (چستی) फा स्त्री –फुर्तीलापन, दक्षता, होश-यारी, दृढता, मजबूती।
चुह्र: (چہرہ) फा पु –विना डाढी-मूछो का लडका, अम्रद।

चू

चूँ (چوں) फा अव्य –कैसे, किस प्रकार, जब, जिस समय, तुल्य, समान।
चूँकि (چونکہ) फा अव्य –क्योकि।
चूख़ा (چوخا) तु पु –ऊनी कोट जो फकीरो का लिबास है।
चूज़: (چوزہ) फा पु –दे 'चूज़'।
चूज़ (چوزہ) फा पु –मुर्गी का बच्चा (व्यग) नयी और सुदर स्त्री।
चूज़:रुबा (چوزہ ربا) फा स्त्री –चील, चिल्ल।
चूज़ (چوز) फा पु –चकोर, कब्क, वह शिकारी पक्षी का वच्चा जिसने अभी शिकार करना न सीखा हो।
चूनीं (چونیں) फा अव्य –दे 'चुनी'।
चूनोचरा (چون وچرا) फा स्त्री –वाद-विवाद, कहा-सुनी।

चे

चेख़ (چیخ) फा पु –वह मनुष्य जिसकी पलके झड गयी हो, चुधा।
चेचक (چیچک) तु स्त्री –फूल, गुल, सीतला रोग, माता, शीतला, विस्फोटक, मसूरिका, खसरा।
चेनः (چینہ) फा पु –दे 'चीन'।
चेन:दान (چینہ دان) फा पु –दे 'चीन दान'।
चेहर: (چہرہ) फा पु –मुखाकृति, मुखमडल, शक्ल, सूरत, सामने का भाग, हुल्या।
चेहर कुशा (چہرہ کشا) फा वि –मुँह पर से पर्दा उठाने-वाला, मुँह खोलनेवाला।
चेहर कुशाई (چہرہ کشائی) फा स्त्री –मुँह खोलना, किसी की तस्वीर पर से पर्दा उठाने की रस्म।
चेहर ख़ेज़ (چہرہ خیز) फा वि –स्वच्छ, साफ, प्रकाशित, रौशन।
चेहर नवीस (چہرہ نویس) फा वि –हुल्या लिखनेवाला।
चेहर नवीसी (چہرہ نویسی) फा स्त्री –हुल्या लिखने का काम।
चेहर:पर्दाज (چہرہ پرداز) फा वि –चित्रकार, मुसव्विर, चितेरा।
चेहर:पर्दाज़ी (چہرہ پردازی) फा स्त्री –चितेरे का काम, मुसव्विरी।

चो

चो (چو) फा अव्य –जो, अगर, यदि, जब, जिस समय।
चोख़ीद (چوخیدہ) फा वि –फिसला हुआ।
चोख़ीदनी (چوخیدنی) फा वि –फिसलने योग्य।
चोबः (چوبہ) फा पु –वाण, तीर, छोटी कील।
चोब (چوب) फा स्त्री –काष्ठ, काठ, लकडी, लाठी, यष्टि।
चोबक (چوبک) फा स्त्री –छोटा डडा, नक्कारा बजाने की लकडी।
चोबकज़न (چوبک زن) फा वि –नक्कारची, नक्कारा बजानेवाला, चौकीदारो का मेट जो एक लकडी और एक तख्ता लेकर रात मे गश्त करता और तख्ते पर लकडी ठोकता था, जिससे सारे पहरा देनेवाले होशयार हो जाते थे।
चोबकी (چوبکی) फा वि –चोबदार, दडधारी।
चोबख़्वार (چوب خوار) फा वि –लकडी खानेवाला कीडा, दीमक।
चोबगज़ (چوب گز) फा पु –कपडा नापने का गज।
चोबगी (چوبگیں) फा स्त्री –कपास ओटने की चर्खी।
चोबचीनी (چوب چینی) फा स्त्री –चीन देश की एक लकडी जो दवा के काम आती है। लाल रग की तथा अत्यन्त रक्त-शोधक होती है।
चोबदस्त (چوبدست) फा स्त्री –दे 'चोबदस्ती'।
चोबदस्ती (چوبدستی) फा स्त्री –हाथ मे पकडने की छडी।
चोबदार (چوبدار) फा पु –लकडी लेकर आगे चलनेवाला व्यक्ति, नकीब, प्रतिहारी, द्वारपाल, दरवान।
चोबा (چوبا) फा पु –लकडी की थूनी, थुनकी, लोहे की पतली और लबी कील।
चोबी (چوبیں) फा वि –लकडी का बना हुआ, काष्ठमय।
चोबी (چوبی) फा वि –दे 'चोबी'।
चोबे तरीक़ (چوب طریق) अ फा स्त्री –पबलिक को किसी बात से रोकने के हेतु डराने के लिए कर्मचारियो का डडा।
चोबे ता'लीम (چوب تعلیم) फा अ स्त्री –पढानेवाले का डडा, जिससे वह मारता है।
चोबे मुहस्सिल (چوب محصل) फा अ स्त्री –चुगी आदि वसूल करनेवाले का डडा।
चोबे शिगाफ (چوب شگاف) फा स्त्री –चिरी हुई लकडी की फटन मे दी जानेवाली पच्चर।
चोशिंद (چوشندہ) फा वि –चूसनेवाला।
चोशीद (چوسیدہ) फा वि –चूसा हुआ।

चोशीद (چوشید) फा स्त्री—दे 'चोशीदगी'।
चोशीदगी (چوشیدگی) फा स्त्री—चूसने का भाव, चून।
चोशीदनी (چوشیدنی) फा वि—चूसने के योग्य।

चौ

चौगाँ (چوگاں) फा पु—'चौगान' का लघु, दे 'चौगान'।
चौगाँबाज़ (چوگاں باز) फा वि—चौगान (पोलो) खेलने-वाला।
चौगाँबाज़ी (چوگاں بازی) फा स्त्री—पोलो का खेल।
चौगान (چوگان) फा पु—एक खेल जिसमें घोडो पर चढकर गेंद खेला जाता है, पोलो।
चौगानी (چوگانی) फा पु—वह घोडा जो पोलो पर सधा हो।
चौतर (چوترہ) फा पु—मकान के आगे का फर्श, चबूतरा।
चौपाँ (چوپاں) फा पु—'चौपान' का लघु, दे 'चौपान'।
चौपान (چوپان) फा पु—रेवड चरानेवाला, चरवाहा।
चौपानी (چوپانی) फा स्त्री—रेवड चराने का काम, चर-वाहागीरी, गल्ल बानी।
चौंसिंद. (چوسندہ) फा वि—चिपकनेवाला।
चौसीद (چوسیدہ) फा वि—चिपका हुआ।
चौसीदनी (چوسیدنی) फा वि—चिपकने के लायक।

ज

जंग (جنگ) फा स्त्री—युद्ध, रण, समर, संग्राम, संयुग, लडाई, हर्ब, कलह, झगडा, झडप, उपद्रव, फसाद, वैर, शत्रुता, दुश्मनी, प्रतिद्वंद्विता, रकाबत।
ज़ंग (زنگ) फा पु—ठंड और तरी से धातुओं में लगने वाला मैल, कसाव, मोरचा, मंडूर, मैल, गंदगी, पाप, गुनाह, घटा, घडियाल, हब्श देश।
जंगआज़मा (جنگ آزما) फा वि—लडाई का अनुभवी, युद्ध-कुशल, लडाई में मशगूल, युद्धरत।
जंगआज़माई (جنگ آزمائی) फा स्त्री—लडाई का अनुभव, लडाई में मशगूलियत, लडाई।
जंगआज़्मूद. (جنگ آزمودہ) फा वि—लडाई के मैदान मारे हुए, अनुभवी योद्धा, युद्ध-कुशल।
जंगआज़्मूदगी (جنگ آزمودگی) फा स्त्री—लडाई का अनुभव रखना, युद्ध-अनुभव, युद्ध-कौशल।
ज़ंगआलूद. (زنگ آلودہ) फा वि—मोरचा खाया हुआ, ज़ंग लगा हुआ।
ज़ंगआलूदगी (زنگ آلودگی) फा स्त्री—मोरचा लग जाना, ज़ंग लगकर खराब हो जाना।
ज़ंगख़ुर्द. (زنگ خوردہ) फा वि—दे 'ज़ंगआलूद'।
ज़ंगख़ुर्दगी (زنگ خوردگی) फा स्त्री—दे 'ज़ंगआलूदगी'।
जंगख़्वाह (جنگ خواہ) फा वि—लडाई चाहनेवाला, जो चाहता हो युद्ध हो जाय।
जंगगाह (جنگ گاہ) फा स्त्री—लडाई का मैदान, रणभूमि, रणस्थल, युद्ध-क्षेत्र।
जंगजू (جنگ جو) फा वि—प्रकृति से लडाई-झगडा पसंद करनेवाला, लडाका, सैनिक, सिपाही।
जंगजूई (جنگ جوئی) फा स्त्री—लडाकापन, सैनिकता, सिपाहीपन, युद्ध, लडाई।
जंग ना आज़्मूद. (جنگ ناآزمودہ) फा वि—जिसे युद्ध का अनुभव न हो।
जंगपसंद (جنگ پسند) फा वि—जिसे युद्ध और रक्तपात अच्छा लगता हो, युद्धप्रिय।
जंगपसंदी (جنگ پسندی) फा स्त्री—युद्ध और रक्तपात को पसंद करना।
जंगबाज़ (جنگ باز) फा वि—जो हर समय लडाई की ही बात सोचता रहता हो, जिसे हर समस्या का हल युद्ध में दीख पडता हो।
जंगबाज़ी (جنگ بازی) फा स्त्री—हर समय लडाई की ही बात सोचना, हर समस्या को लडाई द्वारा ही हल करने की कोशिश करना।
जंगल (جنگل) फा पु—वन, विपिन, कानन, सह्रा, चटयल मैदान, वियाबान।
जंगली (جنگلی) फा वि—जंगल का निवासी, असभ्य, अशिष्ट, वहशी, जंगल में मिलनेवाली वस्तु।
जंगली यकपा (جنگلی یک پا) फा पु—एक जानवर जो मनुष्य की आकृति का होता है, केवल एक पाँव रखता है और बोल नहीं सकता, धामड व्यक्ति, हब्नक।
ज़ंगार (زنگار) फा पु—मंडूर, ज़ंग, ज़ंग से बनी हुई एक औषध।
ज़ंगारी (زنگاری) फा वि—जिसमें ज़ंगार पडा हो, ज़ंगार डालकर बनायी हुई ओषधि, ज़ंगार के रंग का।
जंगाह (جنگاہ) फा स्त्री—'जंगगाह' का लघु, युद्ध-भूमि, रणांगण, मैदाने जंग।
जंगी (جنگی) फा वि—लडाई से सम्बन्ध रखनेवाला, लडाई में काम आनेवाला।
ज़ंगी (زنگی) फा वि—हब्श देश का निवासी, हब्शी, बहुत ही काले रंग का व्यक्ति।
ज़ंगी नज़ाद (زنگی نژاد) फा वि—हब्शी नस्ल का, हब्शी।
ज़ंगुल (زنگلہ) फा पु—झाँझ, बडे मजीरे, घुँघरू।

जंगूलः (زنگولہ) फा पु –दे 'जगुल'।
जंगे आजादी (جنگ آزادی) फा स्त्री –देश को पराधीनता से मुक्त कराने की लडाई।
जंगे जरगरी (جنگ زرگری) फा स्त्री –झूठमूठ की केवल दूसरो को दिखाने की लडाई, कूटयुद्ध।
जंगे बर्री (جنگ بری) फा अ स्त्री –खुश्की की लडाई, स्थल-युद्ध।
जंगे बह्री (جنگ بحری) फा अ स्त्री –समुद्र मे जहाजो की लडाई, जलयुद्ध।
जंगे साख्त (جنگ ساختہ) फा स्त्री –दे 'जगे जरगरी'।
जगे हवाई (جنگ ہوائی) फा अ स्त्री –आकाश मे वायुयानो द्वारा लडाई, वायु-युद्ध।
जगोजदल (جنگ وجدل) फा अ स्त्री –मारकाट, रक्तपात, लडाई-झगडा।
जगोजिदाल (جنگ وجدال) फा अ स्त्री –दे 'जगोजदल'।
जचक (زنچک) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिशा।
जज (زنج) अ पु –दे जग (देश)।
जजबार (زنجبار) अ पु –पूर्वी अफ्रीका का एक साहिली टापू जहाँ से लौग आती है।
जजबील (زنجبیل) अ स्त्री –सोठ, शुठि, सूखा हुआ अदरक।
जजरः (زنجره) अ पु –झीगुर, एक प्रसिद्ध कीडा।
जजी (زنجی) अ वि –दे 'जगी', हबश का निवासी, हबशी।
जजीरः (زنجیره) फा पु –तरग, मौज, लहर, एक प्रकार की सिलाई।
जजीर बदी (زنجیره بندی) फा स्त्री –एक वस्तु का दूसरी वस्तु से अनिवार्य सम्बन्ध।
जजीर (زنجیر) फा स्त्री –शृखला, साँकर, क्रम, तर्तीब।
जजीरकशीद. (زنجیر کشیده) फा वि –दे 'जजीर गुसिस्त'।
जजीरखानः (زنجیرخانہ) फा पु –कारावास, जेलखाना।
जजीरगर (زنجیرگر) फा वि –शृखलाकार, 'जजीर बनानेवाला।
जजीरगुसिस्तः (زنجیرگسستہ) फा वि –जिसके पाँव का बधन टूट गया हो, स्वच्छद, स्वतत्र, आजाद।
जंजीरदार (زنجیردار) फा वि.–सम्बन्ध रखनेवाला, अनुयायी, मुत्तबे'।
जजीरफर्सा (زنجیر فرسا) फा वि –जंजीर को रगडनेवाला।
जजीरबान (زنجیربان) फा वि –कारागार का अध्यक्ष, जेलर।
जजीरमू (زنجیرمو) फा वि –घुँघराले बालोवाला (वाली)।
जंजीरसर (زنجیرسر) फा वि –दे 'जजीरमू'।
जंजीरसाज (زنجیرساز) फा वि –दे 'जजीरगर'।
जंजीरसोज (زنجیرسوز) फा वि –जजीर को जला देने वाला, जजीर को खत्म कर देनेवाला, बधनो को तोड देनेवाला।
जजीरी (زنجیری) फा वि –बदी, कैदी, पागल, दीवाना।
जजीरे आहन (زنجیرآہن) फा स्त्री –लोहे की जजीर, लोहपाश।
जजीर जुनूँ (زنجیر جنوں) फा अ स्त्री –वह जजीर जो पागल व्यक्ति को पहनायी जाती है।
जदः (زنده) फा वि –महान्, बडा, अज़ीम।
जद पील (زنده پیل) फा पु –बहुत बडा हाथी।
जद रोद (زنده رود) फा पु –बहुत बडी नदी, महानद।
जद (زند) फा वि –बडा, महान्, अजीम, चकमाक, अग्नि-प्रस्तर।
जद (زند) अ पु –पहुँचा, कलाई।
जद (ژند) फा पु –जरदुश्त का ग्रथ, जो पार्सियो का मूल धार्मिक ग्रथ है।
जदख्वाँ (زندخواں) फा वि –दे 'जदवाफ'।
जदपील (زند پیل) फा पु –दे 'जदपील'।
जदबाफ (زندباف) फा वि –गानेवाला पक्षी, बुलबुल, कुमरी अथवा फाख्ता आदि।
जदर्मः (جندرمہ) अ पु –पुलीस।
जदल (جندل) अ पु –बडा पत्थर, शिला।
जदलाफ (زندلاف) फा वि –दे 'जदवाफ'।
जदो उस्ता (ژندو اوستا) फा पु –'जद' का मूल ग्रथ और उसका महाकाव्य 'उस्ता'।
जदोपाजद (ژندوپاژند) फा पु –'जद' का मूल और उसका महाभाष्य 'पाजद'।
जब (جنب) अ पु –पार्श्व, पहलू, वक्ष स्थल, सीना, पस्ली।
जब (ذنب) अ पु –पाप, पातक, गुनाह।
जबक (زنبق) अ पु –चपा, एक प्रसिद्ध फूल।
जबर (زنبر) फा पु –बोझ उठाने की सीढी के आकार की एक चीज, मझी।
जबील (زنبیل) अ स्त्री –थैला, बेग, पिटारा।
जबूरः (زنبوره) फा. पु –छोटी तोप, बाण का फल, भिड, बर्र।
जबूर (زنبور) फा पु –छोटी तोप, बाण का फल, भिड, बर्र, एक औजार, शहद की मक्खी।
जबूरक (زنبورک) तु पु –छोटी और हलकी तोप, जो ऊँट आदि पर लादी जा सके।

ज़ंबूरख़ान (زنبورخانہ) फा पु–भिड़ो का छत्ता।
ज़ंबूरची (زنبورچی) तु पु–तोप चलानेवाला, तोपची।
ज़ंबूरी (زنبوری) फा पु–जालीदार कपडा, 'ज़ंबूर' से सम्बन्ध रखनेवाला।
ज़ंबूरे असल (زنبور عسل) फा अ पु–शहद की मक्खी।
ज़ईफ़ (ضعیفہ) अ स्त्री–वृद्धा स्त्री, निर्बला स्त्री।
ज़ईफ़ (ضعیف) अ वि–वृद्ध, वयोगत, वयोवृद्ध, बूढा, निर्बल, शक्तिहीन, कमजोर।
ज़ईफ़ आवाज़ (ضعیف آواز) अ फा वि–जिसकी आवाज़ बहुत कमज़ोर हो, जो बहुत धीमे से बोले।
ज़ईफ़ी (ضعیفی) अ स्त्री–वृद्धावस्था, बढापा, निर्बलता कमज़ोरी।
ज़ईफ़ुद्दिमाग़ (ضعیف الدماغ) अ वि–जिसका मस्तिष्क कमज़ोर हो, जिसे बात याद न रहती हो।
ज़ईफ़ुन्नज़र (ضعیف النظر) अ वि–जिसकी नेत्र-शक्ति कम-ज़ोर हो, मद दृष्टि।
ज़ईफ़ुलअक्ल (ضعیف العقل) अ वि–जिसकी बुद्धि कमजोर हो, जिसमे समझ-बूझ की कमी हो, मदमति।
ज़ईफ़ुलईमान (ضعیف الایمان) अ वि–जिसका विश्वास धर्म पर दृढ न हो, मदनिष्ठ।
ज़ईफ़ुलउम्र (ضعیف العمر) अ वि–वयोवृद्ध, बडी आयु-वाला।
ज़ईफ़ुलएतिक़ाद (ضعیف الاعتقاد) अ वि–जिसकी श्रद्धा किसी पर कम हो, जो सतो-साधुओ पर विश्वास कम रखता हो।
ज़ईफ़ुलक़ल्ब (ضعیف القلب) अ वि–जिसका दिल कमजोर हो, जो किसी दुर्घटना की खबर से तुरत हो व्याकुल जाय।
ज़ईफ़ुलकुवा (ضعیف القوی) अ वि–जिसके हाथ-पाँव कमज़ोर हो गये हो, जो शक्तिहीन हो गया हो।
ज़ईफ़ुलबसर (ضعیف البصر) अ वि–दे 'ज़ईफ़ुन्नज़र'।
ज़ईफ़ुलबुन्यान (ضعیف البنیان) अ वि–जिसकी नीव कमज़ोर हो।
ज़ईफ़ुलमेद (ضعیف المعدہ) अ वि–जिसकी पाचनशक्ति कमजोर हो।
ज़ईफ़ुलहज़्म (ضعیف الہضم) अ वि–दे 'ज़ईफ़ुलमेद' या मेदा, दो शु है।
ज़ईम (زعیم) अ पु–नेता, लीडर, रहनुमा।
ज़ईमुलमिल्लत (زعیم الملت) अ पु–राष्ट्र का नेता, पूरी कौम का नेता।
ज़कद (زقند) फा स्त्री–छलाँग, फलाँग, उछाल।
ज़क (زک) फा स्त्री–हानि, अनिष्ट, नुक्सान, पराजय, हार, शिकस्त, लज्जा, शर्म, अपमान, तिरस्कार, ज़िल्लत।
ज़कन (ذقن) अ स्त्री–चिबुक, ठुड्डी।
ज़कर (ذکر) अ पु–शिश्न, मेहन, लिंग, नर, पुरुष प्राणी।
ज़करीया (زکریا) अ पु–एक पैगबर जो आरे से चीरे गये थे।
ज़का (زکا) अ स्त्री–बढना, विकास, फलना-फूलना, अधिक होना, सुखचैन करना।
ज़का (ذکا) अ स्त्री–बुद्धि, मति, समझ, अक्ल, विवेक, तमीज।
ज़कात (زکات-زکوٰۃ) अ स्त्री–इस्लाम धर्म के अनुसार अढाई प्रतिशत का दान जो उन लोगो को देना पडता है जो मालदार हो और उन लोगो को दिया जाता है जो अपाहिज या असहाय और साधनहीन हो।
ज़काब (زکاب) अ स्त्री–लिखने की सियाही, मसि, मसिजल, रोशनाई।
ज़कावत (ذکاوت) अ स्त्री–बुद्धिमत्ता, मनीषा, अक्लमंदी, प्रतिभा, तेज़फहमी।
ज़कावत (زکاوت) अ स्त्री–वृद्धि, विकास, तीव्रता, तेजी तीक्ष्णता।
ज़कावते हिस (زکاوت حس) अ स्त्री–सवेदन शक्ति का बढ जाना, कुव्वते एहसास का अधिक हो जाना।
ज़की (ذکی) अ वि–बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।
ज़की (زکی) अ वि–पवित्र, शुद्ध, पाक, अनीह, नि स्पृह, अनिच्छुक, बेनियाज़।
ज़कीउलहिस (ذکی الحس) अ वि–जिसकी हिस तेज हो जाय, जिसकी सवेदन शक्ति बढ जाय।
ज़कीक (زکیک) अ स्त्री–धीमी चाल, मद गति।
ज़कीय (ذکیہ) अ स्त्री–बुद्धिमती, अक्लमद स्त्री, प्रतिभावती, तेज तबा स्त्री।
ज़क़ूम (زقوم) फा पु–थूहड का पेड।
ज़क़ूमाब (زقوم آب) फा पु–थूहड के पेड को कूटकर निचोडा हुआ पानी।
ज़क्कूम (زقوم) अ पु–थूहड का पेड।
ज़ख़ाइर (ذخائر) अ पु–'ज़ख़ीर' का बहु, 'ज़ख़ीरे'।
ज़ख़ाम (ضخام) अ वि–हर चीज जो बडे डीलडौल की हो।
ज़ख़ामत (ضخامت) अ स्त्री–मोटाई, दल, स्थूलता, मुटापा।
ज़ख़ारिफ़ (زخارف) अ पु–'ज़ख़्रफ़' का बहु, झूठी और बनावटी बाते।
ज़ख़ीम (ضخیم) अ वि–मोटा, दलदार, स्थूल, फर्बेह।

ज़ख़ीर. (ذخیرہ) अ पु –जमा किया हुआ, संचित किया हुआ, स्कंध।

ज़ख़ीर अंदोज़ (ذخیرہ اندوز) अ फा वि –नाज आदि का संचय करनेवाला।

ज़ख़ीर अंदोज़ी (ذخیرہ اندوزی) अ फा स्त्री –नाज आदि अथवा दूसरी बिकनेवाली वस्तुओं को इस आशय से जमा करना कि जब महँगी होगी तब बेचेंगे।

ज़ख़ीरएअमल (ذخیرۂ عمل) अ पु –अच्छे-बुरे कर्मों का परलोक के लिए संचय।

ज़ख़ीरएआख़िरत (ذخیرۂ آخرت) अ पु –परलोक में काम आनेवाले कर्म अर्थात् जप-तप आदि का संचय।

ज़ख़्ख़ार (زخار) अ वि –अपार, जिसका छोर न मिले, मौजें मारती हुई (नदी)।

ज़ख़्ख़ार (زخار) फा वि –शोर करनेवाला, घोर नाद करनेवाला।

ज़ख़्म· (زخمہ) फा पु –हर वह चीज जिससे कोई बाजा बजाए, मिज़राब, वाद्ययष्टि।

ज़ख़्म ज़न (زخمہ زن) फा वि –मिज़राब से साज बजानेवाला।

ज़ख़्म ज़नी (زخمہ زنی) फा स्त्री –मिज़राब से साज बजाना।

ज़ख़्म (زخم) फा पु –आघात, क्षति, घाव, अनिष्ट, हानि, जरर।

ज़ख़्मकोस (زخم کوس) फा पु –बड़ा नगाड़ा, धौंसा।

ज़ख़्मख़ुर्द (زخم خوردہ) फा वि –जिसे ज़ख़्म लगा हो, क्षत, आहत, घायल, ज़ख़्म खाया हुआ।

ज़ख़्मख़ुर्दगी (زخم خوردگی) ज़ख़्म खाना, घायल होना।

ज़ख़्मदीदः (زخم دیدہ) फा वि –दे 'ज़ख़्मख़ुर्द'।

ज़ख़्मनाख़ुर्द (زخم ناخوردہ) फा वि –जिसने ज़ख़्म न खाया हो, जो घायल न हुआ हो।

ज़ख़्मनादीद (زخم نادیدہ) फा वि –दे 'ज़ख़्मनाख़ुर्द'।

ज़ख़्मरसीद· (زخم رسیدہ) फा वि –क्षत, आहत, घायल, नुक़्सान उठाया हुआ।

ज़ख़्मरसीदगी (زخم رسیدگی) फा स्त्री –ज़ख़्मी होना, नुक़्सान उठाना।

ज़ख़्मी (زخمی) फा वि –घायल, आहत, क्षत, मज्रूह, आशिक, नायक।

ज़ख़्मीदिल (زخمی دل) फा वि –जिसका हृदय प्रेम से ज़ख़्मी हो, क्षतहृदय, मर्माहत।

ज़ख़्मेकारी (زخم کاری) फा पु –गहरा घाव, भरपूर घाव।

ज़ख़्मेकुह्न (زخم کہنہ) फा पु –पुराना घाव।

ज़ख़्मेख़दा (زخم خنداں) फा पु –खुला हुआ ज़ख़्म, ख़ून देनेवाला ज़ख़्म जिस घाव में टाँके न लगे हों।

ज़ख़्मेजिगर (زخم جگر) फा पु –जिगर का घाव, इश्क का ज़ख़्म।

ज़ख़्मेताज़ः (زخم تازہ) फा पु –नया नया घाव।

ज़ख़्मेतेज़ (زخم تیز) फा पु –गहरा ज़ख़्म।

ज़ख़्मेदामनदार (زخم دامن دار) फा पु –चौड़ा ज़ख़्म, फैला हुआ घाव।

ज़ख़्मेदिल (زخم دل) फा पु –हृदय का घाव, प्रेम का घाव।

ज़ख़्मेपिन्हाँ (زخم پنہاں) फा पु –भीतरी घाव, दिल का ज़ख़्म, प्रेम का ज़ख़्म।

ज़ख़्रफ़ः (زخرفہ) अ पु –झूठी और बनावटी बात।

ज़ग़द (زغند) फा स्त्री –दे 'जकंद'।

ज़ग़न (زغن) फा स्त्री –चील, चिल्ल, एक प्रसिद्ध पक्षी।

ज़ग़्तः (ضغطہ) अ पु –अटकाव, भिंचाव, रुकाव।

ज़च (زچہ) फा स्त्री –दे 'जच्चा'।

ज़च्च· (زچہ) फा स्त्री –वह स्त्री जिसने बच्चा जना हो, प्रसूता, सूतिका, प्रजाता, जातापत्या।

ज़च्च.ख़ान (زچہ خانہ) फा पु –सूतिकागृह, प्रसवगृह, सूतिकागार, जच्चा के रहने का कमरा आदि।

ज़च्च गरी (زچہ گری) फा स्त्री –बच्चा पैदा कराने का काम, दायागरी, कौमारभृत्य, धात्री-कर्म।

जज़ा' (جزع) अ स्त्री –आतुरता, अधीरता, बेसब्री।

जज़ा (جزا) अ स्त्री –प्रतिकार, बदला, इवज, अच्छे काम का बदला, प्रत्युपकार।

जज़ाइर (جزائر) अ पु –बहुत-से जजीरे, द्वीप-समूह।

जज़ालत (جزالت) अ स्त्री –दृढ़ता, मजबूती, सुन्दरता, हुस्न, उत्तमता, श्रेष्ठता, खूबी।

जज़ीर (جزیرہ) अ पु –टापू, द्वीप, वह जमीन जो समुद्र के बीच में हो।

जज़ीर.नुमा (جزیرہ نما) अ फा पु –खुश्की का वह भाग जो तीन ओर पानी में घिरा हो, प्रायद्वीप।

जज़ील (جزیل) अ वि –दृढ़, मजबूत, सुन्दर, हसीन, उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा।

जज़्बः (جذبہ) अ पु –भावना, मनोवृत्ति।

जज़्ब (جذب) अ पु –आकर्षण, कशिश, ब्रह्मलीनता, नेस्ती, (वि) आत्मसात्, एक में समाया हुआ।

जज़्बएइश्क (جذبۂ عشق) अ पु –प्रेमाकर्षण, मुहब्बत की कशिश।

जज़्बएकामिल (جذبۂ کامل) अ पु –पूर्णाकर्षण, पूरी कशिश; प्रेमाकर्षण, इश्क की कशिश,—"रफ्ता-रफ्ता जज्बेकामिल ने दिखाया यह असर, पहले जो मुझ में थी उल्फत अब वो उनके दिल में है।"

जज़्बएदिल (جذبۂدل) अ फा पु –दिल की कशिश, हृदाकर्षण।

जज़्बात (جذبات) अ पु –भावनाएँ, जज़्बे, ख़यालात, विचार।

जज़्बाती (جذباتی) अ वि –भावनाओ की रौ मे बह जानेवाला, भावुक।

जज़्बातीयत (جذباتیت) अ स्त्री –भावुकता, भावनाओ का वेग।

जज़्बी (جذبی) अ वि –जज़्ब से सम्बन्ध रखनेवाला।

जज़्बेदिल (جذبِ دل) अ फा पु –दिल की कशिश, प्रेम का आकर्षण।

जज़्बोकशिश (جذب وکشش) अ फा स्त्री –जज़्ब और कशिश।

जज़्म (جزم) अ पु –दृढ, पक्का, मज़बूत, अक्षर को हल करने का चिह्न (ْ)

जज़्र (جذر) अ पु –वह सख्या जो किसी सख्या मे उतनी ही बार भाग देने से प्राप्त हो, जैसे—१६ का जज़्र ४।

जज़्र (جزر) अ पु –घटाव, उतार, पानी का उतार, भाटा।

ज़ज्र (زجر) अ स्त्री –डाँट-डपट, झिडकी, फटकार, भर्त्सना, तर्जन।

ज़ज्रोतैबीख़ (زجروتوبیخ) अ स्त्री –डाँट-फटकार, डाँट-डपट।

जज़्रोमद (جزرومد) अ पु –समुद्र के पानी का उतार-चढाव, ज्वारभाटा।

ज़द (زدہ) फा वि –मारा हुआ, आहत, हत, (प्रत्य) मारा हुआ, जैसे—'ग़मज़द' ग़म का मारा हुआ।

ज़द (زد) फा स्त्री –चोट, मार, निशाना, सामना।

जद (جد) अ पु –दादा, पितामह, नाना, मातामह।

जदल (جدل) अ स्त्री –युद्ध, समर, जग, कलह, झगडा, वाक्कलह, वाद-विवाद, हुज्जत।

जदाविल (جداول) अ पु –'जद्वल' का बहु, सारणी-समूह।

जदी (جدی) अ पु –बकरी का बच्चा, अजाशावक, मकर राशि, बुर्जेजदी।

जदीद (جدید) अ वि –नूतन, नवीन, नया, आधुनिक, हाल का, प्रतीच्य, मग्रिबी।

जदीदान (جدیدان) अ पु –दिनरात, अहर्निश।

ज़दोकोब (زدوکوب) फा स्त्री –मार-पीट, लात-घूँसा।

जद्इ (جدی) अ स्त्री –दे 'जदी', शुद्ध उच्चारण यही है।

जद्द (جدہ) अ स्त्री –दादी, पितामही, नानी, माता-मही।

जद्देअम्जद (جدِامجد) अ पु –दादा, पितामह।

जद्देआला (جدِاعلیٰ) अ पु –मूल पुरुष, वश प्रवर्तक, मूरिसेआ'ला, जिससे ख़ान-दान चला हो।

जद्देफासिद (جدِفاسد) अ पु –नाना, मातामह।

जद्वल (جدول) अ स्त्री –नहर, छोटी नदी, पुस्तक के चारो ओर का हाशिया, सारिणी, ख़ानोदार तफ़सीली नक्शा।

जद्वार (جدوار) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध दवा निरविसी।

ज़न (زن) फा स्त्री –स्त्री, जनि, नारी, योषित्, औरत, भार्या, जाया, पत्नी, जोरू, बीबी, (प्रत्य) मारनेवाला, जैसे—'तेग़ज़न' तलवार मारनेवाला।

ज़न (ظن) अ पु –विचार, ख़याल, धारणा, गुमान।

ज़नख़-दाँ (زنخداں) फा स्त्री –चिबुक, ठुड्डी।

ज़नचक (زن چک) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, फाहिशा, पुश्चली।

ज़नपरस्त (زن پرست) फा वि –स्त्री की पूजा करनेवाला, स्त्री-पूजक, पत्नी की बात के ख़िलाफ न करनेवाला, पत्नी-भक्त।

ज़नब (ذنب) अ पु –पुच्छ, पूँछ, दुम, राहु, एक सितारा।

ज़नबमुज़्द (زن بمزد) फा पु –स्त्री की कमाई खानेवाला, भार्याट, दैयूस, भँड़वा।

ज़नमुरीद (زن مرید) फा अ वि –अपनी पत्नी को ही सब कुछ समझनेवाला, स्त्रीजित, भार्याजित, पत्नीभक्त, पत्नीव्रती।

ज़नबुलफरस (ذنب الفرس) अ पु –एक सितारा, राहु।

ज़नाँ (زناں) फा स्त्री –'ज़न' का बहु, स्त्रियाँ, (वि) मारता हुआ (प्रत्य) मारता हुआ, जैसे—ख़द ज़नाँ, कहकहा मारता हुआ।

जनाज़ (جنازہ) अ पु –कफ़न मे लपटा हुआ शव, कपडे मे लिपटी हुई लाश, दे 'जिनाज़'।

जनाज़बरदार (جنازہ بردار) अ फा वि –जनाज़ा उठानेवाला।

जनाज़बरदोश (جنازہ بردوش) अ फा वि –कधे पर जनाज़ा उठाये हुए।

जनाज़एरवाँ (جنازۂرواں) अ फा पु –घोडा, अश्व, घोडे का सवार, अश्वारोही।

ज़नादिक़ (زنادقہ) अ पु –'ज़िदीक़' का बहु, नास्तिक और अधर्मी लोग।

ज़नान (زنانہ) फा पु –स्त्रियो-जैसे स्वभाववाला पुरुष, नरदारा, क्लीब, हिजडा, स्त्रियो का, स्त्रियो के योग्य।

ज़नानख़ान (زنانخانہ) अ पु –स्त्रियो का घर, जहाँ स्त्रियाँ रहती हो, अन्त पुर।

जनानेबाज़ारी (زنِ بازاری) फा स्त्री—वेश्याएँ, रंडियाँ, बाज़ारू औरतें, सतीत्व बेचनेवाली।

जनाब (جناب) अ स्त्री—ड्योढ़ी, चौखट, आस्तान, सम्मुख, सामने, श्रीमान्, महोदय, महाशय, पार्श्व, पहलू, दरगाह, आश्रम।

जनाबत (جنابت) अ स्त्री—मैथुन के पश्चात् स्नान की आवश्यकता, अशुचि, अपवित्रता, दूरी, अलाहिदगी, पृथक्ता।

जनाबीर (زنابیر) अ पु—'ज़बूर' का बहु, भिडे।

जनाबील (زنابیل) अ पु—'ज़बील' का बहु, थैले।

जनाबे आली (جنابِ عالی) अ वि—श्रीमन्महोदय, मान्यवर।

जनाबे मुकर्रम (جنابِ مکرم) अ वि—दे 'जनाबे आली'।

जनाबे मोहतरम (جنابِ محترم) अ वि—दे 'जनाबे आली'।

जनाबे वाला (جنابِ والا) अ वि—दे 'जनाबे आली'।

जनाशोई (زناشوئی) फा स्त्री—दाम्पत्य, स्त्री-पुरुष का, मियाँ-बीबी का।

जनाह (جناح) अ पु—पक्ष, पख, पुर, बाहु, भुजा, बाज़ू, सेनाग्र, हिरावुल।

जनीन (جنین) अ पु—पेट के भीतर का बच्चा, गर्भस्थ, भ्रूण।

जनीने मुर्द: (جنینِ مردہ) अ फा पु—वह बच्चा जो पेट मे मर गया हो।

जनीबत (جنیبت) फा पु—कोतल घोडा जो बादशाहो और राजाओ की सवारी का हो।

जनीम (زنیم) अ वि—वह व्यक्ति जो किसी वश का प्रसिद्ध हो, परन्तु उस वश का न हो, वह व्यक्ति जो दुष्टता और कृपणता मे प्रसिद्ध हो।

जनूब (جنوب) अ पु—दक्षिण, दक्खिन, दकन।

जनूबी (جنوبی) अ वि—दक्षिणीय, दक्खिन का।

जन्नत (جنت) अ स्त्री—स्वर्ग, नाक, देवलोक, सुरलोक, बिहिश्त, उद्यान, आराम, वाटिका, बाग।

जन्नत आरामगाह (جنت آرامگاہ) अ फा वि—जो स्वर्ग मे आराम कर रहा हो, दिवगत, स्वर्गीय, मर्हूम।

जन्नतनशी (جنت نشیں) अ फा वि—जो स्वर्ग मे रह रहा हो, अर्थात् जो मर गया हो, स्वर्गवासी।

जन्नतमका (جنت مکاں) अ वि—जिसका घर स्वर्ग हो, अर्थात् मरा हुआ व्यक्ति, स्वर्गीय, स्वर्ग-वेश्म।

जन्नती (جنتی) अ वि—जिसको मरने के पश्चात् स्वर्ग प्राप्त हुआ हो, स्वर्गीय, स्वर्ग के योग्य व्यक्ति, सदाचारी, पुण्यात्मा।

जन्नतुलफ़िर्दौस (جنت الفردوس) अ स्त्री—सब से ऊँचा (स्वर्ग), वह बाग जिसमे हर वह चीज़ हो जो दूसरे बागो मे हो।

जन्नतुलमावा (جنت الماوی) अ स्त्री—सबसे ऊपर का स्वर्ग।

जन्नते नज़र (جنت نظر) अ स्त्री—ऐसी सुन्दर और अद्भुत चीज जो दृष्टि के लिए स्वर्ग के समान हो, जो दृष्टि को स्वर्ग का आनन्द दे।

जन्नते निगाह (جنت نگاہ) अ फा स्त्री—दे 'जन्नते नज़र'।

ज़न्नी (ظنی) अ वि—काल्पनिक, कल्पित, ख़याली, भ्रमात्मक, मौहूम।

ज़न्नेबद (ظنِ بد) अ फा पु—कुधारणा, बुरा गुमान।

ज़न्नेबातिल (ظنِ باطل) अ पु—बिलकुल मिथ्या विचार, गलत गुमान।

ज़फ़र (ظفر) अ स्त्री—जय, विजय, जीत, सफलता, कामयाबी।

ज़फ़रक़रीं (ظفر قریں) अ वि—विजेता, विजयी, फ़ातेह।

ज़फ़रनसीब (ظفر نصیب) अ वि—जिसके भाग्य मे विजय हो, विजयशील।

ज़फ़रनिशाँ (ظفر نشاں) अ फा वि—विजेता, फ़तहमद।

ज़फ़रपैकर (ظفر پیکر) अ फा वि—दे 'ज़फ़रयाब'।

ज़फ़रमौज (ظفر موج) अ फा वि—दे 'ज़फ़रयाब'।

ज़फ़रयाब (ظفر یاب) अ फा वि—जिसे विजय प्राप्त हुई हो, विजयी, जित्वर, विजेता, जिष्णु।

ज़फ़रयाबी (ظفر یابی) अ फा स्त्री—जीत, विजय-प्राप्ति।

जफ़ा (جفا) फा स्त्री—अत्याचार, अन्याय, अनीति, ज़ुल्म, सितम।

जफ़ाएचर्ख़ (جفاے چرخ) फा स्त्री—आस्मान की जफ़ा, दैवीकोप, भाग्यचक्र, दिनो की गर्दिश।

जफ़ाकश (جفاکش) फा वि—देह पर कष्ट उठानेवाला, कठिन परिश्रम करनेवाला, पराक्रमी, मेहनती, कर्मशूर।

जफ़ाकार (جفاکار) फा वि—अत्याचार करनेवाला, ज़ालिम।

जफ़ाकेश (جفاکیش) फा वि—जिसकी प्रकृति मे अत्याचार हो, बहुत बडा अत्याचारी।

जफ़ाख़ू (جفاخو) फा वि—दे 'जफ़ाकश'।

जफ़ाजू (جفاجو) फा वि—नयी-नयी जफ़ाएँ और नये-नये अत्याचार तलाश करनेवाला।

जफ़ापरस्त (جفاپرست) फा वि—महा अत्याचारी, जो अनीति को पूजता हो, जो प्रेमिका के अत्याचारो की पूजा करता हो, आशिक।

जफ़ापर्वर (جفاپرور) फा वि—अत्याचारो को प्रोत्साहन देनेवाला, घोर अत्याचारी।

जफापेशः (جفاپیشه) फा वि–जिसका काम केवल अत्याचार करना हो, बहुत बडा अन्यायी।

जफापेशगी (جفاپیشگی) फा स्त्री–अत्याचार का व्यवहार।

जफाशिआर (جفاشعار) फा वि–दे 'जफाकेश'।

ज़फ़्दे (ضفدع) अ पु–मेंढक, दर्दुर, भेक, दे 'ज़िफ़्दे' दोनो शुद्ध हैं।

जफ़्न (جفن) अ पु–आँख का पपोटा।

जफ़्र (جفر) अ पु–बकरी या भेड का बच्चा, एक विद्या जिससे परोक्ष ज्ञान प्राप्त होता है।

जफ़्रदां (جفرداں) अ फा वि–जफ़्र की विद्या जाननेवाला, भविष्यवक्ता, परोक्षवादी।

ज़ब [ब्ब] (ضب) अ स्त्री–गोह, गोधिका।

ज़बद (زبد) अ पु–झाग, फेन।

ज़बर (زبر) फा पु–उर्दू में (अ) का चिह्न (َ) वि ऊपर, उपरि, शक्तिशाली, ताकतवर, भारी, बोझिल।

ज़बरजद (زبرجد) फा पु–एक रत्न, पीत मणि, पुखराज।

ज़बरदस्त (زبردست) फा वि–शक्तिशाली, ताकतवर, प्रचड, अति तीव्र, बहुत तेज़।

ज़बरदस्ती (زبردستی) फा स्त्री–अत्याचार, जुल्म, हठात्, बलात्, बलपूर्वक, जब्रन।

जबरूत (جبروت) अ पु–प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुजुर्गी।

जबल (جبل) अ पु–पर्वत, अचल, पहाड।

जबलुत्तारिक (جبل الطارق) अ पु–जिब्राल्टर।

ज़बाँ (زباں) फा स्त्री–जिह्वा, रसना, रसेंद्रिय, जीभ, किसी देश की बोली, भाषा, कौल, करार, सविदा, वचन, कथन।

ज़बाँआवर (زباں آور) फा वि–भाषा का बहुत अच्छा ज्ञाता, भाषापटु, कवि, शाइर।

ज़बाँआवरी (زباں آوری) फा स्त्री–भाषा का अच्छा ज्ञान, कविता, शाइरी।

ज़बाँगीर (زباں گیر) फा वि–गुप्तचर, जासूस।

ज़बाँज़द (زباں زد) फा वि–जो सबकी ज़बानो पर हो, जनता मे प्रसिद्ध बात।

ज़बाँदराज़ (زباں دراز) फा वि–जिसकी जीभ बहुत लम्बी हो, गुस्ताख, मुक्तकठ, बदज़बान, दुर्मुख।

ज़बाँदराज़ी (زباں درازی) फा स्त्री–गुस्ताखी, बदज़बानी, दुर्मुखता, दुर्वचन।

ज़बाँदाँ (زباں داں) फा वि–किसी भाषा का विद्वान्, भाषाविज्ञ, भाषाविद्।

ज़बाँफरोश (زباں فروش) फा वि–बक्की, मुखर, वाचाल।

ज़बाँबदी (زباں بندی) फा स्त्री–बोलने की मनाही, राज की ओर से जनता में भाषण देने का निषेध।

जबान (جبانه) अ पु–वन, जगल, कानन।

ज़बानः (زبانه) फा पु–लौ, लपट, अग्नि-ज्वाला, अग्निशिखा।

जबान (جبان) अ वि–क्लीव, नपुसक, भीरु, डरपोक।

ज़बान (زبان) फा स्त्री–दे 'ज़बाँ'।

जबानत (جبانت) अ स्त्री–क्लीबता, नामर्दी, भीरुता, डरपोकपन।

ज़बानी (زبانی) फा वि–मौखिक, मुँह से कहा हुआ, कठ, मुखाग्र, बर ज़बाँ, मुँह से, ज़बान से।

ज़बाने क़लम (زبان قلم) फा अ स्त्री–कलम की नोक, होल्डर का निब, कलमरूपी मनुष्य की ज़बान।

ज़बाने ख़ामः (زبان خامه) फा स्त्री–दे 'ज़बाने कलम'।

ज़बाने शीरीं (زبان شیریں) फा स्त्री–मीठी ज़बान, जिस ज़बान से मीठी-मीठी बातें निकलती हो।

ज़बाने हाल (زبان حال) फा अ स्त्री–दशा, हालत, दशारूपी मनुष्य की जिह्वा।

जबीं (جبیں) फा स्त्री–माथा, ललाट, भाल, पेशानी।

जबीं फ़र्सा (جبیں فرسا) फा वि–माथा रगडनेवाला, ज़मीन पर माथा टेककर सलाम करनेवाला, बहुत ही दीनता प्रकट करनेवाला।

जबीसा (جبیں سا) फा वि–दे 'जबीफर्सा'।

जबीसाई (جبیں سائی) फा स्त्री–माथा रगडना, बहुत ही झुककर सलाम करना, दीनता और नम्रता का प्रदर्शन, "मुआज़ल्ला! तसव्वर का यह अदाजे-जबीसाई। कि होता ही नही महसूस उनका दूर हो जाना!"

ज़बी (ظبی) अ पु–हरिण, मृग, हिरन, आहू।

जबीन (جبین) फा स्त्री–दे 'जबीं'।

ज़बीब (زبیب) अ पु–सूखा हुआ अगूर, शुष्क द्राक्षा मुनक्का।

ज़बीय (ظبیه) अ स्त्री–हरिणी, मृगी, हरनी।

जबीर (جبیره) अ स्त्री–टूटी हड्डी पर बाँधने की लकडी।

ज़बीह (ذبیحه) अ पु–ज़बह किया हुआ जानवर, वध, ज़बह।

ज़बीह (ذبیح) अ वि वधित, ज़बह किया हुआ।

ज़बीहुल्लाह (ذبیح الله) अ पु–हज़रत 'इस्माईल' की उपाधि जिन्हे उनके पूज्य पिताजी ने ईश्वर की आज्ञा से वध करना चाहा था।

ज़बूँ (زبوں) फा वि–निकृष्ट, दूषित, खराब।

ज़बूँहाल (زبوں حال) फा अ वि–दुर्दशाग्रस्त, फटेहाल, बुरी हलात मे।

ज़बूँहाली (زبوں حالی) फा अ स्त्री–दुर्दशा, बदहाली।

ज़बून (زبون) फा वि–दे 'ज़बूँ'।

जबूनी (زبونی) फा स्त्री –निकृष्टता, खराबी, तिरस्कार, जिल्लत, दु ख, क्लेश, कष्ट, तकलीफ।
जबूनीकश (زبونی کش) फा वि –कष्ट और दु ख उठानेवाला, तिरस्कार सहनेवाला।
जबूर (زبور) अ स्त्री –वह आस्मानी किताब जो हजरत 'दाऊद' पर उतरी थी।
जब्त (ضبط) अ पु –सहन, सहनशीलता, बरदाश्त, क्रम, तर्तीब, प्रबंध, व्यवस्था, इतजाम, जब्तशुद, जो चीज जब्त हो गयी हो।
जब्ती (ضبطی) अ स्त्री –किसी चीज पर जबरदस्ती कब्जा, सरकारी हुक्म से किसी चीज पर कब्जा।
जब्ते अश्क (ضبط اشک) अ फा पु –आँसू रोकना।
जब्ते आह (ضبط آہ) अ फा पु –आह रोकना, मुंह से आह न निकलने देना।
जब्ते गम (ضبط غم) अ फा पु –कष्ट और दु ख प्रकट न होने देना, प्रेम की व्यथा का इज्हार न करना।
जब्ते गिर्य (ضبط گریہ) अ फा पु –आँसू न निकलने देना, रोने पर काबू रखना।
जब्ते नाल (ضبط نالہ) अ फा पु –मुँह से चीख पुकार न निकलने देना, रोना-धोना न करना।
जब्ते फुगाँ (ضبط فغاں) अ फा पु –दे 'ज़ब्ते नाला'।
जब्र (جبر) अ पु –अत्याचार, अन्याय, जुल्म, किसी बात के लिए मजबूर करना, हठ, यह सिद्धान्त कि मनुष्य नितान्त बेवश है जो कुछ करता है ईश्वर करता है।
जब्रन (جبراً) अ वि –जबरदस्ती, हठात्, बलात्।
जब्री (جبری) अ वि –जबरदस्ती का, यह सिद्धान्त माननेवाला कि मनुष्य बिलकुल विवश है।
जब्रीय (جبریہ) अ वि –जबरदस्ती का, जब्री, यह सिद्धान्त माननेवाला कि मनुष्य खुद कुछ नही करता, सब कुछ ईश्वर कराता है।
जब्रे मशीयत (جبر مشیت) अ पु –दैव की जबरदस्ती, भाग्य का हठ।
जब्रोकद्र (جبر و قدر) अ पु –यह सिद्धान्त कि ईश्वर सब कुछ करता है और मनुष्य कुछ नही कर सकता।
जब्रोतअद्दी (جبر و تعدی) अ स्त्री –अत्याचार और अन्याय।
जब्रोमुकाबल (جبر و مقابلہ) अ पु –'अलजब्रा' बीजगणित।
जब्ल (زبل) अ पु –घोडे और गधे की लीद।
जब्ह (جبہہ) अ स्त्री –पेशानी, माथा, ललाट, भाल, दसवाँ नक्षत्र, मघा।
जब्ह फर्सा (جبہہ فرسا) अ फा वि –दे 'जबीफर्सा'।
जब्ह सा (جبہہ سا) अ फा वि –दे 'जबीसा'।

जब्ह (ذبح) अ पु –वध, जबीह, हत्या, हिंसा, कत्ल।
जम (جم) फा पु –जमशेद का लघुरूप, दे 'जमशेद'।
जम (جم) अ पु –भीड, जमाव।
जम (ذم) अ पु –निंदा, बुराई, हजो, अश्लीलता, फुहश होना।
जम (زم) अ पु –शीत, सर्दी।
जम (ضم) अ पु –मिलना, मिल जाना, मिला हुआ, सबद्ध, सयुक्त, पेश का चिह्न (ُ) जबर।
जमजम (زمزم) अ पु –मक्के का एक कुआँ जिसका पानी बहुत ही पवित्र समझा जाता है, उस कुएँ का पानी।
जमजाह (جم جاہ) फा वि –जमशेद-जैसी शानोशौकत रखनेवाला, महाप्रतापवान्।
जमन (جمن) फा स्त्री –जमना नदी, यमुना।
ज़मन (زمن) अ पु –जमाना, ससार, जगत्, विश्व, काल, समय, वक्त, आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।
जमल (جمل) अ पु –ऊँट, उष्ट्र, नर ऊँट।
जमशेद (جمشید) फा पु –ईरान का एक प्राचीन शासक, जिसके पास एक प्याला था जिससे उसे ससार भर का हाल ज्ञात हो जाता था।
जमाँ (زماں) अ पु –जमाना, काल, समय, ससार, विश्व, दुनिया।
जमाअत (جماعت) अ स्त्री –पंक्ति, कतार, वर्ग, तबक, कक्षा, क्लास।
जमाद (جماد) अ स्त्री –जड पदार्थ, वह चीज जिसमे विकास आदि न हो, जैसे–पत्थर आदि।
जमादात (جمادات) अ स्त्री –बेजान औ जड चीजे।
जमादी (جمادی) अ वि –जड सम्बन्धी।
जमान (زمانہ) अ पु –समय, काल, वक्त, युग, कर्न, विलब, देर, अतिकाल, मुद्दत, अर्सा, दशा, हालत।
जमान शनास (زمانہ شناس) अ फा वि –समय को पहचाननेवाला, समय के अनुकूल काम करनेवाला।
जमान साज (زمانہ ساز) अ फा वि –मुतफन्नी, धूर्त, छली, इबनुल वक्त, अवसरवादी।
जमान (زمان) अ पु –दे 'जमान'।
जमानए कदीम (زمانۂ قدیم) अ पु –प्राचीनकाल, पुराना जमाना।
जमानए जदीद (زمانۂ جدید) अ पु –आधुनिक काल, मौजूद जमाना।
जमानए जाहिलीयत (زمانۂ جاہلیت) अ पु –मूर्खता-काल, बेवकफी का जमाना, इस्लामी परिभाषा के अनुसार इस्लाम से पूर्व का समय।

ज़मानए दराज़ (زمانۂدراز) अ फा पु –लम्बा समय, दीर्घ काल।

ज़मानए माक़ब्ले तारीख़ (زمانۂماقبلِ تاریخ) अ पु –वह समय जब इतिहास नही लिखा जाता था, इतिहास-पूर्वकाल, पूर्वेतिहासिक काल।

ज़मानए माज़ी (زمانۂماضی) अ पु –गुजरा हुआ समय, बीता हुआ ज़माना, भूतकाल।

ज़मानए मुसीबत (زمانۂمصیبت) अ पु –व्यसनकाल, विपत्तिकाल, सकटकाल, आफतो का ज़माना।

ज़मानए सलफ़ (زمانۂ سلف) अ पु –प्राचीन काल, पुरातन काल, बहुत पिछला ज़माना।

ज़मानत (ضمانت) अ स्त्री –प्रतिभूति, जामिनी।

ज़मानतदार (ضمانتدار) अ फा पु –प्रतिभू, जामिन।

ज़मानतनाम (ضمانت نامہ) अ फा पु –प्रतिभूति पत्र, ज़मानत की तहरीर।

ज़मानती (ضمانتی) अ पु –दे 'ज़मानतदार', ज़मानत का।

जमाल (جمال) अ पु –सौन्दर्य, रूप, सुन्दरता, हुस्न, शोभा, छटा, छवि, मुखकाति, मुखाभा, तल्अत।

जमालिस्तान (جمالستان) अ फा पु –वह जगह जो सुन्दरता की खान हो, जहाँ सुन्दरिया ही सुन्दरिया हो।

जमाली (جمالی) अ वि –रूप से सम्बन्ध रखनेवाला, 'जलाली' का उलटा, वह जाप (अमल) जिसके जप मे प्राणभय न हो।

जमालीयात (جمالیات) अ पु –सौदर्य सम्बन्धी बाते।

जमाहीर (جماهیر) अ पु –'जुमहूर' का बहु, बडे-बडे व्यक्ति।

ज़मिस्ताँ (زمستاں) फा पु –जाडे की ऋतु, जाडे का मौसिम, शीतकाल।

ज़मिस्तानी (زمستانی) फा वि –जाडेवाला, शरद ऋतु-वाला।

ज़मी (زمیں) फा पु –पृथ्वी, धरा, अवनि, कुरए ज़मीन, भूमि, भूखड, ज़मीन का टुकडा, देश, मुल्क, पेशबदी, पुरश्चरण, गजल की रदीफ, काफिय और बह्र।

ज़मीदार (زمیندار) फा पु –ज़मीन का मालिक, भूस्वामी, भूमिपति।

ज़मीदारी (زمینداری) फा स्त्री –राज की ओर से गाँव के ठेके की पद्धति।

जमीअ (جمیع) अ वि –समस्त, समग्र, कुल, सब, सपूर्ण, समूचा, पूरा।

ज़मीन (زمیں) फा स्त्री –दे 'ज़मी'।

ज़मीम: (ذمیمہ) फा वि –ज़मीम की स्त्री निकृष्टा, बुरी।

ज़मीम: (ضمیمہ) अ पु –किसी विशेष और आवश्यक समाचार के लिए अख़बार का ततिम्म, किमी पुस्तक का विशेष भाग, परिशिष्ट।

ज़मीम (ذمیم) अ वि –बुरा, ख़राब, निकृष्ट।

ज़मीर (ضمیر) अ पु –अतरात्मा, अत करण, कानशस, सर्वनाम, मन, दिल, जी।

ज़मीरआगाह (ضمیرآگاہ) अ फा वि –अतर्यामी, दिल की बात जाननेवाला।

ज़मीरफ़रोश (ضمیرفروش) अ फा वि –आत्मविक्रेता, गद्दार, अवसरवादी।

ज़मीरफ़रोशी (ضمیرفروشی) अ फा स्त्री –गद्दारी, आत्म-विक्रय।

ज़मीरे ग़ाइब (ضمیر غائب) अ स्त्री –प्रथम पुरुप का सर्वनाम, 'वह'।

ज़मीरे मुख़ातब (ضمیر مخاطب) अ स्त्री –मध्यम पुरुप का सर्वनाम, 'तुम'।

ज़मीरे मुतकल्लिम (ضمیر متکلم) अ स्त्री –उत्तम पुरुप का सर्वनाम, मैं।

ज़मीरे हाज़िर (ضمیر حاضر) अ स्त्री –दे 'ज़मीरे मुख़ातब'।

जमील (جمیل) अ वि –सुन्दर, रूपवान्, हसीन।

जम्अ (جمع) अ स्त्री –आय, आमद, उपार्जित, सचित, जमाशुद, निशाना।

जम्अअदाज़ (جمع انداز) अ फा वि –बहुत अच्छा निशाना लगानेवाला, लक्ष्यभेदी, निशानची।

जम्अदार (جمعدار) अ फा पु –सिपाहियो का नायक।

जम्अबदी (جمع بندی) अ फा स्त्री –ज़मीदारी की सारी आमदनी।

जम्ईयत (جمعیت) अ स्त्री –दल, यूथ, समूह, जमाअत, समुदाय, सतोप, इत्मीनान, सभा, गोष्ठी, परिषद्, इदार।

जम्ईयतुलउलमा (جمعیت العلما) अ स्त्री –आलिमो की जमाअत, विद्वानो की मडली।

जम्ईयते ख़ातिर (جمعیت خاطر) अ स्त्री –आत्मसतोप, इत्मीनाने कल्ब।

ज़म्ज़म (زمزمہ) फा पु –चहचह, चहकार, चिडियो की चहक, कलरव, गान, गीत, नग्म।

ज़म्ज़म ख़्वाँ (زمزمہ خواں) फा वि –चहचहानेवाला पक्षी, गानेवाला, गायक।

ज़म्ज़मःपरदाज़ (زمزمہ پرداز) फा वि –दे 'ज़म्ज़म ख़्वाँ'।

ज़म्ज़मःपैरा (زمزمہ پیرا) फा वि –दे 'ज़म्ज़म ख़्वाँ'।

ज़म्ज़मःसंज (زمزمہ سنج) फा वि –गानेवाला, चहचहाने-वाला, मधुर स्वर में बातचीत करनेवाला।

ज़म्ज़मःसजी (زمزمه‌سنجی) फा स्त्री –गाना, चहचहाना, मधुर स्वर मे बातचीत करना।
ज़म्ज़म (زمزم) अ पु –मक्के का एक पवित्र कुआँ, उस कुएँ का पानी।
ज़म्ज़मी (زمزمی) अ स्त्री –जम्ज़म रखने की कुप्पी।
ज़म्द (ضمد) अ पु –मर्हम लगाना, दवा चुपडना।
ज़म्मः (ضمه) अ पु –'पेश' का चिह्न, 'उ' की मात्रा।
ज़म्माज़ः (ضمازه) अ स्त्री –तेज़ चलनेवाली ऊँटनी, साँडनी।
ज़म्माश (ضماش) अ वि –चपल, चचल, शोख, शरीर, साहसी, हिम्मती, शूर, वीर।
ज़म्मे ग़फ़ीर (جم غفیر) अ पु –बहुत बडा जमाव, बहुत बडी भीड।
ज़म्र: (ضمره) अ पु –चिनगारी, अग्निकण, स्फुलिंग, ककरी, ठीकरी, एक प्रकार की फुसियाँ जिनमे बडी जलन होती है।
ज़म्र (ضمر) अ पु –छरहरे और दुबले शरीर का व्यक्ति।
ज़म्हरीर (زمهریر) फा पु –बहुत ही कडा जाडा, वायुमडल का वह भाग जो बहुत ही ठडा है।
ज़र (زر) फा पु –स्वर्ण, सुवर्ण, हेम, हाटक, काचन, सोना, धन, सपत्ति, दौलत, बहुत बूढा या बूढी।
ज़र[रं] (جر) अ पु –खीचना, आकर्षण, खिचाव, जेर की हरकत।
ज़र[रं] (ضر) अ पु –दुख, कष्ट, तकलीफ, दुर्दशा, बदहाली, निर्धनता, गरीबी, निर्बलता, दुबलापन।
ज़रअंदूदः (زراندوده) फा वि –सोने से मढा हुआ, सोना चढा हुआ।
ज़रअफ़शाँ (زرافشاں) फा वि –दे 'ज़रफ़शाँ'।
ज़रअफ़शानी (زرافشانی) फा स्त्री –दे 'ज़रफ़शानी'।
ज़रक (زرک) फा पु –सोने के वरको का चूरा।
ज़रकश (زرکش) फा वि –सोने-चाँदी के तारो से कलाबत्तू बनानेवाला, सोने-चाँदी के तारो से बना हुआ कपडा।
ज़रकशी (زرکشی) फा स्त्री –सोने-चाँदी के तारो का काम, कलाबत्तू का काम।
ज़रकार (زرکار) फा वि –सुनहले काम की चीज।
ज़रकोब (زرکوب) फा वि –सोने-चाँदी के वरक बनानेवाला, वह चीज जिसपर सोने के पत्र चढे हो।
ज़रकोबी (زرکوبی) फा स्त्री –सोने-चादी के वरक बनाना।
ज़रख़रीद (زرخرید) फा वि –अपने दामो से मोल लिया हुआ, मोल लिया हुआ दास।
ज़रख़ेज़ (زرخیز) फा वि –अच्छी उपजाऊ भूमि, उर्वरा, सस्यप्रद।
ज़रख़ेज़ी (زرخیزی) फा स्त्री –जमीन का उपजाऊ होना।
ज़रगर (زرگر) फा पु –स्वणकार, सुनार, सोने-चाँदी के ज़ेवर बनानेवाला।
ज़रगरी (زرگری) फा स्त्री –स्वर्णकर्म, सोने-चाँदी का काम बनाना, सोने-चाँदी के जेवर बनाना।
ज़रगूनी (زرعونی) अ स्त्री –एक यूनानी दवा।
ज़रतार (زرتار) फा वि –सोने के तारो से बना या गुँथा हुआ।
ज़रतुश्त (زرتشت) फा पु –दे 'ज़रदुश्त'।
ज़रदार (زردار) फा वि –धनी, धनाढ्य, मालदार।
ज़रदारी (زرداری) फा स्त्री –धनाढचता, धनवानी, मालदारी।
ज़रदुश्त (زردشت) फा पु –'मिनूचेह्र' का वशज एक ईरानी महात्मा, जो यूनान के हकीम फीसागोरस का शिष्य था। इसने सम्राट् गुश्ताश्प के समय मे एक धर्म चलाया जिसका मुख्य उद्देश्य अग्निपूजा था, इसका धर्मग्रथ 'ज़ेंद' है।
ज़रदोज़ (زردوز) फा वि –ज़रदोज़ी का काम करनेवाला, कारचोब, सल्मासितारा और कलाबत्तू का काम बनानेवाला।
ज़रदोज़ी (زردوزی) फा स्त्री –कारचोबी, सल्मेसितारा और जरी का काम।
ज़रदोस्त (زردوست) फा वि –धन का लोभी, बहुत ही लोभी और कजूस।
ज़रदोस्ती (زردوستی) फा स्त्री –धन का लोभ, धन का बहुत अधिक प्रेम, कृपणता, कजूसी।
ज़रनिगार (زرنگار) फा वि –सोने के काम से सजा हुआ, सोने के बेलबूटे बना हुआ।
ज़रपरस्त (زرپرست) फा वि –रुपये की पूजा करनेवाला, धन-पिशाच, बहुत बडा कजूस।
ज़रपरस्ती (زرپرستی) फा स्त्री –रुपये की पूजा, हद से बढा हुआ लोभ।
ज़रपाश (زرپاش) फा वि –सोना बरसानेवाला, दानशील, फैयाज।
ज़रपाशी (زرپاشی) फा स्त्री –सोना बरसाना, बहुत अधिक दानशीलता।
ज़रफ़िशाँ (زرفشاں) फा वि –दे 'ज़रफ़शाँ'।
ज़रफ़िशानी (زرفشانی) फा स्त्री –दे 'ज़रफ़शानी'।
ज़रफ़शाँ (زرافساں) फा वि –सोना बरसानेवाला अर्थात् बहुत अधिक दानशील।
ज़रफ़शानी (زرافشانی) फा स्त्री –सोना बरसाना, बहुत बडी दानशीलता।
ज़रब (جرب) अ स्त्री –खुजली, खारिश, खर्जू, कडू।
ज़रब (ضرب) अ पु –सफेद शहद, श्वेत मधु।

जरब (درب) अ पु–पेट का एक रोग जिसमे कभी दस्त होने लगते है कभी बद हो जाते है।

जरबफ्त (زربفت) फा पु–सोने-चाँदी के तारो से बना हुआ कपडा।

जरबान (ضربان) अ पु–हृदय की धडकन, दर्द की लपक।

जरबाफ (زرباف) फा वि–ज़रबफ्त बनानेवाला।

जरबाफी (زربافی) फा स्त्री–जरबफ्त बुनना।

जरबी (ضربی) अ वि–शहदवाली वस्तु।

जरम¹ (جرم) अ पु–उपचार, इलाज, उपाय, तद्बीर।

जरयान (جریان) अ पु–स्राव, प्रवाह, बहाव, प्रमेह, धातुस्राव रोग।

जरयानेखून (جریان خون) अ फा पु–शरीर से रक्त का स्राव।

जरयाने तम्स (جریان طمس) अ पु–रज का स्राव, मासिक धर्म का अधिक मात्रा मे आना।

जरयाने दम (جریان دم) अ पु–रक्त का स्राव, खून का खारिज होना।

जरयाने मनी (جریان منی) अ पु–वीर्य का स्राव, वीर्य का पतला होकर मूत्र के साथ निकलना, एक रोग, प्रमेह।

जरर (ضرر) अ पु–हानि, नुक्सान, आघात, चोट, अनिष्ट, खराबी।

जररसाँ (ضرررساں) अ फा वि–हानिकारक, नुक्सानदेह।

जररसानी (ضرررسانی) अ फा स्त्री–हानिकारिता, नुक्सानदिही।

जररसी (ضرررسی) अ फा स्त्री–नुक्सान पहुँचना, हानि पहुँचना।

जररसीद (ضرررسیدہ) अ फा वि–हानि पहुँचा हुआ, हानि-पीडित।

जररेज (زرریز) फा वि–सोना बरसानेवाला, अतिदानी।

जररेजी (زرریزی) फा स्त्री–सोना बरसाना, फैयाजी करना।

जरस (جرس) फा पु–घटा, घडियाल, वह घटा जो यात्रियो के दल के साथ रहता है।

जरा (ذرع) अ पु–लोभ, लालच, जगली गाय का बच्चा।

जरा (ذرا-زرا) तु वि–तनिक, किंचित, अल्प, थोडा।

जरा (ضرا) अ पु–रोना धोना, क्रन्दन, विनम्रता, आजिजी।

जराअत (زراعت) अ स्त्री–दे शु उ 'जिराअत'।

जराअत (ضراعت) अ स्त्री–रोना, क्रन्दन, विनती करना, घिघियाना।

जराइद (جرائد) अ पु–'जरीद' का बहु, समाचारपत्र।

जराइफ (ظرائف) अ पु–'ज़रीफ' का बहु, ज़राफतें, मनोरजन की बाते।

जराइम (جرائم) अ पु–'जरीम' का बहु, अनेक प्रकार के अपराध, बहुत से अपराध।

जराइमपेशः (جرائم پیشہ) अ फा वि–जिसे जुर्म करने की आदत हो, जो प्रकृति से ही जुर्म का आदी हो।

जराइमपेशगी (جرائم پیشگی) अ फा स्त्री–अपराधकरने का स्वभाव।

जराइर (ذرائر) अ पु–'ज़र्र' का बहु, छोटे-छोटे च्यूंटे।

जराए' (ذرائع) अ पु–'ज़रीअ' का बहु, जरोए, साधन।

जराद (جراد) अ पु–टीडी, टिड्डी, जो खेत खा जाती है।

जराफ (زراف) अ पु–एक जगली पशु जो ऊँट के बराबर होता है, और तेंदुए जैसी शरीर पर धारियाँ होती है, दे 'जिराफ' दोनो शुद्ध हैं।

जराफत (ظرافت) अ स्त्री–हँसी, ठठोल, मस्खरापन, खुशतब्ई, मनोरजन, व्यग, तज, हास्यरस, मिज़ाह-निगारी।

जराफतअगेज (ظرافت انگیز) अ फा वि–ज़राफत पैदा करनेवाला।

जराफतआमेज (ظرافت آمیز) अ फा वि–जिसमे हँसी-दिल्लगी की बाते मिली हो, परिहासपूर्ण।

जराफतनिगार (ظرافت نگار) अ फा वि–हास्य-लेखक, मिजाहनिगार।

जराफतनिगारी (ظرافت نگاری) अ फा स्त्री–हास्य-लेख लिखना, मिज़ाहनिगारी।

जराफतपसद (ظرافت پسند) अ फा वि–जिसे मनोरजन पसद हो, परिहासप्रिय।

जराफतपसदी (ظرافت پسندی) अ फा स्त्री–मनो-रजन की बातो का अच्छा लगना।

जराब (زراب) फा पु–सोने का पानी, पानी की शक्ल मे सोना, हल किया हुआ सोना, पीले रग की मदिरा।

जरारत (ضرارت) अ स्त्री–हानि पहुँचाना, नुक्सान करना, अधा होना।

जरारीह (ذراریح) अ पु–'जुर्रह' का बहु, एक प्रकार के कीडे जो दवा मे काम आते है, यह शब्द एकवचन मे प्रयुक्त है।

जरावद (زراوند) फा स्त्री–एक दवा जो गोल और लम्बे दानो के आकार की होती है, गोल को 'मुदव्वर' और लबे को 'तवील' कहते हैं।

जरासीम (جراثیم) अ पु–'जुर्सूम' का बहु, छोटे-छोटे कीडे, कीटाणुगण।

जरासीमकुश (جراثیم‌کش) अ फा वि –कीडे मारनेवाली दवा, कीटनाशक।

जराहत (جراحت) अ स्त्री –इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'जिराहत' है, परतु उर्दू मे दोनो तरह बोलते है, घाव, जख्म, चीरफाड, शल्यक्रिया।

जराहतख़ुर्द: (جراحت خوردہ) अ फा वि –घायल, जख्मी, आहत, क्षत।

जराहतनसीब (جراحت نصیب) अ वि –जिसके भाग्य मे घायल होना ही हो, जिसे हर जगह जख्म खाने को मिले।

जरी (زریں) फा वि –सोने का बना हुआ, स्वर्णमय, सोने का, स्वर्णिम, सोने से सम्बन्ध रखनेवाला।

जरी (جری) अ वि –वीर, शूर, वहादुर, उत्साही, साहसी, जवाँमर्द।

जरी (زری) फा स्त्री –दे 'जरी', सोने-चाँदी के तार जिन पर सुनहरा मुलम्मा हो, गोटा किनारी का कपडा।

जरीअ. (ذریعہ) अ प –साधन, वसीला, माध्यम, वासिता, द्वारा, मारिफत, उपाय, तदवीर।

जरीद: (جریدہ) अ पु –एकाकी, अकेला, समाचारपत्र, अख़वार।

जरीद.निगार (جریدہ‌نگار) अ फा वि –पत्रकार, अख़वारनवीस।

जरीद निगारी (جریدہ‌نگاری) अ फा स्त्री –पत्रकारी, अखवारनवीसी।

जरीद (جرید) अ पु –पत्रवाहक, कासिद, गुप्तचर, जासूस।

जरीदिल (جری‌دل) अ फा वि –साहसी, जवाँमर्द, जिसे भय न हो।

जरीन (زرینہ) फा स्त्री –सुनहरी।

जरीफ (ظریف) अ वि –हँसोड, मस्खरा, खुश मिजाज, विनोदप्रिय, प्रतिभाशाली, जहीन।

जरीफतब्अ (ظریف‌طبع) अ वि –दिल्लगी वाज, ठुँमोड, मनोविनोदी।

जरीफमिजाज (ظریف‌مزاج) अ वि –जिसके स्वभाव मे मनोविनोद और हँसी मजाक वहुत हो, विनोदप्रिय।

जरीफान (ظریفانہ) अ फा वि –मनोविनोद से भरा हुआ, हास्यपूर्ण।

जरीफुत्तब्अ (ظریف‌الطبع) अ वि –दे 'जरीफतब्अ'।

जरीफुलमिजाज (ظریف‌المزاج) अ वि –दे 'जरीफमिजाज'।

जरीब (ضریبہ) अ स्त्री –स्वभाव, आदत, तलवार की तीक्ष्णता (वि) तलवार मे घायल।

जरीब (جریب) फा स्त्री –खेत नापने की जजीर, हाथ मे पकडने की छडी।

जरीबकश (جریب‌کش) फा वि –जरीब से खेत नापनेवाला।

जरीबकशी (جریب‌کشی) फा स्त्री –जरीब द्वारा खेतो की पैमाइश।

जरीबत (ضریبت) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत।

जरीबाफ (زری باف) फा वि –सोने-चादी के तार या सुनहरी लैस बनानेवाला।

जरीम (جریمہ) अ पु –पाप, पातक, गुनाह, दोप, अपराध, कुसूर।

जरीम (جریم) अ वि –जड से काटा हुआ, उन्मूलित, वडे डीलडौल का।

जरीम (ضریم) अ वि –जला हुआ, दग्ध।

जरीर. (جریرہ) अ पु –पाप, गुनाह।

जरीर (ضریر) अ वि –अधा, अध, नेत्रहीन, अशक्त, निर्वल, दुवला।

जरीश (جریش) अ पु –दलया, जो पकाया जाता है।

जरीस (جریس) अ वि –वहुत भूखा, क्षुधातुर।

जरीह (جریح) अ वि –आहत, घायल, जख्मी।

जरीह (ضریح) अ स्त्री –कब्र, समाधि।

जरूर (ضرور) अ वि –अवश्य, यकीनी, निश्चित रूप से, नि सदेह, वेशुवह।

जरूर (ذرور) अ पु –दवा की वुकनी जो घाव या आँख आदि मे छिडकी जाय।

जरूरत (ضرورت) अ स्त्री –आवश्यकता, चाह, आकाक्षा, ख्वाहिश, कारण, सवव।

जरूरतन् (ضرورتاً) अ वि –कारणवश, आवश्यकता से।

जरूरतमद (ضرورت‌مند) अ फा वि –इच्छुक, ख्वाहिशमद, मोहताज, दरिद्र, भिक्षुक, भिखारी।

जरूरी (ضروری) अ वि –आवश्यक, यकीनी, अनिवार्य, लाजिमी।

जरूरीयात (ضروریات) अ स्त्री –'जरूरी' का वहु, आवश्यकताएँ, जरूरते।

जरे अस्ल (زر اصل) अ फा पु –मूलधन, अस्ल रुपया।

जरे कल्ब (زر قلب) फा अ पु –खोटा सिक्का, खोटा सोना या चाँदी।

जरे ख़ालिस (زر خالص) फा अ पु –खरा सिक्का, खरा सोना या चादी।

जरे गुल (زر گل) फा पु –पराग, पुष्परज, फूल का ज़ीरा।

जरे नक्द (زر نقد) फा अ पु –नक्द रुपया, कैश।

जरे नातिक़ (زر ناطق) फा अ पु –वोलनेवाला धन; नौकर-चाकर, दास आदि, पशुधन।

ज़रे पेशगी (زر پیشگی) फा पु –अग्रिम धन, किसी काम के लिए पहले दिया हुआ रुपया।

ज़रे फाज़िल (زر فاضل) फा अ पु –अतिरिक्त धन, फालतू रुपया, लेने या देने से अधिक रुपया।

ज़रे बैआन (زر بیعانہ) फा अ पु –अग्रिम धन, पेशगी, रुपया।

ज़रे मस्कूक (زر مسکوک) फा अ पु –रुपया या अशफ़ी।

ज़रे महलूल (زر محلول) फा अ पु –पानी के रूप मे पिघला हुआ सोना।

ज़रे मुआवज़ः (زر معاوضہ) फा अ पु –किसी चीज़ के बदले का रुपया।

ज़रे मुतालब (زر مطالبہ) फा अ पु –डिग्री आदि का वाजिब रुपया।

ज़रे मुनाफ़अ (زر منافعہ) फा अ पु –कारोबार मे लाभ का रुपया।

ज़रे सफ़ेद (زر سفید) फा पु –चाँदी, रजत।

ज़रे सामित (زر صامت) फा अ पु –न बोलनेवाला धन, रुपया-पैसा या जाइदाद।

ज़रे सुर्ख़ (زر سرخ) फा पु –सोना, स्वर्ण।

ज़रोगौहर (زروگوہر) फा पु –सोना और मोती।

ज़रोजवाहिर (زرو جواہر) फा अ पु –सोना और रत्न।

ज़र्अ (ذرع) अ पु –शक्ति, बल, हाथ से नापना।

ज़र्अ (زرع) अ स्त्री –उगना, जमना, कृषि, खेती।

ज़र्अ (ضرع) अ पु –गाय, बकरी आदि का थन।

ज़र्क़ (زرق) अ वि –छल, मक्र, असत्य, झूठ, मुँह पर कुछ होना और ज़बान पर कुछ।

ज़र्क़ (ذرق) अ स्त्री –पक्षी का बीट।

ज़र्क़बर्क़ (زرق برق) अ वि –तड़क-भड़कवाला, भड़कदार, चमकीला, भड़कीला।

ज़र्क़ा (زرقا) अ स्त्री –नीली आँखोंवाली स्त्री।

ज़र्ग (جرگہ) तु पु –दल, समूह, जमाअत, गोत्र, वश, खानदान, जिर्ग भी शुद्ध है।

ज़र्गब (زرغب) फा पु –क़ीमुख़्त, एक प्रकार का चमड़ा।

ज़र्नूनी (زرونی) अ स्त्री –एक दवा जो यूनानी मे प्रचलित है।

ज़र्द (زردہ) फा पु –एक प्रकार के मीठे चावल, खुशबूदार पत्ती का तबाकू।

ज़र्द (جردہ) फा पु –दे 'चर्द' इस अर्थ मे 'ज़र्द' अशुद्ध है।

ज़र्द (زرد) फा वि –पीत, पीला, पीले रगवाला, पीला रग।

ज़र्द (زرد) अ पु –निवाला निगलना गला घोटना, क्वच विनना।

ज़र्दआब (زرد آب) फा पु –दे 'ज़र्दाब', वही उच्चारण अधिक शुद्ध है।

ज़र्दआलू (زرد آلو) फा पु –दे 'ज़र्दालू', वही उच्चारण अधिक शुद्ध है।

ज़र्दक (زردک) फा स्त्री –गाजर, पीत कद, एक प्रसिद्ध कद।

ज़र्दगोश (زردگوش) फा पु –छली, धूर्त, मक्कार, द्वयभाषी, मुवाफ़िक़, दुविधा मे पड़ा हुआ, मुज़ब्ज़ब।

ज़र्दचश्म (زرد چشم) अ पु –बाज़ और उसकी जाति के शिकारी पक्षी।

ज़र्दचोब (زرد چوب) फा स्त्री –हल्दी, हरिद्रा।

ज़र्दरू (زردرو) फा वि –लज्जित, शर्मिदा, जिसके शरीर मे खून न हो, लागर, दुबला।

ज़र्दरूई (زردروئی) फा स्त्री –लज्जा, शर्म, शरीर मे खून न होना।

ज़र्दाब (زرد آب) फा पु –फोड़े से बहनेवाला कच-लोहू।

ज़र्दालू (زرد آلو) फा पु –ताज़ी खूबानी।

ज़र्दी (زردی) फा स्त्री –पीतिमा, पीलापन, अडे की ज़र्दी।

ज़र्नब (زرنب) फा स्त्री –एक दवा, तालीस पत्र।

ज़र्नीख़ (زرنیخ) फा स्त्री –हड़ताल, एक ओषधि।

ज़र्फ़ (ظرف) अ पु –बर्तन, भाजन, पात्र, योग्यता, सलाहीयत, गभीरता, तहम्मुल, सहनशीलता, बुर्दबारी।

ज़र्फ़ आब (ظرف آب) अ फा पु –पानी रखने का बरतन, जलपात्र।

ज़र्फ़ ज़मा (ظرف زماں) अ पु –वह सज्ञा जो समय की सूचक हो, जैसे–प्रात और सध्या।

ज़र्फ़ मका (ظرف مکاں) अ पु –वह सज्ञा जो स्थान की सूचक हो, जैसे—घर या पाठशाला।

ज़र्फ़ मय (ظرف مے) अ फा पु –शराब का बरतन, सुरापात्र।

ज़र्फ़ शीर (ظرف شیر) अ फा –दूध रखने का बरतन, क्षीरपात्र।

ज़र्ब (ضربہ) अ पु –चोट, आघात, ज़र्ब, पाँसा, कुर्य।

ज़र्ब (ضرب) अ स्त्री –आघात, चोट, (पु) गुणा, दो सख्याओं का गुणा।

ज़र्बख़ान (ضرب خانہ) अ फा पु –टकशाला, टकसाल, जहाँ रुपया ढलता है।

ज़र्बत (ضربت) अ स्त्री –ज़र्ब, चोट, आघात।

ज़र्बात (ضربات) अ स्त्री –'ज़र्बत' का बहु, चोटें, मारें।

ज़र्बीय (ضربیہ) अ पु –टैक्स, कर, महसूल।

ज़र्बुलमसल (ضرب المثل) अ पु –कहावत, लोकोक्ति, मसल।

जल्व.आराई (جلوہ‌آرائی) अ फा स्त्री –बनाव सिंगार के साथ उपस्थित, किसी श्रेष्ठ व्यक्ति की उपस्थिति।

जल्व.गर (جلوہ‌گر) अ फा वि –दे 'जल्व आरा'।

जल्व.गरी (جلوہ‌گری) अ फा स्त्री –दे 'जल्व आराई'।

जल्व.गाह (جلوہ‌گاہ) अ फा स्त्री –जल्व दिखाने का स्थान, प्रेमिका का घर।

जल्व फर्मा (جلوہ‌فرما) अ फा वि –दे 'जल्व आरा'।

जल्व फर्माई (جلوہ‌فرمائی) अ फा स्त्री –दे जल्व आराई।

जल्वत (جلوت) अ स्त्री –अपने को सब को दिखाना, 'खल्वत' का उलटा भीड, जमाव।

जल्सः (جلسہ) अ पु –सभा, मजलिस, नाच गाने की महफिल, बैठक, किसी कमेटी आदि की निशस्त।

जलस.गाह (جلسہ‌گاہ) अ फा स्त्री –जहाँ जल्सा हो रहा हो, जल्से की जगह, सभास्थल।

जल्सए ता'जियत (جلسۂ‌تعزیت) अ पु –किसी की मृत्यु पर शोक प्रकट करने का जल्सा, शोकसभा।

जव (جو) अ पु –अंतरिक्ष, खला, जमीन और आस्मान के बीच की जगह।

जवाँ (جواں) फा पु –जवान का यौगिक रूप, जवान, युवा, युवक, तरुण, वयस्क, वालिग।

जवाँताले' (جواں‌طالع) अ फा वि –दे 'जवाँवख्त'।

जवाँदौलत (جواں‌دولت) फा अ वि –जिसका धन तरुण हो, समृद्ध, धनाढ्य, बहुत ही मालदार।

जवाँवख्त (جواں‌بخت) फा वि –जिसका भाग्य पूरी जवानी पर हो, महा भाग्यशाली।

जवाँमर्ग (جواں‌مرگ) फा वि –जो युवावस्था मे मर जाय।

जवाँमर्गी (جواں‌مرگی) फा स्त्री –जवानी की मृत्यु, युवावस्था की मौत।

जवाँमर्द (جواں‌مرد) फा वि –वीर, शूर, बहादुर, साहसी, हिम्मतवर, दानी, वदान्य सखी।

जवाँमर्दी (جوانمردی) फा स्त्री –शूरता, बहादुरी, साहस, हिम्मत, दानशीलता, सखावत।

जवाँमीर (جواں‌میر) फा वि –दे 'जवाँमर्ग'।

जवाँसाल (جواں‌سال) फा वि –नयी उम्र का, नवयुवक, नवल, नव यौवन, नौ जवान, उठती जवानी का।

जवाँहिम्मत (جواں‌ہمت) फा अ वि –बडे हौसलेवाला, पूर्णोत्साही, महोत्साह।

जवाइद (زوائد) अ पु –'जाइद' का बहु, फालतू चीजे, बतोडियाँ।

जवाज (جواز) अ पु –जाइज होना, औचित्य, धर्म के अनुसार जायज होना, पारपत्र, पास्पोर्ट।

जवाद (جواد) अ वि –मुक्तहस्त, वदान्य, दानशील, सखी, फैयाज।

जवान (جوان) फा पु –तरुण, युवा, नौजवान, वयस्क, व्यवहार प्राप्त, वालिग, रूपवान्, सजीला।

जवानान. (جوانانہ) फा वि –जवानो की तरह।

जवानामर्ग (جوانامرگ) फा वि –दे 'जवाँमर्ग'।

जवानामर्गी (جوانامرگی) फा स्त्री –दे 'जवाँमर्गी'।

जवानी (جوانی) फा स्त्री –युवावस्था, तरुणिमा, तारुण्य, नौजवानी।

जवाब (جواب) अ पु –उत्तर, प्रश्न का जवाब, अस्वीकृति, इन्कार, जोड, मद्दे मुकाबिल।

जवाबतलब (جواب‌طلب) अ वि –वह पत्र आदि जिसका उत्तर जाना आवश्यक हो।

जवाबतलबी (جواب‌طلبی) अ स्त्री –किसी त्रुटि या अपराध पर पूछ-ताछ।

जवाबदावा (جواب‌دعوی) अ पु –नालिश के दावे का उत्तर, जिसमें यह दिखाया जाता है कि वाद अमुक कारणो से झूठा है।

जवाबदेह (جواب‌دہ) अ फा वि –उत्तरदाता, जवाब देनेवाला, उत्तरदायी, जिम्मेदार।

जवाबदेही (جواب‌دہی) अ फा स्त्री –उत्तरदायित्व, जिम्मेदारी।

जवाबित (ضوابط) अ पु –जाबित का बहु, नियमावली, कायदे।

जवाबी (جوابی) अ वि –जवाब मे, बदले मे, जैसे—जवाबी हम्ला, जवाब के लिए दूसरा परत, जैसे—जवाबी तार अथवा खत।

जवाबुल्जवाब (جواب‌الجواب) अ पु –किसी प्रश्न के उत्तर मे दिया हुआ उत्तर, प्रत्युत्तर।

जवाबे बा सवाब (جواب‌باصواب) अ फा पु –ठीक-ठीक और उचित उत्तर।

जवामीस (جوامیس) अ पु –जामूस का बहु, भैंसे।

जवामे (جوامع) अ पु –जामिअ का बहु, समग्र, समस्त, सब, कुल।

जवाया (زوایا) अ पु –'जाविय' का बहु, जाविए, कोण।

जवारिश (جوارش) फा स्त्री –एक यूनानी, अवलेह के प्रकार की स्वादिष्ठ औषध जो पेट की बीमारियो मे दी जाती है और बहुत प्रकार की होती है।

जवारेह (جوارح) अ पु –'जारिह' का बहु, हाथ, पाँव और दूसरे अवयव, शिकारी जानवरो का गोल।

जलाज़िल (زلازل) अ पु—'ज़ल्ज़ल' का बहु, ज़ल्ज़ले, भूकंप।

ज़लाक़त (ذلاقت) अ स्त्री—वाक्पटुता, तेज बयानी, बात को अच्छे ढंग से और ज़ोरदार शब्दों में कहना।

जलादत (جلادت) अ स्त्री—स्फूर्ति, फुर्ती, चुस्ती, शूरता, वीरता, बहादुरी।

ज़लाम (ظلام) अ पु—संध्या के बाद की अँधेरी, शुरू रात का हलका अँधेरा।

ज़लाल (ظلال) अ पु—बादल की छाया, सायदार जगह।

ज़लाल (ضلال) अ पु—गुमराही, मार्ग भ्रंश, रस्ते से भटक जाना, पाप, गुनाह।

जलाल (جلال) अ पु—प्रताप, तेज, अज़मत, हैबत, किसी महात्मा या ऋषि, मुनि का रोब।

जलालत (جلالت) अ स्त्री—श्रेष्ठता, महत्ता, बुज़ुर्गी।

जलालत मआब (جلالت مآب) अ वि—श्रेष्ठतायुक्त, अतिश्रेष्ठ।

जलालते शान (جلالت شان) अ स्त्री—व्यक्तित्व की महत्ता।

जलाली (جلالی) अ वि—जलालवाला, प्रतापवान्, 'जमाली' का उलटा, वह मंत्र, जाप या वज़ीफ़ा जिस में जान जाने का भय हो।

जलावत (جلاوت) अ स्त्री—उज्ज्वलता, प्रकाश, रौशनी, स्वच्छता, धवलता, सफ़ाई।

जलावतन (جلاوطن) अ वि—वह व्यक्ति जो अपना देश त्याग कर परदेश में रह रहा हो, निर्वासित, पुरुषार्थी, शरणार्थी।

जलावतनी (جلاوطنی) अ स्त्री—स्वदेश त्याग, अपना घर-बार छोड़कर दूसरे देश में रहना, अज्ञात वास।

जली (جلی) अ वि—व्यक्त, प्रकट, ज़ाहिर, मोटे अक्षरों में लिखा हुआ लेख।

जलील (جلیل) अ वि—प्रतिष्ठित, महान्, अज़ीम, मान्य, पूज्य, मोहतरम।

ज़लील (ذلیل) अ वि—भ्रष्ट, अधम, पामर, नीच, कदर्थित, कमीना, तिरस्कृत, अनाहृत, अपमानित, बेइज़्ज़त।

जलीलुलक़द्र (جلیل القدر) अ वि—बड़े मरतबेवाला, महत्प्रतिष्ठ, महामना।

जलीस (جلیس) अ पु—पास बैठनेवाला, सखा, पार्श्ववर्ती, हमनशीं, पार्षद, सहवर्ती।

ज़लू (زلو) फ़ा स्त्री—जोंक, जलौका, रक्तपा।

ज़लूक (زلوک) फ़ा स्त्री—दे 'ज़लू'।

ज़लूम (ظلوم) अ वि—अत्यंत अत्याचारी, बहुत बड़ा ज़ालिम।

ज़ल्ज़ल (زلزل) अ पु—भूकंप, भूडोल, भूचाल, भूप्रकंप।

ज़ल्ज़ल अफ़गन (زلزل افگن) अ फ़ा वि—जो ज़ल्ज़ल डाल दे, जो पृथ्वी को हिला दे।

जल्द (جلد) फ़ा वि—शीघ्र, त्वरित, सत्वर, तुरंत, फ़ौरन।

जल्द अज़ जल्द (جلد از جلد) फ़ा वि—शीघ्रातिशीघ्र, जल्द से जल्द, जितनी जल्दी हो सके।

जल्दतर (جلدتر) फ़ा वि—अतिशीघ्र, बहुत जल्द, फ़ौरन, तुरंत ही।

जल्दबाज़ (جلدباز) फ़ा वि—जो चाहता हो कोई काम जल्द हो जाय, उतावला, आतुर।

जल्दबाज़ी (جلدبازی) फ़ा स्त्री—तुरंत काम हो जाने की चाह, तुरत करने की उत्कंठा।

जल्ब (جلب) अ स्त्री—लेना, ग्रहण करना, हासिल करना, उपार्जन।

जल्बे मन्फ़अत (جلب منفعت) अ स्त्री—लाभोपार्जन, नफ़ा कमाना।

ज़ल्ल (زلہ) अ पु—वह भोजन जो किसी के लिए रख दिया जाय, बचा हुआ खाना, जूठन, उच्छिष्ट, वह भोजन जो दासों और दासियों को दिया जाता है।

ज़ल्ल (زلہ) फ़ा पु—झींगर।

जल्ल जलालुहू (جل جلالہ) अ अव्य—ईश्वर के नाम के साथ आता है अर्थात् उसका जलाल (प्रताप) अति महान् है।

ज़ल्ल रुबा (زلہ ربا) अ फ़ा वि—जूठन खानेवाला, किसी बड़े व्यक्ति के सहारे रहनेवाला।

ज़ल्लत (زلت) अ स्त्री—फिसलन, फिसलना, त्रुटि, भूल, लग्ज़िश।

जल्लाद (جلاد) अ पु—वह व्यक्ति जो अपराधियों को कोड़े मारता है, वह व्यक्ति जो अपराधियों की गर्दन मारता है, वह व्यक्ति जो फाँसी पर चढ़ाता है, अत्यंत निर्दय और अत्याचारी।

जल्लादी (جلادی) अ स्त्री—जल्लाद का काम या पेशा, घोर अत्याचार करनेवाला।

जल्लाब (جلاب) अ वि—ले जानेवाला, एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जानेवाला, पशुओं को बेचने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जानेवाला।

जल्व (جلوہ) अ पु—अपने को बनाव सिंगार करके दिखाना, अपने को दूसरे के सामने पेश करना, दर्शन, दीदार, प्रदर्शन, नुमाइश।

जल्व आरा (جلوہ آرا) अ फ़ा वि—बनाव सिंगार और ठाट-बाट से किसी स्थान पर उपस्थित, किसी श्रेष्ठ और महान् व्यक्ति की उपस्थिति के लिए भी आता है।

जल्व आराई (جلوہ آرائی) अ फा स्त्री—बनाव सिंगार के साथ उपस्थित, किसी श्रेष्ठ व्यक्ति की उपस्थिति।

जल्व:गर (جلوہگر) अ फा वि—दे 'जल्व आरा'।

जल्व:गरी (جلوہگری) अ फा स्त्री—दे 'जल्व आराई'।

जल्व:गाह (جلوہگاہ) अ फा स्त्री—जल्व दिखाने का स्थान, प्रेमिका का घर।

जल्व:फर्मा (جلوہفرما) अ फा वि—दे 'जल्व आरा'।

जल्व:फर्माई (جلوہفرمائی) अ फा स्त्री—दे जल्व आराई।

जल्वत (جلوت) अ स्त्री—अपने को सब को दिखाना, 'खल्वत' का उलटा भीड, जमाव।

जल्स (جلسہ) अ पु—सभा, मजलिस, नाच गाने की महफिल, बैठक, किसी कमेटी आदि की निशस्त।

जलस:गाह (جلسہگاہ) अ फा स्त्री—जहाँ जल्सा हो रहा हो, जल्से की जगह, सभास्थल।

जल्सए ता'जियत (جلسۂتعزیت) अ पु—किसी की मृत्यु पर शोक प्रकट करने का जल्सा, शोकसभा।

जव (جو) अ पु—अंतरिक्ष, खला, जमीन और आस्मान के बीच की जगह।

जवाँ (جواں) फा पु—जवान का यौगिक रूप, जवान, युवा, युवक, तरुण, वयस्क, वालिग।

जवाँताले' (جواں طالع) अ फा वि—दे 'जवाँवख्त'।

जवाँदौलत (جواں دولت) फा अ वि—जिसका धन तरुण हो, समृद्ध, धनाढ्य, वहुत ही मालदार।

जवाँवख्त (جواں بخت) फा वि—जिसका भाग्य पूरी जवानी पर हो, महा भाग्यशाली।

जवाँमर्ग (جواں مرگ) फा वि—जो युवावस्था में मर जाय।

जवाँमर्गी (جواں مرگی) फा स्त्री—जवानी की मृत्यु, युवावस्था की मौत।

जवाँमर्द (جواں مرد) फा वि—वीर, शूर, वहादुर, साहसी, हिम्मतवर, दानी, वदान्य सखी।

जवाँमर्दी (جوانمردی) फा स्त्री—शूरता, वहादुरी, साहस, हिम्मत, दानशीलता, सखावत।

जवाँमीर (جواں میر) फा वि—दे 'जवाँमर्ग'।

जवाँसाल (جواں سال) फा वि—नयी उम्र का, नवयुवक, नवल, नव यौवन, नौ जवान, उठती जवानी का।

जवाँहिम्मत (جواں ہمت) फा अ वि—वडे हौसलेवाला, पूर्णोत्साही, महोत्साह।

जवाइद (زوائد) अ पु—'जाइद' का वहु, फालतू चीजे, वतोडियाँ।

जवाज (جواز) अ पु—जाइज होना, औचित्य, धर्म के अनुसार जायज होना, पारपत्र, पास्पोर्ट।

जवाद (جواد) अ वि—मुक्तहस्त, वदान्य, दानशील, सखी, फैयाज।

जवान (جوان) फा पु—तरुण, युवा, नौजवान, वयस्क, व्यवहार प्राप्त, वालिग; रूपवान्, सजीला।

जवानान: (جوانانہ) फा वि—जवानो की तरह।

जवानामर्ग (جوانامرگ) फा वि—दे 'जवाँमर्ग'।

जवानामर्गी (جوانامرگی) फा स्त्री—दे 'जवाँमर्गी'।

जवानी (جوانی) फा स्त्री—युवावस्था, तरुणिमा, तारुण्य, नौजवानी।

जवाव (جواب) अ पु—उत्तर, प्रश्न का जवाव, अस्वीकृति, इन्कार, जोड, मद्दे मुकाबिल।

जवावतलब (جواب طلب) अ वि—वह पत्र आदि जिसका उत्तर जाना आवश्यक हो।

जवावतलवी (جواب طلبی) अ स्त्री—किसी त्रुटि या अपराध पर पूछ-ताछ।

जवावदावा (جواب دعوی) अ पु—नालिश के दावे का उत्तर, जिसमे यह दिखाया जाता है कि वाद अमुक कारणो से झूठा है।

जवावदेह (جواب دہ) अ फा वि—उत्तरदाता, जवाव देनेवाला, उत्तरदायी, जिम्मदार।

जवावदेही (جواب دہی) अ फा स्त्री—उत्तरदायित्व, जिम्मदारी।

जवावित (ضوابط) अ पु—जावित का वहु, नियमावली, कायदे।

जवावी (جوابی) अ वि—जवाव मे, वदले मे, जैसे—जवावी हम्ला, जवाव के लिए दूसरा परत, जैसे—जवावी तार अथवा खत।

जवावुलजवाव (جواب الجواب) अ पु—किसी प्रश्न के उत्तर मे दिया हुआ उत्तर, प्रत्युत्तर।

जवावे वा सवाव (جواب باصواب) अ फा पु—ठीक-ठीक और उचित उत्तर।

जवासीस (جواسیس) अ पु—जासूस का वहु, भेदिये।

जवामे (جوامع) अ पु—जामिअ का वहु, समग्र, समस्त, सव, कुल।

जवाया (زوایا) अ पु—'जाविय' का वहु, जाविए, कोण।

जवारिश (جوارش) फा स्त्री—एक यूनानी, अवलेह के प्रकार की स्वादिष्ठ औषध जो पेट की वीमारियो में दी जाती है और बहुत प्रकार की होती है।

जवारेह (جوارح) अ पु—'जारिह' का वहु, हाथ, पाँव और दूसरे अवयव, शिकारी जानवरो का गोल।

जवाल (زوال) अ पु –गिराव, पतन, अवनति, उन्नति का उलटा, ह्रास, कमी।

जवालआबाद (زوال آباد) अ फा वि –ससार, जगत्, दुनिया।

जवालआमाद (زوال آمادہ) अ फा वि –जो पतन की ओर जाने को तैयार हो, पतनोन्मुख, जो नाशवान् हो, नश्वर।

जवालपिजीर (زوال پذیر) अ फा –वि जिसका पतन हो रहा हो, अवनतिशील, पतनशील।

जवासीस (جواسیس) अ पु –'जासूस' का बहु, गुप्तचरो का समूह।

जवाहिर (جواہر) अ पु –'जौहर' का बहु, रत्नसमूह।

जवाहिर (زواہر) अ पु –'जाहिर' का बहु, उज्ज्वल वस्तुएँ, ऊँचे स्थान, कलियाँ, शगूफे।

जवाहिर (ظواہر) अ पु –'ज़ाहिर' का बहु, व्यक्त और प्रकट वस्तुएँ, ऊपरी और जाहिरी हालतें।

जवाहिरखान (جواہرخانہ) अ फा पु –जहाँ जवाहिरात हो, रत्नागार।

जवाहिरनिगार (جواہرنگار) अ फा वि –रत्न जटित, रत्न जडा हुआ।

जवाहिररकम (جواہررقم) अ वि –जैसे रत्न जडे हो ऐसी सुदर लिखावट लिखनेवाला।

ज़विलअर्हाम (ذوی الارحام) अ पु –साहिबे रहम, कृपावान, दयालुजन।

ज़विलक़ुर्बा (ذوی القربی) अ पु –रिश्तेदार, स्वजन, नातेदार।

ज़विलफराइज़ (ذوی الفرائض) अ पु –साहबे फ़रायज् (फ़र्ज़ का बहु) कर्तव्यवान्, कर्मनिष्ठ।

ज़विलफ़ुरूज़ (ذوی الفروض) अ पु –दे ज़विलफ़रायज।

जव्व (جو) अ पु –अतरिक्ष, खला, पृथ्वी और आकाश के बीच का वायुमडल।

ज़व्वार (زوار) अ वि –तीर्थयात्री, जियारत करनेवाला।

जव्वाल (جوالہ) अ पु –बहुत अधिक चक्कर खानेवाली वस्तु।

जश्न (جشن) फा पु –उत्सव, समारोह, कोई बहुत बडी खुशी जिसे सारा देश या किसी सम्प्रदाय या दल के सारे आदमी मनाये।

जश्ने अज़ीम (جشنِ عظیم) अ फा पु –बहुत बडा समारोह, महोत्सव।

जश्ने अरूस (جشنِ عروس) फा अ पु –ब्याह की खुशी, विवाहोत्सव।

जश्ने आज़ादी (جشنِ آزادی) फा पु –किसी देश के पराधीनता से मुक्त होने का जश्न।

जश्ने ईद (جشنِ عید) फा अ पु –ईद की खुशी, ईदोत्सव।

जश्ने चरागाँ (جشنِ چراغاں) फा पु –दिवाली का जश्न, दीपावली, किसी खुशी में चरागाँ, दीपोत्सव।

जश्ने जुमहूरियत (جشنِ جمہوریت) फा अ पु –गणतत्र-महोत्सव।

जश्ने ताजपोशी (جشنِ تاج پوشی) फा- पु –अभिषेकोत्सव, किसी राजा आदि की राजगद्दी का जश्न।

जश्ने नौरोज (جشنِ نوروز) फा पु –नये साल के आने की खुशी, नव वर्षोत्सव।

जश्ने फत्ह (جشنِ فتح) फा अ पु –विजय प्राप्ति की खुशी, जयोल्लास, विजयोत्सव।

जश्ने मीलाद (جشنِ میلاد) फा अ पु –दे 'जश्ने विलादत'।

जश्ने विलादत (جشنِ ولادت) फा अ पु –किसी के पैदा होने का जश्न, जन्मोत्सव।

जश्ने सालगिरिह (جشنِ سالگرہ) फा पु –किसी महान् व्यक्ति की वर्षगाँठ की खुशी, जयती।

जश्ने सीमीं (جشنِ سیمیں) फा पु –पचास वर्षों की आयु पूरी होने पर मनाया जानेवाला उत्सव, रजतोत्सव, आजकल इसे 'स्वर्णजयन्ती' कहते हैं।

जश्ने सुल्ह (جشنِ صلح) फा अ पु –दो राष्ट्रो मे सधि होने का जश्न, सधि-उत्सव।

जस (جص) अ पु –चूना, गच।

जसद (جسد) अ पु –शरीर, देह, जिस्म।

जसदी (جسدی) अ वि –शरीर से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, शरीर का।

जसदे खाकी (جسدِ خاکی) अ फा पु –मिट्टी से बना हुआ शरीर, तुच्छ और नश्वरदेह।

जसामत (جسامت) अ स्त्री –लबाई, चौडाई और (मोटाई, गहराई या ऊँचाई) हज्म, दल, मोटापा, पीनता, स्थूलता।

जसारत (جسارت) अ स्त्री –शूरता, वीरता, बहादुरी, दिलेरी, धृष्टता, दु साहस, बेबाकी।

जसीम (جسیم) अ वि –स्थूल, पीवर, पीन, मोटा ताज़ा।

जसूर (جسور) अ वि –वीर, शूर, बहादुर।

जस्त (جستہ) फा वि – कूदा हुआ।

जस्त जस्त (جستہ جستہ) फा वि –कही-कही से, विशेषत पुस्तक पढने के लिए आता है।

जस्त (جست) फा स्त्री –उछाल, कुदान, उत्फाल।

जस्तोख़ेज़ (جست وخیز) फा स्त्री—दौड-धूप, कोशिश, प्रयत्न।

जस्र (جسر) अ पु—पुल, सेतु।

ज़ह (زه) फा पु—नुत्फ़, वीर्य, भ्रूण, जनीन, शिशु, बच्चा।

ज़हदान (زهدان) फा पु—गर्भाशय, जरायु, बच्चादानी, रहिम।

जहन्नम (جهنم) फा पु—नरक, रौरव, दोज़ख, बहुत ही दुःख और कष्ट की जगह।

जहन्नमज़ार (جهنم زار) फा पु—ऐसा स्थान जहाँ चारो ओर नरक-जैसा भीषण और भयानक वातावरण हो।

जहन्नमी (جهنمی) फा अ वि—नरकवासी, नारकी, ऐसा कर्म करनेवाला जिसके फलस्वरूप उसे नरक मे जाना पडे।

ज़हब (ذهب) अ पु—सोना, कुदन, स्वर्ण, कनक।

जहलः (جهله) अ पु—'जाहिल' का बहु, मूर्खगण, घामड लोग।

जहाँ (جہاں) फा पु—जहान का लघुरूप, ससार, विश्व, दुनिया।

जहाँआरा (جہاں آرا) फा वि—ससार को सुशोभित करनेवाला।

जहाँआफ़रीं (جہاں آفریں) फा वि—ससार की उत्पत्ति करनेवाला, सृष्टिकर्ता।

जहाँगर्द (جہاں گرد) फा वि—ससार भर मे फिरनेवाला, विश्वभ्रमी।

जहाँगीर (جہانگیر) फा वि—ससार को अपने वश मे करनेवाला, विश्वविजयी।

जहाँदार (جہاندار) फा वि—पृथ्वीपाल, सम्राट्, शासक, बादशाह।

जहाँदीद (جہاندیده) फा वि—दुनिया देखे हुए, बहुदर्शी, बडा अनुभवी और तजरिबाकार, वृहदनुभवी।

जहाँपनाह (جہاں پناه) फा वि—विश्वपाल, ससार को अपनी शरण म लेनेवाला, राजाओ और बादशाहो के लिए सबोधन का शब्द।

जहाँबानी (جہاں بانی) फा स्त्री—शासन कर्म, राज्य, हुकूमत।

जहाज़ (جہاز) अ पु—समुद्र में चलनेवाली बहुत बडी नाव, पोत, वहित्र।

जहाज़राँ (جہازراں) अ फा वि—जहाज चलानेवाला, पोतचालक।

जहाज़रानी (جہازرانی) अ फा स्त्री—जहाज चलाने का काम या पेशा।

जहाज़ी (جہازی) अ. वि—जहाज से सम्बन्ध रखनेवाला, जहाज का, एक प्रकार की सुपारी।

जहाज़े आबी (جہاز آبی) अ फा पु—पानी में चलनेवाला जहाज, जलयान, पोत।

जहाज़े बह्री (جہاز بحری) अ पु—समुद्र मे चलनेवाला जहाज, पोत, जलयान।

जहाज़े हवाई (جہاز ہوائی) अ पु—हवा में उडनेवाला जहाज, वायुयान, विमान।

ज़हादत (زهادت) अ स्त्री—सयम, इंद्रिय निग्रह, परहेज़गारी, मुनिवृत्ति, मनोनिग्रह।

जहान (جہان) फा. पु—ससार, विश्व, दुनिया, लोक, आलम।

ज़हानत (ذهانت) अ स्त्री—ज़ेह्न की तेज़ी, प्रतिभा; दक्षता, विवेक, समझ बूझ, नयी बात निकालने की शक्ति।

जहाने फ़ानी (جہان فانی) फा अ पु—नश्वर ससार, मृत्युलोक, इहलोक, दुनिया, नाश हो जानेवाला ससार।

जहाने बाक़ी (جہان باقی) फा अ पु—शाश्वत ससार, नित्यलोक, परलोक, नाश न होनेवाली दुनिया।

ज़हाब (ذهاب) अ पु—गमन, जाना, गुज़रना।

जहालत (جہالت) अ स्त्री—मूर्खता, मूढता, बेवकूफी; अज्ञान, जडता, नादानी, निरक्षरता, बेइल्मी, असभ्यता, बदतहज़ीबी, उद्दडता, अक्खडपन।

ज़हीन (ذهین) अ वि—जिसमे ज़हानत हो, दक्ष, कुशल, प्रतिभावान्।

जहीर (جہیر) अ वि—वह आदमी जिसकी आवाज़ ऊँची हो, ज़ोर से बोलनेवाला।

ज़हीर (زهیر) अ वि—उज्ज्वल, रौशन, मुकुलित, प्रफुल्ल, खिला हुआ, कलियो से लदा हुआ वृक्ष।

ज़हीर (ظهیر) अ वि—सहायक, पृष्ठपोषक, मददगार; जिसकी पीठ में दर्द हो, (यह शब्द एक वचन भी है और बहुवचन भी)।

ज़हीर (زحیر) अ स्त्री—पेचिश, अतिसार, आँव, मरोड।

ज़हीरे काज़िब (زحیر کاذب) अ स्त्री—झूठी पेचिश।

ज़हीरे सादिक़ (زحیر صادق) अ स्त्री—सच्ची पेचिश।

ज़हूक (ضحوک) अ वि—बहुत हँसनेवाला, चौडा और खुला हुआ मार्ग।

जहूद (جہود) फा पु—यहूदी।

जहूल (جہول) अ वि—बहुत बडा जाहिल, निपट मूर्ख।

जह्द (جہد) अ पु—शक्ति, ज़ोर; प्रयत्न, प्रयास, कोशिश; कष्ट, दुःख, तक्लीफ़।

जह्दे जहीद (جہد جہید) अ पु –भरसक प्रयत्न, पूरी कोशिश।

जह्मत (زحمت) अ स्त्री –कष्ट, क्लेश, तक्लीफ।

जह्र (زہرہ) फा पु –पित्ता पित्ताशय, वह थैली जिसमें पित्त (सफ़ा) रहता है, पित्त, सफ़ा, जीवट, साहस, हिम्मत, वीरता, बहादुरी।

ज़ह्र शिगाफ (زہرہ شگاف) फा वि –पित्ता पानी कर देनेवाला, साहस तुड़वा देनेवाला, भयकर, भयानक, ज़ोरदार।

ज़ह्र (زہر) फा पु –विष, गरल, हलाहल।

जह्र (جہر) अ पु –ज़ोर की आवाज़, ऐसी आवाज़ जो पासवाला सुन सके।

ज़ह्रआगीं (زہرآگیں) फा वि –ज़हरीला, विषैला, विषाक्त।

ज़ह्रआमेज़ (زہرآمیز) फा वि –विष मिला हुआ, विष मिश्रित, विषदुष्ट।

ज़ह्रआलूद [द] (زہرآلود [ہ]) फा वि –दे 'ज़ह्रआमेज'।

ज़ह्रखंद (زہرخند) फा पु –खिसयानी हँसी, झेंप की हँसी।

ज़ह्रखुरानी (زہرخورانی) फा स्त्री –विष खिलाना, किसी को मारने के लिए खाने आदि म मिलाकर विष देना।

ज़ह्रखुर्द (زہرخوردہ) फा वि –जिसने विष खाया हो, जिसे विष दिया गया हो।

ज़ह्रखुरी (زہرخوری) फा स्त्री –विष खा लेना, जहर खाकर खुदकुशी करना।

ज़ह्रगिया (زہرگیا) फा स्त्री –एक विषैली घास, बछनाग।

ज़ह्रताब (زہرتاب) फा वि –ज़ह्र मे बुझा हुआ, तीर, तलवार आदि जो विष मे बुझे हो।

ज़ह्रदार (زہردار) फा वि –विष मिला हुआ, विषैला, जिसके डक या दाँत मे ज़हर हो, विषैला कीडा।

ज़ह्रदारू (زہردارو) फा स्त्री –विष की दवा, विष दूर करनेवाली औषध, तिर्याक, विषहर।

ज़ह्रदुम (زہردم) फा वि –जिसकी पूँछ मे विष हो, जैसे–विच्छू, लूमविष, लूमविष, विषपुच्छ।

ज़ह्रनवा (زہرنوا) फा वि –बहुत ही कडवी बाते करनेवाला, कटुभाषी।

ज़ह्रनाक (زہرناک) फा वि –दे 'ज़ह्रआलूद'।

ज़ह्रनोश (زہرنوش) फा वि –विषपायी, जहर पीनेवाला, बहुत ही तेज़ शराब पीनेवाला, किसी की कडवी बातो को सहन करनेवाला।

ज़ह्रनोशी (زہرنوشی) फा स्त्री –विष पीना, कडवी बात को बरदाश्त करना।

ज़ह्रबा (زہربا) फा वि –विष मिला हुआ खाना, शत्रु को मारने के लिए।

ज़ह्रबाद (زہرباد) फा पु –एक रोग जिसमें सारे शरीर मे विष फैल जाता है।

ज़ह्रमोहर. (زہرمہرہ) फा पु –एक कीमती पत्थर जो दवा के काम आता है, एक मनका जिससे विष उतारा जाता है।

ज़ह्रा (زہرا) अ वि –गोरे रग की स्त्री, गौरागना, गौरवर्णा, हज़रते फातिमा की उपाधि, 'उज़्हा' भी शुद्ध है।

ज़ह्राब (زہراب) फा पु –दे 'ज़ह्रराब'।

ज़ह्रआब (زہراب) फा पु –विष मिला हुआ पानी, ज़हर का पानी।

ज़ह्राबए ग़म (زہرابۂ غم) फा अ पु –दे 'ज़ह्राबेग़म'।

ज़ह्राबे ग़म (زہرابِ غم) फा अ पु –दुःख रूपी विष का पानी।

ज़ह्रे कातिल (زہر قاتل) फा अ पु –ऐसा विष जो घातक हो, बहुत ही तीव्र और प्रचड विष।

ज़ह्रे मार (زہر مار) फा पु –साँप के काटे का विष, साँप की थैली से निकाला हुआ विष।

ज़ह्रे हलाहिल (زہر ہلاہل) फा पु –दे 'ज़ह्रे कातिल'।

जह्ल (جہل) अ पु –मूर्खता, बेवकूफी, अज्ञान, नासमझी, असभ्यता, उजड्डपन।

जह्ले बसीत (جہل بسیط) अ पु –किसी बात को सिरे से न जानना।

जह्ले मुत्लक (جہل مطلق) अ पु –दे 'जह्ले बसीत'।

जह्ले मुरक्कब (جہل مرکب) अ पु –किसी बात को बिलकुल गलत जानना और उस पर विश्वास रखना, जैसे राँगे को चाँदी समझना और बताने पर भी न मानना।

ज़ह्हाक (ضحاک) अ पु –बहुत हँसनेवाला, ईरान का एक बहुत ही अत्याचारी बादशाह जिसे फिरीदूँ ने गिरफ्तार किया था।

जा

जाँ (جاں) फा स्त्री –'जान' का लघुरूप जो यौगिक शब्दो मे प्रयोग होता है, दे 'जान'।

जाँआज़ार (جاں آزار) फा वि –सतानेवाला, दुःखदायी।

जाँआज़ारी (جاں آزاری) फा स्त्री –जान को दुःख देना, जानदारो को सताना, अत्याचार, जुल्म।

जाँआफ़रीं (جاں آفریں) फा वि –शरीर मे प्राण डालनेवाला, मनुष्य की सृष्टि करनेवाला, ईश्वर।

जाँआहन (جاں آہن) फा वि –निष्ठुरता, पाषाण-हृदय, बहुत ही बेरहम, शूर, वीर, दिलावर।

जाँकदनी (جاں کندنی) फा स्त्री –दे 'जाँकनी'।

जांकनी (جاں‌کنی) फा स्त्री–शरीर से प्राण निकलने की अवस्था, चद्रा, नज्अ की हालत, यम-यातना।

जांकाह (جاںکاہ) फा वि–प्राणो को घुलानेवाला, अत्यंत कष्ट देनेवाला, हृदयद्रावी।

जांकाही (جاںکاہی) फा स्त्री–प्राणो को घुलाना, अत्यत कष्ट और परिश्रम।

जांगुज़ा (جاں‌گزا) फा वि–प्राणो को काटने और डसने वाला, घोर कष्टदायक, अत शल्य।

जांगुसिल (جاں‌گسل) फा वि–हृदय विदारक, प्राण-घातक।

जांदादः (جاں‌دادہ) फा वि–मुग्ध, आसक्त, फिरेफ्त।

जांदार(جاندار)फा पु–प्राणी, जिसके जान हो, जीवधारी, हृथियारवद, मित्र, दोस्त।

जांदारू (جاں‌دارو) फा स्त्री–विषहर, तिर्याक।

जांदिही (جاں‌دہی) फा स्त्री–परिश्रम, प्रयास, कोशिश, सलग्नता, तन्मयता, मश्गूलियत।

जांनवाज़ (جاں‌نواز) फा वि–प्राणो को आनद देनेवाला, मनोरम।

जांनिसार (جاں‌نثار) फा वि–प्राण न्योछावर कर देने-वाला, समय पडने पर जान की बाज़ी लगा देनेवाला (दूसरे के लिए)।

जांनिसारी (جاں‌نثاری) फा स्त्री–सम्य पडने पर प्राण तक दे देना (दूसरे के लिए)।

जांपनाह (جاں‌پناہ) फा वि–प्राणो की रक्षा करनेवाला, प्राणरक्षक।

जांपेश (زاں‌پیش) फा अव्य–इससे पहले।

जांफर्सा (جاں‌فرسا) फा वि–दे 'जांकाह'।

जांफिज़ा (جانفزا) फा वि–प्राणो को बढानेवाला, प्राणवर्द्धक, आयुवर्द्धक।

जांफिशानी (جاں‌فشانی) फा स्त्री–जान तोड कोशिश, पूर्ण प्रयत्न।

जांबख़्श(جاں‌بخش) फा वि–प्राण देनेवाला, मरनेसे बचानेवाला, फाँसी आदि के हुक्म को रद्द कर देनेवाला।

जांबख़्शी (جانبخشی)फा स्त्री–प्राणदान, मरनेसे बचाना, अभयदान देना।

जांबर (جانبر) फा वि–जान बचा ले जानेवाला, ज़िंदा रह जानेवाला।

जांबरी (جانبری) फा. स्त्री–जीवित रह जाना, प्राण बच जाना।

जांबलब (جاں‌بلب)फा वि–जिसके प्राण होठो पर आ गये हो, मृतप्राय, आसन्न मृत्यु।

जांबहक़ (جاں‌بحق) फा अ वि–प्राण ईश्वर के समर्पित, मृत।

जांबाज़ (جاں‌باز) फा. वि–किसी काम के लिए प्राणो की बाज़ी लगा देनेवाला, प्राण घातक।

जां बा'द (زاں‌بعد) फा अ अव्य–इसके पश्चात्, इसके बाद।

जांसितां (جانستاں) फा वि–प्राणद्रोही, प्राणघातक, जान ले लेनेवाला, दिल सिता, प्रेम पात्र, मा'शूक।

जांसितानी (جانستانی) फा स्त्री–प्राण लेना, अत्याचार करना।

जांसिपार (جاں‌سپار)फा वि–किसी को (प्रेमिका को) अपनी जान का मालिक बना देनेवाला।

जांसिपारी (جاں‌سپاری) फा स्त्री–किसी को अपने प्राण सिपुर्द कर देना।

जांसोख़्तः (جاں‌سوختہ) फा वि–जिसके प्राण जल गये हो, दग्धहृदय, प्रेमी।

जांसोज़ (جاں‌سوز) फा वि–अपनी जान को जलानेवाला, सताप सहनेवाला, सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द।

जा (جا) फा स्त्री–स्थान, जगह।

ज़ा (زا) फा प्रत्य–उत्पादक, पैदा करनेवाला, जैसे–'फर्हत ज़ा' प्रसन्नता उत्पन्न करनेवाला।

ज़ाइक़ः (ذائقہ) अ पु–स्वाद, रस, लज़्ज़त, प्रतिकार, प्रत्यपकार, बुरा बदला।

ज़ाइक़ःचश (ذائقہ‌چش) अ फा वि–मज़ा चखनेवाला, स्वादक, सज़ा भोगनेवाला।

ज़ाइक़ःदार (ذائقہ‌دار) अ फा वि–स्वादिष्ठ, सुस्वाद, मज़ेदार।

ज़ाइक़ पसंद (ذائقہ‌پسند) अ फा वि–जिसे ज़बान को ज़ाइक़ अच्छा लगता हो, चटोरा, स्वादु काम, जिह्वालोलुप।

ज़ाइक़ (ذائق) अ वि–चखनेवाला।

ज़ाइचः (زائچہ) फा पु–जन्मकुडली, जन्मपत्री, लग्न कुडली।

जाइज़ (جائزہ) अ पु–काम या सामान की पूरी जाँच-पडताल और हिसाब, निरीक्षण, परीक्षा, इम्तिहान, निगरानी, देखभाल।

ज़ाइदः (زائدہ) अ पु–शरीर के किसी स्थान का बढा हुआ मास, अतिरिक्त मास, बढी हुई वस्तु।

ज़ाइद (زائد) अ वि–अधिक, बहुत, प्रचुर, अतिरिक्त, फालतू।

ज़ाइद अज़ उम्मीद (زائد‌از‌امید) अ फा वि–जितनी आशा हो उससे अधिक, आशातीत।

जाइद अज जुरूरत (زائد از ضرورت) अ फा वि–जितनी आवश्यकता हो उससे अधिक।

जाइद अज हिसाब (زائد از حساب) अ फा वि–हिसाब से या जितना चाहिए उससे अधिक।

जाइदुलउम्र (زائد العمر) अ वि–बड़ी उम्रवाला, बूढ़ा, वयोधिक, वयोवृद्ध।

जाइदुलमीआद (زائد المیعاد) अ वि–लंबी मुद्दतवाला, जिसके लिए लंबा समय चाहिए, जो लंबे समय के लिए हो।

जाइदुलवस्फ़ (زائد الوصف) अ वि–जिसमें बहुत अधिक गुण हो।

जाइब (ذائب) अ वि–पिघलनेवाला, पिघला हुआ, द्रवीभूत।

ज़ाइरः (زائرہ) अ स्त्री–किसी पूज्य स्थान या व्यक्ति के दर्शनार्थ आनेवाली स्त्री।

ज़ाइर (زائر) अ वि–किसी पुनीत स्थान या पुण्यात्मा व्यक्ति के दर्शन करनेवाला पुरुष।

जाइर (جائر) अ वि–अत्याचार करनेवाला, अनीतिकर्ता।

ज़ाइरात (زائرات) अ स्त्री–'ज़ाइर' का बहु, जियारत करनेवाली स्त्रियाँ।

ज़ाइरीन (زائرین) अ पु–'ज़ाइर' का बहु, ज़ियारत करनेवाले पुरुष।

ज़ाइरे कर्बला (زائر کربلا) अ फा पु–कर्बला (इराक) जाकर हज़्रत इमाम हुसैन के रौज़े की ज़ियारत करनेवाला।

ज़ाइरे हरम (زائر حرم) अ पु–मक्का (अरब) जाकर का'बे की ज़ियारत करनेवाला।

ज़ाइरे मदीना (زائر مدینہ) अ पु–मदीना की जियारत करनेवाला।

ज़ाइरे हरमैन (زائر حرمین) अ पु–'मक्का' और 'मदीना' दोनों पुनीत स्थानों की ज़ियारत करनेवाला।

जाइल (جاعل) अ वि–उत्पन्न करनेवाला, निर्मित करनेवाला, स्रष्टा।

ज़ाइल (زائل) अ वि–नष्ट, बरबाद, समाप्त, ख़त्म, निराकृत, रफ़अ'।

जाई (جائی) फा वि–स्थान-सम्बन्धी (स्त्री) जूही का फूल, जुही।

ज़ाईद. (زائیدہ) फा वि–उत्पन्न, जनित, जन्मा हुआ, जना हुआ।

ज़ाईदनी (زائیدنی) फा वि–जन्म लेने के योग्य, जनने के योग्य।

ज़ाए' (ضائع) अ वि–नष्ट, बरबाद, व्यर्थ, बेकार।

जाए' (جائع) अ वि–क्षुधातुर, भूखा।

जाए (جاے) फा स्त्री–'जा' का यौगिक रूप, जैसे–'जाए ज़ुरूर'।

जाएअम्न (جاے امن) फा अ स्त्री–शांति और सुकून का स्थान, जहाँ की झंझट न हो, जहाँ जान जोखिम न हो।

जाएआफ़ियत (جاے عافیت) अ फा स्त्री–रक्षा और शांति का स्थान, जाए अम्न।

जाएक़ियाम (جاے قیام) फा. अ स्त्री–ठहरने का स्थान, रहने का स्थान, निवासस्थान।

जाएगाह (جائیگاہ) फा स्त्री–जगह, स्थान।

जाएज़ुरूर (جاے ضرور) फा अ स्त्री–संडास, शौचागार, टट्टी, पाख़ाना।

जाएदाद (جائداد) फा स्त्री–भूसंपत्ति, गाँव गिराँव, मकान आदि।

जाएदादे ग़ैरमन्क़ूल (جائداد غیر منقولہ) फा अ स्त्री–स्थावर संपत्ति, जो संपत्ति जगह से हट न सके, जैसे–ज़मीदारी आदि।

जाएदादे ग़ैरमर्हून. (جائداد غیر مرھونہ) फा अ स्त्री–वह संपत्ति जो कहीं गिरवी न हो, अबंधक संपत्ति।

जाएदादे मक्फ़ूल (جائداد مکفولہ) फा अ स्त्री–वह संपत्ति जो कहीं गिरौ हो, बंधक संपत्ति।

जाएदादे मन्क़ूल (جائداد منقولہ) फा अ स्त्री–जंगम संपत्ति, जो संपत्ति इधर-उधर हटायी जा सके, जैसे–मवेशी आदि।

जाएदादे मर्हून. (جائداد مرھونہ) फा अ स्त्री–दे 'जाएदादे मक्फ़ूल'।

जाएदादे मौक़ूफ़. (جائداد موقوفہ) फा अ स्त्री–वह संपत्ति जो किसी कार्य विशेष के लिए उत्सर्गित हो।

जाएदीगर (جاے دیگر) फा स्त्री–अन्य स्थान, दूसरी जगह।

जाएनमाज़ (جاے نماز) फा अ स्त्री–नमाज़ पढ़ने का स्थान, नमाज़ पढ़ने का वस्त्रादि।

जाएपनाह (جاے پناہ) फा स्त्री–बचाव का स्थान, सुरक्षा स्थान।

ज़ाक (زاک) फा स्त्री–फिटकरी।

ज़ाकिर (ذاکر) अ वि–वर्णन करनेवाला, इमाम हुसैन की शहादत का हाल बयान करनेवाला व्यक्ति।

ज़ाख़िल (زاخل) फा पु–थूहड़ का पेड़।

ज़ाग़ (زاغ) फा पु–काक, वायस, आत्मघोष, कौआ।

ज़ाग़चश्म (زاغ چشم) फा वि–कंजी आँखोंवाला, कंजा, नीलाक्ष।

ज़ाग़ज़बां (زاغ زبان) फा वि–जिसका कोसना तुरंत ही लगे, कलत्म जिव्वा, शापसिद्ध।

ज़ाग़दिल (زاغدل) फा वि –निर्दय, निष्ठुर, बेरहम।
ज़ाग़लोल (زاغلول) फा पु –कुदाल, कुदाली, लोहे का एक यंत्र।
ज़ाग़पा (زاغپا) फा पु –व्यंग, कटाक्ष, ताना।
जाग़र (جاغر) तु पु –चिडियो का पोटा।
जागीर (جاگیر) फा स्त्री –जाइदाद या जमीदारी, जो सरकार से किसी बडे काम के बदले मिले।
जागीरदार (جاگیردار) फा पु –जागीर का मालिक, तअल्लुक़ दार।
जागीरदाराना (جاگیردارانہ) फा वि –जागीरदारो-जैसा।
जागीरदारी (جاگیرداری) फा स्त्री –जागीरदाराना निजाम, जागीर का शासन।
ज़ागूत (ضاغوت) अ पु –एक रोग जिसमे रोगी ऐसा अनुभव करता है जैसे कोई बडा देव उसका गला घोट रहा हे, काबूस।
ज़ाग़े आबी (زاغِ آبی) फा पु –जलकौआ, पनडुब्बी।
ज़ाग़े कमाँ (زاغِ کماں) फा पु –सीग के काले टुकडे जो धनुष के दोनो किनारो पर लगाये जाते हैं।
ज़ाग़े कोही (زاغِ کوہی) फा पु –पहाडी कौआ, द्रोणकाक, काकोल।
ज़ाज (زاج) अ स्त्री –फिटकरी, फटिक।
ज़ाज़ (ژاژ) फा वि –मिथ्या, निरर्थक, व्यर्थ, बेहूदा।
ज़ाज़ख़ा (ژاژخا) फा वि –मिथ्यावादी, गप्पी, फुजूलगो।
ज़ाज़ख़ाई (ژاژخائی) फा स्त्री –मुखरता, वाचालता, बकवास।
जाज़िब॰ (جاذبہ) अ स्त्री –आकर्षण शक्ति, खीचनेवाली कुव्वत।
जाज़िब (جاذب) अ वि –जज्ब करनेवाला, आत्मसात् करनेवाला, अपने अन्दर मिला लेनेवाला।
जाज़िबीयत (جاذبیت) अ स्त्री –आकर्षण, कशिश।
जाज़िबे तवज्जोह (جاذبِ توجہ) अ वि –खयाल को अपनी ओर खीचनेवाला (वाली), चित्ताकर्षक।
जाज़िबे नज़र (جاذبِ نظر) अ वि –दृष्टि को अपनी ओर खीचनेवाला (वाली) दृष्ट्याकर्षक।
जाज़िबे निगाह (جاذبِ نگاہ) अ फा वि –दे 'जाज़िबे नज़र'।
जाजिम (جاجم) तु स्त्री –छपा हुआ दोसूती मोटा बिछावन।
जाज़िम (جازم) अ वि –दृढ निश्चयवाला, अक्षर को हल करनेवाला।
ज़ाजिर (زاجر) अ वि –झिडकनेवाला, डाँट-डपट करने-वाला, भर्त्सक।
ज़ाजिर (ضاجر) अ वि –आतुर, व्याकुल।
ज़ाज़े' (جازع) अ वि –अधीर, बेसब्र।
ज़ात (ذات) अ स्त्री –कुल, वश, नस्ल, जाति बिरादरी, कौम, व्यक्तित्व, शख्सीयत, स्वयं, खुद, अस्तित्व, हस्ती (उप) वाला, जैसे—'जातुलबुरूज' बुर्जोवाला।
ज़ातियात (ذاتیات) अ स्त्री –निजी और जाती बाते।
ज़ाती (ذاتی) अ वि –निजी, व्यक्तिगत, आत्मीय, खुद का, निजी, प्राइवेट।
ज़ातुर्रियः (ذات الریہ) अ पु –फेफडे का वरम, निमो-निया, क्लोमपाक।
ज़ातुलइमाद (ذات العماد) अ वि –बहुत-से खभोवाली इमारत, बहुत बडा प्रासाद।
ज़ातुलकुर्सी (ذات الکرسی) अ वि –आस्मानी शक्लो मे से एक जो औरत की तरह है।
ज़ातुलजब (ذات الجنب) अ पु –पसली का दर्द, उरोग्रह, प्लूरिसी।
ज़ातुलबुरूज (ذات البروج) अ पु –राशियोवाला आकाश, अर्थात् सबसे ऊपरी आकाश।
ज़ातुलबैन (ذات البین) अ पु –दो व्यक्तियो का मामला पटानेवाला, बिचौलिया, दल्लाल।
ज़ातुलयमीन (ذات الیمین) अ वि –वे व्यक्ति जिनके कर्मपत्र कियामत के दिन सीधे हाथ मे होगे, सदाचारी।
ज़ातुलयसार (ذات الیسار) अ वि –वे व्यक्ति जिनके कर्मपत्र कियामत के दिन उलटे हाथ म होगे, पापी लोग।
ज़ातुश्शिमाल (ذات الشمال) अ वि –दे 'जातुलयसार'।
ज़ातुस्सद्र (ذات الصدر) अ पु –अन्तर्यामी, दिलो की बात जाननेवाला, छाती का वरम।
ज़ातेशरीफ (ذاتِ شریف) अ वि –केवल व्यग मे धूर्त और फितरती व्यक्ति के लिए आता है, जैसे—हिन्दी मे 'महापुरुष'।
ज़ाद (زادہ) फा वि –उत्पन्न, जन्मा हुआ, पुत्र, बेटा।
जाद (جادہ) फा पु –पगडडी, रास्ते के अतिरिक्त पतला रास्ता, पथ, मार्ग, रास्ता।
जाद (جعدہ) अ स्त्री –चोटी, केशकलाप, वेणी, घुँघराले बाल।
जाद पैमा (جادہ پیما) फा वि –पथिक, राहगीर।
ज़ाद (زاد) फा पुं –खाद्य सामग्री, खाने का सामान, पीढी, वश, नस्ल (प्रत्य) उत्पन्न, जैसे—'खान ज़ाद' घर मे उत्पन्न होनेवाला।
जा'द (جعد) अ स्त्री –चोटी, वेणी।
ज़ादए ख़ाक (زادۂ خاک) फा पु –धन-दौलत, सोना-चाँदी।

जादए मुस्तक़ीम (جادۂمستقیم) अ पु —सीधा रास्ता सरल मार्ग।

जादबूम (زادبوم) फा स्त्री —पैदाइश की जगह, जन्म-स्थान, जन्मभूमि।

जादिल (جادل) अ वि —लडनेवाला, योद्धा, वाद-विवाद करनेवाला।

जादू (جادو) फा पु —अभिचार, मार डालने, नुकसान पहुँचाने आदि का कर्म, इंद्रजाल, माया, तिलिस्म, दृष्टिबंध, नज़रबंदी, हस्तकौशल, हाथ की सफाई।

जादूकुश (جادوکش) फा वि —जादूगरो का वध करनेवाला।

जादूगर (جادوگر) फा वि —जादू करनेवाला, मायावी, ऐंद्रजालिक, शोबद गर, दृष्टिबंधक।

जादूगरी (جادوگری) फा स्त्री —माया कर्म, जादू का काम, दृष्टिबंध, शो'बद बाज़ी।

जादूनज़र (جادونظر) फा वि —जिसकी आँखो मे जादू हो, जिसकी आँखो मे मोहनी हो।

जादूनिगाह (جادونگاہ) फा वि —दे 'जादूनज़र'।

जादूफन (جادوفن) फा वि —जादूगर।

जादूबयाँ (جادوبیاں) फा अ वि —जिसकी बातचीत में मोहनी हो, जो अपने वक्तव्य और भाषण से सबको मोहित कर ले।

जादे उक़्बा (زادعقبی) फा अ पु —परलोक के लिए सामान, अच्छी कृतियाँ, नेकअमल।

जादे राह (زادراہ) फा पु —रास्ते का खाना और खर्च, पाथेय, सबल, मार्गव्यय।

जादे सफ़र (زادسفر) फा अ पु —दे 'जादेराह'।

जानःदार (جانہدار) फा वि —हथियारबंद, सशस्त्र, मित्र, दोस्त।

जान (جان) फा स्त्री —प्राणवायु, रूह, जीवन, ज़िंदगी, शक्ति, ज़ोर, साहस, हिम्मत।

जान (جان) अ पु —जिन कौम का सर्वप्रथम व्यक्ति, अबुलहसन, सारे जिन जिसकी संतान हैं।

जानदार (جاندار) फा पु —प्राणी, जीवधारी, ज़ी रूह, मानव, मनुष्य, इंसान, जीवित, ज़िंदा, शक्तिशाली, ताकतवर।

जानमाज़ (جانماز) फा अ स्त्री —नमाज़ पढने की दरी या चटाई आदि।

जानशीन (جانشین) फा पु —जो किसी की जगह पर बैठा हो, स्थानापन्न, क़ाइम मक़ाम, उत्तराधिकारी, वारिस।

जानवर (جانور) फा पु —पशु और पक्षी आदि प्राणी, मनुष्य के अतिरिक्त और सब प्राणी।

जानाँ (جاناں) फा पु —प्रेमपात्र, महबूब, प्रेमिका, प्रेयसी, महबूब।

जानानः (جانانہ) फा वि —प्रेमिका से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, प्रेमिका का(की)।

जानिब (جانب) अ स्त्री —पक्ष, ओर, तरफ; पार्श्व, पहलू।

जानिबदार (جانبدار) अ फा वि —पक्षपाती, तरफदारी करनेवाला।

जानिबदारी (جانبداری) अ फा स्त्री —पक्षपात, तरफदारी।

जानिबैन (جانبین) अ पु —उभय पक्ष, दोनो पार्टियाँ।

जानियः (زانیہ) अ स्त्री —व्यभिचारिणी, स्वैरिणी, असती, बंधकी, भ्रष्टा, जारिणी, धर्षिणी, फाहिशा।

जानी (زانی) अ पु —व्यभिचारी, परस्त्रीगामी, विषयलंपट, विषयाभ्यस्त, बदचलन, रतनारीच।

जानी (جانی) फा वि —जान का, प्राणो का, घनिष्ठ, गहरा।

जानी (جانی) अ वि —पापी, पातकी, गुनाहगार, दोषी, अपराधी मुज़रिम।

जानू (زانو) फा पु —घुटना, जानु।

जानूपोश (زانوپوش) फा पु —वह कपडा जो खाना खाते समय घुटनो पर डाला जाता है।

जानूबजानू (زانوبزانو) फा वि —घुटने से घुटना मिला-कर (बैठना) एक पंक्ति में बराबर-बराबर (बैठना)।

जाने जहाँ (جان جہاں) फा पु —सारे ससार वासियो का प्राण, विश्वजीवन अर्थात् नायिका, ईश्वर।

जाने जाँ (جان جاں) फा पु —प्राणाधार, प्राणो का प्राण अर्थात् प्रेमिका, ईश्वर।

जाने जानाँ (جان جاناں) फा पु —दे 'जाने जाँ'।

ज़ा'फ (ضعف) अ पु —मूर्च्छा, बेहोशी, बुद्धि की हानि अक्ल की कमी।

ज़ा'फ (زعف) अ पु —किसी को जल्द से मार डालना, इस तरह मारना कि उसी ठौर मर जाय।

जा'फर (جعفر) अ पु —नह्र, (नहर) नदी, खरबूज़ा, चौदह इमामो में से एक।

ज़ा'फर (زعفر) अ पु —दे 'ज़ा'फरान'।

ज़ा'फराँ (زعفراں) अ पु —'ज़ा'फरान' का लघु, दे 'ज़ा'फरान'।

ज़ा'फराँज़ार (زعفرانزار) अ फा पु —जहाँ चारो ओर केसर के खेत हो।

ज़ा'फरान (زعفران) अ पु —कुंकुम, केसर।

ज़ा'फ़रानी (زعفرانی) अ वि—केसर के रंग का, केसरी, केसर से बना हुआ।

ज़ा'फ़री (جعفری) अ वि—एक पीले रंग का फूल; पीला रंग, पीत।

जा'बः (جعبہ) अ पु—तूणीर, निषंग, तरकश।

जा ब जा (جابجا) फ़ा वि—जगह-जगह, यदा-कदा, जहाँ-तहाँ।

ज़ाबित: (ضابطہ) अ पु—नियम, क़ाइद; प्रणाली, पद्धति, दस्तूर; गुर, आसान क़ाइद।

ज़ाबित (ضابط) अ वि—सहनशील, मुतहम्मिल, प्रबंधक, मुतज़िम।

ज़ाबितए दीवानी (ضابطۂ دیوانی) अ फ़ा पु—दीवानी अदालत का क़ानून।

ज़ाबितए फ़ौजदारी (ضابطۂ فوجداری) अ फ़ा पु—फ़ौजदारी अदालत का क़ानून।

जाबिर (جابر) अ वि—अत्याचार करनेवाला, अनीति करनेवाला, ज़बरदस्ती करनेवाला, नाजाइज़ दबाव डालनेवाला।

ज़ाबिलिस्तान (زابلستان) फ़ा पु—सीसतान, ईरान का एक प्राचीन प्रदेश जो रुस्तम की जन्म-भूमि था।

ज़ाबुलिस्तान (زابلستان) फ़ा पु—दे 'ज़ाबिलिस्तान', दो शुद्ध हैं।

जाबुल्का (جابلقا) फ़ा पु—पूर्व दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

जाबुल्सा (جابلسا) फ़ा पु—पश्चिम दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

ज़ाबेह (ذابح) अ वि—वध करनेवाला, वधिक।

जाम: (جامہ) फ़ा पु—वस्त्र, वसन, पहनने का कपड़ा, कुर्ता, कमीस; बरात में दूल्हा के पहनने के कपड़े।

जाम:कन (جامہ کن) फ़ा पु—स्नानागार का पहला कमरा जहाँ कपड़े उतारे जाते और लुंगी बाँधी जाती है।

जाम:ज़ेब (جامہ زیب) फ़ा वि—वह व्यक्ति जिसके शरीर पर कपड़े शोभा दें।

जाम:ज़ेबी (جامہ زیبی) फ़ा स्त्री—शरीर पर कपड़ों का शोभा देना और सजना।

जाम:तलाशी (جامہ تلاشی) फ़ा स्त्री—सरकारी तौर पर किसी शुबहे में शरीर पर पहने हुए कपड़ों की तलाशी।

जाम:दर (جامہ در) फ़ा वि—कपड़े फाड़नेवाला, शोका-तिरेक या पागलपन से कपड़े फाड़नेवाला।

जाम:दरी (جامہ دری) फ़ा स्त्री—शरीर पर पहने हुए कपड़ों को फाड़ना, पागलपन की अवस्था।

जाम:वार (جامہ وار) फ़ा पु—एक प्रकार की बढ़िया छींट, जिसके अँगरखे या शेरवानियाँ बनती हैं।

जाम (جام) फ़ा पु—पियाला, कस, शराब पीने का पियाला, पानपात्र, चषक।

ज़ा'म (زعم) अ पु—विचार, ख़याल, धारणा, गुमान।

जामए एहराम (جامۂ احرام) अ फ़ा पु—वह चादर जो हाजी लोग हज के समय बाँधते हैं।

जामए ग़ूक (جامۂ غوک) फ़ा पु—काई, जो पानी पर जम जाती है।

जामए फ़तह (جامۂ فتح) फ़ा अ पु—वह कपड़ा जिस पर मंत्र आदि लिखे होते हैं और लड़ाई के दिन विजय-प्राप्ति के लिए पहना जाता है।

जामए सूरत (جامۂ صورت) फ़ा अ पु—वह कपड़ा जिस पर चित्र बने हों, चित्रपट।

जामगी (جامگی) फ़ा स्त्री—रोज़ीना, रातब, पियाले में शराब की तलछट, पुराना कपड़ा।

जामगूल (جامغول) तु वि—दुरात्मा, शरीर; पापात्मा, ख़बीस।

जामबकफ़ (جام بکف) फ़ा वि—हाथ में शराब का पियाला लिये हुए।

जामबलब (جام بلب) फ़ा वि—ओठों से शराब का पियाला लगाये हुए, अर्थात् शराब पीता हुआ।

जामिअः (جامعہ) अ स्त्री—विश्वविद्यालय, यूनीवर्सिटी।

जामिईयत (جامعیت) अ स्त्री—योग्यता, विद्वत्ता, काबिलीयत, व्यापकता, हावी होने का भाव।

जामि उल उलूम (جامع العلوم) अ पु—सार-संग्रह, इंसाइक्लोपेडिया, विद्याओं का भंडार।

जामि उल कमालात (جامع الکمالات) अ वि—जिसमें बहुत से गुण हों, बहुगुणसंपन्न।

जामि उल मुतफ़र्रिक़ीन (جامع المتفرقین) अ पु—बिछुड़े हुओं को एकत्र करनेवाला, वियोगियों को मिलानेवाला।

जामि उल लुग़ात (جامع اللغات) अ पु—ऐसा शब्द-कोश जिसमें किसी भाषा के शब्दों का पूर्ण संग्रह हो।

जामिद (جامد) अ वि—ठोस, घन, जड़, चेतनारहित। (पु) वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से न बना हो, (व्या)

जामिदुलअक़्ल (جامد العقل) अ वि—जिसकी बुद्धि ठस हो, जिसकी समझ में बात न आये, मन्दमति, घामड़।

ज़ामिन (ضامن) अ वि—ज़मानत करनेवाला, प्रतिभू; दूध जमाने की चीज़, आतंचन।

ज़ामिनी (ضامنی) अ स्त्री—ज़मानत करनेवाला; ज़मानत।

जामी (جامی) फा वि –'जाम' (नगर) से सम्बन्ध रखनेवाला, मद्यप, मयनोश।
जामी (ظامی) अ वि –पिपासु, तृषित, प्यासा।
जामूस. (جاموسه) अ स्त्री –भैंस।
जामूस (جاموس) अ पु –भैंसा।
जामे' (جامع) अ वि –संग्रह करनेवाला संग्रहीता; संपादन करनेवाला, संपादक, व्यापक, बहुत ही विस्तृत।
जामे आली (جام عالی) फा अ पु –बहुत बड़ा पियाला।
जामे जम (جام جم) फा पु –प्रसिद्ध है कि ईरान के शासक 'जमशेद' ने एक पियाला बनाया था, जिससे संसार का हाल ज्ञात होता था। जहाँ तक इस विषय में गौर किया गया है, ऐसा प्रतीत होता है कि उस पियाले में कोई भंग-जैसी मादक वस्तु पिलायी जाती होगी, जिससे पीनेवाले को ख़याली चीज़ें दिखाई पड़ती होंगी, जैसा कि आजकल भी अधिक नशा हो जाने पर हम देखते हैं।
जामे जमशेद (جام جمشید) फा पु –दे 'जामे जम'।
जामे जहाँनुमाँ (جام جہاں نماں) फा पु –दे 'जामे जम'।
जामे जहाँबीं (جام جہاں بیں) फा. पु –दे 'जामे जम'।
ज़ा'मेबातिल (زعم باطل) अ पु –गलत गुमान, कुधारणा, भ्रम, वहम।
जामे मय (جام مے) फा पु –शराब का पियाला, शराब पीने का पियाला, शराब से भरा हुआ पियाला।
जामे शराब (جام شراب) फा पु –दे 'जामे मय'।
जामे सिफालीं (جام سفالیں) फा पु –मिट्टी का कुल्हड़, डबुआ, जामे सिफाल,–"जामे जम से तो मेरा जामे सिफाल अच्छा है"—'गालिब'।
जामेह (جامح) अ वि –उद्दंड, सरकश, विद्रोही, बाग़ी।
ज़ाये (ضائع) अ वि –नष्ट, बरबाद, व्यर्थ, बेकार, प्रभावहीन, बेअसर।
जार (جار) अ पु –प्रतिवासी, पड़ोसी, भागीदार, साझी, शरणागत, पनाहयाफ्त।
जार [र्र] (جار) अ वि –खींचनेवाला, रक्षक, निगहबान, ज़ेर देनेवाला कारक।
जार (جار) तु पु –समुदाय, जनसमूह, जमाअत, ढिंढोरा, मुनादी।
ज़ार (زار) फा वि –क्षीण, लागर, दुबला-पतला, अशक्त, बेज़ोर, दीन, दुःखी, बेकस।
ज़ार(र्र) (ضار) अ वि –हानिकर, अनिष्टकर, नुकसानदेह।
जारची (جارچی) तु पु –ढिंढोरिया, ढिंढोरा पीटनेवाला, मुनादी करनेवाला।
ज़ारज़ार (زار زار) फा. वि –बहुत अधिक, फूट-फूटकर (रोना)।
ज़ारनाली (زار نالی) फा स्त्री –रोना-पीटना, बहुत व्याकुल होकर रोना।
ज़ारिब (ضارب) अ वि –मारनेवाला, प्रहारक, आघातक।
जारिय: (جاریہ) अ स्त्री –दासी, लौंडी, वह लौंडी जिससे उसका स्वामी सहवास करे, नौका, नाव।
जारिह: (جارحہ) अ पु –हाथ-पाँव आदि अवयव, शिकारी जानवर।
जारी (جاری) अ वि –सञ्चालित, चलता हुआ (काम आदि), प्रवाहित, बहता हुआ (पानी), लागू, चालू (कानून)।
ज़ारी (زاری) फा स्त्री –विलाप, रोना।
ज़ारीद: (زاریدہ) फा वि –रोया हुआ, रोदित।
ज़ारोक़ितार (زار و قطار) फा अ वि –दे 'ज़ारज़ार'।
ज़ारोनज़ार (زار و نزار) फा वि –बहुत ही दुबला और अशक्त, मरयल।
ज़ारोनालाँ (زار و نالاں) फा वि –दुखी और रोता हुआ, बहुत अधिक दीन और दुखी।
जारोब (جاروب) फा स्त्री –झाड़ू, मार्जनी।
जारोबकश (جاروب کش) फा वि –झाड़ू देनेवाला, सफाई करनेवाला, झाड़ू से ज़मीन साफ करनेवाला।
जारोबकशी (جاروب کشی) फा स्त्री –झाड़ू देना, झाड़ू से ज़मीन साफ करना।
जाल: (جالہ) फा पु –नदी पार करने के लिए कई मश्कों में हवा भरकर और उनके ऊपर लकड़ियों का ठाठ कसकर बनायी जानेवाली नौका।
ज़ाल: (ژالہ) फा पु –हिमोपल, घनोपल, ओला।
ज़ाल ज़दगी (ژالہ زدگی) फा स्त्री –ओला पड़ना, शिलावर्षा, करकापात।
ज़ाल'बारी (ژالہ باری) फा स्त्री –दे 'ज़ाल ज़दगी'।
जा'ल (جعل) अ पु –कूटता, जालसाज़ी, छल, वंचकता, फरेब।
ज़ाल [ल्ल] (ضال) अ वि –मार्गभ्रष्ट, गुमराह, पापी, गुनाहगार।
ज़ाल (زال) फा वि –सफेद बालोंवाला बूढ़ा पुरुष, सफेद बालोंवाली बूढ़ी स्त्री, बूढ़ा पुरुष या स्त्री।
जा'लसाज़ (جعل ساز) अ फा वि –कूटकार, जाली काम करनेवाला, नकली रुपया या दस्तावेज़ बनानेवाला।
जा'लसाज़ी (جعل سازی) अ फा स्त्री –कूट कर्म, नक़ली रुपया या दस्तावेज़ बनाना।

जालिफ (جالف) अ पु —महामारी, वबा, मरी।

जालिब (جالب) अ वि —ग्रहण करनेवाला, लेनेवाला, अपनी ओर खीचनेवाला।

जालिम (ظالم) अ वि —अन्यायी, अत्याचारी, निर्दय, कठोर हृदय, निष्ठुर।

जालिमाना (ظالمانہ) अ फा वि —अत्याचारियो जैसा।

जालिमे अज्लम (ظالم اظلم) अ वि —बहुत बडा अत्याचारी।

जालिस (جالس) अ. वि —बैठनेवाला, बैठा हुआ, आसीन, बैठानेवाला।

जा'ली (جعلی) अ. वि —कृत्रिम, बनावटी, नक्ली; कल्पित, फर्जी।

जाली (جالی) अ. वि —शुद्ध करनेवाला, चमकानेवाला, प्रकाशित करनेवाला।

जालीनोस (جالینوس) अ पु —एक प्रसिद्ध यूनानी हकीम।

जालूक (زالوک) फा पु —गुल्ला, (गुलेल मे चलानेवाला) गोली (वदूक मे चलनेवाली)।

जालूत (جالوت) अ पु —एक बहुत ही अत्याचारी शासक जिसे हज्रत दाऊद की आज्ञा से 'तालूत' ने मारा था।

जाले' (جالع) अ वि —निर्लज्ज, बेहया, धृष्ट, गुस्ताख, ढीठ।

जावर्स (جاورس) फा पु —बाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।

जाविदाँ (جاوداں) फा वि —नित्य, शाश्वत, अनश्वर, हमेशा रहनेवाला।

जाविदानी (جاودانی) फा वि —दे 'जाविदाँ'।

जाविय: (زاویہ) अ पु — कोना, एकान्त, गोश, कोण (रेखागणित)।

जावियए क़ाइम: (زاویۂ قائمہ) अ पु —नव्वे अश का कोण, समकोण।

जावियए खारिज: (زاویۂ خارجہ) अ पु —बहिष्कोण।

जावियए दाखिल: (زاویۂ داخلہ) अ पु —अत कोण।

जावियए नज़र (زاویۂ نظر) अ पु —दृष्टिकोण, नुक्तए नज़र।

जावियए निगाह (زاویۂ نگاہ) अ फा पु —दे 'जावियए नज़र'।

जावियए मुन्फ़रिज: (زاویۂ منفرجہ) अ पु —नब्बे अश से बडा कोण, अधिककोण।

जावियए हाद्द: (زاویۂ حادہ) अ पु —नब्बे अश से छोटा कोण, न्यूनकोण।

जावेद (جاوید) फा वि —नित्य, शाश्वत, दाइमी।

जावेदाँ (جاویداں) फा वि —दे 'जावेद'।

जासूस (جاسوس) अ. पु —गुप्तचर, सूची, अपसर्पक, प्रतिष्क, चारचक्षु, मुखबिर।

जासूसी (جاسوسی) अ पु —गुप्तचर का काम, मुखबिरी।

जाह (جاہ) फा स्त्री —प्रतिष्ठा, इज्जत, पद, रुत्बा; सत्कार, कद्र।

जाहपरस्त (جاہ پرست) फा वि —प्रतिष्ठा पाने का इच्छुक, पदलोलुप, केवल प्रतिष्ठित लोगो का भक्त।

जाहपरस्ती (جاہ پرستی) फा स्त्री —प्रतिष्ठा प्राप्ति की इच्छा, प्रतिष्ठित लोगो की भक्ति।

जाहिक (ضاحک) अ वि —हँसनेवाला, हँसोड़, प्रहासी।

जाहिद: (زاہدہ) अ स्त्री —तपस्विनी, साध्वी, विरक्ता, सयम नियम का पालन करनेवाली स्त्री।

जाहिद (زاہد) अ पु —जितेंद्रिय, सयमी, विरक्त, विषय-विरक्त, सयम-नियम और जप-तप करनेवाला व्यक्ति।

जाहिदे खुश्क (زاہد خشک) अ फा पु —ऐसा नीरस जाहिद जिसके हृदय मे जरा भी उदारता न हो।

जाहिर (ظاہر) अ. वि —व्यक्त, प्रकट, अयाँ, स्पष्ट, प्रत्यक्ष, वाज़ेह।

जाहिर (زاہر) अ वि —उज्ज्वल, प्रकाशमान, चमकता हुआ, उच्च, उत्तुग, ऊँचा, वलद।

जाहिरदार (ظاہردار) अ फा वि —दिखावे की बाते करनेवाला, दुनियासाज, अवसरवादी।

जाहिरदारी (ظاہرداری) अ फा स्त्री —बनावट, दिखावा, दुनियासाज़ी, व्याज-व्यवहार।

जाहिरन (ظاہراً) अ वि —देखने मे, जाहिर मे।

जाहिरपरस्त (ظاہر پرست) अ फा वि —जो ऊपरी टीम-टाम प मरता हो, केवल वाह्यरूप देखनेवाला।

जाहिरपरस्ती (ظاہر پرستی) अ फा स्त्री —केवल बाह्य रूप पर मुग्धता।

जाहिरबीं (ظاہربیں) अ फा वि —बाहरी तडक-भडक का दीवाना, जाहिरपरस्त।

जाहिरबीनी (ظاہربینی) अ फा स्त्री —केवल बाहरी टीम-टाम का मोह, जाहिरपरस्ती।

जाहिरा (ظاہرا) अ वि —दे 'जाहिरन'।

जाहिरी (ظاہری) अ वि —बाहरी, बाह्य, ऊपरी, देखने भर का।

जाहिरो बातिन (ظاہروباطن) अ पु —अदर और बाहर, मन और मुख, जुबान और दिल।

जाहिल (جاہل) अ वि —जो कुछ न जानता हो, अज्ञानी, मूर्ख, बेवकूफ, असभ्य, नामुहज्जब, अशिष्ट, बदसलीक, उद्दड, अक्खड, निरक्षर, वेइल्म।

जाहिलीयत (جاهلیت) अ स्त्री–दे 'जहालत'।

जाहिले मुत्लक़ (جاهل مطلق) अ वि–जो कुछ भी न जानता हो, निपट मूर्ख, विलकुल वे पढा-लिखा।

जाहोजलाल (جاہ و جلال) अ पु–शानोशौकत, रोवो-दाव।

जाहोमंसब (جاہ و منصب) अ पु–पदवी और प्रतिष्ठा।

जाहोहशम (جاہ و حشم) अ पु–दे 'जाहोजलाल'।

जि

ज़िजार (زنجار) अ पु–दे 'ज़गार'।

ज़िंद. (زندہ) फा वि–जीवित, जीता हुआ, नवीन, ताजा, जैसे–'ज़िंद ख़ून'।

ज़िंद·दरगोर (زندہ درگور) फा वि–जिसका जीवन मुर्दों-जैसा नीरस और व्यर्थ हो, जीवन्मृत।

ज़िंद.दार (زندہ دار) फा वि–बहुत जागनेवाला।

ज़िंद दिल (زندہ دل) फा वि–हर समय प्रसन्न रहने और मज़ेदार बातें करनेवाला, विनोदरसिक।

ज़िंद·दिली (زندہ دلی) फा स्त्री–प्रसन्न रहने और मनो-विनोद करने का भाव।

ज़िंद बशक्ले मुर्द (زندہ بشکل مردہ) फा वि–ऐसा व्यक्ति जो जीते हुए भी शव के समान हो, अत्यत दीन दुखी और कष्टग्रस्त, हतजीवित।

ज़िंद बाद (زندہ باد) फा वा–चिरजीव हो, जीवित रहो, साधुवाद, शावाश, "ज़िंदाबाद अय रजे उल्फत जानोदिल तुझ पर निसार, क्योंकि इक तेरे सबव से याद उसकी दिल में है।"

ज़िंद·बाश (زندہ باش) फा वा–आयुष्मान् हो, बडी उम्र मिले, शावाश, धन्यवाद।

ज़िंदए जावेद (زندۂ جاوید) फा पु–जो सदा जीवित रहे, जो कभी न मरे।

ज़िंदगानी (زندگانی) फा स्त्री–दे 'ज़िंदगी'।

ज़िंदगी (زندگی) फा स्त्री–जीवन, प्राण, हयात।

ज़िंदगीबख्श (زندگی بخش) फा वि–जीवन देनेवाला, जीवन बढानेवाला।

ज़िंदाँ (زندان) फा पु–कारागार, कारागृह, कैदखाना।

ज़िंदाँखानः (زندان خانہ) फा पु–दे 'ज़िंदाँ'।

ज़िंदानी (زندانی) फा वि–कारावासी, कैदी, वदी।

ज़िंदीक़ (زندیق) अ वि–नास्तिक, ला मज़हव, अग्निपूजक, आतशपरस्त, ज़रदुश्त का अनुयायी।

जिंस (جنس) अ स्त्री–वस्तु, पदार्थ, चीज़, अन्न, ग़ल्ला, जाति।

जिंसख़ान· (جنس خانہ) अ फा पु–अनाज आदि रखने का कोठा, मोदीख़ाना।

जिंसवार (جنس وار) अ फा स्त्री–पटवारी का काग़ज़ जिसमें बोई हुई जिंस का ब्योरा होता है।

जिंसी (جنسی) अ वि–जिंस से सम्बन्ध रखनेवाला।

जिंसीयत (جنسیت) अ स्त्री–लिंगता, नर या मादा होना, जातीयता, कौमियत।

जिंसेकासिद (جنس کاسد) अ स्त्री–ऐसी खोटी वस्तु जो बाज़ार में न बिके।

जिंसनाकार· (جنس ناکارہ) अ फा स्त्री–दे 'जिंसेकासिद'।

जिंसेनाक़िस (جنس ناقص) अ स्त्री–दे 'जिंसेकासिद'।

ज़िक [ज़क़] (زق) अ स्त्री–पानी भरने का खाल का पात्र, परवाल, मश्क, भस्त्री।

ज़िक्क़ी (زقی) अ. वि–पानी की मश्क-जैसा, जलधर का एक प्रकार जिसमें सारा शरीर सूज जाता है।

ज़िक्र (ذکر) अ पु–चर्चा, तज़्किर, एक प्रकार का जप।

ज़िक्रे अरः (ذکر ارہ) अ पु–योग में एक जप जो ज़बान और सीने से होता है।

ज़िक्रे ख़फ़ी (ذکر خفی) अ पु–ऐसा जप जो मन में किया जाय, उपांशु।

ज़िक्रे ख़ैर (ذکر خیر) अ पु–शुभ-चर्चा, अच्छा ज़िक्र, किसी वडे व्यक्ति की याद और उसकी चर्चा।

ज़िक्रे ग़ैर (ذکر غیر) अ पु–अन्य-चर्चा, दूसरा ज़िक्र; रक़ीव की चर्चा।

ज़िक्रे जहर (ذکر جہر) अ पु–ऐसा जप जो ध्वनित हो, जो आवाज़ के साथ हो।

जिगर (جگر) फा वि–शरीर का एक विशेष अवयव, यकृत, साहस, हिम्मत।

जिगरअफ्गार (جگر افگار) फा वि–दे 'जिगरफ़िगार'।

जिगरकावी (جگر کاوی) फा स्त्री–कडा परिश्रम, सख़्त मेहनत।

जिगरख़राश (جگر خراش) फा वि–बहुत अधिक दुःख देनेवाला, हृदय-विदारक।

जिगरख़्वारः (جگر خوارہ) फा वि–जिगर को खानेवाला, दुःख देनेवाला।

जिगरख़्वारी (جگر خواری) फा स्त्री– जिगर को खाना, दुःख, शोक।

जिगरगोश· (جگر گوشہ) फा पु–जिगर का टुकडा अर्थात् पुत्र।

जिगरताब (جگر تاب) फा वि–जिगर को गर्म करनेवाला।

जिगरताबी (جگر تابی) फा स्त्री–कलेजा गर्म करना।

जिगरदोज़ (جگر دوز) फा वि–दे 'जिगरख़राश'।

जिगरपारः (جگرپارہ) फा पु –दे 'जिगरगोश'।

जिगरफ़िगार (جگرفگار) फा वि –जिसका हृदय टुकडे-टुकडे हो, भग्न हृदय, अत्यधिक दुखी।

जिगरबंद (جگربند) फा पु – दे 'जिगरगोश'।

जिगरसा (جگرسا) फा वि –जिगर को छीलनेवाला, कष्ट देनेवाला।

जिगरसोख़्त. (جگرسوختہ) फा वि –दिल जला, जिसका हृदय शोक की आँच से जल गया हो, भृष्ट हृदय, दग्ध-हृदय।

जिगरसोख़्तगी (جگر سوختگی) फा स्त्री –हृदय का दग्ध होना।

जिगरसोज़ (جگرسوز) फा वि –हृदयदाही, दुखदायी, सहानुभूति करनेवाला।

जिगरसोज़ी (جگرسوزی) फा स्त्री –हृदय जलाना, गम उठाना, सहानुभूति करना।

जिगरी (جگری) फा. वि –हार्दिक, दिली, घनिष्ठ, गहरा, जिगर के रंग का, गहरा लाल।

जिज़बिज़ (جزبز) फा वि –रुष्ट, अप्रसन्न, नाराज।

जिज़्यः (جزیہ) अ. पु –एक टैक्स जो हिन्दुस्तान मे बाज़ मुसलमान शासको ने हिंदुओ से लिया था और जो तीन से बारह रुपये प्रति वर्ष लगता था, धर्म-कर।

जिद (جد) अ स्त्री –प्रयास, पराक्रम, कोशिश।

ज़िद [द्द] (ضد) अ स्त्री –हठ, अड, विपरीत, विरुद्ध, उलटा, वैमनस्य, रंजिश।

ज़िदा (زدا) फा. प्रत्य –शुद्ध करनेवाला।

ज़िदाइंद (زدائندہ) फा वि –साफ करनेवाला, परिमार्जित करनेवाला।

ज़िदाइश (زدائش) फा स्त्री –परिमार्जन, सफाई, चमक दमक, जिला।

ज़िदूदः (زدودہ) फा वि परिमार्जित, साफ किया हुआ, माँजा हुआ।

ज़िदूदनी (زدودنی) फा वि –माँजकर साफ करने के काबिल, परिमार्जनीय।

जिदार (جدار) अ स्त्री –भीत, भित्त, दीवार।

जिदाल (جدال) अ पु –युद्ध, लडाई, वादविवाद, बहस।

जिदालोकिताल (جدال وقتال) अ पु –लडाई और रक्तपात, खून-खराबी।

जिद्द (جدہ) अ पु –अरब का एक नगर जो प्रसिद्ध बदरगाह है, जिद्दत।

जिद्दत (جدت) अ. स्त्री –अद्भुतता, अनोखापन; नवीनता, नयापन; आविष्कार, ईजाद।

जिद्दतआमेज़ (جدت آمیز) अ फा वि –वह बात जिसमे जिद्दत हो।

जिद्दततराज़ (جدت طراز) अ फा वि –जिद्दत पैदा करने वाला, नयी-नयी बाते निकालनेवाला, आविष्कारक।

जिद्दततराज़ी (جدت طرازی) अ फा. स्त्री –नयी-नयी बाते निकालना, आविष्कार।

जिद्दतपसंद (جدت پسند) अ फा वि –जिसे हर बात मे जिद्दत अच्छी लगती हो।

जिद्दतपसंदी (جدت پسندی) अ फा स्त्री –हर बात में जिद्दत अच्छी लगना।

जिद्दत मआब (جدت مآب) अ वि –दे 'जिद्दततराज़'।

जिद्दन (جدًا) अ स्त्रि –प्रयास से, कोशिश करके।

ज़िद्दन (ضدًا) अ वि –हठ से, हठ के कारण।

ज़िद्दी (ضدی) अ वि –हठ करनेवाला, हठी, आग्रही, जो बात ठान ले या कह दे उसी पर अड जानेवाला।

ज़िद्दैन (ضدین) अ पु –दो परस्पर विरोधी चीजे, जैसे आग और पानी।

जिद्दोजहद (جدوجہد) अ स्त्री –पराक्रम और प्रयास, दौड-धूप।

जिन [न्न] (جن) अ पु –एक प्राणी जिसकी उत्पत्ति अग्नि से मानी जाती है, और वह दिखाई नही पडता।

जिनाँ (جناں) अ स्त्री –'जिनान' का लघु, दे 'जिनान'।

ज़िनाँ (زنا) अ प –व्यभिचार, परायी स्त्री या पराये पुरुष के पास जाना।

ज़िनाकार (زناکار) अ फा वि –व्यभिचारी, व्यभिचारिणी।

ज़िनाकारी (زناکاری) अ फा स्त्री –व्यभिचार, जार-कर्म, हरामकारी।

जिनाज़ः (جنازہ) अ पु –दे 'जनाज़', दो शुद्ध है, परतु उर्दू मे 'जनाज़' ही बोलते है।

जिनान (جنان) अ स्त्री –'जन्नत' का बहु, जन्नते, बाग्-समूह, उर्दू मे एक वचन के अर्थ मे व्यवहृत है।

जिनायत (جنایت) अ स्त्री –पाप, पातक, गुनाह।

जिनायात (جنایات) अ स्त्री –'जिनायत' का बहु, बहुत से पाप।

जिन्न. (جنہ) अ पु –जिनका बहु, जिनो का समूह, जिनो की जाति।

ज़िन्नत (ظنت) अ स्त्री – आरोप, लाछन, तोहमत।

जिन्नात (جنات) अ पु –'जिन' का बहु, बहुत से जिन, जिनो की जाति।

जिन्नी (جنی) अ पु –जिनका, जिन सम्बन्धी, एक जिन।

जिन्हार (زنہار) फा स्त्री—शरण, त्राण, पनाह। (अव्य) कदापि, हरगिज।
जिन्हारख्वार (زنہارخوار) फा वि—प्रतिज्ञा भंग करने वाला, वा'दा शिकन।
जिन्हारख्वाह (زنہارخواہ) फा वि—पनाह या रक्षा चाहनेवाला, शरणार्थी।
जिन्हारी (زنہاری) फा वि—त्राण चाहनेवाला, शरणागत; प्रतिज्ञा करनेवाला।
जिफाफ (زفاف) अ पु—दुल्हन को दूल्हा के घर भेजना, दूल्हा का दुल्हन से पहली बार मिलना।
जिफ्त (زفت) फा स्त्री—चीड का गोंद, राल।
जिफ्दे (ضفدع) अ पु—दुर्दुर, भेक, मेंढक, मडूक।
जिबस (زبس) फा वि—बहुत, अधिक।
जिबा (ظبا) अ पु—'ज़बी' का बहु, हरिनों का समूह।
जिबाब (ضباب) अ स्त्री—'ज़ब' का बहु, गोहें।
जिबायत (جبایت) अ स्त्री—धन एकत्र करना, कर एकट्ठा करना।
जिबाल (جبال) अ पु—'जबल' का बहु, पर्वतमाला, बहुत से पहाड।
जिबाले रासियात (جبال راسیات) अ पु—ऊँचे-ऊँचे और बडे-बडे पहाड।
जिबाह (جباہ) अ स्त्री—'जब्ह' का बहु, माथे, ललाट।
जिबिल्लत (جبلت) अ स्त्री—प्रकृति, स्वभाव, नेचर।
जिबिल्ली (جبلی) अ वि—प्राकृतिक, स्वाभाविक, नेचुरल।
जिब्त (جبت) अ पु—हर वह चीज जो ईश्वर के अतिरिक्त पूजी जाय।
जिब्र. (زبرہ) अ स्त्री—एक पुस्तक, एक पत्र।
जिब्र (زبر) अ स्त्री—पुस्तक, किताब।
जिब्रिकान (زبرقان) अ पु—संपूर्ण चंद्र, राकेश, सकलेंदु, पूरा चाँद।
जिब्रील (جبریل) अ पु—एक फिरिश्ता जो पैगंबरों के पास ईश्वर का आदेश पहुँचाया करता था।
जिब्ल (زبل) अ पु—घोडे या गधे की लीद।
जिब्ह (ذبح) अ वि—वधित, जो जब्ह किया गया हो।
जिब्हे अक्बर (ذبح اکبر) अ पु—वह दुबा जो हज्रत इस्माईल के बदले में जब्ह हुआ।
जिब्हेअज़ीम (ذبح عظیم) अ पु—हज्रत इमाम हुसैनकी शहादत
जिमाअ (جماع) अ पु—स्त्रीप्रसंग, मैथुन, मुबाशरत।
जिमाउलइस्म (جماع الاثم) अ पु—मद्यपान, शराबनोशी।
जिमाद (جماد) अ पु—'जुम्द' का बहु, ऊँची और कठोर भूमि।
जिमाद (ضماد) अ पु—प्रलेप, अंग विशेष पर दवा का लेप।
जिमाम (ذمام) अ पु—प्रतिष्ठा, इज्जत, स्वत्व, हक।
जिमाम (زمام) अ स्त्री—ऊँट की नकेल।
जिमामे हुकूमत (زمام حکومت) अ स्त्री—शासन की बागडोर, शासनसूत्र।
जिमार (ضمار) अ पु—खोया हुआ माल जिसके मिलन की आशा न हो।
जिमार (جمار) अ स्त्री—'जम्र' का बहु, कंकरियाँ; हज की एक प्रथा जिसमें शैतान को ककरियाँ मारते हैं।
जिमाल (جمال) अ पु—'जमल' का बहु, बहुत से ऊँट।
जिम्न (ضمن) अ प—अंतर्गत, अंदर, प्रसंग, बात का सिलसिला, विषय।
जिम्नन (ضمناً) अ वि—किसी प्रसंग में आयी हुई चर्चा।
जिम्नी (ضمنی) अ वि—किसी मुख्य विषय के अंतर्गत वाला, गैर अहम, गौण।
जिम्म (ذمہ) अ पु—उत्तरदायित्व, जिम्मेदारी, प्रतिभूति, जमानत।
जिम्म दार (ذمہ دار) अ फा वि—उत्तरदायी, जवाबदेह, प्रतिभू, जामिन, जिम्मेदारी महसूस करनेवाला।
जिम्म दारी (ذمہ داری) अ फा स्त्री—उत्तरदायित्व, जवाबदेही, प्रतिभूति, जमानत, कार्यभार, बार।
जिम्मत (ذمت) अ स्त्री—प्रतिज्ञा, इकरार, प्रतिभूति, जमानत।
जिम्मी (ذمی) अ प—इस्लामी राज्य में ग़ैर मुस्लिम नागरिक।
जियाँ (زیاں) फा पु—हानि, अनिष्ट, ज़रर, टोटा, क्षति, घाटा।
जियाँ (زیاں) फा वि—फाड खानेवाला, हिंसक, दरिंदा, व्याघ्र।
जियाँकार (زیاں کار) फा वि—टोटा देनेवाला, घाटा पहुँचानेवाला, कदाचारी, बदआमाल।
जियाँकारी (زیاں کاری) फा स्त्री—टोटा देना, कदाचार, बदआमाली।
ज़िया (ضیا) अ स्त्री—प्रकाश, ज्योति, आभा, चमक, सूर्य का प्रकाश।
जियागुस्तर (ضیاگستر) अ फा वि—दे 'जियापाश'।
जियाद (زیاد) अ वि—अधिक, प्रचुर, बहुत, अतिरिक्त, फालतू।
जियाद खोर (زیادہ خور) अ फा वि—बहुत खानेवाला, पेटू, बहुभक्षी, पिंडीशूर।
जियाद गो (زیادہ گو) अ फा वि—बहुत बातें बनानेवाला, मुखर, वाचाल, मिथ्यावादी, गप्पी।

ज़ियाद:गोई (زیادہ گوئی) अ. फा. स्त्री—बहुत बातें करना; गप-हाँकना।
ज़ियाद:तर (زیادہ تر) अ. फा. वि—अधिकतर, बहुधा, अक्सर।
ज़ियाद:तलबी (زیادہ طلبی) अ फा स्त्री—हिस्से या हिसाब से अधिक माँगना।
ज़ियाद:सरी (زیادہ سری) अ. फा. स्त्री—स्वच्छंदता, खुदराई, अभिमान, घमंड।
ज़ियाद:सितानी (زیادہ ستانی) अ फा स्त्री—अपने भाग से अधिक ले लेना।
ज़ियाद (زیاد) अ. पु—अधिक, बहुत, 'इब्ने ज़ियाद' इमाम हुसैन का क़ातिल।
ज़ियादत (زیادت) अ स्त्री—अधिकता, बहुतायत।
ज़ियादती (زیادتی) अ स्त्री—अधिकता, अत्याचार, अनीति, हठधर्मी।
ज़ियापाश (ضیاپاش) अ. फा वि—प्रकाश फैलानेवाला।
ज़ियापाशी (ضیاپاشی) अ. फा स्त्री—प्रकाश फैलाना।
ज़ियाफ़त (ضیافت) अ. स्त्री—अतिथि पूजा, मेहमादारी, प्रीतिभोज, दावत।
ज़ियाफ़तख़ान: (ضیافت خانہ) अ फा पु—अतिथियो की भोजनशाला।
ज़ियाबार (ضیابار) अ फा. वि—दे 'ज़ियापाश'।
ज़ियाबारी (ضیاباری) अ फा स्त्री—दे 'ज़ियापाशी'।
ज़ियाबीतुस (ذیابیطس) अ. पु—एक रोग जिसमे पेशाब बहुत आता है, बहुमूत्र।
ज़ियारत (زیارت) अ स्त्री—दर्शन, दीदार, तीर्थाटन, किसी बुज़ुर्ग के मज़ार आदि के दर्शनार्थ सफ़र, किसी बुज़ुर्ग का रौज़ा आदि।
ज़ियारतकद: (زیارت کدہ) अ फा पु—दे 'ज़ियारतगाह'।
ज़ियारतगाह (زیارت گاہ) अ फा स्त्री—ऐसी जगह जहाँ किसी बुज़ुर्ग का मज़ार या उसके तबर्रुकात हो।
ज़िराअ (ذراع) अ. पु—एक हाथ की नाप, सातवाँ नक्षत्र, पुनर्वसु।
ज़िराअत (زراعت) अ. स्त्री—कृषि, खेती, काश्त।
ज़िराअतपेश: (زراعت پیشہ) अ. फा. वि—कृषक, किसान।
ज़िराअती (زراعتی) अ. वि—कृषि सम्बन्धी, खेती से मुतअल्लिक, खेती का।
ज़िराब (ضراب) अ पु—नर का मादा पर चढना।
ज़िरार (ضرار) अ पु—एक दूसरे को हानि पहुँचाना; मक्के की एक मस्जिद जिसमें मुहम्मद साहब के शत्रु बैठकर परामर्श करते थे।
जिराहत (جراحت) अ स्त्री—घाव, ज़ख़्म, आघात, चीर-फाड, शल्यक्रिया, दे 'जराहत'।
ज़िरिश्क (زرشک) फा स्त्री—एक खट्टा फल जो चने के बराबर होता है और सुखाकर दवाई के काम आता है।
ज़िरिह (زرہ) फा स्त्री—लोहे की ज़ंजीरो का एक पहनावा जो लडाई मे पहना जाता है, कवच, अंगरक्ष।
ज़िरीहपोश (زرہ پوش) फा वि—जो ज़िरिह पहने हो, कवचधारी।
ज़िरीहबाफ़ (زرہ باف) फा वि—ज़िरिह बनानेवाला, कवच बनानेवाला, कवचकार।
ज़िरिहसाज़ (زرہ ساز) फा. वि—दे 'ज़िरिहबाफ़'।
ज़िर्ग़ाम (ضرغام) अ पु—सिंह, व्याघ्र, शेर।
ज़िर्नीख़ (زرنیخ) अ स्त्री—हडताल, हरिताल, कांचनक, दे 'ज़र्नीख़', दो शु हैं।
ज़िर्ज़ीक (ضرزیک) एक प्रकार की तोप।
जिर्म (جرم) अ पु—पिंड, देह, यह शब्द अधिक अधिक आकाशीय अथवा जड पदार्थों के लिए प्रयुक्त होता है।
ज़िर्फ़ीन (زرفین) अ पु—श्रृंखला, ज़ंजीर, दरवाज़े की ज़ंजीर, दे 'ज़ुर्फ़ीन', दो शु हैं।
जिर्यान (جریان) अ पु—शुक्र-प्रमेह, मूत्र-शुक्र, पेशाब के साथ मनी आने का रोग, शुद्ध उच्चारण, 'जरयान' है।
ज़िर्व: (ذروہ) अ पु—शृंग, चोटी, ऊँचा स्थान।
ज़िर्स (ضرس) अ स्त्री—डाढ, बड़ा दाँत, जंभ, दाडक।
ज़िल (ظل) अ पु—छाया, साया, परछाई।
जिला (جلا) अ. स्त्री—आभा, प्रभा, चमक, सैकल, बर्तनो या हथियारो की चमक।
ज़िला (ضلع) अ पु—पार्श्वास्थि, पसली, जनपद, मंडल, प्रांत का एक भाग जो एक कलक्टर के अधीन होता है।
जिलादार (جلادار) अ फा वि—आभा युक्त, चमकदार, जिस पर सैकल हो।
ज़िलेबा (زلیبا) फा. पु—प्रसिद्ध मिठाई, बडी जलेबी।
जिलौ (جلو) तु पु—कोतल घोडा, जो सरदारो और राजाओ की सवारी में काम आता है, लगाम, कविका।
जिलौख़ान (جلوخانہ) तु फा पु—अश्वशाला, अस्तबल।
जिलौदार (جلودار) तु फा पु—श्रेष्ठ अश्व का स्वामी।
जिलौरेज़ (جلوریز) तु फा वि—तेज़ घोडा दौडानेवाला, सरपट जानेवाला।
ज़िल्अ (ضلع) अ पु—पसली, पार्श्वास्थि, जनपद, मंडल, ज़िला, इस शब्द का उच्चारण 'ज़िला' भी है।
ज़िल्क़ा'द: (ذی القعدہ) अ पु—इस्लामी ग्यारहवाँ महीना।
ज़िल्ज़ाल (زلزال) अ पु—हिलाना, कँपाना, हिलाना-डुलाना।

जिल्द (جلد) अ स्त्री—त्वचा, त्वक्, शरीर की ऊपरी खाल, किताब की एक प्रति, जैसे—'अमुक पुस्तक की चार जिल्दें', पुस्तक पर चढा हुआ कपडा आदि, जुजबदी, किसी बडी पुस्तक का एक भाग, ग्रथ-खड।

जिल्दसाज (جلدساز) अ फा पु—पुस्तक की जिल्दें बांधनेवाला।

जिल्दसाज़ी (جلدسازی) अ फा स्त्री—पुस्तक की जिल्दें बनाने का काम।

जिल्दौ (جلدو) तु पु—पुरस्कार, इन्आम, बख़शिश।

जिल्फ (جلف) अ वि—जो अदर से खाली हो, छूंछा, पोला, खोखला आदमी, ओछा।

जिल्बाब (جلباب) अ स्त्री—चादर, प्रच्छादन।

ज़िल्लत (ذلت) अ स्त्री—ख्वारी, तिरस्कार, अपमान, अनादर।

ज़िल्लत (زلت) अ स्त्री—लग्जिश, फिसलने की क्रिया, पतन, चूक, त्रुटि, भूल, पाप, गुनाह।

ज़िल्लत (ضلت) अ स्त्री—गुमराही, मार्गभ्रश, रस्ता भूल जाना, पातक, पाप, गुनाह।

ज़िल्लत आमेज़ (ذلت آمیز) अ फा वि—अपमानजनक, तिरस्कारयुक्त, जिल्लत से भरा हुआ।

ज़िल्लुल्लाह (ظل اللہ) अ पु—ईश्वर की छाया, अच्छा शासक।

ज़िल्ले आतिफत (ظل عاطفت) अ पु—छत्रछाया, ज़ेरेसाया।

ज़िल्ले इनायत (ظل عنایت) अ पु—दे 'ज़िल्ले आफियत'।

ज़िल्ले ज़मीं (ظل زمیں) अ फा पु—रात्रि, निशा, रात।

ज़िल्ले सुब्हानी (ظل سبحانی) अ पु—दे 'ज़िल्लुल्लाह'।

ज़िल्ले हक़ (ظل حق) अ पु—ईश्वर की छाया, ईश्वर की कृपा।

ज़िल्ले हिमायत (ظل حمایت) अ—दे 'ज़िल्ले आतिफत'।

ज़िल्ले हुमा (ظل ھما) अ फा पु—हुमा पक्षी की छाया, जिसके पडने से मनुष्य राजा हो जाता है।

जिल्वः (جلوہ) अ पु—सही शब्द यही है, परन्तु उर्दू में 'जल्व.' बोला जाता है, दे 'जल्व'।

जिलहिज्जः (ذی الحجہ) अ पु—इस्लामी बारहवाँ महीना।

जिवार (جوار) अ पु—'जवार' गलत है, 'जिवार' या 'जुवार' शुद्ध है, पडोस, प्रतिवास, हमसायगी, आस-पास, चारो ओर।

ज़िश्त (زشت) फा वि—निकृष्ट, खराब, बुरा।

ज़िश्तआमाल (زشت اعمال) अ फा वि—कदाचारी, दुराचारी, बदआमाल।

ज़िश्तकार (زشت کار) फा वि—दे 'ज़िश्त आ'माल'।

ज़िश्तखू (زشت خو) फा वि—बुरी आदतोवाला, दु स्वभाव, दुष्प्रकृति, बदअख़लाक़, दु शील, कुशील।

ज़िश्तरू (زشت رو) फा वि—बुरी शक्लवाला, कुरूप, कदाकृति, कुदर्शन।

ज़िश्तरूई (زشت روئی) फा स्त्री—कुरूपता, बदशक्ली।

ज़िश्तिएकार (زشتی کار) फा स्त्री—कर्मों की निकृष्टता, पाप, गुनाह।

ज़िश्ती (زشتی) फा वि—निकृष्टता, खराबी; कुरूपता, बदशक्ली।

जिस [स्स] (جص) अ पु—चूना, गच।

जिस्म (جسم) अ पु—शरीर, काया, देह, घनत्व, स्थूलता, लबाई चौडाई मोटाई, जसामत।

जिस्मानी (جسمانی) अ वि—शारीरिक, बदनी, शरीर सम्बन्धी, जिस्मी।

जिस्मानीयत (جسمانیت) अ स्त्री—लबाई चौडाई और मोटाई या गहराई और ऊँचाई, स्थूलता, घनत्व।

जिस्मी (جسمی) अ वि—दैहिक, शारीरिक, जिस्मानी।

जिस्मीयत (جسمیت) अ स्त्री—स्थूलता, घनत्व, जसामत।

जिस्मेखाकी (جسم خاکی) अ फा पु—मिट्टी का बना हुआ शरीर, नश्वर देह, मानवशरीर।

जिस्मे ता'लीमी (جسم تعلیمی) अ पु—लबाई चौडाई और मोटाई, घनत्व, स्थूलता।

जिस्मेफानी (جسم فانی) अ पु—नश्वर देह, मिट जाने-वाला शरीर, मानवदेह।

जिस्र (جسر) अ पु—सेतु, पुल, दे 'जस्र' दो शु हैं।

ज़िह (زہ) फा स्त्री—धनुष का कनारा, चिल्ला (वाक)—साधु, धन्य, वाह।

ज़िहगीर (زہ گیر) फा स्त्री—वह अँगूठी जो तीर चलाते समय उँगली की रक्षा के लिए पहनी जाती है, अगुलि-त्राण।

जिहत (جہت) अ स्त्री—दिशा, ओर, तरफ, कारण, हेतु, सबब।

जिहाज़ (جہاز) अ पु—ब्याह का दहेज, मृतक का सामान, कफन आदि, यात्रा की सामग्री, पाथेय।

जिहात (جہات) अ स्त्री—'जिहत' का बहु, दिशाएँ, सिम्तें, कारण समूह, वजूहें।

जिहाद (جہاد) अ पु—धर्म के लिए विधर्मियो से युद्ध।

जिहादे अक्बर (جہاد اکبر) अ पु—बडा जिहाद, इद्रियो का दमन।

जिहादे अस्गर (جہاد اصغر) अ पु—छोटा जिहाद, धर्मयुद्ध।

ज़िहाफ़ (زحاف) अ पु –न्यूनता, कमी, छद के गणो मे से मात्राओ की कमी।

ज़िहाब (ذهاب) अ. पु –जाना, गमन करना, दे 'ज़हाब' दो शु है।

ज़िहाम (زحام) अ पु –भीड, जनसमूह, अधिकता, बहुतायत।

ज़िहार (ظہار) अ पु –पुरुष का स्त्री से यह कहना कि तू मेरे लिए माँ की पीठ है, इससे वह स्त्री व्याह से विछिन्न हो जाती है।

ज़िहार (زہار) अ पु –उपस्थ, कटिदेश, पेडू।

ज़िहिंदः (جہندہ) फा. वि.–उछलनेवाला, कूदनेवाला।

ज़िहे (زہے) फा अव्य –अहो, क्या खूब, वाह-वाह।

ज़िहेज (جہیز) फा पु –व्याह में दुल्हन को दिया जानेवाला सामान, दहेज।

ज़िह्क (ضحک) अ पु –ज़ोर की हँसी, अट्टहास, कहकहा।

ज़िह्न (ذہن) अ पु –प्रतिभा, तब्बाई, धारणाशक्ति, समझ-बूझ, स्मरणशक्ति, हाफिज, दक्षता, कुशलता, होशियारी।

ज़िह्ननशीं (ذہن نشین) अ फा वि –जो बात समझ मे आ गयी हो, चित्त पर चढ़ी हुई बात, हृदयगम, बोधगम्य।

ज़िह्नी (ذہنی) अ वि –हार्दिक, मानसिक, रूहानी।

ज़िह्नीयत (ذہنیت) अ स्त्री –प्रकृति, स्वभाव, आदत, अत करण, अदरूँ, धारणा, गुमान।

ज़िह्ने रसा (ذہن رسا) अ फा पु –किसी बात को जल्दी समझ लेनेवाला ज़िह्न।

ज़िह्ने सालेह (ذہن صالح) अ पु –अच्छे-बुरे मे पूर्ण विवेक करनेवाला ज़िह्न।

ज़िह्मत (زہمت) अ स्त्री –सडे हुए माँस या मछली की दुर्गंध जो असह्य हो।

ज़ी

ज़ीं (زیں) फा स्त्री –'ज़ीन' का लघुरूप, जो समास मे व्यवहृत होता है (अव्य) इससे।

ज़ी (ذی) अ उप –एक उपसर्ग जो सज्ञा से पहले आकर 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे–'ज़ीअक्ल' अक्लवाला।

ज़ीअक़्ल (ذی عقل) अ. वि –बुद्धिवान्, मेधावी, अक्लमद।

ज़ीआबरू (ذی آبرو) अ फा वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, इज़्ज़तदार।

ज़ीइख़्तियार (ذی اختیار) अ वि –जिसे अधिकार प्राप्त हो, प्राप्ताधिकार, जो किसी के अधीन न हो, खुद मुख्तार, स्वाधीन।

ज़ीइज़्ज़त (ذی عزت) अ वि – दे. 'ज़ीआबरू'।

ज़ी इस्तेदाद (ذی استعداد) अ वि –विद्वान्, योग्य, शिक्षित, पढा-लिखा, काबिल।

ज़ीक़ (ضیق) अ वि –तगी, सकोच, संकीर्णता; कृष्ट, दु ख, क्लेश, मुसीबत।

ज़ीकमाल (ذی کمال) अ वि –गुणवान्, गुणी, हुनरमद।

ज़ीक़ा'दः (ذی قعدہ) अ पु –इस्लामी ग्यारहवाँ महीना।

ज़ीकुन्नफस (ضیق النفس) अ पु –दमे की बीमारी, श्वास-कास, श्वास रोग, श्वास कष्ट, उर स्तभ।

ज़ीग़ः (جیغہ) फा पु –पगडी मे बाँधने का एक रत्नजटित आभूषण।

ज़ीज (زیج) फा स्त्री –ज्योतिष की किताब जिसमे ग्रहो की गति का विवरण और दूसरी तफसीले होती हैं।

ज़ीजाह (ذی جاہ) अ वि -बडे पद या बडी प्रतिष्ठावाला।

ज़ीन (زینہ) फा पु –सोपान, निश्रेणी, सीढी, इमारतो की पक्की सीढियाँ।

ज़ीन (زین) फा पु –घोडे की पीठ पर कसी जानेवाली काठी, पल्ययन।

ज़ीनत (زینت) अ स्त्री –शृगार, सज्जा, सजावट, शोभा, श्री, रौनक।

ज़ीनतकदः (زینت کدہ) अ फा पु –सुसज्जित और शृगारित मकान कोठी आदि, प्रेयसी का निवासस्थान।

ज़ीनतदिह (زینت دہ) अ फा वि –शोभा बढानेवाला, सुशोभित करनेवाला, ज़ीनत देनेवाला।

ज़ीनते आग़ोश (زینت آغوش) अ फा स्त्री –गोद मे बैठा हुआ, गोद मे बैठकर गोद की शोभा बढानेवाला।

ज़ीनते बज़्म (زینت بزم) अ फा स्त्री –सभा मे बैठकर सभा की शोभा को चार चाँद लगानेवाला।

ज़ीनते महफ़िल (زینت محفل) अ स्त्री –दे 'ज़ीनते बज़्म'।

ज़ीनपोश (زین پوش) फा पु –ज़ीन के ऊपर डालनेवाला कपडा।

ज़ीनसाज़ (زین ساز) फा पु –ज़ीन बनानेवाला।

ज़ीफः (جیفہ) फा पु –मरा हुआ पशु आदि, मुर्दार, मृत, गतप्राण।

ज़ीफ ख़्वार (جیفہ خوار) अ फा वि –मुर्दा खानेवाला, मृताशी, पूयभुक्।

ज़ीफ़ह्म (ذی فہم) अ वि –बुद्धिमान्, मतिमान, मेधावी, अक्लमद, प्रतिभाशाली, धारणासम्पन्न, ज़हीन, दूरदर्शी, अग्रशोची, पेशबी।

ज़ीफिरासत (ذی فراست) अ वि –दे 'ज़ीफ़ह्म'।

ज़ीबक़ (زیبق) अ पु –पारद, पारा, सीमाब।

ज़ीबाल (ذی بال) अ फा वि—जिसके पर हों, पक्षी, प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज़्ज़ज़।
ज़ीमर्तबत (ذی مرتبت) अ वि—बड़े रुतबेवाला, प्रतिष्ठावान्, सम्मानित।
ज़ीर (زیره) फा पु—जीरक, मसाले की एक प्रसिद्ध चीज़।
ज़ीर (زیر) फा पु—धीमी आवाज़, नीचा स्वर।
ज़ीरए सफ़ेद (زیرۂ سفید) फा पु—श्वेतजीरक, सफ़ेद जीरा।
ज़ीरए सियाह (زیرۂ سیاه) फा पु—कृष्ण जीरक, स्याह, काला जीरा।
ज़ीरक (زیرک) फा वि—प्रवीण, प्रतिभाशाली, धारणावान्, चतुर, होशयार।
ज़ीरकी (زیرکی) फा स्त्री—चातुर्य, दक्षता, कुशलता, प्रवीणता, प्रतिभा, तब्बाई।
ज़ीरुत्वः (ذی رتبه) अ वि—दे 'ज़ीमर्तबत'।
ज़ीरूह (ذی روح) अ वि—प्राणी, जीवधारी, जानदार।
ज़ीरोबम (زیروبم) फा पु—स्वर का उतार-चढ़ाव, षड्ज, निषाद इत्यादि।
ज़ीव. (زیوه) फा पु—पारद, पारा, सीमाब।
ज़ीवक़ार (ذی وقار) अ वि—दे 'ज़ीमर्तबत'।
ज़ीवजाहत (ذی وجاهت) अ वि—दे 'ज़ीमर्तबत'।
ज़ीस्त (زیست) फा स्त्री—जीवन, ज़िंदगी।
ज़ीस्तनी (زیستنی) फा वि—जीने के लाइक़, जिसका जीना आवश्यक हो, जीवनीय।
ज़ीहयात (ذی حیات) अ वि—दे 'ज़ीरूह'।
ज़ीहशम (ذی حشم) अ वि—जिसके पास नौकर चाकर बहुत हो, वैभवशाली।
ज़ीहिस (ذی حس) अ वि—जिसे अपनी बुराई-भलाई का एहसास हो, खुददार, स्वाभिमानी।
ज़ीहैसियत (ذی حیثیت) अ वि—अच्छी हैसियतवाला, धनवान्, धनी, प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़।
ज़ीहोश (ذی هوش) अ वि—सज्ञावान्, सुचेत, जो होश में हो, बुद्धिमान्, अक्लमंद, दूरदर्शी, दूरदेश।

जु

जुंद (جند) अ पु—सेना, फ़ौज, पलटन।
जुंदबेदस्तर (جندبیدستر) फा पु—एक समुद्री ऊदबिलाव के अंडकोष का सुखाया हुआ रस जो दवा में चलता है।
जुंदी (جندی) अ पु—सैनिक, सिपाही, लश्करी, फ़ौजी।
जुंबाँ (جنباں) फा वि—कंपायमान, हिलता हुआ, (प्रत्य) हिलानेवाला, जैसे—'सिलसिल जुंबाँ' ज़ंजीर हिलानेवाला।
जुंबिश (جنبش) फा स्त्री—कंप, हिलन, हरकत, टस से मस होने की हालत, गति, चाल।
जुंबीदः (جنبیده) फा वि—हिला हुआ, जुंबिश खाया हुआ।
जुअफ़ा (ضعفا) अ पु—'ज़ईफ़' का बहु, निर्बल और अशक्त लोग, दीन, दुखी, बेकस लोग।
जुअमा (زعما) अ पु—'ज़ईम' का बहु, लीडर लोग, नेतागण।
जुअमाए मिल्लत (زعمائے ملت) अ पु—राष्ट्र के नेता, क़ौम के लीडर।
जुआफ़ (زعاف) अ वि—हालाहल, कालकूट, घातक विष, घातक, जान लेनेवाला।
जुका (ذکا) अ स्त्री—सूर्य, रवि, सूरज, प्रातःकाल, सवेरा।
जुगाल (زگال) फा पु—बुझा हुआ अंगारा, कोयला।
जुगाला (زگالہ) फा पु—दे 'जुगाल'।
जुग़्तः (ضغطه) अ पु—संकोच, तंगी, कठोरता, सख़्ती।
जुग़रात (جغرات) फा पु—दधि, दही।
जुग़्राफ़िय. (جغرافیه) अ पु—भूगोल, भूगोलशास्त्र।
जुग़्राफ़ियःदाँ (جغرافیه دان) अ फा वि—भूगोल जाननेवाला।
जुग़्राफ़ियःनवीस (جغرافیه نویس) अ फा वि—भूगोल लिखनेवाला।
जुज़ (جز) अ पु—खंड, भाग, टुकड़ा, ग्रंथ खंड, जिल्द, अध्याय, बाब, अतिरिक्त, अलावा, सिवाय, पुस्तक के सोलह पेज का फ़ार्म, जो पूरा न हो, कम, अधूरा, इस शब्द का शुद्ध रूप 'जुज़्व' है।
जुज़दान (جزدان) अ फा पु—बच्चों की किताबें रखने का बस्ता।
जुज़बंदी (جزبندی) अ फा स्त्री—जिल्दसाज़ी में किताब के हर जुज़ की सिलाई, जिल्दबंदी।
जुज़रस (جزرس) अ फा वि—मितव्ययी, कम ख़र्च, कृपण, कंजूस।
जुज़रसी (جزرسی) अ फा स्त्री—ख़र्च कम करना, मितव्यय, कृपणता, कंजूसी।
जुजाज (زجاج) अ पु—काच, काँच, शीशा।
जुज़ाम (جذام) अ पु—कुष्ठ रोग, कोढ़।
जुज़ामी (جذامی) अ वि—कुष्ठी कोढ़ी।
जुज़ई (جزئی) अ वि—दे 'जुज़्वी'।
जुज़ईयात (جزئیات) अ पु—किसी बात के तमाम पहलू, छोटी-छोटी बातें।
जुज़्व (جزو) अ पु—दे 'जुज़', शुद्ध रूप यही है।

जुज्वी (جزوی) अ वि —कुल मे से एक जुज, थोडा, कम।
जुज्वेला पतजज्जा (جزء لا یتجزی) अ पु —वह सूक्ष्म यत्र जिसके फिर टुकडे न हो सकें, त्रसरेणु, अनुरेणु।
जुज्वेला यत्फक (क्क) (جزء لا ینفک) अ पु —ऐसा अश जो अपने मूल से पृथक् न हो सके।
जुदा (جدا) फा वि —पृथक्, अलग, भिन्न, मुख्तलिफ़, विरहग्रस्त, अन्य, दूसरा।
जुदाई (جدائی) फा स्त्री —पृथक्ता, अलगाव, वियोग, फिराक, वैमनस्य, रजिश।
जुदागानः (جداگانہ) फा वि —अलग-अलग, पृथक-पृथक।
जुदै (جدی) अ पु —उत्तरीय ध्रुवतारा, वह ध्रुवतारा जो उत्तरीय ध्रुव के पास है।
जुद्री (جدری) अ स्त्री —शीतला रोग, चेचक।
जुनू (جنوں) अ पु —'जुनून' का लघु, दे 'जुनून', यह रूप यौगिक शब्दो मे हो जाता है।
जुनूंअंगेज (جنوں انگیز) अ फा वि —जुनून बढानेवाला, उन्मादवर्द्धक।
जुनूंखेज (جنوں خیز) अ फा वि —जुनून पैदा करनेवाला, उन्मादोत्पादक।
जुनूंजौला (جنوں جولاں) अ फा वि —जुनून बढानेवाला, तीव्र उन्मादक।
जुनूद (جنود) अ पु —'जुंद' का बहु, सेनाएँ, फौजे।
जुनून (جنون) अ पु —उन्माद, विक्षिप्तता, पागलपन।
जुनूने इश्क (جنون عشق) अ पु —प्रेमोन्माद, मुहब्बत का पागलपन, —"सुन अय जुनूने इश्क तुझे इसमें क्या मिला? बरसो जो कोहोदश्त घुमाया किया मुझे।"
जुनैद (جنید) अ पु —बगदाद के एक बहुत बडे ऋषि।
जुन्नार (زنار) अ पु —यज्ञोपवीत, जनेऊ।
जुन्नारगुसिस्त (زنارگسستہ) अ फा वि —जिसने जनेऊ तोड डाला हो, जो हिंदू धर्मभ्रष्ट हो गया हो।
जुन्नारदार (زناردار) अ फा वि —जनेऊ धारण करनेवाला, हिंदू।
जुन्नारपोश (زنارپوش) अ फा वि —दे 'जुन्नारदार'।
जुन्नारबद (زناربند) अ फा वि —दे 'जुन्नारदार'।
जुन्नून (ذوالنون) अ पु —हज़रत यूनुस की उपाधि, आपको मछली निगल गयी थी।
जुफ्त (جفت) फा पु —जोडा, युग्म, युगल, वह सख्या जो दो से बँट जाय, समसख्या, जूता, पादुका।
जुफ्तक (جفتک) फा पु —चकवा-चकवी, सुर्खाब का जोडा।
जुफ्तफ़रोश (جفت فروش) फा वि —जूते बेचनेवाला।
जुफ्तसाज़ (جفت ساز) फा वि —जूता बनानेवाला, शू-मेकर।

जुफ्ती (جفتی) फा स्त्री —पशुओ आदि का मैथुन।
जुफ़्र (ظفر) अ पु —नख, नाखून।
जुबानः (زبانہ) फा पु —आग की लपट, अग्नि-शिखा, तराजू की डडी के बीच का डोरा, दे 'जबान', दोनो शुद्ध है।
जुबान (زبان) फा स्त्री —दे 'जबान', दोनो शुद्ध है।
जुबाना (زبانا) अ पु —सोलहवाँ नक्षत्र, विशाखा।
जुबाब (ذباب) अ स्त्री —मक्षिका, मक्खी।
जुब्न (جبن) अ पु —फाडे हुए दूध की खोवी या पनीर, दे 'जुब्न'।
जुबूल (ذبول) अ पु —क्षीणता, दुर्बलता, लागरी, मलिनता, खिन्नता, अफ्सुर्दगी।
जुब्दः (زبدہ) अ पु —सार, तत्त्व, खुलासा, नवनीत, मक्खन, शिरोमणि, सरताज।
जुब्दतुलहुकमा (زبدۃ الحکما) अ पु —चिकित्सको मे शिरोमणि, वैज्ञानिको मे सर्वश्रेष्ठ।
जुब्न (جبن) अ पु —भीरुता, कायरता, डरपोकपन, फटे हुए दूध का मावा, पनीर, दे 'जुबुन'।
जुब्बः (جبہ) अ पु —लबा अँगरखा, चुगा।
जुब्बःपोश (جبہ پوش) अ फा वि —चुगा पहननेवाला, चुगा पहने हुए।
जुब्र (زبر) अ पु —ग्यारहवाँ नक्षत्र, पूर्वा फाल्गुनी।
जुमल (جمل) अ पु —अबजद के अक्षरो का हिसाब, अबजद के अक्षर।
जुमादल उख़रा (جمادی الاخری) अ पु —इस्लामी छठा महीना।
जुमादल ऊला (جمادی الاولی) अ पु —इस्लामी पाँचवाँ महीना।
जुमान (جمان) अ पु —मोती, मुक्ता, मोती के आकार की चाँदी की घुडियाँ।
जुमाम (جمام) अ पु —बर्तन का पानी से लबालब भर जाना।
जुमुअः (جمعہ) अ पु —शुक्रवार, दे 'जुमअ' दोनो तरह शुद्ध है।
जुमुज्त (جمجت) फा पु —बरवटा, कसीला, ऐसा स्वाद जैसा हड का होता है।
जुमुर (ضمر) अ पु —दुबलेपन की वजह से पेट का पीठ से चिपक जाना।
जुमुर्रद (زمرد) फा पु —एक हरे रग का रत्न, पन्ना।
जुमूद (جمود) अ पु —जमना, जम जाना (पानी आदि का), खिन्नता, मलिनता, अफसुर्दगी, ठप हो जाना, गत्यावरोध, डेडलाक।

जुमूर (ضمور) अ. पु–दुबलापन, क्षीणता, लाग़री।

जुमुअः (جمعہ) अ पु–शुक्रवार, दे 'जुमुअ.', दोनो उच्चारण सही हैं।

जुम्जुमः (جمجمہ) अ पुं–कपाल, भगाल, खोपडी।

जुम्र. (زمرہ) अ पु–दल, यूथ, जत्था, पार्टी।

जुम्र (ضمر) अ पु–दे 'जुमूर।

जुम्रए अहबाब (زمرۂ احباب) अ पु–मित्रमडली, मित्रगण, दोस्तो की पार्टी।

जुम्लः (جملہ) अ पु–समस्त, समग्र, सब, सर्व; वाक्य, शब्दसमूह, फ़िक़्र।

जुमलए इंशाइय: (جملۂ انشائیہ) अ पु–दे 'जु इस्मिय'।

जुम्लए इस्तिफ़्हामिय: (جملۂ استفہامیہ) अ पु–ऐसा वाक्य जिसमें प्रश्न हो।

जुम्लए इस्मियः (جملۂ اسمیہ) अ. पुं–ऐसा वाक्य जिसमें क्रिया न हो, सज्ञात्मक वाक्य।

जुम्लए खबरीयः(جملۂ خبریہ)अ पु–दे 'जु० इस्मिय।'

जुम्लए मो'तरिज़ः (جملۂ معترضہ) अ पु.–इबारत या तक़्रीर के बीच में ऐसा वाक्य, जो किसी दूसरी बात से सम्बन्धित हो और मूल विषय से उसका कोई सम्बन्ध न हो।

जुम्लगी (جملگی) अ फा वि–सर्वत्व, समस्तत्व, पूर्णता, सारापन।

जुम्हूर (جمہور) अ पु–सर्वसाधारण, जनसाधारण, जनता, अवाम।

जुम्हूरियत (جمہوریت) अ स्त्री–गणतत्र, जनतत्र, प्रजातत्र।

जुम्हूरी (جمہوری) अ वि–सार्वजनिक, सार्वजनीन।

जुरफा (ظرفا) अ. पु–'ज़रीफ़' का बहु, हँसोड लोग।

जुम्हूरे अनाम (جمہورانام) अ वि–जन साधारण, अवामुन्नास।

जुरात (صراط) अ पु–तीव्र, तेज़, वह अपान वायु जो शब्द के साथ निकले।

जुरूफ (ظروف) अ पु–ज़र्फ का बहु, बर्तन-भांडे।

जुराफ (زراف) अ पु–ऊँट के बराबर एक जगली जानवर जिसकी पीठ चित्तीदार होती है, दे 'ज़राफ', दोनो शुद्ध हैं।

जुर्अः (جرعہ) अ पुं–एक घूंट, इतना पानी आदि जो एक बार में पिया जाता है।

जुर्अःकश (جرعہکش) अ फा वि–घूंट-घूंट करके पीनेवाला, मदिरा पीनेवाला, मद्यप।

जुर्अःकशी (جرعہکشی) अ फा स्त्री–घूंट-घूंट करके पीना; मदिरा पीना, शराबनोशी।

जुर्अःनोश (جرعہنوش) अ फा वि–दे 'जुर्अःकश'।

जुर्अएमय (جرعۂمے) अ फा वि–मदिरा का घूंट।

जुर्अत (جرات) अ स्त्री–साहस, हिम्मत, उत्साह, उमंग, हौसला, धृष्टता, दु साहस, बेबाकी।

जुर्अतअफ़्ज़ा (جرات افزا) अ फा वि–साहसवर्द्धक, हिम्मत बढानेवाला।

जुर्अतआज़मा (جرات آزما) अ फा वि–हिम्मत की परीक्षा करनेवाला, यह देखनेवाला कि अमुक काम हो सकेगा या नही।

जुर्अतआज़माई (جرات آزمائی) अ फा स्त्री–हिम्मत की परीक्षा, ताकत का इम्तिहान।

जुर्अतमद (جرات مند) अ फा वि–साहसी, उत्साही, हिम्मती, आरभट।

जुर्अतमदानः (جرات مندانہ) अ फा अव्य–साहसपूर्ण, हिम्मत से भरा हुआ।

जुर्अतमंदी (جرات مندی) अ फा स्त्री–उत्साहशीलता, साहसपरता, हौसलामदी।

जुर्त (زرت) फा. स्त्री–एक प्रसिद्ध अन्न, ज्वार, दे 'ज़ुरत', दोनो शुद्ध है।

जुर्फीन (زرفین) अ पु–दे 'ज़िर्फीन' दोनो शुद्ध हैं।

जुर्म (جرم) अ पु–अपराध, दोष, कुसूर, आरोप, लाछन, इत्तिहाम।

जुर्म ना कर्द. (جرم ناکردہ) अ फा वि–जिसने अपराध न किया हो, अकृतापराध।

जुर्मान: (جرمانہ) अ फा पु–वह सजा जो धन के रूप मे दी जाय, अर्थदड।

जुर्रः (ذرہ) अ स्त्री–ज्वार एक अन्न।

जुर्र. (جرہ) फा पु–नर बाज, श्येन, बाज़ का नर जुर्र होता है और माद बाज़।

जुर्र. (ضرہ) अ स्त्री–सौकन, सौत।

जुर्रत (زرت) फा स्त्री–एक अन्न, ज्वार, दे 'जुर्त'।

जुर्राफ. (زرافہ) अ पु–दे 'जुराफ'।

जुर्राब (جراب) अ पु–मोज़ा।

जुर्रीयत (ذریت) अ स्त्री–सतान, बाल-बच्चे, हाली-मवाली, पिछलग्गू।

जुर्रह (ذروح) अ पुं–भ्रमर के आकार का एक लाल रग का विषैला कीडा जिसके परो पर काली बुदकियाँ होती हैं। यह कीडा दवा में काम आता है और शरीर में छाला डालता है, इसे 'ज़रारीह' कहते हैं जो इसका बहुवचन है।

ज़ुर्वः (ذروه) अ पु –शृंग, चोटी, ऊँचा स्थान, शिरोमणि, सर्वश्रेष्ठ।
ज़ुर्ह (جرح) अ. पु –घाव, क्षत, ज़ख़्म।
ज़ुलम (ظلم) अ पु –'ज़ुल्मत' का बहु, अँधेरे।
ज़ुलल (ظلل) अ पु –'ज़ुल्ल' का बहु, बहुत-से सायबान।
ज़ुलाल (زلال) अ पु –स्वच्छ और शीतल पानी; निथरा हुआ पानी; एक-दो इंच लंबे कीडे जिन्हें निचोडने से बहुत ही ठंढा पानी निकलता है।
ज़ुलमात (ظلمات) अ. पुं –'ज़ुल्मत' का बहु, अँधेरे, अंधकार-समूह।
जुलूस (جلوس) अ पु –बैठना, राजा आदि का गद्दी पर बैठना, समारोह के साथ गश्त, उत्सव यात्रा, शोभा-यात्रा, चल समारोह।
ज़ुलेख़ा (زلیخا) अ स्त्री –मिस्र के नरेश 'अज़ीज़' की स्त्री, जो हज़्रत यूसुफ़ पर मुग्ध हो गयी थी।
ज़ुल्क़र्नैन (ذوالقرنین) अ पु –सम्राट् सिकंदर की उपाधि, जिसके दोनों कंधों पर बालों की लटें पडी रहती थीं।
ज़ुल्जनाह (ذوالجناح) अ पु –हज़्रत इमाम हुसैन का घोडा, बहुत तेज़ चलने के कारण 'परोंवाला घोडा' कहलाता था।
ज़ुल्जलाल (ذوالجلال) अ पुं –तेज और प्रतापवाला, अर्थात् ईश्वर।
ज़ुल्फ़ (زلف) फा स्त्री –केशपाश, बालों की लट, कनपटी के पासवाले बाल, अलक, केश, बाल।
ज़ुल्फ़िक़ार (ذوالفقار) अ स्त्री –हज़्रत अली की तलवार, जो बद्र के युद्ध में उन्हें रसूल ने प्रदान की थी।
ज़ुल्फ़ब्दोश (زلف بدوش) फा वि –कंधों पर बाल बिखेरे हुए।
ज़ुल्फ़ीन (زلفین) फा स्त्री –शृंखला, ज़ंजीर।
ज़ुल्फ़ुनून (ذوالفنون) अ. वि –बहुत से गुणों का ज्ञाता।
ज़ुल्फ़े दराज़ (زلف دراز) अ स्त्री –लंबी ज़ुल्फ़, बालों की लंबी लट।
ज़ुल्फ़ेपरीशाँ (زلف پریشاں) फा स्त्री –बिखरी हुई ज़ुल्फ़, बिखरे हुए बाल।
ज़ुल्फ़ेपुरख़म (زلف پرخم) फा स्त्री –घुँघराले बाल।
ज़ुल्फ़ेबरहम (زلف برہم) फा स्त्री –बिखरे हुए बाल।
ज़ुल्फ़ेरसा (زلف رسا) फा स्त्री –लंबी ज़ुल्फ़ जो कमर से नीचे तक हो।
ज़ुलबहरैन (ذوالبحرین) अ वि –ऐसा शेर जो कई बह्रों में पढा जा सके।
ज़ुल्म (ظلم) अ पु –अत्याचार, कमज़ोर को सताना, अन्याय, बेइंसाफ़ी करना; किसी का हक़ मारना; नदी में पानी की बाढ, बलात्, ज़बरदस्ती।
ज़ुल्मत (ظلمت) अ स्त्री –अंधकार, तम, तिमिर, अँधेरा, तारीकी।
ज़ुल्मताबाद (ظلمت آباد) अ फा पु –बहुत ही अँधेरी जगह, संसार, दुनिया।
ज़ुल्मतकदः (ظلمت کده) अ फा पु –जहाँ अँधेरा ही अँधेरा हो, संसार, दुनिया।
ज़ुल्मदोस्त (ظلم دوست) अ फा वि –जो अत्याचार करना पसंद करता हो, अन्यायप्रिय।
ज़ुल्मपर्वर (ظلم پرور) अ. फा वि.–अत्याचारी, अन्यायी, जिसके राज्य में अत्याचार का पालन-पोषण होता हो।
ज़ुल्मरसीदः (ظلم رسیده) अ फा वि –जिस पर अत्याचार हुआ हो, नृशंसित, अत्याचार-पीडित।
ज़ुल्मशिआर (ظلم شعار) अ वि –जिसके स्वभाव में ही अत्याचार हो, अन्यायप्रकृति।
ज़ुल्मात (ظلمات) 'ज़ुल्मत' का बहु, अँधेरे; वह घोर अंधकार जो सिकंदर को अमृतकुंड तक पहुँचने में पडा था।
ज़ुलमिनन (ذوالمنن) अ वि बहुत अधिक नेमतें देनेवाला, ईश्वर।
ज़ुल्लः (ظله) अ पुं –धूप से बचानेवाली चीज़, सायबान, छज्जा।
जुल्लाब (جلاب) अ पु –रेचक, विरेचक, दस्तावर दवा।
जुवार (جوار) अ पु–पडोस, प्रतिवेश, हमसायगी, आसपास, चारों ओर।
जुशांदः (جوشانده) फा पु –औटाई हुई दवा का पानी।
जुशा (جشا) अ स्त्री –डकार, घूम, उद्गार।
जुस्त (جست) फा स्त्री –दे 'जुस्तजू'।
जुस्तजू (جستجو) फा स्त्री –तलाश, मार्गण, गवेषणा।
जुस्तोजू (जुस्तुजू) (جست وجو) फा स्त्री.–दे 'जुस्तजू'।
जुस्स (جثه) अ पु –देह, शरीर, जिस्म।
ज़ुहल (زحل) अ पु –एक ग्रह शनि।
जुहला (جہلا) अ. पु.–जाहिल का बहु., जाहिल लोग।
ज़ुहूक (ضحوک) अ पु –हास्यास्पद, उज्हूक।
ज़ुहूक़ (زهوق) अ पु –विनाश, नाश, नापैदी, निधनः चुकना।
ज़ुहक (ضحکه) जिस पर सब लोग हँसें, हास्यास्पद, हास्य।
ज़ुहूर (ظهور) अ पुं –प्रकट, ज़ाहिर होना, उत्पत्ति, पैदाइश, आविर्भाव, अवतार।
ज़ुह्द (زهد) अ पु –इंद्रिय-निग्रह, संयम, मनोगुप्ति, मुनिवृत्ति, पारसाई, परहेज़गारी, इत्तिक़ा।

जुह्द (جہد) अ पु—शक्ति, बल, ताक़त; प्रयत्न, पराक्रम, कोशिश।

ज़ुह्दशिआर (زہدشعار) अ वि—संयमी, यतेंद्रिय, जितेंद्रिय, सयतेंद्रिय।

ज़ुह्रः (زہرہ) अ स्त्री—एक ग्रह, शुक्र।

ज़ुह्रःजबीं (زہرہ جبیں) अ फा वि—उज्ज्वल ललाट, शुभ्र भाल; सुन्दरी, चंद्रमुखी, माहरू।

ज़ुह्रःनवा (زہرہ نوا) अ फा वि—बहुत सुन्दर और मधुर स्वरवाली स्त्री।

ज़ुह्रःरुख़ (زہرہ رخ) अ फा वि—दे 'ज़ुह्रःजबीं'।

ज़ुह्रःशमाइल (زہرہ شمائل) अ वि—दे 'ज़ुह्रःजबीं'।

ज़ुह्र (ظہر) अ स्त्री—दोपहर की नमाज़ का वक़्त।

ज़ुह्हाद (زہاد) अ पु—ज़ाहिद का बहु, ज़ाहिद लोग।

जुह्हाल (جہال) अ पु—जाहिल का बहु, जाहिल लोग।

जू

जू (جو) फा स्त्री—नदी, छोटी नदी, नहर, कुल्या, स्रोत, सोता, चश्मा।

ज़ू (ذو) अ उप—वाला के अर्थ में आता है, जैसे—'ज़ूमानी' कई अर्थवाला।

जूअ (جوع) अ स्त्री—भूख, क्षुधा, बुभुक्षा।

जूउलअर्ज़ (جوع الارض) अ स्त्री—ज़मीन की भूख, राज बढ़ाने का हौका।

जूउलकल्ब (جوع الکلب) अ स्त्री—एक रोग, जिसमें पेट भरा होने पर भी सारे अंग भूखे होते हैं।

जूउलबक़र (جوع البقر) अ स्त्री—एक रोग जिसमें कितना भी खाया जाय भूख नहीं जाती।

जूएख़ूँ (جوئے خوں) फा स्त्री—रक्त की नदी।

जूएशीर (جوئے شیر) फा स्त्री—दूध की नहर, जो फ़र्हाद शीरीं के लिए निकालना चाहता था।

जूक़ (جوق) तु स्त्री—समूह, झुंड, गिरोह।

जूक़ दर जूक़ (جوق در جوق) तु फा वि—झुंड के झुंड, गिरोह के गिरोह, बहुत अधिक भीड़।

ज़ूजसदैन (ذوجسدین) अ वि—दो शरीरोंवाला, मिथुन राशिवाला, बुध ग्रह, जिसका घर कन्याराशि है।

ज़ूज़ुनाब (ذوذناب) अ पु—वह पुच्छल तारा जिसकी पूँछ पूरब की ओर हो।

ज़ूज़ुवाबः (ذوذوابہ) अ पु—वह पुच्छल तारा जिसकी पूँछ पच्छिम की ओर हो।

जूद (جود) अ पु—दानशीलता, वदान्यता, सख़ावत, वख़्शिश।

ज़ूद (زود) अ वि—शीघ्र, त्वरित, तुरत, जल्दी।

ज़ूदअसर (زوداثر) फा अ वि—तुरत असर करनेवाली औषधि, शीघ्रकारी।

ज़ूदआश्ना (زودآشنا) फा वि—बहुत जल्द घुल-मिल जानेवाला, जल्दी दोस्त बन जानेवाला, आशुमित्र।

ज़ूदख़ेज़ (زودخیز) फा वि—फुर्तीला, चुस्तो चालाक।

ज़ूदगो (زودگو) फा वि—जल्द शे'र कहनेवाला, शीघ्रकवि, उपस्थित कवि, उपस्थितवक्ता, आशु कवि।

ज़ूदगोई (زودگوئی) फा स्त्री—तुरत कविता करने की क्रिया, आशुकविता करना।

ज़ूदतर (زودتر) फा वि—शीघ्रतर, बहुत जल्द।

ज़ूदनवीस (زودنویس) फा वि—जल्द लिखनेवाला, त्वरा-लेखक।

ज़ूदनवीसी (زودنویسی) फा स्त्री—जल्द लिखना, त्वरा-लेखन।

ज़ूदपशेमाँ (زودپشیماں) फा वि—अपनी भूल पर बहुत जल्द पछतानेवाला।

ज़ूदफ़ह्म (زودفہم) फा अ वि—जल्द बात समझ जानेवाला, शीघ्रबुद्धि।

ज़ूदबूद (زودبود) फा वि—अपार, असीम, बेहद, अनुचित, बेजा।

ज़ूदरंज (زودرنج) फा वि—किसी बात पर जल्द बुरा मान जानेवाला, आशुरोष।

ज़ूदरंजी (زودرنجی) फा स्त्री—जल्द बुरा मान जानेवाला।

ज़ूदरफ़्तार (زودرفتار) फा वि—तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगामी, द्रुतगामी।

ज़ूदरफ़्तारी (زودرفتاری) फा स्त्री—तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

ज़ूदरस (زودرس) फा वि—जो किसी बात की तह तक तुरत ही पहुँच जाय, कुशाग्रबुद्धि।

ज़ूदरसी (زودرسی) फा स्त्री—किसी बात की तह तक शीघ्र पहुँच जाना।

ज़ूदसेर (زودسیر) फा वि—किसी बात से शीघ्र ही उकता जानेवाला, जिसका पेट जल्द भर जाय।

ज़ूदसेरी (زودسیری) फा स्त्री—किसी बात से जल्द उकता जाना; जल्द पेट भर जाना।

ज़ूदहज़्म (زودہضم) फा अ वि—शीघ्र पच जानेवाला खाद्य पदार्थ, लघु-पाक।

ज़ूदहज़्मी (زودہضمی) फा अ स्त्री—खाद्य पदार्थ का जल्द पच जाना।

जूदी (جودی) अ पुं.—वह पहाड जिस पर हज़रत नूह की किश्ती जाकर ठहरी थी।

ज़ूदी (زودی) फा स्त्री—शीघ्रता, जल्दी।

ज़ुनाब (ذوناب) अ पु—फाड खानेवाले दरिंदे, श्वापद, व्याघ्र, हिंसक प्राणी।

ज़ूफ़ा (زوفا) फा पु—एक घास जो दवा में काम आती है।

ज़ूफ़ुनून (ذوفنون) अ वि—बहुत-से हुनर जाननेवाला, बहुगुना, वेत्ता।

ज़ूबहरैन (ذوبحرین) अ वि—वह शे'र जो दो बह्रों में पढा जा सके।

ज़ूमा'ना (ذومعنی) अ वि—वह शब्द, वाक्य या शे'र जिसके दो अर्थ हों।

ज़ूमानी (ذومعانی) अ वि—दे 'ज़ूमा'ना' दोनों शुद्ध हैं।

ज़ूर (زور) फा पु—छल, कपट, फ़रेब।

ज़ूरोमक्र (زوروومکر) फा अ पु—छल और कपट, वंचकता और ठगी।

जूलं (جولں) फा स्त्री—जूलान का लघु, दे 'जूलन'।

जूलान (جولان) फा स्त्री—वह जंजीर जो बंदियों को पहनायी जाती है, बेडी।

ज़ुल्बाब (ذولباب) अ वि—बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमंद।

ज़े

ज़ेंब (ذئب) अ पु—भेडिया, वृक।

जेब (جیب) अ स्त्री—वह थैली जो कुर्ता या अचकन आदि में रुपया आदि रखने को होती है, पॉकेट, खलीता।

जेबखर्च (جیب خرچ) अ फा पु—वह खर्च जो खाने-पीने के अतिरिक्त दूसरे निजी कामों के लिए हो।

जेबतराश (جیب تراش) अ फा वि—जेब काटनेवाला, गिरहकट, ग्रंथि-मोचक, ग्रंथिच्छेदक, पाकेटमार।

जेबतराशी (جیب تراشی) अ फा स्त्री—जेब काटना, गिरहकटी करना, पाकेटमारी।

ज़ेबा (زیبا) फा वि—सुन्दर, मनोरम, मनोज्ञ, दिलकश, शोभनीय, श्रीमान्, बारीक, ललित, सूक्ष्म, ल्तीफ।

ज़ेबाअंदाम (زیبااندام) फा वि—सुडौल और सुन्दर शरीरवाला; (वाली) शोभनांग, शोभनांगना।

ज़ेबाइश (زیبائش) फा स्त्री—सज्जा, शृंगार, सजावट।

ज़ेबाई (زیبائی) फा स्त्री—दे 'ज़ेबाइश'।

ज़ेबाखिल्कत (زیباخلقت) फा अ वि—दे 'ज़ेबा-तल्अत'।

ज़ेबातल्अत (زیباطلعت) फा अ वि—जिसकी मुखाकृति अत्यन्त सुन्दर हो, ललित, कांत।

ज़ेबारू (زیبارو) फा वि—जिसका चेहरा-मोहरा बहुत ही सुन्दर और प्यारा हो।

ज़ेबाशमाइल (زیباشمائل) फा अ वि—जिसका स्वभाव बहुत ही सुन्दर और सुशील हो।

ज़ेबिंदः (زیبندہ) फा वि—अच्छा लगनेवाला, छजनेवाला, शोभा देनेवाला।

ज़ेबीद (زیبیدہ) फा वि.—सुशोभित, ललित, सुन्दर।

ज़ेबीदनी (زیبیدنی) फा वि—छजने योग्य, शोभा देने योग्य।

ज़ेबोज़ीनत (زیب وزینت) फा अ स्त्री—बनाव-सिंगार, वेशभूषा, ठाट-बाट, शृंगार और सजावट।

ज़ेबोज़ैन (زیب وزین) फा अ स्त्री—दे 'ज़ेबोज़ीनत'।

ज़ेरदाज़ (زیرانداز) फा. पु.—किसी चीज़ की हिफाज़त के लिए उसके नीचे बिछाया जानेवाला कपडा, क़ालीन, फर्श।

ज़ेर (زیر) फा वि—उर्दू में 'इ' की मात्रा (ِ); निम्न, नीचे, निर्बल, नाताकत; परास्त, पराजित, मग्लूब; निःसहाय, निराश्रय, बेकस, अधीन, ताबे'।

ज़ेरअंदाज़ (زیرانداز) फा पु—दे 'ज़ेरदाज़', शुद्ध उच्चारण वही है।

ज़ेरअफ़गन (زیرافگن) फा पु—दे 'ज़ेरफ़गन', अधिक शुद्ध उच्चारण वही है।

ज़ेरचाक़ (زیرچاق) फा वि—अधीन, ताबे'दार, जिसे गुदा मैथुन कराने का व्यसन हो, कौनी।

ज़ेरजामः (زیرجامہ) फा पु—कमर से नीचे पहनने का कपडा, अधोवस्त्र, वह कपडा जो ज़ीन के नीचे घोडे की पीठ पर डाला जाता है।

ज़ेरदस्त (زیردست) फा वि—अधीन, वशीभूत, ताबे'; दीन, दुःखी, असहाय।

ज़ेरदस्ती (زیردستی) फा स्त्री—अधीनता, मातहती, दीनता, निःसहायता।

ज़ेरफ़गन (زیرافگن) फा पु—दगी तोशक, अंत्य राग।

ज़ेरबंद (زیربند) फा पु—घोडे के पेट पर कसा जानेवाला तस्मा।

ज़ेरबार (زیربار) फा वि—जो बोझ के नीचे दबा हो; ऋणी, क़र्ज़दार, आभारी, एहसानमंद।

ज़ेरबारी (زیرباری) फा स्त्री—क़र्ज़ का बोझ, ऋणभार; एहसान का बोझ, कृतज्ञता।

ज़ेरा (زیرا) फा अव्य—क्योंकि, [illegible]; इसलिए।

ज़ेराब (زیراب) फा स्त्री—[illegible] पानी, ज़मीन के अंदर का [illegible]।

ज़ेरीं (زیریں) फा वि—निम्नगत, नीचेवाला।
ज़ेरेअसर (زیراثر) फा अ वि—जो किसी के प्रभाव में हो, जो किसी के अधीन हो।
ज़ेरेआब (زیرآب) फा वि—वह ज़मीन जो पानी मे डूब गयी हो, पानी के भीतर।
ज़ेरेआस्माँ (زیرآسماں) फा वि—आकाश के नीचे, अर्थात् सारे ससार में।
ज़ेरेइस्तेमाल (زیراستعمال) फा अ वि—प्रयोग आ रही हुई वस्तु, सेवन की जानेवाली ओषधि।
ज़ेरेक़दम (زیرقدم) फा अ वि—पाँव के तले, सुगम, सहल।
ज़ेरेख़ाक (زیرخاک) फा वि—मिट्टी के भीतर अर्थात् कब्र मे।
ज़ेरेग़ौर (زیرغور) फा अ वि—जिस पर गौर हो रहा हो, विचाराधीन।
ज़ेरेतज्वीज़ (زیرتجویز) फा अ वि—जिस पर निर्णय के लिए विचार किया जा रहा हो, निर्णयाधीन।
ज़ेरेतन्कीद (زیرتنقید) फा अ वि—जिस पर आलोचना लिखी जा रही हो।
ज़ेरेतस्नीफ़ (زیرتصنیف) फा अ वि—जिसकी रचना की जा रही हो।
ज़ेरेता'मीर (زیرتعمیر) फा अ वि—जो बनाया जा रहा हो, जिसका निर्माण हो रहा हो।
ज़ेरेतालीफ़ (زیرتالیف) फा अ वि—जिसका सपादन हो रहा हो, जो लिखा जा रहा हो।
ज़ेरेनगीं (زیرنگیں) फा वि—शासनाधीन, मातहत देश या प्रदेश।
ज़ेरेनाफ़ (زیرناف) फा पु—उपस्थ, कटि देश, पेडू।
ज़ेरेमश्क़ (زیرمشق) फा अ वि—जिस पर किसी काम की मश्क की जाय अर्थात् हाथ साफ किया जाय, ऐसा व्यक्ति जो किसी विवशता के कारण किसी का हर एक काम करने को वाध्य हो, वह लडका जिसका किसी पुरुष के साथ अप्राकृतिक सम्बन्ध हो।
ज़ेरेराँ (زیرراں) फा वि—रान के नीचे, काबू मे, सवारी मे।
ज़ेरेलब (زیرلب) फा वि—ओठो मे, वह वात जो ओठो-ओठो में हो।
ज़ेरेसाय: (زیرسایہ) फा वि—किसी का आश्रित, किसी की छत्रछाया में।
ज़ेरेहुकूमत (زیرحکومت) फा अ वि—दे 'ज़ेरेनगीं'।
ज़ेरोज़बर (زیروزبر) फा वि—तले-ऊपर, उथल-पुथल, अस्त-व्यस्त।
ज़ेरोबाला (زیروبالا) फा वि—दे 'ज़ेरोज़बर'।
ज़ेव: (جیوہ) फा पु—पारा, सीमाब।
ज़ेवर (زیور) फा पु—आभूषण, आभरण, भूषण, अलकार, गहना।
ज़ेवरात (زیورات) फा पु—'ज़ेवर' का बहु, बहुत-से आभूषण, गहने।
ज़ेह्न (ذہن) अ पु—प्रतिभा, तब्बाई, बुद्धि, समझ, स्मरण शक्ति, याददाश्त।
ज़ेह्नीयत (ذہنیت) अ स्त्री—धारणा, विचार, प्रकृति, स्वभाव।
ज़ेह्नरसा (ذہن رسا) अ फा पु—बात की तह को पहुँचने-वाला ज़ह्न।
ज़ेहगीर (زہگیر) फा पु—वह अँगूठी जो तीर चलानेवाले उँगली की रक्षा के लिए पहनते हैं।

ज़ै

ज़ैअः (ضیعہ) अ स्त्री—नष्ट होना, व्यापार, उद्योग, खेती की भूमि।
ज़ैअ (ضیع) अ पु—नष्ट होना, मरना।
ज़ैग़म (ضیغم) अ पु—व्याघ्र, सिंह, शेर।
ज़ैग़मशिकार (ضیغم شکار) अ फा वि—सिह का शिकार करनेवाला, बहुत बहादुर।
ज़ैत (زیت) अ पु—दे 'ज़ैतून'।
ज़ैतून (زیتون) अ पु—एक प्रसिद्ध बीज जिसका तेल निकलता है और दवा में काम आता है, उन बीजो का तेल।
ज़ैद (زید) अ पु—अमुक व्यक्ति के लिए व्यवहृत शब्द।
ज़ैदी (زیدی) अ वि—शीओ का एक वश।
ज़ैन (زین) अ स्त्री—सज्जा, शृगार, सजावट।
ज़ैनब (زینب) अ स्त्री—हज़रत इमाम हुसैन की बहन जिन्होने उनकी शहादत के पश्चात् वडी वीरता से 'यज़ीद' के शासन की बुराइयो का पर्दाफाश किया था।
ज़ैफ़ (ضیف) अ पु—आगतुक, अतिथि, मेहमान।
ज़ैफ़ (زیف) अ पु—रुपया या अशरफी का खोटापन।
जैब (جیب) कुर्ते या अचकन आदि का गला, गिरीबान।
ज़ैयान (طیان) अ पु—जगली चमेली, शहद, मधु।
जैयिद (جید) अ वि—धुरधर, प्रचड, वहुत वडा (विद्वान्), खरा, अच्छा, जो खोटा न हो।
ज़ैल (ذیل) अ पु—दामन, कुर्ते आदि का नीचे लटकने-वाला भाग, निम्न, नीचे।
ज़ैलदार (ذیلدار) अ फा पु—एक निम्न कोटि का राज-कर्मचारी।

जैली (ذیلی) अ वि –तुफ़ैली, जो किसी के साथ हो।
जैश (جیش) अ पु –सेना, फौज, हाँडी का उवाल; हृदय का वेग।
जैशे मलाइकः (جیش ملائکہ) अ पु –फिरिश्तो की सेना, देवताओ की फौज।
जैहून (جیحون) अ पु –मध्य एशिया की एक नदी जो 'बलख' के किनारे बहती है।

जो

जोइंदः (جوئندہ) फा वि –ढूंढनेवाला, तलाश करनेवाला, खोजी, जिज्ञासु।
जोईद. (جوئیدہ) फा वि –ढूंढा हुआ, खोजा हुआ।
जोईदनी (جوئیدنی) फा वि –ढूंढने योग्य, खोजने लाइक।
जोग़न (جوغن) फा स्त्री –ओखली, उलूखल।
जो'फ (ضعف) अ पु –निर्बलता, कमजोरी, बीमारी की कमजोरी, दीनता, वेकसी।
जो'फे आ'साब (ضعف اعصاب) अ पु –शरीर के पट्ठो की कमजोरी।
जो'फे इश्तिहा (ضعف اشتہا) अ पु –भूख की कमी, मदाग्नि।
जो'फे एतिक़ाद (ضعف اعتقاد) अ पु –आस्था या एतिकाद की कमी, निष्ठामाद्य।
जो'फे क़ल्ब (ضعف قلب) अ पु –दिल की कमजोरी, हृदय-दौर्बल्य।
जो'फे जिगर (ضعف جگر) अ फा पु –एक रोग जिसमे यकृत् अपना कर्तव्य पूरे तौर पर पूरा नही करता।
जो'फे दिमाग़ (ضعف دماغ) अ पु –स्मरण-शक्ति की कमी, समझ-बूझ की कमी।
जो'फे दिल (ضعف دل) अ फा पु –दे 'जो फे कल्ब'।
जो'फे नज़र (ضعف نظر) अ पु –दृष्टि की कमजोरी, कम दिखाई पडना, नेत्र-दुर्बलता।
जो'फे बसर (ضعف بصر) अ पु –दे जो'फे नजर।
जो'फे बसारत (ضعف بصارت) अ पु –दे 'जोफे नजर।'
जो'फे बाह (ضعف باہ) अ फा पु –काम शक्ति में कमी, काम-दौर्बल्य।
जो'फे मसान' (ضعف مثانہ) अ पु –मूत्राशय की नसो की शिथिलता, जिससे पेशाब जल्दी-जल्दी होता है।
जो'फे मे'दः (ضعف معدہ) अ पु –पाचन-शक्ति की कमी, मदाग्नि, अग्निमाद्य।
जो'फे हाज़िमः (ضعف ہاضمہ) अ पु –अग्निमाद्य, पाचन-शक्ति में कमी।
जो'फे हाफ़िज़ः (ضعف حافظہ) अ पु –स्मरण-शक्ति की कमी।
ज़ो'म (زعم) अ पु –धारणा, गुमान, ख़याल, अहंकार, अभिमान, घमड।
ज़ो'मे बातिल (زعم باطل) अ पु –गलत गुमान, कुधारणा, झूठा घमड।
जोयां (جویاں) फा वि –ढूंढता हुआ, तलाश करता हुआ।
जोया (جویا) फा वि –ढूंढनेवाला, खोजी।
जोयानीद' (جویانیدہ) फा वि –ढुंढवाया हुआ।
ज़ोर (زور) फा पु –बल, शक्ति, ताकत, वश, बस, काबू, प्रयत्न, कोशिश, अनीति, अत्याचार, जबर्दस्ती, आश्रय, सहारा, प्रबलता, प्रचडता, तेज़ी, धाक, रोब।
ज़ोरआज़्मा (زورآزما) फा वि –जोर दिखानेवाला, मुकाबला करनेवाला, युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
ज़ोरआज़्माई (زورآزمائی) फा स्त्री –मुकाबला करना, लडना।
ज़ोरआवर (زورآور) फा वि –शक्तिशाली, बलवान्, ताकतवर।
ज़ोरआवरी (زورآوری) फा स्त्री –बलवत्ता, ताकतवरी।
ज़ोरवार (زوردار) फा वि –शक्तिशाली, ताकतवर, प्रचड, तेज़, जोशीला, आवेगपूर्ण, महत्त्वपूर्ण।
ज़ोरमंद (زورمند) फा वि –शक्तिशाली, ज़ोरावर।
ज़ोरमंदी (زورمندی) फा स्त्री –शक्तिशालिता, ताकतवरी।
ज़ोरशिकन (زورشکن) फा. वि –जोर तोडनेवाला, दमन करनेवाला।
ज़ोरशिकनी (زورشکنی) फा स्त्री –जोर तोडना, दमन करना।
ज़ोरेबाज़ू (زوربازو) फा पु –बाहुबल, अपना परिश्रम, स्वय अपना प्रयास।
ज़ोरोशोर (زوروشور) फा पु –कोलाहल, शोरगुल, धूमधाम, तीव्रता, तेज़ी, उत्साह, हौसला।
जोल' (جولہ) फा पु –कपडा बिननेवाला, मकडी, लूता।
जोल (جول) फा पु –वन, जगल, चटियल मैदान, वियावान।
ज़ोलीदः (ژولیدہ) फा वि.–उलझा हुआ, गुजलक, अस्त-व्यस्त, तितर-वितर।
ज़ोलीदःबयां (ژولیدہ بیاں) फा वि –उलझी-उलझी बातें करनेवाला, अनर्गल भाषी, वेतुकी बाते करनेवाला।
ज़ोलीदःबयानी (ژولیدہ بیانی) फा अ स्त्री –उलझी-उलझी बाते करना, व्यर्थ की बाते करना, वेतुकी बातें।
ज़ोलीदःमू (ژولیدہ مو) फा वि –उलझे हुए बालोवाला, व्यस्तकेश।

ज़ोलीदःमूई (ژولیدہ موئی) फ़ा स्त्री —बाल उलझे होना।

ज़ोलीदःहाल (ژولیدہ حال) फ़ा अ वि —दुर्दशाग्रस्त, फटे हालों।

ज़ोलीदःहाली (ژولیدہ حالی) फ़ा अ स्त्री —दुर्दशा, फटे-हालों होना।

जोश (جوش) फ़ा पु —आवेग, ज़ोर, उफान, उबाल, उमग, उत्साह, उत्तेजना, इश्तिआल, तीव्रता, तेज़ी, क्रोध, गुस्सा।

जोशज़न (جوش زن) फ़ा वि —जोश मारनेवाला, उफनता हुआ, उबलता हुआ।

जोशज़नी (جوش زنی) फ़ा स्त्री —जोश मारना, उबाल आना।

जोशन (جوشن) फ़ा पु —कवच, ज़िरिह, भुजबंद, केयूर, अंगद, बाज़ूबंद।

जोशनबंद (جوشن بند) फ़ा वि —कवचधारी, ज़िरिहपोश।

जोशाँ (جوشاں) फ़ा वि —जोश मारता हुआ, उबलता हुआ।

जोशांदः (جوشاندہ) फ़ा पु —क्वाथ, काढ़ा, औटी हुई दवाओं का पानी।

जोशानीदः (جوشانیدہ) फ़ा वि —औटाया हुआ, उबाला हुआ।

जोशिश (جوشش) फ़ा स्त्री —उबाल, उफान, तीव्रता, ज़ोर।

जोशिशेदहन (جوشش دہن) फ़ा स्त्री —मुँह आ जाने का रोग, मुहाँ।

जोशीद (جوشید) फ़ा वि —औटा हुआ, जोश खोया हुआ।

जोशीदनी (جوشیدنی) फ़ा वि —औटने के योग्य, उबालने के लाइक़।

जोशेअश्क (جوش اشک) फ़ा पु —आँसुओं का ज़ोर, रोने का वेग।

जोशेइश्क़ (جوش عشق) फ़ा अ पु —प्रेमावेग, मुहब्बत का जोश।

जोशेखूँ (جوش خوں) फ़ा पु —खून का जोश, खानदान की मुहब्बत, खून का बिगाड, रक्तदोष।

जोशेग़ज़ब (جوش غضب) फ़ा अ पु —गुस्से का जोश, क्रोधावेग।

जोशेग़ैज़ (جوش غیظ) फ़ा अ पु —दे. 'जोशेग़ज़ब'।

जोशेजुनूँ (جوش جنوں) फ़ा अ पु —उन्माद और पागलपन का जोश।

जोशोख़रोश (جوش وخروش) फ़ा पु —ज़ोर-शोर, धूम-धाम, उत्साह, उमग, आवेग, जोश।

ज़ोहीदः (ژوہیدہ) फ़ा वि —वर्षा के वेग से टपकी हुई छत आदि।

ज़ौ

जौ (جو) फ़ा पु —एक प्रसिद्ध अन्न, यव।

ज़ौ (ضو) अ स्त्री —प्रकाश, आभा, रौशनी, चमक-दमक, शोभा, छटा।

जौआन (جوعان) अ वि —क्षुधातुर, बहुत भूखा, अशनापित।

ज़ौक़ (ذوق) अ पु —स्वाद, मज़ा, रसानुभव, लुत्फ़ लेना, आनन्द, हज़, रसिकता, मज़ाक़, रुचि, शौक़।

ज़ौक़आफ़्रीं (ذوق آفریں) अ फ़ा वि —ज़ौक़ पैदा करनेवाला।

ज़ौक़ेशे'र (ذوق شعر) अ पु —काव्य रसिकता, सहृदयता, कविता करने या समझने का शौक़।

ज़ौक़ेसलीम (ذوق سلیم) अ पु —शुद्ध रसिकता, काव्य-मर्मज्ञता की शुद्धता।

ज़ौक़ेसुख़न (ذوق سخن) अ फ़ा पु —दे. 'ज़ौक़ेशे'र'।

जौकोब (جوکوب) फ़ा वि —दरदरा कुटा हुआ, मोटा कुटा हुआ, जिसमे दरदरापन हो।

ज़ौक़ोशौक़ (ذوق وشوق) अ पु —पूरी रुचि और रसिकता।

ज़ौज (زوجہ) अ स्त्री—पत्नी, भार्या, अर्धांगिनी, गृहिणी, जोरू, जाया।

ज़ौज (زوج) अ पु —पति, स्वामी, खाविंद, वह संख्या जो दो से बँट जाय, सम, युगल, युग्म, जोड़ा।

जौज़ (جوز) अ पु —अखरोट, अक्षोट।

ज़ौजएसानी (زوجۂ ثانی) अ स्त्री —दूसरी ब्याहता पत्नी, दूसरी स्त्री, नयी स्त्री।

जौज़न (جوزن) फ़ा पु —अभिचारक, जादूगर।

जौज़बोया (جوزبویا) अ फ़ा पु —जायफल, जातीकोश, जातीफल।

जौज़मासिल (جوزماثل) अ पु —धतूरा, धतूर।

जौज़र (جوزر) अ पु —नील गाय का बछड़ा।

जौज़ा (جوزا) अ पु —मिथुन राशि, तीसरा बुर्ज।

ज़ौजीयत (زوجیت) अ स्त्री —शौहरपन, पतित्व, जोरूपन, स्त्रीत्व।

ज़ौजैन (زوجین) अ पु —पति और पत्नी दोनों, दम्पती, जायापती, मियाँ-बीवी।

जौद (جود) अ पु —अच्छा, उम्दा, अच्छी वस्तुएँ, ज़ोर की वर्षा, दानशीलता।

जौदत (جودت) अ स्त्री —पुनीतता, नेकी, अच्छाई, उम्दगी, मनोविनोद।

जौदतेतबअ (جودت طبع) अ स्त्री —स्वभाव का मनोविनोद।

जौपाश (ضوپاش) अ फा वि –रोशनी फैलानेवाला अर्थात् ज्योतिर्मय, द्युतिमान।

जौपाशी (ضوپاشی) अ फा स्त्री –रोशनी फैलाना, जगमगा देना।

जौफ (جوف) अ पु –भीतर का खाली भाग, पेट, उदर।

जौफरोश (جوفروش) फा वि –जौ बेचनेवाला।

जौफिगन (ضوفگن) अ फा वि –दे 'जौपाश'।

जौफिशाँ (ضوفشاں) अ फा वि –दे 'जौफिगन'।

जौबअ (زوبعہ) अ पु –बगूला, बवडर, वातावर्त, वातचक्र।

जौबजो (جوبجو) फा वि –सपूर्ण, समग्र, पूरा।

जौबान (ذوبان) अ पु –पिघलना, द्रवण।

जौबार (ضوبار) अ फा वि –दे. 'जौपाश'।

जौर (جور) अ पु –अत्याचार, अनीति, जुल्म।

जौरक (زورق) अ पु –छोटी नाव, नौका, कश्ती।

जौरब (جورب) अ पु –जुराब, मोजा।

जौरेबेजा (جوربیجا) अ फा पु –अकारण और अनुचित अत्याचार।

जौरेबेहद (جوربیحد) अ फा पु –बहुत अधिक अत्याचार।

जौलकी (جولقی) अ स्त्री –साधुओ की कमली।

जौलाँ (جولاں) अ पु –घोडे को कावा देना, घोडे को फिराना, दौडना, फिरना।

जौलाँगाह (جولانگاہ) अ फा स्त्री –घोडे के दौडाने का मैदान, दौडने का मैदान।

जौलानी (جولانی) अ स्त्री –घोडा, अश्व, शराब का पियाला, तेजी, फुर्ती, मनोविनोद।

जौश (جوش) अ पु –वक्षस्थल, सीना, आधी रात।

जौशन (جوشن) अ पु –कवच, जिरिह।

जौसग (جوسنگ) फा वि –एक जौ के बराबर वजन।

जौसक (جوسق) अ पु –प्रासाद, भवन, महल।

जौहर (جوہر) अ पु –गुण, सिफत, दक्षता, होशियारी, सार, सत, रत्न, मणि, कला,फन, धर्म, खासियत, वे बारीक धारियाँ जो अच्छी तलवार पर होती है।

जौहरदार (جوہردار) अ फा वि –गुणी, हुनरमद, वह खरी तलवार जिस पर जौहर हो।

जौहर नाशनास (جوہرناشناس) अ फा वि –जो गुण को न पहचान सके।

जौहरशनास (جوہرشناس) अ फा वि –जो गुण को पहचानता हो, गुण-ग्राहक।

जौहरी (جوہری) अ वि –रत्न बेचनेवाला, मणिकार।

जौहरेअदेशः (جوہراندیشہ) अ फा पु –कल्पना शक्ति की सूक्ष्मता।

जौहरेआईनः (جوہرآئینہ) अ फा पु –दर्पण पर पडी हुई धारियाँ, (जब दर्पण लोहे का होता था)।

जौहरेफर्द (جوہرفرد) अ पु –वह सूक्ष्म कण जिसके खड न हो सके।

जौहरेलतीफ (جوہرلطیف) अ पु –किसी पदार्थ का असली सत, खालिस जौहर।

जौहरेशम्शीर (جوہرشمشیر) अ फा पु –तलवार पर पडी हुई बारीक लहरे, जो अच्छे लोहे की अलामत है।

त

तग (تنگہ) तु पु –चालू सिक्का, वह मुद्रा जिसका लेन-देन हो।

तग (تنگ) फा वि –सकीर्ण, सकुचित, कोताह, अल्प, न्यून, थोडा, कम, दरिद्र, कगाल, दीन, दुखी, बेबस, आजिज, परेशान, क्लेशग्रस्त, मुसीबत का मारा, दुष्कर, मुश्किल, अपर्याप्त, नाकाफी, (पु) ज़ीन कसने का तस्मा।

तगऐश (تنگ عیش) फा अ वि –दरिद्र, कगाल, दुखित, खस्ता हाल, जिसे जीवन दूभर हो।

तगऐशी (تنگ عیشی) फा अ स्त्री –दरिद्रता, कगाली, दुख, दीनता, खस्तगी, जीवन दूभर होना।

तगख़याल (تنگ خیال) फा अ वि –अनुदार, सकीर्ण-चित्त, लघुचेता, तग नज़र, धर्माध, मुतअस्सिब।

तगखयाली (تنگ خیالی) अ फा स्त्री –अनुदारता, तग नजरी, धर्माधता, तअस्सुब।

तगचश्म (تنگ چشم) फा अ वि –कृपण, कजूस, नीच प्रकृति, कमीना।

तगचश्मी (تنگ چشمی) फा अ स्त्री –कृपणता, कजूसी, प्रकृति की नीचता, कमीनापन।

तगजर्फ (تنگ ظرف) फा अ वि –छोटे बर्तनवाला, सकीर्ण पात्र, छोटे हृदयवाला, अनुदार, नीच, कमीना।

तंगजर्फी (تنگ ظرفی) फा अ स्त्री –बरतन की छोटाई, हृदय की छोटाई, नीचता।

तगजीस्त (تنگ زیست) फा वि –दे 'तगऐश'।

तगतलबी (تنگ طلبی) फा अ स्त्री –इस प्रकार माँगना कि देनवाला परेशान हो जाय, जिद करके माँगना।

तगताब (تنگ تاب) फा वि –अशक्त, बलहीन।

तगताबी (تنگ تابی) फा स्त्री –अशक्ति, बलहीनता।

तगदस्त (تنگ دست) फा वि –जिसका हाथ खाली हो, जिसके पास धन न हो, निर्धन, कगाल।

तगदस्ती (تنگ دستی) फा स्त्री –हाथ खाली होना, अर्थात् निर्धनता, कगाली।

तंगदहन (تنگ دہن) फा वि –जिसका मुँह छोटा हो, कलिकामुख, गुंचःदहन।

तंगदहनी (تنگ دہنی) फा स्त्री –मुँह का कली की भाँति छोटा होना।

तंगदिल (تنگ دل) फा वि –थुडदिला, कृपण, कंजूस, अनुदार, जो खुले दिमाग का न हो, ओछा, कमीना, तुच्छ, जिसमें मज़्हबी तंग ख़याली हो; कूप-मंडूक।

तंगदिली (تنگ دلی) फा स्त्री –थुडदिलापन, अनौदार्य, ओछापन, धर्मांधता।

तंगनज़र (تنگ نظر) फा अ वि –संकुचित दृष्टि, अनुदार, मुतअस्सिब, धर्मांध।

तंगनज़री (تنگ نظری) फा अ स्त्री –दृष्टि संकोच, अनुदारता, धर्मांधता, तअस्सुब।

तंगनाए (تنگ نائے) फा पु –तंग और संकुचित स्थान; समाधि, क़ब्र, तंग गली, बीथी।

तंगपोश (تنگ پوش) फा वि –चुस्त कपड़े पहनने का शौक़ीन या पहननेवाला।

तंगपोशी (تنگ پوشی) फा स्त्री –चुस्त कपड़े पहनने का शौक़।

तंगफ़ुर्सत (تنگ فرصت) फा अ वि –अवकाशहीन, जिसके पास समय कम हो।

तंगफ़ुर्सती (تنگ فرصتی) फा अ स्त्री –अवकाशहीनता, समय की कमी।

तंगबख़्त (تنگ بخت) फा वि –मंदभाग्य, हतभाग्य, बदक़िस्मत।

तंगबख़्ती (تنگ بختی) फा स्त्री –भाग्य की मंदता, बदक़िस्मती।

तंगबार (تنگ بار) फा वि –वह व्यक्ति जिसके पास हर कोई न जा सके, वह स्थान जहाँ हर किसी की पहुँच न हो।

तंगबारी (تنگ باری) फा स्त्री –किसी की रसाई और पहुँच न होना।

तंगमआश (تنگ معاش) फा अ वि –निर्धन, कंगाल, मंद जीविका, कम आमदनीवाला।

तंगमआशी (تنگ معاشی) फा अ स्त्री –निर्धनता, जीविका की कमी।

तंगमायः (تنگ مایہ) फा वि –निर्धन, कंगाल, अधम, नीच, कमइल्म, विद्याहीन।

तंगमायगी (تنگ مایگی) फा स्त्री –निर्धनता, अधमता विद्वत्ता की कमी।

तंगसार (تنگ سار) फा वि –बुद्धि की कमी।

तंगसाल (تنگ سال) फा वि –दुर्भिक्ष, कहत।

तंगवर्ज़ी (تنگ ورزی) फा स्त्री –मितव्यय, पसअंदाज़ी।

तंगहाल (تنگ حال) फा अ वि –दुर्दशाग्रस्त, तबाह हाल, निर्धन, कंगाल।

तंगहाली (تنگ حالی) फा अ स्त्री –दुर्दशा; निर्धनता।

तंगहौसलः (تنگ حوصلہ) फा अ वि.–मंदोत्साह, पस्तहिम्मत।

तंगहौसलगी (تنگ حوصلگی) फा अ स्त्री –उत्साहमांद्य, पस्तहौसलगी।

तंग़ार (تنغار) फा पु –सुहागा, एक दवा।

तंगिएजा (تنگی جا) फा स्त्री –जगह की तंगी, स्थान की संकीर्णता।

तंगिएमआश (تنگی معاش) फा. अ स्त्री –जीविका की कमी, धन की कमी।

तंगिएरिज़्क़ (تنگی رزق) फा अ स्त्री –अन्नकष्ट, रोटी की कमी।

तंगिएरोज़गार (تنگی روزگار) फा स्त्री –कालचक्र, दिनों का फेर, गर्दिश।

तंगी (تنگی) फा स्त्री –न्यूनता, कमी, संकीर्णता, कोताही, क्लेश, कष्ट, मुसीबत, दरिद्रता, कंगाली, कृपणता, कंजूसी, कठिनता, मुश्किल।

तंगूज़ (تنگوز) तु पु –शूकर, वराह, सुअर।

तंज़ (طنز) अ स्त्री –व्यंग, ताना, कटाक्ष।

तंज़आमेज़ (طنز آمیز) अ फा वि –व्यंगपूर्ण, तंज़िया, दे 'तंज़ामेज़', वह अधिक शुद्ध है।

तंज़न (طنزاً) अ वि –व्यंग के रूप में, तंज़ के तौर पर।

तंज़निगार (طنز نگار) अ फा वि –व्यंगपूर्ण लेख लिखनेवाला।

तंज़निगारी (طنز نگاری) अ फा स्त्री –व्यंगपूर्ण लेख लिखना।

तंज़ामेज़ (طنز آمیز) अ फा वि –व्यंगपूर्ण, तंज़ भरा हुआ।

तंज़ियः (طنزیہ) अ वि –व्यंगपूर्ण, तंज़वाला।

तंज़ीम (تنظیم) अ स्त्री –प्रबंध, बंदोबस्त, किसी दल, समुदाय अथवा संस्था को किसी विशेष कार्य के लिए निर्मित करना, संघटन, निर्माण, बनाना।

तंजीम (تنجیم) अ स्त्री –ग्रहों आदि की दशा ज्ञात करना, ज्योतिष, नजूम।

तंज़ीयः (طنزیہ) अ वि –व्यंगपूर्ण, तंज़आमेज़।

तंज़ीयात (طنزیات) अ स्त्री –व्यंगपूर्ण रचनाओं का संग्रह, व्यंगपूर्ण बातें।

तंज़ीर (تنذیر) अ स्त्री –डराना, त्रासना, भीत करना।

तंज़ील (تنزیل) अ स्त्री –नीचे उतारना, आकाशवाणी, इल्हाम, क़ुरान।

तंजीस (تنجیس) अ स्त्री.–अपवित्र करना, गदा करना।
तंज़ीह (تنزیہ) अ स्त्री –शुद्ध करना, पवित्र करना, दोष-रहित करना।
तंतनः (طنطنہ) अ पु –आतक, रोब, कोप, रोष, गुस्सा, अभिमान, घमंड, गुरूर ; आनबान, धाक।
तंबूर (تنبور) उ पु –दे शु शब्द 'तन्नूर'।
तंबाकू (تنباکو) फा पु –एक प्रसिद्ध पत्ती जिसका धुँआँ पिया जाता है, तमाखू, तमाकू।
तंबाकूनोश (تنباکونوش) फा वि –तमाकू पीनेवाला।
तंबाकूफ़रोश (تنباکوفروش) फा वि –तमाकू बेचनेवाला।
तंबीक़ (تنبیق) अ स्त्री –लिखना, लेखन।
तंबीत (تنبیت) अ स्त्री –उत्पादन, उगाना, जमाना।
तंबीह (تنبیہ) अ स्त्री –चेतावनी, प्रबोध, आगाही, भर्त्सना, तर्जन, डाँट-डपट, हलकी, सज़ा, ताकीद, सख्ती।
तंबीहन (تنبیہاً) अ वि –तबीह के तौर पर,चेतावनी, डाँट, सजा या ताकीद के तौर पर।
तंबुल (تنبل) फा वि –काहिल, आलसी, बहुत मोटा, फप्फस।
तंबुली (تنبلی) फा. स्त्री –आलस, काहिली, बहुत अधिक मुटापा, फप्फसपन।
तंबूरः (تنبورہ) फा पु –एक तारवाला बाजा, जिसमे नीचे की ओर तुबी होती है।
तंबूर (تنبور) फा पु –दे 'तबूरा'।
तंबूरची (تنبورچی) फा तु वि –तबूरा बजानेवाला।
तंसीक़ (تنسیق) अ स्त्री –प्रबध करना, इतिजाम करना, क्रमबद्ध करना, तर्तीब देना।
तंसीख़ (تنسیخ) अ स्त्री –मसूख करना, रद्द करना, निरसन।
तंसीफ़ (تنصیف)अ स्त्री –आधा-आधा करना, दो बराबर भाग करना।
तंसीम (تنسیم) अ स्त्री –साँस लेना, दम खीचना।
तअक़्क़ुद (تعقد) अ पु –बँधा होना; अलग रखना।
तअक़्क़ुब (تعقب) अ पु –पीछे जाना, पीछा करना।
तअक़्क़ुल (تعقل) अ पु –समझना,सोचना, विचार करना, ग़ौर करना।
तअक्कुल (تاکل) अ पु –खाना, खान।
तअख़्ख़ुर (تاخر) अ पु.–पीछे होना, देर होना।
तअज़्ज़ी (تاذی) अ स्त्री –कष्ट पाना, क्लेश पाना, खिन्न होना, मलिन होना।
तअज्जुब (تعجب) अ. पु –आश्चर्य, विस्मय, हैरत।
तअज्जुबअंगेज़ (تعجب انگیز) अ फा. वि –आश्चर्यजनक, अचंभे मे डालनेवाली बात।
तअज्जुबख़ेज़ (تعجب خیز) अ फा वि –दे 'तअज्जुब अगेज़'।
तअज्जुबनाक (تعجب ناک) अ फा वि –दे 'तअज्जुब अगेज़'।
तअज़्ज़ुम (تعظم) अ पु –पूज्य होना, बुज़ुर्ग होना।
तअज़्ज़ुर (تعذر) अ पु –काम मे अडचन पडना, बाधा, विघ्न, उज्र करना, विवशता प्रकट करना।
तअत्तुफ़ (تعطف) अ पु –कृपा, दया, अनुकम्पा, मेहरबानी।
तअत्तुर (تعطر) अ पु –सुगधित होना, महकना।
तअत्तुल (تعطل) अ पु –निठल्लापन, बेकारी, गत्यवरोध, डेडलाक।
तअत्तुश (تعطش) अ पु –पियासा होना, पियासा, प्यास।
तअद्दा (تعدا) अ पु –दे 'तअद्दी'।
तअद्दी (تعدی) अ स्त्री –अत्याचार, अनीति, जुल्म।
तअद्दुद (تعدد) अ पु –गिनना, गिनती करना, नियम या हिसाब से अधिक होना।
तअन्नी (تانی) अ स्त्री –विलम्ब, ढील, टाल मटोल।
तअन्नी (تعنی) अ स्त्री –दु खित होना, शोक करना।
तअन्नुत (تعنت) अ पु –निंदा, गर्हा, ऐबजोई।
तअन्नुद (تعند) अ पु –शत्रुता करना, लडाई ठानना, कलह, लडाई।
तअन्नुफ़ (تعنف) अ पु –निन्दा करना, सख्ती करना।
तअन्नुस (تانس) अ पु –प्रेम होना, मुहब्बत होना, आदत होना, टेव पडना।
तअफ़्फ़ुन (تعفن) अ पु –सडाँध, गदगी, दुर्गंध।
तअफ़्फ़ुफ़ (تعفف) अ पु –सयम, इद्रियनिग्रह, पारसाई।
तअब (تعب) अ पु –परिश्रम, मेहनत, दु ख, तकलीफ, क्लाति, थकावट।
तअब्बुद (تعبد) अ पु –उपासना करना, उपासना, पूजा।
तअम्मुक़ (تعمق) अ पु –किसी बात की तह तक पहुँचने के लिए चिन्तन करना।
तअम्मुल (تامل) अ पु –विचार, सोच, गौर, विलम्ब, ढील, वक्फ, शका, अदेशा, भ्रम, सदेह, शुबहा, सकोच, असमजस, पसोपेश।
तअम्मुल (تعمل) अ पु –कार्यान्वित होना, अमलीजामा पहनना, अमल मे आना।
तअय्युन (تعین) अ पु –निश्चय करना, ठहराना, एक मिक्दार मुकर्रर करना, नियुक्ति, तैनाती, अस्तित्व, हस्ती।

तअय्युनात (تعینات) अ पु –'तअय्युन' का बहु , हस्तियाँ।

तअय्युश (تعیش) अ पु –भोग-विलास, एशोइश्रत, गुलछर्रे उडाना, मज़े करना।

तअय्युशात (تعیشات) अ पु –'तअय्युश' का बहु , भोग-विलास, इंद्रियसुख।

तअर्री (تعری) अ स्त्री –नग्न होना, नगा होना।

तअर्रुज़ (تعرض) अ पु –सामने होना, घटित होना, रोक, विरोध।

तअर्रुफ़ (تعرف) अ पु –जान-पहचान, ढूंढना, पूछना।

तअल्ली (تعلی) अ पु –डीग, शेख़ी, अत्युक्ति, मुबाल्गा।

तअल्लुक़ा (تعلقہ) अ पु –भू-सम्पत्ति, जाइदाद, क्षेत्र, इलाक़ा, बडी ज़मीदारी, रियासत, सरकार की ओर से किसी पुरस्कार में मिली हुई रियासत।

तअल्लुक़ःदार (تعلقہدار) अ फा वि –जो बहुत बडी ज़मीदारी का स्वामी हो, जिसे पुरस्कार में भू-सम्पत्ति मिली हो।

तअल्लुक़ःदारी (تعلقہداری) अ फा स्त्री –तअल्लुक़ा का स्वामी होना, बहुत बडा ज़मीदार होना।

तअल्लुक़ (تعلق) अ पु –सम्बन्ध, संपर्क, लगाव, स्वजनता, रिश्तेदारी, प्रेम व्यवहार, उंस, सेवा, नौकरी, वास्ता, सम्बन्ध, पक्षपात, तरफ़दारी, नाजाइज़ संपर्क, आश्नाई।

तअल्लुक़ात (تعلقات) अ पु –'तअल्लुक़' का बहु , सम्बन्ध-समूह।

तअल्लुक़ेख़ातिर (تعلق خاطر) अ पु –दिली लगाव, चित्तासंग, प्रेम, स्नेह।

तअल्लुम (تالم) अ पु –पीडित होना दर्द से दुःखित होना, कष्ट होना, दुःख होना।

तअल्लुम (تعلم) अ पु –पढना, पठन, शिक्षा प्राप्त करना।

तअव्वुज़ (تعوذ) अ पु –पनाह लेना, शरण में आना, 'अऊज़ु बिल्लाह' कहना।

तअव्वुद (تعود) अ पु –अभ्यस्त होना, आदी होना।

तअश्शी (تعشی) अ स्त्री –शाम का खाना खाना।

तअश्शुक़ (تعشق) अ पु –आसक्त होना, मुग्ध होना, प्रेम, स्नेह।

तअश्शुफ़ (تعشف) अ पु –बेराह चलना, कुमार्ग गमन।

तअस्सुफ़ (تاسف) अ पु –पश्चात्ताप, संताप, अफ़्सोस।

तअस्सुफ़ (تعسف) अ पु –कुमार्ग पर चलना, पथ-भ्रष्ट होना।

तअस्सुब (تعصب) अ पु –धार्मिक पक्षपात, नस्ली और खानदानी पक्षपात, अनुचित पक्षपात, बेजा तरफ़दारी।

तअस्सुर (تاثر) अ पु –प्रभावित होना, असर लेना, प्रभाव, असर।

तअस्सुर (تعسر) अ पु –कठिन होना, मुश्किल होना, कठिनता, मुश्किल।

तअह्हुद (تعہد) अ पु –किसी काम का बीडा उठाना, प्रतिज्ञा करना, प्रतिज्ञा, संविदा, इक़रार, प्रतिभूति, ज़मानत।

तअह्हुल (تاہل) अ पु –घर बसाना, ब्याह करना, बाल-बच्चेदार होना।

तआक़ुद (تعاقد) अ पु –परस्पर प्रतिज्ञा करना, मिलकर किसी काम का वचन देना।

तआक़ुब (تعاقب) अ पु –एक का दूसरे के पीछे भागना, भागनेवाले को पकडने के लिए उसके पीछे जाना।

तआतुफ़ (تعاطف) अ पु –परस्पर कृपा करना, एक दूसरे पर मेहरबानी करना, कृपा, दया।

तआनुक़ (تعانق) अ पु –एक दूसरे से गरदन मिलाना, आलिंगन करना, आलिंगन, बग़लगीरी।

तआनुद (تعاند) अ पु –परस्पर शत्रुता रखना, शत्रुता, बैर।

तआमुल (تعامل) अ पु –आपस में मिलकर काम करना।

तआरुज़ (تعارض) अ पु –आमने-सामने होना, मुँह आना, बराबरी करना, हस्तक्षेप करना, विघ्न डालना, कलह, झगडा, वाद-विवाद, हुज्जत।

तआरुफ़ (تعارف) अ पु –एक दूसरे को पहचानना, परिचय, जान-पहचान।

तआला (تعالی) अ वि –श्रेष्ठ, महान्।

तआवुन (تعاون) अ पु –एक दूसरे की सहायता करना, सहयोग, मदद।

तआहुद (تعاهد) अ पु –परस्पर प्रतिज्ञा करना, प्रतिज्ञा, इक़रार।

तऐयुन (تعین) अ पु –दे 'तअय्युन'।

तऐयुनात (تعینات) अ पु –दे 'तअय्युनात'।

तऐयुनेवक़्त (تعین وقت) अ पु –समय निश्चित होना, वक़्त मुक़र्रर होना।

तऐयुश (تعیش) अ पु –दे 'तअय्युश'।

तऐयुशात (تعیشات) अ पु –भोग-विलास के सामान, भोग-विलास।

तक़त्तो' (تقطع) अ पु –टुकड-टुकडे करना, टुकडे-टुकडे होना।

तक़द्दुम (تقدم) अ पु –पहले होना, आगे होना, प्रधानता, तर्जीह।

तक़द्दुम बिज़्ज़मान (تقدم بالزمان) अ पु –पहले होने के कारण श्रेष्ठ और अग्रगण्य होना।

तकद्दुम बिश्शरफ (تقدم بالشرف) अ पु –श्रेष्ठता के कारण अग्रगण्य होना।

तकद्दुर (تکدر) अ पु –मैला होना, गँदला होना, मलिनता, गँदलापन, अप्रसन्नता, उदासी।

तकद्दुस (تقدس) अ पु –पवित्रता, पुनीतता, पाकीज़गी, महत्ता, श्रेष्ठता, बुजुर्गी।

तकद्दुसमआब (تقدس مآب) अ वि –अति श्रेष्ठ, अति महान्, बहुत बुजुर्ग, धर्मात्मा।

तकफ्फुल (تکفل) अ पु –किसी बात की जिम्मेदारी, जमानत, किसी के भरण-पोषण का भार, प्रतिभूति, ज़मानत।

तकब्बुर (تکبر) अ पु –अभिमान, अहकार, दर्प, गुरूर, अहवाद, अकड, शेख़ी।

तक़ब्बुल (تقبل) अ पु –स्वीकार करना, अगीकार करना, मजूर करना, स्वीकृति, मजूरी।

तकय्युद (تقید) अ पु –बदी होना, कैद होना, पाबन्दी, शर्त।

तकर्रुब (تقرب) अ पु –समीपता, निकटता, नजदीकी।

तकर्रुम (تکرم) अ पु –कृपा करना, दान करना, कृपा, दया, अनुकपा।

तकर्रुर (تقرر) अ पु –नियुक्ति, तैनाती, निश्चय, तऐयुन।

तक़र्रो (تقرع) अ पु –करवटे बदलना।

तकल्कुल (تقلقل) अ पु –व्याकुलता, बेचैनी, खेद, दु ख, उँडेलने मे सुराही का शब्द करना।

तकल्तू (تکلتو) तु पु –ज़ीन का नमदा, खोगीर, डाढी-मूँछे।

तक़ल्लुद (تقلد) अ पु –ज़िम्मेदार होना, अनुयायी होना।

तकल्लुफ (تکلف) अ पु –कष्ट सहन करना, तकलीफ उठाना, दिखावा, जाहिरदारी, टीम-टाम, ज़ाहिरी, सजावट, सकोच, पसोपेश, बनावट, शील-सकोच, लिहाज, लज्जा, शर्म, बेगानगी, परायापन।

तकल्लुफन (تکلفاً) अ वि –तकल्लुफ मे, तकल्लुफ के तौर पर।

तकल्लुफात (تکلفات) अ पु –'तकल्लुफ' का बहु, बहुत-से तकल्लुफ।

तकल्लुब (تقلب) अ पु –पलटना, उलटा हो जाना, परिवर्तन, रद्दोबदल।

तकल्लुम (تکلم) अ पु –बातचीत करना, बातचीत, वार्तालाप।

तकल्लुस (تکلس) अ पु –चूना बनाना।

तकव्वुन (تکون) अ पु –होना, उत्पन्न होना, सृजन, तख़्लीक।

तक़श्शुफ (تقشف) अ पु –मोटा-झोटा खाना पहनना, सन्यास, दरवेशी, खुरदरापन।

तकश्शुफ (تکشف) अ पु –नग्न होना, नगा होना।

तकश्शुफेजिल्द (تقشف جلد) अ पु –काम की अधिकता से खाल का मोटा और कडापन।

तकस्सुर (تکثر) अ पु –अधिकता, प्राचुर्य, बाहुल्य, कसरत।

तकस्सुर (تکسر) अ पु –टूटना, टुकडे होना।

तकस्सुल (تکسل) अ पु –आलस्य, काहिली, सुस्ती।

तकाउद (تقاعد) अ पु –काम छोड बैठना।

तकाजा (تقاضا) अ पु –दिये हुए रुपये या वस्तु की माँग, आवश्यकता, जरूरत, किसी काम के लिए किसी से बराबर कहना।

तकाजाए उम्र (تقاضائے عمر) अ पु –उम्र की माँग, उम्र के लिहाज से कोई काम करना या न करना।

तकाजाए वक्त (تقاضائے وقت) अ पु –समय की माँग, समय की आवश्यकता, किसी समय क्या करना है, यह माँग।

तकाजाए शदीद (تقاضائے شدید) अ पु –कडा तकाजा।

तकाजाए सिन (تقاضائے سن) अ पु –दे तकाजाए उम्र'।

तक़ातुर (تقاطر) अ पु –बूँद-बूँद टपकना, बूँदा-बाँदी होना।

तकातुल (تقاتل) अ पु –एक दूसरे का वध करना।

तकातो' (تقاطع) अ पु –एक दूसरे को लाँघना, एक रेखा का दूसरी रेखा को काटना।

तक़ादीर (تقادیر) अ पु –'तकदीर' का बहु, तकदीरे, भाग्य, ईश्वरेच्छाएँ।

तकादुम (تقادم) अ पु –कदीम होना, पुराना होना, पुरानापन।

तकान (تکان) फा स्त्री –झटकना, छोडना, हिलाना, थकावट, थकन।

तकाफी (تکافی) अ स्त्री –दे 'तकाफू'।

तकाफू (تکافو) अ पु –परस्पर बराबर होना, सहगोत्र होना।

तकाबुल (تقابل) अ पु -एक दूसरे के आमने-सामने होना।

तकामुल (تکامل) अ पु –पूरा होना, पूर्ण होना।

तकारीर (تقاریر) अ पु –'तक़रीर' का बहु, तक़रीरे।

तकारुब (تقارب) अ पु –परस्पर समीप होना, समीपता, नज़दीकी।

तकारुम (تکارم) अ पु –परस्पर बख़्शिश करना।

तकालीफ (تکالیف) अ पु –'तक्लीफ' का बहु, तक्लीफे।

तक़ालीब (تقالیب) अ पु –'तक्लीब' का बहु, दिनो के फेर, काल के चक्र।

तक़ावी (تقاوی) अ स्त्री—शक्ति देना, बली बनाना, वह सरकारी कर्ज़ा जो किसानो को ज़मीन की दशा सुधारने और अच्छे बैल और बीज आदि के लिए दिया जाता है।

तक़ावीम (تقاویم) अ पु—'तक्वीम' का बहु, जतरियाँ।

तक़ावुम (تقاوم) अ पु—एक दूसरे के बराबर खडा होना।

तक़ावुल (تقاول) अ पु—परस्पर वचन देना, परस्पर वार्तालाप करना।

तकासुफ (تکاثف) अ पु—दलदार होना, मोटा होना; एकत्र होना, खट्टा होना।

तक़ासुम (تقاسم) अ पु—परस्पर शपथ लेना, परस्पर बाँटना।

तकासुर (تکاثر) अ पु—प्रचुर होना, बहुतात होना, प्रचुरता, बहुतात।

तकासुल (تکاسل) अ पु—अपने को काहिल और सुस्त दिखाना।

तकाहुल (تکاہل) अ पु—अपने को काहिल दिखाना।

तक़ी (تقی) अ वि—सयमी, इद्रियनिग्रही।

तक़ीयः (تقیہ) अ पु—कोई बात जो भय से की या कही जाय यद्यपि उसके कहने या करने को जी न चाहता हो। (स्त्री) साध्वी, तपस्विनी।

तक़ैयुद (تقید) अ पु—दे 'तकय्युद'।

तक़ईद (تقئید) अ स्त्री—कैद करना, बदी बनाना, रोक लगाना।

तक़्क़ार (تقار) अ पु—बहुत बोलनेवाला, बहुभाषी, बहुत अच्छा भाषण देनेवाला, भाषण-पटु।

तक्ज़ीब (تکذیب) अ स्त्री—किसी की बात का खडन करना, किसी की बात को झुठलाना।

तक्तीअ (تقطیع) अ स्त्री—टुकडे-टुकडे करना, पुस्तक की लम्बाई-चौडाई, पद्य के किसी चरण के अक्षरो को गणो की मात्राओ के मुकाबले में रखकर यह देखना कि अमुक पद शुद्ध है या नही, किसी वस्तु को टुकडो मे बाँटना।

तक़्तीर (تقطیر) अ पु—बूँद-बूँद करके टपकाना, अरक़ खीचना।

तक्दिमः (تقدمہ) अ पु—सामने करना, सामने होना, स्वागत, नेता; साई, पेशगी रकम।

तक्दीम (تقدیم) अ स्त्री—आगे करना तर्जीह देना, प्रधानता, तर्जीह।

तक्दीर (تقدیر) अ स्त्री—भाग्य, प्रारब्ध, अदृश्य, अदृष्ट, दैव, किस्मत।

तक्दीर आज़्माई (تقدیرآزمائی) अ फा स्त्री—भाग्य-परीक्षा, किस्मत का इम्तिहान।

तक्दीस (تقدیس) अ स्त्री—पुनीतता, पवित्रता, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

तक्फ़ीन (تکفین) अ स्त्री—मुर्दे को कफन पहनाना, यह शब्द अकेला नही बोला जाता 'तज्हीज़' के साथ बोलते हैं।

तक्फ़ीर (تکفیر) अ स्त्री—मुसलमान पर कुफ़्र का फत्वा लगाना, प्रायश्चित्त देना, कफ्फारा देना।

तक्फ़ील (تقفیل) अ स्त्री—ताला लगाना, ताले में बद करना, कुफ़्ल देना।

तक्बीर (تکبیر) अ स्त्री—'अल्लाहो अक्बर' (ईश्वर सबसे बडा है) कहना, नमाज़ मे झुकने, खडे होने अथवा बैठने के लिए 'अल्लाहो अक्बर' कहना।

तक्बील (تقبیل) अ स्त्री—चुम्बन, चूमना, (किसी पदार्थ को चूमना, मनुष्य को नही)।

तक्बीह (تقبیح) अ स्त्री—बुराई करना, बुरा काम करना।

तक्मिलः (تکملہ) अ पु—पूर्ति, समाप्ति, किसी काम की पूर्ति में कोई कसर न रहना, परिशिष्ट, ज़मीमा।

तक्मीद (تکمید) अ स्त्री—पोटली मे दवा भरकर उससे अग विशेष को सेंकना।

तक्मील (تکمیل) अ स्त्री—पूर्ति, समाप्ति, किसी काम की पूर्ति में कोई कसर न रहना।

तक्यः (تکیہ) अ पु—सिर के नीचे रखने का नर्म और गुदगदा वस्त्र, उपधान, पीठ से लगाने का बडा वस्त्र, मस्नद; मुसलमानो के मुर्दे दफ्न होने का स्थान, कब्रिस्तान।

तक्यः कलाम (تکیہ کلام) अ पु—वह बात जो कोई व्यक्ति बातो के बीच में बेज़रूरत बार-बार बोलता है।

तक्रार (تکرار) अ स्त्री—वाद-विवाद, बहस, वाक्कलह, कहा-सुनी, पुनरावृत्ति, दुहराना, कही हुई बात को बार-बार कहना।

तक़्रीअ (تقریع) अ स्त्री—निंदा करना, मलामत करना।

तक़्रीज़ (تقریظ) अ स्त्री—जीवित व्यक्ति की प्रशसा, आलोचना, समालोचना, तब्सिर।

तक़्रीज़ (تقریض) अ स्त्री—दे 'तक़्रीज़'।

तक़्रीज़निगार (تقریظ نگار) अ फा वि—आलोचना लिखने-वाला, आलोचक।

तक़्रीब (تقریب) अ स्त्री—समीप आना, कारण, हेतु, सबब, उत्सव, शादी आदि, किसी व्यक्ति से मुलाकात कराने से पहले उसके सम्बन्ध में कुछ कहना, अवसर, मौक़ा, साधन, ज़रीया।

तक़्रीबन (تقریباً) अ वि—प्राय, अमूमन, बहुधा, अक्सर; अनुमानत, अदाज़न।

तक्रीबात (تقریبات) अ स्त्री –'तक्रीब' का बहु , शादियाँ, उत्सव।

तक्रीम (تکریم) अ स्त्री –आदर, सत्कार, इज्जत, आव-भगत, तवाज़ो'।

तक़रीर (تقریر) अ स्त्री –वार्तालाप, बातचीत, भाषण, वक्तव्य, बयान, वाद-विवाद, हुज्जत।

तक्रीर (تکریر) अ स्त्री –बार-बार करना, दुहराना।

तक्रीह (تکریہ) अ स्त्री –घृणा करना, नफ़रत करना, शत्रु बनाना, अप्रसन्न रखना।

तक्लीद (تقلید) अ स्त्री –अनुसरण, अनुकरण, अनुयाय, पैरवी, देखा-देखी कोई काम करना।

तक्लीफ (تکلیف) अ स्त्री –दुःख, कष्ट, पीडा, व्यथा, दर्द, खेद, शोक, रंज, आमय, रोग, मर्ज़, मनोव्यथा, रूही कुल्फत, आपत्ति, मुसीबत, निर्धनता, मुफ्लिसी।

तक्लीफदिही (تکلیف دہی) अ फा स्त्री –कष्ट देना, ज़हमत देना, दुःख देना, रंज पहुँचाना।

तक्लीफदेह (تکلیف دہ) अ फा स्त्री –दुःखदायी, रंज पहुँचानेवाला।

तक्लीफफर्मा (تکلیف فرما) अ फा वि –कष्ट उठानेवाला, (किसी के काम के लिए), आनेवाला, पधारनेवाला।

तक्लीफ फर्माई (تکلیف فرمائی) अ फा स्त्री –किसी के काम के लिए कष्ट उठाना, पधारना, आना।

तक्लीफे नज़्अ (تکلیف نزع) अ स्त्री –मरते समय का कष्ट, चंद्रा, यमयातना।

तक्लीफे मालायुताक़ (تکلیف مالایطاق) अ स्त्री –वह परिश्रम जो सहन न हो सके।

तक्लीब (تقلیب) अ स्त्री –उलट देना, उलटा कर देना, उलट-पलट, परिवर्तन।

तक़्लीम (تقلیم) अ स्त्री –नख काटना, नाख़ून तराशना, काटना, विच्छिन्न करना।

तक्लीम (تکلیم) अ स्त्री –घायल करना, ज़ख्मी करना, बात करना, वार्तालाप करना।

तक़्लील (تقلیل) अ स्त्री –कम करना, कमी करना, न्यूनता, कमी।

तक्लीलेगिज़ा (تقلیل غذا) अ स्त्री –कम खाना, मिताहार।

तक़्वा (تقوا) अ पु –संयम, इंद्रियनिग्रह, परहेज़गारी।

तक्वाशिआर (تقوی شعار) अ वि –संयमी, इंद्रियनिग्रही, जितेंद्रिय।

तक्वाशिकन (تقوی شکن) अ फा वि –जो संयम को भंग कर दे (रूप आदि)।

तक़्वियत (تقویت) अ स्त्री –बल, शक्ति, ज़ोर, सान्त्वना, ढारस, तसल्ली, सहायता, मदद, आश्रय, सहारा, पृष्ठ-पोषण, पुश्तपनाही।

तक्वीन (تکوین) अ स्त्री –सृजन, तख़्लीक, उत्पत्ति, पैदाइश।

तक्वीम (تقویم) अ स्त्री –सीधा करना, मूल निश्चित करना, पत्रा, पंचांग, जंतरी।

तक्वीमुलबुल्दान (تقویم البلدان) अ स्त्री –भूगोल, जुग्राफ़िया।

तक्वीमे पारीन (تقویم دارینہ) अ फा स्त्री –पुरानी जंतरी, जो बेकार हो जाती है, बेकार वस्तु।

तक्शीर (تقشیر) अ स्त्री –छिलके उतारना।

तक्सीत (تقسیط) अ स्त्री –किस्तबंदी करना।

तक्सीम (تقسیم) अ स्त्री –बँटवारा, विभाजन, हिस्सा आदि बाँटना, बाँट, बड़ी संख्या में छोटी संख्या से विभाजन, भाग, विभाजन।

तक़्सीमेकार (تقسیم کار) अ फा स्त्री –हर एक को अलग-अलग काम या ड्यूटी का बँटवारा।

तक्सीमेमुल्क (تقسیم ملک) अ स्त्री –देश का बँटवारा, देश-विभाजन।

तक्सीमेवतन (تقسیم وطن) अ स्त्री –देश या राष्ट्र का बँट-वारा, राष्ट्र-विभाजन, देश-विभाजन।

तक्सीमेहिसस (تقسیم حصص) अ स्त्री –दाम का बँटवारा, अंशीकरण, नफे के हिस्सों का बँटवारा।

तक्सीर (تقصیر) अ स्त्री –दोष, अपराध, क़ुसूर, न्यूनता, कमी, त्रुटि, भूल, कर्तव्य में कमी।

तक्सीर (تکسیر) अ स्त्री –तोडना, टुकडे करना, किसी तावीज़, यंत्र या चक्र में संख्याएँ इस प्रकार भरना कि हर ओर से जोड बराबर आये।

तक्सीर (تکثیر) अ स्त्री –बढाना, अधिक करना, प्रचुरता, अधिकता, बढोत्तरी, बहुतायत।

तक्सीरवार (تقصیروار) अ फा वि –दोषी, अपराधी, कुसूरवार, पापी, गुनाहगार।

तख़त्ती (تخطی) अ स्त्री –दोषारोपण, इल्ज़ाम लगाना।

तख़ब्बुत (تخبط) अ पु –कुमार्ग पर चलना, प्रेत का सिर चढ कर पागल कर देना।

तख़य्युल (تخیل) अ पु –सोचना, विचारना, ख़याल करना, कल्पना करना, उडान भरना, कविता के लिए मज़्मून तलाश करना, कल्पना, उड़ान, भ्रम, वहम, ध्यान, ख़याल।

तख़य्युलात (تخیلات) अ पु –'तख़य्युल' का बहु , कल्पनाएँ, ख़यालात, भ्रमजाल, वाहिमे।

तख़र्रुक़ (تخرق) अ पु —फटना, फटा होना, झूठ बोलना।
तख़ल्ख़ुल (تخلخل) अ पु —बिखर जाना।
तख़ल्लुक़ (تخلق) अ पु —स्वभाव बनाना, आदत डालना, सुशील होना।
तख़ल्लुफ़ (تخلف) अ पु —प्रतिज्ञा भग करना, पीछे रहना।
तख़ल्लुस (تخلص) अ पु —शाइर या कवि का वह नाम जो वह अपनी कविता मे लिखता है, उपनाम।
तख़श्शी (تخشی) अ स्त्री —डरना, भयभीत होना, डराना, त्रासन।
तख़श्शो (تخشع) अ पु —नम्रता, विनीत, आजिजी, ख़ाकसारी।
तख़ारुज (تخارج) अ पु —बँटना तक्सीम होना।
तख़ालुज (تخالج) अ पु —हृदय मे भ्रम होना, शका होना, शक होना।
तख़ालुफ़ (تخالف) अ पु —शत्रुता, बैर, प्रतिकूलता, मुख़ालफत, परिवर्तन, उलट-पलट।
तख़ावुफ़ (تخاوف) अ पु —एक दूसरे से डरना।
तख़ासुम (تخاصم) अ पु —परस्पर शत्रुता करना।
तख़ैयुल (تخیل) अ पु —दे 'तख़य्युल'।
तख़ैयुलात (تخیلات) अ पु —दे 'तख़य्युलात'।
तख़ईल (تخئیل) अ. स्त्री —किसी को घ्यान मे लाना, घ्यान करना, घ्यान, ख़याल, कल्पनाशक्ति, कुव्वते फ़िक्र।
तख़्त (تختہ) फा पु —लकडी का लम्बा, चौडा और थोडा मोटा टुकडा, जहाज के फर्श का हर टुकडा जो लकडी का हो, कागज का एक शीट, वह लकडी का पटरा जिस पर मुर्दा नहलाया जाता है, जमीन का साफ और हमवार टुकडा, बाग का कता', खेत आदि की कियारी।
तख़्त (تخت) फा पु —बडी चौकी, बादशाह या राजा के बैठने की चौकी, राज्य, राष्ट्र, हुकूमत, पलग, चारपाई, जीन (वि) बडा, ज्येष्ठ, कलाँ।
तख़्त बद (تختہ بند) फा वि —बदी, कैदी, कैद, कारावास, लकडी की वह खपची जो टूटी हड्डी को जोडने के लिए बाँधी जाती है।
तख़्त बदी (تختہ بندی) फा स्त्री —दीवारो को अदर से तख्ते जडवाकर सुरक्षित करना, बाग की कियारियो आदि को ढग से सजाना।
तख़्तए कागज (تختۂ کاغذ) फा अ पु —कागज का ताव, शीट।
तख़्तए ताबूत (تختۂ تابوت) फा अ पु —वह सदूक या पलग जिसमे मुर्दे को ले जाते है।
तख़्तए तालीम (تختۂ تعلیم) फा अ पु —वह काला पटरा जिस पर बच्चो को अक्षर और गिनती सिखाते है, शिक्षा-पटल, ब्लैक बोर्ड।
तख़्तए नर्द (تختۂ نرد) फा पु —चौसर खेलने का तख्ता।
तख़्तए मय्यित (تختۂ میت) फा अ पु —मुर्दे को नहलाने का तख्ता।
तख़्तए मश्क़ (تختۂ مشق) फा अ पु —बच्चो की तख्ती, वह चीज जो बहुत प्रयुक्त हो।
तख़्तए मीना (تختۂ مینا) फा पु —आकाश, आस्मान।
तख़्तए मुसत्तह (تختۂ مسطح) फा अ पु —एक प्रकार की मेज जो पैमाइश मे काम देती है।
तख़्तए याददाश्त (تختۂ یادداشت) फा पु —वह कागज का तख्ता जिसमे याददाश्त के लिए आवश्यक बाते नोट रहती है, स्मृतिपट।
तख़्तगाह (تختگاہ) फा स्त्री —राजधानी, राजकेंद्र, दारुस्सरतनत।
तख़्तनशीं (تخت نشیں) फा वि —तख्त पर बैठनेवाला, बादशाह, राजा, शासक।
तख़्तनशीनी (تخت نشینی) फा स्त्री —तख्त पर बैठना, बादशाह बनना, तख्त पर बैठने की रस्म, ताजपोशी, अभिषेक, राज्याभिषेक, अपने शासक होने की घोषणा।
तख़्तिय (تخطیہ) अ पु —किसी के काम की गलती पकडना।
तख़्ती (تختی) फा स्त्री —बच्चो के लिखने का लकडी का छोटा तख्ता, पाटी, लकडी का बहुत छोटा तख्ता जो गले आदि मे डाला जाता है।
तख़्तेआबनूसी (تخت آبنوسی) फा पु —रात्रि, रात।
तख़्तेख़्वाब (تخت خواب) फा पु —पलग, चारपाई।
तख़्तेताऊस (تخت طاؤس) फा पु —शाहजहाँ का बनवाया हुआ सिहासन जिस पर एक रत्नजटित मोर पर फैलाये बादशाह के सर पर छाया किये था, नादिरशाह इस तख्त को ईरान ले गया।
तख़्तेरवाँ (تخت رواں) फा पु —वह तख्त जो कहारो के द्वारा कधो पर चलता है और जिस पर बादशाह सैर को जाता है।
तख़्तेशाही (تخت شاہی) फा पु —राजसिहासन, बादशाह के बैठने का तख्त।
तख़्तेसुलैमानी (تخت سلیمانی) फा अ पु —वह तख्त जिस पर बैठकर हजरत सुलेमान उडा करते थे।
तख़्तोताज (تخت وتاج) फा पु —शासनसूत्र, राज्यभार, हुकूमत का इतिजाम।

तख्वीर (تخدیر) अ स्त्री –शरीर के किसी अंग को दवाओ के द्वारा सुन्न कर देना, स्त्री को पर्दे में बिठाना।

तख्फीफ (تخفیف) अ स्त्री –न्यूनीकरण, कमी करना, हलकापन, कमी।

तख्मीन' (تخمینہ) अ पु –अनुमान, अटकल, अदाजा, विचार, क़ियास।

तख्मीन (تخمین) अ स्त्री –अनुमान करना, अदाजा लगाना।

तख्मीनन (تخمیناً) अ वि –अदाजन, अनुमानत, कम से कम, या जियादा से जियादा।

तख्मीर (تخمیر) अ स्त्री –खमीर उठाना, आटे मे नमक और सोडा मिलाकर रखना, दवाओ मे रस या पानी आदि डालकर धूप मे रखना या जमीन मे गाडना।

तख्मीस (تخمیس) अ स्त्री –पाँच करना, पाँच बनाना, उर्दू शाइरी की परिभाषा मे, शे'र के दो मिस्रो मे तीन मिस्रे और जोडकर पाँच कर देना, खम्स, वह शे'र अपना हो या किसी और का, प्राय खम्स, एक शे'रका नही होता बल्कि पूरी गजल का होता है।

तख्रीज (تخرجہ) अ पु –निकालना, खारिज करना, निष्कासन, उर्दू काव्य-परिभाषा मे किसी तारीखी मिस्रे मे से कोई सख्या कम करना, ताकि मिस्रे से ठीक साल निकल सके।

तख्रीब (تخریب) अ स्त्री –तामीर का उलटा, विनष्ट करना, बरबाद करना, ध्वस्त करना, मुँहदिम करना, किसी काम को बिगाडना, विनाश, बरबादी, विध्वस, तबाही, बिगाड, खराबी।

तख्लिय॰ (تخلیہ) अ पु –खाली करना, खाली कराना, एकान्त, खल्वत।

तख्लीक (تخلیق) अ स्त्री –उत्पत्ति करना, सृजन, पैदा करना।

तख्लीत (تخلیط) अ स्त्री –गडबड करना, गडमड करना, खल्तमल्त करना, मिलाना, किसी मूल ग्रथ मे कुछ इधर-उधर का जोड देना, सच्ची बात मे अपनी ओर से कुछ झूठ मिला देना।

तख्वीफ (تخویف) अ स्त्री –त्रासन, त्रासना, डराना, धमकी देना, आतक दिखाना।

तख्वीफे मुज्रिमान॰ (تخویف مجرمانہ) अ स्त्री –अवैध त्रास, नाजाइज धमकी देकर कुछ प्राप्त करने की कोशिश।

तख्सीस (تخصیص) अ स्त्री –विशेषता, मुख्यता, खुसूसियत।

तख्सीसी (تخصیصی) अ वि –खुसूसियत का, विशेष रूप से।

तग (تگ) फा स्त्री –दौड, भाग, प्रयत्न, कोशिश, उर्दू मे अकेला नही आता दूसरे शब्द से मिलकर आता है, जैसे–'तगोदौ'।

तग़ज्जी (تغذی) अ स्त्री –खाना खाना, सवेरे का खाना खाना।

तग़ज्जुल (تغزل) अ पु –गजल का रग, गजलीयत।

तग़न्नी (تغنی) अ स्त्री –गाना, अलापना, नि स्पृह होना, बेनियाजी।

तग़य्युर (تغیر) अ पु –बदलना, पलटना, परिवर्तन होना; परिवर्तन, तब्दीली, विकार, खराबी, रूप, गध या दशा का बदल जाना, क्रान्ति, इन्क़िलाब।

तग़य्युरपसद (تغیرپسند) अ फा वि –जो परिवर्तन को पसद करता हो, परिवर्तनप्रिय।

तग़य्युरात (تغیرات) अ पु –'तगय्युर' का बहु, परिवर्तन, तब्दीलियाँ, दुर्घटनाएँ, कालचक्र।

तगर्ग (تگرگ) फा पु –ओला, घनोपल, मरुत्फल, वार्षिला, मेघपुष्प, करका।

तगल (تگل) फा पु –सेना, फौज।

तग़ल्लुब (تغلب) अ पु –गबन, खुर्दबुर्द, अपहरण, छल-हरण, मोषण, खियानत।

तग़श्शी (تغشی) अ स्त्री –छिपाना, गोपन, पहनना, ओढना।

तगापो (تگاپو) फा स्त्री –पराक्रम, दौड-धूप, प्रयत्न, कोशिश, तलाश, खोज, चिन्ता, फ़िक्र।

तग़ाफ़ुल (تغافل) अ पु –उपेक्षा, बेतवज्जुही, "क्यो तगाफुल मुझ से अय अब्रे करम बहरे सखा—मैं ही क्यो महरूम तेरे फैजे आलमगीर से।" असावधानी, गफलत, ढील, विलब, देर।

तग़ाफ़ुलआश्ना (تغافل آشنا) अ फा वि –जान-बूझकर बेपरवाही बरतनेवाला, ढील डालनेवाला, बेपरवा माशूक।

तग़ाफ़ुलकेश (تغافل کیش) अ फा वि –दे 'तगाफुल आश्ना, "अय निगाहे नाज तेरी यह तगाफुल केशियाँ? लुत्फे-तनहाई मुझे हासिल तेरी महफिल में है।"

तग़ाफ़ुल दस्तगाह (تغافل دستگاہ) अ फा वि –दे 'तगा-फुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलदोस्त (تغافل دوست) अ फा वि –दे 'तगा-फुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलदोस्ती (تغافل دوستی) अ फा स्त्री –जान-बूझकर बेपरवाही बरतना, देर लगाना।

तग़ाफ़ुलपसंद (تغافل پسند) अ फा वि –दे 'तगाफुल-आश्ना'।

तग़ाफ़ुलपसंदी (تغافل پسندی) अ फ़ा स्त्री.—दे 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।

तग़ाफ़ुलपेशः (تغافل پیشہ) अ फ़ा वि—दे 'तग़ाफ़ुल आश्ना'।

तग़ाफ़ुलपेशगी (تغافل پیشگی) अ फ़ा स्त्री—दे 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।

तग़ाफ़ुलमनिश (تغافل منش) अ फ़ा वि.—दे. 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलमनिशी (تغافل منشی) अ फ़ा स्त्री—दे 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।

तग़ाफ़ुलशिआर (تغافل شعار) अ वि—दे 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलशिआरी (تغافل شعاری) अ स्त्री—दे 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।

तग़ाफ़ुलशेवः (تغافل شیوہ) अ फ़ा वि—दे 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलशेवगी (تغافل شیوگی) अ फ़ा स्त्री—दे 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।

तग़ाबुन (تغابن) अ पु—एक दूसरे को घाटा पहुँचाना, टोटा, घाटा।

तगामशी (تگامشی) फ़ा. स्त्री—दौड़-धूप, तगापो, परिश्रम, प्रयास जाँफ़िशानी।

तग़ायुर (تغایر) अ पु—परस्पर एक दूसरे से विपरीत होना, विभिन्नता, इख़्तिलाफ़।

तग़ार (تغار) फ़ा पु—बड़ा तसला, गारे का कुंड, मिट्टी की नाँद।

तग़ीर (تغیر) अ स्त्री—दे 'तग़ईर'।

तग़ैयुर (تغیر) अ पु—दे 'तग़य्युर', परिवर्तन, क्रान्ति।

तग़ैयुरात (تغیرات) अ पु—दे 'तग़य्युरात'।

तगोताज़ (تگ وتاز) फ़ा स्त्री—दे 'तगापो'।

तगोदौ (تگ ودو) फ़ा स्त्री—दे 'तगापो'।

तग़ईर (تغییر) अ स्त्री—बदलना, कुछ का कुछ कर देना, परिवर्तन, तब्दीली।

तग़्ज़िय (تغذیہ) अ पु—खाना देना, अन्न देना, परवरिश करना, विकास देना।

तग़्फ़ील (تغفیل) अ स्त्री—भूलचूक करना, ग़फ़लत करना।

तग़्मीज़ (تغمیض) अ स्त्री—आँखें बन्द करना।

तग़्रीक़ (تغریق) अ स्त्री—डुबोना, ग़र्क़ करना।

तग़्रीब (تغریب) अ स्त्री—देश निकाला देना, जलावतन करना।

तग़्रीम (تغریم) अ स्त्री—तावान लेना, हर्जा वसूल करना।

तग़्लीक़ (تعلیق) अ स्त्री—बाँधना, लपेटना।

तग़्लीज़ (تغلیظ) अ स्त्री—गाढ़ा करना, सख़्ती करना।

तग़्लीत (تغلیط) अ स्त्री—ग़लती में डालना, भुला देना।

तग़्लील (تغلیل) अ स्त्री—सुगंधित करना, ख़ुशबू में बसाना।

तज़क्की (تزکی) अ स्त्री—पाक करना, पवित्र करना; माल में से ज़कात देना।

तज़क्कुर (تذکر) अ पु—स्मरण करना, याद करना, स्मरण होना, याद आना।

तजज़्ज़ी (تجزی) अ स्त्री—टुकड़े-टुकड़े होना।

तज़ब्ज़ुब (تذبذب) अ पु—असमंजस, ऊहापोह, दुबिधा, संदेह, शंका, शक।

तज़म्मुन (تضمن) अ पु—स्वीकार करना, अंतर्गत करना, या होना।

तजम्मुल (تجمل) अ पु—सौन्दर्य, हुस्न, वैभव, शानोशौकत, धन-संपत्ति, शृंगार और आभूषणादि से शरीर की सजावट।

तज़य्युन (تزین) अ पु—सुसज्जित होना, शृंगारित होना; शोभित होना, शृंगार, सजावट, शोभा।

तजर्रुद (تجرد) अ पु—अकेलापन, तनहाई, स्त्री के बिना जीवन व्यतीत करना, सन्यास, वैराग्य, दरवेशी, संसार से विरक्ति, निस्पृहता, नग्नता, नंगापन।

तज़र्रुर (تضرر) अ पु—हानि उठाना, नुकसान पाना, दुःखित होना, रंजूर होना।

तजर्रो' (تجرع) अ पु—घूँट-घूँट करके पीना।

तज़र्रो' (تضرع) अ पु—गिड़गिड़ाहट, मिन्नत, ख़ुशामद।

तज़र्व (تذرو) फ़ा पु—एक प्रसिद्ध चिड़िया, चकोर।

तज़ल्ज़ुल (تزلزل) अ पु—कंपन, हिलना-डोलना, भूकंप, जल्ज़ला, हलचल, खलबली, सनसनी, क्रान्ति, इन्क़िलाब, अस्थिरता, डगमगाहट।

तजल्लियात (تجلیات) अ स्त्री—तजल्ली का बहु, प्रकाश-समूह, रौशनियाँ।

तजल्ली (تجلی) अ स्त्री—प्रकाश, आभा, नूर; तेज, प्रताप, जलाल, अध्यात्मज्योति, नूरेहक़।

तजल्लीख़ेज़ (تجلی خیز) अ फ़ा वि—दे 'तजल्लीरेज़'।

तजल्लीगाह (تجلی گاہ) अ फ़ा स्त्री—रौशनी और प्रकाश का स्थान, सुन्दरियों का स्थान।

तजल्लीज़ार (تجلی زار) अ फ़ा पु—वह स्थान जहाँ प्रकाश ही प्रकाश हो, जहाँ सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो।

तजल्लीरेज़ (تجلی ریز) अ फ़ा वि—प्रकाश फैलानेवाला, रौशनी बरसानेवाला।

तज़ल्लुम (تظلم) अ पु—किसी के अत्याचार पर दुहाई देना और विलाप करना।

तज़ल्लुल (تزلزل) अ पु –लड़खड़ाहट, लग्ज़िश।

तज़व्वुज (تزوج) अ पु –ब्याह करना, बीवी बनाना, पति बनाना, 'तज़व्वुद' (अ) भी शुद्ध है।

तजस्सुस (تجسس) अ पु –जिज्ञासा, पूँछताछ, गवेषणा, मार्गण, तलाश, खोज, दौड़-धूप, प्रयास।

तजस्सुसकुनाँ (تجسس کناں) अ फा. वि –खोज करता हुआ, ढूँढता हुआ, पूछताछ करता हुआ।

तज़ाउफ़ (تضاعف) अ पु –दूना होना, दुगुना होना।

तज़ाद (تضاد) अ पु –एक दूसरे के विरुद्ध होना; एक दूसरे का शत्रु होना, विरोध, प्रतिकूलता, इख्तिलाफ; शत्रुता, रिपुता, दुश्मनी।

तज़हहुद (تزهد) अ पु –ज़ाहिद बनना, आबिद बनना, जगत् से विरक्त होना, 'जुह्द' से बना।

तज़ायुक़ (تضايق) अ पु –तग होना।

तज़ायुद (تزايد) अ पु –अधिक होना, ज़ियादा होना; अधिकता, बहुतायत से बना।

तजारिब (تجارب) अ पु –'तज्रिब' का बहु, तज्रिबे, 'तजुर्बा' भी प्रचलित है।

तजावुज़ (تجاوز) अ पु –अपनी हद से बढ जाना, सीमोल्लघन, अपने इख्तियार से बाहर कोई काम करना, अवज्ञा, हुक्मउदूली; धृष्टता, गुस्ताखी।

तजाहुल (تجاهل) अ पु –जान-बूझकर अनजान बनना, बेखबर और अनजान होना, उपेक्षा, लापरवाही।

तजाहुले आरिफ़ानः (تجاهل عارفانہ) अ पु –जानते हुए यह ज़ाहिर करना कि जानते नही, जान-बूझकर अनजान बनना।

तज़ीअ (تضييع) अ. स्त्री –व्यर्थ खोना, बरबाद करना।

तज़ीए औक़ात (تضييع اوقات) अ स्त्री –समय का व्यर्थ नष्ट करना।

तज़ईन (تزئين) अ स्त्री –अपने को बनाना, सँवारना, शृगार, सज्जा, बनाव, सिंगार।

तज़ईफ (تضعيف) अ स्त्री –दूना करना, निर्बल करना।

तज़्कार (تذكار) अ पु –चर्चा करना, ज़िक्र करना, स्मृति, यादगार, चर्चा, ज़िक्र।

तज़्किय. (تزكيه) अ पु –शुद्ध करना, पवित्र करना, माल की ज़कात देना, शुद्धि, सफाई।

तज़्किरः (تذكره) अ पु –चर्चा, ज़िक्र, वार्तालाप, बातचीत, ख्याति, शुहरत, परिपत्र, पासपोर्ट, प्रसग, सिलसिला।

तज़्कीर (تذكير) अ स्त्री –पुल्लिग बनाना, याद दिलाना; पुल्लिग।

तज़्कीरो तानीस (تذكيروتانيث) अ स्त्री –पुल्लिग और स्त्रीलिग, याद करना और उन्स (प्रेम) करना।

तज्ज़ियः (تجزيه) अ पु –अलग-अलग करना, टुकडे-टुकडे करना; किसी पदार्थ के सारे अवयव अलग-अलग करके उनकी जाँच करना।

तज्दीद (تجديد) अ स्त्री –नवीनीकरण, नया बनाना; नवीनता, नयापन।

तज्दीदेअह्द (تجديدعهد) अ. स्त्री –प्रतिज्ञा भंग हो जाने पर फिर से प्रतिज्ञा करना, नये सिरे से दुबारा वादा करना, नव्य प्रतिज्ञा।

तज्दीदे मुलाक़ात (تجديدملاقات) अ स्त्री –मुलाकात को बहुत दिन हो जाने पर फिर से मुलाकात करना।

तजनीस (تجنيس) अ स्त्री –एकलिंगता, एक जिस होना; एकरूपता, हमशक्ली, एक शब्दालकार, जिसमे किसी शे'र में एक-जैसे शब्द लाये जाते है, यमक।

तज्फ़ीफ (تجفيف) अ स्त्री –सुखाना, खुश्क करना।

तज़्मीद (تضميد) अ स्त्री –किसी अग विशेष पर दवा का लेप करना; लेप, प्रलेप, ज़िमाद।

तज़्मीन (تضمين) अ पु –किसी को ज़ामिन बनाना; किसी को अपनी पनाह में लेना, किसी के शे'र या मिस्रे को अपने शेरो में प्रयोग करना, खम्स करना, दो मिस्रो पर तीन मिस्रे और लगाना।

तज्रिबः (تجربه) अ पु –परीक्षा, जाँच, अनुभव, जानकारी, किसी विषय या कार्य के सारे ऊँच-नीच या अच्छे-बुरे की खबर, 'तज्रुबा' और 'तज्रबा' दोनो ही प्रचलित है।

तज्रिबःकार (تجربہ کار) अ फा वि –जिसे किसी काम का काफी तज्रिबा हो, अनुभवी, जिसे सासारिक व्यवहार का अनुभव काफी हो, बहुदर्शी।

तज्रीद (تجريد) अ स्त्री –किसी चीज़ पर से उसका सामान उतारकर उसे अपनी असली दशा में कर देना, नगा कर देना; सँवारना, सजाना, (काट छाँटकर), सुधार करना, दुरुस्ती करना, अकेला जीवन व्यतीत करना, ब्रह्मचर्य।

तज़्लील (تذليل) अ स्त्री –अपमान, तिरस्कार, बेइज़्ज़ती, 'ज़िल्लत' से बना।

तज्वीज़ (تجويز) अ स्त्री –विचार, खयाल, मति, सलाह, राय, प्रबध, इतिजाम, योजना, मसूबा, प्रयत्न, उपाय, कोशिश, निर्णय, फैसला, रिज़ोल्यूशन, प्रस्ताव।

तज़्वीज (تزويج) अ स्त्री –विवाह, पाणिग्रहण, ब्याह, निकाह।

तज्वीद (تجويد) अ स्त्री –निर्मल और स्वच्छ करना, किसी शब्द का शुद्ध उच्चारण करना, हाफ़िज़ो की परि-

भाषा मे कुरान को शुद्ध उच्चारण और पूर्ण नियम से पढना।

तज्वीफ (تجویف) अ स्त्री—अन्दर से खुक्खल करना; खोखला, सुषिर।

तज्वीर (تزویر) अ स्त्री—धोका, छल, कपट, फरेब, मिथ्या, असत्य, झूठ।

तज्हीक (تضحیک) अ स्त्री—हँसी उडाना, ठठोल करना, तिरस्कार करना, निन्दा करना।

तजहीज (تجہیز) अ स्त्री—मुर्दे के लिए जरूरी सामान तैयार करना, जैसे—कफन के लिए कपडा, गुस्ल के लिए इत्र, काफूर, कब्र के लिए तख्ते, गुलाबजल आदि, यह शब्द अकेला प्रयुक्त नही है तक्फीन के साथ आकर 'तज्हीजो तक्फीन' बोला जाता है, जैसे—तक्फीन अलग नही बोला जाता।

तज्हीजोतक्फीन (تجہیزوتکفین) अ स्त्री—मुर्दे को यथा-नियम नहला-धुलाकर और कफन मे लपेटकर जनाजा तैयार करना।

तज्हीब (تذہیب) अ स्त्री—सोना चढाना, सोने का मुलम्मा चढाना, सोने का खोल चढाना।

ततब्बो' (تتبع) अ पु—अनुसरण, अनुकरण, तक्लीद, इत्तिबाअ।

ततर (تتر) फा पु—'तातार' का लघुरूप, दे 'तातार'।

ततरी (تتری) फा वि—तातार का, तातारियो का, तातार या तातारियो से सम्बद्ध।

तताबुक़ (تطابق) अ पु—समानता, सदृशता, बराबरी, तुलना, उपमा, मुशाबहत।

ततार (تتار) फा पु—'तातार' का लघुरूप, दे 'तातार'।

तताबुल (تطاول) अ पु—अहकार, घमड, द्रोह, सरकशी, अत्याचार, दस्तदराजी।

ततिम्म (تتمہ) अ पु—हर चीज का बकीया और आखिरी हिस्सा, किताब का शेष अश जो बाद को उसमे जोडा जाय, पूरक, परिशिष्ट।

ततबीक (تطبیق) अ स्त्री—एक चीज को दूसरे के मुताबिक करना।

ततवील (تطویل) अ स्त्री—लम्बा करना, फैलाना, लम्बाई, फैलाव।

तत्हीर (تطہیر) अ स्त्री—पवित्र करना, शुद्ध करना, पाक करना, पवित्रता, शुद्धता, पाकीजगी।

तदब्बुर (تدبر) अ पु—काम करने से पहले उसका परिणाम सोचना, दूरदर्शिता, दूरबीनी।

तदय्युन (تدین) अ पु—धर्मनिष्ठता, दीनदारी, सत्य-निष्ठता, दियाननदारी।

तदर्व (تدرو) फा पु—एक पक्षी, चकोर, दे 'तज़र्व'।

तदाख़ुल (تداخل) अ पु—एक चीज का दूसरी चीज मे दाखिल होना, एक खाना हज्म होने से पहले दूसरा खाना खा लेना।

तदख़ुले फस्लैन (تداخل فصلین) अ पु—दो ऋतुओ की सधि, दो ऋतुओ का सधिकाल, दो मौसिमो के मिलने का समय।

तदाबीर (تدابیر) अ स्त्री—'तद्बीर' का बहु, तद्बीरे।

तदारुक (تدارک) अ पु—खायी हुई चीज का पता लगाना, रोक, प्रतिरोध, सुधार, इस्लाह, यत्न, उपाय, तद्बीर, ऐसा उपाय जिससे कोई बुरा काम रुक जाय।

तदावी (تداوی) अ स्त्री—चिकित्सा, उपचार, इलाज।

तदैयुन (تدین) अ पु—दे 'तदय्युन'।

तद्कीक (تدقیق) अ स्त्री—बारीक करके कूटना, खूब सोचना-विचारना।

तद्फीन (تدفین) अ स्त्री—मुर्दे को जमीन मे गाडना, दफन करना, दफन से बना।

तद्बीर (تدبیر) अ स्त्री—उपाय, तरकीब, प्रयत्न, कोशिश, उपचार, इलाज, चालाकी, चतुराई, फित्रत, प्रबध, इतिजाम, पेशबदी, एहतियात।

तद्बीरे मंज़िल (تدبیر منزل) अ स्त्री—घर-गृहस्थी का प्रबध।

तद्रीज (تدریج) अ स्त्री—धीरे-धीरे होना, शनै शनै।

तद्रीस (تدریس) अ स्त्री—पढाना, पाठन।

तद्वीन (تدوین) अ स्त्री—एकत्र करना, सग्रह करना, रचना, बनाना, सपादन करना।

तद्वीर (تدویر) अ स्त्री—चारो ओर घुमाना, ज्योतिष की परिभाषा में आकाश का वह विशेष भाग जो किसी आकाश के अतर्गत हो।

तद्हीन (تدہین) अ स्त्री—तेल चुपडना, चिकना करना।

तनः (تنہ) फा पु—वृक्ष का वह भाग जो उसकी जड से वहाँ तक हो जहाँ से डालियाँ निकलती है, पेडी।

तन (تن) फा पु—देह, शरीर, काया, वपु, तनु, गात्र, जिस्म, बदन, व्यक्ति, पुरुष, आदमी।

तनआसां (تن آساں) फा वि—दे 'तनासां'।

तनआसानी (تن آسانی) फा स्त्री—दे 'तनासानी'।

तनख्वाह (تنخواہ) फा. स्त्री—काम की वह उज्रत जो महीने पर मिले, वेतन, तलब।

तनख्वाहदार (تنخواہدار) फा वि—तनख्वाह पर काम करनेवाला, तनख्वाह पानेवाला, वेतनभोगी, भृतक।

तनग़्गुस (تنغص) अ पु—खिन्नता, मलिनता, तकद्दुर, बदमज़गी।

तनज़्ज़ुल (تنزل) अ पु—नीचे उतरना, नीचे आना, अवनति, पतन, ज़वाल, दरजा टूटना, पदह्रास, तनख्वाह में कमी होना; ह्रास, कमी, इनहितात, अपदस्थता।

तनदिही (تن دہی) फा स्त्री—तन्मयता, सलग्नता, इन्हिमाक, पराक्रम, परिश्रम, मेहनत।

तनदुरुस्त (تندرست) फा वि—जिसके शरीर में किसी प्रकार का विकार न हो, निरामय, नीरोग, सुस्थ, स्वस्थ।

तनदुरुस्ती (تن درستی) फा स्त्री—स्वास्थ्य, नीरोगिता, सेहतमंदी।

तनपरस्त (تن پرست) फा वि—काम न करनेवाला, आलसी, आरामतलब, सुखेच्छु।

तनपरस्ती (تن پرستی) फा स्त्री—निकम्मापन, निठल्लापन, आलस, काहिली, सुस्ती।

तनपर्वर (تن پرور) फा वि—दे 'तनपरस्त'।

तनपर्वरी (تن پروری) फा स्त्री—दे 'तनपरस्ती'।

तनफ़्फ़ुर (تنفر) अ पु—घृणा, नफ़रत, घिन।

तनफ़्फ़ुस (تنفس) अ पु—साँस की आमदरफ्त, प्राणवृत्ति, श्वासकास, श्वास रोग, दमे की बीमारी।

तन ब तक़्दीर (تن بہ تقدیر) फा अ अव्य—भाग्य के सहारे, किस्मत के भरोसे पर, जो भी हो।

तनब्बुह (تنبہ) अ पु—आगाह होना, जानना, सतर्क होना, चेत जाना, सावधान होना, होशियार हो जाना।

तनव्वो' (تنوع) अ पु—चित्र-विचित्र होना, रंगविरंगी होना, भाँति-भाँति होना, नवीनता, नयापन, जिद्दत।

तनहा (تنہا) फा वि—एकाकी, अकेला, एकमात्र, केवल, सिर्फ़, रिक्त, खाली।

तनहाई (تنہائی) फा स्त्री—अकेलापन, एकान्त, गोशा।

तना'उम (تنعم) अ पु—लाड-प्यार और सुख-चैन में जीवन व्यतीत हो, सुख, चैन, लाड-प्यार, ऐश।

तनाकुज़ (تناقض) अ पु—एक दूसरे के विपरीत और उलटा होना, प्रतिकूलता, विपरीतता, वैमनस्य, मनमुटाव, रंजिश।

तनाकुस (تناقص) अ पु—दोष, ऐब, त्रुटि, भूल अशुद्धि, ग़लती।

तनाज़ो' (تنازع) अ पु—संघर्ष, कशाकश, खींचातानी।

तनाज़ो' लिल्बक़ा (تنازع للبقا) अ पु—ज़िंदा रहने के लिए परिश्रम और पराक्रम, जीवन-संघर्ष।

तनाफ़ुर (تنافر) अ पु—एक दूसरे से घृणा करना, एक दूसरे से भागना, साहित्य की परिभाषा के अनुसार किसी पद में दो शब्दों के उन दो अक्षरों का पास-पास होना जिनका उद्गम एक हो।

तनाब (طناب) अ स्त्री—रावटी और तंबू में लगनेवाली रस्सी, जिसके सहारे वे खड़े होते हैं।

तनाबे अमल (طناب امل) अ स्त्री—उम्मेद की डोरी, आशारूपी डोर, आशा-सूत्र, आशा, आस, उम्मेद।

तनाबे उम्र (طناب عمر) अ स्त्री—आयुसूत्र, आयुकाल, उम्र की लम्बाई।

तनावर (تناور) फा वि—स्थूल, मोटा-ताजा, दृढ़ांग, कवीजुस्सा।

तनावुल (تناول) अ पु—भोजन आदि खाना, सहन करना, उठाना।

तनासाँ (تن آساں) फा वि—काहिल, सुस्त, आलसी, आरामतलब, निकम्मा, बेकार।

तनासानी (تن آسانی) फा स्त्री—निकम्मापन, आलस, सुस्ती, आरामतलबी।

तनासुख़ (تناسخ) अ पु—प्राण का एक शरीर से निकलकर दूसरे शरीर में जाना, आवागवन, आवागमन।

तनासुब (تناسب) अ पु—परस्पर निस्बत रखना, किसी पदार्थ के तमाम अंगों में जिसको जितना होना चाहिए उतना होना, किन्हीं दो चीज़ों में परस्पर सुनास्बत।

तनासुबे अज्ज़ा (تناسب اجزا) अ पु—किसी नुस्खे की तमाम दवाओं की बाहमी सुनासबत, जैसे—किसी साबुन के नुस्खे में कास्टिक 1 सेर, सेलीकेट 1½ सेर, पानी चार सेर, तेल आठ सेर आदि, भागानुपात।

तनासुबे आ'ज़ा (تناسب اعضا) अ पु—शरीर में अंगों का सुडौलपन, अंग-सौष्ठव, अंग-संहति, अंगानुपात।

तनासुल (تناسل) अ पु—नर और मादा का मिलकर संतान उत्पन्न करना, नस्ल बढ़ाना। यह शब्द अकेला प्रयुक्त नहीं होता, तवालुद के साथ 'तवालुदो तनासुल' बोला जाता है, दे 'तवालुद'।

तनीन (طنین) अ स्त्री—भिनभिनाहट, सनसनाहट।

तनूर (تنور) फा पु—तनौरी रोटी पकाने की गहरी दहर-नुमा भट्ठी, तंदूर, तनूर।

तने तन्हा (تن تنہا) फा वि—बिल्कुल अकेला, एकाकी, नकददम, फ़क़तदम।

तने बेजाँ (تن بیجاں) फा वि—शव, लाश, प्राणहीन शरीर।

तनोतोश (تن وتوش) फा पु—शरीर का भारी [illegible], मोटाताजापन।

तनोमंद (تنومند) फा वि—[illegible], नीरोग, [illegible], हृष्टपुष्ट मोटा-ताजा [illegible]।

तन्क़ः (تنكه) तु पु –प्रचलित मुद्रा, चाहे वह सोने की हो या चाँदी की या ताँबे की या किसी अन्य धातु की।

तनक़िय· (تنقيه) अ पु –पेट साफ करना, जुलाब लेना, विरेचन।

तन्क़ियए ताम (تنقيۂ تام) अ पु –ऐसा जुलाव जिससे शरीर के सारे अगो का दूषित मवाद निकल जाय।

तन्क़ीद (تنقيد) अ स्त्री –परख, पडताल, समीक्षा, किसी पुस्तक या निबध के मजमून की समीक्षा, समालोचना।

तन्क़ीस (تنقيص) अ स्त्री –कम करना, घटाना, तिरस्कार, अपमान, बेइज़्ज़ती, निन्दा, हजो।

तन्क़ीह (تنقيح) अ स्त्री –किसी चीज मे से मिलावट निकालकर उसे शुद्ध और निर्मल करना, न्यायालय की परिभाषा में वाद या अभियोग के आधारभूत विषयो की समीक्षा।

तन्क़ीहतलब (تنقيح طلب) अ वि –जिस विषय की तन्क़ीह होना आवश्यक हो।

तन्नाज़ (طناز) अ वि –बहुत अधिक व्यगोक्तियाँ कसनेवाला (वाली), बहुत तज करनेवाला (वाली), बहुत ही इठलाकर और नाज़ से चलनेवाला (वाली), बहुत अधिक हावभाव और नाज़-नखरे दिखानेवाली।

तन्मियः (تنميه) अ पु –बढना, विकास, नश्वोनमा।

तन्वीन (تنوين) अ स्त्री –अनुस्वार पैदा करना, नकार का स्वर निकालना, अरबी शब्द के अतिम अक्षर पर के दो 'ज़बर', दो 'ज़ेर' या दो 'पेश' जैसे, ًٍ ٌ पर के दो जबर।

तन्वीर (تنوير) अ स्त्री –प्रकाशित करना, रौशन करना, प्रकाश, ज्योति, रौशनी, नूर,—"उसके जल्वो मे खिंचा हुस्न का नकशा कामिल, उसकी तन्वीर मे तस्वीर की रानाई है।"

तपच· (تپنچه) फा पु –'तपाच' का लघुरूप, थप्पड, पिस्तौल, तमचा।

तप (تپ) फा स्त्री –ताप, तपन, गर्मी, ज्वर, बुखार।

तपाँ (تپاں) फा वि –जलता हुआ, तपा हुआ, उत्तप्त, तडपता हुआ, फडकता हुआ।

तपाच· (طپانچه-تپانچه) फा पु –तमाचा, थप्पड, चाँटा।

तपाक (تپاک) फा पु –गर्मजोशी, सभ्रान्ति, आवभगत, तवाज़ो', प्रेम, प्यार, सादर, सोत्साह।

तपिश (تپش) फा स्त्री –पतन, गरिमा, गर्मी, दहन, जलन, सोज़िश, मनस्ताप, हार्दिक व्यथा, दिली गम, आतुरता, व्याकुलता, बेकरारी, आतप, धूप।

तपीदः (تپيده) फा वि –तपा हुआ, उत्तप्त, तप्त।

तपे कुहून (تپ كهنه) फा स्त्री –पुराना बुखार; जीर्ण ज्वर।

तपे दरूँ (تپ دروں) फा स्त्री –मनस्ताप, मानसिक व्यथा, रूही तकलीफ, मनोदाह।

तपे दिक (تپ دق) फा स्त्री –राजयक्ष्मा, क्षयरोग, यक्ष्मा, क्षयी रोग।

तपे नौबत (تپ نوبت) फा अ स्त्री –बारी से आनेवाला ज्वर, जैसे—इकतरा, तिजारी, चौथिया आदि।

तपे मोहरक़ (تپ محرقه) फा अ स्त्री –मीआदी बुखार, टाईफाइड, मोतीझरा।

तपे लर्ज़ (تپ لرزه) अ फा स्त्री –कपकपी के साथ आनेवाला बुखार, मलेरिया, शीत ज्वर।

तपोलर्ज़ (تپ و لرزه) अ फा पु –बुखार और कपकपी।

तफ (تف) अ स्त्री –उष्णिमा, गरिमा, गर्मी, हरारत।

तफक्कुद (تفقد) अ पु –खोई हुई चीज़ की तलाश, खोज, दया, कृपा, अनुकपा, मेहरबानी।

तफक्कुर (تفكر) अ पु –चिन्ता, शोच, फिक्र, भय, शका, अदेशा।

तफक्कुरात (تفكرات) अ पु –चिन्ताएँ, फिक्रें, 'तफक्कुर' का बहुवचन।

तफक्कुह (تفكه) अ पु –मेवा खाना, फल खाना।

तफज़्ज़ुल (تفضل) अ पु –श्रेष्ठता, पुनीतता, बुज़ुर्गी, दया, कृपा, इनायत, दान, प्रदान, बखशिश।

तफत्तुत (تفتت) अ पु –टुकडे-टुकडे हो जाना, टूटकर रेज़ा-रेज़ा हो जाना, चियरा हो जाना।

तफन्नुन (تفنن) अ पु –मनोरजन, मनोविनोद, हँसी-मज़ाक, तफ़रीह, रग-बिरगी होना, विचित्रता।

तफन्नुने तब्अ (تفنن طبع) अ पु –आमोद-प्रमोद, मनोविनोद, दिल का बहलाव।

तफर्रुक़ (تفرق) अ पु –अलग-अलग होना, भिन्न-भिन्न होना।

तफर्रुके इत्तिसाल (تفرق اتصال) अ पु –क्षति, घाव, ज़ख्म।

तफर्रुज (تفرج) अ पु –दरिद्रता और हीनता से समृद्धि और उन्नति की ओर आना, सैर, तमाशा, क्रीडा, कौतुक, आनन्द-विहार।

तफर्रुजगाह (تفرج گاه) अ फा स्त्री –सैर-तमाशे का स्थान, तफ़रीहगाह, क्रीडास्थल, विनोदस्थल।

तफर्रुद (تفرد) अ पु –अद्वितीय होना, अनुपम होना, लासानी होना, एकान्तवासी होना, गोशानशीन होना।

तफल्सुफ (تفلسف) अ पु –विज्ञान, हिकमत।

तफव्वुक़ (تفوق) अ पु –श्रेष्ठता, प्रधानता, बडाई, तर्जीह।

तफह्हुश (تفحش) अ. पु –गाली-गलौज करना, फुहश बकना, अश्लीलता, अशिष्टता, फक्कडपन, 'फ़ुहुश' से बना।

तफह्हुस (تفحص) अ पुं –खोज लगाना, ढूँढना, तलाश करना, खोज, तलाश, गवेषणा।

तफाउल (تفاؤل) अ पु –शगुन विचारना, फाल लेना।

तफाख़ुर (تفاخر) अ पु –गर्व, अभिमान, फख्र, गौरव।

तफारीक़ (تفاریق) अ स्त्री –'तफ़ीक' का बहु, जुदाइयाँ, फर्क, किस्ते।

तफारुक़ (تفارق) अ पु –एक दूसरे से जुदा होना, पृथक्ता, अलाहिदगी।

तफावुज़ (تفاوض) अ पु –साझा, भागीदारी, परस्पर परामर्श करना, विचार-विनिमय।

तफावुत (تفاوت) अ पु –अन्तर, फासिला, दूरी, पृथक्ता, जुदाई; विलब, देरी।

तफावुल (تفاول) अ पु –अच्छा शकुन लेना, शकुन विचारना।

तफासीर (تفاسیر) अ स्त्री –'तफ्सीर' का बहु, तफ्सीरें, महाभाष्य।

तफासील (تفاصیل) अ स्त्री –'तफ्सील' का बहु, तफ्सीलें, विवरण।

तफासुल (تفاصل) अ पु –परस्पर अलग-अलग होना।

तफूलियत (طفولیت) अ स्त्री –बाल्यावस्था, बचपन।

तफ्ख़ीम (تفخیم) अ स्त्री –श्रेष्ठ मानना, श्रेष्ठ बनाना।

तफ्ज़ीअ (تفجیع) अ स्त्री –पीडित करना, दुःखित करना।

तफ्ज़ील (تفضیل) अ स्त्री –एक को दूसरे पर प्रधानता देना, प्रधानता, तर्जीह, हज़रत अली को पहले तीन ख़लीफाओ से श्रेष्ठ मानना।

तफ्ज़ीली (تفضیلی) अ पु –वह सुन्नी मुसलमान जो हज़रत अली को बाक़ी ख़लीफाओ में सर्वश्रेष्ठ मानता हो।

तफ्ज़ीह (تفضیح) अ स्त्री –निन्दा करना, बदनाम करना; निंदा, अपयश, बदनामी।

तफ्तः (تفتہ) फा. वि –तप्त, दग्ध, जला हुआ।

तफ्तःजाँ (تفتہ جاں) फा वि –दे 'तफ्त जिगर'।

तफ्तःजिगर (تفتہ جگر) फा वि –दिलजला, दग्धहृदय, प्रेमी, आशिक़।

तफ्ताँ (تفتاں) फा पु –रौगनी पराठा, धूप या आग पर सेंकी हुई चीज़।

तफ्तीत (تفتیت) अ स्त्री –टुकडे-टुकडे करना, चूर-चूर करना।

तफ्तीदः (تفتیدہ) फा वि –तपा हुआ, गर्म किया हुआ।

तफ्तीर (تفطیر) अ स्त्री –[illegible]।

तफ्तीश (تفتیش) अ स्त्री –खोज, तलाश, गवेषणा; पुलिस अफसर द्वारा किसी केस की जाँच-पडताल।

तफ्तीह (تفتیح) अ स्त्री –खोलना।

तफ्तीहे मसामात (تفتیح مسامات) अ स्त्री –पसीना के लिए शरीर के रोमकूपो को खोलना, (दवाओ द्वारा) बफारा द्वारा।

तफ्नीद (تفنید) अ पु –भर्त्सना करना, डाँटना, फटकारना।

तफ़्रिक़ (تفرقہ) अ पु –फूट, परस्पर विरोध, शत्रुता, दुश्मनी, पृथक्ता, जुदाई।

तफ़्रिक़:अंगेज़ (تفرقہ انگیز) अ फा वि –दे 'तफ्रिक़-अदाज़'।

तफ़्रिक़:अंगेज़ी (تفرقہ انگیزی) अ फा स्त्री –दे 'तफ्रिक़-अदाज़ी'।

तफ़्रिक़:अंदाज़ (تفرقہ انداز) अ फा वि –दो व्यक्तियो या दलो में परस्पर फूट डलवानेवाला।

तफ़्रिक़:अंदाज़ी (تفرقہ اندازی) अ फा स्त्री –परस्पर विरोध-भाव उत्पन्न करना।

तफ़्रिक़:परदाज़ (تفرقہ پرداز) अ फा वि –दे 'तफ्रिक़-अदाज़'।

तफ़्रिक़:परदाज़ी (تفرقہ پردازی) अ फा स्त्री –दे 'तफ्रिक़-अदाज़ी'।

तफ़्रिक़:पर्वर (تفرقہ پرور) अ फा वि –दे 'तफ्रिक़ अदाज़'।

तफ़्रिक़:पर्वरी (تفرقہ پروری) अ फा स्त्री –दे 'तफ्रिक़-अदाज़ी'।

तफ़्रिक़ः सामाँ (تفرقہ ساماں) अ फा वि –फूट के सामान एकत्र करनेवाला, फूट फैलानेवाला।

तफ़्रिक़ः सामानी (تفرقہ سامانی) अ. फा स्त्री –फूट के सामान एकत्र करके फूट फैलाना।

तफ़्रीक़ (تفریق) अ स्त्री –पृथक् करना, अलग करना; फूट डालना, दिलो मे भेद डालना, पृथक्ता, जुदाई; फूट, तफ्रिक़, बड़ी सख्या में से छोटी सख्या घटाना, बाकी, व्यवकलन।

तफ़्रीत (تفریط) अ स्त्री –किसी काम में आलस्य और बेपरवाही करना; नष्ट करना, बरबाद करना।

तफ़्रीद (تفرید) अ स्त्री –अकेला रह जाना, सबसे जुदा हो जाना, अकेला छोड़ देना।

तफ़्रीश (تفریش) अ स्त्री –फ़र्श बिछाना, फर्श बिछाकर मकान सजाना।

तफ़्रीस (تفریس) अ स्त्री –किसी दूसरी भाषा के शब्द को फ़ार्सी बनाना।

तफ़ीह (تفریح) अ स्त्री –मनोविनोद, मनोरंजन, दिल्लगी मजाक, सैर-सपाटा, विहार, क्रीड़ा कौतुक, खेल-तमाशा, वक्त काटने के लिए मनबहलाव।

तफ़ीहगाह (تفریح‌گاہ) अ फा स्त्री –तफ़ीह की जगह, विनोदस्थल, क्रीडा-क्षेत्र।

तफ़ीहन (تفریحاً) अ वि –तफ़ीह और मनबहलाव के लिए, मजाक के तौर पर, दिल्लगी मे।

तफ़ीही (تفریحی) अ वि –मनबहलाव का, मनबहलाव से सम्बन्ध रखनेवाला।

तफ़ीहे तब्अ (تفریح طبع) अ स्त्री –मनबहलाव, मनोविनोद, मनोरंजन।

तफ्वीज (تفویض) अ स्त्री –सिपुर्द करना, हवाले करना, हस्तान्तरण।

तफ्सां (تفساں) फा वि –बहुत अधिक गर्म।

तफ्सीद (تفسیدہ) फा वि –बहुत गर्म।

तफ्सीर (تفسیر) अ स्त्री –व्याख्या, तश्रीह, किसी धर्म-ग्रथ की व्याख्या, भाष्य।

तफ्सील (تفصیل) अ स्त्री –विस्तार, विवरण, स्पष्टता, तौजीह।

तफ्हीम (تفہیم) अ स्त्री –समझाना, बोध कराना।

तब (تب) फा स्त्री –दे 'तप', दोनो शुद्ध हैं।

तबक (طبقہ) अ पु –दे 'तब्क', शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू मे 'तब्क' ही बोलते हैं।

तबक (طبق) अ पु –बडी रिकाबी, थाल, परत, तह, तल, सतह, भग, योनि।

तब्कगर (طبق‌گر) अ फा वि –तब्क बनानेवाला।

तबकच (طبقچہ) अ फा पु –छोटा तबाक, छोटी रिकाबी।

तबकजन (طبق‌زن) अ फा स्त्री –चपटी लडानेवाली स्त्री, सा'तरबाज।

तबकात (طبقات) अ पु –'तबक' का बहु, तब्के, परते।

तबकातुलअर्ज (طبقات‌الارض) अ पु –पृथ्वी के परत, जमीन के भीतरी परत या दर्जे।

तबख़ाल (تبخالہ) फा पु –वह छोटा फफोला जो गर्मी मे होठो पर निकल आता है।

तबख़्तुर (تبختر) अ पु –नाज और गुरूर से चलना, नाज, गुरूर।

तबद्दुल (تبدل) अ पु –बदल जाना, बदलना, बदला करना, परिवर्तन, इन्किलाब।

तबन्नी (تبنی) अ स्त्री –किसी बालक को गोद लेना, बेटा बनाना।

तबर (تبر) फा पु –कुल्हाडा, फरसा।

तबरज़द (طبرزد) फा स्त्री –कद, शर्करा, मिश्री, सफेद दानेदार चीनी।

तबरज़न (تبرزن) फा वि –कुल्हाडी चलानेवाला, लकडहारा, तबर बाँधे हुए सिपाही।

तबरज़ीं (تبرزیں) फा पु –वह तबर जो सवार की जीन के साथ हर वक्त कसा रहता है।

तबर्रा (تبرا) अ पु –उपेक्षा, घृणा, बेजारी, धिक्कार, ला'नत, मलामत, गाली-गलौज, अपशब्द, लानत मलामत जो शीआ लोग पहले तीन ख़लीफाओ की करते हैं।

तबर्राई (تبرائی) अ फा वि –गालियाँ बकनेवाला, तीनो ख़लीफाओ को बुरा-भला कहनेवाला, तबर्राबाज।

तबर्राबाज (تبرا‌باز) अ फा वि –दे 'तबर्राई'।

तबर्रुक (تبرک) अ पु –वह चीज जिसमे बरकत होने का विश्वास हो, वह चीज जो किसी महात्मा या दरवेश से मिले, वह प्रसाद जो किसी बुजुर्ग आदि की फातहा का हो, बुजुर्गो से सम्बन्ध रखनेवाली चीज, बहुत थोडी-सी वस्तु (व्यग), प्रसाद।

तबर्रुकन (تبرکاً) अ वि –तबर्रुक के तौर पर, बरकत और मगल के लिए, प्रसादरूप से।

तबर्रुकात (تبرکات) अ पु –'तबर्रुक' का बहु, तबर्रुक की चीजे, बुजुर्गो से सम्बद्ध चीजे।

तबस्सुम (تبسم) अ पु –हलकी हँसी, मुस्कुराहट, मृदुहास, स्मित, मदहास, मुस्कान।

तबस्सुमकुनाँ (تبسم‌کناں) अ फा वि –मुस्कुराता हुआ।

तबह (تبہ) फा वि –'तबाह' का लघु, दे 'तबाह'।

तबहकार (تبہ‌کار) फा वि –दे 'तबाहकार'।

तबहहाल (تبہ‌حال) फा वि –दे 'तबाह हाल'।

तबह्हुर (تبحر) अ पु –विद्वत्ता, पाडित्य, इल्म की गहराई, धुरधरता।

तबाअत (طباعت) अ स्त्री –मुद्रण, छपाई।

तबाउद (تباعد) अ पु –एक दूसरे मे दूर होना, अन्तर, दूरी, फासिला।

तबाए (طبائع) अ स्त्री –'तबीअत' का बहु, प्रकृतियाँ, तबीअते।

तबाक (طباق) तु पु –बडी रिकाबी, थाली, परात, खाना मेज का बर्तन, ख्वान।

तबाक़ी (طباقی) उ वि –दस्तरख्वान के साथी, खाने भर के मीत, हाली मवाली।

तबादुर (تبادر) अ पु –परस्पर दौडना, दौड में आगे निकल जाना, किसी काम को दूसरे से पहले कर लेना।

तरबअंगेज (طرب انگیز) अ फा वि –खुशी बढानेवाला, आनन्दवर्धक, हर्षजनक।

तरबअफ़ज़ा (طرب افزا) अ फा वि –दे 'तरबअंगेज'।

तरबगाह (طرب گاہ) अ फा स्त्री –वह स्थान जहाँ खुशियाँ मनाई जा रही हो।

तरबखेज (طرب خیز) अ फा वि –दे 'तरबअंगेज'।

तरबजा (طرب زا) अ फा वि –खुशी उत्पन्न करनेवाला, हर्षजनक, आनन्दोत्पादक।

तरबसज (طرب سنج) अ फा वि –तोल-तोलकर आनन्द का ढेर लगानेवाला, बहुत अधिक खुशियो का मालिक।

तरबुज (تربز) फा पु –तरबूज, एक प्रसिद्ध फल, कलींदा, कालिंद, कलिंग, चित्रफल, मासफल, फलवर्तुल।

तरशशुह (ترشح) अ पु –हल्की-हल्की फुहार, बूंदा-बांदी, रिसना, झरना, टपकना, प्रकट होना, जाहिर होना।

तरह (طرح) अ स्त्री –न्यास, नीव, बुनियाद, पद्धति, शैली, तर्ज़, वेशभूषा, वज़्अ, समान, भाँति, मिस्ल, घटाना, व्यवकलन, तफ़्रीक, प्रकार, ढग, टालना, झगडे को बढने न देना, युक्ति, तरकीब, जुगत, मुशाइरे के लिए मिस्रा, जिससे उसकी बह्र और रदीफो काफिया जाना जाता है, समस्या।

तरहदार (طرحدار) अ फा वि –बाँका, छबीला, चुटपुटा. नाज़ोअदाज़वाला, (माशूक़) वज़अदार।

तरहदारी (طرحداری) अ फा स्त्री –बाँकापन, छबीलापन, हाव-भाव, नाज-नख़्रा, हुस्न, सौन्दर्य।

तराइक़ (طرائق) अ पु –'तरीका' का बहु, तरीके।

तराज (طراز) फा पु –दे 'तिराज', वही शुद्ध है।

तराज़िंद. (طرازندہ) फा वि –दे 'तिराज़िंद' वही शुद्ध है।

तराजिम (تراجم) अ पु –'तर्जमः' का बहु 'तर्जमे'।

तराज़िए तरफ़ैन (تراضیٔ طرفین) अ स्त्री –दोनो पक्षो की रज़ामदी, उभयपक्ष की स्वीकृति।

तराजी (تراجی) अ स्त्री –एक दूसरे से आशा रखना।

तराज़ी (تراضی) अ स्त्री –एक दूसरे से रज़ामद होना, रज़ामदी, अगीकृति।

तराज़ू (ترازو) फा स्त्री –तौलने का यत्र, तुला, तखरी, मीज़ान।

तराज़ूए अद्ल (ترازوے عدل) फा अ स्त्री –वह तराज़ू जिसके दोनो पल्लो में तनिक भी अन्तर न हो, न्याय-तुला।

[illegible] संगज़न (ترازوے سنگ زن) फा. स्त्री –वह तराज़ू [illegible] पासग हो।

[illegible] (ترا) फा. पु –गान, गाना, नग्म; एक विशेष [illegible]।

तरान.ज़न (ترانہ زن) फा वि –गानेवाला, गायक, गाता हुआ।

तरान.रेज़ (ترانہ ریز) फा वि –दे तरान ज़न।

तरान.सज (ترانہ سنج) फा वि,–दे 'तरान ज़न'।

तरान सरा (ترانہ سرا) फा वि –दे 'तरान ज़न'।

तरान साज़ (ترانہ ساز) फा वि –दे 'तरान ज़न'।

तरारः (طرارہ) उ पु –दे 'तर्रार', वही शुद्ध है।

तरावत (طراوت) अ स्त्री –शीतलता, ठडक, तरी, सर-सब्ज़ी, हरियालापन, ताज़गी, दिल और दिमाग की ठडक।

तराविश (تراوش) फा स्त्री –टपकन, रजिश।

तराविशे क़लम (تراوش قلم) फा अ स्त्री –कलम की टपकन, अर्थात् सियाही की तहरीर।

तराविशे फ़िक्र (تراوش فکر) फा अ स्त्री –कल्पना-शक्ति की टपकन, दिमाग की उतरन, मज़्मून, निबन्ध आदि।

तरावीह (تراویح) अ स्त्री –रमज़ान के महीने की नमाज़ जो रात में पढी जाती और जिसमें, कुरान सुनाया जाता है।

तराश. (تراشہ) फा पु –किसी वस्तु को छीलने में निकला हुआ फोक, छीलन, पत्थर तराशने की छेनी, टाँकी; फाँक, काश।

तराश (تراش) फा स्त्री –कटाव, काट-छाँट, कतर-ब्योत, काटने का ढग, कटाव की शक्ल, आविष्कार, ईजाद, धार, बुरिश, काट, (प्रत्य०) काटनेवाला, जैसे— 'जेबतराश' जेब काटनेवाला।

तराश ख़राश (تراش خراش) फा स्त्री –वेशभूषा, वज़ा कता, काट-छाँट, कतरब्योत।

तराशिंदः (تراشندہ) फा वि –काटनेवाला, छीलनेवाला, कतरनेवाला।

तराशीदः (تراشیدہ) फा वि –काटा हुआ, छीला हुआ; कतरा हुआ, मनगढत, कपोल-कल्पित।

तरिक (ترکہ) अ पु –वह धन और सपत्ति जो किसी के मरने पर उसके उत्तराधिकारियो को मिलती है, दाय, रिक्थ।

तरी (تری) फा स्त्री –आर्द्रता, गीलापन, खुश्की का उलटा, पानी का स्थान; सील, नमी, सीड, समृद्धि, धनाढ्यता, मालदारी।

तरी (طری) अ वि –ताज़ा, सरसब्ज़, हरा भरा।

तरीक़ः (طریقہ) अ पु –प्रणाली, शैली, तर्ज़, युक्ति, तरकीब; पथ, मश्रब, नियम, क़ाइदा, परम्परा, रिवाज, चाल-ढाल, रविश; वेशभूषा, वज़ा क़ता।

तरीक़ (طریق) अ पु –"बका का नाम कोई भूलकर नहीं लेता–तेरे तरीक़ ने चौंका दिया, ज़माने को", मार्ग, रास्ता;

तब्बाअ (طباع) अ वि –प्रतिभाशाली, ज़हीन, जीनियस।

तब्बाई (طباعی) अ स्त्री –प्रतिभा, ज़हानत।

तब्बाख़ (طباخ) अ पु –रोटी पकानेवाला, नानवाई, खाना पकानेवाला, बावरची, सूपकार, रसोइया।

तब्बाख़ी (طباخی) अ स्त्री –नानवाई का पेशा, बावरची का पेशा।

तब्रीद (تبرید) अ स्त्री –ठंडाई, वह ठंडाई जो जुलाब के बाद दी जाती है।

तब्रेज़ (تبریز) फा पु –ईरान के आज़रबाईजान प्रान्त का एक प्रसिद्ध नगर।

तब्रेज़ी (تبریزی) फा वि –तब्रेज का निवासी।

तब्ल' (طبلہ) फा पु –संदूकची, पिटारी, खाल मढा हुआ एक रुखा प्रसिद्ध बाजा, तबला।

तब्ल (طبل) फा पु –दुन्दुभि, भेरी, धौसा, नक्कारा।

तब्लए अंबर (طبلۂعنبر) फा अ पु –अंबर की पिटारी, वह डब्बा जिसमे अंबर रहता है।

तब्लक़ (طبلق) तु स्त्री –वह कागज जो पंकिट बनाने के लिए ऊपर चढाया जाता है, दोनो ओर से खुला हुआ लिफाफा, कागजो का मुट्ठा।

तब्ली (طبلی) अ वि –ढोल-जैसा, ढोलनुमा, जलधर की एक किस्म जिसमे पेट ढोल की तरह बजता है।

तब्लीग़ (تبلیغ) अ स्त्री –प्रोपेगंडा, प्रचार, किसी बात को दूर तक फैलाना, प्रसार।

तब्लीग़े मज़्हब (تبلیغ‌مذهب) अ स्त्री –धर्म प्रचार, मजहब की तब्लीग।

तब्लेजंग (طبل‌جنگ) फा पु –लडाई मे बजनेवाला, नक्कारा, रणभेरी, रणदुन्दुभि।

तब्लोअलम (طبل‌وعلم) फा अ पु –लडाई का झंडा और नक्कारा, वह झंडा और नक्कारा जो सूबेदारो और वज़ीरो की सवारी के साथ चलता है।

तब्वीब (تبویب) अ स्त्री –पुस्तक का परिच्छेदो और अध्यायो में विभाजन, बाब=अध्याय से यह शब्द बना है।

तब्शीर (تبشیر) अ स्त्री –शुभ सूचना देना, अच्छी खबर सुनाना, आशीर्वाद देना।

तब्सिरः (تبصرہ) अ पु –आँखो मे रौशनी पहुँचाना, अँख्यारा करना, आलोचना, समीक्षा, तन्क़ीद।

तब्सिर.निगार (تبصرہ‌نگار) अ फा वि –समालोचक, समीक्षक, तन्क़ीदनिगार।

तमए ख़ाम (طمع‌خام) अ फा स्त्री –झूठी अभिलाषा, ऐसी इच्छा जो पूरी न हो, मृगतृष्णा।

तमक्कुन (تمکن) अ पु –जगह पकडना, स्थिर होना, ठहरना, टिकना।

तमत्तो' (تمتع) अ पु –लाभ-प्राप्ति, नफा उठाना, लाभ, प्राप्ति, नफा।

तमद्दुद (تمدد) अ पु –खिचाव, तनाव, लबा होना, दराज़ होना।

तमद्दुन (تمدن) अ पु –शहर मे एक जगह मिल-जुलकर रहना और वहाँ का प्रबध करना, नागरिकता, किसी देश की वेश-भूषा, उनके रहने-सहने का ढग और उनके आचार-व्यवहार।

तमन्ना (تمنا) अ स्त्री –कामना, लालसा, अभिलाषा, आकाक्षा, स्पृहा, इच्छा, ख्वाहिश, आरजू, "बज्म मे बर्क़ नजर है सद तमन्ना-आफ़्री—दिल मे है महफिल कोई या दिल मेरा महफिल में है।"

तमन्नाई (تمنائی) अ वि –इच्छुक, अभिलाषी, लालसी, स्पृही, आकाक्षी, लिप्सु, ख्वाहिशमद।

तमर (تمر) अ पु –सूखा हुआ खजूर, छुहारा, खुर्मा।

तमर हिंदी (تمرهندی) फा स्त्री –इमली, इमली का पेड, इमली का फल, तितिडी।

तमरिस्तान (تمرستان) अ फा पु –खजूर का बाग।

तमर्रुद (تمرد) अ पुं –द्रोह, सरकशी, अवज्ञा, नाफरमानी, अहकार, गर्व, घमड, धृष्टता, ढिठाई, गुस्ताख़ी।

तमल्लुक़ (تملق) अ पु –चापलूसी, लल्लोपत्तो, चाटु-कारिता, खुशामद।

तमल्मुल (تململ) अ पु –व्याकुलता, आतुरता, बेचैनी, बेआरामी, जागने और सोने के बीच की अवस्था, जब मनुष्य सोता है परन्तु कुछ-कुछ होश मे होता है।

तमव्वुज (تموج) अ पु –पानी का मौजे मारना, पानी मे जोर-जोर से लहरे उठना, हिल्लोल।

तमव्वुल (تمول) अ पु –धनाढयता, समृद्धि, मालदारी, धनसपन्नता।

तमश्शी (تمشی) अ स्त्री –जाना, चलना, गति, गमन।

तमस्ख़ुर (تمسخر) अ पु –मसखरापन, अभिहास, ठठोल, मनोरजन, दिल्लगी, तफ़ीह।

तमस्सुक (تمسک) अ पु –ग्रहण करना, लेना, पकडना, ऋणपत्र, कर्ज़नामा, लेख्य, दस्तावेज़।

तमा' (طمع) अ स्त्री –लोभ, लोलुपता, हिर्स, इच्छा, अभिलाषा, ख्वाहिश।

तमाच (تماچہ) उ पु –दे 'तपाच'।

तमाज़त (تمازت) अ स्त्री –धूप की गर्मी, सूरज की गर्मी।

तमाज़ते आफ्ताब (تمازت آفتاب) अ फा स्त्री –सूरज की गर्मी, धूप की गर्मी।

तमादी (تمادی) अ स्त्री –अन्त होना, अन्त तक पहुँच जाना, समाप्त हो जाना, लम्बा होना, बढना, बढ जाना।

तमानियत (طمانیت) उ स्त्री –सतोष, इत्मीनान, सान्त्वना, तसल्ली, विश्वास, एतिबार, मुख्य शब्द 'तुमानीनत' अथवा 'तुमानीयत' है।

तमाम (تمام) अ वि –समस्त, समग्र, सब, सपूर्ण, कुल, समाप्त, खत्म, निर्मल, खालिस, अत्यधिक, बहुत जियादा।

तमामतर (تمام‌تر) अ फा वि –सर्व, सारे का सारा, मुकम्मल, पूरा-पूरा।

तमाश (تماشہ) फा पु –दे शु शब्द 'तमाशा'।

तमाशबीन (تماش‌بین) फा वि –ऐयाश, वेश्यागामी, रडीबाज़।

तमाशबीनी (تماش‌بینی) फा स्त्री –ऐयाशी, वेश्यागमन, रडीबाज़ी।

तमाशा (تماشا) अ पु –सैर, तफ़ीह, विहार, दर्शन, दीदार, आनन्द, लुत्फ, क्रीडा, खेल, बाजीगरो या मदारियो आदि का खेल, नाटक आदि का खेल, अद्भुतता, अजूबापन, मनोविनोद, हँसी-मज़ाक, भाँडो या बहुरूपियो की नकल या स्वाँग।

तमाशाई (تماشائی) अ फा वि –तमाशा देखनेवाला या देखनेवाले, कौतुकदर्शी।

तमाशाकुनाँ (تماشاکناں) अ फा वि –सैर करता हुआ, सैर से दिल बहलाता हुआ।

तमाशा ख़ानम (تماشاخانم) अ तु स्त्री –हँसने-हँसानेवाली औरत, ऐसी स्त्री जिसकी बाते बडी मनोरजक हो।

तमाशागर (تماشاگر) अ फा वि –तमाशा करनेवाला, कौतुकी।

तमाशागाह (تماشاگاہ) अ फा स्त्री –वह स्थान जहाँ तमाशा होता हो, क्रीडास्थल, कौतुकागार, लीलागृह।

तमाशावीं (تماشابیں) अ फा वि –तमाशा देखनेवाला, कौतुकदर्शी।

तमासील (تماثیل) अ स्त्री –'तिम्साल' और 'तम्सील' का बहु, आकृतियाँ, मूर्तियाँ, उपमाएँ, तश्बीहे।

तमासुख़ (تماسخ) अ पु –सूरत बिगाड देना, किसी की सूरत इतनी बिगाड देना कि वह पहचान मे न आ सके।

तमीज़ (تمیز) अ स्त्री –'तमईज़' का लघु, विवेक, दो वस्तुओ मे अन्तर समझ सकने की बुद्धि, पहचान, परख, शिष्टता, सभ्यता, तहज़ीब, बुद्धि, मेधा, अक्ल, ज्ञान, सज्ञा, होश, सलीका, कौशल, योग्यता, परीक्षा मे मिलनेवाला विशेष चिह्न, डिस्टिक्शन, विशेष योग्यता।

तमीज़दार (تمیزدار) अ फा वि –शिष्ट, सभ्य, मुहज्जब, कुशल, योग्य, सलीकामद।

तमूज़ (تموز) फा स्त्री –धूप की कडी गर्मी, जेठ-बैसाख की गर्मी।

तम्अ (طمع) अ स्त्री –दे 'तमा', दोनो उच्चारण सही है।

तम्ईज़ (تمئیز) अ स्त्री –दे 'तमीज', उर्दू मे तमीज ही बोला जाता है।

तम्कनत (تمکنت) अ स्त्री –अभिमान, गर्व, घमड, गुरूर, तडक-भडक, टीम-टाम।

तम्कीन (تمکین) अ स्त्री –स्थिरता, पायदारी, प्रतिष्ठा, सम्मान, वक्अत, गभीरता, मतानत, सजीदगी, पद, पदवी, दरजा।

तम्ग़ा (تمغا) तु पु –पदक, मेडिल, राजचिह्न, शाही मुहर, माफी की जमीन की सनद, भूमिधर-पत्र।

तम्जीद (تمجید) अ स्त्री –किसी को महत्ता और प्रतिष्ठा देना, किसी की महत्ता या प्रतिष्ठा का वर्णन करना, स्तुति, कीर्तन, गुणगान, यशोगान, हम्दोसना।

तम्दीद (تمدید) अ स्त्री –खीचना, बढाना, लबा करना; खिंचाव, बढाव, लबाई।

तम्मत (تمت) अ क्रि –समाप्त हुआ, खत्म हुआ।

तम्मत बिलख़ैर (تمت بالخیر) अ क्रि –अच्छाई और सुन्दरता के साथ समाप्त हुआ, जो काम सुगमता और शुद्धतापूर्वक समाप्त हो, उसके लिए कहते है।

तम्माअ् (طماع) अ वि –बहुत अधिक लोभी, अति लोलुप, लिप्सु, लुब्ध।

तम्सील (تمثیل) अ स्त्री –उपमा, तुलना, तश्बीह, समानता, बराबरी, दृष्टान्त, उदाहरण, मिसाल।

तम्सीलन् (تمثیلاً) अ अव्य –उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर।

तम्सीली (تمثیلی) अ वि –उपमा या तुलनावाला, जिसमे कोई तम्सील हो अर्थात् जिसमे किसी असली व्यक्ति के स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति ने उसका पार्ट अदा किया हो।

तय (طے) अ पु –निर्णीत, फैसल, परिपक्व, पुख्ता, समाप्त, खत्म, निश्चित, यकीनी, यमन (अरब) का एक वश जिसमें 'हातिम' हुआ है।

तय्यार (طیارہ) अ पु –वायुयान, विमान, हवाई जहाज।

तय्यार:शिकन (طیارہ‌شکن) अ फा स्त्री –वह तोप जो हवाई जहाज को मार गिराये।

तय्यार (تیار) अ वि –तत्पर, बद्धकटि, आमादा, समाप्त, खत्म, हृष्ट-पुष्ट, मेदुर, लहीम शहीम, परिपूर्ण, मुकम्मल, सुसज्जित, आरास्ता, कोई पदार्थ खाने या प्रयोग करने की अवस्था मे, जैसे–भोजन अथवा कपडा जो सिलने को दिया हो, वस्त्राभूषण आदि से सुसज्जित, कूच, हमले या छापे के लिए कील-कांटे से लैस, उपस्थित, मौजूद, विद्यमान।

तय्यारची (طیارچی) अ तु वि –वायुयान-चालक, हवाई जहाज़ चलानेवाला, पाइलेट।

तय्यिब (طیبہ) अ स्त्री –पवित्रा, पुनीता, मुकद्दस स्त्री, धार्मिक दृष्टिकोण से पवित्र नगरो के विशेषत मदीने के आगे लगाया जानेवाला शब्द।

तय्यिब (طیب) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पाक, विहित, जायज, हलाल, वह धन आदि जो पूरे परिश्रम और पूरी ईमानदारी से कमाया गया हो।

तय्यिबात (طیبات) अ स्त्री –'तय्यिब' का बहु, पवित्रा और पुनीतात्मा स्त्रियाँ।

तरंजुबीन (ترنجبین) अ स्त्री –एक प्रकार की रेचक शकर जो बाज़ पौदो पर जम जाती है और अधिकतर खुरासान (ईरान) से आती है, तुरजबीन, शिकजी, नीबू का शर्बत।

तर (تره) फा पु –शाक, भाजी, साग, तरकारी।

तर (تر) फा वि –आर्द्र, गीला, नवीन, नया, तत्कालीन, ताजा, हाल का, हरा, सब्ज, सरसब्ज, लतपत, लथडा हुआ, घी आदि से चुपडा या उसमें डूबा हुआ, तरतराता, धनवान्, मालदार, (प्रत्य) अत्यधिक, जैसे—'खूबतर' बहुत अधिक उत्तम या सुन्दर।

तरकश (ترکش) फा पु –तीर रखने का लम्बा खोल जो कमर मे लटकाया जाता है, तूणीर, निषग, त्रोण।

तरकशबद (ترکش بند) फा वि –तूणीरधारी, तरकश बांधे हुए, निषगधर।

तरक्क़ी (ترقی) अ स्त्री –उत्थान, उन्नति, उरूज, अधिकता, बहुतायत, ज़ियादती, वृद्धि, बढती, पद या ओहदे मे वृद्धि।

तरक्क़ीपसद (ترقی پسند) अ फा वि –उन्नति और तरक्की चाहनेवाला, एक साहित्यिक दल जो साम्यवादी विचारो का प्रचारक और देश में साम्यवाद का हामी है।

तरक्क़ी पिज़ीर (ترقی پذیر) अ फा वि –दे 'तरक्कीयाफ्त', उन्नतिप्राप्त (पिज़ीर=प्राप्त)।

तरक्क़ीयाफ़्त (ترقی یافتہ) अ फा वि –समुन्नत, वर्द्धमान, तरक्की को पहुँचा हुआ, सुसभ्य, सुशिष्ट, मुहज्ज़ब।

तरज़बान (تر زبان) फा वि –किसी की प्रशसा करनेवाला, मद्हख्वाँ, सुन्दर और शिष्ट भाषण देनेवाला, सुवक्ता।

तरजुमान (ترجمان) अ पु –एक भाषा से दूसरी भाषा में बदलनेवाला, भाषान्तरकार, दो ऐसे व्यक्तियो के बीच मे मध्यस्थता करनेवाला जो एक दूसरे की भाषा न समझते हो, द्विभाषी।

तरजुमानी (ترجمانی) अ फा स्त्री –दो भाषाओ का उल्था, दो भाषाभाषियो मे मध्यस्थता।

तरज्जी (ترجی) अ स्त्री –ऐसी वस्तु के मिलने की आशा जिसकी प्राप्ति सभव हो, आशा, आस, उम्मेद।

तरदस्त (تردست) फा वि –स्फूर्तियुक्त, चुस्त, फुर्तीला, हाथ से होनेवाली कारीगरी (दस्तकारी, हस्तशिल्प) में दक्ष और होशियार, प्रवीण, कुशल, माहिर।

तरदामन (تردامن) फा वि –जो दामन बचाकर न निकल सका हो बल्कि जिसका दामन सन गया हो अर्थात् किसी अपराध में लिप्त, मुज्रिम, पापी, गुनाहगार।

तरदिमाग़ (تردماغ) फा वि –मस्त, मतवाला, बुद्धिमान्, अक्लमद, ठडादिमाग, स्थिरप्रज्ञ, सावधान।

तरद्दुद (تردد) अ पु –चिन्ता, शोच, सोच, फ़िक्र, असमजस, दुविधा, पसोपेश, घबराहट, आतुरता, परेशानी, खेत की जुताई-बुवाई आदि, कृषि-कर्म।

तरन्नुम (ترنم) अ पु –स्वर-माधुर्य, खुश इल्हानी, हलका गाना, मधुर गान।

तरन्नुमज़ा (ترنم زا) अ फा वि –ऐसा स्वर जिससे तरन्नुम टपके, अत्यन्त मधुर स्वर, मधुर स्वर उत्पादक।

तरन्नुमरेज़ (ترنم ریز) अ फा वि –तरन्नुम से पढनेवाला, तरन्नुम से पढता हुआ।

तरन्नुमरेज़ी (ترنم ریزی) अ फा स्त्री –तरन्नुम से पढना।

तरफ़ (طرف) अ स्त्री –दशा, ओर, सिम्त, सिरा, किनारा, जानिब, लिहाज, आदर, पास, पक्ष, पार्टी।

तरफ़दार (طرفدار) अ फा वि –पक्षपाती, हिमायती, सहायक, मददगार।

तरफ़दारी (طرفداری) अ फा स्त्री –पक्षपात, हिमायत, सहायता, मदद।

तरफ़ैन (طرفین) अ स्त्री –दोनो पक्ष, दोनो पार्टियाँ, उभय पक्ष।

तरफ़्फ़ुह (ترفہ) अ पु –समृद्धि, विभव, सपन्नता, खुशहाली।

तरफ़्फ़ो (ترفع) अ पु –अपने को सबसे ऊँचा समझना, अहकार, अहवाद, गर्व, गुरूर।

तरब (طرب) अ पु –आनन्द, आह्लाद, हर्ष, उल्लास, सौमनस्य, खुशी, मसर्रत।

तरबअंगेज (طرب انگیز) अ फा वि —खुशी बढानेवाला, आनन्दवर्धक, हर्षजनक।

तरबअफ़ज़ा (طرب افزا) अ फा वि —दे 'तरबअगेज'।

तरबगाह (طربگاہ) अ फा स्त्री —वह स्थान जहाँ खुशियाँ मनाई जा रही हो।

तरबखेज़ (طرب خیز) अ फा वि —दे 'तरबअगेज'।

तरबज़ा (طرب زا) अ फा वि —खुशी उत्पन्न करनेवाला, हर्षजनक, आनदोत्पादक।

तरबसंज (طرب سنج) अ फा वि —तोल-तोलकर आनन्द का ढेर लगानेवाला, बहुत अधिक खुशियो का मालिक।

तरबुज़ (تربز) फा पु —तरबूज, एक प्रसिद्ध फल, कलीदा, कालिंद, कलिंग, चित्रफल, मासफल, फलवर्तुल।

तरश्शुह (ترشح) अ पु —हल्की-हल्की फुहार, बूँदा-बाँदी, रिसना, क्षरना, टपकना, प्रकट होना, जाहिर होना।

तरह (طرح) अ स्त्री —न्यास, नीव, बुनियाद, पद्धति, शैली, तर्ज़, वेशभूषा, वज्'अ, समान, भाँति, मिस्ल, घटाना, व्यवकलन, तफीक, प्रकार, ढग, टालना, झगडे को बढने न देना, युक्ति, तरकीब, जुगत, मुशाइरे के लिए मिला, जिससे उसकी बह्र और रदीफो काफिया जाना जाता है, समस्या।

तरहदार (طرحدار) अ फा वि —बाँका, छबीला, चुटपुटा, नाज़ोअदाज़वाला, (माशूक) वज़ाअदार।

तरहदारी (طرحداری) अ फा स्त्री —बाँकापन, छबीलापन, हाव-भाव, नाज़-नख़्रा, हुस्न, सौन्दर्य।

तराइक़ (طرائق) अ पु —'तरीका' का बहु, तरीके।

तराज़ (طراز) फा पु —दे 'तिराज़', वही शुद्ध है।

तराज़िदः (طرازندہ) फा वि —दे 'तिराज़िद' वही शुद्ध है।

तराजिम (تراجم) अ पु —'तर्जम' का बहु 'तर्जमे'।

तराज़िए तरफ़ैन (تراضیٔ طرفین) अ स्त्री —दोनो पक्षो की रज़ामदी, उभयपक्ष की स्वीकृति।

तराजी (تراجی) अ स्त्री —एक दूसरे से आशा रखना।

तराज़ी (تراضی) अ स्त्री —एक दूसरे से रज़ामद होना, रज़ामदी, अगीकृति।

तराज़ू (ترازو) फा स्त्री —तौलने का यत्र, तुला, तखरी, मीज़ान।

तराज़ूए अद्ल (ترازوۓ عدل) फा अ स्त्री —वह तराज़ू जिसके दोनो पल्लो मे तनिक भी अन्तर न हो, न्याय-तुला।

तराज़ूए सगज़न (ترازوۓ سنگ زن) फा स्त्री —वह तराज़ू जिसमें पासग हो।

तरानः (ترانہ) फा पु —गान, गाना, नग्म., एक विशेष प्रकार का गीत।

तरानःज़न (ترانہ زن) फा वि —गानेवाला, गायक, गाता हुआ।

तरान.रेज़ (ترانہ ریز) फा वि —दे तरान ज़न।

तरान सज (ترانہ سنج) फा वि,—दे 'तरान ज़न'।

तरान.सरा (ترانہ سرا) फा वि —दे 'तरान ज़न'।

तरानःसाज़ (ترانہ ساز) फा वि —दे. 'तरान ज़न'।

तरारः (طرارہ) उ पु —दे 'तर्रार', वही शुद्ध है।

तरावत (طراوت) अ स्त्री —शीतलता, ठडक, तरी, सर-सब्ज़ी, हरियालापन, ताज़गी, दिल और दिमाग की ठडक।

तराविश (تراوش) फा स्त्री —टपकन, रजिश।

तराविशे क़लम (تراوشِ قلم) फा अ स्त्री —कलम की टपकन, अर्थात् सियाही की तहरीर।

तराविशे फ़िक्र (تراوشِ فکر) फा अ स्त्री —कल्पना-शक्ति की टपकन, दिमाग की उतरन, मज़्मून, निबन्ध आदि।

तरावीह (تراویح) अ स्त्री —रमज़ान के महीने की नमाज़ जो रात में पढी जाती और जिसमें, कुरान सुनाया जाता है।

तराश. (تراشہ) फा पु —किसी वस्तु को छीलने में निकला हुआ फोक, छीलन, पत्थर तराशने की छेनी, टाँकी; फाँक, काश।

तराश (تراش) फा स्त्री —कटाव, काट-छाँट, कतर-ब्योत, काटने का ढग, कटाव की शक्ल, आविष्कार, ईजाद, धार, बुरिश, काट, (प्रत्य०) काटनेवाला, जैसे—'जेबतराश' जेब काटनेवाला।

तराश ख़राश (تراش خراش) फा स्त्री —वेशभूषा, वज़ा कता, काट-छाँट, कतरब्योत।

तराशिदः (تراشندہ) फा वि —काटनेवाला, छीलनेवाला, कतरनेवाला।

तराशीद. (تراشیدہ) फा वि —काटा हुआ, छीला हुआ, कतरा हुआ, मनगढत, कपोल-कल्पित।

तरिक (ترکہ) अ पु —वह धन और सपत्ति जो किसी के मरने पर उसके उत्तराधिकारियो को मिलती है, दाय, रिक्थ।

तरी (تری) फा स्त्री —आर्द्रता, गीलापन, खुश्की का उलटा, पानी का स्थान, सील, नमी, सीड, समृद्धि, धनाढ्यता, मालदारी।

तरी (طری) अ वि —ताज़ा, सरसब्ज़, हरा भरा।

तरीक़ः (طریقہ) अ पु —प्रणाली, शैली, तर्ज़, युक्ति, तरकीब, पथ, मश्रब, नियम, काइदा, परम्परा, रिवाज, चाल-ढाल, रविश, वेशभूषा, वज़ा कता।

तरीक़ (طریق) अ पु —"बका का नाम कोई भूलकर नही लेता—तेरे तरीक ने चौंका दिया, ज़माने को", मार्ग, रास्ता;

शैली, रविश, परम्परा, रिवाज; धर्म, मज़्हब, युक्ति, तरकीब, नियम, दस्तूर।

तरीक़ए ता'लीम (طریقۂ تعلیم) अ पु –शिक्षा-प्रणाली, शिक्षणशैली, पढ़ाने का ढंग।

तरीक़त (طریقت) अ स्त्री –आत्मशुद्धि, अंत शुद्धि, दिल की पाकीज़गी, ब्रह्मज्ञान, अध्यात्म, तसव्वुफ़।

तरीक़े अमल (طریق عمل) अ पु –काम करने का तरीक़ा, कार्य-प्रणाली, कार्य-पद्धति।

तरीन (ترین) फा प्रत्य –सबसे अधिक, जैसे—'बदतरीन' सबसे अधिक खराब, निकृष्टतम।

तरोताज़. (تروتازہ) फा वि –सरसब्ज़, हरा-भरा, प्रफुल्ल, आनंदित, हशाशबशाश, बशाशाश।

तर्क (ترک) अ पु –त्याग, परित्याग छोड़ना, भूल, भूल में छूट जाना, सह्‌व।

तर्क़ीक़ (ترقیق) अ स्त्री –पतला करना, पानी की तरह पतला करना, पतलापन, तरलता, रक़ीक़ (द्रव) से बना।

तर्कीब (ترکیب) अ स्त्री –मिश्रण, मिलाना, बनावट, साख्त, युक्ति, तद्‌बीर, ढंग, प्रणाली, तरीक़ा, किसी विशेष चीज़ के बनाने का ढंग, व्याकरण में किसी वाक्य के शब्दों का परिच्छेद।

तर्कीब बंद (ترکیب بند) अ फा पु –नज़्म की एक किस्म, जिसमें कई बंद होते हैं, हर बंद अलग-अलग रदीफ़ क़ाफ़िए में होता है और हर बंद के खतम पर एक नया शे'र लाते हैं जो अलग रदीफ़ क़ाफ़िए का होता है, इसमें और 'तर्जीअ बंद' में यही भेद है कि उसमें टीप का शे'र एक ही होता है जो बार-बार आता है और इसमें टीप के सब शे'र अलग-अलग होते हैं।

तर्कीबे इस्ते'माल (ترکیب استعمال) अ स्त्री –किसी दवा के खाने की तरकीब, सेवनविधि।

तर्कीबे नह्‌वी (ترکیب نحوی) अ स्त्री –वाक्य-विश्लेषण, विग्रह।

तर्कीबे सर्फ़ी (ترکیب صرفی) अ स्त्री –शब्द-निरुक्ति, संधि-विच्छेद, पदान्वय।

तर्कुह (ترقوہ) अ स्त्री –हँसली की हड्डी।

तर्के अदब (ترک ادب) अ पु –किसी के साथ जिस सम्मान या नम्रता से पेश आना चाहिए उसका त्याग देना, आदर-त्याग, गुस्ताखी, बदतहज़ीबी।

तर्के अलाइक़ (ترک علائق) अ पु –सांसारिक विषयवासना का त्याग, गृहस्थी और बाल-बच्चों का त्याग, निवृत्ति।

तर्के दुन्या (ترک دنیا) अ पु –संसार के झगड़ों का त्याग, मोहत्याग, विषयत्याग।

तर्के वतन (ترک وطن) अ पु –स्वदेश-त्याग, प्रवास, निर्वासन, जलावतनी।

तर्के लज़्ज़ात (ترک لذات) अ पु –सुख-चैन और अच्छा खाना-पीना छोड़ देना, निवृत्ति।

तर्के मुवालात (ترک موالات) अ पु –मिल-जुलकर काम करना छोड़ देना, असहयोग, अदमे तआउन।

तर्ग़ीब (ترغیب) अ स्त्री –लालच देना, प्रलोभन, उत्तेजना, इश्तिआल, प्रेरणा, शौक़, वरग़लाना, बहकाना।

तर्ज़ (طرز) अ उभ –शैली, पद्धति, ढंग, स्वभाव, आदत, वेशभूषा, वज़ा-कता।

तर्जमः (ترجمہ) अ पु –अनुवाद, भाषान्तर, उल्था, तर्जुमा भी प्रचलित है।

तर्जीअ (ترجیع) अ स्त्री –जाकर वापस आना, प्रत्यागमन, किसी के मरने पर 'इन्नालिल्लाह' कहना।

तर्जीअबंद (ترجیع بند) अ फा पु –नज़्म की एक किस्म जिसमें कई बंद होते हैं, हर बंद अलग-अलग रदीफ़ क़ाफ़िए में होता है और हर बंद की समाप्ति पर एक शे'र आता है जिसका रदीफ़ क़ाफ़िया जुदा होता है, और यह शे'र हर बंद की समाप्ति पर आता है, बरखिलाफ़ 'तर्कीबबंद' के जिसमें बीच का हर शे'र नया होता है।

तर्जीह (ترجیح) अ स्त्री –प्रधानता, श्रेष्ठता, फ़ौक़ियत, किसी व्यक्ति, विषय या वस्तु को उसी जैसे दूसरे व्यक्ति, विषय या वस्तु पर प्रधानता देना।

तर्जीहे बिलामुरज्जेह (ترجیح بلامرجح) अ स्त्री –एक को दूसरे पर बिना कारण के प्रधानता देना।

तर्जुमान (ترجمان) अ पु –दे 'तरजुमान'।

तर्ज़े अदा (طرز ادا) अ फा उभ –काव्य प्रणाली, शाइरी का तर्ज़, हाव-भाव का तर्ज़, नाज़ोअदाज़।

तर्ज़े कलाम (طرز کلام) अ उभ –बात करने का ढंग, वाक्शैली।

तर्ज़े गुफ़्तुगू (طرز گفتگو) अ फा उभ –वार्ताशैली, बात-चीत करने का तरीक़ा।

तर्ज़े तक़रीर (طرز تقریر) अ उभ –भाषण-शैली, वाक् प्रणाली, तक़रीर करने का ढंग।

तर्ज़े तहरीर (طرز تحریر) अ उभ –लेखन-शैली, लिखने का ढंग।

तर्ज़े रफ़्तार (طرز رفتار) अ फा उभ –चलने का ढंग, गमनप्रकार।

तर्ज़ोअंदाज़ (طرز و انداز) अ फा पु –वज़ा-क़ता, रंग-ढंग, चाल-ढाल।

तर्तीब (ترتیب) अ स्त्री—क्रम, सिलसिला, प्रबध, बदोबस्त, सज्जा, दुरुस्ती, चद चीजो को यथास्थान ठीक-ठीक रखना, हर चीज का उसके मुताबिक दर्जा नियुक्त करना।

तर्तीब (ترطیب) अ स्त्री—ठडा करना, शीतल करना, शरीर के किसी अग मे तरी पहुँचाना।

तर्तीबवार (ترتیب وار) अ फा वि—तर्तीब से एक के बाद एक।

तर्तील (ترتیل) अ स्त्री—कुरान को उसके शुद्ध उच्चारण के साथ, धीरे-धीरे और इत्मीनान से पढना।

तर्दीद (تردید) अ स्त्री—रद्द करना, लौटाना, खडन करना, काटना, किसी बात को झूठ साबित करना, किसी के लगाए हुए दोष को ग़लत प्रमाणित करना।

तर्फः (طرفہ) अ पु—एक बार पलक झपकाना, नवाँ नक्षत्र, श्लेषा, नाखून रोग, जिसमे आँख मे एक लाल बूँद पड जाती है।

तर्फ (طرف) अ. पु—पलक झपकाना, आँख, देखना, कोना, कनारा, गोशा, सुनहरी पेटी जो कमर मे सजावट के लिए बाँधते है, सोने-चाँदी की जजीर जो कमर मे बाँधी जाती है।

तर्फतुलऐन (طرفة العین) अ पु—एक बार पलक का झपकना, बहुत जरा-सी देर।

तर्बियत (تربیت) अ स्त्री—पालन-पोषण, परवरिश शिक्षा, तालीम, सभ्यता और शिष्टाचार की शिक्षा; तादीब, ट्रेनिंग, प्रशिक्षण, सुधार।

तर्बियतयाफ़्तः (تربیت یافتہ) अ फा वि—जो शिष्टता और सभ्यता की शिक्षा पा चुका हो, सभ्य, शिष्ट, ट्रेनिंग पाया हुआ, प्रशिक्षित।

तर्मीम (ترمیم) अ स्त्री—मरम्मत करना, सँवारना, दुरुस्त करना, काट-छाँट, इस्लाह, सशोधन, किसी प्रस्ताव में काट-छाँट, परिवर्तन।

तर्रार (طرار) अ. वि—तेज बोलनेवाला, वाचाल, मुखर, चालाक, दक्ष, कुशल, छली, वचक, हीलागर, चुलबुला, चपल, शोख।

तर्रारी (طراری) अ स्त्री—छल, कपट, ठगी, चपलता, चचलपन, शोखी, वाचालता, मुखरता, चौकडी, कुलाच।

तर्वीज (ترویج) अ स्त्री—रिवाज देना, प्रचलित करना, फैलाना; प्रचार करना, तब्लीग़ करना।

तर्स (ترس) फा पु—भय, डर, खौफ।

तर्सनाक (ترسناک) फा वि—भयभीत, डरा हुआ, भयाक्रात, भयत्रस्त।

तर्सां (ترساں) फा वि—भयभीत, त्रस्त, भयार्त, खौफज़दा।

तर्सा (ترسا) फा पु—ईसाई, ख्रिष्टीय, आतशपरस्त, अग्निपूजक, पार्सी।

तर्साबचः (ترسابچہ) फा पु—ईसाई खूबसूरत लडका; पार्सी खूबसूरत लडका।

तर्सिदः (ترسندہ) फा वि—डरनेवाला।

तर्सीअ (ترصیع) अ स्त्री—किसी ज़ेवर पर नगीने जडना, इबारत के दो जुमलो मे एक वज़न और काफिए के शब्द लाना।

तर्सीदः (ترسیدہ) फा वि—डरा हुआ, भयत्रस्त।

तर्सील (ترسیل) अ स्त्री—भेजना, प्रेषण, रुपया या खत आदि भेजना।

तर्ह (طرح) अ स्त्री—दे 'तरह', दोनो शुद्ध है, बुनियाद, नीव।

तर्हअदाज (طرح انداز) अ फा वि—नीव डालनेवाला, बुनियाद रखनेवाला।

तर्हअफगन (طرح افگن) अ फा वि—दे 'तर्हअदाज'।

तर्ही (طرحی) अ वि—तर्हवाला, वह मिस्रा जो किसी मुशायरे की तर्ह हो।

तर्हनौ (طرح نو) अ फा स्त्री—नयी बुनियाद, नये सिरे से कोई तामीर, नये सिरे से कोई काम, अनुष्ठान।

तल (طل) अ स्त्री—ओस, शबनम।

तलज्जुज (تلذذ) अ पु—मजा पाना, स्वाद पाना, स्वाद, मजा, लज्जत, आनन्द।

तलत्तुफ (تلطف) अ पु—कृपा, दया, मेहरबानी।

तलफ (تلف) अ पु—नष्ट, विनष्ट, बरबाद, तबाह, हत, हलाक, मृत।

तलफ़्फ़ुज (تلفظ) अ पु—उच्चारण, मुँह से शब्द निकालना।

तुलबः (طلبہ) अ पु—'तालिब' का बहु, विद्यार्थी लोग।

तलब (طلب) अ. स्त्री—माँगना, याचना, अभियाचना, तकाजा; वेतन, तनख्वाह, इच्छा, चाह, ख्वाहिश, बुलावा, तलबी, किसी नशीली वस्तु—जिसके खाने या पीने का अभ्यास हो—की चाह।

तलबगार (طلبگار) अ फा वि—इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमद, "इक बार दिखाकर चले जाओ झलक अपनी, हम जल्वए-पैहमके तलबगार कहाँ है ?"—हसरत मोहानी।

तलबा (طلبا) अ पु—'तालिब' का बहु, विद्यार्थीगण, तालिबेइल्म।

तलबानः (طلبانہ) अ फा पु—अदालत में गवाहो आदि के बुलाने को जमा होनेवाला सफरखर्च आदि।

तलबी (طلبی) अ स्त्री —आवाहन, बुलावा, न्यायालय मे सम्मन द्वारा बुलावा।

तलबीद (طلبیدہ) फा वि —बुलाया हुआ, आहूत, सम्मन द्वारा बुलाना।

तलब्बुस (تلبس) अ पु —कपडे पहनना।

तलम्मुज़ (تلمذ) अ पु —शिष्य होना, शागिर्द होना, शिष्यता, शागिर्दी, विशेषत शाइरी की शागिर्दी।

तलव्वुन (تلون) अ पु —रग बदलना, कभी कुछ होना कभी कुछ।

तलव्वुन मिज़ाज (تلون مزاج) अ वि —जो कभी कुछ सोचे कभी कुछ, जिसकी राय हर समय बदलती रहे, अस्थिर-चित्त।

तलव्वुस (تلوث) अ पु —सनना, लथडना, भरना।

तलाक़ (طلاق) अ स्त्री —विवाह-विच्छेद, मियाँ-बीवी का सम्बन्ध समाप्त करनेवाला अमल।

तलाक़त (طلاقت) अ स्त्री —ज़बान की तेज़ी, वाक्य-पटुता।

तलाक़ी (طلاقی) अ स्त्री —परस्पर मिलना, मुलाकात करना, भेंट करना।

तलाके बाइन (طلاق بائن) अ स्त्री —वह तलाक जिसमें विच्छिन्ना स्त्री जब तक दूसरे आदमी से विवाह न कर ले और उसके साथ सहवास न हो जाय, तब तक पहला आदमी उससे विवाह नही कर सकता।

तलाके मुग़ल्लज़ (طلاق مغلظہ) अ स्त्री —वह तलाक जिसमें फिर पुरुष, विच्छिन्ना स्त्री से विवाह कदापि नही कर सकता।

तलाके रज्ई (طلاق رجعی) अ स्त्री —वह तलाक जिसमें पुरुष स्त्री से पुन विवाह कर सकता है।

तलाके शिकम (طلاق شکم) अ स्त्री —पेट चलना, दस्त आना।

तलातुम (تلاطم) अ पु —पानी का मौजें मारना, तुग्यानी, बाढ।

तलाफी (تلافی) अ स्त्री —क्षतिपूर्ति, हानि की पूर्ति, नुक्सान का बदला, तदारुक।

तलाफीए माफात (تلافئ مافات) अ स्त्री —नुक्सान की तलाफी, क्षतिपूर्ति।

तलामिज़ (تلامذہ) अ पु —'तिलमीज़' का बहु, शागिर्द लोग।

तलामीज़ (تلامیذ) अ पु —दे 'तलामिज़'।

तलाय (طلایہ) तु पु —रात्रि में पहरा देनेवाली सेना।

तलायगर्दी (طلایہ گردی) तु फा स्त्री —सेना की रात्रि में पहरा देने की ड्यूटी।

तलायःदार (طلایہ دار) तु फा पु —तलाय का नायक।

तलाश (تلاش) तु स्त्री —खोज, टोह, जुस्तुजू।

तलाशी (تلاشی) तु स्त्री —ढूंढ, खोज, जुस्तुजू, सरकारी आज्ञा से किसी के मकान आदि की छानबीन।

तलीअ (طلیعہ) अ पु —दे 'तलाय'।

तलीक़ (طلیق) अ वि —स्वच्छद, मुक्त, आज़ाद, निरकुश।

तलीक़ुल्लिसान (طلیق اللسان) अ वि —जिसकी ज़बान आज़ाद हो, जो चाहे कहे, मुँहफट, मुक्तकठ, वाक्यपटु, तक्कार।

तलीक़ुल यदैन (طلیق الیدین) अ वि —मुक्तहस्त, फैयाज़, दोनो हाथो से देनेवाला।

तल्अत (طلعت) अ स्त्री —मुख, आकृति, चेहरा, रूप, शोभा, छटा, दर्शन, दीदार।

तल्ईन (تلئین) अ स्त्री —नर्म करना, मुलाइम करना, हलका जुलाब।

तल्क़ (طلق) अ पु —अब्रक, अभ्रक, मदिरा, शराब, दर्दे ज़ेह, प्रसव-कष्ट।

तल्क़ीन (تلقین) अ स्त्री —दीक्षा देना, गुरुमत्र देना, पीर का मुरीद को अमल आदि पढाना, सदुपदेश, वा'ज़, नसीहत।

तल्ख़ः (تلخہ) फा पु —पित्त, सफ़ा, पित्ताशय, सफ़ा की थैली।

तल्ख़ (تلخ) फा वि —कडवा, कटु, अरुचिकर, नागवार।

तल्ख़काम (تلخ کام) फा वि —असफलमनोरथ, नामुराद।

तल्ख़गो (تلخ گو) फा वि —कटुभाषी, कडवी बातें करनेवाला, सत्यभाषी, ठीक बात कहनेवाला।

तल्ख़ज़बाँ (تلخ زباں) फा वि —दे 'तल्ख़गो'।

तल्ख़ाब (تلخاب) फा पु —दे 'तल्ख़ाब' (तल्ख़=कडुवा+आब=पानी)।

तल्ख़ाब (تلخاب) फा पु —ज़हर का पानी, ऐसा पानी जो पिया न जा सके।

तल्ख़ाबे ग़म (تلخاب غم) फा अ पु —प्रेम के दुख का पानी रूपी विष।

तल्ख़ी (تلخی) फा स्त्री —कटुता, कडवापन, सत्यता, सच्चाई, दुःशीलता, कज अख़्लाकी।

तल्ख़ीस (تلخیص) अ स्त्री —सक्षिप्त, साररूप, खुलासा, निर्मलता, शुद्धता, खालिसपन।

तल्मीज़ (تلمیذ) अ पु —दे 'तिल्मीज़', शुद्ध यही है।

तल्मीह (تلمیح) अ स्त्री —किसी की ओर उचटती हुई दृष्टि डालना, शे'र या बयान में किसी किस्से की ओर सकेत।

तल्मीहतलब (تلمیح طلب) अ वि –ऐसा शे'र या मज़्मून जिसमे किसी किस्से या बात की व्याख्या ज़ुरूरी हो।

तल्वीन (تلوین) अ स्त्री –रग भरना, रग-बिरगी करना।

तवक्कुफ़ (توقف) अ पु –विलब, ढील, देर।

तवक्कुल (توکل) अ पु –सासारिक साधनो का भरोसा हटाकर सारे काम ईश्वर की मर्ज़ी पर छोड देना।

तवक़्क़ो' (توقع) अ पु –आशा, भरोसा, उम्मीद।

तवज्जोह (توجہ) अ पु –किसी की ओर मुँह करना, ध्यान देना, ध्यान, रुजूअ, गौर, अधिक ध्यान, कृपा, दया, मेहरबानी।

तवत्तुन (توطن) अ पु –वतन बनाना, रहने लगना।

तवर्रो' (تورع) अ पु –सयम, यतिधर्म, आत्मसयम, परहेजगारी, ज़ुहद्।

तवल्ला (تولی) अ पु –प्रेम, स्नेह, भक्ति, मुहब्बत।

तवल्लुद (تولد) अ पु –उत्पत्ति, पैदाइश, लडका पैदा होना।

तवस्सुत (توسط) अ पु –बीच की राह पकडना, न बहुत अधिकता न बहुत कमी, मध्यस्थता, बिचौलियापन।

तवस्सुल (توسل) अ पु –किसी को किसी काम के लिए वसीला बनाना, सहारा पकडना, मा'रिफ़त, ज़रीअ।

तवहहुम (توہم) अ पु –भ्रम मे डालना, भ्रम में पडना, भ्रम, भ्रान्ति, वह्म।

तवहहुमपरस्त (توہم پرست) अ फा वि –वह्म की बातो को माननेवाला, ऐसी बातो पर विश्वास रखनेवाला जिनका कोई अस्तित्व नही है, भ्रमवादी।

तवहहुमपरस्ती (توہم پرستی) अ फा स्त्री –निराधार और काल्पनिक चीजो पर विश्वास रखना।

तवहहुश (توحش) अ पु –वहशी बनना, वहशत होना, किसी चीज से घबराना, भागना।

तवाइफ़ (طوائف) अ स्त्री –'ताइफ़' का बहु, रडी, गणिका, वारमुखी, क्रीडानारी, वर्चटी, विभावरी, नगरनायिका, वेश्या, मगलामुखी।

तवाइफ़ज़ाद: (طوائف زادہ) अ फा पु –गणिकात्मज, वेश्यापुत्र, रडी का लडका।

तवाइफ़ुल मुलूकी (طوائف الملوکی) अ स्त्री –देश का उथल-पुथल, राज का कुप्रबंध, राजगद्दी का बार-बार परिवर्तन, गृह-युद्ध आदि का कुचक्र।

तवाज़ुन (توازن) अ पु –दोनो पल्लो मे बोझ बराबर होना, सतुलन, एतिदाल, हमवज़्नी।

तवाज़ुनेक़ुव्वत (توازن قوت) अ पु –दोनो ओर शक्ति की समानता।

तवाज़ी (توازی) अ स्त्री –परस्पर बराबर होना, परस्पर बराबर अन्तर होना, समानान्तर।

तवाज़ो' (تواضع) अ पु –आदर, सत्कार, इज़्ज़त, आवभगत, ख़ातिरदारी, आतिथ्य, मेहमाँदारी, नम्रता, विनति, आजिजी, ख़ाकसारी।

तवातुर (تواتر) अ पु –निरतरता, अनवरतता, लगातारपन, तसलसुल।

तवाफ़ (طواف) अ पु –किसी चीज के चारो ओर फिरना, परिक्रमण, परिक्रमा, प्रदक्षिणा, पैकरमा।

तवाफ़ुक़ (توافق) अ पु –परस्पर एक जगह रहना, एक दूसरे के अनुकूल होना, एक दूसरे की सहायता करना, एक जैसा होना, सदृशता, यकसानियत।

तवाफ़ुक़े लिसानैन (توافق لسانین) अ पु –दो विभिन्न भाषाओ के किसी शब्द का एक जैसा होना, बनावट में भी और अर्थ मे भी, जैसे—"फ़ुल्ल" अरबी और सस्कृत दोनो में फूल को कहते है।

तवाबिल (توابل) फा पु –गरम मसाले, काली मिर्च, लौंग, इलाइची, जीरा आदि।

तवाबे' (توابع) अ पु –'ताबे' का बहु, अधीन लोग, अनुयायी लोग।

तवारी (تواری) अ स्त्री –छुपना, पोशीदा होना, गुप्ति, गोपन, लोप, पोशीदगी।

तवारीख़ (تواریخ) अ स्त्री –'तारीख़' का बहु, तारीखें, तिथियाँ, इतिहास, किसी देश की तारीख़।

तवारुद (توارد) अ पु –परस्पर एक जगह उतरना; दो शाइरो के किसी शे'र का मज़्मून एक हो जाना, भावसाम्य।

तवालत (طوالت) अ स्त्री –लम्बाई, दीर्घता, आयाम; विलम्ब, ढील, देर, बखेडा, झझट, दर्देसर, मुद्दत की लम्बाई।

तवालिए इज़ाफ़ात (توالئ اضافات) अ स्त्री –किसी वाक्य के शब्दो में बहुत-सी इज़ाफ़तो का इकट्ठा हो जाना, जैसे—'आप के घर के मालिक के बेटे का नौकर' या जैसे—'गुले सरसब्ज़े बागे ख़ुल्देबरी', यह दोष है।

तवाली (توالی) अ स्त्री –लगातार आना या होना।

तवालुद (توالد) अ पु –सतान उत्पन्न करना, यह शब्द अकेला नही आता वरन् 'तनासुल' के साथ मिलकर 'तवालुदो तनासुल' बोला जाता है, दे 'तनासुल'।

तव्वाब (تواب) अ पु –तौब (पापो की क्षमा याचना) स्वीकार करनेवाला, ईश्वर का नाम।

तशक़्क़ुक़ (تشقق) अ पु –फटना, शक़ होना।

तशक्कुक (تشکک) अ पु –भ्रम और शका मे पड़ना, सदेह, शका, भ्रम, शक।

तशक्कुर (تشکر) अ पु –शुक्रिय अदा करना, धन्यवाद देना, कृतज्ञता प्रकट करना।

तशक्कुल (تشکل) अ पु –किसी चीज़ का साकार होना।

तशक्की (تشکی) अ स्त्री –गिला करना, उलाहना देना।

तशख्खुस (تشخص) अ पु –निश्चित होना, मुअय्यन होना।

तशत्तुत (تشتت) अ पु –तितर-बितर होना, अस्त-व्यस्त होना, मुतशिर होना।

तशद्दुद (تشدد) अ पु –सख्ती करना, जुल्म करना, अत्याचार करना, मारपीट करना।

तशन्नुज (تشنج) अ पु –किसी अग का अकडना, इस प्रकार अकडना कि झुके नही, अकडन, ऐठन।

तशफ़्फी (تشفی) अ स्त्री –सान्त्वना, ढाढस, तसल्ली, रोगमुक्ति, शिफा।

तशब्बुह (تشبه) अ पु –सदृश होना, एक-जैसा होना, एकरूपता, सादृश्य, हमशक्ली।

तशय्यो' (تشیع) अ पु –शीआ होना, अपने को शीआ बताना।

तशर्रो' (تشرع) अ पु –शरीअत (धर्मशास्त्र) पर चलना।

तशह्हुद (تشہد) अ पु –'कलिमए शहादत' पढना।

तशाउर (تشاعر) अ पु –अपने को शाइर (कवि) बताना, झूठा शाइर (शायर) बनना।

तशाबुह (تشابہ) अ पु –परस्पर एक-जैसा होना, एक-जैसी आयतें (कुरान के वाक्य) होने के कारण हाफिज़ का कुरान की आयतो को कही का कही मिला देना।

तशावुर (تشاور) अ पु –परस्पर सलाह-मशवरा करना, विचार-विनिमय करना, परामर्श करना।

तश्कीक (تشکیک) अ स्त्री –किसी को शका या भ्रम मे डालना।

तश्ख़ीस (تشخیص) अ स्त्री –नियुक्ति करना, निश्चय करना, जाँचना, जानकारी के लिए परखना।

तश्ख़ीसे मरज़ (تشخیص مرض) अ स्त्री –रोग-निदान, बीमारी की जाँच।

तश्त (تشت) फा. पु –थाली, बडी रिकेबी, थाल, परात।

तश्त अज़ बाम (تشت از بام) फा अव्य –भेद खुलना, बात सबमें फैल जाना।

तश्तरी (تشتری) फा स्त्री –रिकाबी, प्लेट।

तश्दीद (تشدید) अ स्त्री –एक अक्षर को दो बार पढना, द्वित्व, उर्दू में तश्दीद का चिह्न (ّ)।

तश्नः (تشنہ) फा वि –प्यासा, तृषित, पिपासित, अतृप्त, जिसका जी न भरा हो, तिश्ना भी प्रचलित।

तश्नःकाम (تشنہ‌کام) फा वि –तृषित, प्यासा, असफल-मनोरथ, नाकाम।

तश्नःजिगर (تشنہ‌جگر) फा वि –असफलकाम, 'नाकामयाब, अभिलाषी, मुश्ताक।

तश्नःलब (تشنہ‌لب) फा वि –जिसके ओठ प्यास के मारे सूख गये हो, बहुत प्यासा,—'उम्मीदे लुत्फ आपसे है इक खयाले खाम—कब तश्नालब की प्यास बुझी है सराब से।"

तश्नए ख़ूँ (تشنۂ خوں) खून का प्यासा, जान का दुश्मन, प्राणघातक।

तश्नए दीदार (تشنۂ دیدار) देखने का भूखा, बहुत अधिक अभिलाषी।

तश्नगी (تشنگی) फा स्त्री –प्यास, तृष्णा, पिपासा; लालसा, अभिलाषा, इश्तियाक।

तश्नीअ' (تشنیع) अ स्त्री –बुरा-भला कहना, लानत-मलामत करना।

तश्बीब (تشبیب) अ स्त्री –कसीदे मे शुरू के शे'र जिनमें कोई दृश्य या किसी घटना का वर्णन होता है और उसके बाद ही गुरेज़ होता है।

तश्बीह (تشبیہ) अ स्त्री –एक अर्थालकार जिसमे एक वस्तु की तुलना दूसरी वस्तु से करके उसे घटाया या बढाया या बराबर किया जाता है, उपमा।

तश्बीहे ताम (تشبیہ تام) अ स्त्री –ऐसी उपमा जो पूरी-पूरी घटित हो, पूर्णोपमा।

तश्बीहे नाक़िस (تشبیہ ناقص) अ स्त्री –ऐसी उपमा जो दो वस्तुओ में केवल एक बात में ठीक उतरे, सबमे न हो, लुप्तोपमा।

तश्‌रीफ (تشریف)-अ स्त्री –प्रतिष्ठा, सम्मान, बुजर्गी, खिल्‌अत, राज की ओर से सम्मानार्थ दिये जानेवाले वस्त्रा-भूषण आदि, पदार्पण, आगम, शुभागम।

तश्‌रीफ अर्जानी (تشریف ارزانی) अ फा स्त्री –दे 'तश्‌रीफ आवरी'।

तश्‌रीफ आवरी (تشریف‌آوری) अ फा स्त्री –विराजमान होना, पदार्पण करना, तश्‌रीफ़ लाना, शुभागमन।

तश्‌रीफफर्माई (تشریف‌فرمائی) अ फा स्त्री –ठहरना, बैठना, तशरीफ रखना।

तश्‌रीफबरी (تشریف‌بری) अ फा स्त्री –तश्‌रीफ ले जाना, वापस जाना, जाना, रुखसत होना।

तश्‌रीफात (تشریفات) अ स्त्री –जुलूस, शोभायात्रा, खिलअत।

तश्रीह (تشریح) अ स्त्री –खोलकर बयान करना, स्पष्टीकरण, तौज़ीह, व्याख्या, टीका, तफ्सील, भाष्य, तफ्सीर, भाषान्तर, उल्था, तर्जमा, शरीर के अगो, नसो, हड्डियो आदि का विवरण, अनाटमी, शारीर।

तश्रीहुलअब्दान (تشریح الابدان) अ स्त्री.–शरीर का डाक्टरी विवरण, एनाटोमी, शारीर, शरीर-विज्ञान।

तश्वियः (تشویہ) अ पु –भूनना, भृष्टि, दवा को पीटली में रखकर गर्म रेत या राख में दवाकर भूनना।

तश्वीश (تشویش) अ स्त्री –चिन्ता, सोच, फ़िक्र, भय, त्रास, डर, आतुरता, व्याकुलता, घबराहट।

तश्वीशअंगेज (تشویش انگیز) अ फा वि –चिन्ताजनक, फ़िक्र पैदा करनेवाला।

तश्वीशनाक (تشویش ناک) अ फा वि –भय-सकुल, पुरखतर।

तश्हीर (تشہیر) अ स्त्री –किसी को बुरी तरह जनता मे बदनाम करना, जैसे—गधे पर चढाकर निकालना या मुँह काला करके चारो ओर घुमाना।

तसद्दुक़ (تصدق) अ पु –न्योछावर होना, सदके होना, कृपा, दया, अनुकम्पा, मेहरवानी, भेट, वलिदान, सद्क, —"जिस जगह देख लिया जान तसद्दुक कर दी—मैं तो पावन्द नही कावे या वुतखाने का।"

तसन्नुन (تسنن) अ पु –सुन्नी होना, पैगम्वर के फरमान का अनुकरण करना।

तसन्नो (تصنع) अ पु –कृत्रिमता, बनावट, दिखावा, जाहिरदारी, जाहिरी खातिरदारी, कपट-व्यवहार, चापलूसी, चाटुकारिता।

तसर्रुफ (تصرف) अ पु –प्रयोग, व्यवहार, इस्तेमाल, अधिकार, कब्ज़ा, परिवर्तन, रद्दोवदल, गवन, मोषण, किसी चीज मे कतर-ब्योत करके अपने मतलव का वना लेना; चमत्कार, करामात।

तसर्रुफे बेजा (تصرف بیجا) अ फा –खियानत, गवन, मोषण, अपहरण।

तसल्ली (تسلی) अ स्त्री –सान्त्वना, ढाढस, दिलासा, सतोष, सब्र।

तसल्लुत (تسلط) अ पु –अधिकार, कब्ज़ा, दखल, प्रभुत्व, गलव.।

तसल्सुल (تسلسل) अ पु –निरतरता, लगातारपन, लडी मे लड़ी गूँथना, शृखलावद्ध।

तसव्वुफ (تصوف) अ पु –ब्रह्मवाद, अध्यात्मवाद, सूफ़ीइज्म, मन की सासारिक विषयो से विरक्ति, परहेज़गारी, वेदान्त, ज्ञानकाड, इल्मे तसव्वुफ।

तसव्वुर (تصور) अ पु –चित्त को एकाग्र करके किसी को ध्यान मे प्रत्यक्ष करना, अनुध्यान, ध्यान, विचार, खयाल, कल्पना, तखैयुल।

तसाउद (تصاعد) अ पु –ऊपर चढना, बलद होना।

तसादुम (تصادم) अ पु –परस्पर टकराना, एक दूसरे को धक्का देना, मुठभेड, लडाई, सघर्ष, टक्कर, टकराव, हानि पहुँचाना, ज़रर देना.

तसानीफ (تصانیف) अ स्त्री –'तस्नीफ' का वहु, तस्नीफें, रचनाएँ।

तसावीह (تسابیح) अ स्त्री –'तस्वीह' का वहु, जपमालाएँ, जप करने की मालाएँ।

तसामुह (تسامح) अ पु –वीरता, वहादुरी, दरगुज़र, चश्मपोशी, वक्ता का कुछ कहना और सुननेवाले का कुछ समझना, दुटप्पी वात, जिससे सुननेवाला गलती कर सके, या कर दे।

तसावी (تساوی) अ स्त्री –परस्पर वरावर होना, समानता, वरावरी।

तसावीर (تصاویر) अ स्त्री –'तस्वीर' का वहु 'तस्वीरें'।

तसाहुल (تساہل) अ पु –आलस्य, अवसन्नता, काहिली, सुस्ती, आसान समझना।

तसीर (تسیر) अ स्त्री –सैर करना, विहार करना, सैर-सपाटा, तफ़्रीह।

तसूईद (تصعید) अ स्त्री –ऊँची जगह पर चढना, वलन्द होना, दो हँडियो या प्यालो मे विधिपूर्वक दवाओ का जौहर उडाना।

तस्कीन (تسکین) अ स्त्री –सान्त्वना, ढाढस, दिलासा, सतोष, इत्मीनान, रोग में कमी, इफाक, पीडा और दर्द मे कमी, आराम, किसी अच् अक्षर को हल करना।

तस्ग़ीर (تصغیر) अ स्त्री –छोटा करना, सक्षिप्त करना; किसी शब्द के अर्थ मे छोटाई पैदा करना, जैसे—'वाल' से 'वालक' वनाना, इस प्रकार वनाया हुआ शब्द।

तस्ख़ीन (تسخین) अ स्त्री –गर्म करना, गर्मी पहुँचाना।

तस्ख़ीर (تسخیر) अ स्त्री –वशीभूत करना, तावे' करना, जीतना, जीतकर कब्ज़ा करना, भूत-प्रेत या जिन-परी को वस मे करना, किसी को अपने ऊपर मुग्ध करना।

तस्ख़ीरे क़ुलूव (تسخیر قلوب) अ स्त्री –लोगो के मन को अपने आचार-व्यवहार से मोह लेना।

तस्ख़ीरे हमज़ाद (تسخیر ہمزاد) अ फा स्त्री –मन्त्र आदि के द्वारा 'हमजाद' को अपने वस में कर लेना, कहते हैं कि हमजाद के वशीभूत हो जाने पर मनुष्य जो चाहे कर सकता है, क्योंकि 'हमजाद' वडा शक्तिशाली होता है।

तस्ज़ीन (تسجین) अ स्त्री –कारागार में बंद करना, जेल में डाल देना।

तस्जील (تسجیل) अ स्त्री –तमस्सुक लिखना, रजिस्ट्री (दस्तावेज़) करना, लेख्य, दस्तावेज़।

तस्तीर (تسطیر) अ स्त्री –लिखना, लेखन-क्रिया, लकीरें खींचना, रेखाकन।

तस्तीर (تستیر) अ स्त्री –छिपाना, गोपन, परदा डालना, परिवेष्टन।

तस्दीअः (تصدیعہ) अ पु –एक बार कष्ट देना, एक बार दर्द सर देना, कष्ट, दु ख, तक्लीफ।

तस्दीअ (تصدیع) अ स्त्री –सिर की पीडा, सर-दर्द, कष्ट, क्लेश, दु ख, तक्लीफ।

तस्दीक़ (تصدیق) अ स्त्री –सच्चे होने की ताईद करना, सच्चा बताना, प्रमाण, सुबूत।

तस्नियः (تثنیہ) अ पु –एकवचन और बहुवचन के बीच का, 'द्विवचन', यह हिंदी और उर्दू फारसी मे नही है, परन्तु संस्कृत और अरबी में है।

तस्नीफ(تصنیف)अ स्त्री –पुस्तक लिखना, किताब बनाना, रचना, लिखी हुई पुस्तक, बनाई हुई कविता, मनगढत, कपोल-कल्पित, फर्ज़ी बात।

तस्नीफात (تصنیفات) अ स्त्री –'तस्नीफ' का बहु, रचनाएँ, तस्नीफे।

तस्नीम (تسنیم) अ स्त्री –स्वर्ग की एक (नहर)।

तस्फियः (تصفیہ)अ पु –आपस का निबटारा, समझौता, निर्णय, फैसला, शुद्ध करना, साफ करना, शुद्धि, सफाई, बाहम-परस्पर–दिलो की सफाई, मेल।

तस्फियःतलब(تصفیہ طلب) अ फा वि –वे बातें जिनकी सफाई होनी आवश्यक है।

तस्फियःनाम: (تصفیہ نامہ) अ फा पु –वह काग़ज़ जिसमे आपस के तस्फिए की लिखता-पढती हो।

तस्बीग़ (تصبیغ) अ स्त्री –रंग करना, रँगना।

तस्बीह (تسبیح) अ स्त्री –सुब्हानल्लाह (ईश्वर अत्यन्त पवित्र है) कहना, जपमाला, माला।

तस्बीहख्वाँ(تسبیح خواں) अ फा वि –तस्बीह पढनेवाला, 'सुब्हानल्लाह' का जप करनेवाला।

तस्म (تسمہ) फा पु –चमडे की कम चौडी और लम्बी पट्टी, जूते का फीता, चमडे का कोडा, दुर्रा।

तस्मःकश (تسمہ کش)फा वि –गले मे फदा डालकर मार डालनेवाला, ठग, जल्लाद, कातिल।

तस्मःपा (تسمہ پا) फा पु –जिसका पाँव तस्मे से बँधा हो।

तस्मःबाज़(تسمہ باز)फा वि –धूर्त, छली, वचक, मक्कार; द्यूतकार, जुआरी।

तस्मःबाज़ी(تسمہ بازی)फा स्त्री –छल, कपट, फरेब, एक प्रकार का जुआ।

तस्मियः (تسمیہ) अ पु –'बिस्मिल्लाह' (ईश्वर के नाम से आरम्भ) कहना, नामकरण, नाम रखना।

तस्मियःख्वानी(تسمیہ خوانی)अ फा स्त्री –बच्चे को पढने बिठाने का संस्कार, विद्यारम्भ।

तस्मीन (تسمین)अ स्त्री –मोटा करना, स्थूल बनाना, खूब घी और चरबी खिलाना।

तस्मीम (تصمیم) अ स्त्री –दृढ करना, मज़बूत बनाना, दृढ, पुख्ता।

तस्लीख़ (تسلیخ) अ स्त्री –खाल उतारना, शरीर की खाल अलग करना।

तस्लीब (تصلیب)अ स्त्री –सूली पर चढाना, सूली देना, फाँसी देना।

तस्लीम (تسلیم) अ स्त्री –सौंपना, सिपुर्द करना, सलाम करना, प्रणाम करना, कबूल करना, स्वीकार करना, आज्ञा का पालन करना, फरमाँबरदारी करना।

तस्लीमात (تسلیمات)अ स्त्री –'तस्लीम' का बहु, परन्तु एकवचन के अर्थ में आता है, प्रणाम, सलाम।

तस्लीस (تثلیث) अ स्त्री –तीन भाग करना, तीन मे बाँटना, ईसाइयो का तीन खुदा मानना।

तस्वियः (تسویہ) अ पु –समान करना, बराबर बनाना, सीधा करना।

तस्वीद(تسوید)अ स्त्री –काला करना, काला रंग चढ़ाना, लिखना, तहरीर करना, मुसव्वदा लिखना।

तस्वीर (تصویر) अ स्त्री –मूर्ति बनाना, चित्र खींचना, चित्र, प्रतिकृति, शबीह, छायाचित्र, आलोकचित्र, फोटो, बहुत ही सुन्दर और हसीन शक्ल, प्रतिमा, मूर्ति, बुत।

तस्वीरकशी(تصویرکشی) अ फा स्त्री –चित्रण, चित्रकर्म, तस्वीर बनाना।

तस्वीरखान:(تصویرخانہ)अ फा पु –वह स्थान जहाँ बहुत से चित्र हो, जो चित्रो से सजाया गया हो, जहाँ बहुत-सी सुन्दर स्त्रियाँ एकत्र हो, परीखाना, सनमखाना।

तस्वीरे अक्सी(تصویر عکسی)अ स्त्री –फोटो, छायाचित्र।

तस्वीरे खयाली(تصویر خیالی)अ स्त्री –किसी की आकृति जो चित्त में आये, तसव्वुर में आया हुआ नक्शा, काल्पनिक चित्र, फरज़ी तस्वीर।

तस्वीरे गिली (تصویر گلی) अ फा स्त्री –मिट्टी की मूर्ति।

तस्वीरे नीमरुख़ (تصویر نیمرخ) अ फा स्त्री –एक तरफ से लिया हुआ चित्र, वह चित्र जिसमें मुख का एक रुख आये।

तस्सूज (طسوج) अ पु –पात्र, भाजन, वर्तन, तट, किनारा, दो रत्ती की एक तौल, चौथाई 'दाग'।

तस्हील (تسہیل) अ स्त्री –सुगम बनाना, सरल करना, आसानी पैदा करना, सुगमता, सरलता, आसानी।

तस्हीले विलादत (تسہیل ولادت) अ स्त्री –बच्चा पैदा होने की आसानी, प्रसव की सुगमता।

तस्हीह (تصحیح) अ स्त्री –शुद्ध करना, दुरुस्त करना, इबारत आदि की गलतियाँ ठीक करना, प्रेस की कापियों या प्रूफों की दुरस्ती।

तह (تہ) फा स्त्री –निचला हिस्सा, तली, थाह, अन्त, इतिहा, परत, तवक, पेंदी, तला, रहस्य, भेद, नुक्ता।

तहक्कुम (تحکم) अ पु –हुक्म जताना, ज़ोर दिखाना, जबर्दस्ती करना।

तहख़ाना (تہخانہ) फा पु –ज़मीनदोज़ मकान, तलगृह, अधोगृह, भूगेह, भूगर्भगृह।

तहजुर्अ. (تہجرعہ) फा अ स्त्री –तलछट, गाद, नीचे का बचा हुआ पानी या मदिरा, पीने से बची हुई मदिरा।

तहज्जी (تہجی) अ स्त्री –किसी की निन्दा या हजो करना, शब्दों के हिज्जे करना।

तहज्जुद (تہجد) अ पु –रात में सोना और रात में ही जाग जाना, (स्त्री) आधी रात के बाद की नमाज़।

तहज्ज़ुन (تحزن) अ पु –शोकग्रस्त होना, रंजीदा होना।

तहज्जुर (تحجر) अ पु –पत्थर की तरह कठोर हो जाना, कठोरता, कड़ापन, सख्ती।

तहत्तुक (تہتک) अ पु –तू-तू, मैं-मैं, वाक्कलह, निन्दा, अपमान, रुस्वाई।

तहदार (تہدار) फा वि –सार्थक, बामा'नी, गंभीर, गहरा, गूढ़, दकीक़।

तहदेगी (تہدیگی) फा. स्त्री –नीचे की खुर्चन, देग या हाँडी की तह में जमी हुई खुर्चन।

तहनशीं (تہنشیں) फा वि –नीचे बैठी हुई चीज़, तलछट।

तहपेच (تہپیچ) फा पु –पगड़ी के नीचे की टोपी या कपड़ा, पगड़ी के नीचे का कपड़ा।

तहपोश (تہپوش) फा पु –नारी के नीचे का जाँघिया, अण्डरवियर।

तहफ़्फ़ुज़ (تحفظ) अ पु –सुरक्षा, हिफ़ाज़त, बचाव, रक्षा।

तहफ़्फ़ुज़े हुक़ूक़ (تحفظ حقوق) अ पु –अपने हक़ों की रक्षा।

तहबंद (تہبند) फा पु –अधोवस्त्र, नीचे पहनने का कपड़ा, लुंगी, तहमद।

तह ब तह (تہ بہ تہ) फा वि –एक के नीचे एक, परत पर परत।

तहबाज़ारी (تہبازاری) फा स्त्री –राज्य की ओर से बाज़ार की ज़मीन का ठेका या उसके किराए की उगाही।

तहब्बुज (تہبج) अ पु –बहुत हलकी सूजन, भरभराहट।

तहमतन (تہمتن) फा पु –महारथी, बहुत बड़ा योद्धा, रुस्तम की उपाधि।

तहमतनी (تہمتنی) फा स्त्री –शौर्य, वीरता, बहादुरी, शुजाअत।

तहमैदानी (تہمیدانی) फा पु –खानाबदोश, सचारजीवी।

तहम्मुल (تحمل) अ पु –सहिष्णुता, बुर्दबारी, गंभीरता, संजीदगी, धैर्य, सब्र, नम्रता, नर्मी।

तहय्युज (تہیج) अ पु –ज़मीन से गर्दोगुबार उठना।

तहय्युर (تحیر) अ पु –अचम्भा, विस्मय, हैरत, तअज्जुब।

तहर्रुक (تحرک) अ पु –हिलना, हरकत होना, हिलना-डुलना।

तहव्वुर (تہور) अ पु –बहादुरी, वीरता, जवाँमर्दी।

तहव्वुर शिआर (تہور شعار) अ वि –शूर, वीर, बहादुर।

तहश्शुम (تحشم) अ पु –बहुत नौकर-चाकरवाला होना, रोब दिखाना, क्रोध प्रकट करना।

तहस्सुर (تحسر) अ पु –शोक, रंज, पश्चात्ताप, अफसोस।

तहाइफ (تحائف) अ पु –तुहफा का बहु, तोहफे।

तहाकुम (تحاکم) अ पु –परस्पर मिलकर हाकिम के पास जाना।

तहालुफ (تحالف) अ पु –बाहम किसी षड्यन्त्र करने की शपथ लेना, आपस की कस्माक़स्मी, किसी बात के झूठ-सच होने के लिए आपस में क़स्मा परतीती।

तहारत (طہارت) अ स्त्री –शुद्धता, पवित्रता, पाकीज़गी, शौच, इस्तिंजा, स्नान, गुस्ल।

तहावुर (تحاور) अ पु –परस्पर वार्तालाप, बातचीत।

तहीन (طحین) अ वि –पिसा हुआ आटा।

तहीय' (تہیع) अ पु –इरादा, संकल्प, निश्चय, तय, तत्परता, आमादगी।

तहीयत (تحیت) अ स्त्री –सलाम, तस्लीम, प्रणाम, वंदना, रसूल पर दुरूद, जीवनदान करना, ज़िन्दगी देना, सत्ता, राज्य, हुकूमत।

तहीयात (تحیات) अ स्त्री –'तहीयत' का बहु, 'वंदनाएँ; दुरूदो सलाम।

तहूर (طہور) अ वि –पवित्र, निर्मल, शुद्ध, पाक।

तहेख़ाक (تہخاک) फा अव्य –ज़मीन के नीचे, अर्थात् कब्र मे।

तहेतेग़ (تہ تیغ) फा वि –हत, वधित, मक्तूल।

तहोबाला (تہ وبالا) फा वि –तले-ऊपर, अस्त-व्यस्त, गडवड, विनष्ट, विध्वस्त, वरवाद।

तहॅयुर (تحیر) अ पु –दे 'तहय्युर'।

तहक़ीक़ (تحقیق) अ स्त्री –जाँच-पडताल, गवेषणा, तफ़्तीश, तलाश, जिज्ञासा, विदित, ज्ञात, दरयाफ्त, अनुसधान, रिसर्च।

तहक़ीक़ात (تحقیقات) अ स्त्री –'तहक़ीक' का वहु, परन्तु एकवचन मे बोलते हैं, सरकारी तौर पर किसी मुआमले की जाँच-पडताल।

तहक़ीके हक़ (تحقیق حق) अ स्त्री –सत्य की खोज, सत्यान्वेषण, अस्लियत की तलाश।

तहक़ीर (تحقیر) अ स्त्री –अपमान, अनादर, वेइज्ज़ती, निंदा, अपयश, वदनामी, घृणा, उपेक्षा।

तह्ज़ीव (تہذیب) अ स्त्री –सभ्यता, शिष्टता, शाइस्तगी, सस्कृति, परिष्कृति, आरास्तगी, सुशीलता, खुशअख़्लाकी, उठने-वैठने, वातचीत करने, और के सामने जाने का सलीका।

तह्ज़ीवे अख़्लाक (تہذیب اخلاق) अ स्त्री –अख़्लाक की दुरुस्ती, आचार-व्यवहार और नागरिकता के नियमो का पालन।

तह्ज़ीवे जदीद (تہذیب جدید) अ स्त्री –नवीन सभ्यता, पाश्चात्य सस्कृति, मग़्रिवी तह्ज़ीव।

तह्त (تحت) अ वि –निम्न, नीचे, अधीन, मातहत, अधिकार, इख़्तियार, दवाव।

तह्तुल्लफ़्ज़ (تحت اللفظ) अ वि –नज़्म या ग़ज़ल को तरन्नुम से न पढकर साधारण ढग से पढना, गाकर न पढना, गद्य की भाँति पढी हुई कविता।

तहतश्शुआअ (تحت الشعاع) अ वि –चाद्र मास के वे दो या तीन दिन जव चद्रमा इतना महीन होता है कि दिखाई नही देता। ये दिन अशुभ माने जाते हैं।

तहतस्सरा (تحت الثرا) अ प –पृथ्वी का सवसे नीचे का तल, पाताल।

तह्तानी (تحتانی) अ वि –उर्दू का वह अक्षर जिसके नीचे नुक्ते हो।

तह्दिय (تہدیہ) अ पु –किसी को कोई चीज भेंट करना, तोहफा देना, भेट, उपहार, उपायन, तोहफा।

तह्दीद (تہدید) अ स्त्री –त्रासना, डराना, भय दिखाना, धमकाना, घुडकना, भर्त्सना।

तह्दीद (تحدید) अ स्त्री –हद वाँधना, सीमावद्ध करना, सीमित या नियत करना, तीव्र करना, तेज़ करना।

तह्दीस (تحدیث) अ स्त्री –हदीस वयान करना।

तह्न (طحن) अ पुं –पीसना, आटा पीसना।

तह्मीद (تحمید) अ स्त्री –स्तुति करना, हम्द करना।

तह्रीक (تحریک) अ स्त्री –हिलाना, हरकत देना, प्रवृत्त करना, रग़्वत दिलाना, वरगलाना, वहकाना, प्रस्तावना, आन्दोलन।

तह्रीफ़ (تحریف) अ स्त्री –किसी चीज़ की दशा और आकृति वदल देना, किसी वात को कुछ का कुछ कर देना, किसी शव्द के अक्षरो मे परिवर्तन करके कुछ का कुछ वना देना।

तह्रीम (تحریم) अ स्त्री –किसी चीज़ को अपने या किसी के लिए हराम कर देना, पवित्र करना।

तह्रीर (تحریر) अ स्त्री –लिखना, लिखने का अमल, हस्तलिपि, हाथ की लिखावट, अक्षरन्यास, लिखावट, लेख्य, लेखपत्र, दस्तावेज, लिखित प्रमाण, तह्रीरी सुवूत, मज़्मून, इवारत, हलकी लकीर या ख़त, सुरमे की लकीर, सनद, प्रमाणपत्र, इक़ारनामा, सविदापत्र, लिखने की उजरत, लिखाई।

तह्रीरी (تحریری) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।

तह्रीस (تحریص) अ स्त्री –लालच देना, प्रलोभन, प्रेरणा, रग़्वत दिलाना, प्रलोभ, लालच।

तहल[लु]क (تہلکہ) अ पु –कोलाहल, कोहराम, खलवली, हलचल, मरना, निघन।

तहलील (تحلیل) अ स्त्री –विलयन, घुलना, पचन, हज़्म होना, क्षीणता, दुवला होना, किसी पदार्थ का गलना या पिघलना, किसी चीज़ को अलग-अलग करना।

तहलील (تہلیل) अ स्त्री –'ला इलाह इल्लल्लाह' (एक ईश्वर के सिवाय कोई ईश्वर नही है) कहना, ईश्वर-स्तुति करना, हम्दो सना करना।

तह्वील (تحویل) अ स्त्री –फिरना, फिराना, सिपुर्द करना, हस्तान्तरित करना, प्रवेश करना, दाखिल होना, किसी ग्रह का किसी राशि मे प्रवेश, दुकान का वकाया रुपया जो हर रोज वही में लिखा जाता है, रोकड।

तह्वीलदार (تحویل دار) अ फा पुं –जिसके पास तह्वील हो, रोकडिया, ख़ज़ानची।

तह्वीले आफ़्ताव (تحویل آفتاب) अ फा स्त्री –सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश, सक्रान्ति।

तह्शिय (تحشیہ) अ पु –किसी पुस्तक आदि पर फुटनोट लिखना।

तहसीन (تحسین) अ स्त्री –प्रशसा, श्लाघा, तारीफ।

तहसीने नाशनास (تحسین ناشناس) अ फा स्त्री – किसी हुनर या काव्य की ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रशसा जो उससे बिल्कुल अनजान हो।

तहसील (تحصیل) अ. स्त्री –हासिल करना, उपार्जन, एकत्र करना, इकट्ठा करना, मालगुजारी, राजस्व, जिले का एक भाग, तहसीलदार की कचहरी।

तहसीलदार (تحصیلدار) अ फा पु –तहसील का अफसर, जिसका काम मालगुजारी इकट्ठा करना होता है।

तहसीलदारी (تحصیلداری) अ फा स्त्री –तहसीलदार का पद, तहसीलदार का काम।

तहसीले इल्म (تحصیل علم) अ स्त्री –इल्म हासिल करना, विद्योपार्जन।

तहसीले ख़ाम (تحصیل خام) अ फा स्त्री –जमीदारी का सारा रुपया, सारी तहसील, कच्ची तहसील।

तहसीले जर (تحصیل زر) अ फा स्त्री –रुपया कमाना, धनोपार्जन।

तहसीले हासिल (تحصیل حاصل) अ स्त्री –जो प्राप्त है उसकी प्राप्ति का प्रयत्न; व्यर्थ काम।

ता

ता (تا) फा अव्य –तक, तलक।

ताअत (طاعت) अ स्त्री –उपासना, आराधना, पूजा, इबादत, बंदगी।

ताआत (طاعات) अ स्त्री –'ताअत' का बहु, आराधनाएँ, पूजाएँ, इबादतें।

ताइन (طاعن) अ वि –बाण मारनेवाला, तीर से घायल करनेवाला; ता'ना देनेवाला।

ताइफ़ः (طائفہ) अ पु –दल, समुदाय, जमाअत, रडी और उसके साजिदे आदि।

ताइफ (طائف) अ वि –परिक्रमा करनेवाला, किमी चीज के चारो ओर फिरनेवाला, तवाफ करनेवाला, सोते मे आनेवाला खयाल।

ताइब (تائب) अ वि –तौबा करनेवाला, पाप या किमी बुरी आदत पर लज्जित होकर उससे अलग रहने की प्रतिज्ञा करनेवाला।

ताइर (طائر) अ पु –वायु मे उडनेवाला, पक्षी, चिडिया, परद।

ताइरे अर्श (طائر عرش) अ पु –अर्श (ईश्वर का निवास-स्थान) तक उडनेवाला, 'जिब्रील' फिरिश्ता, आकाशगामी पक्षी।

ताइरे क़िब्लःनुमा (طائر قبلہ نما) अ फा पु –क़ुतुबनुमा की सुई।

ताइरे क़ुद्स (طائر قدس) अ पु –दे 'ताइरे अर्श'।

ताइरे लाहूत (طائر لاهوت) अ पु –दे 'ताइरे अर्श', ब्रह्म-लोक तक उडकर जानेवाला।

ताइरे सिद्रः (طائر سدرہ) अ पु –दे 'ताइरे अर्श'।

ताइल (طائل) अ पु –लाभ, फायदा।

ताई (طائی) अ पु –अरब का एक कबील (वश) जिसमे 'हातिम' हुआ है।

ताईद (تائید) अ स्त्री –सहायता, मदद, पक्षपात, हिमायत, पुष्टि, तस्दीक, दावे के प्रमाण मे कोई दस्तावेज आदि।

ताईदे आस्मानी (تائید آسمانی) अ फा स्त्री –दैवी सहायता, गैबी मदद, अनायास ऐसी बात हो जाना जिससे किसी कठिन काम में सफलता प्राप्त हो जाय।

ताईदे ग़ैबी (تائید غیبی) अ स्त्री –दे 'ताईदे आस्मानी।

ताईदे रब्बानी (تائید ربانی) अ स्त्री –दे 'ताईदे आस्मानी'।

ता'ईन (تعئین) अ स्त्री –निश्चय, तएयुन, नियुक्ति, तकर्रुर।

ता'ऊन (طاعون) अ पु –एक महामारी, एक वबा, प्लेग।

ताऊस (طاؤس) अ पु –मयूर, बर्ही, शिखी, मोर।

ताए क़रशत (تاۓ قرشت) अ स्त्री –'अबजद' के हिसाब से 'करशत'वाली ते (ت)।

ताए सकील: (تاۓ ثقیلہ) अ स्त्री –हिंदी का 'ट' (ٹ)।

ताक (طاقہ) अ पु –कपडे का थान, जिस प्रकार घोडे के लिए 'रास', हाथी के लिए 'ज़जीर', रुपये के लिए 'मुब्लिग' आता है उसी तरह कपडे के थान के लिए 'ताक' आता है।

ताक़ (طاق) अ पु –दीवार मे बना हुआ छोटा मेहराबदार खोल, मोखल, वह अक जो दो से न बँटे, जसे–३, ५, ७, ९; दक्ष, निपुण, चतुर, समाप्त, खत्म, इस अर्थ में केवल 'ताकत' के लिए आता है, जैसे–'ताकत ताक हो गयी' अर्थात् शक्ति समाप्त हो गयी।

ताकच (طاقچہ) अ फा पु –छोटा ताक़।

ताकत (طاقت) अ स्त्री –शक्ति, बल, जोर, सामर्थ्य, शक्ति, मक्दरत, माहस, मजाल, उत्साह, उमग, हौसला, सत्ता, राज, हुकूमत, पात्र, ज़र्फ।

ताक़तआज़माई (طاقت آزمائی) अ फा स्त्री –जोर लगाना, कोशिश करना।

ताक़तवर (طاقتور) अ फा वि –शक्तिशाली, बलवान्, जोरावर।

ताक़ी (طاقی) फा स्त्री –एक लम्बी टोपी जो ताक के

आकार की होती है, एक घोडा जिसकी एक आँख छोटी और दूसरी बडी होती है।

ताकीद (تاکید) अ स्त्री –कोई बात जोर देकर कहना, किसी बात का जरूर करने या न करने का हुक्म देना; इस्रार, हठ, ज़िद।

ता'क़ीद (تعقید) अ स्त्री –इस तरह पर्दे मे बात करना कि समझ में न आये, बहुत-सी गाँठें डाल देना, किसी वाक्य में शब्दो का ऐसा उलट-फेर कर देना कि अर्थ समझने मे कठिनाई हो।

ताकीदन (تاکیداً) अ वि –ताकीद के साथ, जोर देकर।

ताकीदी (تاکیدی) अ वि –जिस बात की ताकीद की गयी हो, ज़रूरी, सख्त।

ताकीदे अकीद (تاکید اکید) अ स्त्री –बहुत ही कडी ताकीद।

ताक़ीदे मा'नवी (تعقید معنوی) अ स्त्री –किसी वाक्य या शे'र में किसी शब्द का ऐसा अर्थ लेना जो उसके साधारण अर्थ के विपरीत हो।

ता'क़ीदे लफ़्ज़ी (تعقید لفظی) अ स्त्री –किसी वाक्य या शे'र में शब्दो का ऐसा उलट-फेर जिससे अर्थ बदल जाय।

ताकीदे शदीद (تاکید شدید) अ स्त्री –दे 'ताकीदे अकीद'।

ता कुजा (تا کجا) फा अव्य –कब तक, कहाँ तक।

ताके निस्याँ (طاق نسیاں) अ पु –विस्मृति का ताक, विस्मृति रूपी ताक, जिसमे रखकर हर चीज़ भुला दी जाती है।

ताके (تاکے) फा अव्य –दे 'ता कुजा'।

ताख़ीर (تاخیر) अ स्त्री –विलब, ढील, देर, "सब्र बडा दुश्वार तलब—चाह बडी ताखीर-पसद"।

ताख़्तः (تاختہ) फा वि –दौडा हुआ, भागा हुआ।

ताख़्त (تاخت) फा स्त्री –आक्रमण, हमला, धावा, छापा, लूटमार, ग़ारतगरी।

ताख़्तोताराज (تاخت و تاراج) फा स्त्री –बरबादी, तबाही, विनाश, विध्वस, लूटमार, लूट-खसोट।

ताग़ी (طاغی) अ वि –अवज्ञाकारी, नाफ़रमान, सरकश, विद्रोही, राजद्रोही, बाग़ी।

ताग़ूत (طاغوت) अ पु –एक बुत, एक पिशाच, अत्यन्त निर्दय और अत्याचारी व्यक्ति।

ताग़ूती (طاغوتی) अ वि –पिशाचपन, शैतानी, पिशाच-वृत्त, शैतान।

ताचद (تاچند) फा अव्य –कब तक, कहाँ तक।

ताज़ः (تازہ) फ़ा वि –नवीन, नूतन, नया, सरसब्ज़, हरा-भरा, तत्कालीन, हाल का, हाल का बना हुआ, हाल का किया हुआ, हाल का पका हुआ, हाल का आया हुआ, शादाब, तरोताज़ा।

ताज़ःकार (تازہ کار) फा वि –नौसिखिया, नवाभ्यस्त।

ताज़ःदम (تازہ دم) फा वि –जिसे थकन और कसल न हो, फ्रेश।

ताज़ः दिमाग़ (تازہ دماغ) फा अ वि –जिसका दिमाग़ थका हुआ न हो, जिस दिमाग पर अभी ज़रा भी ज़ोर न पडा हो।

ताज़ः ब ताज़ः (تازہ بتازہ) फा वि –बिलकुल नया, बिल्कुल हाल का, ताज़ा ताज़ा, गर्मागर्म।

ताज़ः मश्क़ (تازہ مشق) फा अ वि –दे 'ताज़ःकार'।

ताज़ः वारिद (تازہ وارد) फा अ वि –जो अभी-अभी बाहर से आया हो, नवागत।

ताज़ः विलायत (تازہ ولایت) फा अ वि –जो अभी-अभी किसी अन्य देश से आया हो और इस देश की बोल-चाल और चाल-ढाल से अनभिज्ञ हो।

ताज (تاج) फा पु –मुकुट, शाही टोपी, परद के सर की कल्गी, शिखा।

ताज़ (تاز) फा प्रत्य –हमला करनेवाला, जैसे–'यक्क ताज़' अकेला हमला करनेवाला, (स्त्री) आक्रमण, हमला, दौड, ताख़्त।

ताज़गी (تازگی) फा स्त्री –नवीनता, नयापन, हरा-भरापन, सरसब्ज़ी, चेहरे की रौनक, मुखश्री, प्रफुल्लता, फरहत, प्रसन्नता, खुशी, तरावट, तरी, शीतलता।

ताजदार (تاجدار) फा पु –मुकुटधारी, नरेश, राजा, बादशाह।

ताजपोशी (تاج پوشی) फा स्त्री –राजगद्दी, अभिषेक, राज्याभिषेक, बादशाह का गद्दी पर बैठना।

ताजवर (تاجور) फा पु –दे 'ताजदार'।

ताज़िंदगी (تا زندگی) अ फा अव्य –तमाम उम्र, आजन्म, यावज्जीवन।

ता'ज़िय (تعزیہ) अ पु –हज़रत इमाम हुसैन के रौज़े की नक्ल जिसका जुलूस मुहर्रम मे उठता है।

ता'ज़िय दार (تعزیہ دار) अ फा पु –ताज़िया बनाने और उठानेवाला।

ता'ज़िय दारी (تعزیہ داری) अ फा स्त्री –ताज़िया बनाना, उठाना और रोशनी वग़ैरः करना।

ता'ज़ियत (تعزیت) अ स्त्री –किसी के मर जाने पर उसके घर शोक प्रकट के लिए जाना, पुरसा।

ता'ज़ियतख़ान (تعزیت خانہ) अ फा पु –वह घर जिसमें कोई गमी हो गयी हो, शोक-गृह।

ता'ज़ियतगाह (تعزیت گاہ) अ फा स्त्री –दे "ताज़ियतख़ान"।

ताज़ियतनाम (تعزیت نامہ) अ फा पु –किसी के मरने पर उसके उत्तराधिकारियो के शोक का ख़त, शोकपत्र।

ताज़ियानः (تازیانہ) फा पु –कोडा, प्रतोद, कशा, चाबुक।
ताजिर (تاجر) अ पु –व्यापारी, सौदागर, व्यवसायी, वणिक्।
ताजिरानः (تاجرانہ) अ फा अव्य –व्यापारियो-जैसा, जैसा व्यापारियो के लिए होता है वैसा।
ताज़ी (تازی) फा वि –अरब की भाषा, अरबी, अरब का घोडा, शिकारी कुत्ता, अरब का रहनेवाला।
ताज़ीक (تاجیک) फा पु –अरब की वह सतान जो ईरान मे रहकर जवान हुई हो।
ताज़ीख़ानः (تازی خانہ) फा पु –कुत्तो के रहने का घर, जहाँ कुत्ते पाले और रखे जायँ, श्वानागार।
ताज़ीनज़ाद (تازی نژاد) फा वि –अरब की नस्ल का घोडा।
ता'ज़ीब (تعذیب) अ स्त्री –कष्ट देना, दु ख देना, मुसीबत पहुँचाना।
ता'ज़ीम (تعظیم) अ स्त्री –आदर, सत्कार, सम्मान, इज़्ज़त, प्रणाम, तस्लीम।
ता'ज़ीर (تعزیر) अ स्त्री –सज़ा देना, दड देना।
ता'ज़ीरात (تعزیرات) अ स्त्री –'ता'ज़ीर' का बहु , सज़ाएँ, सज़ाओ से सबद्ध न्याय की पुस्तक, दड-विधान।
ता'जील (تعجیل) अ स्त्री –जल्दी करना, शीघ्रता करना, शीघ्रता, जल्दी।
ताज़ीस्त (تازیست) फा अव्य –ज़िदगी भर, आजन्म।
तातार (تاتار) फा. पु –तुर्किस्तान का एक इलाका जहाँ तातारी रहते है।
तातारी (تاتاری) फा पु –तातार देश का रहनेवाला।
ता'तीर (تعطیر) अ स्त्री –इत्र मे बासना, सुगधित करना।
ता'तील (تعطیل) अ स्त्री –अवकाश, फुर्सत, निठल्लापन, बेकारी, छुट्टी, कारखाने, दफ्तर या स्कूल के वद होने का दिन।
ातूरः (تاتورہ) फा पु –धतूरा, धत्तूर, एक प्रसिद्ध विषैला फल।
तादमेज़ीस्त (تادم زیست) फा अव्य –जब तक आखिरी साँस है तब तक, ताज़ीस्त, जीवनभर।
ता'दाद (تعداد) अ स्त्री –गणना, गिनती, अनुमिति, अदाज, सख्या, शुमार।
ता'दिय: (تعدیہ) अ पु –रोग का एक स्थान से दूसरे स्थान तक या एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक जाना, अकर्मक क्रिया को सकर्मक बनाना।
तादीब (تادیب) अ स्त्री –अदब सिखाना, शिष्ट बनाना, तबीह करना, घुडकी देना, कान मरोडना, सजा देना।
ता'दील (تعدیل) अ स्त्री –एक वस्तु को दूसरी वस्तु के बराबर करना, समता, बराबरी, ठीक करना, दुरुस्त करना, सीधा करना, टेढ निकालना।
ता'नः (طعنہ) अ पु –व्यग, कटाक्ष, तज, उपालम्भ, गिला; निदा, बुराई।
ता'नःज़न (طعنہ زن) अ फा वि –ता'न देनेवाला, व्यंग करनेवाला।
ता'नःज़नी (طعنہ زنی) अ फा स्त्री –ता'न देना, व्यग करना।
ता'न (طعن) अ उभ –कटाक्ष, व्यग, ता'न , तीर मारना।
तानीस (تانیث) अ स्त्री –स्त्रीलिंग होना, स्त्रीलिंग।
ता'नोतश्नीअ (طعن و تشنیع) अ स्त्री –व्यग और कटाक्ष, तरह-तरह के ताने, लानत-मलामत।
ताफ़्तः (تافتہ) फा वि –बटा हुआ, बल दिया हुआ, चमका हुआ, चमकदार, रौशन, एक प्रकार का रेशमी कपडा।
ताबः (تابہ) फा पु –रोटी पकाने का बर्तन, तवा।
ताब (تاب) फा स्त्री –उष्णता, गर्मी, उष्णिमा, ज्योति, आभा, चमक, बल, पेच, ख़म, शक्ति, ज़ोर, सहन-शक्ति, बरदाश्त, सामर्थ्य, मक्दूर, (प्रत्य) रौशन करनेवाला, जैसे—'आलमताब' ससार को चमकानेवाला।
ताबइम्काँ (تاب امکان) फा अ अव्य –अपने इम्कान भर, यथासभव, यथाशक्ति।
ता ब कमर (تا بہ کمر) फा अव्य –कमर तक, कमर तक आया या पहुँचा हुआ, जैसे—ता ब कमर पानी या ता ब कमर ज़ुल्फ़।
ताब कुजा (تا بہ کجا) फा अव्य –कहाँ तक, कब तक, ता कुजा, ताकि।
ता बके (تا بکے) फा अव्य –दे 'ताब कुजा'।
ताबख़ान. (تابخانہ) फा पु –गर्म किया हुआ कमरा, गर्म मकान, गर्म हम्माम, गर्म स्नानागार, वह कमरा जहाँ चूल्हा या भट्ठी हो।
ताबख़ानः (تا بخانہ) फा अव्य –घर तक, मकान तक।
ता ब गुलू (تا بہ گلو) फा अव्य –गले तक।
ता ब ज़ीस्त (تا بہ زیست) फा अव्य –जीवन भर, जीते-जी, आजीवन, आजन्म।
ताबदाद (تابدادہ) फा वि –बटा हुआ, बल दिया हुआ, वलित।
ताबदान (تابدان) फा पु –मकान का रौशनदान, गवाक्ष, झरोखा, वातायन।
ताबदार (تابدار) फा वि –ज्योतिर्मय, जाज्वल्यमान, ताबाँ, बटा हुआ, बल दिया हुआ, वलित।

ताबनाक (تابناک) फा वि—रौशन, प्रकाशमान, ज्योतिर्मय, चमकता हुआ।

ताबनाकी (تابناکی) फा स्त्री—चमक, प्रकाश, ज्योति, नूर।

ता ब मक्दूर (تا بہ مقدور) फा अ अव्य—यथाशक्य, यथाशक्ति, अपनी ताक़त भर, भरसक।

ता ब हद्दे (تا بہ حدے) फा अ अव्य—इस हद तक, यहाँ तक, जिस हद तक, जहाँ तक।

ता ब हयात (تا بہ حیات) फा अ अव्य—दे 'ता ब ज़ीस्त'।

ताबाँ (تاباں) फा वि—प्रकाशमान, दीप्त, ज्वलन्त, रौशन, मुनव्वर।

ताबानी (تابانی) फा स्त्री—प्रकाश, आभा, ज्योति, रौशनी, नूर।

ताबिंद (تابندہ) फा वि—चमकनेवाला, प्रकाशमान, रौशन।

ताबिंदगी (تابندگی) फा स्त्री—चमक, जिला, जगमगाहट, ज्योति, प्रकाश, नूर, रौशनी।

ताबिई (تابعی) अ पु—वह अरब जिसने रसूल के किसी सिहाबी (निकट जन) को देखा हो।

ताबिए फरमान (تابع فرمان) अ वि—आज्ञापालक, हुक्म माननेवाला, भक्त, वफादार।

ताबिए मुहमल (تابع مہمل) अ पु—वह अनर्थक शब्द जो किसी शब्द से मिलाकर बोला जाता है, जैसे—'रोटी-वोटी'। इसमें वोटी का कोई अर्थ नही है, परन्तु बोलते हैं।

ता'बिय (تعبیہ) अ पु—सजाना, सँवारना, क्रमबद्ध करना, तर्तीब देना, लड़ाई के लिए फौज सजाना, पच्चीकारी करना, जड़ना।

ताबिश (تابش) फा स्त्री—तपन, उष्णता, गर्मी, ज्योति, प्रकाश, ताबानी, जगमगाहट, चमक-दमक।

ताबिशे आफ्ताब (تابش آفتاب) फा स्त्री—धूप की गर्मी, सूरज की तेज़ चमक।

ताबिस्तान (تابستان) फा पु—ग्रीष्मकाल, गर्मी की ऋतु।

ताबीद (تابیدہ) फा वि—ज्योतिर्मय, प्रकाशित, चमकता हुआ, चमका हुआ।

ता'बीर (تعبیر) अ स्त्री—ख्वाब का नतीजा बयान करना, स्वप्नफल बताना, कष्ट कल्पना करना तोजीह करना, कहना, बताना।

ताबूत (تابوت) अ पु—वह सदूक जिसमें शव को बन्द करके गाड़ते हैं, एक प्रकार का ताजिया जो शीआ उठाते हैं।

ताबे' (تابع) अ वि—वशवर्ती, वशीभूत, अधीन, जेरे हुक्म, आज्ञाकारी, फर्मांबरदार, अनुयायी, अनुकर्ता, मुक़ल्लिद।

ताबे ग़म (تاب غم) फा अ स्त्री—दुःख सहने की शक्ति, ग़म की बरदाश्त।

ताबे सब्र (تاب صبر) फा अ स्त्री—दुःख और कष्ट की सहन-शक्ति, प्रेम के कष्ट सहने की शक्ति।

ताबे'दार (تابعدار) अ फा वि—अनुयायी, आज्ञाकारी, हुक्म माननेवाला, फर्माबरदार।

ताबे फ़ुग़ाँ (تاب فغاں) फा स्त्री—आह करने की शक्ति।

ताबो तुवाँ (تاب و تواں) फा स्त्री—शक्ति, सामर्थ्य, ज़ोर, कुव्वत।

ता'म (طعم) अ पु—स्वाद, रस, ज़ाइका, मज़ा।

ताम (تام) अ वि—समस्त, सर्व, सब, पूर्ण, समग्र, कुल।

तामात (طامات) अ स्त्री—डींग, अहवाद, लाफ़, बनावटी फकीरो और साधुओ की वे डीगें जो वे अपनी दुकानदारी चलाने के लिए दूसरे लोगो के सामने मारते हैं और जिनमें वे अपनी करामातो और चमत्कारो का वर्णन बड़े चित्ताकर्षक और रोचक ढग से करते हैं।

ता'मिय (تعمیہ) अ पु—अधा करना, आँखें फोड़ना, छिपाना, गोपन करना, 'अबजद' के हिसाब से निकाली हुई तारीख़ मे कोई सख्या बढाना, जिससे वर्षों की सख्या पूरी हो जाय, परन्तु इस प्रकार बढाई हुई सख्या 'नौ' से अधिक नही हो सकती, बरखिलाफ 'तख्रिज' के जिसमे सख्या घटाने की कोई हद नियत नही है।

ता'मीम (تعمیم) अ स्त्री—किसी बात को आम कर देना, व्याप्ति, हर एक के लिए कर देना, 'तख्सीस' न रखना।

ता'मीर (تعمیر) अ स्त्री—निर्माण, रचना, बनाना इमारत बनाना, वास्तु-क्रिया, सुधार, इस्लाह, बनावट, साख्त, इमारत, बिल्डिंग।

ता'मीरी (تعمیری) अ वि—इस्लाही, रचनात्मक।

ता'मीरे कौम (تعمیر قوم) अ स्त्री—राष्ट्र-निर्माण, देश का सुधार, जाति-निर्माण, अपनी बिरादरी, कौम या खानदान का सुधार।

ता'मीरे मुल्क (تعمیر ملک) अ स्त्री—राष्ट्र-निर्माण, देश का सुधार।

ता'मील (تعمیل) अ स्त्री—आज्ञा का पालन करना, हुक्म मानना, किसी परवाने, सम्मन या वारट की तकमील, निष्पादन।

ता'मीलात (تعمیلات) अ स्त्री—अदालत में सम्मन आदि की तामीलो का काम, इनकी तामीले।

ता'मीले हुक्म (تعمیل حکم) अ स्त्री—आज्ञा का पालन, हुक्म की तामील।

तामे' (طامع) अ वि—लोलप लिप्सु, लालची, लोभी।

तामेह (طامیہ) अ वि –उद्दंड, उजड्ड, अवज्ञाकारी, सरकश, उच्च, बलद।

ताम्मः (تامہ) अ स्त्री –सपूर्ण, सब, तमाम।

तार (تار) फा पु –तन्तु, डोरा, किसी धातु का पतला सूत, क्रम, सिलसिला, धागा, सूत्र, तार की खबर, टेलीग्राम, लस, लस का चेप, झडी, कतार, (वि) 'तारीक' का लघु, अँधेरा, तमिस्र, तारीक।

तारक (تارک) फा पु –माँग, सीमत, चोटी, शृग, शिरस्त्राण, खोद।

तारकश (تارکش) फा पु –धातुओ के तार बनानेवाला।

तारकशी (تارکشی) फा स्त्री –सोने-चाँदी के तार बनाना, कपडे के तार अलग करके बेल-बूटे बनाने का काम।

तार तार (تارتار) फा वि –टुकडे-टुकडे, धज्जी-धज्जी, रेजा-रेजा, बिल्कुल फटा पुराना कपडा।

तारपोद (تارپود) फा पु –दे 'तारोपोद'।

ताराज (تاراج) फा पु –विनाश, बरबादी, लूटमार, गारतगरी, नष्ट, विनष्ट, बरबाद।

ताराजगाह (تاراجگاہ) फा स्त्री –लूट-मार की जगह, वह स्थान जहाँ डाकू रहते हो और लोग लुट जाते हो।

तारिक़ (طارق) अ पु –दुर्घटना, सख्त हादिसा, प्रात काल मे उदय होनेवाला एक तारा, हर वह चीज जो रात मे निकले, इसी लिए चोर और राहगीर को भी कहते है, इस्लाम का एक प्रसिद्ध सेनापति।

तारिक (تارک) अ वि –त्याग करनेवाला, छोडनेवाला, अहकारी, घमडी।

तारिकुद्दुनया (تارک الدنیا) जिसने ससार से पूर्णतया सम्बन्ध विच्छिन्न कर लिया हो, विरक्त, निवृत्त, पति।

तारिके दुनया (تارک دنیا) अ वि –दे 'तारिकुद्दुनया'।

तारिके लज्ज़ात (تارک لذات) अ वि –जिसने ससार के सारे आनदो पर लात मार दी हो, निस्पृह, निग्रही।

तारी (طاری) अ वि –छा जानेवाला, ढँक लेनेवाला, छाया हुआ, ढाँके हुए।

ता'रीक़ (تعریق) अ स्त्री –पसीना निकालना, औषधियो के द्वारा शरीर से पसीना निकालना।

तारीक (تاریک) फा वि –तमिस्र, अधकारमय, अँधियारा।

तारीक ज़मीर (تاریک ضمیر) फा अ वि –अत मलिन, जिसका बातिन पापमय हो।

तारीक दरूँ (تاریک دروں) फा वि –दे 'तारीक दिल'।

तारीक दिल (تاریک دل) फा वि –जिसके दिल मे ईमान की रौशनी न हो, अधात्मा, खबीस, दुष्टात्मा।

तारीक बातिन (تاریک باطن) फा अ वि –दे 'तारीक दिल'।

तारीकिए शब (تاریکئی شب) फा स्त्री –रात का अँधेरा।

तारीकी (تاریکی) फा स्त्री –अँधियारी, अधकार, अँधेरा, धुँधलापन।

तारीख़ (تاریخ) अ स्त्री –महीने की तिथि, डेट, मुकद्दमे की सुनवाई का दिन, पिछले हालात का जिक्र, इतिहास, तवारीख, इतिहास की किताब, 'अबजद' के हिसाब से निकाला हुआ किसी वाकिए का साल, इतिहास-विज्ञान, वह इल्म जिसमे पिछले हालात और वाकियात का वर्णन हो।

तारीख़गो (تاریخ گو) अ फा वि –वह शाइर जिसे 'अबजद' के हिसाब से किसी घटना की तारीख निकालने का अभ्यास हो।

तारीख़दाँ (تاریخ داں) अ फा वि –इतिहासवेत्ता, इल्मे तारीख का माहिर।

तारीख़नवीस (تاریخ نویس) अ फा वि –इतिहासकार, तारीख लिखनेवाला, मुअर्रिख।

तारीख़ी (تاریخی) अ वि –प्राचीन इतिहास से सम्बन्ध रखनेवाला, जैसे 'तारीखी मकाम', तारीख का, ऐतिहासिक।

ता'रीज़ (تعریض) अ स्त्री –सामने रखना, पेश करना, दूसरे पर टालकर बात कहना, व्यग करना, कटाक्ष, व्यग, आपत्ति, एतिराज़, गिरिफ्त।

ता'रीफ़ (تعریف) अ स्त्री –प्रशसा, श्लाघा, मद्ह, परिचय, जानकारी, गुण, जौहर, व्याख्या, तशीह।

ता'रीफ़ुल मज्हूल (تعریف المجہول) अ वाक्य–किसी अज्ञात चीज का परिचय अज्ञात चीज से, जैसे—कोई पूछे 'चुर्जक' किसे कहते है और उत्तर मे कहा जाय 'उल्मक' को।

ता'रीब (تعریب) अ स्त्री –किसी दूसरी भाषा के शब्द को अरबी बनाना।

तारुम (طارم) अ पु –प्रासाद, महल, अट्टालिका, बाला-खाना, लकडी का मकान।

तारे अन्कबूत (تار عنکبوت) फा अ पु –मकडी के जाले का तार, बहुत ही कमजोर चीज।

तारे अश्क (تار اشک) फा पु –आँसुओ का तार, रोने का सिलसिला।

तारे नज़र (تار نظر) फा अ पु –दे 'तारे निगाह'।

तारे नफ़स (تار نفس) फा अ पु –साँस का डोरा, साँस का आना-जाना।

तारे निगाह (تار نگاہ) फा पु –दृष्टि का रश्मि-समूह, निगाह की शुआएँ।

तारे बर्क़ी (تار برقی) फा अ पु –बिजली का तार।

तारे बाराँ (تار باراں) फा पु –बरसात के पानी की झडी।

तारे मिस्तर (تار مسطر) फा अ पु –'मिस्तर' का तार, लकीरें बनाने के पट्ठे का डोरा।

तालबे गोर (تالب گور) फा अव्य –क़ब्र के किनारे तक, क़ब्र के मुँह तक।

तालल्लाह (طال اللہ) अ अव्य –खुदा जियादा करे, खुदा बढाये।

तालाब (تالاب) फा पु –तडाग, कासार, वापी।

तालार (تالار) फा पु –चार खमो पर बनाया हुआ मच, जो खेतो की रखवाली के लिए होता है, मचान, टाँड।

तालिए खुफ्त (طالع خفتہ) अ फा पु –सोता हुआ नसीब, दुर्भाग्य।

तालिए ख्वाबीदः (طالع خوابیدہ) अ फा पु –दे 'ता० खुफ्त'।

तालिएबेदार (طالع بیدار) अ फा पु –जागता हुआ नसीब, सौभाग्य।

तालिब (طالب) अ पु –इच्छुक, ख्वाहिशमद, याचक, माँगनेवाला, अभिलाषी, आर्जूमद, लालायित, लिप्सु, मुश्ताक।

तालिबे इल्म (طالب علم) अ पु –विद्यार्थी, पढनेवाला, छात्र।

तालिबे उक्बा (طالب عقبیٰ) अ पु –मोक्ष, स्वर्ग और पुण्य का इच्छुक, दीनदार, धर्मनिष्ठ।

तालिबे ज़र (طالب زر) अ फा पु –धनेच्छुक, रुपये का ख्वाहाँ, दुनियादार।

तालिबे दीदार (طالب دیدار) अ फा पु –दर्शनो का अभिलाषी।

तालिबे दुन्या (طالب دنیا) अ पु –दे 'तालिबे जर'।

तालिबो मतलूब (طالب و مطلوب) अ पु –प्रेमी और प्रेमिका, नायक और नायिका, आशिक और माशूक।

ता'लीक़ (تعلیقہ) अ पु –ज़मीदार या सरकार की ओर से खेतो की जिंस पर लगायी हुई रोक, ताकि वाद के निर्णय से पहले माल उठाया न जा सके।

ता'लीक़ (تعلیق) अ स्त्री–लटकाना, किसी चीज को दूसरे चीज़ के सहारे से ठहराना।

तालीफ़ (تالیف) अ स्त्री –दो या कई वस्तुओ को परस्पर सयुक्त करना, कई लेखको की कृतियो मे से छाँटकर अलग एक पुस्तक बनाना, सपादन करना, इस प्रकार बनाई हुई पुस्तक।

तालीफ़े क़ुलूब (تالیف قلوب) अ स्त्री –लोगों के मन अपनी ओर इस प्रकार आकर्षित करना जिसमें श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव हो।

ता'लीम (تعلیم) अ स्त्री –शिक्षा देना, पढाना, सिखाना, बताना, शिक्षा, पढाई, उपदेश, नसीहत, गुरुमत्र, दीक्षा, तलक़ीन, नाचने-गाने की शिक्षा।

ता'लीमगाह (تعلیم گاہ) अ फा स्त्री –पढने का स्थान, पाठशाला, मदरसा।

ता'लीमयाफ्त (تعلیم یافتہ) अ फा वि –शिक्षित, पढा-लिखा, शिष्ट, सभ्य, तमीज़दार।

ता'लीमे जदीद (تعلیم جدید) अ स्त्री –नई तालीम, आज कल की पश्चिमी शिक्षा, नवीन शिक्षा, आधुनिक शिक्षा।

तालीमे निस्वाँ (تعلیم نسواں) अ स्त्री –औरतो की तालीम, स्त्री-शिक्षा।

ता'लीमे बालिग़ाँ (تعلیم بالغاں) अ स्त्री –ऐसे लोगो की शिक्षा जिनकी आयु काफी हो चुकी हो और जो अपने अपने धधो मे लगे हो, प्रौढ-शिक्षा।

ता'लील (تعلیل) अ स्त्री –कारण बताना, प्रमाण देना, 'अलिफ' 'वाव' अथवा 'ये' को किसी दूसरे अक्षर से बदलना, (व्या)।

तालूत (طالوت) अ पु –इस्राईल जाति का एक शासक जो भिश्ती था, उसने जालूत नाम के एक बडे अत्याचारी नास्तिक को हज़्रत दाऊद की सहायता से मारा था जो उस समय उसकी फौज के सेनापति थे।

ताले' (طالع) अ पु –उदय होनेवाला, निकलनेवाला, भाग्य, किस्मत, प्रारब्ध।

ताले'आज़माई (طالع آزمائی) अ फा स्त्री –भाग्य की परीक्षा, प्रयत्न, कोशिश।

ताले'मद (طالع مند) अ फा वि –भाग्यवान्, सुभागीन, खुश इक्बाल।

ताले'वर (طالع ور) अ फा वि –दे 'ताले'मद'।

ताले'शनास (طالع شناس) अ फा वि –ज्योतिषी, नुजूमी।

तालेह (طالح) अ वि –दुराचारी, कदाचारी, दुष्प्रकृति, बदआ'माल।

तावक्तेकि (تاوقتیکہ) फा अ अव्य –जब तक कि।

तावान (تاوان) अ पु –नुकसान का मुआवज़ा, क्षतिपूर्ति, अर्थदड, जुर्माना, वह धन या सामान आदि जो हारा हुआ राष्ट्र विजेता को देता है।

तावाने जग (تاوان جنگ) अ फा पु –वह रकम और सामान जो पराजित राज्य विजेता को देता है।

ता'वीक़ (تعویق) अ स्त्री –विलब, अति काल, ढील, देर, टालमटोल, आजकल।

ता'वीज़ (تعوید) अ पु –वह कागज़ जिस पर कोई मत्र आदि लिखकर गले में डालते या बाहु पर बाँधते हैं, कवच,

मन्त्रचक्र, रक्षाकवच, कब्र पर बना हुआ ईंटो या पत्थर का निशान, गले का एक आभूषण।

तावील (تاویل) अ स्त्री –स्पष्टीकरण, तौज़ीह, किसी बात का अस्ली अर्थ से हटकर दूसरा अर्थ, किसी बात का ऐसा कारण बताना जो करीब-करीब ठीक जान पडे; स्वप्न-फल कहना, ता'बीर बताना।

ताश (تاش) तु प्रत्य –सगी, साथी, शरीक, साझेदार, जैसे—'ख्वाज ताश' एक स्वामी के शरीक, अर्थात् वह नौकर जो दासता मे एक स्वामी के शरीक हो।
(उ) पु –खेलने के पत्ते, गजिफा।

ताशक़द (تاشقند-تاشکند) फा पु –रूसी तुर्किस्तान का एक नगर, जो पहले ईरान के पास था।

तास (تاس-طاس) फा पु –बडा तश्त, परात, वह कटोरा जो जल घडी की नाँद मे पडता था, एक सुनहरे तारो का जडाऊ कपडा।

तासीस (تاسیس) अ स्त्री –नीव रखना, बुनियाद डालना, आधार, न्यास, बुनियाद।

तासे' (تاسع) अ वि –नवाँ, नवम।

ताहम (تاهم) फा अव्य –तो भी, फिर भी, तथापि, तदपि, तद्यपि।

ताहिर (طاهر) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पुनीत, पाक।

ति

तिक्कः (تکه) फा पु –कटिबध, कमरबद, गोश्त की लबी और पतली बोटी, गोश्त का लोथडा।

तिनाब (طناب) अ स्त्री –दे 'तनाब', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

तिफ्ल (طفل) अ पु –बाल, बालक, बच्चा।

तिफ़्लक (طفلک) अ फा पु –छोटा बच्चा, शिशु।

तिफ़्लमश्रब (طفل‌مشرب) अ वि –दे 'तिफ्लमिज़ाज'।

तिफ़्लमिज़ाज (طفل‌مزاج) अ, वि –बच्चो-जैसी हरकते करनेवाला, जिसके मिज़ाज मे लडकपन हो।

तिफ़्लान. (طفلانه) अ फा वि –बच्चो-जैसा, बालोचित, शैशव।

तिफ्लाने चमन (طفلان‌چمن) अ फा पु –बाग के छोटे पौदे, फूल और कलियाँ।

तिफ्ली (طفلی) अ स्त्री –बाल्यावस्था, बचपन, लडकपन।

तिफ़्ले अश्क (طفل‌اشک) अ फा पु –आँसुओ की बूँदे, अश्रु-बिंदु।

तिफ़्ले आतश (طفل‌آتش) अ फा पु –अग्निकण, स्फुलिंग, चिनगारी।

तिफ़्ले मक्तब (طفل‌مکتب) अ पु –अलिफ बे पढनेवाला, निरक्षर, मूर्ख, बेवकूफ, अनभिज्ञ, अनाडी।

तिफ़्ले शीरख्वार (طفل‌شیرخوار) अ फा उभ.–दुध मुँहा बच्चा, स्तनपायी।

तिफ्ले हिंदू (طفل‌هندو) अ फा पु –आँख की पुतली, कनीनिका।

तिब (طب) अ स्त्री –चिकित्साशास्त्र, वैद्यक, आयुर्वेद, हिक्मत।

तिबाअ (تباع) अ पु.–अनुसरण, अनुकरण, पैरवी।

तिबाअ (طباع) अ पु –प्रकृति, स्वभाव, आदत, 'तबीअत' और 'तब्अ' का बहु, प्रकृतियाँ।

तिबाबत (طبابت) अ स्त्री –तबीब का पेशा, चिकित्सा-कर्म, वैद्यक, आयुर्वेद, हिक्मत।

तिब्न (تبن) अ स्त्री –घास, सूखी घास।

तिब्बी (طبی) अ वि –चिकित्सा-सम्बन्धी, तिब से सम्बन्ध।

तिब्बे क़दीम (طب قدیم) अ स्त्री –प्राचीन चिकित्सा-पद्धति, पुराने तरीके का इलाज।

तिब्बे जदीद (طب جدید) अ स्त्री –नवीन चिकित्सा-प्रणाली, पाश्चात्य आयुर्वेद।

तिब्यान (تبیان) अ पु –प्रकट होना, व्यक्त होना, वाज़ेह होना, व्यक्त करना, ज़ाहिर करना, कथन, वचन, कलाम, कौल।

तिमुर (تیمور-تمر) तु पु –लोह, लोहा, फौलाद, तैमूर लग, इस शब्द का उच्चारण तैमूर अशुद्ध है, परतु बोला जाता है।

तिम्साल (تمثال) अ स्त्री –आकृति, शक्ल, मूर्ति, प्रतिमा, तस्वीर, राजादेश, फरमान।

तिम्सालगर (تمثال‌گر) अ फा पु –मूर्तिकार, बुततराश, चित्रकार, मुसव्विर।

तिम्सालदार (تمثال‌دار) अ फा पु –दे 'तिम्सालगर'।

तिम्साह (تمساح) अ पु –घडियाल, मगरमच्छ, कुभीर, ग्राह।

तिर्याक़ (تریاق) अ पु –विषहर, विष का नाशक, ज़हू-मोहरा, अफ्यून, अहिफेन।

तिर्याक (تریاک) फा पु –दे 'तिर्याक'।

तिर्याकी (تریاکی) फा वि –अफीमखानेवाला, अफीमची।

तिराज़ (طراز) फा प्रत्य –चित्रकारी करनेवाला, चित्र, नक्शोनिगार।

तिला (طلا) फा पु –सुवर्ण, सोना, कामवर्द्धक तेल जो लिंग पर लगाया जाता है।

तिलाई (طلائی) फा वि –जिस पर सोने का काम हो; जो बिलकुल सोने का हो, सुनहरे रगवाला।

तिलाए अहमर (طلاے احمر) फा अ पु–कुदन, खालिस सोना।
तिलाए नाब (طلاے ناب) फा पु–खालिस सोना।
तिलाकार (طلاکار) फा वि–जिस पर सोने की चित्र-कारी हो।
तिलाकारी (طلاکاری) फा स्त्री–सोने का काम बनाना, सोने का काम, सोने के काम बनाने का व्यवसाय।
तिलाकोब (طلاکوب) फा पु–सोने के वरक बनानेवाला।
तिलादोज (طلادوز) फा पु–दे 'तिलाकार'।
तिलाबाफ (طلاباف) फा पु–दे 'तिलाकार'।
तिलावत (تلاوت) अ स्त्री–पढना, किसी धर्मग्रथ को पढना, कुरान पढना।
तिलासाज (طلاساز) फा पु–सोना बनानेवाला, कीमियागर।
तिलिस्म (طلسم) अ पु–माया, इद्रजाल, जादू, दृष्टिबध, नजरबदी, वह मायारचित विचित्र स्थान जहाँ अत्यत अजीबो गरीब व्यक्ति और चीजें दिखायी पडे और जहाँ जाकर आदमी खो जाय फिर उसे घर पहुँचने का रास्ता न मिले।
तिलिस्मे जीस्त (طلسم زیست) अ पु–जीवन का माया-जाल, ज़िदगी रूपी जादू का घर, "छोड दे, जो कुछ बचे है तीर वह भी छोड दे, टूट जाये जो तिलिस्मे-जीस्त आबोगिल मे है।"
तिलिस्मबद (طلسم بند) अ फा वि–तिलिस्म और जादू के असर मे आया हुआ, मायाग्रस्त।
तिलिस्मबदी (طلسم بندی) अ फा स्त्री–जादू के असर मे आ जाना, माया और तिलिस्म की रचना।
तिलिस्मात (طلسمات) अ पु–'तिलिस्म' का बहु, माया-रचित स्थान, मायाजाल।
तिलिस्माती (طلسماتی) अ वि–मायापूर्ण, तिलिस्मी, मायावी, जादूगर।
तिलिस्मी (طلسمی) अ वि–मायानिर्मित, जादू का बना हुआ, माया सम्बन्धी, जादू का।
तिस्अ (تسعه) अ वि–नौ, नौ की सख्या।
तिस्ईन (تسعین) अ वि–नब्बे, नवति।
तिहाल (طحال) अ स्त्री–तिल्ली, प्लीहा।
तिही (تہی) फा अ वि–रिक्त, खाली।
तिहीकिस्मत (تہی قسمت) फा अ वि–जिसके भाग्य मे कुछ न हो।
तिहीगाह (تہی گاہ) फा स्त्री–कुक्षि, कोख, उपस्थ, पेडू।
तिहीदस्त (تہی دست) फा वि–जिसका हाथ खाली हो, दरिद्र, रिक्तहस्त।
तिहीदामन (تہی دامن) फा वि–जिसका दामन खाली हो, वचित, महरूम।
तिहीदिमाग (تہی دماغ) फा अ वि–जिसका मस्तिष्क खुक्खल हो, निर्बुद्धि।
तिहीमग्ज (تہی مغز) फा वि–निर्विवेक, ज्ञानशून्य, मूर्ख, जिसकी समझ मे बात न आये।

ती

तीन (طین) अ स्त्री–मृत्तिका, मिट्टी।
तीन (تین) अ पु–इजीर, एक प्रसिद्ध फल।
तीनत (طینت) अ स्त्री–स्वभाव, प्रकृति, आदत।
तीब (طیب) अ स्त्री–प्रसन्नता, खुशी, स्वीकृति, रजामदी।
तीबत (طیبت) अ स्त्री–मनोविनोद, मनोरजन, तफ़ीह, मिजाह।
तीमार (تیمار) फा स्त्री–बीमार की खिदमत, रोगी की देखभाल और शुश्रूषा।
तीमारदार (تیماردار) फा वि–रोगी की शुश्रूषा करने-वाला, परिचारक।
तीमारदारी (تیمارداری) फा स्त्री–रोगी की सेवा, परिचर्या।
तीर (تیرہ) फा वि–अधकारमय, तमिस्र, तारीक।
तीर खाकदाँ (تیرہ خاکداں) फा पु–मृत्युलोक, ससार, दुनिया।
तीर'दरूँ (تیرہ دروں) फा वि–बदबातिन, खबीस, अत-र्मलिन, अधात्मा, जिसका मन बिलकुल ही काला हो।
तीर'दिल (تیرہ دل) फा वि–दे 'तीर दरूँ'।
तीर बख्त (تیرہ بخت) फा वि–हतभाग्य, बदकिस्मत जिसके भाग्य मे अँधेरा ही अँधेरा हो।
तीर बातिन (تیرہ باطن) फा अ वि–दे 'तीर दरूँ।'
तीर रोज (تیرہ روز) फा वि–दे तीर रोजगार', छली, वचक, ठग।
तीर रोजगार (تیرہ روزگار) फा वि–जिसके लिए दुनिया बिलकुल अँधेरी हो, हतभाग्य।
तीर (تیر) फा पु–बाण, शर, नावक, एक ईरानी महीना जो हिंदी हिसाब से सावन होता है, बुध ग्रह, उतारिद, शक्ति, बल, ज़ोर।
तीरअदाज (تیرانداز) फा वि–तीर चलानेवाला, तीर मारनेवाला, तीर से शिकार करनेवाला।
तीरअदाजी (تیراندازی) फा स्त्री–तीर चलाना, तीर से शिकार करना, धनुर्विद्या, तीरदाज़ी का फन।
तीरअफ्गन (تیرافگن) फा वि–दे 'तीरअदाज़'।

तीरओतार (تیرہ‌وتار) फा. वि–बिलकुल अधकारमय, घोर अँधियारा।
तीरकश (تیرکش) फा वि– तरकश, तूणीर, निषग, वह सूराख जो किले में बदूक चलाने के लिए बनाये जाते है।
तीरखुर्दः (تیرخوردہ) फा वि–तीर खाया हुआ, घायल, जख़्मी।
तीरगर (تیرگر) फा पु–तीर बनानेवाला।
तीरगी (تیرگی) फा स्त्री–अधकार, अँधेरा, तिमिर।
तीरज़न (تیرزن) फा वि–दे 'तीरअफ्गन'।
तीरदान (تیردان) फा पु–तरकश, निषंग, तूणीर, श्रोण।
तीरपरताब (تیرپرتاب) फा पु–वह दूरी जो एक तीर चलकर गिरने की हो, वह तीर जो दूर तक फेंकने के काम आता है, निशाने के लिए नही होता।
तीरबहदफ (تیربہدف) फा वि–अचूक, जो खता न करे, जो ठीक निशाने पर बैठे, अमोघ, रामबाण।
तीरावर (تیرآور) फा वि–धूर्त, छली, मक्कार, कुरम साक, औरत की कमाई खानेवाला।
तीरे निगाह (تیرنگاہ) फा पु–दृष्टि का बाण, दृष्टि का घाव।
तीरेनीमकश (تیرنیم‌کش) फा पु–वह तीर जो घाव मे से आधा खीचकर छोड दिया गया हो, "कोई मेरे दिल से पूछे तेरे तीरेनीमकश को"—ग़ालिब।
तीरे हवाई (تیر ہوائی) फा अ पु–वह तीर जो हवा मे फेका जाय, निशाने पर न लगाया जाय, एक आतशबाज़ी।
तीर हुक्मी (تیر حکمی) फा अ पु–वह तीर जिसका निशाना कभी न चूके, अमोघ।
तीह (تیہ) फा पु–वह भयानक जगल जहाँ से जानेवाला फिर न लौटे और वही मर जाय, वह वन जिसमे हज़रत मूसा कई हज़ार आदमियो के साथ चालीस साल भटकते रहे।
तीहूज (تیہوج) फा पु–एक चिडिया, लवा।

तु

तुग (تنگ) फा पु–मिट्टी का वह बर्तन जिसका पेट चौडा, गर्दन छोटी और मुँह तग हो।
तुद (تند) फा वि–तीव्र, प्रचड, तेज, पुरज़ोर, आवेगपूर्ण, पुरजोश, क्रुद्ध, कुपित, गुस्से मे, शीघ्र, त्वरित, तेज।
तुदखू (تندخو) फा वि–तेज मिज़ाजवाला, गुस्सैल, तीव्र स्वभाव,—"जिधर निगाह उठी बिछ गई सफे उश्शाक, बला है, कह्र है, वह तुर्के तुदखू क्या है ?"
तुंदबाद (تندباد) फा स्त्री–आँधी, झक्कड, झझावात।
तुंदमिज़ाज (تندمزاج) फा अ वि–दे. 'तुदखू'।
तुंदर (تندر) फा पु–मेघ-गर्जन, बादल की गरज, बुलबुल, एक प्रसिद्ध मधुरस्वर चिडिया।
तुंदरफ़्तार (تندرفتار) फा वि–बहुत तेज़ चलनेवाला, द्रुतगामी, शीघ्रगति, वायुवेग।
तुंदराय (تندرائے) फा वि–अदूरदर्शी, अपरिणामदर्शी, आकबत का अदेश।
तुदरौ (تندرو) फा वि–दे 'तुदरफ्तार'।
तुंदी (تندی) फा स्त्री–तीव्रता, तेजी, आवेग, जोश, स्वभाव की तीव्रता, बदमिज़ाजी, लिंगोत्थान, इस्तादगी, कोप, गुस्सा।
तुंबान (تنبان) तु पु–एक प्रकार का ढीला-ढाला पाजामा, शलवार।
तुक्मः (تکمہ) तु पु–बटन की जगह लगायी जानेवाली घुडी, परतु उर्दू मे उस फदे को कहते है जिसमे घुडी फँसाई जाती है।
तुक्लान (تکلان) अ पु–विश्वास, आस्था, श्रद्धा, एतिकाद; कालतुष्टि, ईश्वरेच्छा, तवक्कुल।
तुख़्मः (تخمہ) फा पु–सतान, औलाद, अडा, अड, बैज़।
तुख़्मः (تخمہ) अ पु–सख्त किस्म की बदहज्मी जो हैज़े की शक्ल इख्तियार कर ले।
तुख़्म (تخم) फा पु–बीज, दाना, गुठली, अड, अडा, सतान, औलाद, वीर्य, नुत्फा।
तुख़्मपाशी (تخم‌پاشی) फा स्त्री–खेत मे बीज बोना, बीजारोपण।
तुख़्मरेज़ी (تخم‌ریزی) फा स्त्री–दे 'तुख़्मपाशी'।
तुख़्मी (تخمی) फा वि–जो बीज बोकर उत्पन्न किया गया हो, देशी आम जो कलमी न हो।
तुख़्मेकताँ (تخم‌کتاں) फा पु–अलसी का बीज, अलसी।
तुख़्मे मुर्ग़ (تخم مرغ) फा पु–मुर्गी का अडा।
तुख़्मे रैहाँ (تخم ریحاں) फा अ पु–दौने मडुए का बीज।
तुग़्यान (طغیان) अ पु–अवज्ञा, अवहेलना, सरकशी, उद्दडता, जहालत, अत्याचार, अनीति, ज़ुल्म, पाप, पातक, गुनाह।
तुग़्यानी (طغیانی) अ स्त्री–जलप्लावन, सैलाब, बाढ।
तुग्रा (طغرا) तु पु–एक प्रकार का खत जिसमे कोई शक्ल बना देते है, बादशाहो के फरमानो पर शाही अल्काबो आदाब लिखने का खत।
तुग्राकश (طغراکش) तु फा वि–तुग्राखत मे बेल-बूटे या तस्वीरे बनानेवाला।
तुग्रानवीस (طغرانویس) तु फा–दे 'तुग्राकश'।

तुग्रिल (طغرل) तु पु—सलजूकी खानदान का पहला बादशाह।

तुज़ुक (تزوک) तु पु—सज्जा, सजावट, आराइश, प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम, सैन्यसज्जा, फ़ौज की तर्तीब, राजसभा की सजावट, विधान, क़ानून, अपने क़लम से लिखी हुई अपनी जीवनी, आत्मचरित, ख़ुद-नविश्त हालात।

तुनुक (تنک) फ़ा वि—सूक्ष्म, बारीक, अल्प, थोड़ा, मृदुल, नाज़ुक, क्षीण, दुबला-पतला।

तुनुकज़र्फ़ (تنک ظرف) फ़ा अ वि—छिछोरा, लोफ़र, अकुलीन, कमीना, पेट का हलका, जो राज़ की बात दूसरो से कह दे, जो थोड़ी-सी शराब पीकर बहक जाय, जो किसी बड़े आदमी के पास पहुँचकर या बड़ा दरजा पाकर घमंड के कारण आदमी न रहे।

तुनुकदिल (تنک دل) फ़ा वि—बहुत छोटे दिल का, अनुदार।

तुनुकमायः (تنک مایہ) फ़ा वि—बेहैसियत, अनादृत, तुच्छ, नीच, कमज़र्फ़।

तुनुकमिज़ाज (تنک مزاج) फ़ा अ वि—जो ज़रा-सी बात पर रूठ जाय, चिड़चिड़े स्वभाववाला।

तुनुकसब्र (تنک صبر) अ फ़ा वि—जिसको धैर्य न हो, आतुर, त्वरावान्, जल्दबाज़, बेसब्रा।

तुपक (تپک) तु पु—'तोप' का अल्प रूप, छोटी तोप, बंदूक।

तुफंग (تفنگ) फ़ा स्त्री—बंदूक, तुपक।

तुफंगअंदाज़ (تفنگ انداز) फ़ा वि—बंदूकची, निशानेबाज़।

तुफंगची (تفنگ چی) फ़ा वि—बंदूक चलानेवाला, बंदूक रखनेवाला, निशानची।

तुफंगे तहपुर (تفنگ تہ پر) फ़ा स्त्री—कारतूसी बंदूक, ब्रीच लोडिंग।

तुफंगे दहनपुर (تفنگ دہن پر) फ़ा स्त्री—टोपीदार बंदूक, मुँह की ओर से भरी जानेवाली बंदूक।

तुफंगे सोज़नी (تفنگ سوزنی) फ़ा स्त्री—ब्रीच लोडिंग राइफल, जिसमे घोड़ा नही होता।

तुफ़ (تف) फ़ा अव्य—आश्चर्य, धिक्, किसी के बुरा काम करने पर धिक्कारते हुए कहते है।

तुफ़क (تفک) फ़ा स्त्री—बंदूक, तुफ़ंग, तुपक।

तुफ़ू (تفو) फ़ा स्त्री—दे 'तुफ़'।

तुफ़ैल (طفیل) अ पु—द्वारा, कारण, बसबब।

तुफ़ैली (طفیلی) अ पु—वह व्यक्ति जो बिना निमंत्रण के किसी दूसरे निमंत्रित व्यक्ति के साथ दावत मे जाय किसी सहारे पर रहनेवाला, आश्रित।

तुफ़्फ़ाह (تفاح) अ पु—सेब, एक प्रसिद्ध फल।

तुमतुराक़ (طمطراق) फ़ा पु—वैभव, शानो-शौकत, धूम-धाम, तड़क-भड़क, अहंकार, घमंड।

तुमानीयत (طمانیت) अ स्त्री—संतोष, इत्मीनान, सांत्वना, ढारस, उर्दू मे यह शब्द 'तमानियत' बोला जाता है।

तुमानीनत (طمانینت) अ स्त्री—दे 'तमानियत', इस शब्द का शुद्धतम उच्चारण यही है।

तुरंजबीन (ترنجبین) अ स्त्री—दे 'तरंजुबीन'।

तुराब (تراب) अ स्त्री—मृत्तिका, मिट्टी, सूखी मिट्टी, ख़ाक।

तुरुंज (ترنج) फ़ा पु—मीठा नीबू, मिट्ठा, शिकन, झुर्री, सिलवट।

तुरुंजीदः (ترنجیدہ) फ़ा वि—जिसके माथे पर सिलवटे पड़ी हो, ख़फ़ा, कुपित, क्रुद्ध।

तुरुक़ (طرق) अ पु—'तरीक़' का बहु, तरीक़े, रास्ते।

तुरुश (ترش) फ़ा वि—अम्ल, खट्टा, तुर्श।

तुरुश अब्रू (ترش ابرو) फ़ा वि—जिसकी भौंहें क्रोध से तनी ही रहती हो, बदमिज़ाज, क्रुद्धात्मा।

तुरुशमिज़ाज (ترش مزاج) फ़ा अ वि—बदमिज़ाज, रूखा, खुरदरा, चिड़चिड़ा।

तुरुशरू (ترش رو) फ़ा वि—दे. 'तुरुशमिज़ाज'।

तुयूर (طیور) फ़ा पु—'ताइर' का बहु, चिड़ियाँ, परन्दे।

तुर्क (ترک) तु पु—तुर्किस्तान का निवासी, सैनिक, योद्धा, प्रेमपात्र, माशूक़।

तुर्कज़ाद (ترک زادہ) तु फ़ा पु—तुर्क का लड़का, सुंदर, हसीन, प्रेमपात्र, मा'शूक़।

तुर्कताज़ (ترکتاز) तु फ़ा स्त्री—लूटमार, ग़ारतगरी, (पु) लुटेरा, ग़ारतगर, सैनिक, सिपाही।

तुर्कबच्च (ترک بچہ) तु फ़ा पु—तुर्क का लड़का, सुंदर, ख़ूबसूरत।

तुर्कमान (ترکمان) तु पु—तुर्को के अंतर्गत एक जाति।

तुर्कमिज़ाज (ترک مزاج) तु अ वि—लुटेरा, ग़ारतगर, माशूक़ो-जैसे नाज़ोअदाज़ वाला।

तुर्किस्तान (ترکستان) तु फ़ा पु—तुर्को का मुल्क, तुर्की, टर्की।

तुर्की (ترکی) तु पु—तुर्क, तुर्किस्तान का निवासी, तुर्किस्तान, तुर्को का देश, तुर्को की भाषा।

तुर्की तमामशुद (ترکی تمام شد) तु अ फ़ा वाक्य—सारी शेख़ी किरकिरी हो गयी, सारा ज़ोर ख़त्म हो गया।

तुर्ब (ترب) फ़ा स्त्री—मूली, एक प्रसिद्ध कंद, मूलक।

तुर्बत (تربت) अ स्त्री—क़ब्र, समाधि, गोर।

तुर्बुद (تربد) फ़ा स्त्री—एक रेचक जड़, निसोत।

तुर्रः (طره) अ पु –जुल्फ, अलक, बालो की लट, केश-पाश, सुनहरे तारो का गुच्छा जो पगडी पर लगाते है, टोपी का फुँदना, फूलो की लडियो का गुच्छा, पक्षियो के सर की चोटी, कलगी, शाख, बात मे बात, अच्छाई, उम्दगी, अद्भुतता, अजूबापन, बढकर, सर्वश्रेष्ठ।

तुर्रए तर्रार (طرهٔ طرار) अ पु –बल खाये हुए बाल।

तुर्रए दस्तार (طرهٔ دستار) अ फा पु –पगडी का घुमा।

तुर्श (ترشه) फा पु –एक खट्टी पत्ती, चूक।

तुर्श (ترش) फा वि –खट्टा, अम्ल, तुरुश।

तुर्शी (ترشی) फा स्त्री –खटास, अम्लता, खट्टापन, वैर, अदावत।

तुर्रहत (ترهت) अ स्त्री –व्यर्थ, मिथ्या, झूठ।

तुर्रहात (ترهات) अ स्त्री –'तुर्रहत' का बहु, अनर्गल और अनर्थक बाते।

तुलूअ (طلوع) अ पु –किसी सितारे का निकलना, उदय होना, उदय।

तुल्लाब (طلاب) अ पु –'तालिब' का बहु, विद्यार्थी लोग।

तुवगर (توںگر) फा पु –धनवान्, धनी, मालदार, शक्तिशाली, समर्थ।

तुवाँ (تواں) फा स्त्री –शक्ति, बल, ज़ोर, सामर्थ्य, कुद्रत।

तुवांगर (توانگر) फा पु –दे 'तुवगार'।

तुवाना (توانا) फा वि –शक्तिशाली, बलवान्, ज़ोरमद।

तुवानाई (توانائی) फा स्त्री –शक्ति, बल, जोर।

तुवानाए मुत्लक़ (توانائے مطلق) फा अ वि –सर्वशक्तिमान, कादिरे मुतलक।

तुह्लब (طحلب) अ स्त्री –काई जो पानी पर जम जाती है।

तुह्मत (تہمت) अ स्त्री –आरोप, लाछन, गलत इल्ज़ाम-बुहतान, सदेह, शका, शक।

तुह्र (طہر) अ पु –स्त्री का रजोमालिन्य से पवित्र होना, औरत की हैज की हालत खत्म होना, वह दिन जब स्त्री रजोधर्म मे न हो, रजस्वला न होनेवाले दिन।

तू

तूत (توت) फा पु –एक प्रसिद्ध पेड और उसका फल, शहतूत।

तूतिया (توتیا) अ पु –सुर्मा, रसाजन।

तूती (توتی–طوطی) फा स्त्री –एक चिडिया जो सिखाने पर मनुष्य की तरह बात करती है, मैना, सारिका, शुक, तोता, जो 'तूत' बहुत खाता है।

तूदः (تودہ) फा पु –मिट्टी का ढेर, ढूह, अबार, ढेर, राशि, समूह।

तूदःबदी (تودہ‌بندی) फा स्त्री –हदबदी, मिट्टी के ढेर बनाकर किसी ज़मीन की हदो को सीमित करना।

तूदए ख़ाक (تودۂ خاک) फा पु –मिट्टी का ढेर।

तूफ़ाँ (طوفاں) अ पु –'तूफान' का लघु, दे 'तूफान'।

तूफ़ाँज़दः (طوفاں‌زدہ) अ फा वि –जो पानी की बाढ आ जाने से पीडित हो, जिसका बाढ से घर-बार या खेत आदि तबाह हो गये हो।

तूफ़ाँरसीदः (طوفاں‌رسیدہ) अ फा वि –दे 'तूफ़ाँज़द.'।

तूफ़ान (طوفان) अ पु –पानी की बाढ, सैलाब, प्लावन, बहुत ही तेज़ आँधी, बहुत जोर की बारिश, आरोप, लाछन, तुहमत, कोलाहल, हगामा, शोरोगुल, आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

तूफ़ानी (طوفانی) अ वि –तूफान की तरह तेज़ और जल्दी का, जैसे–तूफानी दौरा, तूफान मे फँसा हुआ, जैसे–तूफानी कश्ती, तूफान उठानेवाला, आफत का परकाला, मुतफन्नी, तूफान से सम्बन्ध रखनेवाला।

तूफ़ाने आतश (طوفان آتش) अ फा. पु –आग का तूफान, ज़ोर की आग।

तूफ़ाने आब (طوفان آب) अ फा पु –पानी का तूफान, बाढ, सैलाब।

तूफ़ाने बाद (طوفان باد) अ फा पु –हवा का तूफान, सख्त आँधी।

तूफ़ाने बेतमीज़ी (طوفان بےتمیزی) अ फा पु –हुल्लड, बेकार का शोरोगुल।

तूबा (طوبی) अ पु –स्वर्ग का एक वृक्ष, (वि) बहुत ही अधिक सुगधित, बहुत ज़ियादा पवित्र, (स्त्री) मुबारकबाद, शुभ सवाद।

तूमार (طومار) अ पु –लम्बा-चौडा पत्र, लम्बा-चौडा वृत्तान्त, किसी विषय के बारे मे कागज़ो का पुलिदा, झूठी बातो की भरमार, बहुत अधिक चीज, बडा ढेर।

तूर (تور) फा पु –'फिरेदूँ' का बडा बेटा जिसने 'तूरान' बसाया था, महारथी, बहुत बडा बहादुर।

तूर (طور) अ पु –शाम (सीरिया) का एक पहाड, जिस पर हज़रत मूसा ने ईश्वर का जल्वा देखा था, तूरे सीना।

तूरान (توران) फा पु –तातार, तुर्किस्तान।

तूरानी (تورانی) फा पु –तूरान का निवासी, तुर्की, तातारी।

तूल (طول) अ पु –आयाम, लम्बाई, दीर्घता, विलम्ब, देर, तवालत।

तूलानी (طولانی) अ फा वि –दीर्घ, लम्बा, ढीलवाला, देर का।

तूलुल्बलद (طول‌البلد) अ पु –देशान्तर-रेखा।

तूले अमल (طول امل) अ पु –आशा की लम्बाई, मोहजाल।
तूले अमल (طول عمل) अ पु –झंझट बखेडा, किसी काम की तवालत।
तूस (طوس) फा पु –ख़ुरासान का एक शह्र, मश्हद।
तूसी (طوسی) फा पु –तूस देश का निवासी।

ते

तेग़ (تیغہ) फा पु –छोटी तलवार।
तेग़ (تیغ) फा स्त्री –खड्ग, असि, कृपाण, तलवार।
तेग़आज़मा (تیغ آزما) फा वि –तलवार चलानेवाला, लडनेवाला, वीर, योद्धा, बहादुर।
तेग़आज़माई (تیغ آزمائی) फा स्त्री –युद्ध, समर, लडाई, जंग।
तेग़ज़न (تیغ زن) फा वि –सिपाही, योद्धा, जंगजू।
तेग़ज़नी (تیغ زنی) फा स्त्री –सिपाही का पेशा, तलवार चलाने का काम।
तेग़बकफ (تیغ بکف) फा वि –हाथ मे तलवार लिये हुए, मरने-मारने पर आमादा वध करने को तत्पर।
तेग़रॉं (تیغ راں) फा वि –दे 'तेग़ज़न'।
तेग़साज़ (تیغ ساز) फा पु –तलवार बनानेवाला, खड्गकार।
तेग़े अजल (تیغ اجل) फा अ स्त्री –मौत की तलवार, अर्थात् मौत, मृत्यु।
तेग़े कोह (تیغ کوہ) फा स्त्री –पहाड की चोटी।
तेग़े दुदम (تیغ دودم) फा स्त्री –वह तलवार जिसके दोनो ओर धार हो।
तेग़े दुपैकर (تیغ دوپیکر) फा स्त्री –दे 'तेग़े दुदम'।
तेग़े दुसर (تیغ دوسر) फा स्त्री –दे 'तेग़े दुदम'।
तेग़े फलक (تیغ فلک) फा अ स्त्री –मंगल ग्रह, मिर्रीख़।
तेग़े बुर्रॉं (تیغ براں) फा स्त्री –अच्छी काटवाली तलवार, जिसकी धार बहुत ही अच्छी हो।
तेग़े रवॉं (تیغ رواں) फा स्त्री –पैनी और तेज तलवार।
तेज़ (تیز) फा वि –जिसमे धार हो, तीव्र, प्रचड, शदीद, शीघ्र, द्रुत, जल्द, कुपित, गुस्से, होशियार, धूर्त, चालाक, दक्ष, कुशल, माहिर, जोशीला, उत्साहपूर्ण, प्रतिभाशाली-ज़हीन, बुद्धिमान्, अक्लमद, तत्पर, मुस्तइद, दूर तक देखनेवाली (नज़र), महँगा, गिराँ।
तेज़अक्ल (تیزعقل) अ फा वि –तीव्रबुद्धि, जल्द बात समझ लेनेवाला, जहीन, प्रतिभाशाली।
तेज़कदम (تیزقدم) अ फा वि –तेज चलनेवाला, जल्दी-जल्दी डग मारनेवाला, शीघ्रगति।
तेज़ कलम (تیز قلم) अ फा वि –जल्द लिखनेवाला, शीघ्र लिपिक।
तेज़गाम (تیزگام) फा वि –तेजकदम, शीघ्रगामी।
तेज़गामी (تیزگامی) फा स्त्री –तेज चलना, शीघ्र गमन।
तेज़गोश (تیزگوش) फा वि –जल्द बात सुन लेनेवाला, दूर की बात सुन लेनेवाला, आहिस्ता बात सुन लेनेवाला।
तेज़ तब्अ (تیزطبع) फा अ वि –प्रतिभाशाली, जहीन, तीव्रबुद्धि, तेज़अक्ल।
तेज़तर (تیزتر) फा वि –बहुत तेज, शीघ्रतर, तीव्रतर।
तेज़तरीन (تیزترین) फा वि –सबसे अधिक तेज, शीघ्रतम, तीव्रतम।
तेज़दंदॉं (تیزدنداں) फा वि –जिसके दाँत तेज हो, काट खानेवाला, लोभी, लालची, हरीस।
तेज़दम (تیزدم) फा वि –जोशीला, उत्साही, फुर्तीला, चालाक, ताज दम, दमदार।
तेज़दस्त (تیزدست) फा वि –जल्द काम करनेवाला, क्षिप्रहस्त।
तेज़दस्ती (تیزدستی) फा स्त्री –फुर्ती, चालाकी, जल्द काम करना।
तेज़दिमाग़ (تیزدماغ) फा अ वि –दे 'तेज़अक्ल'।
तेज़नज़र (تیزنظر) फा अ वि –जिसकी दृष्टि तीव्र हो, जो दूर तक देख सके, जो बारीक चीज़े देख सके, तीव्रदृष्टि।
तेज़नाख़ुन (تیزناخن) फा वि –जिसके नख तीव्र हो, जो नाखूनो मे जख्मी कर सके।
तेज़निगाह (تیزنگاہ) फा वि –दे 'तेज़नज़र'।
तेज़पर (تیزپر) फा वि –दे 'तेज़परवाज़'।
तेज़परवाज़ (تیزپرواز) फा वि –जल्द उडनेवाला, ऊँचा उडनेवाला, दूर की लेनेवाला।
तेज़ फ़हम (تیزفہم) फा अ वि –शीघ्र ही बात की तह को पहुँच जानेवाला, ज़ूदरस, बुद्धिमान्, अक्लमद।
तेज़बू (تیزبو) फा वि –जिसकी गंध तेज हो, तीव्रगंध।
तेज़मिज़ाज (تیزمزاج) फा अ वि –चिडचिडे मिजाज-वाला, किसी की बात न सह सकनेवाला, किसी बात पर जल्द बिगड जानेवाला, गुस्सैल, क्रोधी।
तेज़रफ्तार (تیزرفتار) फा वि –दे 'तेज़गाम'।
तेज़रवी (تیزروی) फा स्त्री –दे 'तेज़गामी'।
तेज़रौ (تیزرو) फा वि –दे 'तेज़गाम'।
तेज़होश (تیزہوش) फा वि –बुद्धिमान्, अक्लवर, प्रतिभावान्, तब्बाअ, दक्ष, कुशल, होशियार।

तेज़ाब (تیزاب) फा पु —एक रासायनिक पानी जो नमक, शोरा आदि चीजो से बनता है, अम्ल।

तेज़ाबियत (تیزابیت) फा स्त्री —तेज़ाबपन।

तेज़ाबी (تیزابی) अ वि —तेज़ाब सम्बन्धी, तेज़ाब का, तेज़ाब से बना हुआ, तेज़ाब मिला हुआ, तेज़ाब के असर से बिगडा या बना हुआ।

तेज़ी (تیزی) फा [illegible] ार, बाढ, तीव्रता, शिद्दत, महँगाई, गिरानी, न्यूनता, कमी, चालाकी, होशियारी, दक्षता, महारत, प्रतिभा, जहानत, जोश, उत्साह, हिम्मत, साहस, तत्परता, आमादगी, शीघ्रता, जल्दी, आतुरता, बेसब्री, बेचैनी।

तेज़ोतुंद (تیزوتند) फा वि —बहुत तेज, प्रचड, अति तीव्र।

तेश (تیشہ) फा पु —कुद्दाल, कदाल।

तेशःज़न (تیشہ‌زن) फा वि —कुदाल से ज़मीन आदि खोदनेवाला।

तेशज़नी (تیشہ‌زنی) फा स्त्री —कुदाल का काम, कुदाल से खुदाई।

तै

तै (طے) अ पु —'हातिम' का वश, रस्ता चलना, जैसे—मजिल तै कर ली, निर्णय, फैसला, निर्णीत, फैसल, समाप्ति, खातिमा, चुकता, बेबाकी।

तैए अर्ज़ (طے ارض) अ पु —रस्ता तै करना, सफर तै करना।

तैए लिसान (طے لسان) अ पु —चुप रहना, अवाक् हो जाना, कुछ न कहना।

तैयारः (طیارہ) अ पु —वायुयान, विमान, हवाई जहाज।

तैयारःबरदार (طیارہ بردار) अ फा पु —वह हवाई जहाज जो और जहाजो को अपने अदर रखकर लाता है।

तैयारःशिकन (طیارہ شکن) अ फा पु —वह तोप जो हवाई जहाज को गिराती है।

तैयार (تیار) अ वि —तत्पर, कटिबद्ध, आमादा, पक्व, पुख्ता, समाप्त, खत्म, सपूर्ण, मुकम्मल, हृष्ट-पुष्ट, फरबेह, मोटा-ताजा, सुसज्जित, आरास्ता, इस्तेमाल या प्रयोग के काबिल, जैसे—खाना तैयार या कोट तैयार, लैस, फिट।

तैयारची (طیارچی) अ तु पु —हवाई जहाज़ चलानेवाला, पाइलेट, वायुयान-चालक।

तैयारी (تیاری) अ वि —तत्परता, मुस्तैदी, समाप्ति, खातिमा, पूर्ति, तक्मील, सज्जा, आरास्तगी, प्रयोग के काबिल होना, रचना, ता'मीर, निर्माण, सृष्टि, तख्लीक।

तैयिब (طیب) अ वि —पवित्र, शुद्ध, पाक, निमल।

तैयिबात (طیبات) अ स्त्री —सती और साध्वी स्त्रियाँ।

तैर (طیر) अ पु —चिडिया, परद, पक्षी, चिडियाँ, परदे।

तैरान (طیران) अ पु —हवा मे उडना, उड्डयन।

तैल[लि]सान (طیلسان) अ स्त्री —चादर, दुपट्टा, वह रूमाल जो खतीब या वाइज़ खुत्बे के वक्त कघो पर डाल लेते है।

तैश (طیش) अ —क्रोध, कोप, गुस्सा।

तैसीर (تیسیر) अ स्त्री —सुगम करना, आसान बनाना, सुगमता, सरलता, आसानी।

तो

तोज़ (توز) फा प्रत्य —ढूँढनेवाला, एकत्र करनेवाला, जैसे—'कीन तोज़' द्वेष मन में एकत्र करनेवाला।

तोप (توپ) तु स्त्री —गोला फेंकनेवाला यत्र।

तोपखानः (توپ‌خانہ) तु फा —वह सेना जो बाये चलती है, तोपें रखने का स्थान।

तोपची (توپچی) तु पु —तोप चलानेवाला, तोप से गोला मारनेवाला।

तोबर (توبرہ) फा पु —घोडे के दाना खाने का थैला।

तो'मः (طعمہ) अ पु —खुराक, खाद्य, भोजन, जीविका, रोजी।

तोल (تولہ) फा पु —कुत्ते का बच्चा, पिल्ला, एक प्रकार का कुत्ता जो शिकार की बू पाकर उसे पकडता है।

तोलच. (تولچہ) फा पु —बारह माशे की तौल, तोला।

तोश (توشہ) फा पु —सफर का सामान खाने-पीने का।

तोश.खान. (توشہ‌خانہ) फा पु —वह स्थान जहाँ खाने-पीने का सामान रहता है, 'तोशकखाना' का अपभ्रश।

तोशःदान (توشہ‌دان) फा पु —दे 'तोशदान'।

तोश (توش) फा पु —शक्ति, बल, जोर।

तोशएआक़िबत (توشۂ عاقبت) फा अ पु —अच्छी कृतियाँ जो यमलोक मे काम आयें।

तोशक (توشک) फा स्त्री —पलँग पर बिछाने का रुईदार गद्दा, निहाली, घर-गृहस्थी का सामान, खाने-पीने की सामग्री।

तोशकखान (توشک‌خانہ) फा पु —दे 'तोशखान'।

तोशदान (توشدان) फा पु —सिपाहियो के कारतूस रखने की चमडे की पेटी, सफर के लिए खाना रखने का बर्तन।

तोशमाल (توشمال) फा पु —खानसामाँ, बावरची, रसोइया, पाचक।

तौ

तौअनोकर्हन (طوعاً کرہاً) अ अव्य —बिना इच्छा के विवशतापूर्वक, दिल पर जब्र करके।

तौक (طوق) अ पु –स्त्रियो के गले मे पहनने की सोने-चाँदी की गोल हँसली, लोहे की गोल हँसली जो कैदियो के गले मे डाली जाती है, वह गोल लकीर जो बाज चिडियो के गले मे होती है, मन्नत की वह हँसली जो बच्चो को पहनाते है।

तौकीअ (توقیع) अ स्त्री –बादशाह का किसी राजादेश पर हस्ताक्षर करना, मोहर, निशान, वह राजादेश जिसमे किसी बात पर क्रोध प्रकट किया गया हो।

तौक़ीर (توقیر) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, मान्यता, एहतिराम, सत्कार, सम्मान, ताजीम, इज़्जत।

तौके ग़ुलामी (طوق غلامی) अ पु –पराधीनता की लांछन।

तौके माह (طوق ماہ) अ फा पु –चाँद मे पडनेवाला घरा, चद्रबिम्ब।

तौक़े ला'नत (طوق لعنت) अ पु –धिक्कार की बौछार, धिक्काररूपी गले का तौक।

तौज़ीअ (توزیع) अ स्त्री –बिखेरना, फैलाना, टुकडे करना, हिस्से बखरे करना।

तौज़ीन (توزین) अ स्त्री –तुलवाना, वज्न कराना, तोलना, वज्न करना, तोल, वज्न।

तौज़ीह (توضیح) अ स्त्री –स्पष्टीकरण, खोलकर कहना, व्याख्या, विवरण, तफ्सील।

तौजीह (توجیہ) अ स्त्री –कारण बताना, वजह जाहिर करना, किसी की ओर मुँह करना, मुतवज्जेह होना, स्पष्ट करना, साफ करना, यह बताना कि ऐसा क्यो है।

तौदीअ (تودیع) अ स्त्री –विदा करना, रुख्सत करना, रवाना करना, सौंपना, हस्तान्तरित करना।

तौफ (طوف) अ पु –किसी के चारो ओर फिरना, परिक्रमा।

तौफीक़ (توفیق) अ स्त्री –दैवयोग से ऐसे कारण पैदा हो जाना जिससे अभिलषित वस्तु की प्राप्ति मे सुगमता हो, ईश्वर की कृपा, दैवानुग्रह, सामर्थ्य, शक्ति, मक्दरत, उत्साह, उमग, हौसला, योग्यता, पात्रता, अहलियत।

तौफीकेखैर (توفیق خیر) अ स्त्री –अच्छी कृतियो की तौफीक।

तौफीर (توفیر) अ स्त्री –आधिक्य, प्राचुर्य, इफ़ात।

तौब (توبہ) अ स्त्री –किसी बुरे काम से बाज रहने की दृढ प्रतिज्ञा, इस्तिग्फार, त्याग, तर्क, छोड देना, पछतावा, पश्चात्ताप, (अव्य) धर्म के विरुद्ध या किसी बडे अहकार की बात सुनकर बोला जानेवाला शब्द, जिससे घृणा और नफ़त का इज़्हार मजूर होता है।

तौब नामः (توبہ نامہ) अ फा पु –किसी बात से तौबा करने का लिखित पत्र।

तौब शिकन (توبہ شکن) अ फा वि –की हुई तौबा को तुडवा देनेवाली बात, "किस कदर तौब शिकन शोख की अँगडाई है, मैकदा गूँज उठा देखो घटा छाई है।"

तौबीख़ (توبیخ) अ स्त्री –झिडकी, घुडकी, भर्त्सना, यह शब्द अकेला नहीं बोला जाता, ज़ज्र के साथ मिलकर 'जज्रो तौबीख' बोला जाता है, अर्थात् डाँट-फटकार।

तौर (طور) अ पु –शैली, पद्धति, ढग, आचरण, व्यवहार, तर्जे अमल, चाल-ढाल, रविश, रग-ढग, लक्षण, लच्छन, अलामत।

तौरात (تورات) अ स्त्री –वह आस्मानी ग्रथ जो हज़्रत 'मूसा' पर उतरा था, तौरैत।

तौरियः (توریہ) अ पु –दिल मे कुछ होना और मुँह पर कुछ, मुनाफ्कत।

तौरीब (توریب) अ स्त्री –टेढा करना, ख़म डालना, टेढापन, वक्रता।

तौरैत (توریت) अ स्त्री –दे 'तौरात'।

तौलियः (تولیہ) अ स्त्री –दे 'तौलियत'।

तौलियत (تولیت) अ स्त्री –किसी को किसी काम का प्रबधक नियुक्त करना, वली या मतवल्ली बनाना।

तौलियतनाम (تولیت نامہ) अ फा पु –मुतवल्ली बनाने की तहरीर।

तौलीद (تولید) अ स्त्री –जनना, पैदा कराना; पालन-पोषण करना, उत्पन्न करना, पैदा करना, उत्पत्ति, पैदाइश।

तौलीद ख़ून (تولید خون) अ फा स्त्री –खून की उत्पत्ति, खून की पैदाइश, खून की वृद्धि।

तौलीदेमनी (تولید منی) अ स्त्री –वीर्य की उत्पत्ति, मनी की वृद्धि।

तौशीह (توشیح) अ स्त्री –गले मे हार डालना, सजाना, सँवारना, एक अलकार जिसमे चद शेरो या मिस्रो के पहले अक्षर एकत्र करने से किसी का नाम अथवा अक्षरो की सख्या 'अबजद' के हिसाब से जोडने पर कोई विशेष साल निकलता है।

तौसन (توسن) फा पु –अश्व, घोडा, तुरग।

तौसीअ (توسیع) अ स्त्री –अधिक करना, जियादा करना, विस्तृत करना, वसीअ करना, विस्तार, कुशादगी, फैलाव।

तौसीए मीआद (توسیع میعاد) अ स्त्री –किसी काम का नियत समय बढा देना।

तौसीक (توثیق) अ स्त्री –दृढ करना, मज़बूत करना, दृढता, मज़बूती, पुष्टि करना, समर्थन करना, पुष्टि, समर्थन।

तौहीद (توحید) अ स्त्री –ईश्वर को एक मानना, अद्वैतवाद।

तौहीदपरस्त (توحیدپرست) अ फा वि –ईश्वर को एक माननेवाला, अद्वैतवादी।

तौहीन (توہین) अ स्त्री –अपमान, अनादर, तिरस्कार, बेइज़्ज़ती।

तौहीने अदालत (توہین عدالت) अ स्त्री –किसी न्यायालय का अपमान।

द

दंग (دنگ) फा वि –चकित, निस्तब्ध, हक्का-बक्का, शशदर, हैरान।

दंगल (دنگل) फा पु –जनसमूह, भीड, हुजूम, पहलवानो के कुश्ती लडने का अखाडा, पहलवानो की कुश्ती।

ददाँ (دنداں) फा पु –दाँत, दंत।

ददाँज़नी (دنداں زنی) फा स्त्री –शत्रुता, द्वेष, दुश्मनी, वैर।

ददाँदराज़ (دنداں دراز) फा वि –लोलुप, लोभी, लालची।

ददाँनुमा (دنداں نما) फा वि –दाँत दिखानेवाला, जिसमे दाँत दिखाई पडे, जैसे—'ख़दए ददाँनुमा'।

ददाँशिकन (دنداں شکن) फा वि –मुँहतोड, जैसे—'ददाँशिकन जवाब'।

ददाँसाज़ (دنداں ساز) फा पु –दन्तकार, डेंटिस्ट।

ददानः (دندانہ) फा पु –किसी आरी आदि का दाँता, दाँतुआ।

दअवात (دعوات) अ स्त्री –'दा'वत' का बहु, दुआएँ।

दआवी (دعاوی) अ पु –दा'वा का बहु, दा'वे।

दक़ [दक़्क़] (دق) अ पु –कूटना, पीसना, ठोकना, खटखटाना।

दकन (دکن) फा. पु –दक्षिण, दक्खिन, कुछ साल पहिले निज़ाम की रियासत के अर्थ में भी प्रयुक्त।

दक़ाइक़ (دقائق) अ पु –'दक़ीक़' का बहु, बारीकियाँ, नुक्ते।

दक़ीक़ः (دقیقہ) अ पु –गूढता, बारीकी, कसर, कमी, एक घंटे का साठवाँ भाग, एक मिनट।

दक़ीक़ःरस (دقیقہ رس) अ फा वि –बात की तह को पहुँचनेवाला, कुशाग्रबुद्धि, तीव्रप्रतिभ।

दक़ीक़ःशनास (دقیقہ شناس) अ फा वि –दे 'दक़ीक़-रस'।

दक़ीक़ (دقیق) अ वि –बारीक, महीन, सूक्ष्म, गूढ, नाज़ुक, कठिन, मुश्किल।

दक़्क़ाक़ (دقاق) अ वि –कूटनेवाला, महीन करनेवाला; गूढ और सूक्ष्म बात कहनेवाला, सूक्ष्मवादी।

दक़्क़ुलबाब (دق الباب) अ पु –दरवाज़ा खटखटाना, दस्तक देना।

दक़्क़ोलक़्क़ (دق ولق) अ वि –चटियल मैदान।

दक़यानूस (دقیانوس) अ पु –इतिहास-काल से पहले का एक बहुत ही अत्याचारी नरेश।

दक़यानूसी (دقیانوسی) अ वि –दक़यानूस के समय का अर्थात् बहुत पुराना, बडी आयुवाला, बहुत दुनिया देखे हुए, बहुत ही पुरानी और निकम्मी वस्तु।

दख़ील (دخیل) अ वि –काबिज़, उपभोक्ता, प्रभाव रखनेवाला, पहुँच रखनेवाला।

दख़ीलकार (دخیل کار) अ फा वि –वह किसान जिसे अपनी जमीन पर कब्ज़े का हक़ हासिल हो।

दख़्मः (دخمہ) फा पु –आतशपरस्तो का कब्रिस्तान जो कुएँ की शक्ल का होता है।

दख़्ल (دخل) अ पु –पहुँच, रसाई, अधिकार, कब्ज़ा, हस्तक्षेप, मुज़ाहमत, थोडी-बहुत जानकारी, सुदबुद।

दख़्ल दर मा'क़ूलात (دخل در معقولات) अ फा अव्य –किसी विषय मे बिना कारण दख़्ल देना, अनधिकार चर्चा।

दख़्लदिहानी (دخل دہانی) अ फा स्त्री –कब्ज़ा दिलाना, किसी जायदाद आदि पर किसी एक की जगह दूसरे को हक़दार और मालिक बनाना।

दख़्लनामः (دخل نامہ) अ फा पु –दख़्ल दिलाने की तहरीर।

दख़्लयाब (دخل یاب) अ फा वि –दख़्ल पाया हुआ, जिसे कब्ज़ा मिल गया हो।

दख़्लयाबी (دخل یابی) अ फा स्त्री –कब्ज़ा पाना, अधिकार-प्राप्ति।

दग़ल (دغل) फा पु –छल, कपट, फरेब, खोटा सोना या चाँदी।

दग़ा (دغا) फा स्त्री –छल, वचना, ठगी, मक्कारी।

दग़ाबाज़ (دغاباز) फा वि –वचक, छली, ठगिया।

दग़ाबाज़ी (دغابازی) फा स्त्री –विश्वासघात, कटकर्म, फरेबकारी।

दग़्दग़ (دغدغہ) फा पु –शका, भय, खटका, धडका।

दजाज (دجاج) अ स्त्री –मुर्गी, स्त्री कुक्कुट, (पु) मुर्गा, कुक्कुट, दे 'दिजाज'।

दज्जाल (دجال) अ वि –बहुत बडा छली, बहुत बडा मायावी, (पु) मुसलमानो के मतानुसार एक व्यक्ति जो कियामत से कुछ पहले पैदा होगा और खुदा होने का दावा करेगा।

दज्ल. (دجلہ) अ पु –एक नदी जो बग़दाद के नीचे बहती है, नदी, दर्या, दे 'दिज्ल'।

ददः (ددہ) तु स्त्री —वह स्त्री जो बच्चो को दूध पिलाती और उसकी देखरेख करती है।

दद॰ (ددہ) फा पु —फाड खानेवाला दरिंद, श्वापद।

दद (دد) फा पु —श्वापद, हिंसक पशु, दद।

दनस (دنس) अ स्त्री —मलिनता, मैलापन, गदगी, अपवित्रता, नजासत।

दनानीर (دنانیر) अ पु —दीनार (अरबी 'दिन्नार) का बहु, अशरफियाँ, मुह्रे।

दनी (دنی) अ वि —पाजी, कमीना, अधम, पामर, नीच।

दनीउत्तब्अ (دنی الطبع) अ वि —ज़लील तबीअत का, नीचाशय।

दनीउल्फित्रत (دنی الفطرت) अ वि —दे 'दनीउत्तब्अ'।

दफ (دف) फा पु —एक गोलाकार खाल मढा हुआ वाजा, बडी डफली।

दफाइन (دفائن) अ पु —'दफीन' का बहु, दफीने, निधियाँ।

दफातिर (دفاتر) अ पु —'दफ्तर' का बहु, कार्यालय, दफ्तर (एक से अधिक)।

दफीन॰ (دفینہ) अ पु —गडा हुआ खजाना, निधि।

दफ्अः (دفعہ) अ स्त्री —एक बार, बार, धारा, कानून की दफा।

दफ्अतन (دفعتاً) अ अव्य —सहसा, अकस्मात्, अचानक।

दफ्आत (دفعات) अ स्त्री 'दफ्अ' का बहु, बहुत बार, कानून की धाराएँ।

दफ्ईय (دفعیہ) अ पु —रोक, निवारण, तदारुक।

दफ्ए मरज़ (دفع مرض) अ पु —रोग-निवारण, रोग का खातिमा, रोगमुक्ति।

दफ्तर (دفتر) फा पु —कार्यालय, आफिस, किसी बडी किताब का एक भाग, जिल्द, ग्रथखड, वाल्यूम, कोई लम्बी-चौडी बात, तूमार, जैसे—शिकायतो का दफ्तर।

दफ्तरनिगार (دفترنگار) अ फा पु —दफ्तर का मुहर्रिर, क्लर्क, लिपिक।

दफ्तरी (دفتری) अ पु —दफ्तर के रजिस्टरो और कागजो की जिल्दसाजी और रजिस्टरो आदि पर लकीरे वगैरह खीचनेवाला।

दफ्न (دفن) अ पु —जमीन मे गाडना, दफ्न करना, (वि) गाडा हुआ, मद्फून।

दबरान (دبران) अ पु —चौथा नक्षत्र, रोहिणी।

दबाजत (دبازت) स्थूलता, मोटापन, गाढापन।

दबिस्ताँ (دبستاں) फा पु —अदबिस्ताँ का लघु, पाठशाला, मदरसा, छोटे बच्चो का स्कूल, मक्तब।

दबीज़ (دبیز) फा वि —मोटा, गफ, मगीन।

दबीर (دبیر) फा पु —मुहर्रिर, क्लर्क, लिपिक, लेखक, इशापरदाज़।

दबीरिस्तान (دبیرستان) फा पु —मुशीखाना, दफ्तर, पाठशाला, मक्तब।

दबीरे फलक (دبیر فلک) फा अ पु —बुध ग्रह, उतारिद।

दबील: (دبیلہ) अ पुं —गोल और बडा वरम, फोडा, व्रण।

दबूर (دبور) अ स्त्री —पछवा हवा, पछयाव।

दबूस॰ (دبوسہ) फा पु —जहाज का कमरा या कैबिन जो महिलाओ के लिए होता है।

दब्दबः (دبدبہ) अ पु —रोबोदाब, तेज, प्रताप, प्रभाव, आतक, कर्रोफर।

दब्ब॰ (دبہ) फा पु —चमडे का कुप्पा, घी का कुप्पा।

दब्बाग़॰ (دباغہ) अ पु —चमडा पकाने और रँगने का कारखाना, टैनरी।

दब्बाग़ (دباغ) अ वि —चमडा कमानेवाला, चमडा पकाने और रँगनेवाला।

दमः (دمہ) फा पु —दमे का रोग, श्वासकास, श्वासरोग, जीकुन्नफस।

दम (دم) फा पु —साँस, श्वास, छल, धोखा, फरेब, शेखी, डीग, धार, तीक्ष्णता, तेजी, प्राण वायु, रूह; व्यक्तित्व, जात, हुक्के या चिलम का कश, क्षण, पल, लम्हा, कुछ पढ के फूँकना, मत्र, टोटका, समय, काल, वक्त, बल, शक्ति, ज़ोर।

दम (دم) अ पु —रक्त, लोहू, खून, जीवन, प्राण, जिंदगी।

दमकश (دم‌کش) फा वि —मौन, चुप, खामोश, गवैए के साथ स्वर मिलानेवाला।

दमकशी (دم‌کشی) फा स्त्री —मौन, चुप्पी, खामोशी, गानेवाले के स्वर में स्वर मिलाना।

दमखम (دم‌خم) फा पु —शक्ति, ज़ोर, ताकत, उत्साह, उमग हौसला, तलवार की धार और उसकी वक्रता।

दमज़दन (دم‌زدن) फा पु —दम मारना, कुछ कहना, क्षण, लमहा, ज़रा-सी देर।

दमदम (دمدمہ) फा पु —वह कृत्रिम कोट जो युद्ध के समय थैलो में मिट्टी भरकर बनाते हैं, धुस, मोरचा।

दमदार (دمدار) फा वि —ज़ोरदार, शक्तिशाली, प्राणी, जानदार।

दमपुख्त (دم‌پخت) फा पु —हाँडी का मुँह बद करके हल्की आँच पर पकाई हुई चीज, (मुर्ग के) पेट मे कोई चीज भरकर पकाया हुआ मुर्ग, देग का मुँह बन्द करके पकाई हुई बिरयानी या पुलाव।

दम बखुद (دم بخود) फा वि —मौन, चुप, खामोश, "शमा

चुप, पर्वाना शस्दर, अहले महफिल 'दम बखुद', हाय क्या तस्वीर का आलम तेरी महफिल में है !"—जिगर।

दम बदम (دم بدم) फा वि—हरदम, क्षण-प्रतिक्षण, निरन्तर, लगातार।

दमबाज़ (دم باز) फा वि—धूर्त, छली, वचक, मक्कार।

दमबाज़ी (دم بازی) फा स्त्री—धूर्तता, मक्कारी, छल, फरेब।

दमवी (دموی) अ वि—रक्त सम्बन्धी, खून से निस्वत रखनेवाला, खून के दबाव या दोष से होनेवाला।

दमशुमारी (دم شماری) फा अ स्त्री—मरते समय की आखिरी साँसें, मरते समय की साँसे गिनना।

दमसाज़ (دم ساز) फा वि—मित्र, सखा, दोस्त, हमदम, गाने या नफीरी आदि मे साथ देनेवाला।

दमाँ (دماں) फा वि—क्रोध के वेग मे डौकने, दहाडने और चिंघाडनेवाला, यह शब्द विशेषत हाथी, शेर, अजगर और मगर के लिए आता है, वमे बाढ मे आयी हुई नदी और पानी की बाढ के लिए भी प्रयुक्त होता है।

दमादम (دمادم) फा अव्य—निरतर, लगातार, मुसल्सल, क्षण-प्रतिक्षण, हरदम।

दमाम: (دمامہ) फा पु—बडा नक्कारा, धौंसा।

दमामील (دمامیل) अ पु—'दुम्मल' का बहु, फोडे।

दमार (دمار) अ पु—वध, हनन, हलाकी।

दमीदः (دمیدہ) फा वि—उगा हुआ, ज़मीन से निकला हुआ, फूँका हुआ।

दमीदगी (دمیدگی) फा स्त्री—उगाव, जमाव, फूँक।

दमीम (دمیم) अ वि—कुरूप, कदाकार, बदसूरत।

दमे आब (دم آب) फा पु—पानी का एक घूँट।

दमे ईसा (دم عیسی) फा अ पु—हज़रत ईसा की फूँक, जिससे मृत प्राणी जीवित हो जाते थे, प्राण देनेवाला, जीवित करनेवाला।

दमे एह्तिज़ार (دم احتضار) फा अ पु—प्राण निकलते समय, प्राण निकलने का समय।

दमे चद (دم چند) फा पु—थोडी देर, क्षण भर, इतनी देर जिसमे चार-छ साँसे ली जा सकें।

दमे तस्लीम (دم تسلیم) फा अ पु—मरते वक्त की साँसें, मौन, चुप्पी, खामोशी, आज्ञा चाहना।

दमे तेग़ (دم تیغ) फा पु—तलवार की धार।

दमे पसीं (دم پسیں) फा पु—दे 'दमे वापसीं'।

दमे बाज़पसीं (دم بازپسیں) फा पु—दे 'दमे वापसीं'।

दमे वापसीं (دم واپسیں) फा पु—मरते समय की अंतिम साँसे।

दमे शमशीर (دم شمشیر) फा पु—दे 'दमे तेग़'।

दमे सर्द (دم سرد) फा पु—ठडी साँस, सर्द आह।

दमे सुब्ह (دم صبح) फा अ पु—प्रात काल, तडका।

दमे सूर (دم صور) फा अ पु—'सूर' फूँकने का समय, महाप्रलय-काल।

दयाक़ूज़ः (دیاقوذہ) अ पु—एक यूनानी दवा।

दरंग (درنگ) फा स्त्री—विलम्ब, ढील, वक्फ, देर, आलस्य, सुस्ती, दे 'दिरंग', दोनो शुद्ध है।

दरंदाज़ (دراندار) फा वि—दो आदमियो मे लडाई करा देनेवाला, पिशुन, दे 'दर अदाज़'।

दरंदाज़ी (درانداری) फा स्त्री—पिशुनता, चुगुलखोरी, इधर की उधर लगाकर आपस मे लडाई कराना।

दरः (درہ) फा पु—दो पहाडो के बीच का तग रास्ता, घाटी, दे 'दर्रः'।

दर (در) फा पु—दरवाजा, द्वार (अव्य) मे, भीतर, जब एक ही दो शब्दो के बीच मे आता है तो कभी 'बहुत' का अर्थ देता है जैसे 'सह्रा दर सह्रा' जगलो मे। कभी 'ऊपर' का अर्थ देता है जैसे, 'सूद दर सूद' व्याज पर व्याज। कभी गुणा का अर्थ देता है जैसे, 'दह दर दह' अर्थात् १० × १०। (प्रत्य) चीरनेवाला जैसे, 'सफदर' सेना की पक्तियो को चीर डालनेवाला। (उप) शब्द के अर्थ मे विशेषता पैदा कर देता है, जैसे, 'दरगुज़र' किसी का दोष देखते हुए गुज़र जाना। कही-कही केवल शब्द-सौन्दर्य के लिए भी आता है जैसे, 'दरमियान' इसका अर्थ वही है जो 'मियान' का यानी 'बीच'।

दरअंदाज़ (درانداز) फा वि—दे 'दरदाज़'।

दरअंदाज़ी (درانداری) फा स्त्री—दे 'दरदाज़ी'।

दरअस्ल (دراصل) फा अ अव्य—वास्तव मे, वस्तुत, हकीकत मे, अस्ल मे।

दरआमद (درآمد) फा स्त्री—दे 'दरामद'।

दरकः (درکہ) अ पु—नीचे का तल, अधोतल, 'दरज' का उलटा वह ऊपर की मजिल के लिए आता है, नरक, दोज़ख, दे 'दर्कः'।

दरकात (درکات) अ पु—नीचे के तल, सारे नरक, सारे दोज़ख।

दरकार (درکار) फा अव्य—वाछित, अभिलषित, मतलूब।

दरकिनार (درکنار) फा अव्य—एक तरफ, अलग, एक तरफ रहा, अलग रहा, जैसे—राम तो दरकिनार कृष्ण भी नही आया।

दरख़ुर (درخور) फा अव्य—योग्य, काबिल जैसे—'दरखुरे अर्ज़' कहनेयोग्य, दल्ल, पैंठ, रसाई।

दरखुरे एतिना (درخوراعتنا) फा अ अव्य—तवज्जुह के काबिल, ध्यान देने योग्य।

दरखुर्द (درخورد) फा वि –योग्य पात्र, लाइक (लायक)।
दरख़्त (درخت) फा पु –वृक्ष, द्रुम, पादप, पेड़।
दरख़्वास्त (درخواست) फा स्त्री –प्रार्थनापत्र, निवेदन पत्र, अर्जी, निवेदन, कथन, कहना।
दरगाह (درگاه) फा पु –चौखट, देहलीज़, आस्तान, राजसभा, दरबार, किसी वली का मजार, रौज़ा।
दरगुज़र (درگزر) फा स्त्री –दोष देखकर उसे अनदेखा कर देना, चश्मपोशी, क्षमा, मुआफी।
दरज (درجه) अ पु –पद, उहदा, श्रेणी, वर्ग, तब्क़ा, राशिचक्र का $\frac{1}{360}$ वाँ हिस्सा, मकान की माला, मजिल, स्वर्ग की माला या मजिल, दुर्गति, बुरी हालत, कक्षा, जमाअत, क्लास, मिनिट, दे 'दर्जः', उर्दू मे वही बोला जाता है और वही शुद्ध भी है।
दरजात (درجات) अ पु –'दरज' का बहु, दर्जे।
दरदम (دردم) फा अव्य –तत्क्षण, उसी समय, तुरत, फौरन।
दरपए आज़ार (درپئے آزار) फा अव्य –सताने और हानि पहुँचाने की घात मे।
दरपए जाँ (درپئے جاں) फा अव्य –प्राण लेने की घात मे, मार डालने की ताक मे।
दरपए तज़्हीक (درپئے تضحیک) फा अ अव्य –निन्दा और बदनामी की घात में, बदनाम करने की फ़िक्र मे।
दरपर्द: (درپرده) फा अव्य –पर्दे मे, छुपकर, खुफ्या तौर पर।
दरपेश (درپیش) फा अव्य –किसी समस्या या कार्य की उपस्थिति, जैसे—'मुआमला दरपेश' है या जैसे—'सफर दरपेश' है।
दरपै (درپے) फा अव्य –पीछे पडा हुआ, सलग्न, घात मे, ताक मे, इच्छुक, ख्वाहिशमद।
दरफ़्शाँ (درفشاں) फा वि –प्रकाशमान, ज्योतिर्मय, रौशन, दे 'दुरफ़्शाँ', दोनो शुद्ध है।
दरबद (دربند) फा पु –परकोट, चारदीवारी, बडा दरवाजा, नदी का घाट, दो राष्ट्रो के बीच का अन्तर।
दरबदर (دربدر) फा अव्य –घर-घर, गली-गली, एक दरवाजे से दूसरे दरवाजे।
दरबान (دربان) फा पु –द्वारपाल, दरवाज़े की रक्षा पर नियुक्त व्यक्ति, ड्योढीदार।
दरबाब (درباب) फा अव्य –बारे मे, सम्बन्ध मे।
दरबार (درباره) फा अव्य –दे 'दरबाब'।
दरबार (دربار) फा पु –राजसभा, बादशाही कचहरी, किसी ऋषि, मुनि या वली का आश्रम या खानकाह।
दरबारदारी (دربارداری) फा स्त्री –किसी बडे आदमी के यहाँ खुशामद में रोज़ाना की हाज़िरी।
दरबारी (درباری) फा वि –दरबार से सम्बन्धित, वह व्यक्ति जो दरबार मे निमत्रित होता हो, राजा या बादशाह का सभासद, पारिषद।
दरबारे आम (دربارعام) फा अ पु –वह दरबार जिसमे सर्व साधारण जा सके, जनता का दरबार।
दरबारे खास (دربارخاص) फा अ पु –वह दरबार जिसमे केवल राज्याधिकारी और बडे-बडे लोग ही सम्मिलित हो सकें।
दरमाँद (درمانده) फा वि –दु खित, हीन, नि सहाय, निराश्रय, आजिज, बेकस।
दरमादगी (درماندگی) फा स्त्री –हीनता, दीनता, नि-सहायता, बेकसी, मजबूरी।
दरमाह (درماه) फा पु –महीने पर मिलनेवाला वेतन।
दरमाह दार (درماهدار) फा वि –महीने पर तनख्वाह पानेवाला।
दरमियान (درمیان) फा पु –मे, बीच, मध्य, वस्त।
दरमियान (درمیانه) फा वि –बीचवाला, न बडा न छोटा।
दरमियानी (درمیانی) फा वि –दरमियानवाला, बीच का, बिचौलिया, मध्यस्थ, बीच में पडकर वाद या झगडे को खत्म करानेवाला व्यक्ति।
दरयाफ़्त (دریافت) फा स्त्री –जाँच, टोह, जिज्ञासा, अनुसधान, गवेषणा, तहकीक।
दरयाब (دریاب) फा स्त्री –समझ-बूझ, बुद्धि, नदी, दर्या।
दरयूज़ (دریوزه) फा पु –भीख माँगना, भिक्षाटन।
दरयूज़ गर (دریوزه‌گر) फा वि –भीख माँगनेवाला, भिक्षुक, भिखारी, मँगता।
दरयूज़ गरी (دریوزه‌گری) फा स्त्री –भीख माँगना, भिक्षा-वृत्ति, भिक्षाकर्म, भिक्षाटन।
दरयूज़गी (دریوزگی) फा स्त्री –दे 'दरयूज गरी'।
दरवाज़ (دروازه) फा पु –द्वार, दर।
दरवेज़ (درویزه) फा पु –दे 'दरयूज़'।
दुरवेश (درویش) फा पु –भिखारी, भिक्षुक, पुनीतात्मा, सिद्ध, खुदा रसीद, विनीत, विनम्र, खाकसार, सन्यासी, तारिकुद्दुनिया।
दरवेश सिफ़त (درویش صفت) फा अ वि –दरवेशो-जैसा सीधा-सादा स्वभाव रखनेवाला।
दरवेशान: (درویشانه) फा अव्य –दरवेशो-जैसा, जैसे—'दरवेशान ज़िदगी' सीधी-सादी और मोटी-झोटी जीवन-चर्या।
दरवेशी (درویشی) फा स्त्री –फकीरी, सन्यास।

दरहम (درہم) फा वि–अस्त-व्यस्त, तितिर-बितर, यह शब्द अकेला नही बोला जाता 'बरहम' के साथ 'दरहम बरहम' बोला जाता है।

दरा (درا) फा पु–घटा, घडियाल, वह घटा जो यात्रिदल अर्थात् काफिले के साथ रहता है, दे 'दिरा', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

दराए कार्वां (درائے کارواں) फा पु–काफिले में बजनेवाला घटा।

दराज़ (دراز) फा वि–लबा, दीर्घ, लब, तवील।

दराज़कद (درازقد) फा वि–दे 'दराज़कामत', प्रलबकाय।

दराज़क़ामत (درازقامت) फा अ वि–लम्बे शरीरवाला, लबकाय, दीर्घकाय।

दराज़गोश (درازگوش) फा वि–लबे कानवाला, लबकर्ण (पु) एक प्रकार का गधा।

दराज़दस्त (درازدست) फा वि–अन्यायी, अत्याचारी, ज़ालिम।

दराज़दस्ती (درازدستی) फा स्त्री–अन्याये, अत्याचार, ज़ुल्म।

दराज़दुम (درازدم) फा पु–लम्बी पूंछवाला, लबपुच्छ, गिरगट, कृकलास।

दराज़नफ़सी (درازنفسی) फा अ स्त्री–वाचालता, बहुत बोलना, बहुत बातें करना।

दराज़िए उम्र (درازیٔ عمر) फा अ स्त्री–आयु की लबाई, अधिक जीना, दीर्घायु।

दराज़ी (درازی) फा स्त्री–लबाई, दीर्घता, तवालत।

दरामद (درآمد) फा स्त्री–वह माल जो किसी राष्ट्र मे बाहरी राष्ट्रो से आये, आयात।

दराहिम (دراہم) अ पु–'दिर्हम' का बहु, बहुत से दिर्हम।

दरिंदः (درندہ) फा पु–फाड खानेवाला जगली जानवर, श्वापद।

दरीं (دریں) फा अव्य–इसमे।

दरींअस्ना (دریں اثنا) फा अ अव्य–इस बीच, इसी बीच, इसी दरमियान।

दरीं ख़ुसूस (دریں خصوص) फा अ अव्य–इस विषय मे, इस बारे मे, इस सम्बन्ध में।

दरी (دری) फा स्त्री–फारसी भाषा की एक शाखा।

दरीचः (دریچہ) फा पु–खिडकी, झरोखा, गवाक्ष, जालार।

दरीदः (دریدہ) फा वि–फटा हुआ, विदीर्ण।

दरीदःदहन (دریدہ دہن) फा वि–मुंहफट, मुक्तकठ।

दरूं (دروں) फा पु–'दरून' का लघु, दे 'दरून'।

दरून (درون) फा पु–हृदय, मन, चित्त, आत्मा, बातिन, क़ल्ब।

दरूना (درونا) फा पु–वह फोडा या घाव जिसका मुंह भीतरी हो।

दरूनी (درونی) फा वि–भीतरी, अदरूनी, मानसिक, हार्दिक, रूहानी।

दरोग़ (دروغ) फा पु–झूठ, असत्य, मिथ्या, गलत, दे. 'दुरोग' दोनो शुद्ध है।

दरोग़गो (دروغ گو) फा वि–झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, झूठा, काज़िब।

दरोग़गोई (دروغ گوئی) फा स्त्री–झूठ बोलना, मिथ्यावाद।

दरोग़ज़न (دروغ زن) फा वि–दे 'दरोगगो'।

दरोग़बयां (دروغ بیاں) फा अ वि–दे 'दरोगगो'।

दरोग़बाफ़ (دروغ باف) फा वि–झूठ गढनेवाला, अपने मन से झूठ बाते बनानेवाला।

दरोग़हल्फ़ी (دروغ حلفی) फा अ स्त्री–झूठी कसम खाना।

दर्कः (درکہ) अ पु–दे 'दरक' उर्दू मे 'दर्क' ही बोलते है।

दर्क (درک) अ पु–बुद्धि, अक्ल, समझ, विवेक, तमीज़, ज्ञान, जानकारी।

दर्जः (درجہ) अ पु–दे 'दरज', उर्दू मे अधिकतर 'दर्ज' ही बोलते है।

दर्ज (درج) अ वि–लिखा हुआ, प्रविष्ट, रजिस्टर या बही आदि में लिखा हुआ, लिखना, दर्ज करना।

दर्ज़ (درز) फा स्त्री–दरार, शिगाफ, फटन, खाना, जैसे–मेज़ की दर्ज़।

दर्ज़ी (درزی) फा पु–कपडा सीनेवाला, सूचिक।

दर्द (درد) फा पु–कष्ट, व्यथा, यातना, तक्लीफ, करुणा, दया, तरस, रहम, दुख, क्लेश, मुसीबत, पीडा, टीस, चसक।

दर्दअंगेज़ (دردانگیز) फा वि–दर्द पैदा करनेवाला, पीडोत्पादक, कष्टजनक।

दर्दअफ्ज़ा (دردافزا) फा वि–दर्द बढानेवाला, पीडा-वर्द्धक।

दर्दआश्ना (دردآشنا) फा वि–जो किसी के दर्द को जानता हो, जो किसी के दुख से वाकिफ हो, सहानुभूतिकर्ता, हमदर्द, दुख मे सहायता देनेवाला, मित्र।

दर्द ना आश्ना (دردناآشنا) फा वि–जो किसी का दर्द न समझे, निर्दय, कठोर हृदय, सगदिल।

दर्दनाक (دردناک) फा वि–दे 'दर्दअगेज़'।

दर्दफ़िज़ा (دردفزا) फा वि–दे 'दर्दअफ्ज़ा'।

दर्दमद (دردمند) फा वि–हमदर्द, सहानुभूति करनेवाला, दिलासा देनेवाला।

दर्दमंदी (دردمندی) फा स्त्री–हमदर्दी, सहानुभूति, दया और करुणा का भाव।

दर्दा (دردا) फा अव्य –हाए अफसोस, हा हृत, हाए हाए।
दर्देजिगर (دردجگر) फा पु –दे 'दर्देदिल'।
दर्देजेह (دردزه) फा पु –बच्चा पैदा होने के समय की पीडा, प्रसववेदना, प्रसवपीडा।
दर्देदिल (درددل) फा पु –मन की व्यथा, मनस्ताप, प्रेम का दुख, इश्क का गम।
दर्देसर (دردسر) फा पु –सिर का दर्द, शिर-पीडा, झझट, खटराग।
दर्देतोम (دردوغم) फा अ पु –बहुत-सी मुसीबते, कष्टसमूह।
दर्मां (درماں) फा पु –उपचार, इलाज, चिकित्सा।
दर्मांतलब (درماں طلب) फा अ वि –इलाज या उपचार का इच्छुक।
दर्मांतलबी (درماں طلبی) फा अ स्त्री –इलाज की इच्छा।
दर्मांपिजीर (درماں پذیر) फा वि –चिकित्सा के योग्य, इलाज के काबिल।
दर्या (دریا) फा पु –नद, नदी, तरगिणी, सरिता, आपगा, शैवलिनी, तटिनी, निम्नगा।
दर्याई (دریائی) फा वि –नदी सम्बन्धी, नदी मे रहनेवाला जैसे–दर्याई जानवर, नदी मे उत्पन्न होनेवाला, जैसे–दर्याई सदफ, दर्या का।
दर्याएअह्मर (دریاےاحمر) फा अ पु –लालसागर, बहे कुल्जुम।
दर्याएजख्खार (دریاےزخار) फा अ पु –ठाठे मारता हुआ दर्या, लबालब बहनेवाली नदी।
दर्याएशोर (دریاےشور) फा पु –खारे पानी की नदी, खारा समदर, लवण-सागर, वह समुद्र जिसमे अडमान और निकोबार के टापू है और जहाँ अग्रेजी शासन काल मे आजन्म कारावासी भेजे जाते थे।
दर्याचः (دریاچه) फा पु –छोटी नदी।
दर्यादिल (دریادل) फा वि –जो बहुत दानी हो, सखी, दाता, दिलदर्याव, मुक्तहस्त, वदान्य, उदारमना।
दर्यावरामद (دریابرآمد) फा स्त्री –वह भूमि जो किसी नदी के स्थान छोडने से निकली हो, पुलिन, नद्युत्सृष्ट।
दर्याबरार (دریابرار) फा स्त्री –दे 'दर्याबरामद'।
दर्याबार (دریابار) फा वि –सखी, फैयाज, वदान्य, बहुत बरसनेवाला जैसे–'अब्रे दर्याबार'।
दर्याबुर्द (دریابرد) फा स्त्री –वह भूमि जो नदी की वाढ में डूब गयी हो, वह भूमि जो बाढ से कटकर नष्ट हो गयी हो।
दर्याबेगी (دریابیگی) फा पु –बह्री फौज का सिपहसालार, जल-सेनापति, नवाधिपति, अमीरुल बह्र।
दर्राक (دراک) अ वि –प्रतिभाशाली, कुशाग्र बुद्धि, बहुत ही तेज फहम।
दर्स (درس) अ पु –पढना, पठन, पढाना, पाठन, शिक्षा, नसीहत, उपदेश, सदुपदेश, वा'ज़।
दर्सोतद्रीस (درس وتدریس) अ पु –पढना-पढ़ाना, पढने-पढाने का व्यापार।
दलाइल (دلائل) अ पु –'दलील' का बहु, दलीले।
दलालत (دلالت) अ पु –लक्षण, चिह्न, अलामत, तर्क, युक्ति, दलील, मार्ग-प्रदर्शन, रहनुमाई।
दलीदः (دلیده) फा पु –दलिया, मोटा दला हुआ अनाज (वि) दला हुआ।
दलील (دلیل) अ स्त्री –तर्क, युक्ति, बुर्हान, प्रमाण, सुबूत।
दलीले क़वी (دلیل قوی) अ स्त्री –मज्बूत दलील, पुष्ट प्रमाण।
दलीले कामिल (دلیل کامل) अ स्त्री –पूरा सुबूत, पूर्ण प्रमाण, ऐसी दलील या तर्क जिसका खडन न हो सके।
दलीले नाक़िस (دلیل ناقص) अ स्त्री –वह दलील जो बोदी हो और जिसका खडन हो सकता हो, कुतर्क।
दल्क़ (دلق) अ स्त्री –भिखमगो की गुदडी, सूफियो के पहनने का ऊनी लिबास।
दल्क (دلک) अ पु –अगमर्दन, जिस्म को मलना।
दल्क़पोश (دلق پوش) अ फा वि –भिक्षुक, फ़क़ीर, सूफी, ब्रह्मवादी।
दल्लाक (دلاک) अ पु –वह व्यक्ति जो हम्माम (स्नानागार) मे शरीर मलता और मैल छुडाता है।
दल्लाल: (دلاله) अ स्त्री –कुटनी, कुट्टनी।
दल्लाल (دلال) अ पु –बिकवाल और लिवाल के बीच में सौदा तय करानेवाला, दलाल, आढती, एजेट।
दल्लाली (دلالی) अ स्त्री –बीच मे पडकर सौदा तै कराने का काम, कुटनीपन, आढत का काम।
दवाँ (دواں) फा वि –दौडता हुआ, भागता हुआ।
दवा (دوا) अ स्त्री –ओषधि, औषध, भेषज, दवाई, उपचार, इलाज, चिकित्सा, उपाय, तद्बीर।
दवाइर (دوائر) अ पु –'दाइर' का बहु, दाइरे।
दवाउलमिस्क (دواءالمسک) अ स्त्री –एक यूनानी ओषध जो हृदय के लिए शक्तिवर्द्धक है।
दवाएदिल (دواےدل) अ फा स्त्री –दिल के रोग की ओषधि, प्रेम-रोग की दवा।
दवाखानः (دواخانه) अ फा पु –जहाँ दवाएँ बिकती हो, औषधालय।
दवात (دوات) अ स्त्री –सियाही रखने का पात्र, मसिपात्र।

दवादविश (دوادوش) फा अव्य–दौड भाग, कोशिश, परिश्रम।

दवादौ (دوادو) फा अव्य–दे 'दवादविश'।

दवापिज़ीर (دواپزیر) अ फा वि–दवाई के काबिल, साध्य, जो इलाज से अच्छा हो सके।

दवाफ़रोश (دوافروش) अ फा पु–दवा बेचनेवाला।

दवाब [ब्ब] (دواب) अ पु–'दाब्ब' का बहु, चौपाए, पशु, मवेशी।

दवाम (دوام) अ पु–नित्यता, स्थायित्व, हमेशगी, नित्य, हमेशा।

दवामी (دوامی) अ वि–हमेशा रहनेवाला, अनश्वर, नित्य, हमेशा के लिए, स्थायी, जीवन भर के लिए, हीन-हयाती।

दवाल (دوال) फा स्त्री–दे 'दुवाल', दोनो शुद्ध है।

दवावीन (دواوین) अ पु–दीवान का बहु, शाइरो के दीवान।

दवासाज़ (دواساز) अ फा–पु–दवाएँ बनानेवाला, अत्तार।

दवी (دوی) अ स्त्री–कान मे होनेवाली झनझनाहट।

दवीद: (دویدہ) फा वि–दौडा हुआ।

दश्त (دشت) फा पु–कानन, वन, जगल, वियाबान।

दश्तआवारः (دشت آوارہ) फा वि–जगलो मे मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी, काननचारी।

दश्तगर्द (دشت گرد) फा वि–दे 'दश्तआवार'।

दश्तगर्दी (دشت گردی) फा स्त्री–जगलो मे मारा-मारा फिरना, वन-भ्रमण।

दश्नः (دشنہ) फा पु–खजर, जबिया, भुजाली, दे 'दिश्न', दोनो शुद्ध है।

दसाइस (دسائس) अ पु–'दसीस' का बहु, साजिशे, कुचक्र-समूह।

दसातीर (دساتیر) अ पु–'दुस्तूर' का बहु, काइदे, कानून, रीतियाँ, पारसियो का धार्मिक ग्रथ।

दसीसः (دسیسہ) अ पु–कुचक्र, दुरभिसधि, साजिश, षड्यत्र।

दस्तदाज़ (دست انداز) फा वि–दे 'दस्तअदाज़'।

दस्तदाज़ी (دست اندازی) फा स्त्री–दे 'दस्तअदाज़ी'।

दस्तबू (دستنبو) फा पु–कई सुगधित पदार्थों और इत्रो को मिलाकर बनाया हुआ गुल्ला, जो सूँघने के लिए हाथ मे रखा जाय, हर सुगधित फल जो सूँघा जा सके, कचरी, सुँघिया।

दस्तंबूयः (دستنبویہ) फा पु–दे 'दस्तबू'।

दस्तः (دستہ) फा पु–चाकू या छुरी आदि की मूठ, जग या डोगे आदि का हैडिल, मुट्ठा, जैसे—गुलदस्ता, २५ कागज़ो का मुट्ठा, रीम का बीसवाँ हिस्सा, खरल का मूसला, फौज की टुकडी, गारद; सजाफ, हाशिया।

दस्त (دست) फा पु–कर, हस्त, हाथ, पतला शौच, विरेचन, इस्हाल।

दस्तअंदाज़ (دست انداز) फा वि–किसी काम मे हस्तक्षेप करनेवाला, बाधा डालनेवाला, बाधक, विघ्नकारक, मुज़ाहिम, दे 'दस्तदाज़'।

दस्तअंदाज़ी (دست اندازی) फा स्त्री–हस्तक्षेप करना, बाधा डालना, मुज़ाहमत, दे 'दस्तदाज़ी'।

दस्तअफ़ज़ार (دست افزار) फा पु–कारीगर के काम करने का यत्र, हथियार, औज़ार, उपकरण, दे 'दस्तफ़ाज़'।

दस्तअफ़्शाँ (دست افشاں) फा वि–किसी काम से विरक्त होनेवाला, त्यागनेवाला, त्यागी, विरक्त, दे 'दस्तफ़्शाँ'।

दस्तआमोज़ (دست آموز) फा वि–हाथ पर सधाया हुआ जानवर, दे 'दस्तामोज़'।

दस्तावर (دستاور) फा वि–दस्त लानेवाली दवाई, रेचक, जुल्लाब, दे 'दस्तावर'।

दस्तक (دستک) फा स्त्री–ताली, करताल, चर्चरी, खटखटाना, राजादेश, हुक्मनामा, कुर्की।

दस्तकलम (دست قلم) फा अ अव्य–दे शुद्ध 'दस्तोकलम'।

दस्तकश (دست کش) फा वि–विरक्त, बेतअल्लुक़।

दस्तकशी (دست کشی) फा स्त्री–किसी काम मे से अपने को नि सम्बन्ध कर लेना, उपेक्षा।

दस्तकार (دستکار) फा पु–शिल्पी, शिलाकार, कारीगर, हाथ के काम का माहिर, वह चीज़ जिस पर हाथ का काम बना हो।

दस्तकारी (دستکاری) फा स्त्री–शिल्प, कला, हस्तशिल्प।

दस्तकी (دستکی) फा स्त्री–हाथ मे लेने या जेब आदि मे रखने के काबिल छोटी चीज़।

दस्तख़त (دستخط) फा पु–हस्ताक्षर, स्वाक्षर, अपने कलम से लिखा हुआ अपना नाम, जो किसी तहरीर की सनद के लिए हो।

दस्तख़ती (دستخطی) फा वि–जिस पर दस्तख़त हो।

दस्तगर्दां (دست گرداں) फा वि–बग़ैर तहरीर का कर्ज़ा, हथ उधार।

दस्तगह (دستگہ) फा स्त्री–'दस्तगाह' का लघु, दे 'दस्तगाह'।

दस्तगाह (دستگاہ) फा स्त्री–सामर्थ्य, शक्ति, कुद्रत, योग्यता, विद्वत्ता, इल्मीयत।

दस्तगिरिफ़्तः (دست گرفتہ) फा वि–जिसका हाथ सहारे के लिए पकडा हो, जिसे सहायता दी हो।

दस्तगी (دستگی) फा स्त्री —वह दस्ताना जो बाज पक्षी को हाथ पर बैठाते समय पहिनते है, दस्ता, हूँडिल, पानी का लोटा जिससे वजू या शौच करते है।
दस्तगीर (دستگیر) फा वि —हाथ पकडकर सहारा देनेवाला, अर्थात्, सहायक, मददगार।
दस्तगीरी (دستگیری) फा अ स्त्री —सहायता, मदद, गिरते को थामना।
दस्तचर्ब (دستچرب) फा वि —किसी दस्तकारी मे निपुण, (पु) सहायता, मदद।
दस्तचीर (دستچیر) फा वि —अन्यायी, अत्याचारी, गालिब, वलवान्, ताकतवर।
दस्तदराज (دستدراز) फा वि —अन्यायी, जाबिर, हथा छुट, मार बैठनेवाला, निडर, बेबाक।
दस्तदराजी (دستدرازی) फा स्त्री —जुल्म, अत्याचार, गुस्ताखी, दु साहस, मारपीट।
दस्तनिगर (دستنگر) फा वि —दूसरो का मुँह ताकनेवाला, दूसरो के सहारे जीवन व्यतीत करनेवाला, मुखापेक्षी, पराश्रय।
दस्तपनाह (دستپناہ) फा पु —चीमटा, चूल्हे से आग निकालने का यन्त्र।
दस्तपरवर्द. (دستپرورده) फा वि —हाथ का पला हुआ, लालन-पालन में रखा हुआ।
दस्तपाक (دستپاک) फा अ पु —वह कपडा जिससे भोजन के बाद मुँह-हाथ पोछते है, रूमाल।
दस्तपेच (دستپیچ) फा पु —दस्तावेज, लेखपात्र, साधन, जरीया।
दस्तपैमाँ (دستپیماں) फा पु —वे कपडे, धन और आभूषण आदि जो व्याह से पहले दूल्हन के घर जाते है।
दस्तफरोश (دستفروش) फा वि —वह व्यक्ति जो चीजो को हाथ में लेकर बेचता है।
दस्तफाल (دستفال) फा स्त्री —सबसे पहली बिक्री, बौनी, बुहनी।
दस्तफ़राज (دستافراز) फा पु —उर्दू मे 'दस्त अफराज' का शुद्ध उच्चारण यही है, परतु गलत वह भी नही है।
दस्तबद (دستبند) फा पु —पहुँची, कलाई का एक आभूषण, नृत्य का एक प्रकार।
दस्तबखैर (دستبخیر) फा अ अव्य —जब किसी को यह बताना होता है कि अमुक व्यक्ति के शरीर में कोई बाधा या फोडा आदि किस स्थान पर है, तो उसके शरीर पर उसी जगह हाथ रखते हुए यह वाक्य कहते है, जैसे—कहें दस्तबखैर, उनके भी इस स्थान पर फोडा है या था।

दस्तबदस्त (دستبدست) फा अव्य —हाथो-हाथ, तुरत, आमने-सामने की, हाथो की, जैसे—'दस्त बदस्त जग'।
दस्तबदुआ (دستبدعا) फा अ अव्य —ईश्वर से प्रार्थना के लिए हाथ उठाये हुए।
दस्तबरदार (دستبردار) फा वि —बेतअल्लुक, विरक्त।
दस्तबरदिल (دستبردل) फा वि —व्याकुल, बेचैन, मुज्तरिब
दस्तबसर (دستبسر) फा वि —सिर पर हाथ रखे हुए, पश्चात्ताप करनेवाला, चकित, हैरान।
दस्तबस्त (دستبستہ) फा वि —हाथ बाँधे हुए, हाथ जोडे हुए, बद्धकर, बडी नम्रता के साथ।
दस्तबाफ (دستباف) फा वि —सरल, सुगम, आसान।
दस्तबिरंजन (دستبرنجن) फा पु —कगन।
दस्तबुक्च. (دستبقچہ) फा पु —छोटी गठरी जो हाथ से उठाई जा सके।
दस्तबोस (دستبوس) फा वि —हाथ चूमनेवाला, किसी पूज्य व्यक्ति के हाथो को बोसा देनेवाला।
दस्तबोसी (دستبوسی) फा स्त्री —हाथ चूमना, किसी पूज्य व्यक्ति के हाथो को बोसा देना।
दस्तमाय (دستمایہ) फा पु —पूँजी, सरमाया।
दस्तमाल (دستمال) फा पु —हाथ पोछने का कपडा, रूमाल, बावरचीखाने की साफी।
दस्तमुज्द (دستمزد) फा पु —उज्रत, मजदूरी, भृति, पारिश्रमिक।
दस्तयाब (دستیاب) फा वि —हस्तगत, प्राप्त, उपलब्ध, हासिल।
दस्तयाबी (دستیابی) फा स्त्री —हुसूल, प्राप्ति, उपलब्धि, उपलब्धता।
दस्तयार (دستیار) फा वि —सहायक, मददगार (पु) उपकरण, हथियार।
दस्तयारी (دستیاری) फा स्त्री —सहायता, मदद।
दस्तरज (دسترنج) फा पु —श्रम, मेहनत।
दस्तरख्वान (دسترخوان) फा पु —वह कपडा जिस पर खाना खाते है।
दस्तरस (دسترس) फा स्त्री —पहुँच, रसाई, पैठ।
दस्तरसीद (دسترسیده) फा वि —जहाँ तक हाथ पहुँच गया हो।
दस्तलाफ (دستلاف) फा स्त्री —बोहनी, दस्तफाल।
दस्तवान (دستوانہ) फा पु —कगन, पहुँची।
दस्तसाज (دستساز) फा वि —हाथ का बनाया हुआ।
दस्ताँ (دستاں) फा पु —'दस्त' का बहु, छल, फरेब, गति, नग्मा।

दस्तानः (دستانہ) फा पु –हाथो की हिफाजत के लिए पहना जानेवाला एक विशेष वस्त्र, हस्तत्राण।

दस्तामोज़ (دستاموز) फा वि –'दस्तआमोज़' का शुद्ध उच्चारण यही है, वह भी गलत नही है।

दस्तार (دستار) फा स्त्री –पगडी, अम्मामा।

दस्तारचः (دستارچہ) फा पु –छोटी पगडी।

दस्तारबद (دستاربند) फा वि.–जिसने अरबी की पूरी योग्यता प्राप्त कर ली हो और उसे पगडी बाँध दी गयी हो, स्नातक।

दस्तारबंदी (دستاربندی) फा स्त्री –पूर्ण विद्योपार्जन के पश्चात् पगडी बांधने की रस्म या सस्कार।

दस्तारबुज़ुर्ग (دستاربزرگ) फा पु –कुरंम साक, वेश्याघटक।

दस्तावर (دستاور) फा वि –'दस्त आवर' का शुद्ध रूप, दे 'दस्त आवर'।

दस्तावेज़ (دستاویز) फा स्त्री –व्यवस्थापत्र, लेखपत्र, साधनपत्र, तमस्सुक, किवाला।

दस्तास (دستاس) फा स्त्री –हाथ की चक्की।

दस्ती (دستی) फा. वि –हाथ का, हाथ से सम्बन्ध रखनेवाला, हाथ में रखनेवाली चीज़, मशाल, फ़लीता।

दस्तूर (دستور) फा पु –नियम, काइदा, विधान, कानून; परपरा, रवाज, मन्त्री, सचिव, वज़ीर, पद्धति, शैली, ढग, व्यवहार, रविश, हक, कटौती, कमीशन।

दस्तूरियः (دستوریہ) फा स्त्री –जुमहूरिय, गणतत्र, जनतत्र।

दस्तूरी (دستوری) फा वि –वैधानिक, कानूनी (स्त्री) कमीशन, हक, कटौती।

दस्तूरुलअमल (دستورالعمل) फा अ पु –काम का तरीका, कार्य-प्रणाली, कार्यक्रम, लाहियए अमल।

दस्तेक़ुद्रत (دستِ قدرت) फा अ पु –सामर्थ्य, शक्ति, मक्दरत।

दस्तेग़ैब (دستِ غیب) फा अ पु –दैवी आय, गैबी आमदनी।

दस्तेदुआ (دستِ دعا) फा अ पु –दुआ के लिए उठा हुआ हाथ

दस्तेशफ़क़त (دستِ شفقت) फा अ. पु –छत्रछाया, परवरिश।

दस्तेशिफा (دستِ شفا) फा अ पु –रोग-निवारण की शक्ति

दस्तोक़लम (دست و قلم) फा अ वि –शिक्षित, पढा-लिखा।

दस्तोगिरीबाँ (دست و گریباں) फा वि –एक दूसरे का गिरीबान पकडे हुए, हाथापाई करते हुए।

दस्तोपा (دست و پا) फा पु –हाथ-पाँव, प्रयास, प्रयत्न, मेहनत, कोशिश।

दस्तोबग़ल (دست و بغل) फा वि –आलिंगन, बगलगीर।

दह (دہ) फा वि –दस, दश।

दहचद (دہچند) फा वि –दस गुना।

दह दर दह (دہ در دہ) फा वि –वह हौज़ जो दस गज़ लबा और दस गज़ चौडा हो।

दहदिलः (دہدلہ) फा वि –वीर, बहादुर, चिंतित, फ़िक्रमद, लोलुप, लालची।

दहन (دہن) फा पु –मुख, मुँह, छिद्र, छेद, सूराख।

दहनदरः (دہن درہ) फा. पु –जँभाई, जृभा।

दहनदरीदः (دہن دریدہ) फा वि –मुँहफट, गुस्ताख।

दहनेज़ख्म (دہنِ زخم) फा पु –ज़ख्म का मुँह।

दहनेतेग़ (دہنِ تیغ) फा पु –तलवार की धार, मौत का मुँह।

दहबाशी (دہباشی) फा तु पु –दस सिपाहियो पर नायक।

दहमर्दः (دہمردہ) फा वि –मिथ्यावादी, फ़ुज़ूलगो, अनर्गलवादी, बहुभाषी, वाचाल, बक्की।

दहरोज़. (دہروزہ) फा. वि –थोडे दिन का, अस्थायी, चदरोज़ा, आरिज़ी।

दहाँ (دہاں) फा पु –दे 'दहन'।

दहाँबद (دہاں بند) फा पु –वह कवच जिससे शत्रु का मुँह बद हो जाता है।

दहा (دہا) अ स्त्री –बुद्धिकुशाग्रता, तेज़ अक्ली, प्रतिभा, ज़हानत।

दहाक़ीन (دہاقین) अ पु –'देहकान' का बहु, किसान लोग, गाँववाले।

दहानः (دہانہ) फा पु –मुँह, दहन, समुद्र मे नदी के गिरने का स्थान, भिश्ती की मश्क का मुँह, घोडे की काँटोदार लगाम, मोरी, नाली।

दहानए फिरंग (دہانۂ فرنگ) फा पु –एक सब्ज़ पत्थर जो रासायनिक गुण रखता है, और विष-नाशक है।

दहुम (دہم) फा वि –दसवाँ, दशम।

दह्नः (دہنہ) फा पु –नदीतट, दर्या का किनारा, किसी देश की सरहद, दहानए फिरग।

दह्नए फिरग (دہنۂ فرنگ) फा पु –दे 'दहानए फिरग'।

दह्र (دہر) अ पु –काल, समय, वक्त, युग, कर्न।

दह्रिय (دہریہ) अ वि –दे 'दह्री'।

दह्री (دہری) अ वि.–अनीश्वरवादी, खुदा को न माननेवाला, नास्तिक, लामज़हब।

दह्शत (دہشت) अ स्त्री –डर, भय, ख़ौफ।

दह्शतअंगेज़ (دہشت انگیز) अ फा वि –भयानक, भीषण, डरावना।

दह्शतअंगेज़ी (دہشت انگیزی) अ फा स्त्री –भयानकपन, डरावनापन, खौफ़नाकी, डरा-धमकाकर किसी से कुछ प्राप्त करने की अवैध कोशिश, किसी क्षेत्र मे जनता को

डरा-धमकाकर इस बात पर बाध्य करना कि वह अमुक व्यक्ति या दल का पक्षपात न करे या उसे सहयोग न दे या उसके कामो मे गड़बड डाले।

दह्शतकद: (دهشت کده) अ. फा- पु –वह स्थान जो बहुत ही भयकर हो ।

दह्शतज़द: (دهشت زده) अ फा वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ।

दह्शतनाक (دهشت ناک) अ फा वि –भयसकुल, दहशत से भरा हुआ, खौफ़नाक।

दाँ (داں) फा प्रत्य –जाननेवाला, जैसे–'हम दाँ' सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ।

दांग (دانگ) फा पु –छ रत्ती की तौल, ओर, दिशा, तरफ़।

दाइन (داین) अ पु –ऋणदाता, कर्ज़ देनेवाला।

दाइम (دائم) अ वि –नित्य, सदा, हमेशा।

दाइमन (دائماً) अ अव्य –नित्यप्रति, हर वक्त, हर समय, सदा, हमेशा।

दाइमी (دائمی) अ वि –नित्य का, हमेशा का, स्थायी, मुस्तकिल।

दाइमुलख़म्र (دائم الخمر) अ वि –सदा शराब के नशे मे रहनेवाला, हर वक्त का पीनेवाला, नित्यमद्यप।

दाइमुलमरज़ (دائم المرض) अ वि –सदा बीमार रहनेवाला, जन्मरोगी, नित्यरुग्ण।

दाइमुलहब्स (دائم الحبس) अ वि –जिसे पूरे जन्म की सज़ा मिली हो, आजन्म कारावासी, पूरी उम्र की सज़ा, आजन्म कारावास।

दाइय (داعیه) अ पु –ज़ोर, अधिकार।

दाइर: (دائره) अ पु –परिधि, घेरा, गोल, गोला, वृत्त, मडल, हल्का, परिषद्, सभा, मजलिस, आश्रम, ख़ानकाह, टोला, महल्ला, एकवाजा, दफ, अक्षरो की गोलाई, जैसे–'जीम' या 'सीन' का दाइरा।

दाइर:नुमा (دائره نما) अ फा वि –गोलाकार, वर्तुलाकार, वृत्ताकार, मडलाकार, गोल।

दाइर (دائر) अ वि –फिरनेवाला, घूमनेवाला, उपस्थित, दरपेश, उपस्थित करना, चलाना, (वाद)।

दाइरतुलबुरूज (دائرة البروج) अ पु –क्रातिमडल, भचक्र, राशिचक्र, वह दाइरा जिसमे बारह बुर्ज है।

दाइरतुलमआरिफ़ (دائرة المعارف) अ पु –इसाइक्लोपीडिया, विश्वकोश।

दाई (داعی) अ वि –बुलानेवाला, निमत्रणकर्ता, दुआ करनेवाला, आशीर्वाददाता।

दाउ (داو) फा पु –जुए की बारी, दाँव, मक्र, छल, फरेब।

दाउलअसद (داء الاسد) अ स्त्री –कुष्ठरोग, कोढ।

दाऊद (داود) अ पु –एक पैगम्बर जिनका स्वर बहुत ही मधुर था।

दाख़िल: (داخله) अ पु –हस्तातरण, सपुर्दगी, रुपया दाख़िल करने की रसीद, पहुँच, रसाई, स्कूल या कालिज मे प्रवेश।

दाख़िल (داخل) अ वि –भीतर आनेवाला, प्रविष्ट, अदर पहुँचा हुआ, सम्मिलित, शामिल।

दाख़िल कुनिंद (داخل کننده) अ फा वि –दाख़िल करनेवाला, जमा करनेवाला।

दाख़िल ख़ारिज (داخل خارج) अ पु –ज़मीन या जाइदाद पर से एक व्यक्ति का नाम कटकर दूसरे का चढना, एक व्यक्ति की जगह दूसरे का मालिक नियुक्त होना।

दाख़िली (داخلی) अ वि –भीतरी, आतरिक, अदरूनी, मानसिक, हार्दिक, रूहानी, दिली।

दाख़िले दफ्तर (داخل دفتر) अ अव्य –किसी प्रार्थना पत्र का अस्वीकृत होकर, मिसिल में किसी सुबूत आदि के लिए सुरक्षित रहना।

दाख़ूल (داخول) फा पु –वह लकडी आदि जिसे मनुष्य का रूप देकर खेतो में डराने के लिए लगा देते हैं, बादशाहो और राजाओ के मकान के आगे लोगो के बैठने के लिए बनी हुई इमारत।

दाग़ (داغ) फा पु –चिह्न, धब्बा, निशान, किसी की मृत्यु का ग़म, कलक, दोष, अपराध, दुःख, क्लेश, रज, जैसे–'दाग़े हिज्र' विरह का दुःख, ईर्ष्या, डाह, हसद, जलने का चिह्न, फल पर गलने या सडने का निशान, घाव का चिह्न।

दाग़गाह (داغ گاه) फा स्त्री –कचहरी, जहाँ काग़ज़ात पर मुहरें लगायी जाती है।

दाग़दार (داغ دار) फा वि –जिसमे दाग हो, धब्बेवाला, दोषी, ऐबदार, किसी अपराध मे लिप्त, आलूद दामन।

दाग़ी (داغی) फा वि –दागदार, जिस पर धब्बा या निशान हो, दूषित, मा'यूब, सज़ायाब, दडित, दागा हुआ, जलाया हुआ, अपराधी, मुज्रिम।

दाग़े जिगर (داغ جگر) फा पु –सतान की मृत्यु का शोक, प्रेम की आग का दाग।

दाग़ेदिल (داغ دل) फा पु –प्रेमाग्नि से जलने का दाग़, हृदय का दाग।

दाज (داج) अ पु –घटाटोप अधकार, घोर अँधेरा।

दाद: (داده) फा वि –दिया हुआ।

दाद (داد) फा स्त्री —न्याय, इसाफ, दान, बख़शिश, प्रशसा, तहसीन, वाह्-वाह (प्रत्य) दिया हुआ, जैसे—'ख़ुदादाद' ख़ुदा का दिया हुआ।

दादख़्वाह (دادخواه) फा वि —फ़र्यादी, न्याय चाहनेवाला।

दादगर (دادگر) फा वि —न्याय करनेवाला, मुसिफ।

दादगुस्तर (دادگستر) फा वि —दे 'दादगर'।

दादतलब (دادطلب) फा अ वि —दाद चाहनेवाला, न्याय-याचक, किसी अच्छे काम की प्रशसा चाहनेवाला।

दाददेही (داددهی) फा स्त्री —न्याय करना, फर्याद सुनना, दाद देना।

दादनी (دادنی) फा अव्य —देने योग्य, देने के लाइक, किसी चीज़ के लिए पेशगी रुपया देना।

दादबख़्श (دادبخش) फा वि —न्यायकर्ता, मुसिफ, दादगर।

दादरस (دادرس) फा वि —दे 'दादगर'।

दादरसी (دادرسی) फा स्त्री —न्याय, इसाफ।

दादार (دادار) फा पु —न्यायकर्ता, मुसिफ।

दादोविहिश (دادودهش) फा स्त्री —दानशीलता, फ़ैयाज़ी, सख़ावत।

दादोसितद (دادوستد) फा. स्त्री —लेन-देन, रुपये के लेन-देन का कारोबार।

दानः (دانه) फा पु —अनाज, गल्ला, अनाज के ख़ोशे में लगा हुआ बीज, अगूर का एक फल, खील, भुना हुआ बीज, छोटी फुसी, चेचक का आबला, आमो की सख्या के लिए, जैसे—'बीस दाने लँगडे के'; रत्नो की गिती के लिए जैसे—'याकूत का एक दाना'।

दानःख़ोर (دانه‌خور) फा. वि —दाना खानेवाला मवेशी।

दानःख़ोरी (دانه‌خوری) फा पु —जानवर को दाना खिला-कर मोटा ताजा करना।

दानःजव (دانه‌جو) फा वि —कमीना, ख़स्ताहाल, कजूस।

दानःदार (دانه‌دار) फा. वि —जिसमे दाने हो।

दान (دان) फा प्रत्य —पात्र, बर्तन जैसे—'क़लमदान' क़लम रखने का पात्र, 'उदूदान' अगर जलाने का बर्तन।

दानए गंदुम (دانۂ گندم) फा पु —गेहूँ का एक दाना या बीज।

दानए ज़जीर (دانۂ زنجیر) फा पु —ज़जीर की कडी, जजीर का हल्का।

दानए याक़ूत (دانۂ یاقوت) फा अ —एक याकूत (पद्मराग)।

दानए सीर (دانۂ سیر) फा अ पु —लहसुन का जवा।

दानए हील (دانۂ هیل) फा पु —इलायची का एक बीज।

दाना (دانا) फा वि — बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद, चतुर, कुशल, प्रवीण, होशियार।

दानाई (دانائی) फा स्त्री —बुद्धिमत्ता, मनस्विता, अक्ल-मदी, चातुर्य, दक्षता, निपुणता, होशियारी।

दानाए राज़ (دانائے راز) फा वि —भेदो का जाननेवाला, मर्मज्ञ।

दानाए रोज़गार (دانائے روزگار) फा वि —अपने समय का सबसे बडा बुद्धिमान, ससार में सर्वोत्तम बुद्धिवाला।

दानाए हाल (دانائے حال) फा अ वि —वास्तविकता जानने-वाला, सच्ची हालत समझनेवाला।

दानादिल (دانادل) फा वि —रौशनज़मीर, अतर्यामी।

दानाव बीना (داناوبینا) फा वि —जो देखता भी हो और जानता भी हो, बहुत अधिक बुद्धिमान् और अनुभवी।

दानिदः (داننده) फा वि —जाननेवाला, ज्ञाता।

दानियाल (دانیال) फा पु —एक पैगम्बर।

दानिश (دانش) फा स्त्री —बुद्धि, अक्ल, विवेक, तमीज़, विद्या, इल्म।

दानिश आमोज़ (دانش‌آموز) फा वि —विद्या सीखनेवाला (शिष्य), विद्या सिखानेवाला (गुरु)।

दानिशमद (دانشمند) फा वि —बुद्धिमान्, अक्लमद; वैज्ञानिक, हकीम, विद्वत्तम, मुतबह्हिर।

दानिशमदी (دانشمندی) फा स्त्री —बुद्धिमत्ता, मनीषा, अक्लमदी, विद्वत्ता, पाडित्य, इल्मीयत, निपुणता, कुशलता, होशियारी।

दानिशवर (دانشور) फा वि —दे 'दानिशमद'।

दानिस्तः (دانسته) फा वि —जाना हुआ, ज्ञात, जान-बूझकर, कस्दन।

दानिस्त (دانست) फा स्त्री —ज्ञान, जानकारी।

दानिस्तगी (دانستگی) फा स्त्री —दे 'दानिस्त'।

दानिस्तनी (دانستنی) फा अव्य —जानने के योग्य, ज्ञातव्य।

दाफ़िअ (دافعه) अ स्त्री —वह शक्ति जो शरीर से मल-मूत्र और पसीना आदि बाहर निकालती है।

दाफ़िउलबलाया (دافع‌البلایا) अ वि —आपत्तियो का नाश करनेवाला, दु खो का निवारण करनेवाला।

दाफ़िए क़ब्ज़ (دافع قبض) अ वि —क़ब्ज़ को रफ़ा करनेवाला।

दाफ़िए ग़म (دافع غم) अ वि —रज और ग़म हटानेवाला, कष्टमोचन।

दाफ़िए ज़ह्र (دافع زهر) अ फा वि —विष दूर करनेवाला, विष-दोषहर।

दाफ़िए दर्द (دافع درد) अ फा वि —दर्द मेटनेवाला, वेदनाहर, शूलघ्न।

दाफ़िए मरज़ (دافع مرض) अ वि —व्याधिहर, बीमारी का नाशक, रुजघ्न।

दाफिए वरम (دافع ورم) अ फा वि–शोथनाशक, वरम को दूर करनेवाला।

दाफ़े' (دافع) अ वि–निवारक, हटानेवाला, दूर करनेवाला, मोचक।

दाब (داب) अ पु–ढग, तरीका, वैभव, शानोशौकत।

दाबे मज्लिस (داب مجلس) अ पु–सभा मे उठने-बैठने और बातचीत करने का ढग, आदाबे मज्लिस, सभा-चातुर्य।

दाबे मह्फ़िल (داب محفل) अ पु–दे 'दाबे मज्लिस'।

दाबे सल्तनत (داب سلطنت) अ पु–शासन करने का ढग, राज्य-कौशल।

दाबे सोहबत (داب صحبت) अ पु–बडे लोगो के पास उठने-बैठने, उनसे वार्तालाप करने और उनकी आज्ञा पालन करने के ढग, शिष्टता, सभ्यता।

दाब्ब: (دابه) अ पु–चौपाया, पशु मवेशी।

दाम (دام) फा पु–फदा, पाश, बधन, जाल, जगली चौपाए जो हिंसक न हो, दवाओ की एक तौल, एक रुपये का चालीसवाँ भाग, एक पैसे का पचीसवाँ भाग।

दामगाह (دامگاه) फा स्त्री–वह स्थान जहाँ जाल बिछा हो, जहाँ फँसने का भय हो, फरेब की जगह।

दामन (دامن) फा पु–कुरते या अँगरखे आदि का वह भाग जो लटकता रहता है, अचल,—"दामन पै तेरे गैर के माथे का पसीना और वह भी मेरी चश्मेगुहरबार के आगे।" मैदान, समतल भूमि।

दामनअफ़्शाँ (دامن افشاں) फा वि–दामन झाडता हुआ, बिना कुछ लिये हुए खाली हाथ, दामन झटकता हुआ, नाज से चलता हुआ।

दामनकशाँ (دامن کشاں) फा वि–दामन बचाता हुआ, बेतअल्लुक, यह खयाल रखकर चलता हुआ कि दूसरे से उसका दामन न छू जाय, अभिमानी, घमडी।

दामनगीर (دامن گیر) फा वि–दामन पकडनेवाला, दामन पकडकर रोकनेवाला।

दामनदार (دامن دار) फा वि–चौडा चकला (केवल घाव के लिए आता है)।

दामनसवार (دامن سوار) फा वि–दामन को घोडा बनाकर उस पर सवार होनेवाला बालक (बच्चो का एक खेल)।

दामनी (دامنی) फा स्त्री–औरतो की ओढनी, वह कपडा जो घोडे के पुट्ठो पर पसीने से दामन बचाने को डाला जाता है, एक पाट की वह चादर जो औरतो के जनाजे पर पडती है।

दामने कोह (دامن کوه) फा पु–वह मैदान जो किसी पहाड के नीचे स्थित हो।

दामने दौलत (دامن دولت) फा अ पु–सरक्षता, हिमायत, छत्रछाया।

दामने मर्यम (دامن مریم) फा अ पु–हज्रत मर्यम का दामन जो दाग-धब्बे से बिल्कुल पाक था, अर्थात् सतीत्व, साधुता।

दामने मह्शर (دامن محشر) फा अ पु–कियामत का मैदान।

दामने शब (دامن شب) फा पु–रात का अतिम भाग।

दामाद (داماد) फा पु–लडकी का पति, जामाता।

दामान (دامان) फा पु–दे 'दामन'।

दामे अजल (دام اجل) फा अ पु–मौत का फदा, कालपाश।

दामे गेसू (دام گیسو) फा पु–केशपाश, बालो की लट।

दामे ज़ुल्फ़ (دام زلف) फा पु–दे 'दामे गेसू'।

दामे तज़्वीर (دام تزویر) फा अ पु–दे 'दामे फ़िरेब'।

दामे फ़िरेब (دام فریب) फा पु–छल रूपी जाल, कूटपाश, कूटबध।

दामे मुहब्बत (دام محبت) फा अ पु–प्रेमपाश, प्रेमबधन, इश्क का फदा।

दाय: (دایه) फा स्त्री–दूसरे के बच्चे को दूध पिलानेवाली स्त्री, अकपाली, अन्ना, पिलाई, बच्चा जनानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

दायःगरी (دایه گری) फा स्त्री–बच्चा जनाने का पेशा, धात्री-कर्म, कौमारभृत्य, बच्चा जनाने की विद्या, धात्री-विद्या।

दार (دار) फा स्त्री–सूली, फाँसी (प्रत्य०) वाला, जैसे–हिस्सेदार।

दार (دار) अ पु–घर, गृह, मकान, स्थान, जगह, लोक, आलम।

दारचीनी (دارچینی) फा स्त्री–एक दरख्त की छाल, दारुसिता।

दारचोब (دارچوب) फ़ा स्त्री–अलगनी।

दार फ़िल्फ़िल (دار فلفل) फा स्त्री–बडी पीपल, गज पिप्पली।

दारबस्त (داربست) फा स्त्री–लकडी और तख्तो की बाढ जिस पर बैठकर राज और मज़दूर इमारत बनाते हैं, अगर या कोई दूसरी बेल चढाने की टट्टी।

दारबाज़ (دارباز) फा वि–नट, बाज़ीगर, छली, धोकेबाज।

दारहल्द (دارهلد) फा स्त्री–एक दवा, दारुहरिद्रा।

दारा (دارا) फा पु–ईरान का एक बादशाह जिसे सिकदर ने विजित किया था, बादशाह, नरेश, राजा, धनवान्, मालदार, ईश्वर, विश्वरक्षक।

दाराई (دارائی) फा स्त्री—बादशाहत, राज, खुदाई, ईश्वरत्व, एक रेशमी कपडा, दरयाई।

दाराए ख़ल्क़ (دارائے خلق) फा अ पु—सारे जगत् का पालन-पोषण और रक्षा करनेवाला, ईश्वर।

दारिंद. (دارندہ) फा वि—रखनेवाला।

दारुज़्ज़र्ब (دارالضرب) अ पु—टकसाल, टकशाला।

दारुज़्ज़ैफ़ (دارالضیف) अ पु—मेहमानख़ाना, अतिथिशाला।

दारुत्तर्बियत (دارالتربیت) अ पु—जहाँ किसी चीज की ट्रेनिंग दी जाय, प्रशिक्षण स्थान, जहाँ शिष्टता और सभ्यता सिखायी जाय।

दारुन्नईम (دارالنعیم) अ पु—स्वर्ग, बिहिश्त।

दारुलअदालत (دارالعدالت) अ पु—न्यायालय, कचहरी।

दारुलअमल (دارالعمل) अ पु—ससार, दुनिया, प्रयोगशाला, गवेषणालय।

दारुलअमान (دارالامان) अ पु—वह स्थान जहाँ लडाई-झगडा न हो।

दारुलअम्न (دارالامن) अ पु—दे 'दारुलअमान'।

दारुलआख़िरत (دارالآخرۃ) अ पु—परम धाम, परलोक, उक्बा।

दारुलइकामः (دارالاقامۃ) अ पु—बोर्डिंग हाउस, छात्रावास।

दारुलइमारत (دارالامارت) अ पु—राजधानी, शासनकेंद्र।

दारुलइयार (دارالعیار) अ पु—वह स्थान जहाँ खरा-खोटा सोना-चाँदी परखा जाता है।

दारुलउलूम (دارالعلوم) अ पु—यूनीवर्सिटी, विश्वविद्यालय।

दारुलऐताम (دارالایتام) अ पु—यतीमख़ाना, अनाथालय।

दारुलक़जा (دارالقضا) अ पु—न्यायालय, कचहरी।

दारुलक़रार (دارالقرار) अ पु—परम धाम, स्वर्ग, बिहिश्त।

दारुलकुतुब (دارالکتب) अ पु—किताब-घर, पुस्तकालय, जहाँ किताबे बिकती है।

दारुलख़िलाफत (دارالخلافت) अ पु—राजधानी।

दारुलख़ैर (دارالخیر) अ पु—जहाँ लोगो को दान आदि बहुत मिलता हो।

दारुलजजा (دارالجزا) अ पु—जहाँ किये का फल भोगना पडे, यमलोक, परलोक।

दारुलफ़ना (دارالفنا) अ पु—दुनिया, ससार, नाशवान् ससार।

दारुलबक़ा (دارالبقا) अ पु—परलोक, आखिरत, नित्य लोक।

दारुलबवार (دارالبوار) अ पु—नरक, दोजख।

दारुलमर्जा (دارالمرضی) अ पु—मरीजो की जगह, रुग्णालय।

दारुलमिहन (دارالمحن) अ पु—दुख और क्लेश का स्थान, अर्थात्, ससार।

दारुलमुकाफ़ात (دارالمکافات) अ पु—ससार, दुनिया।

दारुलमुतालअ. (دارالمطالعہ) अ पु—वाचनालय, लाइब्रेरी।

दारुलमुल्क (دارالملک) अ पु—राजधानी।

दारुलहर्ब (دارالحرب) अ पु—वह देश जहाँ गैर-मुस्लिम हुकूमत हो और वहाँ का नरेश मुसलमानो को उनकी धार्मिक कृतियाँ न करने दे।

दारुलहुकूमत (دارالحکومت) अ पु—राजधानी।

दारुश्शर्अ (دارالشرع) अ पु—इस्लामी न्यायालय।

दारुश्शिफा (دارالشفا) अ पु—आरोग्यशाला, शिफाखाना।

दारुश्शूरा (دارالشوریٰ) अ पु—परामर्श का स्थान, जहाँ बैठकर सलाह की जाय, प्रेक्षागार।

दारुस्सनम (دارالصنم) अ पु—बुतख़ाना, मूर्तिगृह, मदिर।

दारुस्सफ़ा (دارالصفا) अ पु—पवित्र घर, मक्का।

दारुस्सलाम (دارالسلام) अ पु—शाति का स्थान, स्वर्ग, बिहिश्त।

दारुस्सल्तनत (دارالسلطنت) अ पु—राजधानी।

दारुस्सुरूर (دارالسرور) अ पु—हर्ष और आनद का स्थान अर्थात्, स्वर्ग, परम धाम।

दारू (دارو) फा स्त्री—इलाज, उपचार, चिकित्सा, बारूद, अग्नि-क्रीडा, मदिरा, शराब।

दारैन (دارین) अ पु—दोनो लोक, ससार और परलोक, उभयलोक।

दारोग़. (داروغہ) फा पु—निरीक्षक, निगराँ, सब-इस्पेक्टर, पुलिस, थानेदार।

दारोग़ाए तोपख़ान (داروغۂ توپخانہ) फा पु—तोपखाने का अफसर।

दारोग़ाए महबस (داروغۂ محبس) अ फा पु—जेल का अध्यक्ष, जेलर, कारागार-रक्षक।

दारोगीर (داروگیر) फा स्त्री—पकड-धकड, गिरिफ्तारियाँ, पूछगच्छ, बाजपुर्स।

दारोमदार (دارومدار) फा पु—निर्भरता, इनहिसार।

दाल [ल्ल] (دال) अ वि—राह दिखानेवाला, पथ-प्रदर्शक।

दालान (دالان) फा पु—बडा और लबा कमरा जिसमे मेहराबदार दरवाजे होते है, या तिदरी होती है।

दालान दर दालान (دالان در دالان) फा पु—दुहरा दालान, दालान के अदर दालान।

दा'वत (دعوت) अ स्त्री—बुलावा, आवाहन, खाने का बुलावा, निमत्रण, भोज, खाना।

दा'वतनामः (دعوت نامہ) अ फा पु—किसी सभा आदि मे सम्मिलित होने के लिए बुलाने का पत्र, किसी भोज मे सम्मिलित होने के लिए बुलाने का पत्र, निमत्रण-पत्र।

दा'वते आम (دعوت‌عام) अ स्त्री—सर्वसाधारण को बुलावा, "दावते आम है, राहे वफा है, मैं हूँ—वह मेरे साथ चला आये जो आसाँ समझे", सार्वजनिक प्रीतिभोज।
दा'वते जंग (دعوت‌جنگ) अ फा स्त्री—युद्ध की चुनौती, युद्ध का आवाहन।
दा'वते वलीम (دعوت‌ولیمہ) अ. स्त्री—व्याह के पश्चात् दूल्हा की ओर से भोज, विवाह-भोज।
दा'वते शीराज (دعوت‌شیراز) अ फा स्त्री—सीधी सादी दावत, जो कुछ मौजूद है उसकी दा'वत, बेतकल्लुफी का खाना।
दा'वते समरकंद (دعوت‌سمرقند) अ फा स्त्री—ठाटदार दावत, बहुत ही तकल्लुफ का खाना।
दावर (داور) फा पु—न्यायकर्ता, मुसिफ, ईश्वर, खुदा।
दावरी (داوری) फा स्त्री—न्याय, इसाफ, हुकूमत, राज्य।
दावरीगाह (داوری‌گاہ) फा स्त्री—न्यायालय, पचायत की जगह।
दावरे महशर (داورمحشر) फा अ पु—कियामत के दिन इसाफ करनेवाला, ईश्वर।
दावरे हश्र (داورحشر) फा अ पु—दे 'दावरे महशर'।
दा'वा (دعوی) अ पु—वाद, नालिश, अध्यर्थ, क्लेम, स्वत्व, हक़, गर्व, अभिमान, घमड, जो गुण न आता हो अपने में उसे बताना, इद्दिआ, डींग, शेखी।
दा'वीदार (دعویدار) अ फा पु—दावा करनेवाला, अपना अधिकार जतानेवाला, वादी, मुद्दई।
दाश्तः (داشتہ) फा स्त्री—घर मे डाली हुई स्त्री, रखेली, उपपत्नी।
दाश्त (داشت) फा स्त्री—देखरेख, रखवाली, खबरगीरी।
दाश्तनी (داشتنی) फा अव्य—रखने के लाइक।
दास्ताँ (داستاں) फा स्त्री—दास्तान का लघु, दे 'दास्तान'।
दास्ताँ गो (داستاں‌گو) फा पु—किस्से सुनानेवाला, किस्से सुनाकर जीविका चलानेवाला, किस्स ख्वाँ।
दास्ताँसरा (داستاں‌سرا) फा पु—दे 'दास्ताँगो।
दास्तान (داستان) फा स्त्री—कथा, कहानी, वृत्तात, हाल, लबी-चौडी कथा।
दाह (داہ) फा पु—दास, गुलाम।
दाहियः (داہیہ) अ स्त्री—जीवन की कठिनता, ससार का कुचक्र।
दाही (داہی) अ वि—बुद्धिमान्, चतुर, अक्लमद।
दाहूल (داہول) फा पु—वह कृत्रिम चित्र जो खेतो मे जानवरो को डराने के लिए बना देते हैं, दाखूल।

दि

दिक़ [दक़] (دق) अ स्त्री—तपेदिक़, क्षयरोग, यक्ष्मा, तग, परेशान।
दिक़्क़त (دقت) अ स्त्री—कठिनता, मुश्किल, सूक्ष्मता, बारीकी।
दिक़्क़ततलब (دقت‌طلب) अ वि—जिसमे कठिनाई का सामना हो, कठिन, दुष्कर, मुश्किल, कष्टसाध्य।
दिक़्क़तपसद (دقت‌پسند) अ फा वि—जो दूर की कौडी लाना चाहता हो, जिसकी तबीयत गहरे में डूबकर मज़मून आदि लाने की आदी हो, मुश्किलपसद।
दिक़्क़ते नज़र (دقت‌نظر) अ स्त्री—नज़र की बारीक़ी, नज़र की दूर तक गहराई में पहुँच, तलाश।
दिगर (دگر) फा पु—दीगर का लघु, दे 'दीगर'।
दिगरगूँ (دگرگوں) फा वि—अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल, उलट-पलट।
दिजाज (دجاج) अ स्त्री—मुर्गी, स्त्री कुक्कुट (प्र) मुर्ग़, कुक्कुट, दे 'दजाज', दोनो शुद्ध हैं।
दिज्लः (دجلہ) अ पु—बगदाद के नीचे बहनेवाली नदी, नदी, दर्या, दे 'दज्ल' दोनो शुद्ध हैं।
दिनाअत (دناءت) अ स्त्री—अधमता, नीचता, कमीनगी, लोफरपन।
दिफाअ (دفاع) अ पु—रक्षा, बचाव, हिफाज़त, प्रतिरक्षा।
दिफाई (دفاعی) अ वि—बचाव सम्बन्धी, हिफाज़ती।
दिबाग़त (دباغت) अ स्त्री—चमडा रगना और बनाना, चमडा कमाना।
दिमन (دمن) अ पु—गू, गोबर, वह स्थान जहाँ गू-गोबर और मैला आदि डाला जाय।
दिमाग़ (دماغ) अ पु—मस्तिष्क, मस्तक, बुद्धि, अक्ल, अहकार, गर्व, गुरूर, सहन शक्ति, बरदाश्त, सज्ञा, होश, ध्यान, खयाल।
दिमाग़दार (دماغ‌دار) अ फा वि—अभिमानी, मग़रूर।
दिमाग़दारी (دماغ‌داری) अ फा स्त्री—अभिमान, गर्व, गुरूर।
दिमाग़सोज़ी (دماغ‌سوزی) अ फा स्त्री—दिमाग़ी मेहनत, माथा पच्ची।
दिमाग़ी (دماغی) अ वि—मस्तिष्क सम्बन्धी, दिमाग से सम्बन्ध रखनेवाला।
दिमिश्क़ (دمشق) फा पु—इराक की राजधानी (दमिश्क)।
दियत (دیت) अ स्त्री—खून की कीमत, किसी से कोई आदमी मर जाय, तो मरनेवाले की औलाद अगर हत्यारे से उसके प्राणदड के बदले मे रुपया लेना चाहती थी तो

उसको दिला दिया जाता था, और हत्यारे को मुक्त कर दिया जाता था, इस रुपये को 'दियत' कहते है।

दियानत (دیانت) अ स्त्री –ईमानदारी, सत्य निष्ठा।

दियानतदार (دیانتدار) अ फा वि –ईमानदार, सत्य-निष्ठ, जो धरोहर आदि में जरा भी गडबड न करे।

दियानतदारी (دیانتداری) अ फा स्त्री –ईमानदारी, सत्यनिष्ठा।

दियार (دیار) अ पु –'दार' का बहु, परतु उर्दू मे एक० मे बोला जाता है। जैसे—घर, मकान, स्थान, मुकाम।

दियारे ग़ैर (دیارغیر) अ फा पु –दूसरो का देश, परदेश।

दिरंग (درنگ) फा स्त्री –दे 'दरग', दोनो शुद्ध है।

दिरम (درم) फा पु –३½ माशे की एक तौल, दिर्हम, चाँदी का एक छोटा सिक्का, चवन्नी।

दिरा (درا) फा पु –कारवाँ के साथ चलनेवाला घडयाल, दे 'दरा', दोनो शुद्ध है।

दिरायत (درایت) अ स्त्री –बुद्धि, मेधा, अक्ल, प्रतिभा, ज़हानत, ज्ञान, जानकारी।

दिरासत (دراست) अ स्त्री –बुद्धि, विवेक, दानाई, सबक पढना, पठन, सबक पढाना, पाठन।

दिरेग़ (دریغ) फा पु –हाय, अफसोस, हा, कृपणता, कजूसी, सकोच, तअम्मुल।

दिरेग़ा (دریغا) फा अव्य –हाय, अफसोस, हा हत!

दिरौ (درو) फा स्त्री –खेत काटना, लुनाई करना।

दिरौगर (دروگر) फा वि –खेत काटनेवाला।

दिर्रः (درہ) अ पु –चमडे का कोडा, जिससे पहले ज़माने मे सज़ा दी जाती थी, दुर्र।

दिल (دل) फा पु –मानस, हृदय, कल्ब, उत्साह, उमग, हौसला, साहस, हिम्मत, वीरता, शौर्य, बहादुरी, रुचि, इच्छा, ख्वाहिश, मर्ज़ी, दानशीलता, सखावत।

दिलअफ़गार (دل‌افگار) फा वि –दे 'दिलफगार'।

दिलअफ़ोज़ (دل‌افروز) फा वि –दे 'दिलफ़ोज़'।

दिलआज़ार (دل‌آزار) फा वि –दे 'दिलाज़ार'।

दिलआज़ारी (دل‌آزاری) फा स्त्री –दे 'दिलाज़ारी'।

दिलआज़ुर्दः (دل‌آزردہ) फा वि –दे 'दिलाज़ुर्द'।

दिलआज़ुर्दगी (دل‌آزردگی) फा स्त्री –दे 'दिलाज़ुर्दगी'।

दिलआरा (دل‌آرا) फा वि –दे 'दिलारा'।

दिलआराई (دل‌آرائی) फा स्त्री –दे 'दिलाराई'।

दिलआराम (دل‌آرام) फा वि –दे 'दिलाराम'।

दिलआवर (دل‌آور) फा वि –दे 'दिलावर'।

दिलआवेज़ (دل‌آویز) फा वि –दे 'दिलावेज़'।

दिलकश (دلکش) फा वि –मनोहर, चित्ताकर्षक, दिल को अपनी ओर खीचनेवाला।

दिलकशी (دلکشی) फा स्त्री –मनोहरता, मनोज्ञता, सुदरता, खुशनुमाई।

दिलकुशा (دل‌کشا) फा वि –रमणीक, रम्य, दिल को आनद देनेवाला।

दिलख़राश (دل‌خراش) फा वि –बहुत ही कष्ट देनेवाला, हृदय-विदारक।

दिलख़स्तः (دل‌خستہ) फा वि –जिसका हृदय घायल हो, क्षत हृदय।

दिलख़ुशकुन (دل‌خوش‌کن) फा वि –दिल को खुश कर देनेवाला, आनददाता।

दिलख़्वाह (دل‌خواہ) फा वि –मर्ज़ी के मुताबिक, इच्छानुसार।

दिलगर्मी (دل‌گرمی) फा स्त्री –सभ्राति, तपाक, जोश, गर्मजोशी।

दिलगिरिफ्त: (دل‌گرفتہ) फा वि –खिन्नचित्त, उदास, रजीदा, अपसुर्द।

दिलगीर (دلگیر) फा वि –दुखित, रजीदा।

दिलगुदाज़ (دل‌گداز) फा वि –हृदयद्रावी, मन को पिघला डालनेवाला, कष्टजनक, दुखप्रद।

दिलगुर्द: (دل‌گردہ) फा पु –साहस, उत्साह, उमग, हिम्मत।

दिलचस्प (دلچسپ) फा वि –दिल को अच्छा लगनेवाला, मनोरजक, रोचक।

दिलचस्पी (دلچسپی) फा स्त्री –रुचि, रगबत, रोचकता, मनोरजन, तफ़्रीह।

दिलज़द: (دل‌زدہ) फा वि –मनोहत, जिसका दिल घायल हो, दुखित।

दिलजमई (دل‌جمعی) फा अ स्त्री –ढारस, सात्वना, दिलासा, यकसूई, चित्तैकाग्रता, मनोयोग, सलग्नता।

दिलजू (دل‌جو) फा वि –सुदर, शुभदर्शन, हसीन।

दिलजोई (دل‌جوئی) फा स्त्री –सात्वना, ढारस, तसल्ली।

दिलतग (دل‌تنگ) फा वि –दुखित, क्लेषित, रजीदा, कृपण, कजूस।

दिलतगी (دل‌تنگی) फा स्त्री – दुख, क्लेश, रज, कृपणता, कजूसी।

दिलतफ्त (دل‌تفتہ) फा वि –दग्ध हृदय, प्रेमदग्ध, दिल-जला।

दिलदाद (دل‌دادہ) फा वि –मुग्ध, आसक्त, फ़िरेफ्त, मोहित।

दिलदादगी (دل‌دادگی) आसक्ति, मुग्धता, फ़िरेफ्तगी।

दिलदार (دلدار) फा वि –प्यारा, प्रेमपात्र, प्रेयसी प्रेमिका, माशूका।

दिलदारी (دلداری) फा स्त्री –सात्वना, ढारस, दिलासा, तस्कीन।

दिलदिही (دلدہی) फा स्त्री –दे 'दिलदारी'।

दिलदुज़्द (دلدزد) फा वि –दिल का चोर, हृदय-चोर, प्रेमपात्र, माशूक।

दिलदोज़ (دلدوز) फा वि –दिल में घुस जानेवाला, दिल पर असर करनेवाला।

दिलनवाज़ (دلنواز) फा वि –दिल को तसल्ली देनेवाला, ढारस बँधानवाला, प्रेमपात्र, महबूब।

दिलनवाज़ी (دلنوازی) फा स्त्री –मैत्री, दोस्ती, सान्त्वना, ढारस।

दिलनशीं (دلنشیں) फा वि –जो दिल मे बैठ गया हो, हृदयस्थ, जो समझ मे आ गया हो, हृदयगम।

दिलनिहाद (دلنہاد) फा वि –जिस पर दिल को रुचि हो, प्रेमपात्र, महबूब।

दिलपसद (دلپسند) फा वि –जो दिल को पसद हो, रुचिकर, मर्गूब।

दिलपज़ीर (دلپذیر) फा वि –दे 'दिलपसद'।

दिलफ़रेब (دلفریب) फा वि –दे 'दिलफिरेब'।

दिलफ़रोज़ (دلفروز) फा वि –दिल को प्रकाशित करनेवाला।

दिलफ़रोश (دلفروش) फा वि –दिल बेचनेवाला, आशिक, नायक।

दिलफ़िगार (دلفگار) फा वि –क्षत हृदय, घायल दिलवाला, दु खित, नायक, आशिक।

दिलफ़िरेब (دلفریب) फा वि –दिल को फरेब देनेवाला, नायिका।

दिलफ़गार (دلافگار) फा वि –दे 'दिलफिगार'।

दिलफ़ोज (دلافروز) फा वि –दे 'दिलफरोज़'।

दिलबद (دلبند) फा पु –दिल का टुकडा, पुत्र, बेटा।

दिलबर (دلبر) फा पु –दिल उडा ले जानेवाला, प्रेमपात्र, माशूक, नायिका।

दिलबरी (دلبری) फा स्त्री –मा'शूकी, नायिकात्व।

दिलबरदाश्त· (دلبرداشتہ) फा वि –उदास, खिन्न, उचाटमन।

दिलबस्त. (دلبستہ) फा वि –जिसका दिल कही लगा हो, नायक, आशिक।

दिलबस्तगी (دلبستگی) फा स्त्री –दिल की लगन, प्रेम, इश्क, मनोरजन, तफ्रीह, दिलचस्पी।

दिलबाख़्त (دلباختہ) फा वि –जो प्रेम की बाज़ी में अपना दिल हार गया हो, आशिक।

दिलबाज़ (دلباز) फा वि –साहसी, उत्साही, हौसलामद; शूर, वीर, बहादुर, जाँबाज़।

दिलबाज़ी (دلبازی) फा स्त्री –जान की बाज़ी लगा देना, जान को खतरे मे डाल देना, जाँबाज़ी।

दिलबिरिश्त· (دلبرشتہ) फा वि –जिसका दिल प्रेम की आग में जलभुन गया हो, दग्ध हृदय।

दिलरुबा (دلربا) फा वि –दिल को उचक ले जानेवाला, माशूक।

दिलरुबाई (دلربائی) फा स्त्री –माशूकियत, नायिकापन, नाज़ो अदाज़, हावभाव।

दिलरेश (دلریش) फा वि –क्षत हृदय, जिसका दिल ज़ख्मी हो, प्रेमी।

दिलशाद (دلشاد) फा वि –खुश, प्रसन्न चित्त।

दिलशिकन (دلشکن) फा वि –दिल को तोडनेवाला, रज पहुँचानेवाला, हिम्मत तोडनेवाला।

दिलशिकनी (دلشکنی) फा स्त्री –दिल तोडना, रज पहुँचाना, हिम्मत तोडना।

दिलशिकस्त· (دلشکستہ) फा वि –जिसका दिल टूट गया हो, दु खित, हतोत्साह, पस्त हौसला।

दिलशिकस्तगी (دلشکستگی) फा स्त्री –दे 'दिलशिकनी'।

दिलशिगाफ (دلشگاف) फा वि –हृदय विदारक, रूहफ़र्सा।

दिलशुद. (دلشدہ) फा वि –जिसका दिल खो गया हो, अर्थात् प्रेमी।

दिलसाज़ (دلساز) फा वि –आनदित, हर्षित, खुश।

दिलसितॉं (دلستاں) फा वि –दे 'दिलरुबा'।

दिलसितानी (دلستانی) फा स्त्री –दे 'दिलरुबाई'।

दिलसोख़्त (دلسوختہ) फा वि –दिलजला, दग्ध हृदय।

दिलसोज़ (دلسوز) फा वि –सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द।

दिलसोज़ी (دلسوزی) फा स्त्री –हमदर्दी, सहानुभूति।

दिलहा (دلہا) फा पु –बहुत से दिल, दिल का बहु।

दिला (دلا) फा अव्य –ए दिल, हे मन, दिल का सबोधन।

दिलआज़ार (دلآزار) फा वि –सतानेवाला, कष्ट देनेवाला, दु खदायी, दिल दुखानेवाला नाखादार।

दिलआज़ारी (دلآزاری) फा स्त्री –सताना, कष्ट देना, कोई ऐसी बात कहना या करना जिससे किसी का दिल दुखे।

दिलआज़ुर्द· (دلآزردہ) फा वि –जिसका दिल दु खित हो, गमगीन।

दिलाजुर्दगी (دل آزردگی) फा स्त्री –दिल का खिन्न और मलिन होना, अफसुर्दगी।

दिलारा (دل آرا) फा वि –दिल की शोभा बढानेवाला, प्रेमपात्र।

दिलाराई (دل آرائی) फा स्त्री –दिल मे बसकर उसकी शोभा बढाने का काम।

दिलाराम (دل آرام–دلارام) फा वि –हृदय को शान्ति देनेवाला, अर्थात् प्रेमपात्र।

दिलावर (دلاور) फा वि –शूर, वीर, बहादुर, साहसी, उत्साही, हौसलामद।

दिलावरी (دلاوری) फा स्त्री –शूरता, वीरता, बहादुरी, साहस, उत्साह, हौसला।

दिलावेज़ (دل آویز–دلاویز) फा वि –सुन्दर, शुभ दर्शन, प्रियदर्शन, खुशनुमा।

दिलावेज़ी (دل آویزی) फा स्त्री –सौन्दर्य, शोभा, छटा, हुस्न, खूबसूरती।

दिली (دلی) फा वि –हार्दिक, मानसिक, कल्बी, हृदय से सम्बन्ध रखनेवाली चीज, घनिष्ठ, गहरा जैसे 'दिलीदोस्त'।

दिलेआगाह (دل آگاہ) फा पु –ऋषियो और मुनियो जैसा दिल, दिव्य दृष्टि रखनेवाला हृदय।

दिलेज़िंदः (دل زندہ) फा पु –ऐसा हृदय जो हर्ष और आनन्द से परिपूर्ण हो, ऐसा हृदय जो ईश्वर भक्ति मे सलग्न हो।

दिलेबेकरार (دل بےقرار) फा पु –प्रेमव्यथा मे तडपता हुआ हृदय, व्यथितहृदय।

दिले मुज़्तर (دل مضطر) फा अ पु –दे 'दिले बेकरार'।

दिले मुज़्तरिब (دل مضطرب) फा पु–दे 'दिले बेकरार'।

दिलेमुर्दः (دل مردہ) फा वि –'दिलेज़िंद' का उलटा, बुझा हुआ दिल, ईश्वर-भक्ति से रिक्त दिल।

दिलेर (دلیر) फा वि –शूर, वीर, बहादुर, साहसी, उत्साही, हौसलामद, अभय, निडर।

दिलेरान. (دلیرانہ) फा अव्य –वीरोचित, वीरतापूर्वक।

दिलेरी (دلیری) फा स्त्री –शूरता, वहादुरी, साहस, उमग, निडरपन।

दिले सदचाक (دل صدچاک) फा पु –ऐसा हृदय जिसे प्रेम के निष्ठुर हाथो ने टुकडे-टुकडे कर दिया हो।

दिश्नः (دشنہ) फा पु –दे 'दश्न', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

दिहिश (دهش) फा स्त्री –दानशीलता, सखावत, यह शब्द उर्दू मे दाद के साथ मिलकर 'दादोदिहिश' बोला जाता है, अकेला नही बोला जाता।

दिह्कान (دهقان) अ पु –कृषक, किसान, गँवार, उजड्ड।

दिह्क़ानीयत (دهقانیت) अ स्त्री –गँवारपन, उजड्डपन।

दिह्क़ानी (دهقانی) अ पु –गँवार, उजड्ड, कृषक, किसान, किसान का, देहाती।

दी

दीँ (دیں) अ पु –'दीन' का लघु, देखिए 'दीन'।

दीँदार (دیں دار) अ फा वि –धर्मनिष्ठ, दीन मे पक्का।

दीँपनाह (دیں پناہ) अ फा वि –दीन की हिफाज़त करनेवाला, धर्मरक्षक।

दीँपर्वर (دیں پرور) अ फा वि –दीन की परवरिश करनेवाला, धर्मपाल।

दी (دی) फा पु –बीता हुआ कल।

दीक (دیک) अ पु –मुर्गा, कुक्कुट।

दीगर (دیگر) फा वि –अन्य, और, दूसरा, फिर, दुबारा, पुन।

दीद (دیدہ) फा पु –आँख का ढेला, आँख, साहस, जुर्अत।

दीदःदिलेर (دیدہ دلیر) फा वि –ढीठ, वेहया, निर्लज्ज, धृष्ट।

दीद दिलेरी (دیدہ دلیری) फा स्त्री –ढिठाई, निर्लज्जता, धृष्टता, वेहयाई।

दीद·बाज़ (دیدہ باز) फा वि –नजर लडानेवाला, घूरनेवाला, जिसे हसीनो को घूरने की आदत हो।

दीद बाज़ी (دیدہ بازی) फा स्त्री –नजर लडाना, घूरना, ताक-झाँक करना।

दीदःरेज़ी (دیدہ ریزی) फा स्त्री –ऐसा बारीक काम करना जिसमे आँखो पर अधिक जोर डालना पडे, किसी विषय मे बहुत अधिक सोच-विचार करना।

दीदःवर (دیدہ ور) फा वि –जौहरी, पारखी, कि ी चीज के गुण-दोष अच्छी तरह समझनेवाला।

दीद.वरी (دیدہ وری) फा स्त्री –परख, पहचान, वि ी चीज़ की अच्छे बुरे की तमीज।

दीद (دید) फा स्त्री –दर्शन, दीदार।

दीदएतर (دیدۂ تر) फा पु –रोती हुई आँख, आँसुओ से भीगी हुई आँख।

दीदएनम-नमनाक (دیدۂ نم نمناک) फा पु –दे 'दीदएतर'।

दीदए मिक़्राज़ (دیدۂ مقراض) फा अ पु –कैंची के घेरे जिनमे उँगलियाँ रहती है।

दीदओदानिस्त (دیدہ ودانستہ) फा अव्य –जान-बूझकर, जानते बूझते हुए, कस्दन, इच्छापूर्वक।

दीदनी (دیدنی) फा अव्य –देखने योग्य, देखने के लायक।

दीदबाज़ी (دیدبازی) फा स्त्री –दे 'दीद बाज़ी'।

दीदबान (دیدبان) फा. पु –वह ऊँची जगह जहाँ से कोई इधर-उधर आने-जानेवालो की चौकसी कर सके; वह व्यक्ति जो इस प्रकार देख-भाल करे, बदूक की मक्खी जिससे निशाना लगाते है, जासूस।

दीदबानी (دیدبانی) फा स्त्री –किसी ऊँचे स्थान पर बैठकर आने-जानेवालो अथवा खतरो की निगरानी।

दीद वा दीद (دیدوادید) फा स्त्री –परस्पर एक का दूसरे की मुलाकात को जाना।

दीदान (دیدان) अ पु – 'दूद' का बहु, कीडे।

दीदानुलअम्आ (دیدان الامعا) अ पु –पेट के कीडे, पेट मे कीडे पड जाने का रोग।

दीदार (دیدار) फा पु –दर्शन, दीद, जल्वा, छवि।

दीदारपरस्त (دیدارپرست) फा वि –दर्शनो का अभिलाषी, सूरत और जल्वे का फिदाई।

दीदारबाजी (دیدارباری) फा स्त्री –ताक-झाँक, नजर-बाजी, आँखें लडाना।

दीदारू (دیدارو) फा वि –शुभ दर्शन, खुशनुमा, रूपवान्, हसीन।

दीन (دین) अ. पु –धर्म, मज्हब, पथ, मश्रब, विश्वास, एतिकाद।

दीनार (دینار) फा पु –एक सोने की मुद्रा, अशरफी।

दीनारेसुर्ख (دینارسرخ) फा पु –सोने का दीनार, मोहर, अशरफी।

दीनी (دینی) अ वि –धर्म सम्बन्धी, दीन का।

दीनेक़य्यिम (دین قیم) अ पु –सच्चा धर्म, इस्लाम धर्म।

दीने हनीफ (دین حنیف) अ पु –हजरत इब्राहीम का धर्म।

दीबा (دیبا) फा स्त्री –एक बारीक और चित्रित रेशमी कपडा।

दीबाचः (دیباچہ) फा पु –प्रस्तावना, प्राक्कथन।

दीबाजः (دیباجہ) फा पु –दे 'दीबाच'।

दीबाज (دیباج) अ पु –एक बहुत बढिया रेशमी कपडा, दीबा।

दीमक (دیمک) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध कीडा।

दीमक खुर्द. (دیمک خوردہ) फा वि –जिसे दीमक ने चाट लिया हो, दीमक का खाया हुआ।

दीरोज़ः (دی روزہ) फा वि –गत कल।

दीरोज़ (دی روز) फा पु –गत कल, बीता हुआ कल।

दीवानः (دیوانہ) फा पु –पागल, विक्षिप्त, सिडी, प्रेमी, आशिक, किसी काम मे तन्मय।

दीवानःगर (دیوانہ گر) फा वि –पागल बना देनेवाला।

दीवानःनवाज (دیوانہ نواز) फा वि –दीवानो पर दया करनेवाला, प्रेमी पर कृपा करनेवाली प्रेमिका।

दीवान (دیوان) फा पु –न्यायालय, कचहरी, मत्री, वजीर, अर्थमत्री, वजीरेमाल, गजलो की किताब।

दीवानखानः (دیوان خانہ) फा पु –बैठक, निशस्तगाह, कचहरी का दफ्तर, बडे लोगो के बैठने का स्थान।

दीवानगी (دیوانگی) फा स्त्री –पागलपन, बुद्धि-विक्षेप।

दीवानी (دیوانی) फा स्त्री –वह अदालत जिसमें रुपये के लेन-देन और जायदाद के मुकदमे तै होते है, व्यवहार-न्यायालय।

दीवाने आम (دیوان عام) फा अ पु –दरबारे आम, बडा दरबार करने का स्थान।

दीवाने आ'ला (دیوان اعلی) फा अ पु –महामत्री, प्रधान मत्री, वजीरे आ'ज़म।

दीवाने खालिसः (دیوان خالصہ) फा अ पु –वह मत्री जिसके पास शाही मुहर रहती है।

दीवाने खास (دیوان خاص) फा अ पु –मुख्य लोगो का दरबार।

दीवाने जज़ा (دیوان جزا) फा अ पु –दे 'दीवाने महशर'।

दीवानेमहशर (دیوان محشر) फा अ पु –वह महकमा जो कियामत के दिन हिसाब-किताब करेगा।

दीवार (دیوار) फा स्त्री –भीत, भित्ति, दिवाल।

दीवारगीरी (دیوارگیری) फा स्त्री –वह कपडा जो दीवारो में सुन्दरता के लिए लगा देते है, दीवार में लगाने का लैम्प।

दीवार ब दीवार (دیواربدیوار) फा अव्य –दीवार से दीवार मिली हुई।

दीवारे क़हक़हः (دیوار قہقہہ) फा स्त्री –चीन की एक दीवार जिसके लिए प्रसिद्ध है कि जो उसमे से झाँकता है वह अनायास बहुत हँसता है—"दीदार दिलरुबा का दीवारे कह-कहा है–जिसने उधर को झाँका, वह फिर इधर न झाँका।"

दीवारे ज़िंदाँ (دیوار زندان) फा स्त्री –जेल की दीवार, कैदखाने की दीवार।

दीशब (دی شب) फा स्त्री –बीती हुई रात, कल की रात।

दु

दुबः (دنبہ) फा पु –एक प्रकार का मेढा जिसकी पूँछ पर चर्बी की बडी-सी चकती होती है, मेदपुच्छ।

दुब (دنب) फा स्त्री –पुच्छ, पूँछ, दुम।

दुबल (دنبل) फा पु –फोडा, व्रण।

दुबालः (دنبالہ) फा पु –पूँछ-जैसी चीज, पूँछ के आकार का, पूँछ, दुम।

दुबालःदार (دنبالہ دار) फा वि –जिसमें पुछल्ला लगा हो, दुमछल्लेवाला, जिसमे लम्बी नोक निकली हो।

दुंबाल (دنبال) फा पु –दुम, पूंछ, पशुओ की पूंछ, पशु-पुच्छ।

दुअम्ली (دوعملی) फा अ स्त्री –दो प्रकार का राज्य, कही कोई कानून, कही कोई कानून, दो शासकों का राज, एक का कुछ हुक्म, दूसरे का कुछ और।

दुअस्पः (دواسپہ) फा पु –शीघ्र गति, तेज़ रफ्तारी।

दुआ (دعا) अ स्त्री –ईश्वर से किसी चीज की प्रार्थना, धार्मिक मत्र, वज़ीफा वगैरह, स्तुति, कीर्तन।

दुआएख़ैर (دعاءخیر) अ स्त्री –वह दुआ जो किसी की भलाई के लिए की जाय।

दुआएदौलत (دعاءدولت) अ स्त्री –किसी की उन्नति और समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना।

दुआज़्दः (دوازدہ) फा वि –बारह, द्वादश।

दुआज़्दहुम (دوازدہم) फा वि –बारहवाँ, द्वादश।

दुआतश (دوآتشہ) फा पु –दो बार खीचा हुआ अरक, तेज़ अरक।

दुआबः (دوآبہ) फा पु –दो नदियो के बीच का क्षेत्र, गगा और जमुना के बीच का देश।

दुआलम (دوعالم) फा अ पु –उभय लोक, दुनिया और उक्बा, लोक-परलोक।

दुआश्यानः (دوآشیانہ) फा पु –एक प्रकार का तंबू जिसमे दो कमरे होते हैं।

दुकाँ (دکاں) फा स्त्री –'दुकान' का लघु, दे 'दुकान'।

दुकान (دکان) फा स्त्री –सौदा बेचने की जगह, पण्यशाला।

दुकानचः (دکانچہ) फा पु –छोटी दुकान।

दुकानदार (دکاندار) फा पु –दुकान मे सौदा बेचनेवाला, पेशावर, किसी विषय मे दुकानदारो-जैसा मोल-भाव करनेवाला।

दुकानदारी (دکانداری) फा स्त्री –दुकान मे सौदा बेचने का काम, किसी विषय मे मोल-भाव करना।

दुकौन (دوکون) फा अ पु –दोनो लोक।

दुख़ान (دخان) अ पु –धुआँ, धूम, भाप, वाष्प।

दुख़ानी (دخانی) अ वि –आग और भाप के जोर से चलनेवाला, जैसे—'दुख़ानी जहाज'।

दुख़ूल (دخول) अ पु –प्रवेश, घुसना, अदर जाना।

दुख़्त (دخت) फा स्त्री –'दुख़्तर' का लघु, दे 'दुख़्तर'।

दुख़्तर (دختر) फा स्त्री –पुत्री, लडकी, कन्या।

दुख़्तरे ख़ानः (دخترخانہ) फा स्त्री –कुमारी, बिना ब्याही लडकी।

दुख़्तरे रज़ (دخترِرز) फा. स्त्री –अगूर की बेटी, अर्थात् अगूर की मदिरा।

दुख़्ते रज़ (دختِرز) फा स्त्री –दे 'दुख़्तरे रज़'।

दुख़्ते हव्वा (دختِحوا) फा अ स्त्री –हव्वा (हज़रत आदम की पत्नी) की लडकी, अर्थात् स्त्री जाति।

दुगानः (دوگانہ) फा पु –वह फल जिसमें दो फल जुडे हो, जैसे, दुगान आम, ऐसा फल जब किसी को धोखे से दे दिया जाता है तो वह उसके बदले दो सौ फल देता है, शुक्राने की नमाज की दो रक्अते।

दुगूनः (دوگونہ) फा वि.–दो प्रकार का, दो तरह का, दूना, दोचद।

दुचंद (دوچند) फा वि –दूना, दुगुना, द्विगुण।

दुचंदाँ (دوچنداں) फा वि –दे 'दुचद'।

दुचार (دوچار) फा वि –आमना-सामना, मुलाकात, साक्षात्।

दुचोबः (دوچوبہ) फा पु –दो बाँसोवाला ख़ेमा।

दुज़बाँ (دوزباں) फा वि –जिसके दो ज़बाने हो, अर्थात् कभी कुछ कहे, कभी कुछ या किसी से कुछ कहे और किसी से कुछ, मुनाफिक दुमुँहाँ।

दुजहाँ (دوجہاں) फा पु –उभयलोक, दुनिया और आख़िरत, ससार और परलोक।

दुजा (دجیٰ) अ पु –रात की अँधियारी।

दुज़ानू (دوزانو) फा वि –घुटनो के बल बैठने की मुद्रा।

दुज़्द (دزد) फा. पु –चोर, तस्कर।

दुज़्दिदः (دزدندہ) फा वि –चोरी करनेवाला, चुरानेवाला।

दुज़्दी (دزدی) फा स्त्री –चोरी, चौर्य; चोरी का पेशा, चौर्य-कर्म।

दुज़्दीदः (دزدیدہ) फा वि –चुराया हुआ, चुराई हुई चीज़।

दुज़्दीदःनज़री (دزدیدہ‌نظری) फा. अ स्त्री –दे 'दुज़्दीदः-निगाही'।

दुज़्दीद.निगाही (دزدیدہ‌نگاہی) फा स्त्री –कनखियो से देखना।

दुज़्देशाहीं (دزدشاہیں) फा पु –नज़र के सामने से चीज़ उडा ले जानेवाला, शातिर चोर, पश्यतोहर।

दुज़्देहिना (دزدحنا) फा पु –मेहदी लगाते समय हाथ मे एक छल्ला रख लेते हैं, जिससे हथेली पर एक गोल निशान बन जाता है, उसी को 'दुज़्दे हिना' कहते हैं।

दुतर्फ़. (دوطرفہ) फा वि –दोनो तरफ, इधर भी, उधर भी।

दुता (دوتا) फा वि –दुहरा, झुका हुआ, ख़मीद, जैसे 'पुश्तेदुता' झुकी हुई कमर।

दुतारः (دوتارہ) फा पु –एक बाजा जिसमे दो तार होते हैं।

दुदम (دودم) फा वि –दोहरी धारवाली तलवार।

दुदस्तः (دودستہ) फा वि –दोनो तरफ, दुतर्फा।

दुदस्ती (دودستی) फा स्त्री –दोनो हाथो से तलवार चलाना, कुश्ती का एक दाँव।

दुदिल (دودله) फा वि –चिन्तित, फिक्रमद, वहमी, भ्रमी, दुमुहाँ, मुनाफिक।

दुनीम (دونیم) फा वि –आधा-आधा, दो टुकडे।

दुनयवी (دنیوی) अ वि –ससार सम्बन्धी, सासारिक, दुनियावाला, दुनिया का।

दुन्या (دنیا) अ स्त्री –मर्त्यलोक, मृत्युलोक, जगत्, ससार, आलम, संसार-निवासी, दुनिया के लोग।

दुन्याएदनी (دنیاےدنی) अ स्त्री –अधम और निकृष्ट ससार, पापमय संसार, माया और मोह-जैसी नीच प्रवृत्तियोवाला ससार।

दुन्याएदूं (دنیاےدوں) अ फा स्त्री –दे 'दुन्याएदनी'।

दुन्याएफानी (دنیاےفانی) फा स्त्री –नश्वर और विनाश कारी ससार।

दुन्यादार (دنیادار) अ फा वि –ससार के मोह में लिप्त, घर गृहस्थीवाला, अवसरवादी, इब्नुल वक्त।

दुन्यापरस्त (دنیاپرست) फा वि –दे 'दुन्यादार'।

दुन्या व माफीहा (دنیاومافیہا) अ स्त्री –ससार और ससार के भीतर की सब वस्तुएँ।

दुन्यावी (دنیاوی) अ वि –दे 'दुनयवी', बहुत से विद्वान् 'दुनयावी' को अशुद्ध कहते हैं।

दुन्यासाज (دنیاساز) अ फा वि –मुँह पर झूठी और खुशामद की बाते करनेवाला, जाहिरदार, चाटुकार।

दुन्यासाजी (دنیاسازی) अ फा स्त्री –जाहिरदारी, बनावट की बाते।

दुपल्का (دوپلکا) फा पु –एक पत्थर जिससे अँगूठी बनती है (उ) एक प्रकार का नगीना, एक प्रकार का पतग, एक प्रकार का कबूतर।

दुपाय (دوپایہ) फा वि –दो टाँगोवाला।

दुपार (دوپارہ) फा वि –दो टूक, दो टुकडे, फटा हुआ, टुकडे-टुकडे।

दुपियाज (دوپیازہ) फा पु –एक प्रकार का गोश्त जिसमे केवल पियाज पडती है।

दुपैकर (دوپیکر) फा वि –मिथुन राशि, जौजा, दुधारी तलवार।

दुफ (دف) अ पु –डफ, दाइरा, बडी डफली।

दुफनवाज (دف نواز) अ फा पु –डफ बजानेवाला।

दुफस्ली (دوفصلی) फा अ वि –वह पेड जो साल मे दो बार फले, वह जमीन जो साल मे दो बार बोयी जाय, दुटप्पी, गोल-मोल (बात)।

दुबार (دوبارہ) फा वि –फिर, पुन, नये सिरे से, फिर से, दूसरी बार, दूसरी मरतबा।

दुबाला (دوبالا) फा वि –दुगुना, दूना, दुचद।

दुबुर (دبر) अ स्त्री –पीछा, पुश्त, उपस्थ, मलद्वार, गुदा।

दुब्बे अक्बर (دب اکبر) अ पु –उत्तरी ध्रुव के पास तारो से बनी हुई रीछ की दो आकृतियो में से बडी आकृति, सप्तर्षिमण्डल।

दुब्बे अस्गर (دب اصغر) अ पु –उत्तरी ध्रुव के निकट कुछ तारो से मिलकर बनी हुई रीछ की दो आकृतियो में से छोटी आकृति, लघु सप्तर्षिमण्डल।

दुब्र (دبر) अ स्त्री –दे 'दुबुर'।

दुमज्जिल (دومنزله) फा अ पु –वह मकान जिसमे दो मालाएँ हो, दो मालावाला घर।

दुमाह (دوماهه) फा पु –दो महीने की तनख्वाह।

दुम्मल (دمل) अ पु –फोडा, व्रण।

दुरगी (دورنگی) फा वि –कभी कुछ होना कभी कुछ, कभी कुछ कहना और कभी कुछ।

दुर (در) फा पु –मुक्ता, मोती, रत्न, जौहर, कान का आवेज।

दुरअफ्शाँ (درافشاں) फा वि –दे 'दुरफ्शाँ'।

दुरकाब (دورکابه) फा पु –बहुत ऊँचा घोडा, जिस पर दो रकाबो द्वारा चढा जा सके।

दुरख्श (درخش) फा स्त्री –विद्युत्, चपला, चचला, बिजली, प्रकाश, ज्योति, रौशनी।

दुरख्शाँ (درخشاں) फा वि –प्रकाशमान, ज्योतिर्मय, पुरनूर।

दुरगा (دورگه) फा वि –दोगला, वर्ण-सकर।

दुरदान (دردانه) अ फा पु –मोती का दाना, एक मोती।

दुरफ्श (درفش) फा पु –वह तिकोना कपडा जो झडे के सिरे पर लगाते हैं और जो हवा मे उडता रहता है।

दुरफ्शाँ (درفشاں) फा वि –हिलता हुआ, लहराता हुआ।

दुरफ्शाँ (درافشاں) फा वि –मोती लुटानेवाला, दानी, सखी, मधुरभाषी, खुशगो।

दुरफ्शानी (درافشانی) फा स्त्री –मोती लुटाना, दानशीलता, सखावत।

दुरफ्शे कावियानी (درفش کاویانی) फा पु –ईरान के 'काव' नामी लुहार का झंडा, जिसमे उसने अपनी धौंकनी बाँधी थी और जिसके द्वारा उसने जनता को एकत्र करके किंयानी राज्य को नष्ट किया था।

दुरबार (دربار) फा वि –मोतियो की वर्षा करनेवाला, वदान्य, सखी, मधुरभाषी, खुशबयाँ।

दुररेज़ (دررېز) फा वि –दे 'दुरबार'।
दुराहः (دوراهه) फा पु –वह स्थान जहाँ दो रास्ते मिले हो।
दुरुख़ः (دورخه) फा पु –दोनो तरफ, दुतर्फा, दुमुँहाँ, मुनाफिक।
दुरख़्श (درخش) फा स्त्री –दे 'दुरख़्श', दोनो शुद्ध हैं।
दुरख़्शाँ (درخشاں) फा वि –दे 'दुरख़्शाँ', दोनो शुद्ध हैं।
दुरख़्शंदः (درخشنده) फा वि –चमकनेवाला, ज्योतिर्मय।
दुरख़्शंदगी (درخشندگی) फा स्त्री –आभा, चमक, ज्योति।
दुरफ़्श (درفش) फा पु –दे 'दुरफ़्श', दोनो शुद्ध हैं।
दुरफ़्शाँ (درفشاں) फा वि –दे 'दुरफ़्शाँ', दोनो शुद्ध हैं।
दुरुश्त (درشت) फा वि –खुरदरा, खुर्रा, कठोर, सख़्त।
दुरुश्तख़ू (درشت‌خو) फा वि –खुर्रेमिज़ाजवाला, रूखा, फीका।
दुरुश्त मिज़ाज (درشت‌مزاج) फा अ वि –दे 'दुरुश्त ख़ू'।
दुरुश्ती (درشتی) फा स्त्री –खुर्रापन, कठोरता।
दुरुस्त (درست) फा वि –ठीक, शुद्ध, सही, सत्य, सच, उचित, मौज़ूँ, साबित, सपूर्ण; अखडित, जो टूटा न हो; स्वस्थ, तन्दुरुस्त।
दुरुस्ती (درستی) फा स्त्री –शुद्धि, सशोधन, इस्लाह, गोशमाली।
दुरूद (درود) फा स्त्री –लकडी काटने, छीलने और बनाने का काम, खेती की कटाई।
दुरूद (درود) अ उभ –दुआ और सलाम विशेषत रसूल पर।
दुरूदगर (درودگر) फा पु –बढई, काष्ठकार, तक्षक।
दुरूदोसलाम (درودوسلام) अ पु –मुसलमानो की ओर से उनके पैगबर पर दुरूद और सलाम।
दुरूयः (درویه) फा वि –दुतर्फा, दोनो तरफ।
दुरूर (درور) अ पु –पसीना या दूध निकलमा।
दुरे ख़ुश आब (درخوش‌آب) फा पु –अच्छी चमक-दमक का मोती।
दुरेनायाब (درنایاب) फा पु –ऐसा मोती जैसा दूसरा मिल न सके, सुपुत्र।
दुरेनासुफ़्तः (درناسفته) फा वि –अनविधा मोती, वह मोती जिसमें छेद न किया गया हो, कुमारी स्त्री, अक्षता।
दुरेयकता (دریکتا) फा पु –वह मोती जो सीप मे एक ही होता है और इस कारण बहुत बडा होता है।
दुरेयकदानः (دریکدانه) फा पु –दे 'दुरेयकता'।
दुरेशहवार (درشهوار) बादशाहो के योग्य मोती, बहुत बडा और बहुमूल्य मोती।
दुरोग़ (دروغ) फा पु –मिथ्या, असत्य, झूठ, अपराध, लाछन, तुहमत, दे 'दरोग़', दोनो शुद्ध हैं।
दुरोग़गो (دروغ‌گو) फा वि –झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, असत्यभाषी।
दुरोग़ज़न (دروغ‌زن) फा वि –दे 'दुरोग़गो'।
दुरोग़बयाँ (دروغ‌بیاں) फा अ वि –दे 'दुरोगगो'।
दुरोग़बयानी (دروغ‌بیانی) फा अ स्त्री –झूठ बोलना।
दुरोग़बाफ (دروغ‌باف) फा वि –झूठ गढनेवाला, अपने मन से झूठी बातें उत्पन्न करनेवाला।
दुरोग़ेमस्लहत आमेज़ (دروغ مصلحت‌آمیز) फा अ पु –ऐसा झूठ जो किसी के हित के लिए या झगडा ख़त्म कराने के लिए बोला जाय।
दुरोज़ः (دوروزه) फा वि –दो दिन का, थोडे दिन का, अस्थायी, आरिज़ी।
दुर्ज (درج) अ स्त्री –मजूषा, पिटारी।
दुर्द (درد) फा स्त्री –तरल पदार्थ के नीचे जमी हुई कीट, गाद, शराब की तलछट।
दुर्दआशाम (دردآشام) फा वि –दे. 'दुर्दकश'।
दुर्दकश (دردکش) फा वि –तलछट पीनेवाला, धनी शराबी।
दुर्दी (دردی) अ स्त्री –तलछट, नीचे बची हुई शराब।
दुर्दीकश (دردی‌کش) अ फा वि –दे 'दुर्दकश'।
दुर्दे तहे जाम (درد ته جام) फा स्त्री –पियाले मे नीचे बची हुई तलछट।
दुर्रः (دره) अ पु –बडा मोती।
दुर्रतुत्ताज (درةالتاج) अ पु –बादशाहो के ताज मे जडे जाने के योग्य मोती।
दुर्राज (دراج) अ पु –तीतर पक्षी।
दुर्रेनजफ (درنجف) अ पु –एक पत्थर जिसमे बाल से दिखायी पडते हैं, जिनको एक सम्प्रदाय हज़रत अली के बाल बताता है और इसलिए इस पत्थर को पवित्र मानता है।
दुर्रेमकनून (درمکنون) अ पु –वह मोती जिसे छिपाकर रखा जाय, बहुत ही बहुमूल्य मोती।
दुर्रेयतीम (دریتیم) अ पु –वह बडा और आबदार मोती जो सीप मे अकेला पैदा हुआ हो।
दुर्रेशहवार (درشهوار) अ पु –बादशाहो के लायक मोती, बडा और मूल्यवान् मोती।
दुलदुल (دلدل) अ पु –एक मादा ख़च्चर जो इस्कदरीया के शासक ने हजरत मुहम्मद साहब को भेंट किया था और आपने उसे हजरत अली को दे दिया था, घोडे के आकार का एक ताजिया, वह घोडा जिस पर सामान मातम लादकर अज़ाख़ाने मे ले जाते है।
दुलदुल सवार (دلدل‌سوار) अ फा पु –हजरत अली की उपाधि।

दुलमः (دلمه) फा पु –एक प्रकार का सालन जो बैगन और गाजर में कीमा और पनीर डालकर पकाते हैं।
दुवल (دول) अ स्त्री –'दौलत' का बहु, बहुत से राष्ट्र।
दुवार (دوار) अ पु –सर चकराना, सर का चक्कर।
दुवाल (دوال) फा स्त्री –चमडे का तसमा, पेटी, वह तसमा जिससे नक्कारा बजाते हैं।
दुवालबंद (دوال بند) फा पु –पेटी बाँधनेवाला, सिपाही।
दुवालबाज़ (دوال باز) फा वि –छली, वचक, ठग, दगाबाज़।
दुवुम (دوم) फा वि –द्वितीय, दूसरा।
दुवुमीं (دومیں) फा वि –दूसरा, द्वितीय।
दुशंबः (دوشنبه) फा पु –सोमवार, पीर।
दुशाख़ (دوشاخه) फा पु –दो शाखोवाली लकडी, दो शाखोवाला पेड, दो शम्एँ जलाने का शम्अदान, भग छानने की लकडी।
दुशाल (دوشاله) फा पु –जिसमे दो शाल एक साथ जुडे हो, ऊन की कामदार दोहरी चादर।
दुश्त (دشت) फा वि –निकृष्ट, दुष्ट, ख़राब।
दुश्नाम (دشنام) फा स्त्री –अपशब्द, गाली।
दुश्नामतराज़ी (دشنام ترازی) फा स्त्री –गालियाँ देना, गाली बकना।
दुश्नामतराशी (دشنام تراشی) फा स्त्री –गालियाँ गढना, नयी-नयी गालियाँ गढना।
दुश्नामदेही (دشنام دہی) फा स्त्री –गालियाँ देना।
दुश्मन (دشمن) फा पु –शत्रु, रिपु, वैरी, अदू, प्रतिद्वंद्वी, रकीब।
दुश्मनकाम (دشمن کام) फा वि –वह व्यक्ति जो अपने शत्रुओ की इच्छा के मुताबिक आपत्तियो मे फँसा हो।
दुश्मनी (دشمنی) फा स्त्री –शत्रुता, वैर, अदावत, प्रतिद्वंद्विता, रकाबत।
दुश्मने जाँ (دشمن جاں) फा पु –जानी दुश्मन, जान का घातक।
दुश्वार (دشوار) फा वि –कठिन, दुरूह, मुश्किल।
दुश्वारगुज़ार (دشوار گزار) फा वि –जहाँ से गुज़रना कठिन हो।
दुश्वारी (دشواری) फा स्त्री –कठिनता, मुश्किल, तगीतुर्शी, दरिद्रता, आपत्ति, मुसीबत।
दुसर (دوسر) फा वि –दो सरवाला।
दुसरा (دوسرا) फा पु –दोनो जहान, उभयलोक।
दुसरी (دوسری) फा स्त्री –निफाक, मुनाफकत, दिल मे कुछ होना और मुँह पर कुछ।
दुसालः (دوساله) फा वि –दो वर्ष का, दो वर्ष की आयु का, दो बरस का पुराना।
दुसुख़नः (دوسخنه) फा पु –अमीर खुस्रो की पहेलियो की एक क़िस्म, जिसमें कई सवालो का एक जवाब होता है।
दुसूमत (دسومت) अ स्त्री –चिकनाई, चाहे घी की हो, चाहे तेल की और चाहे चर्बी आदि की।
दुहर्फ़ी (دوحرفی) फा अ वि –दो हर्फ़ोंवाला, दो अक्षरोवाला, बहुत छोटा, बहुत ही संक्षिप्त।
दुहुल (دهل) फा पु –ढोल, धौसा, नक्कारा।
दुहुलज़न (دهل زن) फा वि –नक्क़ारा बजानेवाला।
दुहुल दरीदः (دهل دریده) फा वि –निंदित, गर्हित, बदनाम, रुसवा, चुप, मौन।
दुहूर (دهور) अ पु –'दह्र' का बहु, ज़माने।
दुह्न (دهن) अ पु –तेल, तैल, रोग़न, घी, घृत, वसा, मेदा, चर्बी।
दुह्नियत (دهنیت) चिकनाई चाहे तेल की हो, चाहे घी और चाहे चर्बी आदि की।
दुह्मत (دهمت) अ स्त्री –कालिमा, सियाही, कालौंच।

दू

दूँ (دوں) फा वि –अधम, नीच, पामर, सिपला, कमीना, गुडा।
दूँनवाज़ (دوں نواز) फा वि –कमीनो को मुँह लगानेवाला, नीच आदमियो की पीठ ठोकनेवाला।
दूँपरस्त (دوں پرست) फा वि –गुडो की रक्षा करनेवाला, कमीनो को बढावा देनेवाला।
दूँपर्वर (دوں پرور) फा वि –दे 'दूँपरस्त'।
दूँहिम्मत (دوں همت) फा वि –पस्त हिम्मत, हतोत्साह, हतसाहस।
दूँहिम्मती (دوں همتی) फा स्त्री –पस्त हिम्मती।
दूक (دوک) फा पु –चरखे का तकला।
दूकदान (دوکداں) फा पु –चर्खा, सूत कातने का यत्र।
दूद (دوده) अ पु –कीट, कीडा।
दूद् (دود) अ पु –कीट, कीडा।
दूद (دود) फा पु –धुआँ, धूम, दुख़ान।
दूदआहग (دود آهنگ) फा पु –दे "दूदकश"।
दूदकश (دودکش) फा पु –धुआँ निकलने का सूराख़, धुआँ निकालने की चिमनी।
दूदमान (دودماں) फा पु –वंश, कुल, ख़ानदान।
दूदी (دودی) फा वि –भाप या स्टीम मे चलनेवाला।

दूबी (دوبی) अ वि –नाडी का एक प्रकार जिसमे वह बहुत कमजोर हो जाती है और मरने के करीब चलती है।

दूदुलहरीर (دودالحریر) अ पु –रेशम का कीड़ा।

दूदे आह (دودآہ) फा पु –आह का धुआँ, आह की आग का धुआँ।

दूदे जिगर (دودجگر) फा पु –जिगर की आग का धुआँ, आह।

दून (دون) फा वि –दे 'दूँ'।

दूनाँ (دوناں) फा पु –'दून' का बहु, अधम लोग, पामर लोग, कमीने, गुडे।

दूबदू (دوبدو) फा अव्य –आमने-सामने, मुहाँमुँह।

दूर (دور) फा वि –अन्तर पर, फासिले पर, पृथक्, अलग, जुदा, हट ! अलग!, असम्भव, नामुम्किन।

दूरअदेश (دوراندیش) फा वि –दूरदर्शी, आगमसोची, परिणामदर्शी।

दूरअदेशी (دوراندیشی) फा स्त्री –दूरदर्शिता, परिणाम-दर्शिता।

दूरअजहाल (دوراز حال) फा अ अव्य –अब से दूर, अच्छी दशा मे आने के बाद जब बुरी दशा का वर्णन करते है तो यह फिक्रा कहते है।

दूरतर (دورتر) फा वि –बहुत दूर, काफी दूर।

दूरतरक (دورتری) फा वि –बहुत ही दूर, बहुत अधिक दूर, दूरतम।

दूरदस्त (دوردست) फा वि –काले कोसो, बहुत दूर।

दूरबाश (دور باش) फा अव्य –अलग रहो, दूर हटो, एक दुशाख नेज जो बादशाह की सवारी के आगे चलता था और जिसे देखकर लोग रास्ते से हट जाते थे, वह दुशाख नेज जिससे दुश्मन के हरबे को काट देते थे, आह, विश्वास।

दूरबीं (دوربیں) फा वि –दूरदर्शी, दूर तक सोचनेवाला।

/दूरबीन (دوربین) फा स्त्री –एक यत्र जिससे दूर की चीजे देखी जाती है, दूरदर्शक यत्र।

दूरबीनी (دوربینی) फा स्त्री –दूर तक देखना, दूर तक सोचना।

दूरोदराज (دورودراز) फा पु –बहुत दूर, काले कोसो।

दूलाब (دولاب) फा पु –दे 'दौलाब' और 'दोलाब', तीनो उच्चारण शुद्ध है।

दे

देग (دیگ) फा स्त्री –छोटे मुँह और बडे पेट का एक ताँबे का बर्तन जिसमे चावल आदि पकाये जाते है।

देगचः (دیگچہ) फा पु –देग से छोटा, देग-जैसा ही बरतन, छोटी देग।

देगदान (دیگدان) फा पु –चूल्हा, आतशदान।

देगशो (دیگ شو) फा पु –देग माँजनेवाला, बावरची का मुलाजिम।

देज (دیز) फा पु –रग, वर्ण, जैसे—'शबदेज' काले रग का।

देबा (دیبا) फा. स्त्री –दे 'दीबा', शुद्ध 'देबा' ही है, परतु उर्दूवाले 'दीबा' बोलते है।

देर (دیر) फा स्त्री –विलब, ढील, ताखीर।

देरआश्ना (دیرآشنا) फा वि –दे 'देराश्ना'।

देरगाह (دیرگاہ) फा स्त्री –देर तक, बहुत दिनो तक।

देरपा (دیرپا) फा वि –टिकाऊ, मजबूत।

देरबाज (دیرباز) फा पु –'देरयाज' 'देरबाज' गलत है।

देरमाँ (دیرماں) फा वि –स्थायी, दृढ, मज़बूत, (स्त्री) दृढता, मज़बूती, स्थायित्व।

देरयाज (دیریاز) फा पु –प्राचीन काल, पुराना ज़माना; पुरातत्त्व, पुरानापन।

देराश्ना (دیرآشنا) फा वि –वह व्यक्ति जो बहुत देर मे दोस्त बने, जो जल्दी घुलना-मिलना न जानता हो, जो हर काम देर मे करने का आदी हो।

देरीं (دیریں) फा वि –पुरातन, पुराना, देरीन।

देरीनः (دیرینہ) फा वि –पुराना, प्राचीन, देरी।

देरीन.साल (دیرینہ سال) फा वि –बहुत बूढ़ा, वयो-वृद्ध।

देव (دیو) फा पु –राक्षस, एक नरभक्षी प्राणी वर्ग, बहुत लबा चौडा आदमी, खबीस, पलीत, पिशाच, भूतप्रेत, बदरूह, परियो के पति।

देवचः (دیوچہ) फा पु –दीमक, जोक।

देवजदः (دیوزدہ) फा. वि –जिस पर भूतो का खलल हो, प्रेतबाधाग्रस्त।

देवजाद (دیوزاد) फा पु –ग्राडील और तेज घोडा, बहुत भारी-भरकम और भयानक आदमी।

देवदार (دیودار) फा पु –चीड का पेड।

देवदिली (دیودلی) फा स्त्री –बहादुरी, शुजाअत।

देवबाद (دیوباد) फा पु –चक्रवात, बगूला, बवडर, वात्यायन, वातचक्र।

देवमर्दुम (دیومردم) फा पु –बनमानुस, खबीस और अत्याचारी व्यक्ति।

देवमार (دیومار) फा पु.–अजगर, अज़्दहा।

देवलाख (دیولاخ) फा पु –राक्षसो के रहने का स्थान।

देवसार (دیوسار) फा वि –देव-जैसा, राक्षस की मानिंद।

देवसीरत (دیوسیرت) फा अ वि –जिसका स्वभाव राक्षसो-जैसा हो, असुरप्रकृति।

देवसूरत (دیوصورت) फा अ वि –जिसकी शक्ल राक्षसो जैसी भयानक हो।
देह (دہ) फा पु –ग्राम, गाँव।
देहक़ान (دہقان) फा पु –गाँववाला, किसान, देहाती।
देहक़ानियत (دہقانیت) फा स्त्री –गँवारपन, उजड्डपन।
देहक़ानी (دہقانی) फा पु –गाँव का निवासी, गँवार, उजड्ड।
देहिश (دہش) फा स्त्री –दानशीलता, सख़ावत।

दै

दै (دے) फा पु –एक ईरानी महीना जो हिंदी का माघ होता है, पतझड का महीना।
दैजूर (دیجور) फा स्त्री –अँधेरी रात, अमावस्या।
दैन (دین) अ पु –ऋण, कर्ज़।
दैने मेह्र (دین مہر) अ पु –स्त्री के मेह्र का ऋण।
दैयान (دیان) अ पु –पाप-फल देनेवाला, अच्छी-बुरी कृतियो का हिसाब करनेवाला, ईश्वर।
दैयूस (دیوث) अ पु –वह व्यक्ति जो अपनी स्त्री की कमाई खाये, उसे दूसरो के पास जाने दे।
दैयसी (دیوثی) अ स्त्री –अपनी स्त्री की कमाई खाना, अपनी स्त्री से पेशा कराना।
दैर (دیر) फा पु –इबादतख़ाने का गुबद, ईसाइयो का गिरजा, बुतख़ाना, मूर्तिगृह।
दैरेख़राबात (دیر خرابات) फा पु –मधुशाला, मदिरालय, शराबख़ाना।
दैरे मुकाफ़ात (دیر مکافات) फा अ पु –ससार, दुनिया।
दैरे मुग़ाँ (دیر مغاں) फा पु –मधुशाला, शराबख़ाना।
दैहीम (دیہیم) फा पु –राजमुकुट, ताज।

दो

दो (دو) फा वि –एक और एक, द्वय।
दोख़्तः (دوختہ) फा वि –सिला हुआ।
दोख़्त लब (دوختہ لب) फा वि –जिसके होठ सिले हो, अर्थात् बिलकुल चुप, अवाक्, मौन।
दोख़्त (دوخت) फा स्त्री –सिलाई, सीवन।
दोग़ (دوغ) फा पु –छाछ, मट्ठा, रायता।
दोग़ल (دوغلہ) फा पु –जारज, वर्णसकर, क्षेत्रज, बदनस्ल।
दोज़ (دوز) फा प्रत्य –सीनवाला, जैसे—'ख़ैम दोज़' रावटियाँ सीनेवाला।
दोज़ख़ (دوزخ) फा पु –नरक, जहन्नम।
दोज़ख़ी (دوزخی) फा वि –जो नरक में जल रहा हो, नारकी, जो नरक में पडने के काम करता हो।
दोज़िंदः (دوزندہ) फा वि –सीनेवाला।
दोपियाज़ः (دوپیازہ) फा पु –दे 'दुपियाज़'।
दोल (دول) फा पु –कुएँ से पानी निकालने का बर्तन, डोल।
दोलाब (دولاب) फा पु –दे 'दौलाब' दोनो उच्चारण शुद्ध है दे 'दूलाब'।
दोशः (دوشہ) फा पु –दूध दुहने का बर्तन, दूध देनेवाला पशु।
दोश (دوش) फा पु –कधा, स्कध, मोढ़ा, गत रात्रि, गुज़री हुई रात।
दोशाब (دوشاب) फा पु –अंगूर का शीरा जिस पर दो-एक दिन गुज़र जायँ और उसमें नशा पैदा हो जाय, अंगूर या छुहारे का शीरा।
दोशीज़ः (دوشیزہ) फा स्त्री –जवान और अल्हड लडकी, कुमारी, अकुरितयौवना।
दोशीज़गी (دوشیزگی) फा स्त्री –अल्हडपन, कुमारपन।
दोशीदः (دوشیدہ) फा वि –दुहा हुआ दूध।
दोशीनः (دوشینہ) फा वि –गत रात्रि का, कल रात का।
दोस्त (دوست) फा पु –मित्र, सखा, यार, प्रेमपात्र, माशूक़।
दोस्तकाम (دوستکام) फा वि –'दुश्मनकाम' का उलटा, वह व्यक्ति जिसे अपने मित्रो के इच्छानुसार सब सुख प्राप्त हो।
दोस्तदार (دوستدار) फा वि –सच्चा दोस्त, शुभचितक, ख़ैरख़्वाह, मुख़लिस।
दोस्त नाशनास (دوست ناشناس) फा वि –दोस्त की कद्र न पहचाननेवाला।
दोस्तानः (دوستانہ) फा पु –मैत्री, मित्रता, दोस्ती।
दोस्ती (دوستی) फा स्त्री –मित्रता, मैत्री, दोस्ताना।

दौ

दौ (دو) फा स्त्री –दौड, भाग, अकेला नही बोला जाता, विशेषत 'तग' के साथ, 'तगोदौ' बोलते है।
दौरः (دورہ) अ पु –चक्र, चक्कर, गर्दिश, बारी, नौबत, अफसरो का गश्त।
दौर (دور) अ पु –चक्कर, गर्दिश, गिर्दागिर्द, चारो ओर, बारी, नौबत, परिवर्तन, उलट-फेर, युग, अह्द, शराब या चाय आदि का एक चक्कर जो सारे बैठनेवालो के लिए हो, मुशाअरे या मज्लिस में पढने का चक्कर जो एक-एक बार सबके पढ लेने पर ख़त्म हो।
दौरान (دوران) अ पु –चक्कर, दौर, बीच, अस्ना।
दौराने ख़ूँ (دوران خوں) अ फा पु –ख़ून का शरीर मे दौरा, रक्तसचार।

दौराने सर (دوران سر) अ फा पु –सर के चक्कर।
दौरी (دوری) अ वि –जो बारी से पडता हो।
दौरे अव्वल (دور اول) अ पु –प्रारभिक काल, शुरू का ज़माना।
दौरे आख़िर (دور آخر) अ पु –अतिम काल, आख़िरी ज़माना।
दौलत (دولت) अ स्त्री –धन, सम्पत्ति, रुपया-पैसा, राज्य, सत्ता, हुकूमत, भाग्य, नसीबा।
दौलतकदः (دولت کده) अ फा पु –दे 'दौलतख़ान'।
दौलतख़ानः (دولت خانه) अ फा पु –बडे आदमियो के घर के लिए वोलते है।
दौलतमंद (دولت مند) अ फा वि –धनवान्, समृद्ध, धन-सम्पन्न, मालदार।
दौलतसरा (دولت سرا) अ फा स्त्री –दे दौलतख़ाना।
दौलते ख़ुदादाद (دولت خداداد) अ फा स्त्री –ईश्वर का दिया हुआ धन, बहुत अधिक धन।
दौलते ख़्वाबीदः (دولت خوابیده) अ फा स्त्री –सोता हुआ इक़्बाल, वदनसीवी, दुर्भाग्य।
दौलते दारैन (دولت دارین) अ स्त्री –दुनिया और दीन, दोनो दौलतें।
दौलते बेदार (دولت بیدار) अ फा स्त्री –जागता हुआ इक़्बाल, ख़ुश नसीबी, सौभाग्य।
दौलते हुस्न (دولت حسن) अ स्त्री –रूप की दौलत (सपत्ति)।
दौलाब (دولاب) अ पु –रहट, वह चर्ख़ी जिससे कुएँ से पानी खीचते है, दे 'दोलाब' और 'दूलाब'।

न

नग (ننگ) फा पु –लज्जा, शर्म, दोष, आर।
नगे अज्दाद (ننگ اجداد) फा अ पु –जो व्यक्ति अपने दुराचरण के कारण अपने बाप-दादा के नाम को बट्टा लगाता हो, कुलघालक।
नगे अस्लाफ़ (ننگ اسلاف) फा अ पु –दे 'नगे अज्दाद'।
नगे इसानियत (ننگ انسانیت) फा अ पु –ऐसा कार्य जो मानवता के दृष्टिकोण से लज्जाजनक हो।
नगे ख़लाइक़ (ننگ خلائق) फा अ पु –जो व्यक्ति अपने दुर्व्यवहार से सर्वसाधारण के लिए लज्जा का कारण हो।
नगे ख़ानदान (ننگ خاندان) फा पु –अपने कुल के लिए निंदा का कारण, कुलागार, कुलकलङ्क।
नगोनाम (ننگ ونام) फा पु –लज्जा, ग़ैरत, मर्यादा, वकार, सतीत्व, इस्मत।
नगोनामूस (ننگ وناموس) फा अ पु –दे 'नगोनाम'।
नअम (نعم) अ अव्य –हाँ, जी हाँ, (पु) पशु, चौपाया।
नआइम (نعائم) अ स्त्री –बीसवाँ नक्षत्र, पूर्वापाट।
नईक़ (نعیق) अ स्त्री –कौए की आवाज, काँव-काँव।
नईम (نعیم) अ पु –स्वर्ग, बिहिश्त, पुण्य, नेकी, ने'मत, दिव्योपहार।
नऊज़ु बिल्लाह (نعوذ بالله) अ अव्य –हम ईश्वर से पनाह माँगते है।
नक़वी (نقوی) अ पु –दसवे इमाम हज़रत अली नकी की सतान का व्यक्ति।
नक़ाइस (نقائص) अ पु –'नक्स' का बहु, ख़राबियाँ, बुराइयाँ, त्रुटियाँ।
नक़ावत (نقاوت) अ स्त्री –पवित्रता, पुनीतता, शुद्धता, निर्मलता, पाकीजगी।
नक़ाहत (نقاهت) अ स्त्री –वह निर्बलता जो रोग-मुक्ति के वाद बाकी रहती हे, निर्बलता, अशक्ति, नातुवानी।
नकिरः (نکره) अ पु –वह सज्ञा जो एक जाति की सब चीजो पर बोली जाय, जातिवाचक सज्ञा (व्या), अपरिचय, अनजानपन।
नक़ी (نقی) अ वि –पवित्र, निर्मल, ख़ालिस, (पु) वारह इमामो मे से दसवे इमाम का नाम।
नक़ीज़ (نقیض) अ स्त्री –वैर, शत्रुता, दुश्मनी, (वि) वैरी, शत्रु, दुश्मन, विपरीत, उलटा, बरअक्स।
नक़ीब (نقیب) अ पु –वह व्यक्ति जो किसी राजा-महाराजा की सवारी के समय आगे आवाज लगाता चलता है, चोवदार, वह व्यक्ति जो दरवार के समय, बादशाह से भेट के लिए जानेवाले का नाम जोर से पुकारता है।
नकीरैन (نکیرین) अ पु –वे दो फ़िरिश्ते जो मरनेवाले से कब्र मे सवाल-जवाब करते है, मुन्कर नकीर।
नक़ीह (نقیه) अ वि –निर्मल, बेमेल, शुद्ध, ख़ालिस।
नक़ूअ (نقوع) अ पु –वह पानी जिसमे दवाएँ या मेवा-जात भिगोये जायँ।
नक्काद (نقاد) अ पु –खोटा-खरा परखनेवाला, पारखी, साहित्यिक गुण-दोष बतानेवाला, समालोचक।
नक्क़ादान (نقادانه) अ फा अव्य –नक्काद की तरह से, गुण-दोप परखने के दृष्टिकोण से।
नक़्क़ादी (نقادی) अ स्त्री –नक्काद का काम, समालोचना।
नक़्क़ार (نقاره) अ पु –धौसा, दुदुभी, भेरी, नगाडा।
नक्कारःजन (نقاره زن) अ फा पु –नक्कार वजानेवाला।
नक्क़ारःनवाज (نقاره نواز) अ फा पु –दे 'नक्कार जन'।
नक़्क़ारख़ानः (نقارخانه) अ फा पु –वह स्थान जहाँ नक़्कारे वजते है।

नक़्क़ारची (نقارچی) अ फा पु—नौबत और नक्कारा बजानेवाला, एक कौम जो शहनाई और नौबत बजाती है।

नक़्क़ाल (نقال) अ पु—नक़्ले करनेवाला, भाँड, रूप भरनेवाला, बहुरूपिया, अनुकर्ता।

नक़्क़ाली (نقالی) अ स्त्री—नक़्ल का काम—भाँडो का काम, बहुरूपिये का काम, तक़्लीद, अनुकरण।

नक़्क़ाश (نقاش) अ पु—चित्र खीचनेवाला, चित्र में रग भरनेवाला, चित्रकार, चितेरा, मुसव्विर।

नक़्क़ाशी (نقاشی) अ स्त्री—चित्र खीचना, तस्वीर बनाना।

नक़्क़ाशे अव्वल (نقاش اول) अ पु—जगत्स्रष्टा, सृष्टि की रचना करनेवाला, ससार बनानेवाला।

नक़्ज़ (نقض) अ पु—तोडना, भग करना।

नक़्ज़े अम्न (نقض امن) अ पु—शातिभग करना, अम्न में खलल डालना, झगडा और बल्वा करना, शान्तिभग।

नक़्द (نقد) अ पु—सोने-चाँदी का सिक्का, रुपया-पैसा, उधार का उलटा, कैश, पूँजी, सरमाया।

नक़्दी (نقدی) अ. स्त्री—नक़्द रुपया, धन-दौलत।

नक़्दीन. (نقدینہ) अ फा पु—नक़्द रुपया, नक़्दी।

नक़्दे जाँ (نقد جاں) अ फा पु—प्राणरूपी धन, प्राणधन।

नक़्दे दिल (نقد دل) अ फा पु—हृदयरूपी धन।

नक़्दोजिंस (نقدوجنس) अ पु—नक़्द रुपया और सामान-अस्बाब आदि।

नक़्दोनिस्य (نقدونسیہ) अ पु—नक़्द और उधार, नक़्द का अर्थ है ससार के सुख जो इस समय उपलब्ध है, और निस्य अर्थात् उधार का मतलब है वे सुख जो परलोक म मिलेंगे।

नक़्ब (نقب) अ स्त्री—सेंध, सिंदिल।

नक़्बज़न (نقب‌زن) अ फा पु—सेंध लगानेवाला, कुभिल, खानिल, सधितस्कर।

नक़्बज़नी (نقب‌زنی) अ फा स्त्री—सेंध करना, सेंध लगाकर चोरी करना, सधिभेद, अभिहार।

नक्बत (نکبت) अ स्त्री—दरिद्रता, निर्धनता, इफ्लास, कगाली।

नक़्ल (نقل) अ पु—स्थानातरण, एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, (स्त्री) प्रतिलिपि, कापी, अनुकरण, तक़्लीद, आदर्श, नमूना, चुटकुला, लतीफा, भाँडो का स्वाँग, कथा, कहानी।

नक़्ल नवीस (نقل‌نویس) अ फा पु—वह कर्मचारी जो सरकारी कागज़ो की नक़्ले देता है।

नक़्ली (نقلی) अ वि—कृत्रिम, बनावटी, मस्नूई, काल्पनिक, फर्ज़ी, मिथ्या, झूठ, कूट, जाली।

नक़्ले मकान (نقل مکان) अ पु—एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, जगह बदलना, स्थानातरण।

नक़्ले वतन (نقل وطن) अ पु—अपना देश छोडकर दूसरे देश में जाकर रहना, स्वदेश-त्याग, प्रवास।

नक़्शः (نقشہ) अ पु—आकृति, शक्ल, चेहरे की साख़्त, मुखाकृति, ढग, शैली, तर्ज़, सज-धज, वज़्अ कता, चेष्टा, हुलया; किसी देश आदि का चित्र, मानचित्र, दशा, हालत, साँचा, कालिब, "हाथ दिल पर, आह लब पर आँख से आँसू रवाँ, अब तो यह नक्शा है तेरे आशिके नाशाद का।"—दाग़। रेखाचित्र, खाका, नमूना, आदर्श, छवि, छटा।

नक़्शःजात (نقشہ‌جات) अ फा पु—नक़्शा का बहु, नक़्शे।

नक़्श नवीस (نقشہ‌نویس) अ फा पु—नक़्शा बनानेवाला, एक राजकर्मचारी जो गाँव या इमारतो के चित्र बनाता है।

नक़्श (نقش) अ पु—चित्र, तस्वीर, अकित, खुदा हुआ, कवच, ता'वीज़, बेल-बूटे, उभरा हुआ चिह्न।

नक़्शए हद्दोबस्त (نقشۂ حدوبست) अ फा पु—किसी गाँव की चौहद्दी और खेतो की नाप-तोल का नक़्शा।

नक़्श कल हजर (نقش کالحجر) अ पु—पत्थर का चिह्न, पत्थर की लकीर, न मिटनेवाली चीज़।

नक़्शगर (نقش‌گر) अ फा पु—चित्रकार, नक्काश।

नक़्शतराज़ (نقش‌طراز) अ फा पु—दे 'नक़्शगर'।

नक़्शपरदाज़ (نقش‌پرداز) अ फा पु—दे 'नक़्शगर'।

नक़्शबंद (نقش‌بند) अ फा पु—चित्रकार, मुसव्विर, अकित, लिखित, एक बुज़ुर्ग की उपाधि।

नक़्शबंदी (نقش‌بندی) अ फा स्त्री—चित्रकारी, मुसव्विरी, ख्वाज नक़्शबद का अनुयायी।

नक़्श बदीवार (نقش بدیوار) अ फा पु—दीवार पर बनाया हुआ चित्र, दीवार के चित्र का प्रकार—निस्तब्ध, मौन और निश्चल।

नक़्श बर आब (نقش برآب) अ फा पु—पानी पर बनाया हुआ चित्र, अर्थात् नश्वर और भगुर, अथवा असभव, अशक्य।

नक़्श बरदीवार (نقش‌بردیوار) अ फा पु—दे 'नक़्श बदीवार' भित्तिलिखित चित्र।

नक़्शी (نقشی) अ फा वि—जिस पर नक़्श हो।

नक़्शे अव्वल (نقش اول) अ पु—चित्रकार का बनाया हुआ सर्वप्रथम चित्र, जिसमें कुछ त्रुटियाँ अवश्य रहती हैं।

नक़्शे क़दम (نقش قدم) अ पु—पाँव का निशान, पद-चिह्न।

नक़्शे ख़याली (نقش خیالی) अ पु—काल्पनिक चित्र, फ़र्ज़ी तस्वीर, हवाई क़िले, फ़र्ज़ी मसूबे।

नक़्शे जमाली (نقش جمالی) अ पु —वह यत्र जिसके भरने में कोई भय नही होता।

नक़्शे जलाली (نقش جلالی) अ पु —वह यत्र जिसे बनाने में प्राणो का भय होता है।

नक़्शे तस्ख़ीर (نقش تسخیر) अ पु —वशीकरण यत्र, वह तावीज़ जो किसी को मुग्ध करने के लिए, अपने वश में करने के लिए लिखा जाय।

नक़्शे पा (نقش پا) अ फा पु —दे 'नक्शे कदम'।

नक़्शे बातिल (نقش باطل) अ पु —वह गलत या अशुद्ध चित्र अथवा लेख जिसे मिटा दिया जाता है।

नक़्शे मुराद (نقش مراد) अ फा पु —वह यत्र जो मनोरथ की पूर्ति के लिए होता है।

नक़्शे सानी (نقش ثانی) अ पु —वह चित्र जो चित्रकार का दूसरा प्रयास होता है और जो पहले चित्र की अपेक्षा बहुत सुदर और कलापूर्ण होता है।

नक़्शे सुवैदा (نقش سویدا) अ पु —एक काला तिल जो हृदय पर होता है।

नक़्शे हुब (نقش حب) अ पु —दे 'नक्शे तस्खीर'।

नक़्शोनिगार (نقش ونگار) अ फा पु —बेल-बूटे, फूल-पत्ती।

नक़्स (نقص) अ पु —त्रुटि, भूल, न्यूनता, कमी, दोष, ऐब, अशुद्धि, गलती, नुक्स भी प्रचलित।

नक्हत (نکہت) अ स्त्री —सुगध, खुशबू, महक, निक्हत भी प्रचलित है—"है तेरे पैरहने पाक की हसरत उसको, वर्ना क्यो नक्हते गुल जामे से बाहर होती।"—अमीर।

नख़ (نخ) फा स्त्री —रेशम की डोर, कच्चा रेशम, पतग लडाने की डोर।

नख़ाअ (نخاع) अ पु —हराम मग्ज़, रीढ की हड्डी, मेरुदड।

नख़ील (نخیل) अ पु —खजूर का एक पेड, खजूर के बहुत से पेड।

नख़ुद (نخود) फा पु —चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।

नख़्ख़ास (نخاس) अ पु —वह बाजार जिसमे दासो की खरीद-फरोख्त होती थी, घोडो और मवेशियो का बाज़ार।

नख़्चीर (نخچیر) फा पु —आखेट, शिकार, मारा हुआ शिकार, शिकार किया हुआ जानवर।

नख़्ल (نخل) अ पु —खजूर का पेड, कोई पेड, वृक्ष, द्रुम, विटप।

नख़्लबंद (نخل بند) अ. फा पु —माली, बागवान।

नख़्लबंदी (نخل بندی) अ फा स्त्री —पेड लगाना, बाग को सजाना।

नख़्लिस्तान (نخلستان) अ फा पु —रेगिस्तानी इलाके मे वह हरा-भरा टुकडा जहाँ खजूरो के दरख्त हो।

नख़्ले ताबूत (نخل تابوت) अ पु —ईरान मे शव को ले जाते समय उसे सजाते थे, यह सजावट नख्ले ताबूत कहलाती थी।

नख़्ले तूर (نخل طور) अ पु —वह पेड जिस पर हज़रत मूसा को ईश्वर का प्रकाश दिखायी पडा था।

नख़्ले मर्यम (نخل مریم) अ पु —खजूर का वह सूखा पेड जिसके नीचे हज़रत मर्यम प्रसव-कष्ट से दुखित होकर बैठ गयी थी और वह पेड हरा-भरा हो गया था।

नख़्ले मातम (نخل ماتم) अ फा पु —दे 'नख्ले ताबूत'।

नख़्वत (نخوت) अ स्त्री —दे शुद्ध शब्द 'निख्वत'।

नख़्शब (نخشب) फा पु —तुर्किस्तान का एक नगर जहाँ से हकीम इब्नेअता (मुकन्ना) ने एक चाँद निकाला था जो १२ मील रोशनी फेंकता था।

नख़्स (نخس) अ पु —चुभाना, कोचना।

नग (نگ) फा पु —'नगीन' का लघु, दे 'नगीन'।

नग़म (نغم) अ पु —'नग्म' का बहु, नग्मे, गाने।

नगीं (نگیں) फा पु —दे 'नगीन', अगूठी का वह नग जिस पर नाम आदि खुदा रहता है।

नगीन. (نگینہ) फा पु —नग, रत्न, अँगूठी पर जडा जानेवाला पत्थर।

नगीनःगर (نگینہ گر) फा प —दे 'नगीन साज'।

नगीनःसाज़ (نگینہ ساز) फा पु —अँगूठी पर नगीना जडनेवाला।

नग़्ज़ (نغز) फा वि —उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा, अद्भुत, विचित्र, अजीब, प्रहेलिका, पहेली।

नग़्ज़क (نغزک) फा वि —श्रेष्ठ, उत्तम, अच्छा, सुदर' खुशनुमा, (पु) आम, आम्र, एक प्रसिद्ध फल।

नग़्ज़गो (نغزگو) फा वि —अच्छी कविता करनेवाला।

नग़्म. (نغمہ) अ पु —सुरीली आवाज, गीत, गान।

नग़्म ज़न (نغمہ زن) अ फा वि —अच्छी आवाज से गानेवाला।

नग़्म.तराज़ (نغمہ طراز) अ फा वि —दे 'नग्म जन'।

नग़्म.रेज़ (نغمہ ریز) अ फा वि —दे 'नग्म जन'।

नग़्म.सज (نغمہ سنج) अ फा वि —दे 'नग्म जन'।

नग़्म.सरा (نغمہ سرا) अ फा वि —दे 'नग्म जन'।

नग़्मात (نغمات) अ पु —'नग्म' का बहु, नग्मे गाने।

नजंद (نژند) फा वि —अधोमुख, औंधा, अधम, नीच, कुपित, गुस्से मे भरा हुआ।

नजफ़ (نجف) अ पु —अरब का एक प्रसिद्ध नगर जहाँ हज़रत अली का मज़ार है।

नज़र (نظر) अ स्त्री —दृष्टि, निगाह, विचार, गौर, ध्यान, खयाल, जाच, परख, कुदृष्टि, बुरी नजर जिससे विशेषकर बच्चो को हानि पहुँचती है।

नजरअंदाज (نظرانداز) अ फा वि –जिस पर ध्यान न दिया गया हो, उपेक्षित।
नजरतंग (نظرتنگ) अ फा वि –सकुचितदृष्टि, अनुदार, तगखयाल।
नजरनवाज (نظرنواز) अ फा वि –आँखो को आनद देनेवाली चीज, नेत्रप्रिय।
नजरफरेब (نظرفریب) अ फा वि –आँखो को लुभानेवाला, शुभदर्शन।
नजरबद (نظربند) अ फा वि –वह व्यक्ति जो राजादेश से किसी एक स्थान पर खुले तौर पर रहे, परतु न तो कही आ-जा सके और न किसी से मिल सके।
नजरबदी (نظربندی) अ फा स्त्री –ऐसी कैद जिसमे जाहिरा आजादी हो, परन्तु आदमी कही जा न सके और न किसी से मिल सके, जादू का खेल, दृष्टिवध।
नजरबाज (نظرباز) अ फा वि –ताडनेवाला, पारखी, आँखे लडानेवाला, ताक-झाँक करनेवाला।
नजरबाजी (نظربازی) अ फा स्त्री –परख, जाँच, अच्छे-बुरे की तमीज, आँख लडाना, घूरना, ताक-झाँक करना।
नजरी (نظری) अ वि –सरसरी, जो तवज्जुह के काबिल न हो।
नजरीय (نظریہ) अ पु –दृष्टिकोण, नुक्तए नजर।
नजरीयात (نظریات) अ पु –'नजरीय' का बहु, नजरीए, कई दृष्टिकोण।
नजरे ग़लत अदाज (نظرغلط انداز) अ फा स्त्री –ऐसी दृष्टि जो हर व्यक्ति अपनी तरफ समझे, भ्रम मे डालनेवाली दृष्टि।
नजरे सानी (نظرثانی) अ स्त्री –किसी तै शुदा विषय पर पुन विचार।
नजाइर (نظائر) अ पु –'नजीर' का बहु, नजीरें।
नजाकत(نزاکت)फा स्त्री –मृदुलता, सुकुमारता, कोमलता, सूक्ष्मता, बारीकी, क्षीणता, लागरी, नाजुकमिजाजी।
नजात (نجات) अ स्त्री –छुटकारा, बधन-मुक्ति, गुलूखलासी, भारमुक्ति, किसी बोझ से छुटकारा, मोक्ष, बख्शिश्।
नजातदिहदः (نجات دہندہ) अ फा वि –छुटकारा दिलानेवाला, मोक्ष देनेवाला।
नजाद (نژاد) फा स्त्री – कुल, वश, खानदान।
नजाफत(نظافت)अ स्त्री –पवित्रता, निर्मलता, पाकीजगी।
नजाबत (نجابت) अ स्त्री –कुलीनता, शराफत।
नजारः (نظارہ) अ पु –दे 'नज्जार'।
नजार (نزار) फा वि –क्षीण, दुर्बल, लागर, कमजोर।
नजारत (نضارت) अ स्त्री –हराभरापन, ताजगी।
नजारत (نظارت) अ स्त्री –निरीक्षण, निगरानी, नाजिर का पद, नाजिर का दफ्तर।
नजाशी (نجاشی) अ पु –हब्श (एबीसीनिया) का नरेश, जिसने मुहम्मद साहब के जमाने में मुसलमानो को अपने देश में पनाह दी थी।
नजासत (نجاست)अ स्त्री –अपवित्रता, नापाकी, विष्ठा, गिलाजत।
नजाह (نجاح) अ स्त्री –बधन-मुक्ति, छुटकारा, समृद्धि, खुशहाली, इच्छापूर्ति, हाजत रवाई।
नजिस (نجس) अ वि –अपवित्र, अशुद्ध, गदा, मल-दूषित, गलीज।
नजिसुलऐन (نجس العین) अ वि –वह चीज जो सिर से पाँव तक नापाक हो, जिसका छूना भी वर्जित हो।
नजीफ (نظیف) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पाक।
नजीब (نجیب)अ वि –कुलीन, शुद्ध रक्तवाला, जिसके खानदान मे मेल न हो।
नजीबुत्तरफैन (نجیب الطرفین) अ वि –माता और पिता दोनो ओर से कुलीन।
नजील (نزیل) अ पु –वह व्यक्ति जो किसी सराय या धर्मशाला मे मुसाफिर के रूप मे उतरे, अतिथि, मेहमान।
नजीर (نذیر) अ वि –डरानेवाला, पैगबर साहब की उपाधि।
नजीर (نظیر) अ स्त्री –सदृश, समान, मिस्ल, उदाहरण, दृष्टात, मिसाल, हाईकोर्ट या प्रीवी कौंसिल का फ़ैसला, जो किसी मुकदमे मे दावे की पुष्टि के लिए पेश किया जाय।
नजुअ (نزع) अ स्त्री –प्राणी का अत, दम टूटना, चद्रा, जाकनी।
नजुए रवाँ (نزع رواں) अ फा स्त्री –चद्रा, जाकनी।
नज्जारः (نظارہ) अ पु –दर्शन, दीदार, सैर, दृश्य, तमाशा।
नज्जारःगाह (نظارہگاہ) अ फा स्त्री –सैरगाह, विनोदस्थल।
नज्जारःपसद (نظارہپسند) अ फा वि –जिसे नज्जारःबाजी पसद हो, जो अच्छे-अच्छे दृश्य देखने का शौकीन हो।
नज्जारःफरेब (نظارہفریب) अ फा वि –निगाहो को लुभानेवाला।
नज्जारःबाज (نظارہباز) अ फा वि –नज्जार देखने का शौकीन, ताकाझाँकी और घूराघारी करनेवाला।
नज्जारःबाजी (نظارہبازی) अ फा स्त्री – घूराघारी, ताकाझाँकी, आँखे लडाना, आँखे सेकना।
नज्जारःसज (نظارہسنج) अ फा वि –दे 'नज्जारःपसद'।
नज्जार (نجار) अ पु –बढई, काष्ठ-शिल्पी, तक्षक।

नज़्ज़ारए जमाल (نظارۂ جمال) अ पु अच्छी सूरतो के दर्शन।
नज़्ज़ारगी (نظارگی) अ. फा स्त्री —नज़्ज़ारबाजी, दृष्टि, नज़र।
नज्जारी (نجاری) अ स्त्री —बढई का काम, बढई का पेशा।
नज्द (نجد) अ पु —ऊँची भूमि, टीला, अरब का एक प्रदेश जहाँ से 'वहाबिय' सप्रदाय का जन्म हुआ।
नज़्द (نزد) फा वि —'नज़्दीक' का लघु, दे 'नज़्दीक' और दे 'निज़्द', दोनो रूप शुद्ध हैं।
नज़्दीक (نزدیک) फा वि —समीप, निकट, करीब, (अव्य) राय में, खयाल में।
नज़्दीकबीं (نزدیک بیں) फा वि —'दूरबीं' का उलटा, जो केवल अपने आसपास देखे, दूर तक दृष्टि न डाले।
नज़्दीकी (نزدیکی) फा स्त्री —समीपता, निकटता, कुर्बत।
नज्म (نجم) अ पु —तारा, उडु, सितारा।
नज़्म (نظم) अ स्त्री —पद्य, काव्य, शाइरी, (पु) प्रबध, व्यवस्था, इतिज़ाम, क्रम, तर्तीब, सघटन, तज़ीम।
नज़्मगुस्तर (نظم گستر) अ फा वि —काव्यकार, शाइर।
नज़्मगो (نظم گو) अ फा वि —ऐसा शाइर जो शाइरी की तमाम किस्मो मे से केवल नज़्म (ग़ज़ल-शैली के प्रतिकूल एक ही विषय पर की जानेवाली शाइरी) कहता हो।
नज़्मसंज (نظم سنج) अ फा वि —दे 'नज़्मगुस्तर'।
नज्मुस्साक़िब (نجم الثاقب) अ पु.—टूटनेवाला तारा, उल्का।
नज्मे साक़िब (نجم ثاقب) अ पु —उल्का, टूटनेवाला तारा।
नज़्मोनस्क़ (نظم و نسق) अ पु —प्रबध, बदोबस्त।
नज़्मोनस्र (نظم و نثر) अ स्त्री —गद्य और पद्य।
नज़्र (نذر) अ स्त्री —उपहार, भेट, तोहफा, चढावा, मन्नत, नियाज़, फातहा, प्रदान, देना।
नज़्रान (نذرانہ) अ फा पु —उपहार, उपायन, तोहफा, दक्षिणा, पुरोहित या गुरु आदि को भेट।
नज़्रे अक़ीदत (نذرِ عقیدت) अ स्त्री —ऐसी भेट जो भक्ति या श्रद्धा ज़ाहिर करने के लिए दी जाय।
नज़्लः (نزلہ) अ पु —ज़ुकाम की एक दशा जिसमे बलगम निकलता है।
नज्वा (نجویٰ) अ स्त्री —काना-फूँसी, कान से मुँह लगाकर चुपके-चुपके बाते करना।
नताइज (نتائج) अ पु —'नतीज' का बहु, नतीजे।
नतीजः (نتیجہ) अ पु —परिणाम, फल, अजाम, परीक्षाफल, जाँच का फल, अत, आखीर, इच्छा, ग़रज़।
नतीजःखेज़ (نتیجہ خیز) अ फा वि —जिससे अच्छा नतीजा निकले, सारगर्भ।
नतीजए इम्तिहान (نتیجۂ امتحان) अ पु —पढाई की जाँच का नतीजा, परीक्षाफल।
नतीजतन (نتیجتاً) अ अव्य —नतीजे मे, फलस्वरूप, फलत।
नतीन (نتین) अ वि —दुर्गन्धयुक्त, बदबूदार।
नतूल (نطول) अ पु —वह पानी जिसमें दवाएँ औटायी गयी हो, और जिससे शरीर के किसी अग पर धार दी जाय।
नत्न (نتن) अ पु —दुर्गंध, बदबू।
नदम (ندم) अ पु —नदामत, लज्जा, व्रीडा।
नदामत (ندامت) अ स्त्री —लज्जा, लाज, हया, पश्चाताप, पछतावा।
नदामतज़द. (ندامت زدہ) अ फा वि —लज्जित, शर्मिंद; जिसे अपने किये पर पछतावा हो, पश्चात्तापी।
नदारद (ندارد) फा वि —विहीन, लुप्त, रिक्त, गाइब, खाली।
नदीदः (ندیدہ) फा वि —जिसे देखा न हो, मरभुक्खा, जो हर एक के खाने पर नज़र रखे, अत्यत लोभी।
नदीद (ندید) अ वि —समान, तुल्य।
नदीम (ندیم) अ पु —पार्श्ववर्ती, सखा, पास बैठनेवाला।
नद्दाफ (نداف) अ पु —रुई धुनकनेवाला, धुनिया, तूलकार।
नद्दाफी (ندافی) अ स्त्री —रुई धुनकने और कपडो में भरने का काम, तूलकर्म, धुनियापन।
नद्‌मान (ندمان) अ वि —लज्जित, सकुचित, खजिल।
नद्‌वः (ندوہ) अ पु —सभास्थान, लोगो के बैठकर विचार-विनिमय करने का स्थान, परामर्श-गृह।
नफ़क़ः (نفقہ) अ पु —बीबी-बच्चो का रोटी-कपडा।
नफर (نفر) अ पु —व्यक्ति, शख्स, नौकर, दास, मज़दूर, श्रमिक।
नफस (نفس) अ पु —श्वास, साँस, दम, क्षण, पल, लम्हा।
नफसशुमारी (نفس شماری) अ. फा स्त्री —आखिरी साँसें जब मौत की घडियाँ गिनी जाती है।
नफसे बाज़पसीं (نفس بازپسیں) अ फा पु —दे 'नफसे वापसीं'।
नफसे वापसीं (نفس واپسیں) अ फा पु —आखिरी साँस, जिस साँस के बाद जीवन समाप्त हो जाता है।
नफ़हः (نفحہ) अ पु —सुगध, खुशबू।
नफ़हात (نفحات) अ स्त्री —खुशबूएँ, सुगध।
नफाइस (نفائس) अ पु —'नफीस' का बहु, बढिया और बहुमूल्य वस्तुएँ।

नफाज़ (نفاذ) अ पु –नाफिज़ होना, जारी होना।
नफासत (نفاست) अ स्त्री –स्वच्छता, निर्मलता, सफाई, मृदुलता, कोमलता, लताफत, सूक्ष्मता, गूढता, नज़ाकत।
नफासतपसद (نفاست پسند) अ फा वि –स्वय साफ-सुथरा रहने और सब चीजो मे सफाई और आरास्तगी पसद करनेवाला।
नफासतपसंदी (نفاست پسندی) अ फा स्त्री –खुद साफ रहना और हर चीज को साफ देखने का शौक।
नफासते तब्अ (نفاست طبع) अ स्त्री –स्वभाव की स्वच्छता और मृदुलता।
नफी (نفی) अ स्त्री –अस्वीकृति, नामजूरी।
नफीर (نفیر) अ स्त्री –वह स्वर जो सोने की अवस्था मे निकलता है, स्वर, आवाज, नफीरी।
नफीरची (نفیرچی) अ फा पु –नफीरी और शहनाई बजानेवाला।
नफीरी (نفیری) अ फा स्त्री – शहनाई।
नफीस (نفیس) अ वि –उत्तम, बढिया, उम्दा, स्वच्छ, निर्मल, साफ, कोमल, मृदुल, लतीफ।
नफ़ूख़ (نفوخ) अ पु –वह सूखी हुई दवाओ का चूर्ण जो नाक मे फूँका जाता है, हुलास, सुँघनी।
नफ़ूर (نفور) अ वि –नफरत करनेवाला, घृणी।
नफ़अ (نفع) अ पु –लाभ, प्राप्ति, फाइदा, फल, परिणाम, नतीजा, ब्याज, सूद।
नफ़अअंदोज़ी (نفع اندوزی) अ फा स्त्री –लाभ कमाना, नफा उठाना।
नफ़अरसाँ (نفع رساں) अ फा वि –फाइदा पहुँचानेवाला, लाभदायक।
नफ़अरसानी (نفع رسانی) अ फा स्त्री –फाइदा पहुँचाना, लाभकारिता, उपादेयता।
नफ़्ए ज़ाती (نفع ذاتی) अ पु –निजी लाभ, केवल व्यक्तिगत फाइदा।
नफ़ख़ (نفخ) अ पु –फूँकना, फूलना, विशेषत पेट फूलना।
नफ़्ख़े शिकम (نفخ شکم) अ पु –पेट का फूलना, अफार।
नफ़्ख़े सूर (نفخ صور) अ पु –हज़रत इस्राफील का कियामत के दिन ससार को विध्वस करने के लिए सूर (तुरही) फूँकना।
नफ़्त (نفت) फा पु –मिट्टी का तेल, उडनेवाला माद्द, बारूद, दे 'निफ्त', दोनो शुद्ध है।
नफ़्फ़ाख़ (نفاخ) अ वि –अफार पैदा करनेवाला आहार, बादी चीजे।
नफ़्फ़ाख़ी (نفاخی) अ स्त्री –अफार पैदा करना।

नफ़रत (نفرت) अ स्त्री –घृणा, घिन, कराहत, परहेज़, बचाव।
नफ़रतअंगेज़ (نفرت انگیز) अ फा वि –घिन पैदा करनेवाला।
नफ़रतज़दा (نفرت زدہ) अ फा वि –वह व्यक्ति जिसमे घृणा की जाय, घृणित।
नफ़्रीं (نفریں) फा स्त्री –धिक्कार, फटकार, ला'नत-मलामत, दे 'निफ्रीं' शुद्ध रूप वही है परतु उर्दू में 'नफ़्रीं' है।
नफ़्ल (نفل) अ उभ –वह नमाज़ जिसके पढने का हुक्म न हो, मगर सवाब के लिए पढी जाय।
नफ़्स (نفس) अ पु –अस्तित्व, वुजूद, सत्यता, सच्चाई, काम-वासना, शह्वत, सार, खुलासा, लिंग, शिश्न, आलत, प्राणवायु, रूह।
नफ़्सकुश (نفس کش) अ फा वि –काम-वासनाओ को दमन करनेवाला, इद्रियजित, इद्रियनिग्रही, जाहिद, पारसा।
नफ़्सकुशी (نفس کشی) अ फा स्त्री –भोग-विलास की इच्छा का दमन, इद्रिय-दमन, जुह्द, पारसाई।
नफ़्सपरस्त (نفس پرست) अ फा वि –विषय-लोलुप, वासनाओ का रसिया, शह्वतपरस्त, ऐयाश।
नफ़्सपरस्ती (نفس پرستی) अ फा स्त्री –ऐयाशी, काम-लोलुपता, विषय-लपटता।
नफ़्सपर्वर (نفس پرور) अ फा वि –दे 'नफ़्सपरस्त'।
नफ़्सानियत (نفسانیت) अ स्त्री –अभिमान, अहवाद, गुरूर, स्वार्थपरायणता, खुदगरजी।
नफ़्सानी (نفسانی) अ वि –कामवासना से सम्बन्ध रखने-वाली चीजे।
नफ़्सी नफ़्सी (نفسی نفسی) अ अव्य –आपाधापी, अपनी-अपनी, जहाँ हर व्यक्ति को केवल अपनी फिक्र हो वहाँ बोलते है।
नफ़्सीयात (نفسیات) अ स्त्री –मनोविज्ञान।
नफ़्सुलअम्र (نفس الامر) अ पु –सच्ची बात, असली हकीकत, यथार्थता।
नफ़्से अम्मार (نفس امارہ) अ पु –वह मानसिक शक्ति जो बुरे कामो की ओर प्रवृत्त करती है।
नफ़्से नातिक़ा (نفس ناطقہ) अ पु –मुख्यार्थ, प्राणवायु, रूह, वह व्यक्ति जो किसी की नाक का बाल हो।
नफ़्से मतलब (نفس مطلب) अ पु –अस्ल मतलब, मुख्यार्थ, उद्देश, आशय, मक्सद।
नफ़्से मुत्मइन्न (نفس مطمئنہ) अ पु –वह मनोवृत्ति जो आत्मा में सतोष उत्पन्न करती है।
नफ़्से लव्वामः (نفس لوامہ) अ पु –वह मनोवृत्ति जो बुरे कामो पर घृणा प्रकट करती है, जिससे मनुष्य पछताता है।

नफ़्हः (نفحه) अ पु —सुगध, अच्छी महक, खुशबू।
नबर्दः (نبرده) फा पु —शूर-वीर, बहादुर।
नबर्द (نبرد) फा स्त्री —युद्ध, लडाई, जग।
नबर्दआज़्मा (نبرد آزما) फा. वि —युद्ध-कुशल, रणशूर, जग आजमूद।
नबर्दआज़्माई (نبرد آزمائی) फा स्त्री —युद्ध, लडाई।
नबर्दआज़्मूदः (نبرد آزموده) फा. वि —जिसे लडाई का काफी अनुभव हो, युद्धानुभवी।
नबर्दगाह (نبردگاه) फा स्त्री —मैदाने जंग, रणक्षेत्र, समरागण, रगभूमि, युद्धस्थल।
नबर्दपेशः (نبرد پیشه) फा वि —जिसका काम ही लडना और मरना-मारना हो, रणशूर।
नबवी (نبوی) अ वि —नबी से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।
नबात (نبات) फा स्त्री —मिश्री, खड-शर्करा।
नबात (نبات) अ स्त्री —ज़मीन से उगनेवाली सब्जी और पेड-पौदे।
नबातात (نباتات) अ स्त्री —जमीन से उगनेवाली चीजे, उद्भिज्ज।
नबाती (نباتی) अ वि —नबातात का, नबाताती।
नबातीयात (نباتیات) अ स्त्री —उद्भिज्ज-विज्ञान, नबातात का इल्म, वृक्षायुर्वेद।
नबिश्त. (نبشته) फा वि —लिखा हुआ, अकित, नविश्त।
नबी (نبی) अ पु —ईशदूत, अवतार, पैगम्बर।
नबीज़ (نبیذ) अ स्त्री —जौ या खजूर की मदिरा।
नबीद (نبید) फा स्त्री —दे 'नबीज़'।
नबीरः (نبیره) फा पु —बेटे का बेटा, पोता, पौत्र।
नबीसः (نبیسه) फा पु —बेटी का बेटा, दौहित्र, नवासा।
नबील (نبیل) अ वि —श्रेष्ठ, महान्, अज़ीम, बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद, उतम, उम्दा, स्थूल, मेदुर, मोटा-ताजा।
नब्ज़ (نبض) अ स्त्री —नाडी, शिरा, रोग निदान के लिए देखी जानेवाली नाडी।
नब्ज़शनास (نبض شناس) अ फा वि —नब्ज़ पहचानने-वाला, हकीम, वैद्य, डाक्टर।
नब्बाज़ (نباض) अ वि.—नाडी पहचानने मे बहुत बडा निपुण।
नब्बाज़ी (نباضی) अ स्त्री —नब्ज़ की अच्छी पहचान।
नब्बाश (نباش) अ पु —कब्र खोदकर कफन चुराने-वाला, कफनचोर।
नब्बाशी (نباشی) अ स्त्री —कब्र खोदकर कफन उतारना।
नब्श (نبش) अ पु —कब्र खोदना, कब्र खोदकर मुर्दे का कफन उतारना।
नब्शे क़ुबूर (نبش قبور) अ पु —कब्रे खोदकर, कफन चुराना।
नम (نم) —फा पु —आर्द्र, गीला, तर, आर्द्रता, तरी, नमी।
नमआलूद (نم آلود) फा वि —आर्द्र, तर, गीला।
नमक (نمک) फा पु —लवण, लोन, मिल्ह, लावण्य, मलाहत, काव्य-सौन्दर्य, हुस्ने कलाम।
नमकअफ़्शाँ (نمک افشاں) फा वि —नमक छिडकनेवाला (ज़ख्म पर)।
नमकअफ़्शानी (نمک افشانی) फा स्त्री —ज़ख्म पर नमक छिडकना।
नमकआलूदः (نمک آلوده) फा वि —वह चीज जिसमे नमक लगाया गया हो।
नमककोर (نمک کور) फा वि —नमकहराम, विश्वास-घाती, कृतघ्न, मुहसिनकुश।
नमकख़ुर्दः (نمک خورده) फा वि —दे 'नमकख़्वार'।
नमकख़्वार (نمک خوار) फा वि —जिसने नमक खाया हो—नमकहलाल, स्वामिभक्त, नौकर, मुलाजिम।
नमकचशी (نمک چشی) फा स्त्री —खाने का स्वाद मालूम करने के लिए खाने का नमक चखना, पहले पहल बच्चे को नमक चटाने की रस्म, अन्नप्राशन, स्वाद, मजा।
नमकज़ार (نمک زار) फा पु —'नमकसार'।
नमकदान (نمکدان) फा पु —नमक रखने का बर्तन।
नमकपर्वर (نمک پرور) फा वि —नमक लगाया हुआ।
नमकपर्वर्द (نمک پرورده) फा वि —नमकख़्वार, नमक के पाले हुए, स्वामिभक्त, वफादार, सेवक, नौकर।
नमकपाश (نمک پاش) फा वि —घाव पर नमक छिडकने-वाला, कष्ट देनेवाला, व्यग करनेवाला,—"तुम्हारा नाज़ नमकपाश बरकरार रहे, हमारे ज़ख्म को अब हाजते-रफू क्या है?"
नमकपाशी (نمک پاشی) फा स्त्री —व्यग और कटाक्ष करना, घाव पर नमक छिडकना, दुख देना।
नमकसार (نمکسار) फा पु —नमक की खान, लवणाकर।
नमकहराम (نمک حرام) फा अ वि —कृतघ्न, स्वामिघ्न, मुहसिनकुश, विश्वासघाती।
नमकहलाल (نمک حلال) फा अ वि —कृतज्ञ, स्वामिभक्त, हकशनास।
नमकीं (نمکیں) फा वि —नमक मिला हुआ, लावण्यमय, मलीह।
नमकीन. (نمکینه) फा पु —दही मे नमक-मिर्च मिलाकर बना हुआ खाद्य-विशेष, रायता।
नमकीनी (نمکینی) फा स्त्री —साँवलापन, सलोनापन, मलाहत, सौन्दर्य, हुस्न।

नमख़ुर्दः (نمخوردہ) फा वि —जिसमें सीलन पहुँच गयी हो, सीडा हुआ।

नमगीर. (نمگیرہ) फा पु —एक छोटा शामियाना जो ओस से बचने के लिए होता है, शामियाना, वितान।

नमत (نمط) अ पु —प्रकार, किस्म।

नमद (نمد) फा पु —ऊन या पश्म का मोटा बिस्तर, मुलाइम बालो का बिस्तर या गद्दा, नम्दा।

नमदज़ीं (نمدزین) फा पु —वह नम्दा जो ज़ीन के नीचे घोडे की पीठ पर डालते हैं।

नमदपोश (نمدپوش) फा वि —मोटे कम्मल का लिबास पहननेवाला, कम्मलपोश।

नमदीदः (نمدیدہ) फा वि —दे 'नमख़ुर्द'।

नमनाक (نمناک) फा वि —गीला, तर, आर्द्र।

नमरसीदः (نمرسیدہ) फा वि —जिसे सीलन पहुँच गयी हो, नमख़ुर्द।

नमा (نما) फा पु —विकास, उपज, बढोतरी, यह शब्द अकेला नही आता, 'नशवोनमा' बोला जाता है।

नमाज़ (نماز) अ स्त्री —मुसलमानो की ईश्वर-प्रार्थना, जो पाँच वक्त होती है और जिसमें ४२ रक्अत नमाज़ पढी जाती है, एक रकअत एक बार खडे होकर बैठने तक की होती है, जिसमें दो सज्दे और एक रुकूअ होता है।

नमाज़गुज़ार (نمازگزار) अ फा वि —पाबदी से नमाज़ पढनेवाला, दीनदार, धर्मनिष्ठ।

नमाज़ी (نمازی) अ वि —नमाज़ का पाबद, नमाज़ पढनेवाला।

नमाज़े ईद (نماز عید) अ स्त्री —ईद की नमाज़ जो दो रकअत होती है।

नमाज़े क़ज़ा (نماز قضا) अ स्त्री —वह नमाज़ जो उसके नियत समय पर न पढी जाकर बाद मे पढी जाय।

नमाज़े क़स्र (نماز قصر) अ स्त्री —वह नमाज़ जो यात्रा की दशा मे पढी जाय, उसमें फर्ज़ नमाज़ आधी पढ़ी जाती है और बाकी नमाज़ें नही पढ़ी जाती।

नमाज़े जनाज़ः (نماز جنازہ) अ स्त्री —वह नमाज़ जो मुसलमानो के जनाज़े पर मृतक की आत्मा की शान्ति के लिए पढी जाती है।

नमिर (نمر) अ पु —व्याघ्र, बाघ, तेंदुआ।

नमी (نمی) फा स्त्री —आर्द्रता, तरी, सीड़न, सील।

नमीक़ः (نمیقہ) अ पु —पत्र, चिट्ठी।

नमीम (نمیم) अ पु —पिशुन, चुगुलख़ोर।

नमू (نمو) अ पु —दे शुद्ध रूप 'नुमू'।

नमूनः (نمونہ) फा पु —बानगी; आदर्श, मिसाल, ढब, ढग, तर्ज़, प्रकार, क़िस्म।

नम्माम (نمام) अ पु —बहुत अधिक चुगली खानेवाला, पिशुन।

नम्मामी (نمامی) अ स्त्री —पिशुनता, चुगलख़ोरी।

नम्लः (نملہ) अ पु —च्यूँटी, एक च्यूँटी।

नम्ल (نمل) अ पु —पिपीलिका, च्यूँटी।

नम्ली (نملی) अ वि —नाडी-गति का एक प्रकार जिसमें उसकी चाल च्यूँटी-जैसी मद हो जाती है।

नय (نے) फा स्त्री —नरकट, नरसल, बाँसुरी, वशी।

नयचः (نیچہ) फा पु —हुक्के की निगाली।

नयनवाज़ (نے نواز) फा वि —वशी बजानेवाला, मुरलीधर।

नयसाज़ (نےساز) फा वि —बाँसुरी बनानेवाला, वशीकार।

नयस्ताँ (نیستاں) फा पु —नरकट का जगल, वन, जगल।

नयस्तानी (نیستانی) फा वि —जगली, वन्य।

नय्यिर (نیر) अ पु —सूर्य, सूरज।

नरः (نرہ) फा पु —शाखा, टहनी, लिंग, शिश्न, दूषित, निकृष्ट, नर, पुरुष प्राणी।

नरःदेव (نرہ دیو) फा पु —भयानक राक्षस, विकट मूर्ति।

नर (نر) फा पु —माता का उलटा, पुरुष प्राणी।

नरमेश (نرمیش) फा पु —मेंढा, नर भेड।

नरी (نری) फा स्त्री —नरपन।

नरीनः (نرینہ) फा पु —नर, जैसे—'फ़र्ज़ंदे नरीन' अर्थात् लडका।

नरीमान (نریمان) फा पु —रुस्तम के दादा का नाम।

नर्ग़ः (نرغہ) फा पु —घेरा, घिराव, मुहासरा, भीड, जमाव, विपत्ति, मुसीबत।

नर्ग़ए आ'दा (نرغۂ اعدا) फा अ पु —शत्रुओ का घेरा।

नर्गिस (نرگس) फा स्त्री —एक फूल, आँख।

नर्गिसी (نرگسی) फा वि —नर्गिस-जैसा, नर्गिस का, नर्गिसी कबाब, जो अडो पर कीमा चढाकर बनते हैं।

नर्गिसे जादू (نرگس جادو) फा स्त्री —वह सुन्दर आँख जिसमें 'मोहनी' हो।

नर्गिसे बीमार (نرگس بیمار) फा स्त्री —चश्मे बीमार।

नर्गिसे शहला (نرگس شہلا) फा स्त्री —वह नर्गिस का फूल जिसमें उसके भीतर पीलेपन के बदले कालापन हो।

नर्द (نرد) फा स्त्री —चौसर का खेल, चौसर की गोट।

नर्दबाज़ (نردباز) फा वि —चौसर का खिलाडी।

नर्दबान (نردبان) फा उभ —निश्रेणी, सोपान, सीढी।

नर्मः (نرمہ) फा पु —कान की लौ।

नर्म (نرم) फा वि —मृदुल, मुलाइम, कोमल, नाज़ुक, पिलपिला, शिथिल, ढीला, लोचदार, सुगम, सरल,

आसान, हलका, अगुरु; सहिष्णु, बुर्दबार, जिसका कोप धीमा पड गया हो।
नर्मआवाज (نرم آواز) फा वि—मधुर और कोमल स्वर-वाला।
नर्मआहनी (نرم آهنی) फा स्त्री—दीनता, हीनता, दरिद्रता, बदहाली।
नर्मए गोश (نرمۂ گوش) फा पु—कान की लौ, कर्णलता।
नर्मखू (نرم خو) फा वि—नम्र स्वभाववाला, विनीत, मतीन, संजीद , नेकदिल।
नर्मगर्दन (نرم گردن) फा वि—वशीभूत, आज्ञाकारी।
नर्मजबान (نرم زبان) फा वि—मधुरभाषी, शीरीजबान।
नर्मतबीअत (نرم طبیعت) फा अ वि—दे 'नर्मखू'।
नर्मदिल (نرم دل) फा वि—सदय, आर्द्र हृदय, रहमदिल।
नर्ममिजाज (نرم مزاج) फा अ वि—दे 'नर्मखू'।
नर्मरौ (نرم رو) फा वि—सुस्त चलनेवाला, मंदगति।
नर्मी (نرمی) फा वि—मृदुलता, मुलाइमत, कोमलता, नजाकत, सदयता, रहमदिली, मदता, आहिस्तगी, धीमा-पन, सुगमता, आसानी, अगुरुत्व, लघुत्व, हलकापन गभीरता, बुर्दबारी।
नवद (نود) फा वि—नब्बे, दस कम सौ।
नवर्द (نورد) फा प्रत्य—लपेटनेवाला अर्थात् सफर तै करनेवाला, जैसे—'राहनवर्द' रस्ता तै करनेवाला।
नवर्दीदः (نوردیده) फा वि—लपेटा हुआ।
नवा (نوا) फा स्त्री—स्वर, ध्वनि, आवाज, गान गाना, सामान, अस्बाब, उपकरण।
नवाइब (نوائب) अ पु—'नाइब' का बहु, आपत्तियाँ, मुसीबतें।
नवाखानः (نواخانه) फा पु—कारागार, कैदखाना, जेल।
नवाख्त (نواخت) फा वि—अनुकूल, मुआफिक, समान, तुल्य, बराबर।
नवागर (نواگر) फा वि—गायक, गवैया।
नवाज (نواز) फा प्रत्य—बजानेवाला, जैसे—'नयनवाज' बाँसुरी बजानेवाला, कृपा करनेवाला, जैसे—'गरीबनवाज'।
नवाजिंद: (نوازنده) फा पु—बजानेवाला, कृपा करनेवाला।
नवाजिंदगी (نوازندگی) फा स्त्री—बजाना।
नवाजिश (نوازش) फा स्त्री—कृपा, अनुकपा, दया, मेह्रबानी।
नवाजिशनामः (نوازش نامه) फा पु—कृपापत्र, करमनाम।
नवाजिशात (نوازشات) फा स्त्री—'नवाजिश' का बहु, कृपाएँ, दयाएँ।
नवादिर (نوادر) अ पु—'नादिर' का बहु, अद्भुत वस्तुएँ, अजीबो गरीब चीजे।
नवापरवाज (نواپرداز) फा वि—दे 'नवागर'।
नवाफिज (نوافذ) अ पु—'नाफिज' का बहु, कान, नाक, मुँह आदि के सूराख।
नवाफिल (نوافل) अ पु—'नफिल' का बहु., वे नमाजें जो केवल सवाब के लिए पढी जायँ, फर्ज या वाजिब न हो।
नवामीस (نوامیس) अ पु—'नामूस' का बहु, मर्यादाएँ।
नवालः (نواله) फा पु.—दे 'निवालः', दोनो उच्चारण शुद्ध है।
नवाल (نوال) अ स्त्री—उपकार, एहसान, दानशीलता, बख्शिश, अनुकंपा, दया।
नवासंज (نواسنج) फा वि—दे 'नवागर'।
नवासः (نواسه) फा पु.—बेटी का बेटा, नाती, दौहित्र।
नवासाज (نواساز) फा वि—दे 'नवागर'।
नवासिब (نواصب) अ. पु—'नासिबी' का बहु., नासिबी सप्रदाय के लोग, हज़रत अली को न माननेवाले।
नवासीर (نواصیر-نواسیر) अ स्त्री—'नासूर' का बहु., भगदर, मलद्वार का फोडा।
नवाह (نواح) अ पु—चारो ओर का क्षेत्र, मुजाफात।
नवाही (نواحی) अ पु—'नाहिय' का बहु, नगर का चारो ओर।
नवाही (نواهی) अ पु—'नहइ' का बहु., वे विषय जो धर्मानुसार निषिद्ध है।
नवाहे मुल्क (نواحِ ملک) अ पु—किसी देश के चारो ओर का बाहरी इलाका।
नवाहे शह्र (نواحِ شهر) अ फा पु—नगर के आसपास का क्षेत्र, मुजाफात।
नविश्तः (نوشته) फा वि—लिखा हुआ, लिखित, (पुं) तमस्सुक, स्टाम्प, लेखपत्र, दे 'निविश्त'।
नविश्त (نوشت) फा स्त्री—लिखावट, तह्रीर, दे. 'निविश्त'।
नविश्तए किस्मत (نوشتۂ قسمت) फा अ पु—भाग्यलेख, तक्दीर का लिखा, प्रारब्ध, मुकद्दर।
नविश्तए तक़्दीर (نوشتۂ تقدیر) फा अ पु—दे 'नविश्तए किस्मत'।
नविश्तोख्वांद (نوشت و خواند) फा स्त्री—लिखा-पढी, लिखना-पढना।
नवी (نوی) फा वि—नया, नवीन, आधुनिक, जदीद, पाश्चात्य, मग्रिबी।
नवीस (نویس) फा प्रत्य—लिखनेवाला, जैसे—अराइज़-नवीस, अर्जियाँ लिखनेवाला।
नवीसिंद (نویسنده) फा वि—लिखनेवाला, लिपिक।

नवेद (نوید) फा स्त्री –शुभ सूचना, खुशखबरी, निमन्त्रण-पत्र, दावतनामा, दे 'नुवेद', दोनो रूप शुद्ध हैं।

नवेदे जाँफिज़ा (نوید جانفزا) फा स्त्री –प्राणो को आनद देनेवाली शुभ सूचना।

नवेदे मक़दम (نوید مقدم) फा अ स्त्री –किसी महान् व्यक्ति के आने की शुभ सूचना।

नव्वाब (نواب) अ वि –बादशाह का नाइब, किसी रियासत का मुसलमान शासक।

नव्वाबज़ाद (نوابزاده) अ फा पु –नव्वाब का लडका।

नव्वाबी (نوابی) अ स्त्री –नव्वाब का पद, राज, हुकूमत, समृद्धि, दौलतमदी, अपव्यय, फुज़ूलखर्ची।

नव्वाबे बेमुल्क (نواب بےملک) अ फा पु –ऐसा नव्वाब जिसके पास रियासत न हो, ऐसे शख्स के लिए कहते हैं जिसके पास कुछ न हो, मगर उसकी बाते लबी-चौडी हो।

नशाँ (نشاں) फा पु –'नशान' का लघु, दे 'नशान'।

नशा (نشا) अ पु –शुद्ध रूप 'नश्श' है, परतु उर्दू मे 'नशा' भी बोलते हैं।

नशात (نشاط) अ स्त्री –आनद, हर्ष, खुशी, निशात भी प्रचलित।

नशातअगेज़ (نشاطانگیز) अ फा वि –खुशी पैदा करने-वाला, हर्षोत्पादक।

नशातअफ्ज़ा (نشاطافزا) अ फा वि –आनदवर्धक, खुशी बढानेवाला।

नशातेकार (نشاطکار) अ फा स्त्री –काम करने की उमग।

नशातेरूह (نشاط روح) अ स्त्री –रूह का आनद।

नशान (نشان) फा पु –दे 'निशान', दोनो रूप शुद्ध हैं, परतु उर्दू मे निशान बोलते हैं।

नशास्त (نشاسته) फा पु –गेहूँ का सत, गोधूमसार।

नशीं (نشیں) फा प्रत्य –बैठनेवाला, जैसे—'तख्तनशीं' तख्त पर बैठनेवाला।

नशीद (نشید) फा पु –गान, नग्म, दे 'निशेद', दोनो शुद्ध हैं।

नश्अत (نشأت) अ स्त्री –आविर्भाव, उत्पत्ति, पैदाइश।

नश्अते सानिय (نشأۃ ثانیہ) अ स्त्री –दुबारा जन्म, पुनर्जन्म, पुनर्जीवन, दुबारा तरक्की, पुनरुद्धार।

नश्अतैन (نشأتیں) अ स्त्री –दो पैदाइशे, एक ससार की दूसरी कियामत के दिन की।

नश्र. (نشرہ) अ पु –बच्चे के कुरान कठ कर लेने का संस्कार।

नश्र (نشر) अ पु –घास का फिर से हरा होना, मृतक का फिर से जीवित होना, खबर का सब मे फैलाना।

नश्रुस्सौत (نشرالصوت) अ पु –आवाज़ का हर तरफ फैलाना, ब्राडकास्ट, ध्वनि-सचार।

नश्व (نشو) अ पु –विकास, उपज, बालीदगी।

नश्वोनमा (نشوونما) अ पु –उगना और विकसित होना, परवरिश पाना।

नश्श (نشه) अ पु –मादकता, नशा, उन्माद, मस्ती, अभिमान, घमड।

नश्श आमेज़ (نشهآمیز) अ फा वि –जिस चीज़ में मादक पदार्थ मिला दिया गया हो।

नश्श आवर (نشهآور) अ फा वि –नशा पैदा करने-वाली चीज, मादक।

नश्श बाज़ (نشهباز) अ फा वि –जिसे किसी नशेवाली चीज खाने या पीने की लत हो।

नश्शए मै (نشۂ مے) अ फा पु –शराब का नशा।

नश्शए सहबा (نشۂ صہبا) अ फा पु –शराब का नशा।

नस[स्स] (نص) अ स्त्री –कुरान की वे सूक्तियाँ जिनका अर्थ स्पष्ट है, ऐसी बात जिसमे कोई सन्देह न हो, ऐसी बात जिसका पालन आवश्यक हो।

नसक़ (نسق) अ पु –प्रबध, व्यवस्था, इतिज़ाम, क्रम, सिलसिला, तर्तीब, यह शब्द प्राय अकेला नही बोलते, नज्म के साथ मिलाकर 'नज्मो नसक' बोलते हैं।

नसक़बंद (نسقبند) अ फा वि –व्यवस्थापक, प्रबन्धक, मुतज़िम।

नसफ़त (نصفت) अ स्त्री –आधो आध करना, बराबर दो भागो मे बाँटना, न्याय, इसाफ (निस्फत)।

नसब (نسب) अ पु –कुल, वश, गोत्र, खानदान।

नसबनाम. (نسبنامه) अ फा पु –वशावली, वशक्रम, वशवृक्ष, कुर्सीनामा, शज्र।

नसबी (نسبی) अ वि –नसब से सम्बन्ध रखनेवाला।

नसा (نسا) अ स्त्री –एक रग जो चूतड से टखने तक आती है, इर्कुन्नसा, गृध्रसी स्नायु, साइटिक नर्व।

नसाइह (نصائح) अ उभ –'नसीहत' का बहु, नसीहते, सदुपदेश।

नसारा (نصاریٰ) अ पु –'नस्रानी' का बहु, ईसाई लोग।

नसीज (نسیج) अ वि –बुना हुआ, वस्त्र, लिबास, एक रेशमी कपडा।

नसीब (نصیبه) अ पु –भाग्य, प्रारब्ध, क़िस्मत, मुकद्दर।

नसीब वर (نصیبهور) अ फा वि –भाग्यशाली, भाग्यवान्, खुशकिस्मत।

नसीब (نصیب) अ पु –भाग्य, किस्मत, लब्ध, प्राप्त, मुयस्सर, अश, भाग, हिस्सा।

नसीबे आ'दा (نصیب اعدا) अ पु –वह चीज जो अपने लिए न हो अपने दुश्मनो को हो, एक आशीर्वाद, जब कोई व्यक्ति किसी रोग या कष्ट मे फँसा हो तो उसके मित्र उसका ज़िक्र करते हुए बोलते है, जैसे—नसीबे आ'दा, उनका मिजाज कुछ नासाज़ है।

नसीबे खुफ्तः (نصیب خفتہ) अ फा पु –सोया हुआ नसीब, दुर्भाग्यता, बदकिस्मती।

नसीबे दुश्मनाँ (نصیب دشمناں) अ फा पु –दे 'नसीबे आ'दा'।

नसीम (نسیم) अ स्त्री –मृदुल मद समीर, ठडी और धीमी हवा।

नसीमासा (نسیم آسا) अ फा अव्य –'नसीम' की तरह, बहुत ही आहिस्ता और मृदुल चाल से।

नसीमे सहर (نسیم سحر) अ स्त्री –सबेरे की मद, शीतल और सुगधित हवा।

नसीमे सुब्ह (نسیم صبح) अ स्त्री –दे 'नसीमे सहर'।

नसीर (نصیر) अ पु –सहायक, सहाय, मददगार।

नसीहत (نصیحت) अ. स्त्री –सदुपदेश, सीख, सत्परामर्श, अच्छी सलाह, इब्रत।

नसीहत आमेज़ (نصیحت آمیز) अ फा वि –वह बात जिसमे उपदेश शामिल हो।

नसीहतगर (نصیحت گر) अ फा वि –नसीहत करने-वाला, सदुपदेशक।

नसीहतगुज़ार (نصیحت گزار) अ फा वि –दे 'नसीहतगर'

नसीहतगो (نصیحت گو) अ फा वि –दे 'नसीहतगर'।

नसीहतनामः (نصیحت نامہ) अ फा पु –वह पत्र जिसमे किसी बात के सम्बन्ध मे नसीहते लिखी हो।

नसीहतपिज़ीर (نصیحت پذیر) अ फा वि –नसीहत मानने-वाला, जिस पर सदुपदेश का असर हो, नसीहतपसद।

नसूह (نصوح) अ वि –शुद्ध, निर्मल, खालिस, किसी बुरी बात के त्याग की दृढ प्रतिज्ञा।

नस्ख़ (نسخ) अ पु –मिटाना, रद करना, एक प्रसिद्ध लिपि जिसमें अरबी लिखी जाती है, किसी चीज को हटाकर उससे अच्छी चीज लेना।

नस्तरन (نسترن) फा स्त्री –सेवती का फूल, सेवती।

नस्ता'लीक़ (نستعلیق) अ पु –सभ्य, शिष्ट, सस्कृत, मुहज्ज़ब, एक प्रसिद्ध लिपि जिसमें उर्दू लिखी जाती है।

नस्नास (نسناس) अ पु –मनुष्य के आकार का एक जानवर जिसके केवल एक हाथ, एक पाँव और एक कान होता है।

नस्ब (نصب) अ पु –स्थापना, रखना, काइम करना, जबर की मात्रा।

नस्बुलऐन (نصب العین) अ पु –उद्देश, आशय, मक्सद।

नस्या मंसिया (نسیا منسیا) अ अव्य –जो बात बिलकुल भूली जा चुकी हो, अरबी का उच्चारण 'नस्य मसीया' है।

नस्र (نثر) अ स्त्री –गद्य, इबारत, नज्म का उलटा।

नस्र (نسر) अ पु –गृद्ध, गिद्ध, गीध, कर्गस, एक बुत जो अरब मे पूजा जाता था।

नस्र (نصر) अ स्त्री –सहायता, मदद।

नस्रनिगार (نثرنگار) अ फा पु –गद्य-लेखक, नस्र लिखनेवाला।

नस्रनिगारी (نثرنگاری) अ फा स्त्री –गद्य-रचना, नस्र लिखना।

नस्रानियत (نصرانیت) अ स्त्री –ईसाईपन, ईसाईयत।

नस्रानी (نصرانی) अ पु –ईसाई, ख्रिष्टीय।

नस्रे आरी (نثر عاری) अ स्त्री –वह गद्य जो अलकारादि से रिक्त बिल्कुल सीधा-सादा हो।

नस्रे ताइर (نسر طائر) अ पु –राशिचक्र के उत्तर मे तारो की एक शक्ल जो उडते हुए गिद्ध के समान है।

नस्रे मुक़फ्फा (نثر مقفیٰ) अ स्त्री –वह गद्य जिसका हर वाक्य सानुप्रास हो।

नस्रे मुरज्जज (نثر مرجز) अ स्त्री –वह गद्य जिसके एक वाक्य के तमाम शब्द दूसरे वाक्य के शब्दो के समान हो।

नस्रे मुसज्जा (نثر مسجع) अ स्त्री –दे 'नस्रे मुकफ्फा'।

नस्रे वाक़े' (نسر واقع) अ पु –दक्षिणी ध्रुव के पास ठहरे हुए गिद्ध के आकार के तारो की शक्ल।

नस्ल (نسل) अ स्त्री –वश, गोत्र, कुल, सतान, सतति, औलाद।

नस्लअफ्ज़ाई (نسل افزائی) अ फा स्त्री –नस्ल बढाना, सतान-वृद्धि।

नस्लकशी (نسل کشی) अ फा स्त्री –नस्ल बढाना, सतान-वृद्धि।

नस्लन बाद नस्लन (نسلاً بعد نسلاً) अ. अव्य –एक नस्ल के बाद दूसरी नस्ल में, पुश्त दर पुश्त।

नस्साज (نساج) अ पु –बुननेवाला, जुलाहा।

नस्साब (نساب) अ पु –वशविद्या जाननेवाला।

नस्सार (نثار) अ पु –गद्य-लेखक।

नहग (نہنگ) फा पु –घडियाल, कुभीर, ग्राह, नाका।

नहज (نہج) अ पु –चौडी और कुशाद सडक, पद्धति, शैली, ढग, दे 'नह्ज', दोनो शुद्ध है, परन्तु अधिक प्रचलित 'नह्ज' है।

नहाफत (نحافت) अ स्त्री –क्षीणता, दुबलापन, लाग़री, निर्बलता, अशक्ति, कमज़ोरी।

नहार (نہار) अ पु—दिन, दिवस, रोज़।
नहार (نہار) फा वि—'नाहार' का लघु, सबेरे से कुछ न खाये हुए, नहारमुंह।
नहारगाह (نہارگاہ) फा स्त्री—सबेरे का समय, प्रात काल।
नहारी (نہاری) फा स्त्री—वह थोडा सा खाना जिससे सुबह का फाका तोडते है, नाशता; एक प्रकार का शोरबादार गोश्त जिसे खमीरी रोटी से खाते है।
नही (نہی) अ स्त्री—निषेध, रोक, निषेधाज्ञा, मुमानिअत का हुक्म, शुद्ध उच्चारण 'नह्इ' है।
नहीक़ (نہیق) अ स्त्री—गधे के रेकने की आवाज़।
नहीफ (نحیف) अ वि—क्षीण, क्षाम, दुर्बला, लाग़र, दुर्बल, अशक्त, कमज़ोर।
नहीफुलजुस्स (نحیف الجثہ) अ वि—दुबले शरीरवाला, क्षीणकाय।
नहीफुलबदन (نحیف البدن) अ वि—दे 'नहीफुलजुस्स'।
नहीब (نہیب) अ पु—डाकू, लुटेरा, गारतगर।
नह्ज (نہج) अ पु—ढग, प्रकार, तर्ज़, युक्ति, तर्कीब, मार्ग, पथ, रास्ता।
नह्ब (نہب) अ पु—लूटमार, गारतगरी।
नह्र (نہر) अ स्त्री—नदी से काटकर निकाली हुई शाखा, कुल्या (नहर)।
नह्र (نحر) अ पु—ऊँट की कुर्बानी, उष्ट्रवध।
नह्री (نہری) अ वि—नह्र से सम्बन्ध रखनेवाला, नह्र के पानी से सीची जानेवाली भूमि।
नह्रे फ़ुरात (نہر فرات) अ फा स्त्री—कूफे मे बहनेवाली नदी, जिसका पानी हज्रत इमाम हुसैन पर बन्द कर दिया गया था।
नह्रे लबन (نہر لبن) अ स्त्री—दूध की नह्र।
नह्व (نحو) अ पु—पद्धति, शैली, ढग, समान, तुल्य, मिस्ल, (स्त्री) व्याकरण की वह शाखा जिससे वाक्यो मे शब्दो का परस्पर सम्बन्ध और उनकी स्थिति जानी जाती है।
नह्वी (نحوی) अ वि—इल्मे नह्व जाननेवाला।
नह्स (نحس) अ वि—अशुभ, अमागलिक, मनहूस।
नह्सकदम (نحس قدم) अ वि—जिसका आना मनहूस हो।
नह्सरू (نحس رو) अ फा वि—जिसकी सूरत मनहूस हो, जो देखने में बुरा लगे, अशुभदर्शन।

ना

नां (ناں) फा स्त्री—'नान' का लघु, दे 'नान'।
ना (نا) फा उप—शब्द के शुरू मे आकर नही का अर्थ देता है, जैसे—'नाउम्मीद'।
नाअंदेश (نا اندیش) फा वि—न सोचनेवाला।
नाअह्ल (نا اہل) फा अ वि—अयोग्य, नाक़ाबिल, अपात्र, ग़ैर मुस्तहक।
नाअह्लियत (نا اہلیت) फा अ स्त्री—अयोग्यता, नाकाबिलीयत, अपात्रता, नाइस्तेहकाकी।
नाअह्ली (نا اہلی) फा अ स्त्री—दे 'नाअह्लियत'।
नाआक़िबत अदेश (نا عاقبت اندیش) फा अ वि—अदूरदर्शी, अपरिणामदर्शी।
नाआगाह (نا آگاہ) फा वि—नावाकिफ, अनभिज्ञ, अनजान, अनाडी।
नाआज़्मूद. (نا آزمودہ) फा वि—जो आज़माया न गया हो, अपरीक्षित।
नाआज़्मूद:कार (نا آزمودہ کار) फा वि—जिसे कामो का तज्रिब न हो, अननुभवी, अनाडी।
नाआज़्मूद:कारी (نا آزمودہ کاری) फा स्त्री—नातज्रिब-कारी, अनुभव, अनाडीपन।
नाआश्ना (نا آشنا) फा वि—अपरिचित, नावाक़िफ, अनभिज्ञ, अनाडी।
नाआश्नाए महज़ (نا آشنائے محض) फा अ वि—जो बिलकुल कुछ न जानता हो।
नाइसाफ (نا انصاف) फा अ वि—न्याय न करनेवाला, अन्यायी।
नाइंसाफी (نا انصافی) फा अ स्त्री—अनीति, अन्याय, बेईमानी।
नाइच (نائچہ) फा पु—नयचा, निगाली, हुक्के की नाल।
नाइज़: (نائزہ) अ पु—नल की टोटी, शिश्न, लिंग, नयचा।
नाइत्तिफाक़ी (نا اتفاقی) फा अ स्त्री—फूट, बिगाड, रजिश।
नाइब (نائبہ) अ वि—दुर्घटना, हादिसा, बारी से आनेवाला ज्वर, 'नाइब' का स्त्री।
नाइब (نائب) अ पु—सहायक, असिस्टेंट, स्थानापन्न, काइममकाम, 'नायब' भी प्रचलित।
नाइम (نائم) अ पु—सोनेवाला, स्वापक।
नाइर (نائرہ) अ पु—अग्निज्वाला, लपट, शोल।
नाइल्तिफाती (نا التفاتی) फा अ स्त्री—बेतवज्जुही, उपेक्षा।
नाइह (نائحہ) अ पु—आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।
नाउम्मीद (نا امید) फा वि—निराश, हताश, हतोत्साह, हतसाहस, पस्तहौसला।
नाउम्मीदी (ناامیدی) फा स्त्री—निराशा, मायूसी, उत्साहहीनता, पस्तहिम्मती।

नाए (نائے) फा स्त्री–बाँसुरी, वशी, नय।
नाक़ः (ناقہ) अ पु–ऊँटनी, साँडनी।
नाक़ः सवार (ناقہ سوار) अ फा वि–साँडनी-सवार, अर्थात् दूत, कासिद।
नाक (ناک) फा प्रत्य–भरा हुआ, जैसे—दर्दनाक, दुख से भरा हुआ।
नाकतख़ुदा (ناکتخدا) फा वि–दे 'नाकदख़ुदा'।
नाकतख़ुदाई (ناکتخدائی) फा स्त्री–दे 'नाकदख़ुदाई'।
नाकदख़ुदा (ناکدخدا) फा वि–बिन ब्याहा हुआ, कुमार, अविवाहित, बिन ब्याही हुई, अविवाहिता, कुमारी।
नाकदख़ुदाई (ناکدخدائی) फा स्त्री–बिन ब्याहा होना, कुँआरापन।
नाक़द्र (ناقدر) फा अ वि–जो क़द्र न जानता हो, जो क़द्र न करता हो।
नाक़द्री (ناقدری) फा अ स्त्री–क़द्र न जानना, क़द्र न करना।
नाक़बूल (نا قبول) फा अ वि–अस्वीकृत, नामंज़ूर।
नाकर्दः (ناکردہ) फा वि–न किया हुआ।
नाकर्द:कार (ناکردہکار) फा वि–जिसने कोई विशेष कार्य न किया हो, अननुभवी, नातज्रिब कार।
नाकर्द:गुनाह (ناکردہگناہ) फा वि–जिसने कुसूर न किया हो, बेकुसूर, बेख़ता।
नाकर्द:जुर्म (ناکردہجرم) फा अ वि–दे 'नाकर्द गुनाह'।
नाकर्दनी (ناکردنی) फा अव्य–जो करने के योग्य न हो, जिसका करना उचित न हो, अकरणीय।
नाकस (ناکس) फा वि–अधम, नीच, कमीना, पतित, गर्हित।
नाकसी (ناکسی) फा स्त्री–अधमता, नीचता, लोफरपन।
नाक़ाबिल (نا قابل) फा अ वि–अयोग्य, अपात्र, नाअहल।
नाक़ाबिलानः (نا قابلانہ) फा अ अव्य–जाहिलो और मूर्खो-जैसा, मूर्खतापूर्ण।
नाक़ाबिलीयत (نا قابلیت) फा अ स्त्री–अयोग्यता, अपात्रता, नाअहली, शिक्षाभाव, कमलियाक़ती।
नाक़ाबिले अदा (نا قابل ادا) फा अ वि–जो अदाइगी के क़ाबिल न हो, न दी जा सकनेवाली रकम।
नाक़ाबिले अफ़्व (نا قابل عفو) फा अ वि–जो मुआफ किये जाने के योग्य न हो, अक्षम्य।
नाक़ाबिले अमल (نا قابل عمل) फा अ वि–जिस पर अमल न किया जा सके, जो व्यवहार मे न आ सके, अव्यवहार्य।
नाक़ाबिले आज़माइश (ناقابل آزمائش) फा अ–जिसकी परीक्षा न हो सके।
नाक़ाबिले इंतिक़ाल (نا قابل انتقال) फा अ वि–वह सपत्ति जो दूसरे के नाम मुतक़िल न हो सके।
नाक़ाबिले इंतिख़ाब (نا قابل انتخاب) फा अ वि–जो चुनाव के अयोग्य हो, जो गद्य या पद्य उद्धरण के योग्य न हो।
नाक़ाबिले इंतिज़ाम (نا قابل انتظام) फा अ वि–जिसकी व्यवस्था न हो सके।
नाक़ाबिले इंतिज़ार (نا قابل انتظار) फा अ वि–जिसकी प्रतीक्षा न की जा सके।
नाक़ाबिले इंदिमाल (نا قابل اندمال) फा अ वि–वह घाव जो भरने के योग्य न हो।
नाक़ाबिले इंदिराज (نا قابل اندراج) फा अ वि–जिसका नाम किसी रजिस्टर या खाते में लिखा न जा सके; जो रकम जमाखर्च मे डाली न जा सके किसी मद मे या किसी के नाम।
नाक़ाबिले इंसिदाद (نا قابل انسداد) फा अ वि–जिसका निवारण न हो सके, जो रोका न जा सके।
नाक़ाबिले इआदः (نا قابل اعادہ) फा अ वि–जो बात दुहरायी न जा सके।
नाक़ाबिले इआनत (نا قابل اعانت) फा अ वि–जिसकी मदद न की जा सके, जो मदद करने के अयोग्य हो।
नाक़ाबिले इक़्रार (نا قابل اقرار) फा अ वि–जिसका इक़्रार न किया जा सके, जो माना न जा सके।
नाक़ाबिले इख़्तिलाफ़ (ناقابل اختلاف) फा अ वि–जिससे मतभेद न किया जा सके, सहमति योग्य।
नाक़ाबिले इख़्फ़ा (ناقابل اخفا) फा अ वि–जो छिपाया न जा सके।
नाक़ाबिले इख़्राज (ناقابل اخراج) फा अ वि–जो ख़ारिज न किया जा सके, जो निकाला न जा सके।
नाक़ाबिले इज़्हार (ناقابل اظہار) फा अ वि–जो कहा न जा सके।
नाक़ाबिले इत्तिलाअ (ناقابل اطلاع) फा अ वि–जिसकी सूचना न दी जा सके।
नाक़ाबिले इत्मीनान (ناقابل اطمینان) फा अ वि–जो भरोसे के क़ाबिल न हो, अविश्वस्त।
नाक़ाबिले इन्कार (ناقابل انکار) फा अ वि–जिससे इन्कार न किया जा सके।
नाक़ाबिले इन्क़िसाम (ناقابل انقسام) फा अ वि–जो बाँटा न जा सके, अविभाज्य।
नाक़ाबिले इन्फ़िकाक (ناقابل انفکاک) फा अ वि–जो रेहन रखी हुई चीज़ या ज़मीन, रेहन से छूट न सके।

नाक़ाबिले इन्फिसाल (ناقابل انفصال) फा अ वि –जिसका फ़ैसला न हो सके।

नाक़ाबिले इम्तिहान (ناقابل امتحان) फा अ वि – जिसकी परीक्षा न हो सके, जो परीक्षा के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले इम्दाद (ناقابل امداد) फा अ वि –जिसकी सहायता न हो सके।

नाक़ाबिले इलाज (ناقابل علاج) फा अ वि –जिसकी चिकित्सा न हो सके, दु साध्य।

नाक़ाबिले इल्तिफात (ناقابل التفات) फा अ वि –जिसकी ओर तवज्जुह न की जा सके, उपेक्ष्य।

नाक़ाबिले इशाअत (ناقابل اشاعت) फा. अ वि –जिसका प्रचार न हो सके, अप्रकाश्य।

नाक़ाबिले इस्तिदलाल (ناقابل استدلال) फा अ वि – वह कागज या दस्तावेज़ जो मुकदमे मे काम न आ सके।

नाक़ाबिले इस्ते'माल (ناقابل استعمال) फा अ वि –जो प्रयोग के लाइक न हो, जो खाने के योग्य न हो, जो व्यवहार के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले इस्लाह (ناقابل اصلاح) फा अ वि –जिसका सुधार न हो सके, जिसकी त्रुटियाँ न निकल सकें।

नाक़ाबिले ईफा (ناقابل ایفا) फा अ वि –वह प्रतिज्ञा जो पूरी न हो सके।

नाक़ाबिले उज़्र (ناقابل عذر) फा अ वि –जिस पर उज्र या एतिराज़ न किया जा सके।

नाक़ाबिले उबूर (ناقابل عبور) फा अ वि –वह नदी आदि जिसे पार न किया जा सके।

नाक़ाबिले ए'तिना (ناقابل اعتنا) फा अ वि –जो ध्यान देने के लाइक न हो, उपेक्ष्य।

नाक़ाबिले एतिमाद (ناقابل اعتماد) फा अ वि –जो भरोसे के लाइक न हो, अविश्वस्त।

नाक़ाबिले एतिराज़ (ناقابل اعتراض) फा अ वि –जिस पर एतिराज न लगाया जा सके, आपत्तिहीन।

नाक़ाबिले ए'लान (ناقابل اعلان) फा अ वि –जिसकी घोषणा न की जा सके, जिसका एलान उचित न हो।

नाक़ाबिले एहतियात (ناقابل احتیاط) फा अ वि –जिसमे सावधानी की आवश्यकता न हो।

नाक़ाबिले एहसाल (ناقابل احصال) फा अ वि –जो लिया न जा सके।

नाक़ाबिले कबूल (ناقابل قبول) फा अ वि –जो स्वीकार न किया जा सके।

नाक़ाबिले क़ुर्बानी (ناقابل قربانی) फा अ वि –वह पशु जिसकी कुर्बानी जाइज़ न हो, वह व्यक्ति जिस पर कुर्बानी वाजिब न हो।

नाक़ाबिले ख़रीद (ناقابل خرید) फा अ वि –जो मोल न लिया जा सके।

नाक़ाबिले गिरिफ्त (ناقابل گرفت) फा अ वि –जिसकी पकड न हो सके, जो पकडा न जा सके।

नाक़ाबिले गिरिफ़्तारी (ناقابل گرفتاری) फा अ वि – जो गिरिफ्तार न हो सके।

नाक़ाबिले गुज़ारिश (ناقابل گزارش) फा अ वि –जो कहा न जा सके, अकथनीय।

नाक़ाबिले ग़ौर (ناقابل غور) फा अ वि –जिस पर ध्यान न दिया जा सके।

नाक़ाबिले ज़ब्त (ناقابل ضبط) फा अ वि –जो सहनीय न हो, जिसका सहन मुश्किल हो, जो ज़ब्त न किया जा सके।

नाक़ाबिले ज़ब्ती (ناقابل ضبطی) फा अ वि –वह रकम या जाइदाद आदि जिसकी ज़ब्ती न हो सके।

नाक़ाबिले ज़मानत (ناقابل ضمانت) फा अ वि –जिसकी ज़मानत न ली जा सके।

नाक़ाबिले जवाज़ (ناقابل جواز) फा अ वि –जो जाइज़ न हो सके।

नाक़ाबिले जवाब (ناقابل جواب) फा अ वि –जिसका जवाब देना ज़रूरी न हो।

नाक़ाबिले ज़वाल (ناقابل زوال) फा अ वि –जिसका कभी पतन न हो, जिसकी अवनति न हो सके।

नाक़ाबिले ज़िक्र (ناقابل ذکر) फा अ वि –अकथनीय, जिसका कहना उचित न हो, जो कहा न जा सके।

नाक़ाबिले जिमाअ (ناقابل جماع) फा अ वि –वह स्त्री जिससे सहवास न हो सके, बीमारी के कारण, छोटी अवस्था के कारण या धर्म-निषेध के कारण।

नाक़ाबिले ज़िराअत (ناقابل زراعت) फा अ वि –वह भूमि जो खेती के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले तअज्जुब (ناقابل تعجب) फा अ वि –जिसमें अचभे की कोई बात न हो।

नाक़ाबिले तआरुज़ (ناقابل تعارض) फा अ वि –जिससे पूछताछ न की जा सके, जिसमें हस्तक्षेप न हो सके।

नाक़ाबिले तआवुन (ناقابل تعاون) फा अ वि –जिसमें सहयोग न दिया जा सके।

नाक़ाबिले तक़र्रुर (ناقابل تقرر) फा अ वि –जिसकी नियुक्ति न हो सके।

नाक़ाबिले तक़्ज़ीब (ناقابل تکذیب) फा अ वि –जिसे झुठलाया न जा सके।

नाक़ाबिले तक़्लीद (ناقابل تقلید) फा अ वि –जिसका अनुकरण न हो सके, जिसका अनुकरण उचित न हो।

नाक़ाबिले तक़्सीम (ناقابل تقسیم) फा अ वि –जो बाँटा न जा सके, जिसका बँटवारा न हो सके, अविभाज्य।

नाक़ाबिले तख़ैयुल (ناقابل تخیل) फा अ वि –जिसकी कल्पना न की जा सके, जो सोचा न जा सके, अचिन्त्य।

नाक़ाबिले तग़ैयुर (ناقابل تغیر) फा अ वि –जिसमे परिवर्तन न हो सके।

नाक़ाबिले तद्बीर (ناقابل تدبیر) फा अ वि –जिसका इलाज न हो सके, असाध्य, जिसका कोई उपाय न हो।

नाक़ाबिले तफ़्हीम (ناقابل تفہیم) फा अ वि –जो समझाया न जा सके।

नाकाबिले तब्दील (ناقابل تبدیل) फा अ वि –जो बदला न जा सके।

नाकाबिले तरक्की (ناقابل ترقی) फा अ वि –जो तरक्की के योग्य न हो।

नाक़ाबिले तरद्दुद (ناقابل تردد) फा अ वि –वह खेती जिसे जोता बोया न जा सके, वह विषय जिस पर गौर न किया जा सके।

नाकाबिले तरहहुम (ناقابل ترحم) फा अ वि –दया के अयोग्य, जिस पर रहम न किया जा सके।

नाकाबिले तर्क (ناقابل ترک) फा अ वि –जो छोडा न जा सके, अत्याज्य।

नाकाबिले तर्जीह (ناقابل ترجیح) फा अ वि.–जिसे प्रधानता न दी जा सके।

नाकाबिले तर्दीद (ناقابل تردید) फा अ वि –जिसका खडन न हो सके, अकाट्य।

नाकाबिले तर्मीम (ناقابل ترمیم) फा अ वि –जिसमे कोई सशोधन न हो सके, जिसमे कमी-बेशी या काट-छाँट न हो सके, अपरिवर्तनीय।

नाकाबिले तवज्जुह (ناقابل توجہ) फा अ वि –जिस पर ध्यान न दिया जा सके।

नाक़ाबिले तश्रीह (ناقابل تشریح) फा अ वि –जिसकी व्याख्या न हो सके, जिसकी तफ्सील न बतायी जा सके।

नाक़ाबिले तश्वीश (ناقابل تشویش) फा अ वि –जिसके लिए चिता और तश्वीश की जरूरत न हो।

नाक़ाबिले तस्दीअ (ناقابل تصدیع) फा अ वि –जिसके लिए किसी दर्देसर अथवा खटखट की आवश्यकता न हो।

नाक़ाबिले तस्दीक़ (ناقابل تصدیق) फा अ वि –जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

नाकाबिले तस्ख़ीर (ناقابل تسخیر) फा अ वि –जिसका पराजित करना असभव हो, जिसे वशीभूत करना कठिन हो।

नाकाबिले तस्रीह (ناقابل تصریح) फा अ वि –जिसका स्पष्टीकरण न हो सके, जिसकी तफ्सील न बतायी जा सके।

नाक़ाबिले तस्लीम (ناقابل تسلیم) फा अ वि –जिसे माना न जा सके।

नाक़ाबिले दख़्ल अदाज़ी (ناقابل دخل اندازی) फा अ वि –जिसमे बाधा न डाली जा सके।

नाकाबिले दस्त अदाज़ी (ناقابل دست اندازی) फा अ वि –जिसमे हस्तक्षेप न किया जा सके।

नाकाबिले दस्तरस (ناقابل دسترس) फा अ वि –जहाँ तक रसाई न हो सके, जहाँ तक हाथ न पहुँच सके।

नाक़ाबिले दाद (ناقابل داد) फा. अ वि –जिसकी प्रशसा न की जा सके, अप्रशसनीय।

नाक़ाबिले दादरसी (ناقابل دادرسی) फा अ वि –जो किसी दादरसी के काबिल न हो, जिसे न्याय के अनुसार कुछ मिलने को न हो।

नाक़ाबिले दुरुस्ती (ناقابل درستی) फा अ वि –जिसकी मरम्मत न हो सके, जिसका सुधार न हो सके।

नाक़ाबिले नफ़्रत (ناقابل نفرت) फा अ वि –जो नफ्रत के काबिल न हो, जिससे घृणा न की जा सके, अघृण्य।

नाकाबिले निगारिश (ناقابل نگارش) फा अ वि –जो लिखने योग्य न हो, अलेखनीय।

नाक़ाबिले नुमाइश (ناقابل نمائش) फा अ वि –जिसकी नुमाइश न की जा सके, जो सबको न दिखाया जा सके।

नाक़ाबिले परवाज़ (ناقابل پرواز) फा अ वि –जो उड न सके।

नाकाबिले परस्तिश (ناقابل پرستش) फा अ वि –जो पूजने के योग्य न हो, जो पूजा न जा सके।

नाक़ाबिले पामाल (ناقابل پامال) फा अ वि –जो पाँव तले मसला न जा सके।

नाकाबिले पिज़ीराई (ناقابل پذیرائی) फा अ वि –जो कबूल न किया जा सके।

नाक़ाबिले पुर्सिश (ناقابل پرسش) फा अ वि –जो पूछने के काबिल न हो, जिसकी पूछ-ताछ न की जा सके।

नाकाबिले पैमाइश (ناقابل پیمائش) फा अ वि –जिसकी पैमाइश न हो सके, जिसका क्षेत्रफल न निकाला जा सके।

नाक़ाबिले पैरवी (ناقابل پیروی) फा अ वि –जिसका अनुकरण न हो सके, जिसकी पैरोकारी न हो सके।

नाक़ाबिले फ़त्ह (ناقابل فتح) फा अ वि –जो जीता न जा सके, अजेय।

नाक़ाबिले फ़रामोश (ناقابل فراموش) फा अ वि–जो भुलाया न जा सके, जो बात कभी न भूली जा सके।

नाक़ाबिले फ़रोख़्त (ناقابل فروخت) फा अ वि–जो बेचा न, जा सके।

नाक़ाबिले फ़ह्म (ناقابل فہم) फा अ वि–जो समझा न जा सके।

नाकाबिले फ़ैसल (ناقابل فیصلہ) फा अ वि–जिसका निर्णय न हो सके।

नाकाबिले बयान (ناقابل بیان) फा अ वि–जो कहा न जा सके, अकथनीय।

नाक़ाबिले बरदाश्त (ناقابل برداشت) फा अ वि–जो सहन न हो सके, असहनीय।

नाकाबिले बुत्लान (ناقابل بطلان) फा अ वि–जो झुठलाया न जा सके।

नाकाबिले मदद (ناقابل مدد) फा अ वि–जिसकी सहायता न की जा सके।

नाकाबिले मरम्मत (ناقابل مرمت) फा अ वि–जिसकी दुरुस्ती न की जा सके।

नाकाबिले मलामत (ناقابل ملامت) फा अ वि–जिसकी निंदा न की जा सके, जो भर्त्सना के योग्य न हो।

नाकाबिले मुआलजा (ناقابل معالجہ) फा अ वि–जिसकी चिकित्सा न हो सके, असाध्य।

नाक़ाबिले मुकाबला (ناقابل مقابلہ) फा अ वि–जिसका मुकाबला न किया जा सके।

नाकाबिले मुदाख़लत (ناقابل مداخلت) फा अ वि–जिसमें हस्तक्षेप न किया जा सके।

नाकाबिले मुदावा (ناقابل مداوا) फा अ वि–दे 'नाकाबिले मुआलजा'।

नाकाबिले मुफाहमत (ناقابل مفاهمت) फा अ वि–जिसमें समझौता न हो सके।

नाकाबिले मुवालात (ناقابل موالات) फा अ वि–जिसमे सहयोग न हो सके।

नाकाबिले मुसालहत (ناقابل مصالحت) फा अ वि–जिसमें सधि अथवा सुलह न हो सके।

नाकाबिले रज़ामदी (ناقابل رضامندی) फा अ वि–वह मुकद्दमा जिसमे दोनो पक्ष राज़ीनामा न कर सके।

नाकाबिले रह्म (ناقابل رحم) फा अ वि–जिस पर दया न की जा सके, जो दया का पात्र न हो।

नाकाबिले रिआयत (ناقابل رعایت) फा अ वि–जिसके साथ किसी प्रकार का शील-सकोच और रिआयत न हो सके।

नाकाबिले वक्अत (ناقابل وقعت) फा अ वि–जिसकी कोई प्रतिष्ठा न हो।

नाकाबिले वफा (ناقابل وفا) फा अ वि–वह प्रतिज्ञा जो पूरी न हो सके, वह वादा जो वफा न हो सके।

नाकाबिले शक (ناقابل شک) फा अ वि–जिसमे किसी सदेह की गुजाइश न हो, असदिग्ध।

नाक़ाबिले शनाख़्त (ناقابل شناخت) फा अ वि–जिसकी पहचान न हो सके।

नाक़ाबिले शिकस्त (ناقابل شکست) फा अ वि–जिसे हराया न जा सके, जिससे होड न की जा सके।

नाक़ाबिले शिकायत (ناقابل شکایت) फा अ वि–जिसकी शिकायत न की जा सके।

नाकाबिले शिफा (ناقابل شفا) फा अ वि–वह रोगी जो अच्छा न हो सके, असाध्य।

नाक़ाबिले शुमार (ناقابل شمار) फा अ वि–जो गिना न जा सके।

नाक़ाबिले सताइश (ناقابل ستائش) फा अ वि–जिसकी प्रशसा न हो सके।

नाक़ाबिले सज़ा (ناقابل سزا) फा अ वि–जिसे सज़ा न दी जा सके, अदडनीय।

नाकाबिले समाअत (ناقابل سماعت) फा अ वि–जो बात सुनने के योग्य न हो।

नाकाबिले सराहत (ناقابل صراحت) फा अ वि–दे नाकाबिले तस्रीह।

नाक़ाबिले सिफारिश (ناقابل سفارش) फा अ वि–जिसकी सिफारिश न की जा सके।

नाकाबिले सुल्ह (ناقابل صلح) फा अ वि–दे 'नाकाबिले मुसालहत'।

नाकाबिले हिफाजत (ناقابل حفاظت) फा अ वि–जिसकी रक्षा न हो सके, जो रक्षा करने के योग्य न हो।

नाक़ाबिले हुकूमत (ناقابل حکومت) फा अ वि–जो राज करने के योग्य न हो, जिस पर शासन न चल सके।

नाकाबिले हुसूल (ناقابل حصول) फा अ वि–जो प्राप्त न हो सके, जो हासिल न किया जा सके।

नाकाम (ناکام) फा वि–असफल, नाकामयाब, निराश, मायूस।

नाकामयाब (ناکامیاب) फा वि–असफलमनोरथ, नाकाम, अनुत्तीर्ण, फेल, असफल।

नाकामयाबी (ناکامیابی) फा स्त्री–असफलता, नाकामी; उत्तीर्ण न होना, फेल हो जाना।

नाकामी (ناکامی) फा स्त्री.–असफलता, नाकामयाबी, निराशा, नाउम्मीदी।

नाकामिए तक़्दीर (ناکامئی تقدیر) फा स्त्री –भाग्य की वचना, भाग्य की कुटिलता—"बढते-बढते हद्दे मंजिल से भी आगे बढ़ गये, हम तो आजिज़ आ गये नाकामिए तकदीर से।"

नाकामे आर्ज़ू (ناکام آرزو) फा वि –जो मनोरथ मे सफल न हो, जिसके प्रेम की आशाएँ असफल हो गयी हो।

नाकारः (ناکارہ) फा वि –निष्कर्म, निकम्मा, व्यर्थ, बेकार, निष्प्रयोजन, बेमतलब।

नाकारआमद (ناکار آمد) फा वि –जिसका कोई प्रयोजन न हो, निष्प्रयोजन।

नाकाश्तः (ناکاشتہ) फा वि –वह जमीन जो बोई जोती न गयी हो।

नाक़िद (ناقد) अ वि –आलोचक, समालोचक, तन्कीद निगार।

नाक़िल (ناقل) अ वि –नक्ल करनेवाला, प्रतिलिपिक, दूसरे से सुनी हुई बात कहनेवाला।

नाक़िस (ناقص) अ वि –अपूर्ण, नामुकम्मल, दूषित, विकृत, खराब, मिथ्या, कूट, खोटा, धूर्त, पाजी, अरबी का वह शब्द जिसका अतिम अक्षर अलिफ, वाव या ये हो।

नाक़िसुलअक्ल (ناقص العقل) अ वि –मदबुद्धि, विकृत-बुद्धि, कमअक्ल।

नाक़िसुलख़िल्कत (ناقص الخلقت) अ वि –जिसके शरीर में कोई अग कम हो, विकलाग।

नाकिसुलफहम (ناقص الفہم) अ वि –दे 'नाकिसुलअक्ल'।

नाक़ूस (ناقوس) अ पु –दर, कबु, शख, सख।

नाकेह (ناکح) अ वि –ब्याह (नकाह) करनेवाला।

नाख (ناخ) फा पु –नास्पाती की एक जाति।

नाख़लफ (ناخلف) फा अ वि –जो लडका बाप के सदाचरण पर न चले, कपूत।

नाख़िस (ناخس) अ वि –चुभनेवाला, गडनेवाला।

नाख़ुदा (ناخدا) फा पु –कर्णधार, नाविक, मल्लाह।

नाख़ुदातर्स (ناخداترس) फा वि –जो ईश्वर से न डरता हो, अर्थात् निर्दय, बेरहम।

नाख़ुदाई (ناخدائی) फा स्त्री –नाव चलाना, किश्तीरानी।

नाख़ुन' (ناخنہ) फा पु –आँख का एक रोग जिसमे रक्त की एक बिंदी पड जाती है।

नाख़ुन (ناخن) फा पु –हाथ या पाँव के नाखून, नख।

नाख़ुनतराश (ناخن تراش) फा पु –नाखुन काटने का यत्र, नहन्नी।

नाख़ुश (ناخوش) फा वि –अप्रसन्न, नाराज, रोगी, बीमार, क्रुद्ध, गुस्सा।

नाख़ुशगवार (ناخوش گوار) फा वि –जो मन को अच्छा न लगे, अरुचिकर।

नाख़ुशगवारी (ناخوش گواری) फा स्त्री –अप्रसन्नता, नाखुशी, अरुचि, बेरगबती।

नाख़ुशी (ناخوشی) फा स्त्री –अप्रसन्नता, नाराज़ी, रोग, बीमारी, क्रोध, गुस्सा।

नाख़ूब (ناخوب) फा वि –जो अच्छा न हो, निकृष्ट, बुरा।

नाख़्वादः (ناخواندہ) फा वि –बे बुलाया हुआ, बे पढा-लिखा, अशिक्षित।

नाख़्वादगी (ناخواندگی) फा स्त्री –बे बुलाया हुआ होना, बे पढा-लिखा होना।

नाख़्वास्त' (ناخواستہ) फा वि –न चाहा हुआ।

नाख़्वास्त (ناخواست) फा वि –अनायास, अकस्मात्, बेइख्तियार।

नाख़्वाह (ناخواہ) फा वि –जो राजी न हो, अस्वीकृत।

नाग़ः (ناغہ) तु पु –अनुपस्थिति, गैरहाज़िरी।

नाग़ः नवीस (ناغہ نویس) तु फा पु –एक कर्मचारी जो राजाओ या नव्वाबो की डचौढी के मुलाज़िमीन की हाज़िरी लेता है।

नागवार (ناگوار) फा वि –जो पसद न हो, जो अच्छा न लगे, निस्वाद, बेमज़ा।

नागवारा (ناگوارا) फा वि –दे 'नागवार'।

नागवारी (ناگواری) फा स्त्री –अच्छा न लगना, पसद न होना।

नागह (ناگہ) फा वि –'नागाह' का लघु, दे 'नागाह'।

नागहाँ (ناگہاں) फा वि –अकस्मात्, अचानक, बेमौका, कुसमय, बिना इत्तिलाअ दिये।

नागहानी (ناگہانی) फा वि –आकस्मिक, इत्तिफाकी, दैविक, गैबी।

नागाह (ناگاہ) फा वि –अचानक, अकस्मात्, यकायक, सूचना दिये बगैर, बेखबरी मे।

नागुज़ीर (ناگزیر) फा वि –जिससे छुटकारा न हो, अनिवार्य, आवश्यक, लाजिमी।

नागुफ्त (ناگفتہ) फा वि –जो कहा न गया हो, अकथित।

नागुफ्त बेह (ناگفتہ بہ) फा वि –जिसका न कहना ही अच्छा हो, जिसके कहने मे खराबी हो या झगडा पडे, अकथ्य।

नागुफ्तनी (ناگفتنی) फा अव्य –न कहने योग्य, अकथनीय।

नाचाक़ (ناچاق) फा तु वि —जो स्वस्थ न हो, अस्वस्थ।

नाचाक़ी (ناچاقی) फा तु स्त्री-वैमनस्य, मनमुटाव, अनबन, बीमारी, रोग।

नाचार (ناچار) फा वि—बेबस, असहाय, निराश्रय, दु:खी, दीन, मुसीबतज़दा, मज्बूर, असमर्थ।

नाचारी (ناچاری) फा स्त्री—बेबसी, बेकसी, आश्रय-हीनता, दु:ख, कष्ट, तकलीफ, असामर्थ्य, मज्बूरी।

नाचीज़ (ناچیز) फा वि—हेच, पोच, नाकार, निकम्मा, नम्रता-प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने को भी कहता है।

नाज़ (ناز) फा पु—हाव-भाव, नाज़ोअदा, मान, अभिमान, घमड, गर्व, फ़ख़्र।

नाज़नीं (نازنیں) फा वि—मृदुल, कोमल, नाजुक, सुकुमारी, सुन्दरी।

नाज़पर्वर (ناز پرور) फा वि—दे 'नाज़पर्वर्दः'।

नाज़पर्वर्दः (ناز پروردہ) फा वि—जिसका पालन-पोषण बडे लाड-प्यार से हुआ हो, सुकुमार, नाजुकवदन।

नाज़पेशः (ناز پیشہ) फा वि—जिसे हाव-भाव दिखाने की आदत हो, गणिका, तवाइफ, प्रेयसी, माशूका।

नाज़पेशगी (ناز پیشگی) फा स्त्री—नाज़ो अदा दिखाना, हाव-भाव से दिल लुभाना।

नाज़बरदार (ناز بردار) फा वि—नाज़ उठानेवाला, नायक, आशिक।

नाज़बरदारी (ناز برداری) फा स्त्री—नाज़ उठाना, खिदमत करना।

नाज़बालिश (ناز بالش) फा पु—पहलू का तकिया, वह तकिया जो बडे तकिए के अतिरिक्त इधर-उधर सहारे के लिए रहता है।

नाज़बू (نازبو) फा स्त्री—एक प्रकार की चमेली।

नाज़ाँ (نازاں) फा वि—अठलाता हुआ, नाज करता हुआ, गर्वान्वित, मग़्रूर।

नाज़ाईदः (نازائیدہ) फा वि—जो उत्पन्न न हुआ हो, अज्ञात।

नाजिंस (ناجنس) फा अ वि—असभ्य, अशिष्ट, नामुहज़्ज़ब, जो सोसाइटी के काबिल न हो।

नाज़िम (ناظم) अ पु—व्यवस्थापक, मुतजिम, मत्री, सेक्रेटरी।

नाज़िरः (ناظرہ) अ स्त्री—नाज़िर की स्त्री, देखनेवाली, (पु) कुरान का देखकर पढना, कठ न करना।

नाज़िरःख़्वाँ (ناظرہخواں) अ फा वि—कुरान को देखकर पढनेवाला, जो हाफिज न हो।

नाज़िर (ناظر) अ पु—देखनेवाला, दर्शक, एक कर्मचारी।

नाज़िरीन (ناظرین) अ पु—दर्शकगण, देखनेवाले, पढनेवाले।

नाज़िलः (نازلہ) अ पु—आपत्ति, विपद्, मुसीबत, सानिह।

नाज़िल (نازل) अ वि—उतरनेवाला, ऊपर से नीचे आनेवाला, उतरा हुआ, आया हुआ।

नाज़िश (نازش) फा स्त्री—नाज़, हाव-भाव, गर्व, फख्र।

नाजी (ناجی) अ वि—मुक्ति पानेवाला, मोक्ष प्राप्त करनेवाला, मुक्त, नजातयाफ्त।

नाज़ीदः (نازیدہ) फा वि—गर्वान्वित, मग़्रूर।

नाज़ुक (نازک) फा वि—मृदुल, मुलाइम, कोमल, नर्म; सूक्ष्म, लतीफ, हलका-फुलका, बोदा, कमज़ोर, गूढ, दकीक, पेचदार, उलझा हुआ, दुबला-पतला, तीव्र, तेज़।

नाज़ुकअदाम (نازک اندام) फा वि—जिसका शरीर दुबला-पतला हो, कृशाग।

नाज़ुककमर (نازک کمر) फा वि—वह हसीन जिसकी कमर पतली हो, कटिक्षीणा।

नाज़ुकख़याल (نازک خیال) फा अ वि—वह कवि जो कविता मे गूढ अर्थवाले भाव लाता हो।

नाज़ुकतब्अ (نازک طبع) फा अ वि—दे 'नाज़ुकमिज़ाज'।

नाज़ुकदिमाग़ (نازک دماغ) फा अ वि—चिडचिडे मिज़ाज का, जो बात-बात पर बिगडे, जो किसी की बात सहन न कर सके।

नाज़ुकदिल (نازک دل) फा वि—जिसका हृदय कोमल हो, मृदुलहृदय।

नाज़ुकबदन (نازک بدن) फा वि—दे 'नाज़ुकअदाम'।

नाज़ुक मिज़ाज (نازک مزاج) फा अ वि—जिसका स्वभाव बहुत ही मृदुल हो, जिसका मिज़ाज चिडचिडा हो।

नाज़ुकमिज़ाजी (نازک مزاجی) फा अ स्त्री—स्वभाव की कोमलता, चिडचिडापन।

नाज़ूरः (ناظورہ) अ स्त्री—मालिन, मालिनी, प्रेयसी, प्रेमिका, महबूब।

नाज़ूर (ناظور) अ पु—रक्षक, देख-रेख करनेवाला, निगहबान।

नाज़ेबा (نازیبا) फा वि—अनुचित, नामुनासिब, अश्लील, नामुहज़्ज़ब।

नाज़ोनियाज़ (نازونیاز) फा पु—आशिक और माशूक के मुआमलात, आशिक की तरफ से नियाज़ और मा'शूक़ की तरफ से नाज़।

नाज़ोर (نازور) फा वि—अशक्त, निर्बल, नाताकत।

ना'त (نعت) अ स्त्री—हज्रत मुहम्मद साहब की छदोबद्ध स्तुति।

ना'तख़्वाँ (نعت خواں) अ फा वि—मीलाद के जलसो मे ना'त के शे'र पढनेवाला।

ना'तगो (نعت‌گو) अ फा वि–वह शाइर जो केवल ना'त लिखता हो।

नातज्रिबःकार (ناتجربه‌کار) फा अ वि–जिसे अनुभव न हो, अनाडी।

नातज्रिब:कारी (ناتجربه‌کاری) फा अ स्त्री–अनुभवहीनता।

नातमाम (ناتمام) फा अ वि–अपूर्ण, अधूरा।

नातराशीदः (ناتراشیده) फा वि–असभ्य, अशिष्ट, नामुहज़्ज़ब।

नातर्बियतयाफ़्तः (نا تربیت‌یافته) फा अ वि–जिसने सभ्यता की शिक्षा न पायी हो, जो ट्रेंड न हो।

नातर्स (نا ترس) फा वि–निर्दय, बेरहम।

नातर्सी (نا ترسی) फा स्त्री.–निर्दयता, बेरहमी।

नातलबीदः (ناطلبیده) फा वि–जो बुलाया न गया हो, अनाहूत।

नाताक़त (نا طاقت) फा अ वि–निर्बल, अशक्त, बेज़ोर।

नाताक़ती (ناطاقتی) अ फा स्त्री–निर्बलता, अशक्ति, कमजोरी।

नाता'लीमयाफ़्त. (نا تعلیم‌یافته) फा अ वि–जो पढा-लिखा न हो, अशिक्षित, असभ्य, अशिष्ट, बेतमीज।

नातिक़ः (ناطقه) अ पु–वाक्यशक्ति, वाणी, कुव्वते गोयाई।

नातिक़ (ناطق) अ वि–बोलनेवाला, वक्ता, अंतिम, आखिरी, जो टले नही।

नातुवाँ (ناتواں) फा वि–अशक्त, निर्बल, बेज़ोर।

नातुवाँबीं (ناتواں‌بیں) फा वि–डाह करनेवाला, ईर्ष्यालु, हासिद।

नातुवानी (ناتوانی) फा स्त्री–शक्तिहीनता, निर्बलता, कमज़ोरी।

नादान (نادان) फा वि–अनभिज्ञ, अनोडी, मूर्ख, नासमझ।

नादानिस्त. (نادانسته) फा वि–अनजान मे, बे जाने-बूझे।

नादानिस्तगी (نادانستگی) फा स्त्री–अनजानपन।

नादानी (نادانی) फा स्त्री–मूर्खता, बेवकूफी, अज्ञान, जहालत।

नादार (نادار) फा वि–दरिद्र, निर्धन, कगाल, मुफलिस।

नादारी (ناداری) फा स्त्री–दरिद्रता, निर्धनता, मुफलिसी।

नादाश्त (ناداشت) फा वि–दरिद्र, कगाल, मुफलिस।

नादाश्ती (ناداشتی) फा स्त्री–दरिद्रता, कगाली, गरीबी।

नादिम (نادم) अ वि–लज्जित, सकुचित, शर्मिंदा, पछतानेवाला।

नादिरः (نادره) अ वि–अद्भुत, अजीबोग़रीब।

नादिर (نادر) अ वि–अद्भुत, अजीबोगरीब, श्रेष्ठ, उत्तम, बढिया।

नादिरए रोज़गार (نادرهٔ روزگار) अ फा. वि–दुनिया भर में सबसे श्रेष्ठ।

नादिरी (نادری) अ स्त्री–नादिर बादशाह से सम्बन्धित, गजिफे का इक्का, एक प्रकार की बडी।

नादिहद (نادهند) फा वि–जो रुपया लेकर देने मे बहुत टालमटोल करे, लेकर न देनेवाला।

नादिहंदगी (نادهندگی) फा स्त्री–रुपया उधार लेकर फिर न देना।

नादी (نادی) अ वि–पुकारनेवाला, बुलानेवाला।

नादीद (نادیده) फा वि–जिसे देखा न हो, अनदेखा, अदृष्ट।

नादीद.मुश्ताक़ (نادیده مشتاق) फा अ वि–देखने का अभिलाषी, जिसने कभी न देखा हो।

नानेजवीं (نان جویں) फा स्त्री–जौ की रोटी, मोटी-झोटी रोटी।

नादीदनी (نادیدنی) फा अव्य–जो देखने के काबिल न हो, अदर्शनीय।

नादुरुस्त (نادرست) फा वि–जो शुद्ध न हो, अशुद्ध; जो सत्य न हो, झूठ, गैर मरम्मतशुदा।

नादुरुस्ती (نادرستی) फा स्त्री–अशुद्धि, ठीक न होना, असत्यता, झूठ, बेमरम्मती।

नान (نان) फा स्त्री–रोटी, रोटिका, खमीरी रोटी, नाँद।

नानकार (نان‌کار) फा स्त्री–वह ज़मीन जो सेवक को उसकी गुज़र-बसर के लिए पुरस्कार के तौर पर दी जाय।

नानकोर (نان‌کور) फा वि–कृतघ्न, विश्वासघाती, नमकहराम।

नानख़ताई (نان‌خطائی) फा स्त्री–एक प्रकार का मीठा बिस्कुट।

नानख़ुरिश (نان‌خورش) फा स्त्री–सालन, वह चीज़ जिसके साथ रोटी खायी जाय।

नानख़्वाह (نانخواه) फा स्त्री–अजवाइन, यमानिका।

नानपज़ (نان‌پز) फा पु–रोटी पकानेवाला, नानबाई।

नानफ़रोश (نان‌فروش) फा पु–रोटी बेचनेवाला, नानबाई।

नानबा (نانبا) फा पु–नानपज़, नानबाई।

ना'ना'अ (نعناع) अ पु–एक प्रकार का पोदीना।

नाने आबी (نان آبی) फा स्त्री–आबी रोटी।

नाने ख़ुश्क (نان خشک) फा स्त्री–सूखी रोटी, मोटी-झोटी रोटी।

नापदीद (ناپدید) फा वि —गुप्त, अव्यक्त, छिपा हुआ।
नापर्वा (ناپروا) फा वि —बेपर्वा, जिसे किसी बात की चिन्ता न हो।
नापर्हेज़गार (ناپرهیزگار) फा वि —जो पर्हेज़गार न हो।
नापसंद (ناپسند) फा वि —अरुचिकर, ग़ैर मर्गूब।
नापसंदीदः (ناپسندیده) फा अ वि —जो पसंद न हो, अरुचिकर, अप्रिय।
नापसंदीदःकार (ناپسندیده‌کار) फा वि —वह व्यक्ति जो ऐसे काम करता हो जो अच्छे न हो, अप्रियकर।
नापसंदीदगी (ناپسندیدگی) फा स्त्री —पसंद न होने का भाव, अरुचि।
नापाइदार (ناپائدار) फा वि —अदृढ, जो मज़बूत न हो, अस्थायी, आरिज़ी, अनिश्चित, ग़ैर यक़ीनी।
नापाक (ناپاک) फा वि —अपवित्र, अशुचि, जो पाक न हो, मलदूषित, नजासत आलूद।
नापाकी (ناپاکی) फा स्त्री —अशुद्धता, अपवित्रता, गंदगी।
नापुख़्त: (ناپخته) फा वि —जो पक्का न हो, अपक्व, जो मज़बूत न हो, अदृढ।
नापुख़्त कार (ناپخته‌کار) फा वि —नातज्रिब कार, अननुभवी।
नापुख़्तगी (ناپختگی) फा स्त्री —अपरिपक्व, कच्चापन, अदृढता, बोदापन।
नापैद (ناپید) फा वि —अप्राप्य, नायाब, अन्तर्द्धान, गाइब, लुप्त, पोशीदा।
नापैदा (ناپیدا) फा वि —दे 'नापैद'।
नापैदाकनार (ناپیداکنار) फा वि —जिसका छोर न मिल सके, जिसका किनारा न मिले, अपार।
नाफ़ः (نافه) फा पु —मृगनाभि।
नाफ़ (ناف) फा स्त्री —नाभि, तुंदी, तुंद कूपी।
नाफ़ए आहू (نافهٔ آهو) फा पु —मृगनाभि।
नाफ़ए मुश्क (نافهٔ مشک) फा पु —मृगनाभि, वह थैली जिसमें मुश्क रहती है।
नाफ़पेच (ناف‌پیچ) फा स्त्री —पेचिश।
नाफ़र्जाम (نافرجام) फा वि —जिसके काम का परिणाम अच्छा न हो, बदअंजाम।
नाफ़र्मान (نافرمان) फा वि —अवज्ञाकारी, हुक्म न माननेवाला, उद्दंड, सरकश।
नाफ़र्मानी (نافرمانی) फा स्त्री —अवज्ञा, हुक्मउदूली, उद्दंडता, सरकशी।
नाफ़ह्म (نافهم) फा अ वि —जिसकी समझ मोटी हो, जो बात न समझ सके।
नाफ़ह्मी (نافهمی) फा अ स्त्री —बेअक्ली, अज्ञान, मूर्खता।
नाफ़िज़ (نافذ) अ वि —हुक्म जारी होना, क़ानून लागू होना।
नाफ़िर (نافر) अ वि —घिन करनेवाला, घृणी।
नाफ़ी (نافی) अ वि —नफ़ी करनेवाला।
नाफ़े' (نافع) अ वि —लाभदायक, लाभकारक, नफ़ा देनेवाला।
नाफ़ेज़मीं (ناف زمین) फा स्त्री —मक्का।
नाफ़े हफ़्तः (ناف هفته) फा स्त्री —मंगलवार, मंगल।
नाब' (ناب) फा वि —शुद्ध, निर्मल, ख़ालिस, तेज़ और निर्मल मदिरा।
नाब (ناب) फा वि —ख़ालिस, निर्मल।
नाब (ناب) अ पु —दंत, दाँत।
नाबकार (نابکار) फा वि —नालाइक़, अधम, पामर, नीच।
नाबदान (ناودان) फा स्त्री —मकान की मोरी।
नाबलद (نابلد) फा वि —अनभिज्ञ, अनजान, नावाक़िफ़।
नाबाइस्तः (نابائسته) फा वि —नाशाइस्त, अशिष्ट, असभ्य।
नाबालिग़ (نابالغ) फा अ वि —जो बालिग़ न हो, अवयस्क।
नाबालिग़ी (نابالغی) फा अ स्त्री —अवयस्कता, जवानी को न पहुँचना।
नाबित (نابت) अ वि —उगनेवाला, उपजनेवाला।
नाबीना (نابینا) फा पु —अंध, अंधा, नेत्रहीन।
नाबूद (نابود) फा वि —नष्ट, विध्वस्त, बरबाद, लुप्त, ग़ाइब।
नामंज़ूर (نامنظور) फा अ वि —अस्वीकृत, अनंगीकृत, जो मंज़ूर न हो, रद, ख़ारिज।
नामंज़ूरी (نامنظوری) फा अ स्त्री —अस्वीकृति, ख़ारिज होना, रद होना।
नामः (نامه) फा पु —चिट्ठी, ख़त, पत्र, ग्रंथ, पुस्तक, (योग में) जैसे—'शाहनाम'।
नामःनिगार (نامه‌نگار) फा पु —संवादकार, संवाददाता, करस्पांडेंट।
नामःबर (نامه‌بر) फा पु —ख़त ले जानेवाला, डाकिया, पत्रवाहक।
नामःरसाँ (نامه‌رسان) फा पु —दे 'नाम बर'।
नामःसियाह (نامه‌سیاه) फा वि —जिसका नामए आमाल (कर्मपत्र) बिलकुल काला हो, पापी, दुष्कर्मी, गुनाहगार।
नाम (نام) फा पु —संज्ञा, इस्म, यश, नामवरी, ख्याति, शोहरत, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, स्मरण-चिह्न, यादगार, उपाधि, लक़ब, धूम, शुह्र।

नामआवर (نام آور) फा वि—ख्यातिप्राप्त, मशहूर, यशस्वी, कीर्तिवान्, साहिबे फ़ैज़।

नामआवरी (نام آوری) फा स्त्री—सुख्याति, शोहरत, यश, कीर्ति, फ़ैज़।

नामए अमल (نامۂ عمل) फा अ पु—दे 'नामए आ'माल'।

नामए आ'माल (نامۂ اعمال) फा अ पु—वह कागज़ जिस पर यमदूत हरेक व्यक्ति के सत्कर्म और कुकर्म लिखते हैं, कर्मपत्र।

नामए शौक़ (نامۂ شوق) फा अ पु—मुहब्बत का ख़त, प्रेमपत्र।

नामक़बूल (نامقبول) फा अ वि—जो स्वीकार न किया जा सके, अस्वीकृत।

नामज़द (نامزد) फा वि—दे 'नामज़द'।

नामज़द (نامزد) फा वि—ख्यात, मशहूर, किसी काम या चुनाव के लिए मुंतख़ब, मनोनीत, नाम निर्दिष्ट, वह लड़की जो किसी की मँगेतर हो चुकी हो।

नामज़दगी (نامزدگی) फा स्त्री—चुनाव आदि में नामज़द होना, नामनयन, नाम-निर्देशन, किसी काम के लिए किसी का तक़र्रुर।

नामजू (نامجو) फा वि—नामवरी चाहनेवाला।

नामत़्बूअ़ (نامطبوع) फा अ वि—अप्रिय, अरुचिकर, नागवार, अप्रकाशित, जो छपा न हो।

नामत़्लूब (نامطلوب) फा अ वि—जिसकी चाह न हो, अयाचित।

नामदार (نامدار) फा वि—यशवान्, नामवर, प्रतिष्ठित, श्री इज़्ज़त, ख्यातिप्राप्त, मशहूर।

नामबरदार (نامبردار) फा. वि नामी, प्रतिष्ठित।

नामबुर्दः (نامبردہ) फा वि—पहले कहा हुआ व्यक्ति, जिस आदमी का पहले ज़िक्र हो चुका हो, पूर्वोक्त।

नामर्द (نامرد) फा वि—भीरु, डरपोक, बुज़दिल, क्लीब, नपुंसक, हीजड़ा।

नामर्दी (نامردی) फा स्त्री—भीरुता, डरपोकपन, बुज़दिली, क्लीबत्व, नपुंसकता, ज़नानापन।

नामर्दुम (نامردم) फा वि—अधम, पामर, नीच, कमीना।

नामर्दुमी (نامردمی) फा स्त्री—अधमता, नीचता, कमीनगी।

नामर्बूत़ (نامربوط) फा अ वि—जो क्रमबद्ध न हो, असंबद्ध, असंगत, बेजोड़, अंड-बंड।

नामवर (نامور) फा वि—मशहूर, प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त, यशस्वी, पुण्यश्लोक, वाफ़ैज़।

नामवरी (ناموری) फा स्त्री—ख्याति, शोहरत, यश, कीर्ति, फ़ैज़।

नामशरूअ़ (نامشروع) फा अ. वि—जो काम शर्अ के विरुद्ध हो, अविहित।

नामस्मूअ़ (نامسموع) फा अ वि—जो सुना न हो, अश्रुत।

नामहदूद (نامحدود) फा. अ वि—अपार, असीम, जिसकी हद न हो।

नामहरूम (نامحرم) फा अ वि—वह मर्द जिससे स्त्री का पर्दा जाइज़ हो, अपरिचित, अजनबी।

नामा'क़ूल (نامعقول) फा.अ वि—अनुचित, नामुनासिब, अश्लील, फुहश, अनर्थक, बेहूद, बुद्धि में आ न सकनेवाली बात, अरुचिकर, नापसंदीद, असभ्य, अशिष्ट, ग़ैर मुहज़्ज़ब।

नामानूस (نامانوس) फा अ वि—जिसकी ओर रुचि और लगाव न हो, जो पसंद न हो।

नामा'लूमुलइस्म (نامعلوم الاسم) फा अ वि—जिसका नाम न मालूम हो, अज्ञातनाम।

नामा'लूम (نامعلوم) फा अ वि—जिसका पता न हो, अज्ञात।

नामिय (نامیہ) अ स्त्री—उगने और बढ़ने की कुव्वत, विकास-शक्ति।

नामी (نامی) फा वि—प्रसिद्ध, मशहूर, यशवान्, वाफ़ैज़; श्रेष्ठ, मुअ़ज़्ज़ज़।

नामीद. (نامیدہ) फा वि—नाम रखा हुआ।

नामुआफ़िक़ (ناموافق) फा अ वि—प्रतिकूल, अननुकूल, मुख़ालिफ़।

नामुकम्मल (نامکمل) अ फा वि—जो पूरा न हो, अपूर्ण, अधूरा, जो अभी ख़त्म न हुआ हो, असमाप्त।

नामुतनाही (نامتناہی) फा अ वि—असीम, अपार, बेहद, जिसकी इंतिहा न हो।

नामुनासिब (نامناسب) फा अ वि—जो उचित न हो; अनुचित, जो श्लील न हो, अश्लील, फुहश।

नामुबारक (نامبارک) फा अ वि—जो शुभ न हो, अशुभ, अमांगलिक।

नामुम्किन (ناممکن) फा अ वि—जो हो न सके, असंभव।

नामुराद (نامراد) फा वि—असफलमनोरथ, नाकाम, दुर्भाग्यवान्, अभागा, बदनसीब।

नामुरादी (نامرادی) फा स्त्री—मनोरथ में असफलता, नाकामी, बदनसीबी, दुर्भाग्य।

नामुलाइम (ناملائم) फा अ वि—जो मुलाइम न हो, कठोर, सख़्त, जो श्लील न हो, अश्लील, नामुहज़्ज़ब।

नामुशख़्ख़स (نامشخص) फा अ वि—जिसकी तशख़ीस न हुई हो, अज्ञात, अकुलीन, अनजाना।

नामुसाअदत (نامساعدت) फा. अ स्त्री—प्रतिकूलता, नामुआफ़क़त, नासाज़गारी।
नामुसाइद (نامساعد) फा अ वि—प्रतिकूल, मुख़ालिफ़।
नामुसावी (نامساوی) फा अ वि—जो बराबर न हो, विषम, जो यकसाँ न हो, असमान।
नामूस (ناموس) अ पु—लज्जा, लाज, ग़ैरत, सतीत्व, इस्मत, मर्यादा, पत्नी, स्त्री।
नामूसियः (ناموسیہ) अ स्त्री—मच्छरदानी।
नामूसे अक्बर (ناموس اکبر) अ पु—नियम, क़ाइदा, विधान, दस्तूर, जिब्रील।
नामे ख़ुदा (نام خدا) फा अव्य—जहाँ नज़र लगने का भय हो वहाँ बोलते हैं, जैसे—अब वह नामे ख़ुदा तनदुरुस्त हैं, वाह वाह, माशा अल्लाह की जगह, प्रशसा के लिए।
नामेह्रबाँ (نامہرباں) फा वि—बेरहम, दयाहीन, दुश्मन, शत्रु।
नामेह्रबानी (نامہربانی) फा स्त्री—बेरहमी, निर्दयता, शत्रुता बैर।
नामो'तबर (نامعتبر) फा अ वि—जिसका ए'तिबार न हो, अविश्वस्त।
नामौज़ूँ (ناموزوں) फा अ वि—अनुचित, नामुनासिब, अश्लील, नामुहज़्ज़ब, वह शेर या मिस्रा जो वज़्न से ख़ारिज हो।
नामौजूद (ناموجود) फा अ वि—जो मौजूद न हो, अनुपस्थित।
नामौजूदगी (ناموجودگی) फा अ स्त्री—अनुपस्थिति, अविद्यमानता।
नामौज़ूनी (ناموزونی) फा अ स्त्री—अनुचितपन, नामुनासिब होना, शे'र या मिस्रे का वज़्न में न होना।
नायाब (نایاب) फा वि—जिसका मिलना सभव न हो, अप्राप्य।
नायाबी (نایابی) फा स्त्री—अप्राप्ति, फ़ुक़्दान।
नारज (نارج) फा पु—सगतरा, सतरा, नारगी।
नारजी (نارجی) फा वि—नारगी के रग का।
ना'रः (نعرہ) अ पु—ज़ोर की आवाज़, ललकार, माँग, मुतालबा, किसी माँग या मुतालबे के लिए, उसी आशय के सक्षिप्त शब्दो की घोषणा।
ना'रःज़न (نعرہزن) अ फा वि—नारा लगानेवाला।
ना'रःज़नी (نعرہزنی) अ फा स्त्री—नारे लगाना।
नार (نار) अ स्त्री—आग, अग्नि, नरक, दोज़ख।
नार (نار) फा पु—अनार, दाडिम।
नारजील (نارجیل) फा पु—नारियल, नारिकेल, गरी, खोपरा।
नारजीले दर्याई (نارجیل دریائی) अ फा पु—समुद्र में पैदा होनेवाला नारियल, पपीता जो हैज़े मे काम आता है।
नारदान (ناردان) फा पु—अनार के बीज, खट्टे अनार के दाने।
नारपिस्ताँ (نار پستاں) फा वि—वह स्त्री जिसकी छातियाँ कठोर हो।
नारबुन (نارن) फा पु—अनार का पेड, दाडिम वृक्ष।
नारवन (ناروں) फा पु—गुलनार, अनार का एक प्रकार।
नारवा (ناروا) फा वि—जो उचित न हो, अनुचित, नामुनासिब, जो जाइज़ न हो, अविहित।
नारस (نارس) फा वि—वह फल जो अभी पका न हो, कच्चा।
नारसा (نارسا) फा वि—जो पहुँच न सके, जो पा न सके।
नारसाई (نارسائی) फा स्त्री—पहुँच न होना, पा न सकना।
नारसी (نارسی) फा स्त्री—दे 'नारसाई'।
नारसीद (نارسیدہ) फा वि—जो फल पका न हो, जो बालिग न हो, अवयस्क, जो अनुभवहीन हो, अनाडी।
नारसीदगी (نارسیدگی) फा स्त्री—फल का पका न होना, कच्चापन, अनुभवहीनता, अनाडीपन।
नाराज़ (ناراض) फा अ वि—अप्रसन्न, नाखुश, क्रुद्ध, गुस्से में।
नाराज़ी (ناراضی) फा अ स्त्री—अप्रसन्नता, नाखुशी, क्रोध, कोप, गुस्सा।
नारास्त (ناراست) फा वि—जो सीधा न हो, वक्र, टेढा, जो सच न हो, असत्य, झूठ, खोटा आदमी, धूर्त।
नारास्ती (ناراستی) फा स्त्री—वक्रता, टेढापन, असत्यता, झूठ, खोटापन, धूर्तता।
नारी (ناری) अ वि—नारकी, दोज़खी, अग्नि से उत्पन्न प्राणिवर्ग, जिन, परी।
नारे जहन्नम (نار جہنم) अ स्त्री—नरक की आग, दोज़ख की आग।
नारे दोज़ख़ (نار دوزخ) अ फा स्त्री—दे 'नारे जहन्नम'।
नारे फ़ार्सी (نار فارسی) अ फा स्त्री—उपदश, गर्मी रोग।
नारे सईर (نار سعیر) अ स्त्री—दे 'नारे जहन्नम'।
नाल (نالہ) फा पु—आर्तनाद, फर्याद, चीत्कार, चीख, कोलाहल, शोर।
नालःकश (نالہکش) फा वि—नाला करनेवाला, फर्याद करनेवाला।
नालःकुनाँ (نالہکناں) फा वि—नाल करता हुआ, फर्याद करता हुआ।
नालःगर (نالہگر) फा वि—दे 'नाल कश'।
नालःज़न (نالہزن) फा वि—दे 'नाल कश'।

नाल (نال) फा स्त्री –वह महीन सूत-जैसे रेशे जो कलम के भीतर होते हैं, भीतर से खाली नरकट, नलकी।
ना'ल (نعل) अ पु –जूता, पादुका, घोडे या बैल आदि के पाँव में जडा जानेवाला लोहे का हल्क, जूते मे जडा जानेवाला लोहे का हल्क।
ना'लैन (نعلین) अ पु –दोनो जूते, जूते का जोडा।
ना'ल दर आतश (نعل در آتش) अ फा वि –व्याकुल, आतुर, बेकरार।
ना'लबद (نعل‌بند) अ फा वि –जूतो या चौपायो के पाँव में नाल बाँधनेवाला।
ना'लबहा (نعل‌بہا) अ फा पु –खिराज, चौथ, राजकर।
नालाँ (نالاں) फा वि –रोता-चिल्लाता हुआ, बावैला करता हुआ, —"बहार आयी चमन मे, और तू इतनी परीशाँ है, बता बुलबुल ! तुझे क्या दर्द है, तू जिससे नालाँ है !", अनुचित, नामुनासिब।
नालाइक (نالائق) फा अ वि –अयोग्य, नाअहल, नीच, कमीना, अशिष्ट, उजड्ड, धूर्त, चालाक, दुरात्मा, बदबातिन।
नालिद (نالندہ) फा वि –रोनेवाला, नाल करनेवाला।
नालिश (نالش) फा स्त्री –आर्तनाद, फर्याद, वाद, दावा, किसी के अत्याचार की शिकायत।
नालिशी (نالشی) फा वि –फर्याद करनेवाला, दावा करनेवाला, वादी।
नालीद' (نالیدہ) फा वि –रोया हुआ, रुदित।
नालीदनी (نالیدنی) फा अव्य –रोने के लाइक।
ना'ले चोबीं (نعل چوبیں) अ फा पु –खडाऊँ, चट्टी, पादुका।
नाव. (ناوہ) फा पु –परनाला, वह लकडी या मिट्टी का परनाला जो छतो मे लगता है।
नाव (ناو) फा स्त्री –किश्ती, नौका, नाव।
नावक (ناوک) फा पु –एक प्रकार का छोटा तीर, जिसकी मार कडी होती है।
नायकंदाज (ناوک‌انداز) फा वि –दे नावक अदाज, उच्चारण दोनो तरह होता है।
नावकअंदाज (ناوک‌انداز) फा वि –तीर चलानेवाला, काडीर।
नावकअफ़गन (ناوک‌افگن) फा वि –दे 'नावकअदाज'।
नावकफिगन (ناوک‌فگن) फा वि –दे 'नावकअदाज'।
नावदान (ناودان) फा पु –मोरी, नावदान, परनाला।
नावनोश (ناونوش) फा स्त्री –पीना-पिलाना, मयनोशी, शराब और नग्म, रगरलियाँ।

नावर्द (ناورد) फा स्त्री –युद्ध, लडाई, जग।
नावाकिफ (ناواقف) फा अ वि –अनभिज्ञ, अनाडी, अपरिचित, अनजान, अज्ञात, नामालूम।
नावाकिफीयत (ناواقفیت) फा अ स्त्री –अनभिज्ञता, अनाडीपन; अपरिचय, अनजानपन।
नावाजिब (ناواجب) फा अ वि–जो उचित न हो, नामुनासिब, जो श्लील न हो, नामुहज्जब।
ना'श (نعش) अ स्त्री –जनाजा, शव, अरथी।
नाशनास (ناشناس) फा वि –न पहचाननेवाला, जो पहचानता न हो, अपरिचित।
नाशनासाई (ناشناسائی) फा स्त्री –परिचय न होना, न पहचानना, अपरिचय।
नाशाइस्त' (ناشائستہ) फा वि –अनुचित, नामुनासिब, अशिष्ट, बदतहजीब, अश्लील, फुहश।
नाशाइस्त.अत्वार (ناشائستہ اطوار) फा अ वि –जिसका आचरण श्लील और सभ्य न हो।
नाशाइस्तगी (ناشائستگی) फा स्त्री –अशिष्टता, बदतहजीबी, अश्लीलता, फक्कडपन।
नाशाद (ناشاد) फा वि –जो खुश न हो, अप्रसन्न, खिन्न, मलिन, अफसुर्द, अभागा, बदनसीब।
नाशादमाँ (ناشادماں) फा वि –दे 'नाशाद'।
नाशादमानी (ناشادمانی) फा.स्त्री –अप्रसन्नता, नाखुशी; खिन्नता, मलिनता, अफसुर्दगी।
नाशिकेब (ناشکیب) फा वि –दे 'नाशिकेबा'।
नाशिकेबा (ناشکیبا) फा वि –आतुर, व्याकुल, बेचैन, असहिष्णु, नामुतहम्मिल, अधीर, बेसब्र।
नाशिकेबाई (ناشکیبائی) फा स्त्री –आतुरता, बेचैनी, अधीरता, बेसब्री, असहिष्णुता, बेतहम्मुली।
नाशिता (ناشتا) फा पु –सवेरे से नहार मुँह होना; दे 'नाश्ता'।
नाशिर (ناشر) अ पु –प्रसारक, सबमें फैलानेवाला, प्रकाशक, पब्लिशर।
नाशिरात (ناشرات) अ स्त्री –आँधियाँ और झक्कड।
नाशी (ناشی) अ वि –उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला, युवक, युवा, नौजवान।
नाशुक्र (ناشکر) फा अ पु –अकृतज्ञ, कृतघ्न, एहसान फरामोश, नमकहराम।
नाशुक्रगुजार (ناشکرگزار) फा अ वि –जो किसी की भलाई का शुक्रिया अदा न करे, कृतघ्न।
नाशुक्रगुजारी (ناشکرگزاری) फा अ स्त्री –उपकार पर कृतज्ञता न प्रकट करना, कृतघ्नता, एहसान फरामोशी।

नाशुदनी (ناشدنی) फा वि –असंभव, अशक्य, नामुम्किन, अभागा, बदनसीब।

नाशुन्वा (ناشنوا) फा वि –जो किसी की बात न सुनता हो, जिसके यहाँ किसी की पूछताछ न हो।

नाश्ता (ناشتا) फा पु –सवेरे का थोड़ा-सा खाना, जलपान, उपाहार।

नाश्पाती (ناشپاتی) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध फल, नासपाती।

नास (ناس) अ पु –एक आदमी, बहुत-से आदमी।

नासज़ा (ناسزا) फा वि –अनुचित, नामुनासिब, अश्लील, नाज़ेबा।

नासबूर (ناصبور) फा अ वि –अधीर, बेसब्रा, आतुर, जल्दबाज़।

नासब्र (ناصبر) फा अ वि –दे 'नासबूर'।

नासरः (ناسره) फा वि –वह सिक्का जो बाज़ार में न चले, खोटा, कूट, वह सोना या चाँदी जिसमें मिलावट या आमेज़िश हो।

नासवाब (ناصواب) फा अ वि –जो सत्य न हो, झूठ, जो ठीक न हो, अशुद्ध।

नासाज़ (ناساز) फा वि –नादुरुस्त, ग़ैरसहीह, अननुकूल, प्रतिकूल, नामुआफ़िक।

नासाज़गार (ناسازگار) फा वि –अननुकूल, प्रतिकूल, मुख़ालिफ़।

नासाज़ी (ناسازی) फा स्त्री –नादुरुस्ती, ख़राबी, प्रतिकूलता, मुख़ालफ़त।

नासाफ़ (ناصاف) फा अ वि –जो साफ़ और स्वच्छ न हो, जो ख़ालिस न हो।

नासिक (ناسک) अ वि –ईश्वराराधना करनेवाला, इबादतगुज़ार, बलिदान करनेवाला, क़ुर्बानी करनेवाला।

नासिख़ (ناسخ) अ वि –लिखनेवाला, लिपिक, रद करनेवाला, निरसक (उर्दू के एक प्रसिद्ध कवि)।

नासितूदः (ناستوده) फा वि –अप्रशंसित, जिसकी तारीफ़ न की गयी हो।

नासिपास (ناسپاس) फा वि –नाशुक्रा, अकृतज्ञ, नमकहराम।

नासिपासगुज़ार (ناسپاس‌گزار) फा वि –उपकार की कृतज्ञता न माननेवाला।

नासिपासी (ناسپاسی) फा. स्त्री –उपकार न मानना, कृतघ्नता, नमकहरामी।

नासिब (ناصب) अ वि –स्थापना करनेवाला, लगानेवाला, ज़बर देनेवाला।

नासिबी (ناصبی) अ वि –हज़्रत अली को बुरा कहनेवाला सम्प्रदाय, उक्त संप्रदाय का व्यक्ति।

नासियः (ناصیه) अ पु –माथा, ललाट, भाल, पेशानी।

नसियःफ़र्सा (ناصیه‌فرسا) अ फा वि –माथा रगड़नेवाला अर्थात् ख़ुशामद करनेवाला, ज़मीन पर माथा रखकर पूजा या प्रणाम करनेवाला।

नासियःसा (ناصیه‌سا) अ फा वि –दे 'नासिय फर्सा'।

नासिर (ناصر) अ वि –सहायक, मददगार, पृष्ठ-पोषक, हिमायती।

नासिर (ناثر) अ वि –नस्र लिखनेवाला, गद्यलेखक।

नासी (ناسی) अ वि –भूल जानेवाला, भूलनेवाला।

नासुतुर्दः (ناسترده) फा वि –जिसका सर मूँडा न गया हो।

नासुफ़्तः (ناسفته) फा वि –जिसमें छेद न हुआ हो, अनबिंधा (मोती), कुमारी, अक्षता, बाकिर।

नासूत (ناسوت) अ पु –हमारा संसार, मर्त्यलोक, दुनिया।

नासूर (ناسور) अ पु –एक प्रकार का घाव जो हमेशा रिस्ता रहता है और कभी अच्छा नहीं होता, नाड़ीव्रण।

नासेह (ناصح) अ पु –नसीहत करनेवाला, सदुपदेशक, साहित्यिक परिभाषा में प्रेम-त्याग का उपदेश देनेवाला।

नासेहे मुश्फ़िक़ (ناصح مشفق) अ पु –दयावान् और नम्र स्वभाववाला, नासेह।

नास्पाल (ناسپال) फा पु –अनार का छिलका।

नाहंजार (ناهنجار) फा वि –अधम, नीच, कमीना, कदाचारी, दुष्कर्मी, बदचलन।

नाहक़ (ناحق) फा अ वि –अकारण, बेसबब, अन्याय, अनीति, नाइंसाफ़ी।

नाहक़कोश (ناحق‌کوش) फा अ वि –अनीति और अन्याय की ओर प्रवृत्त रहनेवाला।

नाहक़शनास (ناحق‌شناس) फा अ वि –सच्चाई को न पहचाननेवाला, ख़ुदा को न पहचाननेवाला।

नाहक़शनासी (ناحق‌شناسی) फा अ स्त्री –ख़ुदा को न पहचानना, सच्चाई को न पहचानना, अन्याय, अनीति।

नाहमदर्द (ناهمدرد) फा वि –जिसमें सहानुभूति न हो, बेमुरव्वत, दुःशील।

नाहमवार (ناهموار) फा वि –जो समतल न हो, ऊँचा-नीचा, जो सभ्य और शिष्ट न हो, उजड्ड, असम।

नाहार (ناهار) फा वि –जो सवेरे से भूखा हो, नहारमुँह।

नाहियः (ناحیه) अ पु –किनारा, छोर, हद, किसी देश की आख़िरी हद।

नाही (ناهی) अ वि –रोकनेवाला, निवारक, मना करनेवाला, निषेधक।

नाही (ناحی) अ वि –इरादा करनेवाला, संकल्पकर्ता।

नाहीद (ناهید) फा स्त्री –शुक्र ग्रह, ज़ुहरा।

नि

निअम (نعم) अ स्त्री—'ने'मत' का बहु, ने'मते, अच्छी-अच्छी चीजें।

निआल (نعال) अ पु—'ना'ल' का बहु, जूते, पादुकाएँ, घोडे के नाल।

निक़ात (نقاط) अ पु—'नुक्त' का बहु, बिंदियाँ, नुक्ते, शून्य।

निकात (نكات) अ पु—'नुक्त' का बहु, सूक्ष्म और गूढ बाते।

निक़ाब (نقاب) अ स्त्री—मुखावरण, मुखपट, बुर्क़ा, ओट, पर्दा (नक़ाब)।

निक़ाबकुशाई (نقاب‌کشائی) अ फा स्त्री—दुल्हन के मुँह से निक़ाब उठाने की रस्म, किसी चित्र पर से पर्दा उठाने का उत्सव, अनावरण।

निक़ाबपोश (نقاب‌پوش) अ फा वि—जो अपना मुंह छिपाये हो, जिसके मुँह पर निक़ाव पडी हो।

निक़ाबे रुख़ (نقاب رخ) अ फा स्त्री—मुखपट, बुर्क़ा, घूंघट।

निक़ार (نقار) अ पु—द्वेष, वैर, कीना।

निकाह (نكاح) अ पु—पाणि-ग्रहण, विवाह, ब्याह।

निकाहनामः (نکاح‌نامه) अ फा पु—वह पत्र जिसमे ब्याह की शर्तें लिखी हो।

निकाहे सानी (نکاح ثانی) अ पु—दूसरा ब्याह, पहले पति के मरने पर दूसरे व्यक्ति के साथ ब्याह, पुनर्विवाह।

निको (نکو) फा वि—उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा, सुन्दर, हसीन।

निकोई (نکوئی) फा स्त्री—उत्तमता, अच्छाई, सुन्दरता, हुस्न।

निकोकार (نکوکار) फा वि—अच्छे आचरणवाला, सदाचार।

निकोख्वाह (نکوخواه) फा वि—भलाई चाहनेवाला, शुभ-चितक, हितैषी।

निकोनाम (نکونام) फा वि—नामवर, उत्तमयश, कीर्तिमान्।

निकोहिश (نکوهش) फा स्त्री—भर्त्सना, डाँट-फटकार, निंदा, बुराई।

निकोहीदः (نکوهیده) फा वि—निंदित, कुत्सित, धिक्कृत।

निक्मत (نقمت) अ स्त्री—कष्ट, पीडा, यातना, अज़ाव, द्वेष, कीना।

निक्रिस (نقرس) अ पु—कमर की जड से अँगूठे तक पूरे पाँव मे होनेवाला एक दर्द।

निख्वत (نخوت) अ स्त्री—अभिमान, अहकार, गुरूर।

निख्वतपसद (نخوت‌پسند) अ फा वि—अभिमानी, अहकारी, मग़रूर।

निगर (نگر) फा प्रत्य—ताकनेवाला, देखनेवाला, जैसे—'दस्तनिगर' दूसरे के हाथ की तरफ देखनेवाला, अर्थात् पराश्रय।

निगराँ (نگراں) फा वि—निरीक्षक, जाँच-पडताल करनेवाला, सरक्षक, मुहाफिज़, अभिभावक, गार्जियन; प्रतीक्षक, रस्ता देखनेवाला।

निगरानी (نگرانی) फा स्त्री—निरीक्षण, देख-रेख, संरक्षण, हिफाजत, अभिभावकता, सरपरस्ती।

निगह (نگه) फा स्त्री—'निगाह' का लघु, दे 'निगाह'।

निगहदाश्त (نگهداشت) फा स्त्री—सरक्षण, निगरानी।

निगहबान (نگهبان) फा वि—सरक्षक, देख-रेख करनेवाला।

निगार (نگار) फा पु—मूर्ति, प्रतिमा, बुत, चित्र, नक्श; प्रेमपात्र, महबूब, प्रेयसी, प्रेमिका, महबूब, हाथ-पाँव पर मेहदी से बनाये हुए चित्र (प्रत्य) चित्रित, जैसे—'ज़रनिगार' स्वर्णचित्रित।

निगारख़ानः (نگارخانه) फा पु—चित्रालय, तस्वीर-घर, सजा हुआ मकान, मूर्तिगृह, बुतख़ाना, जहाँ बहुत-सी सुन्दरियाँ एकत्र हो वह स्थान।

निगारिंदः (نگارنده) फा वि—लिखनेवाला, चित्र बनाने-वाला।

निगारिश (نگارش) फा स्त्री—लेख, तहरीर, चित्र, नक्श।

निगारिस्तान (نگارستان) फा पु—चित्रालय, जहाँ बहुत-सी तस्वीरे हो, जहाँ बहुत-सी हसीन शक्लें हो, मूर्ति-गृह।

निगारी (نگاری) फा वि—चित्रित, नक्शीन, शृगारित, मुरस्सा।

निगारेअर्मनी (نگارارمنی) फा स्त्री—फर्हाद की प्रेमिका, शीरी।

निगाश्तः (نگاشته) फा वि—लिखा हुआ, लिखित, चित्रित, मुनक्कश।

निगाश्तनी (نگاشتنی) फा अव्य—लिखने योग्य, चित्र बनाने योग्य।

निगाह (نگاه) फा स्त्री—दृष्टि, नज़र, प्रेक्षा।

निगाहदार (نگاهدار) फा वि—सरक्षक, निगहवान।

निगाहदाश्त (نگاهداشت) फा स्त्री—सरक्षा, हिफाजत, निगरानी, देख-रेख।

निगाहबान (نگاهبان) फा वि—सरक्षक, निगराँ, देख-रेख करनेवाला।

निगाहेक़ह्र (نگاه‌قهر) फा अ स्त्री—क्रोध की दृष्टि, गुस्से की नजर।

निगाहे ग़लत अदाज़ (نگاه‌غلط‌انداز) फा वि—ऐसी दृष्टि जिसे हर व्यक्ति यह समझे कि उसी की ओर है, भ्रम मे डालनेवाली दृष्टि।

निगाहे तअम्मक़ (نگاه‌تعمق) फा अ स्त्री—सूक्ष्म दृष्टि, गहरी नजर।

निगाहेनाज़ (نگاہِ ناز) फा स्त्री –नाज़ो अदाज़ की दृष्टि।

निगाहे पर्वरिश (نگاہِ پرورش) फा स्त्री –कृपादृष्टि, मेहरबानी की नज़र, दयादृष्टि।

निगाहेबद (نگاہِ بد) फा स्त्री –बुरी नज़र, कुदृष्टि, पापदृष्टि।

निगाहेमेह्र (نگاہِ مہر) फा स्त्री –कृपा-दृष्टि, दया-दृष्टि, करम की निगाह।

निगूँ (نگوں) फा वि –औंधा, उलटा, अधोमुख।

निगूँताले' (نگوں طالع) फा अ वि –दे 'निगूँबख़्त'।

निगूँबख़्त (نگوں بخت) फा वि –औंधी किस्मतवाला, हतभाग्य।

निगूँसार (نگوں سار) फा वि –औंधा, उलटा, अधोमुख।

निगूँहिम्मत (نگوں ہمت) फा अ वि –हतसाहस, हतोत्साह, पस्त हिम्मत।

निज़ाअ (نزاع) अ स्त्री –झगडा, दगा, फसाद, वैर, शत्रुता, दुश्मनी।

निज़ाएलफ्ज़ी (نزاعِ لفظی) अ स्त्री –केवल बातो का झगडा, ज़बानी झगडा, वाक्कलह, शाब्दिक-कलह।

निज़ाद (نژاد) फा स्त्री –कुल, वश, नसब, दे 'नज़ाद', अधिक शुद्ध वही है।

निज़ाम (نظام) अ पु –प्रबध, व्यवस्था, इतिज़ाम, क्रम, सिलसिला, शैली, पद्धति, तर्ज़, सघटन, तजीम।

निज़ामी (نظامی) अ वि –सैनिक, फौजी, प्रबध से सम्बन्ध रखनेवाला।

निज़ामेफीसाग़ोर्स (نظامِ فیثاغورث) अ पु –दे 'निज़ामे शम्सी'।

निज़ामेबत्लीमूस (نظامِ بطلیموس) अ पु –जिसमे यह माना गया है कि पृथ्वी अचल है और चांद-सूरज आदि ग्रह इसके चारो ओर घूमते हैं।

निज़ामेशम्सी (نظامِ شمسی) अ पु –जिसमे यह माना गया है कि सूरज अचल है, और पृथ्वी तथा दूसरे ग्रह उसके चारो ओर घूमते हैं, आधुनिक वैज्ञानिको का मत भी यही है।

निज़ामेसल्तनत (نظامِ سلطنت) अ पु –राज्य-प्रबध, राज की व्यवस्था।

निज़ामेहुकूमत (نظامِ حکومت) अ पु –दे 'निज़ामेसल्तनत'।

निज़्द (نزد) फा वि –समीप, निकट, करीब, दे 'नज़्द', दोनो शुद्ध हैं।

निदा (ندا) अ स्त्री –बुलाना, पुकारना, आवाहन, वह शब्द जो बुलाने के लिए प्रयुक्त हो जैसे, 'ओ' 'ए' आदि।

निदाएग़ैब (ندائے غیب) अ स्त्री –आकाशवाणी, ग़ैबी आवाज़।

निफ़ाक़ (نفاق) अ पु –फूट, एकता का न होना, शत्रुता, वैर, दुश्मनी।

निफ़ाक़अंगेज़ (نفاق انگیز) अ फा वि –फूट डालनेवाली बात, विरोध करानेवाली बात।

निफ़ाक़पर्वर (نفاق پرور) अ फा वि –फूट डालनेवाला व्यक्ति, भेदकर्ता।

निफ़ाक़ेबाहमी (نفاقِ باہمی) अ फा स्त्री –आपस की फूट, पारस्परिक विरोध।

निफ़ास (نفاس) अ पु –वह रक्तस्राव जो प्रसूतिका के शरीर से बच्चा जनने के चालीस दिन तक होता रहे।

निफ़्त (نفطہ) अ पु –छाला, फफोला, आब्ला।

निफ़्त (نفت) फा पु –मिट्टी का तेल, बारूद।

निफ़्तअदाज़ (نفت انداز) फा वि –बारूदी हथियार चलानेवाला, गोलदाज़, तोप दागनेवाला।

निफ़्रीं (نفریں) फा स्त्री –धिक्कार, लानत।

निब्रास (نبراس) अ पु –दीप, दीपक, चिराग।

निया (نیا) फा पु –प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, दादा, पितामह, नाना, मातामह, मामूँ, मातुल।

नियाइश (نیائش) फा स्त्री –स्तुति, हम्दोसना, प्रशसा, तारीफ, साधुवाद, शाबाश।

नियागाँ (نیاگاں) फा पु –'निया' का बहु, पूर्वज, पुरखे, बुज़ुर्ग।

नियाज़ (نیاز) फा पु –प्रार्थना, गुज़ारिश, इच्छा, आर्ज़ू, परिचय, जान-पहचान, साक्षात्, मुलाकात (स्त्री) चढावा, भेट, चढावे की मिठाई, फातहा, मुर्दे या किसी बुज़ुर्ग का खाना आदि।

नियाज़आगीं (نیاز آگیں) फा वि –दे 'नियाज़मद'।

नियाज़केश (نیاز کیش) फा वि –दे 'नियाज़मद'।

नियाज़नाम (نیازنامہ) फा पु –विनयपत्र, वक्ता अपने पत्र के लिए बोलता है।

नियाज़मद (نیازمند) फा वि –आज्ञाकारी, ताबेदार, परिचित, मुलाकाती, भक्त, फिदाई, मित्र, दोस्त।

नियाज़मदाना (نیازمندانہ) फा अव्य –भक्तो-जैसा, आज्ञाकारियो-जैसा, नम्रतापूर्ण।

नियाज़मदी (نیازمندی) फा स्त्री –आज्ञाकारिता, भक्ति, मैत्री, दोस्ती।

नियाब (نیاب) अ पु –'नाब' का बहु, सामने के दाँतों और डाढो के बीचवाले दाँत।

नियाबत (نیابت) अ स्त्री –प्रतिनिधित्व, क़ाइममुक़ामी, दूत-कर्म, एलचीपन, अभिकर्म, एजेंटी, स्थानापन्नता, क़ाइममुक़ामी।

नियाम (نیام) फ़ा.पुं.—कोष, मियान, तलवार का ग़िलाफ़।
नियोश (نیوش) फ़ा. प्रत्य.—सुननेवाला, जैसे—'हक़नियोश' सच्ची बात सुननेवाला।
नियोशिन्दः (نیوشندہ) फ़ा. वि.—सुननेवाला, श्रोता।
निवालः (نوالہ) फ़ा. पुं.—कवल, ग्रास, लुक़्मा।
निविश्तः (نوشتہ) फ़ा. पुं.—लिखित, लिखा हुआ; लेख, तहरीर।
निविश्त (نوشت) फ़ा. वि.—लिखा हुआ, लिखित।
निविश्तए तक़्दीर (نوشتۂ تقدیر) फ़ा. अ. पुं.—भाग्य-रेखा, क़िस्मत का लिखा।
निशस्तः (نشستہ) फ़ा. वि.—बैठा हुआ।
निशस्त (نشست) फ़ा. स्त्री.—बैठक, बैठने की मुद्रा; गोष्ठी, मज्लिस; एक बार की बैठक या जल्सा।
निशस्तगाह (نشستگاہ) फ़ा. स्त्री.—बैठने का स्थान, दीवानख़ाना।
निशस्तो बरख़ास्त (نشست و برخاست) फ़ा. स्त्री.—उठना-बैठना, आना-जाना।
निशाँ (نشاں) फ़ा. पुं.—'निशान' का लघु, दे. 'निशान', (प्रत्य.) बैठानेवाला, जैसे—'ख़ातिरनिशाँ' दिल में बिठाने या जमानेवाला।
निशाँज़दः (نشاں زدہ) फ़ा. वि.—जिस पर निशान हो, चिह्नित, अंकित।
निशाँदिही (نشاں دہی) फ़ा. स्त्री.—पता देना, निशान बताना।
निशानः (نشانہ) फ़ा. पुं.—वह स्थान जिस पर निशाना लगाया जाय, लक्ष्य; ताकना, निशाना मारना।
निशानःअंदाज़ (نشانہ انداز) फ़ा.वि.—ठीक निशाना लगानेवाला, लक्ष्यभेदी।
निशान (نشان) फ़ा. पुं.—चिह्न, अलामत; पताका, ध्वजा; बैज, तम्ग़ा; पता, सुराग़; मुहर का चिह्न; लक्ष्य, निशाना।
निशानची (نشانچی) फ़ा. वि.—झंडा हाथ में लेकर आगे चलनेवाला, अच्छा निशाना लगानेवाला।
निशानी (نشانی) फ़ा. स्त्री.—स्मृति-चिह्न, यादगार; पहचान, अलामत; चिह्न, निशान, लक्षण, अलामत।
निशानेक़दम (نشان قدم) फ़ा. अ. पुं.—पाँव का चिह्न, पद-चिह्न।
निशानेपा (نشان پا) फ़ा. पुं.—दे. 'निशानेक़दम'।
निशानेमंज़िल (نشان منزل) फ़ा. अ. पुं.—मंज़िल का पता, गन्तव्य स्थान का चिह्न।
निशानेमील (نشان میل) फ़ा. अ. पुं.—सड़क पर मीलों का चिह्न।
निशानेराह (نشان راہ) फ़ा. पुं.—रस्ते का पता, रस्ता किधर है यह पता; राह के मील, फ़र्लांग आदि का चिह्न।
निशीद (نشید) फ़ा. पुं.—गान, नग़्मा, गाने की आवाज़।
निशीदख़्वाँ (نشیدخواں) फ़ा. वि.—गानेवाला, गायक; मीठी आवाज़ से पढ़नेवाला, तरन्नुमरेज़।
निशेब (نشیب) फ़ा. पुं.—नीची ज़मीन; निचाई, पस्ती, नशेब भी प्रचलित।
निशेबोफ़राज़ (نشیب و فراز) फ़ा. पुं.—ऊँचा-नीचा, बलंदी और पस्ती; संसार की ऊँच-नीच।
निशेमन (نشیمن) फ़ा. पुं.—घोंसला, कुलाय (नशेमन)।
निश्कुंज (نشکنج) फ़ा. स्त्री.—चुटकी, चकोटा।
निश्तर (نشتر) फ़ा. पुं.—शस्त्र, चीरफाड़ का आला (नश्तर)।
निश्तरकदः (نشترکدہ) फ़ा. पुं.—आपरेशन रूम, चीरघर।
निश्तरज़न (نشترزن) फ़ा. वि.—निश्तर मारनेवाला, आपरेशन करनेवाला।
निश्तरे फ़स्साद (نشتر فصاد) फ़ा. अ. पुं.—वह निश्तर जिससे रगों का ख़ून निकाला जाता है।
निश्तरे रगज़न (نشتر رگ زن) फ़ा. पुं.—दे. 'निश्तरे फ़स्साद'।
निश्वार (نشوار) फ़ा. स्त्री.—जुगाली।
निसा (نسا) अ. स्त्री.—स्त्रियाँ, औरतें।
निसाब (نصاب) अ. पुं.—पूँजी, सरमाया; मूल, आधार।
निसाबे ज़कात (نصاب زکوۃ) अ. पुं.—वह धन जिस पर ज़कात वाजिब हो जाती है और यह ५० तोला चाँदी और साढ़े सात तोला सोना होता है।
निसाबे ता'लीम (نصاب تعلیم) अ. पुं.—वे पुस्तकें जो किसी पाठशाला या कक्षा में पढ़ायी जाती हों, पाठ्यक्रम।
निसार (نثار) अ. पुं.—बलि, क़ुर्बान; सदक़ः, न्योछावर; मुग्ध, फ़िरेफ़्तः।
निसारे यार (نثار یار) अ. फ़ा. पुं.—प्रेमिका पर न्योछावर।
निस्फ़ (نصف) अ. वि.—अर्द्ध, आधा।
निस्फ़ुन्नहार (نصف النہار) अ. पुं.—दोपहर, मध्याह्न।
निस्फ़ुल्लैल (نصف اللیل) अ. स्त्री.—आधीरात, अर्द्धरात्रि।
निस्बत (نسبت) अ. स्त्री.—सम्बन्ध, तअल्लुक़; लगाव, संपर्क; सगाई, मँगनी; तुलना, समता, बराबरी।
निस्यः (نسیہ) अ. पुं.—उधार, ऋण, क़र्ज़।
निस्याँ (نسیاں) अ. पुं.—'निस्यान' का लघु., दे. 'निस्यान'।
निस्यान (نسیان) अ. पुं.—भूल, विस्मृति।
निस्रीं (نسریں) अ. पुं.—एक फूल, सेवती।
निस्वत (نسوت) अ. स्त्री.—नारियाँ, स्त्रियाँ, औरतें।
निस्वाँ (نسواں) अ. स्त्री.—'इम्रअत' का बहु., स्त्रियाँ, महिलाएँ।

निस्वानियत (نسوانیت) अ स्त्री—स्त्रीत्व, औरतपन, जनानापन, नरदारत्व।

निस्वानी (نسوانی) अ वि—स्त्रियो का, स्त्रियो से सम्बन्ध रखनेवाला।

निस्वानीयत (نسوانیت) अ स्त्री—दे 'निस्वानियत', दोनो तरह शुद्ध है।

निहाँ (نہاں) फा वि—गुप्त, छिपा हुआ।

निहाँखानः (نہانخانہ) फा पु—तहखाना, तलगृह, अधोगृह।

निहानी (نہانی) फा वि—भीतरी, आन्तरिक, अदरूनी।

निहादः (نہادہ) फा वि—रखा हुआ।

निहाद (نہاد) फा स्त्री—स्वभाव, प्रकृति, आदत, आधार, बुनियाद, (प्रत्य) स्वभाववाला, जैसे—'नेकनिहाद' अच्छे स्वभाववाला, रखा हुआ, जैसे—'दिलनिहाद' जहाँ दिल रक्खा हो।

निहायत (نہایت) अ स्त्री—अत, छोर, हद, अत्यन्त, बहुत अधिक।

निहायतदर्जः (نہایت درجہ) अ वि—बहुत अधिक, बहुत जियादा।

निहाल (نہال) फा पु—पौधा, छोटा पेड, (वि) प्रफुल्ल, प्रसन्न, खुश, समृद्ध, मालामाल।

निहालचः (نہالچہ) फा पु—छोटे बच्चो का विछौना, जिस पर वह गू-मूत करते हैं।

निहालीं (نہالیں) फा स्त्री—दे 'निहाली'।

निहाली (نہالی) फा स्त्री—तोशक, विस्तर।

निहिदः (نہندہ) फा वि—रखनेवाला।

निहुफ्त (نہفتہ) फा वि—गुप्त, छिपा हुआ, पोशीद।

निहुफ्त (نہفت) फा वि—गुप्ति, छिपाव, पोशीदगी।

निहुफ्तगी (نہفتگی) फा स्त्री—छिपाव, पोशीदगी।

निहुफ्तनी (نہفتنی) फा अव्य—छिपाने योग्य, गुह्य, गोप्य, गोपनीय।

निहेब (نہیب) फा पु—भय, त्रास, डर, खौफ, भयानक आवाज़, घोर नाद, लूटमार, गारतगरी।

नी

नी (نی) फा प्रत्य—के योग्य, जैसे—'कर्दनी', करने के योग्य, 'गुफ्तनी' कहने के योग्य।

नीज़ (نیز) फा अव्य—और, अथवा, भी, अपि।

नीमः (نیمہ) फा वि—अर्द्ध, अर्ध, आधा, एक प्रकार का ऊँचा पाजामा।

नीमःआस्तीं (نیمہ آستیں) फा पु—दे 'नीमआस्ती'।

नीम (نیم) फा वि—अर्द्ध, आधा, निस्फ, अल्प, न्यून, थोडा।

नीमआस्तीं (نیم آستیں) फा पु—एक प्रकार का कुर्ता जिसकी आस्तीने छोटी होती हैं।

नीमकश (نیم کش) फा वि—आधा अन्दर आधा बाहर (विशेषत बाण), कम खीचकर चलाये हुए धनुप का तीर जो शरीर मे से पार न हो सके।

नीमकारः (نیم کارہ) फा वि—अपूर्ण, नाकिस।

नीमकार (نیم کار) फा वि—वह कारीगर जो दूसरो के औजार से काम करे और मजदूरी मे उसे हिस्सा दे।

नीमकुश्त (نیم کشتہ) फा वि—अधमुआ, जिसका गला काटकर छोड दिया हो और वह तडप रहा हो।

नीमखुर्दः (نیم خوردہ) फा वि—आधा खाया हुआ, जूठा, जूठन, उच्छिष्ट, भुक्तशेप।

नीमखेज़ (نیم خیز) फा वि—किसी के सम्मानार्थ आधा खडा होना।

नीमख्वाब (نیم خواب) फा वि—वह आँख जिसमे कच्ची नीद से जगा देने की-जैसी लालिमा और मस्ती हो, अर्धसुप्त।

नीमख्वाबी (نیم خوابی) फा स्त्री—कच्ची नीद से जागने की कैफियत, कच्ची नीद।

नीमगर्म (نیم گرم) फा वि—गुनगुना, कदुष्ण, कवोष्ण, जो न बहुत गर्म हो न बहुत ठडा।

नीमगुफ्तः (نیم گفتہ) फा वि—आधा कहा हुआ, जो बात कुछ कही जा चुकी हो और कुछ कहना बाक़ी हो।

नीमचः (نیمچہ) फा पु—छोटी तलवार, खड्गपुत्री।

नीमजाँ (نیم جاں) फा वि—अधमुआ, जो मरने के करीब हो, आसन्नमृत्यु, मृतप्राय।

नीमजोश (نیم جوش) फा वि—आधी उबाली हुई चीज़।

नीमतस्लीम (نیم تسلیم) फा वि—एक प्रकार का सलाम जिसमे झुककर हाथ पेट तक ले जाते हैं।

नीमदस्त (نیم دست) फा वि—बडे आदमियो के बैठने की मस्नद, छोटी मस्नद।

नीमदस्ती (نیم دستی) फा स्त्री—दे 'नीमदस्त'।

नीमनिगाह (نیم نگاہ) फा स्त्री—कनखियो से देखना, तिरछी निगाह, कटाक्ष-पात।

नीमनिगाही (نیم نگاہی) फा- स्त्री—कनखयो से देखने का भाव।

नीमपुख्तः (نیم پختہ) फा वि—जो पूरी तरह पका न हो, अर्द्धपक्व।

नीमपुख्त (نیم پخت) फा वि—दे 'नीमपुख्त'।

नीमबाज़ (نیم باز) फा वि—आधा खुला हुआ, विशेपत आधी खुली हुई आँख, नशीली आँख।

नीमबिरिश्त (نیم برشت) फा वि—आधा भुना हुआ, आधा उबला हुआ, जैसे—नीमबिरिश्त अडा।
नीमबिर्यां (نیم بریاں) फा वि—आधा भुना हुआ, अधजला।
नीमबिस्मिल (نیم بسمل) फा वि—दे 'नीमकुश्त'।
नीममस्त (نیم مست) फा वि—जिसे मस्ती के साथ कुछ-कुछ होश भी हो, अर्द्धमत्त।
नीमरस (نیم رس) फा वि—जो मेवा अभी पूरे तौर से पका न हो, गद्दर।
नीमराज़ी (نیم راضی) फा वि—जो कुछ-कुछ रजामद हो, मगर पूरी तरह राज़ी न हो, अर्धसहमत।
नीमरिज़ा (نیم رضا) फा अ स्त्री—आधी रज़ामदी, अर्ध-सहमति।
नीमरुख़ (نیم رخ) फा वि—चेहरे के एक पार्श्व की तस्वीर।
नीमरोज़ (نیم روز) फा पु—दोपहर, मध्याह्न।
नीमवा (نیم وا) फा वि—आधा खुला हुआ, आधा खुला और आधा वद।
नीमशगुफ्त. (نیم شگفتہ) फा वि—जो फूल आधा खिल गया हो, अर्द्ध-मुकुलित।
नीमशव (نیم شب) फा स्त्री—आधीरात, अर्द्धरात्रि।
नीमशिकस्तः (نیم شکستہ) फा वि—आधा टूटा हुआ।
नीमसुफ्तः (نیم سفتہ) फा वि—आधा पिरोया हुआ।
नीमसेर (نیم سیر) फा वि—जिसका पेट कुछ-कुछ भर गया हो, परन्तु पूरी तरह तृप्त न हुआ हो, जिसकी इच्छा अभी कुछ-कुछ बाकी हो, अर्धतृप्त।
नीमसोख़्त· (نیم سوختہ) फा वि—आधा जला हुआ।
नीयत (نیت) अ स्त्री—सकल्प, इरादा, आशय, मक्सद, ध्यान, ख़याल।
नीयते वद (نیت بد) अ फा स्त्री—वुरा आशय, वुरा इरादा।
नीरान (نیران) अ स्त्री—'नार' का बहु, 'अग्नियाँ'।
नीरू (نیرو) फा पु—शक्ति, बल, जोर।
नील· (نیلہ) फा पु—नील गाय।
नील (نیل) फा वि—नील का रग, नील का पौधा।
नीलगर (نیل گر) फा वि—नील बनानेवाला।
नीलगाव (نیل گاو) फा पु—नीलगाय, नीला।
नीलगूँ (نیلگوں) फा वि—नीले रग का।
नीलफ़ाम (نیل فام) फा वि—नीले शरीरवाला, कृष्ण।
नीलम (نیلم) फा पु—एक प्रसिद्ध रत्न, नीलमणि, नील-कान्त, शनिप्रिय।
नीली (نیلی) फा वि—नीले रग का।
नीलीफ़ाम (نیلی فام) फा वि—नीले रग का आकाश।
नीलीरवाक (نیلی رواق) फा पु—जिसकी छत नीली हो, अर्थात् आकाश।
नीलोफर (نیلوفر) फा पु—नीलोत्पल, कुमुद, कुईं।
नीलोफरे आफ़्तावी (نیلوفر آفتابی) फा पु—कमल, पद्म, नीरज, पकज, अरविद, राजीव, तामरस, सरसीरुह, पुष्कर, अभोज, कँवल का फूल।
नीलोफरे माहताबी (نیلوفر ماهتابی) फा पु—कुमुद, कुमुदिनी।

नु

नुआस (نعاس) अ स्त्री—तद्रा, ऊँघ, गुनूदगी।
नुऊज़ (نعوظ) अ पु—लिगोत्थान, कामवेग से लिग का खड़ा होना।
नुकत (نقط) अ पु—'नुक्त' का बहु, विदियाँ, नुक्ते, शून्य।
नुकबा (نقبا) अ पु—'नकीब' का बहु, 'चोवदार'।
नुकूद (نقود) अ पु—'नक्द' का बहु, 'नक्दियाँ'।
नुकूल (نقول) अ स्त्री—'नकल' का बहु, नकले, प्रतिलिपियाँ।
नुकूश (نقوش) अ पु—'नक्श' का बहु, चित्र, रेखाएँ।
नुक्त (نقطہ) अ पु—विदी, विदु, सिफ़र, बुँदकी, चिह्न, निशान।
नुक्त (نکتہ) अ पु—तह की बात, सूक्ष्मता, बारीकी, रहस्य, मर्म, भेद, चुटकुला, लतीफा।
नुक्त.गाह (نقطہ گاہ) अ फा स्त्री—वृत्त के केन्द्र का विदु।
नुक्त.चीन (نکتہ چیں) अ फा वि—मीन-मेख निकालने-वाला, ऐव ढूँढनेवाला, छिद्रान्वेषी, आलोचक।
नुक्त दाँ (نکتہ داں) अ फा वि—किसी कलाविशेष की बारीकी जाननेवाला, काव्य-मर्मज्ञ, शे'र की बारीकियाँ समझनेवाला, कला-मर्मज्ञ।
नुक्त दानी (نکتہ دانی) अ फा स्त्री—मर्म और बारीकियाँ समझना।
नुक्त.नवाज़ (نکتہ نواز) अ फा वि—जरा-सी बात पर प्रसन्न हो जानेवाला, आशुतोष, ईश्वर।
नुक्त नवाज़ी (نکتہ نوازی) अ फा स्त्री—जरा-सी बात पर प्रसन्न हो जाना।
नुक्त रस (نکتہ رس) अ फा वि—दे 'नुक्त दाँ'।
नुक्त रसी (نکتہ رسی) अ फा स्त्री—दे 'नुक्त दानी'।
नुक्त सज (نکتہ سنج) अ फा वि—दे 'नुक्त दाँ'।
नुक्त सजी (نکتہ سنجی) अ फा स्त्री—दे 'नुक्त दानी'।
नुक्तए इतिख़ाब (نقطۂ انتخاب) अ पु—वह नुक्त जो किसी शे'र आदि के पसद आने पर, किताब के हाशिए पर लगा देते हैं।

नुक्तए तक़ातो' (نقطۂ تقاطع) अ पु—वह बिंदु जहाँ पर दो सरल रेखाएँ एक दूसरी को काटें।

नुक्तए पर्कार (نقطۂ پرکار) अ फा पु—वृत्त का वह बिंदु जहाँ से परिधि तक जितनी रेखाएँ खीची जायँ सब बराबर हो, केन्द्रबिन्दु।

नुक्तए मुक़ाबिल (نقطۂ مقابل) अ पु—प्रतिद्वंद्वी, हरीफ।

नुक्तए मौहूम (نقطۂ موهوم) अ पु—वह बिन्दु जो इतना सूक्ष्म हो कि अटकल से ही समझा जा सके।

नुक्तए सुवैदा (نقطۂ سویدا) अ पु—वह काला तिल जो हृदय पर होता है।

नुक़्र (نقره) फा पु—रजत, चाँदी।

नुक़ई (نقرئی) फा वि—चाँदी-जैसा उज्ज्वल, चाँदी का बना हुआ, चाँदी का मुलम्मा किया हुआ।

नुक़्ल (نقل) अ पु—शराब के साथ खायी जानेवाली चीज, एक मिठाई, गजक, चुटकुला, लतीफ, मित्रगोष्ठी मे खायी जानेवाली चीज।

नुक़्लफरोश (نقل فروش) अ फा वि—गजक बेचनेवाला।

नुक़्लेख्वाज. (نقل خواجه) अ फा पु—चिरौंजी, एक प्रसिद्ध मेवा।

नुक़्ले मज्लिस (نقل مجلس) अ पु—वह मिठाई जो मित्र-मडली मे तफ़ीह के तौर पर खायी जाय, वह व्यक्ति जो सभा आदि मे लोगो के मनोरजन का विषय हो।

नुक़्ले महफिल (نقل محفل) अ पु—दे 'नुक़्ले मज्लिस'।

नुक़्सान (نقصان) अ पु—हानि, क्षति, खसारा, त्रुटि, कमी, हरज, बाधा, तावान, दड।

नुक़्सानदेह (نقصان ده) अ फा वि—हानिकर, नुकसान पहुँचानेवाला।

नुक़्सानरसाँ (نقصان رساں) अ फा वि—दे 'नुक़्सानदेह'।

नुक़्साने अज़ीम (نقصان عظیم) अ पु—बहुत बडी हानि।

नुक़्साने मायः (نقصان مایه) अ फा पु—माली नुक़्सान, अर्थ-हानि।

नुज़्हतगाह (نزهت گاه) अ फा स्त्री—सैर तफ़ीह की जगह, क्रीडास्थल, सरसब्ज और हरा-भरा मुकाम।

नुज़्हते ख़ातिर (نزهت خاطر) अ स्त्री—चित्त की प्रसन्नता।

नुख़ाअ (نخاع) अ पु—रीढ की हड्डी, मेरुदड।

नुख़ाल. (نخاله) अ पु—भूसी, तुप, चोकर।

नुख़ुस्त (نخست) फा वि—पहला, प्रथम।

नुख़ुस्तीं (نخستیں) फा वि—प्रथम, प्राथमिक, पहला।

नुजबा (نجبا) अ पु—'नजीब' का बहु, कुलीन लोग।

नुजूम (نجوم) अ पु—'नज्म' का बहु, उडुगण, तारे, ज्योतिप, इल्मे नुजूम।

नुजूमदाँ (نجوم داں) अ फा वि—ज्योतिषी, नुजूमी।

नुजूमी (نجومی) अ वि—ज्योतिषी, इल्मेनुजूम जाननेवाला।

नुज़ूल (نزول) अ पु—उतरना, ऊपर से नीचे आना, ठहरना, उतरना, सरकारी ज़मीन, मोतियाबिंद।

नुज़ूलेइज्लाल (نزول اجلال) अ पु—किसी महान् व्यक्ति का पदार्पण।

नुज़ूलेमा (نزول ما) अ पु—आँखो मे पानी उतरने का रोग, मोतियाबिंद।

नुज़ूलेवही (نزول وحی) अ पु—किसी पैग़म्बर पर ईश्वर का आदेश उतरना।

नुज्ज (نضج) अ पु—पकना, शरीर में दूषित धातु या मवाद का पककर इस योग्य होना कि वह दवा के ज़ोर से बाहर निकल सके।

नुज्जेकामिल (نضج کامل) अ पु—मवाद का पूरी तरह पककर इस काबिल हो जाना कि शरीर से निकाला जा सके।

नुज़्ल (نزل) अ पु—आतिथ्य, ज़ियाफत, मेहमानदारी।

नुज़्हत (نزهت) अ स्त्री—उत्तमता, उम्दगी, पवित्रता, पाकीजगी, दोष न होना, समृद्धि, खुशहाली।

नुज़्हतकद (نزهت کده) अ फा पु—दे 'नज़्हतगाह'।

नुतूल (نطول) अ पु—जोश दिये हुए दवाओ के पानी से शरीर के किसी अग को धोना।

नुतुव्व (نتو) अ पु—जगह से हट जाना, टल जाना।

नुतुव्वेरहिम (نتو رحم) अ पु—गर्भाशय का अपनी जगह से हट जाना, गर्भच्युति।

नुत्क़ (نطق) अ पु—शब्द, वाणी, बोली, वाक्शक्ति, वाचनशक्ति, गोयाई।

नुत्फ. (نطفه) अ पु—वीर्य, शुक्र, मनी, सतान, औलाद, औरस, पुश्त।

नुत्फएनातहक़ीक़ (نطفۂ ناتحقیق) अ फा पु—जिसके बाप का पता न हो, सकर, जारज।

नुद्ब (ندبه) अ पु—मृतक के लिए रोना, उसके शोक के शेर पढना।

नुद्रत (ندرت) अ स्त्री—नूतनता, नवीनता, नयापन; अद्भुतता, विचित्रता, अजूबापन।

नुफ़ूज (نفوذ) अ पु—अदर घुसना, सरायत करना।

नुफ़ूस (نفوس) अ पु—'नफ्स' का बहु, व्यक्तियाँ, लोग।

नुफ़ूसे क़ुद्सीय (نفوس قدسیه) अ पु—पुनीतात्मा लोग, पाकनफ्स लोग।

नुबुव्वत (نبوت) अ स्त्री—पैग़म्बरी, नबी होना।

नुब्ल (نبله) अ पु—ढेला जिससे ईस्तिजा करते हैं।

नुमा (نما) फा प्रत्य –दिखानेवाला, जैसे–'राहनुमा' रस्ता दिखानेवाला।

नुमाइंदः (نمایندہ) फा पु –प्रतिनिधि, किसी व्यक्ति की जगह उसका नाइब।

नुमाइंदए खुसूसी (نمایندۂ خصوصی) अ पु –किसी विशेष काम के लिए नियुक्त किया हुआ व्यक्ति-विशेष, मुख्य प्रतिनिधि।

नुमाइंदगी (نمایندگی) फा स्त्री –प्रतिनिधित्व, नियाबत।

नुमाइश (نمائش) फा स्त्री –प्रदर्शन, दिखावा, शृंगार, सज्जा, सजावट, आराइश, वह मेला जिसमे किसी विशेष चीज़ को सबके सामने पेश किया जाय, जैसे–फूलो की नुमाइश, आम मेला, प्रदर्शनी।

नुमाइशगाह (نمائشگاہ) फा स्त्री–वह स्थान जहाँ नुमाइश लगी हो।

नुमाइशी (نمائشی) फा वि –केवल देखने भर का, जो बोदा और कमज़ोर हो और काम मे न आ सके, नुमाइश से सम्बन्ध रखनेवाला।

नुमायाँ (نمایاں) फा वि –व्यक्त, ज़ाहिर, स्पष्ट, वाजेह।

नुमू (نمو) अ स्त्री –उगना, बढना, विकसित होना।

नुमूद (نمود) फा स्त्री –आविर्भाव, ज़ुहूर, धूम-धाम, तडक-भडक, ख्याति, शोहरत, उगना, निकलना,, अस्तित्व, हस्ती, प्रकट, प्रकाशित।

नुमूदार (نمودار) फा वि –आविर्भूत, व्यक्त, जाहिर, अध्यक्ष, नायक, सरदार।

नुमून. (نمونہ) फा पु –बानगी, नमूना, उदाहरण, मिसाल, आकृति, नक्शा।

नुम्रूद (نمرود) फा पु –एक बहुत बडा अत्याचारी नरेश, जो अपने को ईश्वर कहता था और जिसने हज़्रत इब्राहीम को आग मे डलवाया था।

नुवेद (نوید) फा स्त्री –शुभ सूचना, खुशखबरी, निमत्रण, बुलावा, दे 'नवेद', उर्दू मे वही अधिक व्यवहृत है।

नुशूर (نشور) अ पु –मरे हुए व्यक्तियो का कियामत के दिन फिर से उठना।

नुशख्वार (نشخوار) फा स्त्री –जुगाली।

नुसुक (نسک) अ स्त्री –'नस्क' का बहु, इबादते, कुर्बानियाँ।

नुसैरी (نصیری) अ पु –एक सप्रदाय जो हज़्रत अली को खुदा मानता है।

नुस्क (نسک) अ स्त्री –पूजा, आराधना, इबादत, कुर्बानी, बलि।

नुस्रत (نصرت) अ स्त्री –सहायता, मदद, समर्थन, ताईद, पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

नुस्रतेहक (نصرتِ حق) अ स्त्री –ईश्वर की सहायता; सत्य की शक्ति।

नुह (نہ) फा वि –नव, नौ, आठ और एक।

नुहाक (نہاق) अ पु –गधे की रेकन।

नुहालः (نحالہ) अ पु –गेहूँ आदि की भूसी, दे 'नुखाल.'।

नुहास (نحاس) अ पु –ताम्र, ताँबा।

नुहुम (نہم) फा वि –नवम, नवाँ।

नुहूसत (نحوست) अ स्त्री –दुर्भाग्य का होना, बदकिस्मती, अमगल, नामुबारकी, अविभूति, बेबरकती।

नुह्ज़त (نہضت) अ स्त्री –प्रस्थान, प्रयाण, कूच, रवानगी।

नुह्ज़तफर्मा (نہضت فرما) अ फा वि –जानेवाला, कूच करनेवाला, प्रस्थायी।

नूह्बत (نہبت) अ स्त्री –लूटमार, गारतगरी।

नू

नूँ (نوں) अ पु –नन का लघु, दे 'नून'।

नून (نون) अ पु –एक अक्षर 'न', मत्स्य, मछली।

नूनेगुन्न. (نون غنہ) अ पु –अनुस्वार, वह 'न' जो नाक मे बोला जाय।

नूर (نور) अ पु –प्रकाश, ज्योति, आभा, रोशनी, शोभा, छटा, रौनक, चमक-दमक, मुखछटा, चेहरे की आबोताब, उजाला, हल्की रोशनी।

नूरअफ्ज़ा (نور افزا) अ फा वि –रोशनी बढानेवाला।

नूरअफ्शाँ (نور افشاں) अ फा वि –रोशनी फैलानेवाला।

नूरपाश (نور پاش) अ वि –प्रकाश फैलानेवाला।

नूरफिशाँ (نور فشاں) अ फा वि –दे 'नूरअफ्शाँ'।

नूरबख्श (نور بخش) अ फा वि –प्रकाश देनेवाला।

नूरबाफ (نور باف) अ फा वि –कपडा बुननेवाला, जुलाहा।

नूरबार (نور بار) अ फा वि –प्रकाश फैलानेवाला।

नूरानी (نورانی) अ वि –प्रकाशमान, उज्ज्वल, मुनव्वर।

नूरी (نوری) अ वि –नूर का, (फा) एक प्रकार का लाल तोता, खूबानी, ज़र्दालू।

नूरुन अलानूर (نورٌ علیٰ نور) अ वि –नूर के ऊपर नूर, अत्यधिक प्रकाश, बहुत ही मागलिक और शुभ।

नूरुलऐन (نور العین) अ पु –आँख की रोशनी, नेत्र-ज्योति, लडके के लिए बोलते हैं।

नूरे ऐन (نور عین) अ पु –दे 'नूरुलऐन'।

नूरे चश्म (نور چشم) अ फा पु –आँख की रोशनी, लड़का, सुपुत्र।

नूरे जहाँ (نور جہاں) अ फा पु –ससार को प्रकाश देनेवाला।

नूरे दीदः (نور دیدہ) अ फा पु –दे 'नूरे चश्म'।

नूरे नजर (نور نظر) अ पु –दे 'नूरे चश्म'।
नूरे निगाह (نور نگاہ) अ फा पु –दे 'नूरे चश्म'।
नूरे माह (نور ماہ) अ फा पु –चाँद की रोशनी, चाँदनी, ज्योत्स्ना, चन्द्रप्रभा, कौमुदी, चन्द्रिका, चन्द्रातप।
नूरे मुजल्ला (نور مجلی) अ पु –छिटका हुआ और साफ नूर, प्रकाश।
नूरे मुजस्सम (نور مجسم) अ पु –जो सर से पाँव तक नूर ही नूर हो, जो नूर से बना हो, आपादमस्तक प्रकाश।
नूरे शम्अ (نور شمع) अ पु –मोमबत्ती का प्रकाश।
नूरे शम्स (نور شمس) अ पु –सूरज का प्रकाश, धूप, आतप।
नूरे सहर (نور سحر) अ पु –प्रातःकाल का उजाला।
नूह (نوح) अ पु –एक पैगम्बर जिनके समय में पानी का बहुत बडा तूफान आया था, जिसमें सारा संसार नष्ट हो गया था, कुछ आदमी बचे थे, जिनकी संतान इस समय है।

ने

नेक (نیک) फा वि –उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा, मांगलिक, शुभ, मुबारक, सदाचारी, खुश अमल, पुनीतात्मा, पार्सा, सीधा-सादा, सरलस्वभाव, कुलीन, शरीफ, सदय, रहमदिल।
नेकअंजाम (نیک انجام) फा वि –वह काम जिसका परिणाम अच्छा हो।
नेकअंदेश (نیک اندیش) फा वि –भलाई सोचनेवाला, शुभचिंतक।
नेक अख्तर (نیک اختر) फा वि –जिसके ग्रह अच्छे हों, भाग्यवान्।
नेकअख्लाक (نیک اخلاق) अ वि –जिसका स्वभाव मिलनसार हो, सुशील, सज्जन।
नेकअमल (نیک عمل) फा अ वि –जिसका आचरण अच्छा हो, सदाचारी।
नेकआ'माल (نیک اعمال) फा अ वि –दे 'नेक अमल'।
नेकआ'माली (نیک اعمالی) फा अ स्त्री –सदाचार, अच्छा आचरण, साधु भाव।
नेककदम (نیک قدم) फा अ वि –जिसका आना कल्याणकारी हो।
नेककर्दार (نیک کردار) फा वि –शुद्धाचारी, साधुवृत्त।
नेकखयाल (نیک خیال) फा अ वि –जिसके विचार शुद्ध हों, शुचिव्रत, पावनचरित, बुद्धिशुद्ध।
नेकखस्लत (نیک خصلت) फा अ वि –जिसका स्वभाव अच्छा हो, अंतःशुद्ध, साधु शील।
नेकखू (نیک خو) फा वि –जिसका स्वभाव शुद्ध हो, सत्प्रकृति, पुण्यस्वभाव।
नेकखूई (نیک خوئی) फा स्त्री –प्रकृति की शुद्धि, स्वभाव की पवित्रता।
नेकख्वाह (نیک خواہ) फा वि –शुभचिंतक, हितैषी, हमदर्द।
नेकगुफ्तार (نیک گفتار) फा वि –साधुभाषी, अच्छी बातें करनेवाला, मिष्टभाषी, मीठी-मीठी बातें करनेवाला।
नेकगुमान (نیک گمان) फा वि –जिसके विचार किसी की ओर से अच्छे हों, जिसकी विचारधारा शुद्ध हो।
नेकतब्अ (نیک طبع) फा अ वि –दे 'नेकखू'।
नेकतरीन (نیک ترین) फा वि –सबसे अच्छा, सबसे अधिक नेक।
नेकतीनत (نیک طینت) फा अ वि –दे 'नेकखू'।
नेकदिल (نیک دل) फा वि –जिसका हृदय नेक हो, जो स्वभाव से पुनीत हो, अंतःशुद्ध, पुण्यात्मा।
नेकनफ्स (نیک نفس) फा अ वि –दे 'नेकदिल'।
नेकनफ्सी (نیک نفسی) फा अ स्त्री –आत्मशुद्धि, दिल की सफाई।
नेकनाम (نیک نام) फा वि –जो बडा कीर्तिमान् हो, उत्तमयश, पुण्यश्लोक।
नेकनामी (نیک نامی) फा स्त्री –कीर्ति, यश, नामवरी।
नेकनिहाद (نیک نہاد) फा वि –अच्छे अख्लाकवाला, सदाशय, पावनचरित।
नेकनीयत (نیک نیت) फा अ वि –धर्मात्मा, सत्यसंकल्प, अन्तःशुद्ध, ईमानदार, दियानतदार, धर्मनिष्ठ।
नेकनीयती (نیک نیتی) फा अ स्त्री –अन्तःशुद्धि, पाकदिली, ईमानदारी, दियानतदारी।
नेक फर्जाम (نیک فرجام) फा वि –पुण्यात्मा, नेकदिल, दे 'नेकअंजाम'।
नेकफाल (نیک فال) फा वि –जिसका मिलना, जिसके दर्शन, जिसकी चर्चा मंगलकारी हो।
नेकबख्त (نیک بخت) फा वि –भाग्यवान्, खुशकिस्मत, सीधा-सादा, भोला-भाला।
नेकबीं (نیک بیں) फा वि –केवल अच्छाई देखनेवाला, साधुदर्शी, हर चीज का अच्छा पहलू देखनेवाला।
नेकमंजर (نیک منظر) फा अ वि –जो देखने में अच्छा लगे, शुभदर्शन, नेत्रप्रिय।
नेकमआश (نیک معاش) फा अ वि –'बदमआश' का उलटा, जिसकी जीविका अच्छे पैसे से हो, जिसकी कमाई शुद्ध हो।
नेकमनिश (نیک منش) फा वि –सत्प्रकृति, साधुशील, सज्जन, भला आदमी।
नेकमर्द (نیک مرد) फा वि –भलामानस, सज्जन।

नेकमह्ज़र (نیک‌محضر) फा अ वि –वह व्यक्ति जो दूसरो को उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति मे अच्छाई से ही याद करे।
नेकमिज़ाज (نیک‌مزاج) फा अ वि –दे 'नेकख़ू' अथवा 'नेकदिल'।
नेकमिज़ाजी (نیک‌مزاجی) फा अ स्त्री –स्वभाव की सरलता, चित्त की शुद्धता।
नेकरविश (نیک‌روش) फा वि –सदाचारी, सत्प्रकृति।
नेकराय (نیک‌رائے) फा वि –जिसकी राय और जिसकी सलाह सदा ठीक होती हो, सद्बुद्धि, साधुधी।
नेकराह् (نیک‌راه) फा वि –सन्मार्गी, सत्पथीन, अच्छी राह पर चलनेवाला, सदाचारी।
नेकरोज़ (نیک‌روز) फा वि –समय जिसके अनुकूल हो, भाग्यवान्, जिसका वक्त वना हो।
नेकशिआर (نیک‌شعار) फा अ वि –जिसका व्यवहार नेक हो, साधुशील।
नेकसिफात (نیک‌صفات) फा अ वि –जिसमे अच्छे-अच्छे गुण हो, उत्तमयश।
नेकसियर (نیک‌سیر) फा अ वि –जिसके स्वभाव शुद्ध हो, अत पवित्र, पुनीतात्मा।
नेकसिरिश्त (نیک‌سرشت) फा वि –दे 'नेकख़ू'।
नेकसीरत (نیک‌سیرت) फा अ वि –दे 'नेकख़ू'।
नेकसूरत (نیک‌صورت) फा अ वि –जिसकी शक्ल सुन्दर हो, शुभदर्शन, जिसकी सूरत पर बुज़ुर्गी वरसती हो।
नेकू (نیکو) फा वि –दे 'नेक'।
नेकूई (نیکوئی) फा स्त्री –अच्छाई, भलाई, सुन्दरता, हुस्न।
नेकूकार (نیکوکار) फा वि –सदाचारी, पुण्यात्मा।
नेकूख़साइल (نیکوخصائل) फा अ वि –दे 'नेकख़ू'।
नेकूशमाइल (نیکوشمائل) फा अ वि –दे 'नेकख़ू'।
नेकूसिफात (نیکوصفات) फा अ वि –दे 'नेकसिफात'।
नेकूसियर (نیکوسیر) फा अ वि –दे 'नेकख़ू'।
नेको (نیکو) फा वि –दे 'नेकू', दोनो उच्चारण शुद्ध है।
नेफ़ः (نیفه) फा पु –पाजामे का सूराख जिसमे कमरवद डाला जाता है।
ने'मत (نعمت) अ स्त्री –ईश्वर का दिया हुआ धन आदि, धन, दौलत, अच्छी-अच्छी चीजे।
ने'मतकदः (نعمت‌کده) अ फा पु –वह स्थान जहाँ अच्छी-अच्छी चीजें मिले, स्वर्ग, बिहिश्त।
ने'मतख़ानः (نعمت‌خانه) अ फा पु –वह मकान जिसमे भोज की सामग्री रहती हो, वह लकडी आदि का जालीदार सदूक जिसमें खाना रखा जाता है।
ने'मते उज़्मा (نعمت عظمیٰ) अ स्त्री –बहुत बडी ने'मत।
ने'मते ग़ैरमुतरक्क़िब. (نعمت غیرمترقبه) अ स्त्री –ऐसी नेमत जिसका हिसाव न लगाया जा सके, वहुत ही अधिक नेमत।
ने'मलबदल (نعم‌البدل) अ पु –किसी गयी या खायी हुई चीज की जगह बिलकुल वैसी ही चीज।
नेश (نیش) फा पु –डक, दश, सुअर के आगे निकले हुए दॉत।
नेशज़न (نیش‌زن) फा वि –डक मारनेवाला, जो डक से डसता है, वह व्यक्ति जो हानि पहुँचाने की ताक मे रहता हो।
नेशज़नी (نیش‌زنی) फा स्त्री –बिच्छू आदि का डक मारना, हानि पहुँचाना।
नेशदुम (نیش‌دم) फा पु –वृश्चिक, बिच्छू।
नेशे अक़्रब (نیش عقرب) फा अ पु –बिच्छू का डक।
नेशे ज़बूर (نیش زنبور) फा पु –भिड का डक।
नेस्त (نیست) फा वि –नही है, नास्ति, ध्वस्त, नष्ट, वर्वाद।
नेस्ती (نیستی) फा स्त्री –ध्वस, वरवादी, नुहूसत, तवाही, दरिद्रता, कगाली।
नेस्तोनाबूद (نیست‌ونابود) फा वि –विनष्ट, विध्वस्त, जो बिलकुल वरवाद हो गया हो।

नै

नै (نے) फा स्त्री –नरकट, नरसल, नय, बाँसुरी, वसी, अलगोजा।
नैच (نیچه) फा पु –हुक्के की नै।
नैज़ (نیزه) फा पु –कुत, शक्ति, शकु, भाला, वरछी, कलम का नरकट।
नैज़ःदार (نیزه‌دار) फा वि –नैजा चलानेवाला।
नैज़ःबरदार (نیزه‌بردار) फा वि –नैजा लेकर चलनेवाला, वरछी बाँधकर चलनेवाला।
नैज़ःबरदारी (نیزه‌برداری) फा स्त्री –वरछी या भाला बाँधकर चलना।
नैज़ःबाज़ (نیزه‌باز) फा वि –वरछी और भाला चलाना जाननेवाला।
नैज़ःबाज़ी (نیزه‌بازی) फा स्त्री –वरछी और भाला चलाने की महारत।
नैज़क (نیزک) फा पु –छोटा नैजा।
नैज़ार (نےزار) फा पु –नरकट का जगल, जहाँ नरसल वहुत हो।
नैयिर (نیر) अ पु –सूर्य, सूरज, रवि, आपताव।

नैयिरेन (نیرین) अ पु –दोनो सूरज, दो सूरज, चाँद और सूरज।

नैरंग (نیرنگ) फा पु –छल, धोखा, फरेब, माया, तिलिस्म।

नैरंगबाज (نیرنگ‌باز) फा वि –मायावी, धूर्त, जादूगर, छली, मक्कार।

नैरंगबाजी (نیرنگ‌بازی) फा स्त्री –मायाकर्म, जादूगरी, छल, फरेब।

नैरंगसाज (نیرنگ‌ساز) फा वि –दे 'नैरंगबाज'।

नैरंगसाजी (نیرنگ‌سازی) फा स्त्री –दे 'नैरंगबाजी'।

नैरंगिए जमान. (نیرنگئی زمانہ) फा स्त्री –कालचक्र, दुनिया का उलट-फेर।

नैरंगिए नजर (نیرنگئی نظر) फा अ स्त्री –दृष्टि की विचित्रता, दृष्टि का भ्रम।

नैरंगिए हुस्न (نیرنگئی حسن) फा अ स्त्री –सौन्दर्य का मायाजाल। हुस्न की शोबद बाज़ी।

नैरंगिए रोजगार (نیرنگئی روزگار) फा अ स्त्री –भाग्य-चक्र, भाग्य का उलट-फेर।

नैरंगी (نیرنگی) फा स्त्री –माया-कर्म, जादूगरी, छल, कपट, फरेब, तलव्वुन, चित्त की चचलता।

नैरंगीए खयाल (نیرنگئی خیال) फा अ पु –खयाल का धोका, विचार-भ्रम,—"नैरंगिए खयाल की अल्ला रे शोखियाँ—मैं सैर कर रहा हू चमन की बहार मे।"

नैरंगे आलम (نیرنگ‌عالم) फा अ पु –ससार की चित्र-विचित्रता, दुनिया का उलट-फेर।

नैरंगे जमान (نیرنگ زمانہ) फा पु –दे 'नैरंगे आलम'।

नैरंगे नजर (نیرنگ نظر) फा अ पु –वह चीज जो आँखो को भ्रम मे डाल दे।

नैल (نیل) अ पु –प्राप्त होना, मिलना।

नैले मराम (نیل‌مرام) अ पु –मनोरथ की प्राप्ति, मक्सद हासिल होना।

नैशकर (نیشکر) ईख, इक्षु, गन्ना।

नैसाँ (نیساں) फा पु –फर्वरदीन (वैसाख) की बारिश, जिसके लिए प्रसिद्ध है कि इस पानी की हर बूँद सीप मे मोती बन जाती है, फर्वरदीन, बैसाख का माम।

नो

नोक (نوک) फा स्त्री –हर चीज का तेज सिरा, बाँकपन, दून, डीग, आन-बान।

नोकदार (نوک‌دار) फा वि –जिसमे नोक हो।

नोजदह (نوزدہ) फा वि –उन्नीस।

नोजदहुम (نوزدہم) फा वि –उन्नीसवाँ।

नोश (نوش) फा पु –अमृत, सुधा, आबेहयात, स्वादिष्ठ पेय, (प्रत्य) पीनेवाला, जैसे—'मयनोश' शराबपीनेवाला।

नोशखंद (نوش‌خند) फा पु –'ज़ह्र खंद' का उलटा, मधुर हास, शीरी हँसी।

नोशदारू (نوشدارو) फा स्त्री –ज़ह्र उतारनेवाली दवा, तिर्याक, विपहर, मदिरा, मद्य, शराब।

नोशादुर (نوشادر) फा पु –नौसादर, एक क्षार, उर्दू में यह उच्चारण नही है।

नोशाब (نوشابہ) फा पु –दे नोशाब, आजर बाईजान (ईरान) की एक रानी जिसे सिकदर ने कष्ट से छुडाया था।

नोशाब (نوشاب) फा पु –अमृत-जल, सुधा, आबेहयात, शराब, मदिरा।

नोशानोश (نوشانوش) फा स्त्री –खूब पीना और बार-बार पीना।

नोशिंद. (نوشندہ) फा वि –पीनेवाला।

नोशीं (نوشیں) फा वि –स्वादिष्ठ, सुस्वादु, खुशमजा।

नोशीद (نوشیدہ) फा वि –पिया हुआ।

नोशीदनी (نوشیدنی) फा अव्य –पीने के लाइक, पेय।

नोशेजाँ (نوش‌جاں) फा पु –पीना।

नोशेरवाँ (نوشیرواں) फा पु –दे 'नौशेरवाँ', दोनो रूप शुद्ध हैं।

नौ

नौ (نو) फा वि –नवीन, नूतन, नया, तत्कालीन, हाल का, ताजा, हरा-भरा।

नौअ (نوع) अ स्त्री –जाति, जो एक-सी सब चीजो को शामिल हो, जैसे—आदमी, घोडा आदि, प्रकार, क़िस्म, तरह, आकार-प्रकार, वज़ा-कता।

नौअरूस (نوعروس) फा अ वि –नवविवाहित, नव-विवाहिता।

नौअरूसाने चमन (نوعروسان چمن) फा अ वि –बाग में नये जमे हुए पौधे।

नौअरूसी (نوعروسی) फा अ स्त्री –नया विवाह।

नौआईन (نوآئیں) फा वि –शोभनीय, ललित, ज़ेबा, श्रृंगारित, सुसज्जित, आरास्ता।

नौआबाद (نوآباد) फा वि –वह प्रदेश या इलाका जो हाल में ही बसाया गया हो, नवबसित, वह बजर जमीन जो हाल मे ही काश्त के लिए तोडी गयी हो।

नौआबादियात (نوآبادیات) फा स्त्री –वे इलाके या प्रदेश जो पश्चिमी राष्ट्रो ने दुनिया के भिन्न-भिन्न स्थानो पर बसाये हैं और वहाँ उनका राज था या है, कालोनीज़, उपनिवेश।

नौआबादी (نوآبادی) फा स्त्री —नया आबाद किया हुआ मुल्क, कालोनी, उपनिवेश।

नौआमदः (نوآمدہ) फा वि —हाल का आया हुआ, जो अभी आया हो, नवागत।

नौआमोज़ (نوآموز) फा वि —नौसिखिया, अनाडी, जिसने कोई काम अभी सीखना आरभ किया हो, नव-शिक्षित।

नौआमोज़ी (نوآموزی) फा स्त्री —नौसिखियापन।

नौईजाद (نوایجاد) फा अ वि —जो चीज़ अभी हाल में आविष्कृत हुई हो, नवाविष्कृत।

नौईयत (نوعیت) अ स्त्री —प्रकार, किस्म, विशेषता, खुसूसियत।

नौउम्र (نوعمر) फा अ वि —अल्पवयस्क, कमसिन, लडका, बालक।

नौउम्री (نوعمری) फा अ स्त्री —बाल्यावस्था, अल्प-वयस्कता, कमसिनी।

नौए इंसानी (نوع انسانی) अ स्त्री —मानव-जाति, आदम की सतान। .

नौए दिगर (نوع دگر) अ फा स्त्री —दूसरे प्रकार का, वदला हुआ, विकृत, विगडा हुआ, अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल।

नौकर (نوکر) तु पु —सेवक, दास, चाकर।

नौकर्दःकार (نوکردہکار) फा वि —जिसने कोई काम नया-नया किया हो।

नौकार (نوکار) फा वि —ताज़ा, हाल का, जिसने अभी काम प्रारभ किया हो।

नौकीसः (نوکیسہ) फा वि —दे 'नौदौलत'।

नौख़त (نوخط) फा वि —जिसकी मूँछ-दाढी के बाल निकलना शुरू हुए हो, अकुरितयौवन।

नौख़ास्त. (نوخاستہ) फा वि —नया जमा हुआ, नया पट्ठा, नवयुवक, नातज्रिबाकार, अननुभवी।

नौख़ेज़ (نوخیز) फा वि —दे 'नौख़ास्त', नया उगा हुआ, नवोदित, नवाकुरित।

नौगिरिफ्तार (نوگرفتار) फा वि —जो नया-नया फँसा हो, जो हाल मे ही कैद हुआ हो, जो नया-नया किसी काम मे पडा हो, जिसने नया-नया किसी को दिल दिया हो।

नौचः (نوچہ) फा पु —नवयुवक, नयी जवानीवाला, (स्त्री) नौची, नवयुवती।

नौजवाँ (نوجواں) फा पु —'नौजवान' का लघु, दे 'नौजवान'।

नौजवान (نوجوان) फा पु —जिसकी युवावस्था का आरभ हुआ हो, नया पट्ठा, नवयुवक।

नौजवानान. (نوجوانانہ) फा अव्य —नये जवानो की तरह।

नौजवानी (نوجوانی) फा स्त्री —युवावस्था, नयी जवानी।

नौज़ाईदः (نوزائیدہ) फा वि —जो हाल मे ही उत्पन्न हुआ हो, नवजात।

नौदामाद (نوداماد) फा पु —वर, दूल्हा।

नौदौलत (نودولت) फा अ वि —जिसने नयी-नयी सपत्ति पायी हो, जो नया-नया अमीर हुआ हो, जो नयी-नयी दौलत पाकर इतरा गया हो।

नौदौलती (نودولتی) फा अ स्त्री —नयी-नयी सपत्ति की प्राप्ति, नया-नया धनवान् होना।

नौनियाज़ (نونیاز) फा वि —वह लडका जिसने अभी पढना-लिखना आरभ किया हो, वह व्यक्ति जो नया-नया किसी पर मोहित हुआ हो।

नौनिहाल (نونہال) फा वि —नया पौधा, नया पेड़; नौउम्र, बालक, वच्चा।

नौनिहालाने चमन (نونہالان چمن) फा वि —वाग के नये-नये पौधे।

नौपैदा (نوپیدا) फा वि —जो हाल मे ही उत्पन्न हुआ हो, नवजात, नौज़ाईद।

नौबत (نوبت) अ स्त्री —ओसरी, बारी, दशा, हालत, वार, दफा, राजाओ और अमीरो के दरवाज़े पर वजने-वाली शहनाई।

नौबतख़ानः (نوبتخانہ) अ फा पु —जहाँ शहनाई वजती हो, नक्कारख़ाना।

नौबतगाह (نوبتگاہ) अ फा स्त्री —दे 'नौबतख़ान', कारागार, कैदख़ाना।

नौबतज़न (نوبتزن) अ फा वि —नौबत बजानेवाला, नक्कारची।

नौबतनवाज़ (نوبتنواز) अ फा वि —दे 'नौबतज़न'।

नौबत व नौबत (نوبت بنوبت) अ फा वि —बारी-बारी से, एक के वाद दूसरा, अपनी-अपनी बारी पर।

नौबती (نوبتی) अ वि —बारी का, बारी से होनेवाला; नक्कारची, नौबतनवाज, पहरेदार, पासवान, वडा खेमा।

नौ ब नौ (نو بہ نو) फा वि —नया-नया, ताज़ व ताज।

नौबर्ग (نوبرگ) फा वि —नया पत्ता, मजरी।

नौबर्दः (نوبردہ) फा तु वि —नया ख़रीदा हुआ दास।

नौबहार (نوبہار) फा वि —वसत ऋतु, वहार का मौसम; वह चीज जिस पर ताजा रौनक हो।

नौम (نوم) अ पु —सोना, स्वप्न, स्वाप।

नौमश्क़ (نومشق) फा अ वि —नौसिखिया, अनाडी।

नौमश्क़ी (نومشقی) फा अ स्त्री —नौसिखयापन।

नौमीद (نومید) फा वि —निराश, हताश, नाउम्मीद।

नौमीदान. (نومیدانہ) फा अव्य—निराशा की हालत मे, नाउम्मीदो-जैसा।

नौमीदी (نومیدی) फा स्त्री—निराशा, नाउम्मीदी।

नौमुस्लिम (نومسلم) फा अ वि—जो नया-नया मुसलमान हुआ हो, जो खानदानी मुसलमान न हो।

नौर (نورہ) अ पु—चूना, जिसकी दीवारो पर पुताई होती है।

नौरस (نورس) फा वि—नया पका हुआ फल, हर नयी चीज।

नौरुस्त (نورستہ) फा वि—नया उगा हुआ।

नौरोज (نوروز) फा पु—साल का पहला दिन, ईरानियो मे फर्वरदीन मास का पहला दिन जिसमे वह बहुत बडा उत्सव मनाते है।

नौरोजी (نوروزی) फा वि—साल के पहले दिन का, जैसे—जश्ने नौरोजी।

नौवारिद (نووارد) फा अ वि—नया आया हुआ, नवागत, पथिक, मुसाफिर।

नौश (نوشہ) फा पु—वर, दूल्हा।

नौशेरवाँ (نوشیروان) फा पु—सासानी वश का एक ईरानो नरेश जो अपनी न्यायपरायणता के लिए प्रसिद्ध है। यह सन् ५३१ ई० मे तख्त पर बैठा था, हज्रत मुहम्मद साहब इसी के समय मे उत्पन्न हुए थे।

नौसफर (نوسفر) फा अ वि—जिसने पहले-पहल सफर किया हो।

नौसवार (نوسوار) फा वि—जिसने घोडे की सवारी नयी-नयी सीखी हो।

नौह (نوحہ) अ पु—मृतक के लिए रोना-पीटना, बैन करना, उर्दू पद्य की एक किस्म जिसमे करबला के शहीदो पर शोक प्रकट होता है।

नौहख्वाँ (نوحہخواں) अ फा वि—मृतक पर विलाप करनेवाला, करबला के शहीदो का नौह पढनेवाला।

नौहख्वानी (نوحہخوانی) अ फा स्त्री—मृतक के लिए विलाप, मुहर्रम की मज्लिस मे नौह पढना।

नौह.गर (نوحہگر) अ फा वि—दे 'नौहख्वाँ'।

नौहगरी (نوحہگری) अ फा स्त्री—दे 'नौहख्वानी'।

नौहए ग़म (نوحۂ غم) अ पु—मृतक-शोक, मुर्दे का मातम।

नौहए मातम (نوحۂ ماتم) अ फा पु—दे 'नौहए ग़म'।

प

पचक (پنچک) फा स्त्री—चर्खे की पोनी, जिसमे से तार निकलता है।

पज. (پنجہ) फा पु—उँगलियो समेत हथेली, प्रहस्त, अलवुप, प्रतल, अधिकार, कब्जा, ताश का पाँच बुँदकियो-वाला पत्ता, पाँच वस्तुओ की समष्टि, सहायता, मदद।

पज (پنجوہ) फा पु—नृत्य का एक प्रकार जिसमें बहुत-सी स्त्रियाँ एक दूसरे का हाथ पकडकर नाचती है।

पज कश (پنجہکش) फा वि—पजा लडानेवाला, (पु) लोहे का पजा-जैसा एक यत्र जिसमे पजा डालकर जोर किया जाता है।

पजःकशी (پنجہکشی) फा स्त्री—पजा लडाना, पजे द्वारा जोर करना, बल-परीक्षा, जोर आजमाना।

पज नुमा (پنجہنما) फा वि—पजे के आकार का, पजा-जैसा।

पजगुश्त (پنجہگشت) फा पु—एक वृक्ष, सँभालू।

पज (پنج) फा वि—पाँच, पच, पाँच की सख्या, पाँच वस्तुएँ।

पजअर्कान (پنج ارکان) फा अ पु—मुसलमानो की पाँच धार्मिक क्रुतियाँ—कलिम, नमाज, रोजा, जकात और हज।

पजआयत (پنج آیت) फा अ स्त्री—कुरान की पाँच छोटी-छोटी आयते जो प्राय फातह मे पढी जाती है।

पजए अल्मास (پنجۂ الماس) फा पु—पजे के आकार का वह लौहिक यत्र, जिसमे पहलवान पजा डालकर जोर करते है, पज कश।

पजए आफ्ताब (پنجۂ آفتاب) फा पु—सूर्य अपनी किरणो समेत।

पजएखुरशीद (پنجۂ خورشید) फा पु—दे 'पजए आफ्ताब'।

पजए निगारी (پنجۂ نگاریں) फा पु—प्रेमिका का चित्रित पजा जिसमे मेहदी या महावर से नक्शो निगार बने हो।

पजए मर्जाँ (پنجۂ مرجاں) फा अ पु—मूँगे का पेड, जो पजे के आकार का होता है।

पजए मर्यम (پنجۂ مریم) फा अ पु—पजे की आकृति का एक मुट्ठीबद पौधा, जो पानी में डालने से खुलता है, और प्रसववेदनाग्रस्ता यदि उसे देखती रहे तो उसकी पीडा जाती रहती है और बच्चा सुगमता से उत्पन्न हो जाता है।

पजए मिज्गाँ (پنجۂ مژگاں) फा पु—पलको की कतार।

पजगज (پنج گنج) फा पु—पाँचो इद्रियाँ, पाँचो वक्त की नमाज, पर्वेज की आठ निधियो मे से पाँच।

पजगान (پنجگانہ) फा वि—पाँच प्रकार का, पाँच उसूलोवाला, पचसूत्री, पाँच समय की नमाज।

पजगुश्त (پنج گشت) फा पु—दे 'पजगुश्त'।

पजगून (پنج گونہ) फा वि—पाँच गुना, पाँच प्रकार का।

पंजगोश. (پنج‌گوشہ) फा वि –पाँच कोनोवाला, पचकोण, पँचकोना, जिसमें पाँच पहलू हो।

पंजतन (پنج‌تن) फा पु –पाँच व्यक्ति, अर्थात्, हज़्रत मुहम्मद, हज़्रत अली, हज़्रत फातिम और उनके दोनो पुत्र, इमाम हसन और इमाम हुसैन।

पंजनोश (پنج‌نوش) फा पु –मडूर, लोहे का मैल, पारा, ताँबा, लोहा, अभ्रक और मडूर का एक रासायनिक मिश्रण।

पंजनौबत (پنج‌نوبت) फा अ स्त्री –वह नौबत जो राजाओ और बादशाहों के द्वार पर पाँचो वक्त बजती है, वह पाँच बाजे जो नौबत मे बजते हैं, पाँचो वक्त की अज़ान।

पंजपा (پنج‌پا) फा पु –पाँच पाँववाला, अर्थात् केकडा।

पंजपाय (پنج‌پایہ) फा पु –दे 'पंजपा'।

पंजर. (پنجرہ) फा पु –हर वह वस्तु जो जालीदार हो, मकान की जाली, पिंजडा, बितस, खिडकी, गवाक्ष।

पंजर (پنجر) फा पु –'पंजर' का लघु, शरीर का ढाँचा, अस्थि-पंजर।

पंजरोज़' (پنج‌روزہ) फा वि –पाँच दिनो का, पाँच दिनो में समाप्त होनेवाला, थोडे दिनो का, अस्थायी।

पंजवक्त' (پنج‌وقتہ) फा अ वि –पाँचो समयवाला, पाँचो समय की नमाज।

पंजशंबह (پنج‌شنبہ) फा पु –बृहस्पतिवार, वीर वार, जुमेरात।

पंजशाख़. (پنج‌شاخہ) फा पु –पाँच शाखाओवाली वस्तु, एक लम्बी लकडी जिसमे बहुत-सी मशाले खोंस लेते हैं और बरात आदि मे जलाते हैं।

पंजसालः (پنج‌سالہ) फा वि –पाँच साल मे समाप्त होनेवाला, पाँच साल मे एक बार पडनेवाला, पाँच साल की आयु का।

पंजसूर' (پنج‌سورہ) फा स्त्री –कुरान की पाँच बहुत छोटी सूरतें जो फातहे मे पढी जाती हैं।

पंजहज़ारी (پنج‌ہزاری) फा पु –मुगल शासन-काल का एक बहुत बडा पद।

पंजहिस[स्स] (پنج‌حس) फा अ स्त्री –पाँचो इंद्रियाँ–श्रवण शक्ति, नेत्र शक्ति, स्पर्श शक्ति, घ्राण शक्ति, स्वादेंद्रिय।

पंजाह (پنجاہ) फा वि –पचास।

पंजाहुम (پنجاہم) फा वि –पचासवाँ।

पंजुम (پنجم) फा वि –पाँचवाँ।

पंजुमी (پنجمیں) फा वि –पाँचवाँ।

पंद (پند) फा स्त्री –हितोपदेश, नसीहत, सदुपदेश, वा'ज़, परामर्श, सलाह, शिक्षा, सीख, अच्छी बात का ज्ञान।

पंदआमेज़ (پندآمیز) फा वि –नसीहत से भरा हुआ, शिक्षापूर्ण, उपदेशपूर्ण।

पंदआमोज़ (پندآموز) फा वि –नसीहत सिखानेवाला, नसीहत सीखनेवाला।

पंदगर (پندگر) फा वि –उपदेश देनेवाला, उपदेशक, नसीहत करनेवाला।

पंदगो (پندگو) फा वि –दे 'पंदगर'।

पंदसूदमंद (پند سودمند) फा पु –लाभप्रद उपदेश।

पंदनामः (پندنامہ) फा पु –वह पत्र जिसपर उपदेश लिखे हो, उपदेशो की पुस्तक।

पंदनियोश (پندنیوش) फा वि –उपदेश सुननेवाला, उपदेश सुनकर उस पर कान धरनेवाला, माननेवाला।

पंदिदः (پندندہ) फा वि –उपदेश देनेवाला, उपदेशक।

पंदीदः (پندیدہ) फा वि –जिसे उपदेश दिया गया हो।

पंदोनसीहत (پندونصیحت) फा अ स्त्री –नसीहत की बाते।

पंब (پنبہ) फा पु –कपास, रुई, तूल।

पंब दरगोश (پنبہ‌درگوش) फा वि –कानो मे रूई ठूँसे हुए, अर्थात् किसी की बात न सुननेवाला।

पंबःदहन (پنبہ‌دہن) फा वि –मुँह मे रूई भरे हुए, अर्थात् चुपचाप, मौन।

पंब दहाँ (پنبہ‌دہاں) फा वि –दे 'पंब दहन'।

पंबःदान (پنبہ‌دانہ) फा पु –कपास का बीज, बिनौला।

पंब बगोश (پنبہ‌بگوش) फा वि –दे 'पंब दरगोश'।

पंबए ज़ख़्म (پنبۂ زخم) फा पु –घाव पर रखने की रुई, फाहा।

पंबए मीना (پنبۂ مینا) फा पु –शराब के शीशे पर लगी हुई रुई, रुई की डाट, पहले कार्क के स्थान पर रुई की डाट होती थी।

पंबकी (پنبکی) फा वि –रुई से बना हुआ, सूती।

पंबक. (پنبکہ) फा वि –मोटा और बौना व्यक्ति।

पख़ (پخ) फा स्त्री –अडगा, पच्चड़, दोष, ऐब, कठिनता, दिक्कत, विघ्न, बाधा।

पख़्च (پخچ) फा वि –कूटा हुआ, फैलाया हुआ, नीचा, पस्त, मुर्झाया हुआ।

पख़्त' (پختہ) फा पु –बिनौला निकली हुई कपास, रुई, तूल।

पख़्तो (پختو) फा स्त्री –दे शु उ 'पुख़्तो'।

पझमान (پژمان) फा वि –उदास, गमगीन, मलिन, खिन्न, अफसुर्द।

पल्लीचः (پلیچہ) फा पु –दे 'पल्लच', दो शु हैं।

पल्लूचः (پغلوچہ) फा पु –गुदगुदी।
पल्स (پلس) फा वि –पिघला हुआ, द्रवित, अप्रफुल्ल, पज़मुर्दः।
पल्सीदः (پلسیدہ) फा वि –खिन्न, मलिन, अफ्सुर्दः, दु:खित, रंजीद।
पग (پگ) फा पु –गोली, गुल्ला।
पगह (پگہ) फा स्त्री –'पगाह' का लघु, दे 'पगाह'।
पगाह (پگاہ) फा स्त्री –प्रात काल, सवेरा, तड़का।
पगाहतर (پگاہتر) फा स्त्री –गजरदम, बहुत तड़के, वासर सग, ब्राह्म मुहूर्त।
पचवाक (پچواک) फा पु –अनुवाद, उल्था, तर्जुमा।
पज़ (پزہ) फा पु –दोहरे कपड़े में नीचे का कपड़ा, अस्तर।
पज (پج) फा पु –पर्वत, पहाड़।
पज़ (پز) फा. प्रत्य –पकानेवाला जैसे 'खिश्तपज़' ईंटे पकानेवाला।
पज़ (پز) फा पु –पीप, मवाद, मल, मैल, जीर्ण, पुराना।
पज़न (پزن) फा स्त्री –चील पक्षी, चिल्ल।
पज़मान (پژمان) फा वि –दे 'पज़मान'।
पज़मुर्दः (پژمردہ) फा वि –खिन्न, मलिन, उदास, दु:खित, ग़मगीन, दे 'पिज़मुर्दः' दो शुद्ध हैं।
पज़मुर्दः ख़ातिर (پژمردہ خاطر) फा अ वि –दे 'पज़मुर्दः दिल'।
पज़मुर्दःदिल (پژمردہ دل) फा वि.–जिसका मन उदास हो, खिन्नमनस्क, अप्रसन्नचित्त।
पज़मुर्दःरू (پژمردہ رو) फा वि –जिसका चेहरा उदास हो, मलिनमुख, अप्रसन्नमुख।
पज़मुर्दगी (پژمردگی) फा स्त्री –उदासीनता, खिन्नता, अफ्सुर्दगी।
पज़मुर्दनी (پژمردنی) फा वि –खिन्न होने योग्य, पज़मुर्दा होने के काबिल।
पजार (پجار) फा पु –पर्वत, पहाड़।
पज़ावः (پزاوہ) फा पु –ईंट या चूना पकाने का भट्ठा, उर्दू मे केवल ईंट के भट्ठे के लिए आता है।
पज़ीरः (پذیرہ) फा पु –स्वीकार करना, कबूल करना; किसी के सामने जाना, मक्बूल, माना हुआ, दे 'पिज़ीर', दोनो शुद्ध हैं।
पज़ीर (پذیر) फा अव्य –स्वीकार करनेवाला, जैसे 'पोज़िश पज़ीर' उज़्र कबूल करनेवाला, दे 'पिज़ीर', दोनो शुद्ध हैं।
पज़ीरा (پذیرا) फा वि –स्वीकृत, अंगीकृत, कबूल, दे 'पिज़ीरा', दोनो शुद्ध हैं।
पज़ीराई (پذیرائی) फा स्त्री –स्वीकृति, अंगीकृति, मंजूरी, क़बूलियत, दे 'पिज़ीराई', दोनो शुद्ध हैं।
पज़ोह (پژوہ) फा प्रत्य –ढूँढ़नेवाला, जैसे—'हक़पज़ोह' सत्य का खोजी, दे 'पिज़ोह', दोनो शुद्ध हैं।
पज़ोहिंद: (پژوہندہ) फा वि –ढूँढ़नेवाला, जिज्ञासु, खोजी, दे 'पिज़ोहिंद' दोनो शुद्ध हैं।
पज़ोहिश (پژوہش) फा स्त्री –खोज, जिज्ञासा, तलाश, दे 'पिज़ोहिश' दोनो शुद्ध हैं।
पज़ोहीदः (پژوہیدہ) फा वि –खोजा हुआ, ढूँढा हुआ, जिज्ञासित, दे 'पिज़ोहीद', दोनो शुद्ध हैं।
पतग (پتنگ) फा पु –गवाक्ष, खिड़की, रोशनदान।
पतगीर (پتگیر) फा स्त्री –छेनी, टाँकी।
पतर (پتر) फा पु –लोहे का तख़्ता, पत्र।
पतीरः (پتیرہ) फा पु –घिनावनी और निकृष्ट वस्तु।
पतील (پتیل) फा पु –चिराग़ की बत्ती।
पत्यारः (پتیارہ) फा पु –आपत्ति, विपदा, मुसीबत, दैवी आपत्ति, बला।
पद (پد) फा पु –वह पेड़ जिसमे फल न लगते हो।
पदरस्तः (پدرستہ) फा वि –दु:खित, क्लेशित, रंजीदा, खिन्न, मलिन, उदास।
पदीद (پدید) फा वि –प्रकट, व्यक्त, आविर्भूत, ज़ाहिर, दे 'पिदीद', दोनो शुद्ध है।
पदीदार (پدیدار) फा वि –दे 'पदीद'।
पदूद (پدرود) फा स्त्री –बिदा, रुख़्सत, त्याग, तर्क।
पनाह (پناہ) फा स्त्री –रक्षा, त्राण, हिफ़ाज़त, आश्रय, सहारा, पृष्ठ-पोषण, हिमायत, प्राण-रक्षा, जान का बचाव।
पनाहगाह (پناہگاہ) फा स्त्री –वह स्थान जहाँ सुरक्षित रहा जा सके, वह स्थान जहाँ से भरण-पोषण हो और सहायता मिले।
पनाह बख़ुदा (پناہ بخدا) फा वा –ईश्वर बचाये।
पनाहे बेकसाँ (پناہ بیکساں) फा स्त्री –निराश्रय लोगो की रक्षा करनेवाला।
पनीर (پنیر) फा पु –दही का पानी निकालकर उसमें नमक मिलाकर बनाया हुआ एक खाद्य।
पनीरमायः (پنیرمایہ) फा पु –एक दवा जो बकरी या ऊँट आदि के हाल के ब्याये हुए बच्चे को उसकी माँ का खूब दूध पिलाकर और फिर उसका वध करके उसके आमाशय को सुखाकर बनाते हैं।
पनीरी (پنیری) फा वि –पनीर का; पनीर लगा हुआ; पनीर से सम्बन्ध रखनेवाला।

पयंबर (پیمبر) फा पु –ईश-दूत, अवतार, पैगम्बर।
पयंबरानः (پیمبرانہ) फा वि –पयबरो-जैसा, अवतारो-जैसा।
पयंबरी (پیمبری) फा स्त्री –पयबर का पद; पयबर सम्बन्धी, पयंबर का।
पयंबरे वक़्त (پیمبر وقت) फा अ पु –अपने समय मे ऐसे चमत्कारपूर्ण कार्य करनेवाला, जिन्हे केवल ईशदूत ही कर सकता हो।
पय (پے) फा पु –पाँव, चरण, पदचिह्न, पाँव का निशान, पीछा, वार, दफा, पट्ठा, स्नायु, दे 'पै'।
पय दर पय (پے در پے) फा वि –बार-बार, बारबार, लगातार, निरन्तर, मुसल्सल, दे 'पै दर पै'।
पय ब पय (پے بہ پے) फा वि –दे 'पय दर पय'।
पयादः (پیادہ) फा पु –पैदल चलनेवाला, चपरासी, सिपाही; हरकारा, डाकिया, सेना का पैदल सिपाही, शत्रज का पैदल।
पयादःनिज़ाम (پیادہ نظام) फा अ पु –सैनिक, फौजी, पियादा, फौजी।
पयादःपा (پیادہپا) फा वि –पाँव-पाँव चलनेवाला, पैदल चलनेवाला।
पयादःपाई (پیادہپائی) फा स्त्री –पाँव-पाँव बिना सवारी के चलना।
पयापय (پیاپے) फा वि –दे 'पय दर पय'।
पयाम (پیام) फा पु –समाचार, खबर, संदेश, सदेसा, सगाई की बातचीत।
पयामबर (پیامبر) फा वि –खबर ले जानेवाला; सदेश पहुँचानेवाला; दूत, सदेशवाहक।
पयामबरी (پیامبری) फा स्त्री –खबर ले जाना; सदेश पहुँचाना।
पयामबुर्दः (پیامبردہ) फा वि –सदेश या खबर लेकर गया हुआ।
पयामरसाँ (پیامرساں) फा वि –सदेश अथवा खबर पहुँचानेवाला।
पयामरसानी (پیامرسانی) फा स्त्री –सदेश या खबर पहुँचाना।
पयामरसी (پیامرسی) फा स्त्री –संदेश या खबर पहुँचना।
पयामी (پیامی) फा वि –पयाम ले जानेवाला, सदेश-वाहक, समाचार ले जानेवाला, खबररसाँ।
पयामोसलाम (پیاموسلام) फा अ पु –दूसरे के द्वारा दो व्यक्तियो की बातचीत।
परंदः (پرندہ) फा पु –पक्षी, चिडिया।
परंद (پرند) फा पु –पक्षी, तलवार; सादा रेशमी कपड़ा; तलवार का जौहर, कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी।
परः (پرہ) फा पु –पक्ति, कतार; कुफुल की झड़; घास का तिन्का, छोर, किनारा।
पर (پر) फा पु –पक्ष, पख।
परअफ़गंदः (پرافگندہ) फा वि –जिसके पर झड गये हो, अर्थात् विवश, लाचार।
परअफ़गंदगी (پرافگندگی) फा स्त्री –पर झड जाना, विवशता, लाचारी।
परअफ़्शाँ (پرافشاں) फा वि –दे 'परफिशाँ'।
परअफ़्शानी (پرافشانی) फा स्त्री –दे 'परफिशानी'।
परक़ाजः (پرقازہ) फा पु –चित्रकार की कूची, तूलिका।
परकार (پرکار) फा स्त्री –दे 'पर्कार'।
परकालः (پرکالہ) फा पु –दे 'पर्काल'।
परख़ाश (پرخاش) फा स्त्री –दे 'पर्ख़ाश'।
परगनः (پرگنہ) फा. पु –दे 'पर्गन'।
परचीं (پرچیں) फा. स्त्री –दे 'पर्चीं'।
परताव (پرتاب) फा पु –दे 'पर्ताव'।
परतौ (پرتو) फा पु –दे 'पर्तौ'।
परदाख़्तः (پرداختہ) फा वि –दे 'पर्दाख़्त'।
परदाख़्त (پرداخت) फा स्त्री –दे 'पर्दाख़्त'।
परवाज़ (پرواز) फा पु –दे 'पर्दाज़'।
परवार (پروار) फा वि –जिसके पर हो।
परदोख़्त (پردوختہ) फा वि –जिसके पर सी दिये गये हो, जो उड न सके, अर्थात् विवश, लाचार।
परन (پرن) फा स्त्री –कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी।
परनियाँ (پرنیاں) फा पु –दे 'पर्नियाँ'।
परपा (پرپا) फा पु –घाघस कबूतर, वह कबूतर जिसके पाँव मे पर होते है।
परफ़िशाँ (پرفشاں) फा वि –पर झाडनेवाला, पर फट-फटानेवाला, अर्थात् सासारिक सुखो का त्यागी।
परफिशानी (پرفشانی) फा स्त्री –सासारिक सुखो का त्याग, निवृत्ति।
परबंद (پربند) फा वि –दे 'परबस्त'।
परबस्तः (پربستہ) फा वि –जिसके पर बँधे हो, जो उडने में असमर्थ हो, विवश, लाचार।
परबुरीदः (پربریدہ) फा वि –जिसके पर काट दिये गये हो, अर्थात् असमर्थ, मजबूर।
पररेख़्त (پرریختہ) फा वि –पर झडा हुआ, जो उड न सके, असमर्थ, विवश।
परवरिश (پرورش) फा स्त्री –दे 'पर्वरिश'।

परवर्दः (پروردہ) फा वि—दे 'पर्वर्द'।

परवाज़ (پرواز) फा स्त्री—उड़ना, दे 'पर्वाज़', अपने मर्कज़ की तरफ मायले परवाज़ था हुस्न, भूलता ही नही आलम तेरी अँगड़ाई का।—अजीज़।

परवानः (پروانہ) फा पु—पतगा, शलभ, आदेशपत्र, हुक्मनामा, राजादेश, फर्मान, भक्त, फ़िदाई, मुग्ध, आसक्त, फरेफ्त, वह कुत्ते बराबर जतु जो सिंह के आगे-आगे चलता है।

परवानःवार (پروانہوار) फा अ वि—परवाने की तरह, जैसे शलभ दीपक की ओर जाता है, ऐसे बड़े वेग और उत्साह के साथ।

परवानए गिरिफ्तारी (پروانۂ گرفتاری) फा पु—गिरिफ्तारी का वारट।

परवानए राहदारी (پروانۂ راہداری) फा पु—पासपोर्ट, पारपत्र।

परवानगी (پروانگی) फा स्त्री—आज्ञा, अनुमति, इजाज़त।

परवीं (پروین) फा स्त्री—दे 'पर्वी'।

परवेज़ (پرویز) फा पु—दे 'पर्वेज़'।

परवेज़न (پرویزن) फा स्त्री—दे 'पर्वेज़न'।

परशिकस्तः (پرشکستہ) फा वि—जिसके पर टूट गये हो, जो उड़ न सके, अर्थात् विवश, असमर्थ, अशक्त, लाचार।

परसियावशाँ (پرسیاوشاں) फा स्त्री—एक वनस्पति, हसराज।

परसुम (پرسم) फा पु—दे 'पर्सुम'।

परसोख्त. (پرسوختہ) फा वि—जिसके पर जल गये हो, अर्थात्, असमर्थ, लाचार, विवश।

परस्त (پرست) फा अव्य—पूजनेवाला, जैसे—'बुतपरस्त' मूर्ति पूजनेवाला।

परस्तार (پرستار) फा वि—पूजनेवाला, उपासक, आबिद, भक्त, फ़िदाई।

परस्तारज़ादः (پرستارزادہ) फा पु—दासीपुत्र, लौंडी-बच्चा।

परस्तारी (پرستاری) फा स्त्री—पूजा, आराधना, इबादत, भक्ति, फ़िदाइयत।

परस्तिदः (پرستندہ) फा वि—पूजनेवाला, पूजक, आराधक।

परस्तिश (پرستش) फा स्त्री—पूजा, आराधना, इबादत, बहुत अधिक प्रेम।

परस्तिशकदः (پرستش کدہ) फा पु—दे 'परस्तिशगाह'।

परस्तिशखानः (پرستش خانہ) फा पु—दे 'परस्तिशगाह'।

परस्तिशगाह (پرستش گاہ) फा स्त्री—पूजा का स्थान, आराधनालय, इबादतखाना।

परस्तीदः (پرستیدہ) फा वि—जिसकी पूजा की जाय, पूजित, आराधित, पूज्य, आराध्य।

परस्तीदनी (پرستیدنی) फा वि—पूजने योग्य, पूजनीय, आराधनीय।

परहेज़ (پرہیز) फा पु—दे 'पहेज़'।

परागदः (پراگندہ) फा वि—अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, असबद्ध, बेतर्तीब, उद्विग्न, परेशान।

परागदःख़ातिर (پراگندہ خاطر) फा वि—जिसका मन ठिकाने न हो, व्यस्तचित्त।

परागदःदिल (پراگندہ دل) फा वि—दे 'परागद खातिर'।

परागदःमू (پراگندہ مو) फा वि—जिसके बाल बिखरे हुए हो, बाल बिखेरे हुए।

परागदःरोज़गार (پراگندہ روزگار) फा वि—समय जिसके अनुकूल न हो, कालचक्र-ग्रस्त।

परागंदःरोज़ी (پراگندہ روزی) फा वि—जिसकी जीविका निश्चित न हो, अनिश्चित जीविका।

परागंदःहाल (پراگندہ حال) फा अ वि—जिसकी दशा बहुत ही अस्त-व्यस्त हो, व्यस्तावस्था, दुर्दशाग्रस्त, व्यस्तभाग्य।

परागदगी (پراگندگی) फा स्त्री—अस्तव्यस्तता, तितर-बितरपन, असबद्धता, बेतर्तीबी।

पराज़दः (پرازدہ) फा पु—चोई, गुंधे हुए आटे का पेड़ा।

परानिदः (پرانندہ) फा वि—उड़ानेवाला।

परानीदः (پرانیدہ) फा वि—उड़ाया हुआ।

परिंदः (پرندہ) फा पु—पक्षी, चिड़िया।

परिंद (پرند) फा पु—पक्षी, चिड़िया।

परिंदगी (پرندگی) फा स्त्री—उड़ना।

परिस्तान (پرستان) फा पु—परियो का स्थान, जहाँ बहुत-सी परियाँ रहती हो।

परी (پری) फा स्त्री—एक कल्पित प्राणीवर्ग, जिनके लिए प्रसिद्ध है कि वह अत्यन्त सुन्दरी होती है, अप्सरा, बहुत अधिक सुन्दर स्त्री।

परीअदाज़ (پری انداز) फा वि—परियो-जैसे हावभाव रखनेवाला (वाली)।

परीअंदाम (پری اندام) फा वि—परियो-जैसे सुदर शरीर-वाला (वाली)।

परीइज़ार (پری عذار) फा अ वि—परियो-जैसे कपोलो-वाला (वाली)।

परीक़ामत (پری قامت) फा अ वि—परियो-जैसे आकार-वाला (वाली)।

परीख़ानः (پریخانہ) फा पु—परियो के रहने का घर, वह स्थान जहाँ बहुत-सी सुदर स्त्रियाँ एकत्र हो।

परीख्वाँ (پریخواں) फा वि—जादूगर, इंद्रजाली, भूत-प्रेत उतारनेवाला, भगत, ओझा, जादू के ज़ोर से भूतो की आत्माओ को बुलानेवाला, अज़ीमतख्वाँ।

परीख्वानी (پریخوانی) फा स्त्री—माया-कर्म, जादूगरी, भूत-प्रेत उतारना, भूत-प्रेत-आत्माओ को बुलाना।

परीख्म (پری خم) फा वि—परियो-जैसी अठलाती हुई चाल से चलनेवाला (वाली)।

परीचश्म (پری چشم) फा वि—परियो-जैसी सुन्दर आँखोवाला (वाली)।

परीचेह्रः (پری چہرہ) फा. वि—दे 'परीरू'।

परीज़दः (پری زدہ) फा वि—जिस पर आसेब का खलल हो, प्रेतबाधा-ग्रस्त, भूताविष्ट।

परीजमाल (پری جمال) फा अ वि—परियो-जैसा सौन्दर्य रखनेवाला (वाली)।

परीज़ादः (پری زادہ) फा पु—परियो की औलाद, परियो का लडका, अप्सरा-पुत्र।

परीज़ाद (پری زاد) फा पु—दे—'परीज़ाद'।

परीतलअत (پری طلعت) फा अ वि—दे 'परीजमाल'।

परीतिम्साल (پری تمثال) फा अ वि—परियो-जैसी सूरतवाला (वाली), अप्सरामुखी।

परीदः (پریدہ) फा वि—उडा हुआ, जैसे—परीद रंग।

परीदःरंग (پریدہ رنگ) फा वि—जिसका रग उड गया हो।

परीदोश (پریدوش) फा स्त्री—बीती हुई, परसो की रात।

परीपैकर (پری پیکر) फा वि—दे 'परीअदाम'।

परीफाम (پری فام) फा वि—परियो-जैसे गोरे रगवाला (वाली)।

परीबंद (پری بند) फा पु—भुजबध, बाजू का एक जेवर।

परीर (پریر) फा पु—दे 'परीरोज'।

परीरुख़ (پری رخ) फा. वि—दे 'परीरू'।

परीरुख़सार (پری رخسار) फा वि—दे 'परीरू'।

परीरू (پری رو) फा वि—परियो-जैसी शक्ल-सूरतवाला (वाली)।

परीरोज़ (پری روز) फा पु—बीता हुआ परसो का दिन।

परीलिक़ा (پری لقا) फा अ वि—दे 'परीतलअत'।

परीवश (پری وش) फा वि—परियो-जैसा (-जैसी)।

परीशब (پری شب) फा स्त्री—बीती हुई परसोवाली रात।

परीशाँ (پریشاں) फा वि—अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, व्याकुल, आतुर, बेचैन, दुखित, क्लेशित, रजीदा, चिंतित, फिक्रमद, स्तब्ध, चकित, हैरान, ध्वस्त, बरबाद।

परीशाँख़याल (پریشاں خیال) फा अ वि—जिसका मन बेठिकाने हो, जो ठीक-ठीक सोच न सकता हो।

परीशाँख़याली (پریشاں خیالی) फा अ स्त्री—ख़यालात की बेतरतीबी, मन की व्यस्तता।

परीशाँख़ातिर (پریشاں خاطر) फा. अ. वि—व्यग्रचित्त, व्यस्तमना, जिसका मन ठिकाने न हो।

परीशाँख़ातिरी (پریشاں خاطری) फा अ स्त्री—चित्त की व्यग्रता, मन का बेठिकाने होना।

परीशाँगोई (پریشاں گوئی) फा स्त्री—बकवास, मिथ्यावाद, व्यालाप।

परीशाँदिल (پریشاں دل) फा वि—दे 'परीशाँख़ातिर'।

परीशाँनज़री (پریشاں نظری) फा स्त्री—निगाह का ठिकाने न होना।

परीशाँमू (پریشاں مو) फा वि—जिसके बाल बिखरे हुए हो।

परीशाँरू (پریشاں رو) फा वि—जिसका मुँह उतरा हुआ हो, जिसके चेहरे पर परीशानी के आसार हो।

परीशाँरोज़गार (پریشاں روزگار) फा वि—जिसका समय प्रतिकूल हो, दुर्दशाग्रस्त।

परीशाँरोज़ी (پریشاں روزی) फा वि—जिसको जीविका की ओर से सतोष न हो, बेरोज़गार।

परीशाँसूरत (پریشاں صورت) फा अ वि—जिसकी सूरत से परेशानी टपकती हो।

परीशाँहाल (پریشاں حال) फा वि—दुर्दशाग्रस्त, मुफलिस, कगाल, अकिंचन।

परीशाँहाली (پریشاں حالی) फा अ स्त्री—दुर्दशा, गरीबी, कगाली, अकिंचनता।

परीशान (پریشان) फा वि—दे 'परीशाँ'।

परीशानकुन (پریشان کن) फा वि—परीशान करनेवाला।

परीशानी (پریشانی) फा स्त्री—व्याकुलता, बेचैनी, चिंता, फिक्र, दुख, तक्लीफ।

परीसीरत (پری سیرت) फा अ वि—परियो-जैसे स्वभाववाला (वाली)।

परीसूरत (پری صورت) फा अ वि—दे 'परीरू'।

परेकाह (پرکاہ) फा पु—घास का तिनका।

परेताऊस (پر طاؤس) फा पु—मोर का पर, मयूरपक्ष।

परेशाँ (پریشاں) फा वि—'परेशान' का लघु, दे 'परेशान'।

परेशान (پریشان) फा वि—अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, व्याकुल, आतुर, दुखित, रजीदा, चिंतित, फिक्रमद, स्तब्ध, हेरान, ध्वस्त, बरबाद।

परेशानी (پریشانی) फा स्त्री—व्याकुलता, बेचैनी, चिंता, फिक्र, दुख, तक्लीफ।

परेहुमा (پرہما) फा पु—कल्ग़ी, केस, तुर्रा, हुमा पक्षी का पर, जिसकी परछाई पडने से मनुष्य राजा हो जाता है।

परोबाल (پروبال) फा पु –पक्षियो के डैने और पर, बल, शक्ति, जोर, सहायता, मदद, सामर्थ्य, मक्दूर।
पर्कार (پرکار) फा. स्त्री –गोलाई खीचने का यत्र।
पर्कालः (پرکالہ) फा पु –अश, खण्ड, हिस्सा, चिनगारी, स्फुलिग, पतगा।
पर्कालए आतश (پرکالۂ آتش) फा पु –आग की चिनगारी, अग्निकण, बहुत ही धूर्त और चालाक व्यक्ति।
पर्खाश (پرخاش) फा स्त्री –वैर, शत्रुता, दुश्मनी, द्वेष, कीना, बुग्ज, वैमनस्य, रजिश।
पर्गनः (پرگنہ) फा पु –जिले का एक भाग, तहसील, ग्राम, गाँव।
पर्गार (پرگار) फा स्त्री –दे 'पर्कार', दोनो शुद्ध हैं, परन्तु 'पर्कार' व्यवहृत है।
पर्चः (پرچہ) फा पु –कागज का छोटा टुकडा, चिट्ठी जो दस्ती भेजी जाय, पत्र, अख्बार, पुलिस की रिपोर्ट, परीक्षापत्र, प्रश्नपत्र।
पर्च.नवीस (پرچہ نویس) फा वि –सवादकार, अख्बारी नुमाइद, गुप्त रिपोर्ट लिखनेवाला, जासूस।
पर्चए इम्तिहाँ (پرچۂ امتحاں) फा अ पु –परीक्षा के प्रश्नो का पर्चा, परीक्षापत्र।
पर्चए हिसाब (پرچۂ حساب) फा अ. पु –बीजक, बही के हिसाब की नक्ल, परीक्षा मे गणित का पर्चा।
पर्चम (پرچم) फा पु –झडे का कपडा, फरेरा, सुरा गाय की पुच्छ, अलक, जुल्फ।
पर्चमकुशाई (پرچم کشائی) फा स्त्री –झडा लहराना, झडा आरोहण, झडा लहराने का उत्सव या रस्म, ध्वजोत्तोलन।
पर्चीं (پرچیں) फा स्त्री –काँटो या लकडियो की बाड जो खेत या घर के चारो ओर लगाते हैं।
पर्ताब (پرتاب) फा पु –वह अतर जो तीर फेंकने और जाकर गिरने के स्थानो के बीच मे हो, एक प्रकार का वाण जो बहुत दूर तक जाता है।
पर्ताबी (پرتابی) फा वि –तीर चलानेवाला, धनुर्धर, तीरदाज।
पर्तौ (پرتو) फा पु –प्रकाश, रोशनी, आभा, चमक, झलक, प्रतिविव, अक्स, हलका प्रभाव, छाया, साया।
पर्द: (پردہ) फा पु –आड, ओट, टट्टी, मुखपट, नकाब, घूँघट, स्त्री का परपुरुष से छिपना, आँख, कान आदि की झिल्ली, बाजे का पुर्जा जो स्वर बताता है, राग, नग्म', द्वारपट, चिलमन या कपडा आदि।
पर्द:दर (پردہ در) फा वि –दोष प्रकट करनेवाला, निंदक, स्त्री का पर्दा तोडनेवाला।
पर्द:दरी (پردہ دری) फा स्त्री –दोष प्रकट करना, छिद्रान्वेषण, स्त्री का पर्दा भग करना, उसे पर्दे में न रहने देना।
पर्द:दार (پردہ دار) फा वि –दोष छिपानेवाला, द्वारपाल, दरबान।
पर्द:दारी (پردہ داری) फा स्त्री –दोष छिपाना, दरबानी।
पर्द:नशीं (پردہ نشیں) फा वि –पर्दे मे रहनेवाली स्त्री, अनिष्कासिनी।
पर्द:नशीनी (پردہ نشینی) फा स्त्री –स्त्री का पर्दे में रहना, वाहर खुले मुँह न निकलना।
पर्द:पोश (پردہ پوش) फा वि –दूसरे का दोष छिपानेवाला, दोष और अपराध देखते हुए क्षमा करनेवाला।
पर्द:पोशी (پردہ پوشی) फा स्त्री –दोष और अपराध पर दृष्टि न डालना, उन्हें छिपाना, क्षमा करना।
पर्द:सरा (پردہ سرا) फा स्त्री –अत पुर, जनानखाना, खेमा, डेरा, तम्बू, स्त्रियो के रहने का घर।
पर्द:सोज (پردہ سوز) फा वि –दे 'पर्द:दर'।
पर्दए इनबी (پردۂ عنبی) फा अ पु –आँख के सात पर्दो मे से एक।
पर्दए इस्मत (پردۂ عصمت) फा अ पु –दे 'पर्दए बकारत', सतीत्व, सतीपन, इफ्फत।
पर्दए गोश (پردۂ گوش) फा पु –कान की झिल्ली, जिससे टकराकर आवाज सुनाई देती है, श्रवण-पटल।
पर्दए चश्म (پردۂ چشم) फा पु –आँख की सात झिल्लियाँ, चक्षु-पटल।
पर्दए जबूर (پردۂ زنبور) फा पु –एक प्रकार का जालीदार वुर्का।
पर्दए जबूरी (پردۂ زنبوری) फा पु –खिडकियोवाला घर।
पर्दए दर (پردۂ در) फा पु –दरवाजे पर पडा हुआ पर्दा।
पर्दए नामूस (پردۂ ناموس) फा अ पु –सतीत्व, इस्मत, प्रतिष्ठा, मर्यादा।
पर्दए बकारत (پردۂ بکارت) फा अ पु –वह झिल्ली जो योनि पर होती है और पहले सहवास में फट जाती है, योनिपटल, योनिच्छद।
पर्दए बीनी (پردۂ بینی) फा पु –नाक अथवा दोनो नथनो के बीच की दीवार, नासापट।
पर्दए सीमीं (پردۂ سیمیں) फा पु –सिनेमा का पर्दा जिस पर चित्र दिखाई देते हैं, रजत-पट।
पर्दक (پردک) फा पु –पहेली, प्रहेलिका, मुअम्मा।
पर्दगी (پردگی) फा स्त्री –पर्दे मे रहनेवाली नायिका, द्वारपाल, दरबान।

पर्दाख्तः (پرداختہ) फा वि –सँवारा हुआ, सज्जित, पाला हुआ, पोषित।

पर्दाख्त (پرداخت) फा स्त्री –देखभाल, सरक्षण, रक्षा, हिफाज़त, पालन-पोषण, पर्वरिश।

पर्दाख्तनी (پرداختنی) फा वि –सँवारने योग्य; रक्षा करने योग्य, देखभाल के योग्य, पालन-पोषण के योग्य।

पर्दाज़ (پرداز) फा पु –शौर्य, ढग, सज्जा, सजावट, मलग्नता, मश्गूली, चित्र की महीन रेखाएँ आदि, (प्रत्य) सँवारनेवाला, जैसे—'इशापरदाज़' शब्दो को सुसज्जित करनेवाला।

पर्दाज़िदः (پردازندہ) फा वि –सँवारनेवाला।

पर्नां (پرناں) फा पु –एक चित्रित रेशमी कपडा।

पर्नियाँ (پرنیاں) फा पु –एक प्रकार का चित्रित रेशमी कपडा।

पर्पहन (پرپہن) फा पु –खुर्फे का साग।

पर्मक (پرمک) तु स्त्री –उँगली।

पर्मला (پرملا) फा स्त्री –मुर्गाबी, एक जल-पक्षी।

पर्रः (پرہ) फा पु –फौज की पक्ति, पर, कुफुल की झड, घास की पत्ती, तिनका, छोर, किनारा।

पर्रए बीनी (پرۂ بینی) फा पु –नासापटल, नथनो के बीच की दीवार।

पर्रां (پراں) फा वि –उडता हुआ, उडती हुई अवस्था मे।

पर्वज़ (پروز) फा स्त्री –कुर्ते आदि के दामन पर टाँकी जानेवाली गोट।

पर्वर (پرور) फा प्रत्य –पालनेवाला, जैसे—'अद्ल पर्वर' न्याय का पालन करनेवाला।

पर्वरिंद: (پرورندہ) फा वि –पालनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला।

पर्वरिश (پرورش) फा स्त्री –पालन-पोषण, कृपा, दया, सहायता, मदद।

पर्वरिशख़ान. (پرورش خانہ) फा पु –दे 'पर्वरिशगाह'।

पर्वरिशगाह (پرورشگاہ) फा स्त्री –वह स्थान जहाँ बच्चो का पालन-पोषण होता है।

पर्वरिशयाफ्त (پرورش یافتہ) फा वि –पाला हुआ, पोषित, पालित।

पर्वर्द: (پروردہ) फा वि –पाला हुआ, (प्रत्य) जैसे—'बर्फ पर्वर्द' बर्फ मे सुरक्षित किया हुआ।

पर्वर्द (پرورد) फा वि –दे 'पर्वर्द'।

पर्वर्दए नमक (پروردۂ نمک) फा वि –जिसने किसी के घर पर्वरिश पायी हो, और नमक खाकर बडा हुआ हो, दास।

पर्वर्दए ने'मत (پروردۂ نعمت) फा अ वि –दे 'पर्वर्दए नमक'।

पर्वर्दगार (پروردگار) फा. पु –ईश्वर, परमात्मा, ख़ुदा।

पर्वर्दनी (پروردنی) फा वि –पालन-पोषण करने योग्य।

पर्वा (پروا) फा स्त्री –चिता, फिक्र, भय, डर, ध्यान, ख़याल, इच्छा, चाह।

पर्वाज़ (پرواز) फा स्त्री –उडान, उडने का भाव, (प्रत्य) उडनेवाला, जैसे—'बलदपर्वाज' ऊँचा उडनेवाला।

पर्वान (پروانہ) फा पु –पतगा, शलभ, आदेशपत्र, हुक्मनामा, राजादेश, फर्मान, मुग्ध, फरेफ्त, भक्त, फ़िदाई, एक लोमडी-जैसा जन्तु जो शेर के आगे-आगे चलता है।

पर्वानःवार (پروانہوار) फा वि –जैसे शलभ दीपक की ओर दौडता है वैसे, शलभवत्।

पर्वानए राहदारी (پروانۂ راهداری) फा पु –पासपोर्ट, पारपत्र।

पर्वानक (پروانک) फा पु –वह लोमडी-जैसा जन्तु जो शेर के आगे-आगे चलता है, पर्वाना।

पर्वानगी (پروانگی) फा स्त्री –आज्ञा, अनुमति, इजाजत।

पर्वार. (پروارہ) फा पु –टेकी, अडगा, झरोखा, गुर्फ़।

पर्वार (پروار) फा पु –जमीन के नीचे बनाया हुआ घर जिसमे धूप से बचाकर पशु पाले जाते और मोटे किये जाते है।

पर्वारी (پرواری) फा वि –पर्वार मे पला हुआ, वह पशु जो धूप से बचाकर और खूब खिला-पिलाकर मोटा किया गया हो।

पर्वीं (پروین) फा स्त्री –कृत्तिका नक्षत्र, परन, गुच्छा, गुच्छ, खोश।

पर्वेज़ (پرویز) फा पु –प्रतिष्ठित, समानित, शकर छानने की चलनी, नौशेरवाँ का पोता जो शीरी का आशिक था।

पर्वेज़न (پرویزن) फा स्त्री –छलनी, आटा आदि छानने का यत्र।

पर्सुम (پرسم) फा पु –पलेथन, रोटी पकाते समय लोई में लगाया जानेवाला आटा।

पहेंज़ (پرهیز) फा पु –अलग रहना, बचाव, घृणा, नफ़त, रोगी के खान-पान का बचाव, निषेध।

पहज़गार (پرهیزگار) फा वि –सयम नियम का पालन करनेवाला, इद्रियो को वश मे रखनेवाला।

पहेंज़गारी (پرهیزگاری) फा स्त्री –सयम-नियम का पालन, यति-धर्म, इद्रिय-निग्रह।

पहेंज़िद (پرهیزنده) फा वि –पहेज़ करनेवाला।

पहेंज़ी (پرهیزی) फा वि –वह खाना जो रोगी को उसकी दशा के अनुसार दिया जाय।

पर्हेज़ीदः (پرهیزیده) फा वि —जिस वस्तु का पर्हेज़ हो।

पलंग (پلنگ) फा पु —एक हिंसक जन्तु, तेंदुआ, जो इसका अर्थ चीता करते है, गलत करते हैं।

पलंगीनः (پلنگینه) फा पु —एक ऊनी कपडा जिसमे तेंदुए की खाल-जैसे चिह्न होते है।

पल· (پله) फा पु —ढाक का पेड, पलाश, टेसू।

पलक (پلک) फा स्त्री —नयनपट, दृगचल।

पलश्त (پلست) फा वि —मलिन, मैला, अपवित्र, गदा।

पलारक (پلارک) फा पु —एक प्रकार का बढिया लोहा, तलवार का जौहर, तलवार, खड्ग।

पलाव (پلاو) फा पु —पुलाव, एक प्रसिद्ध भोज्य पदार्थ, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'पलाव' है, परन्तु उर्दू में 'पुलाव' ही कहते हैं।

पलास (پلاس) फा पु —ढाक का पेड, टेसू, पलाश, सन का कपडा, टाट, बहुत मोटा और खुरदरा कपडा।

पलीत· (پلیته) फा पु —चराग की बत्ती, वह बत्ती जो प्रेतबाधा उतारने के लिए जलायी जाती है।

पलीद (پلید) फा वि —अपवित्र, नापाक, मल-दूषित, गदा, दुष्ट, खबीस।

पलीदी (پلیدی) फा स्त्री —अपवित्रता, नापाकी, मलिनता, गदगी।

पल्क (پلک) फा पु —आँख का पपोटा।

पल्खम (پلخم) फा पु —गोफन, ढेला फेंकने का यत्र, फलाखन।

पल्ल (پله) फा पु —तराजू का पलडा, तुला घट, पद, पदवी, दरजा, सीढी का डडा।

पशग (پشنگ) फा पु —अफासियाब के पिता का नाम, जो बडा महारथी शासक था, दे 'पुशग', दोनो शुद्ध हैं।

पश· (پشه) फा पु —दे 'पश्श।

पशीं (پشیں) फा पु —कैकुबाद का लडका।

पशीज (پشیز) फा पु —पैसा, तांबे का सिक्का, तांबे का कण।

पशेमाँ (پشیماں) फा वि —'पशेमान' का लघु, दे 'पशेमान'।

पशेमान (پشیمان) फा वि —लज्जित, शर्मिदा, सकुचित, नादिम, पश्चात्तापी, पछतानेवाला।

पशेमानी (پشیمانی) फा स्त्री —लज्जा, शर्मिदगी, सकोच, नदामत, पश्चात्ताप, अफ्सोस।

पश्म (پشم) फा स्त्री —ऊन, ऊर्ण, उर्दू में पेडू के नीचे के बालो के लिए भी बोलते हैं।

पश्मक (پشمک) फा स्त्री —एक मिठाई जो बालो के लच्छे-जैसी होती है, बुढिया का सूत।

पश्मक़ुली (پشم قلی) फा तु पु —दे 'पश्मदी'।

पश्मदीं (پشم دیں) फा पु —एक गाली, जो किसी को अपमानित करने के लिए उसके नाम के स्थान पर बोलते हैं।

पश्माक़ (پشماق) फा पु —अश्व, वाजि, घोडा।

पश्मीं (پشمیں) फा वि —ऊन का बना हुआ, ऊनी।

पश्मीनः (پشمینه) फा पु —एक बहुत बढिया ऊनी कपडा, जो बडा मुलाइम और मज़बूत होता है और कश्मीर में सबसे अच्छा बनता है।

पश्श· (پشه) फा पु —मच्छर, मशक।

पश्श:खान· (پشه خانه) फा पु —मच्छरदानी, मशकहरी।

पसद· (پسنده) फा पु —मास के पतले टुकडे जो आग पर सेंके जाते या मसाले में तले जाते हैं।

पसद (پسند) फा वि —रुचिकर, मर्गूब, स्वीकृत, मज़ूर, (स्त्री) रुचि, रग्बत, इच्छा, मशा, स्वीकृति, मजूरी, (प्रत्य) पसद करनेवाला, जैसे—'हकपसद' सच को पसद करनेवाला, पसद आनेवाला, जैसे—'दिलपसद' मन को भानेवाला।

पसदाज़ (پس انداز) फा वि —व्यय के पश्चात् बचा हुआ धन आदि, सचित, बचाकर एकत्र करनेवाला, किफायत-शिआर।

पसंदाज़ी (پس اندازی) फा स्त्री —व्यय करके धन आदि बचाना, ताकि आगे आवश्यकता पर काम दे, किफायत-शिआरी।

पसदीद· (پسندیده) फा वि —पसद किया हुआ, रुचिकर, मर्गूब, मन को अच्छा लगनेवाला, मनोवाछित, दिलपसद।

पसदीद· **औसाफ** (پسندیده اوصاف) फा अ वि —अच्छे और उत्तम गुणोवाला व्यक्ति, सद्गुणसपन्न।

पसदीद.तर (پسندیده تر) फा वि —बहुत अधिक अच्छा और रुचिकर।

पसदीदगी (پسندیدگی) फा स्त्री —रुचि, रग्बत।

पसदेश (پس اندیش) फा वि —केवल पीछे की बात सोचनेवाला, आगे न देखनेवाला, सकुचितबुद्धि।

पसदेशी (پس اندیشی) फा स्त्री —पीछे की बात सोचना, आगे न देखना, बुद्धि-सकोच।

पस (پس) फा अव्य —पीछे, बाद, अतत, आखिरकार, पुन, फिर।

पसअदाज (پس انداز) फा वि —दे 'पसदाज', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअदाजी (پس اندازی) फा स्त्री —दे 'पसदाजी', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअदेश (پس اندیش) फा वि–दे 'पसदेश', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअदेशी (پس اندیشی) फा स्त्री–दे 'पसदेशी', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअफ़गदः (پس افگندہ) फा पु–दे 'पसफगद', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसआवर्द· (پس آوردہ) फा पु–दे 'पसावर्द', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसआहग (پس آهنگ) फा पु–दे 'पसाहग' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसकूच (پس کوچہ) फा पु–गली के अदर की गली, बहुत पतली और तग गली।

पसख़ुर्द (پس خوردہ) फा वि–बचा हुआ खाना, भुक्तशेष, उच्छिष्ट।

पसख़ेज (پس خیز) फा पु–पहलवानो का नया-नया शिष्य।

पसख़ेमः (پس خیمہ) फा पु–सेना की सबसे पिछली रावटी, नतीजा, निष्कर्ष।

पसतर (پس تر) फा वि–बहुत पीछे, सबसे पीछे।

पसतर फर्दा (پس تر فردا) फा पु–परसो के बादवाला दिन, नरसो, अगली नरसो।

पसपा (پسپا) फा वि–लडाई मे पीछे हटा हुआ, हारा हुआ, पराजित।

पसपाई (پسپائی) फा स्त्री–युद्ध मे पीछे हटना, पराजय, हार।

पसफर्दा (پس فردا) फा पु–कल के बादवाला दिन, परसो, अगली परसो।

पसफगद· (پس افگندہ) फा वि–खर्च से बची हुई वस्तु जो दूसरे समय काम आने के लिए उठा रखी जाय, बीट, गोबर।

पसमादः (پسماندہ) फा वि–बचा हुआ, बची हुई वस्तु, मृत पुरुष के बाल-बच्चे, सफर मे साथियो से पीछे रह जानेवाला।

पसमादगा (پسماندگاں) फा पु–मृत पुरुषके सम्बन्धी जन, बाल-बच्चे, सफर में साथियो से पीछे रह जानेवाले।

पसमादगी (پس ماندگی) फा स्त्री–सफर मे साथियो से पीछे रह जाना, हीनता, दीनता, लाचारी।

पसरवी (پس روی) फा स्त्री–पीछे-पीछे चलना, अनुकरण करना।

पसरौ (پس رو) फा वि–पीछे चलनेवाला, अनुकरणकर्ता।

पसावर्द (پساوردہ) फा पु–वह लडका जो स्त्री के प्रथम पति का हो।

पसावीद· (پساویدہ) फा वि–रगडा हुआ, मसला हुआ, मला-दला हुआ।

पसावीदनी (پساویدنی) फा वि–रगडने योग्य, मसलने योग्य, मलने-दलने योग्य।

पसाहग (پس آهنگ) फा पु–सेना का पिछला भाग।

पसीं (پسیں) फा वि–अतिम, आखिरी, पिछला, पीछेवाला।

पसेज (پسیچ) फा पु–सकल्प, इरादा, तत्परता, तैयारी, कटिबद्धता, आमादगी।

पसेपर्दा (پس پردہ) फा पु–पर्दे के पीछे, आड मे, गुप्त रूप से, "आ गया कौन है पसेपर्दा—नूर से झिलमिलाती है चिलमन'।

पसेपुश्त (پس پشت) फा पु–पीठ-पीछे, परोक्ष मे।

पसेमर्ग (پس مرگ) फा पु–मरने के बाद, मरण-पश्चात्।

पसेमुर्दन (پس مردن) फा पु–दे 'पसेमर्ग'।

पस्त (پستہ) फा वि–ह्रस्व, पस्त, लघु, छोटा।

पस्त कद (پستہ قد) फा वि–ह्रस्वकाय, वामन, बौना, ठिगना।

पस्त (پست) फा वि–नीचा, निशेबी, अधम, नीच, कमीना, ह्रस्व, पस्त, लघु, छोटा।

पस्तअदेश (پست اندیش) फा वि–लघुचेता, मदबुद्धि, तगखयाल।

पस्तअदेशी (پست اندیشی) फा स्त्री–तगखयाली, बुद्धिमाद्य।

पस्तक (پستک) फा वि–बहुत अधिक नीचा, बहुत अधिक कमीना, बहुत अधिक लघु।

पस्तक़द (پست قد) फा वि–दे 'पस्त कद'।

पस्तकामत (پست قامت) फा अ वि–दे 'पस्त कद'।

पस्तकामती (پست قامتی) फा अ स्त्री–डीलडौल का छोटा होना, बौनापन, वामनता।

पस्तख़याल (پست خیال) फा अ वि–दे 'पस्तअदेश'।

पस्तख़याली (پست خیالی) फा अ स्त्री–दे 'पस्तअदेशी'।

पस्तफित्रत (پست فطرت) फा अ वि–तुच्छ प्रकृतिवाला, कमीना, दुष्टात्मा, ख़बीस।

पस्तफित्रती (پست فطرتی) अ फा स्त्री–प्रकृति की निकृष्टता, कमीनापन, दुष्टता, ख़बासत।

पस्तहिम्मत (پست همت) फा अ वि–हतोत्साह, अल्प-साहस, कमहौसला।

पस्तहिम्मती (پست همتی) फा अ स्त्री–उत्साहहीनता, हौसले और उमग की कमी।

पस्तहौसल (پست حوصلہ) फा अ वि–दे 'पस्तहिम्मत'।

पस्तहौसलगी (پست حوصلگی) फा अ स्त्री –दे 'पस्त-हिम्मती'।

पस्ती (پستی) फा स्त्री –निचाई, निशेब, नीचता, कमीनगी।

पस्तोबलद (پست و بلند) फा पु –ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच, दु ख-सुख, रज-राहत, अच्छा-बुरा, नेकी-बदी।

पह (پہ) फा अव्य –साधु, वाह, धन्य।

पह पह (پہ پہ) फा अव्य –वाह-वाह, धन्य-धन्य, साधु-साधु।

पह्न (پہن) फा वि –चौडा-चकला, विस्तृत, महान्, अजीम।

पह्नक (پہنک) फा पु –फीता।

पह्नचश्म (پہن چشم) फा वि –निर्लज्ज, बेहया।

पह्नचश्मी (پہن چشمی) फा स्त्री –निर्लज्जता, बेहयाई।

पह्ना (پہنا) फा वि –विस्तृत, चौडा-चकला।

पह्नाई (پہنائی) फा स्त्री –विस्तार, लम्बाई-चौडाई, वुस्अत।

पह्लवान (پہلوان) फा पु –कुश्ती लडनेवाला, मल्ल, शक्तिशाली, ताकतवर, हट्टा-कट्टा, मोटा-ताजा।

पह्लवानी (پہلوانی) फा स्त्री –कुश्ती लडने का काम, कुश्ती लडने का फन।

पह्लवी (پہلوی) फा स्त्री –ईरान की एक प्राचीन भाषा।

पह्लू (پہلو) फा पु –पार्श्व, बगल, कुक्षि, कोख, दिशा, ओर, तरफ, पद्धति, तर्ज, अक, क्रोड, आगोश, युक्ति, तर्कीब, ढब, समीपता, नज्दीकी, सकेत, रम्ज, मिष, बहाना, पसली।

पह्लूतिही (پہلو تہی) फा स्त्री –उपेक्षा, बेइल्तिफाती, बचना, अलग रहना।

पह्लूनशीं (پہلو نشیں) फा वि –पास बैठनेवाला, पार्श्ववर्ती, सभासद, मुसाहिब।

पह्लूनशीनी (پہلو نشینی) फा स्त्री –पास बैठना, मुसाहबत।

पा

पाजद (پانزدہ) फा वि –पदरह की सख्या, पदरह वस्तुएँ।

पाजदहुम (پانزدہم) फा वि –पदरहवाँ, चौदह के बादवाला।

पा (پا) फा पु –पद, चरण, पग, पाँव।

पाअदाज (پا انداز) फा पु –वह टाट या चटाई आदि जो कमरे आदि के दरवाजे पर पाँव पोछने के लिए पडी रहती है।

पाअफ़ाज (پا افزار) फा पु –जूता, पादुका।

पाअफ्शार (پا افشار) फा पु –लकडी का जूता, खडाऊँ, पादुका, चट्टी।

पाअलमहवाँ (پا علم حواں) फा वि –वह व्यक्ति जो मुहरम के दिनो मे अलम के नीचे खडे होकर मर्सिया पढता है।

पाइद (پائندہ) फा वि –हमेशा रहनेवाला, नित्य, अनश्वर, स्थायी, पाएदार।

पाइदःबाद (پائندہ باد) फा वा – एक आशीर्वाक्य, अमर रहो, हमेशा रहो, अमर रहे, हमेशा रहे, जिंदबाद, चिरजीवी।

पाइदगी (پائندگی) फा स्त्री –हमेशगी, नित्यता, स्थायित्व, इस्तिक्लाल, पाएदारी।

पाइँ (پائیں) फा वि –'पाईन' का लघु, दे 'पाईन'।

पाइँकोह (پائیں کوہ) फा पु –पहाड की तराई।

पाइँपरस्ती (پائیں پرستی) फा स्त्री –दासता, खिदमतगारी।

पाइँबाग़ (پائیں باغ) फा पु –वह बाग जो मकान या कोठी से मिला हो, गृह-उद्यान, गृहवाटिका।

पाईज (پائیز) फा पु –पतझड की ऋतु, खजाँ का मौसिम।

पाईदः (پائیدہ) फा वि –पाएदार, स्थायी, ठहरा हुआ, दृढ, स्थित।

पाईदनी (پائیدنی) फा वि –ठहरने योग्य।

पाईन (آئینہ) तु पु –दर्पण, मुकुर, आईना।

पाईन (پائیں) फा वि –पिछला, आखिरी, निचला, नीचेवाला, (स्त्री) पाएँती, सिरहाने का उलटा।

पाउफ्तादः (پا افتادہ) फा वि –गिरा हुआ, पतित, लाचार, विवश, हीन, दीन, दु खित, कष्टग्रस्त।

पाउफ्तादगी (پا افتادگی) फा स्त्री –गिरना, पतन, हीनता, लाचारी, दु ख मे होना।

पाएकार (پا‌ئکار) फा पु –वह स्थान जहाँ किसी इमारत बनाने का मसाला इकट्ठा हो।

पाएकाश्त (پاے کاشت) फा पु वह कृषक जो किसी अन्य गाँव की जमीन जोते हो।

पाएकुलाग़ (پاے کلاغ) फा पु –लेखनी, कलम, बहुत बुरी और टेढी-मेढी लिखावट।

पाएखुस्त (پاے حوست) फा वि –दे 'पाएमाल'।

पाएगाह (پائگاہ) फा स्त्री –अश्वशाला, तवेला, किसी बडे रईस या अफसर की डयोढी।

पाएच. (پائچہ) फा पु –पाजामे का वह भाग जो नीचे लटकता है।

पाएजाम (پائجامہ) फा पु –दे 'पाजाम', दोनो शुद्ध हैं, परन्तु वह अधिक फसीह है।

पाएतख़्त (پاےتخت) फा पु —राजधानी, शासन-केन्द्र, तख़्तगाह।

पाएतर्सा (پاےترسا) फा पु —मदिरा का प्याला, पानपात्र।

पाएतोग़ (پاےتوغ) तु पु —सेना आदि मे आगे झडा लेकर चलनेवाले का पद।

पाएदान (پاےدان) फा पु —सभा मे जूते उतारने का स्थान, गाडी, मोटर, रेल आदि के दरवाजे का तख़्ता जिस पर पाँव रखकर चढते हैं।

पाएदार (پائدار) फा वि —दृढ, मज्बूत, स्थायी, मुस्तकिल, अचल, स्थिर।

पाएपिस्त (پاےپست) फा वि —दे 'पाएमाल'।

पाएवद (پاےبند) फा वि —दे 'पावद'।

पाएमाल (پائمال) फा वि —पाँव के नीचे मसला हुआ, रौदा हुआ, पददलित, पदध्वस्त।

पाएरज (پاےرنج) फा पु —वह पुरस्कार जो एलची, दूत, पत्रवाहक अथवा अतिथि को विदा करते समय सम्मानार्थ दिया जाय।

पाक (پاک) फा वि —पवित्र, मुकद्दस, शुद्ध, ठीक, निष्केवल, ख़ालिस, स्वच्छ, साफ, निर्दोप, बेकुसूर, निर्मल, बेमेल, निर्लिप्त, बेतअल्लुक, सुरक्षित, महफूज़।

पाकजाद (پاک‌زاد) फा वि —स्वच्छ प्रकृतिवाला, शुद्धात्मा।

पाकतीनत (پاک‌طینت) फा अ वि —दे 'पाकजाद'।

पाकदामन (پاک‌دامن) फा वि —सदाचारी पुरुप, सती और साध्वी स्त्री।

पाकदामानी (پاک‌دامانی) फा. स्त्री —नेकचलनी, सदाचार, सतीत्व।

पाकदिल (پاک‌دل) फा वि —जिसके मन मे खोट न हो, शुद्धमनस्क, अन्त पवित्र।

पाकनज़र (پاک‌نظر) फा अ वि —वह व्यक्ति जिसकी दृष्टि बुराई पर न पडे, समदर्शी।

पाकनिगाह (پاک‌نگاہ) फा वि —दे 'पाकनजर'।

पाकनिहाद (پاک‌نہاد) फा वि —दे 'पाकदिल'।

पाकनीयत (پاک‌نیت) फा अ वि —दे 'पाकदिल', जो किसी की अमानत मे ख़ियानत न करे।

पाकबाज़ (پاک‌باز) फा वि —सदाचारी, शुद्ध आचरणवाला।

पाकबाज़ी (پاک‌بازی) फा स्त्री —सदाचार।

पाकबी (پاک‌بیں) फा वि —दे 'पाकनजर'।

पाकबीनी (پاک‌بینی) फा स्त्री —केवल अच्छाई देखना, बुराई पर दृष्टि न डालना।

पाकरू (پاک‌رو) फा वि —स्वच्छरूप, सुदर मुखवाला (वाली)।

पाकसिरिश्त (پاک‌سرشت) फा वि —सत्प्रकृति, शुद्धात्मा।

पाकार (پاکار) फा पु —तहसील का प्यादा, दास, ख़िदमती; मजदूर, श्रमिक, मेहतर, भगी।

पाकी (پاکی) फा वि —शुद्धता; पवित्रता, स्वच्छता, निर्दोपता, नीचे के बाल।

पाकीज़ (پاکیزہ) फा वि —शुद्ध, पवित्र, स्वच्छ।

पाकीज़ ख़याल (پاکیزہ‌خیال) फा अ वि —अच्छे विचारोवाला, सद्विचारवान्।

पाकीज़ ख़ू (پاکیزہ‌خو) फा वि —स्वच्छ प्रकृतिवाला।

पाकीज़.गौहर (پاکیزہ‌گوہر) फा वि —अच्छे वशवाला, कुलीन।

पाकीज़ तीनत (پاکیزہ‌طینت) फा अ वि —सत्प्रकृति, पुनीतात्मा।

पाकीज़ नफ़्स (پاکیزہ‌نفس) फा अ वि —दे 'पाकीज़-तीनत'।

पाकीज़.बूम (پاکیزہ‌بوم) फा वि —अच्छे और पुनीत स्थान का रहनेवाला।

पाकीज़ मनिश (پاکیزہ‌منش) फा वि —दे 'पाकीज तीनत'।

पाकीज़ःशिआर (پاکیزہ‌شعار) फा अ वि —अच्छे आचरणवाला, शुद्धाचारी।

पाकीज़ सिरिश्त (پاکیزہ‌سرشت) फा वि —दे 'पाकीज-तीनत'।

पाकीज़.सीरत (پاکیزہ‌سیرت) फा अ वि —दे 'पाकीज-तीनत'।

पाकीज़.सूरत (پاکیزہ‌صورت) फा अ वि —अच्छी सूरतवाला, सुन्दर, (वाली) सुन्दरी।

पाकीज़गी (پاکیزگی) फा स्त्री —पवित्रता, शुद्धता, स्वच्छता।

पाकोब (پاکوب) फा वि —नाचनेवाला, नर्तक, नाचनेवाली, नर्तकी।

पाकोबी (پاکوبی) फा स्त्री —नाचना, नर्तन, नृत्य।

पाख़ान (پاخانہ) फा पु —मल-त्याग का स्थान, शौचालय, पुरीष, विष्ठा, गू।

पागाह (پاگاہ) फा स्त्री —दे 'पाएगाह'।

पागिरिफ़्त (پاگرفتہ) फा वि —ठहरा हुआ, जो चल न रहा हो, स्थावर।

पागीर (پاگیر) फा स्त्री —कुश्ती का एक दाँव।

पागुंद (پاگندہ) फा पु —धुनकी हुई रुई का गाला।

पागुर (پاغر) फा अ पु —पाँव का एक रोग, पीलपा, श्लीपद।

पागोश (پاغوش) फा पु —गोता, डुबकी, निमज्जन।

पाचग (پاچنگ) फा पु –गवाक्ष, खिडकी, जूता, पदत्राण।

पाचक (پاچک) फा स्त्री –उपला, सूखा गोवर।

पाचक दश्ती (پاچک دشتی) फा स्त्री –जगल मे पडा हुआ सूखा गोवर जो गोल उप्ले के आकार का होता है।

पाचाँ (پاچاں) फा पु –छिडकता हुआ, वरसाता हुआ, दे 'पाशाँ'।

पाचाक (پاچاک) फा स्त्री –दे 'पाचक'।

पाचाय. (پاچایہ) फा पु –पेशाव-पाखाना, गू-मूत्र।

पाचाल (پاچال) फा पु –गर्की, वह गढा जिसमे जुलाहे कपडा विनते समय पाँव लटकाते है।

पाचाहः (پاچاهہ) फा पु –दे 'पाचाल'।

पाचाह (پاچاه) फा पु –दे 'पाचाल'।

पाचिल (پاچلہ) फा पु –वरफ पर चलने का जूता, पातावा।

पाचुनार (پاچنار) फा पु –ईरान मे एक नगर जहाँ के निवासी आचरण के दृष्टिकोण से बहुत पवित होते है।

पाचुनारी (پاچناری) फा स्त्री –पाचुनार के निवासियो-जैसा, अधम, लोफर, कमीना, सेवक, दास।

पाजग (پاژنگ) फा पु –दे 'पाचग'।

पाजह्‌र (پازهر) फा पु –दे 'पादजह्‌र'।

पाजाज (پاژاج) फा स्त्री –धाय, दाया, वच्चे जनानेवाली स्त्री।

पाजाम (پاجامہ) फा पु –एक विशेष अधोवस्त्र, इजार।

पाजी (پاجی) फा वि –पामर, अधम, नीच, धूर्त्त, दुष्ट।

पाजेब (پازیب) फा स्त्री –पाँव का एक आभूषण, अदुक, नूपुर।

पात (پات) फा पु –चौकी, तख्त।

पातावः (پاتابہ) फा पु –जूते के भीतर का तला, मोजे के ऊपर पहनने का कपडे का जूता-जैसा खोल।

पातिलः (پاتلہ) फा पु –पतीला, चौडे मुँह का देगनुमा देगचा।

पातुराब (پاتراب) फा वि –यात्रा के समय इस विचार से कि शुभ मुहूर्त खडित न हो, एक स्थान से दूसरे स्थान पर चला जाना, चाहे वह स्थान थोडी दूर ही क्यो न हो।

पादग (پادنگ) फा स्त्री –धान आदि कूटने की ढेकली।

पादजह्‌र (پادزهر) फा पु –विषनाशक एक ओषधि।

पादरगिल (پادرگل) फा वि –दे 'पावगिल'।

पा दर रिकाब (پا در رکاب) फा वि –दे 'पा व रिकाब'।

पा दर हवा (پا در هوا) फा वि –निराधार, बेवुनियाद, काल्पनिक, खयाली।

पादशह (پادشہ) फा पु –'पादशाह' का लघु, दे 'पादशाह'।

पादशाह (پادشاه) फा पु –राजा, नरेश, बादशाह।

पादशाहज़ाद. (پادشاهزاده) फा पु –शाहज़ादा, राजकुमार।

पादशाही (پادشاهی) फा स्त्री –राज्य, सल्तनत, शासन, हुकूमत, वादशाह सम्बन्धी, वादशाह का।

पादस्त (پادست) फा पु –हथ उधार, वह धन जो तुरन्त अदा कर देने के लिए लिया जाय।

पादाम (پادام) फा वि –जाल मे बँधा हुआ पक्षी आदि।

पादाश (پاداش) फा स्त्री –प्रतिकार, बदला, प्राय बुरे बदले के लिए व्यवहृत है।

पादाशन (پاداشن) फा स्त्री –दे 'पादाश'।

पादाशे अमल (پاداش عمل) फा अ स्त्री –कर्मफल, काम का बदला, कर्मदड, पाप की सज़ा।

पादाशे जुर्म (پاداش جرم) फा अ स्त्री –अपराध का दड, पाप की सज़ा।

पानः (پانہ) फा स्त्री –आरे से लकडी चीरते समय दराज मे लगाया जानेवाला पच्चर।

पान (پان) फा पु –एक प्रसिद्ध पत्ता जो कत्था-चूना लगाकर खाया जाता है।

पानदान (پاندان) फा पु –पान रखने की पिटारी।

पापयाद (پاپیاده) फा वि –पैदल चलनेवाला, पैदल।

पापा (پاپا) फा पु –पोप, ईसाइयो का बडा पादरी।

पापाए रोम (پاپاۓ روم) फा पु –रोम का बडा पादरी जो सारे ससार के रोमन कैथलिक पादरियो पर शासन करता है।

पापियादः (پاپیاده) फा वि –दे 'पापयाद', दोनो शुद्ध है।

पापोश (پاپوش) फा स्त्री –पादुका, पादत्र, जूता।

पापोशकार (پاپوش کار) फा वि –जूते बनानेवाला, मोची, पादुकाकार।

पापोशकारी (پاپوش کاری) फा स्त्री –जूते बनाने का काम, मोचीपन, जूते पडना, किसी की जूतो से मरम्मत।

पाबंद (پابند) फा वि –बदी, गिरिफ्तार, विवश, लाचार, बाध्य, मजबूर, वचनबद्ध, जिसने ज़बान दी हो, समय या नियम का पालन करनेवाला।

पाबदी (پابندی) फा स्त्री –बाध्यता, मजबूरी, वचनबद्धता, कौल-करार, समय आदि मे नियमबद्धता।

पाबदे ज़जीर (پابند زنجیر) फा वि –ज़जीर मे बँधा हुआ, शृखलित, पाँव मे ज़जीर पडी हुई।

पाबदे सलासिल (پابند سلاسل) फा अ वि –दे. 'पाबदे ज़जीर'।

पाबगिल (پابگل) फा वि –दलदल मे फँसा हुआ, विवश, लाचार, किंकर्तव्यविमूढ, हक्का-बक्का ।

पाबजंजीर (پابزنجیر) फा वि –पाँव मे जंजीर पडा हुआ, शृंखलित, कैदी, बदी, विवश, मजबूर।

पाबजूलाँ (پابجولاں) फा वि –पाँव मे बेडी पडी हुई, कैदी, बदी।

पाबरजा (پابرجا) फा वि –एक स्थान पर पाँव जमाये हुए, डटा हुआ, साबितकदम, दृढनिश्चय।

पाबरहन: (پابرھنہ) फा वि –नगे पाँव, पादुकाहीन, पुराना, जिस पर एक साल बीत गया हो।

पाबरिकाब (پابرکاب) फा वि –रिकाब मे पाँव डाले हुए, चलने के लिए तैयार, मरने के लिए तैयार, मरणासन्न।

पाबर्हन: (پابرھنہ) फा वि –दे 'पाबरहन', दोनो शुद्ध है।

पाबस्त: (پابستہ) फा वि –पाँव बँधा हुआ, गिरिफ्तार।

पाबस्त (پابست) फा वि –दृढ, मजबूत, न्यास, नीव, प्रतीक्षक, मुतज़िर, बदी, कैदी ।

पाबिरंजन (پابرنجن) फा स्त्री –नूपुर, पाजेब ।

पाबोस (پابوس) फा वि –पाँव चूमनेवाला, पदचुबक, (पु) पाँव चूमना, पद-चुबन ।

पाबोसी (پابوسی) फा स्त्री –पाँव चूमना, पद-चुबन।

पामर्द (پامرد) फा वि –सहायक, मददगार, साहसी, उत्साही, बाहिम्मत, शूर, वीर, बहादुर ।

पामर्दी (پامردی) फा स्त्री –सहायता, मदद, उत्साह, हिम्मत, शूरता, बहादुरी।

पामाल (پامال) फा. वि –पाँव-तले रौंदा हुआ, पद-दलित, दुर्दशाग्रस्त, मुसीबतज़द ।

पामाली (پامالی) फा स्त्री –पाँव-तले मसला जाना, दुःख से दलित होना ।

पामाले गम (پامال غم) फा वि –दुःखो के भार से परास्त, प्रेम के दुःख से आक्रात।

पामुज्द (پامزد) फा स्त्री –वह मजदूरी जो पाँव द्वारा चल-फिरकर की जाय।

पायद: (پایندہ) फा वि –दे 'पाइद', दोनो शुद्ध है ।

पायदगी (پایندگی) फा स्त्री –दे 'पाइदगी', दोनो शुद्ध है।

पाय: (پایہ) फा पु –स्तभ, खभा, पलग का मचवा, पद, दरजा, मान, प्रतिष्ठा, इज्जत ।

पाय: ब पाय: (پایہ بہ پایہ) फा वि –क्रमश, धीरे-धीरे, दर्जे ब दर्जे ।

पाय:शनास (پایہ شناس) फा वि –किसी की प्रतिष्ठा और कद्र पहचाननेवाला ।

पायक (پایک) फा पु –हरकारा, पियादा ।

पायाँ (پایاں) फा पु –'पायान' का लघु, दे 'पायान'।

पायान (پایان) फा पु –तट, किनारा, अन्त, आखीर, छोर, सिरा, पराकाष्ठा, इन्तिहा ।

पायानेकार (پایان کار) फा पु –आखिरकार, अतत ।

पायाब (پایاب) फा वि –जो गहरा न हो, उथला, गाध (पानी) ।

पायाबी (پایابی) फा स्त्री –नदी, ताल आदि के पानी का डुबाऊ न होना, उथलापन, गाधता ।

पार: (پارہ) फा पु –भाग, अश, हिस्सा, खड, टुकडा, कण, रेज, जोड, पैवद, उत्कोच, रिशवत, उपहार, भेंट, तोहफा ।

पार:कार (پارہ کار) फा वि –नीच, कमीना, लोफर।

पार:कारी (پارہ کاری) फा स्त्री –नीचता, कमीनगी ।

पार:दोज (پارہ دوز) फा वि –पैवद गाँठनेवाला, थिगडी लगानेवाला ।

पार:दोजी (پارہ دوزی) फा स्त्री –पैवद सीना, थिगली लगाना ।

पार:पार: (پارہ پارہ) फा वि –टुकडे-टुकडे, धज्जी-धज्जी, पुर्जे पुर्जे ।

पार (پار) फा पु –गत वर्ष, पिछला साल।

पारए नाँ (پارۂ ناں) फा पु –रोटी का टुकडा।

पारगान: (پارگانہ) फा पु –तराजू का पासग, पसगा, गवाक्ष, खिडकी, झरोखा, ख्याति, यशोगान, दे 'पालगान'।

पारगीं (پارگیں) फा पु –पुरानापन, प्राचीनता, फटा-पुरानापन ।

पारगी (پارگی) फा स्त्री –कुडी जिसमे घर और रसोई-खाने आदि का पानी इकट्ठा हो।

पारच (پارچہ) फा पु –दे 'पार्च' ।

पारदुम (پاردم) फा स्त्री –दे 'पार्दुम'।

पारसग (پارسنگ) फा पु –पासग, तराजू का पसँगा ।

पारसाल (پارسال) फा पु –पिछला वर्ष, गत वर्ष, अगला साल, आगामी वर्ष।

पारार (پارار) फा पु –पिछला तीसरा वर्ष, त्योरुस ।

पारिकावी (پارکاوی) फा स्त्री –बहुत थोडी मात्रा, किंचित् ।

पारीन: (پارینہ) फा वि–पुरातन, पुराना ।

पारोब (پاروب) फा स्त्री –वह लकडी जिससे घोडे के सुमो की लीद छुडाते है ।

पार्गीं (پارگیں) फा पु –दे 'पारगीं', दोनो शुद्ध है।

पार्गी (پارگی) फा स्त्री –दे 'पारगी', दोनो शुद्ध है।

पार्च: (پارچہ) फा पु –कपडा, वसन, वस्त्र, लिबास ।

पार्चःफरोश (پارچہ فروش) फा वि–कपडा वेचनेवाला, बजाज।

पार्चःफरोशी (پارچہ فروشی) फा स्त्री–कपडा वेचने का काम।

पार्चःबाफ (پارچہ باف) फा वि–कपडा बुननेवाला, जुलाहा, कोरी।

पार्चःबाफी (پارچہ بافی) फा स्त्री–कपडा बुनने का काम।

पार्दुम (پاردم) फा स्त्री–घोडे की जीन की दुमची।

पार्सः (پارسہ) फा पु–भिक्षुक, भिखारी, फकीर, मँगता।

पार्स (پارس) फा पु–एक प्रसिद्ध देश, ईरान।

पार्सा (پارسا) फा वि–सयमी, इद्रिय-निग्रही, जाहिद।

पार्साई (پارسائی) फा स्त्री–सयम, इद्रिय-निग्रह, पर्हेजगारी।

पार्सी (پارسی) फा पु–ईरान की प्राचीन अग्निपूजक जाति, जो अब भारत मे आबाद है, ईरान की भाषा, फारसी।

पालगानः (پالگانہ) फा पु–तराजू का पासग, गवाक्ष, दरीच, स्याति, शोहरत, दे 'पाग्गान।'

पालग्ज (پالغز) फा पु–ऐसा स्थान जहाँ पाँव फिसल जाय, ऐसा अवसर जहाँ दोष या पाप हो जाय, पाँव फिसलना, अपराध, पाप, दोष, कुसूर, खराबी, बुराई।

पालहग (پالہنگ) फा पु–घोडे की बागडोर।

पाला (پالا) फा पु–कोतल घोडा।

पालाइश (پالائش) फा स्त्री–सफाई, मार्जन।

पालाईदः (پالائیدہ) फा वि–साफ किया हुआ, मार्जित।

पालान (پالان) फा पु–गधे या टट्टू की पीठ पर डालने का टाट।

पालानी (پالانی) फा वि–वह घोडा जिससे बोझ ढोने का काम लिया जाता है, लद्दू।

पालानेखर (پالان خر) फा पु–गधे की पीठ पर डाला जानेवाला टाट।

पालीदः (پالیدہ) फा वि–साफ किया हुआ, मार्जित, ढूँढा हुआ, गवेषित।

पालूदः (پالودہ) फा वि–साफ किया हुआ, मार्जित, (पु) एक पेय, फालूद।

पालूनः (پالونہ) फा पु–छानने का कपडा, साफी, छननी।

पालेज (پالیز) फा स्त्री–तरबूज या खरबूजे का खेत।

पालोश (پالوش) फा पु–वह कपूर जो कृत्रिम हो।

पावरक (پاورق) फा अ पु–पुस्तक के पन्ने के अन्त मे लिखा हुआ अतिम अक्षर जो अगले पन्ने पर लिखा जाय। (जब किताब के पन्नो पर नम्बर नही पडते थे उस समय ऐसा लिखा जाता था।)

पाशग (پاشنگ) फा पु–वह ककडी आदि जो बीज के लिए छोड दी जाय, दे 'पाहग'।

पाश (پاش) फा प्रत्य–छिडकनेवाला, जैसे—'गुलाबपाश' गुलाब छिडकनेवाला, फैलानेवाला, जैसे—'ज़ियापाश', प्रकाश फैलानेवाला।

पाश पाश (پاش پاش) फा वि–चूर-चूर, टुकडे-टुकडे।

पाशाँ (پاشاں) फा वि–छिडकता हुआ, फैलाता हुआ, ऐसी लिखावट जिसमें अक्षर दूर-दूर हो।

पाशा (پاشا) तु पु–एक उपाधि जो तुर्की में बडे पदाधिकारियो को दी जाती है, गवर्नर, राजपाल, वजीर।

पाशिंदः (پاشندہ) फा वि–छिडकनेवाला, फैलानेवाला।

पाशिकस्तः (پاشکستہ) फा वि–जिसके पाँव टूटे हो, जो चलने-फिरने मे असमर्थ हो, विवश, लाचार।

पाशीदः (پاشیدہ) फा वि–छिडका हुआ, बिखेरा हुआ।

पाशीदनी (پاشیدنی) फा वि–छिडकने योग्य, बिखरने योग्य।

पाशोयः (پاشویہ) फा पु–दवाओ के पानी से रोगी के पाँव धोना, अथवा दवाओ की बुकनी पावो पर मलना।

पाश्नः (پاشنہ) फा स्त्री–एडी।

पाश्न कोब (پاشنہ کوب) फा वि–पीछे दौडनेवाला, पीछा करनेवाला, तआकुब करनेवाला।

पाश्न कोबी (پاشنہ کوبی) फा स्त्री–तआकुब करना, भागते हुए को पकडने के लिए उसके पीछे दौडना।

पासः (پاسہ) फा पु–आतुरता, बेचैनी, दुःख, क्लेश, रज।

पास (پاس) फा पु–एक पहर का समय, प्रहर, निरीक्षण, निगरानी, रक्षा, हिफाज़त, शील सकोच, लिहाज़।

पासक (پاسک) फा स्त्री–जँभाई, जृभा।

पासताँ (پاستاں) फा वि–दे 'पास्ताँ'।

पासदार (پاسدار) फा वि–निरीक्षक, निगराँ, पृष्ठ-पोषक, हिमायती, सहायक, मददगार, पक्षपाती, तरफदार।

पासदारी (پاسداری) फा स्त्री–निरीक्षण, निगरानी, पृष्ठ पोषण, हिमायत, सहायता, मदद, पक्षपात, तरफदारी।

पासबान (پاسبان) फा वि–निरीक्षक, निगराँ, द्वारपाल, डयोढीवान।

पासबानी (پاسبانی) फा स्त्री–निरीक्षण, निगरानी, डयोढीबानी।

पासब्ज (پاسبز) फा वि–जिसका आगमन अशुभ और अनिष्टकर हो, दलाल, एजेंट, अभिकर्ता।

पासब्ज़ी (پاسبزی) फा स्त्री–नुहूसत, अकल्याण, अमगल।

पाशिन (پاشن) फा स्त्री–एडी।

पासुख (داسخ) फ़ा पुं—उत्तर, जवाब।
पासे अदब (پاس ادب) फ़ा अ पु—किसी की प्रतिष्ठा का ख़याल, प्रतिष्ठा के अनुसार उसका आदर-सत्कार।
पासे अन्फ़ास (پاس انفاس) फ़ा अ पु—मुसलमान सूफ़ियों का एक योगाभ्यास, जिसमे उनके हर श्वास के साथ, 'अल्लाह' का शब्द उच्चरित होता है।
पासे आबरू (پاس آبرو) फ़ा पु—प्रतिष्ठा का ख़याल, सतीत्व-रक्षा का ख़याल।
पासे ख़ातिर (پاس خاطر) अ फ़ा पु—किसी को रुष्ट न करने के लिए उसका मन रखना।
पासे नमक (پاس نمک) फ़ा पु—नमकहलाली, स्वामि-भक्ति, कृतज्ञता।
पासे नामूस (پاس ناموس) फ़ा अ पु—दे 'पासे आबरू'।
पासोलिहाज़ (پاس ولحاظ) फ़ा अ पु—शील सकोच, मुरव्वत, लिहाज़।
पास्ताँ (پاستاں) फ़ा वि—'पास्तान' का लघु, दे 'पास्तान'।
पास्तान (پاستان) फ़ा वि—पुरातन, प्राचीन, पुराना।
पास्तानी (پاستانی) फ़ा वि—प्राचीनकाल का, पुराने समय का।
पाहग (پاهنگ) फ़ा पु—दे 'पाशग'।

पि

पिंगाँ (پنگاں) फ़ा स्त्री—वह कटोरी जो पानी की नाँद मे समय बताने के लिए डाली जाती है।
पिंदारः (پندارہ) फ़ा पु—ध्यान, ख़याल, अनुध्यान, तसव्वुर, चिंतन, फ़िक्र।
पिंदार (پندار) फ़ा पु—ध्यान, ख़याल, कल्पना, तख़ैयुल, अभिमान, गर्व, गुरूर।
पिंदारिंदः (پندارندہ) फ़ा वि—सोचनेवाला, विचारने-वाला, जाननेवाला।
पिंदाश्तः (پنداشتہ) फ़ा वि—सोचा हुआ, जाना हुआ।
पिंदाश्तनी (پنداشتنی) फ़ा वि—सोचने योग्य, जानने योग्य, ज्ञेय।
पिज़मुर्दः (پژمردہ) फ़ा वि—दे 'पज़मुर्दः' दोनो शुद्ध है, परन्तु यह अप्रचलित है।
पिज़िश्क (پزشک) फ़ा पु—चिकित्सक, उपचारक, वैद्य, तबीब, डाक्टर, हकीम।
पिज़िश्की (پزشکی) फ़ा वि—चिकित्सा, उपचार, इलाज।
पिज़ीर (پذیر) फ़ा प्रत्य—स्वीकृत करनेवाला, जैसे—'पोज़िश पिज़ीर' उज्र स्वीकार करनेवाला, दे 'पज़ीर', दोनो शुद्ध है, परन्तु यह अधिक व्यवहृत है।
पिज़ीरफ़्तः (پذیرفتہ) फ़ा वि—स्वीकृत, माना हुआ, कबूल किया हुआ।
पिज़ीरफ़्तगार (پذیرفتگار) फ़ा वि—दे 'पिज़ीरफ़्तार'।
पिज़ीरफ़्तार (پذیرفتار) फ़ा वि—स्वीकार करनेवाला, माननेवाला, आज्ञाकारी, फ़र्माबरदार।
पिज़ीरा (پذیرا) फ़ा वि—स्वीकार करना, कबूल करना, स्वीकृत, मजूर, दे 'पिज़ीरा', दोनो शुद्ध है।
पिज़ीराई (پذیرائی) फ़ा स्त्री—स्वीकृति, अगीकृति, कबूलियत, मजूरी, दे 'पज़ीराई', दोनो शुद्ध है।
पिज़ीरिश (پذیرش) फ़ा स्त्री—दे 'पिज़ीराई'।
पिज़ोलीदः (پژولیدہ) फ़ा वि—सताया हुआ, परीशान किया हुआ, उलझाया हुआ।
पिज़ोह (پژوہ) फ़ा प्रत्य—दे 'पज़ोह', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोला जाता है।
पिज़ोहिदः (پژوهنده) फ़ा वि—दे 'पज़ोहिंद', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक व्यवहृत है।
पिज़ोहिश (پژوهش) फ़ा स्त्री—दे 'पज़ोहिश', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोला जाता है।
पिज़ोहीद. (پژوهیدہ) फ़ा वि—दे 'पज़ोहीद', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोलते है।
पिदंदर (پدندر) फ़ा पु—सौतेला बाप।
पिदर (پدر) फ़ा पु—जनक, पिता, बाप।
पिदराना (پدرانہ) फ़ा वि—बाप की तरह स्नेहपूर्ण, बाप-जैसा।
पिदरी (پدری) फ़ा वि—बाप का, पैतृक।
पिद्राम (پدرام) फ़ा वि—सुसज्जित, शृंगारित, विभूषित, आरास्त, प्रसन्न-मुख, हर्षित चित्त, बश्शाश।
पिद्रूद (پدرود) फ़ा पु—विदा करना, रुख़सत करना, त्यागना, छोडना।
पिनहाँ (پنہاں) फ़ा वि—गुप्त, छिपा हुआ।
पिन्हाँशिकज (پنہاں شکنج) फ़ा वि—मन ही मन में सतप्त होनेवाला, अपने दुःख को प्रकट न करनेवाला।
पिन्हाँशिकजी (پنہاں شکنجی) फ़ा स्त्री—अपने दुःख को प्रकट न करना, मन ही मन मे घुलना।
पिन्हानी (پنہانی) फ़ा वि—भीतरी, आन्तरिक, मान-सिक, रूहानी।
पियाज़ (پیاز) फ़ा स्त्री—एक प्रसिद्ध कद जो खाया जाता है, पलाडु, महाकद।
पियाज़ी (پیازی) फ़ा वि—पियाज़ के रंग का, हलका गुलाबी मक्ष-चूझ
पियाद (پیادہ) फ़ा पु—दे 'पयाद', दोनों शुद्ध है, उर्दू में 'पियाद' अधिक प्रचलित है।

पियाद पा (پیادہ پا) फा वि—जो सवारी पर न हो, पैदल, पाँव-पाँव।

पियाल: (پیالہ) फा पु—चपक, कस, कटोरा, शराब पीने का पियाला, पान-पात्र, सागर।

पियाल:नुमा (پیالہ نما) फा वि—पियाले के आकार का, पियाले-जैसा।

पिरिस्तुक (پرستک) फा स्त्री—अबाबील, भाडीक, एक प्रसिद्ध पक्षी, जो खँडहरो मे रहता है।

पिरिस्तो (پرستو) फा स्त्री—दे 'पिरिस्तुक'।

पिरिस्तोक (پرستوک) फा स्त्री—दे 'पिरिस्तुक'।

पिरेज़ीदान (پریزیدان) फा पु—प्रेसीडेंट, सभापति।

पिरेश (پریش) फा वि—परेशान होनेवाला।

पिरेशान (پریشان) फा वि—दे 'परीशान' और 'परेशान', उर्दू मे 'पिरेशान' नही बोलते।

पिल्लगाँ (پلگاں) फा पु—लकडी की सीढी, निसेनी, नि श्रेणी।

पिशक (پشک) तु स्त्री—पिल्ली, मार्जारी।

पिशेज़ (پشیز) फा पु—सबसे छोटा सिक्का, जैसे—भारत मे पाई, पैसा, ताँबे का कण, दे 'पशेज़', दोनो शुद्ध है।

पिशोइद (پشولیدہ) फा वि—अस्त-व्यस्त होनेवाला।

पिश्क (پشک) फा स्त्री—'पिश्किल' का लघु, दे 'पिश्किल'।

पिश्किल (پشکل) फा स्त्री—ऊँट या बकरी आदि की मेंगनी, केवल मेंगनी के अर्थ मे आता है, गोबर के अर्थ मे नही।

पिश्वाज़ (پشواز) फा स्त्री—'पेशवाज़' का लघु, परन्तु उर्दू मे इसका अर्थ नृत्य के समय पहना जानेवाला लहँगा है।

पिसदर (پسدر) फा पु—सौतेला लडका।

पिसर (پسر) फा पु—पुत्र, आत्मज, तनय, बेटा, लडका।

पिसरख्वाँद (پسرخواندہ) फा पु—दत्तक पुत्र, लेपालक, मुतबन्ना।

पिसरज़ाद (پسرزادہ) फा पु—बेटे का बेटा, पोता।

पिसरे मुतबन्ना (پسرمتبنی) फा अ पु—दत्तक पुत्र, लेपालक।

पिस्त (پستہ) फा पु—एक प्रसिद्ध मेवा।

पिस्त लब (پستہ لب) फा वि—जिसके होठ पतले और छोटे हो।

पिस्त (پست) फा पु—सत्तू, भुने हुए जौ, गेहूँ अथवा चने आदि का आटा जो एक प्रसिद्ध खाद्य है।

पिस्ताँ (پستاں) फा स्त्री—'पिस्तान' का लघु, दे 'पिस्तान'।

पिस्तान (پستان) फा स्त्री—स्तन, उरोज, कुच, छाती, वक्षोज।

पी

पीख़ाल (پیخال) फा स्त्री—चिडियों का मल, बीट।

पीन (پینہ) फा पु—पैवद, टिकली, काम की अधिकता से हाथ या पाँव का गट्टा।

पीन दोज़ (پینہ دوز) फा वि—पैवद लगानेवाला।

पीन दोज़ी (پینہ دوزی) फा स्त्री—पैवद लगाना।

पीनक (پینک) फा स्त्री—अफीम की झाक।

पीनकी (پینکی) फा वि—अफीम खाकर पीनक म ऊँघनेवाला।

पीनू (پینو) फा पु—सुखाया हुआ दही, वह दही जिसका पानी निकाल दिया जाय।

पीर (پیر) फा वि—वृद्ध, जरत्, वयोवृद्ध, बूढा, धर्मगुरु, मुर्शिद, सोमवार, दोशब।

पीरअफ़शानी (پیرافشانی) फा स्त्री—बुढापे मे जवानो-जैसे कार्य करना।

पीरज़न (پیرزن) फा स्त्री—वृद्धा स्त्री, वृद्धा, जरिणी, जरतिका, बूढी स्त्री।

पीरज़ाद (پیرزادہ) फा पु—पीर का लडका, धर्मगुरु का बेटा।

पीरज़ाल (پیرزال) फा स्त्री—दे 'पीरज़न'।

पीरपरस्त (پیرپرست) फा वि—जो अपने पीर को ही सब कुछ समझता हो, धर्मगुरु का भक्त होना।

पीरपरस्ती (پیرپرستی) फा स्त्री—अपने पीर को ही सब कुछ समझना, धर्मगुरु-भक्ति।

पीरमर्द (پیرمرد) फा पु—ऐसा व्यक्ति जो बूढा भी हो और सदाचारी भी।

पीरसाल (پیرسال) फा वि—वयोवृद्ध, बूढा, वृद्धा, बूढी।

पीरान (پیرانہ) फा वि—बूढो-जैसा, बुढापे का।

पीरान सर (پیرانہ سر) फा वि—बुढापे की अवस्थावाला, बूढा, सफेद बालोवाला।

पीरान सरी (پیرانہ سری) फा स्त्री—बुढापा, वृद्धावस्था, बालो की सफेदी।

पीरान साल (پیرانہ سال) फा वि—बूढा, वृद्ध, बूढी, वृद्धा।

पीरान साली (پیرانہ سالی) फा स्त्री—बुढापा, वृद्धा-वस्था।

पीराय: (پیرایہ) फा पु—दे 'पैराय'; उर्दू में वही बोलते हं, परन्तु शुद्ध यही है।

पीरी (پیری) फ़ा स्त्री –वृद्धावस्था, बुढ़ापा, पीर का पद या पेशा; धूर्तता, मक्कारी, दावा, इजारा।

पीरे कन्आँ (پیر کنعاں) फ़ा अ पु –हज़्रत या'कूब, जो हज़्रत यूसुफ़ के पिता थे।

पीरे ख़राबात (پیر خرابات) फ़ा पु –मदिरालय का बूढ़ा रधक।

पीरे ज़मींगीर (پیر زمیں گیر) फ़ा पु –जिसकी कमर बुढ़ापे के कारण इतनी झुक गयी हो कि उसका सिर पृथ्वी से लग गया हो।

पीरे तरीक़त (پیر طریقت) फ़ा पु –धर्मगुरु, मुर्शिद।

पीरे नाबालिग़ (پیر نابالغ) फ़ा अ पु –वह बूढ़ा जो बच्चों-जैसे काम करे।

पीरे फ़लक (پیر فلک) फ़ा अ पु –शनि ग्रह, ज़ुहल, पुराना आकाश।

पीरे फ़र्तूत (پیر فرتوت) फ़ा पु –वह व्यक्ति जिसकी बुद्धि बुढ़ापे के कारण नष्ट हो गयी हो, बहुत बूढ़ा, जर्जर, जराजीर्ण।

पीरे मुग़ाँ (پیر مغاں) फ़ा पु –दे 'पीरे ख़राबात', आतश-परस्तो का धर्मगुरु।

पीरे हरम (پیر حرم) फ़ा अ पु –का'बे की सेवा करनेवाला बूढ़ा व्यक्ति, पूज्य व्यक्ति।

पीरोज़ः (پیروزہ) फ़ा पु –दे 'फ़ीरोज़', उर्दू मे वही बोलते हैं।

पीरोमुर्शिद (پیرومرشد) फ़ा अ पु –धर्मगुरु के लिए बोला जानेवाला शब्द, किसी प्रतिष्ठित और वृद्ध व्यक्ति के लिए सबोधन का शब्द।

पीलः (پیلہ) फ़ा पु –रेशम का कीडा, रेशम का कोया, पलक, दृगचल, शत्रज का एक मोहरा, पील।

पीलःवर (پیلہ ور) फ़ा वि –शीशगर, कचकार, अत्तार, गधकार; रेशम का व्यापारी, औषधियाँ बेचनेवाला।

पील (پیل) फ़ा पु –हस्ती, सिंधुर, गज, करि, पीलु, हाथी, शत्रज का एक मोहरा, पील, दे 'फ़ील', उर्दू उच्चारण वही है।

पीलतन (پیلتن) फ़ा वि –हाथी-जैसे डील-डौलवाला, रुस्तम की उपाधि।

पीलनशीं (پیل نشیں) फ़ा वि –जिसके द्वार पर हाथी झूमता हो।

पीलपा (پیل پا) फ़ा पु –पाँव सूज जाने का एक रोग, श्लीपद, पादगडीर।

पीलपाय' (پیل پایہ) फ़ा पु –पत्थर या चने का खभा।

पीलपैकर (پیل پیکر) फ़ा. वि –दे 'पीलतन'।

पीलबंद (پیل بند) फ़ा पु –शत्रज का एक खेल, जिसमे दोनो पील दो-दो पियादो के जोर पर होते हैं और सब घर बद कर लेते हैं।

पीलबाग़ (پیل باغ) फ़ा पु –पटका, पेटी, कमरपट्टी।

पीलबान (پیل بان) फ़ा वि –हाथीवान, हस्तिपक, अकुश-ग्रह, दे 'फ़ीलवान', उर्दू उच्चारण वही है।

पीलबानी (پیل بانی) फ़ा स्त्री –हाथीवानी, हाथी चलाने का काम, उर्दू उच्चारण 'फ़ीलबानी' है, दे 'फ़ीलबानी'।

पीलबाला (پیل بالا) फ़ा वि –हाथी के वराबर ऊँचे डील का।

पीलमाल (پیل مال) फ़ा वि –हाथी के पाँव के नीचे मसला हुआ, हाथी के पाँव-तले मसलवाना।

पीलमुर्ग़ (پیل مرغ) फ़ा पु –एक कल्पित पक्षी जो हाथी को चगुल मे उठा ले जाता है।

पीलस्तः (پیلستہ) फ़ा पु –हाथीदाँत।

पीले गर्दूं (پیل گردوں) फ़ा पु –हाथी रूपी आकाश, जो सबको अपने पाँव-तले रौंदता है।

पीले दमाँ (پیل دماں) फ़ा पु –गुस्से मे बिफरा हुआ और चिंघाडता हुआ हाथी।

पीले माल (پیل مال) फ़ा पु –इतना धन जो एक हाथी पर चले, बहुत अधिक धन।

पीह (پیہ) फ़ा स्त्री –चर्वी, मेदा, वसा।

पीहे ख़ूक (پیہ خوک) फ़ा स्त्री –सुअर की चर्वी।

पीहे ग़ूक (پیہ غوک) फ़ा स्त्री –मेंढक की चर्वी।

पीहे बत (پیہ بط) फ़ा स्त्री –बतख की चर्वी।

पीहे बुज़ (پیہ بز) फ़ा स्त्री –बकरी की चरबी।

पीहे मार (پیہ مار) फ़ा स्त्री –साँप की चर्वी।

पीहे मुर्ग़ (پیہ مرغ) फ़ा स्त्री –मुर्गे की चर्वी।

पीहे शेर (پیہ شیر) फ़ा स्त्री –सिंह की चर्वी।

पीहे सूसमार (پیہ سوسمار) फ़ा स्त्री –गोह की चर्वी।

पु

पुंवः (پنبہ) फ़ा पु –कपास, रूई, दे, 'पंव', वही अधिक बोला जाता है।

पुंब दान. (پنبہ دانہ) फ़ा पु –कपास का बीज, विनौला, दे 'पंव दान', वह अधिक बोला जाता है।

पुख़ (پوخ) तु पु –मल, विष्ठा, पुरीष, गू।

पुख़्त (پخته) फ़ा वि –दृढ़, मज़्बूत, परिपक्व, पका हुआ, चूना, गच या सीमेट से जुडा हुआ, स्थिर, पाएदार, टिकाऊ, नियत, तैशुद।

पुख़्त'अक़्ल (پخته عقل) फ़ा अ वि –जिसकी समझ-बूझ पुख़्त हो, स्थिरबुद्धि, परिपक्वमति।

पुख़्तःकार (پختہ‌کار) फा वि –जिसे काम का अनुभव हो, कृतकार्य।

पुख़्त:मग़ज (پختہ‌مغز) फा अ वि –दे 'पुख़्त अक्ल'।

पुख़्तःमिज़ाज (پختہ‌مزاج) फा अ वि –जो किसी बात पर अटल रहे, स्थिरचित्त, दृढनिश्चय।

पुख़्त:मिज़ाजी (پختہ‌مزاجی) फा अ स्त्री –किसी बात पर जमा रहना, चल-विचल न होना।

पुख़्त:राए (پختہ‌رائے) फा अ वि –जिसकी सलाह उचित और शुद्ध होती हो, जो ठीक राय देता हो।

पुख़्त (پخت) फा स्त्री –पकने की क्रिया, पकाव, खाना पकाने का कार्य।

पुख़्तगी (پختگی) फा स्त्री –पक्कापन, दृढता, परिपक्वता, पकने का भाव।

पुख़्तनी (پختنی) फा वि –पकने योग्य, पकाने योग्य।

पुख़्तो (پختو) फा स्त्री –अफ़ग़ानियो की भाषा, पुश्तो।

पुख़्तोन (پختون) फा पु –पुख़्तो भाषाबोलनेवाला।

पुख़्तोनिस्तान (پختونستان) फा पु –वह देश जहाँ पुख़्तो भाषा बोली जाती हो।

पुत्क (پتک) फा पु –लोहा कूटने का हथौडा, घन।

पुफ़ (پف) फा स्त्री –फूँक, फूँक मारना।

पुर (پر) फा वि –भरा हुआ, पूर्ण, भरपूर, पूरा।

पुरअदोह (پراندوہ) फा वि –दु:खपूर्ण, क्लेशपूर्ण, मुसीबत से भरा हुआ।

पुरअम्न (پرامن) फा अ वि –शान्तिपूर्ण, शान्तिमय।

पुरअलम (پرالم) फा अ वि –दे 'पुरअंदोह'।

पुरअश्क (پراشک) फा वि –आँसुओ से भरी हुई आँख, आर्द्र नयन।

पुरआब (پرآب) फा वि –पानी से भरा हुआ, आँसुओ मे भरा हुआ।

पुरआबलः (پرآبلہ) फा वि –छालो से भरा हुआ, जिसमे बहुत-से छाले हो।

पुरआर्ज़ू (پرآرزو) फा वि –जिसके मन मे बहुत-सी अभिलाषाएँ हो।

पुरआशोब (پرآشوب) फा वि –घटनाओ और आपत्तियो से भरा हुआ।

पुरउम्मीद (پرامید) फा वि –जिसके मन मे अभिलाषा हो, जिसे किसी काम के हो जाने की आशा हो।

पुरकार (پرکار) फा वि –चालाक, मक्कार, चतुर, होशियार।

पुरकीं (پرکیں) फा वि –जिसके मन में द्वेष हो, जो गुप्त शत्रुता रखे।

पुरख़तर (پرخطر) फा अ वि –आपत्तियो और ख़तरो से भरा हुआ, बहुविघ्न, भयानक, भीषण, ख़तरनाक।

पुरख़म (پرخم) फा वि –टेढा, तिरछा, घूँघरवाला (बाल), लेख मे इबारत आराई, शब्दाडंबर।

पुरख़ार (پرخار) फा वि –काँटो से भरा हुआ, कटक-संकुल, वह जंगल आदि जहाँ बहुत काँटे हो।

पुरख़ुमार (پرخمار) फा अ वि –नशे में चूर, मस्त।

पुरख़ूँ (پرخوں) फा वि –ख़ून से भरा हुआ, रक्तपूर्ण, गुस्से से भरी हुई आँख।

पुरग़म (پرغم) फा अ वि –रंज से भरा हुआ, शोकपूर्ण, मुसीबत से भरा हुआ, दु:खपूर्ण।

पुरग़ुरूर (پرغرور) फा अ वि –घमंड में भरा हुआ, अभिमानी, मग़रूर।

पुरगो (پرگو) फा वि –बातूनी, वाचाल, बहुत कविता करनेवाला, बहुत शेर कहनेवाला।

पुरगोई (پرگوئی) फा स्त्री –वाचालता, बकवास, बहुत कविता करना।

पुरचीं (پرچیں) फा वि –बल पडा हुआ (माथा आदि), झुर्री पडा हुआ (खाल)।

पुरज़र (پرزر) फा वि –रुपयो से भरा हुआ, धन-संपन्न, दौलत से पुर।

पुरजोश (پرجوش) फा वि –जोशीला, जोश से भरा हुआ, आवेगपूर्ण, जोरदार, उत्साहपूर्ण, उमंग से भरा हुआ।

पुरतकल्लुफ़ (پرتکلف) फा अ वि –जिसमे बहुत तकल्लुफ़ किया गया हो।

पुरताब (پرتاب) फा वि –रोशन, प्रकाशमय, शक्ति-शाली, ताकतवर।

पुरदग़ल (پردغل) फा वि –दे 'पुरदग़ा'।

पुरदग़ा (پردغا) फा वि –छली, फरेबी, धूर्त, चालाक।

पुरदर्द (پردرد) फा वि –दु:खपूर्ण, गमनाक।

पुरदिल (پردل) फा वि –शूर, वीर, बहादुर, उत्साही, साहसी, हिम्मतवर।

पुरनम (پرنم) फा वि –गीला, भीगा, आँसुओ से भरी हुई आँख।

पुरनूर (پرنور) फा अ वि –ज्योतिर्मय, प्रकाशमान्, रोशन।

पुरपेच (پرپیچ) फा वि –पेचदार, टेढा-मेढा, बलदार, पुरशिकन।

पुरपेचोख़म (پرپیچ‌وخم) फा वि –जिसमे बहुत टेढ मेढ हो, जो बहुत जटिल और पेचीदा हो।

पुरफ़न (پرفن) फा अ वि –धूर्त, वंचक, छली, मक्कार।

पुरफरेब (پرفریب) फा वि—दे 'पुरदगा'।
पुरफिजा (پرفضا) फा अ वि—खुला हुआ, हवादार, सरसब्ज और विस्तृत स्थान।
पुरबजिद (پرجد) फा अ वि—तत्पर, कटिबद्ध, तैयार।
पुरबहार (پربہار) फा वि—फूलों से लदा हुआ सुंदर स्थान, हवादार, खुला हुआ और रमणीक स्थान।
पुरबाद (پرباد) फा वि—हवा से भरा हुआ, फूला हुआ; गर्व से भरा हुआ, अभिमानी।
पुरबार (پربار) फा वि—बौर अथवा फल से लदा हुआ पेड़, गर्भवती स्त्री, गुर्विणी।
पुरयास (پریاس) फा वि—दुःखपूर्ण, कष्टपूर्ण, शोकपूर्ण, खेदपूर्ण।
पुरमग्ज (پرمغز) फा अ वि—सारगर्भ, तत्त्वपूर्ण।
पुरमजाक़ (پرمزاق) फा अ वि—विनोदप्रिय, जिंदादिल, हँसी और विनोद से भरी हुई बात।
पुरमलाल (پرملال) फा अ वि—दुःखपूर्ण, रंज से भरा हुआ, खिन्न, मलिन, उदास।
पुरमिजाह (پرمزاح) फा अ. वि—ठठोलिया, विनोदी, हँसी की बात।
पुरमिहन (پرمحن) फा अ वि—मुसीबतों से भरा हुआ, कष्ट-संकुल।
पुरमेव. (پرمیوہ) फा वि—मेवों से लदी हुई डाली, मेवों से भरा हुआ पात्र।
पुररौनक (پررونق) फा वि—जहाँ बहुत रौनक हो।
पुरशिकन (پرشکن) फा वि—झुर्रियाँ पड़ी हुई खाल या देह, बल पड़े हुए बाल।
पुरशिकम (پرشکم) फा वि—जिसका पेट भरा हो, जो अफरा हो, उदरपूर्ण।
पुरशिकोह (پرشکوہ) फा वि—भीषण, भयानक, डरावना।
पुरशुऊर (پرشعور) फा वि—तमीजदार, शिष्ट; बुद्धिमान्, अक्लमंद।
पुरशुकोह (پرشکوہ) फा वि—वैभवशाली, विभवसंपन्न, शानो-शौकतवाला।
पुरशोर (پرشور) फा वि—शोरोगुल से भरा हुआ, कोलाहलपूर्ण, नमक से भरा हुआ, बहुत अधिक नमकीन।
पुरशौकत (پرشوکت) फा वि—वैभवशाली, शानदार।
पुरसुकून (پرسکون) फा अ वि—शांतिमय, शांतिपूर्ण, सुखसदन, सारे झंझटों से पाक।
पुरसोज (پرسوز) फा वि—जलन और तपन से भरा हुआ।
पुरहसरत (پرحسرت) फा. अ वि—निराशापूर्ण, नाउमेदी से भरा हुआ।
पुरहील. (پرحیلہ) फा अ वि—बहानेबाज, बहाना करनेवाला, छली।
पुरहैबत (پرہیبت) फा अ. वि—डरावना, भयानक।
पुरहोल (پرہول) फा अ वि—भीषण, भयंकर, डरावना।
पुरहौसल (پرحوصلہ) फा अ वि—उत्साही, साहसी, हौसलमंद।
पुरिंद (پرندہ) फा वि—भरनेवाला।
पुरी (پری) फा स्त्री—भराव, भरा हुआ पन।
पुरीदः (پریدہ) फा वि—भरा हुआ, परिपूर्ण।
पुरीदनी (پریدنی) फा वि—भरने योग्य।
पुर्ज़ (پرزہ) फा पु—खंड, टुकड़ा, पर्चा, कागज का टुकड़ा, मशीन का कोई खंड।
पुर्ज़ (پرز) फा पु—रोम, लोम, रोआँ, ओढ़नी, दुपट्टा, दवात में डालने का लत्ता।
पुर्सः (پرسہ) फा पु—मृत्यु हो जाने पर किसी के यहाँ शोक प्रकट करने और सहानुभूति दिखाने के लिए जाना।
पुर्स (پرس) फा प्रत्य—पूछनेवाला, जैसे—'हालपुर्स' दशा पूछनेवाला, (स्त्री) पूछ ताछ, पूछ।
पुर्साँ (پرساں) फा वि.—पूछनेवाला, पृच्छक, जिज्ञासु।
पुर्साने हाल (پرسان حال) अ फा वि—हाल पूछनेवाला, खबर लेनेवाला।
पुर्सिंद (پرسندہ) फा वि—पूछनेवाला, पृच्छक।
पुर्सिश (پرسش) फा स्त्री—पूछ-ताछ, आदर-सत्कार, इज्जत।
पुर्सीद (پرسیدہ) फा वि—पूछा हुआ, जिज्ञासित।
पुर्सीदनी (پرسیدنی) फा वि—पूछनेयोग्य।
पुल (پل) फा पु—सेतु, नदी आदि के उतरने का साधन, मछली का सिन्ना।
पुल (پول) तु पु—पैसा।
पुलची (پولچی) तु वि—पैसे बेचनेवाला।
पुलाव (پلاؤ) फा पु—एक प्रसिद्ध खाद्य जो गोश्त और चावल से बनता है, इसका शुद्ध उच्चारण 'पलाव' है, परंतु उर्दू में पुलाव ही बोलते हैं।
पुलपत (پلپتہ) फा पु—स्फुलिंग, अग्निकण, चिनगारी।
पुश्क (پشک) फा पु—मेंगनी।
पुश्क (پشک) तु स्त्री—बिल्ली, मार्जारी।
पुश्त (پشتہ) फा पु—टीला, ढूह, वह मिट्टी या कंकड़ चूना आदि जो दीवार को मज़बूत करने के लिए उसकी जड़ में लगाते हैं वह मिट्टी का बंद या दीवार जो नदी के किनारे चढ़ाव का पानी रोकने को बनाते हैं।

पुश्त.बंदी (پشتہ بندی) फा स्त्री—दीवार का पुश्ता लगाना, नदी का बंद बाँधना।

पुश्त (پشت) फा स्त्री—पृष्ठ, पीठ, पिछाडी, पीछा; सहायता, मदद, वंश, नस्ल।

पुश्तक (پشتک) फा स्त्री—घोडे की दुलत्ती।

पुश्तख़म (پشت خم) फा वि—कुबडा, कुब्ज।

पुश्तख़ार (پشت خار) फा पु—पीठ खुजलाने का पंजा।

पुश्तगर्मी (پشت گرمی) फा स्त्री—सहायता, मदद, पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

पुश्त दर पुश्त (پشت در پشت) फा अव्य—पीढ़ी दर पीढी, नस्ल दर नस्ल।

पुश्तपनाह (پشت پناه) फा वि—सहायक, मददगार, पृष्ठपोषक, हिमायती।

पुश्तपनाही (پشت پناهی) फा स्त्री—सहायता, मदद, पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

पुश्त बदीवार (پشت بدیوار) फा वि—निस्तब्ध, चकित, हैरान।

पुश्त ब पुश्त (پشت به پشت) फा अव्य—दे. 'पुश्त दर पुश्त'।

पुश्तमाही (پشت ماهی) फा स्त्री—रात्रि, रात, निशा।

पुश्तवारः (پشتواره) फा पु—दे 'पुश्तारः'।

पुश्तारः (پشتاره) फा पु—'पुश्तवार' का लघु, इतना बोझ जो पीठ पर उठाया जा सके, पोट, बोझ, गट्ठर।

पुश्ती (پشتی) फा स्त्री—सहायता, मदद, समर्थन, ताईद, पालन-पोषण, पर्वरिश।

पुश्तीबान (پشتی بان) फा वि—सहायक, मददगार, टेक, थूनी, आड।

पुश्तीबानी (پشتی بانی) फा स्त्री—सहायता, मदद, सहारा, टेक।

पुश्ते दस्त (پشت دست) फा स्त्री—हथेली की पीठ, करपृष्ठ।

पुश्ते पा (پشت پا) फा स्त्री—तलवे का ऊपरी भाग।

पुश्तो (پشتو) फा स्त्री—दे 'पुश्तो'।

पुस (پس) फा स्त्री—पुत्र, तनय, आत्मज, लडका, बेटा।

पू

पूच (پوچ) फा वि—दे 'पोच', शुद्ध 'पूच' है, परंतु प्रचलित 'पोच' है।

पूद (پود) फा पु—बाना, कपडे की बुनाई में अर्ज़ में पडनेवाला डोरा।

पूरः (پوره) फा पु—दे 'पूर', दोनो शुद्ध हैं।

पूर (پور) फा पु—पुत्र, बेटा, आत्मज, तनय।

पूरे पुशग (پور پشنگ) फा पु—पुशग का पुत्र, अफ़ासियाब।

पूरे सीना (پور سینا) फा अ पु—हकीम बू अली सीना।

पूरे हाजिर (پور هاجر) फा अ पु—हज्रत इस्माईल पैग़बर।

पे

पेख़्तः (پیخته) फा पु—मैदा, बारीक आटा।

पेग़ारः (پیغاره) फा पु—दे 'पैग़ार', दोनो शुद्ध हैं।

पेचः (پیچه) फा पु—अमरबेल, आकाशबेल।

पेच (پیچ) फा पु—घुमाव, चक्कर, बल, लपेट, पेचीदगी, जटिलता, छल, चाल, धोखा, कल, मशीन, कठिनता, दुश्वारी, विघ्न, बाधा, कुडली, हल्क।

पेचक (پیچک) फा स्त्री—बटे हुए महीन सूत की गोली, हर लिपटी हुई वस्तु।

पेचकश (پیچ کش) फा पु—ढिबरी आदि खोलने और कसने का यंत्र।

पेच दर पेच (پیچ در پیچ) फा वि—जिसमे पेच के अदर पेच हो, बहुत अधिक जटिल, बहुत पेचीदा।

पेंचदार (پیچدار) फा वि—जिसमें पेच हो, जिसमें बल हो, जटिल, पेचीदा, उलझा हुआ।

पेचरिश्तः (پیچ رشته) फा पु—अटी, पिंडया, चर्खे से निकली हुई सूत की अडिया।

पेचाँ (پیچان) फा वि—पेचदार, बलदार, लिपटा हुआ, उलझा हुआ।

पेचाक (پیچاک) फा पु—बल, शिकन, टेढ़, वक्रता, अलक, जुल्फ, तुर्रं, कलगी, घोघा।

पेचानीदः (پیچانیده) फा वि—लपेटा हुआ।

पेचिश (پیچش) फा स्त्री—आँतो की ऐंठन के साथ बार-बार पाखाने जाने का रोग, मरोड।

पेचीदः (پیچیده) फा वि—पेचदार, जटिल, कठिन, मुश्किल, लिपटा हुआ।

पेचीदःदस्त (پیچیده دست) फा वि—निर्बल, कमजोर।

पेचीदगी (پیچیدگی) फा स्त्री—जटिलता, उलझाव, कठिनता, मुश्किल, लपेट, लिपटापन।

पेचीदनी (پیچیدنی) फा वि—लिपटने के योग्य, लपेटने के योग्य।

पेचोख़म (پیچ و خم) फा पु—टेढ-मेढ, चक्कर, जटिलता, दुश्वारी, ऊँच-नीच, मारपेच।

पेचोताब (پیچ و تاب) फा पु—क्रोध, गुस्सा, मनस्ताप, दिली खलिश।

पेजन (پیزن) फा स्त्री—छानने की वस्तु, छन्नी।

पेज़ीद. (بیزیده) फा वि—छाना हुआ।

पेरा (بیرا) फा प्रत्य—दे 'पैरा', दो शु हैं, परतु बोला वही जाता है।

पेराइश (بیرائش) फा स्त्री—दे 'पैराइश', दो शु हैं, परन्तु व्यवहृत वही है।

पेरामुन (بیرامن) फा पु—दे 'पैरामुन', दो शु हैं, परतु प्रचलित वही है।

पेरामून (بیرامون) फा पु—दे 'पैरामून', दो शु हैं, परतु बोलते वही हैं।

पेरास्त (بیراسته) फा वि—दे 'पैरास्त', दो शु हैं, परतु बोला वही जाता है।

पेश' (بیشه) फा पु—व्यवसाय, धन्धा, उद्योग, उद्यम, रोजगार, वेश्या-वृत्ति, कमाई।

पेश:वर (بیشه‌ور) फा वि—उद्यमी, रोजगारी, जिसने किसी कार्य-विशेष को अपनी जीविका का साधन बना लिया हो, जैसे—पेश:वर शाइर।

पेश:वरान. (بیشه‌وران) फा वि—पेश:वरो, जैसा, जो पेश:वरो का ढग है वैसा ढग।

पेश:वरी (بیشه‌وری) फा स्त्री—उद्यम करना, रोजगार करना।

पेश (بیش) फा पु—सम्मुख, सामने, प्रथम, पहले, अगला भाग, उर्दू में 'उ' की मात्रा।

पेशअंदेश (بیش‌اندیش) फा वि—दे 'पेशबी'।

पेशअंदेशी (بیش‌اندیشی) फा स्त्री—दे 'पेशबीनी'।

पेशअदाज (بیش‌انداز) फा पु—खाना खाते समय घुटनो पर डाला जानेवाला कपडा।

पेशआमद (بیش‌آمد) फा स्त्री—दे 'पेशामद', वह उच्चारण फसीह है।

पेशआहंग (بیش‌آهنگ) फा. पु—दे 'पेशाहग', वह उच्चारण फसीह है।

पेशक़दमी (بیش‌قدمی) फा अ स्त्री—पहल, सबकत, सेना का आक्रमण के लिए आगे बढना।

पेशक़ब्ज़ (بیش‌قبض) फा पु—भुजाली, जम्बिया, छोटी कटार।

पेशकश (بیشکش) फा स्त्री—पुरस्कार, भेंट, नजरान:, प्रस्ताव, तज्वीज, प्रार्थना, इल्तिजा।

पेशकार (بیشکار) फा पु—किसी हाकिम की पेशी मे काम करनेवाला।

पेशकारी (بیشکاری) फा स्त्री—पेशकार का पद, पेशकार का कर्तव्य या काम।

पेशख़ान' (بیش‌خانه) फा पु—घर-गिरस्ती का सामान।

पेशख़िद्मत (بیش‌خدمت) फा अ पु—सेवक, नौकर; प्राइवेट सेक्रेटरी।

पेशख़ुर्द (بیش‌خورد) फा पु—सवेरे का नाश्ता, प्रातराशन; खाने का नमक चखना।

पेशख़ेज़ (بیش‌خیز) फा पु—तेज और फुर्तीला नौकर, राग, नग्म:।

पेशख़ेम: (بیش‌خیمه) फा अ पु—किसी होनेवाले काम की तम्हीद, वह ख़ेमा जो अगले पडाव पर पहले से लगा दिया जाता है, ताकि दौरे के पदाधिकारियो को कष्ट न हो, वह ख़ेमा जो फौज मे सबमे आगे लगाया जाता है।

पेशख़्वाँ (بیش‌خوان) फा वि—वह व्यक्ति जो सभा की कारवाई प्रारम्भ होने से पहले कविता आदि पढता है।

पेशख़्वानी (بیش‌خوانی) फा स्त्री—सभा के प्रारभ में कविता आदि पढने का कार्य।

पेशगाह (بیشگاه) फा स्त्री—वह फर्श जो बादशाहो के तख़्त और मस्नद के आगे बिछाया जाता है, सभापति, सद्रे मज्लिस, अजिर, आँगन।

पेशगी (بیشگی) फा स्त्री—बैआन, अग्रिम धन, पहले से।

पेशगीर (بیشگیر) फा पु—मुँह पोछने का रूमाल।

पेशगो (بیش‌گو) फा वि—दे 'पेशीगो'।

पेशगोई (بیش‌گوئی) फा स्त्री—दे 'पेशीगोई'।

पेशतख़्त: (بیش‌تخته) फा पु—डेस्क, ढलवा सदूक।

पेशतर (بیشتر) फा वि—पहले, आगे।

पेशतरक (بیشترک) फा वि—बहुत पहले।

पेशताक़ (بیش‌طاق) फा पु—अजिर, आँगन, अमीरो और राजाओ के महल का बडा दरवाजा, दरवाजे के सामने का आँगन।

पेशददाँ (بیش‌دندان) फा पु—सवेरे का जलपान, प्रातराशन, नाश्ता।

पेशदस्त (بیش‌دست) फा वि—पेशकार, प्रतिनिधि, नाइब, सहायक, मददगार, पहल करनेवाला, विजेता, गालिब।

पेशदस्ती (بیش‌دستی) फा स्त्री—पेशकारी, सहायता, पहले-पहले हाथ उठाना, छेडख़ानी करना।

पेशदाद (بیش‌داد) फा स्त्री—किसी कार्य-विशेष के लिए पहले दिया हुआ धन, साई।

पेशदादी (بیش‌دادی) फा वि—'होशग' का वशज।

पेशदामन (بیش‌دامن) फा पु—सेवक, नौकर।

पेशनशीं (بیش‌نشین) फा वि—जो सभा आदि में सबसे आगे बिठाया जाय, अग्रासन।

पेशनिहाद (بیش‌نهاد) फा पु—इच्छा, इरादा, कामना, मक़सद।

पेशबद (پیش بند) फा पु –घोडे का जेरबद।
पेशबदी (پیش بندی) फा स्त्री –किसी काम की पेशगी तमहीद, साज़िश, षड्यत्र।
पेशबाज़ (پیش باز) फा पु –स्वागत, इस्तिक़्बाल, स्वागत करनेवाला।
पेशबीं (پیش بیں) फा वि –आगे की बात सोचनेवाला, दूरअदेश, बुद्धिमान्, अक्लमद।
पेशबीनी (پیش بینی) फा स्त्री –आगे की बात सोचना, दूरअदेशी, बुद्धिमत्ता, अक्लमदी।
पेशयार (پیش یار) फा पु –पेशकार।
पेशरफ़्त (پیش رفت) फा स्त्री –आगे बढना, तरक्की करना, वश, जोर, काबू।
पेशरवी (پیش روی) फा स्त्री –आगे चलना, अग्रगमन, राहनुमाई करना, पथ-प्रदर्शन।
पेशरस (پیش رس) फा पु –वह फल जो पेड मे सबसे पहले पके।
पेशरसी (پیش رسی) फा स्त्री –फल का अपनी जाति के फलो में सबसे पहले पकना।
पेशरौ (پیش رو) फा वि –आगे चलनेवाला, अग्रगामी, पेशवा, पथ-प्रदर्शक।
पेशवा (پیشوا) फा वि –अगुआ, नेता, लीडर।
पेशवाई (پیشوائی) फा स्त्री –किसी आनेवाले का, आगे बढकर इस्तिक्बाल।
पेशवाए मुल्क (پیشوائے ملک) फा अ पु –देश का नेता।
पेशवाज़ (پیشواز) फा पु –दे 'पेशवाज', दे 'पिश्वाज़'।
पेशानी (پیشانی) फा स्त्री –ललाट, भाल, माथा, भावी, होनहार, भाग्य, किस्मत।
पेशाब (پیشاب) फा पु –मूत, मूत्र, प्रस्राव।
पेशामद (پیش آمد) फा पु –अनुकपा, दया, पहुँच, रसाई, रिआयत, छूट।
पेशाहग (پیش آهنگ) फा पु –सेना अथवा यात्रीदल के आगे चलनेवाला व्यक्ति।
पेशीं (پیشیں) फा वि –पहला, प्रथम, पुराना, प्राचीन, पहलेवाला, सबसे पहला।
पेशींगो (پیشیں گو) फा वि –आगे की बात बतानेवाला, भविष्यवक्ता, आगमज्ञानी।
पेशींगोई (پیشیں گوئی) फा स्त्री –आगे की बात बताना, आगमज्ञान, भविष्यवाद।
पेशी (پیشی) फा स्त्री –सामने आने का भाव, मुकदमे आदि मे हाकिम के सामने पेश होने का भाव।
पेशीन. (پیشینہ) फा वि –अगला, पहला, पुरातन, पुराना।
पेशीनगो (پیشیں گو) फा वि –दे 'पेशीगो'।
पेशीनगोई (پیشیں گوئی) फा स्त्री –दे 'पेशीगोई'।
पेशीनाँ (پیشیناں) फा पु –पहलेवाले लोग, पूर्वज।
पेशे नज़र (پیش نظر) फा अ पु –दृष्टि के सामने, आँखो के सामने, ध्यान मे, ख़याल में।
पेशे निगाह (پیش نگاہ) फा पु –दे 'पेशे नज़र'।
पेशोपस (پیش وپس) फा पु –आगा-पीछा, असमजस, तज़ब्ज़ुब।
पेस (پیسہ) फा पु –जिसे शरीर में सफेद दागो का रोग हो, सिध्मी, मब्रूस।
पेस (پیس) फा पु –सफेद कोढ, बरस, सिध्म, सफेद कोढ का रोगी, सिध्मी।

पै

पै (پے) फा पु –स्नायु, पट्ठा, पद-चिह्न, पाँव का निशान, पीछा, तआकुब, वार, दफा, शक्ति, बल, लिए, वास्ते, प्रति, पट्ठे के रेशे जो धनुष आदि पर चिपकाये जाते हैं, पाँव, चरण।
पैक (پیک) फा पु –पत्रवाहक, चिट्ठीरसाँ, हरकारा, पियादा, दूत, कासिद, एलची।
पैकर (پیکر) फा पु –देह, शरीर, आकृति, शक्ल।
पैकाँ (پیکاں) फा पु –'पैकान' का लघु, दे 'पैकान'।
पैकान (پیکان) फा पु –बाण की नोक, बरछी की अनी।
पैकानी (پیکانی) फा वि –एक प्रकार का पद्मराग' अर्थात् ला'ल, एक प्रकार का नौसादर, एक प्रकार का याकूत।
पैकार (پیکار) फा पु –युद्ध, समर, लडाई, जग।
पैके अजल (پیک اجل) फा अ पु –यमदूत, मौत का पयामी।
पैके ख़याल (پیک خیال) फा अ पु –कल्पना रूपी दूत जो हर स्थान पर पहुँच सकता है।
पैके निगाह (پیک نگاہ) फा पु –दृष्टि का दूत, या दूत रूपी दृष्टि।
पैग़बर (پیغمبر) फा पु –ईशदूत, अवतार, पयबर।
पैग़बरी (پیغمبری) फा स्त्री –ईश-दूत का पद, ईश-दूत का कर्तव्य, ईशदूत वाला।
पैग़ाम (پیغام) फा पु –सदेश, सँदेसा, पयाम, समाचार, खबर, लडके की ओर से लडकीवालो से सगाई की बातचीत।
पैग़ामबर (پیغامبر) फा वि –सदेश ले जानेवाला, दूत, कासिद, वार्तावह, सदेशवाहक।
पैग़ामबरी (پیغامبری) फा स्त्री –सदेश ले जाने का काम, वार्तावहन।
पैग़ामरसाँ (پیغام رساں) फा वि –दे "पैगामबर'।

पैग़ामरसानी (پیغام رسانی) फा स्त्री –दे 'पैगामबरी'।
पैग़ामरसी (پیغام رسی) फा स्त्री –सदेश पहुँचना, पयाम जाना।
पैग़ामे ज़बानी (پیغام زبانی) फा पु –वह खबर जो किसी कारण लिखकर नही बल्कि ज़बानी कही जाय।
पैग़ारः (پیغاره) फा पु –भर्त्सना, डाँट-फटकार, कटाक्ष, ताना।
पैग़ार (پیغار) फा पु –दे 'पैकार', दोनो शुद्ध है, परतु यह अप्रचलित है।
पैग़ूल (پیغله) फा पु –'पैगूल' का लघु, दे 'पैगूल'।
पैग़ूलः (پیغوله) फा पु –कोना, एकात, गोश।
पैज़ार (پیزار) फा स्त्री –जूता, पादुका।
पै दर पै (پے در پے) फा अव्य –लगातार, निरतर, बार-बार, वारवार।
पैदा (پیدا) फा वि –उत्पन्न, प्रसूत, जाईद, आविर्भूत, व्यक्त, ज़ाहिर, प्राप्त, हासिल, (पु) प्राप्ति, हुसूल।
पैदाइश (پیدائش) फा स्त्री –उत्पत्ति, जन्म, आविर्भाव, ज़ुहूर, प्राप्ति, लाभ, प्रारभ, शुरूआत, उपज, जमना।
पैदाइशी (پیدائشی) फा वि –प्राकृत, फ़ित्री, जन्मसिद्ध, जो उत्पन्न होते समय से प्राप्त हो।
पैदावार (پیداوار) फा स्त्री –खेती की उपज, व्यवसाय की आयु, माल की उत्पत्ति।
पैदावारी (پیداواری) फा स्त्री –दे 'पैदावार'।
पै ब पै (پے بہ پے) फा अव्य –दे 'पै दर पै'।
पैमाँ (پیماں) फा पु –'पैमान' का लघु, दे 'पैमान'।
पैमाँगुसिल (پیماں گسل) फा वि –प्रतिज्ञा भग करनेवाला, कौल से हट जानेवाला, वचनभेदी।
पैमाँशिकन (پیماں شکن) फा वि –वचन-भजक, प्रतिज्ञाभेदी, कौल तोड देनेवाला।
पैमाँशिकनी (پیماں شکنی) फा स्त्री –वादे से फिर जाना, वचन भग कर देना।
पैमा (پیما) फा प्रत्य –नापनेवाला, जैसे—कोह पैमा, पहाड नापनेवाला, पीनेवाला, जैसे—'बाद पैमा', शराब पीनेवाला, फिरनेवाला, जैसे—'दश्त पैमा', जगल मे फिरनेवाला।
पैमाइंद (پیمائنده) फा वि –नापनेवाला।
पैमाइश (پیمائش) फा स्त्री –नाप, किसी क्षेत्र के रक्बे की नाप, किसी स्थान की लबाई-चौडाई आदि की नाप।
पैमानः (پیمانه) फा पु –लबाई नापने का यत्र, इस्केल, तरल पदार्थ नापने का यत्र, शराब का गिलास, पान-पात्र।
पैमान कश (پیمانه کش) फा वि –शराब पीनेवाला, मद्यप, रसाशी।
पैमानःकशी (پیمانه کشی) फा स्त्री –शराब पीना, मदिरा-पान, मद्यपान, रसाशन।
पैमानःबकफ़ (پیمانه بکف) फा वि –हाथ मे मदिरापूर्ण गिलास लिये हुए, चषकपाणि।
पैमानःबदस्त (پیمانه بدست) फा वि –दे 'पैमान बकफ'।
पैमानःशिकन (پیمانه شکن) फा वि –शराब का गिलास तोड देनेवाला, अर्थात् मद्यनिषेधक, मुह्तसिब।
पैमान (پیمان) फा पु –प्रतिज्ञा, वादा, वचन, कौल, शपथा-शपथी, कसमा-कसमी।
पैमानए ग़म (پیمانهٔ غم) फा अ पु –प्रेम की मदिरा का प्याला।
पैमानए मय (پیمانهٔ مے) फा पु –शराब का प्याला, पानपात्र।
पैमूदः (پیموده) फा वि –नापा हुआ।
पैमूदनी (پیمودنی) फा वि –नापने योग्य।
पैमूनः (پیمونه) फा पु –पैमाना।
पैरवी (پیروی) फा स्त्री –अनुकरण, अनुसरण, तक्लीद, किसी की ओर से किसी मुकदमे आदि की पैरोकारी।
पैरहन (پیرهن) फा पु –कुर्ता, कमीस, वस्त्र, वसन, लिबास।
पैरा (پیرا) फा प्रत्य –सजाने और सँवारनेवाला, जैसे—'चमनपैरा' बाग को सजानेवाला।
पैराइंदः (پیرائنده) फा वि –सजानेवाला, सुसज्जित करनेवाला।
पैराइश (پیرائش) फा स्त्री –सजावट, सज्जा, आराइश; काट-छाँट करके सजाना।
पैरामन (پیرامن) फा पु –दे 'पैरामून'।
पैरामुन (پیرامن) फा पु –'पैरामून' का लघु, दे 'पैरामून'।
पैरामून (پیرامون) फा पु –चारो ओर, इर्द-गिर्द, दौर, गिर्दागिर्द, कपडे का दामन।
पैराय (پیرایه) फा पु –शैली, पद्धति, तर्ज़, सजावट, ज़ीनत, वस्त्र, लिबास, आभूषण, ज़ेवर।
पैरास्तः (پیراسته) फा वि –सजा हुआ, सुसज्जित।
पैरास्तगी (پیراستگی) फा स्त्री –सजावट, आरास्तगी।
पैरास्तनी (پیراستنی) फा वि –सजाने योग्य।
पैराहन (پیراهن) फा पु –दे 'पैरहन'।
पैरौ (پیرو) फा वि –अनुयायी, अनुसरणकर्ता, पैरवी करनेवाला।
पैवंद (پیوند) फा पु –जोड, थिगली, रिश्तेदारी, ख़ून का तअल्लुक़, वृक्ष की कलम।
पैवंदी (پیوندی) फा वि –जिसमे पैवद लगा हो; जो कलमी हो (फल)।

पैवस्तः (پیوستہ) फा वि –सटा हुआ, मिला हुआ, निरतर, लगातार, गत, गुज़रा हुआ, सर्वदा, हमेशा।

पैवस्त (پیوست) फा वि –मिला हुआ, जुड़ा हुआ, अदर घुसा हुआ।

पैवस्तगी (پیوستگی) फा स्त्री –सटा हुआ (होना) निरतरता, लगातारपन, नित्यता, हमेशगी, अदर घुसने या पैवस्त होने का भाव।

पैवस्तनी (پیوستنی) फा वि –पैवस्त होने योग्य।

पैसः (پیسہ) फा पु –ताँबे का सिक्का, तीन पाई की मुद्रा।

पैसिपुर (پےسپر) फा वि –पददलित, पैरों तले कुचला हुआ।

पैसिपुरी (پےسپری) फा स्त्री –पामाली, पैरोंतले कुचलना।

पैसुराक (پیسراک) तु पु –खच्चर, अश्वतर।

पैहम (پیہم) फा वि –निरतर, लगातार, बारबार, बार-बार,—"हम जल्वए-पैहम के तलबगार कहाँ हैं?"—हसरत मोहानी।

पो

पोक (پوک) फा पु –खेती का अन्न।

पोचः (پوچہ) फा स्त्री –जोक, रक्तपा, जलौका।

पोच (پوچ) फा वि –अधम, नीच, व्यर्थ, फुज़ूल, निकम्मा, नाकार, अश्लील, फोहश, निरर्थक, बेमा'नी, अकुलीन, बदनस्ल, लंपट, लोफर, वह वस्तु जो बिलकुल ही व्यर्थ हो।

पोचगो (پوچگو) फा वि –अनर्थवादी, व्यर्थभाषी, फुज़ूल की बातें करनेवाला।

पोचगोई (پوچگوئی) फा स्त्री –बकवास, मिथ्यावाद।

पोचबाफ (پوچباف) फा वि –दे 'पोचगो'।

पोचबाफी (پوچبافی) फा स्त्री –दे 'पोचगोई'।

पोचबीं (پوچبیں) फा वि –सकुचितदृष्टि, तगनज़र।

पोचबीनी (پوچبینی) फा स्त्री –तगनज़री, दृष्टि-सकोच।

पोज़ः (پوزہ) फा पु –दे 'पोज़'।

पोज़ःबद (پوزہبند) फा पु –दे 'पोज़बद'।

पोज़ (پوز) फा पु –थूयन, थूथनी, पशुओं का मुँह नथने समेत।

पोज़बद (پوزبند) फा पु –पशुओं के मुँह पर चढ़ाने का छीका, मुसीका।

पोज़माल (پوزمال) फा पु –थूथनी में डालने का फदा।

पोजशि (پوحش) फा स्त्री – दे 'पोज़िश'।

पोज़िश (پوزش) फा स्त्री –उज्र, विवशता, मजबूरी।

पोज़िशपज़ीर (پوزش پزیر) फा वि –उज्र माननेवाला, विवशता पर ध्यान देकर क्षमा करनेवाला।

पोज़ीदः (پوزیدہ) फा वि –जिसने अपनी विवशता प्रकट की हो, जिसने उज्र किया हो।

पोतः (پوتہ) फा पु –भाडागार, मख़्ज़न, लगान, मालगुज़ारी, राजस्व।

पोत (پوت) फा पु –पेट और सीने में जो कुछ हो, आँतें, तिल्ली, जिगर, हृदय आदि।

पोदीनः (پودینہ) फा पु –एक सुगधित पत्ती, प्रणास।

पोयः (پویہ) फा पु –घोड़े की एक चाल।

पोयाँ (پویاں) फा वि –दौड़ता हुआ।

पोया (پویا) फा वि –दौड़ता हुआ, दौड़नेवाला।

पोलः (پولہ) फा पु –बिगड़ा और पला हुआ फल।

पोल (پول) फा पु –पैसा, ताँबे का सिक्का।

पोलाद (پولاد) फा पु –दे 'फ़ौलाद'।

पोलाब (پولاب) फा वि –जो दिखाई पड़े, दृष्टिगोचर, मरई।

पोलावी (پولاوی) फा वि –अनुभव होनेवाली वस्तु, हिस्सी।

पोले सफ़ेद (پول سفید) फा पु –रुपया, चाँदी का सिक्का।

पोले सियाह (پول سیاہ) फा पु –पैसा, ताँबे का सिक्का।

पोश (پوش) फा प्रत्य –छिपानेवाला, जैसे—'ऐबपोश' दोष छिपानेवाला।

पोशाक (پوشاک) फा स्त्री –पहनने के कपड़े, वस्त्र, वसन, परिच्छद।

पोशिंद (پوشندہ) फा वि –पहननेवाला, छिपानेवाला।

पोशिश (پوشش) फा स्त्री –वस्त्र, लिबास, पहनावा।

पोशीद (پوشیدہ) फा वि –पहनाया हुआ, छिपाया हुआ, गुप्त, खिल्अत, शिकारी का जाल।

पोशीदगी (پوشیدگی) फा स्त्री –छिपाव, दुराव, पहनाव।

पोशीदनी (پوشیدنی) फा वि –पहनाने योग्य, पहनने के कपड़े, छिपाने योग्य।

पोसीदः (پوسیدہ) फा वि –पुराना होकर घिसा-पिसा, जीर्ण, जर्जर, शीर्ण।

पोस्तः (پوستہ) फा पु –डाकखाना, पोस्ट आफिस।

पोस्त (پوست) फा पु –खाल, त्वचा, जिल्द, पेड़ की छाल, पिशुनता, गीबत।

पोस्तकद (پوستکندہ) फा वि –स्पष्ट, बिलकुल साफ़, खुला हुआ।

पोस्ततख़्त (پوست تخت) फा पु –साधुओं का बिछौना जो हिरन या शेर की खाल का हो।

पोस्तमाल (پوست مال) फा पु –चमड़ा मढ़ी हुई वस्तु।

पोस्तीं (پوستیں) फा स्त्री –'पोस्तीन' का लघु, दे 'पोस्तीन'।

पोस्तींदोज़ (پوستیں‌دوز) फा वि—पोस्तीन सीनेवाला, अर्थात् बनानेवाला।

पोस्ती (پوستی) फा वि—अफीम खानेवाला, मदक पीनेवाला, मदकची।

पोस्तीख़ाना (پوستی‌خانہ) फा. पु—मदकखाना।

पोस्तीन (پوستیں) फा स्त्री—लोमड़ी, समूर, सिंजाब आदि रूँदार जलुओं की खाल से बनाया हुआ कोट जो शीतप्रधान देशों में पहना जाता है, इसके रुएँ भीतर और खाल ऊपर रहती है।

पोस्तीने गुर्ग (پوستینِ گرگ) फा स्त्री—भेड़िए की खाल या उसका पोस्तीन।

पोस्तीने रोबाह (پوستینِ روباہ) फा स्त्री—लोमड़ी की खाल या उसका पोस्तीन।

पोस्तीने शेर (پوستینِ شیر) फा स्त्री—शेर की खाल या उसका पोस्तीन।

फ़

फंजनोश (فنجنوش) फा पु—लोहे का मैल, मडूर, खुब्सुल हदीद।

फ़द (فند) अ पु—छल, कपट, मक्र, फरेब।

फ़अ़्आल (فعال) अ वि—बहुत काम करनेवाला।

फ़क़ (فق) अ वि—चेहरे की रंगत का विकार या उड़ जाना।

फ़क [फ़क्क] (فک) अ पु—जबड़ा, कल्ला, मोचन, छूटना।

फ़क़त (فقط) अ वि—बस, ख़त्म, समाप्त, केवल, सिर्फ़, इतिथी, तम्मत।

फ़क़ार (فقار) अ पु—'फ़िक़' का बहु, पीठ के गुरिए।

फ़क़ाह (فقاہ) अ स्त्री—बुद्धिमत्ता, मेधा, दानाई।

फ़क़ाहत (فقاہت) अ स्त्री—बुद्धिमत्ता, मनीषा, मेधा, अक्लमंदी।

फ़क़ोअ़ (فقیع) अ स्त्री—जौ की शराब।

फ़क़ीद (فقید) अ वि.—अप्राप्य, नायाब।

फ़क़ीदुन्नज़ीर (فقید النظیر) अ वि—जिसके समान दूसरा न हो, अद्वितीय, अनुपम, लाजवाब।

फ़क़ीदुलमिसाल (فقید المثال) अ वि—दे 'फ़क़ीदुन्नज़ीर'।

फ़क़ीदुलमिस्ल (فقید المثل) अ. वि—दे 'फ़क़ीदुन्नज़ीर'।

फ़क़ीर (فقیر) अ वि—भिक्षुक, मँगता, भिखमंगा, सन्यासी, दरवेश, आजाद, आशिक़, नम्रता-प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने को भी कहता है।

फ़क़ीरदोस्त (فقیردوست) अ फा वि—साधु-संतों में भक्ति भाव रखनेवाला।

फ़क़ीरमनिश (فقیرمنش) अ फा वि—साधुओं-जैसे सीधे-सादे आचार-व्यवहारवाला।

फ़क़ीराना (فقیرانہ) अ फा वि—फ़क़ीरों और साधुओं-जैसा।

फ़क़ीरी (فقیری) अ स्त्री—साधुता, दरवेशी, भिखमंगापन, मँगताई।

फ़क़ीह (فقیہ) अ वि—धर्मशास्त्र का विद्वान्, मुस्लिम धर्मशास्त्र को पूर्णरूपेण जाननेवाला।

फ़क़ीहाँ (فقیہاں) अ फा पु—'फ़क़ीह' का बहु, फ़क़ीह लोग।

फ़कैफ़ (فکیف) अ अव्य—पस, क्योंकर।

फ़क्कुर्रह्‌न (فک الرھن) अ पु—बंधक-मोचन, रेहन से चीज़ का छूटना।

फ़क्के अस्फ़ल (فکِ اسفل) अ पु—नीचे का जबड़ा।

फ़क्के आ'ला (فکِ اعلیٰ) अ पु—ऊपर का जबड़ा।

फ़क्के रह्‌न (فکِ رھن) अ पु—बंधन-मोचन।

फ़क्र (فقر) अ पु—दरिद्रता, कंगाली, साधुता, दरवेशी।

फ़ख़ामत (فخامت) अ स्त्री—प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी, आदर, क़द्र, मोटापन।

फ़ख़िज़ (فخذ) अ स्त्री—जाँघ, रान।

फ़ख़ीम (فخیم) अ वि—प्रतिष्ठावान्, ज़ी इज़्ज़त।

फ़ख़्ज़ (فخذ) अ स्त्री—रान, जाँघ, दे 'फ़ख़िज़', दो शु हैं।

फ़ख़्र (فخر) अ पु—गर्व, गौरव, नाज, अभिमान, अहंकार, घमंड, शेख़ी, डींग।

फ़ख़्रआमेज़ (فخرآمیز) फा अ वि—गर्वपूर्ण, फ़ख़्रिय।

फ़ख़्रन (فخراً) अ अव्य—गर्वसहित, घमंड के साथ।

फ़ख़्रिय (فخریہ) अ अव्य—गर्व के तौर पर, घमंड से।

फ़ख़्री (فخری) अ वि—एक किस्म का अंगूर; शाह फ़ख़्रुद्दीन के सिलसिले का मुरीद।

फ़ख़्रे क़ौम (فخرِ قوم) अ पु—वह व्यक्ति जिस पर राष्ट्र गर्व करे।

फ़ख़्रे ख़ानदान (فخرِ خاندان) अ फा पु—जिससे कुल की मर्यादा बढ़े, वह व्यक्ति, कुलभूषण।

फ़ख़्रे मिल्लत (فخرِ ملت) अ पु—दे 'फ़ख़्रे क़ौम'।

फ़ख़्रे मुल्क (فخرِ ملک) अ पु—देश के लिए गर्व का कारण व्यक्ति।

फ़ख़्रे वतन (فخرِ وطن) अ पु—दे 'फ़ख़्रे मुल्क'।

फ़ग़ (فغ) फा पु—मूर्ति, प्रतिमा, बुत।

फ़ग़फ़ूर (فغفور) अ पु—चीन के शासकों की उपाधि।

फ़ज [ज्ज] (فج) अ पु—दो पहाड़ों के बीच का चौड़ा रास्ता।

फ़जरः (فجرہ) अ पु—फ़ाजिर का बहु, व्यभिचारी लोग, सदाचारी लोग।

फ़ज़ा' (فزع) अ पु –भय, त्रास, डर।
फ़ज़ा (فضا) अ स्त्री –खुली हुई जगह, मैदान, वातावरण, माहौल, शोभा, रौनक, वहार, खुली हुई हरियालीदार जगह।
फ़ज़ाइल (فضائل) अ पु –'फ़ज़ीलत' का बहु , अच्छाइयाँ, खूबियाँ।
फ़ज़ाई (فضائی) अ वि –फ़ज़ा से सम्बन्धित।
फ़ज़ाए चर्ख़ (فضاے چرخ) अ फा स्त्री –वह खाली स्थान जो आकाश और पृथ्वी के बीच में है, अतरिक्ष, शून्य।
फ़ज़ाए ज़ह्र आलूद (فضاے زہر آلود) अ फा स्त्री –दूषित वातावरण, ज़हरीला माहौल।
फ़ज़ाहत (فضاحت) अ स्त्री –दे 'फ़ज़ीहत'।
फ़ज़ीअत (فضیعت) अ स्त्री –पीडा, वेदना, दर्द, आपत्ति, विपदा, मुसीवत।
फ़ज़ीलत (فضیلت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी, प्रधानता, तर्जीह।
फ़ज़ीलतमआव (فضیلت معاب) अ वि –प्रतिष्ठावान्।
फ़ज़ीह (فضیح) अ वि –निंदित, रुसवा, अपमानित, अनादृत, ज़लील।
फ़ज़ीहत (فضیحت) अ स्त्री –निंदा, अपयश, रुस्वाई, अपमान, ज़िल्लत।
फ़ज़ूर (فجور) अ वि –व्यभिचारी, लपट, हरामकार; दुराचारी, कदाचारी, बद आ'माल।
फ़ज्जार (فجار) अ वि –बहुत अधिक दुराचारी और लपट।
फ़ज्र (فجر) अ स्त्री –प्रात काल, भोर, सवेरा, सवेरे की नमाज़।
फ़ज्री (فجری) अ वि –एक प्रकार का कलमी आम।
फ़ज़्ल (فضل) अ पु –कृपा, दया, मेहरबानी, प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी, विद्वत्ता, फ़ज़ीलत।
फ़ज़्ले इलाही (فضل الہی) अ पु –ईश्वर की दया, दैवी अनुकपा।
फ़ज़्ले ख़ुदा (فضل خدا) अ फा पु –ईश्वर की कृपा।
फ़ज़्ले मौला (فضل مولی) अ पु –दे 'फ़ज़्ले ख़ुदा', फकीरो की दुआ, जिसका अर्थ है तुम पर ख़ुदा का साया रहे।
फ़ज़्ले रब्बी (فضل ربی) अ पु –दे 'फ़ज़्ले ख़ुदा'।
फ़ज़्ले हक़ (فضل حق) अ पु –दे फ़ज़्ले ख़ुदा।
फ़ज़्ह (فضح) अ स्त्री –फ़ज़ीहत, निंदा, रुस्वाई।
फ़ता (فتی) अ पु –युवा, युवक, तरुण, जवान मर्द।
फ़तात (فتات) अ स्त्री –युवती, नवला, तरुणी, जवान स्त्री।
फ़तानत (فطانت) अ स्त्री –बुद्धिमत्ता, मेधा, अक्लमदी।
फ़तिन (فطن) अ वि –बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद; चतुर, होशियार, प्रतिभाशाली, ज़हीन।
फ़तीन (فطین) अ वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, प्रतिभावान्, तव्वाअ, चतुर, होशियार।
फ़तीर (فطیر) अ वि –खमीर का उलटा, पतला गुंधा हुआ आटा जिसकी चपाती पकती है।
फ़तील (فتیلہ) अ पु –चिराग की बत्ती, भूत और जिन उतारनेवालो की वत्ती जिसे वह चिराग में जलाकर प्रेतवाधा-ग्रस्त को दिखाते है।
फ़तीलसोज़ (فتیل سوز) अ फा पु –चौमुखा दीवट।
फ़त्क़ (فتق) अ पु –आँत उतरने का रोग, अत्रवृद्धि।
फ़त्तां (فتاں) अ वि –फ़ित्न पैदा करनेवाला।
फ़त्ताह (فتاح) अ वि –खोलनेवाला, ईश्वर।
फ़त्वा (فتوا) अ पु –किसी धार्मिक विषय में धर्मशास्त्र-वेत्ता का लिखित आदेश, धर्मादेश, व्यवस्था।
फ़त्ह' (فتحہ) अ पु –उर्दू में 'अ' की मात्रा, ज़बर (—')
फ़त्ह (فتح) अ स्त्री –विजय, जय, जीत, सफलता, कामयावी।
फ़त्हनामः (فتح نامہ) अ फा पु –वह गद्य या पद्य का लेख जो किसी विजय के सुअवसर पर लिखा जाय।
फ़त्हमद (فتح مند) अ फा वि –विजय प्राप्त, विजेता।
फ़त्हमनार (فتح منار) अ पु –वह स्तभ जो किसी विजय की निशानी के रूप मे बनाया जाय, जयस्तभ।
फ़त्हयाब (فتح یاب) अ फा वि –जिसने विजय प्राप्त की हो, विजेता।
फ़त्हयाबी (فتح یابی) अ फा स्त्री –विजय-प्राप्ति, जीत हासिल करना, जीतना।
फ़त्हे मुबीन (فتح مبین) अ स्त्री –खुली हुई और स्पष्ट जीत।
फ़त्होज़फर (فتح وظفر) अ स्त्री –विजय, जीत।
फ़त्होशिकस्त (فتح وشکست) अ फा स्त्री –जीत और हार, विजय और पराजय।
फ़दक (فدک) अ पु –एक गाँव जिसमें हज़रत मुहम्मद साहिब का खजूरो का बाग था।
फ़दामत (فدامت) अ स्त्री –अनीति, अन्याय, ज़ुल्म, उद्दडता, अक्खडपन।
फ़न (فن) अ पु –कला, आर्ट, हस्तशिल्प, दस्तकारी, छल, फरेब, इद्रजाल, बाजीगरी, गुण, हुनर, विद्या की कोई शाखा, जैसे—'तिब का फन' अर्थात् चिकित्साशास्त्र।
फ़नकार (فن کار) अ फा पु –कलाकार, कलावान्।
फ़नकाराना (فن کارانہ) अ फा अव्य –कलापूर्ण।
फ़नकारी (فن کاری) अ फा स्त्री –कलाकारी।
फ़नवां (فن داں) अ फा वि –कलाविज्ञ, कला-मर्मज्ञ, कला-निपुण।

फनदानी (فن‌دانی) अ फा स्त्री –कला जानना, कला का मर्म जानना।

फना (فنا) अ स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत, लुप्त, गाइब, नष्ट, बरबाद।

फनाअंजाम (فنا انجام) अ फा –जिसका परिणाम मृत्यु हो।

फनाआमादः (فنا آمادہ) अ फा वि –जो नष्ट होने के लिए तैयार हो, नाशोन्मुख।

फनाईयत (فنائیت) अ स्त्री –फना हो जाना, आत्मसात् हो जाना, विलीन हो जाना।

फनापिज़ीर (فنا پذیر) अ फा वि –जिसे अंत में नाश होना हो, मरणधर्मा।

फनाफिल्लाह (فنا فی اللہ) अ वि –वह जो ईश्वर में लीन हो गया हो, ब्रह्मलीन।

फनाफिश्शैख़ (فنا فی الشیخ) अ वि –जो अपने पीर में लीन हो।

फन्नी (فنی) अ वि –किसी फन से सम्बन्धित।

फन्ने किताबत (فن کتابت) अ पु –कापीनवीसी की कला, लिपि-कला।

फन्ने जर्राही (فن جراحی) अ पु –चीर-फाड अर्थात् शल्य-चिकित्सा की कला।

फन्ने ता'मीर (فن تعمیر) अ पु –वास्तुकला, वास्तुविद्या।

फन्ने तीरंदाज़ी (فن تیراندازی) अ फा पु –धनुर्वेद, धनुर्विद्या।

फन्ने मुसव्विरी (فن مصوری) अ पु –चित्रकला, चित्रविद्या।

फन्ने मूसीकी (فن موسیقی) अ पु –गानकला, संगीत-कला, संगीतविद्या, गानविद्या।

फन्ने लतीफ (فن لطیف) अ पु –ललित कला, सत्कला।

फबिहा (فبہا) अ अव्य –ठीक, खूब।

फम (فم) अ पु –मुख, मुँह।

फमे मे'द (فم معدہ) अ पु –आमाशय का मुँह या द्वार।

फमे रहिम (فم رحم) अ पु –गर्भाशय का मुँह।

फय्याज (فیاض) अ पु –दे 'फैयाज'।

फरंग (فرنگ) फा पु –दे 'फरंगिस्तान'।

फरंगिस्तान (فرنگستان) फा पु –फरंगियों का देश, इँगलैंड।

फरंगी (فرنگی) फा पु –फरंगिस्तान का निवासी, अंग्रेज।

फर (فر) फा स्त्री –वैभव, शानोशौकत, ज्योति, प्रकाश, चमक, प्रतिबिंब, अक्स।

फरज. (فرجہ) अ पु –दरिद्रता और तंगी से छुटकारा पाना, दशा का उन्नतिशील होना।

फरज (فرج) अ स्त्री –सुगमता, आसानी, सुख, चैन, आराम।

फरफरः (فرفرہ) फा स्त्री –फिरकी।

फरफर (فرفر) फा अव्य –जल्दी-जल्दी।

फरस (فرس) अ पु –अश्व, घोडा।

फरह (فرح) अ पु –हर्ष, आनंद, खुशी, फर्हत।

फरहबख़्श (فرح بخش) अ फा वि –खुशी देनेवाला, फर्हत देनेवाला, आनन्ददाता।

फरहमंद (فرحمند) अ फा –हर्षित, आनंदित, खुश।

फराइज़ (فرائض) अ पु –'फरीज़' का बहु, कर्तव्य।

फराइज़े कौमी (فرایض قومی) अ पु –वह कर्तव्य जो राष्ट्र की ओर से आवश्यक हो।

फराइज़े मंसबी (فرائض منصبی) अ पु –वह कर्तव्य जो नौकरी के लिए जरूरी हो, वह कर्तव्य जो मानवता के नाते लाजिमी हो।

फराइज़े मिल्ली (فرائض ملی) अ पु –दे 'फराइज़े कौमी'।

फराइज़े मुल्की (فرائض ملکی) अ पु –वह कर्तव्य जो एक देशवासी के लिए अनिवार्य है।

फराइद (فرائد) अ पु –'फरीद' का बहु, अकेले लोग, अद्वितीय वस्तुएँ।

फराइनः (فراعنہ) अ पु –'फिरऔन' का बहु, मिस्र के प्राचीन शासक जिनके शव अह्राम में मिलते हैं।

फराख़ (فراخ) फा वि –विस्तृत, वसीअ, चौडा-चकला।

फराख़अब्रू (فراخ ابرو) फा वि –हँसमुख, जिंदादिल।

फराख़आस्ती (فراخ آستیں) फा वि –मुक्तहस्त, दानी, सखी।

फराख़चश्म (فراخ چشم) फा वि –खूब खर्च करनेवाला, दिल खोलकर खाने-खिलानेवाला।

फराख़दस्त (فراخ دست) फा वि –खूब देने-लेनेवाला, दौलतमंद, संपन्न।

फराख़दामन (فراخ دامن) फा वि –धनसंपन्न, समृद्ध, दौलतमंद।

फराख़दिल (فراخ دل) फा वि –दे 'फराख़चश्म'।

फराख़पेशानी (فراخ پیشانی) फा वि –चौडी पेशानीवाला, भाग्यवान्, हँसमुख, शीलवान्।

फराख़सीनः (فراخ سینہ) फा वि –चौडे सीनेवाला, बहादुर।

फराख़हौसल (فراخ حوصلہ) फा अ वि –बडे हौसलेवाला, उच्चोत्साही।

फराख़हौसलगी (فراخ حوصلگی) फा अ स्त्री –हिम्मत बडी होना।

फराख़ी (فراخی) फा स्त्री –विस्तार, फैलाव, कुशादगी।

फराख़ुर (فراخور) फा पु –योग्य, पात्र, लाइक।

फराग़ (فراغ) अ प –दे 'फरागत'।

फराग़त (فراغت) अ स्त्री—अवकाश, छुट्टी, फुर्सत, छुटकारा, मुक्ति, नजात, समृद्धि, दौलतमंदी, सुख, आराम, संतोष, इत्मीनान।

फराग़बाल (فراغ بال) अ फा वि—संतोष और सुख के साथ जीवन व्यतीत करनेवाला।

फराग़बाली (فراغ بالی) अ फा स्त्री—सुख और बेफिक्री से जीवन गुज़ारना।

फराग़े कुल्ली (فراغ کلی) अ पु—पूर्ण संतोष, पूरा इत्मीनान।

फराग़े ख़ातिर (فراغ خاطر) अ पु—मन का संतोष, चित्त की एकाग्रता।

फराग़े दिल (فراغ دل) अ फा पु—दे 'फराग़े ख़ातिर'।

फराग़े बातिन (فراغ باطن) अ पु—दे 'फराग़े ख़ातिर'।

फराज़ (فراز) फा पु—ऊँचाई, बलंदी।

फराज़िंद॰ (فرازنده) फा वि—उठानेवाला, ऊँचा करनेवाला, उन्नायक।

फराज़ोनिशेब (فرازونشیب) फा पु—ऊँच-नीच, उतार-चढाव।

फरादीस (فرادیس) अ पु—'फ़िर्दौस' का बहु, स्वर्ग-समूह।

फरामीन (فرامین) फा पु—'फ़र्मान' का बहु, राजादेश।

फरामुश (فرامش) फा वि—'फरामोश' का लघु, दे फरामोश, भूला हुआ, विस्मृत।

फरामुशी (فرامشی) फा स्त्री—'फरामोशी' का लघु, दे फरामोशी, भूल।

फरामोश (فراموش) फा वि—भूला हुआ, विस्मृत, (प्रत्य) भूल जानेवाला, जैसे—'वाद फरामोश' वादा करके भूल जानेवाला।

फरामोशकार (فراموش کار) फा वि—भुलक्कड, बहुत भूलनेवाला।

फरामोशकारी (فراموش کاری) फा स्त्री—बहुत भूलना।

फरामोशी (فراموشی) फा स्त्री—भूल, भूलने का भाव।

फरार (فرار) फा पु—पलायन, भागना, छुप जाना, रूपोशी, दे 'फिरार', परंतु उर्दू में 'फरार' ही बोलते हैं।

फराश (فراش) अ पु—पतंगा, शलभ, पर्वाना।

फरासिख़ (فراسخ) अ पु—'फर्सख़' का बहु।

फराहत (فراہت) अ स्त्री—बुद्धि की तीव्रता, चतुरता, होशियारी, घोडे की अच्छी चाल।

फराहम (فراہم) फा वि—एकत्र, इकट्ठा, एक जगह।

फराहमी (فراہمی) फा स्त्री—एकत्र होना, इकट्ठा होना।

फरीक़ (فریق) अ पु—पक्ष, पार्टी, दल, गुरोह, वादी और प्रतिवादी।

फरीक़े मुख़ालिफ़ (فریق مخالف) अ पु—विरोधी पक्ष या दल।

फरीक़े मुतख़ासिम (فریق متخاصم) अ पु—शत्रु या लडनेवाला पक्ष।

फरीक़े सानी (فریق ثانی) अ पु—दूसरे पक्ष अर्थात् विरोधी दल का व्यक्ति।

फरीक़ैन (فریقین) अ पु—उभय पक्ष, दोनों पार्टियाँ।

फरीज़ः (فریضہ) अ पु—कर्तव्य, फ़र्ज़, नमाज़।

फरीज़ए मज़्हबी (فریضۂ مذهبی) अ पु—धार्मिक कृत्य, जैसे—नमाज़, रोज़ा, हज आदि।

फरीद (فرید) अ वि—एकाकी, अकेला, अद्वितीय, बेमिस्ल।

फरीदुलअस्र (فریدالعصر) अ वि—जो अपने समय में अकेला हो, अद्वितीय, अनुपम, बेमिसाल।

फरेफ्त॰ (فریفته) फा वि—शुद्ध उच्चारण 'फिरेफ्त' है, परंतु उर्दू में 'फरेफ्त' बोलते हैं, मुग्ध, आसक्त, आशिक, छलित, धोखा खाया हुआ।

फरेब (فریب) फा पु—छल, कपट, धोखा, मिष, मिस, बहाना, इसका शुद्ध उच्चारण 'फिरेब' है, परंतु उर्दू में 'फरेब' है, (प्रत्य) छलनेवाला, जैसे—'दिल फरेब' मन को छलनेवाला।

फरेबकार (فریب کار) फा वि—छली, कपटी, धोखेबाज़।

फरेबख़ुर्द॰ (فریب خورده) फा वि—छलित, वंचित, ठगा हुआ, फरेब खाया हुआ।

फरेबख़ुर्दगी (فریب خوردگی) फा स्त्री—छला जाना, फरेब खाना, धोखे में आ जाना।

फरेबदाद॰ (فریب داده) फा वि—जिसे धोखा दिया गया हो।

फरेबदिहिंद॰ (فریب دهنده) फा वि—धोखा देनेवाला, छल करनेवाला।

फरेबदिही (فریب دهی) फा स्त्री—धोखा देना, छल करना।

फरेबी (فریبی) फा वि—धोखेबाज़, छली।

फरेबे अक्ल (فریب عقل) फा अ पु—बुद्धिभ्रम, अक्ल का धोखा, बुद्धि का धोखे में पड जाना।

फरेबे नज़र (فریب نظر) फा अ पु—दृष्टिभ्रम, निगाह का धोखा, दृष्टि का धोखे में पड जाना।

फरोख़्त॰ (فروخته) फा वि—बेचा हुआ, फारसी 'फिरोख़्त' है, परंतु उर्दू में यही है।

फरोख़्त (فروخت) फा स्त्री—विक्री।

फरोख़्तगी (فروختگی) फा स्त्री—विक्री, बेचने का काम।

फरोग़ (فروغ) फा पु—प्रकाश, ज्योति, रोशनी, उन्नति, तरक्की, शोभा, रौनक, यह शब्द 'फ़ुरोग़' है, परंतु

उर्दू मे 'फरोग' ही है। जैसे—"जितना फरोग शोलए-हुस्ने-गनम मे है, उतनी तपिश कहाँ है, दिले वेकगर में।"

फरोगुज़ाश्त (فروگزاشت) फा. स्त्री—दे 'फिरोगुज़ाश्त', यही शुद्ध है।

फरोज़ाँ (فروزاں) फा वि—दे 'फुरोज़ाँ', वह शुद्ध है।

फरोदगाह (فرودگاہ) फा स्त्री—वह स्थान जहाँ कोई व्यक्ति, पथिक के रूप मे थोडे दिन ठहरे, शुद्ध 'फिरोद' है परन्तु उर्दू म 'फरोद' भी है।

फरोश (فروش) फा प्रत्य—बेचनेवाला, जैसे—'मेव फरोश', मेवा बेचनेवाला।

फरोशिंद (فروشندہ) फा वि—बेचनेवाला।

फरोशीद (فروشیدہ) फा वि—बेचा हुआ, बेची हुई वस्तु।

फरोशीदनी (فروشیدنی) फा अव्य—बेचने के योग्य, जो वस्तु बेची जा सके।

फर्अ (فرع) अ स्त्री.—शाखा, डाली, किसी मूल का कोई अश।

फर्ई (فرعی) अ वि—जो मूल मे से निकला हो।

फर्क (فرق) अ पु—शिर, सिर, सर, अतर, भेद, दो सख्याओं का शेष, दूरी, फासिला, पृथक्ता, जुदाई, मतभेद, इख्तिलाफ, ह्रास, कमी।

फर्क़दैन (فرقدین) अ पु—दो तारे जो उत्तरी ध्रुव मे है और शाम से सवेरे तक बराबर दिखाई पडते है, कभी छिपते नही।

फर्ख़द (فرخندہ) फा वि—दे 'फर्ख़ुंद', दोनो शुद्ध है।

फर्ख़ुंद (فرخندہ) फा वि—शुभान्वित, कल्याणकारी, मुबारक।

फर्ख़ुंद ख़ू (فرخندہ خو) फा वि—अच्छे स्वभाववाला, सत्प्रकृति।

फर्ख़ुंद ताले' (فرخندہ طالع) फा अ वि—भाग्यशाली, सौभाग्यवान्।

फर्ख़ुंद.पै (فرخندہ پے) फा वि—जिसका कही आना शुभान्वित हो, मुबारक कदम।

फर्ख़ुंद फाल (فرخندہ فال) फा वि—भाग्यवान्, खुशनसीब।

फर्ख़ुंद बख़्त (فرخندہ بخت) फा वि—दे 'फर्ख़ुंद ताले'।

फर्ख़ुंद राय (فرخندہ رائے) फा अ वि—जिसका परामर्श और जिसकी सलाह बहुत अच्छी होती हो।

फर्ख़ुंद सिफात (فرخندہ صفات) फा अ वि—अच्छे गुणोंवाला, सदाचार-परायण।

फर्रुख़ (फर्खुन्दः) (فرخ فال) फा उभ—[illegible] ज़्यादा, [illegible] [illegible] जो बच्चा सो पहनाना [illegible] भी [illegible] है।

फर्ज. (فرجہ) अ पु—खोलना,, खुलना।

फर्ज़ंद (فرزند) फा पु—आत्मज, तनय, पुत्र, बेटा, लडका।

फर्ज़ंदी (فرزندی) फा वि—बेटापन, पुत्रत्व, बाप-बेटे का नाता।

फर्ज़ंदे अर्जमद (فرزند ارجمند) फा पु—सपूत, होनहार बेटा, भव्य पुत्र।

फर्ज़ंदे नरीनः (فرزند نرینہ) फा पु—बेटा, पुत्र।

फर्ज (فرج) अ स्त्री—दो चीज़ो के बीच की दरार, शिगाफ, फटन, विवर, छेद, योनि, भग।

फर्ज़ (فرض) अ पु—कर्तव्य, ड्यूटी, ईश्वर की ओर से लगाया हुआ धार्मिक कृत्यो का आदेश, अनिवार्य, ज़ुरूरी, ज़िम्मेदारी, वह नमाज़ जिसका कुरान में आदेश है।

फर्जज (فرزجہ) अ पु—दवा मे भिगोकर योनि या गुदाद्वार मे रखने का कपडा।

फर्ज़न (فرضاً) अ अव्य—कर्तव्य द्वारा फर्ज़ की रू से।

फर्ज़शनास (فرض شناس) अ फा वि—जो अपने कर्तव्य को कर्तव्य समझकर करे, कर्तव्य-पालक।

फर्ज़शनासी (فرض شناسی) अ फा स्त्री—अपनी ड्यूटी को कर्तव्य समझकर अजाम देना।

फर्ज़ाद (فرزاد) फा वि—बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।

फर्ज़ान. (فرزانہ) फा वि—बुद्धिमान्, अक्लमद, चतुर, होशियार, कुशल, दक्ष।

फर्ज़ानि ख़ू (فرزانہ خو) फा वि—बुद्धिमान्, चतुर।

फर्ज़ानगी (فرزانگی) फा स्त्री—बुद्धिमत्ता, अक्लमदी; चतुरता, होशियारी, दक्षता, काबिलीयत।

फर्जाम (فرجام) फा पु—अत, अख़ीर, परिणाम, नतीजा, (प्रत्य) अत या परिणामवाला, जैसे—'नेकफर्जाम' जिसका अत या परिणाम सुदर हो।

फर्ज़ी (فرزین) फा पु—शत्रज का एक मोहरा, वज़ीर।

फर्ज़ी (فرضی) अ वि—जिसकी केवल कल्पना हो, मूल मे न हो, काल्पनिक, कियासी।

फर्जी (فرجی) फा स्त्री—बिना घुडी तुकमे की कबा जो कपडो के ऊपर पहनी जाती है, गाउन।

फर्ज़े ऐन (فرض عین) अ पु—मूल कर्तव्य, सही ड्यूटी।

फर्ज़े किफाय (فرض کفایہ) अ पु—वह फर्ज़ जो एक आदमी के अदा करने से सब की ओर से अदा हो जाय, जैसे—किसी सभा म किसी के सलाम का जवाब एक आदमी दे दे तो सब की ओर से हो जाता है।

फर्ज़े मसबी (فرض منصبی) अ पु—वह कर्तव्य जो किसी के लिए मुकर्रर हो, जैसे—पुलिस के लिए रक्षा का।

फर्ज़े मुहाल (فرض محال) अ पु –ऐसी बात मान लेना या फर्ज़ कर लेना जो हो ही न सके ।

फर्त (فرط) अ पु –अधिकता, बाहुल्य, इफ़ात ।

फर्तूत (فرتوت) फा वि –बहुत बूढा ।

फर्ते ऐश (فرط عیش) अ पु –भोग-विलास और धन-दौलत का बाहुल्य ।

फर्ते गज़ब (فرط غضب) अ पु –क्रोध का आवेग, कोप का प्रकोप ।

फर्ते ग़म (فرط غم) अ पु –शोक और दुःख का आधिक्य ।

फर्ते मसरत (فرط مسرت) अ पु –हर्ष और आनद की प्रचुरता, हर्षातिरेक ।

फर्ते महब्बत (فرط محبت) अ पु –प्रेम की झोक, प्रेम का आवेग ।

फर्ते शादी (فرط شادی) अ फा पु –दे 'फर्ते मसरत' ।

फर्ते शौक (فرط شوق) अ पु –अभिलाषा का जोश ।

फर्द (فرد) अ पु –एक व्यक्ति, एक शख्स, एकाकी, अकेला, अद्वितीय, बेमिस्ल, दुलाई, रजाई, चादर ।

फर्द (فرد) फा स्त्री –हिसाब का रजिस्टर, हुक्मनामा, निमत्रण का सूचीपत्र ।

फर्दन फर्दन (فرداً فرداً) अ अव्य –एक-एक करके, हर व्यक्ति को, अलग-अलग ।

फर्दा (فردا) फा पु –आनेवाला कल ।

फर्दाए कियामत (فردائے قیامت) फा अ पु –प्रलय का दिन, जब सब के हिसाब-किताब होंगे ।

फर्दाए महशर (فردائے محشر) फा अ पु –दे 'फर्दाए कियामत' ।

फर्दाए हश्र (فردائے حشر) फा अ पु –दे 'फर्दाए कियामत' ।

फर्दे आ'माल (فرد اعمال) अ फा स्त्री –कर्मपत्र, आ'माल-नाम ।

फर्दे क़रारदादे जुर्म (فرد قرارداد جرم) अ फा स्त्री –अभियोगपत्र, चार्जशीट ।

फर्दे जुर्म (فرد جرم) फा अ स्त्री –अभियोग-पत्र, फर्दे करारदादे जुर्म ।

फर्दे बशर (فرد بشر) अ पु –एक व्यक्ति, एक आदमी ।

फर्दे बातिल (فرد باطل) फा अ स्त्री –हिसाब का गलत कागज, वह कागज़ जो कटा-फटा हो और माना न जा सके, निकम्मी चीज़ ।

फर्दे वाहिद (فرد واحد) अ पु –एक आदमी, एक व्यक्ति ।

फर्दे हिसाब (فرد حساب) फा अ स्त्री –हिसाब का कागज़, चिट्ठा, बीजक, वह कागज़ जिस पर कोई लेन-देन या हिसाब उतारा गया हो ।

फर्फियून (فرفیون) अ स्त्री –थूहड का सुखाया हुआ दूध जो दवा के काम आता है ।

फर्बिही (فربہی) फा स्त्री –मोटापा, मोटापन, स्थूलता ।

फर्बेह (فربہ) फा वि –मोटा-ताज़ा, लहीम-शहीम, स्थूल ।

फर्बेहअदाम (فربہ اندام) फा वि –स्थूलकाय, मोटे-ताज़े शरीरवाला ।

फर्मां (فرماں) फा पु –आज्ञा, शाहीहुक्म, राजादेश, दे 'फर्मान' ।

फर्मांगुज़ार (فرماں گزار) फा वि –शासक, हाकिम, राजा, बादशाह ।

फर्मांगुज़ारी (فرماں گزاری) फा स्त्री –शासन, हुकूमत, राज्य ।

फर्मांदिही (فرماں دہی) फा स्त्री –शासन, हुकूमत, राज्य ।

फर्मांपिज़ीर (فرماں پزیر) फा वि –दे 'फर्मांबरदार' ।

फर्मांफर्मा (فرماں فرما) फा वि –शासक, हुक्म चलानेवाला, राज करनेवाला ।

फर्मांबरदार (فرماں بردار) फा वि –आज्ञाकारी, आज्ञा-पालक, ताबे'दार ।

फर्मांबरदारी (فرماں برداری) फा स्त्री –आज्ञापालन, हुक्म मानना ।

फर्मांरवा (فرماں روا) फा वि –शासक, राजा, बादशाह ।

फर्मांरवाई (فرماں روائی) फा स्त्री –शासन, राज, हुकूमत ।

फर्मा (فرما) फा प्रत्य –फरमानेवाला, जैसे–'हुक्मफर्मा' हुक्म फर्मानेवाला, आज्ञादाता ।

फर्माइश (فرمایش) फा स्त्री –मॉंगना, तलब करना, किसी काम या किसी चीज़ के लिए कहना, कारखाने या दुकान के माल का आर्डर ।

फर्माइशी (فرمایشی) फा वि –जिसकी फर्माइश की गयी हो, जो फर्माइश द्वारा किया गया हो, याचित ।

फर्मान (فرمان) फा पु –राजादेश, शाही हुक्म, आज्ञा, आदेश, हुक्म ।

फर्मूद (فرمودہ) फा वि –उक्त, कहा हुआ, फर्माया हुआ ।

फर्याद (فریاد) फा स्त्री –सहायता के लिए पुकार, दुहाई, नालिश, न्याय-याचना, इस्तिगास, शिकायत, परिवाद, अनुयोग, आर्तनाद, दुःख की आवाज़ ।

फर्यादख्वाह (فریادخواہ) फा वि –नालिशी, न्याय-याचक ।

फर्यादख्वाही (فریادخواہی) फा स्त्री –न्याय-याचना, ज़ुल्म की दादरसी चाहना ।

फर्यादरस (فریادرس) फा वि –फर्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता ।

फर्यादरसी (فریادرسی) फा स्त्री –न्याय करना, फ़र्याद सुनना ।

फ़र्यादशनवा (فریادشنوا) फा वि—फर्याद सुननेवाला।

फरार (فرار) अ वि—पलायन, भागना, शुद्ध उच्चारण 'फिरार' है, परतु उर्दू मे 'फरार' ही है।

फर्राश (فراش) अ वि—वह व्यक्ति जिसके जिम्मे दरवार या मज्लिस आदि मे फर्श आदि विछाने और रोशनी आदि करने का प्रवध हो।

फर्राशखान. (فراش خانہ) अ फा पु—वह मकान जिसमे फर्श वगैरह रखे जाते हो।

फर्राशी (فراشی) अ वि—फर्राश का काम।

फर्रुख़ (فرخ) फा वि—शुभ, कल्याणकारी, सुन्दर, अच्छा।

फर्रुख़क़दम (فرخ قدم) फा अ वि.—जिसका आना शुभान्वित हो, मुवारक पै।

फर्रुख़तबार (فرخ تبار) फा वि—कुलीन, अच्छे खानदान वाला, आर्यभद्र।

फर्रुख़निहाद (فرخ نہاد) फा वि—सत्प्रकृतिवाला।

फर्वरदीन (فروردین) फा पु—पहला ईरानी महीना।

फर्श (فرش) अ पु—विछौना, विछाने की चीज, बडी जगह मे विछायी जानेवाली बडी दरी, समतल भूमि, हमवार जमीन, चौरस गच या सीमेट से पक्की की हुई जमीन, पृथ्वीतल, जमीन की सतह।

फर्शी (فرشی) अ वि—फ़र्श पर रखी जानेवाली चीज, जैसे फर्शी हुक़्क़ा, फर्श से सम्वन्ध रखनेवाली वस्तु।

फर्शे आव (فرش آب) अ फा पु—समुद्र या नदी का तल।

फर्शे खाक (فرش خاک) अ फा पु—पृथ्वी का तल, सत्हे जमीन।

फर्शे गुल (فرش گل) अ फा पु—फूलो का फर्श।

फर्शे जमीं (فرش زمیں) अ फा पु—दे 'फर्शे खाक'।

फर्शे राह (فرش راہ) अ फा पु—जमीन मे विछा हुआ, रास्ते मे विछी हुई, विनम्र, विनीत,—"पाँव रखता हूँ जव मुहब्बत मे, वेकसी फर्शे राह होती है।"—जिगर।

फर्संग (فرسنگ) फा पु—दे 'फर्सख'।

फर्स (فرص) अ पु—काटना, फाडना, चीरना।

फर्सख (فرسخ) अ पु—४००० गज की दूरी, अग्रेजी मील के हिसाव से लगभग सवा दो मील।

फर्सा (فرسا) फा प्रत्य—घटानेवाला, जैसे—'रूह्फर्सा' रूह का कम करनेवाला, घिसनेवाला, जैसे—'जबीफर्सा' माथा रगडनेवाला।

फर्सूद (فرسودہ) फा वि—घिसा हुआ, पुराना, कम, क्षीर्ण, जीर्ण।

फर्सूदःहाल (فرسودہ حال) फा वि—पतले हालोवाला, जिसकी दशा वहुत खराव हो, क्षीण दशावाला।

फर्सूदगी (فرسودگی) फा स्त्री—घिसा-पिसा होना, फटा-पुराना होना।

फर्सूदनी (فرسودنی) फा वि—घिसने के योग्य।

फर्हंग (فرہنگ) फा स्त्री—वुद्धि, विवेक, शुऊर, अक्ल; शब्दकोश, लुगात।

फर्हाद (فرہاد) फा पु—शीरी का प्रेमी जिसने शीरी की आज्ञा से पहाड काटा था और एक कुटनी के धोखा देने से उसने अपना सर फोड लिया और मर गया।

फलक (فلک) अ पु—आकाश, गगन, अवर, व्योम, आस्मान।

फलक़ (فلق) अ स्त्री—सवेरे का उजाला, उषा।

फलक असास (فلک اساس) अ वि—वहुत मजवूत और वहुत वलद।

फलकक़द्र (فلک قدر) अ वि—वहुत वडे रुतवे और पदवीवाला।

फलकजद (فلک زدہ) अ फा वि—आपत्ति मे फँसा हुआ, दशाचक्रग्रस्त।

फलकजनाव (فلک جناب) अ वि—जिसके मकान की चौखट आकाश हो, वहुत वडे मरतवेवाला।

फलकताज (فلک تاز) अ फा वि—आकाश पर धावा वोलनेवाला, वहुत वडा साहसी।

फलकनवर्द (فلک نورد) अ फा वि—आस्मान पर घूमनेवाला, गगनचारी।

फलकपरवाज (فلک پرواز) अ फा वि—आकाश पर उडनेवाला, नभश्चर।

फलकपायः (فلک پایہ) अ फा वि—आकाश जैसी महान् प्रतिष्ठावाला।

फलकपैमा (فلک پیما) अ फा वि—वह व्यक्ति या मडली जो किसी पहाड की चोटी तक पहुँचने के लिए प्रयत्नशील हो, पर्वतारोही।

फलकफर्सा (فلک فرسا) अ फा वि—दे 'फलकपरवाज'।

फलकवारगाह (فلک بارگاہ) अ फा वि—दे 'फलक जनाव'।

फलकवोस (فلک بوس) अ फा वि—आकाश को चूमनेवाला, आकाश को छूनेवाला, गगनचुवी, नभ स्पर्शी।

फलकमआव (فلک مآب) अ वि—वहुत वडी प्रतिष्ठावाला।

फलकमकाम (فلک مقام) अ वि—दे 'फलकमआव'।

फलकमर्तव (فلک مرتبہ) अ वि—अकाश-जैसी प्रतिष्ठावाला, वहुत वडे मरतवेवाला।

फलकरसा (فلک رسا) अ फा वि—दे 'फलकवोस'।

फलकरिकाब (فلک رکاب) अ फा वि –दे. 'फलकमर्तब'।
फलकरिफ़्अत (فلک رفعت) अ वि –दे 'फलकपाय'।
फलकशिकन (فلک شکن) अ फा वि– दे 'फलकशिगाफ'।
फलकशिगाफ (فلک شگاف) अ फा वि –आकाश को छेद डालनेवाला, गगनभेदी।
फलकसरीर (فلک سریر) अ वि –दे 'फलकपाय' जिसका सिंहासन स्वय अकाश हो।
फलकसैर (فلک سیر) अ वि –दे. 'फलकपरवाज़'।
फलकी (فلکی) अ वि –आकाशीय, आस्मानी।
फलकीयात (فلکیات) अ स्त्री –आस्मानो का इल्म, अतरिक्ष विज्ञान, इल्मुल अफ्लाक।
फलकुलअफ्लाक (فلک الافلاک) अ पु –सब आस्मानो से ऊँचा अर्थात् सब आस्मानो के ऊपरवाला आस्मान, नवाँ आकाश।
फलके अत्लस (فلک اطلس) अ पु –सब से ऊपर का आकाश, जो अतलस की भाँति बिलकुल सादा है।
फलके आ'ज़म (فلک اعظم) अ पु –दे 'फलकुल अफ्लाक'।
फलाकत (فلاکت) अ स्त्री –दरिद्रता, निर्धनता, ग़रीबी, मुफ्लिसी।
फलाकतज़दः (فلاکت زدہ) अ फा वि –कगाली का मारा हुआ, दुर्दशाग्रस्त।
फ़लाकतज़दगी (فلاکت زدگی) अ फा स्त्री –कगाली, दुर्दशा, दरिद्रता, गरीबी।
फलाख़न (فلاخن) फा पु –गोफन, जिसमें रखकर ढेला फेंका जाता है।
फ़लातून (فلاطون) अ पु –अफ्लातून का लघु, दे 'अफ्लातून'।
फ़लासग (فلاسنگ) फा पु –फलाखन, गोफन, कानन, वन, जगल, बियाबान।
फलासिफ़ः (فلاسفہ) अ पु –'फ़ल्सफी' का बहु, दार्शनिक-गण, वैज्ञानिकगण, नैयायिकगण।
फलाह (فلاح) अ स्त्री –भलाई, कल्याण, उपकार, नेकी, मोक्ष, निजात।
फलाहत (فلاحت) अ स्त्री –खेती, काश्तकारी।
फलाहतपेश (فلاحت پیشہ) अ फा वि –किसान, कृषक, खेतिहर, काश्तकार।
फलाहे दारैन (فلاح دارین) अ स्त्री –ससार और परलोक दोनो लोको की भलाई।
फलिहज़ा (فلہذا) अ अव्य –बस इस कारण।
फलीत (فلیتہ) तु पु –दे मूल शब्द 'फतील', उर्दू मे बेपढे लोग 'फलीत' भी बोलते हैं।

फल्स (فلس) अ पु –पैसा, तीन पाई का सिक्का, मछली का सिन्ना, शल्क, शकल।
फल्सफ़ः (فلسفہ) अ पु –दर्शनशास्त्र, विज्ञानशास्त्र, न्यायशास्त्र, तर्क, दलील, मतिक, विज्ञान, हिक्मत।
फल्सफ़ दाँ (فلسفہ داں) अ फा पु –फल्सफ जाननेवाला।
फल्सफ़ दानी (فلسفہ دانی) अ फा स्त्री –फल्सफ जानना।
फल्सफियानः (فلسفیانہ) अ अव्य –फल्सफियो-जैसा।
फल्सफी (فلسفی) अ वि –फल्सफ जाननेवाला।
फल्से माही (فلس ماہی) अ फा पु –मछली के सिन्ने, शल्क, शकल।
फल्से हूत (فلس حوت) अ पु –दे 'फल्से माही'।
फवाइद (فوائد) अ पु –'फाइद' का बहु, बहुत से लाभ।
फवाकेह (فواکہ) अ पु –'फाकिह' का बहु, मेवे।
फवाहिश (فواحش) अ प –'फाहिश' का बहु, दुराचार, बुरे काम।
फव्वारः (فوارہ) अ पु –पानी उछालने का एक यत्र, धारायत्र, जलयत्र, फुहारा।
फशार (فشار) फा पु –निचोडना, भीचना, दबाना, मुर्दे को क़ब्र की ज़मीन का भीचना, मुसलमानो के धर्म के अनुसार पापी मनुष्य को क़ब्रें बडे ज़ोर से भीचती है।
फशारे क़ब्र (فشار قبر) फा अ पु –दे 'फशार' न ३।
फशुर्दः (فشردہ) फा वि –निचोडा हुआ।
फशुर्दनी (فشردنی) फा अव्य –निचोडने के लाइक़।
फसक़ः (فسقہ) अ पु –'फ़ासिक' का बहु, दुराचारी लोग।
फसदः (فسدہ) अ पु –'फासिद' का बहु, फसाद करनेवाले, बलवाई, शरारती।
फसाँ (فساں) फा पु –वह पत्थर जिस पर सान रखी जाती है, दे 'फिसाँ', दोनो शुद्ध हैं।
फसाद (فساد) अ पु –दगा, उपद्रव, बल्व, विकार, ख़राबी, विघ्न, बाधा, खलल, साम्प्रदायिक झगडा, फ़िर्क़ावारान मारकाट।
फसादअगेज (فساد انگیز) अ फा वि –उपद्रव मचानेवाला।
फसादअगेज़ी (فساد انگیزی) अ फा स्त्री –उपद्रव करना।
फसादज़द (فسادزدہ) अ फा वि –वह क्षेत्र अथवा स्थान जहाँ कोई दगा या बल्व हो गया हो, बल्व या दगे में हानि उठानेवाला।
फसादज़दगी (فسادزدگی) अ फा स्त्री –बल्व या दगे में प्रभावित होना, नुक्सान उठाना अथवा मारा जाना।
फसादी (فسادی) अ वि –फ़साद करनेवाला, उपद्रवकर्ता।
फसादे ख़ून (فساد خون) अ फा पु –ख़ून की ख़राबी, रक्त-दोष।

फ़सादे मे'द. (فساد معدہ) अ पु –पेट का विकार, हाज़िमे की खराबी, मदाग्नि।

फसादे हज़्म (فساد هضم) अ पु –हाज़िमे अथवा पाचन-शक्ति की खराबी, अजीर्ण, अपच।

फसान' (فسانہ) फा पु –कहानी, कथा, उपन्यास, नाविल, वृत्तात, हाल।

फसान ख़्वाँ (فسانہ خواں) फा वि –कहानी कहनेवाला।

फसानःगो (فسانہ گو) फा वि –दे 'फसान ख़्वाँ'।

फसान'नवीस (فسانہ نویس) फा वि –कहानियाँ लिखने-वाला, उपन्यासकार।

फसान निगार (فسانہ نگار) फा वि –दे 'फसान नवीस'।

फसानए इश्क (فسانۂ عشق) फा अ पु –प्रेम की कहानी, प्रेम मे अपने ऊपर बीता हुआ वृत्तात।

फसानए गम (فسانۂ غم) फा अ पु –गम अर्थात्, प्रेम के गम की कथा।

फसानए दिल (فسانۂ دل) फा पु –प्रेम मे मन की व्यथा का वृत्तान्त।

फसाहत (فصاحت) अ स्त्री –वह लेखन-शैली जिसमें रोजमर्रं के सरल और हलके-फुलके शब्दो का प्रयोग हो और अलकार आदि या तो बिलकुल न हो और हो भी तो बहुत कम और सुन्दर हो।

फसील (فصیل) अ स्त्री –वह दीवार जो नगर के चारो ओर बनायी जाय, वह दीवार जो किले के चारो ओर खीची जाय।

फसीह (فصیح) अ वि –जिसमें फसाहत हो, ऐसा कलाम, जो फसाहत के साथ बातचीत करे, ऐसा व्यक्ति।

फसीहुलबयान (فصیح البیان) अ वि –मँजी हुई सरल और सुन्दर भाषा बोलनेवाला।

फसुर्द' (فسردہ) फा वि –अफसुर्द का लघु, खिन्न, मलिन, उदास, मुरझाया हुआ, ठिठुरा हुआ।

फसुर्द'ख़ातिर (فسردہ خاطر) फा अ वि –जिसका मन उदास हो, खिन्नमनस्क, मलिनचित्त।

फसुर्द.दिल (فسردہ دل) फा वि –दे 'फसुर्द ख़ातिर'।

फसुर्द.रुख़ (فسردہ رخ) फा वि –जिसका चेहरा कुम्हलाया हुआ हो, मलिनमुख।

फसुर्दगी (فسردگی) फा स्त्री –खिन्नता, मलिनता, उदासी, कुम्हलाहट, ठिठुरन।

फस्ख़ (فسخ) अ वि –निश्चय बदल देना, तोड देना।

फस्ख़े अज़ीमत (فسخ عزیمت) अ पु –निश्चय बदल देना, निश्चय-भग, इरादे की तबदीली।

फस्ख़े निकाह (فسخ نکاح) अ पु –विवाह-विच्छेद, विवाह टूट जाना।

फस्ख़े बैअ (فسخ بیع) अ. पु –मोल ली हुई चीज़ का वापस हो जाना।

फ़स्द (فصد) अ स्त्री –रगो से खून निकालना, रक्त-मोचन, रक्त-मोक्षण।

फस्दज़न (فصدزن) अ फा वि –रगो से फस्द के द्वारा ख़ून निकालनेवाला, रक्त-मोक्षक।

फस्ल (فصل) अ स्त्री –ऋतु, समय, मौसिम, किताब का बाब, परिच्छेद, अतर, दूरी, पैदावार, किसी चीज़ के पैदा होने का समय।

फस्ल बफस्ल (فصل بفصل) अ फा अव्य.–हर फस्ल मे।

फस्लानः (فصلانہ) अ फा पु –फस्ल पर दिया जानेवाला हक या नज़ान।

फस्ली (فصلی) अ वि –फस्ल से सम्बन्ध, फस्ल का, किसानो का साल।

फस्ले अबः (فصل انبہ) अ फा स्त्री –आमो की फस्ल।

फस्ले इस्तादः (فصل استادہ) अ फा स्त्री –खडी फस्ल जो अभी काटी न गयी हो।

फस्ले ख़रीफ (فصل خریف) अ स्त्री –हिन्दुस्तान की वह फस्ल जिसमे मक्का, ज्वार, बाजरा और धान आदि उत्पन्न होता है, कतकिहाई।

फस्ले ख़िज़ाँ (فصل خزاں) अ फा स्त्री –पतझड की ऋतु।

फस्ले गर्मा (فصل گرما) अ फा स्त्री –गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।

फस्ले गुल (فصل گل) अ फा स्त्री –वसत ऋतु, बहार का मौसिम।

फस्ले बहार (فصل بہار) अ फा स्त्री –दे 'फस्ले गुल'।

फस्ले बाराँ (فصل باراں) अ फा स्त्री –बरसात का मौसिम, वर्षाकाल।

फस्ले रबीअ (فصل ربیع) अ स्त्री.–वह फसल जिसमें गेहूँ, जौ, चना आदि उत्पन्न होता है, रब्बी।

फस्ले शिता (فصل شتا) अ फा स्त्री –जाडे का मौसिम।

फस्ले सर्मा (فصل سرما) अ फा स्त्री –जाडे का मौसिम, हिमऋतु, शिशिर, शीतकाल।

फस्साद (فصاد) अ पु –रक्त-मोक्षक, रगो से ख़ून निकालने-वाला।

फहीम (فہیم) अ वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, समझदार, विवेकी।

फहुवलमुराद (فهوالمراد) अ वा –तो ठीक है, तो गनीमत है, अगर ऐसा हुआ के बाद यह वाक्य आता है और इस वाक्य के बाद वरन के साथ कोई वाक्य आता है, जैसे—

अगर उसने रुपया दे दिया फहुवलमुराद, वरन मुझे नालिश करनी पड़ेगी।

फह्म (فحم) अ पु –कोयला।

फह्म (فہم) अ स्त्री –बुद्धि, समझ, विवेक, तमीज़।

फह्माइश (فہمائش) फा स्त्री –चेतावनी, हिदायत, तंबीह, आगाही।

फह्मीद. (فہمیدہ) फा वि –समझा हुआ।

फह्मीद (فہمید) फा स्त्री –समझ, बुद्धि, विवेक।

फह्मीदनी (فہمیدنی) फा अव्य –समझने के योग्य।

फह्मे नाक़िस (فہم ناقص) अ स्त्री –कच्ची समझ, नासमझी।

फह्मे सहीह (فہم صحیح) अ स्त्री –ठीक समझ।

फह्ल (فحل) अ पु –नर, पुल्लिग।

फह्हाश (فحاش) अ वि –अश्लील बातें करनेवाला।

फह्हाशी (فحاشی) अ फा स्त्री –अश्लीलता।

फाइक़ (فائق) अ वि –श्रेष्ठ, उत्तम, बढ़िया, जो प्रधान हो, जिसे तर्जीह दी जा सके।

फाइक़तर (فائق تر) अ फा वि –सबसे बढ़िया, सर्वोपरि, सर्वोच्च।

फाइज़ (فائز) अ वि –सफल, कामयाब, पहुँचनेवाला।

फाइज़ (فائض) अ वि –फ़ैज़ देनेवाला, लाभप्रद।

फाइज़ुलमराम (فائزالمرام) अ वि –सफलमनोरथ, मक़्सद में कामयाब।

फाइद (فائدہ) अ पु –लाभ, नफ़ा, प्राप्ति, हुसूल, निष्कर्ष, नतीज, गुण, तासीर, रोगमुक्ति, सेहत।

फाइद बख़्श (فائدہ بخش) अ फा वि –लाभदायक, मुफ़ीद।

फाइद मंद (فائدہ مند) अ फा वि –दे 'फाइद बख़्श'।

फाइद रसाँ (فائدہ رساں) अ फा वि –दे 'फाइद बख़्श'।

फाइद रसानी (فائدہ رسانی) अ फा स्त्री –लाभकारिता, नफ़ा पहुँचाना।

फाइल (فاعل) अ वि –काम करनेवाला, व्याकरण का 'कर्ता', गुदामैथुन-कर्ता।

फाइलीयत (فاعلیت) अ स्त्री –फाइल होना।

फाइले मुख़्तार (فاعل مختار) अ पु –वह कार्यकर्ता जिसे पूरे अधिकार प्राप्त हो।

फाइले हक़ीक़ी (فاعل حقیقی) अ पु –ईश्वर, अस्ली काम करनेवाला।

फ़ाक़ (فاقہ) अ पु –अनशन, निराहार, उपवास, कुछ न खाना, बीमार की गिज़ा का बंद होना।

फ़ाक़ कश (فاقہ کش) अ फा वि –फ़ाके करनेवाला, भूखो मरनेवाला।

फ़ाक़ःकशी (فاقہ کشی) अ फा स्त्री –फ़ाक़े करना, भूखो रहना।

फ़ाक़.ज़दः (فاقہ زدہ) अ फा वि –भूख का मारा हुआ।

फ़ाक.मस्त (فاقہ مست) अ फा वि –जो फ़ाको में भी मस्त रहे।

फ़ाक़ मस्ती (فاقہ مستی) अ फा स्त्री –फ़ाक़ो मे बसर करना।

फ़ाक़ शिकनी (فاقہ شکنی) अ फा स्त्री –फ़ाका तोड़ना, कुछ खाना।

फ़ाक़ (فاق) तु पु –सूफ़ार अर्थात् तीर की चुटकी या तीर का पर, जिधर से तीर धनुष में रखते हैं।

फ़ाक़िद (فاقد) अ वि –खोनेवाला, जो कोई चीज़ खो दे।

फ़ाक़िदुन्नज़र (فاقدالنظر) अ वि –दृष्टिहीन, अंधा, जो अपनी दृष्टि खो चुका हो।

फ़ाक़िदुलबसर (فاقدالبصر) अ वि –नेत्रविहीन, अंधा, जो अपनी आँखें खो चुका हो।

फ़ाकेह (فاکہہ) अ पु –मेवा, हरा मेवा, जैसे–सेब, अनार, अंगूर आदि।

फ़ाकेहात (فاکہات) अ पु –'फ़ाकिह' का बहु, मेवे।

फ़ाख़ित (فاختہ) अ स्त्री –दे 'फ़ाख़्त', उर्दू में यही बोलते हैं।

फ़ाख़िर (فاخرہ) अ वि –अच्छी और बढ़िया चीज़, बहुमूल्य वस्तु।

फ़ाख़िर (فاخر) अ वि –फ़ख़्र करनेवाला, बहुमूल्य चीज़।

फ़ाख़्त (فاختہ) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध पक्षी, पडुक।

फ़ाख़्तई (فاختئی) अ फा वि –फ़ाख़्त-जैसे रंग की वस्तु।

फ़ाज़. (فازہ) फा पु –जँभाई, मुख-व्यादान, जृंभा, अँगड़ाई।

फ़ाज़ कश (فازہ کش) फा वि –जँभाई लेनेवाला, अँगड़ाई लेनेवाला।

फ़ाज़ह्र (فازہر) फा पु –दे 'फ़ादज़ह्र'।

फ़ाजिर (فاجرہ) अ स्त्री –कदाचारिणी, स्वैरिणी, दुश्चरित्रा, बदचलन औरत।

फ़ाजिर (فاجر) अ पु –दुष्टाचारी, दुश्चरित, बदचलन मर्द।

फ़ाज़िल (فاضل) अ वि –जिसने पूरी विद्या पढ़ ली हो, स्नातक, फ़ारिग़ुत्तहसील, अतिरिक्त, फ़ालतू, अधिक, ज़ियादा, बचा हुआ, बाक़ी।

फ़ाज़िलात (فاضلات) अ पु –फ़ाज़िल रुपया, जमा-ख़र्च के बाद बाक़ी बचा हुआ रुपया।

फ़ाज़िले अजल्ल (فاضل اجل) अ वि –बहुत बड़ा फ़ाज़िल, धुरंधर विद्वान्, प्रकाण्ड पण्डित।

फातह: (فاتحه) अ उभ—दे 'फातिह' उर्दू मे दोनो तरह बोलते है।

फातिन (فاطن) अ वि—चतुर, दक्ष, कुशल, दाना, बुद्धिमान्, अक्लमद।

फातिमः (فاطمه) अ स्त्री—वह स्त्री जो दो बरस के बच्चे का दूध छुडा दे, हज़रत मुहम्मद साहिब की सुपुत्री और हज़रत इमाम हुसेन की माता जी।

फातिर (فاتر) अ वि—मद, सुस्त; गुनगुना पानी, विकृत, दूपित, जिसमे फुतूर हो।

फातिर (فاطر) अ वि—सृष्टिकर्ता, ईश्वर।

फातिरुलअक्ल (فاترالعقل) अ वि—पागल, विकृतमस्तिष्क।

फातिरुस्समावात (فاطرالسماوات) अ वि—आकाशो की सृष्टि करनेवाला।

फातिहः (فاتحه) अ उभ—कुरान की पहली सूरत, मुर्दे की नियाज़।

फातिह (فاتح) अ वि—विजेता, जेता, जीतनेवाला, खोलनेवाला।

फातिहए खैर (فاتحۂ خیر) अ फा उभ—फातिह, तिलाजलि।

फातिहान. (فاتحانه) अ फा अव्य—जीतनेवालो की तरह, विजयपूर्ण।

फातिहे आ'ज़म (فاتح اعظم) अ वि—सब से बडा विजेता, महाजयी, दिग्विजयी।

फातिहे आ'लम (فاتح عالم) अ वि—ससार को जीत लेनेवाला, विश्वविजयी।

फातिहे कुल (فاتح کل) अ वि—सब को जीत लेनेवाला, सर्वविजयी।

फ़ातिहे नफ्स (فاتح نفس) अ वि—अपनी इद्रियो को जीत लेनेवाला, जितेन्द्रिय, इद्रियजयी।

फादज़्ह्र (فاد زهر) फा पु—एक ओषधि जो हर प्रकार के विषो की नाशक है, विषहर।

फानी (فانی) अ वि—नश्वर, नाशवान मिट जानेवाला, न रहनेवाला।

फानीज (فانید) अ पु—सफेद शकर, दाना चीनी।

फानूस (فانوس) फा पु—लैम्प की चिमनी, जिसमे से रोशनी छनती है, वह काँच का प्याला-जैसा पात्र जिसमें मोमवत्ती जलती है, आलोचक, निदक, बडी किंदील, कडील।

फानूसे खयाल (فانوس خیال) फा अ पु—एक प्रकार का कागज़ी कडील जिसमें हाथी-घोडे आदि की तस्वीरें घूमती है।

फानूसे खयाली (فانوس خیالی) फा अ पु—दे 'फानूसे खयाल'।

फानूसे गर्दां (فانوس گرداں) फा पु—दे 'फानूसे खयाल'।

फाम (فام) फा पु—रग, समान, मिस्ल, (प्रत्य.) रगवाला, जैसे—'सब्ज़ फाम' हरे रगवाला, समान, जैसे—गुल फाम, फूल-जैसा।

फारः (فاره) अ पु—एक चूहा, मूषक।

फार (فار) अ पु—'फार' का बहु, बहुत से चूहे।

फारां (فاراں) अ पु—'फारान' का लघु, दे 'फारान'।

फारान (فاران) अ पु—एक पहाड।

फारिक़ (فارق) अ वि—दो चीज़ो को अलग करनेवाला।

फारिग़ (فارغ) अ वि—मुक्त, आज़ाद, निश्चिन्त, बेफिक्र, अवकाशप्राप्त, सावकाश, फुर्सत पाया हुआ; जो अपना काम कर चुका हो।

फारिग़ख़ती (فارغ خطی) अ फा स्त्री—रुपया अदा होने की रसीद, ऋणमुक्तिपत्र, तलाकनामा।

फारिग़ुत्तहसील (فارغ التحصیل) अ वि—स्नातक, पारगत, निष्णात, फाज़िल, जिसने सबसे ऊँची डिग्री पा ली हो।

फारिग़ुलख़िदमत (فارغ الخدمت) अ वि—सेवा-मुक्त, जो बुढापे या किसी और कारणवश पेशन पा गया हो।

फारिग़ुलबाल (فارغ البال) अ वि—निश्चिन्त, बेफिक्र, जिसे कोई चिन्ता न हो, समृद्ध, सम्पन्न, आसूद हाल।

फारिस (فارس) अ वि—घुडसवार, अश्वारोही।

फारूक़ (فاروق) अ वि—सच और झूठ में फर्क करनेवाला, सत्य को असत्य से अलग करनेवाला, दे 'फारूके आ'ज़म'।

फारूक़ी (فاروقی) अ वि—शेखो की एक जाति जो हज़रत फारूक के वंशज है, फारूकी शेख।

फारूक़े आ'ज़म (فاروق اعظم) अ वि.—दूसरे खलीफा हज़रत उमर की उपाधि।

फार्स (فارس) फा पु—ईरान, पारसीक।

फार्सी (فارسی) फा स्त्री—ईरान की भाषा।

फार्सीख्वां (فارسی خواں) फा वि—फार्सी बोलनेवाला, फार्सी पढनेवाला, फार्सी पढा हुआ।

फार्सीगो (فارسی گو) फा वि—फार्सी में कविता करनेवाला।

फार्सीदां (فارسی داں) फा वि—फार्सी भाषा जाननेवाला।

फाल (فال) अ स्त्री—सगुन, शकुन।

फालगो (فال گو) अ फा वि—शकुन-विचारक, शकुन बतानेवाला।

फालगोई (فال گوئی) अ फा स्त्री—शकुन बताना।

फालनामः (فال نامه) अ फा पु—वह किताब जिससे फाल देखी जाती है।

फालिज (فالج) अ पु –एक रोग जिसमे आधा शरीर बेकाम हो जाता है, पक्षाघात, अर्धांग, लकवा।

फालिजज़द (فالج زدہ) अ फा वि –जिसे फालिज मार गया हो, अर्द्धांगी।

फालूद (فالودہ) फा पु –एक प्रसिद्ध शर्बत के साथ पी जानेवाली चीज।

फालेज (فالیز) फा स्त्री –तर्बूज या खीरे-ककडी का खेत।

फाले नेक (فال نیک) अ फा स्त्री –अच्छा शकुन, अच्छी अलामत, अच्छे लक्षण।

फाले बद (فال بد) अ फा स्त्री –बुरा शकुन, बुरी अलामत, बुरे लक्षण।

फाल्स (فالسہ) फा पु –एक प्रकार का खट्टा और छोटा फल, परूषक।

फाश (فاش) फा वि –व्यक्त, जाहिर, प्रकट, स्पष्ट, खुला हुआ।

फाशगो (فاش گو) फा वि –स्पष्ट वक्ता, साफ-साफ कहनेवाला, लगी-लिपटी न रखनेवाला।

फाशगोई (فاش گوئی) फा स्त्री –बात साफ-साफ कह देना, कोई झिझक न करना।

फासिक़ा (فاسقہ) अ स्त्री –पापिनी, असाध्वी, व्यभिचारिणी, कुलटा।

फासिक़ (فاسق) अ वि –पापी, गुनाहगार, व्यभिचारी, दुराचारी, हरामकार।

फासिख़ (فاسخ) अ वि –खराब और नष्ट करनेवाला, नष्ट और विकृत होनेवाला।

फासिद (فاسد) अ वि –दूषित, विकृत, खराब, बिगडा हुआ।

फासिदुलअक़ीद (فاسدالعقیدہ) अ वि –जिसका धर्म-विश्वास बिगड गया हो।

फासिल (فاصلہ) अ पु –अतर, दूरी, भेद, फर्क।

फासिल (فاصل) अ वि –अतर डालनेवाला, अलग करनेवाला।

फासिलए दराज (فاصلۂ دراز) अ फा पु –लबी दूरी, लम्बा फासिला।

फाहिश (فاحشہ) अ स्त्री –व्यभिचारिणी, पुश्चली, स्वैरिणी, जघनचपला, पासुला, कुलटा, बधकी, असती, जारिणी, र्धाषणी, भ्रष्टा, लट्वा, वघुरा।

फाहिश (فاحش) अ वि –बहुत अधिक बुरा, लज्जाजनक।

फि

फिंजान (فنجان) अ स्त्री –कहवा पीने की कांच की छोटी पियाली।

फिंदुक (فندق) अ स्त्री –दे 'फुदुक'।

फिक़्दान (فقدان) अ पु –अभाव, नायाबी, बहुत अधिक कमी।

फिक़्र (فقرہ) अ पु –वाक्य, जुम्ला, छल की बात, बहाना, मिष, रीढ का गुरिया, तज, व्यग, कटाक्ष।

फिक़्र तराश (فقرہ تراش) अ फा वि –छल की बात गढनेवाला।

फिक़्र बद (فقرہ بند) अ फा वि –तुकबद।

फिक़्र बदी (فقرہ بندی) अ फा स्त्री –तुकबदी।

फिक़्र बाज (فقرہ باز) अ फा वि –फिक़्रे कसनेवाला, कटाक्ष करनेवाला।

फिक़्र बाजी (فقرہ بازی) अ फा स्त्री –फिक़्र कसना, व्यग करना।

फिक्र (فکر) अ उभ –चिंता, सोच, विचार, ध्यान, शका, शुबहा, खटका, अदेशा, दुख, रज, गौर, विचार, उपाय, तदबीर, पर्वा, चिंता, देख-रेख, खयाल, ध्यान, दुबिधा, एहतिमाल।

फिक्रत (فکرت) अ स्त्री –फ़िक्र।

फिक्रमद (فکرمند) अ फा वि –जिसे किसी बात का खटका हो, चिंतित।

फिक्रमदी (فکرمندی) अ फा स्त्री –चिंता, सोच, खटका।

फिक़्रात (فقرات) अ पु –'फिक़्र' का बहु, जुम्ले, वाक्य-समूह, रीढ के गुरिए।

फिक्रे इमरोज (فکر امروز) अ फा स्त्री –आज की चिंता, हाल की फिक्र।

फिक्रे उक्बा (فکر عقبیٰ) अ स्त्री –परलोक की चिंता।

फिक्रे फर्दा (فکر فردا) अ फा स्त्री –कल की चिंता, आनेवाले समय की फिक्र।

फिक्रे मआश (فکر معاش) अ स्त्री –जीविका की चिंता, रोटी कमाने की फिक्र।

फिक्रे मईशत (فکر معیشت) अ स्त्री –दे 'फिक्रे मआश'।

फिक्रे शे'र (فکر شعر) अ स्त्री –कविता करना, काव्य-रचना मे तन्मयता।

फिक्रे सुख़न (فکر سخن) अ फा स्त्री –दे 'फिक्रे शे'र'।

फिक़्ह (فقہ) अ स्त्री –इस्लामी धर्मशास्त्र।

फिक़्ही (فقہی) अ वि –इस्लामी धर्मशास्त्र सम्बन्धी।

फिगंद (فگندہ) फा वि –'अफगद' का लघु, डाला हुआ, छोडा हुआ, लटकाया हुआ।

फिगन (فگن) फा प्रत्य –डालनेवाला, लटकानेवाला, फैलानेवाला, जैसे—'जल्व फिगन'।

फ़िगार (فگار) फा वि—घायल, आहत, ज़ख्मी, (प्रत्य) ज़ख्म खाया हुआ, आहत, जैसे—'दिलफिगार' जिसका दिल घायल हो अर्थात् प्रेमी।

फ़िगारीं (فگاریں) फा. वि—आहत, ज़ख्मी।

फ़िज़ा (فزا) फा प्रत्य—'अफ्ज़ा' का लघु, बढानेवाला, जैसे—'जाँफिज़ा' ज़िंदगी बढानेवाला।

फ़िज़ाइंदः (فزائندہ) फा वि—बढानेवाला।

फ़िज़ाइश (فزائش) फा. स्त्री—अफ्ज़ाइश, बढोतरी।

फ़िजाजत (فجاجت) अ स्त्री—कच्चापन, खामी।

फ़िज़्ज़ः (فضہ) अ स्त्री—रजत, चाँदी।

फ़ितन (فتن) अ पु—'फ़ित्न' का बहु, फ़ित्ने, दगे, गडबडियाँ, हलचले।

फ़ित्तीन (فتین) अ वि—धूर्त, मक्कार, चालाक, वचक।

फ़ित्नः (فتنہ) अ पु—उपद्रव, दगा, फसाद, विद्रोह, बगावत, बहुत ही नटखट, बहुत ही शरीर, एक इत्र, लगाई-बुझाई करनेवाला, पिशुन, हर्फों का बना हुआ।

फ़ित्न अगेज़ (فتنہ انگیز) अ फा वि—उपद्रव करानेवाला, लोगो को भडकाकर दगा करा देनेवाला, इधर की उधर लगानेवाला, षड्यत्री, साजिशी।

फ़ित्न अगेज़ी (فتنہ انگیزی) अ फा स्त्री—लोगो को भडकाकर आपस मे लडा देना, इधर की उधर लगाना, कोई षड्यन्त्र खडा करना।

फ़ित्न अदाज़ (فتنہ انداز) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अगेज़'।

फ़ित्न.अदाज़ी (فتنہ اندازی) अ फा स्त्री—दे 'फ़ित्न अगेज़ी'।

फ़ित्न.क़द (فتنہ قد) अ वि—बहुत छोटे डील-डौल का माशूक।

फ़ित्न ख़ू (فتنہ خو) अ फा वि—जिसका स्वभाव ही फ़ित्न खडा कर देना हो।

फ़ित्न ख़ेज़ (فتنہ خیز) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अगेज़'।

फ़ित्न.गर (فتنہ گر) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अगेज़'।

फ़ित्न गरी (فتنہ گری) अ फा स्त्री—दे 'फ़ित्न अगेज़ी'।

फ़ित्न.ज़ा (فتنہ زا) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अगेज़'।

फ़ित्न जू (فتنہ جو) अ फा वि—फ़ित्ने तलाश करनेवाला, उपद्रव और षड्यन्त्र के लिए बहाने ढूँढनेवाला।

फ़ित्न परदाज़ (فتنہ پرداز) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अगेज़'।

फ़ित्न परदाज़ी (فتنہ پردازی) अ फा स्त्री—दे 'फ़ित्न अगेज़ी'।

फ़ित्न पर्वर (فتنہ پرور) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अगेज़'।

फ़ित्न शिआर (فتنہ شعار) अ वि—दे 'फ़ित्न ख़ू'।

फ़ित्न सज (فتنہ سنج) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अगेज़'।

फ़ित्नःसामाँ (فتنہ ساماں) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अगेज़'।

फ़ित्नःसामानी (فتنہ سامانی) अ फा. स्त्री—दे 'फ़ित्नः-अगेज़ी'।

फ़ित्नःसिगाल (فتنہ سگال) अ फा वि—दे 'फ़ित्न अगेज़'।

फ़ित्नए आलम (فتنۂ عالم) अ. पु—सारे ससार मे उपद्रव मचानेवाला, अर्थात् मा'शूक।

फ़ित्नए ख़्वाबीदः (فتنۂ خوابیدہ) अ. फा पु—सोया हुआ फ़ित्न, वह विपत्ति जो अभी आयी न हो।

फ़ित्नए दौराँ (فتنۂ دوراں) अ पु—दे 'फ़ित्नए आलम'।

फ़ित्नए रोज़गार (فتنۂ روزگار) अ फा पु—दे 'फ़ित्नए आलम'।

फ़ित्नत (فطنت) अ स्त्री—दक्षता, चतुरता, होशियारी, बुद्धिमत्ता, अक्लमदी।

फ़ित्र (فطرہ) अ पु—वह दान या खैरात जो ईद में नमाज़ से पहले अदा हो।

फ़ित्र (فطر) अ पु—लोगो का रोज़ा खुलवाना, रोज़ा खोलनेवाले लोग।

फ़ित्रत (فطرت) अ स्त्री—प्रकृति, नेचर, स्वभाव, आदत; उत्पत्ति, पैदाइश, धूर्तता, चालाकी, शरारत।

फ़ित्रतन (فطرتاً) अ अव्य—स्वभावत, आदतन।

फ़ित्रती (فطرتی) उ वि—चालाक, धूर्त, शरीर, उत्पाती; बातूनी, झूठी बाते बनानेवाला, प्राकृतिक के अर्थ मे फ़ित्री है।

फ़ित्रते सानियः (فطرت ثانیہ) अ स्त्री—किसी चीज़ की आदत।

फ़ित्राक (فتراک) फा उभ—वह डोरी जो घोडे की ज़ीन में दोनो ओर शिकार या दूसरी चीज़ बाँधने के लिए लगाते है।

फ़ित्री (فطری) अ वि—प्राकृतिक, नैसर्गिक, नेचुरल।

फ़िदा (فدا) अ वि—मुग्ध, आसक्त, आशिक़, न्योछावर, निसार।

फ़िदाई (فدائی) अ फा वि—भक्त, वफादार, आशिक, जाँनिसार।

फ़िदाए क़ौम (فدائے قوم) अ वि—जाति या राष्ट्र के लिए सब कुछ न्योछावर कर देनेवाला, तन, मन, धन से जाति या राष्ट्र की सेवा करनेवाला।

फ़िदाए मिल्लत (فدائے ملت) अ वि—राष्ट्र की सेवा में तन, मन, धन सब कुछ कुर्बान कर देनेवाला।

फ़िदाए हक़ (فدائے حق) अ वि—सत्यता के लिए सब कुछ त्याग देनेवाला, सच्चाई पर वलिदान हो जानेवाला।

फ़िदाकार (فداکار) अ फा वि—फ़िदाई, भक्त।

फिद्‌य (فديه) अ पु—वह धन जो किसी कैदी की मुक्ति के लिए दिया जाय, वह व्यक्ति जो किसी व्यक्ति के वदले मे अपनी जान दे, वह धन जो हिंसक से किसी खून के वदले मे दिलाया जाय, दियत, ईद के दिन की खैरात, फित्र ।

फिद्‌वी (فدوی) अ वि—भक्त, जाँनिसार, प्रार्थी अपने प्रार्थनापत्र में खुद को भी लिखता है।

फिन्नार (فی النار) अ अव्य—'नरक मे जाय' जब कोई दुष्ट व्यक्ति मरता है तो कहते हैं।

फिरक (فرق) अ पु—'फिर्क' का बहु, 'फिर्कें'।

फिराक़ (فراق) अ पु—पृथक्ता, अलाहिद्‌गी, वियोग, जुदाई, ध्यान, धुन, खयाल।

फिरार (فرار) अ पु—पलायन, भागना, दे 'फरार', शुद्ध 'फिरार' है, परन्तु उर्दू मे 'फरार' ही बोलते हैं ।

फिरावाँ (فراواں) फा वि—बहुत अधिक, प्रचुर।

फिरावानी (فراوانی) फा स्त्री—प्रचुरता, बहुलता, अधिकता, इफ़ात ।

फिराश (فراش) अ पु—सोने का फर्श या बिस्तर, सोने के कपडे ।

फिरासत (فراست) अ स्त्री—दक्षता, प्रवीणता, चतुरता, चातुरी, दानाई, किसी बात को देख या सुनकर फौरन ताड जाना, कियाफ, सामुद्रिक।

फिरासतशनास (فراست‌شناس) अ फा वि—कियाफ शनास, सामुद्रिक।

फिरासतुलयद (فراست‌الید) अ स्त्री—हाथ की रेखाओ की विद्या, हस्त सामुद्रिक विद्या।

फिरिश्त (فرشته) फा पु—देवता, सुर, फरिश्त, बहुत ही सज्जन और सरल स्वभाव का व्यक्ति।

फिरिश्त खस्लत (فرشته‌خصلت) फा अ वि—देवताओ-जैसी पुनीत और पावन प्रकृति वाला व्यक्ति, देवतात्मा, देवात्मा ।

फिरिश्त खिसाल (فرشته‌خصال) फा अ वि—दे 'फिरिश्त खस्लत' ।

फिरिश्त·खू (فرشته‌خو) फा वि—दे 'फिरिश्त खस्लत'।

फिरिश्त सिफत (فرشته‌صفت) फा अ वि—जिसमें देवताओ-जैसे गुण हो।

फिरिश्त सीरत (فرشته‌سیرت) फा अ वि—दे 'फिरिश्त खस्लत'।

फिरिश्त सूरत (فرشته‌صورت) फा अ वि—जिसकी सूरत देवताओ-जैसी सुदर और तेजस्वी हो, देवता-स्वरूप।

फिरिस्ताद (فرستاده) फा वि—भेजा हुआ, प्रेषित।

फिरिस्तादनी (فرستادنی) फा अव्य—भेजने योग्य, प्रेष्य।

फिरिस्तिंद· (فرستنده) फा वि—भेजनेवाला, प्रेषक।

फिरेफ्त (فریفته) फा वि—मुग्ध, आसक्त, आशिक़, जो किसी काम मे बहुत ही रुचि रखे।

फिरेब (فریب) फा पु—शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू मे 'फरेब' बोलते हैं, दे 'फरेब'।

फिरोकश (فروکش) फा वि—ठहरा हुआ, मुकीम, अस्थायी रूप मे किसी जगह ठहरनेवाला।

फिरोख्त (فروخته) फा वि—बेचा हुआ, शुद्ध 'फिरोख्त' ही है, परन्तु उर्दू मे 'फरोख्त' है।

फिरोख्त (فروخت) फा स्त्री—बिक्री, बिचवाली, बिक्रीत, बिका हुआ।

फिरोख्तगी (فروختگی) फा स्त्री—बिक्री, फरोख्त।

फिरोगुज़ाश्त (فروگذاشت) फा स्त्री—भूल, गफलत, त्रुटि, कमी, कोताही ।

फिरोतन (فروتن) फा वि—विनीत, विनम्र, आजिज, खाकसार।

फिरोतनी (فروتنی) फा स्त्री—विनम्रता प्रकट करना, खाकसारी बरतना।

फिरोतर (فروتر) फा वि—बहुत नीचे, निम्नतर।

फिरोद (فرود) फा वि—निम्न, नीचा, उर्दू में 'फरोद' भी है।

फिरोदगाह (فرودگاه) फा स्त्री—पथिक के रूप में थोडे दिन ठहरने का स्थान।

फिरोदस्त (فرودست) फा वि—अधीन, मातहत, ज़ेरदस्त।

फिरोदाश्त (فروداشت) फा वि—अत, समाप्ति, अखीर।

फिरोमाद (فرومانده) फा वि—लाचार, विवश, दलित, पामाल, शिथिल, अफ्सुर्द ।

फिरोमादगी (فروماندگی) फा स्त्री—लाचारी, विवशता, दलितपन, पामाली, शिथिलता, अफ्सुर्दगी।

फिरोमाय· (فرومایه) फा वि—अधम, नीच, कमीना, अकुलीन।

फिरोमायगाँ (فرومایگاں) फा पु—'फिरोमाय' का बहु, नीच लोग।

फिरोमायगी (فرومایگی) फा स्त्री—अधमता, नीचता, कमीनगी।

फ़िर्औन (فرعون) अ पु—मिस्र का नरेश जो बडा अत्याचारी था और जो हज़्रत मूसा के शाप से मरा था, बहुत ही अहकारी।

फ़िर्औन मिज़ाज (فرعون مزاج) अ वि—जो फ़िर्औन की तरह अहकारी और घमडी हो।

फ़िर्औनियत (فرعونيت) अ स्त्री—फ़िर्औन-जैसा अभिमानी होना।

फ़िर्औने बेसामाँ (فرعون بےساماں) अ फा पु—ऐसा व्यक्ति जिसके पास कुछ न हो, परन्तु अभिमान बहुत हो।

फ़िर्क़ः (فرقه) अ पु—दल, जमाअत, पार्टी, पक्ष, फरीक, सम्प्रदाय, मज़्हब; जाति, कौम।

फ़िर्क़ःपरस्त (فرقه‌پرست) अ फा वि—साम्प्रदायिकता रखनेवाला, मज़्हबी तअस्सुब रखनेवाला; साम्प्रदायिक भेदभाव फैलाकर आपस मे लडानेवाला।

फ़िर्क़ःपरस्ती (فرقه‌پرستی) अ फा स्त्री—धार्मिक भेदभाव फैलाकर आपस मे लडाना।

फ़िर्क़ःबंद (فرقه‌بند) अ फा वि—जो गुटबंद हो, दलबंद, पार्टीबंद, जो धार्मिक आधारो पर दलबंदी करे।

फ़िर्क़ःबंदी (فرقه‌بندی) अ फा स्त्री—दलबंदी, गुटबंदी, धार्मिक आधार पर गुटबंदी।

फ़िर्क़ःवारानः (فرقه‌وارانه) अ फा अव्य—साम्प्रदायिक, धार्मिक, मज़्हबी, जैसे—'फ़िर्क़ःवाराना' झगडा।

फ़िर्क़ःवारी (فرقه‌واری) अ फा वि—दलबंदी, गुटबंदी, धार्मिक आधार पर गुटबंदी।

फ़िर्क़ःवारीयत (فرقه‌واریت) अ फा स्त्री—दे 'फ़िर्क़ःवारी'।

फ़िर्ज़ीन (فرزین) अ पु—शतरंज का एक मोहरा, वज़ीर।

फ़िर्दौस (فردوس) अ पु—स्वर्ग, नाक, बिहिश्त।

फ़िर्दौसआश्याँ (فردوس آشیاں) अ फा. वि—स्वर्गस्थ, स्वर्गीय।

फ़िर्दौसमंज़लत (فردوس منزلت) अ वि—वह स्थान जो सजावट मे फ़िर्दौस की तरह हो।

फ़िर्दौसमकाँ (فردوس مکاں) अ वि—दे 'फ़िर्दौस आश्याँ'।

फ़िर्दौसी (فردوسی) अ वि—फ़िर्दौस का निवासी, ईरान का एक प्राचीन और महान् कवि जिसने शाहनामा लिखा है, जो फार्सी साहित्य मे सबमे बडा और महत्त्वपूर्ण महाकाव्य है।

फ़िर्दौसेबरीं (فردوس بریں) अ फा पु—सबसे ऊपर का स्वर्ग।

फ़िर्नी (فرنی) फा स्त्री—दूध और चावल के आटे की विशेष खीर।

फ़िलिज़्ज़ (فلز) अ पु—धातु, सोना, चाँदी, लोहा, ताँबा आदि।

फ़िलिज़्ज़ात (فلزات) अ उभ—'फ़िलिज़्ज़' का बहु, धातुए।

फ़िलिज़्ज़ी (فلزی) अ वि—धातु मे बना हुआ, खान से निकला हुआ।

फ़िलअस्ल (فی الاصل) अ अव्य—मूलत, यथार्थत, हकीकत मे, सचमुच।

फ़िलजुम्ल. (فی الجملة) अ अव्य—कुछ-कुछ, थोडा-बहुत, सबमे से कुछ।

फ़िलफ़िल (فلفل) अ स्त्री—मरिच, मिर्च।

फ़िलफ़िलगिर्द (فلفل گرد) अ फा स्त्री—गोल मिर्च, काली मिर्च।

फ़िलफ़िल मोयः (فلفل مویه) अ फा स्त्री—एक ओषधि, पीपलामूल।

फ़िलफ़िल सफ़ेद (فلفل سفید) अ फा स्त्री—सफेद काली मिर्च।

फ़िलफ़िल सियाह (فلفل سیاه) अ फा स्त्री—काली मिर्च।

फ़िलफ़िल सुर्ख़ (فلفل سرخ) अ फा स्त्री—लाल मिर्च।

फ़िलफ़ौर (فی الفور) अ अव्य—तुरत, त्वरित, शीघ्र, फौरन।

फ़िलबदीह (فی البدیه) अ वि—बिना सोचे कही हुई कोई बात जो बहुत ही ठीक, सुदर और चमत्कारपूर्ण हो, बरजस्त।

फ़िलबदीह गो (فی البدیه گو) अ फा वि—तुरत बिना सोचे कविता करनेवाला, आशुकवि, बिना सोचे बोलनेवाला, उपस्थित वक्ता।

फ़िलमसल (فی المثل) अ अव्य—सदृश,-समान, ऐसा, इस प्रकार का।

फ़िलवक़्त (فی الوقت) अ वि—तत्क्षण, तत्काल, उसी समय, फौरन।

फ़िलवाक़े' (فی الواقع) अ वि—दे 'फ़िलअस्ल'।

फ़िलहक़ीक़त (فی الحقیقت) अ वि—दे फ़िलअस्ल'।

फ़िलहाल (فی الحال) अ वि—इस समय, सरेदस्त।

फ़िशाँ (فشاں) फा प्रत्य—छिडकनेवाला, बिखेरनेवाला, जैसे—'ज़रफ़िशाँ' सोना बिखेरनेवाला।

फ़िशाद. (فشاده) फा वि—छिडका हुआ, बखेरा हुआ।

फ़िशादनी (فشادنی) फा वि—छिडकने के काबिल।

फ़िशार (فشار) फा पु—दे 'फ़शार', दोनो शुद्ध हैं।

फ़िशारद (فشارده) फा वि—निचोडा हुआ, चुभोया हुआ।

फ़िशारदनी (فشاردنی) फा वि—निचोडने योग्य, चुभोने योग्य।

फ़िसाँ (فساں) फा पु—दे 'फ़साँ', दोनो शुद्ध है।

फ़िसाल (فصال) अ पु—बच्चे का दूध छुडाना, वियोग, जुदाई, पृथक्ता, अलाहिदगी, 'फ़सील' का बहु, फमीले।

फ़िसोस (فسوس) फा पु—खेल, क्रीडा, परिहास, दिल्लगी,

मनोविनोद, मनोरंजन, तफ़्रीह, फक्कड़पन, शोक, दुःख, अफसोस।

फिस्क़ (فسق) अ पु–दुराचार, कदाचार, दुष्कर्म, बदआ'माली, सच्चाई और सत्य को छोड़ देना।

फिस्क़ोफ़ुजूर (فسق وفجور) अ पु–दुराचार, दुष्कर्म, बदचलनी।

फिस्तक़ (فستق) अ पु–दे 'फुस्तक', दोनो शुद्ध हैं, पिस्ता जो एक प्रसिद्ध मेवा है।

फ़ी

फ़ी (فی) फा स्त्री–छल, फरेब, भेद, रहस्य, त्रुटि, ग़लती।

फ़ी (فی) अ अव्य–में, बीच, जैसे—'फ़ी माबैन' दोनो के बीच मे।

फ़ीअमानिल्लाह (فی امان اللہ) अ वा–ईश्वर की रक्षा मे, अर्थात् ईश्वर रक्षा करे, किसी को विदा करते समय कहते हैं।

फ़ीज़मानिना (فی زماننا) अ वा–हमारे समय मे अर्थात् इस उपस्थित समय मे, साम्प्रत।

फ़ीत (فیتہ) फा पु–कपड़े की लंबी और पतली पट्टी।

फ़ीनफ़्सिही (فی نفسہٖ) अ वि–वह स्वयं, वह अपनी ज़ात से, जैसे—वह फ़ी नफ़सिही बहुत अच्छा है, अर्थात् वह स्वयं बहुत अच्छा है।

फ़ीमाबैन (فی مابین) अ अव्य–दोनो के बीच मे।

फ़ीरोज़ (فیروزہ) फा पु–एक प्रसिद्ध रत्न, हरित मणि।

फ़ीरोज़ (فیروز) फा वि–सफलमनोरथ, कामयाब, शुभान्वित, कल्याणकारी, मुबारक।

फ़ीरोज़बख़्त (فیروز بخت) फा वि–सौभाग्यशाली, खुश-किस्मत।

फ़ीरोज़बख़्ती (فیروز بختی) फा स्त्री–भाग्य की सफलता, खुशकिस्मती।

फ़ीरोज़मंद (فیروزمند) फा वि–सफलकाम, कामराँ, सौभाग्यवान्, खुशनसीब।

फ़ीरोज़मंदी (فیروزمندی) फा स्त्री–कामना की सफलता, कामयाबी, भाग्य की मंदरता खुशनसीबी।

फ़ीरोज़ी (فیروزی) फा वि–फ़ीरोज़े के रंग का, सफलता, कामयाबी।

फ़ील (فیلہ) फा पु–शत्रंज का एक मोहरा, पील।

फ़ील (فیل) फा पु–हाथी, करि, हस्ती, गज, सिंधुर, पीलु, पील।

फ़ीलक़ामत (فیل قامت) फा वि–हाथी-जैसे डील-डौल का।

फ़ीलख़ानः (فیل خانہ) फा पु–हस्तिशाला, हाथीख़ाना।

फ़ीलतन (فیلتن) फा वि–हाथी-जैसे भारी-भरकम शरीरवाला, विशाल देहवाला।

फ़ीलदंदाँ (فیل دنداں) फा पु–हाथी जैसे दाँतोवाला।

फ़ीलनशीं (فیل نشیں) फा वि–जिसके दरवाज़े पर हाथी बँधा हो, जो हाथी पर चढता हो, पहले समय में यह बडी इज्ज़त की चीज थी।

फ़ीलपा (فیل پا) फा पु–एक रोग जिसमे पाँव सूजकर बहुत मोटे हो जाते हैं, श्लीपद, शिलीपद, पादगंडिर।

फ़ीलपायः (فیل پایہ) फा पु–चूने या सीमेंट या पत्थर का मोटा और बडा स्तंभ, खंभा।

फ़ीलबान (فیل بان) फा पु–हाथी चलानेवाला, हस्तिपक, अंकुशग्रह, निषादी।

फ़ीलबाराँ (فیل باراں) फा पु–बरसात की अंतिम वर्षा (हथिया या हस्त नक्षत्र)।

फ़ीलमुर्ग़ (فیل مرغ) फा पु–अमरीका का एक बहुत बडा पक्षी जो 'पीरू' के राष्ट्र में पाया जाता है।

फ़ीलसवार (فیل سوار) फा वि–हाथी पर बैठा हुआ, हस्त्यारूढ।

फ़ीसद (فی صد) फा वि–दे 'फ़ीसदी'।

फ़ीसदी (فی صدی) फा वि–प्रतिशत, फ़ीसद, जैसे—'बीस फ़ीसदी' यानी सौ मे बीस।

फ़ीसबीलिल्लाह (فی سبیل اللہ) अ वा–ईश्वर की राह मे, ईश्वर के नाम पर, ईश्वर के लिए।

फ़ु

फ़ुंदुक़ (فندق) अ स्त्री–छोटे बेर के बराबर लाल रंग का एक मेवा।

फ़ुआक़ (فواق) अ स्त्री–हिचकी का रोग, हिक्का।

फ़ुआद (فواد) अ पु–हृदय, दिल।

फ़ुक़रा (فقرا) अ पु–'फ़कीर' का बहु; फ़कीर लोग।

फ़ुक़हा (فقہا) अ पु–'फ़कीह' का बहु, बहुत से फ़कीह।

फ़ुक़्क़ाअ (فقاع) अ स्त्री–चावलो की मदिरा, जो नशा लाती है, एक नशा न लानेवाली शराब, शीशा, पियाला, कूज़, बुल्बुला, हबाब।

फ़ुकाहत (فکاہت) अ स्त्री–मनोविनोद, मनोरंजन, दिलबहलाव, खुशतब्ई।

फ़ुक़्दान (فقدان) अ पु–अभाव, बिलकुल न प्राप्त होना, बहुत कमी, दे 'फ़िक़्दान', दोनो शुद्ध हैं।

फ़ुक़्दाने ग़ैरत (فقدان غیرت) अ पु–स्वाभिमान की कमी या अभाव, निर्लज्जता।

फुक़्दाने हया (فقدان حیا) अ पु–लज्जा का अभाव, निर्लज्जता।

फुग़ (فغ) फा पु–मूर्ति, प्रतिमा, बुत, दे 'फग', दोनो शुद्ध है।

फुग़ाँ (فغاں) फा स्त्री–आर्तनाद, नाला, दुहाई।

फुग़ानी (فغانی) फा वि–दुहाई देनेवाला, चिल्लानेवाला, नाला करनेवाला, एक ईरानी शाइर।

फुज़ला (فضلا) अ पु–'फाजिल' का बहु, विद्वज्जन, पडित लोग।

फुज़ूँ (فزوں) फा वि–अफ्ज़ूँ का लघु, अधिक, प्रचुर, बहुत, जियादा।

फुज़ूदः (فزودہ) फा वि–'अफ्ज़ूद' का लघु, अधिक किया हुआ, बढाया हुआ।

फुज़ूनी (فزونی) फा स्त्री–'अफ्ज़ूनी' का लघु, अधिकता, प्रचुरता, बहुतात।

फुजूर (فجور) अ पु–पाप, गुनाह, व्यभिचार, दुराचार, हरामकारी।

फुज़ूल (فضول) अ वि–व्यर्थ, बेकार, निरर्थक, बेमतलब, निकम्मा, फिज़ूल।

फुज़ूलख़र्च (فضول خرچ) अ फा वि–बेकार मे रुपया खर्च करनेवाला, अपव्ययी।

फुज़ूलख़र्ची (فضول خرچی) अ फा स्त्री–बेकार मे रुपया खर्च करना, अपव्यय।

फुज़ूलगो (فضول گو) अ फा वि–बेकार की बाते बनानेवाला, वाचाल, मिथ्यावादी, चित्रजल्पी।

फुज़ूलगोई (فضول گوئی) अ फा स्त्री–बेकार की बाते बनाना, वाचालता, मिथ्यावाद, चित्रजल्प।

फुज़ूली (فضولی) अ वि–वह व्यक्ति जो बेकार के काम करता फिरे, मिथ्याभापी, फुज़ूल आदमी।

फुज़ूलीयात (فضولیات) अ पु–फुजूल और निरर्थक बाते।

फुज्जार (فجار) अ पु–'फाजिर' का बहु, पापी लोग, व्यभिचारी लोग।

फुज़्ल (فضلہ) अ पु–जूठन, बचा हुआ खाना, विष्ठा, पुरीष, गू, फोक, वह चीज जो किसी पदार्थ से रस आदि निकाल लेने पर बचती है, जैसे—मूली के पत्तो का अरक निकालकर उसका फोक या फुज़्ल।

फुज़्लात (فضلات) अ पु–'फुज़्ल' का बहु, 'फुज़्ले'।

फुताद (فتادہ) फा वि–गिरा हुआ, पडा हुआ।

फुतादगी (فتادگی) फा स्त्री–गिरा हुआ होना, पडा हुआ होना।

फुतादनी (فتادنی) फा वि–गिरने के योग्य।

फुतुव्वत (فتوت) अ स्त्री–वीरता, शूरता, बहादुरी, शील, मुरुव्वत।

फुतूर (فتور) अ पु–विकार, दोप, खराबी, शरारत, उत्पात।

फुतूरे अक़्ल (فتور عقل) अ पु–बुद्धि-विकार, अक्ल की खराबी।

फुतूरे दिमाग (فتور دماغ) अ पु–मस्तिष्क-दोप, दिमाग की खराबी, बुद्धि-दोप, अक्ल की खराबी।

फुतूरे हज़्म (فتور ہضم) अ पु–मदाग्नि, हाज़िम का बिगाड।

फुतूह (فتوح) अ स्त्री–प्राप्ति, लाभ, फाइदा, हुसूल, समृद्धि, उन्नति, कुशाइश, ऊपर की आय, 'फतह' का बहु, जीते।

फुतूहात (فتوحات) अ स्त्री–'फुतूह' का बहु, प्राप्तियाँ, लाभ।

फुतूही (فتوحی) उ स्त्री–बिना आस्तीनो की बडी।

फुनून (فنون) अ पु–'फन' का बहु, 'कलाएँ'।

फुनूने लतीफ़ः (فنون لطیفہ) अ पु–ललित कलाएँ।

फुयूज़ (فیوض) अ पु–'फैज़' का बहु, फैयाज़ियाँ, बख्शिशे।

फुरात (فرات) फा स्त्री–इराक की नदी जिसके किनारे हज्रत इमाम हुसैन कर्बला मे शहीद हुए।

फुरादः (فرادیٰ) अ वि–'फर्द' का बहु, एक-एक करके, अलग-अलग।

फुरुश (فرش) अ पु–'फिराश' का बहु, बिछौने, बिस्तरे।

फुरूअ (فروع) अ स्त्री–'फर्अ' का बहु, शाखाएँ, मूल वस्तु से निकली हुई वस्तुएँ।

फुरूक़ (فروق) अ पु–दो वस्तुओ मे फर्क करना।

फुरूज (فروج) अ स्त्री–'फर्ज' का बहु, भग, योनियाँ।

फुरूश (فروش) अ पु–'फर्श' का बहु, बहुत से फर्श।

फुरोग़ (فروغ) फा पु–दे 'फरोग', शुद्ध 'फुरोग' है, परतु उर्दू मे 'फरोग' भी बोलते है।

फुरोज़ (فروز) फा प्रत्य–रौशन करनेवाला, जैसे—'दिल फुरोज़' दिल को रौशनी देनेवाला।

फुरोज़ाँ (فروزاں) फा वि–प्रकाशमान्, रौशन।

फुरोज़िंद (فروزندہ) फा वि–प्रकाशक, उज्ज्वल करनेवाला, चमकानेवाला।

फुरोद (فرود) फा वि–निम्न, नीचे।

फरोदगाह (فرودگاہ) फा स्त्री–दे 'फरोदगाह', उर्दू मे वही बोलते है।

फुर्क़त (فرقت) अ स्त्री–वियोग, विरह, जुदाई, फिराक।

फुर्क़तज़द (فرقت زدہ) अ फा वि–विरहग्रस्त, वियोगी, विरह-पीडित।

फुर्कतनसीब (فرقت نصیب) अ वि –जिसके भाग्य में जीवन भर वियोग ही वियोग हो।

फुर्कान (فرقان) अ पु –कुर्आन।

फुर्ज (فرجہ) अ पु –अवकाश, छुट्टी, फुर्सत, शिगाफ, फटन।

फुर्जजू (فرجہ جو) अ फा वि –फुर्सत ढूंढनेवाला, छुट्टी का वक्त तलाश करनेवाला।

फुर्सत (فرصت) अ स्त्री –अवकाश, छुट्टी, संतोष, इत्मीनान, मुक्ति, नजात, निवटारा, फरागत।

फुर्सततलब (فرصت طلب) अ वि –जिसके लिए फुर्सत की जरूरत हो, जो फुर्सत में इत्मीनान से हो सके।

फुर्सते जीस्त (فرصت زیست) अ फा स्त्री –जीवन-काल, जिंदगी का जमाना।

फुलाँ (فلاں) अ पु –अमुक, फलाना।

फुलूस (فلوس) अ पु –'फल्स' का बहु, पैसे।

फुल्क (فلکہ) अ पु –चर्खे के तकले में लगायी जानेवाली चमड़े की गोल टिकिया, खेमे के बाँसों में लगायी जानेवाली गोल टिकली।

फुल्क (فلک) अ स्त्री –नाव, नौका, किश्ती।

फुव्व (فوہ) फा पु –मजीठ, एक लकड़ी जो रंग के काम आती है।

फुशुर्द (فشردہ) फा वि –निचोड़ा हुआ, अफशुर्द का लघु।

फुशुर्दनी (فشردنی) फा वि –निचोड़ने योग्य, निचोड़े जाने के लाइक।

फुसहा (فصحا) अ पु –'फसीह' का बहु, फसीह लोग।

फुसहाए वक्त (فصحائے وقت) अ पु –अपने समय के सारे 'फसीह' व्यक्ति।

फुसूँ (فسوں) फा पु –'अफ्सूँ' का लघु, जादू, माया-कर्म, इंद्रजाल, शावद बाजी।

फुसूँकार (فسوں کار) फा वि –दे 'फुसूँगर'।

फुसूँगर (فسوں گر) फा वि –जादूगर, मायावी।

फुसूँतराज (فسوں طراز) फा वि –दे 'फुसूँगर'।

फुसूँसाज (فسوں ساز) फा वि –दे 'फुसूँगर'।

फुसूल (فصول) अ स्त्री –फस्ल का बहु, ऋतुएँ, पुस्तक के परिच्छेद।

फुसोस (فسوس) फा पु –अफसोस का लघु, शोक, अफसोस, दु:ख, पछतावा, पश्चात्ताप।

फुस्तक (فستق) अ पु –पिस्ता जो एक प्रसिद्ध मेवा है।

फुस्साक (فساق) अ पु –'फासिक' का बहु, दुराचारी लोग।

फुसहत (فسحت) अ स्त्री –मकान की लंबाई-चौड़ाई, विस्तार, वुसअत।

फू

फूत (فوطہ) अ पु –तौलिया, अँगौछा।

फूफल (فوفل) अ स्त्री –सुपारी, छालिया, दे 'फौफल', दोनों शुद्ध हैं।

फूफलतराश (فوفل تراش) अ फा पु –सुपारी काटने का यंत्र, सरौता।

फूम (فوم) अ पु –लहसुन, लशुन, गेहूँ, गोधूम।

फे

फे'ल (فعل) अ पु –कार्य, काम, क्रिया, वर्ब, कृत्य, कर्म, अमल, बुरी हरकत, बुरा कर्म।

फे'लन (فعلاً) अ अव्य –अमल और कर्म से, कर्मणा।

फे'ले अबस (فعل عبث) अ पु –व्यर्थ का काम, निरर्थक कार्य, जिस काम में कोई लाभ न हो।

फे'ले जाइज (فعل جائز) अ पु –अच्छा काम, ठीक काम, जिसके करने में न कोई हानि हो न किसी को आपत्ति।

फे'ले नाक़िस (فعل ناقص) अ पु –अपूर्ण क्रिया।

फे'ले नाजाइज (فعل ناجائز) अ पु –वह काम जो उचित न हो, जिसके करने में हानि भी हो और आपत्ति भी, हरामकारी, व्यभिचार।

फे'ले नाशाइस्त: (فعل ناشائستہ) अ फा पु –अश्लील और फुह्श काम, व्यभिचार, हरामकारी।

फे'ले बद (فعل بد) अ फा पु –बुरा काम, दुराचार, व्यभिचार, हरामकारी।

फे'ले मक्रूह (فعل مکروہ) अ पु –वह काम जिसके करने में तबीअत घिन करे।

फे'ले मज्हूल (فعل مجہول) अ पु –वह क्रिया जिसका कर्ता ज्ञात न हो।

फे'ले मा'रूफ (فعل معروف) अ पु –वह क्रिया जिसका कर्ता ज्ञात हो।

फे'ले मुतअद्दी (فعل متعدی) अ पु –सकर्मक क्रिया।

फे'ले लाजिम (فعل لازم) अ पु –अकर्मक क्रिया।

फे'ले शनीअ (فعل شنیع) अ पु –दे 'फेले बद', कुकर्म।

फेहरिस्त (فہرست) अ स्त्री –सूचीपत्र, सूची।

फेहरिस्ते मजामीन (فہرست مضامین) अ स्त्री –विषय-सूची, किताब के सारे मज्मूनों की सूची।

फै

फैज (فیض) अ पु –दानशीलता, फैयाजी, लाभ, नफा, उपकार, भलाई, यश, कीर्ति।

फैज़गुस्तर (فیض گستر) अ फा वि–यशस्वी, कीर्तिमान्, वदान्य, फैयाज़, मुक्तहस्त।

फैज़तलब (فیض طلب) अ वि–जो किसी से यश की याचना करता हो, यशोलिप्सु, यशस्काम।

फैज़बख़्श (فیض بخش) अ फा वि–यश देनेवाला, दान देनेवाला, बख़्शिश करनेवाला।

फैज़मआब (فیض مآب) अ. वि–यशस्वी, कीर्तिमान्, फैयाज़, वदान्य।

फैज़याब (فیض یاب) अ. फा वि–जिसने फैज पाया हो, प्राप्त-यश, प्राप्त-लाभ।

फैज़यावी (فیض یابی) अ फा स्त्री–फैज पाना, यश पाना, लाभ उठाना।

फैज़रसाँ (فیض رساں) अ फा वि–दे 'फैज़बख़्श'।

फैज़रसानी (فیض رسانی) अ फा स्त्री–फैज़ पहुँचाना, यश देना।

फैज़रसी (فیض رسی) अ फा स्त्री–यश देना।

फैज़ान (فیضان) अ पु–दे 'फैज़'।

फैज़े आम (فیض عام) अ पु–ऐसी बख़्शिश और ऐसा यश जो सर्वसाधारण के लिए हो।

फैयाज़ (فیاض) अ वि–बहुत देनेवाला, सख़ी, दाता, मुक्तहस्त, वदान्य।

फैयाज़तरीन (فیاض ترین) अ फा वि–सब से अधिक बख़्शिश करनेवाला, वदान्यतम।

फैयाज़ी (فیاضی) अ स्त्री–बख़्शिश, दानशीलता, सख़ावत।

फैलसूफ (فیلسوف) अ पु–वैज्ञानिक, विद्वान्, धूर्त, छली, वंचक।

फैसल॰ (فیصلہ) अ पु–निर्णय, तै, समझौता, तस्फिया, अंत, ख़ातिमा, न्याय, इंसाफ।

फैसल॰तलब (فیصلہ طلب) अ वि–जिसका फैसला होना ज़रूरी हो, जिसका निर्णय होना बाकी हो।

फैसल (فیصل) अ वि–निर्णीत, तै, निर्णय, फैसला।

फो

फोत (فوتہ-فوطہ) फा पु–लगान, महसूल, भूमि-कर, अंडकोश, पोता।

फोतख़ान (فوتہ خانہ) फा पु–कोषागार, लगान का रुपया रखने का घर।

फोतदार (فوتہ دار) फा पु–खजानची, तहसीलदार, पोतदार।

फौ

फौक (فوق) अ वि–ऊपर, सिरे पर, प्रधानता, तरजीह।

फौकज़्ज़िक्र (فوق الذکر) अ वि–जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका हो, उपर्युक्त।

फौकलआदत (فوق العادت) अ वि–प्रकृति के विरुद्ध।

फौकानी (فوقانی) अ वि–ऊपर नुक्ते रखनेवाला अरबी-फार्सी या उर्दू का अक्षर।

फौकियत (فوقیت) अ स्त्री–प्रधानता, तरजीह, श्रेष्ठता, उत्तमता, बड़प्पन।

फौकी (فوقی) अ वि–ऊपरवाला, ऊपरी।

फौज (فوج) अ स्त्री–सेना, बल, वाहिनी, अनीकिनी, वरूथिनी, चमू, अनीक, लश्कर।

फौज़ (فوز) अ पु–कल्याण, भलाई, सफलता, कामयाबी।

फौजकशी (فوج کشی) अ फा स्त्री–दुश्मन के मुल्क पर चढ़ाई, युद्धयात्रा।

फौजदारी (فوج داری) अ फा स्त्री–वह न्यायालय जिसमे लड़ाई-झगड़े और कत्ल, ख़ून के केस हो, मारपीट, लाठी या हथियार की लड़ाई।

फौजी (فوجی) अ वि–फौज का जवान, सैनिक, फौज का, सेना का, सेना से सम्बद्ध।

फौज़े अज़ीम (فوز عظیم) अ पु–बहुत बड़ी सफलता।

फौजे बर्री (فوج بری) अ स्त्री–वह सेना जो ज़मीन पर लड़े।

फौजे बह्री (فوج بحری) अ स्त्री–वह सेना जो समुद्र मे जहाजो की लड़ाई लड़े, जलसेना।

फौजे हवाई (فوج ہوائی) अ फा स्त्री–वह सेना जो वायु-यानो द्वारा लड़े, वायुसेना।

फौज़ोफलाह (فوز و فلاح) अ स्त्री–उन्नति और भलाई।

फौत (فوت) अ वि–मरण, मृत्यु, मौत, मृत, मरा हुआ।

फौती (فوتی) अ वि–मरने से सम्बन्ध रखनेवाला।

फौतीनाम. (فوتی نامہ) अ फा–वह रजिस्टर जिसमे मरनेवालो का नाम, उम्र, तारीख़ आदि लिखी जाती है।

फौफल (فوفل) अ स्त्री–सुपारी, छालिया, दे 'फूफल', दोनो शुद्ध है।

फौर (فور) अ वि–फौरन, तुरत, उर्दू मे अकेला नही बोला जाता, 'फिल फौर' बोलते है।

फौरन (فوراً) अ वि–तुरत, तत्क्षण, त्वरित, शीघ्र, सद्य, उसी क्षण, उसी समय।

फौरान (فوران) अ पु–आवेग, जोश, तीव्रता, तेजी।

फौरी (فوری) अ वि—शीघ्र, त्वरित, फौरन, अर्जंट, अतिपाती।

फौलाद (فولاد) अ पु—अस्ली लोहा, लोहसार, कांतिसार।

फौलादी (فولادی) अ वि—फौलाद का बना हुआ, लोहमय, फौलाद का, लौहिक।

ब

बंग (بنگ) फा स्त्री—भाँग, भंग, विजया, एक प्रसिद्ध मादक बूटी।

बंगनोश (بنگ نوش) फा वि—भाँग पीनेवाला, भंगड।

बंगफरोश (بنگ فروش) फा पु—भाँग बेचनेवाला, भंग का ठेकेदार।

बंगिश (بنگش) फा पु—पठानो की एक जाति-विशेष।

बंज (بنج) अ स्त्री—अजवाइन खुरासानी, एक दवा।

बंदः (بندہ) फा पु—दास, गुलाम, अधीन, वशीभूत, ताबे', मनुष्य, आदमी, भक्त, फिदाई, आज्ञाकारी, उपासक, इबादत करनेवाला, नम्रता दिखाने के लिए वक्ता अपने लिए भी कहता है।

बंद:ज़ाद (بندہ زادہ) फा पु—अपना लडका, बडे आदमी से अपने लडके के लिए कहते है।

बंद:नवाज़ (بندہ نواز) फा वि—अपने सेवको और भक्तो पर दया करनेवाला, भक्त-वत्सल।

बंद नवाज़ी (بندہ نوازی) फा स्त्री—अपने सेवको और भक्तो पर कृपादृष्टि।

बंद पर्वर (بندہ پرور) फा वि—दे 'बंद नवाज़'।

बंद पर्वरी (بندہ پروری) फा स्त्री—दे बंद नवाज़ी।

बंद (بند) फा पु—अंग का जोड, कारावास, कैद, फंदा, पाश, मेंड, पुश्ता, पेच, दाँव, रोक, रुकावट, गाँठ, गिरिह, ग्रंथि, बंद किया हुआ, ढँका हुआ, कविता मे 'मुसद्दस' या 'मुखम्मस' की एक कडी जिसमे छ अथवा पाँच मिस्रे होते है, 'तर्कीबबंद' या 'तर्जीअबंद' का एक भाग जिसमे कई शे'र होते है, (प्रत्य) बँधा, जैसे—'पाबंद' जिसके पाँव बँधे हो, बाँधनेवाला, जैसे—'नालबंद' नाल बाँधनेवाला।

बंदए आज़ाद (بندۂ آزاد) फा पु—वह सेवक जो सेवा-मुक्त कर दिया गया हो।

बंदए आजिज़ (بندۂ عاجز) फा अ पु—वक्ता अपने लिए कहता है अर्थात् बहुत ही विनीत और विवश सेवक।

बंदए इश्क़ (بندۂ عشق) फा अ पु—प्रेम का बंदा, प्रेमिका का भक्त।

बंदए ख़ुदा (بندۂ خدا) फा. पु—ईश्वर का बंदा, ईश्वर का उपासक, मनुष्य, व्यक्ति।

बंदए ज़र (بندۂ زر) फा पु—रुपये का बंदा, धनोपासक।

बंदए दरगाह (بندۂ درگاہ) फा पु—किसी महान् व्यक्ति का परम भक्त।

बंदए दिरम (بندۂ درم) फा पु—दे. 'बंदए ज़र'।

बंदए नाचीज़ (بندۂ ناچیز) फा पु—दे. 'बंदए आजिज़'।

बंदए बेज़र (بندۂ بےزر) फा पु—वह भक्त या दास जो बिना ख़रीदे ही भक्त या दास हो।

बंदए बेदाम (بندۂ بےدام) फा पु—वह व्यक्ति जो परम भक्त हो अर्थात् बग़ैर फंदे और जाल के ही प्रेमपाशाबद्ध।

बंदए मिस्कीं (بندۂ مسکین) फा अ पु—दे 'बंदए आजिज़'।

बंदए मुख़्लिस (بندۂ مخلص) फा अ. पु—वह भक्त जो बहुत ही श्रद्धापूर्वक सेवा करे।

बंदए शिकम (بندۂ شکم) फा पु—पेट का बंदा, पेट का कुत्ता, उदर-कृमि।

बंदए हल्क़:बगोश (بندۂ حلقہ بگوش) फा अ पु—वह दास जिसके कानो में दासता का कुंडल पडा हो।

बंदगी (بندگی) फा स्त्री—प्रणाम, सलाम, दासता, गुलामी, उपेक्षा, इज्तिनाब, विनम्रता, इन्किसारी, पूजा, उपासना, इबादत, आज्ञापालन।

बंद बंद (بند بند) फा पु—शरीर का एक-एक जोड।

बंदर (بندر) अ पु—समुद्रतट, साहिल, बंदरगाह, पोर्ट।

बंदिश (بندش) फा. स्त्री—ग्रंथि, गाँठ, गिरिह, षड्यंत्र, साज़िश, पेशबंदी, पुरश्चरण, रोक, रुकावट, प्रतिबंध, मनाही, बनावट, साख्त, बाँधने का काम।

बंदिशे अल्फ़ाज़ (بندش الفاظ) फा अ स्त्री—गद्य या पद्य मे शब्दो का यथास्थान उपयोग तथा शुद्ध और चमत्कारपूर्ण विन्यास।

बंदिशे इबारत (بندش عبارت) फा अ स्त्री—दे 'बंदिशे अल्फ़ाज़'।

बंदिशे मज़्मून (بندش مضمون) फा अ स्त्री—किसी प्रबंध या मज़्मून का नैसर्गिक और मन को लगनेवाला बयान।

बंदी (بندی) फा वि—कैदी, कारावासी।

बंदीख़ान: (بندی خانہ) फा पु—कैदख़ाना, कारावास।

बंदूक़ (بندوق) अ स्त्री—गोली चलाने का प्रसिद्ध यंत्र, शतघ्नी।

बंदूक़ची (بندوقچی) अ फा पु—बंदूक़ चलानेवाला, निशानची, निशान बाज़, लक्ष्यभेदी।

बंदूक़साज़ (بندوق ساز) अ फा पु—बंदूक़ बनानेवाला, बंदूको की मरम्मत करनेवाला।

बंदे क़बा (بند قبا) फा अ पु—क़बा या कुर्ते की घुंडी, चोली की गाँठ, "गुंचों से कहियो आये चमन में पुकार के, बंदे क़बा खुले हैं उरूसे बहार के।"

बंदे ग़म (بند غم) फा अ पु—दुःख का फंदा, प्रेम का फंदा।

बंदे दस्त (بند دست) फा पु—पहुँचा, हाथ और कलाई के बीच का जोड़।

बंदे दाम (بند دام) फा. पु—जाल का फंदा।

बंदे निक़ाब (بند نقاب) फा अ पु—बुर्क़े की गिरिह।

बंदोकुशाद (بندوکشاد) फा पु—खोलना और बंद करना, अर्थात् प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम।

बंदोबस्त (بندوبست) फा. पु—प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम; खेतों की हदबंदी, उनकी मालगुज़ारी का निर्णय और उनके नंबर आदि की व्यवस्था जो नये सिरे से हो।

बंदोबस्ते आरिज़ी (بندوبست عارضی) फा अ पु—कृषि सम्बन्धी वह बंदोबस्त जो चंद वर्षों के लिए हो, स्थायी न हो।

बंदोबस्ते इस्तिम्रारी (بندوبست استمراری) फा अ पु—दे 'बंदोबस्ते दवामी'।

बंदोबस्ते दवामी (بندوبست دوامی) फा अ पु—खेतों और ज़मीनों का वह बंदोबस्त जो एक बार हो जाय और फिर कभी न बदले, जैसे—बंगाल का बंदोबस्त।

ब अक़्सात (با قساط) फा अ. अव्य—क़िस्तों में करके, थोड़ा-थोड़ा करके, कई बार में।

ब अदब (با دب) फा अ अव्य—नम्रता और आदर के साथ, आदरपूर्वक।

ब अल्फ़ाज़े दीगर (با لفاظ دیگر) फा. अ अव्य—दूसरे शब्दों में, दूसरे प्रकार से।

ब अहसने वुजूह (باحسن وجوہ) फा अ अव्य—बहुत अच्छे प्रकार से, सुंदर रूप से।

ब आज़ादी (بآزادی) फा अव्य—स्वतंत्रता के साथ, [illegible] रूप से।

ब आबोताब (بآب وتاب) फा. अव्य—चमक-दमक के साथ, शानो-शौकत के साथ।

ब आराम (بآرام) फा अव्य—आराम से, इत्मीनान से, [illegible] से, सुगमता से, [illegible] से।

ब आसाइश (بآسائش) फा अव्य—दे 'ब आराम'।

ब आसानी (بآسانی) फा अव्य—सुगमतापूर्वक, सरलता [illegible]।

ब आसूदगी (بآسودگی) फा अव्य—सुख-चैन से [illegible], आराम से, सुगमता से।

ब इत्मिनाने ख़ातिर (باطمینانِ خاطر) फा [illegible]।

ब इख़्तिसार (باختصار) फा अ अव्य—संक्षेप में, संक्षिप्त रूप से।

ब इज़्ज़तो एहतिराम (بعزت و احترام) फा अ अव्य—पूरे संमान के साथ, पूरे आदर-सत्कार के साथ, पूर्ण प्रतिष्ठा तथा सम्मान-सहित।

ब इत्तिफ़ाक़े राय (باتفاق رائے) फा अ अव्य—सबकी सहमति से, सर्वसम्मति से।

ब इत्मीनान (باطمینان) फा अ अव्य—दे 'ब आराम'।

ब इफ़्रात (بافراط) फा अ अव्य—अत्यधिक, बहुत ज़ियादा, ज़रूरत और आवश्यकता से अधिक।

ब इवज़ (بعوض) फा अ अव्य—बदले में, इवज़ में।

बईर (بعیر) अ पु—उष्ट्र, ऊँट।

ब उजलत (بعجلت) फा अ अव्य—शीघ्रतापूर्वक, जल्दी से।

ब एहतियात (باحتیاط) फा अ अव्य—सावधानतापूर्वक, एहतियात के साथ।

ब क़द्र (بقدر) फा. अ अव्य—अनुसार, मुताबिक़, मात्रा में, मिक़्दार में।

ब क़द्रे ज़र्फ़ (بقدر ظرف) फा अ अव्य—जितना बर्तन हो उतना, जितनी योग्यता हो उतनी, जितना सामर्थ्य हो उतना।

ब क़द्रे ज़रूरत (بقدر ضرورت) फा अ अव्य—जितनी आवश्यकता हो उतनी।

ब क़द्रे वुस्अत (بقدر وسعت) फा अ. अव्य—जितना सामर्थ्य हो उतना, जितनी समाई हो उतनी।

ब क़द्रे शौक़ (بقدر شوق) फा. अ अव्य—जितनी अभिलाषा हो उतनी।

ब क़द्रे हैसियत (بقدر حیثیت) फा अ अव्य—जितना सामर्थ्य हो उतना, जितना धन हो उतना।

ब क़द्रे हौसलः (بقدر حوصلہ) फा अ अव्य—जितना साहस हो उतना।

बक़रः (بقرہ) अ स्त्री—एक गाय, एक बैल।

बक़र (بقر) अ पु—गौ, गाय, वृषभ, बैल।

बक़र ईद (بقرعید) अ स्त्री—मुसलमानों की वह ईद जो ज़ीहिज्जा की दसवीं तारीख़ को होती है।

ब कराहत (بکراہت) फा अ अव्य—घिन के साथ, नफ़रत के साथ, जी न चाहते के साथ, मजबूरी से।

ब करोफ़र (بکروفر) फा अ अव्य—[illegible]।

ब क़लमे ख़ुद (بقلم خود) फा अ अव्य—अपने क़लम से, [illegible]।

बक़ा (بقا) [illegible], [illegible],

अस्तित्व, वुजूद, जीवन, जिंदगी, रक्षा, हिफ़ाज़त, सलामती।

बक़ाए दवाम (بقاۓ دوام) अ स्त्री –नित्यता, अनश्वरता।

बक़ाए सालिह (بقاۓ صالح) अ स्त्री –अच्छी चीज़ का बाक़ी रहना।

बक़ाय. (بقایہ) अ पु –शेष, बचा हुआ, बची हुई रक़म, रोकड, खर्च से बची हुई रक़म।

बकारत (بکارت) अ. स्त्री –कौमार्य, कुँआरापन, योनि-पटल का भग्न न होना, अक्षतत्व, अक्षत योनि, यह शब्द 'बिकारत' अथवा 'बुकारत' नही है।

बकावल (بکاول) तु पु –शाही रसोईघर का अध्यक्ष, दे 'बुकावुल', दोनो शुद्ध है।

ब क़ैदे हयात (بہ قید حیات) फा अ अव्य –जीवन-पाश मे आबद्ध, जीवित, जिंदा।

ब क़ौले शख़्से (بہ قول شخصے) फा अ अव्य –किसी विशेष व्यक्ति के कथनानुसार।

बक़्क़ाल (بقال) अ पु –सब्ज़ीफरोश, कुँजडा, वणिक्, बनिया, आटा-दाल बेचनेवाला, परचूनिया।

बक्तर (بکتر) फा पु –कवच, ज़िरिह।

बक्तरगर (بکترگر) फा पु –कवच बनानेवाला, कवचकार।

बक्तरपोश (بکترپوش) फा वि –कवचधारी, बक्तर पहने हुए।

बक्तरबंद (بکتربند) फा वि –बक्तर पहने हुए, कवचधारी, बक्तर से मढ़ी हुई गाडियाँ आदि।

बक्तरसाज़ (بکترساز) फा वि –दे 'बक्तरगर'।

बक़्रात (بقراط) अ पु –एक प्रसिद्ध यूनानी वैज्ञानिक जो हज़रत ईसा से ४६० वर्ष पूर्व पैदा हुआ था।

बख़ील (بخیل) अ पु –कृपण, बद्धमुष्टि, तद्धन, व्यय-कुंठ, कंजूस।

बख़ीली (بخیلی) अ स्त्री –कृपणता, व्ययकुंठता, कंजूसी।

बख़ुदा (بخدا) फा अव्य –ईश्वर के लिए, खुदा के लिए, ईश्वर की सौगंध, खुदा की कसम।

ब ख़ुशी (بہ خوشی) फा अव्य –खुशी के साथ, प्रसन्नता पूर्वक, सानंद, सहर्ष।

ब ख़ूबी (بہ خوبی) फा अव्य –पूर्ण रूप से, पूर्णतया, पूर्णत।

बख़ूर (بخور) अ पु –धूनी, लोबान आदि सुलगाकर उसकी सुगंध फैलाना, दवाओ की धूनी लेना।

बख़ूरदान (بخوردان) अ फा पु –वह पात्र जिसमे धूप आदि सुलगायी जाय, धूपदानी, ऊददानी।

ब ख़ैर (بہ خیر) फा अ अव्य –सकुशल, अच्छी तरह, स्वस्थ, तनदुरुस्त।

ब ख़ैरोआफ़ियत (بہ خیروعافیت) फा अ अव्य –कुशल-पूर्वक, आनंदपूर्वक।

ब ख़ैरोख़ूबी (بہ خیروخوبی) फा अ अव्य –आनंदपूर्वक, कुशलपूर्वक, बहुत अच्छी तरह से।

बख़्त (بخت) फा पु –भाग्य, प्रारब्ध, अदृश्य, दैव, अदृष्ट, क़िस्मत।

बख़्तआज़माई (بخت آزمائی) फा स्त्री –भाग्य-परीक्षा, किसी काम मे पडना, यह देखना कि अमुक काम मे भाग्य साथ देता है या नही अर्थात् वह होता है या नही।

बख़्तआवर (بخت آور) फा वि –दे 'बख़्तावर'।

बख़्तबरगश्त. (بخت برگشتہ) फा वि –जिसका भाग्य उसके विरुद्ध हो, हतभाग्य, अभागा।

बख़्तयार (بختیار) फा वि –जिसका भाग्य उसका मित्र हो, सौभाग्यवान।

बख़्तवर (بختور) फा वि –सौभाग्यशाली, भाग्यवान्, प्रारब्धी, खुशनसीब।

बख़्तवरी (بختوری) फा स्त्री –भाग्य की अच्छाई, भाग्यशीलता, खुशनसीबी।

बख़्तावर (بختاور) फा वि –भाग्यशाली, भाग्यवान्, प्रारब्धी, क़िस्मतवर।

बख़्ते ख़ुफ़्त: (بخت خفتہ) फा वि.–सोता हुआ नसीब, अभागापन।

बख़्ते जवाँ (بخت جواں) फा पु –वह भाग्य जो उन्नतिशील और समृद्धिवान् हो।

बख़्ते तीर: (بخت تیرہ) फा पु –अँधेरी क़िस्मत, बद-क़िस्मती, दुर्भाग्य।

बख़्ते ना फ़र्जाम (بخت نا فرجام) फा पु –खोटी तक्दीर, दुर्भाग्य।

बख़्ते नारसा (بخت نارسا) फा पु –अधूरी क़िस्मत, अपूर्ण भाग्य।

बख़्ते नासाज़गार (بخت ناسازگار) फा पु –प्रतिकूल भाग्य, मुख़ालिफ़ क़िस्मत।

बख़्ते बरगश्त (بخت برگشتہ) फा पु –फिरा हुआ नसीबा, विरुद्ध और प्रतिकूल भाग्य।

बख़्ते बलंद (بخت بلند) फा पु –ऊँचा नसीबा, सौभाग्य।

बख़्ते बेदार (بخت بیدار) फा पु –जागता हुआ नसीबा, उन्नतिशील भाग्य।

बख़्ते रसा (بخت رسا) फा पु –अच्छा और पूरा नसीबा, सौभाग्य।

बख़्ते सब्ज़ (بخت سبز) फा पु –अच्छा नसीबा, सौभाग्य।

बख्तोइत्तिफ़ाक (بخت واتفاق) फा अ पु –भाग्य और दैवयोग।

बख़्य (بخیہ) फा पु –एक प्रकार की मज़्बूत सिलाई।

बख़्य.गर (بخیہ گر) फा वि –बख़्य करनेवाला, सीनेवाला।

बख़्य गरी (بخیہ گری) फा स्त्री –बख़्य करना, सीना।

बख़्र (بخر) अ पु –दुर्गंध, वास, मुँह की वास।

बख़्रुलफ़म (بخرالفم) अ पु –एक रोग जिसमे मुह से वास आती है।

बख़्श (بخش) फा पु –अश, खड, जुज, भाग्य, हिस्सा, (प्रत्य) देनेवाला, जैसे—'जांबख़्श' प्राण प्रदान करनेवाला, बख़्शनेवाला, जैसे—'ख़तावख़्श' अपराध क्षमा करनेवाला।

बख़्शाइश (بخشائش) फा स्त्री –मुक्ति, मोक्ष, बख़्शिश।

बख़्शिंदः (بخشندہ) फा वि –बख़्शनेवाला, देनेवाला, दाता, मोक्ष देनेवाला।

बख़्शिश (بخشش) फा स्त्री –दान, ख़ैरात, पुरस्कार, इनआम, अनुदान, अतीय, प्रदान, देना।

बख़्शिशनामः (بخشش نامہ) फा पु –'दानपत्र', वह कागज़ जिसमे कुछ प्रदान करने की लिखा-पढी हो।

बख़्शी (بخشی) फा. पु –सैनिको को वेतन बाँटनेवाला, कस्बो में टैक्स वुसूल करनेवाला।

बख़्शीदः (بخشیدہ) फा वि –बख़्शा हुआ, दिया हुआ, क्षमा किया हुआ, मोक्ष दिया हुआ।

बख़्शूदः (بخشودہ) फा वि –बख़्शा हुआ, दिया हुआ।

बग़ल (بغل) फा स्त्री –कुक्षि, काँख, पार्श्व, पहलू, छोर, किनारा, एक ओर, एक तरफ, कुर्ते या अगे आदि मे बगल के नीचे लगनेवाला कपडा।

बग़लगीर (بغل گیر) फा वि –आलिंगित, जो गले मिला हो, पार्श्ववर्ती, पार्श्वस्थ।

बग़ली (بغلی) फा वि –बगल से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, बगल का, क़ब्र का वह गढा जो ज़मीन काटकर एक पहलू मे बनाते है।

बग़ावत (بغاوت) अ स्त्री –द्रोह, सरकशी, सैन्य-द्रोह, फौजी गद्र, अशाति, बद अम्नी, अवज्ञा, हुक्म उदूली।

बग़ी (بغی) अ वि –अवज्ञाकारी, नाफरमान, उद्दड, सरकश।

बग़ैर (بغیر) फा अ अव्य –विना, बे।

बग़ौर (بغور) फा अ अव्य –गौर से, समीक्षापूर्वक।

बग़्ततन (بغتتاً) अ अव्य –अचानक, आकस्मिक, सहसा।

बग़्दाद (بغداد) फा पु –इराक की राजधानी, एक प्रसिद्ध और प्राचीन नगर।

बग़्ल (بغل) अ पु –खच्चर, अश्वतर, वेसर।

बग़्लक (بغلک) फा स्त्री –बगल का एक फोडा, कखौरी।

बचः (بچہ) फा. पु –दे 'बच्च', दोनो शुद्ध है, परतु उर्दू मे 'बच्च' बोलते है।

ब चश्मे अश्कबार (بہ چشم اشکبار) फा अव्य –रोती हुई आँखो के साथ, अर्थात् रोते हुए।

ब चश्मे तर (بہ چشم تر) फा अव्य –भीगी हुई आखो के साथ, अर्थात् आँखो मे आँसू भरे हुए।

ब चश्मे नम (بہ چشم نم) फा अव्य –दे 'ब चश्मे तर'।

बच्चः (بچہ) फा पु –वालक, शिशु, अवयस्क, नावालिग, छोकरा, लडका, पुत्र, वेटा, हरेक प्राणी का शिशु, नासमझ, अबोध।

बच्च.कश (بچہ کش) फा स्त्री –वह स्त्री जो बहुत से बच्चो की माँ हो, बहुप्रसूता।

बच्च.दान (بچہ دان) फा पु –गर्भाशय, रहिम।

बच्च.बाज़ (بچہ باز) फा वि –गुदमैथुनिक, इग्लामी।

बच्च बाज़ी (بچہ بازی) फा स्त्री –गुदमैथुन, इग्लाम।

बच्चए आहू (بچۂ آہو) फा पु –हिरन का बच्चा, मृग-शावक।

बच्चए नौ (بچۂ نو) फा पु –नयी घटना, नया वाक़िया, नवजात शिशु।

बच्चए फील (بچۂ فیل) फा अ पु –हाथी का बच्चा, हस्ति-शावक।

बच्चए मीना (بچۂ مینا) फा पु –मदिरा, शराब।

बच्चए शुतुर (بچۂ شتر) फा पु –ऊँट का बच्चा, उष्ट्र-शावक।

ब जब्र (بہ جبر) अ फा अव्य –बलात्, जबरदस्ती, बलपूर्वक।

बजाँ (بجاں) फा वि –हृदय से, प्रसन्नतापूर्वक (प्रत्य), प्राणो मे लिये हुए, जैसे—'आतशबजाँ' आग प्राणो में लिये हुए अर्थात् प्राण तपता हुआ।

बजाँआमद (بجاں آمدہ) फा अव्य –जान से तग आया हुआ।

बजा (بجا) फा वि –उचित, मुनासिब; सत्य, ठीक, सच, शुद्ध, दुरुस्त।

बजाआवरी (بجا آوری) फा स्त्री –आज्ञा-पालन, हुक्म पूरा करना।

बजाए ख़ुद (بجائے خود) फा अव्य –अपनी जगह पर, स्वय, ख़ुद।

बजानोदिल (بجان ودل) फा अव्य –हृदय और प्राण से अर्थात् पूरी तरह मे, पूर्णरूपेण।

ब ज़ा'मे ख्वेश (بہ زعم خویش) फा अ अव्य –अपने गलत विचार मे।

ब जिद (بہ ضد) फा अ अव्य –हठपूर्वक, हठात्, जिद के साथ।
बजुज़ (بجز) फा अ अव्य –अतिरिक्त, अलावा।
ब ज़ोर (بہ زور) फा अव्य –दे 'बजब्र'।
बज़्ज़ाज़ (بزاز) अ पु –कपडे का व्यापारी, वस्त्र-वणिक्।
बज़्ज़ाज़ख़ान (بزازخانہ) अ फा पु –बाज़ार मे कपडे की मडी, वह स्थान जहाँ कपडे की दुकाने हो।
बज़्ज़ाज़ी (بزازی) अ स्त्री –कपडे का रोजगार, कपडा बेचने का काम।
बज़्म (بزم) फा स्त्री –सभा, गोष्ठी, महफिल, उदा — "बज़्म मे बर्के नजर हूँ सद तमन्ना-आफ़ी, दिल मे हूँ महफिल कोई या दिल मेरा महफिल मे हूँ।"
बज़्मआरा (بزم آرا) फा वि –सभा की शोभा बढानेवाला, सभा मे विराजमान।
बज़्मगाह (بزم گاہ) फा स्त्री –सभा का स्थान।
बज़्मनशीं (بزم نشیں) फा वि –सभापति, सद्रे मज्लिस।
बज़्मे अरूसी (بزم عروسی) फा अ स्त्री –विवाह की महफिल।
बज़्मे ऐश (بزم عیش) फा अ स्त्री –राग-रग और खुशी का जलसा।
बज़्मे क़दह (بزم قدح) फा अ स्त्री –पान-गोष्ठी, शराब की मज्लिस।
बज़्मे नशात (بزم نشاط) फा स्त्री –दे 'बज़्मे ऐश'।
बज़्मे नाज़ (بزم ناز) फा स्त्री –प्रेमिका की गोष्ठी।
बज़्मे मय (بزم مے) फा स्त्री –शराब की महफिल, पान-गोष्ठी।
बज़्मे मातम (بزم ماتم) फा स्त्री –शोक-सभा, मरनेवाले के शोक मे होनेवाली सभा।
बज़्मे मुशाअर (بزم مشاعرہ) फा अ स्त्री –कवि-सम्मेलन, मुशाअरे की महफिल।
बज़्मे रक्स (بزم رقص) फा अ स्त्री –नाच-गाने का जलसा।
बज़्मे शादी (بزم شادی) फा स्त्री –विवाह का जलसा।
बज़्मे शे'र (بزم شعر) फा अ स्त्री –कविगोष्ठी, मुशाअरा।
बज़्मे सुख़न (بزم سخن) फा स्त्री –दे 'बज़्मे शे'र'।
बज़्मे सुरूर (بزم سرور) फा अ स्त्री –दे 'बज़्मे ऐश', दे 'बज़्मे मय'।
बज़्मोरज़्म (بزم ورزم) फा स्त्री –नाच-रग की गोष्ठी भी और रगभूमि अर्थात् युद्ध-क्षेत्र भी।
बज़्र (بذر) अ पु –हर वह बीज जो चने से छोटा हो।
बज़्ल (بذلہ) फा पु –मनोरजन, विनोद, हँसी-मज़ाक।
बज़्ल गो (بذلہ گو) फा वि –विनोदी, परिहासक, हँसी-मज़ाक की बाते करनेवाला।
बज़्लगोई (بذلہ گوئی) फा स्त्री –विनोद, परिहास, हँसी-मज़ाक की बाते करना।
बज़्ल.सज (بذلہ سنج) फा वि –दे 'बज़्ल गो'।
बज़्ल.सजी (بذلہ سنجی) फा स्त्री –दे 'बज़्ल गोई'।
बज़्ल (بذل) अ पु –दानशीलता, फैयाज़ी।
बज़्लोजूद (بذل وجود) अ पु –दानशीलता, बख़्शिश।
बज़्लोसख़ा (بذل وسخا) अ पु –दे 'बज़्लो जूद'।
बत[त्त] (بت) अ पु –काटना, तराशना, विच्छेद, खडन।
बत (بط) फा स्त्री –हस, बतख।
ब तअम्मुल (بہ تامل) फा अ अव्य –सोच-विचार के, धीरे से।
ब तकल्लुफ (بہ تکلف) फा अ अव्य –तकल्लुफ के साथ, सकोच के साथ।
ब तक़रीब (بہ تقریب) फा अ अव्य –अवसर पर, जैसे—'बतक़रीबे शादी' विवाह के अवसर पर।
ब तद्रीज (بہ تدریج) फा अ अव्य –क्रमश, तरतीब से, शनै-शनै, धीरे-धीरे।
बतर (بتر) फा वि –'बदतर' का लघु, निकृष्ट, ख़राब।
ब तराज़िए तरफैन (بہ تراضی طرفین) फा अ अव्य –दोनो दलो की रज़ामदी से।
ब तरीक़े अदावत (بہ طریق عداوت) फा अ अव्य –शत्रुता के रूप मे।
ब तरीक़े दोस्ती (بہ طریق دوستی) फा अ अव्य –मित्रता के रूप मे।
ब तरीक़े मश्वरत (بہ طریق مشورت) फा अ अव्य –परामर्श के रूप मे।
बतल (بطل) अ वि –शूर, वीर, बहादुर।
बतले हुर्रीयत (بطل حریت) अ वि –स्वातत्र्यशूर, आज़ादी के सग्राम मे वीरता दिखानेवाला।
ब तवस्सुत (بہ توسط) फा अ अव्य –द्वारा, ज़रीए से।
ब तवस्सुल (بہ توسل) फा अ अव्य –दे 'ब तवस्सुत'।
ब ताईद (بہ تائید) फा अ अव्य –सहायता से, समर्थन से।
ब ता'जील (بہ تعجیل) फा अ अव्य –शीघ्रता से, जल्दी से।
बतालत (بطالت) अ स्त्री –बेकार अर्थात् कार्यहीन होना, छुट्टी मे होना।
बती (بطی) अ वि –मद, सुस्त, देर करनेवाला, विलब कर्ता।
बतीउलअसर (بطی الاثر) अ वि –जो अपना गुण अर्थात् तासीर देर मे दिखाये, जो दवा देर मे असर करे।
बतीउलहरकत (بطی الحرکت) अ वि –जो बहुत धीरे धीरे चले, मदगामी।

ब तीबे ख़ातिर (بہ طیب خاطر) फा अ अव्य –हर्षपूर्वक, प्रसन्नता के साथ।

बतूल (بتول) अ वि –सासारिक मोह और माया के बधनो को तोड फेकनेवाला (वाली), हज़्रत फातिमा की उपाधि।

ब तौए ख़ातिर (بہ طوع خاطر) फा अ अव्य –दे 'ब तीबे ख़ातिर'।

ब तौरे ख़ुद (بہ طور خود) फा अ अव्य –अपने तौर पर, निजी तरीके से, अपनी राय से, अपनी तरफ से।

ब तौरे मिज़ाह (بہ طور مزاح) फा अ अव्य –हँसी के तौर पर, मनोरजन के लिए।

बत्ताल (بطال) अ वि –निकम्मा, निरर्थक; मिथ्यावादी, झूठा, शूर, वीर, बहादुर।

बत्न (بطن) अ पु –उदर, पेट, जठर।

बत्नन बाद बत्निन (بطناً بعد بطنٍ) अ अव्य –पुश्त दर पुश्त, नस्ल दर नस्ल, वशानुगत।

बत्ने मादर (بطن مادر) अ फा पु –माँ का पेट।

बत्श (بطش) अ स्त्री –कडा पडना, सख़्ती करना, आक्रमण, हम्ला।

बत्हा (بطحا) अ स्त्री –मक्के की एक घाटी, मक्का, वह चौडी जगह जहाँ पानी बहता हो और जहाँ पत्थर बहुत हो।

बद (بد) फा वि –निकृष्ट, ख़राब, उत्पाती, शरीर; उपद्रवी, फसादी, निकम्मा, नाकिस, अशुभ, मनहूस, दुराचारी, बदचलन।

बदअजाम (بدانجام) फा वि –जिसका परिणाम अशुभ हो, जो अत मे विपत्ति का कारण हो।

बदअदेश (بداندیش) फा वि –बुरा सोचनेवाला, दुश्चितक, बदख़्वाह।

बदअदेशी (بد اندیشی) फा स्त्री –बुरा सोचना, बदख़्वाही।

बदअक़ीदः (بد عقیدہ) फा अ वि –जिसका धर्म-विश्वास ठीक न हो, अनास्थ, जिसे किसी व्यक्ति विशेष में जो सब का श्रद्धापात्र हो, श्रद्धा न हो।

बदअक़ीदगी (بد عقیدگی) फा अ स्त्री –धर्म-विश्वास का ठीक न होना, ऐसे व्यक्ति मे श्रद्धा न होना जिस पर प्राय सभी श्रद्धा रखते हैं, बुरा विश्वास, गलत चीज पर विश्वास करना।

बदअक़्ल (بدعقل) फा अ वि –हतबुद्धि, मूर्ख, बेवक़ूफ़।

बदअख़्तर (بداختر) फा वि –अभागा, कुभागीन, बदकिस्मत।

बदअख़्लाक़ (بداخلاق) फा अ वि –दु शील, बेमुरव्वत, दुर्व्यवहार, जिसका व्यवहार अच्छा न हो।

बदअत्वार (بداطوار) फा अ वि –दुराचारी, दुश्चरित, बदआ'माल।

बदअफ़्आल (بدافعال) फा अ वि –दे 'बदअत्वार'।

बदअमल (بدعمل) फा अ वि –दुष्कर्मी, दुष्कृत्य-कर्ता, जिसका अमल अच्छा न हो।

बदअम्नी (بدامنی) फा अ स्त्री –अशाति, गडबड, उपद्रव, दगा, विद्रोह, बगावत।

बदअस्ल (بداصل) फा अ वि –अकुलीन, ग़ैरशरीफ़।

बदअह्द (بدعہد) फा अ वि –वादे पर काइम न रहनेवाला, वचन-भजक।

बदअह्दी (بدعہدی) फा अ स्त्री –वादे पर अटल न रहना, वचन-भजन।

बदआईन (بدآئین) फा वि –जिसका कोई नियम न हो, बेउसूला।

बदआईनी (بدآئینی) फा. स्त्री –सिद्धान्तहीनता, कोई नियम न होना।

बदआग़ाज़ (بدآغاز) फा वि –जिसकी शुरूआत अच्छी न हो, जिसका प्रारभ ही अनिष्टकर हो।

बदआ'माल (بداعمال) फा अ वि –बुरे आचार-विचार वाला, दुराचारी।

बदआ'माली (بداعمالی) फा अ स्त्री – दुराचार।

बदआमोज़ (بدآموز) फा वि –जिसको बुरी शिक्षा मिली हो।

बदआमोज़ी (بدآموزی) फा स्त्री –बुरी शिक्षा मिलना।

बदइंतिज़ामी (بدانتظامی) फा अ स्त्री –प्रबध की ख़राबी, कुव्यवस्था, कुप्रबन्ध।

बदउन्वानी (بدعنوانی) फा अ स्त्री –बे कायदगी, नियम-विरुद्धता।

बदउसूल (بداصول) फा अ वि –दे 'बदआईन'।

बदउस्लूब (بداسلوب) फा अ वि –बेढगा, बदनुमा, कदाकार, दुराचारी, कुकर्मी, बदअमल।

बदएतिक़ाद (بداعتقاد) फा अ वि –दे 'बदअक़ीद'।

बदएतिक़ादी (بداعتقادی) फा अ स्त्री –दे 'बदअक़ीदगी'।

बदएतिमाद (بداعتماد) फा अ वि –अविश्वस्त, ग़ैर मातबर।

बदएतिमादी (بداعتمادی) फा अ स्त्री –बेएतिबारी, अविश्वास।

बदऔसान (بداوسان) अ वि –बदहवास, घबडाया हुआ।

बदक़त्अ (بدقطع) फा अ वि –कदाकार, कुरूप, बदसूरत।

बदक़दम (بدقدم) फा अ वि –जिसका आना अनिष्टकर हो, अशुभचरण।

बदकर्दार (بدکردار) फा. वि–दुराचारी, कदाचारी, व्यभिचारी, हरामकार।

बदकर्दारी (بدکرداری) फा स्त्री–दुराचार, कदाचार, दुष्टाचार, व्यभिचार, कामुकता, लपटता।

बदकलाम (بدکلام) फा अ वि–बदकलामी करनेवाला, गालियाँ बकनेवाला, गुस्ताख़ी से बात करनेवाला।

बदकार (بدکار) फा वि–दुराचारी, दुष्कर्मा, बुरे चाल-चलनवाला।

बदकिर्दार (بدکردار) फा वि–बुरे काम करनेवाला, कदाचारी।

बदक़िस्मत (بدقسمت) फा अ वि–दुर्भाग्यवान्, बुरी तक़्दीरवाला, भाग्यहीन, हतभाग्य।

बदक़िस्मती (بدقسمتی) फा अ स्त्री–तक़्दीर का खोटापन, दुर्भाग्य।

बदक़ुमाश (بدقماش) फा वि–दे 'बदकार'।

बदक़ुवारः (بدقوارہ) फा वि–बुरी सूरतवाला, कदाकृति, कुरूप।

बदकेश (بدکیش) फा वि–दुष्प्रकृति, दुष्टात्मा, बुरे स्वभाववाला।

बदक़ौम (بدقوم) फा अ वि–अकुलीन, कमीना, नीच।

बदख़त (بدخط) फा वि–जिसकी लिखावट अच्छी न हो, कुलेख, कदक्षर, बुरा लिखा हुआ।

बदख़ती (بدخطی) फा स्त्री–बुरा लिखना, कुलेख।

बदख़स्लत (بدخصلت) फा अ वि–बुरी प्रकृतिवाला, दुष्ट स्वभाववाला, नीच प्रकृति।

बदख़स्लती (بدخصلتی) फा अ स्त्री–प्रकृति का खोटापन, स्वभाव की नीचता।

बदख़िसाल (بدخصال) फा अ वि–दे 'बदख़स्लत'।

बदख़ुल्क (بدخلق) फा अ वि–दे 'बदअख़्लाक'।

बदख़ुल्क़ी (بدخلقی) फा अ स्त्री–बदअख़्लाकी, दु शीलता, बेमुरव्वती, दुराचार, बदआ'माली।

बदख़ू (بدخو) फा वि–बुरे और कडुए स्वभाववाला, रूखा, दु शील।

बदख़ूई (بدخوئی) फा स्त्री–स्वभाव का रूखा और कडवापन।

बदख़्वाबी (بدخوابی) फा स्त्री–ठीक तौर से नीद न आना, नीद का बार-बार उचटना, बिलकुल नीद न आना, नीद न आने का रोग, अनिद्रा।

बदख़्वाह (بدخواہ) फा वि–अहितचितक, दुश्चितक, बुराई चाहनेवाला।

बदख़्वाही (بدخواہی) फा स्त्री–बदी चाहना, हित न चाहना, अशुभ चाहना।

बदख़्श (بدخش) फा पु–बदख़्शाँ का लघु, दे 'बदख़्शाँ'।

बदख़्शाँ (بدخشاں) फा पु–अफ़गानिस्तान का एक प्रदेश जहाँ का लाल-(पदमराग) बहुत बहुमूल्य होता है।

बदख़्शानी (بدخشانی) फा वि–जो बदख़्शाँ का हो, जो बदख़्शाँ से सम्बन्ध रखता हो।

बदख़्शी (بدخشی) फा वि–दे 'बदख़्शानी'।

बदगिल (بدگل) फा वि–कुरूप, बदसूरत, कदाकार।

बदगुमान (بدگمان) फा वि–जो किसी की ओर से बुरी धारणा रखे।

बदगुमानी (بدگمانی) फा स्त्री–किसी की ओर से बुरा ख़याल, कुधारणा।

बदगुहर (بدگہر) फा. वि–अकुलीन, कुल का हेठा, वर्ण-सकर, दोगला।

बदगो (بدگو) फा वि–बदगोई करनेवाला, गालियाँ बकने वाला, पिशुन, चुगल, निंदक, झूठी बुराई करनेवाला।

बदगोई (بدگوئی) फा स्त्री–गाली-गलौज, अपशब्द, पिशुनता, चुगुलख़ोरी, निंदा, बदनामी।

बदगोश्त (بدگوشت) फा पु–वह अतिरिक्त मास जो शरीर के किसी अग में रोग के तौर पर उत्पन्न हो जाता है।

बदगौहर (بدگوہر) फा वि–अकुलीन, बदनस्ल।

बदचश्म (بدچشم) फा वि–जिसकी नज़र तुरत लगती हो, दुरक्ष, ईर्ष्यालु, मत्सरी, हासिद।

बदज़न (بدظن) फा अ वि–जो किसी की ओर से बुरा विचार रखे, बदगुमान।

बदज़नी (بدظنی) फा अ स्त्री–किसी की ओर से बुरा विचार, कुधारणा, बदगुमानी।

बदज़ाइक़ा (بدذائقہ) फा अ वि–जो स्वाद में अच्छा न हो, नीरस, नि स्वाद, कुस्वाद, दु स्वादु।

बदज़ात (بدذات) फा अ वि–नीच, अधम, कमीना, छली, ठग, धूर्त, फ़ित्तीन, दुष्टाचारी, ख़बीस।

बदज़ाती (بدذاتی) फा अ स्त्री–नीचता, अधमता, छल, कपट, धूर्तता, मक्कारी, दुष्टाचार, ख़बासत।

बदजिलौ (بدجلو) फा तु वि–वह घोडा जो बहुत ही मुँहज़ोर हो।

बदज़ेब (بدزیب) फा वि–भद्दा, बदनुमा, श्रीहीन।

बदज़ेह्न (بدذہن) फा अ वि–जिसका ज़ेह्न अच्छा न हो, मदप्रतिभ।

बदज़ेह्नी (بدذہنی) फा अ स्त्री–ज़ेह्न का अच्छा न होना, बुद्धि का तेज़ न होना।

बदज़ौक़ (بدذوق) फा अ वि–जो पढने-लिखने में दिल

न लगाये, जो किसी विशेष काम करने मे दिलचस्पी न ले, जो काव्य-रसिक न हो।

बदज़ौक़ी (بدذوقی) फा अ स्त्री –पढ़ने-लिखने मे दिल न लगाना, किसी विशेष कार्य मे रुचि न रखना, कलारसिक न होना।

बदतबार (بدتبار) फा वि –अकुलीन, बुरे वश का।

बदतमीज़ (بدتمیز) फा अ वि –अशिष्ट, असभ्य, उद्दड, उजड्ड, फूहड, बदसलीक , धृष्ट, गुस्ताख, बदज़बान।

बदतमीज़ी (بدتمیزی) फा अ स्त्री –अशिष्टता, उद्दडता, फूहडपन, धृष्टता, अपशब्द, बदज़बानी।

बदतर (بدتر) फा वि –बुरे से बुरा, बहुत खराब।

बदतरीन (بدترین) फा वि –सब से बुरा, सब से खराब।

बदतहज़ीब (بدتہذیب) फा अ वि –अशिष्ट, असभ्य, उद्दड, उजड्ड, धृष्ट, गुस्ताख, अपशब्दी, बदज़बान।

बदतहज़ीबी (بدتہذیبی) फा अ स्त्री –अशिष्टता, उद्दंडता, धृष्टता; अपशब्द।

बदतीनत (بدطینت) फा अ वि –दुष्प्रकृति, अत कुटिल, बदबातिन।

बदतीनती (بدطینتی) फा अ स्त्री –प्रकृति की निकृष्टता, स्वभाव की अधमता।

बददिमाग़ (بددماغ) फा अ वि –अहकारी, अभिमानी, घमडी, जरा-सी बात पर बुरा मान जानेवाला, नाजुक दिमाग।

बददिमाग़ी (بددماغی) फा अ स्त्री –अहकार, गुरूर, जरा जरा-सी बात पर बिगड जाने की आदत, नाजुक दिमाग़ी।

बददियानत (بددیانت) फा अ वि –जो अमानत मे खियानत करे, बेईमान।

बददियानती (بددیانتی) फा अ स्त्री –अमानत मे खियानत करना, बेईमानी।

बददिल (بددل) फा वि –निराश, नाउम्मेद, मलिनचित्त, अफ़सुर्द , उदास, गमगीन।

बददिली (بددلی) फा स्त्री –निराशा, नाउम्मेदी, चित्त की मलिनता, उदासी।

बददुआ (بددعا) फा अ स्त्री –शाप, श्राप, अनिष्ट का वचन, कोसना, बुरा कहना।

बदन (بدن) अ पु –शरीर, देह, जिस्म, योनि, भग, फुर्ज।

बदनज़र (بدنظر) फा अ वि –जिसकी नज़र जल्द लग जाती हो, जो दूसरो को बुरी नज़र अर्थात् पाप की दृष्टि से देखता हो।

बदनज़री (بدنظری) फा अ स्त्री –पाप की दृष्टि से देखना, बुरी नज़र का असर होना।

बदनज़ाद (بدنژاد) फा वि –अकुलीन, अज्ञात वश का, तुच्छ वश का।

बदनज़्मी (بدنظمی) फा अ स्त्री –कुव्यवस्था, कुप्रबन्ध, बदइन्तिज़ामी।

बदनतीजः (بدنتیجہ) फा अ वि –दे 'बदअजाम'।

बदनफ़्स (بدنفس) फा, अ वि –दे 'बदबातिन'।

बदनफ़्सी (بدنفسی) फा अ स्त्री –मनकी निकृष्टता, अत-कौटिल्य।

बदनसीब (بدنصیب) फा अ वि –अभागा, मद भाग्य, बदकिस्मत।

बदनसीबी (بدنصیبی) फा अ स्त्री –भाग्य का खोटापन, तकदीर की खराबी, बदकिस्मती।

बदनस्ल (بدنسل) फा अ वि –अकुलीन, वशहीन, तुच्छ वशीय।

बदनाम (بدنام) फा वि –कुख्यात, जिसकी शोहरत बुरे रूप मे हो।

बदनामी (بدنامی) फा स्त्री –कुख्याति, बदशोहरती, अपयश, कुकीर्ति, निंदा, रुस्वाई।

बदनिगाह (بدنگاہ) फा वि –दे 'बदनज़र'।

बदनिहाद (بدنہاد) फा वि –दे 'बदनज़ाद'।

बदनी (بدنی) अ वि –शरीर सम्बन्धी, शरीर का, शरीर जनित।

बदनीयत (بدنیت) फा अ वि –बेईमान, बददियानत, लोभी, लालची।

बदनीयती (بدنیتی) फा अ स्त्री –बेईमानी, बददियानती, लोभ, लालच।

बदनुमा (بدنما) फा वि –कुरूप, बदशक्ल, दुर्दर्शन, दुर्दृश्य, भोंडा।

बदनुमाई (بدنمائی) फा स्त्री –कुरूपता, बदशक्ली, भोंडा, भद्दा।

बदनुमूद (بدنمود) फा वि –दे 'बदनुमा'।

बदपरहेज़ (بدپرہیز) फा वि –वह बीमार जो परहेज़ न करता हो, बद एहतियात।

बदपरहेज़ी (بدپرہیزی) फा स्त्री –बीमार का खाने-पीने मे परहेज न करना।

बदफ़र्जाम (بدفرجام) फा वि –दे 'बदअजाम'।

बदफ़े'ली (بدفعلی) फा अ स्त्री –बुरा काम, व्यभिचार, लपटता।

बदफ़आत (بدفعات) फा अ अव्य –थोडा-थोडा करके, कई बार मे।

बदबख़्त (بدبخت) फा वि.–बदकिस्मत, अभागा।

बदबख़्ती (بدبختی) फा स्त्री –भाग्य की ख़राबी, अभागापन, बदक़िस्मती।
बदबला (بدبلا) फा स्त्री –चुड़ैल, डाइन; पापी, ख़बीस।
बदबातिन (بدباطن) फा अ स्त्री –बुरी प्रकृतिवाला, दुरात्मा, ख़बीस।
बदबीं (بدبیں) फा वि –बुराई देखनेवाला, छिद्रान्वेषी।
बदबीनी (بدبینی) फा स्त्री –बुराई देखना, छिद्रान्वेषण।
बदबू (بدبو) फा वि –जिसमे बुरी महक हो, दुर्गंधयुक्त, बुरी बास, दुर्गंध।
बदबूदार (بدبودار) फा वि –दुर्गंधयुक्त, जिसमे बुरी बास हो।
बदमंज़र (بدمنظر) फा अ वि –जो देखने मे बुरा और भद्दा हो, दुर्दर्शन, कुदृश्य।
बदमआल (بدمآل) फा अ वि –दे 'बदअंजाम'।
बदमआश (بدمعاش) फा अ वि –लुच्चा, शोहदा, गुडा, लोफर, जिसकी जीविका बुरे कामो से चले, चोर, उठाईगीरा, दुष्ट।
बदमआशी (بدمعاشی) फा अ स्त्री –लुच्चापन, गुडापन, बुरे कामो से जीविका चलाना, चोरी, उठाईगीरापन आदि।
बदमज़ः (بدمزہ) फा वि –कुस्वाद, जिसमे मज़ा न हो, खिन्न, मलिन, उदास, अफ़सुर्द।
बदमज़गी (بدمزگی) फा स्त्री –स्वाद का न होना, मन की अप्रसन्नता, उदासी, बेलुत्फी, किसी काम मे मजा न आना।
बदमज़न्न (بدمظنہ) फा अ वि –वह व्यक्ति जिस पर किसी अपराध का शुब्हा हो।
बदमज़्हब (بدمذہب) फा अ वि –जिसने अपना धर्म त्याग दिया हो, जो विधर्मी हो गया हो, नास्तिक।
बदमज़्हबीयत (بدمذہبیت) फा अ स्त्री –अपना धर्म त्याग देना, नास्तिक हो जाना।
बदमस्त (بدمست) फा वि –जो शराब आदि के कारण बहुत अधिक अचेत हो, मदोन्मत्त।
बदमस्ती (بدمستی) फा स्त्री –शराब आदि के नशे मे मस्त होना।
बदमिज़ाज (بدمزاج) फा अ वि –चिडचिडे मिज़ाज का, बुरी प्रकृति का, गुस्सैल, क्रुद्धात्मा।
बदमिज़ाजी (بدمزاجی) फा अ स्त्री –चिडचिडापन, बुरा स्वभाव, स्वभाव का गुस्सैल होना।
बदमिह्र (بدمہر) फा वि –बेवफा, विश्वासघाती।
बदमुआमल (بدمعامل) फा अ वि –जो लेन-देन मे साफ न हो, व्यवहार कुटिल, जो मिलने-जुलने मे अच्छा न हो।
बदमुआमलगी (بدمعاملگی) फा अ स्त्री –लेन-देन के सम्बन्ध मे व्यवहार की ख़राबी, मिलने-जुलने में व्यवहार की ख़राबी।
बदमुह्र (بدمہر) फा. वि –सुअर, शूकर।
बदयक़ीन (بدیقین) फा अ वि –दे. 'बदएतिकाद'।
बदयुम्न (بدیمن) फा अ वि –अशुभ, अनिष्टकर, अकल्याणकारी, मनहूस।
बदयुम्नी (بدیمنی) फा अ स्त्री –अनिष्टि, अशुभ, अकल्याण, नुहूसत।
बदरंग (بدرنگ) फा वि –बुरे रग का, जिसका रग फीका हो गया हो, खोटा, ख़राब, ताश मे रग के विरुद्ध पत्ता।
बदरंगी (بدرنگی) फा स्त्री –बुरे रग का होना, रग का फीकापन, खोटापन, ताश में रग का पत्ता न होना।
बदर (بدر) फा वि –बाहर।
बदरग (بدرگ) फा वि –अकुलीन, सकर, दोग़ला।
बदररौ (بدررو) फा स्त्री –पानी निकलने की नाली, मोरी।
बदरवी (بدروی) फा स्त्री –बुरी राह चलना, कुमार्ग गमन।
बदरवैय. (بدرویہ) फा अ वि –ख़राब व्यवहारवाला, जिसका रवैया अच्छा न हो।
बदराह (بدراہ) फा वि –बुरी राह चलनेवाला, कुमार्गगामी।
बदरिकाब (بدرکاب) फा वि –वह घोडा जो सवारी के वक्त शरारत करे।
बदरू (بدرو) फा वि –बुरी सूरतवाला, कुरूप, कदाकार, दुर्मुख।
बदरोज़ (بدروز) फा वि –दे 'बदरोज़गार'।
बदरोज़गार (بدروزگار) फा वि –जो दिनो के फेर में फँसा हो, कालचक्रग्रस्त, बदक़िस्मत, हतभाग्य, दुर्दैव।
बदरौ (بدرو) फा वि –बुरे रस्ते पर चलनेवाला, बदराह, कुमार्गगामी।
बदरौनक़ (بدرونق) फा वि –हतश्री, भग्नश्री, जिसमें कोई रौनक न हो, उजाड।
बदरौनक़ी (بدرونقی) फा स्त्री –शोभा न होना, उजाडपन।
बदर्जए ग़ायत (بدرجۂ غایت) फा अ पु –बहुत अधिक, अत्यधिक, बहुत जियादा।
बदर्जए मज्बूरी (بدرجۂ مجبوری) फा अ पु –जब कोई न रहे, जब विवशता हो, मज्बूरी की हालत मे।
बदर्जहा (بدرجہا) फा अ वि –कई गुना, बहुत अधिक।
बदल (بدل) अ पु –प्रतिकार, बदला, क्षतिपूर्ति, मुआवज़ा, बदले मे दी हुई वस्तु, तुल्य, समान, मिस्ल।

बदलगाम (بدلگام) फा वि –मुँहज़ोर घोडा, मुहफट आदमी।
बदलह्ज़ (بدلہجہ) फा अ वि –जिसके पढने का ढग अच्छा न हो, जिसकी आवाज खराब हो।
बदलिहाज (بدلحاظ) फा अ वि –दुशील, बेमुरव्वत, धृष्ट, गुस्ताख, जिसे किसी का लिहाज़ न हो, निर्लज्ज।
बदले इश्तिराक (بدل اشتراک) अ पु –समाचार पत्र का मूल्य, अथवा वार्षिक या मासिक मूल्य।
बदले मायतहल्लल (بدل مایتحلل) अ पु –जो चीज जाय या कम हो जाय उसकी पूर्ति।
बदवजाहत (بدوجاہت) फा अ वि –जो चेहरे से रोबदार न जँचे।
बदवज़्अ (بدوضع) फा अ वि –जिसकी वेष-भूषा अच्छी न हो, जिसका शील-स्वभाव शिष्ट न हो।
बदवतीर: (بدوطیرہ) फा वि –दे 'बदख़ू'।
बदवी (بدوی) अ वि –बुद्धू, जगली, गँवार।
बदशक्ल (بدشکل) फा अ वि –कदाकार, कुरूप, बुरी सूरत, बदसूरत का।
बदशक्ली (بدشکلی) फा अ स्त्री –कुरूपता, सूरत की खराबी, बदसूरती।
बदशिआर (بدشعار) फा अ वि –दे 'बदतीनत'।
बदशुऊर (بدشعور) फा अ वि –अशिष्ट, बेतमीज, मूर्ख, नादान।
बदशुऊरी (بدشعوری) फा अ स्त्री –अशिष्टता, बेतमीज़ी, मूर्खता, नादानी।
बदशुगून (بدشگون) फा वि –मनहूस, अशुभ।
बदशुगूनी (بدشگونی) फा स्त्री –नुहूसत, शगुन का खराब होना।
बदशौक़ (بدشوق) फा अ वि –जिसे पढने-लिखने मे दिलचस्पी न हो।
बदशौक़ी (بدشوقی) फा अ स्त्री –पढने-लिखने मे रुचि का अभाव।
बदसरंजाम (بدسرانجام) फा वि –जिस कार्य की पूर्ति खराब तरह से हुई हो, जिसका अजाम अच्छा न हो।
बदसरअजामी (بدسرانجامی) फा स्त्री –किसी कार्य की पूर्ति बुरे प्रकार से होना, किसी कार्य का परिणाम बुरा होना।
बदसलीक़: (بدسلیقہ) फा अ वि –जिसमे शिष्टता न हो, बेतमीज, जिसे अच्छी तरह काम करने का ढग न आता हो, बदशुऊर, फूहड।
बदसलीक़गी (بدسلیقگی) अ फा स्त्री –शिष्टता का अभाव, अच्छी तरह काम करने के ढग का अभाव, बदशुऊरी।
बदसिगाल (بدسگال) फा वि –अशुभचिंतक, दुश्मन।
बदसिगाली (بدسگالی) फा स्त्री –बुराई सोचना, दुश्मनी।
बदसिरिश्त (بدسرشت) फा वि –दे 'बदतीनत'।
बदसीरत (بدسیرت) फा अ वि –दे 'बदख़स्लत'।
बदसीरती (بدسیرتی) फा अ स्त्री –दे 'बदख़स्लती'।
बदसुलूकी (بدسلوکی) फा अ स्त्री –बुरा वर्ताव, दुर्व्यवहार।
बदसूरत (بدصورت) फा अ वि –दे 'बदशक्ल'।
बदसूरती (بدصورتی) फा अ स्त्री –दे 'बदशक्ली'।
बदसोहबती (بدصحبتی) फा अ स्त्री –बुरी सोहवत, बुरे लोगो मे उठना-बैठना, कुसगति।
बदस्तयारी (بدستیاری) फा अव्य –सहायता से, मदद से।
बदस्तूर (بدستور) फा वि –पहले की तरह, जैसा पहले था वैसा ही, यथावत्, यथापूर्व।
बदहज़्मी (بدہضمی) फा अ स्त्री –खाना पूरी तरह न पचना, मदाग्नि, अजीर्ण।
बदहवास (بدحواس) फा अ वि –जिसकी अक्ल मारी गयी हो, हतबुद्धि, जो बौखलाया हुआ हो, उद्विग्न।
बदहवासी (بدحواسی) फा अ स्त्री –बुद्धि मारी जाना, बौखलाहट, उद्विग्नता।
बदहाल (بدحال) फा अ वि –दुर्दशाग्रस्त, बुरे हालो, कगाल, रोग-पीडित, रोग से बेहाल।
बदहाली (بدحالی) फा अ स्त्री –दुर्दशा, कगाली, बीमारी से दशा की खराबी।
बदहीयात (بدہیات) अ स्त्री –दे 'बदीहीयात', दोनो शुद्ध है,
बदहैअत (بدہیئات) फा अ वि –कुरूप, कदाकार, बदसूरत।
बदहैसियत (بدحیثیت) फा अ वि.–अकुलीन, ग़ैर शरीफ, निर्धन, कगाल, नीच, लोफर।
बदाँ (بداں) फा अव्य –बद का बहु, बुरे लोग।
बदाएं (بدائع) अ पु –'बदीअ' का बहु, नयी-नयी चीजे।
बदाहत (بداہت) अ स्त्री – ऐसी स्पष्टता जिसमें प्रमाण की आवश्यकता न हो, किसी बात या चीज़ का अचानक आना।
बदाहाल (بداحال) फा अ अव्य –बुरी दशा, बुरा हाल।
ब दिक्कत (بدقت) फा अ अव्य –कठिनाई के साथ, मुश्किल से, कठिनतापूर्वक।
ब दिलोजाँ (بدل وجاں) फा अव्य –प्राण और हृदय से, तन-मन-धन से, पूरी तरह से।
बदीं (بدیں) फा अव्य –इससे।
बदींग़रज़ (بدیں غرض) फा अ अव्य –इस उद्देश से, इस आशा से, इस गरज से।

बदींलिहाज (بدیں لحاظ) फा अ अव्य –यह विचार करके, इस विचार से, इस बात को ध्यान में रखते हुए।

बदींवजह (بدیں وجہ) फा अ अव्य –इस कारण से, इस कारण को ध्यान में रखते हुए।

बदींसबब (بدیں سبب) फा अ अव्य –इस कारण से, इस सबब से।

बदी (بدی) फा स्त्री –पाप, गुनाह, दोष, ऐब, अपराध, कुसूर, निंदा, गीबत, बुराई, ख़राबी, अपकार, नुक़्सान, बदख़्वाही, कृतघ्नता।

बदीअ (بدیع) अ वि –अनुपम, अभूत पूर्व, अजीबोगरीब, नयी बात, अनोखी वस्तु।

बदीउज़्ज़माँ (بدیع ازماں) अ वि –सारे ससार मे अद्वितीय, अपने समय मे सबसे अनोखा।

बदीउल जमाल (بدیع الجمال) अ वि –जिसके रूप और सौन्दर्य का जवाब न हो।

बदीउल मिसाल (بدیع المثال) अ वि –जिसका दूसरा नापैद हो, जिसके-जैसा दूसरा न हो, अनुपम, अद्वितीय।

बदीउल मुल्क (بدیع الملک) अ वि –सारे देश मे जिसकी तुलना न हो।

बदीद (بدید) फा वि –दे 'पदीद', दोनो शुद्ध है, परतु उर्दू मे 'पदीद' है।

बदील (بدیل) अ वि –किसी चीज के बदले मे मिली हुई दूसरी चीज।

बदीह (بدیہہ) अ वि –बिना सोचे किसी बात का मन में आना, बिना सोचे तुरत कहा हुआ शे'र आदि।

बदीहगो (بدیہہ گو) अ फा वि –बिना विचारे किसी विषय पर तुरत बोलनेवाला, उपस्थित वक्ता, बिना सोचे।

बदीहगोई (بدیہہ گوئی) अ फा स्त्री –बिना विचारे तुरत भाषण देना, बिना बिचारे तुरत कविता करने वाला।

बदीही (بدیہی) अ वि –स्पष्ट, साफ, जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

बदीहीयात (بدیہیات) अ स्त्री –'बदीही' का बहु, वे बात जो स्पष्ट हैं और जिनके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

बदू (بدو) अ पु –अरब का ख़ानाबदोश व्यक्ति, जगल और गाँव म रहनेवाला अरब।

बदौलत (بدولت) फा अ अव्य –कारण से, सबब से, द्वारा, तुफ़ैल मे।

ब नज़रे इस्लाह (بنظر اصلاح) फा अ अव्य –सुधार और दुरुस्ती की दृष्टि से।

ब नज़रे तअम्मुक़ (بنظر تعمق) फा अ अव्य –गहरी नज़र से, सूक्ष्म दृष्टि से, बडे गौर से।

ब नज़रे तहक़ीक़ (بنظر تحقیق) फा अ अव्य –जाँच की दृष्टि से, गवेषणा की दृष्टि से।

ब नज़रे तहसीन (بنظر تحسین) फा अ अव्य –कृतज्ञता की दृष्टि से, सराहनीय तौर पर।

ब नज़रे फ़िरासत (بنظر فراست) फा अ अव्य –ताडनेवाली दृष्टि से, ज़ेहन से।

ब नज़रे हिक़ारत (بنظر حقارت) अ फा अव्य –तिरस्कार की दृष्टि से, घृणापूर्वक।

बनफ़्श (بنفشہ) फा पु –कश्मीर का एक पौदा जो दवा के काम आता है।

बनफ़्शज़ार (بنفشہ زار) फा पु –वह स्थान जहाँ बनफ़्शा ही बनफ़्शा हो।

ब नाचारी (بناچاری) फा अव्य –विवशतापूर्वक, मजबूरी से, लाचारी की हालत मे।

बनात (بنات) अ स्त्री –'बित' का बहु, 'लडकियाँ'।

बनातुन्ना'श (بنات النعش) अ स्त्री –वे सात तारे जो ध्रुव के गिर्द घूमते है, सप्तर्षि।

बनादिर (بنادر) अ पु –'बदर' का बहु, समुद्र के तट, समदर के साहिल।

बनान (بنان) अ स्त्री –पाँव की उँगली।

ब निगाहे इताब (بنگاہ عتاب) फा अ अव्य –क्रोध की दृष्टि से, गुस्सा भरी आँखो मे।

ब निगाहे करम (بنگاہ کرم) फा अ अव्य –दया की दृष्टि से, मेहरबानी की नज़र से।

ब निगाहे गर्म (بنگاہ گرم) फा अव्य –तेज़-तेज़ आँखो से, क्रोध की दृष्टि से।

ब निगाहे ग़ैज़ (بنگاہ غیظ) फा अ अव्य –दे 'ब निगाहे इताब'।

ब निगाहे तेज़ (بنگاہ تیز) फा अव्य –दे 'ब निगाहे गर्म'।

ब निगाहे मेह्‍र (بنگاہ مہر) फा अव्य –दे 'ब निगाहे करम'।

ब निगाहे रह्‍म (بنگاہ رحم) फा अ अव्य –करुणा की दृष्टि से, तरस खाते हुए।

ब निगाहे लुत्फ़ (بنگاہ لطف) फा अ अव्य –दे 'ब निगाहे करम'।

ब निगाहे शौक़ (بنگاہ شوق) फा अ अव्य –उत्कठा और लालसा की दृष्टि से, शौक की आँखो से।

ब निगाहे हस्रत (بنگاہ حسرت) फा अ अव्य –हस्रत भरी दृष्टि से, ऐसी दृष्टि से जिसमे निराशा के साथ दया और करुणा की माँग हो।

बनीअम (بنی عم) अ पु –चचा के लडके, चचेरे भाई।

बनीआदम (بنی آدم) अ पु –मनुजात, मनुष्य, मानव, आदमी।

बनीइस्राईल (بنی اسرائیل) अ पु –यहूदी, यहूदियो की उपाधि।

बनीजान (بنی جان) अ पु –जिन्नो की जाति।

बनुफ्श (بنفش) अ वि –नीले रंग का, कबूदी।

बनीनौअ (بنی نوع) अ पु –जाति, किसी जाति के लडके।

बनीनौए इसान (بنی نوع انسان) अ पु –मानव जाति, मनुष्यो की जाति, मानव समष्टि।

बनीनौए बशर (بنی نوع بشر) अ पु –दे 'बनीनौए इसान'।

बपा (بپا) फा वि –उपस्थित, काइम।

ब पासे ख़ातिर (بپاس خاطر) फा अ अव्य –दिल रखने के लिए।

ब फज्ले एज़दी (بفضل ایزدی) फा अ अव्य –ईश्वर की कृपा से, भगवान् की दया से।

ब फराग़त (بفراغت) फा अ अव्य –सतोषपूर्वक, इत्मीनान से, सुगमतापूर्वक, आसानी से।

बफा (بفا) उ स्त्री –मरु मे पड जानेवाली भूमी।

ब फिरासत (بفراست) फा अ अव्य –ताडनेवाले अनुभव से।

ब फौर (بفور) फा अ अव्य –तुरत, तत्क्षण, शीघ्र ही, फौरन।

बबर (ببر) अ पु –दे 'बब्र' दोनो शुद्ध है, परतु 'बब्र' अधिक बोलते है।

ब बागे दुहुल (به بانگ دهل) फा अव्य –ढोल बजाते हुए (कहना) जोर-जोर से सबके सामने (कहना)।

बबागे बलद (به بانگ بلند) फा अव्य –चिल्लाकर, जोर-जोर से (कहना) उद्घोष।

बब्र (ببر) अ पु –एक जतु जो बिल्ली के बराबर होता है, जिसके पूंछ नही होती और जो शेर को मार डालता है, शेर की एक जाति, यह शब्द शेर के साथ उसके विशेषण के रूप मे अधिक आता है।

बम (بم) फा पु –थप्पड, चाँटा, ऊँचा स्वर।

ब मंजिल (بمنزل) फा अ अव्य –दशा मे, हालत मे।

ब मदारिज (بمدارج) फा अ अव्य –कई दरजे, कई गुना।

ब मरातिब (بمراتب) फा अ अव्य –दे 'मदारिज'।

ब मिस्दाक़ (بمصداق) फा अ अव्य –अनुसार, मुताबिक।

ब मुक्तज़ा (بمقتضا) फा अ अव्य –कारण से, के नाते।

ब मुश्किल (بمشکل) फा अ अव्य –कठिनाई से, कठिनतापूर्वक, मुश्किल से।

ब मूजिब (بموجب) फा अ अव्य –अनुसार, मुताबिक।

बमूजिबे हुक्म (بموجب حکم) फा अ अव्य –आज्ञानुसार, आदेशानुसार, फरमाने के मुताबिक।

ब यक वक्त (بیک وقت) फा अ अव्य –एक समय में, एक वक्त मे, एक साथ।

बयाज़ (بیاض) अ स्त्री –श्वेतता, सफेदी, कविता की कापी जो हाथ की लिखी हो।

बयाज़े शे'र (بیاض شعر) अ स्त्री –कविता का हस्त-लिखित संग्रह जो साथ रह सके।

ब यादगार (بیادگار) फा अव्य –स्मरण में, यादगारी मे।

बयान (بیان) अ पु –बात-चीत, वार्तालाप, भाषण, व्याख्यान, लेक्चर, तक्रीर, चर्चा, जिक्र, सूचना, इत्तिलाअ, परिच्छेद, बाब (पुस्तक का), अलकार-विद्या, मुकदमे मे वादी-प्रतिवादी या साथी का इज्हार।

बयानात (بیانات) अ पु –'बयान' का बहु।

बयाबान (بیابان) फा पु –दे 'बियाबान', शुद्ध दोनो है, परतु वह अधिक शुद्ध और व्यवहृत है।

बयार (بیاره) फा पु –बेलदार पेड, जैसे—लौकी या ककडी का।

बरगेश्त: (برانگیخته) फा वि –क्रोध मे भरा हुआ, क्रुद्ध, कुपित, उक्साया हुआ।

बरदाज़ (برانداز) फा वि –नष्ट करनेवाला, उजाडनेवाला।

बर (بر) फा अव्य –पर, ऊपर, (उप) किसी शब्द पर आकर विशेष अर्थ देता है, जैसे—'आमदन' आना, 'बर आमदन' निकलना, प्रकट होना।

बरअगेख्त: (برانگیخته) फा अव्य –दे 'बरगेख्त:', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरअदाज़ (برانداز) फा वि –दे 'बरदाज़', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरअक्स (برعکس) फा अ वि –विसदृश, प्रतिकूल, खिलाफ, प्रत्युत, बरखिलाफ।

बरअफ़ोख्त: (برافروخته) फा वि –दे 'बरफ़ोख्त:', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरआवर्द (برآورد) फा वि –दे 'बरावर्द' शुद्ध उच्चारण वही है।

बरआशुफ्त: (برآشفته) फा वि –दे 'बराशुफ्त:', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरउफ्ताद (برافتاد)–दे 'बरुफ्ताद', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरकंद: (برکنده) फा वि –उन्मूलित, जड से उखेडा हुआ, उखेडकर फेंका हुआ।

बरकत (برکت) अ स्त्री –बढती, बढोतरी, जियादती, प्रचुरता, इफ़ात, सौभाग्य, खुश किस्मती, कल्याण, वह्बूद, ईश्वर की ओर से गुप्तरूप में धन आदि की बढोतरी।

बरक़रार (برقرار) फा अ वि –स्थिर, साबित, जीवित, जिंद, दृढ, अचल, क़ाइम, बहाल, पुनर्नियुक्त।

बरकात (برکات) अ उ भा –'बरकत' का बहु, बरकतें।

बरख़ास्त (برخاستہ) फा वि –उठा हुआ।

बरख़ास्त ख़ातिर (برخاستہخاطر) फा अ वि –उच्चाटन, जिससे मन उचट गया हो, बददिल।

बरख़ास्त दिल (برخاستہدل) फा वि –दे 'बरख़ास्त ख़ातिर'।

बरख़ास्त (برخاست) फा वि –समाप्त, ख़त्म, पदच्युत, बरतरफ़, पृथक्।

बरख़ास्तगी (برخاستگی) फा स्त्री –समाप्ति, अन्त, ख़ातिमा, पदच्युति, बरतरफ़ी, नौकरी से हटना।

बरख़िलाफ़ (برخلاف) फा अ वि –प्रतिकूल, उलटा, विरुद्ध, मुख़ालिफ़, प्रत्युत, बरअक्स।

बरख़ुदग़लत (برخودغلط) फा अ वि –जो अपने को कम होते हुए बहुत अधिक समझता हो।

बरख़ुर्द (برخورد) फा वि –सफलता, कामयाबी, सौभाग्य, ख़ुशक़िस्मती।

बरख़ुर्दार (برخوردار) फा वि –सौभाग्यशाली, ख़ुशनसीब, सफल मनोरथ, कामरा, बेटा, पुत्र, सपन्न, फला-फूला।

बरख़ुर्दारी (برخورداری) फा स्त्री –सौभाग्य, ख़ुशक़िस्मती, सफलता, कामयाबी, सपन्नता, फलना-फूलना।

बरगश्त (برگشتہ) फा वि –फिरा हुआ, प्रतिकूल, अवज्ञाकारी, उद्दंड, सरकश।

बरगश्त ऐयाम (برگشتہایام) फा अ वि –जिसके दिन प्रतिकूल हो, हतभाग्य।

बरग्रश्त क़िस्मत (برگشتہقسمت) फा अ वि –जिसका भाग्य उलटा हो गया हो, अभागा।

बरगश्त ताले' (برگشتہطالع) फा अ वि –दे 'बरगश्त क़िस्मत'।

बरगश्त दौलत (برگشتہدولت) फा अ वि –जिसकी समृद्धि उससे मुँह फेर गयी हा, दुर्दशा-पीडित।

बरगश्त नसीब (برگستہنصیب) फा अ वि –दे 'बरगश्त क़िस्मत'।

बरगश्त.बख़्त (برگشتہبخت) फा वि –दे 'बरगश्त-क़िस्मत'।

बरगश्त सर (برگشتہسر) फा वि –सर फिरा, पागल।

बरगुज़ीद (برگزیدہ) फा वि –छाँटा हुआ, चुना हुआ, मनोनीत, पसदीद, पुनीतात्मा, मुक़द्दस।

बरगुज़ीदगी (برگزیدگی) फा स्त्री –पुनीतता, तक़द्दुस, छाँटना, चुनना, पसद करना।

बरचीद (برچیدہ) फा वि –चुना हुआ, छाँटा हुआ।

बरज़बाँ (برزباں) फा वि –जो ज़बानी याद हो, जो रटा हुआ हो, कठस्थ, मुखाग्र।

बरजस्त (برجستہ) फा वि –तडाक से, तुरत, फ़ौरन, आशु, उपस्थित।

बरजस्त गो (برجستہگو) फा वि –उपस्थित वक्ता, विना सोचे किसी विषय पर भाषण दे सकनेवाला, उपस्थित-कवि जो तुरत कविता कर सके, हाज़िरजवाब, वचन-पटु, प्रगल्भ।

बरजस्त गोई (برجستہگوئی) फा स्त्री –तुरत किसी विषय पर बोलना, तुरत कविता करना, हाज़िर जवाबी।

बरजा (برجا) फा वि –एक स्थान पर।

ब रज़ाओरग़्बत (برضاورغبت) फा अ अव्य –प्रसन्नता और रुचिपूर्वक, राज़ी-ख़ुशी से।

ब रज़ामदी (برضامندی) फा अ अव्य –प्रसन्नतापूर्वक, सहर्ष, राज़ी के साथ।

बरजामाद (برجاماندہ) फा वि –एक जगह पर ठहरा या रुका हुआ।

बरतक़्दीर (برتقدیر) फा अ अव्य –भाग्यवश, तक़्दीर से।

बरतवक़्क़ (برطبق) फा अ अव्य –अनुसार, मुताबिक़, तुरत, फ़ौरन।

बरतर (برتر) फा वि –श्रेष्ठ, उत्तम, आला, ऊँचा, बलद।

बरतरफ़ (برطرف) फा अ वि –पदच्युत, बरख़ास्त।

बरतरफ़ी (برطرفی) फा अ स्त्री –पदच्युति, मौक़ूफ़ी, बरख़ास्तगी।

बरतरी (برتری) फा स्त्री –श्रेष्ठता, उत्तमता, बडप्पन, ऊँचाई, बलदी।

बरद (برد) अ पु –ओला, हिमोपल।

बरदार (بردار) फा प्रत्य –उठानेवाला, जैसे–'नाज़ बरदार', नाज़ उठानेवाला।

बरदाश्त (برداشتہ) फा वि –उठाया हुआ।

बरदाश्त ख़ातिर (برداشتہخاطر) फा वि –जिसने अपना मन किसी चीज से उठा लिया हो, बेतअल्लुक़, रिक्त, खिन्न, उदास।

बरदाश्त.दिल (برداشتہدل) फा वि –दे 'बरदाश्त ख़ातिर'।

बरदाश्त (برداشت) फा स्त्री –सहनशीलता, तहम्मुल, सहन, बोझ उठाना।

बरदाश्तख़ान (برداشتخانہ) फा पु –सामान रखने का मकान, गोदाम।

बरदोख़्त (بردوخته) फा वि –सिला हुआ, जुड़ा हुआ।
बररुए यार (برروے یار) फा वि –प्रिय-मुख पर, प्रिय-आनन पर।
बरदोश (بردوش) फा अव्य –कंधे पर, कंधे पर उठाये हुए, जैसे—'जनाज़ बरदोश' कंधे पर अरथी धरे हुए।
बरपा (برپا) फा वि –उपस्थित, क़ाइम, खड़ा हुआ।
बरफ़ौर (برفور) फा अ वि –तुरत, शीघ्रतर, फ़ौरन।
बरफ़ोख़्त: (برافروخته) फा वि –क्रोध में भरा हुआ, कुपित।
बरवस्त (بربست) फा वि –नियम, क़ाइदा, विधान, क़ानून, शैली, तर्ज़।
बरबाद (برباد) फा वि –ध्वस्त, तबाह, नष्ट, बेनामो-निशान, निर्जन, वीरान, विकृत, ख़राब, जाए, नष्ट।
बरबादकुन (بربادکن) फा वि –बरबाद करनेवाला।
बरबादी (بربادی) फा स्त्री –विनाश, ख़ातिम, ध्वंस, तबाही, विकृत, ख़राबी।
बरबिना (بربنا) फा अ अव्य –के नाते, के कारण।
बरबिनाए अदावत (بربناےعداوت) फा अ अव्य –शत्रुता के कारण, अदावत के नाते।
बरबिनाए इख़्लास (بربناےاخلاص) फा अ अव्य –मित्रता के नाते, सच्चे प्रेम के कारण।
बरबिनाए ख़ुलूस (بربناےخلوص) फा अ अव्य –दे 'बर बिनाए इख़्लास'।
बरबिनाए महब्बत (بربناےمحبت) फा अ अव्य –प्रेम के नाते, प्रेम के कारण।
बरबिनाए मुलाक़ात (بربناےملاقات) फा अ अव्य –मेल-जोल के कारण।
बरमला (برملا) फा वि –मुँह पर, सामने, खुल्लम-खुल्ला।
बरमहल (برمحل) फा अ वि –ठीक मौके पर, ठीक समय पर, उचित, मौज़ूँ, बरजस्त, मुँहतोड़।
बररू (بررو) फा वि –मुँह पर, सामने।
बररूएकार (برروےکار) फा अव्य –कार्यान्वित, अमल में आया हुआ।
बरवक़्त (بروقت) फा अ वि –ठीक समय पर।
बरस (برص) अ पु –सफ़ेद कोढ़, चित्र कुष्ठ, सिध्म, श्वेत्र।
बरसबील (برسبیل) फा अ अव्य –के तौर पर, के रूप में, के प्रसंग में।
बरसबीले ज़िक्र (برسبیل ذکر) फा अ अव्य –चर्चा चलने पर, चर्चा के तौर पर, चर्चा के प्रसंग में।
बरसबीले तज़्किर (برسبیل تذکرہ) फा अ अव्य –दे 'बर-सबीले ज़िक्र'।
बरसबीले दवाम (برسبیل دوام) फा अ अव्य –हमेशा के लिए, नित्य के लिए।
बरसबीले शिकायत (برسبیل شکایت) फा अ अव्य –उलाहने के रूप में।
बरसरे आम (برسرعام) फा अ वि –सबके सामने, सारे लोगों के सामने, खुल्लम खुल्ला।
बरसरे कार (برسرکار) फा वि –काम पर लगा हुआ, बाकार।
बरसरे कीं (برسرکیں) फा वि –दे 'बरसरेकीन'।
बरसरे कीन: (برسرکینه) फा वि –अदावत पर आमादा, मरने-मारने पर तैयार।
बरसरे ख़ुद (برسرخود) फा वि –'बरसरे ख़्वेश'।
बरसरेख़्वेश (برسرخویش) फा वि –स्वेच्छाचारी, स्वच्छन्द, ख़ुदराए।
बरसरे जंग (برسرجنگ) फा वि –लड़ने-मरने पर तैयार, लड़ाई करने के लिए आमादा।
बरसरे बाज़ार (برسربازار) फा अव्य –बाज़ार में, सारी जनता के सामने।
बरसरे मत्लब (برسرمطلب) फा अ अव्य –अस्ली मतलब पर।
बरसरे मौक़ा (برسرموقعه) फा अ अव्य –ठीक मौके पर, घटनास्थल पर।
बरसे अब्यज़ (برص ابیض) अ पु –वह 'बरस' जो सफ़ेद हो, जिसके धब्बे सफ़ेद हों, धवल कुष्ठ, श्वेत कुष्ठ।
बरसे अस्वद (برص اسود) अ पु –वह श्वेत कुष्ठ जिसके धब्बे काले हों।
बरहम (برہم) फा वि –तितर-बितर, अस्त-व्यस्त, ख़फ़ा, उलझा हुआ क्रुद्ध, नाराज़, अप्रसन्न।
बरहमी (برہمی) फा स्त्री –क्रोध गुस्सा अप्रसन्नता, नाराज़ी, अस्त-व्यस्तता, तितर-बितरपना—"नियाज़े इश्क़ में कोई कमी मालूम होती है, तुम्हारी बरहमी क्यों बरहमी मालूम होती है?" —मजज़ूब।
बरहन: (برهنه) फा वि –नग्न, नंगा, जो कपड़े न पहने हो, दिगंबर।
बरहन गो (برهنه گو) फा वि –साफ़-साफ़ कहनेवाला लगी-लिपटी न रखनेवाला, स्पष्टवक्ता।
बरहन गोई (برهنه گوئی) फा स्त्री –साफ़-साफ़ कहना, लगी-लिपटी न रखना, स्पष्ट कथन।
बरहन:पा (برهنه پا) फा वि –नग्न पग, नंगे पाँव, जिसके पाँव में जूता आदि न हो।
बरहन पाई (برهنه پائی) फा स्त्री –नंगे पाँव होना नंगे पाँव चलना।

बरह्न.सर (برهنه‌سر) फा वि –नंगे सर, जिसके सर पर टोपी आदि न हो, नग्नशिर।
बरहनगी (برهنگی) फा स्त्री –नग्नता, नगापन।
बरहम (برهم) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, क्रुद्ध, नाराज, अप्रसन्न, खफा, उलझा हुआ।
बरहमन (برهمن) फा पु –ब्राह्मण, हिंदुओ मे सर्वोच्च जाति।
बरहमोदरहम (برهم‌ودرهم) फा पु –तितर-बितर, परीशान, "तुमको नसीब रोज बनाना हो जुल्फ का। अपना तो हाल बरहमोदरहम बहुत हैं याँ।"
बराअत (براءت) अ स्त्री –दे 'बरीयत'।
बराए (برائے) फा अव्य –लिए, प्रति, वास्ते।
बराए ख़ुदा (برائے‌خدا) फा अव्य –ईश्वर के लिए।
बराए चंदे (برائے‌چندے) फा अव्य –थोडी देर के लिए।
बराए नाम (برائے‌نام) फा अव्य –नाममात्र को, कहनेभर को।
बराए बैत (برائے‌بیت) फा अ अव्य –देखो 'बराए नाम', व्यर्थ, फुजूल, शेर की पूर्ति के लिए, भर्ती।
बराज (براز) अ पु –दे शुद्ध उच्चारण 'बिराज'।
बरात (برات) अ स्त्री –आदेश-पत्र, हुक्मनामा, वह पत्र जिससे खजाने से रुपया मिले, चेक।
बरादर (برادر) फा पु –भ्रातृ, भाई।
बरादरकुश (برادرکش) फा वि –भाई को मार डालने वाला, भाई को नुकसान पहुँचाकर अपना भला करनेवाला।
बरादरकुशी (برادرکشی) फा स्त्री –भाई को मार डालना, भाई को नुक्सान पहुँचाकर अपना भला करना।
बरादरजाद. (برادرزاده) फा वि –भाई का लडका, भतीजा, भ्रातृ-सुत।
बरादरजादगी (برادرزادگی) फा स्त्री –भाई का लडका होने का नाता।
बरादरान. (برادرانه) फा अव्य –भाइयो-जैसा।
बरादरी (برادری) फा स्त्री –एक जाति, एक जाति का व्यक्ति, भाई-बदी।
बरादरे अख़्याफी (برادراخیافی) फा अ पु –वह भाई जिनका बाप एक हो और माँएँ अलग-अलग हो, सौतेले भाई।
बरादरे अल्लाती (برادرعلاتی) फा अ पु –वह भाई जिनकी माँ एक हो और बाप अलग-अलग हो।
बरादरे कलाँ (برادرکلاں) फा पु –बडा भाई, पूर्वज।
बरादरे ख़ुर्द (برادرخرد) फा पु –छोटा भाई, अनुज।
बरादरे ख़्वांद. (برادرخوانده) फा पु –जिसे भाई बना ले, मुँह बोला भाई।
बरादरे तौअम (برادرتوام) फा अ पु –एक साथ पैदा होने वाले भाई, जो एक योनि से एक समय में तले ऊपर पैदा हो, युग्म, यमल।
बरादरे निस्बती (برادرنسبتی) फा अ पु –साला, बीवी का भाई।
बरादरे बत्नी (برادربطنی) फा अ पु –सहोदर, एक पेट से पैदा, सगा भाई।
बरादरे बुज़ुर्ग (برادربزرگ) फा पु –दे 'बरादरे कलाँ'।
बरादरे रिज़ाई (برادررضاعی) फा अ –वे दो व्यक्ति जिन्होने किसी एक स्त्री का दूध पिया हो।
बरादरे सुल्बी (برادرصلبی) फा अ प –दे "बरादरे बत्नी'।
बरादरे हक़ीक़ी (برادرحقیقی) फा अ पु –सहोदर, सगा भाई।
बराबर (برابر) फा वि –समान, तुल्य, यकसाँ, सदृश, मिस्ल, एक साथ, इकट्ठे, क्रमबद्ध, सिलसिलेवार, निरन्तर, लगातार, पास, समीप, बारम्बार, बार-बार, समत, हमवार।
बराबर बराबर (برابر برابر) फा वि –पास-पास, करीब करीब, आधा-आधा।
बराबरी (برابری) फा स्त्री –समता, यकसानी, धृष्टता, गुस्ताखी, मुकाबला, सामना, उद्दडता, सरकशी।
बरामद. (برآمده) फा पु –मकान के आगे बग़ैर दरवाज़े का कोठा, दालान, गुलाम गर्दिश।
बरामद (برآمد) फा वि –बाहर आया हुआ, बाहर जानेवाला माल, निर्यात।
बरामदगी (برآمدگی) फा स्त्री –बाहर आना, बरामद होना, खोये माल का किसी के पास निकलना, माल का देश के बाहर जाना।
बरामिक. (برامکه) अ पु –'बर्मक' का बहु, बर्मक वश के व्यक्ति, जो बडे प्रतिष्ठित और दानशील थे।
बराया (برایا) अ स्त्री –'बरीय' का बहु, मानव जाति, मनुष्य वर्ग।
बरावर्द (برآورده) फा वि –बाहर लाया हुआ, एक मद से निकाल कर दूसरी मद मे डाला हुआ।
बरावर्द (برآورد) फा स्त्री –तनख्वाह का बिल, खर्च के हिसाब का पर्चा, तख्मीने की फर्द।
बरावेख़्त (برآویخته) फा वि –लटकाया हुआ।
बराशुफ्त (برآشفته) फा वि –क्रुद्ध, कुपित, गुस्से में भरा हुआ।
बराहिम (براهمه) अ पु –बरहमन का बहु, ब्राह्मण लोग।
बराहीन (براهین) अ स्त्री –'बुर्हान' का बहु, दलीलें।

बराहे अदब (براہ ادب) फा अ अव्य –आदर और सम्मान के विचार से, अदब के साथ, शिष्टतापूर्वक।

बराहे आश्ती (براہ آشتی) फा अव्य –मित्रता के विचार से।

बराहे इंसाफ़ (براہ انصاف) फा अ अव्य –इंसाफ और न्याय की दृष्टि से।

बराहे एहतियात (براہ احتیاط) फा अ अव्य –सावधानता के विचार से।

बराहे करम (براہ کرم) फा अ अव्य –कृपया, कृपा करके।

बराहे नवाज़िश (براہ نوازش) फा अव्य –कृपा की दृष्टि से, कृपया, कृपा करके।

बराहे रास्त (براہ راست) फा वि –सीधे तौर पर, जिससे काम हो सीधा उसी से, किसी दूसरे को बीच मे डाले बिना।

बरींबिना (بریں بنا) फा अव्य.–इस कारण से, इस आधार पर, इसलिए, अत ।

बरी (بری) अ वि –मुक्त, आज़ाद, रिहा, बंधनमुक्त, निर्दोष, बेकुसूर, पृथक, अलग।

बरी उज़्ज़िम्म. (بری الذمہ) अ वि –जो किसी उत्तर-दायित्व से अलग हो, भारमुक्त।

बरीद (برید) अ पु –पत्रवाहक, क़ासिद, दूत, एलची, डाक।

बरीयः (بریہ) अ स्त्री –प्राणी, जानदार, मख़लूक़।

बरीयत (بریت) अ स्त्री –दे 'बरीय', बरी होना, मुक्त होना, निरपराध होना, बेकुसूरी।

बरुफ़्तादः (برافتادہ) फा वि –नष्ट, ध्वस्त, नाबूद, दूर किया हुआ, निर्बल, पराजित।

बरुफ़्तादगी (برافتادگی) फा स्त्री –विनाश, ध्वस, नाबूदगी, दूर होना, अलग होना, निर्बलता, कमज़ोरी, पराजय, हार।

बरूएकार (بروئےکار) फा अव्य –दे 'बररूएकार'।

बरोमंद (برومند) फा वि –लाभान्वित, मुस्तफ़ीज़, सफल, कामयाब, सौभाग्यशाली, खुशकिस्मत।

बरोमंदी (برومندی) फा स्त्री –लाभ उठाना, सफल होना, सौभाग्य।

बर्उस्साअः (برأساعہ) अ पु –वह दवा जो एक क्षण के अन्दर रोग से मुक्त कर दे।

बर्क़ंदाज़ (برق انداز) उ वि –चपरासी, सिपाही, हर-कारा, बंदूकची, तोपची।

बर्क़ंदाज़ी (برق اندازی) उ स्त्री –चपरासी, सिपाही या हरकारे का काम, तोप या बंदूक चलाना।

बर्क़ (برق) अ स्त्री –चपला, तडित, चचला, बिजली, विद्युत्, प्रयोग में आनेवाली बिजली, इलेक्ट्रिसिटी।

बर्क़अंदाज़ (برق انداز) अ फा वि –दे 'बर्क़ंदाज़'।

बर्क़अंदाज़ी (برق اندازی) अ फा स्त्री –दे 'बर्क़ंदाज़ी'।

बर्क़अफ़्गन (برق افگن) अ फा वि –बिजली गिरानेवाला, बिजलियाँ गिराकर तबाह करनेवाला, दे 'बर्क़फ़्गन'।

बर्क़आसा (برق آسا) अ फा वि –दे 'बर्क़ासा', दोनो शुद्ध हैं, परन्तु दूसरा अधिक शुद्ध है।

बर्क़आहंग (برق آهنگ) अ फा वि –दे 'बर्क़ाहंग', दोनो शुद्ध है, परन्तु दूसरा अधिक शुद्ध है।

बर्क़इनाँ (برق عناں) अ फा वि –बिजली के साथ चलने वाला, अर्थात् बहुत ही चचल और चपल।

बर्क़ख़िराम (برق خرام) अ फा वि –बिजली की भाँति बहुत ही शीघ्र गतिवाला।

बर्क़गाम (برق گام) अ फा वि –दे 'बर्क़ख़िराम'।

बर्क़ज़द (برق زدہ) अ फा वि –जिसे बिजली मार गयी हो, जिसे बिजली का शाक लग गया हो, जिस पर बिजली गिरे।

बर्क़ज़दगी (برق زدگی) अ फा स्त्री –बिजली का मार जाना।

बर्क़जौलाँ (برق جولاں) अ फा वि –दे 'बर्क़ख़िराम।

बर्क़ताज़ (برق تاز) अ फा वि –बिजली की तरह गिरने-वाला।

बर्क़ताब (برق تاب) अ फा वि –बिजली की तरह चमकनेवाला।

बर्क़दम (برق دم) अ फा वि –बहुत ही तीक्ष्ण, बहुत ही धारदार।

बर्क़निगाह (برق نگاہ) अ फा वि –जिसकी आँखो मे बिजलियाँ हो, जिसकी आँखे बिजलियाँ गिराती हो।

बर्क़नुमा (برق نما) अ फा पु –एक यंत्र जिससे बिजली का हाल जाना जाता है।

बर्क़फ़्गन (برق افگن) अ फा वि –बिजलियाँ गिरानेवाला।

बर्क़रफ़्तार (برق رفتار) अ फा वि –दे 'बर्क़ख़िराम'।

बर्क़रफ़्तारी (برق رفتاری) अ फा स्त्री –बिजली की भाँति जल्द चलना।

बर्क़रुबा (برق ربا) अ फा वि –बिजली का कडक्टर, बिजली उतारनेवाला।

बर्क़वश (برق وش) अ फा वि –बिजली की भाँति चचल, चपल और तेज़।

बर्क़शिताब (برق شتاب) अ फा वि –बिजली की तरह तेज़ी से काम करनेवाला।

बर्क़सामाँ (برق ساماں) अ फा वि –बिजली की चपलता, चचलता और उसका प्रकाश आदि रखनेवाला।

बर्क़ासा (برق آسا) अ फा वि –दे 'बर्क़वश'।

बर्काहंग (برق آهنگ) अ फा वि —बिजली-जैसी कड़क-वाला।
बर्किय (برقیه) अ पु —तार, टेलीग्राफ।
बर्की (برقی) अ वि —बिजली का, बिजली से सम्बन्ध रखनेवाला।
बर्के ख़ातिफ़ (برق خاطف) अ स्त्री —वह बिजली जो आँखों में चकाचौंध कर दे।
बर्के ख़िर्मनसोज़ (برق خرمن سوز) अ फा स्त्री —वह बिजली जो खलियान को जला डाले।
बर्के ज़िहिंद (برق جهنده) अ फा स्त्री —तड़पनेवाली बिजली।
बर्के तपाँ (برق تپاں) अ फा स्त्री —तड़पनेवाली बिजली।
बर्के दमाँ (برق دماں) अ फा स्त्री —कुपित बिजली।
बर्के नाज़ (برق ناز) अ फा स्त्री —नाज़ोअदा की बिजली, बिजली की भाँति जला देनेवाले नाज़ोअदा।
बर्के नज़र (برق نظر) अ फा स्त्री —निगाह की बिजली, प्रेयसी का कटाक्षपात—"बज़्म में बर्के नज़र है सदतमन्ना आफ़ी, दिल में है महफ़िल कोई या दिल मेरा महफ़िल में है।"
बर्के निगाह (برق نگاه) अ फा स्त्री —निगाहों की बिजली।
बर्के बेअमाँ (برق بے اماں) अ फा स्त्री —वह बिजली जिससे बचाव न हो सके, जो अवश्य ही गिरकर जान ले ले।
बर्के बेज़िन्हार (برق بے زنهار) अ फा स्त्री —दे 'बर्के बेअमाँ'।
बर्ख़ (برخ) फा पु —अंश, भाग, हिस्सा, टुकड़ा।
बर्ग (برگ) फा पु —दल, पत्ता, पत्ती।
बर्गरेज़ (برگ ریز) फा वि —ख़िज़ाँ का मौसिम, पतझड़।
बर्गुस्तुवाँ (برگستواں) फा पु —ज़ीन पर डालने का कपड़ा, पाखर।
बर्गे ख़ज़ाँ (برگ خزاں) फा पु —वह पत्ता जो पतझड़ के कारण पीला पड़ गया हो या पेड़ से गिर गया हो।
बर्गे ख़ज़ाँदीद (برگ خزاں دیده) फा पु —पतझड़ में गिरा हुआ पत्ता।
बर्गे ख़ज़ाँरसीद (برگ خزاں رسیده) फा पु —वह पत्ता जिसको पतझड़ ने पीला कर दिया हो।
बर्गे गुल (برگ گل) फा पु —गुलाब की पखड़ी।
बर्गे नौ (برگ نو) फा पु —नया पत्ता, किसलय।
बर्गे सब्ज़ (برگ سبز) फा पु —हरा पत्ता।
बर्गो नवा (برگ ونوا) फा पु —खाने-पीने की सामग्री, जीवन व्यतीत करने के साधन।
बर्गोबार (برگ وبار) फा पु —फल और पत्ते, फल-फूल।
बर्गोसाज़ (برگ وساز) फा पु —साज़ोसामान।

बर्ज़ (برز) फा पु —कृषि, खेती, ज़िराअत, सुन्दरता, शोभा, जेबाई।
बर्ज़ख़ (برزخ) अ पु —परस्पर विरुद्ध रखनेवाली दो चीज़ों के बीच की तीसरी चीज़ जो दोनों से सपर्क रखे, जैसे—बंदर जो मनुष्यों और हैवानों के बीच बर्ज़ख़ है।
बर्ज़गर (برزگر) फा पु —कृषक, किसान।
बर्ज़गरी (برزگری) फा स्त्री —कृषि, खेती, किसानी, काश्तकारी।
बर्ज़न (برزن) फा पु —गली, वीथी, कूचा।
बर्द (برده) तु पु —दास, गुलाम, दासी, कनीज़, दाय, धाय।
बर्द फ़रोश (برده فروش) तु फा वि —आदमियों की ख़रीद फ़रोख़्त करनेवाला।
बर्द फ़रोशी (برده فروشی) तु फा स्त्री —आदमियों की ख़रीद-फ़रोख़्त करना।
बर्द (برد) अ पु —शीत, जाड़ा, ठंड।
बर्दे अजूज़ (برد عجوز) अ पु —फागुन के आख़िरी दिनों का जाड़ा जब वह बूढ़ा हो जाता है।
बर्दे अत्राफ़ (برد اطراف) अ पु —बीमार के अन्तिम समय में उसके हाथ-पाँव का ठंडा हो जाना।
बर्दे लयाली (برد لیالی) अ पु —जाड़े की रातों की ठंड।
बर्ना (برنا) फा वि —तरुण, युवा, जवान।
बर्नाई (برنائی) फा स्त्री —तरुणता, युवावस्था, जवानी।
बर्फ़ (برف) फा उभ —जमा हुआ पानी, जो मशीन से बनाते हैं और पानी ठंडा करने के काम आता है, हिम, पाला, तुषार, बहुत अधिक ठंडा।
बर्फ़पर्वर्द (برف پرورده) फा वि —जो बर्फ़ में लगाकर ठंडा किया गया हो।
बर्फ़पोश (برف پوش) फा वि —जो बर्फ़ से ढँका हो, हिमाच्छादित, जैसे—बर्फ़पोश पहाड़।
बर्फ़फ़रोश (برف فروش) फा वि —बर्फ़ बेचनेवाला।
बर्फ़बारी (برف باری) फा स्त्री —बर्फ़ गिरना, पाला पड़ना।
बर्फ़ानी (برفانی) फा वि —बर्फ़ से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, बर्फ़-जैसी ठंडी, बर्फ़ीली।
बर्फ़ाब (برفاب) फा पु —बर्फ़ से ठंडा किया हुआ पानी।
बर्फ़िस्तान (برفستاں) फा पु —वह स्थान जहाँ बर्फ़ ही बर्फ़ हो, जहाँ बहुत बर्फ़ पड़ती हो।
बर्फ़ी (برفی) फा स्त्री —एक प्रसिद्ध मिठाई, कलाकंद।
बर्बत (بربط) फा पु —एक बाजा, जो सितार की तरह होता है, परन्तु उसकी तुंबी बड़ी और लम्बाई कम होती है।
बर्बतनवाज़ (بربط نواز) फा पु —बर्बत बजानेवाला।

बर्बर (بربر) अ पु —अफ़्रीका का एक प्रदेश, इस प्रदेश के निवासी।

बर्बरीयत (بربریت) अ स्त्री —अत्याचार, अन्याय, जुल्म, पशुता, हैवानियत।

बर्मः (برمہ) फा पु —लकड़ी में छेद करने का यंत्र, भेदीसार।

बर्मक (برمک) फा पु —एक आतशपरस्त जो बलख़ के आतशकदे का अग्निहोत्री था, इसकी संतान बड़े-बड़े पदों पर पहुँची और अपनी विद्वत्ता और दानशीलता के कारण बहुत प्रतिष्ठित हुई, इस संतान के व्यक्ति बर्मक नाम के कारण 'बरामिक' कहलाये।

बर्शकाल (برشکال) फा. पु —बरसात, वर्षाकाल।

बर्साम (برسام) फा पु —सीने का शोथ, ज़ातुल्जंब, उरोग्रह, प्लूरसी।

बर्हमन (برہمن) फा पु —दे 'बरहमन', दोनों शुद्ध हैं, ब्राह्मण, विप्र।

बर्हमनज़ाद (برہمن زادہ) फा पु —बरहमन का लड़का, ब्राह्मणपुत्र।

बर्हमनबच्चः (برہمن بچہ) फा. पु —दे 'बर्हमनज़ाद'।

बर्राक़ (براق) अ वि —उज्ज्वल, शुभ्र, बहुत सफ़ेद, धवल।

बर्राव (براو) अ पु —ऊंचा करनेवाला, वायदानी।

बलंद (بلند) फा वि —उच्च, ऊँचा, प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़, महान्, अज़ीम, लंबा, दराज़, अधिक, बहुत।

बलंदअख़्तर (بلنداختر) फा वि —जिसके ग्रह उन्नत हों, प्रतापी, तेजस्वी, इक्बालमंद।

बलंदआवाज़ (بلندآواز) फा वि —जिसकी आवाज़ ऊंची अथवा ज़ोरदार हो, ज़ोर से बोलनेवाला, ज़ोरदार बात कहनेवाला।

बलंदआशियाँ (بلندآشیاں) फा वि —जिसका घोंसला बहुत ऊंचा हो, अर्थात् बलंद रुत्बेवाला।

बलंदआहंग (بلندآہنگ) फा वि —ज़ोर से बोलनेवाला, ज़ोरदार बात कहनेवाला, अर्थात् बड़ा दा'वा करनेवाला।

बलंदइक्बाल (بلنداقبال) फा अ वि —प्रतापवान्, तेजस्वी, इक्बालमंद।

बलंदइक्बाली (بلنداقبالی) फा अ स्त्री —प्रताप, तेज, इक्बाल।

बलंदक़ामत (بلندقامت) फा अ वि —लंबा-तड़ंगा, दीर्घकाय।

बलंदख़याल (بلندخیال) फा अ वि —उच्चाशय, विशाल [illegible]।

बलंदख़याली (بلندخیالی) फा अ स्त्री —[illegible]दिली।

बलंदतर (بلندتر) फा वि —बहुत ऊँचा, उच्चतर।

बलंदतरीन (بلندترین) फा वि —सबसे ऊंचा, उच्चतम।

बलंदनज़र (بلندنظر) फा अ वि —उच्चदर्शी, उच्चाशय, बहुत ऊँची नज़र रखनेवाला।

बलंदनज़री (بلندنظری) फा अ स्त्री —दृष्टि का ऊँचा होना, केवल बड़ी चीज़ों और बड़े उद्देशों पर नज़र रखना।

बलंदनिगाह (بلندنگاه) फा वि —दे 'बलंदनज़र'।

बलंदनिगाही (بلندنگاہی) फा स्त्री —दे 'बलंदनज़री'।

बलंदपरवाज़ (بلندپرواز) फा वि —ऊँचा उड़नेवाला, बलंदख़याल, उच्चाशय।

बलंदपरवाज़ी (بلندپروازی) फा स्त्री — फा स्त्री —ऊँची उड़ान, आशय का उच्च होना।

बलंदपायः (بلندپایہ) फा वि —बड़े पदवाला, बड़ी प्रतिष्ठा वाला।

बलंदपायगी (بلندپایگی) फा स्त्री —पद और प्रतिष्ठा का महान् होना।

बलंदफ़ित्रत (بلندفطرت) फा अ वि —जिसकी प्रकृति उच्च दर्शिनी हो।

बलंदबख़्त (بلندبخت) फा वि —बड़े भाग्यवाला, सौभाग्य-शाली, भाग्यवान्।

बलंदबाँग (بلندبانگ) फा वि —ज़ोर से बोलनेवाला, ज़ोरदार दा'वा करनेवाला।

बलंदबाला (بلندبالا) फा वि —दे 'बलंदक़ामत'।

बलंदबीं (بلندبیں) फा वि —उच्चदर्शी, बलंदनज़र, केवल बड़े उद्देशों पर दृष्टि रखनेवाला।

बलंदबीनी (بلندبینی) फा स्त्री —उच्चदर्शिता, बलंदनज़री।

बलंदमर्तबः (بلندمرتبہ) फा अ वि —दे 'बलंदपाय'।

बलंदसीरत (بلندسیرت) फा अ वि —दे 'बलंदफ़ित्रत'।

बलंदहिम्मत (بلندہمت) फा अ वि —बड़ी हिम्मतवाला, उच्चोत्साही।

बलंदहौसलः (بلندحوصلہ) फा अ वि —दे 'बलंदहिम्मत'।

बलंदी (بلندی) फा स्त्री —उत्तुंगता, ऊँचाई, महत्त्व, अज़मत, श्रेष्ठता, बड़ाई।

बलंदोपस्त (بلندوپست) फा पु —ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच।

बलख़ (بلخ) फा पु —अफ़ग़ानिस्तान का एक प्राचीन नगर जो इस समय एक छोटा-सा गाँव है।

बलजाजत (بلجاجت) फा अ अव्य —नम्रतापूर्वक, आजिज़ी के साथ, गिड़गिड़ाते हुए, विनती करते हुए।

बलताइफ़ुल हियल (بلطائف الحیل) फा अ अव्य —अच्छे-अच्छे बहानों के साथ, नये-नये बहाने बनाकर।

बलद (بلد) अ पु —नगर, शह्र (शहर)।

बलद (بلد) फा पु —पथ-प्रदर्शक, रहनुमा, नेता, लीडर।

बला (بلی) अ अव्य —हाँ, अवश्य [illegible]।

बला (بلا) अ स्त्री–विपत्ति, आपत्ति, मुसीबत, दैवी आपत्ति, आस्मानी मुसीबत, प्रेतबाधा, आसेब, दुष्ट, शरीर, धूर्त, खबीस, भयानक, खौफनाक, बहुत अधिक, कुशल, चालाक—"ऐसे झगडे मेरी बला जाने, मैं कहाँ वह कहाँ खुदा जाने।"

बलाए अज़ीम (بلاے عظیم) अ स्त्री–बहुत बडी आपत्ति।

बलाए आस्मानी (بلاے آسمانی) अ फा स्त्री–दैवी आपत्ति, गैवी मुसीबत, अज़ाबे इलाही।

बलाए जाँ (بلاے جاں) फा स्त्री–प्राणो के लिए आपत्ति का कारण, जान का जजाल।

बलाए नागहानी (بلاے ناگہانی) फा स्त्री–आकस्मिक विपत्ति, अचानक आनेवाली मुसीबत।

बलाए बेदर्मां (بلاے بےدرماں) अ फा स्त्री–ऐसी आपत्ति जिसका कोई तोड न हो, जो टल न सके।

बलाए मुजस्सम (بلاے مجسم) अ स्त्री–साकार विपत्ति, वह व्यक्ति जो सर से पाँव तक मुसीबत ही मुसीबत हो।

बलाए रोज़गार (بلاے روزگار) अ फा. स्त्री–ज़माने के लिए विपत्ति का कारण।

बलाकश (بلاکش) अ फा वि–विपत्तियाँ सहनेवाला, आफतें झेलनेवाला।

बलाग़ (بلاغ) अ पु–पहुँचाना, भेजना।

बलाग़त (بلاغت) अ स्त्री–गद्य या पद्य की वह शैली जिसमें अलकारादि का प्रयोग चमत्कारपूर्वक किया जाय, साहित्य की आलकारिक शैली।

बलाग़त आईन (بلاغت آئین) अ. फा वि–बलागत से भरा हुआ, बलीग।

बलाग़त आमेज़ (بلاغت آمیز) अ फा वि–जिस लेख में बलागत हो।

बलागर्दां (بلا گرداں) अ फा वि–वह जो बलि चढा दिया गया हो।

बलाज़द (بلازدہ) अ फा वि–विपत्तिग्रस्त, मुसीबत का मारा।

बलादत (بلادت) अ स्त्री–कुदज़ेहनी, बुद्धि की मदता, प्रतिभा की कमी।

बलादते ज़ेह्न (بلادت ذہن) अ स्त्री–ज़ेहन का कुदपन, प्रतिभा का कुठितपन।

बलादुर (بلادر) अ पु–भिलावाँ, भल्लातक।

बलानसीब (بلانصیب) अ वि–जिसके भाग्य मे आपत्तियाँ ही आपत्तियाँ हो।

बलानोश (بلانوش) अ फा वि–बहुत अधिक पीनेवाला शराबी।

बलानोशी (بلانوشی) अ फा स्त्री–बहुत अधिक शराब पीना।

बलाया (بلایا) अ स्त्री–'बलीय' का बहु, विपत्तियाँ।

बलाहत (بلاہت) अ स्त्री–व्यावहारिक विषयो में ज्ञान की कमी, मूर्खता, नादानी, दे 'बिलाहत', दोनो शुद्ध हैं।

बलीग़ (بلیغ) अ वि–जो बलाग़त का ज्ञाता हो, जो लेख बलागत से पूर्ण हो, अलकार-शास्त्री।

बलीद (بلید) अ वि–जिसका ज़ेह्न मद हो, कुठित-बुद्धि, मदप्रतिभ, मन्दमति।

बलीदुज़्ज़ेह्न (بلید الذہن) अ वि–मदप्रतिभ, लुप्त-बुद्धि, कुद ज़ेह्न।

बलीयः (بلیہ) अ पु–विपत्ति, आपत्ति, मुसीबत।

बलीयत (بلیت) अ स्त्री–आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

बलीयात (بلیات) अ स्त्री–'बलीयत' का बहु, विपत्तियाँ, आपदाएँ, बलाएँ।

बलूत (بلوط) अ पु–दे 'बल्लूत', वही शुद्ध है।

बलूर (بلور) फा अ पु–बल्लूर का लघु दे, 'बल्लूर'।

बलेल. (بلیلہ) अ पु–बहेडा, एक प्रसिद्ध फल, जो त्रिफला का अश है।

बल्अमेबाऊर (بلعم باعور) अ पु–एक वाक्-सिद्ध यहूदी सत जिसके श्राप से हज़रत मूसा चालीस साल बनो में भटकते फिरे, 'बाऊर' उसका बाप था।

बल्क़ान (بلقان) अ पु–यूरोप का एक प्रायद्वीप जिसमें रोमानिया, बल्गारिया, सर्विया, मक्दूनिया अल्बानिया, यूनान और रोम सम्मिलित हैं।

बल्कि (بلکہ) अ फा अव्य–वरन्, वरच, अपितु।

बल्ग़म (بلغم) अ पु–एक धातु, श्लेष्मा।

बल्ग़मी (بلغمی) अ वि–श्लेष्मा सम्बन्धी।

बल्द' (بلدہ) अ पु–नगर, पुरी, शह्र, २१वाँ नक्षत्र, उत्तराषाढा।

बल्दियः (بلدیہ) अ स्त्री–नगरपालिका, म्यूनिसपैलिटी।

बल्लूर (بلور) अ पु–एक मूल्यवान् शीशा, स्फटिकमणि।

बल्वा (بلوا) अ पु–उपद्रव, दगा, फसाद, विद्रोह, बगावत, अशाति, बदअम्नी।

बल्साँ (بلساں) अ पु–एक पेड जिसके पत्तो से तेल निकलता है, जिसे 'रौग़ने बल्साँ' कहते हैं, यह पेड अरब और मिस्र आदि मे पैदा होता है।

बवजूहे अह् सन (بوجه احسن) फा अ अव्य–बहुत अच्छी तरह से।

बवजूहे हलाल (بوجه حلال) फा अ अव्य–हलाल की कमाई से।

बवातिन (بواطن) अ पु–'बातिन' का बहु, हृदयसमूह।

बवादी (بوادی) अ पु —'वादी' का बहु, 'घाटियाँ'।
बवारिक़ (بوارق) अ स्त्री —'बारिक' का बहु, बिजलियाँ।
बवासिर (بواسیر) अ स्त्री —'बासूर' का बहु, एक रोग, अर्श।
बव्वाब (بواب) अ वि —द्वारपाल, ड्योढीवान, दरवान।
बव्वाल (بوال) अ वि —बहुत पेशाब करनेवाला, मुतोडा।
बशर' (بشرہ) अ पु —त्वचा, त्वक्, जिल्द, ऊपरी चमडा।
बशर (بشر) अ पु —मनुष्य, मानव, आदमी।
बशरी (بشری) अ वि —मानुषिक, आदमी का, मनुष्य सम्बन्धी।
बशरीयत (بشریت) अ स्त्री —मानवता, इसानीयत।
बशर्ते कि (بشرطِکہ) फा अ अव्य —शर्त यह है कि, इस शर्त के साथ कि।
बशर्हे सद्र (بشرحِ صدر) फा अ अव्य —जैसा लिखा है उसी के अनुसार।
बशाशत (بشاشت) अ स्त्री —प्रसन्नता, खुशी, आनद, उल्लास, मसर्रत, प्रफुल्लता, शगुफ्तगी।
बशाशते क़ल्ब (بشاشتِ قلب) अ स्त्री —हृदय की प्रफुल्लता।
बशाशते रूह (بشاشتِ روح) अ स्त्री —आत्मा की प्रसन्नता।
बशीर (بشیر) अ वि —बशारत देनेवाला, शुभ सूचना सुनानेवाला।
बशीरोनज़ीर (بشیرونذیر) अ वि —शुभ सूचना देनेवाला और डरानेवाला, स्वर्ग की सूचना देनेवाला और नरक से डरानेवाला, पैगबर।
बश्काल (بشکال) फा स्त्री —वर्षा ऋतु, बरसात।
बश्शाश (بشاش) अ वि —हर्षित, आनदित, खुश।
बसद (بسند) फा वि —पर्याप्त, काफी, प्रचुर, बहुत।
बस (بس) फा वि —पर्याप्त, काफी, अधिक, बहुत, समाप्त, खत्म, केवल, सिर्फ।
बसकि (بسکہ) फा अव्य —चूंकि।
बसदउम्मीद (بصد امید) फा अव्य —सैकडो आशाओ के साथ।
बसदमुश्किल (بصد مشکل) अ फा अव्य —सैकडो कठिनाइयो के साथ।
बसबब (بسبب) फा अ अव्य —कारण से।
बसबीले ज़िक्र (بسبیلِ ذکر) फा अ अव्य —जिक्र अथवा चर्चा करने पर।
बसबीले तज़्किर (بسبیلِ تذکرہ) अ फा अव्य —[illegible]।
बसबीले दवाम (بسبیلِ دوام) अ अव्य —हमेशा के लिए।
बसर (بصر) अ स्त्री —दृष्टि, नज़र।
बसर (بسر) फा स्त्री —गुज़ारा, गुज़र, जीवन-निर्वाह।

बसरऔक़ात (بسراوقات) फा अ स्त्री —ज़िदगी काटना, गुज़ारा करना।
बसराहत (بصراحت) फा अ अव्य —स्पष्टता पूर्वक।
बसरी (بصری) अ वि —दृष्टि-सम्बन्धी।
बसरे औक़ात (بسراوقات) फा अ स्त्री —जीवन-यापन, ज़िदगी गुज़ारना, जीविका चलाना, रोज़ी कमाना।
बसरो चश्म (بسروچشم) फा अव्य —सर आँखो पर, सहर्ष, खुशी के साथ।
बसाँ (بساں) फा वि —तुल्य, समान, मिस्ल।
बसा (بسا) फा वि —प्राय, बहुधा, अक्सर, बहुत, अधिक।
बसाअते सईद (بساعتِ سعید) फा अ अव्य —शुभ मुहूर्त मे, अच्छी घडी मे।
बसाइत (بسائط) अ पु —'बसीत' का बहु।
बसाऔक़ात (بسااوقات) फा अ अव्य —बहुधा, प्राय, अक्सर।
बसातीन (بساتین) फा पु —'बुस्तान' का बहु, बागात।
बसारत (بصارت) अ स्त्री —दृष्टि, नज़र।
बसालत (بسالت) अ स्त्री —शूरता, वीरता, बहादुरी।
बसीगए राज़ (بصیغۂ راز) फा अ अव्य —जो बात या पत्र गोपनीय हो।
बसीत् (بسیط) अ वि —विशाल, विस्तृत, चौडा चकला, वह पदार्थ या तत्त्व जो अमिश्रित और निष्केवल हो।
बसीर (بصیر) अ वि —देखनेवाला, द्रष्टा, दिव्य दृष्टि-वाला; ईश्वर।
बसीम (بسیم) अ वि —मुस्कुरानेवाला।
बसीरत (بصیرت) अ स्त्री —दिल की नज़र, प्रतिभा, चातुर्य, बुद्धिमत्ता, दानाई।
बसुर्अत (بسرعت) फा अ वि —शीघ्रता से, तेज़ी से; जल्दी से, शीघ्र, तुरत, जल्द।
बसूरते दीगर (بصورتِ دیگر) फा अ अव्य —दूसरी अवस्था मे, अन्यथा, वरना।
बस्त (بستہ) फा वि —बँधा हुआ, जमा हुआ, तह किया हुआ गाँठ, अचल, किताबे या कागज़ बाँधने का कपडा (ग्रन्थ) बाँधे हुए जैसे—कमरबस्त, कमर कसे हुए, दस्तबस्त हाथ बाँधे हुए।
बस्त आवाज़ (بستہ آواز) फा वि —जिनकी आवाज़ बैठ गयी हो।
बस्तःकमर (بستہ کمر) फा वि —कमर बाँधे हुए।
बस्त दहन (بستہ دہن) फा वि —जिसका मुँह बद हो, मौन, खामोश चुप, जो बोल न सके।

बस्त पा (بستہ پا) फा वि –जिसके पाँव बँधे हो, पाबद, मज्बूर, विवश।

बस्त मू (بستہ مو) फा वि –जिसके बाल बँधे हो।

बस्त लब (بستہ لب) फा वि –जिसके ओठ बद हो, जो बोल न सके, चुप, अवाक्।

बस्त (بست) फा वि –बदिश, बँधाई, गाँठ।

बस्त (بسط) अ पु –विस्तार, फैलाव, कुशादगी, विवरण, तफसील।

बस्तए जजीर (بستۂ زنجیر) फा वि –जजीर मे बँधा हुआ, शृखलित।

बस्तए दाम (بستۂ دام) फा वि –जाल मे फँसा हुआ, रस्सी मे बँधा हुआ।

बस्तए रसन (بستۂ رسن) फा वि –रस्सी मे बँधा हुआ।

बस्तगी (بستگی) फा स्त्री –बँधा होना, लगाव, तअल्लुक।

बस्तत (بسطت) अ स्त्री –विस्तार, फैलाव, लबाई-चौडाई।

बस्तोक़ब्ज़ (بسط و قبض) अ पु –फैलना और सुकडना, जैसे—नाडी (नब्ज़) का।

बस्तोकुशाद (بست و کشاد) अ पु –बद होना और खुलना, खोल-बाँध, अर्थात् प्रबध, इन्तिज़ाम।

बस्तोबद (بست و بند) फा पु –बदोबस्त, प्रबध, इतिज़ाम।

बस्मल (بسملہ) अ पु –'बिस्मिल्लाह' (पूरी) कहना।

बहक़ (بہق) अ पु –त्वचा के हलके धब्बे, छाप, झाई।

बहज़ार दिक्कत (بہزار دقت) फा अ अव्य –सहस्रो आपत्तियो के साथ, हज़ारो कठिनाइयो के पश्चात्।

बहज़ार दुश्वारी (بہزار دشواری) फा अव्य –दे 'बहज़ार दिक्कत'।

बहज़ार दुश्वारी (بہزار مشکل) फा अ अव्य –दे 'बहज़ार दिक्कत'।

बहज़ार मुसीबत (بہزار مصیبت) फा अ अव्य –हज़ारो आपत्तियाँ और विपत्तिया झेल कर, हज़ारो मुसीबतो के साथ।

बहज़ार शौक़ (بہزار شوق) फा अ अव्य –सहस्रो अभिलाषाओ के साथ, बहुत बडी उत्कठा के साथ।

बहद्दे (بحدے) फा अ अव्य–इस हद तक, यहाँ तक, इतना।

बहद्दे कि (بحدے کہ) फा अ अव्य –यहाँ तक कि, इतना कि, इतना तक हुआ कि।

बहम वुजूह (بہمہ وجوہ) फा अ अव्य –पूरे तौरपर, सर्वांगपूर्ण, पूर्णतया।

बहम सिफत मौसूफ (بہمہ صفت موصوف) फा अ वि –सारी खूबियो से आरास्त, सर्वगुणसम्पन्न।

बहम (بہم) फा वि –'बाहम' का लघु, परस्पर, आपस मे, मिलकर, साथ होकर, एक साथ।

बहमदीगर (بہم دیگر) फा वि –एक-दूसरे के साथ, परस्पर।

बहमरसानी (بہم رسانی) फा स्त्री –एकत्र करना, इकट्ठा करना, तलाश करके लाना।

बहमरसीद. (بہم رسیدہ) फा वि –तलाश करके लाया हुआ, एकत्र किया हुआ।

बहरउन्वान (بہرعنوان) फा अ वि –हर प्रकार से, जैसे बने तैसे, पूरे तौर से, पूर्णतया।

बहरजा (بہرجا) फा अव्य –हर जगह, हर स्थान पर, जिस जगह, जहाँ।

बहरतक्दीर (بہرتقدیر) फा अ वि –हर प्रकार से, हर अवस्था मे।

बहरतौर (بہرطور) फा अ वि –दे 'बहरहाल', हर प्रकार से।

बहरसूरत (بہرصورت) फा अ वि –दे 'बहरहाल' हर तरह से,—'बहरसूरत मेरे दिल की परेशानी नही जाती।" —जिगर।

बहरहाल (بہرحال) फा अ वि –हर हाल मे, हर अवस्था मे, हर प्रकार से, जैसे बने वैसे।

बहा (بہا) फा पु –मूल्य, कीमत, उत्तमता, अच्छाई, शोभा, रौनक, प्रकाश, रौशनी।

बहाइम (بہائم) अ पु –'बहीम' का बहु, चौपाये, मवेशी, पशु।

बहाए खूँ (بہائے خوں) फा पु –खूँबहा, वह धन जो किसी व्यक्ति के मार डाले जाने पर हत्यारे से दिलवाया जाय।

बहादुर (بہادر) तु वि –शूर, वीर, सूरमा।

बहादुराना (بہادرانہ) तु फा वि –बहादुरो-जैसा, वीरोचित।

बहादुरी (بہادری) तु वि –शूरता, वीरता, शजाअत।

बहान (بہانہ) फा पु –मिष, व्याज, हीला, छल, धोखा, फरेब, टालमटोल, हीला हवाला, अवसर, मौका, ऐसी बात जिसकी आड मे कोई काम बन सके।

बहान खू (بہانہ خو) फा वि –जिसका स्वभाव बहानेबाज़ी का हो।

बहान गर (بہانہ گر) फा वि –दे 'बहान बाज़'।

बहान गरी (بہانہ گری) फा स्त्री –दे 'बहान बाज़ी'।

बहान जू (بہانہ جو) फा वि –जो ढूँढ-ढूँढकर बहाने तलाश करे।

बहान जूई (بہانہ جوئی) फा स्त्री –राज नये-नये बहाने तलाश करना।

बहान तलब (بہانہ طلب) फा अ वि –दे 'बहान जू'।

बहान बाज (بہانہ باز) फा वि —बहाने करनेवाला।
बहान.बाजी (بہانہ بازی) फा स्त्री —बहाने बनाना।
बहान साज (بہانہ ساز) फा वि —दे 'बहान बाज'।
बहान साजी (بہانہ سازی) फा स्त्री —दे 'बहान बाजी'।
बहार (بہار) फा स्त्री —वसत ऋतु, पुष्पकाल, फूलो का मौसिम, शोभा, रौनक, मनोविनोद, तफ़्रीह, कौतुक, तमाशा, आनद, लुत्फ, जोबन-उठान, अच्छी अवस्था, परिहास, दिल्लगी।
बहारआगीं (بہارآگیں) फा वि —पुरबहार, शोभायमान, पुष्पित, आनन्दपूर्ण, कौतुकपूर्ण।
बहार ब दामाँ (بہار بداماں) फा वि —दामन मे बहार की शोभाएँ लिये हुए, अपने साथ बहार की छटाएँ लिये हुए।
बहाराँ (بہاراں) फा पु —वसत ऋतु, बहार।
बहारिस्तान (بہارستان) फा पु —बहारो का स्थान, जहाँ बहार ही बहार हो।
बहारी (بہاری) फा वि —बहार का, वसत ऋतु का, बहार सम्बन्धी।
बहारे बेखजाँ (بہار بےخزاں) फा स्त्री —वह बहार जिसमे खिजाँ (पतझड) न हो।
बहाल (بحال) फा अ वि —नीरोग रोगमुक्त, पुनर्नियुक्त, मुअत्तली से मुक्त, स्वस्थ-तन्दुरुस्त, आनदित, खुश।
बहालते परीशाँ (بحالت پریشاں) फा अ वि —बुरे हालो मे, बुरी अवस्था मे, कगाली में।
बहालते मौजूद (بحالت موجودہ) फा अ वि —उपस्थित अवस्था मे, इस समय, इस हालत मे।
बहालाते मौजूद. (بحالات موجودہ) फा अ वि —इस समय के हालात देखते हुए, इन दशाओ मे।
बहाली (بحالی) फा अ वि —नीरोगिता, रोगमुक्ति, पुनर्नियुक्ति, मुअत्तली से मुक्ति, स्वास्थ्य, तन्दुरुस्ती, आनद, प्रसन्नता, खुशी, मुखच्छटा, चेहरे की रौनक।
बहाले अब्तर (بحال ابتر) फा अ वि —बुरे हाल मे, फटे हालो, दरिद्रता की दशा मे।
बहाले कि (بحالے کہ) फा अ अव्य —इस अवस्था मे कि, ऐसे हाल मे कि।
बहाले खराब (بحال خراب) फा अ वि —दे 'बहाले अब्तर'।
बहाले खस्त (بحال خستہ) फा अ वि —फटे हालो, मे, दरिद्रता की दशा मे।
बहाले परीशाँ (بحال پریشاں) फा अ वि —दे 'बहालते परीशाँ'।
बहाले बद (بحال بد) फा अ वि —दे 'बहाले अब्तर'।
बहिफाजत (بحفاظت) फा अ वि —हिफाजत के साथ।

बहिस्सए मुसावी (بحصۂ مساوی) फा अ वि —बराबर-बराबर के भागो मे, बराबर बराबर।
बहीज (بہیج) अ वि —हर्षित, आनदित, शादमाँ।
बहीम' (بہیمہ) अ वि —पशु, चौपाया, मवेशी।
बहीमानः (بہیمانہ) अ अव्य —पशुओ-जैसा, उद्दडतापूर्ण, वहशियाना।
बहीर. (بحیرہ) अ पु —उपसागर, छोटा समुद्र, इसका शुद्ध उच्चारण 'बुहैर' है, परतु उर्दू मे 'बहीर' बोलते है।
बहीरए अख्जर (بحیرۂ اخضر) अ पु —दे 'बह्रे अख्जर'।
बहीरए अब्यज (بحیرۂ ابیض) अ पु —दे 'बह्रे अब्यज'।
बहीरए अस्वद (بحیرۂ اسود) अ पु —दे 'बह्रे अस्वद'।
बहीरए कुल्जुम (بحیرۂ قلزم) अ पु —दे 'बह्रे कुल्जुम'।
बहुक्म (بحکم) फा अ अव्य —आज्ञानुसार, आदेशानुसार, हुक्म से।
बहेच (بہیچ) फा अव्य — व्यर्थ, निरर्थक।
बहैअते मज्मूई (بہیئت مجموعی) फा अ अव्य — पूर्णरूपेण, पूरे तौर पर।
बह्जत (بہجت) अ स्त्री —प्रसन्नता, आनद, हर्ष, खुशी, हराभरापन, सरसब्जी, शोभा, छटा, जेबाई।
बह्जाद (بہزاد) फा पु —दे शुद्ध उच्चारण 'विह्जाद'।
बह्त (بحت) अ वि —बेमेल, निर्मल, निष्केवल।
बह्बूद (بہبود) फा स्त्री —शुद्ध उच्चारण 'विह्बूद' है, परतु उर्दू मे यही है, उन्नति, भलाई, कल्याण।
बह्मन (بہمن) फा पु —ईरानी ग्यारहवाँ महीना जो खजा का महीना है, जो हिंदुस्तानी फागुन होता है, एक कद जो दवा मे काम आता है और लाल-सफेद होता है, इस्फद-यार का पुत्र।
बह्र (بہرہ) फा पु —भाग, अश, हिस्सा।
बह्र मद (بہرہ مند) फा वि —सौभाग्यशाली, खुशनसीब।
बह्रयाब (بہرہ یاب) फा वि —जिसने अपना भाग पा लिया हो, भाग्यवान्, खुशकिस्मत।
बह्रवर (بہرہ ور) फा वि —दे 'बह्र मद'।
बह्र (छद) (بحر) अ स्त्री —शे'र का वज्न, वृत्त, छद।
बह्र [भू.] (بحر) अ पु —समुद्र, सागर, ओशन, महा-सागर।
बह्र (بہر) फा अव्य —लिए, वास्ते, प्रति।
बह्रए वाफिर (بہرۂ وافر) फा अ —बडा भाग, बडा हिस्सा, दूसरो से अधिक भाग।
बह्राम (بہرام) फा पु —मगल राशि, मिर्रीख, एक ईरानी नरेश।
बह्रामगोर (بہرام گور) फा पु —ईरान के शासक यज्दजुर्द

का लडका सन् ४२० ई० मे गद्दी पर बैठा, गोरखर के शिकार का शौकीन था, इस कारण बह्राम गोर कहलाया।

बह्रामे चोबीं (بہرام چوبیں) फा पु –ईरान के चतुर्थ हुर्मुज का सेनापति था, उसे गद्दी से उतारकर आप नरेश बन बैठा (सन् ई ५९०) और आठ महीने पश्चात् खुस्रो परवेज से हारकर भाग गया।

बह्रिय (بحریہ) अ पु –जलसेना, जगी बेडा।

बह्री (بحری) अ वि –समुद्रीय, समुन्दर की, समुद्र सम्बन्धी।

बह्रुलउलूम (بحرالعلوم) अ पु –विद्याओ का समुद्र, अर्थात बहुत बडा और प्रचड विद्वान्, विद्यासागर।

बह्रुलकाहिल [भू.] (بحرالکاہل) अ पु –शात महासागर।

बह्रुसीन (بحرالصین) अ पु –चीन का समुद्र।

बह्रे अख्जर [भू] (بحراخضر) अ पु –कैसपियन (समुद्र)।

बह्रे अज्रक [भू] (بحرازرق) अ पु –नील नदी की पूर्वी शाखा जो नौ सौ मील लवी है, आकाश, आस्मान।

बह्रे अब्यज [भू] (بحرابیض) अ पु –रूस के उत्तर में एक छोटा समुद्र, श्वेतसागर।

बह्रे अल्मास [भू] (بحرالماس) अ पु –वह समुद्र जिसके द्वीपो मे बहुमूल्य रत्नो की खाने हो।

बह्रे असम [छ] (بحراصم) अ स्त्री –एक वृत्त जो उर्दू मे प्रचलित नही है, (ररमय SIS, SIS, SSS ISS) पूरे शे'र में दोवार।

बह्रे अस्वद [भू] (بحراسود) अ पु –कृष्णसागर, ब्लैक सी, रूस के दक्षिण और अनातूलिया के उत्तर का समुद्र।

बह्रे अह्मर [भू.] (بحر احمر) अ पु –दे 'बह्रे कुल्जुम'।

बह्रे आ'जम [भू] (بحر اعظم) अ पु –महासागर, ओशन।

बह्रे औक़ियानूस [भू.] (بحر اوقیانوس) अ पु –अतलातक महासागर।

बह्रे उम्मान [भू.] (بحر عمان) अ पु –पूर्वी दक्षिणी अरब का समुद्र।

बह्रे कबीर [छ] (بحر کبیر) अ स्त्री –व्यवहृत नही (मल+मल+तगु=SSS,I+SSS,I+SSI,S) –दो बार।

बह्रे क़रीब [छं] (بحر قریب) अ स्त्री –उर्दू में व्यवहृत नही है (मल+मल+रल=ISS,I+ISS,I+SIS,I) शे'र मे दो बार।

बह्रे कलीब [छ] (بحر قلیب) अ स्त्री –उर्दू मे प्रचलित नही है (रगु+रगु+यगु=SIS,S+SIS,S+ISS,S) एक शे'र मे दो बार।

बह्रे कामिल [छ] (بحر کامل) अ स्त्री –उर्दू की प्रचलित बह्र (सलगु IIS,I,S) एक शे'र मे आठ बार।

बह्रे काहिल [भू] (بحر کاہل) अ पु –प्रशात महासागर।

बह्रे कुल्जुम [भू.] (بحر قلزم) अ पु –अरब और अफ्रीका के बीच का समुद्र, लालसागर।

बह्रे ख़फीफ [छ] (بحر خفیف) अ स्त्री –इसकी शाखाएँ प्रचलित हैं, (सगु+जगु+सगु=IIS,S+ISI,S+IIS,S) शे'र में दो बार।

बह्रे खुदा (بحرخدا) फा अव्य –ईश्वर के लिए।

बह्रे चीन [भू] (بحر چین) अ फा पु –चीनी समुद्र।

बह्रे जग [भू] (بحر زنگ) अ फा –वह समुद्र जो हब्श के पूर्व में है।

बह्रे जदीद [छ] (بحر جدید) अ स्त्री –इसकी शाखाएँ प्रचलित है, (सगु+सगु+जगु=IIS,S+IIS,S+ISI,S) दो बार।

बह्रे जुल्मात (بحر ظلمات) अ पु –दे 'बह्रे औक़ियानूस'।

बह्रे तवील [छ.] (بحر طویل) अ पु –यह और इसकी शाखाएँ प्रचलित है (य, य, गु+य, य गु=ISS,ISS,S+IIS,ISS,S) शे'र मे दो बार।

बह्रे नदामत (بحر ندامت) अ पु –लज्जा का समुद्र, बहुत अधिक लज्जा।

बह्रे फना (بحر فنا) अ पु –मृत्यु का समुद्र।

बह्रे बसीत [छं.] (بحر بسیط) अ स्त्री –कम व्यवहृत है, इसकी शाखाएँ चलती है (तगु+र+तगु+र=SSI,S+SIS SSI,S+SIS) दो बार।

बह्रे बेकराँ (بحر بے کراں) अ फा पु –वह समुद्र जिसका किनारा न हो।

बह्रे बेपायाँ (بحر بے پایاں) अ फा पु –वह समुद्र जिसका किनारा न हो, वह समुद्र जो अथाह हो।

बह्रे मग़रिब [भू.] (بحر مغرب) अ पु –यूरोप का समुद्र।

बह्रे मदीद [छ.] (بحر مدید) अ स्त्री –कम व्यवहृत है, शाखाएँ व्यवहृत है, (रगु+र+रगु+र=SIS,S+SIS+SIS,S SIS) दो बार।

बह्रे मव्वाज (بحر مواج) अ पु –मौजे मारता हुआ समुद्र।

बह्रे मुंजमिद [भू.] (بحر منجمد) अ पु –वह समुद्र जिसका पानी जमा हुआ हो।

बह्रे मुंजमिद जुनूबी [भू] (بحر منجمد جنوبی) अ पु –दक्षिणीय ध्रुव के आस-पास का समुद्र जो बहुत अधिक ठड के कारण जमा हुआ है।

बह्रे मुंजमिद शिमाली (भू) (بحر منجمد شمالی) अ पु –उत्तरीय ध्रुव का समुद्र जो बहुत अधिक ठड के कारण जमा हुआ है।

बह्रे मुसरेह् [छ] (بحر منسرح) अ स्त्री –बहुत व्यवहृत है इसकी शाखाएँ भी (भगु+रल=SII,S+SIS,I) चार बार।

बह्रे मुक़्तज़िब [छ.] (بحر مقتضب) अ स्त्री –प्रचलित (रल + भगु = SIS,I + SII,S) चार बार।
बह्रे मुज़ारे' [छं.] (بحر مضارع) अ स्त्री –प्रचलित है, शाखाएँ भी (यल + रल = ISS,I + SISI) चार बार।
बह्रे मुज़ील [छ.] (بحر مذیل) अ स्त्री –प्रचलित नहीं है, (रगु=SIS,S) छै बार।
बह्रे मुजास [छ] (بحر مجتث) अ स्त्री –बहुत चालू है, शाखाएँ भी (जगु + सगु = ISI,S + IIS,S) चार बार।
बह्रे मुतक़ारिब [छं.] (بحر متقارب) अ. स्त्री –बहुत चालू है, (य=ISS) आठ बार भुजगप्रयात।
बह्रे मुतदारिक [छं.] (بحر متدارک) अ स्त्री –बहुत चालू है (र=SIS) आठ बार।
बह्रे मुर्दार [भू.] (بحر مردار) अ फा पु –डेड सी, मृत-सागर।
बह्रे मुशाकिल [छ.] (بحر مشاکل) अ स्त्री –चालू नहीं, (रल+यगु+यगु=SIS,I+ISS,S+ISS,S) दो बार, इसकी शाखाएँ भी बहुत चालू हैं।
बह्रे रजज़ [छ.] (بحر رجز) अ स्त्री –बहुत चालू है, इसकी शाखाएँ भी बहुत चालू हैं, (तगु=SSI,S) आठ बार।
बह्रे रमल [छ.] (بحر رمل) अ स्त्री –यह और इसकी शाखाएँ बहुत चालू हैं, (रगु=SIS,S) आठ बार।
बह्रे रवाँ (بحر رواں) अ फा पु –नौका, नाव, किश्ती।
बह्रे रूम [भू.] (بحر روم) अ पु.–रूमसागर।
बह्रे वाफ़िर [छ.] (بحر وافر) अ स्त्री –इसकी शाखाएँ चालू हैं, स्वय बहुत कम है (जलगु=ISI,I,S) आठ बार।
बह्रे सग़ीर [छ.] (بحر صغیر) अ स्त्री –चालू नहीं (तगु+रगु+तगु=SSI,S+SIS,S+SSI,S) दो बार।
बह्रे सरीअ [छं] (بحر سریع) अ स्त्री –बहुत चालू है (भगु+भगु+रल=SIS,S+SIS,S+SIS,I) दो बार।
बह्रे सरीम [छ.] (بحر صریم) अ स्त्री –चालू नहीं (यगु+रगु+रगु=ISS,S+SIS,S+SIS,S) दो बार।
बह्रे सलीम [छ] (بحر سلیم) अ स्त्री –चालू नहीं (तगु+मल+मल=SSI,S+SSS,I+SSS,I) दो बार।
बह्रे हज़ज [छ] (بحر ھزج) अ स्त्री –बहुत चालू, इसकी शाखाएँ भी बहुत चालू हैं, रुबाई इसी से निकली है (यगु=ISS,S) आठ बार।
बह्रे हमीद [छ] (بحر حمید) अ स्त्री –चालू नहीं (मल+तगु+मल= SSS,I+SSI,S+ SSS,I) दो बार।
बह्रे हमीम [छ] (بحر حمیم) अ स्त्री –चालू नहीं (रगु+तगु+तगु=SIS,S+SSI,S+SSI,S) दो बार।
बह्रैन [भू.] (بحرین) पु –श्वेतसागर और कृष्णसागर, कृष्णसागर और रूमसागर, फारिस की खाडी जहाँ से मोती निकलता है।
बह्स (بحث) अ स्त्री –वादविवाद, मुबाहस, वाक्कलह, लफ्ज़ीजग, मुकदमे में सुबूत और सफाई आदि के बाद वकीलो का हाकिम के सामने तर्क-वितर्क।
बह्सतलब (بحث طلب) अ वि –जिसमे तर्क-वितर्क की आवश्यकता हो।
बह्सोतम्हीस (بحث و تمحیص) अ स्त्री –तर्क-वितर्क, वादविवाद।
बह्सोमुबाहसः (بحث و مباحثہ) अ. पु –दे 'बह्सो तम्हीस'।
बह्हास (بحاث) अ वि –बहुत अधिक वाद-विवाद करने-वाला, वादरत।

बा

बाँग (بانگ) फा स्त्री –स्वर, ध्वनि, नाद, आवाज़, नमाज़ की अज़ान, मुर्ग़े की बोली।
बाँगे अज़ाँ (بانگ اذاں) फा अ स्त्री –अज़ान की आवाज़, अज़ान।
बाँगे जरस (بانگ جرس) फा स्त्री –काफ़िले में बजनेवाले घंटे की आवाज़।
बाँगे दिरा (بانگ درا) फा स्त्री –दे 'बाँगे जरस'।
बा (با) फा उप –शब्द शुरूआत मे आकर, साथ, वाला, पूर्ण, आदि का अर्थ देता है, जैसे—'बा आबो ताब', चमक-दमक के साथ, बाईमान, ईमानवाला, बाअसर, प्रभावपूर्ण।
बाअख़्लाक़ (بااخلاق) फा अ वि –अच्छे शील-स्वभाव-वाला, सुशील, शिष्ट।
बाअदब (باادب) फा अ वि –तमीज़दार, शिष्ट।
बाअसर (بااثر) फा अ वि –प्रभावशाली, असरवाला।
बाआँकि (باآں کہ) फा अव्य –इसके बावुजूद।
बाआबरू (باآبرو) फा वि –प्रतिष्ठित, इज़्ज़तदार।
बाआबो ताब (باآب و تاب) फा वि –चमक-दमक के साथ, शान के साथ।
बाइक्तिदार (بااقتدار) फा अ वि –जिसके हाथ में सत्ता हो, सत्तावान्।
बाइख़्तियार (بااختیار) फा अ वि –जिसके हाथ मे अधिकार हो, प्राप्ताधिकार।
बाइख़्लास (بااخلاص) फा अ वि –जिसमे ख़ुलूस और निष्कपटता हो।
बाइत्मीनान (بااطمینان) फा अ वि –विश्वस्त, मा'तबर, विश्वासपात्र, ईमानदार।

बाइस (باعث) अ पु –कारण, हेतु, निमित्त, सबब, मूल कारण, बुन्याद।
बाइसे इन्फ़िआल (باعث انفعال) अ पु –लज्जा का कारण, पश्चात्ताप का कारण।
बाइसे इफ़्तिराक़ (باعث افتراق) अ पु –फूट का कारण।
बाइसे इब्तिहाज (باعث ابتہاج) अ पु –हर्ष का कारण।
बाइसे इश्तिआल (باعث اشتعال) अ पु –उत्तेजना का कारण।
बाइसे ख़ुशी (باعث خوشی) अ फा पु –हर्ष का कारण।
बाइसे तफ़ाख़ुर (باعث تفاخر) अ पु –गर्व या मान का कारण।
बाइसे तबाही (باعث تباہی) अ. फा पु –बरबादी अथवा नाश का कारण।
बाइसे दिरंग (باعث درنگ) अ फा पु –ढील और देर का कारण।
बाइसे नदामत (باعث ندامت) अ पु –दे 'बाइसे इन्फ़िआल'।
बाइसे निफ़ाक़ (باعث نفاق) अ पु –फूट का कारण।
बाइसे परवरिश (باعث پرورش) अ फा पु –कृपा का कारण।
बाइसे फ़ख़्र (باعث فخر) अ पु –गर्व का कारण।
बाइसे मन्फ़अत (باعث منفعت) अ पु –लाभ का कारण, भलाई का कारण।
बाइसे मर्हमत (باعث مرحمت) अ पु –अनुकंपा और दया का कारण।
बाइसे मसर्रत (باعث مسرت) अ पु –हर्ष और आनंद का कारण।
बाइसे शकररंजी (باعث شکررنجی) अ फा पु –वैमनस्य का कारण।
बाइसे शर्म (باعث شرم) अ फा पु –लज्जा का कारण।
बाइसे शुक्र (باعث شکر) अ पु –धन्यवाद का कारण।
बाइस्त (بائستہ) फा वि –योग्य, लाइक, उत्तम, बेहतर।
बाइस्तितअत (بااستطاعت) फा अ वि –समर्थ, योग्य, धनवान्, मालदार।
बाइस्ते'दाद (بااستعداد) फा अ वि –विद्वान्, पंडित, काफी पढा-लिखा।
बाइस्मत (باعصمت) फा अ वि –सती, साध्वी, इस्मत-मआब।
बाईहम (بااین ہمہ) फा अव्य –इन सब बातो के बावुजूद।
बाईमान (باایمان) फा अ वि –धर्मनिष्ठ, ईमान का पक्का, दियानतदार, ईमानदार।
बाईसार (باایثار) फा अ वि –त्यागशील।
बाए (بائع) अ वि –बेचनेवाला, विक्रेता।
बाएतिक़ाद (بااعتقاد) फा अ वि –श्रद्धावान्, मोतक़िद, अच्छे एतिकादवाला।
बाएतिबार (بااعتبار) फा अ वि –विश्वस्त, मो'तबर।
बाएतिमाद (بااعتماد) फा अ वि –विश्वस्त, मो'तमद।
बाएहतियाज (بااحتیاج) फा अ वि –ज़रूरतमंद, मुहताज।
बाएहतियात (بااحتیاط) फा अ वि –सावधान, सावधानी से रखनेवाला, एहतियात करनेवाला।
बाएहसास (بااحساس) फा अ वि –स्वाभिमानी, ख़ुद्दार।
बाऔलाद (بااولاد) फा अ वि –संतानवाला।
बाक (باک) फा पु –भय, डर, ख़ौफ, लज्जा, शर्म, संकोच, पसोपेश, आशंका, अंदेशा।
बाकोदो काविश (باکدوکاوش) फा अव्य –पूरी दौड-धूप से।
बाक़ाइद (باقاعدہ) वि फा –काइदे से, क़रीने से, क्रम से, बाज़ाबित।
बाकमाल (باکمال) फा अ वि –गुणवान्, हुनरमंद, किसी काम या हुनर मे बहुत बडी महारत रखनेवाला।
बाकार (باکار) फा वि –जो काम में लगा हो, जिसका जरीएमआश मौजूद हो, साधनसंपन्न।
बाक़ियात (باقیات) अ उभ पु –बाक़ी बची हुई वस्तुएँ।
बाक़ियातुस्सालिहात (باقیات الصالحات) अ स्त्री-वे अच्छे काम जिनसे नाम बाकी रहे, अच्छी औलाद।
बाकिर (باکرہ) अ स्त्री –कुमारी, अक्षता, बिन ब्याही लडकी, दोशीज़ा।
बाक़िर (باقر) अ पु –सिंह, व्याघ्र, शेर, विद्वान्, काविद, फ़ाज़िल।
बाक़िल्ल' (باقلہ) अ पु –मटर।
बाक़ी (باقی) अ स्त्री –शेष, बचा हुआ, अमर, अनश्वर, हमेशा रहनेवाला, जो रकम अदा होने को हो; ईश्वर का एक नाम।
बाकी (باکی) अ वि –रोनेवाला।
बाक़ीदार (باقی دار) अ फा वि –जिसके ज़िम्मे क़र्ज़ बाकी हो, जिसे कुछ देना रह गया हो।
बाक़ीमाद' (باقی ماندہ) अ फा वि –बाकी बचा हुआ।
बाख़ (باخہ) तु पु –कछवा, कच्छप, कूर्म।
बाख़बर (باخبر) फा अ वि –सचेत, सतर्क, होशियार, अभिज्ञ, वाकिफ, ज्ञाता, जानकार।
बाख़बरी (باخبری) फा अ स्त्री –सतर्कता, होशियारी, अभिज्ञता, वाक़िफ़ीयत, ज्ञान, जानकारी।

बाख़िर (باخرہ) अ स्त्री –स्टीमर, अग्निबोट।
बाख़िरद (باخرد) फा वि –बुद्धिमान्, मेधावी, मनीषी, अक्लमद।
बाख़ुदा (باخدا) फा वि –सदात्मा, पुण्यात्मा, ख़ुदा-रसीद।
बाख़ैर (باخیر) फा अ वि –दानशील, फैयाज, जो सबके साथ भलाई करता हो।
बाख़्त (باختہ) फा वि –हारा हुआ, जुए के दाँव पर हारा हुआ, (प्रत्य०) इन्ही अर्थो मे, जैसे—'दिलबाख़्त' प्रेम मे मन हारा हुआ।
बाख़्तनी (باختنی) फा अव्य –हारनेयोग्य।
बाख़्तर (باختر) फा पु –पूर्व, मश्रिक, कभी पश्चिम के लिए भी आता है, ख़ुरासान।
बाग़ (باغ) फा पु –उद्यान, आराम, वाटिका, गुलिस्ताँ।
बाग़च (باغچہ) फा पु –छोटा बाग, फुलवारी।
बाग़पैरा (باغ پیرا) फा वि –माली, उद्यानपाल।
बाग़बाग़ (باغ باغ) फा वि –बहुत खुश, अति आनदित।
बाग़बान (باغبان) फा पु –उद्यानपाल, बाग की रख-वाली करनेवाला, माली।
बाग़बानी (باغبانی) फा स्त्री –माली का काम, बाग मे पौदे और फूल उगाने और उनकी देख-रेख का काम।
बाग़बाने अज़ल (باغبان ازل) फा अ पु –ईश्वर।
बाग़ियान: (باغیانہ) अ फा अव्य –विद्रोहियो-जैसा, बागियो-जैसा।
बाग़ी (باغی) अ वि –विद्रोही, बगावत करनेवाला, अवज्ञाकारी, सरकश।
बाग़े अद्न (باغ عدن) फा अ पु –स्वर्ग, विहिश्त।
बाग़े आम (باغ عام) फा अ पु –कपनीबाग, पुरोद्यान।
बाग़े इरम (باغ ارم) फा पु –वह बाग जो शद्दाद ने बनाया था, जन्नते शद्दाद।
बाग़े कुदुस (باغ قدس) फा अ पु –स्वर्ग, विहिश्त।
बाग़े ख़ुल्द (باغ خلد) फा अ पु –स्वर्ग, विहिश्त।
बाग़ेबिहिश्त (باغ بہشت) फा अ पु –स्वर्ग,–"बाग़े विहिश्त से मुझे हुक्मे सफर दिया था क्यो ? कारे जहाँ दराज है अब मेरा इतिजार कर।"—इकबाल।
बाग़े जिनाँ (باغ جنان) फा अ पु –स्वर्ग, विहिश्त।
बाग़े रिज़्वाँ (باغ رضوان) फा अ पु –स्वर्ग, विहिश्त।
बाग़े वह्श (باغ وحش) फा अ पु –अजाइब घर जिसमे हर प्रकार के जीव जन्तु हो, जतुशाला।
बाग़े शद्दाद (باغ شداد) फा अ पु –वह कृत्रिम स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था, और जिसमे प्रवेश करते समय, वह घोडे से गिरकर मर गया।
बाग़ैरत (باغیرت) फा अ वि –स्वाभिमानी, ख़ुददार; लज्जावान्, वाह्या।
बाग़ोबहार (باغ وبہار) फा स्त्री –शोभायमान्, बारौनक।
बाचश्मेतर (باچشم تر) फा अव्य –आँखो मे आँसू डवडबाते हुए, रोते हुए।
बाचश्मेनम (باچشم نم) फा अव्य.–दे 'बा चश्मेतर'।
बाज (باج) फा पु –ख़िराज, चौथ।
बाज़ (باز) फा पु –एक प्रसिद्ध पक्षी, श्येन, पुन, फिर, (प्रत्य)।
बा'ज़ (بعض) अ वि –कतिपय, चद, कोई-कोई।
बाज़ख़्वास्त (بازخواست) फा स्त्री –खोज, तलाश, वापस माँगना।
बाज़ख़्वाह (بازخواہ) फा वि –वापस माँगनेवाला।
बाज़ख़्वाही (بازخواهی) फा स्त्री –वापस माँगना।
बाज़गश्त (بازگشت) फा स्त्री – वापसी, लौटना।
बाजगीर (باج گیر) फा वि –ख़िराज लेनेवाला।
बाजगुज़ार (باج گزار) फा वि –ख़िराज देनेवाला।
बाजदार (باج دار) फा वि –दे 'बाजगीर'।
बाज़दा'वा (بازدعوی) फा अ पु –दावे से दस्तबरदार होना, नालिश वापस लेना।
बाज़दीद (بازدید) फा स्त्री –जवाबी मुलाकात, किसी के मिलने के लिए आने पर उसकी मुलाकात को उसके घर जाना।
बाज़पसी (بازپسیں) फा वि –आख़िरी वक्त, मरने का समय, अतिम काल।
बाज़पुर्स (بازپرس) फा स्त्री –पूछगछ, मुआख़ज।
बाजमाअत (باجماعت) फा अ वि –जमाअत के साथ नमाज़, मस्जिद में सबके साथ की नमाज।
बाज़मानत (باضمانت) फा अ वि –जमानत के साथ जिसके साथ ज़मानत भी देना पडे।
बाजमाल (باجمال) फा अ वि –रूपवान, सुदर, मनोहर, हसीन।
बाज़याफ्त (بازیافتہ) फा वि –फिर पाया हुआ।
बाज़याफ्तगी (بازیافتگی) फा स्त्री–फिर से पाना, गयी हुई चीज का मिल जाना।
बाज़याबी (بازیابی) फा स्त्री –दे 'बाज़याफ्तगी'।
बाज़रगाँ (بازرگاں) फा पु –'बाजारगा' का लघु, सौदागर, व्यापारी, वणिक्।
बाज़रगानी (بازرگانی) फा पु –व्यापार, सौदागरी।

बाजराए (باذرائع) फा अ वि –जिसके पास साधन हो, जो वसीले रखता हो।

बाजाइक़ (باذائقہ) फा अ वि –स्वादिष्ठ, मजेदार, मुस्वाद।

बाजाबित (باضابطہ) फा अ वि –कानूनी तौर पर नियमपूर्वक, नियमबद्ध, बाकाइद।

बाजार (بازار) फा पु –हाट, बज़ार।

बाजारगाँ (بازارگاں) फा पु –वणिक्, व्यापारी।

बाज़ारी (بازاری) फा वि –बाजार का, बाज़ार से सम्बन्ध रखनेवाला, लोफर, कमीना, अगर स्त्री के लिए हो तो वेश्या।

बाज़ारे हुस्न (بازارحسن) फा अ पु –चकला, रंडीखाना, वह स्थान जहाँ बहुत-सी रूपवती स्त्रियाँ एकत्र हो।

बाजिंद (بازندہ) फा वि –धूर्त, चालाक, ऐयार, वंचक, छली, खिलाड, खिलाडी।

बाजिंदगी (بازندگی) फा स्त्री –धूर्तता, मक्कारी, वंचकता, छल, खिलाडीपन।

बाजिल (باذل) अ वि –वदान्य, दानशील, सखी, फ़ैयाज।

बाजी (باجی) फा वि –बाज देनेवाला, खिराज देनेवाला।

बाजी (باجی) तु स्त्री –बडी बहन, आपा, अत्तिका।

बाजी (بازی) फा स्त्री –कौतूहल, तमाशा, खेल, शर्त, पण, शर्त पर लगाया हुआ रुपया, धोखा, छल, ताश, शत्रंज आदि का एक बार का खेल, ठठोल, मस्खर पन।

बाजीगर (بازیگر) फा वि –कौतुकी, तमाशा करनेवाला, मायावी, शोबद बाज।

बाजीगरी (بازیگری) फा स्त्री –कौतुक दिखाना, खेल तमाशे करना, शोबद बाज़ी करना, माया-कर्म।

बाज़ीगाह (بازیگاہ) फा स्त्री –खेलने की जगह, क्रीडा-स्थल, कौतुक-स्थान।

बाजीगोश (بازیگوش) फा स्त्री –खिलाडी, शरीर, चंचल, चपल, वह लडका जो खिलाडी लडको की आवाज पर कान लगाये रहे।

बाज़ीच: (بازیچہ) फा पु –खिलौना, जिससे बच्चे खेले, खेल, तमाशा, क्रीडा, कौतुक।

बाज़ीचए अत्फ़ाल (بازیچۂ اطفال) फा अ पु –बच्चो का खिलौना, बच्चो का खेल।

बाज़ू (بازو) फा पु –भुजा, बाहु, बाँह, चिडियो के डैने जिनमे पंख लगते हैं, सहायता, मदद, बल, ज़ोर, गवैए के साथ स्वर मिलानेवाला।

बाजूबंद (بازوبند) फा पु –अंगद, केयूर, बिजायठ, भुजबंद।

बाज़ूशिकन (بازوشکن) फा वि –शक्तिशाली, ज़ोरावर।

बाज़ूशिकस्त: (بازوشکستہ) फा वि –जिसकी भुजाएँ टूट गयी हो, भग्नबाहु, बेबस, लाचार, दु खी।

बाज़ौक़ (باذوق) फा अ वि –रसिक, सहृद्, सुखनशनास।

बातद्बीर (باتدبیر) फा वि –प्रवीण, कुशल, होशियार, हर काम को ढंग से करनेवाला, मुदब्बिर।

बातनख़्वाह (باتنخواہ) फा वि –जो तनख़्वाह लेकर काम करता हो, जिसे वेतन दिया जाता हो।

बातमीज़ (باتمیز) फा अ वि –जो सारे काम सुगढतापूर्वक करे, तमीज़दार, शिष्ट, सभ्य, मुहज़्ज़ब, शाइस्ता।

बातम्कीन (باتمکین) फा अ वि –गंभीर, संजीद, प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़।

बातर्जम: (باترجمہ) फा अ वि –जिस मूल पुस्तक के साथ उसका अनुवाद भी हो, सटीक, सानुवाद।

बातर्तीब (باترتیب) फा अ वि –क्रम से लगा हुआ, क्रमबद्ध, शृंखलित।

बातसल्सुल (باتسلسل) फा अ वि –लगातार, अनवरत, अविच्छिन्न, क्रम-बद्ध, तर्तीब से।

बातहज़ीब (باتہذیب) फा अ वि –सभ्य, शिष्ट, महज़्ज़ब।

बातिन (باطن) अ पु –मन, हृदय, दिल, अंदर, भीतर, अंदरूनी हालत।

बातिनी (باطنی) अ वि –मानसिक, दिली, आंतरिक, अंदरूनी।

बातनीय: (باطنیہ) अ पु –मुसलमानो का एक सम्प्रदाय।

बातिल (باطل) अ वि –असत्य, झूठ, ग़लत, खंडित, रद, व्यर्थ, बेकार, निकम्मा, बेअसर।

बातिलपरस्त (باطل پرست) अ फा वि –जो सत्यता का पालन न करके असत्यता को अपना ध्येय बनाये।

बातिलशिकन (باطل شکن) अ फा –जो असत्य का खंडन करे, सत्यवान्।

बातौक़ीर (باتوقیر) फा अ वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, पूज्य।

बातौफ़ीक़ (باتوفیق) फा अ वि –संपन्न, समृद्ध, धनी, समर्थ, बामक्दरत।

बादंजान (بادنجان) फा पु –बैंगन, भटाकी, भाँटा।

बाद: (بادہ) फा स्त्री –मदिरा, मद्य, वारुणी, कादंबिनी, हाला, माधुरी, सुरा, शराब।

बाद:आशाम (بادہ آشام) फा वि –शराब पीनेवाला, पानकर्ता, मद्यप, रसाशी, पानप।

बाद:आशामी (بادہ آشامی) फा स्त्री –शराब पीना, मद्यपान।

बादःकश (بادہکش) फा वि –दे 'बाद आशाम'।
बादःकशी (بادہکشی) फा स्त्री –दे 'बाद आशामी'।
बादःख़ोर (بادہخور) फा वि –दे 'बाद आशाम'।
बादःख़ोरी (بادہخوری) फा वि.–दे 'बाद आशामी'।
बादःख़्वार (بادہخوار) फा वि –दे 'बाद आशाम'।
बादःख़्वारी (بادہخواری) फा स्त्री –दे 'बाद आशामी'।
बादःगुसार (بادہگسار) फा वि –दे 'बाद आशाम'।
बादःगुसारी (بادہگساری) फा स्त्री –दे 'बाद आशामी'।
बादःचश (بادہچش) फा वि –थोडी-सी शराब पीनेवाला, केवल मुँह का स्वाद बदलने को जरा-सी पीनेवाला।
बादःचशी (بادہچشی) फा स्त्री –मुँह का मजा बदलने को जरा-सी शराब पीना।
बादःनोश (بادہنوش) फा वि –दे 'बाद आशाम'।
बादःनोशी (بادہنوشی) फा स्त्री –दे 'बाद आशामी'।
बादःपरस्त (بادہپرست) फा वि –बहुत अधिक पीनेवाला, मदिराभक्त, पानरत।
बादःपरस्ती (بادہپرستی) फा स्त्री –मदिरा-प्रेम, बहुत पीना।
बादःपैमा (بادہپیما) फा वि –दे 'बाद आशाम'।
बादःपैमाई (بادہپیمائی) फा स्त्री –दे 'बाद आशामी'।
बादःफ़रोश (بادہفروش) फा वि –शराब बेचनेवाला, सुराजीवी, कल्यपाल, शौडिक, मद्यवणिक्।
बादःफ़रोशी (بادہفروشی) फा स्त्री –शराब बेचना, मद्य-व्यवसाय।
बादःफ़र्सा (بادہفرسا) फा वि –दे 'बाद आशाम'।
बादःफ़र्साई (بادہفرسائی) फा स्त्री –दे 'बाद आशामी'।
बादःबजाम (بادہبجام) फा वि –पियाले में शराब भरे हुए।
बादःबलब (بادہبلب) फा वि –मुँह से शराब का पियाला लगाये हुए।
बादःसंज (بادہسنج) फा वि –दे 'बाद आशाम'।
बादःसंजी (بادہسنجی) फा स्त्री –दे 'बाद आशामी'।
बादःसाज़ (بادہساز) फा वि –शराब बनानेवाला, सुराकार।
बादःसाज़ी (بادہسازی) फा स्त्री –शराब बनाना, मद्य सधान।
बाद (باد) फा वि –वात, वायु, हवा, घमड, 'बबाद' का लघु, हो, आशीर्वाद,—(प्रत्य) हो, रहो, या शाप के लिए शब्द के अत मे आता है, जैसे—'ज़िंद बाद' जीवित रहो अथवा 'मुर्दः बाद' नष्ट हो।
बा'द (بعد) अ वि –पश्चात्, उपरात, पीछे।
बादअंगेज़ (بادانگیز) फा वि –बात यानी सौदा पैदा करनेवाला।
बा'दअज़ाँ (بعدازاں) फा वि –तत्पश्चात्, इसके बा'द।
बादअफ़्राह (بادافراہ) फा पु –यह उच्चारण अशुद्ध है, दे 'बादाफ़्राह'।
बादआवर्द (بادآورد) फा पु –ख़ुस्रौ परवेज़ का ख़ज़ाना, एक वनौषधि।
बादए अंगूर (بادۂ انگور) फा स्त्री –अंगूरी शराब, मालिका, द्राक्षासव।
बादए अंग्बीं (بادۂ انگبیں) फा स्त्री –शहद की शराब, माधवी।
बादए अर्ग़वानी (بادۂ ارغوانی) फा स्त्री –सुर्ख़ शराब।
बादए अह्मरीं (بادۂ احمریں) फा अ स्त्री –लाल रंग की मदिरा।
बादए आतशीं (بادۂ آتشیں) फा स्त्री –आग के रंग की मदिरा, अग्निवर्णा।
बादए इनबी (بادۂ عنبی) फा अ स्त्री –अंगूरी शराब, द्राक्षासव।
बादए इश्क़ (بادۂ عشق) फा अ स्त्री –प्रेम-मदिरा, मुहब्बत की शराब।
बादए कुह्न (بادۂ کہنہ) फा स्त्री –पुरानी मदिरा, जो बहुत तेज होती है।
बादए गुलफ़ाम (بادۂ گلفام) फा स्त्री –गुलाब के रंग-जैसी शराब, गुलाबी शराब।
बादए गुलरंग (بادۂ گلرنگ) फा स्त्री –दे 'बादए गुलफ़ाम'।
बादए तल्ख़ (بادۂ تلخ) फा स्त्री –कड़वी शराब, पुरानी शराब, बहुत तेज और अच्छी शराब।
बादए तहूर (بادۂ طہور) फा अ स्त्री –पवित्र मदिरा, स्वर्ग में मिलनेवाली मदिरा।
बादए तुंद (بادۂ تند) फा स्त्री –तेज शराब।
बादए दोशीनः (بادۂ دوشینہ) फा स्त्री –रात की रखी हुई शराब, रात को पी हुई शराब।
बादए नाब (بادۂ ناب) फा स्त्री –बहुत बढ़िया शराब, ख़ालिस और बेमेल शराब।
बादए नैशकर (بادۂ نیشکر) फा स्त्री –गन्ने की शराब, गुड की शराब, ठर्रा, सीधु।
बादए नोशीं (بادۂ نوشیں) फा स्त्री –आबेहयात मिली हुई शराब, अमृत-जैसी शराब।
बादए पसख़ुर्दः (بادۂ پس خوردہ) फा स्त्री –पीने से बची हुई शराब।

बादए रैहानी (بادۂ ریحانی) फा अ स्त्री –एक शराब जो बहुत सारे फूलो से बनती है और बडी स्वादिष्ठ और सुगधित होती है।
बादए लाल फाम (بادۂ لالہ فام) फा स्त्री –लाल-जैसे रग की बहुत ही सुर्ख शराब।
बादए शबीन (بادۂ شبینہ) फा स्त्री –रात की पी हुई शराब।
बादए शौक (بادۂ شوق) फा अ स्त्री –प्रेम की मदिरा।
बादए साफी (بادۂ صافی) फा अ स्त्री –स्वच्छ और निर्मल मदिरा।
बादकश (بادکش) फा पु –छत का पखा, धौकनी।
बादखाय (بادخایہ) फा पु –फोते वढने का म.ज़, अत्र-वृद्धि।
बादखवाँ (بادخواں) फा वि –डीगिया, शेखीवाज, चाटुकार, खुशामदी, भाट, भटई करनेवाला।
बादगीर (بادگیر) फा स्त्री –हवादार खिडकी, गवाक्ष, वातायन।
बादज़न (بادزن) फा पु –पखा, व्यजन, हाथ का पखा।
बाददस्त (باددست) फा वि –फ़ुजूल खर्च, अपव्ययी, दरिद्र, कगाल।
बाददस्ती (باد دستی) फा स्त्री –फजूलखर्ची, अपव्यय, दरिद्रता, कगाली।
बादनुमा (باد نما) फा पु –वायु का वेग बतानेवाला यत्र।
बादपरॉं (باد پراں) फा वि –डीगिया, हवा वाँधनेवाला।
बादपर्वा (باد پروا) फा पु –वातायन, गवाक्ष, हवा आने की खिडकी।
बादपा (باد پا) फा वि –शीघ्रगति, बहुत तेज़ चलने वाला, प्राय घोडे के लिए आता है।
बादपैमा (باد پیما) फा वि –शीघ्र गति, तेज रफ्तार, मिथ्यावादी, वकवासी, जगलो मे फिरनेवाला, वनचर।
बादपैमाई (باد پیمائی) फा अ स्त्री –तेज चलना, बकवास, जगलो मे फिरना।
बादफर (بادفر) फा स्त्री –फिरकी।
बादफराह (بادفراہ) फा पु –पापदड, गुनाही सजा, प्रत्युपकार, बुराई का बदला।
बादफरोश (باد فروش) फा वि –वातूनी, गप्पी, चाटुकार, खुशामदी, शेखी खोरा, डीगिया।
बादफरोशी (باد فروشی) फा स्त्री –वकवास, खुशामद, शेखी।
बादबाकी (باد باقی) फा अ स्त्री –रोकड, तहवील।
बादबान (بادبان) फा पु –जहाज मे लगाया जानेवाला पर्दा जिसमें हवा भरकर जहाज़ चलता है, पोतपट, मस्तूल।
बादबानी (بادبانی) फा वि –वादवान द्वारा चलनेवाला पोत, वादवान से सम्बन्ध रखनेवाला।
बादबाने अख्जर (بادبان اخضر) फा अ पु –आकाश, आस्मान।
बादबेज़न (باد بیزن) फा पु –फर्शीपखा।
बादब्दब. (بادبدبہ) फा वि –जिसका दब्दवा बहुत हो।
बादमे नक्द (بادم نقد) फा अ वि –एकाकी, अकेला, तने तनहा।
बादमे सर्द (بادم سرد) फा वि –ठडी आह भरकर।
बादमोहर (باد مہرہ) फा पु –साँप का फन, सर्पमणि, एक विष नाशक पत्थर।
बादयान (بادیان) फा स्त्री –सौंफ, शत पुष्पा।
बादयाने खताई (بادیان خطائی) फा स्त्री –एक दवा।
बादरजबोय (باد رنجبویہ) फा पु –एक दवा, बिलाई लोटन।
बादरफ्तार (بادرفتار) फा वि –हवा की भाँत शीघ्र गति वाला, वायुवेग।
बादरफ्तारी (بادرفتاری) फा स्त्री –हवा की भाँति तेज चलना।
बादरीश (بادریش) फा वि –अभिमान, अहकार, घमड।
बा'दलममात (بعدالممات) अ अव्य –मौत के बा'द, मरण पश्चात्।
बादशह (بادشہ) फा पु –'बादशाह' का लघु, दे 'बादशाह'।
बादशाह (بادشاہ) फा पु –शासक, नरेश, राजा।
बादशाही (بادشاہی) फा स्त्री –शासन, राज, हुकूमत, राष्ट्र, राज्य, सल्तनत।
बादसज (بادسنج) फा वि –व्यर्थ के काम करनेवाला, व्यर्थकारी, लोलुप, लोभी, लालची।
बादसैर (بادسیر) फा अ वि –दे 'बादपा'।
बादहवाई (بادہوائی) फा स्त्री –गप, वाचालता, व्यर्थ की वकवाद।
बादा (بادا) फा अव्य –हो।
बादाफ्राह (بادافراہ) फा पु –पाप-दड, गुनाह की सजा, प्रत्यपकार, बदी का वदला।
बादाम (بادام) फा पु –एक प्रसिद्ध मेवा, वाताम, बदाम।
बादामी (بادامی) फा वि –बादाम का रग, हलका पीला जो सफेदी लिये हो।
बाॅदिजान (بادنجان) फा पु –बैंगन, दे 'बादजान' दोना शुद्ध है।
बादिय (بادیہ) अ पु –वन, कानन, विपिन, जगल।

बादियः (بادیہ) तु पु –बडा पियाला।

बादियःगर्द (بادیہگرد) अ फा वि –जगलो मे मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी, वनचारी।

बादियःनशीं (بادیہنشیں) अ फा वि –जगल मे रहनेवाला, जगली, खान बदोश।

बादियःपैमा (بادیہپیما) अ फा वि –दे 'बादिय गर्द'।

बादियःपैमाई (بادیہپیمائی) अ फा स्त्री –जगलो मे मारा-मारा फिरना।

बादियुन्नज़र (بادی النظر) अ स्त्री –पहली दृष्टि, ऊपरी दृष्टि।

बादिर्राय (بادی الرائے) अ स्त्री –ऊपरी विचार।

बादिले ख़ारख़ार (بادل خارخار) फा अव्य –दुखी मन से, विवशता से, बहुत ही दु ख से।

बादिले ज़ार (بادل زار) फा अव्य –रोते हुए दिल से, दुखी हृदय से।

बादिले ना ख़्वास्त' (بادل ناخواستہ) फा अव्य –इच्छा के विरुद्ध, मन न चाहते हुए, विवशता से।

बादी (بادی) अ वि –प्रारभकर्ता, शुरूअ करनेवाला, आरभ, इब्तिदा, व्यक्त, ज़ाहिर।

बादी (بادی) फा वि –वायु से सम्बन्धित, हवाई।

बादीदए तर (بادیدۂ تر) फा अव्य –भीगी आँखो के साथ, अर्थात् रोते हुए, बहुत ही दु ख के साथ।

बादीदए नम (بادیدۂ نم) फा अव्य –दे 'बादीदए तर'।

बादे ईसा (باد عیسیٰ) फा अ स्त्री –हज़रत ईसा की फूँक, जिससे मुर्दे जी उठते थे।

बादे ख़िज़ाँ (باد خزاں) फा स्त्री –पतझड की ऋतु की हवा।

बादे ज़म्हरीर (باد زمہریر) फा स्त्री –शीतकाल की बहुत ही ठडी वायु, जिससे हाथ-पाँव ठिठुर जाते है।

बादे तुंद (باد تند) फा स्त्री –तेज़ वायु, झझावात, झक्कड।

बादे नसीम (باد نسیم) फा अ स्त्री –शीतल, मद और सुगधित समीर।

बादे फ़त्क़ (باد فتق) फा अ स्त्री –अत्र-वृद्धि, फोते का बढ जाना।

बादे फ़रग (باد فرنگ) फा स्त्री –उपदश, आतशक, गर्मी रोग।

बादे बहार (باد بہار) फा स्त्री –वसत ऋतु की सुगधित और शीतल वायु।

बादे बहारीं (باد بہاریں) फा स्त्री –दे 'बादे बहार'।

बादे बहारी (باد بہاری) फा स्त्री –दे 'बादे बहार', "न छेड ऐ नक्हते बादे बहारी राह लग अपनी।
तुझे अठखेलियाँ सूझी है, हम बेज़ार बैठे है।"

बादे मुआफ़िक़ (باد موافق) फा अ स्त्री –वह वायु जो नाव के रुख पर चले, जिससे नाव शीघ्र और ठीक चले।

बादे मुख़ालिफ़ (باد مخالف) फा अ स्त्री –वह वायु जो नाव की विरुद्ध दिशा मे चले, जिससे नाव न चल सके।

बादे मुराद (باد مراد) फा स्त्री –दे 'बादे मुआफ़िक़'।

बादे शुर्त (بادشرط) फा अ स्त्री –दे 'बादे मुआफ़िक़'।

बादे सबा (باد صبا) फा स्त्री –सबेरे की पुर्वा हवा।

बादे समूम (باد سموم) फा अ स्त्र –कडी और घातक लपट, वह वायु जिसमे विष पैदा हो गया हो।

बादे सर्सर (باد صرصر) फा स्त्री –झझावात, झक्कड।

बादे सहर (باد سحر) फा अ स्त्री –सबेरे के वक्त पूर्व से चलनेवाली शीतल और मद वायु।

बानः (بانہ) फा पु –उपस्थ, पेडू, नाभि के नीचेवाले का स्थान।

बान (بان) फा प्रत्य –वाला, जैसे—'शुतुरबान', ऊँटवाला, (पु) वर्ण, रग।

बान (بان) अ पु –एक पेड जिसके फल का तेल दवा मे काम आता है।

बानवा (بانوا) फा वि –समृद्ध, धनवान्, मालदार।

बानसीब (بانصیب) फा अ वि –भाग्यवान्, भाग्यशाली, खुशकिस्मत।

बानिए कार (بانئ کار) अ फा पु –किसी कार्य का प्रवर्तक, किसी काम का प्रथम करने वाला।

बानिए जफ़ा (بانئ جفا) अ वि –अत्याचार करनेवाला।

बानिए ज़ुल्म (بانئ ظلم) अ वि –दे 'बानिए जफ़ा'।

बानिए जौर (بانئ جور) अ वि –दे 'बानिए जफ़ा'।

बानिए फ़साद (بانئ فساد) अ फा वि –झगडे की जड, झगडा करानेवाला, जिसके कारण कोई झगडा हुआ हो।

बानिए फ़ित्न. (بانئ فتنہ) अ फा वि –दे 'बानिए फ़साद'।

बानिए फ़िरेब (بانئ فریب) अ फा वि –धोखा देनेवाला, वचक, ठग।

बानिए बेदाद (بانئ بیداد) अ फा वि –दे 'बानिए जफ़ा।

बानिए शर (بانئ شر) अ वि –दे 'बानिए फ़साद'।

बानिए सितम (بانئ ستم) अ फा वि –दे 'बानिए जफ़ा'।

बानी (بانی) अ वि –किसी काम की शुरुआत करनेवाला।

बानीकार (بانی کار) फा वि –बहुत ही धूर्त और फ़ित्तीन।

बानीमबानी (بانی مبانی) अ फा वि –मूल कारण, अस्ल जड।

बा पर्हेज़ (باپرہیز) फा वि –परहेज़ करनेवाला, बीमारी की दशा मे खाने-पीने मे ठीक-ठीक रहनेवाला।

बाफ़ (باف) फा प्रत्य –बुननेवाला, जैसे—'शालबाफ़' शाल बुननेवाला।

बाफ़कार (بافکار) फा वि –बुननेवाला, जुलाहा।
बाफ़राग़त (بافراغت) फा अ वि –संतोषपूर्वक, इत्मीनान से, सुगमतापूर्वक, आसानी से।
बाफ़िंद: (بافندہ) फा वि –बुननेवाला, वायक, कुविंद।
बाफ़िंदगी (بافندگی) फा स्त्री –कपड़ा बुनने का काम।
बाफ़्त: (بافتہ) फा वि –बुना हुआ।
बाफ़्त (بافت) फा स्त्री –बुनाई, बुनने का कार्य, बिनावट, बुनत।
बाब (باب) फा पु –योग्य, लाइक़, सम्बन्ध, बार।
बाब (باب) अ पु –द्वार, दरवाज़ा, परिच्छेद, फ़स्ल (पुस्तक का)।
बाबक (بابک) फा पु –सत्यनिष्ठ, अमीन, ईरान का एक प्राचीन शासक।
बाबज़न (بابزن) फा स्त्री –कबाब सेंकने की लोहे की सीख़।
बाबत (بابت) फा स्त्री –वास्ते, लिए, सम्बन्ध में, बारे में।
बाबर (بابر) तु पु –तुर्की में यह शब्द 'बाबुर' है, परन्तु उर्दू में 'बाबर' हो गया, प्रसिद्ध नरेश जो हुमायूँ का बाप था।
बाबवार (بابوار) अ फा वि –पुस्तक के परिच्छेदों के हिसाब से।
बाबा (بابا) अ पु –पिता, बाप, दादा, नाना, सरदार।
बाबिल (بابل) अ पु –इराक़ का एक प्राचीन नगर जो ईसा से दो हज़ार वर्ष पूर्व इराक़ की राजधानी था, अब खंडहर है। बग़दाद से ६० मील दूर फ़ुरात के किनारे था।
बाबी (بابی) फा पु –एक धर्म जो सैयदअली मुहम्मद ईरानी ने निकाला था, इस धर्म का अनुयायी।
बाबुल (بابل) अ पु –दे शुद्ध उच्चारण 'बाबिल', यह असाधु है।
बाबुस्समाए (باب السماء) अ पु –आकाश-गंगा।
बाबून: (بابونہ) फा पु –एक पत्ती जो दवा के काम आती है।
बाबूर (بابور) अ पु –स्टीमर, मशीन से चलनेवाली बड़ी नाव।
बाबे अदम (باب عدم) अ पु –यमलोक का द्वार, यमलोक।
बाबे इजाबत (باب اجابت) अ पु –दुआ या प्रार्थना की स्वीकृति का द्वार।
बाबे इल्म (باب علم) अ पु –विद्यारूपी घर का द्वार।
बाबे कबूल (باب قبول) अ पु –दे 'बाबे इजाबत'।
बाम (بام) फा पु –छत, अटारी,—"जो निकाले रुख़ उठा दी तो कैद भी लगा दी, उठे हर निगाह लेकिन कोई बाम तक न पहुँचे।"
बामगाह (بامگاہ) फा स्त्री –प्रात काल, तड़का, सवेरा।
बामज़: (بامزہ) फा वि –स्वादिष्ठ, सुस्वाद, मज़ेदार।
बामज़ाक़ (بامذاق) फा अ वि –सहृदय, रसिक, परिहास प्रिय, विनोदी, दिल्लगीबाज़।
बामदाद (بامداد) फा पु –तड़के, सवेरे, प्रात काल।
बामदादाँ (بامداداں) फा पु –दे 'बामदाद'।
बामूए परीशाँ (باموئے پریشاں) फा अव्य –बाल बिखेरे हुए।
बामे अर्श (بام عرش) फा अ पु –अर्श की चोटी, बहुत ऊँचा स्थान।
बामे गर्दूं (بام گردوں) फा पु –आकाश की छत, अर्थात् आकाश।
बामे दुन्या (بام دنیا) फा अ –संसार की छत, अर्थात् पामीर, जो मध्य एशिया का एक देश है।
बामे नुहुम (بام نہم) फा पु –नवाँ आकाश, अर्थात् अर्श, जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।
बामे मसीह (بام مسیح) फा अ पु –चौथा आकाश, जहाँ हज़्रत ईसा रहते हैं।
बायद (باید) फा क्रि –चाहिए।
बायदोशायद (بایدوشاید) फा वि –अद्भुत, विचित्र, अनोखा।
बायस्त: (بایستہ) फा वि –योग्य, लाइक़, उत्तम, श्रेष्ठ, आ'ला।
बायस्तगी (بایستگی) फा स्त्री –उत्तमता, उम्दगी, योग्यता, लियाक़त।
बायस्तनी (بایستنی) फा वि –होने के योग्य, जिसको होना चाहिए, आवश्यक, ज़रूरी।
बार (بارہ) फा पु –घेरा, इहाता, प्राचीर, बार, दफ़ा, सम्बन्ध, मुआमला।
बार (بار) फा स्त्री –बोझ, भार, आज्ञा, इजाज़त, पहुँच, रसाई, दफ़ा, मरतबा, गर्भ, हम्ल, ऋण, क़र्ज़, (प्रत्य) बरसानेवाला, जैसे—'अश्कबार' आँसू बरसानेवाला।
बारअंदाज़ (بارانداز) फा पु –ठहरना, उतरना, कहीं क़ियाम करना।
बारआवर (بارآور) फा वि –फलदार, जिसमें फल लगे हों; गर्भवती, हामिला, नतीजा खेज़, सफल।
बारकल्लाह (بارک اللہ) अ पु –ईश्वर बरकत अर्थात् समृद्धि और कल्याण प्रदान करें।
बारकश (بارکش) फा वि –बोझ ढोनेवाला, हम्माल, भारवाहक, लद्दू जानवर।
बारकशी (بارکشی) फा स्त्री –बोझ ढोना, भारवाहन।
बारख़ान (بارخانہ) फा पु –सामान रखने का मकान, गोदाम।
बारगह (بارگہ) फा स्त्री –'बारगाह' का लघु, दे 'बारगाह'।

बारगाह (بارگاہ) फा स्त्री –दरबार, राजसभा, राजमहल, शाही मकान, कचहरी।

बारगी (بارگی) फा पु –अश्व, घोडा।

बारगीर (بارگیر) फा वि –साईस, अश्वपाल, अश्व, घोड़ा, उष्ट्र, ऊँट, वैल, वृषभ।

बारतंग (بارتنگ) फा स्त्री –एक दाना जो हवा मे चलता है।

बारदान (باردانہ) फा पु –दे 'बारदान'।

बारदान (باردان) फा पु –वह चीज़ जिसमे बोझ अर्थात् सामान रखे, खुर्जी, बोरा आदि।

बारदार (باردار) फा वि –फला हुआ, फलित, गर्भवती, हामिला।

बा रद्दोकद (باردوکد) फा अ अव्य.–बडी हुज्जतो के साथ, वाद-विवाद होकर।

बारफरोश (بارفروش) फा वि –थोक सौदा बेचनेवाला।

बारबद (باربد) फा पु –एक गवैया, जो खुस्रो परवेज़ के दरबार मे था।

बारबर (باربر) फा वि –बोझ ले जानेवाला, बोझ ढोनेवाला।

बारबरदार (باربردار) फा वि –बोझ उठानेवाला, भारवाहक।

बारबरदारी (باربرداری) फा स्त्री –बोझ उठाना, भारवहन।

बारयाब (باریاب) फा वि –जिसे किसी बडी जगह पहुँचने की आज्ञा मिल गयी हो, जो पहुँच गया हो।

बारयाबी (باریابی) फा स्त्री –रसाई, पहुँच, किसी बडे और प्रतिष्ठित आदमी के पास पहुँच।

बारवर (باروَر) फा वि –फलित, फल आया हुआ, सफल, कामयाब, सतानवान्, औलादवाला।

बारहा (بارہا) फा वि –बहुधा, प्राय, अक्सर, बारबार, बार-बार।

बारॉं (باراں) फा पु.–वर्षा, बरसात, वर्षाजल, बरसात का पानी, वर्षाऋतु, बरसात का मौसिम।

बारॉंगीर (باراں‌گیر) फा पु –घर या मकान का छज्जा, सायबान।

बारॉंगुरेज़ (باراں‌گریز) फा पु –दे 'बारॉंगीर'।

बारॉंदीद (باراں‌دیدہ) फा वि –जिस पर मेंह पड चुका हो, अनुभवी, तज्रिब कार।

बारॉंवार (باراں‌بار) फा पु –वर्षा प्रधान देश, वह देश जहाँ पानी बहुत बरसता हो।

बारानी (بارانی) फा स्त्री –बरसाती कोट आदि, वह भूमि जो केवल वर्षा के सहारे हो।

बाराने रहमत (باران رحمت) फा अ पु –वर्षा, बारिश, ऐसी वर्षा जो लाभ दायक हो, अनिष्ट न करे।

बारिक़ (بارقہ) अ पु –बिजली, तडित, चमकनेवाली चीज़, तलवार।

बारिक़ (بارق) अ वि –प्रज्वलित, प्रकाशमान, नूरानी, चमकदार।

बारिज़ (بارز) अ वि –प्रकट, व्यक्त, जाहिर, स्पष्ट, वाज़िह, आविर्भूत, उत्पन्न।

बारिद (بارد) अ वि –ठडा, सर्द, निस्वाद, नीरस, बेमजा।

बारिया (باریا) फा वि –पाखडी, धर्मध्वजी।

बारियाज़त (باریاضت) फा अ वि –तपस्वी, योगी।

बारिश (بارش) फा स्त्री –वर्षा, बरसात, वर्षाकाल, बरसात का मौसिम, वर्षाजल, बरसात का पानी।

बारिशी (بارشی) फा वि –वर्षा सम्बन्धी, वर्षाका, बरसाती।

बारिशे ख़ूँ (بارش خوں) फा स्त्री –रक्तवर्षा, खून बरसना।

बारिशे गुल (بارش گل) फा स्त्री –पुष्पवर्षा, फूल बरसना

बारिशेज़र (بارش زر) फा स्त्री –स्वर्णवर्षा, सोना अर्थात् धन बरसना, धन का बाहुल्य।

बारी (باری) अ पु –स्रष्टा, पैदा करनेवाला, ईश्वर।

बारी (باری) फा स्त्री –नौबत, पारी, जैसे—बुख़ार की बारी।

बारीक (باریک) फा वि –महीन, पतला, सूक्ष्म, लतीफ, गूढ, दकीक।

बारीकख़याल (باریک‌خیال) फा अ वि –नाजुक खयाल, सूक्ष्म विचार।

बारीकनज़र (باریک‌نظر) फा अ वि –बारीकी देखनेवाला, किसी चीज के गुण-दोष पहचाननेवाला, मर्मज्ञ।

बारीकनिगाह (باریک‌نگاہ) फा वि –दे 'बारीकनजर'।

बारीकबीं (باریک‌بیں) फा वि –सूक्ष्मदर्शी, बारीक नजर।

बारीकबीनी (باریک‌بینی) फा स्त्री –सूक्ष्मदर्शिता, बारीकी देख लेना।

बारीकमियॉं (باریک میاں) फा वि –जिसकी कमर पतली हो, कृशोदरी।

बारीकरौ (باریک‌رو) फा वि –किफायत शिआर, मितव्ययी।

बारीकी (باریکی) फा वि –पतलापन, सूक्ष्मता, लताफ्त, गूढता, जटिलता, बात की बारीकी।

बारीद (باریدہ) फा वि –वर्षित, बरसा हुआ।

बारीदनी (باریدنی) फा अव्य –वर्षणीय, बरसने योग्य।

बारूत (باروت) फा स्त्री – दे 'बारूद'।

बारूद (بارود) फा स्त्री –शोरा, श्वेतक्षार, गधक और शोरे का मिश्रण, अग्निचूर्ण।

बारूदी (باروی) फा वि –बारूद सम्बन्धी, बारूद की, बारूद बिछी हुई, जैसे—बारूदी सुरग।
बारे (بارے) फा अव्य –अस्तु, ख़ैर, अतत, आख़िरकार।
बारे अज़ीम (بارعظیم) फा अ पु –बहुत बडा बोझ, बहुत बडी जिम्मेदारी।
बारे अमानत (بارامانت) फा अ पु –अमानत या धरोहर की ज़िम्मेदारी।
बारे अलम (بارالم) फा अ पु –दुख का भार, प्रेमके दुख का भार।
बारे आम (بارعام) फा अ पु –सब की पहुँच, सब को आने जाने की आज्ञा।
बारे आलाम (بارآلام) फा अ पु –मुसीबतो के पहाड, अर्थात् मुसीबते।
बारे कफालत (بارکفالت) फा स्त्री –जायदाद पर ऐसा कर्ज़ जिसके बदले में जायदाद रेहन की गयी हो।
बारे क़र्ज़ (بارقرض) फा अ पु –ऋण का बोझ।
बारे ख़ातिर (بارخاطر) फा अ पु –तबीअत का बोझ, ऐसी बात या ऐसा काम जिसे मन न चाहे।
बारे गराँ (بارگراں) फा पु –भारी बोझ, जो उठ न सके या जिसके उठाने में कष्ट हो, बडी जिम्मेदारी।
बारे गुनाह (بارگناہ) फा पु –गुनाहो का बोझ, पाप-भार।
बारे दिगर (باردگر) फा स्त्री –पुन, फिर, दूसरी बार।
बारो'ब (بارعب) फा अ वि –रोबो'दाबवाला व्यक्ति।
बाल (بال) अ पु –प्राण, जान, दशा, हाल, समृद्धि, दौलत, ऐश, सुख, श्रेष्ठता, बडप्पन, वैभव, शान।
बाल (بال) फा पु –कधे से उँगलियो तक, पूरा हाथ, चिडियो का डैना, जिसमें पर लगते हैं, बाज़ू, पर, पक्ष, पख।
बा'ल (بعل) अ पु –पति, भर्ता, ख़ाविंद, शौहर, अरब की एक मूर्ति जिसकी पूजा होती थी।
बालअफ़शाँ (بال افشاں) फा वि –पर फैलाये हुए, पर झाडता हुआ, पर फडफडाता हुआ।
बालअफ़शानी (بال افسانی) फा स्त्री –पर झाडना, पर फडफडाना, पर तोलना।
बालकुशा (بال کشا) फा वि –पर खोले हुए।
बालजुबानी (بال جنبانی) फा स्त्री –पर फटफटाना, पर फैलाना
बालफ़िशाँ (بال فشاں) फा वि –दे 'बालअफ़शाँ'।
बाला (بالا) फा वि –ऊँचा, बलद, शरीर, दह, आगे, सामने, प्रधान, श्रेष्ठ, जिसे तर्जीह हो, ऊपर, उपरि।
बालाई (بالائی) फा वि –ऊपरवाला, ऊपर का, अस्ल के अलावा, मल के अतिरिक्त, क्षीरसार, मलाई।
बालाए ताक़ (بالائے طاق) फा वि –ताक पर, पृथक्, अलग, जिससे कोई सम्बन्ध न हो।
बालाए बाम (بالائے بام) फा वि –अटारी पर, छत पर, "आख़िरे शबदीद के काबिल थी बिस्मिल की तडप। सुबह दम कोई अगर बालाए बाम आया तो क्या?"
बालाओपस्त (بالاوپست) फा पु –ऊँच-नीच, नीचा-ऊँचा।
बालाख़ान. (بالاخانہ) फा पु –अट्टालिका, छत के ऊपर का मकान।
बालातर (بالاتر) फा वि –बहुत ऊँचा, किसी विशेष चीज़ से ऊँचा।
बालादवी (بالادوی) फा स्त्री –शीघ्र गति, तेज़ी, जल्दी।
बालादस्त (بالادست) फा वि –श्रेष्ठ, प्रतिष्ठित, उच्च, आ'ला, ज़बर्दस्त, अफ़ज़ल बुलद मर्तबा।
बालानशीं (بالانشیں) फा वि –मान्य, पूज्य, प्रतिष्ठित, सभापति, सद्र।
बालापोश (بالاپوش) फा पु –सब कपडो से ऊपर पहनने का कपडा, उत्तरीयक, निचोल।
बालाबलद (بالابلند) फा वि –लबे कद का, लबे शरीर वाला, लबे शरीर की नायिका।
बालावपस्त (بالاوپست) फा वि –ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच, आकाश और पृथ्वी।
बालिगू (بالنگو) फा पु –एक दाने जो दवा मे काम आते हैं।
बालिग़ (بالغ) अ वि –वह लडका या लडकी जो युवावस्था को प्राप्त हो चुकी हो, वयस्क, वय प्राप्त।
बालिग़नज़र (بالغ نظر) अ वि –अनुभवी, परिपक्व, तज्रिबकार, मर्मज्ञ, दोषगुण का पारखी।
बालिग़नज़री (بالغ نظری) अ स्त्री –अनुभव, तज्रिब, दोषगुण की परख, मर्मज्ञान।
बालिग़निगार (بالغ نگار) अ फा वि –जिसकी रचना सारगर्भित और मर्मपूर्ण हो।
बालिग़निगारी (بالغ نگاری) अ फा स्त्री –रचना में गूढता और सूक्ष्मता होना।
बालिग़निगाह (بالغ نگاہ) अ फा वि –दे 'बालिग़नज़र'।
बालिग़निगाही (بالغ نگاہی) अ फा स्त्री –दे 'बालिग़नज़री।'
बालिश (بالش) फा पु –तकिया, उपधान, बालिश्, मसनद, सिरहाना।
बालिशे पर (بالش پر) फा पु –परो का तकिया, वह तकिया जिसके भीतर पर भरे हो।
बालिश्त (بالشت) फा पु –उपधान, तकिया, वितस्ति, बित्ती, नौ इच की नाप।

बालिश्तक (بالشتک) फा पु –आल्पीने खोसने की गद्दी, पिन-कुशन।

बालीं (بالیں) फा स्त्री –तकिया, उपधान, सिरहाना, शिरोहण।

बालींपरस्त (بالیں پرست) फा वि –पलग पर पडा रहनेवाला, आरामतलब।

बालींपरस्ती (بالیں پرستی) फा स्त्री –पलग पर पडा रहना, आरामतलबी।

बालीद (بالیدہ) फा वि –बढा हुआ, विकसित।

बालीदगी (بالیدگی) फा स्त्री –विकास, वढाव।

बालूअः (بالوعہ) अ पु –कुडी, जिसमे बरसात या घर का खराब पानी जाता हो।

बालून (بالون) अ पु –गुब्बारा, बागोल, अभ्रपथ।

बाले जिब्रील (بال جبریل) फा अ पु –जिब्रील के पर, जिब्रील की उडान।

बाले हुमा (بال ھما) फा पु –हुमा पक्षी का पर, जिसकी परछाईं पडने से मनुष्य राजा हो जाता है।

बालोपर (بال وپر) फा पु –पर और बाजू, शक्ति, बल, सामर्थ्य।

बालोपर शिकस्त (بال وپرشکستہ) फा वि –जिसके बाजू और पर टूट गये हो, अर्थात् विवश, लाचार।

बावक़ार (باوقار) फा अ वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, श्रेष्ठ, मुअज्जज़।

बावकुअत (باوقعت) फा अ वि –दे 'बावकार'।

बावक़्र (باوقر) फा अ वि –दे 'बावकार'।

बावज़्अ (باوضع) फा अ वि –वज़्अदार, जो अपनी वज़्अ का पावद हो।

बावफ़ा (باوفا) फा अ वि –नमक हलाल, स्वामिभक्त, आज्ञानुयायी, फर्माबरदार।

बावर (باور) फा पु –विश्वास, प्रत्यय, एतिबार।

बावरची (باورچی) फा पु –खाना पकानेवाला, सूपकार, पाचक, रसोइया।

बावरचीख़ान (باورچی خانہ) फा पु –खाना पकाने का स्थान, महानस, पाकशाला।

बावरचीगरी (باورچی گری) फा स्त्री –रसोइया का काम, खाना पकाना, रसोइया का पेशा।

बावस्फ़ (باوصف) फा अ अव्य –बावुजूद, यद्यपि, सत्यपि।

बावुजूद (باوجود) फा अ अव्य –बावस्फ, यद्यपि, सत्यपि।

बावुजूदे कि (باوجودےکہ) फा अ अव्य –यद्यपि, अगरचे।

बाश (باشہ) फा पु –एक शिकारी पक्षी, शिक्र।

बाश (باش) फा प्रत्य –रहनेवाला, जैसे—'हाज़िरबाश' उपस्थित रहनेवाला।

बाशद (باشد) फा क्रि –हो; शायद।

बाशद्दोमद (باشدومد) फा अ अव्य –जोर-शोर के साथ, धूमधाम के साथ, साहस और उमग के साथ, दा'वे के साथ।

बाशा (باشا) तु पु –एक वडा खिताब, पाशा।

बाशिंदः (باشندہ) फा पु –निवासी, रहनेवाला।

बाशी (باشی) तु पु –नायक, सरदार।

बाशुऊर (باشعور) फा अ वि –बुद्धिमान, अक्लमद, शिष्ट, तमीजदार।

बा'स (بعث) अ पु –जगाना, उठाना, कियामत, महाप्रलय।

बासक (باسک) फा स्त्री –जँभाई, जृभा।

बासलीक़ (باسلیقہ) फा अ वि –तमीज़दार, शिष्ट, जिसे चीजो को ढग से रखने और काम को शिष्टता पूर्वक करने की आदत हो।

बासलीक (باسلیق) अ स्त्री –हाथ की एक रग जो फस्द के लिए खोली जाती है।

बासलीकून (باسلیقون) अ स्त्री –मसी, सियाही, कालिमा, कालापन।

बासित (باسط) अ वि –उन्नति और विकास देनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

बासिरः (باصرہ) अ स्त्री –दृष्टि, नजर, नेत्रशक्ति, कुव्वते बासिर।

बासिलसिलः (باسلسلہ) फा अ अव्य –क्रमबद्ध, सिलसिलेवार।

बासुकून (باسکون) फा अ अव्य –शातिमय, सतोषपूर्ण।

बासूर (باسور) अ स्त्री –एक बीमारी, ववासीर, अर्श, नाक का बढा हुआ मास।

बासूरी (باسوری) अ वि –बासूरसम्बन्धी।

बासूरे दमवी (باسوردموی) अ स्त्री –खूनी ववासीर, रक्तार्श।

बासूरे रियाही (باسورریاحی) अ स्त्री –बादी ववासीर, वातार्श।

बा'सोनश्र (بعث ونشر) अ पु –कियामत का दिन, जिस दिन सब लोग उठेंगे और चारो तरफ फैल जायेंगे।

बास्ताँ (باستاں) फा वि –प्राचीन, पुरातन, पुराना, इस शब्द का पास्ताँ कहना अशुद्ध है।

बाह (باہ) अ स्त्री –कामशक्ति, मैथुनशक्ति।

बाहम ओ बेहम (باھمہ وبےھمہ) फा अव्य –सबके साथ, और किसीके साथ न हो, ऐसा व्यक्ति जो भलाई मे सबके साथ हो, और बुराई मे किसी के साथ न हो।

वाहम (باهم) फा वि –परस्पर, अन्योन्य, आपस मे, एक साथ, मिलकर।

वाहमदिगर (باهمدگر) फा वि –परस्पर, एक-दूसरे से मिलकर।

वाहमी (باهمی) फा वि –पारस्परिक, आपस का।

वाहमीयत (باحمیت) फा अ वि –स्वाभिमानी, खुददार, लज्जावान्, हयादार।

वाहया (باحیا) फा अ वि –जिसमे लज्जा बहुत हो, शर्मीला, गैरतमद, लज्जावान्।

वाहवास (باحواس) फा अ वि –जो होशोहवास मे हो, सचेत।

वाहिर (باهر) अ वि –स्पष्ट, व्यक्त, जाहिर, प्रकाशमान, रौशन।

वाहूर (باحور) अ पु –अत्यत गर्मी, ग्रीष्म ऋतु के आठ दिन जो बहुत गर्म होते हैं और असाढ के अत मे पडते हैं।

वाहैसियत (باحیثیت) फा अ वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, इज्जतदार, समर्थ, ममृद्ध, मालदार।

वाहौसल (باحوصلہ) फा अ वि –हिम्मतवाला, उत्साही।

बि

बिंत (بنت) अ स्त्री –लडकी, पुत्री, सुता, दुहिता, तनया।

बिंतुलअम्म (بنت العم) अ स्त्री –चचा की लडकी।

बिंतुलइनव (بنت العنب) अ स्त्री –अगूर की लडकी, अर्थात् अगूर की शराव, द्राक्षासव, मदिरा, सुरा।

बिंतुलउख्त (بنت الاخت) अ स्त्री –वहन की लडकी, भानजी, भगिनीसुता, भागिनेयी।

बिंतुलकर्म (بنت الکرم) अ स्त्री –दे 'बिंतुलइनव'।

बिंतुलकाफ (بنت القاف) अ स्त्री –काफ की परी, काकेशिया-निवासिनी।

बिंतुलवह्र (بنت البحر) अ स्त्री –समुद्र-सुता, जलपरी, लक्ष्मी।

बिंते आदम (بنت آدم) अ स्त्री –आदम की लडकी, अर्थात् स्त्रीवर्ग, स्त्री, नारी, औरत।

बिंते इनव (بنت عنب) अ स्त्री –शराव, मदिरा।

बिंते हव्वा (بنت حوا) अ स्त्री –हव्वा की पुत्री, अर्थात् स्त्रीवर्ग, स्त्री, नारी।

बिंसर (بنصر) अ स्त्री –दूसरी छोटी उँगली, अनामिका।

बि अल्का बिही (بالقابہ) अ अव्य –अपने सारे अल्कावो के साथ, जिस किसी के नाम के साथ बहुत-सी उपाधियाँ लगती हो उन्हे न लिखकर केवल यह शब्द लिख देते हैं।

बिआद (بعاد) अ स्त्री –दूरी, फासिला।

बिक (بک) तु पु –दे 'विग'।

बिकवाशी (بک باشی) तु पु –दे 'बिगवाशी'।

बिक्र (بکر) अ स्त्री –कुमारी, दोशीज़ (वि) ऐसा काम जो पहले न हुआ हो।

बिक्रनिगाह (بکرنگاہ) अ फा स्त्री –वह नायिका जिसे अभी हाव-भाव न आते हो।

बिग (بگ) तु पु –'बेग' का लघु नायक, सरदार।

बिगताश (بگتاش) तु पु –जिसके बहुत से दास-दासियाँ हो, जो एक ही स्वामी के दास हो, ख्वाज़ ताश।

बिगवाशी (بگباشی) तु पु –फौज का मेजर, सेनानायक।

बिगयारुक (بگیارق) तु पु –एक स्वामी के दास, ख्वाज़ताश।

बिज़न (بزن) फा पु –वध, कत्ल (क्रि) मार, जान से मार डाल।

बिज़नगाह (بزنگاہ) फा स्त्री –वधस्थल, मक्तल, कत्लगाह।

बिज़ाअत (بضاعت) अ स्त्री –सामर्थ्य, मक्दूर, पूजी, सरमाय।

बिज़ातिही (بذاتہ) अ अव्य –अपने दम से, स्वय आप।

बिजिंसिही (بجنسہ) अ अव्य –बिलकुल वैसा ही, तद्रूप, तदाकार, तत्सम।

बिज़्अ (بضع) अ पु –तीन से नौ तक की सख्या, इनके बीच की कोई सख्या।

बिज़्ज़रूर (بالضرور) अ अव्य –अवश्य, जुरूर जुरूर।

बिज़्ज़रूरत (بالضرورت) अ अव्य –आवश्यकता पडने पर, जुरूरत पर।

बितमामिही (بتمامہ) अ अव्य –पूर्णतया, पूरे तौर पर, सवका सव, कुल, सपूर्ण।

बितालत (بطالت) अ स्त्री –शूरता, वीरता, वहादुरी।

बित्तक्दीर (بالتقدیر) अ अव्य –भाग्यवश, किस्मत से।

बित्तख्सीस (بالتخصیص) अ अव्य –विशेषत, खासतौर पर।

बित्तफ्सील (بالتفصیل) अ अव्य –विस्तारपूर्वक, तफसील के साथ।

बित्तवअ (بالطبع) अ वि –स्वभावत, स्वभाव से, तवीअत से, दिल से।

बित्तमाम (بالتمام) अ वि –सवका सव, पूरे का पूरा।

बित्तर्तीब (بالترتیب) अ वि –क्रम के साथ, तर्तीब के साथ, एक के वाद एक, सिलसिलेवार।

बित्तश्रीह (بالتشریح) अ वि –व्याख्या के साथ, तश्रीह के साथ, विस्तार के साथ, तफसील के साथ।

बित्तस्रीह (بالتصریح) अ वि –विस्तारपूवक, तफसील के साथ, स्पष्टतया, वजाहत के साथ।

वित्तहक़ीक़ (بالتحقیق) अ वि –निश्चयपूर्वक।
बित्तीख़ (بطیخ) अ पु –खरबूजा।
बित्तीख़े अख़्ज़र (بطیخ احضر) अ पु –तरबूज़।
बित्यार (بتیاره) फा पु –आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत, बला, दैवी आपत्ति, अभिचार, जादू, छल, फरेब, देव, पिशाच।
बित्रीक़ (بطریق) अ पु –पादरी, किलीसाई।
बिदाअत (بداءت) अ स्त्री –आरम्भ, प्रारम्भ, अनुष्ठान शुरूआत।
बिदिस्त (بدست) फा स्त्री –बालिश्त, बित्ती, बित्ता, वितस्ति।
बिदून (بدون) अ अव्य –बिना, बग़ैर।
बिद्अत (بدعت) अ स्त्री –नयी बात, नवीनता, धर्म मे नयी बात, इस्लाम धर्म मे वह बात जो रसूल के समय मे न हो।
बिद्अती (بدعتی) अ वि –धर्म मे व्यवस्था करनेवाला।
बिद्आत (بدعات) अ स्त्री –'बिद्अत' का बहु . बिद्अते, धर्म मे नयी बाते।
बिद्राम (بدرام) फा वि –दे 'पिद्राम', वही शुद्ध है।
बिद्रूद (بدرود) फा स्त्री –विदा करना, रुख़सत करना, त्याग करना, छोडना।
बिना (بنا) अ स्त्री –नीव, आधार, बुनियाद, कारण, सबब।
बिना अन अलैह (بناءً علیه) अ वि –इस कारण से, इस बुनियाद पर।
बिनाए ज़ुल्म (بناے ظلم) अ स्त्री –अत्याचार की शुरूआत।
बिनाए दा'वा (بناے دعوا) अ स्त्री –दावे के बुनयाद, वादाधार।
बिनाए मुख़ासमत (بناے مخاصمت) अ स्त्री –झगडे की जड, फसाद की बुनयाद, वाद का मूल आधार।
बिनाबर (بنابر) अ फा अव्य –इस कारण, इसलिए।
बिनीय (بنیه) अ स्त्री –दे 'बुनीय', दोनो शुद्ध हैं।
बिफ़ज़्लिही (بفضله) अ वि –उसके (ईश्वर के) फज़्ल से, ईश्वर की कृपा से।
बिमिन्निही (بمنه) अ वि –उसकी (ईश्वर की) दया से, ईश्वर की अनुकपा से।
बियाबाँ (بیاباں) फा पु –'बियाबान' का लघु, दे 'बियाबान'।
बियाबाँगर्द (بیاباں گرد) फा वि –काननचारी, वनभ्रमी, जगल मे फिरनेवाला।
बियाबाँनवर्द (بیاباں نورد) फा वि –दे 'बियाबाँगर्द'।
बियाबाँनशी (بیاباں نشیں) फा वि –जगल मे रहनेवाला, वनवासी।
बियाबान (بیابان) फा पु –वन, कानन, विपिन, अरण्य, जगल।
बियाबानी (بیابانی) फा वि –जगल का, जगली, जगल सम्बन्धी।
बियाबाने क़ुद्स (بیابان قدس) फा अ पु –बैतुल मुक़द्दस (यरोशलम) का जगल।
बिरज (برنج) फा पु –चावल, तदुल।
बिर [र्रं] (بر) अ पु –उपकार, भलाई, यश, पुण्य, दान, बख़्शिश।
बिरजीस (برجیس) अ पु –बृहस्पति, मुश्तरी, दे 'बिर्जीस'।
बिरजीसक़द्र (برجیس قدر) अ वि –बहुत बडी प्रतिष्ठावाला।
बिरजीसशियम (برجیس شیم) अ वि –बृहस्पति-जैसी बुद्धिवाला, बहुत बडा बुद्धिमान्।
बिरिंज (برنج) अ पु –पीतल, पित्तल जस्ता और ताँबे के योग से बनी हुई एक धातु।
बिरिंजासफ़ (برنجاسف) अ पु –एक पत्ती जो दवा के काम आती है।
बिरिश्तः (برشته) फा वि –भुना हुआ, भृष्ट।
बिरिश्त क़ल्ब (برشته قلب) फा अ वि –जिसका हृदय प्रेमाग्नि मे जलभुन गया हो, अर्थात् प्रेमी।
बिरिश्त जिगर (برشته جگر) फा वि –दे 'बिरिश्त क़ल्ब'।
बिरिश्त दिल (برشته دل) फा वि –दे 'बिरिश्त क़ल्ब'।
बिर्जीस (برجیس) अ पु –बृहस्पति, मुश्तरी।
बिर्यां (بریاں) फा वि –भुना हुआ, भृष्ट।
बिर्यानी (بریانی) फा स्त्री –एक प्रकार का पुलाव जिसमे गोश्त भूनकर पडता है।
बिलअक्स (بالعکس) अ वि –विरुद्ध, प्रत्युत, बरख़िलाफ़।
बिलआख़िर (بالآخر) अ वि –अतत, आख़िरकार।
बिलइज्माअ (بالاجماع) अ वि –सम्मतिपूर्वक, सबके मतैक्य मे।
बिलइज्माल (بالاجمال) अ वि –सक्षेपत, सक्षेप मे।
बिलइत्तिफ़ाक़ (بالاتفاق) अ वि –सबकी सम्मति से, सबकी सलाह मे।
बिलइन्फ़िराद (بالانفراد) अ वि –एक-एक करके, इन्फ़िरादी तौर पर, व्यक्तिगत।
बिलइराद (بالاراده) अ वि –निश्चयपूर्वक, इरादे मे।
बिलइल्तिज़ाम (بالالتزام) अ वि –निश्चित रूप से, लाज़िमी तौर पर।

बिलइश्तिराक (بالاشتراک) अ वि –साझे मे, शिर्कत मे।
बिलउमूम (بالعموم) अ वि –प्राय, बहुधा, आमतौर पर, अक्सर।
बिलए'लान (بالاعلان) अ वि –सबके सामने, अलानिया तौर पर, डके की चोट।
बिलक़स्द (بالقصد) अ वि –जान-बूझकर, जानते हुए, बिलइराद।
बिलकिनाय (بالکنایه) अ वि –इशारे मे।
बिलकुल (بالکل) अ वि –नितात, सर्वथा, सर्व, समस्त, पूर्णतया, पूरेतौर पर।
बिलकुल्लिय. (بالکلیه) अ वि –सागोपाग, पूर्णतया, पूरे तौर पर।
बिलख़ासियत (بالخاصیت) अ अव्य –दे 'बिलख़ास्स।
बिलख़ास्स (بالخاصه) अ अव्य –अपने गुण के प्रभाव से।
बिलख़ुसूस (بالخصوص) अ अव्य –मुख्यत, ख़ास तौर पर।
बिलजब्र (بالجبر) अ वि –बलपूर्वक, बलात्, जब्रन्।
बिलजुम्ल (بالجمله) अ अव्य –किबहुना, किस्स मुख्तसर, प्राय, अमूमन, सर्वथा, बिलकुल।
बिलमर्रं (بالمره) अ वि –नित्य प्रति, रोज़ाना, हमेशा।
बिलमा'ना (بالمعنی) अ अव्य –सत्यत, हकीकत मे, गुप्त रूप मे, दूसरे अर्थ मे।
बिलमुकाबिल (بالمقابل) अ अव्य –समुख, आमने-सामने, मुकाबिले म।
बिलमुक्ता (بالمقطع) अ वि –अलल हिसाब, हिसाब किये बिना दी हुई रकम।
बिलमुज़ाअफ़ (بالمضاعف) अ अव्य –दूना, द्विगुण, दुचद।
बिलमुनासफ़ (بالمناصفه) अ अव्य –आधा-आधा, दो भागो मे बराबर-बराबर।
बिलमुवाजह (بالمواجه) अ वि –मुकाबिले म, समुख, सामने।
बिलमुशाफ़ह (بالمشافهه) अ अव्य –दे 'बिलमुवाजह।
बिलमुशाहद (بالمشاهده) अ अव्य –दे 'बिलमुवाजह'।
बिलयकीन (بالیقین) अ अव्य –निश्चयपूर्वक, यकीनन।
बिलवज्ह (بالوجه) अ अव्य –कारणवश, कारण से, सबब के साथ, सबब की बिना पर।
बिलवास्ति (بالواسطه) अ अव्य –किसी के द्वारा, किसी को बीच म डालकर।
बिला (بلا) अ अव्य –बिना, बगैर, बिन।
बिला अदेश (بلا اندیشه) अ फा अव्य –दे 'बिलातरद्दुद'।
बिला इराद (بلا اراده) अ अव्य –बिना इरादे के।
बिला इश्तिबाह (بلا اشتباه) अ वि –बिना सदेह के, नि सदेह, बेशक।
बिला इस्तिस्ना (بلا استثناء) अ अव्य –बिना किसी को अलग किये हुए।
बिला उज़्र (بلا عذر) अ अव्य –बिना किसी उज़्र के।
बिला क़ैद (بلا قید) अ अव्य –बिना किसी पाबदी के, बिना किसी शर्त के।
बिला ज़मानत (بلا ضمانت) अ अव्य –बिना ज़मानत का, जिसकी ज़मानत न हो सके।
बिला तकल्लुफ़ (بلا تکلف) अ अव्य –बिना किसी तकल्लुफ़ के, बिना किसी सकोच के, बिना किसी चिन्ता के, बिना किसी विचार के।
बिला तरद्दुद (بلا تردد) अ अव्य –नि शक, बिना चिंता और फ़िक्र के।
बिला तवक़्क़ुफ़ (بلا توقف) अ वि –बिना विलब के, बिना देर किये, तुरत, फ़ौरन।
बिला तश्बीह (بلا تشبیه) अ अव्य –बिना उपमा दिये, बिना बराबरी किये।
बिला तश्रीह (بلا تشریح) अ अव्य –बिना टीका-टिप्पणी के, बिना व्याख्या किये।
बिला तसन्नो (بلا تصنع) अ अव्य –बिना बनावट के, बिना किसी हेरफेर के।
बिला तहाशा (بلا تحاشا) अ अव्य –अधाधुध, बहुत अधिक, बे सोचे समझे, बिना रुके।
बिलाद (بلاد) अ पु –'बलद' का बहु, नगर-समूह, राष्ट्र-समूह।
बिला दिक़्क़त (بلا دقت) अ अव्य –बिना किसी कठिनाई के, सुगमतापूर्वक।
बिला दिरेग़ (بلا دریغ) अ फा अव्य –दे 'बिला तहाशा'।
बिलादे इस्लामिय (بلاد اسلامیه) अ पु –वह देश जिनम मुसलमान शासको का राज है।
बिलादे मग़्रिब (بلاد مغرب) अ पु –यूरोप के राष्ट्र।
बिलादे मश्रिक़ (بلاد مشرق) अ पु –पूर्वी राष्ट्र, एशियाई देश।
बिलादे हिंद (بلاد هند) अ फा पु –भारत के प्रदेश, भारत के देश।
बिला नाग़ (بلا ناغه) अ तु अव्य –एक दिन नागा किये बिना, नित्य प्रति, रोज़ाना।
बिला पर्द (بلا پرده) अ फा अव्य –बिना किसी आड के, बिना मुंह ढाके, बिना गुप्त रूप के।

बिला पसोपेश (بلا پس وپیش) अ फा अव्य –बिना सकोच, बिना कुछ सोचे-विचारे, बिना किसी दुबिधा के।

बिला फस्ल (بلا فصل) अ अव्य –बिना अतर के, बिना दूरी के।

बिला फाइद (بلا فائدہ) अ वि –बेफाइद व्यर्थ, बेकार।

बिला फासिल (بلا فاصلہ) अ वि –अतर के बिना।

बिला रूओ रिआयत (بلا رو و رعایت) अ फा वि –बिना किसी शील-सकोच के, बिना किसी पक्षपात के।

बिला वजूह (بلا وجہ) अ अव्य –अकारण, बेसबव।

बिला वासित (بلا واسطہ) अ अव्य –बराहे रास्त, सीधा, डाइरेक्ट।

बिला शक (بلا شک) अ वि –नि सदेह, नि सशय, नि शक, बेशक, बेगुब्ह।

बिला शुब्ह (بلا شبہ) अ वि –दे बिला शक।

बिला सबब (بلا سبب) अ अव्य –दे 'बिला वजूह', अकारण, बिला सबब।

बिलाहत (بلاهت) अ स्त्री –सासारिक विषयो मे बुद्धि की कमी।

बिलौर (بلور) अ पु –बिल्लौर का लघु, दे 'बिल्लौर'।

बिल्लौर (بلور) अ पु –एक कीमती शीशा, स्फटिक मणि।

बिशारत (بشارت) अ स्त्री –खुशखबरी, शुभ समाचार, सुख-सवाद, दे 'बुशारत', दोनो शुद्ध है।

बिसात (بساط) अ स्त्री –फर्श, बिछौना, स्तर, सतह, साहस, हिम्मत, सामर्थ्य, मक्दरत, शतरज का तख्ता, पूँजी, सरमाय, हैसियत, पहुँच, दस्तरस।

बिसातखान (بساطخانہ) अ फा पु –बिसाती का सामान, बिसाती की दुकान।

बिसाती (بساطی) अ पु –बिसातखाने का सामान बेचनेवाला, जनरल मर्चेंट।

बिसाते खाक (بساط خاک) अ फा स्त्री –पृथ्वीतल, जमीन की सतह।

बिसाते नर्द (بساط نرد) अ फा स्त्री –चौसर खेलने का तख्ता।

बिसाते शत्रज (بساط شطرنج) अ फा स्त्री –शत्रज खेलने का तख्ता, चेसबोर्ड।

बिस्त (بست) फा वि –बीस की सख्या, बीस।

बिस्तर (بستر) फा पु –शय्या, बिछौना।

बिस्तरबद (بستربند) फा पु –बिस्तर बाँधने की पेटी आदि, होलडाल।

बिस्ताम (بسطام) फा पु –ईरान मे खुरासान के प्रदेश का एक प्रसिद्ध नगर, जो महात्मा 'बायजीद' का स्थान था।

बिस्तुम (بستم) फा वि –बीसवाँ।

बिस्मिल (بسمل) फा वि –आहत, क्षत, घायल, जख्मी।

बिस्मिलगाह (بسمل گاہ) फा स्त्री –वधस्थल, कत्लगाह।

बिस्मिल्लाह (بسم اللہ) अ वा –कुरान की एक आयत, जिसका अर्थ है 'मै ईश्वर के नाम से प्रारम्भ करता हूँ जो बडा दयालु और महा कृपालु है।'

बिस्यार (بسیار) फा वि –अधिक, प्रचुर, बहुल, बहुत।

बिस्यारखोर (بسیار خور) फा वि –बहुत खानेवाला, बहुभोजी।

बिस्यारखोरी (بسیار خوری) फा स्त्री –बहुत खाना, थूरना।

बिस्यारगो (بسیار گو) फा वि –बहुत बोलनेवाला, बहुभापी, फुजूलगो, मिथ्याभाषी।

बिस्यारगोई (بسیار گوئی) फा स्त्री –बहुत बोलना, फुजूल बातें करना।

बिसयारी (بسیاری) फा वि –अधिकता, बाहुल्य, कसरत।

बिह (بہ) फा वि –उत्तम, बढिया, अच्छा।

बिहिल (بحل) फा वि –मुआफ।

बिहिश्त (بہشت) फा पु –स्वर्ग, फिर्दौस, जन्नत—"बिहिश्त एक नाम है शायद उसी पाकीजा गोशे का।"

बिहिश्ती (بہشتی) फा वि –स्वर्गीय, स्वर्ग का, स्वर्ग सम्बन्धी, स्वर्ग का निवासी।

बिहिश्ते बरी (بہشت بریں) फा पु –सबसे ऊँचा स्वर्ग।

बिहिश्ते शद्दा (بہشت شداد) फा अ पु –वह स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था।

बी

बीं (بیں) फा प्रत्य –देखनेवाला, जैसे—'दूरबी' दूर का देखनेवाला।

बीच. (بیچ) फा पु –'बीवी' का लघु, प्रेमपात्र, मा'शूक, (स्त्री) नायिका, प्रेमिका, महबूब।

बीज (بیض) स्त्री –'बैज़ा' का बहु, गोरी चिट्टी औरते, पूरी चाँदनीवाली राते।

बीना (بینا) फा वि –देखनेवाला, जिसके आँखे हो।

बीनाई (بینائی) फा स्त्री –आँखो की ज्योति, दृष्टि, नजर।

बीनादिल (بینادل) फा वि –रौशन जमीर, अतर्यामी।

बीनिद. (بینندہ) फा वि –देखनेवाला, दर्शक।

बीनिश (بینش) फा स्त्री –दृष्टि, नजर, देखना।

बीनी (بینی) फा स्त्री –नासा, नासिका, नाक।

बीम (بیم) फा पु –भय, त्रास, डर, निराशा, नाउम्मेदी।

बीमार (بیمار) फा वि—रोगी, रुग्ण, अस्वस्थ, व्याधित, मरीज़।

बीमारख़ाना (بیمارخانه) फा पु—रुग्णालय, अस्पताल।

बीमारदार (بیماردار) फा वि—रोगी की देखभाल करनेवाला, परिचारक, उपचारक।

बीमारदारी (بیمارداری) फा स्त्री—रोगी की देखभाल, उपचार, परिचार।

बीमारपुर्सी (بیمارپرسی) फा स्त्री—रोगी का हाल पूछना।

बीमारिस्तान (بیمارستان) फा पु—दे 'बीमारख़ाना।'

बीमारी (بیماری) फा स्त्री—रोग, व्याधि, मरज़, कोई बुरी लत।

बीमारे इश्क (بیمارعشق) फा अ पु—प्रेम के रोग का रोगी, नायक, आशिक।

बीमारे ग़म (بیمارغم) फा पु—दे 'बीमारे इश्क'।

बीमारे फिराक (بیمارفراق) फा अ पु—विरह के रोग से पीड़ित, जो सदा वियोगी रहे।

बीमेजां (بیم جاں) फा पु—प्राणभय, जान का ख़तरा।

बीमोरजा (بیم ورجا) फा अ पु—निराशा और आशा, उम्मेद और नाउम्मेदी।

बीमोहिरास (بیم وهراس) फा पु—ख़ौफ और निराशा।

बीर (بیر) अ पु—कुआँ, कूप।

बीश (بیش) फा स्त्री—सिंघिया, मीठा तेलिया।

बु

बुंदुक (بندقه) अ पु—गोली, बदूक की गोली।

बुदुक (بندق) अ पु—मिट्टी की गोली, गुल्ला।

बुका (بکا) अ स्त्री—रोना, रोदन।

बुकावुल (بکاول) फा पु—शाही बावरचीख़ाने का दारोगा, दे 'बकावल', दोनो शुद्ध है।

बुकूल (بقول) अ स्त्री—'बक्ल' का बहु, सब्जियाँ, तरकारियाँ, सागपात।

बुक़्अ (بقعه) अ पु—घर, मकान, स्थान, जगह।

बुक्अए नूर (بقعۂ نور) अ पु—वह घर या स्थान जहाँ बहुत रौशनी हो।

बुख़ला (بخلا) अ पु—'बख़ील' का बहु, कजूस लोग।

बुख़ार (بخار) फा पु—वाष्प, भाप, ज्वर, ताप, तप क्रोध, गुस्सा, द्वेष, बुग्ज़।

बुख़ारा (بخارا) फा पु—रूसी तुर्किस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, जो वहाँ की राजधानी भी है, यहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

बुख़ारात (بخارات) फा पु—'बुख़ार' का बहु, भापें।

बुख़ारी (بخاری) फा वि—भाप सम्बन्धी, भाप द्वारा चलनेवाला यन्त्र, बुख़ारा का रहनेवाला, नाज रखने की कोठानुमा खत्ती।

बुख़ूर (بخور) अ पु—धूनी, धूप आदि की धूनी, दवाओ की धूनी जो किसी विशेष अग को दी जाय।

बुख़ूरदान (بخوردان) अ फा पु—जिस बर्तन में अगर या लोबान आदि सुलगाया जाय, धूपदान, अगरदान।

बुख़्तनस्सर (بخت نصر) फा पु—बाबुल के १२ वें ख़ानदान का नरेश (१,२०० ई० पू०), बाबुल के १९ वें ख़ानदान का दूसरा नरेश जो ६०४ ई० पू० मे गद्दी पर बैठा, बडे दबदबे का शासक था, बाबुल को बहुत उन्नत किया।

बुख़्ल (بخل) अ पु—कृपणता, कजूसी।

बुग्चः (بغچه) फा पु—छोटी पोटली जो बगल मे दबायी जा सके।

बुग़्ज़ (بغض) अ पु—वह बैर जो मन ही मन में बढाया जाय, और प्रकट न किया जाय, द्वेष, कीन।

बुज़ (بز) फा स्त्री—अजा, बकरी।

बुज़कदम (بزقدم) फा वि—दुर्बलता के कारण धीरे धीरे चलनेवाला, तुच्छ।

बुज़गर (بزگر) फा पु—मेढा लडानेवाला।

बुज़ग़ाल. (بزغاله) फा पु—बकरी का बच्चा, अजा-शावक, पहाडी बकरी।

बुज़गीर (بزگیر) फा वि—छली, मक्कार, तस्कर, चोर।

बुज़जिगर (بزجگر) फा वि—भयभीत, भीरु, डरपोक।

बुज़दिल (بزدل) फा वि—भीरु, डरपोक, बुज़जिगर।

बुज़दिली (بزدلی) फा स्त्री—भीरुता, डरपोकपन।

बुज़बाज़ (بزباز) फा वि—बकरी और बदर का खेल करनेवाला।

बुज़बाज़ी (بزبازی) फा स्त्री—बकरी और बदर का खेल।

बुज़ाक़ (بزاق) अ पु—मुखस्राव, राल, थूक।

बुज़ुर्ग (بزرگ) फा पु—श्रेष्ठ प्रतिष्ठित, मुअज्ज़ज़, वयोवृद्ध, बूढा, पूर्वज, बापदादे, महात्मा, पुण्यात्मा, वली, ख़ुदारसीद, (व्यग) धूर्त, उत्पाती, शरीर, बदमआश।

बुज़ुर्गज़ाद (بزرگ زاده) फा पु—बुज़ुर्ग का लडका।

बुज़ुर्गदाश्त (بزرگداشت) फा स्त्री—बुज़ुर्गो की ओर से छोटो पर अनुकपा और दया।

बुज़ुर्गमनिश (بزرگ منش) फा वि—सदात्मा, पुनीतात्मा, महान् व्यक्तियो-जैसे आचरणवाला।

बुज़ुर्गवार (بزرگوار) फा पु—पूज्य, मान्य, प्राय अपने से बडो के लिए पत्रो मे लिखते हैं।

बुज़ुर्गसाल (بزرگ سال) फा वि –बडी उम्रवाला, वयोवृद्ध, जरत्।

बुज़ुर्गानः (بزرگانہ) फा वि –बुजुर्गो-जैसा।

बुज़ुर्गी (بزرگی) फा स्त्री –प्रतिष्ठा, मान, बडाई, समान, इज्जत, महात्मापन।

बुज़ुर्गे कौम (بزرگ قوم) फा अ पु –जाति या राष्ट्र का प्रतिष्ठित व्यक्ति।

बुज़ुर्गे ख़ानदाँ (بزرگ خانداں) फा पु –वश और कुल का प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति।

बुज़ूर (بزور) अ पु –'बज्र' का वहु, तरकारियो आदि के बीज।

बुज़ूरी (بزوری) अ वि –बीजोवाला, बीजो से बना हुआ, एक शर्वत जो बीजो से बनता है।

बुज़े अरुफ़श (بز اخفش) फा अ पु –ऐसा व्यक्ति जो लाख समझाने पर भी कुछ न समझे, महामूर्ख।

बुत (بت) फा पु –मूर्ति, प्रतिमा, प्रतिकृति, मुजस्सम, वह मूर्ति जिसकी पूजा होती है, देवमूर्ति, नायिका मा'शूक।

बुतकद (بتکدہ) फा पु –मदिर, मूर्तिगृह, बुतख़ाना जहां मूर्तिपूजा की जाती हो।

बुतख़ान (بتخانہ) फा पु –दे 'बुतकद'।

बुततराश (بت تراش) फा वि –मूर्तिकार, पत्थर की मूर्तियां बनानेवाला।

बुततराशी (بت تراشی) फा स्त्री –मूर्तियाँ बनाने का काम, मूर्तियाँ बनाकर बेचने का पेशा, मूर्ति बनाने की विद्या, मूर्तिकला।

बुतपरस्त (بت پرست) फा वि –मूर्तियो की पूजा करनेवाला, मूर्तिपूजक, साकारोपासक।

बुतपरस्ती (بت پرستی) फा स्त्री –मूर्तिपूजा, बुतो की इबादत।

बुतफ़रोश (بت فروش) फा वि –मूर्तियाँ बेचनेवाला, मूर्ति-व्यवसायी।

बुतशिकन (بت شکن) फा वि –मूर्तियो को तोडनेवाला, मूर्तिभजक।

बुतशिकनी (بت شکنی) फा स्त्री –मूर्तियो को तोडना, मूर्ति-खडन।

बुताने आज़री (بتان آزری) फा पु –आज़र (हज़रत इब्राहीम के पिता) की बनायी हुई मूर्तियां, जो बडी कलापूर्ण होती थी।

बुतून (بطون) अ पु –'बत्न' का वहु, पेट; गुप्ति, छिपाव, पोशीदगी।

बुते पुरफ़न (بت پرفن) फा पु –बहुत ही चालबाज़ नायिका।

बुते बेपीर (بت بے پیر) फा पु –बडी निर्दय और कठोर मन की नायिका।

बुतैन (بطین) अ पु –दूसरा नक्षत्र, भरणी।

बुत्लान (بطلان) अ पु –खडन, काट, तर्दीद, नाश, ज़ाए होना।

बुद [द्द] (بد) अ पु –उपचार, उपाय, तद्बीर।

बुद (بد) फा क्रि –'बूद' का लघु, था।

बुदूर (بدور) अ पु –'बद्र' का वहु, चाँदहवी रात का चाँद।

बुद्दूह (بدوح) अ वि –ईश्वर का एक नाम।

बुन. (بنہ) फा पु –उपकरण, सामान।

बुन (بن) फा स्त्री –वृक्ष, पेड, पेड की जड, मूल, हर चीज का अन्त, अख़ीर, कहवा के बीज, जिन्हे भून और पीसकर कहवा बनाते हैं।

बुनगह (بن گہ) फा स्त्री –'बुनगाह' का लघु, दे 'बुनगाह'।

बुनगाह (بن گاہ) फा स्त्री –कुठार, वह कोठा जहा सामान रहता है।

बुनागोश (بناگوش) फा स्त्री –कान की लौ, कर्णलता।

बुनीय: (بنیہ) अ स्त्री –आधार, बुन्याद, प्रकृति, स्वभाव, सृष्टि, तख़्लीक, अस्तित्व, वुजूद।

बुनेरान (بن ران) फा स्त्री –रान की जड, चिड्ढा।

बुन्कराँ (بنکراں) फा स्त्री –खुर्चन, वे चावल जो देगचे की तली मे लग जाते हैं।

बुन्याद (بنیاد) फा स्त्री –आधार, नीव, सामर्थ्य, मक्दूर, सृष्टि, खिल्क़त, अस्तित्व, वुजूद, अनुष्ठान, आरम्भ, इब्तिदा, मूल, जड।

बुन्यादी (بنیادی) फा वि –आधार भूत, अस्ली, प्रारम्भिक, इब्तिदाई।

बुन्यान (بنیان) अ स्त्री –नीव, आधार, बुनयाद।

बुन्याने मर्सूस (بنیان مرصوص) अ स्त्री –इमारत की ऐसी नीव जिसमे सीसे से जुडाई हुई हो, बहुत ही मजबूत नीव।

बुयूत (بیوت) अ पु –'बैत' का वहु, घरो का समूह, बहुत से घर।

बुराक़ (براق) अ पु –मुसलमानो के मतानुसार वह घोडा जिस पर उनके रसूल आस्मानो पर गये थे।

बुराद. (برادہ) फा पु –लकडी या धातु की छीलन, जो खरादने या आरे से चीरने मे गिरती है।

बुरादए आज (برادۂ عاج) फा अ पु –हाथी-दाँत का बुरादा जो दवा मे चलता है।

बुरादए आबनूस (برادۂ آبنوس) फा पु –आबनूस का बुरादा जो दवा के काम आता है।

बुरिद (بریدہ) फा वि —काटनेवाला।
बुरिश (برش) फा स्त्री —काट, धार, तीक्ष्णता।
बुरीद (بریدہ) फा वि —काटा हुआ, कटा हुआ, विच्छिन्न।
बुरीद गोश (بریدہ گوش) फा वि —जिसके कान कटे हो, कनकटा।
बुरीद दस्त (بریدہ دست) फा वि —जिसके हाथ कटे हो।
बुरीद पा (بریدہ پا) फा वि —जिसके पाँव कटे हो।
बुरीद बीनी (بریدہ بینی) फा वि —जिसकी नाक कटी हो।
बुरीद मू (بریدہ مو) फा वि —जिसके बाल कटे हो।
बुरीद शाख (بریدہ شاخ) फा वि —जिसकी शाखाएँ काट दी गयी हो।
बुरीद सर (بریدہ سر) फा वि —जिसका सर काट डाला गया हो, जिसका सर धड से अलग हो।
बुरीद (برید) फा स्त्री —काट, कटन, कटाव।
बुरीदगी (بریدگی) फा स्त्री —काट, कटाव।
बुरीदनी (بریدنی) फा वि —काटने योग्य, जो काटने के लाइक हो।
बुरूँ (بروں) फा वि —'बेरूँ' का लघु, बाहर, दे. 'बिरूँ', दोनो शुद्ध हैं।
बुरूज (بروج) अ पु —'बुर्ज' का बहु, राशियाँ।
बुरूज़ (بروز) अ पु —प्रकट होना, निकलना।
बुरूत (بروت) अ स्त्री —मूँछ, मुच्छ।
बुरूदत (برودت) अ स्त्री —शीतलता, ठडक, ठड।
बुरूने खान (بروں خانہ) फा वि —घर के बाहर।
बुरूने दर (بروں در) फा वि —दरवाजे के बाहर।
बुर्क़ा (برقع) अ पु —मुह छिपाने का एक सर से पाँव तक का चुगानुमा वस्त्र, निकाब, मुखपट।
बुर्क़ापोश (برقع پوش) अ फा वि —बुर्क़ा पहने हुए।
बुर्ज (برج) अ पु —गुबद, मडप, राशि, दाइरतुल बुरूज का बारहवाँ अश।
बुर्जे अक्रब (برج عقرب) अ पु —वृश्चिक राशि, आठवाँ बुर्ज।
बुर्जे असद (برج اسد) अ पु —सिंहराशि, पाँचवाँ बुर्ज।
बुर्जे आतशी (برج آتشی) अ फा पु —अग्नि तत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, मेष, सिंह, धनु।
बुर्जे आबी (برج آبی) अ फा पु —जल तत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, कर्क, वृश्चिक, मीन।
बुर्जे कबूतर (برج کبوتر) अ फा पु —कबूतरो का दरबा, काबुक।
बुर्जे क़ौस (برج قوس) अ पु —धनु राशि, नवाँ बुर्ज।
बुर्जे खाकी (برج خاکی) अ फा पु —पृथ्वीतल से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, वृष, कन्या, मकर।
बुर्जे जदी (برج جدی) अ पु —मकर राशि, दसवाँ बुर्ज।
बुर्ज जोज़ा (برج جوزا) अ पु —मिथुन राशि, तीसरा बुर्ज।
बुर्जे दलव (برج دلو) अ पु —कुभराशि, ग्यारहवाँ बुर्ज।
बुर्जे बादी (برج بادی) अ फा पु —वायुतत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, मिथुन, तुला, कुभ।
बुर्जे मीज़ान (برج میزاں) अ पु —तुलाराशि, सातवाँ बुर्ज।
बुर्जे सबुल (برج سنبلہ) अ पु —कन्याराशि, छठा बुर्ज।
बुर्जे सर्तान (برج سرطان) अ पु —ककराशि, चौथा बुर्ज।
बुर्जे सौर (برج ثور) अ पु —वृषराशि, दूसरा बुर्ज।
बुर्जे हमल (برج حمل) अ पु —मेषराशि, पहला बुर्ज।
बुर्जे हूत (برج حوت) अ पु —मीनराशि, बारहवाँ बुर्ज।
बुर्तल (برطلہ) अ पु —टोपी।
बुर्द. (بردہ) अ स्त्री —ले जाया हुआ।
बुर्द (برد) फा स्त्री —शतरज की वह बाजी जिसमे आधी मात मानी जाती है और जिसमे हारनेवाले के पास बादशाह के सिवा कोई मोहरा नही रहता, नक्शी चादर।
बुर्दबार (بردبار) फा वि —गभीर, शान्तचित्त, मलीन, सहनशील, हलीम।
बुर्दबारी (بردباری) फा स्त्री —गभीरता, महत्ता, सहनशीलता, तहम्मुल, बरदाश्त।
बुर्दे यमानी (برد یمانی) अ स्त्री —यमन की एक विशेष बहुमूल्य चादर।
बुर्राँ (براں) फा वि —काटता हुआ, धारदार, तीक्ष्ण।
बुर्रिश (برش) फा स्त्री —काट, धार, तीक्ष्णता।
बुर्हान (برہان) अ पु —तर्क, दलील, प्रमाण, सुबूत।
बुलद (بلند) फा वि —यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'बलद' अधिक शुद्ध और अधिक साधु है, दे 'बलद'।
बुलग़ा (بلغا) अ पु —'बलीग़' का बहु, वे लोग जिनके बोलने और लिखने में बलागत होती है।
बुलाक़ (بلاق) तु स्त्री —नाक के बीच की हड्डी, नासापट, इसमे पहने जानेवाली छोटी-सी नथ।
बुलूग़ (بلوغ) अ पु —युवावस्था, जवानी, जवानी की अवस्था की प्राप्ति।
बुलअजब (بوالعجب) अ वि —अद्भुत, विलक्षण, विचित्र, (व्यक्ति)।
बुल्फ़ुज़ूल (بوالفضول) अ वि —फ़ुज़ूल की बातें करनेवाला, मुखर, बक्की, फ़ुज़ूल के काम करनेवाला।
बुल्फ़ुनून (بوالفنون) अ वि —बहुत-से गुण जाननेवाला, बहुगुण वेत्ता (व्यग) धूर्त, छली, वचक।
बुल्बुल (بلبل) फा अ —एक सुप्रसिद्ध गानेवाली चिड़िया, गोवत्सक।

बुल्बुले शीराज (بلبل شیراز) फा पु –शीराज का बुलबुल, शेख सादी की उपाधि जो फारसी के बहुत बडे कवि थे।

बुल्बुले हजारदास्ताँ (بلبل هزاردستاں) फा पु –बहुत प्रकार के गाने गानेवाली, बुलबुल।

बुल्हवस (بوالهوس) अ फा वि –लोलुप, लिप्सु, लोभी, लालची।

बुशक़ाब (بشقاب) तु स्त्री –बडी काब, परात, थाल।

बुशारत (بشارت) अ स्त्री –शुभ सवाद, खुशखबरी।

बुश्रः (بشرہ) अ पु –चेह्रा, मुखाकृति, हुल्या।

बुश्रा (بشریٰ) अ पु –शुभ सवाद, बुशारत।

बुसुद (بسد) अ पु –मूँगा, प्रवाल, विद्रुम, मर्जां, दे 'बुस्सुद' दोनो शुद्ध है।

बुस्ताँ (بستاں) फा पु –उद्यान, आराम, वाटिका, बाग।

बुस्ताँअफ़्रोज़ (بستاں افروز) फा पु –एक फूल, मुर्गकेस।

बुस्ताँपैरा (بستاں پیرا) फा. पु –बाग को सजानेवाला, माली, उद्यानपाल।

बुस्ताँसरा (بستاں سرا) फा पु –खान बाग़, गृहोद्यान।

बुस्तानी (بستانی) फा वि –बाग का, बाग मे पैदा होने-वाला, खेत मे काश्त किया जानेवाला।

बुस्सुद (بسد) अ पु –मूँगा, प्रवाल, विद्रुम, दे 'बुसुद' दोनो शुद्ध है।

बुहूर (بحور) अ पु –'बह्र' [छद] का बहु, वृत्तसमूह।

बुहैरः (بحیرہ) अ पु –छोटा समुद्र, झी।

बुहतत (بہتت) अ स्त्री –आश्चर्य, विस्मय, निस्तब्धता, हैरत।

बुहतान (بہتان) अ पु –आरोप, झूठा इल्जाम, तुहमत।

बुहतानतराशी (بہتان تراشی) अ फा –झूठा इल्जाम लगाना, मिथ्यारोपण।

बुह्रान (بحران) अ पु –सघर्ष, कशमकश, रोग मे अचानक परिवर्तन, कमी की ओर हो चाहे बढती की ओर, और यह प्रकृति और रोग के परस्पर सघर्ष से होता है। अगर प्रकृति जीत गयी तो रोग का जोर टूट जाता है, अगर रोग विजयी हुआ तो प्रकृति हार जाती है और रोग का प्रकोप बढ़ जाता है (यूनानी तिब)।

बुहलूल (بہلول) अ पु –हँसमुख व्यक्ति, जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, एक महात्मा।

बुहहतुस्सौत (بحۃالصوت) अ स्त्री –आवाज बैठ जाने का रोग, स्वरभग।

बू

बू (بو) फा स्त्री –गध, महँक, बदबू, बुरी गध, लक्षण, आसार, भेद, सुकसुक।

बूए अफ़ाज़ (بوئے افزار) फा पु –गर्ममसाला।

बूए खुश (بوئے خوش) फा स्त्री –अच्छी महँक, सुगध।

बूए तेज़ (بوئے تیز) फा स्त्री –तेज़ बू, तीव्र गध।

बूए बद (بوئے بد) फा स्त्री –बुरी बू, बदबू, दुर्गंधि।

बूए महब्बत (بوئے محبت) फा अ स्त्री –प्रेम की सुगध।

बूक़ (بوق) फा पु –नरसिघा, तुरही।

बूकलमूँ (بوقلموں) फा वि –चित्र-विचित्र, रगविरग, अद्भुत, विलक्षण, अजीबोगरीब, एक रेशमी कपडा जो क्षण-क्षण पर रग बदलता है।

बूक़लमूनी (بوقلمونی) फा स्त्री –विचित्रता, बुलअजबी; रग-विरगापन।

बूज़ः (بوزہ) फा स्त्री –जौ की शराब, बियर।

बूज़ःखानः (بوزہ خانہ) फा पु –शराबखान, मदिरालय, शराब बनाने की जगह, भट्ठी।

बूज़िनः (بوزنہ) फा पु –'बूजीन' का लघ, कपि, मर्कट, वानर, शाखा-मृग, बदर।

बूज़िनःचश्म (بوزنہ چشم) फा वि –बदर-जैसी आँखोवाला, जरा-सी देर मे आँखे फेर लेनेवाला, बेमुरव्वत, दु शील।

बूज़िनःवश (بوزنہ وش) फा वि –बदर-जैसी प्रकृतिवाला, बेमुरव्वत, शरीर, नटखट।

बूज़ीदान (بوزیدان) फा स्त्री –एक लकडी जो दवा के काम आती है।

बूज़ीनः (بوزینہ) फा पु –वानर, मर्कट, कपि, बदर, वलिमुख।

बूतः (بوتہ) फा पु –सुनारो की चाँदी-सोना गलाने की घरिया, बोत, दे 'बोत', दोनो शुद्ध है, वह वृक्ष जो बडा न हो।

बूतए खाक (بوتۂ خاک) फा पु –मानव-शरीर, आदमी का जिस्म।

बूतए ज़र (بوتۂ زر) फा पु –सोना गलाने की घरिया।

बूतीमार (بوتیمار) फा पु –बक, बगला।

बूतुराब (بوتراب) अ पु –हज्रत अली की उपाधि।

बूद. (بودہ) फा क्रि –था।

बूद (بود) फा क्रि –था, (स्त्री) अस्तित्व, हस्ती, हैसियत, मर्यादा।

बूदगी (بودگی) फा स्त्री –होना, हस्ती, अस्तित्व, हैसियत, मर्यादा।

बूदनी (بودنی) फा अव्य –होने योग्य।

बूदमे बेदाल (بودمے بےدال) फा पु –बूम, उल्लू, (बूदम शब्द से दाल अक्षर अर्थात् 'द' निकल जाय तो 'बूम' रह जाता है)।

बूवार (بودار) फा वि—बदबूदार, दुर्गंधयुक्त।

बूदोबाश (بودوباش) फा स्त्री—रहन-सहन, रहाइश।

बूद्नः (بودنہ) फा पु—दे शुद्ध उच्चारण, 'बोदन'।

बूबक्र (بوبکر) अ पु—'अबूबक्र' का लघु, हज्रत अबूबक्र सिद्दीक, पहले खलीफा।

बूम (بوم) फा पु—उलूक, पेचक, उल्लू, बजर भूमि, प्रकृति, स्वभाव, मूर्ख, बेवकूफ।

बूमखस्लत (بوم خصلت) फा अ वि—उल्लू-जैसे स्वभाव-वाला, जहाँ रहे वहाँ वीरान बना दे।

बूमतिला (بوم طلا) फा वि—वह चीज जिसकी जमीन सुनहरी हो और बेलबूटे दूसरे रग के।

बूमसिफत (بوم صفت) फा अ वि—दे 'बूमखस्लत'।

बूमी (بومی) फा वि—देशीय, देसी, देशवासी, हम-वतन।

बूया (بویا) फा वि—सुगंध देनेवाली वस्तु, खुशबूदार, सुगधित।

बूयीदः (بوئیدہ) फा वि—सूँघा हुआ।

बूरः (بورہ) फा पु—सुहागा।

बूरए अर्मनी (بورۂ ارمنی) फा पु—एक प्रकार का नमक, एक प्रकार का सोडा।

बूरक़ (بورق) अ पु—कचलोन।

बूरानी (بورانی) फा स्त्री—बैंगन का राइता।

बे

बेअंदाज़ (بے اندازہ) फा वि—बहुत अधिक, जिसका अदाजा न हो सके।

बेअंदाम (بے اندام) फा वि—धृष्ट, गुस्ताख, अशिष्ट, बदतमीज़।

बेअक्ल (بے عقل) फा अ वि—निर्बुद्धि, मूर्ख, बेशऊर।

बेअदब (بے ادب) फा अ वि—धृष्ट, गुस्ताख, अशिष्ट, बेतमीज, उद्दड, उजड्ड, असभ्य, बेतहज़ीब।

बेअदबी (بے ادبی) फा अ स्त्री—धृष्टता, गुस्ताखी, अशिष्टता, बेतमीज़ी, उद्दडता, उजड्डपन, असभ्यता, बदतहजीबी।

बेअमल (بے عمل) फा अ वि—जो जानता हो मगर उसके अनुसार व्यवहार न करता हो, अकर्मण्य, निकम्मा।

बेअसर (بے اثر) फा अ वि—निष्फल, बेनतीजा, अगुण-कर, जो तासीर न दिखाये (दवा आदि)।

बेअस्ल (بے اصل) फा वि—निर्मूल, निराधार, वस्तुशून्य, बेबुनियाद।

बेआज़ार (بے آزار) फा वि—जो किसी को कष्ट न दे।

बेआबरू (بے آبرو) फा वि—अपमानित, तिरस्कृत।

बेआबोदान. (بے آب ودانہ) फा वि—बेकुछ खाये-पिये, अन्न-जलहीन।

बेआबोरंग (بے آب ورنگ) फा वि—नि श्री, बेरौनक।

बेआराम (بے آرام) फा वि—बेचैन, अशान्त, व्याकुल, निरानद, विसुख, ग़ैर मस्रूर।

बेआरामी (بے آرامی) फा स्त्री—बेचैनी, व्याकुलता, आनदाभाव, तकलीफ।

बेइतिहा (بے انتہا) फा अ वि—असीम, अपार, बेहद।

बेइख्तियार (بے اختیار) फा अ वि—सहसा, बेतहाशा, अधिकारहीन—"ग़ैरों को आज बज्म में उसकी रुला दिया, बेइख्तियार नालए बेइख्तियार ने।"—दाग।

बेइख्तियाराना. (بے اختیارانہ) फा अ अव्य—बेतहाशा, सहसा।

बेइख्तियारी (بے اختیاری) फा अ स्त्री—विवशता, मजबूरी।

बेइज़्ज़त (بے عزت) फा अ वि—अपमानित, तिरस्कृत, निंदित, गर्हित, रुसवा।

बेइज़्ज़ती (بے عزتی) फा अ स्त्री—अपमान, तिरस्कार, निंदा, रुसवाई।

बेइल्म (بے علم) फा अ वि—विद्याहीन, इल्म से खाली, निरक्षर, बेपढा-लिखा, जाहिल।

बेइल्मी (بے علمی) फा अ स्त्री—विद्याभाव, इल्म न होना, निरक्षरता, जहालत।

बेइश्तिबाह (بے اشتباہ) फा अ वि—नि सदेह, नि शक, बेशुब्ह।

बेईमान (بے ایمان) फा अ वि—बददियानत।

बेईमानी (بے ایمانی) फा अ स्त्री—बददियानती।

बेउज़्र (بے عذر) फा अ वि—जिसे किसी काम के करने में आपत्ति न हो, वह जिससे जो कुछ कहा जाय उसे तुरन्त करे।

बेउसूल (بے اصول) फा अ वि—जिस व्यक्ति का कोई नियम न हो।

बेएतिदाली (بے اعتدالی) फा अ स्त्री—किसी काम में हद से आगे बढ जाना, बदपरहेज़ी।

बेएतिनाई (بے اعتنائی) फा अ स्त्री—तवज्जुह न करना, ध्यान न देना, उपेक्षा।

बेएतिबार (بے اعتبار) फा अ वि—अविश्वस्त, अविश्व सनीय, नामो'तबर।

बेएतिबारी (بے اعتباری) फा अ स्त्री—अविश्वास, एति बार न होना।

बेऐब (بےعیب) फा अ वि —निर्दोष, निर्मल, जिसमें कोई खोट न हो।
बेऔलाद (بےاولاد) फा अ वि —जिसके कोई संतान न हो, अनपत्य, निःसंतान।
बेक़द्र (بےقدر) फा अ वि —अप्रतिष्ठित, अनादृत, बेइज़्ज़त, अपमानित, ज़लील।
बेक़द्री (بےقدری) फा अ स्त्री —अप्रतिष्ठा, बेइज़्ज़ती, अपमान, ज़िल्लत।
बेकमोकास्त (بےکم وکاست) फा वि —दे 'बेकमोबेश'।
बेकमोबेश (بےکم وبیش) फा वि —घटाये-बढाये बगैर, ज्यों-का-त्यों, यथावत्।
बेकराँ (بےکراں) फा वि —जिसका किनारा न हो, अपार, असीम।
बेकरान (بےکرانہ) फा वि —दे 'बेकराँ'।
बेक़रार (بےقرار) फा अ वि —व्याकुल, आतुर, बेचैन, घबड़ाया हुआ, उद्विग्न।
बेक़रारी (بےقراری) फा अ स्त्री —व्याकुलता, बेचैनी, घबराहट, बदहवासी।
बेक़रीना (بےقرینہ) फा अ वि —बेतर्तीब, क्रमहीन, असंबद्ध, अशिष्ट, बेतमीज़।
बेकस (بےکس) फा वि —दुःखित, दुखी, कष्टग्रस्त, पीड़ित, तक्लीफ़ज़दः, निस्सहाय, निराश्रय, बेयारो मददगार।
बेकसी (بےکسی) फा स्त्री —दुःख, कष्ट, विपत्ति, तक्लीफ़, निःसहायता, बेबसी।
बेक़ाइद: (بےقاعدہ) फा अ वि —बेतर्तीब, असंबद्ध, नियम-विरुद्ध, बेज़ाबित:।
बेक़ाइदगी (بےقاعدگی) फा अ स्त्री —असंबद्धता, बेतर्तीबी, नियम-विरोध, बेज़ाबितगी।
बेक़ाबू (بےقابو) फा वि —जो काबू में न आ सके, निरंकुश, उच्छासन।
बेकार (بیکار) फा वि —जो काम में न लगा हो, निरुद्यम, व्यर्थ निरर्थक फ़ुज़ूल, निकम्मा, अपाहज, प्रयोगहीन, नाक़ाबिले इस्तेमाल।
बेकारी (بیکاری) फा स्त्री —काम का अभाव, व्यर्थपन, निकम्मापन, प्रयोगहीनता।
बेक़ियास (بےقیاس) फा अ वि —बेहिसाब, अत्यधिक।
बेक़ुसूर (بےقصور) फा अ वि —निरपराध, निर्दोष, बेगुनाह।
बेक़ैद (بےقید) फा अ वि —बिला शर्त, बिला पाबंदी के।
बेकम्फ़ोकम (بےکیف وکم) फा अ वि —ठीक-ठीक, यथार्थ।
बेख़ (بیخ) फा स्त्री —मूल, जड़।
बेख़कन (بیخ کن) फा वि —जड़ खोदनेवाला, नाश करनेवाला।
बेख़कनी (بیخ کنی) फा स्त्री —उन्मूलन, जड़ खोदना, नाश करना।
बेख़तर (بےخطر) फा अ वि —निडर होकर, निर्भय होकर, जिससे अनिष्ट की आशंका न हो।
बेख़ता (بےخطا) फा अ वि —अमोघ, कारगर, अचूक।
बेख़बर (بےخبر) फा अ वि —सञ्ज्ञाहीन, बेहोश, सूचना-हीन, जिसे इत्तिलाअ न हो, अज्ञात, नावाक़िफ़।
बेख़बरी (بےخبری) फा अ स्त्री —सञ्ज्ञाहीनता, बेसुधपन, सूचना न होना, नावाक़फ़ीयत।
बेख़ानोमाँ (بےخان وماں) फा वि —जिसका घर-बार नष्ट हो गया हो।
बेख़ार (بےخار) फा वि —जिस में काँटे न हों, निष्कंटक।
बेख़िरद (بےخرد) फा वि —बुद्धिहीन, बेअक्ल।
बेख़ुद (بےخود) फा वि —अचेत, निश्चेष्ट, बेसुध।
बेख़ुदी (بےخودی) फा स्त्री —अचैतन्य, बेख़बरी।
बेख़ुरोख़्वाब (بےخور وخواب) फा वि —बगैर खाये और सोये, बगैर आराम के।
बेख़ेश (بےخویش) फा वि —जिसका कोई अपना न हो।
बेख़ोबुन (بیخ وبن) फा स्त्री —जड़बुन्याद।
बेख़्त: (بیختہ) फा वि —छाना हुआ।
बेख़्तगी (بیختگی) फा स्त्री —छानन।
बेख़्तनी (بیختنی) फा वि —छानने के काबिल।
बेख़्वाब (بےخواب) फा वि —जिसे नींद न आये, अनिद्र।
बेख़्वाबी (بےخوابی) फा स्त्री —नींद न आना, नींद न आने का रोग, अनिद्रा।
बेख़्वास्त: (بےخواستہ) फा वि —बे बुलाया हुआ, अनियन्त्रित, बिना चिंता और तलाश के स्वयं आया हुआ।
बेख़्वाहिशी (بےخواہشی) फा स्त्री —इच्छा का अभाव, इच्छा न होना, निस्पृहता, अनिच्छा।
बेग (بیگ) तु पु —नायक, अध्यक्ष, सरदार, मुग़लों का क़ौमी लक़ब।
बेगम (بیگم) तु स्त्री —दे 'बेगम'।
बेग़म (بےغم) फा अ वि —जिसे कोई चिंता न हो, निश्चिंत।
बेगम (بیگم) तु स्त्री —श्रीमती, महोदया, पत्नी, बीवी, शुद्ध उच्चारण 'बेगिम' है, परन्तु उर्दू में 'बेगम' ही व्यवहृत है।
बेगमात (بیگمات) तु फा स्त्री —'बेगम' का बहु, बेगमें, महिलाएँ।
बेग़मी (بےغمی) फा अ स्त्री —बेफ़िक्री, निश्चिंतता।

बेदिरेग (بےدریغ) फा वि –बे सोचे-समझे, अधाधुध, बहुत अधिक, बिना सकोच के।

बेदिल (بےدل) फा वि –उदास, खिन्न, अफ्सुर्द, मनउचाट, बददिल।

बेदिली (بےدلی) फा स्त्री –उदासी, मनउचाट होना।

बेदीन (بےدین) फा अ वि –नास्तिक, नेचरी, विधर्मी, धर्मरहित, ला मज़्हब।

बेदीनी (بےدینی) फा अ स्त्री –नास्तिकता, नेचरीयत, धर्महीनता, ला मजहबी।

बेदे मज्नूँ (بید مجنوں) फा अ पु –एक प्रकार का बेद।

बेदे मुश्क (بید مشک) फा पु –एक प्रकार का बेद, जिसके पत्तो के अरक से बेद मुश्क बनता है।

बेदे साद (بید سادہ) फा पु –बिना खुशबूवाला बेद, जो दवा मे चलता है।

बेदौलती (بے دولتی) फा अ स्त्री –बद इक्बाली, प्रताप-हीनता, निर्धनता, मुफलिसी।

बेनगोनामूस (بےننگ وناموس) फा अ वि –जिसे न अपनी और न अपने कुल के मर्यादा की लज्जा हो, निर्लज्ज।

बेनज़ीर (بےنظیر) फा अ वि –अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।

बेनमक (بےنمک) जिसमे नमक न हो (खाना), जिसमे लावण्य न हो, जो सुदर न हो।

बेनमकी (بےنمکی) फा स्त्री –खाने मे नमक न होना, अप्रसन्नता, वैमनस्य, रजिश, मजा किरकिरा होना, बेलुत्फी।

बेनवा (بےنوا) फा वि –जिसके पास जीवनयापन की कोई सामग्री न हो, दरिद्र, कगाल।

बेनवाई (بےنوائی) फा स्त्री –दरिद्रता, कगाली।

बेनसीब (بےنصیب) फा अ वि –बदकिस्मत, मदभाग्य, भाग्यहीन।

बेनसीबी (بےنصیبی) फा अ स्त्री –बदकिस्मती, भाग्य-हीनता।

बेनाम (بےنام) फा वि –जिसका कोई नाम न हो, अनामक।

बेनामोनिशाँ (بےنام ونشاں) फा वि –जिसका कोई अता-पता न हो, गुमनाम।

बेनामोनुमूद (بےنام ونمود) फा वि –दे 'बेनामोनिशाँ'।

बेनियाज़ (بےنیاز) फा वि –जिसे किसी से कुछ लेने की इच्छा न हो, नि स्पृह, स्वच्छद, आजाद, बेपर्वा।

बेनियाम (بےنیام) फा वि –म्यान से बाहर, नगी तल्वार, आप मे बाहर, गुस्से मे बेकाबू।

बेनियाज़ी (بےنیازی) फा स्त्री –निस्पृहता, किसी चीज की इच्छा न होना, बेपर्वाई, उपेक्षा।

बेनिहायत (بےنہایت) फा अ वि –अत्यधिक, अपार, असीम, जिसका अत न हो।

बेनुक़्त (بےنقط) फा अ वि –शब्दो पर नुक्ते न हो, ऐसी इबारत, बहुत अधिक गालीगलौज।

बेनैले मराम (بےنیل مرام) फा अ अव्य –उद्देश्य मे सफलता के बिना, असफल मनोरथ, नाकाम।

बेपनाह (بےپناہ) फा वि –जिससे रक्षा न हो सके, बेअमान।

बेपर (بےپر) फा वि –जिसके पर न हो, विवश, लाचार, नि सहाय, बेमदद।

बेपरोबाल (بےپروبال) फा वि –जिसके पर और बाजू न हो, विवश, लाचार, निराश्रय, बेसहारा।

बेपरोबाली (بےپروبالی) फा स्त्री –विवशता, लाचारी, नि सहायता, बेसहारापन।

बेपर्द (بےپردہ) फा वि –बिना आड के, खुल्लमखुल्ला, स्पष्ट, वाजेह, बिना बुर्का ओढे हुए (स्त्री)।

बेपर्दगी (بےپردگی) फा स्त्री –स्त्री का पर्दे मे न रहना, स्त्रियो का अन्य पुरुष के सामने होना।

बेपर्वा (بےپروا) फा वि –निश्चित, बेफिक्र, निस्पृह, बेनियाज, अभय, निडर।

बेपर्वाई (بےپروائی) फा स्त्री –निश्चितता, नि स्पृहता, भयहीनता।

बेपायाँ (بےپایاں) फा वि –जिसका अंत न हो, असीम, बेहद।

बेपीर (بےپیر) फा वि –जिसका कोई गुरु न हो, निर्दय, निष्ठुर, ज़ालिम।

बेफाइद (بےفائدہ) फा अ वि –व्यर्थ, वृथा, बेकार, फुज़ूल, बिना प्रयोजन का, निष्प्रयोजन, रद्दी।

बेफिक्र (بےفکر) फा अ वि –निश्चित, बेपर्वा, अदूरदर्शी, नाआकिबत बी, अभय, निडर।

बेफिक्री (بےفکری) फा अ स्त्री –निश्चितता; अदूरदर्शिता, निडरपन, निर्भयता।

बेफ़ैज़ (بےفیض) फा अ वि –अनुपकारी, जिससे किसी को लाभ न हो, अपयशी, जिसका कोई यश न हो, कृपण, कजूस।

बेबक़ा (بےبقا) फा अ वि –अनित्य, नश्वर, नाशवान्, फानी।

बेबदल (بےبدل) फा अ वि –जिसका जोडा न हो, अकेला, अद्वितीय, लासानी।

बेबर्गोनवा (بےبرگ ونوا) फा वि –बेसाजो सामान, निर्धन, निराश्रय, नि सहाय, बेकस।

बेबर्गोबार (بےبرگ وبار) फा वि –बेफलफूल का अर्थात् बे औलाद, नि सतान, निर्धन, कगाल।

बेबसर (بےبصر) फा अ वि –दृष्टिहीन, अधा।

बेबहा (بےبہا) फा वि –अमूल्य, बहुमूल्य, बेशकीमत।

बेबह्र' (بےبہرہ) फा वि –वचित, मह्रूम, अभागा, बदकिस्मत।

बेबाक (بےباق) फा अ वि –जिसके जिम्मे ऋण आदि का बकाया न रहा हो, परिशुद्ध, ऋणमुक्त।

बेबाक (بےباک) फा वि –धृष्ट, गुस्ताख, निर्लज्ज, बेहया, अभय, निडर, मुक्तकठ, मुँहफट।

बेबाकाना (بےباکانہ) फा अव्य –धृष्टतापूर्वक, निर्लज्जतापूर्वक, निडरता के साथ, मुँहतोड।

बेबाक़ी (بےباقی) फा अ स्त्री –ऋण आदि की चुकती, परिशोधन।

बेबाकी (بےباکی) फा स्त्री –धृष्टता, निर्लज्जता, निडरपन, मुँहफटपना।

बेबालोपर (بےبال وپر) फा वि –नि सहाय, निराश्रय, वेकस, वेबस, निर्धन, कगाल, जिसके पास जीविका का कोई साधन न हो।

बेबिज़ाअत (بےبضاعت) फा अ वि –जिसके पास पूँजी न हो, निर्धन, जो असमर्थ हो, जो कमइल्म हो।

बेबुनयाद (بےبنیاد) फा वि –निराधार, बेअस्ल, मिथ्या, झूठ।

बेमक्दूर (بےمقدور) फा अ वि –असमर्थ, बेमक्दरत, अप्रतिष्ठित, वेइज्जत।

बेमाज़ (بےمغز) फा अ वि –निर्बुद्धि, बेअक्ल, पोच, तुच्छ, लचर, नि सार, खोखला।

बेमज़ (بےمزہ) फा वि –निस्वाद, नीरस, फीका, आनदरहित, बेलुत्फ।

बेमज़गी (بےمزگی) फा स्त्री –नीरसता फीकापन, स्वाद की खराबी, आनद का अभाव, बेलुत्फी।

बेमस्रफ (بےمصرف) फा अ वि –निरर्थक, बेकार, निष्प्रयोजन, नाकार आमद।

बेमहल (بےمحل) फा अ वि –बेमौका, अवसर के विरुद्ध, बेवक्त, अनुचित, नामुनासिब।

बेमहाबा (بےمحابا) फा वि –बेधडक, सकोच के बिना, तडातड, बेतहाशा, बेपर्दा, खुले मुँह।

बेमा'ना (بےمعنی) फा अ वि –निरर्थक, जिसका कोई अर्थ न हो, व्यर्थ, बेकार, फुजूल, निष्फल, बेनतीजा।

बेमानिंद (بےمانند) फा वि –जिसकी कोई तुलना न हो, अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।

बेमा'नी (بےمعنی) फा अ वि –दे 'बेमा'ना'।

बेमाय. (بےمایہ) फा वि –जिसके पास पूँजी न हो, निर्धन, जिसके पास विद्या रूपी पूँजी न हो, बेइल्म।

बेमायगी (بےمایگی) फा स्त्री –दरिद्रता, निर्धनता, विद्याहीनता, बेइल्मी, अपाडित्य।

बेमिक्दार (بےمقدار) फा अ वि –अपमानित, तिरस्कृत, वेइज्जत, अधम, नीच, कमीना।

बेमिन्नते ग़ैरे (بےمنت غیرے) फा अ अव्य –दूसरे की खुशामद किये बिना, दूसरे का एहसान लिये बिना।

बेमिसाल (بےمثال) फा अ वि –अनुपम, असमान, अतुल्य, बेनजीर, लाजवाब।

बेमिस्ल (بےمثل) फा अ वि –दे 'बेमिसाल'।

बेमिहार (بےمہار) फा वि –जिसकी नाक मे नकेल न हो, अर्थात् निरकुश, स्वच्छद, आजाद, बेलगाम।

बेमुरव्वत (بےمروت) फा अ वि –जिसमे शील सकोच न हो, दु शील, तोताचश्म, अक्खड, उजड्ड, निष्ठुर, बेरहम।

बेमुरव्वती (بےمروتی) फा अ स्त्री –दु शीलता, तोताचश्मी, अक्खडपन, निर्दयता, बेरह्मो।

बेमेह्र (بےمہر) फा अ वि –निर्मम, जिसमे मामता न हो, निर्दय, निष्ठुर, बेरह्म।

बेमेह्री (بےمہری) फा अ स्त्री –निर्ममता, निर्दयता।

बेमौका (بےموقعہ) फा अ वि –दे 'बेमहल'।

बेमौसिम (بےموسم) फा अ वि –बिना ऋतु का (फल आदि)।

बेयारोमददगार (بےیارومددگار) फा वि –जिसका कोई सहायक और खबरगीर न हो, निराश्रय, नि सहाय, बेकस।

बेरग (بےرنگ) फा वि –जिसका कोई रग न हो, अवर्ण, जिसका रग उतर गया हो, बदरग, कुवर्ण।

बेरग (بےرگ) फा वि –निर्लज्ज, बेग़ैरत।

बेरब्त (بےربط) फा अ वि –असबद्ध, ग़ैर मर्बूत, बेढगा, बेमेल।

बेरब्ती (بےربطی) फा अ स्त्री –असबद्धता, बेढगापन, बेजोडपन।

बेरह्म (بےرحم) फा अ वि –निष्ठुर, निर्दय, जालिम।

बेरह्मी (بےرحمی) फा अ स्त्री –निर्दयता, निष्ठुरता, जुल्म।

बेराह (بےراہ) फा वि –पथभ्रष्ट, कुमार्गी, गुमराह।

बेराहरवी (بےراہروی) फा स्त्री –बुरी राह चलना, कुमार्गगमन।

बेराहरौ (بےراہرو) फा वि –कुमार्गी, पथभ्रष्ट, बुरी राह चलनेवाला, पापाचरण करनेवाला।

बेरिया (بےریا) फा वि –निश्छल, मुख़्लिस, आडबर-हीन, पाखड न करनेवाला।

बेरियाई (بےریائی) फा स्त्री –निश्छलता, निष्कपटता, आडवरहीनता।

बेरीश (بےریشہ) फा पु –दे 'बेरीश'।

बेरीश (بےریش) फा वि –जिसके दाढी न निकली हो, जो अभी पूरी उम्र का न हो, लडका, अमरद।

बेरुख़ी (بےرخی) फा स्त्री –बेतवज्जुही, उपेक्षा, बेमुरव्वती, दु शीलता, मुँह फेरना, विमुखता।

बेरूँ (بیروں) फा वि –बाहर।

बेरूँजात (بیرونجات) फा पु –नगर के बाहर की बस्तियाँ, मुफस्सलात।

बेरू (بےرو) फा वि –बेमुरव्वत, दु शील।

बेरूओरिआयत (بےرووعایت) फा अ वि –बिना किसी के पक्षपात और रियाअत किये।

बेरेश (بےریشہ) फा वि –जिसमे सुथडे या रेशे न हो, जैसे— बेरेश आम।

बेरैबोरिया (بےریب وریا) फा वि –बिना छल और कपट के, ठीक-ठीक, सीधा-सीधा।

बेरोजगार (بےروزگار) फा वि –जिसके पास धधा न हो, अनुद्यमी, व्यवसायहीन, बेकार।

बेरोज़गारी (بےروزگاری) फा स्त्री –रोज़गार न होना, लोगो को काम न मिलना, बेकारी।

बेरौनक (بےرونق) फा वि –जिसम कोई शोभा न हो, शोभाशून्य, श्रीहीन, जहा चहल-पहल न हो, सूना, उजाड, जिसमे प्रफुल्लता न हो, अपसुद।

बेरौनकी (بےرونقی) फा स्त्री –शोभा न होना, चहल-पहल न होना, प्रफुल्लता न होना।

बेल (بیل) फा पु –बल्चा, फान्डा, पतवार, नाव खेने का डाँड।

बेलकश (بیل کش) फा वि –फावडा चलानेवाला।

बेलगाम (بےلگام) फा वि –जिसके मुँह म लगाम न हो, निरकुश, स्वच्छद, मुहफट, बदलगाम।

बेलच (بیلچہ) फा पु –फावडा, फावडे के आकर का एक खोदने का यत्र, जिसका दस्ता सीधा होता है।

बेलच कार (بیلچہ کار) फा वि –बेलचे से खोदाई करने-वाला, फावडा चलानेवाला।

बेलचक (بیلچک) फा पु –बेलचा, फावडा।

बेलज़न (بیل زن) फा वि –फावडा चलानेवाला, किसान, कृषक।

बेलुत्फ (بےلطف) फा अ वि –निरानद, बेमजा, जिसम कोई दिलचस्पी न हो।

बेलुत्फी (بےلطفی) फा अ स्त्री –आनद का न होना, मज़ा न आना, दिलचस्पी न होना।

बेलौस (بےلوث) फा अ वि –नि स्वार्थ, मुख़्लिस, जिस पर कोई लाछन न हो, जो पाक-साफ हो।

बेलौसी (بےلوثی) फा अ स्त्री –नि स्वार्थता, इख़्लास, निर्लिप्तता, बेतअल्लुकी।

बेव (بیوہ) फा स्त्री –विधवा, अधवा, वह स्त्री जिसका पति मर गया हो, राँड।

बेवकार (بےوقار) फा अ वि –दे 'बेवक्अत', निर्धन, बेपूँजी।

बेवक्अत (بےوقعت) फा अ –जिसकी कोई इज्ज़त न हो, तिरस्कृत, जो माना न जाय, अमान्य।

बेवक्अती (بےوقعتی) फा अ स्त्री –अपमान, तिरस्कार, बेइज्ज़ती, तुच्छता, नीचता, ज़लालत।

बेवक्त (بےوقت) फा अ वि –कुसमय, अकाल, नावक्त।

बेवक्र (بےوقر) फा अ वि –दे 'बेवक्अत'।

बेवक्री (بےوقری) फा अ स्त्री –दे 'बेवक्अती'।

बेवगी (بیوگی) फा स्त्री –बेवा होने की अवस्था, विधवा-पन, विधवात्व, वैधव्य, रँडापा।

बेवजह (بےوجہ) फा अ वि –अकारण, बिला वजह।

बेवफा (بےوفا) फा अ वि –जिसमे वफा न हो, कृतघ्न, दगाबाज, जो वादे का पक्का न हो।

बेवफाई (بےوفائی) फा अ स्त्री –कृतघ्नता, दग़ाबाज़ी, वादाख़िलाफी, वचन-भग।

बेवासित (بےواسطہ) फा अ वि –अकारण, बेसबब, बिलावास्त, इन डाइरेक्ट।

बेवुकूफ (بےوقوف) फा अ वि –बुद्धिहीन, निर्बुद्धि, मूर्ख, नादान।

बेवुकूफी (بےوقوفی) फा अ स्त्री –मूर्खता, बुद्धिहीनता, मूर्खता, नादानी।

बेश (بیشہ) फा पु –शेर के रहने की माँद, कछार, वन, जगल।

बेश नशीं (بیشہ نشیں) फा वि –जगल मे रहनेवाला, तपस्या के लिए जगल मे रहनेवाला।

बेश (بیش) फा वि –अधिक, जियादा, मीठा तेलिया, मिथिया।

बेश अज़ पेश (بیش از پیش) फा वि –अधिकाधिक, जियादा से जियादा।

बेश अज़ बेश (بیش از بیش) फा वि –पहले की अपेक्षा अधिक, पहले से जियादा।

बेशक (بےشک) फा अ वि –नि सदेह, नि शक, बेशुबह, अवश्य, जुरूर।
बेशक़रार (بیش قرار) फा अ वि –पर्याप्त, काफी, अत्यधिक, बहुत।
बेशक़ीमत (بیش قیمت) फा अ वि –बहुमूल्य, बडे दामो की वस्तु।
बेशक्कोशुबह (بےشک وشبہ) फा अ वि –नि सदेह, नि शक, बिना किसी शका और सदेह के।
बेशतर (بیش تر) फा वि.–अधिकतर, प्राय, बहुधा, अमूमन।
बेशबहा (بیش بہا) फा वि –दे 'बेशक़ीमत'।
बेशर्म (بےشرم) फा. अ वि –निर्लज्ज, बेहया, बेग़ैरत, स्वाभिमानरहित।
बेशर्मी (بےشرمی) फा अ स्त्री –निर्लज्जता, बेहयाई, अस्वाभाविमान, बेग़ैरती।
बेशाइब: (بےشائبہ) फा अ वि –नि सदेह, यक़ीनन।
बेशी (بیشی) फा स्त्री –अधिकता, जियादती, इजाफा, बढती, वृद्धि।
बेशीराज: (بےشیرازہ) फा वि –असबद्ध, बेतर्तीब।
बेशुऊर (بےشعور) फा अ वि.–निर्बुद्धि, बेअक्ल, अशिष्ट, नाशाइस्त, अविवेकी, अच्छे-बुरे की तमीज़ न रखनेवाला।
बेशुऊरी (بےشعوری) फा अ स्त्री –बुद्धिहीनता, बेअक्ली, बेतमीजी, अविवेक।
बेशुबह: (بےشبہہ) फा अ वि –नि सदेह, नि शक, बेशक।
बेशुमार (بےشمار) फा अ वि –असख्य, अनगिनत, जिनकी गिनती न हो सके, बहुत अधिक।
बेशोकम (بیش وکم) फा वि –थोडा-बहुत।
बेसत्री (بےستری) फा अ स्त्री –बे पर्दगी, पर्दा न होना, कपडे का शरीर पर से हट जाना या न होना।
बेसबब (بےسبب) फा अ वि –बिना कारण, अकारण, बेवजह।
बेसबब आज़ार (بےسبب آزار) फा अ वि –बिना कारण के कष्ट देनेवाला, अकारण-द्रोही।
बेसब्र (بےصبر) फा अ वि –अधीर, आतुर, जिसे धीरज न हो, जल्दबाज़।
बेसब्री (بےصبری) फा अ स्त्री –अधीरता, आतुरता, जल्दबाज़ी।
बेसरोपा (بےسروپا) फा वि –बे सर और पैर का, जिसका सिर-पैर कुछ न हो, झूठा, निराधार।
बेसर्फ: (بےصرفہ) फा अ वि –व्यर्थ, निरर्थक, बकार।
बेसलीक: (بےسلیقہ) फा अ वि –जिसे किसी काम करने का ढग न आता हो, जो शिष्ट न हो, असभ्य।
बेसलीक़गी (بےسلیقگی) फा अ. स्त्री –काम का ढग न आना; अशिष्टता, असभ्यता।
बेसवा (بیسوا) फा स्त्री.–वेश्या, गणिका, तवाइफ।
बेसवाद (بےسواد) फा अ वि.–निश्री, बेरौनक़, निरक्षर, जाहिल, मूर्ख।
बेसाख्त: (بےساختہ) फा वि –सहसा, बेतहाशा, तुरत, जो बना-सँवरा न हो, सादा, बे सोचे हुए, फ़िलबदीह।
बेसाख्तगी (بےساختگی) फा स्त्री –बेतहाशापन, शीघ्रता; बनाव-सिंगार न होना, बरजस्तगी।
बेसाज़ोबर्ग (بےسازوبرگ) फा वि –दे 'बेबर्गोनवा'।
बेसिक्क: (بےسکہ) फा वि –तुच्छ, नीच, ज़लील, अपमानित, तिरस्कृत।
बेसियाक़ोसिबाक़ (بےسیاق وسباق) फा अ वि –बिना पूर्वापर सम्बन्ध के, (सियाक (अर्बी) = चलाना, रविश) सिबाक–अ वि =आगे दौडनेवाला, फार्सी और उर्दू में 'सियाक' और 'सिबाक' समानार्थक शब्द हैं।
बेसुकून (بےسکون) फा अ वि –अशान्ति, जिसे शान्ति न मिले, उद्विग्न, परीशान, चचल, चपल, शोख़।
बेसुतून (بےستون) फा पु –वह पहाड जिसे फर्हाद ने काटा था।
बेसूद (بےسود) फा वि –निरर्थक, व्यर्थ, बेकार, निष्फल, बेनतीज।
बेहगाम (بےہنگام) फा वि –कुसमय, नावक्त।
बेहक़ीक़त (بےحقیقت) फा अ वि –तुच्छ, ज़लील, असत्य, झूठ, निराधार, बेबुनियाद।
बेहद (بےحد) फा अ वि –असीम, अपार बेहिसाब, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।
बेहद्दोहिसाब (بےحدوحساب) फा अ वि –जो गिन्ती और हिसाब से बाहर हो, असख्य, अपार।
बेहमओबाहम (بےہمہ وباہمہ) फा वि –किसी के साथ नहीं और सबके साथ, सबसे अलग और सबके साथ, अच्छाई मे सबके साथ, बुराई मे सबसे अलग।
बेहमगी (بےہمگی) फा स्त्री –किसी के साथ न होना, सबसे अलग होना।
बेहमता (بےہمتا) फा वि –अनुपम, बेमिसाल।
बेहमाल (بےہمال) फा वि –अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।
बेहमीयत (بےحمیت) फा अ वि –बेग़ैरत, निर्लज्ज।
बेहमीयती (بےحمیتی) फा अ स्त्री –निर्लज्जता, बेग़ैरती।
बेहया (بےحیا) फा अ वि –निर्लज्ज, लज्जा-शून्य, अपत्रप, निस्त्रप, क्षपणक, बेहया।

बेहयाई (بےحیائی) फा अ स्त्री –लज्जाहीनता, निर्लज्जता, बेशर्मी।

बेहाल (بےحال) फा अ वि –अचेत, बेखबर, सज्ञाहीन, मरणासन्न, मरने के करीब, दुर्दशाग्रस्त, बदहाल।

बेहासिल (بےحاصل) फा अ वि –व्यर्थ, निरर्थक, बेकार, निष्फल, बेनतीजा।

बेहिजाब (بےحجاب) फा अ वि –बेपर्दा, खुलेबंदो, घूंघट खोले हुए।

बेहिजाबानः (بےحجابانہ) फा अ वि –पर्दा उठाये हुए, घूंघट हटाये हुए, मुंह खोले हुए, बेपर्दा।

बेहिजाबी (بےحجابی) फा अ स्त्री –बेपर्दगी, घूंघट उठा देना, खुलेबंदो फिरना (स्त्री का)।

बेहिफाजत (بےحفاظت) फा अ वि –जिसकी रक्षा न हो, अरक्षित।

बेहिफाजती (بےحفاظتی) फा अ स्त्री –रक्षा का अभाव, अरक्षा।

बेहिम्मत (بےہمت) फा अ वि –निरुत्साही, हतोत्साही, जिसकी हिम्मत टूट गयी हो, जिसमे हिम्मत न हो।

बेहिम्मती (بےہمتی) फा अ स्त्री –उत्साह की कमी, उत्साह का अभाव।

बेहिस [स्स] (بےحس) अ वि –जिसे एहसास न हो, जिसमे स्वाभिमान न हो, चेतनाशून्य, गाफिल, सुन, जडीभूत।

बेहिसाब (بےحساب) फा अ वि –असख्य, बेशुमार।

बेहिसी (بےحسی) फा अ स्त्री –एहसास का अभाव, चेतना का अभाव, सुन्न हो जाना।

बेहिस्सी (بےحسی) फा अ स्त्री –दे 'बेहिसी', दोनो शुद्ध है।

बेहिस्सोहरकत (بےحس وحرکت) फा अ वि –जो गति और चेतना दोनो से शून्य हो, जडवत्, निस्तब्ध।

बेहुजूर (بےحضور) फा अ वि –अनुपस्थित, नामौजूद, लुप्त, गाइब।

बेहुजूरी (بےحضوری) फा अ स्त्री –अनुपस्थिति, गैर मौजूदगी, लोप, गाइब होना।

बेहुद. (بیہدہ) फा वि –'बेहूद' का लघु, दे 'बेहूद'।

बेहुनर (بےہنر) फा अ वि –जिसमे कोई हुनर न हो, निर्गुण, गुणहीन।

बेहुनरी (بےہنری) फा अ स्त्री –गुण का न होना, निर्गुणता, वैगुण्य।

बेहुर्मत (بےحرمت) फा अ वि –अपमानित, तिरस्कृत, बेइज्जत, गर्हित, निंदित, रुस्वा।

बेहुर्मती (بےحرمتی) फा अ स्त्री –अपमान, बेवक्अती, गर्हा, निंदा, रुसवाई।

बेहूदः (بیہودہ) फा वि –व्यर्थ, अनर्थ, बेकार, निष्प्रयोजन, निकम्मा, असभ्य, अशिष्ट, बदतमीज़, दुःशील, बद-अख़्लाक, अश्लील, फुहश, दुश्चरित्र, आवारा।

बेहूद.कलाम (بیہودہ کلام) फा. अ वि –दे 'बेहूदगो'।

बेहूद.गो (بیہودہ گو) फा वि –व्यर्थवादी, फुजूल बाते करने-वाला, अश्लील वक्ता, फुहशगो।

बेहूद.गोई (بیہودہ گوئی) फा स्त्री –व्यर्थ की बकवास, अश्लील बातें।

बेहूद.मिजाज (بیہودہ مزاج) फा अ वि –असभ्य, अशिष्ट, बदतमीज़, उजड्ड, अक्खड।

बेहूद.शिआर (بیہودہ شعار) फा अ वि –दे 'बेहूद-मिजाज'।

बेहूद.सिरिश्त (بیہودہ سرشت) फा वि –दे 'बेहूद-मिजाज'।

बेहूदगी (بیہودگی) फा स्त्री –अश्लीलता, फुहशपन, असभ्यता, अशिष्टता, बदतमीजी।

बेहैसियत (بےحیثیت) फा अ वि –अप्रतिष्ठित, बेइज्जत, निर्धन, मुफ्लिस।

बेहैसियती (بےحیثیتی) फा अ स्त्री –प्रतिष्ठा न होना, अप्रतिष्ठा, निर्धनता।

बेहोश (بےہوش) फा वि –निश्चेष्ट, अचेत, गाफिल, उन्मत्त, बदमस्त।

बेहोशी (بےہوشی) फा स्त्री –निश्चेष्टता, गफलत, उन्मत्तता, बदमस्ती।

बेहोशोहवास (بےہوش وحواس) फा अ वि –जिसकी न अक्ल ठिकाने हो, न होश, बहुत ही गाफिल।

बेहौसलः (بےحوصلہ) फा अ वि –दे 'बेहिम्मत'।

बेहौसलगी (بےحوصلگی) फा अ स्त्री –दे 'बेहिम्मती'।

बै

बैअ (بیع) अ स्त्री –बेचना, फरोख़्त करना।

बैअत (بیعت) अ स्त्री –किसी पीर के हाथ पर उसका मुरीद होना।

बैअनामः (بیع نامہ) अ फा पु –बेचीनामा, विक्रय-पत्र, बेचने की कानूनी तहरीर।

बैआन (بیعانہ) अ फा पु –वह धन जो मूल्य तय हो जाने पर खरीदार बेचनेवाले को इसलिए देता है कि बात पक्की हो जाय।

बैओशिरा (بیع وشرا) अ स्त्री –खरीद-फरोख़्त, क्रय-विक्रय।

बैज़ः (بیضہ) अ पु –अडा, अड, अडकोष, फोता, सिपाहियो का खोद, लोहे की टोपी, पूरे सर का एक दर्द।
बैज़ (بیض) अ पु –'बैज़' का बहु, अडे।
बैज़ए माकियाँ (بیضۂ ماکیاں) अ फा पु –मुर्गी का अडा।
बैज़ए मार (بیضۂ مار) अ फा पु –साँप का अडा।
बैज़ए मुर्ग़ (بیضۂ مرغ) अ फा पु –मुर्गी का अडा।
बैज़ए मोर (بیضۂ مور) अ फा पु –च्यूँटी का अडा।
बैदक़ (بیدق) अ पु –दे 'बैदक', दोनो शुद्ध है।
बैज़वी (بیضوی) अ वि –अण्डे के आकार का, अडाकार।
बैज़ा (بیضا) अ वि –प्रकाशमान्, उज्ज्वल, रौशन, श्वेत, सफ़ेद, सूर्य, सूरज, ईरान का एक नगर।
बैज़ावी (بیضاوی) अ वि –बैज़ा (ईरान का एक नगर), से सम्बन्ध रखनेवाला।
बैत (بیت) अ पु –घर, गृह, मकान, स्थान, जगह, (स्त्री) एक शेर, दो मिस्रे।
बैतबहसी (بیت‌بحثی) अ स्त्री –दे 'बैतबाज़ी' अन्त्याक्षरी।
बैतबाज़ी (بیت‌بازی) अ फा स्त्री –लडको का एक इल्मी मश्ग़ल जिसमे एक लडका एक शे'र पढता है और दूसरा लडका उस शेर के अन्तिम अक्षर से प्रारम्भ होनेवाला दूसरा शे'र पढता है या उसी विषय पर दूसरी उक्ति पढता है।
बैतार (بیطار) अ पु –पशुओ की चिकित्सा करनेवाला, अश्व-चिकित्सक।
बैतुल्लुत्फ़ (بیت‌اللطف) अ पु –चकला, वेश्यालय।
बैतुलअतीक़ (بیت‌العتیق) अ पु –पुराना घर, का'ब, खानए का'ब।
बैतुलअरूस (بیت‌العروس) अ पु –दुल्हन का कमरा, खानए का'ब।
बैतुलउलूम (بیت‌العلوم) अ. पु –यूनीवर्सिटी, विश्वविद्यालय।
बैतुलख़ला (بیت‌الخلا) अ पु –शौचालय, पाखाना।
बैतुलग़ज़ल (بیت‌الغزل) अ स्त्री –ग़ज़ल का सबसे अच्छा शे'र।
बैतुलमा'मूर (بیت‌المعمور) अ पु –चौथे आस्मान पर बनी हुई मस्जिद जो खानए का'ब के ठीक ऊपर है।
बैतुलमाल (بیت‌المال) अ पु –वह कोष जिसका धन सार्वजनिक कामो मे खर्च हो।
बैतुलमुक़द्दस (بیت‌المقدس) अ पु –यरोशलम।
बैतुल्लाह (بیت‌الله) अ पु –खानए का'ब, ईश्वर का घर।
बैतुलहज़न (بیت‌الحزن) अ पु –शोकगृह, ग़मी का घर, नायक का घर।
बैतुलहमल (بیت‌الحمل) अ पु –मेषराशि, पहला बुर्ज।
बैतुलहराम (بیت‌الحرام) अ पु –खानए का'ब।
बैतुलहुज़्न (بیت‌الحزن) अ पु.–दे 'बैतुलहज़न', दोनो शुद्ध है।
बैतुश्शरफ़ (بیت‌الشرف) अ पु –वह राशि जिसमे किसी ग्रह की उन्नति हो।
बैतुस्सक़र (بیت‌السقر) अ पु –नरक, दोज़ख।
बैतुस्सनम (بیت‌الصنم) अ पु –बुतख़ाना, मूर्तिगृह, मदिर।
बैतुस्सिलाह (بیت‌السلاح) अ पु –शस्त्रागार, अस्लिहखान, मैगजीन।
बैदक़ (بیدق) अ पु –शत्रज का पियादा।
बैदा (بیدا) अ पु –वन, कानन, जगल, दश्त।
बैन (بین) अ वि –बीच, मध्य, दरमियान।
बैनलअक़्वाम (بین‌الاقوام) अ वि –अन्तर्राष्ट्र।
बैनलअक़्वामी (بین‌الاقوامی) अ वि –अन्तर्राष्ट्रीय।
बैनलमिल्ली (بین‌الملی) अ वि –अतर्राष्ट्रीय।
बैनलमुल्की (بین‌الملکی) अ वि –अतर्देशीय।
बैनस्सुतूर (بین‌السطور) अ पु –दो सत्रो के बीच मे छोडी हुई जगह।
बैयाअ (بیاع) अ वि –बेचनेवाला, विक्रेता, अभिकर्ता, दल्लाल।
बैयिन (بین) अ वि –स्पष्ट, वाज़ेह, ज्वलन्त।
बैरक़ (بیرق) तु पु –छोटा झडा, झडी, वह झडा जो ज़मीन पर कब्ज़ा करने या आबाद करने के निशान के लिए गाडते है।

बो

बोईद (بوئیدہ) फा वि –सूँघा हुआ।
बोत (بوتہ) फा पु –सुनारो की घरिया, कुठाली, बूत।
बोदन. (بودنہ) तु पु –बटेर।
बोया (بویا) फा वि –सुगधित, सुवासित, खुशबूदार।
बोरिया (بوریا) फा पु –चटाई, खजूर की चटाई, मदुरा।
बोरियानशीं (بوریانشیں) फा वि –चटाई पर बैठनेवाला, फकीर।
बोरियाबाफ़ (بوریاباف) फा वि –चटाइयाँ, बुननेवाला।
बोरियाबाफ़ी (بوریابافی) फा स्त्री –चटाइयाँ बुननेका काम।
बोस (بوس) फा प्रत्य –चूमनेवाला, जैसे—'फ़लकबोस' आस्मान चूमनेवाला, गगनचुबी।
बोसः (بوسہ) फा पु –चुबन, चूमा।

बोसःगाह (بوسه‌گاه) फा स्त्री —वह स्थान जिसे चूमा जाय।
बोस.जन (بوسه‌زن) फा वि —चूमनेवाला, चुबक।
बोस बपैग़ाम (بوسه‌به‌پیغام) फा वि —दूसरे के ज़रिए अपने मकसद को पा लेना,—"कासिद के हाथ चूम लिये मैंने लेके ख़त, ये एक तरह का बोस व पैग़ाम हो गया।"
बोसःबाज़ी (بوسه‌بازی) फा स्त्री —चुबाचुबी, एक-दूसरे को चूमना।
बोसीद. (بوسیده) फा वि —चुंबित, चूमा हुआ, सडा-गला, फटा-पुराना।
बोसीदगी (بوسیدگی) फा स्त्री —सडा-गलापन, फटा-पुरानापन।
बोसीदनी (بوسیدنی) फा वि —चूमने के लाइक, चुबन-योग्य, चुबनीय।
बोस्ताँ (بوستان) फा पु —उद्यान, बाग, आराम, वाटिका।
बोस्ताँपैरा (بوستان‌پیرا) फा वि —माली, उद्यानपाल।

बौ

बौअक (بوری) फा स्त्री —फफूंदी, श्वेता।
बौल (بول) अ पु —मूत्र, प्रस्राव, पेशाब, मूत।
बौलगाह (بول‌گاه) अ फा स्त्री —मूत्रालय, पेशाब करने की जगह, यूरिनल।
बौलदान (بول‌دان) अ फा पु —पेशाब का बरतन, रोगियो का मूत्र-पात्र, यूरिन-पाट।
बौलफिलफिराश (بول فی الفراش) अ पु —एक रोग जिसमे रोगी सोते हुए पलग पर पेशाब कर देता है, प्राय यह रोग दस बारह बरस के बच्चो को होता है, शय्यामूत्र।

म

मज़र (منظر) अ पु —दृश्य, नज़्ज़ार, मुखाकृति, चेह्रा, कौतुकस्थान, तमाशागाह, क्रीडास्थल, सैरगाह, दृष्टि का अत, हद्दे नज़र।
मज़रे आम (منظر عام) अ पु —खुली जगह, जहाँ सब लोग आ-जा सके, सार्वजनिक स्थान।
मज़िल (منزل) अ स्त्री —उतरन की जगह, पडाव, जहाँ जाना हो, गतव्य, एक दिन की मात्रा, मकान का खड, माला, नक्षत्र, चाँद का घर, लम्बी यात्रा।
मज़िलगाह (منزل‌گاه) अ फा स्त्री —जहाँ जाकर ठहरना हो।
मज़िलत (منزلت) अ स्त्री —आदर सत्कार, इज़्ज़त, पदवी, दरजा।
मज़िले अव्वल (منزل اول) अ स्त्री —कब्र, श्मशान, जहाँ मनुष्य मरने पर पहली बार जाता है।
मज़िले क़मर (منزل قمر) अ स्त्री —नक्षत्र, चाँद के रास्ते में पडनेवाले २७ स्थानो मे से एक, (दे मनाज़िले कमर)।
मज़िले मक्सूद (منزل مقصود) अ स्त्री —वह स्थान जहाँ पहुँचना है, आशय, उद्देश्य।
मंज़िले हस्ती (منزل هستی) अ फा स्त्री —जीवनयात्रा, आयु, उम्र।
मंज़ूअ (منزوع) अ वि —निकाला हुआ, किसी चीज़ में से अलग किया हुआ।
मज़ूम (منظوم) अ वि —पद्यात्मक, छदोबद्ध, नज्म की सूरत मे लाया हुआ, छद के रूप मे परिवर्तित किया हुआ।
मज़ूमात (منظومات) अ स्त्री —नज्मो का सग्रह, वह सग्रह जिसमे 'गज्लें' न हो, केवल नज्में हो।
मज़ूर (منظور) अ वि —दृष्टिगत, दृष्टिगोचर, जो देखा जाय, स्वीकृत, तस्लीम, रुचिकर, पसदीद।
मज़ूरे नज़र (منظور نظر) अ वि —प्रिय, प्यारा, कृपापात्र, जिस पर किसी की कृपादृष्टि हो, आँखो को पसद।
मद (مند) फा प्रत्य —वाला, जैसे—'ज़ुरूरतमद' 'ज़ुरूरत-वाला।
मदल (مندل) फा पु —घेरा, इहाता, मडल।
मदूबः (مندوبه) अ स्त्री —डेलीगेट स्त्री, प्रतिनिधि महिला।
मदूब (مندوب) अ पु —डेलीगेट, प्रतिनिधि।
मदूबीन (مندوبین) अ पु —'मदूब' का बहु, प्रतिनिधि मडल, बहुत-से प्रतिनिधि।
मबा' (منبع) अ पु —स्रोत, चश्मा, उद्‌गम, मख्रज।
मबित (منبت) अ पु —उगने का स्थान, जहाँ कोई पौदा उगे।
मशा (منشا) अ पु —उद्देश्य, आशय, मक्सद, अर्थ, मतलब, इच्छा, ख्वाहिश, कारण, हेतु, सबब, मनोकामना, मनोरथ, दिली मक्सद।
मंशाए इलाही (منشاء الٰہی) अ. पु —ईश्वरेच्छा, खुदा की मर्ज़ी।
मशाए दिली (منشاء دلی) अ फा पु —मनोरथ, मनो-कामना, दिली आर्ज़ू।
मशाए मशीअत (منشاء مشیت) अ पु —दे 'मशाए इलाही'।
मशूर (منشور) अ पु —अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, बिखरा हुआ, राजाज्ञा, शाहीफर्मान।
मसक (منسک) अ पु —वह स्थान जहाँ पूजा की जाय, उपासना-गृह, वह स्थान जहाँ कुर्बानी की जाय।
मसब (منصب) अ पु —पद, उहदा, बडी पदवी, अधिकार, हक, कर्तव्य, फर्ज़।

मन्सबदार (منصبدار) अ फा. वि –पदाधिकारी, उहदेदार, पीढी दर पीढी वजीफा पानेवाला।
मंसवी (منصبی) अ वि –मसबवाला, पद-सम्बन्धी, जैसे–'कारे मसबी', अपना पद-सम्बन्धी काम।
मसूख (منسوخ) अ वि –खारिज रद्द, निरस्त।
मसूखी (منسوخی) अ वि –मसूख होना, निरसन, रद्द होना।
मसूब (منصوبہ) अ पु –सकल्प, इरादा, योजना, स्कीम, षड्यन्त्र, साजिश, इच्छा, ख्वाहिश।
मसूब बदी (منصوبہبندی) अ फा स्त्री –मसूबा गाँठना, इरादा करना, योजना बनाना, स्कीम बनाना।
मसूब (منسوب) अ वि –सम्बन्धित, जिसकी किसी की ओर निस्वत की गयी हो, जिसकी कही मँगनी की गयी हो।
मसूब (منصوب) अ वि –वह अक्षर जिस पर जबर हो।
मसूबइलैह (منسوب الیہ) अ वि–जिसकी ओर निस्वत की गयी हो, जिसकी मँगनी की गयी हो।
मसूर (منثور) अ वि –गद्यात्मक लेख, नस्र का कलाम, अनविधा मोती, तितर-बितर, बिखरा हुआ।
मंसूर (منصور) अ वि –विजेता, विजयी, फातेह, एक वली जिन्होने "अनलहक" कहा था और इस अपराध मे उनकी गरदन काटी गयी थी।
मसूरोमुजफ्फर (منصورومظفر) अ वि –जो बडी शान से जीता हो, प्रशसनीय विजयी।
मसूस (منصوص) अ वि –गवेषणा को प्राप्त, तहकीकशुद, वह बात जो कुरान की स्पष्ट आयता से प्रमाणित हो।
मअन (معاً) अ वि –सहसा, अकस्मात्, अचानक, तुरत, फौरन, तत्क्षण।
मआइब (معائب) अ पु –'मईब' का बहु दोष-समूह।
मआखिज (مآخذ) अ पु –'आखज' का बहु, वे किताबे जिनसे मवाद लेकर कोई किताब लिखी गयी हो।
मआज (معاذ) अ वि –रक्षास्थान, पनाह की जगह।
मआजल्लाह (معاذاللہ) अ वा –खुदा की पनाह, ईश्वर बचाये।
मआजीन (معاجین) अ स्त्री –'मा'जून' का बहु, मा'जूने, अवलेह।
मआद (معاد) अ पु –लौटकर जाने की जगह, यमलोक।
मआदिन (معادن) अ पु –'मा'दिन' का बहु, खाने।
मआनी (معانی) अ पु –'मा'ना' का बहु, अर्थसमूह।
मआब (مآب) अ प्रत्य –युक्त, जैसे–'फजीलत मआब' विद्वत्ता से युक्त।
मआबिद (معابد) अ पु –'मा'बद' का बहु, उपासना के स्थान, मदिर, मस्जिदे, गिर्जा।
मआबिर (معابر) अ पु –'मा'बर' का बहु, नदियो का घाट या पुल।
मआरिक (معارک) अ पु –'मा'रिक' का बहु, लडाई के मैदान, युद्धक्षेत्र, लडाइयाँ, युद्ध।
मआरिज (معارج) अ पु –'मे'राज' का बहु, सीढियाँ।
मआरिफ (معارف) अ पु –'मा'रफ' का बहु, पहचानने के स्थान, परिचय, पहचान, 'मा'रिफ' का बहु, परिचित लोग, दोस्त लोग, मित्रगण, विद्वज्जन, इल्मवाले।
मआल (مآل) अ पु –परिणाम, निष्कर्ष, नतीजा, अत, खातिमा, फल, प्रतिकार, बदल,–"मआलेसोजे गमहाए निहानी देखते जाओ"–फानी।
मआलअदेश (مآل اندیش) अ फा वि –परिणामदर्शी, नतीजा सोचकर काम करनेवाला।
मआलअदेशी (مآل اندیشی) अ फा स्त्री –परिणामदर्शिता, नतीज सोचकर काम करना।
मआलनाअदेश (مآل نااندیش) अ फा वि –जो नतीजा न सोचे और काम कर डाले, अपरिणामशोची।
मआलनाअदेशी (مآل نااندیشی) अ फा स्त्री –नतीजा सोचे बिना काम कर डालना, अपरिणामदर्शिता।
मआलबी (مآل بیں) अ फा वि –दे 'मआल अदेश'।
मआलबीनी (مآل بینی) अ फा स्त्री –दे, 'मआल अदेशी'।
मआली (معالی) अ पु –'मा'ली' का बहु., ऊँचाइयाँ, बलदियाँ।
मआले कार (مآل کار) अ फा पु –काम का नतीजा, कार्यपरिणाम।
मआले बद (مآل بد) अ फा पु –बुरा नतीजा, कुफल, दुष्परिणाम।
मआश (معاش) अ स्त्री –जीविका, रोजी, जमीन या जागीर जो किसी काम के इनआम स्वरूप मिले।
मआशदार (معاشدار) अ फा पु –वह व्यक्ति जिसे कोई जमीन या जागीर 'मआश' के रूप मे मिली हो।
मआशी (معاشی) अ वि –जीविका-सम्बन्धी, अर्थ-सम्बन्धी, आर्थिक, इक्तिसादी।
मआशीयात (معاشیات) अ स्त्री –अर्थशास्त्र, इल्मे इक्तिसादीयात।
मआसिर (مآثر) अ पु –'मासुर' का बहु, अच्छी निशानियाँ, अच्छे स्मृति-चिह्न, अच्छे काम, सुकृतियाँ।
मआसी (معاصی) अ पु –'मा'सियत' का बहु, पाप-समूह, गुनाह।

मईब (معیب) अ पु –दोष, अवगुण, दूषण, ऐब।

मईयत (معیت) अ स्त्री –साथ, हमराही।

मईशत (معیشت) अ स्त्री –जीवन, जिंदगी, जीविका, मआश, वह चीज जो जीवन का सहारा हो।

मऊनत (معونت) अ स्त्री –सहायता, मदद।

मऊल (معول) अ वि –भरोसा किया हुआ, विश्वस्त।

मए अंगूर (مے انگور) फा स्त्री –अंगूर से बनायी हुई मदिरा, द्राक्षासव।

मए अंग्बीं (مے انگبیں) फा स्त्री –शहद की शराब, माधवी।

मए आतशीं (مے آتشیں) फा स्त्री –आग-जैसी तेज और लाल मदिरा, अग्निवर्णा।

मए ऐश (مے عیش) फा अ स्त्री –भोग-विलासरूपी मदिरा।

मए हुस्न (مے حسن) फा अ स्त्री –सौंदर्य-सुरा, रूप-मद, "जब मए-हुस्न में है कैफे फ़रामोशी भी, नासिहा काम नही अब तेरे समझाने का।"

मए कौसर (مے کوثر) फा अ स्त्री –स्वर्ग की मदिरा।

मए गुलगूं (مے گل گوں) फा स्त्री –गुलाब के फूल-जैसी सुगंधित और गुलाबी मदिरा।

मए गुलफाम (مے گل فام) फा स्त्री –दे 'मए गुलगूं'।

मए गुलरंग (مے گل رنگ) फा स्त्री –दे 'मए गुलगूं'।

मए तहूर (مے طہور) फा अ स्त्री –पवित्र मदिरा, वह मदिरा जो स्वर्ग में मिलेगी।

मए तुंद (مے تند) फा स्त्री –तेज नशेवाली मदिरा।

मए दुआतशः (مے دوآتشہ) फा स्त्री –दो बार खिंची हुई शराब, बहुत तेज शराब।

मए दोशीनः (مے دوشینہ) फा स्त्री –रात की बची हुई-बासी शराब।

मए नाब (مے ناب) फा स्त्री –निर्मल और खालिस मदिरा।

मए नौ (مے نو) फा स्त्री –हाल की खिंची हुई शराब।

मए पिंदार (مے پندار) फा स्त्री –अहंकार की मदिरा, अहंकाररूपी मदिरा।

मए मुग़ानः (مے مغانہ) फा स्त्री –आतशपरस्तो की शराब।

मए रंगीं (مے رنگیں) फा स्त्री –रंग-बिरंगी शराब।

मए वस्ल (مے وصل) फा अ स्त्री –संभोग, मैथुन, नायिका का सहवास।

मए शबीनः (مے شبینہ) फा स्त्री –रात की बची हुई शराब।

मए शीराज (مے شیراز) फा स्त्री –वह मदिरा जो शीराज की बोतलो मे हो, हाफिज शीराजी की कविता।

मए शौक (مے شوق) फा अ स्त्री –प्रेम की मदिरा।

मए हराम (مے حرام) फा अ स्त्री –वह मदिरा जिसका पान धर्म मे निषिद्ध है।

मए हलाल (مے حلال) फा अ स्त्री –वह मदिरा जिसका पान धर्म में विहित है, स्वर्ग की मदिरा।

मक़र[र्] (مقر) अ पु –ठहरने का स्थान, अड्डा, पड़ाव।

मक़र्रुलख़िलाफ़त (مقرالخلافت) अ पु –शासनकेंद्र, राजधानी।

मक़र्रुलहुकूमत (مقرالحکومت) अ पु –राजधानी।

मक़र्रुस्सल्तनत (مقرالسلطنت) अ पु –राजधानी।

मक़र्रे ख़िलाफ़त (مقرخلافت) अ पु –'राजधानी'।

मक़स[स्स] (مقص) अ पु –काटने का स्थान, दंशित स्थल।

मकाइद (مکائد) अ पु –'मकीद' का बहु, छल और फरेब, पाखंड, ऐयारियाँ।

मक़ाइद (مقاعد) अ पु –'मक्अद' का बहु, बैठने के स्थान।

मकातिब (مکاتب) अ पु –'मक्तब' का बहु, प्रारंभिक पाठशालाएँ।

मकातिबे इब्तिदाई (مکاتب ابتدائی) अ पु –प्रारम्भिक पाठशालाएँ, जिनमे शुरुआत की शिक्षा दी जाय।

मकातीब (مکاتیب) अ पु –'मक्तूब' का बहु, चिट्ठियाँ, पत्र-समूह, खुतूत।

मक़ादीर (مقادیر) अ स्त्री –'मिक्दार' का बहु, अंदाजे, अनुमान, वजन, संख्याएँ, आ'दाद।

मक़ादीरे मज्हूल (مقادیرمجہولہ) अ स्त्री –वे संख्याएँ जो ज्ञात न हो (गणित)।

मक़ादीरे मा'लूम (مقادیرمعلومہ) अ स्त्री –वे संख्याएँ जो ज्ञात हो (गणित)।

मकान (مکان) अ पु –गृह, गेह, आवास, निकेतन, भवन, सदन, सद्म, घर, वेश्म, स्थान, जगह।

मकानदार (مکاں دار) अ फा वि –घर का मालिक, गृह-स्वामी।

मकानात (مکانات) अ पु –मकान का बहु, बहुत-से घर।

मकाने मस्कून (مکان مسکونہ) अ पु –रहने का मकान, जिस मकान मे कोई रहता हो।

मक़ाबिर (مقابر) अ पु –'मक़्बर' का बहु, क़ब्रे, मक़बरे, मज़ारात।

मक़ाम (مقام) अ पु –स्थान, जगह, ठहरने का स्थान, घर, मकान, मंजिल, पड़ाव, अवसर, मौका, प्रतिष्ठा, इज्जत। 'मुकाम' भी प्रचलित है।

मकामात (مقامات) अ पु –मकाम का बहु, बहुत-से स्थान।

मकामी (مقامی) अ वि –स्थानीय, लोकल।

मकारिम (مکارم) अ पु –'मक्रुमत' का बहु, कृपाएँ, इनायतें।

मकारह (مکارہ) अ पु –'मुक्र' का बहु।

मक़ाल: (مقالہ) अ पु –निबंध, लेख, किसी विशेष विषय पर गवेषणापूर्ण लेख, रेखागणित का कोई साध्य।

मक़ाल.नवीस (مقالہ‌نویس) अ फा वि –निबंधकार।

मक़ाल:निगार (مقالہ‌نگار) अ फा वि –दे 'मकाल नवीस'।

मक़ाल निगारी (مقالہ‌نگاری) अ फा स्त्री –निबंध लिखना, प्रबन्ध रचना।

मक़ाल (مقال) अ पु –वार्तालाप, बातचीत, गुफ्तुगू।

मक़ालात (مقالات) अ पु –'मकाल' का बहु, गुफ्तुगू, बातचीतें, मकाले, निबंध।

मक़ालीद (مقالید) अ पु –'मिक्लीद' का बहु, कुंजियाँ।

मक़ासिद (مقاصد) अ पु –'मक्सिद' का बहु, उद्देश्य समूह, मशाएँ।

मकासिब (مکاسب) अ पु –'कस्ब' का बहु, पेशे, उद्योग।

मकीन (مکین) अ वि –मकान का रहनेवाला, निवासी।

मक़ूल: (مقولہ) अ पु –कथन, बात, कौल, कही हुई बात।

मक़ूलात (مقولات) अ पु –'मकूल' का बहु, कौल, बातें।

मक़्अद (مقعد) अ स्त्री –मलद्वार, गुदा, मब्रज।

मक्क: (مکہ) अ पु –हज़रत मुहम्मद साहिब का जन्म-स्थान, अरब की राजधानी, यहीं मुसलमान हज के लिए एकत्र होते हैं, का'ब: इसी में है।

मक्कार: (مکارہ) अ स्त्री –धूर्त्ता, मायाविनी, वंचिका, हरीफ, बहुत ही चालाक स्त्री।

मक्कार (مکار) अ वि –धूर्त, छली, बहुत ही चालाक।

मक्कारी (مکاری) अ स्त्री –धूर्त्तता, फित्तीनी, चालाकी।

मक्तब (مکتب) अ पु –पाठशाला, विद्यागृह, बच्चों का स्कूल, मदरसा।

मक्तबख़ान: (مکتب‌خانہ) अ फा पु –इस शब्द में 'खान' अधिक है, क्योंकि मक्तब का अर्थ खुद ही पढ़ाई की जगह है, परन्तु कुछ लोग लिख देते हैं, न लिखना अधिक उचित है।

मक्तबगाह (مکتب‌گاہ) अ फा स्त्री –दे 'मक्तबखान' इसमें भी 'गाह' स्थान के अर्थ में है और वह अशुद्ध है।

मक्तबे इश्क़ (مکتب عشق) अ पु –प्रेम-पाठशाला।

मक्तल (مقتل) अ पु –क़त्ल करने की जगह, वधस्थान, वधभूमि।

मक़्तूअ (مقطوع) अ वि –विच्छिन्न, कटा हुआ।

मक़्तूउन्नस्ल (مقطوع‌النسل) अ वि –जिसका वंश समाप्त हो गया हो, जिसकी संतान में कोई न रहा हो, नष्टवंश।

मक़्तूउलयद (مقطوع‌الید) अ वि –जिसका हाथ कट गया हो, विकल पाणिक, विच्छिन्न हस्त।

मक्तूब (مکتوب) अ पु –लिखित, लिखा हुआ, पत्र, चिट्ठी।

मक्तूबइलैह (مکتوب‌الیہ) अ वि –जिसको पत्र लिखा जाय।

मक्तूम (مکتوم) अ वि –गुप्त, गुह्य, छिपा हुआ।

मक़्तूल (مقتول) अ वि –जिसे कत्ल कर दिया गया हो, हत, निहत, वधित।

मक़्तूलीन (مقتولین) अ पु –'मक्तूल' का बहु, मारे गये लोग।

मक़्तूलो मज्रूह (مقتول‌ومجروح) अ पु –जो कत्ल हुए और जो घायल हुए, हताहत।

मक़्दिरत (مقدرت) अ स्त्री –दे 'मक्दूर'।

मक़्दूनिय: (مقدونیہ) अ पु –'बलकान' का एक प्रदेश जो पहले तुर्कों के पास था, सिकंदर यहीं राज करता था।

मक़्दूर (مقدور) अ पु –शक्ति, बल, ज़ोर, सामर्थ्य, मक्दिरत, साहस, हिम्मत, समाई, गुंजाइश, धन, दौलत, बस, क़ाबू।

मक़्ना' (مقنع) अ पु –वह महीन कपड़ा जो निकाह के समय दूल्हा को पिन्हाते हैं, इसका शुद्ध उच्चारण 'मिक्ना' है, परन्तु उर्दू में 'मक्ना' भी प्रचलित है।

मक़्नातीस (مقناطیس) अ पु –वह पत्थर जो लोहे को खींचता है, चुंबक, अयस्कांत, आकर्ष, वज्रलोहक, दे. 'मिक्नातीस', दोनों शुद्ध हैं।

मक्नून (مکنون) अ वि –छिपाया हुआ, दिया हुआ, भेद, रहस्य, मन की बात, मशा।

मक्नूने ख़ातिर (مکنون خاطر) अ वि –मन में छिपायी हुई बात, दिल का भेद।

मक्फ़ूफ़ (مکفوف) अ वि –कपड़ा लपेटा हुआ, उर्दू छंद में मे सप्त अक्षरीयगण (मुस्तफ़अलुन्, मफ़ाईलुन्, फ़ाइलातुन् में से अन्तिम अक्षर कम करके मुस्तफ़्अलु, मफ़ाईलु, फ़ाइलातु बनाना)।

मक्फ़ूल (مکفول) अ वि –रेहन रखा हुआ, गिरौ, बधक।

मक़्बर: (مقبرہ) अ पु –वह कब्र जिस पर इमारत या गुंबद हो।

मक़्बूज़ (مقبوضہ) अ वि –जो चीज़ कब्ज़े में हो, मिल्कियत।

मक़्बूल (مقبول) अ वि –सर्वप्रिय, हरदिल अज़ीज़, स्वीकृत, मंज़ूर, रुचिकर, पसंदीद।

मक़्बूलियत (مقبولیت) अ स्त्री –सर्वप्रियता, हरदिल-अज़ीज़ी, पसंदीदगी, रुचि।

मक़्बूलुद्दुआ (مقبول الدعا) अ वि –जिसकी दुआ तुरत क़बूल होती हो, वाक्‌सिद्ध।

मक़्बूले बारगाह (مقبول بارگاه) अ फा वि –ईश्वर का प्यारा, किसी बडे आदमी के यहाँ बहुत समानित व्यक्ति।

मक्र (مکر) अ पु –छल, धोखा, वचना, ठगी, मिष, बहाना, धूर्तता, चालाकी।

मक्रुमत (مکرمت) अ स्त्री –कृपा, दया, अनुकपा, समान, प्रतिष्ठा, वकार।

मक्रुमतनाम (مکرمت نامه) अ फा पु –कृपापत्र।

मक़्रूक (مقروق) तु वि –वह माल जो कुरुक हो गया हो, आसजित।

मक़्रूज़ (مقروض) अ वि –ऋणी, कर्ज़दार।

मक़्रून (مقرون) अ वि –समीप, पास, नज़दीक, मिलाया हुआ, पास किया हुआ।

मक्रूब (مکروب) अ वि –दुःखित, गमगीन, शोक-सतप्त।

मक्रूह (مکروه) अ वि –घृणित, जिसे देखकर घिन आये, भद्दा, बदनुमा, इस्लाम धर्म मे वह चीज़ जिसका खाना अच्छा न हो, परन्तु वह हराम न हो।

मक्रूहात (مکروهات) अ पु –'मक्रूह' का बहु, घृणित वस्तुएँ, व्यर्थ के काम।

मक्रूहाते दुन्यवी (مکروهات دنیوی) अ पु –ससार के झझट, जीवन की बाधाएँ, दुनिया के झगडे।

मक्रूहे तह्‌रीमी (مکروه تحریمی) अ पु –इस्लाम धर्म के अनुसार ऐसा मक्रूह खाद्य पदार्थ, जो हराम के लगभग पहुँच गया हो।

मक़्लूब (مقلوب) अ वि –उलटा हुआ।

मक़्लूबुलइज़ाफत (مقلوب الاضافت) अ पु –वह समास-गत शब्द जिसकी इज़ाफत उलट गयी हो, जैसे—'खानए खुदा' का 'खुदाखान'।

मक़्लूबे कुल (مقلوب کل) अ पु –वह शब्द जो क्रम से बिलकुल उलट गया हो, जैसे—'कमर' से रमक।

मक़्लूबे बा'ज़ (مقلوب بعض) अ पु –वह शब्द जिसमे अक्षर क्रम से न उलटे, जैसे—'कमर' से 'रकम'।

मक़्लूबे मुस्तवी (مقلوب مستوی) अ पु –वह शब्दसमूह या इबारत जो क्रम से बिलकुल उलट गयी हो।

मक्शूफ (مکشوف) अ वि –प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर, जो खोला गया हो।

मक्सद (مقصد) अ पु –शुद्ध उच्चारण 'मक्सिद' है परन्तु, उर्दू मे 'मक्सद' ही बोलते हैं, उद्देश्य, आशय, मशा, इच्छा, ख्वाहिश।

मक्सिद (مقصد) अ पु –दे 'मक्सद', शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू में 'मक्सद' बोलते और लिखते हैं।

मक्सूब (مکسوبه) अ वि –पैदा की हुई, कमायी हुई जाइदाद आदि।

मक्सूब (مکسوب) अ वि –कमाया हुआ, पैदा किया हुआ।

मक्सूद (مقصود) अ वि –उद्देश्य, आशय, मशा, इच्छा, ख्वाहिश।

मक्सूदबिज़्ज़ात (مقصود بالذات) अ वि –वह वस्तु जिसकी वास्तविक में इच्छा हो।

मक्सूदमिन्हु (مقصود منه) अ वि –जिससे मतलब हो।

मक्सूम (مقسوم) अ वि –विभाजित, बाँटा हुआ, भाग्य, किस्मत, भाग, हिस्सा, वह सख्या जो बाँटी जाय, भाज्य।

मक्सूम अलैह (مقسوم علیه) अ पु –वह सख्या जिससे किसी सख्या में भाग दे, भाजक, हारक।

मक्सूमअलैहे आ'ज़म (مقسوم علیه اعظم) अ पु –वह बडी से बडी सख्या जो कई सख्याओं को पूरा बाँट दे, जैसे ६, जो १२, १८, २४, ३०, ३६, ४२, ४८ को पूरा-पूरा बाँट देती है।

मक्सूर (مقصور) अ वि –छोटा किया गया, जो कम या छोटा किया गया हो, कम, छोटा, ह्रस्व।

मक्सूर (مکسور) अ वि –भग्न, शिकस्त, जिस अक्षर पर 'ज़ेर' दिया गया हो।

मक़्हूर (مقهور) अ वि –जिस पर कोप हो, जो कोप का पात्र हो, जिस पर खुदा का कह्‌र हो, दैवकोप-ग्रस्त।

मख़र (مخر) फा प्रत्य –मोल न लिया जानेवाला, जैसे—'हेचमख़र' जिसे कोई दो कौडी मे भी मोल न ले, तुच्छ, नाचीज़।

मख़ाज़िन (مخازن) अ पु –'मख़्ज़न' का बहु, खज़ाने, ढेर।

मख़ादीम (مخادیم) अ पु –'मख़्दूम' का बहु, स्वामि-गण, प्रतिष्ठितजन।

मख़ाफ (مخاف) अ पु –भय का स्थान, खत्रे की जगह।

मख़ाफत (مخافت) अ स्त्री –भय, त्रास, डर, शका, चिंता, फिक्र।

मख़ारिज (مخارج) अ पु –'मख़्रज' का बहु, निकलने के स्थान, शब्द उच्चारण के स्थान।

मख़ाविफ (مخاوف) अ पु –'मख़्वफ' का बहु, भय के स्थान, खौफ की जगहे।

मख़ीज़ (مخیض) अ पु –छाछ, मट्ठा।

मख़्ज़न (مخزن) अ पु –भाडागार, कोष्ठागार, गोदाम, खानि, कान, कोषागार, खज़ाना, शस्त्रागार, मैगज़ीन।

मख़्ज़ून (مخزون) अ वि –खज़ाने में रखा हुआ, छिपा हुआ, गडा हुआ, गुप्त, रक्षित।

मख्जूल (مخذول) अ वि –अपमानित, तिरस्कृत, जलील, ख्वार।
मख्तूत (مخطوطه) अ पु –प्राचीन हस्तलिखित पत्र आदि।
मख्तूतात (مخطوطات) अ पु –'मख्तूत' का बहु, प्राचीन हस्तलिखित पत्रसमूह।
मख्तून (مختون) अ वि –जिस मनुष्य के खतने हो गये हो।
मख्तूबा (مخطوبه) अ स्त्री –जिस लडकी की मगाई हो गयी हो, मँगेतर।
मख्तूम (مختوم) अ वि –मोहर लगा हुआ, मुद्राकित, वद किया हुआ।
मख्तूर (مخطور) अ वि –वह विचार जो मन मे उत्पन्न हो, जान जोखिम मे डाला हुआ।
मख्तूरात (مخطورات) अ पु –दिल मे उत्पन्न होनेवाली विचार धाराएँ।
मख्दूमा (مخدومه) अ स्त्री –स्वामिनी, मालिक, श्रीमती, महोदया, देवी (सबोधन में)।
मख्दूम (مخدوم) अ वि –स्वामी, आका, प्रतिष्ठित व्यक्ति, मान्य, पूज्य।
मख्दूमी (مخدومی) अ वि –(सबोधन मे) हे स्वामी, हे मालिक, (शब्दार्थ) मेरे स्वामी।
मख्दूश (مخدوش) अ वि –भयसकुल, पुरखतर, भयानक, डरावना, धूर्त, धोखेबाज, जिसके मन मे शकाएँ हो।
मख्नूक़ (مخنوق) अ वि –जिसका गला घोटकर मारा गया हो, गला मरोडा हुआ।
मख्फ़ी (مخفی) अ वि –गुप्त, छिपा हुआ।
मख्बूत (مخبوط) अ वि –खब्ती, जिसका दिमाग खराब हो, विकृत-मस्तिष्क।
मख्बूतुलहवास (مخبوط الحواس) अ वि –जिसके होशो-हवास जाते रहे हो, विकृत मस्तिष्क, वातुल, पागल।
मखमल (مخمل) फा स्त्री –एक प्रकार का रगीन और मुलायम रुएँदार कपडा।
मखमली (مخملی) फा वि –मखमल का बना हुआ, मखमल मढा हुआ, मखमल-जैसा।
मख्मसा (مخمصه) अ पु –बखेडा, झझट, उद्वेग, चिंता, फिक्र, भय, डर।
मख्मसात (مخمصات) अ पु –बखेडे, जजाल, झझट।
मख्मूर (مخمور) अ वि –नशे मे चूर, उन्मत्त, मदोन्मत्त।
मख्रज (مخرج) अ पु –निकलने की जगह, उद्गम, नदी से निकलने का स्थान, अक्षर के उच्चारण का स्थान, कठ आदि।
मख्रूत (مخروط) अ पु –खराद किया हुआ, गोला हुआ वह पदार्थ जो गाजर की भाँति एक ओर मोटा और दूसरी ओर पतला हो, शुडाकार।
मख्रूती (مخروطی) अ वि –शुडाकार, शक्वाकार, गाजर की तरह एक ओर मोटा और एक ओर पतला।
मख्लसी (مخلصی) फा स्त्री –बधनमुक्ति, छुटकारा, रहाई, इस अर्थ मे 'मुख्लिसी' अशुद्ध है।
मख्लूअ (مخلوع) अ वि –बाहर लाया हुआ, निकाला हुआ।
मख्लूक़ (مخلوق) अ स्त्री –उत्पन्न, जनित, ससार, जगत्, दुन्या, दुन्यावाले, मनुष्य, लोग।
मख्लूक़ात (مخلوقات) अ स्त्री –वे सब चीजे जो ससार मे है।
मख्लूत (مخلوط) अ वि –मिश्रित, मिला-जुला, गड्ड-बड्ड।
मख्लूतुन्नस्ल (مخلوط النسل) अ वि –जिसके वश मे गडबड हो, जिसमे दूसरा रक्त भी सम्मिलित हो।
मख्सूस (مخصوص) अ वि –प्रमुख, प्रधान, खास।
मख्सूसन (مخصوصاً) अ अव्य –खास तौर पर, मुख्यत, प्रधानत।
मग़ (مغ) फा वि –गभीर, गहरा, छोटी नदी।
मगर (مگر) फा अव्य –परतु, लेकिन।
मगस (مگس) फा स्त्री –मक्षिका, मक्खी।
मगसगीर (مگس گیر) फा वि –मक्खी पकडनेवाला, (स्त्री) मकडी, लूता।
मगसराँ (مگس راں) फा वि –चँवर, मोरछल, मक्खियाँ उडानेवाला।
मगसरानी (مگس رانی) फा स्त्री –मक्खियाँ उडाना, मोरछल झलना।
मगसी (مگسی) फा वि –मक्खी के रग का, मटमैला।
मग़ाक (مغاک) फा पु –गर्त, गढा, गड्ढा।
मग़ाज़ी (مغازی) अ पु –'मग्जा' का बहु, वह किताब जिसमे गाज़ियो के कारनामो का वर्णन हो।
मग़ार (مغاره) अ पु –पहाड की खोह, गुफा, कदरा, लूट-मार का स्थान।
मग़ार (مغار) फा पु –खोह, गुफा, कदरा, पहाड की खोह।
मग़ारिब (مغارب) अ पु –'मग्रिब' का बहु, सूरज डूबने की जगहे।
मग़्ज़ (مغز) फा पु –मस्तिष्क, भेजा, गिरी, गूदा, सार, तत्त्व, बुद्धि, अक्ल, निष्कर्ष, नतीजा।
मग़्ज़ूब (مغضوب) अ वि –जिस पर कोप हो, कोप का पात्र।
मग़्ज़े उस्तुख्वाँ (مغز استخواں) फा पु –हड्डी का गूदा मज्जा।
मग़्ज़े सर (مغز سر) फा पु –भेजा, मस्तिष्क।

मग़्जे सुख़न (مغز سخن) फा पु —बात का सार, बात की तह, बात का खुलासा, लुब्बेलुबाब, साराश।

मग़्फ़िरत (مغفرت) अ स्त्री —मोक्ष, मुक्ति, नजात, "कहते है आज जौक़ जहाँ से गुज़र गया, क्या खूब आदमी था, ख़ुदा मग़्फ़िरत करे।"—ज़ौक़।

मग़्फ़ूर (مغفور) अ वि —जिसका मोक्ष हो गया हो, जो मोक्ष को प्राप्त हो गया हो।

मग़्बूत (مغبوط) अ वि —जिस पर दूसरे लोग ईर्ष्या करे।

मग़्बून (مغبون) अ वि —जिसे हानि पहुँचायी गयी हो, जिसका गबन किया गया हो।

मग़्मूज़ (مغموز) अ वि —जिस पर आरोप लगाया गया हो, दूषित, विकृत, मा'यूब।

मग़्मूम (مغموم) अ वि —दु खित, अनुतप्त, क्लेशित, रजीदा।

मग़्रिब (مغرب) अ पु —सूरज डूबने की जगह, अस्ताचल, पश्चिम, मग़्रिब।

मग़्रिबज़द (مغرب زده) अ फा वि —जो रहन-सहन मे यूरोपीय देशो का अनुकरण करने का गर्व करता हो।

मग़्रिबज़दगी (مغرب زدگی) अ फा स्त्री —रहन-सहन और वेष-भूषा मे यूरोप का अनुसरण।

मग़्रिबपरस्त (مغرب پرست) अ फा वि —जो हर बात में यूरोप को ही मान्यता देता हो।

मग़्रिबपरस्ती (مغرب پرستی) अ फा स्त्री —हर बात मे यूरोप को ही अच्छा और अनुकरणीय जानना।

मग़्रिबी (مغربی) अ वि —पश्चिमी, पच्छिम का, यूरोप का, पाश्चात्य।

मग़्रिबीयत (مغربیت) अ स्त्री —यूरोप का असर, नवीन सभ्यता का प्रभाव।

मग़्रूर (مغرور) अ वि —अहकारी, घमडी।

मग़्लत (مغلطہ) अ पु —वह स्थान जहाँ कोई व्यक्ति भ्रम मे पड जाय।

मग़्लूक़ (مغلوق) अ वि —वह दरवाज़ा जिसके किवाड बद हो।

मग़्लूब (مغلوب) अ वि —पराजित परास्त, हारा हुआ, अधीन, ज़ेर, दुर्बल।

मग़्लूबुलग़ज़ब (مغلوب الغضب) अ वि —वह व्यक्ति जो क्रोध मे आपे से बाहर हो जाय।

मग़्लूबुश्शहवत (مغلوب الشہوت) अ वि —वह व्यक्ति ज़ो काम शक्ति के वस मे हो।

मग़्लूल (مغلول) अ वि —शृखलित, जिसके गले मे सज़ा का तौक पडा हो।

मग़्शूश (مغشوش) अ वि —मिलावटवाली चीज, वह शुद्ध वस्तु जिसमे कुछ अशुद्ध वस्तु मिली हो।

मग़्स (مغص) अ स्त्री —मरोड, पेचिश।

मग़्सूल (مغسول) अ वि —नहलाया हुआ, वह दवा जो किसी अरक आदि मे खरल करके महीन की गयी हो, जैसे—'लाजवर्द मग़्सूल', स्नात, मार्जित।

मज़ (مزہ) फा पु —स्वाद, ज़ाइका, आनद, लुत्फ़, तमाशा, सैर, दड, सज़ा।

मज़ दार (مزہ دار) फा वि —स्वादिष्ठ, लज़ीज़, मनोरजक, दिलचस्प, उल्लासपूर्ण, पुरलुत्फ़।

मज़न्न (مظنہ) अ पु —दे शु 'मज़िन्न'।

मज़म्मत (مذمت) अ स्त्री —तिरस्कार, बेइज़्ज़ती, निंदा, रुसवाई, बुराई, हजूव।

मज़र्रत (مضرت) अ स्त्री —हानि, नुक्सान।

मज़र्रतदिही (مضرت دہی) अ फा स्त्री —हानि पहुँचाना, नुक्सान, देना।

मज़र्रतदेह (مضرت دہ) अ फा वि —हानिदायक, हानि-कारक, नुक्सान देनेवाला।

मज़र्रत सॉ (مضرت رساں) अ फा वि —दे 'मज़र्रत देह'।

मज़र्रतरसानी (مضرت رسانی) अ फा स्त्री —दे 'मज़र्रत-दिही'।

मज़र्रतरसी (مضرت رسی) अ फा स्त्री —हानि पहुँचना।

मजल्ल (مجلہ) अ पु —पत्रिका, रिसाला, अख़्बार, समाचारपत्र।

मज़ल्लत (مذلت) अ स्त्री —तिरस्कार, ज़िल्लत, निंदा, बदनामी।

मज़ल्लत (مزلت) अ स्त्री —पाँव फिसलने का स्थान, चूकने का मौका।

मजस [स्स] (مجس) अ स्त्री —नब्ज़ पर हाथ रखने की जगह, दे 'मिजस', दोनो शुद्ध है।

मज़ा (مضی) अ क्रि —गुज़रा, गत।

मज़ाक़ (مذاق) अ पु —परिहास, दिल्लगी, मनोविनोद, तफ़ीह, रसिकता, ज़ौक, सुरुचि, सहृदयता।

मज़ाक़न (مذاقاً) अ अव्य —दिल्लगी मे, मजाक के तौर पर।

मज़ाक़पसद (مذاق پسند) अ फा वि —जिसके मिज़ाज मे मजाक बहुत हो, दिल्लगीबाज, परिहासप्रिय, विनोदी, प्रमोदशील।

मज़ाक़िय (مذاقیہ) अ वि —मजाक पसद, परिहासपूर्ण, पुरमज़ाक।

मज़ाक़े अदब (مذاق ادب) अ पु —साहित्य-रसिकता।

मज़ाक़े शे'र (مذاق شعر) अ पु —काव्यरसिकता।

मज़ाक़े सुख़न (مذاق سخن) अ फा पु —दे 'मज़ाक़े शे'र'।

मजाज़ (مجاز) अ पु –जो वास्तविक न हो, भ्रम, लक्षण, ईश्वर के अतिरिक्त सारा संसार।

मजाज़न (مجازاً) अ अव्य –लाक्षणिक अर्थ में।

मजाज़ी (مجازی) अ वि –जो हक़ीक़ी न हो, भौतिक।

मजाज़ीब (مجاذیب) अ पु –'मज्ज़ूब' का बहु, मज्ज़ूब लोग।

मजानीन (مجانین) अ पु –'मज्नून' का बहु, पागल लोग।

मज़ा मा मज़ा (مضی مامضی) अ वा –जो हो चुका सो हो चुका।

मज़ामीन (مضامین) अ पु –'मज़्मून' का बहु, लेख-समूह।

मज़ामीर (مزامیر) अ पु –'मिज़्मार' का बहु, बाँसुरियाँ, वंसियाँ, बजानेवाले सब बाजे।

मज़ार (مزار) फा पु –दर्शन का स्थान, किसी पीर फ़क़ीर की क़ब्र।

मज़ार [र्र] (مضار) अ पु –'मज़र्रत' का बहु, हानियाँ, नुक़्सानात।

मज़ारात (مزارات) अ पु –'मज़ार' का बहु, बुज़ुर्गों के मज़ार।

मजारी (مجاری) अ पु –'मज्रा' का बहु, निकलने के स्थान, चालू रस्ते।

मजाल (مجال) अ स्त्री –शक्ति, बल, साहस, हिम्मत, सामर्थ्य, मक़्दूर।

मज़ालिम (مظالم) अ पु –'मज़्लम' का बहु, अत्याचार, ज़ियादतियाँ, ज़ुल्म।

मजालिस (مجالس) अ स्त्री –'मज्लिस' का बहु, सभाएँ, मुहर्रम की मज्लिसें।

मजाले दमज़दन (مجال دم زدن) अ फा स्त्री –उफ़ करने की ताक़त, दम मारने का साहस।

मजाले सुख़न (مجال سخن) अ फा स्त्री –बात करने का साहस।

मज़ाहिब (مذاہب) अ पु –'मज़्हब' का बहु, धर्मसमूह।

मज़ाहिर (مظاہر) अ पु –'मज़्हर' का बहु, प्रकट होने के स्थान।

मज़िन्नः (مظنہ) अ पु –जिस पर शक किया जा सके, शंका का स्थान।

मज़िल्लत (مزلت) अ स्त्री –फिसलना, फिसलन।

मज़िल्लत (مضلت) अ स्त्री –रस्ता भटकने का स्थान, वह स्थान जहाँ रस्ता गुम हो गया हो।

मज़ी (مذی) अ स्त्री –एक लेस जो काम वेग के समय निकलता है।

मजीद (مجید) अ वि –पूज्य, मान्य, प्रतिष्ठित।

मज़ीद (مزید) अ वि –अतिरिक्त, फ़ालतू, अधिक, ज़ियादा, और भी।

मज़ीदअलैह (مزید علیہ) अ वि –जिस पर कुछ बढ़ाया हो।

मज़ीदबराँ (مزید براں) अ फा वि –इसके अतिरिक्त।

मजीदी (مجیدی) अ स्त्री –अरब का एक सिक्का।

मजूस (مجوس) अ पु –अग्निपूजक लोग, आतशपरस्त लोग, पार्सी लोग, चाँद या सूरज के पूजनेवाला।

मजूसी (مجوسی) अ पु –अग्निपूजक, आतशपरस्त, सूर्य-पूजक, अथवा चंद्रपूजक, सूरज या चाँद को पूजनेवाला।

मज़्ऊम (مزعوم) अ वि –विचारा हुआ, सोचा हुआ।

मज़्कूरः (مذکورہ) अ वि –कही हुई, कही हुई बात।

मज़्कूर (مذکور) अ वि –कहा हुआ, चर्चा, ज़िक्र।

मज़्कूरए बाला (مذکورۂ بالا) अ फा वि –जिसकी चर्चा ऊपर की इबारत में हो चुकी हो, उपर्युक्त।

मज़्कूरए सद्र (مذکورۂ صدر) अ वि –उपर्युक्त, पूर्वोक्त, जिसकी चर्चा ऊपर या पहले हो चुकी हो।

मज़्कूरी (مذکوری) अ पु –चपरासी, पियादा, सम्मन आदि की ता'मील करनेवाला चपरासी।

मज़्ग़ (مضغ) अ पु –चबाना, चर्वण।

मज्ज़ूब (مجذوب) अ वि –वह फ़क़ीर जो देखनेवालों की दृष्टि में बावला हो, परन्तु ब्रह्मलीन हो, –"तेरा मज्ज़ून जो महरूमे पिज़ीराई है, क्या जुनूँ में अभी आमेज़िशे-दानाई है।"

मज्ज़ूबसिफ़त (مجذوب صفت) अ वि –जिसमें मज्ज़ूबों-जैसी बातें हों।

मज्ज़ूबानः (مجذوبانہ) अ फा अव्य –मज्ज़ूबों की भाँति, मज्ज़ूबों-जैसा (काम आदि)।

मज्ज़ूबियत (مجذوبیت) अ स्त्री –जज़्ब मज्ज़ूब का भाव, तन्मयता, तल्लीनता।

मज्ज़ूम (مجذوم) अ वि –जिसे कोढ़ हो, कुष्ठी।

मज्ज़ूम (مجزوم) अ वि –निश्चित, यक़ीनी, विच्छिन्न, काटा हुआ, हलन्त, वह अक्षर जिस पर 'जज़्म' हो, हल्।

मज्ज़ूर (مجذور) अ वि –वह संख्या जो दो संख्याओं के गुणन से प्राप्त हो, घात, गुणनफल, हासिले ज़र्ब।

मज्ज़ूर (مزجور) अ वि –जिसे झिड़कियाँ दी गयी हों, जिसे डाँट-डपट की गयी हो।

मज्द (مجد) अ पु –श्रेष्ठता, पवित्रता, पुनीतता, बुज़ुर्गी।

मज्दूद (مجدود) अ पु –पुनीतात्मा, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग।

मज़्दूर (مزدور) अ फा पु –मज़्दूरी करनेवाला, श्रमिक।

मज़्दूरी (مزدوری) फा स्त्री –हाथ-पाँव की मेहनत से जीविका पैदा करना, मेहनत, श्रम।

मजनूँ (مجنوں) अ वि –वातुल, विक्षिप्त, पागल।
मज़नून (مظنون) अ वि –जिसकी तरफ किसी बात का गुदहा हो।
मज़्बल. (مزبلہ) अ पु –वह स्थान जहाँ कूड़ा-करकट और मैला आदि डाला जाय।
मज़्बल ख़ान. (مزبلہ خانہ) अ फा पु –गंदगी डालने का स्थान, इस शब्द मे 'ख़ान' अधिक है, क्योकि 'मज़्बल' मे स्थान का अर्थ मौजूद है।
मज़्बह (مذبح) अ पु –ज़बह किये जाने की जगह, वधभूमि, वधस्थल।
मज़्बूत (مضبوط) अ वि –दृढ़, पक्का, निश्चित, यकीनी, शक्तिशाली, ताकतवर, तगड़ा, अधिक ज़ोरवाला, स्थायी, देरपा।
मज़्बूती (مضبوطی) अ स्त्री –दृढ़ता, पक्कापन, निश्चय, यकीन, शक्ति, ज़ोर, तगडापन, स्थायित्व।
मज्बूर (مجبور) अ वि –विवश, लाचार, बाध्य,, पाबद, नि सहाय, निराश्रय, दरिद्र, कगाल।
मज़्कूर (مذکور) अ वि –उक्त, कहा हुआ, उल्लिखित, लिखा हुआ, प्रोक्त, कथित।
मस्तूर (مسطور) अ वि –उक्त, कहा हुआ, लिखित, लिखा हुआ।
मज्बूरन (مجبوراً) अ अव्य –विवशतापूर्वक, विवश होकर, अतत, आख़िरकार।
मज्बूरी (مجبوری) अ वि –विवशता, लाचारी, नि सहायता, बेकसी।
मज्बूल (مجبول) अ वि –प्राकृतिक, फ़ित्री, प्रकृति पर उत्पन्न किया हुआ।
मज़्बूह (مذبوح) अ वि –ज़बह किया हुआ, वधित।
मज्मउलउलमा (مجمع العلما) अ पु –विद्वज्जनो की गोष्ठी, अकादमी।
मज्मउलजज़ाइर (مجمع الجزائر) अ पु –द्वीपसमूह, समुद्र का वह स्थान जहाँ पास-पास बहुत से द्वीप हो।
मज्मए आम (مجمع عام) अ पु –साधारण लोगो का जमाव
मज्मए ख़िलाफ़े क़ानून (مجمع خلاف قانون) अ पु –ऐसे लोगो का जमाव जिनसे किसी झगडे की सभावना हो, अवैध समुदाय।
मज़्मज़. (مضمضہ) अ पु –कुल्ली करना, आचमन, दवाओ के पानी से कुल्ली करना।
मज्मा' (مجمع) अ पु –भीड, जमाव, सभा, गोष्ठी।
मज्मूअः (مجموعہ) अ पु –कई चीजो का समूह, समाहार, समष्टि, लेखो या कविताओ का सकलन, सग्रह।
मज्मूअ (مجموع) अ वि –एकत्र, इकट्ठा, समस्त, कुल।
मज्मूई (مجموعی) अ वि –सामूहिक, कुल मिलाकर।
मज़्मून (مضمون) अ पु –निबध, मकाल, लेख, विषय, सब्जेक्ट, मुआमला, दशा।
मज़्मूननवीस (مضمون نویس) अ फा वि –लेखक, निबधकार।
मज़्मूननवीसी (مضمون نویسی) अ फा स्त्री –लेख या निबन्ध लिखने का काम।
मज़्मूननिगार (مضمون نگار) अ फा वि –दे 'मज़्मूननवीस'।
मज़्मूननिगारी (مضمون نگاری) अ स्त्री –दे 'मज़्मून नवीसी'।
मज़्मूम (مضموم) अ वि –वह अक्षर जिस पर पेश ('उ' की मात्रा) हो।
मज़्मूम (مذموم) अ वि –अश्लील, फ़ुहश, दूषित, ख़राब, निंदित, क़बीह।
मज़्रए आख़िरत (مزرعۂ آخرت) अ पु –परलोक की खेती अर्थात् पाप और पुण्य।
मज्रा (مجریٰ) अ पु –जारी होने की जगह, बहने का स्थान।
मज़्रा' (مزرع) अ पु –खेती, खेत, छोटा गाँव।
मज़्रूअ (مزروعہ) अ स्त्री –जोती बोयी हुई ज़मीन।
मज़्रूअ (مزروع) अ वि –जोता-बोया हुआ।
मज़्रूब (مضروب) अ वि –जिसे पीटा गया हो, जिसे दुश्मनी मे मारा गया हो, जिस सख्या को गुणा किया गया हो।
मज़्रूब फ़ीहि (مضروب فیہ) अ पु –वह सख्या जिसमे गुणा किया गया हो, गुण्य, जैसे—बीस को पाँच से गुणा किया हो तो बीस 'मज़्रूब फ़ीह' है।
मज़्रूब मिनहु (مضروب منہ) अ पु –जिस सख्या से गुणा किया जाय, गुणक, जैसे—२० को ६ से गुणा किया हो तो ६ 'मज़्रूब मिनहु' है।
मज़्रूफ़ (مظروف) अ पु –वह वस्तु जो बरतन मे हो।
मज्रूर (مجرور) अ वि –वह अक्षर जिसे ज़ेर ('इ' की मात्रा) दिया गया हो।
मज्रूह (مجروح) अ वि –घायल, क्षत, आहत, ज़ख़्मी, वह बयान जो जिरह मे बिगड गया हो, (न्याय)।
मज्रूहीन (مجروحین) अ पु –बहुत से घायल।
मज़्लिमः (مظلمہ) अ पु –दादख़्वाही, न्याययाचना, अत्याचार और अनीति का पाप, बवाल।
मज़्लिम (مظلم) अ पु –अँधेरी जगह, अधकारमय स्थान।
मज्लिस (مجلس) अ स्त्री –सभा, अजुमन, गोष्ठी, महफ़िल, समिति, कमेटी, सघ, एसोसीएशन, करबला के शहीदो की शोकसभा।

मज्लिसी (مجلسی) अ वि –जो मज्लिस में सम्मिलित हो।
मज्लिसे अदव (مجلس ادب) अ स्त्री –साहित्य-गोष्ठी, अदबी जल्सा।
मज्लिसे आमिल: (مجلس عاملہ) अ स्त्री –कार्यकारिणी समिति, विपय निर्वाचिनी समिति।
मज्लिसे उदवा (مجلس ادبا) अ स्त्री –साहित्यगोष्ठी, कवि-गोष्ठी।
मज्लिसे उमूमी (مجلس عمومی) अ स्त्री –दे 'दारुल अवाम'।
मज्लिसे कानूनसाज़ (مجلس قانون ساز) अ फा स्त्री –विधानसभा, कानून बनानेवाली एसैम्बली।
मज्लिसे तहक़ीक़ात (مجلس تحقیقات) अ स्त्री –परिपृच्छा समिति।
मज्लिसे ता'मीरात (مجلس تعمیرات) अ स्त्री –लोक-कर्म-समिति।
मज्लिसे मातम (مجلس ماتم) अ फा स्त्री –शोकसभा।
मज्लिसे मुतज़िम: (مجلس منتظمہ) अ स्त्री –अतरग सभा, व्यवस्थापिका।
मज्लिसे मै (مجلس مے) अ फा स्त्री –पानगोष्ठी।
मज्लिसे रक़्सो सरोद (مجلس رقص و سرود) अ फा स्त्री –नाच-रग की महफिल।
मज्लिसे वा'ज़ (مجلس وعظ) अ स्त्री –उपदेश सभा, धर्मोपदेशसभा।
मज्लिसे शुअरा (مجلس شعرا) अ स्त्री –कविगोष्ठी।
मज्लिसे शूरा (مجلس شوریٰ) अ स्त्री –मत्रणालय।
मज्लिसे शे'र (مجلس شعر) अ स्त्री –साहित्यगोष्ठी, कवि-गोष्ठी।
मज्लिसे सुख़न (مجلس سخن) अ फा स्त्री –दे 'मज्लिसे शे'र'।
मज़्लूम (مظلوم) अ वि –जिस पर जुल्म हुआ हो।
मज़्लूमियत (مظلومیت) अ स्त्री –मज़्लूम होने-का-भाव।
मज़्लूमी (مظلومی) अ वि –दे 'मज़्लूमियत'।
मज़्हक: (مضحکہ) अ पु –हँसी, ठट्ठा, परिहास, निंदा, रुस्वाई, हजो।
मज़्हक:अगेज़ (مضحکہ انگیز) अ फा वि –जिस पर हँसी आये, जो परिहास का विषय हो।
मज़्हक:आमेज़ (مضحکہ آمیز) अ फा वि –परिहासपूर्ण, जिसमे हँसी-ठठोल शामिल हो।
मज़्हक:खेज़ (مضحکہ خیز) अ फा वि –दे 'मज़्हक: अगेज़'।
मज़्हब (مذهب) अ पु –धर्म, दीन, मत, अक़ीद।
मज़्हबी (مذهبی) अ वि –धार्मिक, दीनी, धर्मसम्बन्धी।
मज़्हबीयत (مذهبیت) अ स्त्री –धर्म मे निष्ठा, धर्मित्व।
मज़्हर (مظهر) अ पु –प्रकट होने का स्थान, जहाँ या जिसमें कोई चीज प्रकट हो, जैसे—"वह ख़ुदा के नूर का मज़्हर है" अर्थात् उसके रूप मे ईश्वर की ज्योति प्रकट हुई है।
मज़्हरुल अजाइब (مظهرالعجائب) अ पु –अद्भुत और विचित्र बाते ज़ाहिर होने का स्थान।
मज्हूल (مجهول) अ वि –जो ज्ञात न हो, अज्ञात, नामा'लूम, आलसी, सुस्त, काहिल।
मज्हूलुन्नसब (مجهول النسب) अ वि –अज्ञात कुल, जिसके वश का अता-पता न हो।
मज्हूलुलइस्म (مجهول الاسم) अ वि –अज्ञात नाम, जिसका नाम न मालूम हो।
मज्हूलुलहाल (مجهول الحال) अ वि –जिसका हाल न ज्ञात हो कि वह कैसा व्यक्ति है और किस प्रकार का है, अज्ञातशील।
मतब (مطب) अ पु –वह स्थान जहाँ चिकित्सक रोगियो के रोग का निदान करता है।
मतर (مطر) अ पु –वर्षा, बरसात।
मताअ' (متاع) अ उभ –पूँजी, सरमाया, सामान, माल-अस्बाब, उदा —"किसी के काम आयेगा मताए रायगाँ होकर, कहाँ जाता है यारब, दिल मेरा अश्केरवाँ होकर।"
मताइन (مطاعن) अ पु –'ता' न', का बहु , ता'ने।
मताइब (متاعب) अ पु –'तअब' का बहु ; दु ख-समूह, रजोगम, थकान।
मताए आख़िरत (متاع آخرت) अ उभ –परलोक के लिए पूँजी, पुण्य, अच्छे काम।
मताए दिल (متاع دل) अ फा उभ –दिल रूपी पूँजी।
मताए दो (दु) जहाँ (متاع دو جہاں) अ फा उभ –ससार और यमलोक दोनो लोको के लिए पूँजी, यश, पुण्य।
मतानत (متانت) अ स्त्री –गभीरता, धीरता, संजीदगी।
मताफ़ (مطاف) अ पु –परिक्रमा करने का स्थान।
मतावे' (مطابع) अ पु –'मत्बा' का बहु , मुद्रालय समूह।
मतार (مطار) अ पु –उडने की जगह, जहाँ उडा जाय, जहाँ से उडा जाय।
मतालिब (مطالب) अ पु –'मत्लब' का बहु , अर्थसमूह।
मतीन (متین) अ वि –जिसमे मतानत हो, गभीर, धीर, शातचित्त, सजीद।
मतीर (مطیر) अ वि –बरसनेवाला (बादल)।
मतऊन (مطعون) अ वि –कुख्यात, बदनाम, निंदित, गर्हित, कुत्सित, रुस्वा।

मत्ऊने खलाइक़ (مطعون خلائق) अ वि —जो सब में बद-नाम हो, लोकनिंदित।

मत्ऊम (مطعوم) अ वि —खाने की चीज, खाद्य, जो चीज खायी जाय।

मत्ऊमात (مطعومات) अ. पु —'मत्ऊम' का बहु, खाने की चीजें, खाद्य-पदार्थ।

मत्न (متن) अ पु —पुस्तक का मूल लेख जिसकी टीका की जाय बीच, मध्य, शाल या रजाई आदि का वह भाग जो हाशिए के बीच में होता है।

मत्बख़ (مطبخ) अ पु —रसोईघर, पाकशाला, महानस, बावरचीखाना।

मत्बख़ी (مطبخی) अ वि —रसोइया, सूपकार, बावरची।

मत्बा' (مطبع) अ पु —वह स्थान जहाँ किताबें आदि छपती हैं, मुद्रणशाला, यन्त्रालय।

मत्बूअ (متبوع) अ वि —जिसका अनुकरण किया जाय, अनुसरणीय।

मत्बूअः (مطبوعه) अ वि —मुद्रित, छपी हुई।

मत्बूआत (مطبوعات) अ वि —मुद्रित, छपा हुआ, रुचिकर, पसदीद, मनोवाछित।

मत्बूअ (مطبوع) अ पु —किसी प्रेस या कार्यालय के ओर से छापी हुई पुस्तकें।

मत्बूख़ (مطبوخ) अ वि —आग पर पकी हुई चीज, जोश दी हुई दवा, जोशादा, क्वाथ, काढ़ा।

मत्मह (مطمح) अ पु —ऊँचा स्थान जिस पर दृष्टि पडे, दृष्टि पडने की जगह।

मत्महे नज़र (مطمح نظر) अ पु —दृष्टि पडने की ऊँची जगह, आशय, उद्देश्य, मक्सद।

मत्रूद (مطرود) अ वि —बहिष्कृत, निकाला हुआ, भगाया हुआ, राँद।

मत्लब (مطلب) अ वि —उद्देश्य, मशा, अर्थ, मा'नी, प्रयोजन, वास्ता, इच्छा, ख्वाहिश, क्या गरज क्या वास्त ?, स्वार्थ, गरज।

मत्लबआश्ना (مطلب آشنا) अ फा वि —स्वार्थी, खुदगरज।

मत्लबदोस्त (مطلب دوست) अ फा वि —गौं का यार, स्वार्थपरायण।

मत्लबपरस्त (مطلب پرست) अ फा वि —स्वार्थसाधक, स्वार्थी।

मत्लबपरस्ती (مطلب پرستی) अ फा स्त्री —अपनी गरज निकालना, स्वार्थपरायणता।

मत्लबबरारी (مطلب براری) अ फा स्त्री —स्वार्थ सिद्ध करना, गरज निकालना।

मत्लबी (مطلبی) अ वि —स्वार्थी, स्वार्थपरायण।

मत्ला' (مطلع) अ पु —ग़ज़ल का पहला शे'र जिसके दोनो मिस्रे सानुप्रास होते हैं।

मत्लूब (مطلوبه) अ वि —वांछित वस्तु, प्रेमिका।

मत्लूब (مطلوب) अ. वि —वाछित, मनोनीत, जिसकी इच्छा की जाय, प्रेमपात्र, मा'शूक।

मत्वी (مطوی) अ वि —लिपटा हुआ।

मत्हूल (مطحول) अ वि —जिसे तिल्ली का रोग हो, जिसकी तिल्ली बढ़ गयी हो।

मद [द्द] (مد) अ पु —अलिफ के ऊपर बनायी जानेवाली लकीर जिससे वह लबा करके पढ़ा जाता है, समुद्र के पानी का चढ़ाव, ज्वार, (स्त्री) वह लबी लकीर जो बही में खींचकर उसके नीचे भिन्न-भिन्न रकमें लिखते है, जैसे – 'खर्च' की मद, पेटा।

मदद (مدد) स्त्री —सहायता, इम्दाद, पक्षपात, हिमायत, आश्रय, सहारा, राज मज्दूरो का काम।

मददख्वाह (مددخواه) अ फा वि —सहायता माँगनेवाला।

मददगार (مددگار) अ फा वि —सहायक, मदद करनेवाला, पक्षपाती, तरफदार, पृष्ठपोषक, हिमायती, आश्रयदाता, सहारा देनेवाला।

मददखर्च (مددخرچ) अ फा वि —वह धन जो सहायता के रूप मे खर्च को दिया जाय।

मददे मआश (مدد معاش) अ स्त्री —गुज़ारे के लिए सहायता, पिंशिन, वज़ीफा, वह जागीर जो गुज़ारे के लिए दी जाय।

मदनी (مدنی) अ वि —मदीने का निवासी, नागरिक, शह्री।

मदनीउत्तब्अ (مدنی الطبع) अ वि —वह जो बहुत से आदमियो के साथ मिल-जुलकर रहने का अभ्यस्त हो।

मदाएह (مدائح) अ पु —'मदीह' का बहु, प्रशसाएँ, तारीफें।

मदाख़िल (مداخل) अ पु —'मद्खल' का बहु, आम-दनियाँ, लगान।

मदार (مدار) अ पु —धुरी, कीली, निर्भरता, इन्हिसार।

मदारअलैह (مدارعلیه) अ पु —जिस पर कोई चीज निर्भर हो, आधार वस्तु, आधेय।

मदारिज (مدارج) अ पु —'मद्रज' का बहु., पद, दर्जे रुतबे।

मदारिस (مدارس) अ पु —'मद्रस' का बहु, पाठशालाएँ।

मदारलमहाम (مدارالمهام) अ पु —प्रधान मत्री, वज़ीरे आ'ज़म।

मदारे कार (مدارکار) अ फा पु —कार्यभार, कार्य की निर्भरता।

मदारे ज़ीस्त (مدارزیست) अ. फ़ा पु—जीवन की निर्भरता, जिंदगी का इन्हिसार।

मदीद (مدید) अ वि—दीर्घ, लंबा, दे 'बह्रे मदीद'।

मदीनः (مدینہ) अ पु—नगर, शहर, अरब का एक प्रसिद्ध नगर।

मदीह (مدیح) अ वि—प्रशस्य, तारीफ़; स्तुति, हम्दोसना।

मद्ऊ (مدعو) अ वि—निमंत्रित, बुलाया हुआ, दा'वत में बुलाया हुआ।

मद्क़ूक़ः (مدقوقہ) अ स्त्री—तपेदिक की रोगिणी।

मद्क़ूक़ (مدقوق) अ वि—तपेदिक का रोगी।

मद्ख़नः (مدخنہ) अ स्त्री—धुवाँ निकलने का स्थान, चिमनी।

मद्ख़ल (مدخل) अ पु.—दाखिल होने का स्थान, प्रवेश-द्वार, आय, आमदनी।

मद्ख़ूलः (مدخولہ) अ स्त्री—वह स्त्री जो डाल ली हो रखेली, उपपत्नी।

मद्ख़ूल (مدخول) अ वि—दाखिल किया गया, भीतर लिया गया।

मद्दज़िल्लुहू (مدظلہ) अ वा—उनकी परछाईं लंबी हो अर्थात् उनकी उम्र बड़ी हो।

मद्दाह (مداح) अ वि—प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ़ करनेवाला; स्तुतिकर्ता, हम्दोसना करनेवाला।

मद्दाही (مداحی) अ स्त्री—प्रशंसा, श्लाघा, तारीफ़, स्तुति, वंदना, हम्दोसना।

मद्दाहे रसूल (مداح رسول) अ वि—रसूल की प्रशंसा और स्तुति करनेवाला, ना'त लिखनेवाला, ना'त गो शाइर,

मद्देअमानत (مد امانت) अ स्त्री—धरोहर की मद का, धरोहर के तौर पर।

मद्दे नज़र (مدنظر) अ. वि—जो दृष्टि के सामने हो, दृष्टिगत, मनोवांछित, दिली मक़सूद, चित्त पर चढा हुआ, मन में बसा हुआ।

मद्दे फ़ाज़िल (مد فاضل) अ स्त्री—फ़ालतू मद, व्यर्थ, निष्प्रयोजन, निकम्मा।

मद्दे मुक़ाबिल (مد مقابل) अ पु—प्रतिद्वंद्वी, रक़ीब, बराबर का जोड़, बराबर की चोट, विपक्ष, हरीफ़, शत्रु, दुश्मन।

मद्दे सुर्मः (مد سرمہ) अ फ़ा स्त्री—सुर्मे की लकीर जो, आँखों की तरफ़ खींच दी जाती है।

मद्दोजज़्र (مدوجزر) अ पु—समुद्र के पानी का चढ़ाव-उतार, ज्वार-भाटा।

मद्फ़न (مدفن) अ पु—मुर्दे के दफ़न होने की जगह, क़ब्र, समाधि-भवन।

मद्फ़ूअ (مدفوع) अ वि—दफ़्अ किया हुआ, हटाया हुआ, निवारित।

मद्फ़ून (مدفون) अ वि—भूनिहित, दफ़्न किया हुआ, ज़मीन में गाड़ा हुआ, (आदमी या धन आदि), गुप्त, गुह्य, पोशीदा।

मद्बूग़ (مدبوغ) अ वि—कमाया हुआ चमडा।

मद्यून (مدیون) अ वि—ऋणी, क़र्ज़दार, अधमर्ण।

मद्रिस (مدرسہ) अ पु—पढने-पढाने का स्थान, पाठशाला, विद्यालय।

मद्लूल (مدلول) अ वि—जिसके लिए दलील दी गयी हो, तर्कित।

मद्ह (مدح) अ स्त्री—प्रशंसा, श्लाघा, ता'रीफ़, स्तुति, वंदना, हम्दोसना।

मद्हख़्वाँ (مدح خواں) अ फ़ा वि—प्रशंसक, मद्दाह।

मद्हख़्वानी (مدح خوانی) अ फ़ा स्त्री—प्रशंसा करना, ता'रीफ़ करना।

मद्हगो (مدح گو) अ फ़ा वि—दे 'मद्हख़्वाँ'।

मद्हगोई (مدح گوئی) अ फ़ा स्त्री—दे 'मद्हख़्वानी'।

मद्हसंज (مدح سنج) अ फ़ा वि—दे 'मद्हख़्वाँ'।

मद्हसरा (مدح سرا) अ फ़ा वि—दे 'मद्हख़्वाँ'।

मद्हसराई (مدح سرائی) अ फ़ा स्त्री—दे 'मद्हख़्वानी'।

मद्हूश (مدہوش) अ वि—दे 'मद्होश' उर्दू में वही बोलते हैं।

मद्हे बेजा (مدح بیجا) अ फ़ा स्त्री—झूठी, प्रशंसा, ग़लत ता'रीफ़।

मद्हे वाक़िई (مدح واقعی) अ स्त्री—सच्ची ता'रीफ़, सच्ची प्रशंसा।

मद्होश (مدہوش) फ़ा वि—निश्चेष्ट, बेसुध, ग़ाफ़िल, उन्मत्त, अटाग़फ़ील, नशे में चूर।

मद्होशी (مدہوشی) फ़ा स्त्री—बेसुधपन, निश्चेष्टता, उन्मत्तता, मतवालापन।

मन (من) फ़ा पु—दो रत्तल का एक प्रमाण, सेर, चालीस सेर का प्रमाण, (सर्वनाम) मैं, अहम्।

मन [न्न] (من) अ पु—कौन, एक प्रकार का मीठा पदार्थ जो पौधों पर जम जाता है और खाया जाता है, शीर ख़िश्त।

मनस्सः (منصہ) अ पु—प्रकट होने का स्थान, जल्वःगाह, वह मंच जिस पर विवाह के पश्चात् दुल्हन को बिठाकर सबको दिखाते हैं।

मनस्सए शुहूद (منصۂ شہود) अ पु—वह स्थान जहाँ ईश्वर की महिमा प्रकट हो।

मनाइर (منائر) अ पु –'मनार' का बहु, 'मीनारें'।

मनाक़िब (مناقب) अ पु –'मन्क़बत' का बहु, धार्मिक महात्माओ के यशोगान।

मनाज़िर (مناظر) अ पु –'मज़र' का बहु, दृश्यसमूह।

मनाज़िल (منازل) अ स्त्री –'मज़िल' का बहु, मज़िले, मरहले।

मनाज़िले क़मर (منازل قمر) अ स्त्री –नक्षत्र, जिनकी सख्या २७ है। १ अश्विनी (शुर्तैन–नत्ह), २ भरणी (बुतैन), ३ कृत्तिका (सुरैया), ४ रोहिणी (दबरान), ५ मृगशिरा (हक़अ), ६ आर्द्रा (हनअ), ७ पुनर्वसु (ज़िराअ), ८ पुष्य (नस्र), ९ श्लेषा (तर्फ़), १० मघा (जब्ह), ११ पूर्वा फाल्गुनी (ज़ुब्र), १२ उत्तरा फाल्गुनी (सर्फ़), १३ हस्त (अव्वा), १४ चित्रा (सिमाक), १५ स्वाती (अफ़र), १६ विशाखा (ज़ुबाना), १७ अनुराधा (इक्लील), १८ ज्येष्ठा (क़ल्ब), १९ मूल (शौल), २० पूर्वाषाढा (नआइम), २१ उत्तराषाढा (बल्द), २२ श्रवण (सा'-देज़ाबेह), २३ धनिष्ठा (बुला'), २४ शतभिषा (आव्बिय), २५ पूर्वा भाद्रपद (सऊद), २६ उत्तरा भाद्रपद (मुक़द्दम), २७ रेवती (मुअख़्ख़र), कुछ लोग २८ मानते है उसका नाम अभिजित (बैतुलहूत) है।

मनात (منات) अ पु –अरब की एक प्रतिष्ठित मूर्ति, जो इस्लाम से पूर्व पूजी जाती थी।

मनादील (منادیل) अ पु –'मिंदील' का बहु, सर से बाँधने के रुमाल, कमर से बाँधने के पटके।

मनाफ़िज़ (منافذ) अ पु –'मन्फ़ज़' का बहु, छेद, सूराख़, छिद्र-समूह।

मनाफ़े' (منافع) अ पु –'मन्फ़अत' का बहु, लाभ, प्राप्तियाँ, नफ़े' फ़ाइदे।

मनाब (مناب) अ पु –खडे होने का स्थान, किसी दूसरे के स्थान पर खडा होना, स्थानापन्नता।

मनाबिर (منابر) अ पु –'मिंबर' का बहु, बहुत-से मिंबर।

मनाम (منام) अ पु –सोने का स्थान, शयनागार, सोना, स्वाप।

मनार (منارہ) अ पु –मीनार, बहुत ऊँचा खंभा, रौशनी का मीनार, दीपस्तभ।

मनार (منار) अ पु –दे 'मनार'।

मनाल (منال) अ पु –धन, सपत्ति, रकम, जायदाद।

मनासिक (مناسک) अ पु –'मसक' का बहु, हाजियों की इबादत की जगहे, वे कृतियाँ और सस्कार जो हज करने-वालो को मक्के मे करने पडते है।

मनासिब (مناصب) अ पु –'मसब' का बहु, पदवियाँ, दर्जे।

मनाहिज (مناہج) अ पु –'मिन्हज' और 'मिन्हाज' का बहु, रास्ते, मार्ग, खुले हुए और सीधे मार्ग।

मनाही (مناہی) अ पु –'मन्ही' का बहु, वह काम जिनसे रोका गया हो (धर्म मे)।

मनिश (منش) फा स्त्री –प्रकृति, स्वभाव, तबीअत। (प्रत्य) प्रकृतिवाला, जैसे—'आज़ाद मनिश', स्वच्छन्द प्रकृतिवाला।

मनी (منی) अ स्त्री –वीर्य, शुक्र, धातु।

मनी (منی) फा वि –ममत्व, मेरापन, अहकार, अभिमान, ख़ुदी।

मनीअ (منیع) अ वि –रोकनेवाला, हटानेवाला, दृढ, मज़बूत।

मनीयत (منیت) अ स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत।

मनूब (منوب) अ वि –जिसका प्रतिनिधित्व किया जाय।

मनूबअनहु (منوبعنہ) अ वि –प्रतिनिधि, नाइब।

मन्अ (منع) अ पु –रोकना, मना करना, निषेध, मनाही, अविहित, नाजाइज़, निषिद्ध, मना किया हुआ।

मन्ए मै (منع مے) अ फा पु –मद्य-निषेध, शराब की मनाही।

मन्क़बत (منقبت) अ स्त्री –खुदारसीद लोगो की गुणगाथा, महात्माओ का यशोगान, अहलेबैत और असहाब की गुणगाथा।

मन्क़ल (منقل) अ स्त्री –अँगीठी, अगारधानी, गोरसी।

मन्क़िज़त (منقصت) अ स्त्री –परस्पर विरोध, नकीज़, खडत्व, तोड।

मन्क़िसत (منقصت) अ स्त्री –नक्स, ह्रास, न्यूनता, कमी, दोष, ऐब, निंदा, हज्व, तिरस्कार, अपमान, बेइज़्ज़ती।

मन्क़ूत (منقوطہ) अ वि –वह अक्षर जिस पर नुक्त हो, जैसे— ب, ت, ج, ذ, ش आदि।

मन्कूत (منقوط) अ वि –दे 'मन्कूत'।

मन्कूब (منکوب) अ वि –दरिद्र, कगाल, दुर्दशाग्रस्त।

मन्कूल (منقولہ) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जायी हुई चीज़, नक्ल की हुई, प्रतिलिपित।

मन्कूल (منقول) अ वि –एक स्थान से हटाकर दूसरी जगह पहुँचाया हुआ, नक्ल किया हुआ, प्रतिलिपित, एक से सुनकर दूसरे से कहा हुआ, न्याय की वह शाखा जिसमे केवल उन्ही प्रमाणो पर तर्क हो जो शास्त्रादि मे लिखित है।

मन्क़ूल अनहु (منقول عنہ) अ वि –वह व्यक्ति जिसके मुँह

से सुनी हुई बात कही गयी हो, वह असल कागज जिसकी प्रतिलिपि की गयी हो।

मन्क़ूलात (منقولات) अ. पु –वे पुस्तके जिनमे 'मन्कूल' का वर्णन हो, (दे मन्कूल न० ४)।

मन्क़ूश (منقوش) अ वि –चित्रित, नक्शोनिगार बना हुआ, अंकित, गहरा लिखा हुआ।

मन्क़ूशे ख़ातिर (منقوش خاطر) अ वि –हृदयगम, ज़ेहननशी।

मन्क़ूस (منقوص) अ. वि –जिसमे कमाई की गई हो, ह्रसित।

मन्कूहः (منکوحه) अ स्त्री –विवाहित, व्याही हुई स्त्री।

मन्कूह (منکوح) अ पु –विवाहित, व्याहा हुआ पुरुप।

मन्ख़िर (منخر) अ पु –नथना, नासा विवर, दे 'मिन्ख़र' दोनो शुद्ध हैं।

मन्नाअ' (مناع) अ वि –निषेधक, प्रतिरोधक, मना करनेवाला, रोकनेवाला।

मन्नान (منان) अ वि –बहुत अधिक उपकार करनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

मन्नोसल्वा (من وسلوی) अ पु –मन (शीरख़िश्त) और सल्वा (बटेर) ये दोनो चीज़े हज़्रत मूसा को उस समय ईश्वर की ओर से मिली जब उनकी सेनाएँ भूखी थी और बराबर मिलती रही।

मन्फ़अत (منفعت) अ स्त्री –लाभ, फाइद, फल, नतीजा।

मन्फ़ज़ (منفذ) अ पु –विवर, छिद्र, सूराख, मार्ग, राह, रास्ता।

मन्फ़ी (منفی) अ वि.–नष्ट किया हुआ, मिटाया हुआ, रद किया हुआ, वह क्रिया जिसमें काम का न होना पाया जाय, ऋण, घटाना।

मन्फ़ूश (منفوش) अ वि –धुनकी हुई रुई या और कोई वस्तु।

मनूही (منہی) अ वि –वर्जित, रोका हुआ, अविहित, निषिद्ध।

मनूहीयात (منہیات) अ स्त्री – वे वस्तुएँ जिनका खान-पान धर्म में वर्जित हो, वे कर्म जो धर्म मे वर्जित हो।

मनूहूस (منحوس) अ वि –अशुभ, अनिष्ट, अकल्याणकारी, वद, अभागा, दुर्भाग्यवान्, बदकिस्मत।

मनूहूससूरत (منحوس صورت) अ वि –जिसकी सूरत देखना अनिष्टकर हो, जिसे सवेरे-सवेरे देखने मे मुसीवते पड़े।

मफ़र [रं] (مفر) अ पु –भागने का स्थान, वह स्थान जहाँ भागकर छिपा जा सके, रक्षा, बचाव, उपाय, तद्वीर।

मफ़ाख़िर (مفاخر) अ पु –'मफ्ख़र' का बहु, बुजुर्गियाँ, बडाइयाँ।

मफ़ाज़ (مفاز) अ पु –पहुँच का स्थान, गतव्य, मंजिल, मकाम।

मफ़ातीह (مفاتیح) अ स्त्री –'मिफ्ताह' का बहु, कुंजियाँ, चाबियाँ।

मफ़ाद (مفاد) अ पु –लाभ, फाइदा, नफा।

मफ़ादात (مفادات) अ पु –फाइदे, लाभ।

मफ़ादे आम्मः (مفاد عامه) अ पु –लोकहित, सर्वार्थ, सब की भलाई के काम।

मफ़ादे क़ौमी (مفاد قومی) अ पु –जाति की भलाई, जातिहित, राष्ट्र की भलाई, देशहित।

मफ़ादे ख़लाइक़ (مفاد خلائق) अ पु –दे 'मफ़ादे आम्म'।

मफ़ादे ज़ाती (مفاد ذاتی) अ पु –स्वार्थ, अपनी भलाई, आत्महित।

मफ़ादे मिल्ली (مفاد ملی) अ पु –राष्ट्रहित, देश की भलाई।

मफ़ादे मुल्की (مفاد ملکی) अ पु –देशहित, मुल्क की भलाई।

मफ़ादे वतन (مفاد وطن) अ पु –देशहित, वतन अथवा मुल्क की भलाई।

मफ़ासिद (مفاسد) अ पु –'मफ्सिद' का बहु, शरारते, उत्पात, दगे, उपद्रव, बुराइयाँ, दोष।

मफ़ासिल (مفاصل) अ पु –'मस्फिल' का बहु, शरीर के जोड, गाँठे।

मफ़्ऊल (مفعول) अ वि –(व्या) कर्म, जिस पर क्रिया का प्रभाव पडे, दूसरा कारक, वह पुरुष जिसे गुदादान का व्यसन हो, छद का एक वज़्न, हिंदी 'तगण' (SSI)।

मफ़्ऊलफ़ीह (مفعول فیه) अ पु –सातवाँ कारक, अधिकरण।

मफ़्ऊलबेह (مفعول به) अ पु –तीसरा कारक, करण।

मफ़्ऊल मालम युसम्म फ़ाइलुहू (مفعول مالم یسم فاعله) अ पु –वह कर्म जिसका कर्ता अज्ञात हो।

मफ़्ऊल मा'हू (مفعول معه) अ पु –जिसके साथ कोई काम हो।

मफ़्ऊल मिन्हु (مفعول منه) अ पु –पाँचवाँ कारक, अपादान।

मफ़्ऊललहू (مفعول له) अ पु –चौथा कारक, सप्रदान।

मफ़्ऊले मुत्लक़ (مفعول مطلق) अ पु –सामान्य कर्म, मफ़्ऊल।

मफ़ऊले सानी (مفعول ثانی) अ पु –किसी क्रिया का दूसरा कर्म, द्वितीय कर्म।

मफ़क़ूद (مفقود) अ वि –अप्राप्य, नायाब, अज्ञात, नामा'लूम, खोया हुआ, गुम, अंतर्द्धान, गाइब।

मफ़क़ूदुल ख़बर (مفقودالخبر) अ वि –जिसकी ख़बर न मिले, जो गाइब हो गया हो।

मफ़्तूँ (مفتوں) अ वि –मुग्ध, मोहित, फ़िरेफ़्त, जो आपत्तियो में डाल दिया गया हो।

मफ़्तून (مفتون) अ वि –दे 'मफ़्तूँ', उर्दू मे वही बोलते हैं।

मफ़्तूह (مفتوح) अ वि –जो खोला गया हो, जो विजित किया गया हो, जिस अक्षर पर 'ज़बर' हो।

मफ़रूक़ (مفروق) अ वि –वह सख्या जो किसी बडी सख्या म से घटायी गयी हो, वियोज्य, पृथक् किया गया, अलग किया गया।

मफ़रूक़मिनहु (مفروق منه) अ वि –वह बडी सख्या जिसमे से कोई छोटी सख्या घटायी गयी हो, वियोजक।

मफ़रूज़ (مفروضه) अ पु –काल्पनिक वात, फर्ज़ की हुई बात, भ्रम, वहम।

मफ़रूज़ (مفروض) अ वि –काल्पनिक, फर्ज़ी, ईश्वर की ओर से फर्ज़ की गयी बात, जिसका करना अनिवार्य हो।

मफ़रूज़ात (مفروضات) अ पु –'मफ़रूज़' का वहु, कल्पनाएँ, तीर के तुक्के।

मफ़रूर (مفرور) अ वि –पलायित, भागा हुआ, कोई अपराध करके भागा हुआ, वारटी।

मफ़रूश (مفروش) अ वि –बिछा हुआ, जो बिछाया गया हो, फर्श, विछौना।

मफ़्लूक (مفلوک) अ वि –दुर्दशाग्रस्त, दरिद्र, मुफ़्लिस।

मफ़्लूकुलहाल (مفلوک الحال) अ वि –दुर्दशाग्रस्त, कगाल, विद्वानो के नजदीक यह तर्कीब अशुद्ध है।

मफ़्लूज (مفلوج) अ वि –जिस पर फालिज गिरा हो पक्षाघाती, अर्द्धांगी, लकवा मारा हुआ।

मफ़्लूजुद्दिमाग़ (مفلوج الدماغ) अ वि –जिसके दिमाग पर फालिज गिरा हो, जो कुछ सोच-समझ न सकता हो।

मफ़्सद (مفسده) अ पु –उत्पात, शरारत, उपद्रव, दगा फसाद।

मफ़्सद परदाज़ (مفسده پرداز) अ फा वि –दगा-फसाद करानेवाला, उपद्रव खडा करानेवाला, लगाई-बुझाई करके आपस मे लडानेवाला।

मफ़्सद परदाज़ी (مفسده پردازی) अ फा स्त्री –दगा-फसाद कराना, लगाई-बुझाई करके आपस में लटाना।

मफ़्सदःपर्वर (مفسده پرور) अ फा वि –दे 'मफ़्सिद परदाज़'।

मफ़्सदःपर्वरी (مفسده پروری) अ फा स्त्री –दे 'मफ़्सिद परदाज़ी'।

मफ़्सिल (مفصل) अ पु –शरीर के अग का जोड, अगसन्धि।

मफ़हूम (مفهوم) अ पु –अस्ली मत्लब, भाव, मशा, उद्देश्य, अर्थ, तात्पर्य।

मबाद (مباد) फा वा –दे 'मबादा'।

मबादा (مبادا) फा वा –ऐसा न हो।

मबादियात (مبادیات) अ पु –'मबादी' का वहु, शुरू की वे वातें जो किसी विद्या पढने से पहले सीखी जाती है और जिनके जाने विना वह विद्या नही आती।

मबादी (مبادی) अ पु –'मब्दा' का वहु, किसी विद्या से सम्वन्धित उसकी प्रारम्भिक वातें, जिनके जाने विना वह विद्या नही आ सकती।

मबाल (مبال) अ पु –मूत्रेंद्रिय, पेशाव का मकाम।

मबीअ (مبيعه) अ स्त्री –बिकी हुई चीज, खरीदी हुई चीज।

मबीअ (مبیع) अ वि –बिका हुआ, बेचा हुआ, विक्रीत, मोल लिया हुआ, क्रीत।

मबऊस (مبعوث) अ वि –अवतरित, जिसने अवतार लिया हो, जो ईश्वर की ओर से भेजा गया हो।

मबग़ूज़ (مبغوض) अ वि –जिससे द्वेष हो, शत्रु, बैरी।

मब्ज़ूल (مبذول) अ वि –दिया गया, बख़्शा गया, आकृष्ट, प्रवृत्त, रुजूअ।

मब्दा (مبدا) अ पु –प्रारम्भ करने का स्थान, प्रकट होने की जगह।

मब्नी (مبنی) अ वि –जिसकी नीव रखी गयी हो, निर्भर, मुनहसिर, निर्धारित, वह शब्द जिसका आख़िरी अक्षर किसी कारक मे भी न बदले, अव्यय।

मबरज़ (مبرز) अ पु –मलद्वार, गुदा, मक्अद।

मब्रूर (مبرور) अ वि –जिस पर ईश्वर की दया हो, जो ईश्वर की ओर से सम्मानित किया गया हो, पापमुक्त, मोक्ष-प्राप्त।

मब्रूस (مبروص) अ वि –जिसे श्वेत कोढ हो, सिध्म, श्वित्री।

मब्लग़ (مبلغ) अ पु –सीमा, हद, अत, अख़ीर, मात्रा, मिक्दार, सख्या, ता'दाद।

मब्लग़े इल्म (مبلغ علم) अ पु –विद्या की मात्रा, इल्म की मिक्दार, विद्वत्ता, इल्मीयत।

मब्सूत (مبسوط) अ वि—विस्तार के साथ कहा हुआ, विस्तृत।

मब्हूत (مبهوت) अ वि—चकित, स्तब्ध, शशदर।

ममर [र्र] (ممر) अ पु—गुजरने का स्थान, मार्ग, रास्ता, कारण, सबब।

ममात (ممات) अ स्त्री—मृत्यु, मरण, निधन, मौत।

ममालिक (ممالک) अ पु—'मम्लुकत' का बहु, बहुत-से देश, बहुत-से राष्ट्र।

ममालिके इस्लामियः (ممالک اسلامیہ) अ पु—वे राष्ट्र जिनमे मुसलमान शासक हैं।

ममालिके ग़ैर (ممالک غیر) अ पु—अन्य देश, दूसरे राष्ट्र।

ममालिके मफ़्तूहः (ممالک مفتوحہ) अ पु—वह देश जो लड़ाई मे जीते गये हो।

ममालिके मुत्तहिदः (ممالک متحدہ) अ पु—वह देश जो मिलकर एक हो गये हो, संयुक्त देश।

ममालिके मुफ़व्वज़ः (ممالک مفوضہ) अ पु—वह देश जो उसके शासक की ओर से किसी को प्रबंध के लिए दे दिया गया हो।

ममालिके महरूसः (ممالک محروسہ) अ पु—वे देश जो किसी अन्य देशीय शासक के अधीन हो।

ममालिके हरीफ़ (ممالک حریفہ) अ पु—वह राष्ट्र जो दूसरे राष्ट्र के विरोधी दल मे हो।

ममालिके हलीफ़ (ممالک حلیفہ) अ पु—वह राष्ट्र जो एक-दूसरे के मित्र और सहायक हो।

ममालीक (ممالیک) अ पु—'मम्लूक' का बहु, गुलाम लोग।

मम्ज़ूज (ممزوج) अ वि—मिश्रित, मिला हुआ।

मम्दूद (ممدودہ) अ वि—वह अलिफ जिस पर 'मद' हो और खीचकर पढा जाय।

मम्दूद (ممدود) अ वि—खीचा गया, बढाया गया, लबा किया गया।

मम्दूहः (ممدوحہ) अ स्त्री—वह स्त्री जिसकी तारीफ की जाय, प्रशसिता।

मम्दूह (ممدوح) अ वि—जिसकी मद्ह की गयी हो, प्रशसित।

मम्नूअ (ممنوع) अ वि—निषिद्ध, वर्जित, मना', जिससे रोका गया हो, धर्म मे वर्जित वस्तु।

मम्नूअ अन्हु (ممنوع عنہ) अ वि—जिस बात मे रोका गया हो।

मम्नूआत (ممنوعات) अ पु—वे वस्तुएँ जिनका खान-पान धर्म के अनुसार वर्जित हो।

मम्नून (ممنون) अ वि—कृतज्ञ, आभारी, अनुगृहीत, शुक्रगुज़ार, मश्कूर।

मम्नूनीयत (ممنونیت) अ स्त्री—कृतज्ञता शुक्रगुज़ारी।

मम्लकत (مملکت) अ स्त्री—दे 'मम्लुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लिकत (مملکت) अ स्त्री—दे 'मम्लुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है

मम्लुकत (مملکت) अ स्त्री—राष्ट्र, राज्य, सल्तनत, दे 'मम्लकत' और 'मम्लिकत' यह दोनो भी शुद्ध हैं, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लू (مملو) अ वि—पूर्ण, परिपूर्ण, भरा हुआ, लबरेज।

मम्लूकः (مملوکہ) अ वि—वह वस्तु जो मिल्कियत मे हो।

मम्लूक (مملوک) अ वि—दास, गुलाम।

मम्लूह (مملوح) अ वि—नमक मिलाया हुआ नमकीन, लवणमय।

मयामिन (میامن) अ पु—'मैमनत' का बहु, बरकते, सआदते, कल्याण, समृद्धियाँ, 'मैमन' का बहु, शरीर की सीधी ओर के अग।

मरजांमरज (مرنجاں مرنج) फा वि—वह व्यक्ति जो खुद भी दु खित न हो और दूसरो को भी दु खी न करे।

मरंजोमरजाँ (مرنج و مرنجاں) फा वि—दे 'मरजाँ मरज'।

मरज (مرج) अ पु—काम का बिगाड, नाश, तबाही।

मरज़ (مرض) अ पु—रोग, आमय व्याधि, बीमारी, लत, व्यसन, बुरी आदत।

मरज़ुलमौत (مرض الموت) अ पु—वह रोग जो मृत्यु का कारण बने।

मरज़े मुतअद्दी (مرض متعدی) अ पु—उडनेवाला रोग, उडकर लगनेवाली बीमारी, सक्रामक रोग।

मरज़े मोहलिक (مرض مہلک) अ पु—वह रोग जो प्राण लेकर पीछा छोडे, घातक रोग।

मरम्मत (مرمت) अ स्त्री—जीर्णोद्धार टूटी-फूटी चीज़ की दुरुस्ती, जैसे—मकान या जूते की मरम्मत।

मरम्मततलब (مرمت طلب) अ वि—जिसमे मरम्मत की आवश्यकता हो।

मराकिज़ (مراکز) अ पु—'मर्कज़' का बहु, बहुत-से मर्कज, बहुत से केन्द्र।

मराकिब (مراکب) अ पु—'मर्कब' का बहु, सवारियाँ, घोडे।

मराक़िश (مراقش) अ पु—अफ्रीका का एक प्रसिद्ध प्रदेश, मराको।

मराजे (مراجع) अ पु –'मर्जा' का बहु , फिरने के स्थान, लौटने के स्थान, सर्वनाम जिनकी ओर फिरें।
मरातिब (مراتب) अ पु –'मर्तब:' का बहु , मर्तबे, दर्जे।
मराबित (مرابط) अ पु –'मिर्बत' का बहु , बधन, रस्सियाँ, डोरे, 'मर्बत' का बहु , चौपाए बांधने के बाडे।
मराम (مرام) अ पु –इच्छा, आशा, मनोकामना, ख्वाहिश।
मरार: (مرارہ) अ पु –पित्ता, पित्ताशय, पित्ते का पानी।
मरारत (مرارت) अ स्त्री –कडवाहट, कटुता।
मरासिम (مراسم) अ पु –'रस्म' का बहु , मेल-जोल, प्रेम-व्यवहार।
मराहिम (مراہم) अ पु –'मर्हम' का बहु , बहुत-से मर्हम।
मराहिम (مراحم) अ पु –'मर्हमत' का बहु , अनुकपाएँ, कृपाएँ।
मराहिमे खुस्रवान: (مراحم خسروانہ) अ फा पु –शासकीय कृपाएँ, शाही मेह्रबानियाँ।
मराहिल (مراحل) अ पु –'मह्ल' का बहु , मजिलें, पडाव।
मरीज़: (مریضہ) अ स्त्री –बीमार स्त्री, रोगिणी, व्याधिता।
मरीज़ (مریض) अ पु –रोगी, व्याधित, रुग्ण, बीमार।
मरीद (مرید) अ वि –अवज्ञाकारी, उद्दड, सरकश, अहकारी, अभिमानी, घमडी।
मर्ई (مرعی) अ वि –जिसका लिहाज़ या ध्यान रखा जाय।
मर्ऊब (مرعوب) अ वि –रोब में आया हुआ, आतकित, दबा हुआ, डरा हुआ।
मर्कज़ (مرکز) अ पु –केन्द्र, परिधि के बीच का बिन्दु, सद्र मुकाम, मुख्यालय, राजधानी, दारुस्सल्तनत।
मर्कज़ी (مرکزی) अ वि –केन्द्रीय, मर्कज़ का, मर्कज़ से सम्बन्धित।
मर्कज़े सिक्ल (مرکز ثقل) अ पु –गुरुत्व-केन्द्र।
मर्कद (مرقد) अ पु –समाधि-भवन, कब्र।
मर्कब (مرکب) अ पु –वाहन, सवारी, अश्व, घोडा।
मर्कूज़ (مرکوز) अ वि –केन्द्रित, एक मर्कज़ पर लाया हुआ, जमाया हुआ, दृढ किया हुआ।
मर्कूज़े खातिर (مرکوز خاطر) अ वि –हृदयगम, दिल में बैठा हुआ।
मर्कूब (مرکوب) अ वि –जिस पर सवारी की जाय।
मर्कूम: (مرقومہ) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।
मर्कूम (مرقوم) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।
मर्कूमए ज़ैल (مرقومۂ ذیل) अ वि –निम्नलिखित, जो नीचे लिखा हो, जिसका ज़िक्र बाद को हो।
मर्कूमए बाला (مرقومۂ بالا) अ फा वि –उपर्युक्त, ऊपर लिखा हुआ, जिसकी चर्चा ऊपर हो चुकी हो।
मर्ग (مرگ) फा स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत।
मर्ग़ (مرغ) फा पु –दूब, घास, दूर्वा।
मर्ग़ज़ार (مرغزار) फा पु –वह मैदान जहाँ दूब बहुत हो, सब्ज़ ज़ार, चरागाह, गोचर।
मर्गपेच (مرگ پیچ) फा पु –पगडी बाँधने का एक विशेष ढग, जो इस बात का चिह्न होता है कि पगडी बाँधनेवाला प्राण देने पर आमादा है।
मर्गामर्गी (مرگامرگی) फा स्त्री –महामारी, वबा।
मर्ग़ूब (مرغوب) अ वि –जो मन को पसद हो, मनोनीत, रुचिकर, मनोवाछित, पसदीद।
मर्ग़ूबे तब्अ (مرغوب طبع) अ वि –जो मन को अच्छा लगे, मनोवाछित, मनोनीत।
मर्ग़ूल: (مرغولہ) अ पु –टेढा-मेढा, पेचदार, धुएँ का छल्ला, बल खाये हुए, घूँघरवाले बाल, आवाज़ की गिटकिरी।
मर्गे जवानान: (مرگ جوانانہ) फा स्त्री –जवानी की मृत्यु।
मर्गे तबई (مرگ طبعی) फा अ स्त्री –वह मृत्यु जो ठीक समय पर आये, जो आयु पूरी होने पर आये, प्राकृतिक मृत्यु।
मर्गे नागहाँ (مرگ ناگہاں) फा स्त्री –वह मृत्यु जो अचानक आ जाये, जैसे–हार्टफेल होने से या डूब जाने आदि से।
मर्गे नौ (مرگ نو) फा स्त्री –नयी घटना, नया हादिसा।
मर्गे मुअल्लक़ (مرگ معلق) फा अ स्त्री –दे 'मर्गे नागहाँ'।
मर्गे मुफाजात (مرگ مفاجات) अ फा स्त्री –दे 'मर्गे नागहाँ'।
मर्गे मुब्रम (مرگ مبرم) फा अ स्त्री –वह मृत्यु जो अटल हो, जो प्राण लेकर टले।
मर्ज़जोश (مرزنجوش) फा स्त्री –एक वनौषधि।
मर्ज़ (مرز) फा पु –खेती की भूमि, ऐसी भूमि जिस पर खेती हो सके, सरहद, सीमात, कियारी, उद्यान, बाग़, मूषक, चूहा।
मर्जअ (مرجع) अ पु –रक्षा-स्थान, बचाव की जगह, पनाहगाह, वह सज्ञा जिसकी ओर कोई सर्वनाम फिरे।
मर्ज़बान (مرزبان) फा वि –कृषक, कृषिकार, किसान, काश्तकार।
मर्ज़बानी (مرزبانی) फा स्त्री –कृषि-कर्म, खेती, किसनई, काश्तकारी।
मर्ज़बूम (مرزبوم) फा स्त्री –जन्मभूमि, पैदा होने का स्थान, देश, वतन।
मर्जाँ (مرجاں) अ पु –दे 'मर्जान'।
मर्ज़ा (مرضی) अ पु –'मरीज़' का बहु , बीमार लोग, रोगी लोग।

मर्जान (مرجان) अ पु –प्रवाल, विद्रुम, मूँगा।

मर्ज़ी (مرضی) अ स्त्री –इच्छा, ख्वाहिश, स्वीकृति, रजामदी, आज्ञा, इजाज़त, आदेश, हुक्म।

मर्जूअः (مرجوعہ) अ पु –रुजूअ, आकर्षण, किसी व्यक्ति की ओर किसी कार्य विशेष के लिए लोगो का झुकाव।

मर्जूअ (مرجوع) अ वि –रुजूअ किया हुआ, लौटाया हुआ, वह व्यक्ति जिसकी ओर लोग झुके, अर्थात् रुजूअ हों।

मर्जूम (مرجوم) अ वि –जिसे पत्थरो से मारा जाय, जिसका वहिष्कार किया जाय।

मर्जूह (مرجوح) अ वि –पराजित, हारा हुआ, मग्लूब।

मर्तब: (مرتبہ) अ पु –पद, दर्जा, वर्ग, तवका, श्रेणी, जमाअत, वार, दफा, प्रतिष्ठा, इज्जत।

मर्तब:दाँ (مرتبہداں) अ फा वि –इज्जत पहचाननेवाला।

मर्तब:दानी (مرتبہدانی) अ फा स्त्री –इज्जत पहचानना।

मर्तब शनास (مرتبہشناس) अ फा वि –दे 'मर्तब दाँ'।

मर्तबत (مرتبت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, इज्जत, पद, उह्दा।

मर्तूब (مرطوب) अ वि –आर्द्र, तर, भीगा, गीला, वह ओषधि जिसमे वादी का गुण हो, वादी-गुण रखनेवाली चीज, जैसे—'मर्तूब आबोहवा'।

मर्द: (مردہ) फा वि –वीर, शूर, वहादुर, साहसी, उत्साही हिम्मती।

मर्द (مرد) फा पु –मनुष्य, आदमी, पुरुष, नर, पति, शौहर, शूर, वहादुर, साहसी, हिम्मतवर।

मर्दअफ्गन (مردافگن) फा वि –शक्तिशाली, जोरावर, पहलवानो को पछाड देनेवाला, दे 'मर्दफगन' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

मर्दआज्मा (مردآزما) फा वि –दे 'मर्द अफगन', दे 'मर्दाज्मा', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

मर्दक (مردک) फा वि –तुच्छ व्यक्ति, अधम, नीच, ज़लील।

मर्दफगन (مردافگن) फा वि –वहादुर, वलवान्, योद्धाओ को पछाड देनेवाला, वहुत वडा योद्धा, महारथी।

मर्दवच: (مردبچہ) फा वि –आदमी का बच्चा अर्थात् आदमी, मनुष्य, वहादुर, शूर।

मर्दवच्च (مردبچہ) फा वि –दे 'मर्दवच' अच्छे-बुरे व्यक्ति की परख रखनेवाला।

मर्दशनास (مردشناس) फा वि –मनुष्य को पहचाननेवाला।

मर्दाज्मा (مردازما) फा वि –दे 'मर्दफगन'।

मर्दान (مردانہ) फा वि –मर्दो की तरह, मर्दो-जैसा, जैसे—मर्दाना लिवास, मर्दो-जैसे, मर्दाना दर्जा।

मर्दान:वार (مردانہوار) फा वि –मर्दो की तरह, साहसपूर्वक, वहादुराना।

मर्दानगी (مردانگی) फा स्त्री –मर्दानापन, पुरुषत्व, साहस, हिम्मत, शूरता, वहादुरी।

मर्दाने खुदा (مردان خدا) फा पु –महात्मा लोग, औलिया अल्लाह।

मर्दी (مردی) फा वि –मानवता, इसानियत, शूरता, वहादुरी, कामशक्ति, कुव्वतेवाह।

मर्दुम (مردم) फा पु –मनुष्य, आदमी, सभ्य, मुहज्जव, आँख की पुतली, कनीनिका।

मर्दुमआज़ार (مردم آزار) फा वि –लोगो को सतानेवाला, अत्याचारी, जालिम, सर्वदु खद।

मर्दुमआमेज़ (مردم آمیز) फा वि –लोगो मे घुल-मिलकर रहनेवाला।

मर्दुमआज़ारी (مردم آزاری) फा स्त्री –लोगो को सताना, अत्याचार, जुल्म।

मर्दुमक (مردمک) फा स्त्री –आँख की पुतली, कनीनी, कनीनिका, नयनी।

मर्दुमकुश (مردم‌کش) फा वि –मनुष्य को मार डालनेवाला, नरहिसक।

मर्दुमकुशी (مردم‌کشی) फा स्त्री –मनुष्य को मार डालना, नरहिसा।

मर्दुमकेदीद: (مردمک دیدہ) फा स्त्री –आँख की पुतली, नयनी, कनीनिका, कनीनी।

मर्दुमखेज़ (مردم خیز) फा वि –वह स्थान जहाँ से प्रतिभाशाली, प्रतिष्ठित और विद्वज्जन उत्पन्न होते हो।

मर्दुमखोर (مردم خور) फा वि –मनुष्य को खा जानेवाला, नरभक्षी, नराशी, पुरुषाशी।

मर्दुमखोरी (مردم خوری) फा स्त्री –मनुष्य को खा जाना, नरभक्षण।

मर्दुमख्वार (مردم خوار) फा वि –दे 'मर्दुमखोर'।

मर्दुमगिया (مردم گیا) फा स्त्री –एक जड जो आदमी की आकृति की होती है, लक्ष्मिनी, यब्रूह।

मर्दुमज़न (مردم زن) फा वि –वधिक, जल्लाद।

मर्दुमज़ाद (مردم زاد) फा पु –मनुजात, आदमी, मनुष्य, मानुप।

मर्दुमदर (مردم در) फा वि –मनुष्य को फाड खानेवाला, विदारक, श्वापद, व्याघ्र।

मर्दुमदारी (مردم داری) फा स्त्री –सुशीलता, सद्व्यवहार, खुश अख्लाकी।

मर्दुमवेज़ार (مردم بیزار) फा वि –वह व्यक्ति जो मनुष्यो के साथ वैठने-उठने से घवराता हो।

मर्दुमशनास (مردم شناس) फा वि –अच्छे-बुरे आदमी

की परख रखनेवाला, अच्छे आदमी की क़द्र करनेवाला।

मर्दुमशनासी (مردم‌شناسی) फा स्त्री —अच्छे-बुरे आदमी की परख, अच्छे आदमी की क़द्र।

मर्दुमशुमारी (مردم‌شماری) फा स्त्री —किसी देश के निवासियों की गणना जो किसी नियत समय पर हुआ करती है, जन-गणना।

मर्दुमी (مردمی) फा स्त्री —मानवता, इंसानियत, पुरुषत्व, पुंस्त्व, कामशक्ति, वीरता, बहादुरी, सुशीलता, सहृदयता, खुश अख़लाक़ी।

मर्दुमे आबी (مردم آبی) फा पु —समुद्र में रहनेवाला मनुष्य, जल-मनुष्य।

मर्दुमे दीदः (مردم دیده) फा पु —आंख की पुतली कनीनिका।

मर्दूद (مردود) अ वि —बहिष्कृत, बाहर निकाला हुआ, निरस्कृत, बेइज़्ज़त, अस्वीकृत, नामक़्बूल।

मर्दूदुश्शहादत (مردود الشہادت) अ वि —वह व्यक्ति जिसकी गवाही मानी न जा सके।

मर्दूदे बारगाह (مردودہ بارگاہ) फा वि —वह व्यक्ति जो किसी बड़े स्थान में निकाल दिया गया हो।

मर्दे आख़िरबीं (مرد آخربیں) फा वि —वह व्यक्ति जो परिणाम देखकर कोई काम करे।

मर्दे आदमी (مرد آدمی) फा वि —सज्जन व्यक्ति, भला-मानस, शरीफ आदमी।

मर्दे कार (مرد کار) फा पु —काम का आदमी, अनुभवी, शूर, साहसी, बहादुर।

मर्दे ख़ुदा (مرد خدا) फा पु —सदात्मा, पुनीतात्मा, खुदा-रसीद, ईश्वरभक्त, ईश्वरभीरु।

मर्दे मा'क़ूल (مرد معقول) फा अ पु —सभ्य, शिष्ट और सज्जन व्यक्ति।

मर्दे मैदाँ (مرد میداں) फा पु —महारथी, रण-क्षेत्र में बड़े-बड़ों के मुँह फेर देनेवाला।

मर्दे हक़्क़आगाह (مردحق آگاہ) फा अ पु —ईश्वर अथवा सत्य का पहचाननेवाला व्यक्ति।

मर्फ़ूअ (مرفوع) अ वि —ऊँचा किया हुआ, उठाया हुआ, पेश ('उ' की मात्रा) दिया हुआ अक्षर।

मर्फ़ूउलक़लम (مرفوع القلم) अ वि —जिस पर से क़लम उठा लिया गया हो, जिसके सम्बन्ध में कुछ लिखा न जा सके। अर्थात् पागल, बावला।

मर्बूत (مربوط) अ वि —क्रमबद्ध, मुसल्सल, प्रसंगयुक्त, बासिल्सिला (गुफ़्तगू)।

मर्मर (مرمر) फा पु —एक विशेष सफेद तथा चिकना प्रस्तर।

मर्मरीं (مرمریں) फा वि —मर्मर का बना हुआ, मर्मर-जैसा।

मर्मूज़ (مرموز) अ वि —जिसकी ओर इंगित या इशारा किया गया हो, राज़ और इशारे में कही हुई बात।

मर्मूज़ात (مرموزات) अ पु —इशारों में कही हुई बातें, इशारों में लिखे हुए ख़त या नुस्ख़े आदि।

मर्यम (مریم) अ स्त्री —हज़रत ईसा की माताजी।

मर्यमपंजः (مریم پنجہ) अ फा पु —एक घास जो प्रसव वेदनाग्रस्ता स्त्री की पीड़ा दूर करने के लिए व्यवहृत है।

मर्वः (مروہ) अ पु —मक्के की एक पहाड़ी।

मर्व (مرو) फा पु —ख़ुरासान के इलाक़े का एक प्रसिद्ध नगर, एक सुगंधित घास।

मर्वारीद (مروارید) फा पु —मुक्ता, मुक्ताहल, मौक्तिक, मोती।

मर्वारीदेना सुफ़्तः (مروارید ناسفتہ) फा पु —अनबिंधा मोती।

मर्वी (مروی) अ वि —रिवायत किया गया, दूसरे का सुना हुआ कहा गया।

मर्सूब (مرسوب) अ वि —तली में बैठा हुआ, तलछट, गाद।

मर्सूम (مرسوم) अ वि —विधान किया हुआ, क़ानून बनाया हुआ, रोज़ का या महीने का वेतन, चिह्न किया हुआ, चिह्नित।

मर्सूस (مرصوص) अ वि —नींव में सीसा पिलाया हुआ, अच्छी तरह मज़्बूत किया हुआ।

मर्हब (مرحب) अ पु —खुला हुआ स्थान।

मर्हबा (مرحبا) अ स्त्री —धन्य, साधु, बहुत ख़ूब, शाबाश।

मर्हम (مرہم) फा पु —घाव पर लगाने का लेप, स्नेह-लेप।

मर्हमत (مرحمت) अ स्त्री —दया, कृपा, अनुकंपा, अनुग्रह, मेहरबानी, अनुदान बख़्शिश।

मर्हमे काफ़ूर (مرہم کافور) फा पु —कपूर से बना हुआ मर्हम जो घाव में ठंडक पहुँचाता है।

मर्हमे ज़ंगार (مرہم زنگار) फा पु —ज़ंगार से बना हुआ मर्हम, जो घाव को काट देता है।

मर्हलः (مرحلہ) अ पु —गंतव्य, उतरने का स्थान, मंज़िल, लंबी यात्रा, बड़ा काम, कठिन काम।

मर्हून (مرہون) अ वि —वह वस्तु जो गिरो रखी हो।

मर्हूने मिन्नत (مرہون منت) अ वि —कृतज्ञ, आभारी, मम्नून, शुक्रगुज़ार।

मर्हूमः (مرحومہ) अ स्त्री —वह स्त्री जो मर गयी हो, दिवंगता, स्वर्गगामिनी स्वर्गीया।

मर्हूम (مرحوم) अ पु —दिवंगत, स्वर्गीय, जन्नतनशीं।

मलग (ملنگ) फा पु –आजाद फकीर, निश्चित व्यक्ति, वेफिक्रा।

मलक' (ملکہ) अ पु –अभ्यास, हस्तकौशल, महारत, प्रकृति, सृष्टि, फित्रत, शौक, रुचि।

मलक (ملک) अ पु –देवता, फिरिश्ता।

मलकजमाल (ملک جمال) अ वि –देवताओ-जैसी सुदरता रखनेवाला।

मलकनिहाद (ملک نہاد) अ फा वि –देवताओ-जैसी प्रकृतिवाला, देवात्मा।

मलकसिफात (ملک صفات) अ वि –फिरिश्तो-जैसी सिफतोवाला, दैवीगुणसपन्न।

मलकसिरिश्त (ملک سرشت) अ फा वि –दे 'मलक निहाद'।

मलकसीरत (ملک سیرت) अ वि दे –'मलकनिहाद'।

मलकसूरत (ملک صورت) अ वि –जिसकी आकृति फिरिश्तो-जैसी हो, देवता-स्वरूप।

मलकात (ملکات) अ पु –'मलक' का वहु, प्रकृतियाँ, प्रकृति के गुण।

मलकाते फाजिल (ملکات فاضلہ) अ पु –सत्त्व गुण।

मलकाते रदीयः (ملکات ردیہ) अ पु –रजोगुण।

मलकाते मजमूम (ملکات مذموم) अ पु –तमोगुण।

मलकी (ملکی) अ वि –देवताओ का, फिरिश्ते का, देवता-सम्वन्धी।

मलकीसिफात (ملکی صفات) अ वि –देवताओ के गुण रखनेवाला व्यक्ति।

मलकुलमौत (ملک الموت) अ पु –मौत का फिरिश्ता, यमराज, धर्मराज, प्राणातक।

मलकूत (ملکوت) अ पु –सत्ता, राज्य, शासन, हुकमरानी, देवलोक, फिरिश्तो का मकाम, फिरश्ते, देवता-समूह।

मलकूती (ملکوتی) अ वि –देवताओवाला।

मलकूतीसिफात (ملکوتی صفات) अ वि –देवताओ के गुणवाला, देवताओ-जैसा।

मलख (ملخ) फा स्त्री –टीडी, टिड्डी, शलभ।

मला (ملا) अ पु –सज्जन और श्रेष्ठ लोगो की मडली।

मलाइक (ملائکہ) अ पु –'मलक' का वहु, देवतागण, फिरिश्ते।

मलाइक (ملائک) अ पु –दे 'मलाइक'।

मलाइक फिरेव (ملائک فریب) अ फा वि –देवताओ को मुग्ध करनेवाला, फिरिश्तो को लुभानेवाला, प्राय हुस्न (सौदर्य) की सिफत के लिए आता है।

मलाइनः (ملاعنہ) अ पु –'मल्ऊन' का वहु, दुष्ट और पापाचारी व्यक्ति।

मलाइन (ملاعن) अ पु –'मल्अनत' का वहु, वे चीजे जो निदित और तिरस्कृत हो।

मलाइब (ملاعب) अ पु –'लइब' का वहु, खेल-कूद।

मलाईन (ملاعین) अ पु –दे 'मलाइन'।

मलाए आ'ला (ملاء اعلیٰ) अ पु –देवलोक के रहनेवाले, देवता, फिरिश्ते।

मलाज (ملاذ) अ पु –रक्षा-स्थान, पनाह की जगह।

मलाविस (ملابس) अ पु –'मिल्वस' का वहु, पहनने के कपडे।

मलाम (ملام) अ पु –दे 'मलामत'।

मलामत (ملامت) अ स्त्री –झिडकी, डाँट-डपट, भर्त्सना, निंदा, कुत्सा।

मलामती (ملامتی) अ वि –जिसकी मलामत की गयी हो।

मलाल (ملال) अ पु –दुख, रज, वेमनस्य, रजिश, पश्चात्ताप, अफसोस, कष्ट, तक्लीफ।

मलालत (ملالت) अ स्त्री –दे 'मलाल'।

मलासत (ملاست) अ स्त्री –नम्रता, विनय, नर्मी, स्वच्छता, सफाई, समता, वरावरी।

मलाहत (ملاحت) अ स्त्री –लावण्य, नमकीनी, सौदर्य, हुस्न।

मलाहिदः (ملاحدہ) अ पु –'मुल्हिद' का वहु, नास्तिक लोग, बेदीन लोग, विधर्मी लोग।

मलाही (ملاہی) अ पु –'लह्व' का बहु., खेल-कूद, अच्छे कामो से रोकनेवाली चीजे।

मलिक. (ملکہ) अ स्त्री –रानी, राज्ञी, महारानी, वादशाह की वेगम।

मलिक (ملک) अ पु –वादशाह, राजा, शासक, नरेश, सम्राट्, नृपाल।

मलिकजाद. (ملک زادہ) अ फा पु –वादशाह का लडका।

मलिकुत्तुज्जार (ملک التجار) अ पु –व्यापारियो का सरदार, सबसे बडा व्यापारी, वणिग्राज।

मलिकुश्शुअरा (ملک الشعرا) अ पु –एक उपाधि जो दरबार के सर्वश्रेष्ठ कवि को मिलती थी, कविसम्राट्।

मलीक (ملیک) अ पु –स्वामी, पति, मालिक।

मलीद (ملیدہ) उ पु –'मालीद' उर्दू, मे 'मलीद' ही व्यवहृत है, चूरमा।

मलीह (ملیح) अ वि –जिसमे लवण यानी नमक हो, नमकीन, साँवला, सलोना।

मलूम (ملوم) अ वि –निंदित, गर्हित, भर्त्सित, जिस पर मलामत की गयी हो।

मलूल (ملول) अ वि –उदास, खिन्न, अफ्सुर्दः, दुःखित, रंजीदा।

मल्अब (ملعب) अ पु –खेल का स्थान, क्रीडास्थल, तफ़ीहगाह।

मल्ऊन (ملعون) अ वि –जिस पर ला'नत की गयी हो, धिक्कृत, दुष्टात्मा, ख़बीस, तिरस्कृत।

मल्ग़ोबा (ملغوبا) तु पु –बहुत-सी गीली चीज़ों का समाहार।

मल्जा (ملجا) अ पु –रक्षा-स्थान, जान बचाने या सुरक्षित रहने की जगह।

मल्जाओमावा (ملجاوماوا) अ पु –जहाँ सब कुछ हो, जिस जगह का बडा सहारा हो, जहाँ से हर प्रकार की सहायता आदि मिले।

मल्ज़ूम (ملزوم) अ वि –जिस पर कोई चीज़ लाज़िम कर दी गयी हो, जो वस्तु अलग न हो सके, सबद्ध।

मल्फ़ूज़' (ملفوظہ) अ वि –बोला हुआ, कहा हुआ।

मल्फ़ूज़ (ملفوظ) अ वि –बोला हुआ, कहा हुआ, उच्चरित, प्रतिष्ठित जनों और महात्माओं के प्रवचन।

मल्फ़ूज़ात (ملفوظات) अ पु –'मल्फ़ूज़' का बहु, महात्माओं आदि के प्रवचन, वह पुस्तक जिसमें इन प्रवचनों का सग्रह हो।

मल्फ़ूज़ी (ملفوظی) अ वि –मल्फ़ूज़ सम्बन्धी।

मल्फ़ूफ़ (ملفوف) अ वि –लपेटा हुआ, कपडा या काग़ज़ चढाया हुआ, लिफ़ाफ़े मे बद किया हुआ, लिफ़ाफ़े मे बद ख़त।

मल्बूस (ملبوس) अ पु –वस्त्र, वसन, लिबास।

मल्बूसात (ملبوسات) अ पु –पहनने के कपडे, वस्त्र।

मल्मस (ملمس) अ पु –त्वचा, जिल्द, शरीर के खाल का वह ऊपरी तल जो छुआ जाता है।

मल्लाह (ملاح) अ पु –नाविक, नौचालक, कर्णधार, खेवनहार, कश्तीवान, नमक बनानेवाला।

मल्हमः (ملحمہ) अ पु –बहुत बडा उपद्रव, बहुत बडी हलचल, बहुत बडा युद्ध, बहुत बडी लडाई, लडाई का मैदान, रणभूमि।

मल्हूज़ (ملحوظ) अ वि –जिसका लिहाज़ रखा जाय, ध्यान मे रखा हुआ।

मल्हूज़े ख़ातिर (ملحوظ خاطر) अ पु –जो बात ध्यान में हो, जिस बात का ख़्याल हो।

मवद्दत (مودت) अ स्त्री –मित्रता, मैत्री, दोस्ती।

मवाइज़ (مواعظ) अ पु –'मौइज़त' का बहु, धर्म-सम्बन्धी उपदेश और नसीहतें।

मवाइद (مواعد) अ पु –'मौइद' का बहु, वादे के समय, वा'दे की जगहें।

मवाईद (مواعید) अ पु –'मीआद' का बहु, आपस के कौल-करार।

मवाक़िफ़ (مواقف) अ पु –'मौक़िफ़' का बहु, खडे होने के स्थान, जगह, स्थान।

मवाकिब (مواکب) अ पु –'मौकिब' का बहु, सवारों की फ़ौज, सवारों के झुड।

मवाक़ीत (مواقیت) अ स्त्री –'मीक़ात' का बहु, वादे के स्थान, काम के समय।

मवाक़े' (مواقع) अ पु –'मौक़' का बहु, मौक़े, अवसर।

मवाजिब (مواجب) अ पु –'मौजिब' का बहु, तनख़्वाहें, वेतन।

मवाज़ीन (موازین) अ स्त्री –'मीज़ान' का बहु, तराज़ुएँ, तुलाएँ।

मवाज़े' (مواضع) अ पु –'मौज़ा' का बहु, ग्राम-समूह, बहुत-से गाँव।

मवात (موات) अ वि –निष्प्राण, बे जान, (स्त्री) ऊसर भूमि, ऐसी भूमि जिसमें कुछ उपज न सके।

मवातिन (مواطن) अ पु –'मौतिन' का बहु, जन्म-भूमियाँ, वतन।

मवाद (مواد) अ पु –सामग्री, मसाला, पीप और ख़ून जो घाव या फोडे से निकले, सबूत, प्रमाण।

मवादे फ़ासिद (مواد فاسد) अ पु –सडा हुआ मवाद या ख़ून और पीप, शरीर के अदर की दूषित धातुएँ।

मवाने' (موانع) अ पु –'माने' का बहु, बाधाएँ, विघ्न, रुकावटें।

मवाली (موالی) अ पु –'मौला' का बहु, यार-दोस्त, सगी-साथी, गुडा, बदमाश।

मवालीद (موالید) अ पु –'मौलूद' का बहु, लडके, बच्चे।

मवालीदे सलास (موالید ثلاثہ) अ पु –सृष्टि के तीनों वर्ग—प्राणी, वनस्पति, जड पदार्थ।

मवाशी (مواشی) अ पु –'माशिय' का बहु, चौपाए, मवेशी।

मवासीक़ (مواثیق) अ पु –'मीसाक़' का बहु, आपस के क़ौल करार।

मवाहिब (مواہب) अ पु –'मौहिब' का बहु, कृपाएँ, दयाएँ, मेहरबानियाँ, बख़्शिशें।

मवीज़ (مویز) अ पु –सूखा हुआ अगूर, शुष्कद्राक्ष, मुनक्का।

मवीज़े मुनक़्क़ा (مویز منقی) अ पु –वह मवीज़ जिसके बीज निकाल डाले गये हों, मुनक़्क़ा का अर्थ है–

पेट साफ किया हुआ, चूंकि मुनक्के के बीज निकालने से उसका पेट साफ हो जाता है, इस कारण उसे मुनक्का कहते हैं, मगर अब मुनक्का उसका नाम ही पड गया है।

मव्वाज (مواج) अ वि —मौजे मारता हुआ, जोर की लहरें लेता हुआ।

मशक्कत (مسقت) अ स्त्री —कष्ट, दुख, तक्लीफ, श्रम, मेहनत, मज्दूरी, परिश्रम, दौड-धूप, तपस्या, रियाजत।

मशाइख़ (مشائخ) अ पु —'शेख़' का बहु, पीर लोग, सूफी लोग।

मशाम (مشام) अ पु —'मशम्म' का बहु, परतु एकवचन के अर्थ मे व्यवहृत है, मस्तिष्क, दिमाग, वह स्थान जहाँ सूंघने की शक्ति रहती है।

मशामे जाँ (مشام جان) अ फा पु —आत्मा का मस्तिष्क अर्थात् आत्मा।

मशारिक़ (مشارق) अ पु —'मश्रिक' का बहु, सूर्योदय के स्थान।

मशारिब (مشارب) अ पु —'मश्रब' का बहु, पानी पीने के स्थान।

मशाहिद (مشاهد) अ पु —'मश्हद' का बहु, कब्रिस्तान।

मशाहीर (مساهير) अ पु —'मश्हूर' का बहु, महान् व्यक्ति, नामवर लोग।

मशाहीरे आलम (مشاهير عالم) अ पु —ससार के महान् व्यक्ति, बडे-बडे लोग।

मशाहीरे वक्त (مشاهير وقت) अ पु —अपने समय के बडे-बडे लोग।

मशी (مسی) अ पु —चलना, टहलना।

मशीख़त (مشیخت) अ स्त्री —बुज़ुर्गी, बडप्पन, डीग, शेखी।

मशीख़तपनाह (مشیخت پناه) अ फा वि —दे 'मशीख़त-मआब'।

मशीख़तमआब (مشیخت مآب) अ वि —शेखीखोर, डीगिया।

मशीम (مشیمه) अ पु —वह झिल्ली जो उत्पत्ति के समय शिशु के ऊपर लिपटी रहती है, आँख का छटा पर्दा।

मशीयत (مشیت) अ स्त्री —ईश्वरेच्छा, खुदा की मर्जी, दैवशक्ति, कुदरत।

मशूम (مشوم) अ वि —दे 'मश्ऊम', दोनो शुद्ध है, अशुभ, अनिष्ट, मनहूस।

मशूरः (مشوره) अ पु —परामर्श, सलाह, दे 'मश्वुर' दोनो शुद्ध है।

मश्अल. (مسعله) अ पु —दे 'मश्अल'।

मश्अल (مشعل) अ स्त्री —एक लबी लकडी मे कपडा लपेटकर और उसे तेल मे तर करके जलाते है, यही 'मश्अल' है, मशाल।

मश्अलची (مشعلچی) अ फा पु —मश्अल लेकर आगे चलनेवाला, मश्अल दिखानेवाला, मशालची।

मश्ऊफ़ (مشعوف) अ वि —मुग्ध, आसक्त, शेफ्त।

मश्ऊम (مشئوم) अ वि —दे 'मशूम', दोनो शुद्ध है, अनिष्ट, अशुभ, मनहूस।

मश्क़ (مشق) अ स्त्री —अभ्यास, किसी काम को बार-बार करना, हस्त-कौशल, महारत, टेव, आदत।

मश्क (مشک) फा स्त्री —परवाल, पानी भरने की चमडे की खाल।

मश्कीज़ः (مسکیزه) अ पु —छोटी मश्क।

मश्कूक (مسکوک) अ वि —जिसमे शक हो, सदिग्ध, जिसे शक हो, शकित।

मश्कूर (مسکور) अ वि —जिसका शुक्रिया अदा किया जाय, प्रशसित।

मश्के आब (مشک آب) फा स्त्री —पानी से भरी हुई मश्क।

मश्के सुख़न (مسق سخن) अ फा स्त्री —काव्य-रचना का अभ्यास।

मश्कोए (مشکوے) फा पु —मूर्तिगृह, बुतखाना, अत पुर, हरमसरा।

मश्ग़लः (مسغله) अ पु —व्यापार, शुग्ल, व्यवसाय, उद्यम, रोजगार, कार्य, काम।

मश्गूल (مسغول) अ वि —सलग्न, प्रवृत्त, लीन, मुनहमिक।

मश्गूलियत (مسغولیت) अ स्त्री —सलग्नता, तल्लीनता, प्रवृत्ति, इनहिमाक।

मश्मूम (مشموم) अ वि —सूँघा हुआ।

मश्मूल (مشمول) अ वि —शामिल किया हुआ, सम्मिलित।

मश्रब (مسرب) अ पु —पानी पीने का स्थान, मत, अकीद।

मश्रिक़ (مشرق) अ पु —पूर्व, पूरब, सूर्य निकलने का स्थान, उदयाचल।

मश्रिक़ी (مشرقی) अ वि —पूर्वीय, पूरब का, हिदुस्तानी, देशी, जो यूरोपीय न हो, बल्कि एशियाई हो।

मश्रिक़ीयात (مشرقیات) अ स्त्री —एशियाई सस्कृति और सभ्यता से सम्बन्धित विज्ञान।

मश्रिक़ैन (مشرقین) अ पु —दोनो पूर्व, अर्थात् पूरब और पच्छिम।

मश्रूअ (مشروع) अ वि —शास्त्र के अनुसार किया हुआ, इस्लामी धर्मशास्त्र के अनुसार किया हुआ।

मश्रूत (مشروط) अ वि —जो किसी शर्त पर निर्धारित हो।

मशरूब (مشروب) अ वि –पीनेवाली वस्तु, पानीय, पेय, पिया हुआ, पीत।
मशरूबात (مشروبات) अ पु –पीनेवाली वस्तुएँ, पेय।
मशरूह (مشروح) अ वि –विवरण और विस्तार के साथ कहा हुआ।
मशरूहन (مشروحاً) अ अव्य –विस्तारपूर्वक, पूरी तफसील से, स्पष्टतया।
मश्वरः (مشوره) अ पु –शुद्ध उच्चारण 'मश्वुर' है, परतु उर्दू मे 'मश्वर' ही बोलते है, परामर्श, सलाह।
मश्वी (مشوی) अ वि –भुना हुआ, भ्रष्ट, वियी।
मश्वुरः (مشوره) अ पु –दे 'मश्वर.' शुद्ध मश्वुर ही है, परतु उर्दू मे 'मश्वर' बोलते है, परामर्श, मत्रणा, सलाह।
मश्वुरत (مشورت) अ स्त्री –दे 'मश्वुर'।
मश्वुरतखानः (مشورتخانه) अ फा पु –मत्रणागार, दारुश शूरा।
मश्शाई (مشائی) अ वि –'मश्शाईन' मे का एक व्यक्ति।
मश्शाईन (مشائین) अ पु –वैज्ञानिक विद्वानो का वह सप्रदाय जो एक दूसरे के पास जाकर पठन-पाठन करते थे, बरखिलाफ 'इशाकीन' के जो आत्मशक्ति द्वारा पठन-पाठन कर्म करते थे।
मश्शाक (مشاق) अ वि –किसी विशेष काम का बहुत अच्छा जानकार, दक्ष, कुशल, विशेषज्ञ।
मश्शाक़ी (مشاقی) अ स्त्री –दक्षता, कुशलता, प्रवीणता।
मश्शातः (مشاطه) अ स्त्री –स्त्रियो का बनाव-सिंगार करनेवाली स्त्री, प्रसाधिका।
मश्शातगी (مشاطگی) अ स्त्री –स्त्रियो का बनाव-सिंगार कराने का काम, प्रसाधन।
मश्हद (مشهد) अ पु –उपस्थित होने का स्थान, शहीद होने का स्थान, शहादतगाह, शहीदो का कब्रिस्तान, ईरान का एक नगर जिसे 'तूस' भी कहते है।
मश्हूद (مشهود) अ वि –जो उपस्थित किया गया हो, जिस पर गवाही दी गयी हो, ध्येय, मक्सूद।
मश्हून (مشحون) अ वि –जो भरा गया हो, परिपूर्ण।
मश्हूर (مشهور) अ वि –ख्याति प्राप्त, शुह्रत पाया हुआ, प्रसिद्ध, विख्यात।
मश्हूरोमा'रूफ (مشهور و معروف) अ वि –बहुत अधिक प्रसिद्ध, जिसे प्राय सभी जानते हो, सुप्रसिद्ध, बहुख्यात।
मस [स्स] (مس) अ पु –स्पर्श, छूना, रुचि, रग़्बत।
मस [स्स] (مص) अ पु –चूसना, चूषण।
मसर्रत (مسرت) अ. स्त्री –हर्ष, आनद, खुशी।
मसर्रतअगेज (مسرت انگیز) अ फा वि –हर्षवर्द्धक, खुशी बढानेवाला।
मसर्रतअफ्जा (مسرت افزا) अ फा वि –दे 'मसर्रतअगेज'।
मसर्रतआमेज (مسرت آمیز) अ फा वि –हर्षपूर्ण, आनदमय, खुशी से भरा हुआ।
मसर्रते क़ल्बी (مسرت قلبی) अ स्त्री –हार्दिक आनद, दिली खुशी।
मसर्रते बेहद (مسرت بےحد) अ फा स्त्री –अत्यधिक हर्ष, बहुत ज़ियादा खुशी।
मसर्रते रूहानी (مسرت روحانی) अ स्त्री –दे 'मसर्रते क़ल्बी'।
मसल (مثل) अ स्त्री –लोकोक्ति, कहावत, समान, तुल्य, मिस्ल।
मसलन (مثلاً) अ अव्य –जैसे, मानो, उदाहरणार्थ।
मसल्लुमसलन (مثلت مثلا) अ क्रि –मैं एक उदाहरण देती हूँ, जैसे, मानो, मसलन।
मसाइब (مصائب) अ पु –'मुसीबत' का बहु, मुसीबतें, आपत्तियाँ, कठिनाइयाँ, दुश्वारियाँ।
मसाइल (مسائل) अ पु –'मस्अल' का बहु, मसअले, समस्याएँ।
मसाई (مساعی) अ स्त्री –'मस्आत' का बहु, कोशिशें, प्रयत्न।
मसाकिन (مساکن) अ पु –'मस्कन' का बहु, बहुत-से घर, बहुत-सी जगहें।
मसाकीन (مساکین) अ पु –'मिस्कीन' का बहु, ग़रीब लोग, मँगता लोग।
मसाजिद (مساجد) अ स्त्री –'मस्जिद' का बहु, मस्जिदें।
मसादिर (مصادر) अ पु –'मस्दर' का बहु, बहुत से मस्दर, धातुएँ।
मसानः (مثانه) अ पु –पेशाब की थैली, मूत्राशय, मूत्रकोष।
मसाफ (مصاف) अ पु –युद्ध, समर, जग, लडाई।
मसाफत (مسافت) अ स्त्री –दो स्थानो के बीच की दूरी, फासिला, दूरी, रास्ते की दूरी, यात्रा, सफर।
मसाफते बईदः (مسافت بعیده) अ स्त्री –लबी यात्रा, दूर की यात्रा, लबा सफर।
मसाम (مسام) अ पु –रोमकूप, रोमगर्त, लोमकूप, लोमविवर, रोमछिद्र।
मसामात (مسامات) अ पु –'मसाम' का बहु, शरीर के रोम-कूप।
मसारिफ (مصارف) अ पु –'मस्रिफ' का बहु, इख्राजात, खर्च, व्यय।

मसारिफ़े ख़ानगी (مصارف خانگی) अ फा पु —घर का ख़र्च, ख़ानगी ख़र्च।

मसारिफ़े ख़ुर्दोनोश (مصارف خورونوش) अ. फा पु —खाने-पीने का ख़र्च।

मसारिफ़े बारबरदारी (مصارف باربرداری) अ फा पु —सामान एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने का ख़र्च, गाड़ी भाड़ा आदि।

मसारिफ़े बेजा (مصارف بیجا) अ फा पु —अनुचित व्यय, ग़लत ख़र्च।

मसारिफ़े सफ़र (مصارف سفر) अ पु —यात्रा-व्यय, सफ़र का ख़र्च, मार्ग-व्यय।

मसालिक (مسالک) अ पु —'मस्लक' का बहु, रास्ते, मार्ग, पथ।

मसालेह (مصالح) अ पु —'मस्लहत' का बहु, दूरअंदेशियां।

मसावीक (مساویک) अ पु —'मिस्वाक' का बहु, दांत साफ़ करने की मिस्वाकें, दातून, दतधावन।

मसास (مساس) अ पु —मैथुन के समय स्त्री के अंगों का मर्दन, दे 'मिसास', शुद्ध वही है, परंतु उर्दू में 'मसास' ही है।

मसीर (مسیر) अ पु —गमन, जाना।

मसीर (مصیر) अ पु —लौटना, प्रत्यागमन, लौटने का स्थान।

मसील (مثیل) अ वि —समान, तुल्य, सदृश, मिस्ल।

मसीह (مسیح) अ पु —हज़रत ईसा ख्रीष्ट।

मसीहनफ़स (مسیح نفس) अ पु —वह व्यक्ति जिसकी फूंक में हज़रत ईसा की फूंक का गुण हो, जो मुर्दों को जिला सकता हो।

मसीहा (مسیحا) अ पु —दे. 'मसीह'।

मसीहाई (مسیحائی) अ वि —ईसा का काम करना, अर्थात् मुर्दे जिलाना, उदा —"तू जो चाहे तो मरीज़े ग़मे उल्फ़त बच जाय तेरी रहमत में निहांशाने मसीहाई है।"

मसीहादम (مسیحادم) अ फा वि —दे 'मसीहनफ़स'।

मसीहानफ़स (مسیحانفس) अ वि —दे 'मसीहनफ़स'।

मसीहासिफ़त (مسیحاصفت) अ वि —मसीह के गुण रखनेवाला, मुर्दे जिलानेवाला।

मसीहाख़िसाल (مسیحاخصال) अ फा वि —दे 'मसीहासिफ़त', [illegible] आदि।

मसीही (مسیحی) अ वि —हज़रत मसीह को माननेवाला, [illegible], क्रिस्टीय।

[illegible] (مسیر) अ वि —[illegible], [illegible]।

[illegible] (مسئلہ) अ पु —[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible]।

[illegible] (مسئلت) अ स्त्री —[illegible] [illegible] [illegible]।

मसऊद (مسعود) अ वि —इष्ट, कल्याणकर, शुभ, नेक, मुबारक।

मसऊन (مصئون) अ वि —दे शुद्ध उच्चारण 'मसून', यह उच्चारण अशुद्ध है।

मसऊल (مسئول) अ वि —जो पूछा जाय, जिससे जवाब लिया जाय, जवाबदेह, जिम्मादार उत्तरदायी।

मस्क (مسکہ) फा पु —मक्खन, नवनीत, क्षीरसार।

मस्क़त (مسقط) अ पु —अरब की एक ख़ुद मुख़्तार छोटी-सी रियासत, उस रियासत की राजधानी।

मस्कन (مسکن) अ पु —रहने का स्थान, घर, गृह, मकान।

मस्कनत (مسکنت) अ स्त्री —नम्रता, विनय, विनीति, आजिज़ी, निर्धनता, दरिद्रता, कंगाली।

मस्क़ित (مسقط) अ पु —गिरने का स्थान।

मस्क़ितुर्रास (مسقط الراس) अ पु —सर गिरने का स्थान, चूंकि जन्म लेते समय पहले सर ज़मीन पर आता है, इसलिए पैदा होने के स्थान को कहते हैं, जन्मभूमि।

मस्कूक (مسکوک) अ वि —ठप्पा लगाया हुआ, टकसाल में गढ़ा हुआ, टकसाल में बनाया हुआ।

मस्कून: (مسکونہ) अ वि —जिसमें रहाइश हो, आबाद।

मस्कून (مسکون) अ वि —आबाद, बसित।

मस्कूल (مصقول) अ वि —सैकल किया हुआ, मांजा हुआ, उज्ज्वल, चमकदार, प्रकाशमान्, रौशन।

मस्ख़ (مسخ) अ वि —विकार, अच्छी से बुरी सूरत हो जाना, विकृत, बिगड़े हुए रूपवाला।

मस्ख़र: (مسخرہ) अ पु —हंसोड़, हंसी ठट्ठेवाला आदमी, भांड, नक़्लें करनेवाला, नक़्क़ाल, विदूषक।

मस्ख़रगी (مسخرگی) अ. फा स्त्री —हंसी ठट्ठा, मस्ख़रापन, विदूषकता।

मस्ख़शुद: (مسخ شدہ) अ फा वि —विकृत, रूपांतरित, रूपभ्रष्ट, जो बिगड़कर कुछ का कुछ हो गया हो।

मस्जिद (مسجد) अ स्त्री —नमाज़ पढ़ने की जगह मसीत।

मस्जिदे जामे' (مسجد جامع) अ स्त्री —वह मस्जिद जिसमें शुक्रवार की बड़ी नमाज़ होती है, बड़ी मसीत।

मस्जूद (مسجود) अ वि —जिसको सज्दा किया जाय, जिसके लिए पूजा में सर झुकाया जाय, ईश्वर।

मस्जूदे मलाइक (مسجود ملائک) अ वि —'हज़रते आदम' जिनको फ़रिश्तों ने सज्दा किया था।

मस्त (مست) फा वि —नशे में चूर, मदोन्मत्त, उन्मत्त, मतवाला, कामातुर, कुत्सहवस, [illegible], [illegible], बेख़बर, [illegible] [illegible] अधिक प्रसन्न, मौजवाला, बेपर्वा, निस्पृह।

मस्तगी (مصطکی) फा स्त्री—एक वृक्ष का गोद, अरबी शब्द 'मुस्तका' है।

मस्तबः (مسطبہ-مصطبہ) अ पु—मधुशाला, मदिरालय, शरावखाना, दे 'मिस्तव', दोनों शुद्ध हैं।

मस्तानः (مستانہ) फा वि—मस्तो की तरह, मस्तो-जैसा, मस्त, मत्त।

मस्ती (مستی) फा स्त्री—उन्माद, नशा, काम-वेग, जोशे शहवत, निश्चेष्टता, बेखबरी, ईश्वर-प्रेम का आधिक्य, वेखुदी।

मस्तूरः (مستورہ) अ वि—छिपी हुई वस्तु।

मस्तूर (مستور) अ वि—छिपा हुआ, गुप्त, पोशीदा।

मस्तूर (مسطور) अ वि—लिखा हुआ, लिखित।

मस्तूरात (مستورات) अ स्त्री—'मस्तूर' का बहु, महिलाएँ, स्त्रियाँ।

मस्तूरी (مستوری) अ वि—छिपाव, दुराव, पोशीदगी।

मस्तूल (مستول) फा पु—जहाज का वह लवा खभा जिसमे वादबान (मस्त्पट, झडा) बाँधा जाता है।

मस्ते अलस्त (مست الست) फा अ वि—जो प्रकृति से मस्त हो, जो हर समय मस्त रहता हो, वह मस्त जो ब्रह्मलीन हो।

मस्ते मै (مست مے) फा वि—शराब के नशे में चूर, मदिरामत्त, मदोन्मत्त।

मस्ते राह (مست راح) फा अ वि—शराब के नशे मे मस्त, मदोन्मत्त।

मस्ते शबाब (مست شباب) फा अ वि—जवानी के नशे मे चूर।

मस्ते शराब (مست شراب) फा अ वि—दे 'मस्ते मै'।

मस्दर (مصدر) अ पु—उद्गम, उत्पत्तिस्थान; वह शब्द जिससे क्रियाएँ और कर्ता, धातु-कर्म आदि बनते है।

मस्दरे ग़ैरवज़्ई (مصدر غیروضعی) अ पु—वह मस्दर जो किसी दूसरी भाषा के शब्द से बनाया जाय, जैसे—'आजमाना'।

मस्दरे मुतअद्दी (مصدر متعدی) अ पु—वह मस्दर जिससे सकर्मक क्रियाएँ बनें।

मस्दरे लाजिम (مصدر لازم) अ पु—वह मस्दर जिसकी क्रियाएँ अकर्मक हो।

मस्दरे वज़्ई (مصدر وضعی) अ पु—वह मस्दर जो उसी भाषा का हो।

मस्दूद (مسدود) अ वि—रोका हुआ, बद किया हुआ अव-रुद्ध, तिरुद्ध।

मस्नद (مسند) अ पु—तकिया लगाकर बैठने की जगह, वह फर्श जिस पर प्रतिष्ठित जन बैठते है, बडा तकिया।

मस्नदआरा (مسندآرا) अ फा वि—मस्नद की शोभा बढानेवाला, अर्थात् मस्नद पर बैठनेवाला।

मस्नदनशीं (مسندنشیں) अ फा वि—मस्नद पर बैठने-वाला, गद्दीनशीन, तख्तनशीन।

मस्नदनशीनी (مسندنشینی) अ फा स्त्री—मस्नद पर बैठना, किसी साधु या फकीर की गद्दी पर बैठना, राजसिंहासन पर बैठना।

मस्नवी (مثنوی) अ स्त्री—उर्दू पद्य की एक किस्म, जिसमें कोई कहानी या उपदेश एक ही वृत्त में होता है और उसका हर शे'र दूसरे शे'र से रदीफ क़ाफिए में नही मिलता, और हर शे'र के दोनो मिस्रे सानुप्रास होते है।

मस्नूअ॰ (مصنوعہ) अ वि—बनी हुई वस्तु, कारीगर के हाथ की बनी हुई वस्तु।

मस्नूअ (مصنوع) अ वि—बना हुआ, निर्मित।

मस्नूआत (مصنوعات) अ स्त्री—किसी देश या स्थान की बनी हुई चीजे, वे चीजे जो किसी देश विशेष की कारीगरी हो।

मस्नूई (مصنوعی) अ वि—कृत्रिम, बनावटी, मिथ्या, झूठा, अप्राकृतिक, अस्वाभाविक, अननेचुरल।

मस्फूफ़ (مسفوف) अ वि—चूर्णित, पिसा हुआ।

मस्बूक़ (مسبوق) अ वि—पहले गुज़रा हुआ, पहले आया हुआ।

मस्बूकुज़्ज़िक्र (مسبوق الذکر) अ वि—जिसकी चर्चा पहले हो चुकी हो, पूर्वकथित, पूर्वोक्त।

मस्बूग़ (مصبوغ) अ वि—रँगा हुआ, रगीन, रजित।

मस्मूअ (مسموع) अ वि—सुना हुआ, श्रुत।

मस्मूम (مسموم) अ वि—जहर मिला हुआ, जहरीला, विषाक्त।

मस्रिफ़ (مصرف) अ पु—व्यय करने की जगह, प्रयोजन, इस्तेमाल।

मस्रूअ (مصروع) अ वि—जिसे मिरगी की बीमारी हो, अपस्मारी।

मस्रूक़ः (مسروقہ) अ वि—चुराया हुआ, चोरी का।

मस्रूक़ (مسروق) अ वि—चुराया हुआ, चोरी किया हुआ।

मस्रूफ़ (مصروف) अ वि—काम मे लगा हुआ, निरत, प्रवृत्त, सलग्न, मश्गूल, जिसे फुर्सत न हो, अवकाशहीन, अदीमुल फुर्सत।

मस्रूफ़ियत (مصروفیت) अ स्त्री—सलग्नता, मश्गूली, अवकाशहीनता, अदीमुल फुर्सती।

मस्रूर (مسرور) अ वि—प्रसन्न प्रफुल्ल, हर्षित, आनदित,

खुश, उल्लसित, उदा०—"किसी का सामने आना मेरा मसरूर हो जाना, निगाहे मस्त का मिलना मेरा मखमूर हो जाना।"

मस्लक (مسلک) अ पु —पथ, रास्ता, पथ, मत, अकीदा, पद्धति, तरीका।

मस्लख़ (مسلخ) अ पु —जहाँ पशुओ का वध करके उनकी खाल उतारी जाती है, कमेला, बूचड़खाना।

मस्लहत (مصلحت) अ स्त्री —परामर्श, सलाह, भेद, राज़, हित, भलाई, अपने बनाव या बिगाड का ध्यान रखते हुए कोई काम करना।

मस्लहतअंदेश (مصلحت اندیش) अ फा वि —भला-बुरा सोचकर काम करनेवाला।

मस्लहतआमेज़ (مصلحت آمیز) अ फा वि —जिसमें कोई मस्लहत हो।

मस्लहतख़्वाह (مصلحت خواہ) अ फा वि —दे 'मस्लहत-पसंद'।

मस्लहतन (مصلحتاً) अ वि —मस्लहत से, कारणवश।

मस्लहतपसंद (مصلحت پسند) अ फा वि —शातिप्रिय, सुलहजू, शुभेच्छु, खैरख्वाह, अच्छा-बुरा समझकर काम करनेवाला।

मस्लहतबीं (مصلحت بیں) अ फा. वि —दे 'मस्लहत-अंदेश'।

मस्लहतबीनी (مصلحت بینی) अ फा स्त्री —बुरा-भला समझकर काम करना।

मस्लहते वक्त (مصلحت وقت) अ स्त्री —समय की पुकार।

मस्लूक (مسلوک) अ वि —जिसके साथ उपकार किया जाय, गया हुआ।

मस्लूब (مصلوب) अ वि —जिसे सूली पर चढाया गया हो।

मस्लूब (مسلوب) अ वि —जो सल्ब कर लिया गया हो, जो छीन लिया गया हो, हृत, विनष्ट।

मस्लूबुलअक्ल (مسلوب العقل) अ वि —जिसकी बुद्धि नष्ट हो गयी हो, हतबुद्धि।

मस्लूबुलहवास (مسلوب الحواس) अ वि —जिसके होशो-हवास सल्ब हो गये हों, हतसंज्ञ।

मस्लूल (مسلول) अ वि —जिसे सिल की बीमारी हो, जिसके फेफडा से खून आता हो, रक्तकाशी।

मस्साह (مساح) अ वि —पैमाइश करनेवाला।

मसूह (مسح) अ पु —वज़ू के समय सर पर गीला हाथ फेरना।

मसूहूक (مسحوق) अ वि —पिसा हुआ, रगडा हुआ।

मसूहूब (مصحوب) अ वि —साथी, हमराही।

मसूहूर (مسحور) अ वि —जिस पर जादू किया गया हो, मंत्रमुग्ध।

मह (مہ) फा पु —'माह' का लघु, चंद्र, सोम, चाँद।

महक [क्क] (محک) अ स्त्री —कसौटी का पत्थर, कसौटी, निकष, कसवटी।

महताब (مہتاب) फा पु —'माहताब' का लघु, चंद्रमा, चाद, कौमुदी, चादनी।

महताबी (مہتابی) फा वि —एक प्रकार की आतशबाजी, जिसे छुटाने से चाँदनी-सी छिटक जाती है, जरबफ्त, बादला, कमखाब, जरी, वह अड्डा जिसे कोठे की सीढियों के ऊपर बनाते हैं।

महफ़्फ़ (محفہ) अ पु —दे 'मुहाफ'।

महब्बत (محبت) अ स्त्री —प्रेम, स्नेह, प्यार, इश्क, मित्रता, मैत्री, दोस्ती, यारी, ममता, मामता, माँ-बाप का प्यार, कृपा, दया, मेहरबानी।

महब्बतआमेज (محبت آمیز) अ फा वि —जिससे प्रेम टपकता हो, प्रेमपूर्ण।

महब्बतनाम (محبت نامہ) अ फा पु —प्रेमपत्र आशिकाना खत, कृपापत्र, नवाजिशनामा।

महम [म्म], मुहिम (مہم) अ पु —चिंता, फिक्र, बड़ा और महत्त्वपूर्ण काम।

महमाअम्कन (مہما امکن) अ वा —जब तक हो सके, जहाँ तक मुम्किन हो।

महल [ल्ल] (محل) अ पु —मकान, घर, स्थान, जगह, अवसर, मौका, प्रासाद, हवेली, बीवी, पत्नी।

महलसरा (محل سرا) अ फा पु —अंत पुर, रनवास बडे लोगो का जनानखाना।

महल्ल (محلہ) अ पु —नगर का एक भाग, टोला।

महल्लःदार (محلہ دار) अ फा पु —महल्ले का चौधरी या मुखिया।

महल्लात (محلات) अ पु —'महल' का बहु, अवसर मौके, बडे लोगो की स्त्रियाँ हरम।

महल्ले ख़तर (محل خطر) अ पु —जानजोखिम का स्थान खतरे की जगह।

महल्ले नज़र (محل نظر) अ पु —शक या एतिराज का स्थान, जहाँ कोई शका या आपत्ति उत्पन्न हो।

महवश (مہوش) फा वि —चाँद-जैसी आभा और आकृति वाला (वाली)

महाकिम (محاکم) अ पु —'मह्कम' का बहु, महकमे, विभाग।

महाज (محاذ) अ पु —मुकाबले या लडाई का स्थान।

महाज़े जंग (محاذ جنگ) अ फा पु —युद्ध-क्षेत्र, रणभूमि, रणस्थल, मैदाने जंग।

महाफिल (محافل) अ पु –'महफ़िल' का बहु, गोष्ठियाँ, सभाएँ।
महाब (مہاب) अ.पु –भय का स्थान, डरावनी जगह।
महाबत (مہابت) अ स्त्री –आतक, रोब, भय, त्रास, डर, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।
महाम [म्म], मुहाम (مہام) अ पु –'महम' का बहु, बडे और महत्त्वपूर्ण काम।
महामिद (محامد) अ पु –'मह्मदत' का बहु, कीर्तियाँ, गुणसमूह।
महार (مہار) फा स्त्री –ऊँट की नकेल, दे 'मिहार', दोनो शुद्ध हैं।
महारत (مہارت) अ स्त्री –निपुणता, चतुरता, काबिलीयत, अभ्यास, मश्क, हस्त-कौशल, चाबुकदस्ती, उस्तादी, कारीगरी।
महारिम (محارم) अ पु –'मह्रम' का बहु, राजदार लोग।
महारीब (محاریب) अ स्त्री –'मेह्राब' का बहु, 'मेह्राबें'।
महाल. (محالہ) अ पु –उपाय, यत्न, तद्बीर।
महाल [ल्ल] (محال) अ पु –'महल' का बहु, जगहें, स्थान।
महाल (مہال) अ वि –भयानक, भीषण, ख़ौफ़नाक।
महालिक (مہالک) अ पु –'मह्लक' का बहु, जान-जोखिम के स्थान।
महासिन (محاسن) अ पु –'हुस्न' का बहु, अच्छाइयाँ, डाढी, श्मश्रू।
महासिल (محاصل) अ पु –आय, आमदनी, राजस्व, मालगुज़ारी, भूमिकर, लगान।
महासिले ख़ाम (محاصل خام) अ फा पु –कच्ची निकासी, गाँव की कुल आमदनी जिसमें मालगुज़ारी और नफ़ा' सब शामिल हो।
महीज़ (محیض) अ स्त्री –स्त्री के रजस्वला होने की दशा, हालते हैज़।
महीनः (مہینہ) फा पु –'माहीन' का लघु, साल का १२ वाँ अंश, मास।
महीन (مہین) अ वि –बोदा, कमज़ोर, जीर्ण, क्षीण, तुच्छ, हकीर।
महीब (مہیب) अ वि –भीषण, भयानक, कराल, विकट, डरावना, जिसे देखकर डर लगे।
महीबशक्ल (مہیب شکل) अ वि –दे 'मुहीबुश्शक्ल'।
महीबसूरत (مہیب صورت) अ वि –दे 'महीबुश्शक्ल'।
महीबुलऐन (مہیب العین) अ वि –जिसकी आँखें ख़ौफ़नाक हों, विकटाक्ष, भीषणनेत्र।
महीबुलक़ामः (مہیب القامہ) अ वि –दे 'महीबुल जुस्स'।
महीबुलजुस्सः (مہیب الجثہ) अ वि.–जिसका डीलडौल भयानक हो, भीमकाय।
महीबुलवज्ह (مہیب الوجہ) अ वि –दे 'महीबुश्शक्ल'।
महीबुश्शक्ल (مہیب الشکل) अ वि –जिसकी सूरत डरावनी हो, विकट मूर्ति, विकटानन।
महीबुस्सूरत (مہیب الصورت) अ वि –दे 'महीबुश्शक्ल'।
महीबुस्सौत (مہیب الصوت) अ वि –जिसकी आवाज़ भयानक हो, भैरव।
महील (مہیل) अ वि –भय का स्थान, ख़ौफ़ की जगह।
मह्कमः (محکمہ) अ पु –कचहरी, अदालत, न्यायालय, विभाग, सीगा, डिपार्टमेंट।
मह्कम.जात (محکمہ جات) अ फा पु –बहुत से मह्कमे, अन्य विभाग।
मह्कमए आबकारी (محکمۂ آبکاری) अ फा पु –मादक-विभाग।
मह्कमए आबपाशी (محکمۂ آبپاشی) अ फा पु –सिंचन-विभाग, सिंचाई-विभाग।
मह्कमए आबादकारी (محکمۂ آبادکاری) अ फा पु –पुनर्वास-विभाग।
मह्कमए इंसाफ़ (محکمۂ انصاف) अ पु –न्याय-विभाग।
मह्कमए क़ज़ा (محکمۂ قضا) अ पु न्याय-विभाग।
मह्कमए क़ानून (محکمۂ قانون) अ पु –न्याय-विभाग।
मह्कमए ज़िराअत (محکمۂ زراعت) अ पु –कृषि-विभाग।
मह्कमए ता'मीर (محکمۂ تعمیر) अ पु –निर्माण-विभाग।
मह्कमए ता'लीम (محکمۂ تعلیم) अ पु –शिक्षा-विभाग।
मह्कमए तौसीए तालीम (محکمۂ توسیع تعلیم) अ पु –शिक्षा-प्रसार-विभाग।
मह्कमए दिफ़ाअ (محکمۂ دفاع) अ पु –रक्षा-विभाग।
मह्कमए नश्रोइशाअत (محکمۂ نشرواشاعت) अ पु –प्रचार-विभाग।
मह्कमए फ़ौज (محکمۂ فوج) अ पु –सैन्य-विभाग।
मह्कमए माल (محکمۂ مال) अ पु –राजस्व-विभाग, अर्थ-विभाग।
मह्कमए मेहनत (محکمۂ محنت) अ पु –श्रम-विभाग।
मह्कमए सन्अतोहिर्फ़त (محکمۂ صنعت وحرفت) अ पु –उद्योग तथा शिल्प-विभाग।

महक्मए सेहत (محكمهٔ صحت) अ पु —स्वास्थ्य-विभाग।

महक्मए हिफ़्ज़ानेसेहत (محكمهٔ حفظان صحت) अ.पु —स्वास्थ्य-विभाग, स्वास्थ्य-रक्षा-विभाग।

महकूक (محكوک) अ वि —छीला हुआ, कटा-फटा।

महकूम (محكوم) अ वि —वशीभूत, अधीन, जेरहुक्म; प्रजा, रिआया, दास, गुलाम।

महकूमी (محكومی) अ स्त्री —दासता, गुलामी; पराधीनता, नामुख्तारी।

महज (محض) अ वि —केवल, सिर्फ, निर्मल, खालिस।

महज़र (محضر) अ पु —उपस्थित होने का स्थान, दे 'महज़रनाम'।

महज़रनामः (محضرنامه) अ फा पु —वह प्रार्थनापत्र जो बहुत-से आदमियों की ओर से दिया जाय, वह प्रमाणपत्र जिस पर बहुत-से व्यक्तियों के तस्दीकी हस्ताक्षर हों।

महज़ूँ (محزوں) अ वि —शोकान्वित, गमगीन; कष्टग्रस्त, तक्लीफज़द।

महज़ूज़ (محظوظ) अ वि —हर्षित, आनंदित, प्रसन्न, खुश।

महज़ून (محزون) अ वि —दे 'महज़ूँ'।

महज़ूनी (محزونی) अ स्त्री —शोक, गम, दुःख, तक्लीफ।

महज़ूफ (محذوف) अ. वि —वह अक्षर जो लुप्त हो; वह शब्द जो लुप्त हो।

महजूब (محجوب) अ वि —लज्जित, शर्मिंदा।

महज़ूम (مہزوم) अ वि —पराजित, परास्त, हारा हुआ।

महज़ूम (مہضوم) अ. वि —पचित, जो हज़्म हो गया हो।

महजूर (مہجور) अ वि —विरहग्रस्त, वियोगी, फिराकज़द।

महजूरी (مہجوری) अ स्त्री —विरह, वियोग, जुदाई, फिराक।

महज़ूल (مہزول) अ वि —दुबला-पतला, क्षीण, जीर्ण।

महद (مہد) अ पु —हिंडोला, पालना, गहवार।

महदी (مہدی) अ वि —दीक्षित, जिसे हिदायत मिली हो, धर्मनेता, हादी, शीआ सम्प्रदाय के १२ वें इमाम जिनके प्रति उनका विश्वास है कि वह कियामत के करीब फिर आस्मान से आयेंगे।

महदूद (محدود) अ वि —सीमित, हद के भीतर, कतिपय, थोड़े, चंद, घिरा हुआ।

महदूम (مہدوم) अ वि —ध्वस्त, नष्ट, मुन्हदिम।

महदे उल्या (مہد علیا) अ स्त्री.—बादशाह, राजा या नवाब आदि की वह पत्नी जो युवराज की माँ हो।

महफ़िज़ः (محفظه) अ पु.—याददाश्त की कापी, नोटबुक।

महफ़िल (محفل) अ स्त्री —सभा, गोष्ठी, मज्लिस, जल्सा।

महफ़िले रक़्स (محفل رقص) अ स्त्री —नाच-गाने का जल्सा।

महफ़िले वा'ज़ (محفل وعظ) अ. स्त्री.—धर्मोपदेश की सभा।

महफ़िले शे'र (محفل شعر) अ स्त्री —शे'रो शाइरी का जल्सा, कवि-गोष्ठी।

महफ़ूज़ (محفوظ) अ वि.—निरापद, सहीह-सलामत, आवश्यकता के लिए बचाकर रखी हुई चीज, सुरक्षित; कंठ, मुखाग्र, बरज़बाँ।

महबस (محبس) अ पु —कारागार, कैदखाना, जेल।

महबित (مہبط) अ पु —जिस जगह कोई बड़ा व्यक्ति उतरता हो अर्थात् ठहरता हो।

महबिल (مہبل) अ स्त्री —भग का मुँह, योनिद्वार, योनिमुख।

महबूबः (محبوبه) अ स्त्री —प्रेयसी, प्रेमिका, मा'शूक।

महबूब (محبوب) अ. पु —प्रेमपात्र, मा'शूक, बहुत अधिक प्यारा, अज़ीज़तरीन।

महबूबी (محبوبی) अ. वि —मा'शूकपन, मा'शूकियत।

महबूस (محبوس) अ वि —कैद में पड़ा हुआ, कारावासी, बंदी।

महमिदत (محمدت) अ स्त्री —गुण-गाथा, कीर्ति-वर्णन, यशोगान, प्रशंसा, सिताइश।

महमिल (محمل) अ पु —ऊँट पर बाँधने का कजावा जिसमें स्त्रियाँ बैठती हैं।

महमिलनशीं (محمل نشیں) अ फा वि —महमिल में बैठनेवाली, अर्थात् मजनूँ की प्रेमिका, लैला।

महमूज़ (مہموز) अ वि —विकृत, दूषित, नाकिस, अरबी का वह शब्द जिसके अक्षरों में से एक अक्षर अलिफ हो।

महमूदः (محموده) अ स्त्री —प्रशंसिता, जिसकी तारीफ की गयी हो, सुकमूनिया, एक दवा।

महमूद (محمود) अ वि —प्रशंसित, जिसकी तारीफ हो, श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा, शुभ, इष्ट, मुबारक।

महमूदी (محمودی) अ स्त्री —एक प्रकार की बारीक मलमल, महमूद सम्बन्धी।

महमूम (محموم) अ वि —जिसे बुखार हो, ज्वरित, जिसका शरीर गर्म हो।

महमूम (مہموم) अ वि —दुःखित, शोकान्वित, संतप्त, गमगीन।

महमूलः (محموله) अ वि —लादी गयी वस्तु, कल्पना की हुई बात, कल्पित बात।

महमूल (محمول) अ वि—जो लादा गया हो; जिसकी कल्पना की गयी हो।

मह्र (مہر) फा पु—वह रकम जो निकाह के समय दुल्हन को दिये जाने के लिए तै होती है।

मह्रम (محرم) अ पु—भेद जाननेवाला, राज़दार, मित्र, दोस्त, परिचित, जान-पहचान का, वह व्यक्ति जिससे विवाह जाइज़ न हो।

मह्रमे राज़ (محرم راز) अ फा पु—भेद जाननेवाला, मर्मज्ञ।

महरुख़ (مہرخ) फा वि—चांद-जैसी सूरतवाला (वाली), चन्द्रमुखी, अर्थात् नायिका।

महरू (مہرو) फा वि—दे 'महरुख़'।

मह्रूक़ (محروق) अ वि—जला हुआ, दग्ध।

मह्रूम (محروم) अ वि—सम्बन्धित, जिसे न मिला हो, निराश नाउम्मेद, अभागा, वदकिस्मत, असफल, ना-कामयाव।

मह्रूमियत (محرومیت) अ स्त्री—दे 'मह्रूमी'।

मह्रूमी (محرومی) अ वि—दुर्भाग्य, वदकिस्मती, निराशा, नाउम्मेदी, असफलता, नाकामी, वंचित रहना, न पाना, प्राप्त न होना, उदा०—"किससे मह्रूमीए किस्मत की शिकायत कीजे, हमने चाहा था कि मर जायें सो वो भी न हुआ।"—गालिव।

मह्रूर (محرور) अ वि—तप्त, तपा हुआ, गर्म, गर्म मिजाजवाला।

मह्रूरुलमिज़ाज (محرورالمزاج) अ वि—जिसके स्वभाव म क्रोध अधिक हो, जिसे क्रोध जल्दी आता हो।

मह्रूस (محروسة) अ वि—अधीन वस्तु, वह वस्तु या देश आदि जो किसी की निगरानी या नियंत्रण मे हो।

मह्रूस (محروس) अ वि—नियन्त्रित, ज़ेरे निगरानी, कंट्रोल में आया हुआ।

मह्लक (مہلکہ) अ पु—जान जोखिम का स्थान, जान जोखिम।

मह्लूल (محلول) अ वि—घुला हुआ, हल किया हुआ, विलीन।

मह्व (محو) अ वि—मिटाना, हटाना, तन्मय, तल्लीन, मुस्तग्रक।

मह्वियत (محویت) अ स्त्री—तल्लीनता, इनहिमाक, ब्रह्मलीनता, खुदा में इस्तिग्राक।

मह्वीयत (محویت) अ स्त्री—दे 'मह्वियत'।

मह्वीयते हक़ (محویت حق) अ स्त्री—खुदा मे तन, मन और धन से मह्वियत, ब्रह्मलीनता।

मह्वेज़ात (محوذات) अ वि—जो ईश्वर में लीन हो, ब्रह्मलीन।

मह्वे दीदार (محودیدار) अ फा वि—जो प्रेमिका के दर्शन में तल्लीन हो।

मह्वे नज़्ज़ारः (محونظارہ) अ वि—दे 'मह्वे दीदार'।

मह्वे हक़ (محوحق) अ वि—दे 'मह्वे ज़ात'।

मह्शर (محشر) अ पु—महाप्रलय, कियामत, कियामत का दिन, कियामत का मैदान।

मह्शरअंगेज़ (محشرانگیز) अ फा वि—क़ियामत उठानेवाला।

मह्शरख़िराम (محشرخرام) अ फा वि—जो अपनी चाल से दुनिया मे कियामत मचा दे।

मह्शरख़िरामी (محشرخرامی) अ फा स्त्री—ऐसी चाल जिससे कियामत आ जाय।

मह्शरज़ा (محشرزا) अ फा वि—दे 'मह्शरअंगेज़'।

मह्शरिस्तान (محشرستان) अ फा पु—कियामत का मैदान।

मह्शूर (محشور) अ वि—कियामत के दिन उठाया गया, जो कियामत के दिन ज़िंदा किया जाय।

मह्सूद (محسود) अ वि—जो लोगो की हसद का निशाना हो, जिससे लोग ईर्ष्या करें, ईर्षित।

मह्सूब (محسوب) अ वि—हिसाव में जोड़ा हुआ, हिसाब में से मिनहा किया हुआ।

मह्सूर (محصور) अ वि—घिरा हुआ, घेरे मे आया हुआ, दुश्मन के घेरे मे आया हुआ।

मह्सूल (محصول) अ पु—वह रकम जो माल भेजने या मँगाने में उसकी मजदूरी में दी जाय, किराया, भाड़ा।

मह्सूली (محصولی) अ वि—वह भूमि जिस पर लगान देना पड़ता हो, वह चीज जिस पर महसूल (टैक्स) लगे।

मह्सूस (محسوس) अ वि—वह चीज जो इंद्रियो द्वारा जानी जाय, अनुभूत, ज्ञात, मा'लूम, स्पष्ट, प्रकट, ज़ाहिर।

मह्सूसात (محسوسات) अ पु—महसूस की हुई चीजें, अनुभूतियाँ।

मा

मा (ما) अ अव्य—नहीं, क्या, जोकि, इसके।

माँ (ماں) फा स्त्री—माता, अम्मा।

माँद (ماندہ) फा वि—शिथिल, क्लांत, श्रान्त, थका हुआ, वचा हुआ, छोड़ा हुआ, रहा हुआ, (प्रत्य)—रहा हुआ, छोटा हुआ।

माद (ماند) फा वि—रहा हुआ, वचा हुआ।

मांदगी (ماندگی) फा स्त्री—क्लाति, शिथिलता, थकावट, आलस्य, सुस्ती, रोग, वीमारी।

मावीवूद (ماندوبود) फा. स्त्री —रहने-सहने का ढंग, रहन-सहन।
मा (ماء) अ पु.—जल, पानी, अरक़।
माइद. (مائده) अ पु.—खानों से भरा हुआ स्थान।
माइल (مائل) अ वि—आकर्षित, सजूअ, प्रवृत्त, मुत-वज्जेह, आसक्त, आशिक़, झुकाव रखनेवाला, झुका हुआ, आमादा।
माइल ब उरूज (مائل به عروج) अ. फा वि—उन्नति की ओर आकृष्ट, धीरे-धीरे उन्नति और तरक्की करने-वाला।
माइल ब औज (مائل به اوج) अ. फा वि—ऊपर की ओर आकर्षित, धीरे-धीरे ऊपर की ओर चढनेवाला।
माइल ब करम (مائل به کرم) अ. फा वि—दया की ओर प्रवृत्त, मेहरबानी करनेपर आमादा।
माइल ब ज़र्दी (مائل به زردی) अ फा वि—कुछ-कुछ पीलापन लिये हुए।
माइल ब ज़वाल (مائل به زوال) अ फा वि—अवनति की ओर प्रवृत्त, पतनोन्मुख, नीचे को जाता हुआ।
माइल ब पस्ती (مائل به پستی) अ फा वि—दे 'माइल ब ज़वाल"।
माइल ब फ़ना (مائل به فنا) अ फा वि—नाश की ओर जानेवाला, विनाशोन्मुख।
माइल ब सफ़ेदी (مائل به سفیدی) अ फा वि—कुछ कुछ श्वेतता लिये हुए, हलकी सफ़ेदी लिये हुए।
माइल ब सब्ज़ी (مائل به سبزی) अ. फा वि—हलका हरा-पन लिये हुए, हरिताभ।
माइल ब सियाही (مائل به سیاهی) अ फा वि—हलका कालापन लिये हुए।
माइल ब सुर्ख़ी (مائل به سرخی) अ फा वि—हलकी लालिमा लिये हुए।
माई (مائی) अ वि—पानी का।
माईयत (مائیت) अ स्त्री—पानीपन, तरी।
माउलक़र्अ (ماء القرع) अ पु.—लौकी का पानी।
माउल्जुबन (ماء الجبن) अ पु—फटे हुए दूध का पानी, जो बीमारों को दिया जाता है।
माउल्लहम (ماء اللحم) अ पु—दवाओं में गोश्त डालकर खींचा हुआ एक पुष्टिकर अरक।
माउल्वर्द (ماء الورد) अ पु—गुलाब-जल, गुलाब का अरक़।
माउल्हयात (ماء الحیات) अ पु—अमृत-जल, अमृत, आबे-हयात, कीमियागरों की परिभाषा में घी, शहद और सुहागे का मिश्रण, जिसके द्वारा हरेक भस्म धातु फिर से जी उठती है।
माऊफ़ (ماؤف) अ वि—विकृत, दूषित, बिगड़ा हुआ।
माऊफ़ुद्दिमाग़ (ماؤف الدماغ) अ वि—विकृतमस्तिष्क, जिसके दिमाग में खलल हो।
माए (مائع) अ पु—हर बहनेवाला पदार्थ, द्रव, तरल।
माए जारी (ماء جاری) अ पु—बहता हुआ पानी, प्रवाहित जल, जैसे—नदी का पानी।
माए साकिन. (ماء ساکن) अ. पु—ठहरा हुआ पानी, स्थिर जल, जैसे—तालाब का जल।
माकदिर (ماکدر) अ वि—जो मैला हो, अस्वच्छ, अशुद्ध, मैला, गदला।
माक़ब्ल (ماقبل) अ वि—जो पहले हो, जो दूसरे से पहले हो, वह शब्द जो दूसरे शब्द से पहले हो।
माक़ब्लुज़्ज़िक्र (ماقبل الذکر) अ वि—वह, जिसकी चर्चा पहले हो चुकी हो, पूर्वकथित।
माकियान (ماکیان) फा स्त्री—कुक्कुटी, मुर्गी, कुक्कुट, मुर्गा।
माकिर (ماکر) अ वि—छल करनेवाला, छली।
माक़ूद (معقود) अ वि—ग्रथित, गाँठ लगा हुआ, विवाहित, व्याह किया हुआ।
मा'क़ूल (معقول) अ वि—उचित, मुनासिब, उत्तम, उम्दा, सभ्य, शिष्ट, शाइस्ता, शुद्ध।
माकूल (ماکول) अ वि—खाया हुआ, खायी हुई चीज, खाने की वस्तु, खाद्य-पदार्थ, ख़ुराक, गिज़ा।
मा'क़ूलात (معقولات) अ स्त्री—न्यायशास्त्र और विज्ञान की पुस्तकें अथवा कोर्स।
माकूलात (ماکولات) अ पु—खाने की चीजें, वह पदार्थ जो मनुष्य खाता है।
मा'क़ूली (معقولی) अ पु—न्यायशास्त्र का पंडित, नैयायिक।
मा'क़ूलीयत (معقولیت) अ स्त्री—औचित्य, वाजिबीयत, उत्तमता, उम्दगी, सज्जनता, शराफ़त।
मा'कूस (معکوس) अ वि—उलटा, औंधा, अधोमुख, विप-रीत, बरअक्स।
माख़ज़ (ماخذ) अ पु—लेने का स्थान, वह पुस्तक जिससे किसी लेख या पुस्तक में मवाद लिया जाय।
माख़ूज़ (ماخوذ) अ वि—लिया हुआ, गृहीत, पकड़ा हुआ, गिरिफ्तार।
माख़ूलिया (ماخولیا) अ पु—मालीख़ूलिया, अथवा माल्न-ख़ूलिया का लघु, मिराक़, ख़ब्त।
माचीन (ماچین) फा पु—चीन के दक्षिण और भारत के पूर्व में एक देश, इंडोचाइना, हिन्दचीन।

माजरा (ماجرا) अ. पु –हाल, वृत्तांत; घटना, वाकिआ।

माजराए दिल (ماجرائے دل) अ. फा पु –हृदय की व्यथा, प्रेम की कहानी।

माजिदः (ماجده) अ स्त्री –साध्वी, शुद्धचरित्रा, सदाचारिणी, बुज़ुर्ग स्त्री।

माजिद (ماجد) अ वि –पुनीत, अंत शुद्ध, पवित्रात्मा, बुज़ुर्ग।

माज़ियः (ماضیه) अ वि –गत, गुज़री हुई।

मा'ज़िरत (معذرت) अ स्त्री –उज़्र, विवशता, मजबूरी।

माज़ी (ماضی) अ पु –गुज़रा हुआ, विगत, भूतकाल, ज़मानए माज़ी।

माज़ी इस्तिम्रारी (ماضی استمراری) अ पु –वह माज़ी जिसमें काम का बराबर होना पाया जाय, जैसे—वह करता था।

माज़ी एह्तिमाली (ماضی احتمالی) अ पु –वह माज़ी जिसमें काम के होने में शंका पायी जाय, जैसे—किया होगा।

माज़ी क़रीब (ماضی قریب) अ पु –वह माज़ी जिसमें काम अभी ख़त्म होना पाया जाय, जैसे—किया है।

माज़ी तमन्नाई (ماضی تمنائی) अ पु –जिसमें किसी काम करने की इच्छा पायी जाय, जैसे—करता।

माज़ी नातमाम (ماضی ناتمام) अ फा पु –दे 'माज़ी इस्तिम्रारी'।

माज़ी बईद (ماضی بعید) अ पु –वह माज़ी जिसमें काम समाप्त हुए देर हो चुकी हो, जैसे—किया था।

माज़ी मा'तूफ़ (ماضی معطوفه) अ पु –वे दो माज़ियाँ जिनके बीच में और आये, जैसे—खाया और गया या खाकर गया।

माज़ी मुत्लक़ (ماضی مطلق) अ पु –आम माज़ी, सामान्य भूत, जैसे—किया, खाया आदि।

माज़ी शक्की (ماضی شکی) अ पु –दे 'माज़ी एह्तिमाली'।

माज़ी शर्ती (ماضی شرطی) अ पु –जिस माज़ी में शर्त पायी जाय, जैसे—अगर वह गया था, या है, या होता।

माज़ू (مازو) फा पु –एक गोल फल जो दवा में चलते हैं, माज़ूफल।

मा'जून (معجون) अ स्त्री –कुटी हुई दवाओं को शहद या शकर के क़िवाम मिलाकर बनाया हुआ अवलेह, इसके लिए यह आवश्यक नहीं है कि वह स्वादिष्ठ भी हो, जैसी जवारिश होती है।

मा'ज़ूर (معذور) अ वि –विवश, लाचार, अपाहज, चलने-फिरने में असमर्थ।

माजूर (ماجور) अ वि –जिसे किसी श्रम या सेवा का फल दिया गया हो, प्रतिफलित।

मा'ज़ूरुलख़िदमत (معذورالخدمت) अ. वि –जो सेवा करने के अयोग्य हो चुका हो, जिससे सेवा न हो सके।

मा'ज़ूल (معزول) अ वि –जो पद से हटा दिया गया हो, पदच्युत, अपदस्थ।

मा'ज़ूली (معزولی) अ. स्त्री –पद से हटाया जाना, पदच्युति।

मात (مات) अ पु –शब्दार्थ, 'मर गया', शत्रंज की बाज़ी की हार, हार, शिकस्त।

मातक़द्दम (ماتقدم) अ वि –वह चीज जो पहले हो चुकी हो।

मातम (ماتم) फा. पु –मरनेवाले का ग़म, मृत्यु-शोक।

मातमअंगेज़ (ماتم انگیز) फा वि –शोकजनक, ग़मअंगेज़।

मातमकदः (ماتم کده) फा पु –दे 'मातमख़ान'।

मातमख़ान (ماتم خانه) फा पु –जहाँ किसी मरनेवाले का शोक मनाया जा रहा हो, शोक-गृह।

मातमज़द. (ماتم زده) फा वि –जो किसी मरनेवाले का शोक मना रहा हो, शोकग्रस्त, शोकपीड़ित।

मातमदार (ماتم دار) फा वि –शोक मनानेवाला, शोकग्रस्त, शोकी, सोगवार।

मातमदारी (ماتم داری) फा स्त्री –मरनेवाले का शोक मनाना, शोक मनाने की दशा।

मातमनशीं (ماتم نشین) फा वि –जो किसी के शोक में बैठा हो, और कहीं आता-जाता न हो।

मातमपुर्सी (ماتم پرسی) फा स्त्री –किसी के मरने पर सहानुभूति प्रकट करने के लिए उसके घरवालो के पास जाना।

मातमसरा (ماتم سرا) फा. स्त्री –दे 'मातमख़ान'।

मातमी (ماتمی) फा वि –शोकसम्बन्धी, जैसे—मातमी लिबास, मातम करनेवाला, सोगवार, शोकी।

मातहत (ماتحت) अ पु –अधीन, आज्ञाधीन, ज़ेर हुक्म, सहायक, एसिस्टेंट, पराधीन, ग़ुलाम, अस्वतंत्र।

मा'तूफ़ (معطوف) अ वि –वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द के साथ मिलकर बोला जाय। जैसे—राम और लछमन, इसमें राम शब्द मातूफ़ है।

मा'तूफ़अलैह (معطوف علیه) अ वि –वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द के साथ मिलकर आये, जैसे—राम और लछमन, में लछमन।

मा'तूब (معتوب) अ वि –जिस पर कोप हो, कोप-भाजन, क्रोध-पात्र।

मातह्ती (ماتحتی) अ स्त्री –अधीनता, ज़ेरदस्ती, पराधीनता, अस्वतन्त्रता, ग़ुलामी।

माद (ماده) फा स्त्री –नर का उलटा, स्त्री प्राणी।

मादःर (مادرو) फा वि—वह व्यक्ति जिसके दाढ़ी-मूँछें न हों, लड़का, वह व्यक्ति जिसकी दाढ़ी-मूँछें मूड़ी गयी हों, ज़नाना, हिजड़ा।

मादए अस्प (مادۂ اسپ) फा स्त्री—घोड़ी, अश्विनी।

मादए आहू (مادۂ آہو) फा. स्त्री—हिरनी, मृगांगना, हरिणी।

मादए ख़र (مادۂ خر) फा. स्त्री—गधी, गर्दभी।

मादए ख़ूक (مادۂ خوک) फा स्त्री—सुअरनी, शूकरी, वराही।

मादए गाव (مادۂ گاو) फा. स्त्री—गौ, गाय।

मादए ताऊस (مادۂ طاؤس) फा स्त्री—मोरनी, मयूरी, शिखावली।

मादए फ़ील (مادۂ فیل) अ फा स्त्री—हथिनी, गजपत्नी, हस्तिनी, मनाका।

मादए शुतुर (مادۂ شتر) फा स्त्री—ऊँटनी, उष्ट्रिका, उष्ट्री।

मादए सग (مادۂ سگ) फा स्त्री—कुतिया, शुनी, कुक्कुरी।

मादरअंदर (مادراندر) फा स्त्री—उपमाता, सौतेली माँ।

मादर (مادر) फा स्त्री—माता, जननी, माँ, अम्माँ।

मादरज़न (مادرزن) फा स्त्री—सास, श्वश्रू।

मादरज़ाद (مادرزاد) फा वि—जन्मजात, पैदाइशी, जन्म का, जन्म से, जन्मजात, जैसे—'मादरज़ाद अंधा', नितांत, बिल्कुल, जैसे—'मादरज़ाद नंगा'।

मादर बख़ता (مادربخطا) फा वि—एक गाली, हरामी, दोगला।

मादराना (مادرانہ) फा अव्य—माता-जैसा, ममतापूर्वक; माँ का, माता का।

मादरी (مادری) फा. वि—माता-सम्बन्धी; माता का, पैदाइशी, जो माँ की गोद में पाया हो।

मादरे अल्लाती (مادر علاتی) फा अ स्त्री—सौतेली माँ, उपमाता।

मादरे गेती (مادرگیتی) फा स्त्री—मातृभूमि, प्यारी ज़मीन।

मादरे रिज़ाई (مادر رضائی) फा. स्त्री—दूध पिलानेवाली, धाय, धात्री।

मादरे वतन (مادر وطن) फा स्त्री—मातृभूमि, प्यारा वतन।

मादरे हक़ीक़ी (مادر حقیقی) फा स्त्री—असली माँ, मातृ, जननी, माता।

मादाम (مادام) अ वि—पाइंदा, सदा, हमेशा।

मादामुल्हयात (ماداالحیات) अ वि—ज़िंदगी भर, सारी उम्र, आजन्म, यावज्जीवन।

मा'दिन (معدن) अ पु—खनि, खान, कान।

मा'दिनी (معدنی) अ वि—खान से निकला हुआ, खनिज।

मा'दिनीयात (معدنیات) अ स्त्री—खान से निकली हुई चीज़ें, खनिज पदार्थ, खनिज विज्ञान, इल्मेजिमादात।

मा'दिल (معدل) अ पु—दे. 'मुअद्दिल'।

मा'दिलत (معدلت) अ स्त्री—न्याय, इन्साफ़।

मा'दिलतगुस्तर (معدلت‌گستر) अ. फा. वि—न्यायशील, न्यायनिष्ठ, मुंसिफ मिज़ाज।

मा'दिलतपर्वर (معدلت‌پرور) फा. वि—दे 'मा'दिलत गुस्तर'।

मा'दिलुन्नहार (معدل النہار) अ पु—दे शुद्ध शब्द 'मुअद्दिलुन्नहार', उर्दू में कुछ लोगों ने इसका यह उच्चारण अशुद्ध लिख दिया है।

मादिह (مادح) अ वि—प्रशंसक, श्लाघी, ता'रीफ करनेवाला, स्तुति-पाठक, हम्दोसना करनेवाला।

मादीन (مادین) फा स्त्री—मादा, स्त्री प्राणी।

मा'दूद (معدود) अ वि—कतिपय, थोड़े, चंद, इने-गिने।

मा'दूदे चंद (معدودے چند) अ फा वि—बहुत थोड़े, इने-गिने।

मादून (مادون) अ अव्य—अतिरिक्त, सिवाय, अलावा।

मा'दूम (معدوم) अ वि—नष्ट, विनष्ट, बरबाद, ग़ाएब, अंतर्धान, ग़ायब।

मा'दूमुलबसर (معدوم البصر) अ वि—नेत्रहीन, नष्ट दृष्टि, अंधा, नाबीना।

मा'दूमी (معدومی) अ वि—विनाश, तबाही, बरबादी।

माद्दः (مادہ) अ पु—वह मूल पदार्थ जिससे कोई चीज़ बने, योग्यता, पात्रता, सलाहियत; मूल, जड़, बुनियाद, विवेक, तमीज़, बोध, ज्ञान, समझ, पीप, मवाद, वे तत्त्व जिनसे मिलकर सृष्टि की रचना हुई है, प्रकृति, नेचर।

माद्द परस्त (مادہ‌پرست) अ फा वि—वस्तुवादी, नेचरी।

माद्दपरस्ती (مادہ‌پرستی) अ फा स्त्री—वस्तुवाद, प्रकृतिवाद, नेचरीयत।

माद्दए फ़ासिदः (مادۂ فاسدہ) अ पु—शरीर की दूषित धातु जो बीमारी पैदा करती है, फोड़े आदि का ख़राब मवाद।

माद्दए मनवीयः (مادۂ منویہ) अ पु—वीर्य, शुक्र, रेतस्, मनी।

माद्दए रदीयः (مادۂ ردیہ) अ पु—दे 'माद्दए फ़ासिद'।

माद्दी (مادی) अ वि—माद्दे से सम्बन्धित; माद्दे का; भौतिक, जो आत्मिक न हो।

माद्दियत (مادیت) अ स्त्री—माद्दे का भाव।

मानद (ماند) फा वि–शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'मानिंद' है, दे 'मानिंद'।

मा'नन (معناً) अ वि–अर्थ के विचार से, मतलब की रू से।

मा'नवी (معنوی) अ वि–अर्थवाला, अर्थ का, भीतरी, आतरिक, आभ्यन्तरिक।

मा'नवीयत (معنویت) अ स्त्री–अर्थ की गभीरता।

मा'ना (معنی) अ पु–अर्थ, मत्लव, आशय, मशा, कारण, सवव, अतर, वातिन, वहुवचन के अर्थ मे भी आता है।

माना (مانا) फा वि–समान, तुल्य, मिस्ल।

मानिंद (مانند) फा वि–समान, सदृश, तुल्य, मिस्ल।

मा'नी (معنی) अ पु–दे 'माना', परन्तु यह बहुवचन मे व्यवहृत नही है।

मानी (مانی) फा पु–एक वहुत ही प्रसिद्ध चित्रकार। यह ८३१ ई० मे वाविल (ईरान) मे पैदा हुआ। मदाइन में पढा, जवान होकर इसने नबी होने का दावा किया, जिससे लोग इसके दुश्मन हो गये और यह चीन और तुर्किस्तान की ओर चला गया। वीस साल के वाद वापस लौटा। ८८९ ई० मे जब इसकी आयु ५८ साल की थी, वहराम ने इसे मार डाला। इसने एक नया धर्म भी चलाया था और वहुत-सी पुस्तकें भी लिखी थी।

मा'नीआफ़्रीनी (معنی آفرینی) अ. फा स्त्री–काव्य मे अर्थ का चमत्कार दिखाना, कविता करना।

मानूस (مانوس) अ वि–हिला हुआ, जिसकी घवराहट दूर हो गयी हो, मुहव्वत करनेवाला।

माने' (مانع) अ वि–रोकनेवाला, निवारक, खलल डालनेवाला, वाधक, दख़्लअदाजी करनेवाला, हस्तक्षेपक।

माफ़ात (مافات) अ पु–जो जाता रहा हो, जो गुज़र चुका हो।

माफ़िज़्ज़मीर (مافی الضمیر) अ पु–मन की वात, जो कुछ दिल मे हो, आशय, मशा।

माफ़िज़्ज़ेह्‌न (مافی الذهن) अ पु–जो कुछ दिमाग मे हो, जो कुछ याद हो।

माफ़ीहा (مافیها) अ पु–जो कुछ उसम है, यह शब्द दुनिया के साथ आता है अर्थात् ससार और जो कुछ ससार के भीतर है वह सव।

माफ़ौक़ (مافوق) अ पु–ऊपर।

माफ़ौक़ज़्ज़िक्र (مافوق الذکر) अ पु–जिसका ज़िक्र पहले हो चुका है पूर्वकथित।

माफ़ौक़ुलआदत (مافوق العادت) अ पु–जो वात प्रकृति के ऊपर अर्थात् प्रकृति के विरुद्ध है, अप्राकृतिक, असभव।

माफ़ौक़ुलफ़ित्रत (مافوق الفطرت) अ पु–दे 'माफ़ौक़ुल-आदत'।

माफ़ौक़ुलबशर (مافوق البشر) अ पु–वह चीज जो मनुष्य की शक्ति के वाहर है।

मावका (ماىقا) अ पु–जो वाकी रह गया हो, वकाय, शेष।

मा'वद (معبد) अ पु–उपासना-गृह, इवादत-गाह।

मा'बर (معبر) अ पु–नदी आदि को पार करने का स्थान, घाट, तट।

मावा'द (مابعد) अ पु–जो पीछे आये, पीछेवाला, वाद का, पिछला।

मावा'दुत्तवीआत (مابعد الطبیعات) अ पु–वे वस्तुएँ जो प्राकृतिक वस्तुओ के अतिरिक्त है, ब्रह्मज्ञान आदि।

माविहिन्निज़ाअ (مابه النزاع) अ पु–वह वस्तु जो झगडे का कारण हो, जिसके विषय मे वाद-विवाद हो।

माविहिलइम्तियाज़ (مابه الامتیاز) अ पु–जो लक्षण या वात दो चीजो मे भेद वताये अर्थात् उनका फ़र्क़ वताये, चिह्न, निशान।

माविहिलएहतियाज (مابه الاحتیاج) अ पु–जिन वस्तुओ की आवश्यकता हो, जरूरी वाते।

मा'वूद (معبود) अ वि–जिसको पूजा जाय, ईश्वर।

मा'वूदियत (معبودیت) अ स्त्री–ईश्वरत्व।

मावून (مابون) अ वि–जिसे गुदादान का व्यसन हो, जिसे इगलाम कराने की लत हो, भवेसिया।

मावैन (مابین) अ पु–वीच मे, दरमियान मे, वीच, दरमियान।

मावैने तहक़ीक़ात (مابین تحقیقات) अ पु–जाँच के वीच मे, जाँच होते समय।

मावैने फ़रीक़ैन (مابین فریقین) अ पु–दोनो पक्षो के वीच मे।

मामज़ा (مامضی) अ वा–जो वीत गया, जो हो चुका, गुजरा हुआ, वीता हुआ, पहलेवाला।

मामन (مامن) अ पु–रक्षा का स्थान, वचाव की जगह, सहारे और आसरे का स्थान।

मामा (ماما) अ स्त्री–घर का कामकाज करनेवाली स्त्री, परिचारिका, दासी।

मामीरान (ماميران) फा पु–ममीरा, जो एक जड होती है और आखो की दवा मे पडती है।

मामीसा (ماميسا) अ स्त्री–एक वनस्पति जो दवा म चलती है, इस दवा का रुसारा या सत प्रयुक्त होता है।

मामून (مامون) अ वि –सुरक्षित, महफ़ूज, अम्न मे ।

मामूर. (معموره) अ पु –बस्ती, आबादी ।

मा'मूर (معمور) अ वि –बसा हुआ, आबाद, भरा हुआ, परिपूर्ण, लबरेज,, बद, मुकफ्फल, आदमियो से भरा हुआ खचाखच ।

मामूर (مامور) अ वि –जिसे आदेश दिया गया हो, आदेशित, जिसे कही मुकर्रर किया गया हो, नियुक्त ।

मामूर मिनल्लाह (مامورمن اللہ) अ पु –किसी विशेप काम के लिए ईश्वर की ओर से नियुक्त ।

मा'मूरी (معموری) अ स्त्री –भरा पूरा होना, आबाद होना, मकान का बद होना ।

मा'मूल. (معمولہ) अ वि –जो स्त्री अभिचार द्वारा बेसुध की जाय, रोज का काम ।

मा'मूल (معمول) अ वि –वह बात जो रोज की जाय, दस्तूर, नित्य नियम, वह व्यक्ति जिसे अभिचार द्वारा बेसुध किया जाय, जिस पर अमल किया जाय ।

मामूल (مامول) अ वि –आशान्वित, पुरउम्मीद, वह चीज जिसकी आशा हो ।

मा'मूलात (معمولات) अ पु –रोजमर्रा के काम, नित्य-कर्म ।

मा'मूलाते रोजमर्रः (معمولات روزمرہ) अ फा पु –वह काम जो रोज के बँधे हुए हो, जैसे—सवेरे उठकर नमाज, फिर कुरान, फिर वजीफ़ फिर नाश्ता, फिर अख्बार पढना, फिर लोगो से मिलना आदि ।

मा'मूली (معمولی) अ वि –रोजमर्रा का, साधारण, नाकाबिले तवज्जुह, रस्मी, जिसका रवाज हो ।

मा'मूले मज्हबी (معمول مذهبی) अ पु –धार्मिक कृति, मजहबी काम, जो नियत समय पर हो ।

मायः (مایہ) फा पु –धन, दौलत, पूँजी, अस्लज़र, उपकरण, सामान, योग्यता, काबिलीयत ।

मायःदार (مایہدار) फा वि –पूँजीवाला, धनी, मालदार ।

मायए नाज़ (مایۂ ناز) फा पु –जिस पर गर्व किया जा सके ।

मायतहल्लल (مایتحلل) अ पु –जो हल हो गया हो, जो तहलील होकर कम हो गया हो, जो नष्ट और जाए हो गया हो ।

मायहताज (مایحتاج) अ पु –आवश्यक वस्तु, जिसकी मनुष्य को जरूरत हो, जीवन-साधन की वस्तु ।

मायुक्रा (مایقرا) अ वि –जो पढा जा सके, ऐसा लिखा हुआ जो पढने मे आ सके ।

मा'यूब (معیوب) अ वि –निकृष्ट, दूषित, खराब, बुरा, लज्जाजनक, काबिले शर्म, ऐब से भरा, दोषपूर्ण ।

मायूस (مایوس) अ वि –निराश, हताश, नाउम्मेद ।

मायूसकुन (مایوس کن) अ फा वि –निराश करनेवाला निराशाजनक ।

मायूसानः (مایوسانہ) अ फा अव्य –निराशापूर्ण, मायूसी के साथ ।

मायूसी (مایوسی) अ स्त्री –निराशा, नाउम्मेदी ।

मार (مار) फा पु –सर्प, अहि, भुजग, भुजग, नाग, साँप ।

मारगजीदः (مارگزیدہ) फा वि –साँप का डसा हुआ, सर्प-दशित ।

मारगीर (مارگیر) फा वि –साँप पकडनेवाला, सँपेरा ।

मा'रज़ (معرض) अ पु –दे 'मा'रिज़', दोनो शुद्ध हैं ।

मारगुर्जः (مارگرزہ) फा पु –फनवाला साँप, काला साँप, नाग ।

मारपेच (مارپیچ) फा वि –टेढा, वक्र, वह चित्र जिसमे कई साँप परस्पर गुँथे हो ।

मारमाही (مارماهی) फा स्त्री –बाम मछली, सर्प मीन ।

मारमुहरः (مارمہرہ) फा पु –साँप का मन, मणि ।

मा'रिकः (معرکہ) अ पु –मैदान, क्षेत्र; युद्ध, सग्राम, लडाई, वाद-विवाद, बहस, धूम-धाम, हगामा, उपद्रव, फसाद ।

मा'रिकःआरा (معرکہ آرا) अ फा वि –लडनेवाला, योद्धा ।

मा'रिकःआराई (معرکہ آرائی) अ फा स्त्री –लडाई, युद्ध, जग ।

मा'रिकःगाह (معرکہگاہ) अ फा स्त्री –लड़ाई का स्थान, युद्ध-क्षेत्र, समराङ्गण, मैदानजग ।

मा'रिज़ (معرض) अ पु–जाहिर होने की जगह, प्रकट होने का स्थान, दौरान, दरमियान, के लिए ।

मा'रिज़े इल्तिवा (معرض التوا) अ पु –स्थगित होने के लिए, अर्थात् स्थगित, दे 'मा'रिज़' दोनो शुद्ध है, यह 'मे' के साथ बोला जाता है जैसे—मा'रिज़े इल्तिवा मे ।

मा'रिज़े खतर (معرض خطر) अ पु –खत्रे के बीच मे अर्थात् खत्रे मे (मे के साथ बोला जाता है, जैसे—मा'रिज़े खतर मे) ।

मारिफः (معرفہ) अ पु –व्यक्तिवाचक सज्ञा, किसी खास चीज का नाम, जैसे—राम, अली आदि ।

मा'रिफत (معرفت) अ स्त्री –द्वारा, हस्ते, जरिये से, अध्यात्म, तसव्वुफ, परिचय, जान-पहचान ।

मा'रूज़ः (معروضہ) अ पु –प्रार्थना, गुजारिश, प्रार्थना-पत्र, अर्जी ।

मा'रूज़ (معروض) अ वि –वह बात जो कही गयी हो, कथित, उक्त ।

मा'रूज़ात (معروضات) अ स्त्री –प्रार्थनाएँ, गुज़ारिशें।

मारूत (ماروت) अ पु –एक फ़िरिश्ता जिसके सम्बन्ध मे प्रसिद्धि है कि वह दूसरे फ़िरिश्ते 'हारूत' के साथ, 'बाबिल' के कुएँ में बन्द है, और लोगो को जादू सिखाता है।

मा'रूफ़ (معروف) अ वि –प्रसिद्ध, ख्यात, मशहूर, वह क्रिया जिसका कर्त्ता ज्ञात हो।

मारे आस्तीं (مار آستیں) फा पु –आस्तीन का साँप, वह दुश्मन जो पास रहता है।

मारे दुज़बाँ (مار دوزباں) फा पु –दो जीभोवाला साँप, वह व्यक्ति जो इधर कुछ कहे और उधर कुछ, द्विजिह्व, चुग़लख़ोर, मुनाफ़िक़।

मारे सियाह (مار سیاہ) फा पु–काला साँप, नाग।

माल (مال) फा. प्रत्य –मला-दला हुआ, जैसे—'पामाल' पैरो से मला-दला हुआ।

माल (مال) अ पु –धन, रक़म, दौलत, अच्छे-अच्छे खाने, बहुमूल्य वस्तु, महत्त्व, हक़ीक़त।

मालख़ानः (مال خانہ) अ फा पु.–माल रखने का मकान, गोदाम; कोषागार, ख़ज़ाना; कलक्टरी आदि का वह सरकारी मकान जिसमें तलाशी से मिला हुआ या इसी प्रकार कोई सामान रखा जाता है।

मालगुज़ार (مال گزار) अ. फा. वि –मालगुज़ारी अदा करनेवाला, ज़मीदार।

मालगुज़ारी (مال گزاری) अ फा स्त्री –ज़मीन का वह कर जो सरकार को दिया जाता है।

मालज़ब्ती (مال ضبطی) अ स्त्री –माल की कुर्क़ी और उस पर सरकारी क़ब्ज़ा।

मालज़ादः (مال زادہ) अ फा पु –रंडी का लड़का, वेश्या-पुत्र।

मालज़ादी (مال زادی) अ. फा स्त्री –वेश्या-पुत्री, व्यभिचारिणी, एक गाली।

मालज़ामिन (مال ضامن) अ पु –वह व्यक्ति जो इस बात की ज़मानत करे कि यदि अमुक व्यक्ति भाग जायगा या रुपया न अदा कर सकेगा तो उसके बदले में अदा करूँगा।

मालदार (مال دار) अ फा वि –धनी, धनवान्, समृद्ध, दौलतमंद।

मालनख़ूलिया (مالنخولیا) अ पु –शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु 'मालीख़ूलिया' बोला जाता है, दे 'मालीख़ूलिया'।

मालमुज़िम (مال مجرم) अ पु –माल का चोर, चोर।

मा लहू व मा अलैह (ماله وما علیه) अ वा –विवरण, तफ़सील, अच्छाई-बुराई।

मालामाल (مالامال) अ फा वि –समृद्ध, सम्पन्न, जिसके पास बहुत माल हो, भरपूर, बहुत अधिक।

माला यन्हल (مالاینحل) अ वि –वह समस्या जो हल न हो सके, असाध्य।

मालायुताक़ (مالایطاق) अ वि –जिसकी शक्ति न हो, ऐसा काम, बस से बाहर का काम, वह काम जो न हो सके।

मालिकः (مالکہ) अ स्त्री –स्वामिनी, मालिक स्त्री।

मालिक (مالک) अ पु –स्वामी, आक़ा, पति, शौहर, ईश्वर, ख़ुदा; उपभोक्ता, क़ाबिज़, अधिकारी, मुख़्तार, पदाधिकारी, अफ़सर, अध्यक्ष, सरदार, नरक का अध्यक्ष देवता।

मालिकानः (مالکانہ) अ फा अव्य –मालिकों-जैसा, मिल्कियत का।

मालिकुलमुल्क (مالک الملک) अ पु –मुल्क का मालिक, देश का स्वामी, नरेश; ईश्वर।

मालिके हक़ीक़ी (مالک حقیقی) अ पु –सच्चा स्वामी अर्थात् ईश्वर।

मालियः (مالیہ) अ पु –राजस्व, लगान।

मालियत (مالیت) अ स्त्री –धन-दौलत, कुल क़ीमत, पूरा मूल्य।

मालियात (مالیات) अ स्त्री –मालियत का बहु, मालियतें, सम्पत्तियाँ।

मालियानः (مالیانہ) अ फा अव्य –राजस्व, लगान, मालिया।

मालिश (مالش) फा स्त्री –मलाई, मर्दन, मतली, जी मतलाना।

मालीदः (مالیدہ) फा पु –मला हुआ, मर्दित।

माली (مالی) अ वि –माल-सम्बन्धी, माल का।

मालीख़ूलिया (مالیخولیا) अ पु –मिराक़, ख़ब्त, उन्माद, मस्तिष्क-विकृति, एक रोग विशेष।

मालीदःगोश (مالیدہ گوش) फा वि –जिसके कान उमेठे गये हो, चौकन्ना, चौकस, होशियार।

मालीदनी (مالیدنی) फा वि –मलने के क़ाबिल, मर्दनीय।

मालूफ़ (مالوف) अ वि –जिससे प्रेम हो, प्यारा, अज़ीज़, जैसे—'वतने मालूफ़'।

मा'लूम (معلوم) अ वि –ज्ञात, जाना हुआ; स्पष्ट, वाज़ेह, प्रकट, ज़ाहिर; असंभव, नामुमकिन।

मा'लूमात (معلومات) अ उभ –जानकारी, इल्म, ज्ञान; अनुभव, तजरिबा, पांडित्य, इल्मीयत।

मा'लूल (معلول) अ वि –वह चीज़ जिसका कोई कारण हो, कारण सहित।

माले अमूवात (مال اموات) अ पु.—मुर्दों का माल, लावारिसी माल।
माले फ़ासिद (مال فاسد) अ पुं—खोटा माल, खोटा सोना-चाँदी इत्यादि।
माले ग़नीमत (مال غنیمت) अ पु—युद्ध मे शत्रु के देश से लूटा हुआ माल।
माले ग़ैरमन्क़ूलः (مال غیر منقولہ) अ पु—वह सपत्ति जो एक जगह से दूसरी जगह न जा सके, जैसे—मकान आदि, अचल सपत्ति।
माले तैयिब (مال طیب) अ पु—हलाल की कमाई, पसीने की कमाई, पवित्र धन।
माले मक़्रूक़ (مال مقروق) अ.तु पु—कुर्की किया हुआ माल, वह माल जो कुर्क हो गया हो।
माले मत्रूकः (مال متروکہ) अ पु—वह धन और संपत्ति जिसे मृत व्यक्ति ने छोड़ी हो, दाय।
माले मन्क़ूलः (مال منقولہ) वह संपत्ति जो हटायी जा सके, जैसे—रुपया, मवेशी आदि, चल सपति।
माले महमूलः (مال محمولہ) अ पु—वह माल जो किसी सवारी पर लदा हो, जैसे—गाडी पर, रेल पर या जहाज पर।
माले मुफ़्त (مال مفت) अ फा. पु—वह धन जो विना परिश्रम के फोकट में मिला हो।
माले लावारिस (مال لاوارث) अ. पु.—वह धन या सपत्ति जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो।
माले वक़्फ़ (مال وقف) अ पु—वह धन या सपत्ति जो किसी कार्य-विशेष के लिए समर्पित हो।
माले साइर (مال سائر) अ पुं.—मालगुजारी के अतिरिक्त दूसरी आमदनी से प्राप्त धन, जैसे—कस्टम आदि से।
मालेह (مالح) अ. वि.—नमकीन, लवणयुक्त, सुन्दर, लावण्य।
माले हराम (مال حرام) अ पु—वह धन जो अविहित उपायो से कमाया गया हो, बुरी कमाई, अविनीत सपत्ति।
माले हलाल (مال حلال) अ. पु—दे. 'माले तैयिब'।
मालोज़र (مال وزر) अ फा. पु.—धन-दौलत, रुपया-पैसा।
मालोमताअ (مال ومتاع) अ फा. पु.—धन और दूसरा सामान।
मालोमनाल (مال ومنال) अ पुं—दे 'मालोमताअ'।
मावजब (ما وجب) अ वि—जो उचित हो, जैसा मुनासिब हो, यथोचित।
मावरा (ماورا) अ वि.—परे, पर्र, अतीत, अतिरिक्त, अलावा।
मावराउन्नह्र (ماوراءالنهر) अ पु—नदी के उस पार का इलाका, चूँकि तूरान (तुर्किस्तान) जैहून नदी के उस पार था, इसलिए ईरानियो ने उसे 'मावराउन्नह्र' कहा।
मावराए अक़्ल (ماوراے عقل) अ वि—बुद्धि की पहुँच से आगे, बुद्धि से परे, दुर्बोध।
मावराए तख़ैयुल (ماوراے تخیل) अ वि—ख़याल की पहुँच से परे, कल्पनातीत, जहाँ ख़याल न पहुँच सके।
मावराए नज़र (ماوراے نظر) अ वि—नज़र की पहुँच से आगे, जहाँ तक दृष्टि न पहुँच सके, दृष्टि से परे अचक्षु-विषय।
मावराए फ़ह्म (ماوراے فہم) अ वि—समझ से बाहर, ज्ञानातीत, अज्ञेय, बोधागम्य।
मावराए हिस (ماوراے حس) अ वि—इद्रियो की पहुँच से आगे, इद्रियो से परे, अतीन्द्रिय।
मावा (ماوا) अ पु—रक्षा-स्थान, पनाह की जगह, मामन।
माशः (ماشہ) फा पु—आठ रत्ती का एक भार, आठ रत्ती की तोल, तोले का बारहवाँ भाग।
माश (ماش) फा पु—उरद, माष, एक गल्ला।
मा'शर (معشر) अ पु—मित्रो और परिजनो की मडली, दोस्तो और अजीजो की जमाअत, दल, समुदाय, जमाअत।
माशाअल्लाह (ماشاءالله) अ वा—साधु-साधु, वाह-वाह, ईश्वर नजर लगने से बचाये, (व्या.), वाह-वाह, खूब-खूब, जैसे—माशाअल्लाह आपने अच्छा इसाफ किया (जब अन्याय किया हो)।
माशितः (ماشطہ) अ स्त्री—स्त्रियो या दुल्हनो की कघी-चोटी करनेवाली, नाइन, प्रसाधिका, मश्शात।
माशियः (ماسیہ) अ पु—चौपाया, पशु, मवेशी।
माशी (ماشی) अ वि—पैरो से चलनेवाला; चुगुलखोर, पिशुन।
मा'शूक़ः (معشوقہ) अ स्त्री—वह स्त्री जिससे इश्क हो, प्रेमिका, प्रेयसी, प्रणयिनी, प्रेमास्पदा, प्रियतमा, प्रिया, कांता, वल्लभा, महबूब।
मा'शूक़ (معشوق) अ वि—प्रेमपात्र, प्रियतम, प्रिय।
मा'शूक़ानः (معشوقانہ) अ फा अव्य—मा'शूक़ो-जैसा, मा'शूक़ियत लिये हुए, नाजोअदाज से भरा हुआ।
मा'शूक़ियत (معشوقیت) अ. स्त्री—मा'शूक़पन, नाजो-अंदाज, हाव-भाव।
माशूक़े मजाज़ी (معشوق مجازی) अ पु—वह मा'शूक़ जो मानवजाति से सम्बन्ध रखता हो, आदमी।
माशूक़े हक़ीक़ी (معشوق حقیقی) अ पु—वह मा'शूक़ जिसका सम्बन्ध आत्मा से हो, ईश्वर।

मासफा (ماصفا) अ वि—वह चीज़ जो स्वच्छ और पवित्र हो, साफ और अच्छी चीज़।

मासबक़ (ماسبق) अ वि—जो पहले गुजर चुका हो, पहलेवाला, पूर्वकथित, पहले कहा हुआ।

मासलफ (ماسلف) अ वि—गुजरा हुआ, विगत, बीता हुआ।

मासिकः (ماسکه) अ स्त्री—वह शक्ति जो आमाशय में गिज़ा को रोकती है, आमाशय की ग्राह्यशक्ति।

मा'सियत (معصیت) अ स्त्री—पाप, पातक, गुनाह, अवज्ञा, नाफरमानी, उद्दंडता, सरकशी।

मा'सियत शिआर (معصیت‌شعار) अ वि—पापी, पातकी, जिसका काम ही पाप करना हो।

मासिवल्लाह (ماسوا‌الله) अ वि—ईश्वर के अतिरिक्त शेष और सब कुछ, सांसारिक वस्तुएँ।

मासिवा (ماسوا) अ वि—'मासिवल्लाह' का लघु, दे 'मासिवल्लाह'।

मा'सूम (معصوم) अ वि—जिसने पाप न किया हो, निष्पाप, वह व्यक्ति जो ईश्वर के यहाँ से निष्पाप आया हो।

मा'सूम सिफ़त (معصوم صفت) अ वि—मा'सूमो-जैसा, भोला-भाला, निर्दोष।

मा'सूमियत (معصومیت) अ स्त्री—मा'सूमपन, भोलापन, सिधाई।

मा'सूमी (معصومی) अ वि—दे. 'मा'सूमियत'।

मास्त (ماست) फा. पु—दही, दधि।

मास्तबंद (ماست‌بند) फा पु—पनीर बनानेवाला।

माह (ماه) फा पु—चंद्र, चंद्रमा, शशि, इंद्र, विधु, सोम, चाँद, शशांक।

माहचः (ماهچه) फा पु—वह चाँद जो टोपी आदि में या झंडे के सिरे पर लगाते हैं।

माहजबीं (ماه‌جبیں) फा वि—चाँद-जैसा उज्ज्वल माथा रखनेवाला (वाली) चंद्रभाल।

माहज़र (ماحضر) अ पु—जो कुछ उपस्थित है, जो मौजूद है, वह खाना जो घर में तैयार है, बेतकल्लुफी का खाना, रूखा-सूखा जो कुछ है वह।

माहतल्अत (ماه‌طلعت) फा अ वि—जो देखने में बिलकुल चाँद जान पड़े, अत्यन्त सुन्दर, (सुंदरी) चंद्रानना।

माहताब (ماهتاب) फा पु—चंद्र, चंद्रमा, चाँद, ज्योत्स्ना, चंद्रातप, चंद्रिका, चाँदनी, गंजिफ़े का वज़ीर, एक आतशबाज़ी, महताब।

माहताबी (ماهتابی) फा स्त्री—एक प्रकार की आतशबाज़ी, महताब, वह छोटी इमारत जो बाग़ के हौज़ पर चाँदनी की सैर के लिए बनी हो।

माहदरअक़रब (ماه‌درعقرب) फा अ वि—चंद्रमा का वृश्चिक राशि में प्रवेश जो बहुत अशुभ होता है।

माहनाम (ماه‌نامه) फा पु—वह पत्रिका जो महीने में एक बार निकले, मासिकपत्र।

माहपार. (ماه‌پاره) फा वि—चाँद का टुकड़ा, चाँद-जैसी आकृतिवाला (वाली)।

माहपैकर (ماه‌پیکر) फा वि—चाँद-जैसे सुन्दर डीलडौलवाला (वाली)।

माह ब माह (ماه‌بماه) फा वि—हर महीने, मास प्रतिमास।

माहरुख़ (ماه‌رخ) फा वि—चाँद-जैसे मुँहवाला (वाली) चंद्रवदन, चंद्रवदना, चंद्रमुख, चंद्रमुखी।

माहरू (ماه‌رو) फा वि—दे 'माहरुख़'।

माहलिक़ा (ماه‌لقا) फा अ वि—दे 'माहतलअत'।

माहवश (ماه‌وش) फा वि—चाँद-जैसा (-जैसी)।

माहवार (ماهوار) फा वि—हर महीने, मासिक।

माहवारी (ماهواری) फा वि—दे 'माहवार', (स्त्री) मासिक-धर्म, हैज़।

माहशमाइल (ماه‌شمائل) फा अ वि—दे 'माहतल्अत'।

माहसल (ماحصل) अ पु—जो कुछ मिला हो, जो हासिल हुआ हो, निष्कर्ष, नतीज सारांश, खुलासा।

माहसीमा (ماه‌سیما) फा. अ वि—दे 'माहजबीं'।

माहसूरत (ماه‌صورت) फा अ वि—दे 'माहरुख़'।

माहानः (ماهانه) फा अव्य—हर महीने का, माहवार, प्रतिमास।

माहिए बेआब (ماهئ بے‌آب) फा स्त्री—बिना पानी की मछली, जलहीन मीन, अर्थात् बहुत दुखी, बहुत व्याकुल।

माहियानः (ماهیانه) फा पु—वेतन, तनख्वाह, माहवारी तनख्वाह, माहवारी, महीने का, मासिक।

माहिर (ماهر) अ वि—दक्ष, कुशल, होशियार, अभ्यस्त, मश्शाक़।

माहिरे कामिल (ماهر کامل) अ वि—किसी फन का पूरा माहिर, पारगत।

माहिरे ख़ुसूसी (ماهر خصوصی) अ वि—किसी विशेष फन का विशेष ज्ञाता, विशेषज्ञ, वैशेषिक।

माहिरे फ़न (ماهر فن) अ वि—फन का ज्ञाता, कलामर्मज्ञ, कलाकार।

माही (ماحی) अ वि –महव करनेवाला, मिटानेवाला, नष्टकर्ता।

माही (ماهی) फा पु –मीन, मत्स्य माछी, मछली।

माहीगीर (ماهی گیر) फा वि –मछली पकडनेवाला, मछलियो का रोजगार करनेवाला, मत्स्यजीवी।

माहीच. (ماهیچه) फा स्त्री –सिवैयाँ।

माहीखोर (ماهی خور) फा वि –मछली खानेवाला, मत्स्यभोजी।

माहीनः (ماهینه) फा अव्य –महीना, मास।

माहीपुश्त (ماهی پشت) फा वि –वह जो बीच मे ऊँचा और इधर-उधर नीचा हो, उन्नतोदर, मुहद्दब।

माहीफरोश (ماهی فروش) फा वि –मछली बेचनेवाला, मत्स्य-वणिक्, मीन-व्यवसायी।

माहीमरातिब (ماهی مراتب) फा अ पु –मछली आदि के आकार के वह निशानात जो बादशाहो की सवारी के आगे हाथियो पर चलते है।

माहीयत (ماهیت) अ स्त्री –वास्तविकता, हकीकत, गुण, खासियत, क्या है, कैसा है, किस प्रकार का है, यह सब विवरण।

मा'हूद (معہود) अ वि –वह बात जो दिल में बैठी हो।

मा'हूदानः (ماهودانه) फा पु –जमालगोटा।

मा'हूदे खारिजी (معہود خارجی) अ पु –वह जातिवाचक सज्ञा जो कारण-विशेष से व्यक्तिवाचक बन जाय, जैसे—'खलील' जो जातिवाचक है, परन्तु हज्रत इब्राहीम के लिए बोला जाता है।

माहूदे जेह्नी (معہود ذهنی) अ वि –वह सज्ञा जो हो तो जातिवाचक, परन्तु किसी के जेहन मे व्यक्तिवाचक हो, जैसे—शत्रु जातिवाचक है, परन्तु कोई शत्रु कहकर, मन मे उससे 'व्यक्ति-विशेष' को समझता है।

माहे कनआँ (ماه کنعان) फा अ पु –हज्रत यूसुफ।

माहे क़मरी (ماه قمری) फा अ पु –चाँद का महीना, चान्द्रमास, जिस महीने का हिसाब चाँद की घटा-बढी से हो।

माहे कामिल (ماه کامل) फा अ पु –चौदहवी का चाँद, पूरा चाँद, पूर्णचद्र, राकेश।

माहे खानगी (ماه خانگی) फा स्त्री –घर गिरिस्तनी, जिससे इश्क किया जाय, जो बाजारी स्त्री न हो।

माहे गिरिफ्त (ماه گرفته) फा पु –ग्रस्त (ग्रहण लगा) हुआ चाँद।

माहे चारदहुम (ماه چاردهم) फा पु –चौदहवी रात का चाँद, पूर्णचद्र।

माहे तावाँ (ماه تابان) फा पु –चमकता हुआ चाँद, पूरा चाँद, प्रेयसी का चन्द्रानन।

माहे दुहफ़्त. (ماه دوهفته) फा पु –चौदहवी का चाँद, राकेश।

माहे नख़शब (ماه نخشب) फा. पु –वह चाँद जिसे हकीम इब्ने मुकन्ना ने बनाया था।

माहे नौ (ماه نو) फा अ पु –नया चाँद, नवचद्र, बालेदु।

माहे मिस्र (ماه مصر) फा अ –हज्रत यूसुफ।

माहे मुनीर (ماه منیر) फा अ पु –चमकनेवाला चाँद, पूरा चाँद।

माहे मुबारक (ماه مبارک) फा अ पु –रम्जान शरीफ का महीना, रोजो का चाँद।

माहे शम्सी (ماه شمسی) फा अ पु –वह महीना जिसका हिसाब सूर्य के चक्कर से होता है, ईसवी महीना।

माहे शिकस्तः (ماه شکسته) फा पु –नया चाँद, नवचद्र।

माहे सियाम (ماه صیام) फा अ पु –दे 'माहे मुबारक'।

मि

मिंजल (منجل) अ स्त्री –खेत काटने का हँसिया, दराँती।

मितकः (منطقه) अ पु –कटिबध, सर्दी-गर्मी आदि के दृष्टिकोण से पृथ्वी के खड, हर खड एक मितका कहलाता है, पटका, कमर मे बाँधने की पेटी।

मितक़ (منطق) अ पु –पटका, पेटी, कटिबध।

मितकए बारिदः (منطقۂ بارده) अ पु –शीत कटिबध, वह मितका जो बहुत अधिक ठडा है।

मितक़ए मा'तदिल. (منطقۂ معتدله) अ पु –सम शीतोष्ण कटिबध, वह मितका जहाँ न बहुत ठड है न गर्म।

मितक़ए मोह्रक (منطقۂ محرقه) अ पु –दे 'मितकए हार'।

मितकए हार. (منطقۂ حاره) अ पु –उष्ण कटिबध, वह मितका जो बहुत गर्म है।

मितक़तुल बुरूज (منطقة البروج) अ पु –राशिचक्र, भचक्र।

मितकात (منطقات) अ पु –'मितक' का बहु, मितके।

मिदील (مندیل) अ पु –कमर मे बाँधने का विशेष रूमाल, सर पर बाँधने का विशेष रूमाल।

मिबर (منبر) अ पु –मस्जिद मे वह ऊँचा स्थान जहाँ इमाम खुत्वा पढता है।

मिशफ (منشف) अ पु –तौलिया, जिस्म पोछने का अँगोछा।

मिशार (منشار) अ पु –आग, लकडी चीरने का यत्र, खबर फैलाने का यत्र।

मिसफः (مسمعة) अ पु —वह पाँच शाखोवाली लकडी जिससे खलियान का लाँक ऊपर-नीचे करते हैं, पचा।

मिआ (معا) अ स्त्री —अन्न, आँत।

मिआए मुस्तक़ीम (معاے مستقیم) अ स्त्री —सीधी आँत, शरीर की एक आँत।

मिकस [स्स] (مقص) अ स्त्री —वह रस्सी जिससे दुहते समय जानवर के पाँव बाँधते हैं।

मिक्तल (مقتل) अ पु —क़त्ल करने का आला।

मिक्ताल (مقتال) अ पु —वध करने का यत्र, छुरी।

मिक्दार (مقدار) अ स्त्री —मात्रा, वज़्न, तोल, अनुमिति, अदाजा (तोल का)।

मिक्नस (مکنسة) अ स्त्री —झाडू, मार्जनी।

मिक्ना (مقنع) अ पु —दूल्हा के ओढने का महीन कपडा, जिस पर सेहरा रहता है, स्त्रियो के ओढने की महीन चादर, ओढ़नी।

मिक्नातीस (مقناطیس) अ पु —चुम्बक पत्थर, दे 'मक्नातीस', दोनो शुद्ध हैं।

मिक्नास (مکناس) अ पु —दे 'मिक्नस'।

मिक्याल (مکیال) अ पु —सूखी वस्तु नापने का बर्तन।

मिक़्यास (مقیاس) अ पु —मानयत्र, नापने का आला, अनुमान का यत्र।

मिक़्यासुलमतर (مقیاس المطر) अ पु —वर्षा का जल नापने का यत्र, वर्षामान।

मिक़्यासुलमा (مقیاس الما) अ पु —पानी का हलका भारीपन जानने का यत्र।

मिक़्यासुलमौसिम (مقیاس الموسم) अ पु —मौसम का हाल जानने का यत्र।

मिक़्यासुललबन (مقیاس اللبن) अ पु —दूध की मिलावट जानने का यत्र।

मिक़्यासुलहरार (مقیاس الحرارۃ) अ पु —शरीर की गर्मी, बुखार नापने का यत्र, थर्मामीटर, तापमापक।

मिक़्यासुलहवा (مقیاس الہوا) अ पु —हवा का वेग जानने का यत्र, वायुयत्र।

मिक़्राज (مقراض) अ स्त्री —कैंची, कर्त्री, कर्तरी, कर्तनी।

मिक़्वल (مقول) अ पु —ज़बान, जीभ, जिह्वा।

मिक्वा (مقوی) अ पु —दफ्ती, पट्ठा, वह चीज जिससे कोई वस्तु पुष्ट की जाय।

मिक्वात (مکوات) अ स्त्री —शरीर के दागने का यत्र, कपडो पर करने की इस्त्री।

मिक्हल (مکحل) अ स्त्री.—सुर्मा लगाने की सलाई, अजन-शलाका।

मिख्लात (مخلاة) अ पु —घोडे का तोबडा जिसमे उसे दाना खिलाया जाता है।

मिग़फर (مغفر) अ पु —खोद, शिरस्त्राण, लोहे की फौजी टोपी।

मिग्रफः (مغرفة) अ पु —डोई, चमचा, कफगीर।

मिजस (مجس) अ. पु —नब्ज़ पर हकीम के हाथ रखने का स्थान, नाडी देखने का स्थान।

मिज़ाज (مزاج) अ पु.—स्वभाव, आदत, गुण, खासियत, प्रकृति, तबीअत; अभिमान, घमड, नाज़-नख़्रा, जी, मन।

मिज़ाजदाँ (مزاج داں) अ फा. वि —जो किसी की प्रकृति से परिचित हो, जो स्वभाव पहचानकर उसी के अनुसार बात करता हो।

मिज़ाजदानी (مزاج دانی) अ फा स्त्री —मिज़ाज पहचानना, स्वभाव के अनुसार बात करना, हाँ मे हाँ मिलाना।

मिज़ाजपुर्सी (مزاج پرسی) अ. फा स्त्री —रोगी को देखने और उसे दिलासा देने के लिए जाना, साधारण किसी से मिलने जाना।

मिज़ाजशनास (مزاج شناس) अ फा वि —दे 'मिज़ाजदाँ'।

मिज़ाजशनासी (مزاج شناسی) अ फा स्त्री.—दे 'मिज़ाजदानी'।

मिज़ाजे आली (مزاج عالی) अ पु —दे. 'मिज़ाजे मुबारक'।

मिज़ाजे मुबारक (مزاج مبارک) अ. पु —आपका मिज़ाज कैसा है? मुलाकात के वक्त कहते हैं।

मिज़ाजे शरीफ (مزاج شریف) अ. पु —'दे. मिज़ाजे मुबारक'।

मिज्दाफ (مجداف) अ पु —वह तिकोनी चौडी लकडी जो नाव में बाँधते हैं और उससे नाव को चलाते हैं, डाँड।

मिज़्मर (مزمر) अ पु —एक बाजा, वर्वंत, बाँसुरी, मुरली।

मिज्मर (مجمر) अ स्त्री.—धूपदानी, अगरदानी, अँगीठी, अगारधानी, गोरसी।

मिज़्मार (مضمار) अ. पु —घोडो को सधाने के लिए दौडाने का मैदान।

मिज़्मार (مزمار) अ स्त्री —बाँसुरी, वशी, वशी, मुरली।

मित्रक़ः (مطرقة) अ. पु —हथौडा, जिससे निहाई पर लोहा कूटते हैं, घन।

मित्हन (مطحن) अ स्त्री —आटा पीसने की चक्की, पेषणी।

मिदाद (مداد) अ स्त्री —मसि, सियाही, रोशनाई।

मिद्फा' (مدفع) अ पु —तोप।

मिद्‌हत (مدحت) अ स्त्री —प्रशसा, श्लाघा, ता'रीफ, स्तुति, कीर्तन, हम्दोसना।

मिद्‌हतसरा (مدحت‌سرا) अ फा वि–प्रशसक, श्लाघी, तारीफ करनेवाला, स्तुतिपाठक, हम्दोसना करनेवाला।
मिन (من) अ अव्य–से।
मिन अव्वलिही इला आखिर ही (من اوله الی آخره) अ वा–शुरु से आखीर तक, आद्योपान्त।
मिन कुल्लिलवुजूह (من کل الوجوه) अ वा–हर प्रकार से, पूरे तौर पर, सब तरह से।
मिनखल (منخل) अ स्त्री–चालनी, चलनी।
मिनजानिब (منجانب) अ अव्य–ओर से, तरफ़ से।
मिनजानिबिल्लाह (منجانب الله) अ वा–ईश्वर की ओर से, ईश्वर की महिमा से।
मिनजुम्ल· (منجملہ) अ अव्य.–सब में से।
मिना (منا) अ पु–मक्के का एक स्थान जहाँ हज के दूसरे दिन हाजी लोग कुर्बानी करते और हजामत बनवाते हैं।
मिनोअन (من وعن) अ. वि–पूरा-पूरा, साफ-साफ, जैसा का तैसा, ज्यो का त्यो, अक्षरश।
मिन्क़ार (منقار) अ स्त्री–चोच, चचु।
मिन वजहिन: (من وجه) अ अव्य–एक प्रकार से, एक तरह से, एक सूरत से।
मिनहा (منہا) अ वि–उन सब मे से; निकाला हुआ, कम किया हुआ, घटाया हुआ, तफ़ीक किया हुआ।
मिनहाई (منہائی) अ स्त्री–कमी, कटौती, तफरीक, व्यवकलन।
मिन्हाज (منہاج) अ स्त्री–मार्ग, पथ, रास्ता, राजमार्ग, सडक।
मिफ्ताह (مفتاح) अ स्त्री–कुजी, ताली, कुचिका।
मिब्ज़ाक (مبزاق) अ पु–उगालदान, थूकने का पात्र।
मियाँ (میاں) फा वि–'मियान' का लघु, दे 'मियान'।
मियाजी (میانجی) फा पु–एलची, दूत, एलचीगरी, दूत-कर्म, दौत्य।
मियाँतिही (میاں تہی) फा वि–जिसका बीच खाली हो, वह बिस्तर जिसके बीच मे रूई न हो।
मियाँबंद (میاں بند) फा पु–पटका, कमर की पेटी, कटिबध।
मियाँवाला (میاں بالا) फा वि–दरमियानी कद का, न ठिगना न लबा।
मियान (میانہ) फा पु–एक प्रकार की पालकी, (वि) दरमियानी, बीच का, माध्यमिक।
मियान·क़द (میانہ قد) फा अ वि–बीच के कद का, न लम्बा न ठिगना।
मियानःक़ामत (میانہ قامت) फा अ वि–दे 'मियान कद'।
मियान·गीर (میانہ گیر) फा वि–बीच की चीज लेनेवाला, हर काम मे एतिदाल बरतनेवाला।
मियान·रवी (میانہ روی) फा स्त्री–बीच की चाल, सरलाचार।
मियानःरौ (میانہ رو) फा वि–बीच की चाल चलनेवाला, सरलाचारी।
मियान (میان) फा वि–मध्य, बीच (स्त्री); तलवार की मियान, कोष, कमर, कटि।
मियाने राह (میان راہ) फा पु–रास्ते के बीच मे, रास्ते मे, रास्ते का बीचोबीच।
मियाने शह्र (میان شہر) फा पु–नगर मे, नगर का बीच।
मिराक (مراق) अ पु–खब्त, पागलपन।
मिराक़ी (مراقی) अ वि–खब्ती, पागल।
मिर्आत (مرآت) अ पु–आईन, दर्पण, मुकुर, शीशा।
मिर्क़ात (مرقات) अ पु–सोपान, सीढी, जीना।
मिर्ज़ा (مرزا) फा पु–मीर्ज़ा का लघु, दे 'मीर्ज़ा'।
मिर्ज़ाइयत (مرزائیت) फा. स्त्री–मिर्ज़ापन, कादियानियत।
मिर्फ़क (مرفق) अ स्त्री–कुहनी।
मिर्वहः (مروحہ) अ पु–पखा, व्यजन।
मिर्साव (مرصاد) अ पु–चौडा रास्ता, राजमार्ग, सडक।
मिल्ह (ملح) अ पु–नमक, लवण।
मिश्क (مشک) फा पु–दे 'मुश्क'।
मिश्कात (مشکوٰۃ) अ स्त्री–वह बडा ताक जिसमे चिराग, फ़ानूस या किदील रखा जाय।
मिश्कीं (مشکیں) फा वि–दे 'मुश्की'।
मिश्की मू (مشکیں مو) फा वि–दे 'मुश्की मू'।
मिश्त (مشط) अ स्त्री–कघी, प्रसाधनी।
मिस (مس) फा पु–एक प्रसिद्ध धातु, ताँबा, ताम्र।
मिसगर (مس گر) फा वि–ताँबे का काम करनेवाला, ठठरा।
मिसाल (مثال) अ स्त्री–उदाहरण, नजीर, समान, बराबर, चित्र, तस्वीर, आदेशपत्र, पर्वाना, आदर्श, नमूना।
मिसालन (مثالاً) अ अव्य–उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर।
मिसाली (مثالی) अ वि–आदर्श, नमूने के तौर पर, नमूने का।

मिसी (مسی) फा स्त्री –तांबे का, एक मजन जिसे स्त्रियाँ बतौर सिंगार के इस्तेमाल करती हैं, मिस्सी।

मिसीमालीदः (مسی مالیدہ) फा वि.–मिस्सी मले हुए होठ।

मिस्क (مسک) अ स्त्री –दे 'मुश्क'।

मिस्कल (مصقلہ) अ पु –लोहे का एक यत्र जिससे तलवार आदि चमकाये जाते हैं।

मिस्कल (مصقل) अ पु –हथियारो को चमकाने का यत्र, मिस्कल.।

मिस्काल (مثقال) अ पु –साढे चार माशे की एक तौल।

मिस्कीं (مسکیں) अ. वि –दीन, असहाय, आजिज, दरिद्र, मुफ्लिस, विनम्र, खाकसार, भोला-भाला, सीधा-सादा, सरल।

मिस्कींतब्अ (مسکیں طبع) अ वि –बहुत ही सीधा साधा, सरल स्वभाव।

मिस्कींनवाज (مسکیں نواز) अ फा वि –दीनो दुखियो को सहारा देनेवाला, दीन-पोषक।

मिस्कीसूरत (مسکیں صورت) अ वि –जिसकी सूरत से सिधाई और नम्रता टपकती हो।

मिस्कीन (مسکین) अ वि –दे 'मिस्की'।

मिस्तब (مستبہ-مصطبہ) अ वि –मदिरालय, शराब-खाना, दे 'मस्तब', दोनो शुद्ध हैं।

मिस्तर (مسطر) अ पु –कागज की दफ्ती, जिस पर मोटा डोरा सतरो की पैमाइश का लगा देते हैं और वरक को उस पर रखकर दबाते हैं जिससे कागज पर सतरें बन जाती हैं।

मिस्दाक (مصداق) अ वि –वह, जिस पर कोई बात ठीक-ठीक घटित हो, चरितार्थ।

मिस्बाह (مصباح) अ पु –दीप, दीपक, चिराग, दिया।

मिस्मार (مسمار) अ वि –नष्ट, ध्वस्त, मुनहदिम, सलाख, मेख।

मिस्र (مصر) अ पु –एक प्रसिद्ध राष्ट्र जो अफ्रीका मे है।

मिस्रए तरह (مصرع طرح) अ पु –वह मिस्रा' जो रदीफ काफिया और वज्न बताने के लिए मुशायरे मे दिया जाता है।

मिस्रा' (مصرع) अ पु –आधा शेर, एक चरण।

मिस्रा'अ (مصراع) अ पु –दे 'मिस्रा'।

मिस्री (مصری) अ. पु –मिस्र देश का निवासी, (स्त्री) मिस्र देश की भाषा, कूजे या थाल मे जमी हुई शकर।

मिस्वाक (مسواک) अ स्त्री –दाँत साफ करने की रेशेदार लकडी, दतधावन, दतौन।

मिह (مہ) फा वि –बडा, महान्, बुजुर्ग।

मिहतर (مہتر) फा वि –महत्तम, बहुत बडा, सरदार, नायक; भगी, मैला उठानेवाला।

मिहार (مہار) अ स्त्री –ऊँट की नकेल, दे. 'महार', दोनो शुद्ध हैं।

मिहतरी (مہتری) फा स्त्री –महत्त्व, बडाई, सरदारी, अध्यक्षता।

मिह्‌र (مہر) फा स्त्री –सूर्य, रवि, भानु, सूरज, प्रेम, दोस्ती। ममता, मामता, कृपा, दया।

मिह्‌रपर्वर (مہرپرور) फा वि –दे 'मिह्‌रबान'।

मिह्‌रबान (مہربان) फा वि –दयावान्, कृपालु, मित्र, दोस्त।

मिह्‌रबानी (مہربانی) फा स्त्री –कृपा, दया, अनुग्रह, अनुकपा, करम।

मिह्‌रवर (مہرور) फा वि –दे 'मिह्‌रबान'।

मी

मीअ (میعہ) अ पु –सलारस, एक गाढी दवा, मीअए साइला।

मीअए साइल (میعۂ سائلہ) अ पु –सलारस।

मीआद (میعاد) अ स्त्री –समय, काल, वक्त, निश्चित काल, मुकर्रर वक्त, वादा, करार, अवधि, मुद्दत (हिन्दी मे 'मियाद' इसी अर्थ मे प्रचलित है।)

मीआदगाह (میعادگاہ) अ फा स्त्री –वह स्थान जहाँ मिलने का वादा हो, जहाँ मिलना नियत हो।

मीआदी (میعادی) अ वि –मीआदवाला, जो किसी नियत समय तक रहे, जैसे—मीआदी बुखार।

मीआदे मुऐयिन (میعاد معینہ) अ स्त्री –नियत समय, निश्चित समय।

मीआदे मुकर्रर. (میعاد مقررہ) अ स्त्री –दे 'मीआदे मुऐयन'।

मीकल (میکلہ) अ स्त्री –हाँडी, देगची।

मीकाईल (میکائیل) अ. पु –रोजी का फिरिश्ता।

मीक़ात (میقات) अ स्त्री –वादे का स्थान, हाजियो के एहराम बाँधने का स्थान।

मीकाल (میکال) अ पु –दे 'मीकाईल'।

मीजन (میذنہ) अ पु –मस्जिद मे अजान देने का स्थान।

मीजान (میزان) अ स्त्री –तराजू, तुला, कई सख्याओ का जोड, योगफल।

मीजानिय (میزانیہ) अ पु –बजट, आयव्ययक, आय-व्यय का सरकारी अनुमान।

मीजाने अद्ल (میزان عدل) अ स्त्री –सच्ची तराजू, जिसमे फेर न हो, वह तराजू जिसमे कियामत के दिन अच्छे-बुरे कर्म तुलेगे।

मीज़ाने अमल (میزانِ عمل) अ. स्त्री –दे. 'मीज़ाने अद्‌ल'।
मीज़ाब (میزاب) अ. पु –वह परनाला जिससे छनकर पानी आये।
मीना (مینا) फा. पु.–शराब का जग, शराब का बडा कटर; वह रंगीन शीशा जिससे चाँदी-सोने पर नक्काशी होती है।
मीनाई (مینائی) फा वि.–शराब के शीशे से सम्बन्धित, एक वश, शाहमीना का वशज।
मीनाए मय (مینائے مے) फा. पु –शराब का बडा कंटर, करावा।
मीनाए लाजवर्द (مینائے لاجورد) फा पु –आकाश, आस्मान।
मीनाकार (میناکار) फा. वि.–जडाऊ काम करनेवाला, जिस पर जडाऊ काम हो।
मीनाकारी (میناکاری) फा स्त्री –जडाऊ काम, चाँदी-सोने पर मुरस्सासाज़ी।
मीनाख़ानः (میناخانہ) फा पु –जहाँ शीशे हो।.
मीना दर बग़ल (مینادربغل) फा. वि –बगल में शराब की बोतल दबाये हुए।
मीनाफ़ाम (مینافام) फा वि –नीले रगवाला।
मीनाबदस्त (مینابدست) फा. वि –हाथ में शराब का शीशा लिये हुए।
मीनाबदोश (مینابدوش) फा वि.–कधे पर शराब का कंटर रखे हुए।
मीनाबाज़ार (مینابازار) फा पु –वह बाज़ार जिसमें केवल स्त्रियाँ क्रय-विक्रय करें, जिसे अकबर ने प्रचलित किया था।
मीनारंग (مینارنگ) फा. वि.–दे. 'मीनाफ़ाम'।
मीनार (مینار) उ. पु –लबी लाट, मनार, वह ऊँची जगह जहाँ रोशनी करें।
मीनू (مینو) फा पु –स्वर्ग, बिहिश्त, नीले रंग का; वह शीशा जो ज़ेवरो पर जडा जाता है, मीना।
मीनूअसास (مینواساس) फा अ वि.–स्वर्ग-जैसा सुन्दर और शोभित।
मीनूसवाद (مینوسواد) फा. अ. वि –दे 'मीनूअसास'।
मीनूसिरिश्त (مینوسرشت) फा. वि –दे 'मीनूअसास'।
मीम (میم) अ पु.–उर्दू एक अक्षर जो 'म' की आवाज़ देता है, नायिका के मुँह के दहाने से इसकी उपमा दी जाती है।
मीर (میر) अ पुं.–'अमीर' का लघु, अग्रगण्य, सरलामद; अध्यक्ष, नायक, सरदार, आगे बढ़ जानेवाला, सैय्यदो की उपाधि।

मीरअर्ज़ (میرعرض) अ पु –वह व्यक्ति जो लोगो के प्रार्थनापत्र बादशाह के सामने उपस्थित करता है।
मीरआख़ुर (میرآخور) अ. फा. पु –अश्वशाला का निरीक्षक, दारोग़ाए अस्तबल।
मीरआख़ुरबाशी (میرآخورباشی) तु पु.–अश्वशाला के दारोग़ाओ का अध्यक्ष।
मीरआतश (میرآتش) अ. फा पु –तोपख़ाने का अध्यक्ष।
मीरआब (میرآب) अ फा. पु.–जलसेना का नायक।
मीरइमारत (میرعمارت) अ. पु.–शाही इमारतो की देख-रेख करनेवाला, चीफ इजीनियर।
मीरक़ाफ़िलः (میرقافلہ) अ. पु.–काफ़िले का सरदार।
मीरकारवाँ (میرکاروان) अ फा. पुं.–दे. 'मीरे काफ़िल'।
मीरज़ा (میرزا) फा. पु –शाही ख़ानदान के लोगो की उपाधि, मुग़ल जाति का व्यक्ति।
मीरज़ाई (میرزائی) फा वि –मीरज़ापन, सरदारी; शहज़ादगी।
मीरज़ादः (میرزادہ) फा पु –मीर का लडका, शहज़ादा।
मीरज़ामनिश (میرزامنش) अ. फा. वि.–भलामानस, शरीफ़।
मीरतुज़ुक (میرتوزک) अ. तु. पु –सेना का प्रबंध करनेवाला, सेनानायक।
मीरफ़र्श (میرفرش) अ.पुं –वह भारी पत्थर जो फर्श को दबाने के लिए चारो कोनो पर रखे जाते हैं, वह व्यक्ति जो अपने स्थान से हिले-डुले नही।
मीरबख़्शी (میربخشی) अ. फा. पु –वेतन बाँटनेवाला अफ्सर।
मीरबह्र (میربحر) अ. पु –जलसेना का अध्यक्ष।
मीरमंज़िल (میرمنزل) अ पु.–वह व्यक्ति जो सेना के आगे चलकर पडाव का प्रबध करता है।
मीरमत्बख़ (میرمطبخ) अ पु.–बावरचीख़ाने का दारोगा।
मीरमह्फ़िल (میرمحفل) अ. पु –सभापति, सदरे मज्लिस।
मीरमहल्लः (میر محلہ) अ पु.–महल्ले का चौधरी या मुख्या (मुखिया)।
मीरमुंशी (میرمنشی) अ. पु –दफ़्तर के तमाम क्लर्को का नायक।
मीरमुशाअरः (میرمشاعرہ) अ. पु –कवि-सम्मेलन का सभापति।
मीरमैदाँ (میرمیدان) अ. फा पु.–योद्धा, जगज; वीर, शूर बहादुर।

मीरशबगीर (میرشبگیر) अ फा पु –शह्र कोतवाल, रात मे गश्त करनेवाला।

मीरसामाँ (میرساماں) अ फा. पु –खानसामाँ।

मीराँ (میراں) फा पु –'मीर' का बहु, बडे लोग।

मीरास (میراث) अ स्त्री –दाम, तरिका, वह ज़मीन आदि जो किसी को गुजारे के लिए दी गयी हो, नानकार।

मीरासी (میراثی) अ वि –मुसलमानो की एक जाति विशेष जो गाने-बजाने का काम करती है।

मीरी (میری) अ वि –अमीरी, सरदारी, सबसे अव्वल आनेवाला।

मीरे अर्ज़ (میر عرض) अ पु –बादशाह के सामने प्रार्थनापत्र पेश करनेवाला (पेशकार)।

मीरे शिकार (میر شکار) अ फा पु –बादशाहो के शिकार-गाह का प्रबध करनेवाला।

मील (میل) अ पु –सुर्मा लगाने की सलाई, अजन-शलाका, १७६० गज का फासिला, यह दूरी बतानेवाला पत्थर।

मीलाद (میلاد) अ पु –जन्म का समय, हज़रत मुहम्मद के कथा की सभा।

मीलादख्वाँ (میلادخواں) अ फा वि –मीलाद पढनेवाला, हज़रत मुहम्मद साहब का गुणगान करनेवाला।

मीलादी (میلادی) अ वि –हज़रत मुहम्मद साहब के जन्म-तिथि से प्रारभ होनेवाला साल।

मीलादे मुबारक (میلاد مبارک) अ पु –मीलाद का जलसा।

मीसाक (میثاق) अ पु –प्रतिज्ञा, अहद, वादा, अभि-वचन।

मु

मुजज़िब (منجذب) अ वि –जज्ब होनेवाला, लीन होनेवाला।

मुंज़जिर (منزجر) अ वि –अलग रहनेवाला, बाज़ रहने-वाला।

मुजमिद (منجمد) अ वि –जमा हुआ, ठड से जमी हुई वस्तु।

मुजर (منجر) अ वि –खिंचा हुआ, परिवर्तित।

मुज़ल (منزل) अ वि –नीचे उतरता हुआ, होनेवाली।

मुजली (منجلی) अ वि –प्रकाशमान्, रौशन, उज्ज्वल, शफ्फाफ, स्पष्ट, वाज़ेह, देश से बाहर जानेवाला, जला-वतन होनेवाला।

मुज़वी (منزوی) अ वि –ससार से विरक्त होकर एकात में रहनेवाला।

मुंजिज (منضج) अ पु –पकानेवाला, वह दवा जो दूषित धातुओ को पकाकर इस काबिल कर दे कि जुल्लाब देने पर सुगमता से निकल जायें।

मुजिद (منجد) अ वि –सहायक, मददगार।

मुज़िर (منذر) अ वि –डरानेवाला।

मुज़िल (منزل) नीचे उतरनेवाला, वीर्यपात करनेवाला।

मुजिस (منجس) वि –अपवित्र करनेवाला।

मुजी (منجی) अ वि –नजात दिलानेवाला।

मुतक़ल [ल्ल] (منتقل) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान को गया हुआ, एक स्थान से दूसरे स्थान को हटाया हुआ।

मुतकल इलैह (منتقل الیہ) अ वि –जिसकी ओर मुतकिल किया गया हो, जिसके नाम कोई वस्तु लिखी हो या दी हो।

मुतक़िम (منتقم) अ वि –बदी का बदला लेनेवाला, प्रत्यपकारी।

मुंतक़िल (منتقل) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान को जानेवाला, एक स्थान से दूसरे स्थान को हटनेवाली वस्तु, एक स्थान से दूसरे स्थान को तबादले पर जानेवाला नौकर।

मुतकिली (منتقلی) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, एक जगह की चीज का दूसरी जगह जाना, नौकर का तबादला।

मुंतख़ब (منتخب) अ वि –छाँटा हुआ, चुना हुआ, सकलित, चुना हुआ कलाम या मजमून, निर्वाचित, चुना हुआ आदमी।

मुंतख़बात (منتخبات) अ पु –पुस्तक के रूप मे चुने हुए गद्य और पद्य का सग्रह।

मुंतज़र (منتظر) अ वि –जिसकी प्रतीक्षा देखी जा रही हो, प्रतीक्ष्य।

मुतज़िमः (منتظمہ) अ स्त्री –प्रबधकारिणी, इतिज़ाम करनेवाली।

मुंतज़िम (منتظم) अ वि –प्रबधक, व्यवस्थापक, इति-ज़ाम करनेवाला।

मुंतजिम (منتجم) अ वि –प्रकाशमान्, दीप्त, रोशन।

मुतज़िर (منتظر) अ वि –प्रतीक्षक, इतिजार करनेवाला।

मुंतज़े (منتزع) अ वि –उखडनेवाला, अस्त-व्यस्त होने-वाला।

मुंतफ़ी (منتفی) अ वि –नष्ट होनेवाला।

मुतफ़ी (منطفی) अ वि –बुझनेवाला, बुझनेवाली आग या बुझनेवाला चिराग़ आदि।

मुतफ़े' (منتفع) अ वि –लाभ उठानेवाला, लाभान्वित।

मुतबिक़ (منطبق) अ वि –चरितार्थ, ठीक-ठीक घटित होनेवाला।

मुंतबे (منطبع) अ वि –छपनेवाला, अकित होनेवाला।

मुंतशिर (منتشر) अ वि–अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, उद्विग्न, परेशान।
मुंतसिब (منتسب) अ. वि–सम्बन्ध रखनेवाला, सम्बद्ध।
मुंतहा (منتہا) अ वि–पराकाष्ठा, अंतिम सीमा, आखिरी हद, जो पराकाष्ठा को प्राप्त हो।
मुंतही (منتہی) अ वि–पराकाष्ठा या अंत को पहुँचनेवाला; विद्या में पारंगत होनेवाला, स्नातक।
मुंतिज (منتج) अ वि–फल देनेवाला, परिणाम देनेवाला।
मुंतिन (منتن) अ वि–बदबूदार, दुर्गंधयुक्त।
मुंदफे (مندفع) अ वि–निवारित, निराकृत, जो दफा हो गया हो।
मुंदमिल (مندمل) अ वि–वह घाव जो भर आया हो, रोपित।
मुंदरिज (مندرج) अ वि–लिखित, दर्ज, प्रविष्ट, अंकित।
मुंदरिजे ज़ैल (مندرج ذیل) अ वि–निम्नलिखित, नीचे-लिखा हुआ।
मुंदरिस (مندرس) अ वि–फटा-पुराना, कपड़ा, जीर्ण-शीर्ण।
मुंबइस (منبعث) अ वि–उठनेवाला।
मुंबसित (منبسط) अ वि–प्रसन्न, हर्षित, खुश।
मुंशआत (منشعات) अ पु–खतों या मज़मूनों का संग्रह।
मुंशइब (منشعب) अ वि–शाखों में बटा हुआ, तितर-बितर, मुंतशिर।
मुंशक़[क़्क़] (منشق) अ वि–फटा हुआ, जो फट गया हो, विदीर्ण।
मुंशरेह (منشرح) अ वि–खुलनेवाला, खुला हुआ।
मुंशिद (منشد) अ वि–शेर पढ़नेवाला।
मुंशियानः (منشیانہ) अ फा. अव्य–मुंशियों-जैसा, जैसे—'मुंशियान खत'।
मुंशी (منشی) अ वि–गद्य लेखक, अदीब, लिपिक, क्लर्क, वकील का मुहर्रिर, कचहरी में अर्जियाँ लिखनेवाला, जिसकी लिखावट अच्छी हो।
मुंशीखानः (منشی خانہ) अ फा. पु–मुंशियों के बैठने का स्थान, उर्दू का दफ्तर।
मुंशीगरी (منشی گری) अ फा. स्त्री–लिखने का काम, मुहर्रिरी।
मुंशीए फलक (منشی فلک) अ पु–बुध ग्रह, उतारिद।
मुंसद[द्द] (منسد) अ. वि–रुका हुआ, अवरुद्ध, जिसका इंसिदाद कर दिया गया हो।
मुंसबिग़ (منصبغ) अ वि–रंजित, रँगा हुआ।
मुंसरिफ (منصرف) अ. वि–एक दशा से दूसरी दशा में परिवर्तित होनेवाला, व्याकरण में अरबी का वह शब्द जो कारक से प्रभावित होकर अपने अंतिम अक्षर पर ज़ेर, ज़बर, पेश दे, अनव्यय।
मुंसरिम (منصرم) अ पु–प्रबंध, इंतिज़ाम करनेवाला, दीवानी का एक उहदेदार।
मुंसलिक (منسلک) अ पु.–पिरोया हुआ, लड़ी में डाला हुआ, सूत्रित, नत्थी।
मुंसिफ (منصف) अ वि–न्यायकर्ता, इंसाफ करनेवाला, दीवानी का एक उच्च पदाधिकारी, न्यायधिकर्ता।
मुंसिफमिज़ाज (منصف مزاج) अ वि.–जिसके स्वभाव में न्याय-प्रियता हो, न्यायनिष्ठ।
मुंसिफानः (منصفانہ) अ फा. अव्य.–मुंसिफों-जैसा, न्यायपूर्ण, न्यायोचित।
मुंसिफी (منصفی) अ स्त्री–न्याय, इंसाफ; मुंसिफ की कचहरी, मुंसिफ का पद।
मुअंबर (معنبر) अ वि–अंबर की सुगंध में बसा हुआ, अंबर-जैसी सुगंध देनेवाला।
मुअंबरी (معنبریں) अ फा वि.–दे. 'मुअंबर'।
मुअक़्क़द (معقد) अ वि–ग्रथित, गठीला; जिस इबारत में ता'कीद का दोष हो।
मुअक़्क़र (موقر) अ. वि–प्रतिष्ठित, पूज्य, काबिले एह्तिराम; ज़िम्मेदार, मान्य।
मुअक़्क़िद (معقد) अ वि–गाँठ लगानेवाला।
मुअज़्ज़ज़ (معزز) अ वि–प्रतिष्ठित, ज़ी इज़्ज़त, सम्मानित, मोहतरम।
मुअज़्ज़मः (معظمہ) अ वि.–पूज्य स्त्री, पूज्य स्थान, जैसे–मक्कए मुअज़्ज़म'।
मुअज़्ज़म (معظم) अ वि–प्रतिष्ठित, इज़्ज़तदार, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग।
मुअज्जल (معجل) अ वि–शीघ्रित, जल्दी किया हुआ।
मुअज़्ज़िन (معذن) अ पु–मस्जिद में अज़ान देनेवाला।
मुअज़्ज़िब (معذب) अ. वि–सख्त कष्ट देनेवाला, अज़ाब यानी पापदंड देनेवाला।
मुअज्जिल (معجل) अ.वि–जल्दी करनेवाला, उतावला।
मुअत्तर (معطر) अ वि–सुगंधित, सुवासित, खुशबू में वसा हुआ।
मुअत्तल (معطل) अ वि–जो काम करने से रोक दिया गया हो, जिसके पास काम न हो, बेकार, जो संस्था अपना काम न कर रही हो, सस्पेण्ड।
मुअत्तिश (معطش) अ वि–प्यास लगानेवाली चीज़, जिसके खाने से प्यास अधिक लगे।

मुअर्बद (معربد) अ वि –तीव्र प्रकृतिवाला, कटु स्वभाव-वाला, बदखू, लड़ाका, कलहप्रिय।
मुअद्दिल (معدل) अ वि –दो बराबर भागों में बाँटनेवाला।
मुअद्दिलुन्नहार (معدل النهار) अ पु –वह वृत्त जिस पर सूर्य के पहुँचने से दिन-रात बराबर होते हैं, नाडीवृत्त।
मुअद्दी (مودی) अ वि –पहुँचानेवाला, भेजनेवाला, प्रेषक।
मुअन्वन (معنون) अ वि –किसी के नाम समर्पित की गयी पुस्तक।
मुअद्दद (معدد) अ वि –गणित, गिना हुआ, शुमार किया हुआ।
मुअद्दब (مودب) अ वि –शिष्ट, सभ्य, तमीज़दार, अदब के साथ, शिष्टतापूर्ण।
मुअद्दा (مودی) अ वि –अदा किया हुआ, बेबाक, शोधित।
मुअन्नस (مونث) अ स्त्री –स्त्रीलिंग।
मुअम्मर (معمر) अ वि –बड़ी आयुवाला, बूढ़ा, वयोवृद्ध।
मुअम्मा (معما) अ पु –प्रतियोगिता।
मुअय्यिद (موید) अ वि –ताईद करनेवाला, हाँ में हाँ मिलानेवाला, समर्थक।
मुअय्यन (معین) अ वि –निश्चित, नियत, मुकर्रर।
मुअर्रब (معرب) अ वि –अन्य भाषा का शब्द जो अरबी बना लिया जाय।
मुअर्रा (معرا) अ वि –विहीन, रिक्त, खाली, वह पुस्तक जिसकी टीका न हो, वह गद्य जो बिलकुल सादा हो।
मुअर्रिक (معرق) अ वि –पसीना लानेवाली दवा।
मुअर्रिख (مورخ) अ वि –इतिहास लेखक, तारीखदाँ।
मुअर्रिखान (مورخانه) अ फा अव्य –इतिहास लेखकों-जैसा।
मुअर्रिखे वक्त (مورخ وقت) अ पु –समयरूपी इतिहास लेखक।
मुअर्रिफ (معرف) अ वि –प्रशंसक, ता'रीफ करनेवाला।
मुअल्लक (معلقه) अ वि –बीच में लटकी हुई चीज, बीच में लटकी हुई स्त्री जिससे पति न तो छोड़े, न अपने पास रखे।
मुअल्लक (معلق) अ वि –अधर में लटका हुआ, हवा में ठहरा हुआ, वह मृत्यु जो टल जाय, वह काम जो बीच में रुका हो।
मुअल्लफ (مولفه) अ वि –तालीफ की हुई पुस्तक, संपादित पुस्तक।
मुअल्लफ (مولف) अ वि –संपादित, रचित, तालीफ किया हुआ।
मुअल्लफात (مولفات) अ पु –संपादित पुस्तकें, लिखी हुई किताबें।
मुअल्ला (معلی) अ वि –उच्च, उत्तुंग, ऊँचा, श्रेष्ठ, उत्तम, आला।
मुअल्ला अल्क़ाब (معلی القاب) अ वि –बड़े अल्क़ाबों-वाला, अर्थात् श्रेष्ठ व्यक्ति।
मुअल्लिफ़ः (مولفه) अ स्त्री –संपादिका, तालीफ करने-वाली, पुस्तक संपादित करनेवाली।
मुअल्लिफ (مولف) अ पु –संपादक, संकलन करनेवाला।
मुअल्लिम: (معلمه) अ स्त्री –अध्यापिका, पढ़ानेवाली।
मुअल्लिम (معلم) अ पु –अध्यापक, पढ़ानेवाला।
मुअल्लिमुल मलकूत (معلم الملکوت) अ पु –फ़िरिश्तों को पढ़ानेवाला, शैतान।
मुअल्लिमुल मलाइक (معلم الملائک) अ पु –दे 'मुअल्लि-मुल मलकूत'।
मुअव्वज (معوج) अ वि –टेढ़ा, वक्र, खमीद।
मुअस्फर (معصفر) अ पु –कुसुम का पेड़, कुसुम।
मुअस्सिर (موثر) अ वि –असर डालनेवाला, तासीर दिखानेवाला, गुणकारी।
मुअस्सिस (موسس) अ वि –नींव रखनेवाला, शिला-न्यासकर्ता।
मुआक़बत (معاقبت) अ स्त्री –कष्ट पहुँचाना, पीड़ा देना।
मुआकलत (مواکلت) अ स्त्री –साथ-साथ खाना खाना।
मुआक़िब (معاقب) अ वि –पीड़ा देनेवाला, कष्टदायी।
मुआखज (مواخذه) अ पु –पकड़, गिरिफ्त, भूल या अपराध की पकड़, प्रतिकार, बदला।
मुआखात (مواخات) अ स्त्री –भाईचारा, बन्धुत्व, भाई-बिरादरीपन।
मुआखिज (مواخذ) अ वि –मुआखजा करनेवाला, दोष या अपराध पर कड़ी पकड़ करनेवाला।
मुआज़दत (معاضدت) अ स्त्री –सहायता, पुष्टि, हिमायत।
मुआजन: (موازنه) अ पु –तुलना, समानता, बराबरी।
मुआज़िद (معاضد) अ वि –सहायक, हिमायती।
मुआतफ़त (معاطفت) अ स्त्री –कृपा, अनुग्रह, दया, मेहर-बानी।
मुआतबत (معاتبت) अ स्त्री –परस्पर क्रोध करना, एक-दूसरे पर गुस्सा होना।
मुआतात (معاطات) अ स्त्री –देना, अता करना।
मुआतिफ (معاطف) अ वि –कृपा करनेवाला, दयालु।
मुआतिब (معاتب) अ वि –क्रोध करनेवाला, क्रोधी।
मुआदलत (معادلت) अ स्त्री –न्याय, नीति, इंसाफ़।

मुआदा (معاد) अ पु –'मुआदात' का लघु, दे 'मुआदात'।

मुआदात (معادات) अ स्त्री –परस्पर शत्रुता, आपसी बैर।

मुआदिल (معادل) अ वि –न्याय-कर्ता, मुंसिफ़, बराबर के दो टुकडे करनेवाला।

मुआनक़ः (معانقہ) अ पु –गले मिलना, एक का दूसरे से गले मिलना, आलिंगन, बगलगीरी।

मुआनदत (معاندت) अ स्त्री –परस्पर द्वेष, आपसी बैर।

मुआनसत (مؤانست) अ स्त्री –परस्पर मैत्री, दोस्ती, मित्रता।

मुआनिक (معانق) अ वि –गले मिलनेवाला, बगलगीर होनेवाला।

मुआनिद (معاند) अ वि –शत्रु, बैरी, दुश्मन।

मुआनिदीन (معاندین) अ पु –'मुआनिद' का बहु, विरोधी लोग, द्वेष रखनेवाले।

मुआनिस (مؤانس) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त।

मुआफ (معاف) अ वि –क्षमा प्राप्त, क्षमित।

मुआफ़कत (موافقت) अ स्त्री –समानता, यकसानियत, अनुकूलता, इत्तिफ़ाक, मैत्री, दोस्ती।

मुआफ़िक़ (موافق) अ वि –अनुकूल, मुत्तफ़िक, मित्र, दोस्त।

मुआफ़िक़ीन (موافقین) अ पु –'मुआफिक' का बहु, अनुकूल लोग।

मुआफी (معافی) अ स्त्री –क्षमा, बख़्शिश।

मुआफीदार (معافی دار) अ फा वि –जिसे मुआफी की जमीन या जागीर मिली हो।

मुआफीनामः (معافی نامہ) अ फा पु –वह पत्र जिसमे कोई व्यक्ति अपने अपराध-क्षमा की लिखित तह्‌रीर दे, क्षमापत्र।

मुआमरत (مؤامرت) अ स्त्री –परस्पर सलाह मशवुर, विचार-विनिमय, परामर्श।

मुआमलः (معاملہ) अ पु –परस्पर मिलकर कोई काम करना, व्यवसाय, कारोबार, लेन-देन, घटना, हादिसा, समझौता, तस्फ़िया, कलह, झगडा, विषय, सम्बन्ध, मुकद्दमा, बरताव, साबिका।

मुआमलःअंदेश (معاملہ اندیش) अ फा वि –मुआमले को सोचकर काम करनेवाला।

मुआमल अंदेशी (معاملہ اندیشی) अ फा स्त्री –मुआमला सोच-समझकर काम करना।

मुआमल.दाँ (معاملہ داں) अ फा वि –मुआमले को समझनेवाला, दूरदर्शी, बात की तह को समझनेवाला, अनुभवी, तज्रबाकार।

मुआमल दानी (معاملہ دانی) अ फा स्त्री –मुआमला समझकर काम करना, बात की तह को पहुँचना, तज्रबाकारी।

मुआमल.नादाँ (معاملہ ناداں) अ फा वि –जो मुआमला न समझे, मूर्ख, बेवकूफ।

मुआमल.पसंद (معاملہ پسند) अ फा वि –मुआमले की बात को पसंद करनेवाला।

मुआमलःपसंदी (معاملہ پسندی) अ फा स्त्री –मुआमले की बात पसंद करना, मुआमले की बात मानना।

मुआमल.फ़ह्‌म (معاملہ فہم) अ वि –दे 'मुआमल दाँ'।

मुआमलःफ़ह्‌मी (معاملہ فہمی) अ स्त्री –दे 'मुआमल दानी'।

मुआमल.बंद (معاملہ بند) अ फा वि –मुआमल बंदी करनेवाला।

मुआमल.बंदी (معاملہ بندی) अ फा स्त्री –शे'र अर्थात् कविता में नायक और नायिका के प्रेम के मुआमलों को इस प्रकार बाँधना कि उनका प्राकृतिक चित्र आँखों के सामने फिर जाय।

मुआमल बीं (معاملہ بیں) अ फा वि –दे 'मुआमल-अंदेश'।

मुआमलःबीनी (معاملہ بینی) अ फा वि –दे 'मुआमल अंदेशी'।

मुआमल शनास (معاملہ شناس) अ फा वि –दे 'मुआमल दाँ।'

मुआमल शनासी (معاملہ شناسی) अ फा स्त्री –दे 'मुआमल दानी'।

मुआमल संज (معاملہ سنج) अ फा वि –दे 'मुआमल दाँ'।

मुआमल'संजी (معاملہ سنجی) अ फा स्त्री –दे 'मुआमल दानी'।

मुआमलत (معاملت) अ स्त्री –बाहमी मुआमल, पारस्परिक व्यवहार।

मुआमलात (معاملات) अ पु –'मुआमल' का बहु, काम, उमूर, तअल्लुकात, सम्बन्ध, व्यवहार, तर्जेअमल, मुकद्दमे।

मुआमलाते क़ौमी (معاملات قومی) अ पु –राष्ट्र के राजनीतिक मुआमले, जातीय समस्याएँ, जाति और बिरादरी के मुआमले।

मुआमलाते ख़ानगी (معاملات خانگی) अ फा पु –घरेलू झगडे, घरेलू और निजी मुआमले।

मुआमलाते ख़ुफ्य. (معاملات خفیہ) अ फा पु –वह मुआमले जो कहे न जा सके, गुप्त बाते, रहस्य।

मुआमलाते ज़ाती (معاملات ذاتی) अ पु —निजी मुआमले, घरेलू समस्याएँ, वैयक्तिक समस्याएँ।

मुआमलाते मुल्की (معاملات ملکی) अ पु —राष्ट्र की समस्याएँ, राजनीतिक उलझनें, सियासी मुआमले।

मुआमलाते शख़्सी (معاملات شخصی) अ पु —दे 'मुआमिलाते ज़ाती'।

मुआमलाते सल्तनत (معاملات سلطنت) अ पु —राज्य की समस्याएँ, राजनीति की उलझनें या मुआमले।

मुआमलाते हुकूमत (معاملات حکومت) अ पु —दे 'मुआमलाते सल्तनत'।

मुआमिल (معامل) अ वि —मुआमला करनेवाला।

मुआयनः (معاینہ) अ पु —किसी चीज़ या विषय मे पूरा गौर करना, पर्यवेक्षण, किसी कार्यालय आदि के कामो की जाँच-पड़ताल करना, निरीक्षण।

मुआरज़ः (معارضہ) अ पु —कलह, झगड़ा, टटा, वाद-विवाद, बह्स।

मुआरिज़ (معارض) अ वि —कलह और झगड़ा करनेवाला, वाद-विवाद करनेवाला, प्रतिद्वन्द्वी, हरीफ, विरोधी, मुखालिफ।

मुआलजः (معالجہ) अ पु —चिकित्सा, उपचार, इलाज, यत्न, तदबीर, उपाय।

मुआलजात (معالجات) अ पु —'मुआलज' का बहु, इलाज, उपचार, वह ग्रथ जो चिकित्सा के सम्बन्ध में हो, नुस्खो की किताबें, किसी बड़े हकीम के मतब के नुस्खो का सग्रह।

मुआलफत (موالفت) अ स्त्री —पस्पर मैत्री, प्रेम-व्यवहार, दोस्ती, मित्रता।

मुआला (موالا) अ पु —'मुआलात' का लघु, दे 'मुआलात'।

मुआलात (موالات) अ स्त्री —परस्पर मित्रता और सहायता, दोस्ती और एक दूसरे की मदद।

मुआलिज (معالج) अ पु —इलाज करनेवाला, चिकित्सक, वैद्य, भिषक्।

मुआवज़ः (معاوضہ) अ पु —किसी वस्तु का मूल्य जो वस्तु के बदले मे दिया जाय, मूल्य, वह धन जो किसी क्षति के बदले मे दिया जाय, क्षति-पूर्ति के लिए धन देना।

मुआवदत (معاودت) अ स्त्री —प्रत्यागमन, लौटना, वापसी।

मुआवनत (معاونت) अ स्त्री —एक दूसरे की सहायता, सहायता, मदद।

मुआविन (معاون) अ वि —सहायक, मददगार, वह नदी जो किसी बड़ी नदी मे मिले, सहायक नदी, पक्षपाती, पृष्ठ-पोषक, हिमायती।

मुआविने जुर्म (معاون جرم) अ वि —जो किसी अपराध या षड्यत्र में किसी का सहायक हो।

मुआशरः (معاشرہ) अ पु —दे 'मुआशरत'।

मुआशरत (معاشرت) अ स्त्री —बहुत-से लोगो का एक स्थान पर रहकर मेल-जोल और एक-दूसरे को सहायता देकर जीवन व्यतीत करना, नागरिकता, सभ्यता, तहज़ीब।

मुआशिर (معاشر) अ वि —मुआशरत करनेवाला, नागरिक, मित्र, सखा, दोस्त, हमदम।

मुआसरत (معاصرت) अ स्त्री —दो या अधिक व्यक्तियो का समकालीन होना।

मुआसा (مواسا) अ पु —'मुआसात' का लघु, दे 'मुआसात'।

मुआसात (مواسات) अ स्त्री —सहायता, मदद, सहानुभूति, गमख्वारी, शील, मुरव्वत।

मुआसिर (معاصر) अ वि —एक समय में होनेवाला, एक समय मे होनेवाले व्यक्ति, समकालीन।

मुआसिरीन (معاصرین) अ पु —'मुआसिर' का बहु, समकालीन लोग।

मुआहद (معاہدہ) अ पु —परस्पर क़ौलक़रार, आपस में किसी बात की प्रतिज्ञा, ऐग्रीमेंट, सप्रतिज्ञा।

मुआहदत (معاہدت) अ स्त्री —दे 'मुआहद'।

मुआहिद (معاہد) अ वि —प्रतिज्ञा करनेवाला, ऐग्रीमेंट करनेवाला।

मुइज़्ज़ (معز) अ वि —संमान, प्रतिष्ठा देनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

मुइद [द्द] (معد) अ वि —कटिबद्ध और तैयार करनेवाला।

मुईद (معید) अ वि —किसी कार्य को बारबार करनेवाला।

मुईन (معین) अ वि —सहायक, मददगार, पृष्ठ-पोषक, हिमायती।

मुऐयन (معینہ) अ वि —नियत, मुकर्रर, जैसे—'तारीखे मुअय्यन'।

मुऐयन (معین) अ वि —नियत, निश्चित, मुकर्रर, दे 'मुअय्यन'।

मुऐयिद (موید) अ वि —समर्थक, ताईद और पुष्टि करनेवाला, दे 'मुअय्यिद'।

मुकज़्ज़ब (مکذب) अ वि —जिसकी बात को झूठ बताया या साबित किया गया हो, जो बात झूठ साबित की गयी हो।

मुकज़्ज़िब (مکذب) अ वि —किसी को झूठा बतानेवाला, किसी की बात को झूठ साबित करनेवाला।

मुक़त्तर (مقطر) अ वि —बूँद-बूँद करके टपकाया हुआ, कर्अइबीक मे खीचा हुआ, निथार, ऊपर का साफ पानी या दवा आदि।

मुक़त्ता (مقطع) अ वि—छाँटा तराशा हुआ, शिष्ट, सस्कृत, शाइस्ता, जिसकी डाढी तर्शी हुई हो।

मुक़द्दमः (مقدمہ) अ पु.—वाद, नालिश, दावा, किताब की भूमिका, प्रस्तावना, प्राक्कथन, पेश लफ्ज, विषय, मुआमला, कार्य, काम।

मुक़द्दमःबाज़ (مقدمہ باز) अ फा वि—जो बहुत मुकदमे लडता हो, जो ज़रा-ज़रा-सी बात पर मुकदमे कर देता हो, जो मुकदमाबाजी में बहुत होशियार हो।

मुक़द्दम (مقدم) अ वि—प्रधान, मुरज्जह, मुख्य, खास, (पु.) गाँव का मुखिया; अगला हिस्सा।

मुक़द्दर (مقدر) अ पु—प्रारब्ध, भाग्य, अदृष्ट, तक्दीर, भाग, किस्मत, वह शब्द जो इबारत मे न हो परतु अर्थ में लिया जाय, लुप्त।

मुकद्दर (مكدر) अ वि—मलिन, मैला, गदला, अप्रसन्न, नाखुश।

मुक़द्दरआज़्माई (مقدرآزمائی) अ फा स्त्री—भाग्य-परीक्षा, तक्दीर की आजमाइश, किसी काम मे हाथ डालना और यह देखना कि होता है या नही।

मुक़द्दरात (مقدرات) अ पु—तकदीर की बाते, भाग्य मे लिखे हुए मुआमलात।

मुक़द्दसः (مقدسہ) अ वि—पवित्र, पाक चीज।

मुक़द्दस (مقدس) अ वि—पवित्र, पाक, पुनीतात्मा, बुजुर्ग।

मुक़द्दिमः (مقدمہ) अ वि—आगे चलनेवाली।

मुक़द्दिमतुलजैश (مقدمۃالجیش) अ पु—वह थोडी सेना जो बडी सेना के आगे चलकर उसके पडाव आदि का प्रबध करती या शत्रु की सेना के समाचार प्राप्त करती है, हिरावुल, नायक, सरदार, नेता, लीडर।

मुक़न्निनः (مقننہ) अ स्त्री—विधानसभा, लेजिस्लेटिव एसेम्बली।

मुक़न्निन (مقنن) अ वि—कानून जाननेवाला, कानून-पेश वकील, कानून बनानेवाला, विधायक।

मुक़फ्फल (مقفل) अ वि—जिसमें कुफुल पडा हो, यत्रित, जैसे—'मुकफ्फल सदूक'।

मुक़फ्फा (مقفیٰ) अ वि—वह गद्य जो अनुप्रासात्मक हो।

मुकब्बर (مكبر) अ पु—मस्जिद मे वह ऊँचा स्थान जहाँ तक्बीर कहनेवाला खडा होता है—यह स्थान केवल बहुत बडी मस्जिदो में होता है।

मुकब्बिर (مكبر) अ वि—तक्बीर कहनेवाला, वह जो मुकब्बर पर चढकर नमाज मे तक्बीरे कहे ताकि दूर के नमाजी सुन ले।

मुकम्मल (مكمل) अ वि—सपूर्ण, कामिल, समाप्त, खतम, सर्वांगपूर्ण, हर तरह से मुकम्मल।

मुकम्मिल (مكمل) अ वि—पूर्ति करनेवाला, समाप्ति करनेवाला।

मुक़य्यद (مقید) अ वि—जो कैद मे हो, वदी, कैदी, जिसमे कोई शर्त लगा दी गयी हो।

मुक़य्यश (مقیش) अ वि—सोने-चाँदी के तारो का बना हुआ कपडा, दे 'मुकैश', उर्दू मे अधिकतर यूँ ही बोलते हैं।

मुक़र्नस (مقرنس) अ वि—बडी और भव्य इमारत, चित्रित, मुनक्कश, पाड जिस पर बैठकर राज इमारत बनाता है।

मुक़र्रज़ (مقرض) अ वि—जिसे कैंची से काटकर महीन किया गया हो।

मुक़र्रब (مقرب) अ वि—समीपवर्ती, निकटस्थ, हमनशी, पास का बैठनेवाला, सभासद्।

मुक़र्रबीन (مقربین) अ पु—'मुकर्रब' का बहु, सभासद्जन, मुसाहिब लोग।

मुकर्रम (مكرم) अ वि—प्रतिष्ठित, पूज्य, मोहतरम।

मुक़र्ररः (مقررہ) अ वि—नियत, निश्चित।

मुक़र्रर (مقرر) अ वि—नियत, निश्चित, मुअय्यन, नियुक्त, मुअय्यन, अवश्य, यकीनी।

मुकर्रर (مكرر) अ वि—पुन, फिर, दुबारा।

मुकर्ररात (مكررات) अ पु—वे बाते जो किसी लेख मे बार-बार आयी हो।

मुक़र्रिर (مقرر) अ वि—तक़रीर करनेवाला, वक्ता, भाषण देनेवाला।

मुक़र्रिरीन (مقررین) अ पु—'मुकर्रिर' का बहु, भाषण देनेवाले, वक्तागण।

मुकल्लफ (مكلف) अ वि—जिसमे तकल्लुफ किया गया हो, पुर तकल्लुफ, जो खूब सजाया गया हो, सुसज्जित।

मुकल्लफात (مكلفات) अ पु—पुर तकल्लुफ चीजे।

मुकल्लल (مكلل) अ वि—ताज पहने हुए, टोपीदार, छत्तेदार, चमकता हुआ, मुलम्मा किया हुआ।

मुकल्लस (مكلس) अ वि—जलाकर चूना बनाया हुआ।

मुक़ल्लिद (مقلد) अ वि—तक्लीद करनेवाला, अनुकारी, अनुकरण करनेवाला, अनुयायी, पैरौ, शिष्य, चेला, मुरीद, मुसलमानो का वह समुदाय जो खुदा और रसूल के अतिरिक्त चारो इमामो को भी मानता है।

मुक़ल्लिदीन (مقلدین) अ पु—वे मुसल्मान जो हनफी शाफिई आदि मतो को माननेवाले हैं।

मुकल्लिफ (مكلف) अ वि—कष्टदाता, तक्लीफ़ देने-

वाला, निमन्त्रण दाता, चूँकि वह अपने घर बुलाने का कष्ट देता है, इसलिए स्वय को 'मुकलिल्फ' कहता है।

मुक़ल्लिब (مقلب) अ वि —पलट देनेवाला, उलटा कर देनेवाला, फेर देनेवाला।

मुक़ल्लिबुल क़ुलूब (مقلب القلوب) अ वि —दिलो को बदल देनेवाला, बुरो को अच्छा वना देनेवाला, दिलो में दयाभाव उत्पन्न कर देनेवाला, ईश्वर की सिफत।

मुक़व्वस (مقوس) अ वि —वह चीज़ जो धनुष की भाँति टेढी हो, झुका हुआ, नमित।

मुक़व्वी (مقوی) अ. वि —शक्ति देनेवाला, बलवर्द्धक, काम-शक्ति बढानेवाला, पुष्टिकर, कामवर्द्धक।

मुक़व्वीए आसाब (مقوی اعصاب) अ वि —रगो और पट्ठो को शक्ति देनेवाली दवा।

मुक़व्वीए बाह (مقوی باہ) अ वि —मैथुनबल और काम-शक्ति को बढानेवाली ओषधि, कामवर्द्धक।

मुक़श्शर (مقشر) अ वि —छिलका उतरा हुआ।

मुक़स्सर (مقصر) अ वि —कम किया हुआ, छोटा किया हुआ।

मुकस्सर (مکسر) अ वि —टूटा हुआ, टुकडे-टुकडे किया हुआ।

मुकस्सर (مکثر) अ वि —अधिक किया हुआ, दो असमान सख्याओ का गुणनफल।

मुकस्सिर (مکسر) अ वि —तोडनेवाला, टुकडे-टुकडे करने-वाला।

मुक़स्सिर (مقصر) अ वि —कम करनेवाला, छोटा करने-वाला, त्रुटि करनेवाला, गलती करनेवाला।

मुकह्हल (مکحل) अ वि —आँखो मे सुर्मा लगाये हुए, सुर्मा लगी हुई आँखें।

मुक़'अर (مقعر) अ वि —गहरा, अथाह, गर्त, गढा, भीतरी तल जो खोखला हो।

मुक़ातअः (مقاطعہ) अ पु —काटना, खडन करना।

मुकातबत (مکاتبت) अ स्त्री —परस्पर पत्र व्यवहार, आपस की खतोकितावत।

मुक़ातलः (مقاتلہ) अ पु —एक-दूसरे को वध करना, परस्पर मारकाट, युद्ध, सग्राम, जग।

मुक़ातिल (مقاتل) अ वि —वधिक, हिंसक, कत्ल करनेवाला।

मुक़ाते (مقاطع) अ वि —काटनेवाला, विच्छेदक, ठेका लेनेवाला, ठेकेदार।

मुकाफात (مکافات) अ स्त्री —बुराई का बदला, प्रत्य-पकार,; पापदड, गुनाह की सजा।

मुकाबरः (مکابرہ) अ पु —परस्पर अपने को दूसरे से बडा बताना या साबित करना, कलह, युद्ध, लडाई।

मुक़ाबलः (مقابلہ) अ पु —आमना-सामना, सम्मुखता, समानता, बराबरी, उद्दडता, सरकशी, सम्बन्धी, कम्पी-टीशन, प्रतियोगिता, जाँच का मुक़ाबला, नक्ल का अस्ल पुस्तक या लेख से मिलान।

मुक़ाबलतन (مقابلتاً) अ अव्य —मुकाबले में, अपेक्षा।

मुक़ाबिल (مقابل) अ वि —प्रत्यक्ष, समुख, सामने, समान, बराबर, सदृश, मिस्ल, विरोधी, बैरी; प्रतिद्वद्वी, रक़ीब।

मुक़ाम (مقام) अ पु —देर तक ठहराव, कियाम।

मुक़ामी (مقامی) अ वि —मुकाम से सम्बन्ध रखनेवाला।

मुक़ारनत (مقارنت) अ स्त्री —एक स्थान पर एकत्र होना, इकट्ठा होना, दो ग्रहो का एक राशि में एकत्र होना।

मुक़ारबत (مقاربت) अ स्त्री —क़रीब होना, समीप होना, समीपता, नज़दीकी।

मुक़ारिन (مقارن) अ वि —एकत्र, इकट्ठा, एक जगह।

मुक़ारिब (مقارب) अ वि —समीप होनेवाला।

मुकालमः (مکالمہ) अ पु —वार्तालाप, परस्पर बातचीत, सवाद, कथोपकथन, डायलाग।

मुकालम.नवीस (مکالمہ نویس) अ फा वि —नाटक आदि में डायलाग लिखनेवाला, सवाद-लेखक।

मुकालम.नवीसी (مکالمہ نویسی) अ फा स्त्री.—सवाद लिखना।

मुक़ावमत (مقاومت) अ स्त्री —किसी के साथ बराबरी करना।

मुक़ावलः (مقاولہ) अ पु —परस्पर कौल-करार, मुआहद', ठेका।

मुकाशफ़' (مکاشفہ) अ पु —आत्मशक्ति द्वारा वह कुछ देखना, जो दूसरे नही देख सकते, खुले तौर पर शत्रुता करना, खुल्लमखुल्ला लडाई लडना।

मुकाशफात (مکاشفات) अ पु —'मुकाशफ' का बहु, दिव्य दृष्टि के ज्ञान।

मुकाशहत (مکاشحت) अ स्त्री —विरोध, वैर, शत्रुता।

मुक़ासमत (مقاسمت) अ स्त्री —परस्पर बँटवारा करना, आपस मे बाँटना।

मुक़ासात (مقاسات) अ स्त्री —दु'ख उठाना, कष्ट झेलना।

मुकिब [ब्ब] (مکب) अ वि —मुँह के बल औंधा गिरने अथवा गिरानेवाला।

मुक़िर [र्र] (مقر) अ वि —इक़रार करनेवाला, वचन देने-वाला, वादा करनेवाला।

मुक़िल [ल्ल] (مقل) अ वि —भिक्षुक, मँगता, कम करनेवाला।

मुक़ी (مقی) अ वि —वह ओषधि जिसके खाने से क़ै हो, वमि।

मुक़ीत (مقيت) अ. वि—अन्नदाता, रोज़ी देनेवाला, बलवान्, ताकतवर, रक्षक, रखवाला, साक्षी, गवाह, सामने उपस्थित, हाज़िर।

मुकीद (مكيد) अ वि—छली, वचक, फरेबी।

मुक़ीम (مقيم) अ वि—थोड़े दिनों के लिए कहीं ठहरा हुआ; निवासी, रहनेवाला।

मुक़ैयद (مقيد) अ. वि—बंदी, क़ैदी।

मुक़ैयश (مقيش) अ पु—दे 'मुक़्क़ैश'।

मुकौकब (مكوكب) अ वि—वह चीज़ जिस पर सितारे जड़े हों, वह चीज़ जिस पर सुनहले या रुपहले चाँद-तारे बने हों; जिसमें सोने-चाँदी की सलाखें गड़ी हों।

मुक़्क़ैश (مقيش) फ़ा पु—चाँदी-सोने के चौड़े तार, इन तारों का बना हुआ कपड़ा।

मुक़्क़ैशी (مقيشى) फ़ा वि.—बादले का, ज़री का, सोने-चाँदी के तारों का।

मुक्तज़ब (مقتضب) अ वि—काटा हुआ, दे 'बहे मुक्तज़ब'।

मुक़्तज़ा (مقتضا) अ वि.—तक़ाज़ा, माँग, इच्छा।

मुक़्तज़ाए उम्र (مقتضاے عمر) अ. वि—आयु की माँग, उम्र का तक़ाज़ा।

मुक़्तज़ाए फ़ित्रत (مقتضاے فطرت) अ वि—स्वभाव का तक़ाज़ा।

मुक़्तज़ाए वक़्त (مقتضاے وقت) अ. वि.—समय की माँग, समय का आदेश।

मुक़्तज़ाए शराफ़त (مقتضاے شرافت) अ वि—सज्जनता का तक़ाज़ा।

मुक़्तज़ाए सिन (مقتضاے سن) अ. वि—दे. 'तक़ाज़ाए उम्र'।

मुक़्तज़िब (مقتضب) अ पु—काटनेवाला।

मुक़्तज़ी (مقتضى) अ. वि—माँग करनेवाला, तक़ाज़ा करनेवाला, इच्छुक, इच्छुक।

मुक्ततम (مكتتم) अ वि—गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुक़्तदर (مقتدر) अ. वि.—अधीन, वशीभूत।

मुक़्तदा (مقتدا) अ वि—जिसका सब लोग अनुकरण करें, अग्रसर, नेता, पूज्य, श्रेष्ठ।

मुक़्तदाए क़ौम (مقتداے قوم) अ पु—राष्ट्र का नेता, कौम का रहनुमा।

मुक़्तदिर (مقتدر) अ. वि—सत्तावान्, इख्तिदारवाला।

मुक़्तदी (مقتدى) अ. वि—जो अनुकरण करे, अनुयायी, अनुगामी।

मुक्तनिफ़ (مكتنف) अ वि—एकांतवासी, निवृत्त, रक्षा का स्थान ढूँढनेवाला।

मुक्तनिस (مقتنص) अ वि—शिकार करनेवाला; बंदी बनानेवाला; कमानेवाला।

मुक्तफ़ी (مكتفى) अ वि—पर्याप्त, काफ़ी, पूरा।

मुक़्तफ़ी (مقتفى) अ. वि—पीछे से आनेवाला।

मुक़्तर [तॅ] (مقتر) अ वि—दरिद्र, कगाल, भिक्षुक, फ़कीर।

मुक्तसब (مكتسب) अ वि—कमाया हुआ, उपार्जित।

मुक्तसिब (مكتسب) अ वि—कमानेवाला, उपार्जन करनेवाला।

मुक़्तसिर (مقتصر) अ वि—कम करनेवाला।

मुक्तसी (مكتسى) अ वि—कंबल ओढ़नेवाला; कंबल बगल में रखनेवाला, कपड़े पहननेवाला।

मुक़्तहिम (مقتحم) अ. वि—अत्याचारी, ज़ालिम, विजेता, ग़ालिब, धारण करनेवाला।

मुक्नत (مكنت) अ स्त्री—शक्ति, ताक़त, धनाढ्यता, मालदारी, सामर्थ्य, कुद्रत।

मुक़्बिल (مقبل) अ वि—स्वीकार करनेवाला, किसी की ओर मुँह करनेवाला, भाग्यशाली, समृद्ध।

मुक्फ़ी (مكفى) अ वि—काफ़ी, पर्याप्त।

मुक़्री (مقرى) अ. वि—पढ़ानेवाला, अध्यापक।

मुक़्लः (مقله) अ पु—आँख का ढेला गोलक।

मुक़्ल (مقل) अ स्त्री—गूगल, एक प्रसिद्ध गोंद।

मुख़ [ख़्ख़] (مخ) अ पु—मज्जा, हड्डी का गूदा, मस्तिष्क, भेजा, सार, तत्त्व, खुलासा।

मुख़ज़्ज़ब (مخضب) अ वि—जिसने खिज़ाब किया हो।

मुख़त्तत (مخطط) अ वि—धारीदार, जिस पर धारियाँ हों, वह चेहरा जिस पर दाढ़ी के बाल निकल आये हों।

मुख़द्दरः (مخدره) अ वि—पर्दे में रहनेवाली स्त्री।

मुख़द्दर (مخدر) अ वि—जो सुन्न हो गया हो।

मुख़द्दरात (مخدرات) अ स्त्री—पर्दे में रहनेवाली महिलाएँ, बड़े घर की पर्दा नशीन औरतें।

मुख़द्दिर (مخدر) अ वि—सुन्न कर देनेवाली दवा।

मुख़न्नस (مخنث) अ पु—जो न मर्द हो न स्त्री, नरदारा, नपुसक, हीजड़ा।

मुख़फ़्फ़फ़ (مخفف) अ. वि—जिसमें तख़्फ़ीफ़ अर्थात् कमी हुई हो, वह शब्द जिसमें कुछ अक्षर कम कर दिये गये हों, जैसे—'माह' का 'मह्'।

मुख़म्मर (مخمر) अ वि—जिसका ख़मीर उठाया गया हो, ख़मीर उठा हुआ।

मुख़म्मस (مخمس) अ पु—वह नज़्म जिसमें हर बंद में पाँच-पाँच मिस्रे हों।

मुख़य्यलः (مخیلہ) अ पु –सोचा हुआ, विचारा हुआ, कल्पना किया हुआ, कल्पित, मस्तिष्क, दिमाग़।

मुख़य्यिर (مخیر) अ वि –मुक्तहस्त, वदान्य, दानशील, सख़ी, फ़ैयाज़।

मुख़य्यिलः (مخیلہ) अ स्त्री –विचार-शक्ति, ख़याल की कुव्वत, कल्पना-शक्ति, कुव्वते मुतख़ैयिल।

मुख़र्रब (مخرب) अ वि –ध्वस्त, नष्ट, बरबाद।

मुख़र्रिब (مخرب) अ वि –ध्वस्तकारी, बरबाद करनेवाला।

मुख़र्रिबे अख़लाक़ (مخرب اخلاق) अ वि –अख़्लाक और आचरण को ख़राब करनेवाला।

मुख़र्रिबे आ'माल (مخرب اعمال) अ वि –आचरण को दूषित करनेवाला, बुरा काम।

मुख़लख़ल (مخلخل) अ वि –वह चीज़ जिसके टुकड़े परस्पर मिले और जुड़े हुए न हों, जिनके बीच में कुछ अंतर हो।

मुख़ल्लद (مخلد) अ वि –नित्य, हमेशा, नश्वर, दवामी।

मुख़ल्ला' (مخلع) अ वि –जिसे खिलअत दी गयी हो।

मुख़ल्ला (مخلی) अ वि –रिक्त किया हुआ, ख़ाली किया हुआ, स्वच्छंद छोड़ा हुआ, स्वतंत्र।

मुख़ल्लाबित्तब्अ़ (مخلی بالطبع) अ वि –जिसे उसके मन पर स्वच्छंद छोड़ दिया जाय, बेतकल्लुफ़।

मुख़व्वफ़ (مخوف) अ वि –भयभीत, डरा हुआ, डराया हुआ।

मुख़व्विफ़ (مخوف) अ वि –डरानेवाला, त्रासक।

मुख़स्सस (مخصص) अ वि.–मख़्सूस, जिसके साथ कोई ख़ुसूसियत बरती गयी हो, प्रधान।

मुख़ात (مخاط) अ स्त्री –नासा-स्राव, नाक।

मुख़ातब (مخاطبہ) अ पु –सम्बोधन, किसी की ओर मुंह करके उससे बात करना।

मुख़ातब (مخاطب) अ वि –सम्बोधित, जिससे बात की जाय।

मुख़ातबात (مخاطبات) अ पु –'मुख़ातब' का बहु, परस्पर बात-चीत, पत्रव्यवहार, ख़तोकिताबत।

मुख़ातरः (مخاطرہ) अ पु –भय, शंका, ख़त्रा।

मुख़ातिब (مخاطب) अ वि –सम्बोधन कर्ता, बोलनेवाला, बात करनेवाला।

मुख़ादअ़त (مخادعت) अ स्त्री –छल, मक्र, धोखा।

मुख़ादे' (مخادع) अ वि –छली, वंचक, फ़रेबी।

मुख़ाफ़तत (مخافتت) अ स्त्री –धीरे-धीरे पढ़ना।

मुख़ाती (مخاطی) अ वि –अपराध करनेवाला, ख़ताकार, बिगड़ा हुआ बलगम जो नाक के रेंट के समान हो जाता है।

मुख़ादआत (مخادعات) अ पु –'मुख़ादअत' का बहु, छल, धोखे, फ़रेब।

मुख़ालतत (مخالطت) अ स्त्री –घनिष्ठता, बहुत अधिक मेल-जोल, प्रेम-व्यवहार।

मुख़ालफ़त (مخالفت) अ स्त्री –विरोध, इख़्तिलाफ़, शत्रुता, दुश्मनी, हठ, ज़िद, वैमनस्य, कशीदगी।

मुख़ालिफ़ (مخالف) अ वि –विरोधी, प्रतिकूल, मुख़ालफ़त करनेवाला, शत्रु, दुश्मन।

मुख़ालिफ़ीन (مخالفین) अ पु –'मुख़ालिफ़' का बहु, विरोध करनेवाले, विरोधी गण, शत्रुगण, दुश्मन लोग।

मुख़ासमत (مخاصمت) अ स्त्री –परस्पर झगड़ा करना, शत्रुता, दुश्मनी, परस्पर द्वेष रखना, द्वेष, कीना।

मुख़ासिम (مخاصم) अ वि –शत्रु, दुश्मन, द्वेषी, बुग़्ज़ रखनेवाला।

मुख़ासिमीन (مخاصمین) अ पु –'मुख़ासिम' का बहु, शत्रुओं का दल।

मुख़िल (مخل) अ वि –बाधक, ख़लल डालनेवाला, हस्तक्षेपी, मुज़ाहिम।

मुख़्ततम (مختتم) अ वि –समाप्त, ख़त्म, आख़िरी तौर पर ख़त्म, निर्णीत।

मुख़्तफ़ी (مختفی) अ वि –गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुख़्तम [म्म] (مختم) अ वि –मुहलगा हुआ, मुहबंद, कुफ़ुल लगा हुआ, कुफ़ुल बंद।

मुख़्तरआत (مخترعات) अ पु –'मुख़्तरा' का बहु, आविष्कृत वस्तुएँ।

मुख़्तरा' (مخترع) अ पु –आविष्कृत, ईजाद की हुई चीज़।

मुख़्तरे' (مخترع) अ वि –आविष्कारक, मूजिद, कोई नयी उपज करनेवाला, नयी बात निकालनेवाला।

मुख़्तल [ल्ल] (مختل) वि –दूषित, विकृत, बिगड़ा हुआ, अस्त-व्यस्त, गड़बड़।

मुख़्तलत (مختلط) अ वि –जिसके साथ प्रेम-व्यवहार हो, मिलाजुला, गडमड।

मुख़्तलफ़ (مختلف) अ वि –जिससे विरोध हो।

मुख़्तलफ़फ़ीह (مختلف فیہ) अ वि –जिस विषय में मतभेद हो, विवादग्रस्त।

मुख़्तलित (مختلط) अ वि –मेल-जोल रखनेवाला।

मुख़्तलिफ़ (مختلف) अ वि –विभिन्न, दूसरे प्रकार का, अन्य, दूसरा, पृथक्, अलग।

मुख़्तलिफ़ मिज़ाज (مختلف مزاج) अ वि –दे 'मुख़्तलिफ़ुलमिज़ाज'।

मुख़्तलिफ़ुत्तबाए' (مختلف الطبائع) अ वि –विभिन्न प्रकृतियोवाले, विभिन्न स्वभावोवाले।

मुख़्तलिफ़ुत्तमद्दुन (مختلف التمدن) अ वि –जिनकी सस्कृतियाँ भिन्न-भिन्न हो, जिनका रहन-सहन एक-जैसा न हो।

मुख़्तलिफ़ुत्तहज़ीब (مختلف التهذيب) अ वि –जिनकी सभ्यताएँ अलग-अलग हो।

मुख़्तलिफ़ुन्नस्ल (مختلف النسل) अ वि –भिन्न-भिन्न नस्लो के, भिन्न-भिन्न जातियो के।

मुख़्तलिफ़ुन्नौअ (مختلف النوع) अ वि –जिनके प्रकार अलग-अलग हो, जो एक-जैसे न हो।

मुख़्तलिफ़ुलअक़ाइद (مختلف العقائد) अ वि –जिनके मत और विचार जुदा-जुदा हो, जिनके धर्म विचार एक न हो।

मुख़्तलिफ़ुलअश्काल (مختلف الاشکال) अ वि –जिनकी आकृतियाँ विभिन्न हो।

मुख़्तलिफ़ुलमिज़ाज (مختلف المزاج) अ वि –जिनके स्वभाव एक-दूसरे से अलग हो।

मुख़्तल्लुलहवास (مختل الحواس) अ वि –जिसका मस्तिष्क दूषित हो, विक्षिप्त, पागल, खब्तुलहवास।

मुख़्तस [स्स] (مختص) अ वि –ख़ास, मख़्सूस, विशेष।

मुख़्तसर (مختصر) अ वि –सक्षिप्त, सार रूप, खुलासा, न्यून, थोडा।

मुख़्तसरन (مختصراً) अ वि –सक्षिप्त रूप मे, सक्षेपत।

मुख़्तसरनवीस (مختصرنویس) अ फा वि.–सक्षिप्त लिपिक, सकेत लिपिक।

मुख़्तसरनवीसी (مختصرنویسی) अ फा स्त्री –सक्षिप्त लिपि, सकेत लिपि, शार्टहैड।

मुख़्तस्सुलमक़ाम (مختص المقام) अ वि –किसी विशेष स्थान पर आसीन, प्रतिष्ठित, पूज्य।

मुख़्तार (مختار) अ वि –स्वतत्र, आज़ाद, स्वच्छद, खुद-राय, अधिकर्ता, एजेंट, कलक्ट्री मे वकील से कम दर्जे का वकील, किसी जागीर आदि का व्यवस्थापक।

मुख़्तारनामः (مختارنامہ) अ फा पु –वह पत्र जिसमे किसी को मुख़्तार बनाने का लिखित प्रमाण हो।

मुख़्तारी (مختاری) अ. स्त्री –कलक्ट्री और तहसील मे वकालत का काम, जो वकील के दर्जे से कम होता है।

मुख़्तारे आम (مختار عام) अ पु –वह मुख़्तार जिसे किसी रियासत मे सारे अधिकार प्राप्त हो।

मुख़्तारे कार (مختار کار) अ फा वि –काम करने का अधिकारी, कर्मचारी, कारिंदा।

मुख़्तारे कुल (مختار کل) अ पु –दे. 'मुख़्तारे आम'।

मुख़्तारे ख़ास (مختار خاص) अ पु –वह मुख़्तार जिसे केवल किसी विशेष काम के लिए रखा गया हो।

मुख़्तारे मुत्लक़ (مختار مطلق) अ पु –दे 'मुख़्तारे आम'।

मुख़्ताल (مختال) अ वि –अभिमानी, अहकारी, घमडी।

मुख़्ती (مخطی) अ वि –अपराधी, दोषी, कुसूरवार।

मुख़्नक़ (مخنق) अ वि –जिसका गला घोटा गया हो, गला घोटकर मारा हुआ।

मुख़्बिर (مخبر) अ पु –किसी विशेष बात की ख़बर देने-वाला, गुप्तचर, जासूस।

मुख़्बिरी (مخبری) अ स्त्री –जासूसी, गुप्त चर्या, सूची-कर्म।

मुख़्बिरे सादिक़ (مخبر صادق) अ पु –सच्ची ख़बर देने-वाला, रसूल की उपाधि।

मुख़्रिज (مخرج) अ वि –निकालनेवाला, निष्कासक।

मुख़्लिस (مخلص) अ वि –जिसमे कोई बनावट न हो, निश्छल, सद्भावक।

मुख़्लिसानः (مخلصانہ) अ फा वि –निश्छलतापूर्ण, सच्चाई के साथ।

मुख़्लिसी (مخلصی) अ स्त्री –निश्छलता, इख़्लास, छुट-कारा और मुक्ति के अर्थ मे यह शब्द बोलना अशुद्ध है, वह 'मख़्लसी' है, दे 'मख़्लसी'।

मुग़ (مغ) फा पु –अग्नि-पूजक, आतशपरस्त, शराब पिलानेवाला, साक़ी।

मुग़न्नियः (مغنیہ) अ स्त्री –गानेवाली, गायिका, गायकी।

मुग़न्नी (مغنی) अ पु –गानेवाला, रागी, गायक।

मुग़बचः (مغبچہ) फा पु –उर्दू साहित्य मे साक़ी का वह सुदर लडका जो शराब पिलाता है।

मुग़य्यर (مغیر) अ वि –परिवर्तित, बदला हुआ।

मुग़य्यिर (مغیر) अ वि –परिवर्तन कर्ता, बदलनेवाला।

मुग़र्रा (مغرا) अ वि –जो अचभे मे पड गया हो, चकित, निस्तब्ध, जो सरेस से चिपकाया गया हो।

मुग़ल (مغل) तु पु –तुर्किस्तान का निवासी, तुर्क, इसका शुद्ध उच्चारण 'मुग़ुल' है, परतु उर्दू मे यही है।

मुग़लज़ादः (مغلزادہ) तु फा पु –तुर्क का लडका, तुर्की, मुग़ुल।

मुग़ल्लज़ (مغلظ) अ वि –गाढा, ग़लीज़, गंदी गाली।

मुग़ल्लज़ात (مغلظات) अ स्त्री –गदी गालियाँ।

मुग़ल्लिज़ (مغلظ) अ वि –गाढा करनेवाला, धातु को गाढा करनेवाली दवा।

मुग़ल्लिज़ात (مغلظات) अ स्त्री –वे दवाएँ जो धातु को गाढा करती हैं।

मुग़ल्लिज़े मनी (مغلظ منی) अ पु –वीर्य को गाढा करनेवाली ओषधि।

मुग़ल्लिज़े माद्दः (مغلظ مادہ) अ पु –दे 'मुग़ल्लिज़े मनी'।

मुग़ (مغاں) फा पु –अग्निपूजक, आतशपरस्त, शराब पिलानेवाला, साकी।

मुग़ाइर (مغائر) अ वि –प्रतिकूल, मुख़ालिफ, बेगाना, अनजान।

मुग़ादरत (مغادرت) अ स्त्री – एक-दूसरे के साथ बेवफाई और क्रूरता का व्यवहार करना, क्रूरता, बेवफाई।

मुग़ादिर (مغادر) अ वि –क्रूरता और बेवफाई करनेवाला।

मुग़ान. (مغانہ) फा वि –आतशपरस्तो-जैसा, मा'शूको-जैसा।

मुग़ायरत (مغایرت) अ स्त्री –बेगानापन, अनजानपन, गैरियत, प्रतिकूलता, नामुआफकत।

मुग़ालतः (مغالطہ) अ पु –धोखा, छल, फरेब, भ्रम, वहम, त्रुटि, भूल; सदेह, शुब्हा।

मुग़ालत.दिही (مغالطہ‌دہی) अ फा स्त्री –धोखा देना, वचना, ठगी।

मुग़ील (مغیل) अ पु –दे 'मुगीलाँ'।

मुग़ीलाँ (مغیلاں) अ पु –बबूल का पेड, कीकर।

मुग़ीस (مغیث) अ वि –फर्याद सुननेवाला, दुहाई सुननेवाला, न्यायकर्ता।

मुग़ुल (مغل) तु पु –तुर्क, तुर्किस्तान का निवासी, मुगल, उर्दू में 'मुग़ल' बोलते हैं।

मुग़ैर (مغیر) अ वि –लूटनेवाला, गारत करनेवाला, दस्यु, डाकू।

मुग़्तज़ी (مغتذی) अ वि –खुराक पानेवाला।

मुग़्तनमः (مغتنمہ) अ स्त्री–गनीमत, स्त्री वाचक शब्दो के लिए।

मुग़्तनम (مغتنم) अ वि –गनीमत, जो सब मे से अच्छा हो, यद्यपि बहुत अच्छा न हो, परतु बोलने मे बहुत अच्छा के स्थान पर ही बोलते हैं।

मुग़्तनमात (مغتنمات) अ वि –वे लोग जो बचे हुए लोगो में से गनीमत हो।

मुग़्नी (مغنی) अ वि –समृद्धि और सपन्नता देनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

मुग़्बर (रं) (مغبر) अ वि –मटमैला, खाकी रग का धुमैला।

मुग़्लक़ (مغلق) अ वि –वह घर जिसके दरवाजे बद हो, वह कलाम जिसका समझना मुश्किल हो, गूढ, कूट।

मुग़्लिम (مغلم) अ वि –गुदामैथुनिक, बच्चःबाज़।

मुग़्विय: (مغویہ) अ स्त्री –कुमार्ग पर ले जानेवाली, भडकानेवाली, इग़्वा करनेवाली।

मुग़्वियानः (مغویانہ) अ वि –इग़्वा करनेवालो-जैसा।

मुग़्वी (مغوی) अ वि –इग़्वा करनेवाला, बहकानेवाला।

मुग़्सिल (مغسل) अ वि –नहलानेवाला, स्नान करानेवाला।

मुचल्का (مچلکا) तु पु –वह प्रतिज्ञापत्र जो अपराधी की ओर से इस बात के लिए हो कि यदि वह फिर अपराध करेगा तो इतने रुपये देगा।

मुजअ्अद (مجعد) अ पु –चोटी बाँधे हुए, गुथे हुए बाल।

मुज़क्कर (مذکر) अ वि –नर, पुरुष प्राणी, पुल्लिंग, मेल।

मुज़क्का (مزکی) अ वि –वह माल जिसकी ज़कात निकल गयी हो, पवित्र, पाक, शुद्ध।

मुज़ख़्रफ (مزخرف) अ पु –वह झूठी बात जो सच जान पडे, बनावट की बात; बकवाद, अनर्थक गल्प।

मुज़ख़्रफात (مزخرفات) अ प्रत्य –'मुज़ख़्रफ' का बहु, झूठी बातें, बकवास।

मुजज़्ज़ा (مجزا) अ. वि –जुज़-जुज़ किया हुआ, टुकडे-टुकडे किया हुआ।

मुजद्दिद (مجدد) अ पु –पुरानी चीज को नये सिरे से बनानेवाला, सुधार करनेवाला, सुधारक, रिफार्मर, वह व्यक्ति जो इस्लाम धर्म में सुधार करे।

मुजद्दिदन (مجدداً) अ वि –नये सिरे से, फिर से।

मुजफ़्फ़फ (مجفف) अ वि –सुखाया हुआ, खुश्क किया हुआ।

मुज़फ़्फ़र (مظفر) अ वि –विजेता, विजित, जीता हुआ।

मुजफ़्फ़िफ (مجفف) अ वि –सुखानेवाला, खुश्क करनेवाला।

मुज़ब्ज़ब (مذبذب) अ वि –दुविधा मे पडा हुआ, डाँवाडोल, अनिर्धारित।

मुज़म्म (مزمہ) अ पु –वह रस्सी जो घोडे की पिछाडी के साथ बाँधते हैं, डाँट-डपट, गोशमाली।

मुज़य्यन (مزین) अ वि –सुसज्जित, शृगारित, आरास्ता।

मुज़य्यब (مزیب) फा वि –सुन्दर, शोभित, शुभ दर्शन, जेबा।

मुज़य्यिन (مزین) अ वि –सजानेवाला, आरास्ता करनेवाला।

मुजर्रद (مجرد) अ वि –एकाकी, अकेला, अविवाहित, गैर शादीशुदा, वह फकीर जो विवाह न करे, वह वस्तु जिसका सम्बन्ध पच भूत से न हो।

मुजर्रब (مجرب) अ वि –वह बात जो आजमायी जा चुकी हो, अनुभूत, परीक्षित, वह दवा जो परीक्षित हो।
मुजर्रबात (مجربات) अ पु –आजमाई हुई दवाएँ या नुस्खे, अनुभूत योग।
मुजल्लद (مجلد) अ वि –जिल्द बँधी हुई पुस्तक, सजिल्द।
मुज़ल्लफ़ (مزلف) फा वि –जुल्फोवाला, जुल्फे बिखेरे हुए।
मुजल्ला (مجلی) अ वि –प्रकाशमान, दीप्त, ज्योतिर्मय, रौशन, जिसे माँजकर या सैकल करके चमकाया गया हो।
मुजल्ली (مجلی) अ वि –रौशन करनेवाला, प्रकाशक।
मुजव्वज़ः (مجوزه) अ वि –निश्चित, तै किया हुआ, निर्णीत।
मुजव्वज़ (مجوز) अ वि–दे 'मुजव्वज़'।
मुजव्वफ़ (مجوف) अ वि –अन्दर से खाली, खोखला, सुषिर।
मुजव्विज़ (مجوز) अ वि –तज्वीज़ करनेवाला, निर्णय करनेवाला, निर्णेता।
मुजव्विज़ीन (مجوزین) अ पु –निर्णय करनेवालो की मडली, निर्णायक-मडल।
मुजव्विज़े क़ानून (مجوز قانون) अ पु –क़ानून बनानेवाला, विधायक।
मुजस्समः (مجسمه) अ पु –प्रतिमा, मूर्ति, स्टेचू, रूप, आकृति, शक्ल।
मुजस्सम (مجسم) अ वि –साकार, मूर्तिमान्, साक्षात्, (शरीर के साथ)।
मुज़ह्हब (مذهب) अ वि –सोने का काम किया हुआ, सोना मढा हुआ, सोने का पानी चढा हुआ।
मुज़ाअफ़ (مضاعف) अ वि –दूना, दोचद, द्विगुण।
मुज़ाकरः (مذاکره) अ पु –आपस की बातचीत, वार्तालाप, चर्चा, ज़िक्र।
मुज़ाकरात (مذاکرات) अ पु –'मुज़ाकर' का बहु, आपस की बातचीत।
मुजाज़ (مجاز) अ वि –जिसे इजाजत प्राप्त हो, जो कोई काम करने का अधिकारी हो, प्राधिकारी, अथार्टी।
मुजादलः (مجادله) अ पु –युद्ध, लडाई, वाद-विवाद, मुबाहसा।
मुजादिल (مجادل) अ वि –युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
मुजानसत (مجانست) अ स्त्री –एक जिस का होना, जैसे—आदमी होना या पशु होना।
मुजानिस (مجانس) अ वि –हमजिस, हमकौम।
मुज़ाफ़ (مضاف) अ वि –जोडा गया, मिलाया गया, निस्बत किया गया।
मुज़ाफ़ इलैह (مضاف الیه) अ पु –जिससे जोडा या मिलाया गया, जिसकी ओर निस्बत की जाय, जैसे—रमेश का घोडा, इसमे घोडे की निस्बत रमेश की ओर है, इसलिए रमेश 'मुज़ाफ़ इलैह' है, और घोडा 'मुज़ाफ़' है।
मुज़ा'फ़र (مزعفر) अ पु –एक प्रकार का मीठा पुलाव जिसमें केसर पडता है।
मुज़ाफ़ात (مضافات) अ पु –'मुज़ाफ़' का बहु, निस्बते, नगर आदि का आस-पास का इलाका।
मुज़ाफ़ाते शह्र (مضافات شہر) अ पु –नगर के आस-पास का इलाका।
मुज़ाब (مذاب) अ वि –पिघला हुआ।
मुजाब (مجاب) अ वि –जवाब दिया हुआ, उत्तरित।
मुजामअत (مجامعت) अ स्त्री –सभोग, सहवास, मैथुन, रति, हमबिस्तरी।
मुजामे (مجامع) अ वि –मैथुन करनेवाला, रति-क्रीडक।
मुज़ायक़ः (مضایقه) अ पु –आपत्ति, कबाहत, हानि, हरज, समय की तगी।
मुज़ारबत (مضاربت) अ स्त्री –किसी को व्यवसाय के लिए इस शर्त पर माल देना कि लाभ मे साझा रहेगा।
मुज़ारे' (مضارع) अ वि –सदृश, मिस्ल, साझी, शरीक, वह क्रिया जिसमें वर्तमान और भविष्य दोनो काल पाये जायँ।
मुज़ारे' (مزارع) अ वि –कृषक, किसान, काश्तकार।
मुजालसत (مجالست) अ स्त्री –परस्पर एक जगह बैठना, साथ-साथ बैठना।
मुज़ावजत (مزاوجت) अ स्त्री –विवाह, निकाह, व्याह।
मुजावरत (مجاورت) अ स्त्री –पडोस, प्रतिवास, हमसायगी।
मुज़ावलत (مزاولت) अ स्त्री –किसी काम को बराबर करना, मश्क, अभ्यास।
मुजाविर (مجاور) अ वि –प्रतिवेशी, पडोसी, किसी दरगाह आदि का खिदमती।
मुजाविरी (مجاوری) अ वि.–मुजाविर का पेशा, दरगाह आदि की सेवा।
मुज़ाहकः (مضاحکه) अ वि –आपस मे हँसी-दिल्लगी करना।
मुजाहदः (مجاهده) अ पु –तपस्या, इबादत, इद्रिय-निग्रह, नफ्सकुशी, पराक्रम, जाँफिशानी।
मुज़ाहमत (مزاحمت) अ स्त्री –हस्तक्षेप, दख्लअदाज़ी, रोक-टोक, मनाही।
मुज़ाहरः (مظاهره) अ पु –राज से किसी माँग के लिए लोगो का सामूहिक रूप में नारे आदि लगाना और जुलूस निकालना, प्रदर्शन करना।

मुजाहिद (مجاهد) अ वि —पराक्रमी, प्रयत्नशील, कोशिश करनेवाला, विधर्मियो से युद्ध करनवाला।

मुजाहिदाना (مجاهدانه) अ वि —मुजाहिदो की तरह।

मुजाहिदीन (مجاهدين) अ पु —'मुजाहिद' का बहु., विधर्मियो से लडनेवाले योद्धा।

मुजाहिम (مزاحم) अ वि —मुजाहमत करनेवाला, हस्तक्षेप करनेवाला, रोक-टोक करनेवाला।

मुज़िर [र्र] (مضر) अ वि —हानिकर, नुक्सानदेह।

मुज़िरे सेहत (مضر صحت) अ पु —स्वास्थ्य के लिए हानिकारक, अनारोग्य, अपथ्य।

मुज़िल [ल्ल] (مضل) अ वि —गुमराह करनेवाला।

मुज़ीअ (مضيع) अ वि —नष्ट करनेवाला, बरबाद करनेवाला, विनाशक।

मुजीब (مجيب) अ वि —जवाब देनेवाला, उत्तरदाता, स्वीकार करनेवाला।

मुज़ीब (مذيب) अ वि —पिघलानेवाला।

मुजीबुद्दा'वात (مجيب الدعوات) अ पु —दुआएँ स्वीकार करनेवाला, ईश्वर।

मुज़ील (مزيل) अ वि —ज़ाइल करनेवाला, निवारक, नष्टकर्त्ता।

मुज़ैयन (مزين) अ वि —सुसज्जित, शृंगारित, आरास्ता।

मुज़्इफ (مضعف) अ वि —कमजोर करनेवाला, शक्तिहीन करनेवाला।

मुज़्इफे बाह (مضعف باه) अ वि —कामशक्ति को कम करनेवाली दवा या गिज़ा।

मुज़्ग़ः (مضغه) अ पु —लोथडा, मासपिंड।

मुज़्ग़ाए गोश्त (مضغهٔ گوشت) अ फा पु —मासपिड, गोश्त का लोथडा।

मुज़्ज़म्मिल (مزمل) अ वि —कुरान की एक सूरत।

मुज़्जात (مزجات) अ पु —थोडा, अल्प, न्यून।

मुज्तबा (مجتبیٰ) अ वि —सम्मानित, प्रतिष्ठित, बुजुर्ग।

मुज्तमा' (مجتمع) अ वि —एकत्र, इकट्ठा, एक जगह।

मुज्तमे' (مجتمع) अ वि —एकत्र करनेवाला, इकट्ठा करनेवाला, इकट्ठा होनेवाला।

मुज़्तर [र्र] (مضطر) अ वि —व्याकुल, बेचैन, बेबस, लाचार।

मुज़्तरिब (مضطرب) अ वि —व्याकुल, आतुर, बेचैन, अधीर, बेसब्र, घबराया हुआ।

मुज़्तरिबाना (مضطربانه) अ फा वि —व्याकुलो-जैसा, व्याकुलतापूर्ण।

मुज़्तरिबुलहाल (مضطرب الحال) अ वि —घबराया हुआ, उद्विग्न, परेशान।

मुज्तस [स्स] (مجتث) अ वि —उन्मूलित, जड से उखाडा हुआ, दे 'बह्रे मज्तस'।

मुज्तहिद (مجتهد) अ पु —परिश्रमी, कोशिश करनेवाला, धार्मिक विषयो मे विवेकपूर्ण निर्णय करनेवाला, शीआ सम्प्रदाय का आलिम।

मुज़्द (مژده) फा पु —शुभ सूचना, शुभ सवाद, खुशखबरी।

मुज़्द.बाद (مژده باد) फा वा —मुबारक हो, धन्यवाद।

मुज़्द (مزد) फा स्त्री —पारिश्रमिक, मज़दूरी, भृति।

मुज़्दगानी (مژدگانی) फा स्त्री —खुशखबरी लाने का पुरस्कार।

मुज़्दवर (مزدور) फा वि —कर्मकार, श्रमिक, मजदूर।

मुज़्दहम (مزدحم) अ वि —भीड के रूप में आया हुआ।

मुज़्दहिम (مزدحم) अ वि —भीड करनेवाला।

मुज़्दूर (مزدور) फा पु —श्रमिक, कर्मकार, भृतिक, मजूर।

मुज़्दूरी (مزدوری) फा वि —भृति, पारिश्रमिक।

मुज़्निब (مذنب) अ वि —पापी, पातकी, गुनाहगार।

मुज़्बत (مضبطه) अ पु —मेमोरियल, प्रार्थनापत्र।

मुज़्मर (مضمر) अ वि —गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुज्मल (مجمل) अ वि —सक्षिप्त, साररूप, मुख्तसर।

मुज़्महिल (مضمحل) अ वि —क्लात, श्रान्त, शिथिल, अफ्सुर्द।

मुज्माअलैह (مجمع عليه) अ वि —वह बात जिस पर सब सहमत हो, सर्वमान्य।

मुज़्मिन (مزمن) अ वि —देर का बसा हुआ, पुराना, बहुत दिनो का।

मुज़्मिर (مضمر) अ वि —छिपानेवाला, गोपक।

मुज्रा (مجرا) अ पु —जारी किया हुआ, बहाया हुआ, छोटे व्यक्तियो का बडे आदमियो को प्रणाम, मिन्हा, वज़ा', रडी का वह गाना जो बैठकर हो।

मुज्राई (مجرائی) अ फा वि —मुजरा करनेवाला, सलाम करनेवाला।

मुज्रिम (مجرم) अ वि —अपराधी, दोषी, कुसूरवार।

मुज्रिमाना (مجرمانه) अ फा वि —अपराधियो-जैसा, अपराधपूर्ण।

मुज्रिमे आदी (مجرم عادی) अ पु —वह अपराधी जो अपराध करने का व्यसनी हो।

मुज़्लिक (مزلق) अ वि —फिस्लानेवाला।

मुज़्लिम (مظلم) अ वि —अँधियारा, तारीक, तमिस्र।

मुज़्हिक (مضحک) अ वि —हँसानेवाला, उपहासक।

मुज़्हिकात (مضحکات) अ स्त्री —हँसानेवाली चीजें, जिन्हे सुनकर हँसी आये।

मुज़्हिर (مظہر) अ वि —ज़ाहिर करनेवाला, प्रकट करनेवाला, कचहरी मे इज़्हार देनेवाला, गवाह, साक्षी, साखी।

मुतंजन (متنجن) फा पु —इक किस्म का मीठा पुलाव जिसमे खटाई भी डाली जाती है, मुतजन-तुरज (नीबू) मिश्रित मीठा पुलाव।

मुतअख़्ख़िर (متاخر) अ वि —पीछे आनेवाला, जो बाद मे हुआ हो, पहले से बा'दवाला।

मुतअख़्ख़िरीन (متاخرین) अ पु —बादवाले समय के लोग, पहलेवालो के बाद होनेवाले लोग।

मुतअज्जिब (متعجب) अ वि —आश्चर्य मे पडा हुआ, आश्चर्यित, चकित।

मुतअज़्ज़िब (متعذب) अ वि —स्वादिष्ठ, मज़ेदार, रोचक, दिलचस्प।

मुतअज़्ज़िर (متعذر) अ वि —कठिन, दुष्कर, मुश्किल।

मुतअज़्ज़ी (متاذی) अ वि —कष्टग्रस्त, क्लेश पानेवाला।

मुतअद्दिद (متعدد) अ वि —बहुत, बहुत-से, अधिक, कतिपय, चद, थोडे।

मुतअद्दी (متعدی) अ वि —अपनी सीमा से आगे बढ जानेवाला, छूतदार बीमारी, सक्रामक रोग।

मुतअन्निद (متعند) अ वि —द्वेषी, शत्रु, वैरी, दुश्मन।

मुतअफ़्फ़िन (متعفن) अ वि —दुर्गंधयुक्त, बदबूदार, सडा हुआ।

मुतअब्बिद (متعبد) अ वि —आराधना करनेवाला, बनावटी आराधना करनेवाला।

मुतअम्मिल (متامل) अ वि —असमजस मे पडा हुआ, सकुचित।

मुतअर्रिज़ (متعرض) अ वि —घटित होनेवाला, पेश आनेवाला, अर्ज करनेवाला, माँगनेवाला, याचक।

मुतअल्लिक़. (متعلقہ) अ वि —सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, सपर्क रखनेवाली चीज।

मुतअल्लिक़ (متعلق) अ वि —सम्बन्धित, सबद्ध, वाबस्ता; बारे मे, विषय मे, सम्बन्ध मे, नौकर, मुलाज़िम।

मुतअल्लिक़ात (متعلقات) अ पु —सम्बन्धित बाते, वे बाते जिनका किसी विषय से सम्बन्ध हो।

मुतअल्लिक़ीन (متعلقین) अ पु —घरवाले, बाल-बच्चे।

मुतअल्लिमः (متعلمہ) अ स्त्री —पाठिका, पढनेवाली, छात्रा।

मुतअल्लिम (متعلم) अ पु —पाठक, पढनेवाला, छात्र।

मुतअल्लिम (متالم) अ वि —पीडित, दु खित, दर्द मे मुब्तला।

मुतअव्विद (متعود) अ वि —व्यसनी, आदी, ख़ूगर।

मुतअस्सिफ़ (متاسف) अ वि —अफसोस करनेवाला, पश्चात्तापी।

मुतअस्सिब (متعصب) अ वि —धर्म सम्बन्धी पक्षपात करनेवाला, तगनजर, लघुचेता, जातपात या प्रान्तीय पक्षपात करनेवाला।

मुतअस्सिर (متاثر) अ वि —प्रभावित, जिस पर किसी बात का असर हुआ हो।

मुतअस्सिर (متعسر) अ. वि —कठिन, दुष्कर, मुश्किल।

मुतअह्हिद (متعہد) अ वि —प्रतिज्ञा करनेवाला; परिचारक, तीमारदार; ज़िम्मेदार, उत्तरदायी।

मुतअह्हिल (متاہل) अ वि —बाल-बच्चोवाला, विवाहित, व्याहा हुआ, बीबीवाला।

मुतआक़िद (متعاقد) अ. वि —आपस मे कौल-करार करनेवाला।

मुतआक़िदैन (متعاقدین) अ पु —वे दो व्यक्ति जिनमे परस्पर कोई कौल-करार हुआ हो।

मुतआक़िब (متعاقب) अ वि —पीछे दौडनेवाला, पीछा करनेवाला, पीछे से आनेवाला।

मुतआरिज़ (متعارض) अ वि —एक-दूसरे का विरोध करनेवाला, ऐसी बात जो दूसरे के विरुद्ध हो।

मुतआरिक (متعارک) अ वि —कान उमेठनेवाला, मिटानेवाला, कामना पूरी करनेवाला, सफल होनेवाला, युद्ध करनेवाला; छीला हुआ।

मुतआरिफ़ (متعارف) अ वि —परिचित, पहचाननेवाला, शनासा।

मुतआल (متعال) अ वि —ऊँचा होनेवाला, पूज्य, समानित, प्रतिष्ठित।

मुतऐयिन (متعین) अ वि —निश्चित, मुकर्रर, नियुक्त, तईनात।

मुतक़द्दिम (متقدم) अ वि —पहले होनेवाला, पहलेवाला।

मुतक़द्दिमीन (متقدمین) अ पु —वे लोग जो पहले गुजर चुके है, 'मुतअख़्ख़िरीन' का उलटा, पुराने लोग।

मुतकफ़्फ़िल (متکفل) अ वि —प्रतिभू, जामिन, पालनपोषण करनेवाला।

मुतकब्बिर (متکبر) अ वि —अहकारी, अभिमानी, घमडी, मग़रूर।

मुतकल्लिफ़ (متکلف) अ वि —तकल्लुफ करनेवाला।

मुतकल्लिम (متکلم) अ वि —कलाम करनेवाला, वार्तालाप करनेवाला, इल्मेकलाम जाननेवाला, मीमासक।

मुतकव्विन (متکون) अ वि —पैदा होनेवाला, रूप धारण करनेवाला।

मुतकल्लिमीन (متكلمين) अ पु –मीमासा जाननेवाले विद्वज्जन, मीमासक।

मुतकस्सिर (متكسر) अ वि –टूटनेवाला, टूटा हुआ, भग्न, खडित।

मुतक़ाज़ी (متقاضی) अ वि –तकाज़ा करनेवाला, माँग उपस्थित करनेवाला।

मुतक़ाबिल (متقابل) अ वि –आमने-सामने, प्रत्यक्ष, साक्षात्।

मुतक़ारिब (متقارب) अ वि –समीप होनेवाला, समीप, करीब, दे 'बह्रे मुतक़ारिब'।

मुतकासिफ़ (متكاثف) अ वि –ठोस, दबीज, गाढा, गलीज।

मुतख़य्यल (متخيله) अ पु –सोचने का स्थान, मस्तिष्क, दिमाग।

मुतख़य्यिल (متخيله) अ वि –विचार-शक्ति, सोचने की कुव्वत, कल्पना शक्ति, वाहिमा।

मुतख़लख़ल (متخلخل) अ वि –खोखला, पोला, सुषिर।

मुतख़ल्लिक़ (متخلق) अ वि –सुशील, सद्वृत्त, सदाचारी, खुशखुल्क।

मुतख़ल्लिल (متخلل) अ वि –विघ्न डालनेवाला।

मुतख़ल्लिस (متخلص) अ वि –तखल्लुस रखनेवाला तखल्लुसवाला।

मुतख़ासिम (متخاصم) अ वि –शत्रु, वैरी, दुश्मन।

मुतख़ासिमीन (متخاصمين) अ पु –शत्रु गण, वैरी लोग, दुश्मन।

मुतग़ज़्ज़िल (متغزل) अ वि –केवल गजल कहनेवाला शाइर, जो गजल अधिक कहता हो और दूसरी चीजे वहुत कम।

मुतग़ज़्ज़िलीन (متغزلين) अ पु –गजल कहनेवाले शाइर।

मुतग़य्यिर (متغير) अ वि –परिवर्तित, बदला हुआ, विकृत, बिगडा हुआ।

मुतग़ाइर (متغائر) अ वि –पृथक् अलग, जुदा, एक-दूसरे के विरुद्ध, बरअक्स।

मुतग़ैयिर (متغير) अ वि –दे 'मुतगय्यिर'।

मुतज़क्किरः (متذكره) अ वि –जिक्र किया हुआ, कथित, चर्चित, कहा हुआ।

मुतज़क्किरए बाला (متذكرهٔ بالا) अ फा. वि –ऊपर कहा हुआ, पूर्वोक्त, पूर्वकथित।

मुतज़ब्ज़िब (متذبذب) अ वि.–असमजस मे पडा हुआ, [illegible] मे पडा हुआ, दोलायमान।

मुतज़म्मिन (متضمن) अ. वि –सम्मिलित, शामिल।

मुतज़र्रर (متضرر) अ वि –जिसे हानि पहुँचायी गयी हो, हानिग्रस्त।

मुतज़र्रिर (متضرر) अ वि –हानि पहुँचानेवाला, हानि-कारक।

मुतज़र्रे' (متضرع) अ वि –फूटनेवाला, निकलनेवाला; जड मे से शाखा के रूप मे निकलनेवाला।

मुतज़लज़िल (متزلزل) अ वि –हिलने-डोलनेवाला, कपायमान।

मुतजल्ली (متجلی) अ वि –चमकनेवाला, प्रकाशित होनेवाला, प्रकाशमान।

मुतजस्सिस (متجسس) अ वि –खोजी, जिज्ञासु, तलाश करनेवाला, गवेषक।

मुतज़ाद (متضاد) अ वि –एक-दूसरे के विरुद्ध कथन आदि, (व्यक्ति नही)।

मुतजाविज़ (متجاوز) अ वि –हद से बढ जानेवाला, उल्लघन करनेवाला।

मुतदय्यिन (متدين) अ वि –दियानतदार, ईमानदार, अमानत मे खियानत न करनेवाला।

मुतदारिक (متدارک) अ वि –खोई हुई वस्तु पानेवाला, दे 'बह्रे मुतदारिक'।

मुतदाविल (متداول) अ वि –एक से दूसरे के पास पहुँचने-वाला, एक हाथ से दूसरे हाथ मे फिरनेवाला, अर्थात् प्रच-लित, राइज।

मुतनफ़्फ़िर (متنفر) अ वि –घृणा करनेवाला, भागने-वाला, अलग रहनेवाला।

मुतनफ़्फ़िस (متنفس) अ वि –साँस लेनेवाला, अर्थात् प्राणी, मनुष्य, आदमी।

मुतनब्बी (متنبی) अ वि –झूठा नबी बननेवाला, नबी होने का दावा करनेवाला, अरब का एक प्रसिद्ध कवि।

मुतनब्बेह (متنبه) अ वि –चौकस, खबरदार, सावधान, होशियार।

मुतनव्वे' (متنوع) अ वि –भाँति-भाँति का होनेवाला, विचित्र, अजीबो गरीब।

मुतनाइम (متنعم) अ वि –लाड-प्यार में पलनेवाला।

मुतनाक़िज़ (متناقض) अ वि –एक दूसरे के विपरीत, एक दूसरे का उलटा।

मुतनाज़िअ' (متنازعه) अ वि –जिस बात के लिए वाद-विवाद हो।

मुतनाज़ा' (متنازع) अ वि –जिस बात (विषय) के लिए झगडा हो।

मुतनाज़ा'फ़ीह (متنازع فیہ) अ. वि–जिस बात में झगड़ा हो, विवादग्रस्त।
मुतनाज़े (متنازع) अ वि–वाद-विवाद करनेवाला।
मुतनाफ़िर (متنافر) अ वि–परस्पर घृणा करनेवाला, घृणा करनेवाला।
मुतनासिब (متناسب) अ वि–जिसमें हर चीज सही तनासुब में हो, समानुपातिक।
मुतनासिबुल आ'ज़ा (متناسب الاعضا) अ वि–जिसके शरीर के तमाम अंग जैसे सुडौल होने चाहिए वैसे हों।
मुतनाही (متناہی) अ वि–अन्त को पहुँचा हुआ, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।
मुतफ़क्किर (متفکر) अ वि–चिंतित, चिंताकुल, सचिंत, किसी विशेष फ़िक्र से परेशान।
मुतफ़न्निन (متفنن) अ वि–बहुत से फ़न जाननेवाला।
मुतफ़न्नी (متفنی) अ वि–वंचक, धूर्त, ठग, चालाक।
मुतफ़र्रिक़ (متفرق) अ वि–विविध, विभिन्न, मुख़्तलिफ़, पृथक्, जुदा, अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, फुटकर जो इकट्ठा न हो, जैसे—मुतफ़र्रिक़ ख़र्च।
मुतफ़र्रिक़ात (متفرقات) अ पु–'मुतफ़र्रिक़' का बहु, विभिन्न वस्तुएँ, हिसाब की भिन्न-भिन्न रकमें।
मुतफ़र्रे' (متفرع) अ वि–मूल में से निकलनेवाली शाखा।
मुतफ़ाइल (متفائل) अ वि.–शगुन लेनेवाला, इस शब्द को 'मुतफ़ाविल' नहीं कहना चाहिए न 'वाव' से लिखना ही चाहिए।
मुतबन्ना (متبنیٰ) अ. पु–गोद लिया हुआ लड़का, लेपालक, दत्तक पुत्र।
मुतबर्रिक (متبرک) अ वि–पवित्र, पुनीत, पाक, प्रतिष्ठित, पुण्यात्मा, बुज़ुर्ग।
मुतबस्सिम (متبسم) अ वि–मुस्कुरानेवाला, सुस्मित।
मुतबह्हिर (متبحر) अ वि–विद्या का समुद्र, प्रचंड विद्वान्, विद्वत्तम, फ़ाज़िल।
मुतबाइन (متباین) अ वि–एक-दूसरे के बिलकुल विरुद्ध, बिल्कुल उलटा।
मुतबादिर (متبادر) अ वि–जल्दी हृदयंगम होनेवाला, तुरन्त समझ में आ जानेवाला।
मुतबादिल (متبادل) अ वि–अदल-बदल होनेवाला।
मुतमक्किन (متمکن) अ वि–ठहरा हुआ जगह पकड़नेवाला, स्थिर।
मुतमत्ते' (متمتع) अ. वि–लाभ पानेवाला, लाभान्वित।
मुतमद्दिन (متمدن) अ वि–नागरिक, शहरी, सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब।
मुतमन्ना (متمنیٰ) अ वि–अभिलषित, इच्छित, जिसकी तमन्ना हो।
मुतमन्नी (متمنی) अ वि–उत्सुक, अभिलाषी, इच्छुक, आकांक्षी, तमन्ना करनेवाला।
मुतमय्यिज़ (متمیز) अ वि–पृथक् होनेवाला, पहचाना जानेवाला।
मुतमर्रिद (متمرد) अ वि–उद्दंड, सरकश, विद्रोही, बाग़ी; अवज्ञाकारी, नाफ़रमान।
मुतमल्लिक़ (متملق) अ वि–ख़ुशामदी, चाटुकार, चापलूस।
मुतमव्विज (متموج) अ वि–मौजें मारता हुआ, लहरें लेता हुआ, तरंगित।
मुतमव्विल (متمول) अ वि–धनाढ्य, धनी, मालदार।
मुतमादी (متمادی) अ वि–लंबा, दराज़, जिसमें तमादी आरिज़ हो, जिसका नियत समय बीत चुका हो।
मुतमासिल (متماثل) अ वि–समान, तुल्य, एक-सा, एकरूप, समरूप, समाकार।
मुतम्मिम (متمم) अ वि.–समाप्त करनेवाला, ख़त्म करनेवाला, पूर्ण करनेवाला, ख़त्म करनेवाला।
मुतयक़्क़न (متیقن) अ वि–निश्चित, यक़ीनी, दृढ़, मज़बूत।
मुतयक़्क़िन (متیقن) अ वि–विश्वास करनेवाला, विश्वासी।
मुतयम्मिन (متیمن) अ वि–शुभान्वित, बा बरकत, कल्याणकारी।
मुतय्यन (مطین) अ वि–मिट्टी से पोता हुआ, मिट्टी चढ़ाया हुआ।
मुतय्यब (مطیب) अ वि–ख़ुशबू में बसा हुआ, सुगन्धित, सुगंधयुक्त।
मुतय्यिब (مطیب) अ वि–ख़ुशबूदार करनेवाला, ख़ुशबू फैलानेवाला।
मुतरक़्क़ब (مترقب) अ वि–वह वस्तु जिसके मिलने की उम्मीद लगी हो, जिसके आने का इंतिज़ार हो।
मुतरक़्क़ब (مترقب) अ वि–जिसकी आस हो, जिसकी प्रतीक्षा हो।
मुतरक़्क़िब (مترقب) अ वि.–आस लगानेवाला, प्रतीक्षा देखनेवाला।
मुतज़ल्लिम (متظلم) अ वि–ज़ुल्म की फ़र्याद करनेवाला, दादख़्वाह, न्याययाचक।
मुतरत्तिब (مترتب) अ. वि.–क्रमबद्ध, क्रमागत, तर्तीब में लगा हुआ।

मुतरद्दिद (متردد) अ वि–चिंतित, फ़िक्रमंद, सोच में पड़ा हुआ।

मुतरन्निम (مترنم) अ वि–गानेवाला, गायक, जिसमे तरन्नुम हो, सुरीली (आवाज़)।

मुतरश्शेह (مترشح) अ वि–टपकनेवाला, रिसनेवाला, अर्थात् प्रकट होनेवाला।

मुतरस्सिद (مترصد) अ वि–इच्छुक, अभिलाषी, उम्मेदवार।

मुतरस्सिल (مترسل) अ वि–पत्र भोजनेवाला।

मुतराकिब (متراکب) अ वि–परस्पर बैठनेवाला।

मुतराकिम (متراکم) अ वि–भीड करनेवाला।

मुतराक़ी (متراقی) अ वि–जादू-टोना करनेवाला, जादूकार।

मुतरादिफ (مترادف) अ वि–एक के पीछे एक सवार होनेवाला, निरतर, बरावर, समानार्थक, पर्यायवाची।

मुतरादिफुलमा'ना (مترادف المعنی) अ वि–वह शब्द जो एक ही अर्थ रखते हो, समानार्थक, पर्यायवाची।

मुतर्जम (مترجمہ) अ वि–अनुवाद की हुई पुस्तक, अनूदित।

मुतर्जम (مترجم) अ वि–अनुवादित, भाषातरित, अनूदित, तर्जुमा किया हुआ।

मुतर्जिम (مترجم) अ वि–अनुवादकर्ता, अनुवादकार, भाषातरकार, अनुवादक, तर्जमा करनेवाला।

मुतलक्का (متلقی) अ वि–जिससे मुलाकात की गयी हो।

मुतलक्की (متلقی) अ वि–मुलाकात करनेवाला।

मुतलज्जिज (متلذذ) अ वि–आनद उठानेवाला, लज्जत उठानेवाला।

मुतलत्तिफ (متلطف) अ वि–कृपा करनेवाला, इल्तिफात करनेवाला।

मुतलव्विन (متلون) अ वि–रग वदलनेवाला, घडी में कुछ घडी मे कुछ होनेवाला।

मुतलव्विन तब्अ (متلون طبع) अ वि–दे 'मुतलव्विन मिजाज'।

मुतलव्विन मिजाज (متلون مزاج) अ वि–जिसका चित्त स्थिर न रहे, कभी कुछ सोचे कभी कुछ, अनियतात्मा, चचल चित्त, विषयशील।

मुतलव्विन मिजाजी (متلون مزاجی) अ स्त्री–दे मु॰ 'मिजाज'।

मुतलातिम (متلاطم) अ वि–एक-दूसरे को थपेडे मारने-वाला, मौजे मारनेवाली नदी।

मुतलाशी (متلاشی) अ वि–ध्वस्त, नष्ट, वरवाद, यह शब्द तलाश करनेवाले के अर्थ मे अशुद्ध है।

मुतलाशी (متلاشی) तु वि–ढूंढनेवाला, खोजी, तलाश करनेवाला।

मुतल्लक़ (مطلقہ) अ वि–वह स्त्री जिसे तलाक दे दी गयी हो।

मुतल्ला (مطلا) अ वि–जिस पर सोने का काम हो।

मुतवक़्क़िफ (متوقف) अ वि–ठहरनेवाला, देर लगाने-वाला।

मुतवक्किल (متوکل) अ वि–खुदा पर भरोसा रखनेवाला, जिसकी कोई निश्चित आय न हो, ऐसा साधु या फकीर।

मुतवक्किलन अलल्लाह (متوکلا علی اللہ) अ वि–ईश्वर के भरोसे पर, ईश्वर का भरोसा करके।

मुतवक्किलान (متوکلانہ) अ फा वि–मुतवक्किलो-जैसा, फकीराना।

मुतवक़्क़े' (متوقع) अ वि–आशा रखनेवाला, आशान्वित।

मुतवज़्ज़े' (متوزع) अ वि–अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, उद्विग्न, परेशान।

मुतवज्जेह (متوجہ) अ वि–ध्यान देनेवाला, खयाल करनेवाला, मुँह करनेवाला, रुख मिलानेवाला।

मुतवत्तिन (متوطن) अ वि–निवासी, साकिन।

मुतवफ्फी (متوفی) अ वि–मृत, मृतक, दिवगत, स्वर्गीय, मरहूम।

मुतवर्रिम (متورم) अ वि–सूजा हुआ, शोथित।

मुतवर्रे (متورع) अ वि–सयमी, इद्रिय-निग्रही, परहेज-गार।

मुतवल्लिद (متولد) अ वि–उत्पन्न होनेवाला, जात, उत्पन्न।

मुतवल्ली (متولی) अ वि–किसी वक्फ जाइदाद की देख-रेख करनेवाला, अधिष्ठाता।

मुतवस्सित (متوسط) अ वि–न बडा न छोटा, बीच का, मध्यम, माध्यम।

मुतवस्सितुलक़ामत (متوسط القامت) अ वि–न बहुत लम्बा न बहुत ठिगना, बीच के डौल-डौल का।

मुतवस्सितुलहाल (متوسط الحال) अ वि–न बहुत अमीर न बहुत गरीव, दरमियानी जिंदगी गुज़ारनेवाला, मध्यवर्गीय।

मुतवस्सिल (متوسل) अ वि–आश्रय ढूंढनेवाला, सहारा पकडनेवाला, जो किसी के सहारे पर हो, अवलवित, आश्रित।

मुतवस्सिलीन (متوسلین) अ वि–आश्रित जन, वे लोग जो सहारे पर हों।

मुतवहि्हम (متوہم) अ वि–वहमी, भ्रमी, भ्रान्त।

मुतवहि्हश (متوحش) अ. वि –घबराया हुआ, उद्विग्न।
मुतवाज़िन (متوازن) जिसका वज्न दोनो ओर बराबर हो, तुला हुआ, सतुलित, मोतदिल।
मुतवाज़ी (متوازی) अ वि –एक-दूसरे के बराबर चलनेवाला, एक-दूसरे से बराबर अन्तर रखनेवाला; वह रेखा जो किसी रेखा के बराबर अन्तर पर चले, समानान्तर।
मुतवाज़े' (متواضع) अ वि –आवभगत और खातिरदारी करनेवाला, विनम्रता और विनीतता का व्यवहार करनेवाला।
मुतवातिर (متواتر) अ वि –निरन्तर, अनवरत, सतत, लगातार, बराबर।
मुतवारिद (متوارد) अ वि –साथ-साथ उतरनेवाला, वह मज्मून जो साथ-साथ दो शाइरो के ध्यान मे आये, जिसे दो शाइर बाँधे।
मुतवारी (متواری) अ वि –छिपनेवाला, गुप्त, दिया हुआ।
मुतवाली (متوالی) अ वि –बारबार आनेवाला, लगातार होनेवाला।
मुतव्वक (مطوق) अ वि –जिसके गले मे तौक पडा हो, जिसके गले मे कैदियो का तौक हो, अर्थात् जो कैद मे हो।
मुतव्वज (متوج) अ वि –जिसे ताज पहनाया गया हो।
मुतव्वल (مطول) अ वि –लम्बा, दीर्घ, तवील, जो लम्बा किया गया हो।
मुतव्विफ (مطوف) अ वि –परिक्रमण करनेवाला, किसी के चारो ओर फिरनेवाला।
मुतव्विल (مطول) अ वि –लबा करनेवाला।
मुतशक्किर (متشکر) अ वि –कृतज्ञता प्रकट करनेवाला, शुक्रिय अदा करनेवाला, कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।
मुतशक्किल (متشکل) अ वि –साकार, साक्षात्, किसी रूप मे परिवर्तित।
मुतशक्की (متشکی) अ वि –सदेह करनेवाला, शक करनेवाला।
मुतशत्तित (متشتت) अ वि –अस्त-व्यस्त, गडबड, तितर-बितर, उद्विग्न, परीशान।
मुतशद्दिद (متشدد) अ वि –सख्ती करनेवाला, अत्याचार करनेवाला।
मुतशद्दिदानः (متشددانہ) अ फा वि –तशद्दुद आमेज, अत्याचारपूर्ण, हिंसात्मक।
मुतशन्निज (متشنج) अ वि.–अकडनेवाला, ऐंठनेवाला, जिसमे ऐंठन न हो।
मुतशर्रे' (متشرع) अ. वि –शर्अ पर चलनेवाला, शास्त्र-विहित आचरण करनेवाला।
मुतशाइर (متشاعر) अ वि –झूठ-मूठ का शाइर बननेवाला, जो शाइर न हो मगर शाइर बनता हो।
मुताशाबिहात (متشابہات) अ. स्त्री –कुरान के वे वाक्य जिनका अर्थ स्पष्ट न हो, प्रत्युत 'मुह्कमात'।
मुत शाबेह (متشابہ) अ. वि –समान, सदृश, तुल्य।
मुतसद्दी (متصدی) अ वि.–प्रबधक, मुतजिम, हिसाब-किताब रखनेवाला, अभिकर्ता, गुमाश्ता, पेशकार, लिपिक, मुहर्रिर।
मुतसद्दे (متصدع) अ वि –कष्टदाता, तकलीफ देनेवाला।
मुतसन्ने' (متصنع) अ वि –बनावट करनेवाला।
मुतसर्रिफ (متصرف) अ. वि.–तसर्रुफ करनेवाला, अधिकार जमानेवाला।
मुतसल्लत (متسلط) अ. वि –जिस पर तसल्लुत किया जाय, वशीभूत, अधिकृत।
मुतसल्लित (متسلط) अ वि –तसल्लुत करनेवाला, विजेता, अधिकार प्राप्त करनेवाला।
मुतसल्ली (متسلی) अ. वि –सान्त्वना पानेवाला, जिसकी तसल्ली हो गयी हो।
मुतसव्वर (متصور) अ वि –जिसका ध्यान किया जाय, जिसका तसव्वर किया जाय।
मुतसव्विर (متصور) अ वि –ध्यान करनेवाला।
मुतसाइद (متصاعد) अ वि –ऊपर चढनेवाला, ऊपर पहुँचनेवाला।
मुतसादिम (متصادم) अ वि –एक-दूसरे से टकरानेवाला।
मुतसावियुज्जवाया (متساوی الزوایا) अ पु –वह शक्ल जिसके कोण बराबर हो।
मुतसावियुलअज्लाअ' (متساوی الاضلاع) अ पु –वह शक्ल जिसकी भुजाएँ बराबर हो।
मुतसावियुस्साकैन (متساوی الساقین) अ पु –वह त्रिभुज जिसकी दोनो भुजाएँ बराबर हो, समद्विबाहुक त्रिभुज।
मुतसावी (متساوی) अ वि –सम, बराबर, एक-दूसरे के बराबर।
मुतहक्किक (متحقق) अ वि –निश्चित, यकीनी, प्रमाणित, दुरुस्त।
मुतहज्जिर (متحجر) अ वि –पत्थर बन जानेवाला, पत्थर की तरह कडा पड जानेवाला।
मुतहज़्ज़ी (متحظی) अ वि –सफल, भाग्यवान्, किसी चीज का आनन्द लेनेवाला।
मुतहम्मिल (متحمل) अ. वि –तहम्मुल करनेवाला, सहिष्णु, सहनशील।

मुतहय्यिर (متحير) अ वि –हैरत मे पडा हुआ, स्तब्ध, चकित।

मुतहर्रिक (متحرک) अ वि –हिलने-डुलनेवाला, गतिशील, गतिमान्, चलनेवाला।

मुतहल्ली (متحلی) अ वि –भूषण और वस्त्र से सुसज्जित।

मुतहस्सिन (متحصن) अ वि –किले में बद, वह राजा जो शत्रु की सेना के भय से दुर्गस्थ हो गया हो।

मुतहारिब (متحارب) अ वि –परस्पर युद्ध करनेवाला, आपस मे लडनेवाला।

मुतहाविन (متہاون) अ वि –तिरस्कृत, अपमानित, जलील, आलस्य करनेवाला।

मुतहैयिर (متحير) अ वि –दे 'मुतहय्यिर'।

मुतह्हर (مطہر) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पाक।

मुतह्हिर (مطہر) अ वि –पवित्र करनेवाला।

मुताअ (مطاع) अ वि –जिसका हुक्म माना जाय, जिसकी इताअत की जाय।

मुताजरः (متاجرہ) अ पु –आपस मे व्यवसाय करना, परस्पर लेन-देन करना।

मुताजरत (متاجرت) अ स्त्री –दे 'मुताजर'।

मुताबअत (متابعت) अ स्त्री –आज्ञापालन, हुक्म मानना, अनुकरण, तक्लीद।

मुताबकत (مطابقت) अ स्त्री –सदृशता, अनुरूपता, मुशाबहत, समानता, यकसानियत, अनुकूलता, मुआफ़कत।

मुताबिक (مطابق) अ वि –सदृश, मिस्ल, समान, बराबर, अनुसार, बमूजिब।

मुतायब (مطایبہ) अ पु –परस्पर मनोविनोद करना, आपस मे हँसी-मजाक करना, हँसी-मज़ाक, मनोरजन, मनोविनोद।

मुतायबात (مطايبات) अ पु –'मुतायब' का बहु, मनोविनोद की बाते, परस्पर दिल बहलाव की बाते।

मुतारह (مطارحہ) अ पु –परस्पर तरह पर गजले कहना, परामर्श करना, वार्तालाप करना, खुशामद करना।

मुतारहात (مطارحات) अ वि –तरह पर होनेवाले मुशाअरे, आपस की बात-चीत।

मुतालअ (مطالعہ) अ पु –किसी चीज की पूरी जानकारी के लिए गौर से देखना, समीक्षा, निरीक्षण, पाठ को शुरू से पढने के पूर्व स्वय पढना ताकि शुद्ध पढा जा सके।

मुतालब (مطالبہ) अ पु –तलब करना, माँगना, माँग, तकाज़ा, अपने हक अर्थात् सत्त्व की माँग, बकाया रकम जो अदा करना है, प्रार्थना, इल्तिजा।

मुतालबात (مطالبات) अ पु –'मुतालब' का बहु, माँगें।

मुतावअत (مطاوعت) अ स्त्री –आज्ञापालन, फर्माबरदारी।

मुताव' (مطاوع) अ वि –आज्ञापालक, फर्माबरदार।

मुतिम [म्म] (متم) अ वि –पूरा करनेवाला, समाप्त करनेवाला, अधूरे काम को पूरा करनेवाला।

मुतीअ (مطیع) अ वि –आज्ञाकारी, फर्माबरदार, अनुयायी, पैरौ; अधीन, मातहत।

मुतीओमुन्क़ाद (مطیع ومنقاد) अ वि –जो पूरी तरह अधीन और वशीभूत हो।

मुत्तका (متکا) अ वि –जिस चीज़ का सहारा लिया जाय, सहारा, आश्रय।

मुत्तक़ी (متقی) अ वि –सयमी, इद्रियनिग्रही, पार्सा।

मुत्तकी (متکی) अ वि –सहारा लेनेवाला।

मुत्तफ़क़ (متفقہ) अ वि –दे 'मुत्तफक'।

मुत्तफ़क़ (متفق) अ वि –जिस बात या विषय या कार्य से इत्तिफाक किया जाय।

मुत्तफ़क़ अलैह (متفق علیہ) अ वि –जिस पर सबका इत्तिफाक हो, सर्वमान्य, सर्वसमत।

मुत्तफ़िक़ (متفق) अ वि –इत्तिफाक करनेवाला, सहमत।

मुत्तफ़िक़ुर्राय (متفق الرائے) अ वि –राय से इत्तिफ़ाक करनेवाला, सहमत।

मुत्तफ़िक़ुल्लफ्ज़ (متفق اللفظ) अ वि –सहमत, हमज़बान।

मुत्तला' (مطلع) अ वि –सूचित, जिसे सूचना दी गयी हो।

मुत्तलिब (مطلب) अ वि –हज़रत मुहम्मद साहब के दादा का शुभनाम, ढूँढनेवाला।

मुत्तले (مطلع) अ वि –सूचना देनेवाला, सूचक।

मुत्तसफ (متصف) अ वि –जिसकी तारीफ की गयी हो, प्रशसित।

मुत्तसम (متسم) अ वि –दागा हुआ, दग्ध, अकित, निशान लगाया हुआ।

मुत्तसिफ (متصف) अ वि –प्रशसक, तारीफ करनेवाला।

मुत्तसिम (متسم) अ वि –दागनेवाला, अकित करनेवाला।

मुत्तसिल (متصل) अ वि –समीपवर्ती, क़रीबी, समीप, करीब, निरन्तर, लगातार, मिला हुआ।

मुत्तसिलन (متصلاً) अ वि –समीप, करीब।

मुत्तहद (متحدہ) अ वि –सयुक्त, मिला हुआ।

मुत्तहद (متحد) अ वि –सयुक्त, मिला हुआ, सहमत, हमराय।

मुत्तहदुर्राय (متحد الرائے) अ वि –सहमत, एकराय।

मुत्तहदुल अक़ीदः (متحد العقیدہ) अ वि –सहधर्मी, सहमत, एक मज़्हबवाले।

मुत्तहदुलउम्र (متحد العمر) अ वि –समवयस्क, एक आयुवाले, बराबर की आयुवाले।

मुत्तहदुलख़याल (متحد الخیال) अ वि –एक-से विचार रखनेवाले।

मुत्तहदुलबत्न (متحد البطن) अ वि –एक पेट मे उत्पन्न होनेवाले, सहोदर।

मुत्तहदुलमज़्हब (متحد المذہب) अ वि.–एक धर्म रखनेवाले, सहधर्मी।

मुत्तहदुलमफ़्हूम (متحد المفہوم) अ वि –एक भाववाला, जिनका भावार्थ एक हो।

मुत्तहदुलमा'ना (متحد المعنی) अ वि –एक अर्थवाले, समानार्थक।

मुत्तहदुलवतन (متحد الوطن) अ. वि.–एक देश के रहनेवाले, सहदेशीय।

मुत्तहदुश्शक्ल (متحد الشکل) अ वि.–एक-जैसी आकृतिवाले, सहरूप, समाकृति।

मुत्तहफ़ (متحف) अ वि –जिसे भेंट या उपहार दिया गया हो, उपहृत, पुरस्कृत।

मुत्तहम (متہم) अ वि –जिस पर झूठा आरोप लगाया गया हो, आरोपित।

मुत्तहिद (متحد) अ वि –मेल-मिलाप रखनेवाला।

मुत्तहिफ़ (متحف) अ वि –उपहार देनेवाला।

मुत्तहिम (متہم) अ वि–आरोप लगानेवाला।

मुत्निब (مطنب) अ वि –लंबी बात करनेवाला, बकवादी, बढानेवाला, लंबा करनेवाला।

मुत्फ़ी (مطفی) अ वि –आग बुझानेवाला, चिराग बुझानेवाला।

मुत्मइन (مطمئن) अ वि – संतुष्ट, जिसे इत्मीनान हो, निश्चिन्त, बेफिक्र, आनन्दपूर्वक, खुशहाल।

मुत्रिबा (مطربہ) अ स्त्री –गानेवाली स्त्री, गायिका, गायकी।

मुत्रिब (مطرب) अ पु –गानेवाला, गायक, रागी।

मुत्लक़ (مطلق) अ वि –स्वच्छंद, निरकुश, आज़ाद, नितान्त, बिलकुल, सामान्य, मामूली, जैसे—'माज़ी मुत्लक़' सामान्य भूत।

मुत्लक़न (مطلقاً) अ वि –नितान्त, बिलकुल।

मुत्लक़ुलइनान (مطلق العنان) अ वि –स्वच्छद, निरंकुश, बेमहार।

मुत्लक़ुलइनानी (مطلق العنانی) अ स्त्री –स्वच्छदता, निरकुशता, बेलगामी।

मुत्लिफ़ (متلف) अ वि –नष्ट करनेवाला, बरबाद करनेवाला, खराब करनेवाला, बिगाडनेवाला।

मुदक़्क़िक़ (مدقق) अ वि –बाल की खाल निकालनेवाला।

मुदन (مدن) अ पु –'मदीन' का बहु, नगरसमूह, बहुत से शहर।

मुदब्बिर (مدبر) अ वि –वह ओषधि जो यथाविधि शुद्ध कर ली गयी हो, ताकि हानि न करे।

मुदब्बिर (مدبر) अ वि –प्रबधकुशल, इंतिज़ाम मे निपुण; दूरदर्शी, पेशबी, बुद्धिमान्, अक्लमद, राजनीति में निपुण, राजनीतिज्ञ।

मुदब्बिराने क़ौम (مدبران قوم) अ पु –राष्ट्र के नेता, कौम के लीडर।

मुदम्मिग़ (مدمغ) अ वि –अहकारी, अभिमानी, घमडी, मग़रूर।

मुदम्मिल (مدمل) अ वि –घाव को भरनेवाला, वह दवा जो घाव को भर दे।

मुदर्रिस (مدرس) अ पु –पढानेवाला, अध्यापक।

मुदर्रिसी (مدرسی) अ स्त्री –पढाने का काम, अध्यापन।

मुदल्लल (مدلل) अ वि –जो तर्क से परिपुष्ट हो, युक्तिसगत, युक्तियुक्त।

मुदव्वन (مدون) अ वि –सगृहीत, सपादित, सकलित, इंतिख़ाब और तर्तीब के साथ जमा किया हुआ।

मुदव्वर (مدور) अ वि –गोलाकार, वृत्ताकार, गोल।

मुदव्विन (مدون) अ वि –सपादक, तर्तीब देनेवाला।

मुदह्रज (مدحرج) अ वि –गोल, वर्तुलाकार।

मुदाअबत (مداعبت) अ स्त्री –मनोरजन, आमोद-प्रमोद, हँसी-मज़ाक, क्रीडा, खेलकूद, तफ़रीह।

मुदाख़लत (مداخلت) अ स्त्री –विघ्न, बाधा, हस्तक्षेप, दख़्लअदाज़ी, दख़्ल देना, बीच मे टोकना, क़ब्ज़ा, अधिकार।

मुदाख़लते बेजा (مداخلت بیجا) अ फा स्त्री –ऐसा हस्तक्षेप जो कानून के ख़िलाफ़ हो।

मुदाफ़अत (مدافعت) अ स्त्री –हमले की रोक, बचाव, निवारण, इज़ाल, हटाना, अलग करना।

मुदाफ़े' (مدافع) अ वि –हटानेवाला, हमले को रोकनेवाला।

मुदाम (مدام) अ वि –नित्य, सदा, हमेशा, निरन्तर, लगातार; मदिरा, शराब।

मुदामी (مدامی) फा स्त्री –नित्यता, हमेशगी।

मुदारा (مدارا) अ पु –'मुदारात' का लघु, दे 'मुदारात'।

मुदारा (مدارا) अ वि –जिसकी मुदारात की गयी हो, जिसकी आवभगत की गयी हो।

मुदारात (مدارات) अ स्त्री –ख़ातिर तवाज़ो', आवभगत; सम्मान, आदर, एज़ाज़।

मुदावमत (مداومت) अ स्त्री –नित्यता, हमेशगी, किसी काम को हमेशा करना।

मुदावा (مداوا) अ पु –'मुदावात' का लघु, दे 'मुदावात'।

मुदावात (مداوات) अ स्त्री –चिकित्सा, उपचार, दवा-दारू इलाज।

मुदाहनत (مداهنت) अ स्त्री –दिल में कुछ और ज़बान पर कुछ होना, चापलूसी, चाटुकारिता, रौगने काज़ मलना।

मुदाहिन (مداهن) अ वि –मुनाफिक, जिसके मन में कुछ हो और मुँह पर कुछ, चाटुकार, खुशामदी।

मुदिर [रं] (مدر) अ वि –पेशाब अधिक लानेवाली दवा।

मुदिर्रात (مدرات) अ स्त्री –वे दवाएँ जो पेशाब अधिक लाएँ, जो रजस्राव अधिक करे।

मुदीर (مديره) अ स्त्री –संपादक महिला, संपादिका।

मुदीर (مدير) अ पु –संपादक, अख़्बार का इडीटर।

मुदीरे आ'ला (مدير اعلى) अ पु –प्रधान संपादक।

मुदीर मसऊल (مدير مسؤل) अ पु –वह संपादक जो अख़्बार के मज्मूनों का उत्तरदायी हो, समाचार संपादक।

मुदीरे मुआविन (مدير معاون) अ पु –सहायक संपादक, उपसंपादक।

मुदुन (مدن) अ पु –'मदीन' का बहु, बहुत-से नगर।

मुद्ग़म (مدغم) अ वि –मिला हुआ, समन्वित, मिले हुए, मिश्र, एक-जैसे दो अक्षर।

मुद्दआ (مدعا) अ पु –दावा किया गया, अर्थ, मतलब, आशय, उद्देश, मंशा, स्वार्थ, गरज, तात्पर्य, खुलासा।

मुद्दआअलैह (مدعاعليه) अ पु –जिस पर दावा किया गया हो, प्रतिवादी।

मुद्दआअलैहा (مدعاعليها) अ स्त्री –वह स्त्री जिस पर दावा किया गया हो, प्रतिवादिनी।

मुद्दआबिहा (مدعابها) अ वि –वह वस्तु जिसके लिए वाद उपस्थित किया गया हो, जिस चीज का दावा हो।

मुद्दई (مدعى) अ पु –दावा करनेवाला, वादी, नालिशी।

मुद्दईय. (مدعيه) अ स्त्री –दावा करनेवाली स्त्री, वादिनी।

मुद्दत (مدت) अ स्त्री –अवधि, मीआद, समय, काल, वक्त, विलंब, देर, अर्सा।

मुद्दते मदीद (مدت مديد) अ स्त्री –लंबा अर्सा, लंबा समय।

मुद्दते हयात (مدت حيات) अ स्त्री –जीवनकाल, जीने का समय, पूरी आयु।

मुद्रिक (مدركه) अ स्त्री –तमीज की कुव्वत, विवेक-शक्ति।

मुद्रिक (مدرك) अ वि –विवेकी, बुद्धिमान्, समझदार, भले-बुरे की पहचान रखनेवाला।

मुद्रिकात (مدركات) अ वि –'मुद्रिक' का बहु, विवेक की शक्तियाँ।

मुनक़्क़श (منقش) अ वि –चित्रित, जिस पर बेलबूटे हो, अंकित, जिस पर लिखा हो।

मुनक़्क़ह (منقح) अ वि –वह बात जिसे झूठ से पाक कर दिया गया हो, सच्ची बात, शुद्ध और निर्मल, जो विषय या मुआमला छानबीन करके स्पष्ट कर दिया गया हो।

मुनक़्क़ा (منقى) अ वि –जिसका पेट साफ कर दिया गया हो, सूखा अंगूर, दाख, इसे मुनक्का इसलिए कहते हैं कि इसके बीज निकालकर इसका पेट साफ कर दिया जाता है, जो शुद्ध किया गया हो, शुद्ध, निर्मल।

मुनक़्क़िद (منقد) अ वि –आलोचक, तन्क़ीद करनेवाला, खोटा-खरा बतानेवाला।

मुनक़्क़िस (منقص) अ वि –अपमान करनेवाला, तिरस्कर्ता, कम करनेवाला।

मुनक़्क़ी (منقى) अ वि –पेट साफ करनेवाला, पेट साफ करनेवाली दवा, साफ करनेवाला, शुद्धकर्ता।

मुनक़्क़ेह (منقح) अ वि –तन्क़ीह करनेवाला, सच को झूठ से अलग करनेवाला, मुआमले की जाँच करके सच और झूठ निकालनेवाला।

मुनग़्ग़स (منغص) अ वि –मलिन, मैला, मुकद्दर, अप्रसन्न, खिन्न, रंजीद।

मुनग़्ग़िस (منغص) अ वि –मैला करनेवाला, अप्रसन्न करनेवाला।

मुनज़्ज़म (منظم) अ वि –क्रमबद्ध, क्रियागत, बातर्तीब, संघटित, वे लोग जो किसी उद्देश्य से एक और मज़बूत होकर कोई काम करे।

मुनज़्ज़ल (منزل) अ वि –नीचे उतरा हुआ।

मुनज़्ज़ह (منزه) अ वि –पवित्र, पाक, दोषों और त्रुटियों से पाक।

मुनज्जिम (منجم) अ वि –ज्योतिषी, नुजूमी।

मुनज़्ज़िम (منظم) अ वि –संघटन करनेवाला, लोगों को किसी कार्य विशेष के लिए एकत्र करके उन्हें नियमों पर चलानेवाला।

मुनज़्ज़िल (منزل) अ वि –नीचे उतारनेवाला।

मुनब्बत (منبت) अ वि –वे बेल-बूटे जो उभरे हुए हों, कपड़े पर हो या लकड़ी आदि पर।

मुनब्बतकारी (منبت كارى) अ फा स्त्री –बेल-बूटों का वह काम जो लकड़ी आदि पर किया जाता है।

मुनव्वर (منور) अ वि –उज्ज्वल, प्रकाशमान, दीप्त, रौशन।

मुनश्शी (منشی) अ वि –नशा पैदा करनेवाली चीज, मादक।

मुनश्शीयात (منشیات) अ स्त्री –नशे की चीजें, जैसे— शराब, अफीम गांजा, भांग आदि।

मुनाक़जः (مناقضه) अ पु.–एक-दूसरे की बात को काटना, वाक्कलह, झगडा, दगा, कलह, फसाद, द्वेष, वैर, मुखालफत, दुश्मनी।

मुनाक़जत (مناقضت) अ स्त्री –दे 'मुनाकज'।

मुनाकबत (مناقبت) अ स्त्री –अचानक देखना, मन्कबत करना, रसूल के घरानेवालो का स्तुतिगान।

मुनाकश (مناقشه) अ. पु.–आपस का लडाई-झगडा, झगडा, कलह, फसाद।

मुनाक़सत (مناقصت) अ. स्त्री.–परस्पर एक-दूसरे की बुराई करना।

मुनाकहत (مناكحت) अ. स्त्री –स्त्री और पुरुष का आपस मे विवाह करना, विवाह, पाणिग्रहण, शादी।

मुनाक़िज (مناقض) अ वि.–मुखालिफ, शत्रु दुश्मन; झगडा डालनेवाला।

मुनाक़िब (مناقب) अ वि –अचानक देखनेवाला, मन्कबत करनेवाला, गुणगान और कीर्तिगान करनेवाला।

मुनाज़अः (منازعه) अ पु –कलह, झगडा, फसाद, वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहस।

मुनाज़अत (منازعت) अ स्त्री –दे 'मुनाजअ'।

मुनाज़म. (مناظمه) अ पु –परस्पर नज्मे सुनाना, वह मुशाअर जिसमे गजलो की जगह नज्मे पढी जायँ।

मुनाज़रः (مناظره) अ पु –किसी विषय पर और विशेषत धार्मिक विषय पर दो विरोधी दलो का शास्त्रार्थ; वह विद्या जिसमे तर्कशास्त्र के नियम और उसके विषय मे ज्ञान बढानेवाली बातो का वर्णन हो।

मुनाजात (مناجات) अ स्त्री –ईश-प्रार्थना, खुदा की हम्दो-सना, ऐसा स्तुति गान जिसमे अपने लिए कुछ प्रार्थना भी हो।

मुनाजाती (مناجاتی) अ वि –मुनाजात करनेवाला, स्तुतिगान-कर्ता।

मुनाज़ा'फीहि (منازع فیه) अ वि –वह चीज जिस के विषय मे परस्पर झगडा हो, झगडेवाली चीज।

मुनाज़िर (مناظر) अ वि –मुनाजर करनेवाला, शास्त्रार्थ-कर्ता।

मुनाज़िरीन (مناظرین) अ पु –'मुनाजिर' का बहु, शास्त्रार्थ करनेवाले।

मुनाज़े' (منازع) अ वि –झगडा करनेवाला, झगडालू, विवादी।

मुनादमत (منادمت) अ स्त्री –पास बैठना, हाजिर बाश रहना।

मुनादा (منادی) अ वि –जिसे पुकारा जाय, सम्बोधित, आहूत।

मुनादी (منادی) अ. वि –पुकारनेवाला, एलान करनेवाला, घोषणा करनेवाला, एलान, घोषणा।

मुनादीनवाज़ (منادی نواز) अ फा वि –एलान करने के लिए डुग्गी पीटनेवाला।

मुनाफ़अः (منافعه) अ पु –लाभ, प्राप्ति, फाइदा, व्यवसाय और रोजगार का लाभ, फल, नतीजा।

मुनाफअत (منافعت) अ स्त्री –लाभ होना, प्राप्ति।

मुनाफ़क़त (منافقت) अ स्त्री –दिल मे कुछ होना और जबान पर कुछ, मिथ्याचार, कूटाचार।

मुनाफरत (منافرت) अ स्त्री –घृणा, नफ़्रत।

मुनाफसः (منافسه) अ पु –किसी चीज मे बराबरी चाहना, ईर्ष्या करना, हसद करना, बराबरी करना, तुलना करना।

मुनाफात (منافات) अ स्त्री –एक-दूसरे को बरबाद और नष्ट करना, एक-दूसरे को अलग करना।

मुनाफ़िक़ (منافق) अ स्त्री –मुनाफकत करनेवाला, जिसके मुँह पर कुछ हो और पेट पर कुछ, बहुमुख।

मुनाफिर (منافر) अ वि.–घृणा करनेवाला।

मुनाफी (منافی) अ वि –विरुद्ध, प्रतिकूल, उलटा, मुखालिफ।

मुनाफे' (منافع) अ वि –लाभ देनेवाला, लाभदायक।

मुनासख. (مناسخه) अ पु –एक काइदा जिसके द्वारा दाय भाग होता है।

मुनासबत (مناسبت) अ स्त्री –सम्बन्ध, लगाव, अनुकूलता, मुआफकत, अनुपात, निस्बत।

मुनासर. (مناثره) अ पु –गद्य के लेखको की गोष्ठी, एक जगह बैठकर परस्पर गद्य के लेख सुनाना।

मुनासरत (مناصرت) अ स्त्री –परस्पर एक-दूसरे की सहायता करना, सहयोग।

मुनासिब (مناسب) अ वि –उचित, ठीक, योग्य, काबिल, पात्र, अहल, यथेष्ट, काफी, सतुलित, मौजूं।

मुनासिबे मौक़ा (مناسب موقعه) अ पु –अवसर के अनुसार, समय के अनुसार।

मुनासिबे वक्त (مناسب وقت) अ पु –समय के अनुसार, समयोचित।

मुनासिबे हाल (مناسب حال) अ पु –दशा के अनुसार, दशानुकूल, हालत के मुनासिब।

मुनीफ (منیف) अ वि—पवित्र, पाक, श्रेष्ठ, बुजुर्ग, उच्च, बलंद, अधिक, ज़ियादा।

मुनीब (منیب) अ वि—प्रतिनिधि, नुमाइंद, अभिकर्ता, एजेंट, गुमाश्ता।

मुनीर (منیر) अ वि—उज्ज्वल, प्रकाशमान, दीप्त।

मुन्‌अकिद (منعقد) अ वि—उपस्थित होनेवाला, होनेवाला, प्राय जल्से या सभा के लिए आता है।

मुन्‌अकिस (منعکس) अ वि—प्रतिबिंबित, छाया या प्रतिबिम्ब पडा हुआ।

मुन्‌अतिफ (منعطف) अ वि—फिरनेवाला, आकृष्ट होनेवाला, आकृष्ट हुआ चित्त।

मुन्‌अदिम (منعدم) अ वि—नष्ट होनेवाला, नष्ट, ध्वस्त, नाबूद।

मुन्‌इम (منعم) अ वि—इन्‌आम देनेवाला, नेमतें देनेवाला, पुरस्कारदाता, समृद्ध, धनाढ्य, मालदार।

मुन्‌इमे हकीकी (منعم حقیقی) अ पु—सच्ची नेमतें देनेवाला, ईश्वर।

मुन्क़ज़ी (منقضی) अ वि—गुजरनेवाला, समाप्त, खत्म।

मुन्क़ते’ (منقطع) अ वि—खंडित, विच्छिन्न, कटा हुआ।

मुन्कदिर (منکدر) अ वि—गदला, मलिन, मैला, धुंधला, नासाफ।

मुन्क़ने’ (منقنع) अ वि—निःस्पृह, निवृत्त, क़ाने’, संतुष्ट।

मुन्क़बिज़ (منقبض) अ वि—अप्रसन्न, खिन्न, (मिज़ाज)।

मुन्कर (منکر) अ वि—घृणित, मक्रूह, निकृष्ट, खराब।

मुन्करनकीर (منکرونکیر) अ पु—दो फ़िरिश्ते जो मुसलमानो के मतानुसार क़ब्र में मुर्दों से पूछताछ करते हैं।

मुन्क़लिब (منقلب) अ वि—पलटा हुआ, औंधा, अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल।

मुन्क़लिबात (منقلبات) अ पु—वृष, कर्क, तुला और मकर ये चार राशियाँ, क्योंकि इनमें काम उलटा होता है।

मुन्क़ले’ (منقلع) अ वि—उखडनेवाला, उखडा हुआ।

मुन्कशिफ (منکشف) अ वि—प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर।

मुन्क़सिम (منقسم) अ वि—विभाजित, तक्सीम, बँटनेवाला।

मुन्कसिर (منکسر) अ वि—भग्न, टूटा हुआ, नम्र, विनीत, खाकसार, शीलवान्, खुश अख्लाक।

मुन्कसिर मिज़ाज (منکسرمزاج) अ वि—दे ‘मुन्कसिरुल मिज़ाज’।

मुन्कसिरुल मिज़ाज (منکسرالمزاج) अ वि—विनीतात्मा, विनम्र स्वभाव, खाकसारी बरतनेवाला।

मुन्क़ाद (منقاد) अ वि—आज्ञाकारी, फ़र्मांबरदार, अधीन, वशीभूत, ताबे’।

मुन्किर (منکر) अ वि—इन्कार करनेवाला, कृतघ्न, एहसान-फ़रामोश।

मुन्किराने खुदा (منکران خدا) अ फा पु—खुदा को न माननेवाले, नास्तिक लोग।

मुन्किरे क़ियामत (منکر قیامت) अ वि—क़ियामत पर विश्वास न रखनेवाला, नास्तिक, नेचरी (मुसलमान)।

मुन्किरे खुदा (منکر خدا) अ फा वि—ईश्वर को न माननेवाला, नास्तिक, अनीश्वरवादी।

मुन्किरे ने’मत (منکر نعمت) अ फा वि—नाशुक्रा, कृतघ्न, नमकहराम।

मुन्कुल (منقلہ) अ स्त्री—अँगीठी, अगारधानी।

मुन्क़ल (منقل) अ स्त्री—दे ‘मुन्कुल’, दे ‘मन्क़ल’।

मुन्ख़फ़िज़ (منخفض) अ वि—गढे में पडा हुआ, नीचे जानेवाला, पस्त, अवनत।

मुन्ग़मिस (منغمس) अ वि—जलमग्न, पानी में डूबा हुआ, गरीक, निमग्न।

मुन्फ़इल (منفعل) अ वि—लज्जित, शर्मिंदा, संकुचित, पशेमान, प्रभाव कबूल करनेवाला।

मुन्फ़क [फ़क] (منفک) अ वि—अलग होनेवाला, पृथक्, अलग, मोचित, मुक्त, छूटा हुआ।

मुन्फ़जिर (منفجر) अ वि—बहनेवाला स्रोत।

मुन्फ़तिर (منفطر) अ वि—विदीर्ण, फटा हुआ, शिगाफ़ पडा हुआ।

मुन्फ़रिज (منفرجہ) अ वि—चौडा, चकला, वह कोण जो ९० अंश से अधिक हो, अधिक कोण।

मुन्फ़रिज (منفرج) अ वि—विस्तृत, विशाल, चौडा चकला, तुष्ट, समृद्ध, आसूदा।

मुन्फ़रिद (منفرد) अ वि—एकाकी, अकेला, अद्वितीय, बेजोड।

मुन्फ़रेह (منفرح) अ वि—हर्षित, आनंदित, प्रसन्न, खुश।

मुन्फ़सिख (منفسخ) अ वि—दूषित, विकृत, खराब।

मुन्फ़सिल (منفصل) अ वि—पृथक्, अलग, जुदा, निर्णीत, फ़ैसल।

मुन्यत (منیت) अ स्त्री—उद्देश्य, आशय, मक़्सद, मंशा।

मुन्शइब् (منشعب) अ वि—शाख-शाख होनेवाला, मूल में से शाखाएँ बनकर फैलनेवाला।

मुन्‌हज़िम (منہزم) अ वि—पराजित, परास्त, विजित, हारा हुआ।

मुन्‌हज़िम (منہضم) अ वि—पचित, जो हज़्म हो गया हो।

मुनहतिक (منهتک) अ वि —पर्दा फटनेवाला, जिसका पर्दा फट जाय, जिसका दोष प्रकट हो जाय, अपमानित, तिरस्कृत।

मुनहदिम (منهدم) अ वि —ध्वस्त, नष्ट, बरबाद (इमारत आदि)।

मुनहदिर (منحدر) अ वि —ऊपर से नीचे उतरनेवाला।

मुनहनी (منحنی) अ वि —दुबला-पतला, कमजोर, क्षीण, क्षाम, कृशांग।

मुनहनी अदाम (منحنی اندام) अ फा वि —दे 'मुनहनी जिस्म'।

मुनहनी जिस्म (منحنی جسم) अ वि —क्षीणकाय, कृशाग, दुबले-पतले शरीरवाला।

मुनहमिक (منہمک) अ वि —तन्मय, तल्लीन, दत्तचित्त, तत्पर, सलग्न, बहुत अधिक मशगूल।

मुनहरिफ (منحرف) अ वि —विमुख, बरगश्त, अवज्ञाकारी, नाफर्मान, उद्दड, सरकश।

मुनहल [ल्ल] (منحل) अ वि —विस्तृत, चौडा, चकला, कुशादा।

मुनहसिर (منحصر) अ वि —निर्भर, निर्धारित, मौकूफ।

मुनहसिर अलैह (منحصرعلیہ) अ वि —जिस पर कोई मुआमला निर्भर हो, आधेय, पच, जो दो व्यक्तियों के बीच में उनका झगडा तै करने के लिए मध्यस्थ बना दिया जाय।

मुफक्किर (مفکر) अ वि —विचारक, सोचनेवाला।

मुफक्किरीन (مفکرین) अ पु —'मुफक्किर' का बहु।

मुफख्खम (مفخم) अ वि —प्रतिष्ठित, समानित, बुजुर्ग।

मुफख्खर (مفخر) अ वि.—जिस पर सब गर्व करे, ऐसा व्यक्ति, प्रतिष्ठित, पूज्य, मान्य।

मुफख्खरे मौजूदात (مفخر موجودات) अ वि —ससार के लिए गर्व का विषय, ससार मे सबसे बडा आदमी।

मुफज्जल (مفضل) अ वि —अधिक किया हुआ, बढाया हुआ, प्रधानता दिया हुआ, तर्जीह पाया हुआ।

मुफत्तिन (مفتن) अ वि —उपद्रवकारी, झगडे खडे करनेवाला, धूर्त, फित्तीन।

मुफत्तिश (مفتش) अ वि —तफ्तीश करनेवाला, खोज लगानेवाला, ढूंढ़नेवाला, तलाश करनेवाला।

मुफत्तेह (مفتح) अ वि —खोलनेवाला।

मुफर्रिहुल क़ुलूब (مفرح القلوب) अ वि —दिलो को आनन्द और उल्लास देनेवाला।

मुफर्रेह (مفرح) अ वि —मन मे उमग और उल्लास उत्पन्न करनेवाला, वह औषध जो हृदय को आनदित करे।

मुफर्रेहात (مفرحات) अ स्त्री —वे दवाएँ जो हृदय मे आनद और विकास की वृद्धि करें।

मुफव्वज़ः (مفوضہ) अ वि —सिपुर्द की हुई वस्तु।

मुफव्वज़ (مفوض) अ वि —सिपुर्द किया हुआ, हस्तातरित।

मुफव्विज़ (مفوض) अ वि —हस्तातरण करनेवाला, प्रदान करनेवाला, सिपुर्द करनेवाला।

मुफस्सलः (مفصلہ) अ वि —विवरण किया हुआ।

मुफस्सल (مفصل) अ वि —विस्तारपूर्ण, सविस्तार, विस्तृत, स्पष्ट, वाजेह, मुशर्रह।

मुफस्सलए ज़ैल (مفصلہ ذیل) अ वि —जिसका विवरण नीचे दिया गया हो, निम्नाकित।

मुफस्सलात (مفصلات) अ पु —किसी नगर के आस-पास की छोटी आबादियाँ।

मुफस्सिर (مفسر) अ पु —तफ्सीर करनेवाला, भाष्यकार, इस्लाम मे हदीसो की तफ्सीर करनेवाला।

मुफस्सिरीन (مفسرین) अ पु —'मुफस्सिर' का बहु, हदीस की व्याख्या करनेवाले विद्वज्जन।

मुफस्सिल (مفصل) अ वि —स्पष्टीकरण करनेवाला, तफ्सील बतानेवाला।

मुफाकह (مفاکہ) अ पु —परस्पर आमोद-प्रमोद करना, मनोरजन, मनोविनोद।

मुफाख़रत (مفاخرت) अ स्त्री —परस्पर गर्व करना, गर्व, गौरव, डीग, शेखी।

मुफाख़िर (مفاخر) अ वि —गर्व करनेवाला, डीग मारनेवाला, अभिमानी।

मुफाजा (مفاجا) अ पु —'मुफाजात' का लघु, दे 'मुफाजात'।

मुफाजात (مفاجات) अ स्त्री —आकस्मिक, सहसा, एकाएक, आचानक, एकबारगी।

मुफारकत (مفارقت) अ स्त्री —पृथक्ता, अलाहिदगी, वियोग, जुदाई, तलाक, विवाह-विच्छेद।

मुफारिक़ (مفارق) अ वि —जुदा होनेवाला, अलग होनेवाला, पृथक्, जुदा।

मुफावज़ः (مفاوضہ) अ पु —वह पत्र जो बडे की ओर से छोटे को लिखा जाय, पत्र, चिट्ठी, बराबरी, समानता।

मुफावज़त (مفاوضت) अ स्त्री —एक-दूसरे का सिपुर्द करना, साझा करना, बराबरी करना, मैथुन करना।

मुफावज़ात (مفاوضات) अ पु —'मुफावज' का बहु, खतोकितावत के कागजात जो बडे की तरफ से छोटो को हो।

मुफाहमत (مفاہمت) अ स्त्री —एक-दूसरे को समझाना, समझौता, फैसला।

मुफिर [र्र] (مفر) अ वि —भागनेवाला, पलायक।

मुफीज़ (مفیض) अ वि —फैज़ पहुँचानेवाला, यश देनेवाला।

मुफीदे ज़िंदगी (مفیدزندگی) अ फा वि —जीवनोपयोगी, ज़िंदगी में काम आनेवाला।

मुफीद (مفید) अ वि —उपयोगी, कार आमद, लाभकारी, फाइदामंद, हितवर।

मुफीदे आम (مفیدعام) अ वि —सबके लिए लाभकारी, सर्वोपकारी।

मुफीदे मत्लब (مفیدمطلب) अ वि —अपने उद्देश्य के लिए फाइदामद, प्रयोजनानुकूल।

मुफ्त (مفت) फा वि —बेदाम, व्यर्थ, बेकार,, नष्ट, जाए', अकारण, बेसबब , बिना परिश्रम, बेमेहनत।

मुफ्तक़िर (مفتقر) अ वि —दरिद्र, कगाल, भिखारी, मँगता।

मुफ्तख़र (مفتخر) अ वि —गर्वान्वित, जिस पर फख्र हो।

मुफ्तख़िर (مفتخر) अ वि —गर्व करनेवाला, फख्र करनेवाला, मग़रूर।

मुफ्तख़ोर (مفت خور) फा वि —जो दूसरे के सिर पडा हो, जो मेहनत न करे और खाना चाहे, दूसरो का माल मारनेवाला।

मुफ्तख़ोरी (مفت خوری) फा स्त्री —दूसरे के सिर रहना, बेमेहनत किये खाना चाहना, दूसरो का माल मारना।

मुफ्ततन (مفتتن) अ वि —फितने मे डाला हुआ।

मुफ्तबर (مفت بر) फा वि —दूसरो का माल मारनेवाला।

मुफ्तबरी (مفت بری) फा स्त्री —दूसरो का माल मारना।

मुफ़्तरज़ात (مفترضات) अ पु —कल्पित बाते, खयाली मसूबे।

मुफ्तरिक़ (مفترق) अ वि —फर्क डालनेवाला, फूट डालनेवाला, दो दोस्तो के बीच मे दुश्मनी पैदा करा देनेवाला।

मुफ्तरी (مفتری) अ वि —धूर्त, शरीर, झूठा इल्ज़ाम लगानेवाला, आरोपक।

मुफ्तरे' (مفترع) अ वि —शाखाएँ निकालनेवाला।

मुफ्तसिताँ (مفت ستاں) फा वि —मुफ्त छीननेवाला, बेदाम दिये लेनेवाला।

मुफ्तसितानी (مفت ستانی) फा स्त्री —बेदाम दिये चीज का छीन लेना।

मुफ्तिए आ'ज़म (مفتئ اعظم) अ पु —सबसे बडा मुफ्ती।

मुफ्ती (مفتی) अ पु —फत्वा देनेवाला, मुसलमानो का वह धर्मशास्त्रवेत्ता मौलवी जो धार्मिक समस्याओ का समाधान प्रश्नोत्तर के रूप मे करता है।

मुफ्रद (مفرد) अ वि —एक, अकेला।

मुफ्रदात (مفردات) अ स्त्री —वे अक्षर जो अलग-अलग लिखे जायँ, जैसे—अ, ब, स, वे दवाएँ जो मिश्रित न हो, बल्कि पृथक् रूप मे हो, वह किताब जिसमे मुफ्रद दवाओ का वर्णन हो।

मुफ़्रित (مفرط) अ वि —अत्यधिक, बहुत ज़ियादा, प्रचुर।

मुफ्लिस (مفلس) अ वि —दरिद्र, निर्धन, धनहीन, कगाल, गरीब।

मुफ़्लिसी (مفلسی) अ स्त्री —दरिद्रता, निर्धनता, कगाली, गरीबी।

मुफ़्सिद (مفسد) अ वि —उपद्रवी, फिसादी, फूट डलवानेवाला, उत्पाती, शरीर, दूषित करनेवाला, बिगाडनेवाला, धूर्त, छली।

मुफ्सिदानः (مفسدانہ) अ वि.—मुफ्सिदो-जैसा, शरारत और उपद्रव से भरा हुआ।

मुफ़्सिदेअख़्लात (مفسداخلاط) अ वि —शरीर की धातुओ को दूषित करनेवाला।

मुफ़्सिदे ख़ून (مفسدخون) अ फा वि —रक्तदूषक, ख़ून को खराब करनेवाला।

मुबज़्ज़िर (مبذر) अ वि —व्यर्थ और अधिक खर्च करनेवाला, अपव्ययी।

मुबद्दल (مبدل) अ वि —बदला हुआ, परिवर्तित।

मुबद्दिक़ (مبدق) अ वि —पथप्रदर्शक, मार्गदर्शक, राहनुमा, रास्ता बतानेवाला।

मुबय्यज़ (مبیض) अ वि —सफेद किया हुआ।

मुबय्यन' (مبینہ) अ वि —बयान किया हुआ, कहा हुआ, कथित, उक्त।

मुबय्यिन (مبین) अ वि —बयान करनेवाला, कहनेवाला।

मुबर्रा (مبرا) अ वि —बरी किया हुआ, मुक्त, पवित्र, पाक, पृथक्, अलग, दूर, बेतअल्लुक़, विरक्त, नि सम्बन्ध।

मुबर्रिद (مبرد) अ वि —ठडा करनेवाला, ठडक पहुँचानेवाला वह दवा जो ठडक पहुँचाये।

मुबर्रिदात (مبردات) अ पु —ठडक पहुँचानेवाली ओषधियाँ।

मुबर्सम (مبرسم) अ वि —जो व्यक्ति 'बर्साम' रोग-से पीडित हो।

मुबर्हन (مبرهن) अ वि —जो बात प्रमाणो से पूरे तौर पर साबित की गयी हो, प्रमाणित, युक्तिसगत।

मुबल्लिग़ (مبلغ) अ वि —प्रचार करनेवाला, प्रचारक, विशेषत धर्मप्रचारक।

मुबव्वब (مبوب) अ वि —अध्यायो और परिच्छेदो मे बँटी हुई पुस्तक, सगबद्ध।

मुबश्शिर (مبشر) अ वि —शुभ सूचना देनेवाला, खुशखबरी सुनानेवाला, शुभसूचक।

मुबस्सिर (مبصر) अ वि —पारखी, परख रखनेवाला, अच्छे-बुरे की तमीज रखनेवाला, मर्मज्ञ।

मुबह्‌ही (مبہی) अ वि –काम-शक्ति बढानेवाला, कामवर्द्धक, वाजीकरण रसायन।

मुबादरत (مبادرت) अ स्त्री –फुरती दिखाना, जल्दी करना, वीरता दिखाना, फुर्ती, शीघ्रता, वीरता।

मुबादलः (مبادلہ) अ पु.–अदल-बदल, एक चीज़ देकर दूसरी लेना, आदान-प्रदान।

मुबादिर (مبادر) अ वि –फुर्ती करनेवाला, वीरता दिखानेवाला।

मुबादिल (مبادل) अ. वि –एक चीज़ को दूसरी चीज़ से बदलनेवाला।

मुबारक (مبارک) अ. वि.–शुभान्वित, कल्याणकारी, बाबरकत, भाग्यशील, खुशक़िस्मत, शुभसूचना, खुशखबरी, किसी खुशी के मौके पर कहा जानेवाला शब्द, धन्यवाद, बधाई, मांगलिक।

मुबारकअंजाम (مبارک انجام) अ फा वि –जिसका परिणाम कल्याणकर हो।

मुबारकक़दम (مبارک قدم) अ वि –जिसका आगमन शुभदायक हो।

मुबारकदम (مبارک دم) अ फा वि –जिसकी फूंक से बीमार अच्छे हों, जिसके आशीर्वाद से लोगो का कल्याण हो।

मुबारकबाद (مبارک باد) अ फा वि –मुबारक हो, कल्याण हो, यह वाक्य प्राय खुशी के अवसर पर एक-दूसरे से कहते हैं, शुभ सूचना, खुशखबरी।

मुबारक सलामत (مبارک سلامت) अ स्त्री –एक दूसरे को मुबारकबाद देना और उनकी सलामती अर्थात् चिरजीव होन की दुआ करना।

मुबारज़त (مبارزت) अ स्त्री –संग्राम, युद्ध, समर, लडाई, जंग, युद्ध क्षेत्र में दोनो ओर से एक-एक योद्धा का निकलकर लडना, यह अरब का प्राचीन नियम था।

मुबारात (مبارات) अ स्त्री.–किसीके साथ झगडा करना, किसीके साथ युद्ध में पक्ष करना।

मुबारिज़ (مبارز) अ वि –योद्धा, लडाकू, लडनेवाला वीर, एक योद्धा से दूसरे पक्ष का लडनेवाला योद्धा।

मुबालग़ः (مبالغہ) अ पु –बात को बढा-चढाकर कहना, अत्युक्ति, अतिरंजना।

मुबालग़ःआमेज़ (مبالغہ آمیز) अ फा वि –मुबालगे से भरा हुआ, अतिरंजित।

मुबालग़ःआमेज़ी (مبالغہ آمیزی) अ फा स्त्री –सच्ची बात में अपनी ओर से और कुछ मिलाकर उसे बहुत बढा देना।

मुबालात (مبالات) अ. स्त्री –किसी बात की शका करना, किसी बात से डरना।

मुबाशरत (مباشرت) अ स्त्री –सहवास, सभोग, रतिक्रीडा, मैथुन, हमबिस्तरी।

मुबाशिर (مباشر) अ. वि –मैथुनकर्ता, सहवास करनेवाला।

मुबाह (مباح) अ वि –विहित, जाइज़, जिसका खाना जाइज हो।

मुबाहलः (مباہلہ) अ पु –एक-दूसरे को शाप देना, एक-दूसरे को कोसना।

मुबाहस. (مباحثہ) अ पु –वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहसो-तमहीस।

मुबाहात (مباہات) अ स्त्री –गर्व, फख्र, डीग, शेखी, अभिमान, घमड।

मुबाहात (مباحات) अ. पु –वे चीजे जिनका खानपान धर्मशास्त्रानुसार वर्जित न हो।

मुबीन (مبین) अ वि –स्पष्ट, व्यक्त, वाज़ेह, साफ।

मुबैयनः (مبینہ) बयान किया हुआ, कथित।

मुबैयन (مبین) अ वि –दे 'मुबैयन।

मुबैयिन (مبین) अ वि –बयान करनेवाला, कहनेवाला, वक्ता।

मुब्तज़ल (مبتذل) अ वि –अपमानित, तिरस्कृत, बेइज़्ज़त, अधम, नीच, लोफर।

मुब्तदा (مبتدا) अ वि –शुरू किया गया, प्रारम्भित; जुम्लए इस्मिय का पहला अग।

मुब्तदी (مبتدی) अ वि –शुरु करनेवाला, प्रारम्भिक; शुरू की पुस्तके पढनेवाला, पारगत का उलटा, नौसिखिआ, नौमश्क, जिसे अभी अच्छा अभ्यास न हो।

मुब्तदे (مبتدع) अ वि –बिद्अती, दीन अर्थात् धर्म मे नयी बात निकालनेवाला।

मुब्तला (مبتلا) अ वि –ग्रस्त, पकडा हुआ, फँसा हुआ; मुग्ध, फ़िरेफ्त, आसक्त, आशिक, जो परीक्षार्थ आपत्तियो मे फँसाया गया हो।

मुब्तलाए अज़ाब (مبتلائے عذاب) अ वि –पापदड से पीडित; आपत्तिग्रस्त।

मुब्तलाए अलम (مبتلائے الم) अ वि –दे 'मुब्तलाए ग़म'।

मुब्तलाए आफत (مبتلائے آفت) अ फा वि –आफतो में फँसा हुआ, सकटापन्न, विपद्ग्रस्त क्लेशग्रस्त।

मुब्तलाए आलाम (مبتلائے آلام) अ वि –भिन्न-भिन्न आपत्तियो मे ग्रस्त, तरह-तरह के दु खो से पीडित।

मुब्तलाए इश्क़ (مبتلائے عشق) अ वि –प्रेम के कष्ट में फँसा हुआ, प्रेमाबद्ध।

मुब्तलाए ग़म (مبتلائے غم) अ वि –शोक म गिरिफ्तार, शोकग्रस्त, शोकपीड़ित, प्रेमान्द्ध, प्रेमदु:खग्रस्त।

मुब्तलाए मुसीबत (مبتلائے مصیبت) अ वि –दे 'मुब्तलाए आफत'।

मुब्तली (مبتلی) अ वि –आजमाइश के लिए आपत्तियो मे फँसानेवाला।

मुब्तसिम (مبتسم) अ वि –मुस्कुरानेवाला, खिलनेवाला।

मुब्तहिज (مبتہج) अ वि –प्रसन्न, आनदित, हर्षित, मसरूर।

मुब्तिल (مبطل) अ वि –खडन करनेवाला, काट करनेवाला, झूठा ठहरानेवाला।

मुब्दल (مبدل) अ वि –वदला हुआ, परिवर्तित, वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से वदला गया हो।

मुब्दलमिन्हु (مبدل منہ) अ पु –जिस शब्द से वदला गया, वह शब्द।

मुब्दा (مبدء) अ पु –प्रकट करने का स्थान, आरम्भ करने का स्थान, ईश्वर।

मुब्दिए फ़ैयाज़ (مبدءٔ فیاض) अ पु –वहुत अधिक फ़ैज पहुँचानेवाला अर्थात् ईश्वर।

मुब्दे (مبدع) अ वि –अपने मन से कोई निकालनेवाला।

मुब्दे (مبدء) अ वि –आरम्भ करनेवाला, प्रकट करनेवाला, सृष्टि करनेवाला, ईश्वर।

मुब्रम (مبرم) अ वि –दृढ, मजवूत, अटल, अवश्यभावी।

मुब्लग़ (مبلغ) अ वि –भेजा हुआ, प्रेष्य, खरा, जो खोटा न हो, रुपये के साथ लगाया जानेवाला शब्द जिसका अर्थ यह है कि भेजनेवाला खरा रुपया भेज रहा है।

मुब्लिग़ (مبلغ) अ वि –भेजनेवाला।

मुब्हम (مبہم) अ वि –ग़ैरवाज़ेह, अस्फुट, अस्पष्ट, निगूढ, मुग्लक।

मुमक्कन (ممکن) अ वि –ठहराया हुआ, स्थिर किया हुआ।

मुमक्किन (ممکن) अ वि –ठहरानेवाला, स्थिर करनेवाला।

मुमज्जद (ممجد) अ वि –प्रतिष्ठित, समानित, पूजित, बुजुर्ग।

मुमद्दद (ممدد) अ वि –जो खीचा गया हो।

मुमद्दिद (ممدد) अ वि –खीचनेवाला, एक दर्द जिसमे शरीर खिचता है।

मुमय्यज़ (ممیز) अ वि –दूसरे से पृथक् किया गया, छाँटकर अलग किया गया, अच्छा जानकर छाँटा गया।

मुमय्यिज़ (ممیز) अ वि –छाँटकर अलग करनेवाला, वुरे-भले में अतर और भेद करनेवाला।

मुमस्सिल (ممثلہ) अ स्त्री –अभिनेत्री, ऐक्ट्रेस, अदाकार स्त्री।

मुमस्सिल (ممثل) अ पु –अभिनेता, ऐक्टर, अदाकार।

मुमानअत (ممانعت) अ स्त्री –निषेध, प्रतिषेध, मनाही, रोक।

मुमारसत (ممارست) अ स्त्री –अभ्यास, मश्क, अनुभव, तज्रिब:, काम में कोशिश और मेहनत।

मुमारात (ممارات) अ स्त्री –किसी के साथ जाना, शत्रुता करना, युद्ध करना।

मुमारिस (ممارس) अ वि –काम मे कोशिश करनेवाला, अभ्यस्त, मश्शाक, अनुभवी, तज्रिबाकार।

मुमास (مماس) अ वि –घिसा हुआ; घिसनेवाला, घिसने की जगह।

मुमासख़त (ممامسخت) अ स्त्री –अच्छी सूरत को वुरी सूरत मे परिवर्तित कर देना।

मुमासलत (مماثلت) अ स्त्री –एक-जैसा होना, सदृशता, एकरूपता, हमशक्ली, समानता, वरावरी।

मुमासिख़ (مماسخ) अ वि –अच्छे रूप को कुरूपता में परिवर्तित कर देनेवाला।

मुमासिल (مماثل) अ वि –सदृश, एकरूप, हमशक्ल, समान, वरावर।

मुमिद [द्द] (ممد) अ वि –सहायक, मददगार, पक्षपाती, हिमायती, आश्रयदाता, सहारा देनेवाला।

मुमिर [र्र] (ممر) अ वि –गुजरनेवाला, जानेवाला।

मुम्किन (ممکن) अ वि –हो सकनेवाली बात, सभव, शक्य, सभाव्य, शक्ति, ताकत, सामर्थ्य, मक्दूर।

मुम्किनात (ممکنات) अ पु –'मुम्किन' का वहु, वे बाते जिनका होना सभव हो।

मुम्किनुलअमल (ممکن العمل) अ वि –जिस पर अमल करना सभव हो।

मुम्किनुलइलाज (ممکن العلاج) अ वि –जिसकी चिकित्सा (इलाज) सभव हो।

मुम्किनुलवुजूद (ممکن الوجود) अ वि –जिसका होना और न होना दोनो अनावश्यक हो, अर्थात् मानवजाति।

मुम्किनुलहुसूल (ممکن الحصول) अ वि –जिसका मिलना सभव हो, प्राप्य।

मुम्तद (ممتد) अ वि –खीचा हुआ, लम्बा, दराज।

मुम्तने (ممتنع) अ वि –निषेधक, रोकनेवाला।

मुम्तली (ممتلی) अ वि –भरा हुआ, पूर्ण।

मुम्तहन (ممتحن) अ वि –जिसकी परीक्षा ली जाय, परीक्षित, आजमाया हुआ।

मुम्तहन (ممتہن) अ वि –तिरस्कृत, अपमानित, निंदित, वेइज्जत।

मुम्तहिन (ممتحن) अ वि –इम्तिहान लेनेवाला, परीक्षक।
मुम्ताज (ممتاز) अ वि –बहुतो में से चुनकर अलग किया हुआ; प्रतिष्ठित, सम्मानित, मुअज्जज, मुख्य, विशिष्ट, खास।
मुम्तिर (ممطر) अ वि –बरसनेवाला बादल।
मुम्सिक (ممسک) निकलने से रोकनेवाला, कृपण, कजूस, बखील।
मुर [र्र] (مر) अ वि –कडवा, कटु, तल्ख, मुरमक्की, एक गोंद जो दवा मे चलता है।
मुरक्कब (مرکب) अ वि –मिश्रित, मिला हुआ, वह दवा जो कई दवाओ से मिलकर बनी हो।
मुरक्कबात (مرکبات) अ पु –'मुरक्कब' का बहु, मुरक्कब दवाएँ।
मुरक्कम (مرقم) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।
मुरक्का (مرقع) अ.पु –चित्र, तस्वीर, तस्वीरो का अल्बम, चित्रावली।
मुरख्खम (مرخم) अ वि.–मुलाइम किया हुआ, वह शब्द जिसका अतिम अक्षर हटा दिया गया हो।
मुरख्खस (مرخص) अ वि –रुख्सत किया गया, जिसे जाने की आज्ञा दे दी गयी हो, जो विदा कर दिया गया हो।
मुरग्गन (مرغن) फा वि –तेल या घी मे तरतराता हुआ, घी मे तरबतर।
मुरज्जज (مرجز) अ. वि –वह गद्य जिसके वाक्य परस्पर सतुलित और सानुप्रास हो।
मुरज्जब (مرجب) अ वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित।
मुरत्तब (مرتب) अ वि –क्रमबद्ध किया हुआ, सिलसिले से लगाया हुआ क्रमागत, सपादित, समाहृत, सगृहीत।
मुरत्तब (مرطب) अ वि –जिसको तर किया हो, जिसे तरी पहुँचायी गयी हो।
मुरत्तिब (مرتب) अ वि –क्रमबद्ध करनेवाला, सग्रह करनेवाला।
मुरत्तिब (مرطب) अ वि –ठड पहुँचानेवाला, तरी पहुँचानेवाला।
मुरद्दद (مردد) अ वि –जिसका खडन किया गया हो।
मुरद्दफ (مردف) अ वि –रदीफ के हिसाब बनाया हुआ, रदीफवार किया हुआ।
मुरद्दिद (مردد) अ वि –खडन करनेवाला, तर्दीद करनेवाला।
मुरफ्फह (مرفہ) अ वि–सम्पन्न, समृद्ध, आसूदा।
मुरफ्फहुहाल (مرفہ‌الحال) अ वि –धनाढ्य, मालदार, धनी, सम्पन्न।
मुरब्बा (مربا) अ वि –वह मेवा जो विशेष रूप से गलाकर शक्कर के किवाम मे रखा गया हो।
मुरब्बा' (مربع) अ वि –वह समकोण चतुर्भुज जिसकी सब रेखाएँ बराबर हो, वर्गाकार, चौखूँटा।
मुरब्बी (مربی) अ वि –पालनेवाला, सरपरस्त, अभिभावक।
मुरमक्की (مرمکی) अ स्त्री.–एक गोंद जो दवा के काम आता है।
मुरम्मम (مرمم) अ वि –सशोधित, तर्मीम किया हुआ।
मुरम्मम (مرمم) अ वि –दे 'मुरम्मम'।
मुरम्मिम (مرمم) अ वि –सशोधनकर्ता, तर्मीम करनेवाला।
मुरव्वक़ (مروق) अ वि –किसी वनस्पति के पत्तो आदि का कोट का निकाला हुआ अरक जिसे आग पर पकाकर उसकी हरियाली दूर कर दी गयी हो।
मुरव्वज: (مروجہ) अ वि –प्रचलित, राइज, जिसका रवाज या चलन हो।
मुरव्वज (مروج) अ. वि –दे 'मुरव्वज:'।
मुरव्वत (مروت) अ स्त्री –शुद्ध उच्चारण 'मुरूवत' है, परन्तु उर्दू मे 'मरव्वत' ही बोलते है, शील, संकोच,

मुरस्सा'निगारी (مرصع نگاری) अ फा स्त्री—खुशनवीसी।

मुरस्सासाज (مرصع ساز) अ फा वि—दे 'मुरस्साकार'।

मुराआत (مراعات) अ स्त्री—रक्षा, देख-रेख, रिआयत, मुरव्वत, कनखियो से देखना।

मुराआतुन्नजीर (مراعات النظیر) अ स्त्री—एक शब्दालकार जिसमे एक चीज के वर्णन मे उससे सबद्ध और चीजो को भी लाया जाय, जैसे—धनुष के साथ बाण, निषग अथवा प्रत्यचा आदि का उल्लेख हो।

मुराई (مراعی) अ वि—रिआयत करनेवाला; देख-रेख करनेवाला, चरानेवाला।

मुराक़वः (مراقبہ) अ पु—ससार से हटकर ईश्वर में ध्यान लगाना, समाधि, अवधान, योग, धारणा।

मुराकिब (مراقب) अ वि—समाधिस्थ, मुराकबे मे गया हुआ, अतर्लीन।

मुराख़तः (مراختہ) फा पु—परस्पर रेख्ता मे कलाम सुनाना, रेख्ते का मुशाअरा।

मुराग़बत (مراغبت) अ स्त्री—इच्छा, अभिलाषा, ख्वाहिश, रुचि, रग्बत।

मुराजअत (مراجعت) अ स्त्री—वापस आना, प्रत्यागमन।

मुराजअत (مراضعت) अ स्त्री—दूसरे के बालक को दूध पिलाना।

मुराजे' (مراجع) अ वि—वापस आनेवाला, लौटनेवाला, प्रत्यागामी।

मुराद (مراد) अ स्त्री—इच्छा, कामना, अभिलाषा, आर्जू, आशय, उद्देश्य, मक्सद, मन्नत, मानता।

मुरादिफ (مرادف) अ वि—किसी के पीछे बैठनेवाला, वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द का समानार्थक हो।

मुरादिफुलमा'ना (مرادف المعنی) अ वि—पर्यायवाची, समानार्थक।

मुरादी (مرادی) अ वि—आशय के अनुकूल, काल्पनिक, कियासी, आनो के साथ लगनेवाला शब्द, जैसे—'मुरादी आठ आना'।

मुराफअ. (مرافعہ) अ पु—अपील, पुनर्विचार-प्रार्थना, पुनर्न्याय-प्रार्थना।

मुराफक़त (مرافقت) अ स्त्री—सहचारिता, हमराही, मैत्री, दोस्ती।

मुराफ़िक़ (مرافق) अ. वि—सहचर, साथी, मित्र, दोस्त।

मुराफे (مرافع) अ वि—अपील करनेवाला, पुनर्वादी, पुनरावेदक।

मुराबहत (مرابحت) अ स्त्री.—लाभ उठाकर किसी वस्तु को बेचना।

मुरासलः (مراسلہ) अ पु—पत्र, चिट्ठी, खत।

मुरासलत (مراسلت) अ. स्त्री—पत्र-व्यवहार, खतोकिताबत।

मुरासलात (مراسلات) अ पु—'मुरासलत' का बहु, आपसी पत्र-व्यवहार के कागजात।

मुराहिक़ (مراہق) अ पु—वह लडका जो बालिग होने के करीब हो, अकुरित यौवन।

मुरुव्वत (مروت) अ स्त्री—शील सकोच, लिहाज, रिआयत, आदर, इज्जत, शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'मुरव्वत' अधिक बोलते हैं।

मुरीद (مرید) अ वि—शिष्य, चेला, धर्मगुरु का अनुयायी।

मुरीदी (مریدی) अ स्त्री—मुरीद का पद, मुरीद का कर्तव्य।

मुरूर (مرور) अ पु—जाना, गमन करना, व्यतीत होना, बीतना।

मुरूरे ऐयाम (مرور ایام) अ पु—समय बीतना, वक्त गुज़रना।

मुर्ग़ (مرغ) फा पु—पक्षी, खग, विहग, शकुत, अडज, चिडिया; कुक्कुट, मुर्गा।

मुर्ग़अदाज (مرغ انداز) फा पु—वह निवाला (कौर) जिसे बिना चबाये निगल लिया जाय।

मुर्ग़बाज (مرغ باز) अ फा वि—जो मुर्गों की पाली बदकर उन्हे लडाता है।

मुर्ग़बाजी (مرغ بازی) फा स्त्री—मुर्गों की पाली, मुर्गे लडाना।

मुर्ग़े आतशख्वार (مرغ آتش خوار) फा पु—आग खानेवाली चिडिया, चकोर, समदर।

मुर्ग़े कफस (مرغ قفس) फा पु—वह चिडिया जो पिंजडे में बद हो।

मुर्ग़े क़िब्ल:नुमा (مرغ قبلہ نما) फा अ प—कुतुबनुमा की सुई।

मुर्ग़े गिरिफ्तार (مرغ گرفتار) फा पु—वह चिडिया जिसके पाँव मे डोरा बँधा हो या जो पिंजडे में कैद हो।

मुर्ग़े दस्तआमोज (مرغ دست آموز) फा वि—वह चिडिया जो हाथ पर सधायी जाती है।

मुर्ग़े नाम बर (مرغ نامہ بر) फा पु—खत ले जानेवाली चिडिया, कबूतर, हुदहुद।

मुर्ग़े शान सर (مرغ شانہ سر) फा पु—सर पर कलँगी रखनेवाली चिडिया, हुदहुद।

मुर्ग़े सहर (مرغ سحر) फा अ पु—सवेरे बोलनेवाली चिडिया, कुक्कुट, बुलबुल।

मुर्ज़िअः (مرضعہ) अ स्त्री –दूध पिलानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

मुर्तइश (مرتعش) अ वि –कंपायमान, हिलता हुआ, स्पन्दमाना।

मुर्तकिब (مرتکب) अ वि –पाप या दोष का करनेवाला।

मुर्तज़वी (مرتضوی) अ वि –मुर्तज़ा अर्थात् हज़्रतअली से सम्बन्धित, हज़्रतअली का।

मुर्तज़ा (مرتضی) अ वि –रोचक, मनोवांछित, पसंदीद, हज़्रत अली की उपाधि, हज़्रतअली।

मुर्तद [द्द] (مرتد) अ वि –जो अपना धर्म छोडकर दूसरे के धर्म में चला जाय, विधर्मी।

मुर्तफ़े' (مرتفع) अ वि –उच्च, उत्तुंग, ऊँचा, बलंद।

मुर्तशी (مرتشی) अ वि –रिश्वत लेनेवाला, उत्कोचक।

मुर्तसम (مرتسم) अ वि –अंकित, नक्श।

मुर्तसिम (مرتسم) अ वि –नक्श कबूल करनेवाला।

मुर्ताज़ (مرتاض) अ वि –तपस्वी, इबादत करनेवाला, इंद्रियनिग्रही, नफ्सकुश।

मुर्दः (مردہ) फा पु –मृत, निष्प्राण, मरा हुआ, मृतक, मरा हुआ आदमी या प्राणी, दुर्बल, अशक्त, कमज़ोर, मरयल, बहुत अधिक बूढ़ा, बुझी हुई आग या चिराग, खिन्न, अफ्सुर्द, शव, लाश।

मुर्दःख़ोर (مردہخور) फा वि –मुर्दारख़्वार, मृताशी, मृतभोजी।

मुर्दःदिल (مردہدل) जिसका मन बहुत ही उचाट और नीरस हो, मृतहृदय, हतमानस, हतचित्र।

मुर्दःदिली (مردہدلی) फा स्त्री –मन का खिन्न और मलिन होना।

मुर्दःशो (مردہشو) फा वि –मृतक शरीर को स्नान करानेवाला, मृतस्नापक।

मुर्दःसंग (مردہسنگ) फा पु –एक पत्थर जो दवा के काम आता है, मुर्दासख।

मुर्दगाँ (مردگاں) फा पु –'मुर्दः' का बहु, मरे हुए लोग।

मुर्दनी (مردنی) फा वि –मृत्यु के चिह्न जो मरते समय मनुष्य के मुख पर प्रकट होते हैं, मृत्यु, मरण, मौत।

मुर्दाद (مرداد) फा पु –ईरानी पाँचवाँ महीना, जो हिंदी के भादो से मिलता है।

मुर्दार (مردار) फा वि –वह पशु जो अपनी मौत से मर गया हो, मृत पशु, अपवित्र, नापाक, मृतक, निष्प्राण (पशु आदि), कुलटा, व्यभिचारिणी, फाहिशा, एक तिरस्कार का शब्द जो क्रोध के समय स्त्री के लिए बोला जाता है।

मुर्दारख़्वार (مردارخوار) फा वि –मरे हुए जीव को खानेवाला, मृताशी।

मुर्दारसंग (مردارسنگ) फा. पु –एक पत्थर-जैसा पदार्थ जो दवा मे काम आता है, मुर्दासख, लघुतिक्त।

मुर्शिद (مرشد) अ वि –धर्म-गुरु, पीर, (व्यंग) धूर्त, वंचक, चालाक।

मुर्शिदज़ादः (مرشدزادہ) अ फा पु –धर्मगुरु का पुत्र, पीर का बेटा।

मुर्शिदे कामिल (مرشد کامل) अ पु –पहुँचा हुआ पीर, बहुत बडा वली, महायोगी।

मुर्सलः (مرسلہ) अ वि –भेजी हुई वस्तु, प्रेषित।

मुर्सल (مرسل) अ वि –भीजा हुआ, वह पैगंबर जिस पर कोई इलहामी किताब उतरी हो।

मुर्सलइलैह (مرسل الیہ) अ वि –जिसको भेजा जाय, जिसको कोई चीज भेजी गयी हो।

मुर्सलीन (مرسلین) अ पु –'मुर्सल' का बहु, वह रसूल जिन पर दिव्य ग्रंथ उतरे हो।

मुर्सिल (مرسل) अ वि –भेजनेवाला, प्रेषक, इर्साल (प्रेषण) करनेवाला।

मुल (مل) फा स्त्री –मदिरा, सुरा, शराब।

मुलक़्क़ब (ملقب) अ वि –उपाधित, लकब दिया गया।

मुलख़्ख़स (ملخص) अ वि –संक्षिप्त, खुलासा, तत्त्व, सार।

मुलज़्ज़िज़ (ملذذ) अ वि –आनंद देनेवाला, वह दवा जो लिंगेंद्रिय पर लगा लेने से सहवास का आनंद बढा दे।

मुलत्तिफ़ (ملطف) अ वि –वह औषध जो दूषित धातुओ को पतला कर दे।

मुलम्मा' (ملمع) अ पु –गिलिट किया हुआ, चाँदी या सोने का पानी चढाया हुआ, कलई।

मुलम्मा'कार (ملمع کار) अ फा वि –मुलम्मे का काम करनेवाला, जिसके मुँह पर कुछ हो और पेट में कुछ, चापलूस, चाटुकार।

मुलम्माकारी (ملمع کاری) अ फा स्त्री –मुलम्मे का काम बनाना, चाटुकारी, चापलूसी।

मुलम्मागर (ملمعگر) अ फा वि –मुलम्मे का काम बनानेवाला।

मुलम्मा'साज़ (ملمعساز) अ फा वि –दे 'मुलम्मागर'।

मुलम्मा'साज़ी (ملمعسازی) अ फा स्त्री –मुलम्मे का काम बनाना।

मुलय्यिन (ملین) अ वि –नर्मी पैदा करनेवाला, वह दवा जो पेट को नर्म करके असानी मे पाखाना लाये, हलकी रेचक दवा।

मुलव्वन (ملون) अ वि –रग किया हुआ, रजित, रग-विरगी, चित्र-विचित्रि।

मुलव्वस (ملوث) अ वि –लिथडा हुआ, सना हुआ, किसी पाप या अपराध मे भागीदार।

मुलव्विन (ملون) अ वि –रगनेवाला, रजक।

मुलाअबत (ملاعبت) अ स्त्री –खेल-कूद, क्रीडा, मनो-विनोद, आमोद-प्रमोद, तफ़ीह, चूमा-चाटी, प्यार का खेल।

मुलाअमत (ملائمت) अ स्त्री –नर्मी, कोमलता, दो चीजो का इकट्ठा करना, दे 'मुलायमत'।

मुलाइव (ملاعب) अ वि –खेलनेवाला, क्रीडा करनेवाला।

मुलाइम (ملائم) अ वि –नर्म, कोमल, नाजुक, मृदुल, लतीफ, सूक्ष, मधुर, शीरी, धीमा, ठडा।

मुलाकात (ملاقات) अ स्त्री –एक दूसरे से मिलना, भेंट, साक्षात्कार, परिचय, जान-पहचान, मेल-मिलाप, मैत्री, प्रेम-व्यवहार, सहवास, हमबिस्तरी।

मुलाक़ाती (ملاقاتی) अ वि –मेल-जोल का व्यक्ति, मित्र, जो प्राय मिलने आता रहता हो।

मुलाक़ाते बाज़दीद (ملاقات بازدید) अ फा स्त्री –किसी के मिलने के लिए आने पर उस के घर मिलने जाना।

मुलाक़ी (ملاقی) अ वि –मिलनेवाला, सयुक्त, मित्र, दोस्त, मुलाकाती।

मुलाज़मत (ملازمت) अ स्त्री –किसी के पास बराबर रहना, सेवा, नौकरी, बडे व्यक्ति की मुलाकात।

मुलाज़्मतपेश (ملازمت پیشہ) अ फा वि –जिसकी गुजर-बसर का साहारा नौकरी हो।

मुलाज़िम (ملازمہ) अ स्त्री –नौकरानी, दासी, परि-चारिका।

मुलाज़िम (ملازم) अ पु –दास, खिदमतगार, सेवक, नौकर।

मुलातफ (ملاطفہ) अ पु –कृपा, दया, अनुग्रह, नम्रता, विनीति, खाकसारी, कोमलता, नर्मी, कृपापत्र, इनायत-नामा।

मुलातफत (ملاطفت) अ स्त्री –कृपा, दया, नम्रता, आजिज़ी, कोमलता, नर्मी।

मुलाबसत (ملابست) अ स्त्री –एक दूसरे के सदृश होना, एकरूपता।

मुलायमत (ملایمت) अ स्त्री –कोमलता, नर्मी, दो चीजो का एक जगह करना।

मुलाहज़ (ملاحظہ) अ पु –देखना, गौर करना, अनुशीलन, लिहाज, सम्मुख, सामने।

मुलूक (ملوک) अ पु –'मलिक' का वहु, बादशाह लोग।

मुलूकान (ملوکانہ) अ फा वि –बादशाहा-जैसा, शाही।

मुलैयिन (ملین) अ वि –दे 'मुलय्यिन'।

मुल्क (ملک) अ पु –देश, राष्ट्र, सल्तनत, जन्मभूमि, वतन, क्षेत्र, इलाका।

मुल्कगीरी (ملک گیری) अ फा स्त्री –दूसरे देशो को जीतना, दूसरे देशो का अपने अधीन करना।

मुल्करानी (ملک رانی) अ फा स्त्री –राज करना, शासन करना, हुकूमत करना।

मुल्कसितानी (ملک ستانی) अ फा स्त्री –दे 'मुल्कगीरी'।

मुल्की (ملکی) अ वि –देशीय, देश का, देशनिवासी, देश का रहनेवाला, देशी, नेटिव।

मुल्के अदम (ملک عدم) अ पु –यमलोक, परलोक, जहाँ मरकर जाते हैं।

मुल्के ख़मोशाँ (ملک خموشاں) अ फा पु –मुर्दों का देश, श्मशान भूमि, कब्रिस्तान।

मुल्के फ़ना (ملک فنا) अ पु –नश्वर जगत्, ससार, दुनिया।

मुल्के बक़ा (ملک بقا) अ पु –वह जगत् जहाँ हमेशा रहना है, परलोक।

मुल्ज़मः (ملزمہ) अ स्त्री –अपराधिनी, जुर्म करनेवाली स्त्री।

मुल्ज़म (ملزم) अ पु –अपराधी, अभियोगी, कुसूरवार जिस पर अपराध लगाया गया हो।

मुल्ज़िम (ملزم) अ वि –इल्जाम या अपराध लगानेवाला, किसी चीज को अपने ऊपर लाजिम करनेवाला।

मुल्तक़त (ملتقط) अ वि –बीना हुआ, चुना हुआ, उठाया हुआ, रफू किया हुआ।

मुल्तक़ित (ملتقط) अ वि –चुननेवाला, रफू करनेवाला, उठानेवाला।

मुल्तज़िम (ملتزم) अ वि –अपने ऊपर लाजिम या जुरूरी करनेवाला।

मुल्तजी (ملتجی) अ वि –प्रार्थना करनेवाला, निवेदक, प्रार्थी, कहनेवाला, अर्ज करनेवाला, इच्छुक, ख़ाहिशमद।

मुल्तफित (ملتفت) अ वि –आकृष्ट, प्रवृत्त, रुजूअ।

मुल्तबस (ملتبس) अ वि –जो छिपाया गया हो, जिस पर शुब्हा किया गया हो।

मुल्तमिस (ملتمس) अ वि –प्रार्थना करनेवाला, निवे-दक, कहनेवाला।

मुल्तवी (ملتوی) अ वि –रुकनेवाला, रुका हुआ, स्थगित।

मुल्तहब (ملتہب) अ वि –भडका हुआ।

मुल्तहम (ملتحم) अ वि –भरा हुआ घाव, वह ज़ख्म जो अच्छा हो गया हो।

मुल्तहिब (ملتہب) अ वि –लपटें देनेवाली आग, वह आग जिसमें से लपटें निकल रही हों।

मुल्तहिमः (ملتحمہ) अ स्त्री –आँख का एक पर्दा, चक्षु-पटल।

मुल्ला (ملا) अ.पु.–मौलवी, फाज़िल, मस्जिद में अज़ान देनेवाला, मक्तब में छोटे बच्चों को पढ़ानेवाला।

मुल्लाए मक्तबी (ملاے مکتبی) अ पुं –मक्तब में छोटे-छोटे बच्चों को पढ़ानेवाला अर्थात् कम इल्म।

मुल्हक़ (ملحق) अ वि –चिपका हुआ, जुड़ा हुआ, मिला हुआ।

मुल्हिक़ (ملحق) अ वि.–जुड़नेवाला, मिलनेवाला, वह चीज़ जो किसी चीज़ के आख़िर में जोड़ दी जाय।

मुल्हिक़ात (ملحقات) अ पु.–'मुल्हिक' का बहु, आख़ीर में जोड़ी हुई चीज़ें।

मुल्हिद (ملحد) अ. वि –नास्तिक, विधर्मी, अनीश्वर-वादी, खुदा पर यक़ीन न रखनेवाला।

मुल्हिदान. (ملحدانہ) अ. वि –मुल्हिदों-जैसा, विधर्मियों-जैसा, धर्म के विरुद्ध।

मुल्हिम (ملہم) अ वि –हृदय में बात डालनेवाला, वह दैवी शक्ति जो मन को सचेत करती है, कान्शेन्स।

मुल्हिमेग़ैब (ملہم غیب) अ. पु –हृदय में ग़ैब से बात डालने-बोलनेवाला, भविष्य की बात से सूचित करनेवाला।

मुवक़्क़र (موقر) अ वि –प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज़्ज़ज़।

मुवक्किल (موکل) अ पु –देवता, हर काम के लिए नियुक्त एक फ़िरिश्ता, वकील का असामी, जो अपना मुक़द्मा वकील को देता है, वह रूह जिसे आमिल वश में करता है।

मुवज्जल (موجل) अ वि –वह मह्र जो फ़ुरत न अदा किया जाय।

मुवज्जह (موجہ) अ वि –उचित, मुनासिब, यथार्थ, ठीक, प्रमाणित, तर्क संगत, मुदल्लल।

मुवद्दत (مودت) अ स्त्री –दे शुद्ध उच्चारण 'मवद्दत' यह उच्चारण बिलकुल ग़लत है।

मुवस्सा (موصی) अ वि –जिसे वसीयत की गयी हो।

मुवस्सी (موصی) अ वि –वसीयत करनेवाला, रिक्थ पत्र-कर्ता, उत्तर साधक।

मुवह्हिद [मुर्वाहद] (موحد) अ वि –ईश्वर को एक माननेवाला, एक सम्प्रदाय जो केवल ईश्वर को मानता है, उसके सब अवतारों को या किताबों आदि को नहीं मानता।

मुवह्हिदान. (موحدانہ) अ फा वि –मुवह्हिदों-जैसा।

मुवह्हिश (موحش) अ. वि –भगानेवाला।

मुवाख़ज़: (مواخذہ) अ पु.–दे 'मुआख़ज़', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाख़ात (مواخات) अ स्त्री –दे 'मुआमुख़ात', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाज़न: (موازنہ) अ पु –दे 'मुआज़न', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाज़बत (مواظبت) अ स्त्री –काम में लगा रहना, किसी काम को नित्यप्रति करते रहना।

मुवाज़रत (موازرت) अ स्त्री –मंत्री का पद ग्रहण करना, मंत्री बनना, मंत्री का काम करना, वज़ीरी।

मुवाजह: (مواجہہ) अ पु –सम्मुख होना, आमने-सामने होना।

मुवाज़ात (موازات) अ स्त्री –मुक़ाबला, बराबरी, समानता।

मुवाज़ी (موازی) अ वि.–मुक़ाबिल, बराबर, बराबर-बराबर।

मुवातात (مواطات) अ स्त्री –अनुकूलता, मुआफ़क़त।

मुवादअत (موادعت) अ स्त्री.–एक-दूसरे से विदा होना, विदा करना।

मुवानसत (موانست) अ स्त्री –दे 'मुआनसत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाफ़क़त (موافقت) अ स्त्री –दे 'मुआफ़क़त', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाफ़िक़ (موافق) अ वि –दे 'मुआफ़िक', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवामरत (موامرت) अ स्त्री –दे. 'मुआमरत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाला (موالا) अ पु –'मुवालात' का लघु, दे 'मुवालात'।

मुवालात (موالات) अ स्त्री –परस्पर मैत्री, परस्पर सहयोग, दे 'मुआलात', दोनों शुद्ध हैं।

मुवासलत (مواصلت) अ स्त्री –मुलाक़ात, मेल, सहवास, हमबिस्तरी।

मुवासा (مواسا) अ पु –दे 'मुआसा', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवासात (مواسات) अ स्त्री –दे 'मुआसात', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाहनत (مواہنت) अ स्त्री –आलस्य, सुस्ती, काहिली।

मुवाहबत (مواہبت) अ स्त्री –दान, प्रदान, बख़्शिश।

मुवाहिन (مواہن) अ वि –आलसी, काहिल, सुस्त।

मुवाहिब (مواہب) अ वि –प्रदाता, बख़्शिश करनेवाला।

मुशंग (مشنگ) फा.पु.–डाकू, लुटेरा, दस्यु, एक अनाज।

मुशक्कल (مشکل) अ वि –नादार, साक्षात्, किसी विशेष शक्ल में आया हुआ।

मुशख़्ख़स (مشخص) अ वि –परीक्षित, जाँचा हुआ, अनुमानित, अंदाजा किया हुआ, तश्ख़ीस अर्थात् रोग निदान किया हुआ।

मुशज्जर (مشجر) अ वि –बेल-बूटे बना हुआ, एक बेल-बूटेदार कपड़ा, एक पत्थर जिस पर प्राय वृक्षो के चित्र बने होते है।

मुशत्तत (مشتت) अ वि.–अस्त-व्यस्त, परागंद, चिंतित, फ़िक्रमंद' उद्विग्न, परेशान।

मुशद्दद (مشدد) अ. वि.–वह अक्षर जिस पर तश्दीद हो, जा दो बार पढ़ा जाय।

मुशब्बक (مشبک) अ वि –जालीदार, जिसमे बहुत से छेद हो।

मुशब्बह (مشبه) अ पु –वह वस्तु जिसे किसी दूसरी वस्तु से उपमा दी जाय, उपमेय। -जैसे—मुख की उपमा चंद्र से दी जाय तो मुख 'मुशब्बह' अर्थात् उपमेय है।

मुशब्बहविही (مشبه به) अ पु –वह वस्तु जिससे किसी वस्तु की उपमा की जाय, उपमान, उपमित, जैसे—मुख की उपमा चंद्र से दी जाय तो चंद्र 'मुशब्बहविही' अर्थात् उपमान है।

मुशब्बेह (مشبه) अ वि –उपमा देनेवाला।

मुशय्यन (مشین) अ वि –शानदार, रोब-दाबवाला, रूपवान, सुंदर।

मुशर्रफ़ (مشرف) अ वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, इज़्ज़त दिया गया।

मुशर्रह (مشرح) अ वि.–जिसकी व्याख्या हो गयी हो, व्याख्यात, विस्तृत, भाष्य।

मुशर्रेह' (مشرح) अ वि –व्याख्या करनेवाला, व्याख्याता, भाष्यकार।

मुशव्वश (مشوش) अ वि –घबराया हुआ, उद्विग्न, परेशान।

मुशव्वा (مشوا) अ वि –भूना हुआ, भृष्ट।

मुशव्विश (مشوش) अ वि –घबरा देनेवाला, परेशान करनेवाला।

मुशशदर (مششدر) फ़ा. वि –चकित, निस्तब्ध, शश्दर।

मुशह्हर (مشہر) अ वि –जिसकी शोह्रत हो, कीर्तिवान्, यशस्वी, नेकनाम, जो बहुत प्रसिद्ध हो, सुप्रसिद्ध, विख्यात।

मुशह्ही (مشہی) अ वि –भूख लगानेवाली दवा।

मुशाअर (مشاعره) अ पु –बहुत-से कवियो का एक जगह बैठकर परस्पर कविता सुनाना, कवि-गोष्ठी, कवि-सम्मेलन, बहुत-से आदमियो के समुख कविता सुनाना।

मुशाकलत (مشاکلت) अ स्त्री –एक रूपता, सदृशता, एक-जैसी शक्ल होना।

मुशाकिल (مشاکل) अ वि –सहरूप, सदृश, हम शक्ल, दे. 'बह्रे मुशाकिल'।

मुशाजरः (مشاجره) अ पु –दे. 'मुशाजरत'।

मुशाजरत (مشاجرت) अ. स्त्री –प्रतिकूलता, मुख़ालफ़त, विरोध।

मुशातमत (مشاتمت) अ स्त्री –एक दूसरे को गाली-गलौज करना।

मुशाफ़ह (مشافہہ) अ पु –समुखता, आमना-सामना।

मुशा'बद (مشعبد) अ वि –जिस चीज का शोबदा दिखाया जाय।

मुशाबहत (مشابہت) अ वि.–एक रूपता, हमशक्ली, समानता, बराबरी।

मुशा'बिद (مشعبد) अ वि –बाजीगर, मायावी, छली, फ़िरेबी, लीलाकार, कौतुकी।

मुशाबेह (مشابه) अ वि –एकरूप, सदृश, हम शक्ल, तुल्य, समान, बराबर।

मुशायअत (مشایعت) अ स्त्री –किसी की विदा के समय थोड़ी दूर उसके साथ चलना, जनाज़े के साथ जाना।

मुशार (مشار) अ वि –जिसकी ओर संकेत किया जाय, संकेतित।

मुशारकत (مشارکت) अ स्त्री –साझा, भागीदारी, शिर्कत।

मुशारुन इलैह (مشارالیه) अ वि –जिसकी ओर संकेत किया जाय, उक्त, कथित, उपलक्षित, मज़्कूर।

मुशावरत (مشاورت) अ स्त्री.–परस्पर परामर्श और विचार विनिमय करना, परामर्श, मश्वुर।

मुशाविर (مشاور) अ वि –परामर्शकर्ता, मश्वुर करनेवाला।

मुशा'शा (مسعشع) अ वि –दीप्त, ज्योतिर्मय, रौशन।

मुशाहदः (مشاهده) अ पु –निरीक्षण, दर्शन, देखना, अनुभव, तज्रिबा।

मुशाहदात (مشاهدات) अ पु –'मुशाहद' का बहु, देखी हुई वस्तुएँ, तज्रिबात।

मुशाहर (مشاهره) अ पु –माहवारी तनख़्वाह, मासिक वेतन।

मुशाहिद (مشاهد) अ. पु –मुशाहदा करनेवाला, देनेवाला, किसी विशेष कार्य का देखने और उसके सम्बन्ध मे गवाही देनेवाला व्यक्ति, आबजर्वर।

मुशाहिदीन (مشاهدین) अ पु मुशाहद करनेवालो की जमाअत, आबजर्वर्स।

मुशीर (مشیر) अ. वि.—परामर्शदाता, मश्वुरा देनेवाला, सलाहकार।

मुशैयन (مشین) अ. वि.—दे. 'मुशय्यन'।

मुश्क (مشک) फा. पु.—कस्तूरी, कस्तूरिका, मिश्क।

मुश्कअफ़्शाँ (مشک‌افشاں) फा. वि.—मुश्क छिडकनेवाला अर्थात् अत्यत सुगधित।

मुश्कआहू (مشک‌آہو) फा. पु.—वह हिरन जिसकी नाभि से कस्तूरी निकलती है, कस्तूरी मृग, पुष्कलक।

मुश्कनाफ़ः (مشک‌نافہ) फा. पु.—कस्तूरी की थैली, मृगनाभि।

मुश्कपाश (مشک‌پاش) फा. वि.—दे 'मुश्कबार'।

मुश्कफ़ाम (مشک‌فام) फा. वि.—कृष्ण वर्ण, काले रग का।

मुश्कफ़िशाँ (مشک‌فشاں) फा. वि.—दे 'मुश्कअफ़्शाँ'।

मुश्कबार (مشک‌بار) फा. वि.—सुगध वर्षक, मुश्क-जैसी सुगध फैलानेवाला, अर्थात् बहुत खुशबूदार।

मुश्कबू (مشک‌بو) फा. वि.—कस्तूरी-जैसी सुगध रखनेवाला।

मुश्कबेज़ (مشک‌بیز) फा. वि.—दे—'मुश्कबार'।

मुश्कबेद (مشک‌بید) फा. पु.—वेद की एक जाति जो बहुत सुगधित होता है और जिसके पत्तो का अरक़ 'बेद मुश्क' कहलाता है।

मुश्करंग (مشک‌رنگ) फा. वि.—मुश्क-जैसे रग का।

मुश्कसा (مشک‌سا) फा. वि.—मुश्क-जैसा खुशबूदार।

मुश्कसार (مشک‌سار) फा. वि.—दे 'मुश्कसा'।

मुश्क़ाब (مشقاب) तु. स्त्री.—बडी रिकाबी, काब, दे 'बुशकाब'।

मुश्किल (مشکل) अ. स्त्री.—कठिनता, कठिनाई, जटिलता, पेचीदगी, गूढता, दकीकपन, सूक्ष्मता, बारीकी, (वि.) कठिन, दुष्कर, जटिल, पेचीदा, गूढ, दकीक, सूक्ष्म, बारीक।

मुश्की (مشکیں) फा. वि.—मुश्क-जैसा सियाह, मुश्क-जैसा सुगधित।

मुश्कींइज़ार (مشکیں‌عذار) फा. अ. वि.—जिसके गाल पर काला तिल हो।

मुश्कींकमद (مشکیں‌کمند) फा. वि.—काली और सुगधित जुल्फो वाला (वाली)।

मुश्कींकुलाह (مشکیں‌کلاہ) फा. वि.—काली टोपी लगाने वाला।

मुश्कींख़त (مشکیں‌خط) फा. वि.—सब्ज आगाज, वह सुदर लडका जिसकी मूँछ दाढी के बाल निकलने शुरू हो गये हो।

मुश्कींमू (مشکیں‌مو) फा. वि.—काले और सुगधित बालोवाला (वाली)।

मुश्कींमोहरः (مشکیں‌مہرہ) फा. वि.—धरती, पृथ्वी, ज़मीन।

मुश्कींरंग (مشکیں‌رنگ) फा वि.—मुश्क के रग का, काला, कृष्ण।

मुश्कींसमंद (مشکیں‌سمند) फा वि.—काले घोड़े पर चढनेवाला, मा'शूक़।

मुश्की (مشکی) फा. वि.—मुश्क-जैसा काला, काले रग का घोडा।

मुश्के अज़्फ़र (مشک‌اذفر) फा. अ पु.—तेज़ बूवाला मुश्क।

मुश्के ख़ता (مشک‌خطا) फा पु.—दे 'मुश्केचीं'।

मुश्के ख़ुतन (مشک‌ختن) फा पु.—चीन या तिब्बत का मुश्क जो सबसे अच्छा होता है।

मुश्के चीं (مشک‌چیں) फा पु.—चीन की कस्तूरी, ख़ालिस मुश्क।

मुश्के तर (مشک‌تر) फा. पु.—ताज़ी और निर्मल कस्तूरी।

मुश्के नाब (مشک‌ناب) फा पु.—शुद्ध और बेमेल की कस्तूरी।

मुश्के सारा (مشک‌سارا) फा पु.—ख़ालिस मुश्क।

मुश्कोए (مشکوے) फा. पु.—अत पुर, हरमसरा, रनवास, गृह उद्यान, पाईं बाग, बडे व्यक्तियो का निवासस्थान, प्रासाद, महल।

मुश्कोए मुअल्ला (مشکوے معلیٰ) अ पु.—शाही ज़नानख़ाना, रनवास।

मुश्त (مشت) फा स्त्री.—मुट्ठी, मुष्टिका, घूसा, मुष्टी, मुट्ठी भर चीज़।

मुश्तइल (مشتعل) अ वि.—उत्तेजित, गुस्से में आया हुआ, प्रज्वलित, भडकता हुआ।

मुश्तग़िल (مشتغل) अ वि.—लग्न, तन्मय, लीन, मुनहमिक।

मुश्तक़ [क़्क़] (مشتق) अ पु.—वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से बना हो, वह शब्द जो मस्दर से निकलता हो।

मुश्तज़न (مشت‌زن) फा वि.—पहलवान, मल्ल, हस्त मैथुन करनेवाला।

मुश्तज़नी (مشت‌زنی) फा स्त्री.—पहलवानी, हस्तमैथुन, हथलस, हैंडप्रेक्टिस।

मुश्तपर (مشت‌پر) फा पु.—एक मुट्ठी पर, बहुत ज़रा-सी जानवाला पक्षी।

मुश्तब्ह (مشتبہ) अ वि.—सदिग्ध, सदेहयुक्त, मश्कूक, अनिश्चित, ग़ैर यक़ीनी।

मुश्तबेह (مشتبہ) अ वि.—सदेह में डालनेवाला।

मुश्तमाल (مشت مال) फा वि –मलना-दलना, मसलना, पहलवानों का एक-दूसरे के शरीर को ज़ोर-ज़ोर से मलना ताकि पुष्ट और कठोर हो।

मुश्तमाली (مشت مالی) फा स्त्री –दे 'मुश्तमाल'।

मुश्तमिल (مشتمل) अ वि –सम्मिलित, शामिल, व्यापक, हावी।

मुश्तरकः (مشترکہ) अ वि –साझे का, मिला हुआ।

मुश्तरक (مشترک) अ वि –दे 'मुश्तरक'।

मुश्तरकन (مشترکاً) अ वि –साझे में।

मुश्तरी (مشتری) अ वि –ख़रीदार, क्रेता, बृहस्पति, बिर्जीस।

मुश्तवार. (مشتواره) फा पु –मुट्ठी भर, मुट्ठी भर जौ या गेहूँ की बालें।

मुश्तरस (مشت رس) फा वि –चुरायी हुई चीज़, मुट्ठी में आयी हुई वस्तु, मुट्ठी भर वस्तु।

मुश्तहर (مشتہر) अ वि –जिसका इश्तिहार हो, प्रसिद्ध।

मुश्तहरी (مشتہری) अ वि –इश्तिहार द्वारा प्रचार।

मुश्तहिर (مشتہر) अ वि –इश्तिहार देनेवाला, विज्ञापक।

मुश्तहो (مشتہی) अ वि –इच्छा करनेवाला, इच्छुक, यह शब्द भूख बढानेवाले के अर्थ में अशुद्ध है।

मुश्ताक़ (مشتاق) अ वि –उत्कठित, अभिलाषी, उत्सुक, आर्ज़ूमद।

मुश्ताक़ाना (مشتاقانہ) अ फा वि –अभिलाषापूर्ण, शौक के साथ।

मुश्ताके जमाल (مشتاق جمال) अ वि –दे 'मुश्ताके दीद'।

मुश्ताक़े दीद (مشتاق دید) अ फा. वि –दर्शनाभिलाषी, देखने का आर्ज़ूमद।

मुश्ते उस्तुख़्वाँ (مشت استخواں) फा पु –मुट्ठी भर हड्डियाँ, अर्थात् बहुत ही दुबला-पतला और कमज़ोर व्यक्ति।

मुश्ते ख़ाक (مشت خاک) फा स्त्री –मुट्ठीभर ख़ाक, मनुष्य, आदमी।

मुश्ते ख़ाकिस्तर (مشت خاکستر) फा स्त्री –वह मुट्ठी भर राख जो आदमी के जलने पर बाकी रहती है।

मुश्ते गिल (مشت گل) फा स्त्री –दे 'मुश्ते ख़ाक'।

मुश्ते ग़ुब्बार (مشت غبار) फा वि –दे 'मुश्ते ख़ाक', वह एक मुट्ठी धूल जो हवा में उड़ा दी जाय, मरे हुए व्यक्ति की ख़ाक।

मुश्ते पर (مشت پر) फा पु –मुट्ठी भर पर, जो किसी पक्षी को मारकर मिलते हैं।

मुश्फ़िक़ (مشفق) अ वि –कृपा करनेवाला, दयालु, मित्र, दोस्त, डरानेवाला, त्रासक।

मुश्फ़िक़ाना (مشفقانہ) अ वि.–मित्रतापूर्ण, कृपापूर्ण, दोस्ताना।

मुश्रफ़ (مشرف) अ वि –ऊँचा-स्थान, बलद जगह।

मुश्रिकः (مشرکہ) अ स्त्री –वह स्त्री जो मुश्रिक हो, जो बहुत-से ईश्वर मानती हो।

मुश्रिक़ (مشرق) अ वि –चमकनेवाला, ज्योतिर्मय, तारा, तारिका, उडु।

मुश्रिक (مشرک) अ वि –वह व्यक्ति जो ईश्वर को एक नही मानता, बल्कि उसके गुणों में औरों को भी सम्मिलित करता है।

मुश्रिक़ात (مشرقات) अ पु.–'मुश्रिक़' का बहु, तारे, उडुगण।

मुश्रिकात (مشرکات) अ स्त्री –'मुश्रिक' का बहु, मुश्रिक स्त्रियाँ, जो ईश्वर को एक न मानती हों।

मुश्रिकाना (مشرکانہ) अ फा वि –मुश्रिकों-जैसा, नास्तिकों-जैसा।

मुश्रिकीन (مشرکین) अ पु –'मुश्रिक' का बहु, मुश्रिक लोग, बहुत से ईश्वर माननेवाले।

मुश्रिफ़ (مشرف) अ वि –उत्तुग, ऊँचा, बलद, ज्ञाता, जानकार, बडा मुनीम, बडा मुशी, हेड मुहर्रिर, किसी अच्छी या बुरी घटना का आनेवाले निकट समय में घटित होना।

मुसंदल (مصندل) अ वि –चदन की सुगध से बसा हुआ।

मुसअ्अद (مصعد) अ वि –दो हांडियो या सकोरों में विधि अनुसार उडाया हुआ दवा का जौहर।

मुसक्क़फ़ (مسقف) अ वि –पटी हुई छत, छतवाला, जिसकी छत पटी हो।

मुसक्किन (مسکن) अ वि –आराम देनेवाला, शांति पहुँचानेवाला, वह दवा जो रोग विशेष में शांति पहुँचाये।

मुसक्किनात (مسکنات) अ पु –'मुसक्किन' का बहु, वे औषधियाँ जो किसी रोग विशेष में शांति पहुँचायें।

मुसख़्ख़र (مسخر) अ वि –विजित, जीता हुआ, वशीभूत, काबू में आया हुआ, मुग्ध, फ़िरेफ़्ता।

मुसख़्ख़िर (مسخر) अ वि –विजेता, फ़ातेह, वश में करनेवाला, मुग्ध करनेवाला।

मुसग़्ग़र (مصغر) अ वि –छोटा किया हुआ, लघूकृत।

मुसज्जल (مسجل) अ वि –[illegible], [illegible], [illegible] किया हुआ, [illegible], रजिस्ट्री किया हुआ, पंजीकृत।

मुसज्जा' (مسجع) अ वि –[illegible], सानुप्रास, [illegible], (पु) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

जैसे—"जब वह जमाले दिल फरोज, सूरते मेह्रेनीमरोज,
आप ही हो नज़ार सोज़, पर्दे में मुँह छुपाये क्यों"—गालिब।
इसमें फरोज, रोज और सोज़ के काफिए हैं।

मुसत्तर (مسطر) अ वि—लकीरें किया हुआ, मस्तरदार।

मुसत्तर (مستر) अ वि—गुप्त, गुह्य, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुसत्तह (مسطح) अ वि—समतल, चौरस, हमवार।

मुसद्दक़ः (مصدقہ) अ वि.—प्रमाणित।

मुसद्दक़ (مصدق) अ वि.—तस्दीक किया गया, तस्दीक किया गया।

मुसद्दस (مسدس) अ वि—छ पहलूवाला, (पु.) छ. फाइर का तमचा, नज्म की एक किस्म जिसमे चार मिस्रे एक काफिये मे और दो मिस्रे अलग दूसरे काफिए मे होते है, और यह छ मिस्रो का एक बद कहलाता है। ऐसे बहुत-से बदो का समूह मुसद्दस होता है। प्राय. मुसद्दस मे कोई उपदेश या किसी घटना का वर्णन होता है, अगर इस मुसद्दस मे करबला की शहादत का वर्णन हो तो 'मरसिय' कहलाता है, अगर अपने प्रेम के त्याग का वर्णन हो तो 'वासोख्त' होता है और नायिका के नखशिख का वर्णन हो तो सरापा' होता है, मुसद्दस के किसी बद का अतिम अर्थात तीसरा शेर 'टीप' कहा जाता है।

मुसद्दिक़ (مصدق) अ वि.—प्रमाणित करनेवाला, तस्दीक करनेवाला।

मुसन्नफ़ः (مصنفہ) अ वि—सपादित पुस्तक, रचित, प्रणीत।

मुसन्नफ़ (مصنف) अ वि—सपादित, रचित, प्रणीत।

मुसन्नफ़ात (مصنفات) अ वि—'मुसन्नफ' का बहु, रचित पुस्तक।

मुसन्ना (مثنی) अ वि—दो किया हुआ, दो टुकडे किया हुआ, दो परत का कागज, जैसे— रसीद, प्रतिलिपि, नकल।

मुसन्ना बिही (مثنی بہ) अ वि—जिससे प्रतिलिपित हो, मूल, अस्ल।

मुसन्निफ़. (مصنفہ) अ स्त्री—किसी पुस्तक आदि की लेखिका, रचयित्री।

मुसन्निफ़ (مصنف) अ पु—ग्रथकार, लेखक, रचयिता, तस्नीफ करनेवाला।

मुसफ़्फ़ा (مصفی) अ वि—साफ किया हुआ, शुद्ध, उज्ज्वल, चमकदार, निथरा हुआ, कलई किया हुआ, विधिपूर्वक शुद्ध की हुई दवा।

मुसफ़्फ़िए ख़ून (مصفی خون) अ पु—दूषित खून को साफ करनेवाली दवा, रक्तशोधक।

मुसफ़्फ़ियात (مصفیات) अ पु—'मुसफ्फी' का बहु, वे ओषधियाँ जो खून को शुद्ध करती है।

मुसफ़्फ़ी (مصفی) अ. वि.—साफ करनेवाला, शोधक।

मुसब्बब (مسبب) अ वि—कारण किया गया; कारण, सबब।

मुसब्बर (مصبر) अ पु—एक ओषधि, एलुवा।

मुसब्बा' (مسبع) अ पु—सात भाग किया हुआ, सात भुजाओ का क्षेत्र, वह नज्म जिसमे सात मिस्रे हो, अर्थात् हर तीन शे'र के बाद एक मिस्रा आया करे, चाहे वह मिस्रा एक ही हो, या हर बार नया मिस्रा हो।

मुसब्बिब (مسبب) अ वि—कारण पैदा करनेवाला, साधन उपस्थित करनेवाला।

मुसब्बिबुलअस्बाब (مسبب الاسباب) अ वि—कारण और साधन उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

मुसब्बिबे हक़ीक़ी (مسبب حقیقی) अ वि—सच्चा साधन उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

मुसब्बिह. (مسبحہ) अ स्त्री—अँगूठे के पासवाली उँगली, तर्जनी, ईश्वर का नाम जपनेवाली स्त्री।

मुसब्बेह (مسبح) अ वि—तस्बीह पढनेवाला, ईश्वर का गुणगान करनेवाला।

मुसम्मत (مسمط) अ पु—लडी मे पिरोया हुआ, मोतियो की लडी, मुक्तावली, नज्म की एक किस्म, जिसमे चद मिस्रे एक काफिए मे कहकर, एक या दो मिस्रे दूसरे काफिए के लाये जाते है, 'मुखम्मस' और 'मुसद्दस' आदि इसी की किस्मे है।

मुसम्मन (مسمن) अ वि—आठ पहलूवाला, जिसमे आठ कोने हो, अष्टकोण।

मुसम्मन (مسمن) अ वि—चर्बीला किया हुआ, मोटा ताजा बनाया हुआ, खिला-पिलाकर चर्बी चढाया हुआ।

मुसम्मम (مصمم) अ वि—दृढ, मज्बूत, निश्चित, यकीनी।

मुसम्मर (مسمر) अ वि—कीलो से जडा हुआ, कीलें ठोका हुआ, कीलित।

मुसम्मा (مسمی) अ वि—नाम रखा हुआ, नामधारी, पुरुषों के नाम के पहले लगाया जानेवाला शब्द जो विशेषत सरकारी कागजो मे लगाया जाता है।

मुसम्मात (مسماة) अ स्त्री—नाम रखी हुई, नामधारिणी, स्त्रियों के नाम से पहले लगाया जानेवाला शब्द, जो प्रायः सरकारी और अदालती काग़जो मे लगाया जाता है; श्रीमती।

मुसम्मिम (مصمم) अ वि—निश्चय करनेवाला।

मुसर्रह (مصرح) अ वि—स्पष्ट कहा हुआ, व्याख्यात।

मुसर्रेह (مصرح) अ वि—स्पष्ट वक्ता, साफगो, व्याख्या करनेवाला, तस्रीह करनेवाला।

मुसल्मान (مسلمان) अ पु—इस्लाम धर्म का अनुयायी, मुस्लिम।

मुसल्मानी (مسلمانی) अ स्त्री –मुसल्मान का धर्म, मुसल्मान का कर्तव्य, खत्ना, सुन्नत।

मुसल्लत (مسلط) अ वि –चारो ओर से छाया हुआ, आच्छादित, विवश किया हुआ।

मुसल्लम. (مسلمہ) अ वि –जो बात सब को तस्लीम हो, सर्वमान्य, जो साबित हो, प्रमाणित, अखण्ड, सपूर्ण।

मुसल्लम (مسلم) अ वि –सर्वमान्य, तस्लीम शुदा, समग्र, सपूर्ण, समूचा, प्रमाणित, मुसद्दक़।

मुसल्लमात (مسلمات) अ पु –'मुसल्लम' का बहु, वे बाते जो सर्वमान्य हो।

मुसल्लमुश्शहादत (مسلم الشہادت) अ वि –वह व्यक्ति जिसकी साक्षी मान्य हो, जो साक्षी द्वारा प्रमाणित हो।

मुसल्लमुस्सुबूत (مسلم الثبوت) अ वि –जो सुबूत से साबित हो, प्रमाणसिद्ध, साधनक्षम, प्रत्यक्षसिद्ध।

मुसल्लह् (مسلح) अ वि – हथियार बद, सशस्त्र, अस्त्र-सज्ज, सज्जित।

मुसल्ला (مصلا) अ पु –नमाज़ पढने की चटाई अथवा दरी।

मुसल्ली (مصلی) अ वि –नमाज़ पढनेवाला।

मुसल्सल (مسلسل) अ वि –लगातार, निरतर, अनवरत, जजीर में बँधा हुआ, कैद, शृखलित, क्रमबद्ध, क्रमागत, बातरतीब, बारबार, बारबार।

मुसव्वद (مسودہ) अ पु –किसी लेख का प्रारभिक रूप, पाडुलिपि, प्रारूप।

मुसव्वदात (مسودات) अ पु –'मुसव्वद' का बहु, मुसव्वदे, पाडुलिपियाँ।

मुसव्वरः (مصورہ) अ वि –दे 'मुसव्वर'।

मुसव्वर (مصور) अ वि –सचित्र, तस्वीरदार, चित्रित, नक्शीन, तस्वीर बना हुआ।

मुसव्विद (مسود) अ वि –मुसव्वदा लिखनेवाला, पाडु-लिपिक।

मुसव्विरः (مصورہ) अ वि –तस्वीर बनानेवाली स्त्री, चित्रकारिणी।

मुसव्विर (مصور) अ वि –तस्वीर बनानेवाला, चित्रकार, चित्रशिल्पी, चितेरा।

मुसव्विरी (مصوری) अ स्त्री –तस्वीरें बनाने का काम, चित्र कर्म, तस्वीर बनाने का फन, चित्रकला।

मुसह्हद (مسہد) अ वि –जगाया हुआ, जाग्रत किया हुआ।

मुसह्हे (مصحح) अ वि –दुरुस्त करनेवाला, शुद्ध करने वाला, वह व्यक्ति जो प्रेस के पत्थर की किताबत को ठीक करता है।

मुसाअदत (مساعدت) अ स्त्री –सहायता करना, मदद करना, सहायता, मदद।

मुसाइद (مساعد) अ वि –सहायक, मददगार, अनुकूल, मुआफिक।

मुसाअमत (مصاعمت) अ स्त्री –एक दूसरे को कष्ट देना।

मुसादरत (مصادرت) अ. स्त्री –प्रत्यागमन, वापस लौटना।

मुसाफरत (مسافرت) अ स्त्री –यात्रा करना, सफर करना; यात्रा, सफर, यात्रा की अवस्था, सफर की हालत।

मुसाफहः (مصافحہ) अ पु –मुलाकात के समय हाथ मिलाना।

मुसाफहः (مسافحہ) अ पु –व्यभिचार, दुराचार, पाप कर्म।

मुसाफ़ात (مصافات) अ स्त्री –मैत्री, दोस्ती निष्कपटता, इख्लास।

मुसाफिर (مسافر) अ पु –यात्री, पथिक, राहगीर, बटोही, गरीब मुसाफिर।

मुसाफ़िरख़ानः (مسافرخانہ) अ. फा पु –मुसाफिरो के ठहरने का स्थान, पथिकाश्रम, धर्मशाला।

मुसाफिरानः (مسافرانہ) अ फा. वि –मुसाफिरो-जैसा, सफर की अवस्था में।

मुसाब (مصاب) अ वि.–दु:खित, क्लेपित, रजीदा।

मुसाबक़त (مسابقت) अ स्त्री –पहले करना, आगे बढ जाना।

मुसाबरत (مصابرت) अ स्त्री –धीरज धरना, सतोष करना, सब्र करना।

मुसामरत (مسامرت) अ स्त्री –एक दूसरे को किस्से सुनाना।

मुसामहत (مسامحت) अ स्त्री –किसी काम को आसान समझकर उसकी ओर ध्यान न देना, मैत्री, दोस्ती।

मुसारअत (مصارعت) अ स्त्री –एक दूसरे को ज़मीन पर डाल कर रगडना, परस्पर कुश्ती लडना।

मुसालमत (مسالمت) अ स्त्री –परस्पर सधि करना; मित्रता, दोस्ती।

मुसालहत (مصالحت) अ स्त्री –परस्पर सधि करना, सधि, समझौता, तस्फिय, राज़ीनामा, फैसला।

मुसालहतनामः (مصالحت نامہ) अ फा पु –राज़ी-नामा, समझौते का कागज़।

मुसावमत (مساومت) अ स्त्री –किसी चीज़ के बेचने में देर करना इस विचार से कि दाम बढ जायेंगे।

मुसावात (مساوات) अ स्त्री –समानता, बराबरी, सबको एक-जैसे अधिकार मिलने का सिद्धात।

मुसाविपुज़्ज़वाया (مساوی الزوایا) अ पु –वह त्रिभुज या चतुर्भुज जिसके आमने-सामने के कोण बराबर हो।

मुसावियुलअज़्लाअ (مساوی الاضلاع) अ पु —वह शक्ल जिसकी सब भुजाएँ बराबर हों, समभुज क्षेत्र।

मुसावियानः (مساویانہ) अ फा वि —बराबर बराबर, एक-जैसा।

मुसावी (مساوی) अ वि —समान, तुल्य, बराबर।

मुसाहक़ (مساحقہ) अ पु —चपटी, स्त्रियों का आपस में चपटी लड़ाना।

मुसाहबत (مصاحبت) अ स्त्री —किसी बड़े व्यक्ति के यहाँ हाजिर बाशी, बड़े व्यक्ति के यहाँ सोहबत बरतना, उठना-बैठना।

मुसाहमत (مساہمت) अ स्त्री —भागीदारी, साझा, शिर्कत।

मुसाहलत (مساہلت) अ स्त्री —आलस्य, ढील, सुस्ती।

मुसाहिब (مصاحب) अ पु —किसी बड़े आदमी के पास उठने-बैठनेवाला, पार्षद।

मुसाहिम (مساہم) अ वि —भागीदार, साझीदार, शरीक।

मुसीन [स्न] (مسن) अ वि —बूढ़ा, वयोवृद्ध।

मुसिर [र्र] (مصر) अ वि —ज़िद करनेवाला, बारबार किसी काम के लिए कहनेवाला।

मुसीब (مصیب) अ वि —किसी बात की तह को पहुँचनेवाला, ठीक पानेवाला, तलस्पर्शी।

मुसीबत (مصیبت) अ स्त्री —दुःख, क्लेश, कष्ट, तक्लीफ़, खेद, संताप, विषाद, गम, दुर्घटना, सानिहः, कठिनता, मुश्किल, दुर्दशा, नुहूसत, कालचक्र, गर्दिश, विपत्ति, आफत।

मुसीबतअंगेज़ (مصیبت انگیز) अ फा वि —कष्टजनक, दुःखदायी, मुसीबत देनेवाला।

मुसीबतज़दः (مصیبت زدہ) अ फा. वि —मुसीबत में मुब्तला, कष्टग्रस्त, विपन्न, दुरागत।

मुसीबतनाक (مصیبت ناک) अ फा वि —दे 'मुसीबतज़दः'।

मुसीबते नागहानी (مصیبت ناگہانی) अ फा स्त्री —आकस्मिक विपत्ति, अचानक आनेवाली आफत।

मुसैक़ल (مصیقل) अ वि —सैकल किया हुआ, चमकदार, झपकाफ।

मुसैतिर (مسیطر) अ वि —नियुक्त, मुक़र्रर।

मुस्क़ित (مسقط) अ वि —गिरानेवाला, बात में त्रुटि करनेवाला।

मुस्कित (مسکت) अ वि —चुप कर देनावाला, काइल कर देनेवाला।

मुस्किर (مسکر) अ वि —नशा पैदा करनेवाली चीज, मादक।

मुस्किरात (مسکرات) अ वि —'मुस्किर' का बहु, नशे की चीजें।

मुस्तंजिम (مستنجم) अ वि —प्रकाशमान, प्रज्वलित, दीप्त, रौशन, प्रकाश चाहनेवाला।

मुस्तंबत (مستنبط) अ वि —निकाला हुआ, नतीजा निकाला हुआ।

मुस्तंबित (مستنبط) अ वि —नतीजा निकालनेवाला।

मुस्तंसर (مستنصر) अ वि —जिसकी मदद की गयी हो।

मुस्तंसिर (مستنصر) अ, वि —मदद माँगनेवाला।

मुस्तआन (مستعان) अ वि —जिससे सहायता माँगी जाय।

मुस्तआर (مستعار) अ वि —माँगी हुई चीज, थोड़े दिनों के लिए माँगा हुआ।

मुस्तइद [द्द] (مستعد) अ वि —तत्पर, सन्नद्ध, कटिबद्ध, तैयार, निरालस, सचेष्ट, जिसमें सुस्ती और काहिली न हो, तेज, फुर्तीला, चाबुकदस्त।

मुस्तइद्दी (مستعدی) अ स्त्री —तत्परता, तैयारी, निरालस्य, तेजी, फुर्ती।

मुस्तईन (مستعین) अ वि —सहायता चाहनेवाला, मदद माँगनेवाला।

मुस्तईर (مستعیر) अ वि —रिआयत चाहनेवाला।

मुस्तक़र [र्र] (مستقر) अ पु —ठहरने का स्थान, ठिकाना।

मुस्तक़र्रुलखिलाफत (مستقر الخلافت) अ पु —राजधानी, शासन-केंद्र।

मुस्तक़र्रुलहुकूमत (مستقر الحکومت) अ पु —दे 'मुस्तकर्रुल खिलाफत'।

मुस्तक़िल [ल्ल] (مستقل) अ वि —अटल दृढ़ मुस्तहकम, दृढ़, निश्चय, साबित क़दम, चिरस्थायी, पायदार, वह मुलाज़िम जो अस्थायी न हो, स्थायी, निरंतर लगातार।

मुस्तक़िल मिज़ाज (مستقل مزاج) अ वि —जो एक बात तै करके उस पर जमा रहे, दृढ़ चित्त, स्थिरनिश्चयी।

मुस्तक़िल मिज़ाजी (مستقل مزاجی) अ स्त्री —एक बात तै करके उस पर डटा रहना, निश्चय की स्थिरता।

मुस्तक़िल्लन (مستقلاً) अ वि —स्थिर रूप से, अटल तौर पर, निरंतर, बराबर।

मुस्तक़ीम (مستقیم) अ वि —सीधा, सरल, ऋजु, जो टेढ़ा न हो।

मुस्तक़ीमुलअज़्लाअ (مستقیم الاضلاع) अ पु —वह शक्ल जिसकी सब रेखाएँ सीधी हों, सरल रेखाओंवाला।

मुस्तक्बिर (مستکبر) अ वि —अहंकारी, अभिमानी, घमंडी, मग़रूर।

मुस्तक़्बिल (مستقبل) अ पु –आगे आनेवाला, आगामी, भविष्य, आइंदा ज़माना।

मुस्तख़ीफ़ (مستخیف) अ वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, भीषण, भयानक, ख़ौफ़नाक।

मुस्तख़्दिम (مستخدم) अ वि –दूसरो से ख़िदमत चाहने-वाला।

मुस्तख़्लिस (مستخلص) अ वि –आज़ादी चाहनेवाला, बंधन मुक्ति का इच्छुक, निर्मल करनेवाला।

मुस्तग़ास (مستغاث) अ वि –जिसके पास इस्तिग़ासा ले जायें, जिससे न्याय याचना करे, दंडाधिकारी मेजिस्ट्रेट।

मुस्तग़ीस (مستغیثہ) अ वि –इस्तिग़ासा करनेवाली स्त्री, न्याय चाहनेवाली, फ़ौजदारी में दावा करनेवाली।

मुस्तग़ीस (مستغیث) अ वि –इस्तिग़ास करनेवाला, अभियोक्ता, फ़ौजदारी में दावा दाइर करनेवाला।

मुस्तग़्नी (مستغنی) अ वि –जिसे किसी बात की इच्छा न हो, निःस्पृह, अनीह, अनपेक्ष्य, निरीह।

मुस्तग़्नी मिज़ाज (مستغنی مزاج) अ वि –जिसके मन में कोई लालच या इच्छा न हो, निवृत्तचित्त।

मुस्तग़्फ़िर (مستغفر) अ वि –ईश्वर से पापों की क्षमा चाहनेवाला, मुक्ति चाहनेवाला।

मुस्तग़्रक़ (مستغرق) अ वि –डूबा हुआ, मग्न, मज्जित, निमज्जित, मुनहमिक, तल्लीन, तन्मय, दत्तचित्त।

मुस्तज़ाद (مستزاد) अ वि –बढ़ाया हुआ, अतिरिक्त, फ़ालतू, नज़्म की एक क़िस्म जिसमें किसी ग़ज़ल में उसके हर मिस्रे के अंत में एक टुकड़ा बढ़ा देते हैं।

मुस्तजाब (مستجاب) अ वि –स्वीकृत, मंज़ूर किया हुआ, क़बूल किया हुआ।

मुस्तजाबुद्दा'वात (مستجاب الدعوات) अ वि –वह सिद्ध व्यक्ति जिसकी हर बात ईश्वर के यहाँ क़बूल हो जाय, वाक्‌सिद्ध।

मुस्तजाबुद्दुआ (مستجاب الدعا) अ वि –दे 'मुस्तजा-बुद्दा'वात'।

मुस्तजार (مستجار) अ वि –जिससे रक्षा की प्रार्थना की जाय, जिससे बचाने को कहा जाय, पनाह देनेवाला, त्राण-दाता, रक्षक।

मुस्तजीब (مستجیب) अ वि –क़बूल करनेवाला, स्वीकार करनेवाला, प्रार्थना स्वीकार करनेवाला।

मुस्तजीर (مستجیر) अ वि –पनाह चाहनेवाला, रक्षा का इच्छुक, रक्षा का स्थान ढूंढनेवाला, कहीं-कहीं पनाह देने-वाले के अर्थ में भी आया है।

मुस्तज्मउस्सिफ़ात (مستجمع الصفات) अ वि –जिसमें बहुत-सी सिफ़तें एकत्र हों, बहुगुणसपन्न।

मुस्तज्मा' (مستجمع) अ वि –एकत्र, इकट्ठा।

मुस्तज्मे' (مستجمع) अ वि –एकत्र करनेवाला, इकट्ठा करनेवाला।

मुस्तताअ' (مستطاع) अ वि –आज्ञाकारी, फ़र्माबरदार।

मुस्तताब (مستطاب) अ वि –शुभान्वित, कल्याणकारी, मुबारक, स्वादिष्ठ, बामज़ा।

मुस्ततिर (مستتر) अ वि –गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुस्ततीअ' (مستطیع) अ वि.–समृद्ध, धनाढ्य, मालदार, समर्थ, क़ादिर।

मुस्ततील (مستطیل) अ पु –वह शक्ल जो लंबाई-चौड़ाई में बराबर न हो और उसके चारो कोण बराबर हों, सम-कोण चतुर्भुज, आयत।

मुस्तदाम (مستدام) अ वि –नित्यता, हमेशगी, चाहने-वाला, नित्य, हमेशा, सर्वदा, सदा।

मुस्तदीर (مستدیر) अ वि –गोलाकार, वर्तुलाकार, गोल, मुदव्वर।

मुस्तद्ई (مستدعی) अ वि –प्रार्थना करनेवाला, दरख़्वास्त करनेवाला, कहनेवाला।

मुस्तनद (مستند) अ वि –प्रमाणित, तस्दीक़शुदा, विश्वस्त, मोतबर, जिसने किसी चीज़ की सनद पायी हो।

मुस्तनीर (مستنیر) अ वि –प्रकाशमान, दीप्त, रौशन।

मुस्तन्किर (مستنکر) अ वि –निकृष्ट, दूषित, बद, कुरूप, अप्रियदर्शन, ज़िश्तरू।

मुस्तफ़वी (مصطفوی) अ वि –मुस्तफ़ा से सम्बन्ध रखने-वाला, मुस्तफ़ा का।

मुस्तफ़ा (مصطفی) अ वि –पवित्र, पुनीत, बरगुज़ीदा, निर्मल, शुद्ध, स्वच्छ, साफ़ोशफ़्फ़ाफ़, हज़्रत महम्मद साहिब का ख़िताब।

मुस्तफ़ाई (مصطفائی) अ वि –'मुस्तफ़ा' का, मुस्तफ़ा से सम्बन्ध रखनेवाला।

मुस्तफ़ाद (مستفاد) अ वि –प्राप्त, लब्ध, हासिल।

मुस्तफ़ीज़ (مستفیض) अ वि –फ़ैज़ चाहनेवाला, नफ़ा उठानेवाला, लाभप्राप्तकर्त्ता।

मुस्तफ़ीद (مستفید) अ वि –फ़ाइदा चाहनेवाला, लाभ उठानेवाला, लाभान्वित, लाभेच्छुक।

मुस्तफ़्ती (مستفتی) अ वि –फ़त्वा पूछनेवाला, फ़तवे का जवाब चाहनेवाला।

मुस्तफ़्सिर (مستفسر) अ पु –पूछनेवाला, पृच्छक, प्रश्न-कर्ता।

मुस्तबिद [द्द] (مستبد) अ वि –किसी काम पर अकेला

खड़ा हो जानेवाला; किसी चीज पर अकेला हक जतानेवाला, अनीति और अन्याय करनेवाला, अत्याचारी, जालिम।

मुस्तब्अद (مستبعد) अ वि –जो बात कियास में न आ सके, कल्पनातीत, दुष्कर, कठिन, दुश्वार, दूर, बईद।

मुस्तबइद (مستبعد) अ वि –पृथकता चाहनेवाला, दूरी का इच्छुक।

मुस्तब्सिर (مستبصر) अ पु –दिव्य दृष्टि रखनेवाला, रौशन जमीर।

मुस्तमद (مستمند) फा वि –इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमंद, दुखित, गमगीन, जिसे किसी बात की आवश्यकता हो, जरूरतमंद।

मुस्तमा' (مستمع) अ. वि –सुना हुआ, श्रुत।

मुस्तमिद [द्द] (مستمد) अ वि –मदद चाहनेवाला, सहायेच्छु।

मुस्तमिर [र्र] (مستمر) अ वि –हमेशा रहनेवाला, स्थिर, नित्य, अनश्वर, स्थायी, चिरस्थायी, पायदार।

मुस्तमिर्रः (مستمرہ) अ वि –दे 'मुस्तमिर', स्त्री लिंग शब्दों के साथ, सदैव रहनेवाली।

मुस्तमे' (مستمع) अ वि –सुननेवाला, श्रोता।

मुस्तरक (مسترق) अ वि –चुराया हुआ, चुराया हुआ माल।

मुस्तरक़ [क़्क़] (مسترق) अ वि –दास बनाया हुआ, कैद किया हुआ।

मुस्तल्ज़िमुस्सज़ा (مستلزم السزا) अ वि –दे 'मुस्तल्ज़िमे सज़ा'।

मुस्तल्ज़िमे सज़ा (مستلزم سزا) अ वि –सज़ा के योग्य, दंडनीय।

मुस्तवी (مستوی) अ वि –समतल, हमवार, सम, समान, बराबर।

मुस्तशार (مستشار) अ वि –जिससे सलाह ली जाय परामर्शदाता, सलाह ली हुई बात, परामर्शित।

मुस्तशीर (مستشیر) अ वि –सलाह लेनेवाला, परामर्शकर्ता।

मुस्तश्फा (مستشفی) अ वि –अस्पताल, चिकित्सालय, रुग्णालय, शिफाखाना।

मुस्तश्फी (مستشفی) अ वि –रोग मुक्ति चाहनेवाला।

मुस्तश्रिक़ (مستشرق) अ वि –दीप्त, ज्वलित, प्रकाशित, रौशन, वह गैर एशियाई व्यक्ति जिसे एशियाई भाषाओं अथवा विद्याओं का पूरा-पूरा ज्ञान हो और उसने इन विषयों पर काफी अनुसंधान और गवेषणा की हो।

मुस्तश्रिक़ीन (مستشرقین) अ पु –'मुस्तश्रिक़' का बहु, वह गैरएशियाई लोग जिन्होंने एशियाई भाषा, विद्या अथवा दूसरी विद्याओं में पूरी जानकारी प्राप्त की हो।

मुस्तस्क़ी (مستسقی) अ वि –जिसे जलोदर का रोग हो, जलोदरी, बहुत अधिक पानी माँगनेवाला।

मुस्तस्नयात (مستثنیات) अ पु –'मुस्तस्ना' का बहु, वे चीजें या व्यक्ति जो मुस्तस्ना हो।

मुस्तस्ना (مستثنی) अ वि –जिस पर से कोई शर्त, क़ानून

मुस्तहक़्क़े सहीह (مستحق صحیح) अ पु –सबसे उचित हकदार, सत्पात्र।

मुस्तहब [ब्ब] (مستحب) अ वि –अच्छा जाना हुआ, प्रिय, पुनीत, वह कृत्य जिसके करने से पुण्य की प्राप्ति हो और न करने पर कोई दोष न लगे, वह इबादत जिसे हज़रत मुहम्मद साहब ने स्वय किया हो, उसकी अच्छाइयाँ बतायी हो, परतु उसके करने को स्पष्ट रूप से न कहा हो।

मुस्तहान (مستہان) अ वि –अपमानित, तिरस्कृत, ज़लील, दूसरों की दृष्टि में निंदित और गर्हित।

मुस्तहाम (مستہام) अ वि –उद्विग्न, व्यग्र, परेशान, चकित, निस्तब्ध, हैरान।

मुस्तहील (مستحیل) अ वि –असभव, अशक्य, नामुम्किन, बहानावाज, छली, एक अवस्था से दूसरी अवस्था में परिवर्तित।

मुस्तह्कम (مستحکم) अ वि –निश्चल, अटल, लाज़ुव, दृढ, मज़्बूत, चिरस्थायी, पाइदार, निश्चित, अटल, यकीनी।

मुस्तह्कमतरीन (مستحکم ترین) अ फा वि –बहुत अधिक मज़्बूत, सुदृढतम।

मुस्तह्कमुलअकीदः (مستحکم العقیدہ) अ वि –जिसका धर्मविश्वास अटल हो।

मुस्तह्कमुलअदावत (مستحکم العداوت) अ वि –जिसके चित्त में किसी की शत्रुता घर कर गयी हो, बद्धवैर।

मुस्तह्कमुलअह्द (مستحکم العہد) अ वि –अपने वादे का पक्का, सत्यप्रतिज्ञ, दृढसकल्प, वचनबद्ध।

मुस्तह्कमुलइरादः (مستحکم الارادہ) अ वि –जो अपने इरादे में अटल हो, बद्ध निश्चय, सत्य सकल्प।

मुस्तह्ज़र (مستحضر) अ वि –जो दिमाग में हर समय सुरक्षित रहे, जो हर समय याद रहे।

मुस्तह्ज़ी (مستہزی) अ वि –हँसी उडानेवाला, उपहासकर्ता।

मुस्तहफ़ज़ (مستحفظ) अ वि –सुरक्षित, महफ़ूज़, जिसकी देख-रेख और निगरानी की गयी हो।

मुस्तहलक (مستہلک) अ वि –हत, वधित, मारा हुआ, नष्ट, बरबाद।

मुस्तहसन (مستحسن) अ वि –उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा, पुनीत, पवित्र, नेक।

मुस्ताजिर (مستاجر) अ वि –ठेकेदार, एकाधिकारी।

मुस्ताजिरानः (مستاجرانہ) अ फा वि –ठेकेदारों-जैसा।

मुस्ताजिरी (مستاجری) अ वि –ठेकेदारी, एकाधिकार।

मुस्ता'जिल (مستعجل) अ वि –अधीर, आतुर, जल्दबाज़, उतावला।

मुस्तानिस (مستانس) अ वि –प्रेम रखनेवाला, रुचि रखनेवाला, अभ्यस्त, व्यसनी, आदी।

मुस्ता'फ़ी (مستعفی) अ वि –त्यागपत्र देनेवाला, इस्ते'फ़ा देनेवाला।

मुस्ता'मन (مستامن) अ वि –रक्षा या पनाह चाहा हुआ, रक्षित।

मुस्ता'मरः (مستعمرہ) अ वि –नौआबादी, उपनिवेश।

मुस्ता'मर (مستعمر) अ वि –नया बसा हुआ, नौआबाद, नवबसित।

मुस्ता'मरात (مستعمرات) अ पु –'मुस्ता'मर' का बहु, नौआबादियाँ, उपनिवेश-समूह।

मुस्ता'मल (مستعمل) अ वि –काम में लाया हुआ, प्रयुक्त, व्यवहृत, प्रचलित, व्यवहृत, मुरव्वज।

मुस्तामिन (مستامن) अ वि –अमन और रक्षा चाहनेवाला, शान्तीच्छु।

मुस्तासल (مستاصل) अ वि –उन्मूलित, जड से उखाड फेंका हुआ, समूल विनष्ट।

मुस्तासिल (مستاصل) अ वि –उन्मूलन करनेवाला, जड से उखाड फेंकनेवाला।

मुस्तैक़िज़ (مستیقظ) अ वि –जागता हुआ, सजग, जाग्रत, जागरूक, सजागर, बेदार।

मुस्तैसिर (مستیسر) अ वि –तत्पर और कटिबद्ध होनेवाला, तैयार होनेवाला।

मुस्तौक़िद (مستوقد) अ वि –आग भडकानेवाला।

मुस्तौजिब (مستوجب) अ वि –योग्यपात्र, लाइक़।

मुस्तौजिबे सज़ा (مستوجب سزا) अ वि –सज़ा के लाइक़, दडनीय।

मुस्तौफ़ी (مستوفی) अ वि –व्यापक, गृहीत, हेड मुनीम, हेड एकाउटेंट।

मुस्तौली (مستولی) अ वि –छा जानेवाला, ढाँक लेनेवाला, आच्छादक, किसी पर विजय पा लेनेवाला, क़ाबू में कर लेनेवाला।

मुस्तौसा' (مستوسع) अ वि –विस्तृत, विशाल, फराख, कुशादा।

मुस्दे' (مصدع) अ वि –पृथक्-पृथक् करनेवाला; सर में पीडा उत्पन्न करनेवाला।

मुस्नद (مسند) अ वि –काल, समय, दत्तक पुत्र, लेपालक, जारज, दोगला; वह चीज़ जिस पर सहारा लें; (व्या.) खबर।

मुस्नदइलैह (مسند الیہ) अ. वि–(व्या.) मुब्तदा, जैसे—

'राम अच्छा है' मे 'राम' मुस्नदइलैह है और 'अच्छा', 'मुस्नद'।

मुस्बतः (مثبتة) अ वि–साबित की हुई चीज।

मुस्बत (مثبت) अ वि.–साबित किया हुआ, प्रमाणित, जो मन्फी न हो।

मुस्मन (مسمن) अ वि–पैदाइशी मोटा-ताजा।

मुस्रिफ (مسرف) अ वि–बहुत अधिक खर्च करनेवाला, बहुव्ययी; फुजूल खर्च करनेवाला, अपव्ययी।

मुस्रिफ (مصرف) अ वि.–व्यय करनेवाला।

मुस्रिफीन (مسرفین) अ पु–'मुस्रिफ' का बहु., फुजूल खर्च करनेवाले।

मुस्रे' (مسرع) अ वि.–जल्दी काम करनेवाला, शीघ्रकारी; तेज चलनेवाला पत्रवाहक।

मुस्लिमः (مسلمة) अ. स्त्री–मुसलमान स्त्री।

मुस्लिम (مسلم) अ पु–मुसलमान पुरुष, मुसलमान।

मुस्लिमात (مسلمات) अ स्त्री–'मुस्लिम' का बहु, 'मुसल्मान स्त्रियाँ।

मुस्लिमीन (مسلمین) अ. पु.–'मुस्लिम' का बहु, मुसलमान मर्द।

मुस्लिहीन (مصلحین) अ पु–'मुस्लेह' का बहु, सुधार करनेवाले, सुधारक, रिफार्मर्स।

मुस्लेह (مصلح) अ. वि–राजनीतिक, आर्थिक या सामाजिक आदि सुधार करनेवाला, सुधारक, शरीर की धातुओ का दोष दूर करनेवाली दवा, शोधक।

मुस्लेहे क़ौम (مصلح قوم) अ. पु–जातीय सुधार करनेवाला, जाति-विशेष का सुधारक, राष्ट्र का सुधारक, देश सुधारक।

मुस्हिल (مسہل) अ. पु–दस्त लानेवाली औषध, रेचक, विरेचक, मलभेदक।

मुस्हिलात (مسہلات) अ पु–'मुस्हिल' का बहु, रेचक ओषधियाँ।

मुहंदिस (مہندس) अ पु–गणितज्ञ, रियाजीदाँ, इजिनियर।

मुहक़्क़क़ (محقق) अ वि–प्रमाणित, मुसल्लम, गवेषित, जाँचा हुआ।

मुहक़्क़र (محقر) अ वि–तुच्छ, अधम, जलील, कम कीमत, हकीर।

मुहक़्क़िक़ (محقق) अ वि–किसी बात की वैज्ञानिक जाँच-पडताल करनेवाला, गवेषी, अन्वेषक, अनुसधाता, वैज्ञानिक, फिलास्फर; वह व्यक्ति जो किसी बात को प्रमाण से सिद्ध करे।

मुहक़्क़िक़ीन (محققین) अ पु–'मुहक्किक' का बहु, गवेषणा और अनुसधान करनेवाले।

मुहज़्ज़ब (مہذب) अ वि–सभ्य, शिष्ट, तमीजदार, नागरिक, शह्री, शिक्षित, ता'लीमयाफ्ता, अदब काइदे का खयाल रखनेवाला, शाइस्ता, शिष्ट, सुशील, विनीत, खुशखुल्क; संस्कृत, आरास्ता।

मुहद्दिस (محدث) अ पु–हदीस का विद्वान्, हदीसो की पूरी जानकारी रखनेवाला, यह जाननेवाला कि कौन-सी हदीस सहीह और कौन-सी गलत, किस हदीस को किसने बयान किया है और बयान करनेवाला किस श्रेणी का है, आदि आदि।

मुहद्दिसीन (محدثین) अ पु–'मुहद्दिस' का बहु, हदीस के आलिम।

मुहन्नद (مہند) अ वि–वह शब्द जो किसी दूसरी भाषा का हो, परन्तु उसे हिंदी कर लिया गया हो जैसे–'जारूब' से झाडू, 'आबखोरह' का अमखोरा आदि, हिंद के लोहे की बनी हुई तलवार जो काट मे प्रसिद्ध होती थी।

मुहम्मद (محمد) अ वि–प्रशसित, स्तुत, सराहा हुआ, हज्रत पैग़बर साहब का शुभ नाम।

मुहम्दी (محمدی) अ पु–मुहम्मद का, मुहम्मद से सम्बन्ध रखनेवाला; मुसल्मान।

मुहर्रफ (محرف) अ वि–टेढा किया हुआ, वक्रित, वक्र, फेरी हुई बात या इबारत, मूल अर्थ से हटाया हुआ।

मुहर्रम (محرم) अ वि–हराम अर्थात् निषिद्ध किया हुआ, पहला इस्लामी महीना, चूँकि इस्लाम से पहले अरब मे इस महीने मे रक्तपात धार्मिक रूप मे हराम था, इसलिए इस महीने का यह नाम पडा।

मुहर्रा (مہرا) अ वि–अच्छी तरह पकाया हुआ वह चीज़ जो आग पर अच्छी तरह गला ली जाय।

मुहर्रिक (محرک) अ. वि–गति देनेवाला, चलानेवाला, उत्तेजना देनेवाला, उभारनेवाला, उत्तेजक, सभा या कमेटी में कोई सुझाव रखनेवाला, प्रस्तावक।

मुहर्रिफ (محرف) अ वि–टेढा करनेवाला, बात को कुछ का कुछ बनानेवाला।

मुहर्रिर (محرر) अ वि–लेखक, लिखनेवाला, लिपिक, क्लर्क, वकील आदि का मुशी।

मुहर्रिरी (محرری) अ वि–मुहर्रिर का पेशा, मुहर्रिर का काम।

मुहर्रिरीन (محررین) अ पु–'मुहर्रिर' का बहु, मुहर्रिर लोग।

मुहल्लल (محلل) अ वि–तहलील किया हुआ।

मुहल्लिल (محلل) अ वि–तहलीन करनेवाला।

मुहल्लिलात (محللات) अ पु –'मुहल्लिल' का बहु, तहलील करनेवाली दवाएँ।

मुहव्वतः (محوطه) अ पु –कोई चीज सुरक्षित रखने का स्थान, घेरने का स्थान, एकत्र करने का स्थान।

मुहव्वलः (محوله) अ वि –सिपुर्द की गयी चीज, हवाला दी गयी वस्तु।

मुहव्वल (محول) अ वि –सिपुर्द किया गया; हवाला दिया गया।

मुहव्वलए बाला (محولۂ بالا) अ फा वि –जिसका हवाला ऊपर दिया गया हो, जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका हो।

मुहव्वलए हाशिय (محولۂحاشیہ) अ वि –जिसका हवाला हाशिए पर दिया गया हो, जो फुटनोट या टिप्पणी मे लिखा गया हो, टिप्पणाङ्कित, मार्जिनली नोटेड।

मुहव्विस (مہوس) फा वि –कीमियागर, रसायनविद्, रसायनी।

मुहव्विसी (مہوسی) फा स्त्री –कीमियागरी, रसायन विद्या, धातुवाद।

मुहव्विसीन (مہوسین) फा पु –'मुहव्विस' का बहु, कीमियागर लोग।

मुहश्शा (محشی) अ वि –हाशिया बनाया हुआ, हाशिए पर लिखा हुआ, टिप्पणी-सहित।

मुहश्शी (محشی) अ वि –हाशिया बनानेवाला, टिप्पणी लिखनेवाला।

मुहाकम (محاکمہ) अ पु –हाकिम के पास न्याय को जाना, बीच मे पडकर न्याय करना, निर्णय, फैसला।

मुहाका (محاکا) अ पु –'मुहाकात' का लघु, दे 'मुहाकात'।

मुहाकात (محاکات) अ स्त्री –वार्तालाप, बातचीत, एक-दूसरे को कहानी सुनाना, कथनोपकथन।

मुहाजरत (مہاجرت) अ स्त्री –देश छोडकर विदेश मे रहना, घरबार छोडकर परदेश मे रहना।

मुहाजात (محاذات) अ स्त्री –एक-दूसरे के आमने-सामने होना, एक चीज का दूसरी चीज के बराबर होना।

मुहाजात (مہاجات) अ स्त्री –एक-दूसरे की निन्दा करना, एक दूसरे की हजो मे कविता लिखना।

मुहाजिर (مہاجرہ) अ स्त्री –घरबार छोडकर परदेस मे रहनेवाली स्त्री, शरणार्थिनी।

मुहाजिर (مہاجر) अ पु –घरबार त्याग कर परदेस मे रहनेवाला, पुरुषार्थी, शरणार्थी।

मुहाजिरात (مہاجرات) अ स्त्री –'मुहाजिर' का बहु, मुहाजिर औरतें।

मुहाजिरीन (مہاجرین) अ पु –'मुहाजिर' का बहु, शरणार्थी लोग।

मुहाज़ी (محاذی) अ वि –सम्मुख, सामने, बराबर।

मुहाफ (محافہ) फा वि –बडी पर्देदार डोली, अरबी मे 'महफ्फ था, फारसी मे 'मुहाफ' हो गया।

मुहाफज़त (محافظت) अ स्त्री –रक्षा हिफाजत, देख-रेख, निगरानी, पालन-पोषण, पर्वरिश।

मुहाफ़िज़ (محافظ) अ वि –रक्षक, हिफाजत करनेवाला, निरीक्षक, निगराँ, अभिभावक, सरपरस्त।

मुहाफ़िज़ीन (محافظین) अ पु –'मुहाफिज' का बहु, हिफाजत करनेवाले।

मुहाबा (محابا) अ पु –'मुहाबात' का लघु, भय, त्रास, डर, सकोच, पसोपेश, चिन्ता, फिक्र,उर्दू मे प्राय 'बेमहाबा' बोला जाता है।

मुहाबात (محابات) अ स्त्री –दे 'मुहाबा'।

मुहारबः (محاربہ) अ पु –परस्पर युद्ध, युद्ध, सग्राम, लडाई।

मुहारबात (محاربات) अ पु –'मुहारब' का बहु, लडाइयाँ, जगे।

मुहारिब (محارب) अ वि –लडनेवाला, योद्धा।

मुहाल (محال) अ वि –असभव, नामुमकिन, दुष्कर, कठिन।

मुहालफ़. (محالفہ) अ पु –आपस मे कस्माकस्मी, परस्पर किसी बात के लिए शपथ लेना।

मुहालबिज़्ज़ात (محال بالذات) अ वि –जिसका जैसा होना असभव हो।

मुहालिफ(محالف) अ वि –किसी के साथ किसी प्रतिज्ञा पर शपथ लेनेवाला।

मुहाले-क़तई (محال قطعی) अ वि –जो बिलकुल असभव हो।

मुहाले मुत्लक़ (محال مطلق) अ वि –दे 'मुहाले कतई'।

मुहावर (محاورہ) अ पु –रोजमर्रे, बोलचाल, किसी भाषा के वाक्यो का वह प्रयोग जो उस भाषा के बोलनेवाले करते है और जिसका अर्थ अभिधेय अर्थ मे पृथक् होता है, जैसे–'लात खाना', या 'आँख आना', क्योकि लात रोटी की तरह खाया नही जाता, और आँख सफर नही करती, इनका अर्थ है, लात की मार सहना और आँखो मे पीडा होना, यही मुहावरा है।

मुहावरत (محاورت) अ स्त्री –आपस मे बातचीत करना।

मुहावरात (محاورات) अ पु –'मुहावर' का बहु, मुहावरे।

मुहासद (محاسدہ) अ पु –एक-दूसरे से हसद या ईर्ष्या करना, ईर्ष्या, डाह, हसद।

मुहासबः (محاسبه) अ पु –हिसाद समझना, हिसाब-किताब, पूछ-गछ, पूछ-ताछ, वाजपुर्स।

मुहासर (محاصره) अ पु –घेरा डालना, चारो ओर से घेरना, हदवदी, सीमित करना, घेरा, हल्का।

मुहासिद (محاسد) अ वि –हसद करनेवाला, ईर्षालु, डाही।

मुहासिब (محاسب) अ वि –हिसाव करनेवाला, हिसाबदाँ, गणितज्ञ, पूछ-गाँछ करनेवाला।

मुहासिर (محاصر) अ वि.–घेरा डालनेवाला, किसी को घेरे मे लेनेवाला।

मुहासिरीन (محاصرین) अ वि –'मुहासिर' का बहु, घेरे डालनेवाले लोग।

मुहिब [ब्ब] (محب) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त, प्रेमी, आशिक।

मुहिब्बीन (محبین) अ पु –'मुहिब' का बहु, मित्रगण, दोस्त अहबाब।

मुहिम [म्म] (مہم) अ स्त्री –कोई बडा काम, कठिन काम; युद्ध, सग्राम, लडाई।

मुहिम्मात (مہمات) अ. स्त्री –'मुहिम' का बहु, बडे-बडे काम, युद्ध, लडाइयाँ।

मुही (محی) अ वि –जिंदा करनेवाला, जिलानेवाला, प्राणदाता।

मुहीज (مہیج) अ वि –उठानेवाला, बढानेवाला, गर्द उडानेवाला।

मुहीत (محیط) अ वि.–आच्छादित, छाया हुआ, व्यापक, फैला हुआ, नदी, दरया।

मुहीन (مہین) अ वि –तिरस्कार करनेवाला, अपमानी, तिरस्कर्ता, ज़लील करनेवाला।

मुहीब (مہیب) अ वि.–दे शुद्ध उच्चारण 'महीब'।

मुहीलः (محیلہ) अ स्त्री –छली, स्त्री, मायाविनी, धूर्ता, वचिका।

मुहील (محیل) अ वि –धोखेवाज, छली, कपटी, धूर्त, वचक।

मुहै (محی) अ वि –जीवित करनवाला, जिंदा करनेवाला, पुन प्राण देनेवाला।

मुहैया (مہیا) अ वि –एकत्र, इकट्ठा, फराहम, उपस्थित, मौजूद, उपार्जित, ज़ख़ीरा, तत्पर, तैयार, उपलब्ध।

मुहैयाकुन (مہیاکن) अ फा वि –एकत्र करनेवाला, फराहम करनेवाला, देनवाला, दाता।

मुहैयिर (محیر) अ वि –अचभे मे डाल देनेवाला।

मुहैयिरुलउक़ूल (محیرالعقول) अ वि –अक्लो को अचभे मे डाल देनेवाला, ऐसी बात जो अचभे मे डाल दे, आश्चर्यजनक, चित्रमति।

मुहैयिरेउक़ूल (محیرعقول) अ वि –दे 'मुहैयिरुल उक़ूल'।

मुह्कम (محکم) अ वि –दृढ, मजबूत, चिरस्थायी, पाएदार, टिकाऊ, निश्चित, अटल, यकीनी, नि सदेह, गैर मुश्तबह्।

मुह्कमतरीन (محکم‌ترین) अ फा वि –बहुत अधिक मजबूत, सुदृढ।

मुह्कमात (محکمات) अ स्त्री –कुरान के वे वाक्य जिनका अर्थ स्पष्ट हो, 'प्रत्युत', 'मुतशाबिहात'।

मुह्तकिन (محتقن) अ वि –अनीमा देनेवाला।

मुह्तकिर (محتکر) अ वि –इस आशा पर अन्न सचित करनेवाला कि भाव तेज़ होने पर बेचेगा।

मुह्तजिब (محتجب) अ वि –छिपनेवाला, छिपा हुआ, गुप्त।

मुह्तदा (مہتدیٰ) अ वि –जिसे हिदायत या सदुपदेश मिला हो, दीक्षित।

मुह्तदी (مہتدی) अ वि –हिदायत या सदुपदेश देनेवाला।

मुह्तम [म्म] (مہتم) अ वि –जिसका एहतिमाम किया गया हो, व्यवस्थित, क्रमागत।

मुह्तमबिश्शान (مہتم‌بالشان) अ वि –जिसका प्रबध बहुत शान से किया गया हो, शानदार, भव्य, विशाल, वृहत्।

मुह्तमल (محتمل) अ वि –जिसमे सदेह हो, सदिग्ध, शकित, मुशाबह।

मुह्तमिम (مہتمم) अ वि –प्रबधकर्ता, सचालनकर्ता, सचालक, व्यवस्थापक।

मुह्तरमः (محترمہ) अ स्त्री –श्रीमती, महोदया, देवी, मान्या, श्रद्धेया, वरिष्ठा, भट्टारिका।

मुह्तरम (محترم) अ वि –श्रीमान्, महोदय, पूज्य, श्रद्धेय, प्रतिष्ठित, महानुभाव, मुअज्ज़ज़, मान्य, पूज्य, श्रेष्ठ बुज़ुर्ग।

मुह्तरमात (محترمات) अ स्त्री –'मुहतरम' का बहु, देवियाँ।

मुह्तरमीन (محترمین) अ पु –'मुहतरम' का बहु, प्रतिष्ठित जन।

मुह्तरिक़ (محترق) अ वि –जलनेवाला, जला हुआ, दग्ध, तप्त, ज्वलित।

मुह्तरिज़ (محترز) अ वि –बचनेवाला, दूर रहनेवाला, परहेज़ करनेवाला।

मुह्तरिफ (محترف) अ वि –एक-सा पेशा करनेवाला, सहव्यवसायी।

मुह्तलिम (محتلم) अ वि –जिसको स्वप्नदोष हो जाय, (एहेतलाम, स्वप्नदोष) से बना शब्द ।
मुह्तवी (محتوی) अ वि –व्यापी, घेरे हुए आच्छादित, ढके हुए ।
मुह्तशिम (محتشم) अ वि –नौकर-चाकरवाला, शानो-शौकतवाला ।
मुह्तसिब (محتسب) अ वि –हिसाब लेनेवाला, पूछ-ताछ करनेवाला, वह कर्मचारी जो लोगो को शराब पीने से रोके और शराबखानो की निगरानी करे।
मुह्मल (مہملہ) अ पु –वह उर्दू अक्षर जिस पर बिंदी न हो, जैसे—सीन, हे, दाल, आदि।
मुह्मल (مہمل) अ वि –अर्थहीन, बेईमानी, व्यर्थ, बेकार, वह व्यक्ति जिसका कोई एतिबार न हो।
मुह्मल गो (مہمل گو) अ फा वि –अनर्गलवादी, बकवासी, फ़ुज़ूल की बाते बनानेवाला।
मुह्मलात (مہملات) अ पु –'मुह्मल' का बहु, फ़ुज़ूल बाते, फ़ुज़ूल काम।
मुह्मलीयत (مہملیت) अ स्त्री –अर्थहीनता; अनर्गलता, बकवाद, फ़ुज़ूलपन।
मुह्रः (مہرہ) फा पु –एक पत्थर जिससे सॉप का विष दूर करते है, सॉप का मन, मणि, शत्रज की गोट, कौडी, सीप या घोघा, पीठ या गर्दन का गुरिया।
मुह्र चीं (مہرہ چیں) फा वि –छली, धूर्त, ठग।
मुह्र बाज (مہرہ باز) फा वि –धूर्त, छली, धोखेबाज।
मुह्रबाज़ी (مہرہ بازی) फा स्त्री –छल, धूर्तता, ठगी।
मुह्र (مہر) फा स्त्री –मुद्रिका, अँगूठी, ठप्पा, अशरफी, स्वर्णमुद्रा, अकक, सील, मोहर।
मुह्रए जाँदार (مہرۂ جاندار) फा पु –सॉप का मन, मणि।
मुह्रए मार (مہرۂ مار) फा पु –सॉप का मन, मणि।
मुह्रए सफेद (مہرۂ سفید) फा पु –सख, दर, शख।
मुह्रिक़ (محرقہ) अ वि –जलानेवाली, टाईफाइड ज्वर।
मुह्रक़ (محرق) अ वि –जला हुआ, भस्म, भस्मीभूत।
मुह्रकन (مہرکن) फा वि –मुह्र खोदनेवाला।
मुह्रबलब (مہربلب) फा वि –मौन धारण किये हुए, चुप, मौन, खामोश।
मुह्रे ख़ामोश (مہر خاموشی) फा स्त्री –मौन, चुप्पी, ख़ामोशी।
मुह्रे सुकूत (مہر سکوت) फा-अ स्त्री –दे 'मुह्रे ख़ामोशी'।
मुह्लत (مہلت) अ स्त्री –अवकाश, छुट्टी, फुर्सत, विलब, ढील, देर, समय, काला।
मुह्लततलब (مہلت طلب) अ वि –छुट्टी चाहनेवाला, ऐसा काम जिसके लिए समय और फुर्सत की आवश्यकता हो।
मुह्लिकः (مہلکہ) अ स्त्री –मार डालनेवाली, घातिका, जानलेवा।
मुह्लिक (مہلک) अ वि –घातक, प्राणघातक, जानलेवा।
मुह्सिनः (محسنہ) अ स्त्री –उपकार करनेवाली स्त्री।
मुह्सिन (محسن) अ वि –उपकार करनेवाला, उपकारी, भलाई करनेवाला, आडे वक्त पर काम आनेवाला, सहायक, हामी।
मुह्सिनकुश (محسن کش) अ फा वि –कृतघ्न, अकृतज्ञ, नमकहराम।
मुह्सिनकुशी (محسن کشی) अ फा स्त्री –कृतघ्नता, नमकहरामी।
मुह्सिनात (محسنات) अ स्त्री –'मुह्सिन' का बहु, उपकार करनेवाली स्त्रियाँ।
मुह्सिनीन (محسنین) अ पु –'मुह्सिन' का बहु, उपकारी लोग।

मू

मू (مو) फा पु –बाल, कच, कुतल, लोम, रोम, रोआँ, सर के बाल, केश।
मूईन (موئینہ) फा पु –बालोदार खाल का पहनने का वस्त्र, पोस्तीन, चमचेल।
मूए आतशदीद (موۓ آتش دیدہ) फा वि –आग में तपाया हुआ बाल, जो टेढा पड जाता है।
मूए जिहार (موۓ زہار) फा अ पु –नाभि के नीचे के बाल, पेडू के बाल।
मूक़लम (موقلم) फा अ पु –चित्रकार की कूँची, कूर्चिका।
मूकशाँ (موکشاں) फा वि –बाल खीचते हुए।
मूचीन (موچینہ) फा पु –बाल उखाडने की चिमटी, मोचना।
मूजज़ (موجز) अ वि –सार रूप, खुलासा, सक्षिप्त, मुख्तसर।
मूजिद (موجد) अ वि –ईजाद करनेवाला, आविष्कारक।
मूजिबः (موجبہ) अ स्त्री –आवश्यक वस्तु, वह कृत्य जिसका बदला परलोक मे मिले।
मूजिब (موجب) अ पु –कारण, हेतु, सबब, द्वारा, जरिये।
मूजिबात (موجبات) अ पु –'मूजिब' का बहु, कारण समूह, वुजूह।
मूजिबे क़लक़ (موجب قلق) अ पु –खेद का कारण।
मूज़ी (موذی) अ वि –कष्ट देनेवाला, दु ख देनेवाला, अत्याचारी, जालिम, खबीस, शरीर।

मूज़े' (موجع) अ. वि –पीडा उत्पन्न करनेवाला, दर्द पैदा करनेवाला।

मूज़ेह (موضح) अ वि –स्पष्ट करनेवाला, साफ करनेवाला।

मूतमिन (موتمن) अ वि –जिसके पास धरोहर रखी जाय, अमानतदार।

मूतमिर (موتمر) अ वि –आज्ञाकारी, फर्माबरदार, परामर्श करनेवाला।

मूतराश (موتراش) फा वि –बाल बनाने का उस्तुरा, छूरा, क्षुर।

मूदे' (مودع) अ वि –रुखसत करनेवाला।

मूनिस (مونس) अ वि –मित्र, दोस्त, साथी, रफीक।

मूपरीशाँ (موپریشاں) फा वि –जिसके बाल बिखरे हुए हो, बाल बिखेरे हुए।

मूबद (موبد) फा. पु –दे 'मूबिद', दोनो शुद्ध है।

मूबमू (موبمو) फा वि –अक्षरश, हर्फ़ ब हर्फ़, जरा-जरा, जर्रा जर्रा।

मूबाफ़ (موباف) फा पु –चोटी गूँधने का फीता।

मूबिद (موبد) फा पु –अग्नि पूजको का पुरोहित, अग्निहोत्री, पारसियो का मुल्ला, वैज्ञानिक, फ्लास्फर, बुद्धिमान्, दाना, ज्ञानी, पडित, आलिम, शराब बेचनेवाला, दे 'मूबद' दोनो शुद्ध है।

मूमा (مومیٰ) अ वि –जिसकी ओर सकेत किया जाय, साकेतिक।

मूमा इलैह (مومیٰ الیہ) अ वि –जिसकी ओर सकेत किया जाय, उपलक्षित।

मूमी (مومی) अ वि –सकेत करनेवाला, सकेतक।

मूरिस (مورث) अ वि –पूर्वज, बापदादा, वश प्रवर्तक, बानिए खानदान, उत्पन्न करनेवाला।

मूरिसे अव्वल (مورث اول) अ वि.–खानदान का सबसे पहला आदमी, जिससे वश चला हो, वश प्रवर्तक, मूल पुरुष।

मूरिसे आ'ला (مورث اعلیٰ) अ पु –दे 'मूरिसे अव्वल'।

मूरिसे जुज़ाम (مورث جذام) अ पु –कोढ पैदा करनेवाला, कुष्ठोत्पादक।

मूरिसे फ़ासिद (مورث فاسد) अ पु –नाना, मातामह।

मूलिम (مولم) अ वि –पीडा पैदा करनेवाला, दर्द उत्पन्न करनेवाला।

मूश (موش) फा पु –मूषक, चूहा, उदुर, आखु।

मूशक (موشک) फा स्त्री –चुहिया, छोटा चूहा, छछूंदर।

मूशकदवानी (موشک دوانی) फा स्त्री –लगाई-बुझाई, लुतरापन।

मूशिगाफ़ (موشگاف) फा वि –बाल की खाल निकालनेवाला, दीद रेज़ी करनेवाला, बाल चीरनेवाला, सूक्ष्मदर्शी, आलोचक।

मूशिगाफ़ी (موشگافی) फा स्त्री –बाल की खाल निकालना, दीद रेज़ी करना, छिद्रान्वेषण, सूक्ष्मालोचना।

मूशे कोर (موش کور) फा पु –छछूंदर, पूति मूषिका, वेश्मनकुल।

मूशे खुर्मा (موش خرما) फा स्त्री –गिलहरी।

मूसे दश्ती (موش دشتی) फा पु –जगली चूहा जो खेत खा जाता है।

मूशे पर्रा (موش پراں) फा पु –चमगादड, चर्मचटक, जन्तु।

मूशे सह्राई (موش صحرائی) फा पु –दे 'मूशे दश्ती', गिलहरी।

मूसवी (موسوی) फा वि –हज़रत मूसा से सम्बन्ध रखनेवाला; हज़रत मूसा का।

मूसा (موسیٰ) अ पु –एक पैगबर जिन्होने फिरऔन को मारा था।

मूसा (موصیٰ) अ वि –वसीयत किया गया, जिसके नाम रिक्थपत्र लिखा गया हो।

मूसा इलैह (موصیٰ الیہ) अ वि –जिसके नाम वसीयत लिखी गयी हो।

मूसाई (موسائی) अ वि –हज़रत मूसा का अनुयायी यहूदी।

मूसाबिहि (موصیٰ بہٖ) अ वि –दे 'मूसाइलैह'।

मूसालहू (موصیٰ لہٗ) अ वि –दे 'मूसाइलैह'।

मूसियः (موصیہ) अ स्त्री –वसीयत लिखनेवाली स्त्री।

मूसिर (موثر) अ पु –स्वार्थ त्याग करनेवाला, ईसार करनेवाला।

मूसिर (موسر) अ वि –शक्तिशाली, ताक़तवर, धनाढ्य, दौलतमद।

मूसिल (موصل) अ वि –पहुँचानेवाला, भेजनेवाला, प्रेषक।

मूसी (موصی) अ वि –वसीयत करनेवाला, रिक्थ पत्र कर्ता।

मूसीक़ार (موسیقار) अ वि –गान विद्या का अच्छा जाननेवाला, सगीतज्ञ, सगीत कलाकार।

मूसीक़ी (موسیقی) अ स्त्री –गानविद्या, सगीतकला, गाने का फन, गाना, नग्म।

मूहिन (موہن) अ पु –अपमान करनेवाला, तिरस्कर्ता, बेइज्जती करनेवाला, तौहीन करनेवाला।

मूहिम (موہم) अ वि –भ्रम मे डालनेवाला, भ्रम उत्पन्न करनेवाला, भ्रमजनक।

मूहिश (موحش) अ वि –दुःख पहुँचानेवाला, खेदजनक।

मे

मेख (میخ) फा स्त्री—कील, शकु; खूँटी।
मेखकोब (میخ کوب) फा स्त्री—खूँटी ठोकने की मुँगरी।
मेखचू (میخ چو) उ स्त्री—खूँटी ठोकने की मुँगरी।
मेखदोज़ (میخ دوز) फा वि—जो चल-फिर न सके, एक जगह बैठा रहे, जो निकम्मा हो, बस बैठा रहना जानता हो।
मेग़ (میغ) फा पु—मेघ, बादल, काला बादल, घटा, काला।
मेज़ (میز) फा स्त्री—दावत का सामान, भोज-सामग्री, वह चौको जिस पर रखकर खाना खाते हैं। (टेबिल के अर्थ मे यह शब्द पुर्तगाली है)।
मेज़बान (میزبان) फा वि—मेहमानी करनेवाला, अतिथि-पूजक, दावत या भोज करानेवाला, आतिथेय।
मेज़बानी (میزبانی) फा स्त्री—मेहमानदारी, आतिथ्य, भोज, दावत।
मेव (میوہ) फा पु—फल, प्राय सूखे फल, जैसे—बादाम, पिस्ता आदि।
मेव ख़ोर (میوہ خور) फा वि—मेवा खानेवाला, फलाहारी।
मेव जात (میوہ جات) फा पु—'मेव' का बहु, मेवे, फल।
मेवदार (میوہ دار) फा वि—वह पेड जिसमें मेवा लगा हो, फलदार, फला हुआ, फलित।
मेव फरोश (میوہ فروش) फा वि—मेवा बेचनेवाला, फल-विक्रेता, सब्ज़ी बेचनेवाला, कूँजडा, शाकविक्रेता।
मेश (میش) फा स्त्री—भेड, मेष।
मेशचश्म (میش چشم) फा वि—जिसकी आँखें भेड-जैसी काली हों, बहुत काली आँखोवाला।
मेह्माँ (میہماں) फा पु—अतिथि, आगन्तुक, गृहागत, मिहमान।
मेह्माँदार (میہماں دار) फा वि—जिसके यहाँ कोई मेह-मान हो, अतिथिपूजक, मेहमाननवाज।
मेह्माँदारी (میہماں داری) फा स्त्री—अतिथिपूजा, आतिथ्य, मेहमाननवाजी।
मेह्माँ नवाज़ (میہماں نواز) फा वि—जो मेहमानो की आवभगत बहुत करता हो, अतिथिपूजक, आतिथेय।
मेह्माँनवाज़ी (میہماں نوازی) फा स्त्री—मेहमानदारी, अतिथिपूजा, आतिथ्य।
मेह्मान (میہمان) फा पु—दे 'मेहमाँ' दोनो प्रकार से शुद्ध है, अकेला बोलने मे 'मेह्मान' अधिक शुद्ध है।
मेह्मानी (میہمانی) फा स्त्री—दे 'मेहमानदारी'।
मेहमेज़ (میہمیز) फा स्त्री—एड, वह लोहे की कील जो सवार अपने जूते की एडी मे लगाते हैं।
मेह्र (مہر) फा स्त्री—प्रेम, मुहब्बत, प्यार, ममता, मामता, दया, शफकत, रहम, करुणा, तरस।
मेह्र्बाँ (مہرباں) फा वि—मेह्रबान का लघु, दे 'मेह्रबान'।
मेह्रबान (مہربان) फा वि—दया करनेवाला, दयालु, करुणा करनेवाला, सकरुण, मित्र, दोस्त।
मेह्रबानी (مہربانی) फा स्त्री—कृपा, दया, करुणा, तरस, ममता, शफकत।

मै

मै (مے) फा स्त्री—सुरा, हाला, इरा, वारुणी, कादम्बरी, माधुरी, मदिरा, मद्य, शराब।
मैआशाम (مے آشام) फा वि—शराब पीनेवाला, मद्यप, रसाशी, सुराद।
मैकद (میکدہ) फा पु—दे 'मैखान'
मैकश (میکش) फा वि—मै पीनेवाला, मद्यप, सुराशी, शराबी।
मैख़ान (میخانہ) फा पु—जहाँ शराब बिकती है, मधु-शाला, मदिरालय।
मैख़ुश (مے خوش) फा वि—खटमिट्ठा।
मैख़्वार (مے خوار) फा वि.—दे, 'मैकश'।
मैगुसार (مے گسار) फा वि—दे 'मैकश'।
मैगूँ (مے گوں) फा वि—शराब-जैसा लाल रग लिये हुए, सुर्खी माइल, रक्ताभ, पियाज़ी।
मैतः (میتہ) अ पु—मरा हुआ, मृतक, मुर्द।
मैदः (میدہ) फा पु—बारीक छना हुआ आटा, समिता।
मैदान (میدان) फा पु—काफी खुली हुई और लबी चौडी जगह, जहाँ पेड आदि न हो, घोडा दौडाने का स्थान। काम करने का हल्का, कार्यक्षेत्र, समतल भूमि, चौरस जगह, युद्धक्षेत्र, लडाई का मैदान।
मैदानी (میدانی) फा वि—मैदान का, मैदान से सम्बद्ध, चोबदार, मकान मे लगायी जानेवाली बडी लालटेन।
मैदाने अमल (میدان عمل) फा अ पु—काम का हल्क, कार्य-क्षेत्र।
मैदाने क़लम (میدان قلم) फा पु—कलम का उतना हिस्सा जो तराशा जाता है।
मैदाने कारज़ार (میدان کارزار) फा पु—दे 'मैदाने जग'।
मैदाने जग (میدان جنگ) फा पु—युद्धक्षेत्र, रणभूमि, समरागण, रगमच, रणस्थल, युद्धाजिर, सडिका, समरक्षेत्र, रणाजिर, लडाई का मैदान।

मैदाने हश्र (میدان حشر) फा. अ पु –कियामत का मैदान जहां मुसलमानो के मतानुसार सबका हिसाब-किताब होगा।
मैनोश (مے نوش) फा. वि.–शराब पीनेवाला, मद्यप।
मैनोशी (مے نوشی) फा स्त्री.–शराबखोरी, मदिरापान।
मैपरस्त (مے پرست) फा वि.–बहुत अधिक शराब पीनेवाला, मदिराभक्त, मद्य सर्वस्व।
मैपरस्ती (مے پرستی) फा. स्त्री.–बहुत शराब पीना।
मैफरोश (مے فروش) फा. वि.–शराब बेचनेवाला, मद्यव्यवसायी, शौंडिक, पानिक।
मैफ़रोशी (مے فروشی) फा. स्त्री.–शराब का कारोबार, मद्यव्यवसाय, कल्यपाल।
मैमनः (میمنہ) अ. पु –वह सेना जो दाएँ ओर रहती है।
मैमन्त (میمنت) अ. स्त्री –कल्याण, भलाई, बरकत।
मैमनतलुज़ूम (میمنت لزوم) अ. वि.–कल्याणकर, शुभान्वित।
मैमिन (میمن) अ. वि.–वह स्थान जहाँ बरकत और कल्याण मिले।
मैमून (میمون) अ वि –शुभ, कल्याण, मुबारक।
मैमूनः (میمونہ) फा. पु.–बंदर, वानर, कपि।
मैयित (میت) अ. स्त्री.–मृतक, मरा हुआ आदमी।
मैल (میل) अ. पु –रुचि, राबत, आकर्षण, तवज्जुह, प्रवृत्ति, रुजहान।
मैलान (میلان) अ. पु –दे. 'मैल'।
मैलाने तब्अ (میلان طبع) अ. पु –अभिरुचि, दिली ख्वाहिश, तबीअत का झुकाव।
मैले ख़ातिर (میل خاطر) अ. पु–दे 'मैलानेतब्अ'।
मैसरः (میسرہ) अ पु –वह सेना जो उलटे हाथ को रहे।
मैसाज़ (مے ساز) फा वि.–शराब खीचनेवाला, सुराकार।
मैसाज़ी (مے سازی) फा. स्त्री –शराब बनाना, सुरा-कर्म।
मैसूर (میسور) अ वि.–सुगम, सरल, आसान, सम्पन्न, भरापुरा, हराभरा, सरसब्ज़।
मैवः (میوہ) फा पु –दे 'मेव', दोनो उच्चारण शुद्ध हैं।

मो

मोज़ः (موزہ) फा. पु –पाँव में पहनने का जुर्राब।
मोज़ःगीर (موزہ گیر) फा. पु –वह घोडा जो सवार के पाँव को पकडे या काटे।
मो'जमः (معجمہ) अ. वि.–वह उर्दू अक्षर जिस पर बिंदी हो, जैसे–जीम, शीन, ये, आदि।
मो'जिज़ः (معجزہ) अ पु.–वह चमत्कार जो पैग़बर दिखाये; वह काम जो मानव-शक्ति से परे हो।
मो'जिज़ (معجز) अ. वि.–अक़्ल को आश्चर्य में डालनेवाला, मोजिज़ः।
मो'जिज़निगार (معجز نگار) अ. फा. वि.–ऐसा अच्छा लेखक जो आश्चर्य में डाल दे।
मो'जिज़नुमा (معجز نما) अ फा. वि.–मो'जिज़ दिखाने वाला, चमत्कारी।
मो'जिज़नुमाई (معجز نمائی) अ. फा स्त्री.–मो'जिज़ः दिखाना।
मो'जिज़बयाँ (معجز بیاں) अ. फा. वि –बहुत अच्छा बोलनेवाला।
मो'जिज़ बयानी (معجز بیانی) अ. फा. स्त्री.–बहुत अच्छी तक़्रीर या भाषण।
मो'जिज़ात (معجزات) अ. पु.–'मो'जिज़' का लघु, मो'जिज़े।
मो'जिब (معجب) अ वि.–अभिमानी, घमंडी।
मो'तक़द (معتقد) अ. वि.–एतिकाद रखा हुआ, वह बात जिसका एतिक़ाद या विश्वास हो।
मो'तक़दात (معتقدات) अ. पु.–'मो'तकद' का बहु., वे बातें जिनका विश्वास हो, अकीदे।
मो'तक़िद (معتقد) अ वि –धर्म विश्वास या एतिकाद रखनेवाला, श्रद्धालु, श्रद्धावान्।
मो'तकिफ (معتکف) अ. वि –एक कोने में बैठकर ईश्वराधना करनेवाला, सबसे अलग होकर एकान्तवासी हो जानेवाला।
मो'तज़लः (معتزلہ) अ पु –एक सम्प्रदाय जो कहता है कि ईश्वर दिखाई नही दे सकता, और आदमी जो कुछ करता है स्वय करता है ईश्वर कुछ नही कराता।
मो'तज़िली (معتزلی) अ वि –मो'तज़ल सम्प्रदाय का अनुयायी।
मो'तद [द्द] (معتد) अ वि –गिना हुआ, शुमार किया हुआ।
मो'तदबिहि (معتدبہ) अ वि –काफी, पर्याप्त, अत्यधिक, बहुत।
मो'तदिल (معتدل) अ वि –जिसमें गर्मी-सर्दी बराबर हो, समशीतोष्ण; जिसमें कोई बात आवश्यकता से कम या अधिक न हो, सतुलित; दरमियानी, मध्यम।
मो'तबर (معتبر) अ. वि.–जिसका एतिबार हो, विश्वस्त।
मो'तमद (معتمد) अ वि.–जिस पर भरोसा हो, विश्वासपात्र, विश्वासी।
मो'तमद अलैह (معتمد علیہ) अ. वि.–जिस पर भरोसा हो, विश्वासी, विश्वस्त।

मो'तरज़ात (معترضات) अ पु –एतिराज की बातें ।

मो'तरिज़ (معترض) अ वि –एतिराज करनेवाला, आपत्ति-कर्ता ।

मो'तरिफ़ (معترف) अ वि –एतिराफ़ करनेवाला, स्वीकार करनेवाला, इक़्रार करनेवाला ।

मो'ताद (معتاد) अ वि –मात्रा, मिक्दार, पूरी खुराक, पूरी मात्रा, आदी, व्यसनी ।

मो'ती (معطی) अ वि –अता करनेवाला, दाता, प्रदाता, अनुदाता, ईश्वर का एक नाम ।

मोम (موم) फा पु –सिक्थ, मधुशिष्ट, माक्षिज ।

मोमजाम (موم جامہ) फा पु –वह कपड़ा जो मोम मे तर कर लिया गया हो, मोम चढाया हुआ कपडा ।

मोमरोग़न (موم روغن) फा प –तेल मे मोम मिलाकर बनाया हुआ तेल ।

मोमिन (مومنہ) अ स्त्री –मुसल्मान स्त्री ।

मोमिन (مومن) अ पु –मुसल्मान मर्द ।

मोमिनात (مومنات) अ स्त्री –'मोमिन' का बहु, मुसल्मान स्त्रियाँ ।

मोमियायी (مومیائی) अ स्त्री –पत्थर से टपकनेवाला एक मद, औषध, शिलाजतु, सलाजीत, शिलाजीत ।

मोर (مور) फा स्त्री –पिपीलिका, च्यूँटी, च्यूँटा, चीटा ।

मोरच. (مورچہ) फा पु –जग, मैल, मल ।

मोरचाल (مورچال) फा पु –वह गढा जिसमें बैठकर शत्रु पर गोली चलाते हैं, मोरचा ।

मोरे ज़ईफ़ (مورِ ضعیف) फा अ स्त्री –कमजोर च्यूटी अर्थात् असमर्थ और दीन व्यक्ति ।

मोरे नातुवाँ (مورِ ناتواں) फा स्त्री –दे 'मोरे जईफ' ।

मोरोमलख़ (مور و ملخ) फा पु –चीटी और टिड्डी, अर्थात् छोटे-छोटे प्राणी ।

मोहमल (مہمل) अ वि –निरर्थक, बेमानी, व्यर्थ, बेकार, लफगा, बेएतिबार, बकवास ।

मोहमलगो (مہمل گو) अ वि–बकवासी, फुजूल की बातें करनेवाला ।

मोहमलगोई (مہمل گوئی) अ फा स्त्री –बकवास, फुजूल की बातें करना ।

मोहलत (مہلت) अ स्त्री –अवकाश, फुर्सत, छुट्टी, ता'तील, समय, वक्त, विलब, ढील, देर ।

मौ

मौइज़त (موعظت) अ स्त्री –सदुपदेश, हितोपदेश, पद, नसीहत ।

मौइदत (موعدت) अ स्त्री –प्रतिज्ञा, वचन, वादा, अह्द ।

मौऊद (موعود) अ वि –वह चीज़ जिसका वादा किया गया हो, जिसका वचन दिया गया हो ।

मौक़ा' (موقع) अ पु –अवसर, ठीक समय, समय, वक्त, घटनास्थल, जाए वुकूअ , स्थान, जगह ।

मौक़िफ़ (موقف) अ पु –खडे होने की जगह, स्थान, जगह, निश्चय, तहेय ।

मौकिब (موکب) अ पु –सेना, फौज, सवारो का समूह ।

मौक़ूफ़ (موقوف) अ वि –स्थगित, मुल्तवी, पदच्युत, बरखास्त, त्यक्त, छोडा हुआ, निर्भर, मुनहसिर, वह हल् अक्षर जिससे पहलेवाला अक्षर भी हल् हो ।

मौज (موجہ) अ पु –दे 'मौज', लहर, उमग, तरग ।

मौज (موج) अ स्त्री –तरग, वीचि, हिल्लोल, लह्र, उत्साह, उमग, वल्वल , धुन, खयाल, आनद, खुशी ।

मौज़ (موز) अ पु –केला, कदली, रम्भा ।

मौजए तबस्सुम (موجۂ تبسم) अ पु –मुस्कुराहट की लहर ।

मौजख़ेज़ (موج خیز) अ फा वि –नदी, दर्या ।

मौजज़न (موج زن) अ फा वि –मौजे मारता हुआ, तरगित, हिल्लोलित ।

मौज़ा' (موضع) अ पु –स्थान, जगह, ग्राम, गाँव ।

मौज़ूँ (موزوں) अ वि –उचित, मुनासिब, योग्य, लाइक़, पात्र, अह्ल, यथोचित, वाजिब, तुला हुआ, सतुलित, वह शेर जिसका वज़्न ठीक हो, जँचा-तुला, ठीक-ठीक ।

मौज़ूँतब्अ (موزوں طبع) अ वि –जो कविता कर लेता हो, जो शेर वज्न के अदर कहता हो ।

मौज़ूअ (موضوع) अ वि –रखा हुआ, विषय, सबजेक्ट ।

मौजूद' (موجودہ) अ वि –आधुनिक, हाल का, उपस्थित, हाजिर, जो इस समय मौजूद है, वर्तमान ।

मौजूद (موجود) अ वि –उपस्थित, हाजिर, सम्मुख, सामने, जीवित, जिंदा, तत्पर, तैयार, कटिबद्ध, मुस्तइद, उपलब्ध, दस्तयाब ।

मौजूदफ़िल्-ख़ारिज (موجود فی الخارج) अ पु –जो ससार मे होता हो, काल्पनिक न हो ।

मौजूदात (موجودات) अ स्त्री –'मौजूद' का बहु, ससार की सब चीजें, सारा सामान,, शुमार, गिनती, हाजिरी ।

मौज़ून (موزون) अ वि –दे 'मौज़ूँ' ।

मौज़ूनियत (موزونیت) अ स्त्री –मौज़ूँ होने का भाव, औचित्य, मुनासबत, तबीअत का ठीक होना, शेर का वज्न के अदर होना, योग्यता, क़ाबिलीयत ।

मौज़ूनी (موزونی) अ वि –दे "मौज़ूनियत' ।

मौजे आब (موج آب) अ. फा. स्त्री.—नदी की तरग, पानी की लह्‌र।
मौजे कौसर (موج کوثر) अ स्त्री.—स्वर्ग के पानी की लह्‌र।
मौजे तबस्सुम (موج تبسم) अ स्त्री—मुस्कुराहट की लह्‌र।
मौजे नसीम (موج نسیم) अ. स्त्री—सबेरे की हवा का झोका, समीर की लह्‌र।
मौजे बला (موج بلا) अ फा स्त्री—आपत्तियो की लहरो के थपेडे।
मौजे बोरया (موج بوریا) अ फा. स्त्री—चटाई बिछाने से बनी हुई लकीरे, लकीरो की चटाई।
मौजे रेग (موج ریگ) अ फा स्त्री—दे 'मौजे सराब'।
मौजे सब्ज़ः (موج سبزہ) अ फा स्त्री—वह लह्‌र जो हवा चलने से सब्ज़े में पैदा होती है।
मौजे सराब (موج سراب) अ फा स्त्री—रेत की लह्‌रें जो दूर से पानी जान पडती हैं।
मौजे हवा (موج ھوا) अ स्त्री—हवा की लह्‌र, हवा का सर्द झोका।
मौत (موت) अ स्त्री—मृत्यु, निधन, मरण, वफात, विनाश, बरबादी, शामत, दुर्दशा।
मौता (موتی) अ पु—'मैयित' का बहु, मरे हुए लोग।
मौतिन (موطن) अ पु—जन्मभूमि, वतन।
मौफूर (موفور) अ वि—प्रचुर, अधिक, बहुत।
मौरिद (مورد) अ वि.—उतरने का स्थान, ठह्‌रने का स्थान, योग्य, पात्र, अह्‌ल।
मौरिदे इनायत (مورد عنایت) अ पु—कृपापात्र, जिस पर कृपा हो।
मौरिदे इन्‌आम (مورد انعام) अ पु—पुरस्कार के योग्य, इन्‌आम का मुस्तहक।
मौलवी (مولوی) अ पु—इस्लाम धर्म का विद्वान्, बच्चो को पढानेवाला, विद्वान्, आलिम।
मौला (مولا) अ पु—स्वामी, मालिक, ईश्वर, परमेश्वर; वह दास जिसे मुक्ति मिल गयी हो।
मौलाई (مولائی) अ वि—सरदारी, अध्यक्षता, प्रतिष्ठा, बुज़ुर्गो को लिखने का एक शब्द।
मौलाना (مولانا) अ पु—आलिमो का एज़ाज़ी खिताब।
मौलिद (مولد) अ वि.—जन्मभूमि, पैदा होने का स्थान, वतन।
मौलूद (مولود) अ. पु.—बालक, शिशु, नवजात बच्चा, मीलाद।
मौसम (موسم) अ पु—शुद्ध उच्चारण 'मौसिम' है, परन्तु उर्दू में दोनो प्रकार से बोला जाता है।
मौसिम (موسم) अ पु—ऋतु, फस्ल, समय, वक्त।
मौसिमे गर्मा (موسم گرما) अ फा. पु.—गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।
मौसिमे खज़ा (موسم خزاں) अ फा पु—पतझड की ऋतु, शिशिर ऋतु।
मौसिमे गुल (موسم گل) अ. फा पु—वसत ऋतु, बहार का समय।
मौसिमे बहार (موسم بہار) अ फा पु—वसत ऋतु।
मौसिमे बाराँ (موسم باراں) अ फा पु—बरसात का मौसिम, वर्षाकाल।
मौसिमे सर्मा (موسم سرما) अ फा पु—ठढी ऋतु, जाडे का समय।
मौसूफ (موصوف) अ वि—जिसकी प्रशसा की जाय, प्रशसित, (व्या) विशेष्य, जिस शब्द के साथ कोई विशेषण हो।
मौसूमः (موسومہ) अ वि—नाम रखा हुआ।
मौसूम (موسوم) अ वि—नाम रखा हुआ, नामधारी।
मौहूब (موہوبہ) अ. वि—बख्शिश की गयी चीज़, दी हुई चीज़।
मौहूब (موہوب) अ वि—हिबा किया गया, बख्शा गया।
मौहूबइलैह (موہوب الیہ) अ वि—जिसके नाम हिबा हो।
मौहूबलहू (موہوب لہ) अ वि—जिसके नाम हिबा किया जाय।
मौहूम (موہوم) अ वि—भ्रममूलक, भ्रमात्मक, जो केवल भ्रम ही भ्रम हो, उसका अस्तित्व न हो।

य

यग (یگ) फा पु—विधान, कानून, परपरा, रिवाज (वि) प्रकाशमान्, रौशन, समान, तुल्य।
यगा (یگا) फा स्त्री—भाई की पत्नी, भाभी, चचा की पत्नी, चची, विवाहिता, गृहस्वामिनी, नाइन, मश्शात।
यबूअ (ینبوع) अ पु—नदी, दर्या, सरिता, चश्मा, स्रोत, सोता।
यआफीर (یعافیر) अ पु—'या'फूर' का बहु, बहुत-से हिरन।
यआबीब (یعابیب) अ पु—'या'बूब' का बहु, तेज़ चलनेवाले घोड़े, तेज़ बहनेवाली नदियो के धारे।
यआमिल (یعامل) अ पु—'या'मल' का बहु, खूब काम करनेवाले ऊँट।
यआमीर (یعامیر) अ पु—'या'मूर' का बहु, बकरी के बच्चे।
यआलील (یعالیل) अ पु—'या'लूल' का बहु, पानी के बुलबुले, मनुष्यो के लिंग।

यआसीब (يعاسيب) अ. पु –'या'सूब' का बहु, शहद की मक्खियों के राजा; जाति के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति।
यऊक़ (يعوق) अ पु –घोडे के आकार की एक मूर्ति, जिसे हज़्रत 'नूह' के अनुयायियो ने पूजा था।
यऊस (يئوس) अ वि –निराश, हताश, नाउम्मीद।
यक (يک) फा वि –एक की सख्या, एक वस्तु।
यकअस्पः (يک اسپہ) फा. वि –दे 'यकस्प', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है, एक घोडा।
यकआतशः (يک آتشہ) फा वि –दे 'यकातश.', वह उच्चारण अधिक फसीह है, एक आग।
यक़क़ (يقق) अ वि –बहुत अधिक सफेद।
यकक़लम (يک قلم) अ फा वि –सिरे से, निताात, बिलकुल।
यकगूनः (يک گونہ) फा अ वि.–किंचित्, किसी कदर, थोडा।
यकचन्द (يک چند) फा. वि –किंचित्, थोडा।
यकचश्म (يک چشم) फा वि –काण, काना, सूर्य, सूरज, सबको एक आँख से देखनेवाला, समदर्शी।
यकचश्मी (يک چشمی) फा स्त्री –कानापन, समदर्शिता।
यकचोबः (يک چوبہ) फा पु –वह छोटा शामियाना जो एक लकडी पर खडा होता है।
यक़ज़. (يقظہ) अ पु –जाग्रति, जागरण, बेदारी, नींद न आने का रोग, अनिद्रा।
यक़ज़ (يقظ) अ वि –दे 'यकिज़', दोनो शुद्ध है; एक-से।
यकजदी (يک جدی) फा अ वि –एक दादा का, एक दादा की सतान।
यकज़बाँ (يک زباں) फा वि –सहमत, एक राय।
यकज़बानी (يک زبانی) फा स्त्री –सहमति, इत्तिफाक।
यकजाँ (يک جاں) फा वि –घनिष्ठ, दिली।
यकजा (يک جا) फा वि –एक जगह, एकत्र, इकट्ठा, सम्मिलित, शामिल।
यकजाई (يک جائی) फा स्त्री –इकट्ठापन, एकत्रता।
यकजिंसी (يک جنسی) फा स्त्री –एक ही वश या नस्ल का होना, एक उम्र का होना, एक प्रकृति का होना।
यकजिलौ (يک جلو) फा वि –तेज़ चलनेवाला घोडा।
यकजिहत (يک جہت) फा अ वि –सहमत, मुत्तफिक़, मित्र, दोस्त।
यकजिहती (يک جہتی) फा अ स्त्री –सहमति, इत्तिफाक़, मित्रता, दोस्ती।
यकतनः (يک تنہ) फा स्त्री –अकेला, एकाकी, तन्हा।
यकतन (يک تن) फा वि –एक व्यक्ति, एक मनुष्य।
यकतरफ़. (يک طرفہ) फा अ वि –एक ओर का, एक कतार का, दाहिना या बायाँ, एक ओर का पक्षपात लिये हुए।
यकतही (يک تہی) फा वि –जिसमें एक परत हो, गरमियो का हलका लिबास।
यकता (يکتا) फा वि –अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।
यकताई (يکتائی) फा स्त्री –अद्वैत, अकेलापन, बेमिस्ली– "रगे-यकताई भला इतना तो पैदा करते, अपनी तस्वीर में हरदम तुम्हें देखा करते।"
यकताए अस्र (يکتاے عصر) फा अ वि –अपने समय का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, (किसी कला या विद्या में)।
यकताए अह्द (يکتاے عہد) फा अ वि –दे 'यकताए अस्र'।
यकताए फन (يکتاے فن) फा अ वि –किसी कला विशेष में अद्वितीय और अनुपम।
यकताज़ (يکتاز) फा वि –दे 'यक्क ताज़'।
यकतारः (يکتارہ) फा पु –एक तारवाला बाजा, इकतारा।
यकतार (يکتار) फा वि –किंचित्, ईषत्, थोडा।
यकबंबानः (يکبندانہ) फा वि –एक-सा, समान, बराबर।
यकबक (يکبک) फा वि –कदुष्ण, गुनगुना।
यकबस्त (يکبست) फा वि –समस्त, सपूर्ण, सब, समान, यकसाँ।
यकबस्ती (يکبستی) फा स्त्री –सपूर्णता, समस्तता, समानता, एकसानियत।
यकबिगर (يکدگر) फा. वि –परस्पर आपस में, बाहम।
यकबिल' (يکدلہ) फा वि –शूर, वीर, बहादुर, सहमत, मुत्तफिक।
यकबिल (يکدل) फा वि –सयुक्त, सघटित, मुत्तहद, मित्र, दोस्त, सहमत, मत्तफिक।
यकबिली (يکدلی) फा स्त्री –एकता, इत्तिहाद, मित्रता, दोस्ती, सहमति, इत्तिफाक।
यकबिश (يکدش) फा वि –सकर, जारज, दोगला।
यकबीगर (يکديگر) फा वि –परस्पर, आपस में, बाहम।
यकनफस (يک نفس) अ फा वि –क्षण भर, थोडी देर, सहचर, साथी, मित्र, दोस्त।
यकनफसी (يک نفسی) फा अ स्त्री –मित्रता, दोस्ती, सहचरता, साथ।
यकना'ल (يک نعل) फा अ वि –बडी मात्रा में, बहुत अधिक, बइफ़ात।
यकनिशस्त (يک نشست) फा वि –साथ उठने-बैठनेवाला, हमनशी।
यकपा (يکپا) फा वि –एक पाँववाला, एक पद।
यकपाय' (يکپايہ) फा वि –जिसमें केवल एक खभा हो, एक-जैसे पदवाले, समपद, समान पद।

यकपिदरी (یکپدری) फा. वि—एक पिता की संतान; एक पिता की संपत्ति आदि।

यकफनी (یکفنی) फा वि—किसी कला विशेष में निपुण, अनुपम, बेनज़ीर।

यकफर्दी (یکفردی) फा वि.—एक व्यक्तिवाला, जिसे एक व्यक्ति कर सके, जो एक व्यक्ति के योग्य हो।

यकफ़स्ली (یکفصلی) फा अ. वि—वह भूमि जिसमें केवल एक फस्ल पैदा होती हो।

यकफ़ीसदी (یکفیصدی) फा. अ. वि—सौ में एक, सौ में एक के अनुपात से, एक प्रतिशत।

यकबग़ल (یکبغل) फा वि.—बहुत बड़ी मात्रा में, बहुत अधिक।

यक ब यक (یکبیک) फा. वि—सहसा, अचानक, अनायास, अकस्मात्।

यकबार: (یکبارہ) फा. वि—अचानक, सहसा, आकस्मिक।

यकबार (یکبار) फा. वि—दे 'यकबार'।

यकबारगी (یکبارگی) फा वि—अचानक, अकस्मात्, बे शानोगुमान।

यकमंज़िल: (یکمنزلہ) फा. अ. वि—वह मकान जिसमें केवल एक ही माला हो, अर्थात् उस पर इमारत न हो।

यकमनी (یکمنی) फा. वि—एक-से खुदी पसद, एक-से तकब्बुरवाले, एक-से गुरूरवाले; एक नुत्फे के, एक बीज के।

यकमर्तब: (یکمرتبہ) फा अ वि—एक-जैसा श्रेणी और पदवाले, समानपद, समवर्ग।

यकमादरी (یکمادری) फा वि—एक माता की सतान।

यकमुश्त (یکمشت) फा वि—इकट्ठा, सब का सब, जो थोडा-थोडा अथवा किस्तो में न हो, बल्कि सब हो।

यकरंग (یکرنگ) फा अ वि—एक-जैसे रगवाले, निश्छल, मुख्लिस, जो सदा एक-जैसा रहे।

यकरंगी (یکرنگی) फा स्त्री—एक रग का होना, निश्छलता, खुलूस, सदा एक-जैसा रहना।

यकरक़ीब (یکرقیب) फा पु—ईश्वर, खुदा।

यकरह (یکرہ) फा वि—समस्त, समग्र, सब, एक बार, एक दफा; निश्चल, बेरिया।

यकरॉं (یکراں) फा पु—अस्ली और कुलीन घोडा।

यकराई (یکرائی) फा स्त्री—एक मत होना, मक्तैय, सहमति।

यकराए (یکرائے) फा. वि.—सहमत, एकमत, मुत्तफ़िक़।

यकरिकाबी (یکرکابی) फा स्त्री—कार्य मे सलग्नता, शीघ्रता, जल्दी, कोतल घोडा, कार्यतत्परता, कार्य-सलग्नता, मुस्तइद्दी।

यकरिश्त: (یکرشتہ) फा. वि—अनुकूल, मुआफिक।

यकरुखी (یکرخی) फा वि.—एक पक्षीय, एक तरफ़ का; जिसमे किसी पक्ष की तरफदारी हो, जैसे—'यकरुखी फ़ैसल:'।

यकरू (یکرو) फा वि—एक दिल, घनिष्ठ, सच्चा दोस्त।

यकरूई (یکروئی) फा स्त्री—घनिष्ठता, सच्ची दोस्ती।

यकरोज़: (یکروزہ) फा वि—वह कार्य जो एक दिन मे समाप्त हो जाय, जो एक दिन के लिए हो।

यकलख़्त (یکلخت) फा वि—सिरे से, नितात, बिलकुल; आकस्मिक, अचानक।

यकवरक़: (یکورقہ) फा अ वि—जिसमे केवल एक पन्ना हो, एक वरक का लेख।

यकशंब: (یکشنبہ) फा पु—रविवार, इतवार।

यकशब: (یکشبہ) फा वि—जो रातभर मे समाप्त हो जाय, जो रात भर का हो।

यकशिस्त (یکشست) फा वि—सहचर, साथी, सभासद, मुसाहिब।

यकसर: (یکسرہ) फा वि—सिरे से, सब, नितात, बिलकुल।

यकसर (یکسر) फा वि—नितात, बिलकुल; समग्र, समस्त, सब; एक सिरे से दूसरे सिरे तक।

यकसवार: (یکسوارہ) फा वि—अकेला, एकाकी, तन्हा।

यकसॉं (یکساں) फा वि—समान, बराबर, सदृश, मिस्ल; चौरस, समतल।

यकसानियत (یکسانیت) फा स्त्री—समता, साम्य, मुसावात, सदृशता, तुल्यता, बराबरी, चौरसपन।

यकसाल: (یکسالہ) फा वि—एक साल की आयुवाला, एक वर्ष मे एक बार होनेवाला, एक वर्ष में समाप्त होनेवाला।

यकसू (یکسو) फा वि.—एक ओर, एक तरफ, निश्चित, बेफिक्र, एकाग्रचित्त, मुनहमिक, अवकाश प्राप्त, फारिग।

यकसूई (یکسوئی) फा स्त्री—निश्चितता, बेफिक्री, अवकाश, फुर्सत; सारे झझटो से निवृत्ति, एकात, तन्हाई।

यकस्प: (یکاسپہ) फा वि—धीरे-धीरे साधारण चाल से चलने वाला सवार, एक-एक मजिल पर रुकनेवाला सवार, अकेला, एकाकी।

यकातश: (یکآتشہ) फा वि—वह मदिरा अथवा अरक जो एक बार खीचा गया हो।

यकायक (یکایک) फा. वि—आकस्मिक, अचानक, सहसा, तुरत, शीघ्र, फौरन।

यक्लिक़ (یقق) अ पु—बहुत अधिक सफेद; दे 'यक़क़', दोनो शुद्ध है।

यक़िज़ (يقظ) अ वि –सजग, जागरूक, सावधान, जाग्रत, जागता हुआ, बेदार।
यक़ीता (يکیتا) फा पु –शिक्षक, अध्यापक, पढानेवाला।
यक़ीन (یقین) अ पु –विश्वास, एतिबार, श्रद्धा, एतिकाद, संदेह का अभाव, शुब्हा न होना।
यक़ीनन (یقیناً) अ वि –समवत., अवश्यमेव, यक़ीनी, नि संदेह, बिला शुबहा।
यक़ीनी (یقینی) अ वि –दे 'यकीनन'।
यक़ीने कामिल (یقین کامل) अ पु –दृढ विश्वास, पूरा भरोसा, पूरा यकीन, अटल धर्म विश्वास, पूरा ईमान।
यक़ीने मोहकम (یقین محکم) अ पु –दे 'यकीने कामिल'।
यक़ीने वासिक़ (یقین واثق) अ पु –दे 'यकीने कामिल'।
यक़ुज़ (یقظ) अ वि –दे 'यकिज़' दोनो शुद्ध हैं, सजग, सचेष्ट, सावधान।
यकुम (یکم) फा वि –प्रथम, पहला; पहली तारीख।
यके (یکے) फा वि –एक, एक व्यक्ति, कोई एक, कोई एक व्यक्ति।
यके बा'दे दीगरे (یکے بعد دیگرے) फा अ वि –एक के पश्चात् दूसरा, उत्तरोत्तर।
यक्क (یکہ) फा वि –अकेला, तन्हा, अनुपम, बे मिस्ल, एक्का, एक घोडे से चलनेवाली गाडी विशेष, इक्का।
यक्क ताज़ (یکہ تاز) फा वि –अकेला बहुतो-से लडनेवाला, महारथी।
यक्क ताज़ी (یکہ تازی) फा स्त्री –अकेले बहुतो-से लडना।
यक्क बान (یکہ بان) फा पु –इक्का हाँकनेवाला।
यक्कओतन्हा (یکہ و تنہا) फा वि –बिलकुल अकेला।
यक़्ज़ान (یقظان) अ वि –जाग्रत, जागरूक, जागता हुआ, बेदार।
यक़्तीन (یقطین) अ स्त्री –हर वह बेल जो जमीन पर फैलती है, जैसे—लौकी, कद्दू आदि की।
यख़ (یخ) फा पु –ठढ से जमा हुआ पानी, बर्फ, हिम।
यख़ख़ुरिद (یخ خوردہ) फा वि –उपेक्षा करनेवाला, बे तवज्जुही बरतनेवाला।
यख़ख़ुर्द (یخ خوردہ) फा वि –उपेक्षित, जिसके साथ बे तवज्जुही की गयी हो।
यख़च. (یخچہ) फा पु –ओला, हिमोपल।
यख़दरबिहिश्त (یخ در بہشت) फा अ पु –एक प्रकार का हल्वा।
यख़दान (یخدان) फा पु –खाना रखने की अलमारी, बर्फ ग खाना रखने का सदूक, रेफ्रीजेटर।
यख़पर्वर्दः (یخ پروردہ) फा वि –जो बर्फ में लगाकर ठडा किया गया हो।
यख़बस्त: (یخ بستہ) फा वि –जो ठंड से जम गया हो।
यग़ाच (یغاچ) अ पु –हज़रत ईसा का चित्र जो गिरजा में रखा जाता है।
यख़्त (یخت) फा पु –वह नाव जिस पर नदी में सैर करते हैं और अपनी निजी होती है।
यख़्नी (یخنی) फा स्त्री –अन्न या धन जो आवश्यकता पडने पर काम आने के लिए संचित किया जाय, ज़खीरा, गोश्त का शोर्बा जिसमें मसाला न डाला गया हो, और जो रोगियो को दिया जाता है।
यख़्शी (یخشی) तु वि –सुंदर, प्रियदर्शन, खुशनुमा, शुभ, कल्याण कर, मुबारक, उत्तम, उम्दा।
यगाँ (یگاں) फा वि –अकेला, एकाकी, अनोखा, अनुपम, मनुष्य लोग, सामान्य जन, आम लोग।
यगाँ यगाँ (یگاں یگاں) फा वि –एक-एक करके, एक के बाद दूसरा।
यगान: (یگانہ) फा वि –स्वजन, आत्मीय, अजीज़, अद्वितीय, ला जवाब, एकाकी, अकेला।
यगान गो (یگانہ گو) फा वि –सत्यवादी, सच्चा, सच बोलनेवाला।
यगान.गोई (یگانہ گوئی) फा स्त्री.–सत्य बोलना, सच्चाई।
यगानगत (یگانگت) उ स्त्री –दे 'यगानगी'।
यगानगी (یگانگی) फा स्त्री –स्वजनता, रिश्तेदारी, सहमति, इत्तिफाकेराय, अकेलापन।
यग़ाम (یغام) फा पु –गूले बियाबानी, जगल में फिरनेवाले भूत-प्रेत।
यग़ूस (یغوث) अ पु –सिंह के आकार की एक मूर्ति जिसकी पूजा इस्लाम से पूर्व अरब मे होती थी।
यग़मा (یغما) तु पु –लूटमार, लुठन, उचकना, झपटना, छीनना, लूट में प्राप्त माल।
यग़माई (یغمائی) तु वि –जो लूटा गया हो।
यज़क (یزک) तु पु –सेना का अग्र भाग जो आगे चलता और शत्रु की सेना के समाचार देता है, सेनाग्र, सेना, फ़ौज।
यज़कदार (یزکدار) तु फा पु –आगे चलनेवाली सेना का सेनापति।
यज़ीद (یزید) अ पु –अमीर मुआविय: का लडका जो बडा ही बदचलन, शराबी और अत्याचारी था, और जिसने हज़रत इमाम हुसैन को शहीद कराया था, क्योंकि वह इसके शासन के विरुद्ध था।
यज़ीदी (یزیدی) अ वि –वह व्यक्ति जो यज़ीद-जैसा निष्ठुर, अत्याचारी और अभिमानी हो, यज़ीदसम्बन्धी, यज़ीद का।

यज़ीदे वक़्त (یزید وقت) अ पु –अपने समय का बहुत ही अत्याचारी, अभिमानी और अनीति पर चलनेवाला शासक।
यज़्द (یزد) फा पु –शीराज़ के प्रांत का एक नगर।
यज़्दाँ (یزداں) फा पु –'यज़्दान' का लघु, दे 'यज़्दान'।
यज़्दाँपरस्त (یزداں پرست) फा वि –ईश्वरवादी, आस्तिक, ख़ुदा को माननेवाला।
यज़्दाँपरस्ती (یزداں پرستی) फा स्त्री –ईश्वर को मानना, आस्तिकता।
यज़्दाँशनास (یزداں شناس) फा वि –दे 'यज़्दाँपरस्त', ईश्वर को पहचान कर सत्य और सन्मार्ग पर चलनेवाला।
यज़्दाँशनासी (یزداں شناسی) फा स्त्री –दे 'यज़्दाँपरस्ती' सत्य और सन्मार्ग पर चलना, धर्मनिष्ठा।
यज़्दान (یزدان) फा पु –आतशपरस्तों (ईरान के पुराने अग्निपूजक जो ज़रदुश्त के अनुयायी थे) के मतानुसार, नेकी का ख़ुदा, वे लोग दो ख़ुदा मानते हैं, एक नेकी का दूसरा बदी का जिसे 'अह्‌रमन' कहते हैं।
यज़्दानी (یزدانی) फा वि –ईश्वरीय, ख़ुदाई।
यज़्दी (یزدی) फा वि –'यज़्द' का निवासी।
यज़्न. (یزنہ) फा पु –बहन का पति, बहनोई।
यताक़ (یتاق) तु पु –पहरा, चौकी, देखभाल, निगरानी।
यताक़ी (یتاقی) तु वि –पहरेदार, चौकीदार।
यतामा (یتامیٰ) अ पु –'यतीम' का बहु, वे बच्चे जिनके पिता मर गये हों, अनाथ।
यतीम (یتیم) अ वि –वह बालक जिसका पिता मर गया हो, अनाथ।
यतीमख़ान (یتیم خانہ) अ फा पु –यतीम बालकों के पालन-पोषण का स्थान जो किसी संस्था की देख-रेख में हो, अनाथालय।
यतीमी (یتیمی) अ स्त्री –अनाथपन, बे बाप का हो जाना।
यतीमोयसीर (یتیم و یسیر) अ पु –वह बालक जिसके माता-पिता दोनों मर गये हों, यह शब्द उर्दूवालों ने बनाया है।
यत्तूअ (یتوع) अ पु –दे 'यत्तूअ'।
यत्तूअ (یتوع) अ पु –वह पेड़ जिसमें दूध होता है, जैसे—आक, थूहड़ आदि।
यत्न (یتن) अ पु –वह बालक जो उलटा उत्पन्न हुआ हो, जिसके पाँव पहले निकले हों।
यद (ید) अ पु –हाथ, कर, हस्त।
यदक (یدک) फा पु –कोतल घोड़ा।
यदुल्लाह (یداللہ) अ पु –ईश्वर का हाथ अर्थात् ईश्वर की सहायता।
यदे क़ुद्रत (ید قدرت) अ पु –क़ुद्रत का हाथ अर्थात् दैवी माया, दैवी शक्ति।
यदे तूला (ید طولیٰ) अ पु –बड़ा लंबा हाथ, अर्थात् किसी कार्य विशेष में बहुत अधिक कुशलता।
यदे बैज़ा (ید بیضا) अ पु –चमकता हुआ हाथ, हज़्रत मूसा का हाथ, जिसे खोल देने से प्रकाश फैल जाता था।
यदैन (یدین) अ पु –दोनों हाथ।
यनपल् (ینپلو) फा स्त्री –मंडी, जहाँ चारों ओर से माल बिकने आता है, यात्रीदल, काफ़िला।
यनाबीअ (ینابیع) अ पु –'यंबूअ' का बहु, नदियाँ, चश्मे, सोते।
यनूफ़ (ینوف) अ पु –ऊँचा-नीचा टीला।
यपल्लू (یپلو) फा स्त्री –दे 'यनपल्', दोनों शुद्ध हैं।
यफ़न (یفن) अ पु –बहुत बूढ़ा व्यक्ति जो सठ्या गया हो, पीरे फ़र्तूत।
यफ़ाअ (یفاع) अ पु –ऊँचा टीला, टीकरा, पहाड़ी।
यफ़्तः (یفتہ) फा पु –साइनबोर्ड, नाम-पट्टिका।
यब (یب) फा वि –बूढ़ा, वृद्ध।
यबस (یبس) अ पु –सूखना, शुष्क होना।
यबाब (یباب) अ वि –ध्वस्त, बरबाद।
यब्रूह (یبروح) अ स्त्री.–दे 'यब्रूहुस्सनम'।
यब्रूहुस्सनम (یبروح الصنم) अ स्त्री –एक वनौषधि, लक्ष्मी, लखमनी, मर्दुमगिया।
यब्स (یبس) अ पु –सूखना, ख़ुश्क होना।
यम (یمہ) फा पु –वह ख़ुराक या धन जो किसी को रोज़ दिया जाय।
यम (یم) फा पु –नदी, तरंगिणी, दर्या।
यमक (یمک) फा पु –एक नगर जहाँ का सौंदर्य प्रसिद्ध है।
यमन (یمن) अ पु –अरब का एक देश, जहाँ का ला'ल और याक़ूत सारे संसार से अच्छा होता है।
यमनी (یمنی) अ वि –यमन का निवासी, यमन सम्बन्धी, यमन की वस्तु।
यमान (یمان) अ वि –यमन से सम्बन्ध रखनेवाला।
यमानी (یمانی) अ वि –यमन का, यमन-सम्बन्धी।
यमाम (یمامہ) अ पु –कबूतर, जंगली कबूतर, कबूतरी, अरब की एक नीली आँखोंवाली स्त्री जो मैदान में ४०-५० मील तक की वस्तु देख लेती थी।
यमाम (یمام) अ पु –जंगली कबूतर, वनकपोत।
यमीनः (یمینہ) अ पु –आमाशय, पक्वाशय, मेदा।
यमीन (یمین) अ वि.–दाहनी ओर, दाहना, शपथ, सौगन्ध, बल, शक्ति, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

यमीनोयसार (يمين‌ويسار) अ पु —दाहनी और बायीं ओर, दोनों ओर।

यमूम (يموم) अ पु —'यम' का बहु, नदियाँ।

यम्न (يمنه) अ पु —सीधे हाथ की ओर।

यम्सू (يمسو) तु पु — बारूद, अग्निचूर्ण।

यरः (يره) तु पु —पृथ्वी, ज़मीन, भूमि।

यरक़ाँ (يرقاں) अ पु —'यरकान' का लघु, दे 'यरकान'।

यरक़ाँज़दः (يرقاں‌زده) अ फा वि —जिसे यरक़ान का रोग हो, कमलरोगी।

यरकान (يرقان) अ पु —एक रोग जिसमें सारा शरीर, विशेषत आँखे पीली पड जाती है, कमलरोग।

यरकानी (يرقانی) अ वि —यरकान का मरीज़, कमल रोग-ग्रस्त, कमलरोगी।

यरा (يرا) फा स्त्री —झुर्री, बल, सिलवट, शिकन।

यराअ' (يراعه) अ पु —कलम बनाने का नरकट, बजाने की बाँसुरी, जुगनू, खद्योत।

यराअ (يراع) अ पु —दे 'यराअ'।

यराक़ (يراق) तु पु —अस्त्र-शस्त्र, अस्लिह, हथियार; उपकरण, सामान, युद्ध-सामग्री, सामाने जग।

यराग़ (يراغ) तु पु —डाक का घोडा।

यराबीअ (يرابيع) अ पु —'यर्बूअ' का बहु, 'जगली चूहे', दो पाँववाले चूहे।

यर्ग़माल (يرغمال) तु पु —वह राजवश का व्यक्ति जो किसी राज की ओर से दूसरे राज को जमानत में दिया जाय, ताकि वह राज अपनी प्रतिज्ञा भग न कर सके।

यर्ग़ा (يرغا) तु पु —तेज़ घोडा, तेज़ चलनेवाला व्यक्ति, आक्रमण, हमूला।

यर्ग़ू (يرغو) तु स्त्री —राजनीति, सियासत, दड, सजा।

यर्निश (يرنش) फा वि —एक गाँव या नगर के रहनेवाले।

यर्बूअ (يربوع) अ पु —जगली चूहा, एक चूहा जो दो पाँव का होता है।

यर्मलून (يرملون) अ पु —अरबी के छ अक्षरो का समाहार, जब हल् न (न्) के बाद इनमें से कोई अक्षर आता है तो वह 'न्' वही अक्षर बन जाता है, जैसे — 'मिन् रब्बी' का मिर्रब्बी, 'मिन्लबन' का मिल्लबन, हो गया।

यर्मा' (يرمع) अ पु —सफेद और चमकदार पत्थर।

यर्मुग़ाँ (يرمغاں) तु पु —दे 'अर्मुग़ाँ'।

यलः (يله) फा पु —मुक्त किया हुआ, रहा शुदा, छोडा हुआ, त्यक्त, बदूक या तोप छोडी हुई, दौडता हुआ, आक्रमण करता हुआ, (स्त्री) व्यभिचारिणी, फाहिशा।

यल (يل) फा पु —शूर, वीर, बहादुर, मल्ल, पहलवान।

यलक़ (يلق) अ पु —हर वह वस्तु जो सफेद हो।

यलदगाज़ (يلدگز) फा.पु — क़िज़िल अर्सलाँ के पिता।

यलबः (يلبه) अ पु —चमडे की ढाल, चमडे का कवच।

यलब (يلب) अ पु —दे 'यलब.'।

यलबुज (يلبوج) तु पु — ईश-दूत, पैग़बर।

यलाक़ (يلاق) तु पु — एक तुर्की बादशाह का नाम, मट्टी का टूटा हुआ बरतन।

यलामिक़ (يلامق) अ पु —'यल्मक' का बहु, कगन।

यलूज (يلوج) तु पु — दे शुद्ध उच्चारण 'यलबुज'।

यल्अ (يلع) अ पु —वह जगल जिसमें दूर-दूर तक वृक्ष और पानी न हो, बियाबान; मृगतृष्णा, मरीचिका, सराब।

यल्ग़र (يلغر) तु स्त्री —दे 'यल्ग़ार', दोनो शुद्ध हैं, परतु इसका उच्चारण अधिक शुद्ध है।

यल्ग़ार (يلغار) तु स्त्री —आक्रमण, चढाई, धावा, शुद्ध उच्चारण 'यल्ग़र' है।

यल्ग़ुर (يلغر) तु वि —अकेला, एकाकी, तन्हा।

यल्दा (يلدا) फा स्त्री —एक रात जो साल में सब रातो से अधिक लबी होती है, जब सूर्य धनुराशि के ११ वें अश पर पहुँचता है (पूस में) तो यह रात पडती है और उस रोज़ सबसे छोटा दिन होता है, यह रात अशुभ मानी जाती है।

यल्मः (يلمه) फा पु —क़बा, दोहरे कपडे का लबा चुग़ा।

यल्मक़ (يلمق) अ पु —दे 'यल्म'।

यल्मान (يلمان) फा पु —तलवार, खड्ग।

यल्सब (يلسب) अ. पु —वह व्यक्ति जो विवाह-सम्बन्धी सारे सस्कार की पूर्ति करे।

यल्लले (يللے) फा अव्य —वह शब्द जो मस्ती और खुशी के समय बोलते हैं, जैसे—अहाहा, उहो हो।

यवाक़ीत (يواقيت) अ पु —याकूत का बहु, बहुत-से याकूत।

यश्क (يشک) फा पु —नुकीले और बडे दाँत, हाथी के बाहर निकले हुए दाँत, शेर आदि के लबे दाँत, कुत्ते के नुकीले दाँत।

यश्कुर (يشکر) अ.पु —एक पैग़बर का नाम।

यश्ब (يشب) अ पु —एक हरा और कठोर पत्थर जो दवा में चलता है और दिल धडकने की बीमारी में लाभ देता है।

यश्मः (يشمه) अ पु —कच्चा चमडा, कच्ची खाल।

यश्म (يشم) फा पु —दे 'यश्ब', दोनो शुद्ध है।

यश्माक़ (يشماق) तु पु —स्त्रियो के सर का रूमाल।

यसर. (يسره) अ पु —वे लिपियाँ जो उलटे हाथ की ओर से लिखी जाती हैं, जैसे—हिंदी, अग्रेज़ी आदि।

यसल (يسل) अ पु —सेना की पक्ति, फौज की क़तार।

यसाक़ (يساق) तु. पु.—लड़ाई की तैयारी, सैन्य-सज्जा; दरबार, राजसभा।
यसार (يسار) अ. वि.—बायीं ओर, वामपक्ष, धनाढ्यता, अमीरी; उलटा हाथ।
यसारत (يسارت) अ स्त्री.—धनाढ्यता, मालदारी।
यसाल (يسال) अ.पु.—दे 'यसल', दोनो शुद्ध हैं।
यसावुल (يساول) तु पु—चोबदार, दंडधारी, दरबार, सेना अथवा सभा का प्रबंध करनेवाला; बदी, नक़ीब।
यसिर (يسر) अ वि—सुगम, सरल, आसान, सहज।
यसीर (يسير) अ. वि—सुगम, सरल, सहज; न्यून, थोड़ा; वह बालक जिसकी माँ न हो, (इस अर्थ में उर्दू है)।
यस्रः (يسره) अ पु—उलटी ओर, बायीं तरफ़, वामपक्ष।
यस्र (يسر) अ पु—ऊँट हलाल करना, दान देना, बख्शना।
यस्रिब (يثرب) अ पु—मदीन', अरब का एक प्रसिद्ध नगर।
यहूद (يهود) अ पु.—'यहूदी' का बहु, यहूदी लोग।
यहूदा (يهودا) अ.पु—हज्रत यूसुफ के बड़े भाई।
यहूदी (يهودی) अ पु—हज्रत मूसा के धर्म का अनुयायी, इस्राईली; ज़लील क़िस्म का सरमायादार, धन पिशाच।
यहफ़ूफ़ (يهفوف) अ वि—दक्ष, प्रवीण, ज़ीरक, तीव्र बुद्धि, तेज़ अक्ल, उदास, मलिन, बद दिल।
यहमूम (يحموم) अ पुं—काला धुआँ; काली रात, रस्सी बटना।
यहमूर (يحمور) अ.पु.—जंगली गधा, वनगर्दभ, गोरखर।
यह्या (يحيى) अ पुं—एक पैग़बर।

या

या (يا) फा. अव्य.—संबोधन का शब्द, हे, ऐ, ओ, अरे, अथवा, स्वाह्।
याअसफ़ा (يااسفا) अ या—हाए अफ्सोस।
याए तहतानी (یاے تحتانی) अ स्त्री—वह 'ये' जिसके नीचे नुक्ते हों, चूँकि फ़ार्सी में 'ता' और 'या' एक से लिखे जाते हैं, केवल ऊपर और नीचे के नुक्तों का फ़र्क है, इसलिए तहतानी लिखने से 'ये' ही समझा जायगा, यह उस समय के लिए था जब किताबें कलमी लिखी जाती थी और बहुत ग़लतियाँ होती थीं।
याए फ़ार्सी (یاے فارسی) अ फा स्त्री.—दे. 'याए मजहूल'।
याए मजहूल (یاے مجہول) अ स्त्री—वह 'ये' जो लंबी लिखी जाती है और 'ए' की आवाज़ देती है।
याए मा'कूस (یاے معکوس) अ स्त्री—दे 'याए मजहूल'।
याए मा'रूफ़ (یاے معروف) अ स्त्री—वह 'ये' जो गोल लिखी जाती है और 'ई' की आवाज़ देती है।
याक़ः (یاقه) तु पु—क़मीस का कालर; कुर्ते का गला।
याक़ (یاق) अ.पु.—कंगन।
याक़िस्मत (یاقسمت) फा अ वा—हाए रे बुरे भाग्य।
याक़ूत (یاقوت) अ पु.—एक प्रसिद्ध रत्न, पुलक, एक बहुत बड़ा खुशनवीस।
याक़ूत रक़म (یاقوت رقم) अ वि—याकूत खुशनवीस-जैसा लिखनेवाला, अर्थात् बहुत अच्छा लिपिकार।
याक़ूती (یاقوتی) अ स्त्री—एक यूनानी दवा जिसमे याकूत पड़ता है।
याक़ूते जिगरी (یاقوت جگری) अ फा पु—कलेजी के रंग का याकूत।
याक़ूते रवाँ (یاقوت رواں) अ. फा. पु—तरल और बहता हुआ याक़ूत अर्थात् लाल मदिरा।
याक़ूते रुम्मानी (یاقوت رمانی) अ पु—अनार के दानों-जैसा गुलाबी याकूत।
याक़ूते सय्याल (یاقوت سیال) अ पु—बहता हुआ याकूत, अर्थात् लाल शराब।
या'क़ूब (یعقوب) अ. पु.—हज्रत यूसुफ के पूज्य पिता जो उनके विरह में अंधे हो गये थे, चकोर।
याख्तः (یاخته) फा. वि—ज़ाहिर किया हुआ, प्रकटित; बाहर निकाला हुआ, बहिष्कृत, किसी काम के करने के लिए बढ़ा हुआ।
याख्तनी (یاختنی) फा वि—प्रकट करने योग्य, बाहर निकालने योग्य, काम के लिए बढ़ने योग्य।
याग़ (یاغ) तु.पु.—तेल, स्नेह, तैल, रौग़न।
याग़िस्तान (یاغستان) फा पु—अफ़्ग़ानिस्तान का एक इलाक़ा।
याग़ी (یاغی) तु. वि—विद्रोही, राजद्रोही, बाग़ी।
याज़ः (یازه) फा पु—कँपकँपी, थरथरी, कंप, लर्ज़।
याज़ (یاز) फा.पु—इच्छा, ख्वाहिश, संकल्प, इरादा।
याज़दः (یازده) फा वि—दे. 'याज़्द'।
याज़ाँ (یازاں) फा. वि—आक्रमण करता हुआ, हाथ बढ़ाता हुआ।
याज़िंदः (یازنده) फा वि—इच्छा करनेवाला, इच्छुक, किसी काम के लिए हाथ बढ़ानेवाला।
याज़िश (یازش) फा. स्त्री—इच्छा, इरादा, काम के लिए बढ़ना, हस्तक्षेप, दस्तदाज़ी।
याज़ीदः (یازیده) फा वि—जिस वस्तु की इच्छा की गयी हो, जिस कार्य के लिए हाथ बढ़ाया गया हो।
याजूज (یاجوج) अ पुं—एक प्राचीन जाति जिसका वर्णन क़ुरान में है।

याजूजोमाजूज (ياجوج وماجوج) अ पु —याजूज और माजूज दो प्राचीन जातियाँ, जिनके आक्रमण से बचने के लिए दीवारें चीन में बनी थी।

याज्दः (يازده) फा. वि —ग्यारह, एकादश।

याज्दहुम (يازدهم) फा वि —ग्यारहवाँ, एकादशा।

यादः (ياده) फा पु —स्मरण शक्ति, कुव्वते हाफिजा।

याद (ياد) फा स्त्री —स्मृति, याददाश्त, स्मरण शक्ति, हाफिजा, ध्यान, खयाल; जेह्न, प्रतिभा, चित्त, मन, अनुधान, तसव्वुर, स्मारक, यादगार।

यादआवरी (يادآوری) फा स्त्री —दे 'यादावरी', वह अधिक फसीह है।

यादगार (يادگار) फा स्त्री —निशानी, स्मृति-चिह्न, स्मारक, यादगारी का कोई विशेष चिह्न, जैसे—मीनार आदि, पुत्र, बेटा।

यादगारी (يادگاری) फा स्त्री —दे 'यादगार'।

यादगारे ज़मानः (يادگار زمانه) फा स्त्री —ऐसा व्यक्ति जो सबके लिए स्मृति का कारण हो।

याददाश्त (یادداشت) फा स्त्री —स्मरण शक्ति, हाफिजा, ज्ञापन, मेमोरैन्डम।

याददेहानी (یاددهانی) फा स्त्री —भूली हुई बात को स्मृति में लाना, याद दिलाना, स्मरण कराना।

यादफरामोश (یادفراموش) फा वि —जिसे बात याद न रहती हो, जो किसी व्यक्ति को याद न रखता हो, स्मृति-विस्मारक।

यादफर्माई (یادفرمائی) फा स्त्री —याद करना, पास बुलाना।

यादबूद (یادبود) फा स्त्री —स्मृति-चिह्न, निशानी।

यादर (یادر) फा पु —हर ईरानी महीने की बारहवी तारीख।

यादश बखैर (یادش بخیر) फा अ वा —किसी व्यक्ति की चर्चा चलने पर उसके लिए बोलते हैं, उसकी याद अच्छी रहे।

यादावरी (یادآوری) फा स्त्री —याद करना, पास बुलाना।

यादे ऐयाम (یاد ایام) फा अ स्त्री —पिछले अच्छे दिनो का स्मरण।

यानः (یانه) तु पु —ओर, तरफ, दिशा, जानिब।

यान (یان) फा पु —बकवास, मिथ्यावाद, बीमारी की बकवास, हज़यान।

यानसीब (یانصیب) फा अ वा—दे 'याकिस्मत'।

या'नी (یعنی) अ अव्य —मत्लब यह कि, अर्थात्।

या'नीचे (یعنی چه) अ फा अव्य —इसका क्या अर्थ है, ऐसा क्यो है, इसके क्या मा'नी ?

याने' (یانع) अ. पु —वह फल अथवा मेवा जो पक गया हो और खाने के योग्य हो।

याफः (یافه) फा. वि —दे. 'माव', दोनो शुद्ध हैं।

याफ़ःदिरा (یافه درا) फा वि —अनर्थवादी, झूठा, बकवासी, वाचाल; डीगिया, शेखीखोरा।

याफःदिराई (یافه درائی) फा स्त्री —झूठ बोलना, बकवास करना, डीग मारना।

याफर (یافر) फा पु —कौतुकी, बाजीगर, चित्रकार, मुसव्विर।

याफ़ूख़ (یافوخ) अ पु —तालू, तालव।

या'फ़ूर (یعفور) अ पु —मृग, हरिण, हरिन।

याफ़े' (یافع) अ पु —लवे डील-डौल का जवान।

याफ्तः (یافته) फा. वि —पाया हुआ, जिसे मिला हो, दूसरे शब्द के साथ मिलकर आता है, अकेला नही बोला जाता, जैसे—खितावयाफ्त, सनदयाफ्त आदि।

याफ़्त (یافت) फा. स्त्री —लाभ, प्राप्ति, नफ़ा', आय, आमदनी, उत्कोच, रिशवत।

याफ्तनी (یافتنی) फा वि —पाने योग्य, मिलने योग्य, जो किसी से मिलना हो (धन)।

याब (یاب) फा प्रत्य —प्राप्त होनेवाला, मिलनेवाला जैसे—'कमयाब' कम प्राप्त होनेवाला।

याबान (یابان) अ पु —जापान, एक प्रसिद्ध देश।

याबिंदः (یابنده) फा वि —पानेवाला, प्राप्त करनेवाला।

याबिंदगी (یابندگی) फा. स्त्री —पाना, प्राप्ति।

याबिस (یابس) अ वि —खुश्क, सूखा हुआ, शुष्क, मिजाज में खुश्की पैदा करनेवाला।

याबू (یابو) तु पु —टट्टू, छोटा घोडा, लद्दू घोडा, जिस पर बोझ लादते हैं।

या'बूब (یعبوب) अ पु —तेज चलनेवाला घोडा, तेज बहनेवाली नदी की धारा।

यामः (یامه) फा पु —डाक की चौकी, महेला।

याम (یام) अ पु —नूह का एक पुत्र।

या'मरः (یعمره) अ पु —बकरा जो सिंह के शिकार के लिए बांधा जाय।

या'मलः (یعمله) अ स्त्री —तगडी और लद्दू ऊँटनी।

या'मल (یعمل) अ पु —तगडा और लद्दू ऊँट।

यामिन (یامن) अ पु —सीधी ओर, दायी तरफ।

यामी (یامی) फा वि —रोगी, बीमार।

या'मूर (یعمور) अ पु —बकरी या भेड का बच्चा।

या या (یایا) फा अव्य —शिकारी चिडिया।

यारः (یاره) फा पु —कगन, ककण, घाव, जख्म, कर, महसूल।

यार (یار) फा पु –मित्र, दोस्त, सहायक, मददगार, प्रेमपात्र, मा'शूक, शब्द के अंत में 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'होशयार'।

यारकंद (یارقند) तु पु –चीनी तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर।

यारक (یارک) फा स्त्री –बच्चादानी, गर्भाशय, रहिम।

यारक़ (یارق) अ पु –कंगन, कलाई में पहनने का एक आभूषण, कंकण।

यारगी (یارگی) फा स्त्री –बल, शक्ति, ज़ोर, सामर्थ्य, मक्दूर।

यारनाम: (یارنامہ) फा पु –पुण्य और यश का काम, नेकनामी का काम।

यारफ़रोश (یارفروش) फा वि –मित्र की प्रशंसा करनेवाला।

यारफ़रोशी (یارفروشی) फा. स्त्री –मित्र की प्रशंसा करना।

यारबाज़ (یارباز) फा वि –दे 'यारबाश'।

यारबाश (یارباش) फा वि.–मित्रों में घुल-मिलकर रहनेवाला, मित्रों में अधिक समय व्यतीत करनेवाला।

यारबाशी (یارباشی) फा. स्त्री –मित्रों में खूब घुल-मिलकर रहना।

यारमंद (یارمند) फा वि –दोस्ती निवाहनेवाला, सच्चा दोस्त, सहायक, मददगार।

यारमंदी (یارمندی) फा स्त्री –दोस्ती मैत्री; सहायता, मदद।

यारस (یارس) फा वि –सहायक, मददगार।

यारस्त: (یارستہ) फा पु –शक्तिशाली, ताकतवर।

यारां (یاراں) फा पु –'यार' का बहु, मित्रगण, मित्रमंडली।

यारा (یارا) फा पु –बल, शक्ति, ज़ोर; सामर्थ्य, मक्दूर, सहनशीलता, तहम्मुल।

याराई (یارائی) फा स्त्री –सहायता, मदद, उपचार, इलाज।

याराए ज़ब्त (یارائے ضبط) फा अ पु –सहन करने की शक्ति, सहनशीलता।

याराए सब्र (یارائے صبر) फा अ पु –धैर्यशक्ति, धीरज धरने की शक्ति।

याराना: (یارانہ) फा पु –मित्रता, मैत्री, दोस्ती।

याराने अदम (یاران عدم) फा अ. पु –मरे हुए मित्र; यमलोक निवासी, मरनेवाले।

याराने क़दीम (یاران قدیم) फा अ पु –पुराने मित्र, लँगोटिया यार।

याराने रफ़्त: (یاران رفتہ) फा. पु - दे. 'याराने अदम'।

यारी (یاری) फा स्त्री.– मित्रता, दोस्ती, सहायता, मदद।

यारीगर (یاری گر) फा वि –सहायक, मददगार।

यारीगरी (یاری گری) फा स्त्री –सहायता, मदद।

यारे अज़ीज़ (یار عزیز) फा अ पु –बहुत ही घनिष्ठ मित्र, बहुत ही प्यारा माशूक।

यारे ग़ार (یار غار) फा अ पु –सच्चा और घनिष्ठ मित्र, यह हज़रत अबूबक्र सिद्दीक़ की ओर संकेत है, जो हज़रत मुहम्मद साहब के ग़ार में छिपने के समय उनके साथ थे।

यारे जानी (یار جانی) फा पु –प्राणों की भाँति प्यारा मित्र, बहुत ही घनिष्ठ मित्र।

यारे शातिर (یار شاطر) फा अ पु –ऐसा मित्र जो दुःख और चिंता में मन बहलाए।

याल: (یالہ) फा पु –विषाण, शृंग, सींग।

याल (یال) तु पु –गला, गर्दन, घोड़े के गले के बाल।

यालगूपाल (یال گوپال) फा पु –स्थूलता, मुटापा, वैभव, शानोशौकत।

या'लूल (یعلول) अ पु.–पानी का बुलबुला, शिश्न, लिंग।

याव: (یاوہ) तु वि –अनर्थ, अनर्गल, बेहूदा, अप्राप्य, नापैद।

याव:कार (یاوہ کار) तु फा वि –अनर्थ के कार्य करनेवाला, ऐसे काम करनेवाला जिनका कोई फल न हो, मिथ्याकार।

याव:कारी (یاوہ کاری) तु फा स्त्री.–व्यर्थ के कार्य करना, मिथ्या कर्म।

याव:गो (یاوہ گو) तु फा वि –अनर्थवादी, झूठा, वाचाल, बकवासी; डींगिया, शेख़ीख़ोर।

याव:गोई (یاوہ گوئی) तु फा. स्त्री –अनर्थवाद, झूठ बोलना, वाचालता, बकवास करना; डींग मारना।

याव:दिरा (یاوہ درا) तु फा वि –दे 'याव:गो'।

याव:दिराई (یاوہ درائی) तु फा स्त्री –दे 'याव:गोई'।

याव:सरा (یاوہ سرا) तु. फा वि –दे 'याव:गो'।

याव:सराई (یاوہ سرائی) तु फा स्त्री –दे 'याव:गोई।'

यावंद (یاوند) फा पु –राजा, बादशाह, प्राप्तकाम, सफल मनोरथ।

यावर (یاور) फा वि –सहायक, पोषक, मददगार।

यावरी (یاوری) फा स्त्री –सहायता, मदद।

यास: (یاسہ) फा पु –इच्छा, अभिलाषा, आर्ज़ू, आदेश, हुक्म, राजनीति, सियासत; विधान, क़ानून।

यास (یاس) फा स्त्री –चमेली, नवमल्लिका।

यास (یاس) अ स्त्री –निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी।

यासअंगेज़ (یاس انگیز) अ फा वि –निराशा उत्पन्न करनेवाला, निराशाजनक।

यासआमेज़ (یاس آمیز) अ फा. वि.–निराशापूर्ण, जिसमें नाउम्मेदी हो।

यासज (یاسج) फा पु –वह बाण जिसमें फल हो, बाण का फल जिसमें दुहरी धार हो, भाला, बरछा, दुसी की हाय।

यासमन (یاسمن) अ स्त्री –दे 'यासमीन'।

यासमीं (یاسمیں) अ स्त्री –'यासमीन' का लघु, दे 'यासमीन'।

यासमींइज़ार (یاسمیں عذار) अ वि –जिसके गाल फूल-जैसे कोमल, मृदुल और सफ़ेद हो।

यासमींबू (یاسمیں بو) अ फा वि –चमेली-जैसी सुगंध रखनेवाला (वाली)।

यासमींरुख़ (یاسمیں رخ) अ फा वि –दे 'यासमी इज़ार'

यासमींरू (یاسمیں رو) अ फा वि –दे 'यासमी इज़ार'।

यासमीन (یاسمین) अ स्त्री.–चमेली का फूल, नवमल्लिका।

यासमून (یاسمون) अ स्त्री.–दे 'यासमीन'।

यासा (یاسا) तु पु –मृतशोक, मातम, वध, हिंसा, क़त्ल, लूटमार, प्रतिहिंसा, ख़ून का बदला।

यासान (یاسان) फा पु –योग्य, पात्र, लाइक़।

यासिम (یاسم) अ स्त्री –दे 'यासमीन'।

यासीन (یاسین) अ स्त्री –क़ुरान की एक सूरत, जो मरते समय मुसलमान को सुनायी जाती है।

यासीनख़्वाँ (یاسین خواں) अ फा वि –यासीन पढ़नेवाला, मरते समय यासीन सुनाने वाला।

या'सूब (یعسوب) अ पु –शहद की मक्खियो का राजा, अपनी जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, जिसकी आज्ञा का पालन सब करें।

याह याह (یاہ یاہ) अ अव्य –ऊँट हाँकते समय बोला जानेवाला शब्द।

याहू (یاہو) फा पु –एक कबूतर, जो 'याहू याहू' बोलता है।

यि

यिमः (یمہ) तु स्त्री –भोजन, ख़ुराक।

यिर्लीग़ (یرلیغ) तु पु –राजादेश, राजाज्ञा, फ़र्मान।

यी

यील (ییل) तु पु –वर्ष, वत्सर, साल।

यीलाक़ (ییلاق) तु पु –ग्रीष्म काल में रहने का ठंडा स्थान

यीलान (ییلان) तु पु –सर्प, साँप।

यु

युक़ (یوق) तु वि –समीप, निकट, नज़्दीक।

युग़ला (یغلا) अ. पु –तलने की छोटी कड़ाही, फ़ाईपैन।

युबूसत (یبوست) अ स्त्री.–शुष्कता, ख़ुश्की, सूखापन, मिज़ाज की ख़ुश्की, तासीर की ख़ुश्की।

युब्स (یبس) अ पु.–दे 'युबूसत'।

युब्सेबत्न (یبس بطن) अ. पु –पेट की ख़ुश्की, अर्थात् कोष्ठबद्धता, कब्ज़।

युम्किन (یمکن) अ वि –संभव है, मुम्किन है।

युम्न (یمن) अ. पु –कल्याण, शुभ कारिता, सआदत।

युम्ना (یمنٰی) अ स्त्री –सीधे ओर की, सीधे पक्ष की।

युराश (یراش) फा पु –प्रस्थान, कूच, रवानगी, ध्यान, ख़याल, तवज्जोह।

युरुश (یورش) तु. स्त्री –आक्रमण, धावा, चढ़ाई, युद्ध में जाने के लिए घोड़े पर चढ़ना; शीघ्रता करना।

युर्त (یرت) तु स्त्री.–पड़ाव, ठहराव, मंज़िल, आवास, क़ियामगाह, गृह, घर, मकान।

युर्तग़ः (یرتغہ) तु पु.–घर, गेह, मकान, चौकी, पड़ाव, महल्ला।

युल (یول) तु पु –पथ, मार्ग, राह, रस्ता।

युलची (یولچی) तु वि –पथप्रदर्शक, राहबर, पथिक, मुसाफ़िर; हरकारा, क़ासिद, रस्ते में बैठकर भीख माँगनेवाला।

युल्मः (یلمہ) तु पु –पशुओ को नाँद में खिलायी जानेवाली वस्तु, सानी।

युवाश (یواش) तु पु –सधाया हुआ मृदु चाल चलनेवाला घोड़ा, जो बड़े लोगो की सवारी के योग्य हो।

युसुर (یسر) अ पु –सुगम होना, आसान होना, जुआ खेलना, द्यूत-कर्म।

युस्र (یسر) अ पु –सुगमता, सरलता, आसानी, जुआ खेलना, क़िमारबाज़ी।

यू

यूक (یوک) फा स्त्री –वह पोटली, जिस पर नान रखकर तनूर में लगाते हैं।

यूजः (یوجہ) फा पु –बूँद, बिंदु, क़त्रा।

यूज़ः (یوزہ) फा पु –पेड़ का तना, पेड़ी, स्कंध।

यूज़ (یوز) फा पु –चीता, एक प्रसिद्ध हिंसक जंतु, खोज, जिज्ञासा, तलाश।

यूज़ (یوز) तु वि.–एक सौ, सत।

यूज़क (یوزک) फा पु.–छोटा चीता, चीते का बच्चा, एक शिकारी कुत्ता जो शिकार की बू पाकर उसका पीछा करता है।

यूज़बाशी (یوزباشی) तु पु –सौ सवारो का अध्यक्ष।

यूज़ीदः (یوزیدہ) फा वि –ढूँढा हुआ, तलाश किया हुआ, जिज्ञासित, बुलाया हुआ, आहूत।

यूनान (یونان), अ पु –यूरोप का एक प्रसिद्ध देश जहाँ के वैज्ञानिक लोग सारे ससार के मान्य हुए हैं, और आज साइस की जितनी उन्नति है, इसकी पहली ज्योति वही जगी थी, अब से तीन हज़ार वर्ष पूर्व यह स्थान विद्या का घर था।

यूनानी (یونانی) अ वि –यूनान का निवासी, यूनान की भाषा, एक चिकित्सा पद्धति।

यूनुस (یونس) अ पु –एक पैगम्बर, यह शब्द 'यूनस' और 'यूनिस' भी है।

यूफ़ी (یوفی) फा वि –बकवासी, वाचाल, मुखर।

यूसुफ (یوسف) अ पु –एक पैग़म्बर जो अत्यत सुन्दर थे।

यूसुफजबीं (یوسف جبیں) अ वि –युसूफ-जैसा माथा रखनेवाला (वाली) अर्थात् बहुत ही सुदर।

यूसुफजमाल (یوسف جمال) अ वि –युसुफ-जैसा सौन्दर्य रखनेवाला (वाली)।

यूसुफतल्अत (یوسف طلعت) अ वि –दे 'यूसुफजमाल'।

यूसुफतिम्साल (یوسف تمثال) अ वि –दे. 'यूसुफजमाल'।

यूसुफशमाइल (یوسف شمائل) अ वि –यूसुफ-जैसे स्वभाव-वाला

यूसुफसिफात (یوسف صفات) अ वि –युसुफ-जैसे गुणोवाला।

यूसुफे सानी (یوسف ثانی) अ पु –जो देखने मे बिलकुल यूसुफ जान पडे, अत्यत सुन्दर, यूसुफ का जोड।

यूह (یوح) अ पु –सूर्य, रवि, सूरज।

यो

योग़ (یوغ) फा पु –बैल की गर्दन पर रखा जानेवाला जुआ।

योय. (یویہ) फा पु –इच्छा, इरादा, सकल्प, अज़्म।

यौ

यौम (یوم) अ पु –दिन, दिवस, दिवा।

यौमन फ यौमन (یوماً فیوماً) अ अव्य –दिन प्रतिदिन, रोजब रोज, धीरे-धीरे, क्रमश

यौमिय· (یومیہ) अ वि –दैनिक, रोजाना, हररोज़, प्रतिदिन, रोजीना, रोज मिलनेवाला धन या खुराक।

यौमीय. (یومیہ) अ वि –दे 'यौमिय', शुद्ध उच्चारण यही है, परतु बहुत कम बोला जाता है।

यौमुत्तनाद (یوم التناد) अ पु – दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुन्नुशूर (یوم النشور) अ पु –दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुलअर्बआ (یوم الاربعا) अ पु –बुधवार।

यौमुलअहद (یوم الاحد) अ पु –रविवार, इतवार।

यौमुल इस्नैन (یوم الاثنین) अ पु –सोमवार, पीर।

यौमुलकियामत (یوم القیامت) अ पु –कियामत का दिन, जब मुर्दे कब्रो से निकलकर उठ खडे होगे, वह सब एक बडे मैदान मे एकत्र होगे और उनके कर्मो का हिसाब-किताब होगा, और दड अथवा पुरस्कार दिया जायगा।

यौमुलख़मीस (یوم الخمیس) अ पु –बृहस्पतिवार, जुमेरात।

यौमुलजज़ा (یوم الجزا) अ पु –दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुलबाहूर (یوم الباحور) अ पु –'बोहरान' का दिन, यूनानी चिकित्सा मे इस सिद्धात के अनुसार युद्धवाला दिन। इस दिन प्रकृति और रोग मे युद्ध होता है, जब प्रकृति जीत जाती है तो रोग नष्ट हो जाता है और रोग जीत जाता है तो मृत्यु हो जाती है। इस युद्ध को 'बोहरान' कहते है।

यौमुलहश्र (یوم الحشر) अ पु –दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुलहिसाब (یوم الحساب) अ पु –दे 'यौमुल-कियामत'।

यौमुस्सब्त (یوم السبت) अ पु –शनिवार, शनीश्चर।

यौमुस्सल्सा (یوم الثلثا) अ पु –मगलवार, मगल।

यौमे आज़ादी (یوم آزادی) अ फा पु –स्वतत्रता दिवस।

यौमे वफात (یوم وفات) अ पु –मरने का दिन।

यौमे विलादत (یوم ولادت) अ पु –जन्म लेने का दिन, जिस दिन जन्म हो, जन्म-दिन।

यौमे हुसैन (یوم حسین) अ पु –हज्रत हमाम हुसैन की शहादत के दिन का उत्सव।

र

रग (رنگ) फा पु –चीज़ो का रग, वर्ण, रगने का मसाला, रग, आनद, लुत्फ, हर्ष खुशी, शोभा, रौनक, पद्धति, तर्ज, भोग-विलास, ऐश, आचार व्यवहार, रग-ढग, होली का अबीर और गुलाल आदि, बदन या चेहरे की रगत, वर्ण, विचित्र स्थिति या हालत,—"वह रग होगा हश्र को मुश्ताके यार का, जैसे कि ईद को हो रुखे रोज़ा-दार सुर्ख।

रगअंदाज (رنگ انداز) फा वि –रग डालनेवाला, रग छिडकनेवाला (वाली)।

रगअदाज़ी (رنگ اندازی) फा स्त्री –रग छिडकना।

रगअफ़्शाँ (رنگ افشاں) फा वि –रग फैलानेवाला (वाली)

रंगअफ्शानी (رنگ افشانی) फा स्त्री –रंग बिखेरना, रंग फैलाना।

रंगआमेज़ (رنگ آمیز) फा वि –रंग भरनेवाला, अर्थात् चित्रकार, नक्काश।

रंगआमेज़ी (رنگ آمیزی) फा स्त्री –चित्र-कर्म, नक्काशी, अतिरंजन, अत्युक्ति, मुबालग़ा।

रंगत (رنگت) अ स्त्री –रंग, वर्ण, दशा, हालत; तौर तरीक़ा, रंग-ढंग, शोभा, रौनक़, आनंद, लुत्फ़, मज़ा, बदन या चेहरे का रंग, वर्ण।

रंगतरः (رنگترہ) फा पु –संतरा, मीठी नारंगी।

रंगदार (رنگدار) फा वि –रंगा हुआ, रंजित।

रंगपरीदः (رنگ پریدہ) फा वि –उड़े हुए रंगवाला, फीके रंगवाला, जिसका रंग भय या लज्जा से उड़ गया हो।

रंगपरीदगी (رنگ پریدگی) फा स्त्री –रंग का फीका पड़ जाना, लज्जा या भय से चेहरे का रंग उड़ जाना।

रंगपाश (رنگ پاش) फा वि –रंग छिड़कनेवाला (वाली)।

रंगपाशी (رنگ پاشی) फा स्त्री –रंग छिड़कना, होली आदि खुशी के अवसर पर एक-दूसरे पर रंग डालना।

रंगफ़रोश (رنگ فروش) फा वि –रंग बेचनेवाला।

रंगफ़रोशी (رنگ فروشی) फा स्त्री –रंग बेचने का काम।

रंगफ़िशाँ (رنگ فشاں) फा वि –'रंगअफ्शाँ' का लघु, दे 'रंगअफ्शाँ'।

रंगफ़िशानी (رنگ فشانی) फा स्त्री –'रंग अफ्शानी' का लघु, दे 'रंगअफ्शानी'।

रंगबरंग (رنگ برنگ) फा वि –चित्र-विचित्र, रंगारंग।

रंगबस्त (رنگ بست) फा वि –पक्का रंग।

रंगबार (رنگ بار) फा वि –दे 'रंगपाश'।

रंगबारी (رنگ باری) फा स्त्री –दे 'रंगपाशी'।

रंगमहल (رنگ محل) फा अ पु –बड़े लोगों के भोग-विलास का स्थान, ऐशगाह।

रंगरज़ (رنگرز) फा वि –रंगनेवाला, कपड़े रँगनेवाला, रँगरेज़।

रंगरेज़ (رنگریز) फा वि –चित्रकार, चितेरा, रँगनेवाला, रँगरेज़, कपड़े रँगनेवाला।

रंगशिकस्तः (رنگ شکستہ) फा वि –जिसका रंग फीका पड़ गया हो, उतरे हुए रंगवाला।

रंगसाज़ (رنگساز) फा वि –रंग बनानेवाला, रँगने-वाला, पेंटर।

रंगसाज़ी (رنگسازی) फा स्त्री –रंग बनाने का काम, रँगने का काम, पेंटरी।

रंगारंग (رنگارنگ) फा वि –रंग-बरंगी, चित्र-विचित्र।

रंगीं (رنگیں) फा वि –'रंगीन' का लघु, दे 'रंगीन'।

रंगींअंदाम (رنگیں اندام) फा वि –गोरे शरीरवाला, गौरवर्ण।

रंगींअदा (رنگیں ادا) फा वि –सुंदर अदाओंवाला (वाली)।

रंगींअदाई (رنگیں ادائی) फा स्त्री –प्रेमिका की सुंदर अदाओं का भाव।

रंगींइज़ार (رنگیں عذار) फा अ वि –सुर्ख़ गालोंवाला, (वाली)।

रंगींइज़ारी (رنگیں عذاری) फा अ स्त्री –गोरापन, गालों की सुर्ख़ी।

रंगींक़ामत (رنگیں قامت) फा वि –दे 'रंगींअंदाम'।

रंगींचिह्रः (رنگیں چہرہ) फा अ वि –रूपवान्, सुन्दर मुखवाला (वाली)।

रंगींजमाल (رنگیں جمال) फा अ. वि –गोरे रंगवाला, गौरवपूर्ण।

रंगींतकल्लुम (رنگیں تکلم) फा अ वि –जिसकी बातचीत बहुत ही सुन्दर और श्रुतिप्रिय हो।

रंगींतबस्सुम (رنگیں تبسم) फा अ वि –जिसकी मुस्कुरा-हट में मुँह से फूल झड़ते हों।

रंगींतब्अ (رنگیں طبع) फा अ वि –खुशमिजाज, जिंद दिल, विनोद रसिक, ऐयाश या शराबी।

रंगींतरन्नुम (رنگیں ترنم) फा अ वि –जिसका गला बहुत ही सुन्दर हो।

रंगींनग़्मः (رنگیں نغمہ) फा वि –मधुर स्वरवाला (वाली) कलकंठ।

रंगींनज़र (رنگیں نظر) फा अ वि –जिसकी दृष्टि केवल अच्छी चीज़ों पर पड़े, जो सौंदर्य को देखता हो।

रंगींनज़री (رنگیں نظری) फा अ स्त्री –सौंदर्य को देखना, अच्छी चीज़ों पर नज़र डालना।

रंगींनवा (رنگیں نوا) फा वि –अच्छी आवाज़वाला (वाली) कलकंठ, मधुरस्वर।

रंगींनवाई (رنگیں نوائی) फा स्त्री –आवाज़ अच्छी होना, कलकंठता, स्वरमाधुर्य।

रंगींनिगाह (رنگیں نگاہ) फा वि –दे 'रंगींनज़र'।

रंगींनिगाही (رنگیں نگاہی) फा स्त्री –दे 'रंगीं-नज़री'।

रंगींमश्रब (رنگیں مشرب) फा अ वि –ऐयाशी और शराबनोशी करनेवाला, रँगीला, रसिया।

रंगींमिज़ाज (رنگیں مزاج) फा अ वि –हुस्नपरस्त, अच्छी सूरतों का क़द्रदान, शराबनोश, रसाढ्य।

रंगीमिज़ाजी (رنگیں مزاجی) फा अ स्त्री –हुस्नपरस्ती, शायकनोशी।
रंगीरुख़ (رنگیں رخ) फा वि –रूपवान्, सुंदर, हसीन (पुरुष अथवा स्त्री)।
रंगीलब (رنگیں لب) फा वि –लाल होंठोंवाली, सुंदर होंठोंवाली नायिका।
रंगीअदा (رنگیں ادا) फा वि –दे 'रंगीलब'।
रंगीलिबास (رنگیں لباس) फा अ वि –रंग-बिरंगे कपड़े पहननेवाला (वाली)।
रंगीलिबासी (رنگیں لباسی) फा. अ स्त्री –रंग-बिरंगे कपड़ों का शौक़।
रंगीं (رنگیں) फा वि –रँगा हुआ, रञ्जित; विनोदप्रिय, ख़ुशमिज़ाज; चित्रित, मुनक़्क़श, शोभित, ख़ुशनुमा; चपल, चुलबुला, शोख़, शराब-कबाब और भोग विलास का शौक़ीन, विलासप्रिय।
रंगीनिए अदा (رنگینیِ ادا) फा स्त्री –अदाओं का सौंदर्य।
रंगीनिए ग़ाज़ (رنگینیِ غازہ) फा स्त्री –मुख पर मलने के पाउडर का रंग।
रंगीनिए जमाल (رنگینیِ جمال) फा अ स्त्री –सुंदरता की विचित्रता रूप का सौंदर्य।
रंगीनिए तकल्लुम (رنگینیِ تکلم) फा अ स्त्री –बातचीत का माधुर्य, वार्तालाप का रस।
रंगीनिए तख़ातुब (رنگینیِ تخاطب) फा अ स्त्री –[illegible] का माधुर्य, प्रेयसी का प्रेमी की ओर मुख़ातब [illegible] का माधुर्य।
रंगीनिए तबस्सुम (رنگینیِ تبسم) फा अ स्त्री –मुस्कान का माधुर्य और सौंदर्य।
रंगीनिए नज़र (رنگینیِ نظر) फा अ स्त्री –दृष्टि का [illegible]।
रंगीनिए निगार (رنگینیِ نگار) फा स्त्री –दे 'रंगीनिए [illegible]'।
रंगीनिए बहार (رنگینیِ بہار) फा स्त्री –वसंत ऋतु की [illegible] और शोभा, बहार की रंगीनी।
रंगीनिए माहौल (رنگینیِ ماحول) फा अ स्त्री –[illegible], आसपास का रूप और सुंदरता का वाता[illegible]।
रंगीनिए [illegible] (رنگینیِ [illegible]) फा स्त्री –[illegible]
रंगीनिए [illegible] (رنگینیِ [illegible]) फा [illegible]
रंगीनिए [illegible] (رنگینیِ [illegible]) फा अ स्त्री –[illegible] की रंगीनी और सुंदरता।
रंगीनिए शबाब (رنگینیِ شباب) फा अ स्त्री –यौवन का सौंदर्य, यौवन का निखार, यौवन का जोश।
रंगीनिए शराब (رنگینیِ شراب) फा अ स्त्री –शराब की रंगीनी, शराब का नशा; शराब की मस्ती।
रंगीनिए सहबा (رنگینیِ صہبا) फा स्त्री –दे 'रंगीनिए शराब'।
रंगीनिए हया (رنگینیِ حیا) फा अ स्त्री –लज्जा का सौंदर्य, प्रेमिका के मुँह छिपाने या आँखें नीची करने की छटा।
रंगीनिए हयात (رنگینیِ حیات) फा अ स्त्री –जीवन का रूप और सौंदर्य या भोग-विलास के वातावरण गुज़रना।
रंगीनिए हुस्न (رنگینیِ حسن) फा अ स्त्री –सुंदरता की विचित्रता और रंगीनी।
रंगीनी (رنگینی) फा. वि –रंगा हुआ होना, मस्ती, उन्माद, शोभा, छटा, ऐश, भोग-विलास।
रंगे गुल (رنگ گل) फा पु –फूल का रंग, गुलाब की लाली; फूल की ताज़गी और हरा-भरापन, वसंत ऋतु की रंगीनी।
रंगे परीदः (رنگ پریدہ) फा पु –उड़ा हुआ रंग, उतरा हुआ रंग, फीका रंग।
रंगे बहार (رنگ بہار) फा पु –वसंत ऋतु की छटा, हर तरफ़ फूलों की शोभा।
रंगे बादः (رنگ بادہ) फा पु –दे 'रंगे शराब'।
रंगे मीना (رنگ مینا) फा पु –शराब के शीशे का सुंदर रंग जो शराब के कारण हो जाता है।
रंगे मै (رنگ مے) फा पु –दे 'रंगे शराब'।
रंगे शिकस्तः (رنگ شکستہ) फा पु –हल्का रंग, उतरा हुआ रंग, फीका रंग।
रंगे शीशः (رنگ شیشہ) फा पु –शराब की बोतल का रंग जो शराब के कारण हो जाता है।
रंगे हुस्न (رنگ حسن) फा अ पु –हुस्न की शोभा और छटा।
रंगो बू (رنگ و بو) फा पु –फूल का रंग और उसकी सुगंध।
रंगोरोग़न (رنگ و روغن) फा पु –रूप और छटा, हुस्न और आबोताब; [illegible] और [illegible]।
रंज (رنج) फा पु –[illegible], [illegible], [illegible], शोक, ग़म।
रंजआमेज़ (رنج آمیز) फा अ वि –दुखित [illegible], [illegible]।
रंज (رنج) फा पु –[illegible]
रंजे उल्फ़त (رنج الفت) फा अ पु –[illegible]

उदा —"रंजे उल्फत में भी हँस-हँस के सहर करते हैं,
हम हैं वह फूल जो काँटो में बसर करते हैं।"

रंजअफ़्ज़ा (رنج افزا) फा वि –दु ख बढानेवाला, कष्टवर्द्धक।

रंजआगीं (رنج آگیں) फा वि –दु ख से भरा हुआ, दु खपूर्ण।

रंजआश्ना (رنج آشنا) फा वि –दे. 'रंजादा'।

रंजकशीदः (رنج کشیدہ) फा वि –जिसने दु ख उठाया हो, जो दु ख उठा चुका हो।

रंजज़ा (رنجزا) फा. वि.–दु ख पैदा करनेवाला, कष्टजनक, दु खोत्पादक।

रंजदिहिंदः (رنج دہندہ) फा. वि –कष्ट देनेवाला, कष्टदायक, दु खदायी।

रंजदीदः (رنج دیدہ) फा. वि –जिसने कष्ट और दु'ख उठाया हो, उत्तप्त।

रंजदेह (رنج دہ) फा वि –कष्टदायक, दु खदायी, रंज देनेवाला।

रंजफिज़ा (رنج فزا) फा. वि –'रंजअफ्ज़ा' का लघु, दे 'रंजअफ्ज़ा'।

रंजाश्ना (رنج آشنا) फा वि.–दे. 'रंजदीद'।

रंजिश (رنجش) फा स्त्री –वैमनस्य, मनोमालिन्य, मनमुटाव, नाराज़ी, अप्रसन्नता, ख़फगी।

रंजिशे बेजा (رنجش بیجا) फा. स्त्री –बिना कारण का वैमनस्य, अकारण क्रोध, फ़ुजूल की ख़फगी।

रंजीदः (رنجیدہ) फा वि –दु खित, सतप्त, ग़मगीन।

रंजीदःख़ातिर (رنجیدہ خاطر) फा अ वि –दु खित हृदय, मनस्तप्त, ग़मगीन।

रंजीदःदिल (رنجیدہ دل) फा वि –दु खित हृदय, ग़मगीन।

रंजीदःदिली (رنجیدہ دلی) फा स्त्री –हृदय का दु खित होना, गमगीनी।

रंजीदगी (رنجیدگی) फा स्त्री –सताप, दु ख, रंज, ग़म।

रंजीदनी (رنجیدنی) फा वि –दु'ख मनाने योग्य, दु खित होने योग्य।

रंजूर (رنجور) फा वि –दु खित, ग़मगीन, रुग्ण, रोगी, बीमार।

रंजूरी (رنجوری) फा स्त्री.–दु'ख, कष्ट, ग़म, आमय, रोग, बीमारी।

रंजोअलम (رنج والم) फा. अ. पु –शोक और दु'ख, बहुत अधिक शोक।

रंजोग़म (رنج وغم) फा अ.पु.–कष्ट और दु'ख, हर प्रकार के कष्ट।

रंजोतअब (رنج وتعب) फा अ. पुं –कष्ट और थकन, परिश्रम और थकावट।

रंजोमिहन (رنج ومحن) फा अ. पु –कष्ट और प्रयास, मेहनत और रंज।

रदः (رندہ) फा पु –बढई का लकडी पर रदा करने का यन्त्र।

रआया (رعایا) अ स्त्री –'रईयत' का बहु, प्रजा, जनता, पब्लिक।

रआयापर्वर (رعایاپرور) अ फा वि –रईयत को पालनेवाला, प्रजापालक, अर्थात् राजा, नरेश।

रईयत (رعیت) अ स्त्री –प्रजा, रिआया, जनता, अवाम।

रईयतनवाज़ (رعیت نواز) अ फा वि –प्रजा पर दया करनेवाला, प्रजाप्रोषक।

रईयतपर्वर (رعیت پرور) अ फा वि –प्रजा को पालने और परवरिश करनेवाला, प्रजापाल।

रईस (رئیس) अ वि –अध्यक्ष, सरदार, शासक, फ़र्मांरवा, धनाढ्य, मालदार।

रईसज़ादः (رئیس زادہ) अ फा पु –रईस का लडका।

रईसे आ'ज़म (رئیس اعظم) अ पु –सबसे बडा रईस।

रऊफ (رؤف) अ वि –बहुत अधिक दया और अनुकपा करनेवाला, (पु) ईश्वर का एक नाम।

रक़बः (رقبہ) अ पु.–गर्दन, ग्रीवा।

रक़म (رقم) अ. स्त्री –लिखना, मदद, अक, रुपया-पैसा, धन, माल, (प्रत्य) लिखनेवाला, जैसे—'ज़ूदरक़म' अर्थात् तेज़ लिखनेवाला।

रक़मज़न (رقم زن) लेखक, लिखनेवाला, लिपिक।

रक़मतराज़ (رقم طراز) अ. फा वि –दे. 'रकमज़न'।

रक़मपिज़ीर (رقم پزیر) अ. फा वि.–लिखित, लिखा हुआ।

रक़मसंज (رقم سنج) अ फा. वि –'दे 'रकमज़न'।

रक़मी (رقمی) अ. वि –लिखित, लिखा हुआ, अकित, निशान किया हुआ।

रक़ाइम (رقائم) अ पु –'रकीम' का बहु, लिखित पत्र।

रकाकत (رکاکت) अ स्त्री –अधमता, तुच्छता, कमीनगी, तिरस्कार, बेइज़्ज़ती।

रक़ाबत (رقابت) अ स्त्री –एक नायिका के दो प्रेमियो की परस्पर लाग-डाँट, एक पुरुष की दो चाहनेवालियो में परस्पर डाह।

रक़ीक़ (رقیق) अ वि –पतला, तरल, कोमल, मुलाइम; द्रवीभूत, पिघला हुआ।

रकीक (رکیک) अ वि –अधम, तुच्छ, कमीना।

रक़ीक़ुलक़ल्ब (رقیق القلب) अ वि –जिसका हृदय बहुत ही कोमल हो, जो दूसरो के दु'ख पर तुरत ही पिघल जाय।

रकीकुलहरकात (رکیک الحرکات) अ वि –जो बहुत तुच्छ प्रकृति का हो और ओछे काम करे।

रकीन (ركين) अ वि –दृढ, मज़्बूत ।

रक़ीब: (رقيبه) अ स्त्री –वह स्त्री जो किसी पुरुष से प्रेम रखने के सम्बन्ध में दूसरी स्त्री से डाह रखती हो ।

रक़ीब (رقيب) अ पु –किसी स्त्री से प्रेम करनेवाले दो व्यक्ति परस्पर रकीब होते हैं ।

रक़ीम: (رقيمه) अ वि –लिखित कागज़, पत्र, खत ।

रकीम (رقيم) अ. वि –लिखित, लिखा हुआ ।

रक़ीमए नियाज़ (رقيمۂ نياز) अ फा वि –आवेदनपत्र, विनयपत्र, आजिज़ानाखत ।

रक्अत (ركعت) अ स्त्री.–नमाज मे एक कयाम (खडा होना) एक रुकूअ (झुकना) और दो सज्दो (ज़मीन पर माथा टेकना) का मज्मूअ ।

रक़्क़ास: (رقاصه) अ. स्त्री.–नर्तकी, लासिका, नाचने-वाली ।

रक़्क़ास (رقاص) अ पु –नर्तक, नाचनेवाला, ताडवी ।

रक़्क़ासे फलक (رقاص فلک) अ. पु –शुक्र ग्रह, ज़ोहरा ।

रक्बः (رقبه) अ पु –ज़मीन की नाप, क्षेत्रफल, क्षेत्र, इलाका ।

रक़्स (رقص) अ पु –ताडव, मर्द का नाच, लास्य, स्त्री का नाच, नृत्य, नर्तन, आम नाच ।

रक्सकुनाँ (رقص كناں) अ. फा. वि –नाचता हुआ ।

रक्सख़ानः (رقص خانه) अ फा पु.–दे 'रक्सगाह' ।

रक़्सगाह (رقص گاه) अ फा स्त्री –नाट्यशाला, नाचघर ।

रक्सपसंद (رقص پسند) अ. फा वि –जिसे नाचना पसद हो, जिसे नाच देखना पसद हो ।

रक़्साँ (رقصاں) अ फा वि –नाचता हुआ, नृत्य करता हुआ ।

रक़्सिंदः (رقصنده) अ फा वि –नाचनेवाला, नर्तन-कर्ता ।

रक़्सीदः (رقصيده) अ फा वि –नाचा हुआ, जिसने नाच किया हो, जो नाचा हो ।

रक़्सीदनी (رقصيدنى) अ फा वि –नाचने के लाइक, जिसका नाचना अच्छा हो ।

रक्से ताऊस (رقص طاؤس) अ फा पु –एक नाच, मोर-नाच ।

रक्से पैहम (رقص پيهم) अ फा पु –बराबर नाच, ऐसा नाच जो खत्म न हो ।

रक्से फ़ानूस (رقص فانوس) अ फा. पु –कदील के अदर तस्वीरो का नाच ।

रक़्से बिस्मिल (رقص بسمل) अ फा पु –आधा वध किया हुआ प्राणी का ज़मीन पर तडपना और लोटना ।

रक़्से मुसलसल (رقص مسلسل) अ पु –दे 'रक्से पैहम' ।

रक़्सोसुरोद (رقص وسرود) अ फा पु –नाचगाना, नाचरग ।

रख़ावत (رخاوت) अ स्त्री –शिथिलता, ढीलापन, मदता, सुस्ती ।

रख़ीम (رخيم) अ. वि –जिसका स्वर धीमा हो, नर्म आवाजवाला; संयमी, निग्रही, ज़ाहिद ।

रख़ीस (رخيص) अ वि –मदा, सस्ता, कम दामो का ।

रख़्त (رخت) फा पु –अस्बाब, उपकरण, सामान, वसन, वस्त्र, लिबास ।

रख़्तकश (رخت كش) फा वि –अस्बाब उठानेवाला, अस्बाब लेकर चलनेवाला, अर्थात् मुसाफिर, पथिक ।

रख़्ते सफर (رخت سفر) फा अ पु –यात्रा के लिए आवश्यक सामान और अस्बाब ।

रख़्न. (رخنه) फा पु –छिद्र, सूराख, दोष, ऐब, हस्तक्षेप, मुज़ाहमत, बाधा, रोक, झगडा, टटा, कलह, उपद्रव, फसाद ।

रख़्नःअदाज़ (رخنه انداز) फा वि –हस्तक्षेप करनेवाला, बाधा डालनेवाला ।

रख़्न.अदाज़ी (رخنه اندازى) फा स्त्री.–हस्तक्षेप करना, बाधा डालना, अडचन पैदा करना ।

रख़्नःबदी (رخنه بندى) फा स्त्री.–छेद बद करना, झगडा खत्म करना, बाधा हटाना ।

रख़्श: (رخشه) फा पु –आग की लपट, अग्निवाला, अग्नि-शिखा ।

रख़्श (رخش) फा पु –घोडा, अश्व, किरण, शुआअ, प्रभा, चमक ।

रख़्शाँ (رخشاں) फा वि –चमकता हुआ, दीप्त, प्रकाशमान ।

रख़्शिदः (رخشنده) फा वि –चमकनेवाला ।

रख़्शिदगी (رخشندگى) फा स्त्री.–चमक, आभा, प्रभा, प्रकाश ।

रख़्शीद. (رخشيده) फा वि –दीप्त, प्रकाशित, प्रज्ज्वलित, चमका हुआ ।

रग (رگ) फा स्त्री –स्नायु, नस, नाडी, शिरा, खन की नाली ।

रगज़न (رگ زن) फा पु –फस्द खोलनेवाला, निश्तर से खून निकालनेवाला, फस्साद, रक्तमोचक ।

रगज़नी (رگ زنى) फा स्त्री –फस्द खोलना, रगो से खून निकालना, रक्तमोक्षण ।

रगबद (رگ بند) फा वि –पट्टी, ज़ख्म पर बाँधने का कपडा आदि ।

रग़ीफ (رغيف) अ स्त्री –बटी, टिकिया, रोटी, रोटिका ।

रग़ीब (رغيب) अ वि –लोभी, लोलुप, लालची, इच्छुक, ख्वाहिशमद ।

रगे अब्र (رگ ابر) फा स्त्री –बादल की स्याह धारी।
रगे गर्दन (رگ گردن) फा स्त्री –गर्दनवाली खून की रग, अहकार, अभिमान, घमड।
रगे ग़ैरत (رگ غیرت) फा अ. स्त्री –स्वाभिमान, खुददारी।
रगे जाँ (رگ جاں) फा स्त्री –सबसे बडी खून की रग जो दिल में जाती है।
रगे तबूर (رگ تنبور) फा स्त्री –सितार का तार।
रगोपै (رگ وپے) फा पु –सारा शरीर, नस और पट्ठे।
रगोरेश. (رگ وریشہ) फा पु –स्वभाव, प्रकृति, भीतरी हालात।
रग़्बत (رغبت) अ स्त्री –इच्छा, अभिलाषा, चाह, रुचि, अभिरुचि, दिलचस्पी।
रग्म (رغم) अ पु –विपरीत, उलटा।
रजः (رجہ، رزہ) फा स्त्री –अलगनी, कपडे आदि टाँगने की रस्सी।
रज़ (رز) फा पु –दाक्षा, अगूर (प्रत्य) रँगनेवाला जैसे–'रगरज़'।
रजज़ (رجز) अ स्त्री –युद्ध-क्षेत्र में अपने कुल की शूरता और श्रेष्ठता का वर्णन, दे 'बह्रे रजज़'।
रजब (رجب) अ पु –इस्लामी सातवाँ महीना।
रजा (رجا) अ स्त्री –आशा, आस, उम्मेद।
रज़ाअत (رضاعت) अ स्त्री –बच्चे के दूध पीने की अवस्था।
रजाई (رجائی) अ वि –आशावादी, जिसके धर्म मे निराश होना पाप हो।
रज़ाल (رذال) अ पु –अधम, नीच, लपट, लोफर, रज़ील।
रज़ालत (رذالت) अ स्त्री –अधमता, नीचता, कमीनापन।
रज़िंद (رزندہ) फा वि –रँगनेवाला, रजक।
रज़ी (رضی) अ वि –रुचिकर, मनोनीत, मनोवाछित, पसदीद।
रज़ीअ' (رضیعہ) अ स्त्री –दूध शरीक बहिन।
रज़ीअ (رضیع) अ पु –दूध शरीक भाई।
रजीअ (رجیع) अ पु –फेंकी हुई चीज़, हटायी हुई वस्तु, विष्ठा, मल, गू।
रज़ीद. (رزیدہ) फा वि –रँगाहुआ, रजित।
रज़ीदनी (رزیدنی) फा वि –रँगने के लाइक, रजनीय।
रजीम (رجیم) अ वि –जिसे पत्थर मारे गये हो, जो भगाया गया हो, जो धिक्कृत हो।
रज़ीय. (رضیہ) अ स्त्री –राज़ी की गयी, प्रसन्न की गयी।
रज़ीय (رزیہ) अ स्त्री –विपत्ति, आपत्ति, मुसीबत।
रज़ील (رذیل) अ वि –अधम, नीच, कमीना।
रजुल (رجل) अ पु –मनुष्य, मनुज, मानव, आदमी।
रजूम (رجوم) अ वि –पत्थर मारकर भगानेवाला।
रजअत (رجعت) अ स्त्री –वापस लौटना, प्रत्यागमन।
रज्अतपरस्त (رجعت پرست) अ फा. वि –दे 'रज्अत पसद'।
रज्अतपरस्ती (رجعت پرستی) अ फा स्त्री –दे 'रज्अत-पसदी'।
रज्अतपसद (رجعت پسند) अ फा वि –प्रतिक्रियावादी, जिसे तरक्की पसद विचार न आते हो।
रज्अतपसदी (رجعت پسندی) अ फा स्त्री –प्रतिक्रिया-वाद, विचारो मे प्रगतिशीलता का अभाव।
रजअते क़हक़री (رجعت قہقری) अ स्त्री –उलटे पाँव वापस लौटना, जहाँ से चले थे वही लौट आना, अवनति।
रज़्ज़ाक़ (رزاق) अ वि –खाना देनेवाला, अन्नदाता, पेट भरनेवाला।
रज़्ज़ाकी (رزاقی) अ स्त्री –खाना देना, अन्न दान करना, भूखो का पेट भरना।
रज़्ज़ाके मुत्लक़ (رزاق مطلق) अ पु –वास्तविक में सबका पेट भरनेवाला, ईश्वर।
रज्फ' (رجفہ) अ पु –भूकप, भूचाल, ज़लज़ल'।
रज्फ (رجف) अ पु –दे 'रज्फ'।
रज़्म (رزمہ) फा पु –गठरी, पोटली, बुग्च।
रज्म (رجم) अ पु –पत्थराव करना, पत्थर मारना, पत्थरो से मार-मारकर मार डालना।
रज़्म (رزم) फा स्त्री –युद्ध, समर, रण, जग, लडाई।
रज़्मआरा (رزم آرا) फा वि –युद्धकर्ता, लडनेवाला।
रज़्मआराई (رزم آرائی) फा स्त्री –युद्धकर्म, लडना।
रज़्मख़्वाह (رزم خواہ) फा वि –युद्ध चाहनेवाला, लडाई का इच्छुक।
रज़्मगाह (رزم گاہ) फा स्त्री –लडाई का मैदान, युद्धक्षेत्र रगभूमि, रणस्थल, समरागण।
रज़्मपसद (رزم پسند) फा वि –जिसे लडाई अच्छी लगे, जो चाहता हो कि जग रहे।
रज्मल लिल ग़ैब (رجماً للغیب) अ अव्य –तीर का तुक्का, अक्ल के गद्दे, अटकलपच्चू।
रज़्मियः (رزمیہ) फा वि –युद्ध सम्बन्धी।
रज़्मी (رزمی) फा वि –युद्ध सम्बन्धी।
रज्मे शयातीन (رجم شیاطین) अ पु –शैतानो को पत्थर मारना, हज का एक सस्कार।
रतीब (رطیب) अ पु –ताज़ा खजूर।
रतूबत (رطوبت) अ स्त्री –तरी, आर्द्रता, गीलापन, शरीर की कोई धातु, शरीर के भीतर की तरी, लसीका।

रतूबते अस्लीयः (رطوبت اصلیہ) अ स्त्री —शरीर के भीतर की अस्ली तरी।

रत्क़ (رتق) अ. पु —बाँधना, बंधन।

रत्ब (رطب) अ वि —ताज़ा, तर।

रत्बुल्लिसान (رطب اللسان) अ वि —प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ करनेवाला।

रत्बोयाबिस (رطب و یابس) अ पु —तर और खुश्क, गीला और सूखा, अर्थात्, सब, समस्त।

रत्ल (رطل) अ पु —एक पौंड का भार, शराब पीने का प्याला।

रत्ले गराँ (رطل گراں) अ फा पु —बड़ा प्याला जिसमे बहुत शराब आती है।

रदः (ردہ) फा पु —दीवार पर रखा जानेवाला रद्दा।

रद(द्द) (رد) अ पु —फेरना, वापस करना, खारिज करना, नापसंद करना।

रदाग़ (رداغ) अ पु —कीचड़, कर्दम, जलकल्क, जबाल।

रदाअत (رداءت) अ स्त्री —खराबी, विकार, दोष।

रदी (ردی) अ. वि —विकृत, दूषित।

रदीउलकैमूस (ردی الکیموس) अ पु —वह अन्न जिससे आमाशय में अच्छा रस न बने।

रदीउलहाल (ردی الحال) अ. पु —दुर्दशाग्रस्त, जिसकी दशा बड़ी रद्दी हो।

रदीफ़ (ردیف) अ वि—पीछे चलनेवाली, (स्त्री) गजल में क़ाफ़िए के बाद आनेवाला शब्द या शब्द-समूह।

रदीफ़वार (ردیف وار) अ. फा वि —वह दीवान जो रदीफ़ के हिसाब से क्रमबद्ध किया गया हो।

रदीफ़ोक़ाफ़िय (ردیف و قافیہ) अ पु —ग़ज़ल का क़ाफ़िय और उसके बाद की रदीफ़।

रद्दः (ردہ) अ पु —दीवार का रद्दा।

रद्दे अमल (رد عمل) अ. पु —प्रतिक्रिया, किसी कार्य के फलस्वरूप दूसरी ओर से होनेवाला जवाबी कार्य।

रद्दे क़दह (رد قدح) अ पु —शराब का पियाला न लेना, लौटा देना।

रद्दे ख़लाइक़ (رد خلائق) अ वि —तमाम संसार का ठुकराया और रद्द किया हुआ।

रद्दे दा'वत (رد دعوت) अ स्त्री —किसी का भोज निमंत्रण स्वीकार न करना।

रद्दे बला (رد بلا) अ पु —आपत्ति का निवारण, आयी हुई बला का टल जाना।

रद्दे सलाम (رد سلام) अ पु —सलाम का उत्तर न देना।

रद्दे सवाल (رد سوال) अ पु —किसी की माँग ठुकरा देना, भिक्षुक के सवाल पर कुछ न देना।

रद्दोकद (رد و کد) अ उभ —वाद-विवाद, कहा-सुनी, बहस-मुबाहसा।

रद्दोक़दह (رد و قدح) अ उभ —दे 'रद्दोकद'।

रद्दोक़बूल (رد و قبول) अ उभ —स्वीकार करना या अस्वीकार करना, लेना या लौटा देना।

रद्दोबदल (رد و بدل) अ उभ —परिवर्तन, तब्दीली।

रफ़ (رف) अ पु —मचान, मंच, दरवाज़े का बड़ा ताक।

रफ़ाक़त (رفاقت) अ स्त्री —मैत्री, दोस्ती, सहचरता, साथ, संगत, सोहबत, सहकारिता, एक साथ मिलकर काम करना।

रफ़ाक़ते सफ़र (رفاقت سفر) अ स्त्री —यात्रा या पर्यटन में साथ रहना।

रफ़ाहत (رفاهت) अ स्त्री —सुख, चैन, आराम, कल्याण, बहबूद।

रफ़ाहीयत (رفاهیت) अ स्त्री —दे 'रफ़ाहत'।

रफ़ीअ' (رفیع) अ वि —उच्च, उत्तुंग, बलंद, श्रेष्ठ, विशिष्ट, उत्तम, शरीफ़।

रफ़ीउद्दरजात (رفیع الدرجات) अ. वि —दे 'रफ़ीउश्शान'।

रफ़ीउलक़द्र (رفیع القدر) अ वि —दे. 'रफ़ीउश्शान'।

रफ़ीउलमंज़लत (رفیع المنزلت) अ वि —दे. 'रफ़ीउश्शान'।

रफ़ीउश्शान (رفیع الشان) अ वि.—बहुत बड़ी शान, प्रतिष्ठा और इज्ज़त वाला।

रफ़ीक़ः (رفیقہ) अ स्त्री —मित्र स्त्री, सहचरी, सखी।

रफ़ीक़ (رفیق) अ पु.—मित्र, सखा, दोस्त, सहचर, हमराही।

रफ़ीक़ए ज़ीस्त (رفیقۂ زیست) दे 'रफ़ीक़ए हयात'।

रफ़ीक़ए हयात (رفیقۂ حیات) अ स्त्री —जीवन-संगिनी, अर्धांगिनी, भार्या, पत्नी, बीबी।

रफ़ीक़े राह (رفیق راہ) अ फा पु —दे 'रफ़ीक़े सफ़र'।

रफ़ीक़े सफ़र (رفیق سفر) अ पु —यात्रा का साथी, सहयात्री, सहचर।

रफ़ू (رفو) फा उभ —एक प्रकार की सिलाई, जिसमे कटा हुआ कपड़ा बेजोड़ हो जाता है; सिलाई।

रफ़ूगर (رفوگر) फा पु —रफ़ू का काम करनेवाला।

रफ़्अः (رفعہ) अ पु —'उ' की मात्रा, 'पेश' की हरकत।

रफ़्अ (رفع) अ पु —उठाना, ऊँचा करना; 'उ' की मात्रा, पेश।

रफ़ए क़लम (رفع قلم) अ पु —किसी पर से क़लम उठा लेना, अर्थात् उसके सम्बन्ध में कुछ न लिखना, उसको क्षम

काबिल न रहना जिसके विषय में कुछ लिखा जाय, ऐसा व्यक्ति 'मर्फ़ूउल कलम' कहलाता है।

रफ़ए निजाअ (رفع نزاع) अ पु —झगडा तै हो जाना, परस्पर विरोध मिट जाना।

रफ़ए फसाद (رفع فساد) अ पु —लडाई खत्म हो जाना, झगडा तय हो जाना।

रफ़ए यदैन (رفع یدین) अ पु —दोनो हाथ उठाना, इमाम शाफिई के अनुयायियो का नमाज पढते समय, हर तक्बीर पर दोनो हाथ कानो तक उठाना, जिसे अन्य मुसलमान जाइज़ नही समझते।

रफ़ए शक (رفع شک) अ पु —शका-समाधान, शक दूर होना।

रफ़ए शर (رفع شر) अ पु —लडाई-झगडा खत्म होना, विरोध का दूर होना।

रफ़ओजर (رفع و جر) अ पु —पेश और ज़ेर 'उ' और 'ई' की मात्राएँ।

रफ़्ज़ (رفض) अ पु —अपने स्वामी का परित्याग, जान-जोखिम के समय स्वामी को छोड कर भाग जाना।

रफ़्त. (رفتہ) फा वि —गया हुआ, गत, विगत, मरा हुआ, मृत।

रफ़्त. रफ़्तः (رفتہ رفتہ) फा वि —शनै-शनै, धीरे-धीरे, आहिस्त-आहिस्त।

रफ्त होश (رفتہ ہوش) फा वि —जिसके होश जाते रहे हो, हतसज्ञ, बेहोश, निश्चेप्ट, सज्ञाहीन।

रफ्तगाँ (رفتگاں) फा पु —'रफ्त' का बहु, गये हुए लोग, अर्थात् मरे हुए व्यक्ति।

रफ़्तगाने खाक (رفتگان خاک) फा पु —ज़मीन के अदर गये हुए लोग, अर्थात् मुर्दे।

रफ़्तनी (رفتنی) फा वि —जाने के योग्य, जिसका जाना उचित हो, जो जानेवाला हो।

रफ्तार (رفتار) फा पु —चाल, गति, ढग, तरीका, आचरण, अमल, आचार-व्यवहार, तर्ज़े अमल, प्रगति (तरक्की) या अवनति (तनज्जुल) की ओर गमन, दशा, हालत।

रफ्तारे कदीम (رفتار قدیم) फा अ स्त्री —पुरानी चाल, पुरानी रविश, पुराना तरीका।

रफ्तारे ज़मान (رفتار زمانہ) फा अ स्त्री —सासारिक दशा, दुनिया की हालत।

रफ्तारे वक्त (رفتار وقت) फा अ. स्त्री —समय की गति, समय की दशा, वर्तमान समय की माँग।

रफ़्तारे हालात (رفتار حالات) फा अ स्त्री —अपने हालात का रुख अथवा सासारिक दशाओ की परिस्थिति।

रफ़्तारो करदार (رفتار و کردار) फा पु —आचार और व्यवहार, चाल-ढाल।

रफ्तारो गुफ्तार (رفتار و گفتار) फा स्त्री —चाल-ढाल और बातचीत।

रफ्तो गुज़श्त (رفت و گزشت) फा वि —गया-बीता हुआ, गया-गुज़रा, समाप्त, खत्म।

रफ़्फ़ (رفرف) अ पु —एक बहुत तेज़ चाल का घोडा, बुराक।

रफ़ाफ (رفراف) अ पु —शुतुरमुर्ग, उष्ट्र पक्षी।

रफ़्ह (رفہ) अ पु —हित, भलाई, सुख, आराम, दे 'रिफ़्ह', दोनो शुद्ध है।

रब [ब्ब] (رب) अ पु —स्वामी, पति, मालिक, बडा भाई, अभिभावक, सरपरस्त, ईश्वर, परमात्मा, खुदा।

रबात (رباط) अ स्त्री —मुसाफिरखान, सराय, पथिकाश्रय।

रबाब (رباب) फा पु —सितार के प्रकार का एक बाजा।

रबाबी (ربابی) फा वि —'रबाब' बजानेवाला।

रबीअ (ربیع) अ स्त्री —वसत ऋतु, बहार का मौसिम।

रबीई (ربیعی) अ वि —वसत ऋतु सम्बन्धी, बहार का।

रबीउल अव्वल (ربیع الاول) अ पु —इस्लामी तीसरा महीना।

रबीउल आखिर (ربیع الاخر) अ पु —इस्लामी चौथा महीना।

रबीउस्सानी (ربیع الثانی) अ पु —दे 'रबीउल आखिर'।

रबीब (ربیبہ) अ स्त्री —सौतेली लडकी, वह लडकी जो दूसरे बाप से हो, पहले ब्याह की लडकी।

रबीब (ربیب) अ पु —सौतेला लडका, वह लडका जो दूसरे बाप से हो, पहले ब्याह का लडका।

रबून (ربون) अ पु —बैआना, अग्रिम धन, बियाना।

रबूबीयत (ربوبیت) अ स्त्री —स्वामित्व, मालिकीयत, ईश्वरत्व, खुदावदी।

रब्त (ربط) अ पु —लगाव, सम्बन्ध, तअल्लुक, मेल-जोल, मैत्री, दोस्ती।

रब्ते बाहम (ربط باهم) अ फा पु —परस्पर मेल-जोल और दोस्ती।

रब्तो ज़ब्त (ربط و ضبط) अ पु —आपस का मेल-मिलाप, बैठना-उठना, मित्रता, दोस्ती।

रब्बानियत (ربانیت) अ स्त्री —ईश्वरत्व, खुदाई।

रब्बानी (ربانی) अ वि —ईश्वरीय, दैवी, खुदा की तरफ़ से। गैबी, आस्मानी, आकस्मिक।

रब्बी (ربی) अ वि —ईश्वरीय, ईश्वर का, खुदा की तरफ़ से।

रब्बुन्नौअ (رب النوع) अ पु —देवता, फिरिश्त।

रब्बुलअर्बाब (رب الارباب) अ पु —सारे स्वामियो का स्वामी, अर्थात् ईश्वर।

रब्बुलआलमीन (رب العالمین) अ पु –सारे ब्रह्माड का (जिसमें बहुत-से जगत् है) स्वामी, ईश्वर।
रब्बुलमलाइकः (رب الملائکہ) अ पु –सारे फ़िरिश्तो का स्वामी, ईश्वर।
रब्बुस्समावात (رب السماوات) अ पु –सारे आकाशो का स्वामी, ईश्वर।
रब्व (ربو) अ पु –वामन, ठिगना, छोटे डील-डौल का आदमी।
रमः (رمہ) फा पु –भेड-बकरी का गल्ल, रेवड।
रम (رم) फा पु –भगदड, भागना।
रमक़ (رمق) अ स्त्री –अत्यल्प, बहुत थोडा, अतिम प्राण, थोडी-सी जान।
रमकर्दः (رم کردہ) फा वि –भागा हुआ, पलायित।
रमक़े (رمقے) अ फा वि –बहुत थोडी मात्रा मे, जरा-सा।
रमख़ुर्दः (رم خوردہ) फा वि –भागा हुआ, पलायित।
रमज़ान (رمضان) अ पु –इस्लामी नवाँ महीना जिसमे मुसलमान दिन भर रोज़ा रखते और रात मे तरावीह पढते है, जिसमे महीने भर मे पूरा कुरान सुनते है।
रमद (رمد) अ पु –आँख आना, आयी हुई आँख, आशोबे चश्म, नेत्राभिष्यद।
रमदीद. (رمدیدہ) फा वि –भागा हुआ, पलायित, रमखुर्द।
रमदे चश्म (رمد چشم) अ फा. पु –आशोबे चश्म, नेत्राभिष्यद, आयी हुई आँख।
रमल (رمل) अ स्त्री –एक विद्या जिससे भविष्य मे होनेवाली घटनाएँ बता दी जाती है, इस विद्या का मूलाधार नुक्ते (शून्य) या बिंदियाँ है।
रमाद (رماد) अ स्त्री –राख, चूल्हे की राख, जले हुए ईंधन की राख, भस्म।
रमानीद. (رمانیدہ) फा वि –भगाया हुआ।
रमिंदः (رمندہ) फा वि –भागनेवाला, पलायक।
रमिश (رمش) फा स्त्री –भागने का अमल, भगदड।
रमीद. (رمیدہ) फा वि –भागा हुआ, पलायित।
रमीदगी (رمیدگی) फा स्त्री –भगदड, पलायन।
रमीम (رمیم) अ वि –पुराना, पुरातन, जीर्ण, शीर्ण, कोहन।
रम्क. (رمکہ) अ स्त्री –घोडी, अश्विनी।
रम्ज़ (رمز) अ पु –सकेत, इशारा; रहस्य, भेद, राज।
रम्ज़आगाह (رمز آگاہ) अ फा वि –दे 'रम्ज़आश्ना'।
रम्ज़आश्ना (رمز آشنا) अ फा वि –भेद जाननेवाला, भेद से वाकिफ, मर्मज्ञ, रहस्यवेत्ता।
रम्ज़शनास (رمز شناس) अ फा वि –दे 'रम्ज़आशना'।
रम्नः (رمنہ) फा पु –गल्ल चराने का मैदान, चरागाह, गोचर।
रम्माज़ (رماز) अ वि –गुप्तचर, भेदिया, भेद जाननेवाला, भेद बतानेवाला।
रम्माल (رمال) अ वि –'रमल' का इल्म जाननेवाला, रमलवेत्ता।
रम्माह (رماح) अ वि –बरछा चलानेवाला, बरछेबाज।
रम्ल (رمل) अ पु –रेत, बालुका, बालू, रेग।
रवाँ (رواں) फा वि –प्रवाहित, बहता हुआ, तीक्ष्ण, धारदार, (स्त्री) प्राण, प्राण वायु, जान, रूह।
रवाँ दवाँ (رواں دواں) फा वि –ज़ोर से बहता हुआ, तेज़ी से जाता हुआ।
रवा (روا) फा वि –उचित, वाजिब, विहित, हलाल, (प्रत्य) पूरा करनेवाला, जैसे—'हाजतरवा' इच्छा पूरी करनेवाला।
रवाई (روائی) फा स्त्री –पूरी होना (आशा), रौनक, शोभा, चलन, रवाज, प्रथा, परपरा।
रवाएह (روائح) अ पु –'राइह' का बहु, सुगधियाँ, खुशबूएँ।
रवाक़ (رواق) अ पु –मकान के ऊपर बना हुआ मकान, अट्टालिका, दे 'रुवाक', और 'रिवाक'।
रवाज (رواج) अ पु –प्रथा, रूढि, परपरा, परिपाटी, तरीका, दस्तूर, दे 'रिवाज', दोनो शुद्ध है।
रवाज़िन (روازن) अ पु –'रौज़न' का बहु, सूराख, छेद।
रवाजे ख़ानदानी (رواج خاندانی) अ फा पु –वश-परपरा से चला आनेवाला दस्तूर, वश-परम्परा, पुरुषानुक्रम, रूढि।
रवादार (روادار) फा वि –जो इस बात का बहुत ख़याल रखता हो कि इसकी बात से किसी का दिल न दुखे, उदारचेता, सहन करनेवाला, बरदाश्त करनेवाला।
रवादारी (رواداری) फा स्त्री —किसी का दिल न दुखे यह भावना, सहृदयता, उदारता।
रवादारान. (روادارانہ) फा वि –रवादारो-जैसा, रवादारी का।
रवान. (روانہ) फा वि –जो कही से चल पडा हो, प्रस्थित, प्रयात, भेजा हुआ, प्रेपित।
रवान कुनिंदः (روانہ کنندہ) फा वि –भेजनेवाला, प्रेषक।
रवानगी (روانگی) फा स्त्री –प्रस्थान, प्रयाण, कूच, प्रेषण, भेजना।
रवानी (روانی) फा स्त्री –प्रवाह, बहाव, तीक्ष्णता, धार, तेज़ी, किताब आदि के पढने में कही न अटकना, भाषण

देने या बात करने में कहीं न रुकना और शुद्ध और ठीक बोलना।

रवाफिज़ (روافض) अ पु –'राफिज़ी' का बहु, समय पड़ने पर अपने स्वामी को छोड़ भागनेवाले।

रवाबित (روابط) अ पु –'राबित' का बहु, मेल-जोल, मेल-मिलाप।

रवारवी (رواروی) फा स्त्री –सरसरी, जल्दी, शीघ्रता, चल-चलाव, कूच की जल्दी।

रवारौ (رواRو) फा स्त्री.–यातायात, आना-जाना, चला-फिरी।

रवाहिल (رواحل) अ पु –'राहिल' का बहु, सवारी के जानवर, ऊँट घोड़े आदि।

रवाहाल (رواحال) अ पु –तेज़ चलनेवाली सवारी, तेज़ ऊँट या घोड़ा।

रविंद: (روندہ) फा वि –जानेवाला, प्रस्थान करनेवाला।

रविश (روش) फा स्त्री –आचार-व्यवहार, तर्ज़ोतरीका, पद्धति, शैली, तर्ज़, आचरण, चाल-चलन, बाग के अन्दर के पतले रास्ते।

रविशे आम (روش عام) फा अ स्त्री –आम लोगों का तरीका।

रविशे ख़ास (روش خاص) फा अ स्त्री –खास लोगों का तरीका।

रवी (روی) अ स्त्री –काफिए का अस्ली हर्फ़, जिससे पहले हर्फ़ की मात्रा का एक होना आवश्यक है। जैसे—'नज़र' और 'कमर' में 'र' हर्फ़ रवी है और 'म' और 'ज़' दोनों अकार हैं।

रवीय: (رویہ) अ पु –आचार-व्यवहार, तर्ज़े अमल, आचरण, रविश, सुलूक, व्यवहार, नियम, काइदा, दस्तूर।

रश्द (رشد) अ क्रि –दीक्षा, पीर की हिदायत, सन्मार्ग, सीधा और अच्छा रास्ता, दे 'रुश्द', दोनों शुद्ध हैं।

रशाकत (رشاقت) अ स्त्री –शरीर का सुडौल और सुन्दर-पन, खुशकामती।

रशाद (رشاد) अ पु –एक दवा, तरातेजक, हालौन, सन्मार्ग, सदाचार, नेकदिली।

रशादत (رشادت) अ स्त्री –धर्मदीक्षा, मुर्शिद की तल्कीन, सन्मार्ग, राहे रास्त, सदाचार, नेक कर्दारी।

रशाश: (رشاشہ) अ पु –फुहार, छींट, स्राव, बहाव।

रशाश (رشاش) अ पु –दे 'रशाश:'।

रशीद (رشید) अ वि –सन्मार्ग-प्रदर्शक, सीधा रास्ता दिखानेवाला, सन्मार्गप्राप्त, सीधा रास्ता पानेवाला, जिसने गुरु की सेवा और उसके प्रसाद से किसी विद्या या कला-विशेष में पूरी कुशलता प्राप्त कर ली हो।

रश्क़ (رشق) अ पु –तीर चलाना, बाण चलाना, धनु-विद्या।

रश्क (رشک) फा पु –किसी को हानि पहुँचाये बिना उस जैसा बनने की भावना, यह जज़्ब कि अमुक व्यक्ति ऐसा है हम क्यों नहीं हैं, हमें भी वैसा होना चाहिए, 'रश्क' और 'हसद' में यही फ़र्क़ है, 'हसद' में केवल व्यक्ति अपने लिए चाहता है दूसरे को नहीं देख सकता।

रश्कआमेज़ (رشک آمیز) फा वि –रश्क से भरा हुआ, जिसमें रश्क हो।

रश्कीं (رشکیں) फा वि –रश्क करनेवाला।

रश्के परी (رشک پری) फा वि –परी के सौन्दर्य को लज्जित करनेवाली नायिका।

रश्के माह (رشک ماہ) फा स्त्री –चाँद की प्रभा को मन्द कर देनेवाले मुखवाली नायिका।

रश्के मेह्र (رشک مہر) फा स्त्री –सूर्य की चमक-दमक को फीका कर देनेवाले मुखवाली प्रेयसी।

रश्के यूसुफ (رشک یوسف) फा अ स्त्री –यूसुफ की सुन्दरता को लजानेवाली सुन्दरी।

रश्के रिज़्वाँ (رشک رضواں) अ पु –स्वर्ग के अध्यक्ष को लज्जित करनेवाला मकान, अर्थात् बहुत ही सुसज्जित और शृंगारित भवन।

रश्के हूर (رشک حور) अ फा स्त्री –स्वर्गांगनाओं के सौन्दर्य को लज्जित करनेवाली प्रेमिका।

रश्फ़ (رشف) अ पु –चूसना, चूषण।

रश्मीज़ (رشمیز) फा स्त्री –दीमक, वम्री, वल्मी, उत्पादिका।

रश्ह (رشحہ) अ पु –बिंदु, बूंद, कण, स्राव, टपकना, टपकन, रिसाव।

रश्ह (رشح) अ पु –प्रतिश्याय, शीत, जुकाम, रिसाव, रेज़िश।

रश्हए कलम (رشحۂ قلم) अ पु –लेखनी की टपकन अर्थात् लेख, निबंध, अथवा कविता।

रश्हए फ़िक्र (رشحۂ فکر) अ पु –विचार का स्राव अर्थात् लेख आदि, विशेषत कविता।

रश्हात (رشحات) अ पु –'रश्ह' का बहु, टपकनें, रेज़िशें।

रस (رس) फा प्रत्य –पहुँचनेवाला, जैसे—'फ़लक रस' आकाश तक पहुँचनेवाला।

रसद (رسد) अ स्त्री –अंश, हिस्सा, खाद्य सामग्री, खाने-पीने का सामान।

रसद (رصد) अ स्त्री –देख-भाल का स्थान, जहाँ किसी चीज़ को ताका जाय।

रसदगाह (رصدگاہ) अ फा स्त्री –वह स्थान जहाँ से ग्रहों और तारों की गति आदि का निरीक्षण किया जाता है, वेधशाला, मानशाला, यन्त्रशाला।

रसदी (رسدی) अ वि –भाग के अनुसार, हिस्से के मुताबिक।

रसन (رسن) फा स्त्री –रज्जु, पाश, रस्सी।

रसनबाज़ (رسن باز) फा. वि –रस्सी पर कलाबाज़ियाँ खानेवाला, नट, वंचक, छली, मक्कार।

रसनबाज़ी (رسن بازی) फा स्त्री –नट का काम, छल, फ़िरेब, धूर्तता।

रसनबाफ़ (رسن باف) फा वि –रस्सी बटनेवाला, रज्जुकार।

रसनबाफ़ी (رسن بافی) फा स्त्री –रस्सी बटने का काम, या पेशा।

रसाँ (رساں) फा प्रत्य.–पहुँचानेवाला, जैसे–'नाम रसाँ' खत पहुँचानेवाला।

रसा (رسا) फा वि –पहुँचनेवाला, जिसकी किसी जगह पहुँच हो, जो हर जगह पहुँच जाता हो या पहुँचने की राह निकाल लेता हो।

रसाइल (رسائل) अ पु –'रिसाल' का बहु, पत्रिकाएँ, रिसाले।

रसाई (رسائی) फा स्त्री –पहुँच, प्रवेश।

रसानत (رصانت) अ स्त्री –दृढ़ता, मज़बूती।

रसानिंदः (رسانندہ) फा वि –पहुँचानेवाला, भेजनेवाला।

रसास (رصاص) अ पु –सीसा, सीसक, एक प्रसिद्ध धातु जिसके बंदूक की गोलियाँ बनती हैं, राँग, राँगा।

रसिंदः (رسندہ) फा वि –पहुँचनेवाला।

रसीद. (رسیدہ) फा वि –पहुँचा हुआ।

रसीद (رسید) फा स्त्री –रुपये आदि की वसूली का कागज़, प्राप्तिपत्र, पहुँच, प्राप्ति, वसूली।

रसीदगी (رسیدگی) फा स्त्री –पहुँच।

रसीदनी (رسیدنی) फा वि –पहुँचने योग्य।

रसूम (رسوم) अ पु –कर, शुल्क, फ़ीस।

रसूल (رسول) अ पु –ईशदूत, ईश्वरावतार, नबी।

रसूलुल्लाह (رسول اللہ) अ पु –ईशदूत, ईश्वर की ओर से सर्वसाधारण के सुधार के लिए भेजा हुआ व्यक्ति।

रस्तः (رستہ) फा वि –बंधनमुक्त, छूटा हुआ, पंक्ति, कतार, दुकानों की कतार, पथ, राह।

रस्तगार (رستگار) फा वि –बंधनमुक्त, छूटा हुआ, आज़ाद।

रस्तगारी (رستگاری) फा स्त्री –मुक्ति, छुटकारा, रिहाई।

रस्ताख़ेज़ (رستاخیز) फा स्त्री –महाप्रलय, कियामत।

रस्तोख़ेज़ (رست و خیز) फा स्त्री –दे 'रस्ताख़ेज़'।

रस्तख़ेज़ (رستخیز) फा स्त्री –दे 'रस्ताख़ेज़'।

रस्तगार (رستگار) फा वि –बंधनमुक्त, आज़ाद, छुटकारा पाया हुआ।

रस्तगारी (رستگاری) फा स्त्री –बंधन-मुक्ति, रिहाई, छुटकारा।

रस्म (رسم) अ स्त्री –परम्परा, रूढ़ि, रवाज, नियम, दस्तूर, कर, महसूल, वेतन, तनख्वाह, कोई काइदा जो बहुत दिनों से किसी खानदान, बस्ती या देश में चला आता हो, संस्कार, तक़रीब।

रस्मन (رسماً) अ वि –परंपरानुसार, रिवाज की मुताबिक, रस्मी तौर पर, छुछा उतारने को, यूँ ही।

रस्मी (رسمی) अ वि –परंपरा सम्बन्धी, जो बाक़ाइदा न हो, प्राईवेट; मामूली, साधारण।

रस्मुलख़त (رسم الخط) अ पु –लिपि, अक्षर लिखने की प्रणाली, जैसे–'उर्दू रस्मुलख़त' या 'हिंदी रस्मुलख़त'।

रस्मे निकाह (رسم نکاح) अ स्त्री –विवाह-संस्कार, ब्याह की तरकीब।

रस्मे बद (رسم بد) अ स्त्री –बुरी परंपरा, बुरा दस्तूर।

रस्मे मुल्क (رسم ملک) अ स्त्री –किसी देश की परंपरा, किसी मुल्क का रिवाज।

रस्मोराह (رسم و راہ) अ फा स्त्री –मेल-जोल, मेल-मिलाप।

रस्मोरिवाज (رسم و رواج) अ स्त्री –रूढ़ि और परंपरा, दस्तूर और काइदे।

रस्ल (رسل) अ पु –ख़बर भेजना, सूचना पहुँचाना, धीमी चाल।

रस्साम (رسام) अ वि –चित्रकार, चितेरा, नक्काश, मुसव्विर।

रह (رہ) फा स्त्री –'राह' का लघु, रस्ता, रास्ता, मार्ग, पथ।

रहआवर्द (رہ آورد) फा पु –दे 'रहावर्द'।

रहगीर (رہگیر) फा वि –दे 'रहरौ'।

रहगुज़र (رہگزر) फा स्त्री –'राहगुज़र' का लघु, आम रास्ता, राजमार्ग, सड़क।

रहज़न (رہزن) फा पु –'राहज़न' का लघु, बटमार, लुटेरा।

रहज़नी (رہزنی) फा स्त्री –'राहज़नी' का लघु, लुटेरापन, रास्ते में पथिकों को लूटने का काम।

रहनशीं (رہ نشیں) फा वि –'राहनशीं' का लघु पथस्थ, मार्गस्थ, रास्ते में बैठा हुआ।

रहनुमा (رہنما) फा वि –'राहनुमा' का लघु, पथ-प्रदर्शक, रस्ता बतानेवाला, आगे-आगे चलनेवाला।

रहनुमाई (رهنمائی) फा स्त्री –'राहनुमाई' का लघु, पथ-प्रदर्शन, रास्ता बताना, आगे-आगे चलना।
रहनुमू (رهنمو) फा वि –दे 'रहनुमा'।
रहबर (رهبر) फा वि –'राहबर' का लघु, दे 'रहनुमा'।
रहबरी (رهبری) फा स्त्री –दे 'रहनुमाई'।
रहरवी (رهروی) फा स्त्री –'राहरवी' का लघु, रस्ता चलना, यात्रा करना मुसाफिरत।
रहरौ (رهرو) फा वि –'राहरौ' का लघु, रस्ता चलने-वाला, पथिक, बटोही, मुसाफिर।
रहवार (رهوار) फा पु –अश्व, हय, घोडा।
रहा (رحی) अ पु –चक्की का एक पाट।
रहा (رها) फा वि –मुक्त, बधन-मुक्त, छूटा हुआ, खलास।
रहाई (رهائی) फा स्त्री –बधन मुक्ति, छुटकारा, खलासी।
रहावर्द (رهاورد) फा पु –वह उपहार जो यात्रा में जाने-वाला व्यक्ति बाहर से लाकर दे।
रहिम (رحم) अ पु –गर्भाशय, जरायु, बच्चादानी।
रही (رهی) फा पु –दास, सेवक, गुलाम, दे 'रिही', दोनो शुद्ध है।
रहीक़ (رحیق) अ स्त्री –मदिरा, सुरा, शराब।
रहीजाद (رهی زاده) फा पु –दासी-पुत्र, गुलाम-बच्चा।
रहीन (رهین) अ वि –गिरौं रखी हुई वस्तु, बधक।
रहीने ग़म (رهین غم) अ वि –शोकग्रस्त, दु खग्रस्त, पीडा-ग्रस्त, रज या मुसीबत में फँसा हुआ।
रहीने मिन्नत (رهین منت) अ वि –कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।
रहीने सितम (رهین ستم) अ वि –अत्याचारपीडित, जो किसी के अत्याचारो से दु खित हो।
रहीब (رحیب) अ वि –बहुत खानेवाला, पेटू, बहुभक्षी, अमिताशी, घस्मर।
रहीम (رحیم) अ वि –दयालु, कृपालु, महादयालु, ईश्वर का एक नाम।
रहील (رحیل) अ वि –प्रस्थान, प्रमाण, कूच, चलाव।
रह्त (رهط) अ पु –जनसमूह, भीड, समुदाय, यूथ, गिरोह।
रह्न (رهن) अ पु –बधक, गिरवी।
रह्न दर रह्न (رهن در رهن) अ फा पु –ऐसी जायदाद जो दो जगह रेहन हो, जिसे मुर्तहिन ने किसी और के पास रेहन रख दिया हो।
रह्ननाम (رهن نامه) अ फा पु –बधकपत्र, रेहन की तहरीर।
रह्नबिलकब्ज (رهن بالقبض) अ पु –ऐसा रेहन जिसमें मुर्तहिन को बधक पर क़ब्जा दिला दिया गया हो और वह उससे लाभ उठाता हो, भोग-बधक।
रह्नबिलबैअ (رهن بالبیع) अ पु –वह रेहन जिसमे नियत समय पर रुपया न अदा होने पर वह बधक मुर्तहिन का हो जाय।
रह्नबिलाक़ब्ज (رهن بلاقبض) अ पु –वह रेहन जिस पर मुर्तहिन का क़ब्जा न हो, दृष्टबधक।
रह्ने दख्ली (رهن دخلی) अ पु –ऐसा रेहन जिस पर मुर्तहिन का क़ब्जा हो और वह जमीन या जायदाद का नफा अपने सूद में वसूल करता हो।
रह्ने बिलावस्ल (رهن بلاوصل) अ पु –ऐसा रेहन जिसमें मुर्तहिन को जमीन या जायदाद पर कब्जा न हासिल हो, केवल उसके पास रेहन हो।
रह्बानियत (رهبانیت) अ स्त्री –सारी उम्र ब्रह्मचारी रहना और अच्छे खाने छोड देना, कामवासना से बचने के लिए लिंग कटवा देना और सबसे अलग-अलग रहना।
रह्म (رحم) अ पु –करुणा, तरस, दया, मर्हमत, कृपा, मेह्रबानी।
रह्मआगीं (رحم آگیں) अ फा वि –करुणा और दया से भरा हुआ, करुणापूर्ण।
रह्मत (رحمت) अ स्त्री –दया, कृपा, रह्म, करुणा, तरस।
रह्मते आलम (رحمت عالم) अ स्त्री –ससार के लिए साक्षात् कृपा और दया, हज्रत मुहम्मद साहिब की उपाधि।
रह्मदिल (رحم دل) अ फा वि –जिसका हृदय बहुत ही दयामय और करुणापूर्ण हो, सदय।
रह्मदिली (رحم دلی) अ फा स्त्री –हृदय मे दया और करुणा का भाव होना।
रह्मान (رحمن/رحمان) अ वि –दयालु, कृपालु, मेह्रबान, ईश्वर का एक नाम।
रह्मानी (رحمانی) अ वि –ईश्वरीय, ईश्वर का, ईश्वर-सम्बन्धी।

रा

रां (راں) फा प्रत्य –चलानेवाला, जैसे–'हुक्मरां' शासन चलानेवाला।
रांदः (رانده) फा वि –हाँका हुआ, भगाया हुआ, निकाला हुआ, बहिष्कृत।
रांदए दरगाह (رانده درگاه) फा वि –किसी बडी जगह, सरकार या दरबार से बहिष्कृत।
रा (را) फा अव्य –लिए, वास्ते, को।
राइक़ (رائق) अ वि –अनाहार, अनशन, नहार मुँह, साफ़ और स्वच्छ वस्तु।

राइज (رائج) अ वि.–प्रचलित, चालू, जिसका चलन हो।

राइज़ (رائض) अ. वि.–चाबुक सवार, घोडा फेरनेवाला।

राइजुलवक़्त (رائج الوقت) अ. वि–समय के चलन के अनुसार; जो किसी समय विशेष मे प्रचलित हो।

राइद (رائد) अ वि–जिसके जिम्मे मकानो का प्रबध हो, मीरमजिल।

राइलइबाद (راعی العباد) अ. पु–प्रजापाल, जनता की देखरेख करनेवाला।

राई (راعی) अ. वि–चरवाहा, गडरिया, शासक, नरेश, बादशाह।

राए (رائے) अ स्त्री–विचार, ख़याल, मत, वोट; परामर्श, मश्वरा।

राएआम्मः (رائے عامہ) अ स्त्री–सारी जनता की राय।

राएगाँ (رائگاں) फा. वि–नष्ट, बरबाद, निष्फल, बेनतीजा; बेकार, व्यर्थ।

राएज़नः (رائے زن) अ फा वि.–विचार प्रकट करनेवाला, परामर्शदाता।

राएज़नी (رائے زنی) अ फा. स्त्री.–अपने विचार प्रकट करना, परामर्श देना।

राएतलबी (رائے طلبی) अ स्त्री–राय लेना, सलाह चाहना; वोट माँगना।

राएदिहिंदः (رائے دہندہ) अ फा वि–राए देनेवाला, वोट देनेवाला, मतदाता।

राएदिहिंदगी (رائے دہندگی) अ. फा स्त्री.–राय देना, वोट देना, मतदान।

राएदिही (رائے دہی) अ फा स्त्री–दे 'राएदिहिंदगी'।

राएशुमारी (رائے شماری) अ फा. स्त्री–वोटो की गिनती, मत-गणना।

राएहः (رائحہ) अ पुं.–बू, बास, गध।

राएह (رائح) अ वि–बूदार, बासवाली वस्तु।

राफ़िद (رافد) अ वि–सीनेवाला, स्वापक।

राकिद (راکد) अ. वि–बद पानी, वह पानी जो ठहरा हुआ हो, प्रवाहित न हो।

राक़िब (راقب) अ. वि–प्रतीक्षक, मुतज़िर; आशान्वित, पुरउम्मीद।

राकिब (راکب) अ. वि–सवार होनेवाला, सवार, घुड-सवार, अश्वारोही।

राक़िमः (راقمہ) अ स्त्री–लिखनेवाली, चिट्ठी लिखने-वाली।

राक़िम (راقم) अ. पु–लेखक, लिखनेवाला, पत्र लिखने-वाला।

राक़िमुलहुरूफ़ (راقم الحروف) अ वि–पत्र-लेखक, चिट्ठी लिखनेवाला।

राक़ी (راقی) अ. पु–अभिचारक, जत्र-मत्र करनेवाला।

राके' (راکع) अ वि–नमाज मे झुकनेवाला, नमाज़ पढने-वाला।

राक़े' (راقع) अ वि–कपड़ो मे थिगली सीनेवाला, पैंवद सीनेवाला, चकती लगानेवाला।

राग़ (راغ) फा पु–वन, जगल, सब्ज़ज़ार, हरा-भरा मैदान; पहाड की तराई।

राग़िब (راغب) अ वि–आकर्षित, मुतवज्जेह, दिलचस्पी रखने या लेनेवाला।

राज़ (راز) फा पु–रहस्य, भेद, मर्म, मूल, तत्त्व, सार।

राज़आगाह (راز آگاہ) फा वि–दे 'राज़आश्ना'।

राज़आश्ना (راز آشنا) फा वि–जो किसी भेद से वाक़िफ हो, रहस्यवेत्ता।

राज़दाँ (رازداں) फा वि–भेद जाननेवाला, मर्मज्ञ, रहस्यज्ञ।

राज़दार (رازدار) फा वि–दे 'राज़दाँ'।

राज़यानः (رازیانہ) फा स्त्री.–सौंफ, शतपुष्पा, बादियान।

राज़िअः (راضعہ) अ स्त्री–दूध पीनेवाली बच्ची, स्तन-पायिनी।

राज़िक़ः (رازقہ) अ पु–अन्नदात्री, अन्नपूर्णा, जीविका, वृत्ति, रोज़ी।

राज़िक़ (رازق) अ वि–अन्नदाता, खाना देनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला।

राजी (راجی) अ वि–आशान्वित, पुरउम्मीद।

राज़ी (راضی) अ. वि–प्रसन्न, हर्षित, खुश, सतुष्ट, मुत्मइन; अगीकृत, रिज़ामद।

राज़ी (رازی) फा वि–'रै' नगर का निवासी, 'रै' ईरान मे खुरासान प्रान्त का एक प्राचीन नगर है।

राज़ीनामः (راضی نامہ) अ फा पु–सधिपत्र, सुलहनामा, मुकदमे के दोनो पक्षो में सधि का लिखित पत्र।

राज़ीबरज़ा (راضی برضا) अ फा वि–किसी की मरज़ी पर राज़ी, अमुक व्यक्ति जो कर दे उसी पर संतुष्ट।

राजे' (راجع) अ वि–आकर्षित, मुल्तफ़ित, प्रत्यागामी, वापस लौटनेवाला।

राज़े' (راضع) अ वि–दूध पीनेवाला बालक, स्तनपायी।

राज़े सरबस्तः (راز سربستہ) फा पु–ऐसा भेद जो किसी को तनिक भी मालूम न हो।

राजेह (راجح) अ वि–आकर्षित, राग़िब, उत्तम, बेहतर, प्रधान, तर्जीहवाला।

राज़े हयात (راز حیات) फा अ पु –ज़िंदगी का भेद, जीवन-मर्म ।

राज़ोनियाज़ (راز و نیاز) फा पु.–प्रेम की गुप्त बातें ।

रातिब (راتب) अ पु –रोज की ख़ुराक, तनख़्वाह, कुत्ते या घोड़े की ख़ुराक ।

रातिबख़ोर (راتب خور) अ फा वि –रातिब खानेवाला, रोज की ख़ुराक पानेवाला ।

रा'द (رعد) अ पु –बिजली की कड़क ।

राद [द्द] (راد) अ वि –रद करनेवाला, लौटानेवाला ।

रा'दआसा (رعد آسا) अ. फा वि –बिजली की कड़क-जैसा ।

रादिआत (رادعات) अ स्त्री –'रादे' का बहु, वे दवाएँ जो ख़राब माद्दे को हटा दें ।

रादे' (رادع) अ वि –हटानेवाला, रोकनेवाला, वह दवा जो विकृत माद्दे को अंग विशेष से हटा दे ।

रान (ران) फा स्त्री –जंघा, जाँघ ।

रा'ना (رعنا) फा वि –सुन्दर, रूपवान्, हसीन, डील-डौल का बहुत सुन्दर ।

रा'नाइए ख़याल (رعنائی خیال) फा अ स्त्री –विचारों का सौन्दर्य, ख़यालों की विचित्रता ।

रा'नाई (رعنائی) फा स्त्री –सुन्दरता, छटा, हुस्न ।

राफ़त (رافت) अ स्त्री –कृपा, दया, अनुकंपा, मेह्रबानी ।

राफ़िज़: (رافضہ) अ पु –वे लोग जो अपने स्वामी को विपत्ति पड़ने पर छोड़ भागें ।

राफ़िज़ (رافض) अ वि –वह व्यक्ति जो अपने स्वामी को कष्ट पीड़ित देखकर भाग जाय ।

राफ़िज़ी (رافضی) अ वि –'राफ़िज़' से सम्बन्धित व्यक्ति ।

राफ़िद (رافد) अ वि –दाता, प्रदाता, देनेवाला, सहायक, मदद करनेवाला ।

राफ़े' (رافع) अ वि –ऊपर उठानेवाला, उन्नायक, ऊँचा करनेवाला, 'उ' की मात्रा (पेश) देनेवाला ।

राफ़ेह (رافہ) अ वि –सुख का जीवन व्यतीत करनेवाला ।

राबिअ: (رابعہ) अ स्त्री –चौथी, एक बहुत ही तपस्विनी और साध्वी स्त्री ।

राबित: (رابطہ) अ पु –सम्बन्ध, लगाव, संपर्क, वासिता, मेल-जोल, प्रेम-व्यवहार ।

राबित (رابط) अ वि –मिलानेवाला, संयोजक ।

राबिय: (رابیہ) अ स्त्री –ऊँची भूमि ।

राबे' (رابع) अ वि –चौथा, चतुर्थ ।

राबेह (رابح) अ वि –ब्याज खानेवाला, कुसीदजीवी, ब्याजख़ोर ।

राम (رام) फा वि –वशीभूत, अधीन, ताबे' ।

रामिक़ (رامق) अ वि.–जाल में बँधा हुआ ।

रामिश (رامش) फा स्त्री –गान, गाना, नग्मा ।

रामिशगर (رامشگر) फा. वि –गायक, गवैया, गानेवाला ।

रामिशगाह (رامشگاہ) फा स्त्री –गाने का स्थान, नाट्यशाला ।

रामिशी (رامشی) फा वि –दे 'रामिशगर' ।

रामीं (رامیں) फा वि –एक आशिक़ का नाम, एक चंग बजानेवाले का नाम ।

रामी (رامی) अ वि –धनुर्धर, तीरअंदाज़; आरोप लगानेवाला ।

रामेह (رامح) अ वि –बरछा चलानेवाला, बरछाबाज़ ।

राय (رای) अ स्त्री –दे 'राए' ।

रायगाँ (رایگاں) फा वि –दे 'राएगाँ' ।

रायज़न (رای زن) अ फा वि –दे 'राएज़न' ।

रायत (رایت) अ पु –पताका, ध्वजा, झंडा, परचम ।

रायात (رایات) अ पु –'रायत' का बहु, झंडे ।

रायुल ऐन (رای العین) अ क्रि –आँखों से देखना, प्रत्यक्ष दर्शन करना ।

रावंद (راوند) फा स्त्री –एक जड़, रेवंद चीनी ।

रावक़ (راوق) फा स्त्री –शराब छानने की साफ़ी, मदिरा, मद्य, शराब ।

रावी (راوی) अ वि –किसी से कोई बात सुनकर ज्यों की त्यों दूसरे से कहनेवाला, इस्लामी परिभाषा में हज़रत मुहम्मद साहिब से सुने हुए प्रवचनों को उन्हीं के शब्दों में दूसरे से कहनेवाला ।

रा'श: (رعشہ) अ पु –शरीर के अंगों के काँपने का रोग, कंपरोग, कँपकपी ।

राश (راش) फा. अ –अन्न का ढेर, रास, राशि ।

राशिद (راشد) अ वि –जिसने गुरु से दीक्षा प्राप्त की हो, मुर्शिद से हिदायत पानेवाला ।

राशी (راشی) अ वि –रिश्वत देनेवाला, बहुत-से लोग रिश्वत लेनेवाले के लिए बोलते हैं, यह अशुद्ध है ।

राशेह (راشح) अ वि –रिसनेवाला, धीरे-धीरे टपकनेवाला ।

रास (راس) अ पु –सिर, सर, मवेशी की तादाद के लिए, जैसे–'एक रास बैल' अर्थात् एक बैल, राहु ग्रह ।

रास (راس) फा. स्त्री –मार्ग, पथ, रास्ता, राह ।

रासिख़ (راسخ) अ. वि –अटल, दृढ़, पक्का ।

रासिख़ुलअक़ीद: (راسخ العقیدہ) अ वि –जिसका धर्म-विश्वास अटल हो ।

रासिख़ुलएतिक़ाद (راسخ الاعتقاد) अ वि –दे 'रासिख़ुल-अक़ीद'।

रासिद (راصد) अ वि.–ज्योतिषी, नुजूमी, प्रहरी, चौकीदार, पहरेदार।

रासिब (راسب) अ वि –नीचे बैठ जानेवाला, गाद, तलछट।

रासियः (راسیہ) अ वि –मज़बूत पहाड़।

रासियात (راسیات) अ पु –'रासिय' का बहु, मज़बूत पहाड़ो का समूह।

रासुलजदी (راس الجدی) अ पु –राशिचक्र मे मकर राशि पर वह बिन्दु जहाँ बाईस दिसंबर को सूर्य पहुँचता है और सबसे छोटा दिन होता है।

रासुलमाल (راس المال) अ पु –मूलधन, अस्ल ज़र।

रासुस्सर्तान (راس السرطان) अ. पु –राशिचक्र में कर्क राशि पर वह बिंदु जहाँ २१ जून को सूर्य पहुँचता है, और साल मे सबसे बड़ा दिन होता है।

रासू (راسو) फा पु –नेवला, नकुल, ह्लीक।

रासोज़नब (راس وذنب) अ पु –राहु और केतु।

रास्तः (راستہ) फा पु –मार्ग, पथ, राह, रास्ता।

रास्त (راست) फा वि –दाहिना, सीधी तरफ का दक्षिण, सरल, सीधा, सत्य, सच।

रास्तकिर्दार (راست کردار) फा वि –सरलाचारी, सदाचारी, नेकचलन, सद्वृत्त।

रास्तकिर्दारी (راست کرداری) फा स्त्री –सरलाचार, सदाचार, नेकचलनी।

रास्तगुफ़्तार (راست گفتار) फा वि –दे 'रास्तगो'।

रास्तगुफ़्तारी (راست گفتاری) फा स्त्री –दे. 'रास्तगोई'।

रास्तगो (راست گو) फा वि –सच बोलनेवाला, सत्यवादी, यथार्थवादी, अनृतभाषी।

रास्तगोई (راست گوئی) फा स्त्री –सच बोलना, सत्यवाद।

रास्तबाज़ (راست باز) फा वि –सच्चा, सत्यनिष्ठ, व्यवहार-कुशल, लेन-देन में साफ़, ईमानदार, सदाचारी, नेकचलन।

रास्तबाज़ी (راست بازی) फा. स्त्री –सच्चाई, ईमानदारी; सदाचार।

रास्तमिज़ाज (راست مزاج) फा अ वि –सरल स्वभाव, नेकदिल, सत्यनिष्ठ, ईमानदार।

रास्तमिज़ाजी (راست مزاجی) फा अ स्त्री –स्वभाव की सरलता, सत्यनिष्ठता, ईमानदारी।

रास्तमुआमलः (راست معاملہ) फा अ वि –लेन-देन और आचार-व्यवहार मे ईमानदार।

रास्तमुआमलगी (راست معاملگی) फा. अ. स्त्री –लेन-देन और आचार-व्यवहार मे ईमानदारी।

रास्तरवी (راست روی) फा स्त्री –सीधी राह चलना, सदाचार, धर्मनिष्ठा।

रास्तरौ (راست رو) फा वि –सीधी राह चलनेवाला, सन्मार्गी, सदाचारी, धर्मनिष्ठ।

रास्तशिआर (راست شعار) फा अ वि –दे 'रास्तमुआमल'।

रास्ती (راستی) फा स्त्री –सरलता, सीधापन, सत्यता, सच्चाई; सदाचार, नेककिर्दारी।

रास्तीआश्ना (راستی آشنا) फा वि –धर्मनिष्ठ, सदाचारी, नेक आ'माल।

रास्तीपसंद (راستی پسند) फा वि –जिसे सत्यता और धर्मनिष्ठा पसंद हो।

रास्तीपसंदी (راستی پسندی) फा स्त्री –सत्यता और धर्मनिष्ठा को पसंद करना।

रास्तीशिआर (راستی شعار) फा अ वि –जिसका आचरण सत्यता और धर्मनिष्ठा पर निर्भर हो।

रास्तीशिआरी (راستی شعاری) फा अ स्त्री –सत्यता और धर्मनिष्ठा को ग्रहण करना और उसी पर चलना।

राहः (راحہ) अ. स्त्री –हथेली, करतल।

राह (راہ) फा स्त्री –मार्ग, पथ, रास्ता, ढंग, तरीका, युक्ति, तर्कीब, यत्न, प्रतीक्षा, इंतिज़ार, आशा, आस, उम्मीद।

राह (راح) अ स्त्री –हर्ष, खुशी, मदिरा, शराब।

राहख़र्च (راہ خرچ) फा पु.–रास्ते मे होनेवाला ख़र्च, मार्ग-व्यय।

राहगीर (راہگیر) फा वि –बटोही, पथिक, मुसाफिर।

राहगुज़र (راہگزر) फा स्त्री –मार्ग, पथ, रास्ता।

राहज़न (راہزن) फा वि –बाटमार, रास्ते मे लूटनेवाला, पथघ्न।

राहज़नी (راہزنی) फा स्त्री –बाटमारी, रास्ते मे लूटना, यात्री का धन छीनना।

राहत (راحت) अ स्त्री –सुख, चैन, आराम, सुगमता, आसानी, शान्ति, सुकून, रोग या पीड़ा मे कमी।

राहतअंजाम (راحت انجام) अ फा वि –जिस कार्य का परिणाम शान्ति अथवा सुख हो।

राहतअफ़्ज़ा (راحت افزا) अ फा वि –शान्ति और सुख बढ़ानेवाला।

राहतकदः (راحت کدہ) अ फा पु –राहत और सुख का घर, जहाँ सुख और शान्ति प्राप्त हो, शयनागार, ख़्वाबगाह।

राहतगाह (راحت گاہ) अ. फा. स्त्री –दे. 'राहतकद'।

राहततलब (راحت طلب) अ वि –जो सुख चाहता हो, जो काम आदि करने से घबराता हो, आरामतलब, कामचोर।

राहततलबी (راحت طلبی) अ स्त्री –सुख चाहना, काम-धधा न करना, केवल बैठे-बैठे खाने की इच्छा।

राहतपरस्त (راحت پرست) अ फा वि –पलग पर पडा रहनेवाला, काम से जी चुरानेवाला, निकम्मा।

राहतपरस्ती (راحت پرستی) अ फा स्त्री –काम से जी चुराना, निकम्मापन, कामचोरी।

राहतफ़ज़ा (راحت فزا) अ फा वि –'राहतअफ़्ज़ा' का लघु, दे 'राहतअफ़्ज़ा'।

राहतरसाँ (راحت رساں) अ फा वि –सुख देनेवाला, आराम पहुँचानेवाला, सुखदायी।

राहतरसानी (راحت رسانی) अ फा स्त्री –सुख देना, आराम पहुँचाना।

राहती (راحتی) अ स्त्री –वह चौकी जो बीमार के पलँग के पास शौचादि के लिए लगा देते हैं।

राहते जाँ (راحت جاں) अ फा स्त्री –प्राणो का सुख, प्राणाधार, विशेषत लडके के लिए और साहित्य में प्रेमिका के लिए आता है।

राहते दिल (راحت دل) अ फा स्त्री –दे 'राहते जाँ'।

राहते रूह (راحت روح) अ स्त्री –प्राणो का सुख, आत्मा का चैन, अर्थात् नायिका, प्रेयसी।

राहदार (راهدار) फा वि –प्रहरी, चौकीदार, धारीदार कपडा।

राहदारी (راهداری) फा स्त्री –पारपत्र, पासपोर्ट; चौकीदारी।

राहनशीं (راه نشیں) फा वि –रास्ते में बैठा हुआ, पथस्थ, मार्गस्थ।

राहनवर्द (راه نورد) फा वि –राहगीर, पथिक, मुसाफिर।

राहनवर्दी (راه نوردی) फा स्त्री –राहगीरी, राह चलना।

राहनुमा (راه نما) फा वि –पथ-प्रदर्शक, मार्ग-दर्शक, रास्ता बतानेवाला; नायक, नेता, लीडर।

राहनुमाई (راه نمائی) फा स्त्री –पथ-प्रदर्शन, रास्ता बताना, नेतृत्व, नेतापन, लीडरी।

राहपैमा (راه پیما) फा वि –रास्ता नापनेवाला, राह चलनेवाला, पथिक, यात्री।

राहपैमाई (راه پیمائی) फा स्त्री –रास्ता नापना अर्थात् चलना, यात्रा, सफर।

राहबर (راهبر) फा. वि –दे 'राहनुमा'।

राहबरी (راهبری) फा स्त्री –दे 'राहनुमाई'।

राहरवी (راه روی) फा स्त्री.–दे 'राहनवर्दी'।

राहरौ (راه رو) फा वि –दे 'राहनवर्दी'।

राहवार (راهوار) फा पु –अश्व, घोडा, कदम चाल चलनेवाला घोडा।

राहवारी (راهواری) फा स्त्री –घोडे की कदम चाल।

राहिन (راهن) अ वि –किसी के पास अपनी चीज़ गिरौ रखनेवाला, बधककर्ता, आधायक।

राहिबः (راهبه) अ स्त्री –वह ईसाई स्त्री जो सासारिक वासनाओ को छोड चुकी हो।

राहिब (راهب) अ. पु –वह ईसाई पुरुष जो सासारिक सुखो से निवृत्त हो चुका हो।

राहिम (راحم) अ. वि –दया करनेवाला, दयालु।

राहिलः (راحله) अ पु –सवारी का जानवर, वाहन।

राहिल (راجل) अ वि –पैदल चलनेवाला, पदातिग, पदचर।

राही (راهی) फा वि –पथिक, बटोही, राहगीर, मुसाफिर।

राहे जहन्नम (راه جهنم) फा अ पु –नरक का मार्ग, कदाचार, दुराचार, बदचलनी।

राहे नजात (راه نجات) फा अ पु –मुक्तिपथ, मोक्षमार्ग, बख्शिश का ज़रिया, मुक्ति-साधन।

राहे पुरीदः (راه بریده) फा पु.–वह मार्ग जिस पर चलना बद हो, जिस पर लूटमार का भय हो।

राहे रास्त (راه راست) फा पु.–सीधा रास्ता, धर्म का मार्ग, सत्य का मार्ग।

राहे सख़्त (راه سخت) फा पु –कठिन और दुष्कर मार्ग, वह रास्ता जिस पर चलना कठिन हो अर्थात् धर्म का मार्ग, वह रास्ता जिस पर जान जोखिम या लुटने का डर हो।

राहोरब्त (راه و ربط) फा. अ पु –मेल-जोल, मेल-मिलाप, प्रेम-व्यवहार।

राहोरविश (راه و روش) फा स्त्री –आचार-व्यवहार, चाल-ढाल, रग-ढग।

राहोरस्म (راه و رسم) फा. अ स्त्री.–दे 'राहोरब्त'।

रि

रिंद (رند) फा पु –मद्यप, शराबी, रसिया, रँगीला, निश्चिन्त, बेफिक्रा, लपट, औबाश, मस्त, उन्मत्त, धार्मिक बंधनो से मुक्त।

रिंदतब्अ (رند طبع) फा अ वि –जो बहुत ही बेफ़िक्र, खुशमिज़ाज और मनमौजी हो।

रिंदपेशः (رند پیشه) फा वि –बहुत अधिक शराबी, शराबी, मद्यप, रसाधी।

रिंदमशूहब (رند مشرب) फा अ वि –दे 'रिंदपेश'।

रिंदमशरब (رندمشرب) फा अ वि–दे 'रिंदपेश'।

रिंदशिआर (رندشعار) फा अ वि.–दे 'रिंदपेश'।

रिंदशेवः (رندشیوہ) फा. वि–दे 'रिंदपेश'।

रिंदानः (رندانہ) फा वि–रिंदो-जैसा, मतवालो-जैसा, आज़ादो-जैसा।

रिंदी (رندی) फा स्त्री–शराबीपन, लम्पटता, रँगीलापन; मनमौजीपन, मस्ती।

रिंदे ख़ुशऔक़ात (رند خوش اوقات) फा अ पु–वह शराबी जिसका अधिक समय पीने-पिलाने मे गुज़रे।

रिंदे पार्सा (رند پارسا) फा पु–वह शराबी जो रिंद होने के साथ-साथ संयमी और निग्रही हो।

रिंदे बलानोश (رند بلانوش) फा पु–बहुत अधिक और हर प्रकार की शराब पीनेवाला।

रिंदे बासफ़ा (رند باصفا) फा अ पु–वह शराबी जो बहुत ही सदाचारी और स्वच्छहृदय हो।

रिंदे लाउबाली (رند لاابالی) फा अ पु–वह शराबी जो बहुत ही बेफ़िक्रा और मनमौजी हो।

रिंदे शाहिदबाज़ (رند شاهدباز) फा अ पु–वह शराबी जो अच्छी स्त्रियो का भक्त भी हो।

रिंदे सालेह (رند صالح) फा अ पु–दे 'रिंदे पार्सा'।

रिआयत (رعایت) अ स्त्री–व्यवहार मे कोमलता, मूल्य आदि में कमी, विचार, ध्यान, ख़याल।

रिआयती (رعائتی) अ वि–रिआयतवाला, रिआयती दामोवाला।

रिआयते बेजा (رعایت بیجا) अ. फा. स्त्री–गलत रिआयत, ऐसी रिआयत जो उचित न हो।

रिआयते मा'नवी (رعایت معنوی) अ स्त्री–वह अर्थालकार जिसमें किसी शे'र आदि मे किसी एक अर्थ से सम्बन्धित और भी समानार्थक शब्द लाये जायें।

रियायते लफ़्ज़ी (رعایت لفظی) अ स्त्री–वह शब्दालकार जिसमे किसी शे'र आदि में एक शब्द के अनुकूल और भी शब्द लाये जायें, जैसे—नदी के साथ, नाव, कर्णधार, पतवार आदि के शब्द।

रिक़ [ध्रुक़] (رق) अ. स्त्री–दासता, परिचर्या, सेवा गुलामी, ख़िदमत।

रिक़ाअ (رقاع) अ पु–रुक्अ (रुक्क) का बहु, 'चिट्ठियाँ।

रिकाज़ (رکاز) अ पु–दफ़ीना, भूगर्भित धन, भूनिहित धन-सपत्ति।

रिक़ाब (رقاب) अ पु–'रक़्ब' का बहु; गले, गरदने, दासगण, लौंडी गुलाम।

रिकाब (رکاب) अ स्त्री–घोड़े की काठी का पायदान जिसमें पाँव रखकर चढते है, सवारी के ऊँट।

रिकाब (رکاب) फा स्त्री–नौका, नाव, किश्ती, आठ पहलू का प्याला।

रिकाबदार (رکابدار) फा वि–घोड़े पर सवार करानेवाला नौकर, खाना उतारनेवाला, ख़ानसामाँ; मिठाई और हलवे बनानेवाला।

रिकाबी (رکابی) फा स्त्री–प्लेट, तश्तरी, रकाबी।

रिकेब (رکیب) फा स्त्री.–दे 'रिकाब'।

रिक़्क़त (رقت) अ स्त्री–आर्द्रता, गीलापन, नम्रता, नर्मी; रोदन, रोना।

रिक़्क़ते क़ल्ब (رقت قلب) अ स्त्री–हृदय की आर्द्रता, चित्त की कोमलता, दयाभाव, दिल की नर्मी।

रिक़्क़ते मनी (رقت منی) अ स्त्री–वीर्य का पतलापन जो किसी विकार के कारण होता है।

रिक्वः (رکوہ) अ.पु.–छागल, बहुत छोटी मशक।

रिख़्वः (رخوہ) अ पु–ढीलापन, शिथिलता, रिख़्वत; एक दर्द।

रिख़्व (رخو) अ. पु–ढीला, शिथिल।

रिख़्वत (رخوت) अ स्त्री–ढीलापन, शिथिलता।

रिग़्वः (رغوہ) अ पु–झाग, फेन, कफ।

रिग़्व (رغو) अ वि–झाग, फेन।

रिज़ा (رضا) अ. स्त्री–स्वीकृति, मंजूरी; आज्ञा, इजाज़त; प्रसन्नता, ख़ुशनूदी, इमाम अली मूसा रिज़ा।

रिज़ाअ (رضاع) अ स्त्री–बालक के दूध पीने की अवस्था।

रिज़ाई (رضاعی) अ वि–जो किसी दूसरी स्त्री के दूध पीने मे शरीक हो, जैसे—'रिज़ाई भाई' या 'रिज़ाई बहन'।

रिज़ाकार (رضاکار) अ फा पु–स्वयसेवक, स्वेच्छासेवक, बिना वेतन के किसी कार्य-विशेष मे सेवाभाव से भाग लेनेवाला।

रिज़ाकारानः (رضاکارانہ) अ फा वि.–स्वयसेवको-जैसा, बिना वेतन के कार्यसिद्धि मे सहायता।

रिज़ामंद (رضامند) अ फा वि–अगीकृत, राज़ी, सहमत, हम ख़याल।

रिज़ामंदी (رضامندی) अ फा. स्त्री–अगीकार, कबूलियत; सहमति, आज्ञा।

रिजाल (رجال) अ पु–'रजुल' का बहु, मनुष्य-समूह, बहुत-से आदमी।

रिजालुलग़ैब (رجال الغیب) अ पु–ग़ैब के आदमी, देवता, फ़िरिश्ते, अलौकिक शक्तियाँ।

रिजाले मईयत (رجال معیت) अ पु–पर्सनल स्टाफ।

रिज़्क़ (رزق) अ पु–अन्न, गिज़ा, जीविका, रोज़ी।

रिज़्मः (رزمه) अ. स्त्री –अलगनी, कपडे टाँगने की रस्सी।
रिज्ल (رجل) अ पु –पाँव, पाद, पद, चरण, पैर।
रिज्लैन (رجلين) अ पु –दोनो पाँव, उभय पद।
रिज़्वाँ (رضواں) अ पु –'रिज़्वान' का लघु, दे 'रिज़्वान'।
रिज़्वान् (رضوان) अ पु –जन्नत का दारोगा, स्वर्गाध्यक्ष।
रिज़्वी (رضوی) अ वि –इमाम 'अली मूसा रिज़ा' का अनुयायी या उनका वंशज।
रिज्स (رجس) अ. पु –अपवित्रता, अशुद्धता, अशौच, गदगी, नापाकी।
रित्ल (رطل) अ पु –दे 'रत्ल', उर्दू में 'रत्ल' ही बोलते है, शुद्ध दोनो है।
रिदा (ردا) अ स्त्री –ओढ़ने की चादर, प्रच्छादन।
रिदाए कुहनः (ردائے کہنہ) अ फा स्त्री –फटी पुरानी चादर, गूदड।
रिदापोश (رداپوش) अ वि –चादर ओढनेवाला।
रिफ़ाक़ (رفاق) अ पु –'रफ़ीक' का बहु; मित्रगण, दोस्त लोग; सहचरगण, साथी लोग।
रिफ़ादः (رفادہ) अ पु –घाव पर बाँधने की पट्टी।
रिफ़ाह (رفاہ) अ स्त्री –'रफ़्ह' या 'रिफ़्ह' का बहु, हित, भलाइयाँ, सुख, आराम।
रिफ़ाहे आम (رفاہ عام) अ स्त्री –लोकहित, जनहित, जनता की भलाई और सुख।
रिफ़ाहे आम्मः (رفاہ عامہ) अ स्त्री –दे 'रिफ़ाहे आम'।
रिफ़ाहे ख़लाइक़ (رفاہ خلائق) अ स्त्री –दे 'रिफ़ाहे आम'।
रिफ़ाहे ख़ल्क़ (رفاہ خلق) अ स्त्री –दे 'रिफ़ाहे आम'।
रिफ़्अत (رفعت) अ स्त्री –उच्चता, उत्तुगता, बलदी, उन्नति, तरक्की।
रिफ़्क़ (رفق) अ स्त्री –नम्रता, मृदुलता, कोमलता, नर्मी।
रिफ़्ह (رفہ) अ पु –हित, भलाई, सुख, आराम, दे 'रफ़्ह', दोनो शुद्ध है।
रिबा (ربوا) अ पु –ब्याज, कुसीद, सूद।
रिब्अ' (ربع) अ पु –चौथे दिन आनेवाला ज्वर, चौथिया।
रिब्तः (ربطہ) अ पु –नेकटाई।
रिब्ह (ربح) अ पु –तिजारती सूद या तिजारती लाभ।
रिमायः (رمایہ) अ पु –धनुर्विद्या, तीरअदाज़ी, तीर चलाना, बाण मारना।
रिमाल (رمال) अ पु –'रम्ल' का बहु, रेत के जर्रे, बालू के कण।
रिमाह (رماح) अ पु –'रुम्ह' का बहु, बरछे, शक्तियाँ, नेजे।
रियः (ریہ) अ पु –फेफडा, फुप्फुस, शुश।
रिया (ریا) अ स्त्री –पाखड, आडबर, दिखावा, नुमाइश।
रियाई (ریائی) अ फा स्त्री –नुमाइशी, दिखावे का, पाखडवाला।
रियाकार (ریاکار) अ फा. वि –पाखडी, आडबरी, धर्मध्वजी, आर्यरूप, छली, वचक, ठग।
रियाकारी (ریاکاری) अ फा स्त्री –पाखड, ढोग, धर्मध्वजता।
रियाज़ (ریاض) अ पु –'रौज़' का बहु, बहुत से बाग़, कष्ट, परिश्रम, मेहनत, अभ्यास, मश्क, तपस्या, इबादत।
रियाज़त (ریاضت) अ स्त्री –परिश्रम, उद्यम, प्रयास, मेहनत, व्यायाम, वरज़िश, कसरत, तपस्या, जप-तप, इबादत, व्रत आदि के द्वारा इद्रियो का दमन, नफ्सकुशी, अभ्यास, मश्क।
रियाज़तकश (ریاضت‌کش) अ. फा वि –जप, तप और व्रत आदि के द्वारा इद्रिय-निग्रह करनेवाला, कठोर तपस्या करनेवाला।
रियाज़तकशी (ریاضت‌کشی) अ फा स्त्री –जप-तप और व्रत आदि, कठोर तपस्या।
रियाज़तगाह (ریاضت‌گاہ) अ फा स्त्री –तपोवन, जप-तप करने का स्थान।
रियाज़ती (ریاضتی) अ वि –कसरती, वरज़िशी, सयमी, जप-तप करनेवाला।
रियाज़ते शाक़्क़ः (ریاضت شاقہ) अ स्त्री –बहुत कडा परिश्रम, बहुत बडी तपस्या।
रियाज़ी (ریاضی) अ स्त्री –गणित, बीजगणित, गणित विद्या, इल्मुल हिसाब, मैथमैटिक्स।
रियाज़ीदाँ (ریاضی‌داں) अ. फा वि –बीजगणित जाननेवाला, गणितज्ञ।
रियाज़ीदानी (ریاضی‌دانی) अ फा स्त्री –गणित विद्या जानना, हिसाब जानना।
रियाल (ریال) अ पु –एक सिक्का।
रियासत (ریاست) अ स्त्री –अध्यक्षता, स्वामित्व, सरदारी, सत्ता, शासन, हुकूमत, बडी जमीदारी, जागीरदारी, जागीर, इलाका।
रियाह (ریاح) अ पु –'रीह' का बहु, हवाएँ, अपान वायु, अधोवायु, गोज़।
रियाही (ریاحی) अ वि –रियाह अर्थात् वायु-सम्बन्धी, वात के विकार से उत्पन्न रोग आदि।
रिवाक़ (رواق) अ पु –मकान के ऊपर बना हुआ मकान, अट्टालिका; गैलरी, दे 'रवाक' और 'रुवाक'।
रिवाज (رواج) अ पु –प्रथा, रूढि, परपरा, चलन, दे 'रवाज', दोनो शुद्ध है।

रिवायत (روایت) अ स्त्री –किसी के मुँह से सुनी हुई बात ज्यो की त्यो किसी से कहना, इस्लामी परिभाषा में हज्रत पैगम्बर साहब के मुख से सुनी हुई बात दूसरे को उन्ही के शब्दो में सुनाना, हदीस बयान करना।

रिवायतन (روایتاً) अ वि –किसी दूसरे से सुनने के तौर पर।

रिवायात (روایات) अ स्त्री –'रिवायत' का बहु, रिवायतें।

रिवायाती (روایاتی) अ वि –रिवायात सम्बन्धी, दूसरो से सुने हुए।

रिशा (رشا) अ. स्त्री.–छब्बीसवाँ नक्षत्र, उत्तरा भाद्रपद।

रिश्तः (رشتہ) फा पु –काता हुआ, डोरा, तागा, सम्बन्ध, नाता, करावत; नारू रोग, वह कीडा जो डोरे की तरह विशेषत पाँव से निकलता है।

रिश्तःदार (رشتہدار) फा पु –सम्बन्धी, स्वजन, नातेदार, वशज, परिजन।

रिश्तःदारी (رشتہداری) फा. स्त्री –अज़ीज़दारी, नातेदारी, स्वजनता, सजातीयता।

रिश्तःबपा (رشتہبپا) फा वि.–दे 'रिश्त बरपा'।

रिश्तःबरपा (رشتہبرپا) फा. वि –वह पक्षी जिसके पाँव मे डोरा बँधा हो और उड न सकता हो।

रिश्तए आवाज़ (رشتۂ آواز) फा पु –आवाज़ का डोरा।

रिश्तए उम्र (رشتۂ عمر) अ पु –सालगिरह की गाँठ जो डोरे मे दी जाती है।

रिश्तए ख़ूँ (رشتۂ خوں) अ फा पु –ख़ून का सिलसिला रक्त-सम्बन्ध, एक वश या ख़ानदान का होना।

रिश्तए जाँ (رشتۂ جاں) फा पु –प्राणसूत्र, जीवन-सूत्र, श्वासा, साँस।

रिश्तए पेचाँ (رشتۂ پیچاں) फा पु –बल खानेवाला साँप।

रिश्तए हल्वा (رشتۂ حلوا) फा अ. पु –सिवैयाँ।

रिश्तनी (رشتنی) फा वि –कातने योग्य, जो काता जा सके।

रिश्वत (رشوت) अ स्त्री –उत्कोच, उपदान, कौशलिक, अभ्युपायन, उपदा, घूस।

रिश्वतख़ोर (رشوتخور) अ फा वि –रिश्वत खानेवाला, उत्कोचभुक्, उत्कोचग्राही।

रिश्वतख़ोरी (رشوتخوری) अ फा स्त्री –रिश्वत खाना, उत्कोच लेना, घूसख़ोरी।

रिश्वतदिहिंदः (رشوتدہندہ) अ फा वि –रिश्वत देनेवाला, उत्कोचदाता।

रिश्वतविही (رشوتدہی) अ फा स्त्री –रिश्वत देना, उत्कोच दान।

रिश्वतसितानी (رشوتستانی) अ.फा. स्त्री.–रिशवत लेना, उत्कोच ग्रहण।

रिसालः (رسالہ) अ. पु –वह पत्रिका जो पुस्तक के रूप में किसी नियत समय पर प्रकाशित हो; किसी विषय पर छोटी-सी पुस्तक, सैनिको की टुकडी, सवारो का दस्ता।

रिसालःदार (رسالہدار) अ फा पु –सवारो के एक रिसाले का नायक।

रिसालःदारी (رسالہداری) अ फा स्त्री –सवारो के एक रिसाले की अध्यक्षता।

रिसालत (رسالت) अ. स्त्री –सदेश, सँदेसा, ख़बर; दूतकर्म, सिफारत; ईशदूतता, पैगबरी।

रिसालत पनाह (رسالتپناہ) अ फा वि.–रसूल, पैगबर, ईश दूत।

रिसालतमआब (رسالتمعاب) अ. वि –ईशदूत, पैगबर।

रिहान (رہان) अ पु –गिरौ करना, बधक रखना, घुडदौड मे शर्त लगाना, 'रहन' का बहु, शर्तें।

रिहाल (رحال) अ. पु –'रह्ल' का बहु., कूच, प्रस्थान।

रिही (رہی) फा पु –दास, गुलाम, दे 'रही', दोनो शुद्ध है।

रिह्मः (رہمہ) अ. पु –हलकी वर्षा, फुहार।

रिह्ल (رحل) अ स्त्री –किताब रखने का विशेष प्रकार का लकडी का यत्र।

री

रीक (ریق) अ. पु –थूक, मुखस्राव।

रीख़ (ریخ) फा स्त्री –पक्षियो की बीट, पतला पाख़ान, दस्त।

रीचार (ریچار) फा. पु –अचार, मुरब्बा, जाम।

रीचाल (ریچال) फा पु –दे. 'रीचार', दो शु है।

रीबः (ریبہ) अ. पु –सदेह में डालनेवाली वस्तु, आरोप, लाछन, तुह्मत।

रीम (ریم) फा स्त्री –घाव मे से निकला हुआ मवाद, पीप, धातुओ का मैल।

रीमगीं (ریمگیں) फा. वि –पीप से भरा हुआ।

रीमिया (ریمیا) अ स्त्री –एक विद्या जिसके द्वारा मनुष्य जहाँ भी चाहे क्षण भर मे पहुँच सकता है।

रीमियादाँ (ریمیاداں) अ फा वि –रीमिया की विद्या जाननेवाला।

रीमे आहन (ریمآهن) फा पु –लोहे का मैल, मडूर, ख़ुब्सुल हदीद।

रीवाज (ریواج) फा पु –दे. 'रीवास'

रीवास (ریواس) फा पु –एक खटमिट्ठा मेवा।

रीश (ریش) फा स्त्री —आस्यलोम, श्मश्रु, डाढ़ी।
रीशख़ंद (ریش خند) फा पु —ठठोल, मस्ख़रापन।
रीशगाव (ریش گاو) फा वि —मूर्ख, मूढ़, अहमक़, गावदी।
रीशचाव (ریش چعر) फा पु —वह फोड़ा जो आपरेशन से अच्छा न हो।
रीशपुरबाद (ریش پُرباد) फा पु —अहकार, अभिमान, घमड, गुरूर।
रीशबाबा (ریش بابا) फा पु —अगूर की एक किस्म।
रीशमाल (ریش مال) फा वि —वह व्यक्ति जो अपनी स्त्री की कमाई खाता हो, भार्याट, भगभक्षी, दैयूस।
रीशमाली (ریش مالی) फा स्त्री —दैयूसी, अपनी स्त्री को दूसरो के पास भेजकर उसकी कमाई खाना।
रीशे क़ाज़ी (ریش قاضی) फा अ स्त्री —शराब छानने की छन्नी।
रीशे मुर्सल (ریش مرسل) फा अ स्त्री —लबी डाढ़ी।
रीह (ریح) अ. स्त्री —वायु, हवा, गध, बास, अपानवायु, अधोवायु, गोज़।
रीही (ریحی) अ वि —वात के कोप से होनेवाला रोग, वादी।
रीहुल बवासीर (ریح البواسیر) अ स्त्री —वादी बवासीर।

रु

रुअसा (رؤسا) अ पु —'रईस' का बहु, रईस लोग।
रुआत (رعاۃ) अ पु —'राई' का बहु, चरवाहे।
रुआफ (رعاف) अ स्त्री —नक्सीर, नाक से ख़ून आने की बीमारी।
रुऊनत (رعونت) अ स्त्री —अहकार, अभिमान, घमड, उद्दडता, सरकशी।
रुऊनतपसंद (رعونت پسند) अ फा वि —अहकारी, अभिमानी, घमडी।
रुऊस (رؤس) अ पु —'रास' का बहु, सर।
रुक़बा (رقبا) अ पु —'रकीब' का बहु, रकीब लोग, प्रतिद्वद्वी जन।
रुक़ाद (رقاد) अ स्त्री —निद्रा, नीद।
रुकूअ (رکوع) अ पु —नमाज़ में झुकने की अवस्था।
रुक़ूद (رقود) अ पु —सोना, नीद लेना।
रुकूब (رکوب) अ पु —सवार होना, चढना।
रुक़्अः (رقعہ) अ पु —पर्चा, काग़ज़ का टुकडा, चिट्ठी, पत्री, ख़त।
रुक़्क़ा (رقعہ) अ पु —दे 'रुक्अ' परतु उर्दू मे 'रुक्का', ही बोलते हैं।
रुक्न (رکن) अ पु —स्तभ, खभा, स्तम्भ, सदस्य, मेम्बर।
रुक्नाबाद (رکن آباد) फा पु.—ईरान में शीराज़ के पास बहनेवाली नदी।
रुक्ने आ'ज़म (رکن اعظم) अ पु —सबसे बडा खभा जिस पर इमारत का अधिक बोझ रहता है, ख़ास सदस्य।
रुक्ने मज्लिस (رکن مجلس) अ पु —किसी सभा या सस्था का सदस्य।
रुक्ने रकीन (رکن رکین) अ पु —मुख्य सदस्य, ख़ास मेम्बर।
रुक्ने सल्तनत (رکن سلطنت) अ पु —राष्ट्र का प्रमुख अधिकारी।
रुक्ने हुकूमत (رکن حکومت) अ पु —दे 'रुक्ने सल्तनत'।
रुक्ब' (رکبہ) अ पु —जानु, घुटना।
रुख़ (رخ) फा पु —कपोल, गाल, आकृति, शक्ल; मुखाकृति, चेहरा, पक्ष, तरफ, पार्श्व, पहलू, शत्रज का एक मोहरा।
रुख़ाम (رخام) अ पुं —सगे मरमर, स्फटिक, श्वेत प्रस्तर।
रुख़्शाँ (رخشاں) फा वि —दीप्त, प्रकाशमान, रौशन, चमकदार, उज्ज्वल।
रुख़्शंदः (رخشندہ) फा वि —चमकनेवाला, ज्वलत, प्रकाशित, रौशन।
रुख़्शंदगी (رخشندگی) फा स्त्री —दीप्ति, प्रकाश, नूर; चमक-दमक, उज्ज्वलता।
रुख़्सत (رخصت) अ स्त्री —विदा, विदाई, आज्ञा, इजाज़त, अवकाश, फुर्सत, विश्रामावकाश, ता'तील, दुल्हन का दूल्हा के घर जाना।
रुख़्सततलब (رخصت طلب) अ वि —जाने की आज्ञा मांगनेवाला।
रुख़्सताना. (رخصتانہ) अ फा पुं —रुख़्सत के समय दिया जानेवाला हक़, दस्तूर या पुरस्कार आदि।
रुख़्सती (رخصتی) अ स्त्री —दुल्हन का दूल्हा के घर जाने का सस्कार, विदाई।
रुख़्सार. (رخسارہ) फा पु —कपोल, गडस्थल, गाल, आरिज़।
रुख़्सार (رخسار) फा पु —कपोल, गाल।
रुजूअ (رجوع) अ स्त्री —आकर्षण, प्रवृत्ति, रुजूआत, आकृष्ट, प्रवृत्त, राजे'।
रुजूअइलल्लाह (رجوع الی اللہ) अ स्त्री —ईश्वर की ओर प्रवृत्ति अर्थात् मन का लगाव, जप-तप आदि की ओर चित्त का आकर्षण।
रुजूआत (رجوعات) अ स्त्री —'रुजूअ' का बहु, परतु एकवचन के अर्थ में व्यवहृत है, दे 'रुजूअ'।
रुजूए क़ल्ब (رجوع قلب) अ स्त्री.—हृदय का किसी ओर आकर्षण।

रुजूए खल्क़ (رجوع خلق) अ स्त्री.–जनता का किसी की ओर आकर्षण, जैसे–किसी साधु की ओर या किसी वैद्य की ओर।

रुजूम (رجوم) अ. पु –पथराव करना, किसी को पत्थर मारना।

रुजूलत (رجولت) अ स्त्री –पुस्त्व, पौरुष, मर्दुमी, मर्दपन, कामशक्ति।

रुजूलियत (رجولیت) अ स्त्री –दे 'रुजूलत'।

रुजूहान (رجحان) अ पु –प्रवृत्ति, रुजूआत, रुचि, रग्बत, आकर्षण, झुकाव, हृदय का किसी ओर विशेष रूप से आकर्षण।

रुतब (رطب) अ पु –तर छुहारा, पिंड खजूर।

रुतूबत (رطوبت) अ स्त्री –तरी, आर्द्रता; शरीर में धातुओ की तरी, लसीका।

रुत्बः (رتبہ) अ पु –पद, दर्जा, पदवी, उहदा, उपाधि, खिताब, श्रेष्ठता, बुजुर्गी, महत्ता, बडाई।

रुत्बःदाँ (رتبہداں) अ फा वि –किसी के बडप्पन को ठीक-ठीक समझनेवाला।

रुत्बःशनास (رتبہشناس) अ फा वि –किसी के पद और बडप्पन को पहचानने और उसकी कद्र करनेवाला।

रुत्बए बलंद (رتبۂ بلند) अ फा पु –बडा रुत्बा, बडी पदवी, बडा दरजा।

रुफक़ा (رفقا) अ पु –'रफीक' का बहु, रफीक लोग, साथी लोग।

रुफात (رفات) अ वि –भग्न, खडित, टूटा हुआ, टुकडे-टुकडे, चूर-चूर।

रुफ़्क़ः (رفقہ) अ पु –साथ-साथ यात्रा करनेवाला, साथियो की टोली।

रुफ़्तः (رفتہ) फा वि –झाडा हुआ, झाडू से साफ किया हुआ।

रुफ़्त (رفت) फा स्त्री –झाड-पोछ, सफाई।

रुफ़्तनी (رفتنی) फा. वि –झाडने के काबिल।

रुब (रुब्ब) (رب) अ पु –फलो का पकाया हुआ रस जो गाढ़ा हो गया हो।

रुबा (ربا) फा प्रत्य.–ले भागनेवाला, उडा ले जानेवाला, जैसे—'दिल रुबा' दिल उडा ले जानेवाला अर्थात् माशूक।

रुबाइंदः (ربایندہ) फा वि –उडा ले जानेवाला, उचक ले जानेवाला, उचक्का।

रुबाई (رباعی) अ स्त्री –उर्दू और फार्सी का एक छद-विशेष जिसका मूल वज़्न १ तगण १ यगण एक सगण और एक मगण होता है (SSI, ISS, IIS, SSS), इसके पहले दूसरे और चौथे पद मे क़ाफिया होता है, कभी-कभी चारो ही सानुप्रास होते हैं, परतु अच्छा यही है कि चौथा सानुप्रास न हो।

रुबाईदः (ربائیدہ) फा. वि –उचक ले जाया हुआ।

रुबाईयात (رباعیات) अ स्त्री –'रुबाई' का बहु, रुबाइयाँ।

रुबूदः (ربودہ) फा वि –ले जाया हुआ, उचका हुआ।

रुबूदगी (ربودگی) फा स्त्री –उचक्कापन।

रुबूबीयत (ربوبیت) अ स्त्री –ईश्वरत्व, परवर्दगारी।

रुमूज़ (رموز) अ पु –'रम्ज़' का बहु, बहुत से भेद।

रुमूज़े इश्क़ (رموز عشق) अ पु –प्रेम के भेद, प्रेम की गहराइयाँ।

रुमूज़े मम्लुकत (رموز مملکت) अ पु –राजनीति के भेद, उसकी गहराइयाँ।

रुम्मान (رمان) अ पु –अनार, दाडिम।

रुम्मानी (رمانی) अ वि –अनार-जैसे रग का, बहुत ही सुर्ख रगवाला।

रुम्ह (رمح) अ पु –बरछा, भाला।

रुवाक़ (رواق) अ. पु –मकान के ऊपर का खड, अट्टा, गैलरी, दे 'रिवाक' और 'खाक'।

रुवात (رواۃ) अ. पु.–'रावी' का बहु, रावी लोग, रिवायत करनेवाले।

रुश्द (رشد) अ. पु.–गुरु की शिक्षा और दीक्षा, पीर की-हिदायत।

रुश्दोहिदायत (رشدوہدایت) अ स्त्री –दीक्षा और मंत्र आदि।

रुसुग़ (رسغ) अ पु –कलाई, पहुँचा।

रुसुल (رسل) अ पु –'रसूल' का बहु, रसूल और नबी।

रुसूख़ (رسوخ) अ पु –प्रवेश, पहुँच, रसाई, पैठ, प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल, जानकारी, दक्षता, कुशलता, महारत।

रुसूब (رسوب) अ पु –नीचे बैठी हुई गाद, पेशाब मे नीचे बैठा हुआ मल आदि (कारूरे की शीशी मे)।

रुसूम (رسوم) अ पु –'रस्म' का बहु, रस्में, रूढ़ियाँ, परम्पराएँ।

रुस्ग़ः (رسغہ) अ. पु –पहुँचा, कलाई।

रुस्ग़ (رسغ) अ पु –दे 'रुसुग़', दोनो शुद्ध हैं।

रुस्तः (رستہ) फा वि –उगा हुआ, अंकुरित।

रुस्तख़ेज़ (رستخیز) फा. स्त्री –दे 'रस्तख़ेज़' दोनो शुद्ध है।

रुस्तगार (رستگار) फा वि –दे शुद्ध उच्चारण 'रस्तगार'।

रुस्तगी (رستگی) फा. स्त्री.–उगाव, उपज, रोईदगी।

रुस्तनी (رستنی) फा स्त्री –तरकारी, शाक, (वि) उगने योग्य, उपज के काबिल।

रुस्तम (رستم) फा. पु –ईरान का एक प्राचीन योद्धा

और पहलवान, जिसका उल्लेख 'फिरदौसी' ने 'शाहनाम' म किया है, बहुत बडा शूर और वीर।

रुस्तमे ज़माँ (رستم زماں) फा अ पु –अपने समय का सबसे बडा योद्धा।

रुस्ताख़ेज़ (رستاخیز) फा स्त्री -दे 'रस्ताख़ेज़', दोनो शुद्ध हैं।

रुस्ती (رستی) फा स्त्री –सुख, चैन, जीविका, रोज़ी, समृद्धि, ऐश।

रुस्तोख़ेज़ (رستوخیز) फा स्त्री –दे 'रस्तोखेज़', दोनों शुद्ध हैं।

रुस्ल (رسل) अ पु –'रसूल' का बहु, पैगंबर लोग, दे 'रसुल', दोनो शुद्ध हैं।

रुस्वा (رسوا) फा वि –जो बहुत बदनाम हो, निंदित, गर्हित।

रुस्वाई (رسوائی) फा स्त्री –बदनामी, निंदा, अपयश, कुख्याति,—"यादे ऐयाम किया तर्के शिकेवाई था। हर गली कूचा मुझे कूचए रुस्वाई था।"

रुस्वाए आम (رسوائے عام) फा अ वि –सारे मे बदनाम, सर्वनिंदित।

रुहमा (رحما) अ पु –'रहीम' का बहु, दयालु लोग।

रुहबान (رہبان) अ पु –'राहिब' का बहु, वह ईसाई साधु जो सासारिक विषय-वासनाओ का त्याग कर चुका हो।

रू

रू (رو) फा पु –मुखाकृति, चेहरा, मुख, मुँह, कारण, सबब।

रूअत (روعت) अ स्त्री –हृदय, दिल, बुद्धि, अक्ल।

रूए किताबी (روئے کتابی) फा अ पु –किसी कदर लबोतरा चेहरा।

रूएज़मीं (روئے زمیں) फा स्त्री –धरातल, पृथ्वी की सतह।

रूएदाद (روئداد) फा स्त्री –वृत्तात, कथा, कार्यवाही, काररवाई।

रूए बंद (روئے بند) फा पु –दे 'रूबंद'।

रूए सुख़न (روئے سخن) फा पु –बात का लक्ष्य, जिसे लक्ष्य करके बात की जाय, सबोधन, मुख़तिब।

रूओरिआयत (رووعایت) फा अ स्त्री –मुरव्वत और लिहाज़, शील और सकोच।

रूकश (روکش) फा वि –लज्जित, शर्मिंदा, समुख, मुकाबिल, प्रतिद्वद्वी, हरीफ।

रूकशी (روکشی) फा स्त्री –लज्जा, शर्म, सम्मुखता, सामना, प्रतिद्वद्विता, रुकावट।

रूकार (روکار) फा स्त्री –मकान के सामनेवाला भाग, सामने का रुख।

रूगर्दां (روگرداں) फा वि –परामुख, विमुख, मुँह फेरे हुए, अवज्ञाकारी, हुक्म उदूल।

रूगर्दानी (روگردانی) फा स्त्री –विमुखता, मुँह फेरना, आज्ञोल्लघन, हुक्म उदूली।

रू दर रू (رو در رو) फा वि –आमने-सामने, मुँह दर मुँह।

रूदाद (روداد) फा स्त्री –वृत्तात, हाल, कथा, कहानी, कार्यवाही, काररवाई।

रूदादे ग़म (روداد غم) फा अ स्त्री –प्रेमव्यथा का वृत्तात, इश्क की कहानी।

रूदार (رودار) फा वि –प्रतिष्ठित, समानित, मुअज़्ज़ज़, पूज्य।

रूदारी (روداری) फा स्त्री –प्रतिष्ठा, मान्यता, इज़्ज़त।

रूनास (روناس) फा स्त्री –मजीठ, एक लकडी जो दवा में चलती और रग के काम आती है।

रूनुमा (رونما) फा वि –मुँह दिखानेवाला।

रूनुमाई (رونمائی) फा स्त्री –मुँह दिखाई।

रूपाक (روپاک) फा पु –रूमाल, मुँह पोछने का कपडा।

रूपोश (روپوش) फा वि –जो मुँह छिपाये हो, जो भागा हुआ हो, मफ़रूर।

रूपोशी (روپوشی) फा स्त्री –मुँह छिपाना; फ़िरार होना, मफ़रूरी।

रूबंद (روبند) फा पु –मुँह पर डालने का कपडा, बुर्का, मुखपट, घूँघट।

रूबआस्माँ (روبآسماں) आकाश की ओर मुँह किये हुए, ऊपर मुँह उठाये हुए।

रूबक़फ़ा (روبقفا) फा अ वि –पीछे मुँह किये हुए।

रूबकार (روبکار) फा वि –काम में दिल लगाये हुए, दत्त-चित्त, दे 'रोबकार'।

रूबज़वाल (روبزوال) फा अ वि –पतन की ओर प्रवृत्त, पतनोन्मुख।

रूबदीवार (روبدیوار) फा वि –स्तब्ध, चकित, हैरान।

रूबराह (روبراہ) फा वि –ठीक रस्ते पर, ठीक-ठीक।

रूबरू (روبرو) फा वि –समुख, आमने-सामने, प्रत्यक्ष, मुकाबिल।

रूबसेहत (روبصحت) फा अ वि –वह रोगी जो स्वास्थ्य की ओर जा रहा हो।

रूबहवा (روبہوا) फा अ वि –हवा के रुख पर।

रूम (روم) अ पु –एक देश।

रूमाल (رومال) फा पु –हाथ-मुँह पोंछने का जेब में रखने-वाला कपडा, करपट, रुमाल।

रूमी (رومی) अ. वि –रूम का निवासी, रूम की भाषा।

रूयत (رویت) अ स्त्री.–दर्शन, देखना।

रै

रैआन (ريعان) अ. पु.—अनुष्ठान, उठान, यौवनारंभ, उठती जवानी।
रैआने जवानी (ريعان جوانی) अ फा. पु—जवानी की शुरूआत, यौवनारंभ।
रैआने शबाब (ريعان شباب) अ पु—दे 'रैआने जवानी'।
रैब (ريب) अ पु—संदेह, आशंका, शक, शुबहा, दुर्घटना, हादिसा।
रैबुलमनून (ريب المنون) अ पु—सांसारिक दुर्घटनाएँ, दुनयावी हादिसे।
रैहाँ (ريحاں) अ पु—'रैहान' का लघु, दे 'रैहान'।
रैहानः (ريحانہ) अ स्त्री—रैहान बोने की ज़मीन।
रैहान (ريحان) अ.पु—एक खुशबूदार घास।
रैहानी (ريحانی) अ वि—जिसमें रैहान की सुगंध हो, जो रैहान से बनी हो।

रो

रोईं (روئیں) फा वि—काँसे का बना हुआ।
रोईंतन (روئیں تن) फा वि—जिसका शरीर धातु का बना हो, अर्थात् बहुत मज़बूत शरीरवाला, लौहपुरुष।
रोईदः (روئیدہ) फा. वि—उगा हुआ, जमा हुआ, अंकुरित।
रोईदगी (روئیدگی) फा. स्त्री.—उगाव, उत्पत्ति जमावट, वनस्पति, घास आदि।
रोईदनी (روئیدنی) फा वि—उगने योग्य, अंकुरित होने योग।
रोज़ः (روزہ) फा पु—व्रत, उपवास, उपोषण, (प्रत्य) दिनोंवाला, जैसे—'हफ्त रोज़' सात दिनोंवाला।
रोज़ःकुशाई (روزہ کشائی) फा स्त्री—रोज़ेदारों को रोज़ा खोलने के लिए इफ्तारी भेजना या अपने घर खिलाना।
रोज़ः ख़ोर (روزہ خور) फा वि—जो रोज़ा न रखता हो, रोज़ खा जानेवाला।
रोज़ःदार (روزہ دار) फा वि—जो रोज़े से हो, व्रतधारी।
रोज़ःशिकनी (روزہ شکنی) फा स्त्री—रोज़ा समय से पहले तोड़ देना।
रोज़ (روز) फा पु—दिवस, दिन, दिवा।
रोज़अफ़्ज़ूँ (روز افزوں) फा वि—जो हर दिन बढ़ता रहे, वृद्धिमान्।
रोज़कोर (روزکور) फा वि—वह व्यक्ति जिसे दिन में न दिखाई देने का रोग हो, दिनांध।
रोज़कोरी (روزکوری) फा स्त्री.—दिन में न दिखाई देने का रोग।
रोज़गार (روزگار) फा पु.—उद्योग, व्यवसाय, पेशा; काल, समय, वक्त, युग, अह्द।
रोज़गारपेशः (روزگارپیشہ) फा. वि.-उद्योगी, व्यवसायी, तिजारत करनेवाला।
रोज़न (روزن) फा पु.—छिद्र, विवर, सूराख़।
रोज़नामः (روزنامہ) फा पु—दैनिक पत्र, रोज़ निकलनेवाला अख़्बार, डेली पेपर।
रोज़नामचः (روزنامچہ) फा पु—रोज़ का हाल लिखने की किताब, दैनिकी, डाइरी, पुलिस की रोज़ की काररवाई का रजिस्टर, रोज के हिसाब की बही।
रोज़ ब रोज़ (روز بروز) फा. वि.—हर रोज, दिन प्रतिदिन।
रोज़मर्रः (روزمرہ) अ फा. पु—प्रतिदिन, हर रोज़, नित्य-प्रति।
रोज़ रोज़ (روزروز) फा वि.—हर रोज, बिला नागा, नित्य प्रति, नित्यश.।
रोज़ानः (روزانہ) फा वि—हररोज़, प्रतिदिन, डेली, नित्यश।
रोज़ी (روزی) फा. स्त्री.—जीविका, आजीविका, वृत्ति।
रोज़ीनः (روزینہ) फा. पु.—हर रोज़ की तनख़्वाह, एक दिन के हिसाब से मज़दूरी।
रोज़ीनःदार (روزینہ دار) फा पु—हर रोज़ की तनख़्वाह पानेवाला, एक दिन के हिसाब से मज़दूरी पानेवाला।
रोज़ीदेहिंदः (روزی دہندہ) फा वि—रिज़्क देनेवाला, अन्नदाता।
रोज़ीरसाँ (روزی رساں) फा वि—रोज़ी देनेवाला, अन्नदाता।
रोज़ीरसानी (روزی رسانی) फा स्त्री—रोज़ी देना, अन्नदान।
रोज़े कियामत (روز قیامت) फा अ पु—कियामत का दिन जब अच्छे और बुरे कर्मों का हिसाब-किताब होगा।
रोज़े जंग (روز جنگ) फा पु—युद्ध का दिन, लड़ाई का दिन।
रोज़े जज़ा (روز جزا) फा अ पु—दे 'रोज़े कियामत'।
रोज़े पसीं (روز پسیں) फा पु—मरने का दिन।
रोज़े बद (روز بد) फा पु—बुरा दिन, मनहूस और अशुभ दिन, जिस दिन कोई बुरी घटना हुई हो।
रोज़े बाज़ख़्वास्त (روز بازخواست) फा पु—दे. 'रोज़े कियामत'।
रोज़े महशर (روز محشر) फा अ पु—दे 'रोज़े कियामत'।
रोज़े मैदाँ (روز میداں) फा पु—दे 'रोज़े जंग'।
रोज़े विलादत (روز ولادت) फा अ पु—'पैदा होने का दिन'।
रोज़े रौशन (روز روشن) फा पु—साफ और उज्ज्वल दिन, जिस दिन बादल या कोहरा आदि न हो।
रोज़े शुमार (روز شمار) फा अ पु—दे 'रोज़े कियामत'।
रोज़े सियाह (روز سیاہ) फा पु—दे 'रोज़े बद'।
रोज़े हश्र (روز حشر) फा अ पु—दे 'रोज़े कियामत'।

रेगिस्तान (ریگستان) फा पु.–मरुस्थल, मरुभूमि, रेगिस्तानी इलाका।
रेगिस्तानी (ریگستانی) फा. वि –रेगिस्तान का निवासी, रेगिस्तान में उत्पन्न होनेवाला।
रेगे गुर्द (ریگ گردہ) फा स्त्री –गुर्दे में पड़नेवाली पथरी।
रेगे मशान. (ریگ مثانہ) फा अ स्त्री –मूत्राशय में पड़नेवाली पथरी।
रेगे रवाँ (ریگ رواں) फा स्त्री –हमेशा गतिमान रहनेवाला रेत।
रेख़्त॰ (ریختہ) फा पु –गिरा पड़ा, बिखरा हुआ, उर्दू भाषा का पुराना नाम जो उसे एक शताब्दी पहले प्राप्त था।
रेख़्त॰गर (ریختہ گر) फा वि –धातु के बरतन ढालनेवाला।
रेख़्त॰गरी (ریختہ گری) फा स्त्री –धातु के बरतन ढालना।
रेख़्त॰गो (ریختہ گو) रेख़्ता की भाषा में कविता करनेवाला।
रेख़्त॰गोई (ریختہ گوئی) फा स्त्री –रेख़्ता में कविता करना।
रेख़्त॰दम (ریختہ دم) फा वि –धार उतरा हुआ, भोथरा।
रेख़्त॰पा (ریختہ پا) फा वि –शीघ्र गति, तेज़ रफ्तार, वायुवेग।
रेख़्त॰पाई (ریختہ پائی) फा स्त्री –तेज़ चलना, शीघ्र गमन।
रेख़्त॰मू (ریختہ مو) जिसके बाल झड़ गये हो।
रेख़्ती (ریختی) फा स्त्री –रेख़्ता की वह किस्म जिसमें स्त्रियों की भाषा में (स्त्रैण) कविता की जाती थी।
रेज॰ (ریزہ) फा पु –कण, ज़र्रा, कतरन, किरच, बहुत छोटा टुकड़ा, रवा।
रेज॰कार (ریزہ کار) फा वि –बहुत महीन काम करनेवाला।
रेज॰कारी (ریزہ کاری) फा स्त्री –बहुत महीन काम बनाना।
रेज॰ख़्वाँ (ریزہ خواں) फा वि –गानेवाला, गायक, स्वर का उतार-चढ़ाव।
रेज॰ख़्वानी (ریزہ خوانی) फा स्त्री –गाना, नग्म सराई।
रेज॰चीं (ریزہ چیں) फा वि –गिरी पड़ी चीज़े बीननेवाला, दस्तरख़्वान की झूठन खानेवाला, विद्या आदि का लाभ प्राप्त करनेवाला।
रेज॰चीनी (ریزہ چینی) फा स्त्री –गिरी पड़ी चीज़े बीनना, झूठन खाना, विद्या आदि प्राप्त करना।
रेज॰रेज॰ (ریزہ ریزہ) फा वि –चूर-चूर, खड-खड, ज़र्रा-ज़र्रा।
रेज॰सरा (ریزہ سرا) फा वि –पक्का गाना गानेवाला।
रेज॰सराई (ریزہ سرائی) फा स्त्री –पक्का गाना गाना।
रेज़ः (ریز) फा प्रत्य –बिखेरनेवाला, जैसे—'गुलरेज़' फूल बिखेरनेवाला।
रेज़गारी (ریزگاری) फा स्त्री –रुपये की खरीज, भरत, खुर्दा।
रेज़गी (ریزگی) फा स्त्री –छोटा सिक्का, रेज़गारी; कण, ज़र्रा, छोटा टुकड़ा।
रेज़ाँ (ریزاں) फा वि –बिखेरता हुआ, बरसाता हुआ, डालता हुआ।
रेज़िंद॰ (ریزندہ) फा वि –बिखेरनेवाला, बरसानेवाला, गिरानेवाला।
रेज़िंद॰अश्क (ریزندہ اشک) फा. वि –आँसू बहानेवाला, रोनेवाला।
रेज़िश (ریزش) फा स्त्री –बिखरन, फैलाव, बहाव, नज़्ले के कारण नाक बहना।
रेवंद (ریوند) फा स्त्री –एक दवा, रेवंदख़ताई।
रेवंदख़ताई (ریوندخطائی) फा स्त्री –एक जड़ जो जिगर के लिए बहुत अच्छी ओषधि है।
रेवंदचीनी (ریوندچینی) फा स्त्री –दे॰ 'रेवंदख़ताई', परंतु रेवंदचीनी के नाम से एक दूसरी दवा चलती है।
रेव (ریو) फा पु –छल, कपट, मक्र, फ़िरेब।
रेवकार (ریوکار) फा वि –छली, कपटी, वंचक, मक्कार।
रेवफ़न (ریوفن) फा वि –जो छल में बड़ा निपुण हो, धूर्त, फ़त्तीन।
रेश॰ (ریشہ) फा पु –लकड़ी का पतला सूत, तंतु, सुफड़ा।
रेश॰ख़त्मी (ریشہ خطمی) फा. स्त्री –एक दवा, ख़त्मी की जड़ (वि) मुग्ध, लट, फ़िरेफ़्ता।
रेश॰दवानी (ریشہ دوانی) फा स्त्री –सुआडोरा, किसी काम के लिए गुप्तरूप से कोशिश।
रेश॰दार (ریشہ دار) फा वि –जिसमें रेशे हों।
रेश (ریش) फा पु –क्षत, व्रण, घाव, ज़ख़्म।
रेशए क़लम (ریشۂ قلم) फा अ. पु –क़लम के भीतर रहनेवाला सूत।
रेशए नै (ریشۂ نے) फा पु –नरकट के भीतर का सूत।
रेशम (ریشم) फा पु –पाट, एक प्रसिद्ध डोरा जो एक कीड़े से प्राप्त होता है और जिससे रेशमी कपड़ा बनता है।
रेशमीं (ریشمیں) फा वि –रेशम का, रेशम का बना हुआ, रेशम सम्बन्धी।
रेशमी (ریشمی) फा वि –दे 'रेशमीं'।
रेसिंद॰ (ریسندہ) फा वि –कातनेवाला।
रेसीद॰ (ریسیدہ) फा वि –काता हुआ।
रेस्माँ (ریسماں) फा स्त्री –'रेस्मान' का लघु, दे 'रेस्मान'।
रेस्माँबाज़ (ریسماں باز) फा. वि –नट, बाज़ीगर।
रेस्माँबाज़ी (ریسماں بازی) फा स्त्री –नट का काम बाज़ीगरी।
रेस्मान (ریسمان) फा स्त्री.–डोर, डोरी, रस्सी, रज्जु।

रै

रैआन (ریعان) अ. पु.—अनुष्ठान, उठान; यौवनारंभ, उठती जवानी।
रैआने जवानी (ریعان جوانی) अ फा. पु.—जवानी की शुरूआत, यौवनारंभ।
रैआने शबाब (ریعان شباب) अ पु.—दे 'रैआने जवानी'।
रैब (ریب) अ. पु.—संदेह, आशंका, शक, शुबहा, दुर्घटना, हादिसा।
रैबुलमनून (ریب المنون) अ पु.—सांसारिक दुर्घटनाएँ, दुनयावी हादिसे।
रैहाँ (ریحاں) अ पु.—'रैहान' का लघु, दे 'रैहान'।
रैहानः (ریحانہ) अ स्त्री.—रैहान बोने की जमीन।
रैहान (ریحان) अ.पु.—एक खुशबूदार घास।
रैहानी (ریحانی) अ वि.—जिसमें रैहान की सुगंध हो, जो रैहान से बनी हो।

रो

रोईं (روئیں) फा वि.—काँसे का बना हुआ।
रोईंतन (روئیں تن) फा वि.—जिसका शरीर धातु का बना हो, अर्थात् बहुत मज़बूत शरीरवाला, लौहपुरुष।
रोईदः (روئیدہ) फा वि.—उगा हुआ, जमा हुआ, अंकुरित।
रोईदगी (روئیدگی) फा. स्त्री.—उगाव, उत्पत्ति जमावट, वनस्पति, घास आदि।
रोईदनी (روئیدنی) फा वि.—उगने योग्य, अंकुरित होने योग।
रोजः (روزہ) फा पु.—व्रत, उपवास, उपोषण, (प्रत्य) दिनोंवाला, जैसे—'हफ्त रोज़' सात दिनोंवाला।
रोज़ःकुशाई (روزہ کشائی) फा स्त्री.—रोज़ेदारों को रोज़ा खोलने के लिए इफ्तारी भेजना या अपने घर खिलाना।
रोज़ःख़ोर (روزہ خور) फा वि.—जो रोज़ा न रखता हो, रोज़ा खा जानेवाला।
रोज़ःदार (روزہ دار) फा वि.—जो रोज़े से हो, व्रतधारी।
रोज़ःशिकनी (روزہ شکنی) फा स्त्री.—रोज़ा समय से पहले तोड़ देना।
रोज़ (روز) फा पु.—दिवस, दिन, दिवा।
रोज़अफ़्ज़ूँ (روز افزوں) फा वि.—जो हर दिन बढ़ता रहे, वृद्धिमान्।
रोज़कोर (روز کور) फा वि.—वह व्यक्ति जिसे दिन में न दिखाई देने का रोग हो, दिनांध।
रोज़कोरी (روز کوری) फा स्त्री.—दिन में न दिखाई देने का रोग।
रोज़गार (روزگار) फा पु.—उद्योग, व्यवसाय, पेशा; काल, समय, वक्त, युग, अह्द।
रोज़गारपेशः (روزگار پیشہ) फा वि.—उद्योगी, व्यवसायी, तिजारत करनेवाला।
रोज़न (روزن) फा पु.—छिद्र, विवर, सूराख़।
रोज़नामः (روزنامہ) फा पु.—दैनिक पत्र, रोज़ निकलनेवाला अख़बार, डेली पेपर।
रोज़नामचः (روزنامچہ) फा. पु.—रोज़ का हाल लिखने की किताब, दैनिकी, डाइरी, पुलिस की रोज़ की कारर्वाई का रजिस्टर, रोज़ के हिसाब की बही।
रोज़ ब रोज़ (روز بروز) फा वि.—हर रोज़, दिन प्रतिदिन।
रोज़मर्रः (روزمرہ) अ फा पु.—प्रतिदिन, हर रोज़, नित्य-प्रति।
रोज़ रोज़ (روز روز) फा वि.—हर रोज़, बिला नागा, नित्य प्रति, नित्यश।
रोज़ानः (روزانہ) फा वि.—हररोज़, प्रतिदिन, डेली, नित्यश।
रोज़ी (روزی) फा. स्त्री.—जीविका, आजीविका, वृत्ति।
रोज़ीनः (روزینہ) फा पु.—हर रोज़ की तनख़्वाह, एक दिन के हिसाब से मज़दूरी।
रोज़ीनःदार (روزینہ دار) फा पु.—हर रोज़ की तनख़्वाह पानेवाला, एक दिन के हिसाब से मज़दूरी पानेवाला।
रोज़ीदेहिंदः (روزی دہندہ) फा. वि.—रिज़्क़ देनेवाला, अन्नदाता।
रोज़ीरसाँ (روزی رساں) फा वि.—रोज़ी देनेवाला, अन्नदाता।
रोज़ीरसानी (روزی رسانی) फा. स्त्री.—रोज़ी देना, अन्नदान।
रोज़े क़ियामत (روز قیامت) फा अ पु.—क़ियामत का दिन जब अच्छे और बुरे कर्मों का हिसाब-किताब होगा।
रोज़े जंग (روز جنگ) फा पु.—युद्ध का दिन, लड़ाई का दिन।
रोज़े जज़ा (روز جزا) फा. अ पु.—दे 'रोज़े क़ियामत'।
रोज़े पसीं (روز پسیں) फा पु.—मरने का दिन।
रोज़े बद (روز بد) फा पु.—बुरा दिन, मनहूस और अशुभ दिन, जिस दिन कोई बुरी घटना हुई हो।
रोज़े बाज़ख़्वास्त (روز بازخواست) फा पु.—दे. 'रोज़े क़ियामत'।
रोज़े महशर (روز محشر) फा अ पु.—दे 'रोज़े क़ियामत'।
रोज़े मैदाँ (روز میداں) फा पु.—दे 'रोज़े जंग'।
रोज़े विलादत (روز ولادت) फा अ पु.—'पैदा होने का दिन'।
रोज़े रौशन (روز روشن) फा पु.—साफ और उज्ज्वल दिन, जिस दिन बादल या कोहरा आदि न हो।
रोज़े शुमार (روز شمار) फा अ पु.—दे 'रोज़े क़ियामत'।
रोज़े सियाह (روز سیاہ) फा पु.—दे 'रोज़े बद'।
रोज़े हश्र (روز حشر) फा अ पु.—दे 'रोज़े क़ियामत'।

रोजे हिसाब (روز حساب) फा अ पु –दे 'रोजे कियामत'।
रोजोशब (روزوشب) फा पु –रातदिन, अहर्निश।
रोद. (روده) फा पु –ताँत, तनु, आँत, अत्र।
रोद (رود) फा पु –नदी, आपगा, तरगिणी, तटिनी, दर्या।
रोदखान (رودخانه) फा पु –नदी, दर्या, वह भूमि जो प्राय नदी की बाढ से जलमग्न रहती हो।
रोदखेज (رودخیز) फा स्त्री –पानी की री।
रोदबार (رودبار) फा पु –जहाँ बहुत-से नदी नाले हों।
रोवः (روبه) फा स्त्री –'रोवाह' का लघु, लोमडी, लोमशा।
रोव.बाजी (روبه‌بازی) फा स्त्री –मक्कारी, धूर्तता, छल, कपट, वचना।
रोब (روب) फा प्रत्य –झाडनेवाला, जैसे—'राकरोब' मिट्टी झाडनेवाला।
रो'ब (رعب) अ पु –आतक, दाब, प्रताप, तेज, इकबाल, धाक, डर।
रोबकार (روبکار) फा पु –सरकारी काग़ज, आदेशपत्र, हुक्मनामा।
रोबकारी (روبکاری) फा स्त्री –कार्रवाई, मुक़दमे आदि की पेशी।
रो'बदार (رعب‌دار) अ फा वि –जिसकी धाक बैठी हो, जिसका चेहरा रोबीला हो।
रोबरू (روبرو) फा वि –आमने-सामने, सम्मुख, प्रत्यक्ष।
रोबाह (روباه) फा स्त्री –लोमडी, लोमशा, लोमशी, खिकिर, लोमालिका, लुखडया।
रोबाहख़स्लत (روباه‌خصلت) फा अ वि –मक्कार, छली, धूर्त, वचक, ठग।
रोबाहबाजी (روباه‌بازی) फा स्त्री –मक्कारी, छल, कपट, धूर्तता।
रोबाहमिजाज (روباه‌مزاج) फा अ वि –जिसकी प्रकृति मे छल और धूर्तता हो।
रोबाहसिफत (روباه‌صفت) फा अ वि –मक्कार, छली, ठग, धोखेबाज।
रोबीदः (روبیده) फा वि –झाडा हुआ, मार्जित, साफ।
रो'बोदाब (رعب‌وداب) अ पु –धाक और आतक, भय और त्रास।
रोयत (رویت) अ स्त्री –देखना, दर्शन।
रोयते हिलाल (رویت هلال) अ स्त्री –नवचद्र-दर्शन, नया चाँद देखना।
रोया (رویا) अ पु –स्वप्न, ख्वाब।
रोयाए सादिक़. (رویاے صادقه) अ पु –सच्चा स्वप्न, जिसका फल सच्चा निकले।
रोशन (روشن) फा वि –दीप्त, प्रकाशमान, मुनव्वर, स्पष्ट, वाजेह, उज्ज्वल, साफ।
रोसपी (روسپی) फा. स्त्री –व्यभिचारिणी, असती, कुलटा, फाहिशा।

रौ

रौअत (روعت) अ स्त्री –भय, त्रास, डर।
रौग़न (روغن) अ पु –तेल, तैल, स्नेह, चिकनाई, घी घृत।
रौग़नगर (روغن‌گر) अ फा वि –तेल पेरनेवाला, तेली, तैलकार, तैलिक।
रौग़न ज़बानी (روغن زبانی) अ फा स्त्री –चाटुकारिता, खुशामद, वाचालता, चपलता, चर्ब ज़बानी।
रौग़न जोश (روغن جوش) अ फा वि–एक प्रकार का पका हुआ गोश्त।
रौग़न दाग़ (روغن داغ) अ फा वि –घी से बघारा हुआ, छौंका हुआ।
रौग़नफरोश (روغن‌فروش) अ फा पु –तेल बेचनेवाला।
रौग़नी (روغنی) फा वि –तेल में बना हुआ, तेल लगा हुआ, चिकना।
रौग़ने क़ाज़ (روغن قاز) अ फा. पु –चापलूसी, चाटुकारिता, खुशामद।
रौग़ने कुजद (روغن کنجد) अ फा पु –तिल का तेल, तैल।
रौग़ने गाव (روغن گاو) अ फा पु –गाय का घी, गोघृत।
रौग़ने ज़र्द (روغن زرد) अ फा पु –घी, घृत।
रौग़ने तल्ख़ (روغن تلخ) अ फा पु –सरसो का तेल, कडवा तेल, सर्षप तैल।
रौग़ने शीरीं (روغن شیریں) अ फा पु –तिल का तेल, तैल।
रौग़ने सर्शफ (روغن سرشف) अ फा पु –सरसो का तेल।
रौग़ने सियाह (روغن سیاه) अ फा पु –सरसो का तेल।
रौज़. (روضه) अ पु –उद्यान, आराम, वाटिका, बाग़, सब्ज़ाज़ार, शाद्वल, हरा-भरा मैदान, किसी बडे दरवेश का मक्बरा।
रौज़ ख़्वाँ (روضه‌خوان) अ फा वि –मिम्बर पर बैठकर कर्बला की दुर्घटनाओ का व्याख्यान करनेवाला।
रौज़ ख़्वानी (روضه‌خوانی) अ फा स्त्री –इमाम हुसैन की शहादत का हाल मिम्बर पर बैठकर बयान करना।
रौज़ (روض) अ पु –'रौज़ः का बहु., बहुत से बाग, उद्यान-समूह।
रौज़ए जन्नत (روضهٔ جنت) अ पु –स्वर्गवाटिका, जन्नत का बाग।
रौज़ए मुबारक (روضهٔ مبارک) अ पु –पवित्र और पुनीत रौज़ा।

रौज़ए रयाहीन (روضۂ ریاحین) अ पु –स्वर्ग, जन्नत ।
रौज़ए रिज़्वाँ (روضۂ رضواں) अ पु –स्वर्ग, बहिश्त ।
रौज़न (روزن) अ पु –छिद्र, छेद, विवर, सूराख़ ।
रौज़ने दर (روزن در) अ फा पु –दीवार का छेद, दरवाजा ।
रौज़ने दीवार (روزن دیوار) अ फा पु –दीवार का छेद ।
रौज़ात (روضات) अ पु –'रौज़ा' का बहु, उद्यान-समूह, बाग़ात ।
रौनक़ (رونق) फा स्त्री –शोभा, छटा, सुहानापन, दीप्ति, प्रकाश, चमक-दमक, तडक-भडक, प्रसन्नता और हर्ष की लहर ।
रौनक़अफ़्ज़ा (رونق افزا) फा. वि –शोभा बढानेवाला, उपस्थित, मौजूद, तशरीफ फर्मा ।
रौनक़अफ़्ज़ाई (رونق افزائی) फा स्त्री –शोभा बढ़ाना, उपस्थित ।
रौनकअफ़्रोज़ (رونق افروز) फा वि –दे 'रौनकअफ्ज़ा' ।
रौनकअफ़्रोज़ी (رونق افروزی) फा स्त्री –दे 'रौनकअफ्ज़ाई' ।
रौनकआरा (رونق آرا) फा. वि –दे 'रौनकअफ्ज़ा' ।
रौनकफ़िज़ा (رونق فزا) फा वि –'रौनकअफ़्ज़ा' का लघु, दे 'रौनकअफ्ज़ा' ।
रौनक़े ख़ाना (رونق خانہ) फा स्त्री.–घर की रौनक, गृह-दीप्ति, पत्नी, भार्या, बीवी ।
रौनक़े चेहरः (رونق چہرہ) फा स्त्री –चेहरे की शोभा, मुखश्री, मुखरुचि, मुखकांति ।
रौनक़े बज़्म (رونق بزم) फा स्त्री.–सभा की रौनक, सभा-भूषण ।
रौनक़े मज्लिस (رونق مجلس) फा अ. स्त्री –दे 'रौनके बज़्म' ।
रौनक़े महफ़िल (رونق محفل) फा अ. स्त्री –दे 'रौनके बज़्म' ।
रौशन (روشن) अ वि.–दीप्त, प्रकाशित, मुनव्वर, उज्ज्वल, धवल, शफ्फाफ, स्पष्ट, ज्वलत, वाज़ेह, चमकदार, ज्योतिर्मय, तावाँ ।
रौशनगुहर (روشن گہر) फा वि –कुलीन, वंशप्रदीप, आलीख़ानदान ।
रौशनजबीं (روشن جبیں) फा वि –चमकदार माथेवाला, उज्ज्वलललाट ।
रौशनज़मीर (روشن ضمیر) फा. अ वि.–जो दूसरो के हृदय की बात जानता हो, अन्तर्यामी ।
रौशनज़मीरी (روشن ضمیری) फा. अ. स्त्री –दूसरो के हृदय की बात जानना ।
रौशनतब्अ (روشن طبع) अ. वि –तीव्र बुद्धि, तेज़ फहम ।
रौशनतर (روشن تر) अ फा वि –बहुत अधिक चमकदार ।
रौशनदान (روشندان) फा पु –मकान मे रौशनी आने का सूराख ।
रौशनदिमाग़ (روشن دماغ) अ वि –दीप्तप्रज्ञ, तीक्ष्ण-बुद्धि, तेज अक्ल, नाक मे सूँघने का हुलास ।
रौशनदिमाग़ी (روشن دماغی) अ फा स्त्री –बुद्धि की तेजी, ज़हानत, प्रतिभा ।
रौशनदिल (روشن دل) अ फा वि –दे 'रौशनज़मीर' ।
रौशनदिली (روشن دلی) अ फा स्त्री –दे. 'रौशनज़मीरी' ।
रौशननिगाह (روشن نگاہ) अ फा वि –दूरदर्शी, तेज़ निगाह ।
रौशननिहाद (روشن نہاد) अ फा वि –दे 'रौशनज़मीर' ।
रौशनराए (روشن رائے) अ वि –जिसकी राय बहुत अच्छी हो, जिसकी सलाह बहुत बढिया हो, जो कूटनीति में निपुण हो ।
रौशनसवाद (روشن سواد) अ वि –जो अच्छी तरह लिख-पढ सके, शिक्षित ।
रौशनाई (روشنائی) फा स्त्री –उजाला, प्रकाश, आँख की तेजी, नज़र की दूरबीनी, सियाही, मसि ।
रौशनी (روشنی) फा स्त्री –प्रकाश, नूर, आभा, चमक ।
रौह (روح) अ स्त्री –सुगंध, ख़ुशबू, प्रफुल्लता, ताज़गी, सुख, आराम ।
रौहात (روحات) अ स्त्री –'रौह' का बहु, सुगंधियाँ; सुख-चैन, ठंडी हवाएँ ।

ल

लंग (لنگ) फा पु –लँगडा, पंगुल, पंगु, लँगडापन, पंगुता, मेहन, शिश्न, लिंग ।
लंगर (لنگر) फा पु –अपाहिजो और कंगालो को दिया जानेवाला भोजन, जो प्रतिदिन दिया जाय, सदाव्रत; समुद्र मे जहाज को ठहरानेवाला भारी बोझ ।
लंगरअंदाख़्तः (لنگر انداختہ) फा वि –ठहरा हुआ, एक स्थान पर रुका हुआ ।
लंगरअंदाज़ (لنگر انداز) फा. वि.–समुद्र मे ठहरा हुआ जहाज़ ।
लंगरअंदाज़ी (لنگر اندازی) फा स्त्री.–लंगर द्वारा समुद्र मे जहाज़ का पडाव ।
लंगरख़ानः (لنگر خانہ) फा. पु.–वह स्थान जहाँ ग़रीबो को प्रतिदिन खाना बाँटा जाता है, अन्न-सत्र ।
लंगरगाह (لنگرگاہ) फा. स्त्री.–वह स्थान जहाँ जहाज लंगर से ठहराये जाते है (बीच समुद्र में) ।

लगरपज़ीर (لنگرپذیر) फा वि –दे 'लगरअदाज़'।
लगरी (لنگری) फा पु –लगर से सम्बन्धित, एक प्रकार का बडा प्याला, बडी थाली, परात, तश्त।
लगिंद (لنگنده) फा वि –लँगडाकर चलनेवाला।
लगीद (لنگیده) फा वि –लँगडाकर चला हुआ।
लगेपा (لنگ پا) फा पु –पाँव का लँगडापन, लँगडाहट।
लज (لنج) फा पु –अठलाकर चलना, चटक-मटक दिखाते हुए चलना।
लदर (لندره) तु पु –लदन, इँग्लैंड की राजधानी।
लंबक (لمبک) फा अ –बहराम गोर का भिश्ती, जो बडा अतिथि-पूजक और दानशील था।
लअल [ल्ल] (لعل) अ अव्य –शायद, स्यात्, कदाचित्।
लअस (لعس) अ पु –होठो की लालिमा।
लआली (لعالی) अ पु –'लूलू' का बहु, मुक्तावली, बहुत से मोती।
लअ्आब (لعاب) अ वि –बाज़ीगर, मदारी, कौतुकी।
लइब (لعب) अ पु –खेल, क्रीडा, खेल-कूद।
लईक़ (لئیق) अ वि –योग्य, काबिल, शिष्ट, तमीज़दार।
लईन (لعین) अ वि –जिस पर लॉनत भेजी गयी हो, धिक्कृत।
लईम (لئیم) अ वि –वह कजूस व्यक्ति जो न स्वय खा सके न दूसरे को खिला सके।
लईमुत्तब्अ (لئیم الطبع) अ वि –जिसकी प्रकृति बहुत ही तुच्छ हो, जो स्वभाव से न स्वय खा सके न किसी को खिला सके।
लउम्रक (لعمرک) अ अव्य –शपथ का एक प्रकार, तुम्हारे प्राणो की शपथ।
लऊक़ (لعوق) अ पु –ऐसी औषध जो चाटकर खायी जाय, चटनी, अवलेह।
लक [क्क] (لک) अ पु –कूटना, चूरा करना, मारना, पीटना।
लक (لک) फा पु –मूर्ख, बेवक़ूफ़, लाक्षा, लाख, एक प्रसिद्ध गोंद।
लक़ [क़्क़] (لق) अ पु –बे बालो का, सफाचट।
लक़त (لقط) अ वि –भूमि पर पडी हुई वस्तु, उठाई हुई, बीनी हुई, चुनी हुई।
लकद (لکد) फा स्त्री –लात, दुलत्ती।
लकद (لکد) अ पु –मैल जमना, किसी स्थान का मैला होना।
लकदकोब (لکدکوب) फा॰ वि –दुलत्ती मारनेवाला, लतयाव करनेवाला।
लकदकोबी (لکدکوبی) फा स्त्री –लतयाव करना, दुलत्ती झाडना।
लकदज़न (لکدزن) फा वि –दे 'लकदकोब'।
लकदज़नी (لکدزنی) फा स्त्री –दे 'लकदकोबी'।
लकन (لکن) अ पु –हकलापन, हकलाकर बात करना।
लक़फ़ (لقف) अ पु –दीवार का गिरना, हौज़ की दीवारो का गिर जाना, जिससे उसका मुँह चौडा हो जाय।
लक़ब (لقب) अ पु –उपाधि, ख़िताब, ऐसा नाम जिसमें उस व्यक्ति के गुणो का पता चले।
लक़म (لقم) अ पु –मार्ग का बीच।
लक़स (لقس) अ पु –हृदय की व्याकुलता और घबडाहट, नाश, तबाही।
लक़ह (لقح) अ पु –गर्भ होना, गर्भवती होना।
लक़ा (لقا) अ पु –मैथुन, सहवास।
लक़िन (لقن) अ वि –किसी बात की तह को शीघ्र ही पहुँच जानेवाला, प्रतिभावान्।
लकिन (لکن) अ वि –हकलाकर बोलनेवाला।
लक़िस (لقس) अ वि –आपस में फूट डलवानेवाला।
लक़ीतः (لقیطه) अ वि –वह बालक जो रास्ते में ज़मीन पर पडा हुआ मिले, और जिसे पाला जाय।
लक़ीत (لقیط) अ पु –दे 'लक़ीत'।
लक़ोदक़ (لق ودق) फा वि –चटयल मैदान, ऐसा जंगल जिसमें कोसो न छाया हो न पानी, मूल शब्द 'लगोदक़' है।
लक़्अ (لقع) अ पु –आँख झपकाना, पलक मारना, निमेष।
लक्अ (لکع) अ पु –शरीर पर मैल जमना, साँप का डसना, पशु-शावक का दूध पीते समय थनो को सिर का हूरा देना।
लक्क़ोदक़ (لق ودق) अ पु –दे 'लक़ोदक़'।
लक्ज़ (لکز) अ पु –छाती पर लात मारना।
लक़्त (لقط) अ पु –गिरी हुई वस्तु का भूमि से उठाना, बीनना, चुनना।
लक़्न (لقن) अ पु –ताडना, परखना, समझना।
लक्म (لکم) अ पु –घूँसा मारना, मुक्केबाज़ी करना।
लक़्म (لقم) अ पु –मार्ग बद कर देना, रास्ते का मुँह बद कर देना।
लक्लक़ः (لقلقه) अ पु –लक्लक पक्षी की ज़ोरदार आवाज़।
लक्लक़ (لقلق) अ पु –एक जलीय पक्षी जो साँप और मछली खाता है, सारस पक्षी, ज़बान, जिह्वा।
लक्लक (لکلک) फा पु –दे 'लक्लक़'।

लक्लाक़ (لقلاق) अ पु –लक्लक़ पक्षी, लक्लक पक्षी का स्वर।

लक्वः (لقوہ) अ पु –एक रोग जिसमें मुँह एक ओर को फिर जाता है, भजनक, वरुणग्रह।

लक्वःज़दः (لقوہ زدہ) अ. फा वि –जिसे लक्वा मार गया हो, वरुणग्रही।

लख़न (لخن) अ पु –मैला होना, गदा होना।

लख़्चः (لخچہ) फा पु –स्फुलिंग, चिनगारी, अंगार, अंगारा, ज्वाला, शो'ल।

लख़्जः (لخجہ) फा पु –दे 'लख़्च'।

लख़्तः (لختہ) फा पु –दे 'लख़्त'।

लख़्त (لخت) फा पु –खड, टुकडा, अल्प, न्यून, थोडा, लोहे का गुर्ज।

लख़्ते (لختے) फा वि –थोडा-सा, ज़रा-सा।

लख़्ते जिगर (لخت جگر) फा पु –जिगर का टुकडा, पुत्र के लिए बोलते है।

लख़्ते दर (لخت در) फा पु –द्वारपट, दरवाज़े के किवाड।

लख़्ते दिल (لخت دل) फा पु –दे 'लख़्ते जिगर'।

लख़्लख़ः (لخلخہ) अ.पु –सूँघने का एक सुगधित मिश्रण।

लख़्शः (لخشہ) फा पु –दे 'लख़्च'।

लख़्शाँ (لخشاں) फा वि –रपटता हुआ, फिसलता हुआ, वह वस्तु जिस पर पाँव फिसले।

लख़्शिदः (لخشندہ) फा वि –रपटनेवाला, फिसलनेवाला।

लख़्शीदः (لخشیدہ) फा अ वि –रपटा हुआ, फिसला हुआ।

लग़त (لغط) अ पु –कोलाहल, शोर, आवाज़, पुकार।

लगन (لگن) फा स्त्री –हाथ धोने का तश्त-विशेष, पीतल का दीवट, चौमुखा; अँगीठी।

लगाम (لگام) फा स्त्री –कविका, दतालिका।

लग़ूनः (لغونہ) फा पु –मुखचूर्ण, गुलगूनः।

लग़ोदग़ (لغودغ) फा पु –दे 'लकोदक', शुद्ध शब्द यही है, परतु प्रचलित नही है।

लग़्ज़ाँ (لغزاں) फा वि –फिसलता हुआ, रपटता हुआ।

लग़्ज़िदः (لغزندہ) फा वि –फिसलनेवाला, रपटनेवाला।

लग़्ज़िश (لغزش) फा स्त्री –फिस्लन, रपट, त्रुटि, भूल, ग़लती, अपराध, क़ुसूर।

लग़्ज़िशे पा (لغزش پا) फा स्त्री.–पाँव फिसलना, डगमगा जाना, विचलित हो जाना, पदकप।

लग़्ज़िशे बेजा (لغزش بیجا) फा स्त्री –अनुचित भूल या ग़लती।

लग़्ज़ीदः (لغزیدہ) फा वि –फिसला हुआ, रपटा हुआ।

लग़्म (لغم) अ पु –किसी को ऐसी बात बताना, जिसका उसे विश्वास न हो।

लग़्व (لغو) अ वि –अनर्थ, फ़ुज़ूल, असत्य, झूठ।

लग़्वकार (لغوکار) अ फा वि –अनर्थकारी, व्यर्थ के काम करनेवाला, ऐसे काम करनेवाला जिनका कोई परिणाम न हो।

लग़्वकारी (لغوکاری) अ. फा स्त्री –व्यर्थ के कार्य करना।

लग़्वगो (لغوگو) अ फा वि –अनर्गलवादी, बकवासी, मिथ्यावादी, अनृतभाषी, झूठा।

लग़्वगोई (لغوگوئی) अ फा स्त्री –मुखरता, वाचालता, बकवास, मिथ्या कथन, झूठ बोलना।

लग़्वबयाँ (لغوبیاں) अ वि.–दे 'लग़्वगो'।

लग़्वबयानी (لغوبیانی) अ स्त्री –दे 'लग़्वगोई'।

लग़्वियत (لغویت) अ स्त्री –अनर्थता, फ़ुज़ूलपन, असत्यता, झूठपन, शरारत, शुहदपन।

लग़्वियतपसद (لغویت پسند) अ फा वि.–जिसे व्यर्थ की बाते पसद हो।

लग़्वियात (لغویات) अ स्त्री –'लग़्वियत' का बहु, अनर्गल बाते, झूठ बाते, शरारत की बाते।

लचक (لچک) तु पु –कामदार ओढनी या रूमाल।

लजन (لجن) अ पु –बहुत-से व्यक्तियो का पानी भरने के लिए कुएँ पर इकट्ठा होना, किसी काम के लिए बहुत-से मनुष्यो का जुटना।

लजन (لژن) फा स्त्री –कीचड।

लजफ (لجف) अ पु –कुएँ के पास का गढा जिसमे पशु पानी पीते है।

लज़म (لزم) अ पु –किसी वस्तु के लिए किसी चीज़ का आवश्यक होना, किसी वस्तु का किसी व्यक्ति को अचभे मे डालना।

लज़ा (لظی) अ. स्त्री –नरक, दोज़ख, भडकनेवाली अग्नि, अग्नि-ज्वाला।

लज़ाइज़ (لذائذ) अ पु –'लज़्ज़त' का बहु, लज़्ज़ते, मज़े, स्वाद।

लज़ाइज़े दुनयावी (لذائذ دنیاوی) अ पु –ससार के स्वाद, सासारिक सुख।

लज़ाइज़े नफ़्सानी (لذائذ نفسانی) अ पु –शारीरिक सुख, ऐद्रिय स्वाद, भोग-विलास।

लज़ाइज़े रूहानी (لذائذ روحانی) अ पु –आत्मा को सुख देनेवाले स्वाद, जप-तप आदि से प्राप्त सुख, मानसिक सुख।

लजाज (لجاج) अ पु –युद्ध, समर, लडाई, जग।

लजाजत (لجاجت) अ. स्त्री –युद्ध करना, लड़ना, बढा-

चढ़ाकर बात करना, गिड़गिड़ाना, हाहा खाना, खुशामद के लिए दाँत निकालना, नम्रता, विनीति, आजिजी।
लजाजतआमेज (لجاجت آمیز) अ फा. वि–गिड़गिड़ाहट और खुशामद के साथ।
लजिज (لزج) अ वि–चिपकनेवाली वस्तु।
लज़िब (لزب) अ वि–चिपकनेवाला।
लज़ीज़ (لذیذ) अ वि–स्वादिष्ठ, सुस्वाद, मज़ेदार।
लजूज (لجوج) अ वि–युद्ध करनेवाला, लड़नेवाला।
लज़्अ (لذع) अ. पुं–चिनग, जलन, सोज़िश।
लज्जः (لجہ) अ पु–ध्वनि, शब्द, आवाज़, कोलाहल, शोरोगुल।
लज्ब (لزب) अ पु–चिपकना, फिसलना।
लज़्ज़त (لذت) अ स्त्री–स्वाद, मज़ा, आनद, लुत्फ़, मनोविनोद, तफ़रीह।
लज़्ज़तआमेज़ (لذت آمیز) अ फा वि–जिसमें स्वाद हो, स्वादयुक्त।
लज़्ज़तआश्ना (لذت آشنا) अ फा वि–जो किसी पदार्थ के स्वाद से परिचित हो, रसज्ञ; अनुभवी, मजा चखा हुआ।
लज़्ज़तचश (لذت چش) अ फा वि–स्वाद चखनेवाला, आनन्द लेनेवाला।
लज़्ज़तचशी (لذت چشی) अ फा स्त्री–स्वाद चखना, आनन्द लेना।
लज़्ज़तपसंद (لذت پسند) अ फा वि–जिसे स्वादिष्ठ भोजन पसद हो, चटोरा, जिह्वा लोलुप
लज़्ज़तपसंदी (لذت پسندی) अ फा स्त्री–चटोरापन, स्वादिष्ठ भोजन प्रिय लगना।
लज़्ज़ते तक़्रीर (لذت تقریر) अ स्त्री.–बातचीत की मधुरता, वार्ता-माधुर्य।
लज़्ज़ाअ (لذاع) अ वि–जलन डालनेवाला, सोज़िश पैदा करनेवाला।
लज़्ज़ात (لذات) अ वि–'लज़्ज़त' का बहु, लज़्ज़तें, मज़े।
लज़्ज़ाब (لزاب) अ वि–बहुत चिपकनेवाला।
लज्लाज (لجلاج) अ वि–जो अटक-अटक कर बात करे, हकला।
लख़्लास (لخلاص) अ वि–पथ-प्रदर्शन में निपुण।
लतबान (لت انبان) फा वि–लोभी, लालची, पेटू, बहुभक्षी।
लतंबार (لت انبار) फा वि–दे 'लतबान'।
लत [त्त] (لط) अ पु–चिपकना, किसी का हक न देना, कोई काम लगातार करना।
लत (لت) फा पु–लात, पाँव, उदर, पेट, टुकड़ा, खड,
अलसी के तार का कपड़ा।
लतअंबान (لت انبان) फा वि–दे 'लतबान'।
लतअंबार (لت انبار) फा वि–दे 'लतबार'।
लतत (لطط) अ पु–दाँत गिरना, दाँतो का इतना घिस जाना कि जड़ें रह जायँ।
लतफ़ (لطف) अ पु–उपकार करना, भलाई करना, दान, बख़्शिश, पुरस्कार, तोहफ़ा।
लतमात (لطمات) अ. पु–'लत्म' का बहु, तमाचे, थप्पड़।
लतह (لتح) अ स्त्री–भूख, क्षुधा, बुभुक्षा।
लताइफ़ (لطائف) अ पु–'लतीफ़' का बहु, लतीफ़े, हँसी की बातें।
लताइफ़ुलहियल (لطائف الحیل) अ पु–ऐसे बहाने जो बहाने न जान पड़ें।
लताइफ़े ग़ैबी (لطائف غیبی) अ पु–वे दिव्य प्रकाश जो शुद्धात्माओ के हृदय-पटल पर पड़ते हैं।
लताइफ़ो ज़राइफ़ (لطائف و ظرائف) अ पु–हँसानेवाली और दिल बहलानेवाली बातें।
लताफ़त (لطافت) अ स्त्री–कोमलता, नर्मी, मृदुलता, नज़ाकत, सूक्ष्मता, बारीकी, शुद्धता, पाकीज़गी, नवीनता, ताज़गी, भाव की गभीरता।
लताफ़ते क़ल्ब (لطافت قلب) अ स्त्री–हृदय की कोमलता और मृदुलता।
लताफ़ते मिज़ाज (لطافت مزاج) अ स्त्री–स्वभाव की पवित्रता और कोमलता।
लतीफ़ः (لطیفہ) अ पु–चुटकुला, हास्यक, अद्भुत और अनोखी बात।
लतीफ़ःगो (لطیفہ گو) अ फा. वि–चुटकुले सुनानेवाला, चुटकुले सुनाकर हँसानेवाला।
लतीफ़ःगोई (لطیفہ گوئی) अ फा. स्त्री–चुटकुले कहना, चुटकुले सुनाकर हँसाना।
लतीफ़ःसंज (لطیفہ سنج) अ फा वि.–दे 'लतीफ़ःगो'।
लतीफ़ःसंजी (لطیفہ سنجی) अ. फा स्त्री–दे 'लतीफ़ःगोई'।
लतीफ़ (لطیف) अ वि–कोमल, नर्म, मृदुल, नाज़ुक, सूक्ष्म, बारीक, शुद्ध, पवित्र, पाकसाफ़, नवीन, नूतन, ताज़ा, बहुत ही हलका फुलका।
लतीफ़तब्अ (لطیف طبع) अ वि–दे 'लतीफ़ मिज़ाज'।
लतीफ़मिज़ाज (لطیف مزاج) अ वि–कोमल और मृदुल स्वभाववाला, जिसके मिज़ाज में सफ़ाई और शुद्धता का खयाल बहुत हो।
लतीफ़ुत्तब्अ (لطیف الطبع) अ वि–दे 'लतीफ़तब्अ'।

लतीफुलमिज़ाज (لطیف المزاج) अ वि —दे 'लतीफ मिज़ाज'।
लतीफुस्सौत (لطیف الصوت) अ. वि —जिसका स्वर मधुर, कोमल और मृदुल हो।
लतीम (لطیم) अ वि —थप्पड खाया हुआ, जिसे चाँटा मारा गया हो।
लतूख़ (لطوخ) अ पु —मलनेवाली औषध, मालिश की दवा।
लत्अ़ (لطع) अ. पु —चाटना, लेहन; पीठ पर ठोकर मारना।
लत्ख़ (لطخ) अ पु.—लिप्त होना, बुराई मे डालना; दोष लगाना।
लत्मः (لطمہ) अ पु —थप्पड, चाँटा, तलप्रहार।
लत्म (لطم) अ. पु —थप्पड मारना, चाँटा लगाना।
लँत्म (لثم) अ. पु —छाती पर मारना।
लत्स (لطس) अ. पु —पाँव से खूब मलना।
लत्ह (لطح) अ पु —पीठ थपथपाना; किसी वस्तु को ज़मीन पर पटकना।
लद [द्द] (لد) अ पु —युद्ध करना, लडना, शत्रुता करना, दुश्मनी करना।
लदद (لدد) अ पु —बहुत अधिक शत्रुता होना।
लदम (لدم) अ. पु —'लादिम' का बहु, पैंद लगानेवाले, स्वजन, रिश्तेदार, वे व्यक्ति जिनसे स्त्रियाँ पर्दा नही करती।
लदीग़ (لدیغ) अ. वि —जिसे साँप ने काटा हो, सर्पदशित।
लदीद (لدید) अ.पु.—घाटी का किनारा, मुँह और होठो पर बुरकनेवाली औषध।
लदीम (لدیم) अ पु —पैंवद लगा हुआ वस्त्र।
लदुन (لدن) अ पु —हलका भाला; हर वह वस्तु जो कोमल हो, समीप, पास।
लदुन्नी (لدنی) अ वि —बिना प्रयास और साधन के मिली हुई वस्तु, ईश्वरदत्त।
लदूद (لدود) अ वि —झगडालू, बखेडिया, लडनेवाला, फसादी; मुँह पर छिडकने की दवा, लदीद।
लद्ग़ः (لدغہ) अ पु —डक, दश, डक मारना।
लद्ग़ (لدغ) अ पु —दे 'लद्ग़'।
लद्म (لدم) अ पु —धमाका, भारी वस्तु के गिरने का शब्द, कपडे या जूते मे पैंवद लगाना, स्त्री का किसी के शोक मे छाती पीटना।
लनतरानी (لن ترانی) अ वा.—'तू मुझे नही देख सकता', यह उस आकाशवाणी के शब्द है जब हज़रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखने की प्रार्थना की थी, अब डीग और शेखी के अर्थ में बोला जाता है।
लफ़ग (لفگ) फा वि —अधम, नीच, लफगा।
लफ़ [फ़्फ़] (لف) अ पु —लपेटना, तह करना।
लफ़ीफ़ (لفیف) अ पु —लिपटी हुई वस्तु, मित्र, दोस्त, वह अरबी शब्द जिसमे दो हर्फ़े इल्लत हो।
लफ़्चः (لفچہ) फा पु —बेहड्डी का मास।
लफ़्च (لفچ) फा. पु —बेहड्डी का मांस, मोटा होठ, होठ, अधर।
लफ़्चन (لفچن) फा पु —वह व्यक्ति जिसके होठ बडे-बडे और मोटे हो।
लफ़्ज़ (لفظ) अ पु —शब्द, बोल, बात, वचन।
लफ़्ज़न (لفظاً) अ वि —शब्द द्वारा, शब्दो से।
लफ़्ज़न लफ़्ज़न (لفظاً لفظاً) अ वि —एक-एक शब्द करके, अक्षरश.; सारा, सब।
लफ़्ज़फ़रोश (لفظ فروش) अ फा ; वि —बातूनी. वाचाल, मुखचपल।
लफ़्ज़ ब लफ़्ज़ (لفظ بلفظ) अ. वि —दे 'लफ़्ज़न लफ़्ज़न'।
लफ़्ज़ी (لفظی) अ. वि —शब्द सम्बन्धी; शब्द का।
लफ़्ज़े इस्तिलाही (لفظ اصطلاحی) अ पु —पारिभाषिक शब्द, टर्म।
लफ़्ज़े बामा'नी (لفظ بامعنی) अ. फा. पु —वह शब्द जो सार्थक हो, व्यक्त।
लफ़्ज़े बेमा'नी (لفظ بےمعنی) अ. फा. पु—वह शब्द जो निरर्थक हो, अव्यक्त।
लफ़्ज़े मुफ़्रद (لفظ مفرد) अ पु.—वह शब्द जो किसी शब्द से बना न हो, न उससे कोई शब्द बने।
लफ़्ज़े मुरक्कब (لفظ مرکب) अ. पु —वह शब्द जो दो या अधिक शब्दो से मिलकर बना हो, यौगिक।
लफ़्त (لفت) अ. पु —घुमाना और फिराना।
लफ़्तरः (لفترہ) फा. वि —अधम, नीच, कमीना।
लफ़्फ़ाज़ (لفاظ) अ. वि —बहुभाषी, मुखचपल, वावदूक, मुखर, बातूनी।
लफ़्फ़ाज़ी (لفاظی) अ स्त्री —वाचालता, मुखरता, लस्सानी।
लफ़्फ़ोनश्र (لف و نشر) अ पु —एक शब्दालकार जिसमें पहले कुछ वस्तुएँ उपमेय के रूप मे कही जाती है, फिर उन वस्तुओ के लिए उनके उपमान लाते है, जैसे—पहले 'मुख' 'दाँत' और 'नेत्र' लायें फिर चाँद', मोती और 'कमल'।
लफ़्फ़ोनश्रे ग़ैर मुरत्तब (لف و نشر غیر مرتب) यदि लफ्फोनश्र मे उपमेय और उपमान क्रम से न आयें तो वह ग़ैर

मुरत्तब अर्थात् क्रम विरुद्ध है, जैसे—'मुख' 'दाँत' और 'नेत्र' के साथ 'मोती' 'चंद्र' और 'कमल'।

लफ़्फ़ोनश्रे मुरत्तब (لف ونشر مرتب) अ पु—यदि लफ्फो नश्र में उपमेय और उपमान क्रम से आयें तो वह 'मुरत्तब' अर्थात् क्रमबद्ध है, जैसे—मुख, दाँत और नेत्र के साथ, चाँद, मोती और कमल।

लफ़्ह (لفح) अ पु—आग, लपट, या गर्मी से जलना, तलवार मारना।

लब (لب) फा पु—अधर, ओष्ठ, होठ, तट, कूल, किनारा।

लबकुशा (لب کشا) फा वि—बात करनेवाला, बात करता हुआ।

लबकुशाई (لب کشائی) फा स्त्री—बात करने के लिए ओठ खोलना।

लबख़ा (لب خا) फा वि—चिड़चिड़ा, झल्ला।

लबख़ुश्क (لب خشک) फा वि—जिसके होठ प्यास के कारण सूख गये हो, बहुत प्यासा।

लबगज़िद. (لب گزیدہ) फा वि—पछतानेवाला, कुपित होनेवाला।

लबगज़ीदः (لب گزیدہ) फा वि—जो पछताया हो, जो कुपित हो।

लबगीर (لب گیر) फा पु—तम्बाकू पीने का पाइप।

लबचरा (لب چرا) फा पु—वह मेवा और चने आदि जो मित्र लोग परस्पर बातें करते समय उठा-उठाकर खाते जाते हैं।

लबचश (لب چش) फा पु—स्वाद, चखना, वह चाश्नी जो स्वाद के लिए चखी जाय।

लबज़द (لب زدہ) फा वि—चुप, मौन, ख़ामोश, बोलनेवाला, बातें करनेवाला।

लबतश्न (لب تشنہ) फा वि—दे 'लबख़ुश्क'।

लबन (لبن) अ पु—क्षीर दुग्ध, दूध।

लबनीयः (لبنیہ) अ पु—खीर, क्षीर विरज।

लबबंद (لب بند) फा वि—चुप, मौन, ख़ामोश, बहुत अधिक मिठासवाली वस्तु।

लब ब लब (لب بلب) फा वि—होठों पर होठ रखे हुए, एक-दूसरे के होठ चूमते हुए।

लबबस्त (لب بستہ) फा वि—मौन, चुप, ख़ामोश।

लबरेज़ (لبریز) फा वि—लबालब, मुहाँमुह, ऊपर तक भरा हुआ, परिपूर्ण।

लबरेज़े मय (لبریز مے) फा वि—शराब से भरा हुआ, मदिरा से लबालब।

लबाचः (لباچہ) फा पु—कुर्ते आदि के ऊपर पहनने का वस्त्र विशेष, अबा।

लबाद (لبادہ) फा पु—जाड़ो में पहनने का रूईदार चुग़ा, फ़र्गुल।

लबादःपोश (لبادہ پوش) फा वि—लबादा पहने हुए, लबादा पहननेवाला।

लबाद (لباد) फा पु—बरसाती, बरसात में पहनने का कोट।

लबान (لبان) अ पु—वक्ष.स्थल, सीना, छाती, कुदर गोद, लुबान।

लबाबत (لبابت) अ स्त्री—चतुर होना, दक्ष होना, बुद्धिमान् होना।

लबालब (لبالب) फा वि—लबरेज़, मुहाँमुँह।

लबाशः (لباشہ) फा पु—दे 'लबेश'।

लबिन (لبن) अ स्त्री—कच्ची ईंट।

लबीक़ (لبیق) अ वि—बुद्धिमान्, अक्लमद, प्रतिभावान्, ज़हीन, वाचाल, लस्सान।

लबीद (لبید) अ स्त्री—छोटी गोन जिस पर नाज आदि भरकर टट्टू पर लादते हैं।

लबीन (لبین) अ वि—दूध पिलाकर पाला हुआ, पोषित, पर्वर्दा।

लबीब (لبیب) अ वि—बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद, दक्ष, कुशल, होशियार।

लबून (لبون) अ वि—दूध देनेवाला, दुधार।

लबूस (لبوس) अ पु—कवच, ज़िरिह, वस्त्र, लिबास।

लबे ख़ुश्क (لب خشک) फा पु—सूखे हुए होंठ, प्यासे होठ।

लबे गोया (لب گویا) फा पु—बात करनेवाले होठ, बोलते हुए होठ।

लबे गोर (لب گور) फा पु—क़ब्र का किनारा, क़ब्र के पास।

लबे जू (لب جو) फा पु—नदी का किनारा, नदी-तट।

लबे तर (لب تر) फा पु—गीले होठ, पानी पिये हुए होठ।

लबे नाँ (لب ناں) फा पु—रोटी का किनारा, रोटी की कोर।

लबे नोशीं (لب نوشیں) फा पुं—वह होठ जिनसे रस टपकता हो।

लबे फ़र्याद (لب فریاد) फा पु—अत्याचार पर दुहाई देनेवाले होठ।

लबे फ़र्श (لب فرش) फा पु—सभा आदि में बिछे हुए फ़र्श का किनारा।

लबे लाॅलीं (لب لعلیں) फा अ पुं—दे 'लबे नोशीं'।

लबेश (لبیشہ) फा पुं—एक रस्सी का फंदा जो लकड़ी में

लगा होता है, शरीर घोडो के ऊपरवाले होंठ मे डालकर उसे घुमाते हैं, जिससे घोडा घबडाकर शरारत भूल जाता है।

लबे शीरीं (لبِ شیریں) फा पु –वह होंठ जिनसे रस (अधरामृत) टपकता हो।

लबोदंदाँ (لب و دنداں) फा पु –योग्यता, काबिलीयत, विद्वत्ता।

लबोलहज: (لب و لہجہ) फा अ पु –बात करने का ढंग, टोन।

लब्क़ (لبق) अ वि –दे 'लबीक'।

लब्क (لبک) अ. पु –घोलना, मिलाना, मिश्रण।

लब्न (لبن) अ. पु –दूध पिलाना,, छडी से मारना।

लब्बान (لبان) अ वि –इंटे पाथनेवाला।

लब्बैक (لبیک) अ वा –'मैं उपस्थित हूँ' मालिक के पुकारने पर दास की ओर से दिया जानेवाला उत्तर।

लब्स (لبس) अ पु –कपडे पहनना।

लब्स (لبث) अ. पु –देर करना, विलव करना, देर, ढील, विलब।

लामआत (لمعات) अ पु –'लम्अ.' का बहु, रौशनियाँ, प्रकाशपुज।

लमहात (لمحات) अ पु –'लम्ह.' का बहु, बहुत-से क्षण।

लमाक़ (لماق) अ. वि –थोडी वस्तु।

लमाज़ (لماظ) अ वि –थोडी-सी वस्तु।

लम्अ: (لمعہ) अ पु –प्रकाश, तेज, रौशनी, आलोक, ज्योति।

लम्अ (لمع) अ पु –चमकना, प्रकाशित होना।

लम्आन (لمعان) अ पु –चमकना, रौशन होना, चमक, प्रकाश, नूर।

लम्क़ (لمق) अ पु –शुद्ध करना, साफ करना, आँखे मलना।

लम्ज़ (لمز) अ पु –दोष करना, ऐब करना, आँख का सकेत करना, जलाना, मारना।

लम्तुर (لمتر) फा वि –मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट।

लम्मा (لما) अ. अव्य –जब, चूँकि, परतु, मगर।

लम्माज़ (لماز) अ वि –ऐब करनेवाला, अपराधक, आँख से सकेत करनेवाला।

लम्यज़ल (لم یزل) अ. वि.–अनश्वर, अविनाशी, लाज़वाल।

लम्स (لمس) अ पुं –स्पर्श, छूना, मैथुन, सहवास।

लम्ह: (لمحہ) अ. पु –क्षण, पल, बहुत थोडा समय।

लम्ह: ब लम्ह: (لمحہ بلمحہ) अ फा वि –क्षण प्रति क्षण, थोड़ी-थोडी देर बाद।

लयान (لیان) अ. पु –सुख, चैन, आराम, समृद्धि, वैभव, फ़रागत।

लयाली (لیالی) अ स्त्री –'लैल' का बहु, रात्रियाँ, राते।

लयूस (لیوس) अ वि –तिरस्कृत, अपमानित, बेइज्ज़त।

लय्यान (لیان) अ पु –लपेटना।

लय्यिन (لین) अ वि –नर्म, कोमल, मुलाइम।

लर (لر) तु अव्य –एक विभक्ति जो एक वचनवाली सज्ञा के अन्त मे आकर उसे बहु वचन बना देती है।

लर्ज़: (لرزہ) फा पु –कँपकँपी, थरथरी, कप, कँपकँपी के साथ ज्वर, जूडी, कपज्वर, हलचल, हौल, घबराहट। शरीर के रोगटो का खडा होना, रोमाच।

लर्ज़:अंगेज़ (لرزہ انگیز) फा वि –दे 'लर्ज़ खेज़'।

लर्ज़.खेज़ (لرزہ خیز) फा वि –शरीर के रोगटे खडे कर देनेवाला, अर्थात् बहुत भीषण और भयानक।

लर्ज़: बरंदाम (لرزہ براندام) फा वि –जिसका शरीर भय के कारण काँप रहा हो।

लर्ज़: बर अंदामकुन (لرزہ بر اندام کن) फा वि –शरीर मे कँपकँपी उत्पन्न कर देनेवाला।

लर्ज़ाँ (لرزاں) फा वि –काँपता हुआ, थरथराता हुआ, भय के मारे काँपता हुआ।

लर्ज़िंद: (لرزندہ) फा वि –काँपनेवाला, थरथरानेवाला।

लर्ज़िश (لرزش) फा स्त्री –कँपकँपी, थरथराहट।

लर्ज़ीद: (لرزیدہ) फा वि –काँपा हुआ, थर्राया हुआ।

लर्ज़ीदनी (لرزیدنی) फा वि.–काँपने योग्य, थर्राने योग्य।

लवाइज़ (لواعج) अ. पु –'लाइज़' का बहु, जलने, टपकने।

लवाएह (لوائح) अ पु.–'लाइह.' का बहु, रौशनियाँ, प्रकाशपुज।

लवाक (لواق) अ वि –थोडी वस्तु, किंचिन्मात्र।

लवाक़ेह (لواقح) अ. स्त्री –'लाकेह' का बहु, गर्भवती मादाएँ; 'मुल्केह' का बहु, नर।

लवाज़िम: (لوازمہ) अ. पु –दे 'लवाज़िम', यह शब्द अशुद्ध है, परन्तु उर्दू मे बोलते है, बल्कि इसका बहु. 'लवाज़िमात' भी बना लेते है, जो बिलकुल गलत है।

लवाज़िम (لوازم) अ पु.–'लाज़िम' का बहु, किसी कार्य अथवा उद्योग से सम्बन्धित वस्तुएँ।

लवातत (لواطت) अ स्त्री.–गुद-मैथुन, बाल-मैथुन, इग्लाम, दे 'लिवातत', दोनो शुद्ध है।

लवामे (لوامع) अ. पु –'लामिअ, का बहु, चमकदार वस्तुएँ।

लवाश (لواش) तु. स्त्री –गेहूँ की पतली रोटी, फुलका, चपाती।

लवास (لواس) अ. पु –चखने योग्य, आस्वाद्य।

लवास (لواث) अ पु –पलेथन, खुश्की।

लवाहिक़ (لواحق) अ पु –'लाहिक़' का बहु, किसी मूल पदार्थ के अन्त में लगायी जानेवाली वस्तुएँ।

लवाहिक़ीन (لواحقين) अ पु –'लाहिक़' के बहु का बहु, जो क़ाइदे से अशुद्ध है, परंतु उर्दू मे बोलते है, लेकिन कम पढे लोग।

लवाहिज़ (لواحظ) अ पु –'लाहिज़' का बहु, आँखो के किनारे, कनखियो से देखनेवाले।

लवाहिब (لواهب) अ पु –'लाहिब' का बहु, भडकी हुई आगें।

लवीशः (لويشه) फा पु.–दे 'लवेश', दोनो शुद्ध हैं।

लवूस (لووس) अ वि –चक्खा हुआ।

लवेद (لويد) फा पु –खुले मुख का बडा पतीला, डेगचा देग।

लव्वामः (لوامه) अ पु –बुरी बातो पर डाँट-फटकार करनेवाला, एक मानसिक शक्ति जो बुरे कर्मों अथवा पापो पर मनुष्य की निन्दा करती और उनसे रोकती है।

लव्वाम (لوام) अ वि –निन्दा करनेवाला, भर्त्सना करनेवाला, मलामत करनेवाला।

लश्कर (لشکر) फा पु –सेना, वाहिनी, वरूथिनी, अनीक, चमू, बल, फौज, भीड, बहुत से व्यक्तियो का समूह।

लश्करआरा (لشکرآرا) फा वि –सेना की सज्जा करनेवाला, सेना लेकर मुकाबिले पर आनेवाला।

लश्करआराई (لشکرآرائی) फा स्त्री –सेना को लड़ने के लिए सजाना, सेना लेकर मुकाबला करना।

लश्करकशी (لشکرکشی) फा स्त्री –चढाई, धावा, सैन्य-यात्रा, आक्रमण।

लश्करगाह (لشکرگاه) फा स्त्री –सेनावास, छावनी।

लश्करी (لشکری) फा वि –सैनिक, असिजीवी, सिपाही।

लस [स्स] (لس) अ पु –घोडे का घास खाना।

लसक़ (لثق) अ पु –गीला होना, गीलापन, आर्द्रता।

लसक़ (لسق-لصق) अ पु –चिपकना।

लसब (لسب) अ पु –दूध चूसना, बच्चे का दूध पीना, शहद चाटना।

लसन (لسن) अ पु –भाषानैपुण्य, ज़बानआवरी; कोमलता, फ़साहत।

लसस (لصص) अ. पु –दाँतो का पास-पास होना, वृक्ष की डालियो का घना होना।

लसिक़ः (لثقه) अ पु –एक प्रकार का ज्वर।

लसिन (لسن) अ वि –भाषाविद्, भाषा-विज्ञान में निपुण, बहुत शुद्ध और सरल भाषा बोलनेवाला।

लस्अः (لسعه) अ पु –डसना, काटना, दशन।

लस्अ (لسع) अ पु –दे 'लस्अ'।

लस्उल हैयः (لسع الحيه) अ पु –साँप का डसना, सर्प दशन।

लस्ग़ (لثغ) अ पु –'र' को 'ल' और 'सीन' को 'से' कहना, तुतलाना।

लस्ग़ा (لثغا) अ स्त्री –तोतली स्त्री।

लस्द (لسد) अ पु –दे 'लसद'।

लस्म (لثم) अ पु –चूमना, चबुन, मुँह मे मुसीका लगाना।

लस्सः (لثه) अ पु.–मसूढा, दतपाली, दे 'लिस्स' और 'लुस्स', तीनो शुद्ध हैं।

लस्साअ (لساع) अ वि –डसनेवाला, काटनेवाला, विषैला कीडा।

लस्सान (لسان) अ वि –बातूनी, वावदूक, वाचाल, मुखचपल, लफ्फाज़।

लस्सानी (لسانی) अ स्त्री –मुखरता, मुखचपलता, वाचालता, लफ्फाज़ी।

लहक़ः (لحقه) अ. पु –'लाहिक़' का बहु, पीछे से पहुँचनेवाले; अंत में मिलाये जानेवाले।

लहक़ (لحق) अ वि –जो अपने पहलेवाले से मिले, जो किसी के अंत में जोडा जाय।

लहज (لهج) अ पु –लालची होना; मुग्ध होना; वरगलाना, भडकाना, बहकाना।

लहद (لحد) अ स्त्री –बग़लीवाली क़ब्र, क़ब्र, गोर, समाधि।

लहन (لحن) अ पु –प्रतिभा, कुशलता, ज़हानत; चातुर्य, होशयारी।

लहफ (لهف) अ पु –पछताना, अफसोस करना, दुःखित होना, रंजीदा होना।

लहब (لهب) अ पु –आग की लपट, अग्निशिखा, अग्निज्वाला, शो'ला।

लहाक़ (لحاق) अ पु –पहुँचना, जाना; ताड़ना, समझना।

लहाज़ (لحاظ) अ पु –आँख का कोना।

लहाज़िम (لهازم) अ पु –'लहज़म' का बहु, जबडे की हड्डियाँ; कनपटी की हड्डियाँ।

लहात (لهات) अ पु –गले का कौआ।

लहास (لحاص) अ पु –आपत्ति, आपदा, कष्ट, मुसीबत; दैवी आपत्ति, बला।

लहिम (لحم) अ वि –मास-भक्षक, गोश्तख़ोर।

लहीद (لهيد) अ वि –थका हुआ ऊँट।

लहीफ (لہیف) अ वि –पछतानेवाला, पश्चात्ताप करनेवाला; नि:सहाय, दीन, बेचारा।
लहीब (لہیب) अ पु –अग्नि-ज्वाला, लपट, शो'ला।
लहीम (لحیم) अ वि –जिसके शरीर मे मास बहुत हो, मासल, पीन।
लहीम (لہیم) अ स्त्री –आपत्ति, मुसीबत, दरिद्रता, ग़रीबी, कगाली।
लहीमुलजुस्सः (لحیم الجثہ) अ वि –मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट, स्थूलकाय।
लहीमोशहीम (لحیم و شحیم) अ वि –जिसके शरीर में मास और चर्बी दोनो अधिक हो।
लहीस (لحیص) अ वि –तग, सकीर्ण।
लहूम (لہوم) अ पु –बहुत बडी सेना।
लह्जः (لہجہ) अ पु –बात करने का ढग, टोन, पढने का ढग, स्वर, आवाज़ (गाने की)।
लह्जः (لحظہ) अ पु –क्षण, पल, लम्हः।
लह्जः ब लह्जः (لحظہ بلحظہ) अ फा वि –क्षण-क्षण, क्षण-प्रतिक्षण, हरलम्हः, ज़रा ज़रा-सी देर के बाद।
लह्ज (لحس) अ पु –एक बार मिली हुई वस्तु की फिर-फिर इच्छा, कुत्ते का बरतन चाटना।
लह्ज़ (لحظ) अ पु.–कनखियो से देखना।
लह्ज़ (لہز) अ पु –छाती पर घूँसा मारना; मिलाना, बछडे का दूध पीते समय थनो को सिर का हूरा देना।
लह्जए तल्ख़ (لہجۂ تلخ) अ पु –पु –स्वर की कठोरता, कटुता से कही हुई बात।
लह्ज़मः (لہزمہ) अ.पु –कनपटी की हड्डी; जबडे की हड्डी।
लह्न (لحن) अ पु –स्वर, आवाज़, गानेवाला स्वर, धुन।
लह्ने दाऊदी (لحن داؤدی) अ पु –हज़्रत दाऊद पैगम्बर-जैसी आवाज़, जो बहुत ही मधुर और मुग्धकर थी।
लह्स. (لحسہ) अ पु –मासपिंड, लोथडा, छोटा बच्चा, शिशु, मास की बोटी।
लह्म (لحم) अ पु –मास, आमिष, गोश्त।
लह्मी (لحمی) अ वि –मास सम्बन्धी, मास का, एक प्रकार का जलधर।
लह्व. (لحو) अ पु –लकडी का बकला छुडाना, एक वस्तु से दूसरी वस्तु अलग करना।
लह्व (لہو) अ पु –खेल-कूद, मनबहलाव, क्रीडा, वह बात जो धार्मिक कामो से रोके।
लह्वुल हदीस (لہو الحدیث) अ. पु –किस्सा-कहानी, नाचरग।
लह्वो लइब (لہوو لعب) अ पु –खेल-कूद।
लह्हाम (لحام) अ. वि –मास-विक्रेता, गोश्त बेचनेवाला, कसाई।

ला

ला (لا) अ. अव्य –नही, न।
ला (لا) फा पु –तह, परत, दे 'लाए'।
ला आ'लम (لا اعلم) अ. वा.–मैं नही जानता, मुझे नही पता, मुझे ख़बर नही।
लाइंदः (لائندہ) फा. वि –बकवास करनेवाला, व्यर्थभाषी, व्यर्थवादी।
लाइक़ (لائق) अ वि.–योग्य, विद्वान्, पात्र, मुस्तहक़।
लाइजः (لاعجہ) अ. वि –जलानेवाला।
लाइब (لاعب) अ वि –खेलनेवाला, खिलाडी।
लाइमः (لائمہ) अ. वि –निंदा, भर्त्सना, डाँट-फटकार।
लाइम (لائم) अ वि –बुरे कामो पर डाँट-फटकार करनेवाला, भर्त्सना करनेवाला।
लाइमः (لاعیہ) अ.पु –थूहड के प्रकार का एक वृक्ष जिसका दूध बहुत ही विषैला और घातक होता है।
लाइलाज (لاعلاج) अ वि –जिसकी चिकित्सा न हो सके, अचकित्स्य, असाध्य; जिसका कोई उपाय न हो, दुष्कर।
लाइल्म (لاعلم) अ वि –अपरिचित, नावाकिफ, अज्ञात, जाहिल, अशिक्षित, बेपढा-लिखा।
लाइल्मी (لاعلمی) अ स्त्री –परिचय न होना, ना वाकिफीयत, अज्ञान, न जानना, भूल, त्रुटि।
लाइहः (لائحہ) अ.पु –दे 'लाएह'।
लाईदः (لائیدہ) फा. वि –डीग मारा हुआ, जिसने डीग मारी हो; जिसने व्यर्थ बात कही हो।
लाईदनी (لائیدنی) फा वि –बात करने योग्य, डीग मारने योग्य।
लाउबाली (لاابالی) अ वि –निश्चित, बेफिक्र, बेपर्वा, नि स्पृह, अनीह, बेनियाज़।
लाए (لاے) फा स्त्री –गाद, तलछट।
लाएह (لائحہ) अ पु –चमकनेवाली वस्तु, प्रोग्राम, कार्यक्रम, सूची, फेहरिस्त।
लाएह (لائح) अ वि –चमकनेवाला, उत्पन्न होनेवाला।
लाएहए अमल (لائحۂ عمل) अ पु –किसी कार्य विशेष का प्रोग्राम (कार्यक्रम)।
लाओनअम (لاونعم) अ स्त्री –नही और हाँ, अस्वीकृति और स्वीकृति।
लाओह्सी (لااحصی) अ. वा.–यह कुरान के एक पूरे वाक्य का टुकडा है, जिसका अर्थ है कि ईश्वर मे तेरे गुणो को सीमित नही कर सकता।

लाक (لاک) फा पु —लकड़ी का पियाला।
ला'क़ (لعق) अ पु —चाटना, लेहन।
लाकपुश्त (لاک پشت) फा पु —कच्छप, कूर्म, कछुआ।
लाकलाम (لاکلام) अ वि —निःसंदेह, निःशंक, बेशक, अवश्य, निश्चयपूर्ण, यक़ीनी।
लाकिन (لاکن) अ अव्य —लेकिन, परंतु, किन्तु।
लाक़िस (لاقس) अ वि —दोष करनेवाला, अपकर्ता।
लाक़ीस (لاقیس) अ पु —एक पिशाच जो नमाज़ पढ़ते समय लोगों के हृदय में अनेक प्रकार के विचार उत्पन्न करता है।
लाक़ेह् (لاقح) अ वि —गर्भ होना, मादा जिससे नर जुफ़्ती करे, वह खजूर जिससे दूसरे खजूर को गर्भ दे।
लाख़ः (لاخہ) फा पु —धुनकी हुई रूई, रूई का गाला।
लाख (لاخ) फा पु —स्थान, जगह, यह शब्द अकेला नहीं आता दूसरे शब्द से मिलकर आता है, जैसे—'संगलाख़', पथरीला स्थान।
लाख़राज (لاخراج) अ वि —वह भूमि जिसका लगान न देना पड़े।
लाग़ (لاغ) फा पु —परिहास, ठठोल, मज़ाक़।
लाग़र (لاغر) फा वि —क्षीण, क्षाम, कृश, दुबला-पतला।
लाग़रअंदाम (لاغراندام) अ वि —जिसका शरीर दुबला-पतला हो, कृशांग, क्षीणकाय।
लाग़री (لاغری) फा स्त्री —क्षीणता, कृशता, दुबलापन।
लाग़ियः (لاغیہ) फा पु —एक क्षुप जो बहुत गर्म और दूध वाला होता है।
लाग़ियः (لاغیہ) अ स्त्री —बक्की स्त्री, अनर्गल वादिनी, डींग मारनेवाली स्त्री, अहवादिनी।
लाग़ी (لاغی) अ वि —मिथ्यावादी, झूठा, डींगिया, शेख़ी खोर।
लाचीन (لاچین) तु पु —बाज़ पक्षी, श्येन।
लाजरम (لاجرم) अ वि —अवश्य, यक़ीनी, निःसंदेह, बेशुबह, असाध्य, लाइलाज।
लाजवाब (لاجواب) अ वि —जो जवाब न दे सके, निरुत्तर, सज्जित, शर्मिंद; सकुचित, नादिम, अद्वितीय, बेमिस्ल।
लाज़वाल (لازوال) अ वि —जिसका नाश न हो, अनश्वर, अविनाशी, शाश्वत।
लाज़िक़ः (لازقہ) अ वि —चिपकने वाली वस्तु (स्त्री)।
लाज़िक़ (لازق) अ वि —चिपकनेवाला।
लाज़िब (لازب) अ वि —चिपकनेवाला, चिह्न छोड़ जानेवाला।
लाज़िम (لازمہ) अ वि —आवश्यक वस्तु, गुण, ख़ास्स, अनिवार्य, लाज़िमी।
लाज़िम (لازم) अ वि —आवश्यक, ज़रूरी; अनिवार्य, लाज़िमी, उचित, मुनासिब, निश्चित, यक़ीनी, सटा हुआ, मिला हुआ, अकर्मक क्रिया, फ़े'ले लाज़िम।
लाज़िमन (لازماً) अ वि —निश्चित रूप से, यक़ीनन।
लाज़िमी (لازمی) अ वि —आवश्यक, ज़रूरी, अनिवार्य, लाबुद, उचित, मुनासिब निश्चित, यक़ीनी।
लाज़िमो मल्ज़ूम (لازم و ملزوم) अ वि —एक की दूसरे के साथ अनिवार्यता, समवाय।
लाज़िल [ल्ल] (لاظل) अ. वि —वह सोना जिसमें ज़रा भी खोट न हो।
लाजुर्अः (لاجرعہ) अ वि —जो घूंट-घूंट न पिया जाकर एक साथ पिया गया हो, डगडगाकर पिया हुआ।
लाजे (لاذع) अ वि —जलन उत्पन्न करनेवाला, सोज़िश पैदा करनेवाला।
लाज्वर्द (لاجورد) फा पु —एक बहुमूल्य पत्थर, लाजावर्त, आवर्त मणि।
लाज्वर्दी (لاجوردی) फा वि —लाज्वर्द के रंग का, नीला।
लात (لات) अ पु —एक मूर्ति जिसे हज़रत 'शुऐब' के अनुयायियों ने पूजा था।
लातज़र (لاتذر) अ. क्रि —न छोड़।
लाताइल (لاطائل) व्यर्थ, बेकार।
लाता'दाद (لاتعداد) अ वि —असंख्य, अगणित, असीम, अपरिमित, बेशुमार।
लातिब (لاتب) अ वि —चिपकनेवाला, एक स्थान पर टिका हुआ, डटा हुआ, दृढ़, मज़बूत।
लातीनी (لاطینی) अ स्त्री —रूमियों की प्राचीन भाषा, लैटिन।
लातुअद (لاتعد) अ वि —जो गिना न जा सके, अगणित, असंख्य।
लातोह्सा (لاتحصیٰ) अ वि —जो घेरा न जा सके, जो सीमाबद्ध न हो सके, असीम।
लाद. (لادہ) फा पु —मूर्ख, अज्ञानी, बेअक़्ल।
लाद (لاد) फा पु —दीवार की चुनाई का एक रद्दा।
लादनः (لادنہ) फा पु —सन, शण, सन का पेड़, दे. 'लादिन', दोनों शुद्ध हैं।
लादन (لادن) फा पु —एक प्रकार की सुगंध, अफ़ीम का अर्क़।
लादवा (لادوا) अ वि —जिसका उपचार न हो सके, असाध्य, निरुपचार, जिसका प्रयत्न न हो सके।
लादा'वा (لادعویٰ) अ वि —जो वाद वापस ले ले, दस्तबरदार।

लाग़िय़ (لاغ) अ. वि.—डसनेवाला; एक पीडा, जिसमें ऐसा अनुभव होता है कि त्वचा को कोई काट रहा है।
लादिनः (لادنہ) फा. पु.—सन; सन का पेड।
लादिम (لادم) अ. वि.—पैवंद लगाने वाला, थिगली लगानेवाला, चकती लगानेवाला।
लानः (لانہ) फा. पु.—शहद का छत्ता जिसमें शहद न हो, घोसला, कुलाय, झोझ।
लान (لان) फा पु.—आजर वाईजान का एक पहाड, जहाँ के तुर्क बहुत ही सुदर होते हैं।
ला'न (لعن) अ. स्त्री.—धिक्कार, ला'नत।
ला'नत (لعنت) अ. स्त्री.—धिक्कार, फटकार।
ला'नतज़दः (لعنت زدہ) अ. फा वि.—जिस पर ला'नत की गयी हो, धिक्कृत।
लानुसल्लिम (لانسلم) अ क्रि.—मैं नही मानता, यह मेरे लिए मान्य नही है।
लाफ़ (لاف) फा. स्त्री.—डीगें, शेखी; गप, जल्प, विकत्थ।
लाफ़गो (لاف گو) फा वि.—डीगिया, अहवादी, गप्पी, बकवादी, जल्पी।
लाफ़गोई (لاف گوئی) फा स्त्री.—डीग मारना; गप उडाना, बकवास।
लाफ़ज़न (لاف زن) फा. वि.—दे 'लाफ़गो'।
लाफ़ज़नी (لاف زنی) फा स्त्री.—दे 'लाफ़गोई'।
लाफ़ानी (لافانی) अ. वि.—अनश्वर, अविनाशी, जो कभी नष्ट न हो, शाश्वत।
लाफ़िंदः (لافندہ) फा. वि.—गप्पी, बकवासी, डीगिया, शेखीखोर।
लाफ़िज़ः (لافظہ) अ. स्त्री.—नदी, दर्या; बकरी, अजा, चक्की, पेषणी; कुक्कुटी, मुर्गी।
लाफ़ीदः (لافیدہ) फा वि.—गप हाँका हुआ, जो बात गप हो, डीग मारा हुआ, जो बात डीगें हो।
लाफ़ीदनी (لافیدنی) फा. वि.—गप मारने योग्य, डीग मारने योग्य।
लाफ़ेह् (لافح) अ वि.—आग, गर्मी या लपट से जलनेवाला।
लाफ़ोगुज़ाफ़ (لاف و گزاف) फा. स्त्री.—व्यर्थ की और इधर-उधर की गप्पबाज़ी, खुराफात, बकवास।
लाबः (لابہ) फा पु.—चाटुकारिता, खुशामद, छल, कपट, वंचना, फरेब।
लाबः (لابہ) अ. पु.—पहाडी भूमि, पथरीला स्थान।
लाबःकार (لابہ کار) फा. वि.—चापलूस, चाटुकार।
लाबःगो (لابہ گو) फा. वि.—चापलूस, चाटुकार।
ला'ब (لعاب) अ. पु.—राल बहना, राल टपकना।
ला बर ला (لابر لا) फा वि.—तह पर तह, परत पर परत
लाबिन (لابن) अ. वि.—दूध पिलानेवाला; दूधवाला।
लाबिस (لابث) अ वि.—देर करनेवाला, ढील डालनेवाला।
लाबुद (द्द) (لابد) अ. वि.—आवश्यक, जरूरी; अनिवार्य, लाज़िमी।
लाबुदी (لابدی) अ. वि.—दे. 'लाबुद'।
लामः (لامہ) अ. पु.—लोहे की कडियोवाला कवच, ज़िरीह।
लाम (لام) अ. पु.—'लाम.' का बहु, कवच-समूह, एक अक्षर, 'ल'; अलक, ज़ुल्फ।
लाम (لام) फा पुं.—ऊन की एक मोटी टोपी जो विशेषत माँगनेवाले ओढते हैं।
लामकान (لامکان) अ. पु.—वह स्थान जो घर न हो; वह जो मकान से परे हो, ईश्वर।
लाम काफ़ (لام کاف) अ. पु—गाली-गलीज, अपवाद।
लामज़्हब (لامذهب) अ. वि.—जिसका कोई धर्म न हो नास्तिक, धर्मविमुख।
लामज़्हबीयत (لامذهبیت) अ. स्त्री.—नास्तिकता, धर्म-विमुखता।
लामहालः (لامحالہ) अ. वि.—अतत', आखिरकार; विवशतापूर्वक, लाचारी से।
लामहदूद (لامحدود) अ वि.—जिसकी कोई हृद न हो, असीमित, जो घेरा न जा सके, जिसकी सीमाएँ निश्चित न हो, बेहद।
लामान (لامان) फा. पु.—छल, कपट, फरेब, कृतघ्नता, बेवफाई, समूह, अबोह; गढा, गर्त।
लामानी (لامانی) फा वि.—छलपूर्वक, पुरफ़रेब; मिथ्या, झूठ; कवच पहने हुए।
लामिसः (لامسہ) अ. स्त्री.—छूनेवाली, स्पर्शशक्ति, छूने की कुव्वत।
लामिस (لامس) अ. वि.—छूनेवाला, स्पर्शी; मैथुनकरनेवाला, सभोगकर्ता।
लामुतनाही (لامتناہی) अ वि.—जिसका ओर-छोर न हो, अपार, असीम, बेहद।
लामे' (لامع) अ. वि.—चमकनेवाला, चमकीला, प्रकाशमान, रौशन।
लामेअः (لامعہ) अ. वि.—चमकनेवाली वस्तु (स्त्री.)।
लायः (لایہ) फा. पु.—दीवार का रद्दा; कपड़े की तह; एक प्रकार का काग़ज़।
लायंबग़ी (لاینبغی) अ. वि.—अनावश्यक, ग़ैरज़रूरी; अनुचित, नामुनासिब।
लायकून (لایکون) अ. अव्य.—शायद, स्यात्।

लायज़ाल (لایزال) अ वि—जो नष्ट न हो, अनश्वर, अविनाशी, अर्थात् ईश्वर।

लायन्फ़क [**फ़क**] (لاینفک) अ वि—जो अलग न हो सके, अविच्छिन्न।

लायन्हल (لاینحل) अ वि—जो हल न हो, जो जटिल हो (समस्या)।

लायमूत (لایموت) अ वि—जो मरे नही, अमर।

लाया'क़िल (لایعقل) अ वि—जो कुछ न समझता हो, निर्बुद्ध, अज्ञानी, मूर्ख।

लाया'नी (لایعنی) अ वि—जिसका अर्थ न हो, अनर्थक, बेमतलब, व्यर्थ, फ़ुज़ूल।

लाया'लम (لایعلم) अ वि—जो कुछ नही जानता, अनभिज्ञ, अज्ञानी।

लायुम्किन (لایمکن) अ. वि—जो मुम्किन न हो, असभव।

लारैब (لاریب) अ. वि—नि सदेह, बेशुब्हा।

लारैबफ़ीह (لاریب فیہ) अ वा—इस वात मे कोई सदेह नही है, ऐसा अवश्य है।

लाल: (لالہ) फा पु—एक लाल फूल, पोस्त का फूल, अहिपुष्प।

लाल:गूँ (لالہ گوں) फा वि—लाला के फूल-जैसा, रक्तवर्ण, सुर्ख़।

लाल:ज़ार (لالہ زار) फा. पु—लाला के फूलो का खेत, अफ़ीम का खेत।

लाल:फ़ाम (لالہ فام) फा वि—दे 'लाल फ़ाम'।

लाल:रंग (لالہ رنگ) फा वि—दे 'लाल गूँ'।

लाल:रुख़ (لالہ رخ) फा वि—लाला के फूल-जैसे सुर्ख़ और कोमल गालोवाला (वाली)।

लाल:सॉ (لالہ ساں) फा वि—लाला के फूल-जैसा, सुर्ख़, लाल।

लाल:सार (لالہ سار) फा वि—दे 'लाल ज़ार'।

लालग (لالنگ) फा वि—बचा हुआ खाना, उच्छिष्ट, भुक्तशेष।

लाल (لال) तु वि—मूक, गूँगा।

लाल (لال) फा वि—रक्त, सुर्ख़, एक रत्न, पद्म राग।

ला'ल (لعل) अ पु—लाल (फा) का अरबी रूप, पद्म राग, एक बहुमूल्य रत्न।

लालए सह्राई (لالہ صحرائی) फा अ पु—जगल में उत्पन्न होनेवाला लाला का फूल।

ला'लगूँ (لعل گوں) अ फा वि—पद्मराग-जैसे रक्त वर्ण का, रक्तवर्ण।

ला'लफ़ाम (لعل فام) अ फा. वि—दे 'ला'ल गूँ'।

लाला (لالا) फा पु—दास, गुलाम, सेवक, मुलाज़िम; चमकदार, उज्ज्वल (मोती)।

लालाए चश्म (لالاے چشم) फा पु—आँख की पुतली, कनीनी, कनीनिका।

ला'ली (لعلیں) अ फा वि—लाल-जैसे रगवाला।

ला'लीं लब (لعلیں لب) अ फा वि—लाल और सुदर होठो वाली सुदरी।

ला'ले बदख़्शानी (لعل بدخشانی) अ फा पु—बदख़्शाँ (अफ़ग़ानिस्तान) में पैदा होने वाला पद्मराग।

ला'ले मुज़ाब (لعل مذاب) अ पु—पिघला हुआ पद्मराग अर्थात् लाल मदिरा।

ला'ले रुम्मानी (لعل رمانی) अ पु—अनार के दानो-जैसा गुलाबी पद्मराग।

ला'ले लब (لعل لب) अ फा पु—पद्मराग-जैसे गुलाबी अधर, अधर रूपी पद्मराग।

ला'ले शकरबार (لعل شکربار) अ फा पु—मीठा अमृत-जल टपकानेवाले अधर।

ला'ले शब चिराग़ (لعل شب چراغ) अ फा पु—पद्मराग-विशेष, जो अँधेरे में दीपक की भाँति प्रकाश देता है।

लाव: (لاوہ) फा पु—बच्चो का एक खेल, गिल्ली-डडा।

लाव (لاو) फा पु—पडोल मट्टी, जिससे घर पोता जाता है।

लावलद (لاولد) अ वि—जिसके कोई सतान न हो, निर्वंश, अनपत्य, नि सतान।

लावारिस (لاوارث) अ वि—जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो।

लाश: (لاشہ) फा वि—बहुत ही दुर्बल और क्षीण, दुर्बल गधा अथवा घोडा, गधा, गर्दभ, (पु) लाश, शव।

लाश (لاش) तु स्त्री—मृतक देह, शव, लाश।

लाशए बेगोरोकफ़न (لاشۂ بےگوروکفن) फा पु—ऐसा शव जिसे न कफ़न मिला हो न क़ब्र।

लास (لاس) फा पु—बहुत ही ख़राब किस्म का रेशम।

लासानी (لاثانی) अ वि—अद्वितीय, बेमिस्ल, अनुपम।

लासिम (لاثم) अ वि—चूमनेवाला, चुबक, वह व्यक्ति जो अपना मुँह बद रखता हो, मितभाषी।

लाह (لاہ) अ पु—ईश्वर, अल्लाह।

लाह (لاہ) फा पु—कच्चा रेशम, ख़राब किस्म का रेशम।

लाहल [**ल्ल**] (لاحل) अ वि—जो हल न हो सके, जिस समस्या का समाधान न हो सके।

लाहासिल (لاحاصل) अ वि—निष्फल, व्यर्थ, बेकार, नि सार, बेनतीजा।

लाहिक़: (لاحقہ) अ. पु—वह अक्षर या शब्द-विशेष जो

किसी शब्द के अंत में अर्थ-परिवर्तन के लिए लाया जाता है, प्रत्यय।

लाहिक़ (لاحق) अ वि.—मिलनेवाला, युक्त होनेवाला।

लाहिज़ (لاحظ) अ. वि.—कनखियो से देखनेवाला।

लाहिब (لاهب) अ वि—लपट मारनेवाला, धधकनेवाला।

लाहिम (لاحم) अ. वि.—गोश्त (मास) खिलानेवाला; गोश्त बेचनेवाला।

लाही (لاهی) अ. वि—अचेत, बेसुध, बेहोश, जिसे ध्यान न रहे, असावधान, गाफिल; खेलनेवाला, क्रीडक।

लाहूत (لاهوت) अ पु—ससार, मर्त्यलोक, दुनिया; ब्रह्मलीनता की अवस्था।

लाहूती (لاهوتی) अ. वि.—ससार का निवासी, प्राणी; ब्रह्मलीन, फना फिल्लाह्।

लाहोरः (لاهوره) फा. पु—फाँक, काश।

लाहौल (لاحول) अ. स्त्री.—घृणा और उपेक्षा-सूचक एक वाक्य।

लि

लिंगः (لنگه) फा. पु.—पूरी टाँग, पाँव की उँगलियो से रान की जड तक का अवयव।

लिंग (لنگ) फा. पु.—पिंडली; पूरी टाँग; रान।

लिंगवरः (لنگ‌بره) फा पु.—एक खाद्य, गेहूँ के आटे की रस्सी-सी बटकर उसके छोटे-छोटे टुकडे करके घी मे भूनकर गोश्त में पकाये जाते है।

लिआन (لعان) अ पु.—एक दूसरे को धिक्कारना, परस्पर ला'नत भेजना।

लिक़ा (لقا) अ स्त्री.—दर्शन, दीदार, साक्षात्कार, भेंट, मुलाकात।

लिक़ाह (لقاح) अ. पुं—गर्भ धारण करना, हामिल होना।

लिख़ाफ़ (لخاف) अ पु.—सफेद और पतले पत्थर।

लिग़ाम (لغام) अ पु—पशुओ के मुँह बंद करने की जाली, मुसीका।

लिग्नः (لگنه) फा पु.—दे. 'लिंग'।

लिजाम (لجام) अ. स्त्री—लगाम, कविका।

लिताम (لطام) अ पु.—एक दूसरे को तमाँचे मारना।

लिदाम (لدام) अ. पु—कपडे में पैवद लगाना; जूते में थिगली गाँठना।

लिफ़ [फ़्फ़] (لف) अ पु.—वह पेड जो दूसरे पेड में गुथा हो।

लिफ़ाअ (لفاع) अ पु.—चादर।

लिफ़ाफ़ः (لفافه) अ. पु—ऊपर लपेटने की वस्तु, खत भेजने का खोल, पत्रवेष्टन; मुर्दे का कफन।

लिफ़ाफ़ (لفاف) अ पु.—मुर्दे के सबसे ऊपरवाला कपडा, क़फन।

लिफ़्क़ (لفق) अ पु.—छोर, किनारा, दराज, दरार, दर्ज।

लिफ़्त (لفت) अ पु—शलजम, एक शाक।

लिब [ब्ब] (لب) अ पु—वह व्यक्ति जो कोई कार्य बराबर करता हो, किसी कार्य-विशेष का पावद।

लिबा (لبا) अ स्त्री—प्योसी, खीस।

लिबास (لباس) अ पु—वस्त्र, वसन, पोशाक।

लिबासात (لباسات) अ. पु—चापलूसी, ख़ुशामद, चाटुकारिता।

लिबासे अरूसी (لباس عروسی) अ. पु—विवाह मे दूल्हा और दुल्हन के पहनने के कपडे।

लिबासे तक़्वा (لباس تقوی) अ. पु—लज्जा, व्रीडा, लाज, शर्म; साधुओ के पहनने के वस्त्र।

लिबासे रियाई (لباس ریائی) अ. पु—धोखा देनेवाले वस्त्र, धोखा देने वाला भेष, छद्मवेश।

लिबासे शबख़्वाबी (لباس شب‌خوابی) अ पु.—रात मे सोते समय पहनने के कपडे, नाइट ड्रेस, रात्रिवस्त्र।

लिब्नः (لبنه) अ स्त्री.—कच्ची ईंट, वह ईंट जो पकायी न गयी हो, एक ईंट।

लिब्न (لبن) अ. स्त्री.—'लिब्न' का बहु, कच्ची ईंटे।

लिब्लाब (لبلاب) अ स्त्री—एक बेल, इश्क पेचाँ।

लिब्स (لبس) अ. पु—वस्त्र, वसन, लिबास।

लिम [म्म] (لم) अ स्त्री.—कारण, सबब, (अव्य.) क्यो, किस लिए।

लिम्मः (لمه) अ. पु—वे बाल जो कनपटी के नीचे लटक आयें।

लिम्मी (لمی) अ. वि.—न्याय-परिभाषा मे एक तर्क, ऐसा किस कारण है।

लियाक़त (لیاقت) अ. स्त्री—योग्यता, क़ाबिलीयत; पात्रता, इस्तेहक़ाक, विद्वत्ता, इल्मीयत, उत्साह, हौसला, सामर्थ्य, मक़्दरत।

लियाज़ (لیاذ) अ पु—आश्रय लेना, पनाह ढूंढना।

लियाम (لیام) अ पु—'लईम' का बहु, मक्खीचूस लोग।

लियामत (لیامت) अ. स्त्री.—भर्त्सना, निंदा, मलामत।

लियास (لیاس) अ. वि—जो अपनी स्त्री की कमाई खाता हो, भार्याट, दय्यूस।

लियाह (لیاح) अ वि.—सफेद, धवल श्वेत, (स्त्री) जगली गाय।

लिल्लहिल हम्द (للہ‌الحمد) अ. वा—सारी स्तुतियाँ केवल ईश्वर के लिए हैं; ईश्वर को धन्यवाद, खुदा का शुक्र।

लिल्लाह (لله) अ अव्य—ईश्वर के लिए, ईश्वर के नाम पर, ईश्वरार्पण।
लिवज्हिल्लाह (لوجه الله) अ अव्य—ईश्वर के लिए।
लिवा (لوا) अ पु—पताका, ध्वजा, झडा।
लिवाए हक़ (لوائے حق) अ पु—सत्यता का झडा।
लिवाज़ (لواذ) अ पु—एक दूसरे की रक्षा करना, एक दूसरे को पनाह देना।
लिवातत (لواطت) अ स्त्री—गुदमैथुन, पुरुष-मैथुन, इग्लाम, दे 'लवातत', दोनो शुद्ध हैं।
लिस [स्स] (لص) अ वि—चोर, स्तेन, तस्कर।
लिसान (لسان) अ स्त्री—जिह्वा, रसना, जीभ, भाषा, बोली, ज़बान।
लिसानी (لسانی) अ वि—भाषा-सम्बन्धी।
लिसानीयात (لسانیات) अ स्त्री—भाषा-विज्ञान, भाषाओ का इल्म।
लिसानुलअस्र (لسان العصر) अ पु—अपने समय का तर्जुमान।
लिसानुलक़ौम (لسان القوم) अ पु—अपने राष्ट्र का तर्जुमान, अपनी जाति का तर्जुमान।
लिसानुलग़ैब (لسان الغیب) अ पु—भविष्य की बातें जाननेवाला।
लिसानुलमुल्क (لسان الملک) अ पु—अपने देश या राष्ट्र का तर्जुमान।
लिसानुलहमल (لسان الحمل) अ स्त्री—एक वनौषधि, बारतग।
लिसाम (لثام) अ पु—पशुओ के मुंह बाँधने की जाली, मुसीका।
लिस्स (لثہ) अ पु—मसूढा, दतमास, दे 'लस्स' और 'लुस्स', तीनो शुद्ध हैं।
लिहा (لحا) अ स्त्री—वल्कल, छाल, बकला।
लिहाज़ (لحاظ) अ पु—आदर, ख़याल, शील, मुरव्वत, लज्जा, शर्म, स्वाभिमान, ग़ैरत, भय, डर, ध्यान, ख़याल, सकोच, नदामत।
लिहाज़ा (لہذا) अ अव्य—अत, सुतराम्, इसलिए।
लिहाफ़ (لحاف) अ पु—मोटी रजाई।
लिह्यः (لحیہ) अ स्त्री—दे 'लेह्य'।
लिह्यान (لحیان) अ वि—दे 'लेह्यान'।

ली

लीक़ः (لیقہ) अ पु—दवात में डालने का लत्ता।
लीक़ (لیق) अ पु—दे 'लीक़.'।
लीग़ (لیغ) फा वि—उदास, मलिन, बददिल।
लीनः (لینہ) अ पु—खजूर के पेड का तना, खजूर की लबी सोट।
लीन (لین) अ स्त्री—कोमलता, नर्मी।
लीनत (لینت) अ स्त्री—कोमलता, नर्मी, मुलायमपन।
लीफ़ः (لیفہ) अ पु—खजूर का बकला, रेशा, ततु।
लीफ़ (لیف) अ. स्त्री—दे 'लीफ़'।
लीसुरग़ुस (لیثرغس) अ पु—एक प्रकार का सन्निपात।

लु

लुग (لنگ) फा पु—लुगी, तहमद, जाँघिया, लँगोट।
लुंगक (لنگک) फा पु—छोटी-सी लुगी, अँगौछा, जाँघिया।
लुज (لنج) फा पु—होठ, अधर, ओष्ठ।
लुआब (لعاب) अ पु—चेप, लस, राल, लाला, लसदार दवाओ का गाढा पानी।
लुआबदार (لعابدار) अ फा वि—वह वस्तु जिसमें चेप हो, लेसदार।
लुआबे दहन (لعاب دہن) अ फा. पु—थूक, मुखस्राव; राल, लाला।
लुक (لک) तु वि—मोटी भारी, और बेढगी वस्तु।
लुक़ातः (لقاطہ) अ वि—बहुत ही घटिया वस्तु।
लुक्कः (لکہ) फा पु—धब्बा, दाग़, टुकडा, खड।
लुक्कए अब्र (لکۂ ابر) फा पु—बादल का टुकडा, अभ्रखड।
लुक्कहाए अब्र (لکہائے ابر) फा पु—बादलो के टुकडे।
लुक़्क़ाअ (لقاع) अ वि—बहुत ही बातूनी, बक्की, हाज़िरजवाब, शीघ्रोत्तर, प्रत्युत्पन्नमति।
लुक्तः (لقطہ) अ पु—भूमि पर पडी हुई हुई वस्तु जो उठा ली गयी हो, पुराना लत्ता।
लुक्नत (لکنت) अ स्त्री—हकलापन, हकलाहट।
लुक्नतआमेज़ (لکنت آمیز) अ फा वि—हकलाहट के साथ, हकलाते हुए।
लुक्म. (لقمہ) अ पु—ग्रास, कवल, निवाला।
लुक्मःख़ोर (لقمہخور) अ फा वि—निवाला खानेवाला।
लुक्मए अजल (لقمۂ اجل) अ पु—मृत्यु के मुँह का निवाला, मृत्युकवल, मृत, मुर्दा।
लुक्मए गोर (لقمۂ گور) अ फा पु—क़ब्र के मुँह का निवाला, मृत, मुर्दा।
लुक्मए चर्ब (لقمۂ چرب) अ फा पु—तर निवाला, तरमाल, बढ़िया-बढिया खाने, अच्छी प्राप्ति, काफी लाभ।
लुक्मए तर (لقمۂ تر) अ फा पु—दे. 'लुक्मए चर्ब'।

लैली (لیلی) अ स्त्री –'दे. 'लैला'।
लैले (لیلے) फा. स्त्री.–दे. 'लैला', यह शब्द केवल फ़ारसी पद्य मे प्रयुक्त हुआ है।
लैस (لیث) अ.पु –सिंह, शेर।
लैह (لیہ) अ पु –छिप कर जाना।

लो

लोक (لوک) फा. पु –लद्दू ऊँट; जो दुर्बलता और रोग के कारण घिसट-घिसटकर चले, जैसे—बच्चे चलते हैं; दीन, असहाय, लाचार।
लोकाँ (لوکاں) फा. वि –घुटनो के बल चलता हुआ, घुटनो के बल चलनेवाला।
लोकिदः (لوکندہ) फा. वि –घुटनो के बल चलनेवाला।
लोकीदः (لوکیدہ) फा वि.–जो घुटनो के बल चला हो।
लोकीदनी (لوکیدنی) फा वि –घुटनो के बल चलने योग्य।
लोत (لوت) फा. पु.–अच्छे-अच्छे खाने; बिना दाढी-मूँछ का लड़का।
लोतपोत (لوت پوت) फा पु –अच्छे-अच्छे स्वादिष्ठ खाने।
लोदी (لودی) फा. पु –पठानो की एक जाति।
लो'बत (لعبت) अ. स्त्री.–खिलौना, गुडिया, पुत्तलिका।
लो'बतेचीं (لعبت چیں) अ. फा स्त्री.–चीनी गुडिया, चीनी सुदरी।
लोबान (لوبان) फा पु –एक सुगधित गोद।
लोर (لور) फा पु –धुनकने की कमान, वह भूमि जो बाढ के पानी से कट जाय, एक नाव-विशेष।
लोरकंद (لورکند) फा पु –वह गढ़ा जो बाढ के पानी से बन जाय।
लोरा (لورا) फा. पु.–पतली लपसी, दलिया, हर पतली वस्तु।
लोरियाँ (لوریاں) फा पु –'लोरी' का बहु, कमीने और अधम लोग।
लोरी (لوری) फा पु –एक जगली और असभ्य जाति जो नाचने-गाने का पेशा करती है, कजर, नीच, लोफर, कमीना।
लोल. (لولہ) फा पु –भुने हुए अन्न का आटा, सत्तू।
लोलःपेच (لولہ پیچ) फा पु –हर वह कपडा जिसका थान दफ्ती में लपेटा जाय और ऊपर कागज चढ़ाया जाय।
लोल (لول) फा वि –चपल, चचल, शोख; निर्लज्ज, धृष्ट, बेहया, ढीठ।
लोलए आबरेज (لولۂ آبریز) फा पु –टोटी, नलकी।
लोलियाँ (لولیاں) फा स्त्री –'लोली' का बहु, रडियाँ।
लोली (لولی) फा स्त्री –रडी, तवाइफ।
लोश (لوش) फा वि –कीचड, पक, खाब, अचेत, बेखबर, टेढे मुँहवाला, कोढी।
लोशाक (لوشاک) फा. वि.–कीचड मिला हुआ, गदला।
लोस (لوس) फा पु –चापलूसी, चाटुकारिता।
लोसानः (لوسانہ) फा पु –चापलूसी, खुशामद, विनीति, विनय, खाकसारी।
लोहूजः (لہنجہ) अ पु –प्रातराश, नाश्ता, सवेरे का जलपान।
लोहनः (لہنہ) अ पु –नाश्ता, प्रातराश, वह थोड़ा खाना जो मेहमान के सामने रख दिया जाय ताकि खाना तैयार होने तक का आधार हो जाय।
लोह्म. (لحمہ) अ पु –बाज़ के शिकार का गोश्त, कपडे की चौडाई का तार, बाना।
लोह्मान (لحمان) अ. पु –'लह्म' का बहु, मास-पिंड-समूह।

लौ

लौ (لو) फा. पु –पुश्ता, उँचाई, पित्त, सफ़ा।
लौअ (لوع) अ. स्त्री –प्रेम की व्याकुलता और जलन।
लौअत (لوعت) अ. स्त्री –प्रेम की तपन, जलन और व्याकुलता, दे 'लौअ'।
लौआत (لوعات) अ. स्त्री –'लौअत' का बहु., प्रेम की जलनें।
लौक (لوک) अ पु –चबाना, चर्बण, खाना, खान।
लौज़. (لوزہ) अ पु.–बादाम, एक प्रसिद्ध मेवा, कौआ, गले का कौआ, कठकाक।
लौज (لوز) अ पु –'लौज़.' का बहु, बहुत-से बादाम।
लौज (لوذ) अ पु –बचाव के लिए पनाह ढूंढना, घाटी का किनारा।
लौज़ई (لوذعی) अ. वि –बुद्धिमान्, मेधावी, दाना, प्रतिभा-शाली, जहीन।
लौज़नान (لوزنان) फा पु –हल्क का कौआ, कठकाक।
लौज़ियात (لوزیات) फा पु –'लौज़.' का बहु, परतु एक वचन मे व्यवहृत है।
लौज़ीनः (لوزینہ) फा पु –बादाम का हल्वा।
लौनः (لونہ) अ पु –मुँह पर मलने का पाउडर, मुखचूर्ण, गाजा।
लौन (لون) अ पु –रग, वर्ण।
लौने ग़ासिक (لون غاسق) अ पु –गहरा रग।
लौने फातेह (لون فاتح) अ पु –हलका रग।
लौने मा'तम (لون معتم) अ पु –शोख रग, खुलता हुआ रग, न बहुत गहरा न हलका।

लुहाम (لحام) अ पु –'लह्‌म' का बहु., बहुत-से मांस।
लुहाम (لهام) अ पु –बहुत बड़ी सेना।
लुहूक़ (لحوق) अ पु –पीछे से मिलना या जुड़ना, दो या अधिक वस्तुओं का परस्पर मिलना।
लुहून (لحون) अ पु –'लह्‌न' का बहु., आवाजें, स्वर-समूह।
लुहूम (لحوم) अ पु –'लह्‌म' का बहु., मांसपिंड-समूह, बहुत-से गोश्त।
लुहमान (لحمان) अ पु –दे 'लुहूम'।

लू

लूक़ः (لوقه) अ पु –ताज़ा घी, ताज़ा मक्खन।
लूक़ा (لوقا) अ पु –यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक।
लूख़ (لوخ) फ़ा पु –पानी के किनारे उत्पन्न होनेवाली एक घास जिसकी चटाइयाँ बनती हैं, दे 'लुख़'।
लूच (لوچ) तु वि –नग्न, नंगा, भेंगा, दे. 'लुच'।
लूत (لوت) फ़ा वि –नंगा, नग्न।
लूत (لوط) अ पु –एक पैग़बर जिनके अनुयायियों ने गुद-मैथुन को धर्म-विहित मान लिया था, जिसके कारण उन पर अज़ाब (यातना) आया और वह सब नष्ट हो गये।
लूती (لوطی) अ वि –गुद-मैथुन करनेवाला, धृष्ट, ढीठ, बेहया, स्वच्छंद, जो धर्माधर्म का ध्यान न रखता हो।
लूबः (لوبه) अ पु –पथरीली भूमि, पहाड़ी इलाक़ा, वह पहाड़ी क्षेत्र जहाँ पानी का अभाव हो।
लूब (لوب) अ पु –'लूब' का बहु., ऐसे पहाड़ी क्षेत्र जहाँ पानी न मिलता हो।
लूलू (لولو) अ पु –मुक्ता, मोती।
लूलुए लाला (لولوے لالا) अ पु –बहुत बढ़िया और चमकदार मोती।
लूशा (لوشا) अ पु –एक यूनानी वैज्ञानिक।

ले

लेक (لیک) फ़ा अव्य –'लेकिन' का लघु, दे 'लेकिन'।
लेकिन (لیکن) फ़ा अव्य –'लाकिन' का फ़ार्सी रूप, परंतु।
लेज़म (لیزم) फ़ा स्त्री –व्यायाम करने का एक विशेष प्रकार का धनुष।
लेमूँ (لیموں) फ़ा पु –नीबू, निंबू, निंबूक, जंबीर।
लेमूनी (لیمونی) फ़ा वि –जो नीबू के रस से बना हो, जिसमें नीबू का रस पड़ा हो, नीबू से सम्बन्धित।
लेस (لیس) फ़ा प्रत्य –चाटनेवाला, जैसे—'कास लेस' रिकाबी चाटनेवाला।
लेसाँ (لیساں) फ़ा. वि –चाटता हुआ।
लेसिंदः (لیسندہ) फ़ा वि –चाटनेवाला, लेहक।
लेसीदः (لیسیدہ) फ़ा वि –चाटा हुआ, लेहित।
लेसीदनी (لیسیدنی) फ़ा वि –चाटने योग्य, लेहनीय, लेह्य।
लेह्‌यः (لحیه) अ स्त्री –डाढ़ी, श्मश्रु, रीश।
लेहयान (لحیان) अ. वि –लंबी डाढ़ीवाला, रीशाईल।
लेहयानी (لحیانی) अ वि.–रीशाईल, जिसकी डाढ़ी बहुत लंबी हो।

लै

लै (لے) अ पु –बटना, रस्सी आदि बटना, लपेटना, ज़बान का लड़खड़ाना, जाल में फड़फड़ाना।
लैअ (لیع) अ पु –डरना, भय खाना, जी उचाट होना, बद दिल होना।
लैत (لیت) अ अव्य –ईश्वर ऐसा करता।
लैतक (لیتک) फ़ा पु –दासी-पुत्र, लौंडी-बच्चा।
लैतोलअल [ल्ल] (لیت ولعل) अ स्त्री –टालमटोल, हेराफेरी, आजकल, बहानाबाज़ी।
लैन (لین) अ वि –दे 'लैयिन', दोनों शुद्ध हैं।
लैमून (لیمون) अ पु –नीबू, निंबूक, लेमूँ, जंबीर।
लैमूनी (لیمونی) अ वि –नीबू से बना हुआ, जिसमें नीबू पड़ा हो, नीबू-सम्बन्धी वस्तु।
लैयान (لیان) अ पु –लपेटना।
लैयिन (لین) अ वि –मृदुल, कोमल, नर्म (पु) खजूर या छुहारे के पेड़ का तना।
लैलः (لیله) अ स्त्री.–रात्रि, निशा, रात, शब।
लैल (لیل) अ स्त्री –रात्रि, यामिनी, निशीथिनी, क्षपा, शब,—"छाई हुई हैं ग़म की घटाएँ बहारसू, क्या फ़र्क़ रह गया मेरे लैलोनिहार में।"
लैलतुल असरा (لیلة الاسری) अ स्त्री –दे. 'लैलतुल मे'राज'।
लैलतुलक़द्र (لیلة القدر) अ. स्त्री –रमज़ान के महीने की एक रात्रि, जिसमें जप-तप करना बहुत अच्छा माना गया है।
लैलतुलबद्र (لیلة البدر) अ स्त्री –चाँद की चौदहवीं रात्रि, पूर्णिमा, पूर्णमासी।
लैलतुलबरात (لیلة البرات) अ स्त्री –शबेबरात, शबरात, शा'बान मास की चौदहवीं रात्रि।
लैलतुलमे'राज (لیلة المعراج) अ स्त्री –वह रात जिसमें मुसलमानों के मतानुसार हज़रत मुहम्मद साहिब अर्श पर गये।
लैला (لیلی) अ. स्त्री –'क़ैस' की प्रेमिका, जिसके इश्क़ में वह पागल हो गया था, और सब उसे 'मजनूँ' (पागल) कहने लगे थे।

लौम (لوم) अ पु —भर्त्सना, निंदा, मलामत, कृपणता, कजूसी।

लौमत (لومت) अ. स्त्री.—दे. 'लौम'।

लौमते लाइम (لومت لائم) अ. स्त्री.—निंदा करनेवाले की निंदा।

लौलोशम (لولوشم) फा पु —एक फूल विशेष।

लौस (لوث) अ पु —लगाव, सपर्क, तअल्लुक़, लथडा होना, भरा होना।

लौसे दुनूया (لوث دنیا) अ. पु.—सासारिक बधन, मायाजाल, लिप्ति, अनुराग।

लौह (لوح) अ स्त्री —बच्चो के लिखने की पाटी, तख़्ती, पट्टिका, पत्थर का टुकडा जिस पर लिखकर क़ब्र आदि पर लगाते है।

लौहशल्लाह (لوحش اللہ) अ बा —'ला औहशल्लाह' का फ़ार्सी रूप, आदर प्रदर्शन या आश्चर्य प्रकटन के समय बोलते है।

लौहे क़ब्र (لوح قبر) अ स्त्री —दे 'लौहे मज़ार'।

लौहे जबीं (لوح جبیں) अ स्त्री —दे 'लौहे पेशानी'।

लौहे तिलिस्म (لوح طلسم) अ स्त्री —किसी जादू के मकान में रखी हुई वह तख़्ती जिस पर जादू तोडने की विधि लिखी होती है।

लौहे नाख्वांदः (لوح ناخواندہ) अ स्त्री —ईश्वरदत्त विद्या, इल्मे लदुन्नी, दे 'लौहे महफ़ूज़'।

लौहे पेशानी (لوح پیشانی) अ फा स्त्री —ललाटपटल, माथा, भाग्य, तक़्दीर।

लौहे मज़ार (لوح مزار) अ स्त्री —वह पत्थर की तख़्ती जो किसी मरनेवाले की क़ब्र पर लगाते है और उसमें उसके मरने की तारीख आदि लिखते है।

लौहे महफ़ूज़ (لوح محفوظ) अ स्त्री —अर्श पर एक स्थान, जहाँ ससार मे होनेवाली सारी घटनाओ का उल्लेख है और जिसे कोई पढ नही सकता।

लौहोक़लम (لوح وقلم) अ पु —तख़्ती और उस पर लिखने का कलम, अर्थात् वह तख़्ती जिस पर भविष्य मे होनेवाली सारी घटनाएँ लिखी हुई है और वह लेखनी जिसने यह सब कुछ ईश्वर की आज्ञा से लिखा है।

व

वइल्ला (والا) अ अव्य —नही तो, अन्यथा, वर्ना।

वईद (وعید) अ स्त्री —सज़ा का वादा, दड की धमकी।

वक़ाए' (وقائع) अ. पु —'वक़ीअ' का बहु, घटनाएँ, समाचार, ख़बरें।

वक़ाए' नवीस (وقائع نویس) अ फा. वि.—इतिहासकार, मुवर्रिख़; समाचारलेखक, सवादकार।

वक़ाए' नवीसी (وقائع نویسی) अ. फा स्त्री —इतिहास लिखना, संवाद देना।

वक़ाए' निगार (وقائع نگار) अ. फा वि —दे. 'वक़ाए नवीस'।

वक़ाए निगारी (وقائع نگاری) अ फा. स्त्री —दे 'वक़ाए नवीसी'।

वक़ार (وقار) अ. पु —भारी भरकसपन, गुरुत्व; प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, गभीरता, मतानत, मान-मर्यादा, एहतिराम।

वकालत (وکالت) अ स्त्री —वकील का काम, अभिभाषण, अभिवचन।

वकालतन (وکالتاً) अ. फा वि —वकील के द्वारा, वकील के ज़रीये।

वकालतनामः (وکالت نامہ) अ फा पु —वकील बनाने की तहरीर, अभिभाषण पत्र।

वकालतपेशः (وکالت پیشہ) अ फा वि —जो वकालत करता हो, अभिभाषण-व्यवसायी।

वक़ाह (وقاح) अ. वि —निर्लज्ज, बेशर्म, धृष्ट, ढीठ, उद्दड, उजड्ड।

वक़ाहत (وقاحت) अ स्त्री —निर्लज्जता, बेहयाई, धृष्टता, गुस्ताख़ी।

वकीअ (وکیع) अ वि —दृढ, मज़बूत।

वक़ीअ (وقیع) अ वि —प्रतिष्ठित, श्रेष्ठ, इज़्ज़तदार; उच्च, ऊँचा, बलद।

वक़ीअत (وقیعت) अ स्त्री —निंदा, कुत्सा, बदगोई, युद्ध, लडाई।

वक़ीद (وقید) अ पु —पतला ईंधन जिससे आग सुलगायी जाती है।

वकील (وکیل) अ. वि —वकालत करनेवाला, अभिभाषक, अभिवक्ता।

वकीले मुत्लक़ (وکیل مطلق) अ पु —ऐसा वकील जिसे मुअक्किल की ओर से पूरे अधिकार प्राप्त हो।

वकीले सरकार (وکیل سرکار) अ फा पु —सरकारी मुकद्दमो मे पैरवी करनेवाला वकील।

वक़ीह (وقیح) अ वि —निर्लज्ज, बेहया, धृष्ट, ढीठ।

वक़ूद (وقود) अ पु —ईंधन, जलाने की लकडी आदि।

वक़ूर (وقور) अ वि.—प्रतिष्ठित, ज़ीइज़्ज़त।

वकूल (وکول) अ वि —वह लाचार व्यक्ति जो अपना काम दूसरो पर छोड दे।

वक़ेह (وقیح) अ वि —दे 'वक़ीह'।

वक़अ (وقع) अ पु–प्रतिष्ठा, इज़्ज़त (स्त्री) ऊँचा स्थान, ऊँची जगह।

वक़अत (وقعت) अ स्त्री–प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; महत्त्व, अहम्मीयत; आदर, एहतिराम; उच्चता, बलदी।

वक्ज़ (وكز) अ पु.–घूँसा मारना, मुक्केबाज़ी करना।

वक़्क़ाद (وقاد) अ वि–बहुत तेज जलनेवाला, शोले फेंकनेवाला; दीप्त, ज्वलंत, रौशन।

वक़्त (وقت) अ. पु–समय, काम, ज़माना, अवसर, मौका, ऋतु, मौसिम, विलब, देर।

वक़्तगुज़ारी (وقت گذاری) अ फा स्त्री–समय काटना, कालयापन, बुरे-भले जीवन व्यतीत करना।

वक्तन फ वक़्तन (وقتاً فوقتاً) अ वि–यदा कदा, कभी-कभी।

वक़्त ब वक़्त (وقت بوقت) अ फा वि–दे 'वक्तन फ वक्तन'।

वक्त बे वक़्त (وقت بے وقت) अ फा वि.–अच्छे और बुरे समय पर, सुख-दुःख में, ज़रूरत के वक्त।

वक़्ती (وقتی) अ वि–सामयिक, समय-सम्बन्धी, क्षण-स्थायी, थोडी देर का; अस्थायी, आरिज़ी, (प्रत्य) समय का, जैसे–'पंजवक्ती नमाज़' पाँच वक्त की नमाज़।

वक़्ते अजल (وقت اجل) अ पु–मृत्यु-समय, मरने का समय।

वक़्ते आख़िर (وقت آخر) अ पु–अंतिम समय, मृत्यु-काल।

वक़्ते इआनत (وقت اعانت) अ.पु–सहायता का अवसर, मदद का समय।

वक्ते इम्दाद (وقت امداد) अ. पु–दे 'वक्ते इआनत'।

वक़्ते एहसान (وقت احسان) अ. पु–उपकार का समय या अवसर।

वक़्ते ख़्वाब (وقت خواب) अ फा पु–सोने का समय।

वक़्ते ज़रूरत (وقت ضرورت) अ पु–आवश्यकता का अवसर, सहायता का अवसर।

वक़्ते नाज़ुक (وقت نازک) अ फा पु–आपत्तिकाल, मुसीबत का समय; सावधान रहने और सँभलकर चलने का समय।

वक़्ते फराग़त (وقت فراغت) अ पु–छुट्टी का समय, समृद्धि का समय, कार्यनिवृत्ति का समय।

वक़्ते फ़ुर्सत (وقت فرصت) अ पु–दे 'वक्ते फराग़त'।

वक़्ते बद (وقت بد) अ फा पु–आपत्तिकाल, मुसीबत का समय, गुंडागर्दी का समय।

वक़्ते मदद (وقت مدد) अ पु–वक्ते इम्दाद, सहायता का अवसर।

वक्ते मर्दानगी (وقت مردانگی) अ. फा. पु–साहस दिखाने का अवसर, युद्ध में कूद पडने का अवसर।

वक्ते मुलाक़ात (وقت ملاقات) अ. पु–मिलने का समय; मिलने के समय।

वक़्ते मुसीबत (وقت مصیبت) अ पु.–आपत्तिकाल, विपत्ति-पडने के समय।

वक्ते रवानगी (وقت روانگی) अ फा पु.–प्रस्थान के समय, चलते समय, रवाना होते समय।

वक़्ते रुख़सत (وقت رخصت) अ पु–विदा होते समय, जाते समय, चलते वक्त।

वक़्ते वापसीं (وقت واپسیں) अ. फा. पु–मरते समय, अतिम समय।

वक्ते शिकायत (وقت شکایت) अ पु–शिकायत का समय; शिकायत करते समय।

वक्ते हिम्मत (وقت ہمت) अ. पु–दे. 'वक्ते मर्दानगी'।

वक्फ़ः (وقفہ) अ पु–दो कामो के बीच मे ठहराव का समय, विराम; इटरवल टाइम, कालान्तर; देर, विलब, ठहराव, सुकून।

वक़्फ़ (وقف) अ पु–ईश्वरार्पण, देवोत्तर, उत्सर्ग, ख़ुदा के नाम पर दान की हुई वस्तु या संपत्ति आदि, किसी पुरुष-विशेष के लिए रखी हुई या अलग की हुई वस्तु।

वक्फ़ (وکف) अ पु–बरसात मे छत आदि का टपकना, किसी चीज से पानी टपकना।

वक़्फ़ अलल औलाद (وقف علی الاولاد) अ. पु.–वह संपत्ति जो अपनी सतान के लिए वक़्फ़ हो।

वक़्फ़ अलल्लाह (وقف علی اللہ) अ पु.–वह सपत्ति जो धार्मिक कार्यों के लिए वक्फ हो।

वक़्फ़नामः (وقف نامہ) अ फा. पु–वक्फ की दस्तावेज़, उत्सर्गपत्र, दानपत्र।

वगर (وگر) फा अव्य–अगर, यदि, अब उर्दू में नहीं बोलते।

वगरनः (وگرنہ) फा. अव्य–अन्यथा, वर्ना, नही तो।

वग़ा (وغا) अ स्त्री–युद्ध, समर, जग, लडाई।

वग़ैरः (وغیرہ) अ अव्य–आदि, इत्यादि, प्रभृति, प्रमुख।

वग़्द (وغد) अ वि–अधम, नीच, कुपात्र, कमीना, अयोग्य, नाकाबिल।

वज (وج) अ स्त्री–वचा, बच, एक लकडी जो दवा में चलती है।

वजउलक़ल्ब (وجع القلب) अ पु–हृदय की पीडा, दिल का दर्द, हृत्पीडा।

वजउलमफ़ासिल (وجع المفاصل) अ पु–जोडो का दर्द, सधिवात, अंगमर्द, गठिया।

वजउलमे'दः (وجع المعدہ) अ पु –पेट का दर्द, उदर-पीडा।
वजउलवरिक (وجع الورک) अ पु –चूतड का दर्द, श्रोण-पीडा।
वजग़ः (وزغہ) अ पु –मेढक, मडूक, कृकलास, गिरगट, गृहगोधिका, छिपकली।
वज़ग़ (وزغ) अ पु –दे 'वज़ग़'।
वजब (وجب) अ पु –बारह अगुल की नाप, वितस्ति, बित्ती, बालिश्त।
वजर (وجر) अ पु –भय, त्रास, डर।
वजा' (وجع) अ पु –पीडा, व्यथा, वेदना, दर्द।
वजा (وجا) अ. पु –भय, त्रास, डर, खौफ।
वज़ाअत (وضاعت) अ स्त्री –पवित्रता, पाकीज़गी, सुन्दरता, खूबसूरती, निर्दोष, बेऐबी।
वज़ाअत (وضاعت) अ स्त्री –अधमता, नीचता, छोफरपन।
वज़ाइफ (وظائف) अ पु –'वज़ीफ' का बहु, छात्र-वृत्तियाँ, मन्त्रजाप आदि।
वज़ाहत (وضاحت) अ स्त्री –विस्तार, फैलाव, स्पष्टता, विवरण, तफ्सील।
वजाहत (وجاهت) अ स्त्री –मुखश्री, मुखकाति, चेहरे की आबोताब; प्रतिष्ठा, मान्यता, इज़्ज़त।
वज़ाहततलब (وضاحت طلب) अ वि –जिस बात का स्पष्टीकरण आवश्यक हो।
वजाहतपरस्त (وجاهت پرست) अ वि –जो बडे लोगो की ही ओर आकृष्ट रहता हो।
वज़िदः (وزیدہ) फा वि –बहनेवाली वायु, चलनेवाली हवा।
वजिर (وجر) अ वि –डरनेवाला, त्रस्त, भयभीत।
वजिल (وجل) अ वि –जो भ्रम के कारण डरे, डरने-वाला।
वज़िश (وزش) फा स्त्री –हवा की सरसराहट, हवा चलने की हालत।
वजीअ (وجیع) अ वि –कष्टग्रस्त, पीडित, दर्दनाक।
वज़ीअ (وضیع) अ वि –अधम, नीच, कमीना।
वज़ीओशरीफ (وضیع و شریف) अ पु –कमीने और भलेमानस लोग, अर्थात् अच्छे-बुरे सब।
वजीज़ (وجیز) अ वि –ह्रस्व, छोटा, सक्षिप्त, मुख्तसर।
वज़ीदः (وزیدہ) फा वि –चली हुई हवा, बही हुई वायु, चला हुआ पवन।
वज़ीदनी (وزیدنی) फा वि –चलने के काबिल हवा।
वज़ीफः (وظیفہ) अ. पु –छात्रवृत्ति, स्कॉलरशिप, वृत्ति, पर्वरिश अलाउस, निवृत्तिवेतन, पेनशन, किसी मत्र आदि या कुरान के वाक्यादि का जप।
वज़ीफ़ःख्वाँ (وظیفہ خواں) अ फा वि –मत्र आदि पढने-वाला, यशोगान करनेवाला।
वज़ीफ़ःख्वानी (وظیفہ خوانی) अ फा स्त्री –मत्र आदि का उच्चारण, यशगान।
वज़ीफ़ःख्वार (وظیفہ خوار) अ फा वि –पेनशन पाने-वाला, वृत्तिभोक्ता।
वज़ीफ़ःख्वाह (وظیفہ خواہ) अ फा वि –वज़ीफा चाहने-वाला।
वज़ीफ़ःगो (وظیفہ گو) अ फा वि –वज़ीफा पढनेवाला, यशोगान करनेवाला।
वज़ीफ़ःगोई (وظیفہ گوئی) अ फा स्त्री –वज़ीफा पढना, गुणगान करना।
वज़ीफ़ःदार (وظیفہ دار) अ फा वि –वज़ीफा पानेवाला।
वज़ीफ़ःयाब (وظیفہ یاب) अ फा वि –वज़ीफा पाया हुआ, जिसने वज़ीफा पा लिया हो।
वज़ीफ़ए ज़ौजियत (وظیفۂ زوجیت) अ पु –स्त्री-प्रसग, सहवास, मैथुन।
वज़ीफ़ए ता'लीम (وظیفۂ تعلیم) अ पु –छात्रवृत्ति, स्कॉलरशिप।
वज़ीफ़ए माहान. (وظیفۂ ماهانہ) अ फा पु –मासिक वृत्ति, हर महीने मिलनेवाला वज़ीफा।
वज़ीम (وسیمہ) अ पु –पुरस्कार, उपहार, भेंट, हदिया।
वज़ीर (وزیر) अ पु –अमात्य, मत्री, सचिव।
वज़ीरेअद्ल (وزیر عدل) अ पु –दे 'वज़ीरे इसाफ'।
वज़ीरे आ'ज़म (وزیر اعظم) अ पु –प्रधानमत्री, महामत्री, महामात्य।
वज़ीरे आबकारी (وزیر آبکاری) अ फा पु –आबकारी मत्री।
वज़ीरे आबपाशी (وزیر آبپاشی) अ फा पु –सिंचनमत्री।
वज़ीरे आबादकारी (وزیر آبادکاری) अ फा पु –पुनर्वास-मत्री।
वज़ीरे आ'ला (وزیر اعلی) अ पु –मुख्यमत्री।
वज़ीरे इंसाफ़ (وزیر انصاف) अ पु –न्यायमत्री।
वज़ीरे इत्तिलाआत (وزیر اطلاعات) अ पु –सूचनामत्री।
वज़ीरे उमूरे खारिजः (وزیر امور خارجہ) अ पु –दे 'वज़ीरे खारिज'।
वज़ीरे उमूरे दाखिलः (وزیر امور داخلہ) अ पु –दे 'वज़ीरे दाखिल'।
वज़ीरे उमूरे मज़हबी (وزیر امور مذهبی) अ पु –धर्म-मत्री।

वज़ीरे क़ानून (وزیر قانون) अ पुं –दे 'वज़ीरे इंसाफ़'।
वज़ीरे ख़ारिजः (وزیرخارجہ) अ पु –परराष्ट्र मंत्री।
वज़ीरे ग़िज़ा (وزیر غزا) अ. पु –खाद्यमंत्री।
वज़ीरे जंग (وزیر جنگ) अ. फ़ा. पु.–युद्धमंत्री।
वज़ीरे ज़िराअत (وزیر زراعت) अ पु –कृषिमंत्री।
वज़ीरे तरक़्क़ीयात (وزیر ترقیات) अ पु –विकासमंत्री।
वज़ीरे ता'मीरात (وزیر تعمیرات) अ पु.–निर्माणमंत्री।
वज़ीरे ता'लीम (وزیر تعلیم) अ. पु –शिक्षामंत्री।
वज़ीरे तिजारत (وزیر تجارت) अ. पु.–व्यापारमंत्री।
वज़ीरे दाख़िलः (وزیر داخلہ) अ पु –गृहमंत्री।
वज़ीरे दिफ़ाअ (وزیر دفاع) अ पु.–रक्षामंत्री।
वज़ीरे नौआबादियात (وزیر نوآبادیات) अ फ़ा. पु –उपनिवेशमंत्री।
वज़ीरे फ़ौज (وزیر فوج) अ पु –दे 'वज़ीरे जंग'।
वज़ीरे बल्दीयात (وزیر بلدیات) अ पुं.–स्थानीय स्वशासन-मंत्री।
वज़ीरे बहालीयात (وزیر بحالیات) अ पु –पुनर्वासमंत्री।
वज़ीरे मफ़ादे आम्मः (وزیر مفاد عامہ) अ पु –लोकहित मंत्री।
वज़ीरे माल (وزیر مال) अ. पु –अर्थमंत्री, मालमंत्री।
वज़ीरे मुवासलात (وزیر مواصلات) अ पु.–दे. 'वज़ीरे रुस्लो रसाइल'।
वज़ीरे मेहनत (وزیر محنت) अ पु –श्रममंत्री।
वज़ीरे रुस्लो रसाइल (وزیر رسل ورسائل) अ. पु –यातायात-मंत्री।
वज़ीरे सन्अतो हिर्फ़त (وزیر صنعت وحرفت) अ. पु –उद्योगमंत्री।
वज़ीरे सेहत (وزیر صحت) अ. पुं –स्वास्थ्यमंत्री।
वज़ीरे हर्ब (وزیر حرب) अ. पु –दे 'वज़ीरे जंग'।
वज़ीरे हुकूमत (وزیر حکومت) अ पु –राज्यमंत्री।
वजीहः (وجیہہ) अ. वि –श्रीमुख, जिसका चेहरा रोबदार हो।
वजीह (وجیہ) अ वि –दृढ़, मज़बूत।
वज़ू (وضو) अ पु –नमाज़ के लिए वुज़ू करने का पानी, यह शब्द वुज़ू करने के अर्थ मे अशुद्ध है।
वजूर (وجور) अ पु –गले के भीतर टपकानेवाली पतली दवा।
वज़अ (وضع) अ स्त्री.–रखना; बनाना, करना, जनना; दशा, हालत; वेशभूषा, वज़ाकता; पद्धति, शैली, ढंग; हिसाब में से किसी रक़म की कमी, कटौती, मिनहाई, सदैव एक प्रकार से रहना और जिससे जैसा व्यवहार हो, उसे आख़ीर तक वैसे ही निवाहना।
वज़अदार (وضعدار) अ. फ़ा. वि –जो अपनी वज़ा का पाबंद हो, सदा एक-सा रहे, और जिससे जो व्यवहार हो आख़ीर तक निवाहे।
वज़अदारी (وضعداری) अ. फ़ा. स्त्री.–हमेशा अपनी वज़ा पर क़ायम रहना और जिस तरह जिससे मिलना या काम करना हो उसे उसी तरह निबाहना।
वज़ई (وضعی) अ वि –बनाया हुआ, गढ़ा हुआ।
वज़उल्हम्ल (وضع الحمل) अ. पु.–दे 'वज़ए हम्ल', बच्चा पैदा करना।
वज़ए आज़ादानः (وضع آزادانہ) अ फ़ा. स्त्री –आज़ाद लोगो का-सा वेशभूषा।
वज़ए आमियानः (وضع عامیانہ) अ फ़ा. स्त्री.–साधारण लोगो-जैसी चाल-ढाल या वेशभूषा।
वज़ए दरवेशानः (وضع درویشانہ) अ. फ़ा. स्त्री –साधुओं-जैसी वेशभूषा।
वज़ए शरीफ़ानः (وضع شریفانہ) अ. फ़ा. स्त्री.–सज्जन लोगो-जैसा आचरण और उन्ही-जैसी वेशभूषा।
वज़ए सादः (وضع سادہ) अ. फ़ा. स्त्री.–सादी वेशभूषा जिसमे कोई बनावट न हो, साधारण चाल-ढाल।
वज़ए हम्ल (وضع حمل) अ. पु.–बच्चा जनना, प्रसव, जनन, प्रसूति।
वज़ओ क़त्अ (وضع وقطع) अ स्त्री.–वेशभूषा, आकार-प्रकार, सज-धज, वज़ाकता।
वज़्ज़ाअ (وضاع) अ वि –बनानेवाला, गढ़नेवाला।
वज़्ज़ान (وزان) अ. वि –बहुत अधिक तोलनेवाला।
वज़्ज़ाह (وضاح) अ. वि –सफ़ेद कोढ़ का रोगी; गोरा चट्टा, गौर वर्ण।
वज्द (وجد) अ.पु.–आनंदाधिक्य से आत्म विस्मृति, काव्य या संगीत की रसानुभूति से होनेवाली आत्म-विस्मृति; आनंदातिरेक से झूमनेवाला।
वज्दअंगेज़ (وجدانگیز) अ. फ़ा वि –दे 'वज्दआफ़्रीं'।
वज्दआफ़्रीं (وجدآفریں) अ. फ़ा. वि –वज्द में लानेवाला, आनंदातिरेक से मुग्ध कर देनेवाला।
वज्दकुनाँ (وجدکناں) अ फ़ा. वि –झूमता हुआ, आनंद-बाहुल्य से वज्द करता हुआ।
वज्दे सिमाअ (وجدسماع) अ. पु.–गाना सुनकर होनेवाला वज्द।
वज्दोहाल (وجدوحال) अ पु –गाने में आनंदातिरेक से मस्त हो जाना और झूमना।
वज्नः (وجنہ) अ पुं –कपोल, गाल, रुख़्सार।

वज़्नः (وزنہ) अ पु –नापने का पैमाना, बारूद नापने का पैमाना।

वज़्न (وزن) अ पु –भार, बोझ, तोलने का बाँट; महत्त्व, अहम्मीयत, छंद, वृत्त, बह्र, तक्तीअ, काव्य पद के अक्षरों को गणों की मात्राओं से मिलाकर बराबर करना।

वज़्नकश (وزن کش) अ फा वि –तोलनेवाला, तौला।

वज़्नकशी (وزن کشی) अ फा स्त्री –तोलना, तोलने का काम, तोलने का पेशा।

वज़्नी (وزنی) अ वि –भारी, बोझल।

वज़्ने शे'र (وزنِ شعر) अ पु –शे'र की बह्र या वृत्त, शे'र की तक्तीअ।

वज्ह (وجہ) अ स्त्री.–कारण, हेतु, सबब, (पु) मुख, मुखाकृति, मुखमंडल, चेहरा।

वज्हे अदावत (وجہ عداوت) अ स्त्री.–शत्रुता का कारण।

वज्हे अह्सन (وجہ احسن) अ पु –सुन्दर, मुख, अच्छी सूरत (स्त्री) अच्छा कारण, मा'कूल वजह।

वज्हे क़वी (وجہ قوی) अ स्त्री –बडी वजह, उचित कारण, मा'कूल सबब।

वज्हे काफ़ी (وجہ کافی) अ स्त्री.–उचित कारण, बडा कारण।

वज्हे ख़ुसूमत (وجہ خصومت) अ स्त्री –द्वेष का कारण, रंजिश का सबब।

वज्हे ख़ुसूसी (وجہ خصوصی) अ स्त्री –मुख्य कारण, खास सबब।

वज्हे तस्मियः (وجہ تسمیہ) अ स्त्री –निरुक्ति, नाम होने का कारण, अमुक वस्तु का यह नाम क्यों पडा? इसका कारण।

वज्हे तह्रीक (وجہ تحریک) अ स्त्री –चर्चा चलाने या बात उठाने का कारण, प्रस्ताव रखने का कारण।

वज्हे मआश (وجہ معاش) अ. स्त्री –जीवन-निर्वाह का साधन, जीविका।

वज्हे मईशत (وجہ معیشت) अ स्त्री –दे 'वज्हे मआश'।

वज्हे मा'क़ूल (وجہ معقول) अ स्त्री –उचित कारण, ठीक सबब।

वज्हे मुख़ालफ़त (وجہ مخالفت) अ स्त्री –विरोध का कारण।

वज्हे मुख़ासमत (وجہ مخاصمت) अ स्त्री –शत्रुता का कारण, द्वेष का कारण।

वज्हे मुवज्जह (وجہ موجہ) अ स्त्री –युक्तियुक्त कारण, मा'कूल सबब।

वज्हे रंजिश (وجہ رنجش) अ फा स्त्री –मनमुटाव और नाराज़ी का कारण।

वज्हे राहत (وجہ راحت) अ स्त्री –सुख का साधन, प्रसन्नता का कारण।

वज्हे वह्शत (وجہ وحشت) अ स्त्री –भागने और अलग रहने अथवा घृणा करने का कारण।

वज्हे शक (وجہ شک) अ स्त्री –शंका करने का कारण।

वज्हे शिकायत (وجہ شکایت) अ स्त्री.–उपालंभ का कारण, शक्वा करने का सबब।

वज्हे हलाल (وجہ حلال) अ स्त्री –विहित और उचित साधन (जीविका का)।

वज्हे हसन (وجہ حسن) अ स्त्री –मा'क़ूल सबब, उत्तम कारण (पु) सुन्दर मुख, अच्छी सूरत।

वज्हे हसीन (وجہ حسین) अ स्त्री –सुन्दर मुख, प्यारा चेहरा।

वतद (وتد) अ पु –खूँटा, मेख, तीन अक्षरोंवाला शब्द।

वतदे मक़रून (وتد مقرون) अ पु –वह तीन अक्षरोंवाला शब्द जिसका अंतिम अक्षर हल् हो, जैसे—'चमन्'।

वतदे मज्मूअ (وتد مجموع) अ पु –दे 'वतदे मक़रून'।

वतदे मफ़रूक़ (وتد مفروق) अ पु –वह तीन अक्षरवाला शब्द जिसके बीच का अक्षर हल् है, जैसे—'चश्म'।

वतन (وطن) अ पु –स्वदेश, जन्म-भूमि—"यह गोरे गरीबाँ पे कहती है हसरत, कि असली वतन है यही बेकसी का।"

वतनकुश (وطن کش) अ फा वि –देशद्रोही, वतन के साथ गद्दारी करनेवाला।

वतनकुशी (وطن کشی) अ फा स्त्री –देशद्रोह, वतन से गद्दारी।

वतनदोस्त (وطن دوست) अ. फा वि –देशप्रेमी, अपने वतन से स्नेह करनेवाला।

वतनदोस्ती (وطن دوستی) अ फा स्त्री –देशप्रेम, वतन की मुहब्बत।

वतनपरस्त (وطن پرست) अ फा वि –देशभक्त, वतन को सर्वोत्तम जाननेवाला।

वतनपरस्ती (وطن پرستی) अ फा स्त्री –देशभक्ति, वतन का अत्यधिक प्रेम।

वतनफ़रोश (وطن فروش) अ फा वि –देशविक्रेता, देशद्रोही, वतन का गद्दार।

वतनफ़रोशी (وطن فروشی) अ फा स्त्री –देशद्रोह, वतन को दूसरों के हाथ बेच देना।

वतनी (وطنی) अ वि –वतन का, वतन-सम्बन्धी, वतन-वाला।

वतनीयत (وطنیت) अ. स्त्री–देशभक्ति, वतनपरस्ती।
वतने आबाई (وطن آبائی) अ पुं–बाप-दादा का देश, पुराना वतन।
वतने क़दीम (وطن قدیم) अ पु–पुराना वतन, पुरखो का देश, पूर्वजो का देश।
वतने जदीद (وطن جدید) अ पु–नया वतन, जहाँ हाल मे रहना आरंभ किया हो।
वतने मालूफ़ (وطن مالوف) अ. पु–वह वतन जिससे प्रेम हो।
वतर (وتر) अ पु–प्रत्यचा, धनुष की डोरी, बाजे का तार।
वती (وطی) अ स्त्री–सहवास, सभोग, मसलना, रौंदना, कुचलना।
वतीरः (وتیرہ) अ पु–ढग, पद्धति, तरीका, आचरण, व्यवहार, तर्जेअमल।
वत्वात (وطواط) अ स्त्री–अबाबील, भाडीक।
वत्श (وتش) अ वि–विनाश, बरबादी, ध्वस्त, तबाह, खराब।
वतह (وتح) अ. वि.–कृपण, कजूस, निकृष्ट, खराब।
वदा' (ودع) अ पु–शख, कबु, सख।
वदाअ (وداع) अ स्त्री.–रुख्सत, विदा, गमन, जाना।
वदाए' (ودائع) अ पु–'वदीअत' का बहु, अमानतें।
वदाए जाँ (وداع جاں) अ फा स्त्री.–प्राणो का कूच, मरण, मरना।
वदाए रूह (وداع روح) अ स्त्री.–आत्मा का गमन, मरण, मृत्यु, मरना।
वदाद (وداد) अ पु–इच्छा, चाह, तलब, मनोकामना, आकाक्षा, मुराद।
वदीअ (ودیع) अ वि–रुख्सत करनेवाला।
वदीअत (ودیعت) अ स्त्री–अमानत, धरोहर, थाती, न्यास, निक्षेप, आधान, प्राधि, आधि।
वदीद (ودید) अ वि–मित्र, सखा, दोस्त।
वदूद (ودود) अ वि.–मित्र, दोस्त।
वफा (وفا) अ. स्त्री–प्रतिज्ञा पालन, भक्ति, वफादारी, निर्वाह, निबाह, स्वामी या मित्र के साथ तन, मन, धन से निबाहना और कडे से कडे समय पर उसका साथ देना।
वफाअदेश (وفااندیش) अ फा वि–दे 'वफादार'।
वफाआमोज (وفاآموز) अ फा वि–वफा सिखानेवाला।
वफाआश्ना (وفاآشنا) अ फा वि–वफा से परिचित अर्थात् वफादार।
वफाए अह्द (وفاے عہد) अ. स्त्री.–प्रतिज्ञा का पालन, वादा पूरा करना।
वफाए इश्क (وفاےعشق) अ स्त्री–प्रेम करके उसे निबाहना, किसी अवस्था मे भी प्रेम न छोड़ना।
वफाए क़सम (وفاے قسم) अ स्त्री.–खायी हुई कसम का पालन करना, कही हुई बात निबाहना, शपथपालन।
वफाए कौल (وفاے قول) अ स्त्री–कही हुई बात निबाहना, प्रतिज्ञा का पालन।
वफाए वा'दः (وفاے وعدہ) अ. स्त्री–दे 'वफाए अह्द'।
वफाओजफा (وفاوجفا) अ स्त्री–वफादारी और अत्याचार, प्रेमिका की ओर से जुल्म और प्रेमी की ओर से वफा अर्थात् प्रेम-निर्वाह।
वफाकेश (وفاکیش) अ फा वि–दे 'वफादार'।
वफाकेशी (وفاکیشی) अ फा. स्त्री–दे 'वफादारी'।
वफाकोश (وفاکوش) अ फा वि–प्रेम निर्वाह की कोशिश करनेवाला, वफादार रहने की कोशिश करनेवाला, अर्थात् प्रेमी, आशिक।
वफाकोशी (وفاکوشی) अ फा स्त्री–प्रेम-निर्वाह मे कोशिश करना।
वफाख़मीर (وفاخمیر) अ वि–जिसकी प्रकृति में वफा का माद्दा हो, जो स्वभाव से वफादार हो, प्रेमी।
वफाख़ाम (وفاخام) अ फा वि–जो वफा में कच्चा हो, जो समय पडने पर धोखा दे सके।
वफागुस्तर (وفاگستر) अ फा वि–दे 'वफादार'।
वफात (وفات) अ स्त्री–मृत्यु, मरण, मौत।
वफातयाफ़्तः (وفات‌یافتہ) अ फा वि–मृत, मरा हुआ।
वफादार (وفادار) अ फा. वि–जो स्वामी या मित्र का तन, मन, धन से भक्त हो।
वफादारी (وفاداری) अ फा स्त्री–स्वामी या मित्र का तन, मन, धन से साथ देना।
वफादोस्त (وفادوست) अ फा वि–जो वफा को अपना सर्वस्व समझता हो, अर्थात् आशिक।
वफादोस्ती (وفادوستی) अ फा स्त्री–वफा को अपना सब कुछ जानना।
वफादुश्मन (وفادشمن) अ फा वि–जो वफा का बैरी हो अर्थात् जिसे वफा से चिढ हो, बेवफा, कृतघ्न, माशूक, प्रेयसी।
वफादुश्मनी (وفادشمنی) अ फा स्त्री–वफा से चिढ, वफा से बैर।
वफानाआश्ना (وفاناآشنا) अ फा वि–जो वफा करना न जानता हो, अर्थात् माशूक।
वफानाकर्दः (وفاناکردہ) अ. फा वि–जिसने कभी वफा न की हो, अर्थात् मा'शूक।

वफानाशनास (وفاناشناس) अ फा वि –दे 'वफा-नाआश्ना'।
वफापरस्त (وفاپرست) अ फा वि –जो वफा की कद्र करता हो, जो बहुत ही वफादार हो, अर्थात् आशिक।
वफापरस्ती (وفاپرستی) अ फा स्त्री –वफा की कद्र करना, बहुत ही वफादार होना।
वफापुख्तः (وفاپختہ) अ. फा वि –जो वफा मे बहुत ही पुख्ता हो, जिसकी ओर से कभी बेवफाई न हो, अर्थात् आशिक।
वफापुख्तगी (وفاپختگی) अ फा स्त्री –वफा में दृढ और मजबूत होना।
वफापेशः (وفاپیشہ) अ फा वि –जिसका काम ही वफा करना हो, अर्थात् प्रेमी।
वफापेशगी (وفاپیشگی) अ फा स्त्री –वफा करने का काम।
वफाबेगान (وفابیگانہ) अ फा वि –दे 'वफा नाआश्ना'।
वफाबेगानगी (وفابیگانگی) अ फा स्त्री.–वफा करना न जानना।
वफामज्हब (وفامذهب) अ वि –जिसका धर्म वफा करना हो, अर्थात् प्रेमी।
वफामश्रब (وفامشرب) अ वि –जिसका धर्म-विश्वास वफा पर हो।
वफाशनास (وفاشناس) अ फा वि –वफा को पहचानने-वाला, अर्थात् प्रेमी।
वफाशनासी (وفاشناسی) अ फा स्त्री –वफा को पह-चानना।
वफाशिआर (وفاشعار) अ वि –दे 'वफापेश'।
वफाशिआरी (وفاشعاری) अ स्त्री –दे 'वफापेशगी'।
वफाशिकन (وفاشکن) अ फा वि –जो वफा की प्रतिज्ञा करके तोड दे, बेवफा।
वफी (وفی) अ वि –सपूर्ण, समग्र, समस्त, सब।
वफ्क (وفق) अ पु –अनुकूल, मुआफिक।
वफ्द (وفد) अ पु –प्रतिनिधि मडल, डिपुटेशन।
वबर (وبر) अ पु –बाल, ऊन।
वबा (وبا) अ स्त्री –महामरी, सस्पर्श, वह रोग जो मरी के रूप मे फैला हो।
वबाई (وبائی) अ वि –वबा सम्बन्धी, वबा के रूप मे फैला हुआ।
वबाए आम (وبائے عام) अ स्त्री –महामारी, सब मे फैली हुई वबा।
वबाल (وبال) अ पु –आपत्ति, विपदा, मुसीबत, दु ख, कष्ट, तकलीफ, जजाल, झझट, वह मुसीबत जो दुर्निवार्य हो।
वबाले गर्दन (وبال گردن) अ फा पु –गर्दन के लिए बोझ, गर्दन पर रखा हुआ बोझ, अर्थात् पाप।
वबाले जॉं (وبال جاں) अ फा पु –प्राणो के लिए मुसीबत, जान का जजाल।
वबाले दोश (وبال دوش) अ फा पु –दे 'वबाले गर्दन'।
वब्र (وبر) अ पु –बिल्ली के बराबर एक जन्तु जो शेर के आगे चलता है।
वया (ویا) फा अव्य –अथवा, या, अब उर्दू में नही बोला जाता।
वर (ور) फा प्रत्य –वाला, जैसे—'ताकतवर' शक्तिवाला, (अव्य) यदि, अगर, और अगर, (पु) वक्ष स्थल, सीना (स्त्री) ताप, गर्मी।
वरकः (ورقہ) अ पु –पत्र, दल, पत्ता, टिकिट, प्रयोग पत्र।
वरक़ (ورق) अ पु –पृष्ठ, पन्ना, पेज, दल, पत्र, पत्ता।
वरक़गर्दानी (ورق گردانی) अ फा॰ स्त्री –किताब के वरक उलटना-पलटना, पुस्तक पढना नही केवल उसे इधर-उधर से वरक उलटकर देखना।
वरक़दाग़ (ورق داغ) अ फा वि –किताब के पन्ने पर लिखा जानेवाला अक (सख्या)।
वरक़साज़ (ورق ساز) अ. फा वि –चाँदी-सोने के वरक बनानेवाला।
वरकसाज़ी (ورق سازی) अ फा स्त्री –चाँदी-सोने के वरक़ बनाने का काम।
वरक़ी (ورقی) अ वि –वरक-जैसा बारीक।
वरक़ुलख़याल (ورق الخیال) अ पु –विजया, भगा, भग, भाँग।
वरकुलहशीश (ورق الحشیش) अ पु –भाँग के पत्ते, भाँग का पत्ता।
वरक़े काइनात (ورق کائنات) अ पु –विश्वपटल, वरक़रूपी विश्व।
वरक़े खाम (ورق خام) अ फा पु –कच्चा चिट्ठा, अदरूनी हालात, कच्ची बही।
वरक़े गुल (ورق گل) अ फा पु.–फूल की पँखडी।
वरम (ورم) अ पु –शोथ, सूजन।
वरमे जिगर (ورم جگر) अ फा पु –यकृत-शोथ, जिगर का वरम।
वरल (ورل) अ पु –गोह, गोधिका।
वरसः (ورثہ) अ पु –'वारिस' का बहु, उत्तराधिकारी लोग, वारिस लोग।

वरा (ورا) अ वि–परे, पीछे, आगे, दूर, अतिरिक्त, अलावा (पु) ससार, जगत्, विश्व।
वराए नजर (وراے نظر) अ पु–दृष्टि के परे।
वराज (وراز) अ पु–शूकर, वराह, कोल, सुअर।
वरासत (وراثت) अ स्त्री–दायाधिकार, उत्तराधिकार, तरिका पाना।
वरासतन (وراثتاً) अ वि–वरासत की रू से, वरासत मे, उत्तराधिकार के रूप मे।
वरासतनाम (وراثت نامہ) अ फा पु–उत्तराधिकारपत्र, वरासत की कानूनी दस्तावेज।
वरिक (ورک) अ पु–श्रोणि, नितंब, कटिदेश, चूतड।
वरीद (ورید) अ स्त्री–शरीर की वे रगे जिनमे रक्त दौडता है, रक्तवाहिनी, धमनी।
वरे (ورع) अ वि–सयमी, निग्रही, यतात्मा, यतव्रत, परहेजगार।
वर्अ (ورع) अ स्त्री–सयम, इद्रियनिग्रह, परहेजगारी, दे 'वरा', दोनो शुद्ध हैं।
वर्क़ा (ورقا) अ स्त्री–फाख्ता, पडुक।
वर्काक (ورکاک) अ पु–लुब्धक, चिडीमार, वहेलिया, एक मृतभोजी चिडिया।
वर्गलानिंद: (ورغلانندہ) फा वि–बहकानेवाला, फुसलानेवाला, कुमत्रणा देनेवाला, गलत राह चलानेवाला।
वर्गलानीद: (ورغلانیدہ) फा वि–फुसलाया हुआ, बहकाया हुआ, जिसे कुमत्रणा दी गयी हो।
वर्जिद: (ورزندہ) फा वि–कबूल करनेवाला, अभ्यास करनेवाला।
वर्जिश (ورزش) फा स्त्री–अभ्यास, मश्क; व्यायाम, कसरत, ग्रहण, इख्तियार।
वर्जिशगाह (ورزش گاہ) फा स्त्री–व्यायामशाला, कसरत करने का स्थान, अखाडा।
वर्जिशखानः (ورزش خانہ) फा पु–दे 'वर्जिशगाह'।
वर्जिशी (ورزشی) फा वि–जो व्यायाम का अभ्यस्त हो, कसरत का आदी, कसरत से बनाया हुआ शरीर।
वर्जिशे जिस्मानी (ورزش جسمانی) अ स्त्री.–दैहिक परिश्रम, व्यायाम, कसरत।
वर्जीद: (ورزیدہ) फा वि–ग्रहण किया हुआ, कबूल किया हुआ, मश्क किया हुआ, अभ्यस्त।
वर्जीदनी (ورزیدنی) फा वि–ग्रहणीय, काबिले कबूल, काबिले मश्क, अभ्यास के योग्य, अभ्यसनीय।
वर्तः (ورطہ) अ पु–भॅवर, जलावर्त, जान जोखिम का स्थान, प्राणघातक स्थल।
वर्तए हलाकत (ورطۂ ہلاکت) अ पु–ऐसा भॅवर जिसमें पडकर मरने से छुटकारा न हो सके।
वर्तीज (ورتیج) अ पु–बटेर, वार्तक, वाना।
वर्द (ورد) अ पु–गुलाब, गुलाब का फूल।
वर्दी (وردی) अ वि–गुलाब के फूल-जैसा, गुलाव सम्बन्धी।
वर्दूक (وردوک) फा पु–छप्पर, फूंस और बांस की बनी हुई प्रसिद्ध छाजन।
वर्दे मुरब्बा (ورد مربیٰ) अ पु–गुलकद, शकर और गुलाब के फूलो का मिश्रण।
वर्न: (ورنہ) फा अव्य.–अन्यथा, नही तो, वगरना।
वर्राक (وراق) अ पु–पुस्तकालयो मे कीडो से बचाने के लिए पुस्तको के पन्ने लौटने-पलटनेवाला व्यक्ति।
वर्राद (وراد) अ वि–माली, वागबान, गुलाब के फूलो से अरक या गुलकद बनानेवाला।
वर्सः (ورثہ) अ पु–रिक्थ, दाय, मीरास, पैतृक सपत्ति, पुश्तैनी चली आनेवाली माफी आदि।
वलदेज (ولندیز) अ पु–हालैंड यूरोप का एक राष्ट्र।
वलद (ولد) अ पु–पुत्र, तनय, सूनु, बेटा, लडका।
वलदीयत (ولدیت) अ स्त्री–लडकेवाला होना, बाप का नाम आदि।
वलदुज्जिना (ولدالزنا) अ पु–हरामी लडका, जारज, सकर, दोगला।
वलदुलजारिय (ولدالجاریہ) अ पु–दासी-पुत्र, लौंडी-बच्चा।
वलदुलहराम (ولدالحرام) अ. पु–दे 'वलदुज्जिना'।
वलह (ولہ) अ. स्त्री–आसक्ति, मोह, इश्क।
वला' (ولع) अ पु–लोभ, लालच, आसक्ति, फिरेफ्तगी।
वली (ولی) अ वि–उत्तराधिकारी, वारिस, सहायक, मददगार, मित्र, दोस्त, महात्मा, ऋषि।
वलीअहद (ولی عہد) अ पु–बादशाह के बाद होनेवाला जानशीन, युवराज, राजकुमार।
वलीज: (ولیجہ) अ वि–घनिष्ठ मित्र, गहरा दोस्त।
वलीद (ولید) अ पु–छोकरा, खिदमतगार लडका।
वली ने'मत (ولی نعمت) अ पु–स्वामी, मालिक, अभिभावक, सरपरस्त।
वलीमः (ولیمہ) अ पु–निकाह के बाद दूल्हा की ओर से दिया जानेवाला खाना, विवाह-भोज।
वलीयः (ولیہ) अ स्त्री–उत्तराधिकारिणी, वारिसा, महात्मा स्त्री, खुदा रसीदा, घोडे का पालान।
वलीयुल्लाह (ولی اللہ) अ पु–ईश्वर का मित्र अर्थात् पहुँचा हुआ साधु, महात्मा, महर्षि।

वलूद (ولود) अ स्त्री –बहुत अधिक संतान उत्पन्न करनेवाली स्त्री, बहुप्रसवा।
वले (ولے) फा अव्य –'वलेकिन' का लघु, दे 'वलेकिन'।
वलेक (وليک) फा अव्य –'वलेकिन' का लघु, दे. 'वलेकिन'।
वलेकिन (وليکن) फा अव्य –लेकिन, परंतु, मगर।
वल्लाह (واللہ) अ वा –ईश्वर की शपथ, खुदा की कसम।
वल्वलः (ولولہ) अ पु –उत्साह, उमंग, आवेग, जोश, आत्मविस्मृति, बेखुदी, उदा०—"जब वल्वल सादिक होता है जब अज़्मे मुसम्म होता है, तकमील का सामा ग़ैब से खुद उस वक्त फराहम होता है।"
वल्वलःअंगेज़ (ولولہ انگيز) अ फा वि –उत्साहवर्द्धक, उमंग बढानेवाला, जोश पैदा करनेवाला।
वलवलःखेज़ (ولولہ خيز) अ फा वि –दे 'वल्वल अंगेज़'।
वश (وش) फा प्रत्य –समान, तुल्य, जैसे—'माहवश' चांद के समान।
वसख़ (وسخ) अ पु –मैल-कुचैल, मैलापन, मल, मलिनता, मैला, मलिन।
वसन (وثن) अ पु –मूर्ति, प्रतिमा, बुत।
वसनी (وثنی) अ वि –मूर्तिपूजक, बुतपरस्त।
वसाइक़ (وثائق) अ पु –'वसीक' का बहु, वसीके।
वसाइत (وسائط) अ पु –'वासित' का बहु, वासिते।
वसाइद (وسائد) अ. पु –'विसाद' का बहु, मस्नदें, तकिए।
वसाइल (وسائل) अ पु –'वसील' का बहु, साधन, ज़रिए।
वसातत (وساطت) अ स्त्री –माध्यम, ज़रीया।
वसायत (وصايت) अ स्त्री –अभिभावकता, गार्जियनशिप।
वसाया (وصايا) अ पु –'वसीयत' का बहु, वसीयतें।
वसालत (وسالت) अ स्त्री –वसील, ज़रीअ, माध्यम।
वसाविस (وساوس) अ पु.–'वस्वस' का बहु, बुरे विचार, पैशाचिक विचार।
वासिख़ (وسخ) अ वि –मैला, गंदा, मलिन, मैला-कुचैला, मलयुक्त।
वसी (وصی) अ. वि –जिसके लिए वसीयत की गयी हो, रिक्थाधिकारी।
वसीअ (وسيع) अ. वि –विस्तृत, फैला हुआ, चौडा-चकला।
वसीउत्तज्रिबः (وسيع التجربہ) अ वि –जिसका तज्रिबा बहुत बढा हुआ हो, बृहदनुभव।
वसीउत्ता'लीम (وسيع التعليم) अ. वि–जिसकी शिक्षा बहुत अधिक हो, जो बहुत पढा-लिखा हो।
वसीउन्नज़र (وسيع النظر) अ वि –जिसकी दृष्टि दूर तक देख सकती हो, अग्रशोची, दूरदर्शी, बुद्धिमान्, अनुभव संपन्न।
वसीउन्नज़री (وسيع النظری) अ स्त्री –दूरदर्शिता, बुद्धिमत्ता।
वसीउलअख़्लाक़ (وسيع الاخلاق) अ वि –जिसकी शिष्टता और शीलता बहुत बढी हुई हो, बृहच्छील।
वसीउलक़ल्ब (وسيع القلب) अ वि –जिसके हृदय में बडी गुंजाइश हो, बहुत ही उदार, उत्तान हृदय, उदाराशय।
वसीउलमश्रब (وسيع المشرب) अ वि.–जो हरेक धर्मपर आस्था रखे और किसी का दिल न दुखाये।
वसीक़ः (وثيقہ) अ पु –लेखपत्र, व्यवस्था-पत्र, दस्तावेज़, प्रतिज्ञापत्र, अह्दनामा, वह पेंशन जो किसी जायदाद आदि की ज़ब्ती के बाद मिले।
वसीक़ःदार (وثيقہ دار) अ फा वि –वसीक़ा अर्थात् पेंशन पानेवाला।
वसीक़ःनवीस (وثيقہ نويس) अ फा पु –दस्तावेज़ लिखनेवाला, मकानों की विक्री की दस्तावेज़ें लिखनेवाला।
वसीत (وسيط) अ वि –जो कुल में उच्च श्रेणी का न हो, परंतु पद में उच्च श्रेणी का हो।
वसीम (وسيم) अ वि –सुन्दर, शोभित, खूबसूरत, अंकित, चिह्नित, निशान किया हुआ।
वसीयत (وصيت) अ स्त्री.–मरनेवाले का अंतिम कथन, मरते समय अपनी जाइदाद और संपत्ति के प्रबंध अथवा व्यय के लिए अंतिम आदेश, प्ररिक्थ।
वसीयतनामः (وصيت نامہ) अ फा पु.–वसीयत की क़ानूनी दस्तावेज़, इच्छापत्र, रिक्थपत्र, दायपत्र, मृत्युलेख।
वसीलः (وسيلہ) अ पु –साधन, उपकरण, ज़रीया, माध्यम, बिचौलिया।
वसीलए ज़फर (وسيلۂ ظفر) अ पु –सफलता का साधन, उन्नति का ज़रीया।
वसीलए नजात (وسيلۂ نجات) अ पु –मुक्ति का साधन, मोक्ष का ज़रीया, छुटकारे का उपाय, बचने का तरीक़ा।
वस्क़ (وثق) अ पु –विश्वास, भरोसा, एतिमाद, यक़ीन।
वस्ख़ (وسخ) अ पु –मैल-कुचैल, मलिनता, गंदगी।
वस्त (وسط) अ वि –बीच, मध्य, दरमियान।
वस्ती (وسطی) अ वि –बीच का, माध्यमिक, दरमियानी।
वस्ते माह (وسط ماہ) अ फा पु –महीने का बीच।
वस्नी (وسنی) फा स्त्री –सौत, वह दो स्त्रियाँ जिनका एक पति हो, परस्पर 'वस्नी' हैं।
वस्फ़ (وصف) अ पु –गुण, सिफत, प्रशंसा, तारीफ़; अच्छाई, उम्दगी।
वस्फ़े इज़ाफ़ी (وصف اضافی) अ पु –वह गुण जो स्वाभाविक न हो, बीच में पैदा हो गया हो।

वस्मः (وسمہ) फा पु –नील की पत्ती जिसका पहले खिज़ाब बनता था।

वस्ल (وصل) अ पु –जोड, मिलान; प्रेमी और प्रेमिका का सयोग, मिलन।

वस्लचः (وصلچہ) अ फा पु –छोटी वस्ली।

वस्ली (وصلی) अ स्त्री –मोटे और चिकने कागज के घुटे हुए तख्ते जिन पर लिखने का अभ्यास किया जाता है।

वस्लोहिज्र (وصل وھجر) अ पु –मिलन और वियोग, नायक और नायिका का आपस मे मिलना और बिछुडना।

वस्वसः (وسوسہ) अ पु –बुरा ख़याल, बुरी शका, अनिष्ट की शका, वह धर्म विरुद्ध विचार जो शैतान उत्पन्न करता है, भ्रम, वह्म।

वस्वास (وسواس) अ पु –दे 'वस्वस'।

वस्वासी (وسواسی) अ वि –भ्रमी, वहमी।

वह्क़ (وھق) अ पु –कमद, जिससे ऊपर चढते हैं, पाश, रस्सी, फदा।

वहल (وحل) अ स्त्री –कीचड, कर्दम, जबाल, जलकल्क, खल्लाव।

वही (وحی) अ स्त्री –दे 'वह्' परन्तु बोलचाल मे 'वही' ही बोलते हैं।

वह्इ (وحی) अ स्त्री –ईश्वर की ओर से आया हुआ पैगम्बर के लिए आदेश, वही।

वह्ए मुंज़ल (وحی منزل) अ स्त्री –ईश्वर प्रेषित आदेश, खुदा की ओर से आया हुआ हुक्म।

वह्दः (وھدہ) अ स्त्री –नीची ज़मीन जहाँ पानी भरे।

वह्दत (وحدت) अ स्त्री –एकत्व, एकता, इत्तिहाद, अद्वैत भाव, वहदानियत, ईश्वर को एक मानना।

वह्दतपरस्त (وحدت پرست) अ फा वि –अद्वैतवादी, ईश्वर को एक माननेवाला।

वह्दतपरस्ती (وحدت پرستی) अ फा स्त्री –अद्वैतवाद, ईश्वर को एक मानना।

वह्दतुलवुजूद (وحدت الوجود) अ स्त्री –यह सिद्धान्त कि ससार मे केवल एक ईश्वर के सिवा और कुछ नही है, ब्रह्मवाद।

वह्दते इरादी (وحدت ارادی) अ स्त्री.–अपनी मर्ज़ी से सबका मिलकर एक होना।

वह्दते कह्री (وحدت قہری) अ स्त्री –ज़बरदस्ती सब को एक करना, जो हृदय और विचारो की एकता न हो।

वह्दते नौई (وحدت نوعی) अ स्त्री –एक प्रकार की वस्तुओ की एकता।

वह्दते लिसानी (وحدت لسانی) अ स्त्री –भाषा के दृष्टि-कोण से एकता, सब की भाषा का एक होना।

वह्दते सहीहः (وحدت صحیحہ) अ स्त्री –सच्ची एकता, वास्तविक मे एकता।

वह्दानियत (وحدانیت) अ स्त्री –एकत्व, एकता, अकेलापन, अद्वैतवाद, ईश्वर के एक होने का सिद्धान्त।

वह्दानी (وحدانی) अ वि –एकवाला, एक से सम्बन्ध रखनेवाला।

वह्न (وھن) अ स्त्री –शिथिलता, ढीलापन, आलस्य, अकर्मण्यता, सुस्ती।

वह्ब (وھب) अ. स्त्री –देन, पुरस्कार, बख्शिश, दान, ईश्वर की देन।

वह्बी (وھبی) अ वि –ईश्वर का दिया हुआ, ईश्वरदत्त।

वह्म (وھم) अ पु –भ्रम, भ्राति, वाहिम, भय, डर, शका, सदेह, शक।

वह्मअसास (وھم اساس) अ वि –जिसका आधार भ्रम पर हो, भ्रममूलक।

वह्मनाक (وھم ناک) अ. फा वि –भ्रमपूर्ण, भ्रातिसकुल, वहम से भरा हुआ।

वह्मी (وھمی) अ वि –भ्रमी, सशयात्मक, शक्की मिज़ाज।

वह्लः (وھلہ) अ पु –भय, त्रास, डर, बारी, दफा।

वह्ल (وھل) अ पु –ध्यान बँटना, ध्यान का दूसरी ओर चला जाना।

वह्श (وحش) अ पु –'वह्शी' का बहु, जगली जानवर जो आदमी से भडकते हो।

वह्शत (وحشت) अ स्त्री –आदमियो से भडकना, विदक, भय, त्रास, डर, सब से अलग रहना, पागलपन, मिराक।

वह्शतअंगेज़ (وحشت انگیز) अ. फा वि –मन मे वह्शत-पैदा करनेवाला, भयजनक, भीषण, डरावना, भयानक।

वह्शतअफ़्ज़ा (وحشت افزا) अ फा वि –दे 'वह्शत अगेज़'।

वह्शतअसर (وحشت اثر) अ वि –दे 'वह्शतअगेज़'।

वह्शतआसार (وحشت آثار) अ वि –दे 'वह्शतअगेज़'।

वह्शतकदः (وحشت کدہ) अ फा पु –वह स्थान जहाँ से भागने को जी चाहे, जो सुनसान और उजाड हो।

वह्शतख़ेज़ (وحشت خیز) अ फा वि –दे 'वह्शतअगेज़'।

वह्शतगाह (وحشت گاہ) अ फा स्त्री –दे 'वह्शतकद'।

वह्शतज़दः (وحشت زدہ) अ. फा. वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, जो वहशत मे हो, आतुर, उद्विग्न।

वह्शतज़दगी (وحشت زدگی) अ फा स्त्री.–भयभीत होना, वह्शत मे होना, उद्विग्नता।

वह्शतज़ा (وحشت زا) अ फा वि –दे 'वह्शतअंगेज़'।
वह्शततराज़ (وحشت طراز) अ फा वि –दे 'वह्शतअंगेज़'।
वह्शतनसीब (وحشت نصیب) अ वि –जिसके भाग्य में वह्शत ही वह्शत हो।
वह्शतनाक (وحشتناک) अ फा वि –भयानक, भीषण, डरावना, सुसान, निर्जन और डरावना स्थान।
वह्शतसरा (وحشت سرا) अ फा स्त्री –दे 'वह्शतकद'।
वह्शियान (وحشیانہ) अ फा वि –वह्शियो-जैसा, पागलो-जैसा, निर्दयो-जैसा, बेरहमान।
वह्शी (وحشی) अ वि –जगली पशु जो मनुष्यो से भागे, वह व्यक्ति जो मनुष्यो के समागम से बचे और अकेला रहना पसद करे; पागल, मिराकी।
वह्शीतब्अ (وحشی طبع) अ वि –दे 'वह्शी मिज़ाज'।
वह्शीमनिश (وحشی منش) अ फा वि –दे 'वह्शी मिज़ाज'।
वह्शीमिज़ाज (وحشی مزاج) अ वि –जो जगली जानवरो की तरह आदमियो से भागे।
वह्शीसिफत (وحشی صفت) अ वि –जगली जानवरो-जैसा, वह्शियो की तरह।
वह्शोतैर (وحش و طیر) अ पु –जगली जानवर और जगली चिडियाँ।
वह्हाज (وهاج) अ वि –ज्योतिर्मय, प्रकाशमान, चमकीला।
वह्हाब (وهاب) अ वि –बहुत अधिक दान करनेवाला, वदान्य, ईश्वर का एक नाम।

वा

वा (وا) फा वि –खुला हुआ, कुशादा, पुन, फिर (अव्य) हाय हाय, आह।
वा अजबाह (واعجباه) अ वा –कितनी आश्चर्य की बात है।
वा असफा (وااسفا) अ वा –हाय हाय, हाय रे।
वाइज (واعظ) अ वि –धर्मोपदेशक, वा'ज कहनेवाला।
वाई (واعی) अ वि –निरीक्षक, निगहबान, याद रखनेवाला।
वाए (وائے) फा स्त्री –हाय हाय, हाय वाय।
वाए क़िस्मत (وائے قسمت) अ फा स्त्री –हाय रे भाग्य, हाय री तक्दीर।
वाए तक़्दीर (وائے تقدیر) फा अ स्त्री –दे 'वाए किस्मत'।
वाए नसीब (وائے نصیب) फा अ स्त्री –दे 'वाए किस्मत'।
वाए बरहाल (وائے برحال) फा स्त्री –हालत पर अफसोस।
वाक़िअ (واقعہ) अ पु –घटना, हादिसा, वृत्तात, हाल, समाचार, खबर, दुर्घटना, सानिहा।
वाक़िअःतलब (واقعہ طلب) अ वि –जिसका सारा वृत्तात जानना आवश्यक हो, ऐसी घटना।
वाक़िअःनवीस (واقعہ نویس) अ फा वि –सवादकार, घटना लिखनेवाला, इतिहासकार, मुअर्रिख़।
वाक़िअ.निगार (واقعہ نگار) अ फा वि –दे 'वाकिअ नवीस'।
वाक़िअए हायिल (واقعہ ہائلہ) अ पु –बहुत ही प्रचड दुर्घटना।
वाकिअतन (واقعاً) अ वि –वास्तविक मे, वस्तुत, दरहकीकत।
वाक़िआत (واقعات) अ पु –'वाकिअ' का बहु, घटनाएँ।
वाकिआती (واقعاتی) अ वि –घटनाओ से सम्बन्धित, ठीक-ठीक, सच्चा-सच्चा, घटना के मुताबिक।
वाक़िआते नफ्सुलअम्री (واقعات نفس الامری) अ पु –ठीक-ठीक हालात जैसे घटित हुए हैं वैसे वृत्तात।
वाकिआते हाज़िरः (واقعات حاضرہ) अ पु –वर्तमान समय की घटनाएँ, वर्तमान समय की राजनीतिक घटनाएँ।
वाक़िआतोहालात (واقعات و حالات) अ पु –घटनाएँ और उनका विस्तारपूर्वक वर्णन।
वाकिई (واقعی) अ वि –यथार्थत, वास्तविक मे, सचमुच।
वाकिईयत (واقعیت) अ स्त्री –यथार्थता, वास्तविकता, अस्लीयत, सत्यता।
वाकिफ (واقف) अ वि –अभिज्ञ, जानकार, आगाह, परिचित, शनासा, अनुभवी, तज्रिबाकार, किसी जाइदाद या सपत्ति को किसी कार्य-विशेष के लिए दान करनेवाला, उत्सर्गकर्ता, समर्पणकर्ता।
वाकिफे कार (واقف کار) अ फा वि –कार्य-विशेष का जानकार, अनुभवी, तज्रिबाकार।
वाक़िफे हाल (واقف حال) अ वि –किसी की दशा से ठीक-ठीक परिचित, किसी घटना-विशेष का वृत्तात जाननेवाला।
वाक़िफे हालात (واقف حالات) अ वि –सारी घटनाओ और घटना के सारे वृत्तात का जानकार।
वाकी (واقی) अ वि –निरीक्षक, निगरानी करनेवाला।
वाक़े' (واقع) अ वि –घटित होनेवाला, घटित, जो हो चुका हो।
वाख़िद (واخده) फा वि –धुनकनेवाला।
वाख़ीद (واخیده) फा वि –धुनका हुआ, धुनकी हुई वस्तु।
वाज़ुर्द (واجورده) फा वि –जिसने मुलाकात की हो, साक्षात्कृत।

वाख्वास्त (واخواست) फा पु –हिसाब समझना, माँगना, फिर चाहना, वापस लेना।

वागीर (واگیر) फा पु –पहलवानो की जोर करने की एक पद्धति जिसमे वह दोनो हाथ दीवार से टेककर एक एक हाथ की ओर छाती पर जोर देते है, इस तरह छाती चौडी होती है।

वागुजश्त (واگزشت) फा. वि –छूटा हुआ।

वागुजाश्त (واگزاشته) फा वि –छूटा हुआ।

वागुजाश्त (واگزاشت) फा स्त्री –छूट, मुक्ति, आजाद, जो छूट गयी हो (जाइदाद आदि)।

वागुजार (واگزار) फा वि –छोडनेवाला।

वागुजारी (واگزاری) फा स्त्री –छूट, मुक्ति (जाइदाद आदि की)।

वागोयः (واگویه) फा पु –बातचीत, वार्तालाप, चर्चा, जिक्र अर्थात सुनी हुई बात को कहना।

वाचीदः (واچیده) फा वि –चुना हुआ, बीना हुआ, जमीन से बीनकर उठाया हुआ।

वा'ज (وعظ) अ पु –धर्मोपदेश, मज्हबी नसीहते, उपदेश, सीख, नसीहत।

वाज (واز) फा. वि.–स्पष्ट, व्यक्त, प्रकट, खुला हुआ।

वाजख्वाँ (وعظخواں) फा वि –दे 'वाजगो'।

वाजगूँ (واژگوں) फा वि –औंधा, अधोमुख, अवाङ्मुख, अशुभ, अनिष्टकर, मनहूस।

वाजगून. (واژگونه) फा वि –दे 'वाजगूँ'।

वा'जगो (وعظگو) अ फा वि –धर्मोपदेशक, वा'ज कहनेवाला।

वाजिआने क़ानून (واضعانِ قانون) अ पु –विधान बनानेवाले, विधायकगण।

वाजिआने दस्तूर (واضعانِ دستور) अ पु.–विधान बनानेवाले, विधायकगण।

वाजिए क़ानून (واضع قانون) अ पु –कानून बनानेवाला, विधायक।

वाजिद (واجد) अ वि –प्राप्तकर्ता, पानेवाला, आविष्कारक, नयी बात निकालनेवाला।

वाजिब (واجب) अ वि –उचित, मुनासिब, आवश्यक, जुरूरी, अनिवार्य, लाज़िमी, योग्य, लाइक, इस्लाम की परिभाषा मे 'फर्ज़' से दूसरे दरजे की इबादत।

वाजिबात (واجبات) अ पु –'वाजिब' का बहु , वाजिब बातें, वाजिब इबादते।

वाजिबी (واجبی) अ वि –उचित, मौजूँ, ठीक, जितना जरूरी था उतना, किसी कदर कम।

वाजिबीयत (واجبیت) अ स्त्री –औचित्य, मुनासिबत।

वाजिबुज्ज़ियारत (واجب الزیارت) अ वि –दर्शन करने योग्य, देखने योग्य, जिसके दर्शन परम पुनीत हो।

वाजिबुत्तक्रीम (واجب التکریم) अ वि.–आदर और समान करने योग्य, मान्य, पूज्य।

वाजिबुत्तर्दीद (واجب التردید) अ वि –खडन के योग्य, खडनीय, तर्दीद के काबिल, जिसका खडन आवश्यक हो।

वाजिबुत्तलब (واجب الطلب) अ वि –बुलाने के योग्य, जिसका बुलाना अनिवार्य हो।

वाजिबुत्तस्लीम (واجب التسلیم) अ वि –मानने के योग्य, मान्य, स्वीकार्य।

वाजिबुत्ता'ज़ीम (واجب التعظیم) अ वि –आदर के योग्य, प्रतिष्ठित, मान्य, आदरणीय।

वाजिबुत्ता'ज़ीर (واجب التعزیر) अ वि –सजा देने के योग्य, दडनीय।

वाजिबुत्ता'मील (واجب التعمیل) अ वि –पालन करने योग्य (हुक्म), गवाह आदि को देने योग्य (सम्मन)।

वाजिबुर्रहम (واجب الرحم) अ. वि.–रह्म खाने योग्य, दयनीय।

वाजिबुर्रिआयत (واجب الرعایت) अ वि –रिआयत करने योग्य, दया करने योग्य।

वाजिबुलअदा (واجب الادا) अ वि –देने या अदा करने योग्य, देय।

वाजिबुलअमल (واجب العمل) अ वि –करने योग्य, करणीय, जिसका करना परम आवश्यक हो।

वाजिबुलअर्ज (واجب العرض) अ वि –कहने योग्य, प्रार्थना करने योग्य, किसान और जमीदार के बीच मे तै शुदा अधिकार।

वाजिबुलइआनत (واجب الاعانت) अ वि –सहायता के योग्य, मदद करने योग्य।

वाजिबुलइज़्हार (واجب الاظہار) अ वि –जिसका कहना और जाहिर करना आवश्यक हो।

वाजिबुलइताअत (واجب الاطاعت) अ वि –जिसकी आज्ञा का पालन जरूरी हो, जिसकी सेवा करना अनिवार्य हो।

वाजिबुलइत्तिबाअ (واجب الاتباع) अ वि –जिसका अनुकरण आवश्यक हो।

वाजिबुलइम्तिसाल (واجب الامتثال) अ वि –जिसकी आज्ञा मानना जरूरी हो।

वाजिबुलइम्तिहान (واجب الامتحان) अ वि –जिसकी परीक्षा आवश्यक हो।

वाजिबुलइम्दाद (واجب الامداد) अ वि –जिसकी सहायता जरूरी हो।

वाजिबुलइस्लाह (واجب الاصلاح) अ वि –जिसका सुधार आवश्यक हो।

वाजिबुलईफा (واجب الایفا) अ वि –जिसका पालन आवश्यक हो, (बात)।

वाजिबुलक़त्अ (واجب القطع) अ. वि –जिसका काटना ज़रूरी हो।

वाजिबुलक़त्ल (واجب القتل) अ वि –जिसका वध आवश्यक हो।

वाजिबुलख़िदमत (واجب الخدمت) अ वि –जिसकी सेवा करना आवश्यक हो।

वाजिबुलग़ज़ा (واجب الغزا) अ वि –जिससे धर्म-युद्ध करना ज़रूरी हो।

वाजिबुलमद्ह (واجب المدح) अ वि –जिसकी प्रशंसा करना अनिवार्य हो।

वाजिबुलला'न (واجب اللعن) अ वि –जिसको धिक्कृत करना अनिवार्य हो, जिस पर लानत भेजना ज़रूरी हो।

वाजिबुललौम (واجب اللوم) अ वि –जिसकी भर्त्सना और निंदा ज़रूरी हो।

वाजिबुलवुजूद (واجب الوجود) अ वि –जिसका अस्तित्व दूसरे के सहारे न हो, अर्थात् ईश्वर, जिसका अस्तित्व दूसरे के अधीन नहीं है, यानी वह स्वयभू है।

वाजिबुलवुसूल (واجب الوصول) अ वि –जिसका प्राप्त होना आवश्यक हो, जो किसी से वुसूल किया जाय, प्राप्य।

वाजिबुलहम्द (واجب الحمد) अ वि –जिसकी स्तुति ज़रूरी हो।

वाजिबुलहुसूल (واجب الحصول) अ वि –जिसका मिलना या जिसका उपार्जन ज़रूरी हो।

वाजिबुस्सना (واجب الثنا) अ वि – जसकी प्र'ासा आवश्यक हो।

वाजिबुस्सिफत (واجب الصفت) अ वि –जिसका गुणगान आवश्यक हो।

वाज़ूँ (وازوں) फा वि –आधा, अधोमुख, बिलकुल उलटा।

वाज़ूँनसीब (وازوں نصیب) अ फा वि –जिसकी तक्दीर औंधी हो, हतभाग्य।

वाज़ूँबख़्त (وازوں بخت) फा वि –हतभाग्य, उलटे नसीबो वाला, औंधी तक्दीरवाला।

वाज़ूँमुक़द्दर (وازوں مقدر) फा अ वि –दे 'वाज़ूँबख़्त'।

वाज़े' (واضع) अ वि –बनानेवाला, रचनेवाला, रखनेवाला, धरनेवाला।

वाज़ेह (واضح) अ वि –स्पष्ट, ज्वलत, बहुत ही साफ।

वा'ज़ोपंद (وعظ وپند) अ फा पु.–तरह-तरह की नसीहतें।

वा'दः (وعدہ) अ पु –प्रतिज्ञा, वचन, अह्द, सविदा, इक्रार।

वा'दःख़िलाफ (وعدہ خلاف) अ. वि –प्रतिज्ञा भग कर देनेवाला, वादा न पूरा करनेवाला।

वा'दःख़िलाफी (وعدہ خلافی) अ स्त्री –प्रतिज्ञा भग करना, वचन पूरा न करना।

वा'दःगाह (وعدہ گاہ) अ फा स्त्री –जहाँ का वादा हो, जहाँ मिलने का करार हो।

वा'दःफरामोश (وعدہ فراموش) अ फा वि –प्रतिज्ञा करके भूल जानेवाला, वचन देकर याद न रखनेवाला।

वा'दःफरामोशी (وعدہ فراموشی) अ फा स्त्री –वचन देकर याद न रखना, वादा करके भूल जाना।

वा'दःफर्मा (وعدہ فرما) अ फा वि –वचन देनेवाला, वा'दा करने वाला।

वा'दःफर्माई (وعدہ فرمائی) अ फा स्त्री –वचन देना, प्रतिज्ञा करना।

वा'दःवफा (وعدہ وفا) अ वि –वचन पूरा करनेवाला, बात कहकर पूरी करनेवाला।

वा'दःवफाई (وعدہ وفائی) अ स्त्री –बात कहकर निबाहना, प्रतिज्ञा पूरी करना।

वादःशिकन (وعدہ شکن) अ फा वि –प्रतिज्ञा भग करनेवाला, बात कहकर पालन न करनेवाला।

वा'द.शिकनी (وعدہ شکنی) अ फा स्त्री –प्रतिज्ञा भग कर देना, बात कहकर पूरी न करना।

वा'द (وعد) अ पु –शुभ समाचार, ख़ुश ख़बरी।

वादए दीद (وعدۂ دید) अ फा पु –दर्शन देने का करार, मुँह दिखाने और मिलने का वादा।

वा'दए फर्दा (وعدۂ فردا) अ फा –कल के मिलने का वादा, जो कभी पूरा नहीं होता।

वा'दए मह्शर (وعدۂ محشر) अ पु –कियामत मे मिलने का वचन, अर्थात् न मिलने की बात।

वा'दए वस्ल (وعدۂ وصل) अ पु –मिलने का करार, साथ सोने का करार।

वा'दए शब (وعدۂ شب) अ फा पु –रात मे आने का करार।

वा'दए हश्र (وعدۂ حشر) अ पु –दे 'वादए महशर'।

वादिए ऐमन (وادئ ایمن) अ स्त्री –वह घाटी जहाँ हज़रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखा था।

वादिए तूर (وادئ طور) अ स्त्री –तूर पहाड की घाटी जहाँ हज़रत मूसा ने ईश्वर की झलक देखी थी।

वादी (وادی) अ उभ –घाटी, पहाड के नीचे का मैदान, जगल, कानन, वन।

वादीगर्द (وادی گرد) अ फा. वि –घाटियो मे मारा-मारा फिरनेवाला, जगलो मे फिरनेवाला।

वावीद (وادید) फा स्त्री –बाजदीद, मुलाकात करनेवाले की मुलाकात।

वादीनवर्द (وادی نورد) अ फा वि –दे 'वादीगर्द'।

वादीनशीं (وادی نشین) अ फा. वि –जंगल मे रहनेवाला, वनस्थ।

वादीपैमा (وادی پیما) अ फा वि –दे 'वादीगर्द'।

वान (وان) फा प्रत्य –वाला, जैसे–'दरवान' अर्थात् दरबान।

वानमूदः (وانمودہ) फा वि –प्रकट किया हुआ, दिखाया हुआ।

वापस (واپس) फा. वि –प्रत्यागत, लौटा हुआ, वापस आया हुआ, प्रतिदत्त, वापस दिया हुआ, अथवा छिपा हुआ।

वापसआमदः (واپس آمدہ) फा –वापस लौटा हुआ, प्रत्यागत।

वापिस दादः (واپس دادہ) फा. वि –वापस दिया हुआ, प्रतिदत्त।

वापसीं (واپسیں) फा वि.–अतिम, आखिरी।

वापसी (واپسی) फा स्त्री –प्रत्यागम, लौटना, प्रतिदान, लौटाना, फेरना, वापस देना।

वाफिद (وافد) अ.पु –प्रतिनिधि, मुमाइदा, दूत, एलची, पत्रवाहक, कासिद।

वाफिर (وافر) अ. वि –प्रचुर, बहुत, अत्यधिक, बहुत जियादा।

वाफिल हस्ब[हसब](وافی الحسب) अ वि –जो व्यक्ति, विद्या और दूसरे गुणो से सपन्न हो।

वाफी (وافی) अ वि –सपूर्ण, समग्र, पूरा, तमाम, प्रचुर, अत्यधिक, काफी।

वाबस्तः (وابستہ) फा वि –आबद्ध, बँधा हुआ, सबद्ध, सम्बन्धित, मुतअल्लिक, सलग्न, सूत्रित, नत्थी, स्वजन, आत्मीय, रिश्तेदार।

वाबस्तए इश्क़ (وابستۂ عشق) फा अ वि –प्रेमाबद्ध, प्रेम-पाश मे बँधा हुआ, मुग्ध, मोहित।

वाबस्तए जुल्फ़े (وابستۂ زلف) फा. वि –प्रेमिका की अलक पाश मे बँधा हुआ अर्थात्, मुग्ध, आसक्त।

वाबस्तगाँ (وابستگان) फा पु –'वाबस्त' का बहु, बँधे हुए लोग।

वाबस्तगाने महब्बत (وابستگان محبت) फा अ.पु.–प्रेम पाश मे बँधे हुए प्रेमी।

वाबस्तगी (وابستگی) फा वि –बँधाव, बन्धन, सपर्क; सम्बन्ध, प्रेम, स्वजनता, अपनापन।

वाम (وام) फा पु –ऋण, कर्ज़, वर्ण, रग।

वामख्वाह (وام خواہ) फा वि –ऋण-ग्राही, अधमर्ण, कर्ज़दार।

वामांदः (واماندہ) फा वि –थका हुआ, थककर पीछे रहा हुआ, दीन, दुखी, लाचार।

वामादए राह (واماندۂ راہ) फा वि –रस्ते मे थककर बैठा हुआ, रस्ते मे थकन के कारण अपने साथियो से छूटा हुआ।

वामांदगी (واماندگی) फा स्त्री –थकावट, राह मे थककर रह जाना, दीनता, नि सहायता, लाचारी।

वामिक़ (وامق) अ पु.–चाहनेवाला, प्यार करनेवाला, अरब का एक प्रेमी जो 'अज्रा' पर आशिक था।

वामुसीबता (وامصیبتا) अ वा –हाय री मुसीबत, हाय मुसीबत, किसी विपत्ति के समय बोलते है।

वायः (وایہ) फा पु –मनोकामना, मुराद, अफीम आदि की रोज की बँधी हुई खुराक, मात्रा, मिक्दार।

वारः (وارہ) फा वि –समान, तुल्य, स्वभाव, ऋतु, स्वामी।

वार (وار) फा पु –आघात, चोट, जर्ब, आक्रमण, हम्ला, योग्य, पात्र, लाइक, पद्धति, रविश, (प्रत्य) करनेवाला या वाला—जैसे 'मोगवार' या 'तक्सीरवार'।

वारफ्तः (وارفتہ) फा वि –खोया हुआ, आत्मविस्मृत, बेसुध, बेखुद, शिथिल, निठाल।

वारफ्तःतब्अ (وارفتہ طبع) अ फा वि –दे 'वा० मिज़ाज'।

वारफ्त मिज़ाज (وارفتہ مزاج) फा अ वि –जो खोया खोया-सा रहता हो, ऊलजलूल, लाउबाली।

वारफ्त मिज़ाजी (وارفتہ مزاجی) फा अ स्त्री –खोया खोया-सा रहना, उलजलूलपन।

वारफ्तगाँ (وارفتگان) फा पु –'वारफ्त' का बहु, प्रेम मे खोये हुए लोग।

वारफ़्तगी (وارفتگی) फा स्त्री –खोया-खोयापन, आत्म-विस्मृति, ऊलजंलूलपन।

वारसीद (وارسیدہ) फा वि –पहुँचा हुआ, विगत, सूचित, मुत्तला।

वारसीदगी (وارسیدگی) फा स्त्री –पहुँचना, खबर पाना।

वारस्त. (وارستہ) फा वि.–स्वच्छद, निश्चिंत, बेफिक्र, आज़ाद।

वारस्त.मिज़ाज (وارستہ مزاج) फा अ वि –स्वच्छद प्रकृति, आज़ाद मिज़ाज, मनमौजी।

वारस्त.मिज़ाजी (وارستہ مزاجی) फा. अ स्त्री –प्रकृति की स्वच्छदता, आज़ाद मिज़ाजी, मन की मौज।

वारस्तगी (وارستگی) फा स्त्री –स्वच्छन्दता, निश्चितता, आज़ादी, मन मौजीपन।

वारिद (وارد) अ वि —आनेवाला, आगामी, आया हुआ, आगत, दूत, क़ासिद।

वारिदात (واردات) अ स्त्री —'वारिद' का बहु, आनेवाले, अर्थात् घटित होनेवाले, यह शब्द उर्दू में एक वचन के लिए व्यवहृत है, कहते हैं 'वारिदात हो गयी', घटना, वाक़िआ।

वारिदाते क़ल्ब (واردات قلب) अ पु —हृदय में आनेवाली विचार धाराएँ, महात्माओं के हृदय पर पड़नेवाले द्रव्य-प्रकाश।

वारिस (وارث) अ वि —उत्तराधिकारी, वसी, रिक्थाधिकारी, अभिभावक, सरपरस्त।

वारिसे तख़्तोताज (وارث تخت و تاج) अ फा पु —युवराज, राजकुमार, शाहज़ादा, वली अह्द।

वारिसे ताजोनगीं (وارث تاج و نگیں) अ फा पु —दे 'वारिसे तख़्तोताज'।

वाल (والہ) फा पु —एक रेशमी बारीक कपड़ा।

वाल (وال) फा स्त्री —एक सिन्नेदार मछली।

वाला (والا) फा वि —प्रतिष्ठित, मान्य, उच्च, उत्तुंग, महान्, महत्त्वपूर्ण, श्रेष्ठ, उत्तम।

वालाक़द्र (والاقدر) फा अ वि —उत्तम, प्रतिष्ठित, बड़ी इज़्ज़तवाला।

वालागुहर (والاگہر) फा वि —उत्तम कुल, कुलीनतम, बहुत प्रतिष्ठित कुलवाला।

वालाजाह (والاجاہ) फा वि —दे 'वालाक़द्र'।

वालादूदमाँ (والادودماں) फा वि —दे 'वालागुहर'।

वालानज़ाद (والانژاد) फा वि —दे 'वालागुहर'।

वालानाम: (والانامہ) फा पु —आदरपत्र, कृपापत्र, बड़े व्यक्ति का पत्र।

वालामर्तबत (والامرتبت) फा अ वि —दे 'वालाक़द्र'।

वालाशान (والاشان) फा अ वि —दे 'वालाक़द्र'।

वालासिफ़ात (والاصفات) फा अ वि —उत्तम गुण, बहुत अच्छे और प्रतिष्ठित गुणोंवाला।

वालाहिमम (والاہمم) फा अ वि —उच्चोत्साही, बड़ी हिम्मतवाला।

वालाहिम्मत (والاہمت) फा अ वि —बड़ी हिम्मतवाला, बड़े साहसवाला, महोत्साह, महासाहस।

वालिए अक़्रब (والئ عقرب) अ पु —मंगलग्रह, जो वृश्चिक राशि का स्वामी है।

वालिए तख़्तोताज (والئ تخت و تاج) अ फा वि —युवराज, वली अह्द।

वालिए मुल्क (والئ ملک) अ पु —किसी राष्ट्र का शासक, राजा, बादशाह।

वालिए रियासत (والئ ریاست) अ पु —किसी रियासत का स्वामी, रईस, राजा।

वालिद: (والدہ) अ स्त्री —माता, मातृ, जननी, प्रसवित्री, अंबिका, अंबा।

वालिद (والد) अ पु —पिता, पितृ, जनक, अब, अबक, प्रसवी।

वालिदए मोहतरम: (والدۂ محترمہ) अ स्त्री —पूज्य माता।

वालिदे माजिद (والد ماجد) अ पु —पूज्य पिता।

वालिदैन (والدین) अ पु —मातर्-पिता, पितरौ, मातरपितरौ, मातापितरौ।

वालिहान: (والہانہ) अ फा वि —प्रेमियों-जैसा, प्रेमपूर्वक।

वाली (والی) अ पु —मित्र, दोस्त, शासक, हाकिम।

वालेह (والہ) अ वि —मुग्ध, आसक्त, फ़रेफ़्ता, जो प्रेम में सुध-बुध खो चुका हो।

वावैला (واویلا) फा वा —हाय, अफ़सोस, कोलाहल, शोरोगुल, हाहाकार, कोहराम।

वाशिगाफ़ (واشگاف) फा वि —प्रकट, स्पष्ट, खुला हुआ।

वाशी (واشی) अ वि —मिथ्यावादी, असत्यभाषी, झूठा, निंदक, चुग़ुलख़ोर, छिद्रान्वेषी, ऐबची।

वाशुद: (واشدہ) फा वि —प्रफुल्ल, विकसित, खिला हुआ, शिगुफ़्ता।

वाशुद (واشد) फा स्त्री —खिलावट, प्रफुल्लता, शिगुफ़्तगी।

वाशुदगी (واشدگی) फा स्त्री —शिगुफ़्तगी, प्रफुल्लता, विकास, खिलावट।

वाशुदनी (واشدنی) फा वि —विकसित होने योग्य, खिलने योग्य, शिगुफ़्तनी।

वासिक़ (واثق) अ वि —दृढ़, मज़्बूत, न टूटनेवाला।

वासित: (واسطہ) अ पु —माध्यम, दरमियानी, संपर्क, सम्बन्ध, तअल्लुक़।

वासित (واسط) अ वि —बीचवाला, मध्यवर्ती, इराक़ में बसे और बग़दाद के बीच एक नगर जहाँ का क़लम बहुत अच्छा होता है।

वासिती (واسطی) अ वि —वासित नगर का, विशेषत कलम के लिए आता है।

वासिफ़ (واصف) अ वि —प्रशंसक, तारीफ़ करनेवाला।

वासिल (واصل) अ वि —मिलनेवाला, मुलाक़ात करनेवाला, सटा हुआ, संयुक्त।

वासिलबहक़ (واصل بحق) अ फा वि —ईश्वर से मिलनेवाला, दिवंगत।

वासिलबाक़ी (واصل باقی) अ वि —वुसूल और बाक़ी का हिसाब।

वासिलबाक़ी नवीस (واصل باقی نویس) अ. फा पु —कचहरी का एक मुहर्रिर जो आय-व्यय का हिसाब रखता है।

वासिलात (واصلات) अ स्त्री —कुल आय का जोड़, आमदनी का मीज़ान।

वासे' (واسع) अ वि —फैलानेवाला, विस्तार करनेवाला, विस्तृत, वसीअ; ईश्वर का एक नाम।

वासोख़्त: (واسوختہ) फा. वि —जला हुआ विदग्ध, कुढ़ा हुआ, बेज़ार।

वासोख़्त (واسوخت) फा पु.—उर्दू पद्य की एक किस्म जो मुसद्दस के रूप मे होता है और जिसमें प्रेमिका के व्यवहार से नाराज़ होकर प्रेम छोड़ देने और प्रेमिका को त्यागने का वर्णन होता है।

वासोख़्तगी (واسوختگی) फा स्त्री —जलन, तपन, बेज़ारी, नाराज़ी।

वाह (واہ) फा. अव्य —ख़ूब, साधु, धन्य।

वाह वाह (واہ واہ) फा वि धन्य-धन्य, साधु-साधु, ख़ूब-ख़ूब।

वाहसरता (واحسرتا) हाय अफ्सोस, शोक के समय पर बोलते हैं।

वाहिद: (واحدہ) अ. पु —इकाई, यूनिट।

वाहिद (واحد) अ वि —एक, यक, ईश्वर का एक नाम।

वाहिदुलऐन (واحد العین) अ. वि —एक आँखवाला, एकाक्ष, काण, काना।

वाहिब (واہب) अ वि —देनेवाला, प्रदान करनेवाला, दाता।

वाहिबुन्निअम (واہب النعم) अ पु.—दे 'वाहिबुलअताया'

वाहिबुलअताया (واہب العطایا) अ पु —पुरस्कार और उत्तम वस्तुएँ देनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

वाहिम: (واہمہ) अ पु —भ्रम, भ्रांति, वहम, कल्पना शक्ति।

वाहिम (واہم) अ वि —भ्रमी, वहम करनेवाला, वहमी, शक्की।

वाहियात (واہیات) अ स्त्री —'वाही' का बहु, निरर्थक और व्यर्थ बातें।

वाही (واہی) वि —शिथिल, सुस्त; व्यर्थ, अनर्गल, फ़ुज़ूल।

वि

विआ (وعا) अ पु —पात्र, बरतन, ज़र्फ़।

विक़ाअ (وقاع) अ पु —युद्ध, लड़ाई, मैथुन, सहवास, [illegible]।

विक़ाय: (وقایہ) अ पु —रक्षा, देख-रेख, हिफ़ाज़त, जिससे किसी चीज़ की रक्षा करें।

विक़ायत (وقایت) अ. स्त्री —देख-भाल, रक्षा, हिफ़ाज़त।

विक़ार (وقار) अ पु.—दे 'वक़ार' शुद्ध वही है, परंतु फ़ारसीवाले बहुत जगह ज़बर को ज़ेर पढ़ते हैं, उसी मे से यह भी है।

विकालत (وکالت) अ स्त्री —दे 'वकालत', दोनो शुद्ध हैं।

विजार (وجار) अ पु —विज्जू, भेड़िया, वृक।

विज़ारत (وزارت) अ स्त्री —मंत्री का पद; मंत्रित्व, मंत्री का काम।

विज़ारतख़ान: (وزارتخانہ) अ फा पु —मंत्रालय, वज़ीर का दफ्तर।

विज़ारते उज़्मा (وزارت عظمیٰ) अ स्त्री —प्रधानमंत्री का पद।

विज़ारते ख़ारिज: (وزارت خارجہ) अ स्त्री —विदेशी कामों की देख-रेख करनेवाली विज़ारत, परराष्ट्र-मंत्रित्व।

विज़ारते दाख़िल: (وزارت داخلہ) अ स्त्री —देश के भीतरी विषयों की देख-रेख करनेवाली विज़ारत, गृहमंत्रित्व।

विज्द (وجد) अ पु —शक्तिशाली होना, धनवान् होना, प्राप्त होना।

विज्दान (وجدان) अ पु —खोये हुए को पाना, जानना, खोजना, काव्य रसज्ञता, सहृदयता, ज़ौक़।

विज्दाने सहीह (وجدان صحیح) अ पु —शुद्ध काव्य रसज्ञता, सच्चा ज़ौक़।

विज्न: (وجنہ) अ पु —कपोल, गाल, दे 'वज्न' और 'वुज्न', सब शुद्ध है।

विज़्र (وزر) अ पु —भार, बोझ, पीठ पर लादने भर का बोझ, पाप, गुनाह, उपकरण, औजार।

वित्र (وتر) अ पु.—एक, अकेला, वह संख्या जो दो पर न बटे, विषम।

विदाअ (وداع) अ स्त्री —दे 'वदाअ', शुद्ध उच्चारण नहीं है, फ़ारसी मे 'विदाअ' हो गया है।

विदाद (وداد) अ स्त्री —मित्रता, दोस्ती।

विफ़ाक़ (وفاق) अ पु अनुकूलता, मुआफ़क़त, मैत्री, दोस्ती, कई राष्ट्रों का संयुक्त मोर्चा।

विफ़ाक़त (وفاقت) अ स्त्री —अनुकूलता, मुआफ़क़त, मित्रता, दोस्ती।

विफ़ाक़ी (وفاقی) अ वि —विफ़ाक़ सम्बन्धी, संयुक्त मोर्चे वाला (वाली)।

विरासत (وراثت) अ स्त्री —दायाधिकार, रिक्थाधिकार, उत्तराधिकार, मीरास पाना।

विर्द (ورد) अ पु.—किसी बात का बार-बार रटना या करना।

विला (ولا) अ स्त्री.–प्रेम,मुहब्बत, आस्था, श्रद्धा, भक्ति, पूज्य जनो का प्रेम।

विलादत (ولادت) अ स्त्री –उत्पत्ति, जन्म, पैदाइश।

विलायत (ولایت) अ स्त्री –परराष्ट्र, अन्य देश, पहले ईरान और तुर्किस्तान आदि को कहा जाता था, अब युरोप और विशेषकर इगलैंड को कहते हैं; वली या ऋषि होने का भाव, अथवा उनका पद।

विलायती (ولایتی) अ वि –विलायत का, विलायत वाला, विलायत से आया हुआ।

विसाद (وسادہ) अ पु –बडा तकिया, मस्नद।

विसाल (وصال) अ पु –मिलन, मेल, प्रेमी और प्रेमिका का सयोग, किमी धार्मिक और पूज्य व्यक्ति का निधन या देवलोक गमन।

वी

वीरा (ویراں) फा वि –'वीरान' का लघु, दे 'वीरान'।

वीरांकुन (ویراں کن) फा वि –वीरान करनेवाला, ध्वसकारी, खंडहर बना देनेवाला, बरबाद कर देनेवाला।

वीरागर (ویراں گر) फा वि –वीरान करनेवाला, ध्वस कारी, डाकू, लुटेरा।

वीरांसरा (ویراں سرا) फा स्त्री –वीरान स्थान, अर्थात् ससार।

वीरान (ویرانہ) फा पु –वीरान, निर्जन स्थान, वन, कानन, जगल।

वीराननशीं (ویرانہ نشیں) फा वि –वीराने में रहनेवाला, जगल मे रहनेवाला।

वीरान पसद (ویرانہ پسند) फा वि –जिसे वीराने में रहना अच्छा लगता हो।

वीरान (ویران) फा वि –निर्जन स्थान, जहाँ आदमी न हो, जगल, वन, जिस स्थान की इमारते गिर गयी हो, जो मकान आदि खँडहर हो गया हो।

वीरानी (ویرانی) फा स्त्री –निर्जनता, भग्न का भाव, जगलपन, खंडहरपन, बेरौनकी।

वु

वुअ़्आज (وعاظ) अ पु –'वाइज़' का बहु, वाइज लोग, धर्मोपदेशक गण।

वुऊद (وعود) अ पु –'वाद' का बहु, वादे, प्रतिज्ञाएँ।

वुक़ूअ़ (وقوعہ) उ पु –घटना, दुर्घटना, वाकिआ, हादिसा।

वुक़ूअ़ (وقوع) अ पु –प्रकट होना, घटित होना, वाक़े होना, घटना, वाक़िआ।

वुक़ूए जुर्म (وقوع جرم) अ पु –किसी अपराध का घटित होना, अपराध होना।

वुक़ूए सानिहः (وقوع سانحہ) अ पु –किसी घटना का घटित होना, वाक़िअ. ज़ाहिर होना।

वुक़ूए हादिसः (وقوع حادثہ) अ पु –किसी दुर्घटना का घटित होना, कोई बुरी घटना होना।

वुक़ूद (وقود) अ. पु –आग जलना या जलाना।

वुक़ूफ़ (وقوف) अ पु –ज्ञान, जानकारी, परिचय।

वुज़रा (وزرا) अ पु –'वज़ीर' का बहु, वज़ीर लोग, मन्त्रिगण।

वुज़ू (وضو) अ पु –साफ चेहरे का होना, चेहरे की सफाई और स्वच्छता, नमाज के लिए नियमपूर्वक हाथ-पाँव और मुँह आदि धोना।

वुजूद (وجود) अ पु –अस्तित्व, हस्ती; उपस्थिति, मौजूदगी, देह, जिस्म।

वुजूदोअदम (وجود وعدم) अ पु –होना और न होना, हस्ती और नेस्ती, अस्तित्व और अनस्तित्व।

वुजूब (وجوب) अ पु –वाजिब होना, आवश्यक होना, अनिवार्य होना।

वुज़ूशिकन (وضوشکن) अ वि –वुज़ू तोड देनेवाला, तप भग कर देनेवाला (विशेषत सौंदर्य)।

वुजूह (وجوہ) अ पु –'वज्ह' का बहु, कारण-समूह।

वुज्नः (وجنہ) अ पु –कपोल, गाल दे 'विज्न' और 'वज्न' तीनो शुद्ध हैं।

वुफ़ूद (وفود) अ पु –'वफ्द' का बहु, प्रतिनिधि मडल समूह, शिष्ट मडलो का समूह।

वुफ़ूर (وفور) अ पु –आधिक्य, प्राचुर्य, बाहुल्य, इफ़ात।

वुफ़ूरे इज़्तिराब (وفور اضطراب) अ पु –घबराहट की अधिकता।

वुफ़ूरे ग़म (وفور غم) अ पु –शोक अथवा दु ख का बाहुल्य, शोकाधिक्य।

वुफ़ूरे शौक़ (وفور شوق) अ पु –लालसा और अभिलाषा की बहुतायत, उत्कठा।

वुरूद (ورود) अ पु –आगमन, आना, प्रवेश, दाखिला।

वुरूदे मस्ऊद (ورود مسعود) अ पु.–शुभागमन, किसी बडे और पूज्य व्यक्ति का पदार्पण।

वुरूदे मुबारक (ورود مبارک) अ. पु –दे 'वु मस्ऊद'।

वुलात (ولات) अ पु –'वाली' का बहु, स्वामिगण; शासकगण।

वुलूअ़ (ولوع) अ पु –लोभ, लिप्सा, लालच, लोभ होना, लालच होना।

वुलूग़ (ولوغ) अ. पु.—कुत्ते का चपड-चपड करके पानी पीना; कुत्ते का पानी में मुँह डालना।

वुलूज (ولوج) अ पु —एक चीज़ का दूसरे मे प्रवेश।

वुशाक (وشاق) तु. पु —छोकरा, ऐसा खिदमतगार लडका जिसकी डाढी-मूँछ न निकली हो।

वुशात (وشاة) अ पु —'वाशी' का बहु, निदक लोग, छिद्रान्वेषी लोग, झूठे लोग।

वुश्ता (وشتا) फा. पु —पार्सियो के धर्म ग्रथ 'ज़द' का महाभाष्य, उस्ता।

वुसूल (وصول) अ पु —पहुँचना, जाना; प्राप्त होना, मिलना, प्राप्ति, वुसूली।

वुसूलबाक़ी (وصول باقی) अ. पु.—जो आया और जो बाकी रहा।

वुसूलयाब (وصول یاب) अ. फा. वि.—प्राप्त, लब्ध, वुसूल।

वुसूलयाबी (وصول یابی) अ. फा. स्त्री —प्राप्ति, वुसूली।

वुसूली (وصولی) अ वि.—प्राप्ति, वुसूलयाबी।

वुस्अ (وسع) अ. स्त्री.—विस्तार, लवाई-चौडाई; शक्ति, ज़ोर, सामर्थ्य, मक्दिरत।

वुस्अत (وسعت) अ. स्त्री.—लंबाई-चौडाई, विस्तार, सामर्थ्य, मक्दूर; शक्ति, ताकत।

वुस्अततलब (وسعت طلب) अ वि —जिसके लिए विस्तार की आवश्यकता हो।

वुस्अतपिज़ीर (وسعت پذیر) अ. फा. वि —विस्तृत, विशाल, लवा-चौडा।

वुस्अते अख़्लाक़ (وسعت اخلاق) अ. स्त्री —शिष्टता और सुशीलता के व्यवहार का आधिक्य।

वुस्अते करम (وسعت کرم) अ. स्त्री —दानशीलता और वदान्यता का प्राचुर्य।

वुस्अते क़ल्ब (وسعت قلب) अ. स्त्री.—हृदय का विस्तार, उदारता।

वुस्अते शौक़ (وسعت شوق) अ स्त्री —अभिलाषा की तीव्रता।

वुस्अते सह्रा (وسعت صحرا) अ स्त्री.—जंगल का विस्तार।

वुस्अते हौसलः (وسعت حوصلہ) अ स्त्री.—साहस का आधिक्य।

वुस्ता (وسطیٰ) अ. वि.—दरमियानी, बीच की; बीच की उँगली, मध्यमा।

वुस्लत (وصلت) अ स्त्री.—पैवद, जोड; स्वजनता, रिश्तेदारी; सयोग, मिलन, वस्ल।

वुहूश (وحوش) अ पु.—'वहश' का बहु, जगली जानवर।

वुहूशोतुयूर (وحوش وطیور) अ. पु —जगली जानवर और जगली चिडियाँ।

वै

वैल (ویل) अ पु —हाय, हा, अफ्सोस, शत्रुता, दुश्मनी, आपत्ति, कष्ट, आपत्ति के समय रोना-धोना, दोज़ख़ का एक तल।

वैलकश (ویل کش) अ फा वि —शत्रुता निबाहनेवाला, बदी का बदला लेनेवाला।

वैस (ویس) अ पु —धिक्कार, लानत।

वैह (ویح) अ पु —साधु, अहो, ख़ूब, हाय, हा हत, डाँट-फटकार।

वैहकल्लाह (ویحک اللہ) अ वा.—ईश्वर तुझे खराब करे।

श

शंग (شنگ) फा. वि.—चपल, चचल, शोख़, लुठक, लुटेरा, बटमार, तस्कर, चोर।

शंगर्फ़ (شنگرف) फा.पु —ईंगुर, एक प्रसिद्ध पदार्थ।

शंगुल (شنگل) फा वि.— चपल, चंचल, शोख़; छली, चालाक; लुटेरा, बटमार।

शंगूल (شنگول) फा. वि —दे. 'शगुल'।

शंजर्फ़ (شنجرف) फा.पु —दे. 'शंगर्फ़'।

शंबः (شنبہ) फा पु —वार, दिन, शनैश्चर, सनीचर, फार्सी उच्चारण 'शबेह' है।

शअफ़ (شعف) अ.पु —प्रेम, स्नेह, अनुराग, महब्बत।

शआइर (شعائر) अ पु —'शईर.' का बहु., आराधनाएँ, इबादतें, पशुओ की बलि, कुर्बानियाँ।

शआफ़ (شعاف) अ पु —उन्माद, सिडीपन, पागलपन, मिराक़।

शईरः (شعیرہ) अ. स्त्री —पशुबलि, कुर्बानी; आराधना, इबादत; आँख की गुहांजनी।

शईर (شعیر) अ पु —जौ, यव, एक प्रसिद्ध अन्न।

शए ज़ाइद (شے زائد) अ. स्त्री —वह वस्तु जो अधिक हो, जो आवश्यकता से ज़ाइद हो, फालतू।

शए मक्फ़ूल (شے مکفولہ) अ. स्त्री —वह वस्तु जो गिरवी हो, बंधक।

शए मबीअः (شے مبیعہ) अ स्त्री.—बेची हुई वस्तु, बिकी हुई चीज, विक्रीत।

शए मुतनाज़िअः (شے متنازعہ) अ स्त्री —झगडेवाली चीज, जिस पर झगडा हो।

शए लतीफ़ (شے لطیف) अ स्त्री —प्रतिभा, जिहानत; दक्षता, कुशलता, चतुराई।

शक [श्क] (شک) अ पु –शंका, आशंका, संदेह, शुब्हा, भ्रम, भ्रांति, वह्म।

शक़ [श्क़] (شق) अ पु –फटना, विदारण, फटा हुआ, विदीर्ण।

शक़आफ़्रीं (شق آفریں) अ फ़ा वि –शक पैदा करनेवाला, शंकाजनक।

शकर (شکر) फ़ा स्त्री –खाँड, शर्करा, चीनी।

शकरआब (شکرآب) फ़ा स्त्री –दे 'शकराब'।

शकरक़ंद (شکرقند) फ़ा स्त्री –एक प्रसिद्ध कंद, शकरकंदी।

शकर ख़ंदः (شکرخندہ) फ़ा पु –दे 'शकर ख़ंद'।

शकरख़ंद (شکرخند) फ़ा पु –मीठी हँसी, मुस्कुराहट।

शकरख़श (شکرخش) फ़ा पु –नमूना, बानगी, निदर्शन।

शकरख़ा (شکرخا) फ़ा वि.–शकर चबानेवाला, मधुरभाषी, मिष्टवादी।

शकरख़ोर (شکرخور) फ़ा वि –शकर खानेवाला।

शकरख़्वाब (شکرخواب) फ़ा पु –मीठी नींद, सुषुप्ति, सवेरे की नींद।

शकरख़्वार. (شکرخوارہ) फ़ा वि –शकर खानेवाला, रस लेनेवाला, आनंदग्राही।

शकरगुफ़्तार (شکرگفتار) फ़ा वि –मीठी बातें करनेवाला, मधुरभाषी, शीरींज़बाँ।

शकरगुफ़्तारी (شکرگفتاری) फ़ा स्त्री –मीठी मीठी बातें करना, शीरींज़बानी।

शकरचश (شکرچش) फ़ा पु –शकर खानेवाला, नमूना, बानगी, रस लेनेवाला।

शकरज़ार (شکرزار) फ़ा. पु –जहाँ शकर ही शकर हो, जहाँ मिठास बहुत हो।

शकरतरी (شکرتری) फ़ा स्त्री –सफ़ेद शकर, चीनी, दाना।

शकरदान (شکردان) फ़ा पु –शकर रखने का बरतन, खंडपात्र।

शकरपा (شکرپا) फ़ा वि.–लँगड़ा, जिसके एक पाँव टेढ़ा हो, पंगु।

शकरपारः (شکرپارہ) फ़ा पु –एक प्रकार की मिठाई, सुंदर अदाओंवाली प्रेमिका।

शकरपूरः (شکرپورہ) फ़ा पु –मीठा समोसा, गुझिया, पिराक।

शकरपेच (شکرپیچ) फ़ा पु –मिठाई पर लिपटा हुआ काग़ज़, शकर बाँधने की पुड़िया।

शकरफ़रोश (شکرفروش) फ़ा वि –शकर बेचनेवाला, मधुरभाषी, शीरींगुफ़्तार।

शकरफ़रोशी (شکرفروشی) फ़ा स्त्री.–शकर बेचने का काम, मीठी बातें करना।

शकरबार (شکربار) फ़ा वि –शकर बरसानेवाला अर्थात् बहुत मीठा, मिष्टभाषी, शीरींसुख़न।

शकरबारी (شکرباری) फ़ा स्त्री –शकर बरसाना, मीठी बातें करना।

शकरबूरः (شکربورہ) फ़ा पु –पिराक, गुझिया, मीठा समोसा।

शकररंग (شکررنگ) फ़ा वि –मुरझाए रंगवाला, पीला पड़ा हुआ, अप्रसन्न, नाराज़।

शकररंगी (شکررنگی) फ़ा स्त्री –अप्रसन्नता, नाराज़ी, वैमनस्य, मनमुटाव।

शकररंज (شکررنج) फ़ा वि –अप्रसन्न, नाराज़।

शकररंजी (شکررنجی) फ़ा स्त्री –अप्रसन्नता, नाराज़ी।

शकररेज़ (شکرریز) फ़ा पु –न्योछावर, वह वस्तु जो व्याह के दिन दुल्हन और दूल्हा के सर पर से न्योछावर करते हैं, ख़ुशी का रोना।

शकररेज़ी (شکرریزی) फ़ा स्त्री –दूल्हा और दुल्हन पर न्योछावर करना, शकर बरसाना।

शकरलंग (شکرلنگ) फ़ा वि –हलकी लँगड़ाहट।

शकरलब (شکرلب) फ़ा वि –मीठे ओंठोंवाला, मिष्टभाषी, कटे होंठवाला।

शकरलबी (شکرلبی) फ़ा स्त्री –होंठों की मिठास, बातों की मिठास, होंठ कटा होना।

शकरहर्फ़ (شکرحرف) फ़ा अ वि –मिष्टभाषी, शीरींगुफ़्तार।

शकराब (شکرآب) फ़ा स्त्री –हलकी रंजिश, मनोमालिन्य, मनमुटाव।

शकरिस्तान (شکرستان) फ़ा पु –गन्ने का खेत, शकर की फ़ैक्टरी, खंडसाल, जहाँ शकर बहुत हो।

शकरीं (شکریں) फ़ा वि –मीठा, मधुर, शकर-सम्बन्धी।

शकरी (شکری) फ़ा वि –शकर का, शकर-सम्बन्धी।

शकस्त (شکست) फ़ा स्त्री –दे 'शिकस्त', वही उच्चारण शुद्ध है।

शक़ाइक़ (شقائق) अ पु –गुलेलाला, अहिपुष्प, 'शक़ीक़' का बहु, कनपटियाँ।

शक़ाक़ुल (شقاقل) अ स्त्री –एक गाँठ जो दवा में काम आती है, शक़ाक़ुल मिस्री।

शक़ावत (شقاوت) अ स्त्री –हृदय की कठोरता, निष्ठुरता, निर्दयता, भाग्य की विमुखता, बदक़िस्मती।

शक़ावते क़ल्बी (شقاوت قلبی) अ स्त्री.–हृदय की निर्दयता, संगदिली।

शक़ावते बातिनी (شقاوت باطنی) अ स्त्री –दे 'श कल्बी'।
शक़िर (شقر) फा पु –जंगली लाले का फूल।
शक़ी (شقی) अ. वि –निष्ठुर, निर्दय, पाषाण हृदय, संगदिल, भाग्यहीन, अभागा।
शक़ीउत्तबअ (شقی الطبع) अ वि –दे 'शक़ीउलक़ल्ब'।
शक़ीउलक़ल्ब (شقی القلب) अ वि.–जिसका हृदय बहुत ही कठोर हो, पाषाण हृदय।
शक़ीउलबातिन (شقی الباطن) अ. वि –दे 'शक़ीउल कल्ब'।
शक़ीक़ः (شقیقہ) अ पु –कनपटी, गंडस्थल, आधा सीसी का दर्द।
शक़ीक़ (شقیق) अ. पु.–खंड, टुकड़ा, सगा भाई, सहोदर भ्राता।
शकीलः (شکیلہ) अ स्त्री –सुन्दरी, रूपवती, हसीना।
शकील (شکیل) अ वि –सुन्दर, रूपवान्, भद्रमुख, श्रीमुख, सुरूप, हसीन।
शकीस (شکیص) अ वि –साझीदार, भागीदार, शरीफ, अच्छी चालवाला घोड़ा।
शक़ीह (شقیح) अ वि –निकृष्ट, कुरूप, भद्दा, बुरा।
शकूक (شکوک) अ वि.–शक्की, शब्द करनेवाला, बहुत अधिक शक करनेवाला।
शकूर (شکور) अ वि –शुक्र करनेवाला, आभारी, कृतज्ञ, धन्यवाद देनेवाला, बधाई देनेवाला।
शक्कर (شکر) फा स्त्री –शकर, खंड शर्करा, चीनी।
शक्करअफ़शाँ (شکرافشاں) फा वि –मधुरभाषी, मिष्टवादी, शीरीसुख़न; शकर छिड़कनेवाला।
शक्करअफ़्शानी (شکرافشانی) फा. स्त्री –मीठी-मीठी बातें करना, मधुर भाषण।
शक्करबहाँ (شکردہاں) फा वि –मीठी-मीठी बाते करनेवाला, मिष्टभाषी।
शक्करबहानी (شکردہانی) फा स्त्री –मीठी-मीठी बाते करना, प्रिय बोलना।
शक्करफ़िशाँ (شکرفشاں) फा वि.–'शक्करअफशाँ' का लघु, दे 'श अफशाँ'।
शक्करफ़िशानी (شکرفشانی) फा स्त्री –'शक्करअफशानी' का लघु, दे 'श. अफ्शानी'।
शक्करमक़ाल (شکرمقال) फा अ वि –मिष्टभाषी, मधुरवादी, शीरीगुफ्तार।
शक्करमक़ाली (شکرمقالی) फा अ स्त्री –मिष्ट भाषण, मीठी बाते करना, शीरीगुफ्तारी।
शक्करशिकन (شکرشکن) फा. वि –शक्कर चबानेवाला अर्थात् रस लेनेवाला, काव्य रसानुभव करनेवाला, मिष्टभाषी, शीरीगुफ्तार।
शक्करशिकनी (شکرشکنی) फा स्त्री –शक्कर चबाना, रसानुभव करना, मीठी बाते करना।
शक्करसुख़न (شکرسخن) फा वि –मिष्टभाषी, मधुरभाषी, शीरीकलाम।
शक्करसुख़नी (شکرسخنی) फा स्त्री –मीठी बाते करना, शीरीकलामी।
शक्करिस्ताँ (شکرستاں) फा पु –'शक्करिस्तान' का लघु, दे 'शक्करिस्तान'।
शक्करिस्तान (شکرستان) फा पु –जहाँ शकर बहुत हो, शकर का कारखाना, खँडसाल।
शक्करीं (شکریں) फा वि –शक्कर का, शक्कर सम्बन्धी, शक्कर का बना हुआ।
शक्करींगुफ़्तार (شکریں گفتار) फा. वि –मिष्टभाषी, शीरीं-सुखन।
शक्करींलब (شکریں لب) फा. वि –मिष्टभाषी, शीरी लब, मीठे अधरामृतवाली प्रेमिका।
शक्करीं लाʼल (شکریں لعل) फा. वि –दे 'शक्करीलब'।
शक्की (شکی) अ वि –जिसके मिज़ाज मे शक बहुत हो, वहमी, भ्रमी।
शक्कुलक़मर (شق القمر) अ पु –चाँद का दो टुकड़े हो जाना, हज्रत मुहम्मद साहिब का इक मोʼजिज़ अपने चाँद के दो टुकड़े कर दिये थे।
शक्ल (شکل) अ स्त्री –आकृति, रूप, डील-डौल, मुखाकृति, मुखमंडल, चेहरा, आकार-प्रकार, वज़ाकता, दशा, अवस्था, परिस्थिति, हालत।
शक्लोशबाहत (شکل و شباهت) अ स्त्री.–डील-डौल, आकार-प्रकार।
शक्लोशमाइल (شکل و شمائل) अ स्त्री.–रूप और गुण, आकृति और स्वभाव।
शक्लोसूरत (شکل و صورت) अ. स्त्री.–दे. 'शक्लोशबाहत'।
शक्वः (شکوہ) अ पु –दे. शुद्ध रूप 'शक्वा', परन्तु उर्दू में 'शक्व' भी बोलते हैं।
शक्वाएजौर (شکوۂ جور) अ पु.–अनीति और अत्याचार की शिकायत।
शक्वा (شکوی) अ पु –उपालंभ, उलाहना, परिवाद, अनुयोग, शिकायत।
शक्वागुज़ार (شکوہ گزار) अ फा वि.–शिकायत करनेवाला; उलाहना देनेवाला।
शक्वातराज़ (شکوہ طراز) अ फा वि –दे 'शक्वागुज़ार'।

शक्वापर्वर (شکوہ پرور) अ वि—दे 'शक्वागुज़ार'।

शक्वासज (شکوہ سنج) अ फा वि—दे 'शक्वागुज़ार'।

शख़ (شخ) फा वि—पुष्ट, दृढ़, मज़बूत, (पु), पहाड, धरती, पहाड का दामन, (स्त्री) 'शाख' का लघु, डाली, शाखा।

शख़कमाँ (شخ کماں) फा वि—शक्तिशाली, ज़ोरावर, जिसका धनुष दूसरा न चला सके।

शख़ालीदः (شخالیدہ) फा वि—छीला हुआ, खरोचा हुआ, चुभाया हुआ।

शख़ीदः (شخیدہ) फा वि—फिसला हुआ, रपटा हुआ।

शख़ूदः (شخودہ) फा वि—नख से खरोचा हुआ, नख द्वारा घाव किया हुआ।

शख़्स (شخص) अ पु—व्यक्ति, फर्द, मनुष्य, आदमी।

शख़्सी (شخصی) अ वि—व्यक्तिगत, ज़ाती, इन्फिरादी।

शख़्सेग़ैर (شخص غیر) अ पु—अन्य पुरुष, दूसरा व्यक्ति, असबद्ध, ग़ैर मुतअल्लिक, अपरिचित, अस्वजन।

शख़्सेवाहिद (شخص واحد) अ पु—एक आदमी, एकाकी, अकेला मनुष्य।

शग़ (شغ) फा पु—जानवर का सींग जो बीच से खाली हो।

शग़फ (شغف) अ पु—रुचि, दिलचस्पी, तल्लीनता, इनहिमाक।

शग़ब (شغب) अ पु—कोलाहल, शोरगुल।

शगर (شگر) फा पु—काली भिड, जिसका विष तेज़ होता है।

शग़ल (شغل) अ पु—दे 'शग्ल' या 'शुग़्ल' सब शुद्ध हैं परतु 'शग्ल' और 'शुग्ल' व्यवहृत हैं।

शग़ाद (شغاد) फा पु—'रुस्तम' का भाई, जिसने उसे धोखे से कुएँ में गिराकर मारा था।

शग़ाफ (شغاف) अ पु—हृदय के ऊपर की झिल्ली, हृदय का काला तिल।

शग़ाल (شغال) फा पु—शृगाल, सियार, गीदड।

शग़ालतब्अ (شغال طبع) फा.अ वि—दे 'शगालतीनत'।

शग़ालतीनत (شغال طینت) फा अ वि—धूर्त, वचक, ठग, मक्कार, छली।

शग़ालफित्रत (شغال فطرت) फा. अ वि—दे. 'शग़ाल-तीनत'।

शग़ाबः (شغبہ) अ पु—शरीर की वह खाल जो अधिक करने से खुरदरी, काली और मोटी पड जाय, (वि) अपमानित, तिरस्कृत, ज़लील।

शग़्ल (شغل) अ पु—कार्य, काम, धधा, उद्यम, जीव बहलाने का काम, मशग़ला।

शग़्लेमै (شغل مے) अ फा पु—शराब पीने का मशग़ल, मद्यपान।

शजअः (شجعہ) अ पु—'शजाअ' का बहु, वीर लोग, बहादुर लोग।

शजन (شجن) अ पु—शोक, दुख, रज, आवश्यकता, ज़ुरूरत, इच्छा, चाह, दे. 'शज्न'; दोनो शुद्ध हैं।

शजर (شجر) अ पु—पेड, वृक्ष, विटप, द्रुम, दरख्त।

शजरी (شجری) अ वि—पेड के आकार का, पेडवाला, पेड सम्बन्धी।

शजरे कलीम (شجر کلیم) अ पु—वह पेड जिस पर हज़्रत मूसा को ईश्वर का प्रकाश दिखाई पडा था।

शजरे तूर (شجر طور) अ पु—दे 'शजरे कलीम'।

शजरे मम्नूअः (شجر ممنوع) अ पु—गेहूँ का पेड, जिसे ईश्वर ने आदम के लिए निषिद्ध कर दिया था, ऐसी चीज़ जिसके पास जाना बुरा हो।

शजाअ (شجاع) अ वि—वीर, बहादुर, दे 'शुजाअ' और 'शिजाअ', तीनो उच्चारण शुद्ध हैं, परतु 'शुजाअ' अधिक व्यवहृत है।

शजाअत (شجاعت) अ स्त्री—शूरता, वीरता, बहादुरी, रणकौशल, जग आज़्मूदगी।

शज़ाया (شظایا) अ पु—'शज़ीय' का बहु, ददाने, टुकडे, रेशे।

शजीअ (شجیع) अ वि—शूर, वीर, बहादुर।

शज़ीयः (شظیہ) अ पु—ददाना, टुकडा, रेशा।

शज्न (شجن) अ पु—दे 'शजन', दोनो शुद्ध हैं।

शज्र. (شجرہ) अ पु—वशवृक्ष, वशावली, नसबनामा।

शत्ता (شتّی) अ स्त्री—बहुतात, अधिकता, 'शतीत' का बहु, तितर-बितर चीज़े।

शत्ताह (شطاح) अ वि—धर्म-विरुद्ध बातें कहनेवाला।

शत्म (شتم) अ पु—अपशब्द, गाली-गलौज, बुरा-भला कहना।

शत्रंज (شطرنج) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध खेल, जो भारतवर्ष का प्राचीन आविष्कार है और जिससे अच्छा कोई खेल आज तक ससार में नही हो सका, न उसका खेलनेवाला यह दावा कर सकता है कि वह सबसे अच्छा खेलता है।

शत्रंजबाज़ (شطرنج باز) फा वि.—शत्रज खेलनेवाला, शत्रज का धनी, शत्रज का अच्छा खिलाडी।

शत्रजी (شطرنجی) फा स्त्री—शत्रज की बसात के खानो की तरह का बुना हुआ कपडे का फर्श (वि) शत्रजबाज़।

शतहीयात (شطحیات) फा स्त्री—'शतहीय' का बहु, धर्म-विरुद्ध बातें; अनर्गल और व्यर्थ की बातें, जल्प।

शद [द्द] (شد) अ. पु –दृढ करना, मजबूत करना, स्वर का ऊँचा करना, स्वर का उतार-चढाव।

शदाइद (شدائد) अ पु –'शदीदा' का बहु., कठिनाइयाँ, बाधाएँ, अडचनें, रुकावटें, आपत्तियाँ, मुसीबतें।

शदीदः (شدیدہ) अ. स्त्री –कठिन, दुष्कर, मुश्किल, आपत्ति, विपदा, मुसीबत।

शदीद (شدید) अ. वि –प्रचड, तीव्र, तेज, दुष्कर, कठिन, सख्ती करनेवाला।

शदीदुलअदावत (شدیدالعداوت) अ वि –जो किसी से बहुत अधिक शत्रुता रखे, बद्ध वैर।

शदीदुलअमल (شدیدالعمل) अ वि –जो करने मे कठिन हो, दु साध्य, दुष्कर।

शदीदुलक़ुव्वत (شدیدالقوت) अ. वि –शक्तिशाली, महाबल, जोरावर।

शद्दः (شدہ) अ पु –झडा, पताका, अलम, मुहर्रम मे उठनेवाला अलम।

शद्दाद (شداد) अ पु –बहुत अधिक अत्याचार करनेवाला, एक प्राचीन बादशाह जो अपने को ईश्वर कहलवाता था, उसने एक कृत्रिम स्वर्ग बनवाया था, परतु उसमे प्रवेश करते समय घोडे से गिरकर मर गया।

शद्दे मुखालिफ़ (شد مخالف) अ पु –ललकार, चुनौती, शत्रु को मुकाबले पर आने के लिए जोर से पुकारना।

शद्दरिहाल (شدرحال) अ पु –यात्रा, सफर, लबा सफर।

शद्दोमद (شدومد) अ पु.–जोर शोर, धूमधाम।

शनवा (شنوا) फा वि –सुननेवाला।

शनाअत (شناعت) अ स्त्री –बुराई, बदी, निकृष्टता।

शनाए' (شنائع) अ. पु –'शनीअ' का बहु, बुराइयाँ।

शनाख़्तः (شناختہ) फा. वि –पहचाना हुआ, जाना हुआ।

शनाख़्त (شناخت) फा स्त्री –पहचान, पहचानने का चिह्न, निशानी, लक्षण, अलामत।

शनाख़्तकुनिंदः (شناختکنندہ) फा वि –पहचाननेवाला।

शनात (شنات) अ. पु.–'शानी' का बहु, शत्रुगण, दुश्मन लोग, वैरी जन।

शनास (شناس) फा प्रत्य.–पहचाननेवाला, जैसे—'मर्दुमशनास'।

शनासा (شناسا) फा वि –पहचाननेवाला, जानकार, परिचित, वाकिफ।

शनासाई (شناسائی) फा स्त्री –जान-पहचान, तआरुफ, परिचय।

शनासिंदः (شناسندہ) फा. वि.–पहचाननेवाला, जानकार।

शनासीदः (شناسیدہ) फा वि –पहचाना हुआ, जाना हुआ, परिचित।

शनासीदनी (شناسیدنی) फा वि –पहचानने योग्य, जिसको पहचानना जुरूरी हो।

शनीअः (شنیعہ) अ स्त्री.–बुरी, खराब।

शनीअ (شنیع) अ वि –बुरा, खराब, निकृष्ट।

शनीदः (شنیدہ) फा वि –सुना हुआ, श्रुत।

शनीद (شنید) फा स्त्री –सुनवाई, समाअत।

शनीदनी (شنیدنی) फा वि –सुनने के काबिल, दिलचस्प, सुनने मे मजेदार।

शपुश (شپش) फा स्त्री –कपडे और सर मे पडनेवाला छोटा कीडा, जूँ, स्वेदज, लोमयूक, दे 'शुपुश' और 'शिपिश'।

शप्परः (شپرہ) फा पु –चमगादड, वातुलि, जतुका, अजिनपत्र।

शप्परःचश्म (شپرہ‌چشم) फा वि –जिसे चमगादड की तरह दिन मे न दिखाई दे।

शप्पर (شپر) फा पु –दे 'शप्पर' दोनो शुद्ध है।

शप्लक़ (شپلق) तु पु –तमाँचा, चाँटा, थप्पड।

शप्लिदः (شپلندہ) फा वि –निचोडनेवाला।

शप्लीदः (شپلیدہ) फा वि –निचोडा हुआ।

शफ़क़ (شفق) अ स्त्री –ऊषा, उषा, सवेरे या शाम की लालिमा जो क्षितिज पर होती है।

शफ़क़गूँ (شفق‌گوں) अ फा वि –शफ़क-जैसे रग का, उषा वर्ण।

शफ़कज़ार (شفق‌زار) अ फा पु –जहाँ शफ़क़ बहुत हो।

शफ़क़त (شفقت) अ स्त्री –कृपा, दया, मेह्रबानी, सहानुभूति, हमदर्दी; बडो की ओर से छोटो पर दया दृष्टि, ममता, आत्मीयता।

शफ़की (شفقی) अ. वि –शफ़क का, शफक के रग का; ऊषा-सम्बन्धी।

शफत (شفت) अ पु –अधर, ओष्ठ, होठ, लब।

शफतैन (شفتین) अ वि –दोनो होठ।

शफवी (شفوی) अ वि –होठवाला, होठ के सहारे उच्चरित होनेवाला अक्षर।

शफह (شفہ) अ पु –होठ, अधर, ओष्ठ।

शफही (شفہی) अ वि.–होठवाला, होठ द्वारा उच्चरित अक्षर।

शफा (شفا) अ पु –तट, कूल, किनारा, हर चीज का किनारा, जीवन का अतिम भाग।

शफाअत (شفاعت) अ स्त्री –अभिस्ताव, सुफ़ारिश, ईश्वर से अपने अनुयायियो के मोक्ष की सुफारिश।

शफाअतगर (شفاعت‌گر) अ फा वि –कियामत मे अपने अनुयायियो के मोक्ष की सुफारिश करनेवाला पैगबर।

शफाअतफर्मा (شفاعت‌فرما) अ फा वि –दे 'शफाअतगर'।

शफाजुफ (شفاجرف) अ पु –नदी आदि का तट, किनारा।

शफीअ (شفیع) अ वि –सुफारिशी, कियामत के दिन मोक्ष दिलानेवाला, शुफा का दावा करनेवाला।

शफीए ख़लीत (شفیع خلیط) अ पु –साझे की ज़मीन पर शुफा का दावा करनेवाला।

शफीए जार (شفیع جار) अ पु –पडोस की ज़मीन या मकान पर शुफा' करनेवाला।

शफीक (شفیق) अ वि –कृपालु, दयालु, मेहरबान, मित्र, सखा, दोस्त।

शफ़क़त (شفقت) अ स्त्री –दे 'शफकत', उर्दू मे दोनो प्रकार से बोलते है, बल्कि अधिक यही बोलते है।

शफ्तालू (شفتالو) फा पु –एक फल, आडू।

शफ्फाफ (شفاف) अ वि –स्वच्छ, उज्ज्वल, चमकदार, निर्मल, शुद्ध, साफ, कलई किया हुआ।

शफ्फाफी (شفافی) अ स्त्री –स्वच्छता, निर्मलता, कलई की चमक।

शब (شبه) फा पु –छोटे-छोटे मोती, पोत, पोता।

शब (شب) फा स्त्री –निशा, रजनी, यामिनी, शर्वरी, तमस्विनी, विभावरी, यामिका, रात्रि, रात।

शब [ब्ब] (شب) अ स्त्री –फटकरी, फटिकर, (वि) युद्ध लडाई, तारुण्य, जवानी, उच्चता, आग जलाना।

शब अदर रोज़ (شب اندر روز) फा पु –एक कपडा।

शबअफ्रोज (شب‌افروز) फा पु –वह ज़रबफ्त जिसकी ज़मीन रुपहली हो।

शबआहग (شب‌آهنگ) फा पु –दे 'शबाहग', वही उच्चारण शुद्धतम है, अशुद्ध यह भी नही है।

शबक (شبکه) अ पु –जाल, पाश, बधन, दीवार की जाली, लोहे आदि की जाली जो मकान मे लगायी जाती है।

शबक (شبک) अ पु –दे 'शबक'।

शबकात (شبکات) अ पु –'शबक' का बहु, जाल और बधन, मकान की जालियाँ।

शबकोर (شب‌کور) फा वि –जिसे रतौधी आती हो, रतौधी का रोगी, निशाध, राञ्यन्ध।

शबकोरी (شب‌کوری) फा स्त्री –रात मे न दिखाई पडने का रोग, तिमि।

शबखूँ (شب‌خوں) फा पु –'शबखून' का लघु, दे 'शबखून'।

शबखून (شب‌خون) फा पु –सेना का रात के अँधेरे मे शत्रु के दल पर अचानक आक्रमण।

शबखेज़ (شب‌خیز) फा वि –रात रहे जाग जानेवाला, रात्रि मे उठकर जप-तप करनेवाला।

शबखेज़ी (شب‌خیزی) फा स्त्री –रात रहे जागना, रात मे उठना, रात मे जप-तप करना।

शबख्वाँ (شب‌خواں) फा पु –बुलबुल, एक प्रसिद्ध गानेवाली चिडिया।

शबख्वाबी (شب‌خوابی) फा स्त्री –रात मे सोते समय पहनने के वस्त्र।

शबगज़ (شب‌گز) फा स्त्री –थोडी देर की व्यथा, क्षणिक कष्ट।

शबगर्द (شب‌گرد) फा वि –रात मे फिरकर पहरा देनेवाला, कोतवाल, थानेदार।

शबगर्दी (شب‌گردی) फा स्त्री –रात मे पहरा देना, रात मे फिरना।

शबगश्त (شب‌گشت) फा वि –दे 'शबगर्द'।

शबगाह (شبگاه) फा स्त्री –रात का समय, रात के समय।

शबगीर (شب‌گیر) फा वि –पिछली रात को उठनेवाला या जप-तप करनेवाला, पिछली रात, आधी रात के बाद का समय।

शबगूँ (شب‌گوں) फा वि –काले रग का, कृष्ण वर्ण।

शबगूनी (شب‌گونی) फा स्त्री –काले रग का होना, कालापन।

शबचिराग़ (شب‌چراغ) फा. पु –एक बहुमूल्य रत्न जो रात मे दीपक की तरह प्रकाश देता है, (वि) रात्रि-दीपक, रात का चिराग अर्थात् चद्रमा।

शबज़िंदःदार (شب‌زنده‌دار) फा वि –रात भर जागने और जप-तप करनेवाला।

शबज़िंदःदारी (شب‌زنده‌داری) फा स्त्री –रातभर जाग कर जप-तप और इबादत।

शबताज़ (شب‌تاز) फा वि –रात मे आक्रमण करनेवाला, रात के अँधेरे मे छापा मारनेवाला।

शबताज़ी (شب‌تازی) फा स्त्री –रात्रि मे जब शत्रु ग़ाफ़िल हो उस पर अचानक आक्रमण।

शबताब (شب‌تاب) फा वि –रात को चमकानेवाला; रात को प्रकाशित करनेवाला, चद्रमा, चाँद।

शबताबी (شب‌تابی) फा स्त्री –रात को चमकाना, रात्रि को चमकदार बनाना।

शबदेग (شب‌دیگ) फा स्त्री –वह हाँडी जो रात भर पकायी जाय।

शबदेज़ (شبدیز) फा पु –मुश्की घोडा।

शबनम (شبنم) फा स्त्री –ओस, आकाश-जल।

शबनमी (شبنمی) फा स्त्री –ओस से बचाव के लिए ताना जानेवाला कपडा, मच्छरदानी।

शबनशी (شب نشین) फा. वि –रात-रात भर सभाओ और जलसो मे बैठनेवाला, रात-रात भर जलसो मे बैठना।

शबपरः (شب پرہ) फा पु –चमगादड, चर्मचटक।

शबपोश (شب پوش) फा पु –रात्रि मे पहनने के कपडे।

शबबख़ैर (شب بخیر) फा अ वि –एक वाक्य, जो रात मे दो मित्र परस्पर विदा होते समय कहते हैं, अर्थ यह है कि आप की रात सुख और शाति से बीते।

शबबरात (شب برات) फा अ स्त्री –मुसलमानो का एक त्योहार, शबरात।

शबबाश (شب باش) फा वि –रात मे ठहरनेवाला, सहवास करनेवाला।

शबबाशी (شب باشی) फा स्त्री.–रात भर के लिए कही ठहरना, स्त्रीप्रसग करना।

शबबू (شبو) फा पु –एक फूल जो रात में खिलता और महकता है।

शबबेदार (شب بیدار) फा वि –रात भर जागकर जप-तप करनेवाला, रात भर जागनेवाला।

शबबेदारी (شب بیداری) फा स्त्री –रात भर जागना, रात भर जागकर तपस्या करना।

शबबो (شب بو) फा पु –दे 'शबबू'।

शबम (شبم) अ पु –जाडा, शीत, ठड, शरद् ऋतु, सर्मा।

शबमादः (شب ماندہ) फा वि –रात गुज़रा हुआ, रात का रखा हुआ, बासी।

शबमुर्दः (شب مردہ) फा वि –रात-रात भर सोनेवाला, सारी रात सोनेवाला।

शबमुर्दगाँ (شب مردگاں) फा पु –'शबमुर्द' का बहु, सारी रात सोनेवाले।

शबयार (شبیار) फा पु –एक दवा, एलुआ, जो रात मे पेट साफ करने के लिए खायी जाती है।

शबरग (شب رنگ) फा वि.–काले रग का, कृष्ण वर्ण।

शबरवी (شب روی) फा स्त्री –रात मे घूमना-फिरना, रात मे यात्रा करना, चोरी, तस्करता।

शबरॉ (شب راں) फा वि –दे 'शबताज'।

शबरौ (شب رو) फा वि –रात मे घूमने-फिरने या यात्रा करनेवाला, रात मे जप-तप करनेवाला, चोर, तस्कर।

शबह (شبہ) अ पु –एक धातु, पीतल।

शबह (شبح) अ पु –शरीर, काय, देह, जिस्म।

शबॉ (شباں) फा पु –'शबान' का लघु, दे 'शबान'।

शबॉगाह (شبانگاہ) फा स्त्री –सध्या समय, सायकाल, शाम।

शबानः (شبانہ) फा वि –रात का, रातवाला, रात से सम्बन्धित; बासी, पर्युषित।

शबानःरोज़ (شبانہ روز) फा वि –रातदिन, अहर्निश, शबो-रोज।

शबान (شبان) फा पु –चरवाहा, ढोर चरानेवाला, चौपिया।

शबानी (شبانی) फा स्त्री –जगल मे चौपायो की देखभाल, चरवाही।

शबाब (شباب) फा पु –तारुण्य, युवावस्था, जवानी, किसी चीज की अन्तत और उत्तम अवस्था।

शबाब आवर (شباب آور) अ फा वि –फिर से जवान बना देनेवाला।

शबारोज़ (شباروز) फा वि –अहर्निश, रात-दिन, सदा, शबोरोज।

शबाशब (شباشب) फा वि –रातोरात, रात ही रात में, एक ही रात मे।

शबाहंग (شب آہنگ) फा पु –बुल्बुल, गोवत्सक, एक उज्ज्वल तारा जो शाम को चमकता है।

शबाहत (شباہت) अ स्त्री –आकृति, शक्ल, सदृशता, समता, यकसानियत; एकरूपता, हमशक्ली।

शबित (شبت) अ पु –सोया, एक शाक, दे 'शिबित', दोनो शुद्ध है।

शबिस्तॉ (شبستاں) फा. पु –रात मे रहने का स्थान, शयनागार, ख़्वाबगाह।

शबीन. (شبینہ) फा. वि –रात की बची हुई वस्तु, बासी, पर्युषित, रात का, रात्रीय, रमज़ान के महीने मे कुरान का वह पाठ जो एक रात मे ख़त्म हो जाता है।

शबीह (شبیہ) फा स्त्री –चित्र, तस्वीर, छायाचित्र, फोटो, सदृश, समान, मिस्ल।

शबे आशूरः (شب عاشورہ) फा अ स्त्री –मुहर्रम के महीने की दसवी तारीख़ की रात।

शबे क़द्र (شب قدر) फा अ स्त्री –रजब के महीने की २७वी तारीख़, शबे मे'राज, इस रात की इबादत का बडा पुण्य है।

शबे चक (شب چک) फा स्त्री –दे 'शबे बरात'।

शबे जवानी (شب جوانی) फा. स्त्री –रात्रि रूपी तारुण्य, युवावस्था का उन्माद।

शबे ज़िफाफ़ (شب زفاف) फा अ स्त्री –दुल्हन की दूल्हा के पास जाने की पहली रात, सुहागरात।

शबे तार (شب تار) फा स्त्री –नितान्त अँधेरी रात, तमस्विनी, तमिस्रा, कुहूनिशा।

शबे दैजूर (شب دیجور) फा अ स्त्री –अमावास्या, अमावस की रात, निपट काली रात, कालनिशा, तमिस्रा।

शबे फिराक़ (شب فراق) फा अ स्त्री –दे 'शबे हिज्र'।

शबे बरात (شب برات) फा अ स्त्री –दे 'शबबरात', दोनो शुद्ध है।

शबे माह (شب ماه) फा स्त्री –चाँदनी रात, राका, ज्योत्स्ना, सज्योत्स्ना।

शबे मे'राज (شب معراج) फा अ स्त्री –वह रात जिसमे हज्रत पैगबर साहिब अर्श पर ईश्वर से मिलने गये थे।

शबे यल्दा (شب یلدا) फा स्त्री –दे 'शबे दैजूर'।

शबे वस्ल (شب وصل) फा अ स्त्री –नायक और नायिका के मिलने की रात, मिलनरात्रि, विरहरात्रि का उलटा।

शबे वा'द (شب وعده) फा अ स्त्री –जिस रात को नायिका अपने नायक से मिलने का वादा करे, वह रात।

शबे हिज्र (شب هجر) फा अ स्त्री –विरहरात्रि, नायिका के वियोग की रात।

शबे हिज्राँ (شب هجراں) फा अ स्त्री –दे 'शबे हिज्र'।

शबोरोज (شب و روز) फा पु.–रातदिन, अहर्निश, हर समय, निरतर, लगातार।

शब्आन (شبعان) अ वि –पेट भरा हुआ, अफरा हुआ, परितृप्त।

शब्बर (شبر) अ पु –हज्रत इमाम हुसैन।

शब्बाक (شباک) अ वि –छेद करनेवाला।

शब्बीर (شبیر) अ पु –हज्रत इमाम हसन, जो इमाम हुसैन के बडे भाई थे।

शब्बूर (شبور) अ पु –तुरुही जो पीतल की बनायी जाती है।

शम [म्म] (شم) अ पु –सूँघना, घ्राण।

शमा' (شمع) अ स्त्री –मोम, सिक्थ, मोमबत्ती।

शमाइम (شمائم) अ पु –'शमीम' का बहु, सुगधियाँ, खुशबूएँ।

शमाइल (شمائل) अ पु.–'शमील' का बहु, प्रकृतियाँ, स्वभाव, आदते।

शमातत (شماتت) अ स्त्री –किसी की हानि या अवनति पर प्रसन्न होना।

शमाम (شمامه) अ पु –सुगध, महक, खुशबू।

शमामऩः (شمامچه) अ फा पु –सूँघने का सुगधित पदार्थ।

शमीदः (شمیده) फा वि –सूँघा हुआ, मूर्छित, बेहोश, उद्विग्न, परीशान।

शमीम. (شمیمه) अ स्त्री –सूँघने का पदार्थ, खुशबू।

शमीम (شمیم) अ पु –सुगव, महक, खुशबू।

शमील' (شمیله) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत, खस्लत।

शम्अ (شمع) अ स्त्री –मोम, सिक्थ, मोमबत्ती, दीपक, चिराग।

शम्अदान (شمعدان) अ फा पु –जिसमे मोमबत्ती रखकर जलाते है।

शम्अरुख (شمع رخ) अ फा वि –दे 'शम्अरू'।

शम्अरू (شمع رو) अ फा वि –दीप, जैसे—उज्ज्वल और दीप्त मुखवाली सुन्दरी।

शम्असाज (شمع ساز) अ फा वि –मोमबत्ती बनानेवाला।

शम्ई (شمعی) अ वि –मोम का, मोम का बना हुआ।

शम्ए आलमताब (شمع عالم تاب) अ फा स्त्री –सूर्य, सूरज, भानु, भास्कर।

शम्ए ऐमन (شمع ایمن) अ स्त्री –वह प्रकाश जो हज्रत मूसा को दिखाई पडा था।

शम्ए कुश्तः (شمع کشته) अ फा स्त्री –बुझा हुआ दीप, वह शम्अ जो बुझ गयी हो, मृतदीप।

शम्ए खामोश (شمع خاموش) अ फा स्त्री –बुझा हुआ चिराग या शम्अ।

शम्ए जेरे दामन (شمع زیر دامن) अ फा स्त्री –दामन की आड मे हवा से बचाकर जलनेवाला चिराग।

शम्ए तूर (شمع طور) अ स्त्री –दे 'शम्ए ऐमन'।

शम्ए बज़्म (شمع بزم) अ फा स्त्री –सभा मे जलनेवाला चिराग, प्राय प्रेमिका की गोष्ठी का चिराग।

शम्ए बालीं (شمع بالیں) अ फा स्त्री –सिरहाने जलनेवाला चिराग, प्राय रोगी प्रेमी के सिरहाने का चिराग।

शम्ए मजार (شمع مزار) अ स्त्री –कब्र पर जलाया जानेवाला चिराग, प्राय प्रेमी की कब्र का चिराग।

शम्ए महफिल (شمع محفل) अ स्त्री –दे 'शम्ए बज़्म'।

शम्ए मुर्दः (شمع مرده) अ फा स्त्री –दे 'शम्ए खामोश'।

शम्ए मोमी (شمع مومی) अ फा स्त्री –मोमबत्ती।

शम्ए शबअफ़्रोज (شمع شب افروز) अ फा स्त्री.–चद्रमा, चाँद।

शम्ए सहर (شمع سحر) अ स्त्री –सवेरे का चिराग जो बुझने को होता है, वह व्यक्ति जिसकी आयु थोडी रह गयी हो।

शम्ए हयात (شمع حیات) अ स्त्री –शम्अ रूपी जीवन, जो जलने के साथ घुलता जाता है।

शम्म' (شمه) अ पु –बहुत थोडा, किंचिन्मात्र।

शम्मास' (شمامه) अ पु –सेंधी, सुधिया, कचरी, छोटी फूट जो सुगधित होती है।

शम्मास (شماس) अ वि –सूर्यपूजक, सूरज का पुजारी।

शम्लः (شملہ) अ. पु —पगडी का सिरा जो पीछे लटकता है, एक छोटी शाल जिसे लपेटते हैं।

शम्शाद (شمشاد) फा पु —सर्व का पेड, जो सीधा होता है और जिससे नायिका के डील की उपमा दी जाती है।

शम्शादक़द (شمشادقد) फा. अ वि —सर्व-जैसे सुडौल और लबे डीलवाला (वाली)।

शम्शादक़ामत (شمشادقامت) फा अ वि —दे 'शम्शाद कद'।

शम्शादबाला (شمشادبالا) फा वि —दे 'शम्शादकद'।

शम्शीर (شمشیر) फा स्त्री.—असि, कृपाण, खड्ग, तलवार।

शम्शीरज़न (شمشیرزن) फा वि —असिजीवी, सिपाही।

शम्शीरज़नी (شمشیرزنی) फा. स्त्री —सिपाही का पेशा।

शम्शीरदम (شمشیردم) फा वि —तलवार-जैसी तेज धार-वाला।

शम्शीरबकफ़ (شمشیربکف) फा वि —हाथ मे तलवार लिये हुए, शस्त्रपाणि, वध करने को तत्पर।

शम्शीरे अजल (شمشیر اجل) फा अ स्त्री.—मौत की तलवार।

शम्शीरे आबदार (شمشیر آبدار) फा स्त्री —काट करने-वाली तलवार, तेज धारवाली।

शम्शीरे दुदम (شمشیر دودم) फा. स्त्री —दुधारी तलवार, वह तलवार जिसके दोनो ओर धार हो।

शम्शीरे बरहनः (شمشیر برہنہ) फा स्त्री —म्यान से निकली हुई तलवार, स्पष्ट वक्ता, लगी-लपटी न रखनेवाला।

शम्शीरे हिलाली (شمشیر ہلالی) फा अ स्त्री —नव चद्र रूपी तलवार, टेढी तलवार।

शम्शीरोसिनाँ (شمشیروسناں) फा स्त्री.—तीर और तल-वार, युद्ध-सामग्री।

शम्सः (شمسہ) अ पु —रोशनदान।

शम्स (شمس) अ.पु.—अर्क, मिहिर, मार्तण्ड, अरुण, तरणि, भानु, सूर्य, रवि, सूरज।

शम्सी (شمسی) अ वि —सूर्य का, सूर्य-सम्बन्धी, सूर्य के चक्र के हिसाब से सम्बन्धित, जैसे—'शम्सी साल' सौर वर्ष।

शम्सीयः (شمسیہ) अ स्त्री —छतरी, धूप से बचने का छाता।

शम्सुलउलमा (شمس العلما) अ पु.—विद्वानो में सूर्य के समान, एक उपाधि जो अँग्रेज़ी समय में मुस्लिम आलिमो को सम्मानार्थ दी जाती थी।

शय (شے) अ स्त्री —वस्तु, द्रव्य, पदार्थ, चीज।

शयातीन (شیاطین) अ पु —'शैतान' का बहु, शैतानो का गिरोह, पिशाच-मडली।

शय्याद (شیاد) अ. वि —धूर्त, छली, वचक, मक्कार।

शरंगेज़ (شرانگیز) फा. वि —आपस मे फूट डालनेवाला, झगडा-फ़साद खड़ा कर देनवाला, उपद्रवी।

शरंगेज़ी (شرانگیزی) अ फा स्त्री —उपद्रव मचाना, झगडा करना, आपस में लडाना, फूट डालना।

शर[रं] (شر) अ पु —बदी, बुराई, उपद्रव, फसाद, फूट, निफाक।

शरअंगेज़ (شرانگیز) अ फा वि.—दे 'शरगेज़', अधिक वही बोला जाता है।

शरअंगेज़ी (شرانگیزی) अ फा स्त्री —दे 'शरगेज़ी', अधिक वही बोला जाता है।

शरतैन (شرطین) अ स्त्री —पहला नक्षत्र, अश्विनी।

शरपसद (شرپسند) अ फा वि —जो झगडा टटा पसद करता हो, झगडालू, कलहप्रिय।

शरपसंदी (شرپسندی) अ फा स्त्री —झगडा पसद करना, झगडालूपन।

शरफ़ (شرف) अ पु —श्रेष्ठता, उत्तमता, बुज़ुर्गी, सम्मान, सत्कार, इज़्ज़त, उत्तुगता, बलदी, कुलीनता, शराफत।

शरफ़याब (شرفیاب) अ फा वि —सफल, कामयाब।

शरफ़याबी (شرفیابی) अ फा स्त्री —सफलता, कामयाबी।

शरफ़े ज़ियारत (شرف زیارت) अ पु —देखने का सौभाग्य।

शरफ़े मुलाक़ात (شرف ملاقات) अ पु —साक्षात्कार का सौभाग्य, दर्शनो का सौभाग्य।

शरफ़े मुलाज़मत (شرف ملازمت) अ. पु —पास बैठने-उठने का सौभाग्य।

शरफ़े हज्जोज़ियारत (شرف حج وزیارت) अ पु —हज करने और मदीना जाने का सौभाग्य।

शरर (شرر) अ पु —अग्निकण, स्फुलिंग, चिनगारी।

शररअंगेज़ (شررانگیز) अ फा वि —चिंगारियाँ फैलाने-वाला, शुर्रे छोडनेवाला, उपद्रवी।

शररअफ़्शाँ (شررافشاں) अ फा वि —दे 'शररअगेज़', दे. शररअफ्शाँ।

शररफ़िशाँ (شررفشاں) अ. फा वि —दे 'शररअगेज़' 'शररअफ्शाँ' का लघु।

शररफ़शाँ (شررافشاں) अ फा. वि —दे 'शररअगेज़'।

शररबार (شرربار) अ फा. वि —आग बरसानेवाला, जिससे आग निकले, अग्निवर्षक।

शररबारी (شرربارى) अ. फा स्त्री —आग बरसाना, आग निकलना, अग्निवर्षा।

शरा (شری) अ स्त्री —पित्ती, एक रोग जिसमें मारे शरीर पर लाल दाने पड जाते हैं।

शराइत (شرائط) अ पु.—'शरति' का बहु, शर्तें।

शराईन (شرائین) अ स्त्री –'शिर्यान' का बहु, फड़कनेवाली रगें, धमनियाँ, नाड़ियाँ।

शराए' (شرائع) अ पु –'शरीअत' का बहु, धर्मशास्त्र।

शराकत (شراکت) उ स्त्री –भागीदारी, साझा।

शराकतनामः (شراکت‌نامہ) अ फा पु –भागीदारी या साझे की दस्तावेज़।

शराब (شراب) अ पु –मदिरा, वारुणी, हाला, सुरा, इरा, कदंबिनी, हलिप्रिया।

शराबकश (شراب‌کش) अ फा वि –मद्यप, पानकर्ता, रसाशी, सुराशी, शराबी।

शराबकशी (شراب‌کشی) अ फा स्त्री –मद्यपान, शराब पीना।

शराबख़ान: (شراب‌خانہ) अ फा पु –मदिरालय, मधुशाला, सुरावेश्म, पानागार, मदिरागृह, मैख़ाना।

शराबख़ोर (شراب‌خور) अ फा वि –मद्यप, रसाशी, सुरापायी, पानकर्ता, शराब पीनेवाला।

शराबख़ोरी (شراب‌خوری) अ फा स्त्री –मद्यपान, शराब पीना।

शराबख़्वार (شراب‌خوار) अ फा वि –दे 'शराबख़ोर'।

शराबज़दः (شراب‌زدہ) फा वि –शराब के नशे में चूर, मदोन्मत्त।

शराबज़दगी (شراب‌زدگی) फा स्त्री –शराब का गहरा नशा, मदोन्माद।

शराबफ़रोश (شراب‌فروش) अ फा वि –शराब का ठेकेदार, शौंडिक, कल्यपाल, सुराजीवी।

शराबफ़रोशी (شراب‌فروشی) फा स्त्री –शराब बेचना, शराब की ठेकेदारी।

शराबसाज़ (شراب‌ساز) अ फा वि –शराबकशी करनेवाला, सुराकार।

शराबसाज़ी (شراب‌سازی) अ फा स्त्री –शराब बनाना, शराब कशीद करना, सुराकर्म।

शराबी (شرابی) अ वि –मद्यप, शराब पीनेवाला।

शराबे अंगूरी (شراب انگوری) अ. फा स्त्री –अंगूर से बनी हुई शराब, द्राक्षेरा, मालिका।

शराबे असली (شراب عسلی) अ स्त्री –शहद की शराब, माधवी।

शराबे अर्ग़वानी (شراب ارغوانی) अ फा स्त्री.–लाल रंग की शराब।

शराबे आतशरंग (شراب آتش‌رنگ) अ फा स्त्री –आग-जैसे रंग की लाल शराब, अग्निवर्ण।

शराबे कोहन: (شراب کہنہ) अ फा स्त्री –पुरानी शराब जिसका नशा तेज़ होता है।

शराबे ख़ानःख़राब (شراب خانہ‌خراب) अ फा स्त्री –घर उजाड़ देनेवाली शराब, दरिद्र बना देनेवाली शराब।

शराबे ख़ानःसाज़ (شراب خانہ‌ساز) अ फा स्त्री –घर में बनायी हुई शराब।

शराबे जौ (شراب جو) अ फा स्त्री –जौ की शराब, वह शराब जो कच्चे जौ से बनती है, यवेरा, बियर।

शराबे तहूर (شراب طہور) अ स्त्री –स्वर्ग में पी जानेवाली शराब।

शराबे दुआतश (شراب دوآتشہ) अ फा. स्त्री.–दो बार की खिंची हुई शराब, तेज़ शराब।

शराबे दोशीनः (شراب دوشینہ) अ फा स्त्री –रात की बची हुई शराब।

शराबे मुक़त्तर (شراب مقطر) अ स्त्री –नियरी हुई और साफ़ शराब, पहले जोश की बढ़िया शराब।

शराफ़त (شرافت) अ स्त्री –कुलीनता, वंश की शुद्धता, सुशीलता, अख़्लाक़, सज्जनता।

शराफ़ते नसबी (شرافت نسبی) अ स्त्री –कुल का श्रेष्ठ और निर्दोष होना।

शरारः (شرارہ) अ पु –स्फुलिंग, अग्निकण, पतिंगा, चिनगारी।

शरारःख़ेज़ (شرارہ‌خیز) अ वि –जिससे चिंगारियाँ निकलें।

शरारःबार (شرارہ‌بار) फा वि.–अग्निवर्षक, आग बरसानेवाला।

शरार (شرار) अ पु –चिनगारी, पतिंगा, स्फुलिंग, अग्निस्तोक, शरर।

शरारत (شرارت) अ स्त्री –दुष्कृत्य, बदी, बुराई, उपद्रव, फ़साद, चंचलता, चपलता, शोख़ी; चिढ़ाने के लिए कोई काम।

शरारत आमेज़ (شرارت‌آمیز) अ फा वि –शरारत से भरा हुआ, नुकसान पहुँचाने की दु॰ नीयत से किया हुआ।

शरारतन (شرارتاً) अ वि –शरारत से, बुरी नीयत से, चिढ़ाने के लिए, तंग करने के लिए।

शरारतपसंद (شرارت‌پسند) अ फा वि –जिसके मिज़ाज में शरारत हो, उपद्रव प्रिय, फ़सादी, जो छेड़ने के लिए शरारतें बहुत करता हो।

शरासीफ़ (شراسیف) अ स्त्री –'शरसूफ़' का बहु, नीचेवाली छोटी पस्लियाँ।

शरीअत (شریعت) अ स्त्री –खुला हुआ और चौड़ा रास्ता, राजमार्ग, धर्मशास्त्र, धार्मिक क़ानून।

शरीक (شریک) अ वि –साझीदार, भागी, हिस्सेदार, मिलकर कोई काम करनेवाले, सम्मिलित, शामिल।

शरीकदार (شریک‌دار) अ फा वि –साझीदार, भागी।

शरीके ख़ानदान (شریک خاندان) अ फा वि.—जो किसी वंश के अंतर्गत हो; जो किसी वंश में सम्मिलित हो।

शरीके ग़ालिब (شریک غالب) अ. फा. वि —भागीदारों में सबसे बड़ा भाग रखनेवाला।

शरीके ज़िंदगी (شریک زندگی) अ फा वि —अर्धांगिनी, जीवन संगिनी, ज़िंदगी की साथी, अर्थात् पत्नी, भार्या।

शरीके जुर्म (شریک جرم) अ वि —जो किसी अपराध में अपराधी का सहायक हो।

शरीके दर्द (شریک درد) अ फा वि —जो विपत्ति में साथ देनेवाला और सहानुभूति रखनेवाला हो।

शरीके रंजोराहत (شریک رنج و راحت) अ फा वि —हर्ष और विपत्ति दोनों का शरीक, हर समय पर साथ देनेवाला, घनिष्ठ।

शरीके राए (شریک رائے) अ. वि —जो किसी सलाह और परामर्श में सम्मिलित हो।

शरीके सोहबत (شریک صحبت) अ वि —पास बैठने-उठनेवाला, सोहबत में रहनेवाला।

शरीके हाल (شریک حال) अ वि.—साथी, संगी, हर अवस्था में साथ रहनेवाला।

शरीके हयात (شریک حیات) अ. वि —जीवनसंगिनी, पत्नी, भार्या, पति, स्वामी।

शरीजः (شریجہ) अ. पु —कबूतरों का दरबा, काबुक।

शरीफ़ (شریف) अ वि —कुलीन, ख़ानदानी, सज्जन, सुशील, ख़ुशअख़्लाक़, सभ्य, शिष्ट, बातमीज़, निश्छल, निष्कपट, सरल स्वभाव।

शरीफ़ज़ादः (شریف زادہ) अ फा वि —शरीफ़ का लड़का, आर्यपुत्र, कुल-पुरुष।

शरीफ़तब्अ (شریف طبع) अ वि —स्वभाव से सज्जन और शिष्ट।

शरीफ़मनिश (شریف منش) अ फा वि —दे 'शरीफ़-तब्अ'।

शरीफ़मिज़ाज (شریف مزاج) अ वि —दे 'शरीफ़तब्अ'।

शरीफ़सूरत (شریف صورت) अ वि —देखने में शरीफ़, जिसकी सूरत से सज्जनता और कुलीनता टपकती हो।

शरीफ़ुत्तब्अ (شریف الطبع) अ वि —दे 'शरीफ़तब्अ'।

शरीफ़ुन्नफ़्स (شریف النفس) अ वि —स्वभावतः सज्जन, शिष्ट और निश्छल।

शरीफ़ुन्नसब (شریف النسب) अ वि —उत्तम कुल, महाकुल, जिसके वंश में कोई दोष न हो।

शरीफ़ुलअस्ल (شریف الاصل) अ वि —जिसकी जाति शुद्ध रक्तवाली हो, उत्तम वर्ण, कुलीन।

शरीर (شریر) अ वि —बदी करनेवाला, दुष्ट, उपद्रवी, फ़सादी, चंचल, चपल, शोख़, चिढ़ाने के लिए छेड़नेवाला, पिशुन, चुग़ुल, लगाई-बुझाई करनेवाला, आपस में दंगा-फ़साद करानेवाला।

शरीरतब्अ (شریر طبع) अ वि —जिसके स्वभाव में शरारत हो, धूर्त, फ़सादी; जो चिढ़ाने के लिए शरारत करता हो।

शरीरमिज़ाज (شریر مزاج) अ वि —दे. 'शरीरतब्अ'।

शर्अ (شرع) अ स्त्री —चौड़ी सड़क, राजमार्ग, धर्मशास्त्र शरीअत।

शर्ई (شرعی) अ वि —धर्मशास्त्र-सम्बन्धी, धार्मिक, मज़हबी।

शर्ए मुहम्मदी (شرع محمدی) अ स्त्री —इस्लामी धर्म-शास्त्र।

शर्क़ (شرق) अ पु —पूर्व, पूरब, उदयाचल, मश्रिक़।

शर्क़ी (شرقی) अ वि —पूर्वीय, पूरब का, मश्रिक़ी।

शर्क़ोग़र्ब (شرق و غرب) अ पु —पूरब-पच्छिम, अर्थात् सारा जगत्, विश्व।

शर्ज़ः (شرزہ) अ पु —बहुत अधिक गुस्सेवाला।

शर्जिमः (شرذمہ) अ पु —खंड, टुकड़ा, थोड़े मनुष्यों का समूह, थोड़े-से फलों का ढेर।

शर्त (شرط) अ स्त्री —करार, पण; प्रतिज्ञा, अह्द, संविदा, वादा, बाज़ी, जुआ।

शर्तियः (شرطیہ) अ वि —अवश्य, यक़ीनी, शर्त बाँधकर, शर्त के साथ, अनिवार्य, लाज़िमी।

शर्ती (شرطی) अ. वि —शर्तवाला, शर्त सम्बन्धी।

शर्बत (شربت) अ स्त्री —शकर डालकर मीठा किया हुआ पानी जो पिया जाता है, शर्करोदक, दवाओं से बना हुआ शकर का शीरा, सीरप, मिष्टोद।

शर्बतफ़रोश (شربت فروش) अ फा वि —शर्बत बेचनेवाला।

शर्बतसाज़ (شربت ساز) अ फा वि —शर्बत बनानेवाला।

शर्बती (شربتی) अ वि —एक रंग जो हलका गुलाबी होता है।

शर्बते दीद (شربت دید) अ फा पु —दे 'शर्बते दीदार'।

शर्बते दीदार (شربت دیدار) अ फा पु —शर्बत रूपी दर्शन, दृष्टिरस।

शर्बते दीनार (شربت دینار) अ फा पु —एक यूनानी शर्बत जो विशेषतः जिगर के रोगों पर चलता है।

शर्बते मर्ग (شربت مرگ) अ फा पु —मौत का शर्बत, मृत्यु, मरण, निधन।

शर्बते वस्ल (شربت وصل) अ. पु —शर्बतरूपी नायिका का मिलन, सहवास-रस, मैथुनानंद।

शर्म (شرم) फा स्त्री –लज्जा, क्रीडा, लाज, त्रपा, हया, पश्चात्ताप, पछतावा।
शर्मआलूद (شرم آلود) फा वि –दे 'शर्मगीं'।
शर्मगाह (شرم گاہ) फा स्त्री –गुह्येंद्रिय, लिंग, भग।
शर्मगीं (شرم گیں) फा वि –शर्मिंदा, लज्जित।
शर्मनाक (شرمناک) फा वि –लज्जाजनक, घिनावना, बेहयाई का।
शर्मसार (شرمسار) फा वि –लज्जित, शर्मिंदा, पश्चात्तापी, पछतानेवाला।
शर्मसारी (شرمساری) फा स्त्री.–लज्जा, शर्म, पछतावा, पश्चात्ताप।
शर्मिंदः (شرمندہ) फा वि –लज्जित, शर्मसार।
शर्मिंदए इस्याँ (شرمندۂ عصیاں) फा अ वि –पापो से लज्जित।
शर्मिंदए एहसान् (شرمندۂ احسان) फा अ वि –आभारी, कृतज्ञ, मम्नून।
शर्मिंदए मा'नी (شرمندۂ معنی) फा अ वि –सार्थक, बामानी।
शर्मिंदगी (شرمندگی) फा स्त्री –लज्जा, क्रीडा, शर्म, पश्चात्ताप, पछतावा।
शर्मे रुस्वाई (شرم رسوائی) फा स्त्री –बदनामी की लज्जा।
शर्मे हुजूरी (شرم حضوری) फा अ स्त्री –सामने होने या पास आने की मुरव्वत, आँखें चार होने का लिहाज।
शर्मोहया (شرم وحیا) फा अ स्त्री –लाज और शर्म, लज्जा, क्रीडा।
शर्हः (شرحہ) अ पु –खंड, टुकडा।
शर्हःशर्हः (شرحہ شرحہ) अ वि –टुकडे-टुकडे।
शर्ह. (شرح) अ स्त्री –व्याख्या, तश्रीह स्पष्टता, वजाहत, विस्तार, तफ्सील, टीका, किसी मूल ग्रंथ का विस्तारपूर्वक वर्णन।
शर्हनवीस (شرح نویس) अ फा वि –किसी मूल ग्रंथ की टीका-टिप्पणी करनेवाला, टीकाकार, भाष्यकार।
शर्हनिगार (شرح نگار) अ फा वि –दे 'शर्हनवीस'।
शर्हे मआनी (شرح معانی) अ स्त्री –क्लिष्ट शब्दो का अर्थ।
शर्हे मतालिब (شرح مطالب) अ स्त्री –क्लिष्ट भावार्थ की व्याख्या।
शर्हे सूद (شرح سود) अ फा स्त्री –ब्याज की दर।
शर्होबस्त (شرح وبست) अ फा स्त्री –विस्तार, व्याख्या, वजाहत।
शलग (شلنگ) फा स्त्री –छलाँग, उछाल, कूद।
शल [ल्ल] (شل) अ वि.–अपाहिज, जिसके हाथ-पाँव काम न दें, काहिल, आलसी, शिथिल, ढीला।
शल्गम (شلغم) फा. पु –शलजम, एक तरकारी।
शल्जम (شلجم) अ पु –एक प्रसिद्ध तरकारी, शलजम।
शल्ताक़ (شلتاق) तु पु –युद्ध, लडाई, कलह, झगडा।
शल्तूक (شلتوک) फा पु –धान, चावल भूसी सहित, शाली।
शल्फ (شلف) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, कुलटा, पुंश्चली, फाहिशा।
शल्लाक़ (شلاق) तु पु –कोडे या छडी से मारना; चपला, चचल, शोख, थप्पड मारना।
शल्वार (شلوار) फा स्त्री –एक प्रकार का ढीला पाजामा।
शवाइब (شوائب) अ पु –'शाइब' का बहु, मिलावटें, आमेजिशे।
शवागिल (شواغل) अ पु –'शगल' का बहु, मश्गले, कामधधे।
शवाफे' (شوافع) अ पु –'शाफिई' का बहु, शाफिई पथ के अनुयायी मुसलमान।
शवारिक़ (شوارق) अ पु –'शारिक़' का बहु, दीप्त वस्तुएँ, सूर्य की किरणे।
शवारे' (شوارع) अ पु –'शारे' का बहु, बडे मार्ग, खुले रास्ते, विस्तृत पथ।
शवाहिद (شواهد) अ पु –'शाहिद' का बहु, गवाह लोग, साक्षीगण।
शवाहिक़ (شواهق) अ पु –ऊँची इमारत, बलद इमारत।
शव्वाल (شوال) अ पु –इस्लामी दसवाँ महीना।
शशः (ششہ) फा पु –शव्वाल महीने के पहले छै दिन, जिनमे रोजे रक्खे जाते है।
शश (شش) फा वि –छै, षट्, षट्क, षष्।
शशजिहत (شش جہت) फा अ स्त्री –छैओ तरफ़े, चारो दिशाएँ और ऊपर और नीचे की दो दिशाएँ।
शशदर. (ششدرہ) फा वि –छै दरवाजो की इमारत, मरणस्थान, हलाकी की जगह, हक्का-बक्कापन, हैरानी।
शशदर (ششدر) फा वि –चकित, स्तब्ध, निस्तब्ध, हक्का-बक्का, आश्चर्यान्वित।
शशदाग (شش دانگ) फा वि –दे 'शशजिहत'।
शशपहलू (شش پہلو) फा वि –छः कोनोवाला, षट्कोण।
शशपा (شش پا) फा वि–छै पाँववाला षड्पद, षडघ्र।
शशपायः (شش پایہ) फा वि –जिस इमारत मे छै खभे हो।
शशमाह (شش ماہہ) फा वि –छै महीने की आयु का।
शशमाही (شش ماہی) फा वि.–छै महीने में एक बार होने वाला, षाण्मासिक, अर्द्धवार्षिक।

शशसरी (ششسری) फा पु —वह सोना जिसमे तनिक भी मैल या मिलावट न हो, कुदन।

शशुम (ششم) फा वि —छठवाँ, षष्ठ।

शशोपंज (شش وپنج) फा पु —सकोच, उधड-बुन।

शस्त (شصت) फा वि —साठ, षष्ठि।

शस्त (شست) फा वि —साठ, षष्ठि (पु) शल्य, निश्तर, फदा, मिज्राब, (स्त्री.) निशाना, ताक, मछली पकडने की लबी डोर जिसमें छड नही होती।

शस्तक (شستک) फा. पु —गुदा मैथुन करानेवाले व्यक्तियो का एक लिंग की आकृति का अस्त्र, जिससे वह अपनी खुजली मिटाते हैं, लिंग, मेहन, शिश्न।

शस्तगीर (شستگیر) फा वि —धनुर्धर, तीरअदाज।

शस्तमीर (شست امیر) फा वि —धनुर्विद्या मे निपुण, लक्ष्य-भेदी।

शस्तुम (شستم ، شصتم) फा वि —साठवाँ।

शहंशाह (شہنشاہ) फा पु.—वह बादशाह जिसके अधीन कई बादशाह हो, सम्राट, चक्रवर्ती, राजाधिराज।

शहंशाही (شہنشاہی) फा स्त्री —साम्राज्य, बादशाहो पर बादशाही।

शह (شہ) फा पु —'शाह' का लघु., दे 'शाह', बढावा, हुशकारी, शतरज की किश्त।

शहखर्च (شہ خرچ) फा वि.—बहुत अधिक खर्च करनेवाला, मुक्तहस्त।

शहजादः (شہزادہ) फा पु.—राजकुमार, राजपुत्र, बादशाह का लड़का, युवराज, वली अह्द।

शहजादगी (شہزادگی) फा स्त्री —राजकुमारता, बादशाह का लडका होना।

शहजोर (شہزور) फा वि —शक्तिशाली, बलवान्।

शहजोरी (شہزوری) फा स्त्री.—शक्तिशालिता, बली होना।

शहतीर (شہتیر) फा पु —शीशम या शाल आदि की सीधी और चौकोर लकडी जो छत पाटने के काम आती है, लट्ठा।

शहतूत (شہتوت) फा पु —एक प्रसिद्ध छोटा फल, तूत।

शहदुज्द (شہدزد) फा. पु —शातिर चोर, पश्यतोहर।

शहनशीं (شہ نشیں) फा स्त्री —बैठने की ऊँची इमारत।

शहनाई (شہنائی) फा स्त्री —एक बाजा, नफीरी।

शहनाज (شہناز) फा वि —दुल्हन, नव विवाहिता।

शहपर (شہپر) फा पु —'शाहपर' का लघु, पक्षी का बाजू, डैना।

शहबाज (شہباز) फा. पु —'शाहबाज' का लघु, बडा बाज, शिकारी बाज, श्येन।

शहरग (شہرگ) फा स्त्री.—'शाहरग' का लघु, शरीर की सबसे बडी रग जो हृदय मे मिलती है।

शहसवार (شہسوار) फा वि —घोडे की बहुत अच्छी सवारी करनेवाला।

शहसवारी (شہسواری) फा स्त्री —घोडे पर बहुत अच्छा बैठना।

शहा (شہا) फा अव्य —हे राजा! ऐ बादशाह! शाह का सम्बोधन।

शहादत (شہادت) अ स्त्री —साक्षी, गवाही, धर्म या देश आदि के लिए बलिदान, धर्म-युद्ध मे वध।

शहादतकदः (شہادت کدہ) अ फा पु —दे 'शहादतगाह'।

शहादतगाह (شہادت گاہ) अ फा स्त्री —शहीद होने का स्थान, बलिदान होने या किये जाने की जगह।

शहादतनामः (شہادت نامہ) अ फा पु —प्रमाणपत्र, सनद, वह ग्रथ जिसमे किसी के शहीद होने का वर्णन हो।

शहादते इमाम (شہادت امام) अ स्त्री —हज्रत इमाम हुसैन की शहादत।

शहादते उज्मा (شہادت عظمیٰ) अ स्त्री —बहुत बडी शहादत, सबसे बडा बलिदान, हज्रत इमाम हुसैन का वध।

शहादते कुब्रा (شہادت کبریٰ) अ स्त्री —दे 'शहादते उज्मा'।

शहादते हक्क़ः (شہادت حقہ) अ स्त्री —सच्ची गवाही, सत्य के लिए बलिदान, सच्चा बलिदान।

शहानः (شہانہ) अ फा वि —'शाहान' का लघु, शाहो-जैसा, राज्योचित।

शहाब (شہاب) अ पु —कुत्ते का पिल्ला, वह दूध जिसमे दो भाग पानी मिला हो।

शहाब (شہاب) फा पु —लाल रग।

शहाबी (شہابی) फा वि —लाल, सुर्ख, रक्त, शोणित।

शहामत (شہامت) अ स्त्री —श्रेष्ठता, बडाई, शूरता, बहादुरी, शक्ति, ज़ोर, प्रसन्नता, खुशी, फुर्ती।

शही (شہی) फा स्त्री —'शाही' का लघु, राजाओ का, राजाओ-जैसा।

शहीक़ (شہیق) अ स्त्री —गधे की वह भारी आवाज जो अत मे निकलती है, गधे की शुरू की आवाज "ज़फीर" है।

शहीद (شہید) अ वि —जो धर्मयुद्ध में शत्रु से लडता हुआ मारा गया हो, जिसने धर्म, देश या किसी लोक-हित के लिए बलिदान किया हो, हुतात्मा, ईश्वर का एक नाम।

शहीदे आ'ज़म (شہید اعظم) अ पु —सबसे बडा शहीद, हज्रत इमाम हुसैन की उपाधि।

शहीदे इश्क़ (شہید عشق) अ पु —प्रेम के मार्ग में जान देने-वाला, प्रेमिका को प्राण अर्पण करनेवाला।

शहीदे कर्बला (شہید کربلا) अ फा पु —कर्बला के युद्ध में सत्य के लिए बलि होनेवाले, हज़रत इमाम हुसैन।

शहीदे वतन (شہید وطن) अ पु —वतन की आज़ादी और उन्नति के लिए युद्ध या परिश्रम में मरनेवाला।

शहीम (شحیم) अ वि —जिसके शरीर में चर्वी बहुत हो, मेदुर।

शहीर (شہیر) अ वि —प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त, मशहूर।

शहीह (شحیح) अ वि —कृपण, कजूस, बखील।

शहून (شحون) अ वि —शक्तिशाली, जोरावर, पूज्य, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग।

शह्द (شہد) फा पु —मधु, अग्वी।

शह्दआमेज़ (شہدآمیز) फा वि —जिसमें शह्द मिला हो, मधुर, मीठा।

शह्दगुफ़्तार (شہدگفتار) फा वि —जिसकी बातें मीठी हों, मिष्टभाषी, मधुरवादी।

शह्दगुफ़्तारी (شہدگفتاری) फा स्त्री —बातों की मिठास।

शह्दमक़ाल (شہدمقال) फा अ वि —दे 'शह्दगुफ़्तार'

शह्दमक़ाली (شہدمقالی) फा अ स्त्री —दे 'शह्द गुफ़्तारी'।

शह्न (شحن) अ पु —भरना, पुर करना, हाँकना, चलाना, दूर करना, हटाना।

शह्व (شہدہ) फा स्त्री —बूढ़ी स्त्री, वृद्धा, जरिता।

शह्वर. (شہرہ) फा स्त्री —बूढ़ी स्त्री, वृद्धा।

शह्वा (شہدا) अ स्त्री —वह घोड़ी या ऊँटनी जिसका रंग सफेदी मिला काला हो और सफेदी अधिक हो।

शह्म (شحمہ) अ पु —थोड़ी-सी चर्वी, कान की लौ।

शह्म (شحم) अ स्त्री —वसा, मेदा, चर्वी।

शह्मे हंज़ल (شحم حنظل) अ पु —इंद्रायण, एक प्रसिद्ध कड़वा फल, जो कफ का रेचक है।

शह्र (شہر) अ पु —मास, महीना, चंद्र, चाँद, प्रकटन, ज़ुहूर।

शह्र (شہر) फा पु —नगर, पुरी, बड़ी बस्ती, जो कस्बे से बड़ी हो।

शह्र आशोब (شہرآشوب) फा पु —नज़्म की एक किस्म जिसमें राज्य की कुव्यवस्था, शासक की हीनता और प्रजा की दुर्गति का वर्णन होता है।

शह्रताश (شہرتاش) फा तु वि —एक ही नगर के निवासी, हम वतन।

शह्र दर शह्र (شہردرشہر) फा वि —नगर-नगर में, हर नगर में, एक नगर से दूसरे नगर में।

शह्रपनाह (شہرپناہ) फा स्त्री —नगर के चारों ओर रक्षार्थ बनायी हुई पक्की और ऊँची दीवार, प्राचीर, परकोटा, फ़सील।

शह्रबंद (شہربند) फा वि —दुर्ग, कोट, किला, कारागार, क़ैदखाना, जिसे राजा की ओर से बाहर जाने की आज्ञा न हो, , किसी शुभवसर पर नगर की सजावट।

शह्रबदर (شہربدر) फा वि —नगर से निकाला हुआ, जिसे राज्य की ओर से नगर से निकाल दिया गया हो, नगर बहिष्कृत।

शह्रयार (شہریار) फा वि —शासक, नृपाल, राजा, सम्राट्, बादशाह।

शह्रयारी (شہریاری) फा स्त्री —राज्य, शासन, बादशाही।

शह्रवा (شہروا) फा पु —वह सिक्का जो किसी नगर-विशेष में चलता हो दूसरी जगह न चलता हो।

शह्री (شہری) फा वि —शह्र का निवासी, नगर निवासी, सभ्य, शिष्ट, तमीज़दार, जिसे किसी देश में वहाँ की प्रजा होने का अधिकार प्राप्त हो, नागरिक।

शह्रीयत (شہریت) फा स्त्री —सभ्यता, शिष्टता, नागरिकता, सिटीज़नशिप।

शह्रे ख़मोशाँ (شہرخموشاں) फा. पु —मूक लोगों का नगर, अर्थात् क़ब्रिस्तान, समाधिक्षेत्र।

शह्रे ग़रीबाँ (شہرغریباں) फा पु —परदेसियों का नगर, जहाँ कोई एक दूसरे को पहचानता न हो।

शह्रे नाबीना (شہرنابینا) फा पु —अंधों का नगर, जहाँ कोई कुछ देख न सकता हो, जहाँ गुण-दोष परखनेवाला न हो।

शह्रेवर (شہریور) फा पु —ईरान का एक महीना जो हिंदी हिसाब में कुआर में पड़ता है।

शह्ल (شہلہ) फा स्त्री —वृद्धा स्त्री, बुढ़िया।

शह्ला (شہلا) अ वि —काली आँखोंवाली स्त्री, वह नर्गिस जिसके भीतर पीलाहट की जगह कालिमा होती है, और आँख से बहुत मिलती-जुलती है।

शह्वत (شہوت) अ स्त्री —इच्छा, अभिलाषा, ख्वाहिश, क्षुधा, भूख, इश्तिहा, कामवेग, कामातुरता, स्त्री-प्रसंग की प्रबल इच्छा।

शह्वतअंगेज़ (شہوت انگیز) अ फा वि —कामवर्द्धक, कामशक्ति-वर्द्धक, शह्वत बढ़ानेवाला।

शह्वतअंगेज़ी (شہوت انگیزی) अ फा स्त्री —कामशक्ति की प्रबलता, शह्वत का जोश।

शह्वतअफ़्ज़ा (شہوت افزا) अ फा वि —शह्वत बढ़ानेवाला, कामवर्द्धक।

शह्वतकुश (شہوت کش) अ फा वि —शह्वत को मारनेवाला, इंद्रियदमन।

शह्वतकुशी (شہوت‌کشی) अ फा स्त्री—शहवत् को मारना, इंद्रिय दमन करना।
शह्वतख़ेज़ (شہوت‌خیز) फा अ वि—दे 'शहवतअगेज़'।
शह्वतख़ेज़ी (شہوت‌خیزی) अ फा स्त्री—दे 'श अगेज़ी'।
शह्वतपरस्त (شہوت‌پرست) अ फा वि—इच्छाओ का दास, भोग-विलास का रसिया, व्यभिचारी, लपट।
शह्वतपरस्ती (شہوت‌پرستی) अ फा स्त्री—इच्छाओ की पूजा, लिप्सा, कामवासना की रसिक्ता, व्यभिचार।
शह्वतरां (شہوت‌راں) अ फा वि—दे 'शहवतपरस्त'।
शह्वतरानी (شہوت‌رانی) अ फा. स्त्री—दे 'श परस्ती'।
शह्वते कल्बी (شہوت کلبی) अ. स्त्री—एक रोग जिसमे भूख बहुत बढ जाती है, और कितना भी खाया जाय तृप्ति नही होती।
शह्वात (شہوات) अ. स्त्री.—'शहवत' का बहु, शहवते, इच्छाएँ, काम वासनाएँ।
शह्वानी (شہوانی) अ वि—इच्छा का, काम वासना का, इच्छा सम्बन्धी, कामवासना-सम्बन्धी।
शह्वानीयत (شہوانیت) अ स्त्री.—शहवत, काम वासना, स्त्री-प्रसग की इच्छा।
शह्वी (شہوی) अ. वि—दे 'शहवानी'।

शा

शांज़दः (شانزده) फा वि—सोलह, षोडश।
शांज़दहुम (شانزدہم) फा वि—सोलहवाँ।
शाइक़ (شائق) अ वि—इच्छुक, अभिलाषी, उतकठित, मुश्ताक; व्यसनी, शौकीन।
शाइक (شائک) अ. वि—काँटोवाला, काँटोदार।
शाइबः (شائبہ) अ पु.—लवलेश, किंचिन्मात्र, बहुत थोडा, मिश्रण, मिलावट।
शाइरः (شاعرہ) अ स्त्री—कवि स्त्री, कवयित्री।
शाइर (شاعر) अ पु—कवि, शाइरी करनेवाला।
शाइरात (شاعرات) अ स्त्री.—'शाइर' का बहु, शाइर स्त्रियाँ।
शाइरान. (شاعرانہ) अ फा वि—शाइरी-जैसा।
शाइरी (شاعری) अ स्त्री—कविता, शे'र कहना, काव्य, शे'र का फन; अत्युक्ति, मुबालग़।
शाइरीन (شاعرین) अ पु—'शाइर' का बहु, कविगुण, शाइर हज़रात।
शाइस्तः (شائستہ) फा वि—सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब, योग्य, काबिल, पात्र, मुस्तहक़, सस्कृत, मार्जित, मुजल्ला, उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा।
शाइस्तःअमल (شائستہ‌عمل) फा अ वि—सदाचारी, शिष्टाचारी, नेक अतवार।
शाइस्तःकलाम (شائستہ‌کلام) फा अ वि—तमीज़ की बातचीत करनेवाला, सभ्यतापूर्वक बातचीत करनेवाला।
शाइस्त.गो (شائستہ‌گو) फा वि—जिसकी बातचीत सभ्यता और शिष्टता लिये हुए हो।
शाइस्त.मनिश (شائستہ‌منش) फा वि—दे 'शाइस्त.-मिजाज'।
शाइस्तःमिज़ाज (شائستہ‌مزاج) फा अ वि—सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब।
शाइस्तए कलाम (شائستۂ‌کلام) फा अ पु—वह व्यक्ति जिससे बातचीत की जा सके, जो बात करने के योग्य हो।
शाइस्तगी (شائستگی) फा स्त्री—सभ्यता, तहज़ीब, शिष्टता, तमीज, योग्यता, काबिलीयत, पात्रता, इस्तेहक़ाक, सस्कृति, सफाई, उत्तमता, उम्दगी।
शाए' (شائع) अ वि—व्यक्त, प्रकट, ज़ाहिर, प्रकाशित, छपा हुआ, प्रसारित, नश्र।
शाए'कर्दः (شائع‌کردہ) अ फा वि—प्रकाशित किया हुआ, छापा हुआ।
शाए'कुनिंदः (شائع‌کنندہ) अ फा वि—प्रकाशक, छापनेवाला।
शाएगाँ (شائگاں) फा वि—उत्तम, उम्दा, विस्तृत, चौडा, 'पर्वेज़' का एक खजाना, विष्टि, बेगार, काफिए का एक दोष, ईता।
शाक़ (شاق) अ वि—असह्य, नाकाबिले बरदाश्त, कठिन, दुष्कर, मुश्किल, अरुचिकर, नागवार।
शाक (شاک) अ पु—सैनिक, सिपाही, सशस्त्र, मुसल्लह, शक करनेवाला।
शाकिए जौर (شاکیٔ جور) अ पु—अनीति और अत्याचार की शिकायत करनेवाला।
शाकिए ज़ुल्म (شاکیٔ ظلم) अ पु—दे 'शाकिए जौर'।
शाकिए सितम (شاکیٔ ستم) अ पु—दे 'शाकिए जौर'।
शाकिरः (شاکرہ) अ स्त्री—शुक्र करनेवाली स्त्री।
शाकिर (شاکر) अ पु—शुक्र करनेवाला, ईश्वर को धन्यवाद देनेवाला।
शाकिरे ने'मत (شاکر نعمت) अ पु—ईश्वर की दी हुई ने'मतो पर उसको धन्यवाद देनेवाला, कृतज्ञ।
शाकी (شاکی) अ वि—शिकायत करनेवाला, परिवादी।
शाकूल (شاقول) अ स्त्री—राजो की सहावल, जिसमे वह दीवार की सीध नापते है।
शाक़्क़ः (شاقہ) अ वि—बहुत कडी, बहुत कठिन।

शाखः (شاخہ) फा पु –अपराधी को दड देने का काठ।

शाख (شاخ) फा स्त्री –शाखा, डाली, शृग, विषाण, सीग, अडचन, बाधा, पख, खड, टुकडा, शराब का प्याला या सुराही, पानपात्र।

शाखचः (شاخچہ) फा पु –छोटी शाखा, टहनी, डाली।

शाखचःबंदी (شاخچہبندی) फा स्त्री –पेड की कलम लगाना, लाछन या आरोप लगाना।

शाख दर शाख (شاخ در شاخ) फा वि –एक-एक डाली मे, पेचीद, उलझा हुआ, पहलूदार।

शाखदार (شاخدار) फा वि –जिसमे डालियाँ हो, (पु) स्त्री की कमाई खानेवाला, भार्या-घटक, दैयूस।

शाखबदीवार (شاخبدیوار) फा वि –अभिमानी, घमडी, उद्दड, सरकश।

शाख शाख (شاخ شاخ) फा वि –टुकडे-टुकडे, खड-खड।

शाखशानः (شاخشانہ) फा पु –पख, बाधा, अडचन, बात में बात।

शाखसार (شاخسار) फा पु –जहाँ बहुत-से पेड हो।

शाखाबः (شاخابہ) फा पुं –खाडी, खलीज।

शाखिल (شاخل) फा पु –दे 'शाखुल', दोनो शुद्ध हैं।

शाखिस (شاخص) अ वि –जिसकी आँखें खुली रह गयी हो, जो टकटकी बाँधकर रह गया हो।

शाखुल (شاخل) फा पु –अरहर, एक प्रसिद्ध अन्न जिसकी दाल बनती है।

शाखे आर्ज़ू (شاخ آرزو) फा स्त्री –इच्छारूपी वृक्ष की शाखा, अर्थात् इच्छा।

शाखे आहू (شاخ آهو) फा स्त्री –धनुष, कमान, झूठा वा'दा, हिरन का सीग।

शाखे गवज़्न (شاخ گوزن) फा स्त्री –बारहसिंगे का सीग।

शाखे गाव (شاخ گاؤ) फा स्त्री –बैल या गाय का सीग।

शाखे गुल (شاخ گل) फा स्त्री –फूलो की डाली, प्रेमिका, मा'शूक।

शाखे गेसू (شاخ گیسو) फा स्त्री –बालो की लट, केशपाश।

शाखे जा'फरान (شاخ زعفران) फा अ स्त्री –आश्चर्य-जनक वस्तु, अनुपम, बेमिस्ल।

शाखे दर्या (شاخ دریا) फा स्त्री –किसी नदी से निकली हुई शाखा, शाखानदी।

शाखे नबात (شاخ نبات) फा स्त्री –बाँस की वे छोटी तीलियाँ, जो मिस्री जमाते समय कूजे मे लगा दी जाती हैं।

शाखे सुस्त (شاخ سست) फा स्त्री –कमजोर डाली जिस पर घोसला बनाने में उसके टूटने का भय हो, अर्थात् संसार।

शाखोबुन (شاخ وبن) फा स्त्री –जड और शाखें, सब, तमाम।

शागिर्द (شاگرد) फा पु –विद्यार्थी, तालिबे इल्म, कोई कला या शिल्प सीखनेवाला, शिष्य, कविता के गुण-दोषादि सीखनेवाला।

शागिर्दपेशः (شاگردپیشہ) फा पु –नौकर-चाकर, खिदमत-गार लोग।

शागिर्दानः (شاگردانہ) फा वि.–शागिर्दों-जैसा, शागिर्दों की तरह, शिष्योचित।

शागिर्दी (شاگردی) फा स्त्री –किसी उस्ताद या आचार्य से किसी कला, शिल्प या विद्या का उपार्जन।

शागिर्दे रशीद (شاگرد رشید) फा अ पु –वह शागिर्द जिसे उस्ताद ने पूरे ध्यान से किसी कला, शिल्प या विद्या की शिक्षा दी हो, और उसको वह सारी बातें और भेद बता दिये हो जो दूसरो को नही बतायी हो।

शागिल (شاغل) अ वि.–निषेधक, मना करनेवाला, मश्गूल, सलग्न।

शाज़ (شاذ) अ वि –एकाकी, अकेला, जो बहुत कम होता हो।

शाज़ोनादिर (شاذونادر) अ. वि.–कभी-कभी, यदा-कदा, इक्का-दुक्का, न होने के बराबर।

शात (شات-شاة) अ स्त्री –अजा, बकरी, बुज़।

शातिन (شاطن) अ वि –दुराचारी, मायाचारी, बदकार।

शातिर (شاطر) अ वि –शत्रज का माहिर, शत्रज खेलने-वाला, धूर्त, छली, ठग, चपल, चचल, शोख, धृष्ट, ढीठ।

शातिरज़ादः (شاطرزادہ) अ फा पु –तेज और फुर्तीला नौकर।

शातिरानः (شاطرانہ) अ फा वि –शातिरो-जैसा, धूर्तता पूर्ण, ऐयाराना।

शाती (شاطی) अ पु –नदी का किनारा, नदी-तट।

शातू (شاتو) तु पु –सोपान, निश्रेणी, सीढी।

शाद (شاد) फा वि –प्रसन्न, हर्षित, खुश, आनदित, मौज में।

शादकाम (شادکام) फा वि –प्रसन्नचित्त, मस्रूर, सफल-मनोरथ, कामयाब।

शादकामी (شادکامی) फा स्त्री –प्रसन्नता, खुशी; सफ-लता, कामयाबी।

शादख्वार (شادخوار) फा वि –धनाढ्य, मालदार, बे रोक-टोक शराब पीनेवाला।

शादख्वारी (شادخواری) फा स्त्री –समृद्धि, दौलतमदी, बे रोक-टोक शराब पीना।

शादगूनः (شادگونه) फा स्त्री—गानेवाली स्त्री, गायिका, डोमनी; बिछाने का गद्दा, तोशक।
शादरी (شادری) फा वा.—दे 'शादबाश'।
शादनः (شادنه) फा पु—एक पत्थर जो छोटे दानों की शक्ल में होता है, और दवा में चलता है।
शादनज (شادنج) अ.पु.—दे 'शादन.'।
शादबह्र (شادبہر) फा वि—सौभाग्यशाली, खुशकिस्मत, समृद्ध, खुशहाल।
शादबाद (شاداد) फा वा—दे. 'शादबाश'।
शादबाश (شاد باش) फा वा.—खुश रहो, चैन से जीवन व्यतीत करो, एक आशीर्वाद; शाबाश, धन्यवाद।
शादमाँ (شادماں) फा. वि—प्रसन्नचित्त, हर्षित, आनंदित।
शादमाँदिल (شادماں دل) फा वि—प्रसन्नहृदय, प्रफुल्लमनस्क।
शादमाँरू (شادماں رو) फा. वि—प्रफुल्लवदन, जिसके चेहरे पर शिगुफ्तगी हो।
शादमानी (شادمانی) फा स्त्री.—प्रसन्नता, हर्ष, खुशी।
शादवर्द (شادورد) फा.पु—चंद्रमंडल, चंद्रबिंब, हाल.।
शादाँ (شاداں) फा वि—दे 'शादमाँ'।
शादाब (شاداب) फा वि—हरा-भरा, सरसब्ज़; सिंची हुई काश्त, प्रफुल्ल, शिगुफ्त.।
शादाबी (شادابی) फा स्त्री.—हराभरापन, तरोताज़गी; प्रफुल्लता, शिगुफ्तगी।
शादिन (شادن) फा पु—मृग-शावक, हिरन का बच्चा।
शादियानः (شادیانه) फा पु—बधाई, खुशी के समय बजनेवाला बाजा।
शादी (شادی) फा स्त्री—हर्ष, आनंद, विवाह, ब्याह।
शादीचः (شادیچه) फा पु—ऊपर पहनने का क़पड़ा, उपरना, बालापोश।
शादीमर्ग (شادی مرگ) फा वि—वह व्यक्ति जो हर्षाधिक्य के कारण मर जाय।
शादुर्वान (شادروان) फा पु—शामियाना; पर्दा; फ़र्श, छाजन, साइबान।
शादोआबाद (شادوآباد) फा. वि.—जो प्रसन्न भी हो और समृद्ध भी।
शादोखुर्रम (شادوخرم) फा वि.—प्रसन्न और आनंदित।
शानः (شانه) फा पु—कंघा, कंधा, स्कंध, जुलाहों की राछ, जुलाहों की कूँची, एक शस्त्र।
शानःकश (شانه کش) फा वि.—कंघा करनेवाला।
शानःकशी (شانه کشی) फा स्त्री.—कंघा करना, बालों को कंघे से सुलझाना।
शानःकार (شانه کار) फा. वि.—कंघा बनानेवाला।
शानःगर्दानी (شانه گردانی) फा स्त्री—उपेक्षा, बेतवज्जुही।
शानःबशानः (شانه بشانه) फा वि.—कंधे से कंधा मिलाकर, मिलकर, जुड़कर।
शानःबहा (شانه بہا) फा. पु—बहुत थोड़ा मूल्य।
शानःबीं (شانه بیں) फा वि—सगुन विचारनेवाला, यह सगुन बकरी की सींग से लिया जाता है।
शानःबीनी (شانه بینی) फा स्त्री—सगुन विचारना।
शानःसर (شانه سر) फा पु—एक पक्षी, हुदहुद।
शान (شان) अ स्त्री—वैभव, विभव, शान-शौकत, प्रताप, इक्बाल, तेज, जलाल, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।
शानदार (شاندار) अ फा वि.—ठाटदार, उत्तम, बढ़िया, विशाल, भारी।
शानी (شانی) अ वि—शत्रु, वैरी, दुश्मन।
शाने नुज़ूल (شان نزول) अ.स्त्री—आने का कारण, उपस्थिति का सबब, किसी आकाशवाणी का कारण, किसी आकाशीय ग्रंथ या उसके किसी खंड-विशेष के उतरने का कारण।
शानोशौकत (شان وشوکت) अ स्त्री—ठाट-बाट, तड़क-भड़क, वैभव, विभव, जाहोहश्म।
शाफ़ः (شافه) अ पु—गुदा में रखने का दवा में भीगा हुआ कपड़ा आदि।
शाफ़िअः (شافعه) अ स्त्री.—सुफ़ारिश करनेवाली स्त्री।
शाफ़िई (شافعی) अ वि—इमाम शाफ़िई का नाम, इमाम शाफ़िई का अनुयायी मुसलमान।
शाफ़िए मुत्लक़ (شافئی مطلق) अ. पु—सच्ची नीरोगिता प्रदान करनेवाला, ईश्वर।
शाफ़ी (شافی) अ. वि.—रोगमुक्त करनेवाला, शिफ़ा देनेवाला।
शाफ़े' (شافع) अ. वि.—सुफ़ारिश करनेवाला, ईश्वर से सुफ़ारिश करके मोक्ष दिलानेवाला।
शाब [ब्ब] (شاب) अ. वि—युवा, तरुण, जवान।
शा'ब (شعب) अ. पु.—गर्त, गढ़ा, खोह, कंदरा, गुफा; दरार, दर्ज़, कुल, खानदान।
शा'बदः (شعبده) अ. पु.—इंद्रजाल, जादू; दृष्टिबंध, नज़रबंदी; टोना-टोटका, नयी और अनोखी बात, चमत्कार; छल, फ़रेब।
शा'बदःगर (شعبده گر) अ. फा. वि—दृष्टिबंधक, मायावी, जादूगर, छली, फ़रेबी।
शा'बदःगरी (شعبده گری) अ.फा स्त्री.—मायाकर्म, इंद्रजाल, जादूगरी; छली, फ़रेब।
शा'बदःबाज़ (شعبده باز) अ फा. वि—दे 'शाबद.गर'।

शा'बद:बाज़ी (شعبدہ بازی) फा अ स्त्री –दे 'शा'बद गरी'।
शा'बद:सज (شعبدہ ساز) अ फा वि –दे 'शावद गर'।
शा'बद:संजी (شعبدہ سنجی) अ फा स्त्री –दे 'शा'वद-गरी'।
शा'बदात (شعبدات) अ पु –शा'वद का बहु, शा'बदे।
शा'बान (شعبان) अ पु –इस्लामी आठवाँ महीना।
शाबाश (شاباش) फा स्त्री –'शादबाश' का लघु, प्रोत्साहन देने और हिम्मत बढानेवाला एक शब्द जो बडे लोग छोटो के अच्छा काम करने पर कहते है।
शाबाशी (شاباشی) उ स्त्री –शाबाश देना, शाबाश।
शाम (شام) अ पु –एक देश, सीरिया।
शाम (شام) फा स्त्री –सध्या, सायकाल।
शामगाह (شامگاہ) फा स्त्री –सायकाल, सध्यावेला।
शामत (شامت) अ स्त्री –अकल्याण, नुहूसत, दुर्भाग्य, बदकिस्मती, घिरने के लच्छन।
शामते अमल (شامت عمل) अ स्त्री –कर्म का खोटापन, बुरे कर्म का बुरा फल।
शामते आ'माल (شامت اعمال) अ स्त्री –बुरे कर्मों का फल, पापो का नतीजा।
शामियानः (شامیانہ) फा पु –वितान, छाया के लिए ताना जानेवाला विशेष कपडा।
शामिल (شامل) अ वि –सम्मिलित, एकत्र, एक जगह, अतर्गत, भीतरी, समन्वित, सयुक्त, मुत्तहद, भागीदार, साझी, शरीक, सहकारी, मददगार।
शामिले हाल (شامل حال) अ वि –सम्मिलित, शामिल।
शामी (شامی) अ वि –शाम का निवासी, शाम की भाषा।
शामे अबद (شام ابد) फा अ स्त्री –वह समय जब सृष्टि बिलकुल नष्ट हो जायगी, 'सुब्हे अज़ल' का उलटा।
शामे ग़रीबाँ (شام غریباں) फा अ स्त्री –परदेसियो की शाम, परदेश की शाम जो बडी उदास होती है।
शामे ग़ुर्बत (شام غربت) फा अ स्त्री –परदेस की शाम।
शामे जवानी (شام جوانی) फा स्त्री –युवावस्था की शाम, जहाँ से मनुष्य पाप के जगत् मे पाँव रखता है।
शामोपगाह (شام و پگاہ) फा. स्त्री –रात-दिन, अहर्निश, अर्थात् हर समय, सदा।
शामोसहर (شام و سحر) फा अ स्त्री –दे 'शामोपगाह'।
शाम्मः (شامہ) अ स्त्री –घ्राणशक्ति, सूँघने की कुव्वत।
शायगाँ (شایگاں) फा वि –दे 'शाएगाँ'।
शायद (شاید) फा वि –कदाचित्, कदाचन, स्यात्।
शायदोबायद (شاید و باید) फा वि –अद्भुत, अनुपम, अजीबोग़रीब।
शायस्तः (شایستہ) फा वि –दे 'शाइस्त'।
शायस्तगी (شایستگی) फा स्त्री –दे 'शाइस्तगी'।
शायाँ (شایاں) फा वि.–उचित, समुचित, मौज़ूँ, मुनासिब।
शायाने शान (شایان شان) फा अ वि –किसी की हैसियत के मुनासिब, जो व्यक्ति जैसा हो उसके लिए वैसा ही।
शारः (شارہ) फा पु –वस्त्र, कपडा, पगडी, साडी, सारी।
शार (شار) फा स्त्री –नगर, बस्ती, सारी, साडी, (प्रत्य) स्थान, ऐसा स्थान जहाँ एक ही वस्तु प्रचुर हो, जैसे—कोहसार, पहाडी स्थान।
शा'र (شعر) अ पु –बाल, कच, केश।
शारक (شارک) फा स्त्री.–मैना पक्षी, सारिका।
शारमार (شارمار) फा पु –अजगर, बडा साँप।
शारसाँ (شارساں) फा पु –नगर, शहर, जहाँ बहुत-सी वस्तियाँ हो।
शारिक़ (شارق) अ. वि –भागनेवाला।
शारिद (شارد) अ वि –चमकनेवाला।
शारिब (شارب) अ. वि –पीनेवाला, पायी।
शारिस्तान (شارستاں) फा पु –वह बस्ती जिसके चारो ओर बाग़ हो।
शा'रुलजिन (شعرالجن) अ पु –हसराज, एक घास जो दवा में चलती है, परसियावशान।
शारे' (شارع) अ वि –इस्लामी शरीअत बनानेवाला अर्थात् हज़रत पैगंबर साहिब, शरीअत का आलिम।
शारेह (شارح) अ वि –भाष्यकार, टीकाकार, शर्ह लिखनेवाला।
शालग (شالنگ) फा स्त्री –वह व्यक्ति जो किसी भागे हुए (मफ़रूर) व्यक्ति की जगह पकडा जाय।
शाल (شال) फा. स्त्री –एक ऊनी कामदार चादर।
शालदोज़ (شالدوز) फा वि –शाल बनानेवाला।
शालबाफ़ (شال باف) फा वि –दे 'शालदोज़'।
शालहंग (شالہنگ) फा पु –अत्याचार, जुल्म, बधक, रह्न, छल, कपट, फरेब।
शाली (شالی) फा पु –धान, भूसी सहित चावल।
शाशः (شاشہ) फा पु –मूत्र, प्रस्राव, पेशाब।
शाश (شاش) फा पु –दे 'चाच', दे 'शाश'।
शा'शअः (شعشعہ) अ पु –किरण, अशु, रश्मि, दीधिति, मयूख, आतप, धूप, अर्चि।
शाशदान (شاشدان) फा पु –पेशाब करने का बर्तन, रोगियो का मूत्रपात्र।
शाशिंद. (شاشندہ) फा वि –पेशाब करनेवाला।
शाशीद. (شاشیدہ) फा वि –मूता हुआ, पेशाब किया

हुआ, जो पेशाब कर चुका हो; जिस चीज पर पेशाब किया गया हो।

शाशीदनी (شاشیدنی) फा वि –पेशाब करने के योग्य, जिस पर पेशाब करना उचित हो, त्यक्त और तिरस्कृत वस्तु।

शाहंशह (شاهنشہ) फा वि –'शाहंशाह' का लघु, सम्राट्, चक्रवर्ती।

शाहंशही (شاهنشہی) फा स्त्री –साम्राज्य, शहंशाहियत।

शाहंशाह (شاهنشاه) फा वि –सम्राट, चक्रवर्ती, शाहो के ऊपर बादशाह, जिसके अधीन अन्य राज्य हो।

शाहंशाही (شاهنشاهی) फा स्त्री –साम्राज्य, शहंशाहियत।

शाह (شاه) फा पु –बादशाह, शासक, नरेश, नृप, राजा।

शाहकार (شاهکار) फा पु.–किसी कलाकार की सर्वोत्तम कला, अत्युत्तम कृति।

शाहगाम (شاهگام) फा स्त्री–घोड़े की एक चाल।

शाहजादः (شاهزاده) फा. पु.–युवराज, राजकुमार, शहजादा।

शाहजादगी (شاهزادگی) फा. स्त्री.–राजकुमारता, युवराजपन, शहजादगी की अवस्था।

शाहतरः (شاهتره) फा.पु –एक घास जो दवा मे चलती है।

शाहदरः (شاهدره) फा.पु.–राजमार्ग, आमरास्ता।

शाहदानः (شاهدانه) फा. पु –एक बीज जो दवा मे काम आते है।

शाहनशीं (شاهنشیں) फा. स्त्री –बैठने की ऊँची जगह।

शाहनामः (شاهنامه) फा पु –वह महाकाव्य जिसमे किसी राज्य विशेष के बादशाहो का वर्णन हो।

शाहपर (شاهپر) फा पु –पक्षियो का डैना, जिसमें पर होते है।

शाहपसंद (شاهپسند) फा. वि –बादशाहो के लाइक़ जिसे राजा और महाराजा पसद करें।

शाहबल्लूत (شاهبلوط) फा.पु –एक पेड, जिसे ईसाई पवित्र मानते हैं।

शाहबाज (شاهباز) फा. पु.–बडा बाज, शहबाज, शूर, वीर, योद्धा, बहादुर।

शाहबाजी (شاهبازی) फा. स्त्री –वीरता, शूरता, बहादुरी।

शाहबैत (شاه بیت) फा अ. स्त्री.–ग़ज़ल का वह शे'र जो सबसे अच्छा हो।

शाहरग (شاه رگ) फा स्त्री –एक बडी खून फेंकनेवाली रग जो हृदय में जाती है, शहरग।

शाहराह (شاهراه) फा स्त्री –बडा रास्ता, राजमार्ग।

शाहवार (شاهوار) फा. वि –बादशाहो और राजाओ के योग्य अर्थात् बहुमूल्य।

शाहसवार (شاهسوار) फा. वि.–घोडे का बहुत अच्छा सवार, शरीर से शरीर घोडे पर सवारी करनेवाला।

शाहिक़ (شاهق) अ वि –उत्तुग, उच्च, श्रेष्ठ, बलद, ऊँचा, प्रासाद, भवन, महल।

शाहिद (شاهد) अ. वि.–साक्षी, गवाह, नायिका, मा'शूक़, श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा।

शाहिदपरस्त (شاهدپرست) अ. फा वि –दे 'शाहिदबाज़'।

शाहिदबाज़ (شاهدباز) अ फा वि –सुदर स्त्रियो का शौकीन, हुस्नपरस्त; रडीबाज, वेश्यागामी।

शाहिदानः (شاهدانه) अ फा वि –मा'शूक़ो-जैसा, नाज़ो-अदाज और हाव-भावो से भरा हुआ।

शाहिदी (شاهدی) अ वि –साक्षी, गवाही, साक्ष्य, नायिकापन, मा'शूक़ीयत।

शाहिदीयत (شاهدیت) अ स्त्री –साक्ष्य, गवाही, माशूक़ीयत, नायिकापन।

शाहिदे आदिल (شاهد عادل) अ वि.–सच्चा गवाह, सत्य साक्षी।

शाहिदे ग़ैब (شاهد غیب) अ वि –परोक्ष ज्ञाता, अर्थात् ईश्वर।

शाहिदे बाज़ारी (شاهد بازاری) अ फा स्त्री –गणिका, रूपजीविनी, पण्यस्त्री, ग्रामनायिका, वेश्या, तवाइफ, रडी।

शाहिदे मक़्सूद (شاهد مقصود) अ वि –मनोकामना, मनोरथ, नायिका रूपी सुदर मनोरथ।

शाहिदे रोज़ (شاهد روز) अ फा पु –सूर्य, सूरज।

शाहिदे शब (شاهد شب) अ. फा पु –चद्रमा, राकेश, चाँद।

शाहिदे हाल (شاهد حال) अ वि –घटना का प्रत्यक्ष गवाह।

शाहीं (شاهیں) फा पु –श्येन, पालगक, विहगाराति, बाज़ पक्षी, तराजू की डडी, तुलादड।

शाहीं कुज़्द (شاهیں دزد) फा पु.–डडी मारनेवाला, तोल में अधिक या कम तोलनेवाला।

शाहीं कुज़्दी (شاهیں دزدی) फा. स्त्री –डडी मारना, कम या अधिक तोलना।

शाहीं बचः (شاهیں بچه) फा पु –बाज़ का बच्चा, शूर व्यक्ति का पुत्र, वीरपुत्र।

शाही (شاهی) फा स्त्री –राजकीय, सरकारी, राज से सम्बन्धित, राज्य, सत्ता, हुकूमत, राष्ट्र, सल्तनत।

शाहीन (شاهین) फा पु –दे 'शाहीं'।

शाहे खावर (شاه خاور) फा पु –पूर्व का बादशाह अर्थात सूर्य, सूरज।

शाहे नजफ (شاه نجف) अ फा पु –हज़रत अली।

शाहे नह्ल (شاہ نحل) फा अ पु —शहद की मक्खियों का बादशाह, या'सूब।
शाहे मग्रिब (شاہ مغرب) अ फा पु —चंद्रमा, चाँद।
शाहे मश्रिक़ (شاہ مشرق) फा अ पु —सूर्य, सूरज।
शाहे रोज़ (شاہ روز) फा पु —सूर्य, रवि, सूरज।
शाहे वक्त (شاہ وقت) फा अ पु —वर्तमानकालीन शासक, मौजूदा समय में राज करनेवाला बादशाह।
शाहे हिजाज़ (شاہ حجاز) फा अ पु —मक्के और मदीने का शासक, हज्रत मुहम्मद साहिब।

शि

शिआर (شعار) अ पु —स्वभाव, आदत, व्यवहार, तर्ज़े अमल, आचरण, चाल-चलन, ढंग, तरीका, नियम, कायदा, चिह्न, निशान।
शिकंज (شکنجہ) फा पु —दबाने और कसने का यंत्र, काटने के लिए कागज़ या किताब दबाने का यंत्र, एक काठ का यंत्र जिसमे दबाकर सज़ा दी जाती थी।
शिकंज (شکنج) फा स्त्री —बल, शिकन, झुर्री, सिकुडन, सिलवट, चुटकी, चेटुआ।
शिकब (شکنبہ) फा पु —पक्वाशय, पेट के भीतर वह थैली जिसमें जाकर अन्न पकता और पचता है।
शिक़ [क़्क़] (شق) अ स्त्री —पक्ष, ओर, तरफ, खड, टुकडा, पख, बाधा, अडचन।
शिक़दार (شقدار) अ फा पु —किसी क्षेत्र-विशेष का पदाधिकारी।
शिकन (شکن) फा स्त्री —झुर्री, सिलवट, सिकुडन, बल।
शिकन दर शिकन (شکن در شکن) फा वि —जिसमें बहुत बल हो, बहुत उलझा हुआ, घुँघराले बाल।
शिकनिंद (شکنندہ) फा वि —तोडनेवाला, भजक, भग्नकर्ता।
शिकम (شکم) फा पु —जठर, कोष्ठ, उदर, पेट, पक्वाशय, आमाशय, पाकस्थली, मे'दा।
शिकमख़ार: (شکم خارہ) फा वि —भूखा, क्षुधातुर।
शिकमपरस्त (شکم پرست) फा वि —उदर-पिशाच, उदर-सर्वस्व, जिसे पेट ही सब कुछ हो, अपने लिए ही सब कुछ करनेवाला।
शिकमपरस्ती (شکم پرستی) फा स्त्री —पेटपूजा, अपने पेट को ही सब कुछ समझना।
शिकमपर्वर (شکم پرور) फा वि —दे 'शिकमपरस्त'।
शिकमपर्वरी (شکم پروری) फा स्त्री —दे. 'शिकमपरस्ती'।
शिकमपुर (شکم پر) फा वि —जिसका पेट भरा हो, भोजन-तृप्त, भोजन-सतुष्ट।
शिकमपुरी (شکم پری) फा स्त्री —पेट भरा हुआ होना, तृप्ति, सेरी।
शिकमबंद (شکم بندہ) फा वि —पेट का बदा, पेटपूजा की चिंता में ही रहनेवाला।
शिकमबदगी (شکم بندگی) फा स्त्री —पेट की पूजा, पेट की ही फिक्र में रहना।
शिकमसेर (شکم سیر) फा वि —जिसका पेट भरा हो, अफरा हुआ, भोजनतृप्त।
शिकमसेरी (شکم سیری) फा स्त्री —पेट भरा होना, अफरा होना, तृप्ति।
शिकमी (شکمی) फा वि —पेट का, भीतरी, बडे पेट-वाला।
शिकमे मादर (شکم مادر) फा पु —माँ का पेट, मातृयोनि।
शिकर: (شکرہ) फा पु —एक शिकारी चिडिया।
शिकस्त: (شکستہ) फा वि —टूटा हुआ, भग्न, खडित, शीर्ण, एक लिखावट, घसीट।
शिकस्त:अह्द (شکستہ عہد) फा अ वि —जिसकी प्रतिज्ञा भग हो गयी हो, भग्नव्रत, भग्नप्रतिज्ञ।
शिकस्त:उम्मीद (شکستہ امید) फा वि —जिसकी उम्मीद टूट गयी हो, हताश, भग्नाश।
शिकस्त:कमर (شکستہ کمر) फा वि —जिसकी कमर टूट गयी हो।
शिकस्त:क़ीमत (شکستہ قیمت) फा अ वि —जिसके दाम गिर गये हो।
शिकस्त:ख़ातिर (شکستہ خاطر) फा अ वि.—जिसका दिल टूट गया हो, भग्नहृदय।
शिकस्त:ग़ुरूर (شکستہ غرور) फा अ वि —जिसका घमड मिट गया हो, गलितगर्व, भग्नदर्प।
शिकस्त:ज़बाँ (شکستہ زباں) फा वि —हकला, तोतला, जो अटक-अटककर बोले, जो शुद्ध भाषा न बोले।
शिकस्त:ज़ोर (شکستہ زور) फा वि —जिसकी शक्ति टूट गयी हो अर्थात् घट गयी हो, नष्टशक्ति, हतशक्ति।
शिकस्त:दिल (شکستہ دل) फा वि —टूटा हुआ दिल, हताश, नाउम्मीद, भग्नहृदय, दु खी, नष्टोत्साह, भग्न-साहस, पस्तहिम्मत।
शिकस्त:दिली (شکستہ دلی) फा स्त्री —दिल टूट जाना, उम्मीद नष्ट हो जाना, साहस टूट जाना; दु:खी होना।
शिकस्त:नवीस (شکستہ نویس) फा वि —घसीट लिखने-वाला।
शिकस्त:नवीसी (شکستہ نویسی) फा स्त्री —घसीट लिखना, अस्पष्ट लिखावट।

शिकस्तःनाख़ून (شکستہ ناخن) फ़ा. वि –जिसके नाखून टूट गये हो, उपायहीन, लाचार, बेबस।

शिकस्तःपर (شکستہ پر) फ़ा वि –जिसके पर टूट गये हो, निराश्रय, असहाय, भग्नपक्ष।

शिकस्तःपा (شکستہ پا) फ़ा वि –जिसके पाँव टूट गये हो, अपाहिज; नि सहाय, असमर्थ, दीन।

शिकस्तःपाई (شکستہ پائی) फ़ा. स्त्री –पाँव टूट जाना, अपाहिज हो जाना; लाचार हो जाना।

शिकस्तःबाज़ू (شکستہ بازو) फ़ा वि –जिसकी बाँह टूट गयी हो, भग्नबाहु, जिसका बराबर का साथी न रहा हो।

शिकस्तःबाल (شکستہ بال) फ़ा वि –दे 'शिकस्त पर'।

शिकस्तःरंग (شکستہ رنگ) फ़ा. वि –जिसका रग मद पड गया हो, मंदवर्ण।

शिकस्तःहाल (شکستہ حال) अ फ़ा वि –जिसकी आर्थिक दशा ख़राब हो गयी हो।

शिकस्तःहाली (شکستہ حالی) अ. फ़ा स्त्री.–आर्थिक दशा का ख़राब हो जाना, ग़रीबी।

शिकस्तःहिम्मत (شکستہ ہمت) फ़ा अ वि –जिसकी हिम्मत टूट गयी हो, हतोत्साह, भग्नसाहस।

शिकस्त (شکست) फ़ा स्त्री –पराजय, पराभव, हार, टूट-फूट, शिकस्तगी।

शिकस्तकुनिंदः (شکست کنندہ) फ़ा वि –तोडनेवाला, भंजक।

शिकस्तख़ुर्दः (شکست خوردہ) फ़ा वि –हारा हुआ, पराजित, परास्त, पराभूत, विजित।

शिकस्तख़ुर्दगी (شکست خوردگی) फ़ा स्त्री.–हार जाना, पराभव, पराजय।

शिकस्तगी (شکستگی) फ़ा स्त्री –टूटा-फूटा होना; टूट-फूट।

शिकस्ते अह्द (شکستِ عہد) फ़ा अ. स्त्री –प्रतिज्ञा का टूट जाना।

शिकस्ते क़ीमत (شکستِ قیمت) फ़ा अ. स्त्री –दाम गिर जाना, मोल कम हो जाना।

शिकस्ते ख़्वाब (شکستِ خواب) फ़ा स्त्री.–नीद उचट जाना, सोते हुए जाग जाना।

शिकस्ते फ़ाश (شکستِ فاش) फ़ा स्त्री –खुली हुई हार, ऐसी हार जिसमें सदेह न हो; बहुत बुरी और अपमान-जनक हार।

शिकस्ते फ़ाहिश (شکستِ فاحش) फ़ा अ स्त्री –अपमान-जनक हार, बहुत बुरी हार।

शिकस्ते रग (شکستِ رنگ) फ़ा स्त्री –रग का हलका पड जाना।

शिकस्ते सख़्त (شکستِ سخت) फ़ा स्त्री –दे 'शिकस्ते फ़ाहिश'।

शिकस्तो रेख़्त (شکست و ریخت) फ़ा स्त्री.–गिरना और बनना, मकान आदि का गिर जाना और फिर बनना।

शिका (شقا) अ स्त्री –दुर्भाग्य, बदकिस्मती, कालचक्र, नुहूमत।

शिक़ाक़ (شقاق) अ पु.–विपरीतता, मुख़ालफ़त, शत्रुता, दुश्मनी; वैमनस्य, रजिश।

शिकायत (شکایت) अ स्त्री –चुगली, पिशुनता, निंदा, बुराई, उपालभ, उलाहना, किसी गलत काम की उसके मालिक या अफ़सर को सूचना, अनुयोग, परिवाद, रोग, बीमारी।

शिकायतकुनाँ (شکایت کناں) अ फ़ा वि –शिकायत करता हुआ, शिकायत करती हुई अवस्था मे।

शिकायतकुनिंदः (شکایت کنندہ) अ फ़ा वि –परिवादी, अनुयोगी, शिकायत करनेवाला।

शिकायतगर (شکایت گر) अ फ़ा वि –शिकायत करनेवाला, अनुयोक्ता।

शिकायतन (شکایتاً) अ. वि –शिकायत के रूप मे।

शिकायतनामः (شکایت نامہ) अ फ़ा पु –वह पुस्तक जिसमें शिकायते लिखी जाती हो, परिवाद पुस्तक, कम्प्लैंट बुक।

शिकायतपेशः (شکایت پیشہ) अ फ़ा वि.–जिसका काम केवल शिकायतें करना हो।

शिकायात (شکایات) अ स्त्री.–'शिकायत' का बहु, शिकायते।

शिकार (شکار) फ़ा पुं –जगली जानवरो का वध, मृगया, आखेट, अहेर, वह जानवर जो शिकार किया जाय, फँसा हुआ, ग्रस्त, वह व्यक्ति जिसके बातो मे फँस जाने से काफ़ी लाभ और प्राप्ति हो।

शिकारगाह (شکارگاہ) फ़ा. स्त्री –शिकार खेलने की जगह, आखेटस्थल, मृगयावन।

शिकारबंद (شکاربند) फ़ा पुं –वह डोर या रस्सी जिसमे शिकार को बाँधें।

शिकारी (شکاری) फ़ा वि –आखेटक, लुब्धक, व्याध।

शिकारे जौर (شکارِ جور) फ़ा अ पु –जिस पर बहुत अत्याचार हुआ हो।

शिकारे तग़ाफ़ुल (شکارِ تغافل) फ़ा अ पु –जिसकी ओर से बहुत अधिक बेपरवाई बरती गयी हो।

शिकारे सितम (شکارِ ستم) फ़ा अ पु –दे 'शिकारे जौर'।

शिकाल (شکال) फ़ा पु –छल, धोखा, मक्र, फ़रेब

शिकूफ़ः (شکوفہ) फ़ा. पु –दे. 'शिगूफ़'।

शिकेल (شکیل) फा पुं—छल, कपट, फ़रेब।
शिकेब (شکیب) फा. पुं—धैर्य, धीरज, सब्र, सहनशीलता, सहिष्णुता, तहम्मुल।
शिकेबा (شکیبا) फा. वि—धीर, साबिर, सहिष्णु, मुतहम्मिल।
शिकेबाई (شکیبائی) फा स्त्री—धैर्य, धीरज, सब्र, सहिष्णुता, तहम्मुल।
शिकोह (شکوہ) फा. पुं—भय, त्रास, डर, दूसरे अर्थ के लिए दे. 'शुकोह'।
शिज़ाब (شخاب) अ पुं—ताज़ा निकला हुआ दूध।
शिज़ार (شخار) फा. स्त्री—खार, सज्जी।
शिज़ोलीद: (شخولیدہ) फा वि—कुम्हलाया हुआ, म्लान, पज़मुर्दः।
शिगर्फ़ (شگرف) फा वि—मोटा, स्थूल, पुष्ट, मज़बूत, वैभव, शानोशौकत।
शिगाफ़ (شگاف) फा पु—मिज़राब, सितार बजाने का छल्ला जो उँगली में पहनते हैं, वीणा-वादन।
शिगाफ़ (شگاف) फा पुं—दराज़, दरार, दर्ज़, (प्रत्य) दरार डालनेवाला, जैसे—'ख़ाराशिगाफ़' पत्थर में दरार डालनेवाला।
शिगाफ़ख़ुर्द: (شگاف‌خوردہ) फा वि—जिसमें दरार पड़ी हो, दारित।
शिगाफ़िंद: (شگافندہ) फा वि—शिगाफ़ डालनेवाला, चीरनेवाला, फाड़नेवाला।
शिगाफ़्त: (شگافتہ) फा वि—दरार पड़ा हुआ, फटा हुआ, विदीर्ण।
शिगाफ़्तनी (شگافتنی) फा वि—दरार पड़ने योग्य, फटने योग्य।
शिगाल (شگال) फा पुं—गीदड़, सियार, शृगाल।
शिगिफ़्त (شگفت) फा पुं—आश्चर्य, अचंभा, हैरत।
शिगुफ़्त: (شگفتہ) फा वि—मुकुलित, विकसित, खिला हुआ, प्रसन्न, हर्षित, मसरूर।
शिगुफ़्त:ख़ातिर (شگفتہ‌خاطر) फा अ वि—प्रसन्नचित्त, प्रहृष्ट, ख़ुशदिल।
शिगुफ़्त:ख़ातिरी (شگفتہ‌خاطری) फा अ स्त्री—चित्त की प्रसन्नता, ख़ुशदिली।
शिगुफ़्त:तब्अ (شگفتہ‌طبع) फा अ वि—दे 'शिगुफ़्त:ख़ातिर।
शिगुफ़्त:तब्ई (شگفتہ‌طبعی) फा अ स्त्री—दे 'शिगुफ़्त:ख़ातिरी'।
शिगुफ़्त:दिल (شگفتہ‌دل) फा वि—प्रसन्नमना, प्रफुल्लात्मा।
शिगुफ़्त:दिली (شگفتہ‌دلی) फा स्त्री—मन की प्रसन्नता, प्रफुल्लता।
शिगुफ़्त:पेशानी (شگفتہ‌پیشانی) फा वि—हँसमुख, प्रफुल्लमुख, सुशील, सदाशील, ख़ुशअख़्लाक़।
शिगुफ़्त:मिज़ाज (شگفتہ‌مزاج) फा अ. वि—दे 'शिगुफ़्त:ख़ातिर'।
शिगुफ़्त:मिज़ाजी (شگفتہ‌مزاجی) फा. अ स्त्री—दे. 'शिगुफ़्त:ख़ातिरी'।
शिगुफ़्त:रू (شگفتہ‌رو) फा. वि—हँसमुख, प्रसन्नमुख।
शिगुफ़्त:रूई (شگفتہ‌روئی) फा. स्त्री—मुख की प्रसन्नता, मुख-प्रसाद।
शिगुफ़्त (شگفت) फा स्त्री—खिलावट, विकास।
शिगुफ़्तगी (شگفتگی) फा स्त्री—खिलावट।
शिगूफ़: (شگوفہ) फा पुं—कली, कलिका, गुंचः; बेल-बूटा; नयी बात, अचंभे की बात।
शिगूफ़:कारी (شگوفہ‌کاری) फा स्त्री—बेल-बूटे बनाने का काम।
शिगूफ़:तराशी (شگوفہ‌تراشی) फा. स्त्री—नक़्शोनिगार, बेल-बूटे बनाना।
शिगूफ़ए नौ (شگوفۂ نو) फा पु—नयी कली, नयी घटना।
शिजाअ (شجاع) अ वि—वीर, योद्धा, बहादुर, उर्दू में 'शुजाअ' ही बोलते हैं, परंतु शुद्ध 'शिजाअ' और 'शजाअ' भी हैं।
शिजआन (شجعان) अ पुं—'शुजाअ' का बहु, वीर लोग।
शिता (شتا) अ पुं—शरद ऋतु, जाड़े का मौसिम, शीतकाल।
शिताफ़्त: (شتافتہ) फा वि—दौड़ा हुआ।
शिताब (شتاب) फा वि—शीघ्र, जल्द, तीव्र, तेज़, (स्त्री.) शीघ्रता, जल्दी।
शिताबकार (شتاب‌کار) फा वि—जल्दी मचानेवाला, उतावला।
शिताबकारी (شتاب‌کاری) फा स्त्री—उतावलापन, जल्दी मचाने का काम।
शिताबाँ (شتاباں) फा वि.—जल्दी करता हुआ; दौड़ता हुआ।
शिताबिंद: (شتابندہ) फा वि—दौड़नेवाला।
शिताबी (شتابی) फा स्त्री—शीघ्रता, तेज़ी।
शिताबीद: (شتابیدہ) फा वि—शीघ्रता किया हुआ।
शितालंग (شتالنگ) फा पुं—टखना, गट्टा।
शितुरग़ू (شترغو) तु पु—एक बाजा।
शिना (شنا) फा. स्त्री—तैरने का काम।

शिनावर (شناور) फा पु.—तैरनेवाला, तैराक।
शिनावरी (شناوری) फा स्त्री—तैरने का काम, पैराकी।
शिनाह् (شناه) फा स्त्री.—तैराकी, पैरने का काम।
शिनूसः (شنوسه) फा. पु.—छीक।
शिपिश (شپش) फा स्त्री—जूँ, बालो मे पडनेवाला कीड़ा, दे. 'शुपुश' और 'शपुश', तीनो शुद्ध है।
शिप्लीदः (شپلیده) फा वि—निचोडा हुआ।
शिफ़ा (شفا) अ. स्त्री.—रोगमुक्ति, रोग के बाद स्वास्थ्य।
शिफ़ाए कामिल (شفاے کامل) अ. स्त्री.—पूरे तौर से रोग-मुक्ति।
शिफ़ाख़ानः (شفاخانه) अ. फा पु—रुग्णालय, चिकित्सालय, अस्पताल।
शिफ़ाख़्वाह् (شفاخواه) अ. फा वि—रोगमुक्ति का इच्छुक।
शिफ़ागाह् (شفاگاه) अ फा स्त्री—रोगमुक्त होने का स्थान, स्वास्थ्य-सदन।
शिफ़ायाब (شفایاب) अ फा वि—जिसने मरज से छुटकारा पा लिया हो, रोगमुक्त।
शिफ़ायाबी (شفایابی) अ. फा. स्त्री.—रोग से छुटकारा पा जाना, रोगमुक्ति।
शिफ़ाह् (شفاه) अ पु.—'शफत' का बहु, होठ।
शिब [ब्ब] (شب) अ स्त्री—'फिटकरी', दे 'शब', दोनो शुद्ध हैं।
शिब्ह् (شبه) अ वि—समान, तुल्य, सदृश, मिस्ल, दे 'शिबह्', दोनो शुद्ध हैं।
शिबित (شبت) अ पु—एक प्रसिद्ध साग, सोया।
शिब्क (شبک) अ पु—चरखे का तकला, तकले की टिकली।
शिब्र (شبر) अ स्त्री—बारह अगुल की नाप, बित्ती, बालिश्त, वितस्ति।
शिब्ल (شبل) अ पु—व्याघ्र-शावक, शेर का बच्चा।
शिब्ली (شبلی) अ पु—एक बहुत बड़े मुसलमान महात्मा।
शिबह् (شبه) अ वि.—दे 'शिब्ह', दोनो शुद्ध हैं।
शिमः (شمه) फा स्त्री—मलाई, बालाई, क्षीरसार।
शिमाल (شمال) अ. पु—उत्तर, उदीची, शुमाल भी प्रचलित।
शिमालरूयः (شمالرویه) अ फा वि.—जिसका मुंह उत्तर की ओर हो।
शिमाली (شمالی) अ. वि—उत्तरीय, उत्तर का।
शिम्मः (شمه) अ पु.—दे. शुद्ध उच्चारण 'शम्म.', यह उच्चारण अशुद्ध है।
शिम्र (شمر) अ. पु—हज़्रत इमाम हुसैन के शहीद करने-वाले का नाम।
शिम्शाद (شمشاد) फा. पु—दे 'शम्शाद', दोनो शुद्ध हैं, परतु उर्दू में 'शम्शाद' ही बोलते हैं, एक सुन्दर वृक्ष जिससे माशूक के कद की उपमा देते हैं।
शियम (شیم) अ स्त्री—'शीम' का बहु, स्वभाव, आदतें।
शियाफ़ (شیاف) अ. पु—'शाफ' का बहु, परतु एकवचन मे व्यवहृत है. जौ के आकार की एक बटी जो आँखो में घिस-कर लगाते हैं।
शिरा (شرا) अ. पु—मोल लेना, क्रयण; बेचना, विक्रयण।
शिराअ (شراع) अ पु—नाव का पाल, बादबान, मरुत्पट।
शिराक (شراک) अ पु—चप्पल, जूते या खडाऊँ की डोरी।
शिराके ना'लैन (شراک نعلین) अ. पु—जोतो का तस्मा।
शिर्क (شرک) अ पु—ईश्वरत्व में ईश्वर के सिवा और को भी सम्मिलित करना, अनेकेश्वरवादी होना।
शिर्कत (شرکت) अ. स्त्री—सम्मिलन, शुमूल, सहयोग, तआवुन; साझा, भागीदारी।
शिर्कतनामः (شرکت نامه) अ फा.पु—साझेदारी का लिखित पत्र, भागपत्र।
शिर्कते ग़म (شرکت غم) अ स्त्री—दु:ख मे शरीक होना।
शिर्के ख़फ़ी (شرک خفی) अ पु.—ऐसा शिर्क जो देखने मे शिर्क न जान पडे।
शिर्के जली (شرک جلی) अ पु—ऐसा शिर्क जो स्पष्ट रूप मे शिर्क हो, जैसे— मूर्तिपूजा।
शिर्यान (شریان) अ स्त्री—वह रग जिसमे शुद्ध रक्त और प्राणवायु बहता है, शिरा, नाडी।
शिर्वान (شروان) फा पु—ईरान का एक नगर।
शिर्वानी (شروانی) फा वि—शिर्वान का निवासी; शिर्वान से सम्बन्ध रखनेवाला।
शिलिल्क (شلک) तु पु—बहुत-सी बदूको या तोपो का एक साथ दगना, बाढ।
शिवा (شوا) फा वि—भुना हुआ, भृष्ट।
शिहाब (شهاب) अ पु—उज्ज्वल और चमकदार तारा; अग्निज्वाला, टूटनेवाला तारा, उल्का।
शिहाबेसाक़िब (شهاب ثاقب) अ पु—टूटनेवाला तारा, उल्का।
शिह्नः (شحنه) अ पु—कोतवाल, शह्र की कोतवाली का निरीक्षक और सचालक।
शिह्नगी (شحنگی) अ फा स्त्री—कोतवाल का पद, कोतवाल का काम, कोतवाली।

शी

शीअः (شیعہ) अ. पुं.—मुसलमानो का एक सम्प्रदाय, जो हज़रत अली के अतिरिक्त बाकी ख़लीफ़ाओ को नही मानता।

शीई (شیعی) अ वि.—शीअ सम्प्रदाय का व्यक्ति, शीअ'।

शीदी (شیدی) अ पु —हब्शी, हबश का रहनेवाला।

शीम. (شیمہ) अ स्त्री —प्रकृति, स्वभाव, आदत।

शीम (شیم) फा स्त्री —सौरी मछली।

शीरदाज (شیرادار) फा पु —मनुष्य या पशु का स्तन जिसमें दूध भरा हो।

शीरः (شیرہ) फा पु —फलो का निचोडा हुआ रस, दवाओ का पीसकर निकाला हुआ रस, शकर की चाशनी।

शीर (شیر) फा पु —दूध, क्षीर, दुग्ध, पेड या पत्तो का दूध की शक्ल का रस।

शीरअंदाज़ (شیرانداز) फा पु —दे 'शीरदाज'।

शीरअफ्ज़ा (شیرافزا) फा वि —दूध बढानेवाला, वह ओषधि जिसके सेवन से दूध अधिक उत्पन्न हो, क्षीरवर्द्धक।

शीरख़ानः (شیرخانہ) फा पु —मधुशाला, मदिरालय, शराबखाना, दुग्धालय, पय शाला।

शीरख़िश्त (شیرخشت) फा स्त्री —एक गोद जो दवा के काम आता और अच्छा रेचक है।

शीरख़ुर्मा (شیرخرما) फा पु —दूध में भीगे हुए छुहारे।

शीरख़्वार॰ (شیرخوارہ) फा वि.—दूध पीनेवाला शिशु, स्तनपायी।

शीरख़्वार (شیرخوار) फा वि —दुधमुँहा, स्तनपायी।

शीरख़्वारगी (شیرخوارگی) फा स्त्री —बच्चे की दूध पीने की आयु।

शीरगर्म (شیرگرم) फा वि —गुनगुना, नीमगर्म, कदुष्ण।

शीरदान (شیردان) फा पुं —दूध देनेवाले पशु की दूध की थैली, ऐन, दूध रखने का बर्तन, दुग्धपात्र।

शीरफ़रोश (شیرفروش) फा वि —दूध बेचनेवाला।

शीरबा (شیربا) फा स्त्री —खीर, शीरबिरंज।

शीरबिरंज (شیربرنج) फा. स्त्री —दूध मे पके हुए चावल, खीर।

शीरमस्त (شیرمست) फा वि —कुलेले करनेवाला बच्चा।

शीरमाल (شیرمال) फा स्त्री —एक रौग़नी रोटी जो दूध में आटा गूँधकर बनती है।

शीराबः (شیرابہ) फा पु —पोस्त का दाना, ख़शख़ाश, ख़शख़ाश का शीर।

शीराज़ः (شیرازہ) फा. पु —क्रम, तर्तीब; किताब की जुज़बंदी; संघटन, तंज़ीम—"शीराज़ा खुल गया है चमन की किताब का।"

शीराज़ःबंदी (شیرازہبندی) फा स्त्री —संघटन, तंज़ीम; पुस्तक की जुज़बदी।

शीराज़ (شیراز) फा पु —ईरान का एक प्रसिद्ध और प्राचीन नगर जहाँ बहुत बडे-बडे कवि हुए हैं, हाफ़िज़ और सा'दी वहाँ के सर्वोत्तम कवि हैं।

शीरीं (شیریں) फा वि —मधुर, मीठा; सरस, बामज़ा; इतिहास प्रसिद्ध फरहाद की प्रेयसी।

शीरींअदा (شیریں ادا) फा. वि —जिसकी अदाएँ दिल लुभानेवाली हो।

शीरींअदाई (شیریں ادائی) फा स्त्री —अदाओ का दिल को लुभाना।

शीरींकलाम (شیریں کلام) फा अ वि —दे 'शीरीज़बाँ'।

शीरींकलामी (شیریں کلامی) फा. अ. स्त्री —दे. 'शीरीं-ज़बानी'।

शीरींकार (شیریں کار) फा. वि —शीरी अदा; शिष्ट, सभ्य; पुरमज़ाक, विनोदी।

शीरींगुफ़्तार (شیریں گفتار) फा वि —दे 'शीरीज़बाँ'।

शीरींगुफ़्तारी (شیریں گفتاری) फा. स्त्री —दे. 'शीरीं-ज़बानी'।

शीरींज़बाँ (شیریں زباں) फा वि —जिसकी बातचीत में मिठास और रस हो, प्रियंवद, मधुरभाषी, मंजुघोष।

शीरींज़बानी (شیریں زبانی) फा. स्त्री —बातचीत की मिठास।

शीरींदहाँ (شیریں دہاں) फा वि —दे 'शीरीज़बाँ'।

शीरींदहानी (شیریں دہانی) फा. स्त्री.—दे. 'शीरी-ज़बानी'।

शीरींदहन (شیریں دہن) फा वि —दे 'शीरीज़बाँ'।

शीरींदहनी (شیریں دہنی) फा स्त्री —दे 'शीरीज़बानी'।

शीरींनफ़स (شیریں نفس) अ फा वि —दे 'शीरीज़बाँ'।

शीरींनफ़सी (شیریں نفسی) फा. अ स्त्री —दे 'शीरीं-ज़बानी'।

शीरींमक़ाल (شیریں مقال) फा अ. वि.—दे. 'शीरीज़बाँ'।

शीरींमक़ाली (شیریں مقالی) फा अ स्त्री —दे 'शीरी-ज़बानी'।

शीरींलब (شیریں لب) फा वि —जिसके होठ मीठे हो, अर्थात् नायिका।

शीरींलबी (شیریں لبی) फा स्त्री.—होठो की मिठास, नायिकापन।

शीरींसुख़न (شیریں سخن) फा वि —दे. 'शीरीज़बाँ'।

शीरींसुख़नी (شیریں سخنی) फा स्त्री —दे. 'शीरीज़बानी'।

शीरींहरकात (شیریں حرکات) फा अ वि —दे. 'शीरीअदा'।

शीरींहरकाती (شیریں حرکاتی) फा. अ. स्त्री —दे. 'शीरीअदाई'।

शीरीनक (شیرینک) फा. पु —मुहासा।

शीरीनिए गुफ़्तार (شیرینیِ گفتار) फा. स्त्री —बातचीत की मिठास, वार्तालाप का रस।

शीरीनिए तक़्रीर (شیرینیِ تقریر) फा. अ. स्त्री —दे. 'शीरीनिए गुफ़्तार'।

शीरीनिए लब (شیرینیِ لب) फा. स्त्री —अधरामृत, होंठो की मिठास।

शीरीनिए सुख़न (شیرینیِ سخن) फा. स्त्री —दे. 'शीरीनिए गुफ़्तार'।

शीरीनी (شیرینی) फा. स्त्री —मिठास, माधुर्य, घुलावट; मिठाई, मिष्टान्न।

शीरे गर्म (شیرِ گرم) फा. पु —गर्म दूध।

शीरे ज़क़ूम (شیرِ زقوم) फा. अ. पु —थूहड का दूध।

शीरे मादर (شیرِ مادر) फा. पु —माँ का दूध, मातृक्षीर।

शीरे मुर्ग़ (شیرِ مرغ) फा पु —ऐसी चीज़ जिसका मिलना असंभव हो।

शीरे लुआब (شیرِ لعاب) फा. अ. पु —मधु, शहद।

शीरो शकर (شیر و شکر) फा. वि —बहुत अधिक मेलजोल, घनिष्ठता; घनिष्ठ, बहुत मेली।

शीशः (شیشہ) फा. पु —काँच, कच, बोतल; दर्पण, आईना; काँच की बहुत बारीक सुराही-जैसी बड़े पेट और तंग मुँह की बोतल जो पहले चलती थी, शराब और गुलाबजल भरने के काम आती थी।

शीशःगर (شیشہ گر) फा. वि —काँच का सामान बनानेवाला, सीसगर।

शीशःगरी (شیشہ گری) फा स्त्री —काँच का सामान बनाना।

शीशःजाँ (شیشہ جاں) फा वि —दे 'शीश दिल'।

शीशःदिल (شیشہ دل) फा वि —जिसका दिल बहुत ही नाज़ुक हो।

शीशःबाज़ (شیشہ باز) फा वि —धूर्त, छली, मक्कार; मदारी, बाज़ीगर।

शीशःबाज़ी (شیشہ بازی) फा स्त्री —धूर्तता, चालाकी; मदारी का खेल, बाज़ीगरी।

शीशए दिल (شیشۂ دل) फा. पु —शीशे की तरह बहुत ही नाज़ुक दिल।

शीशए मै (شیشۂ مے) फा. पु —शराब की बोतल।

शीशए साअत (شیشۂ ساعت) फा. अ. पु —बालू की घड़ी।

शीशाक (شیشاک) फा. पु —चार तार की वीणा या रबाब, साल भर का बकरा या बकरी।

शीस (شیث) अ पु —एक पैग़म्बर।

शीहः (شیہہ) फा. पु —घोड़े की हिनहिनाहट।

शीहए अस्प (شیہۂ اسپ) फा. पु —घोड़े की हिनहिनाहट।

शु

शुअरा (شعرا) अ. पु —'शाइर' का बहु, शाइर लोग, कविगण।

शुआअ (شعاع) अ. स्त्री —रश्मि, मयूख, दीधिति, अंशु, किरण; ज्योति, प्रकाश, आलोक, नूर।

शुआई (شعاعی) अ. वि —किरणों का, किरणों से सम्बन्धित।

शुआए माह (شعاعِ ماہ) अ. फा स्त्री —ज्योत्स्ना, चाँदनी; चन्द्रकिरण, चाँद की किरन।

शुआए मेह्र (شعاعِ مہر) अ. फा स्त्री —सूरज की किरण, सूर्यरश्मि, अर्चि; आतप, धूप।

शुऊब (شعوب) अ पु —'शा'ब' का बहु, गढ़े, ग़ार; कंदराएँ, गुफाएँ।

शुऊर (شعور) अ पु —संज्ञा, होश, विवेक, समझ, अच्छे बुरे की पहचान, शिष्टता, सलीक़ः, सभ्यता, तमीज़, जानकारी, वाक़िफ़ीयत।

शुऐब (شعیب) अ पु —एक पैग़म्बर।

शुक़ूक़ (شقوق) अ पु —विपादिका, बिवाई, पाँव फटने का रोग; 'शक़' का बहु दराज़ें, दरारें, शिगाफ़।

शुकूक (شکوک) अ. पु —'शक' का बहु, शकाएँ, शुब्हात।

शुकोह (شکوہ) फा स्त्री —शानोशौकत, रोबदाब, कर्रोफ़र।

शुकोहे अलफ़ाज़ (شکوہِ الفاظ) फा अ स्त्री —लेख में भारी-भारी शब्दों का प्रयोग, शब्दाडंबर, उत्कलिका।

शुक़्क़ः (شقہ) अ पु —पर्चा, काग़ज़ का टुकड़ा, पत्र, ख़त, चिट्ठी, आदेशपत्र, हुक्मनामा।

शुक्र (شکر) अ पु —कृतज्ञता, शुक्रगुज़ारी, धन्यवाद, शुक्रिय।

शुक्रगुज़ार (شکرگزار) अ फा वि —कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।

शुक्रगुज़ारी (شکرگزاری) अ फा स्त्री —कृतज्ञता, मम्नूनीयत।

शुक्रत (شقرت) अ स्त्री –लालिमा लिये हुए पीला रग, लालिमा लिये हुए काला रग।

शुक्रानः (شکرانہ) अ फा पु –किसी काम की सफलता पर प्रयास करनेवाले को सम्मानार्थ दिया जानेवाला धन, शुक्रिया।

शुक्रियः (شکریہ) अ पु –धन्यवाद, एक शब्द जो कृतज्ञता प्रकट करने के लिए बोलते हैं, थैंक्स।

शुक्रीयः (شکریہ) अ पु –दे 'शुक्रिय', उर्दू मे वही प्रचलित है, यद्यपि शुद्ध यही है।

शुक्रे ने'मत (شکر نعمت) अ पु –उपकार और प्रदान आदि का शुक्रिय।

शुगुन (شگن) फा पु –दे 'शुगून', शकुन।

शुग़ुल (شغل) अ पु –दे 'शुग्ल' या 'शग्ल', वही प्रचलित है, परतु शुद्ध यह भी है।

शुगून (شگون) फा पु –शकुन, फाल।

शुग़्ल (شغل) अ पु –काम मे लगना, मश्रूफियत; व्यवसाय, धधा, काम, मशग़ला।

शुग़्ले बादः (شغل بادہ) अ फा पु –शराब पीने का मश्ग़ला।

शुग़्ले मै (شغل مے) अ फा पु –दे 'शुग़्लेबाद'।

शुजाअ (شجاع) अ वि –वीर, शूर, योद्धा, बहादुर।

शुजाअ़ानः (شجاعانہ) अ फा वि –वीरो-जैसा, बहादुरो-जैसा, वीरतापूर्ण, बहादुरी का।

शुतुर (شتر) फा पु –उष्ट्र, केमिल, ऊँट।

शुतुरअदाम (شتراندام) फा वि –ऊँट-जैसे लम्बे डील-डौल का, उष्ट्राग।

शुतुरअराबः (شترارابہ) फा पु –ऊँटगाडी, उष्ट्रयान।

शुतुरकीनः (شترکینہ) फा पु –वह व्यक्ति जो दिल मे द्वेष रखता हो और वरसो भी न भूलता हो।

शुतुरख़ानः (شترخانہ) फा पु –ऊँट रहने का स्थान, उष्ट्र-शाला।

शुतुरख़ार (شترخار) फा पु –एक झाडी जिसमें काँटे होते हैं और ऊँट बहुत खाता है, ऊँटकटारा।

शुतुरग़म्ज़ः (شترغمزہ) फा अ पु – व्यर्थ का नखरा, बुढ़ापे के हाव-भाव।

शुतुरगाव (شترگاو) फा पु –ऊँट की आकृति की एक गाय।

शुतुरगुर्बः (شترگربہ) फा पु –काव्य का एक दोष, जिसमें कही एकवचन हो और उसी के लिए दूसरी जगह बहुवचन।

शुतुरदिल (شتردل) फा वि –डरपोक, थुडदिला, भीरु, बुज़दिल।

शुतुरदिली (شتردلی) फा स्त्री –डरपोकपन, भीरुता, बुज़दिली।

शुतुरनाल (شترنال) तु स्त्री –एक तोप जो ऊँट पर लादी जाती थी।

शुतुरपा (شترپا) फा वि –ऊँट-जैसे पाँववाला, उष्ट्र-पद, सूरजमुखी का फूल।

शुतुरबान (شتربان) फा वि –ऊँट पालनेवाला, उष्ट्रपाल।

शुतुरमुर्ग़ (شترمرغ) फा पु –एक बहुत बडा पक्षी जो अफ्रीका मे होता है, उष्ट्र पक्षी।

शुतुरसवार (شترسوار) फा वि –ऊँट पर चढनेवाला।

शुतुरे बेमिहार (شتر بے مہار) फा पु –बे नकेल का ऊँट, अर्थात् स्वेच्छाचारी, निरकुश, ख़ुदराय।

शुतुल्लुम (شتلم) अ पु,–अत्याचार, अन्याय, जुल्म।

शुदः शुदः (شدہ شدہ) फा वि –शनै-शनै, धीरे-धीरे, एक से दूसरे और दूसरे से तीसरे को इसी तरह आगे।

शुदनी (شدنی) फा स्त्री –होनहार, होनी, अवश्यभावी, भवितव्य, दुर्निवार्य।

शुदयार (شدیار) फा स्त्री –जोती हुई तैयार ज़मीन।

शुनुअत (شنعت) अ स्त्री –बदी, बुराई।

शुन्क़ार (شنقار) अ पु –एक शिकारी चिडिया।

शुपुश (شپش) फा स्त्री –बालो में पडनेवाला कीडा, जूँ, लोमयूक, बारकीट स्वेदज।

शुफ़्अ़ (شفعہ) अ पु –पडोस के मकान या ज़मीन पर बिकते समय होनेवाला हक़, हक़्क़े हमसायगी।

शुफ़आ (شفعا) अ पु –'शफ़ीअ' का बहु, सुफ़ारिश करने-वाले।

शुबान (شبان) अ पु –भेड-बकरी चरानेवाला, गडरिया, अजाजीवी, मेषपाल।

शुब्बान (شبان) अ पु –'शाब' का बहु, जवान लोग।

शुब्बाब (شباب) अ पु –'शाब' का बहु, जवान लोग।

शुबह्ः (شبہہ) अ पु –आशका, सदेह, शका शक, भ्रम, वहम।

शुबुहात (شبہات) अ पु –'शुब्ह' का बहु, शकाएँ, शुब्हे।

शुमारः (شمارہ) फा पु –गिनती, शुमार, नबर, सख्या।

शुमार (شمار) फा पु –गिनती, गिनना, अदद, सख्या, हिसाब, गिनती, जोड, मीज़ान।

शुमारकुनिंदः (شمارکنندہ) फा वि –गिननेवाला, हिसाब लगानेवाला, गणक।

शुमारिंदः (شمارندہ) फा वि –शुमार करनेवाला, गिनने-वाला, हिसाब लगानेवाला।

शुमारी (شماری) फा प्रत्य—शुमार करने का काम, जैसे—'मर्दुमशुमारी' जनगणना।

शुमुर्दः (شمردہ) फा. वि—गणित, गिना हुआ।

शुमुर्दनी (شمردنی) फा. वि.—गिनने के योग्य: हिसाब लगाने के योग्य; जोडने के योग्य।

शुमूअ (شموع) अ. स्त्री.—'शम्अ' का बहु, शमूएँ, दिए, चिराग़।

शुमूम (شموم) अ स्त्री—सूंघने की चीज।

शुमूल (شمول) अ. स्त्री.—संमिलन, शामिल होना।

शुमूलीयत (شمولیت) अ स्त्री.—दे 'शुमूल'।

शुमूस (شموس) अ पु.—'शम्स' का बहु, बहुत-से सूरज; बहुत-सी किरणे।

शुयूअ (شیوع) अ पु—प्रकट न होना जाहिर होना, सबमे फैलना, प्रसार।

शुयूख (شیوخ) अ पु.—'शैख' का बहु ; बूढे लोग, अपने गोत्र के बडे लोग।

शुरका (شرکا) अ पुं—'शरीक' का बहु, साझेदार लोग; किसी काम के करने में शामिल लोग।

शुरकाए कार (شرکائے کار) अ. फा पु—किसी काम के करने में शरीक, किसी काम में परस्पर एक दूसरे के सहायक।

शुरकाए तिजारत (شرکائے تجارت) अ.पुं.—व्यवसाय के भागीदार।

शुरफा (شرفا) अ पु—'शरीफ' का बहु.; कुलीन लोग, सज्जन लोग।

शुरफ़ाए वक़्त (شرفائے وقت) अ. पुं.—अपने समय के प्रतिष्ठित लोग।

शुरफ़ाए शह्र (شرفائے شہر) अ फा. पुं—नगर के प्रतिष्ठित और सम्मानित लोग।

शुरफ़ाए ज़माँ (شرفائے زماں) अ. फा पु—शुरफाए वक़्त, अपने समय के प्रतिष्ठित जन।

शुरूअ (شروع) अ वि—प्रारंभ, अनुष्ठान, इब्तिदा, आग़ाज़, आदि, शुरूआत।

शुरूआत (شروعات) अ स्त्री—आरम्भ, आगाज।

शुरूए कार (شروع کار) अ. फा पु.—काम की शुरूआत, अनुष्ठान।

शुरूए शबाब (شروع شباب) अ. पु.—युवावस्था का प्रारम्भकाल, यौवनारम्भ।

शुरूक़ (شروق) अ. पुं—आभा, प्रकाश, रौशनी; सूर्योदय, सूरज का उदय।

शुरूत (شروط) अ. स्त्री.—'शर्त' का बहु., शर्तें।

शुरूर (شرور) अ पु—'शर' का बहु, शरारतें।

शुरूह (شروح) अ स्त्री.—'शर्ह' का बहु, शर्हें, टीकाएँ।

शुर्तः (شرطہ) अ पु—पुलिस का आदमी, आरक्षी; चिह्न, निशान, नाव के लिए अनुकूल वायु, लक्षण, अलामत।

शुर्त (شرط) अ. पु.—नाव के लिए अनुकूल वायु, लक्षण, अलामत।

शुर्फ़ः (شرفہ) फा. पु—कँगूरा, मंडप।

शुर्ब (شرب) अ.पु.—पीना; पान, शराब पीना, मद्यपान।

शुर्बुलयहूद (شرب الیہود) अ. पु—सबसे छिपाकर शराब पीना।

शुर्बे मुदाम (شرب مدام) अ पु—शराब पीना, मद्यपान; हमेशा शराब पीना।

शुलः (شلہ) फा पु—एक प्रकार का खाना जिसमे चावल गोश्त मे हरीसे की तरह पकाये जाते है, पुलाव।

शुल (شل) फा पु.—एक फल, बेल, बेलुआ।

शुल्लः (شلہ) फा. स्त्री—भग, योनि, मासिक रक्त का लत्ता, गली में गंदी चीजें और कूडा डालने का स्थान।

शुवाज़ (شواظ) अ. पु.—अग्नि, वह्नि, आग; अग्निज्वाला, अग्निशिखा, लपट।

शुवात (شوات) फा. पु—चकवा पक्षी, सुर्खाब।

शुश (شش) फा पुं.—फेफडा, फुप्फुस, क्लोम।

शुस्तः (شستہ) फा. वि.—मार्जित, शुद्ध, धुला हुआ; स्वच्छ, साफ, सभ्य, शिष्ट, बातमीज, शिक्षित, पढा-लिखा, संस्कृत, मुजल्ला; सज्जन, शरीफ।

शुस्त ओ रुफ़्तः (شستہ و رفتہ) फा वि—स्वच्छ और शुद्ध, पाक और साफ।

शुस्तःरू (شستہ رو) फा वि—मुँह धोये हुए।

शुस्त (شست) फा स्त्री—धुलाई, सफाई।

शुस्तगी (شستگی) फा स्त्री—शुद्धता, सफाई, सभ्यता, तहजीब, शिक्षित होना; सज्जनता।

शुस्तो शू (شست و شو) फा. स्त्री—धुलाई, मँजाई, सफाई।

शुहुब (شہب) अ पु—'शिहाब' का बहु, टूटनेवाले तारे, उल्कागण।

शुहूद (شہود) अ पु—'शाहिद' का बहु, साक्षिगण, गवाह लोग, उपस्थिति, मौजूदगी; प्रत्यक्षता, आमना-सामना।

शुहूर (شہور) अ पु—'शह्र' का बहु, महीने,।

शुह्रः (شہرہ) अ पु—ख्याति, प्रसिद्धि, शुह्रत, कीर्ति, नामवरी, यश, फैज।

शुह्रःआफ़ाक़ (شہرۂ آفاق) अ वि—जो सारे संसार में प्रसिद्ध हो, विश्वविख्यात।

शुह्रःयार (شہرہ یار) अ फा वि—ख्यातिप्राप्त, प्रसिद्ध, विख्यात, मशहूर।

शुहरए अनाम (شہرۂ انام) अ वि—दे 'शुहरए आफ़ाक़'।

शुहरए आफ़ाक़ (شہرۂ آفاق) अ. वि—विश्व-विख्यात, जगत्प्रसिद्ध।

शुह्रत (شہرت) अ स्त्री—प्रसिद्धि, ख्याति, शुह्र, कीर्ति यश, नामवरी, किसी विशेष काम या कला मे प्रवीणता और हस्त-कौशल की प्रसिद्धि।

शुह्रततलब (شہرت طلب) अ. वि—अपनी कीर्ति और यश की कथाएँ दूसरो तक पहुँचाने का अभिलाषी।

शुह्रततलबी (شہرت طلبی) अ स्त्री—अपनी प्रसिद्धि और ख्याति की चाह।

शुह्रतपरस्त (شہرت پرست) अ फा वि—शुह्रत का भूखा, अपनी नामवरी की चर्चा सुनने के लिए उत्कठित।

शुह्रतपरस्ती (شہرت پرستی) अ फा स्त्री.—अपनी कीर्ति गान सुनने की उत्कठा।

शुह्रतपसद (شہرت پسند) अ फा वि—जो चाहता हो कि उसका यशगान सब में हो।

शुह्रतपसदी (شہرت پسندی) अ फा स्त्री.—अपने यश गान को सबमे फैलाने की लालसा।

शुह्रतयाफ्त. (شہرت یافتہ) अ फा वि—प्रसिद्ध, मशहूर, ख्यातिप्राप्त।

शुह्रतयाब (شہرت یاب) अ फा वि—ख्यातिप्राप्त, प्रसिद्ध।

शू

शूख़ (شوخ) फा पु—मैल-कुचैल, मैल, गदगी।

शूख़गीं (شوخگیں) फा वि—मैला, गदा, मलिन।

शूनीज (شونیز) फा पु—कलौंजी, प्याज का बीज।

शूम (شوم) फा वि—अशुभ, अनिष्टकर, मनहूस, अकल्याणकर, नामुबारक, कृपण, मक्खीचूस।

शूमक़दम (شوم قدم) फा अ वि—जिसका आगमन अनिष्टकर हो।

शूमताले' (شوم طالع) फा अ वि—हतभाग्य, भाग्यहीन, बदकिस्मत।

शूमिए आ'माल (شومئی اعمال) फा अ स्त्री—कर्मों की निकृष्टता; पापाचार।

शूमिए किस्मत (شومئی قسمت) फा अ. स्त्री—भाग्य की निकृष्टता, भाग्य का खोटापन।

शूमिए तक्दीर (شومئی تقدیر) फा अ स्त्री—दे 'शूमिए किस्मत'।

शूमिए ताले' (شومئی طالع) फा अ. स्त्री—दे 'शूमिए किस्मत'।

शूमिए बख़्त (شومئی بخت) फा स्त्री—दे 'शूमिए क़िस्मत'।

शूमी (شومی) फा वि.—अनिष्ट, अशुभ, अकल्याण, नुहूसत, कृपणता, कजूसी, खोट, बुराई।

शूरा (شوریٰ) अ पु—परामर्श, सलाह, विचार-विनिमय, तबादलए ख़यालात, हितोपदेश, नसीहत।

शूरागाह (شوریٰ گاہ) अ फा स्त्री—आपस में परामर्श करने का स्थान, मत्रणालय, प्रेक्षागार।

शे

शेख़ी (شیخی) तु स्त्री—डीग, लाफ, हेकडी, शान; दे 'शैख़ी'।

शेफ्तः (شیفتہ) फा वि—मुग्ध, आसक्त, आशिक।

शेफ्तगी (شیفتگی) फा स्त्री—मोह, आसक्ति, फ़िरेफ़्तगी।

शेब (شیب) फा वि—निचाई, निशेब।

शेरंदाम (شیراندام) फा वि—वह व्यक्ति जो शेर के साहस का हो, वह व्यक्ति जिसका सीना चौडा, कमर पतली और साहसी हो।

शे'र (شعر) अ पु.—दो मिस्रो का समाहार, बैत।

शे'र (شیر) फा पु—व्याघ्र, सिंह, पचानन, केसरी, बाघ।

शेरअंदाम (شیراندام) फा वि—दे 'शेरंदाम'।

शेरअफ्गन (شیرافگن) फा. वि—शेर को परास्त करने-वाला, व्याघ्रविजेता।

शे'रआशोब (شعرآشوب) अ फा वि—वह पद्य जिसमें काव्यकला की अनाडियो के हाथो दुर्गति का वर्णन हो।

शे'रख़्वाँ (شعرخواں) अ. फा वि—शेर पढनेवाला।

शे'रख़्वानी (شعرخوانی) अ फा. स्त्री.—शेर पढना, एक जगह बैठकर परस्पर शेर सुनना-सुनाना।

शेरगीर (شیرگیر) फा वि—जो व्यक्ति अधिक शराब पीकर भी बेहोश न हो, प्रतिष्ठित व्यक्ति, मदोन्मत्त, मस्त।

शे'रगो (شعرگو) अ फा वि—शे'र कहनेवाला, कवि, शाइर।

शे'रगोई (شعرگوئی) अ फा. स्त्री—शे'र कहना; कविता करना।

शेरदहाँ (شیردهاں) फा वि—जिसका मुंह शेर-जैसा हो, व्याघ्रमुख।

शेरदिल (شیردل) फा वि—जिसका हृदय शेर-जैसा वीर हो, बहुत बडा वीर।

शे'रफ़हम (شعرفہم) अ वि—शे'र के गुण-दोष समझने-वाला, रसज्ञ, सहृदय, काव्य-मर्मज्ञ।

शे'रफ़हमी (شعرفہمی) अ. स्त्री—शे'र समझना, काव्य-मर्मज्ञता, काव्य-निपुणता।

शेरबचः (شیربچہ) फा पु —शेर का बच्चा, सिंह-शावक।

शेरमर्द (شیرمرد) फा वि —शेर-जैसे दिल गुर्दे का मनुष्य, पुरुष-केसरी।

शेरमाही (شیرماهی) फा स्त्री —एक बहुत बडी मछली।

शेरसवार (شیرسوار) फा वि —शेर पर चढनेवाला, सिंहवाहन, सिंहयान।

शेरानः (شیرانہ) फा वि.—शेरो-जैसा; वीरो-जैसा, वीरोचित।

शे'री (شعری) अ वि —शे'र का, काव्य का; काव्य-सम्बन्धी।

शे'रीयत (شعریت) अ स्त्री —शे'रपन, काव्यकला का रस।

शेरे आबी (شیر آبی) फा पु —पानी का शेर, जलव्याघ्र।

शेरे कालीं (شیر قالین) फा पु —कालीन पर बना हुआ शेर जो कोई अनिष्ट नही कर सकता।

शेरे ख़ुदा (شیر خدا) फा पु —हज़रत अली की उपाधि, असदुल्लाह।

शे'रे ख़ुश्क (شعر خشک) अ फा. पु —ऐसा शे'र जिसमे कोई रस न हो।

शेरे जियाँ (شیرژیاں) फा पु —फाड खानेवाला शेर।

शे'रे तर (شعر تر) अ फा पु —काव्यकलापूर्ण शे'र, सरस शे'र।

शेरे नयस्ताँ (شیر نیستاں) फा पु —जगल में रहनेवाला शेर।

शेरे बब्र (شیر ببر) फा पु —एक प्रकार का शेर जो सबसे अधिक भयानक होता है, सिंह।

शेरे यज़्दाँ (شیر یزداں) फा पु —दे 'शेरे ख़ुदा'।

शे'रोअदब (شعروادب) अ पु —दे 'शे'रो सुख़न'।

शे'रोसुख़न (شعروسخن) अ फा पु —कविता, काव्य; साहित्य, अदब।

शेवः (شیوہ) फा पु —शैली, पद्धति, परिपाटी, ढंग, तर्ज़, तरीक़ा।

शेवए ज़ुल्म (شیوۂ ظلم) फा अ पु —अत्याचार का ढग।

शेवए बेदाद (شیوۂ بیداد) फा पु —अनीति और अत्याचार का तरीक़ा।

शेवए लुत्फ़ (شیوۂ لطف) फा अ पु —कृपा और दया का तरीका।

शेवन (شیون) फा पु —रोदन, विलाप, रोना-पीटना, मातम, मृतशोक।

शेवनगर (شیونگر) फा. वि.—विलाप करनेवाला, रोने-पीटनेवाला।

शेवा (شیوا) फा वि —भाषण-पटु, कलापूर्ण भाषा मे वातचीत करनेवाला।

शेवाज़बाँ (شیوازباں) फा वि —दे 'शेवावयाँ'।

शेवाज़बानी (شیوازبانی) फा स्त्री —दे 'शेवावयानी'।

शेवावयाँ (شیوابیاں) फा अ वि —जिसकी बातचीत बहुत ही सुन्दर और कलापूर्ण हो।

शेवावयानी (شیوابیانی) फा अ स्त्री —बातचीत की पटुता और सुन्दरता।

शै

शै (شے) फा स्त्री —वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज।

शैए मक्फ़ूलः (شے مکفولہ) अ स्त्री —वह चीज जो गिरवी हो, बधक; वह जायदाद जो रुपये के बदले रेहनदार के क़ब्जे मे हो।

शैए मत्लूबः (شے مطلوبہ) अ स्त्री —वह चीज़ जिसकी आवश्यकता हो।

शैए मर्हून. (شے مرہونہ) अ स्त्री —वह चीज़ जो रेहन अर्थात् बधक हो।

शैए लतीफ़ (شے لطیف) अ स्त्री —प्रतिभा, जहानत।

शैख़ (شیخ) अ पु.—बूढा, वृद्ध, अध्यक्ष, सरदार, प्रतिष्ठित, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग, कुल का नायक।

शैख़ुत्तरीक़त (شیخ الطریقت) अ पु —धर्मगुरु, पीर, मुर्शिद।

शैख़ुत्ताइफ़ः (شیخ الطائفہ) अ पु —अपने गोत्र या पार्टी का अध्यक्ष, दलपति।

शैख़ुर्रईस (شیخ الرئیس) अ पु —रईसो का सरदार; बू अली सीना की उपाधि।

शैख़ुल इस्लाम (شیخ الاسلام) अ पु —इस्लामी धर्मशास्त्र का सबसे बडा विद्वान्।

शैख़ुल जामिअः (شیخ الجامعہ) अ पु —यूनीवर्सिटी (विश्वविद्यालय) का चासलर, कुलपति।

शैख़ुश्शुयूख़ (شیخ الشیوخ) अ पु —तमाम धर्मगुरुओ का गुरु, सबसे बडा धर्मगुरु, प्रमुख धर्माचार्य।

शैख़ूख़त (شیخوخت) अ स्त्री —वृद्धावस्था, बुढापा।

शैख़े कामिल (شیخ کامل) अ पु —पहुँचा हुआ पीर, ब्रह्मलीन धर्मगुरु, पूर्ण धर्माचार्य।

शैख़े वक़्त (شیخ وقت) अ पु —अपने समय का सबसे बडा धर्मगुरु।

शैख़ोशाब (شیخ و شاب) अ पु —बूढे और जवान, अर्थात् सब लोग।

शैतनत (شیطنت) अ स्त्री —शैतानपन, शरारत, उपद्रव, चपलता, शोख़ी, दुष्टता, कमीनगी।

शैतनतपसंद (شیطنت پسند) अ फा वि —जो बडा शरारती या उपद्रवी हो, जो बडा दुष्ट हो।

शैतान (شیطان) अ पु —एक फिरिश्ता जिसने ईश्वराज्ञा का उल्लघन किया और बहिष्कृत हुआ, और तब से वह मनुष्यो को पाप की ओर प्रवृत्त करता है, इसी प्रकार का मनुष्य जो दूसरो का अनिष्ट चाहे; उपद्रवी, शरारती।

शैतानसीरत (شیطان سیرت) अ वि —जिसकी प्रकृति शैतान-जैसी हो, महादुष्ट।

शैतान सूरत (شیطان صورت) अ वि —जिसकी आकृति शैतान-जैसी हो।

शैतानी (شیطانی) अ वि —शैतान का, शैतान-सम्बन्धी, निकृष्ट, बुरा, पापमय, गुनाह का।

शैताने मुजस्सम (شیطان مجسم) अ पु —जो सर से पाँव तक शैतान हो, जिसके आचरण पैशाचिक हो।

शैताने लईं (شیطان لعین) अ पु —धिक्कृत और बहिष्कृत शैतान।

शैद (شید) अ पु —छल, धोखा, फरेब।

शैदा (شیدا) फा वि —मुग्ध, मोहित, फ़िरेफ्त; आसक्त, आशिक, उन्मत्त, पागल, उद्विग्न, आतुर, परेशान, किसी चीज का बहुत अधिक इच्छुक।

शैदाई (شیدائی) फा वि —दे 'शैदा', प्रेमी—"एक यह दिल है जो सौ जान से शैदाई है, एक तुम हो, कि न मिलने की क़सम खायी है।"

शैदाए इल्म (شیدائے علم) फा अ वि —विद्या प्राप्त करने का अत्यधिक अभिलाषी।

शैदाए वतन (شیدائے وطن) फा अ वि —देशभक्त, देश-प्रेम मे अनुरक्त।

शैदाए हुस्न (شیدائے حسن) फा अ वि —सुदरता को हर चीज से अधिक पसद करनेवाला।

शैदी (شیدی) अ वि —धूर्त, वचक, छली।

शैन (شین) फा पु —विलाप, रोना-धोना, दोष, ऐब।

शैपूर (شیپور) फा पु —बिगुल, नफ़ीरी।

शैबः (شیبہ) अ पु —दे 'शैबत'।

शैब (شیب) अ पु —बुढापा, वृद्धावस्था, जरा।

शैबत (شیبت) अ स्त्री —वृद्धावस्था, जरा, बुढ़ापा।

शो

शो (شو) फा प्रत्य —धोनेवाला, जैसे—'मुर्दः शो' मुर्दे को धोने या नहलानेवाला, (पु) शौहर, पति, भर्ता, नाथ, स्वामी।

शोए (شوے) फा पु —शौहर, भर्तार, पति, (प्रत्य) धोनेवाला, जैसे—'रगशोए' न्यारिया।

शोख़ (شوخ) फा वि —चचल, चपल, चुलबुला, शरीर, गहरा (रग), धृष्ट, ढीठ, उद्दड, गुस्ताख, अवज्ञाकारी, नाफर्मान, असभ्य, बदतमीज़।

शोख़गीं (شوخگیں) फा वि —मैला, गदा, इस अर्थ मे 'शूख़गीं' अधिक उचित है।

शोख़चश्म (شوخ چشم) फा. वि.—बेहया, बेशर्म, निर्लज्ज, धृष्ट, गुस्ताख।

शोख़चश्मी (شوخ چشمی) फा. स्त्री —बेहयाई, निर्लज्जता, ढीठपन, धृष्टता, गुस्ताखी।

शोख़ज़बाँ (شوخ زباں) फा वि —मुँहफट, मुक्तकठ, बक्की, मुख-चपल, वाचाल।

शोख़ज़बानी (شوخ زبانی) फा स्त्री —मुँहफटपन, मुक्त-कठता, बकवास, मुख-चपलता, वाचालता।

शोख़तबअ (شوخ طبع) फा अ वि.—जिसमें चचलता बहुत हो, चुलबुला, जो विनोदप्रिय हो, खुशमिज़ाज।

शोख़तबई (شوخ طبعی) फा अ. स्त्री —प्रकृति का चुलबुलापन, मनोविनोद, हँसी-दिल्लगी।

शोख़तरीन (شوخ ترین) फा वि.—बहुत अधिक चुलबुला, बहुत गहरा (रग)।

शोख़दीदः (شوخ دیدہ) फा. वि —दे 'शोख़चश्म'।

शोख़दीदगी (شوخ دیدگی) फा. स्त्री —दे 'शोख़चश्मी'।

शोख़मिज़ाज (شوخ مزاج) फा अ वि —दे 'शोख़तबअ'।

शोख़मिज़ाजी (شوخ مزاجی) फा. अ. स्त्री —दे 'शोख़-तबई'।

शोख़िए अल्फ़ाज़ (شوخئی الفاظ) फा अ स्त्री —लेख या भाषण में ऐसे शब्दो का प्रयोग जो हास्यरसान्वित हो।

शोख़िए तक़रीर (شوخئی تقریر) फा. अ स्त्री —भाषण में शोख़ और विनोदमय शब्दो का प्रयोग।

शोख़िए तबअ (شوخئی طبع) फा. अ. स्त्री —प्रकृति की चचलता और विनोदप्रियता।

शोख़िए तक़्दीर (شوخئی تقدیر) फा अ स्त्री —भाग्य की चचलता, अर्थात् अभागापन, बदक़िस्मती।

शोख़िए तहरीर (شوخئی تحریر) फा अ स्त्री —लेख में ऐसे शब्दो का प्रयोग जो शोख़ हो।

शोख़ी (شوخی) फा. स्त्री —चपलता, चुलबुलाहट; धृष्टता, गुस्ताखी, अशिष्टता, बदतमीज़ी; गहरापन (रग)।

शोख़ो शंग (شوخ و شنگ) फा. वि —वह व्यक्ति जो बहुत ही चुलबुला, चतुर और सुदर हो।

शोनीज़ (شونیز) फा. स्त्री.—कलौंजी, प्याज़ के बीज, दे. 'शूनीज़', दोनो शुद्ध हैं।

शो'बः (شعبہ) अ पु —शाखा, शाख, डाली; विभाग, महकमा; खड, टुकडा।

शोब (شوب) फा प्रत्य —धोनेवाला, धुलाई, धोने का का भाव, धुलाव, धोब, धोना, उष्णीष, पगडी।

शो'बए तस्नीफ़ो तालीफ़ (شعبۂ تصنیف و تالیف) अ पु –वह विभाग जिसका सम्बन्ध पुस्तकें लिखने और सपादन करने से हो।

शोयीदः (شوئیدہ) फा. वि.–धोया हुआ।

शोरः (شورہ) फा. पु.–एक खार जिससे बारूद बनती है, श्वेत क्षार।

शोरःगर (شورہ گر) फा वि –शोरा बनानेवाला।

शोरःपुश्त (شورہ پشت) फा. वि –उद्दंड, अल्लड़, मुँहफट, बदतमीज़; झगड़ालू, फसादी, अवज्ञाकारी, निरंकुश, जो कहे में न हो।

शोरःबूम (شورہ بوم) फा स्त्री –ऊसर, वह ज़मीन जिसमे रेह हो, जहाँ कुछ पैदा न हो सके।

शोरःसाज़ (شورہ ساز) फा. वि –दे 'शोर गर'।

शोर (شور) फा. वि –खारी, नमकीन, कोलाहल, गुल, शोहरत, नामवरी; उन्माद, पागलपन।

शोरअंगेज़ (شورانگیز) फा. वि.–गुल मचानेवाला, पागलपन बढ़ानेवाला।

शोरअंगेज़ी (شورانگیزی) फा. स्त्री –गुल मचाना, पागलपन बढ़ाना।

शोरआगीं (شورآگیں) फा. वि.–उन्माद और पागलपन से भरा हुआ।

शोरख़ार (شورخار) फा. स्त्री.–फिटकरी, स्फटिक।

शोरचश्म (شورچشم) फा. वि.–जिसकी नज़र लग जाती हो।

शोरचश्मी (شورچشمی) फा. स्त्री.–नज़र लगना।

शोरपा (شورپا) फा. वि.–जिसके पाँव चलते समय टकराते हो, दोनों पाँव परस्पर लड़ते हो।

शोरपुश्त (شورپشت) फा. वि.–उद्दंड, अक्खड़, मुँहज़ोर, निरंकुश, बेमहार; धृष्ट, गुस्ताख।

शोरपुश्ती (شورپشتی) फा स्त्री.–उद्दंडता, अक्खड़पन, निरंकुशता, बेमहारी, धृष्टता, गुस्ताख़ी।

शोरबख़्त (شوربخت) फा वि –हतभाग्य, अभागा, बदक़िस्मत।

शोरबख़्ती (شوربختی) फा. स्त्री.–भाग्य की निकृष्टता, दुर्भाग्य, बदनसीबी।

शोरबा (شوربا) फा. पु –गोश्त का पका हुआ रस, पक्वमासरस।

शोरमोर (شورمور) फा स्त्री –बहुत छोटी चीटी, क्षुद्र पिपीलिका; अशुभ, मनहूस, अनिष्टकर।

शोराबः (شورابہ) फा पु –खारा पानी, नमक मिला हुआ पानी।

शोराब (شوراب) फा. पु –दे 'शोराब'।

शोरिंदः (شورندہ) फा वि –शोर करनेवाला, गुल मचानेवाला।

शोरियत (شوریت) फा. स्त्री –खारीपन, नमकीनी।

शोरिश (شورش) फा स्त्री –उपद्रव, दगा, फसाद, सैन्यद्रोह, बग़ावत, विद्रोह; खारीपन, नम्कीनी, उन्माद, पागलपन।

शोरिशअंगेज़ (شورش انگیز) फा वि –उपद्रव और फसाद फैलानेवाला पदार्थ।

शोरिशअंगेज़ी (شورش انگیزی) अ स्त्री –उपद्रव और फसाद फैलाना।

शोरिशकदः (شورش کدہ) फा पु –उपद्रव का स्थान, फसाद की जगह, वह स्थान जहाँ फसाद या बगावत हो।

शोरिशकुनिंदः (شورش کنندہ) फा वि –फसाद पैदा करनेवाला, उपद्रवी।

शोरिशगाह (شورش گاہ) फा स्त्री – 'शोरिशकद'।

शोरिशपसंद (شورش پسند) फा वि –जो चाहता हो कि कोई न कोई फसाद या उपद्रव खड़ा ही रहे।

शोरिशपसंदी (شورش پسندی) फा स्त्री –उपद्रव चाहना।

शोरिशी (شورشی) फा वि.–फसाद या उपद्रव फैलानेवाला।

शोरीदः (شوریدہ) फा वि –आतुर, उद्विग्न, परेशान; उन्मत्त, मस्त, दीवाना।

शोरीदःख़ातिर (شوریدہ خاطر) फा अ वि –जिसका दिल परेशान हो, खिन्नमना, दु खित, रंजीदा।

शोरीदःदिमाग़ (شوریدہ دماغ) फा. अ. वि –विकृतमस्तिष्क, पागल, खब्ती, मिराकी।

शोरीदःबख़्त (شوریدہ بخت) फा वि –हतभाग्य, बदनसीब, बदकिस्मत, अभागा।

शोरीदःमिज़ाज (شوریدہ مزاج) फा अ वि –खिन्नमनस्क, उद्विग्नचित्त, परेशाँदिल; पागल, खब्ती।

शोरीदःसर (شوریدہ سر) फा वि –पागल, दीवाना, विकृतमस्तिष्क।

शोरीदःसरी (شوریدہ سری) फा. स्त्री –पागलपन, दीवानगी।

शोरीदःहाल (شوریدہ حال) फा अ वि –दुर्दशाग्रस्त, परीशाँहाल, उद्विग्न।

शोरीदःहाली (شوریدہ حالی) फा अ स्त्री –परीशाँहाली, दुर्दशा।

शोरीदगी (شوریدگی) फा स्त्री –उद्विग्नता, परीशानी, दीवानगी, पागलपन।

शोरे क़ियामत (شورِ قیامت) फा अ पु –महाप्रलय के समय का कोलाहल; बहुत अधिक शोरोगुल।

शोरेज़ (شوریز) फा. स्त्री —खेती के क़ाबिल ज़मीन।
शोरे तहसीन (شور تحسین) फा. अ. पु —वाह-वाह का शोर, प्रशंसा और धन्यवाद का शोर।
शोरे नुशूर (شور نشور) फा अ पु —कियामत के दिन लोगों के उठने का शोर।
शोरे मर्हबा (شور مرحبا) फा अ पु —धन्यवाद और वाह-वाह का शोर।
शोरे मसरंत (شور مسرت) फा अ पु —खुशी का शोर, हर्षनाद।
शोरे महशर (شور محشر) फा अ पु —दे 'शोरे कियामत'।
शोरे मातम (شور ماتم) फा पु —किसी के मरने पर रोने-धोने का शोर।
शोरो गुल (شوروغل) फा पु —दे. 'शोरो शग़ब'
शोरोशग़ब (شوروشغب) अ फा पु —बहुत अधिक कोलाहल और शोरोगुल।
शोरोशर (شوروشر) फा अ पु —शोर और फ़साद, हंगामा, बग़ावत और फ़साद का हंगाम।
शोल. (شعله) अ पु —अग्निज्वाला, लपट, उदा०—"एक शोल सा उठा, शीशे से पैमाने में, लो किरन फूटी सबेरा हुआ मैख़ाने में"—"खुमार"।
शो'लःअंगेज़ (شعله انگیز) अ फा वि —दे 'शो'ल अफ़गन'।
शो'ल अंदाम (شعله اندام) अ फा वि —जिसका शरीर अग्नि-जैसा उज्ज्वल और दीप्त हो।
शोलःअफ़गन (شعله افگن) अ फा वि —शो'ले बखेरनेवाला, आग बरसानेवाला, अग्निवर्षक।
शो'ल अफ़शाँ (شعله افشاں) अ फा वि —दे 'शो'ल अफ़गन'।
शो'ल आवाज़ (شعله آواز) अ फा वि —जिसकी आवाज़ में दर्द हो, बहुत अच्छा गानेवाला।
शो'ल इज़ार (شعله عذار) अ वि —आग-जैसे उज्ज्वल गालोंवाला (वाली), बहुत ही सुंदर।
शो'ल कामत (شعله قامت) अ वि —दे 'शो'ल अंदाम'।
शो'ल ख़ू (شعله خو) अ फा वि —दे 'शो'ल मिज़ाज'।
शो'ल ज़न (شعله زن) अ फा वि —शो'ले फेंकनेवाला, बहुत तेज़ जलनेवाली आग।
शो'ल ज़बाँ (شعله زباں) अ फा वि —बहुत ही तेज़ बोलनेवाला, धुँआँधार भाषण देनेवाला।
शो'लःज़ाद (شعله زاد) अ फा वि —अग्नि से उत्पन्न एक योनि विशेष, देव, परी, जिन, शैतान।
शो'ल ज़ार (شعله زار) अ फा पु —जहाँ शो'ले ही शो'ले हों, जहाँ आग ही आग हो।
शो'लःदीदार (شعله دیدار) अ फा वि —दे 'शो'ल रुख़'।
शो'लःनाक (شعله ناک) अ. फा. वि —शो'लों से भरा हुआ।
शो'लःफ़ाम (شعله فام) अ फा वि —शो'ले-जैसे लाल और दीप्त रंगवाला (वाली), अग्निवर्ण।
शो'ल.फ़िगन (شعله فگن) अ फा. वि —दे. 'शो'ल अफ़गन'
शो'लःफ़िशाँ (شعله فشاں) अ फा वि —दे. 'शोल अफ़गन'।
शो'ल.बार (شعله بار) अ फा वि —आग बरसानेवाला, अग्निदर्पक।
शो'लःबारी (شعله باری) अ. फा. स्त्री.—आग बरसाना, अग्निवर्षा।
शो'लःमिज़ाज (شعله مزاج) अ वि —बहुत तीव्र और कड़वे स्वभाव का, बहुत अधिक ग़ुस्सैल।
शो'लःरंग (شعله رنگ) अ. फा वि —दे शो'ल फ़ाम।
शो'लःरुख़ (شعله رخ) अ फा. वि —अग्नि-जैसे सुर्ख़ और उज्ज्वल गालोंवाला (वाली) परवाने का अपने सूरते शमा। अय शोला रुख़ो न दिल जलाउ।
शो'लःरुख़सार (شعله رخسار) अ फा वि —दे. 'शोल रुख़'।
शो'लःरू (شعله رو) अ फा वि —दे 'शो'ल रुख़'।
शो'ल सा (شعله سا) अ. फा वि —शो'ल-जैसा, आग-जैसा।
शो'लःसिफ़त (شعله صفت) अ वि —शो'ल-जैसा, आग की तरह रौशन और लाल।
शो'लए जव्वालः (شعلۂ جواله) अ पु —आग का वह घेरा जो लकड़ी के दोनों सिरों को जलाकर घुमाने से बनते हैं, आलात-चक्र।
शो'लए जौलाँ (شعلۂ جولاں) अ फा पु —चलने-फिरनेवाला शो'ल अर्थात् नायिका।
शो'लए ताक (شعلۂ تاک) अ फा पु —अंगूरी शराब, द्राक्षेरा, द्राक्षासव, मालिका।
शो'लए दीदार (شعلۂ دیدار) अ फा पु —प्रेमिका के दर्शनों की आग।
शो'लए रुख़सार (شعلۂ رخسار) अ फा. पु —गालों की दीप्ति और चमक जो शो'ल जान पड़ती है।
शो'लीं (شعلیں) फा वि —अग्निज्वाला-सम्बन्धी, लपटदार, लपटोंवाला, लपटें निकलता हुआ।
शोलीद. (شولیده) फा वि —स्तब्ध, स्तंभित, हैरान, उद्विग्न, व्याकुल, परेशान।
शोश. (شوشه) फा पु —खंड, टुकड़ा; सीन या शीन (अक्षर) का दंदान, सोने या चाँदी का डेला।

शौ

शौ (شو) फा पु —'शौहर' का लघु, शौहर, पति, स्वामी।

शौकः (شوکہ) अ पुं —कांटा, कंटक।

शौक़ (شوق) अ पुं —अभिलाषा, उत्कंठा, अधिक चाह, लगन; व्यसन, टेव, आदत।

शौकत (شوکت) अ. स्त्री —आतंक, दबदबा; वैभव, ऐश्वर्य, शानोशौकत।

शौकतुल्अक़्रब (شوکۃالعقرب) अ पुं —बिच्छू का डंक।

शौकतेअल्फ़ाज़ (شوکت الفاظ) अ स्त्री —लेख में बड़े-बड़े और क्लिष्ट शब्दों की व्यवस्था, शब्दाडंबर।

शौकते शाही (شوکت شاہی) अ फा स्त्री —बादशाहों का ठाठ-बाट।

शौकरां (شوکراں) अ पुं —एक वनोषधि जो दवा में प्रचलित है।

शौक़िय: (شوقیہ) अ वि —शौक़ के तौर पर, केवल मन-बहलाव के लिए।

शौक़ीन (شوقین) अ वि —व्यसनी, व्रती, आदी; किसी कार्य-विशेष में बहुत अधिक रुचि रखनेवाला।

शौक़े आराइश (شوق آرائش) अ फा पु.—बनने-सँवरने का शौक़, खुद को बना-ठना रखने का शौक़।

शौक़े इबादत (شوق عبادت) अ. पुं —जप-तप का शौक़, ईश्वराराधना की लगन।

शौक़े ज़ीनत (شوق زینت) अ पुं —दे. 'शौक़े आराइश'।

शौक़े तज़ईन (شوق تزئین) अ. पुं.—दे. 'शौक़े आराइश'।

शौक़े बेपायां (شوق بےپایاں) अ. फा पुं —बहुत अधिक शौक़, हद से बढ़ी हुई उत्कंठा।

शौक़े लिबास (شوق لباس) अ पु —कपड़ों का शौक़, अच्छे-अच्छे कपड़े पहिनने का शौक़।

शौक़ोज़ौक़ (شوق و ذوق) अ. पु.—बहुत अधिक रुचि, बहुत अधिक शौक़।

शौल: (شولہ) अ पुं.—उन्नीसवां नक्षत्र, मूल।

शौहर (شوہر) फा पु.—पति, भर्तार, स्वामी, भर्तृ, खाविंद।

शौहरकुश (شوہرکش) फा स्त्री —पति को मार डालनेवाली स्त्री, पतिघातिनी।

शौहरख़्वाह (شوہرخواہ) फा स्त्री —पति की इच्छा करनेवाली स्त्री, पतिकामा।

शौहरपरस्त (شوہرپرست) फा. स्त्री —पति को ईश्वर की तरह पूजनेवाली स्त्री, पतिव्रता, पति-परायणा।

स

संग (سنگ) फा. पुं.—प्रस्तर, पाषाण, पत्थर।

संगअंदाज़ (سنگ انداز) फा. पुं —पत्थर फेंकनेवाला, क़िले में सूराख़ जिनसे बंदूक़ चलायी जाती है, गोफन, जिससे ढेला फेंकते हैं।

संगख़ुर्दः (سنگ خوردہ) फा. वि —जिसे पत्थर की चोट आयी हो, पत्थर से घायल।

संगचः (سنگچہ) फा पुं —ओला, घनोपल।

संगज़दः (سنگ زدہ) फा. वि —जिसे पत्थर से मारा गया हो।

संगज़न (سنگ زن) फा. वि.—वह तराज़ू जिसमें पासंग हो, जो कम तोले।

संगज़र (سنگ زر) फा. पु —कसौटी, कसवटी, निकष।

संगजराहत (سنگ جراحت) एक सफ़ेद पत्थर जो घाव भरने के काम आता है; सिघा, सेलखरी, मरहम बनाने में प्रयुक्त होती है।

संगजाँ (سنگ جاں) फा वि —जिसके प्राण मुश्किल से निकलें, सख़्तजाँ; निर्दय, बेरहम।

संगज़ार (سنگ زار) फा पु —पथरीला स्थान, जहाँ पत्थर ही पत्थर हों।

संगजानी (سنگ جانی) फा. स्त्री —प्राण कठिनता से निकलना; निर्दयता, संगदिली।

संगतरः (سنگترہ) फा पु —संतरा, मीठी नारंगी।

संगतराश (سنگ تراش) फा. वि —पत्थर का काम करनेवाला, पाषाण-भेदक।

संगतराशी (سنگ تراشی) फा स्त्री —पत्थर का काम करना।

संगदस्त (سنگ دست) फा वि —दे 'संगीदस्त'।

संगदस्ती (سنگ دستی) फा स्त्री.—दे. 'संगीदस्ती'।

संगदानः (سنگ دانہ) फा. पु —दे. 'संगदान'।

संगदान (سنگ دان) फा पु —चिड़िया का पोटा।

संगदिल (سنگ دل) फा. वि —निर्दय, वज्रहृदय, बेरहम, सख़्तदिल।

संगदिली (سنگ دلی) फा. स्त्री —निर्दयता, बेरहमी, क्रूरता, हृदय का पत्थरपन।

संगपा (سنگ پا) फा पु —झांवां, पांव मांजने का पत्थर, दे 'संगेपा'।

संगपुश्त (سنگ پشت) अ पु —कच्छप, कूर्म, कछुवा।

संगबकफ़ (سنگ بکف) फा. वि.—हाथ में पत्थर लिये हुए, मारने के लिए पत्थर उठाये हुए।

संग बदामन (سنگ بدامن) फा. वि.—दामन में पत्थर भरे हुए।

संगबस्तः (سنگ بستہ) फा वि —सुदृढ़, काफ़ी मज़बूत।

संगबस्त (سنگ بست) फा. वि.—दृढ़, मज़बूत; वह मेवा जो अभी पक्का न हो, गदा हो।

संगरू (سنگ رو) फा. वि.—निर्लज्ज, बेहया, बेशर्म।

संगरेज़ः (سنگریزہ) फा पु —ककडी, पत्थर का छोटा-सा टुकडा।

संगलाख़ः (سنگلاخہ) फा पु —दे 'संगलाख'।

संगलाख़ (سنگلاخ) फा वि —पथरीली जमीन, जहाँ पत्थर बहुत हो, जहाँ से खोदकर ककर निकाले जायें।

संगसाज़ (سنگساز) फा. वि —लीथो प्रेस मे पत्थर पर त्रुटियां शुद्ध करनेवाला।

संगसाज़ी (سنگسازی) फा स्त्री —लीथो प्रेस में पत्थर पर की गलतियां शुद्ध करना।

संगसार (سنگسار) फा वि —जिसे पत्थर मार-मार कर मार-डाला गया हो, पथराव, पथराव करके किसी व्यक्ति को मार डालना, एक सज़ा जो कडे अपराधियो को दी जाती थी, उसे कमर तक जमीन में गाडकर उस पर इतने पत्थर बरसाते थे कि वह मर जाय।

संगसारी (سنگساری) फा स्त्री —दे 'सगसार', न २, ३।

संगिस्तान (سنگستان) फा पु —पथरीली जगह, पहाडी जगह।

संगीं (سنگیں) फा वि —'सगीन' का लघु, जो यौगिक शब्दो में व्यवहृत है, अर्थ के लिए दे 'सगीन'।

संगींजिगर (سنگیں جگر) फा वि —निर्दय, कठोरहृदय, बेरहमतरीन।

संगींजिगरी (سنگیں جگری) फा स्त्री —बहुत अधिक निर्दयता, इतिहाई बेरहमी।

संगींदस्त (سنگیں دست) फा वि —जो काम करने में बहुत सुस्त हो, काहिल, कामचोर, दीर्घसूत्री।

संगींदस्ती (سنگیں دستی) फा स्त्री —कामचोरी, आलस्य, काहिली।

संगींदिल (سنگیں دل) फा वि —बहुत ही कठोर हृदय का, बडा ही बेरहम, प्रस्तर-हृदय।

संगींदिली (سنگیں دلی) फा स्त्री —हृदय का अत्यत कठोर होना, सख्त बेरहमी।

संगी (سنگی) फा वि —पत्थर का बना, पत्थर से सम्बन्धित, पत्थर का।

संगीन (سنگیں) फा वि —सख्त, कडा, कठोर, गाढा, गफ (कपडा), कडा, दुष्कर, जैसे—सगीन काम।

संगीन (سنگیں) उ स्त्री — एक लबी और पतली बरछी जो बदूक के सिरे पर लगायी जाती है।

संगीनी (سنگینی) फा स्त्री —पत्थर का बना हुआ होना।

संगे अस्वद (سنگ اسود) फा अ पु —काला पत्थर, कृष्ण प्रस्तर, वह पत्थर जो का'बे में लगा है और जिसे देखने के लिए हर साल मुसलमान मक्के जाते हैं, जिसे हज कहते हैं।

संगे आस्ताँ (سنگ آستاں) फा पु —देहलीज का पत्थर, वह पत्थर जिसमें चौखट बाज़ू जडा जाता है, ईरान में देहलीज में लकडी नही होती।

संगे आस्तानः (سنگ آستانہ) फा पु —दे 'सगे आस्ताँ'।

संगे आहनरुबा (سنگ آہن ربا) फा पु —चुम्बक, चुम्बक पत्थर।

संगे क़नाअत (سنگ قناعت) फा अ पु —वह पत्थर जो भूक की जलन कम करने के लिए पेट पर बाँधते हैं, यह अरब का रवाज है।

संगे कलाँ (سنگ کلاں) फा पु —कोई बहुमूल्य रत्न, कीमती जौहर।

संगे ख़ारा (سنگ خارا) फा पु —एक प्रकार का खुरदरा और लाली लिये हुए पत्थर जो बहुत कडा होता है।

संगे गुर्दः (سنگ گردہ) फा पु —गुर्दे में पड जानेवाली पत्थरी किडिनी स्टोन, वृक्क अश्मरी।

संगे जराहत (سنگ جراحت) फा अ. पु —एक सफेद और कोमल पत्थर जो घाव भरने के काम आता है, सिघा।

संगे ज़ाल (سنگ ژالہ) फा पु —ओला, हिमोपल, वर्षिला।

संगे तराज़ू (سنگ ترازو) फा पु —तोलने का बाँट।

संगे तिफ़्लाँ (سنگ طفلاں) फा अ. पु —वह पत्थर जो लडके दीवानो यानी पागलो को मारते है।

संगे तुर्बत (سنگ تربت) फा अ. पु —वह पत्थर जो क़ब्र के सिरहाने लगाते हैं और जिसमें मृत पुरुष का नाम और तारीख आदि लिखते हैं।

संगे नसु (سنگ نسو) फा पु —सगे मरमर, श्वेत प्रस्तर।

संगे पा (سنگ پا) फा पु —झाँवाँ, जिससे पाँव का मैल छुडाते हैं।

संगे फलाखन (سنگ فلاخن) फा पु —वह पत्थर जो गोफन मे रखकर फेंकते हैं।

संगे फसाँ (سنگ فساں) फा पु —वह पत्थर जिस पर छुरी, चाकू आदि की धार तेज करते हैं, सान।

संगे बसरी (سنگ بصری) फा अ पु —एक पत्थर जो आँखो की दवा में काम आता है, खपरिया।

संगे बाराँ (سنگ باراں) फा पु —ओला, हिमोपल।

संगे बालिश (سنگ بالش) फा पु —वह पत्थर जो सर के नीचे तकिए की जगह रखा जाता है, प्राय. साधु और दरवेश रखते हैं।

संगे बालीं (سنگ بالیں) फा पु —दे 'सगे बालिश'।

संगे बुन्याद (سنگ بنیاد) फा पु —वह पत्थर जो किसी इमारत की नीव मे रखा जाता है, आधार-शिला; नीव, बुन्याद।

संगे बेनून (سنگ بےنون) फा पु –कुत्ता, कुक्कुर, पाजी और दुष्ट आदमी, उर्दू के शब्द 'सग' मे से नून निकल जाय तो 'सग' रह जाता है।

संगे मक़्तल (سنگ مقتل) फा अ. पु –वह पत्थर जिस पर वध किया जाता है, वधशिला।

संगे मजाअत (سنگ مجاعت) फा. अ. पु –भूख में पेट पर बाँधा जानेवाला पत्थर, अरब का रवाज है।

संगे मक़्नातीस (سنگ مقناطیس) फा अ पु –चुबक, चुम्बक पत्थर, आख, पापाण।

संगे मज़ार (سنگ مزار) फा अ.पु –दे. 'संगे तुर्बत'।

संगे मर्मर (سنگ مرمر) फा. पु.–एक मशहूर पत्थर, श्वेत प्रस्तर।

संगे मसानः (سنگ مثانہ) फा अ पु –वह पथरी जो मूत्राशय मे पड जाती है।

संगे महक (फ़ु) (سنگ محک) फा. अ. पु –कसौटी का पत्थर, कसौटी, कष'वटी, कषपट्टिका, निकष।

संगे माही (سنگ ماهی) फा. पु –दे 'संगे सरे माही'।

संगे मील (سنگ میل) फा अ. पुं –वह पत्थर जो रास्ते में दूरी जानने के लिए एक-एक मील पर लगा देते हैं।

संगे मूसा (سنگ موسیٰ) फा. अ. पु.–काला पत्थर, एक प्रकार का विशेष काला पत्थर।

संगे यमन (سنگ یمن) फा. अ. पु –पद्मराग, ला'ल।

संगे यश्व (سنگ یشب) फा अ पु –एक हरा पत्थर जो दवा में काम आता है।

संगे यश्म (سنگ یشم) फा अ पु –दे 'संगे यश्व'।

संगे राह (سنگ راہ) फा पु.–वह पत्थर जो रास्ते में पडा हो और राहगीरों को रास्ता न चलने दे, वह व्यक्ति जो किसी काम में रुकावट डाले।

संगे रुख़ाम (سنگ رخام) फा. पु –संगे मरमर।

संगे शजरी (سنگ شجری) फा. अ पु –एक प्रकार का मूँगा, विद्रुम।

संगे शिहाब (سنگ شهاب) फा. अ. पु –वह पत्थर जो शिहाबे साक़िब के गिरने से बन जाता है, उल्कापाषाण।

संगे संदलसा (سنگ صندل سا) फा. पु.–वह सिल जिस पर चदन रगड़ते हैं।

संगे सुमाक़ (سنگ سماق) फा अ.पु –एक पत्थर जो सारे पत्थरो से अधिक सख्त होता है और बिलकुल घिसता नही है, उसके खरल बनते हैं, जो बहुत कीमती होते हैं और वह मोती आदि दूसरे जवाहरात पीसने के काम आता है।

संगे सराचः (سنگ سراچہ) फा पु.–दे 'सगे आस्ताँ'।

संगे सरेमाही (سنگ سرماهی) फा पु.–एक प्रकार का पत्थर जो बडी मछली के सर से निकलता है और दवा के काम आता है।

संगे सिलायः (سنگ صلایہ) फा अ पु –दवा आदि घिसने का पत्थर।

संगे सुर्ख़ (سنگ سرخ) फा पु –लाल पत्थर जिससे इमारते बनती हैं और मकानो में लगाया जाता है।

संगे सुर्मः (سنگ سرمہ) फा पु –वह पत्थर जिसका सुर्मा बनाते हैं।

संगे सुलैमानी (سنگ سلیمانی) फा अ. पु.–एक नग जो प्राय दुरगा या धारीदार होता है और जिसकी तस्बीह फकीर लोग गले मे डालते हैं।

संजः (سنجہ) फा पु –तोलने का बाँट।

संज (سنج) फा. प्रत्य –तोलनेवाला, जैसे—'सुखनसज' बात को तोलनेवाला, (पु.) झाँझ, मजीरा काँसे की दो कटोरियाँ जो बजायी जाती हैं।

संजाब (سنجاب) फा स्त्री –एक जानवर जो घूँस के बराबर होता है, उसकी खाल का पोस्तीन बनता है जो बहुत अच्छा होता है।

संजिदः (سنجندہ) फा. वि.–तोलनेवाला।

संजीदः (سنجیدہ) फा वि –तोला हुआ, सतुलित; गभीर, मतीन, शात, पुरअम्न; सहिष्णु, बुर्दबार, हर बात को ध्यानपूर्वक सुनने और गौर करनेवाला।

संजीदःगुफ़्तार (سنجیدہ‌گفتار) फा. वि –जिसकी बात चीत मे गभीरता हो, शातवादी।

संजीदःगुफ़्तारी (سنجیدہ‌گفتاری) फा. स्त्री.–बातचीत की गंभीरता।

संजीदःतब्अ (سنجیدہ‌طبع) फा. अ वि –जिसकी प्रकृति गभीर हो।

संजीदःतब्ई (سنجیدہ‌طبعی) फा. अ स्त्री.–प्रकृति की गंभीरता।

संजीदःमिज़ाज (سنجیدہ‌مزاج) फा अ.वि –जिसके मिजाज में शाति और गभीरता हो।

संजीदःमिज़ाजी (سنجیدہ‌مزاجی) फा. अ स्त्री–मिज़ाज की शाति और गभीरता।

संजीदःरफ़्तार (سنجیدہ‌رفتار) फा वि.–व्यवहार और आचररण की गभीरता।

सजीदगी (سنجیدگی) फा स्त्री.–गभीरता, मतानत; चित्त की शाति; सहिष्णुता, तहम्मुल।

संजुक़ (سنجق) तु पुं –पताका, ध्वजा, केतु, झडा; कमरबद, कटिबध।

संबस्स (سندروس) फा पु –राजन जो एक प्रसिद्ध गोंद है, दे 'सुंदरूस', दोनो शुद्ध है।
संदल (صندل) अ पु –एक सुप्रसिद्ध सुगंधित लकडी, चंदन।
संदलसा (صندلسا) फा वि –चंदन घिसने की सिल।
संदलीं (صندلیں) फा वि –संदल का, संदल की लकडी का बना हुआ।
संदली (صندلی) फा स्त्री –संदल का, संदल की लकडी का, कुर्सी।
संडास (سنڈاس) फा पु –पाखाना, सडास।
संदूक़ (صندوق) अ पु –लकडी या टीन की बडी पेटी जिसमें कपडे आदि रखे जाते हैं।
संदूक़च: (صندوقچہ) छोटा संदूक़।
संदूक़नुमा (صندوق‌نما) अ फा वि –संदूक़ की शक्ल का।
संदूक़साज़ (صندوق‌ساز) अ फा वि –संदूक़ बनानेवाला।
संदूक़ी (صندوقی) अ वि –संदूक़-जैसा, संदूक़ की आकृति का, संदूक़नुमा क़ब्र जिसमें बग़ली नहीं होती।
संदूक़े मुर्दः (صندوق مردہ) अ फा पु –तावूत, शव रखने का लकडी का संदूक़नुमा पात्र।
सअत (سعت) अ स्त्री –विस्तार, फैलाव, फराखी, गुंजाइश।
सआदत (سعادت) अ स्त्री –प्रताप, तेज, इक़्बाल, कल्याण, भलाई, बरकत, मुबारकी, शुभकारिता।
सआदतआसार (سعادت‌آثار) अ वि –जिसके लक्षण ऐसे हो कि आगे चलकर वह शुभान्वित होगा।
सआदतकेश (سعادت‌کیش) अ फा वि –दे 'सआदतमंद'।
सआदतपज़ोह (سعادت‌پژوہ) अ फा वि –दे 'सआदतमंद'।
सआदतपनाह (سعادت‌پناہ) अ फा वि –तेजस्वी, प्रतापी, इक़्बालमंद।
सआदतमंद (سعادت‌مند) अ फा वि –भाग्यशाली, नसीबेवर, तेजोमय, इक़्बालमंद, आज्ञाकारी, फर्मांबरदार।
सआदतमंदी (سعادت‌مندی) अ फा स्त्री –सआदतमंद होना।
सआदतवर (سعادت‌ور) अ. फा. वि.–दे 'सआदतमंद'।
सआदतवरी (سعادت‌وری) अ. फा स्त्री –दे 'सआदतमंदी'।
सआदतशिआर (سعادت‌شعار) अ वि –दे 'सआदतमंद'।
सआदतसंज (سعادت‌سنج) अ.फा वि –दे 'सआदतमंद'।
सआलिब (ثعالب) अ. पु –'सा'लब' का बहु लोमडियाँ।
सआलील (ثعالیل) अ पु –'सूलूल' का बहु, मस्से, भिटनियाँ।
सई (سعی) अ पु –प्रयत्न, पराक्रम, कोशिश—
"तसकीने दिले महजूँ न हुई वह सईए करम फ़रमा भी गये, इस सईए करम को क्या कहिए बहला भी गये तडपा भी गये।"
सईद (صعید) अ.पु –मृत्तिका, मिट्टी, पृथ्वी, ज़मीन।
सईद (سعید) अ वि –तेजस्वी, इक़्बालमंद, भाग्यशाली, खुशनसीब, कल्याणकारी, मुबारक।
सईर (سعیر) अ पु –अग्निज्वाला, आग की लपट, नरक का एक तल।
सईस (سئیس) अ पु –घोडे की देख-रेख करनेवाला, अरबी के शब्द 'साइस' का बिगडा हुआ रूप।
सऊद (صعود) अ पु –ऊँचाई, बलंदी; यातना, पीडा, अज़ाब, ऊपर चढनेवाला।
सऊबत (صعوبت) अ स्त्री –दे शुद्ध उच्चारण 'सुऊबत'।
सऊल (سؤول) अ वि – बहुत पूछनेवाला, बहुत प्रश्न करनेवाला।
सक़त (سقط) अ पु –लिखने की भूल, हिसाब की भूल; गिरी-पडी चीज़, अपशब्द, गाली, निंदा, बदगोई।
सक़तगो (سقط‌گو) अ. फा वि –गाली देनेवाला, गाली-गलौज करनेवाला, निंदा करनेवाला, बदगो।
सक़तचीं (سقط‌چیں) अ फा वि –गिरी-पडी चीजें बीननेवाला, रेज़े और टुकडे चुनने वाला।
सक़तफरोश (سقط‌فروش) अ फा वि –गिरी-पडी चीजें, जैसे—गिरे-पडे फल आदि बेचनेवाला, बेहूदा बातें बकनेवाला, अनर्गलवादी।
सक़ती (سقطی) अ वि –गिरी-पडी चीजें बेचनेवाला, कबाडी।
सकनः (سکنہ) अ पु –'साकिन' का बहु, रहनेवाले, निवासी।
सक़न्क़ूर (سقنقور) अ पु –साँड के प्रकार का, परंतु उससे छोटा एक जानवर जिसका मास बहुत ही कामवर्द्धक है।
सक़म (سقم) अ. पु –रोग, बीमारी, त्रुटि, दोष, दे. 'सुक़्म', दोनो शुद्ध है।
सक़र (سقر) अ पु –नरक, दोज़ख।
सकरात (سکرات) अ. स्त्री –निश्चेष्टता, बेहोशी, प्राण निकलते समय का कष्ट, चढ्ढा।
सकरान (سکران) अ वि –उन्मत्त, मतवाला, शराब के नशे मे चूर।
सक़लैन (ثقلین) अ पु –दो वर्ग, अर्थात् मनुष्यो का और जिन्नो का।
सक़ाफत (ثقافت) अ. स्त्री –अक्लमंद होना, हल्का होना, तेज़ सिर्का।
सक़ाम (سقام) अ पु –रोग, व्याधि, बीमारी।

सकारा (سکاریٰ) अ पुं –'सकरान' का बहु, मस्त और मतवाले लोग, दे 'सुकारा', दोनो शुद्ध हैं।

सक़ालत (ثقالت) अ स्त्री –बोझ, गुरुत्व, भारीपन।

सक़ाहत (ثقاہت) अ स्त्री –श्रेष्ठता, बुजुर्गी; विश्वस्तता, मो'तबरी।

सक़िरलात (سقرلات) तु पु –ऊनी बानात, सिक्लात।

सकीनः (سکینہ) अ स्त्री.–'सकीनत' हज़्रत इमाम हुसैन की सुपुत्री जो बडी बहादुर थी और जिन्होने हज़्रत इमाम की शहादत के बाद यज़ीद के विरुद्ध बहुत बडा प्रचार किया।

सकीनत (سکینت) अ स्त्री.–आराम, चैन, सुख; मदला, धीरज, आहिस्तगी।

सक़ीफ़ः (سقیفہ) अ पु –झूठी बात, बकवाद, आरोप, इत्तिहाम; परामर्श, सलाह।

सक़ीम (سقیم) अ वि –रोगी, बीमार, दुर्दशाग्रस्त, बदहाल।

सक़ीमुलहाल (سقیم الحال) अ वि –जिसकी आर्थिक दशा खराब हो, दरिद्र, निर्धन, दुर्दशाग्रस्त।

सक़ील (ثقیل) अ. वि –गुरु, भारी, बोझल।

सक़्क़ा (سقا) अ पु –पानी पिलानेवाला; पानी भरनेवाला बिहिश्ती।

सक़्क़ाई (سقائی) अ. स्त्री –पानी पिलाने का काम, पानी भरने का काम, भिश्तीगरी।

सक्काक (سکاک) अ. वि –लोहकार, लुहार, सिक्के पर ठप्पा लगानेवाला।

सक्तः (سکتہ) अ.पु –एक रोग जिसमे आदमी बिलकुल मरे हुए प्राणी के समान हो जाता है, मूर्छा रोग ; शे'र में किसी शब्द या अक्षर का कम होना, छदोभग, यति-भग।

सक़्त (سقط) अ पुं –पशु का मरना।

सक़्मूनिया (سقمونیا) अ स्त्री –एक दवा, जो रेचक होती है, दे 'सुक्मूनिया', दोनो शुद्ध हैं।

सक़्रात (سقراط) अ पु –यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक जो हज़्रत ईसा से पाँच सौ साल पहले था।

सख़त (سخط) अ पु –क्रोध, रोष, गुस्सा, दे. 'सुख़्त', वह भी शुद्ध है।

सख़ा (سخا) अ. स्त्री –दानशीलता, वदान्यता, सखावत।

सख़ाफ़त (سخافت) अ स्त्री –तुच्छता, अधमता, कमीनगी, निर्बुद्धिता, बेअक्ली, हलकापन, ओछापन।

सख़ी (سخی) अ वि –मुक्तहस्त, वदान्य, दाता, फ़ैयाज़, दानशील, दानी।

सख़ीन (ثخین) अ. वि –गाढा, गफ, दृढ, मज्बूत; पुष्ट, कठोर, सख़्त।

सख़ीफ़ (سخیف) अ वि.–हलका, सबुक, झिझरा बुना हुआ कपडा, तंग ज़र्फ़, छिछोरा, लघुचेता, अनुदार।

सख़ुन (سخن) फा पु –दे. 'सुख़न', दोनो शुद्ध हैं, परन्तु उर्दू मे अधिक व्यवहृत 'सुख़न' ही है।

सख़्त (سخت) फा वि –कठोर, कडा, अत्यधिक, बहुत जियाद, तीव्र, प्रचड, तेज़, दुःशील, बेमुरव्वत, निर्दय, बेरहम; दुष्कर, मुश्किल, कठिन, बहुत बडा।

सख़्तकमान (سخت کمان) फा वि –योद्धा, पहलवान, तीरदाज़, धनुर्धर; शक्तिशाली, शहज़ोर।

सख़्तकोश (سخت کوش) फा वि –बहुत अधिक पराक्रमी।

सख़्तगीर (سخت گیر) फा वि –भूल-चूक पर कडा पकडनेवाला, रिआयत न करनेवाला, पूरी सजा देने वाला।

सख़्तगीरी (سخت گیری) फा स्त्री –गलती या भूल या अपराध पर रिआयत न करनेवाला।

सख़्तचावीदः (سخت چاویدہ) फा वि –'तुच्छ, अधम, पामर, नीच, पोच।

सख़्तजाँ (سخت جاں) फा वि –जिसके प्राण कठिनता से निकले, निर्लज्जता का जीवन व्यतीत करनेवाला, बहुत बडा पराक्रमी, सख़्त मेहनती।

सख़्तजानी (سخت جانی) फा स्त्री –निर्लज्जता का जीवन; कठोर पराक्रम।

सख़्तज़ेह (سخت زہ) फा वि –दे 'सख़्तकमान'।

सख़्तदिल (سخت دل) फा वि –निर्दय, जिसके हृदय मे दयाभाव न हो, सगदिल।

सख़्तदिली (سخت دلی) फा स्त्री –निर्दयता, बेरहमी।

सख़्तबाज़ू (سخت بازو) फा वि –बहुत मशक्कत करनेवाला, बहुपराक्रम, अति परिश्रमी।

सख़्तमीर (سخت میر) फा वि –मुश्किल से मरने वाला, जिसके प्राण कठिनता से निकले।

सख़्तसा (سخت سا) फा.पु –पहलवानो का घिस्सा।

सख़्तिए याम (سختیٔ ایام) फा अ स्त्री –दिनो का कष्ट, भाग्य की निष्ठुरता, गर्दिश।

सख़्तिए नज़्अ (سختیٔ نزع) फा अ स्त्री –यम-यातना, चद्रा, मरते समय का कष्ट।

सख़्ती (سختی) फा स्त्री –कठोरता, कडापन, दुःशीलता, बेहयाई, कठिनता, मुश्किल, निर्दयता, बेरहमी, तीव्रता, तेजी, शिद्दत।

सख़्तीकश (سختی کش) फा वि –मुसीबतें झेलनेवाला, विपत्तियों मे जीवन व्यतीत करनेवाला।

सग (سگ) फा पु –कुक्कुर, श्वान, शुनि, शुनक, कुत्ता, कूकुर।

सगख़स्लत (سگ‌خصلت) फा अ वि—कुत्ते-जैसा स्वभाव रखनेवाला, श्वानप्रकृति।

सगगज़ीदः (سگ‌گزیدہ) फा वि—जिसे कुत्ते ने काटा हो।

सगगज़ीदगी (سگ‌گزیدگی) फा स्त्री—कुत्ते का काटना।

सगजाँ (سگ‌جاں) फा वि—लालची, लोभी, निर्दय, बेरह्म।

सगजानी (سگ‌جانی) फा स्त्री—लोभ, लालच, निर्दयता, बेरहमी।

सगबान (سگ‌بان) फा वि—कुत्ते पालनेवाला, कुत्तो की सेवा करनेवाला नौकर।

सगबानी (سگ‌بانی) फा स्त्री—कुत्ते पालना, कुत्तो का नौकर, श्वानसेवक।

सगसार (سگ‌سار) फा वि—कुत्ते-जैसा अपवित्र और निकृष्ट व्यक्ति।

सग़ीरः (صغیرہ) अ वि—छोटी, कम उम्र की, (पु) छोटा पाप, लघु पातक।

सग़ीर (صغیر) अ वि—छोटा, लघु, दे 'बह्लेसगीर'।

सग़ीरसिन (صغیرسن) अ वि—छोटी आयुवाला, अल्पवयस्क, वयोवाल।

सग़ीरसिनी (صغیرسنی) अ स्त्री—छोटी उम्र, बाल्यावस्था, अल्प वय।

सग़ीरो कबीर (صغیرو کبیر) अ पु—छोटा और बडा, छोटे-बडे सब आदमी, सब लोग, अवाम।

सगे ख़ामोशगीर (سگ خاموش‌گیر) फा पु—वह कुत्ता जो बिना भूंके और गुर्राये काट ले।

सगे ताज़ी (سگ تازی) फा अ पु—शिकारी कुत्ता, जो अरबी नस्ल से हो।

सगे दीवान (سگ دیوانہ) फा पु—पागल कुत्ता, नावला कुत्ता।

सगे दुबाल गीर (سگ دنبالہ‌گیر) फा पु—पीछे से पाँव पकड लेनेवाला कुत्ता, भूंककर पीछे दौडनेवाला कुत्ता।

सगे बाज़ारी (سگ بازاری) फा पु—गलियो मे मारां फिरनेवाला कुत्ता।

सजा' (سجع) अ पु—त्रास, अनुप्रास, अत्यानुप्रास, तुक, तुकान्त, किसी इबारत के दो वाक्यो के अतिम शब्दो का एक-जैसा होना। इसके तीन प्रकार है—अगर उनका वजन बराबर है और सानुप्रास है तो वह सजा 'मुतवाज़ी' होगा, जैसे—गुल और मुल या बहार और मज़ार, अगर वह सानुप्रास है, मगर वज़न बराबर नही है तो 'मुतर्रफ़' होगा, जैसे माल और मनाल या बार और बहार, अगर वज़न में बराबर है मगर सानुप्रास नही है तो वह सजा मुतवाज़िन होगा, जैसे—हाल और बात, या नज़र और सबक, कोई वाक्य या पद इस तरह कहना कि उसमें किसी का नाम बडी सुदरता के साथ आ जाय।

सज़ा (سزا) फा स्त्री—बुरे काम का राज्य की ओर से दड, प्रत्यपकार, बुराई का बदला, तावान, अर्थदड, योग्य, पात्र, लाइक़।

सज़ाए आ'माल (سزاے اعمال) फा अ स्त्री—कर्मों का दड, कर्मफल।

सज़ाए क़त्ल (سزاے قتل) फा अ स्त्री—प्राणदड, मृत्युदड, फाँसी की सज़ा।

सज़ाए क़ैद (سزاے قید) फा अ स्त्री—कारावास का दड, जेल की सज़ा।

सज़ाए ताज़ियान: (سزاے تازیانہ) फा स्त्री—कोडे मारने का दड।

सज़ाए महूज़ (سزاے محض) फा अ स्त्री—सादी कैद जिसमे मेहनत न करनी पडे।

सज़ाए मौत (سزاے موت) फा अ स्त्री—प्राणदड, फांसी।

सज़ाए संगीं (سزاے سنگیں) फा स्त्री—दे 'सज़ाए सख़्त'।

सज़ाए सख़्त (سزاے سخت) फा स्त्री—वह कारावास जिसमें कडी मेहनत ली जाय।

सज़ाए सादः (سزاے سادہ) फा स्त्री—दे 'सज़ाए महूज़'।

सजा'गो (سجع‌گو) अ फा वि—जो सजा' कहता हो, जो सजा' कहकर उसमे नाम आदि निकालता हो।

सजाया (سجایا) अ पु—'सजीय' का बहु, स्वभाव, आदते, प्रकृतियाँ।

सज़ायाफ़्तः (سزایافتہ) फा वि—जिसने पहले किसी अपराध मे सज़ा पायी हो, प्राप्तदड।

सज़ायाफ़्तगी (سزایافتگی) फा स्त्री—सज़ा पाये हुए होना।

सज़ायाब (سزایاب) फा वि—जिसे सज़ा हो गयी हो, दडित।

सज़ायाबी (سزایابی) फा. स्त्री—सज़ा होना, सज़ा पाना।

सज़ावार (سزاوار) फा वि—योग्य, पात्र, लाइक़।

सज़ावुल (سزاول) तु वि—उगाहनेवाला, वुसूल करनेवाला।

सज़ीद: (سزیدہ) फा वि—योग्य, पात्र, लाइक़, मुस्तहक़।

सजीय: (سجیہ) अ पु—स्वभाव, प्रकृति, आदत।

सजीयात (سجیات) अ प—'सजीय' का बहु, आदतें, स्वभाव।

सज्अ (سجع) अ पु—दे 'सजा', शुद्ध उच्चारण यही है, परतु 'सजा' ही बोलते हैं।

सज्अगो (سجع‌گو) अ फा वि—दे. 'सजा'गो'।

सज्जादः (سجادہ) अ. पु.—किसी बडे फकीर की गद्दी, जानमाज, मुसल्ला।

सज्जादःनशीं (سجادہ‌نشین) अ वि —गद्दी नशीन, जो किसी बडे फकीर या महात्मा के बाद उसकी गद्दी ग्रहण करे।

सज्जादःनशीनी (سجادہ‌نشینی) अ फा स्त्री —किसी बडे फकीर या महात्मा के निधन पर उसकी गद्दी पर बैठने का कर्म।

सज्जाद (سجاد) अ. वि —बहुत अधिक सज्दे करनेवाला, बहुत बडा आराधक।

सज्जादगी (سجادگی) अ फा स्त्री —गद्दीनशीनी, सज्जाद-नशीनी।

सज्दः (سجدہ) फा पु —माथा टेकना, सर झुकाना, जमीन पर सर रखकर ईश्वर को प्रणाम करना, नमाज पढते हुए सज्दे में जाना, दे 'सिज्द', वह भी शुद्ध है, परन्तु अधिक शुद्ध 'सज्द' है।

सज्दःगाह (سجدہ‌گاہ) अ फा स्त्री —सज्द करने का स्थान, शीओ के सज्द करने की टिकिया।

सज्द.गुजार (سجدہ‌گزار) अ वि —सज्द करनेवाला, नमाज पढनेवाला।

सज्दःगुजारी (سجدہ‌گزاری) अ फा स्त्री.—सज्द करना, नमाज पढना।

सज्दःरेज (سجدہ‌ریز) फा वि —दे 'सज्द गुजार'।

सज्दःरेजी (سجدہ‌ریزی) अ फा स्त्री —दे 'सज्द गुजारी'।

सज्दए रियायी (سجدۂ ریائی) अ फा पु —झूठा सज्द, दिखावे की नमाज।

सज्दए शुक्र (سجدۂ شکر) अ पु —कृतज्ञता का सज्द, कोई काम सम्पन्न होने पर ईश्वर को धन्यवाद का सज्द।

सतर (ستر) फा पु —'अस्तर' का लघु, खच्चर, अश्वतर।

सतरवन (سترون) फा स्त्री —बाँझ स्त्री, निष्फला, वन्ध्या।

सत्तार (ستار) अ वि —पर्दे से ढाँकनेवाला, दोष छिपानेवाला, ईश्वर का एक नाम।

सत्र (سطر) अ स्त्री —कापी या किताब की लकीर, रेखा, पंक्ति, लकीर।

सत्र (ستر) अ पु.—छिपा, छिपाव।

सत्रबंदी (سطربندی) अ फा स्त्री —लकीरें करना।

सत्रे औरत (ستر عورت) अ पु —शरीर के वह भाग जिनका छिपाना आवश्यक है।

सतवत (سطوت) अ स्त्री —धाक, आतंक, दबदबा, प्रताप, तेज, जलाल।

सतहः (سطحہ) अ प —हर चीज का ऊपरी भाग, तल, सतह।

सतह (سطح) अ. पु —हर चीज का ऊपरी भाग, तल, जैसे—सतहे आब, जलतल।

सतही (سطحی) अ वि —ऊपरी, जिस पर गौर न हुआ हो, जो ऊपरी मन से हो, जो निश्चयपूर्वक न हो।

सतहे आब (سطح آب) अ फा स्त्री —पानी की सतह, जलतल, समुद्रतल।

सतहे जमीं (سطح زمیں) अ फा स्त्री —जमीन की सतह, धरातल।

सतह माइल (سطح مائل) अ स्त्री —झुकी हुई सतह, असमतल, सतहे नाहमवार, वक्रतल।

सतहे मुतवाजिन (سطح متوازن) अ. स्त्री.—समानान्तर सतह या तल, सर्फेस।

सतहे मुस्तवी (سطح مستوی) अ स्त्री —सतहे हमवार, सतहे बराबर, समतल।

सद (صد) फा वि —एक सौ, शत।

सद [द्द] (سد) अ —रोक, आड, रुकावट, बाधा।

सदआफ़ीं (صدآفریں) फा वि —सौ-सौ धन्यवाद, बहुत बहुत सराहना।

सदकः (صدقہ) अ पु —दान, ख़ैरात, सर से कोई चीज ख़ैरात करने के लिए उतारना।

सदक़ात (صدقات) अ पु —'सदक' का बहु, सदके की चीजें।

सदचाक (صد چاک) फा वि —जो बहुत जगह से फटा हो, जो टुकडे-टुकडे हो।

सदपारः (صد پارہ) फा वि —दे 'सदचाक'।

सदफ (صدف) अ स्त्री —सीपी, शुक्ति, सीप—"चश्मे तर अश्क से दामन मेरा भर देती है, कैसे-कैसे यह सदफ मुझको गुहर देती है।"

सदफे पेचाक (صدف پیچاک) अ फा पु —घोघा।

सदफे मर्वारीद (صدف مروارید) अ फा स्त्री —दे 'सदफे सादिक', मुक्ता-शुक्ति, जिस सीपी में मोती निकलता है।

सदफे सादिक (صدف صادق) अ स्त्री —सच्ची सीपी, वह सीपी जिसमे मोती होता है।

सदबर्ग (صدبرگ) फा पु —सौ पत्तियोंवाला, शतदल, शतपत्र, गेंदे का फूल, गेंदा।

सदबार (صدبار) फा स्त्री —शतधा, सौ दफा, सौ बार।

सदमर्हबा (صدمرحبا) फा अ स्त्री —दे 'सदआफ़ीं'।

सदयक (صد یک) फा वि —एक प्रतिशत, एक फी सैकडा।

सदर (سدر) अ पु —आँखों का धुन्ध।

सदरहमत (صدرحمت) फा अ वि —ईश्वर की बहुत-बहुत कृपाएँ, शाबाश, धन्य-धन्य।

सदशुक्र (صد شکر) फा अ वि —बहुत-बहुत शुक्रिया, ईश्वर को बहुत-बहुत धन्यवाद, यह प्राय ईश्वर के लिए आता है।

सदशुक्रियः (صد شکریہ) फा अ वि —बहुत-बहुत धन्यवाद, यह प्राय मनुष्यो के लिए आता है।

सदसालः (صدسالہ) फा वि —सौ बरस का, शतवर्षीय, सौ वरसवाला।

सदा (صدا) अ स्त्री —आवाज, ध्वनि, नाद, फकीर की आवाज।

सदाए अर्श (صدائے عرش) अ स्त्री —अर्श की आवाज, ईश्वर की आवाज, आकाशवाणी।

सदाए गुंबद (صدائے گنبد) अ फा स्त्री —दे 'सदाए बाज गश्त', प्रतिध्वनि।

सदाए ग़ैब (صدائے غیب) अ स्त्री —आकाशवाणी, गैवी आवाज।

सदाए बर नख़ास्त (صدائے بر نخاست) फा वा —कोई आवाज नही उठी, (शब्दार्थ) मौन, खामोशी, सन्नाटा।

सदाए बाज गश्त (صدائے بازگشت) अ फा स्त्री —प्रतिध्वनि, प्रतिशब्द, प्रतिवाद, अनुस्वन, अनुनाद, प्रतिश्रुति।

सदाए बेहंगाम (صدائے بےہنگام) अ फा स्त्री —बेवक्त की आवाज जो अच्छी न लगे; कुसमय की बात जो भाये नही।

सदाए हक़ (صدائے حق) अ स्त्री —सच्ची बात, इन्साफ की बात, जँची-तुली बात।

सदाक़त (صداقت) अ स्त्री —सच्चाई, सत्यता, यथार्थता, वाकिईयत।

सदाक़तकेश (صداقت کیش) अ फा वि —सत्यनिष्ठ, सत्यपाल, सच्चाई को हाथ से न जाने देनेवाला।

सदाक़तपरस्त (صداقت پرست) अ फा वि —सत्यता पर दृढ़, सच्चाई का भक्त।

सदाक़तपरस्ती (صداقت پرستی) अ फा स्त्री —सच्चाई का पालन, सच्चाई पर दृढ़ता।

सदाक़तपज़ोह (صداقت پژوہ) अ फा वि —दे. 'सदाकतकेश'।

सदाक़तपसन्द (صداقت پسند) अ फा वि —सच्चाई को पसद करनेवाला।

सदाक़तपसदी (صداقت پسندی) अ फा स्त्री —सच्चाई को पसन्द करना।

सदाक़तमआब (صداقت مآب) अ वि —बहुत ही सच्चा और धर्मनिष्ठ व्यक्ति।

सदाक़तमदार (صداقت مدار) अ. फा वि —दे 'सदाक़तपरस्त'।

सदाक़तशिआर (صداقت شعار) अ वि —दे. 'सदाक़तपसद'।

सदारत (صدارت) अ स्त्री —सभापतित्व, अध्यक्षता।

सदारती (صدارتی) अ वि —सभापति से सम्बन्धित, सभापति का, सदारत का।

सदारते अंजमन (صدارت انجمن) अ. फा स्त्री —किसी समिति या सस्था आदि का सभापतित्व।

सदारते जल्स (صدارت جلسہ) अ स्त्री —किसी सभा की अध्यक्षता।

सदारस (صدارس) अ फा वि —वह स्थान जहाँ तक आवाज पहुँचे।

सदिर (سدر) अ वि —जिसकी आँखें अचभे से खुली की खुली रह गयी हो, चकित, निस्तब्ध।

सदी (صدی) फा वि —सौ वर्ष का समय, शताब्दी, शती।

सदी (ثدی) अ स्त्री —स्तन, पयोधर, छाती, चूची, शुद्ध उच्चारण 'सद्इ' है, परतु, 'सदी' बोलते हैं।

सदीक़ (صدیق) अ वि —दोस्त, मित्र, सुहृद्, सखा।

सदीद (سدید) अ वि —सरल, सीधा, यथार्थ, ठीक; दृढ, मजबूत, स्थायी, पाएदार।

सदीद (صدید) अ पु —घाव से निकलनेवाला मवाद, पीप, जर्दाब।

सद्इ (ثدی) अ स्त्री —स्तन, छाती, मनुष्य का हो या स्त्री का, शुद्ध उच्चारण यही है, दे. "सिद्इ"।

सद्दः (سدہ) अ पु —ईरानियो का एक महोत्सव जो 'वहमन' मास की दशमी को होता है।

सद्दे बाब (سد باب) अ पु —रोक, निषेध, निवारण।

सद्दे रमक़ (سد رمق) अ वि —किंचिन्मात्र, बहुत तनिक, बिलकुल जरा-सा।

सद्दे राह (سد راہ) अ फा स्त्री —रास्ते की रोक, गली या रास्ते के बीच का पत्थर जो रास्ता रोक देता है, काम में रुकावट डालनेवाला, बाधक।

सद्दे सिकंदर (سد سکندر) अ स्त्री —कहते हैं कि सिकंदर ने एक बहुत बडी और मज़बूत दीवार बनवायी थी, परन्तु अब यह बात असत्य सिद्ध हो गयी है। कुछ लोग उस बहुत बडी पत्थर की मूर्ति को बताते हैं जो जिब्राल्टर की दो पहाड़ियों के बीच समुद्र मे खडी है और इतने बृहत् आकार की है कि उसके नीचे से जहाज निकल जाते हैं। कुछ लोग दीवारे चीन को बताते हैं, परतु वह बहुत पहले की सिद्ध हो चुकी है। कुछ लोग यूराल पहाड और अल्ताई पहाड के बीच में कहते हैं जो उसने इस्कीमो और मगोलियन क़ौमो से

ख्वारिज्मवालो को बचाने के लिए बनवायी थी, परतु उसका कोई चिह्न नही है। कुछ हो, फारसी और उर्दू साहित्य मे तो अब भी यह एक अजेय और अटूट दीवार है और रहेगी।

सद्मः (صدمہ) अ पु –आघात, चोट, दु ख, तकलीफ, शोक, अफसोस, पश्चात्ताप, पछतावा; मृतशोक, मरनेवाले का रज, पीडा, दर्द, यातना, अजाब।

सद्मए जाँकाह (صدمۂ جانکاہ) अ फा पु –जानलेवा दु ख या शोक, प्राणो को घुला देनेवाली पीडा या दु ख।

सद्मए फिराक़ (صدمۂ فراق) अ. पु –विरह-क्लेश, वियोग सताप, नायिका से बिछुडने का शोक।

सद्मए मौत (صدمۂ موت) अ पु –किसी के निधन का शोक।

सद्मए हिज्र (صدمۂ هجر) अ पु –दे 'सद्मए फिराक़'।

सद्मात (صدمات) अ पु –'सद्म' का बहु, सद्मे।

सद्र (صدر) अ पु –सभापति, अध्यक्ष, मीरे मज्लिस; केन्द्रीय स्थान, सद्र मुकाम, मुख्य, खास, वक्ष स्थल, छाती, सीना, महा, बडा, जैसे—सद्र अस्पताल, सद्र डाकखाना।

सद्रदफ़्तर (صدردفتر) अ पु –वह बडा दफ्तर जिसके अधीन कई और दफ्तर हो।

सद्रनशीं (صدرنشیں) अ वि –सभापति, मीरे मज्लिस, प्रतिष्ठित, अग्रगण्य, सरामद।

सद्रबाजार (صدربازار) अ फा पु –छावनी का बाजार, उर्दू बाजार, बडा बाजार, खास बाजार।

सद्रमक़ाम (صدرمقام) अ पु –किसी उच्च पदाधिकारी का हेड क्वार्टर, मुख्यालय, शासन-केन्द्र, राजधानी।

सद्रमुदरिस (صدرمدرس) अ पु –सब अध्यापको का नायक, मुख्याध्यापक, हेड मास्टर।

सद्रमुहासिब (صدرمحاسب) अ पु –सबसे बडा एकाउटेंट, महालेखापाल, गणनाध्यक्ष।

सद्री (صدری) अ वि –सीने का, छाती का, सीने में छिपा हुआ, (स्त्री) सीने पर पहनने की बडी, निचोलक।

सद्रुस्सुदूर (صدرالصدور) अ पु –चीफ जस्टिस, सबसे बडा जज, शाही हरमसरा का सरक्षक, अत पुरिक।

सद्रे अमीन (صدر امین) अ पु –दूसरे दरजे का जज, सबार्डिनेट जज।

सद्रे आ'ज़म (صدر اعظم) अ पु –महामत्री, वजीरे आ'ज़म, प्रधान मत्री।

सद्रे आ'ला (صدر اعلیٰ) अ पु –अव्वल दरजे का जज, सेशन जज, दौरा जज, सत्र-न्यायाधीश।

सद्रे जामिअ (صدر جامعہ) अ पु –यूनिवर्सिटी (विश्वविद्यालय) का चासलर, कुलपति।

सद्रे दीवान (صدر دیوان) अ. फा. पु –मुख्य मत्री, प्रधान मत्री, वजीरे खास, वजीरे आजम, शाही खजाने का बडा अफसर, महाकोषाध्यक्ष।

सद्रे बज़्म (صدر بزم) अ फा पु –दे 'सद्रे मज्लिस'।

सद्रे मज्लिस (صدر مجلس) अ पु.–सभापति, सभाध्यक्ष, मीरे महफिल।

सद्रे महफ़िल (صدر محفل) अ पु –दे 'सद्रे मज्लिस'।

सद्रे मुशाअरः (صدر مشاعرہ) अ पु –कवि-सम्मेलन का सभापति, मीरे मुशाअर।

सनः (سنہ) अ. पु –वत्सर, सवत्, साल सन।

सन (سن) अ. पु –वत्सर, साल, बरस, वर्ष।

सनद (سند) अ स्त्री –प्रमाण, सुबूत, प्रमाणपत्र, सर्टीफिकेट, आश्रय, सहारा, विश्वास, एतिबार नमूना, मिसाल, निदर्शन, आदर्श, उदाहरण, मिसाल, उपाधि, डिग्री।

सनदन (سنداً) अ. वि –उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर, प्रमाणार्थ, सुबूत के रूप मे।

सनदयाफ़्तः (سندیافتہ) अ. फा. वि –उपाधिप्राप्त, जिसने डिग्री पा ली हो।

सनदात (سندات) अ. स्त्री –'सनद' का बहु, सनदें।

सनदी (سندی) अ वि –प्रमाणित, मुसल्लम।

सनदे फ़ज़ीलत (سند فضیلت) अ स्त्री –किसी विषय मे पारगत होने की उपाधि।

सनदे फ़राग़त (سند فراغت) अ स्त्री –दे 'सनदे फज़ीलत'।

सनदे मुआफ़ी (سند معافی) अ स्त्री –किसी को मुआफी जमीन दिये जाने का प्रमाणपत्र।

सनदे विरासत (سند وراثت) अ स्त्री –किसी के स्थान पर उपस्थित होने या उत्तराधिकारी होने का प्रमाणपत्र।

सनदे हिक्मत (سند حکمت) अ स्त्री –(तबाबत मे) स्नात होने की उपाधि।

सनम (صنم) अ पु –मूर्ति, प्रतिमा, बुत, प्रिया, प्रेमिका, प्रेयसी, माशूका।

सनमकदः (صنمکدہ) अ फा पु –मूर्तिगृह, मदिर, बुतखाना।

सनमख़ानः (صنمخانہ) अ फा पु –बुतखाना, मदिर, मूर्तिगृह।

सनमपरस्त (صنمپرست) अ फा वि –मूर्तिपूजक, बुतो को पूजनेवाला, साकारोपासक।

सनमपरस्ती (صنمپرستی) अ. फा स्त्री –मूर्तिपूजा, बुतपरस्ती।

सनवात (سنوات) अ पु –'सन' का बहु, बरसें, सालें।

सनवी (سنوی) अ वि—सनवाला, वर्ष का, वार्षिक, सालाना।

सना (ثنا) स्त्री—स्तुति, वदना, हम्द, प्रशसा, श्लाघा, तारीफ, इस्लामी परिभाषा मे हज्रत मुहम्मद साहव की गुणगाथा।

सना (سنا) फा स्त्री—एक रेचक पत्ती, सनाय, स्वर्ण-पत्री।

सनाए (صنائع) अ पु—'सन्अत' का बहु, मनअते, कारीगरियाँ, अलकारादि, अदबी सन्अते।

सनाए मक्की (سنائے مکی) फा अ स्त्री—सना की पत्ती जो मक्के से आती है। यह सना बहुत ही अच्छी होती है।

सनाए मा'नवी (صنائع معنوی) अ पु—अर्थालकार, वह अलकार जिनसे अर्थ की विशेषता प्रकट की जाय और अर्थ का चमत्कार दिखाया जाय।

सनाए लफ्ज़ी (صنائع لفظی) अ पु—शब्दालकार, वह अलकार जिनके द्वारा शब्दो मे साहित्यिक चमत्कार पैदा किया जाय, जिन अलकारो का सम्बन्ध केवल शब्दो से हो।

सनादीद (صنادید) अ पु—'सिदीद' का बहु, प्रतिष्ठित और महान् व्यक्ति।

सनाया (ثنایا) अ पु—'सनीय' का बहु, अगले चार दाँत, दो ऊपर के और दो नीचे के।

सनी (سنی) अ वि—दे 'सनीय'।

सनीन (سنین) अ पु—'सन' का बहु, बहुत से बरस, कई साल।

सनीय (ثنیہ) अ पु—आगे का एक दाँत, अगला एक दाँत ऊपर का हो या नीचे का।

सनून (سنون) अ पु—दाँतो का मजन, दन-मजन।

सने ईसवी (سن عیسوی) अ पु—वह सवत्सर जो हज़रत ईसा के जमाने से चलता है।

सने वफ़ात (سن وفات) अ पु—मरने का साल, जिस साल किसी व्यक्ति का निधन हुआ हो।

सने विलादत (سن ولادت) अ पु—पैदा होने का साल।

सने हिज्री (سن هجری) अ पु—वह सवत्सर जो हजरत मुहम्मद साहव के मक्का छोडकर मदीना जाने के दिन से चलता है, इस्लामी साल।

सनोवर (صنوبر) फा पु—चीड का पेड, जो लवा और सुन्दर होता है।

सनोवरक़द (صنوبرقد) फा वि—जिसका शरीर सनोवर के पेड की तरह लवा और सुन्दर हो।

सनोवरक़ामत (صنوبرقامت) फा अ वि—दे 'सनोवर-कद'।

सन्अत (صنعت) अ स्त्री—इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'सुन्अत' है, परतु उर्दू मे 'सन्अत' ही प्रचलित है। इसलिए यही शुद्ध है, कला, फन, शिल्प, कारीगरी, अलकार।

सन्अतगर (صنعتگر) अ फा वि—शिल्पकार, शिल्पी, कारीगर, उद्योगजीवी, पेशावर।

सन्अतगरी (صنعتگری) अ फा स्त्री—शिल्पकला, शिल्प-सिद्धि, कारीगरी, उद्योग कर्म, पेशा।

सन्अतगाह (صنعتگاه) अ फा स्त्री—शिल्पशाला, उद्योगशाला।

सन्अती (صنعتی) अ वि—सन्अत से सम्बन्धित, औद्योगिक, शैल्पिक।

सन्अते कर्द (किर्द) गार (صنعت کردگار) अ फा स्त्री-ईश्वर की कारीगरी, प्राकृतिक सौंदर्य।

सन्अते तज़ाद (صنعت تضاد) अ स्त्री—वह शब्दालकार जिसमे दो या कई परस्पर विरोधी चीजे लायी जाये।

सन्अते पर्वर्दगार (صنعت پروردگار) अ फा स्त्री—दे 'सन्अते कर्दगार'।

सन्अते मक्लूब (صنعت مقلوب) अ स्त्री—वह शब्दालकार जिसमे किसी शब्द के अक्षर उलटकर कोई दूसरा शब्द बनाकर चमत्कार पैदा किया जाय। "क्यो कर न लुत्फे बादाकशी हो सहाब में, बारिश मे सारे हर्फ मिले है शराब के।" बारिश को उल्टो तो शराब के अक्षर मिलते है।

सन्अते शे'री (صنعت شعری) अ स्त्री—अलकार, काव्य-गत।

सन्नाअ (صناع) अ वि—शिल्पकार, शिल्पी, कारीगर, कलाकार, फनकार।

सन्नाई (صناعی) अ स्त्री—शिल्पकर्म, कारीगरी, कला कर्म, फनकारी, हाथ का बारीक काम।

सन्नाए क़ुद्रत (صناع قدرت) अ पु—प्रकृति, निसर्ग, नेचर।

सपद (سپد) फा पु—काला दाना, जो नजर-गुजर के लिए जलाया जाता है, दे 'सिपद', दोनो शुद्ध है।

सपदाँ (سپنداں) फा वि—दे 'सपद'।

सपेद (سپیده) फा पु—दे 'सफेद'।

सपेद (سپید) फा वि—दे 'सफेद'।

सपेदए सुब्ह (سپیدۂ صبح) फा अ पु—प्रात काल की सफेदी, सफेदए सहर।

सपेदी (سپیدی) फा स्त्री—दे 'सफेदी'।

सफ [फ्फ] (صف) अ स्त्री—पक्ति, अवली, कतार, रेखा, लकीर, लवी चटाई, नमाज या कवाइद मे मनुष्यो की लबी लाइन।

सफआरा (صف آرا) अ फा वि –युद्ध मे सम्मुख आया हुआ दल।

सफआराई (صف آرائی) अ फा स्त्री.–युद्ध के लिए दो दलो का आमने-सामने होना।

सफकशी (صف کشی) अ फा स्त्री –फौजकशी, सैन्य-यात्रा, चढाई।

सफदर (صفدر) अ फा वि –युद्ध मे बँधी पक्तियो को तोड देनेवाला, महारथी, रणशूर, हज्रत अली की उपाधि।

सफन (سفن) अ पु –मछली या मगर का खुरदरा चमडा जो तलवार की मूठ पर लगाते हैं ताकि पकड मजबूत रहे, वसूला।

सफबंदी (صف بندی) अ फा स्त्री –पक्तिवद्ध होना, कतारे बाँधना, लाइन लगाना।

सफ ब सफ (صف بصف) अ फा वि –पक्तिवद्ध, कतारे बाँधे हुए, कई पक्तियो मे बँटकर खडे हुए।

सफबस्त. (صف بستہ) अ फा वि –पक्तिबद्ध, कतार बाँधे हुए।

सफर (سفر) अ पु –यात्रा, मुसाफरत, प्रस्थान, कूच, पर्यटन, सियाहत, गमन, जाना।

सफर (صفر) अ पु –इस्लामी दूसरा महीना।

सफरखर्च (سفرخرچ) अ फा पु.–मार्ग-व्यय, आने-जाने का सर्फ़।

सफरजल (سفرجل) अ पु –विही, एक प्रसिद्ध मेवा।

सफ़रनामः (سفرنامہ) अ फा पु –वह पुस्तक जिसमे कोई व्यक्ति अपने देश-विदेश पर्यटन करने का विस्तारपूर्वक वृत्तान्त लिखे, भ्रमण-कथा।

सफरी (سفری) अ वि –सफर का, सफर से सम्बन्धित।

सफरे आखिरत (سفر آخرت) अ पु –अतिम यात्रा, महाप्रस्थान, परलोक-यात्रा, मरना, मरण।

सफरे बह्री (سفر بحری) अ पु –समुद्र के रास्ते पर्यटन, जहाज का सफर।

सफरे हवाई (سفر ہوائی) अ पु –वायुयान द्वारा सफर।

सफवी (صفوی) अ वि –शाह 'सफी' से सम्बन्धित, जो वडे महात्मा थे और जिनकी सतान ईरान की शासक हुई।

सफवीय (صفویہ) अ वि –शाह सफी की सतानवाले।

सफशिकन (صف شکن) अ फा वि –युद्ध में पक्तिवद्ध सेना को चीर डालनेवाला, महारथी।

सफशिकनी (صف شکنی) अ फा स्त्री –सेना की पक्तियो में दरार डाल देना।

सफह (سفہ) अ स्त्री –मूर्खता, निर्बुद्धित्व, वेअक्ली।

सफा (صفا) अ स्त्री –स्वच्छता, विशुद्धता, सफाई, चमक-दमक, आबोताव, मक्के की एक पहाडी, (क्रि) साफतौर से, स्पष्ट रूप से।

सफाइन (سفائن) अ पु –'सफीन' का वहु, नौकाएँ, नावे, किश्तियाँ।

सफाई (صفائی) अ. स्त्री –स्वच्छता, शुभ्रता, उजलापन, विशुद्धता, निर्मलता, खालिसपन, पवित्रता, पाकीजगी, निर्दोषता, बेऐबी, मुकदमे मे दोप के सुबूत के वाद निर्दोष का सुबूत (फौजदारी मे)।

सफाए क़ल्ब (صفائے قلب) अ स्त्री –हृदय की शुद्धि, चित्त की पवित्रता, अत शुद्धि, मन सस्कार।

सफाए बातिन (صفائے باطن) अ स्त्री –दे 'स कल्व'।

सफाकेश (صفاکیش) अ फा वि –शुद्धात्मा, पाक-बातिन, सदाचारी, नेकअत्वार।

सफामशरव (صفامشرب) अ वि –दे 'सफाकेश'।

सफारा (صف آرا) अ फा वि –दे 'सफआरा'।

सफाराई (صف آرائی) अ फा स्त्री –दे 'सफआराई'।

सफाहत (سفاہت) अ स्त्री –कमीनापन, अधमता, नीचता, पामरता।

सफिलः (سفلہ) अ पु –'सिफल' का वहु, सिफले, नीच लोग, कमीने।

सफी (صفی) अ वि –स्वच्छ, धवल, साफ, स्वच्छात्मा, पाकीज मिजाज, मित्र, सखा, दोस्त, हज्रत आदम का लकब।

सफीउल्लाह (صفی اللہ) अ पु –ईश्वर का मित्र, हज्रत आदम।

सफीनः (سفینہ) अ पु –नौका, नाव, कश्ती, परवाना, आदेशपत्र, कविता की किताब।

सफीय. (صفیہ) अ स्त्री –शुद्ध अत करणवाली, हज्रत मुहम्मद साहिब की एक सुपत्नी का शुभ नाम।

सफीर (صفیر) अ स्त्री –सीटी जो मुँह की आवाज से वजायी जाय, पक्षियो की वोली।

सफीर (سفیر) अ पु –पत्रवाहक, चिट्ठी ले जानेवाला, सदेशवाहक, पैगाम पहुँचानेवाला, दूत, राजदूत।

सफीह (سفیہ) अ वि –अधम, नीच, कमीना, निर्बुद्धि, मूर्ख, नादान।

सफूफ (سفوف) अ पु –पिसी हुई चीज, चूर्ण।

सफे जग (صف جنگ) अ फा स्त्री –फौज की कतार, सेना-पक्ति।

सफेद (سفیدہ) फा पु –फूँका हुआ जरत, जिन्क आक्साइड, सफेदी, श्वेतता।

सफेद (سفید) फा वि –शुभ्र, उजला, श्वेत, सपेद।

सफेदए सहर (سفیدۂ سحر) फा अ पु –प्रात काल का हलका प्रकाश।

सफेदचश्म (سفیدچشم) फा वि –निर्लज्ज, बेहया।

सफेदपोश (سفیدپوش) फा वि –सफेद कपडे पहननेवाला, श्वेताबर, भलामानस, सज्जन, वह व्यक्ति जो कम आमदनी पर भी शिष्टता से जीवन-निर्वाह करे।

सफेदबख्त (سفیدبخت) फा वि –भाग्यवान्, खुशनसीब।

सफेदी (سفیدی) फा वि –श्वेतता, सपेदी, शुभ्रता, उजलापन।

सफेदोसियाह (سفیدو سیاہ) फा पु –काला और सफेद, श्वेत-कृष्ण, सितासित।

सफे निआल (صف نعال) अ स्त्री –सभा मे वह स्थान जहाँ जूते रखे जाते है, जूते रखने का स्थान, सबसे नीचा स्थान।

सफे मातम (صف ماتم) अ फा स्त्री –वह फर्श जिस पर मृत्युशोक प्रकट करने के लिए लोग एकत्र हो।

सफे लश्कर (صف لشکر) अ फा स्त्री –दे 'सफे जग'।

सफ्क (سفک) अ पु –रक्तपात, हिंसा, खूँरेज़ी।

सफ्के दिमा (سفک دما) अ पु –खून बहाना, हिंसा करना, रक्तपात।

सफ्फाक (سفاک) अ वि –रक्तपाती, खून बहानेवाला, निष्ठुर, बेरहम, अत्याचारी, जालिम।

सफ्फाकी (سفاکی) अ स्त्री –रक्तपात, खूँरेज़ी, निष्ठुरता, सगदिली, अत्याचार, जुल्म।

सफ्र: (سفرہ) अ पु –दस्तरख्वान, वह चीज़ जिस पर खाना रखकर खाते हैं, इसका मूल उच्चारण 'सुफ्र' है, दे 'सुफ्र'।

सफ्र: चीं (سفرہ چیں) अ फा वि –दस्तरख्वान का बचा हुआ खानेवाला।

सफ्र: ची (سفرہ چی) अ फा पु –खानसामा, खाना खिलानेवाला, बैरा।

सफ्रा (صفرا) अ पु –एक धातु, पित्त, कटुता, कडवाहट, पीले रग की चीज, धनुप।

सफ्रावी (صفراوی) अ वि –सफ्रा का, पित्त का, पित्त से सम्बन्धित, पित्त के दोष से उत्पन्न।

सफ्राशिकन (صفراشکن) अ फा वि –पित्तनाशक, पित्त को खत्म करनेवाली दवा।

सफ्ला (سفلیٰ) अ वि –निम्नतम, बहुत नीचा, बहुत अधम, लोफर।

सफ्वत (صفوت) अ स्त्री –श्रेष्ठता, बुजुर्गी, निर्मलता, सफाई, सक्षिप्त, खुलासा, निर्मल, साफ, यह शब्द 'सिफ्वत' और 'सुफ्वत' भी है।

सफ्ह: (صفحہ) अ पु –पृष्ठ, पन्ना, पेज, तल, सतह।

सफ्हए आस्माँ (صفحۂ آسماں) अ फा पु –आकाश-पटल, तख्ता रूपी आकाश।

सफ्हए कागज (صفحۂ کاغذ) अ पु –कागज का पन्ना, पत्र का एक ओर।

सफ्हए किर्तास (صفحۂ قرطاس) अ पु –दे 'सफ्हए कागज'।

सफ्हए ज़मीं (صفحۂ زمیں) अ फा पु –पृथ्वी का चौरस तल, धरातल।

सफ्हए हस्ती (صفحۂ ہستی) अ फा पु –पत्ररूपी ससार, पटलरूपी जीवन, जीवन-पटल।

सब [ब्ब] (صب) अ पु –पानी फैलना, पानी बहना, आशिक, आसक्त।

सब [ब्ब] (سب) अ स्त्री –गाली-गलौज, अपशब्द।

सबक (سبق) अ पु –पाठ, जितना एक दिन मे गुरु से पढा जाय, शिक्षा, सीख, नसीहत, इब्रत, अनुभव, तज्रिब।

सबक़आमोज़ (سبق آموز) अ फा वि –सबक सिखानेवाला, पढानेवाला, नसीहत करनेवाला, उपदेश देनेवाला।

सबक़त (سبقت) अ स्त्री –आगे निकल जाना, बढ जाना, अव्वल आना, सबसे अधिक नबर पाना।

सबद (سبد) फा स्त्री –टोकरी, डलिया।

सबदे गुल (سبد گل) फा स्त्री –फूलो की टोकरी, माली की फूलो से भरी डलिया।

सबब (سبب) अ पु –कारण, हेतु, वजह, मूल कारण, वह दो अक्षरी शब्द जिनमे एक हल् हो या दोनो अज्।

सबब (صبب) अ पु –नीची भूमि, निशेबी ज़मीन, आशिक होना।

सबल (سبل) अ पु –परवाल, वह बाल जो आँखो में पैदा हो जाते हैं और बहुत कष्ट देते हैं और जिनसे आँखें ख़राब हो जाती हैं।

सबलत (سبلت) अ स्त्री –मूँछ।

सबा (سبا) अ पु –यमन का एक शहर जो हज्रत सुलैमान को दहेज में मिला था, अब्दुल्ला का बाप, यह वही अब्दुल्ला है जो इब्ने सबा के नाम से प्रसिद्ध है और जिसने एक नया धर्म बनाकर लोगो को ठगा था।

सबा (صبا) अ स्त्री –पुर्वा हवा, ठडी मृदुल और मधुर हवा, समीर, मद समीर।

सबाक (سباق) अ पु –दे शुद्ध उच्चारण 'सिबाक'।

सबाख़िराम (صبا خرام) अ फा वि –सबा की तरह अठलाकर धीरे-धीरे चलनेवाला (वाली), मृदुगामिनी।

सबात (ثبات) अ पु –दृढता, स्थिरता, मजबूती, चिरस्थायित्व, पायदारी।

सबाते अक्ल (ثبات عقل) अ. पु.–बुद्धि की स्थिरता और पुख्तगी, बुद्धि का दोष रहित होना।
सबाते राय (ثبات راے) अ पु –राय और विचार की सुदृढता, खयाल की पुख्तगी, राय का ठीक होना।
सबाते होशोहवास (ثبات ہوش و حواس) अ फा पु –होश और सज्ञा का ठीक होना, होश मे होना।
सबारफ़्तार (صبارفتار) अ फा वि –दे 'सबाखिराम'।
सबाह (صباح) अ स्त्री –प्रात काल, प्रभात, तडका, गोरा, सुन्दर, रूपवान्।
सबाहत (صباحت) अ स्त्री –गोरापन, रग की सफेदी, सुन्दरता, रूप, हुस्न।
सबाहत (سباحت) अ स्त्री –तैराकी, पानी मे तैरना, दे 'सिबाहत', दोनो शुद्ध है।
सबाहे ईद (صباح عید) अ स्त्री –ईद के दिन का सवेरा, खुशी और आनद का उदय।
सबिर (صبر) अ पु –एलुआ, इस अर्थ मे 'सब्र' और 'सिब्र' भी है।
सबी (صبی) अ. पु –दूध पीता बालक, शिशु, दुधमुँहा।
सबीयः (صبیہ) अ स्त्री.–दूध पीती बच्ची।
सबील (سبیل) अ स्त्री –मार्ग, रास्ता, उपाय, यत्न, तदबीर, पद्धति, शैली, तर्ज, पानी पिलाने का स्थान, पियाऊ, मुहर्रम में शर्बत पिलाने का स्थान।
सबीह (صبیح) अ वि –गोरा-चिट्टा, जिसका रग खूब साफ हो, गौरवर्ण, सुन्दर, हसीन।
सबुई (سبعی) अ वि –दे 'सबुईयत'।
सबुईयत (سبعیت) अ स्त्री –भेडियापन, दरिदगी, निर्दयता, बेरहमी।
सबुक (سبک) फा वि –अगुरु, हलका, अधम, नीच, लोफर, चुस्त, फुर्तीला, शीघ्रता, जल्दी, 'सुबक' भी प्रचलित।
सबुकइनाँ (سبک عناں) फा वि –शीघ्रगति, शीघ्रगामी, तेजरफ्तार।
सबुकखिराम (سبک خرام) फा वि –तेज चलनेवाला, शीघ्रगति।
सबुकखेज (سبک خیز) फा वि –सवेरे बहुत तडके उठनेवाला।
सबुकगाम (سبک گام) फा वि –शीघ्रगति, तेज चलनेवाला, मृदुलगामी, हलकी चाल से चलनेवाला।
सबुकगामी (سبک گامی) फा स्त्री –तेज चलना, हलकी चाल से चलना।
सबुकजौलाँ (سبک جولاں) फा वि.–शीघ्रगामी, तेजरौ।
सबुकतिगीं (سبکتگیں) तु पु –सुलतान महमूद के बाप का नाम, दे. 'सुबुकतिगी', दोनो शुद्ध है।
सबुकदस्त (سبک دست) फा वि –जिसका हाथ किसी काम पर सधा हो, जो तेजी से काम करे, चालाक।
सबुकदस्ती (سبک دستی) फा स्त्री –किसी काम पर हाथ का सधा होना, तेजी से काम करना।
सबुकदोश (سبک دوش) फा वि –भारयुक्त, जिम्मेदारी से अलग, पिंशिनयाफ्त, अवकाशप्राप्त।
सबुकदोशी (سبک دوشی) फा स्त्री –जिम्मेदारी से अलाहिदगी; पिंशिन, निवृत्ति।
सबुकपरवाज (سبک پرواز) फा वि –तेज उडनेवाला, ऊँचा उडनेवाला।
सबुकपरवाजी (سبک پروازی) फा स्त्री –तेज उडना, ऊँचा उडना।
सबुकपा (سبک پا) फा वि –शीघ्रगति, तेजकदम।
सबुकपाई (سبک پائی) फा स्त्री –तेज चलना, शीघ्रगमन, तेजकदमी।
सबुकबार (سبک بار) फा वि –जिसके सर से बोझ उतर गया हो, भारमुक्त, निवृत्त।
सबुकबाल (سبک بال) फा वि –तेज उडनेवाला।
सबुकमग्ज (سبک مغز) फा वि –मदबुद्धि, अल्पबुद्धि, कमअक्ल, तिरस्कृत, अपमानित, बेइज्जत।
सबुकमग्जी (سبک مغزی) फा स्त्री –बुद्धि की मदता, बेअक्ली, तिरस्कार, निंदा, बेइज्जती।
सबुकरफ्तार (سبک رفتار) फा वि –शीघ्रगति, आशुगामी, तजेरौ।
सबुकरफ्तारी (سبک رفتاری) फा स्त्री –तेज चलना, शीघ्र गमन।
सबुकरवी (سبک روی) फा स्त्री –तेज रफ्तारी, तेज चलना।
सबुकरूह (سبک روح) फा अ वि –हँसमुख, जरीफ, निवृत्त, बेतअल्लुक, हर काम मे होशियार, जो किसी से द्वेष, बैर आदि न रखे।
सबुकरूही (سبک روحی) फा अ स्त्री –हँसमुख होना, निवृत्ति, बेतअल्लुकी, फुरती, तेजी, किसी से कोई द्वेष आदि न रखना।
सबुकरौ (سبک رو) फा वि –दे 'सबुकरफ्तार'।
सबुकसंग (سبک سنگ) फा वि –अधम, नीच, कमीना।
सबुकसर (سبک سر) फा वि –अधम, ओछा, लोफर, जो अपना धैर्य और गभीरता छोडकर अपनी जगह से नीचे उतर आये।

सबुकसरी (سبکسری) फा स्त्री –ओछापन, अपनी मर्यादा का त्याग, अपने दरजे से नीचे उतरना।

सबुकसार (سبکسار) फा वि –जो सासारिक बधनो से निवृत्त हो, फारिगल बाल।

सबुकसैर (سبکسیر) फा वि –दे 'सबुकरफ्तार'।

सबुकसैरी (سبکسیری) फा अ स्त्री.–दे 'सबुकरफ्तारी'।

सबुकहिम्मत (سبکہمت) फा अ वि –हतोत्साह, मदोत्साह, अल्पसाहस, कमहौसला।

सबुकहिम्मती (سبکہمتی) फा अ स्त्री –उत्साह और साहस की कमी, कमहिम्मती।

सबुकी (سبکی) फा स्त्री –हलकापन, लज्जा; खिफ्फत, नीचता, कमीनगी।

सबू (سبو) फा पु –घडा, घट, कुभ, शराब की मटकी, मद्यघट, 'सुबू' भी प्रचलित,—"किया है मस्त जिन्हे तेरी चश्मे मैगूने, वह किस लिये हवसे सागरी सबू करते।"

सबूए मै (سبوئے مے) फा पु –शराब का घडा, मद्य-घट।

सबूकश (سبوکش) फा वि –जो पूरा मटका शराब पी जाय, पक्का शराबी।

सबूकशी (سبوکشی) फा स्त्री –शराबनोशी, मद्यपान।

सबूच (سبوچہ) फा पु –छोटा घडा, मटकी।

सबूदान (سبودان) फा पु –घडा रखने की तिपाई आदि।

सबूर (صبور) अ वि –धैर्यवान्, धीरज धरनेवाला, सब्र करनेवाला।

सबूरी (صبوری) अ स्त्री –धैर्य, धीरज, सब्र।

सबूस (سبوس) फा स्त्री –भूसी, तुष।

सबूसाज (سبوساز) फा वि –कुभकार, कुम्हार।

सबूसे अस्पगोल (سبوس اسبغول) फा स्त्री –ईसबगोल की भूसी।

सबूह (صبوح) अ वि –सवेरे तडके पी जानेवाली शराब।

सबूही (صبوحی) अ स्त्री –दे 'सबूह'।

सबूहीकश (صبوحی کش) अ फा वि –सवेरे की शराब पीनेवाला।

सब्अ (سبعہ) अ वि –सात, सप्त, एक सख्या।

सब्अ (سبع) अ वि –सप्त, सात की सख्या।

सब्ग़ (صبغ) अ पु –रगना, रग करना, रजन।

सब्ज (سبزہ) फा पु –हरी घास, हरियाली, सब्ज रग का घोडा।

सब्ज आगाज (سبزہ آغاز) फा वि –जिसकी मूँछ-दाढी के बाल निकलने शुरू हो गये हो, अकुरितयौवन।

सब्ज ख़त (سبزہ خط) फा वि –जिसकी मूँछ-दाढी के बाल नये-नये निकले हो।

सब्ज ख़ेज (سبزہ خیز) फा वि –हरा-भरा, हरियाली से परिपूर्ण।

सब्ज जार (سبزہ زار) फा पु –जहाँ हरियाली ही हरियाली हो, घास का मैदान।

सब्ज रग (سبزہ رنگ) फा वि –हरे रग का, मलीह, नमकीन, साँवला, सलोना।

सब्ज रुख़ (سبزہ رخ) फा वि –दे 'सब्ज ख़त'।

सब्ज रू (سبزہ رو) फा वि –दे 'सब्ज ख़त'।

सब्ज लेब (سبزہ خیز) फा. वि –हरा, हरा रग, हरे रग से रँगा हुआ।

सब्जए ख़ुदरो (سبزۂ خودرو) फा पु –अपने आप जमनेवाली घास।

सब्जए नौख़ेज (سبزۂ نوخیز) फा पु –नयी उगी हुई घास, नयी निकली हुई दाढी, दाढी-मूँछ के नये बाल।

सब्जक (سبزک) फा पु –नीलकठ, चाप।

सब्जकदम (سبزقدم) फा अ वि –जिसका आना अनिष्टकर हो, मनहूसकदम, अशुभचरण।

सब्जक़दमी (سبزقدمی) फा अ स्त्री –आना अशुभ होना।

सब्जकार (سبزکار) फा वि –जिसके हाथ से काम अच्छी तरह निकले, जो हर काम सफलतापूर्वक करे।

सब्जपा (سبزپا) फा वि –दे 'सब्जकदम'।

सब्जपाई (سبزپائی) फा स्त्री –दे 'सब्जकदमी'।

सब्जपोश (سبزپوش) फा वि –हरे रग के कपडे पहननेवाला, हरितावर।

सब्जपोशी (سبزپوشی) फा स्त्री –हरे कपडे पहनना।

सब्जफाम (سبزفام) फा वि –हरे रगवाला, हरिताग।

सब्जफामी (سبزفامی) फा स्त्री –हरा रग होना, शरीर का रग हरा होना।

सब्जबख़्त (سبزبخت) फा वि –भाग्यवान्, खुशकिस्मत, तेजस्वी, प्रतापी, इक्बालमद।

सब्जबख़्ती (سبزبختی) फा स्त्री –भाग्यवानी, प्रताप, इक्बाल।

सब्जरग (سبزرنگ) फा वि –हरे रग का, सलोना, साँवला, मलीह।

सब्जरगी (سبزرنگی) फा स्त्री –हरा रग होना, सलोनापन, साँवलापन।

सब्जाने चमन (سبزان چمن) फा पु –बाग के पेड, बाग के वृक्ष।

सब्जी (سبزی) फा स्त्री –हरापन, हरियालापन, घास, सब्ज, शाक, भाजी, तरकारी, भग, भाँग।

सब्जीख़ोर (سبزی‌خور) फा वि—शाकाहारी, सागपात खानेवाला।
सब्जीनः (سبزینہ) फा पु—साँवले रग का मा'शूक।
सब्जीफरोश (سبزی‌فروش) फा. वि.—साग-तरकारी बेचनेवाला, कुंजडा।
सब्त (سبط) अ स्त्री—छुटे हुए बाल, खुले हुए बाल, बाल जिनका जूडा न बँधा हो।
सब्त (ثبت) अ वि—अकन, लिखना, अकित, लिखित, लिखा हुआ।
सब्त (سبت) अ पु—शनिवार, शब, सनीचर।
सब्बाक (سباک) अ वि—स्वर्णकार, सुनार।
सब्बाग (صباغ) अ वि—रँगनेवाला, रजक, रगरेज।
सब्बागी (صباغی) अ स्त्री—रँगने का काम।
सब्बागे जमी (صباغ زمیں) अ फा पु—रवि, सूरज, क्योकि पृथ्वी के तमाम प्राणिवर्ग, वनस्पतिवर्ग और धातुवर्ग को रग सूरज से ही मिलता है।
सब्बाब. (سبابہ) अ स्त्री—तर्जनी, अँगूठे के पास की उँगली।
सब्बाह् (سباح) अ वि—तैरनेवाला, नदी आदि का तैराक।
सब्बूह (سبوح) अ पु—स्तुति करनेवाला, प्रशसा करनेवाला।
सब्बो शत्म (سب و شتم) अ पु—गाली-गलौज।
सब्र (صبر) अ पु—धैर्य, धीरज, सबूरी, एलुआ, इस अर्थ में 'सिब्र' और 'सबिर' भी है।
सब्रआज्मा (صبرآزما) अ फा वि—वह काम जो सब्र की आजमाइश करे अर्थात् देर में हो।
सब्रतलब (صبرطلب) अ वि—जिसमे सब्र और धैर्य की आवश्यकता हो।
सब्रे ऐयूब (صبر ایوب) अ पु—'हज्रत ऐयूब'-जैसा सब्र और धैर्य।
सब्रो शुक्र (صبرو شکر) अ पु—हर काम मे धीरज धरना और ईश्वर को धन्यवाद देना।
समद (سمند) फा पु—अश्व, घोडा।
समदर (سمندر) फा पु—'सामदर' का लघु, अग्निकीट, आग का कीडा, एक कीडा जिसकी उत्पत्ति अग्नि से है।
समदल (سمندل) फा पु—दे 'समदर'।
सम [स्म] (سم) अ पु—विष, गरल, जह्र, सुई का नाका।
समक (سمک) अ स्त्री—मीन, मत्स्य, मछली; वह मछली जिसकी पीठ पर पृथ्वी स्थिर है।
समकीयाँ (سمکیاں) अ फा पु—मर्त्यवाले, ससारवाले।
समद (صمد) अ वि—श्रेष्ठ, पूज्य, बुजुर्ग, अनीह, नि स्पृह, बेनियाज, नित्य, अनश्वर, दाइम, वह व्यक्ति जो भूखा-प्यासा न हो, ईश्वर।
समदीयत (صمدیت) अ स्त्री—श्रेष्ठता, बुजुर्गी, नि स्पृहता, बेनियाजी, हर प्रकार की इच्छाओ से रहित होना।
समन (ثمن) अ पु—मूल्य, दाम, कीमत।
समन (سمن) अ स्त्री—चमेली का फूल।
समनअंदाम (سمن‌اندام) फा. वि—चमेली के फूल-जैसे शुभ्र और सुगधित अथवा मृदुल शरीरवाला (वाली)।
समनइजार (سمن‌عذار) फा अ. वि.—जिसके गाल चमेली के फूल की तरह मृदुल, कोमल और शुभ्र हो।
समनख़द (سمن‌خد) फा वि—दे 'समनइजार'।
समनजार (سمن‌زار) फा पु—जहाँ चमेली ही चमेली हो, चमेली का वन या बाग।
समनबार (سمن‌بار) फा वि—फूल बरसानेवाला (वाली)
समनबू (سمن‌بو) फा वि—फूल-जैसे सुगधवाला।
समनरू (سمن‌رو) फा वि—चमेली के फूल-जैसा धवल और उज्ज्वल मुख रखनेवाला (वाली)।
समनसाक़ (سمن‌ساق) फा वि—चमेली-जैसी सफेद पिंडलियोवाली सुन्दरी।
समनसीमा (سمن‌سیما) फा वि—चमेली-जैसे माथेवाला (वाली)।
समम (صمم) अ पु—बहरापन, बधिरता।
समरः (ثمرہ) अ पु—फल, मेवा, प्रतिकार, बदला, परिणाम, नतीजा।
समर (سمر) अ पु—कथा, किस्सा, कहानी, कथन, बात।
समर (ثمر) अ पु—फल, मेवा, प्रतिकार, बदला, परिणाम, नतीजा।
समरात (ثمرات) अ पु—'समर' का बहु, फल, मेवे, परिणाम, नतीजे।
समा (سما) अ पु—आकाश, अबर, गगन, आस्मान।
समाँ (سماں) अ मजर, नज्जारा, दृश्य।
समाअ (سماع) अ पु—श्रवण, सुनना, गाना-बजाना, वज्द करना, झूमना।
समाअत (سماعت) अ स्त्री—श्रवण, सुनना, श्रवण-शक्ति, सुनने की कुव्वत।
समाई (سماعی) अ स्त्री—सुना हुआ, सुनी हुई बात।
समाक़ (سماق) अ पु—एक बहुत ही कडा पत्थर, जिसके खरल बहुत कीमती होते हैं।

समाजत (سماحت) अ स्त्री.—निकृष्टता, खरावी, विनती, विनय, खुशामद, गिडगिडाहट।
समानियः (ثمانيه) अ वि—अष्ट, आठ।
समानीन (ثمانين) अ वि—अस्सी।
समावात (سماوات) अ पु—'समा' का वहु, आकाश-समूह, वहुत-से आस्मान।
समावार (سماوار) फा पु—चाय पकाने या पानी गर्म करने का टकीनुमा वर्तन, जिसमे टोटी हो।
समावी (سماوی) अ वि—आस्मानी, आकाशीय, गैवी, दैवी।
समाह् (سماح) अ पु—दे 'समाहत'।
समाहत (سماحت) अ स्त्री—दानशीलता, फैयाजी।
समी (سمی) अ वि—सहनाम, एक नामवाले, तुल्य, समान, मिस्ल।
समीअ (سميع) अ वि—सुननेवाला, ईश्वर का एक नाम।
समीज़ (سميز) अ स्त्री—मैदे की सफेद रोटी।
समीद (سميد) फा स्त्री—दे 'समीज़'।
समीन (سمين) अ वि—मोटा, चर्वीला।
समीन (ثمين) अ वि—मूल्यवान्, कीमती।
समीम (صميم) अ वि—निर्मल, खालिस, हृदय का भीतरी भाग, वधिर, वहरा।
समीमे कल्व (صميم قلب) अ वि—हृदय का भीतरी भाग, तहेदिल, निष्केवलता, खुलूस।
समीर (ثمير) अ वि—फलदार, फलवाला, वह पेड जिसमे फल लगे हो।
समूद (ثمود) अ पु—हज्रत नूह की चौथी पुश्त में एक व्यक्ति का नाम था। उसके वशज 'वनी समूद' कहलाते थे और 'हज्रत सालेह' के अनुयायी थे। इन्होने हज्रत सालेह के साथ गुस्ताखी की थी जिससे सव तवाह हो गये थे।
समूम (سموم) अ स्त्री—कडी लपट, ज़ह्रीली हवा।
समूर (سمور) अ वि—एक जानवर जिसकी खाल से वढिया पोस्तीन बनती है।
समूरी (سموری) अ स्त्री—समूर की खाल का वना हुआ।
समअ (سمع) अ स्त्री—श्रवण, सुनना, श्रवण-शक्ति, समाअत।
समअख़राश (سمع خراش) अ फा वि—कान खानेवाला, वकवक करके कानो को कष्ट देनेवाला।
समअख़राशी (سمع خراشی) अ फा स्त्री—वकवक से कानो को कष्ट देना।
समग़ (صمغ) अ पु—गोद, निर्यास।
समग़े अरवी (صمغ عربی) अ पु—ववूल का गोद।
समत (سمط) अ पु.—मोती, मुक्ता, दे 'सिम्त', दोनो शुद्ध है।
सम्त (صمت) अ. पु—शान्ति, सुकून, मौन, खामोशी।
सम्त (سمت) अ स्त्री—दिशा, तरफ, सदाचार, नेक-चलनी, सरल मार्ग, सीधा रास्ता, आकृति, शक्ल, इरादा, सकल्प, मानस कर्म।
सम्तुर्रास (سمت الراس) अ स्त्री—आकाश का वह विंदु जो मनुष्य के चद्रमा के ठीक सामने पडे, शीर्षविन्दु, आकाश विन्दु, खमध्य।
सम्ते जुनूब (سمت جنوب) अ स्त्री—दक्षिण की दिशा, दक्षिण, दक्खिन।
सम्ते मग्रिब (سمت مغرب) अ. स्त्री—पश्चिम की दिशा, पच्छिम, प्रत्यक्।
सम्ते मश्रिक (سمت مشرق) अ स्त्री—पूर्व की दिशा, पूर्व, प्राक्।
सम्ते मुख़ालिफ (سمت مخالف) अ स्त्री—वामपक्ष, विरोधी दल।
सम्ते शिमाल (سمت شمال) अ स्त्री—उत्तर की दिशा, उत्तर, उदक्।
सम्न (سمن) अ स्त्री—घी, घृत, रौग़न।
सम्मी (سمی) अ वि—विपाक्त, ज़ह्रआलूद, जिसमें ज़ह्र अथवा विप हो।
सम्मीयत (سميت) अ स्त्री—विपत्व, ज़ह्रपन, विष, ज़ह्र, विप का असर।
सम्मे क़ातिल (سم قاتل) अ पु—बहुत ही सख्त विष, जिसके खा लेने से मनुष्य किसी प्रकार न बचे।
सम्साम (صمصام) अ स्त्री—तेज़ तलवार, काटदार तलवार।
सय्याद (صياد) अ वि—शिकारी, आखेटक, लुब्धक, व्याध, चिडीमार, चिडियाँ पकडनेवाला, शाकुनिक।
सय्यादी (صيادی) अ वि—शिकार का पेशा, निर्दयता, सगदिली।
सय्यादे अजल (صياد اجل) अ पु—मौत का शिकारी, मृत्युरूपी व्याध।
सय्याफ (سياف) अ वि—तलवार चलानेवाला, जल्लाद, वधिक।
सय्याल (سيال) अ वि—तरल, वहनेवाला पदार्थ।
सय्यारः (سياره) अ पु—तारा, उडु, ग्रह, सितारा, सैर करनेवाला।
सय्यार (سيار) अ वि—घूमनेवाला, सैर करनेवाला, वह तारा जो घूमता है, स्थिर नही रहता, ग्रह।

सय्यास (سیاس) अ. वि.—राजनीति में निपुण, राजनीतिज्ञ, सियासतदाँ।

सय्याह (سیاح) अ पु—पर्यटक, सियाहत करनेवाला, देश-विदेश घूमनेवाला।

सय्याही (سیاحی) अ स्त्री—पर्यटन, देशाटन, देश-विदेश घूमना, सियाहत करना।

सरगुश्त (سرانگشت) फा स्त्री—उँगली का पोरा, उँगली का सिरा।

सरंजाम (سرانجام) फा पुं—अन्त, अख़ीर, पूर्ति, तकमील; परिणाम, नतीजा, प्रबंध, बंदोबस्त, उपकरण, सामग्री, सामान।

सरः (سره) फा वि—निर्मल, निष्केवल, बेमेल, खालिस, खरा रुपया और सिक्का।

सर (سر) फा. पु—शिर, सिर, मूँड, श्रेष्ठ, उत्तम, ध्यान, खगाल, सिरा, अगला भाग, (उप.) श्रेष्ठता, उच्चता, सिरा, आदि के अर्थ में आता है।

सरअंगुश्त (سرانگشت) फा स्त्री.—दे. 'सरगुश्त' उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरअंजाम (سرانجام) फा पु.—दे. 'सरंजाम', उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरअफ़्गंदः (سرافگنده) फा. वि.—दे. 'सरफ़गंद' उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरआमद (سرآمد) फा. वि.—दे. 'सरामद', उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरक़तार (سرقطار) फा अ. वि—मुखिया, अगुआ, लीडर, नेता।

सरकर्दः (سرکرده) फा वि—अगुआ, सरगना, मुखिया।

सरकर्दगी (سرکردگی) फा स्त्री—अगुआपन, नेतृत्व।

सरक़ल्यान (سرقلیان) फा स्त्री—चिलम, तमाकू पीने की चिलम।

सरकश (سرکش) फा वि—अवज्ञाकारी, नाफर्मान, विद्रोही, बाग़ी; उद्दंड, उजड्ड, अशिष्ट, नामुहज़्ज़ब, मुँहफट, बदलगाम, स्वेच्छाचारी, खुदराय।

सरकशी (سرکشی) फा स्त्री—अवज्ञा, हुक्मउदूली, विद्रोह, बग़ावत, उद्दंडता, उजड्डपन, बदलगामी, मुँहफट होना।

सरकार (سرکار) फा स्त्री—राज्य, हुकूमत, शासक, हाकिम, राष्ट्र, मम्लुकत, बड़े व्यक्तियों के लिए संबोधन का शब्द, कचहरी, न्यायालय, दरबार, राजसभा।

सरकारी (سرکاری) फा वि—राजकीय, हुकूमती, सरकार का।

सरकोचकी (سرکوچکی) फा स्त्री—अधमता, नीचता, पामरता, कमीनगी।

सरकोब (سرکوب) फा. वि—सर कुचलनेवाला, दमन करनेवाला, दमदम।

सरकोबी (سرکوبی) फा. स्त्री—सर कुचलना, दमन करना।

सरख़त (سرخط) फा पु—तनख़्वाह आदि के हिसाब का काग़ज, दस्तख़ती तहरीर, स्टाम्प, तमस्सुक।

सरख़ुश (سرخوش) फा. वि—हल्के नशे में मस्त।

सरख़ुशी (سرخوشی) फा स्त्री—हल्का नशा।

सरख़ैल (سرخیل) फा वि—अपने दल का नायक, सरदार।

सरग़नः (سرغنه) फा वि—मुखिया, सरदार।

सरगर्दां (سرگرداں) फा वि—दे 'सरगश्त'।

सरगर्म (سرگرم) फा वि—तन्मय, तल्लीन, महव, तत्पर, कटिबद्ध, मुस्तइद।

सरगर्मी (سرگرمی) फा स्त्री.—तन्मयता, संलग्नता, मुस्तइद्दी, तत्परता।

सरगर्मेकार (سرگرم کار) फा वि—किसी काम में पूरी तन्मयता से लगा हुआ।

सरगश्तः (سرگشته) फा वि.—हैरान, उद्विग्न, परीशान, रास्ते में भटका हुआ, राह भूला हुआ।

सरगश्तगी (سرگشتگی) फा स्त्री—उद्विग्नता, हैरानी, राह भूल जाना, भटकते फिरना।

सरगर्दानी (سرگردانی) फा स्त्री—दे 'सरगश्तगी'।

सरगिरां (سرگراں) फा वि—रुष्ट, अप्रसन्न, नाखुश, ख़फ़ा।

सरगिरानी (سرگرانی) फा स्त्री—रोष, अप्रसन्नता, ख़फ़गी।

सरगुज़श्त (سرگزشت) फा स्त्री—वृत्तान्त, हाल, घटना, वाक़िआ।

सरगुम (سرگم) फा वि—जिसका आदि और अन्त न हो, जिसकी इब्तिदा और इन्तिहा न हो।

सरगुरोह (سرگروه) फा वि—मुखिया, नायक, अपने दल का सरदार।

सरगोशी (سرگوشی) फा स्त्री—कान से मुँह मिलाकर चुपके-चुपके बातें करना, कानाफूँसी।

सरचंग (سرچنگ) फा पु—यप्पड़, चाँटा, तल-प्रहार।

सरचश्मः (سرچشمه) फा पु—स्रोत, सोत, सोता, उद्‌गम, मख़ज।

सरचस्पाँ (سرچسپاں) फा पु—बोतल या डिब्बे आदि पर चिपकाने का लेबिल।

सरजंग (سرجنگ) फा पु—सेनापति, सिपहसालार।

सरज़दः (سرزده) फा वि—निश्चेष्ट, संज्ञाहीन, बेख़बर।

सरज़द (سرزد) फा वि—घटित, वाक़े'।

सरज़न (سرزن) फा वि—अवज्ञाकारी, उद्दंड, सरकश।

सरज़निश (سرزنش) फा, स्त्री—डाँट-फटकार, भर्त्सना, तबीह।
सरज़नी (سرزنی) फा स्त्री—अवज्ञा, नाफ़र्मानी।
सरज़मीं (سرزمیں) फा स्त्री—पृथ्वी, ज़मीन, देश, मुल्क।
सरज़ूक़ः (سرجوقه) फा पु—दे 'सरगुरोह'।
सरज़ोर (سرزور) फा वि—विद्रोही, बाग़ी, अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान।
सरज़ोरी (سرزوری) फा स्त्री—विद्रोह, बग़ावत, अवज्ञा, नाफ़र्मानी।
सरजोश (سرجوش) फा वि—हर वह चीज जो देग से पहले जोश में उतारी जाय, सार, सत, जौहर।
सरतराश (سرتراش) फा वि—नापित, नाई, सर छीलनेवाला, क्षौरकर्मकार।
सरतराशी (سرتراشی) फा स्त्री—नापित-कर्म, नाई का काम, नाईपन।
सरताज (سرتاج) फा वि—शिरोमणि, सबसे अच्छा, पति, शौहर, स्वामी, मालिक, नायक, सरदार।
सरतान (سرطان) अ पु—दे 'सर्तान'।
सरतापा (سرتاپا) फा वि—सर से पाँव तक, आपादमस्तक, आद्योपान्त, शुरू से आख़िर तक।
सरताबक़दम (سرتابقدم) फा अ वि—दे 'सरतापा'।
सरताबी (سرتابی) फा स्त्री—अवज्ञा, हुक्मउदूली, उद्दंडता, सरकशी।
सरतासर (سرتاسر) फा वि—आदि से अंत तक, शुरू से अख़ीर तक।
सरतेज़ः (سرتیزه) फा पु—संगीन, लंबी पतली छुरी।
सरतेज़ (سرتیز) फा वि—लड़ाकू, जगजू, नोकदार।
सरदफ़्तर (سردفتر) फा वि—हेडक्लर्क, दफ्तर का इनचार्ज।
सर दर गिरीबाँ (سر در گریباں) फा वि—सोच में पड़ा हुआ।
सरदर्द (سردرد) फा पु—सिर की पीड़ा, सर का दर्द, झंझट, जंजाल, बखेड़ा, श्रम, मेहनत।
सरदर्दी (سردردی) फा स्त्री—दे 'सरदर्द'।
सरदस्त (سردست) फा वि—पोच, ओछा, बेकद्र, कलंदरों के हाथ में रखने की लकड़ी।
सरदार (سردار) फा पु—नायक, अध्यक्ष, स्वामी, पति।
सरदारी (سرداری) फा स्त्री—अध्यक्षता, स्वामित्व।
सरनविश्त (سرنوشت) फा स्त्री—भाग्यलेख, तक़दीर का लिखा, वृत्तान्त, हाल।
सरनामः (سرنامه) फा पु—ख़त का अल्क़ाबो आदाब।
सरनाम (سرنام) फा पु—प्रसिद्ध, मशहूर, यशस्वी, नामवर।
सरनिगूँ (سرنگوں) फा वि—सर झुकाये हुए; औंधा, अधोमुख, लज्जित, शर्मिंदा।
सरनिहादः (سرنهاده) फा वि—सर टेके हुए, सर झुकाये हुए।
सरपंजः (سرپنجه) फा वि—हाथ का पंजा, प्रहस्त, अलबुप, शक्तिशाली, ताक़तवर, अत्याचारी, ज़ालिम।
सरपंजगी (سرپنجگی) फा स्त्री—शक्ति, ज़ोर, अत्याचार, ज़ुल्म।
सरपरस्त (سرپرست) फा वि—जो किसी की देख-रेख और पालन-पोषण करे, पोषक, सरक्षक, गार्जियन, अभिभावक, पक्षपाती, हिमायती।
सरपरस्ती (سرپرستی) फा स्त्री—पालन-पोषण, देख-रेख, गार्जियनशिप, अभिभावकता, पक्षपात, तरफ़दारी।
सरपेच (سرپیچ) फा पु—पगड़ी में बाँधने का एक आभूषण।
सरपोश (سرپوش) फा पु—ढक्कन।
सरपोशीद (سرپوشیده) फा स्त्री—कुँवारी लड़की, कुमारी।
सरफ़राज़ (سرفراز) फा वि—दे 'सरफ़ाज़'।
सरफ़राज़ी (سرفرازی) फा स्त्री—दे 'सरफ़ाज़ी'।
सरफ़रोश (سرفروش) फा वि—जान की बाज़ी लगा देनेवाला, जाँनिसार।
सरफ़रोशी (سرفروشی) फा स्त्री—जान की बाज़ी लगाना, जाँनिसारी।
सरफ़िग़द (سرفگنده) फा वि—दे 'सरफ़गंद'।
सरफ़गंदः (سرافگنده) फा वि—सर झुकाये हुए।
सरबंद (سربند) फा पु—जिसका मुँह बंद हो, सर बमुह्र।
सरबकफ़ (سربکف) फा वि—हाथ पर सर रखे हुए, अर्थात् मरने पर उद्यत।
सरबख़्श (سربخش) फा पु—किसी वस्तु के कई भागों में से सबसे बड़ा भाग।
सर ब गिरीबाँ (سر به گریباں) फा वि—दे 'सर दर गिरीबाँ'।
सर बज़ानू (سربزانو) फा वि—घुटनों में सर डाले हुए, उदास, चिंतित।
सर ब मुह्र (سر به مہر) फा वि—मोह्र किया हुआ, बंद किया हुआ, और मुँह पर मोह्र किया हुआ।
सरबर (سربر) फा वि—दे 'सरवरंद'।
सरबरआवर्द. (سربرآورده) फा वि—दे 'सरबरावर्द'।
सरबरहन: (سربرهنه) फा वि—नंगे सर, सर खोले हुए।

सरबरावर्दः (سربرآوردہ) फा वि –प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्ति, बडा आदमी, मुखिया।
सरबराह (سربراہ) फा वि –प्रबधक, मुतजिम।
सरबराहकार (سربراہکار) फा पु –कारकुन, कारिंदा, एजेंट, अभिकर्ता।
सरबराहकारी (سربراہکاری) फा स्त्री –कारिंदगरी, एजेंटी।
सरबराही (سربراہی) फा स्त्री –प्रबध, इतिजाम।
सरबलंद (سربلند) फा वि –प्रतिष्ठित, मुअज्जज।
सरबलंदी (سربلندی) फा स्त्री –प्रतिष्ठा, इज्जतदारी, उत्थान, तरक्की।
सरबसर (سربسر) फा वि –नितान्त, बिल्कुल।
सरबसहरा (سربصحرا) फा अ वि –जगल मे मारा-मारा फिरनेवाला।
सरबस्तः (سربستہ) फा वि –मुँहबद, सर ब मोह्र, गुप्त, पोशीद।
सरबस्त (سربست) फा पु –पहेली, प्रहेलिका।
सरबहा (سربہا) फा पु –खूँबहा, खून की कीमत।
सरबाज (سرباز) फा वि –सिपाही, सैनिक, योद्धा, बहादुर।
सरबाजारी (سربازاری) फा वि –अधम, नीच, लोफर, शोहद।
सरबाजी (سربازی) फा स्त्री –शूरता, वीरता, बहादुरी।
सरबार (سربار) फा पु –सर का बोझ।
सरबारी (سرباری) फा स्त्री –वह छोटा बोझ जो बडे बोझ के ऊपर सिर पर रखते है।
सरबाला (سربالا) फा वि –ऊँचे सर का, सरदार।
सरबुरीदः (سربریدہ) फा वि –जिसका सर काट लिया गया हो।
सरमद (سرمد) फा वि –नित्य, अनश्वर, लाजवाल।
सरमदी (سرمدی) फा वि –नित्यता, लाजवाली।
सरमश्क (سرمشق) फा अ पु –तख्ती, मश्क करने की तख्ती, खुशनवीस का लिखा हुआ कता' जिसे देखकर खुशखती की मश्क की जाती है।
सरमस्त (سرمست) फा वि –उन्मत्त, मदोन्मत्त, बेसुध।
सरमस्ती (سرمستی) फा स्त्री –उन्माद, बदमस्ती।
सरमाय (سرمایہ) फा पु –पूँजी, अस्ल जर, धन, दौलत।
सरमाय.दार (سرمایہدار) फा वि –पूँजीपति, कैपिटलिस्ट, धनवान्, मालदार।
सरमाय.दारान (سرمایہدارانہ) फा वि –पूँजीपतियो-जैसा, धनियो की तरह।
सरमाय.दारी (سرمایہداری) फा स्त्री –पूँजीवाद, रुपया लगाकर गरीबो की मेहनत से नाजाइज नफा कमाना।
सरयान (سریان) फा पु –एक चीज का दूसरी चीज मे प्रवेश।
सररिश्त. (سررشتہ) फा पु –विभाग, महकमा, योग्यता, काबिलीयत, इच्छा, ख्वाहिश, अधिकार, इख्तियार, सूत्र, डोरा।
सरलश्कर (سرلشکر) फा वि –सेनापति, सेनाध्यक्ष, सिपहसालार।
सरलौह (سرلوح) फा अ स्त्री –वह चित्रादि जो किताब के मुखपृष्ठ पर बनाये जाते है।
सरवर (سرور) फा वि –सरदार, सर्वश्रेष्ठ, नायक, प्रधान।
सरवरक (سرورق) फा अ पु –मुखपृष्ठ, पुस्तक का ऊपर का पन्ना जिसमे किताब का नाम आदि होता है।
सरवरी (سروری) फा स्त्री –नायकत्व, अध्यक्षता, सरदारी।
सरवरे कौनैन (سرور کونین) फा अ पु –दोनो लोक के सरदार, हज्रत साहिब की उपाधि।
सरशार (سرشار) फा वि –ऊपर तक भरा हुआ, परिपूर्ण, लबरेज, छलकता हुआ, उन्मत्त, मस्त।
सरशीर (سرشیر) फा स्त्री –दूध की मलाई, दुग्धाग्र, क्षीरसार, बालाई।
सरशेब (سرشیب) फा वि –औधा, अधोमुख।
सरशो (سرشو) फा वि –सर धोने की मिट्टी, जिस चीज से सर धोया जाय।
सरसबद (سرسبد) फा वि –फूलो की टोकरी मे सबसे सुन्दर और सबसे उत्तम फूल।
सरसब्ज (سرسبز) फा वि –हरा-भरा, शाद्वल, समृद्ध, मालदार, सफल, कामयाब, उन्नतिशील, तरक्कीयाफ्त; आबाद, वीरान का उलटा, उपजाऊ, जरखेज।
सरसब्जी (سرسبزی) फा स्त्री –हरा-भरापन, उपजाऊपन, उन्नति, आबादी, सफलता, समृद्धि।
सरसरी (سرسری) फा वि –बेदिली और बेतवज्जुही का काम, जल्दी का काम, उचटती हुई नजर डालने का काम।
सरसोजन (سرسوزن) फा पु –सुई का नाका, सूची-अग्र।
सरहंग (سرہنگ) फा पु –सैनिक, सिपाही, कोतवाल; सेनानायक, फौज का सरदार, अवज्ञाकारी, उद्दड, सरकश।
सरहगजादः (سرہنگزادہ) फा पु –सैनिक-पुत्र, सिपाही का लडका।
सरहद (سرحد) फा स्त्री –सीमा, हद, सीमान्त, आखिरी हद, किसी देश की वह सीमा जो किसी दूसरे देश से मिली हो।

सरहद्दी (سرحدی) फा स्त्री.—सरहद का; सरहद के पास का; सीमान्त का निवासी।

सरहम्माम (سرحمام) फा अ. पु—हम्माम का गर्म कमरा जिसमे नहाया जाता है।

सरहल्क़: (سرحلقہ) फा. वि—सरदार, अध्यक्ष।

सरहिसाब (سرحساب) फा अ वि—सूचित, आगाह, परिचित, वाकिफ; सचेत, होशियार।

सरा (سرا) फा स्त्री—मकान, घर, गृह, पथिकाश्रय, मुसाफिरखाना; स्थान, जगह, (प्र.) गानेवाला, जैसे—'नग़्म सरा' गीत गानेवाला।

सरा (ثرا) अ पु.—ज़मीन का नीचे का तल, पाताल; गीली मिट्टी।

सराइंद: (سرائندہ) फा वि—गानेवाला, गायक।

सराईद: (سرائیدہ) फा वि—गाया हुआ, गीत।

सराए फ़ानी (سرائے فانی) फा. अ स्त्री.—नश्वर स्थान अर्थात् ससार, मृत्युलोक, मर्त्यलोक।

सरापोश (سرآغوش) फा पु—सर के बाल सँवारने और बाँधने की जाली, गेसूपोश।

सराच: (سراچہ) फा पु.—छोटा घर, बडा खेमा, एक बाना।

सरा पर्द: (سراپردہ) फा. पु—पर्देवाला मकान, हरमसरा; बडा खेमा।

सरापा (سراپا) फा. पु—आपादमस्तक, सर से पाँव तक, नितान्त, बिलकुल, नायिका के नख-शिख का पद्यात्मक, वर्णन, उदा—"अल्ला रे हुस्नेयार की सरमस्तियो का रग, डूबे हुए हैं आज सरापा शराब में।"

सरापाख़ुलूस (سراپاخلوص) फा अ वि.—बहुत अधिक मुख़्लिस व्यक्ति।

सरापानियाज़ (سراپانیاز) फा वि—बहुत अधिक विनम्र और विनीत, बहुत बडा भक्त।

सरापारहमत (سراپارحمت) फा अ वि—सर से पाँव तक कृपा और दया ही दया, दया और कृपा की साकार मूर्ति।

सराफ़त (صرافت) अ स्त्री—सिक्के या चाँदी-सोने आदि का खरा होना, कैवल्य, निष्कूटता।

सराफ़ील (سرافیل) फा पु—'इस्राफ़ील' का लघु वह फ़िरिश्त जो क़ियामत के दिन तुरही फूँकेगा, जिससे सारा ब्रह्माड नष्ट हो जायगा।

सराब (سراب) फा पु—वह रेत जो गर्मियो मे दूर से पानी की तरह चमकता हुआ दिखाई पडता है और प्यासे उसे पानी समझकर उसकी ओर दौडते हे, मृगतृष्णा।

सरा बुस्ताँ (سرا بستاں) फा. पु—पाईंबाग, वह बाग़ जो महल या कोठी के साथ हो, गृहोद्यान, गृहवाटिका।

सरामत (صرامت) अ. स्त्री—शूरता, बहादुरी, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी विच्छेद, काटना, फुर्ती, तेज़ी।

सरामद (سرآمد) फा वि—सर्वश्रेष्ठ, सबसे उत्तम; अध्यक्ष, पति, सरदार।

सरायत (سرایت) फा स्त्री—एक चीज़ का दूसरी में प्रवेश, सरयान; प्रभाव, असर।

सराऊ (سراوو) फा स्त्री—एक बडी रग जिसकी फस्द ली जाती है, सरोरू, क़ीफ़ाल।

सरासर (سراسر) फा वि—नितान्त, बिलकुल, एक सिरे से।

सरासीम: (سراسیمہ) फा वि.—उद्विग्न. आतुर, व्याकुल, परीशान, बदहवास।

सरासीमगी (سراسیمگی) फा स्त्री—उद्विग्नता, व्याकुलता, परीशानी, बदहवासी।

सराहत (صراحت) अ स्त्री.—स्पष्टीकरण, वज़ाहत; सविस्तर विवरण, तफ़सील।

सराहतन (صراحتاً) अ. वि.—सराहत के साथ, विस्तार-पूर्वक, सविस्तर।

सरिक़: (سرقہ) अ पु—चोरी, चौर्य, स्तेय, तस्करता, दुज़्दी।

सरिक़त (سرقت) अ स्त्री.—दे 'सरिक़'।

सरिश्त: (سرشتہ) फा. पु—'सररिश्त' का बिगडा हुआ रूप, विभाग, महकमा, डिपार्टमेन्ट।

सरिश्त:दार (سرشتہدار) फा. वि—एक कर्मचारी।

सरिश्त:दारी (سرشتہداری) फा स्त्री.—सरिश्तदार का पद, उक्त पद का काम।

सरी (سری) फा वि—सरदारी, अध्यक्षता।

सरीअ (سریع) अ वि—शीघ्र, तेज़।

सरीउज्ज़वाल (سریع الزوال) अ वि—जो शीघ्र ही नाश हो जाय, जो अधिक देर न रहे, क्षणभगुर।

सरीउत्तासीर (سریع التاثیر) अ वि—जो अपना प्रभाव शीघ्र ही दिखाये, शीघ्रकारी, आशु प्रभावकारी, त्वरित-गुणदायी।

सरीउलअमल (سریع العمل) अ वि—वह दवा जो अपना असर जल्द करे।

सरीउलअसर (سریع الاثر) अ वि—जल्द प्रभाव दिखाने-वाला, शीघ्र गुणकारी।

सरीउलइंज़ाल (سریع الانزال) अ वि—जो पुरुष मैथुन के समय अधिक न ठहर सके, शीघ्रपतन।

सरीउलइंदिमाल (سریع الاندمال) अ वि—वह घाव जो शीघ्र भर जाय।

सरीउलइज्जालः (سریع الازالہ) अ वि –जिसकी हानि-पूर्ति जल्द हो जाय।

सरीउलइन्हिज़ाम (سریع الانهضام) अ वि –जो जल्दी हज़्म हो जाय, लघुपाक।

सरीउलइल्तिहाब (سریع الالتہاب) अ वि –जो शीघ्र ही जलने लगे, जरा-सी गर्मी में आग पकड ले, ज्वलनशील, विस्फोटक।

सरीउलएहसास (سریع الاحساس) अ वि –जो किसी बात का जल्द असर ले।

सरीउलक़बूल (سریع القبول) अ वि.–जो किसी बात या गुण-दोष से जल्द प्रभावित होकर उसे ग्रहण कर ले।

सरीउलग़ज़ब (سریع الغضب) अ वि –जिसे जल्दी ही गुस्सा आ जाता हो, शीघ्रकोपी।

सरीउलफ़ह्म (سریع الفهم) अ वि.–जो हर बात तुरत ही समझ जाता हो, शीघ्रबुद्धि, प्रतिभाशाली।

सरीउलहज़्म (سریع الهضم) अ वि –दे 'सरीउल इन्हिज़ाम'।

सरीउलहरकत (سریع الحرکت) अ वि –तेज चलनेवाला, शीघ्रगति।

सरीउस्सैर (سریع السیر) अ वि –तेज चलनेवाला, शीघ्रगामी।

सरीचः (سریچہ) फा पु –ममोला पक्षी।

सरीद (ثرید) अ पु –शोरबे में चूर की हुई रोटी।

सरीयः (صریمہ) अ पु –काम छोड बैठना, हडताल।

सरीयः (سریہ) अ पु –पैगम्बर साहब के समय की वे लडाइयाँ जिनमे आप सम्मिलित न थे।

सरीर (سریر) अ पु –सिंहासन, तख़्त।

सरीर (صریر) अ स्त्री –लिखते समय कलम की चिरचिराहट, चलते समय मनुष्य के पैर की चाप।

सरीरआरा (سریرآرا) अ फा वि –सिंहासनारूढ, तख़्तनशी, शासक, हुक्मराँ।

सरीरत (سریرت) अ स्त्री –भेद, रहस्य, मर्म, राज़।

सरीरे क़लम (صریرِ قلم) अ स्त्री –कलम की चिरचिराहट जो लिखते समय होती है।

सरीह (صریح) अ वि –स्पष्ट, व्यक्त, साफ, वाज़ेह, खुल्लमखुल्ला।

सरीहन (صریحاً) अ वि –खुल्लम खुल्ला, स्पष्ट रूप से, साफ-साफ।

सरूँ (سروں) फा पु –सींग, शृंग, विषाण।

सरूँगाह (سروں گاہ) फा स्त्री –कनपटी, पशु के सींग निकलने का स्थान।

सरीही (صریحی) अ वि –दे 'सरीहन'।

सरे ज़ुल्फ़ (سر زلف) फा पु –अलक, ज़ुल्फ़, हावभाव, नाज़ोअदा।

सरे तन्हा (سر تنہا) फा पु –अकेला, एकाकी।

सरे दस्त (سر دست) फा वि –तत्काल, इस समय, फ़िलहाल, सम्प्रति।

सरे नौ (سر نو) फा वि –नये सिरे से, फिर से, पुन।

सरे पा (سر پا) फा स्त्री –ठोकर,(पु) पाँव का सिरा, पंजा।

सरे पिस्ताँ (سر پستاں) फा पु –स्तन की घुडी, भिटनी, स्तनवृन्त, नर्मठ।

सरे पै (سر پے) फा स्त्री –ठोकर, (पु) पाँव का अगला भाग, पंजा।

सरे बज़्म (سر بزم) फा पु –भरी सभा में, सबके सामने।

सरे बाज़ार (سر بازار) फा पु –बीच बाज़ार में, सबके सामने, खुल्लमखुल्ला।

सरे बाम (سر بام) फा पु –अटारी पर, छत पर।

सरे बाली (سر بالیں) फा पु –सिरहाने।

सरेमू (سرمو) फा पु –बाल की नोक के बराबर, ज़रा-सा भी, किंचिन्मात्र।

सरे रहगुज़र (سر رهگزر) फा पु –दे 'सरे राह'।

सरे राह (سر راہ) फा पु –रास्ते में, रास्ता चलते हुए।

सरेश (سریش) फा स्त्री –देखें शुद्ध उच्चारण 'सिरेश'।

सरे शाम (سر شام) फा पु –सूरज डूबते समय, सध्यामुख।

सरे शोरीदः (سر شوریدہ) फा पु –वह सर जिसमे प्रेम का पागलपन भरा हो, पागल व्यक्ति का मस्तिष्क।

सरोकार (سروکار) फा पु –प्रयोजन, वास्ता, सम्बन्ध, तअल्लुक़।

सरोद (سرود) फा पु –दे शु उ 'सुरोद' या 'सुरूद'।

सरोपा (سروپا) फा पु –सर-पैर, प्राय 'बे' के साथ बोला जाता है।

सरोवद (سرو بند) फा पु –समय, काल, वक्त, ज़माना।

सरोबर्ग (سرو برگ) फा पु –ध्यान, ख़याल।

सरोबुन (سرو بن) फा पु –सरोपा, सर-पैर, आदि-अंत, शुरू और अख़ीर।

सरोरू (سرورو) फा स्त्री –एक रग, दे 'सरारू'।

सरोश (سروش) फा पु –दे शु उ 'सुरोश'।

सरोसामान (سرو سامان) फा पु –उपकरण, सामग्री, सामान, ज़िंदगी का ज़रूरी सामान।

सर्अ (صرع) अ स्त्री –अपस्मार, मिर्गी रोग।

सर्तान (سرطان) अ पु –कर्क, कर्कट, केकडा, घिंघचा, कर्कराशि, बुर्जे सर्तान।

सर्द (سرد) फा वि –शीतल, ठंडा, मंद, धीमा, निःश्री, बेरौनक, नपुंसक, हीजड़ा।
सर्दखुश्क (سرد خشک) फा वि –वह दवा या गिज़ा जिसमें सर्दी के साथ खुश्की भी हो।
सर्दतर (سردتر) फा वि –बहुत अधिक सर्द, वह दवा जो सर्द के साथ तर भी हो।
सर्दबाज़ारी (سرد بازاری) फा स्त्री –बेरौनकी, श्रीहीनता, बाज़ार भाव का मंदा होना, नाक़द्री, पूछ-ताछ न होना।
सर्दमिज़ाज (سردمزاج) फा. अ वि –जिसकी प्रकृति शीतल हो, शान्त प्रकृति।
सर्दमेह्‌र (سردمہر) फा वि –निःशील, बेमुरव्वत, कठोर, बेरह्‌म, जो बेदिली से मिले।
सर्दमेह्‌री (سردمہری) फा स्त्री –दुःशीलता, बेमुरव्वती, कठोरता, बेरह्‌मी, बेदिली, कमतवज्जुही।
सर्दसेर (سردسیر) फा वि –वह स्थान जहाँ की आबो-हवा सर्द हो।
सर्दाब॰ (سرداب) फा पु –तहख़ान, तलगृह।
सर्दी (سردی) फा स्त्री –शीतता, ठंडक, ठंड का मौसिम, हेमंत ऋतु, ज़ुकाम, प्रतिश्याय।
सर्दोगर्म (سردوگرم) फा वि –गर्म और ठंडा, दुनिया का अच्छा और बुरा।
सर्दोगर्म चशीद॰ (سردوگرم چشیدہ) फा वि –गर्म और ठंडा चखा हुआ अर्थात् अनुभवी।
सर्फ़॰ (صرفہ) फा पु –लाभ, नफ़ा, व्यय, ख़र्च, बारहवाँ नक्षत्र, उत्तराफाल्गुनी, कृपणता, कंजूसी, अधिकता, ज़ियादती, न्याय, इंसाफ़।
सर्फ़ (صرف) अ पु –व्यय, ख़र्च, उपभोग, इस्ते'माल, व्याकरण की एक शाखा, पदव्याख्या।
सर्फ़ी (صرفی) अ वि –जो व्याकरण में 'सर्फ़' का ज्ञाता हो।
सर्फ़ोनह्‌व (صرف و نحو) अ स्त्री –व्याकरण, क़वाइद, पद-व्याख्या और वाक्य-विश्लेषण।
सर्ब (ثرب) अ पु –चर्बी की बारीक चादर जो उदर आदि पर चढ़ी रहती है।
सर्मक़ (سرمق) अ पु –बथुआ, एक साग।
सर्मा (سرما) फा पु –जाड़े का मौसिम, शीतकाल।
सर्माई (سرمائی) फा वि –जाड़े के मौसिम का, जाड़े के पहनने के कपड़े।
सर्माए गुल (سرمائے گل) फा पु –गुलाबी जाड़ा, शुरू बहार का जाड़ा, हलका जाड़ा।
सर्माए तल्ख़ (سرمائے تلخ) फा पु –कड़ा जाड़ा, चिल्ले का जाड़ा।
सर्माज़दः (سرمازدہ) फा वि –जिसे पाला मार गया हो।
सर्मासोख़्तः (سرماسوختہ) फा वि –वह पेड़ जिसे पाला मार गया हो, जो पाले से जल गया हो।
सर्राफ़ः (صرافہ) अ पु –सराफ़ों का बाज़ार, जहाँ चाँदी-सोना बेचनेवालों की मंडी हो।
सर्राफ़ (صراف) अ वि –चाँदी-सोना बेचनेवाला।
सर्राफ़ी (صرافی) अ स्त्री –चाँदी सोना बेचने का काम।
सर्वंदाम (سرواندام) फा वि –सर्व-जैसे सीधे और सुन्दर शरीरवाला।
सर्व (سرو) अ पु –एक प्रसिद्ध पेड़, सरो, जो सीधा और सुन्दर होता है।
सर्वअंदाम (سرواندام) फा वि –दे 'सर्वंदाम'।
सर्वक़द (سروقد) फा वि –दे 'सर्वंदाम'।
सर्वक़ामत (سروقامت) फा अ वि –दे 'सर्वंदाम'।
सर्वत (ثروت) अ स्त्री –धनाढ्यता, समृद्धि, मालदारी, ऐश्वर्य, ऐश, फ़रागत।
सर्वबाला (سروبالا) फा वि –दे 'सर्वंदाम'।
सर्वे आज़ाद (سرو آزاد) फा. पु –वह सर्व जिसमें शाखें और फल न हों।
सर्वे ख़िरामाँ (سرو خراماں) फा पु –चलने-फिरनेवाला सर्व अर्थात् मा'शूक़।
सर्वे चमन (سرو چمن) फा पु –बाग़ का सर्व का पेड़।
सर्वे चिराग़ाँ (سرو چراغاں) फा पु –सर्व के वृक्ष के आकार का काँच का झाड़ जिसमें मोमबत्तियाँ जलती हैं।
सर्वे नाज़ (سرو ناز) फा पु –वह सर्व जिसकी शाखें झुक-कर आपस में मिल गयी हों।
सर्वे बाला (سرو بالا) फा पु –लंबा सर्व।
सर्वे सिही (سرو سہی) फा पु –बिलकुल सीधा सर्व।
सर्शफ़ (سرشف) फा स्त्री –सरसों, एक प्रसिद्ध दाना, जिसका तेल कड़वे तेल के नाम से खाने के काम आता है।
सर्सर (صرصر) फा स्त्री –झक्कड़, गर्म हवा के झोंके, झंझा, तेज़ हवा के झोंके, उदा०—"यह भी अय सय्याद है जौरे फ़लक। कँद हो हम बाग़ में सर सर चले।"
सर्साम (سرسام) अ पु –दिमाग़ के वरम की एक बीमारी, सन्निपात।
सर्सामी (سرسامی) अ वि –सरसाम का रोगी।
सलफ़ः (سلفہ) अ पु –'सलफ़' का बहु, पुराने लोग, पूर्वज।
सलफ़ (سلف) अ पु –पूर्वज, पुराने लोग।
सलवात (صلوات) अ स्त्री –'सलात' का बहु, नमाज़ें, रसूल पर दुरूद।

सला' (صلع) अ पु –बालो का एक रोग, गज।
सला (صلا) अ स्त्री –आवाज देना, बुलाना।
सलाए आम (صلاۓ عام) अ स्त्री –सबका बुलावा, सबकी दा'वत, सार्वजनिक निमन्त्रण।
सलाक (سلاک) फा स्त्री –सोने-चाँदी की सलाख।
सलाख (سلاخ) तु स्त्री –सलाई, शलाका, लोहे की छड, लकीर।
सलात (صلاۃ) अ स्त्री –नमाज, दुरूद।
सलातीन (سلاطین) अ पु.–'सुल्तान' का बहु, बादशाह लोग, शासकगण।
सलाबत (صلابت) अ स्त्री –कठोरता, सख्ती।
सलाम (سلام) अ पु –प्रणाम, तस्लीम, शान्ति, सलामती, लोहे की एक किस्म, घृणा और बेजारी के लिए भी बोलते हैं।
सलामत (سلامت) अ. स्त्री –सुरक्षित, महफूज; जीवित, जिंदा, पूर्ण, पूरा, स्वस्थ, तनदुरुस्त।
सलामत बाशेद (سلامت باشید) अ. फा वा.–जीवित रहो, जिंदा रहो।
सलामतरवी (سلامت روی) अ फा स्त्री –सबसे हेल-मेल से रहना, खर्च आदि में किफायत बरतना।
सलामती (سلامتی) अ स्त्री –शान्ति, अमन, रक्षा, स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती।
सलामी (سلامی) अ वि –किसी बडे आदमी के आने पर तोपो के फैर।
सलामुन अलैकुम (سلامٌ علیکم) अ वा –तुम पर सलामती हो, मुसलमानो का सलाम जो वह एक दूसरे से कहते हैं।
सलामो अलैकुम (سلامٌ علیکم) अ वा –दे 'सलामुन अलैकुम'।
सलामो पयाम (سلام و پیام) अ फा पु –किसी का सलाम के साथ कोई सँदेशा आना, किसी को सलाम के साथ कोई सँदेसा भेजना, लडके या लडकीवालो की ओर से विवाह या सगाई की बातचीत चलना।
सलासत (سلاست) अ स्त्री –सरलता, रवानी, सलीसपन; नम्रता, नर्मी, हलके-फुलके और सुदर शब्दो का व्यवहार जिसमें कोई क्लिष्ट शब्द न हो और न ऐसे शब्द हो जिनसे जबान को तोडना मरोडना पडे।
सलासते जबान (سلاست زبان) अ फा स्त्री –भाषा की मृदुलता, शब्दो का माधुर्य, गद्य या पद्य मे कोमल, मृदुल और सरल उच्चारणवाले शब्दो का प्रयोग, फसाहत।
सलासते बयान (سلاست بیان) अ स्त्री –बातचीत की मधुरता।
सलासिल (سلاسل) अ स्त्री –'सिल्सिल' का बहु, जजीरे, बेडियाँ।
सलाह (صلاح) अ स्त्री –अच्छाई, भलाई, परामर्श, मशवुर, उद्देश्य, मशा, मसूब, राय, तजवीज।
सलाहअदेश (صلاح اندیش) अ फा वि –नेकअदेश, खैरख्वाह, शुभचिंतक, हितैषी।
सलाहकार (صلاح کار) अ फा वि –सदाचारी, नेकअमल, परामर्शदाता, मशवुर देनेवाला, सदुपदेशक, नासेह।
सलाहिफ (سلاحف) अ पु –'सुलहफात' का बहु, 'कछवे'।
सलाहीयत (صلاحیت) अ स्त्री –भलाई, अच्छाई, खूबी; सदाचार, सयम, इद्रिय-निग्रह, पारसाई, योग्यता, पात्रता, अह्लीयत, विद्वत्ता, इल्मीयत, गभीरता, मतानत, मुसाफिरो का पुलिस के रजिस्टर मे इदिराज।
सलाहे कार (صلاح کار) अ फा स्त्री –काम की काबिलीयत, कार्य-क्षमता।
सलाहे नेक (صلاح نیک) अ फा स्त्री –अच्छी सलाह, सत्-परामर्श।
सलाहे बद (صلاح بد) अ फा स्त्री –बुरी सलाह, दुस्समति।
सलाहे वक्त (صلاح وقت) अ स्त्री –समय के अनुसार सलाह, समय की माँग।
सलिसुल बौल (سلس البول) अ पु –एक मूत्ररोग जिसमें पेशाब बार-बार आता है, बहुमूत्र।
सलीक (سلیقہ) अ पु –शिष्टता, तमीज, शुऊर; क्रम, तर्तीब, योग्यता, हुनरमदी, सुघडापा, सुघडया, हर चीज को उसके मुनासिब मौका रखने की तमीज, सभ्यता, तहजीब।
सलीक मद (سلیقہ مند) अ फा वि –शिष्ट, बाशुऊर, सुघड, हुनरमद, सभ्य, मुहज्जब।
सलीक मदी (سلیقہ مندی) अ फा स्त्री –शिष्टता, तमीजदारी, सुघडपन, सभ्यता, तहजीब।
सलीक शिआर (سلیقہ شعار) अ वि –दे 'सलीक मद'।
सलीक शिआरी (سلیقہ شعاری) अ स्त्री –दे 'सलीक-मदी'।
सलीक (سلیک) अ वि –पिरोई हुई चीज, गुथिल, नत्थी, मुसलिक, सलग्न।
सलीब (صلیب) अ स्त्री –सूली, दार, हज्रत ईसा को सूली देने की टिकठी जो चौपारे की आकार की थी; वह चौपारे का चिह्न जो ईसाइयो का धार्मिक चिह्न है, क्रास।
सलीबी (صلیبی) अ वि –सलीब का, सलीब की शक्ल का, ईसाई धर्म सम्बन्धी।
सलीम (سلیم) अ वि –गभीर, शात, मतीन, सहनशील,

बुर्दबार, शांतिप्रिय, जिसे शोरोशर या लड़ाई दंगा पसंद न हो, स्वस्थ, चंगा, तनदुरुस्त।

सलीमुत्तब्अ (سلیم الطبع) अ. वि.—जिसका स्वभाव बहुत ही शांतिप्रिय हो, सौम्य।

सलीमुलमिज़ाज (سلیم المزاج) अ वि—दे 'सलीमुत्तब्अ'।

सलीस (سلیس) अ वि—नर्म, कोमल, मृदुल, सरल, सुगम, आसान; सुबोध, आमफह्म, बालबोध, सभ्य, शिष्ट, तमीज़दार, वह गद्य या पद्य जो बहुत ही सरल और कोमल हो, कोमल।

सल्अः (سلعہ) अ पु—बड़ा मरसा, बतौड़ी, मांसार्बुद।

सल्ख (سلخ) अ पु—खाल खींचना, खाल उतारना, कृष्णपक्ष की अंतिम तिथि।

सल्ज (ثلج) अ पु—हिम, बर्फ़।

सल्जम (سلجم) अ पु.—शल्जम, एक प्रसिद्ध तरकारी।

सल्जूक़ (سلجوق) तु पु—एक व्यक्ति जिससे सल्जूक़ी वंश चला है, इसी की चौथी पुश्त में तुग़्रुल बेग सल्जूक़ नाम का शासक हुआ है।

सल्जूक़ी (سلجوقی) तु पु—सल्जूक़ का वंशज।

सल्तनत (سلطنت) अ. स्त्री—राज्य, राष्ट्र, मुल्क, शासन, सत्ता, हुकूमत।

सल्तनते जुमहूरी (سلطنت جمہوری) अ स्त्री.—जनता का राज, गणतंत्र, जनतंत्र।

सल्तनते शख़्सी (سلطنت شخصی) अ. फा. स्त्री.—व्यक्तिगत राज्य, साम्राज्य।

सल्ब (سلب) अ. पु.—निवारण, दफ़ीअ; विनाश, ख़ातिमा, छीन लेना, जब्त कर लेना।

सल्बे मरज़ (سلب مرض) अ. पुं—किसी के रोग को आत्मशक्ति द्वारा नष्ट कर देना।

सल्म (سلم) अ स्त्री—बच्चों के लिखने की तख़्ती, पाटी, पट्टिका, दे 'सिल्म', दोनों शुद्ध हैं।

सल्मान (سلمان) अ पु—पैग़म्बर साहब के एक सिहाबी सल्मान फ़ारिसी, ईरान का एक शाइर, सल्मान सावजी।

सल्लाख़ (سلاخ) अ पु—खाल उतारनेवाला, जल्लाद, फाँसी देनेवाला, (देखो 'सल्लाख़ी')।

सल्लाख़ी (سلاخی) अ स्त्री—खाल उतारना, पुराने ज़माने में एक सज़ा यह भी थी कि ज़िंदा आदमी की खाल उतार दी जाती थी और इस तरह वह बड़े कष्ट से मारा जाता था, यह काम सल्लाख़ी कहलाता था।

सल्वा (سلویٰ) अ स्त्री—बटेर, एक पक्षी, वार्तक, वाना।

सल्सबील (سلسبیل) अ. स्त्री.—स्वर्ग का एक चश्मा, नर्म और मुलायम चीज़, मदिरा, शराब।

सल्साल (صلصال) अ स्त्री—कच्ची और सूखी मिट्टी, जिससे हज़्रत आदम की सृष्टि हुई।

सवा (سوا) अ. वि—समता, बराबरी; समान, बराबर।

सवाइक़ (صواعق) अ. पु.—'साइक़.' का बहु., बादल से ज़मीन पर गिरनेवाली बिजलियाँ।

सवाकिन (سواکن) अ पुं—'साकिन.' का बहु, निवासी लोग, रहनेवाले।

सवाक़िब (ثواقب) अ पु—'साक़िब' का बहु, रौशनीदार चीज़ें।

सवाते (سواطع) अ पु—'सातिअ' का बहु, ऊँचे स्थान।

सवाद (سواد) अ पु—कालिमा, सियाही; काली बिंदी जो हृदय पर होती है, आस-पास की भूमि, हवाली, प्रतिभा, ज़हानत।

सवादे आ'ज़म (سواد اعظم) अ पु—बड़ा नगर, बड़ी बस्ती।

सवादे कुफ़्र (سواد کفر) अ पुं—नास्तिकों की बस्ती, नास्तिकता का वातावरण।

सवानिहे उम्र (سوانح عمر) अ पुं—दे. 'सवानिहे हयात'।

सवानिहे हयात (سوانح حیات) अ पुं—जीवनी, जीवनचरित, किसी के जीवन का सविस्तर लेख।

सवानेह (سوانح) अ पु—'सानिह' का बहु., घटनाएँ, वाकिआत, दुर्घटनाएँ, हादिसात।

सवानेहनवीस (سوانح نویس) अ फा. वि—समाचारलेखक, वाक़िआ निगार, इतिहासकार, जीवनी-लेखक।

सवानेहनवीसी (سوانح نویسی) अ फा स्त्री—समाचार लिखना, इतिहास लिखना, जीवनी लिखना।

सवानेहनिगार (سوانح نگار) अ फा वि—दे. 'सवानेहनवीस'

सवानेहनिगारी (سوانح نگاری) अ फा स्त्री.—दे. 'सवानेहनवीसी'।

सवाब (صواب) अ वि—यथार्थ, ठीक, दुरुस्त, उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दः; वास्तविकता, हक़ीक़त।

सवाब (ثواب) अ पु.—वह फल जो किसी सत्कर्म करने पर परलोक में मिले, पुण्य।

सवाबअंदेश (صواب اندیش) अ फा वि—ठीक-ठीक सोचनेवाला, अच्छी राय देनेवाला, शुभचिंतक, ख़ैरख़्वाह।

सवाबदीद (صواب دید) अ फा स्त्री—सलाह, मशवरः, अच्छी राय, अच्छी तजवीज़।

सवाबिक़ (سوابق) अ पु—'साबिक़' का बहु, पहलेवाले, गुज़रे हुए।

सवाबित (ثوابت) अ पु—'साबित' का बहु, वे तारे जो गतिशील न हों, ठहरे हुए तारे, उडुगण।

सवाबितो सैयार (ثوابت وسیار) अ. पु.–गतिमान् और अचल सब प्रकार के तारे।

सवामे' (سوامع) अ. पु.–'सामिअ' का बहु., सुनने की शक्तियाँ; सुननेवाले लोग।

सवार (سوار) फा. वि–जो किसी सवारी पर बैठा हुआ हो, आरूढ, अश्वारोही, घुड़सवार।

सवारिक़ (سوارق) अ पु–'सारिक़' का बहु, चोर लोग।

सवारिम (صوارم) अ. पु–'सारिम.' का बहु, धारदार तलवारें।

सवाल (سوال) अ पु–शुद्ध उच्चारण 'सुआल' है, परतु उर्दू मे 'सवाल' ही बोलते है, प्रश्न पूछना, प्रार्थना, इल्तिजा, इच्छा, आकाक्षा, आर्जू, भीख की प्रार्थना, प्रार्थनापत्र, अर्ज़ी।

सवालख़्वानी (سوال خوانی) अ फा स्त्री–अदालत मे आम अर्जियाँ लेने की पुकार।

सवालनामः (سوال نامہ) अ फा पु–प्रश्नावलीपत्र, वह पर्चा जिसमे किसी सभा आदि मे पूछने के सवाल लिखे हो।

सवालात (سوالات) अ पु–'सवाल' का बहु, बहुत से सवाल, प्रश्नावली।

सवालिफ़ (سوالف) अ पु–'सालिफ़' का बहु, गुज़रे हुए लोग, पूर्वज।

सवाली (سوالی) अ वि–याचक, माँगनेवाला, भिक्षुक, भिखमगा।

सवाले वस्ल (سوال وصل) अ पु–नायक की ओर से नायिका से मिलने की इच्छा का इज़हार।

सवालोजवाब (سوال و جواب) अ पु–प्रश्न और उसका उत्तर, प्रश्नोत्तर, वाद-विवाद, कथनोपकथन, बह्स।

सवाहिल (سواحل) अ पु–'साहिल' का बहु, बदरगाहे, समुद्रतट।

सहरः (سحرہ) अ पु–'साहिर' का बहु, जादूगर लोग।

सहर (سحر) अ स्त्री–प्रात काल, प्रात, प्रभात, भोर, तडका, सहरी, सहरगही।

सहर (سہر) अ स्त्री–जागरण, जागना, जाग्रति, बेदारी, जागर्ति।

सहरख़द (سحر خند) अ फा वि–ऐसी मुस्कुराहट जिसमे दाँत खुल जायें, इतना उज्ज्वल जो प्रभात की सफेदी पर हँसे।

सहरख़ेज़ (سحر خیز) अ फा वि–बहुत तडके उठने का अभ्यस्त, तडके सोकर उठनेवाला।

सहरख़ेज़ी (سحر خیزی) अ फा स्त्री–तडके उठने का अभ्यास, सोकर तडके उठना।

सहरगह (سحرگہ) अ फा स्त्री–'सहरगाह' का लघु, दे. 'सहरगाह'।

सहरगही (سحرگہی) अ फा. स्त्री–'सहरगाही' का लघु, दे 'सहरगाही', रोज़ो के दिनो मे पिछली रात का खाना।

सहरगाह (سحرگاہ) अ. फा स्त्री.–बहुत तडके, गजरदम, प्रात काल, गोविसर्ग, उष काल।

सहरगाहाँ (سحرگاہاں) अ. फा स्त्री–दे. 'सहरगाह'।

सहरगाही (سحرگاہی) अ फा स्त्री–सवेरे तडके की, प्रात काल का, प्रात काल सम्बन्धी।

सहरदम (سحردم) अ फा पु–सवेरे-सवेरे, बहुत तडके, गजरदम।

सहरी (سحری) अ वि–प्रात काल का, रमजान के दिनो मे कुछ रात रहे का खाना, जिसे खाकर रोजा रखा जाता है, सहरगही।

सहरोशाम (سحروشام) अ फा पु–सुबह और शाम, सवेरे और सध्या के समय।

सहाइफ़ (صحائف) अ पु–'सहीफ़' का बहु, पुस्तके, ग्रथ, आकाश से उतरी हुई पुस्तके, धर्मग्रथ।

सहाबः (صحابہ) अ पु–मित्रता करना, मित्रगण।

सहाबत (صحابت) अ स्त्री–मित्रता करना, सहायता करना।

सहारा (صحاری) अ पु–'सह्रा' का बहु, जगल, बडे-बडे जगल।

सहारी (صحاری) अ पु–'सह्रा' का बहु, बहुत से जगल, वन-समूह।

सहाह (صحاح) अ वि–स्वस्थ, तनदुरुस्त, निर्दोष, बेऐब, (स्त्री) स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती, पवित्रता, पाकी।

सही (سہی) फा वि–सरल, सीधा, जो लबाई मे सीधा हो, सर्व का सीधा पेड, यह शब्द अकेला सीधे के अर्थ मे बोला नही जाता, दूसरे शब्द से मिलकर बोला जाता है जैसे–'सहीकद' या 'सर्वसही'।

सहीक़ (سحیقہ) अ पु–पिसी हुई चीज, चूर्ण, सुफूफ़।

सहीक़ (سحیق) अ वि–पिसा हुआ, चूर्णित, चूर्ण, सफूफ़।

सहीक़द (سہی قد) फा वि–सीधे और लबे आकार का।

सहीक़ामत (سہی قامت) फा अ वि–दे 'सहीकद'।

सही बाला (سہی بالا) फा वि–दे 'सहीकद'।

सहीफ़ (صحیفہ) अ पु–पुस्तक, किताब, धर्मग्रथ, मजहबी किताब।

सहीफ़ए आस्मानी (صحیفۂ آسمانی) अ फा पु–आस्मान से उतरी हुई किताब जो किसी पैगबर पर उतरी हो।

सहीम (سہیم) अ. वि –भागीदार, हिस्सेदार।

सहीह (صحیح) अ वि –सत्य, सच, यथार्थ, ठीक, निर्दोष, बेऐब, स्वस्थ, चगा, पूर्ण, पूरा, साबित, समूचा, (पु) वे अरबी अक्षर जो 'अलिफ','वाव' और 'ये' के अतिरिक्त हैं।

सहीहुज़्ज़ेहन (صحیح الذہن) अ वि.–जिसका ज़ेहन ठीक हो, जिसकी बुद्धि ठीक हो, जिसके विचार ठीक हो।

सहीहुद्दिमाग़ (صحیح الدماغ) अ वि –जिसका मस्तिष्क ठीक हो, जिसकी अक्ल ठीक काम करती हो, जो पागल न हो।

सहीहुन्नसब (صحیح النسب) अ वि –जिसका वश निर्मल हो, शुद्धरक्त (मनुष्य)।

सहीहुन्नस्ल (صحیح النسل) अ वि –जो अच्छे वश का हो, जिसकी जाति अच्छी हो (पशु)।

सहीहुन्नुत्फ़ः (صحیح النطفہ) अ वि –दे. 'सहीहुन्नसब'।

सहीहुर्राय (صحیح الرائے) अ वि –जिसकी राय ठीक होती हो, बुद्धिमान्।

सहीहुलअक़्ल (صحیح العقل) अ वि.–जिसमें बुद्धिदोष न हो, शुद्धबुद्धि।

सहीहुलफ़ह्म (صحیح الفہم) अ वि –जो बात को जल्द समझता हो, प्रमाता।

सहीहुलमिज़ाज (صحیح المزاج) अ वि –स्वस्थ, नीरोग, तनदुरुस्त, शुद्धात्मा, नेकतबूअ।

सहीहुश्शुऊर (صحیح الشعور) अ वि –जिसकी विवेचन-शक्ति शुद्ध हो।

सहीहोसालिम (صحیح و سالم) अ वि –सुरक्षित, महफ़ूज, स्वस्थ, तदुरुस्त, जीवित, ज़िदा।

सहूर (سحور) अ स्त्री –सहरी, सहरगही, रोज़े के दिनो में सवेरे का खाना जिसके बाद रोज़ा होता है।

सह्क़ (سحق) अ पु –रगडना, पीसना, स्त्रियो का परस्पर चपटी लडाना।

सह्ज (سحج) अ स्त्री –मरोड, आँव, आँतो की मिलन।

सह्न (صحن) अ पु –अजिर, आँगन, अँगनाई, एक रेशमी कपडा।

सह्नक (صحنک) फा स्त्री –छोटा तबाक, रिकाबी, तश्तरी, हज़्रत फातिमा की नियाज़ का खाना।

सह्नची (صحنچی) फा स्त्री –दालान के अगल-बगल की कोठरियाँ।

सह्ने चमन (صحن چمن) अ फा पु –बाग़ के भीतर का सरसब्ज़ तख्ता।

सह्ने बाग़ (صحن باغ) अ फा पु –दे 'सह्ने चमन'।

सह्ने बुस्ताँ (صحن بستاں) अ फा पु –दे 'सह्ने चमन'।

सह्ने मकाँ (صحن مکاں) अ पु –घर का आँगन, अजिर, अगण।

सह्ने लामकाँ (صحن لامکاں) अ पु –अतरिक्ष, खला।

सह्ब (صحب) अ पु –'साहिब' का बहु, मित्रगण, दोस्त।

सह्बा (صہبا) अ स्त्री –मदिरा, मद्य, शराब, लाल र की शराब।

सह्बाई (صہبائی) अ फा वि –मद्यप, सुराशा, शराबी।

सह्बान (سحبان) अ पु –अरब का एक बहुत बडा शाइर।

सह्म (سہم) अ पु –कमान से छूटा हुआ तीर, भाग, अश, हिस्सा।

सह्म (سہم) फा पु –भय, त्रास, डर, खौफ़।

सह्मगीं (سہمگیں) फा वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, खौफज़द।

सह्मनाक (سہمناک) फा वि –भयकर, भयानक, डरा-वना, भयभीत, खौफज़द।

सह्मुलग़ैब (سہم الغیب) अ पु –जन्मपत्री में भाग्य के शुभ ग्रहो का योग।

सह्मुलमौत (سہم الموت) अ पु –मौत का तीर, बाण-रूपी मृत्यु, मृत्युरूपी बाण।

सह्रा (صحرا) अ पु –कानन, अरण्य, वन, जगल, चटयल मैदान, बियाबान।

सह्राई (صحرائی) अ फा वि –जगली, जगल का, जगल सम्बन्धी, असभ्य, उजड्ड, हूश।

सह्राए आ'ज़म (صحرائے اعظم) अ पु –अफ्रीका का रेतीला मैदान जो दुनिया मे सबसे बडा जगल है।

सह्राए क़ियामत (صحرائے قیامت) अ पु –क़ियामत का मैदान जिसमें सारे मुर्दे एकत्र होगे।

सह्राए महशर (صحرائے محشر) अ पु –दे 'सह्राए क़ियामत'।

सह्राए लक्कोदक़ (صحرائے لق ودق) अ पु –चटयल मैदान, जिसमें न वृक्ष हो न पानी।

सह्रागर्द (صحراگرد) अ फा वि –जगलो-जगलो मारा फिरने-वाला, वनचर, काननचारी।

सह्रागर्दी (صحراگردی) अ फा स्त्री –जगलो मे मारा-मारा फिरना।

सह्रानवर्द (صحرانورد) अ फा वि –जगलो की छानबीन करनेवाला, जगलो के ज़खीरे खोजनेवाला, दे 'स गर्द'।

सह्रानवर्दी (صحرانوردی) अ फा स्त्री –जगलो में छानबीन करना, जगलो-जगलो मारा फिरना।

सह्रानशीं (صحرانشیں) अ फा वि –जगल में रहनेवाला, जगल का निवासी।

सह्लानशीनी (صحرانشینی) अ फा स्त्री –जगल मे रहना-सहन करना, जगल मे रहना।
सह्लानियोश (صحرانیوش) अ फा वि.–दे 'सह्लागर्द'।
सह्लंगार (سہل انگار) अ. फा वि –सुगमता ढूंढनेवाला, आलसी, काहिल, सुस्त।
सह्लंगारी (سہل انگاری) अ. फा स्त्री –सुगमता ढूंढना, आलस, काहिली।
सह्ल (سہل) अ. वि –सरस, सुगम, सहज, आसान।
सह्लअंगार (سہل انگار) अ. फा वि –दे 'सह्लगार'।
सह्लअंगारी (سہل انگاری) अ फा. स्त्री.–दे 'सह्लगारी'।
सह्लुलअमल (سہل العمل) अ वि.–वह काम जो सुगमतापूर्वक हो जाय, सुसाध्य, सुखसाध्य।
सह्लुलवुसूल (سہل الوصول) अ वि –जो सहज में वुसूल हो जाय।
सह्लुलहुसूल (سہل الحصول) अ वि –जो सुगमतापूर्वक प्राप्त हो जाय।
सह्ले मुम्तना (سہل ممتنع) अ वि.–ऐसा शे'र जो बहुत सरल जान पडे परतु वैसा कहना असभव हो।
सह्व (صحو) अ पु –सचेष्टता, होशयारी।
सह्व (سہو) अ पु –विस्मरण, प्रमाद, भूल; त्रुटि, भ्राति, गलती।
सह्वन (سہواً) अ वि.–विस्मृतिवश, भूल मे, अज्ञानत, अनजान में।
सह्वे कलम (سہو قلم) अ पु –कलम से कुछ का कुछ लिख जाना, लेखनी-भ्रम।
सह्वे कितावत (سہو کتابت) अ पु –लिखने की त्रुटि, भूल मे कुछ का कुछ लिख जाना।
सह्वे सज्दः (سہو سجدہ) अ पु –नमाज़ मे यह याद न रहना कि एक सज्द किया है या दो।
सह्हास (سہام) अ वि –तीरदाज़, धनुर्धारी।

सा

सा (سان) फा वि –समान, तुल्य, मिस्ल।
सा (سا) फा वि –समान, मानिंद, (प्रत्य) घिसनेवाला, जैसे 'जबीसा' माथा रगडनेवाला।
साअ (ساعہ) अ पु –दे 'साअत', घडी।
साअ (صاع) अ पु –नीची जमीन, २ सेर १४ छटांक और ४ तोले का वज्न।
साअत (ساعت) अ स्त्री –ढाई घटी का समय, एक घटा, मुहूर्त, अच्छी या बुरी घडी, क्षण, लम्हा, समय, वक्त, कियामत का दिन।
साअते उमूमी (ساعت عمومی) अ स्त्री –घटाघर।
साअते नह्स (ساعت نحس) अ स्त्री –बुरी घडी, अशुभ मुहूर्त, जिसमे कोई काम करना उचित न हो।
साअते नेक (ساعت نیک) अ फा स्त्री –अच्छी घडी, शुभ मुहूर्त, जिसमे कोई काम करना लाभकर हो।
साअते बद (ساعت بد) अ फा स्त्री –दे 'साअते नह्स'।
साअते मज्लिसी (ساعت مجلسی) अ. स्त्री –दीवार की घडी, क्लाक।
साअते मनहूस (ساعت منحوس) अ स्त्री –दे 'साअते नह्स'।
साअते संगीं (ساعت سنگیں) अ फा स्त्री –कठिन वक्त, आपत्ति-काल, मुसीबत का समय।
साअते सईद (ساعت سعید) अ स्त्री –दे. 'साअते नेक'।
साआत (ساعات) अ स्त्री –'साअत' का बहु, मुहूरते, घडियाँ, क्षण।
साइंदः (سایندہ) फा. वि –घिसनेवाला, रगडनेवाला, पीसनेवाला, घर्षक।
साइक़ः (صاعقہ) अ स्त्री –गिरनेवाली बिजली, तडित, विद्युत्, बिजली।
साइकःअफ़्गन (صاعقہ افگن) अ फा. वि –बिजलियाँ गिरानेवाला (वाली), वह दृष्टि जो बिजलियाँ गिराये।
साइकःज़ा (صاعقہ زا) अ फा वि –बिजलियाँ पैदा करनेवाला (वाली), वह दृष्टि जिससे बिजलियाँ पैदा हो।
साइक़ःफ़िगन (صاعقہ فگن) अ फा वि –दे 'साइक अफ़्गन'।
साइकःबार (صاعقہ بار) अ फा वि –बिजलियाँ बरसाने वाला (वाली), वह दृष्टि जो बिजलियो की बारिश करे।
साइक (سائق) अ वि –अधे को पीछे से सहारा देकर आगे बढानेवाला, जैसा कि 'काइद' अधे को आगे से सहारा देता है।
साइग़ (صائغ) अ वि –स्वर्णकार, सुनार।
साइद (ساعد) अ पु –पहुँचा, कलाई।
साइद (صاعد) अ वि –ऊपर चढनेवाला।
साइब (صائب) अ वि –पहुँचनेवाला, रसा, शुद्ध, सही।
साइबान (سائبان) फा पु –मकान का छज्जा, छाजन, छप्पर आदि जो धूप की आड को हो।
साइबुर्राय (صائب الرائے) अ वि –जिसकी राय बहुत ठोस और शुद्ध हो।
साइबुलअक्ल (صائب العقل) अ वि –जिसकी बुद्धि ठीक सोचती हो।
साइमः (صائمہ) अ स्त्री –रोज़ादार स्त्री, वह स्त्री जो रोजे से हो।

साइम (صائم) अ. पु –रोज़ दार मर्द, रोज़ा रखनेवाला, व्रती।

साइमुद्दह्र (صائم الدهر) अ पु –हमेशा रोज़ा रखनेवाला, नित्यव्रती।

साइमुल्लैल (صائم اللیل) अ पु –रात का रोज़ा रखनेवाला।

साइरः (سائرہ) अ स्त्री –घूमने-फिरनेवाली।

साइर (سائر) अ वि –घूमने-फिरने वाला, सब, तमाम, शेष, बाकी, चुंगी का महसूल।

साइलः (سائلہ) अ स्त्री –माँगनेवाली, भिखारिन, सवाल करनेवाली।

साइल (سائل) अ पु –सवाल करनेवाला, पूछनेवाला, भिक्षुक, भिखमगा, प्रार्थी, दरख्वास्त देनेवाला, उम्मीदवार, आसरा लगानेवाला।

साइल बकफ़ (سائل بکف) अ फा. वि –हाथ मे माँगनेवाला, जिसके पास माँगने का बर्तन न हो, केवल हाथ हो।

साइस (سائس) अ पु –सईस, घोडे का रखवाला।

साई (ساعی) अ वि –कोशिश करनेवाला, प्रयत्नशील।

साईदः (سائیدہ) फा वि –पिसा हुआ, चूर्णित।

साईदनी (سائیدنی) फा वि –पीसने के लायक।

साए (سائے) फा प्रत्य –दे 'सा'।

साएबान (سائبان) फा पु –दे 'साइबान'।

साक़ः (ساقہ) अ पु –सेना का वह भाग जो पीछे रहता है, चिंदावुल।

साक़ (ساق) अ स्त्री –पिंडली।

साक़िए कमनिगाह (ساقئی کم نگاہ) अ. फा पु –वह साकी जो पीनेवालो की ओर ध्यान न दे।

साक़िए कौसर (ساقئی کوثر) अ पु –कौसर की शराब पिलानेवाला साकी, अर्थात् हज़्रत मुहम्मद।

साक़िए दर्यादिल (ساقئی دریادل) अ फा पु –जो खूबदिल खोलकर पिलाये।

साक़िए महशर (ساقئی محشر) अ पु –कियामत के दिन विहिश्त की शराब पिलानेवाला, पैगबर साहब।

साक़ित (ساقط) अ वि –गिरनेवाला, जाता रहनेवाला, गिरा हुआ, त्यागा हुआ।

साकित (ساکت) अ वि –मौन, चुप, खामोश, गतिहीन, निश्चल, बे हरकत।

साक़ितुलएतिबार (ساقط الاعتبار) अ वि –जिसका विश्वास उठ गया हो, अविश्वासी।

साक़ितुलमिल्कियत (ساقط الملکیت) अ स्त्री –जिस पर अधिकार न रहे।

साकितोसामित (ساکت و صامت) अ वि –जो न बोले न हिले-डुले, जडवत्, निस्तब्ध।

साकिन (ساکن) अ वि –स्थिर, ठहरा हुआ, जिसमें हरकत न हो, निवासी, रहनेवाला, बाशिंद., किसी शब्द का वह अक्षर जो हल् हो।

साकिनुलअव्वल (ساکن الاول) अ. वि –वह शब्द जिसका पहला अक्षर हल् हो, अरबी या फार्सी में ऐसा शब्द नही होता।

साकिनुलआख़िर (ساکن الآخر) अ वि –वह शब्द जिसका अंतिम अक्षर हल् हो, हलंत।

साकिनुलऔसत (ساکن الاوسط) अ वि –वह शब्द जिसका बीचवाला अक्षर हल् हो।

साक़िब (ثاقب) अ पु –चमकनेवाला, प्रकाशमान, एक दर्द जिसमे ऐसा कष्ट होता है जैसे कोई शरीर में छेद कर रहा हो।

साक़िय. (ساقیہ) अ स्त्री –शराब पिलानेवाली स्त्री, छोटी नदी, रहट।

साक़िया (ساقیا) अ फा पु –ऐ साकी।

साक़ी (ساقی) अ वि –शराब पिलानेवाला।

साक़े बिल्लूरीं (ساق بلوریں) अ फा. स्त्री –बिल्लूर-जैसी सफेद और उज्ज्वल पिंडलियाँ।

साक़े सीमीं (ساق سیمیں) अ. फा. स्त्री –चाँदी-जैसी सफेद और चमकदार पिंडलियाँ।

साक़ैन (ساقین) अ स्त्री –दोनो पिंडलियाँ।

साख़्तः (ساختہ) फा वि.–बनाया हुआ, निर्मित, कृत्रिम, मसनूई, कूट, नक़्ली, जाली।

साख़्त. परदाख़्तः (ساختہ پرداختہ) फा वि –बनाया-सँवारा, पाला-पोसा, किया-कराया।

साख़्तरू (ساختہ رو) फा वि –लज्जा से मुँह बनाये हुए, मुँह को पौडर और लिपिस्टिक आदि से सँवारे हुए।

साख़्त (ساخت) फा स्त्री –बनावट, गढत, कृत्रिमता, मसनूईपन; काट, तराश, मिष, बहाना।

साख़्तगी (ساختگی) फा स्त्री –बनावट।

साग़र (ساغر) फा पु –शराब का प्याला, चषक, पानपात्र।

साग़रकश (ساغرکش) फा वि –मद्यप, शराबी।

साग़रनोश (ساغرنوش) फा वि –दे 'सागरकश'।

साग़रपैमा (ساغرپیما) फा वि –दे साग़रकश'।

साग़र बकफ़ (ساغر بکف) फा वि –हाथ में शराब का पैमाना लिये हुए।

साग़र बदस्त (ساغر بدست) फा वि –दे 'साग़र बकफ़'।

साग़री (ساغری) तु स्त्री –गुदा, मलद्वार, मक्अद।

साग़रे मै (ساغر مے) फा. पु.—शराब का प्याला, पानपात्र।

साग़रे सरशार (ساغر سرشار) फा पु—शराब से लबालब प्याला, मुँह तक भरा हुआ प्याला।

साचक़ (ساچق) तु स्त्री—ब्याह से एक दिन पहले की रस्म जिसमे दूल्हा के घर से बरी का सामान मेंहदी, सुहाग पुडा, तेल-इत्र, मेवा-मिस्री आदि कुछ आदमियो के साथ दुल्हन के घर जाता है। (इस शब्द का शुद्ध रूप 'साचिक़' है।)

साचिक़ (ساچق) तु स्त्री—'साचक़' का शुद्ध रूप, परतु उर्दू मे 'साचक' ही बोलते हैं।

साच्मः (ساچمہ) तु पु—छर्रे की थैली, मोटे छर्रों या पैसो की थैली जो तोप मे छुडाई जाती है, जिससे एक साथ बहुत से लोग मरते हैं।

साज (ساج) अ पु—साखू का पेड, साल।

साज़ (ساز) फा पु—उपकरण, सामान, प्रबध, इतिज़ाम, बाजा, वाद्य; मेल-जोल, रब्त-जब्त, अनुकूलता, मुआफ़कत; घोडे का सामान, जैसे ज़ीन, लगाम, काठी आदि (प्रत्य.)।

साज़गर (سازگر) फा वि—बाजा बनानेवाला, वाद्यकार।

साज़गरी (سازگری) फा स्त्री—बाजे बनाने का काम, वाद्यकर्म।

साज़गार (سازگار) फा वि—अनुकूल, मुआफिक, शुभान्वित, मुबारक, जो बात रास आ जाय।

साज़गारी (سازگاری) फा स्त्री—अनुकूलता, मुआफ़कत, शुभकारिता, कल्याण, किसी बात का रास आ जाना।

साजज (ساذج) अ वि—सामान्य, सादा, एक दवा, तेजपात।

साज़बाज़ (سازباز) अ स्त्री—गठजोड, साजिश, किसी ग़लत काम के लिए कुछ लोगो का मतैक्य।

साज़मंद (سازمند) फा वि—सुसज्जित, आरास्ता, अनुकूल, साज़गार।

साज़मंदी (سازمندی) फा स्त्री—सुसज्जा, सजावट; अनुकूलता, साज़गारी।

साज़िंदः (سازندہ) फा वि—साज़ बजानेवाला वादक, तत्री, नाच मे सारगी बजानेवाला।

साज़िंदगी (سازندگی) फा स्त्री—साज़ बजाने का काम, वादकर्म, नाच मे सारगी बजाना।

साजिद (ساجد) अ वि—सज्द करनेवाला, ईश्वर के आगे झुकनेवाला।

साज़िश (سازش) फा स्त्री—किसी को हानि पहुँचाने या अवैधानिक रूप मे किसी से कुछ प्राप्त करने के लिए कुछ लोगो का गुप्त रूप मे गठजोड, षड्यत्र, कुचक्र।

साज़िशकुनिंदः (سازش کنندہ) फा वि—षड्यत्री, कुचक्री, साज़िशी।

साज़िशी (سازشی) फा. वि—चक्रातकारी, कुचक्री, षड्यत्री, साज़िश करनेवाला।

साज़े ऐश (ساز عیش) फा अ पु—भोग-विलास का सामान; खुशी के शादयाने।

साज़े सफर (ساز سفر) फा अ पु—सफर मे साथ जाने का ज़रूरी सामान, यात्रोपकरण।

साज़ो बर्ग (ساز و برگ) फा पु—दे. 'साज़ो सामान', धन-दौलत।

साज़ो सामान (ساز و سامان) फा पु—उपकरण, सामान; किसी काम की ज़रूरी सामग्री, सामान के तैयारी।

सा'तर (صعتر) अ स्त्री—एक घास जो दवा मे काम आती है।

सा'तरबाज़ (صعترباز) अ. फा स्त्री—चपटी लडानेवाली स्त्री।

सातरी (سعتری) अ फा स्त्री—चपटी लडानेवाली स्त्री।

सातिर (ساتر) अ वि—छिपानेवाला, गोपक।

सातूर (ساطور) अ पु—बडी और धारदार छुरी।

साते' (ساطع) अ नि—उत्तुग, ऊँचा, बलद, उज्ज्वल, धवल, शफ्फाफ, दीप्त, रौशन।

सातग़ीं (ساتگیں) तु पु—प्रेयसी, नायिका, माशूक, शराब का प्याला, पानपात्र, चपक।

सादः (سادہ) फा वि—कोरा, बेदाग, भोला-भाला, सीधा, बेडाढी मूँछ का, निर्मल, ख़ालिस, निश्छल, साफ दिल, मूर्ख, बेवकूफ, बे लिखा कागज, या बिना काम बना हुआ कपडा आदि।

सादःकार (سادہ کار) फा. वि.—सादा और हलका काम बनानेवाला, वह सुनार जो ज़ेवरो पर बहुत अच्छा काम बनाये।

सादःकारी (سادہ کاری) फा. स्त्री—साद कार का काम, ज़ेवरो पर बहुत सबुक और बारीक काम बनाना।

सादःतबअ़ (سادہ طبع) फा अ वि—भोला-भाला, सीधा-सादा, सरलस्वभाव।

साद:तबई (سادہ طبعی) फा अ स्त्री—भोला-भाला पन, सीधा-सादापन।

साद.तौर (سادہ طور) फा अ वि—सीधे-सादे आचरण-वाला, जिसमें टीपटाप न हो।

साद.दिल (سادہ دل) फा वि—निश्छल, निष्कपट, साफ दिलवाला, भोला-भाला, बुद्धू, मूर्ख।

साद.दिली (سادہ دلی) फा स्त्री—निश्छलता, साफ-दिली, भोला-भालापन, बुद्धूपन।

साद.पुरकार (سادہ پرکار) फा वि—जो देखने मे सीधा-सादा हो मगर बडा चतुर और छली हो।

सादःपुरकारी (سادہ پرکاری) फा स्त्री –देखने में भोला-भाला होना, परतु बडा छली होना।

साद.मिज़ाज (سادہ مزاج) फा अ वि –दे 'साद तौर'।

सादःमिज़ाजी (سادہ مزاجی) फा अ स्त्री –रचमात्र की सादगी।

साद.रुख़ (سادہ رخ) फा वि –दे 'साद रू'।

सादःरू (سادہ رو) फा वि –जिसके दाढी-मूँछे न निकली हो, परतु जवानी पर पहुँच गया हो, अकुरितयौवन।

साद.लौह (سادہ لوح) अ फा वि –भोला-भोला, निश्छल, बुद्धू, मूर्ख।

सादःलौही (سادہ لوحی) फा अ. स्त्री –भोला-भालापन, बुद्धूपन।

साद वज़्अ (سادہ وضع) फा अ वि –दे 'साद तौर', वेश-भूषा में टीपटाप को पसद न करनेवाला।

सादःवज़्ई (سادہ وضعی) फा अ स्त्री –वेश-भूषा की सादगी, मिज़ाज की सादगी।

सा'द (سعد) अ वि –शुभ, मुबारक, श्रेष्ठ, पुनीत, नेक, बाईसवाँ नक्षत्र, श्रवण।

साद (صاد) अ पुं –अरबी का चौदहवाँ अक्षर, ठीक होने पर बनाया जानेवाला चिह्न (صح), आँख।

सादगी (سادگی) फा स्त्री –कोरापन, भोलापन, निश्छलता, बिना मूर्खता, चिह्न, चित्र या काम बना होना।

सादगीए मिज़ाज (سادگی مزاج) फा अ. स्त्री –स्वभाव की सरलता, सीधा-सादापन।

सादात (سادات) अ पु –'सादत', श्रेष्ठ जन, बुजुर्ग लोग, सैयद खानदान के लोग।

सादिक़ (صادق) अ वि –सत्यवादी, सच्चा, न्यायनिष्ठ, मुसिफ, स्वामिभक्त, वफादार, चरितार्थ, चस्पाँ।

सादिक़ुर्राय (صادق الرائے) अ वि –जिसकी सलाह और राय सच्ची होती हो।

सादिक़ुलअह्द (صادق العہد) अ वि –जो वा'दे का पक्का हो, दृढप्रतिज्ञ, सत्यसकल्प।

सादिक़ुलएतिकाद (صادق الاعتقاد) अ वि –जिसका धर्म-विश्वास अटल हो।

सादिकुलकौल (صادق القول) अ वि –बात का पूरा, कौल का पक्का, सत्यव्रत, सत्यसगर।

सादिक़ुलवा'द (صادق الوعد) अ वि –दे 'सादिकुल अह्द'।

सादिर (صادر) अ वि –न निकलनेवाला, चालू होने वाला, जारी होनेवाला।

सादिर (سادر) अ वि.–निस्तब्ध, चकित, शशदर, उद्विग्न, आतुर, परेशान।

सादिस (سادس) अ. वि –छठा, छठवाँ, षष्ठ।

सा'दुस्सऊद (سعد السعود) अ पु –बृहस्पति ग्रह, मुश्तरी; चौबीसवाँ नक्षत्र, शतभिषा।

सा'दे अक्बर (سعد اکبر) अ पु –बृहस्पति, मुश्तरी।

सा'दे कूफ़ी (سعد کوفی) अ पु.–एक ओषधि, नागरमोथा, भद्रमुस्तक।

सा'दे ज़ाबेह (سعد ذابح) अ पु.–बाईसवाँ नक्षत्र, श्रवण।

सा'दैन (سعدین) अ पु –शुक्र और बृहस्पति, ये दो ग्रह, जोह्र और मुश्तरी।

सान (سان) फा पु –चाकू या छुरी आदि पर धार रखने का पत्थर, पाण।

सानज़द. (سان زدہ) फा वि –सान रक्खा हुआ, पाणित।

सानवी (ثانوی) फा वि –द्वितीय, दूसरा, दूसरे से सम्बन्धित, दूसरावाला।

सानिए क़ुद्रत (صانع قدرت) अ. पु –चित्रकार रूपी प्रकृति, ईश्वर, स्रष्टा।

सानिए मुत्लक़ (صانع مطلق) अ. पु –ईश्वर, मूलस्रष्टा, अस्ली बनानेवाला।

सानिए हक़ीक़ी (صانع حقیقی) अ पु –दे 'सानए मुत्लक़'।

सानिह' (سانحہ) अ पु –दुर्घटना, हादिस, आपत्ति, मुसीबत, कोई बुरे समाचार, किसी के मरने आदि की खबर।

सानिहए इंतिहाल (سانحۂ ارتحال) अ पु –किसी के मरने की दुर्घटना।

सानियः (ثانیہ) अ पु –मिनिट, १।६० घटा, क्षण, लम्हा, दूसरी।

सानियन (ثانیاً) अ वि –दुबारा, पुन, दूसरे यह कि।

सानियलहाल (ثانی الحال) अ वि –दूसरा वक्त, दूसरे समय।

सानी (ثانی) अ वि –द्वितीय, दूसरा, अन्य, दीगर।

साने (صانع) अ वि –निर्माता, बनानेवाला, रचयिता, स्रष्टा, कारीगर।

साफ (صافہ) अ पु –पगडी, शिरोवेष्टन, उष्णीष।

साफ (صاف) अ वि –स्पष्ट, वाज़ेह, पवित्र, पाक, स्वच्छ, शफ्फाफ, निर्मल, खालिस, निर्दोष, बेऐब, सुगम, सरल, आसान, कोरा, बेदाग, चिकना, सपाट।

साफगो (صاف گو) अ फा वि –लगी-लिपटी न रखनेवाला, स्पष्टवादी, मुँहफट, बेबाक।

साफगोई (صاف گوئی) अ फा स्त्री –सच्ची बात कह देना, लगी-लिपटी न रखना, दो टूक बात करना।

साफ़ज़मीर (صاف‌ضمیر) अ वि –जिसका मन साफ हो, जिसके अत करण मे पाप न हो, अत शुद्ध।
साफ़तब्अ (صاف‌طبع) अ विं.–दे 'साफ तीनत'।
साफ़तीनत (صاف‌طینت) अ वि –अत शुद्ध, पवित्रमनस्क, पाकबातिन।
साफ़दिल (صاف‌دل) अ. फा. वि –दे 'साफतीनत', किसी की ओर से मन में द्वेष न रखनेवाला।
साफ़दिली (صاف‌دلی) अ फा स्त्री –अत शुद्धि, चित्त का निर्मल और निष्पाप होना, किसी की ओर से दिल मे द्वेष या वैरभाव न होना।
साफ़बयान (صاف‌بیان) अ. वि –दे 'साफ़गो'।
साफ़बयानी (صاف‌بیانی) अ. स्त्री.–दे. 'साफगोई'।
साफ़बातिन (صاف‌باطن) अ वि –शुद्ध अन्त करणवाला, शुद्धात्मा।
साफ़ बातिनी (صاف‌باطنی) अ स्त्री –आत्मा की शुद्धि, मन की सफाई।
साफ़िए मय (صافئ مے) अ. फा. स्त्री.–शराब छानने का कपडा, छन्ना।
साफ़िन (صافن) अ. स्त्री.–पिंडली की एक रग।
साफ़िल (سافل) अ वि.–निकृष्ट, नीच, नीचा, पस्त, नीचेवाला।
साफ़ी (صافی) अ वि –शुद्ध करनेवाला, शुद्धता, सफाई, छानने का कपडा, छन्ना।
साफ़ी मनिश (صافی منش) अ. फा वि –सदाचारी, अच्छे स्वभाव और व्यवहारवाला।
साफ़ो शफ़्फ़ाफ़ (صاف و شفاف) अ वि –बहुत ही निर्मल और स्वच्छ, बहुत चमक-दमकवाला।
सा'ब (صعب) अ वि.–कठिन, दुष्कर, मुश्किल, अवज्ञाकारी, सरकश, उद्दड।
सा'बतर (صعب‌تر) अ फा. वि –अत्यत कठिन, बहुत ही मुश्किल।
साबिक़: (سابقہ) अ. वि –अगलेवाली, पहली, सम्बन्ध रावित, प्रयोजन, वासित, पिछली जान-पहचान, काम, मुआमल, वह अक्षर या अक्षर-समूह जो किसी शब्द के पहले लाया जाय, उपसर्ग।
साबिक़ (سابق) अ वि –पिछला, गुज़रा हुआ, आगे बढ जानेवाला।
साबिक़ुज़्ज़िक्र (سابق الذکر) अ वि –जिसका ज़िक्र पहले हो चुका हो, पूर्वकथित, पूर्वोक्त।
साबिक़ुलमज़्कूर (سابق المذکور) अ वि –दे 'साविकुज्जिक्र'।
साबिक़े दस्तूर (سابق دستور) अ. वि.–पहले की तरह, पूर्ववत्, जैसा पहले था वैसा ही, यथापूर्व।
साबिग़ (صابغ) अ वि –रँगनेवाला।
साबित (ثابت) अ वि –स्थिर, माकिन, प्रमाणित, मुसल्लम; समग्र, सब, पूरा, समूचा, दृढ, मज़्बूत।
साबितक़दम (ثابت‌قدم) अ वि –जो अपने इरादे पर अटल रहे, दृढनिश्चय–जो अपने कौल और बात पर अटल रहे, दृढ प्रतिज्ञ।
साबित क़दमी (ثابت‌قدمی) अ स्त्री –इरादे की दृढता, कौल और वादे की दृढता।
साबिरः (صابرہ) अ स्त्री –हरेक अवस्था मे ईश्वर पर निर्भर रहनेवाली स्त्री।
साबिर (صابر) अ पु –हर हाल मे ईश्वरेच्छा चाहनेवाला व्यक्ति, सहिष्णु, सहनशील, मुतहम्मिल।
साबिरो शाकिर (صابر و شاکر) अ वि –जो हर साल हाल मे सब्र करे और ईश्वर का धन्यवाद दे।
साबी (صابی) अ वि –धर्म-परिवर्तन करनेवाला, विधर्मी।
साबुन (صابن) अ पु –दे 'साबून', परतु उर्दू मे 'साबुन' ही बोलते है।
साबुनफ़रोश (صابن‌فروش) अ. फा वि –साबुन बेचनेवाला।
साबुनसाज़ (صابن‌ساز) अ फा वि –साबुन बनानेवाला।
साबून (صابون) अ पु –दे 'साबुन'।
साबूनी (صابونی) अ वि –एक प्रकार की मिठाई।
साबे' (سابع) अ वि –सातवाँ, सप्तम।
सामंदर (سام‌اندر) फा पु –समदर, वह कीडा जो आग मे रहता है।
साम (سام) फा पु –शोथ, वरम, सूजन, पीडा, दर्द, अग्नि, आग, रुस्तम के बाप का नाम।
साम (سام) अ स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत, हनन, हलाकी, हज़रत नूह का एक लडका।
सामअंदर (سام‌اندر) फा पु –दे 'सामदर'।
सामान (سامان) फा पु –उपकरण, सामग्री, मसाला, किसी काम के लिए उसकी आवश्यक वस्तुएँ, सजावट, आरास्ती, बदोवस्त, प्रबध, अस्वाव, चीज़ वस्त।
सामाने ऐश (سامان عیش) फा अ पु –सुख और भोग-विलास की सामग्री, उपभोग, सुख-सामग्री।
सामाने ख़ानःदारी (سامان خانہ‌داری) फा पु –घर-गिरस्ती की आवश्यक वस्तुएँ, गृहोपकरण।
सामाने ख़ुरोनोश (سامان خورونوش) फा पु –खाने-पीने की चीजे, खाद्य-सामग्री।

सामाने ज़ीनत (سامان زینت) फा अ पु –अपनी सजावट का सामान, प्रसाधन, जगह आदि की सजावट की सामग्री।

सामाने ज़ुरूरी (سامان ضروری) फा अ पु –आवश्यक वस्तुएँ, उपकल्प।

सामाने मईशत (سامان معیشت) फा अ पु –जीवन-निर्वाह के लिए आवश्यक वस्तुएँ।

सामाने राहत (سامان راحت) फा अ पु –दे 'सामाने ऐश'।

सामाने सफ़र (سامان سفر) फा अ पु –यात्रा मे साथ ले जानेवाली आवश्यक वस्तुएँ।

सामिअः (سامعہ) अ स्त्री –श्रवण-शक्ति, कुव्वते समाअत।

सामिअ़ख़राश (سامعہ خراش) अ फा वि –जो बात कानो को अप्रिय लगे, कर्णकटु, श्रुत्यप्रिय।

सामिअ़.नवाज़ (سامعہ نواز) अ फा वि –जो बात कानो को अच्छी लगे, कर्णप्रिय, कर्ण-सुखद।

सामिईन (سامعین) अ पु –सुननेवाले, श्रोतागण, श्रोतृ-मडली।

सामित (سامت) अ वि –मौन, चुप, ख़ामोश।

सामिन (ثامن) अ वि –आठवाँ, अष्टम।

सामिरी (سامری) अ पु –'सामिरा' नगर का रहनेवाला एक जादूगर, जिसने हज़्रत मूसा की उम्मत मे गाय की पूजा प्रचलित की।

सामिरी फ़न (سامری فن) अ वि –जादूगर, मायावी, छली, वचक, मक्कार।

सामिरीयत (سامریت) अ स्त्री –मायाकर्म, इद्रजाल, जादूगरी।

सामी (سامی) फा वि –उच्च, उत्तुग, वलद, ऊँचा, श्रेष्ठ, पूज्य, वुज़ुर्ग।

सामे' (سامع) अ वि –सुननेवाला, श्रोता।

सामे अब्रस (سام ابرص) अ स्त्री –गृहगोधा, छिपकली, गोह, गोधा।

साय (سایہ) फा पु –छाया, परछाइं, प्रतिबिम्ब, अक्स, प्रेतबाधा, आसेव, आश्रय, शरण, पनाह, पक्षपात, पृष्ठ-पोपण, हिमायत, प्रभाव, असर।

साय अफ्गन (سایہ افگن) फा वि –साया डालनेवाला, रक्षा और कृपा करनेवाला।

साय गाह (سایہ گاہ) फा स्त्री –सुरक्षा स्थान, इत्मीनान की जगह, पनाहगाह।

साय.गुस्तर (سایہ گستر) फा वि –दे 'साय अफ्गन'।

साय ज़द (سایہ زدہ) फा वि –जिसको आसेव ने मारा हो, प्रेतबाधाग्रस्त, भूताविष्ट।

साय.दार (سایہ دار) फा. वि –जिसमें साया हो, जिसके साये में लोग वैठें।

साय·पर्वर (سایہ پرور) फा वि –दे 'साय पर्वर्द'।

साय·पर्वर्दः (سایہ پروردہ) फा वि –लाड-प्यार मे पला हुआ, सुकुमार, घर पाला हुआ, नमक का पला हुआ, किसी की-कृपा से पला हुआ।

साय.फ़िगन (سایہ فگن) फा. वि –दे 'साय अफ्गन'।

साय.रुस्त (سایہ رست) फा वि –लाड-प्यार मे पला हुआ, नाज़पर्वर्द।

सायए आतिफ़त (سایۂ عاطفت) फा अ. पु –अनुकपा और दया की छाँव, अर्थात् कृपा और दया।

सायए तेग़ (سایۂ تیغ) फा पु –तलवारो की छाँव, तलवारो के तले।

सायए दस्त (سایۂ دست) फा पु –सहायता, मदद, सुरक्षा, हिफ़ाज़त।

सार. (سارہ) फा पु –एक प्रकार की चादर; आड, ओट, परदा, उत्कोच, रिश्वत।

सार (سار) फा पु –एक चिडिया, उष्ट्र, ऊँट, (प्रत्य) वाला, जैसे–'शर्मसार' बहुतात, जैसे–'कोहसार', समान, जैसे–'देवसार'।

सारवान (ساربان) फा वि –ऊँटवाला, उष्ट्रपाल।

सारा (سارا) फा वि –निष्केवल, ख़ालिस, बेमेल, अकृत्रिम, ग़ैरमस्नूई।

सारिक़ः (سارقہ) अ स्त्री.–चोर स्त्री।

सारिक (سارق) अ पु –चोर, तस्कर।

सारिफ़ (صارف) अ वि –खर्च करनेवाला, कज़्यूसर, फेरनेवाला, कालचक्र, गर्दिश।

सारिम (صارم) अ स्त्री –बहुत तेज, तलवार, काटदार तलवार।

सारी (ساری) अ वि –सरायत करनेवाला, प्रवेश करने-वाला।

साल (سالہ) फा प्रत्य –सालवाला, जैसे–'यकसाल' एक सालवाला।

साल (سال) फा पु –वत्सर, वर्ष, बरस।

सालख़ुर्द. (سال خوردہ) फा वि –वयोवृद्ध, जरत्, बूढा।

सालख़ुर्द (سال خورد) फा वि –बूढा, जराग्रस्त, वुड्ढा।

सालगिरिह (سال گرہ) फा स्त्री –जन्मदिन, जन्मतिथि, हर साल जन्मदिन पर मनाया जानेवाला उत्सव।

सालनाम· (سالنامہ) फा पु –वह विशेपाक जो कोई पत्रिका वर्ष में एक बार बहुत अच्छे प्रकार से निकाले।

सा'लब (ثعلب) अ स्त्री –लोमडी, लोखडी, शोमगा, लोमशी, लोमालिका।

साल बसाल (سال بسال) फा. वि.–हर साल, वर्ष प्रति वर्ष, प्रतिवर्ष।

सालहा साल (سالہا سال) फा वि –बरसहा बरस, बरसो, मुद्दतो, बहुत अधिक समय तक।

सालानः (سالانہ) फा वि –वार्षिक, आब्दिक, वात्सरिक, साल का।

सालार (سالار) फा पु –सेनापति, सिपहसालार, अध्यक्ष, नायक, सरदार।

सालारी (سالاری) फा स्त्री –सेनापतित्व, सिपहसालारी, अध्यक्षता, सरदारी।

सालारे क़ाफिलः (سالار قافلہ) फा अ. पु –काफिले अर्थात् यात्रीदल का मुखिया।

सालारे कार्वां (سالار کاروان) फा पु –दे 'सालारे काफिल'।

सालारे कौम (سالار قوم) फा. अ पु –राष्ट्र का नेता, मुल्क का लीडर; किसी जाति-विशेष का नेता।

सालारे जंग (سالار جنگ) फा पु –सेनापति, फौज का सरदार।

सालिक (سالک) अ वि –पथिक, बटोही, रस्त गीर; वह व्यक्ति जो गृहस्थाश्रम में रहते हुए बहुत बड़ा साधक हो।

सालिफ (سالف) अ वि –आगे गया हुआ, गुजरा हुआ, पूर्वज।

सालिक़ः (سالقہ) अ स्त्री –कवच, जिरिह।

सालिब (سالب) अ वि –सल्ब करनेवाला, निवारक।

सालिम (سالم) अ. वि –सपूर्ण, समग्र, समूचा; स्वस्थ, तन्दुरुस्त; सुरक्षित महफूज; यथावत्, ज्यो का त्यो।

सालिमन (سالماً) अ. वि –पूरे तौर पर, पूर्णतया, सुरक्षता-पूर्वक, बहिफाजत।

सालियां (سالیاں) फा पु –'साल' का बहु, बरस।

सालियानः (سالیانہ) फा वि.–वार्षिक, सालाना, पु वह हक या इन्आम जो प्रतिवर्ष दिया जाता हो।

सालिस (ثالث) अ वि –तीसरा, तृतीय; मध्यस्थ, पच, बिचौलिया, हकम।

सालिस बिलख़ैर (ثالث بالخیر) अ पु –वह पंच जो किसी का पक्षपात किये बिना अपना निर्णय दे।

सालिसी (ثالثی) अ स्त्री –पचायत, पंचायत द्वारा किसी झगडे का निर्णय।

सालिहः (صالحہ) अ स्त्री –साध्वी, सच्चरित्रा, नेक और पार्सा स्त्री।

सालिह (صالح) अ. वि.–सदाचारी, शुद्धचरित, पुण्य-चरित्र, नेक और परहेज़गार, दे 'सालेह'।

सालिहात (صالحات) अ स्त्री.–'सालिह' का बहु, साध्वी स्त्रियाँ, परहेज़गार औरतें।

सालिहुलकैमूस (صالح الکیموس) अ वि –वह भोजन जिससे अच्छा रस बने जो शुद्ध रक्त बना सके।

साली (سالی) फा वि –पुराना, जीर्ण, (प्रत्य) साल, जैसे 'खुश्कसाली' कह्त का साल।

सालूक (سالوک) अ वि –बहुत अधिक चलनेवाला।

सालूस (سالوس) फा अ. वि –चापलूस, चाटुकार, खुशामदी, छली, वंचक, मक्कार।

सालूसी (سالوسی) फा स्त्री –चाटुकारिता, खुशामद, छल, धूर्तता, फिरेब।

साले आइंदः (سال آئندہ) फा पु –आगामी वर्ष, आनेवाला, साल, अगला साल।

साले ईसवी (سال عیسوی) फा अ पु –वह सवत्सर जो हज़रत ईसा के फाँसी पाने के समय से चला है।

साले कबीसः (سال کبیسہ) फा अ पु –लौंद का साल, वह साल जिसमें लौंद का महीना पडे, वह ईसवी साल जिसमे फरवरी २९ दिन का हो।

साले क़मरी (سال قمری) फा अ. पु –वह साल जिसके महीनो का हिसाब चाँद की घटाबढी से हो।

साले गुज़श्तः (سال گزشتہ) फा पु –गत वर्ष, बीता हुआ साल।

साले जलाली (سال جلالی) फा अ पु –जलालुद्दीन मलिक शाहे सलजूकी का चलाया हुआ साल जो ३६५ दिन और ६ घंटो का होता था, और अब तक वही हिसाब राइज है।

साले तमाम (سال تمام) फा. अ पु.–पूर्ण वर्ष, सारा साल।

साले नबवी (سال نبوی) फा. अ. पु –दे साले हिज्री।

साले पैवस्तः (سال پیوستہ) फा. पु –गुजरा हुआ साल, गत वर्ष।

साले फस्ली (سال فصلی) फा अ पु.–किसानो का साल, जिसके हिसाब से वह लगान देते है।

साले बिक्रमी (سال بکرمی) फा अ पु.–राजा विक्रमादित्य का चलाया हुआ सवत् जो हिन्दुस्तान का मुख्य सवत्सर है।

साले माल (سال مال) फा अ पु –साले फस्ली, किसानो का साल।

साले रवां (سال رواں) फा पु –चालू साल, वह साल जो इस समय चल रहा है, प्रस्तुत वर्ष।

साले शम्सी (سال شمسی) फा अ पु.–वह साल जिसमें सूर्य के गिर्द पृथ्वी का चक्कर पूरा होने पर दिन-रात का हिसाब

होता है और ३६५ दिन से कुछ अधिक समय का पूरा वर्ष गिना जाता है।

सालेह (صالح) अ वि –सदाचारी, शुद्धचरित्र, पुण्यात्मा, नेक और परहेज़गार।

साले हिज्री (سال هجری) फा अ पु –मुसलमानो का साल जो हज़्रत मुहम्मद साहब के मक्का छोडकर मदीने जाने की तारीख से शुरूअ होता है और जिसका हिसाब चाँद की घटा-बढी से है और जो शमसी साल से १०-११ दिन छोटा होता है।

सालो माह (سال وماه) फा पु –वर्ष और महीने।

सा'वः (صعوه) अ स्त्री –इक छोटा पक्षी, ममोला।

सास (ساس) फा पु –खटमल, मत्कुण।

सासान (ساسان) फा पु –बहमन का लडका जो अपनी बहन के डर से भाग गया था और सन्यास धारण कर लिया था, सासानी उसी के वंश के लोग हैं।

सासानी (ساسانی) फा वि –'सासान' के वंशज।

साहत (ساحت) अ स्त्री –विस्तार,विशालता, फैलाव, कुशादगी; चारो ओर की खुली हुई जगह।

साहब (صاحب) अ वि –दे 'साहिब', उर्दू में दोनो प्रकार से बोलते हैं, परतु 'अंग्रेज़' या बडे अफसर के अर्थ में साहब ही कहते हैं।

साहबआलम (صاحب عالم) अ पु –देहली के शाहज़ादो का लकब।

साहबबहादुर (صاحب بهادر) अ फा पु –अंग्रेज़ो का लकब; वह व्यक्ति जो अँगरेजी चाल-ढाल में ढल गया हो।

साहिबः (صاحبه) अ स्त्री –श्रीमती जी, महोदया, महिला, स्त्री, जैसे—'एक साहिब आई हैं'।

साहिब (صاحب) अ पु –एक सम्मान-सूचक शब्द जो नाम के अन्त मे लगाया जाता है, स्वामी, मालिक, मित्र, दोस्त, सहायक, साथी, वाला, जैसे—'साहिबे इल्म' इल्मवाला।

साहिब आलम (صاحب عالم) अ पु –दे 'साहब आलम'।

साहिब कमाल (صاحب کمال) अ वि –हुनरमंद, गुणवान्।

साहिब क़िराँ (صاحب قران) अ. वि –तेजस्वी, प्रतापी, जिसके भाग्य के शुभ ग्रह किसी अच्छी राशि में एकत्र हो। सिकदरे आ'ज़म की उपाधि।

साहिबख़ानः (صاحب خانه) अ. फा पु –घर का मालिक, गृहस्वामी।

साहिब ग़रज (صاحب غرض) अ वि –गरज़मंद, जिसका कोई काम अटका हो, स्वार्थी, खुदगरज।

साहिबज़ादः (صاحب زاده) अ. फा पु –सुपुत्र, भलेमानस का भला लडका।

साहिब दिल (صاحب دل) अ फा वि –सुहृद्, सहृदय, मनस्वी, जो दिल रखता हो, जो मनुष्य को परख सके और बात को समझ सके, पुण्यात्मा, महात्मा, खुदाशनास।

साहिब नज़र (صاحب نظر) अ वि –नज़रवाला, परखने-वाला, पारखी, क़द्रदान, दृष्टिवत।

साहिबनसीब (صاحب نصیب) अ वि –भाग्यशाली, भाग्यवान्, खुशनसीब।

साहिबान (صاحبان) अ पु –'साहिब' का बहु, लोग, मनुष्य, जैसे—सब साहिबान, वाले, जैसे—'साहिबाने कमाल'।

साहिबी (صاحبی) अ वि.–सरदारी, अध्यक्षता, स्वामित्व, मालिकीयत।

साहिबुज़्ज़माँ (صاحب الزمان) अ. वि –हज़्रत इमाम मेहदी का लकब।

साहिबुर्राय (صاحب الرائے) अ वि –जिसकी राय उम्द और सजीद हो।

साहिबुलजरीदः (صاحب الجریده) अ प –अखबार का मालिक।

साहिबे अक़्ल (صاحب عقل) अ वि.–बुद्धिमान्, अक्ल-मद।

साहिबे अख़्लाक़ (صاحب اخلاق) अ वि –जिसका व्यवहार अच्छा हो, सत्त्वशील, शीलवान्।

साहिबे अमल (صاحب عمل) अ वि –जो सिर्फ़ कहता ही न हो बल्कि करता भी हो, कर्मठ।

साहिबे इक़्तिदार (صاحب اقتدار) अ. वि –जिसके हाथ में सत्ता हो।

साहिबे इक़्बाल (صاحب اقبال) अ वि –प्रतापी, तेजस्वी, इक्बालमद, भाग्यशाली, खुशनसीब।

साहिबे इख़्तियार (صاحب اختیار) अ वि –जिसको अधि-कार प्राप्त हो, अधिकार-संपन्न, अधिकारी।

साहिबे ऐ'तिबार (صاحب اعتبار) अ. वि.–विश्वस्त, मो'तबर।

साहिबे औसाफे हमीदः (صاحب اوصاف حمیده) अ वि.–सद्गुण-सपन्न, अच्छे गुणो से परिपूर्ण।

साहिबे कमाल (صاحب کمال) अ. वि.–साहिबे हुनर, गुणवान्।

साहिबे क़लम (صاحب قلم) अ. वि –जो अच्छे क़िस्म का लेखक हो, जिसकी लेखनी में ज़ोर हो।

साहिबे क़िस्मत (صاحب قسمت) अ वि –भाग्यशाली, भाग्यवान्, नसीबेवर।

साहिबे क़ुद्रत (صاحب قدرت) अ वि –समर्थ, सामर्थ्यवान्, ज़ी मक्दरत; शक्तिशाली, ज़ोरावर।

साहिबे क़ुर्आन (صاحب قرآن) अ पु –मुहम्मद साहिब, जिन पर कुरान उतरा है।
साहिबे कुव्वत (صاحب قوت) अ. वि –शक्तिशाली, बलवान्, ज़ोरदार।
साहिबे ख़ानः (صاحب خانہ) अ फा वि –गृहस्वामी, घर का मालिक।
साहिबे ख़ैर (صاحب خیر) अ वि –दानशील, जो अच्छे कामों में रुपया खर्च करता हो।
साहिबे ग़रज (صاحب غرض) अ वि –जिसकी कोई गरज अटकी हो; जो अपनी गरज़ का यार हो, स्वार्थी।
साहिबे ज़बाँ (صاحب زباں) अ फा. वि –जो किसी भाषा का पैदाइशी जानकार हो, अह्ले ज़बान।
साहिबे जमाल (صاحب جمال) अ. वि –रूपवान्, सुन्दर, हसीन।
साहिबे ज़र (صاحب زر) अ फा वि –धनवान्, मालदार।
साहिबे जलाल (صاحب جلال) अ वि –तेजस्वी, तेजवान्, क्रुद्धात्मा, गुस्स वर, उग्रतेजा।
साहिबे जाएदाद (صاحب جائداد) अ. फा वि –सपत्तिवान्, जिसके पास जायदाद हो।
साहिबे जागीर (صاحب جاگیر) अ फा. वि –भूसपत्तिवान्, जिसके पास बहुत से गाँव हो।
साहिबे ज़िला (صاحب ضلع) अ पु –जिलाधीश, जिले का हाकिम, कलक्टर।
साहिबे ज़ुका (صاحب ذکا) अ वि –जिसकी बुद्धि तेज़ हो, कुशाग्रबुद्धि, प्रतिभावान्।
साहिबे ज़ौक (صاحب ذوق) अ वि –रसिक, सहृदय, काव्यमर्मज्ञ, जिसे साहित्य का प्रेम और उसके गुण-दोष की परख हो।
साहिबे तख़्त (صاحب تخت) अ. फा. वि –शासक, नरेश, राजा, बादशाह।
साहिबे तख़्तोताज (صاحب تخت و تاج) अ. फा वि.–नरेश, बादशाह।
साहिबे तदबीर (صاحب تدبیر) अ वि –नीतिज्ञ, सियासतदाँ, बुद्धिमान्, अक्लमद।
साहिबे तमीज़ (صاحب تمیز) अ वि.–सभ्य, शिष्ट, सलीक़ -मद।
साहिबे ताज (صاحب تاج) अ फा वि –शासक, नरेश, बादशाह, मुकुटधारी।
साहिबे ताजोतख़्त (صاحب تاج و تخت) अ फा वि –नरेश, बादशाह।
साहिबे दर्द (صاحب درد) अ फा वि –दयालु, दयावान्, रहमदिल, जो दूसरे का दुःख-दर्द पहचाने।
साहिबे दानिश (صاحب دانش) अ. फा. वि.–बुद्धिमान्, अक्लमद, दूरदर्शी, दूरदेश।
साहिबे दिमाग़ (صاحب دماغ) अ. वि –अहंकारी, घमंडी; बुद्धिमान्, अक्लवर; नकचिढा, मिज़ाज।
साहिबे दिल (صاحب دل) अ फा वि –महात्मा, तत्त्वज्ञानी, आरिफ; दयालु, रहमदिल।
साहिबे दीवान (صاحب دیوان) अ. वि –वह शाइर जिसका दीवान पूरा हो गया हो या छप गया हो।
साहिबे दौलत (صاحب دولت) अ वि.–धनाढ्य, धनवान्, मालदार।
साहिबे नज़र (صاحب نظر) अ. वि –दोष-गुण को पहचाननेवाला, दृष्टिवान्।
साहिबे नसीब (صاحب نصیب) अ वि –भाग्यशाली, खुशकिस्मत।
साहिबे निगाह (صاحب نگاہ) अ. फा. वि –दे 'साहिबे नजर'।
साहिबे नियाज़ (صاحب نیاز) अ फा वि –नियाज़मद, भक्त।
साहिबे निस्बत (صاحب نسبت) अ वि –किसी बडे दरवेश से सम्बन्ध रखनेवाला, किसी बडे ख़ानदान का मुरीद।
साहिबे नुफ़ूज़ (صاحب نفوذ) अ. वि –जिसकी कही पैठ हो, रसाईवाला।
साहिबे फ़िराश (صاحب فراش) अ वि –बीमार, रुग्ण, रोगी, पलग पर पडा रहनेवाला बीमार, जो चल-फिर न सके, रुग्णशय्याग्रस्त।
साहिबे मक़्दूर (صاحب مقدور) अ. वि –धनवान्, रुपयेवाला, मालदार।
साहिबे मज्लिस (صاحب مجلس) अ वि –सभापति, मीर मज्लिस, मज्लिस करनेवाला, जिसके घर मज्लिस हो।
साहिबे महफ़िल (صاحب محفل) अ वि –दे. 'साहिबे मज्लिस'।
साहिबे महबस (صاحب محبس) अ वि –कारागारवासी, क़ैदी।
साहिबे माल (صاحب مال) अ वि –धनवान्, दौलतमद; जिसकी कोई चीज हो, माल का मालिक।
साहिबे मुरव्वत (صاحب مروت) अ वि –सुशील, मुरव्वतवाला।
साहिबे राज़ (صاحب راز) अ फा वि –जिसका कोई भेद हो; जो भेद जानता हो, मर्मज्ञ।

साहिबे राय (صاحب رائے) अ. वि –जिसकी राय शुद्ध और ठीक हो।

साहिबे रीश (صاحب ریش) अ फा वि –डाढीवाला, जिसके डाढी हो, श्मश्रुल।

साहिबे रेश (صاحب ریش) अ फा वि –जिसके शरीर में कोई घाव हो, घाववाला।

साहिबे लौलाक (صاحب لولاک) अ पु –हज़्रत मुहम्मद साहिब का लकब।

साहिबे विलायत (صاحب ولایت) अ वि –बहुत बडा वली, जिसके अधीन कोई इलाका हो, जिसकी रक्षा वह अपनी आत्मशक्ति द्वारा करता हो।

साहिबे शौक़ (صاحب شوق) अ वि –शौकीन, किसी बात का शौक रखनेवाला।

साहिबे सज्जादः (صاحب سجادہ) अ पु –सज्जाद नशीन, गद्दीनशीन, किसी फकीर का जानशीन।

साहिबे सलीक़ः (صاحب سلیقہ) अ वि –सलीक मद, सुघड, ढग के साथ काम करनेवाला (वाली)।

साहिबे हया (صاحب حیا) अ वि –जिसके स्वभाव में शर्मीलापन हो।

साहिबे हिम्मत (صاحب ہمت) अ वि –साहसवाला, साहसी, उत्साही।

साहिबे हैसियत (صاحب حیثیت) अ वि –इज़्ज़त-वाला, प्रतिष्ठित; मालदार, धनी।

साहिबे हौसलः (صاحب حوصلہ) अ वि –दे. 'साहिबे हिम्मत'।

सि

सिगार (سگر) फा पु –छोटा नेज़।

सिंजाब (سنجاب) फा पु –एक जानवर जिसकी खाल की पोस्तीन बनती है, उस जानवर की खाल।

सिंबाद (سندباد) फा पु –हकी अज़ंक की लिखी हुई एक किताब जिसमें उपदेश है।

सिंदान (سندان) फा स्त्री –निहाई, अहरन, वह लोहा, जिस पर रखकर लोहा पीटा जाता है।

सिंदीद (صندید) अ पु –अपने वंश का प्रतिष्ठित और महान् व्यक्ति, किसी देश का बडा और प्रतिष्ठित व्यक्ति।

सिअत (سعت) अ स्त्री –विस्तार, लबाई, चौडाई, फैलाव।

सिआयत (سعایت) अ स्त्री –पिशुनता, चुगुलखोरी, निंदा, बदगोई।

सिकंजबीन (سکنجبین) फा स्त्री –सिर्के मिला हुआ नीबू का शर्बत जो दवामे काम आता है, नीबू का शर्बत जो गर्मी में पीते हैं।

सिकंदर (سکندر) फा पु.–यूनान का एक प्रसिद्ध और प्रतापी नरेश, जो मक्दूनियाँ के नरेश फैलकूस का बेटा और अरस्तू का शागिर्द था।

सिकंदर सौलत (سکندر صولت) फा. अ वि –सिकदर-जैसा रोब-दाब रखनेवाला।

सिकंदरहशम (سکندرحشم) फा अ वि –सिकंदर-जैसी शानोशौकत और बडाई रखनेवाला।

सिकंदरी (سکندری) फा. वि –सिकदर का, सिकदर से सम्बन्धित, घोडे की ठोकर।

सिकंदरे आ'ज़म (سکندر اعظم) फा. अ पु –सिकदरे रूमी की उपाधि, सिकदरे ज़ुलकरनैन।

सिक़ः (ثقہ) अ वि –एक व्यक्ति जो देखने में शरीफ, आचरण में शुद्ध और विश्वस्त हो।

सिक (سک) फा पु –सिर्का।

सिकबा (سکبا) फा. पु –एक खाना जो गेहूँ के दलिए और गोश्त मे सिर्का और किशमिश आदि डालकर बनता है।

सिक़ात (ثقات) अ पु –'सिक़' का बहु, श्रेष्ठ और विश्वस्त लोग।

सिक़ाम (سقام) अ पु –'सकमि' का बहु, रोगी लोग।

सिक़ायः (سقایہ) अ. पु –पानी का हौज़ या टकी जो मस्जिद आदि में होती है और जिसे गलती से लोग सकाब. कहते है।

सिक़ायत (سقایت) अ स्त्री –पानी पिलाना।

सिकालिश (سگالش) फा स्त्री –ध्यान, खयाल, चिंता, फिक्र, परामर्श, मश्वुरः।

सिकीज़ः (سکیزہ) फा पुं –छलाँग मारना, कूदना, लात चलाना, दुलत्ती मारना।

सिक्कः (سکہ) अ पु –रुपया-पैसा, मुद्रा, छाप, मुह्र, धाक, रोब, पद्धति, तर्ज़।

सिक्क:ज़न (سکہ زن) अ फा वि –सिक्का ढालनेवाला, टकसालिया।

सिक्क:जात (سکہجات) अ फा पु –'सिक्क' का बहु, सिक्के।

सिक्कए क़ल्ब (سکۂ قلب) अ पु –दे 'सिक्कए कासिद'।

सिक्कए कासिद (سکۂ کاسد) अ पु –जाली सिक्का, कूटमुद्रा, वह सिक्का जो टकसाली न हो, खोटा।

सिक्कए राइज (سکۂ رائج) अ. पु –वह सिक्का जिसका लेन-देन हो, जो व्यवहृत हो।

सिक्कीन (سکین) अ स्त्री –छुरी, बडा चाकू।

सिक्कीर (سکیر) अ वि.–जो हर समय नशे में धुत रहे।

सिक़्त (سقط) अ. पु –मरा हुआ बच्चा पैदा होना, मरा हुआ बच्चा।
सिक्लात (سقلات) तु पु –एक कीमती ऊनी बानात, सकिरलात।
सिक्ले बत्न (ثقل بطن) अ पु –पेट का भारीपन, अपच, बदहज़्मी।
सिक्ले समाअत (ثقل سماعت) अ पु –बधिरता, बहरापन।
सिख़्न (ثخن) अ पु –मोटाई, दल, दबाजत।
सिग़र (صغر) अ वि –लघुता, छोटाई, ख़ुर्दी।
सिग़रसिन (صغرسن) अ वि –अल्पवयस्क, वयोबाल, कमउम्र।
सिग़रसिनी (صغرسنی) अ स्त्री –अल्पवयस्कता, बाल्यावस्था, कमउम्री।
सिग़ार (صغار) अ पु –'सग़ीर' का बहु, छोटी उम्र के लडके लोग, 'सुग़्रा' का बहु, छोटी उम्र की स्त्रियाँ, लडकियाँ।
सिग़ारो किबार (صغارو کبار) अ पु –छोटे और बडे, बच्चे और जवान और बूढे, छोटे-बडे सब।
सिगाल (سگال) फा स्त्री –चिंता, फ़िक्र, ध्यान, सोच, ख़याल, विचार, (प्रत्य) सोचनेवाला, जैसे—'ख़ैरसिगाल' भलाई सोचनेवाला।
सिगालिंदः (سگالندہ) फा वि –सोचनेवाला।
सिगालिश (سگالش) फा स्त्री –चिन्ता, फ़िक्र, विचार, ख़याल।
सिगालीदः (سگالیدہ) फा वि –सोचा हुआ, विचारा हुआ।
सिगालीदनी (سگالیدنی) फा वि –सोचने योग्य, विचारने योग्य।
सिग्र (صغر) अ पु –दे शुद्ध उच्चारण 'सिग़र', 'सिग्र' ग़लत है।
सिजजल (سجنجل) अ पु –दर्पण, मुकुर, आईना।
सिजाफ़ (سجاف) फा स्त्री –कपडे के चारो ओर लगायी जानेवाली गोट, सजाफ़।
सिजिल [ल्ल] (سجل) अ वि –दस्तावेज़ जो रजिस्ट्रार की मुह्र और दस्तख़त आदि से ठीक हो गयी हो, बैनामा, विक्रयलेख।
सिज्जीन (سجین) अ स्त्री –भयानक कारागार, एक नरक, बुरे आचरणवालो का रजिस्टर।
सिज्जील (سجیل) अ पु –एक पत्थर, कच्चा पत्थर, ककर।
सिज्द. (سجدہ) अ पु –ईश्वर के लिए सर झुकाना, नमाज मे जमीन पर सर रखना।
सिज्दःरेज़ (سجدہ‌ریز) अ फा वि –सज्दा करनेवाला।
सिज्दःरेज़ी (سجدہ‌ریزی) अ फा स्त्री –सज्दा करना, सज्दे मे गिरना।
सिज्न (سجن) अ पु –जेलख़ाना, कारागार।
सितंब. (ستنبہ) फा पु –बुरी और डरावनी शक्ल, स्वप्न मे डरानेवाला भूत।
सितद (ستد) फा स्त्री –लेना, लेन, यह शब्द अकेला नही बोला जाता, 'दाद' के साथ मिलाकर 'दादोसितद' बोलते है।
सितब्र (سطبر) फा वि –मोटा, दलदार, दबीज।
सितम (ستم) फा पु –अत्याचार, अनीति, ज़ुल्म, ईशकोप, गजब, जबर्दस्ती, हठ, बहुत अधिक, बहुत, अधेर।
सितमईजाद (ستم‌ایجاد) फा अ वि –बहुत बडा अत्याचारी, जो नये-नये अत्याचार ईजाद करता हो।
सितमकश (ستم‌کش) फा वि –सितम उठानेवाला, अत्याचार सहनेवाला।
सितमकशी (ستم‌کشی) फा स्त्री –अत्याचार सहना, सितम बरदाश्त करना।
सितमकशीदः (ستم‌کشیدہ) फा वि –सितम उठाये हुए, अत्याचार सहा हुआ, मज़्लूम, पीडित।
सितमकुश्तः (ستم‌کشتہ) फा वि –जो किसी के अत्याचार से मारा गया हो।
सितमकेश (ستم‌کیش) फा वि –जिसका स्वभाव ही अत्याचार करना हो, बहुत बडा अन्यायी।
सितमगर (ستم‌گر) फा वि –सितम करनेवाला, अत्याचारी—"मैंने चाहा था कि अनदोहे जफ़ा से छूटूँ। वह सितमगर मेरे मरने पे भी राज़ी न हुआ।"
सितमगरी (ستم‌گری) फा स्त्री –अत्याचार करना।
सितमगार (ستم‌گار) फा वि –दे 'सितमगर'।
सितमगारी (ستم‌گاری) फा स्त्री –दे 'सितमगरी'।
सितमगिर्वीदः (ستم‌گرویدہ) फा वि –जो किसी के अत्याचारो पर मुग्ध हो, जो चाहता हो कि उस पर अत्याचार होते ही रहे अर्थात् प्रेमी।
सितमगिर्वीदगी (ستم‌گرویدگی) फा स्त्री –अत्याचार पर मुग्ध होना, यह चाहना कि अत्याचार होते रहे।
सितमज़द (ستم‌زدہ) फा वि –अत्याचारग्रस्त, जिस पर सितम हो, मज़्लूम, पीडित।
सितमज़दगी (ستم‌زدگی) फा स्त्री –सितमज़द होना।
सितमज़रीफ़ (ستم‌ظریف) फा अ वि –जो हँसी-हँसी मे अत्याचार करे, हंसते-हँसते मार रखनेवाला।

सितमज़रीफ़ी (ستم ظریفی) फा अ स्त्री.—हँसी के पर्दे में अत्याचार करना।

सितमदीदः (ستم دیدہ) फा वि—दे 'सितमकशीद'।

सितमपर्वर्दः (ستم پروردہ) फा वि—जिसका जीवन सितम सहते बीता हो।

सितमपेश (ستم پیشہ) फा वि—दे 'सितमकेश'।

सितमपेशगी (ستم پیشگی) फा स्त्री—सितमपेश होना।

सितमरसीदः (ستم رسیدہ) फा वि—दे 'सितमकशीद'।

सितमरानी (ستم رانی) फा स्त्री—सितम करना, पीडा देना।

सितमशिआर (ستم شعار) फा वि—दे 'सितमकेश'।

सितमशिआरी (ستم شعاری) फा अ. स्त्री—सितमशिआर होना, स्वभाव मे अत्याचार होना।

सितां (ستاں) फा प्रत्य—लेनेवाला, जैसे—'जाँसितां' प्राण लेनेवाला।

सिता (ستا) फा प्रत्य—प्रशंसा करनेवाला, जैसे—'खुद-सिता' अपनी प्रशसा करनेवाला।

सिताइंदः (ستائندہ) फा वि—प्रशसक, तारीफ करनेवाला।

सिताइश (ستائش) फा स्त्री—प्रशसा, श्लाघा, तारीफ़, स्तुति, हम्दोसना।

सिताइशगर (ستائش گر) फा वि—प्रशसक, तारीफ करने-वाला, स्तुतिकर्ता, हम्द करनेवाला।

सिताईदः (ستائیدہ) फा वि—प्रशस्त, तारीफ किया हुआ।

सिताज़न (ستازن) फा वि—सितार बजानेवाला, तंत्री।

सिताद. (ستادہ) फा वि—'इस्ताद' का लघु, खडा हुआ।

सितानिंद. (ستانندہ) फा वि—लेनेवाला, ग्राहक।

सितारः (ستارہ) फा पु—तारा, उडु, ग्रह, सैयार, भाग्य, तक्दीर।

सितारःजबीं (ستارہ جبیں) फा वि—दे 'सितारःपेशानी'।

सितारःदाँ (ستارہ داں) फा वि—ज्योतिषी, नुजूमी।

सितारःपरस्त (ستارہ پرست) फा वि—तारो की पूजा करनेवाला।

सितारःपेशानी (ستارہ پیشانی) फा वि—वह घोडा जिसके माथे पर सफेद छोटा चिह्न हो, ऐसा घोडा अशुभ समझा जाता है।

सितारःबीं (ستارہ بیں) फा वि—ज्योतिषी, नुजूमी।

सितारःबीनी (ستارہ بینی) फा स्त्री—ग्रहो के द्वारा शुभा-शुभ फल का ज्ञान।

सितारःशनास (ستارہ شناس) फा वि—ज्योतिषी, नुजूमी।

सितारःशनासी (ستارہ شناسی) फा स्त्री—ज्योतिष, नुजूम।

सितार (ستار) फा पु—एक बाजा, तंत्री।

सितारज़न (ستارزن) फा वि—सितार बजानेवाला, तंत्री।

सिताम (ستام) फा पु—घोडे का आभूषण।

सिती (ستی) फा स्त्री.—साध्वी, सती, पार्सा स्त्री।

सितूदः (ستودہ) फा वि—प्रशस्त, तारीफ किया हुआ।

सितूदःऔसाफ (ستودہ اوصاف) अ फा वि—दे 'सितूद-सिफात'।

सितूदःकार (ستودہ کار) फा वि—जिसका काम काबिले तारीफ हो।

सितूदःखसाइल (ستودہ خصائل) फा अ वि—जिसकी आदतें तारीफ के योग्य हो, अच्छे स्वभाववाला।

सितूद सिफात (ستودہ صفات) फा अ वि—जिसके गुण प्रशसनीय हो, अच्छे गुणोवाला।

सितेज़. (ستیزہ) फा पु—युद्ध, लडाई, जग।

सितेज़ (ستیز) फा पु—युद्ध, जग, लडाई, शत्रुता, दुश्मनी, प्रतिकूलता, नामुआफकत।

सितेज़ाँ (ستیزاں) फा वि—युद्ध करता हुआ, लडता हुआ।

सितेज़िंदः (ستیزندہ) फा वि—लडनेवाला, योद्धा।

सितेहिश (ستیہش) फा स्त्री—लडाई, झगडा, युद्ध।

सित्त (ستہ) अ वि—छै, षट्।

सित्त.अशर (ستہ عشر) अ वि—सोलह, षोडश।

सित्रः (سترہ) अ पु—कोट, बडा कोट।

सित्र (ستر) अ पु—पर्दा, छिपाव, घूँघट।

सिदी (ثدی) अ स्त्री—स्तन, पिस्ताँ, मर्द का हो या स्त्री का, दे 'सदी'।

सिद्ई (ثدئی) अ स्त्री—'सिदी' का शुद्ध उच्चारण यही है, स्तन, चूची, दे 'सद्इ'।

सिद्क़ (صدق) अ पु—सत्यता, सच्चाई, यथार्थता, वाकिईयत, निश्छलता, खुलूस।

सिद्क़दिली (صدق دلی) अ फा स्त्री—निश्छलता, निष्कपटता, स्वभाव की सरलता, खुलूस।

सिद्क़मक़ाल (صدق مقال) अ वि—बात का पक्का, जो कह दे उसे अवश्य करनेवाला, सत्यधृति, सत्यवचन, सत्य-वादी, सच बोलनेवाला।

सिद्क़मक़ाली (صدق مقالی) अ स्त्री—बात कहकर उसे निबाहना, वचन की दृढता, सच बोलना।

सिद्क़शिआर (صدق شعار) अ वि—सत्यनिष्ठ, सच्चाई को हाथ मे न देनेवाला।

सिद्क़शिआरी (صدق شعاری) अ स्त्री—सच्चाई पर दृढता, सत्यनिष्ठता।

सिद्क़े आ'माल (صدق اعمال) अ पु—आचरण की शुद्धि, किसी अच्छे फल की कामना के विना धर्म करना।

सिद्क़े नीयत (صدق نیت) अ पु—अंत शुद्धि, मन की पवित्रता, किसी की चीज की ओर नजर न करना, ईमानदारी।

सिद्दीक़ (صدیق) अ वि—बहुत ही सच्चा और जाँनिसार दोस्त जिस पर किसी अवस्था मे भी भरोसा किया जा सके।

सिद्दीक़े अक्बर (صدیق اکبر) अ पु—इस्लाम के पहले खलीफा हज़्रत अबूबक्र की उपाधि।

सिद्र: (سدرہ) अ. पु—स्वर्ग के सबसे ऊँचे मकान पर एक बेर का पेड।

सिद्रतुलमुंतहा (سدرۃالمنتہی) अ पु—बेर का एक पेड जो सातवे आस्मान पर है, और जहाँ तक किसी की पहुँच नही है, केवल 'जिब्रील' जा सकते हैं, उससे आगे कोई नही जा सकता।

सिन [न्न] (سن) अ पु—आयु, उम्र, साल, दंत, दशन, दाँत।

सिनरसीद: (سن‌رسیدہ) अ फा वि—वयोवृद्ध, गतायु, बूढा।

सिनरसीदगी (سن‌رسیدگی) अ फा स्त्री—वृद्धावस्था, बुढापा।

सिनाँ (سناں) फा स्त्री—बाण की नोक, अनी, बर्छा, भाला, कुंत, शक्ति, बरछी की नोक।

सिनाँकश (سناں‌کش) फा वि—तीरंदाज, धनुर्धर।

सिनाअत (صناعت) अ स्त्री—व्यवसाय, उपजीविका, पेशा, शिल्प, दस्तकारी, कारीगरी।

सिनान (سنان) स्त्री—दे 'सिनाँ'।

सिनीन (سنین) अ पु—'सिन' का बहु, बरस, साल।

सिनीने माज़ियः (سنین ماضیہ) अ पु—गुजरे हुए बरस, बीते हुए साल।

सिनीने मुस्तक़्बिल (سنین مستقبلہ) अ पु—आनेवाला साल, आगामी बरस।

सिने तमीज़ (سن تمیز) अ पु—अच्छे-बुरे मे विवेक कर सकने की आयु, प्रौढावस्था।

सिने बुलूग़ (سن بلوغ) अ पु—बालिग होने की उम्र, युवावस्था।

सिने शबाब (سن شباب) अ पु—जवानी की उम्र, युवावस्था।

सिने शुऊर (سن شعور) अ पु—दे 'सिने तमीज़'।

सिने शैख़ूख़त (سن شیخوخت) अ पु—जरावस्था, बुढापा, बुढापे की आयु।

सिन्नौर (سنور) अ स्त्री—बिल्ली, मार्जारी।

सिन्फ़ (صنف) अ स्त्री—जाति, जिंस, वर्ग, तब्क़, वर्ग, नस्ल।

सिन्फ़े नाज़ुक (صنف نازک) अ स्त्री—स्त्रीवर्ग, महिलाएँ, स्त्रियाँ, औरतें।

सिन्फ़े लतीफ़ (صنف لطیف) अ स्त्री—दे 'सिन्फ़े नाज़ुक'।

सिपंज (سپنج) फा पु—थोडे दिन, चंद दिन।

सिपंजी (سپنجی) फा वि—थोडे दिन का, चंदरोज़, क्षणस्थायी।

सिपंद (سپند) फा पु—काला दाना जो नजर उतारने को जलाया जाता है, दे 'सपंद', दोनो शुद्ध हैं।

सिपंदाँ (سپنداں) फा पु—दे 'सिपंद'।

सिपर (سپر) फा स्त्री—तलवार रोकने के अस्त्र, ढाल, चर्म, कवच।

सिपरअंदाख़्त: (سپرانداختہ) फा वि—जिसने लडाई मे हार मान ली हो, हार मानकर अपनी ढाल-तलवार रख दी हो।

सिपरअंदाज़ी (سپراندازی) फा स्त्री—हार मान लेना।

सिपरग़म (سپرغم) फा पु—एक वनौषधि, मरुआ, रैहाँ।

सिपरी (سپری) फा वि—समाप्त खत्म।

सिपस (سپس) फा वि—तत्पश्चात्, उसके बाद।

सिपह (سپہ) फा स्त्री—'सिपाह' का लघु, सेना, बल, फौज।

सिपहगरी (سپہ‌گری) फा स्त्री—सिपाहीपन, फौज की नौकरी, शूरता, बहादुरी।

सिपहदार (سپہ‌دار) फा पु—सेनानायक, फौज का अफसर।

सिपहबद (سپہبد) फा पु—दे 'सिपहसालार'।

सिपहबुद (سپہبد) फा पु—दे 'सिपहसालार'।

सिपहसालार (سپہ‌سالار) फा पु—सेनापति, सेनानी, सेनाध्यक्ष, कमांडर।

सिपहसालारी (سپہ‌سالاری) फा स्त्री—सेनापतित्व, सेनापति का पद।

सिपानाख़ (سپاناخ) फा स्त्री—एक साग, पालक।

सिपारिंद (سپارندہ) फा वि—सौपनेवाला, हस्तान्तरण करनेवाला।

सिपारी (سپاری) फा स्त्री—पान मे खाई जानेवाली डली, छालिया, सुपारी।

सिपास (سپاس) फा स्त्री—कृतज्ञता, एहसानमंदी, धन्यवाद, शुक्रिय, स्तुति, गुणगान, हम्दोसना, प्रशंसा, तारीफ।

सिपासगुज़ार (سپاس‌گزار) फा वि—कृतज्ञता, एहसानमंदी, स्तुति-पाठक, हम्दख़्वाँ, प्रशंसक, तारीफ करनेवाला।

सिपासगुजारी (سپاس گزاری) फा स्त्री –कृतज्ञता, स्तुति-पाठ, प्रशसा।

सिपासगो (سپاس گو) फा वि –दे. 'सिपासगुजार'।

सिपासनामः (سپاس نامہ) फा पु –अभिनदनपत्र, मान-पत्र, प्रतिष्ठापत्र।

सिपाह (سپاہ) फा स्त्री –सेना, वल, फौज।

सिपाहगरी (سپاہ گری) फा. स्त्री –सिपाही का पेशा, शूरता, वहादुरी, सिपाही का फन।

सिपाहाँ (سپاہاں) फा पु –ईरान का एक प्रसिद्ध नगर इस्फिहान।

सिपाहियानः (سپاہیانہ) फा. वि –सिपाहियो-जैसा, वीरतापूर्ण, बहादुराना।

सिपाही (سپاہی) फा पु –फौजी, सैनिक, फौज का जवान, बहादुर और पराक्रमी व्यक्ति।

सिपाहीबचः (سپاہی بچہ) फा पु –सिपाही का लडका, सैनिक पुत्र, जिसके वश में और लोग सिपाही हो।

सिपिस्ताँ (سپستاں) फा स्त्री –लहसोडा, लसोडा।

सिपिह्र (سپہر) फा पु –आकाश, गगन, आस्मान।

सिपिह्रे गर्दाँ (سپہر گرداں) फा पु –घूमनेवाला आकाश।

सिपिह्रे वरीं (سپہر بریں) फा पु –सबसे ऊँचा आकाश, नवाँ आस्मान।

सिपुर्दः (سپردہ) फा वि –सौंपा हुआ, हस्तातरित, दिया हुआ।

सिपुर्द (سپرد) फा वि –सौंपा हुआ, हवाले, हस्तगत, सौंपना, देना, हवाले करना।

सिपुर्दगी (سپردگی) फा स्त्री –सौप, हवालगी, हवालात, हिरासत।

सिपुर्दनी (سپردنی) फा वि –सौंपने योग्य, हस्तातरित करने योग्य।

सिपुर्दार (سپردار) फा पु –जिसके सिपुर्द कोई माल किया जाय विशेषत कुर्की का माल।

सिपुर्दारी (سپرداری) फा स्त्री –सिपुर्दगी मे माल देना, किसी को सिपुर्दार बनाना।

सिपेदः (سپیدہ) फा पु –सफेदी।

सिपेदःदम (سپیدہ دم) फा पु –गजरदम, बहुत तडके।

सिपेद (سپید) फा वि –सफेद।

सिपेदए शफक (سپیدۂ شفق) फा अ पु –सवेरे की सफेदी।

सिपेदए सुब्ह (سپیدۂ صبح) फा अ पु –सवेरे की सफेदी, जो निकलने से पहले आकाश पर फैल जाती है।

सिपेदी (سپیدی) फा स्त्री –श्वेतता, शुभ्रता, सफेदी।

सिपोख्त (سپوختہ) फा वि –दे 'सिपोजीद'।

सिपोजीद (سپوزیدہ) फा वि –एक चीज म दूसरी चीज घुसेडी हुई, एक चीज में से दूसरी चीज़ निकाली हुई।

सिपोजीदगी (سپوزیدگی) फा स्त्री –अदर घुसेडना, वाहर निकालना।

सिफत (صفت) अ स्त्री –प्रशसा, तारीफ, गुण, वस्फ, उत्तमता, उम्दगी, प्रभाव, तासीर, समान, तुल्य, जैसे—'सगसिफत' कुत्ते-जैसा, (व्या) विशेपण, किसी चीज़ का गुण।

सिफाक़ (صفاق) अ स्त्री –आँतो पर चढी हुई एक वारीक झिल्ली।

सिफात (صفات) अ उभ –'सिफत' का वहु, सिफतें।

सिफाती (صفاتی) अ वि –वह दोप या गुण जो किसी के स्वभाव मे न हो, अस्थायी रूप से हो।

सिफाते ज़ाती (صفات ذاتی) अ उभ –वह अच्छाइयाँ जो किसी के स्वभाव मे हो, वनावटी न हो।

सिफाते हसन (صفات حسنہ) अ उभ –अच्छे गुण, खूवियाँ।

सिफाद (صفاد) अ स्त्री –वेडी और हथकडी।

सिफानत (سفانت) अ स्त्री –जहाज़ बनाने का काम, नावें बनाने का फन।

सिफारत (سفارت) अ स्त्री –सफीर का काम, दूतकर्म, एलचीगरी।

सिफारतखानः (سفارت خانہ) अ फा पु –सफीर के रहने और उसके दफ्तर का स्थान, दूतावास।

सिफारिश (سفارش) फा स्त्री –शु उ 'सुफारिश' है, परन्तु उर्दू मे सिफारिश ही है, अभिस्ताव, अनुशसा।

सिफाल (سفال) फा स्त्री –मिट्टी का वरतन, मिट्टी का ठीकरा।

सिफालगर (سفال گر) फा वि कुभकार, कुम्हार, मिट्टी के वरतन वनानेवाला।

सिफालीं (سفالیں) फा वि –मिट्टी का वना हुआ, मृण्मय।

सिफाह (سفاح) अ स्त्री –व्यभिचार, वुरा काम, हराम, जिना।

सिफ्तः (سفتہ) फा वि –हर मोटी और गफ़ चीज़, मोटा कपडा।

सिफ्र (صفر) अ पु –विन्दु, नुक्ता, शून्य, खाली।

सिफ्ल (سفلہ) अ वि –अधम, नीच, कमीना, लोफर।

सिफ्लःकार (سفلہ کار) अ फा वि –जिसके काम बहुत ही गिरे हुए हो।

सिफ्ल खू (سفلہ خو) अ फा वि –जिसका स्वभाव वहुत ही कमीना हो, क्षुद्रप्रकृति।

सिफ्ल नवाज (سفلہ نواز) अ फा वि –कमीनो को वढावा देने और उनका पक्षपात करनेवाला।

सिफ़्लःनिहाद (سفلہ‌نہاد) अ फा वि –दे 'सिफ्ल ख़ू'।
सिफ़्ल.मिज़ाज (سفلہ‌مزاج) अ. वि –दे 'सिफ्ल ख़ू'।
सिफ़्लःपर्वर (سفلہ‌پرور) अ. फा. वि –दे 'सिफ्लनवाज़'।
सिफ़्लः पर्वरी (سفلہ‌پروری) अ फा. स्त्री –नीच और लोफर लोगो को प्रोत्साहन देना, शरीफो के मुकाबले मे उनकी हिमायत करना।
सिफ़्ल.मज़ाक़ (سفلہ‌مذاق) अ वि –पस्तमजाक, जिसकी साहित्य-रसज्ञता निम्न कोटि की हो।
सिफ़्लःशिआर (سفلہ‌شعار) अ वि –नीच स्वभाववाला, क्षुद्रप्रकृति।
सिफ़्ल (سفل) अ. पु –निचाई, निम्नता, पस्ती।
सिफ़्लगी (سفلگی) अ स्त्री –अधमता, नीचता, कमीनगी, लोफरपन, छिछोरापन, ओछापन।
सिफ्ली (سفلی) अ स्त्री –निम्न कोटि का, घटिया; भूत-प्रेतवाला अमल।
सिफ्वत (صفوت) अ स्त्री –श्रेष्ठता, उत्तमता, बुज़ुर्गी, पवित्रता, पाकी, (वि) पवित्र, निर्मल, साफ, श्रेष्ठ, उत्तम, बुज़ुर्ग; सार, तत्त्व, खुलासा।
सिबाअ़ (سباع) अ पु –'सब' का बहु, फाड खानेवाले जानवर, दरिंदे।
सिबाक़ (سباق) अ पु –दौड मे आगे बढ जाना।
सिबाल (سبال) अ. स्त्री.–'सबलत' का बहु, मूँछे।
सिबाहत (سباحت) अ स्त्री –तैरना, पैरना, तैराकी, दे 'सबाहत', दोनो शुद्ध है।
सिब्ग़ः (صبغہ) अ पु –वर्ण, रग; धर्म, दीन।
सिब्ग़ (صبغ) अ पु –वर्ण, रग।
सिब्ग़तुल्लाह (صبغۃ‌اللہ) अ. पु –इस्लाम धर्म।
सिब्त (سبط) अ पु.–लडकी का लडका, दौहित्र, दुहिता-सुत, नाती, नवासा।
सिब्ते नबी (سبط نبی) अ पु –पैगबर साहिब का नवासा, हज़्रत फातिमा का लडका।
सिब्तैन (سبطین) अ पु –दोनो नाती, अर्थात् नवासे, हज़्रत मुहम्मद साहिब के दोनो नवासे, हसनैन।
सिब्र (صبر) अ. पु –एक प्रसिद्ध ओषधि, एलुआ, दे 'सब्र' और 'सबिर', तीनो शुद्ध है।
सिमाअ़ (سماع) अ पु –गाना सुनना, वज्द और हाल आना।
सिमाक (سماک) अ पु –चौदहवाँ नक्षत्र, चित्रा।
सिमाके आ'ज़ल (سماک اعزل) अ पु –चौदहवे नक्षत्र का एक सितारा, जिसके पास दूसरा तारा नही है।
सिमाके रामेह (سماک رامح) अ पु –चौदहवें नक्षत्र का एक तारा, जिसके पास एक तारा और है।
सिमाख़ (سماخ‌صماخ) अ पु.–कान का छेद, श्रवण-रन्ध्र, कर्ण-विवर।
सिमात (سماط) अ स्त्री –चटाई, दस्तरख़्वान, पक्ति, कतार।
सिमात (سمات) अ पु –'सम्त' का बहु, दिशाएँ, 'सिमत' का बहु, बहुत से दाग या निशान।
सिमाम (صمام) अ पु –मुँहबद बोतल।
सिम्त (سمت) अ स्त्री.–दे 'सम्त' शुद्ध वही है, परतु उर्दू मे 'सिम्त' भी बोल देते है, दिशा, तरफ।
सिम्त (سمط) अ. स्त्री.–मोती, मुक्ता,, मौक्तिक, दे 'सम्त' दोनो शुद्ध है।
सिम्सिम (سمسم) अ. स्त्री –तिल्ली, एक प्रसिद्ध बीज, तिल।
सियर (سیر) अ स्त्री –'सीरत' का बहु, सीरते, जीवन चरित।
सियह (سیہ) फा वि –'सियाह' का लघु, दे 'सियाह'।
सियहकार (سیہ‌کار) फा वि –दे 'सियाहकार'।
सियहकारी (سیہ‌کاری) फा. स्त्री –दे 'सियाहकारी'।
सियहकासः (سیہ‌کاسہ) फा वि –दे 'सियाहकास'।
सियहकासगी (سیہ‌کاسگی) फा स्त्री –दे 'सियाह-कासगी'।
सियहख़ानः (سیہ‌خانہ) फा वि –दे 'सियाहख़ान'।
सियहचर्दः (سیہ‌چردہ) फा. वि –दे 'सियाहचर्द'।
सियहचश्म (سیہ‌چشم) फा वि –दे 'सियाहचश्म'।
सियहचश्मी (سیہ‌چشمی) फा स्त्री –दे 'सियाहचश्मी'।
सियहज़बान (سیہ‌زبان) फा वि –दे 'सियाहज़बान'।
सियहज़बानी (سیہ‌زبانی) फा स्त्री –दे 'सियाहज़बानी'।
सियहजर्दः (سیہ‌جردہ) फा वि –काले चमडेवाला, जिसका रग काला हो, हबशी।
सियहताब (سیہ‌تاب) फा वि –दे 'सियाहताब'।
सियहताले' (سیہ‌طالع) फा अ वि –दे 'सियाहताले'।
सियहदस्त (سیہ‌دست) फा वि –दे 'सियाहदस्त'।
सियहदिल (سیہ‌دل) फा. वि –दे 'सियाहदिल'।
सियहदिली (سیہ‌دلی) फा स्त्री.–दे 'सियाहदिली'।
सियहनामः (سیہ‌نامہ) फा वि –दे 'सियाहनाम'।
सियहपिस्ताँ (سیہ‌پستاں) फा वि –दे 'सियाहपिस्ताँ'।
सियहपोश (سیہ‌پوش) फा वि –दे 'सियाहपोश'।
सियहपोशी (سیہ‌پوشی) फा स्त्री –दे 'सियाहपोशी'।
सियहफ़ाम (سیہ‌فام) फा वि –दे 'सियाहफ़ाम'।
सियहफ़ामी (سیہ‌فامی) फा स्त्री –दे 'सियाहफ़ामी'।
सियहबख़्त (سیہ‌بخت) फा वि –दे 'सियाहबख़्त'।

सियहवक़्ती (سیہ وقتی) फा स्त्री –दे 'सियाहवक़्ती'।
सियहवहार (سیہ بہار) फा वि –दे 'सियाहवहार'।
सियहवातिन (سیہ باطن) फा अ वि –दे 'सियाहवातिन'।
सियहवातिनी (سیہ باطنی) फा अ स्त्री –दे 'सियाह-वातिनी'।
सियहबादाम (سیہ بادام) फा वि –वह सुन्दर स्त्री जिसकी आँखे काली हो, काली आँख।
सियहमस्त (سیہ مست) फा-वि –दे 'सियाहमस्त'।
सियहमस्ती (سیہ مستی) फा स्त्री –दे 'सियाहमस्ती'।
सियहरू (سیہ رو) फा वि –दे 'सियाहरू'।
सियहरुई (سیہ روی) फा स्त्री –दे 'सियाहरूई'।
सियहरोज़ (سیہ روز) फा वि –दे 'सियाहरोज़'।
सियहरोज़गार (سیہ روزگار) फा वि –दे 'सियाह रोज-गार'।
सियहरोज़ी (سیہ روزی) फा वि –दे 'सियाहरोज़ी'।
सियहसाल (سیہ سال) फा वि –दे 'सियाहसाल'।
सियाक़ (سیاق) अ पु –हाँकना, चलाना, बाज पक्षी के पाँव की डोर, गणित, हिसाब।
सियाके इवारत (سیاق عبارت) अ पु –इवारत का ढग, जैसे–सियाके इवारत से पता चलता है कि आपको रुपये की आवश्यकता है।
सियाक़े बयान (سیاق بیان) अ पु –बात का ढग, तक़्रीर का अदाज, जैसे–सियाके बयान से मालूम होता है कि आप को एतिराज है।
सियाकोसिबाक (سیاق و سباق) अ पु –अगला-पिछला, इवारत का अगला-पिछला भाग जिससे किसी बात का अदाजा हो।
सियादत (سیادت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, बुजुर्गी, अध्यक्षता, सरदारी, सैयिद होना।
सियानत (صیانت) अ स्त्री –सरक्षण, निगहवानी, निगरानी।
सियाब (ثیاب) अ पु –सियाब का बहु, कपडे।
सियाम (صیام) अ पु –रोज़ो के दिन, रोजो का महीना, रोजे।
सियासत (سیاست) अ स्त्री –राजनीति, नीति, पालिटिक्स, छल, फरेब, मक्कारी, राष्ट्र का प्रबध, मुल्क का इतिजाम, डाँट-डपट, तबीह; दड, सजा।
सियासतगर (سیاست گر) अ फा वि –सजा देनेवाला।
सियासतगाह (سیاست گاہ) फा स्त्री –सजा देने का स्थान, ऐसी जगह जहाँ कूटनीति और मक्कारी चलती हो।
सियासतदाँ (سیاست داں) अ फा वि –राजनीति जानने-वाला, नीतिज्ञ।
सियासतदानी (سیاست دانی) अ फा स्त्री –राजनीति जानना।
सियासते मुदन (سیاست مدن) अ स्त्री –नगर का प्रबध।
सियासी (سیاسی) अ फा वि –राजनीति का, राजनीति से सम्बद्ध, राजनीति जाननेवाला।
सियासीयात (سیاسیات) अ स्त्री –सियासत की बाते, सियासते।
सियाह॰ (سیاہہ) फा पु –माल के दफ्तर की कच्ची बही, जिसमे नाज या नक्दी लिखी जाती है।
सियाह नवीस (سیاہہ نویس) फा पु –सियाहे का रजिस्टर लिखनेवाला।
सियाह (سیاہ) फा वि –कृष्ण, असित, काला।
सियाह (صیاح) अ पु –ज़ोर की आवाज, नाद, चीख, पुकार, फर्याद, वावैला, रोना-पीटना।
सियाहक़लम (سیاہ قلم) फा अ स्त्री –वह चित्र जो बिलकुल काला बनाया जाय, साँवले रग का माशूक।
सियाहक़ल्ब (سیاہ قلب) फा अ वि –पापात्मा, पापी, कठोरहृदय, बेरहम।
सियाहकाम (سیاہ کام) फा वि –असफलमनोरथ, नाकाम-याब, अभागा, बदकिस्मत।
सियाहकार (سیاہ کار) फा वि –दुश्चरित, पापाचारी, पापी, गुनाहगार।
सियाहकारी (سیاہ کاری) फा स्त्री –पापकर्म, गुनाह।
सियाहकास (سیاہ کاسہ) फा वि –कृपण, कजूस, बख़ील।
सियाहख़ान. (سیاہ خانہ) फा पु –मुसीवत का घर, आप-त्तियो और कष्टोवाला घर, कैदख़ाना, कारागार, जिसका घार-बार उजड गया हो, ख़ान वीराँ, अभागा, बदकिस्मत।
सियाह गिलीम (سیاہ گلیم) फा वि –अभागा, बदकिस्मत, निर्धन, कगाल।
सियाहगोश (سیاہ گوش) फा पु –एक कुत्ते के बराबर जानवर जिससे शेर डरता है।
सियाहचर्दं (سیاہ چردہ) फा वि –काले चमडे का, काले रगवाला, हब्शी।
सियाहचश्म (سیاہ چشم) फा वि –जिसकी आँखे काली हो, काली आँखोवाली सुन्दरी, जो बहुत अच्छी होती है, शिकारी चिडिया।
सियाहचश्मी (سیاہ چشمی) फा स्त्री –आँख का काला होना।
सियाहचाल (سیاہ چال) फा वि –अधा कुआँ जिसमे पहले ज़माने मे मुज्रिम बद किये जाते थे।

सियाहज़बाँ (سیاہزباں) फा वि—जिसका कोसना तुरन्त लग जाय, शापसिद्ध।
सियाहज़बानी (سیاہزبانی) फा स्त्री—कोसना तुरन्त लगना।
सियाहज़र्दः (سیاہزردہ) फा वि—दे 'सियाहचर्द'।
सियाहत (سیاحت) अ स्त्री—देश-देश घूमना, पर्यटन; सफर, यात्रा।
सिहायताब (سیاہتاب) फा वि—वह रग जो भाफ किये हुए लोहे पर नीबू लगाकर आग मे तपाने से हो जाता है।
सियाहताले' (سیاہطالع) फा अ. वि—बुरे भागोवाला, अभागा, बदकिस्मत।
सियाहदरूँ (سیاہدروں) फा वि—जिसका दिल काला हो, पापी, निष्ठुर, बेरहम।
सियाहदस्त (سیاہدست) फा वि—कृपण, कजूस, बखील।
सियाहदस्ती (سیاہدستی) फा स्त्री—कृपणता, कजूसी, बखीली।
सियाहदानः (سیاہدانہ) फा पु—कलौजी, प्याज का बीज, इस्पद, जो जलाया जाता है।
सियाहदिल (سیاہدل) फा वि—पापी, गुनाहगार, निष्ठुर, बेरहम।
सियाहदिली (سیاہدلی) फा स्त्री—पापकर्म, गुनाहगारी, हृदय की कठोरता, सगदिली।
सियाहनामः (سیاہنامہ) फा वि—बदआ'माल, पापी।
सियाहपिस्ताँ (سیاہپستاں) फा स्त्री—वह स्त्री जिसकी सतान न जीती हो।
सियाहपीर (سیاہپیر) फा पु—वह दास जो बूढा हो गया हो, पुराना खिदमती, स्वामिभक्त।
सियाहपोश (سیاہپوش) फा वि—काले कपडे, पहनिने-वाला, सितावर, मृतलोकग्रस्त, मातमदार।
सियाहपोशी (سیاہپوشی) फा स्त्री—काले कपडे पहनना, किसी का सोक मनाना।
सियाहफाम (سیاہفام) फा वि—काले रग का, कृष्णाग।
सियाहफामी (سیاہفامی) फा स्त्री—काला रग होना, हब्शी होना।
सियाहबख़्त (سیاہبخت) फा वि—काले भागोवाला, बुरे भाग्यवाला, हतभाग्य।
सियाहबख़्ती (سیاہبختی) फा स्त्री—भाग्य का बुरा होना, अभागापन।
सियाहबहार (سیاہبہار) फा वि—वह हरियाली जो शीत-प्रधान देशो मे वर्फ के नीचे दवकर गर्मियो मे निकलती है और बहुत हरी होती है।
सियाहबातिन (سیاہباطن) फा अ वि—काले अत-करणवाला, पापात्मा, दुराचारी, खबीस।
सियाहबातिनी (سیاہباطنی) फा अ स्त्री—अत करण का काला होना।
सियाहमस्त (سیاہمست) फा वि—बहुत अधिक मस्त।
सियाहमस्ती (سیاہمستی) फा स्त्री—बहुत अधिक मस्ती।
सियाह मू (سیاہ مو) फा वि—जिसके बाल काले हो, जो अभी जवान हो।
सियाहरंग (سیاہرنگ) फा वि—काले रगवाला, कृष्ण-वर्ण।
सियाहरू (سیاہرو) फा वि—पापी, दुराचारी, मसिमुख, बदकार, जिसका मुँह काला हो, कृष्णमुख।
सियाहरूई (سیاہروئی) फा स्त्री—पाप, दुराचार, बदकारी, मुँह का रग काला होना, हब्शीपन।
सियाहरोज (سیاہروز) फा वि—जिसके दिन खराव हो, जो गर्दिश का शिकार हो, कालचक्रग्रस्त।
सियाहरोजगार (سیاہروزگار) फा वि—कालचक्रग्रस्त, मुसीबत मे गिरिफ्तार, बदकिस्मत, भाग्यहीन।
सियाहरोजी (سیاہروزی) फा स्त्री—बदकिस्मती, दिनो का फेर, गर्दिश, कालचक्र।
सियाहसग (سیاہسنگ) फा वि—जुरजान का एक गाँव।
सियाहसर (سیاہسر) फा वि—मगरमच्छ, घडियाल।
सियाहसाल (سیاہسال) फा वि—दुर्भिक्ष का समय, दुर्भिक्ष का वर्ष, कहतसाली का साल।
सियाहसोख़्तः (سیاہسوختہ) फा वि—बहुत अधिक जला हुआ, बिलकुल जला हुआ।
सियाही (سیاہی) फा स्त्री—कालिमा, असितता, कालौंच, अधकार, तिमिर, अँधेरा, काजल, कज्जल, कलक, दोष, बदनामी का टीका, मसि, रोशनाई।
सियाहोसफेद (سیاہوسفید) फा पु—काला और सफेद, सितासित, सपूर्ण, सब, पूरा, जैसे—सियाहोसफेद का मालिक।
सिर [रं] (سر) अ पु—मर्म, भेद, राज, रहस्य।
सिराज (سراج) अ पु—दीप, दीपक, दिया, चिराग।
सिरात (صراط) अ स्त्री—मार्ग, पथ, रास्ता।
सिराते मुस्तकीम (صراط مستقیم) अ स्त्री—सरल मार्ग, सीधा रास्ता, धर्मपथ, सन्मार्ग, सच्चाई का रास्ता।
सिरिश्क (سرشک) फा पु—नेत्रजल, अश्रु, आसू, अश्रुविंदु, आँसू की वूँद, विन्दु, बूँद, कत्र।
सिरिश्त (سرشتہ) फा पु—गूँधा हुआ।
सिरिश्त (سرشت) फा स्त्री—स्वभाव, प्रकृति, उस्ल्त,

गुण, खवास, धर्म, खमीर, जिससे कोई वस्तु बनायी जाय, (प्रत्य) स्वभाववाला, जैसे—इफ्फतसिरिश्त, स्वभाव से पतिव्रता।

सिरेश (سریش) फ़ा स्त्री –एक चिपकनेवाला पदार्थ, जो ऊँट, गाय-भैंस आदि के कच्चे चमडे से बनता और लकडी आदि जोडने के काम आता है, सरेस।

सिरेशम (سریشم) फा पु –दे 'सिरेशम माही', दे 'सिरेश'।

सिरेशम माही (سریشم ماهی) फा पु –एक विशेष मछली का बना हुआ सिरेश जो दवा के काम आता है और राज़रोग अर्थात् तपेदिक की बहुत अच्छी दवा है।

सिर्क (سرکه) फा पु –फल, गन्ने या ताडी आदि का रस जो धूप में रखकर खट्टा किया जाता है।

सिर्क.जबीं (سرکه‌جبیں) फा वि –दुःशील, बदखू, चिडचिडा, तुरुशरू।

सिर्क पेशानी (سرکه‌پیشانی) फा वि –दे 'सिर्क जबीं'।

सिर्क फरोश (سرکه‌فروش) फा वि –सिर्का बेचनेवाला, रूखी और बेमुरव्वती बातें करनेवाला।

सिर्फ (صرف) अ वि –निष्केवल, परिशुद्ध, खालिस, केवल, फकत, एकाकी, अकेला, निरा, सब।

सिर्बाल (سربال) अ पु –वस्त्र, लिबास, वसन, पहनने की चीज।

सिर्रे पिनहाँ (سر پنہاں) अ फा पु –गुप्त भेद, गूढ मर्म, ऐसा राज जो कहा न जा सके।

सिर्हान (سرحان) अ पु –वृक, भेडिया।

सिल (صله) अ पु –प्रतिकार, बदला, प्रत्यपकार, बुराई का बदला, प्रत्युपकार, भलाई का बदला, पुरस्कार, इन्आम, उपहार, तोहफा, किसी परिश्रम का फल या बदला, धन के रूप में हो या किसी दूसरे रूप में।

सिल (سل) अ स्त्री –फेफडों का जख्म, रक्तकास, यह तपेदिक नही होती, परंतु इसकी चिकित्सा न होने पर बन जाती है।

सिलए रहिम (صلهٔ رحم) अ पु –अपने परिवारवालों से प्रेम रखना और यथाशक्ति उनकी सहायता करना।

सिलह (سلح) अ पु –शस्त्र, आयुध, हथियार।

सिलहखान (سلح‌خانه) अ फा पु –जहाँ हथियार रहते हों, शस्त्रागार।

सिलहदस्त (سلحدست) अ फा वि –हाथ में हथियार लिये हुए, खड्गपाणि, सशस्त्र।

सिलहदार (سلحدار) अ फा वि –हथियारबंद, शस्त्रधारी, योद्धा, सिपाही, शस्त्रजीवी।

सिलहदारी (سلحداری) अ फा स्त्री –हथियारबंद होना, सिपाहीपन, सिपाही का पेशा।

सिलहपोश (سلح‌پوش) अ फा वि –हथियारबंद, शस्त्रधारी।

सिलहशोर (سلح‌شور) अ फा वि –दे 'सिलहदार'।

सिलात (صلات) अ पु –सिल का बहु, सिले, बदले, पुरस्कार, बख्शिशें।

सिलाय. (صلایه) अ पु –रगडने या घिसने का बट्टा, जिस पर कोई चीज़ घिसी या पीसी जाय, सिल।

सिलाह (سلاح) अ पु –शस्त्र, अस्त्र, आयुध, हथियार।

सिलाह (صلاح) अ पु –संधि, मुसालहत, मित्रता, दोस्ती, शान्ति, सुकून।

सिलाहदस्त (سلاحدست) अ फा वि –हथियारबंद, हाथ में हथियार लिये हुए, खड्गपाणि।

सिलाहदस्ती (سلاحدستی) अ फा स्त्री –हथियारबंदी, हाथ में हथियार होना।

सिलाहशोर (سلاح‌شور) अ फा वि –हथियारबंद, सशस्त्र, शस्त्रधारी, सैनिक।

सिलाहशोरी (سلاح‌شوری) अ फा स्त्री –हथियारबंदी, सशस्त्रता, सिपाहीपन, सैनिकता।

सिलाही (سلاحی) अ वि –सैनिक, सिपाही, फौजी।

सिल्क (سلک) अ उभ –तंतु, डोरा, तागा, वह डोरा जिसमें मोती पिरोये हों, तार, धातु का तार।

सिल्की (سلکی) अ वि –डोरे का, डोरे से सम्बन्धित, तार का, तार से सम्बन्धित।

सिल्के कहरुबाई (سلک کہربائی) अ उभ –बिजली का तार, बिजली के तार की लाइन।

सिल्के मर्वारीद (سلک مروارید) अ स्त्री –मोतियों की लडी।

सिल्त (سلطه) अ पु –तेज, तीव्र, लंबा, दीर्घ।

सिल्म (سلم) अ स्त्री –लडकों के लिखने की तख्ती, पट्टिका, दे 'सल्म', दोनों शुद्ध हैं।

सिल्सिल (سلسله) अ पु –शृंखला, ज़ंजीर, पंक्ति, कतार, जैसे—पहाडों का सिलसिला, कुल, वंश, गोत्र, वंश वृक्ष, शज्र, किसी बडे महात्मा के शिष्यों का अनुक्रम, क्रम, तर्तीब।

सिल्सिल ज़ुबाँ (سلسله‌جنباں) अ फा वि –किसी बातको उठानेवाला, कोई प्रसंग छेडनेवाला, कोई तहरीक करनेवाला।

सिल्सिल.ज़ुबानी (سلسله‌جنبانی) अ फा स्त्री –किसी बात को उठाना, किसी बात की तहरीक करना।

सिलसिलःबंदी (سلسلہ بندی) अ फा स्त्री –क्रमबद्धता, वातर्तीबी, पंक्तिबद्धता, कतारबंदी।
सिलसिलःवार (سلسلہ وار) अ. फा वि –क्रम से, क्रमश, तर्तीब से, एक-एक करके, एक के बाद एक।
सिल्सिलए कलाम (سلسلۂ کلام) अ पु –बातों का सिलसिला।
सिल्सिलए कोह (سلسلۂ کوہ) अ फा. पु –पहाड़ों का सिलसिला, पर्वतमाला।
सिल्सिलए ख़यालात (سلسلۂ خیالات) अ पु –विचार-क्रम, ख़यालों का तार।
सिल्सिलए नसब (سلسلۂ نسب) अ पु–वंशानुक्रम, वंशावली, नसबनामा।
सिल्सिलए हादिसात (سلسلۂ حادثات) अ पु –एक के बाद दूसरी घटना का सिलसिला, घटनाचक्र, घटनाक्रम।
सिवा (سوا) फा अव्य –अतिरिक्त, अलावा, बिना, बगैर, अन्य, दूसरा, फालतू, फाजिल।
सिवुम (سوم) फा वि –तृतीय, तीसरा, मुसलमान मरनेवाले के तीजे का फातह।
सिह (سہ) फा वि –तीन, त्रय।
सिहगून: (سہ گونہ) फा वि –तीनगुना, त्रिगुण, तिगुना।
सिहगोशः (سہ گوشہ) फा वि –तीन कोनोंवाला, त्रिकोण।
सिहचंद (سہ چند) फा वि –तीनगुना, त्रिगुण।
सिहज़मानी (سہ زمانی) फा अ वि –तीनों कालों से सम्बन्ध रखनेवाला, त्रैकालिक।
सिहनिकाती (سہ نکاتی) फा अ वि –तीन उसूलोंवाला फार्मूला, त्रिसूत्री।
सिहपहलू (سہ پہلو) फा वि –तीन कोनोंवाला, त्रिकोण, त्रिपार्श्व।
सिहमंज़िल: (سہ منزلہ) फा अ वि –तीन खंडोंवाला घर, जिसमें तले-ऊपर तीन दर्जे हों।
सिहमाहः (سہ ماہہ) फा वि –तीन महीने में होनेवाला, त्रैमासिक, तीन महीने की आयु का।
सिहरंगी (سہ رنگی) फा वि –तीन रंगोंवाला, त्रैवर्णिक।
सिहशंबः (سہ شنبہ) फा पु –मंगलवार, मंगल का दिन।
सिहसालः (سہ سالہ) फा वि –तीन वर्षों में होने या पटनेवाला, त्रैवार्षिक, तीन वर्ष की आयु का।
सिहाम (سہام) अ पु –'सहम' का बहु, बहुत से बाण, हिस्से, अंश, भाग।
सिहाह (صحاح) अ पु –'सहीह' का बहु, स्वस्थ और नीरोग लोग, (स्त्री) हदीस का एक सुप्रसिद्ध ग्रंथ।
सिह्र (سحر) अ पु –मंत्र-तंत्र द्वारा हिंसाकर्म, अभिचार, शोबद बाजी, मायाकर्म, इंद्रजाल, टोना, टोटका, तिलिस्म, माया और छल से रचित स्थान, चमत्कार, अचंभे में डालनेवाली बात।
सिह्रअंगेज़ (سحر انگیز) अ फा वि –जादू का असर रखनेवाला, आश्चर्यजनक।
सिह्रअंगेज़ी (سحر انگیزی) अ. फा स्त्री –जादू के असर का होना।
सिह्रआफ़्रीं (سحر آفریں) अ फा वि –जादू पैदा करनेवाला, चमत्कार दिखानेवाला।
सिह्रआफ़्रीनी (سحر آفرینی) अ फा स्त्री –जादू पैदा करना, अचंभे में डालना।
सिह्रआमेज़ (سحر آمیز) अ फा वि –जिसमें जादू मिला हो अर्थात् आश्चर्यजनक।
सिह्रआमेज़ी (سحر آمیزی) अ फा स्त्री –जादू मिला होना।
सिह्रकलाम (سحر کلام) अ वि –जिसकी बातों में जादू हो।
सिह्रकलामी (سحر کلامی) अ स्त्री –बातों में जादू का असर होना।
सिह्रकार (سحر کار) अ फा वि –जादूगर, मायावी, इंद्रजाली, मायाकार।
सिह्रतराज़ (سحر طراز) अ फा वि –जादूगर, इंद्रजाली।
सिह्रतराज़ी (سحر طرازی) अ फा स्त्री –जादूगरी, मायाकर्म।
सिह्रफ़न (سحر فن) अ वि –जादूगर, इंद्रजालिक, तान्त्रिक, मायाकार।
सिह्रबयान (سحر بیان) अ वि –दे 'सिह्रकलाम'।
सिह्रबयानी (سحر بیانی) अ स्त्री –दे 'सिह्रकलामी'।
सिह्रबाज़ (سحر باز) अ फा वि –दे 'सिह्रकार'।
सिह्रबाज़ी (سحر بازی) अ फा स्त्री –सिह्रकारी, जादूगरी, मायाकर्म।
सिह्रबार (سحر بار) अ फा वि –जादू फैलानेवाला, चमत्कार करता।
सिह्रबारी (سحر باری) अ फा वि –स्त्री, जादू फैलाना, चमत्कार करना।
सिह्रसज़ (سحر سنج) अ फा वि–जादूगर, इंद्रजाली, मायाकार।
सिह्रसज़ी (سحر سنجی) अ फा स्त्री –जादूगरी माया-कर्म, इंद्रजाल।
सिह्रसाज़ (سحر ساز) अ फा वि –दे 'सिह्रकार'।
सिह्रसाज़ी (سحر سازی) अ फा स्त्री –सिह्रकारी, माया कर्म।

सिह्रे सामिरी (سحر سامری) अ पु –सामिरी का जादू जिसने धातु के बछडे मे प्राण डाल दिये थे, बहुत बडा जादू।
सिह्रे हलाल (سحر حلال) अ पु –वह जादू जिसका करना धर्म मे विहित है, कविता का जादू।
सिह्हत (صحت) अ स्त्री –स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती, शुद्धि, दुरुस्ती।
सिह्हतअफज़ा (صحت افزا) अ फा वि –स्वास्थ्यवर्द्धक, तनदुरुस्ती बढानेवाला।
सिह्हतखान (صحت خانه) अ फा पु –शौचालय, सडास, पाखान.।
सिह्हतनाम (صحت نامه) अ फा पु –शुद्धिपत्र, किसी पुस्तक के साथ लगाया जानेवाला त्रुटियों की शुद्धि का पत्र।
सिह्हतबख्श (صحت بخش) अ फा वि –स्वास्थ्यदायक, तनदुरुस्ती देनेवाला, रोगमुक्त करनेवाला।
सिह्हतमद (صحت مند) अ फा वि –स्वस्थ, तनदुरुस्त, जिसमे कोई दोष न हो, बढिया, उत्तम।

सी

सी (سی) फा वि –तीस, तीस की सख्या, त्रिशत्।
सीकनक (سیکنک) तु वि –आहिस्त, धीरे, हौले।
सीकी (سیکی) फा स्त्री –शराव जिसे इतना औटाया जाय कि वह तिहाई रह जाय।
सीख (سیخ) फा स्त्री –लोहे की सलाख, शलाका।
सीखच. (سیخچه) फा पु –छोटी सीख, छोटी सलाख।
सीखपर (سیخ پر) फा पु –चिडिया का वह वच्चा जिसके पर अभी-अभी निकले हो, मुर्गावी से छोटा एक आवी परद।
सीखपा (سیخ پا) फा वि –पिछले पैरो पर खडा हुआ घोडा।
सीखे जारोव (سیخ جاروب) फा स्त्री –झाड़ू की सीक।
सीग (صیغه) अ पु –ओओ का व्याह, विभाग, महकम।
सीगए गाइव (صیغهٔ غائب) अ पु –प्रथम पुरुष, जिसके विषय मे वात की जाय (व्या)।
सीगए मुतकल्लिम (صیغهٔ متکلم) अ पु –उत्तम पुरुष, जो वात करनेवाला है (व्या)।
सीगए राज़ (صیغهٔ راز) अ फा पु –गुह्य, गोपनीय, छिपाई जानेवाली वात।
सीगए हाज़िर (صیغهٔ حاضر) अ पु –मध्यमपुरुष, जिससे सम्मुख होकर वात की जाय (व्या)।
सीत (صیت) अ स्त्री –चर्चा, जिक्र, ख्याति, शोहरत।
सीन (سینه) फा पु –वक्षस्थल, उनरस, छाती, स्तन, पयोधर, चूची।
सीन अफगार (سینه افگار) फा वि –जिसका हृदय फट गया हो, विदीर्णहृदय, भग्नहृदय।
सीन.कावी (سینه کاوی) फा स्त्री –कठा परिश्रम, कडा प्रयास।
सीन कोवी (سینه کوبی) फा स्त्री –छाती पीटना, सीना कूटना, मातम करना, मातम, धम्माल।
सीन चाक (سینه چاک) फा वि –जिसकी छाती फट गई हो, अर्थात् जिसको कोई वहुत वडा शोक सहना पडा हो।
सीन.ज़न (سینه زن) फा वि –सीना कूटनेवाला अर्थात् मातम करनेवाला।
सीन.ज़नी (سینه زنی) फा स्त्री –छाती कूटना, अर्थात् मातम करना।
सीन ज़ोर (سینه زور) फा वि –अत्याचारी, ज़ालिम, विद्रोही, वागी, उद्दड, सरकश।
सीन.ज़ोरी (سینه زوری) फा स्त्री –अत्याचार, विद्रोह, उद्दडता।
सीन'वरसीनः (سینه در سینه) फा वि –दे 'सीन वसीन'।
सीनःदरी (سینه دری) फा स्त्री –सीना चाक करना, शोक में अस्त-व्यस्त होना।
सीन.पोश (سینه پوش) फा पु –छाती ढाँकनेवाला कपडा, सीन वद, उरस्थान, उरश्छद।
सीन फिगार (سینه فگار) फा वि –भग्नहृदय, जिसकी छाती फट गई हो, जिसका कोई वहुत ही वडा शोक सहना पडा हो।
सीन'वद (سینه بند) फा पु –अँगिया, चोली, छाती गर्म रखनेवाला एक वस्त्र, वच्चो की राल टपकने का कपडा, जो सीने पर वाँधते हैं।
सीन वसीन' (سینه بسینه) फा वि –छाती से छाती मिलाये हुए, वह वात जो किसी वश में एक दूसरे को वताई हुई चली आती हो।
सीन वाज़ (سینه باز) फा वि –खुले सीने का, चौडे सीने-वाला।
सीन रेश (سینه ریش) फा वि –जिसका हृदय घायल हो, प्रेमी, आशिक, शोक-सतप्त, गमजद।
सीन शिगाफ (سینه شگاف) फा वि –दे 'सीन चाक'।
सीन साफ (سینه صاف) फा अ वि –निश्छल, वेकपट, साफ दिल का, स्वच्छहृदय।
सीन सिपर (سینه سپر) फा वि –डटकर मुकावले पर आया हुआ, सीन सामने करके लडनेवाला।
सीन सियाह (سینه سیاه) फा वि –जिसका दिल काला हो अर्थात् जो वडा पापी हो, पापात्मा, कठोरहृदय, सगदिल।

सीन:सोख्तः (سینہ سوختہ) फा वि –दग्धहृदय, तप्त-हृदय, मुसीबत का मारा, आफतजद ।

सीन (سین) अ पु –अरबी का १२वाँ, फारसी का १५वाँ, उर्दू का १८वाँ और हिंदी का ३०वाँ अक्षर।

सीन (صین) अ पु –चीन, एक प्रसिद्ध देश।

सीपारः (سی پارہ) फा पु –तीस टुकडो मे बँटा हुआ, कुरान के तीस खडो मे से एक।

सीना (سینا) अ पु –शाम (अरब) का एक पहाड, कोहे तूर, बूअली का बाप, जिसके सम्बन्ध से वह 'बूअली सीना' कहलाता है।

सीम (سیم) फा स्त्री –रजत, चाँदी, नुक्र:, धन, दौलत, परतु दूसरे अर्थ मे 'ज़र' के साथ 'सीमो जर' आता है।

सीमअदाम (سیم اندام) फा वि –जिसका शरीर चाँदी-जैसा धवल और उज्ज्वल हो, रजतागना, गौरवर्णा।

सीमकार (سیم کار) फा वि –अच्छी अदाओवाला (वाली)।

सीमकारी (سیم کاری) फा स्त्री –हाव-भाव, नाजो अदाज।

सीमकुश (سیم کش) फा वि –फुजूलखर्च, अपव्ययी।

सीमकुशी (سیم کشی) फा स्त्री –फुजूलखर्ची, अपव्यय।

सीमगिल (سیم گل) फा स्त्री –पोतने की मिट्टी, पडोल, गोरा चट्टा, सफेद चमडे का।

सीमजकन (سیم ذقن) फा वि –जिसकी ठोडी पर बाल न हो और वह साफ हो, नौखेज लडका, अम्रद।

सीमतन (سیم تن) फा वि –चाँदी-जैसे सफेद शरीरवाला, गौरवर्ण, रजताग (पु), गौरवर्णा, रजतागना (स्त्री)।

सीमबर (سیم بر) फा वि –चाँदी-जैसी गोरी और सख्त वक्ष स्थलवाली नायिका।

सीमसाक (سیم ساق) फा वि –जिसकी पिंडलियाँ चाँदी-जैसी गोरी और सख्त हो।

सीमसुरी (سیم سرین) फा वि –सुन्दर नितम्बवाली नायिका, नितविनी।

सीमा (سیما) फा स्त्री –ललाट, भाल, माथा, पेशानी, ऐसा चिह्न जिससे किसी चीज की पहचान हो सके।

सीमाब (سیماب) फा पु –पारद, पारा, एक धातु।

सीमाबगूँ (سیماب گوں) फा वि –पारे के रगवाला, पारे जैसा सफेद।

सीमाब दरगोश (سیماب در گوش) फा वि –बधिर, बहिरा, जो ऊँचा सुने।

सीमाबदिल (سیماب دل) फा वि –अधीर, आतुर, उतावला, बेसब्रा।

सीमाबवार (سیماب وار) फा वि –पारे की तरह व्याकुल या चचल, अस्थिर।

सीमाबसिफत (سیماب صفت) फा अ वि –पारे-जैसा चचल, व्याकुल, जिसे एक जगह करार न हो।

सीमाबियत (سیمابیت) फा स्त्री –पारा-जैसा चचल या व्याकुल होना, अस्थिरता।

सीमाबी (سیمابی) फा वि –पारे का, पारे का बना हुआ, पारे से सबधित।

सीमाबे कुश्त (سیماب کشتہ) फा पु –मरा हुआ पारा, पारे का कुश्त, पारद-भस्म।

सीमिया (سیمیا) अ स्त्री –वह विद्या जिससे मनुष्य अपना शरीर छोडकर दूसरे के शरीर मे दाखिल हो जाता है, पर-काय-प्रवेश-विद्या, ऐसी वस्तुओं को देखना जो वास्तविक मे न हो।

सीमी (سیمیں) फा वि –चाँदी का, चादी का बना हुआ, चाँदी-जैसा।

सीमींअदाम (سیمیں اندام) फा वि –रजताग, चाँदी-जैसे उज्ज्वल शरीरवाला (पु), रजतागना (स्त्री)।

सीमींआरिज (سیمیں عارض) फा अ वि –दे 'सीमींइजार'।

सीमींइजार (سیمیں عذار) फा अ वि –चादी-जैसे सफेद और दीप्त गालोवाला, रजतकपोल (पु), रजतकपोला (स्त्री)।

सीमींजक्न (سیمیں ذقن) फा अ वि –जिसकी ठोडी पर बाल न आये हो, सुन्दर लडका।

सीमींतन (سیمیں تن) फा वि –चाँदी-जैसे धवल और उज्ज्वल अगोवाला (वाली)।

सीमींबदन (سیمیں بدن) फा वि –दे 'सीमींतन'।

सीमींरुख (سیمیں رخ) फा वि –दे 'सीमींइजार'।

सीमींसाक (سیمیں ساق) फा वि –उज्ज्वल और कठोर पिडलियोवाली नायिका।

सीमुर्ग (سیمرغ) फा पु –एक बहुत बडा पक्षी, जो काफ पहाड मे रहनेवाला माना गया है।

सीमे खाम (سیم خام) फा स्त्री –खालिस और बेमेल चाँदी।

सीमे खालिस (سیم خالص) फा अ स्त्री –खरी और निर्मल चाँदी।

सीमे नाब (سیم ناب) फा स्त्री –दे 'सीमे खालिस'।

सीमे सोख्तः (سیم سوختہ) फा स्त्री –खालिस चाँदी, खरी चाँदी, लाजवर्द, एक रत्न, राजावर्त।

सीमे हलाल (سیم حلال) फा अ स्त्री –खालिस चाँदी।

सीमो जर (سیم و زر) फा पु –सोना और चाँदी आर्थात् धन-दौलत, माल, दौलत।

सीर (سیر) फा पु –लहसुन, लशुन।

सीरत (سیرت) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत, जीवनचरित, सवानेहउम्री, अख़्लाक़, सौजन्य।

सीरतन (سیرتاً) अ. वि –स्वाभावत, आदत मे, स्वभाव से।

सीरते ख़ूब (سیرت خوب) अ फा स्त्री –अच्छा स्वभाव, अच्छी आदतें।

सीरते पाक (سیرت پاک) अ फा स्त्री –पवित्र स्वभाव, पवित्र जीवनचरित्र।

सीली (سیلی) फा स्त्री –चारो उँगलियो को खडा करके किसी की गर्दन पर मारना, पहले यह एक सजा भी थी।

सीस्तान (سیستان) फा पु –दक्षिणी ईरान का एक प्रसिद्ध प्रदेश।

सु

सुदरूस (سندروس) फा पु –राजन, एक प्रसिद्ध गोद, दे सदरूप।

सुदुस (سندس) अ पु –एक बहुत ही महीन और बहुमूल्य रेशमी कपडा।

सुदूक (صندوق) अ पु –शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू मे 'सदूक' कहते है, दे 'सदूक'।

सुब (سنبہ) फा पु –लोहे मे छेद करने का लोहे का छोटा-सा औजार, लकडी में सूराख करने का औजार, बरमा।

सुबुक (سنبک) फा स्त्री –छोटी नाव जो बडी नाव के साथ रहती है।

सुबुलः (سنبلہ) अ पु –गेहूँ की बाल, कन्याराशि, बुर्जे सबुल।

सुबुल (سنبل) अ स्त्री –गेहूँ या जौ की बाल, एक सुगधित वनौषधि, बालछड, अलक, जुल्फ।

सुबुलुत्तीब (سنبل الطیب) अ स्त्री –बालछड, जटामाँसी।

सुआद (سعاد) अ स्त्री –अरब की एक सुन्दरी।

सुआल (سعال) अ स्त्री –खाँसी, कास।

सुआल (سوال) अ पु –प्रश्न, सवाल, इसका शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू मे 'सवाल' ही है।

सुऊद (صعود) अ पु –ऊपर जाना, ऊपर उठना, ऊपर आना।

सुऊद (سعود) अ पु –'सा'द' का बहु, शुभ ग्रह, जैसे—बृहस्पति, शुक्र और चद्र।

सुऊबत (صعوبت) अ स्त्री –कठिनता, कष्ट, दुशवारी, व्यथा, पीडा, तकलीफ।

सुक [क्क] (سک) अ पु –एक सुगधित पदार्थ जो कई सुगधित पदार्थो से मिलकर बनता है।

सुकारा (سکاری) अ पु –'सकरान' का बहु, मतवाले, नशे मे चूर लोग, मस्त लोग।

सुकूब (ثقب) अ. पु –'सुक्ब' का बहु, सूराख (बहुत से), छिद्र-समूह।

सुकुर्रः (سکرہ) अ. पु –मिट्टी का छोटा प्याला, कुल्हड।

सुकूत (سقوط) अ पु –गिरना, पात, पतन।

सुकूत (سکوت) अ पु –मौन, चुप्पी, खामोशी, सन्नाटा—"मेरे सुकूते यास पे इतना न हो मलूल। मुझको खुदा न ख्वास्ता तुझसे गिला नही।" (फ़िराक़)

सुकूते कामिल (سکوت کامل) अ पु –पूरा सन्नाटा, बिलकुल खामोशी।

सुकूते महज़ (سکوت محض) अ पु –पूरा सन्नाटा।

सुकून (سکون) अ पु –सन्नाटा, खामोशी, शान्ति, अम्न, बीमारी में कमी, ठहराव, करार, विराम, आराम, इत्मीनान, सतोष, इत्मीनान, धैर्य, सब्र, जी ठडा होना; अक्षर का हल् होना।

सुकूनत (سکونت) अ स्त्री –निवास, कियाम, बसाव।

सुकूनतपिज़ीर (سکونت پذیر) अ फा वि –निवासी, बाशिंद।

सुकूनती (سکونتی) अ वि –रहने का, रहने योग्य, जैसे—सुकूनती मकान।

सुकूने अबदी (سکون ابدی) अ पु –मौत, मरण, हमेशा के लिए सुकून और शान्ति।

सुकूने आरिज़ी (سکون عارضی) अ पु –थोटे दिनो का इत्मीनान, अस्थायी सतोष।

सुकूने कामिल (سکون کامل) अ पु –पूरी खामोशी, पूरा सतोष, मौत की खामोशी।

सुकूने दाइमी (سکون دائمی) अ पु –दे 'सुकूने अबदी'।

सुकूने मुत्लक़ (سکون مطلق) अ पु –दे 'सुकूने कामिल'।

सुकैन' (سکینہ) अ स्त्री –हज्रत सकीन का शुभ नाम, जो हज्रत इमामहुसैन की सुपुत्री थी।

सुक्कर (سکر) अ स्त्री –चीनी, शकर, शर्करा।

सुक्कान (سکان) अ पु –साकिन का बहु, रहनेवाले, निवासी।

सुक्काने समावात (سکان سماوات) अ पु –आस्मान के रहनेवाले, फिरिश्ते।

सुक्त' (سقطہ) अ पु –किसी चीज का गिरा हुआ टुकडा, बादल का टुकडा।

सुक्ना (سکنی) अ स्त्री –निवास, बसना, निवासी, बसनेवाला।

सुक्ब. (ثقبہ) अ पु –छिद्र, विवर, छेद, सूराख़।

सुक़्ब (ثقب) अ पु –'सुक़्ब' का बहु, छिद्र-समूह, छेद, दे 'सुक़ुब', दोनों शुद्ध हैं।

सुक़्बए इनबीय (ثقبۂ عنبیہ) अ पु –आँख का एक पर्दा, एक चक्षुपटल।

सुक़्म (سقم) अ पु –रोग, बीमारी।

सुक़्मूनिया (سقمونیا) अ स्त्री –एक विरेचक गोंद जो बहुत अच्छी दवा है।

सुक्र (سکر) अ पु –मद, अभिमान, मादकता, नशा।

सुख़न (سخن) फा पु –वार्ता, बात, कथन, शब्द, ध्वनि, वार्तालाप, बातचीत, सविदा, वादा, कौल, कविता, काव्य, शेर, शाइरी, प्रवचन, मकूल, दे 'सख़ुन', दोनों शुद्ध हैं।

सुख़नआफ़्री (سخن آفریں) फा वि –कवि, शाइर।

सुख़नआफ़्रीनी (سخن آفرینی) फा स्त्री –कविता, काव्य-रचना, शाइरी।

सुख़नआरा (سخن آرا) फा वि –कवि, शाइर।

सुख़नआराई (سخن آرائی) फा स्त्री –काव्य-रचना, शाइरी।

सुख़नगुस्तर (سخن گستر) फा वि –कवि, शाइर, काव्य-मर्मज्ञ, शे'रशनास।

सुख़नगुस्तरी (سخن گستری) फा स्त्री –कविता कहना, कविता का गुण-दोष समझना।

सुख़नगो (سخن گو) फा वि –कवि, शाइर।

सुख़नगोई (سخن گوئی) फा स्त्री –कविता, शाइरी।

सुख़नगोया (سخن گویا) फा वि –सुख़नगो, शाइर, कवि।

सुख़नचीं (سخن چیں) फा वि –छिद्रान्वेषी, ऐबची, पिशुन, चुग़ुलख़ोर, निन्दक, लुतरा।

सुख़नचीनी (سخن چینی) फा. स्त्री –ऐब ढूँढना, पिशुनता, लुतरापन।

सुख़नतकिय. (سخن تکیہ) फा अ पु –वह शब्द या वाक्य जो किसी की ज़बान पर चढ जाय और बातो मे उसका प्रयोग बार-बार करे, चाहे उसकी आवश्यकता हो या न हो।

सुख़न तराज़ (سخن طراز) फा वि –कवि, शाइर।

सुख़नतराज़ी (سخن طرازی) फा स्त्री –कविता, शाइरी।

सुख़नदाँ (سخن داں) फा वि –शाइर, कवि, सुख़नफ़हम, काव्य-मर्मज्ञ।

सुख़नदानी (سخن دانی) फा स्त्री –शाइरी, काव्य-रचना, कविता की परख।

सुख़ननवाज़ (سخن نواز) फा वि –कवियो और शाइरो की क़द्र करनेवाला, काव्यप्रेमी।

सुख़ननवाज़ी (سخن نوازی) फा स्त्री –कविता की क़द्र, कवियो का आदर।

सुख़नपरदाज़ (سخن پرداز) फा वि –कवि, शाइर।

सुख़नपरदाज़ी (سخن پردازی) फा स्त्री –कविता, शाइरी।

सुख़नपर्वर (سخن پرور) फा वि –कवि, शाइर, अपनी बात की पच करनेवाला, गलत या सही जो कह दिया उस पर अडा रहनेवाला, हठधर्म, हठी।

सुख़नपर्वरी (سخن پروری) फा स्त्री –कविता, बात की पच, हठधर्मी।

सुख़नफ़रामोश (سخن فراموش) फा वि –बात कहकर भूल जानेवाला, वादा याद न रखनेवाला।

सुख़नफ़रामोशी (سخن فراموشی) फा स्त्री –बात भूल जाना, वादा याद न रखना।

सुख़नफ़ह्म (سخن فہم) फा अ वि –कविता का गुणदोष समझनेवाला, सहृदय, काव्य-मर्मज्ञ, बात की तह को पहुँच जानेवाला।

सुख़नफ़ह्मी (سخن فہمی) फा अ स्त्री –कविता का गुण-दोष समझना, काव्य-मर्मज्ञता, जल्द बात की तह को पहुँचना।

सुख़नबाफ़ (سخن باف) फा. वि –बातूनी, वाचाल, मुखर।

सुख़नबाफ़ी (سخن بافی) फा स्त्री –वाचालता, मुखरता, बातूनीपन।

सुख़नरस (سخن رس) फा वि –दे 'सुख़नफ़ह्म'।

सुख़नरसी (سخن رسی) फा स्त्री –दे 'सुख़नफ़ह्मी'।

सुख़नवर (سخن ور) फा वि –कवि, शाइर।

सुख़नवरी (سخن وری) फा स्त्री –कविता, शाइरी।

सुख़नशनास (سخن شناس) फा वि –दे 'सुख़नफ़ह्म'।

सुख़नशनासी (سخن شناسی) फा स्त्री –दे 'सुख़नफ़ह्मी'।

सुख़नशनौ (سخن شنو) फा वि –बात सुननेवाला, बात समझनेवाला, बात की क़द्र करनेवाला।

सुख़नसंज (سخن سنج) फा वि –दे 'सुख़नफ़ह्म'; दे. 'सुख़नवर'।

सुख़नसंजी (سخن سنجی) फा स्त्री –काव्य-मर्मज्ञ, कवि।

सुख़नसरा (سخن سرا) फा वि –कवि, शाइर, तरन्नुम से शे'र पढनेवाला।

सुख़नसराई (سخن سرائی) फा स्त्री –कविता, शाइरी, तरन्नुम से शे'र पढना।

सुख़नसाज़ (سخن ساز) फा वि –कवि, शाइर, बातो का चालाक, छली, मक्कार।

सुख़नसाज़ी (سخن سازی) फा स्त्री –कविता, शाइरी, बातो की चालाकी, ज़मान साज़ी, छल, फ़रेब।

सुख़ने गर्म (سخن گرم) फा पु —तेज बात—गुस्से की बात; गुस्सा दिलानेवाली बात ।
सुख़ने तल्ख़ (سخن تلخ) फा पु —कड़वी बात, सच्ची और खरी बात, बदज़बानी, मुख-चपलता ।
सुख़ुन (سخن) फा पु —दे 'सुख़न', शुद्ध यह भी है, परन्तु 'सुख़न' बहुत अधिक शुद्ध है ।
सुख़ूनत (سخونت) अ स्त्री —गर्म होना, उष्ण होना, उष्णता, उष्णिमा, गर्मी ।
सुख़्त (سختہ) फा वि —तोला हुआ, तुलित ।
सुख़्त (سخط) अ पु —कोप, क्रोध, गुस्स, दे 'सख़्त', दाना शुद्ध है ।
सुख़्तनी (سختنی) फा वि —तोलने के योग्य, जिसे तोला जा सके ।
सुख़्र: (سخرہ) फा स्त्री —बेगार, बिना मजदूरी का काम, विष्टि ।
सुख़्र: (سخرہ) अ पु —मनोविनोद, मनोरंजन, सूरतवह जिस पर लोग हँसे, हास्यास्पद, उपहसित, मस्ख़रा, विदूषक ।
सुख़्रत (سخرت) अ स्त्री —परिहास, उपहास, हँसी उड़ाना, मनोरंजन, तफ़ीह ।
सुख़्री (سخری) अ वि —पश्चाताप, अफ़सोस ।
सुख़्रीय: (سخریہ) अ पु —मनोविनोद, तफ़रीह, ठठोल, फक्कड़पन, मस्ख़र पन, विदूपकता ।
सुगाच: (سگاچہ) फा पु —कावूस रोग, जिसमें स्वप्न में ऐसा जान पड़ता है कि कोई काला देव गला दवा रहा है ।
सुग़्द (سغد) फा स्त्री —नीची ज़मीन जहाँ बरसात का पानी इकट्ठा होता है, समरकंद के पास एक नगर ।
सुग़्दी (سغدی) फा स्त्री —ईरान की सात भाषाओं म से एक ।
सुग़्रा (صغریٰ) अ स्त्री —छोटी स्त्री, हर छोटी चीज़ जो स्त्रीलिंग हो ।
सुग़्राक़ (سغراق) तु पु —बड़ा प्याला, चादिय ।
सुजूद (سجود) अ पु —प्रणाम करना, सर झुकाना, ईश्वर के आगे सर झुकाना, नमाज़ में सज्द करना ।
सुतुर्ग (ستُرگ) फा वि —ज्येष्ठ, बड़ा, श्रेष्ठ, अज़ीम ।
सुतुर्द: (ستردہ) फा वि —मूँडा हुआ, मुंडित ।
सुतुर्लाब (سطرلاب) फा पु —ग्रहों और तारों आदि के नापने का यंत्र ।
सुतूअ (سطوع) अ पु —बलंद होना, ऊँचा होना ।
सुतूद: (ستودہ) फा वि —प्रशंसित, सराहा हुआ, जिसकी तारीफ़ की गयी हो ।
सुतूद: कार (ستودہکار) फा वि —जिसके काम काबिले तारीफ़ हों ।
सुतूद: सिफ़ात (ستودہصفات) फा. अ वि.—अच्छे गुणोंवाला, अच्छे आचार-व्यवहारवाला ।
सुतूदाँ (ستودان) फा. पु —आतशपरस्तों अर्थात् पार्सियों का समाधिस्थान या क़ब्रिस्तान ।
सुतून (ستون) फा पु —स्थूण, खंभा, मीनार, लाट, स्तंभ ।
सुतूने जराइद (ستون جراید) फा अ पु —अख़्बार का कालम, स्तंभ ।
सुतूर (سطور) अ स्त्री —'सत्र' का बहु, सत्रें, लकीरें, पंक्तियाँ ।
सुतूरे ज़ैल (سطور ذیل) अ स्त्री —लेख के नीचे की पंक्तियाँ ।
सुतूरे बाला (سطور بالا) अ फा स्त्री —लेख के ऊपर की पंक्तियाँ ।
सुतूह (سطوح) अ स्त्री —'सत्ह' का बहु, सत्हें ।
सुतोर (ستور) फा पु —गो, वृष, बैल, उष्ट्र, क्रमेल, ऊँट, अश्व, वाजि, घोड़ा ।
सुतोह (ستوہ) फा वि —तंग आया हुआ, आजिज़, दुःखित, पीड़ित, रंजीद, निःसवच, बेलगाव, बाज़ ।
सुदद (سدد) अ पु —'सुद्द' का बहु, सुद्दे, ग्रंथियाँ, गाँठें, मल या मवाद की गाँठें ।
सुदाअ (سداع) अ पु —सरदर्द, शिर पीड़ा ।
सुदाद (سداد) अ पु —एक रोग है जिसमें नाक और सीने के रास्ते बंद हो जाते हैं ।
सुदाब (سداب) फा स्त्री —एक क्षुप जिसकी पत्ती औषधि में काम आती है, तितली ।
सुदुस (سدس) अ वि —छठा पष्ठ, छठा ।
सुदूर (صدور) अ पु —जारी होना, निकलना ।
सुदुग़ (صدغ) अ पु —कनपटी ।
सुद्ग़ (صدغ) अ पु —कनपटी ।
सुद्ग़ैन (صدغین) अ पु —दोनों कनपटियाँ ।
सुद्द (سدہ) अ पु —मवाद की गाँठ जो आँतों या रगों में पड़ जाती है ।
सुद्स (سدس) अ वि —छठा पष्ठ ।
सुनन (سنن) अ स्त्री —'सुन्नत' का बहु, सुनन ।
सुनाई (ثنائی) अ वि —दो अक्षरवाला शब्द, आगे के दो दांत, ऊपर के हों या नीचे के ।
सुनान (صنان) अ स्त्री —बगल की दुर्गंध, एक रोग जिसमें बगल में बू आती है ।
सुनूअ (صنع) अ स्त्री —बनाना, पैदा करना, कारीगरी, शिल्प ।

सुनए परवर्दगार (صنعِ پروردگار) अ फा स्त्री —ईश्वर की कारीगरी।

सुन्कुर (سنقر) तु पु —एक शिकारी पक्षी जो बाज की किस्म का होता है, और भारत मे गर्मी के कारण जिंद नही रहता।

सुनः (سنہ) अ पु —दे 'सुन्नत'।

सुन्नत (سنت) अ स्त्री —नियम, काइद, पद्धति, तरीक, मार्ग, रास्ता, प्रकृति, फित्रत, स्वभाव, आदत, वह काम जो पैगंबर साहिब ने किया हो, खत्न, मुसलमानी।

सुन्नते आबा (سنت آبا) अ. स्त्री —बापदादा का दस्तूर, खानदान का रवाज।

सुन्नते पैगम्बरी (سنت پیغمبری) अ फा स्त्री —पैगंबर साहिब का किया हुआ अमल, जिसके करने से सवाब मिलता है।

सुन्नते रसूल (سنت رسول) अ स्त्री —दे 'सुन्नते पैग़ंबरी'।

सुन्नी (سنی) अ पु —सुन्नत का अनुयायी, सुन्नी मुसलमान, मुसलमानो का एक समुदाय।

सुपार (سپار) फा प्रत्य —सौपनेवाला, जैसे—'जाँसुपार' जान सौंपनेवाला।

सुपारिश (سپارش) फा. स्त्री —दे 'सिफारिश'।

सुपुर्ज (سپرز) फा स्त्री —प्लीहा, तिल्ली, एक विशेप अवयव।

सुपुर्द॰ (سپردہ) फा वि —सौंपा हुआ, दिया हुआ।

सुपुर्द (سپرد) फा वि —सौंपा हुआ, दिया हुआ।

सुपुर्दगी (سپردگی) फा स्त्री —सुपुर्द करना, किसी को देना।

सुपुर्दार (سپردار) फा पु —वह व्यक्ति जिसके सुपुर्द किसी कुर्की का माल हो।

सुपुश (سپش) फा स्त्री —जूँ, वह कीडा जो बालो मे पड जाता है, स्वेदज लोम-यूक।

सुफरा (سفرا) अ पु —'सफीर' का वहु, दूत लोग, देशो के सफीर।

सुफहा (سفہا) अ पु —'सफीह' का वहु, अधम लोग, कमीने।

सुफारिश (سفارش) फा स्त्री —शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू म सिफारिश ही बोलते है, इसलिए उर्दू मे सिफारिश ही शुद्ध है, दे अर्थ के लिए 'सिफारिश'।

सुफाल (سفال) फा पु —मिट्टी का बरतन, ठीकरा, दे 'सिफाल' वह भी शुद्ध है।

सुफालीं (سفالیں) फा वि —मिट्टी का बना हुआ, मृण्मय।

सुफुन (سفن) अ पु —'सफीन' का वहु, नौकाएँ, नाव, कश्तियाँ।

सुफूल (سفول) अ पु —निचाई, निम्नता, पस्ती; नीचे उतरना, नीचे आना।

सुफ्तः (سفتہ) फा वि —छेद किया हुआ, एक वाण, पिरोया हुआ।

सुफ्तःगोश (سفتہگوش) फा वि —जिसके कान छिदे हो, दास, गुलाम, आज्ञापालक, मुतीअ'।

सुफ्त (سفت) फा पु —छेद, विवर, छिद्र, सूराख।

सुफ्तजः (سفتجہ) फा स्त्री —हुडी, चेक, धनादेश।

सुफ्तनी (سفتنی) फा वि —पिरोने योग्य, छेद करने योग्य।

सुफ्तीद॰ (سفتیدہ) फा वि —पिरोया हुआ, बिधा हुआ।

सुफ्फः (صفہ) अ पु —पटाव का मकान, सायेदार जगह, छज्जा, साइबान।

सुफ्यान (سفیان) अ पु —पाक, साफ, परहेज़गार।

सुफ्रः (سفرہ) फा पु —गुदा, मलद्वार, मक्अद।

सुफ्र॰ (سفرہ) अ पु —वह कपडा जिस पर खाना खाते है, दस्तरख्वान, तोशदान, टिफिन कैरियर, चूंकि सुफ़्र का अर्थ फारसी मे मलद्वार है, इसलिए अरबी के शब्द सुफ़्र को 'सफ़' पढने लगे है, दे सफ़।

सुफ्र॰चीं (سفرہچیں) फा वि —दस्तरख्वान का जूठा खानेवाला, अर्थात् दास, गुलाम।

सुफ्रची (سفرچی) फा पु —खानसामा बैरा, खाना खिलानेवाला।

सुफ्रत (صفرت) अ स्त्री —पीलापन, पीतिमा, ज़र्दी, पीलाहट।

सुफ्ल (سفل) अ पु —निचाई, निम्नता, मस्ती, दे 'सिफ्ल', वह भी शुद्ध है।

सुफ्ला (سفلی) अ स्त्री —'अस्फल' का स्त्री —बहुत नीची, निकृष्टा, अधमा।

सुफ्ली (سفلی) अ वि —नीचे का, नीचेवाला, नीचे से संबंधित, दे 'सिफ्ली'।

सुबाई (سباعی) अ स्त्री —एक नज्म जिसमे सात मिस्रे होते है, सप्त ग्रहो का समूह, सातो आकाश।

सुबात (سبات) अ पु —समय, काल, स्वप्न, ख़्वाब, नीद, एक रोग जिसमे रोगी बहुत सोता है।

सुबुकतिगीं (سبکتگیں) तु पु —सुल्तान महमूद के बाप का नाम, दे 'सबुकतिगी', वह भी शुद्ध है।

सुबू (سبو) फा पु —पानी आदि का घडा, घट, मटका, कुंभ।

सुबूच (سبوچہ) फा पु —छोटा घडा, ठिलिया, गागर, मटकी।

सुबूत् (ثبوت) अ पु –प्रमाण, तर्क, दलील; उदाहरण, मिसाल।

सुबूदान (سبودان) फा पु.–घडा रखने की टिकटी।

सुबूह (صبوح) अ स्त्री –प्रातःकाल, तडका, सवेरे की शराब पीना।

सुबूह (سبوح) अ वि –अत्यन्त पवित्र, बहुत पाक, ईश्वर का एक नाम।

सुब्हः (سبحہ) अ पु –जपमाला, सुमरन, तस्बीह।

सुब्ह:ख्वाँ (سبحہ خواں) अ फा वि –तस्बीह पढनेवाला, जप करनेवाला, जापक।

सुब्ह:ख्वानी (سبحہ خوانی) अ फा स्त्री.–दे 'सुब्ह-गर्दानी'।

सुब्ह:गर्दानी (سبحہ گردانی) अ फा स्त्री –तस्बीह फेरना, तस्बीह पढना, माला फेरना, जप करना।

सुब्हरानी (سبحہ رانی) अ फा स्त्री –दे 'सुब्ह गर्दानी'।

सुब्ह (صبح) अ स्त्री –प्रातःकाल, प्रभात, प्रात, भोर, तडका।

सुब्हख़द (صبح خند) अ फा पु –ऐसी मुस्कुराहट जिसमें दाँत दिखाई दे जायँ, दे 'सहरख़द' न० २।

सुब्हख़ेज़ (صبح خیز) अ फा वि –जिसे तडके उठने की आदत हो।

सुब्हगाह (صبح گاہ) फा पु –प्रातःकाल, तडके, गजरदम, गोविसर्ग, वासर सग।

सुब्हगाही (صبح گاہی) फा स्त्री –प्रातःकाल का, सवेरे का (की), प्रातःकाल, तडका, सवेरा।

सुब्हदम (صبحدم) अ फा पु –बहुत तडके, गजरदम।

सुब्हे अज़ल (صبح ازل) अ स्त्री –जब सृष्टि की रचना हुई वह समय।

सुब्हे अलस्त (صبح الست) अ स्त्री –सृष्टि-रचना, काल।

सुब्हे आख़िर (صبح آخر) अ स्त्री –दे 'सुब्हे सादिक़'।

सुब्हे उम्मीद (صبح امید) अ फा स्त्री –आशारूपी प्रभात।

सुब्हे काज़िब (صبح کاذب) अ स्त्री –झूठा सवेरा, वह रौशनी जिसके बाद फिर अँधेरा हो जाता है।

सुब्हे कियामत (صبح قیامت) अ स्त्री –कियामत के दिन का सवेरा, वह सवेरा जिस दिन कियामत होगी और सब लोग जी उठेंगे और अपना हिसाब देने के लिए एक बडे मैदान मे एकत्र होंगे।

सुब्हे जज़ा (صبح جزا) अ स्त्री –उस दिन का सवेरा जिस रोज कियामत मे पाप-पुण्य का हिसाब-किताब होगा।

सुब्हे दुवुम (صبح دوم) अ फा स्त्री –दे 'सुब्हे सादिक़'।

सुब्हे नुख़ुस्तीं (صبح نخستیں) अ फा स्त्री –दे 'सुब्हे अज़ल'।

सुब्हे बहार (صبح بہار) अ. फा स्त्री –वसत ऋतु की शुरुआत, पुष्प-समय का प्रारभ।

सुब्हे महशर (صبح محشر) अ स्त्री –दे 'सुब्हे कियामत'।

सुब्हे रुस्तख़ेज़ (صبح رستخیز) अ फा स्त्री –दे 'सुब्हे कियामत'।

सुब्हे सादिक़ (صبح صادق) अ स्त्री –सच्चा सवेरा, जो सचमुच सवेरा हो, प्रात, प्रभात, तडका।

सुब्हे सानी (صبح ثانی) अ स्त्री –दे. 'सुब्हे सादिक़'।

सुब्हे हश्र (صبح حشر) अ स्त्री –दे 'सुब्हे कियामत'।

सुब्होमसा (صبح و مسا) अ स्त्री –रातदिन, अहर्निश, हर समय।

सुब्होशाम (صبح و شام) अ फा स्त्री –रातदिन, हर समय।

सुम (سم) फा पु –चौपाए का खुर, घोडे की टाप।

सुमअफ़्गंद. (سم افگندہ) फा वि –चलने में असमर्थ, लँगडा, पगु।

सुमुन (ثمن) अ वि –आठवाँ अश।

सुमुव [व्व] (سمو) अ पु –ऊँचाई, बलदी, उच्चता, उत्तुगता।

सुमूत (صموت) अ पु –चुप रहना, ख़ामोश रहना, मौन, ख़ामोशी।

सुम्अ: (سمعہ) अ पु –दे 'सुम्अत'।

सुम्अत (سمعت) अ स्त्री –अपनी अच्छी बातें दूसरो को सुनवाना ताकि लोग अच्छा समझें, रियाकारी, पाखड, आडंबर।

सुम्च: (سمچہ) फा पु –ज़मीन के अदर की गुफा, तहख़ाना, तलगृह।

सुम्नः (سمنہ) फा पु –एक मेवा, चिरौंजी।

सुम्न (ثمن) अ वि –आठवाँ अश, ⅛, दे 'सुमुन'।

सुम्मः (ثم) अ वि –फिर, पुन।

सुम्माक़ (سماق) अ पु –एक खट्टा फल जो दवा मे काम आता है।

सुयूफ़ (سیوف) अ पु –'सैफ़' का बहु, तलवारें।

सुराक़ (سراقہ) अ पु –चोरी का माल, कुरैश वश (अरब) का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति।

सुराग़ (سراغ) तु पु –पाँव का चिह्न, खोज, पता, निशान, ठिकाना, अनुसधान, जिज्ञासा, तलाश।

सुराग़रसाँ (سراغ رساں) तु फा वि –खोज लगानेवाला, खोजी, गुप्तचर, जासूस।

सुराग़रसानी (سراغرسانی) तु फा स्त्री.—खोज लगाना, तलाश करना; गुप्तचर्या, जासूसी।

सुराग़रसी (سراغرسی) तु फा स्त्री —दे 'सुराग़रसानी'।

सुरादिक़ (سرادق) अ पु —बड़ा तंबू, बड़ा ख़ेमा, शामियाना, वितान।

सुरादिक़ात (سرادقات) अ पु.—'सुरादिक़' का बहु; बड़े-बड़े ख़ेमे, शामियाने।

सुराह (صراح) अ वि —सार, तत्त्व, ख़ुलासा, निष्कर्ष, निचोड़, एक अरबी शब्दकोष।

सुराही (صراحی) अ स्त्री —पानी रखने का एक विशेष प्रकार का मिट्टी का पात्र, जल की कुंभी।

सुराहीदार (صراحی‌دار) अ फा. वि —दे 'सुराहीनुमा'।

सुराहीनुमा (صراحی‌نما) अ फा. वि —सुराही के आकार का, सुराही जैसा।

सुरीं (سریں) फा स्त्री —'सुरीन' का लघु, दे. 'सुरीन'।

सुरीन (سرین) फा स्त्री —नितंब, चूतड़।

सुरुब (سرب) अ पु —एक धातु, सीस, सीसक।

सुरूँ (سروں) फा स्त्री —दे 'सुरून'।

सुरूद (سرود) फा. पु —गाना, नग़्मः, राग, गीत, एक बाजा।

सुरून (سروں) फा स्त्री —नितंब, उपस्थ, सुरीन।

सुरूर (سرور) अ पु —हर्ष, ख़ुशी; आनंद, लज़्ज़त, हलका नशा।

सुरूरअंगेज़ (سرورانگیز) अ.फा वि —नशा पैदा करनेवाला, मादक; हर्ष देनेवाला, आनंदवर्द्धक।

सुरूरअफ़्ज़ा (سرورافزا) अ फा वि —आनंद बढ़ानेवाला, हर्षवर्धक।

सुरूरख़ेज़ (سرورخیز) दे 'सुरूरअफ़्ज़ा'।

सुरूरपर्वर (سرورپرور) अ फा वि —दे 'सुरूरअफ़्ज़ा'।

सुरूरफ़िज़ा (سرورفزا) अ फा वि —दे 'सुरूरअफ़्ज़ा'।

सुरूरेइबादत (سرورعبادت) अ. पु —ईश्वर की आराधना का आनंद, भजनानंद।

सुरूरे क़ल्ब (سرورقلب) अ पु —हृदय का आनंद, चित्त-प्रसाद।

सुरूरे दाइमी (سرورِدائمی) अ पु.—हमेशा रहनेवाला आनंद।

सुरैया (ثریا) अ स्त्री —तीसरा नक्षत्र, कृत्तिका, कान मे पहनने का झुमका, रोशनी का झाड़।

सुरैयामाम (ثریامام) अ वि —जिसकी अटारी सुरैया जितनी ऊँची हो, जहाँ किसी की पहुँच न हो सके।

सुरोद (سرود) फा पु —गाना, गान गीत।

सुरोदसंज (سرودسنج) फा वि —गायक, गानेवाला, गाने के फ़न का उस्ताद।

सुरोदी (سرودی) फा वि —गायक, गवैया।

सुरोदे मस्ताँ (سرودِمستاں) फा पु —नशे में चूर लोगों का गाना।

सुरोश (سروش) फा पु —जिब्रील, फ़िरिश्ता, हर वह फ़िरिश्ता जो अच्छी ख़बर और शुभ संदेश लाये।

सुरोशे ग़ैब (سروشِ‌غیب) फा अ पु —ग़ैबी फ़िरिश्ता, आकाशवाणी करनेवाला।

सुर्अत (سرعت) अ स्त्री —शीघ्रता, तेज़ी, जल्दी, उतावलापन, आतुरता, फुरती, चुस्ती।

सुर्अते इंज़ाल (سرعتِ‌انزال) अ स्त्री —संभोग के समय शीघ्र वीर्यपात हो जाने का रोग।

सुर्ख़ः (سرخہ) फा. वि —आँख में निकलनेवाली गुहांजी

सुर्ख़ (سرخ) फा वि —लाल रंग, लाल रँगा हुआ, घुँघची, एक रत्ती का वज़न।

सुर्ख़अंदाम (سرخ‌اندام) फा. वि —लाल रंग का, जिसका शरीर लाल हो, रक्तांग।

सुर्ख़गूँ (سرخ‌گوں) फा वि —लाल रंग का, जिसका रंग लाल हो।

सुर्ख़चः (سرخچہ) फा पु —ख़स्रः, छोटी चेचक जो प्रायः छोटे बालकों को निकल आती है।

सुर्ख़चश्म (سرخ‌چشم) फा वि —जिसकी आँखें लाल हों, रक्ताक्ष।

सुर्ख़पोश (سرخ‌پوش) फा वि —लाल कपड़े पहननेवाला, रक्तांबर।

सुर्ख़पोशी (سرخ‌پوشی) फा स्त्री.—लाल कपड़े पहनना।

सुर्ख़फ़ाम (سرخ‌فام) फा वि —जिनके शरीर का रंग लाल हो, रक्तांग।

सुर्ख़बादः (سرخ‌بادہ) फा पु —लाल दाने या दाग़ जो रक्त के प्रकोप में बच्चों के शरीर पर हो जाते हैं।

सुर्ख़मू (سرخ‌مو) फा वि.—जिसके सर और डाढ़ी के बाल लाल हों, रक्तकेशी।

सुर्ख़रंग (سرخ‌رنگ) फा वि —लाल रंगवाला, रक्तवर्ण।

सुर्ख़रू (سرخ‌رو) फा वि —सम्मानित, इज़्ज़त किया गया; सफल, कामयाब,—"सुर्ख़रू होता है इन्सॉ ठोकरें खाने के बाद, रंग लाती है हिना पत्थर पे पिस जाने के बाद।"

सुर्ख़रूई (سرخ‌روئی) फा स्त्री —सम्मान, इज़्ज़त, सफलता, कामयाबी।

सुर्ख़लब (سرخ‌لب) फा. वि —जिसके होंट लाल हों, जो होंठ पान या लिपिस्टिक से लाल हों।

सुर्ख़लबी (سرخ‌لبی) फा स्त्री –होंठो का लाल होना।
सुर्ख़ाब (سرخاب) फा पु –एक जलपक्षी, चकवा, जिसके लिए प्रसिद्ध है कि इनका जोडा रात में जुदा हो जाता है और दिन भर साथ साथ रहता है।
सुर्ख़िए चश्म (سرخئ چشم) फा स्त्री –आँख की लाली।
सुर्ख़िए मै (سرخئ مے) फा स्त्री –शराब के नशे की लाली, शराब के रग की लाली।
सुर्ख़िए लब (سرخئ لب) फा स्त्री –होंठो की लाली।
सुर्ख़िए शफ़क़ (سرخئ شفق) फा अ स्त्री –उषा की लालिमा, सवेरे या शाम की शफक की सुर्ख़ी।
सुर्ख़ी (سرخی) फा वि –लाली, लालिमा।
सुर्ना (سرنا) फा पु –'सूर नाए' का लघु, शहनाई जो शादी के मौके पर बजती है।
सुर्नाची (سرناچی) फा वि –शहनाई बजानेवाला।
सुर्फ़ः (سرفہ) फा पु –खाँसी, कास।
सुर्फ़िद. (سرفدہ) फा वि –खाँसनेवाला।
सुर्फ़ीद. (سرفیدہ) फा वि –जिसने खाँसा हो, खाँसा हुआ।
सुर्म (سرمہ) फा पु –एक पत्थर जो पीसकर आँखो मे लगाया जाता है, आखो मे लगाने की सूखी और बारीक पिसी हुई दवा, रसाजन।
सुर्म.आगीं (سرمہ‌آگیں) फा वि –सुर्म लगी हुई आँख, अजित, अजनसार।
सुर्म.आलूद (سرمہ‌آلود) फा वि –दे सुर्म आगी।
सुर्म आवाज़ (سرمہ‌آواز) फा वि –जो बोल न सके।
सुर्म.ख़ुर्दः (سرمہ‌خوردہ) फा वि –जिसने सुर्म खाया हो, जो बोल न सकता हो।
सुर्मःचश्म (سرمہ‌چشم) फा वि –आँखो मे सुर्म लगाये हुए, अजनसार।
सुर्म चोब (سرمہ‌چوب) फा स्त्री –सुर्म लगाने की सलाई, अजन, शलाका।
सुर्म दरगुलू (سرمہ درگلو) फा वि –दे 'सुर्म ख़ुर्द'।
सुर्म.दान (سرمہ‌دان) फा पु –सुर्म रखने की शीशी आदि, सुर्मेदानी।
सुर्म फ़रोश (سرمہ‌فروش) फा पु –जो सुर्म बेचता हो, जो कई प्रकार के सुर्मे बनाकर बेचता हो।
सुर्म.सा (سرمہ‌سا) फा वि –सुर्मे की तरह बिलकुल बारीक पिसा हुआ, रेज-रेज, चूर-चूर।
सुर्म (سرم) अ पु –आँत का मुँह जिससे मल निकलता है, भलद्वार।
सुर्मए चश्म (سرمۂ چشم) फा पु –आखो मे लगाने का सुर्मा।
सुर्मए दुबाल.दार (سرمۂ دنبالہ‌دار) फा पु –आँखो मे लगा हुआ वह सुर्म जिसकी लकीर आँख से बाहर कनपटी की ओर तक बढी हुई हो।
सुर्मगीं (سرمگیں) फा वि –अजनसार, अजित, सुर्म लगी हुई आँख।
सुर्रः (سرہ) फा स्त्री –नाभि, नाफ, तुडी, टुडी।
सुर्र. (صرہ) अ पु –थैली, रुपया-पैसा रखने की थैली, पोटली, छोटी पोटली।
सुर्र बस्तः (صرہ‌بستہ) अ फा वि –वह दवा जो पोटली मे बाँधकर औटाई जाय।
सुलहफ़ात (سلحفات) अ पु –कछवा, कूर्म, कच्छप।
सुलहा (صلحا) अ पु –'सालेह' का बहु, 'सयमनिष्ठ और सदाचारी लोग'।
सुलाक़ (سلاق) अ पु –एक रोग जिसमें पलकें लाल और भारी हो जाती हैं।
सुलामियात (سلامیات) अ पु –वह स्थान जहाँ नाखून जमते हैं, नखस्थान।
सुलालः (سلالہ) अ पु –किसी चीज से खीचा हुआ सार, निष्कर्ष, निचोड, नवजात शिशु।
सुलालात (سلالات) अ पु –'सुलाल' का बहु, चीजो के निचोड, सार-समूह, नवजात बच्चे, शिशुगण।
सुलस (ثلث) अ वि –तृतीयाश, तीसरा हिस्सा, दे 'सुल्स', दोनो शुद्ध हैं।
सुलूक (سلوک) अ पु –रास्ता चलना, व्यवहार, तर्जेअमल, गरीबो और दुखियारो को रुपये-पैसे से सहायता, ईश्वर की खोज।
सुलूके नेक (سلوک نیک) अ फा पु –अच्छा बरताव, सद्-व्यवहार।
सुलूके बद (سلوک بد) अ फा पु –बुरा बरताव, कुव्यवहार, दुर्व्यवहार।
सुलूज (ثلوج) अ पु –'सल्ज' का बहु, 'बरफ' का समूह, पाला पडना, तुषार पडना, बर्फबारी।
सुल्त (سلت) अ पु –जौ, यव, एक प्रसिद्ध नाज।
सुल्तान (سلطان) अ पु –शासक, नरेश, बादशाह, राजा।
सुल्तानी (سلطانی) अ वि –शासन, राज, बादशाही।
सुल्फ़ (سلفہ) अ पु –सवेरे का हलका खाना, नाश्ता, नहारी, उपाहार, जलपान।
सुल्ब (صلب) अ पु –पीठ के गुरिए, अस्थि-शृखल, कडा, सख्त, दे 'सलब', नुत्फ, वीर्य।
सुल्बी (صلبی) अ वि –औरस, एक नुत्फे से, सहोदर, हकीकी।

सुल्बीय (صلبیہ) अ पु –आँख का सातवाँ पर्दा।
सुल्लम (سلم) अ पु –नि श्रेणी, सोपान, सीढी।
सुल्स (ثلث) अ वि –तीसरा हिस्सा, तृतीयाश, दे 'सुलुस', वह भी शुद्ध है।
सुल्सुल (صلصل) अ स्त्री –पडुकी, फाख्त, हौज का बचा हुआ पानी, घोडे के माथे के बाल।
सुल्ह (صلح) अ स्त्री –मेल, मिलाप, आश्ती, सधि, मुसालहत, मैत्री, दोस्ती, दो व्यक्तियो म परस्पर विरोध के बाद आपस में मेल।
सुल्हकुल (صلح کل) अ वि –जो सबके साथ दोस्ती रक्खे, जो किसी से झगडा न करे।
सुल्हख़ू (صلح خو) अ फा वि –जिसके स्वभाव मे मेल-जोल मे रहना हो।
सुल्हजू (صلح جو) अ फा वि –मेल-जोल से रहनेवाला, झगडे-टटे को नापसद करनेवाला।
सुल्हजूई (صلح جوئی) अ फा स्त्री –परस्पर मेल-जोल से रहना।
सुल्हदोस्त (صلح دوست) अ फा वि –जो मेल-जोल पसद करनेवाला हो, शान्तिप्रिय।
सुल्हदोस्ती (صلح دوستی) अ फा स्त्री –मेल-जोल से रहना पसद करना।
सुल्हपसद (صلح پسند) अ फा वि –दे 'सुल्हदोस्त'।
सुल्हपसदी (صلح پسندی) अ फा स्त्री –दे 'सुल्हदोस्ती'।
सुल्हशिकन (صلح شکن) अ फा वि –मेल-जोल को तोडनेवाला, आपस की सधि को तोडनेवाला।
सुल्हशिकनी (صلح شکنی) अ फा स्त्री –मेल-जोल को खत्म कर देना, परस्पर सधि के नियमो का उल्लघन।
सुल्हसामाँ (صلح ساماں) अ फा वि –दे 'सुल्हदोस्त'।
सुल्हसामानी (صلح سامانی) अ फा स्त्री –दे 'सुल्हदोस्ती'।
सुल्होजग (صلح و جنگ) अ फा स्त्री –लडाई और मेल, युद्ध और सधि।
सुवर (صور) अ स्त्री –'सूरत' का बहु, सूरते, शक्ले।
सुवाल (سوال) अ पु –दे 'सवाल'।
सुवैदा (سویدا) अ वि –वह काला तिल जो हृदय पर होता है।
सुस्त (سست) फा वि –अशक्त, कमजोर, मद, धीमा, जो फुर्तीला न हो, स्फूर्तिहीन, शिथिल, ढीला, खिन्न, मलिन, अफ्सुर्द, आलसी, काहिल, जिसमे काम-शक्ति कम हो, मदकाम, मदगति, धीरे चलनेवाला; दीर्घसूत्री, धीरे-धीरे काम करनेवाला।
सुस्तअह्द (سست عہد) फा अ वि –दे 'सुस्त पैमाँ'।
सुस्तएतिकाद (سست اعتقاد) फा अ वि –जिसका धर्म-विश्वास अटल न हो, जिसे किसी विशेष महात्मा आदि से श्रद्धा न हो।
सुस्तएतिकादी (سست اعتقادی) फा अ स्त्री –धर्म-विश्वास की कमी, अश्रद्धा।
सुस्तकदम (سست قدم) फा अ वि –धीरे-धीरे चलनेवाला, मदगति, मदगामी।
सुस्तकदमी (سست قدمی) फा अ स्त्री –धीरे-धीरे चलना, मद गति।
सुस्तगाम (سست گام) फा वि –दे 'सुस्तकदम'।
सुस्तगामी (سست گامی) फा स्त्री –दे 'सुस्तकदमी'।
सुस्तगो (سست گو) फा वि –धीरे-धीरे बात करनेवाला, बहुत धीरे-धीरे सोचकर और देर मे शे'र कहनेवाला।
सुस्ततब्अ (سست طبع) फा अ वि –सुस्त, काहिल, आलसी, जिसकी तबीअत मे आलस हो।
सुस्ततरीन (سست تریں) फा वि –सबसे अधिक धीमा, सबसे अधिक काहिल।
सुस्तदिमाग (سست دماغ) फा अ वि - कमअक्ल, मदबुद्धि।
सुस्तपरवाज (سست پرواز) फा वि –धीमे-धीमे उडनेवाला, कम उडनेवाला।
सुस्तपैमाँ (سست پیماں) फा वि –वादे का कच्चा, वादा करके न निबाहनेवाला, मदप्रतिज्ञ।
सुस्तबुनयाद (سست بنیاد) फा वि –जिसकी बुनियाद कमजोर हो।
सुस्तरफ्तार (سست رفتار) फा वि –दे 'सुस्तकदम'।
सुस्तरफ्तारी (سست رفتاری) फा स्त्री –दे 'सुस्तकदमी'।
सुस्तरवी (سست روی) फा स्त्री –दे 'सुस्तकदमी'।
सुस्तराए (سست رائے) फा अ वि –जिसकी राय, ठीक न होती हो मदगति, जिसकी बुद्धि कमजोर हो, मदबुद्धि।
सुस्तरीश (سست ریش) फा वि –मूर्ख, मूढ, अज्ञान, अहमक।
सुस्तरौ (سست رو) फा वि –दे 'सुस्तकदम'।
सुस्त वफा (سست وفا) फा अ वि –दे 'सुस्तपैमाँ'।
सुस्ती (سستی) फा स्त्री –आलस्य, काहिली, शिथिलता, ढीलापन, कामशक्ति की मदता फुर्ती न होना, अस्फूर्ति, दीर्घसूत्रिता, काम धीरे-धीरे करना।
सुहा (سہا) फा पु –एक बहुत छोटा तारा जो सप्तर्षि मडल के तीन तारो मे से बीच का है।

सुहाम (سہام) अ पु –अधकार, अँधेरा, रूपविकार, चेहरे का खराब हो जाना, दुबला हो जाना।

सुहूबत (صہوبت) अ स्त्री –पीलाहट लिये हुए लाल रग, गुलाबी रग, कालापन लिये हुए लाल रग, वह रग जो लाल बालो का होता है।

सुहूलत (سہولت) अ स्त्री –सुगमता, सरलता, आसानी।

सुहैब (صہیب) अ पु –एक सिहाबी जो रूम से आकर मुसलमान हुए थे।

सुहैल (سہیل) अ पु –एक प्रसिद्ध तारा जो यमन देश मे दिखाई देता है, उसके प्रभाव से चमडे मे सुगध पैदा होती है और कीडे मर जाते हैं।

सुह्‌बत (صحبت) अ स्त्री –सगत, पास बैठना, मित्रता, दोस्ती, गोष्ठी, छोटी महफिल, सहवास, मैथुन, हमबिस्तरी।

सुह्‌बतदारी (صحبتداری) अ फा स्त्री –मैथुन, सहवास, हमबिस्तरी।

सुह्‌बते तालेह (صحبت طالح) अ स्त्री –दुष्टजनो की सगत, बुरी सुहबत, कुसग।

सुह्‌बते सालेह (صحبت صالح) अ स्त्री –अच्छे आदमियो की सगत, सत्सग।

सुह् (سہر) अ पु –एक रोग जिसमे नीद उड जाती है, अनिद्रा।

सुह्‌वर्दी (سہروردی) फा वि –सुह्‌वर्द (इराक) का निवासी।

सुह्राब (سہراب) फा पु –रुस्तम का लडका, जिसे रुस्तम ने अनजानपन से मार दिया और बाद को पहचानकर बहुत पश्चात्ताप किया।

सू

सू (سو) तु स्त्री –मदिरा शराब, (पु) पानी, जल।

सू (سو) फा स्त्री –ओर, तरफ, "छाई हुई हैं ग़म की घटाएँ चहार-सू"।

सू (سو) अ वि –निकृष्ट, दूषित, खराब।

सूए अदब (سوء ادب) अ पु –धृष्टता, गुस्ताखी।

सूए अमल (سوء عمل) अ पु –दुराचार, बदअमली।

सूए इत्तिफ़ाक़ (سوء اتفاق) अ पु –दुर्योग, कुयोग, बुरा इत्तिफाक।

सूए एतिकाद (سوء اعتقاد) अ पु –किसी की श्रद्धा न होना, अश्रद्धा।

सूए एतिबार (سوء اعتبار) अ पु.–बेएतिबारी, अविश्वास।

सूए खुल्क (سوء خلق) अ पु –दुःशीलता, बदखुल्की, अशिष्टता, बदअख्लाकी।

सूए चर्ख (سوے چرخ) फा स्त्री –आकाश की ओर, आस्मान की तरफ।

सूए ज़न (سوء ظن) अ पु –किसी की ओर से बुरा खयाल, कुधारणा।

सूए ज़मीं (سوے زمیں) फा स्त्री –पृथ्वी की ओर, ज़मीन की तरफ।

सूए तद्‌बीर (سوء تدبیر) अ स्त्री –प्रयत्न या उपाय की खराबी, ठीक उपाय या कोशिश या इलाज न होना।

सूए तनफ्फुस (سوء تنفس) अ पु –साँस का विकार, साँस का ठीक न चलना, साँस का उखड जाना।

सूए तरीक़ (سوء طریق) अ पु –मार्ग की खराबी, रास्ते का ऊबड-खाबड होना।

सूए दिमाग़ (سوء دماغ) अ पु –दिमाग की खराबी, बुद्धिविक्षेप, पागलपन।

सूए मिज़ाज (سوء مزاج) अ पु –शरीर की धातुओ का विकार, किसी अग या शरीर के मिज़ाज का विकार, रोग, बीमारी।

सूए हज़्म (سوء ہضم) अ पु –हाज़िमे की खराबी, अपच, अजीर्ण।

सूक़ (سوق) अ पु –बाज़ार, हाट, पण, 'साक' का बहु, शाखाएँ, शाखे।

सूक़ियानः (سوقیانہ) अ फा वि.–बाजारू, बाज़ारी, लोफरो जैसा।

सूक़ी (سوقی) अ वि –बाज़ारी, बाज़ार का, निकृष्ट, नीच।

सूची (سوچی) तु पु –पानी पिलानेवाला; मदिरा बेचनेवाला।

सूचीखान: (سوچی خانہ) तु फा –मदिरालय, शराबखान।

सूदः (سودہ) फा वि –घिसा हुआ, रगड़ा हुआ, मर्दित; चूर, चूर्ण, सुफूफ, घिसन।

सूद (سود) फा पु –लाभ, नफा, कुसीद, ब्याज।

सूद (سود) अ पु –'अस्वद' का बहु, काले रग की चीजें।

सूदए अल्मास (سودۂ الماس) फा पु –हीरे की घिसन, हीरे का सफूफ।

सूदखोर (سودخور) फा पु –ब्याज खानेवाला, कुसीदजीवी, कौसीद।

सूदखोरी (سودخوری) फा स्त्री –ब्याज खाना, सूद का कारोबार करना।

सूदत (سودت) अ स्त्री –अध्यक्षता, सरदारी, श्रेष्ठता, बुजुर्गी।

सूद दर सूद (سود در سود) फा. पु –ब्याजकी एक किस्म जिसमे ब्याज मूलधन में मिलकर उस पर ब्याज चलता है, चक्रवृद्धि।

सूद बालाए सूद (سود بالائے سود) फा पु –दे 'सूद दर सूद'।

सूदमंद (سودمند) फा. वि –लाभकारी, फाइदमद।

सूदमंदी (سودمندی) फा. स्त्री –लाभकारिता, फाइदमदी।

सूदान (سودان) अ. पु.–अफ्रीका का एक देश, सूडान।

सूदी (سودی) फा.वि –सूद का, ब्याज का, सूद से संबधित।

सूदोज़ियाँ (سودوزیاں) फा. पु –लाभ और हानि, नफा और नुक्सान।

सूनिश (سونش) फा स्त्री –धात का बुरादा जो रेती से गिरे, लोहे, ताँबे या हीरे का बुरादा।

सूफ़ (صوف) अ पु –ऊन, ऊर्ण, एक प्रकार का ऊनी कपडा, बकरी या भेड के बाल।

सूफ़ (سوف) अ स्त्री –विज्ञान, हिक्मत।

सूफ़ार (سوفار) फा पु –तीर का मुह, बाण का वह भाग जिसे धनुष की ताँत पर रखकर छोडते है।

सूफ़िया (صوفیا) अ पु –'सूफ़ी' का बहु, सूफ़ी लोग।

सूफ़ियानः (صوفیانہ) अ फा वि –सूफ़ियो जैसा, अच्छी वज़ा का, हलके रग का।

सूफ़िस्ता (سوفسطا) अ स्त्री –एक मत जिसमे सारी चीजो को कल्पनात्मक समझते है।

सूफ़िस्ताई (سوفسطائی) अ वि –सूफ़िस्ता मत को माननेवाला, यह माननेवाला कि सारा जगत् केवल एक कल्पना है और इसकी हर चीज़ कल्पित है।

सूफ़ी (صوفی) अ पु –ब्रह्मज्ञानी, अध्यात्मवादी, तसव्वुफ का अनुयायी, सारे धर्मो से प्रेम करनेवाला।

सूफ़ीमनिश (صوفی منش) अ फा पु –जो किसी धर्म से वैर न रक्खे, सबको एक आँख से देखनेवाला।

सूबः (صوبہ) अ पु –प्रान्त, प्रदेश, किसी राष्ट्र का वह भाग जिसमे बहुत से जिले हो और एक गवर्नर के शासन मे हो।

सूबःजात (صوبہجات) अ पु –सूबः का बहु, सूबे, प्रान्तसमूह।

सूबःदार (صوبہدار) अ फा पु –सूबे का शासक, गवर्नर, राज्यपाल, सिपाही से बडा एक ओहद।

सूबःदारी (صوبہداری) अ. फा स्त्री –राज्यपाल का पद, गवर्नरी, सूबेदार का ओहद, जमादारी।

सूबःपरस्ती (صوبہپرستی) अ. फा. स्त्री –अपने प्रान्त का पक्षपात, अपने प्रान्त मे रहनेवाले के साथ रिआयत करना और उसे अनुचित बढावा देना।

सूबःवारानः (صوبہوارانہ) अ फा वि –प्रान्तो के हिसाब से।

सूबसू (سوبسو) फा.वि –चारो ओर, हर तरफ, हर ओर, जगह-जगह, ठौर-ठौर।

सूबाई (صوبائی) अ वि –प्रान्तीय, सूबे का।

सूम (ثوم) अ पु –लहसुन, लशुन।

सूरः (سورہ) अ पु –करआन की सूरत, कुरान मे कुल ११४ सूरते है, सबसे बडी सूरत पूरे कुरान का $\frac{1}{12}$ अश है और सबसे छोटी केवल दो पक्तियो की है।

सूर (صور) अ पु –वह तुरही जो कियामत के दिन हज़्रत इस्राफील फूंकेगे।

सूरए इख्लास (سورۂ اخلاص) अ.स्त्री –कुरान की एक सूरत।

सूरए फातिहः (سورۂ فاتحہ) अ स्त्री –कुरान की सर्वप्रथम सूरत।

सूरए यासीन (سورۂ یاسین) अ स्त्री –कुरान की एक सूरत जो मरते समय सुनाई जाती है।

सूरत (سورت) अ स्त्री–दे सूरः'।

सूरत (صورت) अ स्त्री –रूप, आकृति, शक्ल, मुखाकृति, चेहरा, दशा, हालत, चित्र, तस्वीर; उपाय, तदबीर; समान, मिस्ल, खाक, रूपरेखा।

सूरतआश्ना (صورت آشنا) अ फा वि –जो केवल सूरत पहचानता हो और कोई बात (नाम आदि) न जानता हो।

सूरतगर (صورتگر) अ फा. वि –सूरत बनानेवाला, ईश्वर, चित्रकार मुसव्विर।

सूरतगरी (صورتگری) अ फा स्त्री –सूरत बनाना, तस्वीर बनाना, चित्रकारी।

सूरत पज़ीर (صورت پزیر) अ फा वि –चित्रित, तस्वीर खिचा हुआ।

सूरतपज़ीरी (صورت پزیری) अ फा. स्त्री –चित्रण, सूरत या तस्वीर बनाना।

सूरतपरस्त (صورت پرست) अ फा वि –ऊपरी टीपटाप देखनेवाला, मूर्तिपूजक, बुतपरस्त, अच्छे रूप का पुजारी, हुस्न का पुजारी।

सूरतपरस्ती (صورت پرستی) अ फा स्त्री –ऊपरी टीपटाप देखना, मूर्ति पूजना, अच्छे रूप को पूजना।

सूरतबाज़ (صورت باز) अ फा वि –बहुरूपिया, नक्काल।

सूरतबाज़ी (صورت بازی) अ फा. स्त्री –बहुरूपियापन, नक्काली।

सूरतहराम (صورت حرام) अ वि –जो बिलकुल निकम्मा हो, कोई काम आदि न करे।

सूरते हाल (صورت حال) अ स्त्री.–मौजूद हालत।

सूराख़ (سوراخ) फा पु –छिद्र, विवर, रध्र, छेद।

सूराख़दार (سوراخ دار) फा वि –छिद्रित, छेददार।
सूराख़े गोश (سوراخ گوش) फा पु –कान का छेद, श्रवण-रंध्र।
सूराख़े बीनी (سوراخ بینی) फा पु –नाक का छेद, नासा-विवर।
सूरिंजान (سورنجان) फा पु –सिंघाडे के आकार की एक ओपधि।
सूरिया (سوریا) अ पु–शाम देश (अरब)।
सूरी (سوری) अ वि –एक लाल फूल, हर लाल फूल।
सूरी (صوری) अ वि –सूरत का, मुख का, सूरत से सबंधित, ऊपरी, ज़ाहिरी, बाह्य।
सूलूल (ثولول) अ पु –स्तनवृन्त, स्तनाग्र, भिटनी, मस्सा।
सूस (سوس) अ पु –रेशम के कपडे को खा जानेवाला कीडा, मुलैठी का पेड।
सूसमार (سوسمار) फा पु –गाह, गोधा, एक प्रसिद्ध जतु।

से

सेज़दः (سیزده) फा वि –तेरह।
सेज़दहुम (سیزدہم) फा वि –तेरहवाँ।
सेब (سیب) फा. पु –एक प्रसिद्ध फल, उत्कोल, सेव।
सेबे ज़क़न (سیب ذقن) फा पु –सेब के आकार की ठुड्डी।
सेबे ज़नख़दाँ (سیب زنخداں) फा पु –दे 'सेबे ज़कन'।
सेर (سیر) फा वि –तृप्त, जिसका पेट भरा हो, निःस्पृह, जिसे कोई कामना न हो, अघाया हुआ, भरा-पूरा।
सेरआहग (سیرآهنگ) फा वि –जिसकी आवाज़ बडी और भारी हो।
सेरख़ोर (سیرخور) फा वि –पेट भरकर खानेवाला।
सेरचश्म (سیرچشم) फा वि –खिलाने-पिलाने मे दिल-वाला, जो परितृप्त हो, अघाया हुआ।
सेरचश्मी (سیرچشمی) फा स्त्री –खिलाने-पिलाने मे दिलवाला होना, मन का सतुष्ट होना।
सेरहासिल (سیرحاصل) अ फा वि –वह ज़मीन जो उपजाऊ हो, उर्वरा, वह बात जो सारगर्भित हो।
सेराब (سیراب) फा वि –पानी से सीचा हुआ, खूब पानी पिये हुए, तृप्त।
सेराबी (سیرابی) फा वि –सिचा हुआ होना, प्यास न होना, सतोष, इत्मीनान।
सेली (سیلی) फा स्त्री –थप्पड, तमाचा, चाँटा।
सेहत (صحت) अ स्त्री –स्वास्थ्य तन्दुरुस्ती, शुद्धि, त्रुटि न होना।
सेहतमद (صحت مند) अ फा वि –स्वस्थ, तन्दुरुस्त, उत्तम, श्रेष्ठ, बेहतर।

सै

सैक़ल (صیقل) अ स्त्री –तलवार आदि को रगडकर उसमे चमक पैदा करना।
सैक़लगर (صیقل گر) अ फा वि –तलवार या दूसरे अस्त्रो को चमकदार बनानेवाला, बरतनो पर कलई करनेवाला।
सैक़ली (صیقلی) अ फा स्त्री –सान, वह पत्थर जिस पर रगडकर तलवार आदि मे धार पैदा करते है।
सैद (صید) अ पु –मृगया, आखेट, अहेर, शिकार, शिकार किया हुआ जानवर।
सैद (سید) अ. पु –'सैयिद' का लघु, दे 'सैयिद'।
सैद अफ़गन (صیدافگن) अ फा वि –आखेटक, लुब्धक, व्याध, शिकारी।
सैदअफ़्गनी (صیدافگنی) अ फा स्त्री –शिकार खेलना, आखेट, मृगया।
सैदकुन (صیدکن) अ फा. वि –शिकार करनेवाला, आखेटिक।
सैदकुनाँ (صیدکناں) अ फा वि–शिकार करता हुआ, शिकार खेलता हुआ।
सैदगाह (صیدگاہ) अ फा स्त्री –वह जगल जहाँ शिकार खेला जाय, मृगयावन, आखेट-स्थल।
सैदगीर (صیدگیر) अ फा स्त्री –शिकार पकडनेवाला, जाल या कुत्ते से शिकार खेलनेवाला।
सैदा (صیدا) अ पु –वन, कानन, जगल, बीहड।
सैदे ज़बूँ (صید زبوں) अ फा पु –बहुत ही छोटा शिकार जिससे किसी का पेट न भरे।
सैदे रमीद (صید رمیدہ) अ फा पु –गोली खाकर भागा हुआ शिकार।
सैदे हरम (صید حرم) अ पु –वह जानवर जो मक्के के आस-पास पूर्व-पश्चिम २४ कोस और उत्तर-दक्खिन ३६ कोस के भीतर रहते है और जिनका वध धर्मानुसार हराम है।
सैफ़ (سیفہ) अ पु –जिल्दसाज़ो का वह औज़ार जिससे वह काग़ज़ काटते है।
सैफ़ (سیف) अ स्त्री –तलवार, खड्ग, कृपाण, तेग़।
सैफ़ (صیف) अ पु –गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।
सैफ़ज़बाँ (سیف زباں) अ फा वि –जिसकी ज़बान म तलवार जैसी काट हो, जो बहुत तेज बोले, जो हृदय को काटनेवाली बाते करे।
सैफ़ज़बानी (سیف زبانی) अ फा स्त्री –तेज़ और ज़ोरदार भाषण देना, हृदय को दुख पहुँचानेवाली बातें करना।

सैफ़ी (سیفی) अ स्त्री –एक अभिचार जिससे शत्रु का मारण करते हैं।

सैफ़ी (صیفی) अ वि –ग्रीष्मकाल का, गर्मी के मौसिम का।

सैफ़ूर (سیفور) फा पु –एक काला बहुमूल्य रेशमी कपडा।

सैफ़ो क़लम (سیف و قلم) अ. पु –तलवार और कलम, सिपाहीपन और कलाकारी।

सैयाग़ (صیاغ) अ पु –स्वर्णकार, सुनार।

सैयाद (صیاد) अ पु –हिरन आदि का शिकार करनेवाला, मृग-लुब्धक, चिडिया पकडनेवाला, शकुनिक, बहेलिया।

सैयादफ़ित्रत (صیادفطرت) अ वि –जो दूसरों को जाल मे फँसाना खूब जानता हो, निर्दय, कठोरहृदय, जालिम।

सैयादसीरत (صیادسیرت) अ वि –दे 'सैयादफ़ित्रत'।

सैयादी (صیادی) अ स्त्री –सैयाद का काम, निर्दयता, बेरहमी।

सैयादे अजल (صیاد اجل) अ पु –मौत का शिकारी, यमराज, मलकुल मौत।

सैयाफ़ (سیاف) अ वि –खड्गजीवी, तलवार से रोजी कमानेवाला, जल्लाद, वधिक।

सैयाफ़ी (سیافی) अ स्त्री –तलवार चलाना, काट-मार करना, तलवार से कत्ल करना, जल्लादी।

सैयारः (سیارہ) अ पु –वह तारा जो एक जगह न रहे बल्कि गतिमान हो, ग्रह, तारा, सितारा।

सैयारःदाँ (سیارہداں) अ फा वि –ज्योतिषी, नुजूमी।

सैयारःबी (سیارہبیں) अ. फा वि –दे 'सैयार दाँ'।

सैयारःशनास (سیارہشناس) अ फा वि –दे 'सैयार दाँ'।

सैयार (سیار) अ वि –बहुत चलने-फिरनेवाला, सैयार, ग्रह।

सैयारात (سیارات) अ पु –'सैयार' का बहु, सैयारे, सितारे, ग्रह-समूह।

सैयाह (سیاح) अ वि –यात्री, मुसाफिर, पर्यटक, देश-देश फिरनेवाला।

सैयाही (سیاحی) अ स्त्री –यात्रा, सफर, देश-देश की सैर करना और वहाँ के हालात देखना।

सैयिअ (سیئہ) अ स्त्री –बुराई, खराबी, बदी।

सैयिआत (سیئات) अ स्त्री –'सैयिअ' का बहु, बुराइयाँ, खराबियाँ।

सैयिद (سیدہ) अ स्त्री –सय्यिद खानदान की स्त्री, हज्रत इमाम हुसैन की वशजा।

सैयिद (سید) अ पु –सय्यिद खानदान का व्यक्ति, हज्रत इमाम हुसैन की औलाद का वशज।

सैयिदज़ादः (سیدزادہ) अ फा पु –सय्यिद का लडका।

सैयिदैन (سیدین) अ पु –दोनो सैयिद अर्थात् इमाम हसन और हज्रत इमाम हुसैन।

सैयिब (ثیب) अ वि –वह स्त्री या पुरुष जो कुँवारा न हो।

सैर (سیر) अ स्त्री –पर्यटन, सियाहत, मनोविनोद, तफ़रीह, घूमना-फिरना, सैर-सपाटा, चिहलकदमी, वायु-सेवन, हवाखोरी, कौतुक, तमाशा।

सैरकुनाँ (سیرکناں) अ फा वि –घूमते-फिरते हुए, देखते-भालते हुए।

सैरगाह (سیرگاہ) अ फा स्त्री –सैर करने का स्थान।

सैर पसंद (سیرپسند) अ फा वि –बहुत अधिक घूमने-फिरनेवाला।

सैरफ़ी (صیرفی) अ वि –सर्राफ़, खोटा खरा सिक्का परखनेवाला।

सैरान (سیران) अ. पु –सैर करना, घूमना-फिरना।

सैरे अफ़्लाक (سیر افلاک) अ स्त्री –आस्मानो मे घूमना, आकाश-भ्रमण।

सैरे क़मर (سیر قمر) अ स्त्री –चाँद की सैर, चाँद तक पहुँचना, चद्रलोक की सैर करना।

सैरे मिर्रीख़ (سیر مریخ) अ स्त्री –मगल ग्रह की सैर, मगल ग्रह तक पहुँच।

सैरो तफ़रीह (سیرو تفریح) अ स्त्री –घूमना और दिल बहलाना, दिल बहलाने के लिए घूमना।

सैरो शिकार (سیرو شکار) अ फा पु –जगल मे घूमना और शिकार खेलना।

सैल (سیل) अ पु –पानी का बहाव, प्लावन, सैलाब।

सैलान (سیلان) अ पु –स्राव, बहाव।

सैलानी (سیلانی) अ वि –बहाव से सबधित, जिसे सैरो तफ़रीह बहुत पसद हो।

सैलानुर्रहिम (سیلان الرحم) अ पु –एक रोग जिसमे गर्भाशय से पानी बहता है, रक्त प्रदर।

सैलाब (سیلاب) अ फा पु –जल-प्लावन, नदी आदि के पानी की बाढ।

सैलाबज़द (سیلابزدہ) फा वि –वह जमीन जो नदी की बाढ से डूब गई हो या उसकी खेती ख़राब हो गई हो।

सैलाबज़दगी (سیلابزدگی) फा स्त्री –नदी की बाढ मे जमीन या काश्त का खराब होना।

सैलाबदीद. (سیلابدیدہ) फा वि –जिस जमीन पर से बाढ का पानी गुजरा हो।

सैलाबी (سیلابی) फा वि –बाढ का, बाढ से सम्बन्धित।

सैले अरिम (سیل عرم) अ पु –ज़ोर की बाढ, प्रचंड बाढ़।
सैले अश्क (سیل اشک) अ फा पु –आँसुओ की बाढ।
सैले हवादिस (سیل حوادث) अ० पु०–दुर्घटनाओ और आपत्तियो की बाढ, आपत्ति-रूपी नदी की बाढ।
सैह़ (صیحہ) अ. पु –चीख, चीत्कार, ज़ोर की आवाज़।
सैहून (سیحون) अ पु –इराक़ की एक नदी।
सैहूनियत (صیہونیت) अ स्त्री –यहूदीपन।

सो

सोक (سوک) फा पु –सोग, दु ख, विषाद, रज।
सोख्त (سوختہ) फा वि –जला हुआ, दग्ध।
सोख्त.किस्मत (سوختہ قسمت) फा. अ वि –हतभाग्य, बदकिस्मत।
सोख्त कौकव (سوختہ کوکب) फा वि –जिसके सौभाग्य के ग्रह जल गये हो, बदकिस्मत, अभागा।
सोख्त.जाँ (سوختہ جاں) फा वि.–दग्धहृदय, दिलजला, अर्थात् प्रेमी।
सोख्त. जिगर (سوختہ جگر) फा वि –दे 'सोख्त दिल'।
सोख्त दिल (سوختہ دل) फा वि –दग्धहृदय, दिलजला, प्रेमी।
सोख्त पा (سوختہ پا) फा वि –जिसके पाँव जल गये हो, जो कही आने-जाने मे असमर्थ हो अर्थात् बेबस।
सोख्त बख्त (سوختہ بخت) फा वि –दे 'सोख्त किस्मत'।
सोख्त बाल (سوختہ بال) फा वि –जिसके पर जल गये हो, जो उड न सके, बेबस, लाचार, दीन-हीन।
सोख्त (سوخت) फा वि –जलन, जलावट, नष्ट, बरबाद।
सोख्तगी (سوختگی) फा स्त्री –जलन, जलावट।
सोख्तनी (سوختنی) फा वि –जलाने के काबिल, जैसे—सोख्तनी लकडी।
सोग (سوگ) फा पु –किसी के मरने का रज, शोक, मृत-शोक, मातम।
सोगनाम (سوگ نامہ) फा पु –शोकपत्र, मातमपुर्सी का खत।
सोगवार (سوگوار) फा वि –शोकग्रस्त।
सोगवारी (سوگواری) फा स्त्री –किसी के मरने पर शोक मे होना।
सोगात (سوغات) तु स्त्री –उपहार, उपायन, तोहफ, दे 'सौगात', दोनो शुद्ध हैं।
सोगियान (سوگیانہ) फा वि –मातमी लिबास, शोकवस्त्र।
सोगी (سوگی) फा वि –शोकग्रस्त, शोक मनानेवाला।
सोज (سوز) फा प्रत्य –जलानेवाला, जैसे—'जाँ सोज़' जान का जलानेवाला, (पु.) जलन, तपिश, ताप, मुहर्रम मे पढी जानेवाली एक प्रकार की नज़्म, "ऐय हुसने अता के दीवाने तू राज़े मशीयत क्या जाने। बे सोज़ तमन्नाओ से दुआ महरूमे असर हो जाती है।"—वज्द।
सोज़ख्वाँ (سوزخواں) फा वि –मुहर्रम में 'सोज़' पढ़ने-वाला'।
सोज़ख्वानी (سوزخوانی) फा. स्त्री.–मुहर्रम मे 'सोज़' पढना।
सोज़न (سوزن) फा स्त्री –सुई, सूची।
सोज़नकारी (سوزن کاری) फा स्त्री –सुई से बनाया हुआ कपडे पर बारीक काम।
सोज़न ज़दः (سوزن زدہ) फा वि –सुई चुभोया हुआ, जिसे सुई चुभोई गई हो।
सोज़नाक (سوزناک) फा वि.–दग्ध, जला हुआ।
सोज़नी (سوزنی) फा स्त्री –सोज़नकारी किया हुआ कपडा, पलग पर बिछाने का एक कपडा।
सोज़ाँ (سوزاں) फा वि –जलता हुआ, ज्वलित।
सोज़ाक (سوزاک) फा पु –एक बीमारी, शुक्रकृच्छ्र, मूत्र-कृच्छ्र, गनोरिया, मूत्राघात।
सोज़िंदः (سوزندہ) फा वि –जलानेवाला।
सोज़िश (سوزش) फा स्त्री –जलन, प्रदाह।
सोज़िशे दुरूँ (سوزش دروں) फा स्त्री –हृदय की जलन, प्रेम की आग।
सोसः (سوسہ) फा पु –गेहूँ का कीडा, घुन।
सोहान (سوہان) फा पु –रेतने का यत्र, रेती।

सौ

सौगंद (سوگند) फा स्त्री –शपथ, कसम।
सौग़ात (سوغات) तु स्त्री –उपहार, भेंट, तोहफ, उपायन।
सौत (صوت) अ स्त्री –ध्वनि, आवाज, नाद।
सौत (سوط) अ पु –कषा, कोडा, चाबुक।
सौती (صوتی) अ वि –ध्वनि से सबधित, ध्वनि का।
सौते हमीर (صوت حمیر) अ स्त्री –गधे की रेक।
सौदा (سودا) अ पु –शरीर की एक धातु, वात, मस्तिष्क-विकार, विक्षेप, पागलपन, प्रेम, इश्क, काली स्त्री, बेचने का सामान।
सौदाई (سودائی) अ वि –विक्षिप्त, पागल, प्रेमी, आशिक, बेअक्ल, खब्ती, उदा०—"जिसके बदले में लुटा आये हैं दुनियाए निशात—वह खलिश दिल में छिपाये तेरा सौदाई है।"
सौदाए ख़ाम (سودائے خام) फा अ पु –पागलपन, मिराक़।

सौदागर (سوداگر) फा पु –सौदा बेचनेवाला, वणिक्।
सौदागरी (سوداگری) फा स्त्री.–सौदा बेचना, वाणिज्य।
सौदाज़दः (سودازده) अ. फा. वि –पागल, मिराक़ी, प्रेमी, अनुरागी।
सौदाज़दगी (سودازدگی) अ. फा. स्त्री –पागलपन; प्रेम का पागलपन।
सौदान (سودان) अ. पु –काले रग के मनुष्य।
सौदावियत (سوداویت) अ स्त्री.–वात का विकार; पागलपन।
सौदावी (سوداوی) अ. वि.–वात के कोप से उत्पन्न रोग, यात सम्बन्धी।
सौब (صوب) अ स्त्री –ओर, तरफ, दिशा, सिम्त।
सौब (ثوب) अ. पु –पहनने का कपडा, वस्त्र।
सौबान (ثوبان) अ. पु –प्रत्यागमन, वापस लौटना, फिरना।
सौम (صوم) अ. पु.–व्रत, रोज़ा।
सौम (سوم) अ. पु –मँहगा करके बेचना; भाव चुकाना।
सौमअः (صومعہ) अ. पु –आराधनालय, उपासना-गृह, इबादतख़ाना।
सौमोसलवात (صوم و صلوٰۃ) अ. स्त्री.–रोज़ा नमाज़, धर्म-निष्ठा।
सौर. (ثورہ) अ. पु.–उपद्रव, विद्रोह, राजद्रोह, सैन्यद्रोह, बग़ावत।
सौर (ثور) अ पु.–वृष, वृषभ, वलीवर्द, बैल, साँड़।
सौरत (سورت) अ स्त्री –तीव्रता, प्रचंडता, तेजी।
सौरान (ثوران) अ. पु –खून का जोश, रक्तकोप; उपद्रव, दगा, फसाद।
सौलत (صولت) अ स्त्री –आतंक, रोब, दब्बा।
सौलतपनाह (صولت پناہ) अ फा. वि –बहुत बडे आतकवाला, प्रतापी, रोबोदाबवाला।
सौलते शाही (صولت شاہی) अ. फा. स्त्री –राज्यातंक, शाही दबदबा।
सौसन (سوسن) फा स्त्री –एक नीला फूल जिसकी पँखुडी ज़बान-जैसी होती है।
सौसनी (سوسنی) फा वि –सौसन के रग का, नीले रग का।
सोहान (سوہان) फा. पु –रेती, धातु रेतने का यत्र।
सोहानगीर (سوہان گیر) फा वि –नम्र, नर्म, मुलाइम।
सोहानज़दः (سوہان زدہ) फा. वि –रेता हुआ।
सोहाने रूह (سوہان روح) फा अ पु –रूह के लिए रेती के समान अर्थात् कष्टदायक।

ह

हंगामः (ہنگامہ) फा पु –उपद्रव, फसाद, विप्लव, क्रांति, उथल-पुथल, विद्रोह, बगावत, कोलाहल, उत्क्रोश, शोरोगुल, भीड, सदोह, सकुल, मारपीट, दगा, युद्ध, समर, जग।
हंगामःआरा (ہنگامہ آرا) फा वि –उपद्रव करनेवाला, फसाद मचानेवाला; युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
हंगामःआराई (ہنگامہ آرائی) फा स्त्री –उपद्रव करना, फसाद मचाना, युद्ध करना, लडना।
हंगामःख़ेज़ (ہنگامہ خیز) फा वि –उपद्रव और क्रांति उत्पन्न करनेवाली बात, क्रांति-उत्पादक।
हंगामःख़ेज़ी (ہنگامہ خیزی) फा. स्त्री –उपद्रव और क्रांति।
हंगामःगर्मकुन (ہنگامہ گرم کن) फा वि –शोर-गुल और उपद्रव करनेवाला।
हंगामःगीर (ہنگامہ گیر) फा. वि –भीड इकट्ठी करने-वाला, मज्मा' लगानेवाला।
हंगाम गीरी (ہنگامہ گیری) फा.स्त्री –भीड इकट्ठी करना, मज्मा इकट्ठा करना।
हंगामःपर्दाज़ (ہنگامہ پرداز) फा वि –उपद्रव खडा करने वाला, फसाद पैदा करनेवाला।
हंगामःपर्दाज़ी (ہنگامہ پردازی) फा स्त्री –उपद्रव खड़ा करना, फसाद मचाना।
हंगाम.पर्वर (ہنگامہ پرور) फा वि –दे 'हगाम पर्दाज़'।
हंगामःपर्वरी (ہنگامہ پروری) फा स्त्री –दे 'हगाम-पर्दाज़ी'।
हंगामःपसंद (ہنگامہ پسند) फा वि –जो चाहता हो कि हगामे होते रहें, झगडे-बखेडो का शौकीन।
हंगामःपसंदी (ہنگامہ پسندی) फा स्त्री –हगामे पसंद करना।
हंगामःबन्दी (ہنگامہ بندی) फा स्त्री –दिखावा, तडक-भडक।
हंगाम (ہنگام) फा पु –समय, काल, वक्त, ऋतु, मौसम।
हंगामए कारज़ार (ہنگامۂ کارزار) फा पु –लडाई का हगामा, युद्ध, लडाई।
हंगामए क़ियामत (ہنگامۂ قیامت) फा अ पु –कियामत की भीडभाड, कियामत का शोरो-गुल।
हंगामए बग़ावत (ہنگامۂ بغاوت) फा अ पु –राजद्रोह का हंगामा।

हुंगामए मर्ग (هنگامۂ مرگ) फा पु —मौत का शोरोगुल।

हुंगामए हश्र (هنگامۂ حشر) फा अ पु —दे 'हगामए कियामत'।

हुंगामी (هنگامی) फा वि —सामयिक, वक्ती, अस्थायी, आरिज़ी, क्षणिक, जरा सी देर का, आवश्यक, जरूरी, जैसे—'हगामी इज्लास'।

हुंगामे नज़्अ (هنگام نزع) फा अ पु —प्राण निकलने का समय, चढ़ा, जाकनी।

हुंगुफ़्त (هنگفت) फा वि —मोटा, स्थूल, गफ, दबीज़, दलदार।

हुंजरः (حنجره) अ पु —कठ, गला, जहाँ से आवाज निकलती है।

हुंजर (حنجر) अ पु —दे 'हजर'।

हुंज़ल (حنظل) अ पु —एक कड़वा फल, इद्रायन।

हुंजार (هنجار) फा पु —पद्धति, शैली, ढग, तर्ज़, मार्ग, पथ, रास्ता, नियम, काइदा।

हुंदसः (هندسه) अ पु —दे 'हिंदस', दोनो शुद्ध है, परन्तु उर्दू मे वही प्रचलित है।

हक़ [क्क] (حق) अ पु —सत्य, सच, यथार्थ, वाकई, यथोचित, मुनासिब, स्वत्व, इस्तेहकाक, अधिकार, इख्तियार, पारिश्रमिक, मेहनताना, उत्कोच, रिश्वत, ईश्वर।

हक [क्क] (حک) अ पु —खुरचना, छीलना, काटना, कलमजद करना।

हक़अंदेश (حق اندیش) अ फा वि —सच्ची बात सोचनेवाला, भलाई चाहनेवाला।

हक़्अ (هقعه) अ पु —पाँचवाँ नक्षत्र, मृगशिरा।

हक़आगाह (حق آگاہ) अ फा वि —सत्यनिष्ठ, बाईमान, महात्मा, वलीअल्लाह।

हक़गो (حق گو) अ फा वि —सत्यभाषी, सच्ची बात कहनेवाला।

हकगोई (حق گوئی) अ फा स्त्री —सच्ची बात कहना, सत्यवादिता।

हक़ तआला (حق تعالیٰ) अ पु —ईश्वर, परमात्मा।

हकतलफी (حق تلفی) अ स्त्री —किसी का हक या अधिकार मारा जाना, स्वत्व-हानि।

हक़दार (حق دار) अ फा वि —अधिकारी, मुख्तार, पात्र, मुस्तहक, दायाधिकारी, तरिक पाने का मुस्तहक़।

हक़नाशनास (حق ناشناس) अ फा वि —जो खुदा को न पहचाने, जो सत्य को न पहचाने, कृतघ्न, एहसान-फरामोश।

हक़नाशनासी (حق ناشناسی) अ फा स्त्री —खुदा को न पहचानना, सत्य को न पहचानना, कृतघ्नता, एहसान-फरामोशी।

हक़नियोश (حق نیوش) अ. फा वि —सच्ची बात सुननेवाला।

हकनियोशी (حق نیوشی) अ फा स्त्री —सच्ची बात सुनना।

हक़परस्त (حق پرست) अ फा वि —सत्यनिष्ठ, सत्य का पुजारी, ईश्वर का पुजारी, धर्मात्मा।

हक़परस्ती (حق پرستی) अ फा स्त्री —सत्यनिष्ठता, सत्य की पूजा, ईश्वर की पूजा, धर्मपरायणता।

हक़पसद (حق پسند) अ फा वि —जिसे सत्य पसद हो, सत्यनिष्ठ।

हक़पसंदी (حق پسندی) अ फा स्त्री —सत्य को पसद करना, सत्यप्रियता।

हकफरामोश (حق فراموش) अ फा वि —कृतघ्न, एहसान न माननेवाला, एहसान और उपकार भूल जानेवाला, नमकहराम।

हक़फरामोशी (حق فراموشی) अ फा स्त्री —कृतघ्नता, एहसान भूल जाना, नमकहरामी।

हक़ बजानिब (حق بجانب) अ फा वि —जिसकी ओर सच्चाई हो, जो सत्य के पक्ष मे हो, जो अपनी बात में सच्चा हो।

हक़बीं (حق بیں) अ फा वि —केवल सत्य को देखनेवाला, सत्यनिष्ठ, सत्यपरायण।

हकबीनी (حق بینی) अ फा स्त्री —सत्य को देखना, सत्य का पक्ष लेना, सत्यनिष्ठता।

हकम (حکم) अ वि —वह व्यक्ति जो दो आदमियो के बीच मे पडकर उनका झगडा खत्म करा दे, पच, सरपच, मध्यस्थ।

हक़मकाल (حق مقال) अ वि —दे 'हकगो'।

हकमकाली (حق مقالی) अ स्त्री —दे 'हकगोई'।

हक़रसानी (حق رسانی) अ फा स्त्री —किसी का हक उसको पहुँचाना, किसी का हक दिलाना।

हकरसी (حق رسی) अ फा स्त्री —किसी का हक पहुँचना, किसी का हकदार होना।

हकशनास (حق شناس) अ फा वि —सत्य को पहचाननेवाला, ईश्वर को पहचाननेवाला।

हक़शनासी (حق شناسی) अ फा स्त्री —सत्य को पहचानना, ईश्वर को पहचानना।

हकशिआर (حق شعار) अ वि —दे 'हकपसद'।

हकशिआरी (حق شعاری) अ स्त्री —दे 'हकपसदी'।

हकाइक (حقائق) अ पु —'हकीकत' का बहु , हकीकते।

हक़ाइक़पसंद (حقائق پسند) अ फा वि —हकीकत अर्थात् यथार्थता को पसद करनेवाला ।

हक़ाइक़बीं (حقائق بیں) अ फा वि —हकीकत या यथार्थता देखनेवाला।

हकाइक़शनास (حقائق شناس) अ फा वि —हकीकत या यथार्थता को पहचाननेवाला।

हक़ारत (حقارت) अ.स्त्री.—तिरस्कार, अपमान, वेइज्जती ।

हक़ारतआमेज़ (حقارت آمیز) अ. फा वि —तिरस्कारपूर्ण, जिल्लतआमेज़।

हक़ीक़त (حقیقت) अ स्त्री —यथार्थता, वाकईयत; सत्यता, सच्चाई, मर्यादा, हैसियत।

हक़ीक़तआगाह (حقیقت آگاہ) अ फा वि —यथार्थता और सच्चाई क्या है इससे वाकिफ।

हक़ीक़तआश्ना (حقیقت آشنا) अ फा वि —दे 'हकीकत-आगाह'।

हक़ीक़तन (حقیقتاً) अ वि —यथार्थत, वातस्व मे, वाकई, सचमुच।

हक़ीक़तपसंद (حقیقت پسند) अ फा वि —यथार्थता और सत्यता को पसद करनेवाला।

हक़ीक़तबयानी (حقیقت بیانی) अ स्त्री —सच्ची बात कहना, हकीकत बयान करना।

हक़ीक़तबीं (حقیقت بیں) अ फा वि —हर बात में यथार्थता और सच्चाई को देखनेवाला।

हक़ीक़तशनास (حقیقت شناس) अ फा वि —यथार्थता को जाननेवाला।

हक़ीक़ते नफ़सुलअम्र (حقیقت نفس الامر) अ स्त्री —किसी घटना की यथार्थता।

हक़ीक़ते हाल (حقیقت حال) अ स्त्री —सच्चा हाल, अस्लियत, यथार्थता, वास्तविकता।

हक़ीक़ी (حقیقی) अ वि —सच्चा, अस्ली, वास्तविक, यथार्थ।

हकीम (حکیم) अ वि —वैद्य, तवीव, चिकित्सक, मुआलिज, वैज्ञानिक, साइसदाँ, मीमासक, फ़लासफ़र।

हकीमाना (حکیمانہ) अ फा वि —विज्ञानपूर्ण, फ़लासफ़रो-जैसा, विद्वज्जनों-जैसा, अक्लमदान.।

हक़ीर (حقیر) अ वि —तुच्छ, क्षुद्र, कमीना, अत्यल्प, वहुत छोटा, अति न्यून, वहुत थोडा।

हक़ीरतरीन (حقیرترین) अ फा वि —वहुत ही तुच्छ, वहुत ही कमीना, वहुत ही थोडा, वहुत ही छोटा।

हक़्क़ा (حقا) अ फा वि.—ईश्वर की शपथ, खुदा की क़सम।

हक्काक (حکاک) अ पु —खुरचनेवाला, छीलनेवाला, नगीना आदि तराशनेवाला।

हक़्क़ानी (حقانی) अ वि —ईश्वरीय, खुदाई, कोई ऐसा गाना जिसमे खुदा और रसूल का ज़िक्र हो।

हक़्क़ानीयत (حقانیت) अ. स्त्री —सत्यता, सच्चाई, यथार्थता, वाकईयत।

हक़्क़ुर्रहमत (حق الرحمت) अ पु —किसी काम में तकलीफ और परिश्रम करने का हक, कमीशन, पारिश्रमिक।

हक़्क़ुलइबाद (حق العباد) अ पु —आम लोगो का हक, जनता का हक, जिसका छीन लेना कानून में भी और ईश्वर के यहाँ भी पाप है।

हक़्क़ुलमेहनत (حق المحنت) अ पु —पारिश्रमिक, कमीशन।

हक़्क़ुलयक़ीन (حق الیقین) अ पु —पूरा यकीन, कामिल यकीन, अटल विश्वास।

हक़्क़ुल्लाह (حق اللہ) अ पु —ईश्वर का हक जो जनता पर है, जैसे—पूजा, व्रत और दूसरे धार्मिक कर्म।

हक्के आसाइश (حق آسائش) अ फा पु —वह हक जो एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को देने के लिए बाध्य है, सुखाधिकार।

हक्के ज़ौजीयत (حق زوجیت) अ पु —वह हक जो पत्नी को अपने पति पर प्राप्त है, सहवास, मैथुन, स्त्री-प्रसग।

हक्के नमक (حق نمک) अ फा पु —किसी के नमक खाने का हक, नमक हलाल करना, कृतज्ञता।

हक्के मुरूर (حق مرور) अ पु —निकलने-पैठने और आने-जाने का हक जो हर व्यक्ति को प्राप्त है।

हक्के शुफ़अ. (حق شفعہ) अ पु —पडोस की जमीन या मकान पर वह हक जो उसके विकते समय पडोसी को प्राप्त रहता है कि वह जमीन या मकान सवसे पहले उसे मिले।

हक्कोइस्लाह (حک و اصلاح) अ स्त्री —किसी लेख में काट-छांट और सशोधन।

हक्को सदाकत (حق و صداقت) अ स्त्री —सत्यता और यथार्थता।

हज[ज्ज] (حج) अ पु —मुसलमानो का एक धार्मिक कृत्य जो मक्के (अरव) मे जाकर अदा करना पडता है और धनाढ्य लोगो को उम्र में एक वार उसके करने का हुक्म है।

हज़्ज़[ज़्ज़] (حظ) पु —आनद, मज़ा, सुख, राहत, हर्ष, खुशी, भाग, हिस्सा।

हज़ज (هزج) अ पु —सुरीली आवाज, दे 'वह्ले हजज'।

हज़ब (هزب) फा पु —एक पानी का जानवर, ऊद।

हज़न (حزن) अ पु —दु ख, क्लेश, कष्ट, मुसीवत, शोक, खेद, ग़म।

हज़यान (هذیان) अ पुं –वह बकवास जो रोगी बेहोशी की अवस्था में करता है, बडबडाहट, बकवास, खुराफ़ात, दे 'हज़्यान', दोनों शुद्ध हैं।

हज़र (حذر) अ पु –बचाव, उपेक्षा, परहेज़; भय, त्रास, डर।

हज़र (حضر) अ पु –घर में रहना, उपस्थिति, मौजूदगी, 'सफ़र' का उलटा।

हजर (حجر) अ पु –पाषाण, प्रस्तर, पत्थर।

हजरी (حجری) अ वि –पत्थर का, पत्थर का बना हुआ।

हजरीयत (حجریت) अ स्त्री –पत्थरपन, पथरीलापन।

हजरुलबक़र (حجرالبقر) अ पु –गोरोचन, एक पत्थर जो गाय या बैल के मूत्राशय में पड जाता है।

हजरुलयहूद (حجرالیہود) अ पु –एक पत्थर जो दवा में काम आता है।

हजरे अस्वद (حجر اسود) अ पु –वह काला पत्थर जो मक्के में है और जिसकी परिक्रमा हज में की जाती है।

हजलः (حجلہ) अ पु –दुल्हन का कमरा, दुल्हन का छपरखट, दे 'हज्ल', दोनों शुद्ध हैं।

हज़ाइर (حظائر) अ पु –'हज़ीर' का बहु, बाडे।

हज़ाक़त (حذاقت) अ स्त्री –दक्षता, प्रवीणता, कुशलता, महारत, विद्वत्ता, निपुणता, चातुर्य, दानाई।

हज़ाक़तमआब (حذاقت مآب) अ वि –बहुत ही दक्ष और कुशल, बहुत ही विद्वान् और निपुण।

हज़ाज़ (حزاز) अ स्त्री –वफ़ा, सर की भूसी।

हज़ाजिर (حضاجر) अ पु –बिज्जू, हुडार, एक मृताशी जतु, जो विशेषत कब्रिस्तान में मुर्दे खाता है।

हजामत (حجامت) अ स्त्री –बाल बनाना, बाल बनवाना, दे 'हिजामत'।

हज़ामत (حزامت) अ स्त्री –दक्षता, कुशलता, प्रवीणता, होशियारी।

हज़ारः (هزاره) फा पु –एक फूल, पौदों को पानी देने का एक पात्र, जिसकी टोंटी में 'फव्वार' होता है।

हज़ार (هزار) फा वि –दस सौ की सख्या, सहस्र, दस सौ का अक, (पु) बुलबुल, "तुम सलामत रहो हज़ार बरस। हर बरस के हों दिन पचास हज़ार।—गालिब।

हज़ारआवाज़ (هزارآواز) फा वि –बहुत से स्वर निकालने-वाला, (पु) बुलबुल, गोवत्सक।

हज़ारख़ानः (هزارخانہ) फा पु –बकरी या भेड की ओझडी, पेट की थैली, पक्वाशय।

हज़ारगाईद (هزارگائیدہ) फा स्त्री –बहुत ही व्यभिचारिणी, अति कुलटा।

हज़ारचंद (هزارچند) फा वि –हज़ारगुना, बहुत अधिक।

हज़ारचश्मः (هزارچشمہ) फा पु –केकडा, कर्कट; कैंसर का रोग, अदीठ, सर्तान।

हज़ारचश्म (هزارچشم) फा वि –हज़ार आँखोंवाला, सहस्र-नेत्र।

हज़ारदानः (هزاردانہ) फा पु –एक पौदा, हज़ार मनकों की माला।

हज़ारदास्ताँ (هزارداستاں) फा पु –बुलबुल, एक प्रसिद्ध गानेवाली चिडिया।

हज़ारपा (هزارپا) फा पु –कनखजूरा, शतपाद, चित्रगी, (वि) सहस्रपद, हज़ार पाँववाला।

हज़ारपायः (هزارپایہ) फा पु –दे 'हज़ारपा'।

हज़ारमेख़ (هزارمیخ) फा, पु –गुदडी, कथा।

हज़ारसुतून (هزارستون) फा पु –वह भवन या इमारत जिसमें हज़ार खभे हों।

हज़ारहा (هزارها) फा वि –हज़ारों, सहस्रों।

हज़ारहैफ़ (هزارحیف) फा अ वि –बहुत-बहुत पश्चाताप।

हज़ाराँ (هزاراں) फा वि –हज़ारों, सहस्रों।

हज़ाराँ हज़ार (هزاراں هزار) फा वि –हज़ारों, सहस्रों।

हज़ारी (هزاری) फा वि –एक हज़ारवाला, एक हज़ार से सम्बन्धित।

हज़िक़ (حذق) अ वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, दक्ष, कुशल, होशियार, प्रतिभाशाली, ज़हीन।

हज़िन (حزن) अ वि –दु खित, शोकान्वित, रजीद।

हज़िर (حذر) अ वि –डरनेवाला, भयभीत, चौकन्ना, सतर्क।

हज़ीं (حزیں) अ वि –'हज़ीन' का लघु, दे 'हज़ीन'।

हज़ीज़ (حضیض) अ स्त्री –गढा, निचाई, पस्ती, अवनति, ज़वाल।

हज़ीज़ (هضیض) अ वि –भग्न, विच्छिन्न, खडित, टूटा हुआ।

हज़ीन (حزینہ) अ वि –दु खी स्त्री, क्लेशिता, पीडिता।

हज़ीन (هزینہ) अ पु –बीवी-बच्चों का खर्च– व्यय, खर्च, कोष, खजाना, (वि) नित्य, हमेशा।

हज़ीन (حزیں) अ वि –दु खित, क्लेशित, पीडित, रजीद।

हजीन (هجین) अ वि –अधम, नीच, कमीना, वर्णसकर, दोगला।

हज़ीम (هضیمہ) अ पु –मौत का खाना।

हज़ीमत (هزیمت) अ स्त्री –पराजय, हार, शिकस्त; हारकर सेना का तितर-बितर हो जाना।

हज़ीमत (هزيمت) अ. स्त्री –अत्याचार, अनीति, जुल्म, क्रोध, कोप, गुस्सा।

हज़ीमतख़ुर्दः (هزيمت خورده) अ फा वि –पराजित, परास्त, हारा हुआ।

हज़ीरः (حظيره) अ. पु –बाडा, चौपायो के रहने का घेरा।

हजीर (هجير) अ स्त्री –दोपहर की गर्मी, दोपहर की कडी धूप, (पु) बडा हौज़।

हज़ीर (حذير) अ वि –डरपोक, भीरु, त्रस्त, भयभीत, खाइफ।

हज़ीर (هزير) बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।

हज़ून (هذون) अ वि –आलसी, काहिल, सुस्त।

हज़ूर (حذور) अ वि –डरनेवाला, भय खानेवाला, त्रस्त, डरा हुआ, भीरु, डरपोक।

हजूल (هجول) अ. वि –व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिश।

हज़्ज़त (هزت) अ स्त्री –आनद, ऐश, भोग-विलास।

हज्जाज (حجاج) अ वि.–बहुत अधिक वाक्कलह करनेवाला, हुज्जती।

हज्जाम (حجام) अ पु –नापित, क्षौरिक, नाई; पछने लगानेवाला, सिंघी लगानेवाला।

हज़्ज़ाल (هزال) अ वि.–बहुत अधिक निन्दाजनक बातें करनेवाला।

हज्जे अक्बर (حج اكبر) अ. पु –वह हज जिसमे हज के दिन शुक्रवार पडे।

हज़्ज़े नफ़्सानी (حظ نفسانی) अ पु –इंद्रियो का सुख, भोग-विलास आदि का आनद, जीवन-सुख।

हज़्ज़े रूहानी (حظ روحانی) अ पु –आत्मा सम्बन्धी सुख, जप-तप आराधना आदि का आनद।

हज़्दः (هژده - هجده) फा. वि –अट्ठारह, अष्टादश।

हज़्द.हज़ार (هژده‌هزار) फा. वि.–अट्ठारह हज़ार।

हज़्दहुम (هژدهم) फा. वि –अट्ठारहवाँ।

हज़्न (حضن) अ. पु –बच्चो का पालन-पोषण; चिड़ियो का अडे सेना।

हज़्फ़ (حذف) अ. पु –विच्छेद, अलग कर देना, किसी शब्द से एक अक्षर कम कर देना।

हज्मः (هجمه) अ पु –चालीस ऊँटो से अधिक का गल्ला।

हज्म (حجم) अ पु –मोटाई, दल, स्थूलता।

हज़्म (حزم) अ. पु.–दक्षता, कुशलता, होशियारी, सावधानी, सतर्कता, चौकसी, दूरदर्शिता, दूरबीनी।

हज़्म (هزم) अ. पु.–सेना का तितर-बितर हो जाना, परास्त होकर सेना का भागना।

हज़्म (هضم) अ. पु –पक्वाशय में भोजन का पकना, पाक, पचन, पाचन-शक्ति, हाज़िम।

हज़्मे कामिल (هضم كامل) अ पु.–पक्वाशय में अन्न का पूर्ण रूप से पच जाना।

हज़्मे ग़िज़ा (هضم غذا) अ फा पु –पक्वाशय मे अन्न का पचना, अन्नपाक।

हज्मे ज़ख़ीम (حجم ضخيم) अ पु –बहुत काफी मोटाई।

हज़्मे नाक़िस (هضم ناقص) अ पु –पक्वाशय में अन्न का पूर्ण रूप से न पकना।

हज़्मे सहीह (هضم صحيح) अ पुं –दे 'हज़्मे कामिल'।

हज़्मो एहतियात (حزم و احتياط) अ.–सावधानी और दूरदर्शिता।

हज़्मो शिकस्त (هزم و شكست) अ फा स्त्री –सेना की हार और भगदड़।

हज़्र (هذر) अ पु –बकवास, वाचालता, मुखरता, जल्प।

हज्र (حجر) अ. पु –कुक्ष, बग़ल, क्रोड, गोद, आगोश।

हज्र (هجر) अ. पु –वियोग, जुदाई, मध्याह्न, दोपहर, रोगी की बकवास, हज़यान।

हज़्र (حزر) अ पु –खेत मे खडे हुए नाज का अदाज़., कूत; पेड में लगे हुए फलो का अनुमान।

हज़्रत (حضرت) अ पु –किसी बडे व्यक्ति के नाम से पहले सम्मानार्थ लगाया जानेवाला शब्द, कोई प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति, (व्यग) धूर्त, चालाक, पाखडी, ऐयार, बदमाश।

हज़्रत सलामत (حضرت سلامت) अ पु –प्रतिष्ठित जनो के लिए सबोधन का शब्द।

हज़्रते अक़्दस (حضرت اقدس) अ पु –पूज्य और पवित्र व्यक्ति के लिए व्यवहृत शब्द।

हज़्रते आली (حضرت عالی) अ पु –दे 'हज़्रते अक़्दस'।

हज़्रते मोहतरम (حضرت محترم) अ पु –दे 'हज़्रते अक्दस'।

हज़्रते वाइज़ (حضرت واعظ) अ पु –उर्दू साहित्य में वह धर्मोपदेशक व्यक्ति जो शराब न पीने के लिए बाध्य करता और इसके विरुद्ध धार्मिक दलीलें बयान करता है।

हज़्रते वाला (حضرت والا) अ पु –दे 'हज़्रते अक्दस'।

हज़्रते शैख़ (حضرت شيخ) अ पु –उर्दू साहित्य में वह धार्मिक व्यक्ति जो बुरे कामो से रोकता, शराब से मना करता और नमाज़ आदि की पाबंदी के लिये समझाता है।

हज़्रात (حضرات) अ पु –'हज़्रत' का बहु, व्यक्तियाँ लोग।

हज्लः (حجله) अ पु –दुल्हन का सजा हुआ कोठा या छपरखट, दे 'हजल', दोनो शुद्ध है।

हज़्ल (هزل) अ पु –अश्लीलता, फक्कडपन, अ॰ ल कविता।
हज़्ल (هدل) अ पु –पहाडो के बीच की नीची भूमि।
हज़्लए अरूसी (حجلهٔ عروسی) अ पु –नवविवाहिता का सजा हुआ हुआ छपरखट या कोठा।
हज़्लगो (هزل گو) अ फा वि –अश्लील और हँसानेवाली कविता करनेवाला।
हज़्लगोई (هزل گوئی) अ फा स्त्री –अश्लील कविता करना।
हज़्लपसद (هزل پسند) अ फा वि –जिसे फक्कडपन अच्छा लगे, जो अश्लील कविता पसद करे।
हज़्लीयात (هزلیات) अ स्त्री –अश्लील काव्य-सग्रह।
हज़्लोतफन्नुन (هزل و تفنن) अ पु –फक्कडपन और मजाक।
हज़्व (حذو) अ पु –दो वस्तुओ को परस्पर बराबर करना।
हज्व (هجو) अ स्त्री –निंदा, तिरस्कार, अपमान, ऐसी कविता जिसमे किसी की निंदा की जाय।
हज्वगो (هجوگو) अ फा वि –वह कवि जो अपनी कविता मे लोगो की निदा करता हो।
हज्वगोई (هجوگوئی) अ फा स्त्री –कविता मे दूसरो की निदा करना।
हज्वीयात (هجویات) अ स्त्री –दूसरो की निदा मे की गयी कविताओ का सग्रह।
हज्वे मलीह (هجو ملیح) अ स्त्री –ऐसी निदा जो देखने मे प्रशसा जान पडे, व्याजनिदा।
हज्वे सरीह (هجوصریح) अ स्त्री –स्पष्ट निदा, साफ-साफ निंदा, जिसमे कोई दुराव न हो।
हज़्हाज (هزهاز) अ पु –बुलाना, पुकारना।
हतब (حطب) अ स्त्री –जलाने की लकडी, ईंधन।
हतिम (حطم) अ वि –भग्न, विच्छिन्न, टूटा हुआ, शिकस्त।
हतिल (هطل) अ वि –बहुत बरसनेवाली घटा।
हतीम (حطیم) अ पु –भग्न, खडित, टूटा हुआ, का'बे की पच्छिमी दीवार।
हत्क (حتک) अ पु –दौड कर चलना, भागना।
हत्क (هتک) अ स्त्री –अपमान, तिरस्कार, बेइज्जती।
हत्के इज़्ज़त (هتک عزت) अ स्त्री –मानहानि, इज्जत पर हम्ला, तौहीन।
हत्तलइम्कान (حتی الامکان) अ वि –जहाँ तक मुम्किन है, यथासभव।
हत्तल इस्तिताअत (حتی الاستطاعت) अ वि –जहाँ तक मक्दूर है, यथासामर्थ्य।
हत्तलमक्दूर (حتی المقدور) अ वि –जहाँ तक शक्ति है, यथाशक्ति, यथाशक्य, यथासाध्य।
हत्तलवुसूअ (حتی الوسع) अ वि –दे 'हत्तलमक्दूर'।
हत्ता (حتی) अ वि –जब तक, जहाँ तक, यावत्, यथा।
हत्ताक (هتاک) अ वि –अपमान करनेवाला, छिद्रान्वेषी।
हत्तात (حثاث) अ वि –बकवासी, मुखर, वाचाल, फुर्तीला, चुस्त, चालाक।
हत्ताब (حطاب) अ पु –लकडहारा, लकडियाँ बेचनेवाला।
हत्स (حثن) अ पु –गर्मी की तेजी।
हत्फ (حتف) अ पु –मृत्यु, मरण, निधन, मौत।
हत्फ (هتف) अ पु –आवाज़, स्वर, शब्द।
हत्म (حتم) अ पु –दृढता, मजबूती, पुख्तगी।
हत्मन (حتماً) अ वि –दे 'हत्मी'।
हत्मी (حتمی) अ वि –निश्चित रूप से, पुख्त तौर पर यकीनी।
हत्ल (هطل) अ पु –मेह का बराबर बरसना, झडी लगना; आँसुओ की झडी।
हद [द्द] (حد) अ स्त्री –पराकाष्ठा, किनारा, अखीर, सीमा, छोर, ओट, आड।
हदक़ः (حدقه) अ पु –आँख का कालापन, पुतली, कनीनी।
हदक (حدق) अ पु –'हदक' का बहु, आँख की पुतलियाँ, आँख की सियाहियाँ, बैंगन, भाँटा।
हदफ (هدف) अ पु –लक्ष्य, निशाना, ऊँचा पुश्ता, वह गोलाई जिस पर निशाना सीखने के लिए गोलियाँ मारते हैं।
हदफे तीर (هدف تیر) अ फा पु –तीर का निशाना मारने का स्थान, लक्ष्य, जिस पर तीर मारे जायँ।
हदफे मलामत (هدف ملامت) अ पु –जिस पर चारो ओर से धिक्कार पडे, जिसकी सब निदा करे।
हदबदी (حدبندی) अ फा स्त्री –दो चीजो या जमीनो के बीच मे ऐसा चिह्न जो दोनो की सीमा निश्चित करे।
हदबः (حدبه) अ पु –कूबड, कुबडापन, कुब्ज।
हदब (حدب) अ पु –कुबडापन, कुब्ज, टीला, उठी हुई जमीन।
हदर (هدر) अ पु –किसी का वध जाइज हो जाना, खून मुआफ हो जाना।
हदस (حدث) अ पु –वह चीज़ जिससे वज़ू टूट जाय।
हदसात (حدثات) अ स्त्री –'हदस' का बहु, युवा स्त्रियाँ, जवान औरते।
हदाइक (حدائق) अ पु –'हदीक' का बहु, बगीचे, बाग।
हदाया (هدایا) अ पु –'हदीय' का बहु, तोहफे, भेंटे, नज़ाने।

हदासत (حداثت) अ. स्त्री –नूतनता, नयापन, आरम्भ, शुरूआत।

हदासते सिन (حداثت سن) अ स्त्री –बाल्यावस्था, बचपन।

हदीक़: (حديقه) अ पु –वह बाग जिसके चारो ओर दीवार हो।

हदीद (حديد) अ पु –लोहा, लौह, फौलाद; तेज और धारदार पदार्थ।

हदीय: (هديه) अ पु –पुरस्कार, उपहार, भेंट, नज़्र, दे 'हद्‌य', दोनो शुद्ध हैं।

हदीस (حديث) अ स्त्री –नयी बात, नयी खबर, पैगंबर साहिब की फरमाई हुई बात।

हद्‌क़: (حدقه) अ पु –आँख की गोलाई, आँख का हल्का।

हद्दाद (حداد) अ वि –लोहकार, लुहार, कारा-रक्षक, बधनपाल, जेलर।

हद्दादी (حدادی) अ स्त्री –लुहार का काम।

हद्दे अदब (حد ادب) अ स्त्री –आदर और लिहाज की अंतिम सीमा, जहाँ तक आदर किया जा सके।

हद्दे फासिल (حد فاصل) अ स्त्री –दो पदार्थों के बीच मे अंतर डालनेवाली वस्तु, ओट, आड।

हद्दे शर्ई (حد شرعی) अ स्त्री –वह सजा जो इस्लाम धर्म के अनुसार दी जाय।

हद्‌बा (حدبا) अ स्त्री –कुब्जा, कुबडी स्त्री।

हद्‌म (هدم) अ पु –ढाना, गिराना, तोड-फोड करना, निर्जनता, वीरानी।

हद्‌य: (هديه) अ पु –उपहार, भेंट, तोहफा, दे 'हदीय', दोनो शुद्ध हैं।

हद्र (هدر) अ पु –दे 'हदर', दोनो शुद्ध हैं।

हद्‌स: (حدثه) अ स्त्री –युवा स्त्री, जवान औरत।

हद्‌स (حدس) अ पु –प्रतिभा, चातुर्य, ज़हानत, बुद्धिमत्ता, मेधा, अक्लमंदी।

हनक (حنک) अ पु –तालु, तालू।

हनक़ (حنق) अ पु –द्वेष, कीन, बुग्ज़, शत्रुता वैर, दुश्मनी।

हनकी (حنکی) अ वि –वह अक्षर जो तालू से उच्चरित हो, तालव्य।

हनफी (حنفی) अ वि –इमाम अबू हनीफ के अनुयायी मुसलमान।

हनी (هنی) अ वि.–पाचक, हाज़िम, स्वादिष्ठ, लज़ीज, सुगम, सहज।

हनीन (حنين) अ पु –विलाप, रोना-पीटना, कामना, चाह इच्छा।

हनीफ (حنيف) अ वि.–धर्मपरायण, सत्यनिष्ठ, धर्म मे पक्का, हज़्रत इब्राहीम के धर्म का अनुयायी।

हनीफी (حنيفی) अ वि –धर्मनिष्ठ, धर्म मे अटल, हज़्रत इब्राहीम के धर्म को माननेवाला।

हनूत (حنوط) अ पु –वह सुगंधित पदार्थ जो मृतक शरीर पर मला जाय।

हनूद (هنود) अ पु –'हिंदू' का बहु, हिंदू लोग।

हनोज़ (هنوز) फा अव्य –अभी तक, अब भी, अब तक, अद्यापि।

हन्नात (حناط) अ वि –गेहूँ बेचनेवाला, सुगंध बेचनेवाला, गंधी।

हन्नान: (حنانه) अ वि –बहुत रोनेवाला।

हन्नान (حنان) अ वि –मोक्ष देनेवाला, कृपा करनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

हफद (حفد) अ पु –'हाफिद' का बहु, सहायक जन, मददगार लोग।

हफनज़र (حفظ نظر) अ वा –ईश्वर बुरी दृष्टि के प्रभाव से रक्षा करे।

हफवत (هفوت) अ स्त्री –अपवाद, बकवास, अनर्गल प्रलाप।

हफवात (هفوات) अ स्त्री –'हफवत' का बहु, अनर्गल और व्यर्थ की बातें।

हफादत (حفادت) अ स्त्री –कृपा, अनुकंपा, दया, मेह्रबानी, हर्ष, प्रसन्नता, खुशी, दे 'हिफादत', दोनो शुद्ध हैं।

हफीज़ (حفيظ) अ वि –रक्षक, संरक्षक, देख-रेख करनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

हफ़ीर (حفير) अ वि –गर्त, गढा, कब्र, गोर।

हफ्त: (هفته) फा पु –सात दिनो का समय, सप्ताह, शनिवार, सनीचर।

हफ्त वार (هفته وار) फा वि –साप्ताहिक, हफ्ते मे एक बार होनेवाला।

हफ्त.दोस्त (هفته دوست) फा वि –वह व्यक्ति जिससे दूर की जान-पहचान हो।

हफ्त वारी (هفته واری) फा स्त्री –दे 'हफ्त वार'।

हफ्त (هفت) फा वि –सात की सख्या, सात।

हफ्तअदाम (هفت اندام) फा स्त्री –एक बडी रग जिसकी फस्द खोली जाती है।

हफ्तअख़्तर (هفت اختر) फा पु –सातो सितारे, सातो ग्रह, सप्तग्रह।

हफ़्तइक़्लीम (هفت اقلیم) फा अ स्त्री –सातो महाद्वीप अर्थात् सारी दुनया।
हफ्तऔरंग (هفت اورنگ) फा पु –सप्तर्षि, बनातुन्ना'श।
हफ़्तक़लम (هفت قلم) फा अ वि –अरबी-फारसी की सातो लिपियाँ लिखनेवाला।
हफ्तकिश्वर (هفت کشور) फा पु –दे 'हफ्तइक्लीम'।
हफ्त कुल्ज़ुम (هفت قلزم) फा अ पु –सातो महासागर, अर्थात् सारे समुद्र।
हफ्तख्वाँ (هفت خوان) फा पु –वह सातो मंज़िलें जो रुस्तम को तै करनी पडी थी।
हफ्तगुंबद (هفت گنبد) फा पु –सातो आकाश।
हफ्तज़बाँ (هفت زبان) फा वि –जो सात भाषाएँ जानता हो।
हफ्तजोश (هفت جوش) फा पु –सातो धातुओ का योग।
हफ्ततबक (هفت طبق) फा अ पु –पृथ्वी के सातो तल।
हफ्तदर्या (هفت دریا) फा पु –दे 'हाफ्तकुल्ज़ुम'।
हफ्तदह (هفتده) फा वि –सत्रह, सप्तदश।
हफ्तदोज़ख़ (هفت دوزخ) फा पु –नरक के सातो भाग।
हफ्तपर्दः (هفت پرده) फा पु –सातो आकाश।
हफ्तपुश्त (هفت پشت) फा स्त्री –सात पीढियाँ, पुश्त दर पुश्त।
हफ्तपकर (هفت پیکر) फा पु –सातो सितारे, सप्तग्रह।
हफ्तमंज़िल (هفت منزل) फा अ स्त्री –सातो तल, सात मालाओ का भवन।
हफ्तरंग (هفت رنگ) फा वि –सात रंगोवाला।
हफ्तरोज़ः (هفت روزه) फा वि –साप्ताहिक, सात दिन मे पडने या होनेवाला, साप्ताहिक पत्र, हफ्त वार अखबार।
हफ्तसालः (هفت ساله) फा वि –सप्तवर्षीय, सात बरस-वाला।
हफ्तहज़ारी (هفت هزاری) फा पु –मुगल राजकाल की एक प्रतिष्ठित पदवी, इस पदवी का अधिकारी।
हफ्तहैकल (هفت هیکل) फा अ स्त्री –जीवरक्षा की सात दुआएँ।
हफ्ताद (هفتاد) फा वि –सत्तर।
हफ्तादोदो (هفتادودو) फा वि –बहत्तर, सत्तर और दो।
हफ्तुम (هفتم) फा वि –सातवाँ, सप्तम।
हफ्तुमीं (هفتمین) फा वि –सातवाँ।
हफ्द (هفده) फा वि –'हफ्तदह' का लघु, सत्तरह, सप्तदश।
हफ्दहुम (هفدهم) फा वि –सत्तरहवाँ।
हफ़्र (حفر) अ पु –ज़मीन की खुदाई।

हफ्ल (حفل) अ पु –भीड, जमाव, जन-समूह, एकत्र करना, इकट्ठा करना।
हफ्स (حفص) अ पु –शेर का बच्चा, व्याघ्र-शावक।
हब[ब्ब] (حب) अ स्त्री –गोली, वटिका, वटी।
हबक (هبک) अ. स्त्री –हथेली, करतल।
हबन्नक (هبنق) अ वि –मूर्ख, बौड़म, बुद्धू।
हबशः (حبشه) अ पु –दे 'हबश'।
हबश (حبس) अ पु –अफ्रीका का एक प्रसिद्ध देश, हबश।
हबशी (حبشی) अ वि –हबश का निवासी।
हबाब (حباب) फा पु –बुल्बुल, बुद्बुद।
हबाब आसा (حباب آسا) फा वि –बुल्बुले-जैसा, बहुत ही नाज़ुक, क्षणभंगुर।
हबाबी (حبابی) फा वि –बुल्बुले की तरह नाज़ुक और क्षण-भगुर।
हबीब (حبیب) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त, प्रेमपात्र, मा'शूक़।
हबूत (هبوط) अ वि –नीचे उतरनेवाला।
हबूब (هبوب) अ पु –वायु का झक्कड, धूल मिली हुई तेज़ हवा।
हब्ब (حبه) अ पु –दाना, बीज, रत्ती भर, आठ चावल का भार, बहुत थोडा, ज़रा सा।
हब्बज़ा (حبذا) अ अव्य –वाह-वाह, धन्य-धन्य, साधु-साधु।
हब्बुल्ज़लम (حب الزلم) अ पु –'ज़लम' एक औषध द्रव्य द्वारा निर्मित वटी, ज़लम की गोली।
हब्बुर्रिशाद (حب الرشاد) अ पु –हालोन, एक दाना जो दवा में चलता है।
हब्बुलकुल्न (حب القطن) अ पु –कपास का बीज, बिनौला।
हब्बुलग़ुराब (حب الغراب) अ पु –कुचला, एक विषैला दाना, विषमुष्टि, विषतुदक।
हब्बुलमुलूक (حب الملوک) अ पु –जमालगोटा, दंतिका।
हब्बुस्सम्न. (حب السمنه) अ पु –चिरौंजी, एक प्रसिद्ध मेवा।
हब्बुस्सलातीन (حب السلاطین) अ पु –जमालगोटा, अजयपाल, दंतिका।
हब्ल (حبل) अ स्त्री –रस्सी रज्जु; डोरा, तार, रग, धमनी।
हब्लुज़्ज़िराअ (حبل الذراع) अ स्त्री –हाथ की एक रग।
हब्लुलमतीन (حبل المتین) अ स्त्री –दृढ रस्सी।
हब्लुलवरीद (حبل الورید) अ. स्त्री –गर्दन की एक रग।

हब्स (حبس) अ पु—उपग्रह, कारावास, कैद, उमस, बरसात में हवा बंद होने की अवस्था, अवरोध, रुकाव।

हब्सीयात (حبسيات) अ स्त्री—कैद के समय की बातें या कविता आदि, कारागार सम्बन्धी चीजें।

हब्से तम्स (حبس طمث) अ.पु—मासिक धर्म का बंद हो जाना।

हब्से दम (حبس دم) अ फा पुं—साँस रुकना, दम घुटना, श्वासरोध, साँस रोककर की जानेवाली एक तपस्या, कुंभक प्राणायाम।

हब्से दवाम (حبس دوام) अ पु—आजन्म कारावास, उम्र भर की कैद।

हब्से बेजा (حبس بيجا) अ. पु—अवैध रूप से किसी को बंद रखना।

हब्से बौल (حبس بول) अ पु—पेशाब का रुक जाना, मूत्र-निरोध, मूत्राघात।

हब्से रियाह (حبس رياح) अ. पु—पेट मे वायु का रुक जाना।

हमः (همه) फा वि—सर्व, सब, कुल, समस्त, समग्र, समूचा, पूर्ण, पूरा।

हमःउम्र (همه عمر) फा अ वि—सारी उम्र, आजीवन, जीवनभर।

हमःऔक़ात (همه اوقات) फा अ. वि—हर समय, हर वक्त।

हमःख़ोर (همه خور) फा वि—सब कुछ खा जानेवाला, सर्वभक्षी, जिसे खाने मे धर्माधर्म का विचार न हो।

हमःख़ोरी (همه خوری) फा स्त्री—सब कुछ खा जाना, धर्माधर्म का विचार किये बिना जो पाना वह खा जाना।

हमःगीर (همه گیر) फा वि—जो हर तरफ फैला और छाया हुआ हो, सर्वव्यापी, सार्वभौम।

हमःगीरी (همه گیری) फा स्त्री—हर ओर फैला और छाया होना, सर्वव्यापित।

हमःतन (همه تن) फा वि—सारे शरीर के साथ, अर्थात् पूरी तल्लीनता के साथ।

हमःतनगोश (همه تن گوش) फा वि—जो सर से पाँव तक कान बन गया हो, अर्थात् जो किसी बात के सुनने के लिए बहुत अधिक उत्कंठित हो, उत्कर्ण।

हमःदाँ (همه دان) फा वि—सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, बहुत बड़ा विद्वान्।

हमःदानी (همه دانی) फा स्त्री—सब कुछ जानना, सर्वज्ञता, विद्वत्ता।

हमःदुश्मन (همه دشمن) फा वि—जो सबका शत्रु हो, जिसके सब शत्रु हो।

हमःदोस्त (همه دوست) फा वि—जो सबका दोस्त हो, जिसके सब दोस्त हो।

हमःनेमत (همه نعمت) फा अ स्त्री—सारी नेमतें, हर प्रकार की सुख-सामग्री।

हमःवक्त (همه وقت) अ फा. वि—हर समय, हर वक्त, हर दशा मे, हर हालत मे।

हमःसम्त (همه سمت) फा अ वि—चारो ओर, चतुर्दिक्, चहुँपास, हर तरफ, सब ओर।

हमःसाअत (همه ساعت) फा अ वि—प्रतिक्षण, हर लम्हः; हर समय, हर वक्त।

हमःसिफत (همه صفت) फा अ वि—सारे गुणोवाला, सारी सिफतोवाला।

हमःसिफत मौसूफ (همه صفت موصوف) फा अ वि—सारे गुणो से भरा हुआ, जिसमे सारी खूबियाँ हो, सर्वगुणसपन्न।

हमःसू (همه سو) फा वि—हर ओर, हर तरफ, चतुर्दिक्, चहुँओर।

हम (هم) फा उप—साथवाला, जैसे—'हमउम्र', बराबर-वाला, जैसे—'हमकीमत' आदि, (अव्य) भी, अपि, नीज।

हम [म्म] (هم) अ पु—दुःख, खेद, रंज, ताप, गम (जिसके आने का भय हो), रोग का शरीर को घुला देना, बच्चे को लोरी से सुलाना।

हम (حم) अ पु—सुसराल के रिश्तेवाला, सुसराली रिश्तेदार।

हमअकीद: (هم عقيده) फा अ वि—किसी एक पथ के माननेवाले, सधर्मानुयायी, किसी एक बात पर विश्वास रखनेवाले।

हमअलामत (هم علامت) फा अ वि—एक-जैसे लक्षणो-वाले, एक-जैसे चिह्नोवाले।

हमअस्र (هم عصر) फा अ वि—एक समय मे होनेवाले व्यक्ति, समकालीन।

हमअह्द (هم عهد) फा अ वि—दे. 'हमअस्र'।

हमआगोश (هم آغوش) फा वि—एक दूसरे को गोद मे लिये हुए, आलिंगित, बगलगीर।

हमआगोशी (هم آغوشی) फा स्त्री—आलिंगन, बगलगीरी, एक दूसरे को गोद मे लेना।

हम आवर्द (هم آورد) फा वि—प्रतिद्वंद्वी, हरीफ, मुका-बिल, सहव्यवसायी, हमपेश।

हमआवाज (هم آواز) फा वि—जिनकी आवाज एक-सी हो, जो किसी विषय मे सहमत हो।

हमआहंग (هم آهنگ) फा. वि.—एक-सी आवाजवाले, एक-से इरादेवाले, एक-सी रायवाले।

हमआहंगी (هم‌آهنگی) फा. स्त्री.—एक-सी आवाज, एक-सा इरादा, एक-सी राय।

हमइनाँ (هم‌عناں) फा अ वि —साथ चलनेवाला, सहचर; सदृश, समान।

हमइयार (هم‌عیار) फा. अ. वि —सदृश, समान, सहपद, हमदर्ज।

हमउम्र (هم‌عمر) फा. अ वि —एक-सी आयुवाले, समवयस्क, समसामयिक, वयस्थ।

हमउम्री (هم‌عمری) फा अ स्त्री —आयु में बराबरी, समवयस्कता, समावस्था, वयस्य भाव।

हमऔसाफ़ (هم‌اوصاف) फा. अ वि —गुणों में एक-जैसे व्यक्ति, एकगुण।

हमक़द (هم‌قد) फा अ वि —एक-जैसे डीलवाला, समकाय।

हमक़दम (هم‌قدم) फा अ वि.—साथ-साथ चलनेवाले, सहचर।

हमकदमी (هم‌قدمی) फा अ स्त्री —साथ-साथ चलना।

हमक़दह (هم‌قدح) फा अ वि —एक प्याले में शराब पीनेवाले, बहुत ही घनिष्ठ शराबी दोस्त।

हमक़द्र (هم‌قدر) फा अ वि —एक-जैसी प्रतिष्ठावाले, एक-जैसी इज़्ज़तवाले।

हमक़रीं (هم‌قریں) फा. अ वि —दे. शुद्ध उच्चारण 'हमकिरीं'

हमक़लम (هم‌قلم) फा अ वि —एक दफ्तर में काम करनेवाले, एक दफ्तर के क्लर्क।

हमकलाम (هم‌کلام) फा अ वि —किसी के साथ बात करनेवाला या बात करता हुआ।

हमकलामी (هم‌کلامی) फा अ स्त्री —आपस की बातचीत, दो व्यक्तियों का परस्पर वार्तालाप।

हमकार (هم‌کار) फा अ वि —एक-सा काम करनेवाले।

हमकास (هم‌کاسہ) फा वि —एक प्याले में साथ-साथ खानेवाले अर्थात् घनिष्ठ मित्र।

हमक़ितार (هم‌قطار) फा अ वि —एक ही पंक्ति में खड़े हुए, एक ही वर्गवाले।

हमकिनार (هم‌کنار) फा वि —दे 'हमआग़ोश'।

हमकिनारी (هم‌کناری) फा स्त्री —दे 'हमआगोशी'।

हमक़िराँ (هم‌قراں) फा अ वि —साथ बैठनेवाला, मित्र, दोस्त, सभासद, मुसाहिब।

हमक़िरानी (هم‌قرانی) फा अ स्त्री —साथ उठना-बैठना, मैत्री, मुसाहबत।

हमक़ीमत (هم‌قیمت) फा अ वि —बराबर मूल्यवाले, एक-जैसे मोल के।

हमकुफ़्व (هم‌کفو) फा. अ वि —एक गोत्रवाले, एक जातिवाले, समवर्ण, सहगोत्र, सजातीय।

हमक़ौम (هم‌قوم) फा. अ वि —एक जातिवाले, सजातीय, एक राष्ट्रवाले, सहराष्ट्र।

हमख़याल (هم‌خیال) फा अ. वि.—एक रायवाले, सहमत, एक धर्म-विश्वासवाले।

हमख़याली (هم‌خیالی) फा अ स्त्री —राय का एक होना, धर्म-विश्वास अर्थात् अक़ीदे की यकसानियत।

हमख़वास (هم‌خواص) फा अ वि —एक-जैसी गुणवाली ओषधियाँ।

हमख़वासी (هم‌خواصی) फा अ स्त्री —एक-जैसे गुण होना।

हमख़ान: (هم‌خانہ) फा. वि —एक घर में रहनेवाले, सहनिवासी।

हमख़ानदान (هم‌خاندان) फा वि —एक वंशवाले, एकवंशीय।

हमख़ास्सः (هم‌خاصہ) फा अ वि —दे. 'हमख़वास'।

हमख़ू (هم‌خو) फा वि —एक-से स्वभाववाले।

हमख़ूई (هم‌خوئی) फा स्त्री —स्वभाव का एक होना।

हमख़्वाब (هم‌خوابہ) फा स्त्री —साथ सोनेवाली अर्थात् पत्नी, भार्या, बीवी।

हमख़्वाब (هم‌خواب) फा वि —साथ सोनेवाला, सहशायी, अंकशायी।

हमख़्वाबी (هم‌خوابی) फा स्त्री —साथ-साथ सोना, सहशय्या।

हमग़म (هم‌غم) फा. वि —हमदर्द, सहानुभूति करनेवाला।

हमग़मी (هم‌غمی) फा. स्त्री —सहानुभूति, हमदर्दी।

हमगाँ (ہمگاں) फा वि —सर्व, सब।

हमगिनाँ (ہمگناں) फा वि —सर्व, सब, सब आदमी।

हमगीं (ہمگیں) फा वि —सब, सर्व, तमाम।

हमगी (ہمگی) फा वि —दे 'हमगीं'।

हमगुरोह (هم‌گروہ) फा वि.—एक दलवाले, यौथिक।

हमगोश (هم‌گوشہ) फा वि —हमसाय, पड़ोसी; हमजिंस, मित्र, दोस्त।

हमचश्म (هم‌چشم) फा वि —बराबरवाला, मित्र, दोस्त।

हमचश्मी (هم‌چشمی) फा स्त्री —मित्रता, दोस्ती, बराबरी।

हमचुनाँ (ہمچناں) फा वि —इतना, उसी तरह, उसी कदर।

हमचुनीं (ہمچنیں) फा वि —इतना, इस कदर।

हमचो (ہمچو) फा वि.—समान, सदृश, तुल्य, मिस्ल।

हमज़: (ہمزہ) अ पु —पैशाचिक विचार, शैतानी वस्वसे।

हमजंस (همجنس) फा अ वि –पास बैठनेवाला, साथी, हमपहलू।

हमजबाँ (همزباں) फा वि.–सहमत, एक राय; एक भाषा बोलनेवाले, दोस्त, मित्र।

हमजबानी (همزبانی) फा स्त्री –एकराय होना, एक भाषा बोलना, दोस्ती, मित्रता।

हमजमाअत (همجماعت) फा. अ वि –एक वर्गवाले, सहवर्गीय, एक कक्षा में साथ पढनेवाले, सहपाठी।

हमजला (همجلسه) फा. अ. वि –साथ बैठने-उठनेवाले, मित्र, दोस्त।

हमजात (همذات) फा अ वि –एक जातवाले, सहजाति।

हमजाद (همزاد) फा वि –साथ पैदा होनेवाला, सहजात; एक योनि-विशेष, बेताल।

हमजानू (همزانو) फा वि.–साथ मिलकर बैठनेवाला, पहलू से पहलू या घुटने से घुटना मिलाकर बैठनेवाला।

हमजिंस (همجنس) फा अ वि –सजातीय, एक जात का व्यक्ति।

हमजिंसी (همجنسی) फा अ स्त्री –एक जाति का होना।

हमजिवार (همجوار) फा अ वि.–पड़ोसी, प्रतिवासी, प्रतिवेशी।

हमजुल्फ़ (همزلف) फा. पु –साढू, दो सगी बहनों के पति।

हमज़ोर (همزور) फा. वि –शक्ति में बराबर।

हमज़ौक़ (همذوق) फा. अ वि –एक-जैसा शौक रखनेवाले।

हमतंग (همتنگ) फा वि –अनुकूल, मुआफिक, समान, बराबर।

हमतग (همتگ) फा वि.–कदम से कदम मिलाकर चलनेवाला।

हमतराज़ू (همترازو) फा वि –शक्ति में बराबर, प्रतिद्वंद्वी, मुकाबिल।

हमतरीक़ (همطریق) फा अ वि –एक रास्ते पर चलनेवाले, एक रास्ते के मुसाफिर।

हमतर्ज़ (همطرز) फा वि –एक-जैसी तर्ज़वाले।

हमतरह (همطرح) फा. अ. वि –एक-जैसे, यकसाँ, सदृश।

हमता (همتا) फा. वि –समान, तुल्य, मिस्ल।

हमताई (همتائی) फा स्त्री –समानता, सदृशता, यकसानियत।

हमताले (همطالع) फा अ वि.–एक-जैसी तकदीरवाले।

हमदफ़्तर (همدفتر) फा वि –एक ही आफिस में काम करनेवाले।

हमदबिस्ताँ (همدبستاں) फा वि –एक पाठशाला में साथ पढ़े हुए सहपाठी।

हमदम (همدم) फा वि –हर समय का साथी, मित्र, दोस्त।

हमदर्द (همدرد) फा वि.–दुख-दर्द का साथी, सहानुभूति करनेवाला।

हमदर्दी (همدردی) फा स्त्री –सहानुभूति, दुख-दर्द की शिर्कत।

हमदर्स (همدرس) फा अ वि –साथ पढनेवाला, सहपाठी।

हमदस्त (همدست) फा वि –शरीक, साझी; एक-जैसा, तुल्य।

हमदस्ती (همدستی) फा स्त्री –साझा, शिर्कत, एक-जैसा होना।

हमदामाँ (همداماں) फा पु –साढू, हमज़ुल्फ़।

हमदास्ताँ (همداستاں) फा वि –वार्तालाप करनेवाला, हमकलाम।

हमदिगर (همدگر) फा वि –परस्पर, बाहम, आपस में।

हमदिल (همدل) फा वि.–मित्र, दोस्त।

हमदिली (همدلی) फा स्त्री –मित्रता, दोस्ती।

हमदीवार (همدیوار) फा वि –पड़ोसी, प्रतिवेशी।

हमदोश (همدوش) फा वि –बराबर-बराबर, मिल-जुलकर।

हमनफ़स (همنفس) फा अ वि –साथी, संगी, मित्र, दोस्त।

हमनफ़सी (همنفسی) फा अ स्त्री –मित्रता, दोस्ती, साथ, संग।

हमनबर्द (همنبرد) फा वि –प्रतिद्वंद्वी, हरीफ।

हमनवर्द (همنورد) फा वि –दे 'हमनबर्द', साथ-साथ चलनेवाला, हमराही।

हमनवा (همنوا) फा वि –सहमत, एकराय।

हमनवाई (همنوائی) फा स्त्री –मतैक्य, राय की एकता।

हमनशीं (همنشیں) फा. वि –साथ बैठनेवाला, मित्र, सभासद, मुसाहिब।

हमनशीनी (همنشینی) फा स्त्री –साथ बैठना-उठना, मसाहबत।

हमनसब (همنسب) फा अ वि –एक वंशवाले, सहवंशीय।

हमनस्ल (همنسل) फा अ वि –एक जातिवाले, एक गोत्रवाले, सजातीय।

हमनाम (همنام) फा वि –एक नामवाले, जिनका एक ही नाम हो, समनाम।

हमनिवाला (همنواله) फा वि –साथ-साथ खानेवाले।

हमपंजः (همپنجه) फा वि –समान, बराबर, शक्ति में बराबरवाले।

हमपंजगी (همپنجگی) फा स्त्री –समानता, बराबरी, शक्ति में बराबरी।

हमपल्ल: (همپله) फा वि –तुल्य, समान, बराबर; पद और दर्जे में बराबर।

हमपहलू (هم‌پہلو) फा वि—पार्श्ववर्ती, पहलू मे बैठनेवाला।

हमपा (همپا) फा वि—साथी, हमराही।

हमपायः (هم‌پایہ) फा वि—दे 'हमपल्ल'।

हमपियालः (هم‌پیالہ) फा वि—एक प्याले मे खाने-पीनेवाले।

हमपुश्त (هم‌پشت) फा वि—सहायक, मददगार।

हमपेशः (هم‌پیشہ) फा वि—एक ही व्यवसाय करनेवाले, सहवृत्ति, सहव्यवसायी।

हमपैमाँ (هم‌پیماں) फा वि—एक प्रतिज्ञा मे बँधे हुए।

हमपैमानः (هم‌پیمانہ) फा वि—एक प्याले मे शराब पीनेवाले, घनिष्ठ मित्र शराबी।

हमबगल (هم‌بغل) फा वि—आलिंगित, बगलगीर, पार्श्व मे बैठनेवाला।

हमबज़्म (هم‌بزم) फा वि—एक सभा मे जाने-आनेवाले, एक सभा के सदस्य।

हमबाज़ (همباز) फा वि—शरीक, साझी, भागीदार।

हमबिस्तर (هم‌بستر) फा वि—एक शय्या पर सोनेवाला (किसी के साथ), सहवास करनेवाला।

हमबिस्तरी (هم‌بستری) फा स्त्री—किसी के साथ एक शय्या पर सोना, मैथुन करना, सहवास।

हममक्तब (هم‌مکتب) फा अ वि—जो एक मक्तब मे साथ-साथ पढे हो, सहपाठी, सहाध्यायी।

हममज़्हब (هم‌مذهب) फा अ वि—एक धर्म के माननेवाले, सहधर्मी।

हममज़्हबीयत (هم‌مذهبیت) फा अ स्त्री—एक धर्मावलंबी होना।

हममर्कज़ (هم‌مرکز) फा अ वि—जिन सबका एक केन्द्र हो, सहकेंद्र।

हममर्कज़ीयत (هم‌مرکزیت) फा अ स्त्री—एक मर्कज़ी होना, एक केन्द्र से सम्बन्धित।

हममश्रब (هم‌مشرب) फा अ वि—एक पथ के अनुयायी, एक आचार-विचारवाले।

हममश्रबीयत (هم‌مشربیت) फा अ स्त्री—एक पथ का अनुकरण करना, एक आचार-विचार का होना।

हममा'ना (هم‌معنی) फा अ वि—एक अर्थवाले शब्द, पर्यायवाची, समानार्थक, एकार्थी।

हममुर्शिद (هم‌مرشد) फा अ वि—एक धर्मगुरु के माननेवाले।

हममुल्क (هم‌ملک) फा अ वि—एक देश के निवासी, सजनपद।

हमरंग (هم‌رنگ) फा वि—एक-जैसे वर्णवाले, समवर्ण, एकवर्ण, एक-जैसे आचार-विचारवाले।

हमरंगी (هم‌رنگی) फा. स्त्री—एक-जैसे रंग का होना, एक-जैसे आचार-विचार का होना।

हमरहिम (هم‌رحم) फा अ वि—सगा, सहोदर, सोदरीय, हकीकी।

हमराए (هم‌رائے) फा वि—जिनकी राय एक हो, सहमत।

हमराज़ (هم‌راز) फा वि—जो किसी का गुप्त भेद जानता हो, मर्मज्ञ, मित्र, दोस्त।

हमराह (هم‌راه) फा वि—रास्ते का साथी, साथ चलनेवाला, सहपथी, साथ।

हमराही (هم‌راهی) फा पु—रास्ते मे साथ चलनेवाला, सहपथी, रस्ते में साथ चलना।

हमराहे रिकाब (هم‌راه رکاب) फा वि—घुडसवार के साथ चलनेवाला, साथ चलनेवाला।

हमरिकाब (هم‌رکاب) फा वि—दे 'हमराहे रिकाब'।

हमरकाबी (هم‌رکابی) फा स्त्री—साथ चलना।

हमरिश्त (هم‌رشتہ) फा वि—एक डोरे में पिराई हुई चीज़ें, रिश्तेदार, स्वजन, सूत्रित, सलग्न, नत्थी, मुसलिक।

हमरिश्तगी (هم‌رشتگی) फा स्त्री—एक डोरे में पिरोया हुआ होना, रिश्तेदारी, नत्थी होना, सलग्न होना।

हमरुत्ब. (هم‌رتبہ) फा अ वि—एक-जैसे पदवाले, एक श्रेणीवाले।

हमरोज़ (هم‌روزه) फा वि—उसी दिन, उसी रोज़, उसी दिन का।

हमल (حمل) अ पु—भेड या बकरी का बच्चा, मेष राशि, बुर्जे हमल।

हमवज़्न (هم‌وزن) फा अ वि—तौल में बराबर, समतुलित, छद की मात्राओ के हिसाब से बराबर, समान, तुल्य, मिस्ल।

हमवतन (هم‌وطن) फा अ वि—एक नगर के रहनेवाले, एक देश के रहनेवाले।

हमवतनी (هم‌وطنی) अ फा स्त्री—एक नगर या देश का निवास।

हमवार (هم‌واره) फा वि—सदा, सर्वदा, हमेशा, निरतर, लगातार।

हमवार (هموار) फा वि—समतल, चौरस, अंगीकृत, राज़ी।

हमशक्ल (هم‌شکل) फा अ वि—एक-जैसी शक्लवाले, एकरूप, अनुरूप, तद्रूप, समाकार।

हमशक्ली (هم‌شکلی) फा अ स्त्री—रूप की समानता, एक-जैसा होना, एकरूपता, तद्रूपता, रूप-सादृश्य।

हमशबीह (هم‌شبیه) फा अ वि—दे 'हमशक्ल'।

हमशीरः (همشیره) फा स्त्री—भगिनी, सहोदरा, स्वसा, बहन।

हमशीर (همشیر) फा. स्त्री.—दे 'हमशीर'।

हमशीरज़ादः (همشیرزاده) फा. पु—बहन का लड़का, भानजा, भगिनीसुत, भागिनेय।

हमशोए (هم‌شوے) फा स्त्री—एक शौहरवाली स्त्रियाँ, वह स्त्रियाँ जिनका पति एक हो।

हमशौहर (هم‌شوهر) फा स्त्री—दे 'हमशोए'।

हमसंग (هم‌سنگ) फा. वि.—हम वज़्न, बराबर, तुल्य, समान।

हमसफ़र (هم‌سفر) फा अ वि—यात्रा का साथी, सहपथी, सहप्रयायी।

हमसफ़री (هم‌سفری) फा. अ. स्त्री—यात्रा में साथ होना, सफर का साथ।

हमसफ़ीर (هم‌صفیر) फा अ. वि—बाग़ मे साथ चहचहानेवाली चिडियाँ, मित्र, दोस्त।

हमसफ़्रः (هم‌سفره) फा अ वि—एक ही दस्तरख़्वान् पर खाना खानेवाले, घनिष्ठ मित्र।

हमसबक़ (هم‌سبق) फा अ वि—साथ पढनेवाले, सहपाठी।

हमसर (همسر) फा वि—बराबर, समान।

हमसरी (همسری) फा स्त्री—समानता, बराबरी, उद्दंडता, अक्खडपन।

हमसाज़ (هم‌ساز) फा. वि—मित्र, दोस्त।

हमसायः (همسایه) फा पु—प्रतिवासी, पडोसी, प्रतिवेशी।

हमसायगी (همسایگی) फा स्त्री—पडोस, प्रतिवास।

हमसाल (هم‌سال) फा वि—एक ही सन की पैदाइश, समसामायिक, हमउम्र।

हमसिन (هم‌سن) फा अ वि—समवयस्क, वय स्थ, समसामयिक, एक उम्रवाले।

हमसिनी (هم‌سنی) फा. अ स्त्री—उम्र की बराबरी, सवयस्कता।

हमसिल्क (هم‌سلک) फा. अ पु—समधी, दूल्हा और दुल्हन के बाप आपस में।

हमसुख़न (هم‌سخن) फा. वि—साथ-साथ बातें करनेवाले, साथ-साथ कविता करनेवाले।

हमसुख़नी (هم‌سخنی) फा स्त्री—परस्पर वार्तालाप करना, साथ-साथ कविता करना।

हमसुहबत (هم‌صحبت) फा अ वि—सहवास करनेवाला, हमबिस्तर, पास बैठने-उठनेवाला, सभासद।

हमसूरत (هم‌صورت) फा अ वि—दे 'हमशक्ल'।

हमसौत (هم‌صوت) फा अ. वि—जिनकी आवाज़ एक-सी हो, हमआवाज़।

हमहमः (همهمه) फा. पु—शेर की दहाड, सिंह-गर्जन, आतंक, धाक, ज़ोर-शोर, धूमधाम।

हमाँ (همان) फा वि—वही; वह

हमाँदम (همان‌دم) फा अव्य—उसी समय, तत्क्षण, उसी वक्त।

हमाइद (حمائد) अ पु—'हमीद' का बहु, अच्छाइयाँ, खूबियाँ।

हमाइल (حمائل) अ. स्त्री.—बग़ल मे लटकाने की चीज़; छोटा कुरान, गरदन में पड़ा हुआ हाथ।

हमाक़त (حماقت) अ. स्त्री.—मूर्खता, मूढता, निर्बुद्धता, बेवकूफी, अज्ञान, जहालत।

हमाक़तआगीं (حماقت‌آگیں) अ. फा वि—मूर्खतापूर्ण, बेवकूफी से भरा हुआ।

हमाकतआमेज़ (حماقت‌آمیز) अ. फा वि—दे 'हमाकतआगीं'।

हमाकतमआब (حماقت‌مآب) अ वि—बहुत बडा मूर्ख, जिसकी सारी बातें ही बेवकूफी की होती हों।

हमाक़तशिआर (حماقت‌شعار) अ. वि—महामूर्ख, बहुत बडा बेवकूफ।

हमाना (همانا) फा अव्य—निश्चित, यकीनी, कदाचित्, शायद, मानो, गोया, जैसे।

हमामः (حمامه) अ पु—हर वह पक्षी जिसके गले मे कंठी हो, कबूतर, कपोत।

हमाम (حمام) अ पु—कपोत, पारावत, कबूतर।

हमार. (هماره) फा पु—अनुमान, अंदाज़ा, सतत, सदा, हमेशा।

हमासत (حماست) अ स्त्री—वीरता, शूरता, शौर्य, बहादुरी।

हमाल (همال) अ वि—सदृश, समान, तुल्य, मिस्ल।

हमीं (همیں) फा वि—यही, यह।

हमीद (حمیده) अ वि—साध्वी, पुनीता, पवित्रा, पूज्या, श्रेष्ठा और उत्तमा स्त्री।

हमीद (حمید) अ वि—पुनीत, सदाचारी, प्रशंसित, सराहनीय।

हमीम (حمیم) अ वि—गर्म, उष्ण, गर्म पानी, उष्ण जल, स्वजन, रिश्तेदार, जिसे ज्वर हो।

हमीयत (حمیت) अ स्त्री—लज्जा, लाज, गैरत, स्वाभिमान, खुददारी।

हमीर (حمیر) अ पु—'हिमार' का बहु, गधे।

हमेश. (همیشه) फा वि –सर्वदा, सदा, नित्य, हर वक्त, निरतर, लगातार, अधिकतर, प्राय ।

हमेश. पा (همیشه پا) फा वि –हमेशा रहनेवाला, वारहमासी ।

हमेशगी (همیشگی) फा स्त्री –नित्यता, निरतरता, सदवता ।

हम्जः (حمزه) अ पु –शेर, सिंह, व्याघ्र ।

हम्ज़' (همزه) अ स्त्री –अरबी का अलिफ जिस पर ज़बर, जेर या पेश हो ।

हम्ज़ (همز) अ पु –निचोडना, आँख मारना ।

हम्द (حمد) अ स्त्री –प्रशसा, तारीफ, ईश्वर की स्तुति, खुदा की तारीफ ।

हम्दगो (حمدگو) अ फा –ईश्वर की वदना और स्तुति करनेवाला ।

हम्दसरा (حمدسرا) अ फा वि –ईश्वर का गुणगान करनेवला, स्तुति-पाठक ।

हम्दसराई (حمدسرائی) अ फा स्त्री –ईश्वर की स्तुति करना ।

हम्दून. (حمدونه) फा पु –कपि, मर्कट, वानर, वदर ।

हम्दून (حمدون) फा पु –शिश्न, मेहन, लिंग, केर ।

हम्माम (حمام) अ पु –स्नागार, गुस्लखाना, वह गुस्लखाना जिसमें गर्म कमरे हो और नहलानेवाले शरीर मलते और मैल छुडाते हो ।

हम्मामी (حمامی) अ वि –गर्म हम्माम के अन्दर नहलाने और देह मलनेवाला ।

हम्माल (حمال) अ पु –बोझ ढोनेवाला, भार-वाहक ।

हम्माली (حمالی) अ स्त्री –बोझ ढोने का काम, मज्दूरी ।

हम्रा (حمرا) अ वि –लाल रग की स्त्री, खूब गोरी स्त्री ।

हम्ल' (حمله) अ पु –आघात, चोट, वार, आक्रमण, सेना का हम्ला, चढाई, युद्धयात्रा ।

हम्ल आवर (حمله آور) अ फा वि –आक्रमणकारी, हम्ला करनेवाला, आक्रामक ।

हम्ल आवरी (حمله آوری) अ फा स्त्री –आक्रमण करना, चढाई करना, धावा बोलना ।

हम्ल गीरी (حمله گیری) अ फा स्त्री –शत्रु के आक्रमण को सहन करना, हम्ला बरदाश्त करना ।

हम्ल:वर (حمله ور) अ फा वि –दे 'हम्ल आवर' ।

हम्ल:वरी (حمله وری) अ फा स्त्री –दे 'हम्ल आवरी' ।

हम्ल (حمل) अ पु –बोझ उठाना, बोझ, भार, विचार, खयाल, भारित, महमूल, गर्भ, पेट ।

हम्स (همس) अ स्त्री –नर्म आवाज़, कोमल और मृदुल ध्वनि ।

हया (حیا) अ स्त्री –लज्जा, व्रीडा, शर्म ।

हयात (حیات) अ स्त्री –जीवन, ज़िदगी ।

हयातीन (حیاتین) अ पु –विटेमिन, जीवति ।

हयाते फानी (حیات فانی) अ स्त्री –नष्ट होनेवाला जीवन, नश्वर प्राण ।

हयाते मुस्तआर (حیات مستعار) अ स्त्री –थोडे दिनो का जीवन, अस्थायी ज़िदगी ।

हयातोममात (حیات و ممات) अ स्त्री –जीवन-मरण, मौत और ज़िदगी ।

हयादार (حیادار) अ फा वि –जिसमें लज्जा हो, लज्जाशील, लज्जाशालीन ।

हयापर्वर (حیاپرور) अ फा वि –लज्जावान्, लज्जाशील, हयादार ।

हयारफ्त. (حیارفته) अ फा वि –विगतलज्ज, बेहया, जिसकी लज्जा चली गयी हो ।

हयासोज़ (حیاسوز) अ फा वि –लज्जाजनक, घृणित, घिनावना ।

हर [र्र] (حر) अ स्त्री –गर्मी, उष्णता, ताप, हरारत ।

हर (هر) फा वि.–सब कोई, हरेक ।

हर आँकि (هر آنکه) फा अव्य –जो कोई, जो व्यक्ति ।

हर आँचे (هر آنچه) फा अव्य –जो चीज़ ।

हर आइनः (هر آئینه) फा अव्य –अवश्य, ज़रूर, विवशतापूर्वक, नाचार, नि सदेह, बेशक ।

हरक़ (حرق) अ पु –अग्नि, आग, आतश ।

हरकत (حرکت) अ स्त्री –गति, चाल, बुरा काम, बदमआशी ।

हरकते मज़्बूही (حرکت مذبوحی) अ स्त्री –बुरी हरकत, नुक्सान पहुँचानेवाली हरकत ।

हरकात (حرکات) अ स्त्री –'हरकत' का बहु , हरकते ।

हरकार (هرکاره) फा पु –डाक ले जानेवाला, एक जगह से दूसरी जगह चिट्ठी आदि पहुँचानेवाला, धावक ।

हर कसो नाकस (هر کس و ناکس) फा वि –हर कोई, छोटे-बडे सब, अच्छे-बुरे सब ।

हर कुजा (هرکجا) फा वि –हर जगह, हर स्थान पर, जिस जगह, जहाँ ।

हरगह (هرگه) फा वि –'हरगाह' का लघु , दे 'हरगाह' ।

हरगाह (هرگاه) फा वि – हर समय, जिस समय ।

हरगिज़ (هرگز) फा अव्य –कदापि, कभी नही ।

हरचद (هرچند) फा अव्य –जितना कुछ, जिस कदर,

कितना ही, कितना भी, यद्यपि, अगरचे, उदा०—"है वह ग़ुरूरे हुस्न से बेगानए वफ़ा। हरचंद उसके पास दिले हक़शनास है।"—ग़ालिब।

हरचे (هرچه) फा अव्य—जो कुछ।

हरचे बादाबाद (هرچه بادا باد) फा वा—जो हो सो हो।

हरज (هرج) अ पु—हानि, नुक़्सान, उपद्रव, गड़बड़।

हर जा (هر جا) फा वि—हर जगह, हर स्थान पर।

हरजाई (هرجائی) फा वि—हर जगह पहुँचनेवाला (वाली), हरेक के पास रहनेवाली स्त्री, कुलटा, व्यभिचारिणी।

हरदम (هردم) फा वि—हर समय, हर वक्त, निरंतर, लगातार; नित्य, हमेशा।

हरदमख़याल (هردم خیال) फा वि—ऐसा आदमी जो समय-समय पर अपनी राय बदले, विषमशील, अनेकचित्त।

हरदिलअज़ीज़ (هردل عزیز) फा अ वि—जिसे सब पसंद करें, सर्वप्रिय, लोकप्रिय।

हरदो (هردو) फा वि—दोनों, उभय।

हरदोसरा (هردوسرا) फा स्त्री—उभयलोक, संसार और परलोक।

हरनफ़स (هرنفس) फा अ वि—हरदम, हरवक्त।

हरनौई (هرنوعی) फा अ वि—हर प्रकार का, हर तरह का।

हरब (هرب) अ पु—बहुत अधिक दुःख, पलायन, भागना।

हरबादी (هرباسی) फा वि—सर्वज्ञ, सब कुछ जाननेवाला।

हरबार (هر بار) फा वि—हर दफ़ा, हर मर्तबा।

हरम (حرم) अ पु—का'बा, ख़ुदा का घर, मक्के के आसपास का क्षेत्र जिसके अंदर किसी प्राणी की हिंसा करना महापाप है, श्रेष्ठ जनों के घर की स्त्रियाँ, अंतःपुर, जनानख़ाना, वह बाँदी जिसे पत्नी बना लिया गया हो।

हरम (هرم) अ पु—प्राचीन इमारत, गुंबद, बुढ़ापा, जरा।

हरमख़ान: (حرم خانه) अ फा पु—दे 'हरम सरा'।

हरमगाह (حرم گاه) अ फा स्त्री—दे 'हरम सरा'।

हरम सरा (حرم سرا) अ फा स्त्री—बड़े आदमियों का जनानख़ाना, अंतःपुर।

हरमाह: (هرماهه) फा वि—हर महीने होनेवाला।

हरमैन (حرمین) अ पु—दोनों हरम अर्थात् मक्का और मदीना।

हरयक: (هریک) फा वि—हर एक, हर कोई।

हररोज़: (هرروزه) फा वि—हर दिन होनेवाला, हर दिन का।

हरलम्ह: (هرلمحه) फा अ वि—हर क्षण, प्रति क्षण।

हरवक़्त (هروقت) फा अ वि—हर समय, हर दम, निरंतर, लगातार।

हरशब: (هرشبه) फा वि—हर रात का, हर रात को होनेवाला।

हरस (حرس) अ पु—शाही जनानख़ाने का संरक्षक, अंतःपुरिक, बहुत अधिक समय।

हरसाल: (هرساله) फा वि—हर वर्ष होने या पानेवाला, हर साल का।

हरसू (هرسو) फा वि—हर तरफ़, चारों ओर, चहुँओर, चारों तरफ़।

हरहफ़्त (هرهفت) फा स्त्री—औरतों के सिंगार की सात वस्तुएँ (ईरानी), वस्त्र; मेंहदी, गुलगूनः, सफ़ेदाब, ज़रक़, ग़ालिय:, सुर्म:,—हिंदी, वस्त्र, आभूषण, मेंहदी, सुर्मा, पान, मिस्सी, बालों की सजावट।

हराज (حراج) अ पु—नीलाम।

हराम (حرام) अ पु—जिसका खान-पान धर्म में वर्जित हो, अविहित, व्यभिचार, परस्त्री अथवा परपुरुष गमन, ज़िना, प्रतिष्ठित, पूज्य, मुक़द्दस।

हरामकार (حرام کار) अ फा वि—व्यभिचारी, लंपट, परस्त्रीगामी, ज़ानी।

हरामकारी (حرام کاری) अ फा स्त्री—व्यभिचार, परस्त्री-गमन, ज़िना।

हरामख़ोर (حرام خور) अ फा वि—मेहनत न करके मुफ़्त का खानेवाला, कामचोर; कृतघ्न, नमकहराम।

हरामख़ोरी (حرام خوری) अ फा स्त्री—मुफ़्त का खाना, कामचोरी करना, कृतघ्नता, नमकहरामी।

हरामज़ाद: (حرام زاده) अ फा वि—हराम का बच्चा, दोगला, जारज, वर्ण-संकर, धूर्त, ख़बीस।

हरामज़ादगी (حرام زادگی) अ फा स्त्री—दोगलापन, धूर्तता, ख़बासत।

हरामतोश: (حرام توشه) अ फा वि—नमकहराम, कृतघ्न।

हराममग़ज़ (حرام مغز) अ पु—रीढ़ की हड्डी का गूदा।

हरामसूरत (حرام صورت) अ वि—सूरतहराम, जो कुछ करे धरे नहीं और मुफ़्त में खाना चाहे, पाजी, कमीना।

हरामी (حرامی) अ वि—दोगला, जारज, संकर।

हरामुद्दह्र (حرام الدهر) अ वि—ख़बीस, दुष्टात्मा, बहुत ही पाजी, धूर्त, एक गाली।

हरार (حراره) अ पु—दे 'हरारत'।

हरारत (حرارت) अ स्त्री—उष्णता, गर्मी, हल्का ज्वर, हल्का बुख़ार।

हरारते ग़रीज़ी (حرارت غریزی) अ स्त्री—शरीर के भीतर

की वह गर्मी जिससे शरीर के सारे कल-पुर्ज़े ठीक-ठीक काम करते हैं, प्राणाग्नि।

हरारते ग़रीबी (حرارت غریبی) अ स्त्री –दे 'हरारते ग़ैरतबई'।

हरारते ग़ैरतबई (حرارت غیرطبعی) अ स्त्री –शरीर के भीतर की अप्राकृतिक गर्मी, जैसे—ज्वर आदि की गर्मी।

हरारते तबई (حرارت طبعی) अ स्त्री –दे. 'हरारते गरीज़ी' प्राकृतिक गर्मी।

हरिक़ (حرق) अ वि –दग्ध, जला हुआ, जलन, तपन।

हरिम (حرم) अ पु –जरित, वृद्ध, बूढा।

हरीक़ (حریق) अ वि –दग्ध, जला हुआ, ताप, जलन।

हरीफ़ (حریف) अ पु –जिससे मुक़ाबला हो, प्रतिद्वंद्वी, शत्रु, दुश्मन, जिससे लाग-डाँट हो, रक़ीब एक नायिका के दो प्रेमी परस्पर, प्रतिनायक।

हरीफ़ान (حریفانہ) अ फा वि –हरीफ़ो-जैसा, प्रति द्वंद्वियो-जैसा, शत्रुओ-जैसा, रक़ीबो-जैसा।

हरीफ़े मुक़ाबिल (حریف مقابل) अ पु –जिससे मुक़ा-बला हो, जिससे होड हो, जिससे लडाई हो।

हरीम (حریم) अ पु –घर की चारदीवारी, प्राचीर, घर, मकान, भवन, प्रासाद।

हरीमे किब्रिया (حریم کبریا) अ पु –अर्श, वह स्थान जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।

हरीमे क़ुद्स (حریم قدس) अ पु –अर्श।

हरीमे नाज़ (حریم ناز) अ फा पु –दे 'हरीमे यार'।

हरीमे यार (حریم یار) अ फा पु –प्रेमिका का घर।

हरीर (حریرہ) अ पु –एक मीठा पेय, आटा, शकर, मेवा और घी से बना हुआ पतला लपटा।

हरीर (حریر) अ पु –एक रेशमी और बारीक कपडा।

हरीश (حریش) अ स्त्री –एक पतला कीडा, कनसलाई।

हरीस (هریسہ) अ पु –एक प्रकार का पतला लपटा।

हरीस (حریص) अ वि –लोलुप, लोभी, लिप्सु, लालची।

हर्क़ (حرق) अ पु –जलना।

हर्कत (حرکت) अ स्त्री –दे 'हरकत' शुद्ध वही है, परतु यह भी बोलते हैं।

हर्ज॰ (هرجہ) फा पु –तावान, क्षतिपूर्ति, हरजाना।

हर्ज़ (هرزہ) फा पु –व्यर्थ, अनर्गल, वेहूदा।

हर्ज़ कार (هرزہکار) फा वि –व्यर्थ के और फ़ुज़ूल के काम करनेवाला, व्यर्थकारी।

हर्ज़ कारी (هرزہکاری) फा स्त्री –व्यर्थ के काम करना।

हर्ज़ गर्द (هرزہگرد) फा वि –व्यर्थ मे इधर-उधर मारा-मारा फिरनेवाला, व्यर्थ भ्रमी।

हर्ज़.गर्दी (هرزہگردی) फा स्त्री –व्यर्थ और बेकार में घूमना फिरना।

हर्ज़ःगो (هرزہگو) फा वि.–व्यर्थ की और नि सार बातें करनेवाला, अनर्गलवादी।

हर्ज़ गोई (هرزہگوئی) फा स्त्री –व्यर्थ की बातें करना।

हर्ज़.गोश (هرزہگوش) फा वि –व्यर्थ की बाते सुनने में समय गँवानेवाला।

हर्ज़ःचान॰ (هرزہچانہ) फा वि –दे 'हर्ज़ गो'।

हर्ज़ दवी (هرزہدوی) फा स्त्री –व्यर्थ में इधर-उधर भागना, व्यर्थ का प्रयास करना।

हर्ज़ःदिरा (هرزہدرا) फा वि –दे 'हर्ज़ गो'।

हर्ज़ःदिराई (هرزہدرائی) फा स्त्री –दे 'हर्ज़ गोई'।

हर्ज़ःला (هرزہلا) फा वि –दे 'हर्ज़ गो'।

हर्ज़ सरा (هرزہسرا) फा वि –दे 'हर्ज़ गो'।

हर्ज़.सराई (هرزہسرائی) फा स्त्री –दे 'हर्ज़ गोई'।

हर्जमर्ज (هرج مرج) फा पु – उपद्रव, गडबड, दगा।

हर्जान (هرجانہ) फा पु –वह धन जो किसी हानि की पूर्ति के लिए दिया जाय, तावान।

हर्फ़ (حرف) अ पु –अक्षर, वर्ण; बात, शब्द, दोष, ऐब, बुराई, (व्या) अव्यय।

हर्फ़अदाज़ (حرف انداز) अ फा वि –धूर्त, वचक, चालाक।

हर्फ़अदाज़ी (حرف اندازی) अ फा. स्त्री –धूर्तता, छल, चालाकी, फरेब।

हर्फ़आशना (حرف آشنا) अ फा वि –बहुत कम पढ़ा-लिखा जो अटक-अटककर उलटा-सीधा पढनेवाला।

हर्फ़गीर (حرف گیر) अ फा वि –आलोचना करनेवाला, ऐब निकालनेवाला, छिद्रान्वेषी।

हर्फ़गीरी (حرف گیری) अ फा स्त्री –आलोचना, ऐब-जोई, छिद्रान्वेषण।

हर्फ़ज़न (حرف زن) अ फा वि –बात करनेवाला, बाते करता हुआ।

हर्फ़ज़नी (حرف زنی) अ फा. स्त्री –बाते करना, वार्तालाप करना।

हर्फ़न हर्फ़न (حرفاً حرفاً) अ वि –अक्षरश, एक-एक हर्फ़ करके, पूरा-पूरा, विस्तारपूर्वक।

हर्फ़नाआश्ना (حرف ناآشنا) अ फा वि –अशिक्षित, बे पढा-लिखा।

हर्फ़ बहर्फ़ (حرف بحرف) अ फा वि –दे 'हर्फ़न हर्फ़न'।

हर्फ़शनास (حرف شناس) अ फा वि –केवल अक्षर जानने-वाला, बहुत कम पढ़ा-लिखा।

हर्फ़शनासी (حرف‌شناسی) अ फा स्त्री –केवल अक्षरो का ज्ञान, बहुत कम पढा होना।

हर्फ़ी (حرفی) अ वि.–अक्षरवाला, अक्षर का, अक्षर-सम्बन्धी।

हर्फ़े अत्फ़ (حرف عطف) अ. पु –वह अक्षर जो दो शब्दो को परस्पर मिलाने के लिए उनके बीच मे आये, जैसे—रोज़ोशब (रोज़ व शब) मे 'वाव'।

हर्फ़े आख़िर (حرف آخر) अ. पु –आखिरी बात, अतिम निर्णय, अटल बात, पक्की बात।

हर्फ़े इज़ाफ़त (حرف اضافت) अ पु –दो शब्दो के सम्बन्ध के लिए बीच में आनेवाला अव्यय, जैसे—'राम का घोडा' में 'का'।

हर्फ़े इल्लत (حرف علت) अ पु –उर्दू मे अलिफ, वाव और ये, हिंदी मे 'स्वर', इगलिश मे 'वावेल'।

हर्फ़े इस्तिफ़्हाम (حرف استدراک) अ पु –वह अव्यय जो प्रश्नवाचक हो।

हर्फ़े इस्तिस्ना (حرف استثنا) अ पु –वह अव्यय जिससे कोई मुस्तस्ना बनता हो, जैसे–"सब आ गए मगर राम" मे मगर।

हर्फ़े क़मरी (حرف قمری) अ पु –दे 'हुरूफ़े कमरी'।

हर्फ़े ग़लत (حرف غلط) अ पु –वह अक्षर जो अशुद्ध हो और जिसका मिटाना अनिवार्य हो, जैसे—हर्फ़े-ग़लत की तई मुझे क्यो मिटा दिया? झूठी बात।

हर्फ़े जर (حرف جر) अ पु –इज़ाफ़त देनेवाला अव्यय।

हर्फ़े तंबीह (حرف تنبیه) अ पु –चेतावनी देनेवाली बात।

हर्फ़े तर्दीद (حرف تردید) अ पु –खडन करनेवाला कथन।

हर्फ़े तश्बीह (حرف تشبیه) अ पु –वह शब्द जो उपमा के लिए आये, जैसे—समान, तुल्य, सदृश।

हर्फ़े ताकीद (حرف تاکید) अ पु –दे 'हर्फ़े तंबीह'।

हर्फ़े नफ़ी (حرف نفی) अ पु –वह शब्द जो 'न' के अर्थ मे आये।

हर्फ़े निदा (حرف ندا) अ पु –वह शब्द जिससे सम्बोधन किया जाय।

हर्फ़े नुद्बः (حرف ندبه) अ पु –वह शब्द या अव्यय जो विलाप के लिए बोला जाय, जैसे—हाय, आह।

हर्फ़े मत्लब (حرف مطلب) अ पु –मतलब की बात, उद्देश्य, आशय।

हर्फ़े मुकर्रर (حرف مکرر) अ पु –दुबारा आया हुआ शब्द, दो बार कही हुई बात।

हर्फ़े वस्ल (حرف وصل) अ पु –दो शब्दो को जोडनेवाला अक्षर।

हर्फ़े शम्सी (حرف شمسی) अ. पु –दे 'हुरूफ़े शम्सी'।

हर्फ़े सहीह (حرف صحیح) अ पु –सच्ची बात, व्यजन, वह अक्षर जो स्वर न हो, वह हर्फ़ जो हर्फ़े इल्लत न हो।

हर्फ़ोहिकायत (حرف وحکایت) अ स्त्री –कथोपकथन, वार्तालाप, बातचीत।

हर्बः (حربه) अ पु –अस्त्र, शस्त्र, हथियार, आक्रमण, आघात, वार, साँग, शक्ति।

हर्ब (حرب) अ पु –युद्ध, सग्राम, समर, लडाई, जग।

हर्बगाह (حربگاه) अ. फा स्त्री –युद्धक्षेत्र, रणस्थल, मैदाने जग।

हर्बी (حربی) अ वि –युद्ध सम्बन्धी; सैनिक, जगी।

हर्बोज़र्ब (حرب و ضرب) अ. पु –मारकाट, लडाई-झगडा, खून-खराबा।

हर्राफ़ः (حرافه) अ स्त्री –बहुत अधिक बातूनी स्त्री; कुलटा, भ्रष्टा, असाध्वी, धूर्ता।

हर्राफ़ (حراف) अ वि –वाचाल, मुखर, बातूनी, लस्सान, धूर्त, चालाक।

हर्रास (حراث) अ वि –कृषक, किसान, काश्तकार।

हर्स (حرث) अ पु –कृषि, खेती, काश्त।

हर्स (حرس) अ पु –हिरासत, पकड, निगरानी।

हल [ल्ल] (حل) अ. पु –समाधान, सुलझाव, घुल जाना, विलयन, मुअम्मे के रिक्त स्थानो की पूर्ति, सुगमता, सरलता, आसानी।

हलकः (هلکه) हालिक का बहु, मरनेवाले, हत होनेवाले, हलाक होनेवाले।

हलक (حلک) अ स्त्री –गहरी कालिमा, गहरी सियाही।

हलब (حلب) अ पु –ताजा दुहा हुआ दूध, एक प्रसिद्ध नगर जहाँ का दर्पण प्रसिद्ध है (शाम)।

हलबी (حلبی) अ वि –हलब का निवासी, हलब सम्बन्धी, हलब का बना हुआ।

हलमः (حلمه) अ स्त्री –भिटनी, वृत, स्तनवृत, स्तनाग्र, पुरश्छद।

हलाइल (حلائل) अ स्त्री –'हलील' का बहु, व्याहता पत्नियाँ।

हलाक (هلاک) फा वि –हत, मक्तूल, वधित, किसी घटना मे मरा हुआ, जैसे—रेल की टक्कर मे या महामारी मे।

हलाकख़ोर (هلاک خور) फा वि –मृतपशु का मास खानेवाला।

हलाकत (هلاکت) फा. स्त्री –किसी घटना में मरना; कत्ल होना, वध।

हलाकू (هلاکو) तु. पु –दे 'हुलाकू', वही शुद्ध है।

हलालः (حلاله) अ. पु –तलाक की एक किस्म जिसमें

स्त्री को दूसरे व्यक्ति से ब्याह करना पड़ता है और उसके तलाक देने पर पहले पति से ब्याह कर सकती है।

हलाल (حلال) अ वि—विहित, जाइज, जिसका खाना और पीना धर्म मे वर्जित न हो, जब्ह किया हुआ, जबीह।

हलालखोर (حلال‌خور) अ फा पु—मेहतर, भगी।

हलालजादः (حلال‌زاده) अ फा पु—जो शुद्ध औरस से हो, कुलीन।

हलावत (حلاوت) अ स्त्री—माधुर्य, मिठास, शीरीनी, "जाहिरा बेरुखी है ख्वाब में छुपकर मिलना—क्या हलावत से भरा तर्ज़ है तड़पाने का।"

हलावतचश (حلاوت‌چش) अ फा वि—मिठास चखनेवाला, स्वाद लेनेवाला, आनन्द उठानेवाला।

हलावतपसद (حلاوت‌پسند) अ फा वि—जिसे मिठास प्रिय लगती हो, मिठाई अधिक खानेवाला।

हलावते ज़बाँ (حلاوت‌زباں) अ फा स्त्री—बातो का रस; भाषा की मधुरता, कविता का रस और घुलावट।

हलावते सुखन (حلاوت‌سخن) अ फा स्त्री—बातो की मिठास, बतरस, वार्ता माधुर्य, काव्य-माधुर्य, शाइरी का रस।

हलाहिल (هلاهل) अ वि—कालकूट, हलाहल, बहुत ही तीव्र और प्रचड विष।

हलीफ (حلیف) अ वि—जिसने किसी के साथ किसी बात की शपथ ली हो, मित्र, दोस्त।

हलीब (حلیب) अ पु—ताज़ा दूध, कच्चा दूध।

हलीम. (حلیمہ) अ स्त्री—सहनशीला, गभीर स्त्री, वह जिसने हज़रत मुहम्मद साहब को दूध पिलाया था।

हलीम (حلیم) अ वि—सहनशील, गभीर, मतीन, बुर्दबार, एक खाना, खिचडी।

हलीमुत्तब्अ (حلیم‌الطبع) अ वि—जो प्रकृति से सहिष्णु और गभीर हो।

हलीलः (حلیلہ) अ स्त्री—विवाहिता, पत्नी, भार्या।

हलील (حلیل) अ पु—पति, स्वामी, शौहर, प्रतिवासी, पड़ोसी, एक ही घर मे रहनेवाला, सहनिवासी।

हलैलः (هلیلہ) अ पु—हड, हरीतकी, एक फल जो दवा में काम आता है।

हल्क़ः (حلقہ) अ पु—परिधि, मडल, घेरा, मडली, समुदाय, जमाअत; क्षेत्र, प्रक्षेत्र, इलाका।

हल्क़ नुमा (حلقہ‌نما) अ फा वि—गोलाकार, गोल।

हल्क़दरगोश (حلقہ‌درگوش) अ फा वि—दे 'हल्क़ बगोश'

हल्क़ बगोश (حلقہ‌بگوش) अ फा वि—जिसके कान मे दासता का कुडल पडा हो, दास, भक्त, श्रद्धालु, अनुयायी, बहुत अधिक श्रद्धा रखनेवाला।

हल्क़ (حلق) अ पु—कठ, गला, बाल मुँडना, मुडन।

हल्क़ए अइज़्ज़ः (حلقۂ اعزہ) अ पु—रिश्तेदारो की जमाअत, बधुवर्ग।

हल्क़ए अह्बाब (حلقۂ احباب) अ पु—दोस्तो का हल्का, मित्र-मडली, मित्रवर्ग, मित्रगण।

हल्क़ए आग़ोश (حلقۂ آغوش) अ फा पु—हाथो से बनाया हुआ आलिंगन के लिए घेरा, भुज-बधन।

हल्क़ए इरादत (حلقۂ ارادت) अ पु—अनुयायियो की मडली, भक्तगण।

हल्क़ए गिर्दाब (حلقۂ گرداب) अ फा पु—भँवर, जलावर्त।

हल्क़ए चश्म (حلقۂ چشم) अ फा पु—आँख का घेरा, नेत्र-मडल, नेत्र-गोलक।

हल्क़ए ज़जीर (حلقۂ زنجیر) अ फा पु—ज़जीर की कडी, शृखला का छल्ला।

हल्क़ए दर (حلقۂ در) अ फा पु—दरवाज़े की कुडी, किवाडो की जजीर।

हल्क़ए मक्अद (حلقۂ مقعد) अ पु—गुदावर्त, गुदाद्वार, मबज़ का मुँह।

हल्क़ए माह (حلقۂ ماہ) अ फा पु—चाँद के चारो ओर पडनेवाला घेरा, चद्रमडल, परिवेष, तेजोमडल।

हल्क़ए मेह्र (حلقۂ مہر) अ फा पु—सूरज के चारो ओर पडनेवाला घेरा, रविमडल, रविबिंब।

हल्क़ची (حلقچی) अ फा स्त्री—जलेबी, एक प्रसिद्ध मिठाई।

हल्फ़ान (هلکان) तु वि—परास्त, चूर-चूर, क्लात, श्रात, अधमुआ।

हल्की (حلقی) अ वि—कठ का, कठ सम्बन्धी, कठ से उच्चरित (अक्षर)।

हल्क़ूम (حلقوم) अ पु—कठ, गला, हल्क।

हल्क़ रास (حلق راس) अ पु—सर मुँडाना, मुडन।

हल्ज़ून (حلزون) अ पु—शबुक, दर, शख, सख।

हल्फ़ (حلف) अ पु—शपथ, सौगध, कसम।

हल्फ़दरोग़ी (حلف‌دروغی) अ फा स्त्री—अदालत में झूठा हल्फ लेना, झूठी शपथ उठाना।

हल्फ़न (حلفاً) अ वि—कसम से, शपथपूर्वक।

हल्फ़नाम (حلف‌نامہ) अ फा पु—शपथपत्र, इस बात की तहरीर कि अमुक बात शपथपूर्वक कही गयी है।

हल्फ़ी (حلفی) अ वि—हल्फ के साथ, शपथपूर्वक।

हल्फ़े शर्ई (حلف شرعی) अ पु—धर्मशास्त्र के अनुसार उठाई हुई शपथ।

हल्ब (حلب) अ पु—दूध दुहना।

हल्लाक (حلاق) अ वि –मूँडनेवाला, क्षौरिक, नापित, नाई।
हल्लाकी (حلاقی) अ स्त्री –क्षौरकर्म, मूँडने का काम।
हल्लाज (حلاج) अ पु –रुई धुननेवाला, धुनिया।
हल्लाफ (حلاف) अ वि –वह व्यक्ति जो शपथ लेने का आदी हो।
हल्लाल (حلال) अ वि –ग्रंथि खोलनेवाला, समाधान करनेवाला।
हल्ले मुश्किल (حل مشکل) अ पु –जटिल समस्याओ या कठिनाइयो को हल करना।
हल्लो अक़्द (حل و عقد) अ पु –खोलना और बाँधना, प्रबध, व्यवस्था।
हल्वा (حلوا) अ. पु.–मीठी चीज, घी शकर मेवा और आटा आदि से बना हुआ खाद्य पदार्थ, सयाब।
हल्वाई (حلوائی) अ पु –हल्वा या मिठाई बनाने और बेचनेवाला।
हल्वाए तर (حلوائے تر) अ फा पु –घी में तरबतर हल्वा।
हल्वाए बेदूद (حلوائے بےدود) अ फा पु –वह हल्वा जो ऐसी आग पर पका हो जिसमे धुँआँ न हो, अर्थात् सूरज की गर्मी से पके हुए फल।
हल्वाख़ोर (حلواخور) अ फा. वि –हल्वा खानेवाला।
हल्वाफ़रोश (حلوافروش) अ. फा वि –हल्वा बेचनेवाला।
हवन्नक़ (ہونق) उ वि –बुद्धू, बौडम, गावदी।
हवल (حول) अ वि –भेगापन, ऐचातानापन।
हवस (ہوس) अ स्त्री –उत्कठा, लालसा, बढा हुआ शौक, लोभ, लालच।
हवसकार (ہوس کار) अ फा वि –लोलुप, लोभी, लालची।
हवसकारी (ہوس کاری) अ फा स्त्री –लालच करना, लोभ करना।
हवसनाक (ہوس ناک) अ फा वि –दे 'हवसपरस्त'।
हवसनाकी (ہوس ناکی) अ फा स्त्री –दे 'हवसपरस्ती'।
हवसपरस्त (ہوس پرست) फा वि –लोभी, लालची, जो बहुत बडा लोभी हो।
हवसपरस्ती (ہوس پرستی) फा स्त्री –लोभ, लालच।
हवसपेशः (ہوس پیشہ) फा वि –दे 'हवसपरस्त'।
हवसपेशगी (ہوس پیشگی) फा. स्त्री –दे. 'हवसपरस्ती'।
हवसराँ (ہوس راں) फा. वि.–दे 'हवसपरस्त'।
हवसरानी (ہوس رانی) फा स्त्री –दे. 'हवसपरस्ती'।
हवा (ہوا) अ. स्त्री –इच्छा, आकाक्षा, ख्वाहिश; लिप्सा, लोभ, लालच; धाक, रोब; वात, वायु, हवा।
हवाइज (حوائج) अ पु –'हाजत' का बहु, आवश्यकताएँ।
हवाइजे ज़ुरूरी (حوائج ضروری) अ पु –प्रात कर्म, शौचादि-कर्म, पेशाब पाखाना वगैर।
हवाइजे सित्त (حوائج ستّۃ) अ पु –जीवन के लिए छ मुख्य आवश्यकताएँ, पेशाव-पाखाना, खाना-पीना, सोना-जागना, चलना-फिरना, साँस लेना, खुशी और गम।
हवाई (ہوائی) अ वि –वायु-सम्बन्धी, वायु का, एक आतशबाजी, वान।
हवाए गर्म (ہوائے گرم) अ फा स्त्री –गर्म हवा, तप्त वायु, लपट, लू।
हवाए तुंद (ہوائے تند) अ फा स्त्री –तेज हवा, झक्कड।
हवाए समूम (ہوائے سموم) अ स्त्री –जहरीली हवा, विपाक्त वायु।
हवाए सर्द (ہوائے سرد) अ फा स्त्री –ठडी हवा, शीतल वायु।
हवाए सर्सर (ہوائے صرصر) अ स्त्री –झक्कड, आँधी, तेज हवा।
हवाख़ेज़ी (ہواخیزی) अ फा स्त्री –हवा उखडना, बँधी हुई बात बिगडना, जमी हुई धाक का उखडना।
हवाख़ोर (ہواخور) अ फा वि –सवेरे तडके खुली हवा मे टहलनेवाला, वायु सेवन करनेवाला।
हवाख़ोरी (ہواخوری) अ फा स्त्री –सवेरे तडके खुली हवा मे टहलना, वायु-सेवन।
हवाख़्वाह (ہواخواہ) अ फा वि –शुभचितक, भलाई चाहनेवाला, खैरख्वाह।
हवाख़्वाही (ہواخواہی) अ फा स्त्री –भलाई चाहना, खैरख्वाही।
हवादार (ہوادار) अ फा वि –शुभचिंतक, विहीख्वाह, मित्र, दोस्त, एक खुली हुई पालकी।
हवादारी (ہواداری) अ फा स्त्री –हितचिंतन, खैरख्वाही, मैत्री, दोस्ती।
हवादिज (ہوادج) अ पु –'हौदज' का बहु, हाथी के हौदे।
हवादिस (حوادث) अ पु –'हादिस' का बहु, हादिसे, दुर्घटनाएँ।
हवादिसआश्ना (حوادث آشنا) अ. फा वि –जो दुर्घटनाएँ सहने का आदी हो।
हवादिसख़ेज़ (حوادث خیز) अ. फा वि –हादिसे और दुर्घटनाएँ उठानेवाला।
हवादिसे ज़मानः (حوادث زمانہ) अ पु.–दे 'हवादिसे रोज़गार'।

हवादिसे रोज़गार (حوادثِ روزگار) अ फा पु –कालचक्र, समय की उलट-पलट।

हवान (ہوان) अ. स्त्री –अपमान, तिरस्कार, बेइज़्ज़ती।

हवापरस्त (ہواپرست) अ फा वि.–मौकापरस्त, अवसरवादी, जिधर की हवा देखे उधर चलनेवाला।

हवापरस्ती (ہواپرستی) अ फा स्त्री –मौकापरस्ती, अवसरवादिता, जिधर की हवा हो उधर चलना।

हवाबाज़ (ہواباز) अ फा वि –हवाई जहाज़ उडानेवाला, वायुयान-चालक, पाइलेट।

हवाबाज़ी (ہوابازی) अ फा स्त्री –हवाई जहाज़ चलाना, हवाबाज़ का पेशा या पद।

हवाम (ہوام) अ पु –ज़मीन के भीतर रहनेवाले प्राणी, जैसे—साँप-बिच्छू और चूहे-च्यूँटी, कीडे-मकोडे आदि।

हवामिल (حوامل) अ स्त्री –'हामिल' का बहु, गर्भवती स्त्रियाँ।

हवारफ्तार (ہوارفتار) अ फा वि –हवा की भाँति तेज़ चलनेवाला, वायुवेग।

हवारफ्तारी (ہوارفتاری) अ फा स्त्री –हवा की तरह तेज़ चलना।

हवारी (حواری) अ पु –प्रतिष्ठित, मुख्य, बुज़ुर्ग, सहायक, मददगार, हज़रत ईसा का सहचर।

हवालः (حوالہ) अ पु –सिपुर्दगी, हस्तातरण, नज़ीर, अवतरण।

हवालःजात (حوالہجات) अ पु –'हवाल' का बहु, हवाले, अवतरण समूह, अनूकाश समूह।

हवालात (حوالات) अ स्त्री –'हवाल' का बहु, मुकद्दमा तै होने से पहले अपराधियो को रखने का स्थान।

हवालाती (حوالاتی) अ वि –जो 'हवालात' में बद हो।

हवालिए शह्र (حوالیِ شہر) अ फा पु –नगर के आस-पास का इलाका।

हवाली (حوالی) अ पु –आस-पास, चहुँपास, चहुँओर।

हवाशी (حواشی) अ पु –'हाशिय' का बहु, टिप्पणियाँ, फुटनोट्स।

हवास [स्स](حواس) अ पु –'हास्स' का बहु, इद्रियाँ।

हवासगुम (حواس گم) अ फा वि –दे 'हवासबाख्त'।

हवास बरजा (حواس برجا) अ फा वि –जिसके होशो-हवास ठीक हो, दृढसज्ञ।

हवासबाख्तः (حواس باختہ) अ फा वि –जिसके होशो-हवास ठीक न हो, हतसज्ञ।

हवासिल (حواصل) अ पु –'हौसल' का बहु, पक्षियो के पोटे, एक जलपक्षी जिसका पोटा बडा होता है।

हवासे ख़म्सः (حواسِ خمسہ) अ पु –पाँचो इद्रियाँ पचेंद्रिय।

हवासे ज़ाहिरी (حواسِ ظاہری) अ. पु.–बाहरी अर्थात् दिखाई देनेवाली इद्रियाँ, स्पर्श, श्रवण, घ्राण; स्वाद, दृष्टि।

हवासे बातिनी (حواسِ باطنی) अ. पु –भीतरी इद्रियाँ, स्मरण, विचार, कल्पना।

हवेली (حویلی) फा स्त्री –'हवाली' का इमाल, पक्का और बडा मकान, भवन।

हशफ (حشفہ) अ पु –लिंगेद्रिय की सुपारी, लिंगाग्न, दे. 'हश्फ' दोनो शुद्ध है।

हशम (حشم) अ पु.–'हाशिम' का बहु, वह नौकर जो स्वामी के लिए लडे; नौकर-चाकर।

हशमत (حشمت) अ पु –नौकर-चाकर, दूसरे अर्थ के लिए दे 'हिश्मत'।

हशमोखदम (حشم وخدم) अ पु –नौकर-चाकर, लाव लशकर, नौकरो की भीड-भाड।

हशरः (حشرہ) अ पु –रेगनेवाला कीडा।

हशरात (حشرات) अ पु –'हशर' का बहु, कीडे-मकोडे।

हशरातुलअर्ज़ (حشرات الارض) अ पु –ज़मीन पर रेंगनेवाले कीडे-मकोडे।

हशा (حشا) अ पु –जो कुछ पेट और सीने के भीतर है, आतें पीतें आदि।

हशाइश (حشائش) अ पु –'हशीश' का बहु, सूखी घासें, भाँगें।

हशाशत (ہشاشت) अ स्त्री –प्रफुल्लता, प्रसन्नता, खुश तबई।

हशीश (حشیش) अ पु –सूखी घास, भग, विजया।

हश्तगुश्त (ہشت انگشت) फा वि –आठ अगुल लबा, आठ अँगलियोवाला।

हश्त (ہشت) फा वि –आठ, अष्ट।

हश्त अंगुश्त (ہشت انگشت) फा वि –दे 'हश्तगुश्त'।

हश्तगज (ہشت گنج) फा पु –खुस्त्रौ पर्वेज की आठ निधियाँ।

हश्तगोश. (ہشت گوشہ) फा वि –आठ कोनोवाला, अष्टकोण।

हश्तनिकाती (ہشت نکاتی) फा अ वि.–आठ उसूलो वाला, अष्टसूत्री।

हश्तपहलू (ہشت پہلو) फा वि –आठ पार्श्ववाला, अष्टसूत्री, हश्तनिकाती।

हश्तबिहिश्त (ہشت بہشت) फा स्त्री –आठो स्वर्ग।

हश्तबुस्ताँ (هشت‌بستاں) फा पु –आठो बाग अर्थात् आठो स्वर्ग।

हश्तमंज़र (هشت‌منظر) फा अ पु –आठो स्वर्ग।

हश्तमावा (هشت‌ماوی) फा. अ पु –आठो स्वर्ग।

हश्तसद (هشت‌صد) फा वि –आठ सौ।

हश्ताद (هشتاد) फा. वि –अस्सी, चालीस का दूना।

हश्तादसालः (هشتادساله) फा वि –अस्सी बरस का, अस्सी बरस में होनेवाला, अस्सी वर्ष का बूढा।

हश्तुम (هشتم) फा वि –आठवाँ, अष्टम्।

हश्तुमीं (هشتمیں) फा वि –आठवाँ।

हश्फ़ः (حشفه) अ. पु –दे 'हश्फ़' दोनो शुद्ध है।

हश्र (حشر) अ पु –कियामत, महा प्रलय, कियामत में मरे हुए लोगो का उठना, आपत्ति, विपदा, मुसीबत।

हश्रअंगेज़ (حشرانگیز) अ फा. वि –कियामत उठानेवाला, हलचल और हगामा मचा देनेवाला, उपद्रवकारी, प्रलयकर।

हश्रअंगेज़ी (حشرانگیزی) अ. फा स्त्री –उपद्रव और हलचल खड़ीकर देना, हंगामा मचाना।

हश्रक़ामत (حشرقامت) अ वि.–प्रेयसी, प्रेमिका।

हश्रख़िराम (حشرخرام) अ. फा. वि.–अपनी चाल से कियामत उठानेवाला, ऐसी चाल चलनेवाला जिससे संसार उथल-पुथल हो जाय।

हश्र ख़िरामी (حشرخرامی) अ. फा. स्त्री –चाल से संसार को उलट-पलट देना।

हश्रज़ा (حشرزا) अ फा. वि.–दे 'हश्रअगेज़'।

हश्रज़ाई (حشرزائی) अ फा स्त्री –दे 'हश्रअगेज़ी'।

हश्रतराज़ (حشرطراز) अ फा. वि.–दे. 'हश्र अगेज़'।

हश्रतराज़ी (حشرطرازی) अ. फा स्त्री –दे. 'हश्र अगेज़ी'।

हश्रपर्वर (حشرپرور) अ. फा. वि.–उपद्रवो और हगामो की पर्वरिश करनेवाला।

हश्रसामाँ (حشرساماں) अ. फा. वि –उथल-पुथल और हगामो का सामान साथ रखनेवाला या सामान् करनेवाला।

हश्रसामानी (حشرسامانی) अ फा स्त्री –उथल-पुथल करना, कियामत उठाना, ससार को अस्त-व्यस्त करना।

हश्रोनश्र (حشرونشر) अ. पु –महाप्रलय, कियामत, मुर्दो का जी उठना और हर तरफ फैल जाना।

हश्व (حشو) अ पु –भरती की चीज, अदर भरी जानेवाली चीज, साहित्य में वह शब्द या वाक्य जिसके बिना भी अर्थ में कमी न आये, उर्दू छद में पद के आदि और गणो के अत के अतिरिक्त बीच म आनेवाले गण।

हश्शाश (حشاش) अ. वि –भगड़, भग पीनेवाला।

हश्शाश (هشاش) अ वि –हृष्ट, हर्षित, प्रसन्न, प्रफुल्ल, खुश।

हश्शाशोबश्शाश (هشاش‌وبشاش) अ वि –जो बहुत ही प्रसन्न और प्रफुल्ल हो; जो बहुत ही स्वस्थ हो।

हसक (هسک) फा. पु.–सूप, छाज, नाज फटकने का यत्र।

हसक (حسک) अ पु –गुखरू, गोखरू, विकटक, लोहे के गुखरूनुमा काँटे जो लडाई मे शत्रु के रास्ते में बिछा दिये जाते थे।

हसद (حسد) अ पु –ईर्ष्या, मत्सर, डाह, जलन।

हसनः (حسنه) अ पु.–भली चीज़, सुदर वस्तु; भलाई, नेकी।

हसन (حسن) अ वि –रूपवान्, सुदर, खूबसूरत, प्रियदर्शन, खुशनुमा, उत्तम, श्रेष्ठ, बढिया, हज़रत अली के बडे लडके, इमाम हुसैन के बडे भाई।

हसनात (حسنات) अ. पु –'हसन' का बहु., भलाइयाँ, नेकियाँ, सुकृतियाँ।

हसनी (حسنی) अ. वि –इमाम हसन से सम्बन्ध रखनेवाला, उनका अनुयायी, उनका वशज।

हसनैन (حسنین) अ पु –दो 'हसन' अर्थात् हसन और हुसैन।

हसबः (حصبه) अ पु –खसरा, छोटे-छोटे लाल दाने जो बच्चो को निकल आते है, दे 'हुस्व' दोनो शुद्ध है।

हसब (حسب) अ पु –गणना, शुमार; अनुमान, अदाज़, श्रेष्ठता, बडाई।

हसब (حصب) अ स्त्री –ईंधन, जलाने की लकडी आदि।

हसबोनसब (حسب‌ونسب) अ पु –कुलीनता और श्रेष्ठता, वश और प्रतिष्ठा, खानदानी हालत।

हसा (حصا) अ. पु –'हसात' का बहु, ककरियाँ, सगरेज़े।

हसात (حصات) अ स्त्री.–ककर, पत्थर, ककरी, ठीकरी; गुर्दे या मूत्राशय मे बननेवाली पथरी, अश्मरी।

हसाफत (حصافت) अ स्त्री –बुद्धि परिपक्वता, अक़्ल की पुख्तगी; सवेदनशीलता, तथ्यिवाकारी।

हसीद (حصید) अ वि –काटा हुआ खेत, काटी हुई खेती।

हसीनः (حسینه) अ. स्त्री –सुन्दर स्त्री, सुन्दरी, रूपवती, वरारोहा, शोभना, वरागना।

हसीनः (حصینه) अ वि –दृढ और मज़बूत चीज़।

हसीन (حسین) अ वि –सुदर, रूपवान्, सुरूप, खूबसूरत, प्रियदर्शन, शोभन, खुशनुमा।

हसीन (حصین) अ वि –सुदृढ, सुस्थिर, अविचल, मुस्तहकम।

हसीनतरीन (حسین‌ترین) अ फा वि—बहुत अधिक रूपवान्, सुदरतम।

हसीनुलवज्ह (حسین الوجه) अ वि—अच्छी सूरतवाला, रूपवान्, सुरूप।

हसीब (حسیب) अ वि—हिसाब करनेवाला; पूज्य, मान्य, बुज़ुर्ग, ईश्वर का एक नाम।

हसीर (حصیر) अ स्त्री—खजूर की चटाई।

हसीर (حسیر) अ वि—दु खित, तप्त, क्लेशित, रजीदा, श्रान्त, क्लांत, शिथिल, माँदा।

हसूक (حسوک) अ वि—काँटोदार, सकटक, निकृष्ट, उपद्रवी, शरीर।

हसूद (حسود) अ वि—बहुत अधिक डाह करनेवाला।

हसून (حصون) अ वि—सयमी, इद्रिय निग्रही, परहेज़गार, ज़ाहिद।

हसूर (حصور) अ. वि—वह पुरुष जो स्त्री की ओर आकृष्ट न होता हो, यद्यपि वह नपुसक न हो।

हस्त (هست) फा अव्य—है, अस्ति (स्त्री) अस्तित्व, वुजूद, उपस्थिति, मौजूदगी।

हस्तिए चंदरोज़. (هستیٔ چندروزه) फा स्त्री—थोडे दिनो का जीवन, अस्थायी और क्षणिक ज़िदगी।

हस्तिए जाविदाँ (هستیٔ جاودان) फा स्त्री—ऐसा जीवन जो कभी नाश न हो।

हस्तिए दुरोज़. (هستیٔ دوروزه) फा स्त्री—दे 'ह चदरोज़'।

हस्तिए नापाएदार (هستیٔ ناپائدار) फा स्त्री—वह जीवन जो स्थायी और दृढ न हो, नश्वर जीवन।

हस्तिए फानी (هستیٔ فانی) फा अ स्त्री—दे 'ह नापाएदार'।

हस्तिए मुस्तआर (هستیٔ مستعار) फा अ स्त्री—थोडे दिनो के लिए प्राप्त जीवन, थोड दिनो रहनेवाला ससार।

हस्तिए मौहूम (هستیٔ موهوم) फा अ स्त्री—वह जीवन जो देखने मे तो जीवन हो परतु उसका कोई अस्तित्व न हो।

हस्ती (هستی) फा स्त्री—अस्तित्व, वुजूद; जीवन, प्राण, ज़िदगी, ससार, दुनिया, प्राणीवर्ग, मख्लूकात, सामर्थ्य, मक्दूर।

हस्तोनेस्त (هست‌ونیست) फा पु—उत्पत्ति और विनाश, पैदा होना और मरना, होना और न होना, पूर्ण, सर्व, सब, तमाम, जैसे—हस्तोनेस्त का इख्तियार।

हस्तोबूद (هست‌وبود) फा स्त्री—है और था।

हस्ना (حسنا) अ स्त्री—सुदरी, रूपवती, खूबसूरत स्त्री, हर सुदर और प्रियदर्शन वस्तु जो स्त्रीलिंग हो।

हस्ब (حسب) अ वि—अनुसार, बमूजिब, मुआफिक़।

हस्वा (حصا) अ. स्त्री—ककरी, ठीकरी, सगरेज़।

हस्बुत्तलब (حسب الطلب) अ. वि—बुलाने के अनुसार, तलबी के बमूजिब, माँगने के अनुसार।

हस्बुत्तह्रीर (حسب التحریر) अ वि—लिखने के अनुसार, हुक्म के मुताबिक, आज्ञानुसार।

हस्बुलअम्र (حسب الامر) अ वि—कहने के बमूजिब, कथानुसार, हुक्म के मुताबिक, आदेशानुसार।

हस्बुलहुक्म (حسب الحکم) अ वि—हुक्म के बमूजिब, आज्ञानुसार, आदेशानुसार, यथानिर्दिष्ट।

हस्बे अक्ल (حسب عقل) अ वि—बुद्धि के अनुसार, समझ के मुताबिक, यथामति।

हस्बे आदत (حسب عادت) अ वि—स्वभाव के अनुसार, आदत के मुताबिक, नित्य नियमानुसार, रोज़मर्रा के मुताबिक।

हस्बे इसाफ़ (حسب انصاف) अ वि—न्याय की रू से, यथा न्याय, न्यायानुसार, न्यामत', न्यायानुकूल, यथानीति।

हस्बे इजाज़त (حسب اجازت) अ वि—आज्ञानुसार, अनुमति के बमूजिब, इजाज़त के मुताबिक।

हस्बे इत्तिफ़ाक़ (حسب اتفاق) अ वि.—इत्तिफाक़ी तौर पर, इत्तिफाकिया, अकस्मात्, दैवयोगेन।

हस्बे इर्शाद (حسب ارشاد) अ वि—कहने के मुताबिक, कथनानुसार, यथोक्त।

हस्बे इस्तिताअत (حسب استطاعت) अ वि—अपने मक्दूर भर, यथासामर्थ्य, यथाशक्ति।

हस्बे ईमा (حسب ایما) अ वि—इशारे के मुताबिक, सकेतानुसार, हुक्म के बमूजिब, आज्ञानुसार।

हस्बे एलान (حسب اعلان) अ वि—घोषणा के अनुसार, एलान के मुताबिक।

हस्बे क़ाइदः (حسب قاعده) अ वि—नियमानुसार, काइदे के मुताबिक; विधि के अनुसार, कानून के मुताबिक।

हस्बे क़ानून (حسب قانون) अ वि—विधि के अनुसार, कानून के मुताबिक।

हस्बे खिदमत (حسب خدمت) अ वि—सेवा के अनुसार, जिसकी जितनी सेवा हो उसके हिसाब से।

हस्बे ख्वाहिश (حسب خواهش) अ फा वि—इच्छानुसार, जितनी ज़रूरत हो उतना, जिसकी इच्छा हो वह।

हस्बे ज़र्फ़ (حسب ظرف) अ फा वि—हिम्मत के मुताबिक, शक्ति के मुताबिक, योग्यता के मुताबिक।

हस्बे ज़ाबित. (حسب ضابطه) अ वि—दे 'हस्बे कानून', 'हस्बे काइद'।

हस्बे जुस्सः (حسب جثہ) अ वि –डील-डौल के मुताबिक, यथाकाय।

हस्बे ज़ैल (حسب ذیل) अ वि –जो नीचे दिया गया हो, जिसका ब्योरा नीचे लिखा हो, निम्नलिखित।

हस्बे तंबीह (حسب تنبیہ) अ वि –चेतावनी के अनुसार, हिदायत के मुताबिक।

हस्बे तज्वीज़ (حسب تجویز) अ वि –राय के मुताबिक, निर्णय के मुताबिक।

हस्बे तर्तीब (حسب ترتیب) अ वि –सिलसिले के मुताबिक, क्रमानुसार, यथाक्रम।

हस्बे तलब (حسب طلب) अ वि –दे 'हस्बुत्तलब' दोनो शुद्ध है।

हस्बे तह्रीर (حسب تحریر) अ. वि.–दे 'हस्बुत्तहरीर' दोनो शुद्ध है।

हस्बे तौफीक़ (حسب توفیق) अ वि.–दे 'हस्बे इस्तिताअत'।

हस्बे दस्तूर (حسب دستور) अ वि –दस्तूर के मुताबिक, यथाविधि, विधिपूर्वक, यथानियम, काइदे के बमूजिब।

हस्बे दिलख्वाह (حسب دلخواہ) अ फा वि –मनोवांछित, मनमाना, जैसा चाहिए था वैसा, इच्छानुसार।

हस्बे फराइज़ (حسب فرائض) अ वि –ड्यूटी और फर्ज़ के मुताबिक, यथाकर्तव्य।

हस्बे फर्माइश (حسب فرمائش) अ फा. वि –कहने के मुताबिक, कथनानुसार, आज्ञा के बमूजिब, आज्ञानुसार।

हस्बे फह्माइश (حسب فہمائش) अ फा वि –दे 'हस्बे तंबीह'।

हस्बे बरदाश्त (حسب برداشت) अ फा वि –जहाँ तक सहा जा सके, जितना उठ सके, सहनानुसार।

हस्बे बिसात (حسب بساط) अ वि –दे 'हस्बे मक्दूर'।

हस्बे मशा (حسب منشا) अ वि –दे 'हस्बे ख्वाहिश'।

हस्बे मक्दूर (حسب مقدور) अ वि –बस भर, शक्ति भर, सामर्थ्य भर, इस्तिताअत भर।

हस्बे मज़्कूर (حسب مذکور) अ वि –कहे हुए के मुताबिक, ऊपर लिखे हुए के अनुसार।

हस्बे मुराद (حسب مراد) अ वि –मशा के मुताबिक, यथेच्छ, यथेष्ट, यथाकाम।

हस्बे मौक़ा' (حسب موقعہ) अ वि –समय के मुताबिक, यथा समय, कालानुसार, जगह के मुताबिक, यथास्थान।

हस्बे रफ्तार (حسب رفتار) अ फा वि –चाल के मुताबिक, रवाज के मुताबिक।

हस्बे रवाज (حسب رواج) अ वि –रवाज और रस्म के मुताबिक, यथाप्रथा, यथारीति, यथानुपूर्वक।

हस्बे रिवायात (حسب روایات) अ वि –रिवायतो अर्थात् रवाजो और प्रथाओ के अनुसार, पुरा वश परपराओ के अनुसार, खानदान मे होनेवाले तौर-तरीको के अनुसार।

हस्बे साबिक़ (حسب سابق) अ वि –पहले की तरह, यथापूर्व।

हस्बे हाल (حسب حال) अ वि –हालत और दशा के अनुसार, जैसी दशा हो वैसा।

हस्बे हिसस (حسب حصص) अ वि –हिस्से और भाग के अनुसार, यथाभाग, विभागत।

हस्बे हुक्म (حسب حکم) अ वि –दे 'हस्बुल हुक्म' दोनो शुद्ध है।

हस्बे हैसियत (حسب حیثیت) अ वि –हैसियत के मुताबिक, शक्ति के मुताबिक, सामर्थ्य के मुताबिक।

हस्बे हौसलः (حسب حوصلہ) अ वि –हिम्मत के मुआफिक, उत्साह के अनुसार, जितनी हिम्मत हो उतना।

हस्म (حسم) अ पु –विच्छेद, काटना।

हस्र (حصر) अ पु –निर्भरता, इन्हिसार, अवलवन, सहारा, वाद निर्णय के लिए किसी पर निर्भरता।

हस्रत (حسرت) अ स्त्री –निराशा, नाउम्मेदी, दु ख, कष्ट, मुसीबत, अभिलाषा, लालसा, इच्छा, पश्चात्ताप, अफ्सोस उदा०—"दिल को नियाजे हस्रते दीदार कर चुके। देखा तो हममे ताकते दीदार भी नही।"—गालिब।

हस्रतअगेज़ (حسرت انگیز) अ फा वि –निराशा बढाने-वाला, निराशा पैदा करनेवाला।

हस्रतअजाम (حسرت انجام) अ फा वि –जिस कार्य का अत निराशा हो, दु खात, जिस काम के करने से बाद को पश्चात्ताप हो।

हस्रत आगीं (حسرت آگیں) अ फा वि –नाउम्मेदी से भरा हुआ, निराशापूर्ण।

हस्रत आफ़्रीं (حسرت آفریں) अ फा वि –नाउम्मेदी पैदा करनेवाला, निराशाजनक।

हस्रत इतिमा (حسرت انتما) अ वि –निराशा बढानेवाला, दु ख बढानेवाला।

हस्रत कद. (حسرت کدہ) अ फा पु –निराशा का घर दु ख का घर, अर्थात् नायक का घर।

हस्रत खेज़ (حسرت خیز) अ फा वि –दे 'हस्रत अगेज़'।

हस्रतगाह (حسرت گاہ) अ फा स्त्री –निराशा का स्थान, जहाँ निराशा ही निराशा हो।

हस्रतज़द (حسرت زدہ) अ फा वि –निराशाग्रस्त, ना-उम्मीदी का मारा हुआ।

हस्रतज़ा (حسرت زا) अ फा वि —निराशा पैदा करनेवाला, दु ख बढानेवाला।

हस्रततलब (حسرت طلب) अ वि —जो निराशा की कामना करता हो, जो आशान्वित न हो।

हस्रत दीदः (حسرت دیدہ) अ फा वि —दे , हस्रतज़द'।

हस्रत नसीब (حسرت نصیب) अ वि —जिसके भाग्य में निराशा ही निराशा और दु ख ही दु ख हो।

हस्रतनाक (حسرت ناک) अ फा वि —दु खान्वित, निराशान्वित, निराशापूर्ण, दु खपूर्ण।

हस्रतपरस्त (حسرت پرست) अ फ वि —निराशा की पूजा करनेवाला, निराशावादी।

हस्रतपसंद (حسرت پسند) निराशा और दु ख को प्रिय जाननेवाला, निराशान्वित।

हस्रतमंद (حسرت مند) अ फा वि —निराशान्वित, निराशावादी, निरा॰ हताश, मायूस, अभिलाषी, इच्छुक, ख्वाहिशमद।

हस्रतमआब (حسرت معاب) अ वि —निराशावादी, जो निराशा ही को सब कुछ समझता हो, अर्थात् नायक।

हस्रतमानूस (حسرت مانوس) अ वि —जिसकी रुचि निराशा पर हो, जो निराशा को दोस्त रखता हो।

हस्रतरसीदः (حسرت رسیدہ) अ फा वि —दे 'हस्रतज़द'।

हस्रतशिकार (حسرت شکار) अ फा वि —जिसे निराशा ने मारा हो।

हस्रतसंज (حسرت سنج) अ फा वि —दे 'हस्रतपसद'।

हस्रतसरा (حسرت سرا) अ फा स्त्री —दे 'हस्रतकद'।

हस्रत सामाँ (حسرت ساماں) अ फा वि —जिसके पास लेदेकर केवल निराशा ही निराशा हो।

हस्रती (حسرتی) अ वि —निराश, हताश, मायूस, अभिलाषी, इच्छुक, आर्ज़ूमद।

हस्रते दीद (حسرت دید) अ फा स्त्री —दे 'हस्रते दीदार'।

हस्रते दीदार (حسرت دیدار) अ फा स्त्री —दर्शनो की इच्छा, देखने की अभिलाषा।

हस्रते मुलाक़ात (حسرت ملاقات) अ स्त्री —देखने और मिलने की इच्छा।

हस्रते वस्ल (حسرت وصل) अ स्त्री —नायिका के मिलने की अभिलाषा।

हस्रतोअर्माँ (حسرت و ارماں) अ फा पु —इच्छाएँ और अभिलाषाएँ।

हस्साद (حصاد) अ वि —खेती काटनेवाला।

हस्सान (حسان) अ पु —बहुत सुदर, बहुत खूबसूरत, अतिउत्तम, बहुत अच्छा।

हस्सास (حساس) अ वि —स्वाभिमानी, खुद्दार; सवेदनशील, हिसवाला।

हह्हस॰ (حصحصہ) अ पु —हिला-हिलाकर भरना।

हा

हाँ (ہاں) फा अव्य —सावधान! खबरदार! देखो! होशयार!

हा (ہا) फा प्रत्य —शब्द को अन्त मे आकर बहुवचन बनाता है, जैसे—'दरख्तहा' वृक्ष-समूह, प्राय निष्प्राण वस्तुओ के लिए आता है, एक अक्षर, 'हे', हिंदी 'ह'।

हाइक (حائک) अ पु —कपडा बुननेवाला, वायक, कुविंद।

हाइजः (حائضہ) अ स्त्री —वह स्त्री जो महीने से हो, पुष्पिणी, ऋतुमती, उदक्या, मलिष्ठा, आत्रेयी, रजवती, स्त्रीधर्मिणा, अतर्वर्ती, रजस्वला।

हाइज़ (حائض) अ स्त्री —वह स्त्री जो बालिग़ हो गयी हो और हैज़ आने के क़ाबिल हो।

हाइत (حائط) अ स्त्री —भीत, भित्त, दीवार।

हाइब (ہائب) अ वि —डरनेवाला।

हाइम (ہائم) अ वि —आसक्त, प्रेम मग्न, बहुत प्यासा।

हाइर (حائر) अ वि —स्तब्ध, चकित, उद्विग्न, हैरान, दुर्बल, क्षीर्ण, दुबला-पतला, भँवर, वर्त, जलावर्त, गिर्दाब, वह स्थान जहाँ हज़रत इमाम हुसैन शहीद हुए थे।

हाइलः (ہائلہ) अ वि —दे 'हाइल'।

हाइल (حائل) अ वि —बीच में आनेवाला, आड बननेवाला।

हाइल (ہائل) अ वि —भयकर, भीषण, भयानक, विकराल, खौफनाक।

हाए (ہائے) फा —कराह की आवाज, आह, हा।

हाए मख़्लूत (ہائے مخلوط) अ स्त्री —वह 'हे' जो दूसरे शब्द मे मिलाकर पढी जाये, जैसे—'कुम्हार' की 'हे'।

हाए मुख़्तफ़ी (ہائے مختفی) अ स्त्री —वह हे जो लिखी जाय मगर पढी न जाय और केवल यह ज़ाहिर करने के लिए आये कि अतिम अक्षर हल् नही है, जैसे—'परवान'।

हाए मुज़्हर (ہائے مظہر) अ स्त्री —वह 'हे' जो ज़ाहिर हो, जैसे—'जगह' की 'हे'।

हाए मुशक्कक (ہائے مشقق) अ स्त्री —दो चश्मी (ھ)।

हाए हव्वज़ (ہائے ہوز) अ स्त्री —छोटी 'हे' (ہ)।

हाए हुत्ती (ہائے حطی) अ स्त्री —बडी 'हे' (ح)।

हाक़ (حاق) अ वि —बीचोबीच, मध्य, दरमियान।

हाकिम (حاکم) अ वि —पदाधिकारी, अफसर, स्वामी, मालिक, शासक, फर्मारवा, नरेश, राजा, बादशाह, अध्यक्ष, सरदार।

हाकिमान' (حاکمانہ) अ फा वि –अफसरों-जैसा।
हाकिमी (حاکمی) अ वि –पदाधिकार, अफसरी, स्वामित्व, मालिकी, शासन, राज; राजशाही, अध्यक्षता, सरदारी।
हाकिमे आ'ला (حاکم اعلیٰ) अ पु –उच्चाधिकारी, बडा अफसर।
हाकिमे बाला (حاکم بالا) अ फा पु –दे 'हाकिमे आला', किसी अफसर से ऊपर का अफसर।
हाकिमे वक्त (حاکم وقت) अ पु –वर्तमान समय का शासक।
हाकिमे हकीकी (حاکم حقیقی) अ पु –ईश्वर, परमात्मा।
हाकी (حاکی) अ वि –वार्तालाप करनेवाला, बातचीत करनेवाला, कहानी सुनानेवाला।
हाक्कः (حاقہ) अ स्त्री –महाप्रलय, कियामत।
हाज [ज्ज] (حاج) अ वि –हज करनेवाला, हाजी।
हाज (حاج) अ स्त्री –'हाजत' का बहु, हाजते, इच्छाएँ।
हाजत (حاجت) अ स्त्री –इच्छा, अभिलाषा, ख्वाहिश, मनोकामना, मनोवाछा, दिली मक्सद।
हाजतख्वाह (حاجت خواہ) अ फा वि –कामनापूर्ति चाहनेवाला।
हाजतगाह (حاجت گاہ) अ फा स्त्री –वह स्थान जहाँ से कामनापूर्ति की इच्छा हो।
हाजतबरारी (حاجت براری) अ फा स्त्री –इच्छा पूरी करना, कामना पूरी करना।
हाजतमद (حاجتمند) अ फा वि –इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमद, निर्धन, मोहताज।
हाजतमदी (حاجتمندی) अ फा स्त्री –इच्छा, चाह, तलब, निर्धनता, मोहताजी।
हाजतरवा (حاجت روا) अ फा वि –इच्छा और कामना पूरी करनेवाला।
हाजतरवाई (حاجت روائی) अ फा स्त्री –इच्छा और कामना पूरी करना।
हाजती (حاجتی) अ वि –इच्छुक, अभिलाषी, (स्त्री) वह चौकी जो रोगी के पलग के पास लगा दी जाती है ताकि पेशाब-पाखाने में उसे कष्ट न हो।
हाजर (ہاجر) अ स्त्री –हज़रत इस्माईल की माता का नाम।
हाज़िक़ (حاذق) अ वि –दक्ष, प्रवीण, कुशल, माहिर, वह चिकित्सक जो अपने फन में बहुत ही निपुण हो।
हाजिज़ (حاجز) अ वि –बीच में पर्दे की तरह आ जानेवाला, वक्ष स्थल और उदर के बीच की एक झिल्ली।
हाजिब (حاجب) अ वि –द्वारपाल, प्रहरी, दरबान, चोबदार, दडधारी, भ्रू, भौं।
हाजिन (ہاجن) अ स्त्री –वह नाबालिग स्त्री जिसका ब्याह हो गया हो, हर जानवर का मादा बच्चा।
हाजिम: (ہاضمہ) अ पु –पाचन शक्ति, कुव्वते हज़्म।
हाज़िम (حازم) अ वि –दूरदर्शी, अग्रशोची, दूरदेश, बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।
हाज़िम (ہاضم) अ वि –पाचक, खाना हज़्म करनेवाला।
हाज़िमे तआम (ہاضم طعام) अ पु –अन्नपाचक, खाना हज़्म करनेवाली दवा।
हाजिरः (ہاجرہ) अ स्त्री –हिज्रत करनेवाली स्त्री, घरबार छोडकर परदेश में आनेवाली स्त्री, शरणार्थिनी, बहुत गर्म और तपनेवाली दोपहर।
हाजिर (ہاجر) अ वि –घर-बार छोडनेवाला, मुहाजिर, परदेसी, शरणार्थी।
हाजिर (حاجر) अ वि –रोकनेवाला, मना करनेवाला, निषेधक, ऊँची भूमि, नदी की कगार।
हाज़िर (حاضر) अ वि –उपस्थित, मौजूद; विद्यमान; किसी न्यायालय में वारट या सम्मन के द्वारा लाया गया या तारीख मुकद्दमा में आया हुआ, स्कूल या कारखाने के रजिस्टर में हाज़िरी की प्रविष्टि के समय उपस्थित।
हाज़िर जवाब (حاضر جواب) अ वि –जो तुरत ही किसी बात का उचित और चमत्कारपूर्ण उत्तर दे, प्रगल्भ, प्रत्युत्पन्नमति।
हाज़िरजवाबी (حاضر جوابی) अ स्त्री –किसी बात का तुरत ही उचित और मौज़ूँ जवाब देना, प्रगल्भता।
हाज़िरज़ामिन (حاضر ضامن) अ वि –किसी अभियुक्त की न्यायालय में उपस्थिति की जिम्मेदारी लेनेवाला।
हाज़िरज़ामिनी (حاضر ضامنی) अ स्त्री –किसी अभियुक्त की न्यायालय में उपस्थिति की ज़मानत।
हाज़िरदिमाग़ (حاضر دماغ) अ वि –जो कोई बात फौरन ही ठीक समझ ले और ठीक ही राय दे सके।
हाज़िरदिमाग़ी (حاضر دماغی) अ स्त्री –बात की तह को फौरन ही पहुँचकर ठीक राय देना।
हाज़िरबाश (حاضر باش) अ फा वि –किसी बडे आदमी के पास हर वक्त का बैठने-उठनेवाला।
हाज़िरबाशी (حاضر باشی) अ फा स्त्री –किसी बडे आदमी के पास हर वक्त बैठना-उठना।
हाज़िरात (حاضرات) अ स्त्री –'हाज़िर' का बहु, 'उपस्थित' स्त्रियाँ, जिनों अथवा भूतों को बुलाने का अमल, जिसमें वे किसी पर बुलाये जाते हैं, और सवालों का जवाब देते हैं।

हारून (هارون) अ. पु —दूत, कासिद, राजदूत, सफ़ीर, सरक्षक, पासबान।

हारूनी (هارونی) अ. वि —दूतकर्म, कासिदी, राजदूत का काम या पद, सिफारत, रक्षा, हिफाज़त।

हारः (حاره) अ वि —गर्म, तप्त (स्त्रीलिंग वस्तु), खेती की जमीन, बोये हुए खेत।

हाल. (هاله) फा पु —चाँद या सूरज के गिर्द पडनेवाला घेरा, मडल, परिवेष।

हाल (حال) अ पु —दशा, हालत, वृत्तात, कैफियत, वज्द, झूमना।

हालए माह (هالهٔ ماه) फा पु —चद्रमडल, चद्रबिंब, शशि-मडल।

हालए मेह्र (هالهٔ مہر) अ पु —रविमडल, रविबिंब, सूर्यमडल।

हालए शम्स (هالهٔ شمس) फा अ पु —दे 'हालए मेह्र'।

हाल (حال) अ पु —वृत्तात, बयान, दशा, हालत, वर्तमान काल, ज़मानए हाल, समाचार, खबर।

हाल (هال) फा पु —सफेद इलाइची, सुख, चैन, नर्त, नाच, चौगान की गेंद।

हालगाह (هالگاه) फा स्त्री —चौगान खेलने का मैदान।

हालत (حالت) अ स्त्री —दशा, अवस्था, वृत्तात, हाल, घटना, वाक़िअ, समाचार, खबर।

हालते इंतिज़ार (حالت انتظار) अ स्त्री —प्रतीक्षा की अवस्था, किसी के राह देखने की बेचैनी।

हालते नज़्अ (حالت نزع) अ स्त्री —मरते समय की दशा, जाकनी, चद्रा।

हालते मौजूदः (حالت موجوده) अ स्त्री —आधुनिक अवस्था, उपस्थित अवस्था।

हालाँकि (حالانکه) अ फा अव्य —यद्यपि, अगरचे।

हालात (حالات) अ पु —'हालत' का बहु, हालतें, दशाएँ।

हालाते मौजूद. (حالات موجوده) अ पु —आजकल के समाचार, ताज़ा खबरें, मौजूद समय की सियासी हलचलें, उपस्थित समय की उथल-पुथल।

हालिक (حالک) अ वि —बहुत अधिक काला।

हालिक (هالک) अ वि —प्राण लेनेवाला, घातक।

हालिब (حالب) अ वि —दूध दुहनेवाला, दोहक, रान की एक रग।

हालिय. (حالیه) अ वि —आधुनिक, उपस्थित समय का, ताज़ा, नया।

हाली (حالی) अ वि —हाल का, आधुनिक, आभूषित, शृगारित, ज़ेवर से आरास्त।

हावन (هاون) फा पु —लकडी की ओखली, उलूखल, लोहे का दवा आदि कूटने का ओखली-जैसा पात्र।

हावनदस्तः (هاون دسته) फा पु —लोहे की ओखली और कूटने का मूसल।

हाविय. (هاویه) अ पु —नरक का सातवाँ तल।

हावी (حاوی) अ वि —छाया हुआ, आच्छादित, जिसने किसी चीज़ को ढाँक लिया हो, जो अपनी चतुराई, शक्ति या छल से किसी पर काबू रखता हो।

हावून (هاوون) अ पु —दे 'हावन'।

हाश.लिल्लाह (حاش للّٰه) अ वा.—खुदा ऐसा न करे, ऐसा कभी न हो, इस शब्द को 'हाशालिल्लाह' पढना गलत है, जैसा अक्सर कमइल्म लोग बोलते या लिखते हैं।

हाशा (حاشا) अ वि —कदापि, हरगिज़, त्राहि, पनाह, पवित्रता, पाकी, ऐसे समय बोलते हैं जब किसी बात से अपनी बिलकुल ही अज्ञानता या निष्पक्षता प्रकट करनी होती है।

हाशा व कल्ला (حاشا وکلا) अ वि —कदापि नही, ज़रा भी नही, जब किसी (विशेषत बुरी) बात से अपनी निष्पक्षता और बे तअल्लुकी ज़ाहिर करनी होती है तो कहते हैं।

हाशा सुम्मः हाशा (حاشا ثم حاشا) अ वि —दे 'हाशा व कल्ला।

हाशिम (هاشم) अ वि —हज़रत मुहम्मद साहब के वश-प्रवर्तक, पियाले मे रोटी मलनेवाला।

हाशिमी (هاشمی) अ वि —'हाशिम' के वशज।

हाशियः (حاشیه) अ पु —चादर या सारी आदि के किनारे की गोट या बेलबूटे, किनारा, किसी पुस्तक के नीचे दी हुई टीका-टिप्पणी।

हाशिय. नशीन (حاشیه نشین) अ फा वि —दरबार आदि में मडलाकार बैठनेवाले सभासद, किसी बडे आदमी के पास उठने-बैठनेवाले मुसाहिब।

हाशिय नशीनी (حاشیه نشینی) स्त्री० दरबारदारी, किसी बडे आदमी की सेवा में प्राय उपस्थिति।

हाशिर (حاشر) अ पु —हज़रत मुहम्मद साहब का एक नाम।

हासिद (حاسد) अ वि —हसद करनेवाला, डाही, ईर्ष्यालु, मत्सरी।

हासिदीन (حاسدین) अ पु —'हासिद' का बहु, डाह करनेवाले लोग, जलने और हसद करनेवाले।

हासिब (حاصب) अ पु —वह आँधी जिसमें ककड पत्थर हो, वह बादल जो ओले बरसाये।

हासिर (حاصر) अ वि —गिननेवाला, शुमार करनेवाला, निर्भर रहनेवाला, हस्र करनेवाला।

हासिर (حاسر) अ वि –पश्चात्ताप करनेवाला, हस्रत करनेवाला, अफ़सोस करनेवाला।

हासिल (حاصل) अ वि –प्राप्त, वुसूल, उपलब्ध, दस्तयाब, आय, आमदनी, राजस्व, जमीन की आमदनी; निष्कर्ष, नतीजा।

हासिलख़ेज़ (حاصل‌خیز) अ फा वि –उर्वरा, उपजाऊ, ज़रख़ेज़।

हासिलवुसूल (حاصل‌وصول) अ पुं –लाभ, नफ़ा; परिणाम, नतीजा।

हासिलात (حاصلات) अ स्त्री –'हासिल' का बहु, गाँव की आमदनी, ज़मीनों और खेतों का लगान।

हासिले कलाम (حاصل‌کلام) अ पु –बात का निचोड़, गुफ्तगू का सार या निष्कर्ष।

हासिले क़िस्मत (حاصل قسمت) अ पु –दे 'हासिले तक़सीम'।

हासिले जम्अ (حاصل جمع) अ पु –जोड़, योगफल, मीज़ान।

हासिले ज़र्ब (حاصل ضرب) अ पु –दो संख्याओं को परस्पर गुणा करने से प्राप्त संख्या, घात, गुणनफल।

हासिले तक़्सीम (حاصل تقسیم) अ पु –बड़ी संख्या को छोटी संख्या में भाग देने से प्राप्त संख्या, लब्धांक, भजनफल, भागफल, लब्धि।

हासिले तफ़्रीक़ (حاصل تفریق) अ पु –बड़े अदद में से छोटे अदद को घटाने से प्राप्त अदद, शेष।

हासिले बाज़ार (حاصل بازار) अ फा पु –बाजार की आमदनी।

हासिले मत्लब (حاصل مطلب) अ पु –सारांश, ख़ुलासा, निष्कर्ष, नतीजा।

हिं

हिंतः (حنطه) अ पु –गेहूँ, गोधूम।

हिंद (هند) फा पु –भारत, हिंदुस्तान।

हिंदबा (هندبا) फा स्त्री –कासनी, एक वनौषधि जो दवा के काम आती है।

हिंदसः (هندسه) अ पु –संख्या, अदद, गणित, रियाज़ी।

हिंदसःदाँ (هندسه‌دان) अ फा वि –रियाज़ी का माहिर, गणितज्ञ।

हिंदसःदानी (هندسه‌دانی) अ फा स्त्री –रियाज़ी जानना, गणितज्ञता।

हिंदी (هندی) फा स्त्री –देवनागरी भाषा, नागरी, (पु) भारत का निवासी, हिंदुस्तानी।

हिंदीज़बाँ (هندی‌زبان) फा वि –हिंदीभाषा-भाषी, जिसकी मातृभाषा हिंदी हो।

हिंदीदाँ (هندی‌دان) फा वि –हिंदी भाषा जाननेवाला, जो हिंदी लिखना-पढ़ना जानता हो।

हिंदीदानी (هندی‌دانی) फा स्त्री.–हिंदी लिखना-पढ़ना जानना।

हिंदी नज़ाद (هندی‌نژاد) फा वि –जो व्यक्ति हिंदुस्तान में पैदा हुआ हो, हिंदी, भारतीय।

हिंदुवानः (هندوانه) फा पु –तरबूज़, कलींदा, मासफल, चित्रफल, फलराज।

हिंदुस्ताँ (هندستان) फा पु –'हिंदुस्तान' का लघु, दे. 'हिंदुस्तान'।

हिंदुस्तान (هندستان) फा. पु –भारत, भारतवर्ष, इंडिया, हिंद।

हिंदुस्तानी (هندستانی) फा. पु –भारत का निवासी, भारतीय, (स्त्री) हिंदुस्तान की भाषा, एक भाषा जो हिंदी-उर्दू के मिश्रण से बनी है।

हिंदू (هندو) फा. पु –हिंदुस्तान का वह व्यक्ति जो मूर्ति-पूजा करता और वैदिक धर्मावलंबी है।

हिंदुए चर्ख़ (هندوے چرخ) फा पु –शनि ग्रह, जुहल।

हिंदूए चश्म (هندوے چشم) फा. पु.–आँख की पुतली, कनीनी।

हिंदूए फ़लक (هندوے فلک) फा. अ पु –दे 'हिं चर्ख़'।

हिंदू कश (هندو کش) फा. पु –एक पहाड़।

हिंदूकोह (هندو کوه) फा पु –दे 'हिंदूकश'।

हिंदूज़न (هندوزن) फा. स्त्री –हिंदू स्त्री जो पतिव्रता और साध्वी होती और अपने धर्म कर्त्तव्य का पालन करने की चेष्टा करती है।

हिंदूज़ाद (هندو زاده) फा. पु –हिंदू का लड़का।

हिंदूमज़्हब (هندو مذهب) फा अ वि –हिंदूधर्म रखनेवाला।

हिंदोस्ताँ (هندوستان) फा. पु –'हिंदोस्तान' का लघु, दे. 'हिंदोस्तान'।

हिंदोस्ताँज़ाद (هندوستان‌زاده) फा पु –हिंदुस्तान में पैदा होनेवाला, हिंदुस्तानी।

हिंदोस्तान (هندوستان) फा पुं –भारत, हिंदुस्तान।

हिंदोस्तानी (هندوستانی) फा. पु –भारतीय, हिंदुस्तानी, (स्त्री) एक भाषा हिंदुस्तानी।

हिकम (حکم) अ. स्त्री - 'हिक्मत' का बहु, हिक्मतें, ज्ञान की बातें।

हिकायत (حکایت) अ स्त्री—कथा, कहानी, वार्ता, बात; वृत्तात, हाल।

हिकायतगर (حکایت‌گر) अ फा वि—कहानी कहनेवाला, किस्सा सुनानेवाला, वृत्तात बतानेवाला, हाल कहनेवाला।

हिकायतन (حکایتاً) अ वि—कहानी के तौर पर, सुनी-सुनायी बात के रूप मे।

हिक्कः (حکّہ) अ स्त्री—खुजली, खर्जू, कडू।

हिक्द (حقد) अ पु—द्वेष, कीना, गुबार, शत्रुता, वैर, दुश्मनी।

हिक्मत (حکمت) अ स्त्री—विज्ञान, साइस, आयुर्वेद, तिब, बुद्धिमत्ता, दानाई, युक्ति, तर्कीब।

हिक्मतआईन (حکمت‌آئیں) अ फा वि—हिक्मत और युक्ति से पूर्ण, बुद्धि और विवेक से पूर्ण।

हिक्मतआगीं (حکمت‌آگیں) अ फा वि—दे 'हिक्मत-आईन'।

हिक्मतआमेज (حکمت‌آمیز) अ फा वि—युक्तिपूर्ण, बुद्धिपूर्ण, दानाई और तदब्बुर से भरा हुआ।

हिक्मतआमोज (حکمت‌آموز) अ फा वि—बुद्धि और मनीषा सिखानेवाला।

हिक्मतआरा (حکمت‌آرا) अ फा वि—बुद्धिमान्, विवेकी, मनीषी, दाना।

हिक्मते अमली (حکمت عملی) अ स्त्री—कूटनीति, पालिसी।

हिक्मते इलाही (حکمت الٰہی) अ स्त्री—ईश्वरेच्छा, खुदा की मर्जी।

हिक्मते बालिग़ः (حکمت بالغہ) अ स्त्री—बहुत बडी हिक्मत, पूरी चतुराई और बुद्धिमत्ता।

हिकमते मुदनी (حکمت مدنی) अ स्त्री—नगर का प्रबंध, परस्पर रहन-सहन के उसूल।

हिज़ब्र (ہزبر) अ पु—व्याघ्र, सिंह, शेर।

हिजा (ہجا) अ स्त्री—निंदा, अपवाद, अपकीर्ति, बुराई, अक्षरो का मात्राओ के साथ उच्चारण।

हिजाअ (ہزاع) अ पु—दुर्बल और अशक्त व्यक्ति, उदासीन, खिन्न, बददिल।

हिजाज (حجاز) अ पु—अरब का वह प्रदेश जिसमे मक्का और मदीना है।

हिजाब (حجاب) अ पु—आड, पर्दा, ओट, लज्जा, लाज, शर्म, सकोच, झिझक, हिचकिचाहट।

हिजाबत (حجابت) अ स्त्री—द्वारपाल का काम, ड्योढीदारी।

हिजामत (حجامت) अ स्त्री—पछने या सिंघी लगवाना, पछने या सिंघी लगाना।

हिजारः (حجارہ) अ पु—पत्थर, प्रस्तर, पाषाण।

हिजार (حذار) अ पु—भय, त्रास, डर।

हिजाल (حجال) अ पु—'हजल' का बहु, दुल्हनो के कमरे, दुल्हनो की सेजें।

हिज्जः (حجّہ) अ. पु—वर्ष, साल, एक बार हज करना।

हिज्जीर (ہجّیر) अ स्त्री—स्वभाव, प्रकृति, आदत।

हिज्ब (حزب) अ पु—पक्ष, दल, पार्टी, जमाअत, गुरोह।

हिज्बुल अह्रार (حزب‌الاحرار) अ पु—आज़ाद मेम्बरो की पार्टी, लेब्रल पार्टी, स्वतत्र दल।

हिज्बुल इक्तिदार (حزب‌الاقتدار) अ पु—शासन-पक्ष, हुकूमत की पार्टी।

हिज्बुलइख्तियार (حزب‌الاختیار) अ पु—दे 'हिज्बुल-इक्तिदार'।

हिज्बुलइख्तिलाफ (حزب‌الاختلاف) अ पु—मुखालिफ़ मेम्बरो की पार्टी, विरोधी दल।

हिज्बुलउम्माल (حزب‌العمال) अ पु—मज़दूरो की पार्टी, लेबरपार्टी, श्रमिकदल।

हिज्बुलमुस्तबिद्दीन (حزب‌المستبدین) अ. पु—कज़र-वेटिव पार्टी, अनुदार दल।

हिज्बुल्लाह (حزب‌اللہ) अ पु—महात्माओ की जमाअत।

हिज्बे इक्तिदार (حزب اقتدار) अ पु—दे 'हिज्बुल-इक्तिदार'।

हिज्बे इख्तिलाफ (حزب اختلاف) अ पु—विरोधी पक्ष, खिलाफ पार्टी।

हिज्बे मुआफिक़ (حزب موافق) अ पु—सहपक्ष, एकपक्षीय।

हिज्बे मुख़ालिफ (حزب مخالف) अ पु—विरोधी पक्ष, मुखालिफ पार्टी, विपक्ष।

हिज्र (ہجر) अ पु—वियोग, विरह, जुदाई, फिराक।

हिज्रत (ہجرت) अ स्त्री—देश की जुदाई, वतन छोडना, परदेस मे बसना, प्रवास।

हिज्रनसीब (ہجرنصیب) अ वि—जिसकी किस्मत मे वियोग ही वियोग हो।

हिज्रां (ہجراں) अ फा पु—हिज्र, वियोग, जुदाई।

हिज्रांज़दः (ہجراں‌زدہ) अ फा वि—वियोग का सताया हुआ, विरहग्रस्त।

हिज्रांदीद (ہجراں‌دیدہ) अ फा वि—जिसने विरह का दुख देखा और सहा हो।

हिज्रांनसीब (ہجراں‌نصیب) अ वि—जिसके भाग्य में सदा ही विरहग्रस्त होना लिखा हो।

हिज्री (هجری) अ वि –हिज्रतवाला, इस्लामी सवत्सर जो हज्रत मुहम्मद साहिब की हिज्रत से प्रारभ होता है।

हिरलाज (هرلاج) अ पु –वृक, भेंडिया, (वि) फुर्तीला, चुस्त।

हिदायत (هدایت) अ स्त्री –शिक्षा, सीख, आदेश हुक्म, अमुक कार्य में ऐसा-ऐसा करना है, यह सूझ निदेश, अनुदेश, सन्मार्ग दिखाना, रहनुमाई करना, गुरुदीक्षा, पीर की तल्कीन।

हिदायतआमेज (هدایت آمیز) अ फा वि –हिदायतो से भरा हुआ, शिक्षापूर्ण।

हिदायतआमोज (هدایت آموز) अ फा वि –हिदायते सिखानेवाला, सीख देनेवाला।

हिदायतकार (هدایتکار) अ फा वि –हिदायत देनेवाला, निर्देशक, अनुदेशक, निर्देष्टा।

हिदायतनाम: (هدایت نامه) अ फा. पु –वह पत्र जिसमे हिदायतो का विवरण हो, अनुदेशपत्र।

हिद्दत (حدت) अ स्त्री –तीव्रता, उग्रता, तेजी, उष्णता, गर्मी, हरारत, क्रोध, गुस्सा, प्रकोप, शरीर की धातु मे तीव्रता।

हिद्दते मिजाज (حدت مزاج) अ स्त्री –स्वभाव मे क्रोध होना, मिजाज में गुस्सा होना।

हिद्दते सफ्रा (حدت صفرا) अ स्त्री –पित्त का प्रकोप, सफ्रे की तेजी।

हिना (حنا) फा स्त्री –एक पत्ती जिससे हाय-पाँव रँगे जाते है, रक्तगर्भा, रक्त रगा, मेंहदी।

हिनाई (حنائی) अ वि –मेंहदी लगा हुआ, मेहदी लगाकर लाल किया हुआ।

हिनाबंद (حنابند) फा वि.–मेहदी लगानेवाला।

हिनाबदी (حنابندی) फा स्त्री –मेहदी लगाना।

हिनाबस्तः (حنابسته) फा वि –मेहदी लगा हुआ, हाय या पाँव जिसमें मेहदी लगी हो।

हिफाजत (حفاظت) अ स्त्री –रक्षा, बचाव, देख-रेख, निरीक्षण, सतर्कता, होशियारी, सावधानी।

हिफाजती (حفاظتی) अ वि –जो रक्षा के लिए हो, जैसे—'हिफाजती दस्त.'।

हिफाजते खुदइख्तियारी (حفاظت خوداختیاری) अ फा स्त्री –आत्मरक्षा।

हिफाजते जानोमाल (حفاظت جان و مال) अ फा स्त्री –प्राण अथवा धन की रक्षा, पूरी रक्षा।

हिफावत (حفاوت) अ स्त्री.–अनुकपा, दया, मेहरबानी, हर्ष, प्रसन्नता, खुशी, दे 'हफादत' दोनो शुद्ध है।

हिफ्ज (حفظ) अ पु –रक्षा, हिफाजत, कठ, मुखाग्र, वरजबाँ।

हिफ्जान (حفظان) अ पु –रक्षा, हिफाजत, सरक्षण।

हिफजाने सेहत (حفظان صحت) अ पु –तन्दुरुस्ती की हिफाजत, स्वास्थ्य-रक्षा, सेहत का महकमा, स्वास्थ्य-विभाग।

हिफ्जे अम्न (حفظ امن) अ पु –अम्न की हिफाजत, शान्तिरक्षा।

हिफ्जे मरातिब (حفظ مراتب) अ पु –हैसियत और दर्ज का लिहाज।

हिफ्जे मातक़द्दुम (حفظ ماتقدم) अ पु –अनिष्ट से बचने के लिए पहले से किया जानेवाला उपाय।

हिफ्जे शबाब (حفظ شباب) अ पु –जवानी की हिफाजत, यौवनरक्षा।

हिबः (هبه) अ पु –दान, अनुदान, बख्शिश, पुरस्कार, पारितोषिक, इनआम।

हिबःकुनिंदः (هبه کننده) अ फा. वि –दान करनेवाला, अनुदाता, पुरस्कारदाता, इनआम में कोई चीज लिखनेवाला।

हिबः नामः (هبه نامه) अ फा. पु –दानपत्र, बख्शिशनामा।

हिमम (همم) अ.स्त्री –'हिम्मत' का बहु, हिम्मतें, उदारताएँ।

हिमायत (حمایت) अ. स्त्री –पक्षपात, तरफदारी, सहायता, मदद, पृष्ठ पोषण, थपकी, पीठ ठोककर हिम्मत बढाना, मत्री, दोस्ती।

हिमायतगर (حمایتگر) अ फा. वि –पक्षपाती, तरफदार, सहायक, मददगार; पृष्ठपोषक, थपकी देनेवाला।

हिमायती (حمایتی) अ वि –पक्षपाती, सहायक, पृष्ठ-पोषक, मित्र।

हिमारः (حماره) अ स्त्री –गर्दभी, रासभी, गधी, मादा खर।

हिमार (حمار) अ पु –गर्दभ, रासभ, वासत, गधा, खर।

हिम्मत (همت) अ स्त्री –साहस, जुर्अत; उत्साह, हौसला; धृष्टता, ढीठपन।

हिम्मतअफ्जा (همت افزا) अ फा वि –हौसला बढानेवाला, प्रोत्साहन देनेवाला।

हिम्मतअफ्जाई (همت افزائی) अ फा —हौसला बढाना, प्रोत्साहन देना।

हिम्मतवर (همتور) अ. फा स्त्री –हिम्मतवाला साहसी, उत्साही।

हिम्मतवरी (همتوری) अ फा स्त्री –हिम्मती होना, साहसी होना।

हिम्मतशिकन (همت شکن) अ. फा वि –हौसला तोडनेवाला, उत्साह भग करनेवाला।

हिम्मतशिकनी (همت‌شکنی) अ फा स्त्री–हौसला तोडना, उत्साहभेदन।
हिम्मिस (حمص) अ पु–चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।
हियल (حیل) अ पु–'हील.' का बहु हीले, बहाने, छल।
हियातत (حیاطت) अ स्त्री–सरक्षण, निगहबानी, चौकसी, सावधानी, सतर्कता, एहतियात।
हिरक्ल (هرقل) अ पु–प्राचीन रोम के शासको की उपाधि।
हिरा (حرا) अ पु–मक्के के पास एक पहाड जिसमे हज्रत मुहम्मद साहब ईश्वर का ध्यान किया करते थे।
हिरात (هرات) फा पु–अफग़ानिस्तान का एक नगर।
हिरावूल (هراول) तु पु.–सेना का वह भाग जो आगे चलता है, सेनाग्र।
हिरासः (هراسه) फा पु–वह कृत्रिम मनुष्य जो खेत आदि मे जगली जानवरो को डराने के लिए बना देते है।
हिरास (هراس) फा पु–भय, त्रास, डर, शका, आशका, खत्रा, निराशा, नाउम्मेदी।
हिरास आमेज (هراس آمیز) फा. वि.–निराशापूर्ण, नाउम्मीदान, भयपूर्ण, खौफ से भरा हुआ।
हिरासत (حراست) अ स्त्री–निरीक्षण, निगरानी, ऐसी निगरानी जिसमे आदमी कही जा-आ न सके, न किसी से बात कर सके, न खुला रह सके, हवालात।
हिरासत (حراثت) अ स्त्री–खेतीबाडी, कृषिकर्म, काश्तकारी।
हिरासती (حراستی) अ वि–हिरासत में लिया हुआ।
हिरासाँ (هراساں) फा वि–भयभीत, डरा हुआ, खाइफ, निराश, हताश, नाउम्मेद।
हिरासिंद (هراسنده) फा वि–डरानेवाला, खौफ दिलानेवाला।
हिरासीदः (هراسیده) फा वि–डराया हुआ, भयभीत किया हुआ।
हिर्किल (هرقل) अ पु–दे 'हिरक्ल' दोनो शुद्ध है।
हिर्ज (حرز) अ. पु–ता'वीज, रक्षा-कवच, दृढ स्थान, मज्बूत जगह।
हिर्जून (حرزون) अ स्त्री–छिपकली, गोधिका, गृहगोधा, अजरा।
हिर्जे जाँ (حرزجاں) अ फा पु–प्राणो की रक्षा का कवच, बहुत ही प्रिय वस्तु।
हिर्दी (هردی) फा. स्त्री–हल्दी, हरिद्रा, जर्दचोब।
हिर्फः (حرفه) अ पु–उद्यम, रोजगार, व्यवसाय, पेशा।
हिर्फत (حرفت) अ स्त्री–उद्यम, रोजगार, व्यवसाय, पेशा, शिल्प, दस्तकारी, धूर्तता, चालाकी, छल, फ़रेब।
हिर्फती (حرفتی) उ वि–उद्यम सम्बन्धी; धूर्त, वचक, ठग।
हिर्बा (حربا) फा पु–गिरगिट, कृकलास, सरट, कुलाहक।
हिर्म (حرم) अ. वि.–वह पदार्थ जिसका खान-पान धर्म में वर्जित हो।
हिर्माँ (حرماں) अ पु–निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी; दुर्भाग्य, बदक़िस्मती।
हिर्मांजद: (حرماں‌زده) अ फा वि–निराशाग्रस्त, नाउम्मीद, अभागा, बदनसीब।
हिर्मांनसीब (حرماں‌نصیب) अ वि–जिसके भाग्य में निराशा ही निराशा हो।
हिर्मांपसन्द (حرماں‌پسند) अ. फा वि–जिसको निराशा ही जीवन हो, निराशावादी।
हिर्मास (هرماس) अ पु–व्याघ्र, केसरी, सिंह, शेर।
हिर्रः (هره) अ स्त्री–मार्जारी, बिल्ली।
हिर्रीफ (حریف) अ. वि–जिसका स्वाद चरपरा हो।
हिर्स (حرص) अ स्त्री–लोभ, लिप्सा, लालच, हवस।
हिर्सो आज (حرص‌وآز) अ फा स्त्री–लोभ और लालच, लालच की प्यास।
हिर्सो हवस (حرص‌وهوس) अ फा स्त्री–दे 'हिर्सो आज'।
हिर्सो हवा (حرص‌وهوا) अ फा. स्त्री.–लोभ और लालच, बढी हुई हिर्स।
हिलाल (هلال) अ पु–नवचन्द्र, नया चाँद, बालेंदु, बालचद्र।
हिलालनुमा (هلال‌نما) अ फा वि–नये चाँद के आकार का।
हिलाली (هلالی) अ वि–नये चाँद-जैसा, नव चद्राकार, टेढ़ा, वक्र, खमीद।
हिलाले ईद (هلال عید) अ पु–ईद का चाँद।
हिलाले नौ (هلال نو) अ. फा पु–नया चाँद, नवचद्र, बालेंदु।
हिल्तीत (حلتیت) अ स्त्री–हीग, एक प्रसिद्ध गोद, हिंगु।
हिल्म (حلم) अ पु–गभीरता, धीरता, शान्ति, मतानत, सहिष्णुता, सहनशीलता, तहम्मुल।
हिल्मशिआर (حلم‌شعار) अ वि–गभीर, धीर, शान्त, मतीन, सहिष्णु, सहनशील, बुर्दबार।
हिल्यः (حلیه) अ पु–मुखाकृति, चेहरा, नखशिख, सरापा, आभूषण, जेवर।
हिल्यून (هلیون) अ पु–एक दाने जो दवा में काम आते है।
हिल्लः (حله) अ पु–स्थान, जगह; गतव्य, मज्लिस, सभा, मज्लिस।
हिल्लत (حلت) अ स्त्री–खान-पान का धर्म के अनुसार ठीक होना, विहित होना, हलाल होना।

हिल्लतो हुर्मत (حلت و حرمت) अ. स्त्री –धर्म के अनुकूल या धर्म के प्रतिकूल होना, विहित या वर्जित होना, हरामो हलाल।

हिल्स (حلس) अ पु –मोटी कमली, मोटा धुस्सा।

हिश्तः (هشته) ० वि –छोडा हुआ।

हिश्तनी (هشتنی) फा वि.–छोडने योग्य।

हिश्फ (حشف) अ. स्त्री –आहट, सुक सुक।

हिश्मत (حشمت) अ स्त्री –आतक, रोब, तेज, प्रताप, इक्बाल, लज्जा, शर्म; श्रेष्ठता, बुजुर्गी, क्रोध।

हिस [स्स] (حس) अ. स्त्री.–संवेदन, अनुभव, एहसास, सवेदन शक्ति, कुव्वते हिस।

हिसस (حصص) अ पु –'हिस्स' का बहु, हिस्से, टुकडे, खंड, अंश।

हिसान (حصان) अ. पु –अश्व, घोडा, साँड घोडा।

हिसानत (حصانت) अ स्त्री –दृढता, पुष्टि, पाइदारी, मजबूती।

हिसाब (حساب) अ पु –गणना, शुमार, गणित, रियाजी, लेन-देन, व्यवहार, दर, शर्ह, निर्ख, दी जाने या ली जानेवाली रकम, कियामत के दिन नेकी-बदी का हिसाब'।

हिसाबदाँ (حساب‌داں) अ. फा वि –गणितज्ञ, रियाजीदाँ, –हिसाब जाननेवाला।

हिसाबदानी (حساب‌دانی) अ फा स्त्री –गणितज्ञता, रियाजी जानना।

हिसाबफह्मी (حساب‌فہمی) अ फा स्त्री –लेन-देन का परस्पर हिसाब समझना।

हिसाबी (حسابی) अ वि.–हिसाब सम्बन्धी, हिसाब का अच्छा जाननेवाला।

हिसाबे दोस्ताँ (حساب دوستاں) अ फा पु –मित्रो का हिसाब, जिसमे कमी-वढ़ी का सवाल नही होता।

हिसाबो किताब (حساب و کتاب) अ पु –लेन-देन का हिसाब, बहीखाते का हिसाब।

हिसार (حصار) अ. पु –परिधि, घेरा, इहाता, दुर्ग, गढ, किला, मत्र द्वारा बनाया हुआ वह घेरा जिसमे कोई आपत्ति प्रवेश नही कर सकती, कुडली, चक्र।

हिसारबन्द (حصاربند) अ फा वि –जो किले मे बद होकर बैठ जाय, वह व्यक्ति जो मत्र द्वारा बनाये हुए कुडल में आपत्तियो से सुरक्षित बैठा हो।

हिसारबदी (حصاربندی) अ फा स्त्री –किले में बद होकर बैठ जाना, कुडली मे बैठना।

हिसारे आफियत (حصار عافیت) अ पु –रक्षा का स्थान, जहाँ कोई जान जोखिम न हो।

हिसेब (حسیب) फा पु –'हिसाब' का इमाल, दे 'हिसाब'।

हिस्न (حصن) अ पु –रक्षास्थान, बचाव की जगह, दुर्ग, गढ, किला।

हिस्ने मुअल्लक (حصن معلق) अ. पु –आकाश, अबर, आस्मान।

हिस्ने हसीन (حصن حصین) अ पु –ऐसा दुर्ग जो न तो जीता जा सके, न टूट सके, न उसमे शत्रु प्रवेश कर सके, बहुत ही दृढ और मज्बूत किला या रक्षास्थान।

हिस्रिम (حصرم) अ पु –कच्चे अगूरो का गुच्छा।

हिस्सः (حصه) अ पु –खड, भाग, टुकडा, व्यवसाय मे साझे का भाग, अश, बाँट मे आनेवाला भाग, कथा, मीलाद या ब्याह-शादी के अवसर पर मिलनेवाली मिठाई आदि।

हिस्स·कशी (حصه‌کشی) अ. फा स्त्री –हिस्से लगाना, भाग करना, हिस्सो के हिसाब से बाँटना।

हिस्सःख्वाह (حصه‌خواه) अ फा वि –अपना भाग चाहनेवाला।

हिस्स.दार (حصه‌دار) अ. फा. वि –जो हिस्सा पाने का अधिकारी हो, जो हिस्से का मालिक हो, अशी, साझी।

हिस्सःदारी (حصه‌داری) अ फा स्त्री –साझा, भागीदारी।

हिस्सःवस्रः (حصه بخره) अ पु –टुकडबाँट, टुकडे-टुकडे करके बाँटना।

हिस्सए मुसावी (حصهٔ مساوی) अ पु –बराबर का भाग, समानाश, समाश।

हिस्सए रसदी (حصهٔ رسدی) अ पु –जिसको जितना चाहिए उसके हिसाब से हिस्सा, यथाश।

हिस्सी (حسی) अ वि –इद्रिय-सम्बन्धी।

हिस्सीयात (حسیات) अ स्त्री –इद्रिय से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तुएँ।

हिस्से जाहिरी (حس ظاهری) अ स्त्री –बाह्येद्रिय।

हिस्से बातिनी (حس باطنی) अ स्त्री –अतरिद्रिय।

हिस्से मुश्तरक (حس مشترک) अ स्त्री –वह शक्ति जिसके द्वारा सारी इद्रियाँ (बाहरी इद्रियाँ) अपना अपना काम करती और उससे शक्ति प्राप्त करती है।

हिस्सोहरकत (حس و حرکت) अ स्त्री –गति और सवदन, एहसास और हरकत, चलना-फिरना, हिलना-डुलना।

ही

हीज (هیز) फा वि –क्लीब, नपुसक, नामर्द।

हीत. (حیطه) अ पु –परिधि, घेरा, इहाता, सीमा, हद।

हीतए इक्तिदार (حیطۂ اقتدار) अ. पु.–सत्ता और प्रभुत्व की सीमा।

हीतए इख़्तियार (حیطۂ اختیار) अ. पु.–अधिकार की सीमा।

हीतए क़ुद्रत (حیطۂ قدرت) अ पु.–सामर्थ्य और शक्ति की सीमा।

हीतान (حیطان) अ पु.–'हाइत' का बहु., दीवारें।

हीतान (حیتان) अ स्त्री–'हूत' का बहु., मछलियाँ।

हीन (حین) अ. अव्य.–समय, काल, वक्त।

हीनहयात (حین حیات) अ वि.–आजीवन, यावज्जीवन, आजन्म, जिंदगीभर, जीतेजी।

हीमिया (هیمیا) अ स्त्री–इंद्रजाल, मायाकर्म, तिलिस्म, जादू।

हीमियागर (هیمیاگر) अ फा वि.–दे 'हीमियादाँ'।

हीमियादाँ (هیمیادان) अ. फा वि.–इल्मे तिलिस्म जाननेवाला, ऐंद्रजालिक, मायावी।

हीरियः (هیریہ) अ स्त्री–बफा, सर की भूसी।

हील: (حیلہ) अ पु.–छल, कपट, मक्र, फरेब, मिष, व्याज, बहाना, मिथ्या, अनर्थ, झूठ; टरकाना, आजकल करना।

हील:कार (حیلہ کار) अ फा वि.–दे 'हील:गर'।

हील:कारी (حیلہ کاری) अ फा स्त्री–दे 'हील:गरी'।

हील:गर (حیلہ گر) अ फा वि.–बहाने बनानेवाला, चालबाज, धोखेबाज, छली।

हील:गरी (حیلہ گری) अ फा स्त्री–चालबाजी, बहानेबनाना, धोखाबाजी, छल।

हील:तराश (حیلہ تراش) अ फा वि.–नये-नये बहाने गढ़नेवाला।

हील:तराशी (حیلہ تراشی) अ फा. स्त्री–नये-नये बहाने गढना।

हील:पर्वर (حیلہ پرور) अ फा वि.–दे 'हील:गर'।

हील:पर्वरी (حیلہ پروری) अ फा स्त्री–दे 'हील:गरी'।

हील:पसंद (حیلہ پسند) अ फा वि.–जिसे बहानाबाजी अच्छी लगती हो।

हील:पसंदी (حیلہ پسندی) अ. फा स्त्री–बहानाबाजी अच्छी लगना।

हील:बाज़ (حیلہ باز) अ फा वि.–दे 'हील:गर'।

हील:बाज़ी (حیلہ بازی) अ फा स्त्री–दे 'हील:गरी'।

हील:शिआर (حیلہ شعار) अ वि.–जिसका काम ही बहाने बनाना हो।

हील:शिआरी (حیلہ شعاری) अ स्त्री–बहाने बनाने की प्रकृति।

हील:साज़ (حیلہ ساز) अ. फा वि.–दे 'हील:गर'।

हील:साज़ी (حیلہ سازی) अ फा स्त्री–दे 'हील:गरी'।

हील:सामाँ (حیلہ ساماں) अ फा वि.–दे 'हील:गर'।

हील:सामानी (حیلہ سامانی) अ फा स्त्री–दे 'हील:गरी'।

हील (هیل) फा. स्त्री–इलाइची।

हीलाज (هیلاج) अ पु.–जन्मपत्री, जन्मकुंडली, जाइचा।

हीले कलाँ (هیل کلاں) फा स्त्री–बड़ी इलाइची।

हीले ख़ुर्द (هیل خرد) फा स्त्री–छोटी इलाइची।

हीले सफ़ेद (هیل سفید) फा स्त्री–छोटी इलाइची।

हु

हुकमा (حکما) अ पु.–'हकीम' का बहु., वैज्ञानिकजन, फलसफी, हकीम लोग, वैद्य लोग।

हुकमाए वक्त (حکمائے وقت) अ पु.–किसी समय में उस समय के वैज्ञानिक लोग या वैद्य लोग।

हुक़ूक़ (حقوق) अ पु.–'हक़' का बहु., अधिकार समूह।

हुक़ूक़े इंसानियत (حقوق انسانیت) अ पु.–वह अधिकार जो मानवजाति को प्राप्त हैं, वह अधिकार जो दूसरे जीवधारियों के मानवजाति पर हैं।

हुक़ूक़े ज़ौजीयत (حقوق زوجیت) अ पु.–वह अधिकार जो पत्नी को पति पर प्राप्त हैं।

हुक़ूक़े निस्वानी (حقوق نسوانی) अ पु.–वह अधिकार जो स्त्री वर्ग को मनुष्यों पर प्राप्त हैं।

हुक़ूक़े शह्रीयत (حقوق شہریت) अ फा पु.–वह अधिकार जो नगरवासियों को प्राप्त हैं, नागरिकता।

हुक़ूक़े शौहरीयत (حقوق شوہریت) अ फा पु.–वह अधिकार जो पति को पत्नी पर प्राप्त है।

हुकूमत (حکومت) अ स्त्री–शासन, सत्ता, राज, राज्य, राष्ट्र, सल्तनत, अत्याचार, जुल्म, जबरदस्ती, सरकार, राज।

हुकूमते आइनी (حکومت آئینی) अ स्त्री.–वह राज जो विधान द्वारा चलाया जाय।

हुकूमते इलाही (حکومت الٰہی) अ स्त्री–ईश्वरीय सत्ता, मशीयत।

हुकूमते ख़ुदइख़्तियारी (حکومت خوداختیاری) अ फा स्त्री–वह राज जिसमें किसी की पराधीनता न हो, स्वायत्त शासन।

हुकूमते ग़ैरआइनी (حکومت غیرآئینی) अ फा स्त्री–वह राज जिसमें कोई विधान न हो।

हुकूमते जुमहूरी (حکومت جمہوری) अ स्त्री–वह राज जो जनता के प्रतिनिधियों द्वारा चले, जनतंत्र, गणतंत्र।

हुकूमते शख़्सी (حکومت شخصی) अ स्त्री –वह राज जिसमें व्यक्ति अपनी राय से राज्य करे।

हुकूमते शैतानी (حکومت شیطانی) अ स्त्री –अनीति, अत्याचार और अन्याय की हुकूमत।

हुक्कः (هکّہ) फा स्त्री.–हिचकी, हिक्का।

हुक़्क़ः (حقّہ) अ पु –पिटारी, टोकरी, इत्र या आभूषण रखने का डब्बा; गुडगुडी, चिलम पीने का हुक्का।

हुक़्क़ःबाज़ (حقّہ باز) अ फा. वि –मदारी, पिटारी में से शाबदे दिखानेवाला, छली, ठग, मक्कार।

हुक़्क़ःबाज़ी (حقّہ بازی) अ फा स्त्री –मदारीपन, खेल तमाशे दिखाना; छल करना, ठगई, फरेबकारी।

हुक्काम (حکّام) अ पु.–'हाकिम' का बहु, हाकिम लोग, पदाधिकारी वर्ग।

हुक्कामरस (حکّام رس) अ फा वि –जो हाकिमों से मेल-जोल रखता और उन पर अपना प्रभाव डाल सकता हो।

हुक्कामरसी (حکّام رسی) अ फा. स्त्री.–हाकिमों से मेल-जोल।

हुक्कामे बाला (حکّام بالا) अ. फा पु –किसी पदाधिकारी के ऊपरी अफसरान।

हुक्कामे वक़्त (حکّام وقت) अ पु –वर्तमानकाल के पदाधिकारी लोग।

हुक्चः (هکچہ) फा स्त्री.–हिचकी, हिक्का।

हुक़्न. (حقنہ) अ पु –स्नेह वस्ति, अनीमा, डूश।

हुक्म (حکم) अ पु.–आज्ञा, इजाज़त, आदेश, फरमान, राजादेश, हुक्मनामा।

हुक्मअंदाज़ (حکم انداز) अ फा वि –निशाने पर ठीक गोली लगानेवाला, लक्ष्य-भेदी।

हुक्मअंदाज़ी (حکم اندازی) अ फा स्त्री –ठीक निशाना मारना, लक्ष्य-भेद।

हुक्मउदूल (حکم عدول) अ वि –अवज्ञाकारी, आज्ञापालन न करनेवाला, उद्दंड, सरकश, अवज्ञ।

हुक्मउदूली (حکم عدولی) अ स्त्री –आज्ञापालन न करना, उद्दंडता, सरकशी।

हुक्मन (حکماً) अ वि –हुक्म से, आदेश द्वारा।

हुक्मनाम: (حکم نامہ) अ फा पु –आदेशपत्र, वह काग़ज़ जिस पर कोई हुक्म हो।

हुक्मबरदार (حکم بردار) अ फा वि –दे 'हुक्म रॉं'।

हुक्मबरदारी (حکم برداری) अ फा वि –दे 'हुक्म-रानी'।

हुक्मरॉं (حکمراں) अ फा वि –शासन चलानेवाला, शासक, हाकिम।

हुक्मरानी (حکمرانی) अ फा स्त्री –शासन चलाना, हुकूमत करना।

हुक्मी (حکمی) अ वि –निश्चित, यकीनी, अचूक, अमोघ, ख़ता न करनेवाला, (दवा या निशाना)।

हुक्मे आख़िर (حکم آخر) अ पु –दे 'हुक्मे क़त्ई'।

हुक्मे इम्तिनाई (حکم امتناعی) अ पु –वह हुक्म जो मुक़द्दमे के बीच में किसी कार्य विशेष को रोकने के लिए दिया जाय, निषेधादेश।

हुक्मे क़ज़ा (حکم قضا) अ पु –ईश्वरीय आदेश, ख़ुदा का हुक्म, होनहार, भावी, शुदनी।

हुक्मे क़ज़ाओक़दर (حکم قضاوقدر) अ पु –भावी और होनहार, ईश्वरेच्छा, मशीयत।

हुक्मे क़त्ई (حکم قطعی) अ पु –आख़िरी और अटल हुक्म, अंतिम निर्णय, अंतिमादेश।

हुक्मे गश्ती (حکم گشتی) अ फा पु –विभागों में भेजा जानेवाला हुक्म, परिपत्र, सरकुलर।

हुक्मे ज़ह्री (حکم ظہری) अ पु –वह आदेश जो प्रार्थनापत्र की पुश्त पर लिखा जाता है।

हुक्मे नातिक़ (حکم ناطق) अ पु –दे 'हुक्मे क़त्ई'।

हुक्मे मशीयत (حکم مشیت) अ पु –दे 'हुक्मे क़ज़ा'।

हुक्मे रब्बी (حکم ربی) अ पु –ईश्वरादेश, ख़ुदा का हुक्म, अवश्यभावी, मशीयत, शुदनी।

हुक्मे हाकिम (حکم حاکم) अ पु –हाकिम का हुक्म, राज्यादेश।

हुकहुक् (هکهک) फा स्त्री –हिक्का, हिचकी।

हुजज (حجج) अ स्त्री –हुज्जत का बहु, हुज्जतें।

हुज़ाल (هزال) अ पु –दुबलापन, कमज़ोरी, तपेदिक का एक दरजा।

हुज़ुज़ (حضض) अ स्त्री –रसौत, एक प्रसिद्ध औषधि।

हुजुब (حجب) अ पु –'हिजाब' का बहु, पर्दे, आड़े।

हुजूअ (هجوع) अ पु –निद्रा, नींद, स्वाप, ख़्वाब, शांति, सुकून, सुख, आराम।

हुजूद (هجود) अ पु –रात को जागना।

हुजूम (هجوم) अ पु –जन-समूह, भीड, मज्मा, किसी चीज़ की भीड, उदा०—"बस हुजूमे ना उमीदी ख़ाक में मिल जायगी। यह जो एक लज़्ज़त हमारी सईए ला हासिल में है।"—ग़ालिब।

हुज़ूर (حضور) अ पु –उपस्थिति, हाज़िरी, विद्यमानता, मौजूदगी, साक्षात, आमना-सामना, सम्बोधन के लिए एक आदरसूचक शब्द।

हुज़ूरी (حضوری) अ स्त्री –उपस्थिति, हाज़िरी, विद्यमानता, मौजूदगी, समक्षता, सामना।

हुज़ूरे यार (حضور یار) अ फा पु –नायिका के सामने, मा'शूक के समक्ष।

हुज़ूरेवाला (حضوروالا) अ फा. पु –बडे आदमी के लिए प्रतिष्ठासूचक सम्बोधन का शब्द।

हुज़ूरोग़ैब (حضوروغیب) अ पु –प्रत्यक्ष और परोक्ष, सामना और पीठ पीछा।

हुज़ैफ़ः (حذیفہ) अ पु –पैगंबर साहिब के एक सिहाबी।

हुज्जत (حجت) अ. स्त्री.–तर्क, दलील, प्रमाण, सुबूत, कलह, झगड़ा; वादविवाद, बहस्, तू-तू, मैं-मैं।

हुज्जती (حجتی) अ. वि –हुज्जत करनेवाला, तू-तू, मैं-मैं करनेवाला, वाद-विवाद करनेवाला।

हुज्जतुल्लाह (حجتہ اللہ) अ स्त्री –ईश्वर के सत्य होने का प्रमाण।

हुज्जतेक़ाते' (حجت قاطع) अ स्त्री –युक्ति युक्त दलील, अटल प्रमाण।

हुज्जते गोया (حجت گویا) अ फा स्त्री –बोलती हुई दलील, तर्क संगत प्रमाण।

हुज्जते मुवज्जहः (حجت موجہہ) अ स्त्री –दे 'हुज्जते क़ाते'।

हुज्जते मोहकम (حجت محکم) अ पु –मजबूत दलील, मखमल का वह लिंगरूपी यंत्र जिसे एक स्त्री अपनी कमर मे बाँधकर दूसरी स्त्री से चपटी लडाती है।

हुज्जाज (حجاج) अ. पु –'हाज' का बहु, हाजी लोग।

हुज्जाब (حجاب) अ पु –'हाजिब' का बहु, ड्यूढीदार लोग।

हुज्जार (حضار) अ पु –'हाज़िर' का बहु, उपस्थितजन, हाज़िरीन।

हुज़्न (حزن) अ पु –दु ख, खेद, शोक, संताप, ग़म, रंज।

हुज़्नीय. (حزنیہ) अ पु –वह खेल या ड्रामा जिसका अंत दु ख पर हो, दु खांत।

हुज़्म (حزمہ) अ पु –मुट्ठा, पूला।

हुतम (حطمہ) अ स्त्री –प्रचंडाग्नि, बहुत ही तेज आग, नरक का तीसरा तल।

हुताम (حطام) अ पु –थोडा अंश, जरा सा।

हुत्ती (حطی) अ स्त्री –अब्जद के हिसाब से हे, तो और ये जिनके अंक क्रमश ८, ९, १० हैं।

हुद (ھدہ) फा पु –सत्य, ठीक, लाभ, फाइदा।

हुदा (حدی) अ पु –अरब के ऊँटवालो का विशेष गाना, जो वह ऊँट चलाते समय गाते हैं।

हुदा (ھدی) अ पु –सरल मार्ग, सीधा रास्ता, सत्यता, सच्चाई।

हुदात (ھداۃ) अ पु –'हादी' का बहु, हिदायत करनेवाले, सच्चा मार्ग दिखानेवाले।

हुदूद (حدود) अ उभ –'हद' का बहु, सीमाएँ, हदे।

हुदूदे अर्बअ. (حدود اربعہ) अ पु –चौहद्दी, किसी स्थान या मकान से मिले हुए चारो ओर के मकान या ज़मीन।

हुदूदे शर्ई (حدود شرعی) अ पु –धर्मशास्त्र की सीमाएँ, धर्मानुसार दिये जानेवाले दंड।

हुदूस (حدوث) अ पु –नवीनता, नयापन, किसी वस्तु का नया पैदा होना।

हुदूसो क़िदम (حدوث وقدم) अ पु –नयापन और पुरानापन, नित्यता और नश्वरता।

हुदैबिय (حدیبیہ) अ स्त्री –अरब का एक स्थान।

हुद्हुद (ھدھد) अ पु –एक कलगीदार पक्षी।

हुनर (ھنر) फा पु –शिल्प, दस्तकारी, कला, फन, गुण, खूबी, हाथ की सफाई, चालाकी, विद्या, इल्म।

हुनरआश्ना (ھنر آشنا) फा वि –हुनर जाननेवाला, गुणी।

हुनरनाआश्ना (ھنر نا آشنا) फा वि –जो कोई हुनर न जानता हो, गुणहीन, कलाहीन।

हुनर नाशनास (ھنر ناشناس) फा वि –जो हुनर न जानता हो, जो हुनर की क़द्र न पहचानता हो।

हुनरमंद (ھنرمند) फा वि –हुनर जाननेवाला, गुणवान, कलाकार, शिल्पकार, गुनी।

हुनरमंदी (ھنرمندی) फा स्त्री –हुनर जानना, गुनी होना।

हुनरवर (ھنرور) फा वि –दे 'हुनरमंद'।

हुनरशनास (ھنرشناس) फा वि –हुनर जाननेवाला, हुनर की क़द्र पहचाननेवाला।

हुनरशनासी (ھنرشناسی) फा स्त्री –हुनर जानना, हुनर की क़द्र पहचानना।

हुफ्नः (حفنہ) अ पु –अंजलि, करपुट, लप।

हुफ्फ़ाज़ (حفاظ) अ पु –'हाफिज़' का बहु, वह लोग जिन्हे कुरान कंठ हो।

हुफ़् (حفرہ) अ पु –गर्त, गढा, छिद्र, सूराख।

हुब [ब्ब] (حب) अ स्त्री –प्रेम, स्नेह, महब्बत।

हुबल (ھبل) अ पु –अरब की एक मूर्ति, जो इस्लाम से पूर्व का'बे मे थी।

हुबाब (حباب) अ पु –मित्रता, दोस्ती, अहि, साँप, पिशाच, देव।

हुबाला (حبالی) अ स्त्री –'हुब्ला' का बहु, गर्भवती स्त्रियाँ।

हुबाहिब (حباحب) अ पु –जुगनू, खद्योत।

हुबूत (ھبوط) अ पु –नीचे उतरना, मूल्य गिरना, निचली भूमि, दुबलापन।

हुबूत (حبوط) अ पु –पुण्यो और सत्कर्मों का विनाश।

हुबूब (حبوب) अ. स्त्री –'हब' का बहु., गोलियाँ।
हुबूब (هبوب) अ पु.–वायु का बहना, हवा का चलना।
हुबूर (حبور) अ. पु –'हिब्र' का बहु., बुद्धिमान् लोग। हर्ष, प्रसन्नता, खुशी।
हुब्बुलवतन (حب الوطن) अ. पुं –स्वदेशप्रेम, देशभक्ति, हुब्बे वतन।
हुब्ला (حبلی) अ स्त्री –गर्भवती, अंतर्वत्नी, हामिला।
हुमक़ा (حمقا) अ. पु.–'अहमक़' का बहु, मूर्ख लोग।
हुमा (هما) फा पु –उर्दू और फ़ारसी साहित्य का एक कल्पित पक्षी, जिसकी छाया पड़ जाने से मनुष्य राजा हो जाता है, वह पक्षी केवल हड्डियाँ खाता है।
हुमायूँ (همایوں) फा वि –शुभ, मंगलमय, मुबारक, (पु) एक मुग़ल शासक जो 'अकबर' का पिता था।
हुमायूँबख़्त (همایوں بخت) फा वि –सौभाग्यशाली, बलंद इक़बाल।
हुमुक़ (حمق) अ पु –मूर्खता, अज्ञानता, नादानी, जहालत।
हुमुर (حمر) अ पु.–'हिमार' का बहु, गधे।
हुमूज़त (حموضت) अ. स्त्री –खट्टापन, खटास, अम्लता।
हुमूल (حمول) अ. पु.–योनि के भीतर रखने की ओषधि।
हुमैक़ा (حمیقا) अ. स्त्री –मूर्ख स्त्री, बेवक़ूफ़ औरत।
हुमैरा (حمیرا) अ स्त्री.–लाल रंग की स्त्री, गोरी चिट्टी स्त्री।
हुम्क़ (حمق) अ. पुं –मूर्खता, नादानी, अज्ञान, हुमुक़।
हुम्मस (حمص) अ पुं –चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।
हुम्मा (حمی) अ. पु –ज्वर, ताप, बुख़ार।
हुम्माए दमवी (حماے دموی) अ. पुं –वह ज्वर जो रक्त के कोप से आये।
हुम्माए नाइब: (حماے نائبہ) अ. पुं.–वह ज्वर जो बारी से आये।
हुम्माए बल्ग़मी (حماے بلغمی) अ पु –कफ के प्रकोप से आनेवाला ज्वर, कफ ज्वर।
हुम्माए मुज़्मिनः (حماے مزمنہ) अ. पुं –बसा हुआ बुख़ार, स्थात ज्वर।
हुम्माए मोहरिक़: (حماے محرقہ) अ. पुं –टाईफाइड बुख़ार।
हुम्माए रबिअ: (حماے ربعہ) अ. पुं.–चौथिया बुख़ार, चातुर्थक।
हुम्माए सफ़रावी (حماے صفراوی) अ. पु.–पित्त के कोप से आनेवाला ज्वर, पित्तज्वर।
हुम्माए सौदावी (حماے سوداوی) अ. पुं.–वात के कोप से आनेवाला ज्वर, वातज्वर।
हुम्माज़ (حماض) अ पु.–एक खट्टी घास, चूका साग।
हुम्रः (حمرہ) अ. पु.–शरीर में लाल रंग के दाने निकलने का रोग, सुर्ख बादा।
हुम्रत (حمرت) अ. स्त्री –रक्तता, लालिमा, सुर्खी।
हुम्री (حمری) अ. वि.–सुर्ख, रंग का।
हुर[र्र] (حر) अ वि.–स्वतंत्र, आज़ाद; प्रतिष्ठित, मुअज्ज़ज़; वह दास जो सेवा-मुक्त हो गया हो।
हुरसा (حرصا) अ पु –'हरीस' का बहु, लालची लोग।
हुरुम (حرم) अ. पु –एहराम बाँधे हुए लोग।
हुरूफ़ (حروف) अ पु.–'हर्फ़' का बहु, अक्षर माला।
हुरूफ़शनास (حروف شناس) अ फा वि –केवल अक्षर ज्ञान रखनेवाला, कम पढ़ा-लिखा।
हुरूफ़े क़मरी (حروف قمری) अ पु –अरबी मे वे अक्षर जिनमें 'ल' मिलता नही है, जैसे—'अल क़मर' और वे अक्षर हैं –
ہ ی و م ک ق ف غ ع خ ح ج ب ا
हुरूफ़े शम्सी (حروف شمسی) अ पु –अरबी के वे अक्षर जिनमें 'ल' मिलकर वही अक्षर बन जाता है जिससे वह मिलता है, जैसे–अश्शम्स (अल शम्स) वे अक्षर हैं—
ن ل ظ ط ض ص ش س ز ر ذ د ث ت
हुरूब (حروب) अ. पु.–'हर्ब' का बहु., लड़ाइयाँ, जंगें।
हुरूबे सलीबी (حروب صلیبی) अ पु –वह प्राचीन लड़ाइयाँ जो तुर्कों और ईसाइयों में हुई।
हुरूर (حرور) अ पु –गर्मी, उष्णता।
हुरैरः (ہریرہ) अ स्त्री.–छोटी और खूबसूरत बिल्ली।
हुर्क़त (حرقت) अ स्त्री –जलन, सोज़िश, (विशेषत पेशाब की)।
हुर्क़ते बौल (حرقت بول) अ स्त्री –पेशाब की जलन।
हुर्फ़ (حرف) अ. पुं –एक दाने जो दवा में चलते हैं, चनुर, हालीन।
हुर्मत (حرمت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, सम्मान, इज़्ज़त, मर्यादा, नामूस, सतीत्व, इस्मत, किसी वस्तु के खान-पान का धर्म में वर्जित होना, निषेध, मनाही।
हुर्मतबहा (حرمت بہا) अ. फा पु.–वह धन जो किसी की मानहानि के बदले में दिलाया जाय।
हुर्मान (حرمان) अ पुं –बुद्धि, मेधा, अक्ल।
हुर्मास (ہرماس) फा पुं –पारसियों का बुराई का खुदा, अहरमन, शैतान।
हुर्मुज़ (ہرمز) फा पुं –'हुर्मुज़्द' का लघु, दे. 'हुर्मुज़्द'; एक द्वीप; शाहीन फ़ारिस।

हुर्मुज़्द (هرمزد) फा पु –बृहस्पति, मुशतरी, दे 'होर मुज़्द' दोनो शुद्ध है।
हुर्रः (حره) अ. स्त्री –स्वतंत्र स्त्री, वह दासी जो सेवा मुक्त कर दी गई हो।
हुर्रा (هرا) फा पु –कोलाहल, शोर, भयानक शब्द, डरावनी आवाज़।
हुर्रास (حراث) अ पु –'हारिस' का बहु., किसान लोग, कृषक वर्ग।
हुर्रीयत (حریت) अ स्त्री.–स्वतंत्रता, स्वाधीनता, आज़ादी।
हुर्रीयतपरस्त (حریت پرست) अ फा वि –जो पराधीनता के बंधनो से मुक्ति चाहता हो, और इसके लिए हर कुर्बानी को तैयार हो।
हुलफ़ा (حلفا) अ पु –'हलीफ' का बहु, वह लोग या राष्ट्र जिन्होने परस्पर मित्र रहने की संधि की हो।
हुलल (حلل) अ पु –'हुल्ल' का बहु, स्वर्ग के वस्त्राभूषण।
हुलाकू (هلاکو) तु पु –एक बहुत ही अत्याचारी तुर्की नरेश जो चिंगेज़ ख़ाँ का पोता था।
हुलुम (حلم) अ पु –स्वप्न, ख्वाब, दे 'हुल्म दोनो शुद्ध है।
हुलूक (هلوک) अ पु –विनाश, बरबादी, हनन, वध, कत्ल।
हुलूल (حلول) अ पु –भीतर समाना, प्रवेश, एक आत्मा का दूसरे शरीर में प्रवेश।
हुल्क (هلک) अ पु –विनाश, बरबादी, वध, क़त्ल, हत्या।
हुल्बः (حلبه) अ पु –मेथी, एक प्रसिद्ध शाक।
हुल्म (حلم) अ पु –स्वप्न, ख्वाब, दे 'हुलुम', दोनो शुद्ध है।
हुल्य. (حلیه) अ पु –आभूषण, ज़ेवर, किसी आदमी या पशु की तलाश के लिए दिये जानेवाले शरीर के चिह्न।
हुल्ल (حله) अ पु –वह कपडे जो स्वर्ग मे दिये जाते हैं।
हुल्लान (حلان) अ पु –भेड या बकरी का छोटा बच्चा, हलवान।
हुल्लाम (حلام) अ पु –भेड या बकरी का बच्चा।
हुल्व (حلو) अ वि –मधुर, मीठा।
हुव हुव (هوهو) अ अव्य –अक्षरश, हर्फ़ ब हर्फ़, जूँ का तूँ, जैसा था वैसा ही।
हुवल्लाह (هوالله) अ वा –वही ईश्वर है।
हुवैदा (هویدا) फा वि –प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर।
हुशयार (هشیار) फा वि –'होशयार' का लघु, दे होशयार।
हुशयारी (هشیاری) फा स्त्री –'होशयारी' का लघु, दे 'होशयारी'।

हुशवार (هشوار) फा वि –दे 'हुशयार'।
हुशाशः (حشاشه) अ पु –बचे हुए ज़रा-से प्राण।
हुसान (حسان) अ वि –रूपवान्, सुंदर, हसीन व्यक्ति।
हुसाम (حسام) अ पु –खड्ग, कृपाण, तलवार।
हुसूद (حسود) अ पु –'हासिद' का बहु., ईर्षालु व्यक्तियाँ, डाही लोग।
हुसून (حصون) अ पु –'हिस्न' का बहु, क़िले, दुर्ग, रक्षा के स्थान।
हुसूल (حصول) अ पु –प्राप्ति, लब्धि, मिलना; लाभ, नफ़ा, आय, आमदनी, परिणाम, फल, निष्कर्ष, नतीजा।
हुसूले इक्तिदार (حصول اقتدار) अ पु –सत्ता की प्राप्ति।
हुसूले इल्म (حصول علم) अ. पु.–इल्म की प्राप्ति, विद्यालाभ।
हुसूले कामयाबी (حصول کامیابی) अ फा पु –सफलता प्राप्ति, किसी काम में सफल होना।
हुसूले ता'लीम (حصول تعلیم) अ पु –विद्योपार्जन, शिक्षा लाभ, पढाई हासिल करना।
हुसूले नजात (حصول نجات) अ पु –मुक्ति लाभ, बख्शिश हासिल होना।
हुसूले नियाज़ (حصول نیاز) अ फा पु –मुलाक़ात होना, भेंट होना।
हुसूले फ़ैज़ (حصول فیض) अ पु –कीर्तिलाभ, यशलाभ, अर्थलाभ।
हुसूले बरकत (حصول برکت) अ पु –प्रसादलाभ।
हुसूले बिहिश्त (حصول بہشت) अ फा पु –स्वर्गलाभ, बिहिश्त मिलना।
हुसूले मक्सद (حصول مقصد) अ पु –आशा की प्राप्ति, मनोकामना की प्राप्ति।
हुसूले मतलब (حصول مطلب) अ पु –अर्थसिद्धि, मतलब की प्राप्ति।
हुसूले मुद्दआ (حصول مدعا) अ पु –दे 'हु मतलब'।
हुसूले मुराद (حصول مراد) अ पु –मक्सद और मनोकामना मे सफलता, मनोवांछित वस्तु की प्राप्ति।
हुसूले मे'राज (حصول معراج) अ पु –उन्नति की अंतिम सीमा पर पहुँच जाना।
हुसूले शिफ़ा (حصول شفا) अ पु –रोगमुक्ति, स्वास्थ्य-प्राप्ति।
हुसूले शुह्रत (حصول شہرت) शुह्रत और ख्याति का प्राप्त होना, किसी कार्य या कलाविशेष मे प्रसिद्धि।
हुसूले सआदत (حصول سعادت) अ पु –किसी पूज्य व्यक्ति

की सेवा का सौभाग्य प्राप्त होना, किसी उपकार का यश मिलना।

हुसूले सेहत (حصول صحت) अ पु –स्वास्थ्य प्राप्ति, रोग मुक्ति, मरज़ से शिफ़ा।

हुसैन (حسین) अ. पु –हज़्रतअली के छोटे सुपुत्र का नाम जिन्होंने यज़ीद का शासन स्वीकार नहीं किया था और इसके कारण उनको शहीद किया गया।

हुस्न (حسن) अ पु –सौंदर्य, सुंदरता, ख़ूबसूरती, शोभा, छटा, रौनक, उदा०—"हुस्न ग़मज़ा की कशाकश से छुटा मेरे बाद, बारे आराम से हैं अह्ले जफ़ा मेरे बाद।"—ग़ालिब

हुस्न (حصن) अ स्त्री –सतीत्व, इफ़्फ़त।

हुस्नअफ़ज़ा (حسن افزا) अ फा वि –सुंदरता बढ़ानेवाला, रूपवर्द्धक।

हुस्नआरा (حسن آرا) अ फा वि –सुंदर, रूपवान्, अच्छी शक्लवाला (वाली), सुंदरता का शृंगारित करनेवाला।

हुस्नआराई (حسن آرائی) अ.फा स्त्री –सुंदरता को आभूषित और शृंगारित करना अर्थात् बहुत सुंदर होना।

हुस्नख़ेज़ (حسن خیز) अ फा वि –वह स्थान जहाँ के लोग सुंदर होते हों, सुंदरता की उत्पत्ति करनेवाला।

हुस्नख़ेज़ी (حسن خیزی) अ फा स्त्री –सुंदरता की उत्पत्ति, सौंदर्य की बहुतात।

हुस्नपरस्त (حسن پرست) अ फा वि –सौंदर्य की पूजा करनेवाला, सुंदर स्त्रियों को चाहनेवाला, सुंदर वस्तुओं पर लट्टू रहनेवाला।

हुस्नपरस्ती (حسن پرستی) अ. फा स्त्री –सुंदर स्त्रियों की क़द्रदानी; सुंदर चीज़ों पर मुग्धता।

हुस्नपसंद (حسن پسند) अ फा वि –अच्छी चीज़ें पसंद करनेवाला, अच्छी स्त्रियों से मेल-जोल रखने और उन्हें चाहनेवाला।

हुस्नपसंदी (حسن پسندی) अ फा स्त्री –सुंदर वस्तुओं को पसंद करना, अच्छी शक्लवालों को चाहना।

हुस्नफ़रोश (حسن فروش) अ फा स्त्री –गणिका, वेश्या, तवाइफ़, रूप बेचनेवाली।

हुस्नबख़्श (حسن بخش) अ फा वि –सुंदरता प्रदान करनेवाला अर्थात् रूप देनेवाला, सुंदर बनानेवाला।

हुस्ना (حسنا) अ स्त्री –अति सुंदर स्त्री, बहुत ही हसीन औरत, रूपवती, लावण्यप्रभा।

हुस्नियात (حسنیات) अ स्त्री –'हुस्ना' का बहु, सुंदर और रूपवती स्त्रियाँ।

हुस्ने अंजाम (حسن انجام) अ फा. पु –किसी कार्य का फल और परिणाम अच्छा होना।

हुस्ने अक़ीदत (حسن عقیدت) अ पु –किसी की ओर अत्यधिक श्रद्धा।

हुस्ने अख़्लाक़ (حسن اخلاق) अ पु –सुशीलता, आचार व्यवहार में सद्‌वृत्ति।

हुस्ने अदा (حسن ادا) अ फा पु –बात कहने का अच्छा ढंग, लिखने की अच्छी शैली।

हुस्ने आग़ाज़ (حسن آغاز) अ फा पु –कार्यारंभ में अच्छे शगुन और सुविधाओं की प्राप्ति।

हुस्ने इंतिज़ाम (حسن انتظام) अ पु –कार्य विशेष के प्रबन्ध की सुंदरता, सुप्रबंध।

हुस्ने इंसिराम (حسن انصرام) अ पु –दे 'हु इंतिज़ाम'।

हुस्ने इत्तिफ़ाक़ (حسن اتفاق) अ पु –किसी बात का अचानक तौर पर अच्छा हो जाना, दैवयोग।

हुस्ने एतिक़ाद (حسن اعتقاد) अ पु.–दे 'हु अक़ीदत'।

हुस्ने एतिमाद (حسن اعتماد) अ पु.–किसी पर अत्यधिक विश्वास।

हुस्ने क़बूल (حسن قبول) अ पु –किसी मिली हुई चीज़ को अच्छे प्रकार से कबूल करना, किसी दी जानेवाली वस्तु का भली-भाँति स्वीकार किया जाना।

हुस्ने ख़िताब (حسن خطاب) अ पु –अच्छे प्रकार से सम्बोधित करना।

हुस्ने ख़ुदादाद (حسن خداداد) अ फा पु –ईश्वर का दिया हुआ सौंदर्य, अर्थात् प्राकृतिक सुंदरता, ईश्वरदत्त सौंदर्य।

हुस्ने ख़ुल्क़ (حسن خلق) अ पु –दे 'हु अख़्लाक़'।

हुस्ने गंदुमगूँ (حسن گندم گوں) अ फा पु –गेहुएँ रंग का सौंदर्य।

हुस्ने गंदुमीं (حسن گندمیں) अ. फा. पु –दे 'हु गंदुमगूँ'।

हुस्ने गुफ़्तार (حسن گفتار) अ फा पु –बोल-चाल की शिष्टता और माधुर्य।

हुस्ने गुलूसोज़ (حسن گلوسوز) अ फा पु –साँवलापन, मलाहत।

हुस्ने ज़न (حسن ظن) अ पु –किसी की ओर से अच्छा ख़याल, सुधारणा।

हुस्ने तक़्रीर (حسن تقریر) अ पु –भाषण या बातचीत की सुंदरता और मधुरता।

हुस्ने तद्‌बीर (حسن تدبیر) अ पु –प्रयत्न की पटुता, युक्ति-चातुर्य, प्रबंध की कुशलता, कूटनीति, पालीसी।

हुस्ने तलब (حسن طلب) अ पु –माँगने का अच्छा ढंग, ऐसे ढंग से चीज़ माँगना कि देनेवाला देते हुए ख़ुशी महसूस करे।

हुस्ने ता'लील (حسن تعلیل) अ पु –एक अर्थालंकार।

हुस्ने नज़र (حسن نظر) अ पु –दृष्टि की अच्छे बुरे की परख,

दृष्टि का केवल अच्छी चीज़ों को छाँटना और उन्हीं की ओर जाना।

हुस्ने नमकीं (حسن نمکیں) अ फा पु—साँवला हुस्न, नमकीनी, मलाहत।

हुस्ने फ़िरंग (حسن فرنگ) अ फा पु—इंगलिस्तान का सौंदर्य, जिसमें दिखाऊपन ज़्यादा होता है।

हुस्ने बिरिश्तः (حسن برشتہ) अ फा पु—साँवला हुस्न, मलाहत।

हुस्ने मत्ला' (حسن مطلع) अ पु—गजल में पहले शे'र (मत्ला) के बादवाला शे'र।

हुस्ने मलीह (حسن ملیح) अ पु—साँवलापन, मलाहत, नमकीनी।

हुस्ने महफ़िल (حسن محفل) अ पु—जिससे सभा की रौनक हो, ऐसा व्यक्ति।

हुस्ने मुक़ैयद (حسن مقید) अ वि—सासारिक सौंदर्य, परिमित सुदरता।

हुस्ने मुजस्सम (حسن مجسم) अ पु—जो सर से पाँव तक हुस्न ही हुस्न हो, बहुत अधिक सुदर।

हुस्ने मुत्लक़ (حسن مطلق) अ पु—ईश्वरीय सौंदर्य, जमाले खुदावदी।

हुस्ने यूसुफ़ (حسن یوسف) अ पु—'यूसुफ़' का सौंदर्य जो सासारिक रूपों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

हुस्ने लाज़वाल (حسن لازوال) अ पु—दे 'हुस्ने मुत्लक़'।

हुस्ने सबीह (حسن صبیح) अ पु—गोरापन, शुभ्रता।

हुस्ने सब्ज़ (حسن سبز) अ फा पु—दे 'हुस्ने मलीह'।

हुस्ने समाअत (حسن سماعت) अ पु—बात अच्छे प्रकार से ध्यानपूर्वक सुनना, अच्छी आवाज़ और अच्छी बातें सुनना।

हुस्ने साख़्त. (حسن ساختہ) अ फा पु—अप्राकृतिक रूप, बनावटी हुस्न, अलकार और आभूषण द्वारा सजाया हुआ हुस्न।

हुस्ने साद. (حسن سادہ) अ फा. पु—बिलकुल साधारण और सरल रूप जिसमें बनावट को तनिक भी दख़ल न हो।

हुस्ने सादगी (حسن سادگی) अ फा पु—स्वभाव की सरलता और भोलापन।

हुस्ने सिमाअ (حسن سماع) अ पु—गाने का सौंदर्य, श्रवण रस।

हुस्ने सुलूक (حسن سلوک) अ पु—व्यवहार की शिष्टता, दीन-दुखियों की आर्थिक सहायता।

हुस्नोइश्क़ (حسن وعشق) अ पु—सुदरता और प्रेम, नायक और नायिका।

हुस्नोजमाल (حسن وجمال) अ पु—रूप और सौंदर्य।

हुस्बः (حصبہ) अ. पु—ख़सरा, हल्की चेचक, दे 'हसब', दोनों शुद्ध हैं।

हुस्बान (حسبان) अ पु—गणना, शुमार, अनुमान, अदाज़ा, गिनती, गिनना।

हुस्साद (حساد) अ पु—'हासिद' का बहु, ईर्ष्या करनेवाले लोग, डाह करनेवाले व्यक्ति।

हू

हूँ (ہوں) फा. अव्य—सावधानी सूचक शब्द, 'हाँ', घृणा, सूचक शब्द, नहीं।

हू (ہو) फा. उभ—ब्रह्म, ईश्वर, शून्य, खला, सुन्सान, खाली।

हूत (حوت) अ स्त्री.—मत्स्य, मछली, मीन राशि, बारहवाँ बुर्ज, बुर्जे हूत।

हून (ہون) अ पु—तिरस्कार, अपमान, बेइज़्ज़ती।

हूबः (حوبہ) अ पु—वह व्यक्ति जो न भलाई कर सके न बुराई, दरिद्र बाल-बच्चे।

हूब (حوب) अ पु—पाप, गुनाह, हत्या, हलाकत।

हूबहू (ہوبہو) फा वि—एक-जैसा, बिलकुल एक-सा, सदृश, समान, तुल्य, मिस्ल।

हूर (حور) अ स्त्री—'हौरा' का बहु, परतु उर्दू और फ़ार्सी में एक वचन बोलते हैं, वह स्त्री जिसके बाल और आँखें बहुत स्याह हो और शरीर बहुत गोरा हो, स्वर्ग में रहनेवाली सुदर स्त्री, स्वर्गांगना, स्वर्ग वधू।

हूर (حور) अ पु—हत्या, हलाकत, हानि, नुक़सान।

हूरजमाल (حورجمال) अ वि—जिसका रूप स्वर्गांगना-जैसा हो, अर्थात् बहुत ही सुदर स्त्री।

हूरतलअत (حورطلعت) अ वि—दे 'हूरजमाल'।

हूरशमाइल (حورشمائل) अ वि—स्वर्गांगनाओं-जैसे हाव-भाववाली स्त्री।

हूराने बिहिश्त (حوران بہشت) अ. फा. स्त्री—स्वर्ग में रहनेवाली स्त्रियाँ, स्वर्गांगनाएँ।

हूरुलईन (حورالعین) अ स्त्री—सुदर आँखोवाली हूर।

हूरेईं (حورعیں) अ फा स्त्री—दे 'हूरुलईन'।

हूरोक़ुसूर (حوروقصور) अ पु—स्वर्ग और स्वर्गांगना, बिहिश्त और हूर।

हूश (ہوش) फा वि—जगली जानवर, उजड्ड, गँवार।

हूहक़ (ہوحق) अ स्त्री—हा-हा, हू-हू, शोरोगुल, चहल-पहल, अबादानी।

हे

हेच (هیچ) फा. वि –तुच्छ, पोच; व्यर्थ, बेकार; कोई, कश्चित्।

हेचकस (هیچ‌کس) फा वि.–अधम, नीच कमीना, कोई व्यक्ति।

हेचकार (هیچ‌کاره) फा वि –निकम्मा, काहिल, जिसके किये-धरे कुछ न हो।

हेचगून: (هیچ‌گونه) फा. वि –किसी तरह, कैसे भी।

हेचमदाँ (هیچ‌مداں) फा. वि –कुछ न जाननेवाला, निपट मूर्ख।

हेचमदानी (هیچ‌مدانی) फा स्त्री –कुछ न जानना, मूर्खता, अज्ञान।

हेचमयर्ज़ (هیچ‌میرز) फा वि –जिसका कोई मूल्य न हो, बेक़द्र, तुच्छ।

हेचमर्द (هیچ‌مرد) फा वि –दीन और दु खी व्यक्ति।

हेम (هیم) फा स्त्री –'हेमिय' का लघु, जलाने की लकडी, ईंधन।

हेमिय: (هیمیه) फा स्त्री –ईंधन, जलाने की लकडी।

हेल: (هیله) फा पु –'हलैल' का लघु, हड, हरीतकी।

है

हैअत (هیئت) अ. स्त्री –रूप, आकृति, शक्ल, ज्योतिर्विद्या, नजूम, आकाशीय पदार्थों की विद्या, खगोल विद्या।

हैयतदाँ (هیئت‌داں) अ फा वि –खगोल विद्या का जाननेवाला, ज्योतिषी।

हैअते कज़ाई (هیئت کذائی) अ स्त्री –वेषभूषा, सूरत शक्ल, ऐसी धज जिसमे कोई हँसी का पहलू हो।

हैअते मज्मूई (هیئت مجموعی) अ स्त्री –कोई वस्तु अपने सारे अंगो के साथ।

हैकल (هیکل) अ स्त्री –प्रसाद, भवन, बडी इमारत, हार, गले की माला, आकृति, रूप, वेशभूषा, सजधज, मूर्तिगृह, मंदिर, कवच, ता'वीज।

हैज़ः (هیضه) अ पु –कै दस्त का घातक रोग, विसूचिका।

हैज़ (حیض) अ पु –आर्तव, पुष्प, रज, ऋतु, कुसुम, स्त्री का मासिक धर्म का खून।

हैज़ए वबाई (هیضهٔ وبائی) अ पु –वह हैजा जो महामारी की शक्ल में फैला हो।

हैज़ा (حیضا) अ स्त्री –रजस्वला, पुष्पवती, जिस औरत को मासिक धर्म हो रहा हो।

हैजा (هیجا) अ पु –युद्ध, समर, जंग, लडाई।

हैजान (هیجان) अ.पु –अशांति, गडबडी, आवेश, जोश; कोलाहल, शोर, बेचैनी, इज्तिराब।

हैजानअंगेज़ (هیجان‌انگیز) अ फा वि –गडबडी मचानेवाला, अशांति फैलानेवाला, बेचैनी फैलानेवाला।

हैजान खेज़ (هیجاں‌خیز) अ फा वि –दे 'हैजानअंगेज़'।

हैजानी (هیجانی) अ वि –अशांति और बेचैनी से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।

हैज़ुम (هیزم) फा स्त्री.–जलाने की लकडी, ईंधन।

हैज़ुमकश (هیزم‌کش) फा वि –लकडहारा, लगाई-बुझाई करनेवाला।

हैज़ुमकशी (هیزم‌کشی) फा स्त्री –लकडहारे का काम; लगाई-बुझाई।

हैज़ुमफरोश (هیزم‌فروش) अ फा. वि –ईंधन बेचनेवाला, जलाने की लकडी का व्यापारी।

हैज़ुमफरोशी (هیزم‌فروشی) फा स्त्री.–ईंधन बेचने का पेशा।

हैफ़ुर्रिजाल (حیف الرجال) अ पु –गीबत, चुगली, पिशुनता, निंदा।

हैतान (هیتان) अ पु –अनृत, असत्य, झूठ।

हैदर (حیدر) अ पु –शेर, सिंह, व्याघ्र, हज़रत अली की उपाधि।

हैदरे कर्रार (حیدرِ کرار) अ पु –हज़रत अली की उपाधि, बारबार शत्रु की सेना पर टूटनेवाला।

हैफ़ (حیف) अ पु –हा, आह, हाय-हाय, अफ़सोस।

हैफ़ा (هیفا) अ स्त्री –कृशोदरी, पतली कमरवाली।

हैबत (هیبت) अ स्त्री –आतंक, रो'ब, धाक, भय, त्रास, डर, तेज, जलाल, प्रताप, इक्बाल।

हैबतअंगेज़ (هیبت‌انگیز) अ फा वि –भय उत्पन्न करनेवाला, भयकारक, त्रासजनक।

हैबतअंगेज़ी (هیبت‌انگیزی) अ फा स्त्री –भय उत्पन्न करना, त्रासजनक होना।

हैबतज़दः (هیبت‌زده) अ फा वि –त्रस्त, भयभीत, डरा हुआ।

हैबतज़दगी (هیبت‌زدگی) अ फा स्त्री –त्रास, भयभीत होना।

हैबतज़ा (هیبت‌زا) अ फा वि –दे 'हैबतअंगेज़'।

हैबतनाक (هیبت‌ناک) अ फा वि –भयंकर, रौद्र, भयानक, ख़ौफ़नाक।

हैबतनाकी (هیبت‌ناکی) अ फा स्त्री –भयानक होना, ख़ौफ़नाकी।

हैमा (هیما) अ पु –बे पानी का जंगल, बियाबान।

हैमीय' (هيمه) फा स्त्री –जलाने की सूखी लकड़ी।
हैय (حيه) अ पु –अहि, सर्प, सांप।
हैयात (حيات) अ पु –'हैय' का बहु, बहुत से सांप।
हैयाल (حيال) अ वि –बहुत बडा छली, बहुत बडा धूर्त, बहुत बडा मक्कार।
हैयिज़ (حيز) अ पु –स्थान, जगह, छोर, किनारा।
हैयिज़े ख़ाकी (حيزخاكى) अ फा पु –मर्त्यलोक, ससार, दुनिया।
हैयुलआलम (حيى العالم) अ पु –एक बूटी जो सदा हरी भरी रहती है।
हैरत (حيرت) अ स्त्री –आश्चर्य, विस्मय, तअज्जुब, अचभा, निस्तब्धता, चकितता, भौचक्कापन।
हैरतअगेज़ (حيرت انگيز) अ फा वि –आश्चर्यजनक, अजूबा, अजीबोगरीब।
हैरतअगेज़ी (حيرت انگيزى) अ फा स्त्री –अजूबापन, आश्चर्यजनकता।
हैरतअफ्ज़ा (حيرت افزا) अ फा वि –आश्चर्यवर्द्धक, अचभा बढानेवाला।
हैरतकद (حيرت كده) अ फा पु –जहाँ हर बात आश्चर्यजनक हो, जहाँ हर तरफ अचभेवाली बाते हो।
हैरतख़ान (حيرت خانه) अ फा पु –दे 'है कद'।
हैरतखेज़ (حيرت خيز) अ फा वि –दे 'है अफ्ज़ा'।
हैरतज़द (حيرت زده) अ फा वि –चकित, विस्मित, निस्तब्ध, अचभे मे पडा हुआ।
हैरतज़दगी (حيرت زدگى) अ फा स्त्री –अचभे मे पडा हुआ होना।
हैरतज़ा (حيرت زا) अ फा पु –दे 'हैरतअफ्ज़ा'।
हैरतनाक (حيرت ناك) अ फा वि –दे 'है अगेज़'।
हैरत फ़ज़ा (حيرت فزا) अ फा वि –'हैरतअफ्ज़ा' का लघु, दे 'हैरत अफ्ज़ा'।
हैरतसरा (حيرت سرا) अ फा स्त्री –दे 'है कद'।
हैरतसामाँ (حيرت ساماں) अ फा वि –'दे 'है अगेज़'।
हैरती (حيرتى) अ वि –आश्चर्य मे पडा हुआ, चकित, निस्तब्ध।
हैरते जल्व (حيرت جلوه) अ स्त्री –प्रेमिका के दर्शन से उत्पन्न निस्तब्धता।
हैरते हुस्न (حيرت حسن) अ स्त्री –सुदरता के अनुभव से उत्पन्न होनवाली हैरत।
हैरान (حيران) अ वि –चकित, निस्तब्ध, हक्का-बक्का।
हैरानी (حيرانى) अ स्त्री –विस्मय, आश्चर्य, तअज्जुब, हैरत।
हैल (حيل) अ स्त्री –शक्ति, बल, ज़ोर, ताकत।
हैलूलः (حيلوله) अ पु –आड, ओट, आवरण, पर्दा।
हैवान (حيوان) अ पु –पशु, चौपाया, वन-पशु, जतु, जगली जानवर, हर वह चीज़ जो प्राण रखती हो, जीवधारी।
हैवानात (حيوانات) अ पु –'हैवान' का बहु, पशुगण, चौपाए, मवेशी।
हैवानी (حيوانى) अ वि –पशु-सम्बन्धी, पशुओ का, पशुओ-जैसा।
हैवानीयत (حيوانيت) अ स्त्री –पशुता, पाशव, अमानवता, निर्दयता, कठोरता।
हैवाने ज़ाहिक (حيوان ضاحك) अ पु –हँसनेवाला प्राणी, अर्थात् वदर।
हैवाने नातिक़ (حيوان ناطق) अ पु –बोलनेवाला प्राणी, अर्थात् मनुष्य।
हैवाने मुत्लक़ (حيوان مطلق) अ पु –निरा पशु, बिलकुल जानवर।
हैस (حيص) अ स्त्री –युद्ध, कलह, लडाई, कुमार्ग गति, बेराही।
हैसबैस (حيص بيص) अ स्त्री –वाक्कलह, वादविवाद, तू-तू, मैं-मैं।
हैसियत (حيثيت) अ स्त्री –प्रतिष्ठित, इज्जत, आर्थिक अवस्था, माली हालत।
हैसियतदार (حيثيت دار) अ फा वि –प्रतिष्ठित, जी-इज्जत, धनवान्, मालदार।
हैसियतमद (حيثيت مند) अ फा वि –दे 'है दार'।
हैसियते उर्फी (حيثيت عرفى) अ स्त्री –सबमें मानी हुई प्रतिष्ठा।
हैहात (هيهات) अ स्त्री –हा हत, हाय अफसोस, हाय-हाय।

हो

होज़ (هوز) फा वि –चकित, हैरान, त्रस्त, खौफज़द।
होज़ाँ (هوزاں) फा वि –प्रफुल्ल, विकसित, शिगुफ्त, (स्त्री) नर्गिस का फूल।
होर (هور) फा पु –रवि, सूर्य, सूरज।
होरख्श (هورخش) फा पु –सूर्य, रवि, सूरज।
होरमुज़्द (هورمزد) फा पु –बृहस्पति, मुश्तरी, एक प्रसिद्ध ग्रह।
होशग (هوشنگ) फा पु –ईरान का एक प्राचीन नरेश।
होश (هوش) फा पु –बुद्धि, समझ, अक्ल, सज्ञा, चेतना, खबरदारी, विवेक, तमीज़, अच्छे-बुरे के फर्क की बुद्धि, नशे के उतार की अवस्था।

होशबाख़्त. (ہوش باختہ) फा वि –जिसका दिमाग ठिकाने न हो, हतसंज्ञ।

होशमद (ہوش مند) फा वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, सचेत, होशियार।

होशमदी (ہوش مندی) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, अक्लमदी, चेतना, होशियारी।

होशयार (ہوشیار) फा वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, चतुर, चालाक, सचेत, हवास मे, छली, ठग, दक्ष, कुशल, माहिर।

होशयारी (ہوشیاری) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, चातुर्य, चेतना, छल, धूर्तता, कुशलता।

होशरुबा (ہوش ربا) फा वि –होश उडा देनेवाला, सज्ञाहीन कर देनेवाला।

होशोख़िरद (ہوش وخرد) फा पु –सज्ञा और बुद्धि, अक्ल और तमीज।

होशोहवास (ہوش وحواس) फा अ पु –दे 'होशोखिरद'।

हौ

हौज़ः (حوضہ) अ पु –छोटा हौज।

हौज़ः (حوزہ) अ पु –राज का केंद्र, राजधानी, छोर कनाग, भग, योनि।

हौज (ہوج) अ स्त्री –अज्ञानता, नासमझी, आतुरता, अधीरता, जल्दबाजी।

हौज़ (حوض) अ पु –पानी का पक्का कुड जो मस्जिदो या बगीचो मे होता है।

हौदज (ہودج) अ पु –ऊँट या हाथी की पीठ पर रखी जानेवाली अम्बारी, हौदा।

हौन (ہون) फा पु –खेत की जमीन जिसमे ढेले बहुत हो।

हौन (ہون) अ पु –सुख, शान्ति, प्रतिष्ठा, वकार, विनय, नम्रता, हलकापन।

हौबः (حوبہ) अ पु –ननिहाल।

हौब (حوب) अ पु –पाप करना, गुनाह करना, इच्छा, ख़्वाहिश, घबराहट, दुख, रज।

हौबत (حوبت) अ स्त्री –पाप-कर्म, गुनाहगारी।

हौबा (حوبا) अ स्त्री –सुखेच्छा, आरामतलबी, आलस्य, काहिली।

हौमः (حومہ) अ पु –महायुद्ध, बहुत बडा जग, हर बडी वस्तु।

हौरा (حورا) अ स्त्री –गोरी स्त्री जिसके बाल और आँखे स्याह हो।

हौल (حول) अ पु –आसपास, चौगिर्द, शक्ति, तुवानाई।

हौल (ہول) अ पु –भय, त्रास, डर, खौफ।

हौलअंगेज़ (ہول انگیز) अ फा वि –भय उत्पन्न करनेवाला, भयजनक।

हौलअफ़्ज़ा (ہول افزا) अ फा वि –भय बढानेवाला, भयवर्द्धक।

हौलज़द (ہول زدہ) अ फा वि –भयभीत, भयाकुल, त्रस्त, डरा हुआ।

हौलज़ा (حول زا) अ फा वि –दे 'हौलअगेज'।

हौलनाक (ہولناک) अ फा वि –भयकर, भयानक, भीषण, डरावना, खौफनाक।

हौलिगी (ہولگی) अ फा वि –त्रस्त, भयभीत, खाइफ, उद्विग्न, व्याकुल, परीशान।

हौश (حوش) अ पु –घर, गृह, मकान, स्थान, जगह।

हौसलः (حوصلہ) अ पु –उत्साह, हिम्मत, धृष्टता, ढीठपन, साहस, जुर्अत, उद्दडता, गुस्ताखी, आवेग, जोश, वल्वला।

हौसिल.अफ़्ज़ा (حوصلہ افزا) अ फा वि –उत्साहवर्द्धक, उत्साह बढानेवाला, प्रोत्साहन देनेवाला।

हौसल अफ़्ज़ाई (حوصلہ افزائی) अ फा स्त्री –प्रोत्साहन, हिम्मत बढाना।

हौसल मद (حوصلہ مند) अ फा वि –साहसी, उत्साही, हिम्मती।

हौसलःमंदी (حوصلہ مندی) अ फा स्त्री –उत्साह होना, जोश और वलवला होना।

हौसल शिकन (حوصلہ شکن) अ फा वि –हिम्मत तोडनेवाला, उत्साह भेदी, दिल तोड देनेवाला।

हौसल.शिकनी (حوصلہ شکنی) अ फा स्त्री –हिम्मत तोडना, प्रोत्साहन न देना, दिल तोडना।

